### सचित्र ग्रर्ध-सागधी कोष AN ILLUSTRATED ARDHA-MAGADHI DICTIONARY

# अर्ध-मागधी कोष

संस्कृत, गुजराती, हिन्दी एव इंगनिश पर्यायों, सन्दर्भों तथा जदरणों सहित

भाग २

### शतावधानी जैनमुनि श्री रत्नचन्द्रजी महाराज

पूज्यपाद श्री स्वामी गुलावनन्द्रशी महाराज्य (नीम्बरी सम्प्रदाय) में हिच्य

> भूमिकाकार ए० सी० वूल्नर

मोतीलाल बनारसीवास

दिल्ली वाराणसी पटना बंगलीर मदास

# AN ILLUSTRATED ARDHA-MAGADHI DICTIONARY

with Sanskrit, Gujarati, Hindi and English Equivalents, References to the Texts and Copious Quotations

VOLUME 2

#### SHATAVADHANI JAIN MUNI SHRI RATNACHANDRAJI MAHARAJ

Disciple of Swami Shri Gulabchandraji (Limbdi)

WITH AN INTRODUCTION BY A. C. WOOLNER

MOTILAL BANARSIDASS

Delhi Varanasi Patna Bangalore Madras

#### Tirst Edition, Indore, 1923. Reprint Debit, 1988

#### MOTILAL BANARSIDASS Bungalow Read, Jawahar Nagar, Delhi 110 (9)7

Browler
Chowk, Varance 221 001
Ashok Rejesth, Patra 500 001
24 Race Course Road, Bangslore 500 001
120 Royapettah High Poad, Mylapote, Madoo 600 001

ISBN: 81-205-0505-2 (ISB III ISBN: 81-205-0507-0 (S-b)

#### PRINTED IN INDIA

BY JAINFNDRA PRAKASH JAIN AT SHRI JAINFNDRA PRESS, A-45 NARAINA INDUSTRIAL AREA, PHASE I, NEW DELHI 110 028 AND PUBLISHED BY NARENDRA PRAKASH JAIN FOR MOTILAL BANARSIDASS, DELHI 110 007.

# वित्र सूचि.

			:o:			
	नाम					पृष्ठ सख्या.
१	श्रावलिकार्यंघ विम	न			•••	६६
ર	श्रासन	•••	•••	•••	•••	१०४
રૂ	उर्ध्वलोक	•••	•••	•••	•••	२०१
¥	उपशमश्रेणी	•••	•••	•••	•••	२६५
¥	कनकावली	•••	•••	•••	***	३६०
દ્	कृष्यराजी	•••	•••	•••	•••	३६६
હ	कालचक्र	•••	•••	•••	4	४६१
5	त्तपकश्रेणी	•••	•••	•••	•••	ሂኔ <del>፡፡</del>
3	घनरज्जु	•••	•••	•••	•••	६६०
१०	घनोद्धि	•••	•••	•••	•••	६६२
११	चउदह रत्न	•••	•••	•••	•••	६७≈
१२	चंद्रमएडल 🏾	• • •	• 4 •	•••	•••	६८४
१३	चंद्रसूर्यमालिका	•••	•••	• • •	•••	६६०
<b>ર્</b> ઇ	जंबुद्दीप	•••	•••	•••	•••	७७३
१ः	र नच्चत्र	•••	•••	•••	•••	¥03
११	६ नच्चत्रमण्डल	•••	•••	•••	•••	Eok



### *रूट* नमोऽस्तु महावीरायः २००

\* सचित्र \*

## ॥ अद्मागधी-कोष॥

- 6423

श्रा ]

आ.

श्राइ

श्रा. श्र० (श्रा) भर्याहा; ६६, सीभा सीमा; सर्यादा. Limit. "श्रामरखंत" परहर २, २; क० नं० २, २०; क० प० १, १४; पन्न० ३६; (२) धाऽयालंडार. वाक्यालंडार au expletive. नाया० २; (३) सन्भुण. सन्मुख; सामने in front of. राय० (४) थाउं; ४५८६; जराङ. थोड़ा; ईपर्स, कम. a little. पन्न० २३;

आत्र पुं॰ ( श्राय ) क्षाल; प्राप्ति त्ताम, प्राप्ति.
Gain, acquisition. ( २ ) कैनाथी
ज्ञान व्याहिनी प्राप्ति थाय ते, व्यध्ययन,
प्रधरेण जिससे ज्ञान श्रादि की प्राप्ति हो वह;
श्राप्ययन; प्रकरण. means of gaining knowledge etc; chapter;
section विशे॰ ६६१; १२२६; क॰
ग०१, २३;.

एइ-ति विशे० ४३१; दसा०७, १; पिं० नि० २०८, प्रव० ६०६;

एंति. विशे० १६८६;

एउ. श्रा० विशे० १३६;

पुहि. श्रा॰ विवा॰ १, नाया॰ २; ६; भग॰ १४, १; दस॰ ७, ४७; एहा सु० च० २, १६४, उवा० १, ६१;
एहा भ० सु० च० १, २६३;
एस्संति स्य० १, १, १, २७;
एउं सं० छ० उत्त० ४, १०;
एतए. हे० छ० वेय० १, ४६; दसा० ७, १;
वव० ६, १;
एजंत. व० छ० उत्त० १२, ४, उवा० ७,
२१४,

भैं नाया० १; २; २; ४; ५, ६; १४; १६; श्रत० ६, ३; विवा० १; श्राद्ध पुं० ( श्राद्धि ) आदि; प्रथम; शरूआत. श्राद्धः, प्रथम, प्रारंभ Beginning क० गं० १, १५, २१; २८, श्रोव० २७, श्रयाुओ० १६८; नाया० १; ५; ७, १०; १४; भग० २, १; ४, १; ४०, १; पत्र० ११, जं० प० २, १६, (२) नासीनी नीयेनी साग नामा के नीये का भाग-हिस्सा the part below the navel टा० ६; (३) छत्यादि, वगेरे; वगैरा वगैरह; इत्यादि. et cetora भग० ६, ७, नाया० १४; १५; १६; दस० ७, ७; (४) संसार संसार the world; worldly existence स्य० १,७,२२; —गर. पुं० (-कर) ( श्रादी प्रथमतः श्रत

धर्माचारादि प्रन्थात्मकं कर्म करोति तदर्थ प्रखायकरवेन प्रख्यतीरयवंशीलः ) स्थादि શરૂઆપતમાં આચારાંગ આદિ શ્રત ધર્મના रचियत, तीर्थकर the first author of Achārānga etc.; a Tirthunkara "ते सन्वे पायाउया श्राहगरा धम्मा-ण" सूग० २, २, ४१, कप्प० २, १४, नाया० ध० भग० १, १; नाया० १, १६; सम० १; —तित्थयर पुं॰ (-तीर्थकर ) ऋपलदेव स्वाभी ऋषभदेव स्वामी, Risabhadeva Swāmī " भगवथो उस्तह सामिस्स श्राइातित्थयरस्स " नंदी - दुग्. न॰ (-द्विक ) अभार्याप्त सुक्ष्म अने पाहर એ કેંद्रिय-रूप भे प्रकृति. अपर्याप्त सुद्दम और वादर एकेन्द्रियरूप दो प्रकृतियां. the two Karmic natures ( Prakritis ) viz Aparyāpta Sūkshma Bādara Ekendriya. क॰ प॰ १, १५; -मड ति॰ (-मृदु) आरंशभा डाभस. प्रारंभ में कोमल. soft in the beginning. श्रणुजो० १२८;-- मुहुप्त. (-मुहूर्त ) प्रथम मुह्र्न, सूर्य ઉગ્या पछी ले धरी सुधीने। सभय. प्रथम मुहुर्त; सूर्योदय के बाद का दो घडी का समय. the first Muhūrta; the first period of 48 minutes after sunrise. Muhūrta=48 minutes=2 Ghadīs. " श्रविंभतरश्रो थाइ मुहूत्ते छ्राण उइ श्रगुलच्छाए पराणते "सम०-मोक्ख पु॰ (-मोच - मादिः संसारस्तस्मान्मोचः श्रादि मोचः ) આદિ-સંસારથી છુટકારા થવા તે. ससार से छुटकारा-मुक्त होना. emancipation from worldly existence. " इश्थित्रो जेगा सेवंति श्राइ मोक्लाहिते-

जया " स्य० १, १, २२;--राय पुं• ( -राज ) ऋपशहेव अभु रे केशे साथी પહેલાં રાજ્યની સ્થાપના કરી અસિ. મસિ. કૃષિ આદિ કર્મભૂમિપણું પ્રવર્તાવ્યું देव, जिन्होंने सब से पहिले राज्यकी स्वापना की और श्रसि, मसि, सुचि श्रादि वाणिज्य रूप कर्म-भाषपन का प्रारंग किया. Lord Risabhadeva who first started the institution of a kingdom (government) and established the military, the literary and the agricultural departments. या ६:-लेसतिगा न॰ (-लेखात्रिक) શરુ.આતની ત્રણ લેશ્યા; કૃષ્ણ નીલ અને **धापात लेश्या. प्रारम्भ का तीन लेरमाएं: कृप्ण.** नाल फ्राँश कापोत. the first three Leśyās, i e. thought and matter tints viz black, blue and grey. क॰ गं॰ ३, २२; —संघयण. न॰ (-संहनन) प्रथमनुं संधयणः, पल्, अपल, नाराय संध्येश. प्रथम का संहननः वज्र, ऋषभ, नाराच the first or primitive physical constitution called Vajra Risabha Nārācha Sanghayana (i. e. adamantine character of the bones etc.) क。 गं० २. २१:

श्राइश्रांतियमरण. न० (श्रात्यन्तिकमरण) हें अने छव अत्यत लुहा पडे ते; भृत्यु. जांव श्रोर शर्रार का सर्वथा प्रयक्त होना; मृत्यु. Death; total separation of soul from body. भग० १२, ६; प्रव० १०२३; श्राइं. श्र० (श्राइं) वाक्यालंकार.

An expletive. भग० १४, १; आइंग्किणी न्त्री॰ (आ चत्त्रणा) ५७ पिशा- श्रिश विद्या, के जेने ये। साभा भाण्सनी ग्रिप्त वात जाणी शक्षाय. कर्ण पिशाचिका विद्या, जिसक बल से दूसरे के मन की ग्रिप्त बात जानी जा सकती है. An art known as Karnapiśāchikā Vidyā by which other persons' secrets can be fathomed and known.

√ आइक्ख़. घा• I-II (श्रा+चस् ) કહेવु; आप्र्यान करना; वधाई देना. To tell, to describe; to inform about some good events.

श्राह्रक्खह. भग० ३, १; ७, ६; श्रोव० २७; ३४; सूय० २, ६; १; नाया० १; १; ६; १३; १६; जं• प० ७, १७८; दस० ६, ३; सम० ३४; दसा० १०, ११; निर० १, १; श्राह्रक्खंति. भग० १, ६; २, ५; ५, २, नाया० १; २; ६; १६; आया० १, ६, ४, १६०;

श्राइक्लेमि. सूय०२,१,११; श्राइक्लामि. भग०१,६;१०;२,५;३, १;७,६;१६,५;

**भाइक्ले.** दस०८, ४१, स्य०२, १, ४७; श्राया०१, ६, ४, १६४;

आइक्लिज. दस० ८, १४; आइक्लेजा. टसा० १०, ३; आइक्लाहि. भग० २, १; आइक्लह. नाया० १, भग० १४, १; आइक्ल. स० कृ० पि० नि० ३२४; आइक्लित्तप् नेय० ३ २०; नाया० ८;

त्राइक्लिडं. भग० १८, २; भाइक्लमाणः नाया० १२; भग० ३, १, ६, ३३; ११, १२; स्राया० १, ६, ५, १६५; स्रोव० ३५;

श्राइक्खग ति॰ ( श्राख्यायक ) शुलाशुल ४६ेनारः शुभाशुभ कहने वाला A messenger or teller of good or evil. ज॰ प॰ श्रोव॰ त्रासुजो ५२;

श्राइक्खिय जि॰ ( श्र्ष्ट्राचित - श्राख्यात ) ५६ेतुं; ४थन ४२ेल कहा हुन्ना. Told; related. भग॰ २, १; नाया॰ १;

श्राइक्खियव्य त्रि॰ (श्राख्यातव्य) क्रहेन। क्षायक, उपदेश करना लोग कहने लायक; उपदेश करने योग्य. Worth being told; worth being advised. स्य॰ २, ७, १५;

श्राइश्च. पुं॰ (श्रादित्य) सर्थ; सुरक सूर्य. The sun. " सेकेण्ट्रेणं भंते एवं द्रावह सूरे श्राइन्हे गोयमा सूरा दियाणं समवाह वा श्रावालियाह्वा "भग०१२, ६; १४, १; उत्त॰ २६, म; श्रागुजो॰ १४७; दस॰ म, २८; विशे० १५६८; श्राव० २, ७, सू० प० २०; प्रव० (२) કુખ્ણરાજીના આંતરામાં રહેલ અર્ચિમાલી નામના વિમાન ના વાસી લાકાં-ति हेवता. कृष्णराजी प्रदेश क अतर में रहा हुआ अचिंमाली नामक विमान वासी लोकान्तिक देव. the Lokantika gods residing in the Archimālī celestial abode in the interior part of Krisnatājī. नाया॰ = भग॰ ६, ५; ( 3 ) શ્રેવેયક વિમાન વિશેષ અને તેના દેવ. प्रैवेयक विमान विशेष श्रीर उसका निवासी देव the celestial abode of Graiveyaka and its resident gods. प्रव॰ १४६२; (४) सर्यभास; સાડાત્રીસ દિવસ પ્રમાણ આદિત્ય માસ. सौरमास, साढे तीस दिन प्रमाण मास.

a solar month i. e. 304 days सम० ३१ प्र० व० ६०४; - मास पुं॰ (--मास ) सर्व भास, ३०॥ हिवसने भास. सौरमास; ३०॥ दिन का माह. ध solar month, a month of 303 days प्रवः ६०४; —संबद्धर. पुं॰ ( संबत्सर ) सुर्थ पहुंकेथी छेने मांउने જઇ કરી પહેલે માડલે આવે ત્યાં સુધીના સમય, ત્રણુસાે છાસક દિવસ પ્રમાણ સાર વર્ષ सूर्य के पहिले मंडल से आन्तिम मगडल मे जाने और वहा से लोट कर फिर पाईले मंडल में आने तक जितना समय लगे उतना समय, तीनसी छासठ दिन प्रमाण वर्ष. the solar year, an year consisting of 366 days, the time taken by the apparent revolution of the sun round the earth जं. प. सू॰ प॰ २,

आइचानसः पुं० ( आहित्ययशस् ) अतत् अक्ष्यतिने। व्याहित्ययशा नामे पुत्र, के के राज्य भागती व्यावे हिश्ता आहे सहस क्षमें क्षम करी भाश गया मरत चक्रवर्ती का आदित्ययशा नामक पुत्र, जिसने राज्य भागकर अंत में दीचा जो और कर्म चयकर मोच में गया Adityayaéā, the son of the emperor Bharata, he ruled for some time but at last took Diksā and after having destroyed all Karmas attained to salvation. हा० =, १;

श्राइचा स्त्रं॰ ( त्रादित्या ) सूर्यनी भीछ अश्र मिट्टिपी सूर्यं का दूसरी पहरानी. The second principal queen of the sun भग॰ १० ४;

**माइजा त्रि॰ (** म्रादेय ) ३ ७७। ४२वा ये। ग्य.

प्रहण करने योग्य. Worth being accepted or taken. नाया॰ १२; जं॰ प॰ कप्प॰ ३, ३६; क॰ गं॰ १, २६, ५१; २, २३; ६, ७३; (२) केंनुं वयन प्राह्य—प्रद्वशु ६२वा येग्य होय ते. वह व्यक्ति, जिस का वचन प्राह्य हो. (one) whose words are worthy of acceptance. गच्छा॰ ६४;

श्राइह. त्रि॰ (श्राविष्ट ) आवेशवाणी. श्रावेश वाला. Possessed by; inspired by. "जवला एमेणी श्राइट्टे समाणी" भग॰ १८, ७,ठा० ५; दसा० ६, १५; श्रोघ॰ ति० ४६७;

न्नाइंडि स्रो॰(न्नाइंष्टि) धारणाः, विचार. Intention; idea; fixed thought ठा० ७;

श्राइड्ढि. स्रा॰ ( श्रात्मार्दि) आत्मक्राक्षिः, आत्मशित श्रात्मा की शक्ति. Soul-force; soul-growth; soul-power. मग॰ १, ३; ३, ५; २०, १०;

श्राद्दाइंदयः त्रि॰ (श्रात्माईक-श्रात्मन एव श्राह्मवेस्य) आत्मश्रद्धि वाली; आत्म-शित-लिध वाली. श्रात्मश्रद्धि वाला; श्रात्म-शिक्तयाला Possessed of soul-power or soul-wealth. "श्राह्मव्हि एस मंते! देवे जाय चतारी पच देवावासं तराहं" भग॰ १०, १;

श्राइग्. न० ( श्राजिन ) यर्भ, याभडुं. चमडा. Skin, leather. राय० ६७; निसी० १७, १२, क० ग० १, २६; —पाचार. न० (-प्राचार ) यर्भवस्त्र, याभडाना ४५डां. चमड़े का चन्न. a skin or leather garment निसी॰ ७, ११;

श्राइराणः ति॰ (श्राचीर्ण) आता ४रेश श्राज्ञा पाया हुत्रा. Advised; commanded ''श्राइराण जं पुण श्राण्यायं'' श्राया॰ नि॰ १, १, ९, ७;

श्राइएए। त्रि॰ (श्र कीर्या) ज्यानेतः सडीर्थ, भी या भीय भरेश ख़चाख़<del>च भरा हु</del>त्रा Pervaded by; thickly scattered over with श्रोव॰ श्रोघ॰ नि॰ द्र६, नाया॰ ६; भग॰ १, १; २, ४, ર, ૧; ૫, (૨) ત્રિ જાતિ આદિથી શુદ્ધ शुख्यान धे। है। जाति आदि से शुद्ध गुरावान घोडा. a horse of good breed. " कसंवद्टठु माइराणे पावगं पडिवजाएं" उत्त० १, १२; पगह० १,४, जीवा० ३,४, " श्राइएए वस्तुरय मुसंपर्जत " भग० ७, ६; नाया॰ १७, (३) वितयवान पुरुष विनय-बान पुरुष a reverent, respectful person ઢા• ૪, ૧, (૪) આકાર્ષ્ણ જાત ના ધાેડાના દ્રષ્ટાતવાળું નાતાસૂત્રનું ૧૭ મું अध्ययन. त्राकीर्ण जाति के घोडे का जिसमें वर्णन है वह ज्ञाता सूत्र का १७ वा ग्राध्याय the 17th chapter of Jñātā Sutra dealing with a horse of Akīrna breed. नाया॰ १; सम॰ १६: - णाय ज्भायण. न॰ ( जाताध्ययन ) रातासुत्रनुं १७ मुं अध्ययन ज्ञाता सूत्र का १७वा श्रद्याय. the 17th chapter of Jñātā Sūtra सम॰ नाया॰ १७; —हय पुं• (-हय ) Mतवान् धेरो जाति-वान् घोड़ा. a horse of noble breed. जीत्रा० ३:

श्राह्रएणतर. त्रि॰ (श्राकीर्णतर) वधारे व्यासः अति भीने। भीन बहुत उग्रादह

न्याप्त. Densely or thickly pervaded by; dense; thick. भग॰ १३; ४,

आइतब्ब. त्रि॰ ( आदातब्य ) अक्ष्ण ६२९। ये।२५ प्रहण करने योग्य Worthy of acceptance, worth being taken. नेय॰ ४, २४:

श्राइत्त. त्रि॰ (श्रादीस) देाडुं प्रधाशित. कुछ प्रकाशित. Faintly gleaming. नाया॰ १;

श्राइत्तार त्रि॰ (श्रादाक्ष ) क्षेतार लेने वाला. Acceptor; one who takes ठा॰ ७;

श्राइड त्रि॰ ( श्रादिग्ध ) व्याप्त व्याप्त भरा हुत्रा. Pervaded by, filled with. नाया॰ १;

श्राइम ति. (श्राकीर्य) अ. "श्राइएए "
शम्ह देखी "श्राइएए " शब्द Vide
"श्राइएए " उत्तर १, १२, २१ १ पएहरू
१, ४; जीवार १; नदीर ठार ४, ३

आइन्न ति० ( म्राचीगो ) व्याय देल स्यवहार में जाया हुन्या Practised. performed पिं० नि० ३२६; ५७१; प्रव० १०१६;

श्राइम. त्रि॰ ( श्रादिम ) प्रथमनुं. पहेलु पहिले का, पहिला First, foremost श्रोघ॰ नि॰ ६६०, क॰ गं॰ ३, १६, प्रव॰ ४, ६५६; —गणहर पु॰ (नगणघर ) प्रथम गण्धर. the first Ganadhara प्रव॰ ६५६;

श्चाइमयः त्रि॰ ( श्चादिमक ) ५ हेबुं; अथभ्तु. पहिला; प्रथम First, foremost. विशेष

श्राइयः त्रि॰ ( श्रादिक ) आदि श्रादिः शुरू. Beginning, first of a series. नाया. १, कप्प॰ ४, ६१–६६; श्राइय. ति॰ (श्राहत) आहर, ५ मेस श्रादर पाया हुन्ना. Hououred; respected.

श्राइय ।त्र॰ ( श्राचित ) ०५१६त. ब्याप्त. Filled with, नाया॰ =;

श्चाइयग् न॰ (श्रादान) अक्ष्ण् ४२वं ते. ग्रहग् करना Taking; acceptance. पग्ह• १, ३:

श्राइयब्ब. त्रि॰ (श्रादातब्य) स्वीकारवा थे। व्य. स्त्रीकार करने योग्य Worthy of acceptance. वन॰ १. ४९;

आइल्ल. त्रि॰ ( ब्रादिम ) पहेलुं; आहिनुं; प्रथ भनं. पहिला, शह्का. First; foremost. पञ्च० ४, १७, राय० २३६; नंदी० ५६; प्रव॰ २२२; श्रणुजो १; —चंद. पुं॰ ( -चन्द्र ) उत्तरे। उत्तर द्वीपनी अपेताओ पूर्व पूर्व द्वीपनी। यन्द्र. उत्तरोत्तर द्वीप की श्रपेचा पूर्व पूर्व हीप का चंद्र the moon of the preceding continent in a series of continents. " त्राइह्लचंद स्रोहता प्राणंतराणतंर खेते" सु० प० १९; —सूर. पु॰ (-सूर) ६त्तरे।त्तर द्रीपनी अपेक्षाओ पूर्वपूर द्वीपना सुर्य उत्तरीत्तर द्वीप की अपेना से पूर्व पूर्व दिशा के सूर्थ. the sun of each preceding continent in a series of continents स्० प० १६;

आईगा न० (आदीन) अत्यन्त गरील बहुत गरात्र. (one) who is very poor. सूय॰ १. १०, ६; — भोइ. त्रि॰ (-भोजिन्) ६ंडी दीधेले। भोराड भातार. फॅका हुआ भोजन खाने वाला. (One) who eats food thrown away (by others). "आदीण-भोई विकरेति पार्व मंताउ एगंत समा-

हिसाहु " स्य० १, १०, ६; — विसि. पुं० (-वृत्ति श्रा समन्तादीना करुवास्पदा वृतिरनुष्ठानं यस्य ) अत्यन्त दीन शिक्षु भांगश पगेरे. श्रत्यन्त दीन भिखारी. (one) who is indigent; e.g.a beggar. "श्रादाण वित्तीव करेति पावं " स्य० १, १०.६:

१०, ६;
आईएारा. न० (आजिनक) यर्भभय-याभअनुं वस्त्र विशेष के अभादीने अति सुंक्षांतुं कर्मा विशेष जो कि कमाकर बहुत नरम किया हुआ हो A garment of cured or tanned leather. "आईएार रूप स्रक्षांत्र काले " सू० प० २०; कप्प०३, ३२; श्रोव० आया० २, ४, १, १४४; नामा० १; जीवा॰ ३; भग० ११, ११; (२) पुं० अनामना ओक दीप तथा ओक समुद्र का नाम. an ocean of that name; also a continent of the name जीवा॰ ३;

श्राईस्भद्दः पुं॰ ( श्राजिनभद्द ) आि॰ 4 द्वीपने। अधिपति देवता. श्राजिन द्वीप का श्रिधपति देव. The presiding deity of the  $\overline{A}$  jina- $\overline{D}$  vīpa. जीवा॰ ३;

श्राईरामहाभद्दः पुं॰ ( श्राजिनमहाभद्द ) आलिन दीपने। अधिष्ठाता देवताः श्राजिन द्वीप का श्रीधष्टाता देवः The presiding deity of the Ajina Dvīpa. जीवा॰ ३;

आईएामहाचर पुं॰ ( भ्राजिनमहावर )
भाजिन सभुद्र तथा भाजिनवर सभुद्रने।
भिष्पित देवता. श्राजिन और श्राजिनवर समुद्र
का श्राधिपति देव. The presiding deity of the Ajina and Ajinavara oceans. जीवा॰ ३;

आईए।चर. पुं॰ ( फाजिनचर ) ओ नाभने।
ओं इीप तथा ओं इसमुद्र इस नाम का एक
द्वीप तथा समुद्र An ocean as well as
a continent of that name. (२)
आलिन समुद्रनी तथा आळनवर समुद्रनी
अधिपति देवता. आजिन और आजिनचर
समुद्र का अधिपति देच. The presiding
deity of the oceans named
Ajina and Ajinavara. जीवा॰ ३;
आईए।चर्भह. पुं॰ ( धाजिनचरभद्र ) आलिनचर द्वीपने। अधिपति देवता. धाजिनचर
द्वीप का अविपति देच. The presiding
deity of Ajinavara Dvīpa.
जीवा॰ ३;

श्चाईराचरमहाभद्द पुं॰ (श्वाजिनवरमहाभद्र)
आिलनवर द्वीपना अधिपति देवता.
श्राजिनवर द्वीप का श्राधिपति देव. The
presiding deity of Ajinavara
Dvīpa. जीवा॰ ३;

आईग्रवरोभासः पुं॰ ( प्राजिनवरावभास) ये नाभने। यो ६ ६ १ तथा सभुद्र इस नाम का एक द्वीप श्रीर एक समुद्र. Name of a continent, also, that of an ocean. जीवा॰ ३;

श्चाई एवरोधासभइ. ५० (श्वाजिनवरावभास-भद्र) आल्पिनवरालास द्वीपना देवता श्चाजि-नवरोभास नामक द्वीपका देव. The deity of Ajinavarobhāsa Dvīpa जीवा. ३;

आईण्वरोभास महाभइ. पु. ( श्राजिनवराव-भास महाभद्र ) आजिनवरोशास द्वीपनी अधिपति देववा. श्राजिनवरोभास द्वीप का श्राधिपति देवता. The presiding deity of Ājinavarobhāsa Dvīpa जीवा. ३;

श्राईण्वरोभासमहावरः पुं॰ ( श्राजिनवराब-

भासमहावर) आजिनवरी लास सभुद्रनी अधिपति देवता आजिनवरीभास समुद्र का आविपति देवता The presiding deity of the Ajinavarobhāsa ocean. जीवा. ३;

श्राई ग्वरोभासवर पुं॰ (श्रीजिनवरावभास वर) आिनवरेशिंस समुद्रने। अविपति देवता. श्राजिनवरेशिंस समुद्रका श्रिष्टिशता देव. The presiding deity of Ajinavai obhasa ocean जीवा ३;

आई शियः त्रि॰ ( आदीनिक-धासमन्तादीन-मादीन तिद्वचते यश्मिन्सः) अत्यन्त दीनता याणुं अत्यन्त दीनता वाला Indigent; penurious. "आई शियं दुक्क डियं पुरस्था" स्य॰ १, ४, १, २,

श्चाईयट्ठ. त्रि० ( श्चातीतार्थ-श्चासमन्तादतीव इता ज्ञाताः परिच्छिन्ना जीवादयोऽर्थायेनसः यद्वाऽऽसामस्त्येनातीतानि प्रयोजनानि यस्य स तथा ) ६२ ४था छे सभरत प्रयोजनों लेखे; शात व्यवहार वाला. ( One ) who has risen above all worldly purposes; calm and tranquil. श्चाया० १, ७, ६, २२२;

भ्राइरणः त्रि॰ (भ्राजीरण-भ्राजिः संप्रामस्तमी रयति प्रेरयति चिपति जयतीति यावत् ) स्टाध श्रतनार युद्ध जातने वाला (One) who conquers in a battle; victorious in battle. संथा॰

न्नाईसाग. न॰ (ग्राईशान) धरान देवले। पर्यतः ईशान देवले।क पर्यत Up to, as far as Isana heavenly world. प्रव॰ १९६२;

स्राउ. त्र॰ ( स्रथना ) अथवा. त्रथना; या. Or स्य॰ २, ७, ६; ' आउ. न॰ ( श्रायुष्-प्रतिसमयंभोग्यत्वे नायातीस्यायुः एति गच्छस्यमेनगत्यन्तर्गिः स्यायुः ) જેના ઉદયથી જીવ છન્દગી ભાગવે છે તે; આયુષ્ય કર્મ, અઠ કર્મ भानुं पायमु अर्भ वह कर्म जिस के उदय से श्रायु प्राप्त करता है, श्रायुष्य-कर्म; श्राठ कर्मी-मेंसे पाचवा कर्म. The Karma by the rise of which a soul has to finish a life period; the fifth of the eight kinds of Karma. दसा० ६, २, पन्न० ३६; भग० ३, १; ४, १; ७, १, ६; १५, १; नाया० २; जं० प० उत्त<sup>,</sup> ३, १७; १०, ३; ३४, २; क० प० २, ४४, पिं॰ नि० भा० २६, क० गं० १, ३; ४, ४, — श्रज्भवसार्गः पुं० ( - श्रध्य-वसान ) अ युष्यक्ष्मे निष्पादक अध्यवसाय िशे। श्रायुष्य कर्म उपादान करने वाला श्रध्यवसाय विशेष. a certain sort of thought-activity giving rise to Ayusya Karma भग० २४, १, — उचकाम पुं॰ (-उपक्रम) भेताना હાથધીજ આઉખું પુરું કરવું તે જેમ શ્રેબિક રાજ્યે કાષ્ટ્ર પિજરમા હીરા ચુસી આઉ ખુ પુરુ કર્યું તેમ. श्रापने हाथ से ही श्रपनी श्रायु का पूरा करना, जैसे कि राजा श्रीणिक ने काष्टके पींजरे में हारा चूसकर अपनी श्रायु पूर्ण की भग० २०, १०; putting a period to one's own existence; e. g. in the case of Srenika the king, who sucked a diamond in a wooden न० ( -कर्मन् एति याति चेत्या युस्तक्तिः बन्धन कर्मायुष्कर्म ) आड अर्भभांनुं पांच भु आयुष्य **धर्म. आठ कर्मों मे से पाचवाँ**  श्रायु कर्म. Ayusya Karma, the fifth of the 8 Karmas. 370 33. २; ४, —काल पुं॰ ( -काल ) भृत्युक्ताः भरखने। अवसर मृत्यु समय; मरणकाल. time of death. श्राया॰ १, ८, ५, ११, —क्खय पुं० ( -त्तय ) आयुष्य ५र्भने। क्षय; आयुष्य क्रमेनी निर्कररा. ब्रायुकर्म का त्तय; श्रायुकर्म की निर्जरा. "सेरो जह यड्डयं हरे एवमायुक्खयम्मि तुर्ह्यां the destruction of Ayusya Karma. स्य० १, २; १, १; सु० च० ४, ११६; नाया॰ १; ⊏, १४,१६; भग० २, १; १, ६; ६, ३३; २५, ६; पराह १, १; कप्प० १, २; निरं० ३, १; - क्खेम. न ( - रेम ) આયુષ્ય-જન્દગીનું સ્વાસ્થ્ય-આત્રાદી. श्रायुष्य-जीवन का स्वास्थ्य the peace and safety of life. " जं किंचि व करमं, जागे श्राउक्लेमस्समप्पणो तस्सेव श्रंतरद्वाए खिप्पं सिक्खेज पंडिए " श्राया० १, ८, ८, ६; सुय० १, ८, १५; -निवार्तिः र्ह्मा॰ ( -निर्वृत्ति ) आयुष्यनी निष्पत्ति. श्रायुष्य की निष्पत्ति. acquisition of life भग ६, ४, — पज्जव पुं॰ ( - पर्यव) आयुष्यता पर्याय प्रायुष्य की पर्याय-मर्यादा. variation of life. ज॰ प॰ २, २६; -परिगाम पुं॰ (-परिगाम) आयुप्य **५**र्भने। २५ लाव श्रायुष्य परिणाभ - स्वभाव, त्र्रायुष्य कर्म का स्वभाव nature of Ayusya Karma. " नव विहे श्राउ परिणामे परणते तजहा गई परिकामे " गई बधरा प॰ ठिइप॰ ठिइबंधरा प॰ भग ६, प्र, जं॰ प॰ ७, १७६,—<del>पह</del>ीरा. ( - प्रहीन ) क्षीण थयेल आઉभुं. चीएा श्रायु. worn out life, worn out life-period भग॰ 99,

—भेय पुं॰ ( -भेद-म्रायुष्यस्य जीवितस्य भेद उपक्रम आयुर्भेद ) आयुष्यनी अप गतः આયુષ્યકર્મનુ ભેદાવુ-નુટવું તે. श्रायुकर्म का द्रना; श्रायु में भेद हांजाना breaking down of Ayuşya; the destruction of Ayusya-Karma. " सत्तविहे श्राउभेद प॰ तंजहा श्रउभवमाण निमित्ते त्राहारे वेयगा। पराघाए फासे त्रागा-पारा सत्तविहं भिज्ञए श्रांक " ठा० ७; खाउ स्त्री॰ (श्रप्) पाणी जल Water. भग०५, ६, ६, ४; पि० नि० भा० ६, सुय० १, १, ५, ७, प्रव० ४८८: (२) स्त्री॰ અપકાય--પાણીના છવ; અપકાય. श्रपकाय-जल के जीव. an aquatic sentient being. जं॰ प॰ ७, सृ॰ प॰ १०, उत्त० २६, ३०, क० गं० १, २६; u, २, ६; ४, ३, भग० ६, u, =, (३) भूर्वाषाढा नक्षत्रने। देवता पूर्वाषाढा नक्तत्र का देव the deity of the Purvāṣādhā constellation. "पुन्वासादा श्राउ देवयाए" सू॰ प॰ १०, श्रागुजो• १३१; ठा० २, ३; — काश्र-य ( -काय-श्रापः कायो यस्येति ) अप्रधायः Yाण्रीना छव अपकाय के जीव. aquatic lives. सम०६; उत्त० १०, ६; दस० ६, ३०; भग० २, ६, ७, १०; १६, ३, थ्राया॰ १, ६, १<mark>, १२; —काइय</mark>. पुं॰ ( -कायिक-श्रापो द्वास्ताएन कायः शरीरं यस्येति ) अप-पाशी अय-शरीर छ जेनुं ते, पाखीना छप. ऐसे जीव जिनका शरीर जल है aquatic lives भग॰ १, ४; १७, ६; १६, ६; ३३, ९; जीवा० ९; पन्न॰ ९; दस॰ ४, —क्काश्र—य पु॰ (-काय) અ**५**३।४; पाणी. अपकायं; जल water; water considered as a sentient mass. v. II /2.

**बत्त० १०, ६, पिं० नि० भा० १६; श्राया०** नि० १, १, ३, ११३; पन्न० १; पंचा० ४, २६; १०, २४; १४, ७. — काइय ५० ( -कायिक ) প্রথা " স্পারকার্য " શખ દ. देखो " श्राउकाइय शब्द " vide '' श्राउकाइय '' '' सेकिंते श्राउकाइया ? श्राउकाइया दुविहा पन्नता " पन्न० १; भग० २६, १. —क्वायविहिंसगः त्रि॰ ( -कायांबाहसक ) पाणीना প্রवनी ভি सा **४२ना२** जलकाय-जीव की हिसा करने नाला (one) who kills aquatic sentient beings गान्हा. १०; — जीव. पु॰ ( -जीव ) প্রপ্রপ্র; પাણ না छव जलजीव, पानी के जीव aquatic lives " दुविहा श्राउजीवाश्री सुदुमा यायरा तहा " उत्त॰ ३६, ६६; ८४; ८४, सूय ६ १, ११, ५, २, —बहुल त्रि॰ (-बहुल) केमां पाणी धणु हो। ते. जिस में पानी बहुत हो ऐसः that which is full of water. जं॰ प॰ २, ३६; -वहलकोड न॰ (-वहलकागढ )ध्णा જલવાલા રત્નપ્રભા પૃથ્તીના ત્રીજા કાષ્ડ वहुत जलवाला रत्नप्रभा पृथ्वी का तीसरा कारड-भाग. the third section of the Ratnaprabhā-world abounding in water. " श्राउयहुले कडे श्रसीइ जीवग्सहस्साइं बाहन्नेगं " —यायः पु॰ (-काय) પાણીના છવ; અપકાય पानी के जीव. aquatic creatures; water considered as a living mass मग॰ १६, ३; - सोम्रा न० ( -शोच ) लक्ष्री शै।य-पवित्रता जलद्वारा शुद्धि. purification, cleaning by means of water. তা০ ২, ২;

न्नाउंचग्। न॰ (श्राकुञ्चन) अवषय सेंडायवा ते अवयवों को संक्राचित करना. Contraction of limbs. सम॰

√ आउंट भा॰ I. ( \* आकुच-म्रा + कृ )

કरावयु कराना To cause to do. (२)
सेंध्रेय्यु. संकुचित करना. to contract.

ग्राउंटण् श्रोघ॰ नि॰ २२६;

ग्राउंटेज्जा. वि॰ भग॰ १४, १;

ग्राउंटेहि. श्रा॰ नाया॰ ५;

ग्राउंटेह. श्रा॰ नाया॰ ५;

ग्राउंटोविति. प्रे॰ भग॰ १६, ६;

ग्राउंटावेति. प्रे॰ सग॰ १६, ६;

ग्राउंटावेतिण प्रे॰ हे॰ कु॰ भग॰ १६, ३; ५,

श्राउंटावेमाण प्रे॰ व॰ कु॰ भग॰ १६, ६;

आउंटण न॰ (श्राकुञ्चन) संध्रेयन संकोचन.

Contract on पंचा १७, १६, — पसारण, न॰ (-प्रसारण) संधायपुं अने विश्तारपुं ते; संधे अनु अने पसारपुं ते. संकोचना और विस्तार करना contraction and expansion भग. १६, ८, आउंटिय त्रि॰ ( आकृषित ) संधाये धुं

सकुचित किया हुआ. Contracted,

folded. भग०१४, १,

excepting, with the exception of, Ayuşya, (i. e. life). % ч.

श्राउच्छुणा. स्नि॰ (श्रापृच्छुना) लुओ।
"श्रापुच्छुणा" शण्ट. देखी 'श्रापुच्छुणा"
शब्द. Vide "श्रापुच्छुणा"पंचा॰ १२, २६;
श्राउज्ज पुं॰ (श्रावर्ज-श्रावर्जनमावर्ज. श्रावर्थितेडिभिमुलीकियते मोझेडिनेनेस्यावर्जः)
भन पथन अने डायानी शुल व्यापार, शुल
प्रश्रीत; भेक्षिने अनुदूध इर्त्तव्य मन, वचन,
श्रीर काया कां शुभ प्रगृत्ति, मोक्त के श्रानुकूल
कर्त्तव्य. The good activities of
mind, speech and body (२)
त्रि॰ भन यथन अने डायानी शुल व्यापार
इरनार. भन, वचन श्रीर काया का शुभ
व्यापार करने वाला. (one) who has
good activities of mind, speech
and body, पन्न॰ ३५;

श्राउज्ज त्रि॰ (श्रायोज्य ) ग्रेंड भील साथे कोडेल एक दूसरे के साथ जोडा हुआ। Interlinked विशे॰ १४;

प्राउज्जः पुं॰ ( स्रातेष्य ) पीणा आहि वाळ त्र वीणा स्नादि वाच. A musical instrument like a lute etc. " एवमाइयाणं एगे।पवण स्नाउज्ज विहाणाइं विउव्वति" राय॰ ठा॰ २,३, पण्ह॰ २,४; —सह. पुं॰ (-शब्द) पीला आहि वाजो की स्नावाज. the sound of a musical instrument such as a lute etc. " स्नाउज्ज सह दुविहे पण्णांत तंजहा ततेचेव विततेचेव" ठा॰ २;

ष्ठाउज्जग न॰ (श्रावर्जन) भन. पथन अने अयाना शुक्ष व्यापार मन, वचन श्रोर काया का शुभ व्यापार Salutary activity of mind, speech and body परण॰ ४३६;

आउडिजय पु॰(श्रायोगिक) छपये। पूर्वेक वर्तनार ज्ञानी उपयोग पूर्वेक—सावधान पूर्वेक व्यवहार करनेवाला, ज्ञानी One acting attentively, one possessed of knowledge. भग॰ २, ५;

श्चाउाज्जियकरण न० (श्चायोजिकाकरण-श्चावर्जितस्वकरणमावर्जितकरणम् ) डेवब-सम्द्धातनी पूर्वे डराते। शुभ व्यापार-येग. केवल-समुद्धात के पहिले किये जानेवाला शुभ-व्यापार-योग Salutary thought -activity at the time of Kevala-Samudghāta पन्न०३६;

श्राष्टिज्ञयाकरणः न॰ ( श्रायोजिका-करगा-त्राड् पर्यादया केवितदप्टया योजनं शुभानां योगानां व्यापारणम्-भावे बुज् तस्य करणमिति ) डेवल समुद्धातनी पहेलां કરવામા અવતા શુમ મન, વચન, કાયાના વ્યાપાર-કિયા, એક અંતર્મુહુર્તસુધી કર્મ-પુદ્દગલને ઉદયાવલિકામા નાખવારૂપ ઉનીરણા विशेष केवालेसमुद्धात के पहिले की जाने वाली मन वचन श्रीर काया की शुभाकिया, एक श्रन्तर्भुहुते तक कम पुहल को उदयावलिका में डालने रूप उदीरणा विशेष. Salutary activity of mind, body and speech at the time of Kevala-Samudghāta, causing an outflow of Karmie atoms for one Antara-Muhūrta पन्न ३६;

आउज्जीकरणः न (श्रायोजिकाकरण) भन. वयन ने क्षयानी शुक्ष व्यापार मन वचन स्त्रीर काया का शुभ व्यापार. Salutary activity of thought, speech and body. पन ३६, श्राउदृह् भग० ७, १; श्राउदृह ,, ,, श्राउदृमो श्राया० १, १, ३, १५; भाउद्विमा श्राया०१, २, २, ७२; श्राउद्वे. श्राया० २, १३, १७३; श्राउद्वेजा.

श्राउद्दित्तए. कप्प॰ ६, ४६;

न्नाउट्ट त्रि॰ (न्नावृत्त ) वर६ पणेक्ष उस त्रोर मुका हुन्ना Turned to that side पद्मा. १६, २१, पि॰ नि॰ २६७. (२) व्यवस्थित थयेक्ष व्यवस्थित arranged; settled न्नाया॰ १, ७, ४, २१५,

त्राउद्द पु॰ (त्राकुद्द-त्राकुद्दनमाकुद्द) प्र धीना अवयवे। छेटपा ते: हिंसा अरवी. भारवुं ते. प्राणी के त्रवयव छेदना; दिसा करना. Cutting off limbs of animals; killing, injuring. सूय॰ १ १; २, २४;

आउट्ट न॰ (आवर्तन) भार्स हेरपत्र ते. करवट पलटना. Turning from one side to the other बाव॰ ४, ४,

श्राउद्देशया स्त्री (श्रावर्तनता-श्रावर्ततेऽभि मुखीभूय वर्तते येन स तथा तद्दावस्तत्ता) भतित्तानने। भेट के 'अवाय' तेनु अपर नाभ मतिज्ञानेक श्रवाय नामक भेद का दूसरा नाग Another name for Avaya which is a variety of Matijñāna नंदी॰ ३२ आउटि की. (आइटि) હिसा हिसा.
Killing, injuring beating समन्
—कय त्रि॰ (-इत) िसा प्रवेध धरवामा
भावेल हिमा प्रवेध किया हुआ done
after having first performed
an act of killing or injury.
आया॰ १, ४, ४, १५८,

श्राउद्दिः स्त्रीः ( श्रावृत्ति ) सन्भुष्प थधने रહेवुं ते. सन्मख होकर रहना. Standing with the face turned towards. नदीं (२) ६२। ६२। अभ्यास ४२वे। ते. वार अम्यास करना-पाठ करना repeated study. e. g of Šāstras (3) સુર્વ તથા ચંદ્રનું અન્દરના માડવેથી બહાર જવું અને બહારના માડલેથી અન્દર આવવું તે; એક યુગમા-પાચ વર્ષમાં સૂર્યની ૧૦ અને ચદ્રની ૧૩૪ આવૃતિ થાય છે તેમાંની शभे ते ओ । सूर्य तथा चंद्र का भीतर के मंडल में से वाहिर श्रीर वाहिर के मडल में से भीतर श्राने को किया- एक युग (पाच वर्ष)में सूर्य की १० श्रीर चद्र की १३४ श्रातृतिया होता हैं उन मे से कोइ भाएक recurrence of the sun and the moon to the same point or place. In five years the sun has got ten and the moon 134 recurrences. स्० प० १२;

श्चाउद्धि ति॰ ( श्राकृदिन्) अध्रिश्व हि सा क्रतार, भ्रेशहा पूर्वक प्राणित छेदन लेदन क्रतार. जानव्मकर हिंसा करनेवाला सकल्य पूर्वक प्राणीको छेदनभेदन करनेवाला (One) who kills or injures animals purposely. स्य॰ १, १, २, २४,

श्राउद्दिया स्त्री॰ ( श्राकुर्टा ) পাণ্ডী খুসীন-धराधा पूर्वक करवुं ते. जानवूमकर करना.

Doing anything intentionally सम० २१; पंचा० १४, १८, —दंड. पु ( -दगड ) लाणी धुर्जाने हरेवुं ने समक बृक्तकर पापसे श्रपने की द्राहना-पापार्जन दगड देना incurring sin, consciously and intentionally. " श्रार्डाष्ट्रय दंड खंडियच श्रोबा" भत्त० २० √ স্মান্তর: ঘা॰ II. ( খ্যা+রুর্ ) ঘણ વડે **१८**व, टीपवू, भारवु घन से कृटना, मारना To hammer; to beat; to pound श्राउडह् भग० ३, २: श्राउँडति जं० प० ३, ४३; श्राउडेता भग० ३, २: श्राउदेमाण्. भग० ६, १; १६, ४; श्राउडावेड विवा॰ ६; **धाउा**ड्य त्रि॰ ( घ्रानुडित ) २५६२ । । । ।

नाभ पाउँ अन्तर खोदकर लिखा हुआ नाम.
( Name ) carved in letters.
असुाको॰ १४६;
आर्जिडक्रमाणः त्रि॰ ( आजोट्यमान )
सभ्यन्धसुरत थतु; लोडातु जुदता हुआ.

सम्भ-ध्युक्त थतु; लाउातु जुडता हम्मा.
Being linked or united. " छउमत्थेण भते मण्स्ये बाउडिज्ञमाणाई सहाई
सुणह " भग० ५, ४;

न्नाउत्त ति॰ ( न्नायुक्त ) अभेश पूर्वेक, अप-थेश सिद्धेत, सावयेत. उपयोग पूर्वेक; सावधानी से. Carefully, attentively " न्नाउत्त गमण न्नाउत्त ठाणं न्नाउत्तं णिसीयणं" भग॰ ३, ३, ६, ४, ७, ७; २४, ७, संत्था॰ ६४; सूय॰ २, २, २३; पन्न॰ ११; न्नोघ॰ नि॰ ४४४, (२) २ धार्ध ने तैयार थेथेल रधाकर तैयार ready after being cooked, cooked and ready for use कप्प॰ ६; ३३;

श्राउत्त त्रि॰ (श्रागुप्त ) शुप्तिथी ग्रीपवेस; रक्षणु ४रेस. रच्नण किया हुआ. Protected carefully (२) न॰ सयत-साधुनी गति येष्टा वगेरे. संयत साधु की गति—चेष्टा वगेरह. the movements, actions etc. of a Sādhu मग॰ २५, ७,

श्राउत्तयाः ह्ना॰ ( श्रायुक्त ) ઉપયોગ. साथ-धानी. उपयोग, सावधानी Attentiveness; carefulness " श्राउत्तया जस्स-य नारिथ काइ" उत्त॰ २०, ४०;

श्चाउधागार. पुं० (श्रायुघागार) आयुध-शाक्षा; ६थिआरे। राभवागी क्रअम. श्रायुब-शाला, शस्त्रास्त्र रखने को जगह. An armoury श्रोव०

**ग्राउय**—ग्र. न॰ ( त्रायुष्क ) आयुष्य, આઉખુ; છવન, છદગી આયુષ્યકર્મ श्रायुष्य; जीवन, जिदगी, श्रायुकमे Life; Ayusya-Karma सम॰ १; नाया॰ १; ८, श्रोव०२०;३८,४१, ऋ एजो० १२७, क॰ गं॰ २, ५; सूय॰ २, ७, ११, श्राया॰ १, २, १, ६२; उत्त० ४, ३७, २६, २२; भग० १, १.७; ६, ४, ३, ६; ६, ३; ७, १, =, 8; **1**9, **1;** 9=, ५; २४, 9; २५ ३ ६; पन्न० ६२; दसा० ५, ४०; क० प० १, २६; -- कम्म न॰ (-कर्मन् ) काओ। " श्राउकम्म " श॰६. देखो " श्राउकम्म " शब्द vide "श्राउकम्म" भग २६, १; ३५, २; --परिहाशि. स्री० (परिहानि ) આયુષ્યના પ્રતિક્ષણે થતા ક્ષય, આઉખાના धेटाडी. श्रायु का प्रतिच्चा होता हुआ च्चय, श्रायुष्य की हीनता. destruction of life going on every moment पंचा॰ १, ४८;—बंध. पुं (-बन्ध) आयुष्य-કર્મના બન્ધ श्रायुक्तमंका वध the bondage of Ayusya-Karma "कइवि-हेगा भंते ? श्राउय वधेपरणते ? गोयमा ! छ्विहे श्राउय बधे परागते " भग० ६, ८; **श्चाउर.** त्रि॰ ( **श्चातुर** ) आतुर, आ<u>ध</u>ुस

વ્યાકુલ: તલ્પી રહેલ, વિહવલ श्रातुर; व्याकुल, तडफताहुआ, बिह्नल Eager; distracted, longing "तत्थ तत्थ पुढा पास भातुरा परितावनि " श्राया० १, ६, २, १८१; उत्त० २, ५; ३०, ०४, वेय • ४, २६, नाया • ३, जीवा • ३, १, भग • રમ, ૭, ( ૨ ) રાેગી, પીડિત દુ ખી, માદાે. रोगी: बीमार diseased, afflicted: troubled भग० २४, ७, दस० ३, ६; नाया० १४; ठा० ४, ४; विशे० ६६१; विवा० ७, -- सरगा न० ( -स्मरगा ) क्षुधा આદિથી આતુર થઇને પહેલાં ખાઘેલા ખારાકનુ સ્મરણ કરવુ તે, આતુરપણે સ્મરણ **५२**९ ते. नुधादि से त्रातुर होकर पहिले किये हुए भोजन का स्मरण करना. wistful recollection of food formerly taken (by one oppressed with hunger ). " तत्ता विन्वुड भोइत श्राउर सरणाणिय " दस० ३ ६;

आउरपचक्खाण न॰ ( श्रातुरप्रस्याख्यान )
२५ ઉत्झिक्षित्र सूत्रभात २८ सु सूत्र, आउर५२२१ भाष् नामे औत ५७ ते। २६ उत्झालिक
स्त्रों में से २० वॉ सूत्र, श्राउर-पचक्खाण
नामक एक पद्झा. The 28th of the
29 Utkālika Sūtras, a Painnā
of the name of Aura-pachchakhāṇa नदां ४३;

आउरिश्र त्रि (श्रातुरित) भ १ वाडीओ; व्यातुर थथेल वीमार, श्रातुरतावाला Diseased, sick, eager. राय० २ ४ द;

श्राउलः त्रि॰ (श्राकुल) आधुस ०४।धुस श्राकुल व्याकुल. Distracted. नाया० १; ६, भग० १, १०; नंदी० १६; विशे० ६००, श्राव० ४,४; श्रोघ० नि० ४१४, २) ०५।भ; सरेक्ष; भराहुश्रा full of; filled with. नंदी० १६, श्रोव० ३१; (३)

सम्ह समृह a collection a group श्रणजो ० ५० -- घर पुं ० ( - गृह ) छ वे। થી ભરેલ ધર a house full of rentient beings. जीवो से भराहुआ घर नाया॰ ६.

श्राउलतर त्रि॰ (भाकुनतर) अतिशय आह्रुक्षः बहुत ज्यादह त्राकुल Highly distracted; greatly troubled in " गो श्राउलतराचेव " भग० 93, %;

श्राउलत्त न॰ ( श्राकुलत्व ) आधुसत्व-व्याप्तपा State of being filled with or pervaded by. प्रव० १८६:

आउत्तियः त्रि॰ ( आकुत्तित ) ०या५स थ्येसः व्याक्ल. Perturbed, distracted सु० च० २, ३२≖;

श्राउलीकरणः न॰ ( श्राकुलीकरण ) प्रयुरी કરખ્—ઘણુ કરવું—વધારતુ તે; સ સરતે वधारवे। ते, बहुत कुछ बढाना; ससार भ्रमण की यृद्धि करना. Extending, moreasing; moreasing worldly existence भग । ६:

श्राउच्चेय. पुं॰ (श्रासुर्वेद-श्रायुर्जीवित तहि-दन्ति रचितुमन्भवन्ति चोपक्रमरचरान विदन्ति वा लभते यथा काल येन यस्माद्य स्मिन् वेत्यायुर्वेद ) थिडित्सा शास्त्र, वैहिड-श स्त्र चिकित्सा शास्त्र; श्रायुर्वेद शास्त्र: वैद्यक Science of medicine ''श्रदहविहे श्राउब्वेप परास्ते, तं जहा-धुमारभिच्चे —कायतिगिच्छा सालाइसल्लहत्ता जगोली भृयाविजा खारततं रसायगे" ठा० =:

√ ब्राउस था॰ I–II. (श्रा+कुश्) आहे।º. **४२वे।, १५५। २५।५वे।.** त्राक्रोश करना; उला-हना देना. To cry out, to reproach, to rebuke.

**आउसइ भग० १४, १, नाया० १**८: श्राउिसाहेंति भ०भग० १४, १; नाया० १८; श्राउसित्तए हे॰ कु॰ राय॰ २६६, श्राउमहत्ताः सं० कृ० भग० १४, १,

श्राउस. न० ( श्रायुप्य ) आयुष्य; आवरहा. थ्रायुष्य, श्रायुष्य-काल Life; lifeperiod सु॰ प॰ =:

**ब्राउस. ५० ( ब्राक्रोश )** २५। हे।श वयन, ४५६ाना वयन. उलाहना भरा वचन. Words of reproach or rebuke. राय० २६६:

श्राउस त्रि॰ (श्रायुष्यमत् ) हीर्धायुः थिरं-જીવી दीबीयु; चिरजीवी; नंबी श्रायु वाला. Long-lived श्राया० १, १, १, १; सम॰ १; नाया० १४, पञ्च० २;

ब्राउसी, स ए० व० जीवा १; भग० ८, ६३ १५, १; १०, ३, २०, ८, श्रोव० ३४;

श्राउसंत कि॰ (श्रायुष्मत्) दीर्धे।यु; थिरं-ध्री दीर्घायु, लग उम्र वाला. Longlived "सुयं मे श्राउसंतेण" सूय॰ २, ३, ४३; २, ७, ४; ठा॰ १; श्रादा० १, 9, 3, 94, 9, 0, 2, 202; 2, 3, 3,

१२६. निसी० ६, ४; श्राउसगा. स्री॰ ( श्राकोशना ) आहे।श ४२वे।

ते चिल्लाना, बुरा भला कहना, शोर करना. Crying out; 1eproaching. भग॰

14, 9;

<del>त्राउस्त. पु॰ ( श्राकोश ) आहे।स—</del>३५ंश प्रभन, कठोर वचन, Harsh words of rebuke. स्य ० १, ३, ३, १८;

श्राउद्द न॰ ( श्रायुध ) २५।४५६; शस्त्र, ६४ी-यार. शस्त्र, हाथियार A weapon. नाया॰ २; १६, १८; भग २, १०; ७, ६; ६, ३३; मु॰ च॰ १०, ४४; ज॰ प॰ ३, ४३; -- घर न॰ ( -गृह ) आयुध धर; आयुध- शाला; ७थीयार राभवानुं रथान शक्रागार; हथियार रखने की जगह. an armoury. जं॰ प॰ ३, ४३; — घरसालाः स्त्री (-गृहशाला) लुओ ७५थे। शण्टः देखो कपरका शह. vide, " भ्राउहघर" ज॰ प॰ ३, ४३; — घरिश्रः पुं॰ (-गृहिक) अ युधशाल ने। ७५१— अष्यक्ष श्रायुधशाला का श्रध्यत्त a superintendent of an armoury "तएक से श्राउहघ रिए" जं॰ प॰ ३, ४३;

भाऊणय त्रि॰ (\* প্লাজনক-ईपदूनक ) કંઇક એાબ્રુ, ઉભુ. कुछ कम. Somewhat less. भग॰ २५, ৬;

आऊसियः ति॰ ( \* ) प्रेवेश धरैल प्रविष्ठ
Entered. " श्राजिसयवयणगढदेस "
नाया॰ मः (२) स धृथितः सकुचित
contracted. " श्राजिसय श्रव्यवसम्म
उद्दृशंडदेम " नाया मः

श्राएजा ति० (श्रादेय) अहुण ६२वा ये। २४; भाननीय प्रहण करने योग्य; नानने योग्य. Worth being accepted or taken. जं० प० क० प० ७, ६; —वयगा न० (-वचन) भाननीय वयन मानने योग्य वचन words worth accepting उत्त० ३६. ६;

श्चाएसः त्रि॰ (\*श्चा+इप्यत्-एष्यत् ) आवर्तुः आववानुं श्वाता हुश्चाः Coming "श्चाएसा विभवेति सुन्वया" स्य॰ १, २, ३, १६;

श्चाएसः पुं॰ (श्वादेश-श्रादिश्यते श्वाज्ञाप्यते सम्भ्रमेण परिजनो यस्मिन्नागते तदातिथे यायतदाशनदानादिय्यापारे स श्रादेशः )

પાહુણા; પરાણા, મિજમાન ર્જ્ઞાતથિ; વાદુના. A guest. " श्राएसाए समीहिए " उत्त॰ ७, १, ४; स्रोघ० नि० १४८, ६६१; श्रोघ० नि॰भा० १४७, निर्सा० १०, १२, वव० ह, १, (२) प्रश्नार, भेद mode; kind भग - , २; नदी - ३६, पराण - 9; प्रव॰ ५१६; विश॰ ४०३: (३) विशेष; व्यक्ति रूप. विशेष, व्यक्तिरूप particular, individual. उत्त॰ ३६, ६; (४) सूत्र, आगमः शास्त्र सूत्र, श्रागमः शास्त्र a Sūtra or scripture. विशे॰ ४०५; ( प्र ) उत्पाह व्यय अने द्वाञ्य यो त्रिपदी है की गर्धावनी प्रथम सललाव-वाभा आवेछे उत्पाद, व्यय भ्रीर घ्रीव्य ये त्रिपदी जो कि गए।धर को पहले कही जाती है. the three condi tions that are first taught to a Ganadhara, viz birth. decay and steady existence विशे. ४५०; (६) ०४ ५६ेश, ०५ १ छ। २. व्यपदेश; व्यवहार. denomination; nomenclature. स्य० १, ६, ३; (७) હુકમ; आहाा. हक्म; आज्ञा. command. सु॰ च॰ २, ४५६, पि०नि० १८४; पंचा० ५, ४५; जीवा० १, (८) भतः मतः an opinion. '' बीम्रोविय म्राएसो '' प्रव० = ५५: -- सद्वय पुं॰ (-सर्व-श्रादेशनमादेश उपचारोष्यवहारस्तेन सर्वमादेशसर्वम् ) ७५ ચારથી સર્વ; પ્રસુર અથવા પ્રધાન વસ્તુમાં સર્વના ઉપયાર કરવા તે જેમ ભાજનમા ઘી વધારે હોય તેા આજ તાે એકલ ધીજ ખાધુ.

भे डे। अर्थाओं मूल शण्हने लगते। संरकृत यथीय सरकृत -डे।पमां न छे।य तेवे स्थले संरकृतनी अर्था भाली राभ्यामां आती छे जहां मूलशभ्द का पर्गायवाचि सस्कृत शब्द नहीं। मला वहा संस्कृत शब्द की जगद खाला रखने मे आई है Blank space left in brackets indicates that no satisfactory तक्कव or तत्मम Sanskrit equivalent is available.

आभां धीनी प्रश्न ननाने लीधे ही शिवायनी वस्तुभा पख् हीना उपयार ध्र्यां. एक का श्राविकता से उसका सब में उपचार करना, जैसे कि भोजन में घी श्राविक होने पर यह कहना कि श्राज तो घी ही घी खाया इस में घी की प्रधानता से भोजन की अन्यवस्तुओं में भी घी का उपचार किया denominating a thing by giving the whole of it the name of a part which is prominently found there.

श्राएसणः न॰ ( श्रादेशन) लुटार वगेरे शि केंद्र--कारणानुं लुहार वगेरह का कारखाना, A workshop of a blacksmith etc. दमा १०, १; श्राया॰ २, २, २, ६०; श्राणसिय न॰ ( श्रादेशिक ) सधुने देना भाटे क्रियो राणस अद्धाराति, आद्धारनी ओक्ष देने साधु को देने की इच्छा से रखा हुश्रा श्राहार वगेरह, श्राहार का एक दोष Food etc. pre-determined to be given to a Sādhu, a kind of sin ielating to food विं नि॰ २२६;

श्राश्रोग पुं० (श्रायोग) ५०थ संपादन ६९ वाने। उपाय: धंधा-व्यापार वगेरे द्रव्य उपार्जन करने का उपाय, धदा व्यापार श्रादिः Business; trade, means of earning. भग०२, ५; स्य०२,७,२; (२) पैसानी आवध्, भमेशे। त्रशुगशि वटाव income, double or treble profit of exchange श्रोव० जं० प०३, ५६,—पश्रोग पु० (-प्रयोग श्रायोग-स्वार्धलाभस्य प्रयोगा उपाया) ६०५ संपादन धरवाने। उपाय, ६०५९िधमाटे

धीरधार धरवी ते द्रव्य संपादन करने का गृद्धि के लिय देन लेन करना. earning wealth; business of lending etc जं॰ प॰ ३,४६; - पन्नोग-संपउत्त त्रि॰ ( -प्रयोगमंप्रयुक्त ) ५०५ ઉપાર્જન કરવના ઉપાયમા પ્રવૃત થયેલ. द्रव्योपार्जन के उपाय में प्रवत्त-तस्पर. (one) engaged in moneymaking concerns. जं॰ प॰ ३, ४६; श्राश्रोजिया. स्त्री० ( श्रायोजिका ) तीव પરિણામથી કરવામાં આવતી કિયા કે જેના**યા** संसार साथेना संजध वधे छे तीव पारिसाम में की जाने वाली किया, जिससे कि संसार सम्बन्ध बढता है. An action done with keen thought-activity increasing one's worldly attachment पन्न २२.

श्रात्रोडजः न॰ (श्रातोद्य) पाद्य; पाणित्र. गजा; वाद्य A kind of musical instrument. श्रोव॰ ३०;

श्राश्रोज्ज्ञ त्रि॰ (श्रायोज्य) भर्याहा पूर्वक लोड्या ये। य मर्यादा पूर्वक जोड्ने योग्य. Worth being united within limits. विशे॰ २३;

√ श्राश्रोस धा॰ I, II. (श्रा+कृश्) तिश-२४१२ ४२वे ; ४५४। देवे। तिरस्कार करना; उलाहना देना To upbraid; to reproach

श्रात्रासेमि. उवा० ७, २००; श्राश्रोसेजासि. उवा० ७, २००;

श्रात्रोसेजा. विवि॰ उवा॰ ७, २००;

श्रात्रोसः पुं॰ ( § ) પગઢિઉ, સૂર્યાદય પહેલાની ખે ધડી संवेरा; प्रात्त काल.

<sup>§</sup> अुओ। पृष्ठ नम्भ १५ नी प्रृथ्ते। ४ . देखो पृष्ठ नबर १६ का फूटनोट \*. Vide footnote \* of the 15th page.

Dawn, "श्रीत्रासे संगारी श्रमुई वेलाए निगाए ठाणं " पिं० नि॰ भा॰ ६१;

श्चांताइ. त्रि॰ (ग्रान्तादिन्-श्रान्तेभवमान्तं मुक्तावरोषं तदान्तमत्ती येवंशील श्रान्तादी ) ખાતા પીતા બાકી રહેલ આહાર લેનાર, ( साधु ). श्रोरॉ के खाते घरे हुए श्रहार को स्थाने वाला, ( साबु ). ( An ascetic) who eats the remnants of food taken by others. पंता १८, ३६, भांसोलिर ( \* भ्रान्दोलिन् ) ५२५नशीव. कंपनशाल; कां रनेवाला. Trembling; of a quaking nature. सु॰ च॰ २. ६५४; √ आकंख. धा॰ I (आ+कांच् ) ध²७वुं; आशंक्षाराणवी इच्छाकरना; श्राकाचा रखना. To wish; to desire. श्राकंखी. वि॰ "निज्युडे कालमाकंखी" सूय० १, ११ ३८; श्चाकं बिर. ति॰ ( \* श्र का तिन् ) आ आंक्षा ५२-नारः आशंक्षणशीक्ष. श्राकांचा करने वाला One who wishes or desires. सु० च० २, ३२८:

√ श्राकंष. धा॰ I (श्रा+कम्प्) आराधना ६२थी. श्राराधना करना. To adore; to worship (२) सन्भुण रहेवुं. सन्मुख रहना. to remain face to face; to remain in one's presence. श्राकंषदत्ता. सं॰ कु॰ भग॰ २५, ७;

श्राकह. नि॰ ( श्राकृष्ट ) सामे भें थेस. सामने की श्रीर सीचा हुआ. Drawn towards परह॰ १, १;

श्राक इंढ. ति॰ ( श्राकर्ष ) साभे भेंथवुं ते. सम्मुख खींचना. Drawn towards. भग॰ ३, १; — विकड्डि. छा॰ ( - विक्रिप्टे ) आभतेभ भेंथवुं ते; भेंथाभेंथ अरवी ते इधर उधर सींचना. pulling in different directions: भग॰ ३, १; १४, १; श्राकिएणता सं॰ कु॰ श्र॰ ( भाकर्ष ) ए. 11/3. सालणीने. सुनकर. Having heard.

√ श्राकसः धा॰ I. (श्रा+कर्ष्) सालक्षत्रुं. सुनना. To hear.

श्रायन्नइ. सु॰ च॰ १४, ४६.

श्रायस्रत. व॰ कृ॰ सु॰ च॰ २, ११७;

भायन्नित्र. सं० कृ० सु० न० २. ७१;

श्चायितस्या. सं० कृ० सु० च० ७, १६०:

श्राकित्यः त्रि॰ ( श्राकिस्मक — श्रकस्माधः द्भवित तदाकिस्मकम् ) आक्ष्तिभक्षः अक्षेतु; क्षाविस्मकः श्रवानकः विना कारणके Accidental, withoutany assignable cause. " वन्म निमिन्ताभावा जंभवमाकिन्दिय " निशे॰ ३४४१;

श्राकार. पुं० (श्राकार) आधृति; यहेरे।; आधार. श्राकार, चेहरा; डॉल डॉल. Form; shape; figure; face. सू० प० २०; श्रोव० निर्सो० ७, ३=: उवा० २, ६०; ६४;

श्राकासफलोचमा. स्री॰ (श्राकाशफले।पमा)
भाद्य-भावाने। ओड भहार्थ खानेका एक
पदार्थ. An eatable substance; a
substance used as food ज॰ पं॰
१, ११;

श्राकात्तिश्रा स्त्री॰ (श्राकाशिका ) भाध विशेष; भावाता ओक पहार्थ. खानेका एक पदार्थ. A kind of food; a substance used as food. जं॰ पं॰ १,११;

स्राकिइ. ल्रां॰ (श्राकृति) आधार; आधृति हेभाव श्राकृति; रुपरग; दश्य. Form; shape; appearance. सम॰

न्नार्केचरा. न॰ ( न्नार्केवन्य—न्नार्के॰ चनस्यभाव न्नार्केचन्यम् ) परिश्रह रहिन पर्छः; सुवर्छः आदि परिश्रहने। अलाव. परिश्रह राहेततः; परिश्रह का न्नमाव. Absence of worldly possessions like gold etc. पंचा० ११; १६; सु० च० ३, ४७,

स्राकिति ह्री॰ ( ब्राकृति ) आधार; देणाव. स्राकृति; रुपरग. Form; appearance; shape. जीवा॰ ३, ४;

आकीलवास. पु॰ ( श्राकीहाबास ) भातभ-द्वीपमा रहेता अवश्-सभुरता अधिपति सुस्थिः देवताना क्षेणवास गीतम द्वीप में रहने वाले, लवण ममुद्र श्रिषपति सुस्तिक देवका क्षांडा च्लेत्र. The pleasureabode of the god Susthika, the presiding deity of the Lavaṇa ocean, residing in the Gautamu Dvipa. जीवा॰ ३, ४.

श्राकुंचरा. न॰ ( श्राकुञ्चन) संक्षेत्रयतुं ते. संकोचना. Contraction. विशे॰ २४६२ — पट्टगा. न॰ ( -पट्टक ) पलाधी के क्षेत्रस्थ लाध्यानुं वस्त्र. कसर बान्धने का बस्त. क cloth used to the waist. वेय॰ ४.३१;

श्राकुंचिय, त्रि॰ (श्राकुंब्चित) संधियेस. संकुचित, सिकोडा हुश्रा. Contracted.

आसुहु. ति॰ (श्राक्रुट) की आहे। सामित कर्मश वयन संस्थापन मां आपे ते. तिसे कर्मश यचन सुनाये जाने वह. (One) who is upbraided, reproached. श्राया॰ १, ६,२,१=३;

श्चाकुल त्रि॰ ( श्चाकुन ) প্রঐ। " স্থাবল " থাণ্ড देखी " श्चादल " शब्द. Vide " প্রারল " ধ্যুণ १, १, १, २, २६;

आकृत. न० ( श्राकृत ) अशिभेत परतु. चाही हुई वस्तु; इन्छित वस्तु Desired object. विशे० २५४४;

आकृष. पुं॰ ( श्राकृत ) अलिप्र यः आशय. अभित्राय, मन्या. Opinion; intended meaning. (२) न॰ अलिग्रेत-प्रन्थित १२७. चारी हुई वस्तु: इीन्छत वस्तु, क desired thing. विशे ॰ ६२६;

√ श्चा-क्या घा॰ I, II. ( श्चा+क्या) क्रेडुं; क्ष्यन क्ष्यं कहना; कथन करना To tell; to narrate.

श्राघवेड् भग० =, २; १६, ६; श्राघवेज. वि० भग० ६, ३१; श्राघवेत्तए, नाया० १; श्राघवेत्तए, नाया० =; भग० ९, ३३; श्राघवेत्ता. ठा० ३, १; श्राघवेत्ता. ठा० ३, १; श्राघवमाण, नाया० ५: =, श्रोव० ३=; श्राहिज्जइ. य० वा० स्य० २, १, २०; श्राहिज्जिंने. क० वा० भग० १६,३; कप्प० ४, १०३;

भ्राघविज्ञान्ति. क० चा० नंदी० ४४; सम० प० १७०:

आक्षेत्रवणः न॰ ( आक्षेपण) आक्षेप धरवे। ते. त्राक्षेप करना Blaming for a fault; charging with a fault नाया॰ ७;

√ आखोड. था॰ I (आ + खुड्) ६१७ वुं; ६ंत वर्षे ४८४। ४८४। ४२वा. दातों से दुकदे २ करना To tear into pieces by means of teeth.

श्राखोदंतिः नाया० ४:

द्यागइ. स्त्रीं ( क्यागित ) आगमन; परसवसीं थी आ स्वभां आवनुं ते घ्रागमन; परभवसे इस भव में घ्राना Coming; coming to this birth from the previous birth भग॰ ६,३, घ्राया॰ १,३,३,११६: जं॰ प॰ २,३१, वव॰ ६,२०; राय॰ २३३; कप्प॰ ४, १२०: प्रय॰ ४४; पंचा॰ २,२४;(२)६८५ति जन्म; उत्पत्ति. birth; creation. " एगा घ्रागई" टा॰ १; —गइ. स्त्रीं॰ (-गिति) आवतु कर्युं ते, गमनागमन; गर्याभन; गर्याभित, घ्राना जाना; गमनागमन.

coming and going, passing and rer assing. पंता २, २५; -- गइबि-रासास, न० ( गतिविज्ञान) ४४ थे आ०ये ते के।। अवं ते।। निर्ण्य इन्वे ते भूत भविष्य के जन्म का निर्णय करना. knowledge of the past and the future births etc, knowledge of whence and whither. " श्रागइगइविएणाण इमस्त तह पुरत पाएण " पवा० २, २५, —गइवित्राय. त्रि॰ ( -गतिविज्ञात ) આવવા જવ થી, હાલવા ચલવાથી છત્રરુપે જણાયેલ તડક માથી છાયામાં અને છાયામાં-થી તડકમા જાવ આવ કરવા થી જીવ રૂપે જસ્યુપેલ ત્રસજીવ— ખેર્દ્રિય આદિ ९७१. श्रावा मन रूप किया से जीवत्व का बाध होना जेस कि किसा के हलन चलन या श्रान जाने स यह जानना कि इस में जीव है known to be living by to and fro motion; e. g a tiny insect etc. दस • ४.

स्त्रागर्शमेत्तः न॰ (त्राकृतिमात्र) आक्षार भ त्र त्राकार मात्र Only the shape. विवा॰ १:

श्रागतगार. न० ( \* श्रागन्तागार-ग्रागन्तुक गृह) भुक्षा६२ क्षपिंड पगेरेने छ १२वान स्थान. श्रमाग श्रादि क उत्तरन का स्थान, सराय; धर्मशाला श्रादिथ शाना Caravansary; a house for travellers "श्रागमगारे श्रासमगार सम्णे उमातण उनेतिनासं" सृ १० २, ६ १४:

न्नामंतव्व न० ( न्नामन्तन्य ) आपपु. न्नाना. Coming सु० च० १, १५३,

न्त्रागंतार त्रि॰ ( ग्रागन्त ) आवनार न्त्राने-वाला (One) who comes a comer. ''आगतारी महद्भपं'' सूय॰ १, २, १, १६; १, २, १, ६, १ ११, ३१; आगंतार. पुं॰ न॰ ( भ्रागन्त्रगार ) आगन्तु ५० 5स ६रे। ते जिर्तरपाती धर्मशाला, धर्मशाला; सराय A house for travellers; a caravansary. भ्राया॰ २, १, ६, ४४; निसी॰ ३, १;

श्रागंत त्रि॰ ( श्रागन्तु ) अतिथि, भुसाइर. श्रानेवाला, मुसाफिर. A traveller: a guest. स्य॰ १, १, ३, १; २, २, ८१; कप्प० २, ८७. — छेय. पुं० (-च्छेद ) सविष्यमा प्राप्त थवान है।य તેતુ તલવાર વગેરેથી ચ્છેદન કરવું તે. भविष्य में प्राप्त हाने वाले का तलवार श्रादि च्छेदन करना destruction of that which is to come; e. g. with a sword etc स्य० २, २, ६१; —भेय. दु॰ (- भेद ) लविष्यमां प्राप्तथवानुं હાેય તેતુ ભાલા વગેરેથી ભેદન કરવું તે. भविष्यमे श्रानवाल का भाला वगैरह से भेदन करना piercing e g with a lance etc. of that which is to come or to be encountered in the future. सूय ॰ २, २, =9;

आगंतुमः त्रि॰ (श्रागन्तुक) अतिथि, भुसा६२५१५ी वगेरे श्रितिथि, मुसाफिरः (One)
who arrives; e. g. a traveller
etc श्रोव॰ नि॰ २१६; (२) आववाते।
७५६र्भ भावा उपसर्ग-भय the future
trouble " श्रागतुगोय पीलाकरो य जो
में। उत्रसम्मो " पंचा॰ १६, ६; स्य॰ नि॰
१, ३, १, ४४;

न्त्रागंतुयः त्रि॰ (न्नागन्तुक ) लुओः ઉपसे। शण्ट देखो "न्नागंतुग" शब्द. Vide, "न्नागतुग"न्नोधरु ान० २१६;

√ श्रागच्छ धा॰ I (श्र +गम् ) अ यवुं; आपी पे।यवुं. श्राना; श्रा पहुंचना. To come; to arrive. श्रागच्छह. नाया० ३; १४; १६; भग० १, ६; ७; २, १; जं० प० ७, १३३; श्रागच्छंति नाया० =; भग० १, =; श्रागच्छंत्ना. वि० श्रश्चजो० १३४; भग० ६, ५; १३, ६; वेय० ४, १०; जं० प० २,१६; श्रोव० १२;

भागच्छे. वि॰ दसा० ७, १; क० गं० २, ८; धागच्छह. थ्रा• सु० च० २, ४६६; धागच्छिस्सइ. भ० उवा० ७, १८८; धागच्छित्तए हे० सं० छ०राय० २४८; भग०

१८, ७; ठा० ३, ३; धागच्छमाया. व० छ० भग० १२, ६; द्यागीत. स्त्री० (धाकृति) २५ हिन. खाकृति; खाकार; प्रकार. Form; appearance. विषा० १;

थागति. स्रा॰ ( श्रागति ) लुओ " श्रागइ " शण्ट. देखी " श्रागइ " शब्द. Vide " श्रागइ ". ठा० १, १;

√ आगच्छ. घा॰ II. (आ + गम् ) मेलवतुं; ૫.भतुं. प्राप्त करना; पाना. To gain. (२) ळाणुतुं जानना. to know. (३) आवतुं आना. to arrive at. आगमंद्र विवा॰ ६; आगमंद्र. सं॰ कु॰ राय॰ २४५; आगम्म. सं॰ कु॰ आया॰ १, ६; १, ३; भग० १, ६; ज॰ प॰ ५, १२०; नाया॰ १४;

श्वाग्रमिता. सं० कृ० श्रोव० २२; उत्त० १, २२; १४, ३; दसा० ७, १; सूग० २,७,३६; श्वाया० १, ४, १, १४४;

श्चागम्तुं हे० छ॰ स्य० १, १, २, ३१; श्चागमित्तप्. हे० छ० भग० १६, ४; श्चागमिय. सं० छ० क० प० ७, ४३; श्चागममाय. व० छ० श्वाया० १,६,३, **आगम. पुं॰( घ्रागम** ) आगभ; सिद्धांत; अत्र. शास्त्रः, सिद्धान्त. सुत्रः, श्रागम. Scripture; principle; motto. भग॰ ४, ४; श्रयाुजो० ४२; पराह०२,२; ठा०४, ३; दस॰ ६, १; (२) व्याभम प्रमाश्च; आ<sup>१</sup>त वन्ध्यथी थतुं ज्ञान. श्रागम प्रमाणः; भामवाक्य से होने वाला ज्ञान. authority of Sūtra. श्रयाओ॰ १४७; विशे॰ ४७०; १४४२; (३) आगम व्यवहार श्रागम च्यवहार. terms of scripture. टा॰ प्र, २; (४) आधारा खाकारा. the sky. भग॰ २०, २; (४) आगभन; आयवु ते श्राना. arrival; coming. द्स॰ ७, ११; (६) ( श्रा-श्रानिविधिना सर्यादया वा गम्यन्ते परिच्छिद्यन्तेऽर्थाःयेन स श्रागमः ) કેવલ મનપર્યવ અને અવધિ ज्ञान. केंवल मनपर्यंव श्रोर श्रद्धि ज्ञान. the three kinds of knowledge viz Kevala Manaparyava & Avadhijñāna. भग० म, म; वव० १० ३; पंचा० ६, १; (૭) નવમાં પૂર્વથી ચાદ પૂર્વ સુધી નોવે पर्वेसे चादहवे पूर्व तक. the Purvas from the 9th to the 14th Purva. क. प० ७, १८; —पह. पुं॰ (-पथ) साल भागे. लामका मार्ग. a beneficial or profitable path. ठा॰ ४; - बाह्मिया. पुं० ( -बाह्मिक ) आगम ज्ञानभां अक्षवानः हेवसीप्रभृति श्रागम ज्ञान से बलवान; केवली प्रमृति. ( one ) strong in the knowledge of the Sastras, e.g. Kevalī etc. " त्रागम बलिया समगा गिरगंथा " भरा० म, म; बन० १०, ३: — बहुमारा पुं० (-यहुमान) शास्त्रनुं पछ्मान कर्नु ते. शास्त्र का अधिक मान. paying high

reverence to scriptures.

३२१; — वबहार, पुं• ( -ब्यवहार ) नय-પૂર્વથી ચાેદપૂર્વસુઘી જાણનાર તથા કેવલી-ના વ્યવહાર—પ્રાયશ્ચિત્ત દાનાદિ વિધિ नों पूर्व से चौदह पूर्व तक जाननेवाला तथा फेवली का व्यवहार-प्रायिशत दानादि विश्व. the Vyavahāra i. e. the work of a Kevali as also of one who knows the Purvas from the 9th to the 14th Purv e g administering expirtion etc. প্ৰত = ६৭; —ववहारि. पुं॰ ( - ब्यवहारिन् ) प्रत्यक्ष शानी; नवपूर्वी ઉપરાંત કેવલી સુધી. प्रत्यक्त शाना, नवपूर्व के शानी से लगाकर केवल ज्ञानी तक (one) having direct visual knowledge; any one from one knowing nine Purves to a Kevah. जीवा॰ ३; —सत्थ. न॰ (-शास्त्र ) आगम शस्त्र; श्रुतन्तानः श्रागम शास्त्र; श्रुतज्ञान scripture; Sūtras. " शागमसत्थागहणं जं खुद्धि गुरोहिं स्रहेहिं विदिट्टं " मंदी॰ — सुद्ध. त्रि॰ (-ग्रुद्ध) आगम सूत्र अनुसार निर्देश-शुद्ध आगम के चनुसार शुद्र. faultless, sinless as judged by the code of Sūtras. "थंवविहिमागमसुद्धं सपरेसिम खुग्गह द्वाए " पंचा॰ ६, १;

भागमन्त्रो. श्र॰ (भागमतः) अभ्भ शस्त्रते आश्रीते, सूत्रते अवतंशीते शास्त्र का आभव लेकर. Abiding by the principles of scriptures; with the authority of scriptures, भागुजी॰ १२; विशे॰ २६;

श्चागमण्. न० ( श्नागमन ) आगभनः आवर्यु ते. श्नागमन, श्राना. Arrival; coming. भग० ६, ३३; ११, ११; १३, ४; नाया० ३; १६; खोव० २६; सव० ६; पिं० नि० मा शेष्ट १, ३६; उवा॰ १, ४८; पचा॰ १, १६: — ग्राहिय विशिष्ट छुयः प्रि॰ (-गृहांत विनिश्चय ) आवयाने निश्चय हेरेल आने का निश्चय किया छुआ one determined to come. भग॰ ६, ३३; — गिहः न॰ (-गृह-पिथकादीनामागमनेनोपेतं तद्यी वा गृहमागमनगृहम् ) धर्भशाणाः भुसा६२- थानु. घर्मशालाः सरायः क house for travellers to lodge "आगमर्यागहं- सिवा" वेय॰ २, १०; — पहः न॰ (-पथ) आवयाने। भागः आने का मार्गः रास्ताः क way to come in. निसी॰ ४, ३०; — प्रयोजन) न्यावयानुं अथे जनः आने का प्रयोजनः cause of arrival. विवा॰ १, ६;

श्रागमणागमण्यविभत्ति. न. ( श्रागमना-गमन गंद मिन्ते ) केमा अंद्र आदिनुं आगभन गमन दशापवामा अ वे ते गुणत्रीश अद्यादना नाट इमानुं आत्मु नाट इ. चंद्र श्रादिका श्रावा-गमन प्रकट करने वाजा भत्तास प्रकार के नाटकों म मे सातनाँ नाटक the seventh of the 32 kinds of drama exhibiting the appearance and disappearance of the moon "श्रागमणाग ण-पविभित णामं दिन्दं गाटु विहिं उचदंमिति" राय ॰ ६२;

स्रागिमस्स. त्रि॰ (द्यागिमध्यत्) १० विष्यमां थतारः व्यावतुं. भिवष्य म हाने वाला. Future स्य॰ १, ६, २९; २, २, २३; स्राउ॰ २६; दसा॰ ६, १; १०, ३, नाया॰ १६; स्राया॰ १, ४, १, १२६: ज० प० २, ३६; —िसिस्त. न० (-िनिमेस्त) १४०५-तुं निभित्त. भिवष्य का निमिस्त. & sign or omen of the future. निसा॰ १३, १४; जं॰ प॰ २, ३६;

ऋागमासः ( श्रागमिष्यत् ) अविष्यमां धवातुं;

भाविष्य में होनेवाला; श्रानेवाला. Coming in future, future. जं॰ प॰ २, ३१; श्रोव॰ ३४; —भद्द. ति॰ (-भद्र) ओं अते एक भव कर जिस मास्र जाना है वह. (one) destined to obtain salvation after one birth सम्बद्धाण future welfare जं॰प॰२,३१; "समण्डस यां भगवश्रो महावीरस्स भट्ट खपाणुत्तरीयवाडयांग गइ कल्लाणाण जाव खागमसि भद्दाण उद्षां स्था "कप्प॰ ६. श्रागोभेस्स ति॰ (श्रागाभेष्यत्) आवते। अति अति अति (श्रागाभेष्यत्) भविष्यका The future (time); future;

belonging to the future. স্থান

४, १; भग.० २०, **८**; स्रागय. त्रि • (श्र गत) आवेत; प्राप्त थयेत भाया हुजा; प्राप्त. Come; obtained खवा० १, ६६: ६६; २, ११३; ११४, ११८; नाया॰ १; द; १६; १८; पिं० नि० १६८; सम० ११ ३०; स्य० १, १, १, १६; उत्त० ४. ६; १०, ३४, भग० १, ७; २, १; ३, १, २. ४. ४; ६, ३३, १६, ४; १८, २; दसा० ह, १५, दस० ५, १, ८८; राय० २३२; श्राया० १, १, १, २; --गंत्र, त्रि॰ ( -गंब) केंभा सगन्ध अत्पन्न थयेत छे ते. जिसमे सुगन्ध उपन हुई ह वह. (that) in which fragrance is born. नाया॰ ७: ---परागा त्रि॰ (-प्रज्ञ-स्रागता उसन्ना प्रदा यस्या लावागत प्रज्ञ ) करे प्रज्ञा ७८५-न यह के ते. अगत णुष्टि । दे। जिसमें प्रज्ञा चप्तत्र हुई है वह; मुद्धिवाला. wise; cautious "अग्रिम समितीसु गुत्तीसुय श्रागय-

पर्यो " सूय० १, १४, ४: --परहिया.

धी० ( -मज्ञवा-धागतः मभवो यस्याः सा)

के ने पुत्र रे ७ थी पाना यडवे। छे ते. पुत्रके स्नेह से जिस स्त्री के स्तन में दृथ बढजाता है वह. (a woman ) in whose breasts there is a flow of milk through maternal affection. "तप्णं सा देवाणदा माहणी च गय पगहया" भग॰ ९, ३३: --समग्र. त्रि॰ (-समय) निक इमां केने अवभूर आवेल छे ते जिसका समय पास आया हो वह. (that) for which the time is ripe. नाया॰ ६; श्रागर. पुं॰ (श्राकर) से नु रुपुं वरेरीनी भाख. सोने, चादी की खदान A mine (of gold, silveretc) जं प ३. ४२: ज॰ प॰ ठा॰ २, ४, भग॰ १, १; ७, ६; नाया. १: =, १४; १६, राय० २७३; जीवा० ३, १. श्रोव० नि० भा० =: श्रोव० ३२: उत्त॰ ३०, १६; सम० ३ वेय० १, ७: वी० ४७; श्राया० १ ७, ६. २२२; २. १ २, १२; उवा० १, २०; १००; (२) भीरता अगर. नमक का खदान, a salt-pit. a field from which salt is obtained. आया॰ १, ७, ६. २२२; २, १ २, १२, उत्त० ३०, १६, श्रोव० ४, ३२;

आगरिश्र-य ति॰ (श्राकरिक) भ श्ने। यश्री खरान का मानिक Anowner of a mine श्राव॰ नि॰ भा॰ ६;

न्नागरिसः पु॰ ( श्राकर्ष ) आं इपंश्. णे अवुं ते. श्राकर्षण; खां बनाः Attraction प्रव॰ २८, पन्न॰ ६, (२) ६रीधी अं छ्यु इरनुं ते फिर से ग्रहण करनाः ग्रम् कट्ट क्षित् प्रवः ८४३, विशे॰ १४८४; (३) तेपी री।। ( लेथवाना ) प्रयन्नथी क्षेत्रम् क्षेत्र अं छ्यु ६२वुं ते कर्म-पुदाला का श्राकर्षण करनाः attracting Karmio atoma. सम॰ पन्न॰ ६; (४) प्राप्ति, थारिननी प्राप्ति, चारिन्न की प्राप्ति gain; gaining of right conduct " पुलागस्तर्ण भंते एग भय- शाहिण्या केवड्या आगिरिमा पराणता " भग २५ ६;

न्नागाढ. त्रि॰ (ग्रागाढ) ३ ईश, ६६५; २०१६ई. काठन, कठोर. Harsh; hard निर्सा॰ १०, १, २, ३; १३, ११; (२) गाढु हारख; अपस हारख बज्जान कारण powerful cause; cogent reason. गच्छा॰ ११६; (३) अति अशहत. ग्रत्यंत श्रशक्त. very weak. श्रोष॰ नि॰ ७६.

आगाढ़ जोग. पुं॰ ( श्रागाढ योग ) २िश्ये २ आयार्थे थे २ वहन ६२ पुंते गाँगयांन, जिसे श्राचार्य वहन करता है. Head preceptorship श्रोघ॰ नि॰ ४४ =;

श्रागामि ति॰ ( श्रागामिन् ) सिविष्यमं भस तार; प्राप्तध्यानुं भविष्य में प्राप्त होने वाला Coming, future. ठा॰ २, ४. — पह पु॰ ( - पथ ) सिविष्यमा भस्यानी यस्तुने भागे भविष्य में मिलनेवाला वस्तु का मार्ग. the way leading to a thing which is to be got in the future ठा २, ४;

आगामिय वि० (आग्रामिक) गाभ-शहर पगरनुं ग्राम रहित. Devoid of a city or a village श्रद्धेगह्या णिगंधा य णिगधीश्रोय एगमहं श्राम मियं छित्रावायं दीहमद्ध मणपविद्रा."नाया॰ १=;

आगार. पु॰ ( श्राकार ) आकृति, संकेखि. श्राकृति; सस्थान. Configuration; form. " सिंगारागार चारूबेसाए " राय० भग० ५, ४; पन्न० १७; नाया० १; २; विरो० २६; गच्छा० १२१. प्रन० १४६६. पचा० ५, ४; उना० १, १२; (२) अ क्षा२; सिक्ष्स, नेहेरी. श्राकार; रुपरंग. face; appearance; form पन्न० ३०; (३) भेद, प्रकार; तरेषु. भेद, प्रकार kind; variety. पन्न॰ ૧૩. ૨૧: (૪) સ્વરુષ; વિશેષ લક્ષણ. स्वरूप: विशेष लच्चण. specific shape or form; special quality. " স্থা-गारे। उ विसेसो '' जीवा॰ (४) ( म्राकियते भाकल्यतेशभिप्रेतं मनाविकल्पितं वस्वनेने-स्याकारः ) पाछ येष्टः; आंतरिक असिप्राय સુચક આંખ, મુગ, હાત વગેરેતી ચેષ્ટા. प्रातरिक थाभेप्रायसूचक बाह्य चेष्टा. movements of eye etc, indicative of inward mind. उत्त १, २; विशेष ૨૧૪૪; (६) કાઉસગ્ગના અપવાદ-છુટ. कायोत्सर्ग का अपवाद. exceptions to the rules of Kausagga. " एव माइएहिं धागारेहिं भभगो धविराहिन्नां " ब्रात्र॰ १, ४; (७ ) પચ્ચખાણના અપવાદ છુટ; પ<sup>ર</sup>ચઆણમાં મુકેલ આગાર. पच्चक्खारा का श्रावाद. exception to the rules of Pachchakhāna. 370 ६४; -- ग्रभावश्री. श्र॰ (- श्रभावतम् ) આકારના અભાવધી. श्राकार के श्रमाव से. due to the absence of shape. विशे॰ ६४; —दरिसण. न॰ (-दर्शन) अधारतुं है भावुं ते आकार का दश्य. sight of a form or shape. विशेष ६६; - भाव पुं (-भाव-प्राकारस्या कृतेभीवाः पर्यायात्राकार भावाः ) આકૃતિરूપ પર્ધાય; વસ્તુનું સ્વરूપ त्राकृतीरूप पर्यायः स्वरूप विशय. a particular modification of the shape of a thing. भग० ७, ६; —भावपडेायार. १० (-भावप्रतावतार श्राकारस्य श्राकृतेभावाः पर्यागस्तेषां प्रत्यवताराऽवत्तरग्रमाविभाव प्रत्यावतार. ) आक्षारता श्राकारभाव પર્યાયના આવિબાવ કરવા તે; આકૃતિરૂપ

पर्यायनुं अवतरे हेवुं ते; वस्तुनुं स्वरूप विशेष. श्राकार की पर्यायका श्राविनीव करनाः वस्त का स्वरूप विशेष. manifesting showing the particular modification of the shape of a thing. " किमागार भाव पडायाराणं भंते दीवासमुद्दापराखता " जीवा० नाया० ५; भग० ६, ७; ७, ६; — विगार, पुं॰ (-वि-कार ) व्याकृति-येद्धरा अपर धयेल विकार-क्विधाधियन्य देश्वार. मुखपर होनेवाला विकार, को वादि जन्य फेरफार. a change on the countenance (produced by anger etc ) " गहाविश्मममाइएहिं श्चागार विगारं तह पत्रासंति" गच्छा ० १२१ --- आगार. पु॰ ( -श्रामार ) धर; स्थान. घर: जगह a house; an abode. राय० ११३; सूय० १, १, १, १६; नाया० १, पन्न ० २०: भग० २, १; ६, ३१; दसा० ८, १५ श्राव॰ १, ५; ज॰ प॰ २, ३०; —श्रावास पु॰ ( -श्रावास ) १५-સ્થાવાસ; ઘરસંસારમાં લપટાઈ રહેવ ते गृहस्य वास, घर श्रादी मे श्रासक होना absorption in worldly or household matters. नाया॰ =, —वरिसवम्म पुं॰ ( -च रिम्रवर्ष -श्रमारं गृहं तथोग दागारा गृहिणस्तेवां चारित्रवर्मस्तथा ) यारित्र धर्भेने ओक लेह પ્રકાર, સમ કેત પૂર્વક ભારત્રતરૂપ શૃકસ્થતે य रित्र धर्भ चारित्र धर्म का एक भद, सम्यक्त पूर्वक बारह वत रूर गृहस्य का चारित्र. धमे. a varioty of the rules of right conduct; a house. holder's duties in connection with right-conduct consisting in twelve vows accompanied with right faith. ठा ०

—धरम. पुं॰ ( -धर्म ) युद्धधर्भ. यहरूथ धर्म. the duty of a house-holder भग॰ १६, ६; — घास. पुं॰ (-वास) युद्धाक्ष; युद्धध्यक्षभ. यहस्थाश्रम. the stage or condition of life of a householder. "सेमो खागारवा. सोति" उत्त॰ २, २६; जं॰ प॰ ३, ७०; नाया॰ घ॰ —विणय. पुं॰ ( -बिनय ) युद्धध्येन। विनयक्ष्य धर्भ; युद्धध्येभं. गृहस्थ का विनयक्ष धर्म. the duty of reverence on the part of a house-holder. नाया॰ धः

न्नागरमय. ति॰ ( श्राकारमय ) आकृतिभय; आकृतिरूप न्नाकृतिरूप. Having a form or shape विशे॰ ६४;

द्यागारि पुं॰ (श्वागारिन्) २५२थ. गृहस्थ. A householder, a layman. पिं॰ नि॰ २४०;

श्रागाल पुं॰ (श्रागाल) ६ भेनी जील स्थितिभाधी ६ भेन ६ दियाने ६ दिरा प्रयोगे ज्याने ३ ६ थमा ना अवा ते, ६ दिरा हान अपरनाम. कर्म की दूसरी स्थिति में से क्रम के बीजों को उदीरणा के द्वारा खी कर उदय में लाना; उदीरणा का नामान्तर. Forcing up into muturity Karma which is yet in the 2nd stage, this is also called Udiranā. क॰ प॰ ५, ९ ९;

म्नागास पु॰ न॰ ( श्राकाश-सर्वभावावकाश-नादाकाशम् ) आटारा, क्षेत्रिक्षीः १० ०५ पी अनंत प्रदेशत्म १७ ६० १२ भानुं ओ १ अपूर्व ६० ५ १ भ रिन ११ अहि पांच ६० १ ना आवारभून ६० ५ श्राकाशः लोकालोक व्याप्त श्रनंत प्रदेशात्मक छः इव्यों में का एक श्रमूत् इव्य, धर्माास्तकाय श्रादि पाच इव्योका श्राधा-रभूत इव्य. The sky; one of the six substances pervading the

Loka and Aloka (all the worlds and non-worlds ). पत्र॰ १: ऋगाजो• १४३; ठा॰ २, १; श्रोव० १०; स्०प० १; नाया० १, ८; भग० १, १; ६; २, १०: ५, ६; २०, २, स्य० १, १, १, ७, उत्त॰ ६, ४=, २६, ७; ३६, २; ६; उवा• २, १३६; १४०; १८१; भत्त∙ ६१; जं• प० ३, ५६; — श्रतिवाइ- पुं० ( -ग्रतिपातिन्-म्राकाशं व्योमातिपतन्तय-तिकामन्ति ते तथा) आधाराभां विधी आधारा-માંથી સુવર્ણ વૃષ્ટિ =માદિ કરી દિવ્ય પ્રભાવ दर्शावनीर. आकाश में उड्कर, आकाश से स्वर्ण वृष्टि आदि के द्वारा प्रभाव प्रगट करने बाला. ( one ) soaring in the sky; (one) showing heavenly power by showering gold etc. from the sky. " अप्पेगङ्या...चारणा विजाहरा त्रागासाति वाह्यो " श्रोव० १६; -गय. त्रि॰ (-गत ) आકाशवर्ति; आका-शमां अधर रहेलं. प्राकाशवर्ति; श्राकाश में अधर रहा हुआ hanging in the sky. " त्रागासगर्व चर्क. त्रागासगर्व हुत्तं " सम• ३४; (२) અતિઉચું; આકાશતલ २५थीं. बहुत ऊँचा; गगनस्पर्शा. sky-kissing; very lofty. भग॰ ६, ३३; १६, ५; --गामि. त्रि॰ (,-गामिन्) आशशभां **६रनार प्राधी; पक्षी वगेरे. श्राकाश में उडने**-याला प्राची. a bird etc. गामियो पायापाये किलसंति " श्रायाः १, ६, १, १७७; —तल. न॰ (-तल) आधारानुं तलीयुं, भाकारा का नल. the bottom of the sky. नाया॰ १४; (२) ગગનતલ સ્પર્શી-ઉચા મહેલ. गगन-स्पर्गी-बहुत रंचा महत्त. palaces touching the sky i. e. very lofty जीवा॰ ३, ३; नाया॰ v 11/4.

**—तलग. न॰ (~तलड़)** अगासी; अ३भेा. मारोसा. a terrace. नाया • १६: विवा • ६: —शिगाल. न. ( ≪-शिगाल ) शरदंअतुन् સ્વચ્છ આકાશ; વષ્ટલથી છુટું થતું આકારાખંડ કે જે અતિ શ્યામ દેખાય છે, ચિગડારુપ આકાશ. शरदऋतु का स्वच्छ श्राकाश. the clear blue sky of the autumn as it goes on being cloudless. " श्रागास थिगाने गंभते ! किएका फुडे कहाँईवा काएहिं फुदे " पन १५; --पइडिय. त्रि॰ (-प्रति-ष्ठित ) आशशने अवसंशीने रहेस. भाकाम का अवलंबन कर रहने वाला; आकाशायलंबी. supported by the sky; hanging by the sky; " आगास पहाहिए वाए" भग ॰ १, १; — पंचम. पुं ॰ (-पन्नम) આકાશ જેમાં પાંચમું છે તે-પાચ મહા ભૂત પૃથ્વી, પાણી, ઋગ્નિ, વાયુ અને આકાશ. जिसमे त्राकाश पंचम है वह पच महाभूत ( पृथ्वी, जल, श्राप्ति, वायु, श्राकाश). the five elements of which other is the fifth (e. g. the earth water, fire, wind and ether). " पुदवी ब्राऊ वाऊ तेऊवा, ब्रागासपंचमा " सृय० १, १, १, ७; —पय. न० (-पद) દર્ષ્ટ્રિવાદાતર્ગત સિદ્ધશ્રેણિ પરિકર્મના ચોથા दृष्टिवाद के प्रान्तर्गत सिद्धेश्रेणि परि-कर्म का चोधा भेद. the fourth part of Siddha Śreni Parikaıma in Dristivada. सम॰ १२; -- प्रात्स. वं ( -प्रदेश ) आधाराने। र्भावशालय अंश. श्राकाश का श्रविभाज्य श्रंश. an indivisible part of the sky. भग् २५, ४; विशेष ४८६; -फलिक्सीरसः त्रि॰ (-स्फटिकसंस्य ) अत्यन्तः स्वय्षः, रहाटक तुस्यः 'श्रेत्वन्त स्वच्छ, स्पार्टक मुल्य. clear and transparent like crystal. श्रोव॰
—फिलिया मय त्रि॰ (-स्फार्टकमय) अति२०२७; १६८६भथ. श्रातिस्वच्छ; स्फार्टिक मय.
very clear; crystal-like. " श्रागास
फिलिया मयं सपायपीढ सीहासणं" सम॰राय॰
—फिलिहः पुं॰ (-स्फार्टक-श्राकाशिक
यद्त्यंतमच्छं स्फार्टकमकाशस्फार्टकम्) अति
२०२७ २६८५; निभेक्ष २६८६. श्रत्यंत
स्वच्छ स्फार्टिक. very clear crystal.
" श्रागास फिलिहामएण सपायपाँढेण सीहासर्गेण " जं॰ प॰

आगासग. त्रि॰ (आकाशक) अभाशक. प्रकाश करनेवाला. (That) which gives light. सम॰

श्रागासित्थकाय. पुं० (श्राकाशास्तिकाय-श्रस्तयः प्रदेशा तेषां कावः समूहः श्रस्ति-कायः) ६२४ परेतुने अप्रधाश आपनाश् ६०५; ७ ६०५भांनुं त्रीलुं ६०५. प्रत्येक वस्तु को श्रवकाश देनेवाला इच्यः छः द्रच्यों मे का तीसरा द्रव्य. A substance in which all things exist or reside; the third of the six substances "श्रागासिथकायस्स ग्रं पुच्छा गोयमा श्रग्रेगा श्रभिवयणा" उत्त० २, २०; श्रग्राजो० ६६, १३१, सम० ६; राय० २७०; भग० २,

श्चागास फाल श्रोवमा. स्नी॰ (श्राकाश स्फाटिकोपमा) आक्षाश अने २६८३ना लेवी निर्भक्ष ओक ज्ञातनी भीक्ष रस वाली आध्र वस्तु श्राकाश श्रीर स्फाटिकके समान निर्मल ऐसी मीठे रस वाली एक प्रकारकी खाद्य वस्तु A substance as pure and transparent as crystal used as foodstuff. पन्न० १७, जं० प० २, २२;

श्चागासिउं हे॰ क्र॰ श्च॰ ( श्चाकुण्डुम् ) आक्ष-र्षणु क्ष्मीने, सभीप क्षातीने. श्चाकवण करके; पांस लाकर. Having drawn near; having attracted. विशे ० २२२; आगासिय. त्रि ० (आकार्षत) आडपेणु डरेक्ष; जिपाडेल. आकपित; आकपेण किया हुआ. Attracted; drawn; lifted up. श्रोव • आगासिय. त्रि ० ( आकाशित — श्राकाश-मम्बर मित: प्राप्तः ) आडशवातिं; आडशमां रहेल. आकाशवर्ति. Situated in the sky, ''आगासियाहि सेय चामराहिं' श्रोव ० श्रागाहइसा. सं० कृ० अ० ( श्रागाझ )

अवगाहीने. श्रवगाहन करके. Having entered; having resorted to.

" श्रागाहरूता चलइता "दस० ४, १, ३१;

श्रागिइ. पुं० (श्राकृति) आकृति; आक्षर; संक्ष्यान. Form; configuration; shape. विशेष २०६२; ४००७; नाया० १; क० गं० ४, ६१; — तिग न० (-त्रिक) आकृति-सक्षेष्ण ६ सध्यष्ण ४० अने ब्वति पांथ, ओ नामनी १७ अकृतिने। समुद्दाय श्राकृति-सस्थान ६ संहनन ६ श्रार पाच जाति इस प्रकार नामकी १७ प्रकृतियो का समुदाय. the collection of the 17 Prakritis made up of six Saṃsthānas, six Saṅghayanas and five Jātis. क० गं० ४, ६;

श्रागिति.,स्री॰ (মারুति) প্রঐ। "श्रागिइ" शण्द. देखों "ম্যাगिइ " शब्द. Vide " श्रागिइ " जीवा॰ ३, ४, राय॰ १८८;

√ श्रागिल. घा॰ I. ( श्र्या + कल् = जि )
थत्र्वं; ज्यभाभवुं. जीतना; जय प्राप्त करनाः
To conquer; to get victory.
श्रागिलंति भग० ३, २;

√ ख्रा-ग्झा. था॰ I ( ख्रा+झा ) सुगंध क्षेत्री; सुंधतुं; वास क्षेत्री. सुनंध केना; सूंघना; To smell; to scent. आग्यायइ. ठा॰ २, २; श्चाग्वायह. नाया॰ १; श्चाग्वायमाया व० कृ० नाया० ६;

आधं. त्रि॰ ( ग्राख्यातवत् ) क्षेतारः, क्थन **કરનાર; આખ્યાન કરનાર. कहनेवाला**; श्राख्यान करने वाला. (One ) who tells or lectures or preaches. स्य॰ १, १०, १; — श्रज्ञस्यस्य न० (श्राख्यातवद्ध्ययन) स्यगडाग सूत्रना पहेला શ્રુતસ્ટંધના ૧૦ માં સમાધિ અધ્યયનનું अपर नाम. सूत्रकृतीग के पहिले श्रुतस्कंध के १० वें समावि श्रध्ययन का दुसरा नाम another name of the 10th Samādhi chapter of the first Śruta-skandha of the Sūyagadānga Sūtra स्य०नि० १, १०,१०३, आधंस त्रि॰ ( श्राघर्ष ) पाएी साथै धसीने **पीवा थे। अ कै। यधि वंगेरे. पानी के माथ** घिसकर पीने योग्य श्रापिध वगैरह. Medicine which can be taken after it has been rubbed with water on a hard substance. पि॰ नि॰ ४०३, आंद्रसित्ताः सं॰ क्र• ऋ ( ब्राघुप्य ) धर्सीने. धिसकर. Having rubbed. श्राया -

आधवइत्तार. त्रि ( क्ष्राख्यातृ ) आफ्यान इरनार; इथा इरनार. आख्यान करने वाला, कथा वाचक ( One ) who relates or describes; narrator; ठा० ४. ४;

२, ४, १, १४६;

श्राधवणः न० (श्राख्यान ) ०थाण्यान; सामान्य कथनः व्याख्यान, सामान्य कथन Telling; lecturing. नाया० १, १६; श्राधवणाः स्त्रा० ( शाख्यान) आण्यान, सामान्य क्थनः श्राख्यान, व्याख्यान Telling; lecturing; 'बहुँहिं श्राधवणा-हिंय" उदा० २, १११ भग् ६, २२, श्राधिय ति॰ ( श्रारुवात ) ४६ेलं. कहाहुत्रा. Told; related " भगवया महाविरेष श्राधिए " उत्त॰ २६, ७४; पगह० २, १; (२) स्वीक्षरेस. स्वीकृत. accepted. श्रगुजो॰ १५;

√ श्राघस था॰ II. ( श्रा + पृष् ) थे। ई धसतु थोड़ा घसना. To rub slightly. श्राघसेज वि॰ निसी॰ ३, ५;

श्राधाश्र—य. पुं० (श्राधात-श्राह्मन्यस्ते श्रपनयन्ति विनाश्यंते प्राणिनां दश प्रकार । श्रापे प्राणायस्मिन् म श्राधातः) भरणः भृत्यु मरण मृत्यु Death निसी० १२, २५; दस० ६, ३५; स्य० १, ६, ४; —मंडल न० (-मण्डल) वधस्थान-भाउदी. वधस्थान, हत्यागृहः बूचड स्नाना. a slaughter-house; a place of killing. नाया० =;

श्राघातः त्रि॰ ( श्राख्यात ) क्षेत्र कहाहुश्राः
Told; related स्य॰ १, ४, १, ११, १,
१३, २;

श्राघायः त्रि॰ (श्राख्यात ) ळुॐे। "श्राघात" शम्द्र देखो "श्राघात" शब्द Vide "श्राघात" स्य॰ १, १, २, १;

श्राघायर्गाः न० (श्राघातन) वधस्थान; क्वांसी देवानी कथाः वधस्थान; फाँसी देने की जगहः A place of killing; a place where men are hanged नियो ० १२, २४;

श्राघायाय व॰ छ॰ त्रि॰ ( श्राचातयत् ) विनाश अरते ; धान अरते। विनाश करताहुया, घात करता हुया Killing, destroying, " श्रावायाय ससु नयं ' उत्त॰ ४, ३२;

√ श्राचर धा॰ I. (श्रा+चर् ) आयर्धुः अनुष्ठान अर्थु श्रावरण करना, श्रानुष्ठान करना. To practise; to perform. श्रावरति दस॰ ६, १६; श्रावितं. है॰ कृ॰ मु॰ च॰ १, २४०, स्रायित्तए. हे• कृ॰ नाया॰ १४; स्रायरत. व॰ कृ॰ उत्त॰ १, ४२; प्र॰ १२१; स्रायरमाण व॰ कृ॰ दसा॰ ६, १, विशे॰ ३१६०;

त्राचरण न॰ (म्राचरण) आयार; अनुप्रानः न्याचार. Practice; performance; conduct प्रव॰ ४७७;

आचारमाओ. थ॰ ( याचरमात् ) छेऽ। पर्यन्त छोर तक Up to the end; till the end क॰ प॰ ४, ११;

श्राचिस्णः त्रि॰ ( म्नाचार्यः ) આચરेक्ष; આચરણ કરેक्ष. श्राचरण किया हुन्ना. Practised; observed. राय॰ ३७;

त्राचेलकः ति॰ ( श्रानेलक्य-न विद्यते चेलं वस्तं यम्प सम्भेचेलकस्तस्य भाव श्राचेलक्यम्) परिभाष ઉपरात वस्त्र न राणवा ते, पडेना अने छेक्षा तीर्यक्ष्मना साधुओने भाटे लाधेली ओक भवांदा. परिमाण से श्राधिक वस्त्र न रखना, पहेले श्रीर श्रीतम तीर्यक्ष के साधुओं के लिये नियत की हुई एक मयांदा. Having no garments beyond the prescribed limit; a fixed limit in the matter of garments of the Sādhus of the 1st and last Tirthankaras " श्राचेलको धरमो प्रस्मिन्तय पव्लिमस्सय जिल्हमं" पचा॰ १७, ६;

आंबलुक न॰ (आंबलक्य) पडेंबा अने छेंब्बा तीर्थं इर्नां का चुओनी इंब्य, भान-परिणुप संक्षित संदेद रंगन क अव्य स्थ-पं बा वस्त्र धारण इर्वा ते पहिले और अन्तिम नीर्थं कर के सावुओं का कल्प, अल्प मूल्य वाले परिमित सुफेद वस्त्रों कोही धारण करना. The religious practice (in the matter of wearing clothes) of the Sādhus of the first and last Tirthankaras; viz putting on white, scanty and cheap garments. 970 525;

श्राच्छायण न॰ ( श्राच्छादन ) श्रीःशाः श्राच्छादन; चादरा. A bed-cover; a covering. श्राया॰ ९, २, १, ६२. कथा॰ ४, ६४;

√ श्राचिछदः धा॰ I. ( श्रा+िछद ) छेदन ५२तुं; थे।ऽं छेदतुं. छेदन करना; कुछ छेदना. To cut; to cut a little.

श्राद्धिदेज. वि० निसी० ३, ३४;

षाच्छिदिहिति. भग० १४, १; ठा० ४;

श्राचिछदिताः निसी० ३, ३६;

श्राचिछिदिय सं० कु॰ प्रव० १४६;

भार्दिछंद्रमाया. व० गृ० भग० ८, ३;

द्याछिदितार. त्रि॰ ( च्याच्छेत् ) लंगाण् पाउणार भंग करनेत्राला. (One ) who breaks up or disperses by creating alarm. सम॰ ३३;

√ ऋा-छुट. था॰ I, II (था + छंट ) पाछी. छांटवुं. चल छिटकना To sprinkle water.

श्चरत्वोडेड्. नाया॰ १८;

श्राजम्म श्रे॰ (श्राजन्मन्) छे हेगी पर्यंत. श्राजन्म; जीवन पर्यंत. Infe-long. "वासेज तत्थ श्राजम्मगीयमा संज्ञ सुणी" गच्छा ॰ ७; पंचा ॰ १७, २८,

স্পানাহ. স্লী॰ ( স্মায়ানি ) আধৰ্ণু ते. પૂર্વ ભવમાথી આધવુ ते স্থানা; पूर्वभव से স্থানা. Coming, arrival; coming from the previous birth তা॰ १०;

श्राजाइ स्त्री॰ (श्राजाति-श्राजायन्ते तस्या-मित्याजाति,) लन्भयुं ते, लन्भ; ७८५िते. जन्म, उप्तत्ति. Birth; creation. भग॰ ४, ३, ठा० १०; —हारा न० (-स्थान)

જन्भ-8cपत्तिनं स्थान-संसार. जन्म--उत्पत्ति का स्थान-संसार the place of birth ટા ૧૦, (૨) આજાઈદ્વાણનામે દશાશ્રત-२३ंधनं ६शमं अध्ययनः दशाश्रतस्कंघ का आजाइट्राण नाम का दसवीं अध्ययन. the 10th chapter named Ajaitthana of Dashäsrutaskandha. ठा. १०, —हारा**ःभा**यरा न॰ ( —स्थानाध्ययन ) દશાશ્રતસ્કંધનુ અપર નામ; આચારદશાન सत्रतं १० में अध्ययन, दशाश्रुतस्कंव का दू-सरा नाम, श्राचारदशा सूत्र का १० वाँ अभ्ययन another name of Dasaśruta-Skandha, 10th chapter of Achāradaśā Sūtra সত ৭০: आजीव पु॰ ( त्राजीव - त्राजीवनमाजीव.) આછિવિકા; વૃત્તિ, રેાછ. श्राजीविका, वृत्ति; धन्दा. Livelihood प्रव ११४, (२) આછવિકા પુરતા દ્રબ્ય સચય. श्राजीविका के योग्य द्रव्य का संचय. wealth suffi cient for livelihood. स्य॰ १, १३, ૧૫; (૩) ઉપાયણના ૧૬ દેાયમાના ચાેથા દાેષ, જાતિ વગેરે જણાવીને આહારાદિ લેવા ते उपायण के १६ दोषों में का चोया दोष श्रर्थात् जाति वंगरह बनाकर श्राहारादि लेना. the 4th out of 16 Upāyana faults; accepting food after making one's caste etc known, the fourth of the 16 faults known as Upāyana. पि॰ नि॰ ૪૦=; (૪) ગાેશાલાના મતનું નામ. गोशाला के मत का नाम name of the creed of Gosala सग० ८, १, ( ५) गेशिशाना भतने। साध. गोशाला के मत का साध an ascetic of the creed of Gosala भग. ज, ४; पि॰ नि॰ ४४५; प्रव॰ ७३८; —भय. पुं॰ ( -भय ) आछिविशनुं लिय. आजीविका का भय. fear of maintenance. सम॰ १; प्रव॰ १३३४, —िवित्तिया. स्त्रो॰ (-चृत्तिता-जाति कुल गुण कर्म शिल्पानामाजीवनमाजीवनमाजीवत्तेन वृत्तिस्तद्द भाव श्राजीव वृत्तिता ) जति, कुल, आदि प्रकट कर के श्राहारादि लेना, उपायणा का चोथा दोष acceptance of food after making known one's caste, family etc; the fourth fault of Upā-yaṇa. दस॰ ३, ६;

श्राजीवग पु॰ (त्राजीवक) गेशसक्षानी साधु गोशाला का साधु. An ascetic of Gossilā creed. प्रव॰ ७३८;

श्राजीवग. पुं॰ ( श्राजीवग-श्रासमन्ताज्जीवंत्येनेनेत्याजीवोऽर्थीनेचयस्तंगच्छत्याश्रयत्यसावा जीवगः ) पैसानी भद्द. धन का मद्द.
Pride of wealth "श्राजीवग चेव
चडत्थमाहु से पंडिए उत्तम पोग्गले से"
स्य॰ १, १३, १४,

श्राजीवसा. स्री॰ (श्राजीवना) आછિ थि।. त्राजीविका, रुजगार. Lavelihood. पि॰ नि॰ ४३७,

श्राजीवि (श्राजीविन्) गेशिक्षानी शिष्य; गेशिक्षाना भतेना अनुयायी गोशाला का शिष्य, गोशाला के मत का अनुयायी. A follower of the tenets of Gośālā; a disciple of Gośālā बवा॰ ७, ३; (२) के साधु पातानी जाति, कुल, शिल्प तप श्रादि की प्रशंसा कर श्राहार मागनेवाला; पेटभरा साधु. an ascetio who in order to get food praises

his own community, family, conduct, austerity etc. 995.

याजीविक पुं. ( श्राजीविक ) જુ <sup>અ</sup>ો ઉपक्षे। शक्त, देखों " श्राजीवि " शब्द. Vide above. आंव॰ ४१:

श्राजीवियः पुं॰ ( श्राजीविक-श्रविवेकिकोकतो लव्धिपुजाएयात्यादिभिःस्तपश्चरणा दीन्या-जीवतीत्यांऽजीविकः ) शिशाक्षानी ગાશાલાના મતના અનુષાયી. गोशाला का साधु; गोशालाका अनुयाया. An ascetic of the creed of Gosala. सम॰ ३३: निसी० १३, ६३; पन्न० २०; भग० १, २; १४, १; उबा॰ ७, १८१; २१४;-उबासग. पुं. ( -उपासक ) गाशाक्षाना गोशाला के मत का a Śrāvaka of the faith of Gośālā. "तस्थ खलु इमेद्द्वालस आ-जीवियोत्रासमा भवति'' भग. ६, ५; -उवा-सय. श्र॰ त्रि॰ ( -उपायक ) शेशासाना भतने। श्रावक्त, नोशाला के सत का श्रावक. a Śrāvaka of the faith of Gośālā. ত্বা ৩, ৭৯৭; --समय. पुं॰ ( -समय ) गाशासानी। સિદ્ધાન્ત; ગાેશાલાના મતનું શાસ્ત્ર. गोशाला का प्रश्वित किया हुआ सिद्धान्त; गोशाला के मत का शास्त्र. a scripture of the creed of Gosala. " m-जीविय समयसणं अयमट्टे प्राचते " भग० ८१, १४, १; --सुत्त. पुं॰ ( -सूत्र ) भेशासान परु पेल सत्र. गोशाला का प्रकृतित स्त्र. a Sutra of Gosala's creed.

आडंबर पुं॰ (ब्राइम्बर) भे। ट्रं नणाई. वड़ा नगादा. A big kettledrum. श्रणुना॰ 95,4;

√ ऋाडह था॰ I. ( श्रा+दह) पालपुं. जलाना. To buin. 'भाडहति.' स्य० १ ५, २, ३; " थूलं वियायं सुहे श्राद्रहीत " **স্থাম্বা র্কা (** স্থান্তা ) પાર્ણીમા તરનાર એક

नतन् पक्षीः, पक्षी विशेष. पानां में नरने-वाला पत्ती: पत्ती विशेष. A kind of bird that can swim in water.

पञ्च ॰ १; पग्ह ॰ १, १;

श्राडोलिया. स्री॰ (अम्रादोलिया) नाना બાલકાને રમવાનું એક રમકડું. છોટે बालकी के खेलनेका एक खिलाना. A toy for young children. " एवं बहुए आदे जि-यात्री तेंदुसण् प्रात्तहण् साहीहणु...... अव-इरति. " नाया॰ १=:

√ आहोत. घा॰ II. (आ+टोप्) विस्तारीने भरतं. विस्तार करके भरना. To fill by expanding.

आहोवेत्ता भग० १, ६;

श्राहोच. पुं• (श्राटोप) विश्तार. विस्तार. Expansion. नाया॰ १; टवा॰ २, १०७; काम ० ३, ३५;

**ब्राहब्र-य.** पुं॰ ( ब्राहक ) यार प्रस्थ प्रभाशे धान्य भाष विशेष. धान्य नावनं का मान विशेष. A kind of measure of com. श्रोव॰ ३=; राय॰ २७२; प्रव॰ 9384:

त्रादर्. स्री॰ ( बादकी ) पुषरनुं अह. त्र का काइ. A kind of plant bearing corn called Tuvar. पन १:

ब्राह्म, पुं• (ब्राह्क) यार आदेश प्रभाषे धान्य भाष विशेष धान्य का माप विशेष. A certain kind of measure of corn तंड्० प० १४; श्रयुजो० १३२;

( अमारव्य ) अप्रंभेर्बु. श्रादसः त्रि॰ मारंभ किया हुआ. Begun;

menced. पिं॰ नि॰ ४६२; इ॰ प॰ ७, ४७: भग॰ ६, हः, सु॰ च॰ २, ४, ७:

आदत्तं. सं॰ कृ॰ भ्र॰ ( भ्रारम्य. ) आरं लीने. भारंभ करके. Having begun. परारा॰ १७;

√ श्रादाः भा• I. ( श्रा+ह ) आहर करवे। श्रादर करना. To honour; to respect श्रादाइ-ति. भग० ३, १; ६,३३; निवा• ६; नाया॰ १; ५; ६; १६; १६; राय॰ ७६, २२७; सूय० २७३७, उना० ७, २१५; निर० १, १;

श्राढंति नाया० २; १६; भग० ३, १; श्राढायंति. नाया० १; १४; भग० ३, २; श्राढाएजा. वेय० १, ३३; श्राढाहि. नाया० १४; श्राढाह. नाया० ६, भग० ३, १; श्राढायसाया. व० कृ० श्राया० १, ७, १,

श्रात्त. पुं॰ (श्रात्त ) धासीन्ध्वास श्राती-च्छ्वास Respiration. भग• ४, १; सू॰ प॰ =; (२) स प्यात आविधा પ્રમાણ કાલના એક વિભાગ, તન્દુરસ્ત માણુસના એક ઉ~છ્વાસ પ્રમાણના કાલ संख्यात-संख्यायुक्त आवालिका प्रमाण काल का एक विभाग, निरोग मनुष्य के एक श्वास-प्रमाख काल. a division of time equal to one breath of a healthy man. अगुजी॰ ११५; -- गाहण न॰ ( -प्रहरा ) प्राश्वायु (उच्छ्वास निःश्वास) ने ये। २५ पुरुगक्षनु अढ्खु ४२वुं ते प्राणवायु (श्वासोच्ड्वास) के योग्य पुद्रल का प्रहत्त करना taking in matter fit for respiration. " समयं श्राणागहणं " पञ्च १:

आएम्र. पुं॰ (म्रानत) मनमां देवले। इनु

नाभ. नीवें देवलोक का नाम. Name of the 9th Devaloka. প্রযাজী • ৭০४; श्रागंत्तर. त्रि॰ (ग्रानन्तर-ग्रनन्तरे भव श्रानन्तरः) अन्तर नृद्धि ते-निरंतर श्रन्तर न होना; अनन्तर--इतरेतर. Without interval; coming after immediately. श्राया॰ नि• १, १, १, २१; आरांद. पुं॰ ( आनन्द) आनन्द; हर्श. आनन्द; हर्ष; प्रमोद. Delight, joy. झाया॰ १, ३, ३, ११७; नाया० १, २; भग० ११, १९; उवा॰ २, ६१; ( २ ) એક અહેારાત્રિના ત્રીશ મુહ્તૈમાના ૧૬માં મુહ્તૈનું નામ; સમવાયંગ नी गणत्री प्रभाषो ११ मुं मुट्ते. एक ऋहोन रात्रिके तीस मुहुर्तीमें से १६ वे मुहूर्त का नाम; समवायंग की गिन्ती के श्रनुसार ११वां मुहूर्त the name of the 16th out of 30 Muhūrtas of one day and night; the 11th Muhūrta according to the calculation of Samavayanga. स्०प॰ १०: जं० प॰ ७, १४२; सम० ३०; (३) આવતી ચોવીસીના છટ્ઠા બલદેવનું નામ. श्रागामी चोवीसी के छट्टे बलदेवका नाम. the name of the 6th Baladeva of the coming Chovisi. सम॰ प॰२४२: ( ૪ ) શીતલનાથ સ્વામીના પહેલા ગણધર. शीतलनाथ स्त्रामी के पहिले गणधर. the first Ganadhara of Śītalanātha Svāmī. सम॰ प॰ २३३: (૫) ભગવાનું મહાવીર સ્વામીના અન્તે-वासी ओ शिष्य महावीर स्वामीका समीपवर्ति एक शिष्य. a disciple of Mahāvīra Svami, "समणस्य भगवश्रो महावीरस्स श्रंतेवासी श्राणंद नामं थेरे " मग० १४, १, ( ફ ) આણંદ તામે ગૃહપતિ કે જેને ઘેર ભગવાનુ મહાવીર સ્વામીએ બીજા માસ-

ખમણનું પારણું કર્યું હતું. श्रानंद नामक एक गृहस्य जिसके यहा महीवार स्वामी ने दूसरे मासखमण का पारना किया था. a householder named Ananda at whose house Mahāvīra had broken his fast of second - month भग० १४, १, (७) गन्धभाहन नाभना વખારાપર્વતના વસનાર દેવ. गन्धमादन नामक वखारा पर्वत पर रहने वाला देव a deity residing on Gandhamādana Vakhārā mountain. जं॰ प॰ (८) भरतक्षेत्रना ચાલુ ચાવીસીના છટઠા બલદેવનુ નામ भरत चंत्रकी वर्त्तमान चौवीसाके छट्टे बलदेवका नाम name of the 6th Baladeva of Bharata Ksetra in the present Chovisi (i e cycle) प्रवर १२२४, ( ૯ ) વાણીજ નગરના નિવાસી આચંદછ શ્રાવક: ઉપાસક સૂત્રના દશ શ્રાવક પૈકી પ્રથમ શ્રાવક, કે જેણે મહાવીર સ્વામી પાસે વત આદર્યા, શ્રાવકની ૧૧ પડિમા અંગીકાર કરી શ્રાવકપણામાંજ અવધિનાન પ્રાપ્ત કર્યુ, એક માસના સંથારા કર્યો-વિસ્તાર ઉવાર ના પ્રથમ અધ્યયતમાં છે त्यांथी लोही क्षेत्रा. वाणिज नगर का एक भानंदजी नामक शावक; उपासक सूत्र में वर्शित दस श्रावकों में का पहिला श्रावक जिसने महाबीर स्वामी से वत प्रहण किया था, श्रावक की ११ प्रतिमा श्रंगीकार करके श्रावक श्रवस्थामें ही भवधिज्ञान प्राप्त करके एक मास का संथारा किया, इसका विस्तृत वर्णन उवा॰ के प्रथम श्रध्याय में है name of a Śrāvaka of Vānij city, who practised vows by the preaching of Mahavira and accepted the

vows of a householder; he obtained Avadhijñāna while still a Śrāvaka and practised Santharo for a month. उना॰ १. १०; संस्था० ( १० ) ઉપાસકદશા સ્ત્રના **પહેલા અધ્યયનનું નામ. उपासकदशा सूत्र के** पहिले श्रध्ययनका नाम. the name of the 1st chapter of Upāsakadaśa Sutra. उवा॰ १, २; (११) अध्यत्तारी-વવાઇ સૂત્રના ७ માં અધ્યયનનું નામ. श्रयाु-त्तरोववाइ सूत्र के ७ वे श्रध्यायका नाम. the name of the 7th chapter of Anuttarovavāi Sütia. श्रगुत्त• ७; ( १२ ) ધરણેન્દ્રના રથની સેનાના अधिपति, धरगान्द्रकी रथसेना का श्राधिपति -नायक, commander of Dharanendra's army consisting chariots ठा॰ ४, १, — श्रद्भयण. न ( -श्रध्**ययन** ) ઉવાસગદસા સૂત્રના **પ**હેલા अध्ययननु नाभ. उवासग दसा सूत्रके पाहिले अध्याय का नाम. the name of the first chapter of Uvāsagadasā Sūtra डवा॰ १, (२) અधुत्तरीववार्ध सत्रना ७ मा अध्ययननुं नामः श्रकुत्तरो-ववाइ सूत्रके ७ वें अध्याय का नाम. the name of the 7th chapter of Anuttarovavāi Sūtra श्रगुत्त॰ ७; (૩) નિરયાવલિકા સત્રના ૨૦૧૧ વર્ગના नवभां अध्ययनतुं नाम निरयावलिका स्त्र के दूसरे वर्ग के नौवें श्रभ्याय का नाम. the name of the 9th chapter of the second section of Nirayāvalikā Sūtra. निर० २ ---कूड. न० ( -कूट-म्रानन्द नाम्नो देवस्य कूटमानन्द कुटम् ) शन्धभादत नाभे वभार। पर्वतनु सात्भुं शिभर, गम्तमादन नामक

वखारा पर्वत का सातवाँ शिखर. the 7th summit named Gandhamādana of Vakhārā mountain. जं॰ प॰ — रूय त्रि॰ (-रूप) आन-दरूप; आन-दभय प्रानंदरूप; प्रानन्दमय. full of delight. नाया. ६;

श्चाणंद्जीच पुं॰ (श्चान्न्दजीव) व्यावती हित्सिपिंशीमां थनार पेदाल नामना ८ मां नीर्थं ४२नं पूर्वे लावनं नाम; व्यानन्दनी व्यादमा. श्चाममी उत्सपिंशीके व वें तीर्थं कर का पूर्वभव का नाम, श्चानंद की श्चानमा. The name of the previous birth of the would-be 8th Tirthankara named Pedhāl of the coming Utsarpiņī; the soul of Ananda प्रव० ४६७;

आणंदरिक्क य. पुं॰ (धानन्द राक्कित) शे नाभना पारश्वनाथना ओह विवर सधु (स्थावर). पार्श्वनाथ स्वामाके एक (स्थाविर) साधु का नाम Name of an asoetic of Pārśvanātha, "तरथयां द्यायांद-रिष्णपु नामं धेरे" भग० २, ४;

श्रासंदा. स्ना॰ ( श्रानन्दा ) पूर्व दिशाना रूथड पर्वत अपर वसनारी आहमानी त्रीक दिशान दुमारिडा पूर्वादशा के रुचक पर्यतपर बसने-वाली आठ दिशा कुमारियों में से तासरी दिशाकुमारी. The third of the 8 Disākumārikās residing on the Rūchaka mountain of the East जं॰ प॰ ४, ११४; (२) सवधु-द्वीपना पूर्वना अलनड पर्वत अपरनी ओड साभ कोलन प्रमाध्य सांभी पहें। सी अने १० कोलन अंग्रेड वावनु नाम. लवसा-द्वीप की पूर्व दिशा के भजनक नामक पर्वत पर की पुर्व सावदी का नाम जो एक लाख

योजन लंबी बोर्डा और १० योजन उंडी है.

v. 11/5.

the name of a well one lac Yojanas long and broad and ten Yojanas deep on the Anjanaka mountain to the east of the Lavana-Dvipa. 970 9883; 210 4, 3; 5191 3, 4;

श्चार्ग्विश्च — य त्रि॰ (श्रानन्दित) आनंह भाभेक्षः आनन्ह युक्तः श्चानद पाया हुत्राः श्चानंदयुक्तः Joyous; delighted " हहु तृष्टु चित्तमायादिए" श्रोप॰ १९ः नाया॰ घ॰ भग॰ २, १, सु॰ च॰ ३, १२४ः कप्प॰ १, ४ः

न्नागुष्पत्नेउं. स॰ कृ॰ न्न॰ ( ४परीच्य ) परीक्षा क्रीने; तपास क्रीने. परीक्षा करके; जाच करक. Having examined. न्नोव॰ नि॰ ३६;

श्राणहाकिइ. त्रि॰ (श्राज्ञार्थाकृति-श्राज्ञाऽऽ-गमोऽर्थ राब्टस्य हेतु चचनस्याचि दर्शनाद्धीं हेनुरस्याः सा तथा विधाकृतिरर्थान्मुनि वेषा-त्मिका यस्य स श्राज्ञार्थाकृति ) भृति वेषता हेणाय वाली। मुनि वेषका दिखाव वाला。 (One) appearing like, looking like, an ascetic "श्राणहाकिइ पच्छए" उत्त॰ १८, ५०;

श्राग्राणः न० (श्रानन) भुभः भेाढुं मुखः A. face; a mouth. 'कुडल उज्जोद्दयाण्ये" नं० प० जीवा० ३, ४. पद्म० २; नाया० १; कष्प० २, ८४, ३, ३६;

त्रारायराहा न॰ (भान्पनार्थ) सायानेमाटे. लाने की In order to bring पचा० ७,३६;

न्नारातः पुं॰ ( श्रानत ) नवभां देवले। हनुः नाभः नीव देवलोक का नाम Name of the 9th Devaloka. जीवा॰ २:

त्राल्त. त्रि॰ (श्राज्ञप्त) आज्ञा आपेत; आदेश ६रेल, ६६म ६रेल. श्राकाणितः त्रादेशितः हुक्म किया हुन्ना. Ordered; commanded. पण्दः १, १; छ॰ च॰ २, ६, १३; विशे॰ १०६४, नाया॰ ६; १६; भग॰ ७, ६;

न्त्रागुत्त. न॰ (भन्याद) परश्पर लेह-सिभ पार्खु, लुहार्छ. परस्पर भेद; भिश्वता; जुदाई. Mutual separation; separation. राय॰ १६०; पश्च॰ १४: नग॰ १८, ३;

द्यायात्ति. द्यां ( याक्यात्ति ) स्थानाः ६३भः स्थादेश. त्राचाः हुक्मः व्यादेशः Orderः command. " व्यायात्तिय प्रवास्त्रिय य्वास्त्रिय प्रवास्त्रिय प्रवास्त्रिय प्रवास्त्रिय प्रवास्त्रिय ( -किक्कर ) स्थानाभावश्च ने।३२ व्याचानात्तक नौकरः an obedient servant. रु. प. ३, ४४ः

आर्णिकाया की॰ (काक्षप्तिका) आगाः कुश्मः शादेश काकाः हुक्म. Orderः command. विवा॰ १; भग॰ ७, ६; ६, ३३: नाया॰ १; मः १४: १६: नाया॰ य॰ क्रोव॰ २६: राय॰ २८: उवा॰ २, १०६: ऊं॰ प॰ ३, ४८:

श्राग्रापाण पुं॰ (भानप्राण्) अने श्वासीन स्थास प्रभाण अस. एक खासीन्द्रवास में जितना समय लगे उतना समय. Time required for a single breath. जीवा॰ ३, ४; — भारता. बी॰ (-भाषा) श्वासीन्द्रवास और भाषा ये वे पर्याप्ति. the development of the two faculties viz that of respiration and that of speech. क॰ प॰ ४, १५;

स्त्रागुष्य. त्रि॰ (श्राज्ञाष्य) केने आज्ञा-७३भ ६२ राश्य ने, आज्ञा ६४।पनार. जिमे स्राज्ञा दी जासके; याज्ञानुसार चलनेवाला. (One) carrying out an order: (one) who can be ordered. " भाग्यप्पा इवति दासावा " स्य• १, ४, २, १४;

√ त्राण्म. था॰ I. ( क्रा+क्रन् ) अध् धारख करना To live; to breathe.

भाषामंतिः समः १; भगः १, १;२,१; ः, ३३-३४; पन्नः ४;

कायममायः भग ६, ३३;

√ श्राण्य. घा• I. ( का+नो ) लावनुं; सध-आवनुं. ताना. To bring; to fetch. काखपड़. क• गं• ३, १२;

आगाय. पुं• ( बानत ) नवने। देवलाइ. नौर्वा देवलांक The ninth Devaloka. (२) नवभां देवसे। इन् विभानः नीवे देवलोक का विमान. a heavenly abode of the ninth Devaloka. भोव॰ २६; सम॰ १६: पश्च १: ठा । २, ३: उत्त० ३६, २०६: नाया॰ १; भग० ३, ५; ६, ५; १८, ७; विशे • ६६६; -- देच. पुं • (-देव ) नपभा રેવલાકના દેવતા કે જેની ૧૯ સાગરાપમની રિર્ચાત છે–એાગણીસ હવ્તર વર્ષે આહારની ઇ-આ અને ૧૯ ૫ખવાડિયે જે ધાસો-છવાસ स्ये छे. नौवें देवलोक के देव जिनकी श्राप १६ सागरोपम हैं और उद्यास हजार वर्षवाद जिन्हें त्राहार की इच्छा होती है तथा १६ पच ( धा माह ) बाद श्वामोच्छवास सेते हैं. the deities of the ninth Devaloka who live for 19 Sagaropamas, take food once in 19 thousand years and breathe once in 19 fortnights. भग॰ 26, 29;

श्राण्यण न॰ ( श्रानयन ) लढारथी साववुं ते. बाहर से लाना Bringing from outside. प्रव॰ २०४, प्रचा॰ १, २०; — च्ययोग. पु॰ (-प्रयोग) णाधेली ढहनी

पढारथी ५४ वस्तु भ गाववी ते, श्रावडना

हराभा प्रतने। प्रथमें अतियार नियत की

हुई मर्यादा के बाहिर से वस्तु मंगाना श्रावक
के दशवें वत का प्रथम श्रानिचार. the

first of the partial violations

of the 10th vow of a Śrāvaka.

पशा॰ १, २०, प्रव॰ २०४,

न्त्राणवण न॰ ( ग्राज्ञापन ) आहेश; अति-भाधन; अवर्तन त्रादेश, प्रवर्तन. Order; command. उवा॰ १, ४४;

श्राण्याण्या. स्री॰ (श्राज्ञापानिका) पापती आदेश-६ु६म ६२वाथी ६भेलंघ थाय ते; २५ द्वियाभांती ओक्ष. पाप के श्रादेश से कर्मवध होना, २४ किया में से एक. Incurring Karma by ordering some evil action ठा॰ २, १:

आणावर्गी. स्नी॰ (आज्ञापनी) आहा आप-पानी काषा, ०थपहार काषानी ओड प्रधार. स्राज्ञा करने की भाषा; ब्यवहार भाषा का एक भेद. A sort of language viz that of command. पन्न॰ ११; भग० १०, ३; प्रव० ६०१;

सय० २, ६, ४४, (२) आप्तेना अपहेश. श्राप्तका उपदेश. the teaching or advice of an authoritative person पत्रा॰ २, ३२; ( 3 ) भे,धि, सभ्यक्ष्त्व सम्यक्त right knowledge. पष ः १; (४) आहा व्यवहार. श्राज्ञा व्यवहार. Ajñāvyavahāra. ডা. ম, ২; মৰ॰ E६१, — प्रास्ता. त्रि॰ (-ब्रनुग) आताने थानुसरनार. श्राजा के श्रानुसार चलनेवाला. (one) who obeys, carries out, order. श्राजो॰ ४२; (२) आगभानुसारी श्रागम के श्रनुसार चलनेवाला. (one) who acts according to the orders ( of scriptures ). पंचा॰ १६, २६; -- अगुगामि. त्रि॰ (-अनु-गामिन् ) आशा ने अनुसरनार आज्ञा के अनुसार वसनेवाला. ( one ) obeying, carrying out, an order. अगुजो॰ २१, - इस्सरियः न० ( - ऐश्वर्य ) न्यादा **५रवामा. शैक्ष्यै-महत्ता. ऋाज्ञा करने** में पेभवं-महता power of ordering; power of command " श्राणा इस्त-रियंच मे " उत्त॰ २०, १४; --ईसर. पुं॰ (-ईश्वर-ग्राज्ञाया ईश्वर ग्राज्ञेश्वर) ६६भ ६२नार; भाजा ६२नार श्राज्ञा करने-पाला one having the power to command. सम॰ १=; ज॰ प॰ ३, ६६: --फंखि ति॰ (-काचिन्-चानामां-कांचितुं शांजमस्पेत्याज्ञाकांची ) सर्पाता ७ ५६ेश प्रभाणे व्यनुष्ठात ४२तार. सर्वज्ञ के उप-देश का श्रनुष्टान करनेवाला (one) abiding by the teachings of the omnisoient "इह आया कली पंडिए" श्राया० १, ४, ३, १३४, — कारि त्रि० ( -कारिन ) सर्वेशनी आज्ञा अभाषे वर्तनार-. सर्वज्ञ की आजानुसार दलनेवाला. ( one )

acting according to the orders of the omniscient. " एयस्य फलं भगियं द्वय धागाकाियां उसद्गस्य "पंचा॰ ७, ४४, -- मारि त्रि० (-कारिन्) धुर्वा-દિકની વ્યાસા પ્રમાણે વર્તનાર. श्राहाकाराः धाजा को मानने गुरू की (one) whosets according to the order of a preceptor etc. पंचा० =, १५;--िणिहेस. पुं० (-निर्देश ) विधिनिषेध नुं अतिपादन अर्धु ते विधिनिषेष का प्रतिपादन करना explanation of things commanded and things prohibited. () आताना २ शिश्र. आज्ञा का स्वीकार. acceptance of an order. " काणा णिदेस करे " उत्तर १, २; — शिहेसपर. पुंर (-निरेश-कर ) आज्ञानी आश्रधः, आजा स्वीधारनार त्राज्ञा मानने वाला. one who obeys, pays homage to, an order " श्राणा गिहेस करे " उत्तर १, २: -परतंत्तात्रि (-परतंत्र) तीर्थं ५२नी आहा ने आधीन तीर्थंकर की आजा के आधीन. obedient to the order of a Tirthankara. पंचा १६, १६; -पार्विति म्रां॰ (-प्रशृत्ति ) सर्वजनी आज्ञाने आधीन थध प्रवर्तन धरवं. श्राज्ञा के श्रतुमार चलना. acting according to the order of n Tirthankara. " आणाप्पविश्वश्लोशिय सुद्धे। एसीया श्रत्यहायियमा '' पंचा = =, १२; - ध्रम्तः त्रि॰ ( - बाह्य ) सर्वज्ञतीः आज्ञानी पढार; आज्ञा रहित सर्वज्ञ की त्राज्ञा के बाहिर, not commanded by the omniscient; outside the pale of things ordered by the omniscient, "समिति पनिति सम्बा थागा वामति भवतना वेष "पवा० ८,१३; - यलाभियोग. पुं - (-पद्माभियोग-प्राज्ञा-पनमाञ्चा भवतदं कार्यमेव तदकुर्वती बस्ना-रकारणं बला। नयोगस्ततत्रवाज्ञया सह बसाभि-योगा भाज्ञाबद्धामियोगः ) हु अभ अने णसा-तक्र रेने। अपयेश्य करवे। तेः हक्य और बलाकार का उपयोग करना. command accompanied with physical force. " बाणाबनाभियोगो जिगाधार्य य कपते काउं " पंचा० १२, ≈,—भ्रंग्न. पुं∙ (-भक्क ) सर्वतनी अज्ञाने। भंग सर्वज्ञ की धाना का भंग. breach of an order of the omniscient, पंचा॰ ४, ४४: -- इ. स्री (- मिंच ) सर्वश्तना पथन-કરમાનથી ઉત્પન્ન થયેલી રુચિ, સમકિતના ें अधार सर्वज्ञ के बचन से उत्पन्न रुचिः सस्यक्त का एक भेद. liking produced by the order, teaching, of the omniscient; a variety of night faith based on liking. श्रोव • इत्त• १=, १४; रा॰ ४, १; पंचा॰ ११, १२; प्रव० ६६ १; ( २ ) जि॰ तेवी रुथि साली; सभ-हितना दश अहारभाने। केह बसा रचिवाला; सम्यदत्व के दश प्रकार में से एक ( 0118 ) possessed of the above kind of liking भग २४, ७; उत्त १=, १४; --लीक्ष. पुं॰ ( जोप) थ ज्ञाने। भंभ क्षेप. भाजा का भंग. violation of an order. पि॰ नि॰ भा॰ २४; - चवहार-पुं (- व्यवहार ) शीतार्थ भे आथायां जुहे જાદે રથલે રહ્યા હાય; અવસ્થાને લીધે એક **બીજાની પાસે જઇ શકે એવી સ્થિતિમાં નથી** ત્યારે અગીતાર્થ પણ મૃતિ ધારણમાં કુશલ એવા ક્રાઇ શિષ્ય તે ગ્રપ્ત અર્થમાં અતિચારા ક્રહી ખીજાની પાસે માકલે: ખીજા આચાર્ય તે શિષ્યની મારકત પ્રથમ આચાર્યની ગ્રપ્ત શબ્દોમાં કરમાવેલ વ્યાસા પ્રમાણે પ્રાયમિત वर्गरे स्थे ते आज्ञा व्यवहार. शास्त्रवेत्ता दो श्राचार्य भिन्न २ स्थानोपर रहते हो: पर श्रवस्था के कारण एक दूसरे के पास न जा सकते हो श्रीर इसलिये एक श्राचार्य श्रगीतार्थी ( शास्त्र को न जाननेवाला ) परन्तु मति धारण मे कुशस शिष्य को गुप्त अर्थ मे अतिचार बतला-कर दूसरे के पास भेजे तब वह दूसरा श्राचार्य शिष्य द्वारा भेजी हुई प्रथम भाचार्य की गुप्त श्राज्ञा के अनुसार जो प्रायाधित खे बह श्राजा ह्यबहार, when two Acharyas well-versed in Śāstras, residing in different places cannot see each other on account of old age and one of them informs the other of his (other's) violations of right conduct in rather abstruse terms, through a d sciple, faithful though not well-versed in Sastras, and the other after receiving the message from the disciple performs the expiations ordered by the first the whole affair is called Ajñā Vyavahāra. प्रच० ६१, — विजयः पु॰ (विचय) अग्राननी આત્ર ના નિર્ણય કરવા તે; ધર્મ ખ્યાનના अथभ लेह भगवान की श्वाज्ञा का निर्याय करना; धर्म ध्यान का प्रथम भेद. contemplation of the authority of the teachings of scriptures; the first variety of religious meditation. भग • २४,७;--विराह्णा. क्रो॰ (-विराधमा ) सर्वज्ञने आज्ञानी विश-धना ५२वी ते. सर्वज्ञ की श्राज्ञा का मंग करना. offending against the order of the omniscient. que

१६, २८; —धिराह्याखुग. त्रि॰ (-बिरा-धनानुग ) आज्ञानी विराधना धरनार. आजा भंग करनेवाला (one) who violates, offends against, an " श्रासाबिराइशाश्रामेय पिय होति दट्टवं ' पंचा॰ १६, २८; — विवरीयः त्रि॰ (-विपर्शत) र र्षरनी आशायी विधरीत सर्वज्ञ की आजा से विषरात. against the order of the omni scient. " आचा दिवरीयमेव य किचि" पंचा॰ ६, ६: - सार. त्रि॰ (-सार) आप्त वयनने अधान भाननार. श्राप्त बदन को प्रधान माननवाला. (one) believing the words of an authoritative person to be above all things else. " श्राणासारं सुगोयध्वं " पंचा० ११, ६;

श्राणाश्रो. भ्र॰ (भ्राज्ञातः ) आहा थी. श्राह्म से By order, by the command of पचा॰ ४, १३;

श्राणांद्विश्वः न॰ (श्रनार्धिक) निर्याविधः।
स्त्रना त्रीन्न लागरूप पुष्पिः। स्त्रनुं नामः
निरयावािका सूत्र के तींसरे भाग स्वकृष
पुष्पिका सूत्र का नामः Name of the
Puspikā Sūtra forming the
third part of the Nirayāvalikā
Sūtra. निर॰ ३, १;

श्रागापाग. पुं. (श्रानप्राम ) श्वासीन्छ्वास. सिक्ष्रांगांच्यास. (२) श्वासीन्छ्वास. सिक्ष्रांगांच्यासे श्वासीन्छ्वास पिरामित काल. time required for one breath. विशेष ३६०; — पद्धांकि क्वां (-पर्याप्त) केथी श्व.सीन्छ्वास सध शडाय भेवी शक्ति. श्वासीन्छ्वास पर्याप्ति. जिससे श्वासीन्छ्वास विया जासके वह शक्ति; श्वासीन्छ्वास पर्याप्ति. respira-

tory power; power of breathing भग• ३, १; ६, ४;

आणापासु. पुं॰ ( भ्रानप्रास्त ) लुओ। 'श्रासापासा '' शण्ट. देखो '' आसापासा '' सन्द. Vide '' आसापासा '' भग॰ २४, ४; ठा॰ २, ४; जीवा॰ १; — पोग्गल परियट. पुं॰ (-पुद्गल परिवर्त) के। इती अ दश्ता अधा पुद्गल जुटा लुटा लियभां असी व्यास पर्शे केटला यभतभां कि अने भुद्दे तेटले। यभत. समस्त लीकिक पुद्रलों-परमासुभों को पृथक् २ भव-जन्म में रवास निरवास रूप से जितने समय में प्रद्रसा कर खोड़ा जाय उतना समय. the time taken for inhaling and exhaling in different births all the Pudgalas in the world भग॰ १२, ४,

श्चाणापासु--त्तः न॰ (श्चानप्रास्तव ) श्वासी-२७्वास पण्डं श्वासोच्छ्वासपन. State. condition of, respiration. भग• २४, २;

श्राणापासुत्ताः स्त्री॰ ( श्रानप्रास्ता ) न्युः शेष ७५२ी। शेष्टः देस्रो जपस्त्रा शन्दः Vide above. भग॰ १२, ४; २४, २;

आणम. (\*आणाम ) ६२७्व!स उच्छ्वास. Breath; breathing in. " एएनिय श्राणामं पाणामं वा उस्तासवा निस्तासंवा" भग० २, १;

आणामियः त्रि॰ ( ग्रानामित्त ) थे। र्रं नभा-वेलु-वांर् रेलुं कुछ नमायाहुग्राः Somewhat bent or inclined. श्रोव॰ १०; उवा॰ २, १०१;

श्राणामेत्त न॰ ( श्राजामात्र ) आहा मात्र श्राज्ञा मात्र. Mere order. " श्राणमेत्तिम सन्बहाउती. " पंचा॰ १४, २८; श्चात्ताय. रां॰ कृ॰ श्व॰ ( श्राज्ञाय ) न्तर्धाते; सभञ्जे. तानकर; ममककर Having known; having understood उत्त॰ २,१७;

त्र्राणिश्र—यः त्रि॰ ( भ्रानीत ) आणेुर्बु; सावेस लाया हुन्ना. Brought. भग• ३, ३३; मु० च० ४, ८२, नाया॰ ९;

आर्गील ति॰ ( भानीत) आणेुंं तायाहुत्रा.
Carried; brought प्रव॰ २७७, ६२०;
आर्गीश्च. पुं॰ ( श्रानील-श्रा-इवामील श्रानील: ) थेटी नीलेशिंग, डं४५ नील-भाभ.
कुछ नीला रंग Blue tinge, faint
blue colour " भागीलंच याथयं स्याने

श्रायकंषियः त्रि॰ ( भानुकम्पिक-भनुकन्पया चरतीय्यानुकन्पिकः) अनुरंभा हरनारः; दयाक्षु. द्यावान , दयालु Compassionate. भग• ३, १, १४, १ः

श्रासुगामियः त्रि॰ ( घानुगामिक—गण्छुन्तं पुरुषमासमन्तादनुगच्छुग्येय शीनः श्रनुगामी-श्रनुगाम्येवाऽनुगामिकं ) आंभनी पेरे રવામિની સાથે સાથે જનાર અવધિત્તાન; ઉત્પન્ન થયું હેાય ત્યાંજ ન અટકી રહેતા સાથે સાથે જઇ ખાેધ કરાવનાર અવધિજ્ઞાનના એક प्रकार, श्रांख के समान साथ २ रहने वाला भव-थिज्ञान; महां उत्पन्न हुदा हां गहीं न रहकर साप साथ जाने और जान कराने वाला श्रवधिशान का एक भेद. A sort of Avadhijñāna i e visual knowledge so-called because it accompanies the possessor like his eyes. ' সান্ত-गामित्रोणुगच्छइ गच्छनं ' नंदा० ६; '' से किंत श्रागुगासियं श्रोहिनाण दुविहं ए॰ त॰ श्रंनगय मक्तगपंच ' नदां० ६; विशे० ४७७; ( ર ) ઉપાર્જિત પાપપુરયનું છવની સાથે आववुं ते. उपार्जित पापपुराय का जीव के

साय आना. the soul's being accompanied with its good and bad Karma. आया॰ १, ७, ४, २१५;
—भावः पुं॰(-भाव) पछ्याउँ यासनारने। साय-अनुधूसताः भानगामीका भाव, अनुयायी का भाव the attitude of (reverence) of a man who is a follower स्य॰ २, २, २६;

आगुगामी अ—य-ता. ज्ञां ( श्रनुगामिकता )
भवे। भवे। साथे भावे तेवुं सुभ. भवोभव
—प्रत्येक भव— में साथ रहने नाला सुज्ञ.

Happiness which accompunies
a man in all his births. भग • ६;
३३, श्रोव • २७; स्व • ७९; दसा • ४, ६०,
आगुगामित्त. ज्ञां • ( श्रानुगामित्त )
लुभे। अपने। शण्ट. देखो ऊपरका शब्द.

Vide above. नाया॰ १, भग॰ २, १; आगुत्तग् न॰ (भानत्व) धासो-व्यास-पणु. श्वासो-ब्य्वासपना. Respiration; breathing in and out क॰ प॰

۹, ۹७,

श्चाणुष्ट्य न० (श्वानुष्ट्यं) अनुक्ष्मः परिनिध्याः श्वानुष्ट्यं) अनुक्ष्मः परिनिद्याः क्रमः Serial order; succession. स्य० १, २, ३, १३; नाया० १; ६; ७; श्वांव० — स्युजायः त्रि॰ (-सुजात) अनुक्ष्मे-सारीरीते अन्ति थयेथे. श्रद्धी तरहसे-श्रनुकमसे उप्तज well born; born in proper order. "श्वाणुष्ट्यसुजायरह स्वट भाव परिण्या" नाया० १; ४; श्रोव०

द्यासापुरिवा. त्रि० ( त्रानुपूर्वीग-त्रनुपूर्वी कमस्तंगच्छतीत्यानुपूर्वीगः ) ६भसर. ६भ- थार. कमशः कमानुसार. In proper order. " द्यासुप्रिविग मारसो पव्यकासुस भाव करसांच " द्याया० १, ६; १, १०६; त्रासुपुर्वी, स्री० ( ग्रानुपूर्वी पूर्वस्य पश्चादनु

पूर्व तस्य भाव ग्रानुपूर्वी ) अनुध्म. પરિપારી; પાર્વાપર્ય ભાવ श्रनुकम; क्रमशः Proper order; proper succession of one thing to another. (२) विषिष्ट २ थना. विशेष प्रकारका रचना. a particular kind of arrangement. " भ्रागुपुब्विय संखाए " श्राया॰ नि॰ १, १, १, ६, १, ६, ६; भग॰ १, ६; २, १, ६, ३; ७, १, १४, १; २४, २; द्स॰ =, १; उत्त॰ ३, ७; पि॰ नि॰ ७=; नंदी॰ ३६; श्रगुजो. ७"; राय॰ ज॰ प॰ सूष० ९, ४, ९, ६; प्रव० ६६६; ८८४; નામકર્મની એક પ્રકૃતિ ( વધુ વિવેચન માટે भुन्भा " प्राणुपुन्विणाम " शण्ड ) नामकर्म की एक प्रकृति (विशेष वर्णन देखने के लिये देखो 'ब्राशुपुन्वियाम' शन्द) (vide also 'श्राग्रपुन्निसाम') a division of Nāma Karma. क॰ गं॰ ६, ६; पन्न॰ २३; —गंठिय. त्रि॰ (-प्रधित) અનુકમે ગુધેલ. अनुकम पूर्वक गुंथा हुआ. knit in proper order. " श्रागुपुद्धि गंडिया" भग• ४, २; - गाम. न० (-नामन् ) नाभः र्भनी એક પ્રકૃતિ, કે જે બલદને નાયની પેઠે છવ-ને જે ગતિનું આયુષ્ય ઉદયમાં આવ્યું હાય તેજ ગતિમાં લઇજાય: બીજી ગતિમાં જવા ન आपे तेवी नामडर्भनी એક પ્રકૃતિ. नाम-कमें की एक प्रकृति जो कि बैल के नाथ के समान नीव की जिसगातिका उदय होवे उसी गति में ले जाय. a variety of Nāmakarma which perforce carries a man to that condition of existence to which his matured Ayuşya has entitled him. प्रव॰ २८३; —िनिहारि. एं॰ ( -विहारिन् ) प्रमल्या अलने अनुसरी भेषभनी ते ते भिंथा **५२ना२ प्रव**ज्या-दीचा

काल के श्रांतुसार संयम की क्रियाएँ करने नाला. one performing the necessary ascetic practices enjoined after taking Dikṣā. श्राया॰ नि॰ १, ७, १, २७३;

आणुलोमिश्रा न॰ (श्रानुलोमिक) भधुर पथत; अनुभूत पथत. मीठे वचन; मनाहर यचन; श्रनुकून वचन. Pleasing and charming speech " वहज बुद्देहिण्मागुलोमियं" दश्र॰ ७, ४६;

स्प्रांग्यब्द. त्रि॰ ( ग्रानंतस्य ) क्षाप्याने ये २५. लाने के योग्य. Worthy of being brought. मु॰ च॰ =, ३०७ जं॰ प॰ २, ३३;

स्राणोह. पुं॰ ( घ्राज्ञीय-घ्राज्ञाया घ्रासोपदेश-स्योघः सामान्यम् ) सभ्यग् ६शंत रिहत स्थारा भात्र. सम्यग्दर्शन रिहत द्याज्ञा मात्र. Words of the omniscient not accompanied with right किंth. 'घ्राणोहं गाणंता मुद्धा गेवेज्ञगेसु-द सरीस " पंजा॰ १४, ४८;

स्रात. पुं॰ ( श्रात्मन् ) आत्मा. श्रात्मा. Soul "लड् विहाणं मंते श्राता प॰ त॰ गोयमा श्राद्धिहा.....दिवयाता कसायाता जोगा-याता उवश्रोगाता" भग० १२, १६; १५. १; २०, ३; दस० ४; ठा० १;

आतंक. ५० ( आतक्ष-आ-सामस्येन तक्ष्मु-यान्त कृष्ट्यजीवितमातमानं कुर्वन्तांत्यातक्षाः) अवसेशु रेाग, शक्ष जेरीताव वजेरे प्राणा हारि रोग. A fatal disease. भग० ६, ३३, श्रोव० ६९; (२) रे गेनी परीषद्ध. रोगका परीपह. trouble given or caused by disease. उत्त० १०, २७; — दंसि. पुं० (-दर्शिन्) शारीन्डिया भानश्चि हु:भं क्नेनार (क्नयुनार). शारीरिक या मानसिक दु:ख जाननेवाला. (one) having knowledge of physical or mental pain. श्रायाः १, ३, २, ४; — संप्पश्रोगः पुं॰ (न्यमयोग) रेशनी संपन्ध रोग का सम्बन्ध connection of disease. — संप्पश्रोगसंपउत्त. पुं॰ (न्यमयोग संप्रवृक्त) रेशना संप्रध्यी क्येडावुं ते; आर्त्रध्यानी ३ को भेद रोग के सम्बन्ध से संयुक्त होना, श्रात्तेच्यान का तामरा भेद. meditating upon disease. श्रीय॰

√ श्रातंचः धा॰ I. ( श्रा+नण्च् ) थे।४८वुः भसल्युः चिपदना, मसलना. To rub: to apply.

ष्टायचइ. रवा• ३, १३०; ष्ट्रायंचामि. रवा• ३, १२≈;

स्रातंब. त्रि॰ (त्राताम्र) थे हे। सास; करी रातुं. इन्ह नलास वाना. Reddish. श्रोब॰

श्रातवरुक्तयण न० (भाताम्राध्ययन) नाता-धर्मक्ष्याना शील श्रुतरुक्ष्या ७ भां वर्गना शील अध्ययननुं नाम के लेगां खुर्यनी अग्र-भांद्रधीना विस्तार भूषंक देवाल छे. ज्ञाता धर्म कथा के दूसरे श्रुतस्कंघ के ७ वे वर्ग के दूसरे श्रुध्याय का नाम, नियम कि सूर्य की पहराणी का विस्तृत वर्णन है. The name of the 2nd chapter of the 7th part of the 2nd Sruta-Skandha of Jñātā—Dharma—Kathā. in which is related the account of the principal queen of the sun. नाया॰ घ॰ २; ७: २;

भाततः न॰ ( द्यान्त ) संशाधः लंगाई. Length. लं॰ प०

त्रातपः पुं॰ (न्नातप) नाम धर्मनी ओड प्रधृति डे जेना बिध्यी छवने स्वरूपयी गरम नांद्व है।वा छता बिष्णुना अने प्रधारा आप-नार शरीर मक्षे जेम सूर्यभंडसगन पृथ्वि-क्षायिड छनः नाम कर्मका एक प्रकृति जिसके उदय से प्रकाश देनेवाला शरीर मिलता है जैसे की स्पांतंडलगत पृथ्वीकाय के जीव. A kind of Nāma Karma by the rise of which the soul which is not hot by nature gets a body which gives light and heat, e. g. a soul having earth-body in the sun पश २३,

द्यातपत्त न॰ (घातपत्र) ७२; ७२ी. छतरी
An umbrella जं॰ प॰.

√ श्रानच. धा॰ II ( श्रा+तप् ) आतापना सेनी. श्रातापना लेना. To practise austerity by enduring cold, heat etc.

श्रायावयति. दसा० ३, १२; श्रायाविज्ञा वि० दस० ४; श्रायाविह. श्रा० दस० २, ५,

भाषावितए हे॰ कृ॰ श्राया॰ १, ७, ३;

२१०; वेय० ५, २२; श्रातावित्तए हे० कृ० कप्प. ८;

मायाचेत्तए हे० कृ० नाया० १६, कप्प० ६, ५२:

श्रायावेमाण. व० क्त० नाया० १; १६; भग० २, १;३,१,६,३१,१४,१;१६,३;

थातावेमाण. व० कृ० थ्रोव० ४०,

श्चातच पु॰ ( श्चातप ) भेशश, तेर्रो। प्रकाश; उजेला. Light, sunshine. ठा॰ २, ४; विशे॰ २२४२, (१) એ नामनुं એક अहारानि के २४वें मुहूर्तका नाम. name of the 24th Muhūrta of the period of a day and a night. सम॰ ३०; — साम. न॰ ( -नामन् ) अुओ। " श्चातप " शे॰६. देखी " श्चातप " शब्द vide " श्चातप ". प्रव॰ १२७६; क॰ गं॰ ४, ६६; — सिवाय पुं॰ ( -निपात-श्चातपस्य-धर्मस्य नितरांपाती अ. 11/6

निपातः) गरभी थवी; भधारे। थवे। गर्मी होना. coming of heat, " प्रायवस्स निवाएणं प्रवत्ता हवह वेयणा " उत्त॰ २.३५:

श्रातववंत. पुं॰ (श्रातपवत्) ओ नाभनु अहीरात्रनुं २४ भुं भुदुर्न श्रहोरात्रि के २४ वें मुहूर्त का नाम Name of the 24th Muhūrta of the period making up a day and a night. जं॰ प॰

श्चातवा स्त्री॰ ( श्चातपा ) सूर्यनी अश्च भिर्द्धिनी नुंनाभ. सूर्य की श्चित्र पटरानी का नाम The name of the principal queen of the san सू॰ प॰ १८;

श्चातवाभाः स्री॰ (श्चातपाभा ) প্রঐ।
"श्चातवा" शण्ट देखा 'श्चातवा '' शब्द
Vide. "श्चातवा." जीवा॰ २,

आतावग. पुं॰ ( धातापक-धातापयस्याताप-नां शीतातपादिसहनरूपां करोतीस्यातापकः) आतपना सद्धन धरनार; स्र्यंनी आतापना देनार. घातापना सहन करनेवाला. One who practises the austerity of bearing the intense heat of the sun. ठा॰ ४;

श्राताचण. न॰ (श्रातापन) आतापना क्षेत्रीते. शीत, उष्णता श्रादि से शरीर को कष्ठ देना Practice of austerity by enduring intense heat, cold etc. ठा० ३; दस॰ ४; — भूमि स्री॰ (—भूमि) आतापना क्षेत्रानी क्षेत्र्या. श्रातापना लेनेका स्थान. a place for practising austerity by enduring heat, cold etc. निर्॰ ३.३;

स्रातावणया. ही॰ (ग्रातापनता) लुओ।
" धातावण " शण्ट. देखा " धातावण "
शब्द Vide ' म्रातावण " ठा० ३.

श्रातावि. पुं॰ (श्रातािषम्-श्रात्तपयति श्राता पनां शीतातपादिसहनरुगां करोतीत्यातािषे) ताप, शीताहि सक्षन धरनारः ताप शीत, श्रादि को सहन करनेवाला (One) who endures heat and cold. ठा॰ ४; कप्प॰ =,

श्रास्तिरहा. त्रि॰ ( घ्रास्तीर्या ) पाथरेक्ष, भिछा-वेक्षं, विद्याया हुन्ना. Spread. भग०१,१; श्रातीय. त्रि॰ ( श्रातीत-श्रासमन्तादतीवइ-तो ज्ञात भातीत. ) सर्वत्र स्पत्य त क्यांसेस. सर्वत्र श्रात्यन-श्रतीवरूप प्रतीत होता हुआ. Felt excessive everywhere. ( २ ) ( शासामस्येनातीतोऽतिकान्तः श्रातीतः ) सभभ्त પણે ઉલ્લંઘી ગયેલ. सम्पूर्णतया उलांघा हुआ. wholly, completely, crossed. श्राया॰ १. ८, ৬, २२६; -- ह त्रि॰ ( - ছার্ছ ) कें छ প্র માજીવ માદિ સર્વ પદાર્થ જાણ્યા છે તે. जीव प्राजीव शादि मने पदार्थी को जाननेवाला. (one) who has known fully sentient as well as insentient things. (२) तभाभ व्यापारथी निवृत्त थ्येश. समस्त व्यापारसे निवृत्तः ( one ) retired from all activities. श्राया० १, 🖶, ७, २२६,

श्रातुर त्रि॰ (श्रातुर) व्याप्टसः तीत्रालिसाधी.
व्याकुल, तड़फड़ाता हुश्रा. Afflicted;
intensely longing. श्राया॰ १, १,
६, ४१; भग॰ १६, ४; नाया॰ ४, (२)
विषय ४षाय आहि हेष्युक्त. विषय,
कषाय श्रादि दोषों सहित. full of
faults such as passions etc,
श्राया॰ १, १, २, १४,

श्रातोडिक्कमार्गः त्रि॰ (श्रातोधमान) वगाऽ-वाभा आवतु. वजाया जानेवाला. Being played upon सूय॰ २, ४, ११; ष्ट्रातोद्द. पुं॰ (धातोष) वाकात्र. वाजात्र A musical instrument. जीवा॰

श्रात्त. पुं॰ (धारमन् ) आत्मा; ७५. श्रात्मा; Soul. सूय॰ १, २, २, ३०; (२) शरीर, देख. शरीर; देह. body. जीवा० ३; (३) २५५; भेरते. खद; स्वयं. oneself. स्य॰ १, १३, ३; — उव-क्तम. पुं॰ ( -उपक्रम-भ्रमाप्तकात्तस्यायुपो निर्जरणं, भारमनास्वयमेवायुप उपक्रम थात्मोपक्रमः, श्रात्मन उपक्रमोत्रा ) भेरतानुं ઉપક્રમ-અપ્રાપ્તકાલ આઉખાનું નિર્જર્ણ. उपक्रम-ग्रसामयिक त्रायुष्य का श्रात्माका निर्जरण. Nirjarā of one's own unfinished life period. भग॰ २०, १०; — भाव. पुं॰ ( -भाव ) સ્વાભિપ્રાય; સ્વછંદપણું. स्वेच्छाचार; स्व-च्छंदता. wilfulness; self-will. "जे श्रात्ताभावेगा वियागरेजा'' स्य॰ १, १३, ३, --रक्खश्र. पुं॰ (-रक्क) भेाताना સ્વામિના શરીરનું રક્ષણ કરનાર દૈવતાની એક न्तर; भात्म-रक्षक देवता. श्रपने स्वामी की रचा करने वाले देवों की एक जाति; आतम-रजक देव. a kind of deities who protect the body of their lord. जीवा० ३, ४; — हिन्ना. न० (-हित) आत्मेश्रेय, आत्म-५६याश. श्रात्मकल्याण. welfare of the soul. " आत्तिहयं ख दुहेरा लब्भद्द " सूय० १, २, २, ३०;

आतिकयः त्रि॰ (आत्माकृत) भीरनीरनी भेढे आत्मानी साथे ओडमेड डरेक्ष. आत्म- सातिकया हुआ; दूध और पानी के समान आत्मा के साथ एकता की हुई. Made one with the soul like milk and water विशे॰ १;

च्चादंस. पुं॰ क्री॰ (भ्रादर्श ) એક જાતની

िष्पी. एक प्रकारकी लिपि. A particular kind of script; (२) अरिसे।. दर्पण, शीशा. व mirror. पञ्च॰ १, — घर. न॰ ( -गृह ) अरीसाने। धर. शीश-महज्ज. a house of mirrors or looking-glasses. जं॰ प॰ ३, ७०;

श्चादंसगः पुं ( श्चादंशक — प्रासमन्तात् हरयते भारमा यस्मिन् स भ्चादर्शः सएव भ्या-दर्शकः ) अरीसे। दर्पणः A mirror. 'भ्रादंसगंच पयच्छाहि''स्य० १,४,२,११ः श्चादंसिश्चाः स्री० (श्चादर्शिका) भाद्य विशेषः એક જાતના भावानाभदार्थः खाने का एक पदार्थ विशेष. An eatable substance: a kind of food. जं० प०

√ भ्राद्द. घा॰ I. (श्रा+दर्) अ७७ ४२वुं; क्षेतुं; आश्रान ४२वुं. प्रहण करना; लेना. To take; to accept.

श्चाययइ. उत्त० ३२, २६; श्चाययंति. श्चाया० १, ७, १, १६६; विशे. १२२८: उत्त० ३, ७;

श्राययमाण्. पिं० नि० १०७;

পদ্ন০ ৭৩;

स्त्रादर. पुं॰ ( श्रादर ) आहर सत्कार. आदर-सत्कार. Hospitality. ठा॰ ६;

आदर्ण नं॰ (आदर्ण) स्वीक्षर. स्वीकार. Acceptance. भग॰ १२, ४;

श्रादिरस पुं॰ ( श्रादशं ) लुओ। "श्रादंस" शण्ट. देखों "श्रादंस" शब्द. Vide. "श्रादंस". श्रोव॰ १७; जं॰ प॰ २, ३१;

श्रादस्स लिवि स्री॰ ( श्रादशीलिपि ) अक्षर विभिन्नांनी ओक श्राठारह लियीश्रों में से एक. One of the 18 scripts. सम॰ १८;

श्रादहरू. श्रोव० ३०; श्रादहित्ता. श्रोव० ३०;

√ आदा. धा. I. (आ+दा) श्रेष्णु ४२वुं प्रह्मा करना. To accept; to take. आदियइ उवा॰ २, १२१; सूय॰ २, २,

श्राइयइ बेय० ४, २५; निसी० १६, २४, २६; श्राइयंति. स्य० २, १, १६; श्राइयंति. स्य० २, १, १६; श्रादिए. वि० उत्त० २४, १४; श्रादियन्त. व० कृ० स्य० २, २, २३; श्राइसु. सं० कृ० श्राया० १, ४, १, १२६; श्रादियायेन्ति. पुं० स्य० २, २, २३; श्राइयावेन्ति. प्रे० स्य० २, १, १६;

श्रादारा न० (श्रदहरा) आधणु श्राधन.
Boiling water "श्रादारा मरियंसि
कढाह्यंसि" उवा० ३, १२६; — मरियाश्रि० (-शृत) आंधरणु थी भरेस गरम
जल से भरा हुआ. filled with boiling water. "श्रादारा मरियंसि कढाहयंसि श्रह्होमि" उवा० ३, १२६;

श्रादाग्. न॰ (श्रादान) क्षेत्रं; अढ्छ ५२वुं लेनाः प्रहण करना. To take; to accept. सूग० १, १६, ३; उवा० १, ४१; ग्रोव० १०; १७; भग० २०, २; उत्त० २४, २; प्रव॰ १०७८, (२) કર્મનું ઉપાદાન કારણ. कर्म का उपादान कारण. the efficient cause of Karma. "ध्यादायाई स्रोगंसित्तंविजं परिजाणिया " सूय० १, ६, १०; --फिलिह प्तं० (-परिघ ग्रादी-यते द्वारस्थगनार्थे गृह्यत इत्यादानः स चासौ परिघश्चादानपरिघः ) भारला अंध **५२**यानी लेशिय द्वार बंद करने का श्राहा. चटकन. a bolt of a door. जीवा॰ ४, परह० १, ४; -- भंडमत्तनिक्खे-वणा सामिइ. स्री॰ ( -भाएडमाय्रतिन्त-पर्णासमिति ) ७५१२७ आहि युत्ता- પૂર્વક લેવાં મુકવાં તે; સાધુની પાંચ સમિતિ-भानी याथी समिति यत्नाचार पूर्वक उपकर्ण श्रादि का उठाना रखना, साधु की पांच समिति में से चोथी समिति. fulness in taking up and laying down implements or articles of use; the 4th out of 5 Samitis of ascetics. 310 %. सम० ४; —भंडमत्तनिक्खेवणा समिय त्रि॰ ( -भागडमात्रनिचेपणासमित ) लंड ઉપગરણ વસ્ત્રપાત્રાદિ જતનાથી લેનાર મુકતાર; પાંચમાંની ચાથા અમિતિ પાલનાર साधु. उपकरण श्रादि को यत्नाचार पूर्वक उठाने रखनेवाला साधु; पांच में से चोथी समिति पालने वाला साधु (one) who is careful in handling clothes vessels etc: a Sādhu who observes the 4th of the 5 Samitis (carefulness) 270 0; सम० ४, भग० २, १,

श्रादाणयाः त्री॰ (श्रादान-स्वार्धेताप्रत्ययः) अह्य करना. Acceptance. ठा॰ २,

श्रादाशिकारमायण न० (श्रादानीयाध्ययन)
स्वग्रांग सूत्र ना अथम श्रुत २ इंधना १ ४
मां अध्ययनतुं नाम. स्यगडांग सूत्र के
पहिले स्कंध के १ ४ वें श्रध्याय का नाम
Name of the 15th chapter
of the first Srutaskandha of
the Süyagadanga Sütra. सूय०
१, १६;

स्त्रादाणीयः त्रि॰ (स्त्रादानीय) आहेषवयन,
के पथन सर्वभान्य थाय ते. स्त्रिदेय वचन;
सर्वमान्य वचन. Speech which is
acceptable to all. सम॰ १६; काप॰
६, १४;

श्रादाय. सं० कृ० श्र० (श्रादाय) लधने; अक्षण् ४२ने. लेकर, महण करके. Having taken. दसा० ४, ४१; भग० १४, १; सूय० १, ४, १, १०;

स्त्रादायाः पुं॰ ( थ्रादातृ ) अक्ष्णु धरनारः स्वीधारनारः ग्रहण करनेवाला (One) who accepts विशे॰ १५६०;

म्रादि स्त्री॰ (म्रादि) कुले। "म्राह " शण्ट. देखो " म्राई " शब्द. Vide " म्राइ ". दसा॰ ७; १: सू॰ प॰ १;

न्नादिकर. पुं० ( न्नादिकर) लुओ "न्नाइगर" शण्ट. देखो " न्नाइगर" शब्द. Vide " न्नाइगर" सूय० २, २, ४१;

श्रादिगर. पुं० ( श्रादिकर) लुओ। "श्राइगर" शल्ह. देखो " श्राइगर" शहर Vide "श्राइगर". नाया० १६, भग० १, १; ७, ६; १८; २; राय० २२;

स्रादिजा ति॰ ( स्रदिय ) लुओ। "श्राहजा" १७६ देखों " श्राहजा" शब्द. Vide 'स्राहजा" पराह॰ १, ४;

न्त्रादिष्ठ पुं॰ ( श्रादिष्ट ) लुओ 'ग्राइट' १.५६. देखी " ग्राइट्ट" शब्द. Vide " श्राइट्ट" भग॰ १२, १०;

स्रादिय पु० (म्रादिक) लुओ। 'म्राइ' शण्डिं देखों 'म्राइ' एाब्द. Vide "म्राइ" भग० १३, ४, १८, १०; २८, १; उवा ०१, २६;

न्नादिल ति॰ (न्नादिम) जुओ "न्नाइल" शण्ट देखो "न्नाइल "शब्द. Vide. "न्नाइल "भग० ७, २; १०, १; १३, ४; १५, ८; २४, १; २४, १; २२; २६, ११;

आदिल्ल शि॰ ( श्रादिमिक ) প্রতী।
" ग्राइल्ल " शण्ड देखी " श्राइल्ल " शब्द.
Vide "ग्राइल्ल" भग॰ ४, १,

न्त्रादिसगः त्रि. (न्नादिमक) लुःशे। "न्नाइन्न' शण्द देखो " न्नाइस्न" शब्द Vide " न्नाइस्न' भग० २४, १;

श्रादी. स्री॰ (श्रादी) गगामा भवती ओड नहीं. गंगामें मिलती हुई एक नदीं. Name of a river which flows into the Ganges. ठा॰ ४, ३;

श्राद्रीण जि॰ ( श्रादीन ) लुओ " श्राईण "
शण्ह देखो " श्राईण " शब्द Vide
" श्राईण " —िवित्ति ति॰ ( -वृत्ति )
लुओ " श्राईण वित्ति" शण्ह देखो
" श्राईण वित्ति " शब्द Vide " श्राईण वित्ति " शब्द Vide " श्राईण वित्ति " भ्राईण वित्ति वकरेति पावं "
स्य॰ १, १०; ६;

खादेजा. पुं॰ ( श्रादेय ) लुओ। " श्राएउजन् गाम " शम्द. देखों " श्राएउजगाम " शब्द. Vide. " श्राएजगाम " पन्न १३; जीवा॰ ३, ३; जं॰ प॰ — चक्क. पुं॰ ( -वाक्य ) लेना वश्न श्राह्म छे ते जिसका क्यन श्राह्म हो वह. one whose words are worth accepting. सूय॰ १. १४, २७;

श्रादेयवयण न० ( श्रादेयवचन ) अ७७ ५२वा थे।२५ वयन. प्रहण करने के योज्य वचन. Words worthy of accept-गाटम दसा० ४, २७;

श्रादेस. पुं० (श्रादेश) लुओ। "श्राएम" शिक्ट. देखो "श्राएस" शब्द. Vide "श्राएस" पत्र० १८; पत्र० १८; भग० १४, ४;

श्राधा. स्त्री॰ (श्राधा) भास साधुनेभारे अक्षारादि अताववा ते खास साधु के लिये श्रहारादि का बनाना. Preparing food etc. specially for Sādhus. ठा॰ ३; — कम्म. न॰ ( -कम्न-श्राधानमाधा साधानिमित्तं चेतसःप्रणिधानं तस्या. कम्म पाकादिकिया श्राधाकमें तथोगाञ्चकाधप्याधा-कम्म) साधुनेभारे आक्षार आहि ५२वां ते;

भास साधुनेभारे थनावेल आहाराहि लेवाथी साधुने लागते। यो होष. साधु के लिये आहारादि बनाना; साधु के लिये बनाये हुए आहार आदि लेनेस साधु के लगनेवाला एक देए. a sin incurred by a Sādhu by taking food specially prepared for him. ठा. ३;

স্পান্থাर. पु॰ ( স্পান্থার ) আধার-আপ্রথ; ১টা. স্পাপ্তব; স্পান্থার; टेका. Means of supporting; support. মग॰ २०, २; বি৽ নি৽ ५৬; ত্তবা৽ ৭, ६६;

श्राधारिएजि त्रि॰ (श्राधारिए ) धारेणु १२वाने थे। २५. धारेणु करने के योग्य Worthy of being put on or accepted. नाया॰ १६;

√ श्राधाव. धा॰ I (श्रा+धाव्) हे।ऽवुं. दौडना. To run.

श्राधावंति. भग० ३, १; श्राधावमारा, नाया० १:

न्त्राधि. पुं॰ (न्नाधि) भानसिक पीडा. मानसिक पीडा. Mental pain; agony of mind. भग॰ १, १;

श्राधुाि्य. पुं॰ (श्राधुनिक) अक्ष्यासी अक्ष-भानी पांचभी भक्षाअक्ष. प्रव में से पांचकों महामह. The fifth great constellation of the 88 constellations. स॰ प॰ २०;

श्राधोधिय. पुं॰ ( श्राधावधिक) अभु अभ्यान्त्रेश रहे अपुं अवधिज्ञान; अवधिज्ञानेना अक्षेत्र अक्षेत्र किसी नियत स्थानपरही रहनेवाला श्रवधिज्ञान; श्रवधिज्ञान का एक भेद. A variety of Avadhijñāna remaining confined to a certain place. भग० ७, ७; १४, ७; १०; सम० ३६;

স্মানব पुं॰ ( খ্যানন্द ) আনন্দ্ৰ-ক'শুદ্বীদনা

ભરતહ્વેત્રમાંથનાર ચ્યાઠમાં તીર્વકરના પૂર્વ क्षवनुं नाभ. जंबू द्वीपके भरत चेत्र में होने वाले श्राठवें तीर्यंकर के पूर्व भव का नाम. Name of the previous birth of the would-be eighth Tīrthaṅkara in the Bharataksetra of Jambudvīpa. सम॰ पं॰ २४१;

√श्चानम. धा॰ I. (श्चा + नम्) नभवुं; મર્યાદાથી પગે પડવું; તાળે યતું; नम्रीभूत होना; मर्यादापूर्वक पैरों पदना; आधीन होना. To bow before; to submit to.

धानमीत उत्त० ६, ३२;

√ भ्राने. शा॰ II. (धा+नी) आश्वुं. लाना. To bring.

घ्याग्रीमि. पिं० नि० ४६६:

द्याग्रेष्ट. घा. भग० ६, ३३;

शायोहि - भ्रा० श्रोघ० नि० भा० ४१; नाया०

द्मायाहि. श्रा० सूय० १, ४, २, ११;

भागिउन्नप् क॰ वा॰ व॰ प्र॰ ए॰ पिं॰ नि॰ ५०७, विशेष २, ३६;

भागिजात. क॰ वा॰ व॰ कु॰ सु॰ च॰ १४, ४: प्रव० = १६;

**√श्राञ्चव.** धा॰ I,II. (थ्रा+ज्ञा–िराच्) अवृत्ति धराववी; ७ुध्म धरवे। प्रवृत्ति करना; Toश्रादेश करना. order: command.

भागवह. सु० च० २, ३०६:

भाषावेद्द. विवा॰ ४, ६; राय॰ ४७; सु० च० २, १६०; दुसा० १०, १; नाया •

म, १६; जं० पर ४, ११४;

भागवयंति. स्य० १, ४, १, ७;

भागवेह. श्रा० नाया० मः

षायावेत्ता, सं० कृ० नाया० १६;

धागावेमागा. ब० छ० स्य० २, २, ३२; प्र६; दसा० १०, ३;

श्रागाविज्जद्व. क॰ वा॰ राय॰ २६५;

√ श्रापज्ज. धा॰ I. (श्रा+पव्) भाभवुं: भेणवर्तुं. पाना; प्राप्तकरना. To got; to

obtain; to acquire. श्रापज्ञह्. उत्त० ३२, १०३;

श्रापण, पुं॰ ( श्रापण ) हुशन; हु।ट. हुकान; हाट. A shop. भग॰ ४, ७; नाया॰ १;

(२) शेरी. गली. street. जीवा॰ ३; √ श्रापा. घा॰ II ( श्रा+पा ) भीतुं. पीना. To drink.

श्राविश्रद्द. दस० १, २;

श्राविष् भा॰ उत्त॰ १०, २६;

 $\sqrt{\, m{arkappa}}$ પ્રાપી $_{m{\cdot}}$  પાપીટું) મસલતું; પીડતું; २ग८मं; मसलना; दुःखदेना; रगहना. То press; to oppress; to rub.

श्राघीलहु, भग० १४, १;

श्रावीलए, श्राया० १, ४, १, १३७; श्रावीतिज्ञा दस० ४:

श्रावीलियाण. सं० छ० श्राया॰ २, १, **⊏, ४३**;

√ श्रापुच्छ. धा॰ I. ( श्रा + प्रच्छ ) पु७वुं; प्रश्न धरवे। पृद्धना; प्रश्न करना. To ask;

श्रापुच्छ्रइ नाया॰ ४; ८; १४; १६; मग०

११, ६; १२, १; उवा० १, ६६;

ष्प्रापुच्छामि. नाया० १; २; ५२; १**२**; भग० ६, ३३; १८, २; नाया० घ०

श्रापुच्छामो. नाया० १६;

श्रापुच्छुठ. उवा० १, ६८;

to question.

श्रापुच्छेह. भग० १८, २;

श्रापुच्छिता. नाया० १; ५; ६; १३; १६;

उवा० १, ६६; दसा० १, २२;

मग० ३, १; विवा० ७;

ब्रापुच्छेसा. नाया० =; भग० १=; २;

श्रापुच्छेत्ता नाया० २; म; भग० १म, २; श्रापुच्छह्ता. भग० ११, ६, १२, १; १५, १; नाया० ५; १५; १६; १म; श्रापुच्छिऊत्या श्रोघ० नि० भा० १३, म; सु० च० ४, ३६; श्रापुव्छिऊं. कप्प० ६, ४६;

श्चापुच्छुग्, न॰ ( श्राप्रच्छनं ) पुछवं ते; प्रश्न इरवे। ते पूछ्ना; प्रश्नकरना. Questioning. नाया॰ ६;

श्चापु च्छुगा. स्नि॰ ( श्चाप्रच्छुना ) पुछ बुं ते, प्रश्न स्वाः ते. पूछना; प्रश्नकरना. Questioning. भग॰ २४, ७; नाया॰ १२; श्चापु १०, १, १; पंचा॰ १२, २; (२) विनयपूर्वे शुरुपासे आज्ञा भागरी ते; हस साभायारीभांना ३ की प्रधार. विनयपूर्वे गुरु से श्चाज्ञा मागना; दस सामाचारी में का ३रा भेद. Respectfully asking the command of a preceptor; the 3rd of the ten Sāmāchāris. "शापुच्छुगाय तह्या चडरथी पिंड पुच्छुगा" प्रव॰ ७७३; उत्त॰ २६, २;

आपुच्छािएका त्रि॰ (श्राप्रच्छनीय ) पुछ्या थे।२थ. पूछने योग्य Worthy of being asked or questioned. नाया॰ १, ७; उना॰ १, ४;

आपुराणा. त्रि॰ (आपूर्ण) पुर लरेल पूर्ण भरा हुआ. Full to the brim; filled completely. पन्न० ३६.

आपूरमाण. व॰ छ॰ त्रि॰ ( श्रापूर्यमाण ) पाणी वगेरेशी पूर्ण लशतुं. पानी वगेरह से पूर्ण भरा हुआ. Being completely filled with water etc. भग॰ १, ६; ३, ३;

श्रापृरिय. त्रि॰ ( স্থাपृरित ) মর্থা। पूर्वे । पूर्णे अरायेक्षं मर्याटा पूर्वेक पूर्ण भरा हुन्ना Filled to the brim. " जाहेसं वंजणमापूरियं होइ " विशे० २५०;

श्रापूचियः त्रि॰ (श्रापूपिक) भूरी के भास भाष्या थनावनारः पृद्धी या मालपुत्रा वनाने वालाः (One) who prepares buns. नदी॰

श्चाफालित्तार. ति॰ ( श्चास्फालायेतृ ) এগাও-নাং. बजानेवाला. ( One ) who plays upon a musical instrument. स्य॰ ২, ২, ४४;

न्नावाहाः स्त्री॰ ( न्नावाघा ) भीताः पीदाः Affliction; pain; trouble. भग॰ ४,४; १४, १; जीवा॰ ३, ३; वव॰ ४, १४; विवा॰ ६; जं॰ प॰ २,२४; माया॰ ४:५:

श्राभंकर. पुं॰ (श्रामहर) એ नाभाने। ८८ अढ भाने। ६८ मे। अढ. == प्रहों में से ६= वें प्रह का नाम. Name of the 68th constellation out of 88. सू॰ प॰ र॰; ठा॰ २, ३; (२) शील देवलाइना એક विभाननुं नाम. तीसरे देव लोक के विमान का नाम. name of the heavenly abode of the 3rd Devaloka. सम॰ ३:

आभक्छाण्. न॰ ( अभ्याख्यान ) भेाटे। आक्षेप भुडवेा; डबंड यहाववुं. फूंठा आरोप करना; कलंक लगाना. False accusation; falsely charging a person with guilt. उना॰ १, ४६;

ध्याभट्ट त्रि॰ ( श्राभाषित ) भे। सावेस.

बुताया हुचा. Called; spoken to. विशे॰ १६०६; सु॰ च॰ ६, ४४;

श्राभरता. न॰ ( घाभरता ) धरेला; अलंधर; આબૃપણ गहना; श्रलंकार; श्राभूषण. An ornament; an embellishment पत्हर १, ३; श्रायार २, ४, १, १४४; श्रगुत्रो० १०३; निसी० ७, ११; सम० १, २३१, स्०प० १; उत्त० १३, १६; घोव० ११; जीवा० ३३; नाया० ४: २: ५: १=; भग० ३, २; ३, ७; १६, ४: पञ्च० २, उवा० १. ३१; कप॰ ४, ६२; (२) पु॰ ऄ નામના એક દ્વીપ અને એક સમુદ્ર एक द्वीप श्रौर एक समुद्र का नाम. name of an island; also that of an ocean. जंक प० ३, ४४; पन्न० १४; जीवा० ३, ४; अध्यजो० १०३; -- प्रालंकार. पं॰ (-प्रालं-कार ) धरेखागांध पढेरवा ते. गहना का पहिनना putting on ornaments ठा. ४, ४; भग० ६, ३३; — श्रक्तंवित्य त्रि॰ (-श्रलंकृत) आભूप**्। પ**હेरेस; આભ્રપણાથી અલંકત. શ્રામુવળો से श्रलंकृत, सुशोभित. adorned; ornamented नाया० १२; मग० २, ४, नाया० घ० (२) આભૂપણથી શણગારેલ દેહ. ત્રામું તો તં सिनगारा हुआ शरीर. body adorned with ornaments. भग॰ ६, ३३; — वित्तः त्रि॰ (चित्र) लुधी २ जातना આભરણ, વિચિત્ર પ્રકારના આભરણ, निल निज प्रकार के आभूषण. various kinds of ornaments. जीवा॰ ३: —धारि त्रि॰ ( -धारिन् ) आलरख पहिरनेवाला (one) who puts on ornaments. नाया॰ =; —वास. स्री॰ ( - वर्षा ) મુદ્રિકાદિ આભૃષણોની વૃષ્ટિ, आभूपणो की वर्ष a shower of

ornaments. कष्ण ० ५, ६७; — विचित्त.

ति (-विचित्र) लुद्दा लुद्दा अधारना धरेखां. भिन २ प्रकार के गहने. various kinds of ornaments. "आमरणीया श्राभरणविचित्ताणिया" श्राया २, ५, १, १४५, निसी० १, ७, ११; १७, १२; — विद्वि. पु० (विधि) धरेखां जनावे और पहिनने का विधि. वाहने यनाने और पहिनने का विधि. art of making and putting on ornaments. "श्राभरणविद्वि परिमाणं करेइ" वा० ६, ३१; नाया० १; श्रोव० ४०; श्राभवं श्रा. (श्राभवम् ) अय पर्यंत; ७-६भी पर्यंत. जीवन पर्यंत. Life-long. पंचा० ४, ३४;

श्राभा स्त्रं॰ (धाभा) धान्ति, तेण; प्रसा. कान्ति, तेज. Lustre; light. जीवा॰ ३, ४; राय॰ ७८; भग० १२, ४; (२) आधार; ७भी. श्राकार, छवि. form; picture. पन्न॰ २; जीवा॰ ४;

श्राभाकर. पुं॰ (श्राभाकर) से नाभनुं त्रीका देव क्षीडनुं सेड विभान तिसरे देवसोक के विमान का नाम Name of a heavenly abode of the third Devaloka. सम॰ ३;

आभाग. पु ( श्राभाग ) पिंडिवेड्णनुं अपर नाभ पांडिलेइन का दूसरा नाम. A synonym of Padilehana i. e. proper examination of clothes etc. श्रोष नि॰ ६३;

श्राभागि ति॰ (श्राभागिन् ) लागीहार; हिस्सेदार. दिस्सेदार. A sharer, a partner पिं॰ नि॰ २, १; नाया॰ १=;

म्राभासियः पुं॰ (श्राभाषिक) से नामना ५१ संनद्धीप माना सेष्ठः इस नाम का ४६ श्रन्तरद्वाप में से एकः Name of one

of the 56 Antaradvipas. (२) त्रि॰ ते व्यन्तर द्वीपमां रहेनार भतुष्य. श्रामाविक नासक श्रंतरद्वीप में रहने-षाला मनुष्य. (a person) residing in the Antaradvipa called Abhāsika; ठा॰ ४; जीवा॰ १, ३; ३; (३) पुं॰ એ નામનાે એક દેશ. इस नाम का एक देश a country of this name (४) त्रि॰ ते देशमां रखेनार भन्ध्यः भ्रेन्छनी स्रेड ज्यतः श्रामाषिक देश में रहने वाला सनुष्य, एक म्लेच्छ आति. (a person) residing in the country called Abhāsika; a kind of Mlechchhas. पत्र॰ १, परहर १, १; —दीव. पुंर (-द्वीप) લવણસમુદ્રમા ચૂલહિયવંત પર્વતની ડાઢા अपर ने। अ नामने। ओड द्वीप. लवण समुद्र में के चूलाहिमबंत पर्वत के अन्तरीय पर बसा हुआ द्वीप. name of an island on the Chūla Himavanta mountain in the Lavana ocean. " कहियां भंते दाहि शिक्षाणं श्राभासिय मग्रायां श्राभासिय दीवे नामंदीवे "जीवा० ३, ठा० ४, २, पञ्च० १:

श्राभासी ह्यां (श्राभाषी) आलाधिक द्वीप नी रहेवासी स्त्री श्राभाषिक द्वीप में रहने बाली ह्यां. A female inhabitant of the Abhāsika island जीवा करे

श्राभिश्रोग पुं॰ ( श्राभियोग्य-श्रासमन्ताद् युउपन्ते प्रेष्यकर्माणे व्यापार्य्यन्ते इत्याभि-योग्याः) ने १५२ देवता; व्यालियोशिक काति के देव देवता नोकर देव, श्राभियोगिक जाति के देव A kind of subordinate gods acting as servants; gods of the Abhiyogika kind. परह० १, २; भग० १६, २; १८, २; ५० प० १,

१२: नाया० ५: (२) ( प्रक्रियोग साज्ञा प्रदामसम्बारिका अस्तारियाभियोगी माभियोग्यम् ) ने। ५२५७ ; सेव ५ साव रावकः पनाः सेवकत्व. servitude दस० ६, २, ४; जं० प० ४, ११२; ११४, —परासात्तिः स्री० (-प्रज्ञित ) विद्याधरनी रंगे । विद्या विद्याधर की एक विद्या. an art or a branch of learning possessed by Vidyādharas. " संकामाणि श्राभिश्राम परणाति गमिण्यंभिणसुय घरकुसु विज्ञाहरीसु विज्ञास विस्स्यजसे " नाया॰ १६; —सिंडि स्री॰ ( - श्रेशि ) वैताक्ष पर्वत उपर विद्याद ना શ્રેણિયી ૧૦ જોજન ઊંચે અલિયાગી દેવતા-ने रहे यानी करण्या वैताह्य पर्वत के कण्य विद्यावर श्रेगी से १० योजन ऊचा श्रमियोगी देवों का रहने का स्थान. an abode of Abhıyogi deities on the Vartādhya mount ten Yojanas in height from the Vidyadhara Śreni. जं० प० १, १२;

आभिन्नोगा स्तं ( श्राभियोगा ) विद्याधर्ती को विद्या विद्याधर की एक विद्या A. branch of knowledge or an art possessed by Vidyadharas. नाया १६:

आभिश्रोगिश्र—व. पुं॰ (श्राभियोगिक— प्राभियोगः प्रयोजनमस्येति ) ते। ५२ हेव-तानी ओं अलतः, उत्तरता हेवनाः नोकर देवों की एक जाति, निम्न श्रेणी के देव. A kind of subordinate deities. 'श्राभिश्रोगिए देवे सहावेह '' जीवा॰ ३ः श्रोव॰ ४९, नाया॰ ६, १४, राय॰ २६, ३४, भग० १४, २ः (२) विद्या, भंत्र, वशी ५२०।, आहि अभियोग्धर्भ ५२नी२ साधु. विद्या, मंत्र, वशीकरण श्रादि श्रभियोग कर्म करने-पाला साधु a Sādhu who practises charms, incantations etc. निवा॰ २; जीवा॰ ३; सग० १, २; पन्न० २०; जं० प॰ ४, १५२; —सस्त्रय. पुं॰ ( - चय--प्रयोजनमस्येत्याभियोगिकम् परतंत्रता फलं तस्य छयो विनाश धामियो-गिकचयः ) अलिये। १ - ५२तन्त्रना आपनार धर्भते। नाश. परतंत्रता देनेवाले कर्मी का नारा. destruction of Karmas which bring on dependence as their fruit. जं० प० ४, ११२, ११४; पंचा० १२, ७; ---देव. पुं० (-देव) અલિયાગજાતિના નીંચા દેવતા. શ્રમિયોમ जाति के हलके देव. a subordinate kind of deities styled Abhiyogika. नाया॰ घ॰

स्रामिगगहियः त्रि॰ (प्रामिमाहिक-प्रभिगृद्यत इस्मिभेत्रहस्तेन निर्वृत्त श्राभिम्नहिकः ) अभि ગ્રહ્થી કાર્યાત્સર્ગાદિ કરનાર; અભિગ્રહ ધારણ हरीने हाउस्पा वर्गेर हरवा ते. अभिमह धारण करके कायोत्सर्गादि करनेवाला. (One) who practises Kāusagga after taking certain vows. पंचा॰ ४, ६; आमिणियोहिय. न॰ (ग्रामिनिनोधिक-प्रधी-भिमुखो बोध छाभिनियोधः सप्वाभिनियो-धिकम् ) भतिसानः भन अने धिरिपथी थतं જ્ઞાન; જ્ઞાનના પાંચ પ્રકારમાં ના પહેલા अधार. मतिनानः मन श्रीर द्वाद्रयसे होनवाला शान; शान के ४ भेदों में से पाइला भेद. Matijñāna; knowledge derived through the five senses and the mind; the first of the 5 varieties of knowledge. "सेकितं धाभि-णिवेष्टियणाणं भाभि० दुविहं प० तं० सुय निस्सियं शसुयानिस्सियं च " नंदी० श्रोव० १६; श्राणुजो॰ १२७; उत्त० २८, ४; ३३, ४; ठा० २, १; विशे० =० पत्र० १, --लिंड

स्री॰ (-लिघ) भतिज्ञाननी सिष्ध-प्राप्ति. मितज्ञानकी प्राप्ति. attainment of Matijnana. भग॰ ८, २;

श्वाभिगिवोदियगागु. वं॰ ( श्वाभिनिवोधिफ-ज्ञान ) लुओ। " श्राभिगियोपिय " शण्ह. देखी " थाभिगियोहिन " शब्द. Vido " प्रानिधिबोहिय " ठा॰ २, १; घगुनी॰ १; भग० १, ५; २, १०; , ६ ४; ८, २; नंदी० १, विशे० ७६; श्रोष० सम० २५; —पज्जवः ष्ठं॰ (-पर्यंव ) भतिज्ञानना पर्याय मतिज्ञानका पर्याय. modifications of Matijñāna. भग॰ E, 2; 3X, ४; — हाद्धिया. स्री॰ ( - लाब्यका) भित-ज्ञाननी क्षिधः मतिज्ञान की प्राप्ति. acquirement of Matijñana. भग = , ३; --- स्रावरणः न॰ ( -भावरण ) भतिशाना-વરણીય; મતિજ્ઞાનને દુષ્યાવનાર मित्रानावरणीयः मित्रान को इंकनेवाला Karma which obscures Matijñāna. सम॰ १७: - आवराखिल. न॰ (-प्रावरणीय) भनिशानावरणीय ५र्भः भतिज्ञानने अटडावनार ज्ञानावरखीय डर्मनी એક પ્રકૃति. मतिज्ञानावरगीय कर्म; मतिशान को न होने बेनेवालो ज्ञानावरणी कर्म की एक ਸ਼ਣਰਿ. a variety of knowledgeobscuring Karma, preventing Matijñāna. भग० ६, ३१; — विणय. पुं॰ (-विनय) भतिशानने। विनयः मनि-शान का विनय. Vinaya or austerity of Matijnana. मग॰ २४,७; —सागारोवश्रोगः पुं॰ ( -साकारो-पयोग-अर्थाभिमुखो नियतः प्रतिस्वरूप को बोधो बोधिदशेषोऽभिनिबोधोऽभिनि. योध एवाभिनियोधिकं तम्ब तज्ज्ञानद्य तदेव साकारोपयोगः तथा ) भतिज्ञान३५ साधारी-भेषाग-विशेष ६५थाग मतिज्ञानरूप विशेष उपयोग. definite, particular knowledge in the form of or through Matijñāna. पण्च० २८; आभिगियोहियगागि. पुं० (श्राभिनियोधिक ज्ञानिन्) आसिनिशेधिक भतितानवासा. श्राभिनियोधिक मतिज्ञान नाला. (One) possessed of Abhinibodhika Matijñāna. भग० ६, ३; ८, २; १८,

आभिष्पाद्दश्च. त्रि॰ ( आभिप्रायिक ) व्यक्तिप्रायदार्बु; व्यक्तिप्राय युक्त. श्रमिप्राय वाला. Having a definite aim or purpose. श्रगुजो॰ १३१;

आभियोग. पुं॰ ( आभियोग ) कुश्ने। " आभि-श्रोग " शण्ट. देखो " श्राभित्र्योग " शब्द. Vide. " श्राभित्रोग " ठा० ४, ४; भग॰ ३, ५;

श्राभियोगत्ता. स्री॰ (श्राभियोग्यता) નાકસ્યાકરપણું; સેવા ભાવ; નાેકર દેવના-५७ं; नोकरचाकर पन; सेवकरव; नोकर देवपन. State of being a servant or a servile deity. " चर्डाई ठायोहि जीवा श्रमियोगत्ताए कम्मं पगरिति " ठा० ४; आभिसेकः त्रि॰ ( श्राभिषेत्रय ) राज्यालिषेड કરવા યાગ્ય, જેના અભિષેક કરવામાં आविछे ते. राज्याभिषेक करने योग्य; जिसका श्रभिषेक किया जाता है वह. (One) to be crowned king, (one) to be made king with proper ceremony. " चाभिसकं हत्थिरवर्ण पदि कप्पह '' जं० प० ग्रोव० २६; राय० १५६; आभीरी. हो॰ ( ब्रामीरी ) आहिरणु. श्रहीरनी; श्रहीर जाति की स्त्री. An Abhīra female. नंदी॰ ४४;

√श्राभोत्र. था॰ II. (\*श्रा+भाग=श्रा+भुज्)

कीवं हेभवं देखना. To see. (२)
काश्वं, जानना. to know.
आभोइए. कप्प० ४, १०६;
आभोएइ. राय० २६४; दमा० १०, ११;
जना० ६, २४४; नाया० ६; ६;
भग० ४, १; १६, ४; जं० प० ४,

आभोएति. जं॰ प॰ ४, ११२; आहोयंति. भग॰ ३, १; आभोएमि. भग॰ ३, २; नाया॰ ८; आभोएहिति. भग॰ १५, १; आभोएता सं॰ कृ॰ नाया॰ ९; आभोहत्ता. सं॰ कृ॰ नाया॰ ८, भग॰ ३, २;

१४, १; दस० ४, १, ८६; श्राभोएमाग्य. व० कृ० नाया० २; ८; १३; भग० १६, १; नाया० ध०

श्राभोश्र-य. पुं॰ (श्राभोग) ग्रान; समक्र्षु. ज्ञान; समज. Knowledge; understanding. दस॰ ४, १, ८६; विवा॰ १;

श्राभोग. पुं॰ (श्राभोग-श्राभोजनमाभागः) ઉપયાગ विशेष. उपयोग विशेष. A particular kind of attentiveness or carefulness. স্ব॰ ৭৭৭৯, (২) মান; सभर्थ: भूषर. ज्ञान: समज. knowledge, information. भग॰ ७, ६: पत्त १४; पि० नि० ५७७; ठा० ४. १; ૧૦; (૨) જાણી સુત્રીને કરેલ પ્રવૃત્તિ. जानवूमकर की हुई प्रशत्ति. activity consciously performed. ११६८; (४) पिश्तार विस्तार. extent नाया० १; — उभागः न० (-ध्यान श्राभागा ज्ञानपूर्वको व्यापारस्तस्य ध्यानम् ) द्यानपूर्वें अयापारनुं ध्यान. ज्ञान पूर्वक ब्यापार का ध्यान. contemplation of conscious activity. श्राउ॰ — शिह्य त्तिय. त्रि॰ ( निर्वितित ) जांधी भुरीने

अरेलुं जानवृक्तकर किया हुया. performed consciously or purposely.
भग॰ १. १, (२) वैशानिक देवतानी क्रीध विशेष, क्रीधनु परिधाम ज्ञाख्या छतां पछ्य भरेल क्रीध. वैमानिक देवों का क्षीध विशेष, क्रीधन परिणाम जानते हुए मी किया हुया क्रीय anger of heavenly deities 1. e anger inspite of a knowledge of its results. ठा॰ ४३ — बउस्म पु॰ (-- बकुरा) आले। श-ज्ञाधीन देप लगाव्हार साधु जान ब्राकर दोप लगावे पाला साधु an ascetic consciously incurring sin ठा॰ ४, ३; भग॰ २४, ६,

श्राभोगरा. न० (\* धामोग) विश्वारखा. विचारसा, विचार. Thought; reflection नंदी० ३१;

श्राभोगग्या. स्त्री॰ ( श्राभोगम ) हिं।; विश्रारक्षा. ईहा; विचारणा Thought; reflection. नंदी॰ ३१;

श्चाम त्रि॰ (धाम ) अप्रतः श्रायुः धपकः कचा Raw, unripe. वेय॰ १, १; सु॰ च॰ ७, १८३; पिं॰ नि॰ १७; पग्ह॰ १,३, (२) संदेश आक्षार. दोव सहित चाहार. food involving sin. आया॰ १, २, ४, ८७; — श्राभिभूय. त्रि० (- ર્જ્યામમূત ) અપરિપકવ રસથી પરાભવ पाभेक्ष त्रिना पके हुए रससे पराभव पाया ह्या. overpowered by raw essence. विवा॰ ७; —गंध. पुं॰ ( –ગત્વ ) આધાકર્મ આદિ દેાવ. भाभाकमें व्यावि दोष a fault such as Adha Karma etc. " सन्दाम-गंधं परियाय यिरामगंधी परिष्त्रप्" श्राया० १, २, ५, ४७; — साग. न० ( – હામ ) કાર્ચું પાંદડું; અર્ધું પાક્યુ

અર્ધું કાચ્ તાંજંલજા વગેરેનું પોંદકું कचा पता, a raw, unripo loaf. " सेनं पुण जागेजा धामरागं घा " धाया• =, ४६; — महाग. ( -मझक ) અપકવ-કાચા શરાવલા. कचा भिद्रामा प्याचा a raw earthen bowl नाया॰ ६; -- महागरूव. त्रि॰ (-महकरूप) અપક્વ શરાવલા જેવું; કાચા શરાવલાની भें हें तरत पुटी ज्यय तेवुं. क के प्याने के समान जल्दी फूट जानेवाला. fragile like a raw earthen bowl नाया है; नेंद्र • -- महर, त्रि॰ ( - मधर ) **ध**युं छतां स्वाहमां भधुर, कचा द्वीनंपर भी स्वाद में मिए. raw yet sweet (e. g. fruit ). " आमे णामं पूरो आममक्तरे " ठा० ४, १;

ख्यामञ्च पुं॰ ( खामय ) राग, रोग, रामारी. Disease. पि॰ नि॰ ४४६:

आमश्च त्रि॰ (श्वामक ) स्थित प्रतु; अथी-अप्यासी परतु सचित्तवस्तु; मर्जाव-वस्तु. Raw; (a thing) having life in it दस० ३, ७;

√ श्रा-मंत. धा॰ II (श्रा+मंश्+ाण ) संभेा-धन अरी भेालाववुं, आभंत्रध्य करवुं, ने तरं आपवुं. संवोधनपूर्वक मुलाना; श्रामंत्रण करना, नोता देना. To call out to; to invite,

श्रामंतेष्ट्. श्रोव० २६; विया० ३; नाया॰ १; ७; १८; भग० ११, ८; १४, १; श्रामंतेमि. नाया० १२:

भामंतित्ता. नाया० ७; भग० ३, १, १४ ७; १४, १; निर० ३, ३; दसा० ४, ६; उना० २, ११६; दसा० १, १; ठा० ३, २; उना॰ ६, १, ७४; धामंतिता. नाया० १४, १४, मग० ११, ६, १४, १; श्चामंतेऊया नाया० १४; श्चामंतिय सं० क्व० स्य० १, ४, १, ६; श्चामंतेमाख व० क्व० श्चाया० २,४,१,

श्चामंतरा. न॰ (श्चामन्त्रग् ) सणेधन. संगोधन. Vocative address; calling out to. ठा॰ =, १; (२) आनंत्रणु, ने।त३ निमत्रगा; ने।ता. invitation. सु॰ च॰ ३, ११३,

आमंतणी स्त्री॰ ( प्रामन्त्रणी ) हे हेवहत्त !

धत्याहि संभाधनरूप साथा; व्यवहार साथाता

ओह अहार. संवोधनरूप भाषा Language

of address in the vocative

case; a variety of conventional

speech. प्रव॰ ६०९; भग॰ ९०३; पष्ठ॰
९९; प्रणुजो॰ १२६; (२) संभाधन

अर्थभां वपराती (अथभा) विलक्षित. संवोधन के व्यर्थ में काम आने वाली (प्रथमा)

(विमक्ति). the nominative used in the sense of the vocative

" श्रामतणे भवे लहुमीय जह हे जुवाणित "
ठा॰ ६;

श्रामंत्रिस्र-य ति॰ (श्रामन्त्रित) पुछेक्षः, व्यामंत्रिश्च करेक्षः पूछा हुत्रा, श्रामत्रण किया हुत्रा Asked; addressed; invited "गच्छामिरायं धामंतिश्चोसि " उत्त० १३, १३; " साभिक्ष् वा २ इंत्यिश्रामंतेमाणे धामंतिए " श्राया० २, ४, १, १३४; श्रामगः ति॰ (धामक) क्षानुं, अपरिपक्ष्य कचा. ति॰ (धामक) क्षानुं, अपरिपक्ष्य कचा. ति॰ (२) स्थित सचित्त सची्व. having life or lives in. दस॰ ४, २, १६; ६, १०, भग० १४, १; तंडु॰

√ श्रामज्ज. धा॰ I, II. (था+मृज्) वासवुं, साध ४२वुं, बुंँ०वुं. साफ करना, पोंछना. To cleanse, to wipe; to sweep. श्रामिक्किक विधि० श्राया० २. १३, १७२; श्रामक्केक विधि० निसी० ४, ७१; ३, १६; २२;

श्रामञ्जमाया वकु॰ श्राया॰ २, १, ६,

३६;

श्रामयकरणी स्त्री (धामयकरणी) विद्या विशेष, रेश उत्पन्न ६२नार ओड विद्या रोग उत्पन्न करनेवाली एक विद्या An art of producing or causing diseases. स्य० २, २, ३०,

श्वामरणं. श्र॰ (श्वामरणम्) भरखुपर्यन्त. मरने तक. Up to death; till death. पंचा॰ ७, ४६;

श्रामरण्त. श्र० ( श्रामरणान्त ) भरख् પર્યत. मरण पर्यन्त. Till death. ठा० ४, १, — होस्त. पुं. ( - होष ) भरख् पर्यन्त पख् अवस्तिया असार्य-ति पेठे पापनुं पश्चाताप न श्राय व्येवा असरने। होषः रीद्रध्याननुं व्येष्ठ वक्षित्यु मृत्यु तक किन्तु कालमूरिया कषाई के समान पाप का पश्चाताप न हो ऐसा दोषः रीद्रध्यान का एक लक्ष्या. sin without repentance till death as in the case of the butcher Kalasūria; a mark of Raudra Dhyāna. ठा० ४; भग० २४, ७; ध्रोन० २०;

श्चामरिस. पुं. (श्वामरों) संअंध; २५शे. सम्बन्ध, स्पर्श, Connection; contact विशे ११०६;

श्चामल. पुं (श्वामल) अहु भीज्यायुं दक्षः आभवातुं दृक्षः बहु धाजवाला दृद्धः श्चावले का दृद्धः A hog-plum tree; a kind of tree with many seeds. जीवा॰ १; श्वाया॰ टी॰ १, १, ५, १२६; —कप्पास. न॰ (-कापांस) स्पामनाते। ५पास कपास की पक जाति.

a variety or species of cotton. " श्रामककप्पासाश्चीवा वसीकरणं करेह्" निर्सा ३, ७२,

श्रामलकः न॰ (श्रामलङ) आभलानुं ६स. श्रांवला. A fruit of the hog-plum tree. "श्रामलपाण्यं वा " सूय॰ १, २,

आमलकप्पा. ब्री० ( आमलकल्पा ) એ नाभनी એક नगरी एक नगरी का नाम.
Name of a city. " इहेच जंबूदीचे भा रहेवासे आमलकप्पा नामं नगरी होस्या" राय० २: नाया० घ०

श्रामलग पुं॰ (श्रामरक) भारी; भरडी. चारो तरफ फेली हुई बीमारी. Plague infecting all quarters. ठा० १०; (२) न० भरडी संअंधी अधिक्षारपाक्ष विभाक्ष सूत्रका मरी (बीमारी) के सम्बन्ध का हवां श्रध्ययन. 'The 9th chapter of Vipāka Sūtra dealing with the subject of plague. ठा० १०;

आमलगः पुं॰ (आमलक) आमलानुं अ।ऽ. श्रांवलेका वृद्ध A hog-plum tree. पन्न॰ १; सू॰ प॰ १॰; सूय॰ १, ४, २, १०; श्रणुजो॰ १४३, १४०; भग० २२, ३, जीवा॰ १, ठा॰ ४, ३; —महुर. त्रि॰ (-मधुर) आंगलाना ६ल केपुं स्वाध्ष्टि. अर्थवले के फल के समान स्वादिष्ट. as tasteful as the fruit of a hog-plum tree. ठा॰ ४, ३; —रस. पुं॰ (-रस) आमलाने रस. श्रांवले का रस. juice of hog-plums. सूय॰ वि॰ टी॰ १, ५, ६१; —रसिय. त्रि॰ (-रसित) आंगलाना रसथी भिश्र ४रेश. श्रावलेके रस से मिश्रित mixed with the juice of hog-plum fruits विवा॰ ७;

श्रामलयः पुं॰ ( श्रामलक ) প্রতী। 'श्रामलग' शण्दः देखो ' श्रामलग ' शब्दः Vide. ' श्रामलग ' राय॰ २६ =; उवा॰ १, २४.

आमिश्रा. स्त्री॰ (श्रामिका) धायी ६ सी वगेरा. कच्की फली वगैरह. A raw seed-pod etc. "श्रामिश्रं भाजिशं सहं " दस॰ ४, १, २०;

श्रामिस. न॰ (श्रामिप) भांस. मांस. Flesh सूय० १, १, ३, ३; उत्त० ३२, ६३; नाया० ४; ठा० ४; पंचा० ४, २६; (२) धन धान्याहि लाञ्य पहार्थ, धनधान्यादि भोग्य पदार्थ any thing which can be eaten or enjoyed. " आर्कि-चणा उज्जुकडा निरामिसा " उत्त॰ १४, ४१; 'भामिसं कुललं दिस्स यज्जमायं निरामिसं श्रामिसं सब्य मुक्तिता विहरिस्सा मो निरामिसा" उत्त॰ १४; ४४; —आवन्त-पुं • ( - म्रावर्त ) भांसार्थी समसी वगेरे के આકાશમાં આવર્ત્તન કરે તે. આવર્ત્તના એક प्रधार. मांस की इच्छा से आकाश में उडने की किया: आवर्तनका एक प्रकार. act of wheeling in the sky done by kites etc. for flesh. তা॰ ४, ४; —श्राहार. पुं० (-श्राहार) भांसाहार. मांसाहार. flesh food. (२) त्रि• भांसाहारी. मांस खानेवाला. carnivorous; flesh-eating; नाया॰ ४; —ताम्रिच्छ. त्रि॰ ( -तिह्मण्स ) भासने। गृद्धि-सेतारी. मांस का लोलुपी. greedy of flesh. नाया॰ २; —िष्यि. त्रि॰ ( -िप्रय ) भांस ખાવામાં ત્રીતિ વાલી. मांस खाने में प्रांति रखने वाला. fond of flesh-eating. नाया॰ ४; --भिक्ख. त्रि॰ (-भित्तन्) માંસાહારી, માંસ ભક્ષણ કરતાર. मासाहारी. carnivorous; flesh-eating. नाया. २; — लोल त्रि॰ (- चोल ) भांसनी।

क्षेत्रभी; भांस सम्पट मांस का लालुपी. greedy of flesh. नाया० ४;

श्रामिसित्थः त्रि॰ (श्रामिषार्थेन् ) भांस नी ४२७१-प्रार्थना ४२नार. श्रामिष-मांस की इच्छा-प्रार्थना करनेवालाः ( One ) desiring flesh. नाया॰ ४;

√श्रा-मुसः धा॰ I. (श्रा+मृश्) धसवुं; भईत धरवुं; भरऽीते तियोववुं. धिसना; मईन करना; मरोडकर नियोना. To rub; to expel water from a wet cloth by twisting it. धामुसिजा. वि॰ दस॰ ४;

श्रामुसंत ठा० १; दस० ४; श्रामुसमाण्. व० कृ० भग० ८, ३;

आ-मुहुत्तंतो. अ॰ ( श्रामुहूर्तान्तस् ) अंत-भुंधूर्त पर्यन्त श्रन्तमुंहूर्त तक. Up to the limit of an Antaramuhūrta. क॰ प॰ २, ५२:

श्रामेल. पुं० ( > ) भरत ६ लूपण; मुगट ઉपरती धूंसनी भासा मस्तक भूषण; मुकट उपरकी पुष्प की माला. A flower garland of a crown. " वण्माला मेल सडल कुंडल सच्छंद विडन्थिया भरण" पन० २, श्रोव० २४; राय० ६६; नाया० १६; जीवा० ३;

\*श्रामेत्रश्र-य. पुं॰ (\*) लुओ। ઉपदी। शण्ट. देखो जगरका शब्द. Vide above. भग॰ ६, ३३; श्रोव॰ ३०;

\*श्रामेलग. पुं०(\*) लुओ "श्रामेल" शण्ट. देखो "श्रामेल "शब्द. Vide. "श्रामेल" "श्रामेलग जमल जुगल बद्धिय "भग० ६, ३३; नाया० १;२, राय० १११; श्रामेलग. न० (श्रामोलक) स्तनिन अध- लाग;-ऽीटडी-डीटुं. स्तनका श्रममाग. The nipple of the breast; a teat. जं॰ प॰ जीवा॰ ३,३; (२) परस्पर थांडे संबंध वाला. having limited inter-relation. नाया॰ १; १४;

श्रामोक्ख पुं० (त्रामोक्ष श्रामुच्यतेऽस्मिक्तित्या मोक्षणं वाडडमोक्षः ) आ-सभंतात-भारे तर्भथी मेक्षि-छुटशरीः, भ्रभथी सर्वथा छुटशरीः संपूर्णतया मोक्चः कमेसे सर्वथा छुटकाराः Perfect salvation; perfect emancipation from Karma. "श्राइएखाडडजाइ श्रामोक्खा" श्राया नि ० १, १, १, १ सूय ० १; १, ४,

आमोडिश. न॰ ( आमोटन ) आ-धार्ड भर-उन्नं-लांगन्नं ते. क्वझ मरोडना. A little twisting. पराह. १, १;

श्रामोडिजन्त. व॰ कृ॰ ति॰ (श्रामोस्यमान)
थे। हुं भरध्यामां आवतुं. जो धोडा मरोहा
जाता है वह. Being twisted &
little. राय॰ ==;

श्चामोयः न॰ (श्चामोक) ध्यरानी दगदीः। ઉधरेते. कचरेका देर. A heap of refuse. "श्चामोयािषावा" श्चाया॰ २, १०, १६६;

श्रामोयमार्ग व॰ ह॰ त्रि॰ ( श्रामोदमान ) भुशी थते।; आ६६।६ पाभते।; प्रसन्न होता हुश्रा; खुश. Rejoicing. "श्रामोयमार्गा गच्छंति" उत्त॰ १४, ४४;

<sup>\*</sup> जुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। ( \* ), देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट ( \* ) Vide foot-note ( \* ) p 15th.

नि॰ भा॰ १६४; पग्ह॰ २, १; प्रव॰ १५०६ ग्राव॰ ४, ४;

श्रामोस पुं० (श्रामोप) ये।तरध्थी ये।री धरनार. चारों श्रोर से बोरी करने वाला.
One who steals from all quarters ''श्रामोसे लोमहारेय'' उत्त० ६, २८; श्रामोसग. पुं० (श्रामोपक) ये।र, तरधर. चोर. A thief. श्राया० २, ३, ३, १३०; ठा० ५, २,

भामोलिहि सी॰ ( शामशौंपिध-श्रामशोहि-हस्तादिना स्पर्शः सप्चौपधिरामशौपधिः) હાથના સ્પર્શમાત્રથી સર્વ દર્દ મટી જાય એવી જાતની મેલવેલી શક્તિ: ર= લબ્ધિ भांनी की के हाथ के स्पर्श मात्र से सर्व व्यावि मिट जावे ऐसी प्राप्त की हुई शक्ति, २५ लाब्ध-थोंमें की एक लिध. Power to cure diseases by mere touch of the hand etc. one of the 24 Labdhis. श्रोव॰ १६; (२) स्रीव सिन्ध वाली साधु उस लिधवाला साध. an ascetic possessed of the above mentioned power. विशेष ७७६, -- पत्त त्रि॰ (-प्राप्त) હાય માત્ર લગાડવાથી બધી પીડા મટી જાાય तेवी बिश्व ने पामेब हाथ के स्पर्श मात्र से संपूर्ण पीडा मिट जाय ऐसी लिब्ध पाया हुवा possessed of the power of curing maladies by merely touching with the hand. पर्ह , 9,

श्चायः न॰ ( श्राज ) भड़रीनां भासनुं भनेस पत्थः यकरी के वाल का बना हुआ वहाः Cloth made of the hair of a she-goat. श्चाया॰ २, ५, १, १४४;

आय. पुं॰ ( छाय ) क्षाल; धनाहिक्ष्ती आप्ति; आवक; क्ष्माण्डी. लाम; श्राय, श्रामदनी. Gain; earning; income. " श्रायं न कुम्मा इह मीवियत्थी " सूर्यं॰ १,१०,३, १, ११, २१; २, ६, १६; नाया॰ १; विं॰ नि॰ ३१६; अगुजो॰ १३; (२) ४भैनी आवड; आअव. कमें का भ्राअव-श्रावकः inflow of Karma स्य॰ १, १०;, ३; (२) अध्यम तथा उद्देशहि. श्रंग सूत्र के अध्यम वैगरह. chapters, sections etc. "नाणस्स दंसणस्सिव चरणस्सय जेणे धागमो होइ भाव श्राश्रो धायो खाहोचि एगहा" दस॰ टी॰ १; (४) डे।सानी ओड लात; वनस्पति विशेष कोलाकी एक जाति; वनस्पति विशेष. a kind of vegetation of the gourd kind. " सेकितं कुहणा कुहणा ध्रणेगविहा प॰ सं॰ धाए काए कुहणे " पन्न॰ १;

श्राय पुं॰ ( घारमन् ) आत्मा; छव. घारमा; जीव. Soul; life. " श्रायगुरोजिइंदिए " नाया॰ ८; सम॰ १; पन्न० १४; २८; ष्याया॰ १, १, १, ३; सूय॰ १, ११, १६; उत्त० २, १४; ८, १६; १४, १०; भग० १, ४; ६; २, १; ३, ४; ६, १०; २०,२, ४१, १; राय० ७६, नंदी० ४५; ठा० ७, १; विशे० ३०; ६२; ३५३६; — श्रंशतः યું ( - શ્રંगुल ) આત્માંગુલ, શાસ્ત્રાકત પ્રમા-ણાપેત ઉચાઇવાલા ઉત્તમ પુરૂષના શરીર**ની** ઉચાઈ તાે ૧૦૦ માે ભાગ; આત્માંગુલ કહે-વાય છે આ અંગુલથી કુવા, નદી, ઘર, ક્ષેત્ર. **लाडी वगेरे पहार्थे। नुं भाप थाय छे.** श्रात्नां-गुल; शास्त्रानुसार उत्तम पुरुष के शरीर की उंचाई का १०८ वां हिस्सा; आत्मांगुत्त कहलाता है, इस से कुत्रा, नदी, घर, बाडी श्रादि का माप होता है. a measure of height or length, 108th part of the full height of a man as settled by the authority of scriptures; it is used to measure the depth of wells etc.

विशे॰ ३४०; श्रयाजो॰ १३४, प्रव॰ ५६, <sup>⊑, १४०३;</sup> —श्रंतकर. पुं. ( -श्रन्तकर-भारमनो भ्रन्तमवसानं भवस्य करोतीत्या-त्मान्तकरः ) आत्भानी छवननी अंत ५२-का श्रंत करनेवाला one who destroys life; one who destroys the soul. ठा॰ ४, २; —श्रजसः न॰ (-श्रयशम्) आत्भाना अयश-अशुस નામકર્મની એક પ્રકૃતિ. श्रात्मा का श्रपयश -श्रशुभ नामकम की एक प्रकृति. infamy, disrepute of the soul; a variety of evil Nāma Karma. भग०४९, <sup>९</sup>; —श्रसुकंपय त्रि॰ ( -श्रनुकम्पक— श्रात्मानमेवानर्थपरिहारद्वारेणानुकम्पते श्रुभा-गुष्टानेन सद्गतिगामिनं विधत्त इत्यात्मानु-कम्पक. ) આત્મહિત કરવામાં પ્રવૃત્ત, પ્રત્યેક-**७६ अथवा जिन** ५६भी श्रात्महित करने मे प्रवृत्त, प्रत्येकबुद्ध श्रथवा जिनकल्पी. one devoted to the welfare of the soul. " श्रायाणुकंपए णामयेगे गो पराणु कंपष् " ठा० ४. ४; स्य० २, २, ८४; —श्रभिणिवेसः पुं॰ ( -श्रभिनिवेश) भाता-પેણાનો આયુહ, મમત્વ ભાવ. श्रहंभाव; ममस्व भाव. self-love, attachment to one's selfish interests. नंदी॰ — ब्रहिगरणवित्तयः त्रि॰ ( -श्राधिकरण प्रत्यय – श्रात्मनोऽधिकरणानि श्रात्माधि-करणानि तान्येच प्रत्ययः कारणं यत्र क्रिया कर्णे तदात्माधिकरगाप्रत्ययम् ) क्रेभा આત્માના અધિકરણ કારણરૂપ છે તે. जिसमे श्रात्मा का श्राधिकरण कारण रूप है यह. (that) in which relation with the soul is the active Cause. '' श्रायाहिगरयावातियं चर्ण तस्त मो इरियावहिया किरिया कज्जइ संयv. 11/8.

राइया किरिया कज्जइ" भग० ७, १; — श्राहिगरिणा. पु॰ ( -म्रिधिकरिणान्-प्रिधि-करणानि हत्तशकटादीनि कपायाश्रयभूतानि यस्य सन्तिसोऽधिकरणी श्रात्मनोऽधिकरणी श्रात्माधिकरणी ) आ२ लादिक्ता साधन, वगरे कंनी. पसे छे ते आत्मा; પાતાની જાતે આરભ સમારભના અધિ-**धरे**ष्यु भेेेेेेेेेेेेे भेेेेेेे अपने श्रारंगादिक के साधन; हल श्रादि जिसके पास है वह श्रात्मा; स्वयं श्रारंभ समारंभ के सावनों को एक-त्रिन करने वाला. a soul possess ed of implements of killing etc., such as a plough etc. by his own efforts " श्रायाहिगरणी मबह " भग० ७, १; १६, १; —श्रारंस. ति॰ (-श्रारम्भ ) પાતાને હાથે છવની धात **४२ना२. श्रमने हाय से जीव की घात करने** वाला ( one ) who kills a life with his own hands. भग १, १; —उवक्रम पुं॰ (-उपक्रम) भातानी लते આઉખાના ઉપક્રમ કરવા, આઉખું ટુંકું ५२३ ते श्रपने हाथसे श्रायुष्य को कम करना. shortening one's own भग० २० २; १०; — कम्म न० (कर्मन्) आत्माओं डरली डर्भ. शातमा का किया हुआ कर्म. Karmas done by one's self or soul भग० ३, ४; २०, १०; २४, ८; —गय. त्रि० (-गत-ग्राहमनि गतमात्मगतम् ) आत्मामां २ऐस, आत्म-संण धी. यात्मा संबंधी. relating to the soul. पंचा॰ ३, ३७, —गवे-सय. त्रि॰ ( -गवेपक) श्रात्मान कमं भलापहारेख शुद्धं गवेषयतीत्यात्मगवेषकः ) भात्माना भरा स्वरूपने शेव्धनार**.** श्रात्मा के सचे स्वरूप को खोजनेवाला. (one) who investigates into the

real nature of the goal. " साहिए आयगवेसए स भिक्लू " १४, ४; -गृतः (-गुप्त- असयमस्थानेभ्यो मनोवाक्तीयरा-त्त्रा ग्रतो यहा स ग्रान्मग्तः ) भन વયન અને કાવાયે કરી આત્માને પાપ. थी गापवतारः आत्मरक्षरः मन, वचन चोर काया से श्रात्मा की रचा करने वाला (one) who guards the soul against sms of thought, word and deed. "सन्वतं गागु जागांति यायगुत्ता जिइदिया " सूय० २, २, ६५; श्राया॰ १, २, ७, २०४, १, ३, १, १०६; उत्तर १४. ३; सूयर १, ११, १६; -- छुट्ट. पुं० ( -पष्ठ ) आत्मा केमां ७हे। छे खेवां पाच ल्त. द्यातमा जिस मे छठा है ऐसे पंचभृत the soul along with the five elements. " श्रायसहो पुर्णो प्राहु " सूय० १.१, १, १५; - छहुचाइ. पुं० ( -पष्टवादिन् ) ५ थ-ભૂત ઉપરાંત *૭*ઢા આત્માને માનનાર સાંખ્ય परेरे. पंचभूत के सिवाय आत्मा को छठा मानने वाले साख्य वनैरह one who admits the existence of the soul in addition to the five elements. e. g. a Sankhya etc. स्य॰ टी॰ १, १, १, १४, -जस. न॰ (-यशस्) स्थात्माना यशक्ष्य स्थम् प्रात्मा का यशहप सबम the glory of the soul viz self-restraint " जीवा कि ग्रायजसेण उवयज्जति " भग० ४१, १ —जोग त्रि॰ ( -योग ) आत्मा તરફની પ્રવૃત્તિ વાલા, કુશલ મનની પ્રવૃત્તિ श्रातमा संबंधी प्रवृत्ति वाना, वुशल सन की प्रवृत्ति (one) busy with what concerns the soul; salutary activity of the mind. सूय॰ २, २, ८४; -- जोशि. पुं॰ ( -ये। गिन्-श्रात्मनी योगः कुश्तमनः प्रवृत्तिस्य श्रात्मयोगः स यस्यास्त ) सहा धर्भ ध्यानमां निभन्त. सदा धर्म ध्यानमें निसम्न. always engaged in religious meditation. दसा॰ ४, २१; —ह. पुं• ( - પ્રર્થ ) આત્માનું અર્થ – પ્રયોજન; भे!क्ष चाःमा का प्रयोजनः मोचः the aim of the soul; salvation. श्राया॰ टी॰ १, २, १,६२; — ब्रि॰ पुं० ( -म्राधिन् - मामनो सर्व धा-हमार्थः स विश्वते यस्य स तथा) व्यात्मां हुं द्वित अस्तार; मे क्षार्थी ब्रात्मा का हित करने वाला; मोद्धार्थी. one who accomplishes the well-being of the soul; one aiming at salvation. सूय॰ २, २, ८५; — ફિ. વું • (-જ્ઞાસિ) આત્માની મહિ-શક્તિ वादी. श्वात्मा की ऋदि-सक्तिवाला. one possessed of soul power. भग॰ —तिगिच्छित्र. त्रि॰ (-चिकित्सक) પે.તે પાતાની દવા કરનાર, શ્રવના શ્રાપ श्रीषधि करने वाला. (one) who is his own doctor. 210 x, x; —तुलाः स्त्री॰ ( -तुना ) अ'त्भानीतुशा-सभानता-अपभा. श्रात्मा की उपमा. selfcomparison; e. g. comparison of the lives of others with one's own life, " आयतुर्ल पारेंगीहें संजाए ' सूत्र० २, २, ३, १२; -दंड. पुं॰ ( -दंड-श्रात्मानं दंडयतीत्या रमदंडः ) आत्माने ६ंउनारः आत्माने हानि-पहे। यारनार. क्रात्मा को दंडनेवाला; श्रात्मा को हानि पहुचाने वाला one who

destroys or ruins his own soul. " एतेण काएगा य श्रायदंहे " सूय॰ १, ७, २; —दंडसमायार ( -दराइसमाचार ) आत्माना अहितनुं કરનાર; આત્મા દંડ'ય તેવુ અતુષ્રાત आयरण् ४२नार. श्रात्मा के श्राहत का कार्य करनेवाला. one acting in a way to injure his own soul सूय० १, २, ३, ९; —निष्फेडय ५॰ ( -निस्फोटक ) सभ्यव्हरीन आहि अनुष्ठान વડે આત્માને સસારરૂપ કેદખાનામાંથી णहार हादनार. सम्यग्दर्शनादि के श्रानुष्ठान के द्वारा श्रात्मा को संसाररूपी जेल से निकालने वाला. one who releases the soul from the cage of worldly existence by right faith etc. सूय० २, २, ६५; —पइ-हिश्र-य त्रि॰ ( -प्रतिष्टित ) पेश्ताने ચ્યાત્રી ઉત્પન્ન થયેલ; બહાર નિમિત્તવિના अंश्रना निभित्तथीय ध्येल स्वभावतः उत्पन्न; वाहिर के निमित्त विना श्रंदरके निनित से ही उत्पन्न spontaneously produced without the operation of any outside agency. ठा॰ २, ४; ४, १; —पश्चक्ख. न॰ ( -प्रत्यच ) आत्मसाक्षी, श्रातम साची, with one's self or soul as witness; in one's own presence. भत्तः ४४; --परक्रमः त्रिः ( -पराक्रम ) ગાત્મસાધક-સંયમ અનુષ્ઠાનવ લાે. श्रात्मः सावक-संयम श्रनुष्टान वाला. ( one ) accomplishing the interest of the soul; practising asceticism. सूग॰ २, २, ६५; दसा॰ ४, २४; — व्यु झोराः पुं॰ ( -प्रयोग ) आत्मानी व्यापार. श्रात्मा का प्यापार activity of the soul.

भग० ३, ४; ५; २०, १०; २३, ६; ३०, १, --प्पश्रोग निञ्चत्तियः त्रि॰ (-प्रयोग निर्वार्तत-ग्रारमनः प्रयोगेण मनः प्रभृति व्यापारेण निर्वर्तितं निष्पादितम् ) आत्भा-ना व्यापार्थी निपन्नेल. स्त्रातमा के व्यापार से उत्पन्न. produced by activity of the soul. भग॰ १६ १; -- प्रमाण्. त्रि॰ (-प्रमाण् ) आत्मा देशुं साधात्रण् हाथ प्रभाण् प्रभाणु. श्रात्मा-देह का साटेतीन हाथ का प्रमाण measure of the body equal to three and a half times the length of the प्रव॰ १२६: -- प्यवायः न॰ (-प्रवाद-शात्माम जीवमनेकधा नयम-तभेदेन यरप्रवद्ति तदात्मप्रवादम् ) ये નામના એક પૂર્વ-શ્વન વિશેષ; ચાેદપૂર્વ भांने। ओ अ. चौदह प्रकार के पूर्वी में से एक पूर्व. name of a scripture; one of the 14 Purvas. नंदी॰ ५६: 9 እና प्रव • ७२०: ---वल. पुं॰ ( -वल - श्रात्मना वलं शक्त्युपचय श्चात्मवत्तम् ) आत्भाती शिक्षत श्रात्माकी शिक्त. power of the soul आया॰ १, २, २, ७५; — भाव. पुं॰ (-भाव) भिथ्यात्व विषय शृद्धिपशुं वगेरे. मिय्यात्व विषय में लोलुपता. greediness after sensual pleasures, heretical belief etc. " विग्रह्जश्रो सन्वह श्राय-भावं " सूय० १, १३, २१, (२) २५-पेतानी અભિપ્રાય- भत. श्रपना सत one's own view or opinion. " सचेयां एस श्रट्टे नो चेवर्ण श्राय भाव वत्तवयाए "भग० २, ५; १०; विशे० ६०; सूय० १, १३. ३; -भाववंकणया. सी॰ ( -माववंकनता ) પાૈતાની અંદરના અપ્રશસ્ત ભાવ ખાેટા વિચારને સરા રુમાં દેખાડવા તે. જાવને श्रप्रशस्तभाव-सराय विचार को श्रच्छे हप में प्रगट करना. white-washing, varnishing one's own wicked internal thoughts or motives. ठा॰ २, १; --रद्भात्र. पुं॰ ( -रच ) अंग-२क्षेः; आत्मरक्षः श्रंगरत्तक, श्रात्मरत्तक. a body-guard; one who guards the soul 'तथो धायरक्खा पन्नता संजदा धारमचाए पदिचोयणाए ' ठा० ३, १; पञ्च० २; जं० प० ५, ११२; राय० ७१. स्य० २, २, ५६, भग० ३, १; १६, १; १७, ४; कप्प० २, १३; र्ज० प० ४, ७३,४. ११६: -रक्खदेव.पु॰ (-रचदेव) आत्म-रक्ष हेपता. श्रात्मरच्चक देव. a deity protecting the body or guarding the soul. नाया॰ =; नाया॰ ध॰ भग० ३, ६, ९०, ६; ९४, ६; जं० प० ४, ७३; -रिक्खिय त्रि॰ (-रिचत ) लेखे કુગતિથી આત્માનું રક્ષણ કરેલ છે તે; કુન-तिसे यात्मा को वचानेवाला (one) who has guarded the soul against an evil condition of existence. " ष्रायपरक्रम श्रायरविष्ठ " सूय० २, २, **८५**; श्ररइं पिट्टग्रो किचा विरए श्रायर-क्खिए " उत्त॰ २, ११; —चिसोडि. त्रि॰ (-विशुद्धि) पापनु प्रायित ५रीने आत्मा-नी विशुद्धि धरवी त. पापका प्रायधित करके यात्माकी विद्यादि करना. purification of the soul by expiation for Bin नदी॰ ४३; —वेयावचकर. त्रि॰ ( - वैयावृत्यकर ) आदशु धालमा. idle, lazy ( ર ) વિસંભાગિક-સાધુસમુદાયથી ि।श्र विसंभोगिक-साधुसमुदाय से भिषा. apart from the assemblage of monks. "थ्रायवेयावचकरे नाममेरा खो पर-षेया वस्चकरे' ठा०४, —संचेयिणिज्ज पुं॰

(-मंचतनाय-श्रात्मना संचेत्यनने क्रियंतद्दग्या-रमसचेतनीयाः ) अभा "श्रायमंत्रेयंणिज" शण्ट. देखो " श्रायसंत्रेयीणज्ज " शब्द. Vide. "यायसंवयीयान्त" "यायसंचय णिज्जा उवसम्मा चडिवहा प॰ तं॰ घट्टणया पवहराया धंसरायया क्रेसराया" ठा० ४, ४: —संवेपणीयः पुं॰ (-संत्रदनीय) ४०४ ઉપસર્ગને એક પ્રકાર; પાતાનાજ કારણથી શરીર કે સંયમની ઉપદ્યાત–પીડા ચાય તે. द्रव्य उपसर्ग का एक भेद; श्रानेही कारण से श्रपने शरीर श्रयवा संयम का उप-घात होना disturbance to the body or to self-restraint by causes connected with one's self: a variety of material disturbance. " चडव्विहा उवसगा। प॰ तं॰ दिव्या माणुम्सा तिरिवल जोगिया धायसं वेयशिज्जा " ठा० ४, ४; —सर्गष्ट. न॰ ( -स्मरणार्थ ) धैाताना आत्माने संભारवाभाटे. श्रपनी श्रान्माका करने के लिये. in order remember or keep in remembrance one's own soul. क॰ गं॰ ४, १००; —सरीर श्रणवकंखवत्तियाः स्री॰ (-शरीरानवकांत्राप्रत्यया ) अश्व-કેપ્પવત્તિયા દ્વિયાના એક બેદ: પાતાના શરીરનાે નાશ થાય તેવા કર્મ કરવાધી क्षागती क्षिया. श्राणवकंखवित्तया किया का एक मेंदः अपने शरीर का नाश हो ऐसे कर्म करेन से लगनेवाला किया. Karma incurred by doing acts which destroy one's own body. তাত ২, ১; —सात. न॰ (-सात ) आत्मशुण थात्मसुल. one's own happiness; self-happiness. " भूताई जे हिंसति प्रायस्रोत "स्यर १, ७, ४; — सायारा-

गामि. पुं॰ ( सातानुगामिन् ) आत्म सुभ भेलपपा ६२७नार. श्रात्म सुख प्राप्त करने-की इच्छावाला. one desirous of getting one's own happiness. " हंता छेता पगढिभत्ता श्राय सायासाग्रु-गामिणो " सूप० १, १३, ५; —सुद्द. न॰ (-सुख) शरीर सुध. शरीर सुख. physical happiness. " जे छिदती श्राबसुइं पहुच " सूप० १, ७, —सोहि. स्री॰ (-शोवि ) आत्मशु<sup>६</sup>ध; डर्निने। क्षिये. पश्चम के क्षिय ज्ञात्मग्राद्धः कर्म का च्योपशम श्रयवा च्य. soul purification; destruction or attenuation of Karma. ' श्राय पजोगमाय-सोहीए " श्राया॰ १, ६, ४, १६; दसा० ५, ४२, --हमाः त्रि० ( - घात्य ) आत्भानी धात धरनार. श्रात्माकी घात करने वाला soul-destroying; self-destroying पिं नि ६५, —हित. न ( -हित ) स्वित, पातानुं अलं. स्वहित, श्रपना भला self-good, self benefit " ज्ञायहिन थायगुत्ते श्रायजोगे " सूय० २, २, ६५, दसा॰ ४, २१; —हेउ. पुं॰ (-हेतु) न्यात्मानिभित्तते; पातामाटे. ब्राह्मा के लिये; श्रपने लिये for one's own sake; for one's own self "केइ पुरिसे श्रायहेर्ड वा खाइहेर्ड वा " सूय०२, २, २२; भायश्र ति॰ (अायत) लांलुं. लंबा Long राय॰ १०२, विशे० ७०४;

श्रायइ स्त्री॰ ( म्रायित ) सिविष्य अस भविष्य काल. The future. पंचा॰ ९६, २८, प्रव॰ १५६१, — जग्गा। त्र॰ ( -जनक) सिविष्यमां ४४ ६स स्थापनार. भविष्य में इष्ट फल देनेवाला. giving the desired fruit in the future. "श्रायह जगमोसो " पचा॰ १६, २८: प्रव० १४६१; --फल न० (-फल) desired fluit of the next or future birth " श्रायतिफलमद्धवः साह्यां च निउगं मुग्येयन्वं " पंचा० १२, ४०; —संपगासणः न० ( -सम्प्रकाशन-थायत्याः सम्प्रकाशनमायतिसम्प्रकाशनम् ) ભવિષ્યની સારી આશા વતાવનાર; સામના ओ अ लेह. भविष्य के सम्बन्ध में अच्छी श्राशा वतानेवाला; साम का एक भेद showing good hopes for the tutuce; promising well for the future. ठा॰ ३:

आयं थ० (श्रायम्) वाध्यालं छार. वाक्यान् लंकार. An expletive. नाया० २; आयंक. पुं० (श्रातङ्क) श्रूओ "श्रातंक" शण्ट. देखो 'श्रातंक' शब्द Vide, "श्रातंक" "श्रायंकदंसी न करेइ पावं 'श्राया० १, ३,२,४; "श्राद्द गडं विसूहया श्रायंका विविहा फुसंतिते" उत्त० १०, २७,३, १८; श्राया० १, १, १, ४३; १, ४,२, १४७; १,३,२,१९१; पि० नि० ६६६; लांवा० ३,१; महा० प० ३५; राय० ३२, स० च० १०, १३१; नाया० १; ४; भग० २,१,१६,२; १८,१०,२४,७; जवा० ४,१४१; गच्छा० ७६, संत्या० ३२;

त्रायंचिंगियाउद्यः न॰ ( \* ) ५ मारना वास-णुभा रहेतुं भाटीवाक्षुं पाणी. कुम्हार के वर्तन में रहा हुन्ना मिद्येनाला पानी. Water in a potter's vesse । e earthen

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ठ-नम्भर १५ नी पुरने। ( + ), देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट ( \* ), Vide foot-note ( \* ) p 15th.

vessel and so muddy. भगः

श्चायंत. त्रि॰ (श्वाचान्त) यक्षु ६रेक्ष; पाणी-थी ६।थ भे।ढुं सा६ ६रेक्ष. चुल्लू किया हुत्रा; पानी से हाथ मुद्द साफ किया हुत्रा With the hands and face washed with water नाया॰ १; १६: भग० ३, १; ६; ३३; ११, ६; जीवा॰ ३, ४; श्रोव॰ १२; राय॰ १७३; कप्प॰ ४; १०३;

श्चायंतमः त्रि॰ ( श्चारमतम-श्चारमानं तमयति खेदयत्तास्यात्मतमः) संयभ यगेरेथी व्यात्मान ने हमतार. संप्रमादि के द्वारा श्चारमदमन करनेवाला. One who subdues the self by self-restraint etc. ठा॰ ४, २; (२) (श्चारमैव तमोऽज्ञान कांधोवा यस्य स श्चारमतमाः) व्यवाती; होषी श्चज्ञानी; कांबी. (one) who is ignorant; (one) given to angor. "श्चातं-तमेणामभेगे ना परतमे" ठा॰ ४, २;

श्चायंता. स्त्री॰ ( # ) आयारांग सूत्रना गांथभां अध्ययन द्यानाम. श्वाचाराग सूत्र के पाचने अध्ययन का नाम. Name of the 5th chapter of Acharanga. सम॰ ६:

श्रायंतिय मरणः (श्रात्यंतिकमरण) ओड वार भरीभवा पछी ६री णीळ्यार ते गतिनुं भरख न थाय ते. एकवार मग्जाने के बाद किर दूनरी बार उस गति का मरण न होना Final death in a particular condition of existence i. e. there will be no birth again in that condition of existence. सम॰ १७;

श्चारंबद्म. त्रि॰ (श्रात्मद्म-श्रात्मानं द्मयति शमवन्तं करोति शिच्चतीत्यात्मद्मः ) स्थात्माने हमनार. श्रात्मद्मन करनेवाला. One who subdues the self. ठा॰ ४, २;

४, २; झायंच त्रि॰ ( श्राताम्र ) था-धीत—थे।ऽी रताशवासु, कुछ ननासानाना, Reddish, श्रोव॰ १०; प्रव॰ १४६४;

श्रायंविर त्रि॰ ( श्राताम्र ) क्षाक्षरं शतु. ताल रंग का. Red; of red colour. सु॰ च॰ १, ७५; ६ १२४;

श्रायंत्रिल. न॰ (श्राचारत) केमां लात વગરે લુવખુ અનાજ એક વખત ખવાય ते में आयां जिल नाभनं ओं तथ ' श्रायं-विल ' नामक एक तप विशेष जिस में लूखा भात या अन्य कोई धान्य केवल एकही वार खाया जाता है. A kind of austerity in which a person takes rice, pulse etc. only once without adding Ghee to it. अंत॰ म, १; नाया॰ =; १६; सग॰ ३, १; ४२, १; श्रोव ११; प्रव॰ २०३; श्राव॰ ६, ६; —पञ्चन्नखारा. न० (-प्रत्याख्यान) आंभेक्ष પ્રયાખ્યાન-પચ્ચખાશ લેવા તે કરવાના घायीयल करने का प्रत्याखान लेना a vow to perform the austerity of Ayambila ( g. v. ) नाया॰ १६; —पाउगा. त्रि॰ (-प्रायोग्य) आंभेस-આય ગિલમાં વાપરવા યાેગ્ય. श्रांवेत्त-श्रायंवित में काम लाने योग्य. lit to be used in Ayambila আৰত হ, হ;

<sup>\*</sup> अभी पृष्ठ नाग्यंर १४ नी धुरनार (\*). देखो पृष्ठ नंबर १४ की छूटनार (\*) Vide foot-note (\*) on page 15th.

- बहुमाण न॰ ( -वर्द्धमान) थो६ परस ત્રણ માસ અને ૨૦ દિવસે થતુ એક તપ કે જેમાં એક આય મિલને પારણ; એક હપવાસ કરી. બે આવંબિલ કરવામા આવે છે: વલી એક ઉપવાસ કરી ત્રણ આયળિલ; એમ એકેક આર્યાબલ વધા-રતાં ૧૦૦ આયંખિલ સુધી ચઢાય चौदह वर्ष, तीन मास श्रार २० दिनतक होनेवाला तप जिसमें कि एक आयाविल के पारणा के बाद एक उपवास करके उसके बाद दो आयंबिल किये जाते हैं. फिर एक उपवास तीन आयांविल, इस प्रकार बढाते बढाते १०० श्रायविल नक किये जाते है. पारणा के बाद एक उपवास होता है इस रीति से चौदह वर्ष ३ मास २० दिन में यह तप पूर्ण होता है. an austerity extending over 14 years three months and 20 days; here one performs one Ayambila followed by a fast, then two, followed by a fast, then three, followed by a fast and so on up to 100 Āyambilas. श्रंत॰ ८, १०, श्रोव० १६:

आयंगिल आ - य पुं॰ ( श्राचाम्लिक ) आधित-तुं तप ६२तार. श्रावेल - श्रादंत्रिल का ता करनेवाला. One who performs the austerity known as Āyambila. परह॰ २, १; ठा॰ ४, १;

श्रायंभर ति० (श्रात्मम्भर-श्रात्मानं विभातं पुष्णातीत्यात्मम्भरः ) स्वार्थी; पेतानुं क्षेष्ण करनेवाला. Selfish. "श्रायंभरेणाम-मेगे गो परंभरे" ठा० ४, ३;

श्रायंस. पुं॰ ( श्रावशं-श्रासमन्ताव्हण्यते यहिमन् स श्रादर्शः ) अरीसे।, हर्पणु

दर्गेण; श्रायना; काव. A mirror; a looking-glass ज॰ प॰ ५, १२०; रायः ४८, ११८; -धर. न० (-गृह) भरिसा भुवन, डायनुं धर काचका घर; मीश महल a house made of glass or mirrors. जं॰ प॰ ३, ७०० - घरना. पुं॰ (-गृहक) जुओ उपेसी शण्ट. देखो ऊपर का शब्द. vide above राय॰ १३६; — तल. न॰ (-तन) अरिसानं तथीं दर्गण का पेंदा. the surface of a mirror, श्रोव॰ —तलडचम त्रि॰ ( -तल उपम--- प्रादशों दर्वेण स्तस्य तलं तेन समतयापमा यश्य श्रादर्शतलापमः) અરીસાના તલીઆ જેવું સિધ્ધુ-સપાટ. दर्गण के पेंदे के समान समतल. level like the suiface of a mirror. राय॰ -मंडल न॰ ( -मग्डल--म्रा-दश इव मण्डलमस्य तदादर्गमण्डलम् ) અરીસાને આકારે મહલ–ગુજલા વાલતાર सर्पनी ओंश जात दर्शि के बाकार का मडल करनेवाला एक जात का सर्प. a kind of serpent forming itself into the shape of a murior circular in form (3) (श्राद्रों मण्डलिवाद्यमण्डलम् ) भऽक्षा-**धारे भे।६वेत अरीक्षा मडलाकार सजाये हुए** दर्श a cucle formed of mirrors. " श्रायसमडल इवा " ज॰ प॰ पन्ह॰ १, ४; - लिपि स्री॰ (- निपि ) १८ ज्नतनी क्षिपिभानी ओड क्षिपि १= प्रकार की लिखियों में से एक लिपि. one of the 18 kinds of script. पञ ॰ १;

श्चायंसम पु॰ (श्रदर्शक) श्वद्धती डे।इतुं क्षेष्ठ श्राभरण् बेल के गर्दन का एक गहना. A neck-ornament of an ox-श्चराजं!॰ ६६; आपंसमुद्द. पुं० (आदर्शमुख) अवश् समुद्र-मां अञ्जिष्णश्चा तरक्ष रहेअ आप सभुष नामने। अके अन्तरद्वीप. लवण समुद्र के अन्नि-कोण में रहा हुआ आयंगमुख नाम का अन्तरद्वीप. An island of the name of Ayamsamukha in the Lavana ocean. (२) ते द्वीपमां रहेनार. उसमें रहनेवाले. an inhabitant of the same. ठा० ४, २; पन्न० १, जीवा० ३, ३;

आयंसय. पुं॰ (धादर्शक) गरीसे।; आपनी. दर्पण. A mirror; a looking-glass. धोव॰

श्चायकाय. पुं॰ ( श्र्यायकाय) वनस्पति विशेष. वनस्पति विशेष. A kind of vegetation. भग॰ २३, ३;

श्चायग. न॰ (भाजक) णश्रीनां णासनुं णनावेश वश्चः वक्षरी के वाल से बनाया हुआ वल्ल. A cloth made of the hair of a she-goat. आया॰ २, ४, १,१४४;

श्चायचरित्त. त्रि॰ (श्वायचरित्र-श्राय भूतं निरतिचारतया चारित्रं यस्य स श्राय चरित्रः) ६४ थारित्रः दृढ चारित्र (One) having a firm character or right-conduct संस्था॰

श्रायछत्त. न॰ (श्रातपत्र) ७३/; ७३. छत्री; छत्र. An umbrella. "एगे पुरिसे पिट्टश्रो श्रायच्छंत घरेड् " नाया॰ १६. श्रायिह्टय. सं॰ छ॰ श्र॰ (श्राकृष्य) भेथीने, भाडभीने. खींचकर; श्राकर्पण करके. Having drawn; having attracted. सु॰ च॰ ७, १५१; ११, १६; श्रायण. पुं॰ (श्राजीण) डमावेस यामर्ड; यामरानं वस्त्र. कमाया हुश्रा चमया;

चमढे का वस्त. Tanned leather; a gainent of leather. "जे भिनसू माउगामस्म मेहुग्वदियाए श्राय-णाणिया श्राइणपायासीण या " निसी॰ ७, ११;

थ्यायत. त्रि॰ ( श्रायत ) क्षांभुं; दीर्घ. ढंवा; दीर्घ. Long; protracted जं० प॰पन॰ १; भग० १८, ३; जीवा० ३,३; स्य० १, २, ३, १५; (२) भेक्षि; भुद्धितः मोन्नः absolution, salvation. " भायपरे परमायतद्विते " सूय० १, २,३, १४; (३) भेंथेब, खीचाह्या. diawn. भग० १, =; (४) વું દીર્ઘાકાર સંસ્થાન. दीर्घाकार संस्थान. configuration in its length. भग॰ २५, ३; —कराणा-ययः त्रि॰ (-कर्णायतः) अतिशय अयत्नधी धान सुधी भें येल. वडे प्रयतन से कान तक खीचा हुआ. drawn with great effort as far as the ear. "आयप कर्णाययं उसं श्रायामेता चिट्टइ " भग॰ १, ६; ६; जं०प० ३, ६२; — चक्छ्र. त्रि॰ ( -चतुप्-ग्रायतं दीर्घमहिका मुप्मिका-पायदर्शिचकुर्ज्ञानं यस्य स चतुः ) दीर्ध दर्शी. दीर्घ दर्शी. (one) able to take a comprehensive view of things temporal and spiritual. श्रायाः १, २, ५, ६३: - चरित्तः न० ( -चरित्र ) भेक्ष भाग साधः यरित्र. मोत्त मार्ग साधक चरित्र. right conduct leading to sulvation. " श्रादाणि यंमि श्रायत चरित '' श्राया॰ टी॰ १, १, ७, ६३; —ह पुं॰ ( -म्रर्थ ) भे।क्ष, भुत्तिः. सोन्नः मुह्न. absolution; final emancipation. सूय॰ १, ८, १८; —िहिश्र. पुं॰ ( – স্মাৰ্থিক ) લાળા વખત થી માહ્યની

अक्षिलापावादी। बहुत समय से मोच्न की श्वभिलापा वाला. one desirous of salvation from a long time; one longing after salvation from a long time. "श्रायपरे परमाय-साद्रिए " सूय० १, २, ३, १५; —फल त्रि · (-फल ) मेक्षिरू । इस आपनार. मोच्रूप फल देनेवाला. giving salvation as fruit or result. पंचा॰ १२, ४०; --संठागा न० (-संस्थान) દીર્ઘાકાર: લાકડીની પેઠે લંળાઇવાલા આકાર-संठाला; पांय संठाला भानुं क्येत्र. दीर्घाकार; लकडा के समान लंबाईवाला श्राकार-संस्थान; पाच संस्थानों में से एक. long configuration like that of a stick; one of the five configurations. भग॰ F, 9; 98, E; ठा॰ १: पश्च —संठाण परिणय. त्रि॰ ( -संस्थानपरि-श्वत ) આયત સંકાણ રूપે પરિણત પામેલ. श्रायत संस्थान रूप से परिगाम पाया हुआ। (one) who has been developed into, changed into, a long configuration. पत्र :

श्वायतणः न० ( श्रायतन ) स्थानः न भाश्रयः निवास स्थानः स्थानः श्राश्रयः निवास स्थानः यानः प्रित्रवः केठठेवः पर्वहः २, १; श्रायाः १, ७, ४, २१४ः पंचाः ६, १६ः निसीः १६, २६. (२) देढ्दः देवालयः मंदिरः क temple पर्वहः १, १ः (३) देशनी भार्तेः मंदिरं की बाज् का कोठाः व side-room in a temple. दसाः १ः, १ः श्रायाः २, २, २, ६०ः (४) ५भेनु ६ पादान ५।२९। कमं का उपादान कारणः the efficient cause of Karma. निसीः ६, १ः श्रायाः २; १, ४. १।/९.

३, १५; (५) भगट करना, प्रश्न का स्पष्टीकरण करना. solution of a question; manifestation. स्य॰ १, ६, १६; (६) पधरथान वयस्थान a place of execution; a place for killing. नाया॰ ६;

श्रायति स्त्री॰ (श्रायति ) लुओ "श्रायह्" श॰ ६. देनो "श्रायह्" शन्द. vide "श्रायह्" पंचा॰ १२, ४०; —फल-त्रि॰ ( -फल-श्रायसा फलमस्य इति ) आवतास्त्रवभां ६५ आपनार-श्रागामी भव में फल देनेवाला giving or ripening into fluit in the next or coming birth, पचा॰ १२, ४०;

श्रायत्त. त्रि॰ ( श्रायत्त ) भिश्रित ४रेलु; अर्थुं ४रेलुं. मिश्रित किया हुन्ना; इक्ट्रा किया हुन्ना. Got together, collected together; mixed together. पिं॰ नि॰ २३८;

श्रायत्ताः स्त्रीः ( श्रायता ) आय-वनन्पति विशेष ने। भाव, आय वनस्पति पश्चे श्राय-वनस्पति विशेष का भाव; श्राय-वनस्पति पन. State ef being an Aya ( a kind of vegetation ). स्यः २,३,१५;

श्रायञ्चल न० (श्राकर्णन) श्रवण ४२वं ते श्रवण करना; सुनना. Hearing. सू० च० १४, ३७;

√ श्रायम. घा॰ I. ( श्रा+चम् ) यक्ष धरवुँ; अशुथिक्षेप शक्षवें; आयभन क्षेतुं श्राचमन करना; चुल्लू करना. To remove impurity with water after answering a call of nature. ष्प्रायमार्. निसी० ४, १५; दसा० ३, ११; स्रायमार्या. ठा० ४:

श्रायमण, न॰ ( श्राचमन ) भक्ष त्याग धर्या पछी ज्याथी शुद्धि अस्पी ते; क्षेप रहित पछं, मल स्थाग करने के बाद जल से शुद्धि करना; लेप रहितता. Removal of impurity with water after answering a call of nature. प्रव॰ १३३; पि॰ नि॰ भा० २३;

श्चायमिणी. स्नी॰ ( +श्चायमिनी ) विधा विशेष. विद्या विशेष. A particular branch of knowledge. "श्चाय-मिणी एवमाइश्चाश्ची विज्ञाश्ची श्वसस्त हेउं पर्ड जंति" सूय॰ २, २, ३०;

श्चाययः त्रि॰ (भायत ) लुगे। "भ्रायत " शण्ह. देती " श्रायत " शब्द. Vide " श्रायत " नाया० ५; स्य० १, ६, १५; उत्त० ३६, २१, श्रासुत्री० १४१; जीवा० ३१; दस० ६, ४, २, ३; पिं० नि० ३६४; श्रोध॰ नि॰ १२३; भग० ४, ६; ७, ६, १४, ७, पंना० ११, ४२; प्रव० ४२1; -फरागायय. त्रि॰ ( -फर्णायत ) लुगी। " त्रायत कराणायय" शण्ह देखा " श्रायत करणायय " शब्द. vide " श्रायत कर्णायय 'भग० १, ८; --गृत पचा-गया स्त्री॰ (-गरवा पश्चाद्गता) है। धी સાધુ એક લત્તા-રોરીમાં સિદ્ધા આગલ જઇ પાછા વલતાં ગાયરી કરે તે: ભિક્ષાના क्ये अधार ने। अलिअंद. गली में सीधे आगे जाकर पीछे लोटते तुए भिन्ना करना; साधुत्रों की भिन्ना का एक प्रकार का श्राभित्रह a particular mode of begging food practised by Jaina monks viz going straight to the opposite end of a street and begging food while returning.

उत्तर ३०, १६; — स्रयम्बु. त्रि॰ (-चनुष्) लुर्रेश। ' श्रायत चत्रमु' शण्ट. देखी ' श्रायत चर्यु ' शब्द, vide " ग्रायत चरल् " ष्ट्राया० १, २, १, ६३;—हि. पुं० (-श्रर्धिन्) लुओ " मायतद्विष्ठ " शण्ट. देखी " श्राय-तद्विष " शब्द. vido " ग्रायतद्विश्र " दग० ५, २, ३४; —िट्टिश्र. पुं० (-प्रधिक) जुन्ने। " यायनहिष " शण्ह. देरो। ' प्रायत्तिह्य ' शब्द. vide 'श्राय-निट्टिय " दग॰ ६, ४, २, ३; —मग्गा पुं० (-मार्ग ) भेक्ष भाग, मोन्न मार्ग, the path of salvation. पंचा॰ ११, ४२; -- संठागा. न॰ ( -संस्थान ) લાકડીના જેવા લાંબા આકાર-સંદાણ, ત્વરફા કે रामान लंबा श्राकार-गंस्थान. long shape, configuration, like that of a stick. भग॰ =, १०; —संठारा परिणाम. न॰ ( -संस्थान परिणाम ) દીર્ઘાકાર પરિણામ; આવત સંકાણરુપે **५२िए। भ. दीर्घाकार परिणाम; श्रायत संस्थान-**ह्य परिचाम. modification into a long shape or configuration. भग० =, १०;

श्राययण. न॰ ( श्रायतन) लुओ। ' श्रायनण ' राण्ट. देखें। 'श्रायतण ' राब्द. vide
" श्रायतण '' नाया॰ ६; श्रोप॰ नि॰ २;
उत्त॰ ३२, ६; श्राया॰ १, ४, २, १४८;
कप्प॰ ६, ४३; प्रव॰ ६४६; — सेवणाः
श्री॰ ( -सेवन ) साधु प्रभृतिनी सेपना
धरपी ते; सभितनुं श्रीलं लूषण्. सम्यक्व
का तीसरा भूपणः साधु प्रभृति की नेवा
करना act of rendering service
to monks etc; the third commendable quality or merit of
Samakita (i. e. right faith).
प्रव॰ ६४६;

श्चायर. पुं॰ (श्चादर) लुओ। 'श्चादर' शाक्ट. देखो 'श्चादर' शब्द Vide "श्चादर" पिं॰ नि॰ १२०; २०३, पएह० १, ४, जीवा• ३, ४, भत्त० ९०;

श्रायरण, न॰ ( श्राचरण ) अनुष्ठान ४२वं ते. श्रनुष्ठान करना. Practice; perform ance. ठा॰ =;

श्रायरण. नं॰ (श्रादरण) पश्तुने। स्वीधार नस्तु का स्वीकार. Acceptance of a thing. भग० १२, ५;

सायर ज्या हो ( : श्रादर ज्ता ) भाया-५५८ विशेषधी दे । ५५७ वस्तुने। स्वी कार ६२वे। ते छल कपट से किसा वस्तु का प्रहण करना. Acceptance of anything with some deceitful intention भग • १२, ६;

श्रायरियः त्रि॰ (श्राचार्य) आय२वा थे। अ श्रादरने योग्य. Worthy of being performed or practised. सूय॰ १, १, ३२;

श्रायरियः पुं॰ ( श्राचारिक ) आयार संजधी तत्त्व. श्राचार संबंधी तत्त्व. Principles of right-conduct, truth about right-conduct. " श्रायरियं विदित्ताण सब्द दुकला विमुचह" उत्त॰ ६, ६,

श्रायरिय. त्रि॰ ( श्राचरित ) अ थरें लुं श्राचरण किया हुश्रा Performed; practised. " धम्मिजियं च ववहारे बुदे-हायरियं सया " उत्त० १, ४२; राय० २६; उवा० १, ४३, भत्त० २२; प्रव० ७७०, पंचा० १, २३,

आयरिश्र-य. पुं॰ ( ग्राचार्य ) व्यायार्थ समुदायके नायक The head of an assemblage of monks (२) तीर्थं ६२ तीर्थं कर. Tirthankara (३) गुरू, साधु गुरू; साधु.

preceptor कप्प॰ १, १, श्राव॰ १, २; भत्त० ४३: ७०; पचा० ४, ४०; १४, १६; पन्न० १६; नाया० १: २; ३, १०; १६; उत्तर १, २०. ४०, समर ३०: वेयर १, ३७; ४, १४: श्रायाः १, ७, १, २००; २, १, १०, ५६; पिं० ति० भा० २७; सु० च० १०, २०६; श्रोत्र० २०; वत्र० १, २६, २७, ३७; ३, १०; ११; १०, १२; उवा० १, ७३, विशे॰ ५; भग० १, १; ५, ६, १, ६; २४, ७; दस० ४, २, ४०; ८, ३३; दसा० १, १; ४, ६१; ६२, —उवज्साय-श्र-વું ( - હવાદયાય ) આચાર્ય ઉપાધ્યાય, આચાર્ય સહિત ઉપાધ્ય ય. ત્રાचાર્ય હવાધ્યાય. श्राचार्य सहित उपाध्याय an Acharya who is also an Upādhyāya; a head of an order of monks who is also a preceptor, निर्स ॰ १६, २४, बेय० ४, २६, वव० ३, ५, १०; ११; १२, ४, २, ६७; ७, ४, २; ६, ७; ७, ४. दसा० ६, २०; दस० ६, २, १२, -पिडिणीयः पुं ( -प्रत्यनीक ) व्यायार्थ-ते। शत्र प्रतिपक्षी. ब्राचार्यं का शत्र-प्रतिपक्षा an opponent of an Achārya भग० १, ३३, १४, —पाय पु० ( -पाद) आयार्थना यरण ४भक्ष. त्राचार्य के चरण-कमल. the feet of an Acharya. दस० म, १, ४, — वेयाबच न० (-वेया चृत्य ) आयार्यनी वैयाव<sup>2</sup>य-**ल**डित-से ॥ કरवी ते श्राचार्य की मेत्रा-मक्कि करना- service to an Acharya श्रोव॰ ठा॰ ४, १, वन ० १०, ३६, भग०२५, ७: — समग्रः न॰ ( -सम्मत ) आयार्थने भान्य सम्भत श्राचार्य को संम्मत. liked by, acceptable to, an Achārya दस॰ =, ५१, श्रायरियः त्रि॰ ( श्रार्घ्य ) पूल्यः पवित्रः पूज्य, पवित्र, श्रेष्ठ Ho f, levered

श्रायाः १, ६, १, २००; वेगः १, ४६; (२) नः तत्त्य तत्त्व. truth: essence. उत्तः ६, ६; (३) व्यार्थ कानि पाप नहीं इरतार भनुष्य श्रायंजाति; पाप न करनेवाली जाति. the Arya race; a person who does not commit sin. जीवाः ३, ४; पष्णः १: भगः १, ५; ३, १; — खेत्त नः (-केत्र) आर्थ क्षेत्र श्रायंच्त्र the country of the Aryas. सूयः वि॰ शः १, ५, १, ६६;

ष्ट्रायारयत्त न॰ (श्वाचार्यत्व) स्थायार्थपछ्रं, श्राचार्य पन.. Preceptorhood; status of a preceptor. नव॰ ७, १६; प्रव॰ ६०३;

श्रायरियत्ता. ह्यां (श्राचार्यता) आश्रार्थपां धुं; आशार्ष पद्धी. श्राचार्यत्वः श्राचार्य पद. State of being an Acharya; Acharyahood यव ३, ७; ठा० ३, ३; निसी ० ७, ३१;

श्रायरियभासिय न॰ ( श्राचायंभाषित)
प्रश्न ०पाइरण सूत्र का चीया श्रध्ययन. The
fourth chapter of Prasnavyākaiaņa Sūtra. ठा॰ ९०;

श्रायरिय चिष्पडिचात्त स्त्रा॰ ( श्राचार्य चित्रतिपत्ति) लंधदशासूत्रतु भांथमुं अध्याय The authority का पांचवाँ श्रध्याय The fifth chapter of Bandha Dasa Sutra " चघदसासं दम श्राम्भयणा प॰ तं॰ यंघे मुक्लेय देवड्डी दमारमंडले इय श्रायरिय विष्पडिचत्ति" ठा० १०:

श्चायरियद्यः त्रि॰ (श्वाचारेतद्य) आयरवा याग्यः श्वाचरण करने योग्य Worthy of being performed or practised. सम॰ २८; श्रायरिस. पुं॰ (श्रादर्श) भ्रशिसा, ६५७: आर्थना. दर्पेण प्रायना. A mirror: a looking-glass. स्॰ च॰ २, ११२: श्रायवः पुं॰ ( म्रातप ) जुन्मे। " श्रातव " शण्ट. देखो " श्रातव " शब्द. vide. " श्रातव ''. श्रोव० ३८; उत्त० २, ३५: जीवा० ३, ३; पिं० नि० भा० ३४; भग० १, ६; उवा० ७, १६५; जं० प० ४, १५२; श्रायवालीयः पुं॰ (श्रातपालीक) अभिना तापनं हरीन. श्रावन के ताप का दर्शन. Sight of the flames of fire. " द्यातवाखीय सहंततुंबहय परारा करायो " नाया॰ १; --दुग. न॰ (-द्विक) आत्र अने बिधान नाम, खातप ख्राँर उद्योग नाम. the group of the two viz Atapa and Udyota (i. e. heat and

light) क॰ गं॰ २, २६;
श्रायचंतः त्रि॰ (श्रात्मवत्-श्रात्मज्ञानादिकम
स्यास्तीत्यात्मवान् ) आत्मनानवालीः श्रात्मज्ञानवालाः (One) Possessed of
self-knowledge or knowledge
of the soul. 'से धायतं नागवं वयवं
ध्यमवं वसवं पद्माणोहं परियाणइ खोयं '
श्राया॰ १; २, १, १०९;

द्यायचत्त. न॰ (धातपत्र) ७त्र, ७त्री. छत्र, छतरी. Umbrella. श्रोम॰ ३१; नाया॰ १, जीमा॰ ३, ४, मु॰ च॰ २, ४६८; भग॰ ६, ३३; जं॰ प॰ ४, १९७;

श्रायस्यंत न० (धातपयत्) अहे।रात्रना रथभां भुढ्नंनुं नाभ. श्रहोरात्रिके रथने मुहूर्त का नाम. Name of the 24th Muhūrta of a period consisting of a day and a night. स्० प० १०; जं० प०

द्यायवाः स्रं ( द्यातपा ) आत्रा नाभनी सूर्यनी ओह अग्र मिहिषी सूर्य की द्यातपा नामक एक पहरानी One of the principal queens of the sun, so named नाया । घ० ७,

श्चायिक त्रि॰ ( श्वास्मिनित् ) आत्मनानी. श्रान्माको जाननेवाला; श्रात्मज्ञानी. (One) having the knowledge of the soul. श्राया॰ १, ३, १, १०७,

म्रायसः त्रि॰ (म्रायस) दे। ६१५। दे। दे। संબंधी. लोहमय. लोहे संबंधि. Pertaining to iron; made of iron. भग॰ ७, ६, - भंड. पुं॰ ( -भाग्ड) આત્મારુપી ભાંડ, ભાજન વિશેષ. श्रात्मा-ह्यो पात्र the soul considered as a vessel or a receptacle. नायि । १; -वादि. त्रि॰ ( -वादन् श्रात्मानं वदितुं मीलमस्वेत्यातमचादी ) आत्भाना यथार्थ २५२ ५ने २वी धारनारः व्यारित कः स्रात्माके यथार्थ स्वरूपको माननेवाला; श्रास्तिक. (one) who accepts the real nature of the soul; orthodox. " से श्रायावादी लोयावादी कप्पावादी किरियावादी " श्राया० १, १, १, ५; —**वाय.** पुं॰ ( -बाद ) आत्भवाह, પાતાના સિદ્ધાતના પાદ, સ્વસિદ્ધાંત સ્થાપન श्रात्मवाद: निज सिद्धान्त स्थापन, Atmavāda; establishing one's own tenets or doctrines. श्रोव॰ १४: —सुप्पाणिहिम्र त्रि॰ (-सुप्रशिहित ) જેણે આત્માને શુભયાગમા પ્રવર્તાવ્યા છે તે श्वारम।को शुभ योग मे प्रवर्ताने वाला. (one) who contemplates upon things beneficial to the soul, (one) who has directed his soul into salutary activities दसा० ४, ६६. आयात्रः त्रि॰ ( श्रायात ) आवेधुं श्रायाहुवा Come, arrived. इत्त. ६, ११,

श्रायास. न॰ ( श्रादान ) देवु; अदुखु ६२वु; स्वीक्षार वं ते. लेना: प्रह्ण करना; स्वीकार करना Taking; acceptance. प्रव॰ ५२२, श्रोव० १०; ११, भग० २, १; २. २, जीवा० ३, ३; उत्त० १२, २, वि० नि० २५४, ३८६; श्रो० नि० ७७, विशे० १८४; ૪૮૩; (૧) ભાગલ રાખવાનું સ્થાન. श्राडा (किवाइ श्रटकानेकां डंडा ) रखनेकी जगह the place where a doorbolt is kept श्रोव॰ १०; (३) व ४५. वाक्य. sentence. सूय० १, १६, ३; (४) परिश्रह परिषद्द. worldly possessions. " श्रायाणं नरयं दिस्स नायइज तरता तरतामापि " सूय० १, १५, २; ठा० उत्त॰ ६, ६, ( ५) ઉપયોગપૂર્વક વસ્તુનું લેવું મુકલું, આયાઅભંડમત્તનિખેવણાસમિતિ; પાંચ સમિતિમાંની ચાથી સમિત जक्योग-पूर्वक वस्तु का ग्रहण करनाः पांच समितियों में से चौथी समिति. the 4th of the five Samitis viz carefully taking up and laying down **કર્મ**તું ઉપાદાન કારણ. कर्म का उपा-दान कारण, the efficient cause of Karma. सूय॰ १, १, २, २६: २, १, ५३; दसा० ७, १; ( ७ ) ( घ्रादीयते सावद्यानुष्ठाने स्वीक्रियते इत्यादानम् ) व्यार्ठ પ્રકારના કર્મ; જ્ઞાનાવરણીયાદિ કર્મ. જ્ઞાના-वर्गायादि आठ प्रकार के कर्म. the eight varieties of Karma e g. knowledge-obscuring Karma etc स्य॰ १, १३, ४; ( = ) ( आशीयने ाश्चरयतेऽध्यप्रकार<u>ं</u> श्चारमग्रदेशै: सह कर्म येन तदादानम् ) अदार पापस्थानः हिंसाहि आश्रवस्थान पाप के श्रठारह स्थान; हिमादि श्राभ्रवस्थान. eighteen sour-

ces of sin; a source of inflow of Karma e. g. killing etc. " धायायां सगढिज्ञे " श्राया॰ १, ३, ४; १२१; ( ६ ) ( ब्रादीयते स्वीक्रियते प्राप्यते मोचो येन तदाशनम् ) सभ्यग्जान, दर्शन भने यारित्र. सम्यग् ज्ञान, दर्शन, श्रीर चारित्र right knowledge, faith and conduct. " बुद्द य विगयगेही घायाणं सरक्खए " सूय० १, १, ४, ११; 🐧 ६, २०; (१०) (श्रादीयत इस्यादानम् ) भेक्षि. मोन् absolution; salvation. " श्रायाणमट्टं खलु वंचइत्ता " स्य॰ १, १३, ४; ( ११) ( श्रमणोपासकेनादीयत इरयादानं प्रथमवतबहर्णं ) श्रावक्षनुं अथभ वत अ७७ ३२वं ते. श्रावक के प्रथम वत का प्रह्मा करना. adoption of the first vow of a layman. " जावजीवाए जेहिं समग्रेवासगस्त श्रायागं सो श्रामरगं-ताए दंडे निक्खित्ते " सूय । २, ७; ( १२ ) ( श्रादीयन्ते गृह्यन्ते शब्दादयोऽर्था एभिरि-स्यादानानीन्द्रियािख ) धिद्रिय; श्रीत्र आहि पाय धिदिये। हाँदियः श्रोत्र श्रादि पांच हिंदियाः an organ of sense e.g. an ear etc. 5 in number. " केवजीएं श्रायागोहिं न जाग्रह न पासह ' भग० ५, ४, ६, १०; स्य० २, २, ४४; (१३) २भण्रीयः, २२य. रमणीयः, मनोहर. charming; pleasant. परहर १, ४; (१४) संयम. सयम. asceticism. धाया॰ १, २, ४, ६५; — स्त्रहि पुं॰ ( - घार्धन ) સમ્યક્તાન આદિના પ્રયા-જન વાલા, भाक्षार्थी सम्यक्ज्ञान आदि के प्रयोजन वाला, मोत्तार्थी one desirous of Moksa; one desirous of right knowledge etc. " श्रायाण-श्रही वीदाणमोगं " सूय० १, १४, १७;

-- पय. न० ( -पद- श्रादीयते गृह्यते प्रथममादी यत्तदादानं भादानज्ञ तत्पदं च सुवन्तं तिङन्तं या तदादानपदम् ) अध्ययन કે શ્રુતસ્કંધનું આદિ પદ—શરુ આતનું વાક્ય-જેમ ' ધમ્માે મંગલં ' જ્રાધ્યાય अथवा श्रुतस्कंध का प्रथम वाक्य, जैसे 'धम्मो मंगलं.' the commencing words of a scriptural chapter etc; e g. "धम्मो मंगलं" (religion is a blessing ) " सेकिंते श्रायाणपदेणं "धम्मो मंगलं " चूलिश्रा चाउरंगि जं श्रसंखयं श्रावंती " श्रगुजो • १३१; -- भश्र-य. पुं• ( –भय ) આદાન-દ્રવ્ય સંબંધી ભય; સાત **ભયમાનું** એક. द्रव्य संबन्धी भय; सात में से एक भय. fear connected with wealth; one of the seven kinds of fear. सम॰ ७; ठा॰ ७, १; प्रव॰ १३३४; — भंडमत्राणि खेवणासमिइ. ब्रा॰ ( -भागडमात्रनिषेपणासिमिति ) जुन्ने। " श्रादाणभंडमत्तर्णिववणासमिइ " शश्ह. देखो " श्रादाणभंडमत्तिणेखेवणासामेइ " शब्द. nide. " श्रादाणभंडमत्तीणखेवणा-सामिइ '' सम० ५; — भंडमत्तानिखेवगा-समियः त्रि॰ ( -भाग्डमात्रनिन्नेपणा-समित ) लुः । '' श्रादानभडमत्तनिखेवणा-सामिय " शण्ट. देखो " श्रादानभंडमत्त-निखेवणाममिय "शब्द. vide. " श्रादान-भंडमत्तनिखवणासमिय " सूय० २, दसा० ५, **%**; २६: नाया० -सोय न॰ (-स्रोतस्-म्रादीयते कर्मा-नेनेत्यादानं दुष्त्रिखिहिनमिन्द्रियं तच्चतत्-स्रोतश्चादानस्रोतः ) ६७ ६ ६ ६ ५ स्थ-કર્મ આવવાનું દ્વાર, ઇન્દ્રિયના દુષ્ટ ઉપયાગ-रूप आश्रव. दुष्ट इंन्द्रिवरूप स्रोत-कर्म श्रानेका द्वार; इन्द्रियोका दुष्ट उपयोगरूप

श्राश्रव. the door for the inflow of Karma; sources of sin due to the ill activities of sense-organs. " श्रार्यणसोय-मह्वायसोय-जो-गच सन्वसो णचा " श्राया १, ६, १, १६; श्रायाण्या श्री० (श्रादान ) अभे। " श्रादा ण्या " शण्ह देखो " श्रादाण्या " शब्द. Vide " श्रादाण्या " ठा० २१;

श्रायाण्वंत. त्रि॰ (श्रादानवत्) आधान-ग्रान ६र्शन अने य रिच्य वाली धर्म, साधु वगेरे. ज्ञान, दर्शन और चारित्र वाला धर्म साधु वगैरह (A religion, an ascetic etc.) possessed of right-knowledge, faith, and conduct " श्रायाण्वंतं समुदाहरेजा" स्य॰ २, ६, ५४;

श्रायाग्रसो. श्र॰ (श्रादानशस्) अह्ल धर्य है। ये त्यारथी भांडी. ग्रहण किया होने तनसे लेकर. From the time of acceptunce. स्य॰ २, ७, १६;

श्रायाणिजा नि॰ ( श्रादानीय-श्रादीयत उपा दीयत इत्यादानीयः ) अहल अन्या ये। य श्रहण करने योग्य. Worthy of being taken or accepted; acceptable. श्रायाणिजे वियाहिए " श्राया ० १, ४, ३, १३७, ठा० ६, सम० ७०; ( २ ) ( श्रादीयंते गृह्यन्ते सर्वभावा श्रनेनेत्यादानीयम् ) कृत; शास्त्र भूत; शास्त्र scripture श्राया॰ १, २,३,८०; (३) ( श्रादीयन इत्यादानीयम् ) ६भी. कर्म. Karma " यायाणिजं घादाय तंमिठाणेण चिट्टइं" श्राया॰ १, ६, २; १८४; (४) संयभ; संयभानुष्टान. संयम; संयमानुष्टान. asceticism. ( ४.) भेक्ष. मोच. salvation श्चायाणीय त्रि॰ ( श्रादानीय ) अद्धणु ४२वा थे।२५; श्राह्म, ब्रह्म, करने योग्य ब्राह्म

Worthy of being accepted; acceptable. श्राया॰ १, १, २, १६;

√ आ-याम. था॰ II. (आ+यम्) જ भाऽवृं; जिमाना. To feed (२) लांशु ४२ वृं. लंबा करना. to stretch, to make long.

श्रायामेइ. " माहरेश श्रायामेइ श्रायामेइता. श्रायामेइता. सउत्तरोहं मुड करेइ ' भग० १५, १;

श्रायामः पुं॰ (श्राचाम्ल) आयंभिक्ष तथ. श्रायंवित नाम का तप. The austerity called Ayambila. उत्तः २६, २५१; पंचा॰ १६, ३०; प्रव॰ ६१३; (२) ६७०. काक्षी. Konjee. निसी॰ १७, ३०; विशे॰ ११७४;

श्रायाम. न॰ ( श्राचाम ) श्रीसाम् मांड़. Water removed after boiling rice, pulse etc. and after being flavoured served as a separate article of food. ठा॰ ३; श्राया॰ २, १, ७, ४१,विं० नि० ३७; ३६४; श्रोव० १६; पिं नि भा ३६ —सित्थभोइ वि (-सिक्थमोजिन् ) शेसामण्मां के डंध અનાજની સિથ આવે તેટલું માત્ર ખાનાર. माडमे जो थोडा बहुत श्रन का श्रंश श्रावे उतनेही को खानेवाला. one taking just as much solid food as escapes with Ayama. ( g. v. ) श्रोव• श्रायाम न॰ ( श्रायाम ) લંબાઇ; લાંબુપહં. लंबाई, लंबापन. Length. विशे॰ ५८६; श्रोध नि ७०७, स् प प १; सम १; श्रोव॰ जं॰ प॰ १, ११, ठा॰ २, ३; नाया॰ प्र; १६; भग० २, १, ४; ३, ७; ६, ३; १०, ६; १३, ४; १४, १; जीवा० ३१; प्रव० ५४५, - विक्खंभ. पुं॰ न॰ ( -विष्कंभ ) લંખાઇ પહેલાઇ. જંગાઈ चોટાઈ.

length and breadth. नाया॰ ६; जंद प॰ १, ३; ७, १४७;

द्यायामञ्च. न॰ ( त्राचामक ) श्रीसाभणु. मांट. Water removed after boiling rice, pulse etc. ठा॰ ३, ३; ध्यायामग. न॰ ( श्राचामक) श्रीसाभणु. माइ; टाल का पानी Vide " श्रासामंत्र " " श्रायामगंचेव जवादगच " उत्त॰ १४, १३

आयामेत्ताः नं क क प्र ( धायम्य ) क्षाणी हरीने लंबा करके. Having lengthened, elongated. भग १, ८;

आयाय. सं० छ० थ० ( श्रादाय ) लुओ।
" स्रादाय " शण्ट. देखो " श्रादाय " शब्द
Vide " श्रादाय " भग० ५, ४; ६, ५०;
१३, ६; ९५, १; नाया० ५, ८; ६; १५;
उत्त० २, ४३; ५, ३०; श्राया० १, २, ३,

श्रायार. पुं॰ ( श्राचार ) ज्ञानाहि आथार. ज्ञानादिक श्राचार. Knowledge etc. सम॰ प॰ १६८; सम॰ २८; नाया॰ १; भग॰ २, १, २४, ३; विशे० ३१६०; श्रोघ० नि० १=३; पंचा० ४, ४; ( २ ) व्यवहार; विधि-भार्भ. व्यवहार; विधिमार्ग. practice; prescribed rules. दसा॰ ६, ४३; ६, ४, २३; ( ३ ) वर्तन; यारित्र. चारित्र; वृत्ति. conduct; character. पिंo नि॰ २०६; दम॰ ६, २; (४) आयाराग सत्र; १२ अंगभांनं पहेलं अंग सूत्र श्राचारांग सूत्र; १२ श्रंगोंमें से परिला श्रंगसूत्र. the first of the twelve Angasūtres; the Achārānga Sūtra. इम॰ १, १८; श्रमुजो० ४२; श्रोव० २९; भग० १६, ६; २०, ८; २५, ३; नंदी० ४४; — ख्रंग. न० (一取薪) ૧૨ અંગસત્રમાંનું પ્રથમ અંગ-सूत बारह अंगसृत्रोमें मे पहिला अंगसूत्र.

the first of the 12 Angasūtras. राम॰ —श्रंगचृलाः स्रा॰ (-श्रहचृहा) આચારાંગ સૂત્રના ળીજા શ્રુતસ્કંઘના પાછલા **भाग. श्राचारांग सृत्र के द्सेर श्रुतस्कंघ** का पिछला हिस्सा. the latter part of Sruta Skandha of the 2nd Achārāṅga Sūtra, श्रायाः २, १, १, १: — उचगयः त्रि॰ ( -उपगत ) १४ મા યાગ સંત્રહ; આચાર વિશિષ્ટ પાલવા તે १४ वाँ योग संप्रहः श्राचार विशेष का पालन करना. the 14th Yogasangraha; observance of a particular kind of conduct. सम॰ ३२; —कुसल. त्रि॰ ( -कुशल ) आयारभां धुशक्ष. श्राचार में कुराल. ( one ) proficient in ascetic conduct. वन॰ -फ्सेंचगी स्वा॰ (-म्रांचपगी) सांभ-લનારને આચાર-અનુકાન તરફ ખેંચનારી ध्या; ध्याने। **ओ**क प्रधार सुनने वाले की श्राचार की थोर श्राकर्पित करने वाली कथा; कथा का एक भेद. a story inclining the hearer to practise or perform what he hears. ठा० ४, २; —गुत्त. त्रि॰ ( -गुप्त ) शुप्तायारी; केने। शुप्त आयार छे ते गुप्ताचारी; गुप्त श्राचार वाला. ( one ) whose religious performances are well protected or carried on in privacy. दसा• ६, ३१-३२; —गोयर ( नोचर ) आथार विषयः; आथार संभंधी. श्राचार संबंधी. pertaining to Achāra. भग॰ २, १; दस॰ ६, २, ठा॰ =; दसा॰ ४, १०४; श्राया॰ <sup>१, ६, ४</sup>, १६०; —चृला. स्री॰ ( -चृला ) બીજા શુતસ્કંધની આચારાંગ સૃત્રના युलिश. श्रानारांग मृत्र के दूसरे धुतम्बंध

की चूलिका the latter part (the Chulika) of the 2nd Stuta. skandha of Achāranga Sūtra श्राया॰ २, १, १, १; — चूलिया स्री॰ (-चृतिका) आयाराग सूत्रनी यूक्षिडा. श्राचाराग सत्र की चूलिका. the latter part (the Chulika) of Acharānga Sūtra. " श्रायारस्सगं भगवन्नो सच्ित्रागत्स पंचासीइ उदेसण काला " सम॰ ८६. " गांगिकिडगांगं श्रायार चृलिया चड्डाण सत्तावनं घाम्भयणा ' सम् ० ५७; — गिरुत्रुत्ति स्री॰ ( निर्वृक्ति ) आयारंग सूत्रनी निर्थेक्ति आचारंग स्त्र की निर्येक्ति. the commentary on the Achārānga Sūtra. सम॰ १, श्राया॰ नि॰ १, १, १, १; — त्तेण. त्रि॰ ( - स्तेन ) આચારતા ચાર. અણાયારી છતાં પાતાને આચારી કહેવડાવનાર श्राचार धनाचारी होते हुए भी ध्रपने को सदाचारी कहलाने वाला. (one) who pretends to be of right conduct etc. though in reality he is not इस॰ ४, १, २; -पग्णित्ति स्री० ( -प्रज्ञित ) આચારાંગ અને પર્જાત્તા–જખ્ડ્રીપ પત્રનિ ચન્દ-પત્રતિ સૂર્ય પત્રતિ વગેરે સત્રા શ્રાचारांग श्रौर पनाति-प्रजप्ति जवृद्दीप प्रज्ञप्ति, चंद्र मज्ञाति, सूर्म प्रजाति स्थादि सूत्र. the Achāranga and Pannati Sutra e g Jambūdvīpa Pannati, Chandra Pannatı, Sürya Pannatı etc. दम॰ ६, ४०, —पग्ण्तिघर. पु॰ ( -प्रज्ञप्तिधर ) आयारंग सूत्र अने प्रज्ञपि સ્ત્ર-જમ્ળૂદ્દીષ પન્નતિ ચન્દમન્નતિ સૂર્ય પન્નતિ पंगेरेना धरनार-लख्नार. श्राचाराम सूत्र श्रोर प्रज्ञप्ति सूत्र का जाननेत्राला one who knows the Acharanga and v. 11/10.

Panuati Sūtras like Jambūdvīpa Pannati etc " श्राग्यरप-एखतिधर दिष्टिवायमहिजागं '' दस॰ ८, ४०; —पत्त. त्रि॰ (-प्राप्त) ध्रभ्द्धयर्पमत आहि आयारवादे। प्रह्मचर्य प्रत चादि का श्राचरण करनेवाला. (one) who practises continence. "द्सण श्रायार पत्तार्थ " तंडु - भंडग पु ( - भाडफ ) પાત્રાં પાટ રજોહરણ આદિ ઉપગરણ. પાત્ર. रजोहरण श्रादि उपकर्ण an ascetic's implements such as alms-bowl, soft brush etc. नाया॰ - भंडसेवि पुं॰ ( --भागडसंविद् - श्राचार शाह्मविहितो ध्यवहारस्तेन भाग्रहमुपक-रणमाचारभागडम् तत्सेवितु शीलं यस्य स श्राचारभागड सेवी ) शास्त्र विधिने अनुसरी **ઉ**५गरे सेवनार शास्त्रविधि के अनुसार उपकरण का सेवन करनेवाला an asce tic who uses his implements as prescribed by scriptures. श्राउ॰ --भाव. पुं॰ (-भाव) आशार लाप-आयारतं स्वरूप. श्राचार the true nature of Achara 1 e knowledge, faith, conduct etc. दस॰ ७, १३, --भ(व त्तेगा पुं॰ ( -र व-स्तेन ) उत्तम आशार वगरनी, उत्तम-आयारेने। थे।र. उत्तम श्राचार रहितः सटा-चार चार devoid of a high quality Achāra i e knowledge, faith, conduct etc दस० ४. २, ४६ —भावदोसराग्रा त्रि॰ ( -भावदोपज —श्राचारमावस्य दाष जानातीत्वाचारभाव दोषज्ञः ) आयारलाव-साधु सभायारीना है।पने ज्याश्वार, श्राचार माव श्रर्थात् साधु समाचारी के दोष को जाननेवाला (one) who knows the faults connect.

ed with knowledge, faith, conduct etc. of Sādhus or ascetics. ष्ट्रायार भाव दौसच्च न तं आसिज पन्नवं " दस॰ ७, १३; -- मह. त्रि॰ ( - ग्रर्थ ) त्तानाहि आयारने अर्थे-निमित्ते. ज्ञानादि श्राचार के लिये. for the sake of Achāra i. e knowledge, faith, conduct etc. " श्रायारमहाविण्यं पठंजे '' दम॰ ६, ३, २; — विराय. पुं॰ ( -विनय-प्राचारोवतिनां समाचार स एव विनीयते श्रवनीयते कर्माऽनेनेति विनय म्राचारविनयः ) विनय पूर्वेक आथार पासवे। ते. विनयने। ओड अडार, विनय पूर्वक श्राचार का पालन करना; विनय का एक भेद. practice of ascetic right conduct with reverence and austerity; a mode of Vinaya. " सेर्कि ते श्रायार विराए २ चडविहे पन्नते-तंजहा संजमसमायारी यावि भवति " प्रव॰ ५५४; दसा० ४, ६७: -संपया. स्री० ( -संपत्—श्राचरसमाचारोऽनुष्टानं तहिपया स एव वा संपाद्वभृतिस्तस्य वा सम्पत् सम्पत्तिः प्राप्तिराचारसम्पत् ) आयारनी संपत्तिः ७ ये। आयार श्राचार की संपत्ति, रच श्राचार high kind of Achara i e. religious practices enjoined by right knowledge, faith etc, " श्रायार संपदा चडविहा पन्नता संजहा संजम ध्वजोग जुत्ते "ठा॰ म, १; ४, ५०६; —समाहि पुं॰ (-समावि) આચારરુપ સમાધિ; સમાધિના थे। अ। २. श्राचाररू समावि, समाधि का एक भेद. ineditation in the form of Achāra i. e ascetic life with knowledge, faith etc. "चउ-विद्वा खलु श्रायार समाई। भवद्व नंजहा '

दस॰ ६, ४, ५; —समाहिसंदुड ति॰ (-समाधिसंदृत) व्यायाररूप समाधियाक्षा; व्याथ्यव को रोकने वाला (one) having meditation in the form of Achāra; (one) who stops the inflow of Karma. दस॰ ६, ४, २, ३; आयार. पुं॰ (आकार) आकृति; आकार. धाकृति, धाकार. Form; configuration. जं॰ प॰ नाया॰ १; —भावपडोयार. पुं॰ (-भावप्रत्यवतार) लुओ। "धागार-भावपडोयार " श॰६. देखे। "धागार-भावपडोयार " श॰६. देखे। "धागार-भावपडोयार " श॰६. देखे। "धागार-भावपडोयार " श॰६. पुं० (११)

श्रायार कष्ण. न० (श्राचारकरप) निसीय
स्त्रतं अपर नाम. निसीय स्त्र का दूपरा
नाम. Another name of Nisītha
Sūtra. नव० ३,१०; प्रव० ६६४: —धर.
त्रि० (-धर) निसीय स्त्रता अर्थना धरनार निसीय स्त्र के श्रयं का ज्ञाताः
(one) who knows the meaning of Nisītha Sūtra वव० ३, ८;
श्रायारक्ख. पुं० (श्रात्मरण) जुओ।
"श्रायारक्ख "श्र्यः देखा "श्रायारक्ख "
शब्द. Vide. "श्रायारक्ख " ज० प० ४,
६६;

श्रायारद्सा. क्री॰ (श्राचारदशा-श्राचारप्रति-पादनपरा दशा श्राचारदशा ) आयारदशा नाभनुं सूत्र श्राचारदशा नामक सूत्र The Sutra named Achara Daśā. "श्रायारदसाणं दस श्रवभग्रणा पर्णाता तंजहा" ठा॰ १०;

श्रायारपकष्प पुं॰ ( श्राचारप्रकल्प ) निसी-धना त्रशु अध्ययन सिदत आयारंग सूत्रना २४ अध्ययन. निसीय सूत्र के तीन श्रायांमहित श्राचाराग सूत्र के २४ श्रध्याय. The 25 chapters of Achārāṅga plus three chapters of Nisītha. '' श्रहावीसिवहों श्रायारपकप्प नामोपं '' परह० २, ५, नव० १०, २०;

श्रायारपणिहि पुं॰ ( श्राचारप्रणिधि) आयार प्रतिपादन करनेवारे दश्येशिक्षिश्च सूत्रनुं ८ मुं अध्ययन. श्राचार का प्रतिपादन करनेवारे दश्येकालिक सूत्र का श्राठना श्रण्याय The eighth chapter of Dasavaikālika explaining Achāra i e. right knowledge, faith etc. " श्रायारपणिहि लक्षु जहा कायन्व भिन्खुणा" दस॰ ६, १; ६४.

श्रायारमंत. त्रि॰ ( श्राचारवत् ) शुद्ध आयार वाली. शुद्ध श्राचरण वाला. Pure in knowledge, conduct, faith etc. दस॰ ६, १, ३;

श्रायारवंत त्रि॰ ( श्राचारवत् ) ज्ञान, हर्शन, व्यारित्र, तप अने वीर्थ એ पाय आयारवादी. ज्ञान. दर्शन, चारित्र, तप श्रीर वीर्थ इन पांच श्राचारवाला ( One ) possessed of the five Achāras viz knowledge, faith, conduct, austerity and heroism ठा॰ =, १; भग॰ २५, ७; दसा॰ ९, ३१; ३२;

श्रायारवत्थु न॰ ( श्राचारवस्तु ) नवभा पूर्व ना त्रीन्न अक्षरख्नुं नामः नीचे पूर्व के तीसरे प्रकरण का नामः Name of the third chapter of the 9th Purva. भग॰ २४, ७;

आयाव. पुं० ( भ्राताप ) लुओ " भ्राताव " शण्द. देखो " भ्राताव " शब्द. Vide. " भ्राताव " भग० १, ४; कप्प० २, ४४, ४, ३३;

त्रायाचत्रा. त्रि॰ (श्रातापक ) आतापना

होनार; स्पैनी सामे दृष्टि राणी सूर्यने। ताप सहेनार ध्रातापना लेनेवाला. सूर्य के सामने दृष्टि लगाकर सूर्य के ताप को सहने वाला. (One) who practises austerity by steadily looking at the sun. ध्रोव॰ १६; पग्ह॰ २, १; ठा॰ ४, १;

भ्रायावगः त्रि॰ (भ्रातापक) लुओ " श्राता-घग " शम्धः देखो " भ्रातावग " शब्दः Vide. " भ्रातावग " पिं॰ ति० ३१५;

श्रायावर्गः न॰ ( श्रातापन ) आतापना शीताहिक्ष्तं सहन करवं ते श्रातापना शीतादिक का सहना. Practice of enduring heat, cold, etc नाया॰ १६; — द्रागः न॰ ( -स्थान ) शीताहि सहन करने का स्थानः धानः शीतादिक सहन करने का स्थानः a place where cold etc are to be endured. पचा॰ १८, ४८; — भूमिः श्री० (-भूमि) आतापना देनानी जञ्याः श्रातापना त्रेनेको जगहः a place for practising the austerity of enduring cold, heat etc. भग० २, १; ३, १; ६, ३१; ११, ६; १४, १; नाया॰ १६;

श्रायाचराभूमियः न॰ ( श्रातापनभृमिक ) ळुओ ७५८। शण्दः देखे जन्दका शब्दः Vide above. नायाः १;

श्रायावण्याः स्री॰ (\*श्रातापनता) लुओ। "श्रातावण्या" शल्ह देखां "श्राता-वण्या" शब्द Vide "श्रातावण्या" ठा॰ ३, ३;

श्रायाचणाः स्त्री॰ ( यातापना ) आतापना सेरी श्रातापना लेनाः Endurance of heat, cold, etc. as austerities. श्रीव॰ ३८; वव॰ ४, २२, निर॰ ३, ३; भग॰ ११, ६; श्रायास पुं॰ ( श्रायास ) थित्तते। भेह. चित्त का खेद. Mental grief; sorrow of the mind पगद्द १, ६; (२) १= क्षिपिभांनी १५भी क्षिपि. १**८ लिपियों मे** से १४ वीं सिपि. the 15th of the 13 soripts. पन १; — लिवि. सी॰ ( - लिपि ) १ = લિપિમાંની ૧૫ મા લિપિ. १८ लिपियोमें से १५ वी लिपि. the 15th of the 18 scripts. पत्र १: श्रायाहिएं। य॰ ( यादिस्यम् ) ६(१) ७ તરફથી માડી; જમણી તરફથી શરૂ કરીતે दित्तण बाज्से, टाहिना श्रोर से प्रारंभ करके. Commencing with, starting from, the right side ( as opposed to the left ) श्रोव॰ २२; नाया॰ १, १३; १६; भग० १, १; २, १, ३, १; ४१, २; राय० २६, उत्रा० १, १०, जं० प० **ধ, ૧૧**૨:

आयाहिणपयाहिणां. स्री॰ ( श्रादिल्णप्रदेश चिणां प्रादिल्णां न दिल्ल्णां न दिल्ल्णां न स्वादिल्लाः पिति आग्यतो दिल्ल्लं एवा दिल्ल्लं प्रदिल्लाः) अभाषां तर्भ्यी शर् धरीने भ्री अभावते न धरेषुं ते दाहिनी श्रोर से श्रावर्तन कर फिर दाहिनी श्रोर तक-(प्रदिल्ल्णा.) Starting from the right and coming round again to the right ( as opposed to the left.) "समणं मगवं भहावीएं तिखुको श्रायाहिणपयाहिणं करेह" भग० ५, १, ६, १३, विवा॰ १, राय॰ श्रोव॰ नाया॰ १६;

प्रायु न० ( प्रायुष ) आयुष्य धायुष्य; उमर.

क्रि. क० प० ५, ६३. —क्ष्म्नय. पुं॰
( -चय ) आयुष्यने। क्षय-अंत. भ्रायुष्य का
चय-प्रकृत. decay or end of life.
के॰ प० ५, ६३,

श्रायोग पुं॰ (श्रायोग) धननी आवड. धन की श्रामदनी. Income of wealth. राय॰ २६६;

श्रार. न० ( श्रार-इह भवसारम् ) आले। उ यह लोक. This world. " गाहिस श्रारं कश्रोपरं " स्य० १, २, १, ६, २६. (२) संसार; छवले। उ. ससार; मर्त्यलोक. world; worldly existence. स्य० १, २, १, ६; (३) गृहस्थपछं. गृहस्थपन; गाईस्थ्य. householdership. स्य० १, २, १, ६; (४) ये।थी नरक्षेत्र नरकावासा. क certain division of the 4th hell-region. स्य० ठा० ६, १;

श्चारश्रो. श्च॰ ( श्चारतस् ) आशे। इ. यह लोक. ( From ) this world. " श्चारश्रो पाश्चो वावि " स्य॰ १, ६, ६; (२) पहेला; अर्थाग, आपार. पहिले; श्चर्याण; इस पार. before ( in time or place ) being on this side. पिं॰ नि॰ २३४; २४१;

√ आरंभ. I. धा० ( ग्रा+रम्म् ) आ रंभ सभारंभ करवीः; ि सा-पापनी व्यापार करवे। हिंसा का व्यापार-हिसक कार्य करनाः; ग्रारंभ समारंभ करना. To do a sinful action like killing etc.

धारंभइ. सग० ३, ३;

शारंभे. वि॰ दस॰ ६, ३५;

श्चारंभमाण. भग० ३, ३;

श्रारंभ पुं॰ (श्रारम्भ) हिंसा; કृषि आहि
पाप धारी व्यापार; आरंश सभारंश हिंसी;
कृषि श्रादि पापपूर्ण व्यापार; श्रारंग समारंभ.
Destructive operation; e. g.
killing, in agriculture etc दसा॰
६, २: भग० ३. ३; =, ९; श्रोन॰ ३८;

उवा॰ ६, १७७; सूय॰ १, १, १, १०; ५, १, २, ११, उत्त॰ २४, २१; ३४, २४; विशे॰ ३; पंचा॰ १, ८; प्रव॰ १०७४; (२) त्रि॰ केने। आरंभ थाय तेवा છव. जिसका श्रारंभ-वय हो ऐसा जान a victim of killing प्रव॰ १९७४, —उवरय त्रि॰ ( - उपरंत ) आरंक्षथी निवृत्त यथेक धारंभ से निवृत्ति पायाहुआ fiee from sinful operations of killing etc " जेय पगगागमंता पतुद्धा मारंभीवस्या सम्ममंगीत पासह "श्राया॰ १, ४, ५, १६०; —करण. न० ( -करण ) छ अयना छवने दृष्या ते छ कार्य के जांबो की हिंसा करना. destruction of lives of any of the six elements viz earth, water, fire etc. ठा॰ ३, १; पएह॰ १, ३; —कहा स्त्री॰ ( -कथा ) लेकिनाहि shi થતા આરંભ સમારંભનાં વખાણ કરવા તે. भोजनादि में होतें हुए आरंभ समारंभ को संराहना praise of sinful operations taking place in the preparation of food etc. তা॰ ४, ২: — जीवि ति॰ (-जीविन् ) आरंस-सावध ક્રિયાથી આજીવકા ચલાવનાર ( ગૃહસ્થ ) श्रारंभ-सावद्य-किया से श्राजीविका करने-वाला ( गृहस्थ ) ( a householder ) earning livelihood by operations involving killing etc धाया० १, ३, २, १११, — उभागः न० ( -ध्यान ) हिंस्ड ध्यान, आर्त्ध्यान हिसक भ्यान, श्रातिभ्यान, meditation of destruction of sentient beings श्राउ॰ -- हाग्. न॰ ( -रथान) व्यारम्ल सभारम्ल धरवाना हेड ला-फेतर-416ी वरेरि. शारंभ समारंभ करने का स्थान जैसे लेवी वाही श्रादि. a place of sinful operations; e g. a field, a garden etc. " धारंभ हाखे पर्याता एवा में व महा पडमेवि " ठा०: ६ — हि. त्रि. ( - श्रिधेन ) आरम्भने। अर्थी; पापना ०यापारने धेर्कतार. श्रारंभ का श्रर्थी, पाप व्यापार को चाहनेवाला desirous of sinful operations. " आरंभट्टी श्रखुवय-माणे हणमाणे घायमाणे "श्राया॰ १, ६, ४, १६२; - शिस्सिय. त्रि॰ (-निश्रित-श्रारम्भे हिंसादिके सावणानुष्ठानरूपे निश्र-येनाश्रिताः सम्बद्धा अभ्युपपन्ना म्रारम्भ-निश्चिताः ) आरम्भमां तत्पर थयेश्व. श्चारम्भ में तरपर. plunged in sinful operations ' संदा श्रारम्भ शिहिनया " सूय • १, १, १, १०-१४, १, ६; २; —परिग्णाय. त्रिं० ( -परिज्ञात ) श्रावक्ती व्यार्क्षी परिमा આદરનાર શ્રાવક કે જે આઠ મહીના સુધી पाते अरम्भ समारम्भ धरे नहि. श्रावक की श्राठवी प्रतिमा के श्रतसार चलनेवाला श्रावक जो कि श्राठ मास तक स्वयं कोई श्रारम्भ समारम्भ नहीं करता a householder practising the eighth vow i. e. not doing sinful operations for eight months. सम॰ ११; - चज्जय त्रि॰ ( -वर्जक ) આરમ્લ-પાપના વ્યાપારના ત્યાંગ કરનાર; श्रीवक्षती व्यादेभी परिभा सेवनार ब्रारम्बन पाप व्यापारका त्याग करने वालाः श्रावक की श्राठवी प्रतिमा का पालन करनेवाला. (one) observing the house. holder's 8th vow viz avoidance of killing etc for eight months. परहर २, ४, —संभिय. त्रिर ( -सम्मृत ) આરમ્ભથી ભરેલુ-આરમ્ભથી पुष्ट जारम्भ से भराहुआ, आरम्भ से चुक्क,

full of sinful operations. "त्रारंभ-संभियाकामा " सूय० १, ६, ३; - एतझ त्रि॰ ( -सत्य-धारंभो जीवोपघातस्नद्विपयं-सत्यमारंभसत्यम् ) गारम्भ विषयः सत्य. श्वारम्भ सम्बन्धी सत्य. truthfulness in the matter of sinful operations of killing etc. भग॰ =, १; —सञ्चमणप्रश्लोगः प्तं (-सन्यमनः प्रयोग ) आरम्भविषयः सत्य भनते। अये। १-- १ थार ग्रारम्भ सम्बन्धी सत्य मन का प्रयोग. right thought-process in the matter of sinful operations of killing etc. भग॰ =, 9; --सत्ता त्रि॰ (-सक्त ) आरम्भमां सागेस, व्यारभ्लाशी कोऽ।व्येस. खारम्भ संलग्न. श्रारम्भसयुक्त engaged in sinful operations of killing etc. " प्रारं-भसत्तापकरंतिसंगं " श्राया॰ १, १, ७, ६०; —समारंभः पुं॰ (-समारंभ--श्रारम्भः क्रप्यादिक्यापारस्तिन समारम्भो जीवोपमर्दः-ब्रारम्भसमारम्भः ) भारम्स सभारम्सः પાપના વ્યાપારથી છવતી ધાત કરવી તે श्रारम्भ समारम्भः पापरूप व्यापार-कृत्य से जीव की घात करना performance of operations involving destruction of life etc. दसा॰ ६, ४; परह॰ 9, 9;

श्चारमग त्रि॰ (श्रारम्भक) आरल करनार श्चारंभ करनेवाला. (One) who performs actions involving killing etc. श्राया॰ नि॰ १, ४, १, २३६;

आरंभज ति॰ ( श्रारम्भज ) सावध हियाना अनुधानथी जित्पन थेयेन सावद्य किया के अनुष्ठान से उत्पन्न. Born of sinful operations श्राया॰ १, ३, १, १०००; आरंभय ति॰ (श्रारम्भज) लुगे। उपने। शण्धः देखो ऊपरका राज्दः. Vide above. श्राया॰ १, ३, १, १०=;

आरंभिया. स्री॰ ( श्रारंभिकी ) पापना व्या-पारथी **क्षागती क्रिया.** पाप व्यापार से होने वाला कर्मवंध. Karma arising from sinful operations of killing etc. " श्रारंभिया किरिया दुविहा परागता तं-सहा जीव थां भिया चेव " ठा० २, १; ४, ४; भग० १, २; ५, ६; पन्ने० १७, २२; **ष्ट्रारवख. पुं॰ (** श्रारच ) राज्यना आत्मरक्षड. राजा के श्रात्मरचक. A body-guard of a king. ठा॰ ३; (२) ७अवंश अने ते वंशमां ७८५न थ्येश. उप्रवंश खीर उस वंश में उरपन ज्यवंशी. the Ugra family, a person born it ठा॰ ६; है। द्याक्ष रचा करनेवाला कोतवाल. (One) who guards or protects, e.g. a police constable कप॰ ५, ६६; श्रारिक्खंय. पुं॰ ( श्रारिक ) है। ८२। अ. कोतवाल: नगर रक्तक. A constable; one who guards a city. दस॰ 2, १. १६. श्रोघ० नि० २२२:

द्यारग. पुं॰ ( त्रारक ) यक्ष्मे। आरे। पेंडाने। आरे। चक्र का द्यारा, पंडेये का द्यारा.
A spoke of a wheel पगह॰ २, ४;
द्यारगय त्रि॰ ( त्रारगत ) छिद्रियानी सभीप
आवेव, छिद्रियोग्यर धर्थेझ. इन्द्रियगोचंग,
इन्द्रियों के समीप द्याया हुत्रा. Within
the reach of genses; near the
senses. " द्यारगयाइं सहाह सुणंइ शो
पारगयारं" भग॰ ४, ४:

श्रारिटयसद् पुं॰ ( श्रारिटतराव्द ) आई--६न शण्ड चिल्लाने का शब्द Bawling sound; loud sound. विवा॰ ६;

श्चारण. पुं॰ (श्चारण) ११भी देवली अ ग्यार-हवाँ देवलोक. The 11th heavenly world (२) ते देवली अना निवासी देवता. उस देवलोक के निवासो देव. a deity of that world. विशे॰ ६६३; पश॰ १; भग० १८, ७, जीवा॰ २; नाया॰ १, सम॰ १४०; ठा॰ २, ३; श्चोव॰ उत्त॰ ३६, २०६; (३) धुभ पाउपी ते; व्यान्उवु ते. चिक्ताना; वोम मारना. shouting. श्चोघ॰ नि॰ १६४;

आर्ण्या. पुं॰ ( श्रारणक ) १२भे। देवक्षे। ध्र ग्यारहवाँ दवलोक. The 11th heavenly world. भग॰ २४, २१;

स्त्रारिष्यः ति० ( श्रार्ग्यक ) अ२९४-वन-भां जित्रं ते, वानअ२४. वन में जाना; वान-प्रस्थः ( One ) resorting to a forest; abandoning the world " से जे इमे श्रारिणया श्राविसयास गाम-ग्यिति वा" दसा० १०, ७:

श्चारराग्रा. ति॰ ( त्रारण्यक ) अ२९४-वनभा क्ष वसनार; वानभस्थ. वन में जाकर रहने वाला, वानप्रस्थ. (One) renouncing the world and resorting to a forest. " श्रारण्या होह मुणी पसस्था" उत्त॰ १४, ६:

श्चारराण्यः त्रि॰ (श्चाररायक) जुओ। ७५के। १५६ देखें। ऊपरका शब्द. Vide above निसी॰ १६, ७;

श्चारिएएय त्रि॰ ( श्चारिएयक ) वनभां वसी ६९५९ इंटना आक्षार इरनार तापस वर्गेरे वनमे रहकर फल, फूल, कंद का श्चाहार करनेवाले तापसी वगैरह. An ascetic etc. who stays in the forest and lives upon roots, fruit etc.

श्रारत ति॰ (श्रारत) निवृत्ति पामेक्ष; ઉपरत-विराम पामेक्ष. निवृत्ति प्राप्त; विराम पाया-हुआ. (One) who has ceased. सूय॰ १, ४, १, १;

श्रारत्तः त्रि॰ (श्रारक्त ) धे हुं रंगेक्षं; रंगीन वस्त्रादिः कुछ रंगाहुश्रा; रंगीन वस्त्रादिः Lightly coloured, e. g. a cloth etc श्राया॰ १, २, ३, १६;

न्नारन्द्द. ति॰ ( श्रारब्ध ) व्यारम्स क्रयाहुन्ना. Begun; commenced. सु॰ च॰ १, ६०; भग॰ ३, १; ४२, १; विशे॰ ४२२; ६४४; श्रोघ॰ नि॰ भा॰ २४६; क॰ प॰ ४, ६४;

श्रारित्तयं ति० (श्रारण्यक) लुओ "श्रार-िषण्य " १,०६. देखो " श्रारिण्य " शब्द. Vide. "श्रारिण्य " सूय० २, २,२१;२७:

श्चारच पुं० (क्षारव=श्चर्ष) उत्तर लरतभांने। आरण नामे देश, अर्थरथान. उत्तर भरत चेत्र में का श्चारब नामक देश; श्चर्बस्थान. Arabia; name of a country in Uttara Bharata. (२) अरणस्तानना रहेवासी मनुष्य, आरण श्चर्वस्थान नासी मन्त्रय. an Arab. पराह० १, १; जं० प० श्चारवम. पु० (श्चावंक) आरण, आरणदेश ने। रहेवासी. श्चर्यस्थान का रहनेवाला. An Arab, a resident of Arabia.

श्रारवी. ली० ( \*श्रारवी=श्रार्वी ) અर्णस्थात-भां जन्मेश हासी. श्रवस्थान में जन्मीहुई दासी. An Arab servant-maid. भग० ६, ३३, श्रोव० ३३, जं० प० पगह० १, १, नाया० १;

जं॰ प॰

स्थारव्स स० क्र॰ स्थ॰ ( श्रारभ्य ) आरम्भी-ते; आरम्भ धरीने श्रारम्भ करके. Having begun. पन्त॰ १७; पिँ० नि॰ २३३; भग० ८, ७;

√ आरभ. था ॰ I. ( श्रा-रभ ) आरम्भनुं. शउथात क्षरनुं. श्रारम्भ करना. To begin, to commence.

खारभह. प्रव० १४६; द२द; स्रार्भत. व० कृ० (४० नि० ५७५; श्रयाुजी०

१२८:

श्चारभड न॰ (श्चारभट) ३२ ना८६भांनुं २८ भु ना८६. ३२ नाटकों में से २८ वा नाटक. 28th of the 32 dramas. जीवा॰ ३, ४, राय॰ ६४; ठा॰ ४, ४, जं॰ प॰ ४, १२१;

श्चारमडमसोल. न० ( श्चारभटमसोल ) ३२ नाटक्मांनुं ३० मुं नाटक. ३२ प्रकार के नाटकों में से ३० यां नाटक. 30th of the 32 dramas. जीवा० ३, ४; राय० ६४,

श्चारमंडा स्त्री॰ ( क्ष्यारमटी ) पिडिलेहण् धरती वणते वस्त्र उतावने क्षेतां मुक्तां-के कोतां क्षांगता क्षेत्र होपः पिडिलेहण् ते। क्षेत्र हे।प. पिडिलेहण् करते समय शीव्रता से बस्त उठाने रखने या देखने में जो दाप लगता है यहः पिडिलेहण् का एक दोप A fault connected with the examination of clothes viz hastily handling them or hastily inspecting them. उत्त॰ २६, २६; श्रोघ॰ नि॰ भा॰ १६२; ठा॰ ६, १;

श्चारिक्षयः न॰ ( श्चारिमत ) नाटयनी विधिने। ओड अडारः नाट्यविधि का एक भेद A mode of dramatic acting, राय॰ श्चारयः त्रि॰ ( श्चारत ) निपृत्ति पाभेडाः निश्चति पायाहुत्राः ( One ) who has ceased, freed from स्य॰ १, ४, (२) गथेत; ह्र थथेत. गयाहुया; द्र होचुका हुया. departed; gone away. स्य॰ १, १४, ११; — मेहुण् किं। किं। (-मेथुन -प्रारतमुपरतं मेथुनंकामाभिलापो यस्पासावारतेमथुनः ) धामनी अलितः पाथी निवृत्त थथेत. काम की प्राभलाषा से निवृत्त होचुका हुया. fiee from sexual desire. स्प॰ १, १४, ११;

श्चारव. पुं॰ ( श्वाराव ) शण्द; व्यवाल शब्द; श्रावान, ष्वान. Sound; noise. जं॰ प॰

√ आरस भा॰ I, II. ( था + रस् ) २७वुं; विश्वाप करनाः रोनाः विलाप करनाः To weep; to lament.

श्रारसति नाया॰ १६; श्रारसंत नाया॰ ६; उत्त॰ १६, ६६;

प्रारसिय-अ. त्रि॰ ( प्रारसित ) भराधा पाडेश, आरडेश. चिल्लाया हुन्ना Bawling out; (any thing) bawled out or piteously cried out. " विद्युटे विमरे क्रारसिए तएग एयस्स दारगस्स" वित्रा॰ २; —सद् पुं॰ (-शब्द) २६-पानी अवाल-शण्ट. रोने की ब्रावाजwailing sound नाया॰ १६;

श्रारा. स्थां॰ (श्रारा) अप्रा-गाडी वगेरेना पैडांना मध्य लागमा के लाइडां गेरिवेशं है।य छे ते. श्रारा-गाडी वगरह के चाकों के वीच में जो लकड़ी के डंड लगेहुं। होते हैं वे. A spoke of a wheel. सु॰ च॰ १२, ४६; पि॰ नि॰ ३३३; (२) आर; प्यद्धिने भारवानी क्षेडानी अखी वाली लाइडी; हथीआर विशेष. श्रार; वैल के शरीर में टांचने की लकड़ी जिसमें लोहे की खांल लगी रहती है. a stick with an iron point to drive oxen etc; a goad. सु॰ च॰ १२, ४३; मूय॰ १, ४, ३, १४;

श्रारा. थ्र॰ ( प्रारात् ) पासे, नछ । पाम; सगीप Near, in the vicinity पंचा॰ ४ ३४,

श्चाराभाग, पुं॰ ( श्वाराभाग ) पृर्वनी लाग, पासेने। लाग. पूर्व का माग; ममीपवर्ती भाग. The adjoining part. विशेष १७३६; श्चाराम पु॰ ( श्चाराम ) ઉપવન, ખાગ, स्त्री-पुरुषाने आराम सेवाना मध्य उपवनः वाग, स्त्री पुरुषों के विश्राम करनेका मंडप. A gaiden; a pleasure garden. श्रोव॰ नाया॰ १, २; ४, पराह॰ १, १; ठा० २, ४; राय० २०१; २३४, श्रग्राजी ० १६, १३४; उत्त० २, १४, १६, १४; सग० ५, ७; १८, १०, २५, ७, जांवा० ३; कप ० ४, ६६; (२) त्रि॰ (श्रारामयति सुख-श्राराम देनेवाला. refreshing; conducive to rest श्राया॰ १, ४, ४, १५६, राग० ३३; -- आगार. न० ( -ग्रा-गार ) जुओ। " श्रारायगार " शण्ह देखो " आरामगार " शब्द. vide " धाराम-गार " निसी॰ ३, १, -- गय. त्रि॰ (-गत) आराम जागमां आवी पहे।येल बागीचे मे भाया हुआ arrived at a pleasuregarden ठा० ४; --गार. न० (-गृह) खिलगृह, उदानगृह, a house in a garden. " आगंतागारे आरामगारे " स्य० २, ६, १८; — शिह. न० ( -गृह ) लुओ (३५की शण्ट. देखों ऊपरका शब्द vide above. दसा॰ ७, १;

श्रारामिय त्रि॰ (श्रारामिक ) आराम-भाग-तुं रक्षण ४२नार; भाली, वागांचे की देख-रेख करनेवाला; माली. A gardener ठा॰ ४;

श्राराह. था॰ I, II (ग्रा+रान्) आराधना ४२वी, सेवना ६२वी श्राराधना करना, सेवा ४. ॥/11. करना. To worship; to resort to आराहेंड्. दस० ५, १, ३६; मग० १, ६; २, १;

शाराहरू डवा० १, ७०, ७५, स्राराहयरू दस० ६, ३, १; स्राराहणु वि० भग० २, ५; दस० ७, ५७;

ह, १, १६, उत्तः १२, १२; ज्ञाराह्द्स्सामि भ० भत्तः १८८; ज्ञाराह्द्स्सामि भ० कृ० सु० च० ११, १८; द्याराह्द्द्सा. स॰ कृ० उत्तः २६, १; दम०

a, १, १७;

श्चाराहेत्ता सं० हर नाया ० =; १६, भग०

१,९;२;१,६,१०,६,३३, श्राराहिचा सं० कृ० कप्प०६,६३;नाया० ६;श्रोव०४०;

श्राराहिउं. हे० कु० स्य० १, १४, १४,

श्राराह् श्र. पुं० ( श्रानाधक — श्राराधयित सम्यक् पालयित बाधिमित्याराधकः) आश-धः संयम आहिना पालना र पालन करने वालाः सेवन करनेवालाः संयम श्रादि की श्राराधना करनेवालाः (One) who worships or devotes himself to asceticism. श्रोव० ३४, भग० १, ३;३,९; ८,८, राय० ७६; भत्त० ११, पण० १९, नाया० ९; ३; ५;१९;

श्राराह्म. पुं॰ ( भाराधक ) तानाहिश्ती आ-राधक जानादिक का श्राराधक One who devotes himself to right knowledge etc. " श्राराष्ट्रमो य जीवो सन्धट्टे भवेदाई पावती । श्रियमा " पन्ता० ७, ३१; नाया० १०; भग० ३, १, स्य० १, १. २, २०;

श्राराहरण. न॰ ( श्राराघन ) आराधन; सेवन. श्राराधना, सेवा. Worship; service; devotion to. संत्था॰ श्रान॰ ४, ८; अत्त॰ ६; आराहल्य. पुं॰ (भाराधनक) संथारे। चंपारा; मृत्यु श्रानतक श्रज्ञ जल का त्याग करना. Giving up food and water till death comes. संन्या॰

श्चाराह्रण्याः स्त्री॰ ( घाराधना ) संधारे। संयारा. Giving up food and water till death comes (२) श्रुत-शास्त्रनं सम्यक् प्रांति से श्रारा-धन-श्रुत-राम्त्र का सम्यक् राति से श्रारा-धन-श्रासेवन. devoted observance of scriptural injunctions. संस्था॰ इस॰ २६, २;

झाराह्या. झी० ( श्राराधना ) मेक्ष भार्गरूप ત્રાન આદિની સેવા; વીતરાગના વચનનું पाधन, सोच मार्ग रूप ज्ञान श्रादि की सेवाः वीतराग के वचनों का पालन. Devoted adherence to the precepts of the omniscient, leading to final bliss. " दुविहा श्राराह्णा प० तं० भ्रम्म याराह्याचेव " स्रोव० ३४; उवा० १, ५७; ठा० २; ४; ३, ४; पंचा० ६, ४; सम० ३२; श्चराको॰ २८; प्रव॰ १००; वेय० १, ३३; श्राउ० १४: नाया० ११; भग० ३, ४, ४, ६; म, १; १०; २४, ६; ऋष० ६, ४६; —उचउत्त. त्रि॰ ( -उपयुक्त ) आराधना सद्भित. श्रास्थना सहित. full **ब्राराह**णी स्री॰ ( श्वाराधनी ) केनाथी માલ માર્ગની આરાધના કરાય એવી ભાષા; इच्य कापाना ओंड अंशर जिस भाषा से मोच मार्ग की श्राराथना की जासके ऐसी भाषा; इस्य भाषा का एक भेद. Speech fitted to secure final bliss, a variety of ordinary speech; पञ्च० ११:

झाराहिय त्रि॰ ( ग्राराचित ) थाराधना

डरेश. श्राराधना कियाहुश्रा. Worshipped; adored; resorted to. परह०
२, १; उत्त० =, १६; नाया० =; भग• =,
६, १०, २; प्रव० २१३; — संज्ञम. त्रि॰
( -संयम ) भराभर रीते केछे संक्रभनी
भाराधना-सेवना डरी छे ते. पूर्णतया जिकते
संयम—साधुत्व को श्राराधना की है वह.
( one ) who has fully observed
asceticism. सम॰

आरिष्ट. पुं॰ ( आरिष्ट ) भंऽप गात्रनी शाणा. मंडप गोत्र की एक शाखा. A branch of the Mandapa family. (२) ते शाणाभांना पुरूप. उस शाखा का पुरूप. a person belonging to the above branch ठा॰ ७, १;

श्चारिय. पुं॰ ( भार्य ) शानी-तीर्थं ३२. शानी--त्रार्थंकर. An omniscient: a Tirthankara. आया० १, २, २, १६; १, ર, પ્ર, વ્રું, (ર્) પવિત્ર; વિશુદ્ધ; શ્રેષ્ઠ; निष्पापः पवित्रः, विशुद्धः, श्रेष्ठः, पापरहितः निष्पाप. sinless; holy; pure. उत्त॰ २, ३७; ठा० ३, १; पन्न० १; भग० ६, ३३; श्रोव० २७; (३) આર્ય દેશમાં ઉત્પન્ન थयेक्ष; श्रेष्ठ भनुष्य. आर्य देशोत्पन्न; श्रेष्ठ मनुष्य. born in an Arya country; high in civilisation. स्य॰ २, १, १३; सम० ३४; श्रोव० ३४; भग ० १४, १; (४) पुं॰ भेक्षि भार्ग. मोच मार्ग. path of salvation स्य॰ १, =, १३: ( x ) भार्य देश. चार्च देश. the Arya (i. e. civilised ) country. 970 %; —दंसि. पुं॰ (-दर्शिन् —म्रार्थं प्रगुखं न्यायापपसं पश्यति सच्छालेश्वत्यार्थदशी ) ન્યાયદૃષ્ટિ વાલા; ન્યાય દૃષ્ટિએ જોનાર. न्याय दृष्टि वाला; न्याय दृष्टि से देखने वाला (one) who is just and

impartial " श्रारिए श्रारियपग्ये श्रारिय दंसि' श्राया० १, २, ५. ५७, — धम्स ५० न॰ ( -धर्म ) આર્યધર્મ, અહિસાધર્મ; सदायार धर्म आर्थ धर्म; आहिंसामय धर्म, सदाचाररूप धर्म Arya religion i e one high in motals and mercy " बेहज विजरायही द्यारिय धम्मसस्तुत्तरं " **उत्त∘ २, ३७; —पद्म**. त्रि॰ ( – प्रज्ञ ) પ્રશંસનીય ખુદ્ધિવાલા; શાસ્ત્રીય જ્ઞાનવાન્ . प्रशसनीय बुद्धिवाला, शास्त्रीय ज्ञान सहित. highly talented, well-versed in Śāstras. आयाव १, २, ४, ५७; श्चारियत्तरण न० ( ब्रायंत्व ) आर्थ देशमां ઉત્પન્न થવુ ते; व्यार्थपणुः आर्य देश में उत्पन्न होना; श्रायत्व. State of being born in an Arya country; state of श्राहरम. न० ( श्रारोग्य ) निराशी पश्रं, २वारथ्य. निरोगीपन, स्वारध्य. Health. freedom from disease. गागि॰ इ: दम० =, ३४, त्राव० २, ६, भत्त० ६४, —वोहिलाभ. पुं∘ (-बोधिलाभ-श्रारो-य्याय योधिलाभ श्रारोग्यबोधिकाभः ) २५।-સ્થ્યનેમાટે અરિહંત પ્રશીત ધર્મની પ્રાપ્તિ: भेक्ष भार्गना धर्मनी प्राप्ति स्वास्थ्य के हेतु श्ररिहत प्रणात धर्म की प्राप्ति; सोच-मार्ग रूप धर्म की प्राप्ति. acquisition of the religion taught by Tirthan karas i. e one leading to final bliss श्रांव०२,६; आरुसिय त्रि॰ ( आरुष्ट ) हाधी थयेल.

ऋारुसियः त्रि॰ ( आरुष्ट ) है। धी थयेल. कोधितः कुद्धः Angry, enraged नाया॰ २ः । आरुष्य १३० ८००

भारत्स. सं॰ कु॰ ( श्रार्थ्य ) रे। ५ ६रीने कोष करके. Being angry, having become angry. सूय॰ १, ४, २, ३,

था+रुह. धा॰ I, II (भा+रुह्) यडी ખેસતુ, આરાહણ કરવું चढना, चढ बेठना, श्रारोहण करना To mount on or upon to ascend. नाया॰ १, १४; भ्रा० १४, १; १७, १, ६० ५० ४,६३, श्रारुहद्द् उत्त॰ १७, ७; थारोहइ. दसा० १०, १, भारहेइ भग० १४, १; नाया० १३; ष्ट्राहमेड. भग० २, १. आहमह भग० १७, १, भारहेन्ति जं०प० २,३३. श्रारुमे वि० वव० ६, ४१. ब्राहहेत्ता. भग० १४, ९; 90, 4; ताया० १४: श्राहभेत्रा भग० १८, १, श्चारुहित्ता स्य० २, ६, २८, श्रागोहेता. भग १५, १; न(या० १; १३; श्रारुहिय. भत्त० १ पः धारोविता, भग० २, १; श्रारोवंत. सु० च० ४, २८६; श्रारोहिजाइ. उवा॰ ७, १६७; चारोधिज्ञान्ति. भत्त० २६:

श्रारुह्याः न० (श्रारोहया) स्वार धवुं; यः धुः सवार होनाः; चढनाः Mountingः ascendingः, ridingः जं० प० मु० च० १, ३४१ः जीवा० ३, ३ः राय० १८६. वाया० ६ः, प्रव० १०१७ः

श्रारुहियव्द. त्रि॰ ( श्रारोहितच्य ) यद्या साय : आरीष्ड्य, क्ष्या, ये। य्य चढने योग्य. श्रारोहण करने योग्य. Worthy to be mounted upon, fit for riding स्व॰ १ १६, २० विसी॰ २०, १०,

स्रारूढ त्रि॰ ( म्रारूढ ) ઉपर गडेल; आश्रिने रहेल चढा हुन्मा. ऊपर चढाहुन्मा, स्राप्त्रय से रहा हुन्मा. Mounted, climbed, resting upon पि॰ नि॰ ३३४; ५७२; (२) प्राप्त थयेक्ष; उन्तिन्न थयेक्ष; उन्निक्ष. उत्पन्न; उनाहुन्या got; grown; produced. पि॰ नि॰ =२; — ह्यस्ता-रोह, पुं॰ (-प्रक्षारोह) स्वार थडवाछे लेना उपर स्थान (धाडा); स्वार किया – (धाडा); स्वार सिंहत धाडा के horseman; के horse with its rider. दिवा॰ २; — हत्यारोहः पुं॰ (-हस्या-रोह-च्यान्छा हस्त्यारोहा महामान्ना येषु ते स्था) जेना उपर भावत स्वार हो ऐसा हाथा. जिसके ऊपर महावत सवार हो ऐसा हाथा. का elephant with its driver riding it. विवा॰ २;

श्रारेगा. श्र० ( श्राराम् ) नछः; पासे. नजः दीकः; समीपः पास. Before (in time or place); near. श्रीय॰ नि॰ १६३; मि॰ नि॰ ३४४; (२) आतरः. आऽ। है इस श्रोरः; इम किनारे पर. on this side. र(१०२, ७, २७;

श्रारोगा. न॰ ( भारोग्य ) निरेशिपछं; तंद्दिनतः नीरोगताः तन्दुरस्ती. Health; freedom from disease. श्रीय॰ नि॰ इन्छ; कृष्प० ७, २०६; जव प० ३, ४४, ( २ ) त्रि॰ रेश रहित, निरेशित, रोग रहित: निरोगी healthy. नाया॰ १; भग० ११, १२; १४, १; कप्प॰ १, ६, ६, १७: - ग्रारोग्ग. त्रि॰ ( - श्रारोग्य ) **जाधा भीडा रि**डत. बाधा-पांडा से गरित free from pain or affliction. नाया = , -फल न । (-फल) जेतुं इस आराभ्य छे ते. जिसका फल आरोग्यता है ऐसा कोई भा पदार्थ anything conducive to health. पचा॰ १४, ४४: -वोहिलाभ. पुं॰ (-वोधिलाभ) व्यारीव्य અને બાધ-સન્માર્ગ તેના લાભ જારોગ્ય श्रीर बोधि (सन्मार्ग ) का लाभ. acquisition of health and right path of knowledge. पंचा १३, ४३;

श्रारोप्प. पुं॰ (श्रारोप्य) धुद्ध शास्त्रभां अदेव ग्रेड देवतानी न्तत. बीद्ध शास्त्रों से हहीं हुई देवों दी एक जाति. A species of gods mentioned in Buddhist scriptures. स्य॰ २, ६, २६;

श्रारोवगा. हो॰ ( श्रारोपणा ) आरे।५७।-એક અપરાધનું પ્રાયત્રિત્ત કરતા પ્રતઃ તેજ અપરાધ ખીજી વાર કર્યો તેને પ્રાયશ્ચિત્ત પ્રથમ आविश्वत्तमां अभेरव्-श्यारेत्पत्रं ते. एक अपराध का प्रायाधिल करते हुए फिर वही भासध दूसरी बार करने गर उसका प्रायिक्त पहिने प्रायिशत में गामित करना श्रयवा पहिले प्रायिश में उसका आरोपण करना. When a person performs expiution for a sin and in the act of that expiation commits the same kind of sin again; he adds another course of expiation to the former one. This is known as Aropanā or adding expiation to expiation. ठा० ४; निसी० २०, ११, कप्प॰ ६, ४७; सम॰ २८; —पायाच्छित्तः न० ( -प्राय-श्चिम ) कुभा उपने। सप्ह देखो जपरका शब्द. vide above ठा॰ ४, १;

श्रारोधियव्यः त्रि॰ (श्रारोपितव्य) आरी-पत्रा थे। व्यः श्रारोपण करने योग्यः Worthy of being added to; worthy of being charged with. निसं। २०, ३७,

छारांस्त पुं॰ ( चारोष ) से नाभने। ओक देश इस नाम का एक देश. Name of a country. (२) ते देशवासी स्क्षेन्छनी भें कात. श्रारोप देशवासी म्लेच्छ की एक जाति. a race of barbarians inhabiting the country of Alosa. परह १, १,

श्चारोह. पुं॰ ( श्वारोह ) शरीरनी अयिन दीर्धता शारीर की यथार्थ उंचाई. Proper length of a body. दसा० ४, २०, --परियाह. पं॰ (-परियाह) शरीरनी **ઉ**ચાઈ જેટલી એ ભુજાતી પહેાલાઈ હેાય તે -आरेत्रधपरिष्युद्ध. जितनी सरीर की उंचाई हो उतनीही यदि दोनों मुजाओं की चो-हाई हो तो उसे आरोहपीरणाह कहते हैं. aggregate breadth of outstretched arms equal to the height of the body. To v; —परिगाहजुत्तना स्नं॰ ( -परिगाह-युक्तता ) शरीरनी ६ याध केटली सुकानी भुजाका बौडाई सहित. having the aggregate length of outstretch ed arms equal to the height of the body. ठा० ४, —परिवाह संपर्वा. न्नि॰ ( -परिकाइसंपन्न ) आरे। ६ ५ निखा ७. શરીરની ઉ ચાઇ જેટલી બે ભૂજાની પહેલાઇ वाक्षे। शरीर की ऊंचाइ के समान दो सजाओ की चोडाई वाला. (one) whose extended aims are equal to the measure of his bodily height दमा० ४, २०;

आरोहम पुं॰ ( आरोहक ) हाथीनी न्यारी धरनार, भावत हाथी की मवारी करनेवाला; महावत One who mounts upon an elephant, an elephantdriver श्लोव॰ ३१,

श्माल ग्र-य. त्रि॰ ( ग्रालय ) रहेवानुं स्थानः, धरे, धरः, स्थानः A house; a place.

विशं १८७१, ठा० ३, २: छ० प० २, ३१; पंचा० ११, ४६, प्रव० ४४२; पन० २; —सामि. पुं० ( -स्वामिन् ) छपाअयनी। धर्णी. उपाअय का स्वामी मालिक the lord of a Jaina monastery. पचा० १७, १८;

श्रालह्य. त्रि॰ (श्राविगत ) यथा ये। य स्थाने पहेरेल. यथा योग्य स्थान पर पहिना हुआ Put on properly. जीवा॰ ४; कप्प० २, १३; पज॰ २, — आल्डमड़ः त्रि॰ (-मालग्रुकुट.) के श्रे भाला ने भुगट पहेर्या के ते जिसने माला श्रीर मुकुट पहिना हैं वह garlanded and diademed. जीवा॰ ४; भग॰ ३, २;

आतंकारिय ति॰ ( भालक्कारिक ) ल्यां अवंधार परेशा पहेरवा उतारवामा आवे ते स्थान. वह स्थान जहां अलंकार-श्रामरण पहिरे श्रीर उतारे जाते हो A toilette chamber in which ornaments are put on and put off. ठा॰ ५; — सभा सी॰ ( -सभा ) यमरयंथा राजधानीनी अवंधार पहेरवानी ओड सला. चमरचवा नामक राजधानी की श्रलंकार पहिन्ते की एक सभा a council-hall of a capital city named Chamarachanchā; it was used as a toilette chamber for putting on ornaments ठा॰ ५;

श्रालंद पुं॰ (न्यालन्द-कालभेदः) पाण्यि भीते-तीती हाथ सुनाग तेटला वणतथी भांडी प्र रात दिवस सुनीते। डाल काल का एक भेदः पाना से भागा हुआ हाथ जितने समर्थ में मूखे उतने नमग्र से लेकर प्र दिन रात्र तकका समग A period of time ranging between that taken by a wet hand to get dry and that making up five days and nights. प्रद० ६२१;

श्चालंब. पुं० ( श्चालम्ब ) आधार, आलम्लन श्चाधार; श्चालम्बन; सहारा. Support; basis. नाया० ४, १६; नग० १८, २; श्चालंबर्गा. न० ( श्चालम्बन ) आधार, आश्चय, टेडे। श्चाधार, श्चाश्चय; सहारा. Support. श्चाजो० २४, राय० ४५; २१०; नाया० ७, ८; भग० २४, ७; उत्त० २४, ४; उवा० १, ४० फ० प० १, ४, गच्छा० ६; जं० प० ४, ७४; ( २ ) धर्भासमितिनु आर्झ्यन-ज्ञान दर्शन श्चार चारित्र. ईयां समिति का श्चालबन-ज्ञान दर्शन श्चार चारित्र. basis of Irya Samiti viz knowledge, faith,

श्रातंत्रसम्य त्रि॰ (प्रासम्बनभूत ) आधार भूत; आधार भृत; श्राधार केंसा. Supporting; forming a support. नाया॰ १;

and conduct अगुजो॰ २४;

श्रालवणाः श्ली० (श्रालम्बना ) लुओ। "श्रालंबण ' श्रण्टः देखी "श्रालंबण ' श्रावंवण ' श्रीव० २०; प्रव० ७८४;

श्रालंभिया स्त्री० (श्रालम्भिका ) आसंलिश नाभनी ओड नगरी एक नगरी का नाम Name of a town. "तेणं कान्नेणं तेण समएणं श्रालभिया णामं णण्मी होत्था" भग० १५, १९, ११, १२, कप्प० ४, १२१, उवा० ४, १४५;

त्र्यालक पु॰ (श्रलकें) ७८५।ये। ५तरे। वागला कुत्ता, A mad dog भत्त॰ १२५;

√ छालंब था॰ I, II. ( था-फाप् ) आ-साप ४२वे।, भे.सवुं छालाप करना, बोत्तना To speak, to talk धालचइ नाया॰ १. सम॰ ३३; धालचेंसि. नाया॰ १; श्रालविज दस० ७, १७; श्रालघे. दस० ७, १६; २१; ८०; ३; १२; १३; उत्त० १, १०: श्रालवित. प्रव० १३४; श्रास्तवंत. उत्त० १, २१; श्रागुजी० १३१; राय० ==; दस० ६; २; २०; श्रालवसाया. ठा० ४, २; नाया० १४;

धालवित्तप्. उवा॰ १, ४=; श्रालवण् न॰ (श्रालपन) भे।अवुं; पात-थित ५२वी. वार्तालाप करना. Speaking;

conversation. प्रव॰ १२६;

श्रालसिय-तः न॰ (श्रालस्यत्व) आक्षस-५७, श्रालस्य; श्रालमीपनः Idleness. भग॰ १२, २;

न्नालस्स. न॰ ( श्रावस्य ) आक्षसः प्रभाह. श्रालस्य. Laziness; carelessness. उत्त॰ १९, ३; गच्छा॰ ३६;

श्रालस्समार्गः व॰ छ॰ त्रि॰ (श्रालस्यत्) अ। अस ४२ते। श्रालस्य करता हुत्राः Remaining lazy: भग॰ १२,२;

श्रालावः पु॰ ( श्रालाप ) थे। ुं भे। अवुं ते; भासाभ ४२वे। ते. थोड़ा बोलना, श्रालाप करना Talking, whispering. भग॰ ३, १, ६, ४, पिं॰ नि॰ ३००; विशे॰ १६४; ठा॰ ७, १; — गर्मामा न॰ ( -गमान) भासामा सरभे सरभा वाध्यसमूद्धने गल्वा ते समान र वाच्यसमूह की गिनती करना, counting of groups of uniformly constructed sentences. प्रव॰ २६२,

द्यालावन्त्र पुं॰ ( श्राक्षापक ) लुओ।" श्राक्षा॰ वग " शण्६ देखी " श्राक्षावग " शब्द. Vide. " श्राक्षावग " जीवा॰ ३:

न्नालावगः ५० ( न्नालापक ) आक्षापे, येक्ष संगन्धपाक्षा वाक्ष्येती सभूदः एक सम्यन्ध-वाले वाक्ष्योका समूहः A group of connected sentences. भग॰ '३, १; ३, ४; ४, ४; ६, ३२; आया॰ २, १, १, ६; २, १, ६; २, ३, उना॰ २, ११=, सू॰ प॰ =;

श्रासाचरा, न० ( श्रासापन ) परस्पर भे वस्त भक्षावाधी थते। यन्ध. दो बस्तुओं के परस्पर मिलाने से जो बंध होता है वह. Connection of two things joined together. भग॰ इ, ६; — बंध. पुं॰ (-\*षंध-म्रालाप्येत मालीनं क्रियते एभि-रिति श्रालापमानि रज्वादीनितर्बन्धस्त्रणादी-नामिति ) परस्पर भे वस्त सेगायवाधी थते। ભંવ-જેમ ખડની ભારી અને દારડું એ ખેતા थन्ध. परस्पर दो वस्तुश्रों के एकचित्त होने से जो बंध हो घह जैसे घांस भीर रस्सी. connection of two things joined together e, g. a rope and a bundle of grass. " से किते भावावण वंभे २ जगणं तथा आरा-यावा " भग० ८, ६;

श्रालि. गुं॰ ( श्राकि ) એક ज्यतंनी वनस्पति. प्रक जातिको वनस्पति. A kind of vegetation जीवा॰ ३, ४; नाया ३; —घर न॰ ( -गृह् ) आिंध नामनी वनस्पति विशेषनुं अनावेश धर-मंऽप. श्रालि नामक बनस्पति विशेष के द्वारा बनाया हुआ घर—मंडप. a bower made up of a kind of vegetation named Ali. जीवा॰ ३, ४; नाया॰ ३; —घरगः न॰ ( -गृह्क ) जुओ। ६५८। १०६. देखें ऊपर का शब्द. vide above, राय० १३, प्रालिंग. धा॰ रि. ( श्रामिंकिंग ) आिंधेगन

धरवुं. ऋतियन करना. To embrace. धार्तिमष् सु॰ च॰ ८, १८७; धार्तिमेखा. वि॰ निसो ७, ३१;

आलिंग पुं॰ ( श्यालिङ्ग ) याळांत्र विशेष

भु२०४-भाइस नाभनुं पाळंत्र. वाद्य विशेष;
एक विशेष तरह का बाजा; मुग्ज-मृदंग नाम
का बाजा. A kind of drum or tabor.
जं० प० १. ११; जीवा० ३, १, ३; राय०४=;
(२) आसिंश-साधुनी वेप. साधु का वेप्र.
तेप्टकड of an ascetic. नाया० ७;
— पुक्खर. न० (-पुष्कर— मुरजमुस्सम्)
भु२०४-भाइस पाळंत्रनुं भीदुं मृदंग नामक
बाजे का मुँस. the face of a drum
or tabor. मग० २, =, ६; ७, जीवा०
३, ३; जं० प० १, १९; राय०

श्चालिंगगा. न० (श्वाजिङ्गम) आखिंगन; थे।।।
२५शं ४२वे। ते श्रातिंगन; थोड़ा स्परीं करना.
Embrace; slight touch. प्रव०
१०७७, सू० प० २०; भत्त० १२०;

श्रालिंगण्यदि न॰ (श्राकिक्रनवर्तिन्) शरीर अभाणे बांखुं नेशिशुं. शरीर के श्रनुसार लंबा तिक्या. A pillow measuring the length of the body. "सारि समंसि सयिण्ड जिस्सादिगन विष्ट् "सू॰ प॰ २०, जीवा॰ ३; भग॰ ११, ११; नाया॰ १: राय॰

म्रार्लिगाणियाः ली॰ ( मानिप्तनिका ) शरीर अभाषे बांश्रं ओसीर्द्रं शरीर के प्रमाण लंबा तिकया. A pillow measuring the length of the body जीवा॰ १;

श्रानिगिगी श्री॰ (श्रानिगिगी) शुरा अने डेाणीनीये राभवानी याड्वी घुटनों श्रीर इंदर्ना के नीचे रक्षने का तकिया. A pillow to rest knees & elbows upon प्रय॰ ६=४;

√ श्रालिप. धा॰ I. (भ्रा+िक्षस्य्) शरीरे विक्षेपन कर्त्रुं. शरीर पर लेप करना. To smear the body.

द्यासिपइ नाया॰ ५; ६;

श्रालिपिज वि॰ भाया॰ २, १३, ११२;

श्राक्षिपेज विश् निर्मा १३, ३७; १३, ३८; श्रानिंपित्तर्. हे॰ कृ० बेंग॰ ५., ३६; श्रालितः त्रि॰ ( नश्रालितः ) नावाने अक्षाय-वानां द्वेसाः नाव का चलाने का चाट. An our आया॰ २, ३, १, ११६; स्रालित्तः त्रि॰ ( यादीस ) सर्व तन्ध्र्या क्वित- "सी रहेस गत्र तरफ से जनता हुआ Burning, on fire, from all sides. नाया॰ १, ८; १४; १६; भग० २, १; ६, ३३; १८, २; नाया० भ० श्रालिस त्रि॰ (धारिय ) सामेस लेकेन. लगा हुमा, मिलाहुआ. Attached: joined. " ऋत्यंगडवा पुठवीकाइया ग्रा-सिद्धा "भग० १६, ३; प्रव० ५७३; श्चालिसंदग पुं॰ (म्यालियन्द्रक ) धान्य विशेष: थे।सा. घान्य विशेष, चीला नामक धान्य. A kind of coin. ठा॰ ४, ३; जं॰प॰ भग० ६,७; (२) असिस अलसी. linseed स्य० २, २, ६३; श्रालिसिंदग पुं॰ (\*श्रालिसिक्क) लुशि।

श्रालासद्ग ५० (\*श्रालासदक) जुशा ७५थे। शण्ट. देखां ऊपर का शब्द Vide above. भग• २१, २; इमा• ६, ४; √श्रालिद्द. धा• І. (था+लिख) आसेणवं, श्रीतरवं. श्रालेखन करना; चितरना To

draw a picture.

श्राचिह्इ. जीवा॰ ३४, राय॰ १८६; जं॰ प॰

श्रासिहति, ज॰ प॰ ३, ४३;
श्राजिहति भग॰ १४, १;
श्राजिहति ज॰ प॰ ३, ४३;
श्राजिहिजा. वि॰ दस॰ ४,
श्राजिहहा. आ॰ नाया॰ ८,
श्राजिहिता. स॰ छ॰ मग॰ १, २; ३, १;
२; १४, १;

श्राहि हिजमार्या. क॰ वा॰ स॰ कृ॰ ज॰ प॰

श्रालीण. ति॰ (श्रालीन) धिर्ध्य नित्रहरूप भयांद्रामां तताक्षीन. द्राद्रिय नित्रहरूप भयांद्रा में बावनान. (One) restrained in sonses. श्रामा॰ १, ३, ३, ११०, (२) २०४त. श्राध्यत. 1 esting on. नावा॰ १; (३) था. श्राध्यत. श्राध्यत. 1 esting on. नावा॰ १; हथा-निपटा हुत्या. attached a little; clinging a little. जं॰ प॰ — गुत्तः विश्व (च्युत्त-श्रालीने विश्व हरी आपवीनगुतः) लेखे धिर्ध्याने निश्व हरी आपवीनगुतः) छेते. जियने द्रांद्र्यो वा निप्रह कर उन्हें श्रायाम कर निया है, वह. (one) having restraint over senses. "श्रावीयागुत्ता परिष्यए" श्राया॰ १, रे. ३, १३७;

श्रार्लीयगः त्रि॰ ( श्राद्यंपक ) आग सगाउनारः अभिन ससगापनार श्राग लगानेवाला, श्रीम मिलगाने वाला. ( One ) who kindeles fite " श्रासीयगितत्थमेयलहुहृत्थ-संपडन्तं" नाया॰ २:

श्रालीयक. त्रि॰ ( यादायक ) आग सगाउ-नार; साय सप्तभावनार. श्राम लगानेवाला. ( One ) who sets fire to परह० १,३; नाया० २,

श्चालीवरा न॰ (श्चादीपन) रे।शनी धरनी ते. रोपनी का करना Illumination on a festive occasion. विवा॰ १;

ष्ट्रालीवित त्रि॰ ( श्रादीस ) अग्निमां लाणेक्ष. श्रारेन में जलाया हुन्ना. Fire-burnt, विवा॰ ६;

त्रालु. पुं॰ ( घालु ) पटाटा. मालू: कन्द विशय. A potato प्रव॰ २४२;

श्रालुई. स्री० (श्रालुकी) એક જાતનी वेस. एक जाति की वेल A kind of creeper. श्राया० नि० १, १, १२६; √ ष्ट्राालुंप. धा॰ I ( श्रा+लुम्प्) क्षेष्प करवे।; श्रीरवुं; गांद छोडी देखिनी वस्तु अपाडी क्षेत्री. लोप करना ; चोरना; गांठ खोलकर किसीकां चस्तु निकाल लेना. To deprive of; to steal, to remove.

श्चालुपए. श्चा॰ श्राया॰ १, २, ७, २०४; श्चालुपए. श्चा॰ स्थ॰ २, १,१७;

श्रातुपह. श्रा॰ स्य॰ २, १,१७; श्रातंप. त्रि॰ ( श्रातुम्प ) यारे पाल्यी

अशुल हियाने। धरनार, हिंसा, ये। दी धारी धारी अधूत से श्रम सेवनार. चारो श्रोर से श्रम किया करनेवाला; हिसा, चोरी, व्यभिचार श्रादि श्रम्भ करनेवाला. (One) given to evil deeds like killing, theft, and all sorts of wicked practices. श्राया॰ १, २, १, ६२;

श्रातुग पुं॰ ( श्रातुक) आश्र-इं६ विशेष;
थटाटा श्रातू; कंद विशेष. A kind of
bulbous root; a potato. " साहारणसरीरा श्रणोगहा ते पाकितिया श्रातुए
मूलए चेव" उत्त॰ ३६: भग॰ ७, २; पश्र॰
१०; जीवा॰ १, श्रणुत्त॰ ३, १;

श्चालुय. पुं॰ ( श्चालुक ) साधारण वनस्पति विशेष. A विशेष. साधारण वनस्पति विशेष. A kind of bulbous root. जीवा॰ १; उत्त॰ ३६, ६६; भग॰ ७, ३; ६, ३; २३, ६; —वग्ग पुं॰ (-वर्ग) आलु-ण्याया संजंधी लग्नती सन्नता २३ भां शतको जीलो वर्ग. भगनती सूत्र के तेवीसवें शतक का श्चालु-सम्बन्धी दूसरा वर्ग. the second section of the 23rd Sataka of Bhagavatī Sūtra dealing with the subject of potatoes. भग॰ २३, २;

त्रालेवण. न॰ ( श्राबेपन ) थे। ं देपन. थोडा लेप. A slight smearing. v. 11/12. निर्मा० १२, ४४; — जाय. न० ( -जात ) लेपना प्रकार. लेपका मेद varieties of ointments. निर्मा० ३, ३६,६,१३; १२,४४;

श्रालोइश्र-य. त्रि॰ (श्रालोकित ) निरीक्षण् ६रेक्ष. देखाहुत्रा; निरीक्षणं किया हुत्राः Observed. "श्रालोइयं इंगियमेवनचा" दस॰ ६, ३, १;

श्रालोइश्र-य. त्रि॰ (श्रालोचित ) आंक्षीयम हरें हिने हरें से श्रालोचन किया हुत्याः निवेदन किया हुत्रा. Confessed; informed. पि॰ नि॰ ११६; नाया॰ १; १४; १६; सु॰ च० १, ३८३; भग॰ २, १; ३, १; ४; ४, ६; ७, ६; १४, १; २०, ६; धव॰ १, ६; विशे० ३३६८; —पिडकंत- त्रि॰ (-प्रतिक्रान्ते) आंक्षीयीने प्रतिक्ष्मण् हरें से ; पीताना द्वीप प्रहाशीने तेनाथी पाछा हरें श्रा श्रालोचना पूर्वक प्रतिक्रमण किया हुत्रा, श्राने दोष प्रकाशित कर उन दोषों से हरा हुत्रा. ( one ) who has confessed his faults and vowed to प्रकाशित कर न रे, १;

sरनार -( भुनि ). गुरु के समीप श्रालोचन करके फिर श्राहार करनेवाला, ( मुनि ). (an ascetic) taking food after confessing his sins to a Guru (preceptor). श्रोव॰ नि॰ ४४१; श्रालोइतार. ति॰ ( श्रालोकित ) जेनार;

१०, २, विवा॰ १; -भीइ. त्रि॰ (-भे।जिन्)

ગુરૂની પાસે આલાેયન કરી પછી આહાર

अविशेष्ट ६२नार. देखनेवाला; अवलोकन करनेवाला. (One) who sees or observes. सम॰ ६; उत्त॰ १६, ४; आलोएयञ्च. त्रि॰ (आलोचितन्य) प्रधायवा

आसास्वरचा । त्र १ क्रास्ताच्याच्या । सायक्ष्य निवेदन करना थे। त्र्या प्रकाश करने योग्य, प्रगट करने योग्य, निवेदन करने योग्य. Fit to be laid bare; deserving to be communicated. पंचा॰ १५, २२;

श्रालोक पुं॰ ( श्रालोक ) रूपी पदार्थे. रूपवाला-दरय पदार्थ. A visible object. (२) अधारा. उजयाला, प्रकारा light श्राया॰ १, ३, १, १२०;

श्रालोग पु॰ ( श्राक्तोक ) প্রশী ও পরী। शण्टः देखो ऊपर का शब्द Vide above. श्रोघ॰ नि॰ १३, जं॰ प० ३, ५४;

आलं(डिअए सं॰ क्र॰ श्र॰ ( श्रालोड्य ) वंदीवीने; भथीने मथ करके. Having churned सु॰ च॰ २, ४०७;

√ श्रालाय. घा॰ I,II. (श्रा+लाच्) आक्षी-अन ४२६, पाताना होप तपासी गुइपासे ४६५न, पातानी भूत क्षावनी. श्रालोचन करना; श्रपने दोप इंडकर गुइ से कहना, भूल प्रगट करना To observe one's own faults and confess them to a Guiu (preceptoi).

श्रालोएइ सम ३३; भग० २, ४; सूय० २, २, २०; उवा० १, ८०.

श्रालोग्रइ गच्छा॰ ११८; श्रालोएमि भग० ८, ६;

श्राकोएँजा वब० १०, १, वेय० ४, २४, निसी० ४, १; २०, १०; ११, श्राया० १, ७, ४, २१६; २, १, २, १२;

श्रालोइजा वि॰ श्राया॰ २, ६, १, १५२; श्रालोए. वि॰ प्रव॰ १२६; दस॰ ४,१,६०, श्रालोएह उवा॰ १, ४⊏,

श्रालोएहि नाया॰ १६, उवा॰ १, ८४; नाया॰ ध॰

श्चालोइत्ता. सं० कृ० श्रायाः २, १४, १७० नायाः १६;

श्रालाएकण, पचा० १४, ५०;

श्रातोइऊग सु० च० २, ४३२ श्रातोइऊ. पंचा० ३, ४६;

श्रातोइत्तए हे॰ छ॰ वव॰ १, ३७; ४, १९; निसी॰ ५, ३६, ठा॰ २, २,

श्रालोएउं हे० कृ० पि० नि० ४१८; श्रालोएमास. व० कृ० वव० १, १, निसी० २०, १०;

श्रालोह्ज्ज्ञ. क॰ वा॰ उवा॰ १, ६५; न(या॰ १७;

श्रालोश्रंत व॰ छ॰ जं॰ प॰ ३, ६७;

√ स्रालोय था॰ I. ( श्रा+लोक् ) हे भई; अपक्षे।४१ ४२३ देखना. To see; to observe

श्रालोगुउ है॰ कृ॰ पि॰ नि॰ ५१८; श्रालोग्यमाण व॰ कृ॰ भग॰ १०, १;

श्रालीय-स्र. पुं॰ ( श्रालीक ) अवसीधन; निरीक्षण्; दर्शन; देणवु ते प्रवलोकन; देखना, निरीच्चण. Seeing; observation. जं० प० ४, ११७; श्रोव० ३१; दस० दस० ४, १, १४; कप्प० २, २७; श्रोघ० नि॰ ६२, २८७, राय॰ ६८; विशे॰ २०६; नाया० १, २; ५; १६; श्राया० २, १, ६, ३२, (२) दीवाने। प्रधाश. दीपक का प्रकाश. light of a lamp. उत्त॰ ३२, २४; -दिसिशिजा त्रि॰ (-दर्शनीय-मालांकं दृष्टिगोचर यावद् दृश्यतेऽत्युचत्वेन यः स श्रालोकदर्शनीय ) ले ५ष्टि शेयर थनां शियामां शिय देणाय ते. जो दृष्टिगत होतहा ऊचे से ऊंचा दिखे वह. the tallest ( object ) appearing within one's laudscape " दंसण्रस्य श्रालो-श्र दरिसांगिजा '' श्रोव० नाया० १; भग० ६, ३३; -- भायगा. न॰ ( -भाजन ) लेभां प्रકाश पडे कीवुं लाजन प्रकाश पात्र, जिसमं प्रकाश पडे वह (anything) receiving light परह०२, १, दस० ४, १, ९६; श्चालोयगा. न० ( श्रालोकन ) ६र्शन. दर्शन Sight, seeing दस॰ ४; भग॰ ६, ३३, श्रालायण न॰ ( श्रालोचन ) शिष्ये गुरू पासे પાતાના દાષનું આલાચન કરવું–નિવેદન **३२**५ ते शिष्य का गुरु के समीप श्रपने दोष की ग्रालीचना करना-दोष प्रगट करना. Confession of a fault by a disciple to his preceptor. समः ३२, पग्ह० २, १; प्रव० २६, पंचा० १, ३६; **श्रालोयण्या-** स्रो॰ ( 'श्रालोचना ) गुरु पासे भाताना होपन निवेदन **५२**१ ते गुरू के सन्मुख ऋपने दोष निवेदन करना Confession of one's own sins to a Guru भग॰ १७, ३, उत्त॰ २६, २, आलोयसा स्त्री॰ ( श्रालोचना ) क्षांगेक्षा है। पतुं ગુરુ આગલ નિવેદન કરવું; ગુરૂ સમીપે દોષનું प्रशाशनं, लगे हुए दोप का गुरु के आगे निवे-दन करना, दोष प्रकट करना Confession of sins to a Guru भग॰ २४, ७, संत्था० ३३, श्रोव० २०; প্ৰত ৬ ছড, उत्त० ३०, ३० ववक 9, 34, विशे० ३३६५; — ऋरिह. न० ( - ग्रह ) સર પાસે નિવેદન કરવાથી જે પાપની શુદ્ધિ-**તિવાર**ણ થાય તે, આક્ષાચનાયાગ્ય પાપ**. ग**रु के सामने निवेदन करने से पाप का जो शाद्धि हो वह: आलोचना के योग्य पाप freedom from sin, caused by confession to a Guru, a sin deserving confession. મग૰ ૨૫, ૭; (૨) આલેલ્યના थे। २५ अ। यश्चित स्त्राली चना के योग्य प्रायश्चित expiation deserving confession ठा॰ ६; — एय पुं॰ ( -नय ) गुरुपासे આલાયના કરવાની રીતિ गुरु के समीप श्रालोचना करने की सित mode of confession of sins to a Guru. विशे० ३३६६;

श्र्मले(विय त्रि॰ (श्रालोपित) आन्छाहन-इरेस. हॉकाहुत्रा Covered; concealed under नाया॰ १;

श्चावइ. स्त्री० ( स्त्रापत् ) आभित्ति-हु.भ; विभित्ति. स्त्रापत्ति, दुःख; विपत्ति. Adversity; misery. " श्चाउरे श्रावर्दसु य " ठा० १०; " स्त्रावर्दसु दृढधम्मया " सम० ३२; " दुहश्रो गद्द बालस्स श्चावर्द्द वह मूलिया " उत्तर ७, १७, नाया० ६, श्रोव० ३६; मग० २५, ७,

ध्याचइय. न॰ ( श्रापत्तिक ) ५४, दुः भ कह; दुः स. Misery; adversity नाया॰ ९; श्राचंति श्राडभयण न॰ ( श्रावन्त्यध्ययन ) व्यायारागना अथभ श्रुतरु हंधना पायमा व्यथ्ययन ने नाम श्रुतरु हेथना भावते श्रुप्त का नाम Name of the fifth chapter of the first Sruta-skandha of Achārānga Sūtra. श्रुणु जो० १३१; श्राया॰ नि० १, ५; १, १३६, ठा० ६, सम॰

आवंती पुं॰ (यावत्) लेटसा जितना As many as. "आवंती के यावंती लोयसि " आया १, ४, २, १३३,

श्रावकहं. श्र० (यावत्कथम् ) व्यवश्यधी; छन्दशी पर्यन्त यावजीवनः जिन्दगी पर्यन्त. As long as life endures; till death. "श्रावकह भगवं समित्तासि" श्राया० १, ६, ४, १५;

श्रावकहा. स्त्री० ( यावत्कथा ) ज्यां सुधी नामध्यन रहे त्यां सुधी; જ न्ह्रशी पर्यन्त. जब तक नाम धारण करके रहे वहातक; जीवनपर्यन्त ( Period of time ) till life endures; till death "श्रावहहाण गुरु कुल वासं णं सुचित " पंचा० ११, १६, सूग० १, २, ४, श्राया० १, ६, १, २; ठा० ४,

श्रावकहियः ति॰ (यावत्कथिक ) यावज्ञ्यय सुधीनुं; ढमेशनुः ध्रष्टावण्यतनुं. यावज्ञावन तककाः हमेशहकाः बहुत समय का. Lasting till death; permanent; old. श्रयाजो० ११, १४६; पन्न० १; भग० २४, ७; श्रोव० १६; विशे० १२६३; पंचा० १, ३६; ४, ५७; १२, ४३;

श्चावगा स्नां (श्रापगा) तही नदी. A river. "वज्मसमाणि तित्थाणि श्चावगाण वियागरे " दस० ७, ३६;

श्रावजाग ति॰ ( श्रावर्जक ) असल करनार. प्रसन्त करने वाला. Causing charm; delightful. पि॰ नि॰ ४३६;

श्रावजारण न॰ (श्रावजन) डेनलीनी अपथे। थ-मानिस इं ०था पार; शेष रहेला डर्मनी
हिया केवली का उपयोग-मनो व्यापार; बाकी
बचे हुए कर्म का उदयावितका में प्रत्तेपण
करने की किया The thought-activity of a Kevali that he is to perform Kevala Samudghāta;
the process on the part of a Kevali to force up into maturity the remnants of his Karmas. विशे ३०४१;

श्रावजीकरण न० ( श्रावजींकरण ) लुओ।
" श्रावजाण " शण्ट. देखो " श्रावजाण "
शब्द. Vido " श्रावजाण " श्रोव० दर;
श्रावट्ट. पुं० ( श्रावत-श्रावत्यित प्राणिनं
श्रामयतीस्यावतं ) सभुदािह भां स्राह्मा हारे धुभरी भागु पाण्डी हेभाय ते. समुदािद में चक के श्राकार से घूमता हुआ जो पानी दिखे वह. An eddy in an ocean etc राय० ४६, ज० प० श्राया० १, २,३, दर नाया० १, ठा० ४; उत्त० ३, ५; (२) ( श्रावर्तनमावतं ) २५४५, परिक्ष- भणु ४२वुं ते. भटकना; परिश्रमण करना. wandering; going round and round नाया॰ १; (३) भेाद्धपाश; लूझ-वशी. मोह पाश; भुज्ञौनी, भूल भुजैया. an infatuation: a maze. ठा० ४; स्य॰ १, ३, २, १४; (४) ( श्रावर्तन्ते परि-भ्रमन्ति प्राणिनो यत्र स मावर्तः ) संसार. संसार. the worldly existence. " भावहेसोप संगमभिजागति" श्राया॰ १, १, ४, ४०; ( ५ ) संसारना अरख रूप रूप-विषय के शब्दादि गुरा. objects of senses e, g. sound etc. which lead to worldly existence. " जे गुर्णे से प्रावट्टे जे प्रावट्टे से गुर्णे " श्राया० १, १, ४, ४०; (६) ઉत्हट માહના ઉદ્દયથી ત્રિપયની પ્રાર્થના કરવી તે. उस्कट मोह के उदय से विषय की प्रार्थना करना. yearning after sensual pleasures through strong infatuation. " श्रह से संति श्रावहा कास-वेण पवेइया बुद्धा जत्थ वसप्पंति सियंति भबुहा जाहिं "स्य० १, ३, २, १४; १, ૧૦, ૫; ( ૭ ) કરી કરીને ઉત્પન્ન થવું તે. बार बार उत्पन्न होना. rising or being born again and again. " दुक्लाग्रमेव । श्रावष्टं श्रगुपरियष्ट्रह 9. ٦, ३, ۳9; ( **=** ) મહાધાષ નામે થણિત કુમારના ઇંદ્રના क्षेत्रियासन् नाम. महाघोष नामक र्थाणत् कुमार के इन्द्र के लोकपाल का नाम name of the Lokapala of the Indra of Thanitakumāras, styled Mahāghosa. ठा॰ ४, भग॰ ३, ६; (દ) જંબુદ્વીપમાના એક દીર્ધ વૈતાહ્ય પર્વત. जंबृद्दीपमे का एक वडा वैताब्य पर्वत name

of a long Vaitādhya mountain in Jambū Dvīpa. তা॰ ২; ( ૧૦ ) એક ખરીવાલા સ્થલચર તિર્યચ भंथें द्रियनी ओंड जात. एक खुरवाले निर्यंच पंचेन्द्रिय की एक जाति. a kind of five-sensed, one-hoofed animals living on land. पন্ত॰ ( ૧૧ ) અહાેરાત્રના ૨૫મા મુહ્ર્તનું ष्यहोरात्रि के २५ वे मुहर्त का नाम, name of the 25th Muhūita of the period of a day and a night. सम॰ ३४; ( १२ ) आवर्त नाभनुं એક विभान. छावर्त नामक एक विसान. name of a heavenly abode. सम॰ १६; (१३) लं णूदीयना भेइनी पूर्व સીતા મહાનદીની ઉત્તરે આવર્ત નામની એક विजय जंब्द्वीप के मेर के पूर्व की श्रोर सीता महानदी की उत्तर दिशा का भावती नामक एक विजय, name of a Vijaya in the north of the river Sītā in the east of the Meru of Jambū Dvīpa. "दो श्रावत्ता" ठा० २, ६; जं॰ प॰ (१४) आवर्त नामे ३२ नाटडभांनुं ओड नाटड. ३२ प्रकार के नाटकों में से श्रावर्त नामक एक नाटक. one of the 32 kinds of drama. पर —कुड. न॰ (-कूट) भहाविदे**ष्ट**भांना નલિનકૂટ નામે વખારા પર્વતનું એ નામનું ग्रें शिभर महाविदेहके नालन कुट नामक वखारा पर्वत के एक शिखर का नाम name of a summit of a Vakhārā mountain, named Nalinakūta, in Mahāvideha. ज. प. **ष्ट्रा**चड. पुं॰ ( श्रापात ) કિરાત દેશના ભિલ્લની चें अध्यात किरात देश के भील की एक जाति. A race of Bhils in the

country of Kirāta. जं० प० ४, ११, ६; जीवा० ३, ४;

श्रावडगा न॰ (श्रापतन) लांगवुं; ४४८। ४२वा तोडना, फोडना; दुकडे करना Breaking to pieces. श्रोघ॰ नि॰ २२४; ३१२;

श्चाचित्र. त्रि॰ (श्रापितत) यारे तर्ध्थी भाषी पडेक्ष ; क्षागेक्षं चारों श्चोर से श्राया हुआ. Come from all sides. "दोवि श्रावडिया कुट्ठे " उत्त॰ २४, ४०; जं॰ प॰ ४, ११४;

श्रावण पुं॰ (अधापस) हाट; हुआन हाट; हुआन A shop श्रोव॰ १४; रह; जं॰ प॰ वेय॰ १, १२; विशे॰ २०६५; दस० ४, १, ७१; भग॰ ५, ७;८, ६; श्रणुजो॰ १३४; पं॰ नि॰ १६६; उवा॰ ७, १८४; जीवा॰ ३, ३; (२) भळार बाजार a market. पं॰ नि० ३७७; जीवा॰ ३, ४; कप्प॰ ४, ६८; —गिह न॰ (-गृह) भळार वथ्येनुं धर. बाजार के बीच का घर. a house in a market. वेय॰ १, १२; —बीहि. स्री॰ (-बीधि) भअरनी शेरी; भअरनी भागे. बाजार का रास्ता. क market-road. जीवा॰ ३; राय॰

श्चावर्गः त्रि॰ (श्चापत्र) अप्ति थयेल;
ग्याश्चिने रहेल. प्राप्तः श्चाश्चय करके रहा हुत्रा.
Got to; come to. "श्चावर्ग्णा दीहमद्धाणं संसारम्मि श्चणंतए" उत्त॰ ६, १३;
(२) ६ ५४ थयेल. उत्पन्न. produced;
born. नाया॰ ५; — सत्ता. स्त्री॰
(-सत्त्वा) शर्भवती; सश्की स्त्री गर्भवाती
स्त्री; गर्भवती. a pregnant woman.
नाया॰ २; १६; विवा॰ २;

 $\sqrt{$  श्रावत्त. था॰ I, II. ( श्रा+वृत ) संसार-भां २७५वुं समार् में महकना. To wander in worldly existence. (२) ६रीने आववुं फिरसे ह्याना. to return, to come back.

श्रावद्दति सूय० १, १०, ५; श्रावद्दमाग् दसा० ७, १; श्रावत्तयन्तः भग० ११, ११;

श्रावत्त पुं० ( श्रावर्त ) लुओ। 'श्रावह' शण्ह. देखों " श्रावह " शब्द Vide " श्रावह " सम० १६; ३०, जीवा० ३, ३, ४; राय० २८, ८६, पण्ह० १, १, उत्त० २५, ३८; ठा० ४, १; श्रोव० १०; २१, मु० च० ६, २६; ज० प० ४, ६५, पन्न० १; नाया० १; ६, भग० ३, ८, कप्प० २, १४; — कूड. पुं० (-कूट) निधन हुंट नाभे वभारा पर्वतना यार हूंटभान श्रीलं हूंट-शिभर वस्त्रारा पर्वत के चार कूटों में से निलेनकूट नामक तीमरा कूट-शिखर. the third of the four summits of the Vakhārā mountain named Nalinakūta. जं० प० ४, ६५,

श्रावत्तरण न० (श्रावर्तन) उधाऽ ग्रं वासवृं खोलना व वंद करना. Opening and shutting a door. पि॰ नि॰ ३४५; — पेंडिया स्त्री॰ (-पींठिका) केमां भीगस २६ ते स्थान. जिस में किवाडों का स्राडा या चटकनी रहे वह स्थान the receptacle of the bolt of a door जीवा॰ ३; राय॰ १०६; ज० प०

श्राचत्ता स्त्रो॰ ( श्रावर्ता ) આવર્તા નામની એક વিજય श्रावर्ना नामक एक विजय. Name of a Vijaya ठा०२, ३,

श्रावत्तायंत त्रि॰ ( श्रावर्तायमात ) भ्रदक्षि-ए। हेतु, भभनु प्रदक्षिणा करता हुन्ना. Revolving; circumainbulating रुप् ३, ३४; श्रावितः स्त्री॰ (श्रापति) সামি সামি Acquisition; getting, প্রব॰ ৬६; (२) ઉત્पत्ति उत्पत्ति, birth; rise; creation विशे॰ ६६;

न्नावन त्रि॰ (न्नापन ) प्राप्त थयेल. प्राप्त. Got; got to. विशे.॰ १६७; सु॰ च॰ १, १२६॰ उत्त॰ ४, ४; प्रव॰ १३३३;

श्रावयमाणः त्रि॰ ( श्रापतत ) ५६ते। गिरता हुत्रा Falling; falling down. नाया॰ ८,

**श्रावयमा**णः त्रि॰ (श्रावजत्) आविते। श्राता हुत्रा Coming; arriving. भग॰३,२;

श्रावयाः स्रो॰ ( श्रापद् ) आइत-आपत्तिः; संध्य श्रापतिः; श्राफत, सकट Calamity; ध्रेष्ठण्डाः राय॰

√ श्राचर, घा॰ II. ( श्रा+वृ ) व्यावरवुं; ढाक्ष्यु. ढाक्ता. To cover; to, hide. श्राविरत्ता. सं० क्व० राय० २३६; श्राविरय सं० क्व० दसा० ६, १, २; श्रावरेता. सं० क्व० भग० ६, ४; १२, ६;

श्रावरेमाणः भग० १२, ६; श्रावरयंत. प्रव० १४१४; श्रावरिजाइ. क० वा० भग० ६, ३३; श्रावरिजांति. क० वा० प्रव० १२६८; श्रावरिजामाणः भग० १४, १;

भावर. त्रि॰ (अपर) भी... दूसरा. Another सम॰ १२; श्रावरण न॰ (श्रावरण-श्रा-मर्यादया वृणो-

श्राचरण न० (श्रावरण-श्रा-मयादया वृणा-तीत्यावरणम् ) ६०२, ५५५०२ कवच; वर्ष्तर. An armour जीवा०३,४, जै० प० राय० १३०; नाया० =; स्रोव०३०; स्य० नि०१, =, ६२; ६३, (२) ढाल. ढाल a shield श्रोव० श्राया० नि०१, १, ५,१४६, (३) ढाऽधुंते,ढांऽणु ढाकना; स्क्रन. covering; a cover पन्न॰ २३; गय० ६२: विशे० १०४, सम० क ० प० १, २४, (४) मंजिर आहि ५०४. मंत्रीत श्रादि द्रव्या a substance such as Indian madder etc. র্ব॰ (४) सर्विरित अथवा देशविरितरूप પવ્ચખાણને અડકાવનાર ક્ષય, માહનીય **धर्भनी प्रकृति सर्वविराति** श्रयवा देशविरातिरूप प्रत्याख्यान को रोकनेवाला कपाय, मोह-नीय कर्म की एक प्रकृति a valiety of deluding Karma obstructing the vow of partial or complete abstention from sense-pleasules. विशे० १२३४, (६) ज्ञान आदि શક્તિને આવરનાર દાંકનાર જ્ઞાનાવરણીયાદિ अभे. ज्ञान श्रादि शक्ति को ढंकने वाला ज्ञाना-चरणी्यादि कर्म. Karma obscuring knowledge and other powers of the soul. श्राजो० १२७, विशे० ११४; क॰ गं० १ ३-६, ६, ६६; --- श्रवगमः पुं॰ (-श्रपगम ) शानावर-शाहिक्षते। अपगम-दूर थव ते. ज्ञानावरणा-दिक कर्मी का दूर होना. exit, passing away, of knowledge-obscuring Karma etc पंचा॰ २, ४०; —दुग. न॰ (-द्विक) ज्ञानावरण अने दर्शनावरण, भे भे प्रकृति. ज्ञानावरण श्रीर दर्शनावरण ये दो प्रकृतियां. the two Prakritis (Karmic natures) viz knowledge-obscuring and faithobscuring Karma. क॰ गं॰ **४४:** —श्रावरणावरणपविभक्ति ( -न्नावरणावरणप्रविभक्ति ) ३२ अक्षरेना नाटक्यांनं क्षेत्रः वत्तीस प्रकार के नाटकां मे से एक one of the 32 kinds of drama. " चंद्रावरणपविभात्तच सुरावरण

पविभात्तेच श्रावरणा धरणपविभात्त गाम दिव्वं गष्टविहं उवदंसेहि '' राय० ६२;

म्नाचरिए ज्ञान न० ( श्रावरिए ग्याय) आत्मानी हानाहिशिक्तिने आवरनार; ज्ञानावरेशियाहि है श्री श्रात्मा की ज्ञानादि शक्ति को ढंकनेवाला ज्ञानावरिए ग्यायादि कर्म Karma obscuring the qualities of the soul such as knowledge etc. नंदी॰ द; भोव॰ ४०, उत्त० ३३, २०; श्राणुजो० १२०; उत्त० १, ७४,

श्रावरणी स्री॰ (श्रावरणी) आवग्धाःशी विद्याः त्रावरणकारा दकनवाली विद्याः Ait of veiling or eclipsing things. नाया॰ १६;

√ श्रावरस (श्रा+तृष्) परसतु पाछी छांटतुं. बरसना; पानी छिश्कना. To shower water; to sprinkle water, to rain.

श्रावरसेजा. राय० ३४;

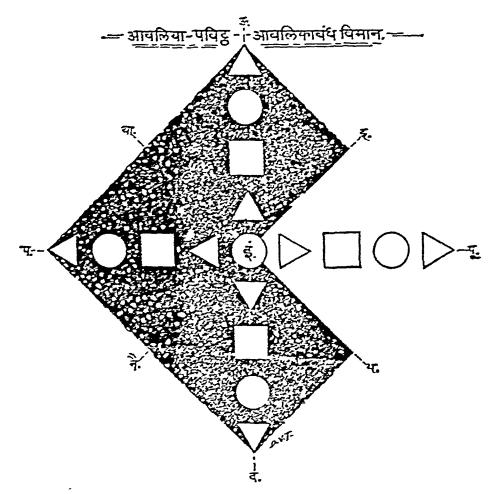
न्नाचरिय त्रि॰ ( न्नावृत ) ढां हेस; आन्छाहन धरेस; ढाकाहुत्रा. Covered; hidden. भग॰ १४, १;

श्राचरिसण न॰ (श्रावर्षण-सुगान्धितवारि-सिञ्चनम्) सुगंधि पाणीनी छंटडाव डरवे। सुगंधित जलका छिटकाव करना. Sprinkling of cold water. श्रणुजां० २०; राय॰

श्रालवण न॰ (श्रावलन) अंग भग्धवुं ते. श्रंग मरोडना. Twisting of the body पण्ह० १, १;

प्रावित स्रं ( श्रावित ) ६।२; पित; साधन श्रेगी, पेक्ति. A line; a series. स्०प०१०, राय०४४, ४८, ६१; श्रोघ० नि०२०२, नाया०१; क०प०१, ३८; श्रावितय पविभत्ति न० ( श्रावितका प्रविभित्त ) नाट्य निधि निरोप नाटक की विधि विशेष. A mode of dramatic performance. " आयि जियपिन मिति एम दिन्दं एड विहं उचदंसेह " राय० आयि जिया निया निया हो। ( आवि जिया ) असं- भ्यात सभय प्रभाषे अह अस विलागः अह सासे न्यासेती संभ्यातमी लाग. एक खा- चोच्छ्वास का संस्यातमाँ माग. A period of time consisting of innumerable Samayas or instants. विशेष्य १९ १० ६, १८; मेदी १० १२; सग० ४, १;

पंक्ति. line; row. जीवा॰ ३, १; सृ॰ प॰ १०; तंदु॰ —िण्वाय. पुं॰ (निपात) ४भथी भवतुं ते. क्रमशः मिलना. coming or getting of anything one after another in order. "ना जोगेति वत्युस्स ग्रावाबिया णिवाते ग्राहिन्तेनि चदेण्या ताइति " मू० प॰ १०; —पिचट. ति॰ (नप्रविट) श्रेष्टीभां १देव; भ्रेष्टीभां प्रवेश ६रेव; पंटितणन्धः नरधान्यासना संक्षण के पंटितणन्ध स्थेरे अधी हिशाओमां श्रेष्टीभां स्थेश साधनमां गोल,



४, ७; ६, १; २४, ४; पन्न० १२; ठा० २, ४ ४; श्रोव० १७; (२) श्रेष्ट्रि; पंडित. श्रेग्री;

तिक्षाण् याने येएस आधारना छे. श्रेणी में रहे हुए; श्रेणी में प्रवेश किये हुए; पंक्तिवंध; नरकावासके संस्थानं ( आकार ) जो पंक्तिवंध यांन चारें। दिशाश्रों में एक लाइन से गोल, त्रिकोण श्रोर चारस श्राकार के है. in a line or row; in a graded order; e. g. the hellish abodes arranged in a line as differentiated from others situated promiscuously. The shapes of the former are either round, triangular or square, ( see diagram ) " श्रावालिय पविद्वाय श्रावलिय बाहिराय " जांवा० ३. ४; —वाहिर त्रि॰ (-बाह्य ) हार भहार; बाधनभध नहीं; क्रेमतेम. श्रेणां बद्ध न होना; श्रव्यव-स्थित. not in a line: disordered जावा॰ ४: -समय परिमाणः त्रि॰ (-समयपरिमाण्) એક आवितना सभय जेटला एक आवालि (आंख मिचकना) के समय के समान of the measure of time equal to one Avali (twinkling of an eye) क॰ गं॰ ४, ⊏9;

 $\sqrt{z}$ श्रावसः धा॰ I. ( क्रा+वस् ) पसपुं रहेवुं. रहना, वसना. To dwell, to stay.

श्रावसे. विधि० श्राया० १, १, ६, ४४; आवसित्तपु हे । कु । नाया । १:

श्रावसंत. स्य० १, १, १, १६, श्राया० १, ४, ६, १४४; ठा० १; उवा० १, = 3; **ऋावसह न॰ (** श्रावसथ ) भंधानः, धरं, रहे-धिए रहने का मकान. A residence; & house. जं॰ प॰ ३, ४६, विवा॰ ३; ६, उत्तर १२, १३; स्य० १, ४, २, १४:

(२) तापसना आश्रम; मूर्ः तपस्वां का श्राधम, साधु का मठ. a monastory.

श्रामा॰ १, ७, २, २०२, पग्ह १२,३,

v. 11/13.

भग० २, ९; — भव्या. प० (-भवन) निवासभुवनः निवासभवनः a place of residence; a house. जं॰ प॰ ३, ४७; श्रावसहियः त्रि॰ ( श्रावसाधक ) आश्रभ-अंपडीमां रहेनार पत्तीकी कौपडी में रहने वाला (One) living a monastery or in hut of leaves etc. स्य० २, २, २१; दसा० १०, ७;

श्रावस्तश्र-यः न० (श्रावश्यक) साधु अने શ્રાવકને ળે વખત અવસ્ય કરવાની ક્રિયા. अतिक्ष्मश् साथ श्रार धावक को प्रांतादन दां बार अवश्य करने योग्य किया, प्रतिक्रमणः Pratikramana; a religious practice to be performed twice every day, without fail, by both ascetics and laymen. नाया ं ८. ठा० २, १, विशे० १; (२) તે ક્રિયા પ્રતિપાદક આવશ્યક નામનં સુત્ર. उक्त किया - प्रीतकमण-प्रतिपादक श्रवण्यक नामका सूत्र name of a Sutra explanning the above religious practice. टा॰ २, १, १०, नदी॰ ४३; प्रव॰२३७, —श्रसुश्रांग पु॰ (-श्रनुयोग) व्यावस्य । सुत्रन् व्याण्यान । श्रावस्यक सृत्र का न्याख्यान. exposition of Avasyaka Sútra. प्रव॰ २३७, --करण. न॰ ( -करण. ) डेवल समुद्धात ध्या પહેલાં કેવલીને અવસ્ય કરવા યાક્ય વ્યાપાર. केवलममुद्धात करने के पहले केवली की श्रवश्य करने योग्य व्यापार, a kind of thought-activity necessary to be performed by a Kevah before Kevala Samudghāta पदाः १६, ३१; - चर्रित न० (-व्यतिरिक्त) આવગ્યક સિરાયના કાલિક અને ઉત્કાલિક स्त्र, आतरमक सूत्र के मिनाय

श्रीर उत्काशिक मूत्र. the Kālika and Utkālika Sūtras excepting Avasyaka Sūtra তাত ২; নহাত ४३; — सुयखंध न० (-श्रुतस्कध) એ নামনু એક শুন্ন एक सूत्र का नाम name of a Sūtra বিহাত ৭,

श्रावस्समः न० ( श्रावश्यक ) लुओः " श्राव-स्यश्र " शण्टः देखोः " श्रावस्सश्र " शब्द Vide. " श्रावस्सश्र " पि० नि० ६७०; श्रमुजो० ५; भग० १८, १०, गच्छा० ५३, प्रव० १०७,

आवस्सयाः स्री॰ ( श्रावश्यकी ) साधुओ अ-वश्य डाम पर्ध्ये ग्रहार कती वर्णते ' आ-વસ્સહિ " શળદ ખેલવે તે, સામાચારીના थे।थे, प्रधार साधुको त्रावस्यक कार्य्य के लिये वाहिर जाते समय 'त्रावस्मिहि' शब्द वोलना. सामाचारी का चौथा प्रकार. The fourth variety of Samāchārī (ascetic night conduct); viz uttering the word " Avassahi " at the time of moving out on some unavoidable business प्रव० ७६७, श्रावस्तिया स्त्रा॰ ( श्रावश्यकी - श्रप्रमत्तवे-नावस्यककर्तन्यन्यापोर सवाऽऽवस्यकी ) સાધુને જરુરનું કામ પડયે, ઉપાશ્રય બહાર જવું પંડ, ત્યારે તે પ્રસંગ આવશ્યક છે તેનુ રમરણ કરવાને માેડેથી 'આવસ્સિયા ' રાળ્દ કહેવા તે સામાચારીના પ્રથમ પ્રકાર साबु को किया जरूरी कामके लिये उपाश्रय के बाहिर जाना पड़े तब उस श्रावस्थक प्रसग की यात्रव्यकता स्मरण करने के लिये मुँह से ' ऋत्वास्पया' शब्द का कहना; सामाचारी का प्रथम भेद. The first variety of Sāmāchārī; viz utterance of the word "Avassiyā" in a loud tone by a monk at the time

of leaving monastery for some pressing work. "पढमा ग्रानास्त्रया यामं" उत्त॰ २६, २; ठा० १०; प्रन॰ ७७२, पंचा॰ १२, २;

श्रावास पुं॰ (श्रापाक) निंकारी. कुम्हार का भद्य; श्रावा. A potter's kiln. नंदी॰ ३५;

आवाड एं॰ (श्रापात) उत्तर भरतभांना हिरात नामे भिक्षनी अह जात. उत्तर-भरत के भीलांकी किरात नामक एक जाति. A tace of Bhils called Kirāta in Uttara Bharata. "उत्तरहुभरहे वामे बहवे श्रावाडा गाम चिलाता परिव-संति" इं॰ प॰ ३, ४६;

श्रावायः पुं॰ ( श्रापात ) आवळवः भाणुसेनुं गमनागमन. श्राना जाना; मनुप्यो का श्रावा-गमन. Coming and going of men; coming and going. ' तस्त भोयणस्स श्रावाषु भद्दपु भवइ " भग० ७, १०; उत्त० ४, २; २४, १६; श्रोव० ३६: श्रोघ॰ नि॰ २६६; -- भहय । पुं॰ (- भद्रक) **પ્રથમ મેલાપમા છાલવા ચાલવા વિગેરમાં** सु भ आपनार पहली भेंट में वातचीत वरें।-रह में सुख देनेवाला. ( one ) pleasing at first sight or meeting. " आ-वायभद्दण् गाममेगे गो संवासभद्दण् " ठा० ४; श्रावाश्र-य. पुं॰ (श्रापाक-समन्तात्पार्वेष्ट्ा-पच्यतेऽत्र) नि लाडे। भद्यः; श्रावा. A kiln; a potter's kiln " कुभकारावाए इवा कवेरलुयावाए इवा रहावाए इ वा" ठा॰ =; श्रावाचकहा स्रं। ( श्रावापकथा ) ले। পন संभधी इथा इर्या ते. भोजन सम्बन्ध की कथा करना. Talk about food. या॰ ४, २;

श्रावास पुं॰ ( श्रावास—श्रावसन्ति येषु ते श्रावासाः ) स्थायासः भद्धेःस, ६वेशी, निया- स्रान, रहेश्ल. रहनेकी जगह; हवेली, घर: महत्त. A palace; a mansion; a residence राय॰ २२७; नाया॰ =; १६; जं॰ प॰ ५, ११४; ११५; जीवा॰ ३;४, उत्त॰ ६, २६: भग० ६, ४; १३, ६, १८, ५: १६; ७; श्रांव० सम० ८, (२) शरीर शरीर. the body. सम॰ (३) आवास नाभने। એક ડ્રીપ અને એક સમુદ્ર ऋावाम नाम का एक हीप और एक ममुद्र. name of an island, also that of an ocean. जीवा॰ ३: ४, पन्न॰ १४, (४) न्दश्वास, नरकावास abode of hell. प्रव॰ ४१; —पटचय पुं॰ ( -पर्वत ) नाग राजिती आवास पर्नत. नागराजा का श्रावास पर्वत name of a mountain-residence of Nāgarājā. " गोंधुमस्स यं ष्यावासपन्वयस्स '' सम० भग० २, ८;

श्रावासग पुं० (श्रावासक) निवासस्थान; रहेवानुंस्थान निवास स्थान, रहने का स्थान. Habitation, place of residence. सूप्र०१, १४, २,

श्रावासय-द्याः पुं॰ (श्रावासक) पक्षितु धः-भाने। पत्ती का घर, घोंमला. A. bird's nest सूय॰ १, १४, २;

श्राचासयः न० ( श्रावश्यक) आवश्यक क्रीच्य श्रावश्यक कर्नव्यः. A thing which must be done. श्रोघ० नि० २२०,

√श्राचाह घा॰ II. (श्रा+बह्) देवादिक्रं आवाहन करनं, प से भोक्षायवुः श्राबाहन करना, नजदीक बुलाना To call, to invite; to invoke.

त्रावाहेइ ''तालुग्याडियात्रिक्नं स्नावाहेइ '' नाया॰ १८,

श्राचाह पुं० ( स्रावाह ) विवाह पहेलां तांण्यल हिंवाने जित्सव. विवाह के पहले पान देनेका

उत्सव The festivity of giving betel-leaves before the celebration of marriage. जीवा॰ ३३; जं॰ प॰ २, २४; (१) नव परछोत वधुवरने प्रथम धेर क्षाववा ते. नव विवाहित वध्नर को पहिले पहिल घर लाना bringing home a newly married couple for the first time. पग्ह० २, ४;

श्रावाहणः न० ( श्राहान ) आमंत्रण देवुं; भेरतायवुं. श्रामंत्रण देना, वुलाना Invitation; calling. विशे० १८८३,

आवि. अ० ( श्रिष ) संसावना, सभुव्ययपालु. संभावना, समुचय; परंतु ( An indeclinable meaning ), possibly; also. आया० १, १, ५, ४१, क० गं० १, २६;

स्रावि. य० ( स्राविर्) अगट; लाहेर प्रावेर जाहिरं Publicly; openly " स्रावी वा जहवा रहस्ते' उत्त० १, १७, — स्कम्म. न० ( कर्मन् ) भुश्का-अगट कार्य, जाहिर काम an action openly or publicly done. स्राया० २, १४, १७६, राय० २१३, ठा०६, कप्प०४, १२०; स्राविई स्त्री० ( स्राविची-स्रविचदेशोन्द्रवा ) अवीय देशमां उत्पन्न स्त्री A woman born in the country of Avicha राय०

श्राचिद्व त्रि॰ ( त्राविष्ट ) युक्त थयेल. त्रेश-येल मिला हुत्रा, संयुक्त Joined with; united with सम॰ ३०, ( २ ) व्यधि-रित. श्राविष्टित. presided over by;

possessed by. 21. 2.

श्राविद्ध त्रि॰ ( श्राविद्ध ) ५९६२ं . धारण ६२ं पहिना हुआ. धारण किया हुआ Put on. नाया॰ १, ५: ज॰ १० ३. ५७;

पर्गह० १, ३; जीवा० ३, ४; स्त्रीव० २७; राय० ६१; ( २ ) વીટેલું, યથાયિત ળાંધેલુ लंपटाहुन्ना; यथोचित राति से बांबा हुन्ना. wrapped; properly tied ज॰ प॰ प्र, १२१; कप्प॰ ४, ६२; —गुडिश्र-न॰ ( -गुडिन ) व्याविह-पहेशवेत छे **ગુડિય-પાખર-**મોતા રૂપાના પ્રુલની **ળતાવેલ** अुअ. पहिनाई हुई सोने चादी के फूलो की बनी भूच. an ornamental cloth of gold and flowers placed on the back; (e.g of an elephant etc). विवा॰ २; -मिण् सुवग्ण त्रि॰ ( -मिण्-<del>યુ</del>वर्ण ) પહેર્યા છે મણિ અને સુવર્ણનાં धरेखां रुखे ते जिमने रतन जडित सुवर्ण के आभूषण पहिरे हो वह. (one) who has put on ornaments studded with jewels दमा०१०, १, —मिंग्ऋसुत्तगः त्रि॰ ( -माणिक्य-स्त्रक ) केंछे। भाषे)३ किंदि स्त्रक-हे।रे। भेड़ेरेक्ष छे ते जियन माणक से जडा हुआ मृत्रक-दोरा पहिना हो वह ( one ) who has put on a necklace studded with jewels जं प० ३, ४०; —वीरवलय त्रि॰ ( -बीरवलय -म्रावि-द्धानि वीस्वलयानिवीरत्व गर्वमूचकानि वलवानि येन) वीर धु३षे।ने पढ़ेरक्षानुं **व्याभूय**ण केले पढ़ेर्युं छे ते बीर पुरुषों के पहिरने का त्राभूपण जिसने पहिना है वह. (one) who has put on an ornament worn by heroes. नाया० १:

आविग्माव. पुं॰ ( श्राविर्माव ) प्रगट थ्युं; आहुर्भाव थवे।. प्राप्ट होना; प्रादुर्भाव होना. Manifestation. विशे० ६७;

√ त्राविरभव था॰ II. (श्राविर्+भू)

आविर्लाव थवाः प्रगट थवं. ऋविर्माव होनाः प्रगट करना. To be or become manifest

श्राविद्भावेमि. प्रे॰ स्य॰ २, ४, ११;

**श्राचिल** त्रि॰ ( श्राविल ) आक्ष्त. श्राकुन. Distracted मम० ३०; (२) ध्युपित; डे। अं कलुषित; गंदला. turbid. ''श्रतुद्धिदो-सेण दुही परस्स लेश्माविजे श्रायवई श्रदनं" उत्त॰ ३२, २६; जीवा॰ ३; —प्पा. फुं॰ ( -- त्रात्मन् ) २५' ५३४ २५१८ । श्राकुन श्रात्मा. a troubled soul. " अभयं-करेभिक्ष्व् प्रणावितप्पा"स्य० १, ७, २१; √ स्राविस. था॰ I. ( क्या + विग् ) सेववुं; भागवत्रुं. सेवन करनाः भागनाः To endure; to experience; to re-

श्राविसामि. विशे॰ ३२५६;

sort to.

**ऋावीइमर**ण्. न० ( श्रावीचिमर्ण् ) सभ्ये સમયે આયુષ્યના દલના અપચય–ધાય તે; व्भायुष्य समये समये श्रीखुं थाय ते. समय समय पर श्रायुष्य के दल का श्राचय होना; सनय समय पर ऋायुग्य का च्रय होना. Diminution of life every instant. सम॰ १७:

त्रावीइसारिएयः न॰ (त्रावीचिमीज्ञन) अविशि नाभनुं भरख्. श्रावीचि नाम का न्तरण. A variety of death named Avīchi. प्रव० १०२०;

आयोक्समा न॰ ( ग्राविष्कर्म ) लुओ। " र्त्राविकम्म " शण्ट वेस्रो " त्राविकम्म " शब्द. Vide " श्राविकम्म " जं॰ प॰ २, ३१:

श्रावीचिय मरणः न• ( श्रावीचिकमरण ) लुओ " ग्रावीइमरण " शण्ट. देखो " त्रावीइमरण " राव्द. Vide " ऋावी-इमरण " भग० १३, ७;

श्राबुक्त त्रि॰ (श्रन्युक्त ) नंहि डीधेल; पगर डीधेल. विना कहा हुआ. Not said; not spoken. स्य॰ २, २, ५६;

√ त्रावेड. धा॰ I ( त्रा + वेष्ट् ) वीटवुं लपेटना. To wrap round, to encurele.

श्रावेढइ दमा० ६, ६;

श्चाचेढियः त्रि॰ ( ग्रावेष्टित ) वि टेस लेपटा-हुत्रा. Wrapped round; encircled. ठा॰ १०; भग॰ ८, १०; १६, ६; निसी॰ १६, ४०-४१; नाया॰ १६,

श्वावेदियः सं ० क्र० ( ग्रावेद्य ) ३६ीतेः कहकर. Having said or told. पंचा० १५, ४५;

√ श्रास. धा॰ I, II. ( श्रास् ) भेसर्वु. बैठना To sit.

श्रासइ व॰ प्र॰ ए॰ नाया॰ घ० श्रासे. वि॰ दस० ४, ८; श्रास श्रा॰ दस॰ ७, ४७; ८, १३; श्रासइस्सामो. भवि॰ भग॰ १०, ३; श्रासइत्तए भग० ७, १०; १३, ४; १७, ३;

त्रासइतु. दस० ६, ५४; त्रासमाण. " श्रजयं श्रासमाणोय " दम० ४, ३, राय० ३, ६;

श्चासः न० ( श्राश-श्रशनमाशो भोजनम् ) लीलनः भोजनः Food. " सामासाए पायरासाए" सूय० २, १, १५; नाया० ५,

श्चास्त न० (श्चास्य ) भुभ्, भों. भुख, मुंह. Mouth; face. पिं० नि० ३४०; नाया० म; ९; दस० ४, १, मध; दसा० ७, १;

श्वास. पुं० { श्रश्च-श्ररतुते द्याप्नोति मार्ग-मित्यश्वः ) थे। डे।; २५%। श्रश्वः घोडा A horse. सम० १४; उत्त०४, ६; ६, ५, ११, १६ श्रणुजी० ६३, १३१; ठा०२, ३. विशे० १४२६, नाया० १७, मग० ३, ४,

७, ६; ६, ३४; ११, ११; श्रोव० ३१; ३८; दसा॰ ६, ४: ९०. ३; विवा॰ ६ जीवा॰ ३, १; श्राया॰ २, १, ४, २७; जं० प० ७, ૧૫૭; (૨) અધિની નક્ષત્રનાે અધિષ્ટાતા हैवता अधिनी नजन का अधिष्टाता देव. the presiding deity of the constellation Asvinī. जं॰ प॰ ७, १४७; सू० प० २०; ( ३ ) અશ્વદેવતાથી ઉપલક્ષિત અશ્વિની નક્ષત્ર. श्रश्च देवता से उपलक्तित श्रश्विनी नक्तत्र. the constellation Asvini preside I over by the diety Aśva. चं ० प० २०; -- कर्ल. न० ( -करण ) ધાેડાને કલા સીખવવાની જગ્યા **घां**डे को कला सिखाने की जगह a place for training horses निमी॰ १२, २६; -किसोर पुं॰ (-किशोर) जनवान धे अने भन्यः व अंधे आतिवान् घोडे का बचा. a young one of a noble horse.a colt नायाः १३: - किसोरीः स्त्री॰ ( -िकशोरी ) ज्यतवान धाडी, वन्छेरा. जातिवान घोडी, बहेरी. a male of noble breed; a filly नाया॰ - क्खंघ. पुं॰ ( - स्कंघ ) धे।।।नी डे। ३-ખાંધ, घोड़े का कंघा. the neck shoulder of a horse. 210 नाया १२: १०, जे० प० ७, १५६; —क्खंथ वरगय त्रि॰ (-स्कंधवरगत) धे। । पर यदेश घोड पर चढा हम्रा. mounted on a horse, नाया॰ १२: १४, - जुद्ध न॰ ( - युद्ध ) धेरानं युद्धः षोडों का युद्ध horse-fight. निसी॰ १२, ३०; -धर त्रि० (-धर) धें अ वादी।; सेहागर घोडावाला, घोडो का सोदा-गर (one) who has a horse or horses; a horse-merchant.

ठा० २; जं० प० ३, ६७; -- पोसय त्रि० (-पोपक) घाडाना भाषनानः साहागर घोडे को पालने वाला. (one) who breeds up horses, a horse-merchaut. निसी॰ ६, २३; --- प्पमद्य. (-प्रमर्दक ) धे। जने इक्षा शी पवनार. घोडे को कला मिलाने वाला (one) who trains horses नाया॰ १७; -- मच्छियाः स्री॰ ( -मचिका ) धे।ऽ।नी भाष, थगा, घोडो के शरीर में लगने वाली मक्खी, वग a horse-fly. पिं० नि॰ भा॰ ४६; —मट्ट. पुं॰ ( -मृष्ट ) धाडाना सभारतारा, घांडे का सधारने वाला. चातुक श्रसवार a horse-breaker निर्सा॰ ६, २३; -- मद्दश्र त्रि॰ ( - मर्दक ) धे। धाने भर्दन करनार, घोडो की माजिश करने वाला (one) who subs the body of a horse. iनसी॰ ६, ३३: नाया १७, - मद्दग त्रि॰ ( - मर्दक) करने वाला (one) who rubs the body of a horse. नाया॰ १७; —रयगा. न॰ ( -रत्न ) अश्वरतनः यहव-र्तिना चे। ६२ त्नभानु को ५ २ तन. श्रश्वरत्न चकवर्ती के चौदह रत्नो से का एक रत्न. an excellent horse, one of the 14 gems of a Chaktavartī " भरतस्य कमलामेलं गामेगं श्रासरयणेये-गावईक्रमेण समभिरूदे " जं० प० ठा० ७, पत्त १६, २०; —रह पु॰ ( -रथ ) ધાડા ગાડી, જેમાં ધેડા જોડાય એવા રથ. घोडा गाडी, जिसमें घोडे जुने ऐसा रथ a harse carriage. नाया॰ ३; ६, १६, १६, भग० ७, ६; ६, ३३, राय० २५६, ज॰ प॰ --राय पु॰ (-राजन्) અश्वराज-प्रधान-उत्तम धे।रे। अश्वराज,

प्रधान घोडा-उत्तम घोडा. an excellent horse. হা৽ ५; — দ্বর. ঀৢ৾৽ ( - रूप ) धे। अनुं रूपः घोडे का रूपः the shape, beauty, of a horse. नाया॰ ६; भग॰ ३, ४, -रोह पुं॰ ( -रोह ) धे। रे स्वार. घोड सवार. a horsoman. निर्सा॰ ६. २३; -वर. पुं॰ ( -वर ) उत्तम जातिने। धे। दे। उत्तम जाति का घोडा, a horse of noble breed. दमा० १०, ३; भग० ६, ३३; श्रोव . — बाहा स्थित र्ह्मा ( -बाहानिका ) बेराती स्वारी; अधि हीरा. घोडे की सवारी; श्रश्व कीटा horseriding; play on horse-back. विवाक ६; नायाक १२; १४; —सहस्म. न॰ ( -सहस्र ) हुन्तर थे।।। हजार घोडे. a thousand horses निर॰ १, १; श्रासंदिया. ह्यां॰ ( ग्रामन्दिका ) भांशी; भारली. सार. a small wooden frame ( seat or cot ) strung up with cotton or hemp strings. स्य० १, ४, २, १५; श्चासंदी स्त्री॰ ( श्रास्यन्दी ) गेरे जनतनुं

आसन्। स्नार्थ (अत्यन्ता) नि सशयः।
आसनः। साथी एक प्रकारका आसनः साट.
a kind of seat. a wooden frame
strung up with thread and
used as a seat "आसंदी पालियंकेय"
पि॰ नि॰ ३६१ः स्य॰ १, ६, २१ः दस॰
३, ५ः ६, ५४, (२) हाटडीनु भायदुं.
बांस की अर्था. a bamboo frame
to carry a corpe. स्य॰ २, १, १५ः
आसंसद्य ति॰ (आसंशियत) नि सशयः

संशय रिक्षत, क्रेमां संहेद्ध नधी तेवुं नि संदह; संदेह राहेत. Doubtless; indubitable स्य॰ २, २, १६;

म्रासंसन्पन्नागः पुं० ( म्राशंसाप्रयोग— म्राशंसनमाशंसाऽभित्तापः तस्या प्रयोगो॰ ब्यापारणम् करणमाशंसाप्रयोग ) आशंसा अक्षिताषा करनी ते. श्रमिलापा करना. Hoping, desiring; wishing. प्रव० २६६, ठा० १०;

श्रासंसा. स्त्री॰ ( ग्राशंसा ) डाभ लीग भेस-ववानी र्शिट्छा; असिसाधा. काम भोग प्राप्त करने की इच्छा Desire or wish for sensual pleasures स्य॰ २,१, ४०, उवा॰ १, ४७, प्रव॰ २६६; ८२३,

श्रासंसार श्र॰ (श्रासंसारम्) संसार छे
त्यासुधी. ससार है तनतक So long as
or as far as the world exists
or worldly life exists. प्रव॰ ६३७;
श्रासकराण. पुं॰ (श्रव्यकर्ण) अवध्य समुद्रभांना पद अंतर द्वीपमानी अश्वक्ष्यं नामनी
ओड अंतर द्वीप लवण समुद्र के ४६ श्रन्तर
हीप में का श्रव्यकर्ण नामक एक श्रन्तर हीप.
Name of one of the 56 Antara
Dvīpas (islands) in Lavana
Sumudra. (२) त्रि॰ ते द्वीपना रहेवासी उक्त श्रन्तर हीप के निवासी मनुष्य.
a native of the above island.
ठा॰ ४, २, जीवा॰ ३, ३, पन्न॰ १;

श्रासग. न० ( थ्रास्पक ) भे। ढुं; भुभ. मुख, मुह Mouth; face. भग० १४, १; नाया० १२; १४, सूय० २, २, ४६, दसा० १, ३,

आसग पुं॰ ( ब्रास्यग ) शृ्ष् फेन. Foam; froth पन्न॰ २,

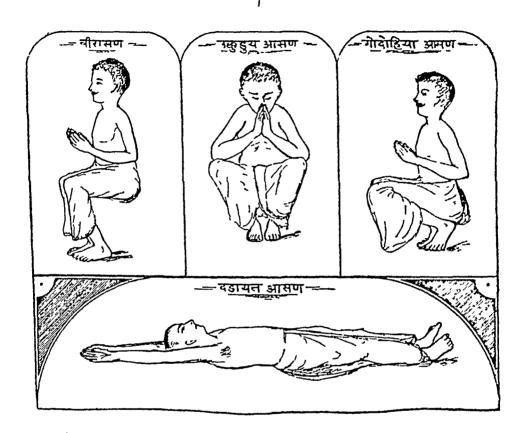
आसरगीनः पुं॰ ( श्रश्वयीत ) लरतक्षेत्रना याझ अनस पेंशीना पहेंसा अतिवासहेंवनुं नाभ भरत चेत्र की वर्तमान अवसर्पिणी के प्रथम प्रतिवासुदेव का नाम. The first Prativasudeva of the current Avasarpinī (descending cycle ) of Bharatakṣetra, प्रव॰ १२२७, श्रासज्ज. न॰ ( त्रासज्ज ) क्षिया विशेष किया विशेष. A particular kind of action. श्रोघ॰ नि॰ २२६;

न्नासज्जः सं॰ हः ( न्नासाद्य ) प्राप्त करीनै;
भेववीने. प्राप्त करके; पाकर. Having
got to, having acquired. विशे
४२७; न्नायाः १, ३, २, १११; पिं० नि॰
१४८, प्रव॰ ६६६,

श्रासग्. न॰ ( ग्रासन) आसत; भैं८५; સિ હાસન; ભદ્રાસન, મયુરાસન વગેરે, તપ માટે આસન લગાડવા તે જેમ વીરાસણ, ઉક્કડિયાસણ, દંડાયત આસણ ઇત્યાદિ. श्रासन, बैठक, सिंहासन; तपश्चर्या में साध्को लगाने के श्रासन जैसे वीरासन, दडायत प्रास.न इत्यादि ( देखो चित्र ) an unnatural bodily seat. posture, e. g Mayūrāsana etc. adopted by a Sādhu while practising penance ( see diagram ). उत्त० १, २१; ३०; ७, ५; उवा॰ २, ११३, राय॰ २३३; २८६; दस॰ ४, २, २८; ८, ४, १७; सू०प० २०; श्रोव० नाया० १; २; ४, ८, १३, १४, १६: सम० ६, भग० २, ४, ४, ७, १७, ३; २५, ७६ सु० च० ३, ५५; जं० प० २, ३३; सुय० १, १, ४, ११, १, ४, १, ४, श्राया० १, દ, ર, ૧૨; ૨, ૪, ૨, ૧३=; ( ૨ ) આસ-न वासी भेसनं ते. श्रासन लगाकर बैठना. sitting in a particular bodily posture. प्रव॰ १५८१; --- ऋगुप्पदागा. न॰ ( - श्रनुप्रज्ञान ) सत्कार करवाने आस-ननुं आमंत्रण ५२वं ते सत्कार करने के लिय श्रासन का श्रामत्रण करना honoming any one by inviting him to a seat भग० १४, ३; ठा० ७, — श्रिभि-गाह पु॰ ( - ग्रिमिग्रह ) आसन सणधी

व्यक्षित्रह धारण धरवा ते. श्रासन संबंधा श्रभिग्रह धारण करना. taking a vow in connection with seat. भग॰

neighbouring; near. भग॰ १, ६; श्रोघ॰ नि॰ १०; दसा॰ २, ३; ४; ५; -सिद्धिय । त्रि॰ (-सिद्धिक ) तरतमां



१४, ३, सम॰ ६१, श्रोव॰ २०, -- तथा. प्रि॰ ( -स्थ ) ઉंलऽङ गोहोद वगेरे आसन वालीने रहेनार उम्कट गोदोह श्रादि श्रासन लगाकर वैठाहुआ. ( one ) sitting or 10maining in a particular bodily posture; e g like that of one milking a cow. आया॰ १, ६; ४, १४, प्रच० १२५,

श्रासग्यः पुं॰ (श्राप्तनक-श्राप्तनमेत्र श्राप्तनकः) आसन. श्रासन, A seat; a bodily posture. वेय॰ ४, ३२;

श्रासग्ण त्रि॰ ( श्रासन्त ) નજીકનું; પાસેનું नजदीक काः समीपका Adjacent, आसत्तमं प्र॰ ( त्राससमम् ) सात पेढी

સિદ્ધ થાય એવા; થાડા વખતમાં સિદ્ધિ पामनार तुरंत सिद्ध होनेवाला, थोडे समय में सिद्धि प्राप्त करने वाला. ( one ) who is to acquire perfection immediately. पंचा॰ ११, १५;

श्रासत्त पुं॰ (श्रासक्त) भूभिभां क्षानेक्ष; ઉપરથી નીચેના ભાગ સાથે લાગેલ. મૃામ में जुड़ा हुआ; ऊपर से नीचे के भाग के साथ संयुक्त. Clung to the earth; attached to the upper as well as the lower part राय॰ ४६; पत्र॰ २; श्रोव० काप० ३, ४१;

पर्यत. सात पीडी तक. Up to the 7th generation. नाया॰ १; १६; भग॰ ११, २०;

श्रासत्तिः स्री॰ ( ग्रामिक ) परिश्रेट स्थादिभा शृद्धि परिग्रह ग्रादि में ग्रासीक Attachment to worldly possessions etc परह॰ १, ४,

श्रासत्तोसत्त ति॰ ( श्रासक्तोत्सक्त ) ६५-२ना लागथी नीचेना लागने वागेवा ऊपर कं भाग से नीचे के भाग तक लगा हुआ. Attached from the upper part

to the lower part कप्प॰ ३, ४१; आसत्थ्यः त्रि॰ ( श्राश्वस्त ) आशम कीधेल आराम पाया हुआ, विश्रान्त Soothed; comforted; refreshed श्रोव॰ नि॰ भा॰ ५५, नाया॰ १; २, ३, ८, ६; १६,

१८, भग० ११, ११; १५, १, काप० १, ४,

विवा० ३, ६:

श्वासत्थ. पुं॰ न॰ ( श्रश्वत्थ ) पीपली पीपल.
The holy fig-tree. सम॰ प॰ २३३,
—पत्तः न॰ ( -पन्न ) पीपलाना पान
पीपल का पत्ताः a leaf of the holy
fig-tree निर्सा॰ १६, भ६; —वज्ञः पुं॰
(-वर्चस्) पीपलाना पाद्या, इलना अयराना
ढग्ला. पीपल के पत्ते और फल के कचर
का हेर a heap of the refuse of
the leaves and fruits of the

holy fig-tiee निसी॰ ३, ७=; √श्रासदः घा॰ I. (श्रा+शद्) णाधा કરવી, पीडा કરવી. वाधा करना, पांडा करना. To give pain; to afflict; to trouble.

श्रासादए दस० १, ६, १, ४, निर्सा० १३, १२,

श्रासाइजा श्राया॰ १, ५, ६, १६५ ठा॰ ४. उवा॰ ८, १४० १४४, *x* )

श्चासन - न॰ ( श्चासन ) लुओ " श्वासण " शफ्द देखो " श्चामगा " शब्द Vide " श्वासग् " पन्न ० ११; इमे० ७, २६;

श्रीसन्नः त्रि॰ ( श्रासन ) लुओ। "श्रामगण "

शण्ह. देखां '' ग्रासगण '' शब्द. Vide '' ग्रामगण '' विशेष ६२६; श्रीघण निण २६; पिंच निष्चर्यः २४६, प्रतण्य १३२;

पचा॰ ३, ४७, सम॰ ३३, — भन्त्र पुं॰ ( – भन्य ) तेજ अवे अथवा धीके त्रीके

सवे भेक्षि जनार छव, नछक वभतभा भेक्षि जवा थे। भ्य सव्यक्ष्य उन्नी ही भव मे या दूमरे तीसरे भव में मोज्ञ जानेवाला

जात. a soul which is to attain final bliss in very near future

i e in the same birth or the

2nd or 3rd. प्रव० १२६०; स्रासपुरा. स्त्री० ( ग्रथपुरा ) पद्मा विजयनी

भुभ्य नगरी पद्मा विजय की मुन्य नगरी. The capital-city of Padma

Vijaya. ठा० २, ३, ६,

म्रासम. पुं॰ (म्राश्रम) आश्रम, तापस क्षेत्रिने रहेवानी कग्या. म्राश्रम, तपस्वी त्तोगो के रहने की जगह A hermitage. (२) यार आश्रम पैडी अंड आश्रम चार म्राश्रमों में से एक म्राश्रम one of

the four stages of life. स्॰ च॰ ७, १८०, ठा॰ २, ४; उत॰ ६, ४२; ३०, १७, आया॰ १, ७, ६, २२२; सूय॰ २, २,

१३, भग० ७, ७; ३, ७, ७, ६, पगह० २, १; वेय० १, ६; पंचा० ७, १४, —पय-

न॰ (-पद) तापस क्षेत्रिता आश्रमते

नाभे ओलणातु स्थानः नापसी लोगों के

श्राश्रम के नाम में प्रसिद्ध स्थान. a heimitage; a place of abode of a

hermit कप्प॰ ६, १४६, —भेय पुं॰ (-भेद) ध्रह्मथर्य, गृदुरथ पगेरे आक्षमना

· odio =, 980 988,

মাঃ প্রান্থ সূত্র্য স্থাবি স্থাপ্তমন্ত্র भेद. the four different stages of life distinguished as student's life, householder's life etc. প্ৰাণ্ড ১০, ৬০;

श्रासमपय न० (आकामपद) से नाभनुं स्थेड भाग. एक बाग का नाम. Name of a garden. कप्प॰ ६, १४६;

श्रासमित्त पुं॰ ( ग्रश्वमित्र ) अश्वभित्रायार्थं नामना याथा निन्हव हे लेखें हरेह पहार्थं क्षेत्रे क्षेत्रं नाश पाने छे लेम स्थापन हर्षुं॰ ग्रश्वमित्राचार्यं नामक चोथा निन्हव जिसने कि प्रत्येक पदार्थ प्रतिच्चा नाश पाता है, ऐसा मिद्धान्त स्थापन किया Name of the fourth Nunhava who established the doctrine that every thing perishes every moment. डा॰ ७, ५;

आसमुहः पुं॰ ( अधमुख) अपण समुद्रभां अटा छपर जता विदिशामां रहें अध्यमुण नामने। ओड अंतर-द्वीप लवण समुद्र में विद्विशा में स्थित अधमुख नामक अतर द्वीप Name of an Antara Dvīpa ( island ) in a cardinal direction of Lavana Samudra ठा० ४, २; ( २ ) त्रि॰ ते द्वीपमां रहेनार मनुष्य उक्त द्वीप मे रहनेवाला मनुष्य a person living in the above island. र्जावा० ३, ३, पञ्च० १;

श्चासय, न॰ ( ब्रास्यक ) भेग्दुं; भुभ मुख, मुह Mouth; face. वव॰ ६, ४५; ब्राया॰ २, २, १, १०६; जीवा० २, १;

श्रासय पुं॰ (श्राश्रय) आसमः स्थान, भडान श्रात्तय, स्थान, मकान. A house, an abode, a place ठा॰ ३; (२) सेववा याण्य सेवन करने याण्य. a pro-

per resort; (anything) fit to be resorted to. नाया॰ १०; (३) आश्रय; आधार. धाप्ट- port. उत्त॰ २८, ६; परह० १, १; विशं॰ १७४४;

श्रासय पुं॰ ( श्राशय ) थित्तवृत्तिः; परिश्राभः चित्तग्रितः; श्राशयः. A state of mind; inclination of mind. पंचा॰ ७, २४ः १६, २४ः —िविचित्तया स्त्री॰ ( -िविचित्रता) परिश्राभनुं विथित्रपश्चं, अिभ्याय नुं विविधपश्चं परिश्राम की विचित्रताः श्रामिश्राय की विवित्रताः प्रकां परिश्राम की विचित्रताः श्रामिश्राय की विवित्रताः प्रकां पर्वां १६ परिश्राम श्री ( -मृद्धि ) परिश्राभ वृद्धि परिश्राम श्री increase in thought-activity, increase in sense-perceptions and their objects. पचा॰ ७, २४:

श्रासयमाण, व॰ क्र॰ त्रि॰ ( ऋष्राशायमान-ष्याशयत् ) आशा ६२ते। श्राशा करता हुत्रा. (One) entertaining a hope. विवा॰ १;

 $\sqrt{$  प्रास्तर था॰ II ( श्रा+पृ ) सरक्ष्युं; भस्युः, ढालवुं. सरकनाः, हलना. To

श्रासारेइ प्रे॰ नाया॰ ३;

श्रासहह. पुं॰ ( श्रश्वहह ) धे।ऽस्त्रार घोडा सवार. A horseman. जं॰ प॰ ३, ४४,

आसल त्रि॰ ( आशल ) स्वाह क्षेता थे। थे। थे। भाषा थे। भाषा भाषा स्वाह लेने योग्य. Worth being relished or tasted. जोवा॰ ३, ४, पत्र॰ १७;

न्नासन पुं॰ ( श्रायन ) हारू; भहीरा; भद्य; शराण दारू; मार्दरा; शरान. Wine; intoxicating liquor. पिं० नि० १४. १३६, राय० १३३; २२४; पन्न० १७; उत्त० ७, ३४, १४; श्रोव० जीवा० ३, ३०४; —(वो) उदगा. श्ली० ( -उदका —श्रास-व इव चंद्रहासादिपरं उदकम् यासा ताः श्रासवोद्काः) भीक्षा भाष्णीनी पात्र. मीठे पानी की वावड़ी a well of fresh water. जीवा० ३, राय०

श्रासव, पुं॰ (श्राध्रव) छपरूप तक्षायभां કર્મરૂપ પાણીને આવવાનું ગરતાલું, કર્મ આવવાનું દ્વાર; મિથ્યાત્વ અવિરતિ પ્રમાદ કષાય અને અશુભયાગ એ પાંચમાનું गभे ते थे। जोव-हा तलाव में कर्म--रूप पानी द्याने का रास्ता---हारः कर्म श्राने का द्वार; मिथ्यास्त्र, श्राविरति प्रमाद, कषाय और अशुभयोग इन पांचों मे का कोईमी एक. A. door, a sluice for the inflow of Karma; any of the five viz. Mithyatva, Avirati, Pramāda, Kasāya and Asubhayoga श्रोव॰ १०, ३४; उत्त॰ १८, ४; २८, १४; ३४, २१, सम० १; नाया० ६, भग० २, ५; ४, ६, आयार १, ४, २, १३०, १, ६, ७, १०, ठा० १, २, २, १ पि० नि० ६३ पंचा० ४, ४७, क॰ गं० १, १४, सूय० २, ४, १२, — गिरोहभाव पुं० (-निरोधभाव) આશ્રવના નિરાધ કરવા તે, કર્મના દ્વારને **અ**/ કाવવા ते आश्रव का निराव करना; कर्म के द्वार को रोकना. stopping the inflow of Karma, stopping the door of the inflow of Karma पंचा० ५, ४७; --दार. न० (-द्वार) આશ્રવ-પાપ આવવાના દ્વાર, દરવાજા आश्रव-पाप आनेका-द्वार. a gate through which Karma enters. " पंच त्रासव दारा प० तं० । मच्छतं त्रवि-रइ पमाया कसाया जोगा "ठा० ५, २; सम० ५, भग० १, ६; ३, ३, —सन्ति, त्रिं० ( -सिन्तिन्-ग्राभवा हिंसादयस्तेषु सन्तासंग त्रास्त्रवमन्तं तद्विद्यते यस्य स प्राध्रवमन्ती ) आश्र्यते। सग इरतार. श्राध्रव का संग करने वाला (one) attached to practices like killing etc which cause an inflow of Karma. श्राया० १, ५, ११४५,

द्यासवतर. पुं॰ ( ग्राश्रवतर ) स्तिशय स्थाश्रव; डर्मनी धर्णी स्थावड. त्र्यातिशय ग्राश्रव; कमों का वहुत त्र्याना Excessive inflow of Karma. भग॰ १३, ४;

क्षत्रासचर पु॰ (श्रव्यवार) अस्त्रार, धे। डेस्त्रार. सद्वार. A horseman. " मह श्रासा श्रासवरा उमश्रोतार्सि खागा" भग॰ ६, ३३;

श्रासदार. पुं॰ ( श्रववार-श्रव वारयतीति ) अस्त्रार, अश्वाराद्धी; घोडे को रोकने वाला, घुडसवार. A. horseman. सु॰ च॰ १०, ४३;

श्चाससा. स्त्री॰ ( श्राशमा ) ध्रेटिश-आक्षाः अशा श्राकात्ता, श्राशा, चाह. Desire; hope, wish "तहेत्र णिनेसुय श्चाम-साए" उत्त॰ १२, १२, तिशे॰ १४१६; श्चाससेण पु॰ ( श्रश्वोन ) क्षाशीना राज्यं नाम काशी के राजा का नाम. Name of a king of Benāres कप्प॰ ६, १४०; (२) शां अवस पेंशीना येथा यक्ष्यतीना पिता वर्तमान श्चतप्रिणी काल के चीये चक्रवर्ती का पिता. name of the father of the fourth Chakravartī of the present Avasarpinī. सम॰ प॰ २३४, (३) २३ मा तीर्थ- ५२ पार्थनाथना पितानुं नाम. २३ हे

नीर्थंकर पार्श्वनाथ के पिता का नाम. name of the father of Parsvanatha the 23rd Tirthankara. सम॰ प॰ २३०;

श्रासा स्त्री० (श्राणा) आशा: ध्र-श्राः अभिन्तापाः श्रामिन्तापाः श्रामिन्तापाः श्रामां मि प्राणाः प्रामां मि प्राणाः श्रामां मि प्राणाः प्रामां मि प्राणाः स्त्रामां मि प्राणाः स्त्रामां प्राणाः मि प्राणाः प्राणाः प्राणाः स्त्रामां प्राणाः स्त्रामां स्त्राम

श्रासाश्च-च पु॰ ( ग्रास्वाद ) स्वाह, रस. स्नाद, रस. Taste; relish जीवा॰ ३, ३, जं॰ प॰ २, २२; श्राया॰ १, ४, ३, १४४, नाया॰ ७, १७, पञ॰ १७, दस॰ ४, १, ७८,

स्त्रासाइय त्रि॰ ( त्रामादिन ) प्राप्त थयेत प्राप्त Got, acquired. नाया॰ १२, उना॰ ३, १४०;

श्रामाढ. पुं॰ ( ग्रापाड ) અવાડ મહિના त्रापाढ माम The month of Asadha, " त्रापाढ पुनिमाण्ण उक्रासपण् " भग० ११, ११; १८, १०, स्रोघ० नि० २८३, उत्त॰ २६, १३, सम॰ १८, २६; जं॰ प०२,३०,७,१४१, पंचा० ६, ३४; (२) तृष् विशेष. तृगा विशेष & kind of grass भग० २१, ६, (३) आपा-હાચાર્ય નામના ત્રીજા નિન્હ્લ કે જેણે દરેક વસ્તુ અગ્યક્ત સંદિગ્ધ છે, ક્રાનામા સાધુતા છે અને કાનામાં નહિ તેના નિશ્વય આપણે કરી શકીએ નહિ માટે કાઇને પગે લાગવુ नि अभि स्यापन कर्षु श्राषाटाचार्य नासक एक निन्हव जिन्होंने यह मन स्थापित किया कि प्रत्येक क्स्तु श्रव्यक्त-संदिग्ध है, जसे किसमें साधुता है त्रोर किसमें नहीं इसका

निश्वय मनुष्य नहा कर सकता धन. किमीकी साध सममकर प्रणामादि नहीं करना. name of a religious preceptor who was the 3rd Ninhava and who established the uncertainty of our knowledge and the consequent futility of saluting an ascetic. ठा० ७, १; विशे० ३३०१; ( द्वा )—श्रायरिय पुं॰ ( -ग्राचार्य ) આષાદ નામના ત્રિજા નિન્દ્રવ આચાર્ય. श्रापाढ नागक तीमरे निन्हव श्राचार्य. the third Ninhava preceptor so named. श्रोव• —पाडिवयाः स्री॰ (-प्रातिपत् ) शास्त्रीय श्राव्य वृद्ध ६ ५५वे।. शास्त्रीय धावण ऋणा प्रतिपदा. the first day of the dark half of the month of Śrāvana according to scriptures ठा॰ ४; —पुरिगामा. स्री॰ ( -पूर्शिमा ) અપાઠ સુદિ પુનમ; અસાડ भदिनानी पृष्णिभा श्रापाह मान की पूर्णिमा. the full-moon-day of the bright half of the month of Asadha. भग० ११, २१; --- बहुल ц° ( -वहुल ) आषाढ भासने। ५० एपस. ग्रापाड माम का कृष्ण पत्त the dark-half of the month of Asadha ७, २०६; —सुद्धः पुं० ( -शुक्र ) आपाढ भासने। शुक्ष पक्ष. श्रापाड मास का शुक्र पत्त. the bright-half of the month of Asadha. कप्प॰ १, २; ग्रासाहभूइ. पु॰ ( श्रापाहभूति ) लुओ। " श्रसाडभूइ " शण्धः देखो "श्रमाडभूइ " शब्द Vide " श्रसाडभूइ" पि॰ नि॰ ¥98.

श्रासाहाः स्त्री॰ ( श्रापाहा ) એ नामनं नक्षत्रः

पूर्व षाढा अने उत्तराषाढा. इस नाम् का

नक्तत्रः पूर्वापाढा श्रोर उत्तरापाढा. Name of the constellations Pūrvāṣādhā and Uttarāsādhā. " दो श्रासाढा" ठा० २; जं० प० ७, १४१;

श्रासाही स्रो॰ (श्रापाही) आधा भासनी पृष्णिमा श्रापाह मास की पृष्णिमा The full-moon-day of the month of Asādha. ज॰ प॰ ७, १६१, —पाडि-चग्र. पुं॰ (-प्रतिपन्) शास्त्रीय श्रापण् पर ओक्ष्म अने सीक्षिक आधाद वर ओक्ष्म अने सीक्षिक आधाद कृष्ण प्रतिपदा श्रीर लैंकिक श्रापाह कृष्ण प्रतिपदा पीर हींक्ष्म of the dark half of Stāvana according to scriptures and the first day of the dark half of Asāḍha according to mere calculation. निसी॰ १६, १३,

श्रास्तादण न॰ (श्रासादन) भेल५वुं; अ८ण् ४२वुं. प्राप्त करना, प्रहण करना Getting, obtaining; taking नाया॰ ६;

आसादग्ता स्त्री ( श्राशातना ) अविनय, आशातना श्रवनय; श्रपमान. Irreverence; immodesty. भग० १८, ७;

श्रासादिय ति॰ ( श्रासादित ) प्राप्त ६२ेक्ष प्राप्त किया हुआ. Got or acquired " इमे वणखंडे श्रामादिए ' भग० १४, १,

आसायण न॰ ( ब्रास्वाङन ) आस्वाइन, रस लेवे। ते. ब्रास्वादन; रस लना; चलना. Tasting; relishing. " थोवमासायण- हाए हत्थामि-हताहिमे " दस० ५, १, ७=;

आसायण न॰ (श्रामादन) १४६७ १२५, भेलववुं ग्रहण करना, प्राप्त करना. Getting; acquring. नाया ॰ ६,

श्रासायगा. स्त्री० (श्राशातना) आशातना, विनय भर्यादानुं ६६संधन. श्राशातना, विनय सर्यादा का उत्तंबन; गुरु के प्रति किया जाने योग्य विनय में न्यूनता करना Irreverence to a precepton etc. श्राड॰
२६; दमा॰ २, २; ३ ३४, निमी॰ १३, १२;
दस॰ ६, १, २; ६; उत्त॰ ३१, २०; सम॰
३३; श्राव॰ ३, १; पंचा॰ ६, ४८, प्रव॰ ८:
—परिहार पुं॰ (-परिहार) व्यायतन्त्राने। परिहार स्थाग. श्रायातना का परिहारत्याग. giving up or abandonment of Āśātanā प्रव॰ ६४६;

श्रासायणिज त्रि० (श्रास्तादनीय) २९१६ देना थे। २५; याण ११ थे। २५ स्त्राद लेने योग्य; चखने योग्य. Worth being tasted or relished. जं० ए० पन्न० १७; नाया० १२;

श्रासालय. न॰ (श्राशालक) केना ७५२ सुध्रश्राय हे भेसीने आराम लई श्राय तेनु ओड आसन ऐमा श्रामन जिसपर मो सके या वेंडकर श्राराम किया जासके A seat on which one can sleep or sit comfortably. "श्रामंदी पिन पंकेम्" "मंचमामालएसु वा " दम॰ ६, ५४٠

श्रासालिया ह्री॰ (श्राशालिका) से लतने।
सेत क्षेत्र क्षेत्र के पंदर के मेलू मिमा यह पित नी
सेता तीचे पृथीमां समुर्छिम पर्ले अतमें दूर्न ने आड़ि जे दिन श्राप्त श्राप्त हैं, तेना श्रीर्नी डिन्म् ही १२ लेल तनी अवगादना देवि
हें. २ म्विनिती मेनाने। विनाश ध्वाने। देवि
त्यारेल नेनी डिल्पित थाय छे अने आणी
सेनाने। नेथी आंत में दुर्न मानाश ध्वाप छे.
सेवने। नेथी आंत में दुर्न मानाश ध्वाप छे.
सेवने। प्राप्त प्राप्त के कि नेथी १२
लेल तने। प्राप्त प्राप्त के माना हरण्
परण्या पर्मा नाश प्राप्त हें इस कर्म मूमि मे चक्रवर्ति की
सेना के नीचे पृथ्वी में ममुर्त्विद्य रूप में
(श्र यह सीते से) श्रानमें मुर्ति की श्रायुष्य

धारण कर उत्पन्न होता है. इसके शरीर की उत्कृष्ट श्रवगाहना १२ योजन का होती है। जब चक्रवर्ती की सेना का विनाश होने वाला होता है तभी इसकी उत्पत्ति होती है और इसके कारण सम्पूर्ण सेना का अन्तमुहूर्त में नाश हो जाता है. क्यों कि वह १२ योजन मिशे खा जाता है जिससे उतनी भृमि में बहुत बड़ा खड़ा पड जाता है जिसमें सेना गिरपटकर नाश को प्राप्त होजाती है. A kind of serpent born in the 15 Karma Bhūmis It is born underground and has a life of one Antarmuhūrta. Its bulk extends over 12 Yojanas or 96 miles. It is born under the ground occupied by the aimy of a Chakravarti of the above Karma Bhūmis, when that army is fated to perish. devous the earth filling the area of 96 miles and the army is swallowed up by the pit thus caused and is destroyed " सेकितं श्रासातिया? कहिएं। भंते ! श्रासात्तिया समुहंति " जीवा० १, पन्न० १:

श्रासाविणी ही॰ (श्राधाविणी) छिऽवासी नावा; केभा पाछि आवे सेवी नाव. छिद्र-वानी नांवा; जिसमें पानी श्रावे ऐसी नाव. A boat or a ship with a leak in it. " जहां श्रामाविणि नांवं जाङ् श्रंधी दुरूहिया" स्प्र० १, ११, ३०,

न्नामास पुं॰ ( श्राश्वाम ) आश्वासन. त्राश्वासन Taking rest removal of fatigue. त्रोघ॰ नि॰ ७३, पगह॰ २, १, (२) विश्वामना स्थान; थां क्षेतानी ॰ १२५। विश्राम का स्थान. a resting-place. ठा० ४, ३;

श्रासासण पुं॰ ( श्रश्वासन ) अश्वासन नाम ने। थढ श्रश्वासन नामक बह. A planet so named. ठा॰ २, ३;

न्नासासण्याः स्त्री॰ (न्नाश्वासना) आशार्षाः. न्नाशीर्वादः Blessing; words of blessings भग॰ १२, ४;

श्रासासिय. त्रि॰ ( श्रायसित ) आश्वासन आभेल. विश्वाम लीवेल. श्राश्वामन दिया हुश्रा, विश्वाम लिया हुश्रा. (One) who has rested himself, (one) who has removed his fatigue. नाया॰ १; भग॰ ६, ३३;

श्रासि स्त्री॰ (श्राशिस्) ६१८. दाड. A. jaw. पत्र॰ १; प्रव॰ ५४,१४;

श्रासि-सी. ग्रि॰ ( श्रासीत् ) अस धातुना भूत असनुं रूप हता-ती-तुं. श्रस धातु के भूतकाल का रूप, था-थी-थे. He-she-it was सु॰ च॰ १, १२४; ३, ११४; विशे॰ १२६१; पि० नि॰ १६१: नाया॰ ६; ११; १४; मग॰ २, १, ३, १; स्य॰ १, ६, २; २, ६; ६, उवा॰ ६, १६७; पंचा॰ १६, १०;

श्रासित्त त्रि॰ (ग्रासिक्त) ये। इं४ ७। २७ं, ७८ ४। ५ २९६ थोडा माचा हुग्रा. ह्रिटकाव किया हुप्रा Sprinkled slightly. परह० २, ३, नाया॰ १, जीवा० ३, ४; प्रोव॰ २६;

ग्रासितित्रा ली॰ (ग्रासिकिका) એક ખાદ્ય પદાર્થ. एक खाद्य पदार्थ. Name or an article of food " विसाहाहि ग्रामि-नियाग्रो भोचा कज साधिति" सू॰प॰१०; श्रासिद्धि ग्र॰ (ग्रासिद्धि) सिद्धिपर्थन्त. सिद्धि पर्यन्त. Up to, as far as Siddhahood, up to the attainment of final goal मत्र ७१;

त्रासियः त्रि॰ (जाश्रित) आश्रय पामेल. श्राश्रय प्राप्त. Resorted to, resting on; dependent on ठा॰ ६,

श्चासिय ति॰ (श्वासिक्त) कुओ "श्वासित्त" शल्द देखो "श्वासित्त " शब्द. Vide. "श्वासित्त" दसा॰ १०, १: राय० १८०; नाया॰ ३, ८; १६, भग॰ ६, ३३;

श्रासियावाय पुं॰ ( श्राशीर्वाद ) आशीर्षाः, आशीष् वयनः श्राशीर्वादः श्राशीर्वचनः Blessings; words of blessings. सूय॰ १, १४, १६;

श्चासिल, पुं॰ ( ग्रासील ) એ नामना એક અન્ય तीर्थी भ्रायीन ऋषि इस नाम के एक ग्रन्य धर्मानुगायी ऋषि. Name of a non-Jaina ascetic. सुय॰ १,३,४;३:

श्चासी. स्रो॰ ( जाशी-श्चाशिस् ) सर्पनी हाढ सर्प की दांड A jaw of a serpent; a serpent's fang. 370 %; — चिस पुं॰ ( - विष ) केनी दाढमां अर २ हे शु हो तेवे। सर्भ जिसकी दाड मे विष है षह सर्व a serpent ( with venom in the fangs ) विशे ० ७८०; भग ० =, १, दस॰ ६, १, ५; परह॰ २, १, उत्त॰ ६, ६३; तद्व॰ दसा॰ ६, ३२ जीवा॰ १, (२) સીતાદા નદીને પશ્ચિમ કિનારે શંખ વિજય-ની પશ્ચિમ સરહદ પરના વખારા પર્વત सीतोदा नदी के पश्चिम किनारे शंख विजय की पश्चिम सीमा प्रान्त पर का वखारा पर्वत. name of a Vakhārā mountain on the western boundary of Śańkha Vijaya on the western bank of the river Sitoda 510 म, १, ज**०** प०

श्रासीगा ति॰ (श्रासीन) गेहिस; आश्रय इरेस. वेठा हुआ. श्राश्रय किया हुआ. Sat; seated, resorted to. श्राया॰ १, ८, ७, १७, एग्ह॰ २, १;

श्रासीविसत्त. न॰ (श्राशीविपत्व) ४४ व्यनिष्ठ इरवानु सामर्थ्य. इष्ट र्थानष्ट इरने का सामर्थ्य. Power of bringing about good or evil भग॰ १४, १; ठा॰ ४;

श्रासीविसत्ताः स्री॰ ( श्राशिविषता ) आशीर्विषपणुं; अति जेरी सर्पना लाव. श्राशीर्विपता, श्रात जहरीले सर्प का भाव. State of being a highly venomous serpent भग॰ १६, १;

श्रासीविसभावणा. स्री॰ ( स्राशीविप સામર્ર્થ સંગંધી હકીકત જેમાં બતાવેલ છે તેવું અંગળાહ્ય એક કાલિક સ્ત્ર–કે જે ચૌદ-વર્ષ ઉપરાં 1ની દીક્ષા-પ્રવજ્યાવાલાને વાચ-વા દેવાના અવિકાર છે. તે સૂત્ર હમણા વિદ્યમાન નથી. વિચ્છેદ થઇ ગયેલ છે. जिस में श्राशी विपल-इष्टानिष्ट करने के सामर्थ्व का वर्णन है, ऐसा एक श्रंगों से पृथक कालिक सूत्र, जिसे कि चौदह वर्ष से अधिक समय के दीचित साथ को पढने का अधिकार है. यह सूत्र वर्तमान में विद्य-मान नहीं है. इसका विच्छेद हो गया है. Name of an Anga Bāhya Kālıka Sūtra dealing with the power of bringing about good or evil (by austerities) It is permitted to be read after 14 years of asceticism. The Sūtra is lost and not extant in these days. 99, ३३, ३६,

श्रासीविसा स्त्री॰ ( ग्राशीविषा ) सीते। हा

महानदीने जमाणे डाडे आविसी आशीविषा

नामनी नगरी. सीतोदा महानदी के दाहिने

किनारे पर की श्राशीविषा नाम की नगरी.

Name of a town on the right

bank of the great river Sitoda

ठा॰ २, ३;

श्रासु ग्र॰ ( श्राद्य ) लक्दी; शीध्र: ओक्ष्टम शाद्रा; तुर्रत, जल्दा Quickly; at once. स्य॰ १, ४, १, २७, दस० ८, ४८,

श्रासुकार त्रि॰ ( त्राशुकार-करणं-कार -श्रवित्ताकरणं, त्राशु-शीघं कार त्राशु कार ) જેથી તત્કાલ મરણ નિયજે તે; મરણના અવસર લાવનાર સર્પદંશ વિસચિકા વગેરે शीघ्र-तत्काल-मार डालने वाला; सर्पदंश, विश्रचिका आदि. Producing, causing death quickly or instantareously, e g serpent-bite আৰ • ६; श्रास्चर वि॰ ( श्राशुचर ) शीध्र यासनार जल्दी जल्दी चलने वाला. Walking fast, moving fast. विशे॰ २४२८; श्रासुपन्न. त्रि॰ ( त्राशुप्रज्ञ-त्राशु शीघं कार्या-कार्येषु प्रवृत्तिनिवृत्तिरूपा प्रज्ञा मतिर्थस्य स श्राश्चमज्ञ ) तीत्र भुद्धिवासे।, ઉत्पातशी भुद्धि-भान तीव बुद्धिवाला; उत्पातकी बुद्धिमान् Quick-witted, sharp-witted श्राया० १, ७, १, २००, सूय० १, १४, ४ श्चासुर. न॰ (श्रासुर) आसुरी ભाવनाः જેથી અગુરયાનિમા થવા યાગ્ય કર્મ બંધાય

तेरी सावना श्रामुर्रा भावना; ऐसी भावना जिससे श्रामुर योनि में उत्पन्न होना पड़े ऐसे कमी का बचन हो Meditation which causes birth among demons or as a demon. ठा० ४, ४. (२) असुर संणंधी, सवनपति श्रोर व्यतर संणधी. श्रमुरसवधी; भवनपति श्रोर

न्यन्तर मनंत्री pertaining to gods of the infernal world, like Bhavanapatis and Vyantara gods. स्य॰ १, १, ३, १६; उत्त॰ ३, ३; ६, ५४; प्रत॰ ६४६:

श्रासुरता. स्री॰ ( श्रामुरता ) आश्वर पर्छु. श्रामुरी भाव; श्रमुराई. State of being a demon; devilry. ठा॰ ४;

द्यासुरत्त त्रि॰ ( त्राशुरक्त ) है।ध्यी साल-चेति थ्येस जो कीय से लाल हो गया ही वह Red-hot with anger. निर॰ १, १. नाया॰ १, ७, ८; ६; १६; दस॰ ८, २५; उवा॰ २, ६५;

श्रासुरत्त. न॰ ( श्रासुरत्व ) आसुरी लावना; अभुरहेवतामां हत्पन्न थवं पडे तेवी लावना. श्रामुरी भावना; श्रमुरदेवों में जिस भावना से उत्पन्न होना पढे वह भावना. A meditation which causes birth among infernal gods; devilish meditation. उत्त॰ ३६, २५४;

श्रासुरा स्त्री॰ (श्रासुरी—श्रमुरा भवनपति-देवविशेषास्तेषामियमासुरी) केनाथी अधुर गेानिमां उत्पन्न थवाय अपी कावना. जिससे श्रमुर योनि में उत्पन्न होना पढ़े ऐसी भावना. A meditation which causes birth among infernal beings. " चडिंह हासोह श्रासुरताए कम्मं पकरेती" ठा॰ ४;

त्रासुरिस. त्रि॰ ( श्रासुरिक ) असुरसम्भन्धी.
श्रमुरसवन्ती. Pertaining to infernal beings. " श्रासुरियं दिसं बाला
गच्छिति श्रवसातमं " उत्त॰ ७, १०; दमा॰
१०, ७; (२) ( श्रमुराणा चएडकोपेन
चरतीति श्रासुरिक ) पूर्वलवमां तीत्र
क्रिश्च ४२वाथी असुरपणे ६८५८ थनार.
पूर्वभव मे तीव कोध करने से श्रसुर रूपसे

उत्पन्न होनेवाला. born as an infernal being on account of habit of sharp anger in previous birth. आउ॰

आसुरियः न॰ ( श्रामुर्व ) अभुरपः श्रुं. श्रसुरः पन, श्रमुराई. State of heing a denizen of the infernal world, devilry. दसा॰ १०, ७;

आसुरी. ली॰ ( श्रासुरी ) अभुरभणे उपल्या ये अप लावना; साधु धर्मने अळ आ इरे, सडाभ तप इरे, निभित्त प्रहाशे, निर्न्यपणु इरे ते जियसे श्रमुर योनी मे उत्पन्न होना पडे ऐसी भावना, साधु होकर कगडा करना, सकाम तप करना, निमित्त प्रकाशित करना, श्रोर निर्दयता रखना श्रादि. Meditation or activity which causes birth as a devil; e. g- quarrelling, practising austerity with desire of fruit, acting cruelly, interpreting omens etc. प्रव॰ ६४६;

आसुरुत. ति॰ (त्राग्रुह्य-त्राग्रु शीघं हृष्टः क्रोधेन विमाहितो य स.) ०८६ी क्रेशियभान ध्नार शीत्रता से क्रोधित हानेवाला. (One) getting quickly exasperated विवा॰ ४, ६; भग॰ ३, १; २; ७ ६; १४, १; नाया॰ २, १६; जं॰ प॰ ३, ४५;

श्रासुहम्म. न॰ (श्रासोधम्मं) सै।धर्म देवले। शुधी सोधर्म देवलोक तक. Up to, as far as, the heavenly world called Studharma. क॰ गं॰ ५, ७२;

आसुहुम न॰ ( श्रास्हम ) आसङ्ग संपराय —भि<sup>2</sup>पात्त्व-ग्रेषुठाषुाथी मांडीने दशमा सद्गम संपराय ग्रेषुठाषु। सुधी श्रास्हमसंप- राय-मिध्यात्व गुणस्थान से लेकर दमवें स्चमसंपराय गृणस्थानतक. State beginning with the Gunasthana named Mithyatva (i.e. first) and ending with that named Süksmasamparaya (i.e. 10th). क॰ गं॰ ४, ६३,

न्नास्ति. न॰ ( त्रास्ति) धृतपानादिक प्यतिष्ठ औषध-के केथी भाश्वस प्ययान् थायः इत पानादिक वलकारी श्रीपांव जिससे कि मनुष्य वलवान् हां A tonic remedy e. g. taking ghee etc by which one becomes strong. स्य॰ १, ३, १५;

श्रास्यं न० ( \* ) डार्ध देवने भानता भानवाभा आविछे ते किसी देव की मानता मानना. Vowing to propitiate a god in case a certain desired thing comes to pass. १५० न०४०५; √श्रासेच. था० I. ( श्रा + सेव् ) सेवन इरवु. सेवन करना. To practise; to adopt; to take to श्रासेविजं हे० कृ० नाया० १०; श्रासेविजा. सं० कृ० श्राया० १, ३, २,

श्रासेवमाण व० क्र॰ नाया॰ १७;

श्रासंवर्ण. न॰ ( श्रासंवन ) सेवबु ते सेवन करना. Resorting to, taking to; waiting upon. पंचा॰ ७, ३१;

त्रासेवणाः स्त्रां ( श्रासेवना ) संयभभां -अतियार-हाप संगाऽवा ते संयम मं श्रानि-चार-दोप लगानाः Partial violation of ascetic vows. प्रव० ७३२; ( २ )

<sup>ં</sup> ભુઓ પૃષ્ઠ નમ્ભર ૧૫ ની પુટનાટ ( \* ). देखो पृष्ठ नंबर ૧૫ की फूटनोट ( \* ). Vide foot-note ( - ) page 15th.

v. 11/15.

सूत्रनं अनुष्ठान ४२पुं ते स्त्र का श्रनुष्ठान करना. studying, following the precepts of, Sutras स्य॰ नि॰ १, १४, १३१, (३) आरे। ५०० १२५ — आरे। ५०० १२५ — आरे। ५०० १२५ — आरे। ५०० १२५ — क्योंन करना adding to, charging with. सम॰ २८, — क्योंन. पुं॰ ( —क्योंन) सष्भभा अतियार लगाने से जो क्योंन हुआ हो वह one who has become lacking in right conduct on account of partial violation of ascetic restraint. प्रय॰ ३३२.

श्रासेवालोय-ग्र. पुं॰ (त्रांसवालोचक) पुन, पुन पापक्ष्मी आयश्चित्त क्षेनार (साधु)। बारबार पाप कर के प्रायश्चित्त लेनेवाला साधु. (An ascetic) frequently racurring sin and frequently performing expiation. विगे॰ ६६६;

श्रासेवियः त्रि॰ ( श्रामेवित ) आ-धाई सेवित-सेवेल. थेडिं। स्वाह लीघेल-थाणेल. कुद्र स्वाद लिया हुआ-चला हुआ; कुद्ध सेवन किया हुआ. Slightly resorted to; slightly tasted. श्राया॰ १, १, १६, नाया॰ ६,

श्रासोग्र पुं॰ (श्रश्वयुज्) आसी। भास. श्राश्विन मास. The month of Asvina सम॰ ३६; जं॰ प॰ श्रोश॰ नि॰ २=३, भग॰ ११, ११, १८, १०; कृष्प॰ २, ३०; ६, १=४;

श्रासोई स्त्री॰ ( श्राथयुक्ती-श्रथयुगिन्वनी-तस्या भवाऽरवयुक्ती ) आसी। सुद्दि पुनभ श्राधिन सुद्दी १५ पृश्चिमाः The fullmoon-day of the month of Asvina जं॰ प० ७, १६१,

श्चासीम. पुं॰ न॰ ( श्चामांक-श्रशोकम्येदमा-

गांकम् ) अशोध पृक्षानुं पुत श्रयोक वृत्त का फूल. A flower of the Asoka tree नाया॰ =;

द्यासोहह. पुं॰ ( श्रक्षस्थ ) पीपक्षी; पीपक्षानुं आइ. पीपल का काह. The holy figtree श्राया॰ २, १, ६, ४४,

श्रामोत्था पृं॰ (अधन्य) लुग्गा ७५की शण्टा देखी ऊपरका शब्द. Vide above. पन्न॰ १,

√ श्रा-हसय. घा॰ J. ( श्रानिश्र ) व्याक्षय ६२वे।. श्राश्रय करना. To test upon; to resort to.

श्चामयड दसा० ६, २७; श्चासयित भग० १३, ६; श्चासयित, नाया० १७, तं० ५० १, ६: १२; श्चामयाहि नाया० य० श्चासयह, राय० २५७; श्चासयत विशे० ३२२;

√ त्रा-स्सयः था॰ I. ( श्रा+म्बद् ) स्वाह लेवे। स्वाद लेना. To taste; to relish (२) अलिलाया इरवी. श्रामलाया करना. to desire.

श्रासयइ. सम० ३०;

√ द्या-स्मम. था॰ II ( त्रा+धर् ) थाः ७तारवाने विश्रानि क्षेपी यज्ञावट उतारने के लिये विश्राति लेना. To take rest in order to remove fatigue.

त्र्यासासेह्- नाया० १६, स्रासासंति नाया० ६;

श्रासाम्नि. भू॰ '' एवमासासि श्रप्पाण '' उत्त० २. ४१;

√ त्र्या-समादः था॰ I.II. ( त्र्या+स्वरः ) च्य स्थाध्य ४२पृं स्वाद लेना, चलना. To taste. -to relish. (२) २७।पुं; ध<sup>2</sup>७पुं चाहना इच्छा करना to wish, to desire. (३) प्राप्त अर्थुः प्राप्त करना. to acquire: to gain.

श्रासाएति. उत्त० २६, ३२; ठा० २, २;
नाया० ६: १२, १६, १८, १८, विवा० ७,
श्रस्माएति पन्न० १५;
श्रासादेइ. नाया० १२;
श्रासायेन्त भग० १४, १;
श्रासायमि नाया० ६;
श्रासाएमी नाया० १८;
श्रासाएमी नाया० १८;
श्रासाएसि नाया० १८, १;
श्रासादेस्सामो भग० १४, १;
श्रासादेस्तामो भग० १४, १;
श्रासादेस्तामो सं० कृ० ठा० ७,
श्रासाइता सं० कृ० नाया० ६;
श्रासादाया नाया० १;

श्रास्तादिय त्रि॰ (श्रासादित) ल्युओ।
"श्रासादिय" शण्ट. देखो "श्रासादिय"
शब्द. Vide "श्रासादिय" भग॰ १४, १,
श्रास्तायाणिज्ञ त्रि॰ (श्रास्ताटनीय) स्वाट लेवा थे। २४. स्वाद लेने योग्य. Worth being tasted. दसा॰ १०, ५;

श्रास्ताचिणी स्त्री॰ (श्राम्नाविणी) जलने। संग्रह धरनार; जेमा पाणी याल्यु ज्याचे ते (नावा) जिस में पानी त्राता हो वह नाव, जल का संप्रह करनेवाली. (A ship) hiving a leak in it. उत्त॰ २३, ७०,

श्राहच त्र० ( त्राहत्य ) अध्यः अधित् कदाचित् Perhaps उत्तः १, ११: " श्राहच सवर्णं लर्दुं" ३, ६, वेय० ४, ११: त्राया० १, १, ४, ३७, २, १, १, १; भग० १, २ ७, ६, १०, ७, ६; १८, ७, वव० २, २३; ४, १०, ११;

अभद्दच अ॰ ( स्राहत्य ) લાવીને, આણીને.

लाकर Having brought. आया॰ १, ७, २, २०४. २, १, १, १;

श्राहट्टु. सं० कृ० त्र्रं० (श्राहत्य) स्वी धर धरीने स्वीकार करके Having accepted श्राया० १, २, ४ =४, (२) सापीने आधीने. लाकर. having brought. श्राया० ६, ७, २, २०२. सम० २१, निसी० ३, ५. ११, ८, १४, १५, ४१; १७, २८; १८, २, १६, १. दसा० २, ७.

न्नाहड अ॰ ( ब्राहत ) आणेल, क्षावेलं ताया हुआ. Brought, carried दस॰ ५, १, ११ ६, ४६; त्रोव॰ नि॰ भा॰ २३६; राय॰ २७४, पगह॰ २, ४, पचा॰ १, १४,

आहडिया खी॰ ( श्वाहतिका ) पहारथी भावेती साधी चाहिरसे ब्राई हुई नाहिन. परोसना, Food received from outside as a present, नेय॰ १, ४४; २, १६;

न्नाहत. त्रि॰ ( न्नाहत ) એક કેકાણથી બીજે કેકાણે આણેલું एक स्थान से दूसरे स्थान में लाया हुन्या. Brought or carried from one place to another. प्रव॰ ८४६,

आहत्तिह्रिश्र. न॰ (याधात्त्य्य) याधात्य्य; लेंस् ने तेवुं जैसे का तैसा; जैसा चाहिये वैसा Real, actual condition. सम॰ २३, (२) यथार्थ उपहेशनु २०२०५; सत्य, वास्तिविक स्वरूप यथार्थ उपहेश का स्वरूप; मत्य, वास्तिविक. स्वरूप truth; real nature, e g. of religious teaching स्य॰ १, १३, १, (३) स्यगडांगना १३ मा व्यध्ययना नाम के भा यथार्थ उपहेशनु २०२०५ अत्ताल्युं छे स्यगडांग के १३ वे श्रध्याय का नाम जिस में कि यथार्थ उपहेश के स्वरूप का वर्णन है. the 13th chapter of

Suyagadānga in which the real nature of religious teaching is shown. स्य० १, १३, २३; आहमन. व० क० ति० ( आधमत् ) धभते। धम् भुभते। धांकता हुआ; यमन धांकता हुआ. Blowing, blowing a furnace with bellows राय० =, =: आहमिअपय. व० ( धधामिकपद ) अधार्भिः पह, धमं विरुद्ध पट आवामिक पद; धमं विरुद्ध पट ति। तारा हो। इस० ८, ३१;

आह्य त्रि॰ ( आहत ) ६ ऐ से मारा हुआ Killed ( २ ) यगा डेलुः यत्पवेलुं. पीटा हुआ; वजाया हुआ. played upon, heaten e. g a musical instrument. आव॰ ३२; पत्र॰ २, पर्रह॰ १, ३; उत्रा॰ ७, २००; किवा॰ १; कष्प॰ ३, ४०; ४३; ( ३ ) टेलि. होल. a drum. आया॰ २, ११, १७, ( ३ ) प्रेरेला डरेल ग्रंस. inspired; hinted at, moved राय॰

श्राह्या. स्त्री॰ (श्राहता) हुहुिल. हुंदुभी. A kind of large kettle-drum; a drum भग॰ १४, १;

√ श्राह्स. घा॰ I, II ( श्रा+ह ) भावं. लाना. To eat ( १ ) अ७० १२वं, २वी ११-२वं. ब्रहण करना to take; to accept. ( १ ) भाष्यु, लाववु. लाना. to bring श्राहारेड-ति प्रे० निसा० ४, १७, ठा० २,

२; नाया॰ २, =; ६, १४; १६; १=, भग॰ १, ७, ३, २, ७, १; श्रंत॰ ३, ८, राय॰ २४०;

श्राहरेइ. श्रोव० ४०,

षाहारं-रें-नि. सग० ६, १०; ७, ३; ८, ५; १४, ६; १४, ६; १८, ३. १६, ३; नाया० ४; पन्न० १५; श्राहारेमि. नाया० १६; श्राहारेमि. पञ्च० ११; श्राहारेमी. नाया० १८; श्राहारिजा वि० उन० २, ३१; श्राहारेज-जा. स्य० १, १, ०, २८; भगव ६, ४; २०, ६; श्राहारे. दम० ४, १, २७;

√ आ-हर. था॰ I,II. ( आ + ह ) ओध्हुं धरपु: इक्ट्रा करना. To collect. आहुशिय. सं० कृ॰ नाया॰ ६; जं॰ प॰ ३,

५५; राय० २६;

ष्राहार. श्राज्ञा० निसी० ४, ५; श्राहारेहि. श्राज्ञा० नाया० १६; श्राहराहि. उत्त० २. ३१; भग० १४, १; सूय० १,४,३,४;

ष्पाहारेह. ग्राज्ञा० नोया० १४; १६; १८; ष्याहारेत्तपु. हे० कृ० नाया १६; ष्याहारित्तपु. श्रोव० ३८; वेय० १, १६; कप्प० ६, ४३; भग० १, ७, ३, १; नाया० १६;

श्राहरिचण नाया० १८; श्राहरिहत्ता. मं० कृ० नाया० ४; ६; १६; श्राहारिता. भग० २०, ६; श्राहारेमाणा. व० कृ० नाया० १; भग० ११,

११; २४, ७, वेव० ४, ६; दसा० २, १६; १६;

श्राहारमाण. क॰ वा॰ व॰ कृ॰ स्रोव॰ १६; भग॰ ७, १;

ग्राहरंत दस॰ ४, १, २८,

त्राहारिजमाण. क॰ वा॰ व॰ कृ॰ भग॰ १, १: ठा॰ १०;

श्राहरिज्जमाण्. ठा० १;

स्राहरता न० ( ग्राभरता ) धरेखुं; धारीने।; आभृपण, गहना; ग्राभृपण. An ornament ग्रांव० २४; सु० च० १, ३१८; प्रव० १२३४, —िन्निहि. पुं० (-िषधि)

ધરેણા ળનાવવા તથા પ્હેરવાનાે વિધિ-રીતિ. श्राभर्गा वनाने तथा पहनने की विधि the art or process of making or fashioning ornaments and also of putting them on. प्रवर १२३४, श्राहरणा. न॰ ( उटाहरण-उदाहियने प्राच स्येन गृह्यतेऽनेनटाष्ट्रितकोऽर्थ इत्युदाहर-गम ) द्रष्टांत, ७६।७२७. द्रष्टात, उदाहरगा. An illustration. पि॰ नि॰ ६२६, ठा० ४, ३; —तद्देस. पुं॰ (-तद्देश) એક देशी दर्शत. एक देशी द्यान्त--एक श्रंश मे घाटित होनेवाला दृष्टान्त. sided illustration i.e. one not fully applicable. ठा॰ ४, ३, --तद्दोसः पुं॰ ( -तद्दोष ) सहे। १ ६ छात सदोष दशन्त. faulty illustration.

श्चाहवर्ण. पुं॰ ( श्राह्वान ) भे। क्षाययुं बुलाना Calling, inviting सु॰ च॰ ३, ११४, पंचा॰ २, १२,

श्रधम्म जुते '' ठा॰ ४, ३;

" श्राहरणत्तदोसे चडविहे परणते तंजहा

श्राह्च्च ति॰ (आभान्य) तेत्र, शिष्य, सात, पाणी, वस्त्र, पात्र वगेरे चेत्र, शिष्य, भात, पानी, वत्त, पात्र श्रादि Such things as, a field, food, water, clothes, vessels etc, also a disciple etc. पंत्रा॰ ११, २६;

श्राह्व्यणी सी० (श्राथर्वणी) तात्रालिक श्रमर्थ अनर्थ ६२ नार ओड विद्या तात्कालिक श्रमर्थ क्ररनेवाली एक विद्या. An art (enabling a person) to work instantaneous disaster or mischief स्य० २, २, २७;

श्राहब्बाय. न॰ (यथावाद) विच्छेट गरेल आरमां दिश्वाद अंगना जील विलाग सत्र-ने। १० मे। लेट विच्छेद हो चुके हुए वार-हवे दृष्टिवाद श्रंग के दूसरे विभाग-सूत्र का १० वॉ भद. The 10th section of the 2nd part of the lost 12th Dristivāda Anga नंदो॰ ५६,

श्राहाकड ति॰ (श्राचाकृत) भास साधुने भाटे निपन्नवेल आहराहि. खास साधुके लिये बनाया हुआ आहारादि. (Food etc.) prepared specially for a Sādhu. सूय॰ १ १०, ६. पराह० २, ३; श्राहाकम्म न॰ (श्राधाकर्मन्) आधाध्मे-आहार वगेरे श्राधाकर्म श्राहार वगेरह.

Food etc. specially prepared for an ascetic उत्त० ३, ३, पि॰ नि॰ ६२, १०७, सम॰ २१ भग॰ १, ६, ५, ६; ७, ८, पंचा० १३, ४, प्रव० ५७१; दसा॰ २, ४, ५; ६, निसी॰ १०, ६;

श्राहाक∓म न० (ः ) पेति। न। केवा अर्भ है। य ते प्रभाषे, स्वकृत अर्भानुसार श्रपने किये हुए कर्म के अनुसार In accordance with one's own Karma. उत्त० ४, १३,

श्राहाकिम्मिय. त्रि॰ ( श्राधाकिमक ) साधुना भाटे भनावेल आक्षार साधु के लिये तैयार किया हुआ आहार Food prepared specially for an ascetic. नाया॰ १, भग॰ ६, ३३, श्रोव॰

श्राहाच्छदः त्रि॰ (यथाच्छंद) पेति। भर्छ मुज्य्भ वर्तनारः स्वेन्धायारी. श्रपनी इच्छा श्रनुमार बर्ताव करनेवालाः स्वच्छंदी. Selfwilled निर्॰ ३,४,

<sup>्</sup> लुओ। पृष्ट नम्भर १५ नी प्रुटनेट (१). देखो पृष्ट नंबर १५ की फूटनोट (१) Vide foot-note (\*) p 15th.

श्राहातचा न॰ (याथातथ्य) के पस्तु केपी है। पितीक अहेपी ते, यथार्थ, सत्य जो वस्तु जैसी चाहिये वैमी ही होना, उचित-ठांक ठींकपना Reality, truth दसा॰ ५, २०,

आहातिहि स्र न० (याधानध्य ) याधातिधिः सत्य पात केमा प्रतिपादत हती छे ते सूय- गडाग सत्रता १३ मा अध्ययन का नाम स्यगढांग मृत्र के १३वे ध्राप्ययन का नाम जिसमे यथार्थ बात का प्रतिगादन किया है Name of the 13th chapter of Suyagadanga in which absolute truth is explained सम० १६०;

श्राहाय. सं० कृ० श्र० (श्राधाय) भुरीने, इरीने छोडकर, करके Having done, having placed पि० नि० १७४, १८०, श्राहार पुं० (श्राधार) आधार, आश्रय, अवसम्भनः ठेशे. श्राधार, श्राश्रय, अवसम्भनः ठेशे. श्राधार, श्राधा

श्राहार. पुं॰ ( श्राहार ) आदार-भाराक्ष; लेलि जन, भानपान श्राहार; भोजन. Food; eating, eating and drinking. पन्न॰ १, ३, २८, ३६, श्रोव॰ १६; ३८, विशे॰ ८, नाया॰ १, ४, ४, ७, १६, १८, दम॰ ६, ४७; निमी॰ १०, ५; ५,१, जीवा॰ १. उन्न॰ ३०, १३, नम॰ १, १, ७; २, १; ७, १; १६, ३, २५, ७, मम॰ १. उवा॰ १, ५१, जं॰ प॰ २, २२, प्रव॰ ६३८, पंचा॰ १, २६, ऋष० ४, ६५, ऋ० गं० २, १३, १, ४, — ग्रंपजातिः ति० (-प्रप्यांसि) આહારની અપયાપ્તિ, આહાર લેવાની શક્તિ पुरी न थाय ते चाहारकी चपर्याप्ति, चाहार लेनेकी पूरी शक्ति का अभाव. imperfeetly developed power of assimulating food भग॰ ६, ४: — श्रवः कंति. स्त्री॰ (-ग्रपकांति) आहारनी त्याग आहार का त्याग. giving up, abuidonment, of food. कप॰ १, २; -- उविचय विव ( -उपचित ) आहारथी ઉપચિત-પૃષ્टु. ब्राहार से पुष्ट plump with food. भग॰ १६, २; ८, —कं-खिय. त्रि॰ ( -कांचिक ) আહাरनी ઇચ્છા अंक्षा वाली. श्राहार की इच्छा वाला. (one) desirous of food. वव॰ -गम. पुं॰ (-गम) आहारते। गभा-આહાર સંવંધી હકીકત બતાવનાર સૂત્ર-પાઠ. थाहार संबन्धी वर्णन करनेवाला सूत्र-पाठ. a Sūtra-text dealing with instructions about food भग॰ २, १: —गुत्तः त्रि॰ ( -गुप्त ) थे। डा आहार डर-નાર; આહાર પરત્વે મન વચન વ્યને કાયાને पापथी गापवी राभनार किचित ब्राहार करनेवाला, ब्राहार के सम्बन्ध में मन, वचन त्रौर कायको पाप से पृथक रखनेवाला. (one) taking limited amount of food; self-restrained in the matter of food प्रव० —गोयर पुं० (-गोचर ) आढारने। विषय-पश्तु श्राहारकी वस्तु an article of food पंचा॰ ४,३ --छ्गा. न॰ (-षट्क) આહારક શરીર, આ દારક અગાપાંગ, દેવ-तान आयुष्य, नरक्षनी यति, नरक्षनु आयुष्य अने नर धानुपूर्वी ओ ७ प्रकृति आहारक शरीर, आहारक अगोपाग, देवताका आयुष्य, नरक की गीत, नरक का आयुष्य और नरका-नुपूर्वी ये छ प्रकृतिया the six Prakritis, (Karmic natures) viz Ahāraka Śarīra, Ahāraka Angopāṅga, Devatāyus, Narakagati, Narakāyus, and Narakānupūrvī. क॰ गं॰ ३, १५; —जाइ. ह्यां॰ ( -जाति ) आहा-રના પ્રકાર; જાદી જાદી જાતના ખારા-डेना ०/2था- ब्राहार के भेद, भिन्न भिन्न प्रकार के भाजन का समूह varieties of food, collection of foods of various kinds. पचा॰ ५, २४, — जाय न॰ (-जात) जुओ। ઉપલા शण्ट देखो ऊपर का शब्द. vide above पंचा॰ १, २६; — जुगल. न॰ ( -युगल ) आहारध શરીર અને આહારક અંગાપાય એ બે प्रकृति. श्राहारक शरीर श्रीर श्राहारक अंगी-पाग ये दो प्रकृतिया the two Prakritis viz Ānāraka Śarīra and Ahāraka Angopānga क॰ ग॰ २, १७, —(s)हि त्रि॰ ( - ऋधिन् ) भे। गरनने। અर्था. भोजन का अर्था. (one) desirous of, asking for, food भग । १, —ितित्थयर पुं॰ (-तीर्थंकर) आहा રક શરીર અને તીર્થંકરનામ એ બે પ્રકૃતિ श्राहारक शरीर श्रीर तीर्थकरनाम वे दो प्रकृतिया. the two Prakritis viz Ahāraka Sarīra and Tirthankaranāma " उक्कोसा संखेजा-गुण्हीण भाहारातित्थयरे" क॰ प॰ १, ७८,--(ऽ)त्थि त्रि॰ ( - प्रिथिन् ) અહાरते। અર્थी - থাঙ্-नार, श्राहारका श्रथी, श्राहार चाहने वाला (one) who desires, wants, food. नाया० ४, -- दृब्ववगगणा स्त्री० ( -द्रब्य-वर्गचा) અહારક શરીરમાં ઉપયાગી થાય तेवा पुर्वासने। समुक्ष श्राहारक शरीरमें उप-योगी होमक ऐसे पुहलों का समुह. the material molecules which go to build up the Ahāraka body. भग० १, १; —दु. न० (-द्वि) लुःशे। '' म्राहार–जुगल '' शण्६ देखो '' म्राहार जुगल " शब्द. vide " श्राहार-जुगल " क॰ गं॰ ३, ३; — दुग. न॰ ( -द्विक ) जुओ। '' श्राहार-जुगल '' शण्ह. देखां " ग्राहार-जुगल " शब्द. vide " ग्राहार-जुगल "क॰ प० १, ७३; क॰ गं॰ २, ३, ३, १६; —पचक्खाणः न० (-प्रत्याख्यान) આહાર–ખાન પાનના ત્યાગ, ઉપવાસ સથારા वरेरे. श्राहार-खान पान का त्यागः उपवास. संधारा आदि giving up food, drink etc : a fast " श्राहारपचक्लागेण भते जीवे कि जणयइ " उत्त० २६, ३५, -- पजात्ति . स्रं · ( -पर्याप्ति ) के शित्यी આહાર લઇ ને શરીર રૂપે પરિણામ પમાડી शशय ते शिकतनी पूर्णता जिस शिक्त से श्राहार ग्रहण कर उसका शरीर रूप परिणाम उत्पन्न किया जा सके उस शक्तिकी प्र्णेता. the perfect development of the power of assimilating food into the physical body. भग० ३, १, ६, ४; प्रव० १३३१; — पो-सह. पुं० (-पोपध) એક અહોરાત્ર સુધી यारे आહारना त्याग धरवा ते एक ब्रहोरात्र तक चारो प्रकार के प्राहार का त्याग करना. giving up food of every kind for the space of a day and a night. पंचा॰ १०, १४, —(s)ब्भवहार. पुं॰ ( -श्रभ्यवहार ) आढ़ा२ ( लालन ) **કરવા; ખા**લુ ते. ब्राहार ( भाजन ) करना; खाना taking food; eating. विशे॰ २२१, -- भाव पुं॰ (-भाव) આહારના साव. श्राहार का भाव state of being food. भग॰ १८, १; —माइय. ति॰

( - ग्रादिक ) यार ज्याना आहार; आहार आहि. चार प्रकार का श्राहार. food etc.; food of four kinds viz solid, liquid etc. दम॰ =, २=; - वक्कंति. ह्यां । - व्युत्काति ) आतारने छाडी हेवा-तक्वी ते आहार का त्याग करना giving up food नाया॰ =; —संपन्तगाः न॰ ( -संपत्ति ) आढारनी संपत् -रसने उत्पन्न **३२**नार; भीक्ष; अवश्. श्राहार के रस की उत्पन्न करनेवालाः नमक. salt, (so called because it imparts taste to food ). " श्राहार संपरजण वज्जोणं" स्य॰ १, ७, १२; —सग्गा, स्त्री॰ (-संज्ञा) આહાર લેતાની સંતા-ઈચ્છા. श्राहार लेनेकी संजा-इच्छा. desire of taking food. " चढिंह ठाणेहि श्राहारसग्गा ससुप्पज्जइ" ठा० ४,४; पन्न० ८; भग० ७, ८; १२, ५; २०, ७; २४, १; —सग्रोवउत्त त्रि॰ ( -संजोपयुक्त ) आहारनी संज्ञावादा. श्राहारकी संज्ञावाला. (one) having desire of taking food. भग० ११ १; १३, १; २६, १; —सन्ना र्छा॰ (-सज्ञा) यार संज्ञामांनी ओक्टः भावानी वासनाः चार संज्ञाश्रो में से एकः खाने की वासना. one of the four Sañjñās or animate feelings; viz desire for food श्राव॰ ४, ७, —समुग्घाय पुं॰ (-समुद्घात) आहारः શરીર "તાવવાની વખતે છવપ્રદેશનું ઉદારિક સરીરથી ખ્હાર નીકાલવું અને, પ્રકૃત પ્રકૃતિનું . भागवटे। **५री निर्જ**रवं ते. श्राहारक शरीर थनाते समय जीव प्रदेशी का श्रीदारिक शरीर से वाहिर निकालना श्रीर प्रकृत कर्म प्रकृतियों का उपभोग करके फिर उसकी निर्जरा करना. emanation of soul particles from the physical body at the time of the creation of the Ahāraka body, and the decay of Karmic matter after its results have been endured by the soul. 440 €;

न्नाहारइत्तार त्रि॰ ( श्राहर्नु ) आढ़ार ४२-नारः भानार. श्राहार करनेवाना; गानेवाला. ( One ) who eats. सम॰ ६;

श्राहारथ्योः य॰ (ग्राहारतमः) भाराह आ-श्रीन भोजन का श्राश्रय करके. From food, on account of food. "ग्राहा-रश्रो पंचकवज्ञरोग " स्य॰ १, ७, १२;

त्राहारगः न॰ ( श्राहारक-चतुर्दशपूर्वविदाऽऽ-न्हियते गृह्यते इत्याहारकम् ) आह्यार शरीर पाय शरीरमांनुं त्रीलं शरीर. श्राहारक शरीर: पांच शरीर में का तोसरा शरीर. The 3rd of the 5 kinds of body; प्रव॰ ६४; ७००; क० गं॰ १, ३३; भान वर्शेरे धरनार. श्राहार करनेवाला; खान-पान करनेवाला. (one) who eats. श्राया॰ १, १, ४, ४६; भग० ६, ४; ८, २; (૩) આહારક શરીરની લબ્ધિવાલા સાધુ. श्राहारक शरीर की लिब्धवाला साधु an ascetic who has got the power of evolving the Ahāraka Šarīra. प्रव॰ ६१७; (४) आहारक समु-હાત: આહારક શરીરમાં આત્માના પ્રદેશ विस्तारवा ते. श्राहारक समुद्धात-अर्थात् श्राहारक शरीर में श्रातमा के प्रदेशों का विस्तार करना. Ahāraka Samudghāta i. e. emanation of soulparticles into the tiny body known as Ahāraka Šarīra. प्रव॰ १३२६; —श्रेगोपांगलाम. न॰ (-ब्रह्मोपाज्ञनाम) नाभःभेनी येड प्रधृति

કે જેના ઉત્યથી આહારક શરીરના અંગે પાંચ याप्त थाय नाम कर्म को एक प्रकृति कि जिसके उदय से आहारक शरीर के श्रंगोपांग प्राप्त ğı. a variety of Nāmakarına by the maturing of which the Ahāraka body develops limbs and sub-limbs क० ग० १. ३४, -- जगल. न॰ ( -युगल ) आहारक शरीर અને આહારક અગાપાગ એ ખે નામકર્મનો भःकृतिनो जोऽ श्राहारक शरीर श्रीर श्राहारक श्रंगोपाग, ये नाम कर्म की दो प्रक्रतियों का जाडा. the pair of the two varieties of Nāmakarma by the rise of which one gets Ahāraka Sarīra and Ahāraka Angopānga. क० गं० ३, ३५. — ए।म न० ( -नामन् ) केना अध्यथी आहारक शरीर મલે એવી નામ કર્મની એક પ્રકૃતિ जिसक उद्य में आहारक शरीर प्राप्त हो ऐसी नाम-की एक प्रकृति. a variety of Nāmskarma by the rise of which one gets the Aharaka Sarīra क॰ गं॰ ४, ५८: — दुग न॰ (-हिक) अथे। 'श्राहारम जुगल' शण्ह देखे। " श्राहारम जुगल " शब्द. vide '' त्राहारम जुगत '' क॰ मं० ४, ४८; -मीसग. पुं॰ ( -मिश्रक ) लुओ। " त्राहारगर्मामा "शफ्द. देयो " स्राहारग-मासा " शब्द vide " श्राहारगमीमा " भग० २४. १ -- मीसा स्त्री० (- र्भमश्रा= મિશ્ર ) આહારક મિશ્રયાેગ આહારક શરીર **બનાવતી વખતે કે છે**હતી વખતે ઉદારિક આદિ શરીરનો સાથે મિશ્રન થાય ને વળત-ने। ये।ग–शारीिक व्यापारः श्राहारक मिश्र∙ योग, त्राहारक शरीर बनाने या छोडते समय श्रीदारिक आदि शरीर के साथ मिश्रमा है। Y 11/16

उस समय का योग-शारीरिक व्यापार. the process of the Aharaka body being mixed with the physical hody at the time of the formation of the former hody or its dispersion. भग॰ =, १: २५, १; —लद्धिः स्त्री॰ ( -लिब्धि ) આહારક શરીર ખનાવવાની લબ્ધિ-શક્તિ. ब्राहारक शरीर बनाने की लव्धि-शक्ति the power of making Ahāiaka body সৰু -- च्यागा स्री० ( -वर्गगा. ) आहार : શરીરની રચનામા ઉપયાગી થાય તેવા પ્રદેશલ ने। अथे। आहारक शरीर की रचना मे उपयोगी हो ऐसे पुद्गली का समृह. the molecules of matter which go to build up the Aharaka body क ग० १, १६ —विज्ञिय त्रि॰ ( -वर्जित ) आहारक समुद्धान शिषायनु-याहारक समुद्धात के व्यतिरिक्त excepting on excluding Ahāraka Samudghāta, प्रव० १३२६; —समुग्धाय पुं० ( -समुद्रधात ) आदारक शरीर अनाववा માટે આત્માના પ્રદેશ શરીરથી બહાર કાઢ-या ते. श्राहारक शरीर बनान के लिये श्रात्मा के प्रदेश शरीर में बाहिर निकालना. emanation of the soul-particles from the body in order to create the Ahāraka body, 210 ७. भग० १३, ह

श्राहारमसरीर. न॰ ( श्राहारकशरीर )

ग्याहारक शरीर. श्रीहारक शरीर. Aharaka body. मा॰ ६, ४: ८, १:

--कायपश्रीम पु॰ (-कायप्रयोग)

ग्याहारक शरीर रथीने ने शरीरथी प्रवृत्ति

क्रियी ने. आहारक शरीर्नी व्यापार श्राहा

रक शरीर की रचना करके उसी शरीर से प्रश्नात्त करना; श्राहारक शरीर का न्यापार creating an Ahāraka body and acting with it भग० द, १; —स्रीरि ति॰ (-शरीरिन्) आढारक शरीरवाली जीव (a soul) with an Ahāraka body. ठा॰ ६, १, जीवा॰ १०; —पश्रीगवंध पुं॰ (-प्रयोगवन्ध) आढारक शरीर की रचना करना. creating an Ahāraka. body भग० द, ६;

श्राहारगसरीरत्ता स्त्री० ( श्राहारकशरी-रता ) आक्षा२५ शरी२५७ म्राहारक शरीर पन. State of being an Ahāraka body. भग० २४, २,

श्राहारण न० ( उदाहरण ) ६९। त द्यात An illustration विशेष २३४; १८०७ श्राहारत्ताः स्त्रीष्ट ( श्राहारता ) आढारते। भाव श्राहार का भाव State of being food भग० १८ ७,

श्राहारपरिएए। स्रं ( श्राहारपरिज्ञा )
भूयगडाग स्त्रता जीन्त श्रुतरहंधना त्रीन्त
अध्ययनतुं नाम हे निभा सर्व छवाती
हित्पत्ति हेवी रीते थाय अने आहार हेवी
हीते हथेछे तेनुं वर्जन छे स्यगडांग स्त्र क
इसरे-श्रुतस्तंत्र के तीमरे अध्याय का नाम
जिममे कि मर्व जीवां की उत्पत्ति किम प्रकार
होती है और वे किम प्रकार श्राहार प्रहरण
करते है उमका वर्णन है Name of the
third chapter of the second
Srutaskandha of Suyagadāṅga
Sūtra dealing with the creation of sentient beings and
their modes of taking food
स्य० २ ३, ३० सम० २३ ठा० ७,

श्राहारभ्यः त्रि॰ (श्राधारभूत) आधार भूतः Forming a support नाया॰ १;

श्राहारय. न॰ (श्राहारक) प्रशर्शिकांनुं એક શરીર કે જે ૧૪ પૂર્વધારી લબ્ધિન વાલા સાધુ વનાવી શકે કેાઇ વાતના સંદેહનુ નિવારણ કરવાને તે સાધુ એક આહારક શરીરનું પુતલુ ળનાવી મહાવિદેહમાં કેવલી પાસે માેકલે છે ને પાછું આવતાં તેને સંકેલી थे**छे ते. पांच शरीरों में** का एक शरीर जिसे कि नौदह पूर्व धारी लव्धियाला साधु, बना सकता है उक्त शक्ति संपन्न साधु को जब कोई संदेह उत्पन्न होता है तब उस संदेह का निवारण करने के लिये इस शरीर की वह रचना करता है और उसे महाविदेह मे केवली के पास भेजता है ग्रोर उसके पीछे श्राजाने पर फिर श्रापने शरीर में मिला लेता है. One of the five hodies which can be created by a saint read in 14 Pūrvas With this body which is tiny, he can go to Mahavideha and get his doubts solved by Kevalis. It can afterwards be dispersed. पञ्च० १२; सग० १, ७ ६,३;७, ५;९६, १, २४, १; ६, विशे ० ३७४ मम ० प० २१६ का गा १. ३७;

श्राहारचंत पु॰ ( श्रवधारणायत् ) के धारे ते १६ तेवा जा भारे वंडी कहे ऐसा One who says what he has retained in inind or remembered ठा॰ = १ भग॰ २४. ७,

स्राहारित जि॰ ( घाहारित ) आहार अटल् ५रेल स्राहार प्रहण किया हुआ. ( One ) who has taken food तंडु॰ स्राहारितार जि॰ ( स्राहारियत् ) आहार

કરનાર. আहार ग्रहण करनेवाला ( One ) who takes food. ( ২ ) এওড় કરનાર. ग्रहण करनेवाला ( one ) who takes दमा॰ ३, १६:

आहारिम. त्रि॰ ( म्राहार्य ) पाणी साथे Gतारवा ये। २५; भाद्य-आंषध-शूर्ण वगेरे पानी के साथ खाने योग्य; श्रीपिध, चूर्ण यंगरह. (anything e. g. food, medicine, powder etc.) to be swallowed with water. पि॰ नि॰

स्राहारिय. त्रि० ( स्राहारित ) ला शिक्ष " स्राहारित " शण्ड देखें। " स्राहारित " शब्द. Vide. " स्राहारित " नाया ० २: प. १६: १८: १६: भग० १४, १: मय० २ ६, ३४:

श्राहारियं. श्रन्न (यथाडऽयंम् ) आर्थने घटे तेवी रीते: केथी आर्थ पाउं प्राप्त थाय तेनी रीते जिससे श्रार्थत्व प्राप्त हो, इस प्रकार In a manner worthy of a civilised person. श्रायान २, ३, १, ११६;

श्राहारिस्समाण त्रि॰ ( स्त्राहारिष्यमाण-श्राहरिष्यत् ) भिष्ण अस्त्रा अस्त्रार अस्त्र ३२-पाने। भिषण्य काल में श्राहार करने वाला. (One) who is to take food in future; going to take food in future. नग॰ १, १;

आहारुद्देसम् पुं॰ ( स्राहारोद्देशक )
" पत्रविधा " सूत्रता अथम उद्देश का नाम.
' पत्तविषा " सूत्र के प्रथम उद्देश का नाम.
Name of the first chapter of
Pannavanā Sūtra भग॰ १ १:
आहारेनार. ति॰ ( स्राहर्त्त ) आक्षार धरतार.
स्राहार वस्तेवाला ( One ) who takes
food, गम॰ ३०

श्राहारेयव्य. त्रि॰ (श्राहर्तव्य) आहार १२वा साथ । श्राहार करने लायक Worthy of being eaten ठा॰ ३: श्राहालंदिश्र पु॰ (यथालन्दिक) ઉत्कृष्ट आयारी ओ । प्रशासना कैन साधु । उत्कृष्ट श्राचार पालनेवाला एक प्रकार का जैन साधु A class of Jama saints with excellent ascetic conduct. चड॰ ३३,

श्राहावणा. स्त्री॰ ( श्राभावना ) ધારણा સંકલ્પ; ઉદેશ. धारणा; मंकल्प; उद्देश्य. Thought, keeping, retention, of things in the mind पि॰ नि॰ ३६१,

स्राहासिय . पुं॰ ( स्राभामिक ) એ नामने।
ओ अन्तर्धी प इस नाम का एक स्रन्तर्द्धीप
Name of an Antara Dvipa
(island). ( २ ) त्रि॰ तेमां वसनार
भनुष्य. उक्त द्वीप में वसनेवाला मनुष्य
an inhabitant of the above
island पन्न॰ 3:

म्राहिश्च. त्रि॰ ( म्राहृत ) आदरथी अहस् धरेस. त्रादर में प्रहण किया हुआ Respectfully accepted. जं॰ प॰ २, १८, विशे॰ ३६३.

न्नाहिन्निगि पु॰ ( श्राहिताग्नि ) अग्तिने भ्यापत १२तार धाम्द्रश्, अग्तिहोत्री श्रिमकी स्थापना करनेवाला बाम्हण, श्रिमि होत्री A Brāhmana consecrating or preserving the sacred domestic fire. दस॰ ६, ३, १, ११;

√ श्राहिंड. था॰ I (श्रा+हिएड्) ३२५ं; लभवं, भुसाइरी ६२वी लटक्कं फिरना, भटकना; यात्रा करना To walk, to 100m; to travel श्राहिस्ट, नाया- १: श्चाहिंदसि. नाया० ८; श्चाहिंदहः नाया० ८, १७; श्चाहिंदेहि. श्चा० नाया० ८, श्चाहिंदेहः नाया० १४; श्चाहिंदिकणः सथा० ७६; श्चाहिंदमाण नाया० १, विवा० ३:

श्राहिंडग्र. पु॰ (ग्राहिएडक) भ्रमण्शीय, भृसाः अमणशील, मुमाफिर. (One) who wanders, a traveller. ग्रोघ॰ नि॰ ११५,

त्राहिंडग पुं॰ ( स्राहिगडक ) लुओ। ઉपसे। शण्ह देखां ऊपरका शब्द Vide above " उवएम श्रगुवएमा दुविहा स्राहिटगा समासेग् " श्रोव॰ वव॰

स्राहिडिस्र त्रि॰ ( .स्राहिषिडत ) भे। अंक्षेत्र भेजा हुस्रा Sent, despatched र्ष० नि॰ ४२७,

श्राहिक न॰ ( স্থাদিক্য ) अधिक्षपण्, विशेष पण्, श्रविकत्ताः विशेषता Excess. state of being more विशेष २००७:

स्राहिगराणिया स्रा॰ ( स्राधिकराणिकी )
त्व, ७५५, ५५२, ५५२ अधिकरण्
मेनववाथी बागती द्विता हक, उत्त्वल
यह्ग स्रादि से होता हुई किया, ऐसा
स्राधिकरण् जिसमे स्रात्मा दुगीन मे जाय
()perations of agricultural
tools which lead a soul to spiritual degradation हा॰ २, ३

न्नाहित्ता स॰ कु॰ त्र॰ (न्नाधाय) क्षक्षमा क्षित जन में लेकर. Having paid attention to having taken into consideration पि॰ नि॰ ६७

ষ্মাहिय त्रि॰ ( প্রাচ্যার ) કહેલુ, પ્રતિપાદન ક<sup>3</sup>લુ कहा हुम्रा प्रातेपादन किया हुन्रा Told, said, described उत्त॰ २४. १: २६, ४; ३३; ३०, १३; २४: स्य० १, १, १; ७; ६; ७० ५० २. १६;

श्चाहिय त्रि॰ (श्राहत ) धरेक्ष; आगक्ष भृष्टेक्ष. रसा हथा; श्चागे रखा हथा. Kept; placed before. स्य॰ नि॰ १, १०, १०६,

श्राहिय विसेसत्त. न॰ ( श्राहितविशेषन्व ) सत्य वयनने। એક અतीशय-अर्भुत शक्तिः मन्य वचनका एक श्रातिशय-श्रद्भुत शक्तिः A super-natural manifestation of truthfulness in speech. सम॰ श्राहुश्र-यः त्रि॰ (श्राहृत) भेक्षावेक बुलाया

हुया. Called, invoked. सु॰ च॰ १, २=०; श्राहुइ. व्हां० ( श्राहुति ) अधिनभां घी, तस,

म्राहुइ. स्वां ( श्राहुति ) अधिनमां घी, तस, जब वगेरे है। भवा ते श्रिप्त में घी, तिल, जब वगेरह का होम करना Offering oblation consisting of ghee, harley etc to fire पिं नि ४४०;

√ ऋा-हुरा धा॰ I (श्रा+५) १ ५५ं. हिलना. कपना. To shake

त्राहुश्चिज्जमाण. क॰ या॰ व॰ कृ॰ नाया॰ ६; त्र्याहुश्चिज्ज त्रि॰ ( श्राह्मानीय ) आ॰कान ५२वा थे। या. कामवा थे। या हवन करने योग्य. Worthy of hemy invoked or offered as oblation. श्रोव॰नाया॰ १.

श्राहुशिय पु॰ (श्राधुनिक) ८८ अटभानी पुनी अट == प्रहों में का प्रवा प्रहः The 5th of the 88 planets '' टो श्राहुशिश्रा'' ठा० २,३: ज० प० ३. ५४: मु० प० २०;

श्चाहेड हे॰ कु॰ ग्र॰ (ग्राधातुम्) धार्थ ४२पाने धारण करने के लिये. In order to place or retain स्य॰ १, ६, ४.

त्र्याहेरा न॰ ( ग्राह्मन ) विवाह थाय पछी वरने त्या क्रन्याने तेहुं क्ष्री क्रमाडे ते. विवाह होजाने के पश्चान् वर के यहाँ कन्या को वृता-कर जिमाना-भोजन कराना An invitation to the bride to dine at the bridegioom's house after marriage आया॰ २, १, ४, २२,

স্মান্ট্য সি॰ ( স্মাध্य ) আধাৰম। বউৰা থাত্য বহনু, স্মাধাৰ্য में रहने योग्य বহনু ( Anything ) contained or fit to be contained in another thing, বিহাও ২২%, ১४০২.

श्राहेरी स्त्री॰ (श्राभीरी) आहिरखु; सरवा-ડखु; गावाडखु श्रदीरनी; ग्वातिनी An Ahīra or shepherd's woman विभे॰ १४४४;

ग्राहेबच. न॰ (ग्राधिपत्य) अधिपतिपात्रं, नायक्षपांक्षं, स्वाभीपांक्षं ग्राधिपतित्वः नायक-पन स्वामित्व. Ownership; lordship: leadership. ग्रोव॰ ३२: सम॰ ७८. निर० ४, १, विचा० ७: नाया० १ ३: ४; १=: नाया० थ० पञ्च० २, जीवा० ३, ४ भग० ३, = १३, ६, १=, २, १०, ज० प० ४, ११४. ठा० ६: कम्प० २, १३.

आहेवरा. न॰ ( आचेपग ) शहेरते घेरे। धा-अवी-धापा भारवा ते नगर पर आक्रमण कर घरा डालना. Besieging a town; invading a town परह॰ १, २:

आहोइया ति॰ ( त्राभोगिक ) जानने। ॐ ४ ४४१२ ज्ञान का प्रकार A variety of knowledge. ' त्राहोइएएं गाग-उंम-ऐंग अप्पणोगिक्कमण कालंग्राभोगुइ, श्रा-भोइना '' काप० ५ १०६;

आहोहिय-आ पुं॰ (आघोऽवधिक) नियमित लेत्रमा रहेनाइ अवधिज्ञान निर्मामत जेन्न मे रहनेवाला अवधिज्ञान Avadhijñāna lunited to a particular area. मग॰ १ ४.७ ७: १८, १८,

## ह.

√ इ. धा० ि ( इस् ) अतुं, अति ध्र्यी जाना; गति करना. To go, to move इति सु० च० ३, १२; इतु पि० नि० ४४७. इत्तर् हे० कु० कप्प०९, २६; इत. व० कु० भग० १४, ३, पि० नि० २६२ इजात. व० कु० दम० ६, २, ४.

ड प्र॰ (ड) भारभूरण वाक्याल कार पाद-पूरण, वाक्यालकार An expletive; a word marking the close of a remark or sentence (२) सभाभि इति के प्रथ में समाप्ति में thus m this way पत्त १७, नाया० १, ८, १४ वय० १, ५;

इन्स्र नि॰ (इत ) प्राप्त थयेथ. स्थित २ हेथ. प्राप्त. स्थित Acquired, got, 1emaining steady. निशे ॰ ३५१, उसा ॰ ६, ३१: (२) गयेथ गया हवा. gone. departed "समिय उदाहु" स्य ॰ १, ६,४,

इञ्चर. त्रि॰ (इतर) भीलुं; अपर द्मरा, अन्य Another else क॰ ग॰ १, ३७ ४,३; — तुझ त्रि॰ (-तुल्य) भील केंपु: अन्य सरभुं. श्रीराकामा like another; resembling another.

इश्चरहा. न॰ ( इतरथा ) अन्यथा. श्रन्यथा. In another way; otherwise. क॰ गं॰ १, ६०;

इष्ट. श्र० ( इति ) अभ; ओवी रीते. इस प्रकार; इस तरह. In that way or manner. उत्त० २, २६; सम० ३३; दस० ६, २; (२) रूप प्रदर्शन; इंछ निर्देश इरी अता-पत्रं. कुछ निर्देश करके वताना, रूप प्रदर्शन. a word used to point out anything. भग० १, १; १, ७; श्रोव० नाया० १; क० प० ५, १९; पंचा० ६, ६;

इन्नो. य० (इतः) अधिनी; आजन्भी यहां से: इस जन्म में From this place; from this birth or state of existence 'इस्रो चृतेषु दुइमहु-दुगां' स्य० १, १०. श्राया० १, १, १, १; श्रोव० ३८. विवा० ४० पगह० १, १; पि० नि० २२३, नाया० १ ७ ८ १७० मग० १४, १. २०, ६.

इंखिशिया स्त्री॰ ( ) निन्हा निदा Censure or slander " स्रदुइंग्वि-शिया उपाविया " स्य॰ १. २, २, २. इंखिशी स्त्री॰ (इग्विशी) निन्हा निन्दा. Censure; slander " ऋह मेयकरी श्रनेंसि डांखिणी" स्य० १, २, २, १;

इंगालः पुं॰ (श्रहार) अंगारी; है। असी; धुंवाडा २६८त अनित. अगारा; धुंत्रा रहित श्रामि. A burning charcoal; fire free from smoke. ग्रांव॰ ३६; उत्त॰ ३६: १०६; ठा० ४, ३; सग्र० १; ४, १, ७: जं० प० ७, १७०; दस० ४, १: ९; ८, पः अगुत्त० ३, १; पि० नि० ५४६; जीवा० १; ३; पन ० ५: नाया० १: भग ० ३, २: ५, २: १०, ४ १५, १: श्रायान २, १०. १६६; उवा० १, ८१: पंचा० १३, ४८: ( ર ) કાયલાની માકક સંયમને કાલા કરુ નાર એક પ્રકારના આતારના દાપ, હોયને के समान संयम् की काला करनेवाला एक प्रकार का श्राहार का. दोष. a fault connected with food, tarnishing self-restraint or asceticism like coal. વિં∘ નિ∘ ૧; (ર) અંગાર નામના એક अ&. यंगार नाम का एक प्रह. a planet of this name. भग॰ १०. — उवय. त्रि॰ ( -उपम ) अंगारी केवा: हेवता केवा. श्रंगारे के समान ज्वलंत; श्रगार के सद्या दिदि प्रमान होने से देव समान. anything ) like burning charcoal; red-hot. 310 8 --कडिगी सं (-कपेगी ) डेायसाने लिंद्रभाधी काढवाना क्षेत्रहाना सक्षीकी कायने का भट्टो में से निकालने का लोहे का सरिया an iron rod to take out coal from an oven or kiln. भग । १६. १: -कम्म. न० ( -कमन् ) देश्यक्षा धनाववा अते वेथवाती व्यापार कांग्रला बनाने आंग

<sup>&#</sup>x27;जुर्गे। पृष्ट नम्भर १४नी प्रुटनेट ( \* ), देखो पृष्ट नंबर १४की फूटनोट ( - ). Vide foot-note ( - ) page 15th

वेचने का न्यापार. business of pieparing and trading in coal भग०८, ५; उवा०१, ५१, —कारियाः स्त्री॰ ( कारिका-श्रंगारान् करोतीत्यंक्षार-कारिका ) अगडी सिगडी. a portable grate or fire-basket. " इंगालका-रिएस भंते अगिसकाए केवइयं काल संचि-हइ " मग० १६, १; —दाह ( -टाह-ग्रङ्गारान् दहतीत्यङ्गार दाहः ) शंगारा पाऽवानी क्रभा श्रंगारा करने की जगह. a place where fuel is converted into coal निसी॰ ३, ७४: **—सगडिया** स्त्री॰ ( -शकटिका ) अंगारा पाऽवानी सगरी श्रमारा दहकाने की सिगड़ी. a portable grate in which fuel is converted into burning charcoal. भग० २, १; —सोव्लिय त्रि॰ (-श्रुल्य) अंगारा अपर पहावेशु. श्रंगारों पर पकाया हुआ cooked, baked upon burning charcoal " इंगालमोहिलय मिव कंद्सोहिलयमिव " भग० ११. ६:

इंगालग्र पु॰ (ग्रङ्गारक) ये नाभना ये। अक्ष. भंगल इस नाम का एक ग्रह; मङ्गल. The planet Mars. स्य॰ २०; भग०३, ७:

डंगालगः पुं॰ (श्रहारक) भंगस ग्रह मंगल नाम का ग्रह The planet Mars. छा॰ २, ३;

इंगालभूय ति० ( श्रहारभूत ) ध्रेयक्षा-अंगा-गती सभान अगारे के सामान. ( Anything ) like a burning charcoal. मग० ३, १ ५ ६ ३, ६; ज० प० २. ३६.

हंगालचार्डिमय पुं॰ ( श्रद्वारावतंसक ) अगारक्ष नाभे अक्षना विभाननु नाभ. ग्रंगा-

रक नाम के ग्रहका विमान. Name of the heavenly abode of a planet named Angāraka भग० १०, ४; इंगिश्र-य. न॰ (इद्गित ) भने। लावः क्राः વવાની નિશાની: ઇસારા: આંખ વગેરેની सालिप्राय येष्टा मनो भावः संकेतः इषासा. Internal thought; significant gesture of the eye etc " डांगिया गार संपन्ने " उत्त० १, २: ३२, १४, श्रोव० ३३; दस० ६, ३.१ पि० नि० ४७८. विशे ० ६, ३३: भग ० ६, ३३; नाया० १: ज॰ प॰ ३, ५३, — श्रागारः पु॰ ( - श्राकार ) भने। साव ज्रावानी निशानी. मनोभाव प्रगट करने का चिन्ह, इशास. internal thought: a significant gesture उत्त॰ १, २: — श्रागारसंपराणः त्रि॰ ( श्राकारसंपज ) ઇંગિત અને આકાર જાણવાની સંપત્તિવાલા इंगित और आकार जानने की संपत्तिवाला. one who has the power of knowing internal thoughts and out-ward gestures indicating them " इंगियागारसंपरणों से वि-गीपृति बुचइ 'उत्त॰ १, २; -- सर्ग पुं० न॰ (-मरण) लुग्ने। " इंगिणी मरण ' थण्ड. देखी " इगिणी मरण " शब्ह. vide : इंगिगी मरगा '' सम ० इंगिगी. स्री॰ ( श्इंगिनी-श्रुतविहितकिया-विशेष. इंग्यते प्रतिनियतदेश एव चेष्टयते-

नेग्गी. स्री॰ ( क्ट्रांगिनी-ध्रुतिहितिक्रिया-विशेष. इंग्यते प्रतिनियतदेश एव चेष्टयते-ऽस्यामनशनिकयायामितीक्तिनी ) शास्त्रभा ४७९६ ७६मा २६ वेपायन्थ ४२१०था विना संथारे। ४२वे। ते शास्त्र में कही हुई हदमें रहकर चैयावृत्य कराये विना संथारा करना Performing Santharo confining oneself within the limits of space prescribed by Sastras

and not receiving any service from others. भत्ति ६; प्रव० १०३१; सम॰ १७; --मरण. न॰ (-मरण) સંથારા કરી વૈયાવચ્ચ કરાવ્યા વિના ઇંગિત-નિયમિત પ્રદેશની હૃદમાં રહી સમાધિ મરણ इस्तु ते. संथारा करके वैयावृत्य विना कराये नियमित प्रदेश की हद में रहकर समाधि मरण करना. death in a state of meditation by the practice of Santharo in a defined area of space fixed by Sastras and without receiving any service सम० १७, प्रव० १०३१; ठा० २; संधा० इंद पु॰ (इन्द्र-इन्द्रनीति इन्द्र. ) श्रेष्ट श्रेष्ठ. One who recellent Ho To Zo: (२) धंद्र, देवतानी शक्त, पुरन्द्रश हन्द्र, देवी का राजा the god Indra. the king of gods. पि॰ नि॰ १३३. नं०प० ३,४५: सग० ३, १, ७, ६, विशे० ३२५. नाया० ६; नाया० घ०३ नदी० २२, श्रोव० मम० १९., पन० २ श्राणुजी० २० ठा० ४, दस० ६, १, १४० पंचा० ४, ८८. (૩) જ્યેષ્ટા નક્ષત્રના અધિપનિ हेवता ज्येष्ठा नत्तत्र का अधिपति देव the presiding deity of the Ayestha constellation अणुजी॰ १३१, स०प० १, ठा० २, ३:(४) એ નામના એક દ્વીપ અને એક સમદ્ર टस नाम वा एक हीप श्रीर एक समुद्र an island of that name, also an ocean of that name. जीवा॰ <sup>३.</sup> ८. पन्न० १५. — श्रिभेमय पु० ( - प्रभिषेक ) अयोल देवने। राज्याभिषेड स्यान देव का राज्यानिषक the coronation ceremony of the Süryäbha god संयर ११६ - आहिट्टिय

त्रि॰ (-म्राधिष्टित ) धंदने व्याधिष्ठत. इन्द्राधिष्ठित; इन्द्र के श्रिधिष्ठित. presided over by Indra. " इंदाहिद्विया " भग० ३, ६; ठा० १०; -- प्रहीरा. त्रि॰ ( - શ્રધીન ) ઇંદ્રને વશ: ઇંદ્રને આધીન. इन्द्र के आधीन dependent upon Indra, under the power of Indra. भग ३, १; — श्रही एक जा. न० ( - श्रधीनकार्य ) धन्द्राधीन धर्य-धाम. इन्द्र के आधीन कार्य, a work under the control of Indra भग । 3. 3: — হ্যান্তह. ৭০ ( - প্লায়ুঘ ) গ্রহনু আধুঘ; पण. इन्द्र का शस्त्र-वज्र. the weapon of Indra: Indra's thunderbolt. नाया॰ १; — केंड. पुं॰ ( - केंतु ) धन्द्र યષ્ટિ, ઇન્દ્રમહાત્સેવમાં ખનાવેલ સ્થંભ इन्द्र यष्टि; इन्द्रमहीत्सव में बनाया हुआ स्तम a post erected in the celebration of Indra's festival. पगह० १, ४; -- गह. पुं० ( - ग्रह ) વ્યન્તર દેવના ઉપદ્રવથી થતા રાગ; વલગાડ ब्यंतर देव के उपद्रव में होना हुआ रोग a disease caused by the evil influence of hell-gods, being possessed by hell-gods भग॰ ३, ७, जांबा० ३. ३, (२) अह विशेष ग्रह विशेष. name of a planet. जीवा॰ ३. 3, —इस्तयः पुं॰ ( -ध्वज -शेपध्वजापे-त्त्रयाऽनिमहत्वादिन्द्रश्चामा ध्वजश्चेन्द्रध्वजः ) ઇન્ડ ધ્વજ, ખીજી ધ્વજાની અપેક્ષાએ માેડી ध्यवत इन्द्र ध्वजाः दूसरी ध्वजा की श्रपेना में बड़ा जा a banner taller than all the other banners ' इददमत्री. पुरश्रो गच्छह ' सम० ३४, प्रव० ४५९. ---हारा न॰ ( -स्थान ) धन्द्रथंल. धन्द्र-इन्द्र म्तेम इन्द्रध्वज a post

erected in honour of Indra; a flag greater than all the rest श्रंत० ६, १४, ( २ ) ઇંડનુ નિવાસ २थान. इन्द्र का निवास स्थान the residence of Indra " इंदट्टाणे-गं भते केवतिय कालं विरहिते " ठा० ६, भग० ८, ८, जीवा० ३; सू० प० १६; —धरा. न॰ (-धनुप) धंऽ धतु<sup>०</sup>४, धायणी. इन्द्र धनुस a rambow. प० श्रमाजी० १६७; भग० --पाडिवया स्री॰ (-प्रतिपत्) साहरवा सही १५ ५७िने। ५३वे। भादपद सुदि पूर्णिमा के बाद की विदिएकम the first day of the dark half of the month of Bhādrapada ठा॰ ४, -मह. पु॰ (- मह) लाइवा भासनी पुनभे थते। धन्द्रभाष्ट्रीतस्य. भादपद मास की पूर्णिमा को होने वाला इन्द्र का उत्सव महात्सव a festival in honour of Indra on the full-moon day of Bhadra-Dad राय० २१७; विवा० १; निसी० १६, १२; श्राया० २, १, २, १२; भग० ६. ३३, नाया० १: --लिट्टि. स्त्री० ( -यष्टि) ઇન્ડ મહાત્સત્રમાં જે સ્તંભ રાપવામાં આવે ते इन्द्र महोत्तव में जो स्तंभ गाडा जाता है वह a post fixed at the time of the celebration of Indra's festival " निव्यत्तमहेव इंदलट्टी विसुक्त संधि यंधणा " नाया० १: भग० ६, ३३;

इदकंत. पुं॰ ( इन्द्रकान्त ) धन्द्रशन्त नामें जो हियान है जेना हियाजोानी स्थिति १७ सागरापमती छे जो हेवता साधा नय मिदिने श्वामाञ्ज्यास से छे, अने १७ दग्तर वर्षे क्षुधा साजे छे. इन्द्रकान्त नामक एक विमान जिसके निवासी देवों की स्थिति ४ 11/17.

१६ सागरोपम की है. ये देव साडे नो मार्च वाट श्वामाछवाम लेते है और १६ हजार वर्षावाद इन्हें लुधा गलती है. Name of a heavenly abode, the gods here live for 19 Sagaropamas and they breathe once in 9½ months and feel hungry once in 19 thousand years. सम॰ १६; इंदकाइय. पुं॰ (इन्द्रकायिक) अध् धिरेय वाली ओड छन, धन्द्रभाप के भारतीन इन्द्रियोवाला एक जीव. इन्द्रगोप के kind of insect of red colour, a kind of three-sensed living being पश्च॰ १;

इंदर्काल पु॰ ( इन्द्रकील—गोपुरात्रयव विशेषः) नगरना द्रशालनी ओड अवयव, ओने आधारे द्रशालना भे डमाड लह रही शडे ते. नगर के दरवाजे का एक अवयव, जिसके आधार से दरवाजे के दो किवाड वंव रहमके वह. A portion of a city -gate; a door-bolt fastening the two doors of a gate "गोम-उक्तमया एंदकीला" राय॰ १०६ भग० ३, २, ओव॰ ठा॰ २,

name of the first disciple of Nemanātha. सम० २४. (४) २० मा भुनिभुत्रत तीर्थं इरना प्रथम गण्धस्तु नाम. २० वें तीर्थं कर मुनिस्त्रत के प्रथम गण्धर का नाम. name of the first Gaṇadhara of the 20th Tirthairkara, Muni Suvrata मम० प० २३३,

इंदर्ज़ील पुं॰ (इन्द्रकील) लुओ। 'इंदर्काल ' शण्द देखों 'इंद्रकील शब्द Vide इंदर्कील ' जीवा॰ ३, ४,

इंद्रा पुं॰ (इन्द्रक) तेधि छिय छव विशेष. तान इन्द्रियोंचाला जीव विशेष. A threesensed living being, a kind of insect उत्त॰ ३६; १३७;

इंद्गोव पु॰ ( इद्गोप ) ध्रशेष, भेभभेषि। परसाह थया पछी हेणाते। ओड सास छवडे।; त्रख् धन्द्रिय पाले। ओड छव इन्द्रगोप, इन्द्रबहुटो वर्षा ऋतु में उत्पन्न होनेवाला एक लाल रंग का जन्तु A kind of insect of red colour springing up in monsoon a three-sensed living being उत्त॰ ३६, १३८, ऋणुनो॰ १२१ पन्न॰ १;

इंदगीय अ-य पुं॰ ( इन्द्रगोपक ) जुओ। उपसे। शण्ह देखो उपर का शब्द. Vide above जीवाण ३, ४, गयण ६३

इंदगोवग प्॰ (इन्द्रगोपक) क्युओ। 'इन्द्रगोव' शण्ट देखी इदगोव' शब्द. Vide 'इन्गोब' नाया॰ १

इंद्रिंग पु॰ (इन्द्राग्नि) विशाला नक्षत्रने। अधिशता देवता विशाला नजन्न का व्याविष्ठाता देव The presiding deity of the constellation Visākhā व्यागुजी॰ १३१ स्॰ प॰ १०, ठा॰ २,३, (२) ३७ भा अहनुं नाभ. ३० वं ब्रहका नाम. name of the 37th constellation. जं॰ प० ५; ठा॰ २,३: मृ० प॰ २०;

इंद्जसा. स्री॰ (इन्द्रयशस्) भाशाय देशना अभ्दर्शकानी राष्ट्री. पांचाल देश के ब्रह्म राजा की राणी. Name of the queen of Brahmarājā of the country of Pāñchāla "इंद्वसु ९ इंद्रजसा २ इट्सिरि ३ चुल्लाणी देवीय" उत्त॰ टा॰ १३;

हंदजालि ति॰ (हन्द्रजालिन्) विविध २२४न। हरी विस्भय पभाउनारः छन्द्रिज्यक्षीये। विविध रचना करके विस्मित करनेवालाः हन्द्रजालिया, जाद्गर A magician. ठा॰ ४ः

इंद्जालिश्च-यः त्रि॰ (इन्द्रजालिक) ध्रीन्धन्त्र अस्य क्ष्यान्यः भेष्या अस्याप्ताः इन्द्र-जान करनेवानाः गोड विद्या बतानेवाना (One) who displays magical tricks विशे १६०७;

इंदनील. पुं॰ (इन्द्रनील ) धन्द्रनीस भागी; नीसभ इन्द्रनील माणिः नीलम A gem so named; a sapphire. श्रीव॰ राय॰ इंदन्त. न॰ (इन्द्रन्व) धन्द्रनुं स्वरूप; धन्द्र-पार्थ. इन्द्र का स्वरूप, इन्द्रपन Power and dignity of Indra; state of being Indra; kingship. उत्त॰ ६. ४४; भग० ३, २,

इंद्**सा.** स्त्री॰ (इन्द्रता) धन्द्रपशुं. इन्द्रपन. State of being Indra; power and dignity of Indra: kingship. नग॰ २४, ६.

इंद्र्स पुं॰ ( इन्द्रवत्त ) धन्द्रध्तः थे।था तीर्थध्येत प्रथम लिक्षा आपनारः इन्द्रदत्तः चोथे नीर्थंकर को पहिले पहिल भिचा देने वाला Name of the man who first gave alms to the fourth Tirthankara. सम॰ २४, (२) १२ मा वासुपुज्य १२ वे तिथंकर के तीसरे पूर्वभव का नाम name of the 3rd previous birth of the 12th Vāsupujya Swāmī सम॰ २४;

इंद्दिएए। पुं॰ (इन्द्रदत्त) ओ नाभना है। टिइ-ग्रन्थना ओड आयार्थ. कोटिकगच्छ के एक श्राचार्य का नाम Name of a preceptor of the Kotika order of saints कप्प॰ =;

इंदनील. पुं॰ (इन्द्रनील ) क्युओ। 'इंद्रणील ' शण्द. देखो 'इन्द्रणील 'शब्द. Vide 'इन्द्रणील 'उत्त॰ ३६, १५'पत्र॰ १;

इंद्रपुर न० (इन्द्रपुर) अे नाभनं ओह नगर एक नगर का नाम. Name of a city. "इहेव जंब्द्रीवे भारहेवामें इंदुर साम नगरें विवा० १०, (२) ओ नाभना ओह साधु हे कीने भाषीपुर नाभना गाभमा नागहन गाधापितओं आहार पाणी पहेरारणां हता. इन्द्रपुर नामक एक साधु जिन्हें मिसपुर नामक प्राम के नागदत्त गाधापितने याहार पानी दिया था. Name of a monk who was given food and water in a village named Manipura by the Gāthāpati named Nāgadatta 'इंद्रपुर प्रस्पागित जाविमदे " निवा० २, ७,

इंद्पुरग. पुं॰ (इन्द्रपुरग) वेसपाध्यिगण्थी नीडिसेन की नामनुं इस. वेसवाडियगण्सी निक्रले हुए कुल का नाम Name of a family which was an offshoot of Vesavadiya Gana. कप्॰ =; इंद्मृइ. पुं॰ (इन्द्रभृति) मदावीर स्वाभीना प्रथम गर्ण्धरः गौतम स्नामी महावीर स्वामी के प्रथम गर्णावर, गौतम स्वामी. The first Ganadhara of Mahā vīra Swāmī भग० १, १: २, ५: श्रोव० ३६; नाया० ६; जं० प० नंदी० २०; सम० १२; २४; उवा० १, ७६; प्रव० ३०८. कप्प० ५, १३३;

इंदभूति. पुं॰ (इन्द्रभृति) જીએ। ઉપલે શળ્દ देखो ऊपर का शब्द Vide above. सम॰ ६२; म्॰ प॰ १;

इंद्मुद्धाभिसित्त पुं॰ (इन्द्रमूर्घाभिषिक्त)
पणवाडीआना सातभा दिवसनुं ( सातभनु) नाभ पखवाडे के सातवें दिन (मप्तमां)
का नाम. The 7th day of a fortnight. "इंद्रमुद्दाभिसित्तेय" यू० प०
१०; जं॰प॰

इंदय पु॰ (इन्द्रक) लुओ 'इंदग' शण्ट. देखो 'इंदग' शब्द Vide 'इंदग' ठा॰ ६;

इंद्यांग्रियः पुं॰ (इन्द्रकनिरय) साथी माटे। नरक्षावांभाः सबये वडा नरकावासाः. The greatest hell. ठा॰ ६,

इंदयाल न॰ (इन्डजाल) ओ नामनी ओक निधा. इन्द्रजाल विद्या Juggling, a kind of lore, magic. सु॰ च॰ ४, १६६;

इंद्याति पुं॰ ( इन्द्रजालिन् ) धन्ऽन्यस विद्याने न्याया इन्द्रजाल विद्या को जानने वाला. A magician; a juggler. सु॰ च॰ १३, ४०,

इंदिसिरी र्छा॰ (इन्द्रश्री) पांथाल हैशनी क्षांपिक्ष नगरना व्यम्द्रस्त राज्यनी ओक्ष राश्री. पाचाल देश के कावित्य नगर के ब्रह्मदत्त राजा की रानी Name of a queen of Brahmadatta, the king of the city of Kāmpilya in the country of Pānchāla. उन॰ दी॰ १३;

इंद्सेगा स्त्री॰ (इन्द्रसेना) धन्द्रसेना नामनी ओड नही डे के भेड़ने उत्तरे रडतवती नहीमां भन्ने छे. इन्द्रसेना नामक एक नदी जो कि मेरु के उत्तर दिशा में रक्तवती नदी में मिलती है. Name of a river which flows into the river Raktavatī in the north of Meru ठा॰ ४, ३; १०:

इंद्रा स्त्री॰ (इन्द्रा) धन्ता नामनी नही है ले भेड्नी छत्तरे रक्ष्यतिनी भन्ने छे. इन्द्रा नामक नदी जो कि मेह की उत्तर दिशा में रक्ष्यती नदी में मिलती है. Name of a river which flows into the river Raktavatī in the north of Meiu. ठा॰ ४, ३; (२) धन्हा नामनी એક हेशी. एक देवी का नाम. Name of a goddess नाया॰ घ॰ ३; (३) धरेखेडनी पांचनी स्त्रा महिणी का नाम. name of the 5th principal queen of Dharanendra. भग॰ ६०. ४;

इंदा. स्त्री॰ (ऐन्ह्री) पृर्व दिशा पूर्व दिशा. The eastern direction सग० ह, १; ठा० १०; तं० प० ४, १३८;

इंदाणी. स्त्री॰ (इंग्हाणी) प्रन्त्राणी; धन्त्रनी अश्रमदिधी. इन्द्राणी; उन्द्रकी पहरानी. The crowned queen of Indra ना॰ ४:

डांदिय न॰ (इदिय) आभ, क्षान, नरह, छल, अने त्यथा के पर्य छिन्द्रिय. च्रॉख, कान, नक्ष, जिन्हा च्रीर त्वचा ये पांच इंदियाँ The five senses viz eye, ear, nose, tongue and skin. विशे॰

६१: पन्न० १५: नाया० १: ४: उत्त० E, ३६; श्रोव॰ १६; दस॰ ४, १, १३; भग० २, १; ४; ६, १; २४ १२; नंदीं० ३; सम० ६; क० गं० १, २०; पचा० १४, ३; (૨) પત્નવણા સુત્રના ૧૫માં પદનું નામ. पन्नवणा के पंद्रहवें पद का नाम. name of the 15th Pada of Pannavanā. पन्न॰ १५; (३) પત્રવણાના ત્રીજ્ય પદના त्रीक्त द्वारनं नाभ. पन्नवणा के तासरे पद के तीसरे हार का नाम. name of the 3rd Dwāra of the 3rd Pada of Pannavanā. पन्न ३: — अन्थ. पुं॰ (-म्रर्थ) श**म्ह, रूप, रस, अध** थाने સ્પર્શ એ પાચ ઇન્દ્રિયના અર્ધ-વિષય. शब्द, रूप, रस, गंध ख्रीर स्पर्श ये पाच इन्द्रियों के अर्थ-विषय. any of the five objects of the senses viz sound, form, taste, smell, and touch. " पंच इंदियत्था पग्णता तजहा " ठा० ५; उत्त० २४; ८; ३१, ७: — ऋत्थकोवण न॰ ( - ऋर्षकोपन ) धाम-વિકાર; ઇન્દ્રિયના વિષયના કાપ થવા તે. कामविकर: डांद्रेय के विषय का कांपित होना. desire for the enjoyment of the objects of the senses. 210 =; —ग्रपङजात्तिः सी॰ ( -ग्रपर्याप्ति ) ध'न्द्रिः યતી અપૂર્ણતા: ઇન્દ્રિય પર્યાપ્તિ ળાંધીને પુરી न ५२१ दे।य ने इंडियकी असम्पूर्णनाः इडिय पर्योप्ति को बांबकर उसे पूर्ण न करना. imperfect development of the senses. भग॰ ६, ४; — उबउत्तः त्रि॰ ( –उपयुक्त ) ४-िऽयना १ ७५ये। गस्हिनः होंद्रियों के उपयोग सहित. (one ) eare. fully controlling the senses. पन्न॰ ३; — डबचय पुं॰ (-उपचय) धन्द्रियते। ७५२४-वृद्धि इंद्रियो की बृद्धि.

the growth of the senses "कइविहेगा भते इंदियउवचय" पन १५: भग॰ २०, ४; —ग्गाम. पु॰ (-प्राम) धन्दियोनी समुहाय. डाइयो का समुदाय the group of the senses. श्राया॰ टां॰ १, ४, ४, १४६- <del>- चउक</del>. न॰ ( -च-तुष्क ) મન અને ચક્ષ શિવાયની ચાર ઇન્દ્રિયા: કાન, નાક, ધ્રાણુ અને સ્પર્શ ઇંદ્રિય चार इन्द्रिया; कान, नाक घ्राण ख्रीर स्पर्श the group of the four senses, viz the senses of hearing smell, taste, and touch क॰गं॰ १, ४, —चल्णाः स्त्री० ( - ५चलना ) धन्द्रियनं यासव इन्द्रियों का चलना. the motion of the senses भग० १७, ३: —जवागेजा नि॰ (-यापनीय) पांशे धन्द्रियोने वश क्षरवी ते. पाचों इान्द्रियो को वश करना controlling all the five senses. भग० १८, १०, नाया० ५; --- जायः न॰ (-जात ) धन्द्रियनी ज्ञात -प्रधार डान्द्रयो की जाति-भेद variety of the senses. वेम॰ ४. १३; —हारा न० ( -स्थान ) धन्द्रियना स्थान-उपाहान क्षार्श-व्याक्षाराहि, इद्वियों के स्थान उपादान कारण-स्माकाशादि. the efficient causes of the senses such ns space etc. सूय० नि० १, १, १, ३३: - शिवत्तशा स्रो० (-निर्वर्तना) धन्द्रियोने निभन्तव री ते इंदियों को उत्पन्न ऋरना the creating of the senses " कतिविदेश भंते इंदिय शिव्यत्तगा" पन्न॰ १५; -निरं।हि. त्रि॰ (निरोधिन्) મન્દ્રિયની લાલસાના નિરાધ કરનાર. इन्द्रिय की लालसा का निरोध करनेवाला (one) who checks the crav. ings of the senses 970 400;

—पज्जन्ति स्त्री॰ (-पर्याप्ति) ध्रन्द्रियनी સ પૂર્ણતા, દુન્દ્રિય પર્યા ળાંધીને પૃત્રી કરવી इन्द्रियों की संपूर्णना, full velopment of the senses भगः ६, ४; -पडिसंलीगता स्रो॰ (-प्रार्तस लीनता ) धन्द्रियाने वश क्रवी ते. डान्द्रयांका वश करना conquest, control over the senses भग० २४, ७. -परि-गाम न० (-परिगाम) ४-८४ रूपे প্রবৃ ধরিজাম । इन्द्रिय मण मे जीव का the modification परिणाम the soul into the form of the senses पन्न० १५: — यता न० ( - यता ) धन्द्रियनी शक्ति इन्द्रियों का शांकि the power of the sensey जीवा॰ ३ -मणोणिमित्तः न॰ ( -मनोनिमित्त ) ચક્ષ વગેરે પાંચ ઇન્ડિય અને મન છે નિમિત્ત केभा भेवं ज्ञान, भतिश्रुत ज्ञान. चत्तु वगरह पांच इन्द्रियो श्रोर मन के निमित्त मे होनेवाला ज्ञानः मतिश्रुत ज्ञान Matiśruta Jñāna: sensitive knowledge, acquired by the five senses and the mind, विशेष ६३: --- मणोभव न० (-मनोभव) धन्द्रिय अने भन्थी अत्पन्न थतुं ज्ञानः इन्द्रिय श्रीर मन से उत्पन्न होनेवाला knowledge born of the senses and the mind विशे॰ हर: —लाद्धि स्रो॰ (-लांच्य ) पाय धंदियनी प्राप्ति. पाच इन्द्रियो की प्राप्ति. 'the attainment of the five senses. भग० ८, २; पन्न० १५: —लद्धिया. स्री० (-लिंडियका) लुओ। ઉपने। शम्ह. देखो जपर का शब्द vide above. भग॰ ८, २; —वसट्ट. त्रि॰ ( -वशार्त्त ) धंदियने વશ થવાથી થયેલ દુખી. इन्द्रिय के वश

होने के कारण से दुः खित. (one) miserable on account of lack of control over the senses. भग॰ १२, २; —विजय पु॰ ( -विजय ) ઇঙ্গিন કાસુમાં રાખવી તે: ઇન્દ્રિયાપર જય મેલવવા તે; तप विशेष इन्द्रियों को वश करना, इन्द्रियों पर विजय प्राप्त करनाः तप विशेषः control over the senses. a kind of austerity. पचा० १६, ३६; — विभात्ते. न्त्री॰ (-विभक्ति) धन्द्रियना विलाग, ओ हेन्द्रिय, भेधिद्रिय वर्गरे इन्द्रियों के विभाग; एकेन्द्रिय वेइन्द्रिय प्रादि. the classification of the senses; e.g. one sense, two senses etc. स्य॰ नि॰ १, ५, १, ६६, — विसय पुं० ( -विपय) धिदियोनी विषय शक्ति. इन्द्रियों की विषय शांकि the power of enjoyment senses. भग॰ ३, ८, —वीरिय न॰ (-वीर्य ) श्रेशत आहि ઇદિયાનુ પાત પાતાના વિષયને શ્રહણ કરવાનં સામ<sup>2</sup>ર્ધ श्रोत्र आदि इन्द्रियों का स्व स्व विषय महरा करने का सामर्थ. the power of the senses e g ear etc. to comprehend then objects स्य॰ नि॰ १, म, ६६;

इंदियडदेस पु॰ ( इन्द्रियोदेश ) पन्नवण्य सूत्रना पन्नभा पन्ना अथम उदेशनु नाम. पन्नवणा म्त्र के पद्रह्वे पद के प्रथम उद्श का नाम. Name of the first Uddeśa of the 15th Pada of Pannavanā Sūtra. भग॰ २, ३.

इंदियउद्देसय पुं॰ (इन्द्रियोद्देशक) जुओ। ६५९। शम्द देखो जगर का शब्द. Vide above. भग॰ १८, ३, २, ४, इंदिय पय न॰ (इन्टियपद) पन्नयणा सूत्र उ १५ मु पद पन्नवणा का १५वा पद The 15th Pada of Pannavanā Sūtra. भग० २, ४; पञ् ० १५;

हंदु. पुं॰ (इन्हु) थन्४; थन्४भाः चन्द्र: चन्द्रमाः The moon. नायार १; १६, भग॰ ६, ३३;

इंदुत्तरविंडसग. पुं॰ ( इन्द्रोत्तरावतंसक )

ओ नाभनुं એક विभान, ओनी श्थित
ओगण्डीस सागरे। भमनी छे. ओ देवना साडा
नव भिंडने श्वासे। श्वास ले छे, ओगण्डीस
ढ़कर वर्षे क्षुधा लागे छे. इम नाम का
विमान, जिसमे रहनेवाले देवों की १६ सागरे।
पम श्रायु है. ये देव साढे नौ महीने वाद
धास लेते हें श्रीर इन्हें १६००० वर्ष वाद
भ्ख लगती है. Name of a heavenly abode; the gods here live
for 19 Sagaropamas and they
breathe once in 9½ months
and feel hungry once in 19
thousand years. सम॰ १६;

इंदुरय. न० ( : इन्दुरक ) भाटे। अडिंश. वड़ा टोपला. A large basket. राय० २००; इंधण न० ( इन्यन ) ध्रीयणु, ध्ययत्थ, ध्याणा वाडडा योरे इन्यन, जलाने की लकड़ी, कड़ा बगरह. Luel consisting of cowdung cakes, wood etc उत्त० १४, १०; ३२, ११, पि० नि० भा० १२; भग० ७, १;

इक्क त्रि॰ ( एक ) એક-स भ्यापायकः एक-संख्यावाचक. The numeral, one. (२) એક્લા: એકાકી; અદ્વિતીય श्रकेला; एकाको, श्रद्धितीय one, alone; matchless श्रद्धाजो० १३१; नंदी० ३४: श्राया० १,५,२,१४८, भग०२,५; नाया० १४; स० च०४, १२४; जं०प०१,१२, इक्क श्र त्रि॰ ( एकक ) એક્લા• એકાકી त्रकेलाः एकाकी Alone; solitary. उत्त० १, १०; ३५, ६;

इकड. न॰ ( ' इकट ) ४५५५- यटा४-साहरी **ખ**નાવવાનું કેામલ ધાસ; હૃદણ સદરા તૃણ विशेष. चटाई बनाने का कोमल घास; तृरा विशेष. A kind of soft grass of which a mattress is made श्रायाव २, २, ३, १००, २, ७, २, १६१. सूय० २, २, ७, भग० २१, ५; पराह० २, ३, ઇકકડની ખતાવેલી ચટાઈ उक्क घास की वनाई हुई चटाई a mattress made of the above grass आया॰ २, २, ર, ૧૦૦, (ર) આનામનુ પર્વગ જાતનું अ। इस नाम का पर्वग जाति का स्ताट a kind of tree पत्र १:

इक्कमिक्क त्रि॰ ( एकेक ) ओक्षेत्र. परस्पर. Taken singly; ( २ ) ५२२५२; ऄंध-**બી**જું, અ-भेान्य. श्रन्योन्य, एक दृसरा mutual. उत्त० १३, ३; सु० च० २, ८१: इक्कवीस स्री॰ (एकविंशति ) २२. ओध्यांस.

वीस अने એક इक्वाम; २१ Twentyone 21 उपा॰ ३१, १५, काप० ٦, २;

इक्सीइ स्री० (एकाशीति ) એકાશી, ८१. इक्यामी Eighty-one: 81. उत्त॰ 3 4, 20,

इक्कार वि॰ ( एकादशन् ) अभीयार, १३. ग्यारह. ११ Eleven: 11 क० ग०६,

इक्कारस. ति॰ ( एकादशन् ) अभीआर. इसने शेक्ष स्वारह, ११ Eleven, 11. सम० ११, दसा० ६, १, २; उत्त० २८, २३; उवा० १०, २७७, क० गं० ६, २०; ज॰प॰ २, ३१; —श्रंग पुं॰ ( -श्रंग ) आयारंगादि ११ अभस्त्र प्राचारांगादि ग्यारह श्रंगप्त्र the 11 Anga

Sūtras e. g. Āchārānga etc. नाया० १४, १८,

इक्कार्समा त्रि॰ ( एकाटणक ) व्याधीयारः खारह Elven, 11 क॰ ग॰ १, ४२: इक्कारसम. त्रि॰ (एकादशम) ११ भी;

अभीआ२भे। गगरहवा. Eleventh,

11th नंदी० ४४:

इक्कारसी. स्त्री० ( एकादशी ) अभीआ२सः पणवाडीआने। ११ मे। दीवस ग्यारस, पत्त का ग्यारहवां दिन The 11th day of a fortnight. विशेष २०८३. प्रवर १४५७; ज० प० २, ३१;

इक्किक्क. ति॰ (एकैक) ओं ३ ओं ५ एक एक. Taken singly. उत्त॰ २८, ८, क॰ गं॰ ४, ७७; — उदय पुं॰ ( - उदय) ओं हे अर्रितिने। उदय. एकेक प्रकृति का उदय the rise or maturity of each Prakuti (Karmic nature) singly. क॰ ग॰ ६, १६;

इक्खाग न० (इक्बाक्) ऋपलहेव स्वाभीनी ऋपभेदेव स्वावी का वंश; इच्नाक् कृल The Iksvāku family; the line of descent of Risabhadeva Swāmī, आया ?. १, २, ११; पत्र० १, भग० ६. ३३, २०, ⊏, त्रमुजं १३१. ठा० ७, १. ६०, उत्त० १८, ३६, श्रोव॰ राय॰ २१८, --कुल. पु॰ (-कुल) जुओ। 'इक्खाग शण्द देखो 'इक्खाग' राज्द vide 'इक्खाग' स्रोव ॰ ---भूमि स्त्री॰ ( -भूमि ) धक्ष्वाद वंश જ્યાં ઉત્પન્ન થયા તે ભૂમિ, અયાધ્યા. इच्त्राकु वंश जहाँ उत्पन्न हुत्रा वह भुमि; त्रयोध्या. the land of the birth of the Iksvāku family; Oudh. कष्प० ७, २०६; --राय पु० (-राजन्) 

में जन्मा हुआ राजा. a king of the Ikṣvāku line. "पडिबुद्धि इक्लागराया" ठा॰ ७; नाया॰ ६; —वंस. पुं॰ ( -वंश ) अरपल देव स्वामीने। वंश. ऋषभ देव स्वामी का वंश. the line of descent of Risabhadeva Swāmī. पि॰ नि॰ ४७६:

इक्खागुकुल. न॰ (इस्वाकुकुल) ५६१। ३ नाभनुं ५५ इच्चाकु नामक वंश. A family by name Ikşvāku. काप॰ ٩, २:

इक्खु. पुं० (इनु) ४५५५; शेरडी माटा Sugar-cane भग॰ २१, ४; श्रोव॰ पन्न॰ १, पंचा॰ ६, २३; -रस. पु॰ (-रम) शेर्ऽीने। रस साटे का रम sugar-cane juice प्रव॰ २३३; पंचा॰ १६, १०; - चर्णा. न० ( -वन ) शेर्डीनुं पन गने का खेत. a forest of sugarcanes निसी॰ ३, १६. - बाह पुं॰ (-वाट) शेरडीने। णाड; जया शेरडी पीक्षाय ते स्थान. गन्ने की वाड; गन्ने पेनाने की जगह a place where sugarcanes are crushed to get out juice; a field where sugar-canes are grown, राय॰ २०६. -वाडिया. स्त्री॰ ( -वाटिका ) धक्षु-शेरडी ता वाडवाडी गन्ने की वाडा-स्वत a field where sugai canes are grown. पत्र ।: भग० २१ ४;

इक्खुवर पुं॰ (इत्तवर) ओ नाभने। ओ॰ द्वीप अने ओंड समुद्र इस नाम का एक द्वाप श्रीर एक समुद्र. Name of an island also the name of an ocean. जीवा० ३, ४,

इग ति॰ (एक) એકની संभ्या; १ एक की सन्त्रा १ The number one, 1.

क्किगं० १, ५; ३३: २, १४ ४, १२; —चतुसय. न० ( -चतुःशत ) गेक्ष्से। ने એ કતાલીસ. १४१ एकमा एकतालीस, **१४१.** one hundred forty-one; 141. तः गं २, २७; — नवइ. स्त्री॰ (-नवति ) એકાણું; હત. एकानवें; ६१. ninety-one; 91. क॰ गं॰ ३, ७, —**याल** स्ना॰ ( -चत्वारिंशन् ) એકતાલીश; ४१. एकता-लीस; ४१. forty-one; 41 प्रव• ४१६; क० गं० ६, ६६; — **यद्म.** स्त्री० ( -पञ्चा-शत् ) એકाવन; ५१. एकावनः; ५१. fifty-one; 51. प्रव॰ ३६०: —वीस. स्रो॰ (–विंशति) २१ नी संभ्या; अपेड-पीश. इकवायवा संख्या. twenty-one; 21. उवा॰ १०, २७७; —सग्न. न० (-शत) એક્સો ने એક; १०१. एक सा एक; २०१ one hundred and one; 101. क॰ ग॰ ३, ४, —सिंह सी॰ (-पष्टि) એક્સક ६१. डकसठ; ६१. sixtyone: 61. सम॰ ६१; —सी. स्रो॰ ( - ग्रज्ञीति ) એકાશી ८१. इकामी; = १eighty-one; 81. क्र॰ ग॰ २, १७: इगहिय-श्र-सयः न॰ ( एकाधिकशत ) ऄडि અધિક મા: એક્સોનેએક, ૧૦૧ एक માં-एक, १०१ One hundred and one;

101 क॰ ग॰ २, ४:

इगार त्रि॰ (एकादशन्) अशीयाः, ११. ग्याराः; ११ Eleven: 11. क॰ ग॰ ६, ६२;

इगारसमः त्रि॰ ( एकादशम ) ११भे।; અગ્યારમા. ग्यारवा; ११ वॉं Eleventh; 11th विवा० १; क० गं० २, १४:

इगिदिय त्रि॰ ( एकेन्द्रिय ) लेने એક छिदय હોય તે; પૃથ્તી આદિ સ્થાવર છત. एकेन्द्रिय वाला, पृथ्वी स्रादि स्थावर जीव. Onesensed: e. g earth etc. दः गं॰ ३, ११: ४, १=:

इगिंदियत्ता स्री० ( एकेन्द्रियता ) ओर्डिन्डिय-पूर्ण एकेन्द्रियपन. State of being one-senged भग० ३४, १;

**इगु**ण. ति॰ ( एकोन ) એક એક છું. एक कम Less by one. क॰ प॰ २, १२॰

— श्रसि. ह्या॰ ( - श्रशीनि ) ओगणाओसी ७५. seventy-nine.

79. प्रव॰ ३६७: — न उह स्त्री॰ (-न विते) न थाशी; ८८ ने वासी, ८६. eighty – nine; 89 क थ थ २, २३; — चोस. स्त्री॰ ( -विशति ) थे। गशीश; १८ उन्नीस;

—सिंहि स्री० (-चिष्टि) श्रीगिश्याहेः ५४. उनसाठ ५६ fifty-nine, 59 क० गं० ६, ७४;

१६. nineteen; 19. क॰ प॰ २, १२.

इग्ग त्रि॰ (एक) ओड़नी संभ्या. एक की संख्या. The number, one क॰ गं॰ ४, ४०;

इच्चत्थ पुं॰ (इस्यर्थ) आ प्रश्नरते। अर्थ इस प्रकार का श्रयं This sort of meaning आया॰ १, १, २, १६;

**इग्रा** मं॰ कृ॰ ग्र॰ (इत्वा) જાણીને जानकर. Having known. श्राया॰ १, १,३,२१,

रचाइ त्रि॰ (इत्यादि) ओ; आदि; श्रत्यादि है. इत्यादि Et cetera, क॰ गं॰ १, २६;

इचाइया ति॰ (इस्यादिक) पगेरे बगेरह त्री। रह Et cetern काप० ६, २०१;

इचेवं अ॰ (इत्येवं) आ प्रधरेः એવી રીતે. इस प्रकार से, इस तरह. In this way; in that way. दस॰ २, ४; पन्न॰ ११;

v 11/18

इच्छइ सय० १, १, २,३१; श्राणुजी० १४; नामा० १. ५; १३ १६; भग० १५, ४:

हुच्छुंनि दम० ६, ११. नाया ८ ८, १२; भग० ८, ४:

टच्छाम विशेष २०१;

इच्छामि नाया० १; २; ४; ६: १२; भग० १, ६: २,१; ४:३,२; ४,६; ७.१०:

इच्छामो नाया० १; ३; ६; भग० ११, १९; इच्छे. वि० उत्त० १, १२; ३२, ४; दसा० ३, १६; १६; वय० १, २२; २६;

इच्छिजा. वि॰ ऋष्प॰ ६, ४८: दस॰ ४, १, ६६; ६, ४८;

इच्छ्रेजा वि०उत्त० ९, २६: टस॰ ५, १, ६८;

इच्छ्रज. वि० वेय० ४, **१**४: इच्छ्रह० पिं० नि० ३०१. ४६५; उत्त०

इच्छ्य. विशे० व० कृ० ३२९८:

१२, २८;

डच्छंत नाया॰ १६; विशे० १६०: दम॰ =, ३७: उत्त० १, ६:

इञ्ज्ञमारा पंचा० १, ५०:

इच्छिजह गच्छा० ७८; इच्छावेह. प्रे० व० प्र० ए० विशे० १०८४;

इञ्छंडभाग. न॰ ( इच्छाध्यान ) क्षासनी धंटिशानुं ध्यान. लाभ की इच्छा का ध्यान. Meditation upon some desire

of profit or gain. श्राउ॰ इच्छकार- त्रि॰ (इच्छाकार-एषणमिच्छा स्वा-

नामाचारियों में की एक मामाचारी Will-

ingly carrying out the orders of a preceptor; one of the 10 points of ascetic good conduct ठा० १०; पंचा० १२, ४;

इच्छा. स्रो॰ ( इच्छा ) ઇગ્છા: અભિલાયા इच्छा; श्रमिलापा. Desire; longing. श्रोव॰ ३=; श्राया॰ १, ४, २, १३१; परह॰ १, ४; पिं० नि० २१६, सू० प० १०, सम० ४२; ठा० १०; द्ववा० १, १७, प्रव० ६६; पंचा० १, ७; १२, २; भग० १२, ५; २५, ७; वेय॰ १,३३;(२) ५ भवाडीव्यानी પંદર રાત્રિએ।માંની અગ્યારવી રાત્રી पत्त की पंदह रात्रियों में की ग्यारहवी रात्रि. the 11th night of a fortnight जं॰ प॰० ७, १५२; — ग्राणुलोम. त्रि॰ (-श्रनुलोम) धन्छाने अनुध्व इच्छा के थानुकूल. propitious to one's desires भगः १, ३; पन्नः —(s) श्राणुलोमिय त्रि॰ (-श्रानुलो-मिक) धेर्याने अनुकुस भासनार इच्छा के श्रनुकृत वोलनेवाला. (one) who speaks agreeably to one's desire. श्राया॰ नि०१, ८, १, २१८, **—काम. पुं॰** ( -काम ) अधाप्त वस्तुनी આકાસા यप्राप्त वस्तु का आकाचा desire of an unattained object उत्त॰ ३६, ३; —छुंद पु॰ (-छन्द) સ્त्र<sup>२</sup> ୬ન્દ્રપાગુ, ઇચ્છામુજળ વર્તનું ते स्वर्ह्यः दता. स्वेच्याचारत्व wilful, wanton, action or behaviour प्रव० १२१, -पणीय त्रि॰ ( -प्रणीत-इद्धियमनी-विषयानुक्ता प्रवृत्तिरिहेच्छा तया विषयाभिः मुखमभिकमेवन्धनसंसाराभिमुखं वा प्रकपंश नीतः इच्छाप्रणातः -) संसार वधे तेवी વિષયાનુકુવ પ્રવૃત્તિના પ્રવાહમાં ઘસડાયેલ. समार बढानेवाली विषयानुकल प्रवृत्ति के प्रवाह

में पड़ा हुआ. (one) drawn by activities favourable to sensual gratifications which prolong worldly existence. आया॰ १, ४, २, १२१; -परिमाण न॰ ( -परिमाण ) ઇ**ગ્છાનુ પરિમા**ણ-મર્યાદા બાધવી તે, પાંચમું અહ્યુત્રત. इच्छा का परिमाग्त-मर्यादा करना; पांचवा श्रगुवत. limitation of desires, the 5th partial vow. 310 प्रः; —मुत्ति स्त्री॰ (-म्राक्ति) ध्रव्छा-भृति: ४२%। ते। त्यांग इच्छा का स्याग. giving up, abandonment, of desires. भत्त॰ २०, —लोभ ५० ( -कोम—इच्छा ग्रभितापः साचामा लोभश्र इच्छानोभः ) ४२७।३५ सेल लोभ. avarice in the form of desire " इच्छा लोमोउ उवहिमडरे गोत्ति" ठा० ६; श्राया० १, ८, ८, २३; —लोभिय. त्रि॰ (-बोभिक-इच्छा लोभो यस्यास्ति स इच्छा लाभकः ) भहेश्यावादीाः શ્રણી ઉપધીવાલા महेच्छावाला, उपनिवाला. highly ambitious or avaricions. ठा॰ ५: -लोल. पु॰ ( –लोल ) ઇચ્છામાંપણ લાભ, અત્યંત आस श्रात्यत लोभ Excessive avarice. वय॰ ६,१६. इच्छाकार ५० (इच्छाकार) लुओ 'इच्छ

इच्छाकार पु॰ (इच्छाकार) लुओ 'इच्छ कार' शण्ट देखा 'इच्छकार' शब्दः Vide 'इच्छकार' उत्त॰ २६, ३, स्रोव॰ ११, उवा० १, ८१.

इच्छाकार पु॰ (इच्छाकार) लुओ 'इच्छकार' देखो 'इच्छकार' शब्द Vide 'इच्छकार' प्रत्र॰ ७६९;

इच्छा।मित्तः न० ( इच्छामात्र ) ४२%। भात्रः युक्ति विना ४९५ना भात्र इच्छा मात्रः युक्ति विना कल्पना मात्र Mere desire ( without a plan to carry it out ) स्य॰ १, ७, १६;

इन्डिझ्य. त्रि॰ (इष्ट) ध्र-छेक्षं, ध्रष्ट; वांकित. इच्छित; इष्ट. Desired, wished for. पिं० नि० ३४२; त्रोव० १८, ३२; उत्त० ३०, १०. जं० प० स० च० १२, १९, विशे॰ २६४३; नाया० १; ४; १२; नाया० ध० भग० १, १; २, १. ६, ३३, ११, ११; ४१, १; उवा० १, १२; कप्प० १, १२: — काम कामि. त्रि० (—कामकामिन्) भनगभता लीग लीगवनार मन चाहे भोग भोगनवाना. (one) enjoying all the pleasures that one desires. जं० प० २;

इच्छियच्य त्रि॰ (इप्रन्य) ध्रन्थितुं. इच्छा करना. Desiring. जं॰ प॰ ३, ५२;

इन्हुरस. पुं॰ (इत्तुरस) शेन्धीना २२४. साठे का रस. Sugar-cane juice. क॰ गं॰ ५, ६४;

इज्जमार्ग. त्रि॰ ( पुज्यमान ) शंपायमान कंपायमान. Trembling, राय॰ ६४;

दक्ता स्त्री॰ (इन्या) याग; हेप पून्त. याग; देव पूजा. Worship of gods, a sacrifice श्रयुको॰ २६, उत्त॰ १२, २,

इंडिजसः त्रि॰ ( इंज्येष—इंज्यां पूजां इंच्छ्रांत एपयित वा य. स इंज्येषः ) पूजानी अिला-बाषावादीः. पूजा की ग्राभेलाषा वाला. ( One ) desirous of worshipping gods. भग॰ ९, ३३;

इज्भमाण ति॰ (इध्यमान) ती यभाव दीप्यमान. Being kindled or lighted. "मंदायं मंदा इमे इज्ममाणा" राय॰ इट्टगा स्त्री॰ (इप्टका) धेंट. ईट. A brick. श्रंत॰ ३, ६; विशे॰ १०६२; (२) सेप, भाध पिशेष. सेव: खाद्य विशेष. a particular variety of food, macai on. पि॰ नि॰ ४६६;

इष्ट्रया. स्त्री॰ (इष्टका ) धट. ईट A brick जीवा॰ ३, १,

इहा. स्त्री॰ (इष्टा) धेट. ईट. A brick ठा॰ ८, —वाग. पुं॰ ( -पाक) धेट पटा-ववानुं स्थान ईंट पकाने का स्थान क place where bricks are heated, a kiln "इहा बाएइवा" ठा॰ ८,

इहाल पुं॰ ( ) धर. ईंट. A brick. " होजकट्टं सिल वावि इहालं वावि एगया " दस० ५, १, ६२; पिं० नि० भा० ४६, इट्ट त्रि॰ ( इच्ट ) પ્રિય; વ્હાલું; भन ગમતું. प्यारा; प्रिय; मनचाहा. Beloved dear, desired. जं० प० २, ३० पन्न० १७. २३. ठा० २. ३, श्रोव० ३२; ३६, नाया॰ १: ६; ६, १४; १५; १६ विशे ० २३ ६ ६ , १६१; राय० ५१; उत्त० २२, २; जीवा० १: स्य० २०: भग० १, १, २, १, १४, ४; ९; १४, १; १६, ३; पंचा० १२; खवा॰ १, ६; कप्प॰ ३, ४८; ६, १५५: निर० ३, ४, क० ग० १, ५०; -- श्रासिट्ट. त्रि॰ (-म्प्रनिष्ट) ४५ अने अनिष्ट. इप्र श्रीर श्रानिष्ट. good and evil; desuable and undesirable. प्रव॰ ६३४; —(हा)म्रानिष्ट. ( -म्यनिष्ट ) इंटि ५५ अने કંઈક અનિષ્ટ, સારૂ નગ્સું. મलા વૂરા; कुछ इष्ट ग्रीर कुछ त्र्यनिष्ट good and evil mixed up together. विशे• ५१५; —खगइ, स्री॰ (-खगीत )शुलवि-હાયાગિત; ચાલવાની ગતિ इप्ट गति. de-

<sup>ं</sup> खुओ। पृष्ठ नर्भर १४ नी पुटने।८ (३). देखो पृष्ठ नंबर १४ की फूटनोट (३) Vide foot-note (३) page 15th.

sirable capacity of moving in space. क॰ प॰ ४, १४; —गंघ. त्रि॰ ( –गंघ ) સુગંધ; સુગંધિ – પદાર્થ. मुगंघ; सुगंवित पदार्थ. a fragrant substance. त्रोव॰ —त्थ. पुं॰ (-श्रंध) પ્ર<sup>2</sup>છેલા અર્થ: કર્મ. इच्छित desired object or end; desired Karma. पंचा० १६, ४७; -फल. न० (-फल) धिश्यत ६स. इच्छित फल. desired fruit पंचा॰ ४, ३१; —फलजः ग्रग. न० ( -फलजनक ) अलिभतार्थ-६स साधः इच्छित फल देनेवाला (anything) yielding desired fruit; accomplishing desired object. पंचा॰ ३, ४७; —फलसाहग. त्रि॰ (-फल-माधक ) धिकित ५ सते साधनार. इच्छित फल की साधना करने वाला. (anything ) accomplishing a desired object or result, पंचा॰ ४, ३३: -फलसिद्धिः स्री० ( -फल· सिद्धि ) धिश्वत ६ श्वनी सिद्धि. इच्छित फल की सिद्धि. accomplishment of a desired result. पंचा॰ ४, ३३; -ह्य. त्रि॰ (-ह्रप) ध्रष्ट छे रूप केनुं ते इष्ट हम बाला. of a beloved, chaiming appearance. " सुवाह कुमारे इट्टे इट्टरूवे " विवा॰ २, १: —सद्द. पुं॰ ( -शब्द ) પ્રિય શબ્દ: વીહા વગેરેના શબ્દ प्रिय शब्द: वीएा वेगरह का शब्द. sweet sound, e. g. that of a musical instrument. प्रा॰ २३; —सर. पुं॰ (-स्वर) भधुरा-'यारे। स्वर. मधुर स्वर. uweet, pleasing, sound. क॰ प॰

४, १४; — सिद्धिः स्री॰ ( -सिद्धिः ) ६५६/२० वस्तुनी सिद्धिः इन्छित वस्तु की
सिद्धिः accomplishment of a
desired object. पंचा॰ ४, ३१;
—स्यः पुं॰ ( -सुत ) प्रिथ पुत्र व beloved son पंचा॰ ७, ३६:
—स्सरः पुं॰ ( -स्तर ) प्रिथ स्वरः प्रिय
स्वरः a pleasant sound. पन्न॰ २३;
इहतरः त्रि॰ (इष्टतर ) वधारे प्रिय; अतिश्य ६५८ बहुत प्रिय; बहुत इष्टः Extremely beloved; more pleasant. राय॰ जं॰ प॰ २, २२;

इष्टयर. त्रि॰ (इष्टयर ) वधारे प्रिय. बहुत प्रिय. Highly beloved; very pleasant. जीवा॰ ३, ३;

√ इंडुर. न॰ ( \* ) गांडा है गांडी. गांडा या गांटी. A small or big eart. श्रोघ॰ नि॰ ४७६;

इहिंद. स्त्री॰ (ऋदि ) समृद्धि; नैस्त्रयः समृद्धिः नैसन. Prosperity, wealth. (२) आमर्श-औषि आदि लिध्य स्त्रामर्श- श्रीषि श्रादि लिध्य स्त्रामर्श- श्रीषि श्रादि लिध्य स्त्रामंग्रते power. उत्त० २, ४४; २७, ६; दस० ६, २, ६; १०, १, १०; स्त्रोन० ३८, सम० ६, ३०; विशे० ४६६; निर० १, १; श्रोष्ठ० नि० ४६८, नंदी० ४०; राय० ४१; नाया० १; २; ८, १६; पन्न० २; सु० च० १४, ६७; भग० १, २; ३, ६; ६, १; ६; पंचा० ६, १८; दमा० ६, २८; —गारव. पुं० (-गोरव) नरेन्द्राहिडनी तथा आयार्थनी

<sup>्</sup> लुओ पृष्ट नम्भर १५ नी प्रुटनेट (\*). देखो पृष्ट नंबर १५ की फूटनोट (\*) Vide foot-note (\*) p. 15th.

ઋદ્ધિવડે અભિમાન કરી આત્માને ભારે **४२** ती. नरेन्द्रादिक की तथा श्राचार्य की ऋद्धि के कारण श्रभिमान करके कर्म बंध करना burdening the soul with the pride of the spiritual power of a preceptor or of the temporal power of a king etc. 310 3; सम॰ ३; ऋवि॰ ४, ७; —गारवज्भागः न॰ (-गौरवध्यान) ऋदिना भदनं ध्यानः **६** ध्र्यानने। व्येक्ष अक्षर. ऋद्भि के मद का ध्यान; दुर्धान का एक भेद meditation upon the power of prosperity; a bad kind of meditation স্মাৰত —पत्त पुं॰ (-प्राप्त) ऋदि-आभर्ष આદિ ઐાષધિની પ્રાપ્તિ થયેલ. ऋदि, श्रामशं चादि त्रीपधियों की प्राप्त. one who has attained to spiritual or temporal prosperity. पन्न १; भग० १४, ६; -पत्ताखुत्रोग. पुं॰ (-प्राप्त्यनुयोग) આમર્શ ઐાષધિ આદિની લબ્ધિ પ્રાપ્તિનું ०५१७५१त. स्त्रामर्श स्त्रादि स्त्रीविधयों की प्राप्ति का व्याख्यान. a discourse on the attainment of such spiritual prosperity or power as Amosahi etc विरो॰ ४६९; -पत्ता-रिय. पुं॰ ( -प्राप्तार्य ) ऋदिने प्राप्त थयेल આર્ય-અરિહંત, ચક્રવર્ની, બલદેવ, વાસુદેવ, ચારણ મુનિ અને વિદ્યાધર. ऋद्धि प्राप्त श्रार्य श्रर्थात् श्ररिहंत, चक्रवतां, बलदेव, वासुरेव, चारण मुनि, विद्याधर त्रादि. an Arya who has attained to spiritual prosperity; Arihanta, Chakravartī etc. " से किंत इड्डि-पत्तारिया छुविहा परायात्ता तंत्रहा " पन्न० १, -सक्कारसमुदश्च पुं॰ ( -सःकार समुदय -ऋद्या-त्रन्न मुवर्णादिसम्पदा सत्कारः

पूजाविशेषस्तस्य समुदायस्तथा ) अहि इरीने सत्धारना समुदाय. ऋदि से वस्ता-भरणादि द्वारा सत्कार का समुदाय. presents of clothes ornaments ete. as a mark of honour विवा॰ ३;

इडिमंत. ति॰ (ऋदिमत्) ऋदिवादीः; सभृ-दिवान. ऋदिवाताः; समृदिवान्. Prosperous; wealthy. ठा॰ ४, २; इरामेव प्र॰ (इदमेव) એહિજ. वहीं. The

same. भग० २, १; ६, ४; १४, ७; २०, ६;

इंगामेन प्र॰ (इंदमेन) लुओ (७५८) शफ्ट देखों ऊपरका शब्द. Vide above. पन्न॰ ३६;

इतिंह. अ० ( इदानीं ) ७२७।; अ५९॥। अभी; भ्रव. Now सूय० २, ६, १; उत्त० १२, ३२; पिं० नि० ६३४; सु० च० ३, ११३; विशे० १६=; नाया० =;

इत्तल. पुं॰ (इनल) तृष्यु विशेष. तृण विशेष. A kind of grass. भग॰ २१,६;

इति. श्र० ( इति ) ल्युओ '' इइ '' शफ्ट. देखो ' इइ ' शब्द. Vide '' इइ '' दस० १, ४; नाया० ३; १६; भग० १; ४; ७, २; १४, १; १६, ३; २४, ७; वन० १, ३७; ७, १७; दसा० ३, २२, २६; निसी० ४, ६६, १४, १२; क० ग० १, २४;

इतिहास पुं॰ ( इतिहास ) प्रान्धीन आसीत इडीगत दर्शावनार धितिहास शास्त्र. प्राचीन काल का वर्णन करनेवाला इतिहास शास्त्र. History; narration of past events. भग॰ २, १; त्रोव॰ ३८;

इतो. अ॰ (इतः) अडीथी. यहां से. Hence; from this place. स्य॰ १, १, १, १२; उत्त० ४, १७; ३४, १४; श्रोव० ३६; राय० ४, २; सु० च० १, १०४; भग० १, १; १४, ७; १४, १; विशं० ८७; पन्न० १७; क० प० १, १२; क० गं० ४, २१;

इत्तर. त्रि॰ (इत्वर) अ६५ ५। अनुः; अ६५ अल; श्रल्प समय का; किचित् काल. Of a short duration. स्य॰ १, २, ३, मः; विशे २६, ठा० ६; पंचा० १, ६; —परिगहा. स्री० (-परिग्रहा—इत्वा-मल्पमल्पकालं वा परित्रहो यस्याः इत्वरपरिप्रहा ) थे। । व भतने भाटे अद्ध **४रेक्ष, वेश्याहि.** थोंड सयय के लिये प्रहण की हुई; वेश्यादि. a woman accepted for a short time; a harlot etc प्रव॰ २७, म, —परिमाहियागमण, न॰ ( -परिगृहोतागमन ) नानी ७भ२नी પરણેલ સ્ત્રી સાથે ગમન કરવુ; મેથુત સેવવુ ते, श्रावडना येाया वतने प्रथम अतियार छोटी उमर की विवाहित स्त्री के साथ गमन करना-मेथुन सेवन करना, श्रावक के चौथे व्रत का प्रथम श्रातिचार sexual intercourse with a girl-wife; the first Atichara of the 4th vow of a Jaina layman. पंचा॰ १, १६; —परिगहियाः स्ना॰ (-परिगृहीता) નાની ઉમરની પરણેલ સ્ત્રી छोटा उमरकी विवाहित स्त्रा a girl wife प्रव॰ २७८: —वास पुं॰ (-वास) घांडा निवास. थोडा निवास. short stay or residence स्य० १, २, ३, ८,

इत्तरियः ति० (इत्वरिक) थेंग्डा यणतन्; थेडा सभयन् ; अस्य असीनः श्रत्य कालीनः थोडे समय का. Lasting for a short time, abort-lived पंचा० १०, ११: श्रोव० १९; श्राणुजो० ११, पन्न० १, १७; उत्त० ३०, ६; भग० २४, ७ वव० २, २४; ६, २०; निमी॰ २, ४६; १०, ४०; उवा॰ १, ४८; (२) पादीपगभन भरखनी अपेक्षाओ थेडा वणतनुं धिगत भरख करवुं ते. पादीपगमन मरण की अपेचा से थोडे समय का डांगत मरण करवा. accepting the Ingita kind of death which is speedier than the Padopagamana kind of death. आया॰ १, ७, ६, २२२; जना वालुं; गभनशीझ. गमनशील having the nature to go or move or pass away. उत्त॰ १०, ३;

इत्तरी. स्नि॰ ( इत्वरी ) शेंडा यभतना भाटे राभेक्ष-वेश्या आहि. थोडे समय के लिये रची हुई वेश्या खादि. A woman temporarily kept e. g. a harlot etc पंचा॰ १, १६;

इन्ति श्र॰ (इति ) એવું; એવીરીતે; આ પ્રકારે. इस प्रकार का; इस तरह. Thus; in this way; in that way. श्राया॰ १ १, १, १३, श्रधुजो॰ १०;

इन्तिश्र-यः त्रि॰ ( एतावत् ) એટલુ એટલા પ્રમાણુનું; અમુક-નિયમિત પ્રમાણુનુ इतनाः इतने प्रमाण का; श्रमुक्त निर्यामत प्रमाण का. That much: this much;

इत्थ्र थ्र० ( थ्रव्र ) અदिंगाः आदिं; आ हेशणे यहां; इस स्थानपर. Here; in this place उस० ६, ४, १: श्राया० १, २, ६, १८३; वेय० ३, २५: पिं० नि० भा० २३; भग० १५, १, नाया० ६: १७: जं० प० वव० ४, १०;

इत्थं. श्र॰ (इन्थम्) એવી રીતે; આ પ્રકારે. इस प्रकार से. In this way; thus. नाया॰ १. ७: ६; १५; पन्न॰ २; इत्थंत्थ वि॰ (इत्थम्थ ) ले। अप्रिस्ट आशि रहेल; ले। शिक्ष सम्थानपातुं लोकप्रिमद्ध श्राकार में रहा हुत्रा. ले। किक संस्थानवाला. Remaining in a common shape; possessed of ordinary configuration of body "इत्थन्थं च चयह सन्वसो सिद्धे वा हवह सामए" रम॰ ६, ४; २, ३;

इत्थि स्नी॰ (स्नी) स्त्रीनारी स्नी. नारी. A woman उत्त॰ १, १६ नाया॰ ४, म; भग० ३, ४; **१**५, १, क० गं० १, २२; २. ३० — श्राग्रमणी स्त्री० भाषापयानी लाषा स्रोको स्रादेश करने की वलानं की भाषा a form of address to a woman to call her. पत्र ३. -- कम्म न॰ (-कर्मन्) न्त्रीते पश धर-वार्च अभ. स्त्री को वश करने का काम the work of hringing a woman under control. स्य॰ १, <sup>દ</sup>, ૧૧ (૨) હસ્થકર્મ વગેરે સાવદ્ય अनुष्ठानः इस्तकर्म स्नादि पाप पूर्णकार्य a sinful action like self-abuse etc स्य॰ १, १, १३: — कता. स्त्री॰ (-कला) स्त्रीनी ये।सर्ठ ४८।. स्त्री की कला. ६४ प्रकार का स्त्रा-कला any of the 64 accompli-hments of a woman र्ज॰ प॰ २; —कलेवर. न॰ (-कलेवर) स्त्रीनुं शरीर स्त्रों का शरीर the body of a woman. ' इस्थि कळेवराण ताब्वरणुसु च बहुमाणो " पचा० १,४६: — कहा स्त्रीं ( -कथा ) स्त्री સંબધી કથા; ચાર વિકથામાંની એક स्त्रो सम्बन्धी कथा, चार विकथास्रो में का एक क्या talk about women; one of the four irreligious kinds of |

talk. " इत्थि कहा चउविहा परणता तंजहा 'ठा०४,२, सम०४. —काम पु॰ ( -काम ) સ્ત્રીની કામના સ્ત્રીસંભ ધી धाम भी श स्त्री की कामना, स्त्री सम्मन्त्री काम भीग enjoyment of women, desire for sexual pleasures. ' एवमेव ते इत्थिकामेहि मुच्छिया" स्य०२, २, ३५ दस॰ १०, ७: - कामभोग पु० (-कामभोग ) स्त्री संपन्धी धामलाग. स्त्री सम्बन्धी कामभीग sexual enjoyment enjoyment of women. '' एवमेव ते इन्धिकामभौगेहि मुच्छिया गिद्धा ' मय० टी० २ ३, १०, दसा० ६, १: --कुलस्थ न० (-कुलस्थ) **इ**लभा २६ेल ५सीन स्त्रीः भातादि कुर्लान स्रो. मातादि a noble woman, a mother etc नाया॰ ४. भग॰ १८. १०, - गरा. न० (-गरा) श्लीओनी समूढ कथ्ये। स्त्रियो का समूह. a group of women: a crowd of women. '' नो इत्थिगणाण सेवित्ता भवद् '' ठा० ६; -- ग्रह्म पु॰ ( - गर्भ ) स्त्री भंभंधी गर्भ-स्थाप पुरुपक्ष पिन्ड. स्त्रीसम्बन्धा गर्भ-सर्जीव पुद्रल पिड fætus, embryo. भग० u, v· —ग्रम्म न॰ ( -गुल्म ) स्त्रीश्रीनी समूह क्रियो का समूह. a bevy of ladies " इत्थिग्मपरिट्युड" दसा० १०: -- न्नोर. पुं॰ (-चोर ) स्त्रीता रूपने। थे। २: ५२२ श्री अं ५८ स्त्री के हप का चोरः परस्री लपट. one enamoured the beauty of the wives of others. पन्ह० १, ३; —हासा. न० ( -स्थान ) स्त्री लया भेसे, 33 ते स्थान. स्त्री जहां उठे वेठे वह स्थान. ११ place frequented by women. " नो इन्यिद्वार्ण सेवित्ता भवड ' ठा०

स्: —्गाम. न॰ ( -नामन् ) केथी स्त्री રૂપે જન્મ લેવા પડે તેવી નામકર્મની એક अर्रति. नामकम की एक प्रकृति जिसके कारण स्री रूप जन्म लेना पडे. a variety of Nāmakarma causing birth as a woman. नाया॰ द: —गाम गोय कम्म न० (-नामगोत्रकर्मन् ) स्त्रीना ગાત્રમાં-જાતિમાં જન્મ લેવા પડે તેવું કર્મ. ऐसा कर्म जिससे स्त्री जाति में जन्म हो. a Karma by which one has to take birth as a female. नाया॰ =; -तित्थ न॰ (-तीर्थ) स्त्रीरूपे जन्मेक्ष મલ્લીનાથ તીર્થંકરનું તીર્થ-શાસન. स्नोरूप से जन्मे हुए मह्तीनाथ तीर्यंकर का शासन. the canon of Mallinatha Tirthankara who was born as a female. ठा॰ १०; —दोस. पु॰ ( -दोष ) स्त्रीना देश-अवशुख, स्त्री के दोष श्रवगुण. the faults of a woman; the defects of a woman; "इतिथ-दोसं संकिशो होति "स्य० १, ४, १, १५: —पच्छाकडः त्रि॰ ( -पश्चात्कृत ) लेखे સ્ત્રીપણું પાછલ કરયું છે-ટાલ્યુ છે તે. जिसने स्री रूप जन्म दूर कर दिया है वह (one) who has banished temale birth भग० ६, ६; — पराग्वांगी स्त्री॰ ( -प्रज्ञा-पनी ) स्त्रीना લક્ષણનું પ્રતિપાદન કરનાર भे। ७०० न १ लाषा स्त्रांके लच्च ए का प्रतिपादन करनेवाली मोहजनक भाषा. fascinating, captivating language describing characteristics of women. पन्न० ११; —परिसह. पुं॰ (-परिपह) સ્ત્રી સબધીના પરિષદ; કાઇ સ્ત્રી સયમથી ચલાવવા હાવ બાવ કરે તાે પણ ચલિત ન थवं ते: २२ परिषद्धभाने। ओक स्त्री संवती परीषह; कोई स्त्री, सयम ने विचलित करने के लिये हाव भाव कर तो भा विचलिन न होना; २२ परीपहों में का एक परीपह. resisting erotic enticements offered by a woman; one of the 22 Parisahas. भग० =, =, उत्त॰ २, १; --परिसह विजय. पुं॰ ( -परिपहविजय ) એકાન્તવાસમાં અમુક ઘણી રૂપાલી સ્ત્રી આવી, અનેક પ્રકારના હાવભાવ કટાક્ષ વગેરેથી પરિષદ્ધ આપે છતાં પણ મન ન ડગા-वीने परिपद्धपर विकय भेक्षववे। ते. एकान्त-वास में कोई वहत रुपवान् स्त्रो के श्राने श्रीर हाव, भाव, कटाच करनेपर भी - मन की चलित न होने देना श्रीर परिपह विजय प्राप्त करना. maintaining one's control over the mind in spite of the amorous glances etc. of a fair woman in a private place भग० =, ८; —पोसय. पु॰ ( -पोषक— स्त्रियं पोपयन्तीति स्त्रीपोपकाः ) स्त्रीनुं भरख भेषिल ५२लार पुरुष स्त्री का भरण पोषण करनेवाला पुरुष a person who maintains a woman. स्य॰ १, ४, १, २०; —भाव पुं॰ न॰ ( -भाव ) કટાક્ષ સંદર્શન वर्गेरे स्त्रीना क्षाव क्षाव. कटात्त, संदर्शन स्त्रादि स्त्रा के हाव, भाव. amorous movements, glances etc. of a " मोहुम्मायजग्णाइं सिंगारिwoman याइं इत्थिभावाइं उवदंसेमाखी '' उना॰ ८, २४६; —रज्ज. न॰ (-राज्य ) स्त्रीतुं राजयः स्त्री क्यां स्वत त्रपछे वर्ने छेते स्त्रीका राज्य, जहां स्त्री स्वतंत्रता से व्यवहार करती है वह. petticoat government ' म्रजा प्रवारियाश्रो इत्थिरजं न तं गच्छ '' गच्छा० १. ६४, --रयग् न० ( -रत्न ) ચક્રવાર્તિની મુખ્ય પટ્ટરાણી; ચક્રવર્તિના ૧૪ रत्तभांनुं ओें रत्त. चक्रवर्ति की मुख्य पदृराणीः चकवर्ति के १४ रत्नों में से एक रत. the principal queen of Chakravarti: one of the 14 gems of a Chakravarti. जं० प० ३. ६८: पञ्च० २०: भग० ४, ४, ठा० ७, --- ह्रच. न० ( -हप ) स्त्री રારુપ, સ્ત્રીનાે આકાર. સ્ત્રાં स्व€प, સ્ત્રાં का आकार. the form of a woman: the shape of a woman. तंडु॰ —लक्स्वरा. न० ( -लक्स ) सामुद्रि**ः** તાસ્ત્ર પ્રસિદ્ધ સ્ત્રીનાં લક્ષણ, ૭૨ કલામાંની <sup>ओ</sup> ४ ४ थ। साम्रदिक शास्त्र प्रसिद्ध स्त्री के लक्षाः ७२ कलाश्रों में से एक कला the marks of a woman as related in the science of palmistry; one of the 72 arts or accomplishments. नाया॰ १; श्रोव॰ ४०; (२) अनु प्रतिपादन धरनार पाप. इस का प्रति-पादन करने से लगने वाजा पाप. the sin arising from explaining the above; (३) શ્રુતનુ એક અધ્યયન. श्रुतका एक श्रध्ययन name chapter of scriptures सूय० २, २, ३०; —लिंग. न० (-बिङ्ग-स्त्रियो लिङ्ग स्रीति म ) स्त्री अंग, स्त्रीनुं शरीर स्त्रीत्व, श्री जाति. womanhood. पन्न॰ — लिंगसिद्ध. पुं॰ (-बिङ्गसिद्ध) स्त्रीपंछे સિંદ્ધ થવું તે, સ્ત્રી ભવમાં માક્ષ જવું તે. स्त्रीरूप में सिद्ध होना; स्त्री पर्याय से मोच जाना. attainment of advation in the condition of womanhood. पन १; —वड. स्री ( -वाच्) સ્ત્રીલિંગ પ્રતિપાદક વચન; માલા શાલા ઇત્યાદિ નારી જાતિના શખ્દ स्रीलिंगी वचन-शब्दः माला, शासा श्रादि श्रीलिंगी शब्द. a word in the feminine 11/19

gender; feminine gender. ৭ন০ ११; --वयग्. न० (-वचन) स्त्रीक्षिंग વચન—નારી જાતિના શબ્દ; વીણા, કન્યા आहि. स्त्रीलिंगी शब्द. feminine gender: a word in the feminine gender श्राया० २, ४, १, १३२; पन्न - चस्र पुं० ( - वश ) स्त्रीने पश; સ્ત્રીના કળજામાં ગયેલ. હ્યો के वश. હ્યી के श्राधीन. a hen-pecked man; one who is under the control of a woman, " इत्थि वसंगया वासा " स्य॰ १, ३, ४, ६, — विगाह, पुं॰ (-विग्रह) स्त्रीनुं शरीर, स्त्री का शरीर. the body of a woman. श्राया॰ २, १, ३, १४; दस॰ ८, ४४; - विराखवणाः स्री॰ ( -विज्ञापना ) <u>य</u>ुवतिने भीगभाटे પ્રાર્થના અરજ કરવી તે युवति से भोग के लिये प्रार्थना करना courting the affection of a young woman for enjoyment. सूय॰ १, ३, ४, १०, ११, १२; **—विष्पजह** ( -विप्रजह ) स्त्रीना त्यागी; स्त्रीना त्याग <u> ५२ना२</u> स्त्री का त्यामी, स्त्री का त्याग करनेवाला. one who abandons the company of a woman. " नारीसु नोवगिजिमजा इत्थि विष्यजहे श्रणगारे ' उत्त॰ ६, १६; —विष्परियासिय न॰ ( -विपर्व्यांसित ) સ્વધ્નમાં स्त्री साथै भाग ्रे भागव्या है।य ते. स्वप्न में स्त्री के साथ भोग भोगा हो वह enjoyment of ४. —विसह गेहित्र. त्रि॰ (-विषय गृद्ध ) સ્ત્રીના વિષય સુખમાં ગૃહ થયેલ. स्री के विषय-सुख में गृद्ध. ( one ) greedy of sensual enjoyments with women दसा॰ ६, ११, १२;

—वेद. go (-वेद) स्त्रीवेद; भादनीयडर्भ-नी એક પ્રકૃતિ, स्त्रीने विडार थाय ते. स्त्रीवेद; मोहनीयकर्म की एक प्रकृति स्त्रां को जो विकार होता है वह. desire or feeling particular to a woman; a variety of Mohanīya-karma. सम० २१, जीवा० १; उत्त० ३२, १०२; —चेदगः पुं॰ ( -वेदक ) स्त्रीवेहना <sup>९६४वा</sup>क्षे। छव. स्त्री वेद का उदयवाला जीव. a soul with feminine feeling or inclination. भग० २, २, २६, १; —वेदय पुं॰ (-वेदक) अग्रेग **७**५से। शफ्ट. देखो उपर का शब्द. above. भग॰ ६, ३१; —चेय पुं॰ ( - वेद ) સ્ત્રી વેદ, સ્ત્રીને પુરુષ સાથે બાગ ભાગવવાની ઇચ્છા થાય તે. स्त्रा वेद; स्त्री को पुरुप के साथ भोग भोगने की इच्छा होना. desire on the part of a woman for sexual pleasure. क॰ प॰ ७, २६; जीवा॰ १; भग॰ २, ५; उत्त॰ **રેર, ૧૦૨; (૨) જેના ઉદયયી સ્ત્રીવે**દ પ્રાપ્ત થાય એવી નાકષાય માહનીયની એક પ્રકૃતિ. नोकपाय मोहनीय की एक प्रकृति जिसके उदय से स्रीवेद प्राप्त हो. a variety of the 9 minor deluding faults entailing feminine inclination. पन्न० २३, (३) સ્ત્રા બાગ સળધી વિષયનું પ્રતિપાદન કરનાર શાસ્ત્ર; शास्त्र स्त्री भोग सन्वन्धी विषय का प्रति-पादन करनेवाला शास्त्र; काम शास्त्र. sexual science. स्य॰ १, ४, १, २३; —वेयग. पु॰ (-वेदक) अओ 'इत्थि-वेदग' शण्ट. देखां 'इत्थि वेदग' शब्द. vide 'इत्थिवेदग' भग० ६, ३; ४; ठा० ४, ४, -वेयग्ण पुं॰ ( -वेदत्त ) स्त्री वेह-પ્ત્રી ચરિત્રમાં નિપુણ; સ્ત્રી**વેદ–કામ**શાસ્ત્રને |

न्नास्तार. स्रोवेद-स्रोचरित्र में निपुण; काम शास्त्र जाननेवाला. one expert in sexual science; one who knows the characteristics of women. स्य॰ १, ४, १, २०; —संकिलिष्ट त्रि॰ ( -संक्रिप्ट ) स्त्रीने लीधे क्षेश पामेश, त्री के कारण कष्ट पाया हुन्ना (one) troubled on account of a woman. प्रव १२०: -संग. gं॰ ( -सङ्ग ) स्त्रीने। संभ; स्त्रीनी सीयत स्त्री की संगति. company of a woman. स्य॰ टी॰ २, २, २८; संपक्क पुं॰ (-सम्पर्क) स्त्री साथे संसर्ग **इरवे। ते. स्त्रीसंगंध ह्या के साथ मंसर्ग** करना सो; ख्रीसमागम. companionship, contact, with a woman. स्य॰ टी॰ <sup>२, ४, १, १३;</sup> —संवास. पु॰ (-संवास) स्त्री साथ लाग जानवा ते. बांक साथ मोग भोगना. enjoyment of pleasures with a woman. स्य॰ टी॰ १, ४, १, १०: --संसग्ग पुं॰ ( -संसर्ग ) स्त्रीने। संसर्ग. स्रोका संसर्ग contact with a woman. दस॰ ८, ५७; —संसत्त. त्रि० ( -संसक्त ) स्त्री साथे संगत धरेल. स्री का संग किया हुआ ( one ) attached to or in love with a woman ठा० १०; —सङ्घा स्री॰ ( –श्रद्धा) સ્ત્રીમાં શ્રદ્ધા-વિશ્વાસ રાખવે: ते. स्री में श्रदा-विश्वास-रखना confidence or trust in a woman. सूय॰ दी॰ १, ४,१; २४; --सहाव पुं० ( -स्वभाव ) स्त्रीने। स्वभाव, स्रोका स्वभाव. woman-nature. स्॰ च॰ ४, १६७, स्य० टी० १, ४, १, २०; —सागा-रियः त्रि॰ ( -सागारिक ) केंभा स्त्री रहेती है। यते स्थान जिसमे स्ना रहतां हो वह स्थान. an apartment for women.

" नो कप्पइ निगाथाणं इत्थिसागरिए उव-स्सए बत्थए'' वेय० १, २५, २६, २७, २८, इत्थिकाः स्त्री॰ (स्रीका) स्त्री. स्रो. A woman. दुसा॰ १०, ४; इत्थित्त. न॰ (स्त्रीत्व) स्त्री पर्ध स्त्री पना; स्रोत्व Womanhood. दसा॰ १०, ४, इत्थिपरिराणा, स्त्री॰ (स्त्रीपरिज्ञा ) એ नाभनुं स्यगडाग सूत्रनुं ये।यु अध्ययन, इस नाम का नूयगडाग सूत्र का चोथा अभ्याय. The 4th chapter of Süyagadanga सम० २३. इत्थियलक्खणः न० (स्रीकलत्तण) ७।४ लाव आहि स्त्रीना सक्षरा स्त्री के हाव, भाव श्रादि लच्चा A characteristic mark of a woman; e. g glances, sportive gestures etc नाया॰ १. इत्थिया स्त्रो॰ (स्त्रीका) स्त्री, भैरी स्त्री; पत्नी, A woman, a wife. ठा० ४, २; प्रव० ६६०; भग० १५, १, दसा० १०, ३; इत्थी. स्त्री॰ (स्त्री) स्त्रीः नारी स्त्रीः पतनां, श्रोरत. A woman; a wife क॰ ग॰ ४, २६, क० प० २ ८४, ८४; ४, ४४, "से कितं इत्थीत्रो २ तिविहास्रो पराणत्त स्रो ' नाया॰ ५; सम॰ ६, जीया॰ १; ऋगाजी॰ १२८, श्रोव १६; ठा० ३, १, इसा० ७, १, श्राया० १, ६,२, द, उत्तर ३०,२२, ३६, ४६; ५२; निसी० ७, २१, ६, ६, पन्न० १, सु० च०४, १४४, दम० ५, २, २६, ६, १६. पिं० नि० १६२, भग० २, ४, ५, ४, ६, ३, १६, ६, १८, ४. — कलेवर न॰ (-कलेवर) स्त्रीनु शरीर. स्त्री का शरीर. female body पंचा १,४६, --- कहा. स्त्री॰ ( -कथा ) यार विक्ष्यामानी में अं चीर विकथा में की एक one of the four Vikathās; talk about women. স্থাৰত প, ৩; —কাম.

पुं• (-काम) स्त्री संशंधी धाम लीग स्त्री सम्बन्धी काम भोग. sexual enjoyment. प्रव॰ ५४०; —गुत्त. न॰ (-गोत्र) स्त्री गे।त्र; स्त्री लिति. स्त्री गोत्र, स्त्री जाति womankind दस॰ ७, १७; ---पच्छाकड. त्रि॰ ( -पश्चात्कृत ) लुओ। " इत्थि पच्छाकड " शण्धः देखो " इत्थि -पच्छाकड " शब्द. vide " इत्थि पच्छा-कड " भग॰ ८, ६; -परिवुड त्रि॰ (-परिवृत ) स्त्रीधी विटायेंस स्त्री से विरा हुन्ना surrounded by women निसी॰ ५, १८, -मड्भगश्र त्रि॰ (-मध्यगत) लुओ। " इत्थि मज्भगयं" शफ्ट देखा " इत्थि मज्मगय" शब्द vide " इत्थि मञ्क्राय " निसी० =, १०. -रयगा न॰ (-रत्न) जुओ। " इत्थि रयण '' शफ्ट. देखो " इत्थि रयण " शब्द vide " इस्थि स्यस ' जं० प० पन्न० १ -- रूव. पु॰ (-रूप) लुओ " इत्थि रूत्र " शण्ड देखो " इत्थि रूत्र " शब्द. vide " इत्थि रूव " वेय० ५, १, भग० ३, ४; — वड स्त्री॰ ( - वाक ) लुओ। " इत्थि वड " शण्ट. देखो " इत्थि वड " शब्द. vide " इत्थि चड " पन्न० ११, —वेग्र-य. पुं॰ (-वेद) स्त्रीने थती પુરૂષ સમાગમની અભિલાષા स्त्रो का होती हुइ पुरुष समागम की श्रमिलाषा the desire of sexual intercourse on the part of a woman zio E. १, पन्न० २३; उत्त० २६, ५: -वेद वुं० (-वेद) लुग्गे। ઉपक्षे। शम्ह देखो ऊपर का राब्द. vide above भग॰ २०, ७. - चेदग. पुं० ( - चेदक ) जुओ। " इत्थि वेदग " शफ्द देखां " इत्थि वेदग " शन्द. vide " इतिथ वेदग " भग० ६, ३१ ११, १. २४, १; २४, ६:

३४, १; — संसत्त. त्रि॰ ( - संसक्त ) स्त्रीभां व्यासक्त. स्त्रीसे व्यासक्त. attached to a woman; in love with a woman. निर्सा॰ ६, १०; — सहाव. पुं॰ ( -स्वभाव ) लुओ। "इत्थि सहाव" श॰६. देखा " इत्थि सहाव" श॰६. सहाव " सु॰ च॰ ४, १६७;

इत्थोतितथ न॰ (स्नीतिथं) १६ मा मध्दीनाथ स्त्री रूपे हतां छनां तीर्थ प्रवर्ताव्युं ते;
६श अछेरामांनु त्रीलुं अछेर्ड् स्त्री तीर्थकर; १६वे तीर्थंकर मल्लीनाय; १० श्रद्धेरं
( श्राक्ष्यंजनक बात ) में से एक the 3rd
of the 10 Achherās (i.e.
wonderful events); रांट the
founding of a Tirtha (religious community) by the 19th
Tirthankara Mallinātha who
was a woman प्रव० ६६२;

इत्थीपरिमा स्री० (स्रीपरिज्ञा ) सूयगडांग સ્ત્રના ચાથા અખ્યયનનું નામ કે જેમા સ્ત્રી-એ સાધુઓને કેરી રીતે કસાવી દુઃખી કરે છે તથા સાધુયે તેનાથી ક્રમ બચવું તે વિષેના ઉપદેશ તથા સમજ આપવામાં आवी छे. स्यगडांग सूत्र के चौथे अध्ययन का नाम जिसमें यह वर्णन है कि ब्रियां सन्ध-श्रों को किस प्रकार फंसाकर दु:खी करती हैं श्रीर साध्यों को उनसे किस प्रकार वचना चाहिये. Name of the 4th chapter of Süyagadanga dealing with thre ways in which women entice and entrap Sadhus and also pointing out the ways in which a Sādhu can avoid and escape them. स्य॰ १, ४; २, २२;

इदाणि ७० ( इज्ञनीं ) ८भण्ंः अढुण्।

श्रभी. Now at this time. भग० ३, १; ११, ११; १४, ६; नाया० २; मू० प० १६; उवा० १, ६६;

इदुर. न॰ (इदुर) सुंउक्षे। बडी टोपली.
A large basket. श्रागुजी॰ १३२:
(२) मेर्टी पाट. बड़ा पाट-लकडी का बेटने का पाट. a large wooden seat

इन्हि. अ॰ (इदानीम्) અધुता; ६वे. अब., इस समय. Now; at this time. प्रव॰ ३४६;

इच्म. ५० ( इभ्य ) જેટલા ૬૦૫થી અંભાડી સહિત હાથી ઢંકાય તેટલા દ્રવ્યવાલા ગૃહસ્થ इतने द्रव्यवाला गृहस्य कि जिसके द्रव्य से श्रंबाडी सहित हाथी हक जाय.  ${f A}$   ${f man}$ possessed of wealth, enough to drown an elephant bearing an ornamental seat upon its back पन्न० १: १६; श्रोव० १४, २७; ठा०६; भग० ६, ३३; श्रगुजी० १६, ३१; राय० २५३; जीवा० ३, ३; जं०प० नाया॰ ५; —कुल न॰ (-कुल) साधु-धारनु दुस साहूकार का कुल. a wealthy family. नाया॰ ५; - जाइ. स्त्री॰ ( -जाति ) आर्थ न्तित त्रार्य जाति. the Arya or civilised 1ace " हरिया चंचुणा चेव छुट्भेया इब्भजाइग्रो " ठा० ६: —सिंहि पुं॰ (-श्रेष्टिन्) नगर <sup>शे</sup> नगर सेठ; नगरभर का मुखिया सेठ. the chief merchant-prince of a town नाया० ५, १६;

इम. पुं॰ (इम) हाथी हस्ती; हाथी. An elephant जं॰ प॰ २; काप॰ ३, ३३; इम त्रि॰ (-इदम्) आ, ओ; प्रत्यक्ष यहः प्रत्यक्त. This; that. स्रोव॰ ३१; वव॰ २, २२; २३; २६: ७. ४: १८: दमा॰ १,

३, ४, १, २, ३; १६; निसी० ६, ४; विशे० २६८, सु० प० १; ६४; ३, १३८: भग० ४, १; ८; ६; पत्र० १५:

इ.मंचर्णः ग्र॰ ( १इमञ्चन ) એટલામાં; ते ६२भ्यानः એ वणतमाः इतने में; इतने समय में During that time; meanwhile. श्रंत॰ ३, ८, नाया॰ १; ५, १३,

इसेयारूव. त्रि० (एतद्रूष्प) आप्रश्वरतं, आप्रभाजे. इस प्रकार, इस तरह In this way, thus नाया०३; ७; ८; १२; १३; १४: १६; विवा० ७, दसा०१०, ३; वव० २, २३: उवा०१, ६६, ३, १३८; ४, १५१, कण० ४, १०३; भग०२, १;

इमेरिस त्रि॰ (ईंदश ) आ केंद्र्यु; आप्रिक्षारनुं. इस प्रकार का, इसके समान. Of this sort, of this nature. "इमेरिस मरुगायारं भ्रावजह श्रबे।हियं " दस० ६, ४७;

इय अ० ( इति ) था अशरे, ओ अभाषे इस प्रकार में; इस तरह से Thus; in that way. नाया 9; दम०६, २१. पि० नि० २०१, मु० च० १, ६४; विशे० ७४ ३६०२; श्राया०१, २, ३, ७७, १, ६, २, १८३. उचा० ७, २१६: पच० २: पंचा०४, ३२. क० गं०१. ४, २६, ३०. ६१; (२) सभाप्ति. समाप्ति a word marking conclusion. दम०६, ४६. नाया०६ पि० नि० ३७६. क० गं० १,

इयसिंह. अ॰ (इदानीं) ८भए। अभी Now, at this time ठा०३,३; इयर. त्रि॰ (इतर) भीलुं, अन्य. लिल दूसरा; अन्य; भिन्न Another; different; other. पन्न॰२१, विशे॰२६, ७४; आया०१,६.२ १०४: नाया॰ ४; ११; स्० प० ११; पि० नि० सा० ७; मु० च० १, १, कप० १, ३; क० ग० १, ८; पंचा० १, ६, —कुल. न० (-कुल) अन्त आन्त कुल. another family; different family "इयरेहिं कुलेहिं" आया० १, ६, २, १८४. — भेग्र पुं० (-भेद) अन्य भेद; दूसरा भेद another difference; another variety. निशे० ६७,

इयरत्थः प्र॰ (इतरत्र) भीके स्थेते दूसरे स्थान पर. In another place; elsewhere विशेष १२=

इयरिवह त्रि॰ (इतरिवध ) ઇतर-धील प्रधारतुं. श्रन्य प्रकार का Of another sort; different. क॰ ग॰ १, ५;

इयरहा श्र॰ (इतरथा) अन्यथा, निह्नं ती. श्रन्यथा. In another way; otherwise भत्त॰ ३६; प्रव॰ १४८१,

इयािंग. अ० (इदानीम् ) ८ भधाः; अधुना. अभी.
Now; at this time. श्रोव० ३६:
नाया० १. ५; १३; १४; १६; १६; भग०
१, ४,६; ७, ६; १४,२; राय० २५२:
आया० १,१,४,३४. जं० प० ७,१४१:
कर्प० ४,६३,

इयाल. स्त्री॰ ( एकचत्वारिशन् ) ओक्तासीसः ४१ ती संण्या इकतालीसवी संख्या. Forty-one, 41 " चडक पंचम संजोगेखं इयालं भंगसयं भवति" भग० २०, ४;

√ इर था॰ II. ( इर् ) प्रेरेखा इर्ती प्रेरेखा करना. To impel, to incite. (२) गभन करना to go. इरेइ विशे ॰ १०६०;

इरिय त्रि॰ (इरित) प्रेरेख्। धरेख प्रेरित गति कराया हुआ। Made to go prompted. विशे॰ ३१४४: इरियज्ञसयस्य न॰ ( ईर्याध्ययन ) आथारंग स्त्रनी प्रथम चृलिधानुं त्रींलुं अध्ययन. श्राचारांग सूत्र की प्रथम चृलिका का तीसरा श्रध्याय. The third chapter of the first Chulikā of Achārāṅga Sūtra श्राया॰ २, ३, १, ३०५;

इरियह. त्रि॰ ( ईच्यार्थ ) धर्म-निशुद्धि अर्थ ईया प्रार्थात् विशुद्धि के लिये. Aiming at purity or carefulness in walking. ठा॰ ६;

इरिम्रा-या. स्त्री॰ (ईर्या) गमन क्रिया; ઉપયાગપૂર્વક ચાલવું તે; સમિતિના એક प्रधार. गमन क्रिया; उपयोगपूर्वक चलनाः सामिति का एक भेद. Carefulness in walking; a variety of Samiti or carefulnese. श्रोव॰ १७: भग० २, १; ३, ३; पिं० नि० ६६२; उत्त० २४, २: ४: उवा॰ १, ७८, — श्रसमिति स्त्री॰ ( -श्रसमिति ) धर्यासमितिना अलाव ईयांसमिति का श्रभाव lack of curefulness in walking. भग॰ २०, २; -- वह. पुं॰ (-पथ) गमन भाग जाने का मार्गे. a way or road to go by. भग० ३, ३; ११, १०; ठा॰ —वह किरिया स्त्री॰ (-पथ किया) गमन क्रिया विशेष. गमन की किया विशेष. a kind of Karma arising from walking ठा० ५; -विहिश्र. त्रि॰ (-पाधिक) तेरभु हिया स्थानकः समिति શુપ્તિ યુક્ત યત્નાવત સાધુને હાલતાં ચાલનાં આં ખની પાંપણ હલાવતાં યાગ નિમિત્તે દ્રિયા क्षाणे ते. तेरहवां किया स्थानक, समिति, गुप्ति युक्त यत्नावान् साधु को हलन चलन करने या श्रांख के पलकों की हलाने पर योग के श्रर्थीत् मन वचन, काय के कर्म के निमित् से जो कर्म वंध हो वह. the 13th source

of Karma (Kriya-sthanaka), a Karma incurred by a careful and well-restrained Sadhu by the thought and action of movement, by twinkling the eye etc. सम॰ १३; स्य॰ २, २, १६. २३; -- चहिय चंध्र. न॰ ( -पथिकषन्ध ) गभनिस्या थी लागते। अर्भ णंध, गमन की किया से होता हुआ कर्म बंध. Karmic bondage incurred by walking. भग॰ ८, ८, —समिद्दः स्त्री॰ ( -समिति ) ચાલવામાં યત્ના રાખવી તેઃ પાંચ સમિતિ-भांगी पेशी समिति. चलने मे यत्नाचार रखना; इस प्रकार भ्यान पूर्वक चलना जिससे जीवों को बाधा न हो: पांच समिति में की पहिली समिति. carefulness in walking; the first of the 5 Samitis. ठा० ५, ३: ६; कप्प० ५, ११६; <del>- स्</del>समियः त्रि॰ ( - समित ) यत्ना पूर्वेक याक्षनार; धर्या सभिति थुक्त. यत्नाचार पूर्वक चलने· वालाः इर्या समिति का पालन करनेवाला. (one) walking with care and attention. नाया॰ १; ४, १४; १६. भग० २, १: १२, १, १८, २; २०, २; द्मा० ५, ६.

इरियाचाहिन्ना. स्त्रीं ( ईर्यापथिकी ) धरिया-वही क्षिया: १९-१२-अने १३ में अलुक्षित्रे ઉपशांतभाद के क्षीलुमीहवाला साधुने क्षेत्र याग निभिते सातावेहनीय क्षेत्र में क्षेत्र क्षेत्र थाग ते. इरियावहीं किया; ११, १२ फ्रीर १३ वें गुणस्थान में उपशांत मोह या जीण मोहवाल साधु को केवल योग के निमित्त में साता वेदनीय कमें रूप जो वंघ हो वह. Iriyāvahī Kriyā; i. e. Karmic bondage incurred by an ascetic in the 11th, 12th and 13th spiritual stages ( Guṇa Sthāna) arising from Kevala yoga (thought-activity) in the shape of feeling as a knower, (such an ascetic is free from delusion which has either subsided or perished.) ठा०२, १, श्राव०४, ३: प्रव०७=; भग०१, ६०:३,३,६,३; ५,०; प्रव०७=; भग०१,६०:३,३,६,३; ५,०; दस०५,१,०; नाया०१६, नेग०२,१६; दस०५,१,९५; —िकिरिया ल्ला०(-किया) लुले। ७५दो शण्ट. देखो जवर का सन्दर vide above भग०७,१,७;

इला. स्रा॰ (इला) लंभद्रीपमान ओ ह क्षेत्र जंबूदीप में का एक जेत्र Name of a region in Jambū Dvipa. जं प॰ ઠા**૦ ૪, (૨)** ઇલાવર્ધન નગરની એક देवी. इलावर्वन नगर की एक देवी name of a goddess of the town of Ilāvardhana. ઝંં ૧૦ (રૂ) પશ્ચિમ રૂચક પર્વત ઉપર રહેનાની એક દિશાક भारी पश्चिम दिशा के रुचक पर्वत पर रहने वाली एक दिशाकुमारी name of Disakumārī residing the western on Ruchaka mountain. जं॰ प॰ —क्रड न॰ (-कूट) यूस हिमपंत पर्वत अपर ध्या-દેતીના વાસવાળું ચાેશું શિખર चृल हिम-वत पर्वत का चौथा शिखर जहा इलादेवी का निवास है. the fourth summit of Chūla Himavanta mountain where the goddess Ila resides ठा० ४; जं० प० (२) શિખરી પર્વતના १३ કૃટમાંનું નવમ કૃટ-શિખર शिखरी पर्वत के ११ शिखरें। मे से नौवा शिखर. the ninth of the 11 summits of the Śikharī mountain তাও ধ. বাঁও বুও

इला देवी स्त्री॰ (इला देवी) पश्चिम ३यक्ष्म पर्वत पर २ हेनारी आहे दिशा कुमारिकामानी पहेली पश्चिम दिशा कुमारिकामों में में पहिली विशासकारी. The first of the eight Disakumans residing on the western Ruchaka mountain. निर० ४, १; ज० प० ५, ११४; — कूड न० ( -कूट ) ळुओ। "इलाकूड" शण्ह देखी 'इलाकूड शान्द vide 'इलाकूड' ज० प० ४, ११४,

इलापुत्त. ए॰ ( इलापुत्र ) ५ सावर्धन नगरना રહેવાશી એક શેકના પુત્ર-એલાચી કુમાર કે જે એક નટડીમાં લુગ્ધ થઈ કુલ જાતિથી ભ્રષ્ટ થયેા હતા પણ પાછકાચી બાેઘ પામી દીક્ષા **ली'बी दली इलावर्धन नगर के रहनेवाले** एक सेठ का पुत्र, एलाची कुमार जो कि एक नटनी पर लुब्ब होकर कुल जाति से भ्रष्ट हो गया था और पीछे से बोध के पाकर दीनित हुआ Elāchī Kumāra a son of a merchant of Ilavardhana town, enamoured of an he was actiess and had become degraded but later on he got right knowledge and became a monk जं॰प॰

इलावइ पुं॰ (इलापित ) अक्षापत्य भानती। प्रश्नाश्च आहि पुरुषः एलापत्य नामक गोत्र का प्रादि पुरुषः The progenitor of the family called Elapatya. नंदी॰

The residence of Ilachipatra viz the town called Ilavardhana जिंदि

इलिया-म्नाः स्त्री॰ (इलिका) ध्रयक्ष; अक्ष; श्रीणा वशेरे धान्यभां पडता ओक डीडा इल्ली, चामल वगेरह धान्यों में होनेवाला एक कींडा A worm found in rice and other grains. विशे॰ ४३०;

इली. स्त्री॰ (इली) अरुपाक्ष; णे धारपाक्षी तक्षत्रार दो धारवाली तरवार. A double edged sword, पर्मण॰ १, ३;

इव. अ० ( इव ) थेडे; भरे; लेवुं, भाइड. तुल्य, सदस्य. Like. धव. सम० ३०, दमा० ६, १, न'या० १, ३, ८; १४, १६, १८, दम० ६, ६६, ६, २, १२; भग० ८, ३३; १४, १, २५, ७; श्राया० १, ४, १, १४२; श्रांव० १७, उवा० २, १.२; क० ग० १, ३६, ५०.

इसणा स्त्री॰ (इपणा) अन्वेषशा, र्रष्ट पस्तु-भां अवृत्ति अने अनिष्ट पस्तुभा त्यागणुद्धि. इष्ट वस्तु मे प्रेम और अनिष्ट वस्तु मे त्याग बुद्धि Search after what is right and good accompanied with the desire of leaving off what is evil and false. आया॰ १. ४, १,

इस्ति पुं० (ऋषि) अःषि, जानांत साधु भुनि. ऋषिः ज्ञानवात् साधु, मुनि. A sage; a saint. an ascetic "इसीण सेट्ठे तह चद्धमाणे" स्य० १, ६, २२; २, १, ६०. जं० प० ३, ४७, पन्न० २, अोव०३६, दम०६, ४७, भग०६, ३४, १६, ३, ऋणुजो० १२८, ठा० २, ३, उत्त० १२, १६; २८, ३६; राग०२६६ जं० प० ३, ४७; — परिसा

स्त्रा॰ ( परिषत् ) अंतिशय ज्ञानवासा ऋषिणे।नी परीपर्सभ . श्रातिशय महान् ज्ञानवाले माबुय्रो की मभा an assembly of highly enlightened saints. भग० ६, ३३, दसा० १०, १ — बंस. पुं• ( -त्रंश ) ગણધર સિતાયના તીર્થકરના शिष्येती वंश, गणधर के सिवाय तीर्थंकरों के शिप्पें का वंश the lineage of the disciples of Tirthankaras, excepting the Ganadharas. ( ) ) ते वंशनं अनिपदा करन र श रूप सम् स्थान योरे उक्र वंश का प्रतिपादन करनेवाला शास्त्र समवायांग वर्गरह scripture e. g. Samavāyānga etc. dealing with the above सम० २:

इसिनारोग्रा स्त्रीं (ऋषिनियक्ता) भे नाभना अनार्थ देशमां अन्भेक्ष दासी. इस नाम के अनार्थ देश में जन्मी हुई दाया A female servant born in a non Arya country of the name जं॰ प॰ भग॰ ६, ३३, श्रोव॰ ३३: इसिगुत्त. पु॰ (ऋषिगुप्त) विशिष्ठ भात्र ना सुढिरितन् अधार्यना ओड धिनर शिष्प विशिष्ठ गोत्र के सुहस्तिन् श्राचार्य के एक धिनर शिष्प. Name of a Thivara disciple of the preceptor Suhastin, of the Vasistha family (२) ओ नाभनु भाग्यनगण्न प्रथम कुल

इसिगुत्ति. न० (ऋषिगुप्ति) शे नाभनु भाष्युगण्यी नोडलेस इस माणवगण से निकले हए कुछका नाम Name of a

गुत्तेहिंतो वासिट्सगोत्ते हिं " कप् ० ५;

name of the first family of

Mānavagaņa. " थेरेहितोणं इसि-

family-offshoot derived from Mānava Gana. 5770 5;

इसिएा. पुं॰ (इसिन) એ नामना એક अनार्थ देश एक अनार्थ देश का नाम A non-Arya ( uncivilised ) country of this name. नाया॰ १,

इसिशिया स्त्री॰ (इसिनिका) धिसिख नामक अनार्थ देशनी स्त्री. इसिश नामक अनार्थ देश की स्त्री. A woman of a non-Arya country ( uncivilised country) named Isina पन्न॰ १ नाया॰ १;

इसिदित्तियः पुं॰ (ऋषिदत्तक ) रिसिश्वभ थिपरथी भाष्प्रगण्नु नीक्ष्यः भीन्तुं कृतः ऋषिगुन्त स्थिवर से निकला हुन्ना मानवगण का दूसरा कुल. The 2nd Manavagana lineage starting with the saint Risigupta. कप्प॰ =;

इसिदास प॰ (ऋषिदास) अखुत्तरीववाध भवना विका वर्गना विका अध्ययननं नाम. श्रशासरीववाड सत्र क तीसरे वर्ग के तीसरे श्रध्याय का नाम Name of the third chapter of the third section of Anuttarovavāi Sutra. (२) अडिटी नगरी निसर्सा ભદાસાર્થવાહીના પુત્ર કે જે દીક્ષા લઇ ૧૧ અંગ ભણી છટ્ટ છટ્ટના પારણાની પ્રતિના લઇ ઘણા વરસની પ્રત્રજ્યા પાલી એક માસના સંથારા કરી સર્વાર્થસિદ વિમાનમા ઉત્પન્ન થયા. ત્યાથી એક અનતાર કરી भेक्ष पाभरे। काकदी नगरी निवासी भद्रासार्थ-वाही का पुत्र, जिसने कि दीचा लेकर १३ श्रंग पढे, श्रीर प्रत्येक छट्ट २ (दो २ श्रनशन) का पारणा करनेकी प्रतिज्ञा ली श्रीर बहुत वर्षी तक प्रवजा का पालन कर अन्त में एक मास का सधारा किया । मृत्यु होनेपर मर्वार्थिसिद्धि

विमान में उत्पन्न हुआ और अब वहां ने एक भव और धारण कर मोच जावेगा name of a son of the merchant Bhadiasarthavahi of the city of Käkandī He took Diksā, studied 11 Angas, took a vow to take food after every two fasts, practised asceticism for many years and after a Santhārā (giving up food and water) for one month was born in the heavenly abode called Sarvärtha Siddha whence after one birth he will get salvation श्रणतो॰ ३, ३; -- इक्सयगा. न० ( - अध्ययन ) અહ્યત્તરાપપાતિક સુત્રના ત્રીજા વર્ગના त्रील अध्यानं नाभ श्राणुत्तरोपपातिक सूत्र के तीसरे वर्ग के तीसरे अध्याय का नाम. name of the third chapter of the third section of the Anuttaropapātika Sūtra. ठा० १०:

इसिदिएण पु॰ ( ऋषिटत ) लंभूद्रीपना शेरवतक्षेत्रना यालु अवसार्पेज्ञीना पायभा तीर्थंडर. सुभितनाथ प्रलुना समझलीना अवसार्पेण्ञी के ऐरावत सेत्र के वर्तमान अवसार्पेण्ञी काल सम्बन्धी पाचवें तीर्थंकर, सुमितनाथ स्वामा के समझालीन The 5th Tirthankara ( contemporary of Lord Sumatinatha) of the present Avasarpini in the Airavataksetra of Jambūdvīpa सम॰ प॰ २४०, (२) डाटीड- डाडन्टडायार्थना थिवर शिष्य. कोटिक काकन्दकाचार्य का स्यविर शिष्य. пате об а

Sthavira disciple of the preceptor Kākandaka of the Kotika descent. कार =;

इसिपाल पुं॰ (ऋषिपाल) पांचमा वासुहेवना त्रीम्न पूर्वभव का नाम Name of the third preceding birth of the 5th Vasudeva स्मान प॰ २३६; (२) धिस्त्राय म्यानित व्यवस्टेनों। धंम ट्रांमचाय जाति के व्यवस्टेनों का इन्ह India of the Vyantara gods of the class known as Isivaya हा॰ २; इसिमहपूत्त पुं॰ (ऋषिमहपुत्र) आर्थिभध

हासमेहपुत्त पु॰ (ऋष्यभद्रपुत्र) आक्षापक्ष नगरीना भुभ्य आवध आर्लोक्का नगरी का मुख्य आवक The principal Jaina layman of the town of Alambhikā, भग• १३, १२,

इसिभासिय न० ( ऋषिभाषिन ) %पि-ભાષિત નામનું એક કાલિક થત કે જેમા તીર્થંકર આદિની સ્તૃતિ કરેલ છે. હાલ તેના विश्लेह थर्छ अथे। छे ऋषिमापित नाम का क्यालिक श्रुत विशेष, जिस से कि नार्थकर आदि की स्तुति की गई है चर्नमानमें इस अत का विच्छेद होगया है. Name of a Kālika Śruta ( not extant ) scripture containing the praises of Tithankaras etc सम॰ ४४, विशेष १०७४; नंदी० ४३; (२) त्रि० ઋષિ મૃતિએ કાંડેલ ઉત્તરાધ્યયન વગેરેના अध्ययने। ऋषि-मुनि-हारा कहा हुया उत्तराध्ययन वीगरह का श्रध्याय chapters of Uttaradhyavana etc narrated by ascetics विशेष २२६४.

इसिमासियङभ्रयस्य न॰ (ऋषिभाषिता-ध्वयन) प्रश्रव्याक्षरस्थातुं क्कुं अध्ययन प्रश्नन्याकरण्डणा का तीमरा अध्याय. The third chapter of Prasnavyā-karana Dasā. टा॰ १०;

इसिया हो ( इंपिका ) धासनी सदी. वांनकी गलाई A blade of grass. "केट पुरिषे मुंजाश्रो ट्रिष्यं श्रिभीण-वांट्रता" मय २, १, १६;

टिसिबाइ. पुं॰ (ऋषिबादिन्) याण्यंतर्शी ११ व्यतभाती ११ भी व्यत वाणव्यंतर की. मोलह जातियों में की ११ वी जाति. The 11th of the 16 classes of Vānavyantara hell-goda. पत्र॰ २; फ्रोव॰

इसिचाइयः पुं० ( ऋषिवादिक ) क्रुशे। ७५भे। राण्ट देगी अपर दा शब्दः Vule above, श्रोव० २४; पण्ह० ९, ८:

इस्मिचालः पु॰ (ऋांपपालः) शुओः 'इस्पिपाल' शण्दः देखों 'इसिपाल' गब्दः Vide 'इसिपाल'' पञ्च० २, ठा० २, ३;

टिसचालिय. पुं॰ ( प्रतिपालित ) ध्रिसाय व्यतिना १४-तरनी ध्रिः टिमवाय जाति के व्यंतर देवों का इन्द्रः. The Indra of the Isivaya Vyantara kind of hell-gods स्रोत्तः (२) भाइस नात्रो व्यावसीतिसीतिस्ता स्थित शिष्यः मारुम गोत्र के श्रार्थशानितमिनिक के स्पविर शिष्यः प्रकारिक विद्यापा शिष्यः प्रकारिक गोत्र पर मे निकली हुई शालाः a lineal branch from the above. " धरोहितो श्रवतुहित्वालिया माहा गिरुमया " कृष्यः =,

इसीपन्माराः स्रो॰ (ईपन्त्राग्मारा) लुले। 'इसिपन्मारा' शण्टः देनो 'हमिपन्मारा' शब्द Vide " इसिपटभारा '' पन्न० २; श्रोव० ४३,

इस्स. पुं॰ ( ऐप्यत् ) अविष्य अस भविष्य काल; आगामी काल. The future time

इस्सर पुं॰ (ईश्वर ) हिल्ला भ्तवाही ज्यतना व्यन्तरहेवताना छेंद्र दार्चिण के भूतवादी जाति के व्यंतर देवों का इन्द्र. Indra of the Bhūtavādī kind of Vyantara gods of the south. पज. २: (२) भाविक: सरहार: सामान्य राजा an owner a lord; a king जीवा॰ ३३. निर॰ १, १: दसा॰ ६, १३; १४; —वाइ. पुं॰ (वादिन्) छेश्वर ज्यन्हर्ता छे, योवा पाह करना वाला one who holds that God is the creator of the universe. स्य॰ टी॰ १, १. २, ५:

इस्सरिय न० (ऐथर्य) अंश्वर्य, महोटाछ ऐश्वर्यः समृद्धिः वडपानः Power. wealth; greatness पञ्च० श्राणुजो॰ १३१, उत्त० १८, ३६, प्रव॰ १०७०; विशे० १०४८; —मञ्र-य. पुं० ( -मद ) ॐर्र्थ्यनी।-म्हाेटी सपत्ति वर्गरेता भद्र. ऐश्वर्य-समृद्धे वगैरह का मद. pride, intoxication, of power, wealth etc सम॰ दः ठा॰ द,--मन्. पु॰ (-मन्) ळाओ। ७ भंकी शणहा देखी जगर का शब्द vide above भग॰ =, १, —सिद्धि पुं॰ (-सिन्धि) ઐશ્વર્યની સિદ્ધ-પ્રાપ્તિ ऐश्वर्य की प्राप्ति acquisition of power and wealth. स्य १,१, ર, ૧૫;

इस्सरीकय त्रि॰ (ईश्वरीकृत) धनादय

नथी तेने धनादय भनावेस. जो धनाट्य न हो उसे धनाट्य बनाया हुन्न्य (One) raised to power and wealth सम० २६; इसा १ ६, ९३;

इस्सा. स्री॰ (ईप्या ) अहे भार्ध. स्रदेखाई; ईपी: दूसरे का वैभव, मान श्रादि सहन न होना Envy; jealousy उत्त॰३४,२३: इह. अ० (इह) અદિ आ; आ क्षेत्रिभा. यहा, इस लोक मे. Here, in this would राय॰ २३; नंदी॰ ४४, नाया॰ १, ३, ६; ७; ८, ६, १५; १६; भग० १, ६, २, १; ३, २, ५, ३; ४, ४, ७,६, ५; ८, ८; १८, ५: स्य० १, १, १, ७; श्राया० १, १. १, ३, दस० ४; ६, ३, १४, दसा० १, ३, विशे० ५१, निर्सा० ६, ૧२; क० ग० १, ३-२१; २. १७; जं० प•७, १३३, -- गय. ति॰ (-गत) अहिं आ रहेते। यहां रहा हुन्ना. standing here; remaining here. नाया० ध० मग• २, १; ६, ६, ७, ६ ६; ज० प० ०, १३३;

इस्टर् २४० (इह) आही यहा Here सु० च०१४,३०;

इहं श्र० ( इह् ) आदि, घटा. यहां. Here. श्राया० १, १, १, १, नाया० १, २; ५: ६. १४, १६; १२: पं० नि० २१६,

इहत्था नि॰ ( इहार्थ-इहेंच जन्मन्यर्थ: प्रयोजन यस्य ) आक्षीक्ष्मा अर्थ सुणती अलिक्षाधी. इस लोक सम्बन्दी सुख का चाहनेवाला. (One) desirous of the happiness of this world. ठा॰ ४, ३:

इहभव. पुं० (इहभव) आ लप, आ जन्म. भनुष्य जन्म यह भव, यह जन्म, मनुष्य जन्म This life; this world; human birth नाया० ४; ७, ६: १३; १४; १८ भग० २, ४; TRAFFE TO CEMERY & MICHAEL AND A CONTROL OF THE STATE OF

प्रशीसिक १०० व होई से किए १००० व व र भी देश १० सामा है है १००० व व र भी का भारती स्थान के ते के ते के ते र भी १००० के ते के ते के ते के ते के ते र भारती किए के ते के ते के ते के ते के ते राज की मार्ग के सामा कि तहा है के ता के ते के ते भारती देश र करी कहा है के तहा है के तहा है

पहाँगाम, पुँच (इसलोक) अन्न के र अन्न करतान, अनीवाल अनुभारतार, यह जोत्र, स्मुख्याक, अनीवाल जन्म, Time world शोल क्रिक्ट human bieth द्वानीय करता, कर कर, के भ), जनाम भ, पत्र — असरोस्यालकीया

Jak HAR Ber - Fa The part of the property of the part of th ま な かっ ナノナ ま しょ and the second second agranda page - a construction of do year grown grown g the second second second wall was a market of the second 表示的 人名 一次生生的生物 计通知公司表 中文 横 如 一 人名 经第二 中外 年上 y w E to a war man 5-+ · \*r The Property of the State of th for the south of the Edit a second of the second Bush of Bush with the right of 部門中自 野子 医野生 老人好不 五 at the state of the south to attack to a is the get a second the enable राज्या । व्याप्तरहोत्रका स्टब्स् ( प्राप्त Terror by mil write it to 经主发工的产业的资本 表示外统的 a Hand the most althor 中中中 张州縣 严助业 中 " 生生 一 智野

पु॰ ( ~भय ) મનુષ્ય તિર્યચાદિકથી ઉત્પન્न थतुं लय, सात लयभांन ओ प्रशाणिया-मनुष्य तिर्यचादिकों से उत्पन्न भय-टर fear ausing from the beings (men, animals, etc., ) of this world सम० ७, ठा० ७, १; — वंयस पुं॰ ( -चेदन ) आ क्षेत्रना सुभने। अनु -भव. इस लोक के मुख का अनुभव experience of the happiness of this world. श्राया - १, ४, ४, १४= —वेयग्वेज्ज त्रि॰ (-वेदनवेद्य) आ अव-માંજ વેદવાથી વેરાઇ જાય તેવ કર્મ, પ્રમત્ત સંયતિએ ઇન્છાવિના માત્ર કાય પાગથી णाधेल ५ भी. इस भव में हा वेदने से--भोगने से भोगा जाय - ऐसा कम, प्रमत्त सयति का भी विना इच्छा के केवल काया के योग से बांबा हुआ कर्म. ( Karına ) the result of which can be exhausted (borne) in this world. (Karma) incurred by an eriing ascetic without special desire, merely by the weakness of the flesh, श्रायाः १, ४, ४. १६८, —वेयण वेज्ञा विदयः त्रि॰ (-वेदन वद्यापतित-इहास्मिन् लोके जन्मान वेदनमनुभवनमिहलोकचेदन तेन वेद्यमनु-भवनीयमिहलोकवेदन वेद्य तत्रापतितामह-लोकवेटन वेद्यापतिनम् ) आ अपभाज

ભાગવાઇ જાય એવું કર્મ, ઇચ્છા વિના માત્ર કાયયાગથી કર્મ બંધાય તે. इस भव म ही भुगता जाय, ऐसा कमें; विना इच्छा के केवल काया के योग से जिस कमें का वंधन हा बह. ( Karma ) the result of which is exhausted (borne) in this very birth incurred without volition, through weakness of the flesh श्राया॰ १, ४,४,१५=,-संवेशिणी स्ना॰(-संवेशिनां) આ સસારનું સ્વરૂપ જાણીને વૈરાગ્ય પમાય तेनी ४था. ऐसी कथा जिससे संसार स्वरूप जान कर वैराग्य प्राप्त हो. a story creating disgust towards this world by showing its worthlessness ठा० ४:

इहलोय. पुं॰ (इहलोक) लुओ 'इहलोग' शण्ट. देखो 'इहलोग' शब्द. Vide "इहलोग" निसी॰ १२, ३४, नाया॰ २. ५, १७; १८, गु॰ च०४, ६७, —भय न० (-भय) आ ले। इनुं-तिर्यंथ भनुष्य वगेरेथी थत लय. इस लोक का भय. fright caused by beings in this world e.g by men, brutes, etc प्रव॰ १३३४.

इहेच. अ॰ (इहेच) अद्धिल. यहां ही Here: in this very place. नाया० १: ८, ६ १४ १६; भग० ३ २, १४, १९

ई

র্ম্ম. শা॰ ( র্নুনি ) ও্পর্র্ব ত্বর্র্ব; বিল্ল Disturbance, obstruction, প্লাবি । র্ম্বর প্লা॰ ( র্নুনি ) স্পনিবৃত্তি অনাবৃত্তি আনি ও্যথে আনির্তি প্রনার্তি সাহি ত্রহন A calamity such as excess of rain, drought etc প্রবাদ সহতঃ ईति. पुं॰ ( इंति ) १ स्वयक्ष्लयः २ पश्यक्ष-ભય, ૩ અતિવૃષ્ટિ, ૪ અનાવૃષ્ટિ, ૫ ઊંદર, દ તીડ અને હ શક એ સાત ઈતિ કહેવાય छे. सात प्रकार की दीन ( भय ). १ स्ननफ भय, ६ परचक भय, ३ श्रतिगृष्टि, ४ श्रना-मृष्टि, ५ ऊंदरा, ६ टिईा, और ७ म्या गह सात प्रकार के भय हैं. A calamity; a disturbance: it is sevenfold: (1) from friends (2) from enemies (3) from excessive rain (4) from drought (5) from locusts (8) from parrots and (7) from ints जं प॰ १,१०; गम॰३४; — बहुल त्रि॰ ( -बहुल ) केमां २वस १ भप आहि धित ध्रशी है। यते. जिसमें स्वचक भय श्रादि भग बहुत हो. that which is full of calamity, disturbance, from friends etc. ল॰ ৭০ ৭, ১০:  $\sqrt{\xi}$ τ. খা০ I, II ( $\hat{\xi}$ τ) પ્રેરણા કરવી. प्रेरणा करना To prompt; to direct. ''ईरन्ति'' दय० ६, ३६; र्द्रारेयः त्रि॰ ( ईरिन ) प्रेग्णा धरेतः दांधतः स्थावेश प्रेरणा किया हुआ; हलाया हुआ, हाका हुआ. Prompted; directed "समीरिया कोहबाल कारिति" म्य॰ १, પ્ર; ર, ૧૬; (ર) કહેલ; પ્રતિયાદન કરેલ. कहा हुआ, प्रतिपादन किया हुआ told, explained. श्राया० १, ६, ४, १६२; ईरिया - स्री॰ (ईंग्यां) लुशे। " इत्या ' शण्ट. देखे। " इरिया" शब्द Vide "इरिया" श्रोघ॰ नि० ७४=; श्रोव॰ ४३; —सिमइ. स्री॰ (-समिति ) लुओ "इरियासामिइ " शण्ट. देखां "इरियासामेइ." शब्द vide " इरियाममिइ " सम॰ ५; ठा॰ =, १; ईस. पुं॰ ( ईश ) धिश्वर; ईश्वर. God; lord पञ्च० २:

ईसम्प्र वि॰ ( ईमाएय-ईस ईश्वर इप्याच्या प्रमिदिवयां) ४ १५२-नायक नरीके केती प्रनिद्धि है। ये ते. ईश्वर-नायक न्यामी के तीर पर जिसकी प्रमिद्धि ही यह ( One ) famous as a leader, or commander, जीया = 3:

ईसिंगियाः छाः (ईगानिका) एथान देशमां उत्पन्न थपेत्र द्वारी ईगान देशमे उत्पन्न दागाः A maid servant born in the country of Kana, नाया • 1;

ईसत्था न० ( इच्चम ) धन्यिया: ये। धनं धनं अने पणानु ये। इं लक्ष्य लादवानी ७२ इसामंनी ओह इसा धनुविधा; युद्ध मंगेषा शाखा थीं यो नेना को बहुत धार बहुत नेना को थीं जो बन्नानेनाकी ३२ कनाधी में की एक कना Science of archery; one of the 72 arts vizitled of causing a large army to appear small and vice versal नाया १: पणण० १, ४. जं० प० २: सम० धोव० ४०:

ईसर. पुं॰ (उँगर) धृथरः परभेथर दंगरः परमेशर. जिली. श्रागा॰ २. २, ३, ८६ः प्या॰ १७, २९ः (२) भाविष्ठः धृणीः नायष्ठः मानिकः सरदारः स्यामाः नायषः lord: master: commander. वण्णः २, ६३ः निर० ३, ४, जे॰ प०३, ४३ः नाया॰ ४ः ७ः १४ः श्राया॰ २. ७, १, १४४ः (३) धुतराथः युवराजः an heir-apparent. नाया॰ १ः श्राणुजो॰ १६ः (४) सामान्य मांडलिक राजाः a king; a chief श्राणुजो॰ १६ः (५) अभात्यः भ्रधान मंत्रीं. प्रधानः कारभाराः व miniater. chief minister. श्राणुजो॰ १६ः (६) शीभेतः रोढः श्रीमानः धर्माः सेठ a wealthy person:

lord of wealth विशे ० १४४१: सम॰ ३०: (७) લવણ સમુદ્રની મધ્યમાં ઉત્તર દિશાએ ઇશ્વર નામના મહાપાતાલ કલશા लवण समुद्र के बीच में का उत्तर दिशा का इंश्वर नामक महापाताल कलश. an infernal pot-like structure, so named, in the centre of Lavana ucean in the north. जीवा॰ ३, ४, ठा• ४, २; सम० ५२, (२) भूतवाहि जातना व्यंतर देवना धन्द्र. भतवादी जाति के व्यंतर देव का इन्द्र. Indra of the Vyantara gods of the class known as Bhūtavādı. ठा॰ २, ३: ( દ ) અણિમાદિ ૠ(ધ્ધવાલા; સમર્થ. श्रीणमादि ऋदिवाला, समर्थ powerful; possessed of Yogic powers like Anima etc पत्र॰ १६, ( १० ) ચાેથા તીર્ધંકરના યક્ષ દેવતાનું નામ ચાંય तीर्थकर के यन का नाम name of the Yaksa deity of the fourth Tirthankara, प्रव. ३७४, -कार-शिश्च. त्रि॰ ( -कारशिक ) ध्धरते જગતનું કારણ માનનાર વર્ગ, જગતકર્તત્વ-वाही. ईश्वर को जगत का कारण मानने वाला वर्ग, जगत्कर्तृत्व वादी. (one) who holds that God is the creator of the universe. स्य॰ २. १, २५; --पभिद्र त्रि॰ ( -प्रभृति ) र्धश्वर प्रभृति आहि ईश्वर प्रभृति-न्नादि God etc जं॰ प॰ ३, ४२;

ईसारिश्च-यः न० ( ऐश्वर्ष ) ॐश्वर्ष भीटाप्तः संपति ऐश्वर्यः, वड्ण्पनः, सपत्ति Great ness; wealth; power श्रगुजी॰ १३९; —मदः पुं० ( -मद् ) जुओ। 'इस्स-रियमश्च 'शण्द देखो 'इस्सारियमश्च 'शब्दः vide '' इस्सारियमश्च ' ठा० ६, १; ईसरी कन्न निश्च ( ईश्वरीकृत ) ध्यिर-धनादय निष्ठ तेने धनादय करवामां आवेस. जो धनाट्य नहीं हो उसे धनाट्य बनाया हो ऐश्वर्य युक्त किया गया हो वह. (One) raised to greatness and wealth सम॰ ३०;

ईसा स्री॰ (ईप्यां) अहेणाश स्रदेखाई; ईर्षा, दूसरे का वैभव स्रादि सहन न होना Jealousy; envy. मु॰ च॰ १४, ६७; ईसा. स्री॰ (ईशा) धन्द्राशीनी अन्दरनी सक्षा. इन्द्रानी की भीतरी सभा The private or inner council of Indrani. ठा॰ ३, २; (२) पाधु-०यंतर धन्द्रनी अभ्यन्तर सक्षा वाण्वयंतर इन्द्र की स्रन्तरंग सभा the inner council of the Indra of Vanavyantara gods जीवा॰ ३, ४;

**ईसारा** पुं॰ ( ईशार्न ) धशान नाभे श्रीको देव-थे। ईशान नामक दूसरा देवलोक The 2nd heavenly world so named र्जावा० १, श्रोव० २६; ठा० २, ३, सम० १, नाया० घ० १८, श्रामुजी० १०४. भग० २, १, १८, ७, नाया० १; विशे० ६६४, जंग्य० ४, ११६; ७, १४२, (२) थे દેવલાકના નિવાસી દેવતા ईशान देव लोकवामी देव a god residing in the above would कप्प॰ २, ६४ पन्न० १, क० ग० ४, ४३; (३) ध्रशान देवें थे। धेर ईशान देवलोक का इन्द्र. Indra of the Devaloka called  $ar{ ext{I}}$ ś $ar{ ext{a}}$ na. नाया॰ घ॰ ६, पन्न॰ २, सम॰ ३२: ठा०२, ३; भग० ३, १; १७, ४; (૪) ઈશાન નામે ૧૬મું મુહર્ત ફંશાન नामक १६वा मुहूर्त. name of the 16th Muhūrta (a period of time ) सम ० ३०; (१) એક અહે।-

રાત્રિના ૨૮ મુહૃર્તમાંનું ૧૧મું મુહૃર્ત. एक श्रहोरात्रि के २४ सहूतों में से ११ वां मुहतं. the 11th of the 24 Muhūrtas of a day and a night. स्० प० १० जं० प० २, ३; ३७, १४२; (१) धिशान द्वेष्ण्-भुष्णे. ईशान कोगा the north-east. श्रोष॰ नि॰ भा॰ २७६; —इंद. पुं० (-इन्द्र ) धिशान देव-क्षे। अन्त्र. ईशान नामक स्वर्ग का इन्द्र. Indra of the heaven named र्वेंबंब. भग० ३, १; —देव. पुं॰ (-रेव) जीन्त धिशान देवले। इता. दूसरे स्वर्ग के देव. a god of the 2nd heavenly world, named Isana भग० २४ १२; **ईसा**ण कप्प. पुं॰ ( ईसानकल्प ) भीन्ते देवलीक दूसरा स्वर्ग--देवलीक The 2nd heavenly world नाया॰ १६; नाया॰ थ० १०; जीवा० १; निर० २, २; ईसाराग. ५० (ईंगानक) બીજા ઇશાન देवले। इंपान नामक दूसरे देवलोकवासी देव. A god residing in the 2nd Devaloka styled Išāna. उत्त॰ ३६, २०८, जं० प० ४, ११८; ईसाणवर्डिसय एं॰ (ईशानावतंसक) धिशान દેવલે કમાનું સાથી માટું વિમાન, છશાનેન न्द्रनुं भध्यनुं विभान. ईशान स्त्रर्ग का सब से वडा विमान; ईशानेंद्र का मध्यवर्ती विमान. The largest abode of the heavenly world called Isana; the middle or central abode of र्देश endra भग० ३, १; ४, ५; १७, ४; **ईसा**णि**त्रा-या खी॰ ( ई**शानिका ) ध्यान डेाण्, धशान भुण्ना. ईशान कोरा; ईशान नामक विदिशा. The north-east q uarter. भग० १०, १;

ईर्प्या स्पा दोप. The fault of jealousy or malice. दसा॰ ६, १४; ईसालु, त्रि॰ ( ईर्घालु ) ४५५। वाला. ईप्पांलु; ईर्षो वाला. Jenlous; malicious. प्रव॰ ६००: ईसि २४० (ईपत् ) थे। हुं; २५६५; ४२१. थोडाः कुछ; जरा; किचिन् A little. नाया॰ २; ११; मु० च० १३, ४०; ठा० ८, १, पन्न० २; ३६; र्द्रोसि. थ० ( ईपन्) लुओ। ઉपक्षे। शण्ट. देखो ऊपर का शब्द. Vide above, जीवा॰३, ४; विशे॰ १२४६; श्रोघ० नि० ७२७; भग० ३, ९; ५, २; पन० २; १७; सम० ३४; श्रोव० नाया० ६; =, १६; ठा० ३, १; राय॰ ६३; दसा॰ ७; १; पंचा॰ १२, ह; कप्प० २, १४, जे० प० ४,११२; ११४; —ऋोठवलंबि. त्रि॰ ( -श्रोष्टावलाम्बन् ) થાડુંક હાેકને અવલમ્યન કરનાર. श्रॉठ को थोडासा श्रवतंत्रन करने वाला touching, resting on, the lips a little. पत्र॰ १७, —तंयचिकुकरणीः स्री॰( -ताम्रान्ति-करणी ) થાેડીક લાલ આંખ કરનાર ( स्त्री ). कुछ लाल श्रास करनेवाली (स्त्री). (a woman) making the eyes a little red. पन्न• १७; —तुंग. ति॰ ( -तुङ्ग ) इंधेक अध्ये. खेळ कंचा. n little high; somewhat high. जं॰ २० ६; -दंत. go ( -दन्त ) थे। siत वाले।. थोड़े दोता वाला. (one) having a few teeth or having scanty teeth. भ्रोव॰ --दंत. त्रि॰ (-दान्त) થાડી શિક્ષા પાંમેલ હાયી. થોલી શિન્ના પાયા हुआ हाथा (an elephant) scantily trained जं॰ प॰ ३; -पब्सार. पुं॰ ( -प्राग्भार ) थे। ुं कुण्य धवुं नमवुं ते.

ईसादोष. पुं॰ (ईर्च्यादोष) ४५५। ३,५ ६।५.

कुछ नमना; कुछ नम्रीभूत होना. bending a little. पंचा॰ १८, १६; —पञ्मार-गय. त्रि॰ ( प्राग्भारगत ) थे। हुं हुण्ल-नभेल कुछ नमा हुआ. bent a little; somewhat bent. पंचा॰ १८, १६; - परेवात. पुं॰ (-पुरोवात) જરાક પूर्वने। पाय. जरासा पूर्व का वाय which is a little in front. नाया॰ ११;-परेवाय पुं० (-पुरोवात) थे।डे। पूर्व દિશાના વાયું. कुछ पूर्व दिशा की हवा a lettle eastern wind नाया॰ ११: भग॰ ४, १; — मत्त त्रि॰ ( - मत्त ) યાેવનની શરૂઆતવાલા થાેડા ઉન્મત્ત–હાથી वंगेरे. यौवन की प्रारंभिक श्रवस्था वाले थोडे उन्मत्त हाथी वगैरह. (an elephant etc.) somewhat intoxicated on account of the budding of youth. जं॰ प॰ ३; श्रोव॰ - रहस्से ( -हस्व ) थे। ५ ५५२ अक्षर-अ-५ ७ ३४. कृ कुछ न्हस्व श्रक्तर श्र-इ-उ ऋ-ल वगैरह. any of the five short vowels-श्र इ-उ-ऋ-लृ. " ईसिरहस्तपंचक्लर उच्चारण द्वारा " श्रोव॰ --चोछेदकडुइ स्त्री० ( -ब्यवच्छेदकटुका ) પીધાં પછી થાઉજ વખતે-તન્તજ કડવાશ આપનારી વાને के थोड़ी ही देर वाद-त्रांत ही कद लगने वाली anything that tastes bitter immediately after it is drunk. पञ्च० १७:

ईसिपब्भारा. स्त्री॰ (ईपत्प्राग्भारा ईपत्प्राग्भारो महरवं रत्नप्रभाषपेचया यस्याः सा ) सिद्ध शिक्षाः मुक्ति शिक्षा, सिद्ध शिक्षा, मोच शिक्षा. The place of abode of perfected souls or Siddhas; Siddha-Silä. श्रग्राजो॰ १०४; ठा॰ ४, ८, १; श्रोव॰ ४३; पण० २; भग०

६, ७; ८, ३; १२, ५; १४, १०; १६, ६; २०, ५;

इंसिप्पभा. स्रो॰ ( ईपरप्रभा ) सिद्ध शिक्षा; भुक्ति शिक्षा सिद्ध शिला; मोन्न शिला; मोन्न स्थान. The place of abode of perfected or liberated souls; Siddha-Silā, भग॰ ३, १;

ईसिय. त्रि॰ (ईपत्क) थे। ६; २५९५. थोडा; ग्रल्प; कुद्ध. A little; scanty.

ईसी ह्री॰ (ईपत्) सिद्ध शिक्षानुं એક नाम. सिद्ध शिला का एक नाम. One of the names of Siddha-Silā or the abode of perfected souls श्रोव॰ ४३;

ईसीपटमारा स्त्री॰ (ईपत्यागभारा) लुओ। 'ईसिपटभारा'शण्ट. देखो 'ईसिपटभारा' शब्द. Vide "ईसिपटभारा" सम॰ १२; उत्त॰ ३६, ४७, प्रव॰ ६०६;

√ ईह. घा॰ I. (ईह्) ध्र-७वृं; न्दृ।वृं. इच्छा करना; चाहना. To wish; to desire.

ईहइ-ति उत्त० ७, ४; सु० च० ८, ४४; ईहिउगा. सं० कृ० विशे० २४७; ईहिश्र. स० कृ० विशे० २४८; ईहमागा. व० कृ० उत्त० २६, ३३; ईहिजइ. क० वा० विशे० २६६,

ईहा. ह्री॰ ( ईहा ) वियारणा; आक्षीयता, अवश्रद्ध यथा पछी ते आम छे हे तेम अवी विशेष वियारणा हरवी ते; मितज्ञाननी। जीको लेह. विचारणा, श्रालोचना; श्रवमह होने के बाद जिसका श्रवमह हुश्रा हो उस वस्तु विशेषकी विचारणा करना ईहा कहलाता है; मितज्ञान का दूसरा भेद. Dealing with perception to arrive at judgment; the 2nd

variety of Matijñāna; reflection upon what one has perceived. दसा॰ ४, ४५; श्रोव॰ ४०; विशे॰ १७६; ३६६; पत्त॰ १४; श्रोघ॰ नि॰ ६२; नाया॰ १; ६, भग॰ ६, २; ६, ३१; ११, ११; १२, ५; १७, २; राय॰ १०६; नंदी॰ २६; सम॰ ५; २८, कप्प॰ १, ७, क॰ गं॰ १४; (२) भूग विशेष एक प्रकार का मृग. a kind of deer नाया॰ १; ६;

ईहापोह. पुं० (ईहाव्यूह) ઉદ્યોપાद; तर्ध वितर्ध कहापोह; तर्क वितर्क; रांका समा-धान. Full consideration of the pros and cons (२) संश्राम-युद्ध-नीति, ओड ज्वतनी व्युद्ध रचना. युद्ध नीति, एक तरह की व्यूह्य रचना science of war; a kind of military array. नाया॰ १; जं० प० ३, ७०;

इंहामइ. स्ना॰ ( इंहामाते ) धटारूप भित-वियारणाः भित्रानिते। योध भेट हेहारूप मितज्ञान. मितज्ञान का एक भेट One of the varieties of Matijňāna: stage next to perception i. e reflection to arrive at judgment. ठा॰ ४, ४; ६, १; — संपया. स्त्रा॰ (-सम्पत्) अवश्रद्ध पथ्ठी विश्वारद्धा धरवी ते रूप भित्रानिनी संपत्ति. श्रवश्रद्ध के बाद जिस वस्तु का श्रवश्रद्ध हुश्रा हो उम वस्तु के संबंध में विचारणा करना वह रूप मितनान की मर्पात्त the power of Matijñána consisting in reflection. upon what is perceived, to form a judgment. दमा॰ ४, ३५;

ईहामिग. पु॰ (ईहामृग) ५२. भेडिया. A wolf. जं॰ प॰ २,३३; कप॰३, ४४;

र्इहामिय पुं॰ (इंहामृग) परूः नाट्र. एक प्रकार का पशुः भेडियाः नहार. A wolf: a tiger स्रोव॰ राय॰ ४२: ११, ११; जीवा॰ ३, ४. जै॰ प॰ ५, ११४;

ईहिय ति॰ (ईहित ) येष्टा धरेश; नियारेश जिमकी चेष्टा की गई वह; विचारा हुआ Acted; thought of; reflected upon "सङ्गीमागतुमीहियं" म्य॰ १,

उ.

उ. य॰ (तु) नः श्री, निश्रय. निश्चय, विस्तरेह. Positively; surely; इस॰ ६, २८; ९, १; १; पक्ष॰ १४, स्य॰ १, १, १, ४; (२) वितर्भ वितर्क. an indeclinable showing doubt or uncertainty. इस॰ ६, १३, नाया॰ ६, १६; विशे॰ ११०;

उन्नर. पुं॰ (उदर) भेटः उद्दर पट Belly: stomach. दस॰ ८, २६; — मल न॰ ( -मल ) भेटने। भेक्ष पेट का मल dirt or filth in the stomach. ਬਰ ४०;

उन्नार. पु॰ (उचार) ઉચ્ચાર કરવે। ते भाेेेेेेेेें ले. उचारण, बोलना. Act of speaking or utteting words. स्रोव॰ २४;

उद्ग्णा ति॰ (श्रवतीकी) सुभिपर पडी गथेल भूमिपर गिरपडा हुआ। Fallen on the ground निर॰ १, १.

उइएए। त्रि॰ ( उदीएं ) ६६५ पामेनः । धर्मना

ઉદયથી प्राप्त थयेश. उदय पाया हुत्रा; कर्म के उदय से प्राप्त Got by the maturing of Karma. उत्त॰ १८, १. विशे॰ ५३०: ठा० ५; पन्न० १६; (२) उद्दीरणा **કरी ઉદયમા લાવેલ उदोरणा करके उदय में** नाया हुआ. caused to be matur-ा, १ः —ऋ**मा** त्रि० ed. भग॰ ( -कर्भन - उदीर्शम दयप्राप्तं कद्विपाकं कर्म येषां ते तथा ) ७ हथ आवेश अर्भवाशा. उदय में आये हुए कर्मवाला. (one) whose Karma has matured. '' उदिगणकम्माण् उदिगणकम्मा पुणो पुणो ते सरह दुहेति " स्य० १, ४, १, १८. --वलवाहरा त्रि॰ (-बलवाहन--उदीर्ग सुद्यप्राप्तं बल चतुरङ्ग शरीरसामर्थ्यं वा वाहनं शिविकादि यस्य सः तथा ) केने શભના ઉદયથી ખલ વાદન વગેરે પ્રાપ્ત थया छेते. जिसे शुभ के उदय मे बल, वाहन श्रादि प्राप्त हुए हो वह. ( one ) who gets strength, vehicles etc. by the rise of good Karma. " कंपिके नयरे राया उइग्गाबलवाहगा " उत्त० १८, १;

उद्दर नि॰ (उदित) क्ष्टेंक्ष कहा हुआ Said; told विशे॰ २३३; (२) ६६४ आवेश. उदयागत, उदय में आया हुआ risen; matured. नाया॰ १ सु॰ च॰ १,३६६; पचा॰ १६, १२, —गुण नि॰ (-गुण) लेना गुण कहने में आया हो वह. (that) of which the attributes or properties have been described पचा॰ ३,३६, —गुणजुत्त नि॰ (-गुण्युक्त) ६६४ पाभेशा गुण्युक्त उदय पाये हुए गुण से युक्त. possessed of qualities which have come

to rise or maturity. पंचार १०,

उईगा. पुं॰ ( उदीचीन ) उत्तर प्रदेश. उत्तर प्रदेश: उत्तर दिशा का चेत्र. Northern region. ठा० भग० X: —पाईगा. पुं० (-प्राचीन ) पूर्वोत्तरिशा. धेशाल्युला पूर्व उत्तर दिशायों के बीच का कोना; ईशान दिशा. the north-east quarter भग ४, १: - वाय पुं॰ ( -वात ) उत्तर हिशानी वायु उत्तर दिशा का हवा the northern wind. पन्न १; √ उईर. धा॰ I. ( उत्+ईर् ) ઉદीरणा કरपी. उदीरसा करना. To utter: to cause to rise or move. उईरंति क॰ ग० ४, ६४: उईरइत्ता स्य० १, ६, १६

उईरहत्ता स्य० १, ६, १६ उईरेत ठा• ७; उईर्गा. न० ( उदारेगा ) प्रेरश्। ५२वी प्रेरणा करना. Act of prompting. ठा० ४;

उईरणा स्त्री॰ (उदीरणा) लुओ। "उदी-रणा" शण्ट देखो "उदीरणा" शब्द.

Vide " उतीरणा " ठा० २; स्रोव०

उद्देशिय त्रि॰ (उद्देशित ) उदिश्ला करेंदा; प्रेंग्ला केरेंदा उदीरणा किया हुआ, प्रेरित, कहा हुआ Told; said; caused to rise or move पन्न॰ २३, मग॰ १, १; उउ. पु॰ (ऋतु) अरुत, भे भास प्रभाल्ने। ओक काल विलाग, हेमत, शिशिर आहि अपत, शिशिर आहि अपत, शिशिर वर्णा आदि ऋतु. Any of the six seasons of the year, e. g. Hemanta, Sisira etc "दो मासा उऊ" मग॰ ३, ७; ४, १ ६, ७; ६, ३३; २४, ४; जं॰ प॰ २, ३१॰ ७, १४१; सू॰ प॰ ८; नाया॰ १; ३; ६; मम॰ ३४, ४६; दस॰ ६, ६६॰ आणुनो॰

उंट A camel. निर्सा॰ ७, ११; — लेस्स न॰ ( -लेस्य ) ઉटनुं याभडुं. जंटका चमड़ा. leather of a camel. निर्सा॰ १,११;

उंडग. पुं॰ ( उन्दक ) भूत पात्र; भात्रु धर-त्रानुं क्षेत्र. मूत्र करनेका वरतन. A vessel for making water into. दस॰ ४; (२) पीरिक्षेः; दीत्री. पिंड. a lump; a mass " वालाइमंसउंडग मञ्जाराइ विराहेज्जा" श्रोघ॰ नि॰ भा॰ २४६;

उंडी. र्ह्मा॰ (उएडी) पिएडी; पेशी. छोटा पिंड. A small lump नाया॰ ३;

उंदुय. न॰ ( उन्दुक ) लीलन धरवानुं स्थान. भोजन करनेका स्थान. A dining-room. " सपिंड पायमागम्म उंद्धश्रं पढिलेहिश्रा " दस॰ १, १, ६७,

उंडेरीय. न॰ ( ఈ ) रेवडी; भावानी એક स्वाहिभ वस्तु. रेवड़ी; साने की एक स्वादिष्ट वस्तु. A kind of sweet-meat ठा॰ ४;

उंद्रुपाणिश्च न॰ ( \* ) ઉંદું भाष्ट्री. उंडा पानी. Deep water. निसी॰ १३, ३४: उंदर. पुं॰ (उन्दर) ઉंदर चूहा, उन्दरा. A

rat, a mouse. पग्ह॰ १, १;

उंदिर पुं॰ (उन्हुर) छन्दर. चृहा. A mouse. 8 1at. नाया॰ =;

उंदुर. पु॰ ( उन्दुर ) लुओ। ઉपेथे। श्रणह. देखो उपर का शब्द. Vide above उवा॰ २, ६५; — माला. स्री॰ ( -माला) ઉ-६२ती भाषा. चूहों की श्रेणी; चूहों की पिके. a line, a series, of rats " उंदुरमाला परिणद सुकय चिएह " उवा॰ २, ६५; उंदुरुक्क. न॰ ( ﴿ ) ઉ-हु = भुण. २६६ = १५९॥ हि शण्ट, हेनतापुलन वणते भेारेथी णश्रदना केने। शण्ट ६२ने। ते. दंवता के पूजन के समय मुख से वेल प्रादि के समान शब्द करना; उद्द प्रधीन मुख प्रीर हक प्रधीत प्रपम—वेल प्रादि के समान शब्द. Imitating the sound of a bullock at the time of worshipping a deity. प्रयाजी० २६: गच्छा० २;

उंबर. पुं॰ ( उद्धम्बर ) ઉभ्परानुं आऽ; शुश्करनुं आऽ गुप्तर का माड; उदुम्बर का बच. A kind of tree; ficus glomerata. जीवा॰ १; विवा॰ १; भग॰ ६, ३३; श्राया० २, १, ८, ४४; पन्न० १; ( ર ) વીજ્જુકુમાર દેવતાનુ ચૈત્ય વૃક્ષ. विद्युतकुमार देव का चैत्य यृत्त. & tree growing in the garden of the deity, Vijjukumāra. তা• ৭০, ৭; – पुच्यतः न० (-पुच्य) शुक्सरनुं ५ुल; व्या પુલ ગુલ્લરના વૃક્ષમાં કવચિત્ દેખાતું હશે: જે વસ્તુ અનિ મુશ્કેલીથી પ્રાપ્ત થઇ હાય છે તેને ખાટના દીકરાને આની ઉપમા અપાય छे. गुल्लर का फूल; यह फूल गुलर के बृज् पर क्रचित् ही लगा हुआ दिखता है, जो वस्तु श्रात कांठनता से प्राप्त होती है उसे इस पुष्पकी उपमा दीजानी है n flower of the Udumbara tree. (It is rately seen on the tree and so is metaphorically used to express a ratity.) "उंबर पुष्फिमव तुझभे" राय॰ २४५; नाया० १; २; --- न्यश्च पु० (-वर्षम्) ગુલ્લરના ક્લથી ભરેલ. गुह्नर के फल filled with से भग हुआ

<sup>&</sup>quot; लुओ। पृष्ट नभ्भर १५ नी पुटने।ट ( \* ). देखो पृष्ट नंबर १६ की फूटनोट ( \* ) Vide foot note ( \* ) p. 15th.

fruit of Udumbara tree. निसी॰ ३, ७=;

उंचर दत्त. पुं॰ ( उदुम्बरदत्त ) स्थे नाभने। यक्ष. इस नाम का यत्त. Name of a Yaksa ( a kind of demi-god ). विवा॰ ७,

उचरि स्नी॰ ( के ) वनस्पति विशेष चन-स्पत्ति विशेष A kind of vegetation. भग॰ २२, २; पंचा॰ १, २१;

उंचिगा. स्री॰ ( उंबिका ) ध3, જ4, योणा वगेरेनी अभ्भडी-भंजरी. गेहूं, जब, चावल स्रादि की मञ्जरी. Blossoms growing on the plants of wheat, barley, rice etc पंचा॰ १०, २३;

उंबेभरिया. स्त्री॰ ( \* ) ओ नामनुं ओक ब्लातनु अडिन इस नाम का एक प्रकारका वृत्त A kind of tree. पत्र ॰ १;

र्तामसाचेत्तप. हे॰ इ॰ अ॰ (उन्मेपियतुम्) आभ भींयदाने; आंभिना पक्षकारी भार-वाने आख माँचने के तिये. In order to twinkle the eye. भग॰ १६, ४,

उंमुय. पु॰ ( उल्मुक ) એ नाभना એક लहव कुभार. इस नाम का एक यादेव कुमार Name of a Jādava ( Yādava ) Kumāra. पएह॰ १, ४,

उकसमाण व॰ क॰ त्रि॰ (श्रवकसमाण) त्रातातां हुश्रा. Being tightened वेय॰ ६, म;

उकु जिय. सं॰ कु॰ श्र॰ (उत्कुट्य ) ઉચेथी ५ अंध यधने-शरीर नभावीने. कुवटा होकर-शरीर नमा कर. Bending the body. " उक्किवयाणिउ उक्किय णिकुाजिय दिज-माणं पडिग्गहेति " निसी० १७, २२;

उकुरुडिया. स्रो ( \* ) ઉકરડી; ઉકરડे।. घूरा. A dung-hill. निर॰ १, १;

उक्कंचराः न॰ ( उत्कब्रन-उत् ऊर्ध्व शूबाः द्यारोपणार्थे कञ्चनंतत्तथा) श्र्झीओ यदाववाने ७२ ७२३५ ते. किसी को श्र्<sub>ली</sub> पर चढाने के लिये ऊचा उचकना. Lifting up a person in order to impale him. स्य॰ २, २, ६२; (२) अुख વગરના માણસના ખાટા વખાણ કરવાં તે. भुशाभत. गुणरहित मनुष्य की प्रसंशा करना, खुशामत. praising an unworthy person to flatter him. नाया ॰ २; (३) गरीयने। वधारे ६८ ६२वे। ते गरीव को बहुत दंड देना. mulcting the poor more heavily. भग॰ ૧૧, ૧૧; (૨) કાઇને છેતરવામાં પાસે ઉબેલા ડાહ્યા માણસ જાણી જશે એમ જાણી वातियत य ध राभवी ते. किसी को ठगने के समय-धोका देते समय पास में खंढे हुए समभारार मनुष्य को देख कर इस लिये वात चीत बद करना कि वह समभ जावेगा. stopping deceitful conversation lest a wise by-stander might hear it. श्रोव॰ ३४; राय॰ माय; ३१वत. रिश्वत; घूंस. bribe; bribery. नाया॰ २, दसा॰ ६, ४; राय॰ २०७; - दीव. पुं० (-दीप) भशाक्ष. मशाल. a torch. भग॰ ११, ११:

उक्कंचण्या स्त्री० (\* उत्कंचन ) भुभ्ध जनने छेतरवा ढेांग धरवी-छल धरवे। ते. कम समक्त मनुष्य को ठगने के लिये ढोंग बनाना-

<sup>\*</sup> जुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी ध्रुटने। ( \* ). देखो पृष्ठ नंदर १५ की फूटनोट ( \* ) Vide foot-note ( \* ) p 15th.

ञ्ज करना. Putting on false appearances to deceive a simpleton. श्रोव॰ ३४;

उकंटियः त्रि॰ ( उत्किष्ठित ) अत्रं है। वादी।; अत्युक्त अभेदा. उत्कर्णग्रम्भः, उत्युक्त Anxious; eagerly longing. नाया॰ १४; सु॰ च॰ २; ४४०;

√ उक्कंत धा॰ II. ( उत+कृत् ) भांस अने यामडीनु अपाडवं--अतारवं ते मांस और चमड़ी का निकालना To flay; to cut out skin and flesh.

उक्ते स्य० १, ४, १, २१; उक्तंत सु० च० १०, ७७:

√ उत्-कंप-प्रे॰ धा॰ II ( उन्+कम्प्+िया ) य पाववु, ध्याववुं, दवाना; To cause to be massaged or shampooed उकंपावेद्द, विवा॰ ६,

उक्कं निश्रः त्रि॰ ( उत्कम्बित ) वांसनी धामडी थी भांधेस बास की किमडी से बाधा हुआ Fastened with strips of bamboo आया॰ २, २, १, ६४

उक्कि ज्ञिया स्त्री॰ ( श्रीपकि चिकी - कचाया समीप मुकचा तदा व्हादिकी पकि चिका तेव तथा) साध्यीना २५ ६५६९ सानुं स्त्रेड ६५६९९, लभएी लालुनी छातीथी डांण सुधी सीज्या वगर धारण डरपानुं पस्त्रेड ले स्वित्रेड होय छे. साध्यी के २५ उपकरणों में से एक उपकरण; दाहिनी तरफ की छाती से काख तक विना सिंचा हुआ वस्त्र जोकि श्रदाई हाथ का एक चौरस उकड़ा होता है. One of the 25 articles of use permitted to a nun; a kind of bodice (uusewn) covering the breast, being 2½ arms in length and breadth. श्रीष नि॰ ६७७.

उक्कद्दि श्र॰ (डल्क्स्टि) धिरध्ये उल्क्येता. Rise; intensity, सू॰ प॰ ११;

उक्कड. त्रि॰ ( उत्कड्क ) पृथ्वी ७५२ शरीर राजीने पिन्त्रता पडे भेडेल. पृथ्वी पर शरीर रख कर पिन्त्रता से बेठा हुआ. Seated on the ground with pure mind and body. पंचा॰ १८, १६, (२) ७६६ आसत. उकडुक् आमन. a seat in a particular bodily posture. प्रव॰ ५६२;

प्रकृष्ट; ऊंचा; उनत High, raised; intense. उवा॰ २, १०७; परह॰ १, १, नाया० १; (२) पसरेश्व. फैला हुन्ना spread, extened. कपा॰ ३, ४३; ( ३ ) आधिकः यधारे. ज्यादहः बहुत more: additional, भग॰ १४, १; ાંવ નિ ૪૧૬, (૪) કલુધિત; ડેાલું कलुपित; गंदला. turbid; muddy. strong; powerful. नाया॰ ६; - गं-ध्रविलित्त. त्रि॰ ( -गन्धविलिप्त ) अति दुर्गंधथी व्याप्त. बहुत दुर्पंघ से व्याप्त highly stinking. नंदी॰ - जांगि त्रि॰ (-योगिन् ) ઉत्कृष्टियोगे वर्ताता. उत्कृष्ट योगी. (one ) practising the highest kind of contemplation. क० गं० ५, ८६;

उक्कड्डय. न॰ (उत्कड्ड ) ઉંકડુ અ सन, ઉભડક પગે भेभवूं ते. उकड् श्रासन; घूंटों के वल वैठना. A kind of bodily posture; squatting दसा॰ ७, ६: नाया॰ १, पंचा॰ ४, ११६;

√उत्-ऋड धा॰ I (उत्+कृष्) आणाः यतु आवाद होना. To flourish; to prosper. उकडूइ. क० प० ३, १०;

उक्कड्रग पु॰ (श्रपकर्षक) ये।रने भे। कार्यी ये।री ५२नार, चोर को बुला कर चोरी करने वाला. One who calls a thief and steals पग्ह॰ १, ३;

उक्कित्तिऊगा. सं॰ क्र॰ श्र॰ (उत्कृत्य) अपीने काट कर. Having cut off. स॰ च॰ १९, ६४;

उक्कत्थण, न॰ (उत्कत्थन) भास ઉतारवी, याभडी उतारवी ते. चमडा उतारना निका-लना Flaying; cutting off the skin. पग्ह॰ १, १;

उक्कम. पुं॰ ( उत्कम ) पहेंदेथी न गख्ता छेंदेथी गख्यु ते; पश्चानुपूर्वी; उद्यो १म. शुरू मे न गिनकर श्रांखिर मे गिनना; उत्तटा कम Counting from the end instead of the beginning; 1evelsed order विशे॰ २०१: प्रव॰ १०६१;

उक्कीमत ति॰ (उपक्रन्त) प्रारम्ध्योगे प्राप्त थ्येथ प्रारब्धयोग से प्राप्त. Got through fate " ग्रहवा उद्यामित भवंतिए" स्य॰ १, २, ३, १७,

उक्कर. पु॰ (उक्कर) समृद्ध; स धात समृद्ध, जमघट A. collection; ध group कप्प॰ ३, ४२; (२) ३२ रदित. कर रहित (one) having no arm नाया॰ १, मग॰ ११, १२' जं॰ ए० कप्प॰ ४, १०१;

उक्करियाभेय. पुं॰ ( उत्करिका भेद ) भेरएऽणील के अुकेष भगक्षी पगेरेते। ते ते करते। थेते। भेर-भेरतः ग्रांटी के बीज श्रथवा मूखी हुई मूंगफला वगैरह का तड़तड़ करता हुआ जो आवाज हो वह. Breaking of dry ground-nuts and other seeds with a cracking sound. ' अणताहं दब्बाइं उक्करि-या भेण्णभिजमाणाइं" भग॰ ४, ४; पज॰ १९;

उक्करिस. पुं॰ ( उत्कपं ) ઉत्कर्षः; अतिशयः; उत्कर्षः; बहुत ज्यादहः; उच दशा Intensity; abundance; excess ' श्रत-समुक्तिसत्थं' स्य॰ नि॰ १, २, २, ४३ः विशे॰ १४=३ः

उक्करुडिया स्त्री॰ ( \* ) ઉटरेडी; भक्षीन पश्तुने। संग्रह, कचरा, मर्लान वस्तु का मंग्रह A dung hill, नाया॰ २;

उक्कल वि॰ (उन्कल) यहनी इसावादी;
वृद्धि पामनार चहतां कना वाला; वृद्धि
पाने वाला Rising; increasing.
"पंच उक्कल परण्यता तंजहा दंदुक्कले
रज्जुकले का प्रम् ३. (२) तेहिष्
छन्न विशेष तान झन्द्रयों वाला जांव विशेष
n kind of three sensed living
being. उत्त॰ ३६; १३६;

उक्कं लिख्रा-या. स्री० (उक्कालिका) वधारे नाने। सभुराय बहुत ह्रांटा मुमुयाय A smaller group श्रोव० २७; (२) तेष्ठिय छविशेष, इरोक्षिओ। तीन इन्द्रियों वाला जीव विशेष ता kind of threesensed living being कष्ण० ६, ४५. (२) अहेर, तर श लहर ६ wave. ठा०४, (३) वायुनी भाइड यह इर्युं ते वायु के ममान चक्र काटना whirling like wind. जीवा० ३, ४, — श्रंड युं० (-श्रगढ) इरोक्षीयानु ध्राक्षु. मकदी का

<sup>॰</sup> लुओ पृष्ट नभ्भर १५ नी पुटने।ट (॰) देखो पृष्ठ नंबर १५ का फूटनोट (॰) Vide foot-note (\*) p 15th.

v 11/22

उक्कलिका. त्रां॰ (उत्कलिका) उपरा ७५१। ९८ अपर्यु ते. वार बार जाना त्राना Coming and going in quick succession. राय॰ १=३:

उक्कलिय. ति॰ (उत्कलिक) એક પ્રકારનे। अध्यक्ष शब्द. एक तरह का ग्रन्यक शब्द. A sort of indistinct sound. भग॰ ३, १;

उद्धस पुं॰ (उन्कर्प-उन्कृष्यते क्रान्मा द्यां ध्यातो विधीयतेऽनेनेत्युन्कर्पः) भानः अद्धं-धारः मानः धमंडः Pride; conceit. "उद्धसं जलगां ग्रामं मनमत्यं चित्र गिचय" म्य० १, १, ४, १२: (२) वधारेभां वधारे. व्यथिकार्धायकः maximum; highest limit. क्र॰गं॰ ४, ७४;

उक्कस्त. पुं॰ ( टक्कपं ) भान; अदंशर मान: धर्मट. Pride; conceit. स्य. १. १, ४, १२;

उक्कस्सः त्रि॰ ( उत्कर्णवत् ) भद्दवातुः अलि-भानीः घमन्द्राः मदोन्मनः प्रापमाना Proud; conceited. मृय • १, १, ४, १२;

उद्धस्समान ति॰ ( श्रपकर्षन ) टुंडुं डरते।. छोटा करता हुश्रा. Cutting short. (२) पाछुं भेंथते।. पाँछे खेचता हुश्रा. Pulling backward. "पणगंसि वा टरगंमि वा टक्सममाणि " ठा॰ ४;

उद्धा क्री॰ (उल्का) मूस व्यन्तिथी छुटा पेटेस आगना तनभा मूल ग्रिय में ग्रनग

हा चुका हुआ अपि का तिनगा. Spanks of fire श्रोध० नि० भा०३१०; नंदा. १०; दस. ४; उत्त. ३६, ११०; जीवा. ३, १; ठा॰ =; हिंगु हाह दिग्दाह: दिशा की जलास preternatural redness of the horizon. उत्त॰ ३६, ११०; आशशमां व्यंतराहिक्ष्त अञ्चि हेणाय ते. ब्राकाश में व्यंतरादिकृतं अग्नि का दस्य. a fiery appearance in the sky-the work of Vyantara etc. इस० ४; पन्न० ३; (४) तेजनी जवाशा. तेज की ब्वाला. fire; flame of light. श्रोघ । नि॰ २१०; ७६५। भानः नारानुं भ वुं. उल्हापातः; नारे का इटना. falling of a meteor. मग॰ ३, २; - पाय. पुं॰ (-पात) ઉલ્કાપાત; આકાશમાંથી તારાએાનું પડવું. टकापात: श्राकाश से तारी का हटना. falling of meteors from the sky. भग० ३, ७; —वाय. पुं० (-पात-उल्का श्राकाशजातस्याः पातः) लुओ "उक्कापाय" श्रुष्ट. देखो " टक्कापाय " शब्द. vide ''टक्कापाय " श्रम्जो० १२७; ठा० १०, भग० ३, ६;—सहस्स. न० (-सहस्र) अभीता हत्तरे। पिएः तन भा. श्रिप्त की हजारों चिनगारियां. thousands of sparks of fire. তা॰ 🤫

उक्कापाया. श्रं ( उल्कापाता ) ઉલ્हापात-तारा भरे तेतं शुक्षाशुक्ष अध्यानी विद्या. उल्कापान के भन्ने द्वेर फल जानने की विद्या. Science of interpreting the good or evil effects of the full of meteors. स्य॰ २, २, २७;

उक्कामुह, पुं० (उल्कामुख) अवध् अभुऽभां आक्ष्मी येक्नि ७५२ आवेअ ७६३॥५५ नाभना ओक आंनर द्वीप. लवण समुद्र में ग्राठमी योजन की दुरी पर स्थिन उक्कामुख नामक एक श्रंतर होप. Name of an Antara Dvīpa (island) in Lavaņa Samudia at a distance of 800 Yojanas ठा०४,२;(२) तेमां रहेनार मनुष्य उक्क होप के श्रदर रहने वाला मनुष्य a native of the above island जीवा०२,२;पन०१, (३) गणा नहीनी अधिष्ठात्री हेति। नियास पर्यत गंगा नदी की श्रविष्ठात्री देवी के रहने का पर्वत the mountain-abode of the presiding goddess of the tiver Gangā ठा० ५,१;

उक्कालिश्र-य. न॰ ( • उत्कालिक — उत् जध्वं कालात्पटमतेतत्तथा) थार अध्यक्ष सि
 वाथ थारे पहेार लालाय तेषुं सत्रः उपवाधे
 आदि उत्कालिक सूत्र चार श्रकालों के
 सिवाय दूसरे तीसरे प्रहरों में पढे जाने योग्य
 —चारों प्रहरों में पढे जाने योग्य सूत्रः उववाइ
 श्रादि उत्कालिक सूत्र Utkālika Sūtras viz Uvavāi etc. which can
 be studied during all the four
 Praharas, excepting the 4
 Akālas "सेर्कित उक्कालिश्रं उक्कालिश्र
 श्रोग विहा पराणता" नंदा ॰ ४३: श्रागुजो
 ४, ठा० २, ३;

उक्कास पुं॰ (उन्कर्ष) अिलभानथी पेता-ती सभृद्धिता व भाख ध्रवा ते. भेढितीय धर्मती ओड अधृति अभिमान से अपनी समृद्धिका वर्णन करना, मोहिनोय कर्म की एक प्रकृति A variety of deluding Karma; praising one's own prosperity through pride. भग॰ १२, ५;

उक्तिकह त्रि॰ ( उत्कृष्ट ) ઉत्कृष्ट, सवेि त्रभः अष्ठ उत्कृष्ट, उच्चतम, सब से श्रेष्ट Excellent: surpassing. best नाया॰ १; ६, ६; १७, निर्सा॰ १७, ३२. राय० २६; पिं० नि० ५३,; दम० १, १; ४, १६; जीवा० ३, १, भग० ३, १; २, ६, ५; कप्प०२, २७, (२) કલિ ગડા ભીંડા વગેરેને મારીને તૃષકા **ઝીષ્ડા કકડા तरवृज, त्वंबर्डा, मिडी** श्रादि कों काट कर किये हुए छोटे टुकडे 'slices of vegetables, like watermelons. gourds etc "उक्किट्टममंसहे" दस॰ ४, १, ३४; ( ३ ) ५२०४ वर्गेरे अभुक्ष वणत भारे भागवं नहीं ते कर्ज क्येरह का श्रमुक समय के लिये नहीं मांगना. not asking for money lent etc. for a specified time " उस्युक्तं उक्करं उक्किट्ट ग्रदिजं ग्रमिजं " भग० ११, ११; कप्प० ४, १०१; — चरास्या. ( -वर्णक ) प्रधान-धत्तम-ध दन उत्तम-मर्व श्रेष्ट-चंदन. excellent sandalwood ' उनिकट्ट करणागोपरि " पंचा॰ २ १७: —संकिलेस पुं॰ (-संक्लेश) ઉત્કૃષ્ટ સ્થિતિય ઘ જનક અધ્યવસાય સ્થાન. હલકામા હલકું અધ્યવસાય સ્થાન કે જેથી અशुभ ७८५४ स्थिति अधाय. उत्कृष्ट स्थिति वय करने वाला अध्यवसाय स्थान: नीच से नीच ऋध्यवसाय--कृत्य जिस् से कि ऋशुभ कार्यों की उत्कृष्ट स्थिति वंवे. impule thought-activity causing increased duration of evil Karma क० ग० —सरीर त्रि० ( - शरीर ). ७८५४-भे।टा शरीरवाक्ष वडे शरीर वाला having a big, bulky body. "डक्किहे उक्किट्सरीरे भविस्मह्" विवा॰ ४; ७: नाया॰ =; १४; १६, —सीहसाय. पु॰ ( -सिंहनाद ) म्हे। े। अवाकः उत्कृष्ट सिंहनाह वडा त्रावाज, जोर का श्रावाज; उत्कृष्ट सिंहनाद thundering sound:

roaring sound of a lion. जं॰ प॰ ३, ४५; नाया॰ १८:

उक्किट्टा. स्त्रं॰ ( उत्कृष्टा ) એક પ્રકારનी देवता-नी वेगवाशी गति; भने। दर गति. एक प्रकार की देवता की शीन्न गति- मनोहर गति. A kind of quick gast of gods; charming gait " उक्किट्टाए तुरियाए चंढाए" राग्र॰ जीवा॰ ३; स्त्राया॰ २, १४, १७६, नावा॰ ४; ८;

उक्तिक्तद्वि. स्त्री॰ (उत्कृष्टि ) आनंदलनङ ध्वितः ६र्पने। अवाल. ग्रानंदजनक शब्दः, हर्पयुक्त शब्द A voice of joy ग्रोव॰ २७,

उक्तिकरण नि॰ ( उक्तीर्ण ) अभेडेंबुं; भारी शिहेंबुं. खुदा हुआ. Dug out ओष॰ नि॰ २६१; (२) अत्यन्त अग्रः भुक्तुं अच्छां तरह से जाहिर; खुला हुआ. open; quite manifest पन्न॰ २; (३) है।तरेंब. खोदा हुआ. carved. मन॰ प॰ २०६: (४) भिश्रित मिश्रित; मिला हुआ. mixed. परह॰ १, १; — ग्रंतर. नि॰ (-अन्तर) अनि व्यक्त अन्तर अच्छों तरह से प्रगट अंतर. having the inner side quite manifest or laid open. also, having the difference quite manifest. सम॰

उफिकत्तः त्रि॰ (उत्कृत्त ) छिभेडेस उसाझ हुआ Scratched out; dug out उत्त॰ १६, ६३;

उक्तिकत्तणः न० ( उत्कीर्तन ) २७विसत्थेः;
भेषीस तीर्थेऽरनी २तृति. संस्तवन, गुण
कार्तनः चोवीम तीर्थकरों की स्तृति.
Praise: praise of the glory of
the 24 Tirthankaras. अगुजी०
४०; चड० १; विशे० ६०२: प्रव० ६४;
—अगुप्रची. स्री० ( -अनुप्रची) ७८नीर्नन
२९स्राभः २नुत्य पुर्यानी अनुष्री रतृनि

धरवी ते. गुणवान्-प्रशंसनाय पुरुषों की श्रतुक्रम से स्तुति करना. praising in due order the merits of worthy persons श्रयुजो॰ ७१;

उदिकत्तित. त्रि॰ (उत्कीर्तित) शीर्तन ६रेस. कीर्तन किया हुआ. Praised; described. सू॰ प॰ २०;

उक्कु ज्ञिय. सं॰ कृ॰ अ॰ ( उत्कृब्स्य ) अथे-थी शरीर नभाषीने; कुण्डा थप्तने. ऊंचे से शर्गर को नमाकर. Having bent down the body. श्राया॰ २, १, ७, ३७;

उक्कुट. न॰ ( उत्कृष्ट ) सीक्षा भाननी लुझी. हरे पत्तीं का श्रोबली में किया हुआ चूरा. Powdered green leaves श्राया॰ २, १, ६, ३३;

उक्कुट्ट. त्रि॰ (उत्कृष्ट ) ७८५४ नाहः आनंद ५२नि. उत्कृष्ट नादः श्रेष्ट शब्दः यानंद ध्वनि. Excellent, pleasant (sound) पराह॰ १,३;

उक्काइग्र न० ( उत्कृदुक ) १५५५ अ.सनः ઉભખણીયે બેસવાનું આસનઃ ઉભડક આસન चकड़ आसन, घूंटों के वल वैठने रूप आसन. A squatting bodily posture: sitting on heels etc आया॰ १, ६, ४, ४; २, ७,२, १६१; उत्त० १,२२; त्रोघ० नि० भा० १५६; स्रोव ११६; भग० ७, ६; —ग्रासगा. न० ( -श्रासन ) ઉકુડુ આસન; ઉભડક પગે ખેસવું તે. श्रासन विशेष; घृंटों के बल वेठने के रूप श्रासन squatting bodily posture; sitting on heels etc भग॰ २५, ७; — त्रासािग्र त्रि॰ ( -म्रासािनक ) ઉભડક પગે ખેસનાર; ઉકુકુ આસને ખેસ-नार. उकड़ आमन से बैठने वाला; घूंटो के वल वैठने वाला (one) in a squatting bodily posture. তা০ ২, ৭; মা০ ২২, ৬;

उक्कुडुग. न० (उत्कुटुक) ल्राओ। " उक्कुडुग्र" शण्द देखो " उक्कुडुग्र" शब्द. Vide " उक्कुटुग्र" जं० प० नाया० १, न्याया० २, २, ३ १०१;

उक्कुड्या. स्त्री॰ ( उत्कुड्का ) उत्पड्ड भेसवुं ते; पांच प्रश्नारती निपद्या-भेर्डभानी ओड घूंटों के वल वैठना; पांच प्रकार की वैठकों में से एक प्रकार की वैठक. One of the five sitting postures viz squatting on heels etc "पंच निसिज्ञान्नों पं० तं० उक्कुड्या गोदोहिया समपायपुत्रा" ठा॰ ४, १;

उक्कुकड. पुं॰ ( ÷ ) ઉક્ष्रेश घूरा A dung-hill. स्त्रोध॰ नि॰ ४६६,

उक्कुरुडग्र. पुं॰ ( \* ) ઉકરડે। घूरा. A dnng-hill (२) એ नामनी डार्ध भाष्युस. इस नाम का कोई मनुष्य name of a person. प्रागुजो॰ १३९;

उक्कुक्कडिश्रा-या. स्री० ( ÷ ) ७४२५। घृग. A dung-hill विवा० १;

उक्कूइय त्रि॰ ( उत्कृजिन ) भढ़ान् अ०५५त ध्विन वडी भारी अप्रगट भ्विन. Loud indistinct sound पएह॰ १, १;

उक्कूलं ति॰ (उत्कूल ) सन्भाग अयवा न्या-यना इस-तर्थी हर धरनार सन्मार्ग अयवा न्याय की सीमा से तट में दूर करनेवाला Leading away from the path of justice पगह॰ १,२,

उकेर पुं॰ ( उत्कर ) राशि, सम्ह, ढगंदी। हेर. A. heap. श्रोव॰ नि॰ २६०; ( २ ) पृद्धि; ઉद्दर्भन; ६र्भनी रिथति वगेरेमा नवारे।

sरवे। ते. बृद्धि; बढती, कर्मकी स्थिति वर्गेरह में बढती करना. increase; increase in the duration of Karma. विशे॰ २४१४;

उक्कोडा स्त्री॰ (उक्कोटा) थाय; ३१यत. १रेरवत, घूंस Bribe; bribery. "उक्कोडाहिय पराभवेहिय दिजेहिय" विवा॰ १, पगह॰ १, ३,

एकोडिय. त्रि॰ (ग्रांकोटिक-उत्कोटा लन्चा तया ये व्यवहरन्ति ते तथा ) ३१वत भाना२; सांथ सेना२, सांथीओ. रिश्वत स्रोर; घूंस लेनेवाला ( One ) who takes bribes ग्रोव॰ नग॰ १, १;

उक्कोया स्त्री॰ (उत्कोचा) क्षाय. रिश्वत Bribe; bribery नाया॰ १=;

उक्कोस्स पुं॰ ( उत्क्रोश ) ઉચું भे। हुं करी शण्ट क्ष्मार पक्षी; यातक; यपेये। ऊँचा मुँह करके शब्द करनेवाला पत्ती, चातक, पपैया. A bird that screams with its mouth raised up; e g Chātaka etc. पग्ह १, १٠

च लुओ। पृष्ट नम्पर १५ नी पुरनीर (१) देखी पृष्ट नंबर १५ की फूटनीट (१) Vidh foot-note (१) p. 15th.

pride. स्य॰ १, २, २, २६; सम॰ ५२; (३) ઉत्तभ. श्रेष्ठ; प्रच्छा excellent; best पि० नि० भा० भग० १२, ५; —फाल पुं ( -काल ) ઉत्કृष्ट-ध्रष्टामां ध्रष्टे। अस. ज्यादह से ज्या-दह समय; उत्कृष्ट समय. the longest time. भग॰ २४, १; —कालाहिइ स्रो॰ (-कालास्थिति ) ७८५४ असनी स्थिति. उत्कृष्ट काल की स्थिति duration of the longest time भग १४, १; - द्विष. स्त्रं। (- स्थिति ) ध्रामा धर्णी स्थिति ज्यादह से ज्यादह—श्राधिका-धिक स्थिति longest duration निर॰ २, २; —द्विइय. पु॰ ( -स्थितिक ) ઉત્દૃષ્ટિ-ધણામાં ધણી સ્થિતિ વાલા उत्कृष्ट-ज्यादह से ज्यादह स्थितिवाला one that has the longest duration. 310 9, १. -पपस्सय त्रि॰ (-प्रदेशिक) ध्यामा ध्राष्ट्रा प्रदेश पाकी ज्यादह में ज्यादह प्रदेश वाला (one) having the greatest number of molecules ठा॰ १; —पद न॰ ( -पद ) ७८५७ ५६; জিংগুপত্যুঁ. বক্তেম্ব ৭ব; श्रेष्ट पद; বক্তেম্বরা. excellent status; highest state " उक्कोसपदे श्रष्ट श्रारिहता " ठा० ८; --पयः न॰ ( -पद ) जुओ। ઉपक्षे। शण्टः देखों ऊपर का शब्द vide above. भग० ११, १०; —मयपत्त. त्रि० ( -सद प्राप्त -- उत्कर्षेण मदं प्राप्त उत्कर्षमद्प्राप्तः ) ઉत्कृष्ट भदवाला highly intoxicated with pride. जीवा है; पन्न १७; —सुयन्नाणि ग्रि॰ ( -सून्र ज्ञानिन् ) ७८६४ श्रुतशानवाक्षेः. उत्कृष्ट श्रुत ज्ञानवाला. (one ) highly learned in the scriptures. विरा० ४५२, उद्योगन्त्रः पुं॰ (उत्कर्षक) म्हारामा म्हारा

वहे से वडा. One that is highest or biggest श्रमुजो. १३२; उक्कोसश्रो अ॰ (उत्कर्षतस्) पधारेभां पधारे; उर्केष्ट्रपासे At the maximum limit; at the highest. प्रव॰ ७६४;

उक्कोसंतः त्रि॰ ( उत्क्रोशत् ) आक्ष्टन्दन करता. श्राकन्दन करता हुआ; चिह्नाता हुआ. Screaming; crying aloud. पराह॰ १ १;

उक्कोसग पुं॰ ( उत्कर्षक ) अत्रृष्ट: म्हे। टाभां म्हे। टा. उत्कृष्ट: श्रेष्ठ, बडे से बडा One that is highest, biggest or best "तताण च उत्तम कह पत्ते उक्कोसए श्रहारस्स सुहुत्ते" चं० प० १; भग० २५, ६; उक्को सिश्रय त्रि॰ ( उत्कृष्ट ) अर्थट: प्रधारेमां प्रधारे उत्कृष्ट; ज्यादह से ज्यादहः सातुक्तिः; highest in amount.

४, १, ८,१०; ११, ११; १८, ७, १६, ३; वव॰ १, १७: नाया॰ ८; भत्त॰ ३७; पंचा॰ ८, २६; उक्कोसियः पुं० (उत्कोशिक) એ नामना भेा-

जं॰ प॰ ७, १३४; उत्त॰ ३३, १६; भग॰

क्रास्त्रयः पु॰ (उत्काशक) अ तामता आन्त्रता प्रवर्तक अधि इस नाम के गोत्र के चलानेवाले ऋषि. (A saint) the progenitor of a family of that name. " धरस्तण अज्जवहरसेणस्स उको-सिय गोत्तस्स " कष्प॰ =;

उक्ख पुं॰ (उन्न ) संशंध. सम्बन्ध Connection; relation नदी?

उक्स्त्रभः पुं॰ (उत्तम्भ) लेश्थी रे। ध्युं ते. जोर से रोकना Stopping checking forcibly. संत्था॰

उक्लांभियः त्रि॰ ( उत्तम्भिक ) श्रेरथी रे।४नारः अटंडायनार यत पूर्वक रोकने वाला (One) who stops or checks forcibly. संस्था॰

उक्खगागा. न॰ (उत्खनन) ६ भेऽयुं ते. उखाडना. Digging out; scratching out पग्ह॰ १, १;

उक्खिणिय त्रि॰ ( उत्सिन्त ) छिभेडी नाभेक्ष उलाडा हुत्रा Dug out, rooted out. पिं॰ नि॰ २४६;

उन्स्वय त्रि॰ ( उत्स्वात ) अभेडेस, भेहिस उसाडा हुम्रा; सोदा हुत्रा Rooted out स॰ च॰ ४, ५६; नाया॰ ७;

उक्खल पुं॰ (उद्खल) ઉખલ; ખાંડણી. श्रोखली. A mortar परहू॰ १, १;

उक्खलग पुं॰ (उद्खलक) भांऽवानी भांऽवानी भांऽवानी अधिक्षी कुटने की श्रोखली. A mortar used for pounding. "को सयमा चमेहाए सुप्पुक्खलगं च खारगालण च" स्य॰ १, ४, २, १२,

उक्खलुंदिय. सं॰ कृ॰ श्र॰ ( ॰ ) भेलोबीने खुजाकर. Having scratched or rub bed with the nails of the hand to remove itching sensation, having tickled. श्राया॰ २, १, ६ ३२;

उक्खा स्त्री॰ (उखा) थाली, तेालडी; हांडली थाली, हडी, भरतिया A metal or earthen pot or pan "एगाम्रो उक्खातो परिए सिजमार्गे पहाए" श्राया॰ २, १. २, १०;

उन्निखरण त्रि॰ ( + ) भरऽ।थेश खर-डाया हुआ; जिंग्त. Bespattered; smeared पएह॰ १, ३;

उदिखत दि॰ ( उदित ) सिंथेस; विसेपन

अरेक्ष सीचा हुन्नाः लेप किया हुन्ना Smeared; bespattered " चंदगो-क्लितगाय सरीरे" सूय० २, २, ४४;

उक्लिन त्रि० (उत्सिप्त) ઉथु ५रेल; ७५। डेल ઉઠावेल. ऊंचा किया हुआ; उखाडा हुआ उठाया हुआ. Raised up, lifted up. पिं० नि० २८४; नाया० १; ३; ८, भग० ८, ६; १६, ४; वेय० २, १; श्राव० ८, ६; ( ર ) ત્રાતાધર્મ કથા સૂત્રના પહેલા અધ્ય-यननं नाभ ज्ञाता धर्म कथा सूत्र के पहले श्रध्यायका नाग. name of the 1st chapter of the Sūtra named Jnatadharmakatha. नाया॰ २; (३) ગાનના ચાર પ્રકારમાંના એક પ્રકાર. गाने के चार भेदों में का एक भेद. one of the four kinds of music राय॰ ६४, **जંબ્પ૰ ૫, ૧૨૧, (૪) આકર્ષણ કરેલ,** ખેંચેલ. श्राकार्षित, खीचा हुत्रा. attracted, drawn, नाया० १६; -कराणनास त्रि॰ (-कर्णनास ) लेना धान अने नाध **७ भेडी ना**ण्या छे ते जिसके कान श्रार नाक उखाड डाले हो वह (one) whose nose and ears have been rooted out (eut out) विवा॰ २, ६; —चरश्र त्रि॰ (- चरक) રાધવાના વાસણમાથી ખાવાના વાસણમા ગૃહસ્થે પાતાને ખાવા કાઢેલું હેાય તેજ લવું એવા અભિગ્રહ ધારી ગાચરી કરતાર. सिमान के वर्तनमें से खाने के वर्तन में अपने खाने के लिये प्रहम्थद्वारा निकालकर रखा हुआ भोजनहीं लेने की प्रतिज्ञा करके भिचा मागने वाला (one) who begs alms with a determination to take

<sup>:</sup> खुओ। पृष्ट नम्भर १४ नी प्रस्तीट ( + ). देखों पृष्ट नंबर १४ की फ्रूटनोंट ( - ) Vide foot-note ( - ) p. 15th

only that food which has been served out into the dining vessel of a householder, from a cooking vessel. श्रोव॰ १९, ठा॰ ४, १, परह० ३, १; — र . पं० (-चरक) लुओ अपेक्षे। शल्हा देखो ऊपरका शब्द. vide above. ठा॰ ४. योव॰ --गिविन्त्रत्तचरश्र पुं॰ ( -ानिचि-सचरक-पाकभाजनादित्वप्य निचित्तं तत्रवा अन्यत्र च स्थाने यत्तचरतीति तथा) રાધવાના વાસણમાંથી ખાવાના વાસણમા કાટેલ હેત્ય તેને બીજા વાસણમા નાખે તે લેન नार; अिलअ६धारी भूनि सिकाने के वरतन में से खाने के वरतनमें निकाल हुए भोजनको दूसरे वरतन में डाले फिर उस भोजनको लेना ऐसी प्रतिज्ञावाला साधु. an ascetic with a vow to take that food only which is first served out into the dining vessel from the cooking vessel and which is then again put into another vessel श्रोव॰ —पसिरावागरमा न॰ ( -प्रश्नव्याकरण--उत्तिप्तानिसंत्रिप्तानि प्रश्नोत्तराण्युत्तिप्तप्रश्नन्याकरणानि ) सक्षिप्त प्रश्नव्याहरण्- सवास जवाण सित्तप्त प्रश्न-च्याकरणः संजेप में सवाल जवाब brief catechism. भग॰ १६, ४; —पुव्ववसहि पुं॰ ( -प्वंवसात ) आव-सति-भंडानभा रहे। स्पेभ डही साधुने पहेल पहेंदी। भतावेश हतारा. साधुको, इस वसांत घरमें रहा यह कहकर पहले पहल वतलाया हुआ उतरने का स्थान a lodge first pointed out to an ascetic with the words "live in this house." श्राया॰ २, २, ३; ५७; — चालि. न॰ ( -वात्ति ) ७ भर ६ हे अ था था था । अधिहान तरीडे ७५२ ६ेडेस. उपर फॅका हुया बिनि दान, विलदानस्प में उपर फेंका हुया. an oblation thrown upwards. " श्रंगमंगानि सरुहिराइं चडिहास करेति" नाया॰ ६, —िविचेग. पुं॰ ( -िविचेक-डिल्इ-सस्य शुष्कोदनादिभक्ते निविष्तस्य बनि-नामयाग्यद्रव्यस्य विवेकः पृथहरणमुल्झिस विवेक. ) आत पगेरेभा ५डेस अशुण्पश्श द्रथ्मं जुद्दु डाढी नाण्यं ते भात वगैरह में पडे हुए ब्रतियाँके ययोग्य द्रव्य को पृथक कर देना. removal of impure substances mixed up with rice etc. श्राव॰ ६, ६,

उिक्खत्तम्र-य नि॰ ( उिन्तप्तक ) शीनने।
ओः प्रश्नारः शङ्भातथी यदने स्वरे शाशु ते.
गीतका एक भेद. प्रारंभ में उच स्वर से
गाना A pitch of music; singing with a high pitch. ठा॰
४, ४; जीवा॰ ३, ४; राय॰ १३९;

उिक्खतणास्त्र न॰ (डांत्ससज्ञात ) के श्रे संस्थाने उगारना पण उने। राज्ये। ता उत्थान के शिक्षान्त ने भा अप्याना आव्यं छे ते अप्याना ज्ञाता- स्त्रनं प्रथम अप्यान खरगाश को बचान के लिये पैर उचा रखनेवाले उत्विप्त मेघ कुमार का ह्यान्त जिममें दिया गया है वह स्त्रप्याय; ज्ञातासूत्र का प्रथम अप्ययन. The first chapter of Jñātā Sūtra in which is illustrated the story of Meghakumāra who kept his leg lifted up to save a hare. नाया॰ सम॰ १६,

उक्तिखत्तय न॰ ( उत्तिच्तक ) शीतने। अथम अक्षार गीत का प्रथम प्रकार The first of the varieties of music जं॰ प॰ राय॰ १२३, उक्खुलंपिय सं॰ कृ॰ श्र॰ ( \* ) भ न्ते-सीने खुनाकर. Scratching; rubbing with the nails of the hand, to remove an itching sensation 'नो गाहाबह श्रगुनियाए उक्खुनिय (उक्खनुंदिय) जाइजा' श्राया॰ २, १, ६ ३२;

उक्सेंब. पुं॰ (उत्सेष) अभे उपाऽयुं, उभे ध्रेंध्यु. जंबा उठाना; जचा फॅकना. Lusting up; tossing up जीवा॰ ३, ४; पि॰ नि॰ २२७, (२) प्रारम्भ वाध्य प्रारंभ का वाक्य, गुरु का वाक्य commencing sentence or words. उवा॰ ३, १२६, ४, १४५; निर॰ ३, ३; (३) अधिधार, अभिषेय प्राविकार, प्रामियेय. subject—matter. विवा॰ ३; (४) पुं॰ अभिद्धात उपोद्धात; प्रारंभिक वक्तन्य. introduction, preface. उवा॰ ३, १२६, ४, १४५;

उक्खेवन्न-य पुं॰ (उत्तेषक) अस्तावनाः, धिर्मेक वक्तव्यः; उपोद्धात प्रात्तावनाः, प्रारंभिक वक्तव्यः; उपोद्धात Introduction, preface.

भग॰ २४, १, (२) त्रि॰ आक्षाचे।, न्मध्यायः न्नायाः, पिरच्छेदः a chapterः नाया॰ घ॰ ५; ६, (३) पवन नाभवाने। वासने। पंभे। हवा करने का वास का पखा a fan. भग॰ ६, ३३; नावा॰ १, (४) त्रि॰ ईडनार फॅकनेवाला one who throws or flings. भग॰ ६, ३३.

उक्खेवणः न॰ ( उत्तेवण ) अथे दें हुं,
न्यायर्शन संभत पाय हर्न पैडी प्रथम
हर्भ-द्वियाः ऊचा फेकना, न्यायदर्शन सम्मत
पांच कर्मों में से प्रथम कर्मः Throwing

up; one of the five actions recognized in the Nyāya philosophy. विशे॰ ३४६२; ग्रोघ॰ वि॰ २०३;

उगा. पु॰ (उम्र) ऋषभद्देन प्रभुञेने रक्षक्ष તરીકે નીમેલું કુલ, ઉગ્રવંશ ऋपभदेव भगव न्को रक्तक के रूपमें नियत किया हुआ कुल, उप्रवश. The family pointed as a guardian family by lord Risabhadeva; Ugra family. श्रोव॰ १३; २३२, नाया० १; ५, भग० ६, ३३, पन्न० १: उवा॰ २, १०७: ज॰ प॰ २, ३०: (२) त्रि॰ ७ अद्भभां ७ त्पन्न थ्येस उप्रकृत मे उत्पन्न one, born in the Ugia family. प्रव० ३८६, ऋणुजो० १३१, उत्त॰ १६. ६, श्रोव॰ १३, २७; ठा॰ **২, ৭; (২) সি॰ ওয়, ১**ধান, **৬**હ-लारे उम्र, नीम, मधान; बहुत भारी austere, chief; severe १; भग० १०, ४; २०, ८, नाया० ८; (૪) ત્રિ૦ ઉત્કટ; આકરૂ, દુખે આચરી शन्। तेव डत्कट; कठिए stiong, austere; severe उत्त॰ ३०, २७, सु० च० १, ३८४; नदी० ५६; (५) त्रि० ઉधम सहित उद्यम सहित; उद्योग सहित industrious; active. नाया॰ १९: — कुल पु॰ ( -कुल ) ७३४५ ३१ के ४४-ને ઋપભદેવે રક્ષક તરીકે સ્થાપ્યુ તે કુલ उप्रकुल; जिस कुल को ऋपभेदव स्वामीने रचक रूप से स्थापित किया वह कुल. the Ugra family appointed by Risabhadeva as a guar-

<sup>÷</sup> જીઓ પૃષ્ઠ નમ્ભર ૧૫ ની પુરનાટ ( ÷ ). देखो पृष्ठ नंबर ૧૫ की फूटनोट ( ÷ ) Vide foot-note ( ' ) p. 15th

v 11/23.

dian family. श्राया॰ २, १, २, ११; कष्प॰ २, १७; —तव. न॰ (-तपस्) ઉત્રતપ; અઠમાદિક તપ, ઘણી કઠિણ तपश्चर्याः उत्रतपः श्रष्टमादिक तपः वहुत कठोर तपस्या. austere penance. ठा० ४, २; भग० १, १; उवा० १, ७६; (२) त्रि॰ ७३तभ ४२नार. उत्रतप करने-वाला; कठोर तप करनेवाला. (one) performing austere penance. उत्त॰ १२, ३२; — तेयः त्रि॰ (-तेजम्) ઉત્ર પ્રભાવવાલા उध्र-तेज-प्रभाववाला powerful; (one) of powerful lastre. (१) न० तीय छेर. तीय जहर. deadly poison. 'श्रासीविसा उगा-तेयकप्पा '' पराह० २, १; —पञ्चइसः पुं॰ ( -प्रवितित ) ७ अयंशमां ७८५२ थमने हिक्षा बीधेल. उग्रवंश में उत्पन्न होकर दिचा बिया हुआ. one born in the Ugra family, who has taken Diksā. श्रोव॰ —पुस. पुं॰ (~पुत्र) ઉત્રવંશમાં ઉત્પન્ન થયેલ પુત્ર-કુમાર. उग्र-वंश में उत्पन्न पुत्र-कुमार. u male member (a son ) of the Ugra family. श्रोव॰ २७, दसा० १०, ३; राय० २१=; —विसः न० (-विष) ઉત્કટ વિષ. प्रधान विपः तीव विष. deadly poison. भग० १४, १, नाया॰ ६; (२) आक्ष्मा विषवाक्षी सर्प. वहुत तीत्र विपनाला सर्पे a serpent with deadly poison. उवा॰ २, १०७; —विहार. पुं॰ ( -विहार ) ७३. विदार उत्र विहार; कठिंगा विहार. साधु का एक त्राम से अन्य प्राम जाना. austere wandering from place to place e g. on the part of a monk. भग॰ १०, ४. — विहारि, त्रि० (विहारिन्)

अर्थारीते संयम पालनार. उच राति ने मंगम पालन करनेवाला माधु. (one) who strictly observes ascetic rules. भग० १०, ४;

उगमः पुं॰ ( उद्गम ) साधुने अर्थे आदासाह નિપજ્તવર્તા ગૃહસ્થથી આધાકનાદિ લાગતા ૧૬ દેવા, ૧ આલાકમ્મ; ૧ ઉદ્દેરીય, ૨ પ્રઈકમ્મ, ૪ મીસજ્<u>ય</u>યએ, ૫ કવણા, ૬ પાહુડીયા, ૭ પાઉયર, ૮ કીય, ૯ પામિચ્ચ, ૧૦ પરીષદિ, ૧૧ ઉછિભન્ને, ૧૨ અભિ-હકે, ૧૨ માલાહકે, ૧૪ અચ્છિલજે, ૧૫ અજઝાયરે, ૧૬ અણીસિદ્દે, એ સોલમાંના अभे ते शेंड. साधुके लिये श्राहारादि बनाने में गृहस्य को लगनेवाले श्रा गकर्माद १६ दोष, १ श्राहाकरमः २ उद्देसिय. ३ पृह्कस्म ४ मीसजायण् १ ठवणा ६ पाहृद्विया. ७ पाउयर. = कीय. ह पामिश्च. १० परि-यहि, ११ डाव्मिने १२ श्रमिहरे १६ मालोहहे १४ अचिछ्जे १५ अज्मोयरे १६ अणिमेट्टे, इन सोलद दोपोमे से कोई भी एक. Any of the 16 faults connected with the preparation of food by a house-holder for an ascetic; thev are - (1) Ahākamma (2) Uddesiya (3) Püikamma (4) Mīsajāyae (5) Thavanā etc. ( vide Guj explanation ) पग्ह॰ २, १; दस॰ ४, १, ४६; ठा० ३, ४; उत्त० २४, १२; सम॰ प॰ १६=, पि॰ नि॰ १, ३०; सू॰ प॰ २; भग॰ ७, १; प्रव॰ ५७१; - उवघायः पुं॰ ( - उपघात ) आधाः भे આદિ ઉદ્ભમન દાપથી ચારિત્રની વિગધના **४२** थे. श्राधा कर्मन् श्रादि उद्गमन दोष से चारित्र की विराघना करना damaging one's right conduct by an Udgamana fault e.g by taking Adhākarma food etc. তা॰ ३; १०, -कोटि. स्री० (-कोटि) उद्गम પક્ષ; આધાકર્મ અને ઉદ્દેશિકના ત્રણ ત્રણ બેદ-એકંદર છ બેદ ઉદ્ભમ કાેટી તરીકે भशेश छे. उद्गम पत्त, श्राधाकमं श्रौर उद्देशिक के तार्न तीन भेद जुमला छः भेद उद्गम कोटि के रूप में गिने गये हैं a group containing six varieties of faults viz three of Adhākaıma and of Uddeśika. नि॰ ४०१; - दोस पुं॰ (-दोष) १६ ६६भन हे. ५, लुणे। " उगाम " शण्ह. १६ उद्गम दोप; देखों " उगाम " शन्द any of the 16 Udgamana faults; vide " उगाम." " सोलस उगाम दौसे गिहिएों सुमुट्टिए " पिं नि ४०१; पंचा १३, २; - विसोहि स्री० (-विशोधि) १६ ब्रिमनना द्वापना अलाव १६ प्रकार के दोषों का श्रभाव. absence of, fieedom, from the 16 Udgamana faults. ठा० ४. २:

उग्गम्सा. न॰ ( उद्गमन ) ७१५ ते; सूर्यनी ७६४. ऊगना; उदय होना, सूर्य का उदय Rusing up, rusing, e g. of the sun जं॰ प॰ ७, १३६; — मुहुत्त न॰ ( -मुहूर्त ) सूर्योदय थवानु मुद्धृतं स्योदय होने का मुहूर्त time of sunrise भग॰ =, =;

उग्गय-स्र. त्रि॰ (उद्गत) लढ़ार नीक्ष्णती लाग.
वाहिर निकलता हुत्रा भाग. (A portion)
jutting out न या॰ १; राय॰ (२)
६८५२ थ्येल उत्पन्न; पैदा हो चुका हुत्राः
boin; produced. श्रग्रुजो॰ १२८,
पग्ह॰ १, ४, विशे॰ १०६६; श्राव॰ ६१;
प्रव॰ ५६६, कप्प॰ ४, ६३; (३) ६नेस,
६६४ भाभेल जगा हुत्रा; उदय प्राप्तः

1 isen, come out भग० ७, १; नाया० १, श्रोघ० नि० १७४, जीवा० ३, ३; — वित्तिश्च त्रि० (-वृत्तिक-उदगते श्चादित्ये वृत्तिजीवनोपायो यस्यासी) दिवस ६०थ। ५छी कोने वृत्ति-भाराक्ष भेसववानुं छे ते. दिन उदय होने के पीछे जिसे श्चाहार लाना हो वह (one) who has to acquire his food after sunrise. "भिक्तूय उगाय वित्तिए श्चरात्थिमय" वेय० ४, ४;

उगगर्ह-ती. ही॰ ( उप्रवती ) पडवे।, ७१ અને અગ્યારમ એ રાત્રિની ત્રણ તિથિનું नाभ प्रतिपदा, छठ श्रीर ग्यारम की रात्रि. The nights of the 1st, 6th and 11th days of a fortnight. प० ७, १५२, सु० प० उगमेग पुं॰ ( उप्रमेन ) इसना पिता अथ-સેન રાજા; કૃષ્ણ તાસુદેવના તાળાના સાળ ७०१२ राजाभागं अधिसर उत्रसेन राजाः कृष्ण के अवीनस्थ सोलह हजार राजाओं में मुख्य राजा; कंस का पिता Ugrasena, father of Kamsa and the foremost of the 16000 kings under the suzerainty of Krisna Vāsudeva श्रंत॰ १, १; नाया० ५, १६, निर० ५, १;

उग्गह. पुं॰ ( श्रवग्रह ) भन अने छिन्द्रियानी साथ वस्तुने। सभ्यन्ध थनां प्रथम सामान्य भेष थाय ते; भिनज्ञानना यार प्रधारमाने। पढ़ेली प्रधार. मन श्रोर इन्द्रियों के साथ वस्तु का सम्बन्ध होने पर पहिले पहल जो सामान्य ज्ञान हो वह; मितज्ञान के चार भेदों में का एक भेद General knowledge derived from the first perception of an object, the first of the 4 varieties of Matijñāna

or sensitive perception. विशे॰ १७८; भग० ८, २; १२, ५; १७, २०; नदी॰ २६; कत्प॰ ६, ६; (२) ઉપકार; आश्रय. चवकार; श्राध्रय. favour, support. भग॰ 90, 9: ( ३ ) व्याज्ञा; २००; संभित. हुक्म, श्राज्ञा; राय, सम्मति. order; permission; assent. वव॰ ४, २२; २३; ७, १७; दसा॰ १०, १; श्रोव० १२; वेय० १, ३७; राग्र० २७; २१६; पराह० २,३; नाया० १;२,१६; दस॰ ४, १, १९; भग० २, ४; ६, ३३; १४, १; १६, १; श्राया० २, १, ४, २=; २, ७, २, १६२; कप्प०१, ६; (४) व्यक्तिश्रह, नियम, भ्रामिग्रह; नियम; प्रतिज्ञा. a vow; a rule of conduct ६, ३; ( ५ ) परिश्रह. परिग्रह. worldly possessions. स्य॰ १, ६, १०, दम॰ ६, १४; उत्त० ३१; ६; (१) आवास; निवास स्थान श्रावास; निवासस्थान. an adode; a residence. निर ૧, ૧; (૭) અન્તર; આંતરુ interval; anything त्रन्तर. that intervenes or forms an interval "उक्तिंह सिंहहत्युगाहे " प्रव॰ ७७; — ऋणुग्विगाः स्री॰ ( -श्रनुः ज्ञापना ) अप्रथह-३५।अपनी राज स्रवग्रह-उपाश्रय की श्राजा, श्रथवा मंजूरी permission to have an abode in monastery. सम॰ २४; -पडिमा. स्री॰ (-प्रतिमा श्रवप्रद्यत इत्यवप्रहोवस्रति स्तत्यतिमा अभिप्रहः श्रवप्रहप्रतिमा ) નિવાસ કરવામાં નિયમ અભિગ્રેટ ધારવા તે ઉपाश्रयनी प्रतिभ'−अक्षिश्रङ निवास करने में नियम का धारण करना; उपाश्रय की प्रतिमा-म्यभिग्रह. a vow in connection with abode in a particular

place; e. g. in a monastery. ''जावोग्गहपडिमा पढमा'' श्राया॰नि॰२, १, १, १६; ठा० ७, १; पि० नि॰ ६१; -- प्यवेस. go (-प्रवेश ) भंधनभां अवैश કरवे। ते. मकान में प्रवेश. entering a house etc. पंचा॰ १२, २२; —मइ. स्त्री॰ ( -मति ) গুটিય अने अर्थ-નાે સમ્યન્ધ થાય તે: મતિગ્રાનનાે એક બેદ. इन्द्रिय श्रीर श्रथं का संबंध होना; मितज्ञान का एक भेद. contact of an object with a sense of perception; a variety of Matijñāna ठा० ४, ४: ६, १; - मइसंपया. स्री॰ (-मतिसम्पद् ) भतिसंपद्दानी क्षेत्र प्रकार; साभान्यपछे वस्तुन् श्रद्ध्य धरवुं ते मतिज्ञान रूप संपदा का एक भेट; सामान्य रूप से वस्तु का अहरा करना. a variety of the power of perception; general knowledge of a thing through perception. दसा० ४, ३५;

उग्महर्णः न॰( श्रवप्रहर्ण ) साभाग्य अंशनुं अदृष्यु ६२वुं-विश्वारवुं. सामान्य श्रंश का प्रहण करना विचारना. General perception; perception of broad outlines. विशे० १७६; (२) स्थाननी आजा. स्थान की श्राज्ञा. permission to lodge. श्राया० १, २, ४, ८६;

उगाहरातिमा. न० ( श्रवप्रहानन्तक) नायाने आधारे आध्यीनुं और वस्त्र रे कोनी श्रध्य अदेश ढांडवामां अपयान थायछे; साध्यीना २५ अपदर्शमानुं और. साध्यो के गुप्ताङ्ग टकने का एक वस्त्र; २५ उपकरणो में का एक उपकरणा. One of the 25 articles of use for a nun; viz a boatshaped lower garment put on to protect the private parts.

प्रव॰ ४३६; श्रोघ॰ नि॰ भा॰ ३१३; वेय॰ ३, ११, —पट्टग. न॰ ( -पट्टक ) साध्यीनुं को एक उपकरण. one of the articles used by a nun. वेय॰ ३, ११;

उगाहिय. न॰ ( श्रवप्रहिक ) पाडीआरा ઉपगरण; अभु । व पत सुनी वापतीते पाछा धणी ने सापता थे। अप अपगरण श्रमुक समय तक काम में लेकर—पीछे उसके मालिक की सोंप देने सोग्य उपकरण An article of use ( for a monk ) to be used for a time and then to be returned to its owner ठा॰ १०;

उग्गहिय ति॰ ( अवप्रहीत ) पीरसवाभाटे उपाडेक्ष परोसने के लिये कठाया हुआ Taken up to be served as food ठा॰ १०;

उग्गहिया. ह्वां॰ ( स्रवगृहीता) गृहस्थते थासी पगेरेमां पीरसेक्ष लेकिन साधुम्मे पत्नापूर्वक क्षेत्रं ते, पिन्डेपणानीः पांचमे। प्रकारः गृहस्थ द्वारा थाली वंगरह में परोमा हुन्ना मोजन साधुको यत्नाचारपूर्वक प्रहण करना; पिटेपणा का पाचवाँ मेद Careful taking up ( by a Sadhu) of food served to a householder in a utensil, the 5th mode of begging food ठा॰ ७; प्रव॰ ७४६,

उग्गाद्य. सं॰ क्र॰ ( उद्ग म ) भान क्रीने गाता हुत्रा. Singing, having sung. श्रोप ॰ नि॰ ६६:

उगाल पु॰ (उद्गार) ओऽधारती साथे अताल हे पाणी पेटमाथी मेढामां आवे ते डकार के साथ श्रव या पानी का पेट में से मुंह में श्राना Coming up of water or food into the mouth along with eructation वेय॰ ४, १०;

उग्गाह्णाः स्त्री॰ (श्रवगाहना) शरीरती ઉथाधः शरीरका ऊंचाई The height of the body. भग॰ १६, ३; २२, ६: उग्गाहिमः त्रि॰ (श्रवगाद्य) धी आदिभा तथेशी परतुः घो वगैरह में तली हुई वस्तु Food fried in ghee etc. प्रगण॰ २, ४:

उग्गाहिय-म्र ति॰ ( उद्माहित ) द्वाथमा वीवेश; अपाउंश. हाव में लिया हुम्रा; उठाया हुम्रा. Taken up; lifted up म्रोघ॰ नि॰ १६७;

उरगाहियव्वं. त्रि॰ ( उद्ग्राहितव्य ) तथास ५२शी तपास करना, जांच करना. Examining; inquiring. वव॰ २, २२;

उगिग्ण, त्रि॰ ( उद्गीर्ण ) ओहिस; यभेस वमन किया हुआ. Vomited. नाया॰ १; उग्गिलित्ता. सं कृ॰ अ॰ (उद्गीर्य ) ओशा-सीने उगाल कर. Having brought (food already eaten) again from stomach into the mouth; e g. like cows etc. वेय॰ ४, १०;

उग्गेत्वणा स्त्री॰ ( उद्गेषना ) शिध्युं; श्रेष्णा करनी शोपना; खोजना; एपणा करना. To search; being in search of. पि॰ नि॰ ७३;

उग्गोविय ति॰ ( उर्गोपित ) मुंजार्ध गरेल स्त्रने ७६ लेल; गुंच डाढेल. श्ररपष्ट या कठिन स्त्र का सशोवन किया हुआ. Deciphered; e. g a difficult Sūtra. मग॰ १६, ६;

उग्धाइस्र -य नि ( उद्धातित ) सधु प्राय-श्रित. छोटा प्रायश्चिन. Minor expiation. ठा० ४. निती॰ १०, १४; वेय० ४, ११; १२; (२) नाश पामेस. नाश पाया हुआ; नष्ट. destroyed; ruined. ठा॰ १०; —संकल्प. पुं॰ (न्संकल्प) सधु प्रायश्चित्त का विचार. thought about minor expiation. निसी॰ १०, २६;

उग्घाइम न॰ (उद्घातिम-उद्घातोभाग पात-स्तेन निर्वृत्तमुग्घातिमम् ) क्षष्ठ प्रायिश्वत्त. लघु प्रायिक्षत्त. Minor expiation. ठा॰ ३,

उग्घाडः त्रि॰ ( उद्घाट ) थे। डुं ढां हेक्नुं-पासेक्नुं; त्रे। ડું ખુલું; ભાગલ ન દીધેલ. कुछ ढका हुत्रा थ्रार कुछ खुला हुआ. Partially elosed, not bolted. श्राव०४, ४, - कवाड त्रि॰ ( -कपाट) अर्धु ही वेस अभाउ. त्राधा वन्द किवाइ a partially closed door, a door not bolted श्रोव॰ श्राव॰ ४, ५; —कवाडउग्घाडणाः स्त्री॰ ( -कगटोद्घाटना ) अध ઉधार्डु ४मा८ પુરં ઉધાડવું તે; સાધુના ગાયરીના એક व्यतियार त्र्याधा खला हुन्ना किवाड़ पूरा उघाडना, साधु का गोचरी का एक श्रातिचार opening a partially closed door, a fault in alms-begging by a Sadhu " पडिक्कमामि गोयरग चरियाए उग्घाडकवाडउग्घाडणाए" श्राव० 8, X,

उग्झाडरा न॰ ( उद्घाटन ) ઉधाउनुं, भेशसनुं. उधाडना; खोलना Opening, opening a door पि॰ नि॰ ४०७, श्रोध॰ नि॰ ४७६, श्राव॰ ४, ४,

उग्घाडपोरिसी स्री॰ ( उद्वाटपोस्पी ) पढ़ेरिनी पाछली भाग; भाषी पढ़ेरि प्रहर् का पिञ्जला हिस्सा The latter part of a Prabara (a period of time equal to about three hours; ) three-fourth of a Prahara. 44. 4.5;

उग्घाडिश्च-य. त्रि॰ ( उद्घाटित ) ६४।८५; भु६ंदुं ६रेस. उपाटा हुन्ना. खोला हुन्ना. Opened. नंदी० ४२; पि॰ नि॰ ३५२; क॰ प० ५, ६४;

उग्घाडियग्ण ति॰ ( उद्घाटितज्ञ-उद्घाटितं प्रकाशितं जानतीति ) ४९५ भात्र क्र्ल्श् नार. केवल कहे हुए को ही जानने वाला. (One) who knows anything exactly as it is explained or said to him. नंदी॰

उग्धाय. पुं॰ ( उद्घात ) क्षधु प्रापिशत. त्तषु प्रायित. Minor expiation ठा॰ ३;

उग्घायण. न॰ ( उद्घातन ) क्षय-नाश धरवे।. चय करना, नाश करना; Destruction. श्राया॰ १, २, ६, १०२:

उग्धुट्ट. त्रि॰ (उद्घुष्ट) धे।पए। ६रेस. घोषित; घोषणा की गई हो वह. Proclaimed. स॰ च॰ २, १०१;

उग्झोसणा. स्त्रीः ( उन्धोषणा ) ઉદ્ધोषणा-ढंढेरा. उद्घोषणा, प्रसिद्धि. Proclamation; declaration नाया॰ ५ १५;

उग्बोसिय. त्रि॰ ( उद्घुष्ट ) धसेनः भांकेल धिया हुया; मांजा हुआ. Rubbed; cleansed " उग्घोसियसुणिम्मलंव श्रायंसमंडलतलं" पग्ह० २ ४;

उचिश्र-य त्रि॰ (उचित) थे।२४; सायह.
योग्य. उचित, लायक. Fit; proper;
suitable. नाया॰ १; राय॰ ४४; पि॰
नि॰ ६४१, कप॰ ४, ६२, (२) लोडेस:
भनेस जोड़ा हुत्र्या, मिला हुत्र्या. united;
joined. पंचा॰ १, ४३; — श्रासुद्वास्।.
न॰ (-श्रनुष्ठान) ઉथित-थे।२५ अनुष्ठान.
उचित श्रनुष्ठान, योग्य कार्य proper

performance " उचित श्रणुहाण्यो विचित्त जइ जोगतुल्ला मोएमं" पंचा॰ ६,१६; — करिएजा विश्व कर्तव्य वाला करिंगलु । १००० १,४३; — जाग पु॰ । १००० १,४३; — जाग पु॰ । १००० १,४३; — जाग पु॰ । १००० १,४३; मजाग योगा व्यापारः । पेतानी भूभिकाने थे।२५०५।५१२ श्रपनी भूमिका के योग्य व्यापार. action proper or appropriate to the status one occupies. पंचा॰ ५,४६; --दिइ. लो॰ ( -न्ध्यित ) ઉथित-थे।२५ थियित योग्य स्थित рा oper condition. पंचा॰ ३,४;

उचिश्र ( य ) त्त. न॰ (उचितत्व ) थे। २४ता, आयडता. योग्यता, ल्याकत Propriety, fitness. पंचा॰ ६, ४०;

उच्च त्रि॰ (उच्च) ७२२; उत्तभ, पूल्य. उच, उत्तम; श्रेष्ठ, पूजनाय. High, excellent; 1 oble. " उचावयादिं सिजाहिं उत्त॰ २, २२, भग० २, ५: ३, १; (२) ઉચા શરીર તથા ઊંચા કુલ વાલા ऊंचे शरीर तया उच कुल वाला. possessed of a noble body and born in a noble family. नाया॰ १६; ठा॰ ४, ३ (३) नाम डम्मेनी योड प्रकृति डे केथी ઉચ્य गोत्र प्राप्त थाय. उच्च गोत्र प्राप्त कराने वाली नामकर्म की एक प्रकृति name of a variety of Nāmakarma by the rise of which a man is born in a high family. क॰ गं॰ १, ३०-५२; ५, ३०; -श्रासणा. न० (-ग्रासन) ઉथु आसन उच्च ग्रासन a high seat सम० ३३; दसा० ३, ३४;

—गोय. न॰ (-गोत्र) ઉચ ગાત્ર नामे ગાત્રકર્મની શુભ પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી છવ **ઉચ ગાત્ર પામે उच्च गोत्र नामक गोत्र कर्म** का एक प्रकृति कि जिसेक उदय से जीव उच्च गोत्र पाता है. a valiety of Gotra-karma by which a soul is born in a noble family. হন॰ ३३, १४; — द्वारा न ( -स्थान ) ઉચ स्थान ऊचा स्थान. high place, high position. " उच्चट्टाणगण्सुगाह " नाया॰ ८.-फल त्रि॰ (-फल) क्षाणा વખત સુધિ જેનુ કુલ રહે છે તે; ચિરકાલના ઉપકारि. लेब समय तक जिसका फल रहता है वह; चिरकाल का उपकारी. having or bearing lasting good fruit. " उच्च फला ग्रह खुड्डा सउणित्या " वव॰ १, ३; —सद पु॰ (-शब्द) भ्हे।टे। शंभ्रह. बड़ा शब्द; उच्च सब्द loud sound. वव॰ २, ७;

उच्चंत. पुं॰ ( ं ) हांतना रंग; हंतराग दांत का रग. Colour of the teeth; tooth colour. राम॰ ५२,

उच्चंतग पुं॰ ( \* ) दन्तने। रंग; दन्तराग. दांत का रंग Colour of the teeth; tooth-colour. जीवा॰ ३, ४;

उन्नंतय. पु॰ ( उच्चन्तक ) लुओः ઉपसे। शण्द. देखां जगर का शब्द. Vide above. राय॰ पन्न॰ १७;

उच्चंपिय त्रि॰ ( - ) जोरथी ६६६े। धरेश. जोर से किया हुआ हज्जा. Violently attacked. "सीसं उच्चंपियं कवं धिमय" तंहु॰

उच्चतः न॰ ( उच्चत्व ) अथ्रप्थु . उच्चताः

<sup>\*</sup> लुओं पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। ( \* ). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट ( \* ). Vide foot-note ( \* ) p 15th.

उच्चागोश्र-य न॰ ( उचगोत्र ) ઉंथुं गे।त्रः गात्र अर्भनी अन्य प्रश्ति उच गोत्र; गोत्र-कर्म की उच प्रकृति. Noble family, a kind of Gotra Kaıma which causes birth in a noble family "से श्रसइं उचागोए श्रसइं नीश्रागोए" श्राया॰ १, २, ३, ७७; ठा० २, ४; श्रगुजो० १२७; सम० १७, क० प० ७, ४३; प्रव० १२६७; ---कस्म (-कर्मन्) ઉચ્ચ ગાત્ર કર્મ; ગાત્ર કર્મની स्थे अक्षति. उच्च गोत्र कर्म, गोत्र कर्म की एक प्रकृति. a variety of Gotra Karma giving birth in a high family. भग द, ६; —ि शिवंधि पुं॰ (-निबन्ध) ६२२ गात्र ४भ णांधवं ते उच गोत्र कर्म वीधना. performing the nobler kinds of Karma which determine birth in a high or noble family. " उचागोयिग्वधेा सासगा वमगो य लोगगमि " पंचा॰ १२, ७: उच्चागोत्त. न० ( उच्चगोत्र ) ळुले। '' उचागोत्र '' शफ्ट देखो '' उच्चागोत्र '' शब्द. Vide 'उच्चागोग्र' उत्त॰ ३, १, =, उच्चानागरी. श्ली॰ (उच्चानागरी) એ नाभनी કાડિયગસ્થી નીકલેલી ્શાખા; આર્ય સંતિસે-शिक्षिती शाभा कोडिय गणसे निकला हुई शाखा का नाम. Name of a family off-shoot derived from Kodiya Gana; the offshoot of Arva Santisenika कप्प॰ =: उच्चार पुं• ( उच्चार ) वडी नीत, अडि।;

उच्चार. पु॰ ( उच्चार ) वडी नीत, अडी; विश्वा. विद्या-मल, दृशे, Excrements. विश्व. विद्या-मल, दृशे, कि० १६७; ५३६; वेय० १, ६०; श्रोव० उत्त० २४, १५; सूय० १, ६, १६; सम० ४, श्राया० २, १, ५, २, ६, नाया० १; २, ५; पन्न० १; ४ 11/24 दस० ८, १८; भग० १, ७; २, २; ६, ३३, १२, ७; २०; २; प्रव० ४३ =; (२) वडी नीत ४२वी, भवत्वाग ४२वे। शौन जानाः मल त्याग करना. answering the call of nature; getting rid of fæces " सेमि॰ उच्चार पासवण किरियाए" श्राया॰ ર, ૧૦, ૧૬૪; (३) ઉપયોગ અને યત્ના-પૂર્વક પરહવવું; પોચમા પરિઠાવણિયા સમિતિ. उपयोग और यत्नापूर्वंक वस्तुभ्रों का निचेप -त्याग करनाः पाचवा परिठावशिया समिति. getting rid of, laying down, excreta etc. carefully. उत्त॰ २४, २; -करणा. न० ( -करण) हिशाओं ज्यं मलम्त्रका त्याग करना. easing oneself, answering call of  $\mathbf{a}$ nature. प्रव० २४, — शिरोह. पु॰ (-निरोध) કાડानी निरोध अटडाव કरवे। ते मल निरोध, दस्त रोकना stopping, checking, of stools " उच्चारिय रोहेण पासवणािशहेशं " ठा. ६, १: ~ पडिक्रमण. न॰ ( -प्रतिक्रमण ) ઉચ્ચાર-વિષ્ટા પરક્વીને ઇરિયા વહિયા પડિ-**५**भ4ी ते मन् त्याग करके इरिया वाहिया रूप प्रतिक्रमण करना. performing Iriyā Vahiyā Pratikramana (thinking over sins committed in walking) after answering a call of nature. ठा॰ ६; —पासवण. न॰ ( -प्रस्नवण ) आडे। अने पेशाय मल मूत्र fæces or solid exciements and urine. दसा० ७, १; निसी० ४, ६६, ( ર ) આચારંગના બીજા શ્રુતસ્કન્ધના ત્રીજા अध्ययननुं नाभ. श्राचारांग के दूसरे श्रुत-स्कंघके तीसरे श्रध्यायका नाम. name of the third chapter of the second Śrutaskandha of

Acharanga आया॰ २, २, ३, १०६;
—पास्त्रयण भूमि स्त्रां॰ (-प्रस्त्रयणभूमि)
आंडा अने पेशाल परंडवरानी कञ्या. मल
मूत्र न्यागने की जगह. a place for
getting rid of solid excrements
and urine. नाया॰ १, भग॰ २, १;
—भूमि स्त्री॰ (-भूमि) कञ्च कवार्न
कञ्या शांच जाने का स्थान a place for
answering a call of nature
दस॰ ८, १७; —मत्त्र अ. पु॰ (-यमत्रक)
स्थिति क्याने भाटे लायन पेशाव
करनेका पान. a vessel in which
urine, solid excrements ete
are got rid of कप्प॰ ६, ३६.

उच्चारण. पु॰ ( उच्चारण ) शेक्षयुं ते. बोलना. Utterance, speaking पन्न॰ ३६. पंचा॰ ६, ३८;

उच्चारत्तः न॰ ( उच्चारत्व ) विष्टापणुं विष्टापन, मलत्व State of solid excrements भग० २०, ४

उच्चार पासवण खेलजन्न सिंग्राण पारिहावणिया सिमय त्रि॰ ( उच्चार प्रमवणिवन मलिया सिमय त्रि॰ ( उच्चार प्रमवणिक मलिया सिमया त्रि॰ ( उच्चार प्रमवणिक मलिया सिमया सिमया भीता कार्ते, पेशाण, लक्षणी, मेल, नाइनी मेल, गेटली वरतुओं। परहेववाभा सिमित-यत्नावाली, मल, मृत्र कफ, मैल; नाक कार्मेल, इन को यानाचार पूर्वक डालने वाला ( One ) careful in laying down or throwing out solid excrements, urine, spittle, bodily dirt & snot नाया॰ ४, दसा॰ ४. १३; उच्चारिय. त्रि॰ ( उच्चारित ) ઉथ्यारेल; उच्चारिय. व्रि॰ ( उच्चारित ) उच्चार किया

उच्चारियव्यः त्रि॰ ( उच्चारितव्य ) उच्यार

च० १, ३६३; मिं० नि० ६७,

हुआ. Said; uttered. पन्न १७, मु॰

કરવા याज्य उच्चार करने योग्य. Worth saying or uttoring. भग० ६, ६, १६, ४;

उन्चारेयन्त्र त्रि ( उच्चारितस्य ) ब्युओ। ६ ५६। शण्द देगो उपर का शस्त्र. Vide above. भग० १, ४, ४, १; ४, २, ४; जं० प० ७, १६२,

उच्चालइष्टा ति॰ ( टब्चालियक ) हर ६२-त २. भभेऽतार दूर करंग वाला धमाटने बाला ( One ) who removes or causes to move ' जंचाणिजा उच्चा-लक्ष्येतं जाणिजा द्रालहरं '' श्राया॰ ३, ३,३,३१२=;

उच्चालियः त्रि॰ ( उच्चालित ) ५२ं ६२ेंलुं, ६५१६ेंसं. कंचा किया हुत्रा; उठाया हुन्ना Lifted up; raised up. " उच्चालिय मिनपाप, इरिया समियस्य संकमहाप् " श्रोध॰ नि॰ ७४०;

उच्चावश्र-य. त्रि॰ (उच्चावच-उदक्चावाक् उच्चावचं ) उथ-नीथ; उत्तभाधभः अनेक प्रकार ना Of various kinds; high and low. न्य॰ १, १, १, २७, उत्त॰ २, २२; नाया॰ १; १६, १६, भग॰ ०, ६; १५, १, श्रोत॰ ४०; पत्त॰ ३४, राय॰ २६६; दमा॰ १, ३; (२) अनुरूस प्रतिकृत श्रात्कृत प्रतिकृत्त. favourable as well as adverse भग॰ १, ६;

उच्चावय ति॰ (उच्चवत-उच्चानि महान्ति व्रतानि येपां ते ) महाव्रत धारी; ઉथा वर्त याली. महा व्रत धारन करेने वाला, ऊंचे व्रतगला (One) observing high or full vows. " उच्चावयाइं मुरिएको चरंति " उत्त॰ १२, १५; उच्चावइत्ता सं० कृ० य० ( उच्चे कृत्वा ) ઉथु કरीने जचा करके Having lifted up. पन्न ० १७,

उच्चिवय सं० कृ० थ्र० ( उच्चे कृत्वा ) ઉशुं धरीने ऊंचा करके Having lifted or raised up पन्न० १७,

उचित्रद्रश्चात्रिक ( उचैस्क ) अयं ऊचा High; elevated जीवा॰ ३, ३.

उच्चूल न॰ (उच्चूल = ऊर्ध्व चूला यथा स्पा त्तथा उच्चलम् ) ७२१ ये।८४१ थाय तेवी रीते ઉथु धरेश भाष्ं जिस तरह से गोटी ऊंची हो उस तरह से श्रोबा-नीवा किया हुत्रा माथा. ( Head ) topsy-turvied so that the tuft of hair becomes erect. विवा॰ ६:

उच्चलः पुं॰ ( श्रवचूल ) दाधीना गलानी भे યાજીએ ઝુમણા જેવું લટકતું યુમક हाથી के गल के दोना श्रोर भूमके के समान लटकता हुआ भूमका An ornamental pendant (of the shape of a flower) on both the sides of the neck of an elephant श्रोव॰ ₹0,

उच्चूलग. ९० ( अवचूलक ) लुग्गे। ઉपसे। शण्द देखो ऊपर का शब्द. Vide above. श्रोव॰ ३१;

उच्चोद्र पु॰ ( उच्चोद्क ) थहारत यक्ष्यर्तिना ओक महेसन नाभ ब्रह्मदत्त चकवर्ती के एक म ल का नाम. Name of a palace of the Chakravartī Brahmadatta उत्तः १३, १३;

उच्छंग. पुं॰ ( उत्संग ) गेहि; भेहि। गोदी. A lap श्रंत० ३, =, श्रोव० ३१, सु० च० २, २४४; नाया० २; १६, त्रिवा० ७; प्रव० १६०,

उच्छएण त्रि॰ (उन्छुत ) ढां हेश ढाका उच्छाइय. त्रि॰ ( श्रवच्छादित ) আম্છাধন

हुआ Covered, hidden श्रोव॰ पन्न॰ २३, ज० प० २, १६.

उच्छुत्तः न० ( अपच्छुत्र- अपशब्द विरूपं छत्रं स्वदोपाणा परगुणानाचावरणमपच्छत्रम् ) પાતાના દાપ અને ખીજાના ગુણાને છુપાવના ते. असत्यते। ओड प्रधार व्यवने दे।प ब्योर दसरे के गुण को छुपाना Hiding one's own demerits as well as another's merits पगह. 1. 2.

उच्छद्ध. त्रि॰ ( उत्स्तब्ध ) २५ ६२ ६५ ६ तरेल श्रदर उतरा हुया, उडे में उतरा हुया Gone deep into the interior. श्रगुत्त॰ ३, १,

उच्छन्न त्रि॰ ( उच्छन ) लुओ। ' उच्छरण ' शण्ह देखो 'उच्छएए ' शब्द Vide ' उच्छरारा ' जं० प०

'বহুন্তু'নে. त्रि॰ ( उत्स्तृएवत् ) আম্ভাદন र ४२ तुं, टांक्ष्त आच्छादन करता हुआ, ढकना हन्ना. Covering "चनखपहमुच्छरन्त-कच्छइ गभोर .. " पगह० १, ३,

उच्छलगा स्री॰ ( उच्छलना ) ७२७४१ ते उन्नलना Leaping up, throwing up पगह० १, ३,

उच्छा**लिय** त्रिः (उच्छलित) <sup>११२</sup>%ेेेेेेेेेेेेे उद्धला हुआ ( One ) that has leapt up पग्ह॰ १, ३;

त्सव इन्द्रोत्सवादि, महोत्सव, वटा जल्मा A festival, e. g one in honour of Indra नाया॰ १; भग॰ ६, ३३,

उच्छहंत त्रि॰ ( उत्सहत् ) ઉत्साह राभते। उत्साहवाला. Ardent; zealous, enthusiastic " श्रश्रोमया उन्छह्या नरेणं " इस॰ ९, ३, ६

धरेक्ष, क्षाडेक्ष. ढाका हुवा Covered; hidden नाया १:

उच्छाद्यायाः ह्वी० (उच्छाद्न) अव्छेत्न ४२५ ते उच्छेदन करना, उखादनाः Rooting out, cutting out. " द्यमाणं संभुतराणं घाताए बाहाए उच्छद्यायाएं " भग० १५, १,

उच्छाय पु॰ ( उच्छाय ) ३था४. ऊचाई. Height ठा॰ ७,

उच्छायणा स्त्री॰ (उच्छादना) २४५२छेट२४।इति ४२६ी जातिका विच्छेदन करनानारा करना. Cutting off, debatring नाया॰ =:

उच्छाह. पु॰ ( उत्माह ) अत्साद; अतंति. उत्माह; उत्कठा Zeal; enthusiasm; enger longing स्॰ प॰ २•; नम॰ ६. उच्छिद्रम् न॰ (उच्छेद्रन ) अिल्नुं-अधारू सेवु ते उवार लेना. Borrowing, taking on credit पि॰ नि॰ १२६,

उच्छिपग पुं॰ (उत्तेषक ) शेर विशेष;
भीषा, लीस वर्गेरे शेरनी जनन चोर विशेषः
मीणा, भील वगैरह चोरकी जाति. A particular class or tribe of thieves; e. g Minā, Bhila etc पग्ह०
१, ३,

उच्छिट. त्रि॰ (उच्छिष्ट ) भातां भाता वधेक्षं; भेर्ः, लाडं उच्छिष्टः भ्यूटन् (Food) remaining after one has eaten a portion of it प्रव॰ ११६;

उच्छिएए। त्रि॰ (उच्छिन्न ) ६२% ६२४; नाश पामेस. नाश पाया हुआ; नष्ट. Destroyed; ruined ठा० ४, मग० 3, ७; कप॰ ४, ८८: — सामि .
पुं॰ (-स्यामिक—उच्छित्तो निःमत्तीमृत.
स्वामी यस्य नत्तथा ) रोती स्वाभी भ लेह
ताश भाभेल देख ने जिस्पा स्वामी नष्ट
हो गया हो वह (one) whose master
has been mined. "उच्छिग्ण सामियाइ वा उच्छिग्ण सेउ पाह" भग॰ ३ ७:
उच्छियः त्रि॰ ( उच्छिन् ) देखुं हरेल
कंगा किया हुया. Raised up;
elevated श्रोव॰ २६; ३१: नंदा॰ ६;

उच्छु. पुं॰ ( इनु ) शेरडी साटा, गना.

Sugar-cane. भग० १, १; श्राया॰ २, ७, ३, १६०; श्रोव० पि० नि० २८०; म०

च॰ २, २४; — संड. पुं॰ ( - स्वर्ड )
शेररीने। ६८१। - ६१ तथी गंत्रा दुकडा.

६ piece of ( ngar - cane. दस॰ ३, ७.

४, २, ३=; दमा॰ १०, ४; — गंडिया.

स्त्री॰ ( - गग्रिटका ) शेररीना गांठ
सिंदित ६६८। गनेका गाठ महित दुकडा.

६ piece of sugar-cane with
joints प्राया॰ २, १, १०, ४८.

— मेरम न॰ ( - मेरक ) शेररीनी शरेरी;
छोता उतारेस शेररीना ६८६। गडेरी; गनेके
विना खिलके के छोटे दुकड़े. small pieces
of sugar-cane with the peel
chopped off प्राया॰ २, १, =, ४७.

- च्या न॰ ( -वन ) शेरडीनु वन गन्ने का

श्रगुजा॰ १३१; —चाड पुं॰ (-बाट) शे॰-

a forest of sugar-canes

ડीनी पार गनेको वाड a field of sugarcane where they are pressed to extract juice. श्रोघ॰ नि॰ ७७१: \* उच्छुडू त्रि॰ ( \* ) ઉપर आवेस ऊपर

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। ( \* ). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट ( \* ) Vide toot-note ( \* ) p 15th.

त्राया हुत्रा. Come up, come to the surface. विशे॰ ११४७;

उच्छुड़ त्रि॰ ( विक्तिप्त ) वेशथेक्षः, विभेरेक्ष विखरा हुआ Scattered, dispersed ओष॰ नि॰ भा॰ २२१,

उच्छढ त्रि॰ ( . ) ये।रागेक चुराया हुत्रा Stolen जीवा॰ ३, ३, ( २ ) त्यक्रेक्ष. त्यागाहया abandoned य्रोव॰ ३८ मंत्या (३) પાતાના સ્થાતથી દૂર કરેલ, यहार हरेल अपने स्यानसे दूर हुन्न, बाहिर किया हुन्ना removed expelled from one's place 'अायाण फलिय उच्छुढ दीह बाहु" तद् ७ श्रोव० १०, —सरीर. पुं॰ (-शरीर ) केंशे शरीर સસ્કારને તજી દીધા છે એવા મુની एसे मुनि जिन्होने शरीर संस्कार का त्याग कर दिया है an ascetic who has given up all physical needs or ceased to attend to them "घोरतयसी घोर वभयारी उच्छढ सरीरे "विवा १, भग० १, १. नाया० १,

उच्छेद पु॰ (उच्छेद) न श नाश Destruction; annihilation नदी॰ ३६, उच्छेद ) कुओ ७ पक्षे शण्ट. देखों ऊपर का शब्द Vide adove नदी॰ ३६, —कर बि॰ ( -कर ) नारा करने वाला (one) who destroys नदी॰ ३६,

उच्छेयण न॰ ( उच्छेदन ) निर्मूस ४२वुं, उच्छेदन ४२सु निर्मूल करना; उच्छेद करना Uprooting; annihilating, eradicating राय॰ २०=,

उच्छोभ त्रि॰ (उन्होभ) क्षोल रहित

चोभ रहिन Fiee from agitation. स्रोघ॰ नि० ४३३.

उच्छोल्लग् न॰ (उच्छोल्लन) अल्प्तनाये ध्य प्रभावित्य के विना गरनाचार के हाथ पैर बोना Careless washing of hands and feet स्य॰ १ ६, १८; --(णा)पहोत्रा-य त्रि॰ ( -प्रधौत -उच्चोलनेन प्रभूतजलकालनाक्रयगा धौता धीतगात्रा ये ते तथा ) 'બણા પાણીથી જતતા વગર શરીર વગેરે ધાનાર यत्नाचार के बहुत से पानी से शरीर वगैरह धोनेवाला (one) who carelessly washes his body (needlessly) with too much water दस॰ ४, २६, —(गा)पहोइ त्रि॰ ( -प्र-धाविन् — उच्छोत्तनगादक यतनया प्रकर्षेण धावतिपदादिशुद्धि करोति यः स तथा) જવना वगर पाह प्रक्षांबन करनार विना गरनाचार के पैर घोनेवाला (one) who washes feet without proper care दस०४

उच्छोलित्तारः त्रि० (उत्सासितृ) उन्धा सनार द्वांटनेवाला ( One ) who washes or sprinkles. स्य०२,२,१६ उज्जम पुं० (उद्यम) उद्यभ, धन्धे, प्रदृत्ति उद्यम, वंथा, व्यापार प्रवृत्ति, कर्तव्य तत्परता Industry, activity, business स्रोव० २१, मु० च० १, २४. नाया० ५, गच्छा० ४;

उज्जयः त्रि॰ (उद्यत) तत्पर, तैयारः तत्पर, उद्यम, तैयारः Ready; ready to do, prepared पर्रह॰ १, ३. श्रोघ॰ नि॰ भा॰ ४६, सु॰ च॰ १, ३०३. प्चा॰

<sup>्</sup> लुओ पृष्ठ नभ्भर १४ नी पुरने। (१). देखो पृष्ठ नंत्रर १४ की फूटनोट (१) Vide foot-note (१) p. 15th

=, ४, —विहार त्रि॰ ( -विहार ) विद्धारमां उद्यत-अल्भास. विहार में उद्यत. enthusiastic or zealous about peregrination ( Vihāra ). पंचा॰ १,४६,

उज्जयंत पुं॰ ( उज्जयत् ) गिरनार पर्वत. पर्वत. Tho Giranāra mountain. प्रव॰ ३६४, — सेल. पुं॰ (-शेल) गिरनार पर्वत गिरनार पर्वत the Giranara mountain नाया॰ १६: उज्जल त्रि॰ (उज्बल) निर्भेक्ष; ২৭<sup>2</sup>७; चे।५७ं; शुद्ध, ५बं ५ रिद्धत. निर्मल; स्वच्छ; माफ; निष्कलंक Clear; pure; stuinless. कप्प॰ ३, ४१, ४६; नाया॰ १; जीवा० ३, १; राय० श्रोव० भग० ६, ३३; १४, १, गच्छा० १०२; (२) ઉत्हर; तीत्र उत्कट, तीत्र. sharp; severe नाया॰ १, ४; १६; १९, सृय० २,२, ६७, राय० २८३; विवा० १; जं० प० ७, १६६; दसा॰ ६, १, — लोवतथा. पुं॰ (-नेपध्य ) निर्भक्ष वेष. निर्मल वेष: स्वच्छ पोशाक clean, spotless, dress भग०७, द,

उज्जिलियः त्रि॰ (उज्ज्विति-उद्गता ज्वाला यस्य सः ) प्रशिश्तः, हेरीप्यमानः प्रका-शित, प्रकाशवानः, देदीप्यमानः Shining, spackling नाया॰ १; जीवा॰ ३;

उज्जल्ल. त्रि॰ (उज्जल्ल – उद्गतो जल्ल: शुष्क-स्त्रेदो यस्य सः) भुश पिसताना अभेल भेशयुक्त, भक्षीत मूखे पर्याने के जमे हुए मेल महित Dirty with a sediment of dried up perspiration. "सुडा कडूनियाटुंगा उज्जल्ला ग्रसमाहिता"

स्य॰ १, ३, १, १०; उज्जहित्ता सं॰ कृ॰ (उद्धाय) तछने; छे। डीने तजकर, छोडकर. Having abandoned; having left "उज्ज-हित्ता पलायह्" उत्त॰ २७, ७;

उज्जागा. न॰ (उद्यान-वस्त्राभरणादियमलं-कृतविप्रहाः मित्रहितामनाद्याहारा सदनी-रमवादिषु क्रीडार्थ लोका उचन्ति यत्र तथ म्पकादितरुख्यहमागिदतमुद्यानम् ) કુલ વાલા ઝાડાથી વ્યાપ્ત બાગ; સાધારણ જનાને એાચ્ઝવ ઉજાબી કરવાનુ સ્થાન; यगीया. फूल फल वाल कादों से ब्याप्त र्यागीचा; माधारण जना का उत्मव करने का स्थान; बागीचा. A garden with fruittrees and flowering plants; a place where common people go for celebrating a festivity. 449. ४, ४, ६६; ११३, ७, २११; श्रगुजी० १६; १३४; ठा० २, ४; सम० ६; दम० ६, १; ७; २६; राय० २०, ३३, २३४; नर्दा० ४०, पि॰ नि॰ २१२; सु॰ च॰ १, ६६; दमा॰ ६, ३; विवा० ५; श्रोव० १६; नाया० १, २, ३; ४; ⊏; १४; १६: भग० ३, २; ४, ७, १४, १,१८, १; २४,७, जं॰ प०२, ૩૦; ૩૧; નિંસી૦ ⊂, ૨; (૨) ઉચી लभीतः टेक्ट्री ऊंची जमीनः टेक्ट्रा. a high ground; a hill. " उजाएं सिव दुवला " सूय॰ १, ३, २, २०; —गिह. न० (-गृह) ઉद्यानमां भाषिस भंधान उद्यान गृह, बगीचे वाला घर. ४ house in a garden. তা॰ ২, ४, निसी॰ ६, २, — जत्ता स्त्री॰ ( -यात्रा ) ઉद्यानभां कर्त्र ते, उद्याननी यात्राः बागा चे मं जाना. going to a garden. नाया॰ १: -पाल त्रि॰ (-पाल ) उद्यानि। રક્ષક-માલી उचान का रखवाला; माली. હ gardener; (one ) in charge of a gaiden. पिं॰ नि॰ २१४, —पासश्च. त्रि॰ ( -पाचक ) जुओ। ઉपने। शण्ह

देखो ऊपर का शब्द vide above राय॰ २३०; —संदिय. त्रि॰ (-संस्थित) ઉद्याननी आधित वाधु, उद्यानने आधिर रहेल. उद्यान की आकृति वाला, उद्यान के आकार वाला. having the form of a garden; of the appearance of a garden "उज्ञाणपिठताण ताव क्लेते" चं॰ प॰ २, —साला स्त्री॰ (-शाला) उद्यान शाला; वाणीचा. a park, a garden निर्मा॰ २, २, —सिरि. स्रो॰ (-श्री) उद्यान वावनी लक्ष्मी-शाला. उद्यान की लक्ष्मी, वन की शोमा. beauty of a garden or of a wood नाया॰ १६;

उड़जायण पुं॰ (उद्यायन) पुष्य नक्षत्रवृ भेषत्र पुष्य नजन्न का गोत्र The familyline of the constellation Pusya. सु॰ प॰ ९०.

उज्जालम्म त्रि॰ ( उज्ज्ञ्बालक ) अञ्नि सक्ष-गापनार. श्राम्न जलाने वाला-सिलगाने वालो ( One ) who kindles fire मूत्र. १, ७, ६;

उज्जालण न० ( उज्ज्वालन ) सक्षणायनु ते जलाना, सिलगाना Kundling, setting fire to, causing to burn गच्छा॰ ४६,

उज्जालियः त्रि० ( उज्ज्वालित ) सक्षणावेशः मिलगाया हुमा Kindled जीवा० ३, ३, उज्जित पुं० ( उज्जयत् ) सेरिट देशमां जुना-गढ पासे व्यावेश गिरनार पर्वत गिरनार पर्वत The mountain Girnāra in Junāgadha. पचा॰ १६, १७; कप्प॰ ६, १७४,

उन्ज त्रि॰ (ऋज्-श्रजीयति गुणानिति ) सरव. अव६, अ६८व सरतः; सीधा, टेटाई राहित, विना कुटिलता का Straight; straight-forward श्रोव० १०, टा० ४, १; श्राया० १, ३, १, २०७, पि० नि० २८६. ३६५, जं०प० २; जीवा० ३, ३. (२) भाषा-४५८ रिंदत, संयभधारी माया रहित, छल कपट रहित, संयम वाला deceit, self-restrained from ठा॰ ३, -- ऋायता क्षां॰ (-श्रायता) सरण अने लांभी श्रेशी सरत श्रौर लंबी श्रेणी a long and straight line भग० २४, ३, ३४, १. — श्रायया स्त्री० (-श्रायता) जुओ अपेंश शण्ह देखो ऊपर का शब्द. vide above भग॰ २५, ३, —कड त्रि॰ ( -कृत ) सरण, भायारदिव ४रेक सरल-माया रहित किया हम्मा made straight-forward or free from decent. " श्राकेचणा उज्जकडा निरामिसा । परिगाहारभ नियत्त रोसा " उत० १४, ४१, श्राया० १, १, ३, १८, —जड प्रि॰ ( -जह ) सर्गा અને જડ, સીધાપણ જડતા सरल श्रोर जड़, सीधा किन्तु मद वृद्धि straight-forward but dull and and stupid " पुरिमा उज्ज्ञजाडाणो वक जद्भाय पच्छिमा '' उत्त० २३, २६; पचा० १५, ४३, --दंसि. त्रि० ( -दार्शेन्-ऋजु मोच प्रति ऋजुरवान् संयमस्त पश्यन्त्यु-पारेयतयेति ऋजुदशिनः ) ऋलु लाय-માેલ સાધક સંવમને જોનાર, સંવમાલિલાષી ऋजु भाव-मोच की सिद्धि करने वाले सयम का श्रामेलापी. (one) desirous of

asceticism which leads to salvation दस॰ ३;११;—पन्न. त्रि॰ (-प्रज्ञ) सरण अने सभलु. सरल श्रीर सममदार straight-forward and intelligent. दस॰ ४, १, ६०; उत्त॰ ६, २३, २६; पचा० १७, ४३,—भाव पुं०(-भाव) अ.ज. साप, सरसता. सरत straight-forwardness; self-restraint "उज्जुभावं च जग्रयह्" उत॰ २६, ४, — मइ, ल्ली॰ (-मात-मननं मतिः ऋज्वी सामान्यप्राहिणी मतिः ऋजुः मति.) भन ४४<sup>६</sup>व सानना ऄे ने नेह; साभान्यथी भनना पर्यवे ने कछावनार शान. मन पर्यव ज्ञान का एक भेद, सामान्य से मन के पर्यवो को जानने वाला जान a variety of Manaparyava Jñāna; simple mental knowledge. श्रोव॰ १६, दम॰ ४, २७, ठा॰ २, १. नंदी० १८, भग० ८, २; विशे० oue, (२) યુંં કંઇક ન્યૂન (અદી અંગુલ ન્યુન ), અઢીદીપના સંત્તી પ્રાણિ– એોના મનાભાવને જાણનાર સાધુ. श्रहाई द्वीप के संज्ञी प्राणियों के मना भावों को जानने वाला साधु (an ascetic) able to know the thoughts of conscious living beings of  $2\frac{1}{2}$ Dvīpas i. e. continents; a little less (by the breadth of  $2\frac{1}{2}$ fingers) ब्रोव॰ १४; —यार. त्रि॰ ( -कार ) ઋ.જુ-स यम-सरसताना क्षार-કરતાર, સંયમધારી; સંયમ પાલનાર. संयम का पालन करने वाला (one) who observes rules of asceticism. सूय॰ १, १३, ७, —सुत्त. पुं० ( -स्त्र ) वर्त्तभान वस्तुनेक भाननार नय, सात नयभाने। ओक्ष नयः वर्तमान वस्तु को

ही मानने वाला नय, सात नय में से एक नय the theory which admits the present condition things only, one of the 7 logienl stand-points. ठा॰ ७; —सुय. षुं॰ ( -ध्रुत ) અતીત અનાગત કાલ २५ વકતા વિના માત્ર વર્તમાન કાલવર્તિ वस्तुनेक के हेणा है, पारश वस्तु निष्प्रयान જનહાઇને અસત્ સમાન માને, લિંગ વચન ભિત્ર છતાં એકજ પદાર્થ માતે, નિસેપા-ચાર સ્ત્રીકારે તે: સાન નયમાંના ચાંથા નય. सात नय में का चौथा नय, जो श्रतीत श्रना-गत काल हपी वकता को छोड कर केवल वर्तमान काल रुपा वस्त को दी दिखलाता है, पर वस्तु को श्वसत् के समान मानता है, लित वचनों को भिन्न होने पर भी एकई। पदार्थ वतलाता है श्रीर चार निन्नेप स्वीकार करता है. the fourth of the seven logical standpoints; viz the actual point of view referring to the present condition of things, regarding as non-existent or false all other things because they serve no purpose, and regarding substance as one although it may differ in gender and number. श्रापुनो॰ १४; १४८, सम० ८८; पन्न० १६; विशे० ४०; २२२२; प्रव॰ ८४४; (२) वि छेह ग्रेस **ળારમા દર્ષ્ટ્રિવાદ અંગના ખીજા વિભાગ સ્ત્ર**ન ने। प्रथम भेंद्र जिसका विच्छेद होगया है भेरेसे वारहवें दृष्टिवाद श्रंगके दूसरे विभाग सूत्र का प्रथम भेद. the first division of the 2nd Vibhāga Sūtra of the 12th non-extant Dristivāda Anga — सिंडि. स्री॰ (-श्रेगी) सरस

ভভ্নুষ্ম ]

श्रेष्री-आशास प्रदेशपंडित सरल श्रेषी-श्राकाश प्रदेशों की सरज पंक्ति. a straight line of spatial units " विष्पजहिता उज्जुसेटिपत्ते" उत्त २६, ७३,

उज्जुश्र. पुं॰ (ऋजुक) ७६२ सर्प पगेरेना ६२-२।६रे। जदरे श्रीर सापों की बावा A hole of a snake, a rat etc. कप्प॰ ६, ४४;

उज्जुग पुं॰ ( ऋजुक ) दृष्टिवाहना ८ सूत्रभानुं पहेल सूत्र दृष्टिवाद के = सृत्रों में का पहला सूत्र The first of the 8 Sutras of Dristivada. सम॰ (२) निष्कपटी, सरल कपटरहित, सरल one free from fraud जीवा॰ ३,

उज्जुगइ. क्री॰ ( माजुगित ) साधु भाताना स्थानथी निक्षी सिध्वेसिध्यु गृद्धितिओं क्रिश्वेरे, वसता न व्हेरि ते, गायरीना व्याह प्रकार में का एक प्रकार, जिस में साधु अपने स्थान से निकल सीधा गृहसमृहों में जाकर वहारता-भिद्धा लेता है श्रीर लीटत हुए नहीं वहारता. The first of the eight modes of begging alms; viz proceeding to beg from one's own abode in a straight line ( of houses ) and not begging while returning. प्रव॰ ७४३,

उज्जुगमूय. त्रि॰ ( ऋजृकभूत ) सरस भूत-थपेश. सरलीभूत; सरल हो चुका हुन्ना ( One ) that has become straight or straight-forward. ''सोहि उज्जुगभूयस्म धम्मो सुद्धस्स चिट्टह' उत्त॰ ३, १२,

उज्जुगया. स्रो॰ ( घानुकता ) स्रश्तता सर-तता; सोधा साधा पन Straightness, straight-forwardness हा॰ ३; v 11/25 उज्जुत्त. त्रि॰ ( उच्चृक्त ) ६६भ वाक्षी; ६६भी उद्यमी. उद्यम करने में तत्पर. Industrious; busy. पंचा॰ १७, ५२; नंदी॰ २६; ( २ ) सावधान. साववान. सचेत. attentive, careful. आउ॰

उड्जुभूय. त्रि॰ (ऋजूभृत) सरक्ष थयेव; सिद्धा-सरक्ष ६६येने।. सरलीभृत; सरल हृदयवाला, (One) who has become straight-forward in mind, straight-forward. उत्त॰ ३, १२,

उज्जुय. ति॰ (ऋजुक) सरक्ष; सीधी; निष्ध-पटी सीधा साधा; कपट प्रपंचराईत. Free from decent; guileless श्राया॰ २, ३, १, ११४; नग॰ १८, ४ दसा॰ ६, २; श्रोव॰ नि॰ ८००; कप्प॰ ३, ३६: (२) पुं॰ ०/भाषे। हाथ सीवा हाथ; दाहिना हाथ. the right hand श्रोघ॰ नि॰ ४१०;

उज्जुयया स्रो॰ (ऋजुकता) सरसताः सर-त्रता, सोधा सादायनः मिष्टedom from guile; straightforwardness उत्त॰ २६, ४८,

उज्ज्ञवालिया स्नी० ( ऋजुवालुका ) ०० लिया श्रामनी शहार वहेती अन्न नही, हे किने हां हे भहानीरस्वामीने हेवलज्ञान उत्पन्न थयुं. जिमया श्राम के वाहिर वहती हुई एक नदी, जिसके तीर पर महावीरस्वामी को केवलज्ञान उत्पन्न हुन्ना Name of a tiver outside the village called Jambhiyā on the bank of which Mahāvira Swāmī got omniscience "जंभिय गामस्स नगरस्य बहिया नईए उज्जुवालियाए उत्तरकूले " श्राया० २, १४, १७६; कष्ण० ४, ११६;

उज्जेगो स्री॰ (उज्जीयनी) भासप देशनी એક नगरीनुं नाम मालव देशका एक नगरी का नाम, उज्जायनी, उज्जेन Ujjain; name of a city in Mālava. " उज्जेणी श्रष्टणे खलु" श्राव॰ ४; संत्या॰ ६४; सु० च॰ ११८; विशे॰ १०८२; श्रोध॰ नि॰ मा॰ २६;

उन्जोस्र-यः पुं॰ (उद्योत ) तेल-प्रधाश ઉद्येत, अलवाधु प्रकाश, उजेला, उद्योत. Light, brightness "देवुज्ञोयं करेंति" राय॰ उत्त॰ २३, ७५, २८, १०: पत्र॰ २, श्राया॰ २, १४, १७६, मग॰ २. प्तः ४, ६, प्रव० १२७८; मत**०** १६८; (२) नामधर्मनी थेंड प्रमृति हे केना ઉદયથી ઉપ્લ-ગરમ નહી છતાં પ્રકાસ કર-नार शरीर प्राप्त थाय-क्रेम यंद्र नक्षत्र रत वगेरेनां शरीर नामकर्मकी एक प्रकृति, जिसके उदयसे गर्म न होते हुए भी प्रकाशवान शरीर प्राप्त हो जैस कि चद्र, नच्चत्र, रत्न त्रादि का शरीर a variety of Nāmakaima by which one gets a body which is bright and shining without being hot, e g that of the moon etc पन्न० २३; क० गं० १, २५-४६; २, ४; — श्रायव पुं॰ ( - श्रातप ) ઉद्यात अने आत्र नाभ ५ भी. उद्योत श्रीर श्रातप नामकर्भ the two Nāmakarmas viz Udyota and Atapa. क गं0 ४, ३, जं॰ प॰ ३, ४४, -गर त्रि॰ ( -कर ) उद्योत-प्रधाश-ज्ञानहर्शनरूपी अक्षाराना करनार उद्योत-प्रकाश करनेवालाः ज्ञानदर्शनरूपी प्रकाशका करनेवाला (one) who enlightens in right knowledge and faith. पग्ह॰ २, २, सम॰ श्राव॰ २, १; —चउ. ( -चतुष्क ) उद्ये।-તાદિ ચ.ર પ્રકૃતિ; ઉદ્યોતનામ, નિર્યંય ગનિ; તિર્યયનું આયુષ્ય અને નિર્યય અનુપૂર્વી, शे थार प्रकृति उद्योतादि चार प्रकृति; उद्योतनाम, तिर्यचगित, तिर्यचका श्रायुग्य, श्रोर तिर्यच श्रनुप्ती ये चार प्रकृति. The four Prakritis (Karmic natures), viz Udyota Nāma, Tiryañcha Gati, Tiryañcha Ayusya, and Tiryañcha Anupūrvī. क॰ गं॰ ३, १२; २३: —गाम. न॰ (-नामन्) नाम क्षेती श्रेष्ठ प्रकृति. नामकर्मकी एक प्रकृति. A variety of Nāmakarma. क॰ गं॰ १, २५;

उज्जोइय. त्रि॰ (उद्योतित ) प्रश्नशित; अग-अगुं प्रक्राशित; प्रकाशवादः चिलकता हुत्याः Shining, sparkling. सम॰ प॰ २३७; नाया॰ ३: श्रोय॰ १०; गच्छा॰ १; छ० च० २, २६७, कष्प॰ ४, ६२; प्रव॰ =०;

उज्जोय पुं॰ ( उद्योग ) अयत्न; परिश्रभ प्रयत्नः परिश्रमः; महिनत. Effort; work; labour सु॰ च॰ १, ६६;

उज्जोयगः त्रि॰ (उद्योतक) ઉद्योत करनार. उद्योत करने वाला. (One) that gives light "सम्ब जगुज्जोयगस्स" नंदी॰ ३;

उज्ञायग्. न॰ (उद्योजन) क्रेड्यु; तैयारी करना. Uniting; joining; preparing स्रोय॰ नि॰ भा॰ ६०;

उज्जीविय. त्रि॰ (उद्योगित ) २८० आहिथी प्रशित रत्न श्रादिसे प्रकाशित Shining with jewels etc. "सउज्जो विएहिं " राय॰ ४६; नाया॰ १;

√ उड़भा. धा॰ I ( उड़म् ) तथ हेवुं त्याग-देना; छोड़ देना. To abandon; to leave off

उउमाइ. भच० १०३.

उज्मसि. विवा? १;

उज्माहि. श्रा० विवा० १; उज्मसु श्रा० भत्त० ४६; उज्मिखं स० कृ० सूय० २,२,६; नाया०६, उज्मिक्षण पग्ह० १,४, उज्मिक्षण नाया०८; उवा० २,६४, उज्मेत. व० कृ० श्रणुजो० १२८, उज्मावेइ. प्रे० विवा० २;

उज्भन्न. त्रि॰ ( उज्भक ) सत्विवेध वगरने।.
सिंद्रवेक से रहित Devoid of a sense
of decorum or decency " तित्ता
तिधा भितावेशां उज्भन्ना-श्रसमाहित्रा "
सूय॰ १, ३, ३, १३,

उड्भण न॰ (उड्मन) लक्षार अध क्यु बाहिर लेजाना. Taking or carrying out विशे॰ २५७७, (२) त्याग. त्याग, abandoning; giving up श्रोव॰

उज्भर पुं॰(भवभर) पर्वतभाधी पर्ता पाणीती और, गिरिनिर्भेश पर्वत में से गिरता हुआ पानीका मरना, गिरिनिर्भेर. A mountain torient, a mountain stream नंदी॰ १४, ज॰ प॰ १, १०,--रच. पु॰ ( -रव ) अराती भक्षभक्ष आल्य भरने की भ्वनि. habbling sound of a stream. नाया॰ ६:

उजिसम्भ-य पुं॰ (उजिसत) छिन्निन्त नामे विजयभित्र सार्थवाइने। पुत्र हे केने। अधिकार विभाव सत्रना भील अध्ययनमां छे उजिसत नामक विजयमित्र सार्थवाह का पुत्र, जिसका वर्णन विपाक स्त्र के दूसरे अध्याय में है Name of a son of the merchant Vijayamıtra whose account is given in the 2nd chapter of Vipāka Sūtra विवा॰ १, २, अणुजो॰ १३१; (२) विभावस्त्रना प्रथम अनुतरहन्धना भील अध्ययननुनाम. विपाक सत्र के प्रथम श्रुतस्कंप के दूसरे अध्याय का नाम name

of the 2nd chapter of the first Šrutaskandha of Vipāka Sūtra. विवा॰ १; ( ३ ) त्रि॰ तर्जेक्ष; त्याग हुत्रा. abandoned, કરેલ त्यागा —नियागसञ्जाति (-निदानशस्य) निया-ए।रूप शहयते। त्याग ५रेझ छे के हो ते नियाणा रूपी शल्य को त्याग देने वाला (one) who has got himself rid of the thorn in the shape of Niyana (1 e. desire for future sensepleasure). भत्तः १४०, —धिमियः त्रि॰ ( -धार्मिक ) नाभी देवा थे। २४, निरुपये। यो कें देने योग्य; निरुपयोगी. worth being thrown useless श्रम्तः ३, १,

उजिसयग. पुं॰ ( उजिसतक ) विજयभित्र सार्थवाद्धनी लार्या सुलद्राथी उत्पन्न थयेल पुत्र विजयमित्र सार्ग्या की स्त्री सुमद्रा से परपन्न पुत्र का नाम A son of the merchant Vijayamitra born of his wife Subhadrā विवा॰ २.

उिक्सियधम्मा. स्नी॰ ( उजिस्तिधर्मा) ले वस्तु नाणी हैवा थे। य छे। य, लेने छे। छे क्षेत्र न ध्रश्छे तेवी वस्तु ब्रेडास्वी ते, अप्र्याना सान प्रशासमाना ओड़. जो वस्तु लेने यो। य न हो, उम का बहोरना-लेना, एपणा के सात प्रकारों में का एक प्रकार. Receiving as almo a thing which is worth being thrown away and which nobody would cure to take; one of the seven varieties of receiving almo प्रव, ७४०.

उजिसया स्त्री॰ (उजिसका) धन्ना सार्थ-वादना पुत्र धनपात्र सार्थवाद तेनी स्त्री धन्ना नामक सार्थवाह के पुत्र धनपाल की स्त्रीः Wife of the merchant Dhanapāla, the son of the merchant Dhanuā. नाया॰ ७;

उट्ट. पुं॰ स्त्री॰ (उण्ट्र) साढीओ।; बीट. जंट;
A camel " श्रहमंते उट्टे गोणे यरे
घोडए" पन्न॰ १; "भारवहावहतिउटावा"
स्य॰ १, ४, २, १६; २, २, ४५; श्रोव॰
३६; जीवा॰ ३, ३; जं० प० उवा॰ २, ६४;
क॰ गं० ६, ४३,

उद्दिय. त्रिः (श्रोष्ट्क-उष्ट्राणामिदभौष्ट्कम्)

जीटना वाक्षतुं भनेलं सूत्र कामली वर्गरे.

ऊंट के वालों से बना हुआ वल्ल, धावल वर्गरह. A blanket etc. made of the hair of a camel श्रोपः

नि॰ ७०६; वेय॰ २, २३, श्रणुजो॰ ३७;

उद्दिया स्ति॰ (उप्ट्का उष्ट्रसाकारः प्रष्टाव-यव इवाकारोऽस्याः ) जीटना आधारनं सामा आधारनालं वासाधु; शिरोध. ऊट के श्राकार का लम्बा गर्दन वाला वर्तन A pot with a long neek like that of a camel. उत्रा॰ १, २७; २, ६४; ७, १८४, विवा॰ ७;

उद्दियासमण पुं॰ ( उप्टिक्नाश्रमण-उप्टिक्ना महान्मुःमयोभाजन विशेषस्तत्र प्रविष्टायेश्राम्यन्ति तपस्यन्तित्युष्ट्रिकाश्रमणाः ) भेाटा भाटीना वासण्या भेसी तपश्चर्या करनार; शिक्षाक्षाता साधुनी એક जन मिट्टी के वहे यस्तन में बैठ कर तपश्चर्या करने वाला, गोशाला के साधु की एक जाति One who sits in a large earthen vessel and practises penance, one of the sects of the followers of Gośālā श्रोव॰ ४१:

उद्दी. स्रो॰ ( उच्ट्री ) डीटडी, सांढणी ऊंटनी, साढनी A she camel श्रमुजो॰ १३१; प्रव॰ २१८. उद्दीचाल. पुं॰ ( उप्ट्रपाल ) धि राणनार. कंट की पालने वाला. A keeper of camels. श्रमुकी॰ १३१;

उह पुं॰ ( उष्ड़ ) शेश व्यतनुं व्यवस्य प्राणी. एक प्रकार का जलचर प्राणी. A kind of aquatic animal. "मग्यूय उट्टा-दगरक्रायाय" सग्र॰ १, १, १४;

उद्घ. पुं॰ ( श्रोष्ठ ) ओष्ठ; है। है. श्रोष्ठ. A lip. कप॰ ३, ३५; नाया॰ २; श्रोव॰ ३८; भग॰ ११, १९ च॰ १०, ४१; श्रोघ॰ नि॰ भा॰ २६६; उवा॰ २, ६४; त्रिशे॰ ८५७; निर्मा॰ ३, ५३; ५, ३८; दसा॰ ६, ४; (२) वास्त्रश्ने। डांहे। बरतन की कीर. the brim or border of a vessel. श्रोघ॰ नि॰ ६६०; —िच्छन्न. त्रि॰ ( —िच्छन्न )हे। ६ ६३।; है। ६ ६१५। तिस का श्रोठ कटा हो वह; श्रोठ कटा. ( one ) whose lip is cut. श्राया॰ २, ४, २, १३६; —पुड. पुं॰ ( —पुट) है। ६ ५८. श्रोष्ठ पुट. the cavity formed by hollowing the lips. प्रव॰ २६३;

उद्देभिया सं० क्र॰ श्र॰ ( श्रवष्टभ्य ) रे। प्रीने; रतंशन करीने रोक कर; स्तमन करके; यांम कर. Having stopped, having checked श्राया॰ १, ६, ३, ११; उद्घा स्ती॰ (उन्था) शरीरने अधुं करतुं, असा थतु. शरीर की ऊंचा करना, खहे होना. To raise the body; to stand. श्रोव॰ ३५; उवा॰ ७, १६३;

उद्घारण न० ( उत्थान ) उला थनु-उहेदुं ते; ओड प्रधारनी येष्टा. खड़े होना; उठना, Standing up; getting up. जं० प० २, ३४; उवा० १, ७३; ठा० १, १; भग० १, ३; ८; ७, ७; १२, ५; १७, २; नाया० १; स्० प० ११; पन्न० २३, (२) सांसस्याने

गुरु पासे જवं ते. सुनने के लिये गुरु के पास जाना going up to a preceptor to hear चं प० २०: (३) उद्यभ-पत्न उद्यम; प्रयत्न. effort; industry भग० २, १, (४) छत्पत्ति. उत्पत्ति, पैदाrise, birth, production नायाः १४; --कम्म नः (-कर्मन्) ઉઠ्द-शरीर थेष्ट रूप ५र्भ. उठनेरूप शारा-रिक कर्म. the act of standing up नायाः १ जं १ प०२, ३४; -पश्याणियः न० ( -परियानिक-परियानं विविधन्याते-करपरिगमन नदेव परियानिकञ्चरितमृत्थाना-जन्मत श्रारभ्य परियानिकमुत्थानपरियानि-क ) જન્મથી માડી છંદગીના છેડા સુધીમા બનેલ દરેક બનાવાના અહેવાલ. જીવન थरित्र जीवनी, जीवन चरित्र, जनम से मरण तक की प्रत्येक घटना का वर्णन a biography from birth to death "गोसालम्य मंचालिपुत्तस्य उद्गाणपरिवाणि-यं परिकाहिय " मग० १५, १, नाया० १४: 90,

उद्दारासुय पु॰ (उत्थानश्रुत) ७२ अधि अ स्त्रभांतु श्रीक ७२ कालिक स्त्रामे का एक One of the 72 Kalıka Sütras. वव॰ ९०, २६, नदी॰ ४३,

उद्घावण न॰ ( उत्स्थापन ) ઉઠाउचु ते: छत्था-पना ४२वी उठना, उत्यापना करना Causing to stand up, rise, or get up वेय॰ ४, २६,

उद्दावरा न॰ (उरस्थापन) सामापिक शारित्र-भाथी छेद्देापस्थापनीय यारित्रतुं आरोपपु ते सामापिक चारित्र से छेद्दोपस्थापनीय चारित्रका श्वारोपण करना Re-establishment of equalimity after a temporary lapse मत्तन २५; ठा०४, ३. — श्वंते-वासि त्रि॰(-श्वन्तेवासिन) पांस महामतनी

**९५२** धापना ५. । ५२ेस शिष्यः पंचमहात्रत की उपास्थापना करके बनाया हुआ शिष्ट्य. a disciple accepted after the establishment (in him) of the five ascetic vows 510 %, 3; उद्दिस्र-यः त्रि॰ (उत्थित ) ७३६; ७ले। थयेल; तैयार थयेल उठा हुआ, तत्परः उदात. Got up; ready. "उद्वियपि सूरे " त्रागुजो० १६; कष्प० ४, ६०; दस० ५, १, ४, वव० ३, १३; ठा० ३, ३, श्रोव० १३; नाया०१, सग० २, २, पिं० नि० ४१७, (२) ७६५ पामेल; ७गेल. उदय पाया हुआ; ऊगा हुग्रा. risen (३) धर्भायरण याटे तैयार थयेल, प्रवल्या से गर्ने तैयार थयेल. धर्माचरणके लिये तैयार, दीचा लेने को उदात. ready, prepared to take Diksā " श्रहपास विवेगमुद्धिए । श्रवितिनेहह भासह " सुयः १, २,१ ८, आया०१, ૪, ૧, ૧ર≈, ( ૨ ) ઉજજડ, વસ્તિ पगरन ऊजड; वस्तिरहित स्यान desolate; untenanted ग्रोघ॰ ति॰ नहः

उड पु॰ (पुट) ६८ीओ। दोना A cup made of leaves श्रोव॰ २२; उना॰ २. १९३.

उड्ड पु॰ (पुटक) ळुओ। ઉપલે (१७४६) देखो उगर का शब्द Vide above. विवा॰ ४,

उडय पु॰ (उटज) तापसनी न्याश्रम-श्रुपडुं तापसी का आश्रम-मोपडा A hermitage; a cottage of a hermit मग॰ ११,९,

उड्य पु॰ (उटज) लुओ ७५९। शण्ह देखो ऊपर का शब्द Vide above. जीवा॰ 3, 9,

उहु र्पु॰ (उहु) नक्षत्र. नज्ञत्र. A constellation जं॰ प॰ ३, ६७; स्॰ प॰ ४;

— चइ. पुं॰ (-पति) नक्षत्रने। २११भी; यं अं नचत्रका स्वामी, चद्र. the lord of the constellations; the moon. " जहासे उडुवइ चंदे नक्खत्त्रयपरिवारिए" उत० ११, २४, श्रोव॰ १०, जीवा॰ ३, ३; — चर. पु॰ (-चर) स्पर्ध. स्पर्ध. the qun. " तिरिण सहस्से सगजे छच सए उडुवरो इरह" तंडु॰

उड़ पु॰ (ऋतु) वसन्त श्रीभ्म आहि ई ऋतुः वसन्त, योष्म श्रादि छह ऋत् Any of the six seasons viz spring, summer etc श्रोघ॰ नि॰ मा॰ ३११; श्रोध॰ नि॰ २६; -- पद्धी-सविद्य न॰ (-पर्युपित) ऋतु ल्रह्म अन योभासा भिवायना वणतमा २६ेब-निवास **५रेश.** ऋतु बद्धकाल में निवास किया हुथा, चोगासे सिवाय दूसरे समय में रहा हुआ one that has stayed or remained during the Ritubaddha time i, e time of the year excepting the rainv पर्वतेष्ठon वव॰ ८, १; —वद्ध, पु॰ (-बह्र) जुओ। 'उउबद्ध' शण्ह. देखा 'उउबद्ध' शब्द. vide "उउबद्ध" श्रोघ० नि० २५, निसी० ५४, ३२; ३३; ३४, -विद्धिय त्रि॰ (-बद्ध) शीत અને ઉ<sup>ષ્</sup>ગુ કાલમાં સાધુઓના માસ કલ્પ विदार शोत और उप्ण काल में सायुकी का मास करन विहार. the monthly peregrinations of an ascetic during the winter and summer seasons श्राया॰ २, २. २, ७=;

उड करलागिश्रा श्री॰ ( ऋतुकस्यागिका )
यहवर्तीनी ३२००० राष्ट्री. चकवर्ता की
३२००० राष्ट्री. The 32000 queens
of a Chakravartī. जं॰ प॰

उद्युप न॰ (उद्युप) है। ही. नांवः टोगी. A boat. पि॰ नि॰ ३३०;

उहुच. पुं० न० ( उहुप ) नांव; हेाडी; हेाडीने आक्षरे यनावेंक्षे। त्रापे। नाव; दोंगी; डोंगी के श्राकार का बनाया हुश्रा बेहा. A boat; a raft विशे० १०२७;

उद्घवाहियगणः पुं॰ (ऋतुपाटकगणः)
लद्रथशस्थवित्रथी निक्ष्मेत्र योक्षः भद्रवशः
स्थावर मे निकला हुन्या एक गणः. Name
of a Gana (i. e order of
monks) derived from the
Sthavira Bhadrayasa. कप्प॰ ८;

उद्दिमाण पुं॰ ( उद्घिमान ) से धर्म देवते। ना पहेंद्रा पाथडामानुं ओड विमान इ लेनी ल लाग्न पहेंद्राध्य ४४ लाण लेनननी छे. सौवर्म नामक स्वर्ग के पहले पाथडे में का एक विमान जिसकी लवाई नीडाई ४४ लाख योजन की है Name of an abode in the lirst stratum of the Saudharma heaven, having an area of 45 square lacs of Yojanas " उद्दुविमाणे णं विमाणे पणयालीसं जोयण "ठा०४, ३; सम०४४;

उद्घलत. पुं॰ (उद्घल ) ઉખલ; ખાંડણી श्रोसली. A mortar used for pounding. पि॰ नि॰ ३६९;

उद्घु. पुं॰ ( उड्ड ) ઉડ नाभना ओह अनार्थ हेश कोने दाल उडीसा हुई छे. उड्ड नामक एक श्रनार्थ देश: उदोसा Name of an Anarya ( uncivilized) country; Orissa प्रन॰ १५६७; (१) शि॰ ते देशना २६ेनासी उड्ड नामक श्रनार्थ देश के रहने-वाले a native of the above country. परह॰ १, १; उड्ढंचग पुं॰ ( \* ) ४५४ थ।८. कलकलाहट Bustle; noise श्रोघ॰ नि॰ २२१;

उड्डावर्ण. न॰ ( उड्डायन ) आधर्पण् त्राकर्पण. Attraction: drawing towards oneself. " हिय उड्डावर्णे का उड्डावर्णहेड " नाया॰ १४;

उड्डाह. पुं० (उहाह) अपधात. ताश नाश. Destruction "गेलणं दिंड उद्घाहो" श्रोन० (२) दक्ष का करना disregard of scriptures पिं० नि० ४६; वेग० १, ३, (३) देवना; भीसण्। श्रवहेलना; निदा. disrespect पिं० नि० ३६१, (४) हानि, न्युनता हानि, नुक्सानी, कमी, न्यूनता loss, diminution पिं० नि० ३००, —कर. त्रि० (-कर) हानि करनेवाला productive of, generating, loss. गच्छा० ४५,

उड्ढींग त्रि॰ (उड्ढीन) आक्षशभां ઉડेल उडा हुआ. Flying, flowing in the

उड्ड्अडम पुं॰ (उड्डम्ट्रतक) ७५०५६ हेश. चड्डमड़क देश. The country so named (२) त्रि॰ तेना रहेवासी. उनके रहनेवाले the inhabitants of the above, पन्न॰ १:

उड्डुय न॰ ( \* ) शि।ऽ।२ डकार Eructation. " जंभाइएए उड्डुए्ग वायगिसगोगं" श्राय॰ १, ५;

उद्वेत त्रि॰ (उद्वीयमान) आक्षाशमां ઉડता. आकाश में उदता हुआ. Flying, soaring in the sky. राय॰ उद्व त्रि॰ (उर्ध्व) ઉચे; ઉપર; ઊંચા-ચી-ચૂ.

ऊंचा, उपर High, upwards. जीवा॰ १: राय० १०३: नाया० १; ५; ६, १६; भग० १, १; ६; २, ¤; ३, १; २, ४, ४; ६; २०, ६; २५, ३, पन्न० २, २८; निर० २, १, उत्त० ३, १३; २६, २३, श्रोव० २१, ३८, श्राया० १, १, ४, ४१; ठा० १, १; सूय० १, ३, ४, २०; स**म**० ७; त्र्रागुजो० १०३; जं०प० १,४; पिं० नि० ३६३, (२) ७५वंक्षे। ५; स्वर्गक्षे। ६ स्वर्गकोकः; ऊर्वलोक heavenly world सूय॰ १, ३, ४, २०; उत्त० ३६, ५०, (३) ઉધ્વ-हिशा; अंथी हिशा उर्घ्व दिशा; ऊंची दिशा. the topmost direction दस॰ ६, ३४, त्राया० १, १, १.२; — स्रभिमुहः त्रि॰ (-म्राभिमुख) ઉथी हिशामां भुभ **५रे**स. ऊपर की श्रोर जिसने मुख किया हो वह (one) with the face turned up भग० ११, १०; — उवव-एगारा. त्रि॰ ( -उपपन्नक ) ઉर्ध्व क्षेत्रभां બાર દેવલાક નવગ્રીવેકાદિમાં ઉત્પન્ન થનાર-हेव हेवी ऊर्ध्व लोक के बारह देवलोक श्रोर नवश्रेवेयकादि में उत्पन्न होनेवाले-देव देवी. (a god or a goddess) born in the twelve Devalokas, Nava Graiveyakas etc. of the upper region. "जे देवा उड्डो ववरणगा ते दुविहा पस्नता " ठा० २; भग० ८, ८; -कंड्रयग. त्रि॰ (-कपद्मयक) नालिनी ઉપર ખ જોલનાર: તાપસના એક પ્રકાર. नाभि के ऊपर के भाग में खुजानेवाला. तापसी का एक भेद (a class of hermits) who scratch (to remove itching sensation )

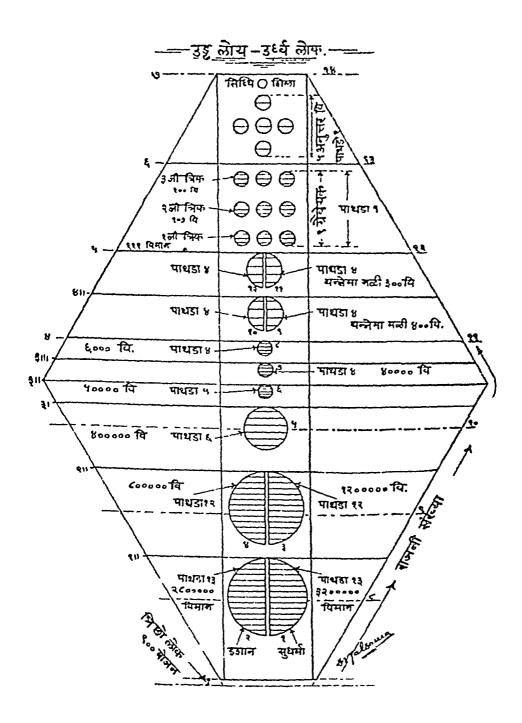
<sup>\*</sup> लुओ पृष्ठ नम्भर १४ नी पुरने। ८ (१). देखो पृष्ठ नंबर १४ की फूटनोट (\*) Vide foot-note (\*) p. 15th

only the part above the navel. मग॰ ११, ६; --गइ. ह्ना॰ (-गति) ઉચી ગતિ. ऊर्घ गति; ऊंचा गति. upward motion; birth in a higher state of existence मग-३, १; --गारव परिशाम. पुं॰ ( -गारव परिणाम-चेन श्रायुः म्बमावेन जीवस्य ऊर्घ । दिशि गमनशक्तिलचणपरिणामा भवति स ऊर्ध्वगौरवपरिग्णामः) व्यायुष्य ५(२-ણામના એક પ્રકાર કે જેનાથી છવ **ઉ**ષ્ધ-७२ं। गिन्भां काष श्रायुग्य पारेगाम का एक मेद जिससे कि जीव ऊची गति मे जाता है. a nature of Ayusya Parinama by which the soul has an upward motion. তাত ৭০; —चर वि॰ ( -चर ) ७२ ७:नार-गांध आदि जचे उडनेवाले-गांघ श्रादि. flying, soaring high, e. g. a vulture etc. श्रावा॰ १, =, ७, ६; —जासुः त्रि॰ (-जानु-कर्धं जानुनी यस्यासायूर्ध्वजानु. ) જ धा ઊંચી રહે तेवे આસને બેસનાર एमे श्रामन से बंदने वाला जिन में जंघा ऊंची रहे. ( one ) in a posture in which the thighs are raised up " उद्घं जागु श्रहो सिरं काण कोट्टो वगए " नाया॰ १; मग॰ १, १; ज॰ प॰ श्रोव॰ —िदिसि पमाणा-इक्कम. पुं॰ ( -दिक्प्रमाणातिकम ) ৩৬। हिशिवतने। प्रथम व्यतियार छठे दिग्वत का प्रथम श्रतिचार. the first Atichāra of (the 6th ) Disivrata (limitation of movement to a fixed area ) उवा॰ १, ४०; —पाश्र-पुं॰ ( -पाट ) शिया राण्याछ पग केता ते जिसके पेर ऊंचे रखे हो यह. one with his legs thrown up, lifted

up " गंदंनी कंद्र कुंमीमु उन्नपान्नी श्रहोिमरो ' उत्तर १६: ४०: —यदा. त्रि॰ ( -यदा ) शिव-१क्षती अली आहिंगे णांधेक्ष क्या-वृत्त का अला श्रादिम-बांधा हुआ. fastened upwards; e. g. to the branch of a tree. " रयंता कंदुकंशीस् उद्रंयदो ध्रयंववो " १६; ५२; —बाहा. त्रि॰ ( -बाहु ) जिया दाय रुपे अभ्या छ ते. की हायवाना: जियने हाथ ऊंचा रना हो वह. ( one ) with arms raised up. fat . 3, 3: मग॰ १४, १: —भागि हि- ( -भागिन् ) भाधासमां २६५. धाकागमें रहा हुत्रा. remaining in the sky. " उद्भवा एसु उद्गमागी--भवति " मूय० २, ३, ३०; —मुइंग. पुं॰ (-मृदंग) ઉथा भेाडा-पाले। टांब जने संहवाला टोल. a tabor or drum with its mouth upwards, भग० ११, १०, -- मुइंगाकार. त्रि॰ (-मुदंगाकार) ઉચા गृह गना आक्षरे. ऊँच मृद्ग के प्राकारम of the shape of a tabor with its mouth upwaids. भग० १३, १०; - मुद्दंगाकार संडियः त्रि॰ ( -मृदंगाकारपंहियत-ऊर्ध-मृष्वं मुद्रो यो मृद्रहस्तदाकारेण सस्थितो यः म तथा ) ઉथा भेाटावाला देखना आधारे २६ेव. ऊंचे मुंह वाले डोल के आकार in the shape of a से स्थित. tabor with upward mouth. भग॰ ११, १०; —-मुद्द. त्रि॰ ( -मुख) ઉચા भाटावाली. ऊंचे सह वाला. ( one ) with face turned up. ज॰ प॰ -रेग्र. पु॰ स्री॰ (-रेग्रु-जालप्रभाभि व्यक्तय.स्वतः परतो वा अध्वीधास्तिर्य्यक्चलन धर्मारेणुरूर्वरेणु ) आह सन्द सन्दिणा-રજકણ ભેગાયવાથી ખતેલ માટા રજકણ



## सिय अर्ध मागधी कोष —



કે જે આકાશમા પાતાની મેલે અથવા પરના આશ્રયથી ઉચે નીચે ઉડે છે તે: २०४४ थु. श्राठ सन्ह सन्हिश्रा-रजकरा एक त्रित होकर बना हुआ वड़ा रजकण जो कि श्राकाशमें स्वत श्रथवा दूसरे के श्राश्रय से ऊपर नाचे उड़ता है a particle of dust made up of eight smaller particles which can move up and down in the air of its own accord or when moved by another agency अगुजो॰ १३४: ज० प० भग० ६, ७, — लोश्र-य पुं॰ ( - लोक ) ७'र्व्व क्षेत्रः સ્વર્ગલાક; લાકના પરના ભાગ; ત્રિચ્છા લાકના ઉપરના છેડાથી તે લાકના અત્રભાગ सुधीने। प्रदेश उर्ध्व लोक: स्वर्गलोक: लोक कं ऊपर का हिस्सा: त्रिच्छालोक के ऊपर के छोर से उस लांक के अप्र भाग नक का प्रदेश the upper world; the heaven-world श्रामाने १०३, १४८; पन्न २, भग० २, १०; ११, १०; —लोग्र-य-खेत्तणालीः श्री॰ (-लोक त्तेत्रनाडी ) ७५५ क्षेत्र-स्वर्ग क्षेत्रनी नाडी -अभुड विभाग. उद्धं लोक-स्वर्ग लोक की नार्डा-विभाग a particular portion of the upper world or heavenworld. भग० ३४, १, -लोग. पुं• ( -लोक ) लुओ। "उद्युलाग्र " शण्ह देखो "उद्वलोत्र" शब्द. vide "उद्वलोत्र" ठा॰ ३, २; - लोयवत्थव्यः त्रि॰ (-लोक वास्तव्य ) ७४५ देश क्षेत्र-स्वर्गक्षेत्रका वासी-पसनार. उर्ध्वलोक में वसने वाले (one) residing in the upper would or heaven-world. "उड्ड ज्ञागवत्थ-ब्वाश्रो श्रह दिसा कुमारी श्रो " नागा = =; —वाय-श्र पुं॰ ( -त्रात -ऊर्ध्वमुद्v. 11/26

गध्छन् यो वाति वातः स अर्ध्ववातः ) ६६०६ ६१८१ते। पायु अर्ध्व दिशा में वहने वाली हवा. wind moving in the upward direction. जीवा॰ १, ठा॰ ७, १, पश्च॰ १;

उद्गकाय पुं॰ न॰ ( ऊर्ध्वकाय ) क्षायो. कीन्रा
A crow. "ते उद्गुकाएहि पजक्खमाणा
स्रवरेहि" स्य॰ १, ४, २, ७;

उद्धता स्त्री॰ ( अर्ध्वता ) शिथापणुं ऊचापन State of being high or upwards, height. "श्रहत्ताए नोउद्भताए" भग॰ ६, ३,

उह्नवाह्य. पु॰ ( ऊर्ध्ववातिक ) ઉધ્વ वातिक नामनी महावीर स्वामीना नव गलुमांनी पायमी गणु ऊर्ध्ववातिक नामक महावीर स्वामी के नौ गणो मे का पाचवा गण. The 5th of the 9 Ganas (groups of saints) of Mahāvīra Swāmī, so named. "उडूवाह्यगणे विस्सवाह गणे" ठा॰ ६, १,

उड्डवाइयगण ५० ( ऊर्ध्ववातिकगण ) लुओ। ७५थे। शण्ट देखो जपर का शब्द Vide above. ठा० ६, १,

उत्ता. श्र॰ ( प्डनर् ) ६रीथी; ६री फिर से, पुन Again, once more. विशे॰ १४४; परह॰ २, २, सु॰ च॰ १, २२७, पंचा॰ २, ३४.

उगा न॰ ( ऊन ) वन्हनाना भारना अक्षरे।, भार विशेष अन्दर्भा के पाठ के प्रचर, पद वगेरह को कम कहना; वंदना का रू वां दोष The 28th fault connected with salutation, viz omitting some of the words which must be recited at the time of salutation प्रव १४३,

उग्रञ्ज त्रि॰ ( श्रवनत ) नीथुं नमेल. नीचे की थोर नमा हुआ Bent down; bent low विशे० १४४३;

उराग ति॰ (जनक) न्यून, ओछुं. कम; न्यून. Less; diminished; fulling short by. जीवा॰ १; वव॰ ८, १४,

उगाइडमाग. पुं॰ ( ऊनाई भाग ) अर्ध लागे विशे।-ओछे। जिस का ग्राधा हिस्सा कम हो. Less by a half. निसी॰ २, ३६,

उण्यालीसः श्री॰ ( एकोनच्त्वारिंशत् ) ३८; ओगण्यासीस. ३६; उन्चालीस. ३९; Thirty-nine, भग॰ ३, ७;

उर्णाहिया त्रि॰ ( जनाधिक ) शिछुं वर्त्तः; न्यु-नाधिक कमज्यादहः न्यूनाधिक. More or less. विशे॰ १४३,

उग्रुग्. न० ( अनोन ) ओाधुं ओाधुं, तिनतिनतर-र्धियादि रीते ओाधुं. जन-जनतर
इत्यादिक रीति से न्यून. Progressively decreasing क० प० र, ६२;
उग्रोगिरिया ब्री० ( जनोदरिका. ) न्यूनओाधा आढार करना ते; भाराक उपिध्
पोरे कोम्रो ते करतां ओाधा देवा ते.
कम ब्राहार करना; श्रावश्यकता से कम
भोजन करना या उपाधि ब्रादि कम लेना.
Eating less than one's fill.
सम० ६;

उरागाइ. स्त्री॰ (उन्नति) धन्नति. उन्नति; श्रम्युदय Rise; prosperity. पंचा॰ ६, ४७; —िगिमित्तः न॰ (-निमित्त) अलावने। हेतु. प्रभाव का हेतु. cause of power or prosperity पंचा॰ ६,४७; उग्गाइय. त्रि॰ (उन्नत) ઉन्नतः शिंयुं ऊंचा; उन्नतः Raised; elevated. भग॰ १३, ६, उराएकप्पास. पुं॰ ( ऊर्णकाप्पीस ) धेटाता वाक्ष; जित. ऊन; भेद के बाल. Wool. निसी॰ ३, ७२;

उरागातासगा. न॰ (उन्नतासन ) अशृं भासन. ऊंचा श्रासन. A. raised seat; an elevated seat भग॰ ११, ११;

उराणुयः त्रि॰ ( उन्नत ) ઉश्रु; ઉन्नन; आणाह फंचा; उपत; श्रच्छी दशामें. High: elevated; prosperous. ऋण० ३६; श्रोव० १०; इस० ७, ४२; नाया० १. स० प० २०; भग० ११, ११; १२, ४; ( २ ) नीक्ष्सतुं; २४तुं निकलता हुन्ना; चिंदया. prominent; superior શ્રોવ૰ ૧૦; ( રૂ ) શુણવાન virtuous; meritorious, "उज जय-चरियदारगोपुर तोरगाउगगाय सुविमसराय मगगा" नाया॰ १; ठा० भोव॰ (४) अलिभानरूप भेष्ट्रनीय धर्भ. आभिमानहर मोहनी कर्म deluding Karma in the form of conceit. भग॰ १३, ५; मम॰ — श्राबट्ट पुं॰ (-श्रावर्त- उन्नत उच्छितः स चासावावर्तेश्रीत उन्ननावर्तः ) ઉચું આવર્તન કરતું તે; આવર્તનના એક प्र**धार. उत्पर श्रावर्तन करना:** श्रावर्तन का एक भेद. moving round in the upward direction sio 4; —न्त्रासणः न० ( -यासन ) उन्न-पृथं भासन. ऊंचा भासन; उन्नत श्रासन high, elevated, seat राय॰ १३६; जं॰ प॰ --मण्. त्रि॰ (-मनस् ) उन्तत-ઉદાર भन वाली। उदार मन वाला; ऊंच मन वाला high-minded, ठा० ४, ४; --माण, त्रि॰ (-मान--उन्नतो मानो यस्येखु बतमानः ) હું ઉચे। धुं अभ भाननारः शर्विष्ठ. श्रपने श्रापको उत्तत माननेवालाः ग(वेंछ, श्रीममानी proud, conceited.

''उग्णयमाणिय नरे महया मोहेण मुस्मिसि'' त्राया॰ १, ४, ४, १५७,

उर्ग्ण्ययर त्रि॰ ( उन्नततर ) प्रधारे दिया. बहुत उंचा. More elevated, higher. भग॰ ३, १,

उराणा. झी॰ ( कर्णा ) 9त ऊन Wool. भग॰ =. ६; १४, १; — लोम पु॰ ( -रोमन् ) 9तना रे।भ-रेसा. ऊन के बाल. hair in the form of wool. भग॰ =, ६; १४, १,

उग्णाम पु॰ ( उन्नाम ) गर्वः अहआः; भह गर्वे, श्रहंकारः घमड, मद Pride, intoxication (२) भहना परिश्वाम-थी लंधातु भेदिनीय क्ष्मे. मद रूप परि-णाममे वंधनेवाला मोहनीय कर्म deluding Karma incurred by pride भग॰ १२, ४;

उिराशुम-य त्रि॰ ( श्रांशिक ) उतनं कत का, फनका बना हुआ Made of wool; woollen. वेय॰ २, २३; श्राणुजो॰ ३७, श्रोघ॰ नि॰ भा॰ ६६; श्रोघ॰ नि॰ ००६: (२) उतनां यतेस रक्तेद्वस्थादि छन के बने हुए रजोहरस्मादि. a kind of brush etc made of wool.

उगह ति॰ ( उष्ण — उपित दइति जन्तू निरयुष्ण ) गरभ; ७नु, ७०७ गर्म, उण्ण मिं पंबा॰ १७, ४६, क॰ गं॰ १, ४१, सू॰ प॰ १०; उत्त॰ ३६, २०; श्राया॰ १, ४, ६, १००, दसा॰ ७ १: पि॰ नि॰ भा॰ १३; नाया॰ १; ४; ६; भग॰ २, १; ४, १०, ७, १; (२) पुं॰ गरभी. ७ १०, ७, १; (२) पुं॰ गरभी. ७ १०, ७, १; १०, गर्मा; उष्णता, घाम; धूप heat; sun shine राय॰ ७३६; नाया॰ १, श्रोव॰ ३६; उत्त॰ २, ६; पि॰

नि॰ २००, - ऋभितत्त त्रि॰ (-ग्रिभ-सप्त ) ગરમીથી અત્યન્ત પીડિત-દુ:ખી थरेल गर्मा से ऋत्यन्त दुःखी. troubled by excessive heat. ''उग्हाभित्ततो मेहावी" उत्त॰ २, ६, —श्रीभहय त्रि॰ ( - श्राभिहत ) सूर्यनी गरभीथी અભિભૂત થયેલ-પીડિત. सूर्य की गर्मी से पीडित overpowered, oppressed, by excessive heat. ''उगहाभिहपु तग्दाभिहए ' जीवा० ३; सग० १६, ४: —उद्य न॰ (-उदक) 3नं पाधी गरम जल. hot water. कप्प॰ ४, ६२; -गाहिय त्रि॰ (-प्राहित) गरभी आपेक उप्णता दिया हुआ; जिसे गर्मी दी गई हो वह heated; made hot नाया॰ ५; —दिश्व त्रि॰ (-दत्त) गरभी दीधेस; तऽहै नाणेस. धूप मे डाला हुआ; जिसे गर्मी दी हो वह heated, put in the sunshine भग २, १; -परियाव . पुं॰ (-परिताप) अतिशय गरभीने। परिपछ्. बहुत गर्मी का परिषद्व great affliction caused by heat उत्तः २, १०: - वाय पुं॰ ( -वात ) शेने। वायु; शरभ पवनः गर्म हवा hot wind नाया 9; - सह न॰ (-एह) गरभीन सहन इरव ते गर्मा का सहन करना endurance of heat भग० १४, १. गर्म करना Heating पि॰ नि॰ २४०;

उग्रह्म्यण न॰ (उष्णापन) उनु ४२वुं ते. गर्म करना Heating पि॰ नि॰ २४०; उत्त त्रि॰ (उक्त) ४९ेअ कहा हुआ Said; expressed दस॰ ६, ४६; विशे॰ १०५, उत्त॰ १, ६; क॰ ग॰ ४, ८३;

उत्त. त्रि॰ ( उप्त ) वावेक्ष. वोया हुत्रा. Sown. (२) श्वनावेक्ष. बनाया हुत्रा made. "देवउत्ते श्वयत्तोष्" सूय॰ १, १, १, ४, पि॰ नि॰ १७२, उत्तमाः न ( उत्तमा-उद्ग्नानि प्रार्श्तानि तृगानि यशेति ) केशां पासः ५ में हं के तेः ५०५६ भवेत तृश्यातुं जिसमे पास जम हुणा हो नहः जिल्लापु चम्मुनेट ५ स्ट उत्तस्य १४० (उत्तमन) अभ्यातः पास पास हुणा जानमुहः Terrified पण्टक १ ६; भग्व ३, १;

उत्तमः वि॰ (उत्तम) (त्रभः स्टेल्ट्रि अधान गर्नेहरूल, भेर, प्रधान: प्राप्ता Best, excellent नागा भागाव १०, १६, चौरत १८, समृत २३; असत् ५, ६९, ४, २, २८, नगर २, ५, ३, ५; v, 5, 6, 33, 32, 3, 770 3, 42. -कड़पन नि॰ ( काए।प्राप्त ) दिन्छ અવસ્થાએ પહેરોયું દુધા સ્થિતિને પ્રધ્ય थरेत, उत्तम प्रप्तम्या के पहुंचा ह्वा, उप मिर्नात यो प्राप्त (one) in an excellent condition " द्यस्यसम् समाण् उत्तमस्ट्रवत्ताण् " स्० ५० ५; " उत्तमकद्वताण् भरहस्यवासस्य " भगः ७, ६; जन पन २, २६, ७, १३४, —कहा सी॰ ( - काष्टा ) अनुष्ट अपरथाः **ઉत्तम स्थिति, प्रकृष्ट शयरूम: उसम हि संत.** best condition. To To To To पु॰ ( - गुण ) अधान श्रेष्ट शब्द अधान ध्रेष्ट गुण excellent, highest quality. पचा० ४, ४८; — गुराबह्माग पुं० ( -गुगाबर्मान ) ७त्तभ शुल्ता पक्ष-भाव इत्तम गुगा का पचपात honour paid to excellent or highest quality. " उत्तम ग्ण्यहुमालो " पंताक ४, ४८, —चिरिया न॰ ( -चरिता ) सत्पुर्प येष्टित-यरित्र गरपुर्प नेष्टित-चरित्र high or noble conduct. पंचा॰ २, ३१; -जत्ताः स्री॰ ( -यात्रा ) श्रेष्ट्रपात्रा (लन्ना) श्रेष्ट यात्रा highest, land, pilprimage, And t, en —जोतिना कः ( बोर्तना) स्थापी भारतमारू । संपन्ध ६ न व्यतिनी व्यवस्थान an ar depresent Kama (Suprem ) by coordina of all vibratory ortivity of the · oul. हार प: --हाल नः (-मान) ing one my cut, advation: absolution " चीरे चामूहमण्डाकी मध्यद्भ उत्तमद्रामं " शाउ -- मिद्राया. सद (जिल्हानि) प्राच दर्शन अस्टम् चेष प्रशासम्भ स्ता रहा। साम ११४edlent illustration, was s. er: - घरमपन्तिकः सं: (-पर्मर्गानीयः) લવન પર્વ ( કેટન પર્વ ) ની પ્રનિદિ अस्य प्रत्यमं । विस्त पर्व १ विश्व विक्रीय the coldnity of the last religion (Jains religion) " उत्तम यस्य प्रतिदि प्राप् दिल परिदान " गंना॰ ४, ०८. --पुरिम पुं॰ (-पुरुष) नीर्येटर अक्षपति, स्ट्राहेन, पासन्य आहि उनम पुरप नार्पसर, बरवार्व, बरदेगादि and ded was excepted; because e. g. Tirthankata, Chakravarti, Biladeva, Vasudeva etc. सम्बद्धाः सम्बद्धाः सम्बद्धाः सम्बद्धाः स्ट ३: गाया १३: —पोम्पल. पु॰ (-पुर्मल) शात्मा, उत्तम पुद्रव शक्तमा, उत्तम पृद्रव. the best substance; the soul. "मे पहिए उत्तम पोमाले में " स्म॰ १, ९३, ९५; - वल विरियमत्तजुत्तः वि॰ ( -चलर्चार्गमस्प्रयुक्त ) ७५भ णत्र वीर्य सन्ययान्, उत्तम बन वीर्यवालाः ( one ) possessed of the highest strongth and might भग॰ ६, ३३; –रिष्टि पुं॰ (-ग्राहि) प्रधान

वैलव श्रेष्ठ संपात्त, प्रधान वैभव. highest glory or prosperity. "सेया य उत्तमाखलु उत्तमरिङ्गिए कायव्वा " पंचा० ६, ४४; -- विउद्यः त्रि॰ (-विकुर्विन्) उत्तमं विकुर्वन्तीत्येवं शीला ) उत्तभ प्रधा-रनं वैक्विय करनार. उत्तम प्रकार की विकिया-रूपान्तर करनेवाला ( one ) able to effect the best transformation e. g, of body जीवा॰ ४, —सधयािं पुं॰ ( -सहननिन् ) **ઉચા સ** ધ્રયણ વાલા उच्च संहननवाला. one possessed of a high order of physical or bony constitution. क॰ प॰ ४, १०; —सुयचरिएय त्रि॰ (-ध्रतवर्णित) प्रधान व्यागमभा क्षेत्र, प्रधान श्रागम मे कहा हन्ना. mentioned in the highest scripture पंचा॰ ६, ४४; उत्तमंग न॰ (उत्तमाङ्ग) भरतः, भाथुं मस्तक, शिर. The head " लोग विरल उत्तमंग " पिं० नि० २६२: ज० प० स्रोव० १०; जीवा० ३, ३, सूय० १, ४, १, १४, दसा० ६, ४, नाया० १६, प्रव० २५४, पचा० ३, १८,

उत्तमह. पुं॰ ( उत्तमार्थ—उत्तमश्चासावर्थ-श्चोत्तमार्थः ) ७ताम पटार्थ, भेक्ष उत्तम पटार्थ; श्रेष्ठ अर्थ मोन्न. The highest or best category viz salvation उत्त॰ २४, ६; श्राउ॰ १९; ( २ ) ७५वासी २६९३ ते. उपासे रहना fasting श्रोघ॰ नि॰ ७; —गवेस्तय क्ति॰ ( -गवे-पक ) भेक्षिनी व्यक्तिश्वापी मोन्न का श्राभ-लापी desirous of salvation "नविरहो नवि तुहो, उत्तम्ह गवेसश्चो" उत्त॰ २५, ६; —पत्त त्रि॰ ( -प्राप्त ) ७ताभ व्यवस्थाने प्राप्त थ्येब. उत्तम

श्रवस्था को पहुंचा हुआ (one) who has reached the highest condition or salvation. " सुसमाप समाप् उत्तमद्रपताप् भरहस्स'' भग० ६, ७; उत्तमाः स्री॰ ( उत्तमा ) यसना ध्रि पूर्णुलहनी त्रील पट्टराधी यत्त के इन्द्र पूर्णभद्र की तीसरी प्रसनी. The third crowned queen of Punabhadra the Indra of Yaksas. 510 8, 9; नाया॰ घ॰ ५; भग॰ १, ४; (२) ५७-વાડીયાની ૫ન્દર રાત્રિમાંની પહેલી રાત્રિ पखनाडे की पंद्रह शित्रयों में की पहली पति the 1st of the 15 nights of a fortnight. जं॰ प॰ सू॰ प॰ १०; उत्तर. त्रि॰ ( उत्तर ) श्रेष्ठ, अधान, उत्तम. प्रधान, मुख्य, श्रेष्ट, श्रच्छा. Best, highest; prominent. भग॰ ३, १, ७, २, उत्तर ४, २०; २६, नायार १; ८, उवार १, ६६; श्रोघ० नि० ५३२, (२) धी शुं; धतर, अन्य. दूसरा, भ्रम्य. another; next. क० ग० १, २, सम० ८, पन० ३४; जं० प० ५, ११२; दस० २, ३; ( 3 ) रि ्ध् गत द्वारे को प्राप्त. increased "कइपप्सुत्तरा" भग० १३, ४, (४) ઐરવતક્ષેત્રમા આવતી ઉત્સર્પિણીમા થનાર २२ भा तीर्थं ५२ ऐगवतक्षेत्र में आगामी उरसर्पिणों में होने वाले २२ वें तीर्थंकर the future 22nd Tirthankara of Airavata-ksetra in the coming Utsurpinī सम ० प० २ ४३; (५) ઉतरख. उतर्व ते उत्तरना, descending. (६) अधिक, आधिक, ज्यादह more, additional. पश २, सूय ० १, २, २, ર૪; (૭) મુખ્ય નહિ, પેટાભાગ; મૂલની शाणाः गौणा, उपविभाग, मूल की शाखा a branch of the main stock a

sub division. उत्त॰ ३३, १६; (८) **७त्तर हिशा; ७त्तर अदेश उत्तर दिशा;** उत्तर प्रदेश. the north; the north region राय० ४; ६३; जं० प० १, ११; जीवा॰ ३, १; नाया॰ ३, ८; भग॰ ३, ७; ४, ४; सग० ६; नेय० ९, ४९; दम॰ ६, ३४; ( ७ ) ७५२. ऊपर. above; upwards. भग० २४, १३: —श्चंग. न॰ (-श्रंग) दश्याग ઉपर આડું લાકડું સ્થાપવામાં આવે છે તે. हार पर जो प्याई। लक्ष्मी लगाई जाती है नह. a horizontal piece of wood placed on a gate जावा॰ ३, ४; राय॰ १०६; प्रव॰ ६६०; — स्रभिमुद्दः ति॰ ( -प्राभिमुख ) ઉत्तर दिशानी सन्भुभ उत्तर दिशा के सन्मुख. turned towards the north. दमा॰ ७, १; भग०११,१०; सम०४७;—श्रवक्रमग् न० ( -श्रपक्रमण ) उत्तर हिशाभा ज्युं ते. उत्तर दिशा मे जाना. going towards the north, भग॰ ६, ३३, १३, ६, नाया॰ १; ६; —(रिं) इंद. पुं॰ (-इन्झ ) **७ तः हिशानी। ध्रं उत्तर दिशा का इन्ड** the Indra of the north. अग. १, प्, —(रु)उट्ट. पुं॰ (-श्रोष्ठ ) ઉપલા હાદુ. ऊपर का श्रोंठ the upper lip "भमुद्दा श्रहरुट्टा श्रह पुण एवं जागिजा" कप॰ ६, ४३; ज॰ पं॰ २, २०, निर्सा॰ ३, ५६; —उत्तर. पु॰ ( -उत्तर ) ७त्तरे।त्तर; गें। भीलथी श्रेष्ट उत्तरोत्तर; क्रमशः एक दूसरे से श्रष्ट; in ascending order; superior "जक्खाउत्तरउत्तरा" उत्त॰ ३, १४, — उल त्रि॰ ( - कुल ) अपरने अंडे वसनार; तापस जगर के तट पर वसनेवाले तापम. (an ascetic) residing on the upper part of the bank निर॰

३, ३; —(रो)शोह. go (- मोह ) ઉपते। रेहि. जार का आंड the upper lip. निया॰ ३, ४४; —कुंचुइउज. त्रि॰ (-कप्त्यिक) ७५२ थापतर पहेरनार. जपर बरतर पदनंत वाला (one) putting on armour appending out side; armoured निवा॰ ३; - कंचु-य. पुं॰ ( -कण्चक ) अपने। यणतर, जपर दा बप्तर, the outer armour विवा• २; —फट्टोबगय. नि॰ (-काष्टापगत) उत्तर दिशामां प्राप्त थरेव उत्तर दिशा तक पहुंचा हुया (one) that has reached the northern direction, सम्ब -कारग्. न० (-करग्) शस्त्राधिने પત્ધર સાથે ઘસી ધારવાળું તથા સાક કરવુ ते पन्धर पर शम्नींद की पिम कर धाः करना या उन्हें साफ करना. sharponing of weapons etc on a stone; "जे भिवप् सूचीए उत्तरकरमं खण उत्थिएण वा गारत्थण्ण वा करेदकरंतं वा साजह " निर्मा०१,१५;१६;—िकिरियाः न०(-क्रिया) र्षेद्रिय शर्री रद्वारा शभन धरतुं ते वैक्तिय विचित्र शरीर में गमन करना act of going in the Vaikriya body (physical body of a fluid nature ). भग॰ ४, १; —कृलग. पु॰ (-कृलग) ओक જાતના વાનપ્રશ્ય તાપસ કે જે ગંગા नदीना ७त्तर धारे रहेता दता. एक प्रकार के वानप्रस्थ तापसी जोकि गंगा नदी के उत्तर किनारे पर रहते थे one of a kind of forest ascetics residing on the northern bank of the Ganges भग० ११, ६; श्रोव॰ —गमिन्त्र. त्रि॰ ( -गामिक ) ઉत्तर दिशामां गमन ४२-नार. उत्तर दिशा में गमन करने वाला going towards the north. दसा॰ ६,

२; — गिह न॰ ( -गृह ) ઉपरनं भीलुं धर. दूसरा घर; भिन्न घर a separate upper house, another upper house निया॰ .3 --- इसाय पुं॰ ( -ग्रव्याय-उत्तरा प्रधाना ग्रध्याया ग्रध्ययनानि । उत्तराश्चते ग्रध्यायाश्च वा उत्तराध्यायाः) ઉत्तराध्ययन सूत्रना विन-यादि छत्रीस व्यध्ययन, उत्तराभ्ययन सत्र के विनयादि छत्तीस अध्याय the 36 chapters viz Vinaya etc of Uttaradhyayana Sütra "इत्तीम उत्तर-उमाए भविमाद्विय " उत्त० ३६, २७२; -दारियग<del>ुक्</del>खत्त न॰ (-द्वारिकनत्त्र) ઉત્તર દિશા તરફ મુખ રાખતાર નક્ષત્ર. स्वाति आहि सात नक्षत्र, उत्तर दिशा की थोर मुख रखने वाला नक्त्र, स्वाति श्रादि मात नचत्र. a constellation facing the north, any of the seven constellations viz Swāti etc. ''साइयाण सत्त गुक्खत्ता उत्तरदारिया परागत्ता " ठा० ७: - दाहिसा पु॰ ( -दिच्य ) उत्तर अने ६क्षिण हिशा उत्तर श्रीर दिल्ला दिशा the north and the south. भग॰ ४, १, - दा-हिणाययः त्रि॰ ( -दिच्णायत्त ) उत्त-हिंदी आधुं उत्तर दिल्ला लंबा extended lengthwise in the north and the south. " उत्तरदाहिणायए पाईगा पडीगा वित्थिग्गे '' जं० प० —दिसा स्रा॰ (-दिशा) उत्तर हिशा उत्तर दिशा the north स्रोध निक ६६२, —पगर् स्री० ( - प्रकृति ) जाना-વરણીય આદિ મૂલ આઠ કર્મના અવાન્તર लेह. इभंनी प्रकृति. ज्ञानावरखाय त्र्यादि मूल श्राठ कर्मों के श्रवान्तर भेद, कर्म की उत्तर प्रकृति any of the subdivisions

of the eight main divisions of Karma viz knowledge-obscur ıng etc. श्रायाः नि॰ १ २, १, क॰ प॰ २, ४४; क॰ गं॰ १, २; — पगडि. स्री॰ ( – प्रकृति ) કर्भनी ઉત્તર પ્રકૃતિ-પેટા ભાગ नी अकृति कर्म की उत्तर प्रकृति. n subvariety of Karma प्रव॰ १२८६; -पगडिवंब. पुं॰ (-प्रकृतिवन्ध) धर्भ-नी उत्तर प्रकृतिने। यन्ध. कर्म की उत्तर प्रकृतियों का वंच bondage caused by any of the sub-divisons of the main eight divisions of Karma, भग० १८, २,—पच्चिच्छिम प० ( -पश्चिम ) वायव्यभुशोः । उत्तर अने पश्चिम वस्येते। प्रहेश वायव्य कोन, उत्तर श्रौर पश्चिम के बीच का प्रदेश. the north-west मग॰ ४, १, --- पञ्चिन्छ-मिल्ल. पुं० (-पश्चिम ) वायव्य हेाए। उत्तर अने पश्चिम वश्येने। प्रदेश, वायव्य कोन, उत्तर श्रीर पश्चिम के वाच का प्रदेश the northwest quarter. ज॰ प॰ ४, १०४, —पच्चत्थिम पु॰ (-पश्चिम) লুओ। "उत्तर पचचिछम" शण्ह देखो ' उत्तर पचिछम " शब्द. vide ' उत्तर पचिछम ' जं॰ प॰ ४, १०४, —पचत्थिमिल्ल. पुं ॰ ( -पश्चिमक ) लुओ। "उत्तरपचाच्छिमिन्न" शफ्द देखे। '' उत्तरपचचित्रमिल्ल '' शब्द vide " उत्तर्पचाच्छामिल्ल " ज० प० ४. ૧૦૪, —**પદ્દ** યુ**૦ ( -**૫૬ ) ડાભડાકે કામ-**લાની પ**થારી ઉપર પાથરવાનુ વસ્ત્ર. घाग या कम्बल के विद्योंने के ऊपर विद्याने का वस्र a covering for a bed of straw or of a blanket श्रीघ॰ नि॰ १२३, प्रव॰ ५२१; -पडिउत्तर. न॰ ( -प्रत्युत्तर ) ©त्तर अत्युत्तर. सवास **अयाय उत्तर प्रत्युत्तरः सवान जवाय** 

question and answer गच्छा॰ १२६; —पर्याड.स्रा॰ (-प्रकृति) लुओ। "उत्तर-पगाडि " शणह देखां "उत्तरपगाँउ " मन्द्र. " उत्तरपर्गाउ " प्रव॰ ४६, —पुरच्छिम पु॰ ग्री॰ (-पीरस्य) र्धशान भुष्णाः ईशान कान the north. east " तोसेणं मिहिलाए उत्तरपुरिच्छमे दिसि भाषु " स्०प० ५; दमा० ५, ९; विवा॰ १; निर॰ ४, १; नाया॰ ५; २: ४; ४; ८; १२; १३; १४, १६; भग० 🛂, ६; 年、火、E、 3;90;9、94、9;明2 →0 २, २२१; —पुरच्छिम्हाः पुं॰ (-पारस्य) व्युक्ती अपह देखा जगरका शब्द. vide above भग॰ ६, ३; —पुरिन्थम. पु॰ ( -पारस्य ) उत्तर अने पूर्व दिशानी वच्चेने। प्रदेश; धंशान डेाए। उत्तर छीर पृर्व दिशाके वीचका प्रदेश; इंशान कीन. the north-east. श्रोव॰ भग॰ १, १; २, ७; ३, १; गय० ६४; १४०; स्य० २, १, ४; जं० प० ५, ११७; क्षप्प० २, २६; —पोट्टवया. ची॰ ( -प्रीष्टपदा ) उत्तरा-लाइपह नक्षत्र. उत्तरा भाइपद नज्त्र. the constellation Uttarā-Bhādrapada स्॰ प॰ ४; —फग्गुली स्रां॰ ( -फाल्गुनी ) उत्तराधाक्युनी नक्षत्र; १५ भृं नक्षत्र उत्तराफाल्गुनी नचत्रः १६वा नचत्र. the 19th constellation Uttarā-fālgunī " उत्तर फागुखां-ग्<del>यक्</del>तते दुतारपग्गाता'' ठा० २; ─वाहिर. त्रि॰ ( -बहिर् ) ઉत्तर तरक्ष्मा भदारमुं उत्तर दिशांक चाहिर. outside the northern quarter. भग॰ ५; ६, —(ऽ) ब्मंतर. न॰ ( -श्रस्यन्तर )

**G**त्तर तर्भना अन्दरतु. उत्तर दिशाहे गीतर. within the northern quartor. भग॰ ६, ५; —भेय पुं॰ ( -भेद ) भूतनी अभेक्षाये ६त्तर प्रधार मृत्यां व्यवेचा ने उत्तर भेद further development or stage as compared with the original stage. य॰ ग॰ भ, ३०; —वास्र य पुं॰ ( - वाद ) ७०१ पान. उत्कृष्ट बाद. the highest tenet or doctrine, " श्रादाण् मायग धर्म एस उत्तर वाणु " श्राया॰ १, ६, २, १८४: —यंडिच. बि॰ ( જન્મપછી ગમે તે વખતે વૈદિય શક્તિથી वैधिय शरीर अनायनार जन्म के बाद चाहे जब वैकिय शाहिसे विकिय गरीर बनानेवाला. (one) who is able to evolve Vaiktiya body by Vaikriya power at any time after birth. जं॰ प॰ ४, ११२; —चेउव्यय -ख्र. ।त्र॰ ( 🐑 ) व्यन्भपञ्जी देशप्रपण् वर्णाने ધારણાપ્રમાણે ન્દાનુ માટે શરીર ળનાવી શકાય તેવી-વૈક્ષિય શક્તિ અને તે શક્તિથી शरीर रयना ४२वी ते. जन्म के पथात् किसी भी समय धारणाके श्रनुसार-इच्छा-नुसार छोटा वडा शरार वना मकने योग्य विभिय शक्ति और उम शक्ति में शरीर रचना करना. the Vaikriya power i c. the power of contracting or expanding the body at any time after birth to any size one wishes; making the body large or small by the use of this power. ' उत्तरवेडिवय रूवं विज-

<sup>\*</sup> लुओ पृष्ठ तम्भर १४ नी प्रुटनीट (\*). देखी पृष्ठ नंबर १४ की फूटनोट (\*) Vide foot-note ( .) p. 15th.

ब्बइ " राय॰ २६; प्रव० १०६४; कष्प० २, २; श्रगाजी ० १३४, नाया ० ८; जं ० ५० प्र, १३७; सग० १, ४; ३, १; २४, १२, पन्न॰ १५; —वेउव्विया स्त्री॰ ( 🚁 ) મૂલ શરીરથી ન્હાનું યા મ્હોટું રૂપ બનાવવાંથી પ્રાપ્ત થયેલ શરીરની અવ-गाहना, मल शरीरसे छोटा या वडा रूप बनाने से प्राप्त हुई शरीरकी अवगाहना-शरीरका कद. occupation of space by a body contracted or expanded by the Vaikriyaka power. जीवा॰ १; —साल (-शाला) એક જાતનું ધર; भेसवानं स्थान-भंऽभ वगेरे एक प्रकार का घर, बेठ-नेका मंडप आदि स्थान. a kind of house; a room used for sitting. " उत्तर साला गिहा वत्तव्वा " निसी॰ ۴, 9**ξ**;

उत्तरश्रा. श्र० ( उत्तरतः ) ६त्तरे।त्तरथी. उत्तरोत्तर से From one birth or generation etc to another क० प०७, ४७; ज०५० १४४;

उत्तरकुरा. पुं॰ स्ना॰ (उत्तरकुरः) भेऋथी उत्तरे भक्षविदेद्धान्तर्गत लुगिलियानुं ओड क्षेत्र मेहके उत्तरकी श्रार महाविदहान्तर्गत जुगिलिया का एक क्षेत्र A region of Jugaliyās (a Karma Bhūmi) in Mahāvideha to the north of Meru. "काहिण मंते! महाविदेहे वासे उत्तरकुराणांमकुरा परण्यता गोयमा?" ज॰ प॰ ४; (२) २२ भा तीर्थंडरनी अत्रल्था पालकीका नाम. name of the

palankeen of the 22nd Tīrthaṅkara at the time of Dīksā. सम॰ प॰ २३१; कप्प॰ ६, १७३;

उत्तरकुरु. पुं॰ (उत्तरकुरु) जुओ ઉपले। शण्ट. देखें। ऊपरका शब्द Vide above. जं॰ प॰ जीवा॰ १; सम॰ ४६, पन्न॰ १; १६; भग० २, ८, नाया० ४; १२; १३; १७; (२) ते क्षेत्रना भनुष्यः उत्तर कुरु चेत्रके मनुष्य. a native of the above said region अण्जो॰ १३१, (३) ते क्षेत्रना अधिष्ठाता देवनं नाभ. उक्त जेत्रके श्रविष्ठाता देवका नाम name of the presiding deity of the above said region. जं॰ प॰ ५, १२०; (४) **ઉत्तर**५३ नाभने। अधे ५७ उत्तरकुरु नामक एक द्रह name of a lake जीवा॰ ३४, ज॰ प॰ -- उउजारा न॰ (-उद्यान) ओ નામન સાકેતપુર નગરની ળહારન એક उद्यन साकतपर नगर के वाहिर के एक उद्यानका नाम name of a garden outside the city or Sāketapura नाया० घ० ६; विवा० १०; -- कूड. पु॰ (-कूट) भास्यवन्त नाभे व भारा पर्वतनं उच्च शिभरः माल्यवंत नामक वखारा पर्वतका ऊचा शिखर. the high summit Malyavanta of the Vakhārā mount. ठा॰ ६; ( ६ ) મહાવિદેહના ગન્વમાદન પર્વતના ચોથા शि भरनं नाम महाविदेह क गन्धमादन पर्वत के चोथे शिखरका नाम name of the 4th summit of the Gandha mādana mount in Mahāvideha. ठा० १०; जं० प० --- दह. मुं० ( -दह )

<sup>\*</sup> लुओ भृष्ठ नम्भर १५ नी ५२ने। ( \* ). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट ( \* ). Vide foot-note ( ; ) p. 15th.

v. 11/27.

उत्तर कुर नामने। ३ को छूह-द्रछ. उत्तर-कुर नामक तींसरा द्रह. the 3rd lake bearing the name of Uttarakuru. ठा. ६, — वत्तव्वया स्त्री॰ (-वक्त-व्यता) उत्तर कुर्हेने। अधिक्षार. उत्तर कुरु का वर्णन the subject-matter or topic dealing with Uttarakuru भग॰ ६, ७;

उत्तरकुरुश्च. त्रि॰ ( उत्तरकुरुक ) उत्तरकुरु क्षेत्रभा अन्भेत्र, उत्तरकुरुक्षेत्रवासी. उत्तर-कुरु चेत्र में पैदा हुआ; उत्तरकुरु चेत्र में निवास करनेवाला. Boin in Uttain-Kuiu Ksetra श्रमुजो॰ १३१;

उत्तर कुरुग. पुं॰ ( उत्तरकुरुक ) लुओ। " उत्तर कुरुश्र" शण्ट देखो " उत्तर कुरुश्र" शब्द Vide " उत्तर कुरुश्र" भग॰ ६, ७,

उत्तर कोाडि की॰ (उत्तरकोाट) भान्ध्रर्व श्राभनी ७भी भूर्य्छना गान्धर्व प्राम की ७ वीं मूर्च्छना The 7th note of the musical scale ठा० ७,

उत्तर गंधारा स्त्री॰ ( उत्तरगान्धारा ) गांधार आभनी पांथभी भूर्य्छना गान्धार आम की पाचवी मूर्च्छना The 5th note of the musical scale. ठा॰ ७, १; श्रगुजो॰ १२६;

उत्तर गुण पुं॰ ( उत्तरगुण) भूझ शुज्नी अपेक्षाये उत्तर शुज्, स्वाध्याय पिएड विशुद्धि आहि, हश प्रश्नारना प्रव्यभाज्य मूल गुण की अपेचा से उत्तर गुण, स्वाध्याय, विग्रंड विशुद्धि आदि, दश प्रकार के पचक्खाण. A secondary quality; study of scriptures, purity of food etc.; 10 kinds of Pachchakhānas ( vows ). पंचा॰ १, ७; प्रव॰

७३६; उत्त॰ २६, १७; भग० २५, ६; --- पञ्च-क्खारा. पुं॰ (-प्रत्याख्यान) उत्तरगुश्• રુપ પવ્ચખાણ; પવ્ચખાણના એક પ્રકાર. उत्तर गुण रूप पच्चक्खाणः पच्चक्याण का एक भेद. u kind of Pachchakhāna in the form of the or observance practice Uttaragunas. "उत्तरगुख पचक्खायोगं कइ विहे पराणते " भग० ७, २; —लद्धि. स्री॰ (-कचिघ) उत्तर गुल्-पिएऽ वि-शुद्धि आहि तपनी अिध. उत्तर गुण प्रयोन् पिएड विशुद्धि स्त्रादि तप की प्राप्ति. attainment of Uttura Gunas e g purity of food, study of scriptures etc regarded as nusterities. "उत्तरगुण लाई खय-माणस्स '' भग० २०, ६; पन्न० ११; — सङ्घा. स्त्री॰ ( -श्रद्धा ) अधानतर-खिंथा की श्रद्धा-श्रमिलापा-चाह. desire to acquire higher qualities. पंचा॰ 9. 30;

उत्तर चूल. पुं॰ (उत्तरचूड) यहना हरीने पछी 'मत्थ्योणं यहाभि ' हेंधुं तेः यहनाने। १६ भे। हे। वंदना करने के पथात् 'मत्थएणं वंदामि ' कहना, वंदना का १६ वा दोष. The 19th fault of salutation; viz uttering the words "I bow with my head" after salutation ( instead of before it). प्रव॰ १४३:

उत्तर चूिलया. स्त्री॰ ( उत्तरचूिलका ) प दन ५रीने पछी 'भरते ६ ६री नमुं छुं ' अभ ६ ६ वुं ते. बंदना करके पीछे 'मस्तक से नमन करता हूं ' इस प्रकार कहना. uttering the words "I bow with my head "after salutation (instead of before it) प्रव० १५३,

उत्तरह. न॰ (उत्तराई ) ७त्तराधः; वैता-હ્યથી કે મેરૂથી ઉત્તર બાજાના પ્રદેશ उत्तराई: वैताट्य या मेरपर्वत से उत्तर की The northern श्रोर का प्रदेश. half, viz the region north of Vaitādhya or Meru. सम॰ ३६; श्रगुजी० १४६, जं० प० भग० ३, १; ५, १; -भरत. पु॰ (-भरत) वैताक्ष पर्वतथी उत्तरने। अरत अदेश वैतास्त्र पर्वत से उत्तर की श्रोर का भरत प्रदेश. the Bharata region to the north of Vaitadhya mountain. ज॰ प॰ -भरह कुड पुं॰ (-भरतकृट) જ યુદ્દીપના વૈતાક્ષ્ય પર્વતનું ૮ મું શિખર जंब्रद्वीप के वैताट्य पर्वत का =वा शिखर the 8th summit of the Vaitādhya mountain of Jambūdvīpa. ( ર ) તેના અધિષ્ટાતા દેવતા. उक्त शिखर का अभिष्ठाता देव. the presiding deity of the above जं॰ प० १, १२.

 sya Ksetra. " उत्तरहुमागुस्तखेत्ताग्ं छावट्टि चंदा पभासिसु " सम॰

उत्तरण. न॰ (उत्तरण) तरी পवुं: भार ६तरवुं तिरजाना; पार उतरना. Crossing; going to the opposite shore or end "उत्तरणं चंदसूराण" नाया॰ ६; सम॰ ७; ठा॰ ५; १०;

उत्तरणप्पात्र त्रि॰ (उत्तरणप्राय) पार @तरवा लेवुं पार उतरने योग्य. Worthy of, capable of being crossed. " श्रमुहतरंडुत्तरणप्पाश्रा " पंचा॰ ६, २१;

उत्तरपुट्या. पुं॰ (उत्तरपूर्वा) ध्रीत भुणे। ઉत्तर अने पूर्व वश्येनी विहिशा. उत्तर श्रीर पूर्व के बीच की विदिशा ईशान कोन. The north-east. प्रव॰ ७६०;

उत्तर विलयः पुं॰ (उत्तग्वितय) उत्तर लक्षिय नामे ओक्ष गण्, उत्तर विलय नामक एक गण्, Name of a Gana. "गोदासगणे उत्तरवित्यस्सयगणे उद्देह-गणे " ठा॰ ६, १;

उत्तरचित्तसह. पुं॰ (उत्तरबित्तसह) उत्तर णित्रस्छ स्थितस्थी निक्षेत्र स्थे क्यानी ओक्ष गण्. उत्तरवित्तसह स्थिति से निक्ता हुन्ना इस जाति का एक गण्. Name of an order of monks (Gana) derived from the Sthvira named Uttarabalissaha. कृष्य॰

उत्तरविलस्सह पुं॰ ( उत्तरविलस्सह )
भढ़ागिरि स्थिपरना प्रथम शिष्य अने तेना
थी निक्ष्में अछ् महागिरि नामक स्थावर
का प्रथम शिष्य और उससे निकला हुन्या
गण The first disciple of the
saint Mahāgiri and the order
established by him "धेरोहेंतोगं

उत्तरवितस्सहेहितो तत्थण उत्तर वितस्सहे" ठा० ६, १;

उत्तरभद्दया. स्री० ( उत्तराभाद्गपदा ) व्यक्तित वगेरे तक्षत्रभांतुं ६ हुं नक्षत्र; उत्तराक्षाद्रपद नक्षत्र, स्रोमिनित वगेरह नक्षत्रों में का झठवा नचत्र; उत्तरा भाद्रपद. The constellation Uttarā Bhādrapadā i e. the 6th of the constellations viz Abhijita etc. ''उत्तर भद्दया एक्षत्रे दुत्तारे पर्णता'' ठा० ६, १,

उत्तरमंदा. स्त्री० (उत्तरमन्दा) गन्धार स्वर अन्तर्गत ओं अ मूर्छना; मध्यम आमनी पहेली मूर्छना, गंधार स्वर के अन्तर्गत एक मूर्छना; मध्यम आम की पहिली मूर्झना कोट One of the 7 notes of the Indian gamut; the 1st note of the Madhyama scale. राय० १३०, ठा० ७, १; जीवा० ३, ४,

उत्तर वांडसग न॰ (उत्तरावतसक) એ नाभनुं એક विभान. इस नाम का एक विमान. Name of a celestial abode. जीवा॰ ३, ६;

उत्तरः समाः स्त्री॰ (उत्तरसमा) भध्यभ श्राभनी येश्वी भूर्छनाः सध्यम प्राप्त की चौथी मूर्छनाः चाथा कोटः The 4th note of the Madhyama musical scale ठा० ७, १;

उत्तरा श्री (उत्तरा) उत्तरापाढा आहि नक्षत्र उत्तरापाढा आदि नज्ञत्र. The constellation Uttarāsāḍhā. श्राणुजो० १३१; (२) भध्यम आमनी पहेली अने त्रीक्ष भूर्छना मध्यम आमकी पहिली और तीसरी मूर्छना the third note of the Madhyama inusical scale. ठा० ७, १; अगुजो० १२८, १३८; (३) उत्तर हिशा. उत्तर दिशा. the north. 'उत्तरा श्रो वा दिसाओं श्रागश्रो श्रदमंति'' प्रव॰ ७६०; क॰ प० ४, २; मग० १०, १: २४, ३; श्राया० १, १, १, २; — श्रासाढा. स्त्री० (-श्रापाढा) उत्तराधाटा नस्त्र. उत्तराधाटा नस्त्र. the constellation called Uttarāsāḍhā जं, प०२, ३१; ७, १४४; सम० ४; ठा० २, ३;

उत्तरा कोडि श्री॰ (उत्तराकाटि) अ नाभनी गधार श्राभनी सातभी भूछेना. इस नामकी गंधार श्रामकी सातनी मूछेना. Name of a certain musical note in the Indian gamut ठा॰ ७, १;

उत्तराज्भवणा. न० ( उत्तराध्ययन ) ओ नाभनुं ओक भूझ सूत्र; छत्रीश अध्ययना सभू छरूप उत्तराध्ययन नाभे सूत्र. इस नामका एक मूल सूत्र. छत्तीस अध्ययनों का समूहरूप उत्तराध्ययन नामक सूत्र. Name of a Mula Sutia; name of a scripture containing 36 chapters. नंदी० ४३, — फर्गुणी छी० (-फाल्गुनी) ओ नाभनुं नशत्र. इस नामका एक नज्जत्र name of a constellation. जं० प० ७, १४६; ४, ११४, सू० प० १०; सम० २; — भह्चया छी० (-भादपदा) ओ नाभनुं ओक नक्षत्र हस नामका नज्जत्र. name of a constellation. सम० २:

उत्तरायग्र. पुं॰ (उत्तरायग्र) सूर्य हिशाध् हिशा-भांथी उत्तर हिशाभां न्यथ ते सूर्य का दक्तिग्र दिशासे उत्तर दिशामें जाना The northward apparent motion of the sun. सम॰ २४; ठा॰ ३; —गय. पुं॰ (-गत) ४ई संश्लंतिना हियस; उत्तरायणुभां प्रवेश ४२ते। सूर्य कर्क संकांतीना दिन; उत्तरायण में प्रवेश करता हुआ सूर्य the day of the progress of the sun to the north; the sun commencing its northward progress सम॰ — णियट्ट. पु॰ ( -निवृत्त ) सूर्य उत्तरने भाउलेथी दक्षिण्ने भाउले लाय ते. सूर्य का उत्तरायण से दिच्यायन होना the returning of the sun towards the south from the north. "उत्तरायण णियट्ट सूरिए" ठा॰ ३; सम॰ २४,

उत्तरायया स्त्री॰ (उत्तरायता) गधार श्राभती सातभी भूर्छता गंवार द्याम की सातवा मूर्छना Name of a certain musical note in the Indian gamut असुजो॰ १२८,

उत्तरावग पुं॰ ( उत्तरापथक ) उत्तरापथ देश देशने। ३पाने। ओड सिडेशा उत्तरापथ देश का चादीका एक सिक्षा Name of a silver coin current in the country of Uttarapath प्रय० ८०५,

उत्तरावह पुं॰ (उत्तरापथ) उत्तर तग्धनी ओक्ष देश उत्तर की खोरका एक देश Name of a country in the north प्रव॰ ६०४;

उत्तरासमा स्त्री॰ ( उत्तरसमा ) भध्यः

प्रामनी येथि। मध्ना मध्य प्राम की चौर्था मूर्छना The fourth note in one of the seven primary notes of Indian music. प्रशुजो १२=;

उत्तराद्वत्तः त्रि॰ ( उत्तराभिमुख) उत्तर तरः; उत्तरने सन्भुभ उत्तरकी खोर, उत्तर दिशा के यन्मुख. Towards the north; facing the north " थोवावसेसियाए सज्भाए ठाइ उत्तराहुतो" खोघ॰ नि॰ ६४०,

उत्तरिज्ज न० (उत्तरीय) भ ला ७५२ राभवानु वस्त्र-दुपट्टी कन्नेपर रखने का बस्त-दुपद्य A scarf, an upper garment "उत्तरिज विकडूमाणी" उमा० ६, १६६ श्रोव० ३१, दसा० १०, १, नाया० १, ६, १२, १४, भग० ६, ३३; ज० प० कष्प० ४, ६२,

उत्तरिज्जग. न॰ ( उत्तरीयक ) लुओ। ७५थे। शण्ट देखो जपरका शब्द. Vide above. उवा॰ ६ १६४,

उत्तरिज्जय न॰ ( उत्तर्गयक ) कुॐ। ७५८े। शण्द देखो ऊपरका शब्द. Vide above. डवा॰ ६, १६४;

उत्तरिय पु॰ ( उत्तरिक ) उत्तर गुण्-सिमिति वगेरे उत्तर गुण-सिमिति वगेरह. Samiti etc (i. e. care in walking, eating etc ) विशे॰ १२४५; (२) ति॰ प्रधान; श्रेष्ठ प्रधान; मुख्य; श्रेष्ठ; उत्तम puncipal, highest, best. नाया॰ =; वेय॰ ४, १=: ठा० १०; (३) हुभ्रृरे।; भिभे शभ्यानं वस्त्र दुपद्या, क्षेपर रखनेका वस्त्र a scarf. an upper garment. नाया॰ २;

उत्तरिह्म त्रि॰ (धोत्तर) उत्तर दिशाभानं, उत्तर दिशासंण थी उत्तर दिशा में का; उत्तर दिशा सम्बन्धा. Northern; pertaining to the north. नाया॰ घ॰ ४, उत्थरंत. व॰ कृ॰ त्रि॰ ( उतस्तृण्वत् )
आव्छादन करता हुआ;
डांकता हुआ. Covering; hiding.
'' श्राणि एहिं उत्थरंता श्रीभभूय हरंति परधणाइ '' पगह॰ १, ३;

उत्थल न॰ ( उत्स्थल—उन्नतानि धृल्युच्छ्य रूपाणि स्थलानि=उत्स्थलानि) धृक्षना टेडरा. धृल के टेकडे. A sand-hill; n sandy down भग॰ ७, ६,

उत्थार्गः न॰ ( उत्थान ) ७६वुः ७ला थपु. उठना, खंड होना. Rising up; getting up विशे॰ २८२६.

उत्थियः त्रि॰ ( स्रवस्तृत ) आन्छाहन हरेस. हाने हुन्या, स्राच्छादित. Covered; concealed from view. उना॰ १, ४८, उदस्य-य. पुं॰ न॰ ( उदक ) अस, पाणी. जल; Water स्राया॰ १, ६, १, १७७, उत्त॰ ९, २३; ३६, ३२ नस्या॰ १०॥

उत्त० ७, २३; २८, २२, नाया० १; ५; ८; १४, १८, भग० ३. ३; राय० २७; श्रोव > ३९.दसा० ६, १; ६, २, स्०प० १०; विशे० १४१८, पि॰ नि॰ ८३; (२) पाधीमांनी अधे वनस्पति. जल मे की एक वनस्पति a kind of aquatic plant पन १; (૩) પર્વગ જાતની વનસ્પતિ; એક लतन् वृक्ष पर्वम जाति को वनस्पति; एक प्रकारका वृत्त. a kind of ree पन १; (૪) ૬૦ એ નામના એક અન્યતીર્થિ વિદ્વાન इस नामके एक अन्य धर्मी विद्वान्. name of a learned non-Jaina भग॰ ७, દઃ ( ૫ ) ગાેશાલાના એક મુખ્ય શ્રાવકન્ नाभ. गोशाला क एक मुख्य श्रावकका नाम name of one of the principal lay-followers of Gosala भग॰

r, પ્ર; ( ક ) ઉદક નામે ( અપર નામ પેઢાલ પુત્ર ) એક પત્ર્ધનાથના સંતાનીયા નિચન્થ કે જેનાે ગાતમસ્વામી સાથે સંવાદ भेथे। ६ते। उदम ( अपरनाम पेढाल पुत्र ) नामका एक पार्श्वनाथका श्रनुयायी साधु कि जिसका गीतम स्वामी के साथ संवाद हुआ था. name of an ascetic follower of Pārsvanātha, who had held discussion with Gautuma Swami; he is also named Pedhālputra. स्य॰ २, ७, %: —उप्पीलाः स्रो॰( ः ) पाणी वर्गेरेना ov²ये।-सभु८ जल वर्गरह का समृह. ध volume of water etc. भग॰ ३, ७; —तल न॰ (-तल) पाणीनुं तक्षीयुं. जल का तन the bottom of water. दसा॰ ६, १; —परिफोसिया स्रो॰ ( -पिरप्रपत् ) पाधीनाञीखा छांटा; કुवाड पाणी के छोटे छोटे छोटे; फुबारे spray of water नाया॰ =;

उद्द त्रि॰ (उदायेन्) ७६४ पामनार उदय पाने वाला. Rising; coming to rise. '' उदह्राों प्रागुदह ठराहं '' भग॰ ११, १; ३४, १;

उद्ह्य पुं० (श्रौदियक) धर्मनी अध्य कर्म का उदय Maturity of Kaima; state of maturity. (२) धर्मना अध्यक्ष निष्पन्न अध्यक्ष निष्पन्न उप्तत्र धापु- भांनी ओड उदय से निष्पन्न उप्तत्र धापु- thing resulting from maturity of Karma. श्रग्राजी ०८०. भग० १७, १; २५, ६; क० ग० ४, ७२; — श्राह्र जि० (-श्राद्दि) अदय साव क्रेमां आहि

<sup>\*</sup> लुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरनेतर ( \* ). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट ( \* ) Vide foot-note ( \* ) p 15th.

प्रथम छे तेवा क्यापशिमिक क्षायापशिमिक क्षायक क्यापे पारिष्णाभिक क्षाय है ऐसे क्रीप्रामिक, ज्ञायापशिमिक ज्ञायक क्यापे परिष्णामिक मान (those Bhāvas or states viz Aupsamika, Kṣāyopsamika, Ksāyaka and Pariṇāmika) which are headed by Udayabhāva i e. state of coming to rise; lit. Udayabhāva etc. निशेष् ४०४; — भाव. पुं० (-भान) जुन्था "उदह्रम् " ११०६. देखो " उदह्रम् " शब्द vide " उदह्रम् " भग० १४, ७,

उद्उत्स त्रि॰ ( उदकादं ) पार्थिथी लीनुं थयेल पाणी से मींजा हुआ Wet with water, " उदउत्स वीयसंसत्तं" दस॰ ६, २४, ४, ४, १, २३; ६, ७, आया॰ २, १, ६, २३३; निसी॰ ४, ४०; कप्प॰ ६, ४३; प्रव॰ ६१६; — काय पुं॰ ( -काय ) पार्थिथी लीनु शरीर पानी से गींचा शरीर body wet with water. दस॰ ४; — चत्थः न० (-चन्न ) पार्थिश लीनुं वस्त्र पानी से गींचा वस्त्र. cloth wet with water दस॰ ४,

उद्एचर. त्रि॰ ( उदकवर ) જલચર जल-चर; जल में रहने वाले प्राणी. Aquatic. "उदण्चरा श्रामास गामियो " श्राया० १, ६, १, १७७,

उद्श्रोदर पुं॰ (उदकोदर) क्लीहर रे।ग जलोदर रोग Dropsy ज ० प ० २,

उद्क. न ० ( उदक ) पानी जल, पानी Water. जीवा० ३, ३, — भायरा पुं० ( -भाजन ) पार्शीनुं वासणु पानी का वर्तन. A vessel for keeping water in. निसी० १८, १७,

उद्ग. न॰ ( उदक ) पाख्री; क्य. जल, पानी ४. 11 /28

Water. पंचा॰ २, ११; प्रव॰ १४६२; कप्प० ४, ५६; जं॰प० ५,१२०, निसी० १८, १८; नाया० ६; ८; १८, भग० १, ६; ८; ५, ४; ७,१; १४, १, पञ्च० १; नदी० ३४; दस॰ ४, ४. १, ७४; उवा॰ १, २७; ४१, -(गा) आवत्त पुं (-श्रावर्त्त ) पाशीनुं यक्षर - अभरी - यभस पाणी का भौर. an eddy; a whirlpool of water. श्रगुलो॰ १३४; भग० ४, ७, -गट्म. पुं॰ (-गर्म ) પાણીના ગર્ભ-પાણી रूपे थनार प्रद्रस परिखाय पानीका गर्भ; पानी रूप होने वाले पुरुत परिनाय. particles of matter transforming themselves into the element of water. "चतारि उदग गठभा पराणता तं जहा" भग० २, ५; - जोिखाय. पु० (-योनिक-उदकं योनिरुत्पत्तिस्थानं येपां ते ) पाछीभां अत्पन्न थनार छव पाणी में उत्पन्न होने वाला जाव an aquatic sentient being "रहे गत्तिया सत्ता उद्ग जोगिया उदग संभवा" सूय० २, ३, १७; - दोगी. स्री॰ (-दोशी) पाशी भैंयवानी डेाल पानी भरनेका डोल. a bucket for drawing out water 'अलं उदगदोणींगं'' दस॰ ७, २७; (२) ન્હાની હોડી, મછવે। छोटोसी टोंगी; डोंगा a small boat. श्राया॰ ७, ૪, ૨, ૧३૦; ( ३ ) લેાહારની પાણીની કુડી કે જેમા તપેલું લાેહુ ઠારવામા આવે છે लुहार की पानी की कुंडी जिसमें कि तपाया हुआ लोहा बुमाया जाता है a bucket of water in which heated iron is dipped and cooled. "उदग दोगां खिवत्तिए" भग० १६, १;—धारा स्रो० (-धारा ) पाणीनी धारा जलधारा. a stream of water; a down pour 

4

-परिरायः त्रि॰ (-परियात ) पाली ३ पे परिजाभ पानेत. जल रूप में परिणाम पाया हुया transformed into water. टा॰ ३, ३; -पोग्गल. पुं॰ (-पुक्रक ) पाणीना पुरुष ने। समुद्रः बाह्वं, जल रव पुहल का समृद्ध बादल, मंप. a collection of watery particles; a cloud "तत्य समुद्रियं उद्ग पौगालं परिण्यंवा." ठा॰ ३, ३; — प्पस्यः नि॰ (-प्रस्त ) જલમાં ઉત્પન્न थ्येल इन्ह्र आहि जल् मे उत्पन्न हुए कन्द ग्रादि (u bulbous root etc. ) produced in water "उद्ग पम्याभी कदाणि वा मुलाणि वा पत्ताणि वा " प्रामा॰ २, २, १, ६४: —फोसिया- ना० (-प्रयद् ) पत्थाना थि ह जन विन्दु Spray of water; small drops of water, नाया॰ =; —धिद् पुं॰ (- विन्दु ) पालीनुं डीधुं पाना हा बिन्दु, जल का छीटा. a drop of water. भग० ४, ७; ६. ३; गंना० ४, ४७, — मच्छु पुं॰ (-मत्स्य ) छड धनुःचना ६८६१. इन्द्र धनुष्य के दुकहे. bits of rainbow. भग० ३, ७; घमुजी० १२७, जीवा० ३, ३; —माल. पु॰ स्त्री॰ (-माला ) ७५२। ७५२ रहें पाछीनी शिभा; दगमाते। एक पर एक स्थित पानी की शिरात. crests of water piled one upon another "लवणस्तर्णं समुदस्य के महालए उद्गमाने पर्णते" जीवा॰ ३, ४; ठा॰ १०; - रयगा-पु॰ (-रत्न ) शुद्ध पाष्ट्री, रतन सभान पाष्ट्री. शुद्ध पानी. pure water; crystal water. "उम्ले उदगरवर्णे श्रस्तादिए" भग० १४, १; नाया॰ १२; —रस. (-गस) पुं॰ पाखीते। रस पानी का रस. water in the fluid form. "तथ्रो समुद्दा पगईप् उदगरसेण पराणता" जं० प० १; - बाई

ह्मी - (-राजि ) पंजीती सीटी, पानी की in a line of water, \$5 90 9, 42; —लंबर go (-स्तप ) नावा आर्से वेटला પાણિમાં સાવવંનનદી ઉતરવી તે. ક્રિતને વાનો में नाप चरी उनने पानी से में नदी पार होना. fording a river atc, at a place where a bost can wail "wait मायम्य नद्या दालेने की माल महता" मग० २३: वमा० २, ५०: ५६: (६) पण्याने क्षेपः पाण्यायी भिन्तवं ते. जनका नेप: पानी में भित्राना. getting wet with water, wan 2, 3, 53, 88: - यित्यः पुं श्री (- मिन ) पार्श्वती भभारत पाना परि महा है in leather bag for holding water in, "इटबर्याणं परामुसह " नागा॰ १=: —संभारागुज्ज. त्रिक (नमस्भारकोष) पार्जीने शुद्ध इश्यापी परत् पाना की शह बरने का वस्तु. आए to purify substance boom water. "हट्ट तुट्टे बहुदि उश्मसंभारिक-जोहि " नागा० ३२:--स्तत्थः पुँ० (-गस-उद्कमेवमधंतत्त्रामा ) भाष्मीना छवनी नाश **४**२नार शरेषः व्यक्ति । भार पंगेरे. जल के जीवों का नारा करने याना शख्नः प्राप्तः चार नगरह a weapon which destroys sentient beings living in water e.g. fire, poisonous salts etc थाया १, १, ३, २३: —साला माँ (-ज्ञाला ) पाधीनुं पर्व ( परव ). पानी की पो a place whose water ia supplied to travellers etc. (out of charity). म्य॰२, ७, ४;—सिद्दाः स्रां॰ ( -शिखा ) हरीयानी वेक्ष; पाणीनी भरती ओट. पानी की बढतो श्रीर पटती. and tide of the sea या॰ १०:

उद्गणाय. पुं॰ ( उद्कज्ञात ) भार्धना भार्धीना द्ष्रातवार्ध्व ज्ञातासूत्रनु ६२ मुं अध्ययन खाई के जल के दृष्टान्त वाला ज्ञातासूत्र का १२ वा अध्ययन Name of the 12th chapter of Jñātā Sūtra containing an illustration of ditch water सम॰ १६, नाया॰ १;

उद्गत्तः न० ( उदकत्व ) पाणीपणुं जलपना; जलत्व State of being water. "या बहवे उदगजोिणया जीवा य पोग्गला य उदगत्ताय वक्कमिति" ठा० ३, मग०२,४, उदगसीमयः पु० ( उदकसीमक ) એ नामनी એક वेलंधर नागराज के निवास करने के एक पर्वत का नाम Name of a mountain-abode of Velandhara Nāgarāja जीवा० ३;

उद्ग्ग ति॰ ( उद्ग ) ७८६८, ज्ञत; ७तरे।
तर पृक्षियाक्ष उत्कट, तीत्र, उन्नत, उत्तरोत्तर
वृद्धि वाला Fierce. intense, tall,
lofty. mighty; increasing
"उद्गो दुष्पहंसए" उत्तः ११, २०; भग॰
२, १; नाया॰ १; ४; —न्नारित्ततव. पु॰
र्का॰ ( -चारित्रतवस्-उद्ग प्रधान चारित्र
तपक्ष यस्य स तथा ) ध्रधान थारित्र तथ्
व क्षे। प्रधान चारित्र-तथ वाला one of
austere right conduct and
penance उत्तः १३, ३४,

उदत्त त्रि॰ ( उदात्त ) उत्तत्त, प्रधान, श्रेष्ठ
 उदात्त, प्रधान, मुख्य; श्रेष्ठ, उदार High,
 lofty, prominent उत्त॰ १३, ३४,
 भग॰ २, १, ३, १. ६, ३३, ( २ ) व्यक्षा र'ि स्वरनी ओड प्रधार अकारादि स्वर का
 एक प्रकार. a particular variety
 ( accent ) of vowel-sound प्रव॰
 ४४०;

उदत्ताम. पुं॰ (उदात्ताभ) गैतिम भीत्रनी
ओक्ष शाणा अने तेनी पुर्ध. गाँतम गोत्र
की एक शाखा श्रीर उस शाखा का पुरुष.
Name of a branch of Gautama
family-stock, a person belonging to this branch "ते उदत्ताभा"
ठा॰ ७, १;

उद्धि. पुं॰ (उदाधि) सभुद्र समुद्र; दर्या. The ocean, the sea सू॰ प॰ १६: जीवा॰ ३, १;

**उदय पुं**॰ ( उदय ) ઉभवुं, प्रगट थवु; ઉદય थव ते ऊगना, प्रगट हाना, उदय होना Rising; coming to view, appealance. ठा० २, १. पराह० २, ४; सू॰ प॰ १, नाया॰ ३; स्त्रोव॰ ११, (२) अल्युद्रय, यडती. अभ्युद्रय, बढती; चढती. use, prosperity सूय॰ २, ६, १६; पिं० नि० ४१४, (३) अपक्षुं, अत्पत्ति पैदा होना: उत्पत्ति buth, creation; production सम॰ ३२; (४) लंभुद्रीपना ભરત ખડમાં થનાર સાતમા તીર્ધકરત નામ जमुद्वीपके भरतखड में होने वाले सातवें तीर्थ-कर का नाम the name of the 7th would-be Tithankara of Bhaıatakhanda in Jambudvipa सम॰ प॰ २४१, ( ५ ) ल्थुद्रीपभा सरत-લેત્રમા થતાર ત્રીજા તીર્થકરતા પૂ**વં**ભવનુ नाभ जंबद्वीप के भरतखड़ में होने वाले तीसरे तीर्थं कर का पूर्व भव का नाम the name in the past birth of the third would-be Tirthankara of Bha ratakhanda in Jambudvīpa सम॰ प॰ २४१, (६) इर्भेनु विपाझिल-મુખ થવુ તે, ક્ષાનાવરણીયાદિ કર્મના ઉદય. कर्म का विपाक (फल देने) के सन्मुख होना; ज्ञानावरकायादि कर्मी का उदय maturi( २२० )

ty of Karma; e.g. of knowledge-obstructing Karma etc. भग० १, १; २, ५; ५, ४; ८, ६: १४, २, २०, ३; ४०, १४; पिं० नि० १०२; (७) ઉદય ભાવ; ७ ભાવમાના પ્રથમ ભાવ उदय भाव; छह भावों में का प्रथम भाव. state of rising or coming to birth: the first of the 6 Bhāvas. भग॰ १४,१;—श्रंतः पुं० (-भ्रन्त) नही आहिना પાણીની સીમા; જ્યાં નદી પુરી થાય તે अदेश नदी श्रादिके जल की सीमा, वर प्रदेश जहां नदी पूरी हा. the place where the water of a river ends or terminates. भग॰ १, ६; —श्रंस. पुं॰ ( -श्रंश ) उदयना स्थानक उदयके स्थानक any of the portions that have come to rise or maturity. क॰ गं॰ ६, १८; —गय. त्रि॰ ( -गत ) ઉદાના २थानने प्राप्त थयेश. उदयस्थान को प्राप्त. come to lise, risen. To To E, yo; — सिफ्फरासा. त्रि॰ ( - निष्पञ्च ) धर्मना **ઉदयथी निष्पन ध्ये**अ. कर्म के उद्य सं निप्पन्न-उप्तम. produced on account of the maturity of Karma; resulting from the maturity of Karma. भग० १७, १, २४, ४; —त्थमराः त्रि॰ (-चस्तमान) स्य<sup>द</sup>ना **९६य अथवाने। समय मूर्यके उदय** श्रस्त का समय. the time of sunrise and sunset. कण॰ ३,३६; —पत्त. त्रि॰ (-प्राप्त) ६६५ पामेश्व. उदय पाया हुआ. matured; come to rise. भग॰ २४, ७: परह० २, ४; — विद्वि. पुं० ( –विधि ) ઉદયના પ્રકાર. ভदयका प्रकार. mode or method of coming to rise. क॰ ग॰ ६, ३०; — संदिइ

स्रो॰ (-संस्थिति ) सूर्यं ना ઉદयनी रिथनि।
स्र्यं के उदय की स्थिति. the condition of the sun at the time of lising. मू॰ प॰ ६; —संत. स्री॰ (-सता) उदय अने सत्ता स्वरूप उदय स्रोर सत्ता स्वरूप. the existence and rise i. e. maturity (of Karma).
क॰ प॰ ७, ५३; ४४,

उद्यक्तिण पुं (उदयक्तिन) आवती ये।वीसीना सातमा तीर्थं इर है के ओड वणत महावीर स्वामीना श्रावड शे पछ हता आगामी चींवीसी के रातवें तीर्थं कर जो एक समय महावार स्वामीक शंखर्जा नामक श्रावक थे. The 7th Tirthankara of the coming Chovisi i. e cycle who was once a Śrāvaka (by name Śańkhaji) of Mahāvīra Śwāmī प्रव॰ ४६७;

उद्यण्सत्त त्रि॰ (उदयनसत्व) उध्य भाभते। छे सत्य केने। ते. जिसका सत्व उदय को प्राप्त हो रहा है वह. (One) whose spirit or might is on the rise ठा॰ ४, ३:

उद्यक्षीम पुं॰ (उद्रक्सीमन्) स्वश् समुद्रभां इत्तर हिशाओ आवेशी ओक्ष आवास प्यंत लवण समुद्रके उत्तर दिशामे स्थित एक श्रावास प्वंत Name of a mountain abode in Lavana Samudra in the north. सम॰ ४३;

उद्यसेगा. पु॰ ( उदयक्षेत ) भीरसेन ने शूर-सेनने। पिता. वारसेन श्रीर शूरक्षेत के पिता का नाम. Name of the father of Virasena and Surasena श्राया॰ नि॰ १, ४, १, १;

उद्यायल पुं॰ (उद्याचल) ઉદયાयस भर्षत उद्याचल पर्वत The eastern mountain named Udayāchala behind which the sun rises सु॰ च॰ ३, ७६;

उद्र. न० ( उद्र ) ०४६२, पेट. जठर, पेट
The belly, the stomach सूय०
१, ५, २, २, २, १, ४२; दस० ४. जीवा०
३, ३: श्रोव० १०, निसी० ७, १४; श्रागुजो०
१३१; नाया० १३; श्राया० १, १, २, १६;
उवा० २, १०१,

उद्रवलीं स्त्री॰ ( उदरावाले ) अथलु; अथेलु कलेजा. The heart. निर॰ १, १, —मंस. न॰ (-मांस) अथलानु भास. कलेजेका मास the flesh of the heart. निर॰ १, १.

उदिरि नि॰ ( उदिरम् ) भेटने। रे। गी, क्रेने। रे। गी, क्रेने। रे। गी, क्रेने। रे। गी, क्रेने। रे। गी। क्रेने। पट का रे। गी, जलोदर रोगवाला ( One ) suffering from a dominal affections like dropsy etc. न्याया॰ १, ६, १, १, १५२.

उद्दिकः त्रि॰ ( चाँदिक ) क्रेशें हरना रेशि याली जलोदर रोगवालाः ( One ) suffering from dropsy परहः २, ५,

उदिरियः न॰ ( ग्रीदिरिक ) क्रुओः "उदिरिक" शण्ड देखों " उदिरिक " शब्द Vide " उदिरिक" विवा १, ७,

उद्वाह पु॰ (उद्वाह) क्सती तानी प्रयाद्ध, जलका छोटासा प्रवाह A small current of water "उद्वाहाइ वा प्रवाहाइ वा भग०३,७,

उद्हि पुं॰ (उद्घि) सभुद्र, हरीये। समुद्र, उद्घि, दर्या The ocenn; the sea ठा॰ २ ४ उत्त॰ ११, ३०; भग० १, ६, ६. विशे॰ १३३२; पि॰ नि॰ भा॰ १७, प्रव॰ १४६३, क॰ प॰ १, ७०, जं॰ प॰ २, ३३, ४, ११६, (२) ७६धिकुंभार नामे लपन रति हेवतानी औक्ष्य उत्तरी उदाधिकुमार नामक भवनपति

देवों की एक जाति a class of Bhavanapati gods named Udadhikumara उत्त. ३६, २०४; परहर १, ४, सम० ७६; स्रोव० (३) धने।६धि. घनोदधि. the ocean named Ghanodadhi. भग० १, ७, (४) समुद्र-सागरे। पभः डालविलाग विशेष सागरोपम, कालविभाग विशेष a Sāgaropama; a particular division of time कः गं० ५. २६; —पइहिय त्रि॰ ( –प्रांतिष्टित ) ધનાદિધ સમુદ્રને આધારે रहें अ. धनोद्धि समुद्र के श्रावार से रहा हुन्ना supported on, resting on Ghanodadhi ocean. पहाद्विया पुढवी " भग० १, ७; — पुहुत्त न॰ ( -पृथक्त्व ) भेथी भाडीने नवसागरी-पभ सुधी. दो स नोसागरोपम ranging from two to Sāgaropamas of time. क॰ प॰ १, ६२; मंगल पु॰ (-मज्जल) सभुद्र ना वि<sup>६</sup>नने ६२ ७२नार मगल. समुद्र के विष्नको दूर करनेवाला मगल unything that averts or destroys the obstacles or misfortunes connected with the sea पंचा = =. ३७; —सरिस त्रि॰ (-सदश ) सभुद्र-સાગર સરખું, સાગરાેપમ, દસ કાેડા કાેડી प्रत्यापम प्रमाण डाझ विलाग समुद्र के समान, सागरोपम: दस कांडा कोडी पल्यो-पम के प्रमाण काल विभाग similar to an ocean, a division of time equal to 10 crose x 10 crose Palyopama. उत्तः ३३, १६:

उद्दिक्कमार. पुं॰ ( उधिकुमार ) उधि कुभारनाभे अवनपति देवतानी येके लात भवनपतिदेवों को उदिव कुमार नामक जाति. उद्दिकुमारी छो॰ (उद्धिकुमारी) उद्धि इभार कातना अवनपतिनी देवी उद्धि कुमार जाति के भवनपति देवों की देवी A female deity of the Udadhikumara Bhavanapati class of gods भग॰ ३, ७.

उदाइ ५० (उनायिन्) કु िंडायन शात्रमां જન્મેલ ઉદાયી નામના એક માણસ કે જે ગાશાલા ના છકા પ્રૌહપરિહાર कुंडिकायन गोत्र में जन्मा हुन्ना नामक एक मनुष्य जो कि गोशाला का छठवाँ शौढ परिद्वार था Name of a person born in the Kundikāyana family who was the sixth Praudha Parthara of Gosala भग० १५, १, (२) डेा खिड राज्यते। अहाथि नाभे એક क्षांधी कोणिक राजा का उदायि नामक हाथी name of an elephant of a king named Konika મગ ૭, દ; ૧૬, ૧: (૨) કાેેેશિકનાે એક પુત્ર કે જેણે કાેેેણિકના અવસાન પછી પાટલિપુત્ર નગર વસાવી ત્યા પાતાની રાજ-ધાની સ્થાપી: જેને ઉદાયી નામના અભવ્યે પાષામા મારી નાખ્યા હતા; જે તીર્થકર નામકર્મ ઉપાજન કરી આવતી ચાવીસીમા सुपार्श्वनाभे त्रीक तीर्थं इर यशे कोणिक का एक पुत्र जिसने कि कोिएक की मृत्य के वाद पार्टालपुत्र नगर वसाया श्रीर वहां श्रवनी राजधानी स्थापित कीः जिसे उदायी नामक श्रभव्यने पोपध-उपवास की श्रवस्या में मारडाला; जिसने तथिकर-नामकर्म का उपार्जन किया और श्रागामा नोवीसी में तीर्थंकर होगाः नामक तीसरा name of a son of Konika. Konika's death he After founded the city of Pātalıputra and made it his capital. He was killed by an Abhavya (one not capable of being liberated) during the continuance of Pausadha (fastingwill earn etc ). He thankara Nāmkarmu and the third Tithankara named Supārśva in the coming Chovīsī (cycle) ঠাত ১,

उदायजीव पु॰ (उद्योगीव) है। शिक्षा पुत्र-ઉદાયિરાજાના છવ કે જે આવતી ચાેવી-સીમા ત્રીજા સુપાર્ધ નામના તીર્થકર થશે काँगिक का पुत्र उदायि राजाका जीव जो भावी चौवीसी में सुपार्श्व नामके तीर्थकर होंगे The soul of king Udayı ( the son of Konika) who will be the 3rd Tirthankara by name Supāršva in the coming Choviśi (। e. cycle ) प्रव॰ ४६५; उदायरा ५० ( उदायन ) सिंधुसाणीर देशना વીતિભય નગરના રાજા કે જેણે દીકરાને રાજ્ય ન આપતાં કેશી નામના ભાછેજને રાજ્ય આપી મહાવીર સ્વામિ પાસે દીક્ષા લીધી. सिधुसोबार देश के वीतिभय नगर का राजा जिसने कि पत्र को राज्य न देकर श्रपने केशी नामक भान्जे को राज्य दिया श्रीर महावीर स्वामीसे दीचा ली Name of a king of the city of Vitibhaya of the country of Sindhusauvīra. He, unstead of giving his kingdom to his son, gave it to his nephew named Keśi and took Dikśā from Mahāvīra Swāmī. १८, ४८; भग० १३, ६, (२) डेशिशी नगरीना राज्य शतानीक्रेना पुत्र, कौशांवा नगरी के राजा शतानीक का पत्र name of the son of Satānīka, king the city of Kośambī. " तस्सण शयाणीगस्स पुत्ते मियादेवीए श्रत्तप् उरायणे गाम कुमारे हेात्था " भग० १२, २, विवा० १, ४,

उदायि पुं॰ ( उदाविन् ) डेािश्विः महा-राजना हाथीनु नाम कोियाक महाराजा के हाथा का नाम Name of the elephant of king Konika भग॰ १७, १;

उदार, त्रि॰ (उदार) उदार, प्रधान, श्रेष्ठ, उदार, प्रधान; मुख्य, श्रेष्ठ Generous, high; excellent; prominent भग॰ २, १, ४, —मण त्रि॰ (-मनस्) उदार चित्त वाला magnanimous, generous भत्त॰ ३०,

उदारत न॰ ( उदारत ) अधारपणु, सत्य-वयनेने। २२ मे। अतिशय उदारता, सत्य-वयन का २२ वा अतिशय Generosity, nobility, the 22nd super natural manifestation of truth tulness of speech सम॰ दां० ३५, उदारय त्रि॰ ( उदारक ) अधारता पाक्ष (तपक्षमें ) उदारता पूर्ण ( तपकर्म ) High, noble (ascetic Karma) नाया॰ १;

उदासीण त्रि॰ ( उदासीन ) राग द्वेपरिहत; श्रान्त, भध्यस्थ. राग द्वेश रहित; शान्त; मध्यस्थ; तटस्थ Free from passion and hatred; dispassionate neutral. श्राया॰ १, ६, ३, १६१ स्य॰ १, ४, १, १४,

उदाहड त्रि॰ (उदाहत) ३६९, ६शिष कथित, कहा हुआ; दिखाया हुआ Sold; pointed out; explained. सूय॰ २, ६, ६१;

उदाहरण न॰ ( उदाहरण=उदाहियते गृह्यते दार्धन्तिकोऽथांऽनेनेति ) ઉदाहरण, दाभले। उदाहरण, दशन्त An illustration, an example पिं० नि॰ १९३, नाया० ३, पंचा० ७, १४,

उदाहरिय त्रि॰ (उदाहत) धाणसा साथे अदेश उदाहरण सहित कहा हुआ Explained, narrated with illustration नाया॰ ५,

उदाहिय त्रि॰ ( उदाहत ) ध्यन धरेस, व्याप्यान धरेस कथन किया हुआ, कथित, व्याख्यान किया हुआ. Told, narrated, illustrated "जामा तिरिण उदाहिया" आया॰ १, ७, १, २००;

उदाहु. श्र॰ ( उताहो ) वि५१५, २५४व। विकल्प, श्रथवा; या. Or, an alternative conjunction. भग॰ १, १; २, ५, ५, ७, ८, ८, १०, १५, १; १८, ८, नाया॰ ३. ७; १६, पन्न॰ १०; विवा॰ ३,

 जैसे कि भरत महाराज. Prosperous; rising both in this world and the next; e g. king Bharata. ठा॰ ४, ३, विवा॰ ३;

उदिराण त्रि॰ (उदीर्ण) ७६५ पामेस उदय पाया हुआ Come to rise; risen; matured, पत्र २०; २३; नाया० १: भग० १, २; ३, ४, ७, २, ४; ५, ४; १०, १. नदी० ८, —कम्म. त्रिन (-कर्मन् ) अध्यभा आवेल छे धंग केना ते जिसके कमें उदयमें भ्याये हुए हैं वह (one) whose Karma has matured ठा॰ ४, १; —कामजाश्र-त्रि॰ ( -कामजात ) केने अभने। अधिपश પ્રકાર-વિકાર ઉદયમાં આવ્યો છે તે जिसके उदय में काम का कोई भी प्रकार-विकार-उदय श्राया है वह (one) whose passion has दसा॰ १०, ३, - मोह नि॰ (-माह) ઉत्हट भेष्टना अन्यवादीः तांत्र मोष्ठ का उदय वाला. (one) whose infatuation or delusion has acutely risen. " अणुत्तरोचवाह्याण् भंते देवा किं उदिग्णमोहा " भग० ४, ४; उदित वि० (उदित ) उद्देश थ्येल; अद्वार

આવેલ उदित, उदय प्राप्त Rison; come to view नाया॰ १; उदिम्न न॰ त्रि॰ (उदीर्ग) প্রসী। "उदिग्ण"

अदिश्व निश्चिष (उदाया) ळाओ "डॉदग्या" राष्ट देसो " उदिग्या " शब्द. Vide " उदिग्या " क० प० १, ३२;

उदियः पु॰ (उदित) ઉદય पामेक्ष; उभेक्ष. ऊगा हुत्रा सूर्य. The sun in its rise, the sun risen above the horizon नाया॰ १,

उदीची बी॰ (उदीची) उत्तर हिशा उत्तर दिशा . The north भग॰ ४, १.

उदीरा. पुं॰ न॰ (उदीचीन) उत्तर हिशा;

उत्तर विभाग. उत्तर दिशा; उत्तर विभाग.

The north; the northern region. स॰ प॰ ५. जं॰ प॰ ४, ७२:

४, १४०: ७, १४०: गय॰ ३०२; नाया॰

१: —श्रिभिमुद्द त्रि॰ (-श्रिभिमुप)

उत्तर हिशाने सन्भुभ. उत्तर दिशाके गन्मुग.

किलंग्नु the north. यग॰ १, ३७;

—याश्र-य पुं॰ (-यात) उत्तर हिशाने।

वाश्र-य पुं॰ (-यात) उत्तर हिशाने।

वाश्र-थ पुं॰ (-रात) उत्तर हिशाने।

पायु. उत्तर दिशा का यायु. the north
wind. ठा॰ ४, ३; ७, ५; पश्र-१,

उदीगाः ग्री॰ ( उदीचीना ) उत्तर रिशाः उत्तर दिशाः The north ' दो दिसायो कष्पट पाइगं चेत्र उदीगं चेत्र " ठा० २: राग० श्रामा॰ १, ६, ४, १६४, जं० प०

उदीरमा त्रि॰ (उदारक) त्रिनिश् इन्तार.

उदारमा करनेवाला. (One ) who
forces up (Karma) into maturity भग० १, १; ३४, १; क० प०४, ६;

उदीरमा न० (उदीरमा ) उदीरशा इस्ती ते.

उदारमा करना; गत बात की प्रगट करना.

Telling or exposing the past.

थांव० १६; क० गं० २, १३;

उदीरण्या स्री० ( उदीरणा ) त्रुओ।
"उदीरण्" शल्द्र. देगी "उदीरण्"
शब्द Vide. "उदीरण्" क० गं० २, १;
उदीरणा. स्री० ( उदीरणा ) लुओ। 'उर्हरणा'
शल्द्र. देखी " उर्हरणा' शब्द Vide.
"उर्हरणा' ज० प० भग० ३, १; ७,६; क०
गं० २, २४, ४, ४; क० प० ४, १; ४,
४०; प्रव० ४६;

उदीरय. त्रि॰ ( उदीरक ) लुओ। " उदीरम " शण्ट. देखे। "उदीरम" शब्द Vide 'उदी-रग " भग॰ २४, ६;

उदीरिय. त्रि॰ ( उदीरित ) लुओ। "उईरिय" शफ्त देखों " उईरिय " शब्द. Vido

"उईरिय" श्राया० १, ६, ३, १६२; पन्न० २३; राय० १२८; सग० १, १; ३, ३; उत्त० २६, ७१;

उदीरि(रे)त्तार. त्रि॰ (उदीरियतृ) ६६२नार; प्रेरेश्वा क्ररनार. प्रेरेश्वा करनेवाला.

One who prompts or forces up (e.g. Karına) into maturity सम २०; दसा० १, १४;

उदु. पुं॰ ( ऋतु ) अतु; भे।सभ. ऋतु; मोसम.

उदुंचर. न॰ (उदुम्बर) એ नाभनुं विपाध स्त्रनुं आहेमु अध्ययन. इस नामका विपाक स्त्रका ब्राठवाँ ब्राध्ययन. Name of the 8th chapter of Vipāka Sūtra. ठा॰ १०, १;

उदुब्मेयः पुं॰ ( उदकोद्भेद ) गीरी-पर्वत तथ आिरमांथी पाणीतु निक्क्षत्र. पर्वत, तट श्रादिसे जलका निकलना. A spring of water from a mountain etc. भग॰ ३, ७;

उदुहल पुं॰ ( उद्घुखल ) ખાંડણી; ઉખલ श्रोखली. A mortar. श्राया॰ २, १, ७, ३७; विशे॰ १०३०;

√ उद्-श्रय मा॰ I (उत्+श्रय्) ઉદય थवे।; ७१९ं. उदय होना, ऊगना. To rise; to come to rise.

उदयति नाया० ४; उदयंत. व० क्व० भग० १, ४; ६;

√ उद्-म्रा-हर. धा॰ I (उत्+म्रा+ह) કહેવુ; प्रतिपादन करवुं; द्राभक्षा सिंदत वर्धन करवुं. कहना; प्रतिपादन करना; v. 11/29 उदाहरण सहित वर्णन करना To tell; to explain; to illustrate.

उयाहरे. वि॰ उत्त॰ ११, ४; उदाहरे. वि॰ उत्त॰ ४, १; स्य॰ १, २, २, १३;

उदाहरिस्सामि. भवि॰ उत्त॰ २, १; दस॰ =, १;

उदाहु. उत्त॰ ६, १८; नाया॰ ८;

√ उद्-इ. धा॰ II ( उत्+इ ) ઉદય થवे।; ઉગવું. उदय होना; ऊगना. To rise; to come to rise. उदेइ. जीवा॰ ३, २;

 $\sqrt{3 - \frac{1}{2}}$ ર્સ. ધા $\circ$  I, II. (  $3 - \frac{1}{2}$ ર્સ્ ) ઉદીરણા કરવી, પરિપાકના સમય પહેલાં કર્મને આકર્ષી ઉદયમાં લાવવાં તે. હવીરણા

करना, परिपाक के समय के पहिले कर्म को आकर्षित करके उदयम लाना. To cause to mature (e. g Karma) before the ripe time; to force up

उदीरह राय० २६७; भग० ३, ३; क० प० ४, ४४;

Karma into maturity.

उदीरेह उत्त॰ १७, १२; भग० ७, १; २४, १; ६; ७; ठा० २, ४, निसी० ४,

उदीरंति भग० ५, २, पञ्च० १४, गच्छा० ६८:

उदीरितः भग० १८, १०; नाया० ४; उदीरिस्सतिः पन्न० १४; उदीरिस्स भू० का० पन्न० १४; उदीरिज्ञाः वि० भत्त० १४६; उदीरिज्ञाः वि० भत्त० १४६; उदीरित्तप्. हे० कृ० वेय० ६, १; उदीरिज्ञास्यः भग० २४, ६; श्रंत० ३, ६; उदीरिज्ञमाणः क० वा० व० कृ० भग० १, १; ६, ३३,

 $\sqrt{$  उद्-कस. था॰ I. ( उन्+कृप् ) ७३ भेंथवुं. ऊंचा रेतचना. To draw up. (२) अत्रुपं अरवे।. उत्क्रपं करना. to flourish; to prosper. उद्गोमइ. मू० प० १; उक्तिस्पामि. श्राया॰ १, ६; ३, १८४; उक्तमावेड् प्रे॰ निर्मा० १८, ६; ७; =;  $\sqrt{$  उद्-कीर. घा॰ I. (उन+कॄ) है।तस्बुं; छ।अवुं. कुतरना. इंनिना. To carve; to scratch off. टद्यारह. क० प० २, ६२: उद्यीरासि, श्रमुजी० १८६; उकीरमास. ''तच केंद्र उद्धीरमासं पामित्ता'' श्रणुजो० १४८; टरीरिजमाण क० वा॰ व॰ कृ॰ जं॰ प॰ राय॰ ४६; जीवा॰ ३, ४;

√उद्-कुद् था॰ I (उन्+स्दं) कृदना. To leap; to jump. उक्कुद्द. उत्त॰ २७. ४:

√ उद्-खण. वा॰ I (.उत्+मन् ) भेहिनुं: ७ भेऽनुं. खोदना. उग्रादना. To dig; to dig out; to excavate. दनमण्ड. मु॰ च॰ १२, ४=;

√ उद्-िक्सब. या॰ I, II. (उत्+िष्) ७था १४१ं. ऊंचा फॅकना To throw high; to toss.

डिक्खिप. मं० कृ० श्राया० २, २, २; डिक्खिबित्तु सं० कृ० '' डिक्खिबित्तु न निक्खिबे '' दम० ४, १, ८४; डिक्खिबमाण. व० कृ० भग० १६, १,

उविखप्पमाग्ग्. क॰ वा॰ व॰ कृ॰ मग॰ द्र, ६;

√ उद्-गच्छु. धा॰ I. ( उद्+गम् ) ७६४

भाभवुं; ७भवुं जगना; उदय होना. To rise. उमारछींत. स्०प० =;

टमाच्छं, मं० फु० भग० ४, ३;

√ उद्•गम. धा॰ I॰ (टन +गम्) ७अवुं; श्रम् ने। ७१४ थवे। जगना, सूर्य का उदय होना, To rise. उमागैत, य॰ हु॰ मु॰ च॰ २, १०४।

्डमाममाग, य० फु० पस० १: √ डद्-गलच्छु, था० II.( 🤲 )क्ष§्

Gधायतुं दशन सानवानाः To get a lid or cover opened दगनच्छावेमिः प्रेन्सार २१४;

√ उद् गाह. था॰ I, II. ( श्वव+गाह् ) अवशादवं: अवेश क्ष्येश: अहर अवुं. श्ववगाहन करना; प्रवेश करना; भीतर जाना; श्वेदर जाना. To enter; to penetrate;

to pervade. उगाहेद्र. भग० २, ४; ११, १; १६, ६:

नाया॰ ६: विवा॰ ७; उग्गाहरू, म्॰ प॰ ३;

उम्माहिति नाया॰ २; उम्माहेउना. वि॰ भग॰ ३, ३; ४, ७; उम्माहेह. था॰ नाया॰ =; ६;

उमाहिता. सं० हा• भग० २, =; ४, ४;

ε, ν; ε, 3; 93, ν; 9**ξ**, ξ;

१८, ३; २०,२; उग्गाहेत्ता. यं० वृ० भग० ११, ६;

उग्गाहित्तणु. हे० कृ० नाया० ६: उग्गाहेमाख. व० कृ० भग० १६, ६;

√ उद् गिग्ह. धा॰ I,II. ( श्रव+प्रद् ) आजा क्षेत्री: २०० भागती. श्राज्ञा लेना; छुटी मांगना. To ask permission.

\* लुओ। पृष्ट नम्थर-१५ नी पुटने।ट ( + ). देखो पृष्ट नंबर १५ की फूटनोट ( + ). Vide toot-note ( \* ) p. 15th.

उग्गिगहर नाया० १; दसा० ४, ४१; उग्गिगहामि. भग० १४, १; उग्गिगिहत्ता नाया० १; २; ४; १३; १४; भग० २, ४; श्रोव० २७;

उगिगिरिहत्तए. दसा० ७, १; ६, वव० ६, १०; नाया० ध० दसा० ४, ६०; वेय० ३, ३१;

√ उद्-गीर. घा॰ I. ( उद्+मृ ) भागाक्ष वुं; पागाक्ष वुं. उमल जाना; जुंगाली करना. To chew and mix with saliva as cows etc. do उमीरासे मु॰ च॰ १४, ३६;

√ उद्-गोच. घा॰ I, II. (उद्+मूप्) ७४-લવું: શુંચ કહાડવી. सुलकाना; उकेलना. To decipher.

उग्गोवेई भग० १६, ६; उग्गोवेमास भग० १६; ६;

√ उद्घात. घा॰ I,II. (उत्+हन्+िण) ढण्वुः क्षय करवे।; नाश करवे।; भभाववुःं ढुंद्रं करवे. मारनाः हनन करनाः नाश करनाः चय करना. To kill; to destroy. उग्धाश्रह उत्त॰ २३, ६.

√ उद्-घोस- था॰ II. (उद्+घुष् ) छह्धे। पथा ४२पी. उद्घोषणा करना; प्रगट करना. To proclaim. (२) भांजपुः; साध् ४२पुः. मांजना; साफ करना. to rub; to cleanse.

to cleanse.

उम्बे सेह. नाया॰ १६;

उम्बोसेत्ता. विवा॰ १;

उम्बोसेमाण नायाः १; ४; १३; १४; १६;

१६; विवा॰ १; जं॰ पं॰ ४, १२३;

राय॰ ३७; भग॰ ३, १; १५, १;

उम्बोसमाण भग॰ ३, १; १४, १;

उग्घोसावेइ. प्रे॰ सु॰ च॰ २, ३०८; उग्घोसिज्जंत. क॰ वा॰ व॰ कृ॰ विवा॰ ८; उग्घोसिज्जमाण. विवा॰ २;

√ उद्-चर धा॰ I. ( उत्+चर् ) ઉ²था२ ६२वे।; भेाअवुं. उचारण करना; बोलना. To pronounce; to utter.

उद्यारेइ. प्रे॰ नाया॰ १;

उचारेमाण. नाया० १; भग० ११, ११:

√ उद्-चल. था॰ I, II. (उत्+चल्-णिच्) यासना ४२पी; पाणीने ७२७१सवुं. चालना करना; पानी को उद्घालना. To cause to move; to throw up water.

उच्चालेंतिः प्रे॰ नाया॰ ४; उद-चिरा. धा॰ I. (उत्+चि) विश्वु;

उद्-चिएा. घा॰ I. (उत्+िच ) विश्वु; भेगा ४२वुं चीनना; एकत्रित करना. To pick up; to collect.

उद्मिणहर श्रोघ० नि० भा० २६६. उद्मिणितं सं० कत्मत च० ७ १९

उच्चिणिउं. सं० कृ०सु० च० ७, ११; उच्चित्ता. वव० ६, ४४;

√ उद्-च्छ्रल. था॰ II (उत्+छ्रल्) ७२७-सवुं. उछ्रलना. To lenp; to jump. उच्छ्रकेति. जीवा॰ ३, ४;

उच्छतिउं. सं० कृ० सु० च० ६, २६; उच्छतंत व० कृ० श्रोव० २१; क० प०

३, ४३;

√ उद्-चिछुद्- धा॰ I, II. ( उत्+छिन्द् ) नाश ४२वे।. नाश करना To destroy. उच्छिदसु श्रा॰ सु॰ च॰ २, ६०७;

उच्छिंदिउं. पंना॰ १३, १२;

√ उद्-छुभ धा॰ I. (उत्+त्तुम्) क्षेाल पभाऽवाः चोभ पाना. To become distracted or agitated उच्छभइ. राय॰ २७६;

उच्छाभित्ता. नाया॰ १;

√ उद्-च्छील. धा॰ II. (उत्+चल्) पाणी-थी थे।वु: पाणी ७२७।४वुं पानी से घोना;

पाना च्छालना. To wash with water; to throw up water. टच्छोलंति. वि॰ राय॰ १८३, मग॰ ३, २; टच्छात्रेज्ज. श्राया॰ २, १, ६, ३३; निर्मा॰ 9, 5; 7, 79; टच्छोलिता. सं० कृ० श्र० श्राया० २, ४, १, १४६; भग० ३, २; रच्छोबित्तपु. हे० छू० दसा० ७, १: उच्छोलंन, य० कृ० निर्मा० १, ७; रच्छोतित. गच्छा० १२२; √ उद्-जम. था॰ I,II. ( टन्+यम् ) ७६म **३२वे।**; प्रयन्त **३२वे।**. उद्यम करना; प्रयत्न करना. To work: to be industrious; to make an effort. टज्जमंनि. नाया॰ ५; टज्जमेट. था० नृ० च० १, २८०; टज्जमंतु. मृ० च० १, हद: उज्जीमस्तं, प्रव० ७८६; टज्जमंत. व० कु० पगह० १, ३; उज्जममार्गा. व० कृ० स्य० नि० १, १३, १२६: √ डद्-जा. घा॰ I. (टन+या) ७५२ ०/वुं. छ्यर ज्ञाना. To go up; to mount टहाह. भग० ३, ३; टदाइंत. नाया० १;  $\sqrt{$  उद्-जोय. धा॰  $\mathrm{I,II.}$  ( टत्+चुत् ) अक्षा अस्वाः (Gair अस्वाः प्रकाश करनाः, ड्योत करना. To light up; to brighten. उजाएइ. प्रे॰ भग॰ १, ६; टजीबेह, ग्रे॰ राय॰ १२०; रखेंबिति. भग० ७, ९०; ६, ६; र्जं० प॰ ७, १४१; ७, १३७; टज्ञेबिमास्. भग० २, ४; ३, ९; २; श्रोव॰ २२; टवा॰ २, १५२; टजाएमास्। जावा॰ ३; ठा॰ ८; श्रोव॰

टजोयंन. मु० च० २, २; ३, ५=६; नाया० १:  $\sqrt{$ उद्-ञ्जल. वा॰ I. ( टत्+ञ्जल् )इस्र ह्युं; यस्राय इरवे। फलकना; वित-कता. To shine; to sparkle. टजलह. भग० १६, १; टउनलेत. राय० =०; टजालेह. प्रे॰ भग॰ ७, ३०: १५, ६; टबाबॅति. जं॰ प॰ २, ३३; दज्ञालेग्जा, दग० ४: टाजाबेह श्रा० जं॰ प॰ २, ३३; उज्ञालावेजा. शि॰ दस॰ ४; टजाबेत्ता. सं० कृ० भग० ११, ६; टजालिया. सं० कृ० दस० ४, १, ६३; दजावित्तपु, है॰ कृ॰ श्राया॰ १, ७, 3, २90; √ उडू-हा. था॰ I, II. ( डत्+ष्टा ) ७२। थवं, अःवं. सड़े होना; उठना. To get up; to stand. उद्वेद्दाति. नाया० १; ४; ६: १६; मग० १, १,३, १;१४;१; सय० ७५; रवा० ७, १६३; उट्टेनि. भग० =, १; उट्टेमी. स्य० २. ७, १६; टिट्टिहिति. भ॰ मृ॰ च॰ ६, ५५; टिट्टिसि. म० पि० नि० मा० ३६; टड़िचा. सं० कृ० उत्त० २, २१; सग० १, १; नाया० १; ठा० ३, ३; टहेत्ता. नाया० १; १६; भग॰ ३, १; ६, ३३; १०, ४; १४, १; र्राट्टेंडग. सं॰ कृ॰ सु॰ च॰ २, ४३; उट्टाण्, सं॰ कृ॰ वव॰ ३, २; नाया॰ १; ६; १६; १६; भग० १, 9; 3, 9; 3, 9; 8, 33; 9%, १; श्राया० १, ८, ६, २२५; म्य॰ १, १०, ७;

उद्गंत. व० कृ० पि० नि० ४५६; उद्दित. व० कु० प्रव० १५५; उद्वियमाण्. भत्त० ५५: उद्घावित्तए. प्रे॰ हे॰ कृ॰ वव॰ ७, ६; √ उद्-ट्ठुह. धा॰ I ( उत्+ष्टिव् ) शुं ध्वुं युंडेनी पिथडारी नाभवी थूकना; थूक की पिचकारी डालना. To spit; to eject saliva from the mouth. उट्टुहंति. भग० ३, १, उट्ठुहिता. भग० १४, १; √उद्-डा. घा॰ I. (उत्+द्रा) पाश २थवुं. पाप-जाल-रचना. To make a net or a snare; to prepare a snare. उड्डाह. १, ८; √ उद्-तर. था॰ I, II. · ( उत्+तृ ) भार ઉતરવું; પાર ઉતરીને સામે કાર્કે જવુ. पार उतरना; पार होकर पहली पार जाना. To cross, to go to the opposite shore उत्तरइ नाया॰ १३, उत्तरेइ. नाया० ६; उत्तरिति. नाया० ४, १६; १७; उत्तरेह. श्रा० नाया० १६: उत्तरह. श्रा० नाया० १६; उत्तरित्ता. उत्त० ३२, १८; नाया० १३; उत्तरित्तपु. हे॰ फ़ु॰ ठा० ४, २, ग्रोव॰ ४०; वेय० ४, २८, नाया० १६; उत्तरिउं-तु. सु० च० १, १७३; जं० प० नाया० १६: उत्तरंत्त. व० कृ० संत्था० ५६: उत्तारेत्ता. प्रे॰ नायाः १७; उत्तारेमार्या. प्रे॰ व॰ कृ॰ ठा॰ ५;

उत्तारेह. प्रे॰ नाया॰ २, १७;

√ उद्-दाल. धा॰ II. (उत्+दाल)

प्रकार भारता. प्रहार मारना. To strike

blows. (२) यामडी उतारवी. चमडी उता-रमा to flay. (३) नीचे पाउनु नीचे गिराना to throw down. उद्दालित्ता. सं० कृ०सूय० २, २, १८; दसा॰ ६, ४; उद्दाखेरं. सं० कृ० म० च० १४, ४५; √ उद्-दिसः धा॰ I. ( उत्+दिश् ) અમુક અધ્યયનનું પાઠ કર એવી રીતે શિષ્યતે ગુરૂતાે આદેશ થવાે. ' श्रमुक श्रध्ययन का पाठ कर ' इस प्रकार शिष्यको श्रादेश होना. To order a disciple to study a particular scriptural chapter. उद्दिसइ. निसी० ४, ६, उद्दिसामि विशे० ३४१२: उद्दिसित्तए वव॰ २, १४, ३, ३४, ७, ८: ठां० २, १; उद्दिस्स सं० कु० निसी० १४, ५; ५न० १६; श्राया० २, २, २, ="; उद्दिसिय स० कु० निसी० १४, ४; उदेहु सं० कृ० विशे० १४८६ उद्दिसिजांति क० वा० भग० ४२, १, श्रगुजी० २: उद्दिसावित्ता. प्रे० सं० कृ० वव० ३, १०; ११; वेय० ४. २१;  $\sqrt{$  उद्-द्द्य था॰  $\mathrm{I,II.}$  ( उत्+्र्द्रु ) ७५६व કरवे।; भारतु. उपद्रव करना; मारना. To attack; to beat; to trouble. उद्वए आया० १, १, २, १६; उद्दंति पन्न० ३५; उद्दवेह. १८, ८, उद्देशहित भग० १५, १; उद्ववेत्ता. सृय० २, २, ६; भग० ८, ४; उद्दवित्तपु, जं० प०

उद्वेमाणा भग० १८, ८,

उद्दविज्ञमाण्. क० वा० व० कृ० म्य० २, १, ४८; २, ४, ११; √ उद्-द्दा. धा॰ I. ( उत्+द्रा ) भरवुं. मरना. To die. उहाइ. भग० १, १; २, १, विवा० १; उद्यायित. श्राया० १, १,४, ३७; उद्दाइता. स॰ कृ॰ भग॰ २, १, १४, १; जं०प० ६, १२४; ठा० १०; उद्यय. यं॰ कृ॰ भग॰ ५, २; जीवा॰ ३; उद्दावेत्ता प्रे० सं० कृ० राय० २=२: √ उद्-द्वंस. था॰ II. ( उत्+ध्वंस् ) વખાડી વખાડી તિરસ્કાર કરવા किमाकी तुच्छता वतला बतला कर् करना. To displaise a person and show contempt towards him. उदंसेह भग० १४, १; नाया० १८; उद्देमेति. नाया० १६: उद्दंसेत्ता. भग० १५, १; उद्दंसित्तए हे॰ कृ॰ राय॰ २६६.

√ उद्-तम. धा॰ I. (उत्+नम्) ઉભा थत्रः भरतः अंतुं धरवुं. खंडे होनाः मस्तक ऊंचा करना. To stand up; to raise the head. उपण्मति. राय॰ =६;

उग्णिमय. सं० कृ० श्राया० २, १, ४, ३२;

√ उद्-नि-क्सिब. भा॰ I, II. (उत्+नि+ चिष्) अंथे भेंथी क्षेतुं; अभेंधतुं. उखाडना; ऊपर खेच तेना. To root out; to draw up; to pull out.

उन्निक्तिस्सामि. स्य० २, १, ६;

√ उद्-पद्धा. था॰ I. (उत्+पद्) ७१५९ थतुं; पेहा थतुं. उप्तत्र होना; पेदा होना. To be born; to be produced. उप्पद्धह उत्त० १७, २; विशे० ७०; ४१४; प्रव० १११४; उप्पज्तप्. मूय०१,१,१,१६; उवजन्ति. सूय०१,१,३,१६; उप्पज्तित नाया०१६, भग०४,६; उप्पज्जन्तु. पगह०१,२; उप्पज्जिस्संति. भ०भग०४,६; नाया०१६; उप्पज्जिस्सं. भ०म०च०१,२३०; उप्पज्जिसा. सं० कृ०भग०४,६; उप्पज्जिता. सं० कृ०भग०४,६;

√ उद्–द्धः. घा॰ I. (उत्+पद्+िणम् ) ઉत्पन्न धरतुं; पेटा धरतुं. उत्पन्न करना; पेदा करना. To create; to produce.

उप्पायइ. भग॰ =, ३; उप्पाए-इ-ति. प्रे॰ नाया॰ ५; भग॰ १४,

दः, निसी० ४, २२; ६, १०;
उप्पायति, जं० प० २, २४; भग० ११, १०;
उप्पाएला. निधि० भग० ५, ४;
उप्पाएला. जीवा० १;
उप्पाएलए. नाया० ४; भग० १६, १;
उप्पाइला. ठा० ४, ७;
उप्पाइला. ठ० ४, ०;

√ उद्–पद्ध. घा॰ I. ( उत्+पत् ) ઊંચે કુદ્રવું. ऊंचा कृदना. To jump. (२ ) ઉચે ઉડવું. ऊचा उडना. to jump high.

उप्तम्रह. भग० २, २; १४, १; नाया० ६; उप्पयह. भग० २, २; १४, १; नाया० ६; उप्पयन्ति. जीवा० ३; भग० ३, १; राय० १८३, जं० प० ४, १२१;

उप्पण्जा. वि॰ सग॰ ३, ४; १३, ६; उप्पयाहि. ग्रा॰ म्य॰ २, १, १०; उप्पह्ता. सं॰ कृ॰ पत्र॰ २; नाया॰ १;६; ६; भग॰ ३,२; ६, ४; जं॰ प॰

१, १२; उप्पद्दुर्ज सं० कृ० सु० च० २, ३११; उप्पयन्त. व० कृ० आया० २, १४. १७६; कृष्ण ४. ६६;

उप्पयमाण्. व० कृ० नाया० १, ६; क<sup>ष्प</sup>० २, २६,

उप्पाडिन्त. प्रे॰ श्रोव॰ ४१; सु॰ च॰ २, ४६६:

उप्पार्डे (डिं) ति. प्रे॰ कप्प॰ ४, ११४; उप्पार्डेजा वि॰ ठा॰ २, १; भग॰ ६, ३१; पन्न॰ २०;

उप्पाडेसा सं० कु० पन्न० २८;

√ उद्-िपत्त. था॰ I. ( उत्+ण्तु+िष् ) ७५ अववुं. उठवाना. To cause to lift up उप्पितावेइ. प्रे॰ निसी॰ १८, ६; उप्पितावए " वियडेणुप्पितावए" दस॰ ६, ६२;

√ उद्-पाड. धा॰ II. ( उत्+पर्+िण ) ७ थाऽवुं. उठाना. उठालेना To take up; to lift up.

उप्पाढेइ. नाया॰ ५. भग० १४, १: १६, ३; उप्पाडे श्रा॰ पगह० १, १; उप्पाडेत्ता.सं॰ हः॰ नाया॰ ४; भग० १४, १; उप्पाडिउं. हे॰ कृ॰ सु॰ च०२, ६६४; उप्पाडेमाण भग० १६, ६,

√ उद्-फर्स. धा॰ I. ( उत्+फर्स् ) ઉ६-७्वु. उफनना To whisk. उफ्फींससु आया॰ २, १, ६, ३४.

√ उद्-िफिड धा॰ I (उत्+स्फुट्) हैऽ-धानी थाले थालवु, धृष्टध भारवा मेंडक की चालसे चलना, उछल कर चलना. To bound or leap; to move bounding like a frog. उप्फिडइ. उत्त० २७, ५; उप्फिडिसा. नाया० =; पन्न० १६; उष्फिडिस सं० कृ० सु० च० ५, १०६; उद्-वाह था॰ I. (उत्+बाध्) अन्यस् पीडा ४२वी. प्रवत्त पीड़ा करना. To give great trouble; to cause intense affliction.

उन्बाहित. श्राया० १, ७, ३, २१०; उन्बाहिजा. विधि० दसा० ७, १; उन्बोहे. वि० दस ० ७, १: उन्बोहित्था. भू० नाया० २;

उड्डबाहिज्जमाणः क० वा० व० कृ० नाया० २: श्राया० १, ६, ४, १५६;

√उद्-भम. धा॰ II. (उत्+श्रम्) ल८६पुः; लभवुः. भटकना To wander; to roam.

उन्भमंति नाया० १७; उन्भमे. विधि० श्राया० १; ८, ७, १०:

उिंभदित्ता. सं० कृ० नाया० ७; उिंभदिय सं० कृ० निसी० १७, २३, दस० ५, १, ४६;

उद्गिदमार्गा. श्राया० २, १, ७, ३८;

√ उद्-मा धा॰ I. ( उत्+मा ) ઉન્भान કरवु, तील्वं तीलना; मापना. To weigh; to measure.

उम्मिणिजइ क० वा॰ श्रगुजो॰ १३३;

√ उद्-मिसं धा॰ I (उत्+भिष्) आंभ ઉधाऽपी श्रास खोलना To open the eyes

उम्मिसज्जा वि० भग० १४, १; १०,

√ उद्-मुंच. धा॰ I, II. ( उत्+मुच् ) छोऽदुं; तल्दुं: भुःधु. छोडना, त्यागना. To abandon, to release; to give up.

उम्मुयह भग० ६, ३३: १४, १; १६, ४:

उम्मुंच. श्रा० श्राया० १, ३, २, १९१; • उम्मुइत्ता. नाया० ४० क० भग० ६, ३३; १४, १; १६, ५;

√ उद्-मूल. धा॰ II. ( उत्+मूल् ) જડ-મૂલમાંથી ઉખડેવું. जड मूल से उखाइना. To root out; to eradicate. उम्मूलेइ. भग० १६, ६; उम्मूलेमाण. भग० १६, ६;

√ उद्-लंघ. घा॰ I. ( उत्+लंघ् ) ओ। संध्युं; ६ूद्युं. उलॉघना; कूदना. To cross; to leap across.

उन्नंघिजा. वि॰ पन्न॰ ३६; उन्नंघिम्रा सं॰ कु॰ इस॰ ४, १, २२; उन्नंघित्तए. हे॰ कु॰ भग॰ ३, ४; १४, ५;

√ उद्-लंच्छ. घा॰ I. (उत्+लञ्छ्)
भेशित्वं; हिधाऽवं; शीत ते।ऽवं. खोलना;
उघाइना; मोहर तोडना. To open; to
uncover; to break the seal.
उल्लंच्छ्इ. नाया॰ २;
उल्लंच्छ्या. नाया॰ २;

√ उद्-ललः धा॰ I. (उत्+लल् ) ७७-क्षतुं; उछलना. To toss; to throw up. उज्ञानेह. प्रे॰ जं॰ प॰ ४, ११४;

उल्लालेमास प्रे॰ जं॰ प॰ ५, ११

श्रंत० ६, ३; राय० ३७;

√ उद्-लव. धा॰ I, II. (उत्+लव् ) अक्षाप करवाः; गमेतेम भाेेें भांें कुं; असंभिष्ध भाेें बुं; प्रलाप करनाः; असंबद्ध बाेलनाः; मर्यादा रहित बाेलना. To prattle; to speak irrelevantly. उल्लवहः उत्त॰ ११, २; उन्नवंति. गच्छा॰ ६२; उन्जवह. श्रा॰ सु॰ च॰ २,४४४;

√ उद्-लिंच. धा॰ I ( \* ) ६ सेथवुं. उत्तीचना. To empty a vessel etc. of the water contained in it; to take out water in small quantities until a vessel is empty. उश्लिचह. वि॰ नि॰ ३६६;

√ उद्-लोल. धा॰ II. ( उत्+लोल् ) लुं²७वुं; ઉ-भर्दन ४२वुं पोंछना; मलना. To wipe; to rub; to knead. उद्घोतेह. श्राया॰ २, १४, १७६; उद्घोतेषज. वि॰ निसी॰ ३, १६; उद्घोतेषजं. श्राया॰ २, १, ३, १७२;

रिव्यन्तः घा॰ I, II. (उत्+चृत्) उद्विश्वातः वित्रं अवसी क्यारीओ भइंन अवसी क्यारीओ भइंन अवसे उत्वं उत्वे रुप् की खोरसे मर्दन करना. To rub the body against the grain. (२) अध्यवसाय विशेषथी अभंनी टुंडी स्थितीने सांणी अरपी. खध्यवसाय विशेषसे कर्मकी खल्प स्थिति को लंबी करना. to lengthen the duration of Karma by means of sinful meditation. (३) नरआहि अतिभांथी निअसी भीळ अतिभां अवुं नरकादि गति से निकलकर खन्य गति में जाना. to take birth in another life after finishing the life-period in hell.

उन्वतेइ. नाया॰ २; प्रव॰ १५६; उन्वदेह. निसी॰ १,६; नाया॰ ४; उन्वदेति.

उन्बहंति भग० १, १; १३, १; २०, १०; ३२, १;

<sup>\*</sup> लुओ पृष्ठ नभ्भर १४ नी प्रुरनीट (\*). देखी पृष्ठ नंबर १४ की फूटनीट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th.

उद्यत्तन्ति, प्रव० ६३८; उच्चट्टेज. निसी० ३, १६; उच्चहिस्संति. भग० १; १; उन्तद्दिसु. भू॰ भग॰ १, १; उन्बद्दिता, सं० कृ० ठा० ३, १; नाया० २; १६; १६; उत्त० म, १४; भग० ७, ९; ११, १; १२, ६; १४, १; १६, ३; ३२, १; ध० विवा० १; ७; उब्बद्देत्ता. सं० कृ० जीवा० १; उच्वत्तंत्तं. व० कृ० पि० नि० ५७६; उष्वद्दन्तः व॰ कृ॰ निसी॰ १, १६, प्रव॰ 9956; उम्बद्धमाण. व० कृ० भग० १,७; उब्बत्तमाण. व॰ कृ॰ श्राया॰ २, १; ६, ३५; उब्बद्दावेडू. प्रे॰ विवा॰ ६; उन्त्रत्तिज्ञमार्गः. कः वा व व व कृ वाया १ ३; √उद-वम. धा॰ I. (उत्+वम्) ७अ८ी કરવી. उलटो करना, के करना. To vomit. उब्बमइ. सु० च० २, ५३६;  $\sqrt{$  उद्-चल. था॰  $m I_{\star}$  ( उत्+वल् ) ७४ $m I_{\star}$ रूंवाडीओ पीडी येाणवी ते. उत्तरे हँकी श्रोरस पीठा मसलना To rub a perfumed ointment on the body against the grain. उव्वतिजा. विधि॰ श्राया० २, ११३, १७२; उन्वलमाण. क० प० ७, ४०;  $\sqrt{$  उद्-बह्धाः  $I,\ II.\ ($  उत्+बह् )निर्वाह करवा, आणाह थवुं निर्वाह करना; खुश हाल होना; श्रावाद हे ना. To sustain, to support; to prosper उच्वहइ. सम० ३०; दुसा० ६, १३, सु० च॰ १, ३०; उन्बहेंति. जं० प० ५, ११४; उन्वहंत. सु० चं० १, १६३; √ उद्-वेढ. था॰ II. ( उत्+वेप्ट् ) वींटा-

v. 11/30

णवं. लपेटना. The act of enclosing or enwrapping. उन्वेढिज. श्राया० २, २, २, १२१;  $\sqrt{$  उद्-िट्यह. धा॰ I. ( उत्+िवध् ) क्ष-६५ अंथे ६ं४वुं. ध्यान पूर्वक ऊंचा फॅकना. To throw up or toss up carefully. उव्विहरू-ति. नाया० ६, भग० ५, ६; १८, ३; उवा० २, १०५; उब्विहंति भग० १६, १; उव्विहासि नाया॰ मः उवा॰ २, १०१; उद्यिहिता. सं० कृ० भग० १८, ३; उविवहिय स॰ कु॰ पत्र० १६; भग॰ 93, &; उब्विहसाण. भग० १४, १;  $\sqrt{\,}$ उद्-सक्क. था॰  $m\,I,II.$  ( उत्+ध्वष्क्  $m\,)$ आगस वधवुं. श्रागे वढना. To proceed; (२) ઉंधुं ४२९ं. ऊंचा करना to elevate. उस्सक्दइ. पन्न० १७; उस्सिक्तिता सं० कृ० ठा० ६, १; उस्सिकिया स० कृ० दस० ५, १, ६३;  $\sqrt{\,$ उद्-सप्प. था॰  $\, {
m I.} \,$  ( उत्+सृप् ) वृध्धि પામવી गृद्धि पाना; वढना. To grow; to prosper. उस्सप्पंति. वेय० १, ४६;  $\sqrt{$  उद्-सव $\cdot$  धा॰  $I,\,II.\,($  उत्+स्नु $\,)\,$  ઊં $\cdot યું$ हे क्षुं; ७ यक्षुं; ७ ये कर्षु; ऊचा फॅकना; उचकना; ऊंचा करना. To lift up; to toss up. **ऊसवेइ. भग०** ३, २; **ऊस्सवेह. कप्प॰ ६**; ऊसवेह. भग० ११, ११; **ऊसवेत्ता. सं० कृ० भग० ३, २; ११, ११; ऊसविय सं० कृ० सूय० २, २, ८**;

उस्सवित्ता. दस० ४, १, ६७,

√ उद्-सिंच. धा॰ II ( उत्+सिंच् ) ७ अथेथुं; पाणी अक्षार ४क्षाऽपुं. उत्तेचना; पानी वाहर निकालना. To draw out water; to take out water.

उस्सिचइ. निसी० १८, ८; उस्सिचेजा. भग० ३, ३; उस्सिचिया. दस० ४, १, ६७, उस्सिचमार्ग. श्राया० २, १, ६, ३६;

√ उद्-स्सस. धा॰ I. ( उत्+श्रस् ) श्वास देवेा. श्वास लेना. To breathe; to take breath.

ऊससित. पन्न० ७; भग० ६, ३४; ऊससमाण भग० ६, ३४;

√ उद्-हर. धा॰ I,II. ( उत्+ह ) श्रद्धं; ७ भेऽवुं. निकालना, उखाडना. To abandon; to take out, to uproot. उद्धरेसि. नाया॰ १; उद्धरिमो. गच्छा॰ १; उद्धरे विधि॰ सूय॰ १, ८, १३; उद्धरिसं गचा॰ १६; उद्धरिता उत्त० २३, ४६; उद्धरंत. चउ॰ १६;

उद्द. पुं॰ ( उद्द ) सिंध देशमां थती उद्दा जातनी भाष्रितीना यामडीनी जनावटनुं वस्त्र. सिंध देश में होने वाली उद्दा जाति की मछली के चमड़े की बनावट का क्ल. A cloth made of the skin of a kind of fish produced in Sindh आया॰ २, ४, १, १४४;

उद्दंडक पुं॰ (उद्दर्डक) शिंथे। ६९३ ५री याक्षे ते; तापसनी ओड लात. दंड को जचा करके चलने वाला; तापसियों की एक जाति.
One of a class of ascetics walking with a stick raised up.
श्रोव॰ ३८;

उद्दंडग. पुं॰ (उद्दरक ) लुओ। " उद्दरक " शण्डः देखो " उद्दंडक " शब्द. Vide " उद्दंडक " निर॰ ३, ३; भग॰ ११, ६;

उद्देडपुर. पुं॰ (उद्दराडपुर) उद्दंडपुर नामक एक नगर. Name of a city. भग॰ १४, १;

उद्दंस. पु॰ (उदंश) ઉद्धाध; એક જાતના तिधिदिय छव. दीमक; एक प्रकार का तेइन्द्रिय जीव. A kind of three-sensed living being; a moth. (२) भाडड. खटमल. a bug. "कंश्विपिति उदंसा" उत्त॰ ३६, १३६; कप्प॰ ६, ४६; —श्रंड. पुं॰ (-श्रग्ड) भधभाभ अथवा भाडडनुं धिडालुं. मधुमक्खी या खटमल का श्रंडा. an egg of a bee or a bug. कप्प॰ ६, ४४;

उद्दंसगा. स्री० (उद्दंशका) लुओ। "उद्दंस" शण्ट. देखो "उद्दंस" शब्द. Vide "उद्दंस" पत्र १;

उद्दुः पुः (उद्दश्ध) रत्तभ्रक्षा पृथ्वीता सीमन्तभ्रक्ष नामे पूर्व तरक्ष्ता व्यावलीक्षाणंध नरक्षावासाथी २० मा नरक्षावासानुं नामः रत्नप्रमा पृथ्वी के सीमन्तकप्रम नामक पूर्व की क्षोर के ब्रावलिकावन्य नरकावास से २० वें नरकावास का नानः Name of the 20th hell-abode in a series of such in the east (styled Simantaka Prabha) belonging to the Ratna-Prabhā earth ठा० ५; ६, १;

उद्देशमाजिसमा पुं॰ (उद्देग्धमध्यम) २८०-अक्षा पृथ्नीता सीभन्तक्ष्रेक्ष नाभे उत्तर आविविक्षांभंध नरकावासाथी २० मा नरका-वासानुं नाभ रत्नप्रभा पृथ्वी के सीमन्तकप्रभ नामक श्रावालिकावन्य नरकावास से २० वें नरकावास का नाम. Name of the 20th hell-abode in the northern series of such (styled Sīmantaka Prabha) belonging to the Ratna-Prabhā earth.

उद्दुवत्त. पु॰ ( उद्दुग्धावर्त्त ) रत्ने असा १थ्वीना सीभन्तक आवर्त्त नाभे पश्चिम आविक्षित्राणंध नरक्षावासाथी २० भे। नरक्षावासा रत्नप्रभा पृथ्वाके सीमन्तक आवर्त्त नामक पश्चिम की श्रोर के श्राविक्षित्रवन्ध नरका वास से २० वें नरकावास का नाम. The 20th hell-abode in a series of such ( styled Simantaka Avarta) in the west belonging to Ratna-Prabhā earth. ठा॰ ६, १;

उद्दुश्वासट्ट. पुं॰ ( उद्दुग्धावशिष्ट ) रत्नप्रभा
पृथ्वीना सीमन्तडावर्त नामे पश्चिम व्यावसिंडाणंध नर्द्धावासाथी २० मे। नर्द्धावासो।
रत्नप्रभा पृथ्वी के सीमन्तकावर्त नामक पश्चिम
की खोर के खावलिकावन्ध नरकावास में २०
व नरकावास का नाम. The 20th hellabode in a series of such in
the west ( styled Simantaka
Avarta ) belonging to RatnaPrabhā eaith. ठा॰ ६, १,

उद्दोरयः ति॰ ( उदस ) धर्मेक्ष्पी शत्रुने छत्याने भगकर थ्येथ कर्मेक्ष्णे शत्रु को जातने के ांलये श्रिममान करने वाला ( One ) proud to conquer the enemy in the form of Karma. नदी॰ १४;

उद्दवण न॰ ( उपद्रवण ) भारतुं, धात ४२९ी, ઉपद्रव; भरणांत ४४ मारना; घात करना, उपद्रव; मरणात - कष्ट. Beating; killing, trouble; life-long misery. " उद्दवर्ण पुरा जासासु श्रद्दवाय विविज्ञियं पीडं " पि॰ नि॰ ६७; त्रोव॰ २०; जं॰ प॰ परह॰ १, १;

उद्देवणाः स्त्री॰ ( ःउपद्रवणा=उपद्रवण ) अप्रेव ४२वे। ते. उपद्रव करनाः Giving trouble or annoyance to. पग्ह॰ १, १;

उद्दिशा नि॰ ( उपदावित ) ७५४व धरनार; हु भ आभनार उपद्रव करने वाला, हु ख देने वाला. ( One ) who troubles or annoys, ( one ) who beats or kills. श्राया॰ १, २, १, ६६;

उद्दिवयः त्रि॰ (उपदुतः) उरावेस, उद्वेश पामेस. उद्देग पाया हुआ; डराया हुआ। Frightened, troubled; distracted आव॰ ४, ३;

उद्दिया स्त्री॰ (उपद्रविका) भरडी रोग; वीमारी: Plague. भग॰ १६, ३,

उद्वेयव्वः त्रि॰ (उपद्राविषतव्य) ७५६५ १६वा थे।२४, धात १६वा थे।२५ उपद्रव करने योग्य, घात करने योग्य (One) deserving to be troubled, beaten or destroyed. "श्रहणां उद्देयव्वा श्रणे उद्देयव्वा" सूय॰ २, १, ४८, श्राया॰ १, ४, १, १२६;

उद्दहकः पुं॰ (उद्दाहक) અઠવी वगेरेने। ६१६ ६२नार. बन वगरह को जलाने वाला One setting fire to, one causing forest conflagration etc. परह॰ १, ३;

उद्दाइ. य्र॰ ( उताहो ) અथवा श्रथना, या. Or; an alternative conjunction.

उद्दाम त्रि॰ (उहाम) ઉद्धत, स्वन्छन्दी, उद्धत, स्वच्छद. Insolent; selfwilled. परह॰ १, ३; श्रागुओ॰ २१; उद्दामियघंट. वि॰ ( उद्दामितघंट ) पंटाधी युक्त घटाने युक्त. Furnished with, united with a bell. निग॰ ३: उद्दात्त. पुं॰ ( घवदात ) એ नामनं એક व्यतनं आध. इस नाम का एक वालि का THE Name of a kind of tree. जं॰ प॰ भग॰ ६, ७; (२) रैनी पंगेरेने। પાૈચા-હિલા થર કે જેના ઉપર પગ મુક્તાં भग नीये अब ते. रंता गर्गरह का दाना थर जिसार कि पैर रखने से पैर प्रस जाय. a soft heap or layer of sand etc. which gives way as soon as it is trodden by foot गत्र॰ 33, 31, १६२; नाया॰ १; भग॰ जीवा० ३, ४; पप्प० ३, ३२;

उद्दालक. पुं• (उद्दालक) એક द्यातनुं ग्रह्म. एक जाति का प्रज्ञ. A kind of tree जीवा॰ ३, ३;

उद्दावण्या. मी॰ ( उद्रावण्ता) ९५६० ६२वे।: श्रास आपवे। उत्तद्व परना; न्नाम देना. Harassing; troubling; terrifying. भग॰ ३, ३; ६;

उद्दाह. पुं॰ (उद्दाह) भाटा हाद. यहा भारी दाह. Great conflagration ठा॰ १०; उद्दिष्ठ नि॰ (उद्दिष्ट) साभान्य भाष्ट्रेश हरेश-इरेश प्रिक्षित हेरेश सामान्य रीति से कहा हुआ प्रतिपादन किया हुआ. Generally pointed out; explained. वेय॰ ४, २८; विशे॰ १७६; निसा॰ ६. २०; पंचा॰ १०, ३: प्रव॰ १४६६; (२) साधुने उद्देशी जनावेश आहार वंगरह (food etc.) specially prepared for an ascetic पराह॰ २, ५; पि॰ नि॰ २०८, (३) अभाषारथा. अमावन, अमावस्या. the

15th day of the dark-half of a month, दमा॰ ६, २; भग॰ २, ४; ३, ३; नाया० २; —शह. शि॰ न० (-इन) सापु व्यक्ति उद्धानि होत. मापु चार्य के उदेश में किया हुआ. (food etc.) specially prepared for a mont:. " टिट्टिकडभणे पिषञ्चीत विश्वाम समारंभे " पंतान १०, — रायः वि॰ ( - एन ) उद्देशीने हरेन उदेशहर हिया हुआ, propared apacially for. An- 1 - at. - un. g. (-मक्र) अधूने ઉद्देशीने लनावेद शेल्प्त. मापु के उदेग में बनाया हमा मीजन. food prepared specially for an ascotic, मून• २, ६, ३३; इमा० ६. २: --भत्तपरिष्णात्र-यः प्रि॰ (-महारिक्तात ) हराभी परिभा व्याहरू નાર વ્યાવક કે જે દસ માસ સુધી ઉદ્દિષ્ટ ભાગ પાન ગેટલે પાતાને ઉદરેશી કરેલ ભાત પાણીના ત્યાંગ કરે. प्रतिमा प्रहरा फरनेवाना थावक जो कि दम भाग तक धर्म शिय बनाये हुए भीजन वर्गरह प्रहण न करने की प्रतिका करता r (a Jaina layman) practising the 10th vow of a Śrāvaka i. e. not taking food and water specially meant for him सन॰ ११; उद्दिष्टा, मी॰ ( उद्दिण ) अभावास्य; अभास. ध्वमावमः भामावस्या The 15th day of the dark-half of a month. राय० २१४; जीवा० ३, ४; नाया० ६;

उद्देस पुं॰ (उद्देश) सामान्य आहेरा; सामान्य अथन सामान्य आहेरा, सामान्य कथन General mention; (२) श्रीध; शिभामशु शिज्ञा, उपदेश, advice; expostulation, असुजो॰ २; आया॰ १, २, ३, ६१; भग० २, २; ५; पंचा० ४, ३१; (३) क्षेत्र अस विकाग. चेत्र काल का एक विभाग. a division of space or time. वेय० ३, १५; (४) अभ्ययन के शतकती अके पेटा विकाग. अध्याय अथवा शतक का एक उप विभाग. a sub-division of a chapter or of a Sataka. उत्त० ३१, १७, विशे० ६७५;

उद्देसम्र-य. पुं॰ (उद्देशक) अध्यय श्रेयन हे शतको। ओक्ष विभाग. श्रध्याय श्रयवा शतक का एक विभाग A sub-division of or a portion of a chapter or of a Sataka. भग॰ ३, =; ७, =; ६, ३; निसी॰ ६, १२;

उद्देसग पुं॰ (उद्देशक) लुओ। ઉपसे। शण्ट देखो ऊपर का शब्द. Vide above. श्रयाजो॰ १४६; भग० २१, ४; २३, ५; ३१, ६;

उद्देसरा. न० (उद्देसन) अंगसूत्र आहिनुं पर्दन करने ते. श्रंगसूत्र श्रादिका पठन करना. The study of Anga Sūtra, etc. ठा० ३; श्राव॰ ४, ७; —श्रंतेवासिः त्रि॰ ( -श्रन्तेवासिन् ) केने सूत्र भूत्रपारे ल्ा-ववाभां आज्या होय ते शिष्य. जिसे मूल सूत्र पढाये गये हों वह शिष्य. a disciple who is instructed in the original texts of the Sūtras ठा०४, ३; वव०१०, १४;—श्रायरिय. वं० ( -श्राचार्य ) આચારંગાદિ સત્ર, મુલ પાડે **अ**थायनार, श्राचारांग श्रादि सूत्रो का मूल पाठ पढाने वाला one who teaches Anga and other Sutras in the original. वन॰ १०, १३; १४; ठा॰ ४, ३; —काल. पुं॰ ( -काल ) वर्ग અध्ययन हे शतहती ओह विभाग; उद्देशा. वर्ग, श्रध्याय श्रथदा शतक का एक विभाग; उद्देशा a sub-division or a portion of a section, a chapter or a Sataka. नंदी॰ ४५; सम॰ ३७; पएइ॰ २, ५; सम॰ प॰ १६६;

उद्देखिय. न॰ ( उद्देशिक ) स्रेक्ष साधुने ઉદ્દદેશી ખનાવેલ આહારાદિ ખીજાઓને પણ ન ખપે એવા પહેલા અને છેલ્લા તીર્ઘકરના साधुओती ४६५. एक साधु को उद्देश कर वनाया हुआ आहारादि दूसरे साधु को नहीं खपता-चलता ऐसा प्रथम श्रौर श्रन्तिम तीर्थंकर के साधुश्रों का व्यवहार-श्राचार. The tenet of the Sadhus of the first and the Tirthankarus that the food specially prepared for one Sādhu is not acceptable even to other Sadhus. प्रव० ६५६; (२) અમુક સાધુને ઉદ્દદેશીને નિપજાવેલું આહાર પાણી; ઉદ્દદેશ દાેધ વાલું. व्यक्तिगत साधू के लिये किया हुआ अन जल, उद्देश दोप युक्त. (food, water etc.) specally prepared for a particular Sādhu. सम॰ २१; वेय॰ २. १९; दस॰ ३, २; ६, ४१; पिं॰ नि॰ ६२; २२६; भग० ६, २३; निसी॰ ४, ६३; श्रोव॰ ४०, प्रव॰ ५७१; नाया० १; उत्त॰ २०, ४७;

उद्देहगण. पुं० (उद्देहगण ) स्ने नाभने।
भद्रावीर स्वाभीने। स्मेह गण्ड; नव गण्डमांने।
स्मेह महावीर स्वामी के एक गण का नाम;
नी गणों में का एक गण. Name of an order of saints instituted by Mahāvīra Swāmī; one of the nine such orders "उद्देहगण चारण गणे" ठा० ६, १; कप० =;

उद्देहिआ-या. स्नी॰ ( उद्देहिका) ઉधार्धः त्रश् धिद्रियवाक्षे। अव विशेषः दीमकः तीन इन्द्रियो वाला एक जीव विशेषः A moth; a kind of threo-sensed living being पत्र॰ १ः उत्त॰ ३६, १३६ः श्रोष॰ नि॰ ३२६,

उद्देहिगा स्त्री॰ (उद्देहिका ) ઉधार्टः दीमक.
A. moth पि॰ नि॰ भा॰ ४=;

उद्ध त्रि॰ ( ऊर्ध्व ) अनुं. ऊंचा. High; lofty; tall. 3100 9, 9; 4; 4, 8; 0, 9; स्० प० ४; जं०प० ४, ११३; २, ३६; ७, १३६; — घणभचण. न० (--घनभवन ) शिथा अने आंतरा वगरना जो अन्ते अधे अं चरे. श्रंतर राहित-परस्पर में मिले हुए ऊंचे घर lofty houses each other withclose to out any interval of space. भग॰ ६, ३३; —चलण्यंत्र. पु॰ (-चरण बन्ध ) अञे पग णांधवा रूप शरीर ६९६. पैरो को ऊपर करके बांध देने रूप शरीर दगड a bodily austerity consisting in remaining with the head downwards and with the feet tied to something above पगह० १. ३; —हिश्च. त्रि० ( -स्थित ) ઉपर भेरेस. ऊपर बैठा हुआ. remain ing, sitting above स॰ च॰ ३, ३०; -पूरित-यः त्रि॰ (-पूरित) ७ ५र् लागः નાલિની ઊપરના ધાસથી ભરેલા ભાગ कर्म भाग, नाभि से कपर का श्वास से भरा हुआ भाग. the part above the navel which is filled with air in respiration पराह॰ १, ३: —मुह न॰ (-मुख) अथुं भे। हुं. ऊंचा मुह face turned upwards- नाया = =; जं प ७, १६२; --रेगु, ह्यो ( -रेगु)

लुओ। "उद्घ-रेणु" शण्ह. देको "उद्द-रेणु" शब्द. vido "उद्घ-रेणु" जं॰ प॰ २, १६; उद्धंसणा. स्रा॰ ( +उप्प्यंसना ) तिरस्धरी पथत. तिरस्कार युक्त वचन. Contemptuous words. "उचावयाहि उद्धंसणाहिं उद्धंसद्" नाया॰ १६; भग॰ १४, १; राय॰ २६६; (२) निन्हा. निन्दा; युराई. blame; consure. श्रोघ॰ नि॰ भा॰ ३८;

उद्धट्टु. गं॰ कृ॰ य० (उद्ध्य) अथुं धरीते. उंचा करके. Having raised aloft. "पादुद्ध्यु मुद्धि पहाण ति" स्य० १, ४; २, २; दसा॰ ६, २; वव० २, २७;

उद्धडा. ह्यां॰ (डब्नुता) शृद्धस्ये पेताना भाटे शंधवाना वासण्माथी जीन्न वासण्मा भां अद्धुं है।य ते जिक्षा क्षेत्री ते; त्रीष्ट्र पिएउपण्डा. गृहस्यने श्रवने लिये, रसीई बनाने के बर्तनमें से दूसरे बर्तन में निकाल कर जो श्रव रहा हो उसकी भिन्ना लेना: तिसरी विराईपणा. Begging of that food only which a householder has served for himself, in a dish from the cooking vessel: the third way of receiving or begging food; viz Pindaisanā. प्रव॰ ७४६:

उद्धत ति॰ (उद्धत) ઉथु; ७८६८. ऊंचा; उत्कट, तीत्र High, lofty; strong नाया॰ १, जं॰ प॰ २, ३०; (२) ७६त; २वेण्णायारी उद्धत; स्वेच्छाचारी insolent; wanton; self-willed कप्प॰ ७, ३६; —नमंघकार. पुं॰ (नतमोन्धकार) अतिशय आन्धार अन्धाई. आतेशय अन्धकार. dense darkness. पर्ग्ह० १, ३;

उद्धत्तु सं० कृ० थ० ( उद्धृत्य ) ઉंथी ५रीने.

ऊंचा करके. Having raised aloft. स्य॰ १, ४, १, ३;

उद्धमारा. न॰ ( उद्ध्मान ) शंभ आहि वगाडते। शंखादि को मुंह से वजाता हुआ। Sounding or blowing of a conch etc. by the mouth. राय॰ ६६,

उद्धम्ममाणः त्रि॰ ( अउद्धन्यमान-उत्पाद्य-मान ) ઉत्पाद्यभानः उत्पन्न थताः उत्पन्न होता हुत्राः Being produced; heing created. " बाउवेग उद्धम्म-माण्यासा पिवास पाया 'पण्ह॰ १, ३;

उद्धयाः स्री॰ (उद्धता) देवतानी गति विशेषः देवो की गति विशेष A particular kind of gait possessed by gods राय॰ २६; भग॰ ५, ४; ११,

उद्धरणः न॰ ( उद्धरण ) भेंशी आहेषुं, थहार आहेषुं. खेंचकर निकालना, बाहिर निकालना To draw out; to uproot. श्रोघ॰ नि॰ ७६२; प्रव॰ ७६८;

उद्धरियः त्रि॰ (उद्धृत) ७ भेडेल, भूलथी धाढी नाभेल. उखाडा हुत्रा; जडसे निकाल टाला हुत्रा. Rooted out; eradicate ed. "फलेइ विसभक्तियां साम्रो उद्ध-रिया कहं" उत्त॰ २३, ४५; प्रव॰ २२७; ७४=, (२) धारल धरेल. धारण किया हुआ. put on. दसा॰ १०, ३, क॰ गं॰ ४, ७६, —सस. त्रि॰ (-शल्य) लेखे शक्ष्य आढी नाभेस छे ते जिसने शल्य निकाल डाला है वह (one) who has rooted out the feeling of enmity. नाया॰ १; —सेय-छत्त. न॰ (-श्वेतछ्त्र) धर्यु छे लेना ६५२ थ्रीलुं छत्र ते. जिस के ऊपर श्वेतछत्र लगा हुआ है वह. one with a white umbrella held upon दसा॰ १०, ३;

उद्धाइयः त्रि॰ ( उद्धावित ) होडी आवेस, उतासवधी आवेस दौड़कर आया हुआ; शीव्रतासे आया हुआ. (One) that has come in haste, come running. उत्त॰ १२, १६;

उद्धायमाणः त्रि॰ ( उद्धावत् ) हे।ऽतुं; कुहतुं. दौडता हुत्रा; कूदता हुत्रा. Running; leaping. स्रोव॰ २१, नाया॰ १;

उद्धायमाण्गः त्रि॰ ( उद्घावत्+क) लुओ। ઉपेेेेेेेेेेेेे शेण्ट देखों ऊपरका शब्द. Vide above परह॰ १, २.

उद्धारः पु॰ (उद्धार्) शेशाक्षाना भतने अनुसार अध्यप्तमाण्यिशेषः गोशाला के मत के अनुसार कालप्रमाण विशेष A particular measure of time according to the tenet of Gośālā. भग॰ १४, १; क॰ गं॰ २, २७, —पलिझोचम पु॰ (-पल्योपम) अक्ष प्रभाण् विशेष, ओक सागरे। भने। दश कि। अक्षिप्त सागरे। प्रभने। दश सागरे। प्रमक्षा दस कोडाकोडियाँ हिस्सा a particular measure of time;

1 of one Sa-10xcrorexcrore of one Sagaropama " से किंत उद्धार पालिस्रोवमे १ दुविहे पन्नते " श्रगुजो॰ १३६. — पन्नः

न॰ (-पल्प) એક जोजनना इवामां हांशीने ભરેલ બાલાપ્રમાંથી સમયે સમયે એકિક **ળાલાય અપદ**ેરતાં જેટલા વખતમાં કવા भाषी थाय तेटले। वभत, एक योजन के कुएने ठांग ठांग कर भरे हुए बानम ने ने यमय समयमे एक एक बालाव निकालने पर जितने काल में सुत्रा गाली हो उतना काल a well one 'Yojana' i e. 8 miles square is to be filled with thin points of hair and at every Samaya (i. e. unit of time) one hair point is to be taken out; the time taken to empty the the well is Uddhārapalya. 97. १०३४; -पल्लग. न॰ (पल्यक) ळुओ। " उद्यारपद्म" शण्ट. देगी "उदारपत्न" शब्द. vide " उद्घार्षम् " प्रद० १०३=; —समय. पुं॰ ( -ममय ) अही सागरे। પમના સમયના સમૃત: અદી સાગરાપમમાં જેટલા સમય ધાષ તેટલા સમયના જય્યાની ઉદ્ઘાર સંત્રા છે. ઉદ્ઘાર સમય જેટલા ત્રિચ્છા લાકના દ્રીપ અને छे. श्रदाई मागरोपम काल प्रमाण में जितने समय है उन मसयों के समृह का नाम ' उद्धार 'हैं; उद्धार में जितने समय हैं उतने ही त्रिच्छालों के क्षेत्र खीर समुद्र है. the number of Samayas (time units) contained in 21 Sagaropamas; the number of continents and oceans of Trichhā Loka is equal to the number of Samayas in 21 Sāgaropamas. (Samaya = an instant) भग० ६, ६; श्रणुजी० १३६; —सागरोचय. पुं॰ ( -सागरोपम-उद्धार विषयंतन्त्रधानं स सागरोपम उद्धारसागरोः पमः) इश है। है। है। पश्योपम प्रमाण हात विशेषः दश गोदाकार्यः पन्योपम प्रमाण फान विशेषः a division of time equal to 10 xerorexerore Palyopuna अ १ असुनो १३३:

दक्षिः बं ( दक्षि ) आश्रमी द्विया गार्थ। यो जुद्याः A particular part of a carriage (the part which rests on the axles). मृत्य प्रश्नाः

उद्भियः त्रि॰ ( उक्पृत ) ઉभेडी नाभेवः देध शदार धरेत. हमाहा हुआ; देश याहिर िया ह्या. Rooted out; banished from the country, श्रोप॰ महा॰ प॰ ३४; जं• प० ३, ६६; —फंटय. त्रि॰ ( -फ्एटक--इतपृष्ठा स्वदेशस्योगन जीवित-ध्याजनेन या कल्टका यत्र तद्यत कएटकम् ) दृश लादर धरेन छे अतिस्पर्धी केरो ते जिसने प्रतिसानी को किया एँ वह (one) who has banished or deported enemies. राय॰ भोव॰ —पय (-पद्) ઉदार धेरेल पह-शल्ह. उदार हिया हुन्ना पद-शब्द. an extracted or quoted-word. प्रा॰ =६४; —मुह. त्रि॰ ( -मुग ) ઉત્તં કરેય છે भेद्धं केंजे. जियंन ऊंचा सुम्ब किया है बह. ( one ) who has raised his face upwaids. नं० प० ४; —सत्तु. पुं० ( -शत्रु --- उद्पृताः शत्रवस्तदुर्भृतशत्रः ) देश निश्व धरेल शिश्रक वैरी. देशसे निकाला हुआ गोत्रज रायु. an enemy who has been banished or deport ed. श्रोव॰ राय॰

उद्धी. सी. ( उद्धी ) એ પગના આગલા કૃણા પાસે પાસે રાખી પેનીને વિસ્તારી પહેલી રાખી કાઉસગ્ગ કરવા તે; કાઉ- स्थाना १८ हे।शभांना ओड. कायोत्सर्गके १६ दोषोंमे का १ दोष जिसमे दोनों पैर के पंजों को पास पास रख श्रीर एडीयो को विस्तृत रख कायोत्सर्ग किया जावे Practising Kāusagga by keeping the two toes nearer together and keeping the heels far apart, one of the 19 faults connected with Kāusagga. प्रव॰ २५७;

उद्धीमुह. त्रि॰ ( ऊर्ध्वंमुख ) अंथु भे। ढुं छे केनुं ते, अंथा भे। ढावा छं. ऊचे मुंह वाला. (One) with the face turned upwards. " उद्धीमुहकलबु-ता पुष्फग संठाग संठिया" चं० प० ४; ज॰ प० ७, १३४;

उद्धुमाय. त्रि॰ ( \* ) परिपूर्ण; लरेंब. परिपूर्ण; मरा हुआ. Full; filled to the brim. नंदीस्थ॰ गा॰ १३;

उद्धुय. त्रि॰ ( उद्धृत ) अभे देसायेस; अभे द्रेश्व. ऊंचा फेलाया हुन्ना Tossed up; flung up. "वाउद्धुय विजय वेजयती" त्रोव॰ जीवा॰ ३, १; पन्न॰ २; ( २ ) अत्दर्ध; प्रकृष्ट. strong; powerful. सम॰ प॰ २१०; नाया॰ २; ( ३ ) अत्पन्न थ्येस; अदेस. उत्पन्न; उठा हुन्ना. produced; risen up; got up श्रोव॰ स्॰ प॰ २०; कप्प॰ ३, ३२;

उद्धुया स्त्री॰ (उद्धृता) आधाशमां ઉડती धूलना केनी त्यरित गति. स्नाकाश में उडती हुई धूल के समान शीघ्र गति. Speedy gait like the motion of dustclouds in the sky. राय॰ उद्धुट्वमागा ।ति० (उद्ध्यमान) विंश्वतु. पंखा किया हुआ. Being fanned जं० प० नाया० १६; भग० ७, ६; ६, ३३, श्रोव० २१;

उद्धुस्सित. त्रि॰ ( कथ्वोंच्छित ) ७२ थिरतृत. जंबाई में विस्तृत. Having a great expanse above or upwards " से जोयणे खवणवातसहस्ते उदुःस्तितो हेटसहस्समेगं "स्य॰ १, ३, १०; उद्धूय त्रि॰ ( उद्धूत ) ६।थेशुः ४ थेशुः हता हुन्ना; कंपा हुन्ना Shaken; trembled श्रोव॰ ३१; जं॰ प॰ राय॰

६६; पञ्च० २; कप्प० २, २७;
उन्नग्न. त्रि० ( उन्नत ) उन्नत; भानक्षान
यने। पर्याय. उन्नत, मानकषाय की पर्याय.
Lofty; high; a synonym for
the moral filth called conceit.
सम० ४२, श्रोघ० नि० ४८६; श्राया० १,
४, ४, १४७; क्ष्प० ३, ३२,

उन्नइय. त्रि॰ ( उन्नतिक ) छन्नतियाधं. उन्नति वाला Lofty; high. जोवा॰ ३, १;

उन्नमंत त्रि॰ ( उन्नमत् ) तर्शा है लाइ-डानां लारा उपाडते। घांस या लकड़ी का भारा उठाता हुन्ना ( One ) who carries bundles of sticks or grass स्य॰ २, २, ४४,

उन्नयावन्त पुं॰ ( उन्नतावर्त ) ७२ २४८० स्थापर्त-व टालीओ ऊंचाई में चढा हुन्ना धूल का चक्कर A whirlwind; a winding. ( २ ) पर्व ७ ६५२ ०० ते। ६२ते। भाग पर्वत पर जाने का चक्करदार मार्ग a circuitous road on a mountain. ठा॰ ४, ४;

<sup>+</sup> अुओ पृष्ठ नभ्यर १४ नी ४४ने। ८ (+). देखो पृष्ठ नंबर १४ की फूटनोट (+) Vide foot-note ( -) p. 15th.

v. 11/31.

उन्नाम. पुं॰ ( उन्नाम ) भान क्ष्यायने।
भर्याय. मान कषाय की पर्याय. A
synonym for the moral impurity called conceit सम॰ ५२;

उन्नामित्र त्रि॰ (उन्नामित) અभुः नाभथी असिद्धि पाभेक्ष त्रमुक नामसे प्रसिद्धि पाया हुत्रा Famed by a certain name; known by a particular name. त्रागुनो॰ १३१;

उन्निक्खमञ्च. त्रि॰ (उन्निष्कामत्) दीक्षाने। त्याग करता हुन्ना। (One) abandoning Dīkśā i. e. asceticism विशे॰ १२६१;

उन्नियः त्रि॰ ( श्रोणिंक ) શનનુ ળનેલું; ઢાળલાે વગેરે. ઊની વસ્તુ કમ્ળલ આદિ. Woollen; made of wool. प्रव॰ ५१८.

उन्तुपितः त्रि॰ ( \* ) લીલું થયેલ; ભીનું; भाँजा हुद्रा Wet; damp. परह॰ १, ३;

उपरसः पुं॰ (उपदेश) ७५६श उपदेश.
Advice; exhortation. पचा॰ ४,

उपञ्चोग. पुं॰ ( उपयोग ) ઉપયોગ, ध्यान. उपयोग; ध्यान. Carefulness; attentiveness. नाया॰ १६:

उपट्ट. पुं• ( उत्पष्ट ) शिष्ता पश्च प्रथानार; पटाशीया सन के वस्त्र बनाने वाला. A weaver of jute cloth. अगुने। १३१;

उपराय पुं॰ ( उपनय ) ઉદાહરણ आપी साध्य अने साधनना संअंध मेलववा ते उदाहररा देकर साध्य श्रोर साधनका संबंध मिलाना Establishing a logical conclusion by giving an apt illustration नाया॰ ६;

उपरोहत्ता. सं॰ कृ॰ श्र॰ (उपनीय) पासे अध अधिने समीप में लेजाकर. Having taken or carried in the vicinity of. नाया॰ ४:

उपदंसद्वत्ता. सं॰ कृ॰ श्र॰ (उपदर्श्य) हेभा-धीने. दिखलाकर. Having shown or pointed out भग॰ १६, ५;

उपप्पुद्धः त्रि॰ ( उपप्तुत ) सीनु थयेस; पससी गयेस. भींजा हुत्रा. Wet; damp; soaked. प्रसुजो॰ १३०; जीवा॰ ३, १:

उपयुक्त. त्रि॰ (उपयुक्त) ઉપયુક્ત; ઉપયાગ સહિત. उपयुक्त; उपयोग सहित. Careful, attentive; (one) possessed of carefulness. नाया॰ १६;

√ उप-लभ था॰ I (उप+लभ्) ओक्षंभे। हेवे।. उलाहना देना. To taunt; to blame.

उपलंभारि. भग॰ १४, १; उपलब्भ. मं॰ कृ॰ श्राया॰ १, ६, ३, १८८;

√उप-लिंप. धा॰ I, II. (उप+लिप्)
भेाढुं अध धरी उपर क्षेप भारवे।. मुह बंद
करके ऊपर लेप लगाना. To close the
mouth and smear it up with
a semi-liquid substance.
उपलिंगित नाया॰ ७:

उपिचंह त्रि॰ (उपिचेष्ट) भेदेस. वैहा हुआ Sat; seated क॰ गं १, ११;

√उप-विस था॰ I. (उप+विश्) थेसतुं. वेठना To sit.

<sup>×</sup> લુએ। પૃષ્ટ નમ્બર ૧૫ ની પુરતાર (\*). देखो पृष्ट नंदर १५ की फूटनोट ( \*). V100 foot-note (\*) p 15th.

उपविसइ. सु॰ न॰ ३, २२२; उपविसिय. सं॰ कृ॰ सु॰ च॰ १, २४७;

उपसंकामित्त सं क क प्र ( उपसंक्रम्य ) पासे अधिने समीप जाकर. Having approached. " उपसंकमित्तु वूया-श्राउ-सम समणा" श्राया २, १, ३, १५;

उपसंत. पुं॰ (उपशान्त) धरवत क्षेत्रन।
वर्तमान ये।वीसीना १५ मा तीर्थं धरनुं नाम
इरवत चेत्र के वर्तमान चोवीसी के १६ वे तीर्थंकर का नाम. Name of the 15th
Tirthankara of Iravataksetra
in the present Chovisi (i e.
cycle) प्रव॰ २६६;

उपसंपया. स्नी॰ (उपसंपत्) तानाहिश्ने भाटे भीका शुर्ने। आश्रय क्षेत्रा ते ज्ञानादिक के लिये दुसरे गुरु का आश्रय लेना Resorting to, going to another preceptor in order to acquire knowledge etc पना॰ १२, ३;

√उपहस घा॰ I. (उप+हस्) ઉપહાस ६२५: ६सनुं उपहास करना, हसना. To laugh at; to mock at; to ridicule.

उपमेज विधि० दसा० ६, ७,

उपहाराः न॰ (उपधान) तथ विशेष एक प्रकार का तप A particular kind of austerity. ठा॰ २, ३; — पिडमा स्त्री॰ (प्रतिमा) अर्थान तथनी परिभा- अतिहाः, जार जिश्वनी अने अभीवार श्रावहनी परिभा उपधान तपकी प्रतिमा, माधु की वारह श्रोर श्रावक की ग्यारह प्रतिमा the vow of the austerity known as Upadhāna e g. 12 vows of an ascetic and 11 of a layman. ठा॰ २, ३;

उपाय पु॰ (उपाय) अपायः शरणु उपाय,

कारण Cause; means; remedy.

उपायत्रो. अ॰ (उपायत्तस्) युक्तिथी, ७५१४-थी. युक्ति से, उपाय से. Skilfully; by some means. उत्त॰ २३, ४१;

उपालझ. त्रि॰ (उपालच्घ) ६५६। અपायेस. उपालंभ दिया हुआ. Blamed; rebuked, reproached पिं॰ नि॰ १२५;

√ उ-पील. धा॰ II ( श्रव+पीड्) भीऽ। धरवी, भीऽवु, दुःख देना; भीडा करना To give pain to, to afflict. उत्रीखेति जी॰ ३, ४; उनीलेमाण. नाया॰ १०.

उपेहा. स्नी॰ ( उपेक्ता ) शुभ थे।गनी अपृत्ति
अने अशुभ थे।गनी निवृत्तिमां भेहरक्षर
रहेवुं ते. शुभ योगकी प्रवृत्ति खाँर
अशुभ योग की निवृत्ति में बेपर्वाह रहना।
Negligence in doing what
is good and in omitting to
do what is bad; negligence.
सम्॰ १७

उष्पद्श्य-य. त्रि॰ (उत्पतित) संयभ सेती व भते । सिंखनी परे छिद्धः संयभने छींचे स्थाने व्येद्ध-क्ष्में। भारेद्ध. लंयम लेते समय सिंह के समान उठा हुआ, संयम के ऊंचे स्थान पर चढा हुआ. (One) who has ascended like a lion to the high pedestal of asceticism आया॰ १, ६; ३, १९३, (२) छपर आवेद्ध, छपलेद्ध. उत्पन्न. born; produced. उत्तन २, ३२, (३) छींचे छिछदेद्ध; छोद्ध उचा उञ्जलता हुआ; उटा हुआ. leapt up; flown up. नाया॰ १६; मग० ३, २; उवा॰ ३, १३६:

उप्पद्या. ह्मी॰ ( श्रोत्पातिकी ) लेथी अणुही हुं अणुसांलह्युं तर्धथी सुछ आवे
तेवी सुद्धिः तर्ध सुद्धः हालरललाणी—
बित्पातरी सुद्धिः यार सुद्धिमांनी ओह.
ऐसी बुद्धि जिससे विना देखा सुना केवल
तर्के से ही समक्त में श्राजायः तर्क बुद्धिः चार
बुद्धियों में से एक प्रकार की बुद्धिः One of
the four kinds of intellect;
ready-wittedness; quickness of
perception ठा॰ ४, ४;

उप्पक्तडाः स्री॰ ( उत्प्रकटा = उरमावल्येन प्रकटा प्रस्तुतावेति ) यालु ४थाः चालू कथाः The narrative which forms the actual, present subjectmatter. भग० १८, ७;

उप्पड पुं॰ ( उत्पट ) तेधिद्रिय छव-विशेष तेइंद्रिय जीव विशेष A kind of three-sensed living being पञ्च॰ १:

उप्पर्ण त्रि॰ (उत्पन्न) अत्पन्न थ्येस; উপল্পপ্র ভব্দের Boin; produced श्रगुजो० ४२; श्रोव० ३८; पन्न० १९, दस० ४, १, ६६, भग० १, ४; १३, E, नाया॰ १; दसा॰ ७, १; जं॰ प॰ ३, ४४; ४, ११२; ३, ६७; ४, ११४, —कोउद्दलः त्रि॰ ( -कुतुह्ल ) लेखे ઉત્સુકપણું ઉત્પન્ન થયેલ છે ते. जिस मे उत्सुकता उत्पन्न हुई है वह (one) in whom curiosity is engendered. सू॰ प॰ १; — णाणदंसणधर. त्रि॰ ( -ज्ञानदर्शनधर ) ઉत्पन्न थयेत द्यान ६श नवाला जिस में ज्ञानदर्शन उत्पन्न हुए हैं वह (one) in whom right knowledge and right faith have been engendered. समग्रे भगवं महावीरे उपाग्गागायंसण- धरे " भग० १, १; ८, २; — पक्त. पु॰ ( -पज्ञ) छत्पन पक्ष; छत्पाह-छत्पत्ति पक्ष उत्पन्न पन्न. coming into existence. भग॰ १, १; — संसयः त्रि॰ ( -संशय) छत्पन थपेल छे सशय करेने ते. जिसे संशय उत्पन्न हुन्ना हं वहः ( one ) in whom doubt is engendered. सू॰ प॰ गय॰

उप्पतिम्र त्रि॰ ( उत्पतिन ) ઉंथे थडेस; आक्षाश तरक्ष शति क्षेत्र. ऊंचा चढा हुम्रा, श्राकाशकी श्रोर गमन किया हुन्रा. Risen up; flown up; gone upwards. उत्त॰ ६, ६०;

उप्पत्ति स्री० ( उत्पत्ति ) ७८५ति; आवि-र्लाव; प्रगटी ३२७. उत्पत्ति; प्रगट होना; स्राविभाव. Creation; production; manifestation स्रोव० ४३; नाया० १, विशे० ११८५, पि० नि० ४०६; स्रागुजी० १३०; भत्त० १५; प्रव० ४१,

उप्पत्तिया-श्चाः स्त्री॰ (श्चोंग्पत्तिकी) तर्भ शुद्धि. तर्कः बुद्धि Power of imagination; intellect capable of high imagination. " उप्पत्तिया वेणद्वया कश्मिया परिणामिया " राय॰ २०६; नंदी॰ २६; नाया॰ १; =; भग० १२, ५; १७; २; निर॰ १, १, विवा॰ १॰;

उप्पतित्ताः सं॰ कृ॰ श्र॰ (उत्पत्य) ७५٠ डीने; अथे थडीने ऊंचा चढ करः Having mounted up; having flown up; नं॰ प॰

उप्पन्न त्रि० ( उत्पन्न ) लुओ ''उप्परण ''
शफ्ट देखो '' उप्परण '' शब्द Vide
'' उप्परण '' भग० २, १; ४, ६; छ०
च०२, २६६; उवा० ६, १८७; प्रद०
१११४; —कोउहस्र त्रि० (-कुतुहल )
लुओ '' उप्परण कोउहत '' शफ्ट

देखो "उष्पर्ण कोउइल" शब्द. vide "उष्पर्ण कोइउल" नाया० १; — संस्य पुं० ( -संशय ) जुओ। "उष्परण संसय" शण्ट. देखों " उष्परण संसय" शब्द. vide " उष्परण संसय" नाया० १; — सङ्घ. त्रि० ( -श्रद्ध ) छित्पन्न थुई है वह. ( one ) in whom faith is engendered or begotten नाया० १; भग० १, १;

उप्पय. पुं॰ ( उत्पात ) उमे कुद्वं ते; नीमेथी उपर कुद्देश भारवे। ते. नीमेसे उपर कूदना उछाल मारना. Leaping up; jumping. ज॰ प॰ राय॰ ६४; निशे॰ ६६४; —िर्णिचय. पुं॰ (-िमपात ) स्थः उत्तर क्श्मी; स्थेक्ष ज्ञातनं नाटक. चडना उत्तरना; एक प्रकार का नाटक. ascending and descending; a kind of drama. "उप्परीख्वय पसत्त संकुचिय" राय॰

उपयम् न० ( उत्पतन ) उसे क्युं ते. ऊँचाई पर जाना. Going up; flying up; mounting high. ठा० ९०; भग० ३, २; —काल. पुं० ( -काल ) उसे सक्याना अल पणत. ऊँचा चढने का समय. the time for going up, flying up भग० ३, २,

उप्परिश्याः स्त्री॰ ( उत्पातिनिका ) ६२ २८वानी विद्याः ऊँचाईपर चढनेकी विद्याः The art of flying up or mounting up नाया॰ १६;

उप्पर्याा. स्ना॰ ( उत्पत्तना ) नीयेथा ७ये यदपानी विद्या. नीचेसे ऊपर चढनेकी विद्या The art of flying up in the air. स्य॰ २, २, २७; — चिज्जा. स्ना॰ ( -विद्या ) लुओं उपसे शण्द देखों ऊपर का शब्द. vide above. नावा॰ १६;

उप्पल. न॰ ( उत्पक्त ) सूर्व विक्वशी क्रमक्षः नीसक्रमस. सर्य को देखकर विकसित होने वाला कमल: नील कमल. A blue lotus: a sun lotus. श्रोव॰ १०; १३; श्रग्रुजो॰ १=; सूय० २, ३, १०; निसी० १२, २१; नाया० १; २; ४; १३; दस० ५, २, १६; भग० ११, १; २४, ४; जं०प० १, १७; जीवा० ३, १; विशे॰ २६३; श्रोघ॰ नि॰ ६८६; उवा॰ २, ११६; कप्प॰ ३, ३७; (२) अंधद्रव्य॰ विशेष. सुगंधित द्रव्य विशेष. a particular scented thing. "पउम्रपल गंधिए " सम० तंड़० जं० प० ४. १२०: (ર) દશમા કલ્પનું ઉત્પલ નામનું એક विभान है केनी स्थित वीस सागरापभनी છે, એ દેવતા દશમે મહિને શ્રાસાચ્છવાસ લે છે. અને વીસ હજાર વર્ષે ક્ષુધા ઉપજે છે दसवें कल्पका उत्पत्त नामका एक विमान जिसकी स्थिति वीस सागरोपम की है. इसके देवता दसवें मास श्वासोछवास लेते हैं श्रीर इन्हें बीस हजार वर्षमें स्तथा लगता name of a heavenly abode of the 10th Kalpa. Life there lasts for 20 Sāgaropamas. The gods living there breathe once in ten months and feel hungry once in thousand years. सम॰ २०; (४) ૮૪ લાખ ઉત્પલાંગપ્રમાણ કાલ વિભાગ; **५४ लाख उत्प्रलागप्रमाण काल विभाग.** a division of time measuring 84 lacs of Utpalāngas. भग० थ. १; ६, ७, ठा॰ २, ४; ऋगुजो० ११५; जीवा॰ ३, ४; जं॰ प॰ ४, १२०; (૫) એ નામના એક દ્વીપ તથા એક सभुद्र इस नाम का एक द्वीप श्रीर एक

समुद्र. name of a continent; also that of an ocean. १५; जीवा॰ ३, ४; —श्रंग. पुं॰ ( –পদ্ম ) ૮૪ લાખ હુલુપ્રમાણ એક **धा**क्ष विभाग =४ लाख हुहुप्रमाण एक काल विभाग, a division of time measuring 84 lacs of Huhus. श्रमुजो ११५; ठा० २, ४: भग० १; २४, ५; जं० प० जीवा० ३, ॰ -- उद्देसय. पुं॰ ( - उद्देशक ) ४भसनां અધિકારવાલા ભગવતીના ૨૧ મા શત-इती ओ अ ६ ६ देशी. भगवती सून के २१वें रातक का कमल के अधिकार वाला एक उद्देश name of a subdivision of the 21st Sataka of Bhagavatī Sūtra with the subjectmatter of a lotus. भग॰ २१, २: -कंद. पं॰ (-कन्द) अत्यस-ध्मसनी। डं ६. कमल का कन्द, कमलकी जड, the bulbous root of a lotus, भग. ११. १, - कंदत्ता की॰ (-अन्दता) ध्रभवतुं **४**न्६५७ं. कमल का कन्दपन, state of being the bulbous root of a lotus. भग॰ ११, १: -- करिएएयत्ताः स्री॰ (-कर्णिकता) अभवनी धीजकाप-**५७ं. कमल का बीजकीपपना** of being a seed-vessel of a lotus. भग॰ ११, १; --केसरत्ता स्री ( -केशरता ) अभवतुं पंडेसर डे स्त्रीकेस२५७ कमल की पुंकेसर श्रथवा स्रोकेपरता state of being a filament of a lotus. भग॰ ११, १; — गाल न० ( -नाल ) ४भसनी नासी-ડાંડી; જેના ઉપર કમલ રહે છે તે कमल की दाड़ी जिस पर कि कमल का फूल रहता है. a lotus stalk. भग.

११, १; -- गालत्ता. स्री॰ ( -नालता ) **५**भुवनी नाक्षिपछं. कमलका नाली पना. state of being a lotus-stalk. भग॰ ११. १; —थिभूगत्ताः स्रा॰ (-- (ધમ્મતા) જેમાંથી પાંદડા પુટે એવા **કમલના એક ભાગના ભાવ.** जिस में में पत्ते फ्टे ऐसे कमल के एक भागका भाव. state of being a part of a lotus, from which leaves sprout forth, भग॰ ११, १; --नालिश्राः स्री॰ ( -नालिका ) લીલા કમલની नाલी-ડાંડી, नील कमलका दांडा, stalk of a blue lotus, दस॰ १, २, १८; —पत्त. न० ( -पत्र ) ध्मक्षना पांद्रश कमल का पना a leaf of a lotus भग॰ ११, १; - मृलत्ता स्रो॰ (-मूलता) ६ त्पत्त- इभत्तनुं भूत-पशं. कमलका मृलपना. state of being a root of a lotus भग । ११, १; उपलगुरमा स्री॰ ( उत्पनगुरमा ) वं थू-વુક્ષના અગ્નિખુણાના વનખરડમાં પચાસ जोजन **७५२ आवेस ओ**ई वावडी. जंबू-युक्के श्रमिकोन के वनखर्ड में पचारा योजन दरीपर स्थित एक यावडी. Name of a well in forest situated to the southeast of Jambū Viiksa. The well is at a distance of 50 Yojanas i. e. 400 miles in the forest. जं॰ प॰ जीवा॰ ३, ४;

उप्पलवेंटिय प्रं॰ (उत्पलवृन्तिक) अभसना
विट्रानी शिक्षा सेनार भारतासाना मतने।
अनुषायी कमल के गद्य-पुलंदा की भिन्ना
लेने वाला गोशाला का एक श्रनुयायी. A
follower of Gosala's tenet,
accepting a lotus-stalk as
alms श्रोव॰ ४१;

उपपत्तहत्थम. पुं० (उत्पत्तहस्तक ) अभस इस विशेष. कमल फूल विशेष. A particular kind of lotus-flower. राय॰ उपला स्री॰ (.उत्पत्ना ) सावर्थी नगरीना રહેવાશી શખ નામના શ્રાવકની સ્ત્રી मावर्धी नगरीका निवासी शंख नामक श्रावक की स्त्री का नाम. Name of the wife of a Jaina layman named Sankha residing in the town ''तस्त्रणं संखस्त समणो Sāvarthī वासगस्य व उप्पताणामं भारिया होत्था " भग० १२, १; ( २ ) પિશાચના ઇંદ્ર, કાલની ત्रील अग्रमिष्धि. पिशाच के इन्द्र, काल की तीसरी श्रग्रमहिपी the third of the principal queens of Kāla, the Indra of Piśāchas নত খ, ৭, नाया० घ० क० ५: भग० १०, ५: (३) જંબ્રવૃક્ષના અગ્તિ ખુણામાંના વનખંડની એક ખાવડીનું નામ जेवृत्रस के श्राप्तिकोन के वनखड की एक वावडी का नाम name of a well in a forest situated to the south-east of Jambū Viiska जं०प० जीवा० ३, ४; (४) હસ્તિન પુર નિવાસી ભીમ નામના કસાઇની स्त्री. हस्तिनापुर निवासी भीम नामक कमाई की स्त्री name of the wife of a butcher named Bhīma Hastināpura विवा॰ २;

उप्पत्तिणीकदः न० ( उत्पत्तिनीकन्द ) ओक्ष्र ज्ञातनी पाणीनी धनस्पति एक प्रकार की जल में होने वाली वनस्पति. A kind of aquatic plant. " पउमुप्पत्तिणीकेंद्र संतरकेंद्र तहेवज्ञिक्तव्य" पन्न० १;

 की एक वावडी का नाम. Name of a well in a forest situated to the south-east of Jambū Vrikṣa. जं॰ प॰ जीवा॰ ३. ४;

उत्पह्न. पुं॰ ( उत्पथ ) ઉन्भार्गः, उसटे। भार्गः उन्मार्गः, विरुद्ध मार्ग Wrong path; perverse path ''म्रावजे उप्पहं जंतु'' स्य॰ १, १, २, १६; उत्त॰ २४, ५: २७, ४,—जाइ पुं॰ न॰ (-यायन्) उसटे भार्गे अनार. विरुद्ध मार्ग से जाने वाला. one who takes to a wrong path. ठा॰ ३,

उप्पिलिया नं॰ (उत्प्लावन) शरीर ઉपर पाणी रेऽवुं. शरीर पर पानी ढोलना. Pouring of water on the body. ाप॰ नि॰ ४२२;

उप्पाइत्तार त्रि॰ ( उत्पादियतः ) कित्याद्देशः कित्यन करने वाला. (One) who produces or creates. ठा० ४, ४; दसा॰ १; १३, ४, ६१;

उप्पाइय त्रि॰ (श्रोतपातिक) सहल, स्वालाविड. सहज; स्वामाविक. Natural.
श्रोव॰ ३०; (२) ઉत्पात डरनार अनिष्ट
स्थड अनाव; ઉश्डापातादि उपद्रव a portentous event, e g the fall of
a meteor etc. जं॰ प॰ ३, ५६ नाया॰
६; ६; १७, सम॰ ३४, — पञ्चय. पु॰
( -पर्वत) अस्वालाविड-कृतिम पर्वत.
कृतिम-बनावटी पर्वत. an artificial
mountain 'उप्पाइयप्टवयं च चंकमंत्तं
सक्ख मत्त गुलुगुलुंतं " श्रोव॰

उप्पाडण न॰ ( उत्पादन ) ७ भेडी नाभवुं; भूतथी ७ भेडवुं उखाड डालना; जड से उखाडना. Uprooting; eradicating; tearing out श्रोव॰ ३८; उप्पाडितः त्रि॰ ( उत्पाटित ) ७५॥५४. डठाया हुन्ना; उत्पादा हुन्ना. Lifted up; rooted out. भग॰ १६, ६;

उप्पाडिय. त्रि॰ ( उत्पादित ) ७भेरेस. उखाडा हुन्ना. Erndicated; rooted out. दसा॰ ६, ४;

उप्पाडियग. ति॰ (उत्पाटिनक) उपारेखुं: भांस शदेखुं उठाया हुत्रा; मांम निकाला हुत्रा. Lifted; (that) from which flesh is torn out. श्रोव॰३८; उप्पातियाः श्लां॰ (उत्पातिका) ब्युटेश "उप्पाइया" शण्ट. देखो 'उप्पादया" शब्द. Vide "उप्पाइया" नाया॰ १; उप्पाय-श्र पुं॰ (उत्पात) ઉद्यं शिथे

કुद्धं उदना. Flying up. भग॰ २०, ६; प्रव॰ ६०६; (२) प्रकृतिने। विक्षार-३धि२ वृष्ट्रभाहि प्रकृति का विकार; रुधिर दृष्टि प्रादि. any unusual phenomenon in nature, e.g. a shower of blood etc. प्रव० १४२१; पगह० २, १; ठा० ८, १; श्रयुजो० १४७; (३) आध-શમાંથી લાહી વગેરેની વર્ણ થાય છે તેવા લક્ષણ સ્ચક-શાસ્ત્ર. ૧૬ પાપ સ્ત્રમાંનું એક. श्राकाश से जो रक्त वर्गरह की बृष्टि होती है उसके लक्तरण वतलाने वाला शास्त्र: २६ प्रकार के पाप स्त्रों में से एक. a scripture dealing with explaining unusual phenomena in nature which portend evil; one of the 29 Pāpa Sūtras. स्य॰ =, २, २६; सम० २६:

उप्पाय-स्र पुं॰ (उत्पाद) वृद्धि; वधारे। थवे।. वृद्धि; वढती. Increase; increasing. विशे॰ ७४०; (२) छत्पत्ति. उत्पत्ति ereation; production; birth. विशे॰ ६६; ४२४; ठा॰ १, १; (३)

ઉત્પાદ દેાપ; સાધુને પાનાથી લાગતા आदारना धात्री आहि १६ होप. साध को अपने हारा लगते हुए ब्राहार के भात्रा ब्रादि १६ दोष. any of the 16 sins such as Dhatri etc. incurred by a Sädhu himself in connection with his food, मम॰ (४) वै।६-પૂર્વમાંનું પ્રથમ ઉત્પાદ નામે પૂર્વ-શાસ્ત્ર<u>.</u> चीदहर्पूत में का पहिला उत्पाद नाम का पूर्व-शास name of the 1st of the 14 Pūrvas (i. c. scriptures ). 370 ७१८; - रुद्धेयमा न० (-रहेदन-उत्पादे। देवत्वादिषरपायान्तरस्यक्षेदस्तेन जीवादि विभागः उत्पाद्चछेदनम् ) शेक पर्यापनी ઉત્પત્તિથી ખીજા પર્યાયના છેદ-વિભાગ થાય ने-केम देवत्व पर्यायना अत्पादयी छवाहि ६०१ने। विलाग थाय छे. एक पर्याय की उताति से दूसरी पर्याय का विनाग होना जैसे कि देवत्व पर्याय के उत्पन्न होते से जीवा दि द्रव्य का विभाग होना. the classifications of a substance or rather its subdivisions caused by the modifications of that substance; sub division caused by modal transformation; e. g. the substance soul is sub-divided into gods etc. on account of its modification. তা০ ২, 3: —पञ्चय. पुं॰ ( -पर्वत ) মূর্থাপথিমান-ના વનખરડમાંના એક પર્વત કે જયાં સૂર્યાંભવિમાનવાસી દેવતા ક્રીડા નિમિત્તે वैक्षिय शरीर थनावे छे. सूर्याभविमान के वनखंटों में का एक पर्वत जहां कि सूर्याभ-विमानवासी देव कीडा के अर्थ विकिथिक शरीर बनाते हैं. name of a mountain in a forest region of the Surya-

bha heavenly abode. Here the gods of this abode create for themselves a Vaikriyika body for pleasure or sport. राय० १३%; जीवा० ३ ४; (२) यभरे-न्द्रने ७५२ आववाना पर्यत चमरेन्द्र के ऊपर श्राने का पर्वत. name of a mountain for Chamarendra to come up or ascend भग. १३, ६; १६, ६; -पूट्य पुं॰ (-पूर्व) द्रव्य पर्यायना ઉત્પાદના જેમાં વર્શન છે તે ઉત્પાદ નામે १४ पूर्व भांते। प्रथम पूर्व -शास्त्र द्रव्य पर्याय के उत्पाद का जिसमें वर्णन है वह उत्पाद नामक १४ पूर्वों में का प्रथम पूर्व-शास्त्र. the first of the 14 Purvas dealing with the rise of modifications of substances "उपायपुरुवस्सणं दसव-त्थु परायत्तो " ठा० १०; सम० १४, नंदी० ४६; — व्वयध्वधम्म. पुं॰ ( – व्ययध्व-धर्मन् ) ७८५ति २५४ ( नाश ) ध्रत-रिधति वाली उक्तत्ति, व्यय (नाश) श्रीर ध्रुव-स्थिति वाला. one possessed of or subject to the three predicaments of birth, permanence or stay and death. विशे॰ ५४३:

उप्पायक. त्रि॰ (उत्पादक) ઉत्पन्त करतार उत्पन्न करने वाला (One) who creates or produces. पराह॰ १, ५; उप्पायम. त्रि॰ (उत्पादक) कुओ। ઉपदे। शण्ट. देखों ऊपर का शब्द Vide above. उत्त॰ ३६, २६०;

उप्पायण. न॰ (उत्पादन) ઉત્પन्त કरवुं; पेहा કरवुं. उत्पन्न करनाः Producing; creating. पत्तह॰ १, २; ३; उत्त॰ ३२, २८; (२) ઉપ્પાયણના કું દેવ उप्पायण के १६ दोड. any 16 sins

known as Uppāyana sins. वि॰ नि॰ १; ७६; परह॰ २, १; —( गो ) उववाय पुं॰ ( -उपवात ) ७त्पाहनाहि दोप का नाश करना. destruction of the faults or sins known as Utpādana sins. ठा॰ १०; — विसी-हि. स्री॰ ( - विशोधि ) अत्पादनना १६ है।पने। अलाव, उत्पादन के १६ दोपों का warra, absence of the 16 Utpādana faults or sins. তা॰ ২, ২; उपायगाः स्रो० ( उत्पादना ) अत्पन्न ४२वुं; **भे**हा **४२**वृ. उत्पन्न करना; पैदा करना Creating; producing. वि॰ नि॰ ૩०९; पंचा १३, ३; (२) આહારના દાેષના એક પ્રકાર: ધાત્રી આદિ આહારના ૧૬ દેાય કે જે સાધુને પાતા આશ્રિ લાગે છે. त्राहार की गवेपणा के दांप का एक भेद: धात्री स्रादि स्राहार के १६ दोष जो कि साधु को अपने ही कारण से लगते हैं. ध variety of sin connected with the taking of food; the 16 faults connected with foodtaking committed by an ascetic in his own person. These are Dhātrī etc. प्रव० ४७१; भत्त० २४, १२. भग० ७. १:

उप्पाया. ह्री॰ ( उत्पाता ) त्रशु ५७४ वासा छवनी ओक्ष्यता. तीन इन्द्रियों वाला जीव विशेष A three-sensed living being. पत्र॰ १;

उर्िंग श्र॰ (उपिर) भिपर; भिये. कपर; कंबाई पर Above; upon; on. "तेसि भोमार्ग उप्पिडजीया" जीवा॰ ३; ठा॰ ३, ४; राय॰ ४७; १०३; वेय॰ ४, २६: विवा॰ ३; ६; पन्न॰ २; ज॰

प॰ १, ४; ३, ४=; नाया॰ १; ६; =; १४; १६; भग० १, ६; २, =; ३, १, ?; ¥, E; E, X; E, 33; 52, ¥; —पासाय. पुं॰ ( -प्रामाद ) अथे। भदेश. जना महत्व a high or lofty palace. निरं २, १; - स्नुलिलपड-हाएं. त्रि॰ ( -मिललप्रतिष्टान ) पाणी ७५२ केनु अतिशन-स्देशम् छे ते. जन पर जिम का निवास स्थान है (one) whose residence or abode is on water. भग॰ ७, ५: उपित्रजल त्रि॰ ( रुग्तिजल ) क्षेप्स १४ न ४ श्राकृतना जनक. (Anything) which causes agitation to the mind. " दिव्यजनभूष कह कह भूष " राष० = हः; र्जीपजलगभुद्यः त्रि॰ (टिविश्वबकभूत) माइस व्याहद सर्वेस. ग्रायन काउँद Troubled; distracted in mind. कण० ४. १२६:

डाप्पच्छु. न० ( \*टापच्छु ) अधर धासे लक्ष्मीधी भाई ते; भायनंता से होप. श्रधरक्षात्र ने गाना; गायनका एक दोप. Singing far too rapidly; a fault in singing. श्रणुजो० १२८; भत्त० ११६;

७५२ ७४५ती। चलके ऊपर टइनता हुन्ना. Leaping on water, rising and falling on water. " बुद्धमाणे गितुद्धमाणे टिपयमाणे" ट्वा॰ ७, २१=;

उपियमाण्. त्रि॰ (उत्प्ताव्यमान ) भाशी

उप्पीलियः त्रि॰ (उत्पीहित) ६८ ६रेक्ष; भेन्थीने पांधेतुं; तंश ६रेक्ष. दद किया हुआ; न्येंचकर बांत्रा हुआ. Tightly fastened; bound fact. उप्पांचय
चित्राह गांहया दहपहरका '' सग॰ ७,

: नाया॰ २: श्रीत॰ ३०: विता॰ २:

राय॰ =१: पाता॰ ३, ४: पगह॰ ६, ३:

तं॰ प॰ ३, ४२: ३, ४६: —फच्छु- ५ं॰

(-कच्छु) अधिकें: इन्छेटि। केचे.

विगन बछोटा मारा है यह. one who has tightly tucked up the hem of his loin-cloth after carrying it to the back part of his waist विया॰ २:

उप्पुष. न० ( उप्सुत ) भाषती भेड हे.प. गायन का एक दोप A kind of fault in singing नाया० १४; (२) ति० लप्पीत. भयभीत; उस हुआ. terrified: alarmed. नाया० +;

उप्पूरः पुं॰ ( उत्पूर ) पाणीना अयंध

प्रवाद. प्रनेट प्रवाह. A big current or flood of water. पग्ह ०१, ४: (२) धस्तुः न्त्र बहुतः जगदह. much; excessive. पग्ह ०१ ३: उप्पत्तालग. त्रि ० ( \* ) तक्षेत्रं भेवतारः निन्दा करनार सुग योलने वाला, निरुक.

(One) who censures or slanders তল০ ২২, ২২; তথ্যিত্তল ওঁ০ ( \* ) বী১ তিয়ী. A

locust; a grass-hopper. प्रव॰ १४७; उण्युत्त. त्रि॰ (उत्सुह्त ) विश्वित. विक-मित. प्रभुद्धित. Full-blown; blooming. "उष्सुद्धं नवि निम्माण्" दस॰ ४, १, २३;

उप्मेगाउप्मेगियः त्रि॰ ( उत्केनोरकेनित ) ह्यता ७५१शृती भेंदे ७४थेस-हे।धाय-

<sup>\*</sup> लुओ भूष्ट नम्भर १५ नी प्रुटनेट ( \* ). देखो पृष्ट नंबर १५ की फुटनोट ( \* ). Vide foot-note ( \* ) p. 15th.

भान थथेस. द्धके उफान के समान कोधायमान. Boiling with anger; with anger rising like boiling milk. "उप्फेणउप्केणियं सीहसेणं राय एवं वयासी" विवार ६;

उप्केस पुं॰ न॰ ( \* ) भुगुट; ताल. मुकुट; ताज A crown; a diadem श्रोव॰ १२; ठा॰ ४, १, श्राया॰ २, ३, २, १२१; पत्र॰ २;

उच्चंधरा. न० ( उद्घन्धन ) अथे शाभादि-क्रमां थरकी भरवुं ते. ऊंचाई पर शाखादिक में लटक कर मरना. Committing suicide or dying by hanging on the branch of a tree etc. प्रव॰ १०३०;

उच्चद्ध्य. पु॰ (उद्बद्धक) विद्या. भंत्र, यंत्र यगेरेमां व्हेभायक्षा है कोने दिक्षा आप यानी मना हरेश छे. विद्या मंत्र तंत्र आदि में शंकायुक्क कि जिसे दीचा देने की मनाई की गई है. A person full of superstition in the matter of charms, incantations etc. Such a person is thought unfit to be given Diksā to. ठा॰ ३;

उद्भद्धः त्रि॰ ( × ) भागेक्ष, यायेक्षुं, मांगा हुन्ना. Prayed for; solicited; begged. पि॰ বি॰ २८१;

उच्भड ति॰ (उद्गट) भु६वुं: ७४।६ुं खुला हुआ: उघाड़ा. Open; manifest. "उच्भडघडमुहा" भग० ७, ६; अगुत्त॰ ३, १; (२) विश्राक्ष; अपंश्र भगंकर; दरावना. terrible; fierce. भत्त॰

१०६; र्जं० प० श्रगुत्त० ३, १; सु० च० २, २१२;

उच्भवः पुं॰ ( उद्भव ) ६ त्पत्ति. पैदाइश; उत्पत्ति Birth; production; rise. नाया॰ २;

उटमसुक नि॰ ( १) आऽमांने आऽमां ७ला ७ला सुआठ गयेश. वृत्त में ही खटे खडे सृख गया हुआ. Dried up in the very tree, in an erect posture. प्रोघ॰ नि॰ ७३४;

उद्भाम. पुं॰ (उद्घाम) लिक्षायरी; लिक्षाने वास्ते अभण करना. One who wanders to beg alms; wandering in order to beg alms. ठा॰ ४;

उन्मामञ्च. पुं॰ (उद्घामक) लार; व्यक्तियारी. जार; व्यभिचारी. A person who commits illicit sexual intercourse. पिं॰ नि॰ ४१०

उच्मामग. पुं॰ (उद्घामक) लुओ। ઉपसी। शण्ट. देखो ऊपर का शब्द. Vide Above. "श्रद्धाण णिगगगाई उच्मामग स्वमग श्रक्खरे रिक्झा" श्रोघ॰ नि॰ भा॰ ६०; (२) એક જતના વાયુ एक प्रकार का वायु a kind of wind. पन्न॰ १;

उच्भावणा. स्त्री० (उद्भावना) अगट कर्युः,
००६२ कर्युः, ६८५२ कर्युः, प्रगट करनाः,
जाहिर करनाः उत्पन्न करना Manifesting; declaring; producing,
श्रोव० ४१; नंदी०४०; (२) अशायनाः,
प्रभावना explaining; explanation. "पवयणउच्भावणया" ठा० १०;

<sup>\*</sup> लुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। ८ (+). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (+) Vide foot note (+) p 15th.

उध्मिल, पि॰ ( उतिल) जभीन लेही ध्रुभा-રુપે ળહાર આવનાર મેથી વગેર ભાજપાલા. जर्मान फोइकर पाटिर नियलनेवानी मेथी चंगरह की भाजी. Vegetation which pierces the soil and aproute forth (१० निरु ६२४; (२) भंकरतम् स्थाहि छप, संजनक धादि जीप, त species of living beings, such as a wag-tail etc. ung. 1, x; उध्भिक्तमाणु, वि॰ (उद्गिवमान) ઉपाध्या માં આવતું: ખુલ્લું થતું. શુવતા દુષ્ટા. Being opened; becoming manifest. "केतद्रष्ट्रराणवा श्राणुवायंवि उध्भिजमायाया वा "भग १६, ६; मं । प॰ १, राय० जीवा० ३, ४: उध्भिन्नः न० (उद्गिन-गण्युत्पादेः स्मृगितं मुखं माधुनां तेलपुनादिदानार्थमुद्रिय तैलादि माधुभ्यो दीयने तदीयमानं तसादि पिहि-तोजिन्नम् ) साधने धी भाहि वहे।सवया માટે કમાર ઉધારીને કે ડાટા ઉખેરી આપવા યો લાગતા દાપ, ૧૬ ઉદ્ભમનમાંના ૧૨ મા है। साधुको पी आदि गहोराने के लिये किवॉड उपाटकर अथवा वर्तन का टाट निकाल कर भिद्धा देने से लगने वाला दोष: उद्रमन के १६ दोषों में से १२ वां दोप. The 12th of the 16 Ud. gamana faults viz. opening a jar or a door in order to give ghee etc. to an ascetic for onting. पिं० नि० ६३, ३४७; पंचा॰ ૧૩, ૬; (૨) બેદીને ળહાર નીકલેલ-फोइकर बाहिर निकला हुआ. sprouted forth or shot out after piercing something. " तेण समण्यां उव्भिन्ने मऊरी पोयए" नाया० ३; सु० च॰ २, ३६५;

उध्मियः ति ( उदिह ) भरीने नीड्संस-वरनीतः भांबरनीर हैदश वर्गेरे बोदयर निका एए अने एए भेजीट, मेहक बाहि. Come out, shot out after piercing something; a wagtail, a frog etc. 175 5, 1, 5; एस० ४: प्रयन १२४०; — लोग. न॰ (-मयम ) हरिया भागे भाग भागीयी ઉત્પન્ન થવું વવબા દરિયાઇ મીઠું, મમુદ્ર કે पाम कार्र अन में दलक हैं।नेपाना निमह: दर्शाई निमस् वर स्वतीर, आया २, १, 4. 37; Adie 91, 80; उधिभयय. विक (हिस्सिक) पृथ्वीने लेटीने નીક્લેલ પ્રાળી-તીડ-પતંત્ર વગેરે. વૃષ્ટી શે फोटार नियने एए प्राणी-पर्तेग सादि-(An insect) coming out by piercing the land, e. g. a locust etc. mmi- 1, 1, 5, x=; उच्मायाः याः ( चोट्म्तिको ) નામની કૃષ્ણ વાસદેવની બેરી; કંઇ પણ व्याक्षर्य प्रसंभे क्षेत्रिने कलाववा भार है अभूड वजते अभूड धवानं छे तेटवा भाटे वभाज्यानी लेरी. कृष्ण यामुदेग की भेरी का नाम: किसी धाधयंजनक प्रमंग पर लोगें। को जागृत करने के लिये अथवा अमुक्त समय में श्रम होगा यह प्रगट करने के लिय बजाई जाने वाला भेगे Name of the kettle-drum of Krişņa Vāsuleva; n kettle-drum sounded to proclaim some unusual event to people विशेष १४७६; उदमेदम. न॰ (उन्नेदिम) समुद्र आहिमां @त्पन्न थतुं तव्याः भीई, समुद्र आदि में उत्पन्न होता हुआ निमक. Salt pro-

duced in the sea etc.; common

salt. दम० ६, १८;

उभञ्जो. श्र॰ (उभयतस्) भे लाक्तुओ; भे तरक्ष दो तर्फ से; दोनों श्रोर. On both sides. (२) भे; २. दो; २ two; २. जं॰ प॰ ४, १२७; नाया॰ १, भग॰ २४, २२; उत्त॰ ११, १७; श्रोव॰ ३१; क॰ गं॰ १, ३६, कप्प॰ ३, ३२; क॰ प॰ १, १३; —काल. पुं॰ (-काल) भन्ते २५त. दोनों समयः both times दसा॰ १०, ३; वव॰ ६, २०; —पासि. श्र (पार्श्व) भे ५८भे; भे भाजु दोनों तर्फ on both sides. सम॰ ३४,

उभय, ति॰ ( उभय ) भे दो. Two; both भग॰ ६, ३३; १२, १०; विशे॰ ११८: ४७०: श्रीव० १६, ३६; श्रगुजी० मः; २१; दसा० १०, ३· दम० ४, ११, प्र, २, १२; नाया० ११, १, पिं० नि० सा० ३; पि० नि० २१५; ५८०; उत्त० १, २३; क॰ गं॰ भ, २२; —( या )-श्र**नुपा€स** ति॰ ( -श्रनुदर्शिन् ) आक्षेा અને પરલાક બન્નેના સખને ચાહનાર. इस लोक श्रोर परलोक-दोनो लोकाके मुख को चाहने वाला (one) who wishes the happiness of both this world and the next world श्राया॰ १, ३, २, १११; —(या)श्रमाव યું• ( -श्रभाव ) ઉભયના યન્નેના असाव दोनोंका श्रभाव absence of both विशे॰ १३३; — ऋरिह. न॰ (-ग्रई) ઉભય-આલાયના અને પ્રતિક્રમણ ये पन्नेने ये। य त्राताचना श्रीर प्रतिक्रमण इन दोनोंके योग्य; deserving both Alochana (confession) and Pratikramana (repentance for faults ); (२) हश प्रधारना प्राविश्वत्तमानं स्थे दश प्रकार के प्राय-श्रितों में का एक one of the ten

kinds of expiation जीवा॰ ३; - पइट्टिश्र. त्रि॰ (-प्रतिष्टित) थे।ते अने पर अन्ते आश्री रहेश ऋपने श्रौर दूसरे के त्राश्रय से प्रतिष्ठा पाया हुआ in relation to oneself and for others, i. e. applicable to both. ठा॰ ४, १, — भाग. पुं॰ (-भाग) यंद्रने थे ५५ थे रही लेग **जे**उनार नक्षत्र. चंद्रकी दोनो श्रोर रह कर योग जोडने वाला नत्तत्र. a constellation on both sides of the moon's path. चंदस्स जोइसिंदस्स जोइसरको छ एक्खता उभवभागा उत्तरा तिरिण विसाहा पुणव्वसु रोहिणी "ठा० ६; — लोगहिय न० ( - होकहित ) थन्ने क्षेप्तनं छित-४६याख दोनें। लोकों कल्याण, beneficial both for this world and the next world " कल्लाणभायणत्तेण उभय लोगहियं " पचा० ११, ३६, —वाय पुं॰ (-बान •) थन्ने तरध्ने। वायु दोनों श्रोर का वायु wind blowing from both sides नाया० -वायजोग पु॰ (-वातयाग) यन्ते तरधना वायुने। क्लेश. दोना तर्फ की वायका योग coming together of winds from both sides i. e opposite sides. नाया॰ —विसुद्ध त्रि॰ (-विशुद्ध ) णे अ**धारे** शुद्ध. दांना तरह शुद्ध. pure or purified both ways पंचा॰ १, २०; — विद्वा त्रि॰ ( -विद्दीन ) ઉભय ભ્રષ્ટ, બન્નેથી રહિત उभय भ्रष्ट, दोनों से रहित. devoid of both, destitute of both पंत्रा॰ ३, ४०; -सुय पुं॰ (-श्रुत) ४०५ अने लाव

श्रुत. इच्य और भाग भत. scripture of both kinds viz Dravya and Bhava. (पंगे १२१)

उमयतो. य॰ ( उभयतम् ) ल<sup>३</sup>॥ " उभयो " श॰१, देगो " उभयो "

शब्द. Vido " उमग्री " भग० २४, २८;

उभयहा श्र॰ ( उभयथा ) भे अक्षेत्रः भन्ते रीते. दो प्रभाग में; दोनीं गिलियोंगे. Both ways; in both ways विशेष १५०:

उमा. स्वं (उमा) शीक वासुरेवती भातानुं ताभ. दगरे वामुदेववी माताना नाम Name of the mother of the 2nd Vāsudova, यमक पर २३%.

उमाग् न॰ ( श्रवमान ) अभभानः अना-इर, निश्रधार अवगानः अनादर Insult: distespect आगा॰ १. १, १, १,

उम्मस्म. त्रि॰ ( उन्मस्म ) पाण्डीभांथी उपर आवेक जल में से जपर श्रामा हुश्रा Emorged out of water. पग्रु॰ १; ३; जं॰ प॰ ३, ४४;

उम्मग्ग. पुं॰ (उन्मार्ग) उने आवयाने।
भागी, कुपशी भारीने "दार निक्ष्यपाने। भागी, कपर प्याने का मार्ग; उुच
की मारकर बाहिर निकलने का मार्ग.
The way to come up, the emergence out of water after dipping oneself into it. " पच्छम
पलासे उम्मगां नीलहइ मुजगाइच "
प्राया॰ १, ६, १, १७२; पंचा॰ ११, ३६;
क॰ गं॰ १, ६६; (२) अश्टी भागी,
उत्तरा मार्ग, विरुद्ध मार्ग wrong path;
contrary path. (३) अन्भागीदशीक.
विरुद्ध मार्ग-शाम्न; विरुद्ध मार्ग-दिखानेवाला.
one who leads astray प्राग्रजी॰

१४१; (४) अध्यं ६२ हे ते. शारायं हरता. taking to a wrong path; doing u wrong deed. " उस्तामवराण राम दोर्मायरम् " धायान निर्मात १, ४, ५, २ ८६: - द्रिया अ. ( - वियम ) दिन्सा-र्थामां अंत्रेयः उत्मावं मामा, ( care ) who has taken to a wrong or prohibited path. " दसमाद्विप सुध निविद्य विश्वयां प्रदार्थनि " गुन्छ। • १, २८, -देस्तायाः भं५ (-देशनाः उन्मार्गस्य भवतित्रोमीद्देत्याचन देशना वध-नमृत्मागंदेशना ) दिन्धार्थ-अपया भागेर-नी देशना-अपेट्स. उच्मागै-समाब-मार्ग का स्परेग. unwholesome, pernicious advice, i. c. one leading astray हार ४, ८, —देखणाः धीर ( -देशना ) ઉત્માર્ગતી देशना-ઉपरेश हैंथे। ते. उन्मार्ग का देशना-गोटा उपटेश देना giving a falso advice, giving advice leading to a wrong path. प्रव॰ ६६३: -पदृद्दिय. ग्रां• ( –प्रतिष्टित ) અવલે માર્ગ ચહેલ; ઉન્માર્ગ प्रतिष्ठा पामेल उन्मार्ग में प्रतिष्ठा पामा हुआ (one) gone astray; misguided. " भयवं काहं विगेति उम्मग पहाद्वियं विवाणिजा" गच्हा० २: -पद्विय नि॰ ( -प्रस्थित ) लुन्धे "उम्मगा पद-द्विय " शल्द्दः देखो 'उम्मम्म पद्दद्विय' शब्द vide " उम्ममा पडिट्टिय " गडला॰ ६: --पांडवराराः जि॰ (-प्रातिपस) देनभार्शने अभिश्वर हरेश, जन्मार्ग को स्वीकार किया हुआ. (one ) who has accepted a wrong or pernicious path or course of action उना ७, २१८; -प्यट्ट. त्रि॰ (-प्रवृत्त ) उन्मार्गे प्रवृत्त थ्येल. उन्मार्ग में प्रमृत gono astray;

started on a wrong path. सु॰ च॰ ४, ११५;

उम्मग्गजला स्त्रीं (उन्मग्नजला-उन्मजिति शिलादिकमस्मादिति, उन्मग्नं उन्मग्नं जलं यस्यां सा) तिभिक्ष शुश्री भध्यक्षाणे स्रे नाभनी स्रेश्व निर्धिष्ठ क्षेमां श्रेष्ठ परेतु परे तेने उद्यादीने क्ष्यार हें श्री है तिमिस्र गुफा के मध्य भाग में स्थित एक नदीका नाम जो कि किसी वस्तु के प्रउनेपर उद्यालकर वाहिर केंक देती है. Name of a river in the centre of a cave named Timisra. Its water violently throws out anything that falls into it "जएणं उम्मग्ग जलाए महागईए" जं० प० ३;

√ उस्मज्ञा था॰ I. ( उत्+ मृज् ) भंत्र यगेरेथी सर्थ थ्याहिन अर जतारतुं मंत्रादिसे सर्पादि का जहर उतारना. To remove the effects of serpent-bite etc by incantations etc.

उम्मजेजा 'तं इत्था पुरिसस्स उम्मजेजा'' वव॰ ४, २१;

उम्मज्ज. पुं॰ (उन्मज्जन) पाणीनी अंदर्धी
सपारी उपर आवनु ते जल के भीतर से जपरी
भाग पर आना. Emerging on the
surface of water from below
it. (२) संसारनी सपारी-भेक्ष उपर
लाभ जनार-श्रद्धा, संयम. पीर्थ वगेरे मोज्ञ
लेजाने वाले अद्धा, मंयम, यीर्थ आदि
faith, asceticism, heroism etc,
by which a person emerges
to the surface of the worldly
ocean and gets salvation
" उम्मजलद्धे इह माणवेहिं " आया॰
१, ३, २, १९४; — शिम्मज्जिया
स्था॰ (-ानमाजिका) पाणीभांथी उपर

आपवुं अने नीये कवुं ते; गुणश आपी ते. जन में इवकी मारना. alternately to emerge out of water and to submerge under it. "ब्रहेडम्मज णिमीनयं करेमाणे देमं पुढवीण चेनेजा" ठा॰ ३;

उम्मज्जक पुं॰ (उन्मार्जक) स्नान धरवाने ओधवार पाणीमां पेसी तरत लढ़ार निध्ने तेवा तापस; तापसनी ओध ज्यत. स्नान करने के लिये एक बार जल में प्रवेश कर प्रृरंत्त बाहिर निकल ने बाला तापम्; तापसी की एक जात. A class of ascetic an ascetic who dips himself once in water for his bath and immediately comes out. योव॰ ३८;

उम्मज्जग पुं॰ (उन्मार्जक) लुओ ७५के। १८०६. देखो उपस्का शब्द. Vide above. भग० ११, ६; श्रोव॰ निर॰ ३,३;

उम्मज्जा स्त्री॰ (उन्मजा) पाणीमां नीयेथी ઉपर व्याववुं ते. पानी में नीचे स ऊपर श्राना. Emerging out from the bottom उत्त॰ ७, १७;

उम्मिक्चियः सं॰ कृ॰ श्र॰ ( उन्मञ्ज्य ) ध्रायाने धुनाडीने शरीरको दुबाकर. Having dipped or submerged the body. भग॰ १३, ६.

उम्मत्तः त्रि॰ ( उन्मत्त ) गाउँ।; उद्दतः पागल, उद्दुद्धः उद्धतः Mad, insolent. प्रव॰ ७६७; विशे॰ ३२६०; ( २ ) गुर्विष्टः भूत वगेरेना प्रस्थाः पार्शुः गुर्विष्टः घमटी; जिसे भूत वगैरह लगे हो वहः proud, conceited; possessed by a ghost etc. प्रव॰ ७६७; पि॰ नि॰ ४७२,

उम्मत्तगभूयः त्रि॰ ( उन्मक्तकभूत ) ७-भत्त-गाँऽ। यथेक्षः भक्षियानधी न्हेतुं यित्त हेशाणे नधी काती. उन्मत्तः पागाः मदिरा पान से जिनका जिन मुकामपर न हो बह. Maddened; intoxicated with drink हा - ४, ३;

उम्मत्तजला. खा॰ (उन्मत्तजला) २२५६ विद्रयंती पशिम सददर उपरंती नदी: मदाविदेदती यार अन्तर नदीमानी र्वेष्ठ. रम्पक विजय की पशिम नद पर की नदी Name of a river on the west orn border of Rampaka Vijaya; one of the 12 Antara Nadia ( rivers ) of Mahavideha, " रममण विजय उम्मत्तजला महागाई " जं॰ प॰ ठा॰ २, ३;

उस्मह्ण न० ( उन्मर्दन ) ७ स्टी ईवाडीकी भर्दन ६२५ं ते. उनंद माँ का खोर से मर्दन करना. Rubbing ( i. o. oil ) on the body against the grain. न्य० २, २, ६२; नाया० १३;

उम्महिया. का॰ ( उन्महिंका ) ६५८। इंबाडीओ भर्दन ६२ना२ दाशी. उलटे ग्वेंकी तरफ से मर्दन करनेवाली यामा A maid-servant who rubs oil etc. on the body against the grain. भग॰ ११, ११;

उम्माण. न॰ ( उन्मान-उन्मीयते तादिग्युन्मानम् ) तीक्षथी परिभाण थाप ते; शेर, भण, धर्ष, भर्ष, भारे। वगेरे. तोल, वजन का परिमाण; नर, मण, तोला, मासा प्रादि. A measure of weight o. g. a seer, a mound otc. सम॰ प॰ २३६; जं॰ प॰ ठा॰ २, ४; नाया॰ १; (२) गेरेने तीक्षता अर्घलार प्रभाण थाय तेवे। पुरुष उन्मानीपेत कहलाता है. क person who is Ardhabhara

in weight is styled as Unmanopota. " संबंध द्रमाण २ जण्णे
दिमाणितद " खेल- २०, पण्ड १, इः
(१) सामा अञ्चलमा उतेष नाणी
पन्ते उतेण्यी तेयती ते. समापु के एक
पन्तिमें पीट शावब द्रमंग्यादे से वस्तुकः
सेलाम, weighing a thing
against a mose me of weight
in the ecules of a balance, द्रा१: प्रमुची- १३२:

उम्माद, पं॰ ( डन्माद ) शहपल्: शित विश्वम, पामन पनः निर्माणस्य. Madintoxication: mental 1)044; abouration, भग॰ १४, ३; हमा॰ अ, १२: विशेष १४१४; (२) व्यत्यन्त धाम-थी बिन्मत, धायाना नाम से उन्मत. maddened with love or lust. "कह जिलेगां संवे उम्माद पग्णाने गायमा द्विष्टं उम्माद पगगते" भग॰ १४, २; (३) पक्षाहिना अपवेश चर्चाद् का आवेग. being possessed by a Yaksa otc. ठा॰ २, १; —पमायः पुं॰ ( -प्रमाद--उन्मादः संप्रहत्वं स एव प्रमादः प्रमत्तवमाभाग शून्यतानमाद्रप्रमादः ) यक्षा-हिना आवेशयी अपयेश शन्यपछ यत्तादि के शरीरमें प्रवेश होने से उपयोगगन्य होना. listlessness or inattentiveness due to one's being possessed by a Yaksa etc. 510 s;

उम्माद्या न॰ ( उन्मादन ) धभनुं उदी-पत थाय ते. प्रवल काम का उदीपन होना. Rise of strong passion or lust. अगुजो॰ १३०,

उम्माय. पुं॰ ( उन्माद ) कुणे। " उम्माद " शण्ट. देरो। " उम्माद " शब्द. Vido " उम्माद " भग॰ १४, २; दसा॰ ७,

२१; विशे ० १४१४; उवा ० ६, २४६; प्रव ० १००७; — एत. प्रि ० ( -प्राप्त = उन्मादमुन्मत्ततां प्राप्त उन्मादप्राप्त.) भेषितीय
क्रभेता ६२४थी गांऽपण थयेल मोहर्नाय
कर्म के उदय से जो पागलपन हुआ हो वह.
mental aberration caused by
the maturity of Mohaniya
Kaima (i. e. Karma which
deludes as regards light be
lief etc.) वव ० २, १०; १६;

उक्किम. पुं॰ ( उमिं ) तरंग; भीलां; सहेर.

तरग, लहर. A wave कप्प॰ ३, ४३:

नाया॰ म; परह॰ १,३; (२) भीलाने

आक्षारे जनसभुदाय. लहरों के ब्राकार

के समान जन समुदाय a crowd of

people resembling n series of

waves. भग॰ २, १, — वीचि पुं॰

(-वीचि ) समुद्रना भेहाटा तरंग अने

न्हाना तरंग समुद्र की वहा २ ब्रोर छोटी

छोटी लहरें. waves and ripples of

the ocean. भग० १६, ६;

उम्मिमालिखी क्लं॰ ( किमिमालिनी ) भेड़ प्यतनी पश्चिमे अने शीतान भटा नहीनी छत्तरे सुन्ध विजयनी पूर्व सरहह उपरनी अन्तर नही मेह पर्वत के पश्चिमकी और, सीतोदा नदी के उत्तर की और और खार सुन्ध विजय की पूर्वसीमापर की एक अन्तर नदी. Name of naiver on the eastern border of Suvapra Vijaya to the North of the great river Sitodā and in the west of Meru mountain "सुन्त्ये विजय जयेति राय-हाखी उम्मिमालिखी एाई" ठा॰ २, ३; जं॰ प॰ ४;

उम्मिलित. त्रि॰ ( उन्मीलित ) लुओ। ६५६। शम्मः देखो उपरका शब्द. Vide above v. 11./33 श्रोव० १३;

उम्मिलिय-ग्र ति॰ ( उन्मीतित ) विश्वित; भीक्षेत्र; ६४५ेक्ष. फूला हुन्त्रा; खिला हुन्त्रा; विकमित. Full-blown; opened; blooming. राय० २३८; श्रमुको॰ १६; सम॰ प॰ २१३; नाया॰ १; जीवा॰ ४;

उम्मिलिर त्रि॰ (उन्मीलनशील) भीक्षनार. खिलने वाला. Having the nature or characteristic to bloom or open. सु॰ च॰ ३, ४४;

उम्मिसिय. त्रि॰ ( उन्मिषित ) अक्षाशित. प्रकाशित Bright; shining, opened. मग॰ १४, १; (२) पुं॰ आण विंथा- ७ने ७६६ तेटले। क्षाल भाव मीचकर खोलनेमें लगनेवाला समय, समय परिमाण a measure of time required for the twinkling of an eye. "उन्मिस्याणामिसियंतरणे" जीवा॰ ३, १,

उम्मिस्स न॰ ( उन्मिश्र ) लेससेसवाधं; य्ये इंढुं थयेस; य्येष्णाने। ७ मे। हे। प. मिश्रितः, एकत्रितः, एपणा समिति का ० वा दोप. Food etc. of different kinds mixed up together, the 7th fault in connection with foodbegging. श्राया॰ २, १, १, १; प्रव॰ ४७६, ग्र॰ ४;

उम्मीलिय त्रि॰ ( उन्मीलित ) भी लेस. विला हुआ Full-blown; opened. पन्न॰ ३; विवा॰ १, ७;

उम्मीस. न॰ ( उन्मिश्र ) अपश्रीना हश देश्यमांनी ७ मे। देश एपणा के दश दोषों में का ० वां दोप. The 7th of the ten faults connected with foodbegging. दस० १, १, १७; पि० नि० ४२०; पंचा० १३, २८; उम्मुक त्रि॰ ( उन्मुक्त ) अँथे दें हें सुं ऊंचाई पर फेंका हुआ. Thrown up; tossed up श्रोव॰ (२) સર્વથા ત્યાગ કરેલ; છે। ડેલ. सर्वथा छोडा हुआ, त्यागा हुआ. abandoned; renounced for ever. acq. ४, १०३; विशे० २७४०; उत्त० ३६, ६२; नाया० १, ३; १५; पिं० नि० ६३२; भग० ११, ११; १२, १; —क्र∓मक्वय. पुं॰ ( -कर्मकवच ) सक्स क्रमेर्प क्वयती ત્યાગ કરેલ છે જેણે એવા સિદ્ધ ભગવાન્ सकल कमेरप कवच का जिन्होंने त्याग किया है ऐसे सिद्ध भगवान a liberated soul i. e a Siddha who has removed the fetters in the form of Karma. श्रोव॰ —वालभाव. पुं॰ म्री॰ ( <del>–बालभाव</del> ) ત્યાલ ાછું છાડી દીધેલ वालमाव को जिसने त्याग दिया है वह adolescent; one who has passed from childhood to boyhood or manhood भग । १५, १; विवा॰ ५; नाया० १; ८, १३, १४, दसा० १०, ३, कप्प० १. ६;

उम्मूलणा स्त्री॰ ( उन्मूलना ) भूक्ष्यी ६ भेऽतुं, युंटी लहार आह्वं जडसे उखाइना. Uprooting; eradication. "उम्मु-लणा सरीरा श्रो" पग्ह॰ १, १;

उम्मूलिय. ति॰ ( उन्मूलित ) ज्यास्थी छिभेडेस जड मूल से उखाडा हुआ. Up rooted; eradicated मग॰ १६, ६; उम्मेस पुं॰ ( उन्मेप ) आंभ वीयवी छि।ऽवी ते; आंभते। पक्ष शेरा आंख खोलना, मींचना, आँखकी पलक. A glance; twinkling of eyes. भग॰ १३, ४;

उम्ह. पुं॰ ( ऊष्मन् ) ઉષ્ણता; गर्भी. उष्णता, गर्मा Heat श्रोघ॰ नि॰ ४८४, उय पुं॰ (ऋतु) पसंत आहि ऋतु. वसंत आदि ऋतु A season; e g. spring etc. नाया॰ १, ५; भग॰ ६, ३३;

उथ. अ॰ ( उत ) अथवा अथवा; या. Or, an alternative conjunction. विशे॰ १६१०:

उयंसि. त्रि॰ ( श्रोजस्तिन् ) ओा १२४०ी; अधिक भेती १४४ वाली. श्रोजस्त्री; श्रोज गुण वाला: श्रधिक मेती वाले Powerful: possessed of strong will-power राय॰ २१४, समे॰ प॰ २३४,

उयद्व त्रि॰ ( श्रपवर्त्त ) क्ष्मेनी सांभी स्थितिने ढुंडी करवी ते. क्ष्में की दीर्घ स्थिति की अला करना ( One) who has weakened the power of Karma. भग॰ १, १; उयद्वर्ण न॰ ( श्रपवर्त्तन ) लुओ। "उयद्वर"

शण्ड देखो "उयद्द" शब्द. Vide "उयद्द" भग० १, १;

उयर पुं॰ ( उदर ) भेट; लठेर उदर; पेट
The belly, the stomach उत॰
७, २ पिं॰ नि॰ भा॰ ४४, दसा॰ १०, ४;
मु॰ च॰ १, ३०४, क॰ गं॰ १, ३४;

उयरियः त्रि॰ ( उदरिक ) असे हर रे। ग्यासे। जलोदर रोग वाला. ( One ) suffering from dropsy. विवा॰ ७.

उर पुं॰ ( उरस् ) पक्षस्थल, श्राती छाती;
वत्तस्यल The breast. पन्न॰ १;
श्राणुजो॰ १२=; श्राया॰ १, १, १, १६,
राय॰ ३२; =६; पग्रह० १, ३; ठा० ७;
उवा॰ २, १०=; क॰ ग॰ १, ३४;
उरिस स॰ ए० व॰ प्रव॰ ६७;
(२) सुंहर सुंदर; ख्वस्रत beautiful,
charming ठा० ४; —क्खय. पुं॰
( -च्त ) હृदयना धा. हृदय का घाव. ६
wound in the heart; a heart—
sore. विशे॰ २१६, —तव. पुं॰

( -तपस् ) गेशाक्षाना अभासकतु स्रेक न्ततनं तथ. गोशालाके उपासक का एक प्रकार का तप. a kind of austerity practised by the followers of Gośālā ठा० ४; -परिसप्प पं॰ (-परिसर्प ) छातीथी यासनार प्राणी-सर्प वरेरे. छाती के बल चलनेवाले -सर्पादि प्राणी a reptile moving or creeping upon the belly; e.g aserpent etc. उत्त॰ ३६, १८०; भग० ८, १; —परिसप्प विहासः न॰ ( परिसर्प-विघान ) सर्भनी अति. सर्प की जाति the serpent kind, भग १५, - परिसिप्पणी स्रं। (-परिसर्पिणी) नागणः सर्पनी श्री नागिन. a female serpent: a female snake. " से र्कित उरगपरिसपिष्णी २ " जीवा॰ २: **—सुत्तिया** स्त्री॰ ( -सुत्रिका ) ७.तीभां पढेरवान व्यालुपण छाती का एक श्राभ्षण an ornament of breast so vo

उरंडरेंग्. य॰ ( क ) श्राती साथे अहुण् करवुं ते; श्राती सरसी. द्वाती से लगाना, द्वाती से द्वाती मेलाना Embracingly; closing in embrace "च उरं गिया पि उरंडरे गिरिहत्तव्" विवा॰ ३:

उरग पुं॰ ली॰ (उरग) भेटे यासना-सर्भ.
पेटके वल चलने वाला सर्प. A snake; a
serpent. उत॰ १४, ४७, नाया॰ १६; १७;
भग॰ =, १; प्रव॰ १९०६; —परिसप्प
समुन्धिल्लम पुं॰ (-परिसर्पसमुन्छिंम)
छाती द्वारा यासनार समुन्धिम सर्भ. छाता
के बल चलने वाला समूर्च्छन जीव-सर्प. a
reptile moving on the belly, e.

g. a serpent जीवा॰ १; —परिसप्पी स्त्री॰ (-परिसप्पी ) नाग्छ; छातीये यासना सर्भनी स्त्री. नागिन; छातीके बल चलने वाली साँपिन a female serpent; a female snake. जांवा॰ १; —वर. पुं॰ (-वर) ઉत्तम नाग; छंथी जाति का सर्प. a serpent of a high breed; a noble serpent नाया॰ १६; जं॰ प॰ ३, ४४; —वीहि. स्त्री॰ ( -वीधि ) शुक्रनी उरग्नामक गति विशेष. प्रक्रकी उरग्नामक गति विशेष. प्रक्रकी उरग्नामक गति विशेष. प्रक्रकी उरग्नामक गति विशेष. पाक्रकी हिंदी हिंद

उरत्थ न॰ (उर. स्थ) छातीमा पहेरवानु आसर्थ छाती में पहरने का गहना. An ornament to be worn on the breast जीवा॰ ३,३; भग॰ ६,३३; काप॰ ३,३६;

उरदम पुं॰ क्ली॰ ( उरस्र ) मेढुं, धेटुं मेढा; मेढ; वकरा. A sheep; a lamb पत्त॰ १७, सूय॰ २, ६, ३७; जीवा॰ ३, ४, राय॰ ४६; परह॰ १, १; नाया॰ १, उवा॰ २, ६४; उत्त॰ ७, ४: —पुड सिरिएम त्रि॰ (-पुटसाजिम) धेटाना नाइ के समान resembling the nose of a sheep. "उरदमपुडसीरएसमा से नासा" उवा॰ २, ६४; —रुहिर. पुं॰ ( -रुधिर ) धेटानुं थे।ढी. वकरेका रक्त. blood of a sheep. जीवा॰ ३;

उरिंगम्त्र-यः पुं॰ ( ग्रीरिभिकः ) धेटा-लक्ष्म राने पासनार-लरवाऽ; रलारी वकरे को पालकर फिर कसाई को वेचनेवाला. A

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ठ नम्भर १४ नी पुरने। ( + ). देखो पृष्ट नंबर १४ की फूटनोट ( \* ). Vide foot-note ( \* ) p. 15th.

shepherd who herds sheep, goats etc. and sells them to a butcher. स्य० २. २. २८;

उरविभयः न॰ (उरश्रीय) उत्तराध्ययन सूत्रनं सातभु अध्ययन उत्तराध्ययन स्त्रका ७ वां श्रध्यायः The 7th chapter of Uttarādhyayana Sūtra. उत्त॰ ७;

उरय-म्रा. पुं॰ ( उरज ) એક જાતના ગુચ્છા. एक प्रकार का गुच्छा. A kind of hunch or cluster. पत्र॰ १; २;

उरल. पुं॰ ( उदारिक ) विधिष्ट शरीर. श्रोदारिक शरीर. The Udarika i. e. physical body. क॰ गं॰ १, ३४; २, ६; २१; प्रव० १११३; जं० प० २, ३०; उरल. न० ( श्रोदारिक ) औदारिक थे। श. श्रोदा-रिक योग. Activity or vibrations of the Udarika i.e. physical body. क॰ गं॰ ४, ६; — श्रंग. पुं॰ ( -श्रइ ) **ઉ**દારિક શરીર. श्रीदारिक देह. the Udārika i e. physical body 事。 गं० १, ३६; प्रष० १३२६; — दुग. न० ( - द्विक ) उदारिक अने उदारिक भिश्र ये भे प्रकृति श्रोदारिक श्रोर श्रोदारिक मिश्र ये दो प्रकृतियां. the two Prakritis (Karmic natures) viz Udārika and Udārikamiśra. क॰ गं॰ २, ६;

३, ३; उरस. त्रि॰ ( श्रोरस ) पे।ताने। पुत्र निजका पुत्र, श्रोरस पुत्र One's own son ठा॰ १०;

उरसप्प. पुं॰ ( उरः सर्प ) छातीये यासनार तिथेय सर्भ पानीं छातीके वस चलने वाले तिथेंच. A win tile walking or moving on e g a serpent etc. पन् ) ६६; उरसी स्रो॰ ( उरसी ) એક જાતના श्रष्टी, एक प्रकार का गुच्छा. A kind of bunch or cluster. पत्र भः उरस्स. न॰ ( उरस्य-उरिम भवमरस्यं ) छातीनुं. छाती का. Being in the breast; anything pertaining to the breast. राय॰ ३२; —चल. न॰ ( -चल ) कृह्यणस. हृद्यवल. power of the heart; will-power; strength of the heart. "उरस्सयन-

समणा जए" राय० ३२:

उराल. त्रि॰ (उदार) समर्थ; शक्तियुक्त, प्रवल शक्तियुक्त. Powerful. (२) ઉन्नत स्वलाव पाथी. उन्नत स्वभाववाला. aspiring. जीवा० ५; राय० जं० प॰ (३) ७६।२. जदार. magnanimous. (૪) પ્રધાન; શ્રેષ્ટ उदार; श्रेष्ट. chief; prominent. श्रोव॰ ३८; सम० ६; नाया० १;५; ८; १२; १४; १६; भग० १, १; ३, १; ६, ४: ११, ११, १४, १; निरं १, १; पञ्च० ३४; जीवा० ३,४, राय० ५६; =१; सू० प० २०; कप्पं० १, ४; (५) अति अध्लूत बहुत आश्चर्यजनक very wonderful. सू० प० १; चं० प० २०: भग० २, १; जं० प० छोव० (६ ) विशास. विस्तारवाञ्चं विस्तृत. extensive श्राया० ૧, ૨; ૧, ૧૦; ૪૦ ૫; (૭) ન૦ એક જાતનું शरीर: ઉદારિક શરીर. एक प्रकार का शरीर; श्रौदारिक शरीर. a kind of body; Udārika Śarīra; external physical body.क॰ गं॰ १, ३७; पंचा॰ १, १५; (=) त्रि॰ ઉદારિક शरीर संशंधी. श्रौदारिक शरीर संबधी pertaining to the Udarika body. राय॰ २५२; ( ७ ) स्थूब; असिद्ध स्थूल, मोटा; प्रसिद्ध. gross; not fine; manifest. सूय० १, १, ४, ६; (१०) प्रधान त्प. प्रधान तप, मुख्य तप. principal or prominent austerity. नाया॰ १;

भग० २, १; (११) स्थे नाभनी सीसी वनरपिन एक प्रकार की हरि वनरपति का नाम.
name of a green plant पष्म० १;
—तस्म. प्रं० (-ग्रस ) स्थूस श्रस्थ्य.
श्रौदारिक त्रसजीव. a many sensed living being possessed of an external physical body; a mobile sentient being with physical body. जीवा०१; — मिस्स.
पुं० (-मिश्र ) ઉद्दारिक भिश्र ये। । उद्दारिक मिश्रयोग vibratory activity of Udarikamiéra i e. physical mixed with Karmic body. प्रव० १३२६;

उरालिश्र-यः त्रि॰ ( श्रीदारिक ) ६७६-માંસ ને રુધિરવાક્ષ શરીર; મતુષ્ય અને तिर्थयन स्थल शरीर हाड मास और इधिर वाला शरीर; मनुष्य श्रोर तिर्यंचका प्राकृतिक शरीर Exteral physical body haying flesh, blood and bone. ठा० २, १; सम० १३; जीवा० १; नाया० ⊏; भग० २, १; ६, १; दसा० ४, ४०; सम॰ प॰ २७६; --सरीर. न॰ (-शरीर) **लुओ। ઉ**पेेेेेेेे शण्ट. देखों ऊगर का शब्द vide above नाया॰ १=; —सरीरि पुं॰ (-शरीरिन् ) उदारिक शरीर वादी। छव श्रीदारिक शरीर वाला जीव a sentient being with Udārika or external physical body ठा॰ ६, १, जीवा॰ १०; उरु. न० ( उरु = विस्तार्ग ) विस्तीर्थ; विशास. विस्तृत, फेला हुआ. Extensive vast. भग॰ ११, ११, --धंटा स्त्री॰ ( -घररा ) પિશાલ ધંટ; મ્હેાટી ધંટા. वहा भारी घटा. a large bell विवा॰ ३;

— गायग पुं॰ ( -नायक ) भहे। है। नायक
मोटा नायक a great leader, a
great guide कप्प॰ ३, ३६;— पीवर॰
पुं॰ ( -पीवर ) धहे। भुप्र. वहा स्थूल.
very fat; corpulent, कप्प॰ ३, ३६;
उरुगागः पुं॰ ( + ) यनस्पतिने। पूर;
ओड सुंवाले। पहार्थ वनस्पति का एक कोमल
पदार्थ A kind of soft substance.
जिवा॰ ३. ३:

उरुतुंबना. स्री॰ (उरुतुम्बका) त्रण् धिरिय वादी। छप. तीन इन्द्रियों वाला जीव A three-sensed living being. पन्न॰ १;

उरोरुह पुं॰ ( उरोरुह ) २तन. स्तन. The female breast. स्रोघ॰नि॰ भा॰ ३१७; प्रव॰ ४४३;

उरोविसुद्ध न॰ (उरोविश्चद्ध-उरिस भूमिका-नुसारेण स्वरो विश्वद्धो भवति इति ) गायत-नी शुद्धिने। श्रीक्ष अक्षार गायन की शुद्धि का एक भेद. A particular variety of clearness of voice in singing. राय॰

उलिज्भमाणः त्रि॰ ( स्रविष्यमान ) यटातुः भिरातुं चाटने में स्राता हुत्रा; खाने में स्राता हुत्रा; खाने में स्राता हुत्रा; खाने में स्राता हुत्रा, खाने में स्राता हुत्रा. Being licked or sipped; being eaten. कप्प॰ ३, ४२; उत्तुग्गः त्रि॰ ( स्रवहग्ण ) ज्ञान थेथेल. उदास. Faded; withered, fatigued; wearied. नाया॰ १; — सरीर न॰ ( -शरीर ) हुभैल शरीर. निर्वेत्त शरीर. an enfeebled body; a weak and emaciated body. नाया॰ १;

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। ( \* ). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट ( \* ) Vide foot-note ( \* ) p 15th.

उल्ल अ. पुं॰ (उल्लूक) धुः उल्लू. An owl. (२) वैशेषिः दर्शनना नेता क्णाद मुनि Saint Kaṇāda the founder of the Vaisesika school of philosophy. विशे - २१६५;

उल्ग पुं० (उल्क) ध्रुव्धः ध्रुः उल्लू An owl. स्य०२, २, १६; सम० विरो०११०७; — पत्त. न० (-पत्र) ध्रुव्धनी पांभ उल्लू के पंख. a wing of an owl. भग०१६, ६;

उल्गी. स्री० ( उल्की ) એક પ્રકારની વिद्या. एक प्रकार की विद्या. Name of an art (२) ध्वाउनी भादा उल्क स्री. a female owl. विशे० २४४४;

उस्ल. ति॰ ( \* ) लीलुं; लीलुं. स्रार्द्र; गीला

Wet; damp दस॰ ४, १, ६६; जं॰
प॰ ३, ६२; राय॰ २४१; पि॰ नि॰ मा॰
१२; पि॰ नि॰ ३६७; ४३३; भग॰ ४, ७;
१६, ४; नाया॰ २; ६; उत्त॰ २४, ४०;
—चम्म. न॰ (—चर्मन्) लीलुं सामुं.
गीला चमडा, कचा चमझा. wet skin or leather विवा॰ ६; —दन्म पुं॰
(—दर्भ) लीलुं हाल-हालुडेा; એड ज्यानुं
भड हरित दर्भ. wet i e. green Darbha grass. विवा॰ ६;—पडसाडिया.
स्त्री॰ (—पटशाटिका) लीली आडी. हरीं
माडी. wet i. e. green thicket of trees. विवा॰ ७;

उस्तेंगच्छ. न॰ ( + ) ६दे६ गण्थी नीइ-देल એ नाभनुं એક કुल. उद्देह गण से निकले हुए कुल का नाम. Name of a family which was an off-shoot from Uddehagana. कप्प॰ दः (२) काश्यप गात्रथी तीक्ष्मेस ३ लो गण्, काश्यप गोत्र से उत्पन्न ३ रा गण the third Gana (order of saints) descending from Kāṣyapa family origin. कप्प॰ दः

उस्नंत्रण. न॰ ( उल्लङ्घन ) ઉલ્લંधવું; કુદી જવુ ते उलांघना; कूदना Crossing; leaping across. उत्त॰ २४, २४; श्रोव॰ २०; भग्॰ २४, ७; (२) त्रि॰ विनय-भर्याद्या अर्थिनार. विनय-मर्याद्या का उल्लंघन करने वाला. ( one ) who violates the rules of modest or reverential conduct. उत्त॰ १७, ६;

उत्तंबरा. न० (उन्नम्बन) आऽती अविभे सटक्षतुं णांधपु; उथे सटकापुं. माड की डाजी से लटकता हुआ शंधना; ऊंचाई पर लटकाना. Suspending or hanging anything on something above; e. g. on a branch of a tree. सम० ११; परह० १, १; नाया० २;

उल्लंबियं सं॰ कृ॰ श्र॰ (उल्लम्ब्य) ७२ बर्धानीने. ऊंचाई पर लटका कर Having suspended or hung on something above भग॰ १३, ६;

उद्घायिय. ति॰ (उल्जिम्बित्त ) आऽभां लटका वेश्व. काड पर लटकाया हुआ. Hnng or kept suspended on a tree दसा॰ ६, ४;

उल्लग. त्रि॰ ( श्रद्धिक ) आर्द्रे; शीतुं. गीला; भी ग हुआ. Wet; damp. श्रंन॰ ३, ६;

<sup>\*</sup> अ्ओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुटनाट ( \* ). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट ( \* ). Vide foot-note ( \* ) p 15th.

— हत्थ. पुं॰ ( -हस्त ) भीनं क्षाय. गीला हाथ. a wet hand. भग० १४, १; उल्लाण. न० ( \* ) ओसामण प्रतामण. Water in which pulse, rice etc are boiled and which is afterwards spiced and served as a separate article of food. पिं० नि० ६२४; (२) भीनं शरीर शुंध्यु ते गीले शरीर का पेंडना to wipe off a wet body with a towel etc. डवा० १०, २७७;

उज्ञिणिया. स्री॰ ( ६ ) अल्ल्पूष्ण पर्त्रः; सीना शरीरने क्षण्यानु पर्त्रः. गीले शरीर को पोछने का वस्तः संगोछा. A piece of cloth to wipe off a wet body. उवा॰ १, २२: —िविहि पुं॰ ( -िविधि ) पाष्णिश्री सीना शरीरने क्षण्याना वस्त्रनी विधि. गीले शरीर को पोंछने के वस्त्र की विधि. गीले शरीर को पोंछने के वस्त्र की विधि. व process to be followed in connection with a cloth used to wipe off a wet body "त्यागंतरं चगं गागे उल्लिग्पियाविहि परिमाणं करेइ" उवा॰ १, २२,

उत्तय त्रि॰ ( श्रार्दक ) क्षीक्षः भीनु गाँचाः श्रार्द्र Wet; damp सु॰ च॰ २, ४९३; भग॰ १४, १;

उल्लंबिय. नं॰ ( उल्लंपित ) धामध्य सम्मान्धी यातथीत धर्मी ते; धामध्या. कामकथा; काम सर्वर्या वात चीत Amorous talk; love talk. ' श्रंग पर्चग-सहाणं चारुल्लंबिय पेहियं" उत्त॰१६, ४०; उल्लंसिय. त्रि॰ ( उल्लासित ) उक्षास-भानन्ह पामेस. उक्षासित; प्रकुक्षित, श्रानन्द प्राप्त. Delighted; joyful सु॰ च॰ ३, ३६८; प्रष० १४१३; कप्प॰ ३, ४०;

उरलाइय. त्रि॰ ( ः ) भाटी छाखाहिथी बीपेब गोवर मिट्टा प्रादि से लिपा हुन्ना. (Wall etc) smeared or bedrubed with cowdung, earth etc. राय॰ ५६;

उल्लाय पु॰ (उल्लात) प्रकार, थात. प्रहार; बात. A kick; a violent stroke तंदु॰

उल्लालियः त्रि॰ ( ऊल्लालित ) ताऽन ४रेक्ष; ७ ७१४ उद्याला हुन्ना; ताडितः Struck; beaten; tossed or flung up जं॰ प॰ ५, ११४: राय॰

उद्घावः पुं० (उद्घाप) वातियतः अधु पयत भेशवतुं ते. बात चीत. Indirect talk; conversation ॉप० नि० ४२५; ४६४; अणुजो० १४६; ठा० ७, १; नाया० १; सु० च० २, ५७२, श्रोघ० नि० भा० ५६, विशे० १४११; (२) अत्युत्तरः जवायः जवाबः १ reply, a response. ''तत्थ्रगश्रो सुणह देह उद्घावं '' प्रव० १४३;

उस्लास पुं॰ (उल्लास) भगर धरवुं ते. प्रकट करना. Act of manifesting or bringing to light. प्रव॰ १३३५; —संज्ञण्या. त्रि॰ (-संज्ञनन) भगर धरनार. प्रकट करने बाला. (one) who manifests or brings to light. प्रव॰ १३३४,

उद्धिपमाण त्रि॰ (उद्धिपत्) ७५२ क्षेप ५२तो. जगर लेग करता हुआ. Sinearing or be-daubing the surface of anything. आया॰ २, १, ७, ३८,

<sup>\*</sup> लुओ पृष्ट नम्भर १५ नी प्रुटनेट ( r ). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट ( r ) Vide foot-note ( \* ) p 15th.

उज्ञिह्या, न० ( उज्लेखन ) ६६६ भ ४२वे। ते; ६ भपुं ते. उज्लेख करना; लिखना. Writing. सु० च० २, २३७;

उत्तिहिय. त्रि॰ ( उग्निस्ति) धसायेक्ष; उत्ररः। पारेक्ष. श्रीकत; धिसा हुश्रा; रगडाया हुश्रा. Scarred; worn out; bearing marks of being worn out. नाया॰ २, श्रीव॰ उत्त॰ १६, ६५;

उत्तीस त्रि॰ (उत्तीन) ग्रुप्त २६ेक्ष; थेडांतभां २६ेक्ष. ग्रुप्त रहा हुआ; श्रप्रगट रहा हुआ; एकान्त में रहा हुआ. Hidden; solitary. श्राया॰ २, २, ३, ६७;

उत्तुंचियः त्रि॰ ( उल्लंचित ) उणेरेक्ष; युंटेक्ष उखाड़ा हुआः; चूँटा हुआः. Rooted out; plucked out मु॰ च॰ २, ६७६;

उल्लुगा. स्त्री॰ (उल्लुका) એ नाभनी એક नदी एक नदी का नाम. Name of a river. विशे॰ २४२६;

उल्लुगातीर न० (उल्लुकातीर) उल्लुगा नाभने। निहीन। इ। हे आवेलुं और नगर हे लेभां गंगायार्थ नाभन। निन्छव थया. उल्लुगा नामक नदी के तट पर स्थित एक नगर जिसमें कि गंगाचार्य नामक निन्ह्व हुए थे. Name of a town on a bank of the river Ullugā It was the native place of the Ninhava Gangāchārya ठा० ०,9;

उल्लुयातीर न॰ ( उल्लुकातीर ) लुओ ७५थे। शण्टः देखो ऊपर का शब्दः Vide above. "तेणं कालेणं तेणं समर्ग्ण उल्लु-यातीरेणामं णयरे होत्था" भग॰ १६, ३; उल्लेऊणः सं॰ कृ॰ श्र॰ (श्राडींकृत्य) लीतुं हरी

ने. गीला-म्राई करके Having made wet विशे० १४४४;

उल्लोइय-थ्रा. न॰ (उल्लोचित) भरी भारी
वर्गरेथी लींन वर्गरेनु लेपन करतुं ते. मिर्हा
वर्गरह ते दावाल वर्गरह का पोतना. Besmearing or bedaubing a wall
etc. with earth cowdung etc.
"लाइ उल्लोइय महियं" नाया० १; उं०
प० पक्ष० २; भग १२, ६; सम० श्रोव०
(२) अन्त्रवे। णावेल; उल्लेखिश राजुगारेस. जहां चन्दरवा वाधा है वह स्थान.
having a cloth-ceiling fastened
above श्रोव० २६, जीवा० ३, ४;

उल्लोच पुं॰ (उल्लोच) ७तः ७६९वेथ. छत. A cloth-ceiling. मृ॰ प॰ २०ः

उल्लोय. पुं॰ (उल्लोच ) ७त; यंदरवे।; ७१क्षीय. छतः चंदरना. A cloth-ceiling. राय॰ ६, १०७; जीवा० ३; भग० ११, ११, १४, ६: कप्प० ३, ३२; जीवा० १, राय० जं० प० ४, ६६; भग० १३, १९; (२) त्रि॰ कोवा ये। अ: हर्शनीय. देखने लायक. (n sight) worth being seen. नाया॰ ३; ५; भग॰ ११, ११; १४, ६; —तल. पं॰ (-तल) धरने। **७**५२ने। ભગ घर का ऊपरी भाग the upper part of a house नाया॰ १; -- भूमि ह्मी॰ ( - सूमि ) प्रासाद-महेंसर्न अपरनी भूभि. महल के ऊपर की भूमि. The upper part or upper floor of a palace. भग॰ २, =; - चराणग. पुं॰ ( -वर्णक ) भहेसना अपरना सागना वर्शन महल के ऊपरी भाग का वर्णन. a description of the upper part of a palace. भग॰ २, =;

उज्ञोयमेत्तः न॰ (उज्ञोकमात्र) कीतांवेतः निभेषभात्र निमेष मात्र. At a mere glance; a mere glance. भग० उव. श्र० (उप) सभीप-पासेना व्यर्थमां.
नजदीक के श्रथं मे. Near; in the vicinity "उवदंसिया भगवया परण वणा" पण० १; २; (३) समस्तपणं; सभश्रपणं समस्तपन; संपूर्णता. an indec. used to show "entirety." राय० √उव-श्रति-ने. था० II (उप+श्रति+नी) श्रद्धणु करवं; स्नीक्षरिते। श्रद्धण करना; मंजूर करना. To accept; to take. (२) भनेश करने। प्रवेश करना to enter. (३) ०थतीत थपं. व्यतीत होना. to elapse; to be spent उवाइणित्तप् हे० कृ० ठा० ३, ४; विवा० ६; दसा० ७; १; उवाइणित्ता. श्राया० २, २, २. ७०;

उवाइयावेड् निर्सा० २, ५०; १२, ३६; उवायणाकेति. निर्सा० १०, ४६; वेय० ३, ३०; उवाय-इ-यावित्तए. हे० कृ० वेय० ३,

उवाय-इ-शावित्तए. हे॰ कु० वेय० ३, ३०; ४, ३१; १२, इसा० ७, १; न!या० १२; कप्प० १, ५७; ६५; उवायगावित्ता. सं० कु० भग० ७. १;

√ उच-श्रय. घा॰ I. (उप+श्रय्) यायवुं, भान्यता ४२शी प्रार्थना करना, मांगना To beg: to pray for; to solicit उवाइत्तप्. हे॰ कृ॰ नाया॰ २;

उवाइणार्वत वं॰ कृ॰ वेय० ३, ३०;

√ उच-आगच्छु था॰ I (उप + आ + गम्) पासे व्यापपुः सन्भुष अन्ते समीप श्रामाः सन्मुख जाना. To go near; to approach.

उवागच्छइ. स्रोव० ११; राय० ३६, ६७; भग० १, १; ६; २, १, नाया० १; १२; १६, उवा० १, ४८; ७८; ८६, उवागच्छंति. भग० २, ४; ४, ४; ७, ६, जं०प०२,३३; ४,११२; ४, ११३; उवागच्छामि भग०३,२; १४,१,नाया०६; उवागच्छामो. नाया० १६; उवागच्छेजा. इसा० ७, १; उवागच्छिजा. सं० क्च० भग० १,१; ६, ७,श्रोव० २७, जं० प० ४,११४; ४,११७; नाया० १; २, ४; ८; ६; १२; १४,१६; भग० २,१; ४; ₹,१; ७,६; ६,४; √ उव-श्रा-लभ धा० І. (उप +श्रा+लभ्)

∕ उव-म्रा-लभ धा॰ I. (उप + म्रा+लम्) ६५९६। हेवे।. ठपका देना, उपालंभ देना; उलाइना देना. To rebuke; to re proach.

उवार्जभिति. नाया० १६;

उवालभित्ताः सं० कृ० राय० १६७:

√ उव-श्रास धा॰ I, II. (उप+न्नास्) ઉપાसना करनी; सेवा करनी. उपामना करना; सेवा करना. To worship, to serve, to wait upon.

उवासेजा. सूय० १, १, ३३;

√ उच-इ धा॰ I. ( उप+इण् ) आप्त करनं; भेसववुं. प्राप्त करना. To get; to obtain; to acquire

उवेड्. उत्त० ३२, ११: श्रोव०४०; श्रणुजो० १४६; भग० ६, ३३; १३, ६; नाया० १६: स्य० २, ६. १६; दस० १०, १, २१; विशे० १४६;

उर्वेति नाया॰ २; भग॰ १३, ६; १४, =; विशे॰ १४६:

उनिति. श्रोव० ३४, स्य० १, २, २, १६; उनिति. दस० ६, ६६, विशे० १२७६; उनिहि. नाया० १६,

उवेह उत्त० १२, २८;

उवेत्ता. सं० कृ० भग० ६, ३३;

उर्वित व० कृ० स्य० १, ४, १, ६;

√ उच-इक्ख़ घा॰ I, II. ( उप+ई्छ् ) ७ पेक्षा ४२वी, भेन्दशरी राभवी. उपेद्मा करना; परवाह न करना; To neglect, to be indifferent to.

उचेहह्. दसा॰ ४, ४२; सूय॰ १, ३, ३, २; श्राया॰ १, ६, ३, १६३;

उवेहे वि॰ उत्त॰ १, ११;

उवेहकार्या. श्राया० १, ३, १, १०६, १, ४, ४, १४०, भग० ३, १,

उवहट ति ( उपादेष्ट ) ६ ५६ शें लुं, भे। धेलुं. उपदेशित, वोध दिया हुआ. Preached; taught; advised उत्त २८, १८; विशे २२१७; श्रोष नि १८३; क प प ५, २४, प्रव ६६६;

उबइय. त्रि॰ (उपचित) युक्त सहित
Possessed of; united with.
राय॰ ४६; (२) छन्नत उजत. rais
ed; exalted. स्रोव॰ (३) मांसक्ष,
पुष्ट मांसयुक्त, पुष्ट. fleshy. परह॰ १, ४;
(४) पु॰ એક જાતના तेएदिय छव के
के कभीनमा धर हरी रहे छे. एक प्रकार का
तेइंद्रिय जीव जो कि जमीन में घर करके रहता
है a kind of three-sensed living being nestling in burrows
जीवा॰ १ पक्ष॰ १;

√ उचडंज धा॰ I (उप+युज्) ઉपथे। કरवे। उपयोग करना. To make use of: to be attentive.

जवउजाइ विशेष ४८१, उवउंजिऊस संब कृष्ट भगष ८, १; २४, १; १२; २०;

उवउत्तः त्रि॰ (उपयुक्त) ઉपयोग सहित उपयोग सहित. Attentive. (२) सायधानः साययेत सचेत, ध्यानपूर्वकः careful; cautious. कष्प॰ ६ः प्रद॰ ७०६ः पंचा॰ १, २; १६, ४; भत्त॰ ६०; राय॰ ४०; उत्त॰ २४, ७; पञ्च० २; नंदी॰

४७, त्रशुजो० २३; पि० नि० २२२; श्रोघ० नि॰ ५१५; भग० ५१४; म, २; १८, ३; उवउत्तया. स्री॰ (उपयुक्तता ) ઉપયોગ; सा-वयेती. उपयोग. सावधानी Cautiousness: attentiveness. ভবত ২४. ১. उवएस. पुं॰ ( उपदेश ) ७५६श; थे।४; शिभाभखः उपदेशः ज्ञानः हित की शिचाः Advice; teaching; श्रोव॰ २०; ३०; ४०; श्रगुजो० ४२; पि॰ नि॰ भा॰ ५१; सु० च० ४, १०; नाया० १; ७; भग० २, १; ७, ६६, उवा० ७, २१६; पंचा० १,२३; भत्तः ५४: प्रव० १: गच्छा० १३३: — रुद्द पुं॰ ( - रुचि ) शु३ने। ७५६ेश સાંભલી જાગૃત્ત થયેલ તત્વરૂચિ; રૂચિ–સમ-ितने। थे। अधार गुरु का उपदेश सुनकर जो तत्वशचि जागृत हुई हो वह; रुचि सम्य-कृत्व का एक भेद liking for right knowledge etc. excited by hearing the sermon of a Guru; a variety of liking for Samakita " छुउमत्थेण जिलेला च उवएस रुइति नायन्त्रा '' प्रव० १६४; उत्त० २८, १६; ठा० १०; (२) त्रि॰ तेंदी ३थि-पादी। वैसि रुचि वाला. a person possessed of the above kind of liking. उत्त॰ २८, १६: - लद्ध. त्रि॰ ( -लव्च ) ७५देश पामेल उपदेश पाया ন্তুসা. ( one ) who has received and accepted religious instructions " इय उवर्सलदा इयाविरणाणं पत्ता " उवा० ७, २१९,

उचपसग. त्रि॰ (उपदेशक) अपदेश-भेष-५२नार उपदेश करने वाला. A religious instructor; a religious preacher; an adviser. स्य॰ १, १, ४, १; उचपसणा न॰ (उपदेशन) अपदेश: भेष उपदेश; ज्ञान; वोध. Advice; teaching "तिह्याणं तु भावाणं संभावे उवए-स्तर्णं " उत्तः २८, १४; (२) अपदेश भापवा ने, भीन्तने देश डार्थभां अवर्तावनुं ते उपदेश देना, दूसरे को किसी कार्य में प्रवृत्त करना. teaching; advising; exhorting. " विद्या उव-एसणे " ठा० ७, अणुजो० १२६;

उवएसयः पुं॰ (उपदेशक) अपदेश धरनार उपदेश करने वाला. An adviser, a preacher. पंचा॰ १, १२;

उवझोगः पुं॰ ( उपयोग=उपयोजनसुपयोगः, उपयुज्यते वस्त्परिच्छेदं प्रतिव्यापार्यते जीवो-क्ष्यते। ज्ञान दर्शनमय व्यापारः यैतन्य शक्ति. वस्तु परिच्छेद करने वाला जीवका ज्ञान दर्शन मय व्यापार: चैतन्य शक्ति The power of consciousness used by the soul in dealing with an object भग० १, ४; २, ३; ६, ३; ७, ५; १३, ४; १६, ६; २४, १; पन्न० २८; जीवा० १; विशे० ४४७; ८८०; पि० नि० ११४; प्रव० ५१; क० गं० ४, २; पंचा० ૪, ૧૬: (૨) સાવધાનપણં; સાવચેતો साववानी attentiveness, cautiouscarefulness. य्योव ० ness: ( રૂ ) પત્રવણા સૂત્રના ૧૬ માં પદનુ નામ. पन्नवणा सूत्र के १६ वे पदका नाम. name of the 19th Pada of Pannavanā Stitra पन्न॰ १; (४) पन्नप्श सूत्रना त्रील पहना १३ मा द्वारनं नाम पञ्चवणा सूत्र के तीसरे पद के 1३ वें द्वार का नाम name of the 13th Dwara of the 3rd Pada of Pannavanā Sūtra. पन्न० ३; ( भ ) श्यद्वं; साल फायदा, लाभ gain; advantage. सु॰

च॰ ४, १६३; — आत. पुं॰ ( - प्रात्मन् ) **७५१।१३५५ आत्मा** उपयोगहप यातमा soul in its aspect of consciousness भग० १२, १०; — गुरा पुं० ( -गुण-- उपयोग. साकारानाकार चैतन्यं गुणो धर्मी यस्य स तथा ) थैत-४६ भ वाली ७१. चैतन्य धर्मवाला जीव. soul possessed of the power of consciousness "जीवे सासए गुण्यो उवयोग गुणे" ठा०५; —जुय त्रि० (-युत) ઉપયોગવાલા. उपयोग वाला. possessed of attentiveness or carefulness. " तं प्रणं संविग्गेणं उवयोग जुएणं तिन्व सद्धाए " पंचा॰ १६, —हुया. स्त्री॰ (-म्र्यवता) ઉપયોગની અપેક્ષા, उपयोग की श्रपेत्ता. desug or wish for attentiveness or carefulness. नाया॰ — सिद्धात्ति स्री॰ ( - निर्वृत्ति ) ઉपये। गनी Eत्पत्ति. उपयोगकी उत्पत्ति birth or rise of attentiveness or power of consciousness. भग॰ -पद न॰ (-पद्) पत्रव्णा-प्रतापना-सूत्रना २५ मा पहनं नाम प्रजापना सूत्र के २६वें पदका नाम. name of the 29th Pada of Pannayanā Sütia भग० १६, ७, -परिणाम पुं० (-परिणाम -उपयाग एव परिणाम उपयागपरिणामः) छवपरिष्णभेना शिक्ष प्रधार जीवके परिणाम का एक भेद a variety or mode of the development of a soul. पল॰ १२; ठा० १०, —लक्खरा न० (-लचरा) **છ**वास्ति आयुन् ७५थे। अक्षणः जीवास्तिकाय का लज्ञ्ख (उपयोग) the characteristic mark of consciousness or rather power of consciousness possessed by a soul भग॰ १३, ४:

उवंग. न॰ (उपाइं) शरीरना अवयवना અવયવ; મુખ્ય અવયવના અવયવ;; ઉપાંગ. शरीर के भवयन का श्रवयन (उपांग). A sub-limb of a body जं प॰ श्रयाुजो० १२७; पञ्च० २३; क०गं०१, ३४; २, ६; ५, ६२; क प ४० ४, ४१; १, ષદ; ( ર ) અંગ સુત્રની પાસેના ઉપાંગ સુત્ર; **ઉવવાઇ** व्याहि पार उपांग. श्रंगसूत्र के उंव-वाई श्रादि बारह उपांग. any of the 12 Upāṅga Sūtras viz. Uvavāi etc. जं॰ प॰ १; राय॰ निर॰ १, १; ३; कप्प॰ १, ६; —तिग. न॰ (-त्रिक) ઉદારિક શરીરના અંગાપાંગ, વેક્રિય શરીરના અંગાપાંગ અને આહારક શરીરના અંગા-भांग व्ये त्रश्ने। सभू ७. ग्रौदारिक, वैकियक श्रीर श्राहारक इन तीनी शरीरा के श्रंगोपांग. the limbs and sub-limbs of the three kinds of bodies, viz Udārika Vaikreya and Ahā raka. क॰ गं॰ २, २३;

उवंज्ञण. न॰ पुं॰ (उपाञ्जन) गाडीना पैडाने জींगण् देवुं-शीक्ष्णा पदार्थ लगाडेना ते. गाडी के चाक में तैल देना. Lubricating a wheel of a carriage etc. " अवस्रो-वंजणं वण्णाणु तेवणं" स्थ॰ २, १, ४६; पन्न॰ २, १;

√ उव-कप्प. धा॰ I. (उप+कत्प्) निष-બाव्युं; तथ्यार धरबुं उत्पन्न करना; तैयार करना. To produce; to prepare. उवकप्पंति स्य॰ १, ११, १६;

√ उत्र-कस्त. धा॰ I. (उप+कप्) पाभवुं; भेक्षववुं. प्राप्त करना; पाना To get; to obtain.

उवकसंति. सुय० १, ृ४, १, २०; उवकसंत. व० कृ० दसा० ६, ११; √ उव−कर. घा० II. (उप+कृ) ઉપકાર કरने। उपकार करना. To do a good turn; to do an act of benevolence.

उचकरेड. उवा॰ १, ६८;

√ उच-कर. धा॰ II. (उप+कृ) शंधनुः रसे। ⊌ ३२वी. सिमानाः रसोई करना. To cook; to cook food. उवक्खडेइ. नाया॰ २; १३; १६; उवक्खडित नाया॰ दः उवक्खडित वि॰ श्राया॰ २, १, ६, ५०; उवक्खडेइ. श्रा॰ नाया॰ ३: उवक्खडेइ. उना॰ १, ६८; उवक्खडेद सं॰ कृ॰ नाया॰ १६; उवक्खडिता. नाया॰ १६; उवक्खडेता. स्य॰ २, ६, ३७; उकक्खडेह. प्रे॰ नाया॰ २; १६; भग॰ १६, ५;

भग० ३, १; विवा० ३; उचक्खडाविंति. प्रे० नाया० १४; उवक्खडावेंति. प्रे० भग० ११, ६; १२, १; उवक्खडावेंहि. घ्रा० प्रे० नाया० १४; उवक्खडावेह. घ्रा० प्रे० भग० १२, १; १८,

उनक्खडायेइ-ति. प्रे॰ वाया॰ १; ७; ८; १६;

₹;

उवक्खडाविय. सं० कृ० गग० १२, १; उवक्खडावेड्त्ता. सं० कृ० नाया० १; १६;

भग० ३, १; १६, ४; उवक्खडावेत्ता. सं० कृ० नाया० २; ३; ७; भग० ३, १;

उवकरण. न॰ (उपकरण) अभेडरणः; पत्र आहि परिश्रहे. उपकरणः; वस्न वगरह परिश्रहे. An article of possession, such as a cloth, a vessel etc. पगह॰ १, ५; भग॰ १४, १; — श्रोमो- यरिया स्रो॰ ( - श्रवमोदरिका ) अभेडरण्नी अणेहरी. उपकरण की उनोदरी.

limitation, narrowing down, of articles to be possessed. 
তা॰ ২, ২;

उत्रकासियः न० ( ३ ) शरीरना व्यवस्यः गात्र शरीर के श्रवयनः Any of the limbs of the body. पराह० २, ४; √उय-की. था० III. (उप+कॄ) पीणी नांभवुं. विखेरना To scatter; to dis-

उवकीरेइ निसी० ७, २७;

perse.

उवकुल. पुं॰ (उपकुल) धुंशनक्षत्रनी पासेना नक्षत्रा, केमडे अधिनी धुंश तो लर्खी उपधुंश; धृतिश धुंश तो रेहिंखी उपधुंश कुलनचत्र के समीपवर्ती नच्चत्र जैसे कि ऋधिनी नच्चत्र कुल नच्चत्र हैं और इस के समीप भरणी नच्चत्र उपकुल हैं, कृतिका कुल नच्चत्र का रेहिंखी उपकुल हैं. The asterisms in the vicinity of a constellation; e. g. Bharanī in the vicinity of Aśvinī; Rohiņī in the vicinity of Kṛittikā जं॰ प॰ ७, १६१;

√ उच-कम धा॰ I, II. (उप+कम् ) हेश-वतुं; भेऽतुं; वाववाने थे। व्य हरवुं. जमीन हत्तना. To cultivate; to till. उचकमिजाइ. क॰ वा॰ विशे॰ २०३६; उचकमिजाति. क॰ वा॰ श्रमाजो॰ ६७;

उवक्कम. पुं॰ (उपक्रम) हूर रहें बस्तुने प्रिन्धाहनशैक्षीथी निल्ड क्षापीने निक्षेप थे। २४ इरवी; अनुथे। २० १४ हिनेचेयन प्रथम द्वारं दूरवर्ती वस्तु को प्रतिपादनशैली के हारा समीप लाकर निक्षेप करना; श्रतुयोग शब्द विवेचन का प्रथम द्वार An introduction; introductory remarks. ત્ર્રણું પાય માટે કરા છે. જેથી છંદગી-ના અંત આવે–આયુખ્ય તુટી જાય તે. जिससे जीवन का श्रंत हो जाय, श्रायुष्य हट जाय-वह. that which puts an end to life. মুখ০ ৭, =, ৭২: স্মান্ত दः प्रव० १०१७; (३) अनुहित **अ**भीने **ઉ**दयमां साववा ते. अनुदित कर्म को उदय म चाना. causing unmatured Karma to mature. ठा०४,२;(४) **यन्धिनी शारम्स-श**र्भात. वंघ का प्रारंभ. commencement of bondage; commencement. ठा॰ ३, ३; ४, २; (५) ઉપાય; धंसाज. उपाय. means to accomplish an object; an expedient; a remedy. "निविहे उवसमेपर्याते तंजहा धम्मिएउवसमे शह-म्मिए उवक्से "ठा० ३; सूय० १, २, ३, १४; श्राया० १, ८, ७, ६; भग० १, ४; - काल. पुं॰ (-काल ) हुर रहेश पश्तुने પ્રતિપાદનશૈલીથી નજિક લાવવાના વખત. दूरवर्ता वस्तु को प्रतिपादनशैली के द्वारा समीप लाने का समय. time for making introductory remarks or preliminary observations. " स-किलोवक्कमकालो किरियापरिखाम भूरठो " विशेष ६१७;

उपक्रमण न॰ (उपक्रमण) ७५४भ ६२वै।; विशेषता ६२वी. उपक्रम करना; विशेषता करनो. Commencement; particularisation; making preliminary observations श्रग्रुजो॰ ६८; उवक्रमिया. स्रो॰ (श्रोपक्रमिकी) रेशाहिड

<sup>\*</sup> जुओ पृष्ठ न भ्यर १ ६ नी पुरने। । देखो पृष्ठ नंबर १ ६ की फूटनोट ( \* ). Vide foot-note ( \* ) p. 15th.

दसा० ४, ६१; विशे० १६४२; श्रगुजी० १३४: पिं० नि० २४६; सग० १, ६; ३, १; प्र, ४: दस » ४, —-इंदियः न० (-इन्द्रिय) શળદાદિને જાણવામાં હેતુરુપ શક્તિ વિશેષ शब्दादि को जानने में हेत रूप शक्ति विशेष a faculty of sense causing perception or knowledge of sound etc विशे॰ १६४, —उपादगाया- र्हा॰ (-+उत्पादनता) ઉपगरण योधी धरवा ते -आशी आपवा ते उपकरणों को इकट्ठे करना. collecting & bringing together articles of use, such as clothes, vessels etc " सोकतं उवगरण उप्पा-दख्या चडविहा पराणता "दसा० ४, ६६, -- जाश्च न · ( - जाब ) ઉપકરણની જાત, ઉपकरिश्वना अक्षार. उपकरिश के भेद, उप-करण की जाति varieties of articles of use, such as clothes, utensils, etc. वय० २, २०, ४, २४, दस० ४, वव॰ ७, १७, म, ११, निसी॰ ४, ३०, ३५: -दब्वामोयरिया (-द्रव्यावमोद्रिका) साधुने राभवाकीध्रेशे તેના કરતા પણ એાછા ઉપકરણ રાખવાં તે, प्रवय **ઉ**धादरीने। योड प्रधार साधू के रखने योख उपकरणां से भी कम उपकरण रखना, द्रव्य उनोदरां का एक भेद limitation of implements of use such as clothes etc., beyond that prescribed for even a monk. भग॰ २५, ७, -पशिहास न० (-प्रशिधान) લાૈકિક ઉપકરણ-ગૃહાદિ, અને લાેકાત્તર ઉપકરણ-વસ્ત્રપાત્રાદિ, તેનું પ્રણિધાન-ઉपभाग-प्रवर्तन लाकिक उपकरण-गृहादि-श्रीर लाकांत्रर उपकरगा-बस्नपात्रादि का उप-भोग. use of such worldly possessions as a house etc: also that

of such implements as clothes utensils etc , by monks তা০ ৮,৭; -संजय. पु॰ (-सयम) महाभुल्यवाला વધ્વના ત્યાગ કરી સાધા ધાલા વસ્ત્ર પહેરવાં ते. संयभते। ओड अडार. मल्यवान् वस्त्रा का लाग कर सादे सफेद बल्लोका पहिननाः सयम का एक भेद a variety ascetic conduct, giving costly and gaudy clothes and putting on white and simple garments. ठा॰ ४; —संवर. पु॰ (-सवर) स परना ओड प्रधारा साध्ये પ્રમાણ ઉપરાત તથા અકલ્પનીય ઉપકરણ न क्षेत्र। ते सबर का एक भेद, साधुका प्रमाण सं स्रधिक तथा स्रकल्पनीय उपकरण न लेना of the stoppage of a mode Karma, non-acceptance by a monk of materials or articles of use beyond permitted limit সং 90.

उवगासित्ता स॰ कृ॰ श्र॰ (उपकस्य) सभी भे आवीने ममाप श्राकर. having approached, "मण वध माणेहिं णेगेहि कलुण विणीयसुवगिसत्ताण " सूय॰ १, ४, ९,७,

उचगाइज्जमाण ति॰ (उपगीयमान ) ग्यातु. गाया जाता हुन्ना. Being sing 'उवरण चिज्ञमाणे उवगाइजमाणे उवलालिज्ञमाणे सांख '' राय॰ २८६,

उचगार पु (उपकार) ७५३१२ उपकार.
A good tuin; a benevolent deed, benevolence, kindness. नदी॰ —(रा) ग्रामाच पुं॰ (-ग्रामाच) ७५६२२। अथाद, अथादी पर्धुः उपकार को ग्रामाद, ग्रापकार absence of benevolence or kindness; un-

kindness. " उदगराभावस्मिवि पूत्राणं पूजगस्स उवगारो " पंचा॰ ४, ४४; उदगारण. न॰ ( उपकारणः) ઉપકार ६२वे। ६२। त्रवे। ते. उपकार करना कराना. Showing kindness or causing others to show it to those in distress. " उदयारणपारणासु विगम्नो पढिज्ञियक्वो" पग्ह॰ १, ३;

उवगारि. त्रि॰ (उपकारिन्) ७५४१२ ४२नार उपकार करनेवालाः उपकारा Benevolent, kind; helpful-पंचा॰ ४, ४१;

उचगारियलेगा. न० (उपकारिकालयन)
प्रासादभा दाणक थवाने अपहारह थाय वेचे।
थे।तरे। वजेरे; प्रासादधीह. प्रासाद में जानेके
समय चढने का ख्रोटला; प्रामादबीठ. A
small platform to ascend the
palace. भग० ३, ७; १३, ६;

उचगाहित्तए. सं ० छ० श्र० (श्रवगाहितुं) अवगाहन करने के लिये. In order to enter or pervade. नाया॰ =;

उचिगिक्समार्गा. त्रि॰ ( उपगीयमान ) शातुं. गाता हुन्ना. Singing; being sung. नाया॰ १; १६; भग॰ १, ३३; राय॰ २७५; जं॰ प॰ ३, ५२; ३, ६७;

√ उविगिगहः घा॰ I. II. (उप + ब्रह्) अहण् करना. To take, to accept.

उविगरहह भग॰ ४, ४; उविगरहमारा. सग॰ ५, ६;

उचगीयमाणः त्रि॰ (उपगीयमान) गातीः

गाता हुआ. Singing. विवा • ह उचगूढ ति ( उपगूढ ) संस्पृष्ट; अर्डेश. छुआ हुआ; स्पर्श किया हुआ. Touched

by; in contact with. सूय०१, ४,

साहित. joined with; possessed of.
"गुंजाबक कुहरीवगृदं" राय॰ (३) धुपार्ध
रहेन्नं; सरार्ध रहेन्न. छुप कर रहा हुआ.
remaining hidden or concealed;
hiding; lurking. राय॰ ६६;

उचग्हरण. न॰ ( उपगृहन ) आविशन श्रालिगन; भेंट; मिलाप Embrace; pressing to the bosom with affection. " श्राहहण्यस्थेहि बालय-उचगृहशोहिं" तंदु॰

उचग्हिंग्र. त्रि॰ ( उपगृहित ) आसिंगन १रेस म्रालिंगन किया हुम्रा. Embraced. तंदु॰ गय॰ नाया॰ ६;

उवर्गूहिज्जमाण. त्रि॰ (उपगृद्यमान) आर्थि-शन क्ष्रातु. मिलाप कराता हुन्ना. Embracing. " उवलानिज्ञमाणे उवगृहिज्ञमाणे " नाया॰ १; राय॰ २८६;

उचरन. श्र॰ (उपाप्र) सभीपभां; निङक्ष नजदीक; समीप. Near; in the vicinity. विशे॰ ३०१४;

उवगाह. पुं॰ (उपप्रह) छपाधि; लेथी अप वधे ते. उगावि; कर्मदंध का कारण. Any possession which prolongs one's stay in the cycle of births and deaths. श्रोंव॰ पत्त॰ ३६; (२) અવ્ષ્ટમ્भ; ટેકા. टेका: श्राधार. support, गच्छा० १४; श्रोव० पि० नि० ६६; भग० ४, ६; ( ३ ) आहा। श्राज्ञा; हुन्म. order; command. नाया॰ १३; १४; नाया० घ० — कम्म. न० ( -कमेन् ) ભવાપત્રાહી કમ્મ'; વેદનીય, આયુષ્ય, નામ, अने गात्र से सारमानं गमे ते से भवोषयाही कर्म; वेदनीय, श्रायुष्य, नाम श्रीर गोत्र इन बार कर्मी से से कोई भी एक कर्म.Karma which is helpful in prolonging worldly existence;

any of the four kinds of Karma viz Ayusya, Nāma, Gotra and Vedanīya. पन ३६, —कुसल नि॰ (—कुशल) अनुग्रह इरवामां दृशल. अनुग्रह –उपकार—करने में कुशल (one) proficient in showing favour, kindness etc. वन॰ ३, ३; —हया स्त्री॰ (—प्रयंता) अनुग्रहनी अपेसा प्रवन्त्रह की प्रोच्चा. a desire or wish for Avagraha i e. favour, help etc. ठा॰ ४, ३.

उचरगाहेय. त्रि॰ ( श्रीणप्राहिक ) पाडीबाइ. साधुओ थे।डे। वाजत राणी पाछुं धणुीने साधी देवायांच्य वस्तु—उपाधि. ऐसी वस्तु जो कि साधु थोडे समय के वास्ते लेकर उसे वापस मालिक को दे देता है; वापिस देने योग्य वस्तु. (Anything) borrowed from the owner for temporary uso. भग॰ ६, ३१; श्रोघ॰ नि॰ ७२६;

उवग्गहिया त्रि॰ (उपगृहीत) उपस्थापन इरेश उपस्थापित Freshly admitted after expulsion from the order पत्र॰ २३;

उवग्घाय पुं॰ ( उपोद्धात ) प्रस्ताय; अभे। ६थात उपोद्धातः प्रस्ताय An introduction; a preface प्राणुजो॰ १४४, विशे॰ ६७२;

उच्छास्त्र-य. पुं॰ ( उपपात ) विनाश, भरण; संहार Death, destruction, annihilation क॰ गं॰ १, २४-४८ ४, ७-७०; क॰ प॰ १. ४८, प्रव॰ १२०७, १३८८; पिं० नि॰ भा॰ २४, स्रोव॰ पज्ज॰ ११. २३, पण्ह० १, १, (२) आधात-धात्राहि छिद्रियोने वाळंत्र वजेरेना शण्टथी धडेहा लागे ते. श्रोत्रादि इन्द्रियों को वाद्य स्त्रादि के सान्दादिक अन्ण

वगैरह से जो धक्का लगे वह an impact given by sound etc to the sense-organs e. g ears etc. विशेष २०४, (३) पिएः शय्या वर्गेरेन् અકલ્પૃનિકપણું. જેયી સાધુને આહાર, શય્યા यगेरे इस्पे निह्न तेवा हाय. पिसड शह्या धादिकी अकल्पनीकता. food, bed etc used by an ascetic against the rules of scriptures 510 3, v. थाय तेथी क्षिया. दूसरे का घान जिस से हो ऐसी किया an act which involves destruction of other living beings " श्रास्णि मनिखराग च गिद्धुसुवघायं कम्मगं " सूय० १, ६, १५, —कम्मग न० (-कमक) लुओ। ७५दे। शम्ह देखो उपरका शब्द. vide above स्य० १, ६, १४, — साम न० ( -नामन् ) नाभ धर्भ नी ओ । प्रकृति नाम-कर्मकी एक प्रकृतिः a variety of Nāmakarma. सम॰ २=, — गिस्सिय. न० (-निश्रित) ६शभु भूषा-बुंह दशवीं मुंहः, श्रसत्य का दशवा भेद the 10th variety of falsehood or lie प्रव॰ ८६६, ठा॰ १०, -वज्ज ति॰ ( -वर्षे ) उपधात नाम धर्मनी प्रकृति शिवान यन उपघात नामकर्मको प्रकृति के श्रितिरेक्त with the exception of the variety of Nāma Karma known as Upaghāta क॰ प॰ ४, ३,

उवधाइ त्रि॰ (उपघातिन्) धात धरतार; भारतार, घात करने वाला, मारने वाला A destroyer, a slaughterer उत्त॰ १, ४०,

उचघाइश्र. त्रि॰ (उपघातिक) ७५४।त-नाश ४२नार दूमरेको घात करने वाला. (One) that kills or destroys another, 370 = 29;

उनघाइया. चां॰ (उपपानिकी) आपिक्तानी के अधिकानी के अधिकानी अधिकानी के अधिकानी

√ उबिख्य धा॰ I. ( उप+च्यु ) व्यवपुं; नाश थपेत च्युत होना; नाश पाना To destroy; to ruin.

डवचयंति भग० २, ५:

उचन्य. पुं॰ (उपचप) पुष्टिः, वधाराः, वृद्धि.
गृद्धिः, नहताः, पुष्टिः. Increase; growth.
भग॰ २०, ८ः पि॰ नि॰ २ः, १०१ः, मु॰ च॰
१, ३१४ः राय॰ २१०ः (२) छिद्य थे।२५
पुद्धतीः संश्रद्ध इरी छिद्रिय पर्याप्ति आंध्यी
ते. इन्द्रिय योग्य पुद्गल का गंप्रद् करके
इन्द्रिय पर्याप्ति को वावना. development or growth of organs of
the body by sufficient storage
of proper molecules पष्त॰ १४ः
पग्द्० १, ४ः

√ उच-चर. घा॰ I. (उप+चर्) पासे आयी ઉपसर्ग आपवी-अष्ट्र आपतुं. सपीप प्राकर उपमर्ग करना-कष्ट देना. To trouble or annoy by approaching. रमचरंगिः भाषा० १, १, २, ७;

उधनम्ब्र-य. पुं॰ ( त्रण्यस्क ) सेवाने भिषे शीक्तने उतारी पाऽवानी तक देतेनार. मंबा के बहान दमरे के पतन मा भीबा हार्स्त पाला. One who watches for an opportunity to bring another into disgrace while pretending to serve him. स्य॰ ३, ३, २=:

उचचरिस्रा ति॰ ( उपचरित ) २५२॥२ ६२ै४. उपचार (हवा हुवा. Worshipped. पंना॰ ६, १०:

उदाबार. पुं॰ (उपचार) पुग्न सामश्री. पूजा सामग्री Materials of worship पग्रह १, ३.

उन्नचिश्र-यः शि॰ (टपणिन) ५५ थपेनं; વૃદ્ધિ પામેલું: છવના પ્રદેશથી વ્યાપ્ત યચ્ચેલુ पुष्ट; पृद्धि प्राप्तः जीव के प्रदेश में व्याप्त. Grown; developed; increased " उनिचयतयपत्तयवानं कृर पुष्फ समुद्रुए " जं० प० २, ३८; विशे॰ ८६४; दस॰ ७, २२, नाया॰ १; ४; पस॰ २; श्रोवः १०; भगः ६, १; ६; २, १; दमाः १०, १, उवा० २, ६४; कप्प० २, १४; ३, ३२-३४; (२) सदिन गहित, युक्त. accompanied with. प्रणुजाे॰ ४३; जीवा २ ३, १; ( ३ ) स्थापेत्र; शेष्ट्वेल-स्यापित, जमाया हुआ. established; settled; arranged. (४) संलादेखुं; **५भावेतं. सम्हाला हुआ; कमाया हुया**. mended; tanned; cured (leathor ). राय० १६२;

√ उय-चिद्ध. था॰ I, II. ( उप+एा ) सभीप व्यर्धु; पासे श्थिति ध्रयी. समीप में स्थिति करना. To stand in front of; to go to.

उविषद्ध. नाया॰ १; सु॰ च॰ ३, २४१;

उवचिद्वात भग० ७, २; उवचिट्टे वि॰ उत्त॰ १, २०; उवचिट्रिजा नि॰ उत्त॰ १, ३०; उवचिद्रहजा. वि॰ दस॰ ६ ११: √ उय-चिंगा. धा॰ II (उप+चि) ७५२४ **કरवा:** पृद्धि **કरवा.** उपचय करना, ग्रुद्धि करना To increase; to grow; to develop उवचिखइ. भग॰ १, १; १, ७; ६; उत्त॰ २६, २२: उवचिर्णिति ठा० ४, १; उवचिणिस्सति. ठा० ४; १; उविचिशिसु. भू० ठा० ४, १; उवाचिज्ञह क० वा० भग० १, १०; उवचिज्जन्ति. भग० ६, ३; २४, २; √ उच-जा. धा॰ I ( उप+या ) पासे लवुं; भक्षतं पास जाना; मिलना To go to or near, to meet. उवयाइ. भत्त० ७२: √उय-जीव था॰ I (उप+जीव्) ७९९; निर्वाद अरवे। जीना, निर्वाह करना, To live; to maintain livelthood उवजीवह भग॰ २, १; वव॰ ६, ६; सूय॰ २, ५, ३१; उवजीवंति. भग० ४१, १; उवर्जावि वि (उपजीविन्) আগুণিধা থধা-पनार श्राजीविका चलाने वाला (One) who maintains livelihood; (one) who supports life पि॰ नि॰ २६६; उवजंजिङ्गण सं०क्व० (उवसुज्य) ७५थे।ग ध्रीने उपयोग करके. Having used; having made use of भग = , १, उच्छत्त. त्रि॰ (उपयुक्त ) ઉपयोग सिंहत उपयोग साहत Full of carefulness or attentiveness. प्रव. ६=:

उवजोइय. पु॰ ( उपज्योतिष्क = ज्योतिषः

तमीपे तिष्टन्तीति उपज्योतिपस्तएवोपज्या-तिष्का ) અગ્નિ પાસે રહેનાર: રસાઇએ। श्चारन के समीप रहने वाला, रसे इया. One who remains near fire; a cook. (२) अिन्देशती अर्गिनहोत्री. one who consecrates and maintains the sacred fire उत्त. १२, १=;  $\sqrt{3}$ व-परज भा॰ I. ( उप+पद्+य ) ઉत्पन्न थवं उत्पन्न होना To be boin: to be produced. उववज्जांति दसा० ७. ७: उववाउनित्तए हे० कृ० भग० ७, ६, ३४, १  $\sqrt{$  বন্দ্র-पড়র. ঘা০ II ( রণ+पर् $_{2}$  ) ওিয় જવુ, ઉત્પન थवुं पैदा होना; उत्पन्न होना. To be born or produced. उनवजाह मग० १, ७, ३, ४; ५; ४, ६; ¤, १०, नाया० १६; उचवजांति श्रोव० ३८, उत्त० ८, १४; सूर प० १६, भग० २, ५; ७, ३, १०, ४; 99, 9; 92, 8; 92, 9; 98, 3, 20, 9 ; २३, ४, २४, 9; १२; २४, =; ३२, १, ३४, ४; ४०, १, ४१, १; उववज्जेड्जा सग० १, ७; १२, ८, १७, **६, २०, ६; २४, १; ३४, १,** उववाजिजहिति. भग० २, १, ७, ६. ११, 99, 93, 4: 98, 5, 94, 9, नाया० ध० उवा० १, ६२, ६०: २ १२५: श्रोव० उवविजिहिति. नाया० १, १४, भग० ६, १, ७, ६; विवा० १, ज० प० २, ३६,

उदविजाहिसि उदा० ६, २४४, २४६,

उचविज्ञत्तए हे॰ कु॰ मग॰ ३, ४; ५, ३;

२१. ३४, १, पन्न० १६;

ξ, χ; ω, ξ; ω; η ξ, ε, ηω, ξ; ७; १८, ४; ६, २०, ६; २४, १;

उववारेजस्सह भग० ३, १,

उपयजित्रसा, संव क्रव भगव ११,६; २०,६; उपयजित्रसा, संव क्रव भगव ६, ४; उपयजित्रसाण संव क्रव पद्मव १६; उपयजित्रसाण, भगव १, २; ६; ७; १२, ८; २४, १; २, २०; २४, ६; ३४, १, ४१, १; उपायक, प्रेव विव उत्तव १, ४३; दग्

उवागप्, प्रेर्वा वन वन १, ४३; दमर =, ३३;

उचडजोइ. जि॰ ( उपग्रांतिप ) लेगेति-व्यक्ति अभीपवर्ती. ग्रेगीन-व्यक्ति ममॉगस्म, (One) who remains near the fire; remaining near the fire मूय॰ १, ४, १, २६;

उवल्क्षायः पुं॰ ( उपाध्याय-उपसमीपमामागः धाधीयते स्वतो जिनवाचनं येम्यस्त उपा-ध्वायाः ) ३४।ध्या"; शास्त्रतं व्यध्ययन इरान यन। ?; उपाध्याय, शास्त्र का प्रध्ययन कराने दाला An Upādhyāya or preceptor; a teacher of scriptures. दमा० १, १; वेय० ४, १४; नाया० २; २०; भग० १, ५; ४, ६, ६, ६; २४, ७, श्रोव॰ २०; ४१; उत्त० १७, ४; गम० ४०, श्राया० २, १, १०, ४६: राय० १; पत्त० १६; वव० १, २६; २६: श्राव० १, २; भत्तः ४८; कणः १, १; -पडिलीयः पुं ( -प्रत्यनीक ) छपाध्यायनी शत्र. उपाध्याय का राञ्ज. an enemy of an Upadhyāya or preceptor. भग॰ ६, ३३; १४, १; —वेयावद्यः न॰ ( -वेया-वृत्य) ઉपाध्यावनी सेवा क्ष्यी ते. उपाध्याय की सेवा. rendering of service to an Upādhyāya or teacher of scriptures. भग० २४, ७; ठा० ४, १; वव० १०, २७:

उवज्भायत्त न॰ (उपाध्यायत्व ) उपाध्याय पखं उपाध्याय पना. State of being an Upadhyaya or teacher of scriptures; preceptorhood. वेद॰ ४, १६: १७; गर्॰ ७, १६:

उवज्ञाय-ता. हो। (उपाध्यायमा) उपाध्याय नी पर में, उपाध्यायका पश्या. Degree or title of an Upādhyāya or preceptor. हा॰ ३, ४; वर॰ ३, ४; ७;

उवद्रद्धमः पुं॰ (उपण्म्म ) देशः देशः A. support प्रव- 1361;

्डिय-ह्रयः भाः I, II (दण + म्या)
भे !पपुः तपारी अर्थीः भदायततुं आरे। भण् भ्रेपुः तपारी अर्थीः भदायततुं आरे। भण् भ्रेपुं तपारी करनाः मेख मिलानाः जमानाः समानाः, महानतका खारेपिया करनाः To make preparations or arrangements: to administer the great vows.

उबहुबेइ. नाया॰ १; ४: ८; १२; १३; दसा॰ १०, १;

उच्हेंबंति. नाया॰ =: भग॰ ७, ६,

उवहुवेमि. नागा० १२;

उबहुब. दसा० १०, १;

उबहुबेह. श्रा॰ नाया॰ १; ४; ८; १२; १६; भग॰ ७, ६; १, ३३; स्रोव॰ २६; ३०; राय॰ २२१: उवा॰ ७, २०६; र्ज॰ प० ४, १२०;

उक्टुवेता. भग० ६, ३३; निमी० १४, ४=; नाया० १; १३;

उवहवराा. सं । (उपस्पापना) भदानतनुं आरे। पण करना. Investing with full vows (i. e. accetic vows). पंचा॰ १७, ३१; √ उव-हा धा॰ I,II. (उप + स्पा+िष ) ७५२थत रहेनुं; तैयार रहना; ट्यस्थित रहना; हाजिर रहना; To keep (oneself) rendy or prepared. उवहाइ. जं॰ प॰

उवहांति. श्रणुजी० २१; उवहाइंस्. भग० १४, १;

उबहाबर था॰ I, II. (उप+स्था+िष )
यारित्रमां स्थापतुं; मक्षात्रतुं अरे। पणु करतुं
महाव्रत का आरोपण करना To establish ( a. fresh disciple ) in right conduct; to administer the great vows to a disciple.
उबहाबेइ. नाया॰ =; निसी॰ ११, ३४:
उबहाबिसी. नाया॰ =;
उबहाबिसी. नाया॰ =;
उबहाबेइ. आ॰ भग॰ ९, ४, वव॰ ३, २६, २७;

उवहावित्तए हे० क्व० ठा० २, १, सूय० २, ७, १५; बव० २, १६, ६, २०; १०, १६, उवहावेत्तए ठा० ३, ४;

उवहारा न० ( उवस्थाम ) भेर्ड; स्रभाः मंडप. वैठक, सभा, मंदप. A seat; a meeting-place; a half of assembly. कप्प०४, ==; भग०१, ३; ३,७, नाया॰ २, (२) संयभ अनुष्ठान संयम का श्रवहान. observance of asceticism. सूय०१, १, ३, १४, —साता स्त्री॰ (-शाला) राजसला; भेधः राज-सभा; बेठक. a seat; a hall of audience; a royal council hall नाया० १; ५; १६, जं० प० ३, ४३, भग० ७, ६; ६, ३३; ११, ११, १नेर० १, १, नाया॰ थ॰ दसा॰ १०, १, "बाहिरिवाए उबट्टाग्रसालाए पडिएक पडिएकाइ जत्ताभि मुहाई जुत्ताई जायाह उवट्टवेह " श्रोव॰ ११, २६, कप्प० ४, ५८;

उवहािगिष्ठाः न॰ ( उपस्थानिक ) भेट; णक्षीसः; नाजराणे। भेट, इनाम पारितोषकः नजराना A gift, a present म॰ प० ३,६४;३,४५;

उवट्टािंग्या स्त्री॰ ( उपस्थानिका ) पासे

णेसनारी हासी समीपमे-पास में वेठनेवाली दासी An attendant female servant, a waiting maid servant. भग० ११, ११;

उवहावगा. न॰ (उपस्थापन) दीक्षा लीधा પછી સાત દિવસે ચાર મહહિતે કે છ મહિતે મહાવતનું આરાપણ કરવું-મ્હાેટી દીક્ષા આપવી તે: છેદાપસ્થાપનીય ચારિત્ર આરા-**५** थे. दीचा लेने के बाद सात दिन. चार मास या छ मास के नंतर महावत का श्रारो-पण करना; वडी दीचा देना, छेदोपस्थापनीय चारित्र का आरोपण. Fresh admission after expulsion from the order of monks वय॰ १०, १२; १३; ठा॰ ४, २; — भ्रंतेवासी पुं॰ ( श्रन्तेवासिन् ) જેને છેદાપસ્થાપનીય ચારિત્ર આપ્યું હાય તેવા शिष्यः जिसे छेदोपस्थापनीय चारित्र दिया हो वह शिष्य. a disciple freshly admitted in the order of monks after a temporary expulsion. वव॰ १०, १३;१४; (गा) - आधारित्र ५० (-ब्राचार्य ) માટી દીક્ષા આપનાર આચાર્ય, भु३ वडी दीन्ना दैनेवाले श्राचार्य. a preceptor entitled to re-admit a disciple into the order of monks after a temporary expulsion ठा॰ ४, ३; — आरिअ पुं॰ ( -म्राचार्य ) अपस्थापना छेहापस्थाप-नीय यारित्र व्यापनार गुरु छेदोपस्थापनीय चारित्र देनेवाले गुरु. a preceptor readmitting a disciple into the order of monks after a temporary expulsion वव॰ १०, १२;

उबाहिश्र-य त्रि॰-(उपस्थित = उप सामीप्गेन स्थितः उपस्थितः) भासे आवेक्ष; हाजर थेअेक्ष समीप में श्राया हुश्रा. हाजिर रहा हुन्ना. Come near; approached; present. " उवट्टियामे न्नायरिया वि- जासंत तिगिन्छमा " उत्तर २०, २२; नायार ६; दमर ४; ६, २, ५. समर ३०; प्रवर १२५; न्नायार ६, ४, १, १२६ भगर १, ६. ७, ६; स्यर १, १, २, ५; उत्तर २५, ५; ग्रोघर निरु ५१५;

उचडिह्ता-र. त्रि॰ (उपदम्वृ) आणनार. जलाने वाला. (One) who burns or sets fire to म्य॰ २, २, ९=:

√ उच-होय था॰ II (उप+होक्) भानता. यश्वती. धर्यु मानता करना. मानता चढाना. To offer for acceptance e.g before a deity; to present as an offering

उवढोइति मु॰ च॰ २, ३३६;

उवस्थि जिमास पु॰ (उपनृत्यमान) नायते। नाचता हुन्नाः नृत्य करता हुन्नाः One who is dancing. भग॰ ६, ३३; जं॰ प॰ ३, ६७, ३ ४२,

उवण्त्यः ति॰ (उपन्यस्त ) तैयार अरेस तैयार किया हुन्ना. Made ready; prepared दस॰ ५, १, ३९;

उच्च ज़ुड़. ब्री० ( उपनद्द ) ध्युं बहुत Much, more, in a great quantity, भग० ६, ३३;

उच्चण्य. पु॰ ( उपनय ) प्रकृत वस्तुनी साथे उत्तर्ध्या धटना धरनी ते प्रकृत वस्तु के साथ उदाहरणकी घटना करना. The fourth member of the fivemembered Indian syllogism (in logic); the application of the Udaharana or illustration to the special case in question. श्रोघ॰ नि॰ मा॰ ४४; विशे॰ ३१४२; (२) भेटखुं; अक्षीक्ष. डालां. इनाम; पारितापक. a gift; a present. राय॰ २३७; (३) गुण्नी तारीक, प्रशसा. प्रशंमा praise or appreciation of merits or virtues. प्रय॰ ६०३; — चयम्, न॰ (-चचन) प्रशसा वयन रोग अभुक्ष भ्यन् भवन अने स्थीब छे ते. प्रशंमांक वचन words of praise or admination, प्रय॰ ६०३;

उच्चायमा. न॰ ( उपनयन ) इक्षायार्थ पासे णाक्षको इक्षा शिभवपी ते कला के आचार्य में बालक को बना मिस्रवाना. Getting a child instructed in arts by a preceptor. भग॰ ११, ११: पग्ह॰ १,२: राय॰ २८=;

उचिणिफिस्तर्ता. त्रि॰ (उपनिविस) भुडेश रखा हुन्ना Placed: deposited. वेय॰ २, ४;

उविश्विक्यव्यः त्रि॰ (उपनिष्ठिसन्य) पाछुं भुक्ष्युं, फिरमे रखना. Placing or depositing again. नेय॰ ४, २४,

डचिंग्गिय. त्रि॰ ( उपनिर्गत ) नीक्षेत्र; भदार आवेत्र निकला हुन्ना; नाहिर निकला हुन्म Come out; got out; emerged. श्रोव॰

√ उचिंगिमंत. था॰ II. (उप+ित्त+मंत्र्)
निभंत्रणु ४२वुं: नेतित्र्ं हेतुं. निमंत्रण करनाः
न्योता करना. To invite; to give
an invitation.

उविश्विमेतेइ. नाया॰ १; ६; १४; १६; भग॰ १२, १; सम॰ ३३;

उविधानंतेजा. भग० ८, ६; वेय० १, ३७; उविधानंतेहि. नाया० १४,

उदरामतेह. नाया० १;

उविण्मितेहिति. श्रोव० ४०:

उविशिविष्ट. त्रि॰ (उपनिविष्ट) सभी थे रहेश. समीप में रहा हुआ Placed near; remaining near; situated near. राय० ४६, जं॰ प॰ ४, ७४;

उविणिहिन्ना. स्रो॰ ( स्रोणनिश्विकी ) लुरी लुंदी अनेड वस्तुओना पैर्वापर्यक्षाव-अनु क्षमनी थेरिजना; आनुपूर्वि-अनुक्षमने। ओड प्रधार. भिन्न र स्रनेक वस्तुर्त्रोका प्रवीपर भाव -श्रनुक्रम की योजना; स्रनुक्रमका एक भेद. Arrangement of different things in order or succession. स्रणुजो॰ ७२;

उवर्णीश्र-य. त्रि॰ (उपनीत ) पासे આવેલ; પ્રાપ્ત થએલ. समीपगत; प्राप्त Come near; brought near; obtained. उत्त॰ ४, १; सु॰ च॰ १,३१६, श्राया० १, ३, १, १०६; १, ७, १, ६०; पिं० नि॰ १३३; नाया० १४; १६, राय० २३७; विवा॰ ६; पंचा॰ ७, १७; (२) **બ**ક્ષીસ આપેલ; સમર્પ્પણ કરેલ. समर्पित; श्रापित; पारितोषक में दिया हुश्रा-दी हुई. ( one ) who has been presented with. श्रीव० १६. भग० ५, ६, पग्रह० २, १; (३) अशंसा; तारीः; भिक्षा. प्रशंसा; स्तृति praise; glorification. श्राया॰ २, ४, १, १३२; पन ११; (४) संयुक्त. संयुक्त; मिला हुआ. joined with; accompanied with. भग॰ ११, ११; (४) प्रस्तावना ઉપसंदार वर्गेरेथी युक्त प्रस्तावना, उप-संहार श्रादि सहित. accompanied with a preface, a conclusion etc. त्र्रागुजो॰ १२८; ( ६ ) ये। ४ना ५रेल योजित; योजना किया हुआ -की हुई. planned; arranged. विशे १५४: —चरश्च. ति॰ ( -चरक ) ध्यांध्यी આણેલ હાય કે બક્ષીસ આવી હાય તેની गवेपणा धरनार. कहीं से लाई हुई या पारि-तोषक मे प्राप्त वस्तु की गवेषणा करनेवाला.

(one) who seeks only that which is brought from out side or got as a present. श्रोव॰ १६; — वयगा. न॰ ( -वचन ) अशंसा रूप वयन क्रेम हे आ स्त्री रूपाणी छे. प्रशंसायुक वचन ज़ैसे श्रमुक स्त्री रूपवान है words of praise; commendation; e. g. of the beauty of a woman श्राया॰ २, ४, १, १३२;

उवर्णीय. त्रि॰ ( उपनीततर ) सानाहिश्मा व्यतिशय भग्न थयोल ज्ञानादिक में जो व्यतिशय नम हो वह. ( One ) deeply absorbed in right knowledge etc स्य॰ १, २, २, १७,

उविश्वितराग. त्रि॰ (उपनीततर) अति नण्डेनु. श्रतिशय समीपस्थ; बहुत पास का Very close to; very near to. स्य॰ २, १, ३६;

उवसुष्पयणी स्री॰ ( स्रवपातीत्पतनी ) स्थान्ताशमा स्थान हित्यानी विद्याः स्नाकाश में चढने उत्तरने की विद्याः Art of ascending and descending in the sky. नाया॰ १६,

उवरणिसंडं सं॰ कृ॰ श्र॰ (उपन्यस्य) ७५-न्यास ४रीने स्थापनं ४री ते. उपन्यास करके स्थापन की हुई. Having placed; having deposited; having established. विशे॰ १२५५;

उचत्थाडः त्रि॰ (उपस्तृत) आसपास ८ धा-थेर्लुं. श्रासपास ढंका हुश्रा. Covered on all sides. "श्रातिषणा वितिषणा उचत्थडा संथडा" भग॰ १, १, राय० २७३;

उचत्थागिष्रः न॰ ( उपस्थानिक ) लुओ 'उचहागिष्रः 'शेष्टः देखो 'उचहागिष्रः' शब्द Vide 'उचहागिष्रः' जं॰ प॰ उचत्थागियाः श्री॰ ( उपस्थानिका ) लुओ।

'उवट्टाणिया' शण्ट. देखी 'उपट्टाणिया' शब्द. Vide डक्ट्रागिया' भग० ११: ११. उचारियश्र-य त्रि॰ (उपस्थित) पासे रहेकः तैयार राष्ट्रेक्ष. समीप मे **रहा हुळा-हुई**; तैयार. Situated near; in a state of readiness; standing near. "इस-विहास्त्रया उवभोगत्ताणु उवरिषया " सम् १०; नाया० १६; दसा० ६, १७; २३; २४;  $\sqrt{3}$ व-दंस धा $\circ$   $\mathrm{I},\ \mathrm{II}.\ (3$ प- $\mathbf{c}$ ग्)हेणाः वुं. दियाना. To show; to munifost. उवदंसेष्ट्. ति० भग० २, १०; ३, २; १२, ६; १६, ४; ६; विवा० १; कप्प० ६, ६४; उवदंसंति भग० ३, १: टबर्सेंति जं० प० ५, १२१; डवदंसेमि. मु० च० १४, ११३; मृय० २, 9, 99; उवदंसिजा. वि॰ भग० ११, १०; दसा॰

३, १४; १४;
उवदंसेजा. वि॰ भग॰ १४, =;
उवदंसेजा. वि॰ भग॰ ३, २;
उवदंसेत्ता. वि॰ भग॰ ३, २;
उवदंसेत्ता. सै॰ कृ॰ भग॰ ३, १;
उवदंसेत्ताए हे॰ कृ॰ भग॰ ६, १०; ४,
६; राय॰ ७, ६; २६=;
उवदंसेताए. हे॰ कृ॰ भग॰ ४, ४; १४, ६;
उवदंसेमाण. राय॰ ७१; भग॰ १२, ६;

नाया॰ ५; जं॰ प॰ ४, १९७; उवा॰

उवदंसिजमाण. क॰ वा॰ व॰ कृ॰ नाया॰ १३; उचदंसण पुं॰ (उपदर्शन) नीक्षवन्त पर्वत ७भरनुं नवमुं शिभ्भर. नीलवत पर्वत पर का नवमां शिखर. Name of the 9th summit of Nilavanta mount ठा॰ २, ३; जं॰ प॰ (२) देभाऽनुं; सतावनुं दिखाना;

म, २४६;

बताना. Act of showing or pointing out. प्रव॰ १३६; — कृड. पुं॰ (-कृट) लुओ 'डवदंसण ' शन्ह. देनो ''डवदंसण '' राब्ट. Vide ''डवदंसण '' जं॰ प॰

उचदंस्तग्या. स्ना॰ (डपदर्गन) नाभनी अर्थ साथे भाजना ६री वस्तुनुं निदर्शन ६रवृं ते नामकी स्वयं के साथ योजना करके वस्तु का निदर्शन करना. Pointing out a thing by naming it and explaining the connection between the name and its meaning. भागुजो॰ ७२;

उचदंखिय. त्रि॰ ( उपदर्शित ) दर्शविक्षं; यताविक्षं प्रदर्शित; बताया हुम्रा. Shown; pointed out श्राणुजो॰ १६; ऊत्त॰ २४, ३४;

उचिद्धिः त्रि॰ (उपिदेष्ट ) ७५६२१तुं; दसिनुं उपदेशितः वतलाया हुत्रा. Taught; instructed; pointed out. भग॰ ६, ३३; श्रमुजो॰ ३७, श्रोव॰ २३; पन्न॰ ५४,

√ उचिद्सि धा॰ I. (उप+दिश्) ७५६श ४२वे। उपदेश करना. To teach; to advise; to preach.

उविदेसह. ऋष० ७, २१०; जं॰ प॰ २, ३०; उविदेसीते. नाया॰ ५; पगह० १, २;

उवदिसित्तप्. हे० कु० नाया० १४;

उचदेस. पुं॰ (उपदेश) ७५६शः ५र्गनाभाधः उपदेशः धर्म का बोध-ज्ञान. Religious teaching; instruction; sermon. भग॰ ६, ३१; ३३; १८, २; नाया॰ १६: पन्न॰ १;

उचरेसण न॰ (उपदेशन) लुओ 'उवदेस' श॰६. देखो 'उवदेस' शब्द. Vide "उवदेस" ठा॰ =, १;

√ उच-ह्न. था॰ I, II. ( उप+द्वु ) ७५६व

કરવા; हु.भ हेवुं, भारवुं. उपद्रव करना; दुःख देना; मारना. To harass; to give pain or trouble; to kill.

उवहवेमो. भग० =, ७; उवहवेह =, ७;

उवद्वेमारा भग० =, ७.

उवह्व. पुं॰ (उपद्रव) महाइए त्याहत पुं॰ (उपद्रव) महाइए कष्ट, श्राफत; संकट. Great trouble; calamity. भग० ६,३३; नाया॰ १, जं॰ प॰ २, २४; जीवा॰ ३, ३; —रिक्खिर वि॰ (-रिक्क) उपद्रवसांथी रक्षणु धरनार. उपद्रवसे रज्ञा करनेवाज्ञा. (one) who saves from, protects against troubles, dangers etc. प्रव॰ ६४१; उवधारेमाण्. ति॰ ( उपधारयत् ) धारणु

કરતা. धारण কংলা हुआ. Retaining things (perceived) in the mind; putting on. ম্যত হ, ২২;

उवधारण्याः स्नो॰ ( \*उपधारण् ) अर्थाय-अंदनुं ओं । नाभ. अर्थावप्रह का एक नाम Apprehension of an object; a synonym for Arthāvagraha नंदी॰ ३०;

उवधारियः त्रि॰ ( उपधारित ) धारणु ६रेस धारण किया हुआ-की हुई. Retained in the mind; put on. भग॰ १, ६,

उवनम था॰ I. (उप+नम्) नभरकार करना, प्रणाम करना. To salute, to bow to

उवणमंति. तडु॰ स्य॰ १, २, १, १, उवणमंतु भग॰ ३, २,

उवनंदराभद्द पुं॰ ( उपनन्दनभद्द ) आर्थ संभूतिविज्याना व्ये नामना व्येट शिष्य प्रार्थसंभूत विजय के एक शिष्य का नाम Name of a disciple of Atya Sambhūta Vijaya कप्प॰ =,

Vol 11/36.

उवनचिमारा. त्रि॰ ( उपनृत्यमान ) नाय ५२ते।. नृत्य करता हुआ. Dancing राय॰ २७५; २८६,

√ उव-निमंत था॰ II (उप+नि+मन्त् )
पासे आवी निभ त्रख् क्ष्यु समीप मे
श्राकर निमत्रण देना. To invite by
approaching; to invite
उविमंतिम उवा॰ ७, २२०;
उविमंतिस्सिति राय॰ २२६,
उविमंतिस्सामि उवा॰ ७, १८८,
उविमंतिस्सामि उवा॰ ७, १८८,
उविमंतिस्तामि उवा॰ ७, १८६,

उचिनिद्दिन्न. त्रि॰ ( श्रौपनिधिक ) गृह्रस्थ भेडे। होय तेनी निष्ठा हो श्रौर असहाराहि होय तेनी गवेपा इरवाना असिश्रह् धरनार गृहस्य वेठा हो श्रौर उसके समीप श्राहारादि हो उसकी गवेषा करने का श्राभिग्रह धारण करनेवाला. (One) who has taken a vow to seek only that food which is actually lying by the side of householders ठा॰ ४, १, पएह॰ २, १,

√ उय-ने ना॰ I ( उप+नी ) सम्रुक्त नं हिर्सुं. लेजाना To lead, to carry, (२) सेट व्यापित मेंट देना to give as a gift; to give a present (३) से १५५ मॉपना to hand over; to give under the charge of उच्छेइ-ति. नाया॰ १, २, ३; ४, ५; ६;

्नात. गावाङ ४, २, २, २, २, ८; ८; १२, १४, १६, १७, १⊏, ज०प० राय० २६०; सु० च० २; ३०⊏,

पिँ० नि० ४२३;

उवर्णिति सु॰ च॰ २, ३५३; उवर्णेति. नाया॰ १, ३, ५, ८; ६, उवा॰ ८, २४३,

उवलेमो नाया० ८; दसा० १०, ३,

उनसेहि नाया॰ २; १२; १६; उनसेहि. नाया॰ १३; म; १६; उनसेहिति. श्रोव॰ ४०; उनसेता. स॰ कु॰ स्य॰ २; ६; १; उनसित्तपु. हे॰ कु॰ वन॰ १, २३; उनसित्तपु. के॰ वा॰ उत्त॰ १३, २६;

उवन्नासोव गुन्न पुं॰ ( उपन्यासोपनय ) वाहिने जितवाने अत्युत्तर आपवे। ते. वादी को जीतने के लिये प्रत्युत्तर देना. replying an adversary with a view to refute his argument. ठा॰ ४, ३,

उवण्याण. न० (उपप्रदान) राजनीतिनी जीले अधार; पहेंसा अधारथी हुस्मन वश्च न थाय ते। पछी डंग्रंड आपी सस्यापी तेने वश धरवानी नीति. राजनीति के चार भेदों में से दूसरा भेद; पहले प्रकार से शत्रु के घश न होनेपर उसे कुछ लाखच देकर वश करने की नीति. (In politics) the 2nd mode of bringing an enemy under subjection viz enticing him to submit by offering some

उवबृह. पुं॰ ( उपबृंह ) सभानधिभियाना सह्-शृज्ती प्रशंसा हरी तेमना भनने कित्सादित हरवा ते. समद्यमियोंके सद्गुणकी प्रशंसा करके उनके मनको उत्साहित करना Encouraging; cheering up; cheering up comrades in a common profession by praising their virtues.

gift. विवा॰ ३; नाया॰ १; राय॰ २०६;

पञ्च० १; पंचा० १४, २४; प्रव० २६६; उचवूह्ण. न० (उपबृंहण ) निक्षाय; २क्षणु; वृद्धि; भे। पण्च. निभाव; रज्ञा; वृद्धि. Encouraging; nourishing; protecting. पंचा० २, २८; पण्ह० २, १; ४; उचबृह्णिय. त्रि० (उपबृह्णिक ) वृद्धि-पृष्टि

धारधः पुष्टि करने वाला. Nourisher of the body. निसी॰ ६ ११;

उचवृहा. स्री॰ (उपवृंहा) शृशिलिनीना शृश्नी भरां सा करवी; समिक्तिना आहे आयारमांनी पांचमे। आयार गृशीजनी के गुणकी प्रशंसा करना; सम्यक्त्व के आठ आचारोंमेसे पांचवा आचार. Praising, glorifying the merits of the meritorious; the 6th of the eight Acharas of right belief or Samakita. उत्त॰ २८, ३१;

उपनृहित्रणं. ष्र॰ (उपनृंद्ध) કुडु કुडु आवाल ध्रीते. कुह कुह शब्द करके. Having made a noise resembling "Kuha, Kuha;" cooing. सु॰ च॰ १, १६३;

उचन्द्रितः ति॰ (उपत्रृंहतः ) अशंसा ४२ते।. प्रशंसा करता हुत्रा. Praising; applauding; गच्छा॰ ३४;

√ उव-भुंज. घा॰ I. (उप+मृज्) भावं. खाना. To eat; to dine. डबसुंजइ. नाया॰ ७;

उबभुंजासि. सु॰ च॰ १, २१३;

उच्चभुत्त. त्रि॰ (उपसुक्त ) भीगवेद. मोगा हुआ. Enjoyed मत्त॰ ३६;

उत्यभेग. पुं॰ ( उपभोग ) ઉपभोगनी वस्तुः केती वारंवार उपभोग थर्ध शहे तेवा श्री वस्त्र भूषण् वगेरे. उपभोगकी वस्तुः जिस का वारंवार उपभोग हो सके ऐसी वस्तु-स्त्री वस्त्र, भूषण श्रादि. An object of enjoyment; an object of enjoyment which is not consumed by being used once, e. g. clothes,

ornaments etc. कप्प॰ ३, ४४; प्रव॰ २=२; क॰ गं॰ १, ४२; पन्न॰ २३; टवा॰ १, २२; ४२; पंचा॰ १, २४; —श्रंतरायः न० ( -म्रन्तराय) थ्यन्तराय કર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી વસ્ત્ર આભૂપણ વગેરેના ઉપભાગ થઇ શકે નહીં. श्रन्तराय कर्म की एक प्रकृति जिस के उदय से वस्न, श्राभूषण स्त्रादि का उपभाग नही हो सकता. A variety of Antaraya (i. e. obstructing ) Karma by the rise of which a person cannot enjoy clothes, ornaments etc उत्त॰ ३३, १५; सम॰ १७; भग॰ ८, ६; —ह न० ( - प्रर्थ ) परत्र आहिना **६ प्रभाग भारे. वस्त्र स्नादि के उपभाग** के लिये. for the sake of the enjoyment of clothes etc. दम॰ ६. २, १३: —परिभोगपरिमाखः न॰ (-परि· भोगपरिमाण ) गृहस्थाना सातमा प्रतनुं નામ કે જેમાં એકવાર કે વાર વાર ભાગવાય તેવી વસ્તુઓનું પરિમાણ બાંધવામાં આવે छे. गृहस्थके सात वें व्रतका नाम जिसमें कि उपभोग्य-वारंवार भोग में श्रानेवाली-वस्तु श्रों के परिमाण की प्रतिज्ञा की जाती है. the 7th vow of a householder in which a limit is fixed as to the possession of objects of enjoyment of both kinds, viz. those consumed by one use and those not so consumed भग० ७, २; --लिध्य स्री० ( सब्धि ) ઉपभाग-वस्त्राहिश्नी आप्ति. उपमोग-वस्त्र श्रादिकी प्राप्ति. acquisition of objects of enjoyment such as clothes etc. भग॰ ८, २;

उवभोगत्त न० (उपभोगख) वस्तुने। ७५-भागः (अपयान उपमोगः उपयोग Use. enjoyment. सम॰ १०; उवमा क्षा॰ (उपमा ) भुक्षामक्षीः, सरभा-

મહ્યી; ઉપમા. तुलना; उपमा Compa-"श्रमहा परिक्षे सक्षे उवमान विज्ञरु" उत्त० ७, १४; ३६, ६४; पन्न० २, ३०; श्रोव० विशे० ४७०: राय० २४६: श्राया० १, ४, ६, १७०; उता० १, ६२: ३, १४४; क० गं० १, १६; पचा० १६,१०; (२) धारणाः भान्यताः धारणाः मान्यताः behef, supposition, उत्त॰ ४, ६,

उविमिश्र-य. त्रि॰ (उपितत ) ઉपभायुक्त. उपमा सहित (That which is) compared ० जंप० भग० १=, १, विशे॰ ६८४:

उचमियः त्रि॰ (श्रीपमिक-उपमयानिवृत्त मीपीमकं उपमामन्तरेण यत्कालप्रमाणम-नतिशायिना प्रहीतुं न शक्यने तदौपिम-कम्) જેનું કાલપ્રમાણ ઉપમા વિના ખીજાથી ળાણી ન શકાય માત્ર ઉપમાયીજ જાણી શકાય તેઃ પલ્પાેપમઃ સાગરાેપમ વગેરે. जिसका काल प्रमाण विना उपमाके नहीं जाना जा सके वह; पल्योपम; सागरीपम त्रादि. (Anything) the measure of which can be understood or grasped only by a simile and not otherwise; e.g Palyopama; Sāgaropama etc. भग॰ ६, ७; उवयरिय. त्रि॰ ( उपंचरित ) ७५यार ४रेल उपचार किया हुआ. Worshipped.

विशे० २८३:

उवयार. पुं• ( उपचार ) પૂજ્યસામગ્રી. पूजा-सामग्री. Articles of worship. श्रोव॰ पन्न० २, सू० प० १०; राय० ६०: जीवा० ३, ३; नाया० १; ३; श्रागुओ ० १३०; भग० ६, ३३; ११, ११; कप्प० ३, ३२; ४, १८; पचा० २, ३६; जं० प० ४; દર; સુ૰ ૨૦૧, ૨૦; (૨) કારણમાં કાર્યના અને કાર્યમાં કારણના આરાષ

श्रारोप-जैसे कि कारण में कार्य का श्रीर कार्य में कारण का श्रारोप. attributing the nature or properties of one thing to another; e. g. identification of cause with effect and vice versa. विरो १६०; (३) सभू६; ६गसी. समृह; हर. a group; a collection. सम॰ ३४; (४) औड विषयथी जीक विषयमुं श्रद्ध इरवुं. एक विषय से दूसरे विषय का प्रहण करना. figurative or metaphorical use, secondary application. विरो १२; (५) लीड १२५ (५) लीड १२५ (१) लीड १२५ (१) लीड १० १०); राय॰ २६९; श्रोष॰ नि॰ ७४०;

उवयार. पुं॰ (उपकार) ७५।२; भन्द; भेट. उपकार; भेट; सहायता. Obligation; help; a gift; a present. सु॰ च॰ १, १४; श्रोघ॰ नि॰ १८; भर्त॰ ११८;

उवयारिश्र. पुं० (श्रोपचारिक-उपचारो लोक ब्यवहार: पूजा वा प्रयोजनमस्येति ) क्याप-यारिक विनय; विनय का एक प्रकार A way of showing respect; observing proper forms of respect. पंचा• ६, ३७;

लंबा चौड़ा है. Name of a mansion in the centre of the Vanakhanda (forest-region) of Sūryābha, which is one lac of Yojanas in length and breadth. जं०प०४, ==; उवयालि. पुं॰ (उपजालि) अंतरार सत्रता चेिाथा वर्शना त्रीन्त अध्ययननुं नाम श्रंतगढ़ स्त्र के चीथे वर्ग के तीसरे अध्यास का नाम. Name of the third chapter of the fourth section of Anta-Sūtia. (२) वसुद्देवरालनी ધારણી રાણીના પુત્ર કે જે નેમનાથ પ્રભુ પત્સે દીલા લઇ ળાર અંગના અભ્યાસ કરી સાળ વરસની પ્રવજ્યા પાળી શત્રુંજય ઉપર એક માસના સંયારા કરી પરમ પદ પામ્યા वसुरेव राजा की घारणी नामक रानी का पुत्र जिमने कि नेमिनाथ प्रभु से दीचा ली थी श्रीर वारह श्रंग का श्रभ्याम किया था तथा सोलह वर्ष तक तप कर श्रंत में शत्रंजय पर एक मास का संथरा किया और मोच पाचा. name of a son of Dharani the queeen of king Vasudeva. He took Dīkṣā from Lord Neminātha, studied 12 Angas, practised asceticism for 16 years and after a month's Santhārā ( giving up food and water ) Šatrunjaya got emancipation. श्रंत॰ ४, ३; (з) અણંત્તરાવવાદાના પ્રથમ વર્ગના ત્રીજા અધ્ય-यनतुं नाभः श्रशुत्तरोववाई के प्रथम वर्ग के तीसरे अध्याय का नाम, name of the third chapter of the first section of Anuttaiovavai. (8) મેબિક રાજાની ધારણી રાણીના પુત્ર કે જે દીક્ષા લઇ ગુણરયણ તપ કરી સાળ વરસની

પ્રવજ્યા પાળી વિપુલ પર્વત ઉપર એક માસના સંથારા કરી જયંત નામના અનુત્તર વિમાન-માં ३૨ સાગર ને આઉખે ઉત્પન્ન થયા, ત્યાંથી એક અવતાર કરી માેક્ષે જશે. श्रेणिक राजा की धारणी रानी के प्रत्र का नाम जिस ने कि दोन्ना प्रहण कर गुण्रयण नामक तप किया श्रीर सोलह वर्ष तक प्रवज्या का पालन कर विपुल पर्वत पर श्रत में एक मास का संथारा करके जयंत नामक त्र्यनुत्तर विमान में ३२ सागर का श्रायुष्य प्राप्त कर उत्पन्न हुआ, वहां एक अवतार करके मोच जांयगे. name of a son of Dhāranī queen of Śreinka. He took Dīkṣā, practised the Gunarayana austerity, observed asceticism for 16 years and after a month's Santhara (giving up food and water) on Vipula mount, was born in the celesabode named Jayanta tial with a life of 32 Sagars After one more birth he will get salvation. श्रम्त॰ १, ३;

उचयोग. पुं॰ ( उपयोग ) पेताता विषयने ज्लाखाने ते तर्द क्षस आपयुं ते, शण्दाहि विषय तर्द छिदियनी अवृत्ति-ज्यापार. अपने विषयको समक्तेके लिये उस तरफ लच्च देना; शब्दादि विषयों की और शब्दयों का सुकाव-व्यापार. Operation of the senses in cognising their objects; e g. of the ear in relation to sound; straining of the senses towards their objects विशेष २०६८; ( २ ) पाय ज्ञान त्रश् अज्ञान अने यार दर्शन इन

में से कोई भी एक. any one of the group of the twelve, viz. 5 kinds of knowledge (Jñāna), 3 kinds of ignorance (Ajñāna) and 4 kinds of belief (Darśana) उत्तः २८, १०; विशे॰ ३१०६; - ह्या. ह्या॰ (-श्रर्थता) ઉપયોગપણું, ઉપયોગની અપેક્ષા उपयोग लगान की श्रपेना; उपयोग पन; उपयोगिता. state of being Upayoga; desire for Upayoga. (q v) भग० ८, ५:

√ उच-रम. धा॰ I. ( उप+रम् ) नियर्त्युः; अटक्ष्युं. दूर होना, रुक्तना. To cease; to stop, to desist from.

उवरमइ. भग० १, ५; नाया० १८,

उचरम. पुं॰ (उपरम — उपरमण्मुपरमः) अ-क्षाय; निपृत्ति श्रमाव, निग्रत्ति. Absence; cessution, desisting from. विशे॰ ६२;

उचरय ति॰ (उपरत) पापथी निश्ति पामेक्ष. पाप से हटा हुआ; छुटकारा पाया हुआ. (One) who has desisted from sin. आया॰ १, ३, ४, १२१; १, ४, १, १२६, दस॰ ६, १२; उत्त॰ ६, ७; नाया॰ १; ६, भग॰ ६, १०; सूय॰ २, १, ५६, वव॰ ३, १३, कप्प॰ ४, ६२; क॰ गं॰ ६, १०; (२) वैरलाव विनानीः वैरभाव रहित. free from feelings of hostility. "न हणेपाणियोपायो, भयवेराड उचरए" उत्त॰ ६, ७, आया॰ १, ३, १, १०६;

उवराग पु॰ ( उपराग ) अहु प्रहण; खप्रास. An eclipse. जीवा॰ ३, ३; उन्नार. श्र॰ ( उपारे ) अपर; अने जपर, जना, जर्म भाग मे. Above; upon; upwards. " मदरचूजियाण उपार चत्तार जोयणाइ" ठा॰४; उत्त॰ ३६, ४७; विशे ॰ ४३०; नाया० १; २ ४; म; ६; जं ० प०१, ३, भग०२, म, ६, ७; १४, ६; १६, ६; पिं ० नि० भा० २०; क० गं० १, ४०; क० प० ४, ४४;

उन्निरं श्र॰ (उपरि ) ७५२ ऊपर. Upon; above; over क॰ प० १, ६७ जं॰ प॰ ५, ११६,

उवरिचर त्रि॰ ( उपरिचर ) आशशमां अधर २६नार. ऊपर श्राकाश में-श्रंतराल में रहने वाला Remaining, situated up in the 4ky; high in the sky. जीवा॰ ३, १;

उदरितलः त्रि॰ ( उपरित्तल ) ७ परःगुं तथीगुं कपर का मपाट गाग. The above plat surface. भग॰ १,६; जं०४, = ६;

उवरिपुंछणीः स्री० ( उपरिपुञ्जिना ) साध्डी-

ની છત ઉપર ત્રીણા તરણાનું મજછુત

थान्छाहन, चटाई की छत पर वारीक घास का पक्षा आच्छादन. A strong covering (made of straws) upon a mattress ceiling. राम॰ १०=; उवरिमः त्रि॰ (उपरिस ) ७५२नुं; ७५वुं ऊपर का; ऊंचा. Situated, remaining above or upwards. निसी॰ १६, १७; भग० १, ५; =, १०; ९, ३२; १२, १०; नंदी० १८; पन्न० १, उत्त० ३६, ६१; ठा० १, १; पि० नि० १५०; प्रव० ६, ६; — गेवेज्ञग. पुं॰ (-भेबेयक ) श्रेवेयकता नव विभानभांना ७५२ना त्रख विभान. प्रेवैयक के नी विमानों में से ऊपर के तीन विमान the three topmost of the nine Graiveyaka heavenly abodes. (२) अपरनी त्रिक्ता देवता. जपर की त्रिक के देवता. a deity of any of the three above mentioned heavenly abodes भग॰ १८, ७; --गेबेड्बगकणातीय. न॰ ( -प्रेवेयक कल्पातीत ) Gभरना श्रेवेयकना ४६५ तीत देवता. डवर के प्रेवेयक के कल्पातीत देवता. n Kulpātīta deity of the upper Gruiveyaka heavenly abode भग॰ ज, १,

— गेवेद्धय पुं॰ ( प्रेत्रेयक ) न्तुओ। "उव-रियगेवेद्धम " शण्डः देखी " उविरय-गेवे जग " शब्दः vide " उविरयगेवेद्यम " भगः १,२: — तलः पुं॰ ( -तल ) ઉप-२नुं लाय-तणीक्षं ऊपर का छतः ऊपरकां फर्शः the upper floor. " जंबूद्रावण्य-माणा उविरयबलेण" भगः २, ६ः

उचरिमगः ति॰ ( उपरिमक-उपरिमा प्रवेषिर-मकाः ) अपर अपर रहेनारः अपरशं अपर रहनेवालाः Situated one upon another; remaining one above another. तिरो॰ ६६८;

उविग्मिय ति॰ ( उपरिमक् ) लुओ " उप-रिमग " श॰६ देखो " उपरिमग " शब्द. Vide " उपरिमग " विशे॰ ७७;

उचारिमा न्यं। (उपरिमा) नय्धेवेयक्षी त्रख् त्रिक्षमांनी ७५२नी त्रिक्ष-त्रख् विभान, नव्येवे-यक की तीन त्रिकी में से सबसे ऊपरकी त्रिक-तीन विमान. The topmost three of the 9 Graiveyaka heavenly abodes, उत्तः ३६, २९२; —उचिरम. पुं। (-उपरिम) ७५६६ त्रिक्षमां ७५२-नय्यमां श्रंवेयक्षमां रहेनार हेनता. ऊपर की त्रिक में ऊपरके देवता—नवें प्रवेयक के ( the deities) of the ninth and topmost Graiveyaka heavenly abode. उत्तः ३६, २९३;—मिल्मिम. पुं। (-मध्यम) ७५४ी त्रिक्षमां भध्यम-आहमा श्रेवेयक्षता हेनता. ऊपर की त्रिक में मध्यम - श्राठवें प्रवेयक के देवता. (the deities) of the eighth (middle of the topmost three) Graiveyaka heavenly abode उत्तः ३६, २१२; —हिहिम. पु॰ (\*) अपक्षी त्रिक्षमा अभ्यत्त-सातमां भैवेयक्षना देवता. जगर की त्रिक्ष में कोचे के देव-सातवें भैषेयक के देवता. (the deities) of the 7th (the lowest of the topmost three) Graiveyaka heavenly abode. उत्तः ३६, २१२;

उचरिल्ला त्रि॰ (उपरितन) ७ ५२नुं, ७ ५९ुं. उपरित्ता त्रिं। (उपरितन) ७ ५२नुं, ७ ५९ुं. उपरका Situatad above; upward; upper. "उवरिल्ले तारारूने चारं चरति" ठा॰ ६; निशे॰ ६६७, पन्न॰ २, १६; श्रयाुजो॰ १३४, सम॰ ६, नाया॰ द्रः जीवा॰ ३, १, पिं॰ नि॰ १४०; भग॰ १, ६; २, द्रः १०; ३, १; ६, ३; ४; ६; १४, १; १६, द्र, २२, १; २४,७; ३०, १, जं॰प॰२, ३३; ७, १६४, उचरिसिज्जमाणः त्रि॰ (उद्वृष्यमान) परसाह-

थी लिळातु वरसात में भोंगता हुआ. Getting wet with rain निसीट २, ४२; उषरहः न० (उपरोद्ध) नारशीना अगोपाग

ल्पत. नारकीयों के श्रंगोपांग छेदकर दुःख देशे वाले उपरोद्र देव; परमाधामी देवतायों की छुट्टी जात. The 6th class of Parama-

તાેડી દુઃખ દે તે ઉપરાંદ; પરમાધામીની છૂટી

the limbs and sub-limbs of hellbeings and torture them. भग०३,७;

dhāmīs (deities) who tear off

उवस्विरि. य॰ (उपर्यंपरि) ओक्ष भीकानी ६५२. एक दूसरे के ऊपर. One upon another, one above another "उवस्वरितरंगद्दिय श्रासिवेगचक्स पर- मोच्छरंत "पगह० १, ३; निसी० १८, १८; उवरोह पु० (उपरोध) हु:भ; लाधा हु:ख;

तक्लीफ Pain; trouble (२) आश्रद न्नाग्रह. restraint. सु० च० २, ४५२;

(३) अऽध्यः रे।ध्यः श्रटकावः रोकः

obstruction; impediment. परह०२,

२, कारक. त्रि॰ ( कारक ) ७५२।५ ४२-नार, अटंडावनार. रोकनेवाला, वाधा पहुं-

चानेवाला. impeding. obstructing; troubling पग्ह॰ २, २,

८५४: पञ्च० १:

उचल. पुं॰ (उपल) ५,थ२; ५।छे।. पत्थर. A stone. सु॰ च॰ १२, ४६; पिँ० नि॰ भा॰ ७, उत्त॰ ३६, ७३; भग॰ ५, २; विशे॰

उचलंभ. पु॰ (उपलम्भ) धिर्धियानः साक्षाः त्धार इंद्रिय ज्ञान, साम्रात्कारः Direct perception (by the senses) पंचा॰ ३, २३; ६, १०; १३, ३८, विश्व॰ ३५; १८६३; (२) सभू ुः. समूहः. व

group; a collection सु॰ च॰ २, =१; उवलंभगा. स्रो॰ (३ उपलम्भना) १५११नु वयन; ઉक्ष भी. उपालंभ, श्रोत्तम्भा Words of rebuke or reproach. नाया॰ १=.

उवलंभमार्ग. पुं॰ ( उपलंभमान ) ६५३। हेते।. उपालंभ देता हुआ Rebuking; 1eproaching नाया॰ १८;

उयलक्स ए न॰ (उपलच्छ) परिज्ञान-धंधाण; भुण्य वस्तुन ज्ञान थवाथी गाणुवस्तुन ज्ञान न्थी थाय ते. वह ज्ञान जिससे मुख्य वस्तु का ज्ञान होने से गोण वस्तु का ज्ञान होजाय A mark; a characteristic or distinctive feature, implying something that has not been

<sup>\*</sup> लुओ पृष्ट नम्भर १५ नी पुरने। ( \* ). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट ( \* ). Vide toot-note ( \* ) p 15th.

actually expressed. सु॰ प॰ ३, १८६. विशे० ६३२;

उवलद्धः त्रि॰ ( उपलब्ध ) পाणुयाभा आवेत;प्राप्त थेंगेल समका हुत्रा; प्राप्त.

Known; understood, gained;

obtained. ' श्रहणं सहोइ उवलस्रो,

तोपेसंति तहाभूएहिं श्रन्ना उच्छेदंपहेहि " स्य० १, ४, २, ४, प्रव० ६७०; नाया०

१२; १६; भग० २, ५; ६, ३३; विशे०६२;

-पुटचः न० ( -पूर्व ) पहेंदेथील प्राप्त थ्भेत. पहिले से ही मिला हुआ. gained;

obtained before-hand. नाया॰ १४; उवलद्धार स्त्री॰ (उपलब्धृ) वस्तुने। सा-

क्षात् क्षात् क्षात् क्षात् क्षात् क्षात् वस्तु को देखने वाला; वस्तु को जानने वाला

One who knows or perceives an object; direct perceiver of an object "उपलब्धा वस्तूनां बोध्या"

विशे० ९२; १८६३;

उवलिद्ध स्री॰ (उपलिब्ध) ज्ञान; साक्षात्डार; ज्ञान; साचात्कार. Knowledge; per-

ception, observation. विशे० ६१; --सम त्रि॰ ( -सम ) साक्षात् शर लेवु

साज्ञास्कार सरीखा. similar to or equal to direct perception

विशे० १२८;

 $\sqrt{$  उव-लभ धा॰  $\mathrm{I}$  (उप+लभ्) प्राप्त ४२-वुं; भेणववुं प्राप्त करना, मिलाना. To get; to obtain; to acquire.

टवलठभइ क० वा० त्र्रागुजो० १२८;

उवलब्भे वि॰ दसा॰ ६, ९; उवलब्भंते नाया० १२:

उचललियः न० (उपललित) એક જાતની धाभ येष्टा एक तरह की काम-चेष्टा. A

kind of amorous gesture in a woman; a kind of voluptuous gesture. नाया॰ ६;

उवलालिज्जमाण् त्रि॰ (उपलाल्यमान )

કામક્રીડા કરતાે; ઇચ્છાનુસાર લીલા કરતાે. कामचेष्टा करता हुआः, इच्छानुसार कीटा

करता हुआ Sporting at will; do-

ing amorous sport. " उवगाइजमा-ये उवलालिजमाये " राय० २८८; जं० प०

३, ६७, नाया०१; भग० ६, ३३; राय०२७५;

**ફેરવવા; ચાટવું; લા**ડલડાવવા. हाथ फेरना;

चाटना; लाड लडाना. To pat with the hand; to lick; to fondle

and endear. उवलिंपए, गच्छा० १६;

उवलिप्पइ क॰ वा॰ उत्त॰ २४, २६;

श्रोव० ४०;

उवीलत्तः त्रि॰ ( उपन्तिस ) छाण्ये ९ सिपेस. गोवर से जिपा हुआ. Bedauhed or

smeared with cowdung; cow-

dunged. दसा॰ १०, १; नाया॰ १; ३;

१६; जीवा॰ ३, ४, काप० ४, ५८; ५, ६६: (२) ४र्भथी क्षिप्त थञ्जेत्र. कर्मो से लिपटा हुन्ना smeared with Karma, स्य

२, ४, ६: उचलेच. पुं॰ (उपलेप) ४ भीना क्षेप कर्मका लेप.

Assemblage, gathering together of Karma उत्त॰२१,२२;२४,३६;

उचलेचरा न० (उपलेपन) ७१९। प्रोरेथी

क्षिपवुं ते गोवर ऋदि से पोतना; विलेपन. Besmearing or anointing with

cowdung etc "उपलेवण सम्मज्जणं करेंद्र " भग० ११, ६; श्रग्राजो० २०; निर०

३, ३; राय० २७७,

उव-स्तियः धा॰ I. ( उप+र्त्ता ) निवास ५२वे। ठहरना To reside; to have an abode.

(२) वर्षा ऋतु पसार अर्थी। चातुर्मास व्यतीत करना। to spend the rainy season, to stay till the expiry of the rainy season.

उविश्वहुज्ताः श्राया॰ २, ३, १, १११;

उववज्ञ ति॰ ( श्रीपवाद्य - उपवाद्यानां राजा दिवल्लभानामेते कर्मकरा इत्यापवाद्याः) सेनापति, प्रधान, राजा, वगेरेने भेसवायाः असान, प्रधान, राजा इत्यादि के बैठने योग्य Worthy of being mounted by (e. g. a seat etc.) by a king, a minister, a general etc. दस॰ ६, २, ५;

उववण्. न० ( उपवम ) नानु वन, वननी पासेनुं वन. लघु बन; जंगलके पासका जंगल. A small forest; a garden; a park. नाया॰ १; पंचा॰ ७, १७;

उववर्ण्ग. पुं॰ (उपपन्नक) ઉत्पन्न थनार; पेहा थपेल. उत्पन्न होनेवाला, पैदा होनेवाला. One who is born; one that takes birth. भग॰ ५, ४; ८, १; २४, १; √ उवबत्त. था॰ I. (उप+वृत्) निश्वधुः नरशिः अव पुरे।श्री ण्ढार व्यावधुं. निक-जना; नरकादि भव पूर्णं कर बाहर व्याना. To come out; to emerge; to come out after finishing one's life in hell etc.

उववहइ. पष्ठ० १७;

उववत्तार. ति० ( \*उपपतृ ) अत्पन्न थनार. उत्पन्न होनेवाला ( One ) who is to born; (one ) who takes birth. "देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति" श्रोव० ३४; दसा० १०, ३; भग० १, १; २, ५; ५, ६, ६, ५; ६, ३३; २०, ६;

उचवात्त. स्रो॰ (उपपात्त ) अत्यत्तः; अपलवुं ते पैदायशः उत्पत्ति. Birth; creation; pioduction; being produced उत्त॰ २६, १४; ३४, ४८; नंदी॰ ४३; भग॰ ४०, १;

उववित्तमेस्त. न० ( उपपात्तमात्र ) क्षार्णक्षार्थं नी धटना मात्र. कारण कार्य की घटना मात्र. A mere fitting association established between cause and effect. विशे० १०७७;

उववन्त्र. त्रि॰ (उपपञ्च) ळुओ। "उववग्गा" शम्ध देखो " उववग्ग्य " शब्द. Vide " उववग्गा " प्रव० ११०७,

उववाश्र-य. पुं॰ (उपपात) ઉत्पन्न थ्युं; ઉत्पत्ति. उत्पन्न होगा; उत्पत्ति. Birth; creation; production; being born or produced. " द्यागोवनाय वयगोग्दे सेचिट्ठंति " भग॰ ३, ३; " एगे उववापु " ठा॰ १०; भग॰ १, १०; २, ७; ७, ५; ६, ६; ११, १; १२, ६; १४, १;

<sup>\*</sup> लुओ पृष्ठं नम्भर १५ नी पुटने। ( \* ). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने। ट ( \* ). Vide foot-note ( \* ) p. 15th.

Vol. 11/37.

98, 3; 4; 28, 92; 20; 28, 8,; 38, १; ४१, १; राय० २१३; श्रोव० ३८; नाया० ध० ३; ४; पन्न० २; जं० प० ४, ६०; जीवा० १; उवा० ६, २७१; प्रव० ४२; पंचा० ૧૪, ४=; (૨) ઉત્પત્તિ-દેવતા અને નારકીના ०४-भ थाय ते उत्पत्ति-देवता श्रीर नारकी का जन्म-पैदा होना. birth of heavenly and infernal beings. प्रव॰ ९१०६; आया० १, ३, २, ११४ १, ७, ३; २०७; सू० प० १; ठा० १, १; (३) विजय देवतानी सलानु नाम. विजय देवता की सभा का नाम. name of the council of the Vijaya gods. जीवा॰ 9. (૪) ભગવતી સ્ત્રના એકત્રિશમાં શતકનું नाभ. भगवती सूत्र के एकतीसवें शतक का नाम name of the 31st Sataka of Bhagavatī Sūtra. भग• ३२, २; ( ५ ) ७५।५; अरुख्. उपाय-कारण. a means; an expedient. भग. ३, ७; चव० ४, १५; (१) सेवा; लिक्ति. सेवा; মরি. service; reverent attendance upon. नाया॰ ६; भग॰ ३, ९; ( ૭ ) સમીપે-નજીકમા રિથતિ કરવી, પાસે भेसपु. पास-नजदीक में स्थित होना; पास बैहना sitting near; remaining in the vicinity of. क. प॰ १, ७%; उत्त॰ १, २; -कारि । त्रि॰ (-कारिन्) સ્ત્રાચાર્યાદિની પાસે નિવાસ કરી તેમના સ્પા**દે**શ **6**क्षपनार. श्राचार्यादि के पास रहकर उनकी श्राज्ञा सिरोधार्य करने वाला. (one) who remains or stays with a preceptor and carries out his orders. "उववाय कारीय हरीमरोप " स्य॰ १, १३, ६; -- क्रिंश खी॰ ( -कारिका ) यरण् सेवनारेह्शंसी. चरण सेविका-दासी. an attendant female

servant. नाया॰ ६; —गइ. स्ती॰ ( -गित ) छात्र अथवा पुद्रसने अड सव छोडीने जीको स्व अह्य इरवे। हे ओड स्थानेथी जीके स्थाने कर्युं ते. जीव या पुद्रस का भव त्याग कर दूसरे भव म जाना या एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना. passing from one birth or place to another on the part of a soul or a molecule of matter. भग॰ ६, ७; पक्ष॰ १६; —समा. स्ती॰ ( -समा ) देवताने उपल्यानी सला. देवताओं के उत्पन्त होनेकी समा. A place of birth for heavenly beings. भग॰ ३, १; १६, ५; राय॰ १६७; नाया॰ घ० निर॰ ३, ४; नाया॰ १३; ठा॰ ५, ३:

उववाइश्र-य. त्रि॰ ( भौषपातिक ) એક अय-માંથી ખીજા ભવમાં જનાર; એક શરીર છેાડી ખીજું શરીર ગ્રહણ કરનાર एक भव से दूसरे भव में जानेवाला; एक शरीर त्याग दसरा शरीर प्राप्त करने वाला. Passing from one birth into another; passing from one body into another. इस॰ ४; उत्त॰ ४, १३; भग॰ १७. ६; ७; आया० १, १, १, ३; सूय० १, १, १, ११; प्रव० १२५०; (२) देवता अने नारधी के सेक्क अने इंलीमां उपके छे. देवता स्रोर नारकी जो कि शय्या व कुंभी में उत्पन्न होते हैं ( heavenly and hell-beings ) who born in Sejjā and Kumbhī. श्राया॰ १, १, ६, ४८; (३) २भे। गश्त्रीश ઉત્કાલિક સૂત્રમાંનું પાંચમું; ઉવવાઇ ( એાપ-યાતિક ) નામે પ્રથમ ઉપાંગ સૂત્ર. उन्तीस उत्कालिक सूत्रोंमें से पांचवाँ सूत्र; उववाइ ( श्रीपपातिक ) नामका प्रथम उपांग सूत्र. the 5th of the 29 Utkālika

Sūtras; the first Upānga Sūtra so named नंदी॰ ४३; भग॰ ७, ६; १५, १; २४, ७; —गम. न॰ ( -गम ) भाषपातिः स्त्रभां दर्शावेक्षं छे ते प्रभाषे उचवाइ सूत्र में दिखाये श्रनुसार in accordance with what is pointed out or explained in Aupapātika Sūtra. दसा॰ १०, १;

उववातेयव्व. पुं॰ ( उत्पादियतव्य ) अत्पन्न

थवाने ये। २४. उत्पन्न हाने लायक One fit to take birth: one fit to be born or produced. मग० १२, ६, 94, 4; 20, 6; 28, 20; 29, 9; 28,9; उववायव्व. पुं॰ (उपपादियतन्य ) छत्पन्न थना थे।२४. उत्पन्न होने योग्य. One fit to be horn or produced. भग०१७, ६; उववासः पुं॰ ( उपवास=उपेति सह उपावृत्त दोपस्य सतो गुणैराहारपरिहारादिरूपैर्वाः वास उपवासः) आणा ओड हिवस अन पाशीने। विधिप्र्षेष्ठ त्याग करवा. प्रा एक दिन श्रम्भजल का विधिपूर्वक त्याग करना A. fast; giving up food and water according to prescribed rules for 24 hours between one sunrise and the next रायः २२६. नंदी० ४१; ठा० ३, १; पन्न० २०; उवा० १, ४५; २, ६४,

√ उव-विस. धा॰ I. ( उप+विश् ) शेसवु वैटना. To sit.

उवविसामि, राय० २४ ;

उचर्वायमाण् श्र॰ ( उपर्वाजमान ) यभरीथी भवन नाभती। चंनरी से पवन उडात्ता हुआ. Fanning with a chowni. नाया॰ १६; उचर्वेश्व-या त्रि॰ (उपेत) युक्त; सिंहत. Accompanied with, possessed of. श्रोव॰ पण १७; नाया॰

१; ४, ८; १२; नंदी० ४३, भग०२, १; ६, ३३; खवा० ७, २०६, कप्प०१, ८; जं० प०२, २२;

उव-सं-क्कम. था॰ II (उप+सम् + क्रम् ) पासे अवुं, सभीप अवुं समीप जाना, पास जाना. To go to; to approach.

उवमंकमंति. ठा० ३, २;

उवसंकमेजा. सूय० २, ७, १५;

उवसंकमित्तु. सं० कृ० श्राया० १, ७, २,

२०२; २, ३, ३, १३१;

उवसंकमित्ता नाया॰ २; ठा॰ ३, २; जं॰ प॰ ७, १३४; ७, १३१;

उवसंकमंत सं० कृ० दस० ४, २, १०; उवसकसमाण, ज० प० ७, १३२;

उवसंधिम्रा. त्रि॰ ( उपसंहत ) स्वीक्षार क्षरेख स्वीकृत. Accepted; adopted.

उवसंत पु॰ (उपशान्त) शांत वृत्तिवाणाः; **ઉપશમ ભાવ વાળા, જેના ક**ષાયાદિક ઉપશ भ्या द्वाय ते शात प्रकृति वण्ला; उपशात भाव वाला. जिस के कपायादिक सात हो वह One whose passions (e g. anger etc ) have subsided; calm; peaceful पन १, १४; वव॰ ३, १३; भग० १, ४, ६; ८; ४, ४; १४, १, १८, १०, २७, ७; दसव ६, ६५, ६०, १, १०: जं० प० सु० च॰ २, २०३; राय० २७; नात्रा० १; ५; उत्त० ६, १, २, १५; ठा०२, १; श्रगुजो० १२७; श्रोव० ३८, श्राया० १, ३, २, १२१; १, ६, ३, १८६; सम । १४. प्रवर १२४; १३१३; कर पर ४. ७०; ४, ४७; (२) આકુલતા રહિત. घव-राहट रहित. one free from distraction of mind श्रोघ० नि॰ ५१५: (३) क्षभावान. चमावंत. one possessed of forgiveness जीवा॰ ३, ३;

( ૪) માંદર્ય નિરીક્ષણ વગેરે પિકારથી નિ वृत्ति पानेत. गींदर्य दंगने प्रादि विकार से निष्ठति पाया हुआ; सींक्योदि देसने से मन का भाव दशया द्या. one not excited by seeing beautiful objects etc. श्रमुत्रो० १३०; ( ५ ) ઉદયમાં आ-वेल निदं: हणायेल, उदय न आये हों: द्ये. not come to rise; dormant (5) જમ્મુકીષમાં એરવત ક્ષેત્રના ચાલ અવસ-पिणीना पन्हरमा तार्थिहर, जम्बद्धाप के ऐत यन चात्र की वर्तमान श्रवमधिमी के पन्द्रहवे त्रंधिकर name of the 15th Tirthankara of the current Avasarpini of the Airavata region of Jambüdvipa, समः प॰ २८०; --- श्रद्धिगरमा. न॰ (-श्रधिकरमा ) **ઉ**पशांत ઉપગમી ગયેલ કેલેંગ, જાન્ત દુવ્યા વર્લળ. trouble that has subsided. 23. -कसाइ. पुं० (कपायित्) केता है।ध ક્રષાય વગેરે નાશ પામ્યા છે તે. जिस के फाधादि कवाय सांत हो, one whose moral impurities ( e.g. anger, greed etc. ) have subsided or have been destroyed mas १, ३१; २५, ६; —कस्मायबीयगाग. पुं॰ ( -कपायर्वानराग ) केना ध्याय शान्त थया છે તે; ૧૧મા ગુખુરથાતવર્તી, जिन के राग हैप जात हो गए ही वे; १५ वें गुणुस्था-नवर्ति. one whose passion and hatred have been completely assunged; one in the 11th spiritual stage. भग०२४, ६; — गुग, न० ( -गुगा ) ઉપશાંત भेदिशुल नाभे ११भं स्थानक उपशांत मोठगुण नामक ११वां स्थानक, the 11th Sthanaka named Upakantamohaguna. 本。 前。 3, ]

१६; —जीवि. पुं॰ ( - जाविन् ) क्ष्पायाहि इणावनार कषायादि को दयाने वाला, one who subdues his evil passions like anger, greed etc. पण्ड॰ >, १: सग० ६, ३३; —जा. म्हां ( -श्रदा ) ઉપરાંત માહ નામના ૧૧ મા ગુણસ્થાનકના श्रांत, उपशांत मोह नामके ११ ये गुणम्थानक का नमुत्र, the time of the 11th Gunasthānaka named Upśāntamohaguna क० प॰ ४, ४६; —व-दय पुं॰ ( -वेटक ) केनी वेह-शमविधार शान्त पाभ्ये। छं ते. जिस का वेद-काम वि-कार गांत है। गया है। one whose lust i e. sexual passion has been subdued or calmed. भग॰ 6, 39; 37, 5;

उच-मं-पज्ज. घा॰ II. ( टपंभ्सम्भपट् ) भाश्रय ६२वे।; २वी६।२ ६२वे।. म्योकार करना; ब्रहण करना. To resort to; to accept; to get.

उयमंपलह् भग० २५,६; ७; डबमंपजासि. ठा० ४,२;

उचमप्रज्ञे. वि॰ मृय॰ १, ८, १३;

उचसंपज्ञिता. सं० कृ० भग०१, ६; २, १;३, २; ५, १; १, ३३; १०; २; ११, १; १३,६; १४, १; १८,१०; २४,७;८; नाया० १; ४; ८; १२; १३; १४; १६; १८; तं० प०७, १४१, यव०१, २६; ४, ११; १२; नाया० प० वंय० ४, १४; राय० २२३, श्रोव० १६, स्वा० १, ६६, ६६;

उचसंपनमागाः पन्न० १६;

उचसंपज्ञण. न॰ ( टपयंपादन ) पदवीने। २वीशर. पदवी का स्वीकार. Acceptance of a degree or title, वव॰ ४., ११;—(गा)श्चिरिट कि॰ (-ग्रहें) पदवी आपपा थे। त्य. पदवी देने योग्य deserving to be invested with a degree or title. नव०४, ११; १२:४, १९: उवसंपज्जणावत्त न० (उपसंपदावत्तं) अप-संपळ्णुसेण्या परिक्रमें । यहिमी लेह उपसम्पादन श्रेणि परिकर्म का चौदहवां मेद The 14th division of Upasampajanaseniā Parikarma नंदी०५६,

उवसंपज्जसोशिया स्त्री॰ (उपसंपादनश्रीशका)

उपसंपादन श्रण्डी ग्रज्जना दिष्टियादातर्गत परि-क्रिमेता योक विकाश उपसम्पादक श्रेखीगणा के दिष्टवादातर्गत परिकर्म का एक विभाग. Name of a section of the Parikarma forming a portion of Dristivāda सम॰ १२;—परिकम्म-पु॰ (परिकर्मन्) दिश्वान्ता परिक्रमेता श्र्था लेह दिष्टवाद के पारकर्म का चौथा भद्द. the fourth division of the Parikarma of Dristivāda नंदी॰ ५६;

उपसंपाक्षियट्च पुं॰ (उनसंपाद्यितव्य ) पद्यी देवी. पदवी देना Investing with a degree or a title वव०४,११,१२;

उपसंपम्न त्रि॰ (उपसंपन्न) ६ धत थेंगेल प्रस्तुतः तैयार. Ready, prepared (to do some action). "उवसंपन्नो जकारणंतु त कारणं श्रप्रिंतो " व॰ स॰ ३, स्य॰ २, ७, ६;

उवसंपया स्त्री॰ (उपसम्पद) ज्ञानाहि संपत्ति भाटे आयार्थाहिक्षनी निश्रा स्वीकारवी ते, ढु तभारील छु अनीरीते स्वीकार करवे। ते, सभायारीनी दशभी या छेल्ली प्रकार, ज्ञानादि सम्पत्ति में स्नाचार्यादि की नेधाय स्वीकार करना, में स्नापकाही हु ऐसा स्वीकार करना, समाचारी का दशवों या स्रांतिम भेद The 10th and last mode of Samāchārī; submitting oneself wholly to a preceptor etc in order to acquire knowledge etc " श्रत्थणे उनसंपया" उत्तः २६, ४; ठा० ३, ३; भग० २५, ७, प्रनः ७७५,

उचसंहार. (उपसंहार) सभेटीक्षेतु. एकत्रित करना Summing up. (२) रे। ४५: निरेश्घ ४२वे। निरोध करना, लौटा लेना. winding up; withdrawing, withholding. सम॰ ३२;

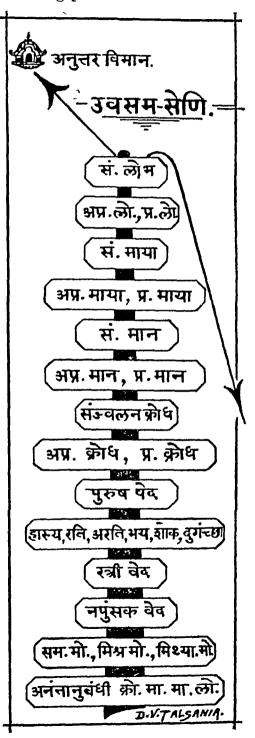
उवसगा. ए॰ ( उपसर्ग- उपस्उयन्त धातु समीपे युज्यन्ते इति उपसर्गाः ) प्र, परि, પ્રતિ, નિ, આ, સમ, ઇત્યાદિ ધાતુની આદિમા २६ना२ शण्ह समूद्ध प्र, पारे, उप, प्रति, मि, श्रा, सम, इत्यादि वातु के श्रादि में रहनेवाला शब्द समूह a preposition prefixed to roots, e. g म, परि, उप, etc पराह० २, २, (२) छपद्रव, કष्ट, परिषद्ध, उपद्रव, कष्ट; परिषह trouble, affliction annoyance श्रोध॰ नि॰ भा० २६३; राय० २२८, नाया० १; ८, ६, ज॰ प० उत्त० र्, २१, ३१, ४; नदी० ५; श्रंत० ६, ३; दसा० ७, १: वव० १०, १; भत्त० ४; ४४, प्रब० ५८४ (३) देवताओ **५रे** अपद्रव. देवतात्रों का किया हत्रा उपdisturbance or द्रव. trouble caused by gods भग० १, ६, २, १; पिं० नि० ६६६; राय० २६५; सम० ७; द्योव० ३६ श्राया० १, ८, ७, २२, उवा० २, ११६; ३. १४१, ४, १५३, (४) तीर्थं ५२ वियरे त्यां सवासा जोळनमां भार મરકી ત હાેય છતા મહાવીર સ્વામિના સમવસરણમાં ગાેશાલાએ ખે સાધુએાના ઉપર તેજુલેશ્યા મુટી ઉપસર્ગ આપ્યા તે, दश अछेराभानं पहेलं अछेर तीर्यंकर विच-

रते हैं वहां सवा सौ योजन में रोग चाला नहीं होता श्रीर भहावीर स्वामी के समवरण में गोशाला ने दो सायुत्रों पर तेजोलेश्या टाल कर उपसर्ग किया सो दस श्राधर्य जनक बनायां में ने पहिला बनाव, the first of the 10 Achheras (wonderful events), viz. the trouble given by Gośālā to two of the monks of Mahāvīraswāmī in the Samavasarana by inflicting Tejoleśyā upon them, although it is an undeniable fact that within 125 Yojanas of the place where a Tîrhankara abides, there can be no fear of any violence, plague etc. प्रव॰ = ६२; -पत्तः त्रि॰ (-प्राप्त ) ७५६० पामेस. उपद्रव प्राप्त. annoyed; afflicted; harassed. ठा० ५, २; वव० २, २०, १०, १८; —सहरा न॰ (-सहन) देवादिक्ष्मा अपसर्ग सदन अरवा ते. देवादि का उपसर्ग सहन करना, endurance of the troubles, disturbance etc. caused by heavenly beings etc प्रव० १३६६; उचसग्गपरिएसा. स्रा॰ ( उपसर्गपरिज्ञा ) સૂયગડાંગ સૂત્રના ત્રીજા અધ્યયનનું નામ કે જેમા ઉપસર્ગ-પરિષદ્ધા કેમ સહન કરવા તેની समक आपवामां आवी छे. सुत्र सुयगडाग के तीसरे अध्ययन का नाम, कि जिस में उप-मर्ग-परिषह कैसे सहन करना चाहिये जिस की शिचा दी है. Name of the 3rd chapter of Süyagadānga dealing with the way in which afflictions are to be endured. सम० १६; २३; सूय० १, ३, ४, २२: उवसक्कारा न॰ ( उपमर्जन ) ७५२%।

Gusa. उपसर्ग; उपद्रव Disturbance; trouble; annoyance विशे॰ ३००५; ( २ ) अप्रधानभूत-गालुरूपः गौगहपः; श्रप्रधान. secondary; subsidiary; subordinate. विशे ० २२६२: उचस-त्त-त्ति. (उपसक्त) गाढ आसिंदिनवादी. नाड श्रासीक्रवाला. Deeply attached; grossly attached. उत्त॰३२, २६; √ उवसम. धा॰ I,II. ( उप + राम् ) शांत थवुं; प्रकृतिने ઉपशभावनी. शातहोनाः प्रकृतिको उपशांत करना To become calm; to calm down passions. उयसमइ. वेय० १, ३३; नाया० १६; कप्प० 8, 48; उवसामेइ प्रे॰ भग॰ १, ३; उवसमीत सम् ३४: उवसमेंति राय० ३४: उवसमेजाः वेम० १, ३३; उवसमित्तप्, हे॰ कु॰ नाया॰ १३: उवसामित्तए. प्रे॰ हे॰ कु॰ नाया॰ विवा॰ १: उवसम पुं॰ (उपशम ) क्षभा; शांनिः चमा, सांति Forgiveness; calmness; peace. दम॰ =, ३६; वेय॰ १, ३३; ( ર ) ૫ખવાડીયાના પંદરમા દિવસનું નામ. पत्त के पन्द्रहवे दिन का नाम name of the 15th day of a fortnight. जं० प० सू० प० १०; (३) अधे।रात्रना ત્રીશ મુહ્ર્તમાંના પંદરમા અથવા વીશમા भुक्तेनुं नाभ अहो रात्रि के तीस मुहूर्तीं में से पंद्रहवे, अथवा बीसवें मुहूर्त का नाम. name of the 15th as also of the 20th Muhūrta of a day and night (containing 30 such). ज॰ प॰ सृ॰ प॰ ३०; सम॰ રું, (૪) માહનીયની ઉદયમાં આવેલી

પ્રકૃતિના ક્ષય કરવાે અને ઉદયમાં આવવાની હાય તેને દખાવી દેવી-ઉદયમાં આવવા ન देवी ते मोहनीय कर्म का उदयम आई हुई प्रकृति का चय करना श्रीर उदय में श्राने वाली प्रकृति का दवा देना-उदयम न श्रानेdestruction of that देना. Mohaniya Karma which has matured and the assuaging of that which is dormant कo गंo २,२;४, १६, ६७, प्रव० ३४, ६५०; ६४५; उत्त० ३२, ११; श्राया० १, ६, ४, १६४; भत्तः ==, श्रोवः ३४; श्रगुजोः १२७; — निष्फरारा. पुं ( - निष्पस ) के प्रकृतिना ઉપશમ કરવામાં આવ્યા છે–ઉપશમની निष्पत्ति थए युडी छे ते जिस प्रकृति को उपशांत कर दिया है-उपशम का निष्पत्ति होगई है वह calmness which has been born as a. result assuaging the passions. अण्जो॰ १२७, —सार. त्रि० ( -सार ) अपशम-પ્રકૃતિઓના તિરાભાવ છે સાર-સત્વ જેનું उपराम-प्रकृतियों का तिरोभाव सार-संत्व जिसका ऐसा. ( anything ) having for its essence the subsidence of Karmic lttitis. " उवसमसारं खुमामन्नं" काप० ६, ५६, — सेशि स्त्री० (-श्रेशि ) अनंता-તુર્વિધ આદિ પ્રકૃતિએાને શસ્ત્રમાં કહેલ ક્રમ પ્રમાણે ઉપશમાવનાં ગુજુર્ક્ષાણ્યી ઉપર ચડવુ તે; આ શ્રેણિથી અગીયારમા ગુલુકાલાપર્યત **ज्याय छे. शास्त्रमें** कहे हुए क्रमानुसार श्रनन्तातुर्वेधि श्रादि प्रकृतियो का शमन करते करते गुणश्रेणिपर उपशम श्रेणि से स्यारहवे गुणस्थान पर्यन्त पहुंचा जा सकता है. the ladder of spiritual advancement leading

up to the 11th Gunasthānaka by a gradual subsidence of deluding passions etc. মৰ০ ৩৬६,



उचसमञ्ज. पुं॰ ( उपशमक ) ७५शभ्भाव વાળા મુનિ; ઉપશમ શ્રેભ્યિ ચડનાર. उपशम भाव वाले मुनि; उपशम श्रेणिपर चढनवाले. An ascetic with passions calmed down; one trying to curb and assuage his passions भग० २४, ७; उवसमग. पुं॰ ( उपशमक ) लुःशे। ''उप-समश्र" शम्ह. देखो "उपसमग्र" शब्द. Vide. "उपसमभ" भग॰ **ર** પ્ર. उवसमगा. ब्री॰(उपरामना) लुओ। ''उवसम-गया" शफ्ट. देखो 'उवसमग्रया" शब्द. Vide. "उवसमण्या" क०प० ४, १; उवसमि त्रि॰ (उपशमिन् ) स्थापशिक ઉપશમ सम्बित्वादी उपशम सम्बन्दववाला. One possessed of Upasama Samyaktva (i. e. subsidential right belief ). क॰ गं॰ ४, २५; उवसमिय. पुं॰ ( श्रोपशमिक ) भे। ६-। १४-र्भनी प्रकृतिने। अपशभः मोहनीय कर्म की प्रकृति का उपराम. Subsidence of Mohaniya Karma. (ર) ઉપરામ निष्पन्न-शापशभिक्ष लाव. उपशम निष्पन्न भाव. calmness of mind born of that subsidence. श्रणुजी॰ इद; १२७; भग० १४, ७; १७, १; २४, ६; (३) त्रि॰ शांत शांत. free from passions; calm. स्॰ न॰ १, ३४४; उवसमियव्व त्रि॰ ( उपशमितम्य) ७५१४४।-ववुं ते. उपशम करना. Assuaging, causing to subside. वेय॰ १, ३३; कप्प० ६,` ५.६; उवसामन्नः पुं ( उपशामक ) भे। द्वीयनी ર= પ્રકૃતિને ઉપસમાવી ૧૧મે ગુણસ્થાને वर्त्तभान छव मोहनीय कर्म की २८ प्रकृ-तियों को शमन कर ग्यारहवें गुणस्थान मे

विचरता हुआ जीव. A soul in the

11th Gunasthana with all the varieties of Mohaniya Karma subsided. सम॰ १४: उवसामग. पुं॰ ( उपशामक ) भे।दनीयनी પ્રકૃતિઓને સર્વધા ઉપશમાવનાર. मोहर्नाय की प्रकृतियों का सर्वथा उपशम करने वाला. One who causes right-conductdeluding Karma to subside completely. क॰ गं॰ ४,७३; प्रव॰७३३; उवसामणाः स्री॰ ( उपरामना ) लुओ। "उपशम" शण्ह देखो " उपशम " शब्दः Vide. "उपराम" क॰ प॰ ४, ६५; उवसामग्रयाः स्री॰ ( उपशमन) शान्ति ७५-शभृष्टित. शांति; उपशम भाव Ascetic renunciation: calmness; freedom from passions. भग॰ ३, ३; उवसामगोवक्कम. पुं॰ (उपरामनोपक्रम) કર્મને ઉપશમાવવાના ઉપક્રમ–આરંભ. कर्म को उपशम करने का उपक्रम-श्रारभ Commencement of effort to assuage Karma. তা০ ४, ২; उवसामियञ्च. ।त्रे॰ (उपरामियतन्य) ७५११भ કराववे।. उपशम कराना. Causing subsidence of Karma कप०६,४६; उवसेवण. न॰ ( उपसेवन ) सेवा धर्वी. सेवा करना Attending upon; rendering service to. প্ৰৰ ২৬४; उवसोभमाण पुं॰ (उपशोभमान ) शासाय-भान. शोभायमान. Beautiful; charming. नाया॰ १३; भग॰ २, १; ७, ३; उवसोभिम्र-य त्रि॰ (उपशोभिन) शालितुं थ्येक्षुं शोभनीय बना हुआ. शोभित. Beautified; adorned; made beautiful " कविसीसपींह उवसोभिए " राय॰ " हारद्धहार उवसोभिए " राय॰ जं॰ प॰ १, ११; नाया० १;

उवसोभेमारा पु॰ ( उपशोभमान ) शासता. सुंदर; सुशोभित, शोभायमान; ख्वस्रत Beautiful; appearing beautiful नाया॰ १; ११; १४; सग॰ २, १, १४, १, ज॰ प॰ २, १६;

उवसोहिय. त्रि॰ ( उपशोभित ) शालापालुं सुंदर;शोभामान् Beautiful;lustrous; handsome. नाया॰ १; ६, सु॰ च॰ १, ४१; जं॰ प॰ ७, १६६;

उचसोहिय. ति० ( उपशोधित) निर्भक्ष करेल, शिधिल शाधाहुआ. Purifed. नाया० १; √ उच-स्सय. धा० I (उप + आ+िश्र) पेशवुं. धुसना To enter, to resort to.

उवस्सए. निर० ३, ४;

उवस्तश्र-य पुं॰ ( उपाश्रय = उपाश्रीयते-सेव्यते संयमपालनाय शीतादित्राणार्थं वा यः स तथा. ) સાધુ સાધ્વીને રહેવાનું સ્થાન; **ઉપાश्रय. साधु साध्वीके रहनेका स्थान**; उपाथ्रय A Jaina monastery श्राया० १, १,३; १४; २, १, १, १, १, ४, २, १३८, नाया० १४, १६, नाया० ध०राय० २३५, निर० ३, ४; उत्त० २, २३, ३४, ५, पराह० २, ३; श्रोघ० नि० भा० १७, दस० ७, २६; वेय० १, १४, वव० ६, ७; ८, ४; दसा० ७, १, निसा० ८, १२; कप्प० ६, २४; प्रव० ५४४, गच्छा० १४; उवहश्र-य. त्रि॰ ( उपहत ) क्षेत्रिमां પરાભવ પામેલ-નાશપામેલ. જોગોં परामव पायाहुआ; नाश प्राप्त-विनष्ट. Destroyed; disgraced amongst people सु॰ च॰ १, २७; भेग॰ ३, २; विशे० ११६; श्रायां० १, २, ३, ७६; उवहड पुं॰ ( उपहत ) यासण्मां आदेश હાય તેજ વ્હારવું એવા અભીત્રહ વિશેષ. वर्तन मे निकाल कर रखे हुए कोही भोजन

Vol. 11/38.

रूपसे प्रहण करनेका श्राभिष्रह-नियम विशेष.
A kind of vow to eat only that food which is placed in a dish वव॰ ६, ४४; ४५; (२) पासिश्मां अदिशुं-पीरसेशुं वरतन में निकाला हुश्रा-परोसाहुश्रा. served in a dish. ठा॰ ३, ३;

√ उवहरा था॰ I. (उप+हन् क॰ वा॰ ) नाश पामधु नाश पाना. To perish, to be destroyed.

उवहम्मइ. क॰ वा॰ पिं ॰ नि॰ ६२२, दश॰ ७, १३;

उवहम्मंति. भत्त० १३%;

उचहति स्रो॰ (उपहति ) ०थाधात--अंतर श्रन्तर; फर्क; Destruction; break of continuity विशे॰ २०१५; √उचहस्त. धा॰ II. (उप+हस् ) હसयु;

√ उचहस्त. धा॰ 11. ( उप + इस् ) ७ सवु; भ२४२ी ४२थी. हसना, विक्षगी करना; मजाक करना. To laugh at to joke. उवहसे दस॰ ८, ४०; उषहसंति उत्त॰ १२, ४;

उपहसात उत्त० १२, ४; उपहासिहिति भग० १४, १:

उन्नहसिश्र. त्रि॰ ( उपहासित ) હंसी કહાડेલ हमा हुत्र्या Laughed at, ridiculed तड़॰

उचहारण. न० ( उपधान = उप समीपे धीयते कियते सूत्रादिकं येन तपसा तदुपधानम् ) अनशन आहि भार अक्षारना तथ वारह प्रकार के तप. Austerity of 12 kinds. श्रोघ० नि० मा० १६६, नंदी० ४०; उत्त० २, ४३; ठा० २, ३. सम० ३२; पंचा० ६, ७, १४, २३; (२) करवु ते, विधान. करना; विधान. performance, doing श्रोव० १८, (३) ओसिक्षं तिकया a small pillow for the head. सु० च० १, ४४. श्रोघ० नि०

૨૦૫: (૪) સૂત્રની વાચના ઉપર તપ **५२**नं ते मूत्र वांचने का तप करना. ausferity performed after reading Sütras. प्रव॰ २६=; -पिडमा स्त्री॰ ( -प्रतिमा ) ७५धान-तप विशेषनी अलिश्रद ४२वे। उपधान-तप-विशेष का श्रमिप्रह करना, नियम करना. a vow to perform the austerity known as Upadhāna. ठा० २; ४, १; श्रोव॰ --सुयः न॰ (-श्रुत=महावीरसेवितस्योपधाः नस्य तपसः प्रतिपादकं श्रुतं गन्थः उपधान-श्रुतम्) ઉપધાન श्रुत नाभनुं आચારંગનું ૮મુ अध्ययन. उपधान सूत्र नाम का श्राचारंग का श्राटवां श्राध्याय. the 8th chapter of the Achārānga Sūtra, styled Upadhāna Sūtra. ठा० ५; सम० ४; उवहाराग. न॰ (उपघानक) शेशसी हुं. ताकिया.

A pillow. प्रव॰ ६८४;
उचहाराचंत. पुं॰ (उपधानवत् = उपधायतेउपष्टम्यते श्रुतमनेनेति उपधानतपस्तद्दिद्यते यस्याऽसी उपधानवान् ) उपधान-शाक्षवांयन निभित्ते तपिशिष, तेनु धरनारशास्त्रवाचन के लिये किये जानेवाले तप विशेषको करने वाला. One who practises
the austerity known as Upadhस्तात with a view to study the
scriptures. "वसे गुरु कुलागिच जोगवं
उवहारावं" उत्त॰ ११, १४; ३४, २७;
स्य॰ १, २, १, १५;

उवहार. पु॰ ( उपहार ) भेट; शक्षीस. भेंट; पारितोपक; इनाम A gift; a present ' पहासमुदन्ने।वहारेहिं सन्वन्ने। क्षेया '' कष्प॰ ३, ३४; पग्रह० १, २;

उविह. पुं॰ ( उपि = उपधीयते संगृह्यते इत्युपि ) वश्च-धरेणा धरणार वगेरे ઉपिधः; ७५५२णः; सामग्री. वस्न, ग्राम्पणः, घरवार

श्रादि उपाधि; परिग्रह; उपकरण. Worldly possessions, such as clothes, ornaments, house etc; material possessions; implements. भग॰ १२, ४; १७, ३; १≈, ७; निसी० २. ४६; १२, ४७; १६, २४; पि० नि० भा० २६; २६; पि० नि० ६=; दस० ६, २, १=; १०, १, १६; श्राया० २, ३, २, १२३; सम० १२; उत्त॰ १२, ४; १६, ६६; २४, ११; श्रोव॰ २०; प्रव॰ ४६=; (२) भाषाः इपट. माया; कपट. fraud; deceit. परहर १, २; -धोन्त्रसा न॰ (-धावन) **७५६-वस्त्रा**िधावा ते. वस्त्रादिकका धोनाः washing, cleansing of clothes ३०: --पश्चक्खारा न० प्रव० ( प्रत्याल्यान = उपधिरुपकरणं तस्य रजी-हरणमु खर्चास्त्रकाच्यातारिकस्य प्रत्याख्यान न मयाऽसा गृहीतच्य इत्येवं रूपा निवृत्ति-रुपधिप्रत्याख्यानम् ) ७५६-वस्त्रपात्र स्माहि Çपहरुण्-तेनेत त्याग-परिद्धार वस्त्र, पात्र र्थाद उपकरणों का त्याग-परिहार. क्षीकाdonment of material possessions such as clothes, vessels etc. उत्त॰ २६, २: —विउस्सगा. पुं॰ ( -ब्युत्सर्ग ) यस्त्र भात्र व्याहि ७५६४ने। परित्याग बस्त, पात्र त्यादि उपावि का परि· न्याग abandonment of queh material possessions as clothes, vessels etc. भग० २५, ७; त्र्योव०

उचाहिय. त्रि॰ ( उपहित ) अप े शु ४ रेक्षः पासे भुरेक्ष. ग्रापितः श्रपेण किया हुत्राः पासमें रखा हुत्रा Offered for acceptance; placed near. विशे॰ ६३७; भग॰ १,६; उर्चाहिय. पुं॰ ( ग्रीपिक ) भायावडे पापेने ढांक्रने वाला. One who deceitfully

hides his sin. नाया॰ २: उचाइक्कंतः त्रि॰ ( उपातिकान्त ) व्यतीत थयेतः, पसार थर्ध गयेत. गया हुन्नाः, व्यतीत Past, gone. श्राया॰ १, ७, ४, २१२, उवाइकम्म स॰ कृ॰ घ्र॰ (उपातिक्रम्य) ઉલ્લ धन કरीने; ओण धीने उल्लाघ करके. Having crossed or transgressed आया० १, ७, १, २००, २, ६, १६३; (२) परिदार क्रीने, त्याग क्रीने त्याग करके छोड करके having abandoned, having given up. न्याया॰२,२,३,१००, उचाइयः त्रि॰ ( उपायित ) यायेधु, धर्छेकुं मागा हुआ, इच्छित. Begged; solı cited; desired "डवाइयं उववाइत्तए" नाया॰ २; विवा॰ ७; (२) देवनी आश-धनाथी प्राप्त थयेल. देवकी आराधना करने से प्राप्त got by propitiating a deity. ठा॰ १०, १; — सेस. त्रि॰ (-शेष) भाता वधेक्षं, भाता भाता शेष रહेशु खाते खाते बचाहुन्ना (the portion of food) which has remained in the dish after one has taken

उवाइय पु॰ ( - ) त्रल् धिद्रियवाणा छव. तीन इन्द्रिया बाजा जीव A threesensed living being पन्न॰ १,

his fill. श्राया॰ १, २, १, ६७,

उवागन्त्र-य ति० (उरागत) प्राप्त थथेस. भेगवेस पाया हुन्ना, प्राप्त. Got: acquired, obtained. ज॰ प॰ त्रोव॰ १०, नाया॰ १, ६; १४; १६; भग॰ १५, १; उवाचियः ति॰ (उपाचित) सरेस, ०थाप्त. भरा हुन्ना; न्याप्त filled; full; pervaded by नाया॰ १२, उचार्णह. पुं॰ (उपानह्) भगर था; लोडां जूती का जोडा. A shoe; a pair of shoes " तिर्गिच्छुमार्णहावाए, समारभ च जोइगो "दस॰ ३, ४; पगह॰ २, ४, सूय॰ १, ४, २, ६, प्रव॰ ४३८,

उचादारा. न० ( उपादान ) भुण्य क्षारण् पहला कारण् मूल कारण्. Primary or material cause. विशे० १२२६; उवादेय त्रि० (उपादेय) ઉપादेय-व्यादिया-थे।२४ वस्तु उपादेय-ब्रह्मण् करने योग्य Acceptable, worthy of being accepted पचा० ४, २०;

उवाय-त्र पुं॰ (उपाय) अपाय; साधनः प्रतीक्षर, उपाय, साधनः तरीका. A means: a remedy; an expedient "विण्यं पिजो उवाएगा चोइश्रो कृप्पइनरा " दस॰ ६, २, ४; " एगं च दोस चतेहेव माह, उद्भुतकामेण समृल जाल । जे जे उवाया पडिवज्जियन्वा, ते कित्तइस्सामि श्रहासु पुढ़िंव '' उत्त० ३२, ६, विशे० ५१७; श्रोव० ठा० ४, ३, नाया०१; ६; ६;६, १२; स्य०१, ४, १, २, दस० = २१, पन्न० ३६; ( २ ) युक्ति. याक्के a scheme, a plan. सू॰ प॰ १; -- इसाय. पुं॰ ( - श्रध्यायक ) પાતાના અને પારકા હિતના ઉપાય ચિંતવ-नार त्रापने त्रीर दुसरे के हितका उपाय सोचने वाला one who reflects upon the means of securing his own well-being as well as that of others विशे० ३१६६. —पद्यज्जा स्त्री॰ ( -प्रवज्या ) गुर्नी सेवा **५री रिक्षा क्षेत्री ते गुरुकी सेवा कर दीचा** takıng of Diksā after लेना.

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी ५८ने।८ ( \* ). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने।ट ( \* ) Vide foot-note ( \* ) p 15th.

rendering service to n preceptor. তাও ২, ২;

उवाय-क्र. पुं॰ ( भवपात ) आशाय नी निर्देश-आहाा. श्राचार्यकी धाहा. The order of a preceptor. म्य॰ १, १४, १; (२) भाडा. मझ; गद्गा. a pit; a ditch. श्राया॰ २, १, ४, २०; जीवा॰ ३, ३; पग्द॰ १, १;

उचायगा. न॰ (उपायन) भेट. भेंदः पारि-तोपक. A gift; a present. मु॰च॰=, ४६; (२) यायना इर्यी; भागणी इर्यी. मांगना; याचना करना.praying for; asking for; solicitation. विशे॰ १=७=; उचायमागा. ति॰ (उपायमान) पुत्र आदिनी यायना इरती-ती-तुं. पुत्र या पुत्रीकी याचना करता हुत्रा वा करती हुई Praying for, begging for a son or a daughter. नाया॰ २; १७,

उचालंभ. पुं॰ ( उपालम्म = उपःलन्भनमुगा-लम्भ. ) ६५%। आपने। ते; ओक्ष भा. ठपका देना; उलाहना. A rebuke; a reproach, a reprimand. पिं॰ नि॰ भा॰ ४४, विशे॰ २४=; ठा॰ ४, ३;

उवास. पुं॰ ( श्रवकाश ) अपशशः आशशः श्रवकाशः श्राकाशः, खाली जगह Vacant space; sky. भग॰ १, ६; वव॰ ७, १८ः (२) अपश्यः, निवास स्थान. व प्रवांत जेन माधुश्रीका ठहरनेका स्थान. व प्रवांत monastery निसी॰ १७,२०ः — श्रंतर. न॰ ( -श्रन्तर ) धनवा तनवा वगरेनी वश्येनु आशशः, आंतरारूप आशशः घन वात विलय श्रार तनवात विलयके वीच का श्राकाशः intervening void space. एएसुणं सत्तसु उवासंतरेसु सत्ततगुवाया पद्दिया "ठा० ७, २, ४ः निसी० ६, १२ः वव० ६, १ः पत्र० १४ः जीवा ०३, १ः भग०

9, \$; \$, \$, 9°; \$, \$; 9°3, %; 9°3, %; °3°, °3;

उवासस्र-य. त्रि॰ ( उपासक = उपासते संबन्ते साभूनिरयुपासका.) ઉभासता (२ता२; संबक्ष: उपासना करनेवाला; सेवा करने वाला; सेवक. ( One ) who worships or sorves or waits upon. निशा॰ =, १२: पि॰ नि॰ १४=; ४६४;

उचासगः पुं॰ ( उपाम = उपासने सेवन्ते

साधूनित्युपामकाः) साधुनी अपासना धरनारः श्रावक, साधुकी उपासना करनेवाला; श्रावक, One who renders service to an uscotic; a Jaina-layman. उवा॰ १, ७०; २, १२३; उस०३१, ११; सम०११; ( ર ) ધમ<sup>દ</sup> સાંભળવાની અબિલાપાવાળા. धर्मीपदेश मुननेकी इच्छा वाला. one desirous of learning religious truths from a Guru भग॰ ४, ४; - पडिमा. स्री॰ ( -प्रतिमा = उपासका-श्रावकास्तेषां प्रतिमाः प्रतिज्ञा सभिप्रहावेशेषाः उपासक प्रतिमाः ) उपासक्रनी-श्रावधनी ११ पश्चिमा. श्रावककी ग्यारह प्रतिमाएं. the 11 vows of a Jaina-layman. पंचा॰ १०; १; द्याव० ४, ७; नाया० ५; दसा० ६,१; २; उवासगद्साः स्रं। ( उपासकद्शा = उपा-श्रावकास्तद्गतागुवतादिक्रियाकलाप-प्रतिवद्धाः दशा श्रध्ययनानि उपासकदशाः ) ઉપાસક શ્રાવકના અધિકારના દશ અધ્યયન જેમાં છે એવા સાતમા અંગસત્રનું નામ: उपासक्त्या सूत्र, उपासक-श्रावक के श्राध-कारके जिसमें दश श्रध्याय हैं उस सातवें श्रंगरूपका नाम; उपासगदशा सृत्र. Name of the 7th Anga Sutra dealing with the duties of a Jaina layman in 10 chapters. उवा०१०,२१५; त्रग्राजो० ४२; नंदी० ४४; ५१; सम०१; ७;

उचासिया. स्री० (उपासिका) सिद्धांत सांभ-णवानी ध्र-छावादी स्त्री, श्राविधा सिद्धान्त सुनने की इच्छ, रखने वाली स्त्री, श्राविका A woman desirous of learning religious truths from a preceptor; a Jaina-laywoman. भग० १, ४; १४, १,

उचाहरण पुं॰ (उपानह्) भगरणुं; भासडुं. जूता. A shoe; a pair of shoes. "छत्तो वाहरण संजुत्ते, धाउरत्तवत्थ पारीहिए" भग॰ २, १; भ्रगुत्त॰ ३, १,

उचाहि. पु॰ (उपाधि) उपाधि, विशेषणु उपाधि, खिताब; विषेशण; पदवी. Worldly fetters: attachment to worldly objects; a title; an epithet. श्राया॰ १, ३, १, १०६,

उचिक्खन्न. त्रि॰ (उपेचक) उपेक्षा धरनार; भेदरधार उपेचा करने वाला. Neglectful, indifferent. गच्छा॰ २८;

**उविक्या** क्री॰ (उपेक्स) अभेक्षा. उपेका Neglect, indifference, contempt पंचा॰ १८, ३४;

उविच्च. श्र० (उपत्य) प्राप्त ५रीने, भेणवीने. प्राप्त करके; पा करके Having got or obtained. उत्त० १३, ३१,

उचीला स्री॰ ( श्रवणीडा = श्रवणीडनं परेषा मित्यवणीडा) परने पींडा ઉपञ्चवपी ते. दूसरे का दुःख देना. Giving pain or trouble to others विवा॰ ६; पराह॰ १, ३;

उवेद्र त्रि॰ (उपेत ) युक्तः संयुक्तः, सहित संयुक्तः महितः साथः Accompanied with, joined with; possessed of "पस पुष्फ फलायेए" उत्त॰ ६, ६, उवेहालिय. पुं॰ ( \* ) अनंत કाय िशेष; डं६ भूसनी ओड जात कंद मूल की एक जाति; श्रनंत कायरूप वनस्पति विशेष. A kind of bulbous root. भग॰२३.३:

उवेहिम्र त्रि॰ ( उपोक्षत ) ६पेक्षा धरेस. उपेक्षा किया हुम्रा; जिसकी पर्वाह नहीं की वह. Neglected. सु॰ च॰ ४, १००;

\*उच्चिक्किंड श्र॰ (उद्गीर्य) भागाशीने उगार करके Having reduced to a semifluid condition by masticating etc. सु॰ च॰ ६, ५४;

उन्बह्न. पु॰ (उद्दर्स ) नारशी अने हेवतानी स्व पुरे। करी भीछ शितमां लयुं ते. नारकी श्रीर देव भव को प्रा करके दूसरी गति में जाना. Passing into another state of existence after completing one's term of existence as a celestial or hell being. विशेष हर करना, (२) पीठीवडे सीक्षश हर करनी ते; उपटा विकास हर करना, उनटन करना. 1 ubbing the body with perfumes; 1 emoving oiliness by kneading with a fragrant substance विशेष २६६४,

√ उचट्टगा न० ( उद्वर्त्तन ) क्रभेनी ढुं४।-स्थितिने अध्यवसायिवशेषथी बांणी करवी ते कमं की श्रल्प स्थिति को श्रध्यवसायाविशेष से दीर्घ काल की करना. Lengthening the duration of Karmas by meditation विशे० २५१४; (२) छबटी ऊंबाडीએ भईन करवुं ते उत्तटे ठऍ की श्रोर

<sup>\*</sup> जुओ। पृष्ठ नभ्भर १५ नी पुटने।ट ( \* ). देखों पृष्ठ नंबर १५ की फूटने।ट ( \* ) Vide foot-note ( \* ) p 15th.

ग मर्दन करना. act of massaging or rubbing (anything) against the grain. दम० ३, ४; उचा० १, २६; १०, २०७; गच्छा० ११३, (३) ५७ मुं हेरनुं ते. करवट बदलना. turning from one side to another (in a lying posture). याव० ४, ४;

उच्चष्टगा. स्रं।० ( उद्दर्नना ) देवता अने નાગ્કી ના ભવ પુરા કરી ળહાર નીકલવં તે देव और नारकी के भवकी परा कर बाहर निक-लना Coming out, emerging after completing one's term of existence as a heavenly or hellish being प्रव० ११३६; ( २ ) ઉગटाया, भर्दन विशेष उवटनाः मलनाः मालिश करना. anomting; smearing; rubbing नाया॰ १३; विवा॰ १, भग० ११, १, १६, ३; २१, १, ३५, २; -- आलिगा स्रो॰ ( - प्रावितका ) धर्भनी ટંકા સ્થિતિની લાંળી સ્થિતિ કરવી તે તેની આવલિકા–સમયવિશેષ. ઉદ્વર્તના कमें की छोटी प्रकृति की लंबी स्थिति करना, उद्वर्तना-उमकी ब्यावलिका-समय विशेष the particular moment prolonging the duration of Karma 3. 9. 2. 3.

उच्चह्रणात्रयः त्रि॰ ( उद्वर्त्तनाकारक )
भीशे अभवनार उच्चटना उच्चटन कराने वाला.
(One) who gets smeared or
rubbed the body with a kind of
fragrant unguent. निर्मा॰ ६, २४;
उच्चह्याचेयच्च त्रि॰ ( उद्वर्त्तितच्य ) नरका
दिक्षेते। अवभुरे। अरी नीअभवुं नरकादिक
का भवपूर्ण करके निकलना Finishing

one's term of life in hell etc.

and taking another birth. भग॰ १३, १;

उच्चिहित्ता. मं॰ कृ॰ श्र॰ ( डहन्य ) नरहाहि-भाषी कहार निहसीने; नरहाहि अब भुरे। हरीने नरकादि में से बाहिर निकल कर; नरकादि भव पुरा करके. Having finished one's term of life in hell etc. i. e. having come out of it भग॰ १४, ९;

उद्योद्दिय ति॰ ( उद्यक्ति ) नरः आहिने। लय भुरे। इर्। ज्दार नीइलेख. नरकादि गति-सम्बन्धी भव पूरा करके बाहिर निकला हुआ. (One) who has come out of hell etc. after finishing the term of life there. "आडक्खण्ण उच्चीदृया समाणा" प्रव॰ ११०३, पग्ह॰ १, १; ३; क॰ प॰ २, २६; (२) ७।८७ इसे भीति योक्षेत्र उच्चन किया हुआ पीठा चिपटा हुआ. rubbed with a perfumed substance; kneaded with a perfumed substance. (३) प्रभूष्ट थ्येस. पदन्युन; पद्मष्ट deposed; dethroned, degraded. पि॰नि॰ ४२०;

उन्चरा भोग पुं॰ ( उत्त्वरा भोग ) ६८४८ भाग उक्तरमांग. Keen enjoyment. पंचा॰ २. ६:

उच्चत्तः पुं॰ ( उद्वर्त्त ) राशी शिक्षान हे संथारे। इरनार साधुनी विषावन्त्र इरनार नियांभड साधुनी ओडवर्श हे को राशीन। अडदूर्तना-पासुं हेरवर्तुं वर्शरे रूपे शुश्रुषा डरे. रागी, ग्लान या संथारा करने वाले मानु की वेयावच्च करने वाला निर्यामक साधु का एक वर्ग, जो रोगी की उद्वर्त्तना-करवट लिवाना मालिश करना खादि शुश्रुषा करता है A class of ascetics who

attend upon and render ser vices to other Sādhus who are sick, troubled etc. or who are performing Santhārā; e. g. by helping a sick Sādhu to turn oevr from one side to another. 930 535,

उद्योरियः त्रि॰ (उर्वरित) आहारना ओह द्रिपः ब्राहार का एक दोपः A fault connected with food. पि॰ नि॰ २२७; पचा॰ १३, ८, (२) शुहुं हादेश. जुडा किया हुआः set apart; separated. पचा॰ १३, ८,

उच्चल्ला न॰ (उद्दलन) ઉલटी इंवाडीथे भर्दन इरवु; भर्दन ६री भल उतारवुं.
उलटे हरूँ की थोर से मर्दन करना Rubbing a perfumed unguent
on the body against the grain;
rubbing and cleaning the
body with perfumes etc. श्रेंब॰
३१, नाया॰ १३. क॰ प॰ २, ४६,
कप॰ ४, ६१,

उच्चलगा स्रो॰ (- उद्दलना=उद्दर्शन ) उभे-बयुं. खानना Act of unfolding or unwinding ऋ॰ प॰ २, ६१,

उिच्चिम्म त्रि॰ ( डाह्नेम् ) ६६ वेग पामेस,
भशान थपेस च्यात, उद्देगयुक्त. Vexed,
troubled; agitated "जम्म मच्चु
भडाविम्मा दुक्खस्संत्मवेसिगो" ज॰
प॰ ३ ४८, श्रोव॰ २१, नाया॰ १, ३, ४,
६; १६. १७; पगह॰ १, १, जीवा॰ ३, १;
भग॰ ३, १; ६, ३३; १२, १; १८, २;
पञ्च॰ २, नाया॰ ४० छु॰ च॰ १, २२६;
खवा॰ ६, २४६, ज॰ प॰ ३, ४८; उत्त॰
१४, ४२, —मगा त्रि॰ ( मनस् ) ઉद्देश४५त भनवांसी उद्देगयुक्क मन वाला. चितित

मन बाला. troubled or agitated in mind. नाबा॰ १७,

उदिबद्ध. त्रि॰ ( उद्धिध्य ) ७५ं. उंडा, गहरा. Deep. ग्रोव॰ नागा॰ १; त्रं॰ प॰ ४, १२४, ( २ ) ७२०००त. ७.युं. ऊंचा. lofty, १८१८तो; high. सम॰ प॰ २३६: गग॰ ६, ३३; परह॰ १, ४;

उद्यिह. पुं॰ ( उद्विध ) भेशाक्षाना सुभ्य श्रावध्नुं नाम गोशाला के मुख्य श्रवक का नाम. Name of the principal layman of Gośālā. भग॰ =, ५;

उदिवहियः त्रि॰ (उद्विद्ध ) ६ ये ११४ कंचा फंका हुन्ना Thrown up; tossed up भग॰ ५, ६,

उच्चीह. त्रि॰ (उद्धित ) ઉन्धुं णाणु इंदेशु. जंबा फेंका हुआ Thrown up. tossed up; shot up. भग॰ १८, ३, उच्चीलग्र—य पुं॰ ( अपबीडक=लज्जमा प्रतिचारान् गोषायन्तमुपदेशिवेशेपेरप बीडपति-विगतलज्जंकरोतीति अपबीडकः) आलीयण्ना लेनारने लज्ज थनी है। य ते समज्जवी हर इरनार आलोचना करनेत्रील को यदि लज्जा लगना हो तो नमगाकर उमे दूर करनेवाना One who reasons with and removes the sense of shame felt by a person confessing his sins भग॰ २४, ७, ठा॰ ८, ३;

उच्चीलेमाण जि॰ ( अवगीडयन् ) भीऽते।.

पीडादेता हुआ Troubling, afflicting "पथ कोट्टेंग्हिय उचीलेमाणे २ चिहिसे
माणे २ विहरह" ठा॰ = . विवा॰ १,

उच्चुज्समाण त्रि॰ (उपोद्यमान) पाटीया उपर भेसी तरते। पटिये पर वेठकर तिरता हुया. Swimming upon a wooden board "ततेण ग्रह उच्चुज्समाणे स्थण

दांवं नेरीं मंबदें ' नावाव हा उच्चेत्रागाहः पुं॰ ( टहेगप्रह ) ६२वेश ३०५४ थाप सेवे। रे.स. जिस्से उद्देग उत्पन्न हो ऐसा रेज. A disease or an ailment giving rise to auxiety

and alerm. जीवा ० ३, ३; उच्चेग. पुं॰ (इंह्रग ) ६६वेश: भेट. इंह्रग: नेदः निता Mental affliction: mental agitation. ন্যত ২, গ্রেভ ২; उच्चेय. पुं॰ ( उद्देग ) व्याप्टरता; ९६३. व्याक्तताः विन्ताः वदशहरः रहेगः. Agitation; perturbation; mental distress नायाः १:

उच्चेयमध्यः त्रि॰ ( उद्वेजनङ ) ३६ेश ४२नारः उद्देग करने वाना. Causing distress or misery; giving rise to pain and corrow. प्रवह न न न:

उच्चेयराकरि, ब्रि॰ ( स्ट्रेजनकरिन् ) ३१४ ध्यतार उद्वेग काने वाना. (One) becoming angry; (one) causing distress or pain of mind. भग॰ ٤, ३३:

उद्ययग्ग. ति॰ ( टहेजनक ) १८३२। "ट्वेन यग्य " श्रूष्ट. देनो " दखेणग्य " शब्द. Vide " टब्बेयग्झ. " मग० ६, ३३: णगह० १, ३:

उन्वेयागियः त्रि॰ ( उद्वेतक ) ३६२१५:३१. दहेंग छाने दाला. Distressing: painful; full of misery. 'अमहण टव्यंगीग्याए मीमाए गच्मव महीपु चिम यब्दं सविस्मइ " ठा० ३, ३;

उच्चेह. हु॰ ( टहेच ) જમીનમાં કડાઇ; કડા-पन्, गहराई; इंडाई. Depth. मन० २,

=: १४, १: रायक १४४; जीवाक ३, ४; कें। पार्व १, १२; ३, १३६; अस्कें। 93%; 500 2, 3;

उच्चेहिलया. सं ॰ ( 🖘 ) हो । १८५० । **५**न२५ति. सब्देहारीया नामक एक बनस्तति. A kind of vegetable growth. स्यः २, ३, १६:

उस्तान, पुं॰ (ग्रवसक्त) संयम्थी थ देश, संब-मने पदा ह्या. Fatigued, exhausted on account of ascetic practices: tired of ascetic penance. निया ० ४, ३४: ३६:

इसतना, थ॰ ( 🕝 ) भ्टें।टे क्षाने; प्राये. दहवा; प्राव:: Mostly; to a great extent. एस॰ =, भग॰ ७, ६; श्रीद॰ २०: वद्य १, ३४;

उमएइसानिगुश्रा हो॰ (दन्द्रच्यक्ष्यिका) અનન્ત વ્યવદારિ પરમાસ નેગાયવાયી ભતેલા ન્ડાન માં ન્ડાના સ્ટેચની સેંગા; ઉધ્વ<sup>દ</sup>-रेल्<sub>ने! ६४ ने</sub>' साग. श्रतंत व्यवहारिक पर-पाराओं हे एक बेत होनेसे बने हुए होटेस हुदो स्ट्रंबकी संज्ञा. A name given to the smallest molecule made up of innumerable atoms; 1,64th part of an Urdhwa Renu. मग॰ ६, ७;

उसगहसगिहन्ना. ब्रां॰ (टन्स्च्यासङ्गिका) अभे। ७५वे। २५६. देखी उपान शब्द Vide above. অন্তরাত ৭২৮;

उसन्तः हि॰ (उत्सक्त ) ३५२ श्रांबेश. उपर बांधा हुआ. Bound or attached to the top. श्रांड॰ पत्त॰ २; राय॰५६:

उससः ४० ( \* ) भट्धताः प्रापे.

क लुक्ती। पृथ नम्भर १५ नी पुरने।र (क). देखी प्रुप्त नम्बर १५ की फुटनोट (क). Vide foot-note (\*) p. 15th.

वहुलता, श्राविकता, प्रचरता. Mostly; to a great extent. ठा॰ ४, १, — तस्सपाण्याति त्रि॰ ( - त्रसप्राण्याति त्रि॰ ( - त्रसप्राण्याति ) थे थे भागे त्रस प्राणीनी धातने। इरनार. श्राविकतर त्रम प्राणीकी घात करने वाला mostly destroying or killing mobile living beings दसा॰ ६, १; — संभारकड त्रि॰ ( - सम्भारकत ) प्राथे इनेना भारथी प्रेरायेव, भारे इनिपालाथी प्रेरायेव प्रायः कर्मके भार से दवा हुआ; कर्म के भार से प्रेरित mostly urged by a heavy load of Karma दसा॰ ६, १,

उसम पु॰ (वृषभ) शाश्वती એક જિન श्रतिभानु नाभ शाश्वत-निरंतर रहने वाली एक जिन श्रतिमा का नाम A permanent idol of a Tirthankala. जीवा॰ ३, ४; कष्प॰ ३, ४४;

उसभ पु॰ (ऋषम—ऋपति गच्छति परमपद-मिति ऋषभः ) प्रथम तीर्थं ५२; ऋषशहेव स्वाभी पहले तीर्थंकर श्री ऋषभदेव स्वामी The first Tirthankara; Risabhadeva Swāmī श्राव॰ २, ४; भग॰ २०, ६, सम० २३, २४, ज० प० ५, ११४, प्रगुज़ो० ११६, पचा० १६, **८, सम**० प० २३४ (२) त्रि० ઉत्तभः, श्रेष्ठ उत्तम, सर्व ন্ধ highest, excellent তা০ ४, ২, (३) पु० पन्हरमा કુલગરનુ નામ पद्रहर्वे कुलकर-नेताका नाम name of the 15th Kulagara ı e a great leader of men ज॰ प॰ (४) लणह, भेंस वैत्त. an ox भग० ११, ११, १६, ६, श्रशुजो० ४७; स्रोव॰ जं॰ प॰ राय॰ ४३, नाया॰ १; ( પ્ર ) અગીયારમા ભારમા દેવલાકના ઇંદ્રનુ थिन्द, ग्यारहवे, वारहवे देवलोक के इन्द्र का चिन्ह. the emblem of the In-Vol 11/39.

dra of the 11 th and 12 th Devalokas श्रोव॰ २६; (६) वणहना चित्र वाक्ष वस्त्र अथवा आक्षरण ऐसा वस्त्र या श्राभ रण जिस पर वैल का चित्र हो त cloth or an ornament bearing a picture of an ox जीवा॰ ३,३; ( ७ ) ચામડાના પાટા चमडेका पद्य ก leathern belt ज॰ प॰ सम॰ प॰ २२६, पञ्च० २३, —-भ्रासण्. न० पु० वल के श्राकार का श्रासन. an ox-shaped seat जीवा॰ ३, —कंठ ( -कएठ ) એક જાતનું રતન. एक प्रकार का रत्न. a kind of gem. राय॰ १२१; —कंठग पु॰ (-कराठक) એક न्तरातु रत्न एक जात का रत्न a kind of gem ''उसभकंठगण्**श्र**टुसम '' जीवा० ३, ४, — कूड पुं॰ ( -कूट ) એક पर्यतनुं नाम एक पर्वत का नाम. name of a mountain जं•प•૧,૧७, ६, ૧૨૫, (૨) સિન્ધુ-કુષ્ડની પૂર્વે ગગાકુષ્ડની પશ્ચિમે નીલવન્ત પર્વ તના દક્ષિણ કાંકે ઉત્તરાર્હ્ક કચ્છવિજયમા-તાે આડ યાજનતાે ઊંચા એક ક્ર્ટ-શિખર सिन्धुकुंड के पूर्व की श्रोर गगा कुंड़ की पश्चिम दिशा में नीलवंत पर्वत के दिल्ला कि नोरे पर उत्तराई कच्छविजय मे का प्राठ योजन ऊचा एक शिखर. name of a lofty peak eight Yojanas in height in the northern half of Kachchha Vijaya, to the south of Nilavanta mountain, to the west of Gangā Kunda and to the east of Sindhu Kunda ज॰प॰ १, १७, --नाराय पुं॰ (-नाराच) लुञ्री " उसभनारायसंघयण '' शम्र्ट देखो '' उसभनारायसंघयण '' शब्द. vide '' उ-

सभनारायसंघयण "भग० २४, १; ठा० ६, १; —नारायसंघयण. न० ( -नाराचसंह-नन ) જેમા હાડકાના સાંધા પાટા જેવા પદાર્થથી વિંટાયેલ અને મર્કટ બધથી ળ ધાયેલ હાય તે સંઘયાન, છ સંઘ-यश्मानं भीलं भंधयश. जिस मे शरीर की हिंदियों के लोड़ पट्टेके समान वस्तु में लिपटे हुए खोर मर्कट वंधन से बंधे हुए हों वह संहनन; छह संहनना में से दूसरा संहनन. a physical constitution which the bones are wrapped round by sinews as haid as stone and fastened together tightly by Marakata Bandha; the 2nd of the six kinds of Sanghayana (physical struc ture ). जीवा॰ १: -पानि, खी॰ (-पंक्ति) भगहानी पंडित. वेलोंकी पंक्ति a series or line of oxen. भग॰ १६, ६; —ललियचिक्रन्त. त्रि॰ (-ललितविकान्त) पद्महना केनी सारी गिन पाणा. वंत के समान सुंदर गति वाला. possessed of a gait beautiful like that of an ox. राष्ट्र ६३: —संठिय त्रि॰ (-संस्थित) भणहना आधारत वैल के याकारका ox-shaped. भग॰ ६, २; उसमद्त्त. पुं॰ (ऋपभदत्त ) ऋपलहत्तनाभे એક વ્યાલણ ક જેના ઘરમાં મહાવીર स्वाभी प्रथम व्याव्या दता. ऋषभदत्त नामक एक बाह्यण कि जिसके घर महावीर स्वामी प्रथम गंग थे Name of a Biāhmaņa to whose Mahāvīra Swāmī had visited first. भग॰ ६, ३३; कष्प॰ १, २; (२) ७ भुगर नगर निवासी એક ગાથાપતિ. उमुग्रार नगर निवासी एक गाथापति. a merchant-prince of Usuyārnagara. " उसुयारणयरे उसभद्ते गाहावइ " विवा॰ ४;

उसभपुर. न॰ (ऋषभपुर) ओ नाभनुं नगर के कोमां निष्यग्रेप्त नाभे ओह निन्द्य थया. एक नगरका नाम जिसमें तिष्यग्रेप्त नामक एक निन्ह्य हुए थे. Name of a town which was the native place of a Ninhava named Tisyagupta. ठा॰ ७, १; विवा॰ २;

उसमसेगा. पृं॰ ( ऋषमसेन ) ऋषभहें-સ્વામીના ચાેરાસી હજાર સાધુએામાના भुभ्य साधु ऋषभदेवस्वामीके चोरासी हजार साधुयों में के मुख्य साधु The chief of the 84 thousand Sādhus of Rīsabhadeva Swāmī. सम॰ प॰ २३३; जं० प० कप्प० ७, २१३; (२) ૨૦મા તીર્થ કરતે પ્રથમ ભિક્ષા આપનાર ગૃહસ્થ वास वें ताथकर को प्रथम भिन्ना देनेवाला गृहस्य name of a householder who first of all gave alms to the 20th Tirthankara. सम॰ प॰ २३३: उसमा. स्रा॰ (ऋपभा ) शाश्वती यार प्रति-માએ। પૈકી પહેલી પ્રતિમાનું નામ शाश्वती चार प्रतिमात्रा में की पहली प्रतिमा का नाम. Name of the first of the four permanent Pratimās. राय॰ १५४; —लद्धि ख्री॰ ( -लव्चि ) **ઉ**श्वासनी भाभि दक्षासङी प्राप्ति. the attainment of (the power of ) inhaling air. क॰ गं॰ १, ४४; उसह. पुं॰ (ऋपम = ऋषति गच्छति परम-

जं॰ प॰ नंदी॰ ४३; प्रव॰ ४; उसह- पुं॰ (वृपभ) अक्षह. वैल. An ox;

पदमिति ऋपभः ) आहि तीर्थं ५२: ५६ेंसा

तार्थं इन्तुं नाम. पहले तीर्थंकरका नाम. Name of the first Tirthankara. a bull नाया॰ पः

उसहकूड. पुं॰ (वृपभकूट) એ नाभना એક પર્વત ગંગાકૃટ અને સિન્ધુકૂટની વચ્ચે ચુલદિમવત પર્વતને દક્ષિણ તટે છે. इस नाम का एक पर्वत गगाकुट और भिधु कुटके वीच में श्रोर चूल हिमवत पर्वतके दत्तिण की त्रोर है. Name of a mountain between Gangākūta and Sindhukūta, to the south of Chula Himavanta mountain sto vo उसहसेगा पुं॰ ( ऋपभसेन ) लुओ। " उसभ सेरा " शफ्द, देखो " उसभ-सेरा " शब्द Vide " उसभसेण " प्रव॰ उसा स्री॰ ( उपा-श्रवश्याय ) धर, आक्षण श्रोस Fog, dew (२) प्रशान प्रात:काल. dawn. " तेज: परिहामिरुपा. भानोरच्छोद्यं यावत् " जीवा० १,

उसिए. पुं॰ न॰ (उप्ण-उपित दहित जन्तूनिल्युप्णम्) ७०९ २५र्श. ७०९ता गर्मा, उष्ण
स्पर्श Heat, hot touch (२) ति॰
७ नु, गरभ गर्म hot आया०१, १६, ३३,
पन्न॰ १; ३५; भग० २, २, ४, ६,६;७,८,१०,
१ १८, ६; २०, ६, दस० ६, ६३, पि॰
ति॰ ४४२; जीवा॰ ३, १, उत्त॰ २, ६; ठा॰
४, ४: नाया॰ १६ प्रव॰ ३१, (३) पु॰
७०९। ६. ६नादी। गरमी की मौसम sum
mer, hot season प्रव॰ ८७४॰

उद्ग न० (-उदक) अनुपाणीः गरम पाणी गर्म पाना उप्ण जल hot water "उसिणोदगंत तफासुय पाडिगाहेज संजए" दश०८, ६, प्रव० = =८; पन्न०१, वेय० २, ५. पि० नि० भा०१=; नाया०१६० —उद्गवियड. अ० (-उदकविकृत) पिकृत-अयेत थयेस छन्ं पाणी आचित पानी, जीवजतु रहित उष्ण जल hot water rendered lifeless निसी॰

१, ७; दसा० ६, ४; — उसिगा त्रि० ( - उप्ण ) ७न्७नं गर्म, उप्ण, ताजा. hot निर्सा० १७, २९; - जोििया पु० (-योनिक-उप्णांमव योनिर्येपान्ते उप्रायोगिकाः ) ઉષ્ણ યાેનિવાલા છવ उष्ण योनिवाला जीव a living being (female) with hot generative organ or womb. भग॰ ७, ३, —तेयलेस्सा श्ला॰ ( -तेजो-त्तेश्या ) ७०० तेले सेश्याः गरभ अग्तिरूप લેસ્યા–તપના પ્રભાવથી ઉત્પન્ન થયેલ એક लिध हे केथी भीकाने भासी शहे उच्या-तेजो लेश्या: त्र्याप्त के समान लेश्या: तप के प्रभाव से उत्पन्न होनेवाली एक लब्बि जो दूसरे को जला सके hot and bright Leśyā, a spiritual attainment (by which a person can burn another to ashes ) got by austerity. भग॰ १५, १. -परिसह. पुं॰ (-परिपह) ताप-गरभीना परिसद गर्मी का परीषह, उष्णता सहन करने रूप तप bearing affliction caused lieat समा० २२, उत्त० २, द, भग० द, =, --फास पुं॰ ( -स्पर्श ) ઉખ્ध २५श<sup>°</sup> ગરમી, આઠ સ્પર્શમાના એક गर्मा, त्राठ प्रकार के स्पर्शों में सं एक स्पर्श. heat. hot touch, one of the 8 kinds of touch क॰ ग॰ १ ४४; -भोयण-जाञ्च न॰ ( -भोजनजात ) उना भे। जननी Ma-प्रधार गर्भ भोजन उष्ण भोजन का एक जाति a variety of food serv ed hot. वेय० ४, १२, - विकट न० ( -विकट ) ઉકાલેલું ઉનુ પાણી; ઉનુ અચિત્ત **પા**ણી. उकाला हुन्ना गरम जलः श्रचित्त जल boiled water, lifeless, sterilised water. कप॰ ६,२४, त्रि॰ (उप्लभूत) गरभभूत उसिगभूय

गर्गः; उप्णः. Become hot; made hot. "उसिएं उसिएमूए यावि होत्या" भग• ३, २;

उसिय. त्रि॰ (उपित) निवास धरेक्ष; २६ेक्ष. निवासित; रहा हुआ; निवास किया हुआ. Dwelt; inhabited. आया॰ १, ६, ३, १८७;

उसीर. पुं॰ (उशीर) वाला; भे हे सुगंधि ६०५; वीरुखुना भूक्ष. खस; एक मुगंधित द्रव्य, खस की जड. The fragrant root of the plant Andropogon Muricatus. राय॰ ४६; जीवा॰ ३, ४; परह॰ २, ४; स्य॰ १, ४, २ ८; — पुड पुं॰ (-पुट) वाक्षानी पड़ा. खस का पुडा. a bundle of roots of a fragrant plant named Andropogon Muricatus. नाया॰ १७;

उसु. पुं॰ (इपु) भाशः तीरः अभर्ः वागः तीर. An arrow. "श्रहेणं से उसू" भग॰ १, मः, ४, ६; ७, ६; १मः, १; १म, ३; जं॰ प॰ ४, ४४; श्रंत॰ ४, १; राय॰ २१७; विशे॰ ३१४१; स्य॰ १, ४, १, मः

उसुकारिज्ञ न॰ (इषुकारीय) उत्तराध्ययनना व्याहमा व्यध्ययननु नाम, जेमां अषुडार
राज्य डमझावनी राष्णी अगु पुरेतिहत व्यने
तेनी स्त्री तथा पुत्रोनी व्यधिडार छे. उत्तरा
ध्ययन के चौदहवें ब्रध्याय का नाम जिसे में
इपुकार राजा, कमलावती राजी, मगु पुरोहित
ब्रार उसकी स्त्री तथा पुत्रों का वर्णन है.
Name of the 14th chapter of
Uttaradhyayana dealing with
the king Işukāra, the queen
Kamalāvatī, the preceptor

Bhagu etc. श्रणुनो॰ १३१;

उसुगार. पुं॰ (इपुकार) धातकी णंडमां दक्षिण अने उत्तर दिशाना विभाग करनेवाला एक पर्वतः भिक्षा का विभाग करनेवाला एक पर्वतः Nama of a mountain in Dhātakī Khaṇda, situated between and separating the north and the south. ठा॰ २. ३; उसुद्धा. पुं॰ (इपुक) आधाने आकार का बालक का एक गहना A kind of ornament for a child. "उसुपाइपुद्धि मंदिहिं नावणं श्रहवणं विभूसिभ " पि॰ नि॰ ४२३;

उसुयार पुं॰ (इपुकार) से नाभनुं ध्युक्षार राजा के नगर का नाम Name of a town belonging to king Işukāta. विवा॰ ३; उत्त॰ १४, १; (२) ध्युक्षार नगरीनी राजा इपुकार नगरी के राजा का नाम. the name of the king of Işukāta town. " उसुगारेणं एयरेउसभदते गाहावई" विवा॰ १, १; उत्त॰ १४, ३;

उसुयाल. न॰ (+) ઉખલ. ऊखल. A. wooden mortar used for cleansing grain from chaff etc निर्सा॰ १३, ४; श्राया॰ २, ४, १ १४=;

उसोचणी. स्त्री॰ ( श्रवस्वापिनी ) साम।
भाणसने गाढ निद्रा स्थायी ज्यय तेवी विद्याः
ऐमी विद्या जिसके कारण सामनेवाले मनुष्य
को गाढ निद्रा श्राजाय. Art of hypnotising. स्य॰ २, २, २७;

उस्स. पुं॰ ( श्रवश्याय ) स्रोस; धर; आध्य.

र लुओ पृष्ट नम्भर १५ नी प्रुटनीट (०). देखो पृष्ठ नम्बर १६ की फुटनोट (०). Vide foot-note (★) p. 15th.

श्रोस. Dew; fog; hoar-frost "श्रप्पहरिएसु श्रप्पुस्तेसु नेय०४,१; भग० १४,१;उत्त०३६,८४; विशे०२४७६; ठा०४,४, उस्सन्न पुं० (उद्ध्य) लावनी उन्नति. भाव की उन्नति; विचार की उन्नति Sublimity of thought. पराह० २, १,

उस्सक्करण. न० ( उत्प्वष्करण स्वयोगप्रवृत्त कालावधेरू ध्वे पुरतः प्वष्करणमारम्भकरण-मुत्व्वष्करणम् ) केने भाटे के अल निर्भाख् अरेक्ष के तेने दिवंधीने ते अर्थ अरवुं ते जिस कार्य के लिये जो समय नियत है उस समय के निकल जाने पर वह कार्य करना. Doing an action after the time fixed for it has elapsed. पिं० नि० २०५, (२) दिये ४०५. ऊचे कूदना. leaping up; high jump प्रव० १५७, पंचा० १३, १०;

उस्सग्ग. पुं॰ (उत्सर्ग) क्षांत्रिस्मं, शर्रार के व्यापार का त्याम. Kāusagga; contemplation upon the soul giving up all thoughts about the body. सम॰ ६. श्रोघ॰ नि॰ ५१, प्रव॰ ७४, (२) भत्रभूत्र दिने। त्याम मलमूत्रादि का त्याम getting iid of uiine, solid excrements i e. feces etc. पंचा॰ ३, २० पिं॰ नि॰ भा॰ १४, श्रोघ॰ नि॰ भा॰ २१, भत्त॰ ४४;

उस्सिगि त्रि (उत्मिगिन) उत्सर्गभार्भ तथा अपवादभार्भने अधुनार, शास्त्रीय यारीक नियभोने समजनार, उत्सर्ग और अपवाद मार्ग को जाननेवाला; शास्त्रीय सूचम नियमों को सममने वाला (One) who has knowledge of general rules and exceptions; (one) who knows the minute rules of Sastras 99, 440;

उस्सग्णा न॰ (\*) ण्युं स्ता, ध्रणें स्वारं प्राये वहुलता; वहुत श्राधिक प्रायः mostly; to a great extent. "उस्सग्ण मंन्याहारा" भग००, ७, "उस्सग्ण लक्षण संज्या" निर्सा० ३; जीवा०१; भग००, ६; १५, १; —दोस. पुं० (-दोप-उत्सन्नमनु परतं बाहुल्येन प्रवर्तत इत्युरमन्नदोप.) दि साहिभा ध्रशी अवृतिवासी हिंसादि में बहुत प्रश्रत्त रखनेवाला one who is too much given to the sin of killing etc. भग०२५, ७,

उस्सरहसारिह आ. स्त्री॰ ( उच्छ्ल्स्एश्लिचण-का ) अनत व्यवहारि परभाग भेगा थवा थी अनेश २०६१नी संज्ञा अनंत व्यवहारी परमाणुत्रों के एकत्र होनेसे बने हुए स्कंध की संज्ञा Name given to a molecule made up of innumerable atoms, जं॰ प॰ २, १६;

उस्सन्नं ( - ) लुओ। " उस्सगण " शण्ट. देखो 'उस्सगण' शब्द. Vide "उस्सगण' पग्ह० १, १; सूय० २, २, ६४,

उस्सिपिग्गी स्त्री॰ (उत्सिपिग्गी-उत्सर्पन्ति श्रुभाभावा श्रस्यामित्युत्सिपिग्गी.) यदता १० आरा पुरा थाय तेटली डाझ; इश है।डा है।डी सागरीयम अभाख्ती यदती डाझ उत्सिपिगा काल; प्रगतिशील छह कालों के समृह का नाम; दश कोडा कोडी सागरोपम वह काल जिसमें सदा उन्नति होती रहती है The æon of increase, the up-

<sup>\*</sup> जुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी ४,८ने।८ (+). देखो प्रुप्त नंबर १५ की फूटने।ट (\*) Vide font-note (\*) p 15th.

ward revolution of the wheel of time consisting of six periods (Aras); the era of increase equal to 10 x erore x erore of Sagaropamas. नग॰ ३, १; ४, १; ४, ६; १४, १; २०, ५; उत्तर ३४, ३३; अगुजा १३५; १४४; मम० २०: ठा० १, १ २, ४; स्० प० =: परा० १२: जं० प० ७, १४०: नहीं० १६: काप० २, १८: —काल. पुं० (-कान) १श કાડા કાડી સાગરાયમ પ્રમાન ચડતા કાલ उत्सिपिंगी काल: दश कोडा कीडी सामग्रेषम प्रगतिशाल काल the ora of increase or of apward revolution of the wheel of time equal to 10 x crore x crore of Sagaro pamas जं प २, १=; भग २४,६; —ह्या स्त्री॰ (-ग्रर्थता ) **ઉ**રસ**િ**पाजीनी अभेक्षाच्यः उत्पर्धिमी की श्रोपन्ता से. भग० ११, ११,

उस्सयगुल. न० ( उच्छ्यांगुल ) त्रस् प्रधार ना अश्व भेडी शान्तु छत्मेधांगुलः केनाथी अशाध्वती वस्तुनी समाध भंदाबाध वगेरेने। भाभ थाय अथवा शरीरनी अत्रभादना भभाय ते अश्वत. तीन प्रकार के श्रंगुलों में से दूसरा उत्मेव श्रगुलः जिससे श्रानित्यवस्तुशो की लंबाई चोटाई वगेरह की नाप होती है श्रथवा शरीर की श्रवगाहना नापी जाती है वह श्रगुल. The 2nd of the three kinds of fingers called Utsedha Angula; small finger in its breadth used to measure the length and breadth of destructible objects. विशेष अर्थः उस्त्रयण, पुंच ( उन्छाय ) भानः अदंशरः गानः चगंड, श्रहंगारः Pride; conceit. '' यंदिलुरम्यगाणिय '' मयण् १, १, १६; उस्तवः पुंच ( उत्यय ) १६ आहिनी भदेतस्यः इंद्र श्रादि का महोत्सवः A festival; e. g. of Indra etc. नायाण्यः २; २; पगद्दण्यः, ३; २, ४;

उस्सवणयाः पुं॰ ( २उण्सवल ) धियुं ४२वुं ते. ऊंना करना. Lifting up; raising up. भग॰ १, =;

उस्मिचिया गं० क्र० क्र० (विश्वास्य ) विश्वा-सभा पार्टीने विशास में टालकर Having inspired with trust or confidence स्य० १, ४, १, ६;

उस्तस्तग्. न॰ (उच्छ्याम ) उत्थास उमांस. Inhaling of air; breathing in of air. र॰ गं॰ १, ४४;

उस्सिस्त्रः न॰ (उच्छासित) उने। श्रास. जना भाग. Inhalation of breath. नर्दा॰ ३८; श्राव॰ १, ४:

उस्साः ली॰ ( श्रवश्याय ) आहेत. श्रीसः Frost; dew; mist कण्य॰ १, ४४;

उस्सास पुं॰ ( उच्छ्वाम—कर्द्ध प्रवलःश्वास; उच्छ्वामः ) प्रमापनाना सातमा पहनु नाम केमां नारडी छप डेटले व अते श्वास ले छे तेना अणानु परिभाष्ट्र आपेल छे. प्रमापना के ० वें पद का नाम, जिसमें " नारकों जीव कितने समय के बाद श्वास लेते हैं " इसका वर्णन है. Name of the 7th Pada of Prajñāpanā in which is given the period of time during which a hell-being takes one

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी प्रुटने। १ ( ). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने।ट ( \* ) Vide foot-note ( \* ) p 15th.

breath. पन्न १. (२) ઉंચા ધાસ લેવા ते. ऊंचा धास लेना. inhalation of breath. पन्न० २३; दसा० १०. ७; भग० १, ६; २, १; सम० ३४; जं० प० २, १८; (ર) નામકર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉત્યથી છત્ર ધાસોચ્છ્વાસ લઇ શકે છે. नामकर्म की एक प्रकृति का नाम जिसके कि उदय से जीव श्वासीच्छवास लेते हैं. १ variety of Nāmakarma by the rise of which a soul can inhale and exhale breath. क॰ ग॰ १. २४; ५, ६०; पन्न० २३; —नीसास. पुं० (-निःश्वास ) श्वासे।श्वास क्षेवा ते, उयेथी નીચે તે નીચેથી ઉંચે શ્વાસ લેવા તે. શ્વાસો-च्छ्वास लेना: ऊपर से नीचे श्रीर नीचे से ऊपर श्वास लेना respiration. पन ॰ ३; —पश्च पुं∘ ( -पद ) ७२७्वास प६-अज्ञा• पना सूत्रना सातमां पदनं नाम. उच्छ्वास पदः प्रज्ञापना सूत्र के सातवें पद का नाम. name of the 7th Pada of Prajnapana Sutra भग १, १; —विस. पु॰ (-विष) केना धासमां ઝેર છે એવી જાતિના એક સર્પ. जिसके श्वास में जहर है ऐसी जाति का एक सर्प त serpent with venomous breath पञ्च० १:

उस्तासग. पुं॰ ( उच्छ्वासक-उच्छ्वसम्ता-त्युच्छ्वासका॰) श्वासी-थ्वास क्षेतार. श्वासी-च्छ्वाम त्रांने वाला. One who breathes. नाया॰ १; ठा० २, २:

उस्सासय. पुं॰ (उच्छ्वासक) लुओ। 'उस्सा॰ मग " श॰६. देखो " उस्सामग " शहद Vide " उस्सासग " भग॰ ११, १,

उस्सित्र. त्रि॰ (उच्छित ) ઉथुं १रेस, उथे ६ पाडेस. ऊंचा उठाया हुत्रा Raised up, lifted up विवा २. राय०७०, त्रोव०३१, जं॰ प॰ २, २१; —(ऋो)उद्श्र-यः ति॰ ( -उटक ) पथेंतुं पाछी; ઉद्यं यहेत पाछी। वहा हुआ पानी; चहा हुआ पानी. water risen high or increased in volume. " जवणें समुद्दे डास्त्रियोद्दए" भग॰ ६, ६; —ध्या. स्त्री॰ ( -ध्वजा ) उथी हरी छे ध्वल लेखें ते (स्त्री ) जिसनें ध्वजा ऊंची की वह (स्त्री). ( a woman ) who has raised up a flag or banner निवा॰ २;

उस्सिचणा. श्री॰ (उत्सेचन = ऊर्द्धसेचनमुत्से-चनम्) तणावाहिनुं पाणी इसेशी म्हार अह्युं ते. तत्ताव वगैरह का पानी उत्तीच कर वाहिर निकात्तना. Taking out or drawing out water from a tank etc. उत्त॰ ३०, ४; भग॰ ३, ३,

डिसिचितार. त्रि॰ (उत्सेक्तृ) पाणी डिसेयनार पाणी उनींचने वाना. (One) that draws out or takes out water. दसा॰ ६, ४.

उस्सित त्रि॰ (उत्सृत ) ६२ ४रेंसुं. उंचा करा हुन्ना. Raised up, lifted up. जीवा॰ ३, ४;

उस्सित्तः न० ( उत्सिक्त ) ઉधु भीवेवुं उचा किया हुद्या Lifted up. raised up, exalted (२) गविंध, उद्धत गविंध; घमेडी; उद्धत. proud; vain. भग०३,३;

उस्सिय. त्रि॰ (उत्सृत) ईसायेस पसरेस. फेलाया हुत्या, पमारा हुत्या. Spread extended. (२) ઉચું કરેસ. उचा किया हुत्या lifted up; raised up सम॰ प॰ २१२, राय॰ ६६.

उस्मीस. न॰ ( उच्छीर्ष ) श्रीशी हुं तिकया A small pillow for the head श्रोघ॰ नि॰ २३२; — मूल न॰ ( -मूल ) श्रीसी धनुं भुण; श्रीसी धनी नीये तिकियेके नीचे का भाग. the under-portion of a pillow for the head. निर्ता॰ १, ७६; नाया॰ १;

उस्सुश्र. न• (श्रोत्सुक्य) ઉष्टांध्वापणुं. उत्सुकता; चंचलता. Excessive eagernese of curiosity; busy inquisitiveness श्रोव• १६;

उस्सुक्त. त्रि॰ ( उच्छुल्क ) धर रहित; ज्ञात रहित, नि.ग्रुल्क; कर रहित; विना फीस का; जगात रहित. Free from customs duties, free from taxes. " उस्सुकं वियरह" कप्प॰ ४, १०१; नाया॰ १; ८; १४; १७; विवा॰ ३;

उस्सुग. त्रि॰ (उत्सुक) ઉत्दंदित; उत्साद-युक्त. उत्कंठित; तीव चाह वाला; उत्साह सहित. Eager; zealous; enthusiastic. श्रोव॰ २६;

उस्सुगत्त. न॰ (उत्सुकत्व) ઉत्सुक्ष्यणुं; आक्ष्या. उत्सकता; उत्कंटा; तीत्र इच्छा, श्राकुत्तता. Eagerness; confusion of mind caused by excessive eagerness. महा॰ प॰ ५;

उस्सुगत्तग्. न० ( उत्सुकत्त्व ) ઉत्सुक्ष्ता; व्यादुक्षता. उत्सुकता. उत्कंठा; तात्र चाहः श्राकुलता. Eagerness; perturbation of mind १ग्ह० २, ३;

उस्सुत्तः न० (उत्सूत्र) भन, वयन, अने धाराओ धरी स्त्रथी विश्द्ध आयर्थ धर्वं ते मन, वचन, श्रीर काया से स्त्र से विरुद्ध श्राचरण करना. Violating the precepts of the Sutras (scriptures) in thought, word and deed. श्राव०१, ४, भग० ७, १; १०, १; प्रव० १२१; पंचा० १४, १८;

उस्सुय. त्रि॰ ( उत्मुक ) ઉत्कितिः ( उत्साद-पाले। उत्कंठितः तीत्र इच्छावालाः उत्साह वाला. Eager: zealous; enthusinatic. ( २ ) पुं॰ (उत्सुक्त नामना क्षेक्ष कृभार. उत्मुक नामक एक दुमार. name of a Kumāra (a boy ) नाया॰ १६;

उस्सुय. न॰ ( श्रीरसुक्य ) ઉत्सुक्ष्पणुं. उत्सुकता; उत्सुकपना. Eagerness; curiosity. नाया॰ १; — कर. ति॰ ( -कर ) ઉत्कंश ઉपल्यनगर. उत्कंश पेदा करने वाला. Exciting eagerness or curiosity. नाया॰ १;

उस्सयभूत्र. त्रि॰ (उत्सुकीभूत) ७८५-६१-वाणी; व्यातुर अनेक्ष. उत्कंठा वाला; प्रातृर; उत्सुक. Made eager or auxious; eager; made curious. " उस्मुयम्भू-एसं प्राप्तारोस " श्राया॰ २, १, ३, १४.

√ उस्सु-याय. ना॰ धा॰ I. ( उत्सुकं करो-तीति-उत्सुकायते ) विषय तरे ६ ६ सुडता इर्थी-आतुरता इर्थी विषयों की श्रोर उत्सुकता करना; विषयों में उत्सुक होना. To be full of eagerness for sensual enjoyment.

उस्सुयायंतिः भग॰ ५, ४,

उस्सुयाएज. भग० ५, ४,

उस्सुयमाण भग० ५, ४;

उस्सूलन्त्र. पुं॰ ( \* ) हुश्भनना अश्वर्शन पाउपा भाटे ढाडेशी छुपी भाउ; એક જાતની भार्ध. खाई; शञ्ज की सेना की गिराने के लिये ढाकी हुई खाई. A ditch; a trench; a hidden trench to destroy a hostile army. उत्त॰ ६,१८;

<sup>\*</sup> लुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। ८ (\*). देखो प्रुष्ठ नंबर १५ की फूटने। ८ (\*) Vide toot-note (\*) p 15th.

उस्सेद्रम. न० ( उत्स्वोदिम ) क्षीटनुं घीवणुः ग्रांगर वगेरेनी क्षीट ग्रीसाववामां व्यावे ते क्षीट वाणुं पाणी. ब्याटं का घोवन. Water in which rice—flour etc. have been socked.ठा०३,३;ब्राया०२,१,७,४१; उस्सेयण. न० ( उत्स्वेदन ) ग्रीसामण्नु पाणी. मांड; चामल वगैरह सिकाने के वाद निकला हुआ पाना. Water taken out after rice etc have been hoiled in it निसी० १७, ३०;

उस्सेह. पुं॰ ( उत्सेघ ) ઉत्राधः; व्यवगादना, कंचाई; श्रवगाहना Height; measure of height. श्रोघ॰ नि॰ भा॰ २६३: स्य॰ ३६; जं॰ प॰ २, १६, ४, १२२; श्रोव॰ १०; ३८; उत्त॰ ३६, ६३; उवा॰ १, ७६; (२) शिभर शिखर, चोटी summit; peak जीवा॰ ३, ४; — श्रंगुल. पुं॰ ( -श्रंगुल ) ઉत्सेधांगुधः; आध्लय मध्य-प्रमाण એક ભરપ; आ અંગુલથી नारडी ति- यंय वगेरे सर्व छवाना शरीरनी व्यवगाह-

ના–ઉંચાઇતું પ્રમાણ ગણવામાં આવ્યું છે. उत्सेधांगुलः; नारकी, तिर्यंच वर्गरह जीवा के शरीर की ऊंचाई का प्रमाण निससे किया जाय वह श्रेगुल. a measure equal in breadth to eight barley seeds and used to calculate the height of hell-beings etc. प्रव० ४८; १४०६; श्रागुजी० १३४; — प्य-मारा न॰ ( -प्रमारा ) शरीराहिनी खंथा-धुन अभाश. शरीरादि की ऊंचाई का प्रमाण. height of the hody etc. राय०१५४; उस्सेह पुं॰ ( उच्छाय ) भाद-भेडीने। शिभर. ऊपर की मजिल की चोटी. The top of the upper floor. राय० १०७; उहासण्भिक्खा श्री॰ (श्रवभासण् भिचा) પાતાની ઓલખાણ આપીને ભિક્ષા લેવી તે पहचान देकर ली हुई भिन्ना. Begging alms after introducing oneself i. e. disclosing one's name etc. श्राव० ४, ५;

ज.

ऊष त्रि॰ (ऊन ) ઉछुं; ओछुं; न्यून, न्यून; कम; श्रोछा; उषा. Wanting, lacking; falling short श्रमुजो॰ ६७; श्रोव॰ १६; स्य॰ २, ६, १४, उत्त॰ ३०, २१; नाया॰ ६; पन्न॰ २; स्०प॰ १; क॰ गं॰ ३, २२, पंचा॰ ३, २०: जं॰ प॰ ७, १३४; क॰ प॰ १, १३; —ऊष्, त्रि॰ (-ऊन) अछुं अछुं, कम कम. less and less. क॰ गं॰ ४, १६; ऊष्मा त्रि॰ (ऊनक) ओछुं न्यून; कम. Less; falling short. भग॰ ७, १; ऊष्पत्त. न० (ऊनत्व) ओछा पछुं. कमी भोछापन. State of being less; Vol 11/40.

paucity; defect. पंचा १४, २४. ऊराय त्रि ( जनक ) लुओ "ऊराग" शम्ह देखी "ऊराग" शब्द. Vide. 'ऊराग' पि नि ६५०;

ऊणाइरिक्तामिच्छांद्स्सण. न० ( ऊनातिरिक्ष-मिध्याद्शंन ) शरीरना प्रभाख्यी छवने न्हानी अथवा म्हाटा भानवा ते; भिध्या-त्यना ओड प्रधार. शरीर के प्राकार परमे जीवको छोटा या वटा मानना; मिध्यात्वका एक भेद. Measuring the size of the soul by the size of the body; a mode of false belief. " ऊणाइरिक्त-मिच्छादंसण वासिया चेव" टा॰ २, ३. ऊिशाय. त्रि॰ ( \* ऊन ) न्य्त. न्यून; कम Less; falling short; lacking. " वायाजीसं वासाइं ऊिश्याए" जं॰ प॰ २, १६; २, ३४; २, ४०; भग॰ ६, ७; २४, ७; कप॰ १, २;

उरणोयरिया. श्ली॰ ( जनोदिरका = जनमुदर-मुनोदरं तस्य करणं भावे-बुज्-जनोदिरका) ८भेशना भाराङ हरतां इधेंड आेछुं भावुं ते; अनेहिरी तथ. रोज के प्रमाण से कुछ कम भोजन करना; भूख से कुछ कम खाना. Eating less than one's fill; this is called Unodarī austerity. श्लोव॰ १६; उत्त॰ ३०, ८; भग० २४, ७; प्रव॰ २०१; पंचा॰ १६, २;

ऊर्ग्णा. स्त्री॰ ( \* ) गाउर. भेड; गाडर. A female sheep; a ewe; a sheep. श्रग्राजो॰ १३१;

ऊरसीञ्च. पुं॰(श्रीसिक) गाउर पासनार; रणारी गडरिया. A shepherd. श्रासुजो॰ १३९;

गडरिया. A shepherd. श्रापुजो॰ १३१;
उत्तर. पुं॰ (उत्तर ) साथण जांघ. A thigh.

" कखगामया उत्तर " राय॰ १६४;

"वाहामें उत्तर में " सूय॰ २, १,४२; भग॰
५; ४; १६, ५; दश॰ ४; ६; ४६; जं॰ प॰
श्रोव॰ १०; उत्त॰ १, १८; श्राया॰ १, १,
२, १६; जीवा॰ ३१, ३; निसी॰ ७, १४;
उवा॰ २, ६४; — घंटा ह्वी॰ ( –घरटा )
साथण अपर सटक्ष्ती धटडी. जांघ के उत्पर लटकने वाली घंटी. १ डागती bell
hanging upon a thigh. नाया॰ १८;
— घंटिया. ह्वी॰ (घरिटका ) साथण अपर
सटक्षी घंटडी. जंघाके उत्पर लटकने वाली
घंटी. १ डागती bell hanging upon
१ सीांद्री। नाया॰ १८;

उत्सः पुं० ( ऊप ) भारे।; स्वर्णिभिश्र रेती; भारी भाटी नोन मिली हुई रेती; खार; खारी मिट्टी. Salt earth; sand mixed with salt पत्त० १; निसी० ४, ४०; दस० ५, १, ३३; पि० नि० भा० १३; उत्त० २६, ७३: श्राया० २, १, ६, ३३;

उत्सड. त्रि॰ ( \* उत्सृत ) अंथुं ६रेक्ष. ऊंचा. किया हुआ. Elevated; made high. जीवा॰ ३, ४; राय॰ १३४;

उत्सह. ति॰ ( उत्सृष्ट ) तलेक्षं; नाभी हैवानं.
छोडा हुआ; फॅक देने थोग्य. Abandoned;
thrown away; to be thrown
away. निसी॰ =, १६; — पिंड न॰
(-पिएड) नाभी हैवानं भिएऽ-भीलन.
फेक देने योग्य भोजन. food, to be
thrown away or cast away.
निसी॰ =, १६;

उत्सढ. त्रि॰ ( उत्सृत ) ऋदि संपद्दा वेगेरेथी ऋदि, संपत्ति आदि से वड़ा. Exalted, high by reason of wealth, prosperity. " उसढं नाभि धारणु " दस० ४, १, २४; सम० ३३; (२) साई रसहार सुगन्धि भाजनः श्रद्छे रसवाला सुगंधित भोजन rich and sweet-smelling food. " रसिय रसियं ऊसढं ऊसढ़ं मण्खुग्णं मण्खुग्णं " सम० त्राया०२, १,१, २६; २, ४, २, १३७; दसा० ३, १६; (३) ७७२१ने २७।८। थ आवेस ( छाउवा वगेरे ). फलफूल कर जो वटा हो गया वह, ( वृत्त वर्गेरह ). grown up ( plants, crops etc )-' थिरा जसढाविय '' दस० ७, ३५: ऊसिप्फिल. सं० कृ० श्र० (उत्मर्ध्य) अप्त

" लुओ ५४ नम्भर १५ नी पुरनीर (\*). देखो एष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th.

क्रीने. पा करके, प्राप्त करके Having got or obtained. सु॰ च॰ ५, ६७; ऊसर. न॰ ( ऊपर ) भारी अभीन नमकीन जमीन Salt land or soil सु॰ च॰ २, २५; भत्त॰ ७३;

ऊसरण न॰ ( उत्सरण ) ७५२ यडचुं ऊपर चढना. Rising up, mounting up. ''थागूसरणंतश्रो समुख्यगणं' विशे॰ १२०६;

उत्सव. पु॰ (उत्सव) छत्सव; भछे।त्सव. उत्सव, महोत्सव A festival; a festival tive occasion. पि॰ नि॰ २२४,

ऊसविय. त्रि॰ ( उरसृत ) ઉચું કरेक्ष ऊंचा किया हुआ Elevated; made high नाया॰ १; ५; भग॰ ६, ३३; ११, १५; जीवा॰ ३ ३;

ऊसवियः श्र॰ ( उत्सत्य ) એક १ ६ १ ने; अया १ १ ने, एक १ कर के, ऊचा कर के. Having collected or gathered or joined together; having raised up. भग॰ १, =;

ऊसस. प्रं॰ ( उच्छ्वास ) ઉચे। श्वास अदं श्वाम; उच्छ्वास Inhalation of breath भग॰ १, १,

उससिस्र -य न० ( उच्छ्यसित ) अथे। श्वास क्षेत्रं ज्ञा श्वाम लेना Inhaling of breath विशे०५०१,सु०च०१३,४०, — रोमकूच कि० (-रोमकूप) जेना ३ वाडां उपिथी अथा थेया छे ते उच्छ्वसिन रोमकूप (जिम के रोम हर्ष रो ऊंचे होते हैं) रोमाज्ञिन होने वाला ( one ) horripilated with joy कप्प०२, १४.

उत्सारिय. पुं॰ ( उत्सारित ) पसारेक्ष; विश्ता-रेक्ष प्रसरित; फैलाया हुश्रा पमारा हुश्रा-Spread; extended. नाया॰ १८. भग॰ ६, ३२; ऊसास पु॰ (उच्छ्वास = उत्ऊद्वश्वास उच्ह्-वासः) श्वास ७२। क्षेत्रा ते ऊचा श्वास लेना; Inhaling of breath जीवा॰ ३, १,जं॰प॰२,१८, नाया०१,८,१३,१,६, श्रोव॰ ३६, भग०२, १; ६, ७; सु० च०२, ४१६; (૨) ગાયનનું એક ચરણ ભાલતા જેટલા વખત લાગે તેટલા વખત પ્રમાણના કાળ વિભાગ. गायन का एक चरण वोलने में जितना समय लगे ऊतने समयका काल a period of time taken up in singing one part of a musical composition. श्रणुजो॰ १२८, —ग्रीसास पु॰ (निःश्वास = उक्चासेनसह निश्वास ) श्वासे। २००वास. श्वामाच्छवाम, उपर नीचे श्वास लेना respiration भग०७, ६, ज०प० २, १८, —द्धा स्त्री॰ ( - श्रध्वम् ) ३२७२।स प्रभाश क्षत्र उच्छवास प्रमाण काल a period of time taken up in singing one part of a musical composition भग०६, ७;

उसासग पुं॰ (उच्छ्यासक = उच्छ्यासितीत्युच्छ्यासक) श्वास क्षेतार श्वास क्षेत्रवाला
One who breathes, भग॰ ३४, ९,
उसासनाम न॰ (उश्वासनाम) नाम
४भ नी ओई प्रृति है कोना दिवथी छ।
श्वासे श्वास क्षेत्र है, नाम कर्म की एक
प्रकृति कि जिस के उदयसे जीव श्वापोच्छ्यास
ले सकता है. A variety of Namakarma by the rise of which a
soul gets the power of respi1ation क ग॰ १, ४४, प्रय॰ १२७७;

उत्तसिय त्रि॰ (उच्छित) अथु ४रेक्ष ऊचा किया हुत्रा Raised high, litted up. श्रोव॰ २१, पन्न०१४, जं॰प॰३, ४६॰ ५३; ४७; ७,१६६; भग॰३, ४, ११,११; नाया॰१,८,६: सुय०२,१,३;

भुरेक्ष. ऊंचा किया हुआ. Raised up; placed high. राय॰ २२४; जीवा॰ ३, ४; नाया० ८; ग्रोव० ४०; (२) ઉन्नत उन्नत, ऊंचा उठा हुग्रा. lofty; high. श्रोव०४०; जं०प० ७, १६२; ७, १६६; — जभया स्त्री॰ (ध्वजा) अंथी धरेशी भ्यन्मः जची उठाई हुई ध्वजा. raised up banner or flag विवा १, २, नाया ० ३; --फालिहः पुं॰ ( स्फाटिक-उच्छितसुन्नतं स्फटिकमिव स्फटिकं चित्त येपां ते उच्छित-स्फटिका मौनीन्द्रप्रवचनावाष्ट्यापरितृष्टमान सा इत्यर्थः। यद्वा उच्छितोऽर्गलास्थानादपनी-योर्द्धीकृतोतिरश्चीताः कपाटपश्चाद्वागादपनीतः परिघोर्गजायेपां ते उच्छिन परिघाः। श्रथवा उच्छितोगृहद्वारापगत परिघोयेपां ते उच्छि-श्रोदार्यातिशयाद्तिशयदानदा-यित्वेन भिज्ञकाणा गृहप्रवेशार्थमनगीलत गृहद्वारा इत्यर्थः ) २६८ ३ २८ केवुं निर्मेस थित्तवासी। स्फटिक समान निर्मल चित्तवाला. a person with a mind as pure and transparent as crystal ( ૨ ) જેણે ભાગલ ઊંચે ચઢાવી દ્વાર ઉધાડા भुरुया छे ते जियने श्रपने द्वार सदा खुले रखे हैं वह. one who has raised up a door-bolt and opened the doors " असियफिलहे श्रवंगुयद्वारे चियत्ततेउर परघरप्वेक्षे " भग॰ २, ५; नाया॰ ५; -- लगूल न॰ ( जांग्ल ) अंथी પુંછડીવાળું. ऊंची पूंछवाला one with the tail lifted up नाया॰ १;

जीवा॰ ३, ३; कप्प॰ ३, ३३; प्रव॰ १४६०, ऊसियः त्रि॰ (उत्सृत) ઊંચું ५रेक्ष; ઊંચું उत्सिया सं॰ कृ॰ श्र॰ (उत्सृत्य) उत्तरीत्तर यहकर; श्रगाडी वहकर. Progressing; vising step by step उत्त॰ १०, ३४; असियारी स्त्री॰ (३) भीक्षारी विद्वी. A cat. श्राया॰ १, ६, ४, ११;

उन्होंसे. न॰ (उन्होंसे) ओसिट्टं. तिकया.

A small pillow for the head or for resting the cheeks on. नाया॰ ७; —मूल. न॰ (-मूल) ओसीट्टानी पासे-नीर्थ. तिकया के पास; तीकया के नीचे. near a pillow; under a pillow. "उसीसामूले ठावेइ" नाया॰ ७; उसीसग न॰ (उन्हींपेक) ओसीट्टं; तटीथे। तिकया; उसीसा. A small pillow. भग॰ ६, ३३; —मूल न॰ (-मूल) ओसीट्टानतटीयानुं भूझ तिकये की नीचे

की त्रोर. the bottom or under-

part of a pillow भग॰ ६, ३३.

उत्तह. पुं॰ ( श्रोघ ) न्यांध-सामान्य संज्ञा, न्याः हार, भ्य भेथुन न्यां परिश्रह विषयः संज्ञाः ध्रन्थाः मामान्य संज्ञा-श्रोघः श्राहार, भय श्रादि संज्ञाणं. Proposition of the subject: inclination towards food, fear, sex and worldly

'कह' शब्द Vide "कह" विशे० ५२३; कह न० (कधस्) गाय, लेंस वगेरेने। अडि. गाय नेंस वगेरे का श्रव. An udder of a cow etc. विवा० २.

possessions विशे॰ ४२१; —सग्णाः

स्री॰ ( -संज्ञा ) क्युओ 'ऊह' शम्ह. देसो

<sup>\*</sup> लुओ पृष्ठ नभ्भर १५ नी पुटने। ८ (१). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने। ट (\*) Vide foot-note (\*) p. 15th.

## Ų.

ए. प्र॰ (ए) संभेषित. संबोधन. A vocative interjection. जं॰ प॰

ए. श्र॰ (एवं) आश्रमाधे. इस प्रकार; इस तरह. Thus, in this way. भग॰ ४, ४; पत्र॰ ३६;

एइय. ति॰ ( एजित ) शंधि श्रेष्टं. धूर्णेखं. इस कंपा हुआ; इस धूज गया हुआ. A. little trembled; quaked. जीवा॰ २, ४; राय॰ १२=;

एक. त्रि॰ (एक) એક, એકલું; એકજ. एक; श्रकेला: एकही. One; alone; single; only. नाया॰ १; सम॰ १; —(का)श्रइः स्त्री॰ ( -- श्रशीति ) ८१; એક્યાશી. इक्यासी. 81, eighty one. वव॰६, ३६; — (का) श्रद्ध. न॰ ( - श्रहस् ) ओक्ष हिवस. एक दिन. one day. भग॰ ६, ४, —चत्तालीसा स्त्री॰ ( -चत्वारिंशत् ) भेक्षां कार्यास्त कार्यास कार्य one. सम॰ ४१; --- हुआ त्रि॰ ( -अर्थक ) में अर्थ वार्णः पर्यायवायक, एक प्रर्थवाला synonymous श्रगुजी॰ २८; — तीसा स्त्री॰ (-विशत्) गेक्तिस; ३१ इकतीम. 31, thirty-one पन्न॰ ४; -पासिय त्रि॰ (-पाधिक) शेक्ष ५५ भे भुनार एक करवट से सोनेवाला (one) who lies or sleeps on one side only वेय॰ ४, २; ३; -- गइ. स्त्री॰ (-रात्रि) એક रात एक रात्रि one night वव॰ ६, १०; -राय. न॰ (-रात्र) जुञेश " एकराइ " शण्दः देखों "एकराइ" शब्द. vide "एकराइ" दमा॰ ७, १, --बीसाः स्री॰ (-विंशति) गेंध्वीस, २१. एकवीस. 21; twentyone गाया॰ ३; १६; क॰ प॰ २, १३;

पकंचणं. श्र॰ (एकश्रन) श्रैः है। ध्रेशेः एक; कोई एक. One; some one. नाया॰ ६: एकजिटन् ) ओं अं अंटा-पाली-पुंछीपाली श्रदः ८८ श्रदंभानी ओं के एक जटावाला-पूंछवाला श्रदः वव श्रहों में से एक. One of the 88 planets; a planet with a tail. ठा॰ २, ३;

एक राइया स्त्री॰ (एक रात्रिका) એક रात्रिन नी पारभी लिक्ष्मु पित्रभा एक रात्रि की बारहवां भिज्जकों पिडमा. The twelveth austerity of a Jaina-layman which takes one whole night. बव॰ १, २४;

एकल-ल्ल-विहार. पुं॰ ( एकाकिविहार ) साधुये गोडला वियरतुं ते. साधु का अकेला विचरना. Lonely peregrination on the part of an ascetic. वन॰ १, २६; दसा० ४, ११; --पडिमा. स्री० (-प्रतिमा ) એકાકી-એકલા વિચરવાની अतिज्ञा ४२पी ते एकाकी-श्रकेल विचरने की प्रतिज्ञा लेना a vow (by an ascetic) of lonely peregrination वन॰ १, २६, —सामायारी, स्री० ( -समाचारी ) એકલા વિચરવાની સમાચારી-આચાર भया श अकेले घूमने की मर्शादा; विचरने की समाचारी (श्राचार मर्यादा) a Sādhu's Samāchārī (a point of prescribed conduct ) consisting in lonely peregrination दसा॰४,११; एकाण्डह स्री० ( एकनवति ) એકाएं इक्यानवे 91; ninety-one. नम॰ ६१; एकाशिय. त्रि॰ (एकाकिन्) એકલु.सहाय पगर-

तुं श्रकेला, सहाय रहित. Alone; helpless: unaccompanied. वेय॰ १, ४६: सभास; सभासने। ओड प्रडार. एकशेष नामक समास; समासका एक भेद. A variety of compound expression known in grammar as Ekasesa compound अणुजो॰ १३१; एक्काइनाम न॰ ( इकाइनामन् ) ओडाध नामना राठोड ( ठाक्र ). A person named Ekkāi of Rajpūta caste. विवा १;

एककारसः त्रि॰ ( एकादशन् ) अशीयारः, ११. ११; ग्यारह 11; eleven. भग०२, १; ३, २; ७, १०; =, =; १४, ६, १४, १; २०, ४; २६, १; ३१, १; ३४, ३; उवा० १, ८६; २, १२४, पन्न० ४; श्रोव० १४; तु० च० १, ३२७; २, ३४३; विशे० १०६२; -- श्रंग. न० ( -श्रंग ) आयारांगाहि ११ अंगशास्त्र. त्राचारांगादि ग्यारह त्रंगशास्त्र the 11 Angasāstras Achārāṅga etc भग॰ २, १; ६,३३; नाया॰ १; ५; ६, ६; १६; —श्रंगि. पुं॰ ( -श्रंगिन् ) આચારાંગ આદિ ૧૧ અંગના जानने वाला. one proficient in, familiar with the 11 Angas viz.  $\overline{\mathbf{A}}$ chārāṅga etc चड $\circ$  ३३; नाया $\circ$ १६; —( सु ) उत्तरः त्रि॰ ( -उतर ) केना उत्तरपहुँमां ११ छे ते. जिस के उत्तर पदमें ग्यारह हैं वह (a compound expression ) having "eleven" as its latter part. भग॰ १, ४; —भाश्र. पुं॰ ( -भाग ) अशीयार लाग. ग्यारह भाग-हिस्से 11 parts निर. १,१; पकारसम त्रि॰ ( एकादश ) अभीयारभे।. ग्यारहवां. 11th; eleventh उवा॰ १, ७१; य० ६, १; भग० २, १;

पक्कारसय. ति॰ (एकादशक) अशीयार;११.
ग्यारह. 11; eleven. भग० २०, १०;
एक्कारसी. स्नी॰ (एकादशी) એકાદશીतिथि;
अशीयारस. ग्यारस; एकादशी (तिथि).
The 11th day of every fortnight नाया॰ म; जं॰ प॰ ७, १४३;
एकावएणा स्नी॰ (एकपञ्चाशत्) એકावश;
पत्कावएणा स्नी॰ (एकपञ्चाशत्) એકावश;
पत्कावाएणा स्नी॰ (एकपञ्चाशत्) એકावश;
पत्कावाएणा स्नी॰ (एकपञ्चाशत्) ओकावश;
पत्कावादि. पुं॰ (एकवादिन्) ओक्श आत्मा
हे, इसप्रकार, मानने वाला एक वादी. One
who holds that there is only

one soul without a second ठा॰ द, १;

एक्किक नि॰ (एकेक ) ओड ओड; प्रत्येड. प्रत्येक. Each taken singly; every one. भग॰ १, १; क॰ प॰ १, ६६; — पिडिग्गह्म नि॰ ( -पतद्महक ) ओड ओड पात्र राभनार. एक एक पात्र रक्षने वाला. ( One ) keeping a single vessel at a time. प्रव॰ ६३२; एक्किया. स्री॰ (एकिकिनी) ओडसी (स्त्री). प्रकेली (स्री). A lonely, solitary, (woman). नाया॰ ६;

पके किय. ति॰ ( एके कक ) अत्ये के. प्रत्ये के. Every one; each taken singly. राय॰ ६१; एके क ) ओ के ओ के; ६रे के;

प्रसंक । १० ( ६६ १०) का उठाइ, १८५, अत्येक हरएक. Every one; each taken singly भग । १, ६, ६, ५; ६, १; पि नि भा । ५; उत्त । १०,

पक्कीर्णावस्तितम. त्रि॰ ( एकोनविंशतिम ) भेगश्रीसमुं. उनीसवां nineteenth;

१४; उवा० ४, १४७; १, २२४;

19th. नाया॰ ५;

एग. त्रि॰ ( एक ) ओं ड. एक. One. भग० 9, 4; =, 2, 9; 4, 3, 9, 8, 33, 94, 9; १६, ६; १⊏, १०; २४, १; २४, २; ६; नाया० १; २; ४, ६; ५; ६; १०, १३; १४; १६; १८; उत्त० १, २६; पि० नि० भा० ४१, पिं० नि० ७५; वेय० १, ६; १०, दस० ६, ६०; ६, १, ३; दसा० ७, १, १०, ३, पञ्च० १; ४; जं० प० १, १७, ५, १०, २०, सु॰ च० १, १०३, ठा० ७. श्रसुनो॰ १०; वव॰ १,३४,३६, ८,२;१४; ६,३७;४०, ४४, १०, १, २, ४, विशे० ३१; ५४; उवा० २, १३; ११८, क॰ ग० २, २९, कध्य० ४, ७७; क० प० १, २१, (२) डेाध्र ओंड, डेटला ओड. कोई एक, कुछ एक some one; some. सूय० १, १, १, ६, १, १, २, १; श्राया० १, १, १, १; २; १, ६, २, १८३; सू॰ प॰ २०, —ग्रागिय त्रि॰ ( – श्राङ्गिक ) सदंग, અ ખું; અ ખંડ सारा; अखंड, प्रा whole; entire; undivided श्रोध॰ नि॰ ७०७, -श्रंतर. त्रि॰ (-म्रन्तर) એક એક ह्विसने आंतरे આવતા આયમ્ખિલ ઉપવાસ વગેરે; એકાતર त्य. एकर दिनके अंतरसे आनेवाले आयंबिल उपवास आदि; एकान्तर तप विशेष practice of austerity known as Ekāntara ( e. g fasting etc. on alternate days ). उत्त॰ ३६, २५१; (२) अनन्तर समय (अन्तर-रिदित ) ये ४ सभय अन्तररिहत एक समय. continued one Samaya or unit of time. विशे॰ ३५५, — ग्रंतरा (-श्रन्तरा) એક आंत३-अंतराक्ष अन्तराल one interval; (at) an interval of one कo पo 9, ४६, --श्रगुप्पेहा स्रो॰ ( -श्रनुप्रेसा ) હ એકલાે છું, મારૂ કાેઇ નથી, હું કાેઇના નથી Vol. 11/41.

એવા પ્રકારની ભાવના एकत्व भावनाः में अकेला हूं मेरा कोई नहीं है और न में किसी का हु इस प्रकार की भावना meditation on one's loneliness in this world taking this form "I am alone and nobody is really mine. " ठ(० ४, १; — ग्रासी स्त्री॰ (-श्रशीति) ेलुओ " एक्सीई " शण्ह. देखो " एकसीई " शब्द. vide. " एकः सीई " प्रव० ३६७, -- प्रह पुं० न० (-श्रह) ओंध दिवस एक दिन. one day, a single day. भग॰ १२, ७. दसा॰ ६, २, वव॰ ८, ४; --- ऋहि ऋ-य. त्रि॰ ( -म्रान्हिक ) એક दिवसनु. एक दिन फा. pertaining to, relating to one day; diurnal ७, ज॰ प॰ ७, १३३; ( २ ) अिधान्तरे। ताप. इकतरा बुखार fever on alternate days जांबा॰ ३, ३, भग॰ ३, ७; — श्रागार पुं॰ (-श्राकार) એકાકાર થયેલા; સરખા આકારવાલા. एकाuniform, कार; समान श्राकार वाला homogeneous भग० ¤, ₹, £, — आभर्गा न॰ ( - आभरम ) એક सरणा આબૂપણ एक से श्राभूषण a uniform ornament. राय॰ = ०; दसा॰ १०, ३, -श्रामोसा. स्त्री॰ ( श्रामर्श ) पडिकेटवाना વસ્ત્રનાે મધ્યમાગ પકડી ખેતરકના છેડાને એ કીસાથે ધસવાથી લાગતાે દાેષ; પહિલેહણના रे।पने। ओं अधार प्रतिलेखना करने के वस्नको मध्यभाग से पकडकर दोनों श्रोर के पत्नों को एक साथ घिसनेसे जो दोष लगे वह, पडि-लेहनादीष का एक भेद a valuety of fault meuried in connection with the inspection of clothes viz holding a cloth (garment)

प० ४, ६३; --नारिंग. पुं० (ज्ञानिन्) हेवसज्ञानवासे।. केवलज्ञानवासा. an omniscient person. भग०=, २; — निक्ख-मरा न॰ (-निष्क्रमरा) शुर्नी भर्यादाभांथी વંદના વખતે એકવાર અવગ્રહથી પહાર नि इक्षवुं ते. गुरु की मर्यादा में से वंदना के समय एकवार श्रवग्रह से वाहिर निकलना. going or stepping out once with Avagraha (disregard) at the time of salutation or worship; giving up propriety of conduct towards a Guiu or preceptor. सम॰ १२; —निक्खमगाप्पवेस. त्रि॰ (-निष्क्रमगा प्रवेश ) कीमां पेसवा नोडसवाने। ओडक भार्भ छे ते. जिसमें प्रवेश होने श्रौर निकलने का एकही मार्ग हो वह. having only one door or way for exit and entrance. वव॰ ६, १४: ६, १३: --- पएस पुं॰ (-मदेश ) व्ये अदेश-ઝીણામાં ડીણા અશ-વિભાગ. एक प्रदेश, सृद्म से सृद्म विभाग-श्रंश. one unit of space; the smallest indivisible atom of matter भग॰ १. ५; -- पएसाहिद्य त्रि॰ (-प्रदेशाधिक ) शें ध प्रदेशे अधिक-वधारे. एक प्रदेश से प्राधिक. exceeding by one indivisible atom of matter. भग॰ ---पर्सिया. ब्रा॰ (-प्रदेशिका ) એક भेंदेशनी ( श्रेशि ). एक प्रदेश की ( श्रे**शि** ) (a line) of indivisible atoms of matter भग॰ ६, ४; —पपसोगाद. पुं॰ ( -प्रदेशावगाढ ) એક આકાશ પ્રદેશ ७५२ अवगाही रहेब पुद्रव त्राकारा के एक प्रदेशपर फैला हुआ पुहल. an indivisible atom of matter occu-

pying one unit of space. भग॰ ४, ५; —पक्खः त्रि॰ (-पत्त् ) निष्प्रति-पक्ष; अतिपक्ष वगरनुं. जिस का कोई विरोधी पन्न न हो वह; प्रतिपन्न रहित. without a rival; unrivalled स्य॰ १, १२; ४, -पिक्खय. त्रि॰(पाचिक) એક शु३ ना येक्षा; ओड पक्षना एक गुरु के चेला; एक पत्त का. a disciple of the same preceptor; one belonging to the same camp. वव॰ २, २३; २४; ---पज्जवसियः पुं॰ (--पर्यवासित ) के સંખ્યાને ચારે ભાગતાં એક ળાકી રહે તે जिस संख्या को चार से भागने पर एक बचे वह संख्या. any sum which when divided by four leaves one as remainder. मग॰ ३१, १; —पत्तय. त्रि॰ ( -पत्रक-एकं पत्रं यत्र तत्तया ) એક પત્ર-ષાદક વાલું; જેમાં એક પાંદકુ હાય તે. एक पत्तेवाला; ।जिसमं एक पत्ता हो वहone-leaved. "उप्पलेणभेत्तेएगपत्तणार्के-एगजीवे ' भग० ११, १; -पदेसिय. त्रि॰ (-प्रदेशिक) એક **प्रदेश**वाक्षेत एक प्रदेशवाला. having one unit of space occupied by an indivisible atom of matter. भग॰ ६, ५; -पाइयाः त्रि॰ (-पादिका) એક पग केंछे **ઉ**र्थु राभ्युं छे ते जिसने एक पैर ऊपर रखा है वह. (one ) who has lifted up one leg. वेय॰ ४, २२; —पारा त्रि॰ (-पान) એક પાણીની (धत). एक पानी की दात One Data of water. वव॰ १०, १; —पाय. पुं॰ ( -पात्र ) એક પાત्र. एक पात्र: एक वस्तन. one vessel or utensil. वव॰ ६, ६; -पास. पुं॰ ( -पार्श्व ) ओं ४ ५३ भे रहे-नार. एक भ्रोर रहनेवाला, एक तर्फ रहने

याला. one who stays (i e lies etc ) on one side. परह॰ २, १: -पोग्गलिथय त्रि॰ (-पुद्गलस्थित) क्रीक पुरुवास छिपर रहिला एक पुरुवाल पर स्थित-रहा हुआ supported on, resting on one Pudgala (substance ). दसा॰ ७, ११; —फड्ट्रग पुं॰ ( -स्पर्धक ) धर्भरध समूख कर्मस्कध समूह a group or collection of Karmic molecules. क॰ प॰ ५, ४६; -भत्त न० (-भक्त - एकं क्त भोजन यत्रतत्त्रया ) એકાસહ્યુ. દિવસમાં એક વાર ०४भवं ते एकासनाः दिन मे एक वार जीमना the austerity known as Ekāsanā i. e. taking only one meal in 24 hours "तहएगभत्तंच" दस० ६, २३, पंचा० १२, ३५, --भव पुं॰ ( -भव ) ऄिक्य सव, प्रकृत-यासु ओक भव एकही भव, केवल वर्तमान भव only one birth, the present buth प्रव॰ ५३, — भवगाहां शाय त्रि॰ (-भवग्राहक) ओ इ सपने अहल इरनार. एक भव की ब्रह्म करनेवाला, एक मवावतारी (one) who is to have one bith भग० २४. ६, — भविश्र त्रि॰ ( - भविक ) એક अवने अन्तरे के रूपे **उत्पन्न धवानुं** है। य તે જેમ એક ભાવ પછી શખરુપે ઉત્પન્ન થવું હાય તા તે એકભવિક શંખ કહેવાય. एक भव के श्रतर से जिस रूप में उत्पन्न होना हो वह रूप. जैसे कि एक भव के बाद शख रूप से उत्पन्न होना हो तो एक भविक शख कहलायगा. (condition) after the interval of one more birth; e. g a soul which is to be born as a conch-shell after the interval of one birth is called

Ekabhavika conch-shell श्रगाजी॰ १४६; — मगा त्रि॰ ( -मनस् ) એકાअ भनवालीः; स्थिर शित्तवालीः एकाम्र मनवालाः; steady, concen-स्थिर चित्तवाला. trated in mind उत्तः ३५, १. -रार स्रो॰ (-रात्रि) એક रात्रि एक रात्रि. one night दसा० ७. १, पंचा० १८, ३, (ર) ભિખની ૧૨મી પડિમા-કે જેમાં અઢમ તપ કરી કાઉસગ્ગ શ્મશાન ભૂમિમા કરવામા थावे छे भिन्नक की १२ वी प्रतिमा-जिसमे अडम तप कर के एक रात्रि का कायोत्सर्ग स्मशान भूमि में किया जाता है. the 12th Padımā (austerity) of an ascetic in which after fasting, one night is spent in Kāusagga on a funeral ground. प्रव॰ ४६४; --राइ ग्र-य. त्रि॰ ( -रात्रिक ) <sup>ओ</sup> ३ रात રહેતાર. એક રાત્રિના નિવાસ કરનાર एक रात रहनेवाला (one) who stays for a single night वेय॰ ३, ४, श्रोव॰ १७; वव॰ १, २३, —राष्ट्रंदिया. स्त्री॰ ( --रात्रिंदिवा ) એક रात्री अने એક हिवसनी लिक्ष्म पांडमा एक राात्र और एक दिनकी भिन्न प्रतिमा an austerity practised by a Jama-layman, consisting of a day and night. " एकाराइदिय भिवस्तु पांडिम पांडिवराणा " दसा० ७, १, नाया० १, -राइया स्त्री० ( -रात्रिकी ) कीमा अह्हम तप हरी की ह રાત રમશાનભ્રમિમાં કાઉસગ્ગ व्यावेछे ते वारभी लिक्ष्म परिभां वारहवा भिन्तु प्रतिभा जिसमें कि श्रष्टुम तप करते हुए एक रात्रि श्मशानभूमि मे कायोत्सर्ग किया जाता है the 12th vow of an ascetic viz contemplation upon the soul for one night in a

cemetery after the Atthama austerity (i. e. three fasts) वव० १, २४; दरगा० ६, २; ७, ११; भग० २, १, नाया० =; --राय न० ( -राग्र-एकाचासौ राम्रिश्च ) એક રાત્રિ, એક रात. एक रात्रि. one night. " गामे गामे यएग रायं'' पराह० १, ४; श्रोंव० २१; वव० १, २३; वेय० २, ४; उत्त० २, २३; —ह्नव. त्रि॰ (-रूप-एकं समानं रूपं यस्य ) એક रूप, એક सर्भुं एक रूप; एक समान. uniform; of the same type. "पभूएगवणं एग रूवं विउन्वित्तप्" मग॰ ६, ६; ७, ६; —वगडा. स्रो ( \* ) शें वाडे।; शें इ वंडी. एक बाहा; एक चौंक; एक श्रांगन one open compound at the back of a house; one wall enclosing an open space. वन॰ ६, १४; ६, ३; ५; — वरास पुं॰ न॰ (-वर्ग) ओड वर्ध; ओड रंग एक रंग one colour; same colour भग॰ ७, ६; प्रव॰ ६८१; —वयरा. न॰ (-तचन) એક વચન; વસ્તુનું એકત્વ ખતાવનાર પ્રત્યય. एक वचन; वस्तुका एकत्व-श्रकलापन वताने वाला प्रत्यय. singular number; a termination of the singular number ठा॰ ३, ४; श्राया॰ २, ४, १, १३२; — बीसा. स्री॰ ( -विंशति ) २१, એકવીસ २१, इकवीस, इक्कीस. twentyone: 21 दसा० २, १; पन्न० ४, विवा० २; भग० २०, ५; आव० ४, ७; —सद्रि-भाग. पुं॰ ( -पष्टिभाग ) हे। ४५७ वस्तुने। એકસદેમા ભાગ; કાંઇ એક વસ્તુના સરખા ६२ लाग કरीએ तेमाना એક लाग किसी एक वस्तु का इकसठवॉ भाग. 1/61 of anything सम॰ १३, —समय पुं॰ (-समय) ओं असे समय, एक समय, one

Samaya (i e. unit of time); one instant भग १, ६; क॰ प॰ १, १३; —सयः न॰ ( -शत ) એક્સા એક; १०१. एकसो एक; १०१ one hundred and one; 101. क॰ गं॰ २, ३०; —साड. त्रि॰ ( -शाटक-एक:शाटको यस्य स तथा ) એક સાડી પછેડી રાખનાર. एक दुपटा रखने वाला. (one) who keeps only one scraf etc. in his possession. স্বায়া৽ ৭, ৩, ४, २१२; —साडिय. न० ( -शाटिक ) એક-પનાવાલું-સાંધા વગરનું વસ્ત્ર; સાડી; સેલું. एक पहने का वस्न; पहने में विना जोडवाला बल. a web of cloth not bearing any dividing line upon it ( caused by stitching another cloth); a Sāri etc "एग साडिय उत्तरासंगं करेष्ट्र " भग० २, १; राय० २२; विवा॰ १ श्रोव॰ ३२; कप्प॰ २, १४; ज॰ प॰ ३, ४३; ४, ११४; - साला हि॰ (-शाल ) એક માળવાળું ( धर ); એક ભાષાળા ( મેડી ). एक मंजिल का घर. (a house) with one floor जीवा॰ ३, ३; - सिद्ध. पु॰ (-सिद्ध) એક સમયમાં એકજ છવ સિદ્ધ થાય તે. एक समय में एकही जीव का सिद्ध होना a soul liberated by himself (at a time) without the company of other souls. पन १; नंदी॰ २१; —हिय. त्रि॰ (-म्राधिक) थेेेेेेे अधिः. एक ज्यादा exceeding by one; one more. क॰ प॰ ७, ४८; एग्राश्र. त्रि॰ ( एकक ) १४त એક्લा; એકાકી. एकाकि; श्रकेला Alone; solitary; single उत्त॰ २, २०; एग्इश्र-य. त्रि॰ ( एकैक ) किर्ध એक; એक

ओड; डेटसा ओड. कोई एक, कुछ एक. Some one; some; one by one. ग्रोव० १४; ३४, दस० ४, २, ३७; जं० प० सम० १; भग० १, १; ७, ७, नाया० २; दसा० १०, ३;.

एगन्नो. अ॰ ( एकतस् ) ओक तरक्थी; एक त्रोर से. On the one hand: from one side; भग॰ ३, ४; ३४, १; नाया॰ १; २; ४, ८; १६: उत्त० ३१, २; दसा० १०, १; निसी० ४, ७६; २०, १०, जं० प० ४, १२०, कप्प०४, ६७, —खहा. स्री० (-ख) જેમાં છવ ડાખી તરકથી પ્રવેશ કરી ડાખી બાજુયે જઇ ઉત્પન્ન થાય તે श्रेणि; वामश्रेणि-व्याहाश-प्रेटेश-प किता जिस में जीव बांइ श्रोर से प्रवेश करके बांइ श्रोर जाकर उपन होता है वह श्रेाणी; श्राकाशप्रदेश पाके. a line of space on the left side along which the soul enters the left side and is born २५. ३. — एंतश्च. त्रि॰ (-भ्रनन्तक) એક લંખાઇમાં અનંત. एक रुवाई में अनंत. an endless line of space ठा॰ ५, ३, — वंका. स्त्रीं ( -वका ) ओं तरध्यी વાકી બેણી; એક વાંકવાલી શ્રેણી-આકાશ अहेश पंडित एक ब्रोरसे टेडी श्रेणी, ब्राकाश प्रदेश पंक्ति. a line of space curved on one side. भग २४, ३· —सहिय पु॰ (-सिंहत ) એકઠા थयेल, એકત્ર કरेल. grouped; assembled; एकत्रित. collected नाया० ५:

एगन्नोवत्त पुं॰ (एकतोवृत्त) भेधिदेयवादा छवनी भेध जात. दो इंन्द्रिय वाले जावकी एक जाति A kind of two-sensed

living being पলo ৭; एगंचर्ण अ० ( एकंचन ) डार्थ એ इ कोई एक. Some one. भग० ७, १०, नाया० ५; एगंत. न॰ ( एकान्त ) ओडांत स्थल; निर्भन स्थानः निर्जन स्थानः एकांत स्थान solitary place; solitude. " एगंते पाडेमि " नाया० ६; " एगंते एडेइ " भग० २. १; ३, २; ७, १, ६, ३३; १४, ६; नाया० १: ७, १: १२,१६; पिं० नि० २११: स्० प० २०; राय० २६; २६३; श्राया० १, १, ७, ६, २२२; उत्त० ३; २८, वव० २, २४; ७, १७: स्० च० २, ४१८; दस० ४, पंचा॰ ६, ६; क॰ प॰ १, ६७; (२) नक्षी; ચાકસ. નિશ્વિત. assuredly; certainly पिं नि भा १२; (3) शेंधांत; ४ अत' डेपस. एकान्त; सिर्फ. केवल. simply. उत्त॰ ३२, २; श्रोव॰ ३८; विशे॰ ६५; (४) निर तर; थां निरंतर, चालू. continuously; uninterruptedly. भग० ३, १, ७, ६; (५) सर्वथा; पुरेपुरु सर्वथा; पूर्णतया. completely; perfectly भग०८, ७; — छुत्रा. पुं० (-च्छ्रेक) थेशनत છેક-વિશુદ્ધ. पूर्ण विशुद्ध altogether, perfectly pure. पचा॰३,३५; —दंड-पु॰ ( -दरह ) એકાંત-ચોક્કસ દડાય तेवे। दिसक्षः यथैव दांग्डत होनेवाला. हिंसक one fully sinful, killer murderer स्य॰ २, ४, १, —दुक्ख. न० (-दुख) हेवस दुःण, એકાન્ત દુ.ખ. एकान्त दु ख; दु.खही दु ख;

सर्वथा दुख perfect misery, un-

mitigated misery भग० ६, १०;

—धारा. स्री॰ ( -धारा-एकविभागाश्रया

<sup>\*</sup> जुओ। ५४ नम्भर १५ नी पुरनीर ('). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोर (') Vide foot-note (\*) p. 15th.

चासा धाराचेति ) ऄशन्त-तीक्ष्ण धारा-एकान्त थारा; तीदण धारा. sharp edge. " ख़ुरोइव एगंध धाराए" भन० ६, ३३; नाया॰ २; -पंडिय. त्रि॰ (-परिहन) એકાન્ત પંડિત; પાપથી નિવૃત્ત; સર્વ વિરતિ साधु. एकान्त पंडित; पापरहित पुरुप; सर्व विराति साधु. perfectly free from sin; (an ascetic) absolutely free from sin. " एगंत पांडिया यावि भवामो " भग० =, ७; भग० १, =; - वाल. त्रि॰ (-बाल ) सर्पथा भाव; अज्ञानी; મિથ્યા દર્શ અને અવિરૃતિ. सर्वथा ग्रजानी; मिथ्या दृष्टि यौर अविर्तत. absolutely, perfectly ignorant; heretical and sinful. भग० १, =; =, ७; १७; २, स्य० २, ४, १; —मंत. पुं॰ (-श्रन्त) सर्वथा ओडांत. सर्वथा एकान्त. perfectly solitary. भग० ७, ६; नाया० १३; —यारि. त्रि॰ ( -चारिन् ) એशन्त-लन રહિત સ્થાનમાં વિચરનાર; એકાંતવાસી. निर्जन स्थान में विचरनेवाला; एकान्त में रहनेवाला. (one) who moves in a solitary place; living in solitude भ्य०२,६,१; - लुसग. त्रि०(-लूप-क ) के अंत अनुती हिंसा अरनार, सर्वथा जन्तु की हिंगा करनेवाला. (one) who is completely given to the killing of insects. सूय॰ १.२,३, ६; — साया. स्री॰ (-सात) એકांत शान्ति-भुभ. एकांत सुख; सर्वया मुख. perfect, unalloyed happiness or peace. मग ६, १०;— सुत. न॰ (-सुप्त) अेशंत-निश्चये सुनेस; ભा**२**निऽ।; मे।दुभां ७वेश सर्वया सोया हुत्रा; मोह निद्रायुक्त assuredly asleep; (metaphorically)steeped in infatuation. म्य॰ २, ४, १;—सुहि .(-सुसिन्)

भेशंत भुभी. सर्वथा सुन्ती. perfectly happy. नाया॰ ७; —हिय. न॰ (-हित) सर्वथा ७५॥री. एकान्त हितकारी. बी-together beneficent. पंचा॰ १४, १६; —ग्रंचिल. पुं॰ (-म्राचाम्ल) भेशं-तरे आयंभिस १२वा ते. एकान्तरे ग्रायंविल करना. alternate performance of Ayambila austerity. प्रव॰ १४४=; —उचवास. पुं॰ (-उपवास) भेशंतरे ७५वास १२वा ते. एकान्तरे उपवास करना. fasting on alternate days. प्रव॰ १४६२;

एगंतिरिय. त्रि॰ (एकान्तरित) એક એકને અंतरे आवेश; એકાંતર; (ઉપવાસ आयं-िश्व वगेरे). एक एक के अन्तर पर आया हुआ; एकान्तर (उपवास आयंत्रित आदि). alternate; coming at intervals of one. प्रव॰ ==२;

एगंतसो अ॰ (पुकान्तशः) ऄशन्तथी;

सर्वथा सर्वथा; पूर्णतया. Perfectly; in all raspects. मग० ६, ६; एगखित्त. न० ( एक चेत्र ) એકજ ગામ. एक गांव. Only one village. प्रव० ७६४; — निचासि. ति० ( -निवासिन् ) ओडल क्षेत्रमां—गाममां निवास डरनार ( भुनि वगेरे ). एकहां गांव में रहनेवाला ( मुनि आदि ). ( an ascetic etc. ) confining his residence to one village only. प्रव० ७८४;

एरागुण. त्रि॰ (एकगुण) એકગણા; वर्ण गंध आदिनी सरभामणी डरतां ले अभणा त्रश्येश न है।य डिन्तु એક गर्धा है।य ते. एक गुना; वर्ण गंध प्रादि से मिलाने पर जो दुगुना तिगुना नहीं किन्तु एक ही गुना हो वह Of one (i. e. same) amount or measure; not double treble

etc in comparison. भग॰ २४, ४; (૨) વું ૰ ન હસિલ સેબિયા અને મહ્યસ્સ સેજીયા પરિકર્મના સાતમા બેદ અને પુક્ મેણિ આદિ પાંચ પરિકર્મના ચાેથા બેદ सिद्ध सेशिया और मनुष्य सेशिया परिकर्म का सातवां भेद श्रीर पुट्टसेशि श्रादि ५ परिकर्म 7th चोथा भेद. the of the Parikarmas of Siddhasenia and Manusyasenia and the 4th division of the five Parikarmas viz. Putthasenia etc नंदी॰ ५६; सम॰ १२; —गुगुकभखड पुं॰ ( -गुगुककेश ) જેમા એકગણી થાડી કર્કશતા છે તે जिसम एक गुनी ( थोडी ) कर्कराता है वह. one having as much ( less ) harshness or loughness भग॰ २४, ४; - कालग. पुं॰ (-कालक) क्रेभां એક गणी अक्षाश छे ते जिसमें एक गुनी कलास-कालापन है वह one having as much blackness ( i. e double or treble etc. the amount of blackness) भग०२५, ४. एगग्ग. न॰ ( एकाम्र ) शित्तनी ओशत्रता, गें भुद्दा ७५२ भननी भ्थिरता चित्त की एकाग्रताः किसी एक वातपर मन का स्थिर होजाना. Concentration of mind. उत्त॰ ३२, १, (२) त्रि॰ यित्तनी शेशयता याक्षा. एकाम्र चित्त वाला. ( one possessed of concentration of mind. उत्त॰ ३०, १; राय॰ ४०, —चित्त पुंo (चित्त ) એકાય यित्तवाणे!. एकात्र चित्तवाला. one having concentrated mind. दस॰ ६, ४, २; ३; जं० प० ४,, ११४; — मग्र. न० ( -मनस् ) প্রথা "एगग्ग चित्त" शण्ह Vol. 11/42.

देखो "एगगग चित्त" शब्द. vide. "एगगग चित्त" उत्त० २६, २; पंचा० १४, २६, —मणसंनिचेसरणयाः ह्वी० ( -मनः सिन्नवेशन) भनने ओडाश्र णनावयुं; ओड पश्तु ७५२ भनने स्थापतुं ते. मन को एकाम करना. concentration of mind upon one object. उत्त० २६, २, —जंबुय पुं० ( एकजम्बुक ) ७६४३४तीर नगरनी णढारने। ओ नामने। ओड पशीये। उल्लुक तीर नगर के बाहिर के एक बगीचे का नाम name of a garden outside the town named Ullukatīra भग० १६, ३;

एगहाण न॰ (एकस्थान) लेभां हिवसभां में इ व भत में है हो हो भेसीने भवाय ते तभ; में हिस हा चार एक जगह वेट कर खाया जाता है. An austerity consisting in taking one meal in a day confining one's seat to a single place. प्रव॰ २०३; १४२७,

एगाहियपय. न० ( एकार्धिकपद ) सिद्ध सेखि़ आ अने भाजुरससेखि़ आ परिडर्भने। जी लेह सिद्ध सेखिया श्रीर मनुष्य सेखिशा परिकर्म का दूसरा भेद. the 2nd division of Siddhaseniā and Manusyaseniā Parikarma. नंदी। ४६; (२) त्रि० એક अर्थवाक्षं; समान अर्थवाला. वार्थुं. एक अर्थवाला; समान अर्थवाला. synonymous सम० १२;

एगतर त्रि॰ (एकतर) भे के अनेक्सांने।
ओक दो या अनेक में से एक. One of
two or more विवा॰ ७;
एगतिय पुँ॰ (एकक) है। अके. कोई एक.

Some one सूय॰ २, ३, १; पत्न॰ १५; एगत्त. १४० ( एकत्र ) એકત્ર; એકસ્થાને,

એકજ દેકાણે. एकत्र; एकही स्थान पर. In one place; in one and the same place. श्रोव॰ ३२;

एगत्त. न॰ ( एकन्व ) એકપણं; એકલાપણં. श्रकेलापन One-ness: solitariness. भग० १, २; ५, ६; १२, ६; १७, १; १८, १; २४, ४: नाया॰ १; ठा॰ १०, १. उत्त॰ २८, १३; प्रय०५०४; —श्ररापुष्पेहा, स्त्री० ( - ग्रनुप्रेचा ) आ छव એકલા આવ્યા છે અને એકલા જવાના છે એમ ચિન્તવવું ને. एकत्व भावना; यह जीव श्रकेला ही श्राया है र्थार श्रकेलाही जायगा, इस प्रकार बार बार चिन्तन करना contemplation upon the solitariness and loneliness of the soul. श्रोव॰ २०; भग॰ २४, ७; -गत. त्रि॰ (-गत) એકत्व **आवनावाणाः** भंत ५२ श्वाणी. एकन्व भावना वाला. (one) contemplating upon the loneliness and solitatiness of the soul. श्राया॰ १, ६, १, १२; —गय. त्रि॰ ( -गत ) એકत्वलावनाने प्राप्त थयेल. एकत्व भावना को प्राप्त. (one) contemplating upon the loneliness and solitariness of the soul. श्राया० १, ६, १, ११; भग० ८, ६; -वियक्क. न॰ ( -वितर्क ) એક द्रव्य આશ્રી રહેલ પર્યાયાનું અબેર રૂપે ચિન્તવવું અથવા અનેક પર્યાયે:માંના એક પર્યાયને अवसणी यिन्तवन धरतुं ते एक द्रव्य के श्राश्रय में रही हुई पर्यायों का श्रमेदरूप में चितवन करना अथवा अनेक पर्याया से से एक पर्याय का चिन्तवन करना contemplation of unity among the varieties or modifications ofthe same substance; also, taking up one of many such modifications and thinking upon it as a separate entity. श्रोवः २०; भगः २४, ७:

एमत्तीकरणः न॰ (एकप्रीकरण) शिश्यपाः इर-युं ते एकाप्रता करना Act of concentrating, concentration. भग॰ २, ४:

एगत्तीभावकरण, न॰ ( एकत्रीभावकरण ) भनना लायने ओक्षत्र क्ष्या, मन के भावींका एकत्री करण- एक स्थान पर इकट्ठा करना. Concentrating the thoughts of the mind, भग॰ ६, ३३; २४, ७;

एगत्तीभावकरण्या स्रो॰ ( एकत्रीभाव-करण् ) लुओ। " एगत्तीभावकरण् " शण्ट देखां " एगत्तीभावकरण् " शब्दः Vide " एगत्तीभावकरण् " भग० १३, ४;

एसत्था. था॰ (एकब्र) એક २४ ले: એક है डाऐ

एक स्थान पर In one place; in one and the sane place. पि॰नि॰ २८४; एगनासा. स्त्री॰ (एकनासा) पश्चिम दिशाना रुवेश पर्यं तपर वसनारी आई दिशानुभारिशामांनी पांचभी. पश्चिम दिशाक रुवक पर्वत पर रहने वाली आठ दिशाकुमारियों में से पांचनी दिशाकुमारि। The 5th of the 8 Diśākumārīs residing on the Ruchaka mountain in

एगमेग. त्रि॰ ( एकंक ) श्रे ६ प्रत्येक.

Each; taken singly. " ता पृष्ण
दुवे स्रिया तीसाए सुहुत्तेहिं एगमेगं श्रद्धमंडलं " चं॰ प॰ भग॰ १, ५; ३, १; ५,
३, ६; ७, ८, १०, १०, ५; १२,४; १४,८;
नाया॰ १; ८; जं॰ प॰ २.१८: उवा॰ ८,२३४:

the west. उं० प० ४. ११४:

एगय थ्रो. श्र० (क एकत्रतः ) जुओ "एगय" शण्ट. देखो " एगय " शब्द. Vide " एगय " भग० २, ४; ११, १२; १२, ४, १६, ३; नाया० १६; वर्ष० १, २२; २, १, उवा०७,१६७, कप्प०६,३६, जं०प०३,४६; एगयर त्रि० ( एकतर ) भेभांने। गमे ते ओ ३. दो मे से एक; कोईभा एक. One of two or more पिं० नि० १४०, ४७३; श्राया० १, २, ६, ६७; १, ६, २, १६३; उत्त० ६, २४; क० गं० २, २३; ३४;

एगया. क्ली॰ ( एकता ) એકत्य लायना; छय એકલા आव्या छे अने એકલા જવाना छे એમ यिन्तववुं ते एकत्व भावना-जिसमें चिन्त-वन किया जाता है कि जीव श्रकेला श्राया है श्रीर श्रकेला जायगा. The meditation that the soul has come to this world singly and alone and that it will pass away also alone, प्रव॰ ५०६;

एगया. श्र॰ ( एकदा ) એક્ટા પ્રસ્તાવે, કાઇ પ્રસંગે; કાઇ વખતે किसी एक प्रसंग पर. Once upon a time; on one occasion श्राया॰ १, १, २, २, उत्त॰ २, ६; १३; ३, ३, नाया॰ १२;

पगलया. स्नं० ( एकलता ) पहें दिवसे अध्यास, भी के दिवसे ओ डास खंत्री पांच में दिवसे ओ डास खंत्री हिवसे ओ डास खंत्री हिवसे आ दिवसे के दिवसे के दिवसे पह ले दिवसे उपवास, दूसरे दिव एका शव, ती सरे दिव एक

सीथ, चौथे दिन एकटाए, पांचवे दिन एक दात, छटे दिन नीवी; सातवें दिन श्रायंविल श्रोर आठवें दिन श्राठ कवल, इस तरह श्राट दिन में होने वाला तप विशेष. an austerity lasting for eight days in which on the first day there is a fast, on the second there is Ekāsaṇā, on the third one Sitha, on the fourth Ekathāṇu, on the fifth one Dāta on the sixth Nīvī, on the seventh Ayaṃbila and on the eighth eight morsels (Kavala). प्रव॰ १४२७,

एगाचिह. त्रि॰ ( एकविध ) એક પ્રકारनं. एक प्रकार का. Of a certain sort; of one kind. उत्त॰ ३६, ७७; प्रव॰ १३४६; श्राव॰ ४, ७;

एगसेल पुं॰ (एकशेल) पुष्धवावर्त अने પુષ્કલાવતી વિજયની વચ્ચેના વખારાપવ<sup>૧</sup>ત पुष्कलावर्त श्रीर पुष्कलावती, इन दोनों क बीच का बखारा पर्वत The Vakhārā mountain situated between the two Vijayas named Puskalavarta and Puskalāvatī. "पचरिथमेणं एगसेलस्स वक्लार पव्वतस्स" नाया० १६; जं० प० ठा० ४, २; — कुड़ पुं॰ ( -कूट) એકशैल वभारा पर्वातना બાર કુટમાંનું ખીજું કુટ-શિખર एकशैल वखारा पवतके चार शिखरोमे से दूसरा शिखर. the 2nd of the four summits of Ekashaila Vakhārā mountain जं॰ प॰ - वक्खार पदवय पुं॰

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ट नभ्भर १५ नी पुरने। ८ (६). देखो पृष्ट नंबर १५ की फूटनें। ८ (\*) Vide foot-note (\*) p 15th.

( -वत्तस्कार पर्वत ) महाविदेध क्षेत्रमां ओड शेक्ष नाभने। એક वभारा पर्वतः महाविदंह चेत्र का एक शेल नामक एक वखारा पर्वत. name of a Vakhārā mountain ( called Ekasela ) in Mahāvideha region नाया॰ १ ह.

एगाइ पुं० (एकादि) એ नामना ओ । ५२ राडी एक कूर राठोड का नाम. Name of a cruel Rathoda, fagio 9: -सरीरय न॰ ( -शरीरक ) ओ धर्ष राहाउनुं शरीर एकाइ नामक राठोड का शरीर. the body of the Rathoda named Ekāi. विवा॰ १:

१, ७, ४, २१६; प्रव० ५३१; गच्छा०१०५: पगाणियः त्रि॰ ( एकाकिन् ) એકલું. श्रकेला. Alone; solitary. वव॰ ४, १; ६, २; वेय० १, ४८; ४, १५; श्रोघ॰ नि॰ भा॰ २८; एगाएगि स्री॰ (एकाकिनी) એક્કી स्त्री. श्रकेली स्रो. A lonely, solitary

पगागि. त्रि ( एकाकिन् ) ऄडले:; ऄडाडी

श्रकेला; एकाकी Alone; solitary, श्राया॰

woman श्रोघ॰ नि॰ ७८: पगारस. त्रि॰ ( एकादशन् ) लुओ। " एका-

रस '' शण्ह देखा " एकारस '' शब्द Vide " एकारस " नाया॰ ५; - वास-

परियाग त्रि॰ ( -वर्षपर्यायक ) अशीयार વરસની પ્રવર્ભ્યાવાલા: જેને દીક્ષા લીધે ૧૧ वर्ष थथा छै।य ते. जिसे दीना लिये हुए

ग्यारह वर्ष हो चुके हो वह. ( one ) since whose entrance into the religious order 11 years have

passed; of 11 years' standing in asceticism. वव॰ १०, २६; २७;

पगावली स्त्री॰ (एकावली) भिश्लिशित હार, ओ इसरे। ढार माणिजडित हार; एक-लडी हार. A single string of

beads, pearls etc. भग॰ ६, ३३; १२, ११; नीया० १; सू० प० १०; दसा० १०; १; जं० प० ७, १५६; राय० ६५; १६६; - पविभक्ति. न॰ (-प्रविसिक्त ) એકा-વલિ હારની વિશેષ રચનાથી યુક્ત-નાટ્ય विशेष; ३२ नाट इमानं यो इ एकार्वात हार की विशेष रचना से युक्त नाट्य विशेष; ३२ नाटक में से एक. a kind of drama-

tic representation arranged

after the model of a single

string of pearls, beads etc; one

of the 32 kinds of drama राय॰

एगाहच. त्रि॰ ( एकाहत्य-एकैवाहत्याऽह-तनं प्रहारो यत्र तत्तथा ) એક धार्थे भारवा યાગ્ય એક ઘાથી એ કટકા કરવા યાગ્ય. एक घाव से मारने योग्य Worthy to be severed into two pieces by a single blow. " एगाहचं कुडा-हमं जीवियाची ववरो नेइ " भग० ७, ६;

एगिविय. पुं॰ ( एकेन्द्रिय-एक इंडियं करणं स्पर्शनतत्त्रण यस्य ) ५५० ओ २५१राँदिय જીવ-જેવા કે-પૃથ્વીકાયિક, ર અપકાયિક; ૩ તેજોકાયિક, ૪ વાયુકાયિક, ૫ વનસ્પતિ-धायिक. एक-स्पर्श-इंद्रियवाला जीव. यथाः ९ पृथ्वीकायिक, २ अपकायिक, ३ तेजीका-यिक, ४ वायुकायिक, ५ वनस्पतिकायिक. The class of one-sensed living beings sub-divided into lives of earth, water, fire, air and vegetable. भग० २, १; १०; ४, २;

११, १; राय० २४;

द. १; २४, १: ३३, १; पञ्च० १; जीवा० **१**; विशे॰ १०१; ४११; क॰ प० १, ४५; २, ५६; त्राव॰ ४, ३; —देस. पुं॰ (-देश)

એક ઇંદ્રિયવાલા જીવના દેસ-ભાગ. एकॅांद्रेय

जीव का भाग. a portion or part of one-sensed living beings. भग॰ १०, १; --- प्पएस पु॰ ( -प्रदेश ) जोडेन्द्रिय छवाना अदेश-निर्विसालय अंश एकेंद्रिय जीवो का श्रविभाज्य प्रदेश. शाः indivisible, atomic part of onesensed living heings. भग॰ १॰. १; ११, १०; — रूच न० ( -रूप ) ऄं ४ धिरियवासानं रूप एकेन्द्रियवाले जीव का रूप. the form, appearance, of onesensed living beings भग॰ १२, ६; —सयः न॰ ( -शत ) अर्धेन्द्रय-शतः ભગવતી સત્રના ૩૨ માં શતકના ખીજા **उद्देशानुं नाम** एकेन्द्रिय-शतकः भगवर्ता सूत्र के २३ वे शतक के दूसरे उद्देश का नाम Ekendiiya Sataka; name of the 2nd Uddeśa (part) of the 33rd Śataka of Bhagavatī Sutra " बित्तंय एगिदिय सयं सम्मत्तं " भग० ३३, २; ४;

प्रगिदियत्त. न॰ ( एकेन्द्रियत्व ) એક छेदिय-पर्धु. एकेन्द्रियता State of being a one-sensed living being; possession of one sense only. भग॰ न, ६;

प्रगोभूत्र ति॰ (एकोभूत) अने ४ भरीने ओ ४ थयेथे। अनेक रूप सं मिटकर एक रूप का प्राप्त. Reduced to unity from multiplicity. राय॰ ६६;

पगुत्तरिय त्रि॰ (एकोत्तरिक) એક જેતे। ઉत्तर अवयव छे ते; ओड़े वधतुं-केम ११, २१ वगेरे. जिसका 'एक ' उत्तर प्रवयव है वह संख्या जैसे. ग्यारह, इकास प्रादि. Having one as the latter part (in the case of compound numerals); e. g. 11; 21, etc; exceeding by one. भग॰ १, २, ४; विशे॰ ६४२;

प्राच्या पुं॰ ( एकोस्क ) ऄिश३ नाभना ७५४ अन्तरद्वीपभांना ओड. एकोहक नामक ४६ श्रंतरद्वीपमें से एक. One of the 56 Antara Dvīpas named Ekoruka. जीवा॰ ३, ३; (२) त्रि॰ ते द्वीपभां रहेनार. उस देश में रहनेवाला मनुष्य. a resident of that country. जीवा॰३, ३; प्रमुख त्रि॰ ( एकोन ) એક ઊછા; એક थे।छुं. सम० ८६, पन्न० ४; भग० ८, ५; १४, १; २४, १२; २४, ७; उत्त० ३६, १३८; श्रग्रजो० १२८; जं० प० ४, ११४. विवा॰ ६,-(गा ) श्रसि. स्री॰ (श्रशीति) ७७:गोग्णागेशी.उन्यामी 79 geventynine सम॰ ७६;--- एउइ. स्री॰ (नवति ) नव्यासी, इह नी संभ्याः निव्यासी की संख्या. 89; eighty-nine. सम॰ ८६; —तीसइ. स्रं · (-त्रिशत) जुओ "एगूए तीस" शण्द. देखां "एगूणतीस" शब्द. vide "पुग्रुणतीम" सम॰ २६; -तीसा. स्त्री॰ ( -न्निशत् ) २६; ग्रेगिश्त्रीस. २६; गुनतीस. 29; twenty-nine. भग॰ २४, १२; २४,७; पन्न० ४; विवा० २; —परागा स्री॰ (-पंचाशत ) नेशिश-पथासः, ४५ उनंचामः, ४६ forty-nine; 49 "एग्णपण्णाराइदियाइं" भग॰ २४, १२; वन० ६, ३७; जं० प० ३, ५४; ५, ११५; २, २४; -- पन्ना स्त्री० (-पचारात्) भागल्पयाशः, ४६ उनंचासः, ४६. fortynine; 49. "प्गुलपन्नाराइंदिप्हि" सम॰ ४६; जांबा॰ १; -पन्नास. स्रो॰ ( -पचा-शत् ) भे। गण्भयासः ४६. उनंचाम, ४६. forty nine, 49. श्राणुजी॰ १२=; — वरासा. स्री॰ (-पंचाशत्) ळुओ। 'प्राूस-पना" १%. देखो "पुग्णपन्ना" शब्द.

vide "एगूखपन्ना" भग० ८, ५; ३७, १; पत्र० ४, उत्त० ३६, १३८,—वीसति. स्री॰ ('-विशति) १६ नी संभ्या; स्रीग-शीस. उन्नीसकी संख्याः १६, 19; nineteen. जं॰ प॰ १, ११, वव॰ १०, ३३; ३६;—चीसाः स्त्री० (-विशति) ये।गश्रीसः उन्नीस: १६. 19: nineteen. '' एगूणवीसणायज्भयणत्ता '' सम० १६; नंदी० ५०; भग० १५, 9; ३४, 3; श्रगुजो० १४२; नाया० १; १६; श्राव० ४, ७;--सद्भि. स्रो॰ (-पष्टि) भे।गर्शः सा६; ४८. उनसाट; ४६. fifty-nine, 59. "एगूणसाद्रराइदियाइं" सम० ५६; --सत्तरि. स्री० ( -सप्तति ) ओक्रेन्यून-सीतेर; भागशातेर; ६८. उनहत्तर. 69; sixty-nine. " एगुणसत्तीर वासा वास-हर पव्चया पराणता " सम॰ ६६;

पगुणवीसइम. त्रि॰ ( एकोनविंशतितम )
भेगिश्रीसभे। उनीसवा 19th; nineteenth. " एग्णवीसइमं सयं सम्मत्तं"
भग॰ १६, १०; २०, १; ठा॰ ६, २; नाया॰
१; १६;

पग्रई स्त्री॰ (एकोरका) એકારક દ્રીપનी न्त्री. एकोरक द्वीपकी स्त्री. A woman belonging to Ekōruka Dvîpa. जीवा॰ १,

पगूरुयं पु॰ (एकोरुक) स्ने नाभने। स्नेड अन्तरद्वीप, ७५% अन्तरद्वीपभाने। पहेले। एक श्रंतर्द्वीपका नाम, छुप्पन श्रन्तर्द्वीपों में से पहला द्वीप Name of an Antara Dvipa, the first of the 56 Antara Dvipas. भग॰ ६, ३; १०, ७, ठा॰ ४, २; (२) पुं॰ स्नी॰ से द्वीपमां रहेनार. उक्त द्वाप मे रहने वाला. a resident of the above named Dvipa. भग॰ ६, ३; १०, ७; —दीच. पुं॰ (-द्वाप) जुओ। "एगूरुय" शण्द. देखो "एगूरुय" शब्द. vide "एगूरुय" भग॰ ६, ३; १०, ७, ठा० ४, २; — मर्गुरुस पुं॰ (-मनुष्य) ओडा३६ द्वीपना रहेनार भनुष्य. एकोरुक द्वीपका रहने वाला मनुष्य. व person belonging to the Ekoruka Dvipa. भग॰ ६, ३; १०, ७; एगोस्य. पुं॰ (एकोरुक ) जुओ। "एगूरुय" शण्द. देखो "एगूरुय" शब्द Vide "एगूरुय" पन्न० १;

एज. पु॰ (एज) वायु; पवन; वायरे।. हवा; वायु; पवन. Wind; air. "पहू एजस्स दुगछ्णाए " श्राया॰ १, १, ७, ४४;

पड़जा. त्रि॰ (एत्य) आववा थे। व्य त्राने योग्यः Worthy to come. सु॰ च॰ ७, १६६; √पड़. धा॰ II. (\*) पर्डवर्युः, नाभी देवुः, तल्रवुं, डाल देनाः त्यागना. To discharge; to get rid of; to lay down solid excrements etc एडेइ भग० ११, ६; १४, १: १; नाया॰ ४;

निर्मा०३,७२;राय०२६३; श्रोव०३६; एडेंति. राय० ३४; जं० प० ४, ११२; एडेसि. भग० १४, १;

एडेत्ता सं० कृ० भग० २, १; ११, ६; १४, १, नाया० ४,

एडय. पुं॰ ( क ) द्रष्ठ क्षाभ ओऽयांग परिभित शक्ष विकाश. द्रष्ठ लाख एडयाग, जितना काल विमाग A period of time measuring 84 lacs of Edayāṅgas. भग॰ ६, ७;

<sup>\*</sup> लुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी पुटने। (५). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (३). Vide foot-note (\*) p. 15th.

प्रणी. स्नी॰ ( प्रणी ) ६२ थी; भृगती. हारेणी; मृगी A female deer. जं॰ प॰ १३, ५७: परह॰ १.१; जीवा॰ ३,३; स्रोव॰ १०; परोज्ज. पु॰ (एरोप) गिशाले पहेली प्राठ परिहार किया था वह. The first Praudha Parihāra (a kind of austerity) practised by Gośālā. भग॰ १४, १; (२) ति॰ ८२ थु संभित्री; भृगनं. हरण संवंधा; मृगका. pertaining to, belonging to a deer. विवा॰ ६; —रस. पुं॰ ( -रस ) ६ रिथु संभित्ध भांसेना २स. हरिण के मांस का रस. taste of the flesh of a deer. " मच्छरसेय एरोज्जरसेय" विवा॰ ६;

एत. त्रि॰ (एतत् ) आ; ओ: पहेंबु यह. This " एतेवं जागह " भग॰ ६, ३२, सु॰ प॰ १०,

एताचंत. त्रि॰ (एतावत्) એટલું इतना This much; that much. जं॰ प॰ विदा॰ १; वेय॰ १, ४६;

पतोचम. त्रि॰ (एतदुपम ) એની ખરાખર; એનાજેવા. इसके - ममान Similar to that or this. स्य॰ १, ६, १४;

पत्तिम्र-यः त्रि॰ (इयत्) आर्धुः आ प्रभाखुनु, इतना. This much; of this measure. नाया. १७: विशे॰ १४०; पि॰ नि॰ २२३. — काल. पुं॰ (-काल) ओर्धा १७५त इतना समय. ५० much time: that much time. प्रव०४३२: एत्तो. म्र॰ (इतः) आर्धिशः ६वे ५४० ग्रहां

एत्तो. घ्र० (इतः) आढिथी; ६वे ५छी यहां से; इसके वाद. Hence; henceforward; from this place. घ्रोव० १६: घ्यापुजो० ५६; १३०; पि० नि० १५५; भग० ६, ८; वेय० १, ४६; नाया० २; ८; १२; राय० २६२, प्रव० ३६५: ४० प० १, ६, पत्तोवरं. श्र॰ (श्रतापरं) ओनापछी; ओ ६५-२ांत इसके वाद; इसके उपरांत. Further than this or that; in addition to this or that. श्रग्राजी॰ १३=:

पत्थ. २० ( श्रत्र ) छटां; ओ २थक्षे यहां; इस स्थानपर, Here; in this place. भग० १, ३; ६; २, १; ७, २; ८, ७; ६, ३३; १५, १; १६, ६; २०, ५; २१, ८; ४२, १; नाया० १; ३, ५; ७; ८; १३; १७; १८; १६; पन्न० १; जं० प० ५, ११६; २, १४२; ७, १४२; दसा० ४, ५; स्० प० १; श्रोव० विशे० ८८; उवा० ७, २०१;

पत्यंतरे. श्र॰ ( श्रज्ञान्तरे ) એટલા વખતમાં. इतने ममय में. Meanwhile; in the meanwhile; during that time. सु॰ च॰ १, ७४: २४=;

एम. ११० ( एवम् ) श्रे अशरे. इस तरह म: इस प्रकार से. Thus; in this way. " एमेशा समशा वृत्ता " दस॰ १, ३;

ए.माइ. अ॰ ( एवमादि ) छत्यादि; स्थे विशेरे. इत्यादि; वंगरह. This, that etc. पि॰ नि॰ भा॰ १५;

एमेच. श्र० ( एवमेव ) એવીજ રીતે; એમજ. इसी प्रकार. Exactly in this way: precisely in that way. पि० नि० ७६; पञ० १; प्रव० १६१; क० प० १, ७०; √ एय. था० I ( एज़ ) ३ प्युं; धुलवुं. कपना.

To tremble; to shiver.

एयद्द-ति राय० २६६; भग० ३, ३, ४, ६; १७, ३; १८, ३;

एयति. भन० ५, ७; १७, ३;

एयस्पंति. भवि० भग० १७. ३:

एयंसु. भृ० का० भग० १७, ३;

एय. त्रि॰ (एतत्) आ; साभे रहेशी शील वीगेरे यह; सन्मुख की वस्तु वगरह का उन्नेख करने योग्य सर्वनाम शब्द This; that. स्० प० १०;

एयकम्म ति॰ (एतत्कर्मन्) એ छे ३मै कोतुं ओवे। डाध. यह है कर्म जिसका ऐसा कोई. (one) who has thus acted. विवा॰ १: ४:

पयगुण. त्रि॰ ( एतर्गुण) એટલાએ ગુણેલ. इतने सं गुणा हुचा. Multiplied so much or to this extent. प्रद़॰ १३६६;

एयजोग. पु॰ (एतद्योग) अनी संशंध इसका सम्बन्ध. Connection of this or that. पंचा॰ २, ३४:

एयधर. त्रि॰ (एनद्धर) अने धारण करनेवाला. (One) that bears or puts on this or that. पंचा॰ १४, २४;

एयपहासा जि॰ (एतत्प्रधान) अ छ प्रधान के भा ते. जिसमें यह प्रधान है वह. (Anything) having this as a prominent factor. विवा॰ १; — प्ययार जि॰ (-प्रकार) अ प्रधारनुं. इस प्रकार का. of this nature; of this sort. नाया॰ १४,

एयमह न॰ ( एतदर्थ ) એ भाटे; એ અर्थे. इसलिये. For this purpose; for the sake of this भग॰ ७, ७, १४, १; १८, ७; नाया॰ १; ५; ६; १४; दस॰ ६, ५२;

एयविउत्तः त्रि॰ ( एतद्वियुक्तम् ) ऄथी रिंदत इस के विना. Devoid of or free from this or that. पंचा॰ ६, ६; एयविज्ञः पुं॰ त्रि॰ ( एतद्विष ) એ छे विद्या जेनी ते जिमको यह विद्या है वह. (One) possessed of this or that know-

एयसमाया<sup>र</sup>. त्रि॰ ( एतत्समाचार ) એ छे

ledge or learning. विवा. १;

भाशार जेता ते. जिसका यह ग्रचार है वह. (One) possessed of this ascetic conduct विवा॰ १;

एयरा. न॰ ( एजन ) ३२५वुं; धुल्यवुं. कंपना. Trembling; quaking, भग० ४, १; पन्त० ३६:

एयणा स्त्री॰ (एजना) द्वुलारी; ५०% कंप कंपी. Tremour; shivering. भग० १७, ३;

एयणुद्देसय. ५० (एजनोद्देशक) अभवती भवता भावमा शतकता न्याहमा उद्देशानुं नाम. भगवता सूत्र के पाचवें शतक के आठवें रहश का नाम. Name of the 8th Uddeśa of the 5th Sataka of

एयलई. स्त्रा० (एलकी) व्येक्ट ब्यतनी वनस्पति.
एक जान की वनस्पति A kind of vegetation. भग० २३, १;

Bhagavatī Sūtra. भग॰ ४, ५;

एयाणुरूब. त्रि॰ (एनद्नुरूप) भेने अनुसरतुं. इसके अनुरूप Like, resembling or worthy of this or that. कप्प॰ ४, ६०:

एयारिस. त्रि॰ ( एतादश ) એવું; એનાજેવું. इस प्रकार का; इसके सरीखा. Of this sort; of this or that nature; similar to this. पचा॰ २, ३४; उत्त॰ ३२, १७; सम॰ ३०; दसा॰ ६, १७, दस॰ ४, १, ६६;

एयास्त्व. त्रि० ( एतवूप ) ओ अशर्नु. इस प्रकार का. Of this sort; of that sort. श्रंत० ६, ३; राय० २४; ७७; विवा० ५; दसा० ६, २; १०, ३; नाया० ३; ५; ६; भग० २, १; ५, ४, १४, १; १८, ९०; उवा० १, ८०; २, ६४; कप्प० १, ४; जं० प० २, २२;

एयावंति. अ॰ (एतावत्) એटला. इतनाः

इतने. These many; so many. श्राया॰ १, १, १, ७, भग० ६, ७; एरंड.पुं०(एरग्ड -ईरयति वायुंमलं वा) थेरेडी એરડાનું વૃक्ष. श्ररंड, श्ररंड का वृत्त The castor-oil plant. भग० २, १; २१, ६; य॰ ४, ४; पत्र॰ १;—कद्रसगडिया स्त्री॰ ( -काष्टशकटिका ) એરંડના લાકડાની अरंडकी लकडी की गाडी. cart made of the wood the castor-oil plant नाया॰ —मिजिया. स्रो॰ (मिजिका) એરડानी भींक. श्रारंडा की मीजी. a seed of the castor-oil plant. भग• परगणवतः न॰ ( ऐरगयवत् ) अरे१४४४४-नामनु अक्षम भूमिनु ओक्क्षेत्र ऐरएयवय नामक अकर्मभूमि का एक चेत्र Name of a region of the Akarmabhūmi. सम १:

परगण्वय-न्न. पुं॰ (ऐरण्यवत्) अन्णुवय नाभनु रभः वास अने धिरवत क्षेत्रनी
वस्ये आवेक्ष लुगिंवयानुं ओः क्षेत्र. रमक
वास और ईरवत चेत्र के वीचमें स्थित ऐरण्वय नामक जुगिंवयों का एक चेत्र Name
of a region inhabited by the
Jugalias, situated between Ramakavāsa and Iravata Ksetra
जं॰ प॰ भग॰ ६, ७, २०, ६; ठा॰ २, ३,
पच॰ १६, जीवा॰ १, (२) ति॰ ते क्षेत्रभां वसनार. उक्क चेत्र मे रहने वाला
( one ) who resides in the
above mentioned region श्रणुजो॰
१३१;

परवश्च-य. पुं॰ ( ऐरवत ) मेरुथा ७ तरमा आवेक्ष ४ में भूमिनु भरत केव्डु छेल्लु क्षेत्र. मेरु की उत्तर दिशामे स्थित कर्मभूमि का भरतत्त्रेत्र वरावरी का ग्रंतिम त्तेत्र. The Vol 11/43

last region of Karma Bhūmi to the north of Meru, equal in size to Bharata region. सम॰ ७; जीवा० १; सू > प० १०. श्रयाुजो० १३४; पन्न॰ १; नंदी॰ ४२; भग॰ २०, म, विशे॰ १४६; प्रव० ३; जं० प० ६, १२५, ठा० २. ३; (२) त्रि॰ धरवत क्षेत्रमां वसनार. ऐरावत चेत्र में उपन्न, एरावत चेत्र में रहने-वाला born in Iravata Ksetra: residing in Iravata Ksetra अगुजो॰ १३१, —कृड. पु॰ ( कृट ) શિખરી પર્વાતના ૧૧ ફૂટમાંનુ દશમું ફૂટ-शिभर. शिखरी पर्वत के ११ कटों में से १० वां कूट. the 10th of the 11 peaks of the Śikharī mountain जं प॰ ६, १२४;

पराचश्च पुं० (प्रावत) लभ्णूद्वीपने उत्तर छेडे आंवेक्ष सरत लेवडं छेट्स क्षेत्र जंबूद्वीप की उत्तर दिशामें स्थित भरत ज्ञेत्र जितना श्रांतम ज्ञेत्र. The last region to the North of Jambu Dvipa, equal in size to Bharata 18-gion. ज॰ प॰

परावर्इ. ली॰ (ऐरावती ईशाः सन्त्यस्याः)
इश्वासा नगरी पासे वहेती अरावती नामनी
नही इग्वाला नगरा के समीप बहने वाली
नदीका नाम. Name of a river flowing in the vicinity of the city
of Kuṇālā वेय॰ ४, २८, काप॰ ६.१२;
एरचण. पुं॰ (ऐरावण-त) प्रथम देवले।इना
४५ने देता हाथी; के देवता हाथीतुं रूप सम्
४५ने पाता उपर भेसाडे ते प्रथम स्वर्ग के
इंद्र के हाथी का नाम, जो देव हाथी का रूप
धारण कर इद्र को अपने ऊपर वेटाता है
वह देव. The elephent of the
Indra of the first Devaloka,

Indeed; exactly so. भग० ७, ६; नाया० ६, ६; १०, १६; नाया० घ० एवंचेव थ० (एवंचेव ) ळुओ। "एवं " शक्र देखो "एवं " शब्द. Vide "एवं" नाया० १; २; भग० १५, १, २५, २; ४१, ६; पचएहं. अ० (एवम्) ळुओ। "एवं " शक्र देखो "एवं " शब्द. Vide "एवं " वेय० १, १४; ४, २६; एवितय. त्रि० (इयत्) ळुओ। "एवइ्य " शक्र. देखो " एवइ्य " शब्द Vide " एवइ्य " भग० १, ७; ११, १; एविप अ० (एवमपि) ओभभण, इस प्रकार भी. Even thus; even so. भग० १,६;

पंचीप अ॰ (एवमपि) अभभ्ण, इस प्रकार भी. Even thus; even so. भग०१,६; एचभूत चादि त्रि॰ (एवंभूत वादिन्) लाव-सिंदत पहार्थनेक पहार्थ भाननार औक नय सात नयभाने। सातभा नय भान सिंदत पदार्थ को ही पदार्थ मानने वाला एक नय (One) who holds the logical standpoint that a substance should be styled by its name only so long as it actually performs the operation denoted by it; the seventh of the 7 logical beliefs स्रा॰ २, ४, ९०;

एवं भूय. पुं॰ ( एवं म्त ) के शण्हिनो के अर्थ थता है। ते अर्थ पुरे पुरी रीते, ते वस्तु अर्थ पुरे पुरी रीते, ते वस्तु अर्थ त्या के स्वा अर्थ है, के भ घट शण्ह नेष्ठावानी घट् धातुं भाषी व्यते है। प्रे के के बिंदा प्राची कि से के कि से से वस्तु के वस्तु कहें जैसे कि घट शब्द नेष्णवानी घट् धातु से बना है जब पानी से

भरा हुआ स्त्री के मस्तक पर घडा रखा हो तभी उसे घट ऋहना श्रन्यथा नहीं; सातनयों में से एक नय. The seventh of the seven logical standpoints, viz that a substance should be styled by its name only so long as it performs actually the operation denoted by it; e g. a pot should de styled a pot only when it is actually filled with water and "carried" by any woman upon the head. विशे॰ २२५१;ठा॰ ७, १; भग० ५, ४, पञ्च० १६; प्रव० ६१४; पंचा॰ ६, १२; (२) विચ્छेદ ગયેલ ખારમा દક્ષિવાદ અંગના બીજા વિભાગ સત્રના ૧૬ મે৷ બેદ. जिसका विच्छेद हो चुका है ऐसे वारहवें दृष्टिवाद श्रंगके दूसरे विभाग के स्त्रका १६वां भेद. name of the 16th division of the 2nd section of the 12th non-extant Anga viz. Dristivāda नंदी० ५, ६,

एवंबिह. त्रि॰ (एवंबिघ) એવા પ્રકારતું-ના-नी इस प्रकार का-की Of that or this sort, such सु॰ च॰ ४, ५२; पंचा १३, ३६;

एवमेव श्र॰ ( एवमेव ) अभिन्य इसी प्रकार. Exactly 90; quite so. नाण॰ १; भग॰ १. १;

एवामेच श्र॰ ( एवमेव ) એવીજ रीते इसी प्रकारसे. Exactly so; quite in this manner. ज॰ प॰ नाया॰ २; ३; ४, ५; =; ६; १०; १४, १६; भग॰ १, १; ६;३,३; ५,३;६; १४, १; २५,८; उवा॰ ७, २१६;

√एस घा॰ I II. ( एप् ) शाधनुं; तपास

કરવી; પુષ્ઠ પરછ કરવી. खोजना; हुंढना, पुछ पाछ करना. To search; to inquire after.

एसे वि० श्राया० १, ६, ४, १०; एसिज्जा. वि० उत्त० १, ७, २. ३०; दस० ४, २, २६;

एसंज्जा वि॰ सूय॰ १, १, ४, ४; एसंत. व॰ कृ॰ उत्त॰ ३०, २१; एसमाग्य.व॰ कृ॰ वव॰ १०, २;

√ एस. घा॰ I॰ ( इप् ) भ्र² ७ वुं; धे² छ। इरवी. इच्छा करना To wish; to desire

एयइ. पि० नि० ७५;

पस. ति॰ (एप्यत्) आवतीः; अविष्यत् भिवष्य काः श्रागामी Future; the future. विशे॰ ४२२, —काल पुं॰ (-काल) आवती अल. श्रागामी काल coming time; future time दस॰ ७, ७; एसण् न॰ (एसण्) अभ्रष्टीय वस्तु, निर्धिय आहाराहि दोषरहित श्राहाराहि. A thing worthy to be used as food, unobjectionable food etc. उवा॰ १, ६६; नाया॰ १६; भग० २, ४,

पसिगा. स्ति॰ (एपणा) आहाराहिनी गवेषश्वाभां साधु अने गृहस्थी अन्नेथी लागता
शंक्षिताहि हश हेल. ब्राहाराहि की गवेषणा मे
स धु और गृहस्यों से जो दश दोष लगते हैं
वे. Any of the 10 faults (viz
Sankita etc.) incurred by a
layman as well as an ascetic
in connection with begging
food etc प्रव॰ २२; ५७१, ठा॰ ३, ४;
पि॰ नि॰ १, (२) अपथाग पूर्वक आहाराहि की गवेषणा
समिति उपयोग पूर्वक ब्राहाराहि की गवेषणा
करना, तीमरी समिति का नाम name of

the third Samiti, circumspection in begging food etc. ব্ল॰ 1, ३१; २,४, ८, ११; २४,२, ३०; २५; भग० २, १, सूय० १, १, ४, ४; परहर २, १, वव० १०, २, श्रोव० १७; सम० प॰१६८: —श्रसमिश्र त्रि॰ (-श्रसमित) આહારાદિની ગવેષણારૂપ સમિતિ વિનાના: એ पण। सभिति रिक्षत. श्राहारादि की गवेपगा रूप समिति से रहित; एपणा ममिति से रहित, (one) devoid of circumspection in begging food etc. दसाः १, २; २१; २२, —श्रसमितः त्रि॰ (-श्रसमित) અસૂઝતાે ભાતપાણી લઈ ખીજા સાધુની સાથે કલહ કરનાર, અસમા-धिनुं वीसभुं-છેલ્લું સ્થાનક સેવનાર श्रस्कता ( दोपयुक्त ) म्राहार पानी लेकर दूसरे साधु के साथ कलह करनेवाला-असमाधि २० वा-श्रन्तिम स्थानक का सेवन करनेवाला (one) who resorts to the last viz. 20th source or cause of Asamādhi i. e. non concentiation; (one) who quarrels with another Sādhu, after receiving food involving sin. सम॰ २०, —रय (-रत) निर्देश आदार क्षेत्रामां सावधान निर्दोष श्राहार ले**ने** में सावधान. one who cautiously and carefully receives only unobjectionable food दसा॰ १, ३; —वि-सोहि. स्रा॰ (-विशोधि) એपણानी शुद्धि. एपणा समिति की शुद्धि. purity or faultlessness of circumspection in ठा० ४, २; begging food etc —समिह. स्री॰ ( -समिति ) ४२ **अ**शरना દૂવણ ટાલી શુદ્ધ આહાર પાણીની ગવેષળા કરવી તે, પાંચ સમિતિમાંની ત્રીજી સમિતિ.

४२ प्रकार के दूषगों से रहित शुद्ध प्राहार पानी की गवेपणा करना; पांच समितियों में से तीसरी समिति. the third of the 5 Samitis viz hegging of alms untainted by the 42 kinds of faults. नम॰ ४; ठा॰ ८, १; —सिमय. पु॰ ( समिति-एपणायां उत्पादनप्रह्णाप्रास विषयाया सम्यगितः स्थितः) निर्देष आहार लेनार. निर्दोष घाहार प्रहण करनेवाला. one who receives faultless or absolutely untainted food " प्राचा समिएणिशं वज्जयंते भणेसणं '' स्य०१, ११, १३, उसा० ४, ६; भग० २०, २,नाया० ४; एससिज्जः त्रि॰ ( एपणीय ) भूनिने थेपणा કરવા યાગ્ય; લેવુ કલ્પે તેવું; દાપ રહિત मुनि के एषणा करने योग्य; निर्दीप; लेने योग्य.Faultless; unobjectionable, worthy of being received as food by a Sadhu. भग० १, ६; २, ५; ४. ६; ७, १; ८,६; १=,१०; उत्त० १२,१७; ३२, ४; नाया० ५; १६; १६; ठा० ४, २; उवा ०१, १८, पि० नि०१६१; राय०२२५; एसिशिय त्रि॰ (एपश्रीय-एप्यते गवेप्यते उभः मादिदोपविकलतया साधुभियत्तदेपणीयम्) निर्देश - हाथ वगरन निर्दोष; दोष रहित. Faultless: untainted, unobjectionable (e g food). दस॰ ६, २४; एसिय त्रि॰ (एपित) ग्रेथरीनी विधिधी પ્રાપ્त થયેલ ( અ'હારાદિ ) गोचरी की विधि से प्राप्त ( श्राहारादि ). ( Food etc. ) got by Gochani (1. e begging) in a particular fashion ). श्राया॰ २, १, ६, ५०, सूय० २, १,५६; भग०७,५; एसिय. पुं॰ (एपिक) असंभ्यात ओं हेन्द्रिय જીવાની હિસા થાય એવા આહાર કરતા

गेंड हाथीने भारी आधुं ते श्रेय भेभ भान नार गेंड तापस; हाथी तापस. श्रसंख्यात एकेंद्रिय जॉवॉकी हिंसा जिसमें हो ऐसा श्राहार करने की श्रोपत्ता एक हाथी को मार कर खाना श्रेष्ट समभने वाला तापसी; हाथी तापस. An ascetic believing that it is better to kill an elephant for food instead of taking food involving killing of countless one-sensed living beings; (such a one is styled a Hāthī Tāpasa). " एसिया वोसिया सुद्धा" सूरा॰ १, ६, २;

उएसिय पुं॰ ( ३ ) गिशाणीया गोर्ला; ग्वाल. A cowherd. श्राया॰ २,१,२.११; एस्स पुं॰ (एप्यत्) स्विष्य अक्ष; सावी. भविष्य काल: भावी काल. The future; future time. विशे॰ २८३,

पहंत. ति॰ (एधमान) वधतुं; वृद्धि पाभतुं-ता-ती. वढता हुआ; वढती हुई; वृद्धिगत. Increasing, growing. दस॰ ६, २, ४; पहा स्त्री॰ (एधा) शभी (भीकडी) ना अष्ट, धेषण् शमीकी लकडी; उस्तरा नामक वृत्तकी लकडी. The wood of the Samī tree; fuel. उत्त॰ १२, ४४;

पहिया ति० (ऐहिक) आक्षीत सम्भन्धी, आक्षीतनुं इस लोक सम्बन्धी: इस लोक का Belonging to, pertaining to this world. श्रोध० नि० ६२; — एएए-सिया ति० (-प्रदेशिक) विषम संप्या- ३, ५, ० वगेरे ओडी संप्याना प्रदेशथी निष्पन्न थयेल. विषम संख्या के प्रदेश से निष्पन्न resulting from odd numbers such as three, five, seven etc. भग० २५, ३;

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी प्रुटने।८ (\*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th.

## ऋों.

श्रोश्रंसि पुं॰ (श्रोजस्विन्) भननी धीरल वादीः, धैर्यवान् ; धीर. धीरज वालाः धैर्य धारण करनेवालाः धीर. Courageous; brave. श्रोव॰ १६ः

श्रोइग्ग् त्रि॰ ( श्रवतीर्ग्ग ) अवतरेक्ष; ઉतरी आवेक्ष श्रवतिरत; उतरा हुश्रा Born; descended, come down. श्रोव॰ २६; श्रोष॰ नि॰ ३४, पचा॰ १५, ४२;

श्रोंकार पुं॰ (श्रोकार) ॐ धरेने। ઉચ્थार धरेने। ॐ कार का उच्चार करना Pronouncing the word "Omkāra". उस॰ २६, २६;

स्रोकिच्छियाः स्री० (श्रवकिका) लुओ। "उक्किच्छिया" शण्ट देखो "उक्किच्छिया" शब्द. Vide. "उक्किच्छिया" स्रोघ० नि० ६७७; प्रव० ५४२;

√ स्त्रोकद्व धा॰ I ( श्रप+कृष्) पार्शुं भें-यतुं. पोछा खीचना. To draw back; to pull back.

त्रोकदुइ. क० प० ३, ७;

श्रोकद्विय सं० कृ० क० प० ४, १;

श्रोकपृत्ता स्त्री॰ (श्रवकर्षणा) अभयत<sup>र</sup>ना. श्रववर्तना Drawing back, turning back. क॰ प॰ ३, १०,

भ्रोगाहिन्त वि॰ ( भ्रवगृहोत ) भीरसेक्ष; भीजनभांथी काथभां क्षीयेक्ष महणा किया हुआ; परांस हुआ Served as food; held in the hand (sup. food). ठा॰ ३, ३.

भोगाढ ति॰ (भवगाढ) आशश अन्शते अवगाढी-२५श धरीते रहेल. भाकाश प्रदेश को न्याप्त करके रहा सुद्या Pervading or touching Akāśa Dravya i. e. space. उत्तर १८, २४; पन ०२; जीवा॰ १; विशे ० ६०५: श्रागुजो ० १०१, १४८; ठा० १, १; भग० १३, ४; १६. ६; २०, २; २५, ३; ४; नाया० ६; ६; १७; ज॰ प० ७, १३७; (२) कभीनमा ઉ.ं. जमीन के मीतर ऊंडा. deep in the ground. प्रव० १५६७, —रह. स्री० ( -रिच ) ७५१११ हे शास्त्रने अवगादवाथी छत्पन्न थती धर्म इथि. उपदेश श्रयवा शास्त्र के श्रवगाहन —मनन से उत्पन्न होनेवाजी धर्मरुचि. love for religion excited by a sermon or a study of scriptures. भग० २५. ७; ठा० ४, १;

श्रोगाढसेणिश्रापरिकम्म. न॰ (श्रवगाहन-श्रेणिकापरिकर्मन्) ६ष्टिवाहना परिक्षम्नी छट्डे। भेह दष्टिवाद के परिकर्म का छठवां भेद. The sixth division of the Partkarma of Dristivada नंदी॰ पह;

श्रोगाढावत्त. न॰ (श्रवगाढावर्त्त ) ग्रे।गाढ-सेिश्यापरिकर्मनी १४मे। प्रकार, श्रोगाढसे-शिश्रा परिकर्म का चौदहवां मेद. The 14th division of Ogādhasenia Parikarma नंदी॰ १६;

श्रोगास. न॰ ( श्रवकाश ) अवश्रशः भुस्ती लभीन. श्रवकाशः खुली जगहः खाली स्थान. Open space. " श्रोगासं फासुयं नचा " दस॰ ४, १, १६ः

√ श्रो गाह घा॰ I. II (श्रव + गाह्) અવગાહવું, અन्दर पेसवुं; स्पर्श करवी. श्रवगाहन करना; भीतर प्रवेश करना; स्पर्श करना To pervade; to enter, to touch.

भोगाहरू भग० २०, ८; प्रव॰ ६६८, भोगाहेरू नाया॰ २; ९: १६; श्रीगाहाँते. श्रीव० ३६;
श्रोगाहेका भग० १, ६; १८, १०; श्रणुजी॰
१३४:
श्रोगाहह. नाया० १७,
श्रोगाहिता. सं० कृ० श्रोव० ३६; जं० प०
१, १४; ७, १४२; ७; १२७; भग०
२, १; ६; ३, ७; पन्न० २;
श्रोगाहेका. स० कृ० नाया० २; ६; भग० २०,

श्रोगाहित्तण. हे॰ हा॰ श्रोव॰ ३६;
श्रोगाहेत. पि॰ नि॰ ४७५;
श्रोगाहित्रण जं॰ प॰ ४, १०४; प्रव॰ १४३५;
श्रोगाह. पुं॰ (श्रवगाह) अवशादना; अवशाहा, अवकारा; श्राकारा का लक्षण; मार्ला स्थान. Interpenetration; lit. entrance; giving space to other substances; this is the nature of Akāśa. जत्त॰ २६, ६;

આદિ વસ્તુ જેટલા ક્ષેત્રને અવગાદિ રહે

अट्रें क्षेत्र जांव, शरीर खादि वस्तु जितने

चेत्र में व्याप्त होकर रहे उतना चेत्र.

Space occupied by any object.

भग० १, १; १, ७; ६, १; पि॰ नि॰ १६६;
त्रोगाहरागः ति॰ ( श्रवगाहनक ) अप्रशाक्षतार. श्रवगाहन करने वाजाः ( One )
that occupies & particular space; occupying space ठा०१,५;
भोगाहरासियाः श्री॰ (श्रवगाहनश्रेणिका)
अप्रशाहनश्रेष्णा नामे दिश्वदांतर्भन परिकर्मते। ओड लागः श्रवगाहन श्रेणी नामक
दिश्वादान्तर्गत परिकर्म का एक मागः.
Name of a division of the Patikarma forming a part of Drisțivāda. सम० १२;

श्रीगाहणा. स्री॰ (श्रवगाइ:1-श्रवगाइन्ते-श्रामते श्रवतिष्टन्ते जीवा यस्यां सा तमा ) शरीशहिनी Gशार्ध शरीर श्रादि की क्याई. Height of the body etc भग॰ ३, ५; ९६, ३; २४, २०; २४, ४; २५, ६; ३६, १; श्रोष० ४४; श्राणुजी० १३४; उत्त० ३६, ६०: ३६, ६३; जीवा० १; नंदी० १२; नाया॰ थ॰ प्रव॰ ४८५; — हागा. न॰ (-स्यान-धवगाहन्तेजीवा यस्यां माऽव-गाइना तनुस्तदाधारभृतं चेत्रं वा तस्याः र्थानानि प्रदेशवृत्तां विभागाः श्रवगाहनास्था-नानि) અવગાટના–શરીરની ઉચાઇના સ્થાન-विभाभ, श्रवगाहना श्रधांन शरीर को कंचाई का स्थान-विभाग. A (smaller) division of the height of the body. 1, ४: --नामनिहत्ताउयः न॰ ( -नामनिषत्तायुष्क ) औद्दारिक्षादि शरीर નામકર્મ સાથે આયુષ્ય કર્મના ળન્ધ યાવ ते; आयुर्णधने। शेष्ट अधार, श्रोदारिक गरीर नामकर्म के साथ श्रायुष्य कर्म का बंध होना: श्रायु बंध का एक प्रकार. The linking together of Ayusya Karma with the Namakarma that builds up the physical body पन्न० ६; भग० ६, =: -संठाण. नं• (-संस्थान) अज्ञापनाना २९ मां पदनुं नाम है क्रेमां औद्दारिह वगेरे पांच शरीरा-ना संधा वर्गेनेनं वर्धन धर्य छे. पजापना के २१ वें पद का नाम कि जिस में श्रोदारिक श्रादि पांच शरीरों के संस्थान श्रादि का वर्णन है. Name of the 21st Pada of Prajñāpanā, dealing with the conformation of the five kinds of bodies viz. physical etc. पन्न ॰ १:

श्रोगाहिमः त्रि॰ ( श्रवगाहिम ) ५५वालः

भुभ्दी; भावपद्धा वगेरे. मात्तपुता प्रादि पकतात. Rich food; sweetments. पि॰ नि॰ ४४=; पचा॰ ४, ११;

त्रोगाहिमगः पुं॰ न॰ ( \*सवप्राहिमकः )
पश्चानः भिक्षाध्य वगेरे. पक्वानः मिठाई
वंगरहः Sweet-ments प्रव॰२०३,२१०ः;
√श्रोगिएडः धा॰ I,II ( अप+गृह् )
ढाथभां लेनुः अद्र्य अद्र्यं हाथमं लेनाः महण्
करनाः To hold in hand; to take.
भ्रोगिएडइः नाया॰ १; ठा० ३,३; भग०
६,३३;

श्रोगिएहेसा. सं॰ कृ॰ नाया०१;भग॰ ६,३३; श्रोगिरिहसा. सं० कृ॰ भग० २, ४; उना॰ ७, ११३; २२०; कृष्ण = , ६;

भ्रोगिडिकय. सं • कृ • श्राया • २, ७,१,१४६; श्रोगिरहरा न • ( भवमह ) अर्थावश्रद्धनुं ओड नाम. भर्यावप्रह का एक नाम. A synonym for Arthavagraha i. e. vague idea or apprehension of an object. नंदी • ३ •;

श्रोग्गह. न॰ ( भवप्रह ) श्राह्मा; संभिति; २०११. श्राह्मा; हुक्म; सम्मिति. Order; permission; consent. भग॰ ९, ३३; दस॰ ४, १, १८; ८, ४: नाया॰ ४; पंचा॰ ६, १३;

भोगगहरण. स्नि॰ ( भवमहरू) छिदियाना विषय-रूप पुर्वितानुं अद्धल्य इरवुं ते. इहियोंके विषयस्य पुर्वालों का प्रह्मा करना. Drawing or taking to oneself the molecules of the various objects of senses. पक्ष १४;

श्रोध. पुं॰(भोध) प्रवादः संसारने प्रवादनु रूपः आपवामां आवे छे भाटे संसाररूप प्रवाद प्रवादः संसार को प्रवाहका रूपक देने में प्राता है वास्ते संसाररूप प्रवाह. A current; a flow; metaphorically worldly Vol. 11/44.

existence. " एते श्रांघं तरिस्तंति" स्य० १, ३, ४, १८; २, ६, ४४; क० प० १, ८१; पंचा० ३, ३; (२) सभूद; राशि; क्रथी। समृह; ममुदाय; ढांग a group; a heap, a collection. जं॰ प॰ ४, ११४: नाया० १४; सम• ७; राय० ३७; ( ३ ) साभान्यः शभुव्ययं सामान्यः समुज्यः साधारण. accumulation; general, broad nature. भग० २४, ३; ४: पन्न० =; —न्नादेस पुं॰ (-न्नादेश) सामान्य प्रકारः सामान्य व्यपेक्षा. सामान्य प्रकारः सामान्य श्रपेद्धा. matter of course; matter of common expectation. " मोषादेसेशं सियकड जुम्मा "भग० २४, ३: ४;--- आययण्. न० (-श्रायतन) शे।ध-પ્રવાદ-પરંપરાથી મનાયલા તીર્ધસ્થાન, परं-परा से माने जाने वाले तीर्थस्थान. a place traditionally regarded sacred. श्राया॰ २, १०, १६६; —सत्तत्ताः **ब्रो॰ (-संज्ञा)** भतिज्ञानावरखुक्केना क्षये।प-શમથી સામાન્ય બાેધ થાય તે–જેમ બીજાની દેખાંદેખીયી બાલક નીસરણી પર ચઢે પહ તે સમજતા નથી કે હું કેના પર ચહયાે. मतिज्ञानावरणा कर्मके स्वयोपरामसे जो सामान्य बोध होता है वह-जिसे दूसरेकी देखादेखी से वरचा निसरनी पर चढता है किन्तु उसे यह नहीं सममता कि वह कियपर चढा है. ordinary knowledge arising on account of the subsidence and destruction of the Karma which obstructs Matijñāna पन॰ ८: —श्रोघस्तरा खो॰ ( -भोध-स्वरा ) ચમરચ ચા રાજધાનીના દેવતાને संदेशी पाथाउनारी धंटा. चमर चंचा नामक राजधानी के देवों को संदेश जिससे पहुंचाया जाताहै वह घटा. a bell by which. messages were communicated to the deities of the Chamara Chancha capital. जं॰ प॰ ४, ११६: श्रोचार. पुं॰ (श्रवचार) धान्यती लिया शिक्षा शिक्षा शिक्षा का नवा काटा. A granary or store-house of grain, somewhat elongated in shape. श्रमुका॰ १३२; श्रोचूलश्र. न॰ (॰श्रवचृतक) अशाभ; शिक्षा चंटाधर चामर थामक परिमादिय कदिए" विवा॰ २: ज॰ प॰ ३, ६१;

श्रोच्छाहिश्र. त्रि॰ ( उन्माहित ) उन्साद-वंत ६रेक्षं: वभाष् ६री छत्साद वडावेश. उन्साहित कियाहुआ; उपदेश देकर उत्माहित किया हुआ. Encouraged; enlivened with applause. पि॰ नि॰ ४६४; श्रोज न॰ (श्रांजम् ) भक्षः ताधात बन; शिक्त. Strength; power; vigour. पग्ह॰ २, २;

ख्रोट्ट. पुं॰ ( ब्रोष्ट ) है। ई. ब्रॉट. A lip. त्रयाुजी० १३; १२८: १३१; नाया० ८: जं॰ प॰ पन्न॰ २; राय॰ १६४; विवा॰ २: श्रीणमंत. व॰ कृ॰ त्रि॰ ( श्रवनमत् ) नीय नभतुं, नीचे नमाहश्रा. Bending or inclining low. श्रोघ॰ नि॰ भा॰ २१२; श्रोग्य वि॰ ( श्रवनत ) वां इं वलेशुं; नीवे नभेशं. नाचे नमा हुआ. Bent low; inclined low; curved सु॰ च॰ १, ३=२: नाया० १: श्रोघ० नि० २२३: √ श्रो~तर. था॰ I.II. ( श्रव+तृ ) आंध-२०। नाभवं: ७भेरवं श्रायन रखनाः दालना. To add to; to put or throw into boiling water. (?) ६तरवं. इनरना. to descend. भोपरई. पि॰ नि॰ ३८८; भोयरंत. पि० नि० ५१८:

भोयारिया. प्रे॰ सं॰ क्र॰ दस॰ ४, १, ६३; भोयारमास प्रे॰व॰क्र॰श्राया॰३, १;६,३४; भोतारः पुं॰ (भवतार) प्रवेश धरवेत. अंहर उत्तरपुं. प्रवेश करना To enter; to descend into. विशे॰ १०४०;

श्रोतिएसा ति॰ (श्रवतिसं) भार उतरेक्षेः भार भाभेक्षेः पार उतराहुश्याः पार पाया हुश्याः (One) who has crossed or reached the opposite side. उत्त॰ ४, १४; १०, ३२;

श्रोद्रग्. पुं॰ (श्रोदन) सातः रांधेल-याभा. भात, पके हुए चामक. Cooked rice जीवा॰ ३, २; भग॰ १, २; उका॰ १, ३४; पचा॰ १०, ३७;

श्रोधारिगी स्त्रा॰ (श्रवधारिगी) निश्चय-शरिशी (लापा) निश्चय कारक भाषा. Decisive speech, इस० ७, ४४;

√ म्रो-पड. धा॰ I. (भ्रव+पन् ) नीथे ५७वृं. नीचे गिरना. To fall down; to come down.

श्रावयइ, भग० ३, २; श्रावयात. विशे० १४६:

श्रावयात. १४१० १४६; श्रोद्ययंत श्राया० २, १५, १७६: नाया०

६; कृष्प० ३, ३७; ४, ६६:

श्रोवयसाय, व॰ कु॰ नाया॰ १; १; भग०

११,११: सय०७२:र्ने॰ प०४,११७:

श्रोप्पाइय. दि॰ ( श्रीत्पानिक ) ६८५।त संभंधी. उत्पात सम्बन्धा. Relating to the fall of a meteor or a conflagration etc म्यु॰ १, १२, ६;

श्रोतद्भा ति॰ ( श्रवबद्दक ) अभुः सभय सुधी हे। ईनी लांधणीमां आवेशः प्रविध श्रमुक समयतक किसी के वन्धन में श्राया हुआ, पराधान. Bound down for a time; dependent. प्रव ॰ १६८; मोभह. त्रि॰ ( \* ) भागेक्षुं, यायेक्षुं. मांगा हुम्रा Asked, begged; solicited. श्रोध॰ नि॰ १४७;

श्रो-भम. घा॰ I (श्रव + श्रम्) ६२वुं, लभवुं. फिरना; भटकना, भमना. To wander; to roam.

घोभामेइ प्रे॰ राय॰ २३६,

श्रोभावर्णाः त्री॰ ( श्रवभावना ) ઉपदास, ढेलना; भश्क्री. उपहास; श्रवहेलना; हंसा. Ridicule; insulting; disrespectful joke. श्रोघ०नि०भा०८१; प्रव०१६३;

√ श्रो-भास. था॰ I,II (श्रव-भाष्) थाथवुं, हातार पासे भागवुं दाता के पास से मांगना, याचना करना. To beg: to solicit a favour.

भ्रोभासिज्ज. श्राया० २, १, ५, ३०;

√ श्रो-भास. धा॰ I,II ( श्रव + भास् )
प्रकाश थवु, यस कार करेवे। प्रकाशित होना,
चिलकाहट करना To shine, to glitter.
श्रोभासति. राय॰ २७०,

श्रोभासइ सू॰ प॰ १, राय०१२०; ठा०२,२, श्रोभासइ. भग० १, ६;

श्रोभासंति म्०प० १८; भग० ७, १०; ८. ८; १४, ६. ज० प० ७, १३७, राय०२७०,

ष्ठोभासः पुं॰ ( श्रवभास ) ६४भा भाक्षाश्रक्षनुं नाभ. ६४वें माह्यह का नाम Name of the 65th planet, सू॰ प॰ २०; ठा॰ २,३; (२) श्रक्षा; अंडि प्रभा; काई light; lustre; brilliance. श्रांव॰ श्रोभासिय. त्रि॰ (श्रवभासित) यायना ४रेव; भागीवीधेव. मागकर ात्तिया हुत्रा, याचित. Begged; solicited; got by solicitation, श्रोध॰ नि॰ ३१३;

स्रोमः त्रि॰ ( प्रवम ) ઉણું; ओछुं, न्युन; અધુર. कम; श्रध्ररा; न्यून. Lesa; falling short पंचा॰ १६, १६; उत्त॰ २६, १५; ३०, १५; ३२, १२, पि० नि० ६४३, पि० नि॰ भा॰ ४५, (२) हुक्षक्ष; हुर्लिक्ष श्रकाल; दुष्काळ; दुर्भित्त. famine; scarcity; dearth of food. ' जोवामु कहिव श्रोमे " पि॰ नि॰ २२०; (3) असार; तु२७. श्रमार; तुच्छ; सार रहिन; हीन. worthless: unsubstantial. उत्तर १२, ६, श्रायार २, २, ४, १४६, ठा० ४, ४; —(मो) उयरण न० ( - - उदरण = उदर ) उछाहरी तप, नित्य ખારાકથી એાછું ખાવું તે હનાેંદરા તપ; नित्यके भोजन के परिमाण से कम भोजन करना. the penance consisting in eating less than one's fill " श्रोमोयरगं पचहा " उत्त॰ ३०, १४;

—( मो ) उयरिश्चः न॰ ( -उदिक ) दुष्कातः दुष्कातः दुष्कातः दिmine; scarcity of food. श्रोच नि॰ ॰,

—उयरिया स्नी॰ (-उदिश्वा-श्रवमं न्यून-मुद्रं यस्यां सा तथा ) उशिहरी तपः १० णाख तपभांनुं भीजुं. उनादरा तपः इह प्रकारके वाह्य तपों मे से दूसरा तप eating less than one's fill; the 2nd of the six external penances.

" श्रणसण श्रोमोयरिया भिक्खायरियः '

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी ५८ने।८ (\*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने।ट (\*) Vide oot note (\*) p 15th

ठा० ६, १; <sup>भग</sup>० ७, १; श्राया० १, ४, ४, १५६: १, ६, २, १८३: —कोड्या. स्री० (-कोहता) भासी पेट. खाली पेट. emptiness of stomach. " बाहरस-एग्णा समुष्पजद तंजहा स्रोनकोठयाए " ठा॰ ४, ४; —चेल. त्रि॰ ( -चेल ) प्रभा-**थ्यी ओव्छा वस्त्र राभनार, प्रमास्त से क**म वस्त्र रखनेवाला. ( one ) having less than the permitted number or quantity of clothes आया. १. ७४, २१२; —चेलग. पुं॰ ( -चेलक-श्रवमानि श्रसाराणि चेलानि यस्य सः ) टुंडा अने जुना वस्त्र पहेरनार. इस ब्रार जुने वस्न पहनने वाला; मेले वस्त्रों वाला one shabbily dressed; one putting on short and old garments उत्त॰ १२, ६: - चेलिश्रः त्रि॰ ( -चेतिक ) প্রথা " श्रोमचेत " शण्ह. देखों "श्रोमदेल " शब्द vide "श्रोम-चेब " " श्रदुवा संतदुत्तरे भ्रदुवा भोमचे त्रपु श्रद्वा एगसाडे " श्राया० २, ५,२, १४६: —रत्तः पुं० ( ः ) क्षय तिथि; धटेश तिथि स्नय तिथि; घटी हुई तिथि. a lunar day beginning and ending without one sunrise or between two sunrises. श्रोघ॰ नि॰ २८४: -राइशिश्च. पुं॰ (-रात्निक) दीक्षाये न्टानी (साधु). दीचा की श्रपेचा छोटा ( साधु ). : Sādhu junior in point of Dīkṣā or entrance into the religious order. 310 4,3; श्रोमंथियः त्रि॰ ( श्रवमस्तक ) नीयुं भरतः

**કरीने थे**डेक्ष मस्तक नांचा करके वेठा हुआ. Sitting with the head bent or low "सो कपड निगांधीए श्रामंधियाए" वेय० ४, २६: विवा० २; निर० ९, १: श्रोमश्यय. त्रि॰ ( श्रवमत्यय ) आहारना ओक् है। श्राहार का दोष A. fault connected with food. पंचा॰ १३. =: श्रीमत्त. न॰ ( श्रवमत्व ) भाव्यापणुं हीनलः भोजापन Scantiness; paucity. राय० २६०: पत्र० १४: √ श्रो-मा. घा॰ I. ( श्रव+मा ) दाथ वगेरे-थी भरवं: भर्भ धरवी. हाथ वगैरह से नापना-मापना. To measure with the hand etc. to take measurement श्रोमिणिजइ. क॰ वा॰ श्रव्यंत्रो॰ १३३; स्रोमाण न॰ ( अवनान ) क्षेत्राहिस्ती लर्प. चेत्रादिकी माप. Measurement of area etc. ठा० २.४: श्रीमार्गा. पुं॰ (श्रवमान) अपभान; भान-ભંગ, અનાદર, श्रपमान; मानर्भग; श्रनादर. Insult; disrespect; affront. " भि-क्खालीसएएगे एगे श्रोमाश्मीरुए " उत्त॰ २७, १०:

आमिएएए न॰ (श्रवमान) पें। पथुं. पोंस्रना.
A particular ceremony by
which a bridegroom and a
bride are greeted at the entrance of a house. पंचा॰ =, २४:

√ श्रो-मुंच धा॰ I, II. ( श्रव+मुञ्च् ) भुक्ष्युं; छोऽपुं. छोडना. To release; to abandon.

श्रांसुयइ. कप्प॰ ४, ११४;

<sup>\*</sup> जुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी प्रुटनीट (\*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th.

श्रोसुह्ता ऋष० ४, ११४;

श्रोमुद्धग त्रि॰ ( श्रवमूर्घक ) अधु भरतः क्षेत्र. श्रोधा मस्तक किया हुन्ना ( One ) with the head touching the ground and legs thrown up, on wards i e. heels over head " श्रोमुद्धगा धरिणतले पडति" स्य॰ १, ४, २, १६;

श्रोमुय न॰ (उत्तमुक ) गंगारी, णस्ती डेश्ससी. श्रंगारा, जलता हुत्रा कोयला. A burning charcoal, श्रोघ॰ नि॰ २७४;

√ श्रोय. घा॰ I ( श्रव + लोक्) नीक्षाक्ष्वं; लोवं देखना To observe, to que, to mark.

श्रोयइ विशे ॰ ७६८;

श्रीय. न॰ (श्रोजस् ) विषभ संभ्या, लेवी है-र्शेक, त्रख, पांच परोरे. विषम संख्या जैस कि एक, तीन, पाच, स्नात वगैरह. Any odd number, e. g. one, three five etc पि॰ नि॰ ६२६; भग॰ २४, ३; (२) त्रि॰ निष्धियन: निष्परिश्रही परिग्रह रहित. having nothing; keeping no possession of property.स्य॰१, ૧૪, ૨૧; (૨) રાગ દેષથી રહિત; કર્મ भव रहित-शुद्ध राग होष से रहित: कर्म मल राहत. devoid of attachment or malice, devoid of the mud of Karma. श्राया० १, ४, ६, १७०; १, ७, ६, २२२; सूय० १, ४, २, १, (४) पु० છવ ઉત્પન્ન થતાવેત પ્રથમ ત્યાહાર ત્રહણ કરે તે, માતાનું રેત્સ અને પિતાનુ વીર્ય. जीव उत्पन्न होतेही प्रथम जो श्राहार प्रहण करता है वह, माता का रक्त श्रीर पिता का वीर्य the first food of the soul

or sentient being immediately after becoming quick viz the semen of the parents. स्य॰ २, ३, २१; तंदु॰ १६; पन्न॰ २८; प्रव॰ १३७५; (४) ते॰; प्रशःश तेज; प्रकाश luster; light स्॰ प॰ १; — श्राहार नि॰ (-श्राहार) ओल आदार वाली. श्रोज श्राहार वाला (one) whose food consists of invigorating substances प्रव॰ ११६४:

श्रोयंसि. त्रि॰ (श्रोजस्विन्) भने। प्यथवार्थं. मनोवल वाला. Powerful; possessed of great will-power. भग॰ २, ४: नाया॰ १,

स्रोयण. पुं० ( स्रोदन ) २ांघेक्षा या भा; लात. मात; सिमाये हुए चामल. Cooked rice. प्रव० २०६; श्राया० १, ६, ४ ४; पि० नि० भा०३; पंचा०४,२७; उत्ता०१०,२७७, श्रोघ० नि० भा० ३०७, विशे० ३०२७; उत्त०७, १,

श्रोयरण न॰ ( भवचरण ) पांछुं ६२वुं; पाछुं ६८वुं. पोंछ फिरना; पोंछ हटना. Retreating, retracing one's steps विशे॰ १२१०;

श्रोयरण न॰ (श्रवतरण) ઉપरथी ઉतरवृं; हैंदे अबुं. ऊपर से उत्तरना; नांचे जाना. Descending; getting down पि॰ नि॰ ६८, ३६३;

श्रुत्रोयचः घा॰ II. (साघ्) साधनुं; सर ४२पुं. साधना; जीतना. To accomplish; to subdue

श्रोयवेइ. ज० प०

भ्रोयवेहि. श्रा० जं० प०

श्रोयवेत्ता. सं० कृ० जं० प०

ऋोयस्सि. ति॰ ( श्रोजस्विन् ) ळुणे। " श्रो-यंसि " शण्द. देस्रो " श्रोयंपि " शब्द. Vide " श्रोयंपि" श्राया॰ २, २, १, ७१;

श्रीयाय. त्रि॰ (श्रवयात ) श्राप्त ६रेल श्राप्त किया हुश्रा. (One) who has reached; (one) who has got or obtained. भहासिलाकंटयं सगामं शोयाण् पुरश्री य से सके "भग० ७, ६;

स्रोयार. पुं॰ ( चवतार ) सभावेश: अंतरलाव. श्रंतर्गाव. Inclusion; state of being included. विशे॰ ४४१:

श्रोरस. पुं॰ ( घारम ) अंग ज्यात पुत्र; इत्तक्ष निक्ष ते श्रोरम पुत्र. A son born of one's loins; a legitimate son. म्य॰ १, १, १; उत्त॰ ६, ३;

श्रोरस्स. त्रि॰ (श्रोरस्य) छाती सन्ति-धी (दिन्भत) छाती मंबंधी (हिम्मत, धेर्य श्रादि) (Anything) connected with the breast i. e. courage, bravery etc. पि॰ नि॰ ४६२;

श्रोराल. त्रि॰ ( उदार ) छिन्। अथान छदानः प्रयानः बढ़ दिल का Generous; extensive; prominent. कष्प॰ १, ४; नाया॰ १; भग॰ २, १; १६, ६; (२) २थूल, २९। हुं. मोटा: बडा. bulky; large in size उत्त॰ ३६, १०७; (३) जीनि। १५ शरीर-पांच शरीरभांनु औड. श्रीटारिक शरीरः पाच प्रकार के शरीरों में से एक प्रकार का शरीर. the external physical body; one of the five bodies क॰ गं॰ १, ३३, पि॰ नि॰ ६७: —सरीर. न॰ (-शरीर) छिन्। १६ शरीरः अथान शरीर. श्रीरः श्रीरः प्रधान शरीर. श्रीरः श्रीरः प्रधान शरीर. the external physical body; the

prominent body. श्रोघ॰ नि॰ २२४; श्रोरालिय. पुं॰ न॰ (श्रांदारिक) ઉદાન્धि शरीर; भतुष्य अने तिर्ययनुं २थूस शरीर. श्रीदारक गरीर; मनुष्य श्रार तिर्यच का स्थून शरीर. Audarika body; the external physical body of human and sub-human beings.

(२) त्रि॰ ઉદારિક शरीरवादी। ख्राँदारिक शरीरवाला, possessed of Audārika

body. श्रणजी० १४४; क० व० २, ७२; श्रोव० ४२; भग० १, ७: ८, १; पन्न० १२; विशे॰ ३७४; ३३३३; - पोग्नलपरियहः पुं॰ ( -पृद्गलपरिवर्स ) आधिक पुरुष પરાવર્તન-લાકના તમામ પદ્રલાને એક છવ જેટલા વખતમાં ઉદારિક શરીરમપે ચંદ્રણ કરી પશ્ચિમાંથી પુરા કરે તેટ<mark>લ</mark>ા नभत. श्रोदारिक पुरुगल परावर्तन-द्निया के तमाम पुदगलों को एक जीव जितने समय मे र्योदारिक गरीररूप ने प्रहेण कर के परिणमित कर के परा करे उतना समय time taken by the soul in embodying within itself all the molecules of matter that constitute the Audārika body भग० १२, ४. —मीसना पुं॰ ( -मिथक) विदिय આદિ સાથે મિશ્રિત થયેલ ઉદારિક શરીર-ये। वैक्रिय प्रादि के साथ मिश्रित स्रोदा-रिक श्रीर-योग, connection of the Andarika body with other kinds of bodies, such as Vaikriya body etc. and its activity in that mixed condition भग• २४, १; —सरीर. न० ( -शरीर ) औहा-रिक्ष शरीरः हाड भांसवार्ध शरीर श्रीदारिक शरीर: हाट मांस वाला शरीर the external physical body of flesh and blood नाया॰ २; — सरीरकायजोय पुं॰ ( -शरीरकायकाग ) न्याहारिक स्थितकाय कायाकी प्रवृत्ति ख्रीदारिक शरीरहप कायाकी प्रवृत्ति कर्यांगांप of the external physical body. भग०२५,,१,—सरीरत्ता ख्रां॰ (-शरीरता) न्याहारिक शरीरपछं ख्रीदारिक शरीरपण state of being or having the external physical body. भग०२५,२;

√ श्रोर्रुभियाः श्र∘ ( भवरुष्य ) व्यट्डाः पीने; गांधीने. रोक कर Having confined or pent up. having obstructed " जायतेय समारभे बहु श्रोरुं-भिया जवा " दसा॰ ६, ४. सम॰ ३०;

श्रोरुव्भवाण व॰ कृ॰ त्रि॰ (श्रवहण्यमान) रे।डवामां आवते। अटडाववामां आवते। रे।का हुश्रा. Being obstructed or checked. उत्त॰ १४, २०;

श्रोरुह्ण न॰ (श्रवरोह्ण) नीचे ઉतरपु. नीचे उतरना Coming down, act of descending विशे• १२०६;

श्रोराह. पु॰ ( श्रवरोध ) अ तेपुर; जनान-णानुं श्रतःपुर; जनानखाना A harem. a woman's inner apartment नाया॰ ६; १६; उत्त॰ ६, ४: २०, ४६; विवा॰ २, १; पि॰ नि॰ १२७; (२) ६२वा-जनी अहरने। अवांतर है। देखांज के भीतर का कोठा an inner apartment of a house, श्रोव॰

श्रोरोडिया ला॰ ( श्रवरोधिका ) व्यंतपुरमां रहेनार (स्त्री). श्रंत पुर मे रहनेवालां (स्त्री). A woman who stays in a harem; a woman विवा॰ ६;

श्रीलंब सुर् ( श्रवलंबनदीप ) सांध्य-

थी लाधेक्षे। दीवे। लटकता हुआ दीपक, सांकल से बंधा हुआ दीपक. A hanging lamp. भग ११, ११: ओलविय. ति • (शवखंबित) दे१शी लाधी लटकायेल. रस्सी बाव कर उस से लटकाया हुआ. Kept suspended on or with a rope "इमं ओलबियं करेइ"

 $\sqrt{$ श्चो-लग. था॰ I. (श्रेव + लग्) स्थापित करना. करना; स्थापित करना. To compose; to arrange. श्रोतयंति. नाया॰ =.

सूय० २, २, ६३; श्रोव॰ ३५;

म्रोतिस ति॰ ( भ्रवतिस ) छाए। यगेरेथी सिंपी भुभ भ ध धरेस. गीवर मादिसे छाव कर सुह बंद किया हुन्ना. With the mouth ( e. g. of a pot etc ) stopped with cow-dung. भग॰ २, १,६,४,वेय॰२, ३, ठा॰३,१;(२) क्षेपायेस भरअयेत खरडाया हुन्ना Smeared; bespattered माया॰२, १,७,३८॰

श्रोलुग्ग. त्रि॰ ( श्रवरुग्ग ) भां हो; श्र्यानि पाभेश बीमार, ग्लान. Diseased, sickly; fatigued. निर०१,१, विवा०२; भग॰ ६, ३३; नाया०१,—सरीर. पुं० (-शरीर-श्रवरुग्गं ग्लान दुर्वतं गरीरं यस्य मः) हुल्या श्रीत्याक्षे, भा हो. दुबले शरीर वाला; बीमार. A man with a lean and sickly hody विवा० २; नाया० १; निर० १, १; श्रीलोइश्र. त्रि० ( श्रवलेगिकत ) कोथेशं. देखा

हुत्रा. Seen, observed स्य•२,६,३४: √श्रो-लोय. घा॰I,II. (भव+लोक्) लोवु; तथासवु देखना, खोज करना, जाच करना. To see, to observe, to introspect

श्रोलोएमागा भग० १०, १, नाया० १,

श्रोलोयंत. नाया० १६;

श्रीलोयः पुं॰ ( र भवजोक ) अशशः र्डाज-यालाः प्रकाशः Lightः पग्द० २, १ः

याला; प्रकाश. Light. पग्द् ० २, १;

स्रोवग्गाहिस. ति० ( स्रीपप्रदिक ) १२%
स्थारण; अंड्यानुं निंद्ध. जो किमी स्रकेल
का न हो यह, गच्छ माधारण. Belonging to a whole order or class
of persons jointly स्रोप० नि०२३२;
(२) इंड-लाइडी, आहि पाढीयारा साधुना
छिपडरणु. दंड-लक्डी स्रादि माधुके उपकरण, जो थोट समय के लिये किमी गृहस्थी
मे मांग लिये जाते हैं. (articles of
use) for an ascetic brought
from a householer for temporary use. e g. a stick etc. उत्त०
२४, १३;

श्रोबिचियः पुं॰ ( + ) त्रशु धन्द्रिययात्रा श्र्यनी ओक्ष्य न्यतः तीन इंद्रियों वाला जीवः A three-sensed living being. भग• १४. १;

त्रोबहुणा. स्रो॰ ( भपवर्तना ) अभवत ना. श्रपवर्तना Turning back; drawing back. क॰ प॰ ३, १०;

श्रोविद्धिः स्रो॰ ( अपवृद्धि ) द्वातिः हानिः त्रुकसानः Loss; decrease. सू॰ प॰ १; श्रोविणिद्धियः त्रि॰ ( श्रोपनिधिक ) शृद्दश्ये सभीपे आछेश अन्नादिनी गवेपणा धरनारः गृहस्थ द्वारा समीपमें लाये हुए श्रन्नादि की गवेपणा करने वाला. (One) who searches for food brought to him by a householder. श्रोव॰ १६; श्रोचतणीः स्त्री॰ (भ्रवपातिनी) ઉपन्धी नीर्थे पाप्यानी विद्या. उत्पर में नीचे गिराने की विद्या. The art of making a thing fall down from a high place. स्य॰ २, २, २७;

स्रोचित्तया. सं॰ कृ॰ स्र॰ ( स्रववत्यं ) अिंश ઉपर रहेशा पात्रभाषी सहने शीका पात्रमां नाभीने श्रिक्त पर चढे हुए पात्र में से नकर दूसरे पात्र में डानकरंक. Having taken out from a vessel which is actually on the fire and placed it in another vessel (i. e. food etc.). दस॰५, १, ६४; स्रोचिमिस्र. न॰ ( भौपिमिक ) ६५भांषडे दर्शा-पाय तेवुं उपमा के द्वारा दिसलाया जा सके ऐसा. Capable of being shown or indicated by a simile or metaphor. श्रगुजो०१३६;जं॰प॰२,१८; स्रोचम्म. न॰ ( भौपम्म ) ६५भान अभाए;

એક વસ્તુની સરખામણીથી થતું બીછ સદશ

यस्तुनुं ज्ञान. उपमान प्रमाण; एक वस्तुका उपमा से होने वाला दूसरी वस्तुका ज्ञान.

Argument from analogy;know-

ledge derived from analogy.স্মাৰ•

४५:पन्न०२:११; भग० ४, ४:अर्गुजी०१४७; भोवम्मसम्ब पुं० (भीपम्यसत्य) ઉपमा सत्य क्षेम म्हे। हुं तक्षाय की छ छ डे समुद्र के वुं तक्षाय छे ते उपमा सत्य, उपमा सत्य, जैसे किसी बडे तालाव को देख कर कहना कि समुद्र के जैसा विशाज ताल है Truth of the nature of that found in similes; verisimilitude; e. g.

<sup>\*</sup> लुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। ( \* ). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट ( \* ). Vide foot-note ( \* ) p 15th.

comparing a big lake with a sea, 99 = 50;

श्रोचयत्त. न॰ (श्रवपतन ) पें।भवुं; श्रीवा-रुष्। देवा श्रोवाग्ना लेना According welcome or reception with a particular kind of ceremony, auspicious in its nature. नाया॰ १; (२) नीये ઉतरवुं; नीये श्राववुं नीये उत्तरना; नीये श्राना. coming down; falling down; descending भग॰ ३,२;

श्रोचरश्र. पुं॰ (श्रपवरक ) श्रेशरेडी. कोठडी; कोठा. A room; an apartment in a house श्रोघ॰ नि॰ ४२१;

श्रोवसीमय न० (श्रोपशमिक) १ पशम समिक्तः ६ दियमां आवेल मिथ्यात्व मेलिनीय
क्रमेने। नाश, अनं शेष रहेल मेलिक्रमेने।
६ द्य थाय ते-१ पशम-ते वर्ड करायेलु तेऔ। पशमिक उपशम सम्यक्तः उदय मे
श्राये हुए मिथ्यात्व मोहनीयकर्म का नाश
श्रीर शेष रहे हुए मोहकर्म का उदय होना
उपशम कहलाता हैं इस उपशम द्वारा होने
वाला सम्यक्त्व श्रीपशमिक सम्यक्त्व होता है.
( Right belief) arising from
the destruction of actually
unatured right-belief-deluding
Karma and the subsidence of
that which is still dormant.
विश् ४२=:

श्रोबोह श्र. त्रि॰ (श्रोपधिक) पेताना देशिने बांकार श्रीमार. श्रपने दोष को डांकने वालार (One) who hides one's own faults. उत्त॰ ३४, २४: (२) ध्यायिनिमार धर्म कवाय नीमित्तक कर्म. an action resulting from Kasäya or moral filth श्रोव॰ ४१:

श्रोवांडितः त्रि॰ ( श्रवपाटित ) विधारेशुं; शीरेलु-ली-ले। चीरा हुश्रा, चीरी हुई. Rent; torn. श्रोव॰ ३८,

श्रोबात. पुं॰ ( श्रवपात ) पडवानु स्थान; हेस वाहे। तेथी भाडा वासी अभीन. गिरने का स्थान; खट्टे वाली जमीन. A place unsafe on account of pitfalls जं॰प॰ श्रोबाय. न॰ ( श्रपपात ) अभडायभडी भाडा वासी अभीन. ऊंची नीची-खट्टे वाली जमीन. Rough, uneven ground. दस॰ 2,

श्रोवाय. (श्रोपाय) ઉપાય-साधन सम्यन्धी. उपाय सम्बन्धी. Relating to ways and means. उत्तः १, २८: पञ्चज्ञा. (-प्रवच्या) गुरुसेवारूप साधनथी लीधेली. दीला. गुरू की सेवा रूप साधन से ली हुई दीचा Diksā received on account of service rendered to a Guru. ठा॰ ४, ४,

श्रोवायवंत त्रि॰ ( श्रवपातवत् ) नभ्रः विनय वान् नम्र, विनीत Mod-st; humble. दस॰ ६, ३, ३;

स्रोविश्च-य. त्रि॰ ( \* परिकर्मित ) सर्भी रीते शेष्ट्रिवः सभारेवः, ज्येबः समान रात से जमा कर रखा हुश्रा-रखी हुई, जड़ा हुश्रा-Duly arranged; properly set right; inlaid with श्रोव॰ ३१; नाया॰ १६; स्रोवीलगः त्रि॰ ( श्रपबीडक ) भीजने नि-र्वज्ञ ४२नारः दसरे को निर्लंख करने वालाः ( One ) making or causing another person to be shameless.

परह० १, ३; श्रोस. पुं० ( श्रवश्गाय ) त्रेढ; भारी जभीन-भाथी नीडणी तरुषां ३५२ कामेस पाष्ट्रीना लिन्दु. खारी जमीन से निकल कर घांस पर जमे हुए पानीके बिन्दु Drops of water

Vol. 11/45.

issning from salt ground and settling on grass आया १, ७, ६, २२२; (२) आहत, हार. छोस. dew; fog. उत्तर १०, २; टम० ४;

श्रोसिकत्ता. मं॰ कु॰ श्र॰ (श्रवष्वप्तय)
तक्ष भेसववाने पाछा दरीने. माका पाने के
लिये पाँछे हट कर Having retraced
one's steps with a view to
secure an advantage टा॰ ६, १;

श्रोसक्तण. न॰ ( श्रयण्यष्कण) अभुः हियाने।
के सभय नियभित हे।य ते पहेंद्रां तेनी
शरुआत इर्यी, केम हे भायरीने। मध्यान्द
सभय हे।य छतां राध्याने वणते भायरी
क्यं. किमी किया का जो नियमित समय हो
उमके पहिले उसका श्रारंभ करना, जैमे गोचरी (भिद्धा जोने) का मध्यान्ह समय
होने पर भी भोजन बनने के समय गोचरी के
जिये जाना. Doing a thing before
the time fixed for it; e. g. begging in the morning instead of
at noon. पिं॰ नि॰ २०४; श्रोष॰ नि॰
भा॰ २१६;

श्रोसिवायः सं॰ कृ॰ य़॰ ( श्रवष्त्रस्य ) नीये असेडीने नीचे हटा कर Having drawn below. श्राया॰ २, १, ७, ३=; दस॰ ४,

श्रोसिक्कयाः सं० कृ० श्र० ( श्रपण्डप्का ) जुन्मा 'श्रोसिक्क्य'' शन्दः देखो "श्रोसिक्क य' शब्द Vide 'श्रोसिक्क्यि' दस० ५. १,६३;

द्योस्सएए त्रि॰ ( + ) अवस्य ६२वा साय ६ धर्म हिया ६२वामां आणस ६२नारः सयममां भेद धरनारः द्यवस्य करने लायक

धर्मिकया करनेमे ब्रालस्य करने वालाः संयम करने मे खेद करने वाला. Lax, fainthearted in the performance of religious ascetic duties भग॰ १०, ४ नाया०५;१६; १६; ग्रोघ० नि० भा०४८; नाया॰ घ॰ (१) ખુગી ગયેલ: કસાઇ ગયેલ. गइ गया हुआ: फसा हुआ. entrapped; entangled: plunged deep (e. g in mud). पग्ह॰१,४:श्रोव॰३८; विद्यारि. त्रि॰ (विद्यारिन् ) शिथिश आयार वाणा शियिल श्राचार वाला (One) lax in ascetic conduct. (२) रगध्याय आहि न इरनार, स्वाध्याय द्यादि न करने वाला.(one) neglecting scriptural study भग•१०,४,नाया०५;१६,नाया०घ० क्रोस्तग्गं. ग्र॰ ( अप्रायशस् ) प्रायेश्ररीः धर्णुं धरीने प्रायः करके: त्र्याधिकतर Most probably; mostly; to a great extent विशे ० २२७५; ग्रोव०३८: कप्प० ह, ६१; ज० प• २, ३६; श्रोसन्न ५० ( ग्रवसन ) छ्ले। ''ग्रोसरसा'' शण्ट देखो "ग्रोसररा" शब्द. Vide "श्रोसरका" क० गं० १, १३; प्रव० १०३; श्रोस्रोप्पणी. स्रा॰ ( श्रवसापणी ) हिनसेहिनसे ઉતરતાે–વર્ણ<sup>ર</sup>ગ ધાદિકમાં હાનિ કાલ; ક્શ ક્રેડાંકાેડી સાગરાેપમગ્રમાણે ઉતરતા એક કાલવિભાગ, ઉતરતા છ આરા–પુરાથાય-तेरेले। शक्षा दिन पर दिन कम होता हुआ

-वर्ण गंथ श्रादिमें न्यून होता हुत्रा काल:

दश कोडाकोडी मागरीयम प्रमाण उतरता-

कम होता हुआ एक काल; उतरते छ श्रारे-

पूरे हों उतना काल. The cycle of

decrease; the era of decrease or

<sup>॰</sup> जुओ। ५४ तम्भर १५ ती पुरतीर (०). देखो पृष्ठ नस्बर १५ की फुटनोट (०). Vide foot-note (♦) p. 15th.

degeneration, equal to 10×crore × crore Sāgaropamas. भग० २०, द; अणुजो०११४,१४४, नंदी०१२; पज०१२; उत्त० ३४, ३३; ठा०२, ४. स्०प०६, ६६ ज०प०२, १८; जाला विभागः दशकोटा कोटा सागरोपम प्रमाण कालविभागः दशकोटा कोटा सागरोपम प्रमाण कालविभागः the era of decrease or degeneration equal to 10×crore×crore Sāgaropamas of time जं०प०२, १८, √श्रो-सम. धा० I,II. (उप + शम् ) शातः इरवु. शांत करनाः To calm; to

श्रोसामेहंति प्रे॰ पि॰ नि॰ ३२६,

appense.

√श्रो-सर. धा॰ I. ( उप + सृ ) पाछा ७६५, पीछा इटना To retreat; to retrace one's steps श्रोसरइ. प्रव॰ ४, ८८; श्रोसरइ प्रे॰ निसाँ० २, ४२; श्रोसरंत व॰ कु॰ निमी॰ २, ४२;

√ श्रो-सर धा॰ I. (श्रव + मृ ) विस्तार-इरवे।, प्रसारचु, लाखु इरवुं, विस्तार करना; प्रसार करना, फेलाना; लंबा करना To extend; to spread, to stretch श्रोसारेजा. प्रे॰ श्रखुजो॰ १३८,

श्रोसरण. न० ( श्रव नरण ) साधुओनी सभु ११४ साधुश्रो का समुदाय A group or assemblage of Sadhus पि॰ नि॰ २२८, पचा॰ ६, ३१, प्रव॰ ४४४,

श्रोसाचिया त्रि॰ (उपश्रामित) शांत थयेत्र; शात वृत्तिपालुं शान्त, शान्त वृत्तिवाला. Peaceful; calmminded पि॰ नि॰ ३२६, श्रोसह. न० (श्रोपघ) श्रीसड, मुंह, स्वीग, भरी विगेरे ह्वा श्रोपघ; सोंठ, लोंग; मिर्च श्रादि द्वा A medicine; a drug पचा० ६, १२; भग० २, ४, ७, १०; नाया० ४, ८, १३; १४; १६; ठा० ४, ४; श्रोव० ४१,उत्त०१६, ८०; ३२, १२, उवा० १,४८, पि०नि०भा०४६, सु० च० ४,१००; विवा०१. श्रोसहा. ल्लां० (श्रोपघा) पुष्डसाविजयनी मुण्य राजधानी का नाम. The principal metropolis of Puskalāvijaya.

ज॰ प॰ ठा॰ २, ३, श्रोसिह स्री० (श्रीपिध ) इस पांडे त्यांसुधी રહેનાર વનસ્પતિ, જીવાર, બાજરા વગેરે फसल श्रानतक रहनेवाली वनस्पति ज्वार, वाजरा आदि. A class of plants which live till the harvest ripens, e. g crops of grain. उत्त॰ ११, २६, २२, ६; श्राया॰ २, १, १; २. नंटी० १४, सु० च० १, २३४, दस०७, ३४, ज० प० २, ३३; पचा० ५, २६; चव० ६, ३३, भग० ७, ६, पिं० नि० ५७, पन्न० १, नाया० १, मूय० २, २,४६; प्रव० १५५; निसी० ४, २४, उवा० १, ४१, **-गंध**० पु॰ (-गन्ध) ओषधनी गंध श्रीपधीकी वास smell of a medicine नाया॰ ૧৬, —**दीय** ન॰ ( -बीज ) એાપધિના थील श्रीपधी के बीज seeds of medicinal herbs. निसी॰ १४, ४४;

श्रोसा स्त्री॰ (श्रवस्थाय) श्रीस, त्रेट; जांडल श्रोस, कुहिरा. Dew; fog, hoar-frost पत्र॰ १, श्रोव॰ ४, ३;

श्रोसाण न॰ (श्रवसान) सभीप; ने ७३. समीप, नजदीक. In the vicinity of. near (२) अन्तः अवसान. श्रंत, श्रवन् सान, मृत्यु death, end सूय०१,१४, ४; श्रोसारिया त्रि॰ (श्रवसारित) अवसंभित; ઉपरथी सटेंडेस. श्रवलंगित; लटकता. Remaining suspended from above; hanging, श्रोव॰ ३०;

श्रोसास- पुं॰ (उच्छ्वास) ઉચે श्वास भुःने। ते. उर्द श्वास लेना; जगर की श्वास लेना. A sigh; a heavy sigh. श्रगुजो॰ १२=;

श्रोसिचित्तारः त्रि॰ (श्रवसेन्तः) छांटनारः इतिनेवालाः सीचनेवाला (One) who sprinkles water etc. मूय०२,२,१=:

श्रोतित्तः त्रि॰ (श्रदिमक्त ) सिथेः प्रसाणेः । भिज्यवेत भीजा हुश्राः गीलाः सीचा हुश्राः Wet; damp. श्राया॰ २. १, १, १;

श्रोसेइम. न॰ (उत्स्वेदिम) क्षीट आहि धी-वानुं पाछी; धीवछ, श्राटा वगैरह के धोने का पानी. Water with which flour, rice etc are washed. कप्प॰ १,२५;

स्रोसोचर्णीः स्री॰ ( श्वनस्वापिनी ) अपन्या-पिनी निद्रा; अतिगढ निद्रा. बडी मारी गाड़ निद्रा. Very deep sleep; profound sleep. कष्प॰ २, २७;

साह. पुं० ( श्रोध ) संसार समुद्र. संसारस्पी
समुद्र Ocean of worldly existence. श्राया० १, २, ६, ६६; दस॰ ६,
२, २४; दसा० ५, २७; २८; स्य० १, १९,
१; (२) असंयभ. श्रसंयम; संयम हीनता.
absence of self-restraint. वव० २,
२३; (३) संक्षेप. संचेप; योडासा. general
statement; brief ontlines. श्रोघ०
नि० २; २१३; (४) सभूद्र. ०९थी. समूह
समुदाय a group; an assemblage.
उत्त० १०, ३०; २४, १३; ३२, ३३; श्रोव०
३४; नंदी० स्थ० ७; सु० च० १०, १६०;

जं॰ प॰ २, २९; ( ५ ) प्रवाद. प्रवाह. a current; a stream; a flow. उत्त॰ ४, १; विशे॰ ११४१; सम॰ प॰ २३५; (१) समुव्ययः सामान्यः समान्यः समुच्यः general or broad mature. श्रुजो॰ १५४: पि० नि० २१६: पिं० नि० सा० ३१: श्रोध० नि० २; विशे० १५८; क० गं० ६, १३; — श्रयुवेहिः त्रि॰ (श्रनुपेदिन्) य्यसंयम सेववानी धेर्णावाक्षी. श्रसंयम से रहने की इच्छावाला. (one) desirous of leading a life of indulgence. वव॰ २. २३; -(हा) आदेस. पुं॰ (-भ्रादेश) सामान्य प्रधर; ४०४ साभान्य सामान्य भेदः द्रव्य समान्य. general, broad nature; general outline. विशेष ४०३: —नाण, नव (-ज्ञान) थे। धिः शान श्रोषिक ज्ञान. general knowledge: knowledge of broad outlines. বিशे॰ ४७१४; --सराणाः स्रो॰ (-संज्ञा-संज्ञा-यते वस्त्वनयेति ) साभान्य भेषि सामान्य बोब. general knowledge of an object; knowledge or broad outlines by perception etc. मग , ७, ६; --सुय. न • (-श्त) अत्सर्भ श्रत-शास्त्र. उत्मर्गे शास्त्र. a scripture named Utsargasruta. नंदी॰ ३६:

स्रोहंजलिया. स्री॰ ( # ) थार धिष्यादा, छवनी ओंक्ष्र अत एक चार इदियों वाला जीव विशेष. A kind of four-sensed living being. एक॰ १;

त्रीहंतर. त्रि॰ ( भ्रोधन्तर-भोषं संसारसमुदं तरितुं शांतं यस्य स.) आध-संसार प्रवाहते

<sup>\*</sup> जुओ। ५४ नभ्भर १५ नी ५८ने। (+). देखो पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th.

तरतार; संसार पारणाभी. संसार हपा प्रवाह सं पार जाने वाला. (one) wishing to and posse-sing capacity to cross the ocean of worldly existence; emancipating from worldly existence. सूय॰ १, १, १, २०;

म्रोहट्टतः व॰ ऋ॰ त्रि॰ ( ग्रपसर्पत् ) હક्तुं; अक्षण रहेतुं. श्रलग रहनेवालाः Getting aside; remaining apart. मु॰ च॰ ११, ४४;

स्रोहय ति० ( अवहत ) दिखेद तिनाश हरेद मारा हुआ विनिष्ट Killed; destroyed उवा॰ द; २४६: नाया॰ ३: श्रोव॰ राय॰ २६३; जं॰ प॰ ३, ६६; कप्प॰ ४. ६२: विवा॰ ३; —मण् (-मनस्) उत्साद वगरनं भन. उत्साह रहित मन depressed, gloomy mind नाया॰ १; १४; १६: —मण्संकष्प ति० (-मनःसंकष्प-श्रव-हतो मनस संकल्पोयस्य स तथा ) नष्ट थ्या छे भनना ( विक्रदेशाहि ) संक्रेपो लेना श्रेवे। सकल्प विकल्प रहित मनवाला; जिसके मन के सकल्प नष्ट हो चुके हैं वह. free from doubts and miagivings of the mind. नाया॰ १; ६; निर॰ १, ९; निरा॰ ६, ९९;

√ ऋोहर. धा॰ I (उप+ह्र) स्थापन करना; प्रतिष्ठित करना. To establish; to settle.

श्रोहरइ नाया• १४;

मोहिरिया सं कु कु क्र ( उद्घृष्य ) ઉद्धरीने: अक्षार अद्धीने बाहिर निकाल करके. Having taken or drawn out. ( २ ) वा देश्यधने. टेढा होकर. having bent low " अगणिंड सिक्क्या शिसिक्क्या श्रोह-रिय श्राहट्ट दलएजा" श्राया०२, १,७, ३७; श्रोहरिय. ति० (श्रवधृत) ઉतारेक्षं; हेंहे भुद्देशं; नीचे रसा हुआ; उतारा हुआ Taken down; placed down. श्रोघ०नि० ६०६;

√ स्रोहा था॰ I ( स्रव+हा ) द्रव्यक्षिंग छोडी मेथुनादि असंयम आहरतुं. द्रव्यक्षिंग छोडकर मेथुनादि असंयमों का प्रहण करना. To indulge in sexual pleasures etc. in talk, imagination etc. without actual deed.

स्रोहायइ. वव॰ ३, १८; स्रोहायमार्ग वव॰ ५, १४; स्रोहायंत. स्रोघ॰ नि॰ १२४;

श्रोहाइय ति॰ (श्रवहीन) यारित्र सपमधी श्रप्ट थेपेस. संयमश्रष्ट; चरित्रश्रष्ट. (One) who has fallen off or lapsed from ascetic right conduct. वव॰ ५, १४;

श्रोहााडिय. त्रि॰ ( श्रवधाटित ) आंधेक्षं-सी-सी. वांधा हुन्ना-हुई Fastened. वेस॰ १, १४;

श्रोहामिश्र. त्रि॰ ( \* ) तिरस्धर धरें कुं तिरस्कृत; तिरस्कृत कियाहुआ Slighted;

<sup>\*</sup> लुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी प्रुटने। ( \* ). देखों प्रष्ठ नवर १५ की फूटने। ट ( \* ) Vide foot-note ( \* ) p 15th.

disdamed. श्रोघ० नि० भा० ६०; श्रीहार. पुर ( ÷ ) अयथे। कछुवा, A

tortoise पि॰ नि॰ ३३२;

श्रीहारइत्तार नि॰ (श्रवधारियतः ) निश्रयधारि ભાષા ખાલનાર. અસમાધિનું ૧૧ મું સ્થાનક सेवनारः निश्चय कारक भाषा बोलने वालाः श्रसमाधि के ११ वे स्थानक का सेवन करने वाला (One) speaking with decisiveness or self-confidence; (one) resorting to the 11th source of Asamadhi सम् ? ?:

श्रोहारिगी. स्त्री॰ (श्रवधारिगी) निश्रयधारिली ભાષા; ' હું આમજ કરીશ' એવી ચાક્કસ-रूप वाशी निश्रय कारिएी भाषा: में ऐसा हा कह्नमा ऐसे दृढ वाक्य. decisive or positive speech, e. g. " I will positively act thus." भग॰ २, ६; उत्त० १, २४; दस० ६, ३, ६; पन्न० ११, श्रोहारेमागा त्रि (श्रवहरत्) ५५।१ते। हिलाता हुआ. Moving, shaking.

श्रीहावरा. न॰ (श्रवहापन) अपडीति; अवहे-લના अपकीति, ानदा Discepute; disrespect, dishonour पि॰ नि॰ ४८६, श्रीघ० नि० भा० ११२.

नाया० १:

श्रोहासिश्र त्रि॰ ( भ्रवभासित ) ४२छेंबुं; সার্থ না পূর্ব ৮ মা না বা হাইছান; সার্থনা পূর্ব ক मागा हुआ Desired, solicited. श्रोघ० नि० ५५६.

श्रोहि पुं॰ (श्रविध ) धिद्रियोनी सहाय विना આત્મપ્રકાશથી રૂપિ પદાર્થાનું હદવાલું નાન. અવધિત્રાન, વિકલપ્રત્યક્ષત્રાનના એક પ્રકાર इन्द्रियोंकी बिना सहायता श्रात्म प्रकाश से

र्र्हाप पदार्थों का होनेवाला परिमित ज्ञान; श्रवधिजान; विकलप्रत्यत्तज्ञान का एक प्रकार. Direct, limited knowledge of matter without the help of the senses, merely by the light of the soul; a variety of limited direct knowledge by occult powers. क॰ प॰ ४, ४६; कप्प॰ २, १४; उत्त॰ २८, ४; ३३, ४, भग० ३, ४, १४, १, १६, १०; नाया० =; ६; १३; नाया० ५० दमा० ५, २२; ३०. उवा० १, ७४; ५३; ५, २५५; २५६; क्र॰ गं० १, ४, १०; ४, १५; र्जं० प० ४, ११५; ४, ११२; २. ३३; ( ર ) પદ્મવણાના તેત્રાશમાં પદનું નામ કે केमां अवधिज्ञानन् वर्णन छे पन्नवणा के तेतामबे पद का नाम जिसमें कि अविकान का वर्णन है. name of the 33rd Pada of Pannavanā dealing with Avadhijñāna पत्र॰ १; (३) अवधि, ६६, भर्याः। अवधि, हद्दः सीमा. limit, border, सु॰ च॰ २, १४=; —ाक्सिलाः न० (-क्त्र) अवधिज्ञानने। विष्य अविकास का विषय सा। object of or subject-matter of Avadhijñāna. विशे॰ ४६१; —जुत्र पु॰ (-युग) अवधिज्ञान अने अवधिहर्शन यो भे प्रकृति श्रवधिज्ञान श्रौर श्रवधिदर्शन ये दो प्रकृति the group of the two Prakritis viz. Avadhijñāna and Avadhidarsana क॰ प॰ ४, ६६; — गागा न॰ ( -ज्ञान ) અવધिज्ञान- धदिय अने भनना व्यापार विना भात्र आत्मक्योन તિથી અમુક હદમાં પ્રત્યક્ષરીતે રૂપીપદાર્થાનું

<sup>\*</sup> लुओ ५४ नम्भर १५ नी ४८ने। (\*). देखो पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th.

જાણવું; ज्ञानना पांच प्रधारमांना त्रीको लेह श्रवविज्ञान-डांद्रेय श्रीर मन के ज्यापार के विना केवल श्रात्मज्योति से किसी हद तक प्रत्यत्त रीति से रूपि पदार्थी का जानना, ज्ञान के पांच प्रकारों में सं तीसरा प्रकार direct knowledge of matter, within a limit, without the help of the senses and the mind. merely through the light of the soul: the third of the 5 kinds of knowledge, it is a kind of knowledge by occult powers. " णो केवलगारे दुविहे पन्नते तंजहा श्रोहिनागेचेव " ठा० २, श्रगाजी॰ १२७; भग० =, २; ६, ३१; श्रोव० १६, ४०; विशे॰ ७९; — णागपज्जव. ( -ज्ञानपर्यंच ) अविध्यानने। पर्याय श्रवधिज्ञान के पर्याय a modification of Avadhijñāna. भग॰ २५, ४, - सासि. पुं० (-ज्ञानिन्) अवधिज्ञानयाक्षी ७५. श्रवविज्ञानवाला जीव a soul possegged of Avadhijñāna. भग॰ २६, १, नाया० ८ जं० प० २, ३१; — दुग न॰ ( - द्विक ) अविचित्तान अने अविदिशेन. श्रविवज्ञान श्रोर श्रविधदरीन the pair of two viz Avadhijñāna and Avadhidaráana क॰ ग॰ ३, १८: ४, १७; -- मरण न॰ ( -मरण ) अविध भरणः; એક ખાર એક ગતિના આયુષ્યના દ્લિયા બાેગવી મરી કરી તેવા દલિયા ભાેગવીને મરે ते. श्रवधि मरण, एक बार एक गांत के श्रायुष्यके दालिया-समृह भोगकर मरनेपर फिर वसेही दालिया-समृह भोगकर मरना death after a repetition of the experiences of a former birth " श्रोद्यामरखेखंभन्ते " भग० १३, ७; सम०

१७; प्रय० १०२३. — लंभ. पुं० (- लम्भ) अविधिनाने से साल-प्राप्ति. श्रविधनान की प्राप्ति attainment of Avadhijiñāna. क० प० ४, ६२; — लिद्धि श्ली० (-लिब्ध) जुओ। "श्रोहिलंभ" शण्टर देखी "श्रोहिलंभ" शब्द vide "श्रोहिलंभ" क० प० ६, १९;

श्रोहिंजिलियाः श्री॰ (श्रवधिजितिका) थे। ४८४ छव विशेष चार इन्द्रेयो चाला जीव विशेष. A kind of four-sensed living being. उत्त॰ ३६, १४७.

श्रोहिंदसणा न॰ ( श्रवधिद्शन) ४०४. क्षेत्र, કાલ, ભાવની મર્યાદાથી રુપિ પદાર્થીનું જોવું; के अवधिज्ञाननी पढेसा શાય છે તે. द्रव्य, जंत्र, काल, भावकी मर्यादासे रूपि पदार्थों को देखना; जो श्रवधिज्ञान के पूर्व होता है वह Direct perception of matter limited as to subject. matter, place, time etc with the help of the senses (This state piecedes Avadhijñāna.) जीवा॰ १, भग॰ २, १०; ८, २; सम॰ १७; दसा० ५, २२; — स्त्रावरण. पुं । (-म्राव-रण ) हरीनावरशीय डर्भने। ओड प्रडार के अविधिदर्शनने रेवि छे. दर्शनावर्णाय कर्मका एक प्रकार जो कि अविविदर्शन की रोकता है. obstruction of Avadhijñāna caused by the use of Darsanavaranīya Karma उत्त०३३,६; पन्न० २३; ठा० ६, १; सम० १७: —पज्जव. प्रं (-पर्यव ) अवधिदर्शनना पर्याय प्रवधि-दरीन के पर्याय. a modification of Avadhidarsana. भग० २५. ४:

स्रोहिदंसाँग नि॰ (ध्रवधिटर्शनिन्) अविधि दर्शनवादी। छव. स्रवधि दर्शन वाला जीवः A soul possessed of Avadhi-

darsana. भग॰ ६, ३; १३, १; ठा॰४.४; श्रोहिनागा. न० ( श्रवाधिज्ञान ) अपधितान श्रवधिज्ञान. Avadhijñāna. भग॰ २, १०: ६, ४; ८: २: श्रामाञी० १: नंदी० १; ठा० २, १; दसा० ७; १२; विशे० ७९; ~( गा ) श्रावरण. न॰ (-श्रावरण ) અવધિનાતાવરણ; નાતાવરણીય કર્મની भे । प्रश्ति श्रवधिज्ञानावरणः ज्ञानावरणीय कर्मकी एक प्रकृति. Karma obscuring or obstructing Avadhijñāna; a variety of knowledge obstructing Karma. नम॰ १७, —्रश्रावराणिज्ञ ५० ( -त्र्यावरणीय ) અવધિનાનને આવરતાર – ઢાંકનાર એક प्रकृति श्रवधि ज्ञान को डाँकन वाली राक्ति a variety of Karma obscuring or hindering the attainment of Avadhijñāna. भग॰ ८, ३१; ६, ३१: —लाद्धि. स्री॰ ( -लाँब्ध ) अवधिनाननी लिध-शिक्ति, श्रवधिज्ञानको शक्ति, attainment of or faculty of having Avadhijñāna. भग० ३, ६: -ल-द्धिया स्त्री॰ ( -लव्धिका ) अवधिताननी सिप्ध. श्रविज्ञानकी शक्ति. attainment of or faculty of having Avadhijñāna. भग॰ =, २;

श्रोहिनाणि. त्रि॰ ( श्रवधिज्ञानिन् ) अपधि गानपाक्षी. श्रवधिज्ञान वाला Possessed of Avadhijñāna. भग॰ ६, ३; ८, २; श्रोहिपद् न॰ ( श्रवधिपद ) पत्रप्शास्त्रना तेत्रीशमां पटनुं नाम. पत्रवणा स्त्र के ३३वें पद का नाम. Name of the 33rd Pada of Pannavaņā Sūtra.

थ्रोहिय. न॰ ( श्रवाधक ) અવધિ**दा**न. <sup>श्रवधि</sup> ज्ञान. Avadhijñāna. नाया॰ —गागा न॰ ( -ज्ञान ) अवधितान श्रवाधिज्ञान. Avadhijñāna. भग०२३,९: श्रोहिय-ग्र. पुं॰ ( श्रोधिक ) साभान्यः અविशेष: अभु<sup>2</sup>ययः मामान्यः समु<del>रव</del>य General; common पन्न॰ २: जीवा॰ २; भग० १, १, २: ६, ६, ४; २४, १; १२; २३; ३१, ६, ४१, ५६; श्रगुजो० १४४; प्रद० १९१३: —श्रग्गाग् ( -धज्ञा-न ) આધિક-સમુચ્ચય અનાન. विशेष ध्यज्ञान: श्रविरोप ध्रज्ञान, absence of general knowledge; absence of broad comprehensive knowledge. भग॰ ६, ४: —गमय. पुं॰ ( -गमक ) जुओ। ઉપલા શબ્દ देखा ऊपर का शब्द vide adove. मग॰ २४: १: —गम. पुं० ( -गम ) सामान्य पारः सभुऱ्यय गभा-आक्षावे। सामान्य पाठः समुचय वर्णन. ordinary reading of ( scriptures etc. ). भग॰ ३१, १; —गागा. न॰ ( -ज्ञान ) समुव्यय ग्रान. समुचय ज्ञान, विशेष ज्ञान. general,comprehensive knowledge: knowledge of broad outlines भग॰६,४; श्रोहीरमाण व॰ कृ॰ त्रि॰ ( श्रपिक्तयमाण ) ચાડી થાડી નિંદા લેતા. થોહી થોહી નિંદ્રા त्तेता हुन्रा Dozing; taking a nap; slumbering. भग॰ ११, ११; नाया॰ १; कप्प० ३ ४:

## क.

क त्रि॰ (किम्) प्रश्न अर्थिमां वपराय छे; हिन्युः श्रं प्रश्नवाचक सर्वनामः कीनः क्या. An interrogative pronoun. दस॰ ४, १, ६६; ८, २१; भग॰ २, १; १२, ४; नाया॰ १; विशे॰ १२०;

कइ. त्रि॰ (कति ) हेटला. कितने many. भग० १, १; २, १०; ३, ३; ६; प्र, ४; ७, ६, १३, १; १६, ३; २०, ५; नाया० २. विशे० ३७८: सु० च० ३, २१३; श्रगुजो० =७; स्० प्र० १; ठा० ४, २; क० ग०६, २; जं०प०७, १४१; १४२; — — िक्रिरियः त्रि॰ (-िक्रिय) हेटली हियावालीः कितनी किया वाला Of how many acts. भग० १६, १; — भाश्र. पुं० ( -भाग) डेटलाभे। लाग. कानमा हिस्सा what numerical portion. विशे० ३७=; -भाग. पुं॰ (-भाग) हेटलाभे। भाग कौनसा भाग. what numerical portion. भग॰ १, १; —संचिय त्रि॰ ( -सिन्त ) સંખ્યાથી ગણાય તેટલા એક સમયે ઉત્પન્ન થતા નારકી વગેરે સંહ્યા द्वारा गिने जा सकें, उतने एक सगय में उत्पन्न होने वाले नारकी वगैरह numericalculable number of Nāikīs etc. (hell beings etc.) born at a time. ठा०३; भग०२०, १०:

कइ. पुं॰ ( कवि = कवतं नवं नवं भगार्नानि किवः ) डाव्य थनायनार, डिय. कविता वनाने वाला; किवः शायर. A poet. सू॰ च॰ १, १३; श्रगुजो॰ १२८.

कद्दश्र-यः पुं॰ ( क्रियेक ) आ८५; भास क्षेतार; भरीहतार ग्राहक, माल लेने वाला; खरीदार A buyer; १ ८४०

Vol 11/16

उत्त॰३४,१४;वव॰ ७,१८; १६; भग०४, ६; कद्दश्यः त्रि॰ (कातिथ) हेटलाभु; इस्र संण्या वाणुं. कितवा ?; कितनी संख्या वाला. Of what number or numerical order ? विशे॰ ६१७;

कद्यव. न० (कैतव) छण; ध्रेप्ट; हल;
लुच्याध छल. कपट; दंभ; लुच्चाई.
Fraud; hypoerisy. विशे० २६८४;
स्० च० ८, ८४; प्रव० १६७; — परागात्तिः
स्री० (-प्रज्ञप्ति = कैतवानि कपटानि नेपथ्यभाषामार्गगृहपरावर्तादीनि प्रज्ञाच्यन्ते याभि
स्ताः) वेप लापा पगेरे लहलापीने ध्रेप्ट
ल्खायनार स्त्री भेष भाषादि वदल कर
कपट करने वाली स्त्री. ( a woman )
who deceives by change in
dress, speech etc तंदु०

कइया य॰ (कटाचित्) है। घ्रं यणत. किसी समय. Sometimes. म्॰ च॰ १, १०६; कडयाचि. थ॰ (कदाचिद्रिप) है। छप्पा यभते. किसी भी समय. At any time, प्रव॰ ४३४.

कडर. पुं॰ (कदर) द्रक्ष विशेष; वांसनी क्रिंक कत मृज विशेष, बांसकी एक जाति, A kind of bamboo, पश्च॰ १७;—सार. पुं॰ (-यार) लास कानता दुक्षनी भष्य लाग. वांग जाति के युद्ध का मध्य भाग. the interior of a tree of the bamboo kind न॰ पश्च॰ १७;

कद्दलासः पुं॰ (कैलास = के जले लासो जगण दीसियस्य स्र कलासः ) अभ्युद्दीपता भेष पर्वतिने नैत्रद्वेत पुखे लाख् रामदर्भा ज्यापे । देखास नामे अनुवेत घर नामभण गेषा । आवास पर्वतः जबुद्धायके महामाण भेषा

कोन मे लवण समुद्रके वीच में केलास नाम का एक पर्वत, जहां श्रनुवेलंधर नागराज देवता रहते हैं. Name of the mountain abode of the Anuvelandhar Nāgarāja deities in the Lavana Samudra in the Southquarter of Meru western mountain in Jambu Dvīpa. जीवा०२, ४; (२) डेझास नामे अनुवेलंधर देवता. कैलास नामका श्रनुवेलंघर देव. Anuvelandhara god of the name of Kailasa. (३) देवास નામે નન્દીશ્વરદ્વીપના પૂર્વાધ ના અધિપતિ देवता केलास नामका नन्दीश्वर द्वीपके पूर्वार्द्धका अधिपति देव. the presiding deity of the eastern half of Nandīśvara Dvīpa by name Kailāsa (૪) क्ली॰ કૈલાસ નામે નાગરાજ देवतानि राजधानि केलाम नामकी नागराज देवता की राजधानी, the capital of the Nāga Rāja god, by name Kailasa. जीवा॰ ३, ४:

कद्दवय. त्रि॰ (कतिपय) डेटला. कितने ?
Some; several; a certain
number. नाया॰ =; १२; सु॰ च॰ ३,
१८१;१५,६०;१५० नि॰ २२०; उना॰ ७,१४;
कद्दिया स्त्री॰ (केतिवका) डेािश्विशि मिश्युलंध सुधीना द्वायनी लाग. कहनी से कलाई
तक हाथका हिस्सा. The part of the
ann from the elbow to the
wrist. नाया॰ १;
कद्दिवह त्रि॰ (कितिविध) डेटला अधारनं.

कितनी तरहका? Of how many kinds?

भग० ८, १; २०, २०; २५, ५; श्रगुजी०

कउद्द पुं॰ (ककुदृ) लणहनी भांध. वले की

१४४; जं० प० ७, १४१;

कुवड. A hump ( on the shoulder of an Indian bull ). नाया॰ ६; श्रोघ नि॰ भा॰ ७७; प्रव॰ ६८७; कडाहि. पुं॰ (ककुब्रत्) आंधवाणुं भणह, भृंटिये। कुवट वाला वेल; सांह. A humped bull; a humped ox; humped. श्रमाजा० १३१; कन्नो. य॰ ( कृतस् ) साथी; अर्थाथी. कहांसे ? इमे? Whence? by what means? '' कन्नोत्रासादिए " नाया॰ १२; "कन्नोड-वलदे " नाया० १२; भग० १, ६; १७, १; 98,3; 29, =; 28, 9; 29, 8; 24, 9; ३६, १; नाया० ६; १२; ग्रोघ० नि० ४७, उत्त॰ ६, ११; पञ्च॰ ११६; कन्नी थ (क) इयां ? कहां ? Where ? "कन्नो वयामो " नाया०१४; जीवा० ३,२; कन्रोहितो अ॰ (कुतः ) अयंथी कहां से? Whence ? भग० २४, १३; जं० प० ७, 934; कंक पुं॰ (कङ्क) पाशीने आश्री रहेनार માંસાહારી એક જતનું પક્ષી. પાની के श्राश्रय से रहने वाला एक जात का मांसाहारी पद्मी An aquatic carnivorous bird; a heron. भग॰ ७, ६; १२, ८; जीवा॰ १, ३, ३; स्य॰ १, १, ३, ३; १, ११, २७; श्रग्रात्त० ३,१;श्रोव०१०; पन्न०१; -- उचम. त्रि॰ (-उपम ) इंडपक्षी समानः કંકપક્ષીને જેમ ગમે તેવા દુજેર આહાર पया जाय तेम कीने पयी जाय ते. कंक पत्ती जैसा; जिसे इस पत्ती के समान दुष्पाक श्राहार पच जाता है वह. Kanka bird; (one) who can digest heaviest food like Kanka bird. ठा॰ ४, ४; — गह्णी. स्री॰ पुं॰ ( -प्रहणां-कङ्क पांचविशेषस्तस्येव प्रहणी

ग्दाशयो यस्य स तथा ) तीर्धं ६२ तथा

om need it of the series of the series of the Tirthankara and Jugaliyās whose anus is not bespattered with excrements. जं॰ प॰ २, २१; श्रोव॰ पगरह॰ १, ४;

कंकड. पुं॰ (कङ्कट) ध्ययः भ्रभ्तरः कवचः जिरह वर्ष्तरः An armour; mail. भग॰ ६,३३; राय॰ १३०; जं॰ प॰ ग्रोव॰३१ः कंकडइयः त्रि॰ (कङ्कटित) ध्यययुक्तः ध्यय ०९३५ः जिरह वर्ष्तर से युक्त Equipped with an armour. परह॰ १,३٠

कंकडग. न० (कड्कटक) ५२२३; लफ्तर कवच. वस्तर Anarmour, mail. जं०प०१६७; कंकरण. न० (कङ्करण) स्त्रीओने ढाथभां पढेरवानुं ओ ६ भूष्णु; ५५७ स्त्रियों के हाथ में पहिनने का एक आभूष्ण. कगन A bracelet. भग० ११, १०; ११,

कंकाचस पुं॰ (कङ्कात्रंस) गांध्यासी वनस्पित-नी ओक्ष्रज्ञत गांठवाली वनस्पति की एक जात. A kind of bulbous vegetation पन्न॰ २;

कंकि सि पुं॰ (कङ्के कि) अशाः पृक्षः आशाः पास्त्रनं अ.८. श्रशोक वृत्तः श्राशापस्नव का काड. Aśoka tree (२) तीर्थं ३२ ० वां भीराजे त्यां अशाः ३ वृक्ष था आवे ते; आरे प्रातिक्षार्थ भानं ओ ३. नीर्थं कर जहां विराजत है वहां श्रशोक वृत्त उत्पन्न होजाता है; श्राठ प्रतिहार्यों में से एक. springing up of an Asoka tree where Tirthankara stays; one of the 8 Pratuhāryas प्रव॰ ४४६;

कंके ह्नि. पुं॰ न॰ (कङ्के जि) अशाक वृक्ष, आशापासव. ग्रशोक वृत्त, श्राशापह्मत्र. The Aspkn tree प्रव॰ १४६२; कंकोल. पु॰ (कङ्कोल) ओं के प्रकारनी वन-स्पति एक प्रकार की वनस्पति A kind of vegetation. जीवा॰ ३, ४;

√ कंख. धा॰ I, II. (कांत्) धीट ७ थुं; वां ७ थुं. चाहना; इच्छा करना. To wish, to desire.

कखइ. नाया० १६;

कंखंति, श्रोव० ११:

कंखेति दसा० १०, १;

कंखपउस. न॰ (काचाप्रदोप) लगवती सूत्रना पहेला शतक्ष्मा त्रीक्ष हिदेशानु नाम हे केमां कांक्षामाहनीयना प्रश्नोत्तर करेल छे नगवती मृत्र के पहिले शतक के तीसरे उद्देश का नाम कि जिसमें आकाचामाहनीय के प्रश्नोत्तर किये गये हैं. Name of the 3rd Uddesa of the first Sataka of Bhagavatī Sūtra dealing with the questions and answers regarding the deluding Karma of desire. भग॰ १, १;

कंखा स्त्रीं॰ (काड्सा) असिक्षापा; ६०थनी ध्रम्था; क्षेत्रसतुं भी खुं नाम प्रिमेत्तापा, द्रव्येच्छा, लोभ का अपर नाम Desire; desire of wealth; a synonym for greed. सु॰ च॰ ६, ६०; मम॰ ५२, भग॰ १२, ५१ स्सा॰ ४, ६४; स्स्र॰ १, १५, १४, भग॰ १, १, उवा॰ १, ४४, प्रव॰ २७४, ६४७;

कंखापदोस पुं॰ (काचापदोप) भीटा भतनी ध्रन्था कर्या ते, भिष्यात्य भीड्नीयने। ओक प्रकार मध्या मत की चाह करना; मिथ्यात्व मोहनीय का एक भेदः The desire for false tenets; a variety of Mithyātva Mohanīya. भग॰ १,६; कंखि त्रि॰ (कांचिन्) ध्रन्थनार चाहनेवाला.

( One ) who desires पि॰नि॰२१६;

के खिया त्रि॰ (कांचित ) ४२छे क्षें; व्याक्षित इच्छित; श्राभिचायित; चाहा हुश्रा. Desired; longed for. नाया॰ ३; ६; भग॰ १, ३; २, १, १०, ४; ठा० ३, ४; दसा॰ ४, ६४; उवा॰ १, ६६;

कंगु. स्री॰ पुं॰ (कंगु) अर्थ ज्यतनुं धान्य; डांग. एक प्रकार का धान्य; कांग. A kind of corn ( Panic seed). भग॰ ६, ७; २१, ३; मूय॰ २, २, ११; ठा॰ ७, १; पत्र॰ १; पिं० नि॰ ६२४; प्रव॰ १०१३:

कंगुलया. स्रो॰ (कंगुलता) स्रे नामनी स्रेक्ष ज्ञाती वेश. इस नामकी एक ज्ञाति की ज्ञात. A kind of creeper of this name. पञ्च० १:

कंगुलिया. स्त्री॰ ( ॰ ) લघुनीत अथवा पदीनीत क्ष्मी ते. लघुनीत-लघुरांका या वडी नीत-दीर्घरांका करना Passing of urine, stool etc. प्रव॰ ४३६;

कंचण. न॰ (काञ्चन) से। नुं. सोना; सुवर्ण. Gold. विशे॰ १८१६; श्रोव॰ १७; नाया॰ १; भग॰ ६, ३३; डवा॰ २, १०१; प्रव॰ ४४३; जं॰ प॰ ४, १२२; (२) इंथन नामने। ओड पर्वत. कंचन नाम का एक पर्वत. the Kañchana mountain (३) इथन पर्वत के श्रीवर्णते देवता का नाम. name of the presiding deity of the Kañchana mountain. जीवा॰ ३, ४; —कोसी. स्ती॰ (-कोशी) से। नानी भूर्ति सोने की मूर्ति; सुवर्णकी प्रतिमा. an idol of gold. उवा॰ २, १०१; जं॰ प॰ ७ १६६; —खंचिय. त्रि॰ (-स्वचित)

से।नाथी जडेब. सोनेसे जडा हुन्ना laid in with gold. नाया॰ ३; — भिंगार. न॰ (--भिद्वार ) से।नानी आरी. सुवर्णकी फार्रा. a golden kettle. नाया॰ १; -मिण-रयणथ्भियागः त्रि॰ ( -मणिरत्नस्तृपि-काक-काञ्चनंच मण्यश्च रत्नानिच तेपां तन्मयो वा स्तृपिका शिखरं यस्य ) से।नुं મણિ રત્ન વગેરે યુક્ત જેનું શિખર છે તે. जिसका शिखर मुवर्ण, मिण, रत्न श्रादि से यक्ष है. with the crest or summit full of gold, jewels etc राय॰ कंचगाउर. न॰ (कामनपुर) ५ थि । देशनुं गें। अभ्यात नगर, कलिङ्ग देश का एक प्रस्यात नगर Name of a famous town of the country of Kalinga. पञ्च० १.

कंचणकृष्ठ पुं॰ (काञ्चनकृष्ट ) इंथनकृष्ट नाम के विसान के चनकृष्ट नाम का तीसरे चांथे देवलाक का एक विभान. Name of a heavenly abode of the 3rd and the 4th Devaloka, ठा॰ ७; सम॰ ७; (२) सामनस विभाग पर्वतना सात कृष्टमांनं छुट कृष्ट-शिभर. सामनस विखारा पर्वत के सात कृष्टों में से छठा कृष्ट-शिखर. the 6th of the 7 summits af the Somenasa Vakhārā mountain. जं॰ प॰ ४, ६५;

कंचिएाग. पुं॰ (काञ्चनक ) નીલવંત આદિ દશ દ્રહતે પૂર્વ અને પશ્ચિમ બંને પાસે દશ દશ જોજનને આંતરે એ નામના વીશ વીશ પર્વાત છ, એકંદર ૨૦૦ કન્ચન પર્વાત છે. नीलवंत स्त्रादि दश हदो (स्रणध

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुटने।ट ( r ). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने।ट ( \* ). Vide foot-note ( \* ) p 15th.

जलाशयों-भीलों ) के पूर्व श्रोर पश्चिम-दोनों श्रोर दस २ योजन की दूरी पर इस नाम के बीस २ पर्वत हैं. एकंदर दोसी पर्वत हैं One of the 200 Kānchana mountains ( situated on the eastern and western sides of the 10 lakes viz. Nīlavanta etc. ) at intervals of ten Yojanas each; (each lake has got 20 ). जीवा॰ ३: जं॰ प॰ —पञ्चय. पुं॰ (-पर्वत) **ઉत्तर કु३** क्षेत्रमां નિલવંતાદિ દ્રહની પૂર્વ પશ્ચિમ વ્યાજીએ રહેલ ५५ त. उत्तर कर चेत्रमें नीलवंतादि हदोके पूर्व पश्चिम की श्रोर का पर्वत. one of the mountains on the eastern and western sides of the Nîlavanta and other lakes in Uttara Kuru region जं॰प॰ भग॰ **१४, ८, जीवा० ३; सम० ५०**;

कंचगा. स्त्री॰ (काञ्चना) એક स्त्री हे जेना भाटे युद्ध थयुं ६तुं. एक स्त्री का नाम, कि जिसके लिये युद्ध हुन्ना था. Name of a woman for whom a war was waged पगह॰ १, ४;

कंचिंगियाः स्त्री॰ (काचिनका ) इद्राक्षनी भावाः कद्राक्तकी माला A rosary of Rudiā-ksa beads. स्त्रोव॰ ३६; भग॰ २, १; (२) ५ २० ५५ ५५ तेना व्यश्चिपति देवतानी राजधानी मक्चन पर्वत के स्रधिपति देवताकी राजधानी name of the capital city of the Kañchana god. जीवा॰ ३, ३;

कंचीमेहला. स्री॰ (काञ्चिमेखला ) ध-हारी। कंदीरा. An ornamental waistbelt, जीवा॰ ३, ३; कंचुत्र. पुं॰ (कंचुक) येाली, श्रयली. श्रांगया; चोली. A bodice (worn by women); an armour. चड॰ प्रद० ५३७; (२) सर्पनी श्रयली. सर्प की कांचली. a slough or skin of a snake. विशे॰ २४१७, चड॰

कंचुइ. पुं॰ ( कंचुिकन् ) नालरः; अंतेपुर रक्षः श्रतःपुर का रत्तक दर्बान. An attendant on the women's apartments. ( २ ) सर्थः सर्पः a serpent. विशे॰ २४१७;

कंचुइजा पुं० (कंचुकीय) नाजरः ६।२५। अंतः पुरने। २क्षकः द्वारपालः प्रतीहारीः श्रत पुरक्षा स्वकः. A chamberlain; a door-keeper. भग०६,३३;११, ११; नाया० १; श्रोव० ३३; निसा० ६, २५; राय० २८६: —पुरिस पुं० (-पुरुष) लुओ 'कचुइज्ज' शण्ट. देखों " कंचुइज्ज " शब्ह. vide "कंचुइज्ज" भग० ६, ३३;

कंचुग न० (कण्चुक ) ये। क्षो; साष्यीते भारत ઉपर धारण करवानुं वस्त्र; अंयवे। चोलां; साध्वां के बदन पर धारण करने का एक वस्त्र-कांचलां. A bodice (worn by women); a piece of cloth worn like a bodice by nuns. श्रोष० नि० २०१; ६७६;

कंचुय पुं॰ न॰ (कंचुक) लुओ "कंचुय" शम्ह. देखो "कंचुय " शब्द Vide. "कचुत्र उत्त॰ ६,२२;ग्रंत॰ ३, ६; मग॰ ६, ३३, नागा॰ १, (२) वाल, राभराछ. केश; रोमराजी, वाल. hair. भत्त॰ ३०;

कंटक. स्त्री॰ न॰ (कर्एटक) भारती भावण वजेरेती डांटा. वेर वंदूत श्रादि का कांटा. A hard thorn e g. that of Babool etc जं॰प॰१,१०;दम॰६,३,६,—बोदिया. स्रो॰ ( \* ) કાંટાનी लाड. कांटों की वाट. thorny fencing. मृय० २, २, ४१; कंटग. पुं० ( कंटक ) કांटो. कांटो A thorn. राय० २६४; मृय० १, ४, १, ११; जं० प० सु० च० ३, २१८; उत्त० १६, ४२; जं० प० १, १०; दस० ६, ३, ६; —पह. पुं० (-पथ) કાંટાવાળા रस्ता कंटक मय मार्ग, कांटोंवाला रस्ता. a thorny path. श्रोष्ठ० नि० ७८४;

कंटय-श्र. पुं० (कंटक) डांटा; अतिरूपध्री. कांटा; प्रतिस्पण्यां, डाईा. A thorn; त त rival श्रोव० उत्त० २, २६; श्राया० २, १, ५, २७; पि० नि० २००; ३३२, जीवा० ३, १; ३, (२) विंक्षिने। आंडडेा. विच्छ् का उक. a seorpion's sting. नाया० १; दस० ४, १, ७३; दसा० ७, १, सम० ३४, श्राया० २, १३, १७२; उत्त० १०; ३२, भग० १, ६; प्रव० ४५२;

कंट्र. पुं॰ (कर्राट) गक्ष; डे१६; ६१६६; श्रीया; गर्दन. Throat; neck. भग० ६, ३३; नाया० १; दमा० १०, १; राय० ६१; श्राणुजो० १३; १२८; मम० प० २३७; एत्त० १२, १६; श्रोव० २७; विशे० ३३४; गच्छा० १२२; जं० प० ५, १२१; —मिएसुत्त, न० (नमिएसूत्र) ६६मां पहेरवाता हीराता हार गले में पहिनाने की हीरे की माला. a diamond neckless. कप० ३, ३६; —मुर्चि. मोने की गुंथी हुई माला-कंठी a gold string used as an ornament for the neck. राय० १६३; —मुर्ही. स्त्री० (-मुर्खा) ६६नी न्छ ३ २६ना०

हेश्वश्वा आश्वरनुं आभर्ष् (भाव्यियुं). कंठ के पास पिहना जानेवाला एक आभरण (मादितया). a neck-ornament resembling a knob tied to a string. भग॰ ६, ३३: —िचसुद्ध न॰ (-िवशुद्ध) शेष्ट्रिभा शृंधी भानश्त्रं सुंदर कठ से गाना. singing in a clear voice. राय॰ —सुत्त न॰ (-सूत्र) हेश्यां पहिरन्ते की सोने की लड़—होर. a gold necklace; a gold string used as an ornament for the neck. श्रोव॰ —सुत्तग पुं॰ (-स्त्रक) लुओ। "कंट्रसुत्त" शु॰६ देसो "कंट्रसुत्त" शु॰६ रेसो की सुन्दे रेसो सुन्दे रेसो "कंट्रसुत्त" शु॰६ रेसो अल्लावा॰ ३, ३;

कंडगय त्रि॰ (कण्डगत) ३९३ आवेल, गला सुधी आवेश. कंडतक द्याया हुद्या; गलेतक द्याया हुद्या; गलेतक द्याया हुद्या Come to the throat. गच्छा॰ ४४; —पाण पुं॰ (-प्राण) ३९३ आवेश श्वास; भरणात कष्ट. life breath come to the throat गच्छा॰ ४४; कंडाकंडि. द्य॰ (कण्डाकण्डि—कण्डे कण्डे गृहीत्वेतियोगविसागात्) ३३ ३५ मशीने. कंड से कंड मिलाकर. With necks

touching each other; neck of one touching that of another चाया २:

कंडिया स्त्रीं (किंग्डिका कएडो भूष्यतण इस्य-स्या सा ) इएडी. कंडी. A necklace. जीवा २, ४; (२) इएड प्रदेश. कंड का हिस्सा a part of a neck गच्छा १२४; (३) थुस्त इनुं पुंदुं पुस्तक का पुठा क

<sup>\*</sup> लुओ। ५४ नेभ्यर १५ नी ५८नी८ (\*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th.

cover of a book. राय॰ १६६;

कंठग्गय त्रि॰ ( कण्ठोग्रक-कण्ठश्चासावुग्रक श्चोत्कंठःकराठोप्रकः ) तीक्ष्णु स्वरवादी। तेज कंठवाला. One of shrıll voice. ठा०७; कंटेगुण. पुं॰ (कण्ठेगुण-कण्ठेगुण इव कण्ठे-गुगाः ) કણ્ડે પહેરવાનું દારા સરખું વ્યાભરણ गले में पहिनने का दोरे जैसा गहना. a gold string used as an ornament for the neck. पन्न॰ ३; विवा॰२; कंट्टेमालकन्त्र.ति०(कग्ठे मालकृत) ४५६ भासा પહેરી છે જેણે. जिसने गत्ते में माला पहिनी है. (One)who has put on a garland on the neck. दसा॰ १०, ३; फंड. पु॰ (काएड) धनुष्य **था**णु. धनुष्य वाएा. an arrow. प्रव० ८२६, क० प० १, ३२; भग॰ ७, १; जीवा॰ ३,४; राय॰ २०४. नाया०२,८; (२) लाग; दिस्सी भाग; हिस्सा a section; a part. (૩) એક જાતની वनस्पति. एक जाति को वनस्पति. a kind

of vegetation भग० २१, ४; (४) પૃથ્વી કે પર્વતના એક વિભાગ; જમીન કે भढ़ाउना थर पृथ्वी या पर्वत का एक हिस्सा; जमीन या पहाद का थर a section of land or mountain: a layer of rock on land or on mountain. श्रगुजो० १३४; ज० प० पन्न० २; ( ५ ) અગીઆરમાં દેવલાકનં એક વિમાન એની રિયતિ એકવીસ સાગરાપમની છે; એ દેવતા એકવીસમે પખવાડીયે ધાસાધાસ લે છે એને એકવીસ હત્તર વર્ષે ક્ષુધા ઉપજે છે. ग्यारहवें देवलोक का एक विमान इसके इकवीम सागरीपम देवतात्री की स्थिति इकवीस वी होती है. ये देवता मे शासीश्वास चेते है श्रीर इक्वीम हजार वर्ष में उन्हें भूक लगती है name of a heavenly abode of the 11th Devaloka. Its deities enjoy a life of 21 Sāgaropamas, breathe once in 21 fortnights and become hungry once in 21 thousand years. सम०२९; (६) કર્મનાં स्थिति स्थानकाना समृद् कर्म के स्थिति-स्थानक का समूह. a collection of items of the different varieties of enduring Karma. क०प०१, दथ;

कंडतः त्रि॰ ( करहयत् ) ખાંડतुं; ७५छ. क्टता हुआ; च्र२ करता हुआ. Pounding; e. g. with a pestle. पि॰ नि॰ ५७४: श्रोव०

कंडक. न॰ ( कएडक ) लुओ ''कंड'' शण्ट. देखो ''कंड'' शब्द. Vide. ''कंड'' क॰ प० १, ६६,

कंडग न० ( कागडक) धांऽ; पाथडेा, पड पर्तः; थर; ग्रस्तर. A layer. स्य॰ १, ६, १०; (२)भाषु वाग्र allow. राय०२५७; (३) संख्य संयमके स्थानकका समृह collection of countless items of ascetic conduct. पि॰नि॰ भा॰ ६६; क॰ प॰ १, ४२; ४६; —हेट्ट. त्रि० ( ग्रधस्तन ) थार સમયના સ્થિતિસ્થાનક સમૃદ્ધ રૂપ કંડકની नीयेतुं. चार समय की स्थिति स्थानक समृह रूप पर्त नीचे का. situated below Kandaka and equal to the duration of 4 units in a certain stage. क॰ प॰ १, ४०;

कंडय. नं॰ ( कार्ण्डक ) अलने। ओअ सक्म लाग. समयका एक स्ट्म भाग. A very small division of time भग॰ ३,२: (૨) રાક્ષસની સભા આગલનુ ચૈત્યવૃક્ષ, કંપ્ક नुं आऽ, राज्ञम की सभा के सामने का चैरय

रुच्च कंडक का माड. name of a Chaitya ( garden ) tree near the council-hall of demons. 310 =, 9; મૂલદેવની कंडरीय. पुं॰ ( कएडरीक ) સહાયથી વનમાં જતાં કાઇ પુરુષની સ્ત્રીને લઇજનાર એક લુચ્ચા માણસ કે જેની કથા ઉत्पातश्री भुद्धि अपर दर्शावेश छे. मूलदेव की मदद से बन के किसी प्रवासी पुरुष की स्त्री को लेजाने वाला एक लुच्चा मनुष्य, कि जिसकी कथा उत्पात की वृद्धि पर घाटित की है. Name of a scoundrel who abducted the wife of a person travelling in a forest with the help of Muladeva. This story is narrated in connection with or to illustrate the variety of Buddhi or intellect known as Utpātikī पि॰ नि॰ ६६; नंदी॰ (२) પુષ્કલાવતી વિજયની પુંડરિકિણી નગરીના મહાપદ્મરાજાની પદ્માવતી રાણીના પુત્રઃ પંડરોકના ન્હાના ભાઇ કે જે દીલા લઇ, પાછલથી પતિત થઇ, સંસારમાં આવ્યા અને તરતજ મરણ પામી નરકે ગયા મ્હાટા ભાઇ પુડરીક કંડરીકનાે ઉતારેલ સાધુવેષ પ્હેરી, સાધુથઇ,ત્રણ દિવસમાં જ મરણ પામી, સર્વાથ સિદ્ધ વિમાને પહેાચ્યે।. पुष्कतावती विजय की पुंडरीकिशी नगरी के महापद्म राजा की पद्मा-वतीरानी का श्रंगजात. पुंदरिक का लघु श्राता वो कि दीचा ले फिर पतीत होगया श्रीर संसारी वन गया किन्तु शीघ्र ही मृत्यु पा नरक मे गया. वडा भाई पुंडरीक, कंटरीक के उतारे हुए साधु भेष को पहन साधु हो तीन दिन में ही मृत्यु पाकर सर्वाथ सिद्ध ाविमान में जा पहुंचा. name of the son of Padmāvatī, queen of Mahā padma king of the city of

Pundarikini belonging to the country Puskalāvatī Vijaya. He was younger brother to He had taken Pundarīka. Dīkṣā but had again sinfully taken to worldly life. He immeediately died and went to hell while Pundatika putting on the ascetic dress cast off by him became a Sādhu He too died within three days and reached the heavenly abode Sarvārtha Siddha. named नाया० १६:

कंडचा. स्रो॰ (कएडवा) એક જાતનું વાજિત.
एक प्रकार का बाजा A kind of musical instrument राय॰ —कंडा स्रो॰
(-कएडा) એ नाभनुं એક पर्पंग जातिनु अट.
इस नाम का एक पर्वग जाति का स्नाड. A
kind of vagetation of Parvaga
sort. पन्न॰ १;

कंडिय. त्रि॰ (कार्यडत ) भांडेसुं, छडेसुं. क्टा हुआ. पीसा हुआ Pounded with a pestle. पिं॰ नि॰ १ १९;

कंडियायण पुं॰ (किएडकायन) वैशासी तगरी-थी पहारनुं એક ઉद्यान वैशाली नगरी के वाहर का एक वर्गाचा Name of a garden outside the city of Vaisāli, भग॰ १४, १;

कंडिल पुं॰ (काण्डिल्य) કांडिल्य गात्र अवर्तक ग्रेड ऋषि. काण्डिल्य गोत्र चलाने वाले एक ऋषि. The name of the progenitor sage of Kāṇdilya Gotra ( lineage ). ठा॰ ७,

कंडिसायगा. पुं॰ (कागिडल्यायन) એ નામના એક ઋષ. इस नामके एक ऋषि. The name of a sage. ठा० ७;
कंडु. पुं॰ (करहू ) दीढानुं वासणु; तवे।. लोहे
का वरतन; तवा. An iron pan. स्रोव०
३८; (३) भसना रेग. खाज की विमारी

itches. नाथा० १३; भग० ७ ८; कंडुइयः न॰ ( कएडूमत् ) ખસવાળા. खुजलीवाला, खाज वाला. One having itches. स्य०१, ३, ३, १३; भग० ७, ६; कंड्रगः पुं० (करडक ) अंगुक्षना असंभ्या-તમા ભાગ પ્રમાણ આકાશ પ્રદેશ પરિમિત क्षभ<sup>6</sup>ना स्थिति स्थानक्षानी सभू छंगुल के श्यसख्यातवे भाग के वरावर श्राकाश परिमित कम के स्थिति स्थान का समूह. A collection of different varieties of enduring Karmas equal to the infinite part of an Angula ( measure of space ). क oqo ३,६;  $\sqrt{$ कंड्रu घा॰ II. ( करहू ) ખાજ કરવી; भंभी अनु. 'खाज खुजाना, कुचरना

भंजीशतु. खाज खजाना, कुचरना To scratch; to tickle; to remove irritation of skin by scratching कंड्रयए. आया॰ १, १, १, २०;

कंड्डइरसामि नाया० २;

कहुइता. स॰ कु॰ नाया॰ १;

कडूयमारा व० कृ० सु० च० ३, १३६; कंडूयावेद्द क० वा० विवा० ६;

कंड्रयणः न० (करडूयन ) भण्तुं; भरण-यर ४२वी खोदना;खड्ढाकरना Digging. पंचा० ४, २०;

केंडू. स्त्री॰ पुं॰ (कण्डू) थर; भल्प्याण. खाज खुजाना, खजबाल. Itching sensation. नाया॰ ४, सूय० १, ३, १, १०;

केंड्रह्य न॰ (कंड्यित ) भरूल, यर. खाज, खुजली. Itching sensation जं॰ प॰ स्य॰ १, ३, ३, १३;

कंडूयम. त्रि॰ ( कंड्यक ) भन्नवाणनार. Vol. 11/47. खजाने वाला One who scratches to remove an itching sensation. टा॰ १, १;

√ कंत. था॰ I. ( कृत ) छेह्युं छेदना To cut. (२) धांत्युं. कांतना. to spin. कंताति. स्य॰ १, ६, १०,

कंतामि. पि॰ नि॰भा०३४; ज॰प॰४, ११५; कंत. त्रि॰ (कान्त) भने। ७२; धान्तियानः शीलायभानः मनोहर, कातिवाला, शोभितः Charming; beautiful, lustrous. " कंतिपयदंसगा " नाया० १; ६, १४; भग० २, १; ११, ११; १२, ६; श्रोव० ३२; ३६: जीवा० १, दस० २, ३, सू० प० २०; सम० प॰ २३५; ठा॰ २, ३; दसा॰ १०, १, सु॰ च० १, ३५३; पन्न० १७, १६, उवा० ४, १४४; ज॰ प॰ ४, ११४; कप्प॰ १, ६; રે, રે૪; (૩) ધૂતસમુદ્રના દેવાતાનું નામ. घृत समुद्र के देवता का नाम. name of the deity of Ghruta Samudra. जीवा॰ ३, ४; — रूव. त्रि॰ ( -रूप ) संहर रूपवाणुं सुंदर रूपवान. beautiful; of charming appearance. विवा॰ १; २; --स्सर. त्रि० (-स्वर-कान्त स्वरोय-स्य स कान्तस्वरः ) सूंदर स्वरवालुं. सुंदर कंठवाला. of melodious पन्न० ३;

कंना. त्रि॰ (क्रान्त-श्राक्तान्त) आक्ष्मणु ६रेस. श्राक्रमण किया हुश्रा. Surmounted सु॰ च॰ १; ३५३;

कंततर. त्रि॰ (कान्ततर) अति भुंहर. वहुत सुंदर Very beautiful. "एतोकंततराए, चेवमगुगग्तराए चेव" राय॰ ११; जोवा॰ ३; कंता. स्रंा॰ (कान्ता) सांदर्यवाणी श्री हप-वान स्रो. (A woman) possessed of beauty भग॰ १५; १; नाया॰ १६; कंतार. पुं॰ (कान्तार) अर९५; अ८५ी; अ८न

पन. वन; जंगल; गहन वन. A deep dense forest; the world. उवा॰ १, ४८; पंचा० ११, ११; नाया० २; १६; भग० २, १; ४, ६; उत्त० १६, ४६; २७, २; नंदी० ५७; सु० च० १, २; सम० १३; श्रोव० ४०; ठा० २, २; महा० प० ३५; श्रोघ० नि० ६-३: -- भत्तः न० (भक्त = कान्तारमरएयं तत्र भितुकाणां निर्वाहार्थ यद्विहितं तत् कान्तारभक्तम् ) अथवीभां મુસાકરી કરતાં ગરીળાને આપવાના ખારાક. जंगल म मुसाफिरी करते गरीवों को दी जाने-वाली खराक. food to be given in charity to the poor while travelling in a forest. भग० ५, ६; ६, ३३; नाया० ५; निसी० ६, ६; श्रोव० —वित्ति. स्री॰ ( -वृत्ति ) लंगसनी यति-નિર્વાહ ચલાવવા તે, જગલમાં પ્રાણઘાતક આપત્તિ આવી પડે ત્યારે પ્રાણ નિર્વાહ કરવા ते; ७ आगारभाने। ओड. जंगल में प्रवास कर वृत्ति-निर्वाह करना, जंगल में प्रार्णात कष्ट ह्या पढे तब प्राण बचाना; छः स्रागार में मे एक. maintenance in a jungle while travelling; saving one's life when met with life-ending difficulty in the jungle; one of the 6 options (on the part of an asectic ). प्रव ९५३;

केति छो॰ (कान्ति) ते॰ ; शंति प्रला .तेज; कांति; शोभा; लावएय Lustre; beauty. परह॰ २, १; श्रोव॰ ३२; ३४; (२) शाला प्रभा; सुंदरता. beauty; charm स॰ च॰ २, ३४४;

केतिस्त. त्रि॰ (कान्तिमत् ) धान्तिवादीः; धांतिभान्, लावण्यवाला. प्रभावान् Lustrous; beautiful सु॰ च॰ =; २४६; केतिस्त. पुं॰ (कान्तेस्त) मंऽय गात्रनी शाणाः मंदव गोत्र की शाखा. A branch of the Mandava family. ठा० ७, १; (२) मंद्रव गोत्र की शाखावाला पुरुप. a person belonging to the above branch. ठा० ७, १;

कंयन्न. पुं॰ (कन्यक) ज्यातवान धेाडा है जे तापाना व्यवाजधी पण लड़ है नहीं. कुल-वान घोटा जो तोपोंकी न्यावाजसे भी न भड़के. A horse of noble breed not terrified even by the explosions of guns. उत्त॰ ११, १६;

कंथा. पुं॰ ( कन्यक ) लुओ " कंयश्र " शण्ट. देखो " कंयश्र " शब्द. Vide " कंथश्र " उत्त॰ २३, ४८;

कंथीकय. त्रि॰ (कन्यीकृत) अन्था-गाहडीनी

भार्ध थए। थिगडा वार्क्ष कंथा-गोददी के सहरा बहुतसे जोड (चिंबे) लगेहुए. (Anything) prepared with a good deal of patch-work विशे॰ १४३६; कंद्र धा॰ I. (क्रन्द) आइन्द्रन इरवुं; रऽवुं; इडणवुं; धूमे। भारवी. वूम मारना; रोना; आक्रन्द करना; शोर मचाना. To cry;

कंदइ. श्राया॰ १, २, ६, ६४; केंदिसु. श्राया॰ १, ६, १, ५; कंदमार्गः व॰ कृ० नाया॰ १; २; ६; १६;

भग० ६, ३३;

to weep; to shout.

कंद. पुं॰ (कन्द) धन्हमूक्ष; धुंगली, क्षसण्, गाजर, रताणु वगेरे धन्दवाली साधारण् वनस्पति कृन्द मूलः; लहसन, गाजर, रतालु श्रादि कन्दवाली साधारण वनस्पति. Bulbous roots; bulbous vegetation i. e. garlic, carrot etc

जं० प० २, १६, ३, ६७. श्राया० २, ३, ३, १२६; पन्न० १; विवा० १; भग० ३, ४; १७,

१; २२, १; नाया० १३; १४; उत्त० ३६, ६८; निसी०४,४२; दस० ४,१,७०; चड०२८; ( ર ) ડાડના મૂલ અને થડની વચ્ચેતા **भाग. माड के मूल ब्रोर धड के मध्य** का भाग. the part of a tree tween the roots and the trunk. जीवा॰ १, राय॰ १४४; भग॰ ७, ३; नाया०१५,पन्न०१;श्रोव० (३) इभक्षाहिङ्गा भूव ७५२ने। गेव लाग कमलादि के मूल ऊपर का गोल भाग. the upper round portion of the lotus roots जं॰ प॰ — श्रहिगार पुं॰ (-श्रधिकार) इंटने। अधिशर-वर्णन कंद का अधिकार-वर्णन subject-matter dealing with bulbous roots भग० ६, ३३,२१, १; -श्राहार. पुं॰ (-श्राहार ) इंदने। आक्षार धरनार तापसने। ओक वर्श, कंद का भच्छा करने वाली तपस्वी की एक जाति. one who eats bulbous roots. HTO 99, E, निर० ३, ३: —जीवफुड. पुं० (-जीवस्पृष्ट) इंहना छवथी २५७ थयेल कंद के जीगो रो हुया हुआ. one touched by the sentient beings living in bulbous roots. भग० ७, ३; —भोयण. न॰ (-भोजन) इंदन लोलन. कंद का भोजन food consisting of bulbous roots. ठा॰ ७, त्मा॰ २१; नाया १; भग॰ ६,३३;दसा० २, १६, —मूल न० (-मूल) डेन्ट भूस कंद मूल. roots and bulbous roots. भग॰ =, ४;

कंदण्या ह्या॰ (कन्दन) आफ्नंदन कर वंद्र है। वंद्र आफ्रंदन कर नाः रोनाः शोर मचानाः Crying; weeping; lamenting ठा॰ ४, १; भग॰ २४, ७, श्रोव॰ २० कंद्रता. ह्या॰ (कंद्रता) कंद्र्यण पर्धः पना State of being b roots and roots, भगत २१, १। स्थत

कंदण्य पुं० (कन्दर्ष ) राग व्याने भीत ઉપજાવનાર હારમ, ગબિત ચેણા વદભાષળા राग श्रोर मोह पैदा करने वाली हारयगग कोंडा; वक भाषण. Amorous sport; dalliance; humorous, love talk. गच्छा० ६२; उत्त० ३५, २५४; जीवा० ३; पन्न० २; श्रोघ०नि०१०२; (२) अभद्देव. कामदेव. Cupid. सु॰ च० ६, २१, पराह० २, २: भग० १४, ६; उवा० १, ५२; प्रव० २८३; ६४८; पंता० १, २४, (३) क्षुतूद्धली हेय. (३) कुत्रहल करने वाले देव, the god Kutühah, भग-ર, ૭, (૪) કામદેવની ભાવના, લામને જો भावना moditation for m\भगी pleasure, गच्छा॰ न्या Plate De ( -कार ) आम अपके तेची नेहाना में तर कामदेव उत्तक हो ऐसी क्षण अव्यंत प one who spouks and sore their rously. श्रोव० ११। देव भे । देव कन्दर्पो—ऽहाहत्सरार्व ५ न्यूपेर रखशीलाः कन्दर्याः कन्दर्पाशती तिमाध कन्दर्पदेवा ) ખડખડાટ હસનાસ િંધા. દહદદ દંમને वाला देन. n loud-laughing god तंदुः -भाषणाः सीः (-भावना-कंन्द्रपः कामस्तत्प्रधाना निरन्तरं नर्मादिनिशततया विट्याया देव विशेषाः कन्दर्णस्तेपामिय कान्दर्भ सा चामीमावना च ) એક પ્રકારનी કામાદીપક માહજનક ભાવના एक जाति की कामोत्पन्न करने वाली मोहमय भावना, a kind of love-exciting meditation. प्रव॰ ६४=, --रइ स्त्री॰ ( राते ) **કામભાગમાં રતિ આસક્તિ.** कामगोग में राति श्रासिक delight in amotous plesures. नाया॰ १:

कंदिणिश्र-यः ति॰ ( कान्दर्षिक-कन्दर्षस्त-द्वुद्धिः प्रयोजनमस्येति ) शभ्येष्टा, हास्य, भश्वरी श्रेनार. कामचेष्टा हास्य विनोद करने वाला. ( One ) doing amorous gestures श्रोव०३६;भग०१,२,पञ्च०२०; कंदर. न० ( कन्दर ) ५५ तनी शृश्च. पर्वत की गुफा. A cave. नाया० १; २; ६; नंदी० १४; जीवा० ३, ३; भग० ३, ७; ६, ३३; विवा० १, ३;

कंदरा. ली॰ (कन्दरा) शुक्षा. युक्ता. A cave. श्रंत॰३, १; महा॰ प॰=२; लं॰ प॰ नाया॰ १; कंदल. न॰ (कन्दल) ओड जातनुं आड. डेणानुं आड. एक जाति का साड; केले का साड. A kind of tree. नाया॰ १;६;६; कंदलग. पुं॰ (कन्दलक) ओड भरीवासा पशुनी ओड जात. एक खुरवाले पशुकी एक जात.

A one-hoofed animal. তরত ৭:

कंदली स्त्री॰ (कन्दली) એક જાતના કन्ह.
एक प्रकार का कंद. A kind of bulbous 100t. उत्त॰ ३६, ६७; (२) केंग्नुं
अाउ. केले का माइ. a plaintain tree.
पत्त॰ १; भग॰ २२, १, (३) बीबी वनस्पति.
हरी वनस्पति. green vegetation.
आया॰ नि॰ १, १, ५, १२६;

कंदिय पुं॰ न॰ (क्रन्दित ) विये। गिनी स्त्रीनं इंदन वियोगिनी स्त्री का रोना. Lamentation of a woman separated from her husband. उत्तः १६, ४; स्त्रोव २१; नाया १; पंचा ७, १६; (२) वाष्ट्रियत्तर देवतानी क्षेष्ठ ज्ञात. a kind of Vānavyantara (infernal) gods पन्न २; पएह० १, ४, स्रोव २४, प्रव १९४४;

केंद्र. त्रि॰ (कन्दु) क्षेटानुं वासणु; यणा भभरा वगेरे लुंजवानी स्टार्ध लोहे का एक बरतन; चने त्रादि भूंजने की कहाई. An iron vessel; an iron pan to bake grams etc. पग्ह॰ १, १; विवा॰ ३; —सोक्तिय. त्रि॰ (-पक्व ) थ्रष्टा भभ रानी भेडे तावडामां पक्ष हुन्या. Cooked, baked in the heat of the sun "कंद सोक्षियं पिव कहसोक्षियं पिव श्राप्ताणं जाव करेमाणा विहरंति " भग॰ ११, ६;

कंदुकत्ता. ति॰ (कन्दुकता) उन्हुउ नामनी यनस्पतिने। भाय-स्पर्श. कंदुक नामकी वनस्पति का भाव-स्वरूप. State of, nature of a vegetation named Kanduka. स्य॰ २, ३, १६;

कंदुकुंभी स्री॰ (कन्दुकुम्भी) क्षेदानी इदाध. तावडी. लोहे की कटाई; लोहे का बरतन An iron pan used to bake bread etc. एत्त॰ १६, ४८;

कंदुरुक्क. न॰ (कन्दुरुक्क ) એક જાતના धूपना सुगंधी पदार्थ. एक जाति का धूप का सुगंधी पदार्थ. A kind of fragrant inceuse. नाया॰ १६;

कंदू. स्त्री॰ (कन्दू) नारधीने ઉपण्यानी धुंभी. नाराकेयों के पैदा होनेकी कुम्भी. A potlike place where the hell beings get their birth. सूय॰ १,५,२ ७;

कंप्र. पुं॰ (स्कन्ध) भांध कन्धाः स्वन्धः A shoulder. श्राया० १, ६, १, २२ः

√कंप. था॰ II. (कम्प्) धुळवुं; ३२५वुं• धूजना, कांपना; थरथराना. To tremble; to quiver.

कंपन्त. व॰ कृ॰ सु॰ च॰ १, ११०;

कंपमाणः व॰ क्व॰ भग॰ ३, २; कंपः पुं॰ ( कम्प ) ४२५।री; धुलरी, धरथराहटः

Tremour; trembling. सम॰ ११; कंपण न॰ (कम्पन) ३२५वुं; धुन्नवुं; धुन्नवुं; धुन्नवुं.

कांपना; धूजना; हिलना. Tremour; trembling. पिं० नि० ४८०; अगुजी० १३०; —वाइम्र. पुं० (-वातिक) अभ्यवानुं ६६; जेथी भरता अभ्या अरे अवि। शेश. धूजने का वीमारी; वह वीमारी जिससे तिर धूजा करे name of a disease causing trembling sensation in the head. ऋगुत्त० ३, १;

कंपिल्ल. पु॰ न॰ ( कम्पिल्ल ) अभिपत्सपुर નામનું કરુખાળાદ જીલ્લાનું એક જુનું નગર કે જે દક્ષિણ પાંચાલદેશની રાજધાની હતી અને ત્યા દ્રાપદીના સ્વયંવર થયા હતા कम्पिलपुर नामक फरुखावाद जिले का एक पुराना नगर जो दक्तिण पांचाल देश की राजधानी थी श्रीर जहां द्रौपदी का स्वयंवर रचा गया था Name of an ancient town of Farukhābād district It was the capital of southern Pāñchāla country and also the place of Draupadi's choice-उत्त॰ १३, ३; ( २ ) અન્તગડ સૂત્રના ૧ લા वर्गना सातमा अध्ययननुं नाम. श्रतगड स्त्रके पहिले वर्गके सातवें ऋध्यायका नाम. name of the 7th chapter of the first section of Antagada Sūtra. (३)અન્ધકવૃષ્ણિના પુત્ર સાત્રમા દશાહ કે જે નેમનાથ પ્રભુ પાસે ભાર વરસની પ્રવ્રજ્યા પાળા શત્રુંજય ઉપર એક માસના સંથારા **५री भेक्ष गया.** श्रंघकचृष्णि के पुत्र सातवें दशाई, कि जो नेमिनाथ प्रभु के पास वारह वर्ष की प्रवज्या पाल शत्रुंजय पर जाकर एक मास का संथारा कर मुक्ति पधारे. 7th Daśārha, son of Andhaka Vrisni. He practised ascetism for twelve years under Lord Neminātha, gave up food and water for one month on Śatruñjaya and got salvation. श्रंत॰ १, ७;

कंपिल्लपुर. न० (काम्पिल्यपुर) कंपिलपुर नाभे नगर. कंपिलपुर नामका नगर. Name of a city. "पंचालेस ज्ञायप्स कंपिल्ल-पुरं ग्यरं तत्य दुम्सुहारायां " नाया० १६; नाया० घ०६; भग० १४, ८, नाया० १; ८; १६; उना० ५, १६३; श्रोव० ३६;

कंवल. पुं० (कम्बल) अंभक्षः धाभगाः अभिषा कंवलः कामलः शाल. A blanket. श्रोघ० नि० ७०६ः निसी०७, १९ः भग० २, ४ः ७, १ः म, ६ः १३, ६ः विवा० २ः पत्र० १४ः ४३ः राय० २२६ः नागा० १७ः दस० ४ः ६, २०ः श्राया० १, २, ४, ६ ६ः १, ७, १, १६७ः वेय० १, ३७ः जीवा० ३, ३ः उवा० १, ४६ः कप्प०६, ५२ः प्रव०८७६ः — कड पुं० ( कट ) अंभणाः कम्बलः १ blanket. ठा० ४, ४ः — किड्ड न० ( कट ) धाभणाः कम्बलः १ blanket भग० १३, ६, — पाचार न० ( प्रात्रार ) अध्यास्थ भीढवान वस्त्राः कम्बल सरीखा श्रोडनेका वस्त्र १ blanket. निसी० ७, ११ः

कंबलग न॰ (कम्बलक) आभल; आंथल कामल; कम्बल. A blanket, a rug श्राया॰ २, ४, १, १४४;

कंवलय न॰ ( कम्यलक ) धाणशेः; ઉनतुं वश्त्र. कम्यल; ऊन का वस्त्र. A. woolen blanket प्रव॰ ६६२;

कंतु. पुं॰ (कम्बु) शंभ शंख. A conchshell ज॰ प॰ जीवा॰ ३, ३; पगह॰ १, ४, भ्रोव॰ १०; (.२) अंशु नाभे पांत्रमा देवले। अर्ज ज्येअ विभान के जेभां वसता देवे। तुं यार सागरनु आयुष्य छे. कंतु नामक पांचवे देवलोक का एक विमान, जहां उपन होनेवालं देवताओं की श्रायुष्य बारह सागर की होती है. name of a heavenly abode where the gods have a life of 12 Sāgaras, (it is in the fifth Devaloka). सम॰ १२;

मंतुरगीव. पुं॰ ( कम्बुग्रांव ) इंधुश्रीय नाभे पांचभा देवले।इनु अंड विभान हे केभां वसता देवोनुं आर सागरनु आयुभ्य छे. कंबुग्राव नामका पांचवें देवलोक का एक विभान, जहां के देवताओं की वारह सागर की स्थिति होती है. Name of a heavenly abode in the 5th Devaloka where the gods have a life of 12 Sagaras सम॰ १२;

कंत्र. स्त्री॰ (कम्यू) ओ नाभनी ओड साधा-रखु वनस्पति; डन्डभृक्षनी ओड जात. इस नामकी एक माधारण वनस्पति; कंद मूल की एक जात Name of a kind of vegetation with bulbous roots. पन्न॰ १;

कंबोय पु॰ (कम्बोज) अभ्भाेेेेेेेेेेें शि. कम्बोज देश; कावुल देश The country called Kamboja राय॰ २३६;

कंबोय-स्र ति॰ (काम्बोज ) क्ष्मील देशना लन्मेश. कंबोज देश का मनुष्य. A native of Kamboja country. राय॰ २३६, " जहा से कंबोयाणं श्राइके कंथण सिया" उत्त॰ ११, १६;

कंस. पु॰ न॰ ( कंस ) 'इस नामना ८८ अह-मांना २२ भे। अह द्र गृहों में से कंस नाम का २२ वां गृह. The 22nd planet of the 88. ठा॰ २, ३; सु॰ प॰ २०; (२) भथुराना राजा. name of a king of Mathurā. ठा॰ २, ३; पएह॰ १,४,—कंस पुं॰(-कांस्य) डांसानी जोड धातु कांसी; एक धातु bronze ख्वा॰ द, २३५; म्य॰ २, १, ३६; उत्त॰ ६, ४६; जं॰ प॰ २, २४; पं० नि॰ ३३४; नाया॰ १, ७; भग॰ द, ५; ६, ३२; पज॰ ११; दसा॰ ६, ५३; जीवा॰ ३, ३; गच्छा॰ ददः—पाई स्त्री॰ (-पात्री) अंसानी थाली. किस की धाना. क bronze utensil. "कंम पाईव व सुक्तीए" ठा॰ ६; स्रोव॰ १७; उवा॰ द, २३४, —पाय. पुं॰ (-पात्र) आंसानुं क्षाभ, कांम का वरतन. क bronze pot. "कंममु कंम पाएमु, कुंड मोएमु वापुणो भुंजंतो श्रमण पाणाई श्रायरो परिमस्सइ" डस॰ ६, ४३; कप्प॰ ५, ११६,

कंसणाभ पुं॰ (कंसनाभ) त्रेपीथभा अहतुं नाम. २३वे ब्रह्न का नाम Name of the 231d planet स्॰ प॰ २०;

कंसताल. न॰ (कांस्यताल) धांसानुं शेध

न्ततन वार्नितः धासीया कांसे का एक

प्रकार का वाजा. A kind of musical instrument made of bronze. श्राया॰ २, ११, १६८; राय॰ ८७; जीवा॰ ३, ३; — सद् पुं॰ (-शब्द) धांसियाने। आयाज. काम के वाज की श्रावाज. the sound of cymbals निसी॰ १७ ३५; कंसवराणाम पुं॰ (कंसवर्णाम) अर्धितीसमां १७५ नाम. श्रद्धातीसमां १७५ नाम. श्रद्धातीसमां १६ का नाम. Name of the 24th planet. "दो कंस वरणामा" टा॰ २, ३, सू॰ प २०;

कंसवभ पुं॰ (कंसवर्ष) इंस्पर्श् नामने। श्रह कंसवर्ण नाम का श्रह. A planet so named. " दो कंस वर्ण्या ' ठा० २, ३; सू॰ प॰ २०;

कंसियः पुं॰ (कांस्यिक) शंसानुं पार्श्वत कासे का बाजा A musical instrument of bronze सु॰ च॰ १३, ४१; कंसीय न॰ (कमीय) श्रसानुं पात्र कासे

कसीय न॰ (कमीय) धासानु पात्र कास का वरतन A. vessel of bronze.

पञ्च० ११;

ककारपविभात्ते. पुं॰ ( ककारप्रविभक्ति ) કકारनी रचना वाणुं नाटक. ककार की रचना वाला नाटक. A drama containing a special arrangement of the letter "क." राय ॰ ६३:

ककुद. ति॰ (ककुद् ) अधान. प्रधान. Any one that is prominent, principal. नाया॰ १७;

ककुह. स्री॰ (ककुद) राजियन्दः जेथी राजिनी आणणाणु पडे तेवी निशानी. राजिन्दः, जिससे राजा पिहचाना जासके वह चिन्हः. Royal insignia. "राय ककुहा" टा॰ ४, १, नाया॰ १७; श्रोव॰ १२; जं॰ प॰ ७, १६६; (२) अधहनी भुंधः वैल का कंषा. a hump of a bullock (३) पर्वतनी टायः पर्वत का श्रृंगः a summit of a mountain. जं॰ प॰ ७, १६६; कप॰ ३, ३, ४;

कक्क. पुं॰ (कल्क) अपट; भाया; पाप. कपट; माया, पाप. Deceit; sin. सम॰ ४२, भग॰ १२, ४; पगह० १, २; (२) सुग धी पहार्थ; ओड अपायक्षा ६०५नी छडाला डे लेनी पीडीमा छपेगा थाय छे ते क्षिन्नाहिड ६०५ शरीरनुं छगटणुं उरेषु ते. सुगंधी पदार्थ, एक कपैला पदार्थ की उकालकर (पीठी) मदन करने के लिये बनाये हुए लेप में डाला जाता है वह; सुगंथी पदार्थ का शरीर का उवटन. a fiagrant substance; a kind of tenacious paste for the body prepared from Lodhra etc. "कक्कं उच्चलायं" सूय॰ १, ६; १४; भग॰ १२, ४; आया॰ २, २, १, ६७; निसी॰ १, ६, दस॰ ६, ६४;

कक. पु॰ (कके) अधारत अध्यतीना ओड भडेशन नाम ब्राह्दत्त चक्रवर्ती के एक महत्त का नाम. Name of a palace of Brahmadatta Chakravartī. '' उचोदए महुकक्केय वंभे '' उत्त॰ १३, १३; कककुरुवा. स्त्री॰ (कर्ककुरुका) ६ सथी भी- जाने छेतरनुं ते. दंभ से दूसरों को ठगना. Deceiving others by means of false tricks. प्रव॰ १११.

कक्कड. त्रि॰ (कर्कश) भरभई. कर्कश; कठोर. Rough; harsh. क॰ प॰ ४, ४४;

कक्कडग. पुं॰ (कर्कटक) शश्यो; शाश्ती ओश्व गत. कक्डी. A encumber; a kind of vegetable. पंचा॰ ४, २८; — जल. न॰ ( – जल) शश्यो तथा भ्रथ्या वगेरेमां थी नीश्यातुं पाजी. काकडी तथा खरवृजा चमैरह में से निकलता हुआ पानी the water that comes out of cucumber etc. प्रव॰ २०६;

ककड़य. न॰ (कर्कटक) होऽता धे।ऽ।ना भेटमां ઉછ्थते। पायु. दोडते घोडे के पेट में उछ-चता वायु The gases that play in the stomach of a running horse, मग॰ १०, ३;

कक्किशा. स्री॰ (कर्किटिका) शक्ति कक्किशी. A cucumber. पंचा॰ ४, २६; १०, २४; कक्किशी. स्री॰ (कर्किशी) शक्ति. कि कि शिंश कि शिंश कि शिंश कि स्री शिंश शिंश कि स्री शिंश कि

राय० २६; श्राव० ४, ४; — सश्च. न० (-शत) सेंडेडा डांडरा. सेंकटो कंकर. (with) hundreds of pebbles. विवा० २;

कक्करण्या. स्री॰ (कर्करण) शध्या ઉपधि वगेरेमां होष इक्षाडी लक्ष्यडाट इरवुं ते. शप्या, उपधि श्रादि में दोप निकालकर वह र करना. Loquaciously finding fault with environments such as a bed etc. ठा॰ ३, ३;

ककरय. पुं॰ (कर्करक) अिलक्षाहिना हेतु शीणववा. सिभेत्तादि के हेतु सिखाना. Giving instructions into the reasons for proper alms-begging etc. निसी॰ १३. =:

कझरी. स्री॰ (कर्करी ) गागर. गागर. A

round metal pot. जीवा॰ ३, ३;
कक्कस. त्रि॰ (कर्कश) ४६७; आ४३ं. कठीन;
कडा Hard; severe. "विपुला कक्कसा
पगाढाचंडा दुहाहिन्वा दुहाहियासि "
विवा॰ १, १; सु॰ च॰ २, ३८०;
भग॰ ७, ६; ३३; दस॰ ८, २६; उवा॰ २,
१०७; ठा॰ ६; आया॰ २, ४, १, ६३३,
(२) भ२भ२ं; ४५२. कर्कश; खुर्दरा.

rough; harsh. गच्छा० ५४; राय० २६२; ककाचंस. पुं० (कर्कवंश) એક જાતની વન-स्पिति; वांसनी એક જात. एक जाति की वनस्पिति; वांस की एक जाति. A kind of vegetation so named; a kind of bamboo. भग० २१. ४:

कक्केयगा. पुं॰ (कर्केतन) એક ज्यतनुं रत्नः;
भिष्णु एक जाति का रत्नः; मिण. A kind
of gem; a jewel. "आगासकेसकज कक्केयगा इंदगील अयसि कुसुमप्पगासे"
राय॰ जं॰ प॰ कप्प॰ ३, ४५;

ककोडई. स्री॰ (कर्कोटकी) अंडाडानी वेस.

ककुम्बर की लत्ता; ककोटे की बेल. Name of a creeper; a species of cucumber. पन्न भ;

ककोड्य. पुं॰ (कर्कोटक) वेबंधर न्याता हेवतानुं नाम. वेलंधर जाति के देवता का नाम. Name of a god belonging to the Velandhara kind of gods. भग॰ ३, ६; ७; (२) इडेंटिड हेवने रहेवाना पर्वतनुं. नाम. जहां कर्कोटक देव रहता है. name of the mountain abode of the

Karkotaka. जीवा०३,४; (३) अनुवेसं-

धर देवताना राजनुं नाम. श्रनुवेत्तंघर देवता

के राजा का नाम. name of the king of the Anuvelandhara kind of gods. जीवा॰ ३, ४; (४) स्वश् समुद्रमां भूर्व हिशायें भेतासीश हुलार लोलन जिपर अभ्वेस अध्युवेसंधर हैवे।ने। आवास पर्यत. लवण समुद्र में पूर्व दिशा की स्रोर ४२००० योजन ऊपर स्थित स्रमुवेलंघर देव-

mountain-abode of the Anuvelandhara gods situated at a distance of 42000 Yojanas in Lavana Samudra in the east.

ताश्रों का निवास पर्वत. name of the

ठा० ४, २,

कक्कोल. पुं॰ (ककोल) એક જાતનું ફલ. एक जाति का फल. A kind of fruit. परह॰ २, ४;

कक्ख. पुं॰ (कक्क) आभ; थगल वगल; कांख.

An arm-pit. नाया॰ २; १६; भग॰ ३,
२; ४, ४; निसी॰ ४, ४१; जीवा॰ ३, ३;
प्रव॰ ६७७; कप्प॰ ६, २६; —श्रंत्तर. न॰
(-श्रन्तर = कत्ताया श्रन्तरं मध्यं कत्तान्तरम्) आभी। भध्य लाग. वगल का मध्य
भाग the middle part of the

arm-pit निर॰ ४, १; —देसभाग. पुं॰ (-देशभाग) स्तनपासे કाખના મુલ ભાગ स्तन के पास बगल का मूल भाग. the part of the aim-pit near the breast नाया॰२;—मेत्त न्त्रि॰ (-मात्र) કાખ. બગલ સધી પ્રમાણવાલું, બગલ સુધી. वगल तक मापवाला; वगल तक. reaching to the arm-pit প্ৰত হওও; -रोम. न० ( -रोम ) आपना राम वगल के बाल. the hair of the armpit. "परूढण हकेस कक्खरोमा श्रोति" श्रोव०३८,श्राया०२,१३,१७२, निसी०३,४६; कक्खड ति॰ (कर्कश) धरे।रः, भरभगई, કર્કશ कठोर: कर्कश: खरदरा Haid, harsh, rough. " एगेकक्खडे " ठा॰ १, १; श्रोघ० नि० ६२. श्रगाजी० १४१; पन १, जीवा० १, उत्त० ३६, १६; श्राया० १, ५, ६, १७०, पि० नि०४२६; नाया० ६, भग० १, १; १४, ७, १४, १; १८, ६; २०, ५; ठा० १, १; कप्प० ६, ५६, क० प० ४, ६३: —फास ०. पुं ० (-स्पशे) કહિનસ્પર્શ: भरणयदे।रुपर्श कठिन स्पर्श. खरखरा स्पर्श. hard touch, rough touch, सम॰ २२; भग० ६, ६; ८, १; (२) त्रि० ५८ी श् २५र्शवाक्षा कठिन स्पर्श वाला feeling hard. दसा॰ ६, १; क॰ ग॰ ४, ३२; कक्खडत्तः न० ( कर्कशत्व ) ३६।२५७ं; र्इश्याणं कठोरताः, कर्कशता Hardness,

कक्खडा. स्त्री॰ (कर्कशा ) क्षेत्रेश वेदना; दुःसद पीडा. कठोर वेदना, दुसह पीडा. Hard acute pain. नाया॰ १;

harshness, भग० १७, २:

कक्खा॰ स्त्री॰ (कचा ) आभ; भगस- वगल;

काख. An arm-pit. "उप्पीतिकक्खा" विवा॰ १, ३, स्य॰ १, ४, १,३; नाया॰ १, १६; जं॰ प॰ गच्छा॰ १२२;

कच त्रि॰ (कृत्य ) डर्न ०४; डरवानेथाञ्य. कर्तव्य; करने योग्य A deed; an action, a duty. राय॰ ३१;

कचायगा पुं॰ (कात्यायन. ) अत्यना पुत्र श्री प्रसवछना शात्तनंनाम. कात्य के पत्र श्री प्रभवजी के गोत्रका नाम. Name of the family of Śrī Prabhavajī, the son of Kātya नंदी॰ २३, (२) है।शिक्ष गात्रनी शाला, कोशिक गोत्र की য়াৰা, name of a branch of the Kausika family. স্ত ৩, ৭; (২) કાૈશિક ગાત્રના શાખામાંના પુરુષ. જાંશિ-क गोत्र की शाखा का पुरुष a person belonging to the branch of the Kausika family. তা০ ৩, ৭; (४) भूस नक्षत्रन शात्र म्ल नत्तत्र का गोत्र the family of the Mula constellation. "जे कोसिया ते सत्त विहापएणता तंजहा ते कोसिया ते कचा-यणा" सु० प० ११, ठा० ७; -सगोत्त. त्रि॰ (-सगोत्र) शत्यायन गेरात्रवाणुं. कात्यायन गोत्र वाला. Of Kātyāyana family. " मूलनक्खते कचायण संगोत्त पराणत्ते'' सु० प० १०; भग० २, १;

क्षकच्चोलय. पुं॰ ( ॰ ) 'यासी; इचीणा प्याला; कटोरा A cup. सु॰ च॰ ८, ६४; कच्छ पुं॰ (कच्छ ) अण्डी; अण्डीटी. काछ, कछोटा. The end or hem of a lower garment which after being carried round the body

<sup>\*</sup> जुओ। पृष्ठं नम्भर १५ नी ५८ने। ११). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (१). Vide foot-note (\*) p. 15th.

is gathered up behind and tucked into the waist-band. सम० ११; भग० १, ६; १, ८; ( २ ) કांहा किनारा a border; a margin; a bank. भग० १, ५; जं० प० १, ४; દય; ર, પર; ( ૩ ) સીતા નદીની ઉત્તરે ને લવંતપર્વાતની દક્ષિણે ચિત્રકૃટ પર્વતની પશ્ચિમે અને માલવંત વખારાપર્વતની પૂર્વે મહાવિદેહક્ષેત્રમાના એક सीता नदी के उत्तर नीलवंत पर्वत के दक्षिण चित्रकट वखारा पर्वतंक पश्चिम श्रीर मालवंत वखारा पर्वत के पूर्व में महाविदेह चेत्र का एक विजय. name of a Vijaya in the Mahavideha region, to the east of Mālavanta Vakhārā mountain, to the west of Chitrakūta Vakhārā mountain, to the south of Nilavanta mountain and to the north of the river Sitā जं•प•(૪)ચારેકાર જલથી ઢંકાયેલ પ્રદેશ वह प्रदेश जिसके चारा वाजू जलसे ढंके हों a place covered with water on all sides ( ५ ) કચ્છ વિજયના વૈતાહ્ય પર્વતના નવ કુટમાંના ખીજા અને સાતમા **भूट**नुं नाभ कच्छ विजय के वैताट्य पर्वत के नों कृटों में से दूसरे श्रीर सातवें कृट का नाम name of the 2nd and also of the 7th of the eight sum. mits of Vaitādhya mountain of Kachchhavijaya जं प ( ६ ) થાડા જલતું સ્થાન थोडे जलका स्थान. હ place containing scanty water. नाया॰ ६; —कूड पुं॰ (-कूट) थित्र हुट વખારા પર્વતના ચાર કૂટમાંનું ત્રીજું કૂટ-शि भर चित्रकूट वखारा पर्वतके चारों कूटों में से तीसरा कृट-शिखर. the third

of the four summits of the Chitrakūta Vakhāiā mountain.
ज॰ प॰ (२) भाक्ष्यंत पर्वतना नव इृटभानां येथा इृट-शिभरनुं नाभ मालवन्त पर्वत के नों कृटों में सं चौथे कृट शिखरका नाम name of the 4th of the nine summits of Mālavanta mountain जं॰ प॰ —चत्तव्यया ह्वा॰ (-वक्तव्यता) इ०० वि०थनी वक्तव्यता अधिक्षार कच्छिवजय का वर्णन a description of Kachchhavijaya.
कच्छा पुं॰ (कच्च) क्षाभ; भगक्ष, वगल; कांख.
An arm-pit. भग॰ ३, ७; —कोंह.

पुं॰ ( -कोथ = कत्ताणां शरीरावयवाविशे-

पाणां कोथो दौर्गनध्यम् ) क्षाभभांनी हुर्गन्ध

वगलकी दुर्गन्धी. stench proceeding

from the arm-pit. भग० ३, ७; फच्छुगावई स्त्री० (कच्छुकावती) लुश्रे। "कच्छुगावती" शण्ट. देखी "कच्छुगावती" शब्द. Vide "कच्छुगावती" "दोकच्छु-गावड " ज० प० ठा० २, ३;

कच्छुगावती. स्री॰ ( कच्छुकावती ) प्रस् रूट्ट पणारा पर्वतनी पश्चिमे व्यने इद्ध्यती नहीनी पूर्वे अंनेनी वन्न्ये मह्मविदेहान्तर्गत क्षेत्र विशेष ब्रह्मकूट वसारा पर्वत के पश्चिम श्रार इहवती नदी के पूर्व इन दोनों के मध्यमें महा-विदेहान्तर्गत त्तेत्र-विजय Name of a region in Mahāvideha situated hetween Brahmakūta Vakhārā mountain ( westward ) and Drahavatī river (eastward). ज॰ प॰ —क्स्ड. पुं॰ (-क्ट्ट) ध्वम्द्र्य्ट्ट् पणारा पर्वतना बार इ्ट्रमानुं चाथु इ्ट्र-शिभर. ब्रह्मकूट वसारा पर्वत के चार क्ट्रों में से चौथा कूट-शिखर. name of the last of the four smmits of Brahmakūta Vakhārā mount, जं॰ प॰

कच्छुभ. पुं० (कच्छुप) आरुणे। कछुत्रा. A tortoise. पन्न० १; ज० प० पगह० १, १, विवा० १, उत्त० ३६, १७१; जीवा० १; नाया० ४; पि० नि ५६१; भग० ३, २, ७, ६; १२, ६, १५, १; (२) राष्टुन नाम साहुकानाम another name of Rāhu सू० प० २०,

कच्छुभरिंगियः न॰ (कच्छुपरिक्कित ) ध्रथः णानी पेर्ड आगल है पाछल भरछप्रभाष्ट्रे यालीन व दना धरे ते, व दनानी ओह देष. कछुचे की तरह आगे या पीछे इच्छानुसार चलकर वंदना करना; वंदन का एक दोप A fault connected with Vandana (bowing), one who bows by moving backward and forward like a tortoise प्रव॰ १४०;

कच्छुभाणी स्रं ( ५ ) शें अति। पाणीमां उगती वनस्पति; देशसनुं आड. एक जाति की पानी में उत्पन्न होने वाली वनस्पति, केशर का भाट. A kind of aquatic plant; a suffron tree. पन्न १:

कच्छुभी स्री॰ (कच्छुपी ) श्रीक्ष भातनुं वार्श्वः दीश्वा. एक जाति का बाजित्र, वीणा. A kind of musical instrument; a kind of lute. "श्वद्धसर्य कच्छुभीणं" स्था ६६; जं॰ प॰ प्रह २, ५; नाया॰ १७; शा॰ ४, २, निसी॰ १७, ३५;

कच्छुची स्रो॰ (कच्छपी) छेडे पातशुं अने वश्ये पहें। अंतुं पुस्तक्ष्म पुस्तक्ष्म पांय प्रशासमानु कोक किनारों पर पतली ख्रीर मध्य

में मोटी पुस्तक; पुस्तक के पांच भेदों में से एक A book tapering at the end and bulky in the middle; one of the five varieties of books.

कच्छा. स्री॰ (कसा) हाथीने छातीमां लांध-वानी शसडी. हाथीकी छातीम बांधेन की रस्ती. A rope with which an elephant is tied in the middle part of its breast. स्रोव॰ ३०; भग॰ ३,६; (२) महाविदेहनी अत्रीश विजय-मांनी ओड. महाविदेहकी बत्तीस विजय में की एक विजय. one of the 32 Vijayas of Mahavideha. ठा० २, ३; कच्छुय. पुं० (कच्छक) अरुक्यो; असनी रीग खाजका रोग; खाज A kind of disease which causes itching

कच्छुरी. स्री॰ (कच्छुरा ) धभासे।; धभासःने। श्रूणे। एक जातकी वनस्पति; धमासे का गुच्छा. Name of a plant, a cluster of the same plant, पन्न॰ १;

sensation. निसी० ६, २२;

कच्छुल पुं॰ (कच्छ्र) शुल्म जातनं ओक्ष अ. गुल्म जाति का एक फाड. A kind of bushy plant, पत्र॰ १;

कच्छुलनारयः पुं॰ (कच्छुलनारद ) ध्र्थुक्ष नाभने। नार्ध्व कच्छुल नाम का नारद Narada beating the name Kachchhula. नाया॰ १६;

कच्छू स्रो॰ (कच्छू) भरूल-भाल; ४९५-रे। खाज; खजली; साज का रोग. Itch; itching sensation जीवा॰ ३,३, जं॰ प॰ भग॰ ७,६;

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ट नम्भर १५ नी पुरने। ( + ). देखो पृष्ठ नंबर १६ की फूटने। र ( + ) Vido foot-note ( \* ) p 15th.

कच्छूक. पुं॰ (कच्छूक) भाल; भस. खाज; खुजली.Itching sensation. भग००,६; कच्छूझ. त्रि॰ (कछूमत्) भुल्सीने। ६६ि। जिसे खाजकी चीमारी है वह. (One) suffering from itch, scab etc. विवा॰ ७, परह० ३, ५;

कज्जा. न० (कार्य) धर्यः, प्रयेश्वरनः, धारवः, र्कत्यः क्षिया. कामः मतलवः कार्यः कर्तृव्यः किया. A deed; an action; aım; a purpose, a duty. ''किकजं भएएाचि जतुकीरती तेएं" पि॰ नि॰ भा॰ ४७, विशे० ७१; ४२३; २११२; उत्त० २५, ३८; श्रोव० २०; राय० २१०; सू० प० ११; सु० च० १, ५७; जीवा० ३, ४; भग० ११, ६, १२, ६; १८, २; ७; नाया० 9; २; ३; ५; ७, **८**; श्राया० १, २, २, ७६; दस॰ ७, ३६; उवा॰ १, ४; गच्छा॰ २२; ५६; पंचा०४, १७, ५,३५; क०प० १,४; -- ग्रंतर. न॰ ( - ग्रंतर ) प्रथम કહेલा **डार्य विना थीलुं डार्य. प्रथम कहे हुए कार्य के** विना दुसरा कार्य: कार्यान्तर work other said before. than the one पंचा०१२, ३०; --- श्रभाव पुं० (-श्रभाव) धार्य ने। अलाव कार्यका अभाव absence of action or purpose. विशे॰ ७१; --- श्रावन्न त्रि॰(-श्रापन्न) धर्भप्णाने-अत्पत्ति **लावने प्राप्त थयेथ. कार्य रूप को**−उत्पत्ति भाव को प्राप्त. (that ) which has reached the stage of effect or result; (that) which has been born विशे॰ ६०; —सिद्धिः स्री॰ (-सिद्धि ) डार्थनी सङ्खता कार्य की सफलता accomplishment of a purpose,

a deed विशे॰ ३; — हेउ. पुं॰ (-हेतु) કार्यने। हेतु-निभित्त. कार्य का हेतु-निमत्त. ( with ) a purpose or motive. ठा॰ ४, ४; भग॰ २४, ७;

कज्जकारि. त्रि॰ (कार्यकारिन् ) सार्थः; सप्रयोजनाः श्रयं युक्तः; मतलव सहितः Having meaning; full of meaning. गच्छा॰ ४४;

कज्जता स्रो॰ ( कार्यंता ) क्षर्थपछुं. कर्तव्य पन. State of being a deed, a result etc विशे॰ ११°;

कज्जल न॰ (कज्जल) आंजिशः अजनः, कज्जल Soot used as collyrium for the eyes. जं॰ पराय॰ ६०, पन्न॰ १७; श्रोव॰ १०; जीवा॰ ३, ३, नाया॰ १; भग॰ २, १;

कज्जलंगी स्त्री॰ (कजलांगी) धार्यक्षती उप्त्यी है शीसी. काजल की शीशी या डिट्यी. A small box or vial in which eyecollyrium is kept. स्रोव॰

कज्जलप्पमा स्री० (कज्जलप्रमा) लंणू गृक्षन।
नैरूत्य भुशाना चनभंडनी ओड वावडीनुं
नाम जम्बू गृज्ज के नैन्ग्रेंत्य कोन के वनखंड
की एक वावडी का नाम. Name of a
forest-well to the south-west
of Jambūvriksa. जीवा०३.४;जं०प०
कज्जसेण पु० (कार्यसेन) डार्थसेन नामे गर्भअवसर्पश्रीना पांचमा धुसडर गत श्रवसर्पिनी
के कार्यसेन नामक पाचवें कुलकर. The
5th Kulakara (a great leader
of men) of the past Avasarpini,
named Kāryasena सम० प० २२६;
\* कज्जलावेमाण त्रि० ( ं ) पाश्रीधी

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ट नम्भर १५ नी पुरते। ( \* ). देखो पृष्ट नंबर १५ की फूटनोट ( \* ). Vide foot-note ( \* ) p 15th.

स्ताधित धुमतुं पानी से भरा कर इ्वता हुन्ना. Sinking down after being filled with water. निसी॰ १६, १६; न्याया॰ २, ३, १, ११६; —कजीवन्न. पु॰ (-काटगीपग) ८८भांना छीतेरभां श्रद्धनुं नाम. ६६ गृहों में से ७६वे ग्रह का नाम. name of the 76th planet सू॰प॰ २०; जं॰ प॰ ७, १७०; —कजीवग. पुं॰ (-काटगीपग) कुली "कजीवन्न " श़॰६. देखी "कजीवन्न" शब्द vide "कजीवन्न" रा॰ २, ३;

कडुश्र-य. पुं० (कडुक ) ६६वे। रस कट रस.
Bitter taste सम० २२; मग० २, १,
कट्टर. पुं० (कट्चर ) छाश, चटणी अथवा
गरम मशावी। छाछ, चटनी या गरम मसाला.
Whey, a kind of sauce; spices
used to season food वि॰नि॰ ६२१;
कटु ति॰ (कृष्ट) ६५थी भेडेस हल से खुदा
हुश्रा. Ploughed. वि॰ नि॰ मा॰ १२;
उवा॰ १, ३३:

कह पुं॰ (कष्ट ) ५४, हु भ; भु देशी. कष्ट, दु ख; कठिनाई. (Anything) bad, terrible or calamitous. विवा॰ ७; =, नाया॰ ६; भत्त॰ १६४;

कह न० (काष्ट ) सार्र्ड; रार्ड लकडी Wood; stick, विवा० ७, पि० नि० भा० ७, निसीं० ३, १, मु० च० १३, १६, भग० ७, ६; ६, १८, ७, श्राया० १, १ ४, ३७, १, ४, ३६; नाया० १, ६; ६; १७; साय० २६, २६२ श्रामुजी० १०; १४६; दस०४, ४, १, २, ३, पज० १, पंचा० ७, ६; १८, १०; क० गं० १, १६; प्रव० २२१, जं० प० ४, ११२, ११४, — श्रंतर. पुं० ( श्रन्तर ) सार्ठ्य सार्ठ्य मां अन्तर-विशेषता लकडी लकडी में भेद निरोषता. the peculiarity of differ-

ent kinds of wood. ठा०४,१;— आ-हार. पु॰ (-ग्राहार) લાકડાને ખાઇજનાર એક જાતના ક્રીકા;ત્રણ ઇંદ્રિયવાલા છવ. त्तकडी को खाजानेवाला एक जाति का कीडा तीन इंद्रियवाला जीव. a three-sensed living being, a worm found in wood and eating wood उत्त. ३६; १३६, पञ्च० १; नाया० १३, —कामा. न० (-कर्मन्) લાકડા કાતરવાનું કાર્ય लकड़ी कोरने का काम engraving of wood. नाया० १३, १७; निसी० १२, २०: श्राया० २, १२, ५७३; —कार. पं० (-कार) सुतार, मुतार; वडई. a carpenter श्रणुजो० १३१; —खाश्र-य. त्रि० (-साद - काष्टं खादतीति काष्टखादः ) **अष्ट** भार्श લાકડામા રહેનાર એક જાતના કીડા. लकड़ी खाकर उसमें ही रहने वाला एक जाति का कींडा. a kind of worm found in timber ठा०४, १; —पाउयाः स्री० ( -पादुका ) લાકડાની પાવડી; ગાખડી लकडीकी पादुका a sandal of wood "कट्टया उपातिवाजरग्ग उवाहणत्तिवा " श्रणुत्त० ३, १; —पाउयार पुं० ( -पादु-काकार ) पार्डा भनावनार, पारुका वनाने aid one who makes sandals of wood. पत्र १, -पास पुं॰ (-पाश ) લાકડાના પાશલા लक्का का पाश. a wooden die निसी॰ १२, १, -भार. पुं० (-भार) साम्डानी सारे। तकडी का भारा, a load of wood भग क, ह: -मालिया स्त्री॰ (-मालिका) લાકડानी भाशा. लकडी का पाला. a rosary of wood. निसी० ७, १; - मुद्दा स्त्रो॰ (-सुद्रा) सारुधानी पाटली लकडी की पटली. a kind of wooden plank. " कट्टमुद्दाए मुह्वंधद्द वंधइता " निर॰ ३३,

—रासि. पुं॰ ( -राशि ) લાકડાના દગલा. लक्ष्मं का बेर. a heap of wood. भग॰ ८,६;१५,१;—संथारोवगयः पुं०(- संस्तार-कोवगत ) लाइडाना भासन ६५२ भेरेल. लकडी के श्रामन पर यठा दुश्रा. one sented upon a wooden seat. १४, १; —सगडिया. त्या॰ ( -शकटिका ) લાકડાની ગાડી. लंकडांकी गाडी. a wooden cart. नाया० ९; भग० ९, २; २, ९; विवा॰ १; —सिला. स्री॰ (-शिला— काष्टं शिलेव।यतिविस्ताराभ्यामिति काष्ट-शिला ) शिक्षानीपेंद्रे લાંછ, પહેલું अने यप ३ लाइअन् पाटीयुं. शिला का तरह लम्बा मोटा प्यार चपटा लक्डी का परिया. a slab of wood. 510 3; श्राया , २, ७, २, १६१, —सिच. पु॰ (-शिच) લાકડાની ધંડલી शिवनी भृति लक्ष्मं की घडी हुई शिव की मृति. a wooden idol of god Siva. प्रव॰ १६६: —सेजा. लंा॰ (-राच्या) લાકડાની શય્યા-शेळा. लकडी की शब्या a wooden bed. ठा॰ ३, ४; भग॰ १, ६; निर॰ ४, १; —हारम्र ति॰ (-हारक) लाइडा उपाउनार: इंडीयारे। लकडी उठानेवालाः कठियारा. one who cuts wood and carries the pieces in bundles on his back. श्रगाजो० १३१:

कह्नभूद्रा त्रि॰ (काष्ठभूत) धाष्टनी थेडे ल्यः; येतन वगरनी, जड; काष्ट्र की नाई, श्रचेतन. Life less; inanimate, उत्त॰१२,३०;

कट्टचर त्रि॰ (कप्टतर) अतिशय ४५ बहुत कप्टवाला Very hard; very calamitous. विशे॰ ३२४;

कहा. ली॰ (काष्ठा) ६शा; अवस्था दशा; हालत Stage; condition. जं॰ प॰ ४, १९४; (२) अभाधु प्रमाण. unit " कहकट्टा पोरियाञ्चाया " मृ० प० १;

किटिए. त्रि॰ (किटिन) इतेषु; आइई; इतेश. किटन; कड़ा; कर्कश. Hard; difficult; rough. श्रोव॰ २१;

कड. पुं॰ (कट) साहरी। चटाई. A mat. प्रमुजी॰ १३१; १३३; श्रीघ॰ नि॰ भा॰ २८८; (२) हाथीनुं गंडरथस. हाथी का गंडस्थल. an elephant's temple. नाया॰ १; (३) भांथी, पसंग वर्गरे. पलंग; साह; हत्यादि. a cot; a bed etc. भग॰ ४, ४; ८, ६, (४) पर्वतनी शिक्ष लाग. पर्वत का एक भाग. a part of a mountain. नाया॰ १; (४) धास (३२। पन्नाणी). घांस. grass. भग॰ २३, १; ठा॰ ४;

कड ति॰ (कृत) धरेलुं; आयरेलुं; अनुष्ठान धरेलुं. कृत; किया हुआ; अनुष्ठान किया हुआ; आचरित. Done; performed; practised. प्रव० ६, ६०; कप्प० ४, १२६; ६, २; राय० २६३; वव० ३, ६; ओव० ३४; स्य०१,६,२१; वत्त॰ १, ११; वेय० ४, १४; नदी० ४४; पि० नि० १४४; नाया० १; भग० १, ४; ७: १०; ३, १; ४, ३; ४; १०, ४; १८, ३; ८; १०, ४; १८, ३; ८; १०, ४; १८, ३; ८; १०, ४; १८, ३; ८; १०, ४; १८, ३; ८; १०, ४; १८, ३; ८; १०, ४; १८, ३; ८; १०, ४; १८, ३; ८; १०, ४; १८, ३; ८; १०, ४; १८, ३; १८, ३; १८, ३; १८, ३; १८, ३; १८, ३; १८, ३; १८, ३; १८, ३, ३३; १८, ३०; १८, ३०; १८, ३०; १८, ३०; १८, ३०; १८; १८; १८; १८; १८;

कडम्र. पुं॰ (कटक) भीत. दीवाल. A. wall. जं॰ प॰

फडंगर. न॰ (कडद्वर) ६५११८-य એક जातनुं धास. फल रहित एक जातिका घास. A. kind of grass. सु॰ च० ४, १४; कडंव. न॰ ( \* ) એક જાતનું વાજિન્ત्र एक प्रकार का बाजा. A kind of musical instrument राय॰ ६६;

कडक्ख. पु॰ (कटाच) इटाक्ष कटाच, भ्र्मं-गादि हान भान A glance; a sidelong look. " सकडक्ख दिद्विग्रो " नाया॰ ६; सु॰च॰ २,६=३, तंदु॰ जीवा॰ ३,३; जं॰ प॰ ७, १६६; —दिद्वि श्ली॰ (-टिष्ट) इटाक्षलरी नजर. कटाचभरी दिष्ट a look; sight full of glances नाया॰ ६; राय॰ ११२,

कडिक्खिय. त्रि॰ (कटाचित) ६८१क्ष अरेक्ष कटाच से भरा हुआ. Full of glances. प्रव॰ १३००:

कडगः पुं॰ ( कटक ) ढाथमां पढेरवानुं लूष्णु, इंडल, डड्. हाथमे पहिनने का श्राभूषण, कंक्रण; कडा. A bracelet "वरकडग तुडिय थंभियभूए " श्रोव० २२, ज० प० निसी० ७, ६, राय० २७; दसा० १०, १; सू॰ च॰ १३,४६; सम॰ ३४, महा०प० ६२, जीवा॰ ३, ३, ४, भग॰ ६, ३३; ११, ११, नाया० १, नाया० घ० श्रोव० १२; २२, पन्न०२,कष्प०२,१४, ४, ६२; (२) समूछ. समूह; फ़ुंड. a group, a collection. ज॰ प॰ (३) सैन्य; लध्डर फीज, सेना an army. पगह. १, १, (४) सीतनु भूण, पाये।. दीवाल का मूल पाया. the base of a wall. जं॰ प॰ प्रव॰ =७९.; ( ५ ) पर्वतने। तटः तजेटी पर्वत का पदा, तर्ला. the bottom of a mountain. નાયા ૧, (૬) પર્વતના ઉપલા ભાગ पर्वतका ऊपरी हिस्सा. the brow of a mountain. नाया • ५; (७) पर्वतनां भे भक्षाने। भध्यक्षाग्र, पर्वत का मध्यभाग. the middle part of a mountain. जं॰ प॰ — च्छेजाः न॰ ( -च्छेदा ) સાનાના આભૂષણ તથા પર્વતના મધ્ય ભાગને पर्वत के मध्यभाग को छेदनेकी कला. the art of piercing, cutting the middle part of a mountain or a golden ornament ज॰ प॰ ३, ४५, ५, ११५; नाया॰ १, —तट. न॰ (-तट ) पर्वतनु तणीयुं. पर्वतकी तली the bottom of a mountain नाया । १. -- पञ्चलः न॰ ( -पल्वल) पर्वतनी पासेनु तथाय पर्वत के पासका तालाव. a lake situated near a mountain: a mountain-lake नाया॰ १, —वंध पुं॰(-बंब) हेऽ आंधवी ते. कमर का वाधना; कमर वन्ध. girding up the waist " कडगबंधेहिं खलिए बंधेहिं ' नाया० १७, —मद्गा न० (-मर्दन ) सैन्ध अथवा पत्थरथी भर्दन करवं ते सैन्य द्वारा श्रथवा पत्थरों से मर्दन-नाश करना मारना pounding, destroying means of stones; destroying by means of an army. पगह॰ १, १,

कडिंगिदाह पुं॰ (कटाग्निदाह ) भे ध्राऽपाला वांशने अग्नि वर्डे भागानु ते दो फाकों वाले वास को त्राप्ति द्वारा जलाना Burning. kindling by means of the fire of a bamboo split lengthwise into two (२) आगल पाछलथी धर नाम-नुं धास वीटालीने सलगावी सुध्वुं ते कट नामक घास को चारों और लपेट कर जला

<sup>\*</sup> लुओ। पृथ नम्भर १५ नी पुरने। र (\*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने। ट (१) Vide foot-note (\*) p. 15th.

देना. setting to fire by wrapping into a kind of straw. यम॰ ११: कडज्रम. पुं॰ न॰ ( कृतयुग्म-कृतंमिद्धं पूर्ण-परस्य सारीसंज्ञान्तरस्याभावेन. च्योज प्रभृतिवदर्पृश यन युग्मं समराणि-विशेषः तत्कृतयुग्मम् ) के संभ्याने आरे ભાગતાં શન્ય સેષ રહે તે સંખ્યા: જેમ કે ૧૬. जिस संख्या में चार का भाग देने से शुन्य रहता है वह गंख्या; जैंगे १६. Any multiple of four; any number which when divided by four does not leave any remainder behind; e. g. 16.—कडज़्म्म. न॰ (-कृतयुग्म) भान्य संभ्या अने લગ્ધ સંખ્યા એ બન્નેને ચારે ભાગતાં શત્ય શેષ રહે તે સંખ્યા: જેમ કે ૧૬ ની સંખ્યા. वह संख्या जिस की ४ से भागने पर शहर शंप रहता है वैसे ही उसके खब्ध की भागने पर भारोप शून्य रहता है; जैसे १६ की मल्या. any figure in which the sum divided, as also the sum obtained by division, leaves nothing behind when divided by four, e. g. 16. भग॰ ३४, १; ---कलिश्रो.ग-थ. पुं॰ (-कल्योज ) के સંખ્યાને ચારે ભાગતાં એક શેષ રહે અને લબ્ધ સંખ્યાને ચારે ભાગતાં કંઇ શેષ ન રહે तेवी संभ्या, केमडे सत्तरनी संभ्या जिय संख्या को चार का भाग देने पर एक शेप रहे श्रीर लब्ध संख्या की चार का भाग देने से कुछ शेप न बचे ऐसी संख्या; जैसे १७. any number which being divided by four leaves one behind, and the sum thus got by divi-

sion when divided by four leaves no remainder; e. g. 17. भग० ३५ ९; —तेश्रोग. पृं० (-ध्योज) ले સંખ્યાને ચારે ભાગતાં ત્રણ શેષ રહે અને લબ્ધ સંખ્યાને ચારે ભાંગતાં કંઇ શેય ન રહે ત્ત્વી સંખ્યા: જેમકે આગળીશની સંખ્યા. जिस संध्या की चार में भागेन पर तीन बने खीर खिंच संख्या में चार का भाग देनें पर कछ शेष न रहे ऐसी संख्या. जैसे १६. any number which being divided by four leaves three behind and the sum thus got by division when divided by four leaves no remainder; e. g. 19. भग० ३४, १; —दावरजुम्म पुं० (-द्वापर युग्म=यो राशिः प्रतिनमयं चतुष्कापहारेगा पहियमाओं द्विपर्यंवसानी भवति तत्सम-याश्चतु.पर्ग्यं चासितापुचेति । श्वमा श्रपहिय माणापेचया द्वापरयुग्म. ) के संभ्याने थारे ભાગતાં શેષ છે રહે અને લબ્ધ સંખ્યા ને ચારે ભાગતાં શેય ન રહે તેવી સંખ્યા: જેમ અदारनी सण्या. जिम संख्या में चार का भाग देने पर रोप दो रहे श्रीर लब्धि संख्या मे बार का भाग देने ने शेप छुछ न रहे एनी सङ्याः जैसे १८. any number which being divided, by four leaves 2 behind, and the sum thus got by division when divided by four leaves no remainder; e.g. 18. भग० ३५, १; कडपूयणा. स्त्री॰ (कटपूतना) ४५५्तना नाभ-नी देवी. कडपूतना नाम की देवी. Name

of a goddess. विशे॰ भा॰ २५, ४६;

क्ष कडण पुं० ( ~ ) सभूढ, समूह; भुंड.

<sup>\*</sup> लुओ पृष्ट नम्भर १५ नी पुरने। ८ ( \* ). देखो पृष्ट नंबर १५ की फूटनोट ( \* ). Vide foot-note ( \* ) p 15th.

A group सु॰ च॰ २, ४३१,

अ कडभू पुं∘ (कटभू) भे नाभने। ओ क क क इस नाम का एक कंद A. kind of bulbous root, पत्त ०१;

कडय. न॰ (कडक) शेरडी, न्तर, वगेरेना साक्षा; इडव. जुहार वगेरह के सांठा A stalk of sugar-cane, millet etc श्राया॰ २, १०, १६६;

\* कडयडिय त्रि॰ ( - ) पाछुं ६रेल पाँछ फिरा हुआ. Retreated, stepped back. सु॰ च॰ ८, १६;

कडसकरा स्त्री॰ (कटशर्करा) वास री भीली-श्रणी. वास की सलाई कील A peg made of bamboo. विवा॰ ६,

कडाय पुं॰ ( : कृतायास ) संथारे। धरनार साधुनी सेवा लिक्ष्ति धरनार साधु संयारा करने वाले माधु की सेवा भिक्ष करने वालो साधु An ascetic who renders services to an ascetic who is performing or practising Santhārā ( giving up food and water ) भग० २, १,

कडाली. स्री॰ (कटालिका ) धें। अना स्वारने पग टेडपाने परक्षाण्नी भे लांळुओ बटडते। पागडे. घुडसवार के पाव टिकाने के लिये जीन के दोनों श्रीर लटकते हुए रकाब. A stirrup. श्रमुक्त ३, १,

कडासण न० (कटासन) आसन, परथणु श्रासन; विद्योना. A seat consisting of a mattress, carpet etc. "उग्गहण् च कडासणं एएसुडाणिजा" श्राया० १, २, ४, ८६;

कडाह. पुं॰ (कटाह) थे। ढानु डाम, इटाई

लोहे का वरतन; कडाई, An iron vessel: a cauldron. " हृष्णंसुलिए कडाहे " पि॰ वि॰ ५५२; उवा॰ ३, १२६,१३२,१४७, अणुत्त॰ ३, १, जीवा॰ ३, १; भग॰ ८, ९, (२) डाछ्णानी पीर. कछुए की पीठ. the back of a tortoise. प्रमुत्त॰ ३, १; (३) पांसिबना हाउडा. पसलीकी हिंदृयां. the ribs. प्रव॰ १३६३;

कडाह्य पुं॰ (कटाहक) जुओ। अपेश शण्ड देखो उपरका शब्द Vide above. उवा॰ ३, १२६;

कडि स्त्रा॰ (कटि ) हैऽ, इभर कमर The waist. ' घणकडित्तडच्छायं " श्रोघ० नि॰ भा० २५६; ३१५, पिं० नि० ४२६, श्राया० १, १, २, १६, जीवा० ३, भग० १, ६; श्रांव० १०; जं० प० नाया० २, १८; निर० ३, ४; — बंध. पुं० ( -बंध ) १९ णांधवानी हारी: इ हारा कमर पर वावने की दौरी: कंदोरा an ornamental belt for the waist. श्रोघ॰ नि॰ भा० ३१६, — बंधरा न० ( -वंधन ) हेर्ड थाधवानुं वस्त्रः, थरे। टे।. कमर पर बाधने का वस्त्र; कमरवव a cloth for the waist " सेकप्पड़ कडिवंधणं धारित्तए" श्राया० १, ७, ७, २२३, —भाग पुं० (-भाग) देउती लाग, इटी अदेश कमर का हिस्सा, कटिप्रदेश. the portion of the waist; the waist, प्रव. ५४9: -सुत्तः न० (-सूत्र ) ४२भ२५८।, ४ हे।रे।. डेऽन् धरेख कमरपट्टाः कंदोरा. कमर का गहना; an ornamental belt for the waist " कडिपुत्त स्कयसाहे" र्ज० प० सम० प० २३६, श्रोव० २७; कप्प०

<sup>\*</sup> જુએ। પૃંષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની પુટનાટ (॰). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (॰). Vide foot-note (\*) p. 15th.

Vol. 11/49

४, ६२; — सुत्तग. न० (-सूत्रक) हेऽनी हेरी; डंहोरे। कमरकी दोरी कंदोरा. a thick thread worn round the waist. राय० १८६; — सुत्तय. न० (-स्त्रक) ळुओ। "कडिसुत्तग" शण्द. देखो "कडिसुत्तग" राज्द. vide "कडिसुत्तग" नाया० १;

कडि. पुं॰ (कटिन्) साहडीवाक्षे। चटाई वाला. One having a mattress श्रयाजी॰ १३१;

कडिश्र त्रि॰ (कटित) साह ीथी ढां डेक्षुं. चटाईसे ढंका हुआ. Covered with a mat. कप्प॰ ६, २;

कडिश्रकडि त्रि॰ (किंदतकिंटन्) साहरीना परानी भाइड स्पेड भील साथे भेगेल, स्प्रुटन निन्छिद्र चटाई के पट्टों की तरह परस्पर एक दूसरेसे मिला हुआ; अस्टन्त निन्छिद्र Interlinked like the strips of a mat; having no hole. " घणकडिश्रकडिच्छाए" श्रोव॰ ३;

किडिशा. पुं॰ ( ः ) पांशभां घत्पन्न थतु
ओ कितनुं घास है लेथी हूस शुधाय छे.
बास में उत्पन्न होने वाली एक जाति की
घांस, जिसेस फूल गुथे जाते है. A kind
of grass growing in bamboos,
used to string together flowers
सूय॰ २, २, ७;

कडिय. पुं॰ (कटिक) डेऽ; डन्भर कटि, कमर The waist. प्रव॰ ५४२; —दोर पुं॰ (-दोरक) डेऽनी टेरि। डन्टेरि। कमर का दोरा; कंदोरा. a lace worn round the waist. प्रव॰ ५४२;

कडियल. त्रि॰ (कटितज ) अभर. कमर.

The waist. सु॰ च॰ २, ३७४;
किडिस. पुं॰ न॰ (किटिइ) ४८१५; १९८८।
४८१४. कढाई; वईा कढाई. A large
cauldron अगुजो॰ १३४; ओघ॰ नि॰
४२; उवा॰ २, ६४;

कहु. ति० (कहु ) ४३वुं; ४४वारसवाणुं. कहु; कहुश्रा Bitter. (रं) पुं० ४४वे। २स. कहुश्रा रस. bitter juice. श्रोघ० नि० मा० १४२; विशे० =६५; क० गं० १, ४१; उत्त० ३६, १=; जं० प० ७, १४१; —िवचाग. ति० (-विपाक) ६१२७ ६६वाह्य; ४३वुं ६स. कठोर फलदायी; कहुश्रा फल (one) having bitter fruit or result. पचा० १२, १७;

गहुर्या स्त्री ( कटुका ) क्ष्यी तु लडीनी वेश. कडवी तुम्बी की लता. A creeper of gourd bitter in taste. पन्न १; कहुग त्रि ( कटुक ) क्ष्युं कटु; कडवा. Bitter. पंचा ६. २२;

कहुच्छुग पुं॰ ( \* ) ध्र्पने। ४८२छे। ध्र्प का चिमचा, ध्र्पदानी A large ladle made of iron etc used to burn incense; an incense pot. जं॰ प॰ ४, १२०;

कडुच्छुय. पुं॰ न॰ ( \* ) ५८छ।; ६८छ। चिमचा, कर्ज़ी. A large ladle made of iron etc. used in cooking. जं॰ प॰ ४, १२; ३, ४३; जीवा॰ ३, ४; राय॰ १७५, भग॰ ४, ७; म, ६; निर॰ ३, ३, कडु-य. त्रि॰ ( कटुक ) ६८वं. कडुआ. Pungent; bitter. जं॰ प॰ श्रोव॰ २०; ठा॰ १, १, श्रागुजो॰ १३१; दस॰ ४, १, ६७; सू॰ प॰ ११; श्राया॰ १, ४, ६, १७०

<sup>\*</sup> लुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। ( \* ). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने। ट ( \* ). Vide foot-note ( \* ) p 15th.

पन्न० १, नाया० १, १६, १७; वित्रा० १; राय० २८३; उत्त० ३४, १०, जीवा० ३, १; भग० ६, ३३; १८, ६, २०, ४; क० ग० १, ४२; कप्प० ४, ६५; ६, ५६; ( २ ) पुं॰ ४७वे। रस. कडुत्रा. bitter juice. ( ३ ) অথুন. অয়ুদ inauspicious. दस॰ ४,१; -तंबी. स्रा॰ ( -तुम्बी ) કડવी तुल्री कह तुम्बी. a bitter gourd. नाया १६, -भासिगी स्त्री० (-भाष-गी) કડવું ખાલવાવાલી, ( न्त्री. ) कद्व वचन वोलने वाली (स्त्री ) a woman speaking bitter words. তা০ ১, ১, -रस पुं॰ (-रस ) कृत्वे। रस. कटु रस. bitter juice भग॰ म, १; —रुक्ख पु॰ (-वृत्त ) **४**ऽवारस वातुं अार. कटु रस वाला भाड, a tree, bitter in taste. भग० १४, १; — चयग्. न० ( -वचन ) ४७व वयन, कठोर वचन bitter words. नाया॰ ११; —वर्स्नी. स्री० (-वर्ह्या) ३५५। वेश कडवी लता a creeper, bitter in taste. भग॰ 94, 9; कडुच न॰ (\*) એક જાત तुं वाछत्र. एक जाति का वाजा. A kind musical instrument राय॰ ==;

एक जाति का बाजा. A kind of musical instrument राय॰ दद; क्षक इसगवधण, न॰ ( + ) એક ભાગ સત્ર એક ભાગ ઉત્ત અને એક ભાગ કાથી એ ત્રણના મિશ્રણથી ખનાવેલ हેતી एक माग स्त एक भाग ऊन और एक भाग नारियल की जटा इन तीनों के मिश्रण से बनाई हुई रस्ती A string or thread made of cotton, wool and coir mixed together proportionately. निसी॰

<u>४, ७४;</u>

 $\sqrt{\,}$ कहु घा॰ m I. ( कथ् ) ५&ेंगुं. कहना. m To

कडूंति. पिं० नि० ३१३;

√ कड़ धा॰ I. ( कृष् ) भेथवुं. खींचना. To draw (२) भेऽवुं खेडना, to till

कड़ुइ. पिं० नि०२८७, निसी० १८, १५;

कड्विउं सं० कृ० सु० च० ६, १७;

कड्वितु. सं० कृ० भ्राया० २, १३, १७३:

कडूत. पिं० गि० ११४; मु० च० ७, १४६;

कड्डिजामाण. क॰ वा॰ व॰ कृ॰ राय॰ ७१; कड्डावेति प्रे॰ ग्रंत० ३, ८;

कड्ठावित्तु. स० कृ० श्राया० २, १३, १७३;

कडूगा. न॰ ( कर्पण ) भैंथवुं खींचनाः

हुए. न ( क्या ) अस्तु खादना. Drawing (२) भेऽन खोदना, हलना.

tilling. "कडूइकरिसइ" पि॰ नि॰ ३८०;

स० च० १४, ११६; पंचा० ४, ३७,

कड़िदत. त्रि॰ (कृष्ट) भेंथें थु. खांचाहुआ.

Drawn; pulled पंचा॰ ७, ४०;

कड्ढियः त्रि॰ (कृष्ट ) भेथेतुं खीचाह्याः

Drawn, dragged पगह॰ १, १; क॰

प० ४, १;

कड्ढोकडु। स्रो॰ (कृष्टापकृष्ट-कर्पणापकर्पण)

ખેંચાખેંચ; તાણાતાણુ खांचाखींच, खेंचातानी.

Tugging to and fio. उत्त॰ १६,४२;

कढगा पु॰ (काथन) ४६५, ७४।५५. उवा-

लना, श्रौटाना Boiling. पगह॰ १, १;

कढिश्र-य त्रि॰ (कथित ) ४देशः ७४। १९

श्रौटाया हुआ; उवाला हुआ Boiled

ग्रोघ० नि० १४७; जीवा० ३, ३; भन०

४१; पि० नि० ६२४,

किंडिंग त्रि॰ (किंटन) डिडार, भेळ्थुत. इंड; मजवूत Haid, strong भग० ११,

<sup>\*</sup> लुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी पुटने। ट ( \* ). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने। ट ( \* ). Vide foot-note ( \* ) p 15th.

र. श्रोव॰ ३६; सु॰ न॰ १, १४१; (२) पांसती सहरी, यराध, चांसकी चटाई, क mat, a bamboo mattroaa, "इकडं वा कदियां या जंतुमं या '' व्यामा॰ २, २, ३, १००;

करण, पुं॰ (कमा) अधिश, भाषाना पाँउन धणाः गाँउन चांयलः मणाः Broken grains of rice; broken grain. उस० १, ४; श्रामा॰ २, १, ८, ४८; ५० ૫૦ ૪, ૧૧૪; (૨) સાવમાં પ્રદનું નામ. नातवें प्रह का नाम. name of the 7th planet मु॰ प॰ २०; ठा॰ २, ३; —कुंडम. go (-मुण्डक) राष्ट्रायाया **કુસકા. दानेवाता भूंगा; श्रद्य (मिश्रित भूंगा.** chaff containing grain. 27710 2. १, =, ४=; -प्रवालियाः ग्री॰ (-प्र-किका ) अजिथित राट्सी. कण्मिधित रोही bread mixed with broken grains, आया॰ २, १, ८, ४८; -- वित्ति त्रि॰ (-वृत्ति ) हाला विश्वीने तेना अपर शुक्रशन यदायनार, दाणे चुनक्र उसकर निर्वाह करने वाला one who supports oneself by picking up scattered grains, सु॰ च॰ १२, ४:

कर्णंदः पुं॰ (कनन्द) धनन्द नामना आयु. कनन्द नामका माधु Name of a monk. भग॰ १४, १;

कराक. पुं॰ (कनक) भाष्यु. बारा An arrow. सम॰

कण्कण्या. पुं॰ (कनकनक) नवभां अदुनु नाभ. नावे प्रह का नाम. Name of the 9th planet. स्॰ प॰ २०;

कग्रक्तग्रंग. पुं॰ (कयक्यक) लुञ्ने। "कया-कणम्र "शम्दः देखी "कणक्यम्म " शब्दः Vide "क्यक्यम्म " " दो कग्रक्गगा " ठा॰ २, ३; यागुकपाणि पुं॰ (कनकपाणि ) अजुड-आजु अथवा शार्श्य-धनुष्य कीता दायमा छै ते वासुदेव, यगाय-चाणा या शार्श्य-धनुष्य जिसकेद्वाय में ई यह पासुदेव, Vāsudeva, lit, one with a bow or arrow in his hand, सम॰ प॰ २३ 3.

क्रमागः न० (कतक ) स्वर्धः सेप्तुं सुवर्धः मीमा Gold, चंत पत १: मनव २२०: व्यासाः २, ४, ३, ५८५: जै० पः ७, ५३०; मठ न० २ ४६३; वि० नि० ८८; ४०६; नाया० १; ६: १८; भग० ३, १; ८, ४: ६, ३३: ११, ११; २१, ४; उया० १, ७६; मण्य ३, ३६; ४४; (२) धृतद्वीपना देव-तानुं नाभ, एनहाँव के देवता का नाम. name of the deity of the Grita Island, श्रीपा० ३, ४; मृ॰ प॰ १६; (૩) રેખા-લી ટિવગરના તેજના ગાળા. रेगा गीरत प्रकाश वाला गोला. a ball of light without any lines upon it, श्रोय • नि • भा • ३१०; (४) यार धंदिववादी। भेंश छव. चार अन्द्रय बाता एक जान, a kind of four-sensed living croature. पत्र- १; (१) ओंड न्त्रतन् भाज, एक जानि का बाग a kind of arrow. पगर • १, १, ३; (६) ओं ३ ज्वतनुं थाछ त्र पक जानि का बाजा. a kind of musical instrument, ज॰ प॰ -कंत. न॰ (-कान्त = कनकस्येव यान्तं कान्तिर्येषां तानि कनककान्तानि ) शेलाती भाइड अभडतुं. सोनेकी तरह चमकता. glittoring like gold. निर्सा॰ ७, ११: श्राया॰ २, १, १, १४४; —सचितः त्रि॰ (-साचित) शानानातारथी क्रोड मोनेके तार से जहा हुथा. fastened with, inlaid with golden wires. निर्सा॰ ७, ११:

भग० ६, ३३; --चित्त न० (-वित्र)

से।नेरी थित्राभण मुनहरी चित्र-चित्राम pictures, drawings of gold निसी॰ ७, ११; --जालग पुं॰ (-जालक) સાનાની જારી; એક જાતનું આભરણ. સોને की जाली, एक जाति का गहना. a kind of gold ornament; a kind of net of gold, जीवा॰ ३, ३; — शिगर मालिया. स्त्री॰ (-निकरमालिका) थे ५ लतन् आभर्श एक जातिका गहना a kind of oinament जीवा॰ ३, ३, — तिंदुसय. न॰ ( -तिंदुसक ) सेतनाना तारथी भीयेल Fडे। सोने के तार से बना हुआ गेंद. a ball woven with gold wires. विवा॰ १; —तिलग पुं॰ (-तिलक) भे। नातुं ति श्रष्ट. सोने का तिलक a maik made on the forehead with gold; an ornament of gold worn on the forehead. जीवा॰ ३, ३; —विचित्तः त्रि॰ (-विचित्र) સાેનેરી थित्राभश्वाणुं. सुनहरी चित्राम bearing pictures or drawings of gold. निर॰ ७, ११;

कर्णगक्तुडः पु॰ ( कनककूट ) विद्युत्प्रस વખાર પર્વતના નવ કૂટમાંનું પાચનું કૂટ– शिभर विद्यनप्रभ वखारा पर्वत के नौ कूटो में से पांचवा कृट-शिखर. The 5th of the 9 summits of the Vidyutprabha Vakhārā mountain. जं ч • कगागकेउ. पु॰ ( कनककेतु ) अहि 20 श्री नग-रीते। इन इरेतनामे राज्य श्राहि छन्ना नगराका कवककेतु नामक राजा. Kanakaketu, the name of a king of the city Ahichchatri. " श्राहिच्छत्ताए णयरीए कणगकेऊ नाम राया होत्था 'नाया ० १४,१५:१७,(२) હिरिथनापुर नगरना इनह-<sup>के</sup>तु नाभे राज्य. हस्थिनापुर नगर का कनक-

केतु नामक राजा name of a king of the city of Hastinapura नाया॰ १७; करागज्भय पुं॰ (कनकध्वज ) तेतीस नग-રના કનકરથરાજાનાે કણગજ્ઝયનામે પુત્ર. तेतीलप्र नगर के कनकर्थ राजाका कनकध्यज नामक प्रत्र Name of the son of Kanakaratha king of Tetilpura. नाया० १४, -कुमार. पुं० ( -कुमार ) लुओ " कणकउमय" शण्ट. देखो " कणक-ज्मय " शब्द. vide " क्याकज्मय नाया० १४:

करागप्र न० (कनकपुर) धनधपुरनाभे नगर. कनकपुर नामक नगर. Name of a town. विवा० २, ६,

क गागप्पभाः स्त्री॰ पुं॰ (कनकप्रभा) धृतद्वीपना અધिपति देवतानं नाभ घृतदीप के ऋधि-पति देवता का नाम. Name of a presiding deity of the Ghitadvīpa. स्०प०१६;जीवा०३,४,नाया०ध०५; करागमय त्रि॰ ( कनकमय ) से।नान् सोनेका; सुवर्ण का Golden, made of gold नाया॰ =; १४, सु॰ च॰ १, २६७, <del>— तेंदुसय. पु॰ ( -तिंदुसक ) से</del>।नाना तारथी भिथेस हु। सोने के तार से बनाया हुआ गेद a kind of ball made of gold नाया॰ १६; -पडिमा. र्जा॰ (-प्र-तिमा ) सेानानी अतिभा-पुत्रं सोने की प्र-तिमा-मुर्ति a golden idol. नाया =; क्रणगरह. पुं॰ (कनकरथ) तेती अपुर नगरने। કનકરથ નામના રાજા, કે જે આવતી ચાેવી-સીમાં પહેલા મહાપદ્મ તીર્થકર પાસે દીક્ષા **લेशे. तेतीलपुर नगर का कनक रथ राजा** जो श्रागामीकाल की चौवीसी में पहिले महापद्म तीर्थंकर के पास दीचा लेगा. Name of a king of Tetilapura who will take Diksā from the first

Tirthankara in the comingChovīsī. नाया०१४; विचा०७; ठा० ८, ५;१०; करणगलयाः स्रा० (कनकलता) इन इनाभनी वेश. कनक नाम की बेल-लता. Name of a creeper. भग० २०, ४; ( २ ) ચમરેન્દ્રના લાકપાલ સામના બીજી પદ્વરાણી. चमरेंद्र के लोकपाल सोम की दितीय पहरानी. the 2nd crowned queen of Soma the Lokapāla of Chamarendra टा० ४, १:

फणगवियाणग. पुं॰ (कनकवितानक) ध्नध-वितान नाभने। अद, कनकांवतान नाम का ब्रह. Name of a planet. ठा॰ २, ३; कणासंताणग. पुं० (कनकसन्तानक) धनध-संतान ह नाभे इद भाना ओह अद कनक मंतानक नामका == प्रहों में का एक प्रह. Name of one of the 88 planets. टा० २, ३:

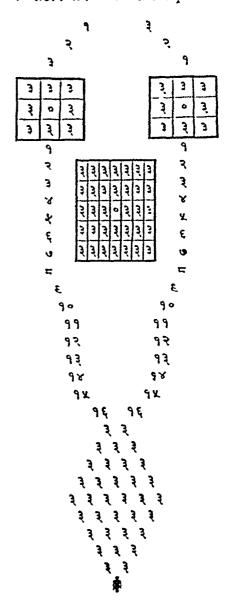
कणगरंताराय. पुं॰ (कनकमन्तानक) सत्ता-त्तरभा श्रद्धन नाम. ७७ वे प्रह का नाम. Name of the 77th planet. "दोक-ग्रासताग्रय" स्० प० २०;

करागसत्तरि. न॰ (कनकमस्रति ) सुपर्श्वी હકીકત વાળું આગલના વયતનું એક લાકિક शास्त्र सुवर्ण के इतिहास वाला भृत काल का एक लोकिक शास्त्र An ancient science giving a description of gold. श्रधाजी० ४१:

क्णगाः स्री > (कनका) धनधा देवी. कनका देवी. Name of a goddess. नाया॰ ध॰ ५; (૨)રાક્ષસના ઇન્દ્ર ભીમની ત્રીજી પટ્ટરાની. राच्चस्के इंद्र भीम की तासरी पट्टरानी. the third crowned gueen of Bhīma, Indra of the Rākṣasa. 510 8,9; भग०१०,५; (૩) ચમરેંદ્રના લાેકપાલ સામના पहें बी पट्टानी चमरेद्र का लोंकपाल सोम की पहिली पहरानी. the first crowned queen of Soma the Lokapāla of Chamarendra. হা॰ প, গ;

फर्णगामयः त्रि॰ (कनकमय) अवर्णानुं अनेअः सुवर्शभूम, मोने का बनाहुश्रा स्वर्णमयः Golden; made up of gold. बं॰ 40 x, v2;

क्रणगावालि. म्री० (कनकावालि) गीः प्रशरना તપના સંગૃહ જેની સ્થાપના કનકાવલિ-હાર ને આકારે થાય છે તે. આપ્રમાણે—



આ કાષ્ટ્રકમાં ચાર પારિપાટી (કકડા) છે. તેમાં પહેલી પરિપાટીમાં એક ઉપવાસથી શરુ કરી છઠે અને અઠમ ( ત્રણ ઉપવાસ ) સધી ચહુડી આદુ અઠમ કરી વલી એક ઉપ-વાસથી સાલ ઉપવાસ સધી ચડાવવા બીછ પરિષાટીમાં ચોત્રિશ અક્ષ્મ કરવા, ત્રીજી પરિ-પાટી પહેલી પરીપાટીથી ઉલટી રીતે કરવી એટલે સાળથી ઘટાડી એક સધી આવી આઠ અદેમકરી અદેમ. છટ અને એક ઉપવાસ કરવા, ચાથી વચ્ચેની પરિપાટીમાં ચાત્રિશ અદેમ કરવા અદેક પરિપાટીમાં એક વરસ પાંચ માંસ અને ખાર દિવસ લાગે ચારેમા पाय वरस नव भास अने अक्षर दिवस लागे एक प्रकार का तप समदाय जो कनकावलिहार की तरह किया जाता है जैसे: - इस केएक में चार परिपाटी ( लंडे है ) उनमें की पहिली परिपाटी में एक उपवास से प्रारंभ कर छह श्रीर श्रद्धम ( तीन उपवास) तक वढकर श्राठ श्रद्रम किये जाते है, फिर एक उपवास से सोलह उपवास तक चढना पडता है. दूमरी मं पहिली परिपाटिके विरुद्ध सोलह उपवास से घटकर एक उपवास तक करके आठ श्रद्धम करते हैं और श्रहम छह तथा एक उपवास करते है चौथा मध्य की परिपाटिमें ३४ श्रद्धम करते हैं एक एक परिपटि मे एक वर्ष पांच मास श्रीर बारह दिन लगते हैं चारों परिपाटिया करने में पांच वर्ष नें। मास श्रीर श्रठारह दिन लगते है. A kind of austerity which, when graphically represented by the units of fasts of which it consists, assumes the shape of a gold necklace. श्रोन १६, प्रव॰ १५४२:

क स्पाचित्रियोच भत्तिः पुं॰ (कनकावित्रिविक् भिक्ते) ओ ३ ज्यतनुं नाट्य. एक जाति का नाट्य नाटक A kind of drama. स्व ० ६९. कग्गावली स्री॰ (कनकावली) भांय परस નવમાસ અને અડારા દિવસમાં થતું એક તપ કે જેની આંકડામાં સ્થાપના કરતાં કનકા વલિના આકાર થાય છે કે જે કણકાવલિ शण्डभांदशावेस छे. पांच वर्ष नी मास और श्रठराह दिनमें पूर्ण होने धाला एक तप विशेष. जिसकी श्रंको में स्थापना करने से कनकाविन हार के श्राकार के सदश होता है जो कनका-विल शब्द में दिखाया है. Name of an austerity lasting for 5 years 9 month and 18 days. It consists in a number of fasts in ascendand descending order which, when graphically represented assumes a funciful resemblance to a gold necklace. श्रंत० ८, २; निर० ७, ८; (२) डे। इमां पढ़ेरवानी सीनानी हार. गले में पहिनने का सवर्ग का हार. a gold necklace. नाया० १. भग० ११. ११:

करायश्च पुं॰. ( कनक ) से।नुं, सुवर्ण, साना. Gold. भग० १, १, २, ४; नंदी० १३. सु० च० १, ३१; नाया० १; ( २ ) व्याक्ष्मा थ्रदुन नाम श्राठवें ब्रह का नाम name of the eighth planet. स्० प० २०: -कमल न॰ (-कमल ) से।नानां इभव मोने का कमल. a golden lotus प्रव॰ ४५३; -- खिचयः पुं॰ (-खिचत) सेानाना तारथी अरेत. सोने के तार से जड़ा हुआ. anything inlaid with, full of wires of gold. नाया॰ १; —दंडियाः র্জা॰ (–दिखिदका) से।नानी છડી नानी લાકડી. सोने की छडी-छोटी लकडी. n small stick of gold. जं॰प॰ ३, ४८; —वन्न. त्रि॰ ( -वर्ण ) से।ना केवा रंग वास. ाजिसका रंग सुवरा जना है। of the

colour of gold मु॰ च॰ २, ६४. — सेल॰ पुं॰ ( -शेल ) भे३पर्वतः भेलाने। पर्वत मेरू पर्वतः मुक्का का पर्वतः the Meru mountain; the mountain of gold. मु॰ च॰ २, ४६६;

करण्यमयः त्रि॰ ( कनकमय ) स्वर्णभयः नुवर्णमयः Golden: full of gold जं॰ प॰ १, १४: प्रव॰ १२४३:

करायर पुं॰ (करवीर) अधेर नामनं शुरुम व्यतिनुं आऽ. क्नेर नाम का गुण्म जाति का माट. Name of a tree. पद्म॰ १:

कराया. ह्री॰ (कनका) अभरेन्द्रना क्षेष्ठियां क्षेष्ठिय

कण्यार. पुं॰ (क्लेर) ध्लेन्नुं आध. कनेर का भाट. Name of a tree. श्राया॰ २, १४, १७६;

कराव. पुं॰ (कगाव ) ध्युय नाभनुं ओश ज्यात-नृं श्रांस. कगाव नाम की एक जाति की घान. A kind of grass, भग॰ २२, ५;

कण्वित्ताण्त्र. पुं॰ (कण्विनानक) ६११ मां अटनुं नाम दशनें ब्रह का नाम. Name of the 10th planet. मृ० प॰ २०:

कर्णबीर. पुं॰ (क्णवीर ) अधेरनं १४. कनेर का साड. Name of a tree called Kanera. राय॰ ४७; जीवा॰ ३, ४; पग्द० १,३; जै॰ प॰ ४, १२२; (२) अधेरनं ४५. कनेर का फूल. a flower of the Kanera tree. पग्द० १,३; किंगिक्च. पुं॰ ( ३) ओक्ष ज्यानी। भन्थ. एक जानि का सच्छ A kind of fish. पच∘ १:

किंग्ह. त्रि॰ (किंग्ष्ट) न्छानेः; अधु होताः लहु. Small; young: youngest पंचानिक ४९९: गम्हाक ६९:

काणिइडथा वि॰ (कनिष्टक ) न्यानुं; ८५५]. इलका: छोटा Small; younger. द० गं० ४. ३८:

किंग्या-श्रा. मी॰ (किंग्सिन) शेंश्वन्तनी बीज़ा. एवं जीत की बीमा. A kind of lute. जीता॰ ३, ३. (२) श्रीभानी श्लुष्टी-चायन की कर्ना. broken grains of rice. पि॰ नि॰ २४६; तंद॰

कांग्यार. पुं॰ (कांग्कार) थिष्तिः भार देव तातुं अपेर नाभे अत्य दृक्ष स्तितिकृमार देवता का कनेर नाम का चेंग्य दृज्ञ. A garden tree of the god Thanitakumāra, named Kanera ठा॰ १०, १; नाया॰ ६; (२) अपिंशः नामता साधु. कांग्कार नाम के माधु. name of a saint. भग॰ १४, १;

कािंगर. त्रि॰ ( क् ) वाग्याना स्वलायवाणुं. दुखंन वाला स्वत्मत्र वाला. Having the nature of being hurt or cut. मु॰ च॰ २, ४६; ३२३;

कर्णीयस. ति॰ (कर्नायम् ) न्टानी; डिनिष्ट. होटा; बनिष्ट. Young; small; younger. श्रेन॰ ३, ६; टबा॰ ३, ९३४; कप्प॰=; कर्णुग. न॰ (कणुक) आंभभां पेडेंस्डं डिलंड् श्रां । में गिरा हुद्या दिलं. A particle of dust etc. entering the eye. पंचा॰ १८, १०;

कत्तुयः न॰ (कतुक) ध्रेष्ठाः, रश्रध्यः रश्रः

<sup>\*</sup> लुओ पृष्ट नम्भर १५ नी पुरते। (\*). देखो पृष्ट नंबर १४ की फूटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th.

कण; रजकण, रज. Particles of dust. " सुऋणुय " श्राया० २, १, ८; ४३; करारा पुं॰ ( कर्या ) अन. कान. An ear. विवा ०२, नाया ० १, ८; १४; १६; भग० ३ ७. १४, ५; ग्राया० १, १, २, १६; राय० ४०, श्रागुत्त० ३, ३; जं० प० ५, ११४; ११४, उवा॰ २, ६४; —श्रंतर. न० (-श्रन्तर) भे अन वस्तेनं अन्तर दोनों कानो के भीच का श्रंतर. the distance between the two ears. विवा॰ १; —न्त्राययः त्रि॰ ( -प्रायत ) अनसुधी अभ्यावेअ कान तक लम्बा खीचा हुआ anything long enough to reach the ears जं प ३, ४४, भग० ४, ६; ७, ६; —गय पुं॰ (नात) **3**1ने संભળાયेલ. कान से सुना हुआ (anything) heard "करणंगया दुम्माणिश्रं जशति " दम॰ ६ ३, ६; — चिल्लक्ष त्रि॰ ( - चिल्लक्ष — जिल्लकर्स ) કાનકટ્ટો; જેના કાન છેદાયા છે તે. कानकटा, जिमका कान कटा हुआ है वह, छिन्न कर्ण. (one) with ears cut श्राया॰ २. ४, २, १३६; — च्छेयण न० ( -च्छंदन ) धाननुं छेहन. कान का छेदना cutting off or piercing of ears नाया॰ २; -धार पु॰ (-धार) नापीक्ष. मल्लाहः नाविक. a sailor; a boat-man नाया॰ म; ६; १७, —पीठयः न० (-पीठक) કાનનું ધરેહું. कानका गहना. an earornament. " कुंडल महुगंडयल क्यण पीठधारी "पन २; भग । १४, १; ठा । ६; श्रोव० २२; ---पूर. पुं० (-पूर) धानभां **पेंडेरवानं आलरख. कान मे पहिनने का श्राभू-**पण. an ear-ornament नाया॰ १: द, श्रोव॰ ३६; (२) કર્ણ पूर नामे डाथी-ना धाननं आभूपण कर्णपूर नामक हाथीके Vol 11/50.

कान का आभूपण. an ear-ornament for an elephant. श्रोव॰ ३०; — वंध पुं॰ ( -वध ) अन आंधवा ते. कानों का बांधना. closing up, tying up of ears. नाया॰ १७; —मल न॰ (-मल) धानने। भेल. कान का मैल. wax of the ears निसी॰ १, ३४; ३, ६६: — मूल-न॰ ( -मूल ) કાનની નજીકનાે પ્રદેશ, કાનનુ भूत. कान के समीप का भाग, कान का मृल. the neighbouring part of an ear. नाया० ३, ज० प० ५, ११४, — पाली. स्री॰ ( -पाली ) धानमां पहेरवानी वारी-એક આભૂષણ कान में पहिनने की वाली-एक श्राभूषण an ear-ring. जीवा॰ 3, ३; - वेयसाः स्री० (-वेदना ) धाननी वेहना. कान का दुःख. pain in the ear नाया १३: - वेहगा न० ( -वेधन ) ळाणे। " कराणवेहणा " शब्द. देखो " कए खंबेह स्पूर्ग " शब्द. vide "क्र एस-वेहराग " मग० ११, ११; -वेहरागा. न० ( -वेधनक ) अन विधवाने। सरअश कान वीधने का संस्कार. the ceremony of piercing or perforating the ears राय॰ २८८; —सक्कुलिया. स्री॰ ( -शष्कुलिका ) धांननुं विनधः कान का छेदः a hole in the ear, a perforation made in the ear. नाया॰ =; १४, —सुह. न० (-सुख) अनने भुभरूप शण्ट. कान को सुखकारी शब्द. words sounding sweet to the ears. नाया॰ ९, --सोहराश्च. न॰ (-शोधनक) કાનને ખાતરવાની સળી; કાન ખાતરણી: था देशी. कान साफ करने की सलाई a small thin straw etc, used to cloanse the ear of its wax. ानिसी॰ १, १६; श्राया० २, ७, १, १५७; नाया० ६;

करासकता. सी॰ (कर्णकला ) सूर्य ओ अ भांउ-લેથી ખીજે માંડલે જે ગતિએ જાત્ય છે તે ગતિનું નામ કર્યા કલા છે. કર્યા એટલે એક માડલાના વૃદ્ધિકલ્પિત છેડાે, ત્યા આવીને સર્ય કલા એટલે એક્ક અગે બહાર નિકળતા કે અંદર આવતા બીજા માંડલાને છેડે પહાચે ते धर्ध ध्वा शति. सूर्य एक संडल से दूसरे मग्डल में जिस गति से जाता है उस गति का नाम "कर्णकला "है; कर्ण अर्थान् एक मग्डलका बुद्धिकल्पित सिरा, वहां श्राकर सूर्य कला अर्थात एक २ श्रंश में बाहर निकल कर वा श्रंदर श्राकर दूसरे महल के सिरे-श्रंत तक पहुंच जाता है उसे " कर्णकला गति " कहते हें A name given to the apparent motion of the sun one point to another. स्० प० १, करागाने उर. पुं॰ (कन्यात पुर ) धन्यानुं अन्तः-

कराणात उर. पु॰ (कन्यात पुर ) इन्यानु अन्तः-पुर, राजकन्याओनि रहेवानुं स्थानः कन्या का अन्त पुर, राज कन्या के रहने का स्थानः An apartment for royal girls नाथा॰ १६:

कग्राम हो (कन्यका) दुभारिका कन्या. कुमारी, कन्या A girl unmarried, a girl नाया = =,

करणितय पुं॰ (-कर्णित्रक) એક જાતના भाभवादी ઉડता वाधिदिय छव एक जाति का पंखा वाला उडता चार इंद्रेय जीव. A kind of four-sensed insect with wings पत्र॰ १;

कराणपाउरण पुं॰ ( कर्णप्रावरण ) क्षत्रश् सभुद्रभां सातसी क्लेक्ट्रन छिपर आवेल कर्णु आवर्श् नाभना ओक आंतर द्वीप. त्तवण समुद्रमें सातसी योजन ऊपर स्थित कर्ण प्राव-रण नाकक एक अतर द्वीप. Name of an island in Lavana Samudra at a distance of 700 Yojanas from the shore. ठा॰ ४, २; (२) ते अंतर द्वीपमां रहेनारा मनुष्ये। उम श्रंतर द्वीप में रहेने वाला मनुष्य. an inhabitant of any of the islands called Antara Dvīpas. पन्न॰ १; एंग्लांयण पुं॰ (क्शंलोचन) सनिवाध

Antara Dvīpas. पत्र॰ १;
कग्णलोयण पुं॰ (कर्णलोचन) सन्धिशः नक्षत्रना गेत्रनु नाभः सत्तिपक नजत्र के गोत्र का नाम. Namo of the family of the constellation Satabhisaka. स्॰ प॰ १०; कग्णा स्त्री॰ (कन्या) इन्या; पुत्री कन्या,

लउकी A girl; a daughter. उत्त॰

२२, २८; नाया० १६; पंचा० १, १ १;
किसिस्या-याः स्त्रीः (किसिंका ) भुले।
कोना A cornet. जं॰ प॰ (२)
६भक्षने। शील्रेडाश, ६भक्षने। भुष्यसायः
कमल का मण्य भाग, कमल का बीज कोय
pericarp of a lotus, the middle
part of a lotus. भग० ११, २, पत्र॰
१ २. जं॰ प॰ स्रोव॰ ८२, जीवा॰ ३, १;
कप्प॰ ६, ४४: (३) એક જાતની વનस्पति.
एक जाति की वनस्पति a knd of
vogotation भग॰ १९, ७; (४) धानी

पारी कान की वाली an ear-ing

ત્રોવ ૪૨. ( ૧ ) છત્રના અન્દરના ભાગ

छत्र का भांतरी भाग. the inner part

of an umbrella. राय॰ १२२.
कारिएयार. पुं॰ (किंग्येकार) ध्रोरनुं अधः
केनर का साड. Name of a tree. (१) विकास का पुष्प. a
flower of this tree. प्रच० १४; भग॰
१४, १०; नाया॰ ६;
कारिएहि. पुं॰ (किंग्रिंस्थ) ओड अडारने।

विशिष्ट २थ डे के भास ऋदिमंत भाखसीने त्यांक देश ने एक प्रकार का प्रधान रथ, जो

प्राय. ऋदिशाली मन्ध्यों के यहां ही होता है. A particular kind of chariot possessed only by wealthy people नाया॰ ३, — प्ययाय त्रि॰ ( -प्रयात ) श्री मताधना यिन्छ वासा रथमां वाल रथ में बैठ गमना गमन करने वाला one who drives in a chariot which is a mark of prosperity ' कएगी रहप्पयायाचि होत्था '' नाया॰ ३; कराह पुं॰ (कृष्ण ) ५७७। वासुदेव कृष्ण वासुदेव. Krispa Vāsudeva. पन्न १, उत्त० ३६, ६८, सम० १०, नाया० ५, प्रव॰ ६६२; (२) ५७ श् नाभना ओ ५ परि-प्राज्य सन्यासी. कृष्ण नामक एक परिवाजक सन्यासी name of a mendicant saint श्रोव • ३ ६, (३) अत्यत शला २ गना કર્ષ પુરૂગલને યાેગે થતા અત્યત મલિન પરિ-शाम. श्रत्यत काले रगके कर्म पुद्गलों के योग से होता हुन्ना महा मलिम परिणाम very consequence resulting dark from very dark Karma सम॰ ६, (૪) પાચમાં બલદેવ -વાસુદેવના પૂર્વભવના धर्माथार्थ. पाचवें वलदेव-वासुदेव के पूर्व भव के धर्माचार्य. name of the religious preceptor of the previous birth of the 5th Baladeva -Vāsudeva. सम॰ प० २३६; (५) अली २० काला रंग black colour जीवा ३, (६) ५० श्वाभनी वेस कृष्ण नाम की वेल-लता name of a creeper पत्र॰ १; (७) धार्थी तुससी. काली मुलसी. the black holy basil पत्त १, (८) में মধাरते। ५० लाभने। इंट. एक जातिका कृष्ण नामका कंद्र, name of a kind of bulbous root पन्न १; (७) स्त्री॰ ७ क्षेश्या-

માંની કૃષ્ણ નામની પહેલી લેશ્યા. છા: लेश्या श्रों में से कृष्ण नाम की प्रथम लेश्या the first (viz black) of the six kinds of Leśyā. पन्न॰ १७, (१०) निर्याविध-धाना याथा अध्ययननं नाम. निर्यावलिका के चौथे अध्याय का नाम, name of the fourth chapter of Nirayavalikā निर॰ १, १, - कंद पुं॰ (-कन्द) એક જાતની કૃષ્ણકંદ નામની સાધારણ वनस्पति एक जाति की कृष्णकंद नाम एक सावारण वनस्पति. a kind of bulbous root called also Krisnakanda. उत्त॰ ३६, ६६, जीवा॰ १, पत्र॰ १, —जीय पुं॰ ( –जीव) ५०७। पासुहेवने। छव. कृष्ण वासुदेव का जांव the life of Krisna Vāsudeo. প্ৰত ४०३, -पक्खिश्र-य पु॰ (-पानिक= कृष्णपत्तां ऽस्यास्तीति कृष्णपात्तिकः) की અહ્યું પુદ્દગલ પરાવર્તાન કરતાં વધારે સસાર-મા પરિભ્રમણ કરવાનું હાય તે છવ जिसे ष्यद्धं पुद्रल परार्वतन काल से भी श्रिभिक संसार में रुलना-भ्रमण करना है वह जीव a soul that has to wander in worldly existence longer than the time required for Ardha Pudgala Parāvartana. इसा०६, १, भग॰ १३, १; २६, १; ३१, २४, ठा० १, १, —लेसा ब्री॰ (-लेश्या ) ५०० क्षेत्रया नामनी पहें सी केश्या कृष्ण लेश्या नाम की अयम लेखा. the first of the Leśyās called the black Leśyā. जीवा॰ १, ४, ७; — लेस्स. त्रि॰ (-लेश्य) કृष्ण क्षेत्रयावाक्षा. कृष्ण लेश्या वाला. with black Leśyā (i.e. thoughtcolour or matter colour ). भग॰ २६, १, ३५, २२, ठा० २, १; - लेस्सा

र्छा॰ ( - नेश्या ) इंध्युनेश्या. कृष्ण लेश्या. the black Lesyā (i. e. thought -tint or matter-tint). भग० २४. ६, -- वासुदेव पुं॰ (-वासुदेव) ५७०१ વાસુદેવ; ચાલુ અવસર્પિ ણીના નવમાં વાસુ-हैव कृष्ण वासुदेव: वर्तमान श्रवसर्पिणो काल के नीवे वामुदेव. Krisna Vāsudeva, the 9th Vasudeva of the curient Avasarpini. नाया॰ ४, १६; —सप्पः पुं॰ ( - सर्प ) डाली सर्भ काला सपे. a black serpent. नाया॰ =; (२) राषु देवनुं नाम राहु देव का नाम. name of the god Rāhu. भग-१२, ६; सू॰ प॰ १६; —सीद्यासणा न॰ ( -मिहासन ) कृष्णनुं सिंदासन कृष्ण का सिहामन tho throne of Krisna नाया० घ० १०:

कराहदराल. पु॰ ( कृष्णदराल ) ओ क जाती वनस्पति. एक जाति की वनस्पति. A kind of vegetation भग॰ २१, ६,

करहद्दीवायम् पुं॰ (इन्पाईपायन) એ नाभ ना એક धाम्हण संन्यासी. इस नाम का एक ब्राम्हण संन्यासी. Name of a Biāhmana ascetic. खोव॰ ३८.

कराहपरिट्यायम. पुं॰ ( कृष्णपरिवाजक )
नारायणुनी लिक्ति क्षरनार परिवालक. नारा
यण की भक्ति करनेवाला परिवाजक. Au
uscetic worshipping Nārāyaṇa.
श्रोव॰ ३८;

कराहराइ स्त्री॰ (कृष्णराजि) पांचभां देवली के उपर कभीननी कृट के ती लेकित देवताना विभानने क्रती काणी रेपाओं छे ते, कृष्णुराछ पांचवे देवलोंक के उपर देवताओं के विमान के आसपास पृथ्यी की दरज जैसी काली रेखाए, कृष्णराजी The black lines (resembling

the cracks in the ground) surrounding the abodes of Lo kāntika gods in the 5th Devaloka. श्राया २, १४, १७६; भग ६, १; न; ठा॰ म, १; प्रव॰ ६३, १४४५; ( श्रीनिन्द्रनी जीक पदुराजीनं नाम. दंशान दंद की दिवाय पद्रानी का नाम. the other name of the principal queen of Tsānendra. भग॰ १०, ४;

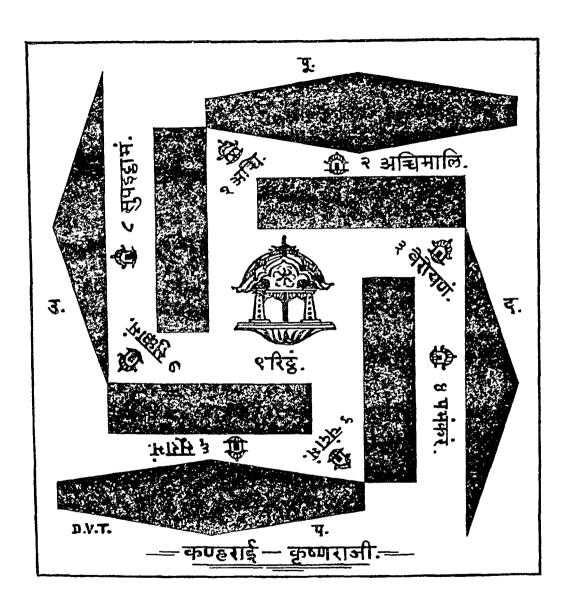
करहराई. स्नं॰ (कृष्णरात्रि) धृष्णुरात्री हेवी. कृष्णरात्री देवी The goddess Kii-इत्य Ratii. नाया॰ थ॰ १०,

करह्वाडिंसय चिमान. न॰ (कृष्णावतसक विमान ) धृष्णायतंस नाभने। विभान. कृष्णावतंम नामक विमान. Name of a heavenly abode. नाया॰ य॰ १०;

कराहसिरी. स्त्री॰ ( कृष्णश्री ) हुण्युश्री नामनी ओड स्त्री. कृष्णश्री नामकी एक स्त्री. Name of a woman. विवा॰ ६:

कराहा स्त्री॰ ( कृत्या ) धशानेन्द्रनी कृष्यान नाभनी राखी इशान इंद्र की कृष्णा नाम की रानी. Name of a queen of Isanendra. ठा० ४, २, भग० १०, ५: (२) કृष्णा नाभनी हेवी. कृष्णा नाम की देवी. name of a goddess. नाया घ॰ ६. (૩) કુભ્ણા નામની નદી. कष्णा नामकी नदा. name of a river. पिं॰ नि॰ ૫૦૨, (૪) શ્રેણિક રાજાની એક રાણી કે જે મહાવીર સ્વામી પાસે દીક્ષા લઇ, મહા-સિંહનિક્રીહિત નામનું તપ આચરી, અગો-આર વરસની પ્રવજવા પાળી એક માસના संथारे। इरा सिध्ध थर्ध. स्रेगिक राजा की रानी, जिसने महावीर स्वामी के पास दीचा लेकर महासिंइनिकोडित नाम का तप किया श्रीर ग्यारह वर्ष की प्रवज्में पाल एक मास सवारा कर मोच की प्रान्त हुई.

## सचित्र अर्ध-माग्धी कोष



name of a queen of King Śrenika, who took Dīksā from Mahāvīra Swāmī and having practised the austerity known as Mahāsinha-Nikrīdita, and having practised asceticism for 11 years, became after one month's Siddha Santhārā. श्रंत०६,४,(४) अंतगरसूत्रना આઠમા વર્ગના ચાેથા અધ્યયનનું નામ. જ્ઞત-गडसूत्र के श्राठवें वर्ग के चाथे श्रध्ययन का नाम. name of the 4th chapter of the 8th section of Antagada. श्रंत॰ =, ४; (६) છ લેશ્યામાંની પ્રથમ ५० (धेश्या. छ. तेरयात्रों में से प्रथम की कृष्ण लेखा. name of the black Lośya. (७) विજयपर नगरना वासव-हत्त राजनी राष्ट्रीनं नाभ. विजयपुर नगर के वासवदत्त राजा की रानी का नाम. name of the queen of king Vasavadatta of Vijayapura city. विवा॰ २, ४;

कराहादेवी स्री॰ (कृष्णादेवी) कृष्णादेवी कृष्णादेवी. Name of Krispadevi. नाया॰ ध॰ १०:

कराहुइ. अ० ( क्वित् ) क्ष्यांय प्रश्; क्विष्ठ प्रश् स्थाने. कही भी, किसा भी स्थानपर. Somewhere, in any place whatever. उत्त० १, ७; २, ४६; दसा० १०, ७,

—रहस्सिय. त्रि॰ (-राहस्यिक) है। ध એક કાર્યમાં રહસ્ય રાખનાર. किसी भी कार्य में रहस्य रखने वाला. one who keeps secrecy in some work or other सूय॰ २, २, २१;

कतर. ति॰ (कतर) भे डे ध्याभांना डेया ? दोमेसे अथवा बहुतोमे से कोनसा ? Which of two or more than two. श्राणुजो० ८८; दस० ६, ४, १;

कता. घ॰ (कदा) ध्यारे. कव? When सू॰ प॰ १२;

कति ति ( कृतिन् ) सुकृती; स्हायारी. स्कृत्य करेने वाला; सदाचारी, पुरायात्मा ( One ) whose actions are good. सू॰ य॰ २, १, ६०;

कति. ति० (कित ) हेटला अधारनं कितनी तरह का ? Of how many sorts. जं० प० ६, १२४; ७, १४८; ७, १४६, पन्न० १४, नाया० १; भग० १, ४; २, २; —आग.पुं०(-भाग) हेटलाभे। लाग. कौनसा हिस्सा ? what division or part. भग० १, १; —संचिय. ति० ( -संचित ) सण्याथी गणी शक्षाय ते. संख्या हारा गिना जा सके वह numerically calculable. ठा० ३, १: भग० २०, १०;

√ कत्त था॰ I. ( क्रन्त् ) धातरतुं. काटना
To cut. (२) भीऽवुं. पीडा देना to
afflict.

कसाहि. पराह० १, १;

किञ्चइ. क० वा० सूय० १, २, १, ७, १, ६; ४: उत्त० ४, ३;

किचंति सूय० १, ३, ४, १८;

 $\sqrt{$ कत्त था॰ I. (कन्त्) शंतमुं कातना To spin cotton.

कत्तंत. व० कृ० पिं० नि० ५७४;

कत्तरा. निरु (कर्त्तन) आपनारः छेदनार. काटनेवाला, छेदनेवाला. One that cuts. श्रीव॰ ३४;

कत्तर, न० (कत्तर) आतरवानुं साधन, आतर कतरने का साधन; कैंची. A pair of scissors. उवा॰ २, ६४;

कत्तवीरिय पुं॰ (कार्तवीर्य ) सरतना याझ वेापीसीता आक्ष्मा यक्ष्यतिना पितानु नाम भारत के वर्तमान चीवासी के श्राट्ये चक्रवर्ति के पिता का नाम. Name of the father of the 8th Chaktavarti of the present cycle समन्प॰२३४; कत्तार. त्रि॰ (कत्ती-कर्तृ) धरतार. धर्मा कर्ना; करने वाला (One) who does or makes भग॰ २०, २; निशे॰ १७५; २११२, श्रगुजो॰ १२८, पं॰ नि॰ १७३. पंग॰ ८, २, — स्रभाव पु॰ (-श्रभाव) धर्मानी अशाय कर्तामा श्रभाव. absence of a doer or maker विशे० २३६; कित स्त्री॰ (कृति) धर्म; थाभ्छं, चमडा, चर्म Leather श्रोष॰ नि॰३६;

कत्तिग्र-य पुं॰ (कार्तिक-क्रात्तेका नच्येण युक्ता पार्णमामी कार्तिका माऽस्यिमिन्निति कार्तिक ) हार्तिक भास कार्तिक मास The month of Kartika. जं प ७, १४१; श्रोघ० नि० २८४; सम० २६; टत्त॰ २६, १६, कष्प॰ ४, १२३; ६, १७०; नाया० ५; भग० १८, १०; (२) ७१२तना-પુર નગરના રહેવાસી કાર્તિ'ક શેઠ કે જેણે મુનિસત્રત પ્રભુતી પાસે પાતાના એક હુજાર મૃતિમની સાથે દીક્ષા લીધી દીક્ષા પાલી પહેલા દેવલાકના ઇદ્રપણે ઉત્પન્ન થયા. हस्तिनापर नगर का निवासी कातिक सेठ जिसने मुनिस्वत स्वामी के पास अपने एक हजार मुनीमा के साथ दीचा ली और दीचा पाल कर प्रथम देवलीक का इन्द्र बना name of a merchant of the city of Hastināpura who took Dīksā from Lord Munisuvrata ac companied with his one thousaud agents. He practised asceticism and was born as the Indra of the first Devaloka. भग॰ १८, २, निर॰ ३, १; (३) अभ्यु-

દ્વીપના ભરતખભ્ડમાં થનાર છઠ્ઠા તીર્થકરના पूर्वभवन् नाम. जम्बुहांप के भरतसंड मे होनेवाले छुट्ट नीर्थकर के पूर्वभव का नाम. name of the previous birth of the future would-be 6th Tuthankara of the Bharatakhan la of Jambu Dvipa सम॰ પૈંગ ૨૪૧. (૪) કાર્તિક નામના માણસ. कार्तिक नाग का मनुष्य name of a man अल्जो॰ १३१; —श्रणगार पुं॰ ( -श्रनगार ) धार्ति धनाभना साधु कार्तिक नाम का मात्र an ascetic so named. गग० १८, २: -चाउम्मासियः त्रिव ( -चातुर्मासिक ) धार्तिक याभासा सप्पन्धीः कार्तिक चानमीम संबन्धा. the monsoon season of the month of Kar tika भग० १८, १, नायाः १; -पाडि-चन्ना. पुं॰ ( -प्रतिपत् ) इति । सुर १५ प्रधीना पाउंचे। ते: हार्तिक यह १. कार्तिक शक्ता ११ के पश्चान् की पडवा, मगसर वदा a the first day of the dark half of the month of Margaśīisa निसी॰ १६, १२;

कत्तियाः स्त्री॰ (॰कर्त्तिका-कर्नरी) धातर. कैंनी A pair of scissors सु॰ च॰ १०७७;

कत्तिग्रा-याः संः ( कृत्तिका ) धृत्तिधा नक्षत्र कृतिका नचत्र The constellation Krittikā जं॰ प॰ ७, १४४; सू॰ प॰ ६, ११; सम॰ ६; ठा॰ २, ३;

कत्तित्रारिक्षत्र ५० ( क्रांतकारिवत )
कृतिवारिक्षत नाभने। ५२५. क्रांतकारिवत
नाम का मनुष्य. A man so named.
त्रामाजो० १३१;

कत्तिगी स्त्री॰ (कार्तिकी) धार्तिक भासनी भुनेभ कार्तिक मास की पूर्णिमा. The

full-moon day of the month of Kartika. जं० प० ७, १६१;

कत्तो श्र॰ ( कुतस् ) अ्याथी कहां से ?
Whence रंखा॰ ४८, स्य॰ १, १, १,
१४, पन्त॰ ६; विवा॰ ६; विशे॰ १४०;
कत्तोद्य त्रि॰ (कुतस्य) अ्यांनीः; अ्या स्थाननीः,
आभनी कहा का १ किस स्थान का १
किस ग्राम का १ Of what place or
country पिं॰ नि॰ १६८,

कत्तोच्चय य॰ (कौतस्त्यक) क्ष्याथी. कहासे ? Whence विरो॰ १०१६.

 $\sqrt{$ कतथा था॰ I (कथ्) ६६ेवु कहना To sny; to tell. कत्थह नदी॰ ४७:

कत्था - श्र० (कुन्न) ક્યાં ? કઇ ળાજીએ कहां ? किस त्रोर ? Where, on what side सु० च० १, १८; ज० प० विशे० १३३; सू० प० २०,

कत्थ नि० (कथ्य ) क्या येगि (शास्त्र )
नाय वर्गरे कथा, इतिहामादि हो वह; जाता
ज्ञादि शास्त्र ( Nāvā and other
scriptures ) including stories
and historical matter ठा० ४, ४;
जीवा० ३, ४; ज० प० राय० १३१
— गेय न० (—गेय) क्या के योग्य गायन क narrative
song राय० १३१,

कत्थाइ श्र॰ (कुत्रचित्) अपायपणः शिधपण देशि कहीं भी, किसी भी स्वान पर In any place whatever विशे ० २६८, ३८८, ७४१, श्रीव॰ १७, भग० ३, २, १४, १; ४०, १; नाया० २, ६, १६; प्रव० ६७६; विवा० ४;

कत्थिवि श्र॰ (कुन्नापि) ક્યાંયપણ कही भी<sup>2</sup>
In any place whatever.
भग० १५, १

कदंव. न॰ (कदम्ब) ४६२ थनुं अ८ कदम्ब का साड. A kind of a tree. नाया॰ १: —पुष्पत्तगः न॰ (-पुष्पक) ४६ थना अ८नुं पुस ६स कदम्ब के साड का फल श्रार फूल. a flower of the Kadamba tree नाया॰ १:

कद्ति पु॰ (कद्ती ) क्ष्मनुं आऽ केले का माड. The plantain tree. भग॰ २२, १; कद्दाइ. य॰ (कदाचित् ) क्ष्मियतः क्ष्मिरेक कदाचित्, किसी समय At some tune; perhaps भग॰ २, १, ६, ३३,

कदापि न्न (कदापि) इसारेपण, है। इन् पण वणते. कमा मा किसीभी समय At some time, at any time मग० १४, १,

कह्म. पुं० ( कर्दम ) डीय., डाहव कीचड़.

Mud. ' श्रवइट्टनिसु भिराग्यकालिय पगलिय रुहिर कयभूमि कहमयचिन्खिल्लपहे ''
पगह० १, ३; १, ४; श्रोव० ३८, पि० नि०
२५३, ठा० ४ २. जीवा० ३, ४, नाया० १;
भग० ६, १; ७, ६, प्रव० ८५७, क० ग०
१, २०, — उद्ग्र न० ( - उद्क ) डाहवपाणु पाणी. कांचडमय पानी mud with
water in it. ठा० ४, ३;

कद्म श्र पुं॰ (कर्दमक) अनु वेश धर देवताना भील राज्यनु नाम श्रमुकेलंघर देवता के दूसरे राजा का नाम Name of the 2nd king of the Annvelandhata gods. जीवा॰ ३, ४; सग॰ ३, ७, कनककंतः त्रि॰ (कनककान्त) सीनेरी वरभ; सोनाजेवा देभावनी पहार्थ, सुनहरी वरक; सवर्ण सरीखा बनावटो पदार्थ (Anything)

of the lustre of gold. श्राया॰ २, ४, १, १४४;

कञ्च. पुं० (कर्या) अ.ओ। " कर्या " शण्ट. देखो " करण "श द. Vide " करण " ११; श्राया० २, ३, २, १२१; पि॰ नि॰ ५४३; ५६१; दम॰ म, २०; —धार. पुं॰ (-धार ) लुओ। " करण-धार "शण्ड. देखों " कर्ययधार " शब्द. vide " करणधार. " मु॰ च॰ ३, १६४; **—पावरण. पुं॰ (-मावरण) ग**र्भरा; धाननुं भूष्ण. गजरा; कान का गहना an ornament for the ear; an ear-rings प्रव० १४४०; —मल. पुं॰ ( -मल ) लुओ। "करणमल" श्रण्ट देखी "करणमल" शब्द. vide "क्यग्रमल" तंदु - स्तर. पुं ( - शर ) धानने पाष्टुक्रेवुं क्षार्गे ते कानों को तीर के समान लगने वाला. anything striking the ears as an arrow strikes the body (e.g. harsh words ). दस॰ ६, ३, ६; —सोक्खः न॰ ( -सौख्य ) धानने सुभरूप कानों को मुखदाई. anything delightful to the ears. दस॰ ८, २६;

कन्नगा. स्नी० (कन्यका) कुमारिका. कुमारी; लडकी. A. girl; a. daughter. सु० च० १४, ६; ठा० ७, १; निर० ४, १;

कन्ना. स्नी॰ (कन्या) लुओ "कयणा" शल्द. देखी "करणा" शब्द Vide "करणा" सु० च०२, ४६५; दस० ६, ३, १३;

कन्नालीय. पुं॰ न॰ ( कन्यालीक ) उन्या भाश्री लुढुं भासपुंते नव वरसनी छाय भने १४ वरसनी छे म उछेवुंते. कन्या के कारण भूंठ वोलना नो वर्षकी हो श्रीर १४ वर्षवा बताना. A ie spoken for a girl; saying that a girl is of 15 years whon she is only nine years old. पग्ह॰ १, २;

फिन्निया. स्री॰ (किंगिका) लुगे। "किंगिया" शल्द. देखों "किंगियाया" शब्द Vide "किंगिया". नंदी॰ ७:

कन्छ. पुं॰ (कृष्या) छुओ। "कग्ह" शण्ट. देखो "कग्ह"शब्द. Vide "कग्ह" श्रंत॰ १, १; प्रव॰ ६६०;

कर्पिजलः पुं॰ (कपिष्जल) अधिश्व पक्षी. कपिजल पत्ती. A kind of bird. दशा॰ ६, ४; श्राया॰ ६, १०, १६६;

कपित्थ. न॰ (कपित्थ) हे।हुं; हे।हे. कबीट, फल विशेष. The wood-apple tree. अराजो॰ १३१;

किपिल पुं॰ (किपिल) धात ही भ इसांना लरत भ इनी यंपा नगरीना हिपेस नामना वासुहेब. धातकी खंडान्तर्गत भरतसंड की चम्पा नगरी के किपिल नाम के वासुदेब. Name of the Väsudeva of the city of Champā on the Dhātakīkhanda. नाया॰ १६;

किपहिस्तिय न॰ (किपहिस्तित) वांहराना हांती-यानी भेंद्रे वाहणा वगर आधाशमां विकणी थाय ते. श्राकाश में विनाही मेघों के वंदर के दांतों (किपहिस्तित) की तरह विद्युत का होना. Lightning in the sky resembling the teeth of a monkey without there being any sign of clouds भग॰ ३, ७;

कपोत. पुं॰ (कपोत) ध्युतर; पारेवुं. कवूतर. A dove; a pigeon. दसा॰ ६, ४;

√कप्प. घा॰ II (कृत्) धापतुं; छे६वुं; णपबुं; समर्थ थवुं; ७८५न्न धरवुं. काटना; छेदना; खपना; समर्थ होना उत्पन्न करना. To cut

कप्पइ. नाया॰ १;

कप्पेह स्य० २, २, ४५; भग० ६, ३३; कप्पेति. स्य० नि० १, ४, १, ७४; कप्पंति. स्य० ४, ११४; कप्पंति स्य० ४, ११४; कप्पेह. नाया० १, कप्पेह. नाया० १, कप्पेह. भग० ६, ३३; कप्पेता. स० कृ० ४, ११४; कप्पेमाण. व० कृ० २, ३६, कप्पेमाण. व० कृ० २, ३६,

कप्पावेइ प्रे॰ क॰ वा॰ सु॰ च॰ १३,६८; क्तच्य पुं॰ (कल्प) ४६५; ये। २४; ७थित, योग्यः उचित. Anything that is worthy or proper. उत्त॰ ३२, १०४; वव॰ १, २२, २, २७, ४, १५; विवा॰ १; उवा॰ १, ७०; (२) भायार श्राचार १ sacred precept or rule जं प ५, ११५; वेय० ४, १४; वव० ५, ११; ६, २; १६; भग० ३, ८; २४, ४, श्रोव० १७; श्राया० १, ३, ३, ११७; १, ६, ३, १५४, कृष्प० ५, ११८; पंचा० ६, २१; ११, २७; ૧૫, ૪૦; (૩) કલ્પશાસ્ત્ર; વેદધમ'ની विधि जतावनार स्थेड धर्म शास्त्र कल्पशास्त्रः वेदधमं की विधि बतानेवाला एक धर्म-शास्त्र Kalpa Śāstra. भग० २, १, ४, ४, विशे ६; कप्प १, ६; (४) शिक्षाती પછેડી, સાધુનુ ચેક ઉપકરણ पद्यवडी; चादर, साधुका एक उपकर्ण a kind of scarf पिं नि भा ४६; प्रव २५8; ४१४, (५) **ક**લ્પનામના દ્વીપ અને સમુદ્ર, कल्प नाम का समुद्र श्रोर द्वीप. an ocean and an island named Kalpa. जीवा॰ ३, ४; (૬) એ નામનુ આચારની મર્યાદા ખતાવનાર अक्षित सूत्र. इस नामका श्राचारकी मर्यादा दि-खानेवाला कालिक सूत्र. a Kālika Sūtra so named explaining the scriptural rules of conduct, knowledge etc. नंदी० ४३; ( ७ ) हिन्हुधर्भनुं

એક શાસ્ત્ર; આચાર વિચાર પ્રતિપાદક શાસ્ત્ર. ब्राह्मण समाचारी का शास्त्र, त्र्याचार विचार प्रतिपादक शास्त्र, name of a Brahmana scripture dealing with ritual. पि॰ नि॰ १७२, स्रोव॰ ३८, (८) સાધર્મ્મ આદિ લાેકાના નામવાલા દ્વીપ અને समुद्र, सौधम्म शादि देवलोकों के नाम वाल द्वीप श्रीर समुद्र. any of the islands and oceans bearing the names of Devalokas, e.g. Saudharma etc. पन्न ० १४, ( ६ ) બાર દેવલાક; કલ્પ-રાજનીતિ વગેરે વ્યવહાર જે દેવલાકમાં છે તે देवलाइ. वारह देवलाक, कल्प-राज नीति इत्यादि ब्यवहार जिन देवलोकों मे है वे देव-लोक the 12 Devalokas, a Devaloka in which there is to be found political organisation etc जीवा॰ १, ३, ४, पन्न॰ २; उत्त॰ ३, १५; ठा०२,४, भग०१,२;५,२,७, ८, १, राय० १८; प्रव० ४८७, सम० १; कप्र० ५, १४, (१०) सरणा; भराभर. समान; वरावर equal to; similar to पन्न० ३६, पर्गह० १, ३; उवा० १, ७४; (११) ४९५५क्ष कल्पवृत्त. a desire fulfilling tree, a sacred tree सु व २, ६७;--ग्रंतर न (-ग्रन्तर) another Devaloka. विवा १०, (२) જિતકલ્પ અને સ્થવિરકલ્પનું जिनकलप और स्थविरकलप का भेद the difference between the Jina-kalpa and Sthavirakalpa. भग॰ १, ३. - श्रंतिरयः त्रि॰ (-श्रन्तरित) ४६५-५७ेडी –ચાદરની અંદર રહેલ. कल्प-पछेवडी -चादर के श्रंदर रहा हुआ. remaining - under the upper garment प्रव०

६८०; — उवग. पुं॰ (-उपग) ५६५-निय મ–રાવ્ત્ય કાયદાની હૃદમાં રહેનાર દેવતા; પહેલા દેવલાેકથા બારમા દેવલાેક સુધીના वैभानिक देवता. कल्प-नियम-राजनीति की सीमा में रहनेवाले देवताः प्रथम देवलोक से 'वाहरवें देवलोक तक के वैमानिक देवता. a god who has not transcended the need of administrative organisation; any of the gods of the heavenly worlds from the first to the twelfth. नाया । ३: उत्त । ३६, २०७; भग० २४, २०; पत्र० १५; --- डचय. पुं॰ (-डपग ) लुओ। "कप्पावेग" श़फ्ट. दंखो "कप्पावेग" शब्द vide "कप्पा-वेग " भग० =, १०; -- उचरिम. न० (-उपरितन) पांयभां देवके। १० ७५२ना देवते। इ. पांचवें देवलोक के रूपर का देवलोक the Devaloka situated alove the 5th Devaloka. भग॰ ६, =; —उववत्तिय. पुं॰ स्त्री॰ (-उपपत्तिक) કલ્પ-ભાર દેવલાકમાં ઉત્પન્ન થયેલ વૈમા-निक्ष देवता कल्प-१२ देवलाक में उत्पन्न हुए वैमानिक देवता. a deity of the heavenly worlds 12 in numbér. भग० ٩, =: —उचचन्नगः (-उपपन्नक) लुओ। "कापोवग "श्रूष्ट देखो " कप्पोवग " शब्द. vide " कप्पो-वग " जं॰ प॰ ७, १४०; ठा॰ २, २: —काल. पुं॰ (-काल) धर्शे वभत; विश अंथ. बहुत समय; चिरकाल. long time. स्य० १, १, ३, १६; —गाहणा. न० ( - ग्रहरा ) यादर वगेरे वस्त्रीतुं अद्धा ५२वुं ते. चादर आदि वल्लों को प्रहण करना. accepting of clothes. प्रव० ५२५; — जुद्रा. ( -युक्त ) पछेडी वर्गरे ३५७थी युक्त चादर इत्यादि वस्त्रों के सहित.

possessed of upper garment etc. प्रव० ४०२; - तिग. न० ( - ग्रिक ) ત્રણ પછેડી ત્રણ ચાદર, तीन चादर; नीन पहेन्दी. three upper garments ( used by ascetics ) अव ० ४०३; ४२६; —दुग. न० ( -द्विक ) भे पछेडी; णे यादर, दो चादर; दो पहेनडी. two upper garments (of an ascetic). प्रवण्यात्र, कर्णाण्ड,१५;—महद्दुमः पुर ્ ( - महाद्वम ) કલ્યુમનું માટું વૃક્ષ. क्ल्पहुम का महान् यृत्त. the big holy tree known as Kalpadruma. प्रव॰ १०३६; — समाति स्त्रो॰ (-समाप्ति) કલ્પની-પરિદાર તપની સમાત્પિ क्लाकी-पारिहार तपकी समाप्ति. conclusion, end of the austerity known as Parihāra, प्रव. ६१७:

कप्पट्ट. पु॰ (कल्पस्य ) भासः वालकः A. child. पि॰ नि॰ २८७; पंचा॰ १४,३१; प्रव॰ ४८८;

कप्पंद्रिइ. स्त्री॰ (कल्पस्थिति) साध सभा-यारीनी स्थिति-भर्थांधा साधु समाचारीकी स्थिति मर्घ्यांदा. Practice of ascetic scriptural rules by a Sadhu. वेय॰ ६, २०;

कर्पाट्टिय. पुं॰ ( कल्पास्थत ) ३६५ रिथत समान्यारी मर्थाशमां रहेस सुनि. कल्पास्थित समानारी की मर्यादा में रहा हुआ मुनि. An ascetic observing scriptural rules. विशे॰ १२७५; प्रव॰ ६१३; —तव. न॰ ( -तपस् ) ३६५ रिथत-धायनान्यार्थ ७ भास ५५ नत ५ रिहारिङ नामनुं तप ६१ ते (तप). कल्पास्थित वाचनाचार्य छः माह तक परिहारक नामका तप करते हैं वह (तप). a kind of austerity named Parihārika; practised

for six months by Vāchanāchārya; a kind of austerity प्रव०६१५, कल्पड. पुं० (कर्षट) क्षुग्राने वण दश्ने अनावेश गिटा वस्र को वट देकर बनाया हुवा गंद. A cloth twisted into the shape of a ball. परह० १, ३; प्रव० ४४०;

कण्पिंडय पुं॰ (कार्पटिक ) शपडी; शवड सध भिक्षा भागनार कावड लेकर भिद्धा मांगने बाला A mendicant begging alms with a balancing lath on his shoulder. पि॰ नि॰ १२७; विवा॰ ७, नाया॰ =;

कप्पण् न॰ ( कल्पन ) छेद्वं काटना, छेद्वं काटना, छेद्वं काटना, केद्दना. Act of cutting सु॰ च॰ १३, १, सूय॰ नि॰ १, ४, १, ७४;

कण्पणाः र्ह्या॰ (कल्पना ) ४६५ना, संभावना ब्रांत्रकाल, कल्पना, संभावना Imagination; act of imagining a thing as probable. विशे॰ १६, १३७, १७३२, भग० ७, ६,

कर्णागुज्ज जिल्ला क्षेत्र हिमाहि हे परिदित्त, किर्माहि हो परिदित्त, किर्माहि हो परिदित्त, किर्माहि हो परिदित्त, किर्माहि हो परिदेत्त, किर्माहि हो परिदेत्त, किर्माहि हो परिदेत्त, किर्माहि हो परिदेत्त, किर्माहि हो पर्वाण किर्माण कि

कप्पतर पुं॰ (कल्पतर ) ४६५५%, कल्प इस A desire-yielding tree. मु॰

cut with scissors; विवा॰ ८,

च० २, ३६६; प्रव० १४६३;

कप्पद्दुम. पुं॰ (कल्पद्रुम ) ५०५५६६ कल्प यृत्त. A desire-fulfilling tree, a sacred tree, भत्त॰ २; प्रव॰ ४०;

कल्पपायवः पुं॰ ( कल्पपादप ) ३८५४क्षः कल्पमृज A desire-yielding tree मु॰ च॰ २,६७;

कण्यस्य पु॰ (कल्पमृत्त ) इश्पप्टक्ष, लुग-भिया अने देवताने विध्नित इस आपनार आड कल्पमृत्त, युगलिया थ्रार देवताथ्रा की चाछित फल देने वाला माड. A desire—yielding tree, a tree furnishing desired objects to Jugaliyās and gode कण्य॰ ४, ६२: भत्त॰ १६७. जं॰ प॰ ३, ४३,

कल्परुक्खम पुं० (कल्पगृज्ञ ) ४६५५१६६ कल्पगृज्ञ A desire yielding tree. ज० प० ५, १२२, भग० ६, ३३,

कप्परुक्खयः पुं॰ ( कल्पवृत्तक ) लुशे। "कप्परुक्खग" शण्टः देखी "कप्परूक्खग" शब्दः Vide "कप्परूक्षग" नाया॰ १,

कप्पचइ पुं॰ (कल्पपति) ११५५वासी देवता-ना अधिपति-ध्रं कल्प्यामि देवताका अधिपति-इद The lord Indra of Kulpavāsī gods. ज॰ प॰ ४, १९५;

कण्पवर्डिसिया बी॰ (कल्यावनिषका ) शे नाभनुं शेंध धिक्ष सूत्र इस नाम का एक कालिक सूत्र. Name of a Kālıka Sātra जं॰ प॰ राय॰ नदी॰ ४३;

कप्पविमाणावास पुं॰ (कल्पविमानावाम )
देवले। इन के देशरूप विभानमा निवास.
देवले। के एक देशरूप विमान में निवास
Residence in a heavenly abode
named Desarupa. ठा॰ २, ४,

कष्पविमाणोचचित्तया सी॰ (करुपविमानो-पपात्तका ) कथी विद्यासमा (१५४८ थाय तेनी आयरजा. जिससे देवलोक में उत्पन्न हो सके ऐसा व्यवहार-प्राचार. Conduct leading to birth in Devaloka. टा॰ १२, ४,

कप्पाईय पुं॰ (कल्पातीत) राज्यव्यवस्थाना नियमने छिद्यां घो गरेस हेवता, नवश्रीवे ध्रुक्ते पांच अनुत्तर विभानना हेवता. राज्यव्यवस्था के नियम को उलांघ चुके हुए देव; नवंश्रवेयक श्रीर पांच श्रनुत्तर विभानके देवता Gods who have transcended the necessity of having administrative organisation; viz. the nine Graiveyaka and the five Anuttara gods. उत्त॰ ३६, २०७, पन्न॰ १५;

कत्पाकिष्पिय न॰ (कल्पाकिल्पक-कल्प था-चार. श्रकल्पेऽतिधिः श्रथवा कल्पे जिन-कल्पादिरकल्पश्ररकादिदीचा, यहा कल्प्यं ग्राह्ममकल्प्यज्ञान्यत् तत्प्रतिपादक शास्त्रं क-ल्पाकल्पिकम् ) ५६५ अ५६५ ६र्शावनार शे५ साडि५ धर्भशास्त्रः कल्प श्रीर श्रकल्प दिखाने वाला एक लेक्कि धर्म शास्त्रः A religious scripture showing what is Kalpa and what is not Kalpa. श्रमुजी० ४१,

करपाग पुं॰ (कल्रक) ओड જગ્યાના धशा भा बिडापेड्री ओड़ ते भुभ्य भा बिड डल्पवुं ते; सेळांतरीओ। एक स्थान के कई मालिकों मे से एक को मालिक समभा लेना, शय्यान्त-राय. Designating one among many owners of a place as the principal owner. वेय॰ २, १२;

कप्पागः पुं॰ (कल्पाक) साधुः साधुः An ascetic. वव॰ ४, १५; —भिक्खुः पुं॰ (-भिक्कु) छेद्देापस्थापनीय बारित्र स्थापया- ज्लेग साधु छेद्दोपस्थापनीय बारित्र में स्थापने

योग्य साधु. an ascetic deserving to re-establish another person (monk or layman) who has temporarily lapsed from right conduct. वय॰ ४, १३; १४,

कप्पातीत. पुं॰ ( कल्पातीत-कल्पमतीता લાકમાં ઉત્પન્ન થયેલ; નવગ્રીવેકથી માંડી પાંચ અનુત્તરવિમાનમાંના દેવતા કે જેને કલ્પ —એટલે રાજનીતિ—વ્યવહારના કાયદાનું यांधन नथी, कल्पातीत देवलोक मे उत्पन्न हुए देव; नवप्रेवेयक से लगाकर पांच अनुत्तर विमान के देवता, जिन्हें कल्प श्रथीत् राजनीति के व्यवहार-कायदा का बंधन नहीं होता. One born in the heavenly worlds which have transcended the necessity of having administrative organisation. भग॰ =, 9; ૧૦, ૨૪,૨૦; (૨) રિથતિકદ્ય આદિ સાઘુના આચારની મર્યાદાને ઉદ્ઘંઘી ગયેલ–તીર્થંકર डेवसी वंगेरे स्थितिकल्प श्रादि साधके श्राचार की सीमा उलांघे हुए-तीयकर, केवली आदि. a Tirthankara, a Kevali etc. have transcended necessity of observing scriptural rules prescribed for ascetics. भग०२, ४; ६, ७;

कप्पातीतगर्वेमाणिय. पुं॰ (कल्पातीतकवे-मानिक) भार देवले। इथी ७५२ना देवले। इभां ७८५११ थभेश वैभानि इत्यात वारह देवलोंको के ऊपर के देवलोंकों में उत्पन्न हुए वैमानिक देवता. A kind of gods born in a heaven beyond the Kalpa heavens. भग॰ २४, १२;

कप्पाय. न॰ (कल्पक) ५६५ कल्प. Kalpa. ( q. v. ) विया॰ ३;

कत्पास पुं॰ (कार्पास ) એક अभीन बै। डिड भत. एक प्राचीन लौकिक मत. Name of an ancient creed. श्रोघ॰ नि॰ भा॰ ૧૨: ( ર ) કપાસથી ઉત્પન્ન થતું સૂત્ર. कपास से उत्पन्न होनेवाला सूत. cotton thread. श्रगाजो॰ ३७, -रोम. न॰ (-रामन्) अपासनी इंवारी. कपास के तार-नर्म रेशा. a fibre of cotton. भग॰ १५, १: -लोम. न॰ (-रामन्) अपास -रुनी पुन-इंवाटी. कपास-रुई का तार. a cotton fibre भग॰ =, ६; — चरा. न॰ ( -वन ) अधासनं वन. कपास का वन. a forest of cotton. निसी॰ ३. १६: याणा એક કપાસનा છવ. तीन डांद्रेय वाला एक कपास का जीव A kind of threesensed living being found in cotton. पन्न॰ १, जीवा॰ १;

कण्पासिद्य पुं॰ (कार्णासिक) अपाशनी वेपारी कपास का व्यापारा A cotton-merchant पन्न॰ १, श्रमुजो॰ १३१; (२) शे नामनुं अपासनु ग्यान आपनार ओड शास्त्र. इस नाम का कपास का वर्णन करने वाला एक शास्त्र. name of a science describing the properties of cotton श्रमुजो॰ ४१;

कप्पासी स्ती॰ (-कार्पासो) हपाशमां रहेनाइ छन-डं कपासमें रहने वाला एक कीड़ा. An insect living in cotton उत्त॰ १६,१३५, किप्पन्न-य त्रि॰ (किएपत) साधुने केया योग्य; साधुने हल्पे तेवुं. साधु के लेने योग्य; साधु को कल्पनीय. Pit for an ascetic; acceptable to a Sādhu दस॰ ६, ४८; (२) गेहिनेक्षं; रथेकुं;

श्थापेतं. जमाया हुन्ना; रचा हुन्ना, स्थापित किया हम्रा. arranged, established. श्रोव० २७, दसा० १०, १, ज० प० नाया० १; सूय० १, २, ३, १८, कप्प० ४, ६२, किपिश्र-य जि॰ (कर्तित) अपेक्षं; छेदेशु . काटा हुआ; छेदाहुआ Cut off; broken. जीवा० ३, ४: विवा० ४; उत्त० १६, ६३; किप्रमुक्तिप्रमु. पुं॰ (कल्पाकप्र) भीगश-त्रिश ઉત્કાલિક સત્રમાનું ખીજું. २६ उत्कालिक सत्रों में से २रा सूत्र. The 2 nd of the 29 Utkālika Sūtras. नंदी॰ ४३: किंपित्रा. स्नां० (किंपका ) ओ नाभने अक्षिक સૂત્ર; નિરયાર્વાલકા અંતર્ગત ઉપાંગ સૂત્ર. इस नामका कालिक सूत्र, निरयावालिका के श्रंतर्गत उपाग सत्र. Name of a Kālika Sūtra; the Upānga Sūtras contained in Nirayāvalikā. नंदां० ४३: कप्पर पुं॰।कपूर) अपूर. कपूर Camphor. राय० ५६; नाया० १; १७; जीवा० कष्प॰ ३, ४३; —पुड. पुं॰ (-पुट) धपूरने। પહેા–પડિકાે. कपूर का पुड़ा-पुडिया. ११ packet of camphor, नाया॰ १७; कष्पोचचर्याम. पुं॰ ( कल्पोपपन्तक ) लुओ। "कप्पोचग " शण्ह. देखो "कप्पोचग " शब्द. Vide " कप्पोवग "भग० २४, २०;

-वेमाणिय. पु॰ (-वैमानिक) लुओ। "कणोवग" शण्ट देखों ', कणोवग "

शब्द vide "कप्पोवग" भग० २४, १२;

विना सिर वाला जाता धड़. A headless

trunk with life in it पगह०१,३;तंदु०

कुमारी. A daughter, पि॰ नि॰ ५७६:

**क्षकच्चाडिगा.** ह्वा॰ (८) पुत्री, दीक्षरी. लडुकी:

कवंध पु॰ (कवन्ध ) भाषाविनानं छवतं धः.

\* लुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी प्रुटनीट (:). देखो पृष्ठ नम्बर १६ की पुटनोट (:) Vide foot-note (\*) p. 15th.

क्ष कचट्टी. स्ती. (बालिका) नानी छो। हरी. छोटी लडकी. A young girl. पि॰ नि॰ २ = ५;

कच्चड. न० (कर्चट ) नाना गढथी विटायेनुं शहर. केंदिर. छोटी दीवार से परिवेष्टित शहर. A city encircled by a low rampart श्राया० २, ७, ६, २२२; कण० ४, ८८; (२) ६५६ी वस्तीनुं २६६१६. छोटी वस्ती का स्थान. an abode of mean population. श्र्युजो० १३१; वेय० १, ६; उत्त० ३० १६, ठा० २, ४;

कव्यडग. पुं॰ (कर्वटक) धर्मध्य नामना थ्रह. Name of a planet. टा॰ २, ३;

\* कमल्ल. न० ( \* ) ખ<sup>2</sup>પર; દીખડી खेलडी; खप्पर. The skull; a piece of a broken jar of the shape of a skull. "कमल्ल संद्वाण संद्विष्" उवा० २, ६४; श्रंत० ३, ८; श्रण्त० ३, १;

कम. पुं० (कम) क्रम, अनुक्रम; पद्धित; नियम सर. कम, अनुक्रम, नियमसर; तरतांव वार. Order, method; serial order. सम० ७; क० प० १, १५; ६६; क० गं० २, ११; १, ७६; स० च० १, १; पि० नि० ६०; नाया० १; ७; १; १६; भग० ५, १; ६, ३; २०, ४, २४, १; ३२, २; प्रव० ३७६; विरो० २; ११०; जं० प० ७,१५७; (२) थरख; पग. पांव; पग; चरण. feet. गच्छा० ३६; — आर.स. ति० (-अरच्ध) क्रमे करीने स्मरं- भेतुं. कमसे प्रारंभ किया हुआ. begun in serial order. क० प०५,६५; — उक्कम. पुं० (-उत्क्रम) क्रम अने उत्क्रम. कम और अनुक्रम. order and serial order.

प्रव॰ १०४६; — जुन्नाल न० (-युगस) ६भ
थुगस भे भग. कम युगल; दो पांच two
feet. गच्छा॰ ३६; — जोग. पुं॰ ( -योग)
अनु६भ - अनुभूव कोग - व्यापार प्रवृत्ति.
कमानुसार जोग - व्यापार - प्रवृत्ति. हिंगांबी
order; graded order. दश॰ ४,१,१;
कमंडलु. न० (कमरुवलु ) ६भ ५९ कमडल.

A waterpot (earthen or wooden) used by ascetics. नाया॰ ७१६; भग॰ ११, ६; १४, ८;

कमकरिया. स्त्री॰ ( फ्रमकरिका ) એક બ्यतनुं पाछंत्र. एक जातका याजा. A kind of musical instrument. निर्मा॰ १७,३५; —सद्द न॰ (-शब्द-फ्रमकिया शब्द-फ्रम कृत शब्द. ) पाछंत्रते। राष्ट्र. याजे का ध्यावाज sound of a musical instrument. निर्मा॰ १७, ३५;

कसदग. न० (कसदक) अंसानी अथरेटने आशरे साध्वीने अक्षार अरवानुं तुंजातुं भात्र; अभंदर कांसे के पात्र के सहश साध्वी के श्राहार करने का तुम्बेका पात्र-कमंडल. A dining vessel of an ascetic made of gourd and having the shape of a bronze pan; an earthen or wooden waterpot of an ascetic. श्रोध० नि० ३६, ६७५; वव० २, २७;

कमढयः न॰ (कमढक) लुओ ઉपले शण्हः देखो उपर का शब्दः Vide above. प्रन॰ ५३६; — जुयः ति॰ (-युत्त) रेशन वर्गरेथी सेपित इरेश तुंग्याना पात्रथी सुन्तः रोगन श्रादि से लेप किये हुए तुम्बी के पात्र सहितः (one) possessed of a painted vessel made of a dry gourd.

<sup>\*</sup> अभे। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुटने। ( \* ). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनेम्ट ( \* ). Vide foot-note ( \* ) p 15th.

प्रव॰ ५३६;

कमणा. न॰ (क्रमण) २५। ५२ थे। ५२ वें. श्राक्रमण करना. Attacking. श्रोव॰ ३, १;

कमल पुं० (कमल) अभल, कमल, A lotus. संत्था० १५; राय० २७; नाया० १; ८: ६: भग० २, १, ६, ३३: विशे० ११०६: (२) ओं अंतिन। ६२७. एक जाति का म्य. a kind of deer. ज॰ प॰ ४, ११४; १२१; त्रगुजो० १६; त्रोव० ६३; (३) છટ્ટા તીર્યકરનું લાંછન છઠે तीर्थंकर का चिन्ह - लाइन. the mark (insignia) of the 6th Tirthankara. प्रव० ३=१; — आगर पुं॰ ( - आकर ) अभसवाणुं तथाय, कमलवाला तालाव, a lake with भग० २, १; श्रगुजो० १६; —श्रायर. वुं० (-म्राकर) इभवनां अत्पत्तिस्थानः तवाव सरे। ५२ वर्गरे. कमल के उत्पन्न होनेका स्थान. तालाव, सरोवर आदि. a lake etc. where lotuses grow. कप्प॰ ४, ६०; - उवम त्रि० ( - उपम ) अम्सना सर भुं; अभक्ष के वुं. कसल के सद्दश; कमल जैसा. lotus-like; resembling a lotus. विवा॰ ७, —हिय. त्रि॰ (-स्थित) **७भ**अ ९ ५२ २ हें बुं कनल पर रहा हुआ. situated on a lotus. कप्प॰ ३, ४१; —(ला)गायगा न॰ (-नयन) **५**भसना केवी आभ. कमल जैसी श्राख. an eye like a lotus. नाया॰ १; — द्ला न॰ (-दल ) अभसनुं पत्र. कमल का पत्ता a leaf of a lotus. भत्तः ७६, પાંખડી જેવી આંખાેવાળું. कमलको पखडी के समान श्रांखोंनाला. having eyes like lotus-buds भत्तः ७८, --वग्ः न॰ (-वन) अभल्न यन कमलो का वन

the place where lotuses grow abundantly. कप् ३, ३६; — चणा- लंकरण १० ( -चनालकरण ) अभवनना आल्ष्य क्ष्य क्ष्य वन का श्राभूषण. the lotus as an ornament of the forest. कप् ३, ३६; — (ला) सीद्धा-स्त्या. न० ( -सिंद्धासन ) पिशायना छंद्र आणनी पद्रराष्ट्री-अभवादेनीनुं अभवसिंद्धासन नामनुं आवन. पिशाचों के इंद्र काल की पद्ररानी कमलादेवी का कमल सिंद्धासन नाम का श्रासन. name of the throne of Kamalādevī the crowned queen of Kāla, the Indra of the Piśāchas. नाया० घ० ५;

कमलगाहावइ पुं॰ (कमलगाथापति) असल नामना गृह्वपति, गृह्वस्थ. कमल नाम का एक साहुकार. A merchant-prince so named. नाया॰ घ॰ ४;

कमलप्याः स्त्री॰ (कमलप्रमा) िपशायना भहाराज्य आणनी जीक पहरानी. पिशाचों के इन्द्र काल की दूसरी पहरानी. Name of the second principal queen of the sovereign king of the Piśāchas. ठा० ४, १; भग० १० ४, नाया॰ ४० ४;

कमलवाडिसयभवणः न० (कमलावतंसक-भवन) ४भक्षायतस्य नामे लवनः कमला-वतंसक नाम का भवनः A celestial abode named Kamalāvatamsaka नाया० थ० ५;

कमलिसरी स्त्री (कमलश्री) अभवश्री नाभ-नी राष्ट्री कमलश्री नाम की रानी Name of a queen. नाया र दः मः — भारिया स्त्री ( - भार्या) अभवश्री नाभनी स्त्री. कमलश्री नाम की स्त्री. name of a woman नाया व र ४; कमला. ह्यां० (कमला) पिशायना छेद्र डाणनी पेट्रराष्ट्री; इभक्षादेवी. पिशाच का इंद्र काल की पट्टरानी; कमलादेवी. Kamalādevī, the crowned queen of Kāla, the Indra of the Piśāchas. जं० प०३, ५७; नाया० घ० ४; ठा० ४, १; भग० १०, ६; —दारिश्रा. स्त्री० (-दा-रिका) इभक्षा नामनी पुत्री. कमला नाम की लडकी. a daughter of this name. नाया० घ० ६; —रायहाणी. स्त्री० (-राजधानी) इभक्षादेवीनी इभक्षा नामे राजधानी. कमलादेवी की कमला नाम की राजधानी. the capital-city named Kamalā of Kamalādevī. नाया० घ० ५;

कमलावर्द. स्रो॰ ( कमलावती ) ध्युधार राज्यनी राष्ट्री. इपुकार राजा की रार्थी. Name of the queen of king Isukāra. उत्त॰ १४, ३;

कमसो न्न (क्रमशस्) अनुक्रभथी; क्रमेक्षरी. कम से; श्रनुक्रम से. In order; in serial order. विशे ११०; र्ष वि ७७, श्रशुको १२८; प्रव १८; १३४३; क॰ गं १, १४; ३०; २, ३०; ५, ८३; क॰ प॰ १, १६; ४०; उत्त १८, ११;

कमाः स्त्री॰ (कसा) अभादेशी; धरखेन्द्रनी अग्रमिद्धिशीनुं नाभ कमादेवी; घरखेंद्रकी अग्रमिद्दियां का नाम. Kamādevī; the principal queen of Dharanedra. नाया॰ ध॰

कमाञ्च. न॰ (कपाट) ५२॥ किवाड A door. श्राव॰ ४, ५;

किमियव्व. त्रि॰ (क्रिमितव्य) आइमध् इरवुं. श्राक्षमण करना; हमला करना Attacking; overpowering. नाया॰ १; भग॰ ६, २३; कस्म पुं॰ (कामेंग्य) क्षाभेश् शरीर; पांथ

शरीर भानं ओड़. कार्माण शरीर; पांच शरीरों में से एक. Karmic body; one of the five sorts of bodies. भग॰ १, १, ६; २, १; ६, १; क० गं० ४, ७६; (૧) કાર્મણ યાેગ; ૧૪ યાેગમાંના એક. कामण योग: १५ योगोंमेंसे एक. Kārmana Yoga: one of the 15 Yogas. क॰गं॰४, ७; २८; (३) डार्भेश शरीर येाप्य पुद्रव स्डंधनी वर्गेखा-सभुद्राय. (३) कार्मेख शरीर के योग्य पहल स्कंधों का समृह-समदाय. a collection of molecules fit for the Kārmaņa body. क॰ प० १, १६; -- उरलद्भाः न० (-श्रीदारि-कद्विक) अभ्भेषा तथा ओहारिक दिक. कामेरा तथा श्रीदारिक द्विक-युग्म. a pair of Kārmana or physical bodies. क॰ गं॰ ४, ३०; —पोग्गलपरियट्ट. न॰ (-पुद्गन्वपरिवतं) એક છવ જેટલા વખતમાં લાકનાં તમામ પુદ્રલાને કાર્મણ શરીર પણે લઇને પરિણમાવીને છેાડે તેટલા વખત-કાલ**ના** એક વિભાગ. एक जीव जितने समय में लोक के तमाम पुद्गलों को कार्मण शरीर द्वारा लेकर श्रीर परीणमाकर छोड़ता है उत्तना समय; काल का एक विभाग. & certain division of time. भग० १२.४: करमतपुं॰(कर्मन् ) ७ त्क्षेपण्, अवक्षेपण्, आ-કુંચન, પ્રસારણ, ગમન, એ પાંચ કર્મામાંનું गभेते એક इर्भ. उत्त्वेपण, श्रवद्वेपण, श्राकुः ज्ञन, प्रसारण श्रीर गमन इन पांच कर्मों में से कोई भी एक कमें. any of the five actions consisting of raising, lowering, contracting, expanding and moving. भग-१, २;१२,४; पन्न॰ २३; दसा॰ ६, १; उवा॰ १,४३; (२)

કારીગરી, કારીગરીયી બનાવેલું રૂપ-આકાર

कारीगरी; करीगरी से बनाया हुआ आकार.

र्क्ष: हार्थ: क्रिया: कांम धंधा व्यापार; कर्म; काम किया; धंधा action; operation, trade अण्जो १३१; ठा०१, १; सू॰प॰ १६; नाया० १, १७; मु॰च० १, १; पिँ०नि० ६३: १०१: ४३७, पिं० नि० भा० ४०; जं० प॰ ७, १४१; (४) आरंश; प्रवृत्ति आरंभ; प्रवृति. beginning of activity; activity. सूय० १, १२, १५; जं० प० ( પ્ર ) આત્માની શક્તિને દળાવનાર જ્ઞાના-વરણાદિ આઠ કમ્મેં; જ્ઞાનાવરણીય, દર્શના-વરણીય, વેદનીય, માહનીય, આયુષ્ય, નામ, ગાત્ર,અને અન્તરાય, એ આઠમાંનું ગમે તે थे है. श्रात्मशक्ति को दवाने वाले श्राठ कर्माः ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, वेदनीय, मोह-नीय; श्रायुष्यः नाम, गोत्र, श्रीर श्रंतराय इन आठ में से कोई भी एक. any one of the eight Karmas viz. Jñānāva-Darśanāvarnīya, raniya, Vedaniya, Mohaniya, Ayusya, Nāma, Gōtra and Antarāya भग० २, १, ५; ३, १, ५, ४, ७, ६, ३४, १; ३४, १; पन्न० १, १४; १६; दसा० ६, १; विशे० २४६, ३६३; सूय० २, १, ६०; दस० ४, २४, ६, ३३; ६६; नाया० १; ५, कप्प० ५, ११८, ग्राव० १, ५; क० गं० १, १; ३७; २, १; — श्रंत पुं॰ ( -श्रन्त-कर्मणां श्रन्तः पर्यन्तभागो मूल कारणं यस्य ) अर्भना अरुश. कर्म्म का निमित्त-कारण. a cause of Karma. दसा॰ ६, ३१; — ग्रंस. पुं॰ ( - ग्रंश ) ज्ञानावर-णाहि ५भेने। अश. ज्ञानावरणादि कर्मीका श्रश. a portion of Karma, e.g. of knowledge obscuring Karma etc. श्रोव० ४२, उत्त० ३, १०; भग १४. १; १८, ७; (२) अर्भ प्रकृति कर्म प्रकृति Vol. 11/52.

a variety of Karma. क॰ गं॰ ६, १७; -- श्रवसेस पुं० (-श्रवशेष ) ४भी-भातः अवशेष-पाष्टीनां ५र्भ. कर्ममात्रः खबन शेष-वाकीका कर्म the whole mass of Karma, the remaining Karmas. भग॰ १४, ७; — आजीवः त्रि० ( - श्राजीः वक ) भेती वगेरे डर्भ डरी छवनार खेती प्रभृति कर्म करके जीविका चलाने वाला one who earns livelihood by agriculture and other occupations. ठा० ४, १, — आदाण ( - ध्रादान ) ५६२ प्रश्तरनां अभिरानः શ્રાવકને ન કરવા યાેગ્ય કર્મ-ધ ધા. पंद्रह प्रकारके कमीदान: श्रावक के न करने योग्य कर्म-च्यापार. the fifteen sorts of actions by which Karma incurred; a business not fit to be done by a layman or a Jain. भग० ६, ३३; (२) કર્માને આવવાના માર્ગ कर्मी के श्रोन का मार्ग, a door for the coming in of Karma भग द, ५; --- आयाग न॰(-श्रादान) अर्भ तु अपाधन **धारेश कर्मी का उपादान कारणः** efficient cause of Kaima. শ্বন ६.१५,--श्रासीविष. त्रि॰ (-श्राशीविष = कमेणा-क्रियया शापादिनोपघातकरणेनाशी विपाः कर्माशीविपाः ) कीने क्षिया अनुष्टानना **ળલથી ખીજાના નાશ કરવાની** શ્રાપ આપી અનિષ્ટ કરવાની શક્તિ ઉત્પન્ન થઇ હોય તેવા तिर्थय भन्ष्य परेरे. जिसे किया-श्रनुष्टान के बलसे दूसरों का नाश करने-शाप देकर र्श्यानष्ठ करने की शाक्षि उत्पन्न है। गई है वह तिर्यंच मनुष्य वगैरह. one that has developed the power of effecting evil to others by the force of some practices and by

pronouncing curses. भग॰ ६, १; २; — उदय. पुं॰ ( - उदय ) धर्माने। ७६५. कर्मों का प्रादुर्भाव. rise of Karma; maturity of Karma. भग० ६, ३३: — उदीरणः न० ( - उदीरण ) **४र्भ**ने पराष्ट्रे भेंथीने उदयभां क्षावतुं ते कमां को उदय भाप में लाना. forcing up Karma into maturity. भग० २५, ६: -उपग. पुं॰ (-उपग) ज्ञानायराजाहि **५**भीतुं शंधन, ज्ञानावर्णादि कर्मा का वंधन, bondage of Karma, e.g. that of knowledge-obscuring Karma ețc. भग॰ १४, ६; — उवचय. पुं॰ ( -उपचय ) अभेति। ७५२४५-वृद्धिः कर्मे। की शृद्धि. increment of Karmas. भग॰ ६, ३; — उवसम. पुं॰ (-उपराम) र्भोने उपसभाववा ते. कर्मों को उपशमाना. subsidence of Karma; assuaging of Karma. भग॰ ६,३२;—उवहि. पुं॰ (-उपि ) डम रूप ઉपावि; आठ **५र्भरूप परिश्रद, कर्म रूप उपाधि**; श्राठ कर्ग रूप परिप्रह. obstacles, fetters in the form of the eight kinds of Karma. ठा॰ ३, ३; भग॰ ३=, ७; —क्तर. पुं॰ (-कर) धरतुं **डाम**डाल **४२**नार: अभगरे।: ने। **४२. घर** का कामकाज करने वाला: नोकर चाकर. a domestic servant: a servant. जं॰ प॰ श्रोद॰ ३१; दसा० ६, ४; श्राया० २, १, २, १२; ---करश्च. पुं॰ (-कर+क) लुओ। " कम्म-कर "शण्ध. देखो " कम्मकर " शब्द. vide "कम्मकर " सूय॰ २, २, ६३; -करण. नं० ( -करण-कर्मीवपगं करणं जीववीयें बन्धनसंक्रमादिनिमित्तभूतं कर्म कर्मकरंग ) अर्भनुं अर्थु, साधनः গুৰ বীৰ্থ বৃহীৰ कर्मी का करण-साधन;

जीव वार्य इत्यादि. instrumental cause of Karma. भग ०६, १; — करी. स्री॰ (-करी) अभ अरनारी; अभगरी; ६।२(ी. काम करने वाली; दासी; नौकरानी. a female servant, a maid-servant. श्राया॰ २, १, २, १२; -कार-पुं॰ ( -कर ) शभ धरनार; हास. काम करने वाला दास. a servant. नाया॰ ६: -कारश्र. go (-कारक) अभ अरतार; धास. काम करने वाला; दास. a servant. दसा० ६, ४; -- बस्तय. वं० (-चय) **५भे** नि। क्षय-नाश. कर्में। का च्चय-नाश. destruction of Karma. नाया॰ **२**: प्रव० ४४५: ६४८: अत्त० १३६; —संघ. पुं॰ ( -स्कन्ध ) धर्मना २५ंध-અણ્સમૂહ. कर्म के स्कंध-श्रग्रसमूह. collection of Karmas. क॰ गं॰ ४. ७८; --- गर. पुं॰ ( -कर ) क्षारीभर-लुदार वगेरे. दस्तकार (कारीगर) -लुहार इत्यादि. an artisan, e.g. a blacksmith etc. जीवा० ३, ३; जं० प० ४, ११२; — गुरु. त्रि॰ ( -गुरु ) ४ मे ४ सी-गुरु-लारे: लारेडम , कमा से भारी: गुरु कुमा ( one ) possessed of heavy Karmas. नाया॰ ६; -गुरुयना. स्री॰ (-गुरुकता ) ध्मे धरी शुरूपण् दारा भारो पना heaviness of Karmas. भग० ६, ३२; —गुरुयसंभारियत्ताः स्रो॰ (-गुरुकसंभारिकता) अभीतुं आरेपछुं; **भारे** अभिप्रशं. कर्मों का भारी पन; जिसके कर्म वडे जवरदस्त हैं. heaviness of Karmas; state of being one with heavy Karmas. भग ०६,३२; — घरा पुं॰ ( -घन ) क्रभे ३५१ वाहण. कर्म रूपी बादल, a cloud in the form of Karma. " विरायई कम्म घरामि

श्रवगषु " दस॰ ८, ६४; --वउक्क न॰ (-चतुष्क ) दर्शनावर्श, पदेनीय, नाम, अने गात्र, अयार ४भ<sup>5</sup>. दर्शनावणीय, वेद-नीय, नाम श्रौर गोत्र ये चार कर्म. the four varieties of Karma, viz Darśanāvarnīya, Vedanīva. Nāma and Gotra. क. प. २, =: —जाइसेश्र. पुं॰ (-जातिभेद् ) धर्भ अने ज्यति ने। भेद. कर्म श्रीर जाति का भेद. the distinctions of occupation and castes. प्रव॰ १५, १५; —जुत्त. त्रि॰ ( -युक्त ) धर्भ युक्त; **કર્મસહિત. कर्मयुक्त-सिंहत; यर्म** possessed of Karmas; with Karmas. प्रव० १२८८; —हुस. न० (-ख़रक) गार्ट ५२. श्राठ कर्म. the eight Karmas. क० प० १, १, प्रव० १२०६; —हुगोद्य. पुं॰ ( -श्रष्टकोदय ) अष्ट ५२ ने। ७६४. याठा कर्मी का उदय. the rise or maturity of eight Karmas. क॰ प॰ ७, ४४; — ट्विइ. स्री॰ ( - स्थिति ) धर्भनी स्थिति. कर्मों की स्थिति. duration of existence of Karma भग० ६, ३: १४, ६; प्रव० १०४४; क० प० २, ७४, ३, २; — गारवह पुं॰ ( -नरपति ) अभे३ भी राज्य. कर्म रूपी राजा. a sovereign, a king in the fromof Karma, नाया॰ -- शिदाश. न० ( -निदान=कर्म निदानं नारकत्विनिमत्तं कर्मचन्धानिमित्तं वा येषां ते क्मीनेदाना ) अर्भ भैधनना अर्खा. कर्म वयन का कारण a cause of Karmic bondage. भग॰ ४, ६; १४, ६, — शिसेंग पुं॰ ( - निपेक ) लुओ "कम्म निसेश्व" श्रूष्ट. देखा "कम्मानिसेश्र" शब्द. vide. "इम्मनिसेश्व" जीवा०२; भग० ६, ३: —द्द्ववारासा. पुं॰ (द्रव्यवर्गसा) ४भ २<sup>५</sup> **५०**थ वर्गे ह्या- अभेति। सभू हु. कम रूप समुदाय -कर्मों का समृह; कर्म वर्गणा. a group, collection of Karmas. भग॰ १, १; —निज्जरा. स्त्री॰ (-निर्जरा) अर्भेनी निर्ण्टरा, र्धिते। क्षय. कमें की निर्जरा; कमें का चय destruction, wasting away of Karma. भग० ७, ३; - निव्वत्ति. स्री॰ (- निर्दृति) धर्भनी ७८५ ति.-निष्पति कर्मी की उल्ली-उद्गम. birth of Karmas,भग॰ १६. ५; - निसेश्च पुं॰ ( -निपेक-कर्मणो वाधोनाकमीस्थीतः कर्मदलिक-निपेको स्यानुभवनार्थी रचनाविशेषो वा निपेकः) અणाधा अल शिवायनी अर्भ रिथति; અળાધાકાલ પછી કર્મના અનુભવ થાય તેવી રીતે કરેલી કર્મની એક રચના વ્યવસ્થા. श्रवाधा काल रहित कर्म स्थिति; श्रवाधा काल के पश्चान् कर्मों का श्रनुभव हो ऐसी की हुइ कर्म रचना-व्यवस्था a variety of Karma which is experienced after the period of its end "श्रवाहृणिया कम्मद्रिई कम्मनिसेगोत्ति " भग० ६, ३; --- पण्स. gं॰ (-प्रदेश) धर्भना प्रदेश. कर्मी का प्रदेश. the atomic part of Karma. क० प० 9. ७, ५०; क० गं० ५, ६६; — पगइ. स्री० ( – प्रकृति ) ১ भूनी ১५ ति कर्मों की प्रकृति. variety of Karma. क॰ गं॰ ६, ६६,-पगडि स्री॰ (-प्रकृति) ५र्भनी प्रकृति अवातर भेद. कर्मी की प्रकृति-प्रवान्तर भेद. Karmic nature: Karmic variety भग० ६, ३; ६; ८,१०,१६, ३; २४, ६; २६, ३;३३,१; —पभार पुं॰ (-प्रभार) **કર્મીતા ભાર; કર્મીતા ખાજી कर्म का भार;** कर्मी का वोकः heavy load of Karma निर॰ १, १; --परिवाह. पुं॰

( -परित्रह ) आঠ এণ্ডি দ্বি প্রিয়ঙ্. স্থাত कर्म रूप परित्रह. possession in the form of the eight kinds of Karmas. ठा० ३, १; भग० १८; ७, -परिगाति. स्री॰ (परिगाति) धर्भनुं ६व कर्मी का फल. the result of Karma पंचा०७,४=,-प्रिस.पुं०(-पुरुष) ७भी-भ-**હारंसाहि तत्प्रधान पुरुष-वासुद्देव. कर्म-महा**-रंभादि में प्रधान पुरुष-वासुदेव. Vāsudeva whose activities mainly consist of sinful operations. তা০ ২, ৭; --- पवाय न॰ पु॰ ( -प्रवाद ) धर्भ-સંખ ધી વિવેચન જેમાં છે તે; કર્મ પ્રવાદ नामने। आठभे। पूर्व जिसमें कर्म संम्बन्धी विवेचन है वह: कर्म प्रमाद नामका श्राठवां पूर्व. name of the 8th Purva in which there is a discourse on Karma. नदी॰ १६; सन॰ १४; -वंध. पुं० ( -वध ) अभेति। एध कर्मी का वंध. Karmie bondage. नाया॰ १७, प्रव॰ ११६१; - बहुत्त. न० ( -बहुत्व ) अभेति બહેાળાપણં. कर्मी का बाहुल्य. multiplicity of Kaima. भग॰ १२, ७; —वीन्त्रा. न० ( -बीज ) કર્મનું ખીજ રાગ देशाहि, कर्मों का वीज-राग देशादि. seed of Karma इसा॰४,३६, —भारियताः स्रां० ( - भारिकता=भारोशिस्त येपां तानि भारिकाणि तक्कवो भारिकता कर्मणो भारि. कता कमभारिकता ) धर्मानुं लारेपणुं heaviness of Karmas भग॰ ६. ३२; -- मइल त्रि॰ ( -मिलन ) धर्भ वडे भ्रीत. कर्मी द्वारा मर्लान. bespattered with Karma क प० ७, થળ, —मल. पुं॰ ( -मल ) કર્મરુપી મેલ. कर्म रूपी मेल. dirt in the form of Karma.क०प०१,१; —मलावेक्खा स्री॰

(–मलापेचा ) કર્મરूપી મેલની અપેક્ષા. कर्म-रूपी मैल की अपेता. reference to the dirt in the form of Karma. प्रव॰ ७३५; -- मूल न० (-मूल ) ६र्भनुं भूस કારણ: મિથ્યાત્વ, અવિરતિ, પ્રમાદ, કવાય अने थे। अ. कर्मीका मूल कारण; मिथ्यात्व, श्रविरति, प्रमाद, कपाय श्रीर योग. any of the five causes of Karma, viz Mithyātva, Avirati, ṣāya and Yoga. " कम्ममूर्तंच जेंट्रलं " श्राया० १, ३, १, —रयः न० ( -रजस् ) ४२६५५ २०८ कर्म रूपी रज; कार्मिक रज. Karmic dust. नाया॰ ८, १४; दस॰ ४, २०; भग० ६, ३१; २०, ८, —लेस्सा स्रो० ( -लेश्या-कर्मगा. सकाशाचा लेश्या जीवपरिणतिः सा कर्मतेरया) नाभ धर्मनी प्रभृतिरूप छ क्षेश्या. नाम कर्म की प्रकृति रूप छ लेश्या. any of the six Lesyas resulting from the Nāma Karma of a soul. भग० १४, १; ६; — वस. त्रि॰ ( -वश ) ५भैने पश-आधीन. कर्माधीन; कर्मी के वश. one subject to Karma नाया॰ १८, — बसगय. त्रि॰ (-वशगत) धर्भने वश थरेल. कर्मों के वशीभूत. one under the power of Karma. नाया॰ ६; - विडसगा. पुं॰ ( -च्युत्सर्ग ) अर्भने। त्याग अरवे। ते. कर्मों का त्याग करना. abandonment of Кагша. भग० २५, ७; — विगम. पु॰ (-विगम ) क्ष्मेनी क्षय. कर्म च्रय. destruction of Karma; subsidence of Karma. पंचा॰ १, २; - चिमुकः त्रि॰ (विमुक्त) अभीथी भुक्त थयेश कर्मोस मुक्त. one, free from Karma. नाया॰ ६; -वियइ स्त्री॰ (-विगति) धर्भनी

विश्वित्र गति कर्मी की विचित्र गति, the strange course of Karma भग॰ ह,३२; — विस. न० (~विष) धर्भरूप अेर. कर्मरूगी विष-जहर. a poison in the form of Karma, पंचा॰ ४, २८; —विशुद्धिः स्त्री॰ ( -ावेशुद्धि ) धर्भनी शुद्धि. कर्मों की निर्मेलता-शुद्धता. purification of Karma. भग० ६, ३२: —विसोहि स्री॰ ( -विश्वादि ) धर्भनी शिक्ष कमों की शिक्ष putification of Karma. भग० ६, ३२, -वेयसा स्त्री० ( -वेदना ) अर्भनी वेदना. कर्मी की वेदना-पोडा. feeling of pain due to Karma. भग० ७, ३; —समारंभ पुं॰ (-समारम्भ) पापना हेतुरूप क्वियाना क्षारख पाप का हेत रूप किया का कारण cause of Karma which leads to sin; an action leading to sinful Karma. श्राया १,१,१,७; --सह. त्रि॰ ( -सह ) डर्भविपाउने सहन धरतारः कर्मविपाक को सहन करने वाला. (one) who endures the results of Kaima. "कम्मसहा कालेग जंतवो" स्य० १, २, १, ६; —हेउन्रा ति० (-हेतुक) धर्म छे हेतु कोनु योवं. जिसके कर्म ही निमित्त हैं वह that of which Karma is the cause " पयत्तविद्व त्तिव कम्म हेउ यं "दस० ७, ४२,

कम्मग्र. पुं॰ (कामण) आंड इर्भना कथ्या-इप डार्भणु शरीं ते ते ते अने डार्भणु शरीर संसारी हरेंड छवने छे। ये ते सवा-तरमां पणु छवनी साथे ज्यय छे. ब्राठ कर्मों का समूह रूप कामण शरीर, प्रत्येक सासारी जीव को तेजस ब्रोर कामण शरीर होता है ब्रीर भवांतर में भी जीव के साथ जाता है. Kārmana Śarīra i e a body made up of the combination of the eight varieties of Karma. Every earthly soul has the Kārmaņa as well as the Tejasa Śatīra and these two accompany it even in the next birth. सम॰ प॰ २१६; जीवा॰ १; अगुजो॰ १४५;

कम्मइया. स्री॰ (कमाचिता ) क्षाम करतां क्ष्यां स्थान थेथी शुद्धि; यार शुद्धिभानी थेक काम करते र उत्पन्न हुई बुद्धि, चार बुद्धियों में से एक Thought excited in the mind during the course of an action. नाया॰ १,

कम्मग्रा. श्र॰ (कर्मतः ) क्ष्मी. कर्म से. Through, on account of Karma. भग॰ १२, ४; २०, ४;

कम्मग. न॰ (कर्मक=कार्मण) आर्मेश् शरीरः अर्भ सभुहाय द्रव्य. कार्मण शरीरः कर्म समूह द्रव्य. Kārmana Śarīta i e.a body made up of the combination of the eight kinds of Karma विशे॰ ६४६ः भग॰ ६, ६, १२, ४ः —सरीरः न॰ (-शरीरः) आर्मेश् शरीर. कार्मण शरीर, Kārmana Śarīta भग॰ २४, १, —सरीरः पुं॰ (-शरीरिन्) आर्मेश् शरीरवाली जीव a soul possessed of Kārmana Śarīta जावा॰ १०; ठा॰ ६, ४, भग० १८, १;

कम्मजाय पुं॰ (कार्मणयोग) पशी अरुशि व्यापार. The act of making one submissive by means of some enchantment etc नाया॰ १४;

कम्मण न॰ (कार्मण) भननी शिक्तथी है। धेने वश क्ष्युं, गांडा आनाववुं वगेरे. मानसिक

शाक्ति से किसीको वश करना; पागल बनाना इत्यादि. Mesmerism. पि॰ नि॰ ४६७: यव० १३३०; क० गं० ३, २४; ४, २७; (२) धार्भे शशीर. कार्मेग शरीर. the Kārmana body. भग० १, ४; क० ग० १, ३३; —जोय. पुं० (-योगं ) वशी ५२ शाहि व्यापार. वशीकरणादि व्यापार. practising of euchantment नाया॰ १४: --सरीरनाम न॰ (-शरीरनामन्) धर्भण् शरीर नाम. कार्मण शरीर नाम. the name or appella tion Kārmana Śarīra सम २ २ = ; कस्मतर न॰ (कर्मतर) अतिशय ५र्भ. बेहद कर्म; श्राधक कर्म. Excessive Karma. भग॰ ५, ६;

कम्मतरय. पुं॰ (कर्ममत्तरक ) थढु धर्म, अति-श्यध्मे. बहुत कर्म; श्रातिशय कर्म. Excessive Karma. भग॰ ४, ६; ७, ३; करमत्थ्य पुं॰ (कर्मस्तव ) धर्मस्तवनामे धर्म श्रथने। त्रीको धर्म श्रंथ. कर्मस्तवनाम का श्रमेश्रथ का तीसरा कर्मग्रन्थ. The third division of Karmagrantha; the third Karmagrantha named Karmastava. क॰ गं० ३, २४;

कम्मधारय. पुं॰ (कम्मधारय) इम्धारय स्थासः सभासने। ओड अडार. कमधारय समासः समास का एक भेद. An appositional compound; a variety of compound. अणुलो॰ १३१;

कम्मभूम ति॰ (कमंसीम ) डर्भभूमिता क्षेत्रमां रहेनार; असि भसी अने डसी (तसवार डसम अने भेती) अे त्रशु डर्भ उपर निर्वां असावनार. कर्मभूमि में रहने वाले; श्रांस मसी श्रोंर कृषी (तलवार, कलम श्रोर खेती) ये तीन कर्म करके निर्वाह चलाने वाला. (One) living in the land of Karma; (one) who earns livelihood by any of the three professions, viz. literary, military and agricultural. उत्तः ३६, १६६;

कस्मभूमि. स्री० ( कम्भूमि=कृषिवाणिण्यतपःसंयमानुष्ठानादिक्संप्रधानाभूमयः कर्मभूमयः) ५ भूभि भनुष्यने रहेवाना पंदर
क्षेत्रः, पांच करत, पांचधरवत्त, व्यने पांच
भहाविदेह क्षेत्रः, पांच भरत, पांच इरवत
श्रीर पाच महाविदेह. The 15 regions
of the abode of men of KarmaBhūmi, viz. 5 Bharat, 5 Iravata
and 5 Mahāvideha. विशे० ४१६;
भग० २०, ६; ६; २५, ७; नंदी० १७;
पत्त० १; श्राव० ४, ८;

करमञ्जूमिग. ति॰ (कर्नभूमिक) ध्र्मेश्लिभमां पेटा थ्रयेल भनुष्यः असी, भसी, अने धृषि ओ त्रेल धर्म धर्म हिंदा हुआ अथवा रहनेवाला मनुष्यः असी, मसी, कृषि ये ३ कर्म कर निर्वाह करनेवाला मनुष्यः असी, मसी, कृषि ये ३ कर्म कर निर्वाह करनेवाला मनुष्यः A person born in Karma-Bhūmi; a person earning his livelihood by any of the three occupations, viz military, literary, and agricultural. श्रीघ॰ नि॰ ५२६; पन्न ० १; — भूभियः ति॰ (-कर्म भूमिन) जुन्था "कम्मभूमिग" शब्द. देखों "कम्मभूमिग" राब्द. देखों सम्मभूमिग" ठा॰ ३, १;

कम्मयः न० (कर्म्मज—कर्मणो जातं कर्म-जम्) अभेषु शरीर; व्यार अभेता सभुदायथी उत्पन्न थतुं उद्दारिशदि यार शरीरना अरुष् रूप शरीर. कार्मण शरीर; ब्याठ कर्मों के समु-दाय से जल्पन धीदारिकादि चार शरीरों का कारणरूप शरीर. Kārmaṇa Śarīra; a body formed by the combination of the particles of the eight kinds of Karma, and a cause of the four kinds of bodies, viz. Audārika etc. जं॰ प॰ २, २४; पज॰ १२; —दञ्च. न॰ (-द्रज्य) आर्थेश शरीरने ये।ज्य द्रज्य वर्भेशा कार्मण शरीर के योग्य द्रज्य समृह. molecules of which Kārmana Śaiīra is made. विशे॰ ६०४;

कम्ममासञ्चन्यः न० (कर्ममापक) पांथ ગુંજા (રતિ) ચાર કાગણી અથવા ત્રણ निष्पाप प्रभाशन वकन-भाष पांच रत्ती चार कागणी या तीन निष्पाप के बरावर का दजन -माप A measure of weight equal to 5 Gunjas or 4 Kāganīs or 3 Nispāpas i. e. equal to about 10 grains, श्रमुजी॰ १३३; कम्मया त्रि॰ (कर्मजा ) शभ अरतां अरतां ઉપજે તે છુહિ; ચાર પ્રકારમાની ત્રીજા प्रधारनी शुद्धि ' इन्भया '. काम करते करते जो बुद्धि उत्पन्न होती है वह बुद्धि, चार प्रकार की बुद्धियों में से तीसरी 'कम्मया' बुद्धि. Thought or impulse excited in the mind during the course of an action; the third of the 4 varieties of thought or mental operation. नंदी॰ २६; ३२; ३६; दमा० ६, ४; ग्नेर० १, १;

कम्मविवागः पुं॰ ( कर्भविषाक ) ओ नाभनुं क्ष्मिश्रंथनुं प्रथम प्रक्षर्शः प्रथम क्ष्मिश्रंथनुं नाभः इस नामका कर्मग्रंथ का प्रथम प्रकर्रणः प्रथम कर्मग्रंथका नाम The first Karmagrantha क॰ गं॰ १, १, ६१; (२) क्ष्मैनुं परिखाभ-६सः कर्मोका फल. the matured result of Karma.. उत्त॰ २, ४१; — उभायण. पुं॰ ( - अध्ययन ) डमेविपाड-पुष्पपापात्मक कमें का फल प्रतिपादन करने वाले शास्त्र का अध्ययन अध्ययन अध्ययन का प्रतिपादन करने वाले शास्त्र का अध्ययन अध्ययन अध्ययन करने वाले शास्त्र का अध्ययन अध्ययन करने वाले शास्त्र का अध्ययन अध्याय. a scripture or a chapter of it explaining the results of good and evil Karmas सम॰ ४३;

करमेंचयय पुं॰ ( कर्मवेदक ) अहापनाना पथीशमां पहनुं नाम, जेमां छव डमेंने डेनी दीते जांधे छे तथा डेनी दीते वेहे छे तेनुं वर्षान छे. प्रज्ञापना के रश्वें पद का नाम, जिसमें जीव, कर्म किस तरह बांधता है तथा किस तरह मांगता है इनका वर्णन है. Name of the 25th Pada of Prajñāpanā dealing with the way in which a soul incurs and experiences the Karmas. पश्व॰ १;

कम्मार. पुं॰ (कर्मार) क्षुक्षार. तुहार. A blacksmith. विशे०१४६८, जीवा०३,१,

कम्मार. पुं॰ (कर्मकार) शभ श्रतार, ते। श्रः काम करनेवालाः नौकर. A servantः जं॰प॰ जीवा॰ २; ३; (२) शरीगर. मिल्ली. a carpenter; राय॰ ३२;

करमावादिः पुं॰ (कर्मवादिन् ) अर्भवादीः अर्भवे भावनारः कर्मवादीः कर्मो को मानने वालाः Oue who believes in the doctrine of Karma. आया॰ १, १, ५;

कम्मासरीर. न॰ (कार्मणशरीर) क्षानेंख् शरीर. कार्मण शरीर Karmana Sarīra, Karmic body. भग॰ =, १; —कायजोय पुं॰ (-काययोग) डार्भणु शरीर संलंधी डायाना वेपार. कामग्र शरीर सम्बन्धी वाया का व्यापार. physical operation connected with Karnana Sarira, भग = २४,१;

किमिया. स्त्री॰ (कार्मिका) अन्यास इरतां इरतां इरतां इरतां इर धुरिष श्रम्याम करते करते उत्त्व हुइ चुद्धि Thought or impulse excited in the mind during the course of study. भग॰ १, १; १२, ४; नाया॰ १; ठा॰ ४, ४; (२) अपरोप रहेद इर्भ; इर्भनीअंश. वाकी का वर्म; दमीका श्रंश. the remnant of Karma. भग॰ २, ५;

कय. पुं॰ (कच) आक्ष, देश. चाल; केश.

Hair. तंडु॰ जीवा॰ ३, ४; राय॰ ६४;

—ग्राभरण. न॰ (-ग्राभरण) भाधाना
आक्ष उपर पहेरवानुं आल्पाण. तिर के
बालोंपर पहिनने का श्राभ्यण. an ornament that is worn on the hair
of the head. कप्प॰ ४, ६२, —गाह.
पुं॰ (-ग्रह) पांच आंगली बढे देश श्रदण्
६२वा ते. पाचों श्रंगुलीओं द्वारा केश पकडनाकचप्रह. catching of hair by means
of five fingers. "क्यगगहिंद्य करयचपट्मट विमुक्षेणं" राय॰ जं॰ प॰

कय. पुं० ( फय ) भरीह युं; क्षेत्रं. मोल लेना; तेना. Purchasing; buying. जीवा. ३, ३; भग० ३, ७, दसा० ६, ४; गच्छा० १०३; दस० ७, ४६; — विद्याय पुं० ( -विक्रय ) भरीह वुं, वेंथ युं; आपके १२वी. खरीदना, वेचना; श्रदला वदला करना. buying and selling; exchange. श्राया० १, २, ५; ==; उत्त० ३६, १३; दस० १०, १, १६;

क्रय∽थ्र. त्रि० ( कृत ) ४रेस; आयरेस. किया

हुआ; आचरित. Done; performed; practised. "क्यकाठयमंगजपन्छिता" पिवा० १, २; सु० च० १, ४३; भग० २, ₹, १४, १; २४, ७; नाया० १; २; ३; ४; १६; १६; घगुाजा० १२=; १२६; १४७; पि० नि० १४७; श्रोव० ११; पष्त० २; विशं० १; डवा०२, ६४; कृष्प०३, ३६; ४०; पंचा०४, ४०; पि०नि०मा० २; दमा०६, १५; -- ग्रांतर. न॰ ( -ग्रान्तर ) अन्तर ६२७ धरेत. कार्यातर: व्यन्तर करण. Another action; change in action. क॰ प॰ ४, ४३;—फज्ज त्रि॰ (-कार्य) धरेखं छे धर्य क्रेंगे ते. जिसने कार्य किया है नह. nn action performed. नाया > =; ६; १८; भग० १२, ६; —करगा. त्रि॰ (-करण) धर्मक्षय धरवामां ७ धतः दर्शन માહનીય આદિ ખપાવવાને યથાપ્રકત્યાદિ **इ**२वामां तत्पर. कर्मचय करने में तत्पर: दर्शनमोहनीय श्रादि को उपरामाकर; यथा प्रज्ञादि करण करेने में उचत; ready to destroy Karma. कः प॰ २, ४१; ४, ३२; --काउसगा. पुं॰ ( -कायो-रमर्ग ) अथात्सर्ग अरेस. कायोत्सर्ग किया हुआ. one who has performed meditation Kāyotsarga or upon the soul. नाया॰ ५; -कारणः वुं॰ (-कारण) लेखे शरण धर्ने छे, येलियुं छे ते. जिसने कारण किया है, योजना की है. one who has meditated. नाया॰ ६; —िकच्च त्रि॰ (-कृत्य) ३तार्थः सम्ब भने।रथवादी। कृतार्यः सफल मनोरथ-वाला. (one) whose desires have been accomplished or fulfilled. सु० च १, ३६६: २, ४३५; पंचा० ६, २४; प्रव॰ १४६; —कोउयमंगलपायच्छित त्रि॰(-कीतुकमंगलप्रायश्चित्त-कृतानि कीतुक

मांगल्यान्येव प्रायश्चित्तानि दुःस्वप्नादिविधा-तार्थमवश्यकरणीयत्वाद्यस्ते तथा ) हुष्ट સ્વપ્ત આદિના ફલને નિવારવામાટે પ્રાયશ્ચિત્ત તરીકે જેણે કાૈતુક–કપાલે તિલક તથા માંગ क्षिक कृत्य क्या छे ते. दुष्ट स्वप्नादि के फलको श्रफलीभूत करनेके लिये जिसने प्रायश्वित्तरूपमे कोतक-कपाल में तिलक तथा मांगलिक कृत्य किया है वह. (one ) who has made an auspicious mark on the forehead in order to avert the evil attendant upon dream etc. भग० २, ४, दसा० १०, १; नाया॰ ध॰ —**नास**. पु॰ ( –नाश ) **५रेલ-धर्भ-अधर्भने। नाश. कृत-किये** हुए धर्म अधर्म का नाश. destruction of good or evil Karma performed विशे॰ ३२३१; — नासि त्रि॰ (-नाशिन्) કુત<sup>દ્</sup>ત; કરેલ ગુણતે। નાશ કરનાર. कृतघ्न, किये हुए गुणोका नाश करने वाला. ungrateful, lit one who destroys what is done. श्रोघ॰ नि॰ १६६, --पडिकइ. त्रि॰ स्री॰ (-प्रतिकृतिक) શુષ્યુના ત્રદલા વાલવા તે; હું દાન આપીશ તા ગુરૂ મને શાસ્ત્રજ્ઞાન આપશે એમ પ્રત્યુપ-કારના ઉદેશ મનમા રાખી ગુર્વાદિકની સેવા કરવી તે, લોકાપચાર વિનયના એક પ્રકાર. गुणोका बदला चुकाना, मै दान दूंगा तो गुरू मुभे शास्त्रज्ञान सिखावेंगे,ऐसी प्रत्युपकार की मन में आशा रख गुरु आदि की सेवा करना; लोकोपचार विनय का एक भेद rendering service (e g. to a Guru) with the expectation of getting something in return (e. g. knowledge ) नाया॰ २: --पडिकइया. स्री॰ ( -प्रतिकृतिता ) ळुओ " कयपडिकइ " शण्ट. देखो " कय-Vol. 11/53.

पडिकइ " शब्द. vide " कयपाडिकइ " भग० २५, ७; —पंडिकयय. त्रि॰ (-प्रति-कृतक = कृते उपकृते प्रतिकृतं प्रत्युपकारः तद्यस्यास्तोति कृतप्रीतकृतिकः ) धरेल ગુણના બદલા વાળનાર. किये हुए गुर्णों का वदला चुकाने वाला. one who returns good for good ठा॰ ४, ४; - पुरासा-त्रि॰ ( -पुराय ) पुरेपुरा पुष्यवाणाः पुष्य-वान् पूर्ण पुरायवान्; पुरायात्मा. one possessed of high religious merit. नाया० १; १३; १६; भग० ६, ३३; १५, १; पंचा० ७, २६; —बलिकम्म. त्रि॰ દેવતાને વ્યલિદાનકર્મ અથવા બળ વધે તેવું કર્મ **કસરત** वगेरे केशे ते. जिसने विल कर्म-अथवा वल वर्देक- शाक्ते प्रद-कसरत आदि किया है वह one who has given oblations to a deity or has performed strength-giving activity, physical exercise etc भग० ७, ६, ६, ३३; दसा० १०, १; नाया० घ० नाया० १; १२, १६, ज० प० ३,५०; — लक्खग्रः त्रि॰ ( –ज्ञच्चर्ण ) સપુર્ણ લક્ષણવાલાે. सम्पूर्ण लच्चणां युक्त. one possessed of all the signs or marks. नाया॰ १: १६; भग० ६, ३३; १४, १; — विहव. त्रि॰ (-विभव ) સપૂર્ણ વૈભવવાળું. संपूर्ण वैभव वाला. ( one ) possessed of full glory or prosperity. नाया० १; -- व्ययकम्म. त्रि० न० (-व्रत-कर्मन् ) श्रावक्षती थीळ पश्चिमा धरनार શ્રાવક કે જે ખે માસ સુધી જ્ઞાન અને ઇચ્છા-પૂર્વક અહુવત આદરે અને પાળે. श्रावककी दुसरी प्रतिमा धारण करने वाला श्रावक कि जो दो मास तक ज्ञान श्रीर इच्छा से श्रगावत भारण कर उन्हें पालता है, (a Jaina

layman ) observing the 2nd vow of a Jaina layman i. e. practising the minor vows for two months intelligently and resolutely. सम. ১৭;

क्तयंगला. स्त्री॰ (कृताइला) श्रावस्ती नगरीनी पासे आवेशी नगरीनुं नाम. श्रावस्तां नगरी के पास की नगरी का नाम. Name of a city situated near the city of Śrāvastī. " तीसेखं क्यंगलाए नग-रीप श्रदूरसामंते सावत्थी खामं नयरी होत्था" भग॰ २, १;

क्यंत. पुं॰ ( कृतान्त ) हैय; लाभ्य. भाग्य; तकदोर. Fate: fortune. देव: पग्ह॰ १, ३; (२) यभराल. यमराज. the god of death. सु॰ च॰ १, २३३; क्रयंव. पुं॰ ( कद्म्व ) ३६२% तुं आध; असभ, हेनताउना आऽ. कदम्य का बृज्ञ. Name of a tree. जीवा• ३, ४; राय॰ पज्ञ॰ १; ऋगुलो० १३१; कप्प० १, ५; ३. ३३; जं० प० ५, ११५; — पुच्या न० (-पुच्य) डेहं भनुं डूस कदंव का फूल. a flower of a Kadamba tree. कप॰ १, ५: क्यंवरा. न॰ (कदम्यक) ३६ ंपना आउना ५५ कदंब के साड का फुल. A flower of the Kadamba tree. नाया॰ १:१३; क्यग. पु॰ (कृतक) ५त्रिभ; ६रेस. कृत्रिभ; बना-

कराग. पु॰ (कृतक) कृतिभः हरेल. कृतिमः वना-वटी. Artificial. विशे॰ १८३०: —कराग ति॰ (-क्रमक) भरीदेखं खरीदा हुआ bought. निर्सा॰ ६, ६ः —मत्त. न॰ (-भक्त) भरीदेखं लक्ष्य-भोल विया हुआ भोजन-भात. purchased food. निर्सा॰ ६, ६ः

कयग्छ. पुं॰ ( कृताई ) सरतक्षेत्रना गर्ध यापीशीना १८ भा तीर्थे ४२. भरतक्षेत्र की गत काल की चावीसी के १६ वे तीर्थं कर. The 19th Tirthankara of Bharata Kṣetra of the past cycle. মন্ত ৭ ছণ্;

कयह. त्रि॰ ( कृतार्थ ) કृतार्थ; लाग्यशाली. कृतार्थ; भाग्यशाली. Prosperous; fulfilled. भत्त॰ ४२;

क्रयग्ण्य. त्रि॰ (कृतज्ञक ) धरेक्षा ७५धारने ॰ १९६० निक्षेहुए उपकार को मानने वाला. (One) who is conscious of the obligations done by others. पंचा॰ ११, ३४;

कयत्य. पुं॰ (कृतार्थ) लेखे भातानुं आर्थ सिद्ध अर्थ छे ते; कृतार्थ. जिसने प्रपना कार्य सिद्ध पर लिया है वह; कृतार्थ. One who has accomplished his object. भग॰ १, =; ६,३३, २४, १; नाया०१; १३; १९; उत्त० ३२, ११०; विवा० ७; विशे० १००=; सु० च० १, ७१; उवा० २, ११३; जं० प० ५, १९२; ११७;

पायन्त. त्रि॰ (कृतज्ञ ) धरेक्षा ઉपधारनी प्राथनार. किये हुए उपकार को समजनेवाला; कृतज्ञ. (One) who is conscious of the obligations done by others. प्रव॰ १३७२;

कयमास. पुं॰ (कृतमाल) ओड न्नेतनुं वृक्ष.
एकं जाति का माड. A kind of tree.
ज॰ प॰ (२) तिभिस गुद्दाने। अधिष्ठायड देवता. तिमिस गुका के अधिष्ठायक देवता. the presiding deity of the Timisa Guphā (cave). ज॰ प॰ १, १२; ३, ११; ३, ६४; ६, १२४;

क्तयमालञ्ज-यः पुं॰ ( कृतमालक ) वैताक्ष-नीतिभिक्ष गुफा का स्वामी-देवता. वताक्य की तिमिस्त्र गुफा का स्वामी-देवता. The presiding deity of the cave named Timisra of Vaitāḍhya जं॰ प॰(२)वैतास्थनी गुझानं नाम. वैताल्यकी गुफा का नाम. name of a cave of the Vaitāḍhya of Iravata Ksetra. ठा॰ २, ३; (३) मे३पर्वतनी पूर्वे सीतानहीनी उत्तरे आह हीधेवैतादयनी आह तिमिस्र गुझाना अधिपति देवता. मेरु पर्वत के पूर्व श्रार सीता नदी के उत्तर में आठ दीर्घ वैताल्य की आठ तिमिस्र गुफाओं के अधिपति देवता. the presiding deity of the eight Timisra caves of the eight Dirgha Vaitāḍhyas to the north of the river Sītā which is to the east of the Meru mount. ठा॰ ६;

कथर त्रि॰ (कतर) भे हे ध्याभांना हेाणु
भेशे ओ हे. दोया बहुतो में से कौन एक.

Which: who. "कयरे धम्मे श्रवसाए मा
हर्षेणं मह्मया " स्य०१,६,१,११,१; दम॰
४, १,६, २;८,१४: पिं०नि०३१०;स्०प०१०;

जीवा०१;श्रयाजो० हरे; उत्त०१२,६;श्रोव०४३;
श्रोघ० नि० १३०६; विशे० १८०; पन्न० ३;
दमा०१,३,६,१;२; नाया०१६;१७;भग०१,१;
३, १, २; ४, ४,७; १२,४;१६, ११;१८,५;

कयली. स्री॰ ( कदली ) हेणनु अंड. केले का माड A plantain tree. श्रोघ॰ नि॰ ६६७; जं॰ प॰ छु॰ च॰ २, १६५; जीवा॰ ३, २; प्रव॰ ४११; —ग्रह्म. पुं॰ ( -गर्भ ) हेण-इहलीना वृक्षना गर्भ the inner part of a plantain tree. प्रव॰ ४११ —ग्रह न॰ ( -गृह ) हेणनांधर, हेणीधर केले का गृह; केली घर. a house of plantain trees नाया॰ ३; जीवा॰ ३, ४; —घरम पु॰ (-गृहफ ) लुओ। "कयाले घर" शण्ह. देखो 'कयाले घर" शच्द. vide. "कयाले

घर" राय॰१३६; — लया. स्ती० (-लता) हैणनी बता- डांभ वेब. केले की लता-वेल. a creeper of plantain trees. नाया० १३;— हर. न० (-गृह) हेणना धर. केले का घर. a house of plantain trees. जं० प० ४, ११४;

कयवत. त्रि॰ (कृतवत्) धरनार. करनेवाला. (One) who has done. विशे॰ १५५५. क्यवम्म. पुं॰ (कृतवर्मन्) तेरमा तीर्थं धरना पिता. तेरहवें तीर्थं कर के पिता. The father of the 13th Tirthankara. सम॰ प॰ २२६; प्रव॰ ३२४;

कयवर. पुं. (कचर) ध्यरे।; पुंली, कूडा; कचरा. Dirt: refuse श्राया० १, १, ४, ३७. जीवा ३, ३; भत्त० व्दः, नाया० १; २,६; जं०प० ४, ११२; — उजिसया श्री० (उजिसका) ध्यराने शाधी साध धरी पढ़ार देधनार; वासीहु वाणनारी. कूडे करकट को निकाल साफ कर बहार फैकने वाली; भाड पूंछ का कार्य करनेवाली. a woman who collects refuse and throws it away. नाया० ७;

क्रया सं० क्र॰ प्र॰ (कृत्वा) क्ष्रीने करके, Having done, पि॰ नि॰ नमः

कया-श्र. न० (कदा) ध्यारे. कव. When. ठा० ३, ४; उत्त १, २१, सु० च० १, २७; दस० ७, ४१; भग०५, २; ज०प०७, १४३; कयाइ. श्र० (कदाचित्) हे। ध्यभते, ध्रायित. किसी समय, कदाचित् At some time or other; perhaps भग० २, १; ३, १; ४, ४; १४, १; नाया० १; विवा०१; उत्त०१, १७; २, ७, राय० १४६; जं० प० पि० नि० २०६; दसा० १०, १; सम० १३; श्रोव० ४०. स्य० १, १, ३, ६; १, ६, २०; डवा० ३, ६म;

फयाई. श्र॰ (कदाचित्) लुओ। "कगाइ" शुक्ट. देखो "कयाइ" शब्द. Vide "कयाइ" विशे॰ ३०६; उत्त॰ ३२, २१; पि॰ नि॰ ३००: कयाण्ग. न॰ (क्रयाण्क) ध्रीयाणुं. किराना. Grocery. मु॰ च॰ १, १४७; कयार. न॰ (कबर) ५थरे। कचरा Refuse; dirt. विशे ११७०; √कर. धा॰ I, II. (कृ) क्ष्त्युं; अनावयुं. करना; बनाना. To do; to prepare; to make. करेइ-ति. जं॰ प॰ ४, ११४; दसा॰ १०, १; निर० २, ३; नाया० १; २; ५; ६; ६; वेय० १, ३६; भग० १, २; २, 9; 3, 9; 8; 8, 9; 8, 4; करन्ति. भग० १, ३; ३, १; ५, ४; ८, १; दसा॰ ६, ६=; ६, २; नाया॰२, ८; करिन्ति. नाया० १, ७; ८, १४. १६; भग० २७, 9; करेन्ति. श्रोंव॰ २७; पि॰ नि॰ २०६; नाया॰ १; २; ६; १४; भग० १, ६; १५, १; २०, ६, जं० प० ४, ११४; 992; 993; करेसि नाया० १६; करोमि. नाया० १; जं० प० ५, ११५; करेमो. जं॰ प॰ ५, ११२; किरिजा. पि॰ नि॰ ४८६; सु॰ च॰६, १२०; भग० १, ७; १२, ७: ८, २१, १; २४, १; ७; नाया॰ १५: करेंजा भग० ८,६; करेजासि. वि॰ भ० ए० पि॰ नि॰ ४३२; करेजामि. वि॰ उ० ए० नाया॰ २; करेहि श्रा॰ नाया॰ २: =; दस॰ ७, ४७; भग० ३, १, करेह. ग्रा॰ ग्रोव॰ २८; भग॰ १, ६; ६, ३३, ११, १९: १४, १; नाया० १; ।

u; =; &; १६; करिस्सइ. भ० भग० ८, २; १५, १; दस० ७, ६; नाया० ५; करिस्पान्ति. भ० सम० १; भग० १, ३; २६, १; नाया॰ ५; दस॰ ७, ६; करिहिन्ति. भ० नाया० १८; मग० २, ९; करेहिन्ति. भ० नाया० ६; भग० १५, १; करिस्सामि भ० भग० १८, १०; जं० प०२, १२६; ५, १२७; करेस्सामि. भ॰ सम॰ १८, १०; जं० प॰ २, १२६; ४, ११७; करेस्सं भ० भग० १८, १०; जं० प• २, १२६; ४, ११७; करिस्सामो. भ० ग्रोव० २७; जं०प० ५, 993; श्रकरिस्तं. भू० श्राया० १, १, १, ५; श्रकारिंसु. भू० ठा० ३, १; नाया० १; भग० 9, 2; =, 2; 94, 9; करित्ता. सं० कृ० स्रोव० २७; पन्न० ११२; श्रोघ० नि० ३६; नाया० १६; भग० ११, ११; दुसा० १०, १: करेत्ता. सं० कृ० ग्रोव० २६: भग० ३, १; करिय. सं० कृ० संत्था० १०४, करेत्तए, हे० कु० भग० ३, १;४,५,४ १४, भः जं० प०५, ११२; ११५; करिन्त. व० कृ० विशे० ३४२०; करेन्त. व० कृ० विशे० ३४२०: करेमारा. व॰ कृ० दस० २, ३; १०; ११; १६, २०; वेय० ४, १; १०; ३६; श्रोव० २७; नाया० १; २; ४; १४; कारेंड्. प्रे॰ पिं॰ नि॰ ४२५; निसी॰ १, १२; भग० ३, १; कारावें इ प्रे॰ नाया॰ १२; १६; करावेइ प्रे॰ नाया॰ २, १३; कारवेइ. प्रे॰ सु॰ च॰ २, ४३; भग॰ ८, ४; कारवेमि. प्रे॰ दस॰ ४;

करावे. प्रे० वि० उत्त० २, ३३; कारेह. प्रे० श्रा० श्राया० १, ७, २, २०४; कारवेह. प्रे० श्रा० श्रोव० २६; मग० ११, ११; राय० २८; कारावेह. प्रे० श्रा० नाया० १; कारवेत्ता. प्रे० सं० कृ० श्रोव० २६, जं० प०

३, ४३;
करावेत्ता प्रे० सं० कृ०
कारवित्ता प्रें० स० कृ० भग० ११, ११:
कारावेत्ता. प्रें० सं० कृ०
कारेत्ता प्रें० सं० कृ० भग० ३, १;
कारावित्ता प्रें० स० कृ० सग० २, १;
कारावित्रण. प्रें० सं० कृ०
कारावित्रण प्रें० स० कृ० सु० च० ३, १५:
कारवेत्तए. प्रें० हे० कृ० भग० द. ५;
कारावित्तए. प्रें० हे० कृ० वव० ६, २०;
कारावित्तए. प्रें० हे० कृ० वव० ६, २०;
कारावित्तए. प्रें० ह० कृ० स्थंं २, ४, ६;
कारन्त प्रें० व० कृ० निसीं० १, १२;
कारेन्त. प्रें० व० कृ० सग० ११, ११;
कारेमाण प्रें० व० कृ० सम० ७६; भग० १६, २; १३, ६; एक० २; कप्प०

२, १३, जं० प० ४, ११४; कजिस्मइ. प्रे० व० क्व० भग० २८, ६; कीरना प्रे० व० क्व० श्राया० १, ६, ४, ८; नाया० ११; सु० च० २, ३३०; पंचा० १६, ४; कीरमागा. प्रे० व० क्व० भग० १४, १; दस०

७, ४०; सु० च० ७, १४६; वव० २, ६; पंचा० ४, २; १६, २२; किजामार्गा प्रे० व० कृ० ठा० २, २; कजामार्गा, प्रे० व० कृ० सूय० १, ८, भग० १, ८; १, १०; ६, ३२; १२, ४.

पंचा० १७, कारिज्जइ. ग्रे० व० क्र० सु० च० २, ४७; किज्जइ क० वा० सु० च० १, ६६, सम० ३४; कऽजइ क० वा० श्रगुजो० ७५, ५; भग० 9, ६, ६, ६, २, ४; ३, ३: ४, ६; १२, ५; १७, ९; १८, ७; जं० प० ७, १३८;

कीरए. क॰ वा॰ पिं० नि॰ ५८; कीरइ. क॰ वा॰ स्य॰ १, २, ६; नाया॰ १६; भग॰ १, ९; ६, ३३; विशे॰ २६; ६६; गच्छा॰ ७४; प्रव॰ ३०: क॰ गं॰ १ १;

कज्जन्ति क० वा० पन्न० १७, भग० १, २; ४, ६: ७, **१**०;

कीरान्ति क॰ वा॰ सु॰ च॰ २, ३२६:
किज्जान्ति क॰ वा॰भग॰१, १०; दसा॰६,४:
किज्जार क॰ वा॰ सु॰ च॰ १, ३५५;

कर पुं॰ (कर) क्षथ हाथ A hand; an arm. नाया॰ १, ६; १६, १७; दसा॰ ६, ४; विवा ० १; भग० ५, १०; ४२, १, राय० २८; गच्छा० ८३; (२) हाथीनी सुंढ हाथी की सूंड. the trunk of an elephant. नाया॰ १; परह॰ १, ३, (३) त्रि॰ धरनार. करनेवाला. one who does; a doer उत्त॰ १ २६; भग॰ १, १; श्रोव॰; नाया॰ १, (४) पु॰ ८२ भा अह्नु नाम पर वे यह का नाम. name of the 82nd planet स्॰ प॰ २०; (प्) ५२, वेरे। कर, महसूल. a tax; a duty ज॰ प॰ पि॰ नि॰ न७, (६) डिरल् किरण. a ray. जीवा॰ ३, ३; (७) ગજાના કરની પેકે અરિહન્તના કર તરીકે માની વદના કરે તે; વદનાના ૩૨ દેાયમાના पयीशभे। हे। य वंदना के ३२ दोषों में से २५ वा होप. the 25th of the 32 faults connected with Vandanā i. e. bowing a Tirthankara, supposing it to be a tax similar to the tax which is paid to a king. (=) કામના ચાવીશ પ્રકારમાંના એક: રતિસં-

ભાગ માટે કામના આસન વગેરે વાલવા તે. फाम के २४ भेदों में से एक भेद; रति संभोगार्थ काम के श्रासनादि लगाना. any of the 24 varieties of sexual different intercourse: the postures adopted at the time of sexual intercourse. प्रव १०७६: --कमल न॰ ( -कमल ) द्वाथरूप इभव हाथ रूप कमल. a hand as a lotus ( metaphorically ). भतः --ज्यतमज्भ पुं० (-युगतमध्य) भे હાથની વચ્ચે દીંચણુરાખી વન્દના કરવી તે; पन्हनाने। ओक्ष हे। य दोनों हाथों के बांच में घुटना रखकर घंदना करनाः वंदना का एक दोष. a fault connected with Vandanā (bowing) by keeping the knees between the two hands. प्रव १ ४६: - नवग. न॰ ( -नवक ) नय दाथ नौ हाथ nine cubits ( a measure of length). प्रव० ७७:

करम्र पु॰ (करक) ३२१; ग्निनेशुं पाछी वर्फ; म्रोला. Ice; hail. कप्प॰ ह, ४४;

करंज. पुं॰ (करंज) धरंक नामनुं आड. एक जाति का करंज नामक क्र ड Name of a tree. पन्न॰ १; भग० २२, २;

करंड पुं॰ (करण्ड) કરંડિયे। डिच्चा, कांडिया. A small box or basket (made of bamboo). नाया॰ १; पगह १५;

करंडग पु॰ (करगडक) धरंधीया; धायले। डिब्बा: कंडिया. A small box or basket (made of bamboo) ठा० ४, ४; भग०२,१, अगुत्त०३,१,जीवा० ३, ४,ओघ० नि० ६६०; आव०१६;३६, जं०प० ४,१२०,

करंडय पुं॰ (करण्डक ) धरीअनु क्षाउडे . रीड की हड्डी. The spinal cord. तंदु॰ करंडु. पुं॰ (करएड) भुं! नुं हाड्ड. पीठ की हर्द्वा. The back-bone. जीवा॰ ३, ३; करंब. पुं॰ (करम्ब) दही थे। भाना भिश्रख्धी भनता ओड भाद्य पहार्थ; डरंभी. दहीं, चावल के मिश्रण से बना हुआ एक खाद्य पदार्थ. A food prepared of boiled rice and curds mixed together. प्रव॰ २३०;

करंचियः त्रि॰(करम्बित) ध्राप्तस्थितरा रंगवाली. नाना गंगवाला; रंग वेरंगाः Of variegated colours. सु॰ च॰ २, ४०;

करक. पु॰ (करक) धरा. श्रोला A hailstone. पग्ह॰ १, ३; (२) धरवडालेचु એક पात्र; आरी करवे जैसा एक वर्तन (जो साधु के काम म श्राता हैं) क water pot (used by ascetics) श्रग्राजो॰ १३२;

करकंड. पु॰ (करकरड) स्थे नाभने। स्थे ध्राह्मण्ड संन्यासी हस नामका एक ब्राह्मण्यासी Name of a Brahmana ascetic. श्रोव॰ ३८;

करकंड . पुं० (करकएड) धरध धु नामना ओध प्रत्येध्युद्ध हे कोने लगाहनी पलटानी अवस्था. कोध वैराज्य उत्पन्न थये। द्वेां. करकंड् नाम के एक प्रत्येकयुद्ध जिसे कि वैलकी पलटती हुई अवस्था देखकर वैराग्य उत्पन्न हुआ था. Name of person who felt disgusted with the world upon seeing the changes in the condition of an ox. "करकंडु कार्काम्सु" उत्तर १८, ४६,

करकचिय. त्रि॰ (क्रकचित) ३२५त पगेरेथी ६१६ ४१४-५१टीयां. श्रारे श्रादि से चीरा हुन्ना काष्ट-पाटिया A board of wood cut off with a saw etc. श्राणुजो॰ १३३; करकय. पुं॰ न॰ (क्रकच) साडा वेहेरवानुं

क्याज्यर, ४२वत. लकडी चीरनेका ख्रौजार,श्रारा;

करवत. A saw. उत्त०१६,४१;पगह०१,१;
करकर पुं० (कर्कर) वढाणु पाणुीमां डुलती
विभते ३५३२ आवाल ५२ छे ते, जहाजका पानी
में ड्वते समय करकर श्रावाज करना. A
croaking sound produced by a
sinking vessel. नाया० ६; उवा०२,=४;
करकरसुंठ. पुं० (करकरशुगठ) એક लातनी
वनस्पति एक जाति की वनस्पति. A kind
of vegetation. "एरंडे कुरूविंदे करकरसुंडे तहविभंगगुय" पन्न०१, भग०२१,६;
करकरिंग. पुं० (करकरिंक) ५२५२६ नामनी
अढ. करकरिंक नाम ना प्रह Name of a
planet "दोकरकरिंगा" ठा० २, ३;
स० प० २०;

करकुडि पु॰ ( \* ) धांसीनी सल पानेश. डेटीनुं ओड वस्त्र, फांसी का हक्स पाये हुए कैदी का एक वस्त्र. A. garment worn by a person sentenced to capital punishment. पगह॰ १, ३; करग पु॰ (करक) ४२वडे।; ४३ओ।; એક ज्यतनु पासणः करवा; लोटा. A metal-pot. श्रगुत्त०२ १, सूय०१,४,२,१३; जीवा०३,३; उवा॰ ७, १६७; ( २ ) त्रि॰ ५२नार. करनेवाज्ञा. a doer; one who does નર્વા ૧૮; (રૂ) પું વરસાદના કાચાગર્ભ: કरा. वरसात का कचागर्भ, श्रोला a hailstone. दस० ४; पन्न० १; पि० नि० भा० ૧૭; जीવા• ૧; (૪) શાલક પક્ષિની એક लत. शालक पद्मी की एक जाति a kind of bird पगह० १, १;

करगय. पुं॰ ( फ्रकच ) ४२५ती; ४२५त श्रारा; करवत. A saw. उत्त॰ ३४, १८; करग न॰ ( कराम्र ) હाथने। आग्रसाग, આંગળી. हाथ की श्रंगुलियां. Fingers. सु॰ च॰ १, ६४;

करड. पुं॰ (करट) એક જાતનું વाજિત્ર. एक जाति का बाजा. A kind of musical instrument. राय॰ ==;

करिंड. पुं॰ (करिंट) એક જાતનું વાર્જિત્ર. एक जाति का बाजा. A kind of musical instrument. जीवा॰ ३, ३;

करह्रयभत्ता. न० ( \* ) भरी गयेक्षानी पाछण क्रमण् थाय ते; भृतक्ष लेक्षित्र मनुष्यके भरने के पश्चात् जो भोजन होता है वह; मृतक भोजन; श्रीसर. Dinner for which the occasion is the death of a person. पिं० नि० ४६४;

कर्याः न० (करण्) साध्य क्रियाने सिष्ध कर-વામા અત્યંત સહાયક; સાધન. साध्य किया को सिद्ध करने में श्रात्यंत सहायक; साधन. Anything useful in accomplishing an object; an instrument or means of an action. তা ৽ ३, १;=, १,म्रग्राजो० २७: १२६: नाया०१; जं० प०७. १४३; ५, ११२;उवा०१, ४८: विशे०२०००; ३३०१; राय०२१५; भग०१, १०; ६,१;१६, ९; पंचा०३,२६;१४, २; (२) ध्रिय इाद्रय. an organ of sense. To To 9, 4; ४६; जीवा॰ ३, ३, श्रोव॰ १०; पराह. १, २; (३) अथे। १ इरी धताववं. प्रयोग करके दिखाना. actual experiment or performance. श्रोव ०४०; (४) क्ये।तिः શાસ્ત્રમાં દર્શાવેલ ખવ ખાલવ વગેરે અગીયાર **५२**थ्. ज्योति शास्त्र में दिखाये हुए 'वव ' 'वालव ' इत्यादि ग्यारह करगा. (in Astrology ) any of the 11

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी प्रुटते। ट ( \* ). देखो पृष्ठ नंदर १५ की फूटने। ट ( \* ). Vide foot-note ( \* ) p 15th.

divisions of a day. भग॰ ११, १; ११, ६; १४, १; नाया० १; ४; ६; १४; १४; १६; श्रोव० ४०; श्रोघ० नि० ५०; क० प० ४, १; श्राव॰ १, ५; जं॰ प॰ ( ५ ) ५२७। अिश्रद आि. करण: श्रमिश्रह श्रादि. a certain vow. नाया॰ १; (६) ४२ युं. करना. doing; performing. उत्त॰ २६, ६; श्रोव॰ ३१; भग॰ ३, १; १४, ४; नाया॰ १; ६; पि० नि० १६६; ४१०; परह० १, १; (७) यारित्र धर्भः चारित्र धर्मः 16ligion pertaining to right-conduct. नंदी॰ ३०; ( = ) पिंडियशुध्यि ગ્યાદિ જૈનશાસ્ત્ર પ્રસિધ્ધ ૭૦ બાલના સમહ-पिडविशुद्धादि जैन-शास्त्र प्रसिद्ध ७० योती का समुदाय. the collection of 70 terms of the Sastras such as Pinda Visuddhi ( purity of food)etc. श्रोव॰१६,मम०२; श्रोघ०नि०१; नदी० ४४,नाया० १, भग० २, १; प्रव > १६; ( દ ) પૂર્વે કાેે વખતે નથી ઉત્પન્ન થયા તેવા અધ્યવસાય વિશેષ; અપૂર્વ કરણ. ऐसે श्रध्यवसाय जो पहिले कभी भी उत्पन न हुए हो; अपूर्व भाव. peculiar thought. activity; Apūrva Karaņa. তব্ত રદ, ૬; ( ૧૦ ) જે અધ્યવસાયથી કર્મના ળત્ધન સ કુમણુ, ઉદ્ભત<sup>°</sup>ના, અપવર્તના, ઉદી-રણા, ઉપશમના, નિધત્તિ અને નિકાચના થાય તે; ળન્ધન આદિ કાય<sup>°</sup> મેદથી કારણરુપ કરણુના પણ ઉપર કહ્યા પ્રમાણે આદે પ્રકાર છે. जिन श्रम्यवसायों से कर्मी के वंघन, संक्रमण, उद्दर्तना, उदीरणा, उपशमन, नि-धत्ति श्रोर निकाचना होते हैं वह; बंधन श्रादि कार्य के भेदों से कारण रूप करण के भी ऊपर कहे अनुसार प्राठ भेद हें. the thought activity by which Karmic Bandhana,Sankrama na, Udvartana, Apavertana Udīraņa etc. is affects.प्रव॰११;—उवाय.पु॰(-उपाय-करगंकिपाविशेषः स प्वा उपायः स्थाना-હેતુ; છવતે એક સ્થાનેથી ખીજે સ્થાને ઉપ-જવામાં કે જવામાં કરણ-કર્મ રૂપ હેતુ છે તે. करण-क्रियारूप कारण; जीव के एक स्थान से श्रन्य स्य,नमें उत्पन्न होने या जानेमें करण कर्म रूप कारण. an action or a Karma which constitutes a cause e. g. Karma which is the acause of the soul. transmigration to '' सेजहाणामपु पवए पत्रयमाणे श्रदमत्यसारः-णिवत्तिएम् करगोवाएगं सेय काले तंठागं विष्पर्जाहत्ता " भग० २५, ८; —कयः त्रि॰ (-कृत) યથા પ્રવૃત્યાદિ કરણ-ક્રિયાથી કરેલું. यथा पगृत्यादि करण-क्रिया से किया हुआ. performed properly. क॰ प॰ ४, १; —ज्ञोग पुं॰ (-योग) ४२७३०५ ये।ग-भन, वयन अने अयाना व्यापार, करणहर योग-मन, वचन शीर काया का व्यापार. activity of mind, speech and body. दस॰ ६,२७;--जोय. पुं॰ (-योग) लुओ। ''करणजोग'' शण्द. देखो 'करणजोग''शब्द. vide "करणजोग" दस॰=,४;—नश्च. पुं॰ (-નય) કરણ-ક્રિયાનય, એટલે ક્રિયાનેજ માન-નાર; સર્વ વસ્તુ ક્રિયાને આધીન છે એમ માન-करण-कियानय प्रयात् कियाकोही मानने वाला; सब चीजें किया के श्राधीन है ऐसा मानने वाला. the doctrine that everything is the result of action or depends upon it. विशे० ३५६९; —चीरियः न० ( -वीर्य ) ઉत्थान મ્માદિ ક્રિયારૂપે પરિણામપામેલું વીર્ય. **હ**ત્થાન श्रादि कियात्रों के रूप मे परिशाम पाता हुया वीर्ष the vital fluid which is the

cause of physical movements such as standing etc भग०१,८;— सश्च. न० (-सत्य) क्षियाभा हेणातु सत्य, पिडिसेट्णाहि क्षिया यथाक्त रीते करवी ते क्रिया में दिखाइ देता सत्य,प्रतिलेखनादि क्रिया यथानित रीतिसे करना correctness appearing in an action, e. g proper examination of clothes etc. भग० १७, ३, उत्त० २६, २. सम० २७;

करणञ्जो अ॰ (करणतः ) प्रयेग्यथी प्रयोग से. Through actual practice or performance. नाया॰ १, प्रव॰ १५७,

करण्या स्त्री॰ (करणता) धरव ते करना.
Doing; act of performing नाया॰
१, ५,८; १६; नियो॰ १,४०, मग॰
३, २; ६, ३२, उदा॰ २, ११३,

करिएजा त्रि॰ (करिए।य) कर्ति०५; करेवा लोग. कर्तव्य; करने योग्य. (Anything) worthy to be done भग० ३, १, ६, ३३; नाया० १; ३; श्रागुजो० २८, वव० २, १, पंचा० १, ४३; राय० १७१,

करपत्त. न० (करपत्र) इरवत; क्षाइडा वेरवानुं स्थापन. त्यारा, लकडो चीरने का साधन. A saw. ठा०४, ४; नाया०१६; विवा० ६; करम. पुं० (करम) धिंटनुं भन्धुं उट का बचा A young one of a camel पराह१,१, करमह. पुं० (करमई) इरभेशनु अड करोंदे का माइ. Name of a tree producing berries पन्न०१;

करयल. न० (करतल) ७थेणी; ७।थनी सपारी हथेली; पंजे का समचौरस भाग The palm of a hand. दशा० १०, १; राय० २६३; श्रोघ० नि० भा० २७३, नाया० ५; ४० निर० ३, ४; श्रोव०११, ३०, नाया० १; २; ४; ७; ६; १२; १४, १६; भग० २, १, ३, १; २; ७, ६; ६, ३३; १४, १, कप्प० Vol. 11/54

१, ४, ज०प० ४, ११२; ११४; — ( ला ) — श्राहयः त्रि॰ (-श्राहत) द्येथीयी द्लेव - ५१ देवेश. हथेली से दवायाहवा- ढकेलाहग्रा. pushed forward or struck with the palm of a hand. नाया॰ ६; -परिगाहिय त्रि॰ ( -परिगृहीत ) **એ હાથ જોડેલ. दોનોં हા**થ <del>લો</del>ફે <u>ह</u>ुए. folding both hands together. वव०१, ३७, काप०१, ५, —पलहत्थम्ह त्रि॰ (-पर्यस्तमुख) गासपर ढाथ राण्ये। छे केशे ते. जिसने गाल पर हाथ रखा हो वह. (one) who has rested his cheek on the palm of his hand. निर्मा॰ इ., 19. — **પૂ**હ. પું ( –પુટ ) કરતલ સંપુડ; ખાંખા ધોવા. the hollow cavity formed by joining the two palms जं प॰ ४, ११४; —मलिय त्रि॰ (-मर्दित) ७थेणीमां मसलेक्ष ह्येली में मसला हुआ. pressed in the palm of a hand विवा ?, —मेय ( -मेय ) भुडीमां पडडी शडाय केवं. मुट्टी में पकड़ा जासके ऐसा. anything that can be caught in a fist. कप॰ ३, ३६; — संपुड. पु॰ (-संपुट) હથેલીના सपुर, भाषी. हथेली का संपुर. the cavity formed by joining the two palms together. कप॰२, २१;

करच पुं॰ ( करच ) नाणवावाणुं पाधी पीवानु पात्र नलीदार पानी पीने का वर्तन. A water-pot resembling a kettle, सु॰ च॰ १०, ४२,

करवत्तः पु॰ (करपत्र) धरवत, लाध्या वहेरवानुं हथीयार करवत, लकडी चीरने का श्रीजारः A saw उत्त॰ १६, ५१; जीवा॰ ३, १; पगह॰ १, १,

करह. पु॰ (करम) हाथी अथवा उटनुं अव्युं.

हाथी अथवा ऊंट का बचा. A young one of an elephant or a camel. मु॰ च॰ ४, ११६;

करही. ब्री॰ (करभी ) ઉટડી;सांटशी. ऊंटनी; सांठणी. A she-camel. भि॰ नि॰ १६४;

कराइ. त्रि॰ (करादि) दाथ यगेरे हाथ प्रादि

A hand etc. विशे॰ २७२; —िच्छा.
स्रा॰ ( -चेष्टा ) दाथ यगेरेनी येष्टा-प्रवृत्ति.
हाथ प्रादि की चेष्टा-चनाव. movement
of the hand etc. विशे॰ १७२:

कराल. त्रि॰ (कराल ) उन्नतः अहार नीक्ष्माः चित्रः चित्रः चित्रः पाता हुआ. Projecting; lofty; prominently coming out अशुत्त॰ ३, १; उत्त॰ ३०;

करि. त्रि॰ (करिन) ढाथवाला. हाय वाला. One having a hand or hands. भग॰ =, १०; (२) पुं॰ ढाथी. हाथी. का elephant. परह॰ १, ३;

करिश्च. पुं॰ (करिक) ८३ मां अदनुं नाम. =३ वें प्रह का नाम. Name of the 83rd planet. सु॰ प॰ २०;

करिंसुगस्य. न॰ ( # ) लगवती सूत्रना २७ भां शतकनुं नाभ. भगवती सूत्र के २७ वें शतक का नाम. Name of the 27th Sataka of Bhagavatī Sūtra. भग॰ २७, ११;

करिल्ल. न० (करील) वांशना अंधुर; धुंपक्ष; पांद्रशंनी अधिलाग. बांस के ख्रंकुर; पतां का ख्रयमाग; कोंपल. The shoot of a bamboo; a shoot or sprout in general. ख्रणुत्ता॰ ३, १; विशे॰ २६३; करिल. पुं॰ (करीप) धरीपनुं आड. करीप का काड. A kind of a tree. उना॰ ७, १६७;

करिसावण. पुं॰ (कार्पापण) એક જાતના सिक्षेत्र. चादी का एक सिका. A silver coin. "जहाणगोकारिसावणो तहाबहवेक-रिसावणा" श्रणुजो०१४७; तंदुव्विशे०५०६; करिसित. त्रि॰ (कृशित) सुक्ष्म: पत्रशुं; दुर्णां सूच्म; पतला; दुर्वल. Fine; thin; feeble. सूय॰ १, ३, ३, १५;

करीर पुं॰ (करीर) डेरडांनुं आड. एक काड का नाम. Name of a tree. पत्त॰ १; श्राया॰ २, १=, ४३; — श्रंकुर, पुं॰ न॰ (-श्रद्कुर) डेरडाने। अंडुरे। वांम का श्रंकुर. a sprout of a tree. प्रव॰ २४३;

करीर श्र. पुं॰ (करीरक) देश नामे पारेखें देश पुरुषते नाम. केरहा नामवाला कोई पुरुष.
Name of a person. श्राणुको॰ १३१;

करीस. न॰ (करीप) અડાયું; છાણું. कंडा; गोवर का छाना. A dry cowdung cake. पिं॰ नि॰ २७६;

करुण. त्रि॰ (करुण ) स्थालनकः । ४३०६।पात्र. द्याजनकः करुणापात्र. Pitiful. भत्त० १६०ः करुणा. स्त्री॰ (करुणा ) ४२००॥लनकः शण्टः करुणा जनक शब्दः Piteous erv. नाया॰ ६ः (२) स्था. द्या. mercy. क॰ गं० १, ४५ः —यर. त्रि॰ ( कर ) स्था ४२४।वासी दया करने वालाः दयालः

करेगु. स्री॰ (करेगु) हाथणी. हाथनी. A she-elephant. उत्त॰ ३२, ६६; नाया॰ १; करेगुया. स्री॰ (करेगुका) हाथणी. हाथनी. A she-elephant. सु॰ च॰ २, ४०३; करोडि-ग्र-य. पुं॰ (करेगिटक) तापस; हापालिक An ascetic; an ascetic carrying a garland

kind; merciful. मु॰ च॰ २, ६४;

<sup>\*</sup> खुओ पृष्ठ तम्भर १५ ती प्रुटतीट (\*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ को फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th.

of human skulls विवा॰ ७; जं॰ प॰ नाया॰ ५; १२; भग॰ ११, ११; (२) ताम्भुक्षपश्चीता ला पवा प्रादि की कोयली उठाने वाला राजाका मनुष्य. a servant of a king carrying a bag etc. of betel-leaves etc. श्रोव॰ ३२; (३) भारीती म्हारा भाराती हुंडी; हाम. मिश्र की वह मुंह की कुंडी-३रतन an earthen basin, a cup or basin. भग॰ २, १; श्रोव॰ ३६: श्रायुजो॰ १३२; जीवा॰ ३३; जं॰ प॰ ३, ६७; (४) ५६श. कलश. a pitcher. भग॰ ११, ११;

कल. त्रि॰ (कल ) એક જાતનું धान्य. एक जाति का धान्य. A kind of corn पिं० नि॰ ६२३; भग॰ १५, १; २१, २; पन्न॰ १७; दसा॰ ६, ४, (२) ढ्रह्य अने अनने भधुर क्षांगे तेवा अभ्यक्षत प्रावाज (ध्वनी). इष्ट्रम प्रार कानको सहावनी प्रव्यक्ष प्रावाज (ध्वनी). sweet and indistinct sound. "कलिंडिभियमहुरतंतीतज्ञताल " नाया १७, पएह०२,५; (३) अह्व, ४ीथऽ. कीचड. mud भत्त॰ ५२; १३०; — रिभिय. न॰ (-रिभित ) भधुर गीत गाया हुत्र्या स sweet and charming song नाया॰ १७;

कलंक. पुं॰ न॰ (कलङ्क ) अधि; लांछन. दाग; कलंक, लाछन. Spot; stain पचा॰ ६, २०; विवा॰ ३; श्रोव॰ १०;

कलंकलीभावः पुं॰ (कलङ्कलीभाव) ४०१-४०॥८, हुभ्मे। गलशेटः दुःखकी घवराहट Piteous lamentation or complaint पन्न॰२; श्रोव॰४३, स्य॰२,२,८१; (२)स सारभा गर्लाशय आहिने विषे पर्यटन ४२५ ते संसार में गर्माशयादि में पर्यटन करना, जन्ममरण वारण करना. wandering in the cycle of birth and death e.g. remaining in the womb etc आया॰ २, १६, १२;

कलंदः पुं० (कलन्द) ५९६ विशेष. कुराड विशेष. A basin of water. उवा०२,६४; कलंब. पुं० (कदम्ब) ५६२%नुं आऽ. कदम्ब का माड Name of a tree भग० ६, ३३; २२, ३; नाया० १;

कलंबचीरपत्त. न ( कदम्बचीरपत्र ) शस्त्र विशेष.शस्त्र विशेष A kind of weapon. विवा॰ ६:

कलंबचीरिगापत्तः न॰ (कदम्बचीरिकापत्र) तीक्ष्णु धारवाणुं शस्त्रः. तीच्णा धार वाला शस्त्र A kind of weapon with a sharp edge. नाया॰ १६;

कलंबचीरियापत्त. न॰ ( कदम्बचीरिका-पत्र ) એક જાતનું शस्त्र एक जाति का शह्न-A kind of weapon. ठा॰ ४, ४;

कलंबवालुया. स्त्री॰ (कदम्बवालुका)
केनी रेती वल केनी छे अनी वल्र वेशु ।
अथवा ४६२ अनेशु । नाभनी नहीं. जिसकी
रेत वज्र के समान है ऐसी वज्र वालुका अथवा
कदम्ब वालुका नाम की नदां Name of a
river also called Vajra Veluka
on account of its sand being as
hard as adamant. उत्त॰ १६, ४०,
(२) ४६२ अना अवना केनी वेस कदम्ब के
फूल सहस जता a creeper resembling the flower of a Kadamba
tree. परह॰ ५, १;

कलंबुश्च ५० (कलम्बुक ) स्ने नामनुं अड. इस नाम का माड A kind of tree.सू॰प॰४; कलंबुग न॰ (कलम्बुक ) स्नेड ज्यतनी पाछी-नी पनश्पति. एक जाति की पानी की वनस्पति A kind of aquatic plant स्य॰ २, ३, १८; कलम्बुद्धा-या. स्त्री॰ (कलम्बुका) એ नामनी पाणीमां उगनी ओड वनस्पनि. इस नाम की पानी में उत्पन्न होने वाली एक वनस्पति. A kind of vegetation growing in water. पन० १; १५; जं० प० ७, १३४; कलकल. पुं० (कलकल) इवडवाट; थणामाणु-सोनी आवाज. बहुत से मनुष्यों की प्रावाज; कोलाहल. Humming or bustling noise. श्रोव० २७; जं० प० ३, ४५; राय० २१७; भग० २, १; (२) शृण्णीहिभिश्र जल. चृणादि मिश्रित जल. water mixed with powder. विवा० ६; —रच. पुं० (-रच) इवडवाट श्रोवाहल. humming or bustling sound. भग० ३, २; जं० प० ७, १४०;

कलकलंत. त्रि॰ (कलकलायमात्र ) ध्यध्याध्य धरतुं; ध्यध्य भेषे। भ्ययाव्य धरतुं. कलकल ऐसी श्रावाल करता हुत्रा; गुनगुनाट करता हुत्रा, Humming; producing a bustling sound. उत्त॰ १६, ६६; श्राव॰ २१; पगह॰ २, ५:

कलकलिन. त्रि॰ (कलकलित) ४४४४८८ ११५६ सिंदत. कलकलाट शब्द युक्क With a bustling or humming noise. पगद्द १, १;

कलत्तः न० (कलत्र) स्त्री स्त्री. A wife. मु०च० १, २४५;

कलभ. पुं॰ (कलभ) क्षांधीनुं भन्धुं. हाथी का बच्चा. A young one of an elephant. पन्न॰ १७; राय॰ ६०; नाया १;

कलिभया. स्रं (कलिभका) क्षाथणी. हियनी. A she-elephant नाया॰ १;

कलम. पुं॰ (कलम) धागर; धभाह. चांवल; उच्च जातिके चांवल. Rice which is sown in May-June and ripens in December-January. स्य॰ २, २, ६३; जीवा० ३, ३; जं०प० मग० ६, १०; श्रो० नि० मा० ३०७; उवा० १, ३५; कलमल. पुं० (कलमल) ज्रुंश्मां रहेशा द्रव्य समृह. ने। सभूद. पेट में रहा हुश्रा द्रव्य समृह. The contents of the stomach. ठा०३,३; —श्रहियास. पुं० (-श्रिधवाम) ज्रुंश्मा अभ्य द्रव्यमां प्रस्तुं ते. पेटके कलमल-द्रव्यमें रहना. remaining in the contents of the stomach भग० ६, ३३;

कलमाय. ति॰ (कलमात्र ) यशाभात्र; यशा केवडूं. चना मात्र; चने जितना. Of the measure of a gram. निसी॰ १२, =; कलयल. पुं॰ (कलकल) ५६५६।८ शण्ट. गुन-गुनाहर. Bustling noise. जीवा॰ ३,४; —रव. पुं॰ (-रव ) डलडलाट शण्ट. गुन-गुनाहट. Bustling noise मु॰च॰३,६२; कलल. पुं॰(कलक) गर्भानी अथभ सात दिवस-नी अवस्था, गर्भ की प्रारंभिक सात दिन की श्रवस्था The condition of the embryo during the seven days succeeding conception. " सत्ताहं कललंहोइ, सत्ताहं होइ बुब्बुय" तंदु > १६; कलस. पुं॰ (कलश) धेरेा; ध्याशा. घडा; कलश. A pot; a pitcher. पन्न॰ २; श्रोव॰ सत्था॰ १४; जं॰ प॰ नाया॰ १; ४; ८; १४; भग० ६, ३३; रायक ३४; जीवाक ३, ३; कप्प० ३, ३६; (२) આઠ માંગલિક भानुं ७६ं श्राठ मांगलिक में मे ६ ठा. the 6th of the 8 Māngalikas (auspicious signs).राय०४७;जं०प०५,१२०; नाया॰ १; (३) અગ્નિ કુમાર દેવાતાનું ચિન્હ-તેના મુગટમાં રહેલ ધડાને આકારે निशान. श्राग्न कुमार देवता का विन्ह-उसके मुकुट में चित्रित घडे के श्राकार का निशान. an emblem of the Agnikumāra

kind of deities, viz. a pot-like figure in their diadem स्रोव॰२३, (४) भागणीशमां तीर्थं धरनुं साध्न. १६ वें तीर्थं कर का लांछन. the mark of the 19th Tithankara प्रव॰ ३६२; कलमय. पुं॰ (कलशक) जुओ। 'कलस' शण्ध. देखों 'कलस' शब्द. Vide 'कलस' उवा॰ ७, १८४:

कलिसम्रा. स्त्री॰ (कलिशका) नाना ५०शिया छोटा कलश. A small pitcher. अणुजो॰ १३२;

कलह पुं॰ न॰ (कलह) ध्वेश; ह्रीध, हिशाह; લડાઇ, अगडे। क्लेश, कोघ; लढाई, भगडा. Quarrel; anger, strife. निसा॰ १२, ३३, दसा०६, ४; पञ्च०२; २२; सम० १९३; श्रगुजो १२८, जीवा० ३, ३, श्राया० २, ११, १७०; दस० ४, १, १२, श्रोव० २४: उत्त० ११, १३, महा० नि० १; नाया० १; १६: भग०१,६;६,३,६; ७; ७, ६,१२, ४; कप्प० ४,११७,गच्छा० १३४;--कर. पुं० (-कर) કછિયા કરનાર क्लेश करनेवाला.one who is given to quarrel "कलह करो श्रसमाहि करे " दसा० १, १७; १⊏; १६; (૧) અસમાધિતુ ૧૬મુ સ્થાનક સેવનાર. श्रसमाधि का १६वा स्थानक सेवनेवाला. one who resorts to the 16th source of Asamadhi i e lack of meditation or concentration of mind सम॰ २०; —चाडिया स्त्री॰ ( 🕆 ) इसेश निभित्ते. क्लंश के कारण on account of quarrel. निर्सा॰ ६, =;

कलहंस पुं॰ (कलहस) शांकहस. A swan ग्रोव॰ पन्न॰ १, जं॰ प॰ नाया॰ १; कष्प० ३, ४२:

कलहमाण. व॰ क॰ त्रि॰ (कलहायमाण)
५७था ५२नार. लड़ाई, फिसाद करनेवाला.
Quarrelsome; (one) who quarrels. सु॰ च॰ १, १४३;

कलहोयः न॰ ( कलघौत ) थाधी. चादी. Silver. परह० १, ४;

कला. स्त्री॰ (कला) लाग, अश. भाग; श्रंश.

A part; a division. उत्त॰ ६, ४४, नाया॰ द; १६; जं॰ प० ७, १६०; (२) शाला. शोभा beauty. नाया॰ द. १६; (३) धुन्नर: धरीगरी; विद्या, ध्ला. कला, कारीगरी; विद्या, हुन्नर any praotical art नाया॰ १; राय॰ २८६; विवा॰ २; भग॰ ६, ३३, ११, ११; श्रयणुजो॰ ४१; १२८; सम॰ ७२, श्रोव॰ ४०; कप्प॰ ७, २१०, प्रव॰ ४३६; (४) २४६नी ४०। चंद्र की कला a digit of the moon; (these are sixteen) नाया॰ द; सू॰ प॰ १०;

कलाद. पु॰ (कलाद) से।नी सुनार. Goldsmith. नाया॰ १४,

कलाय पुं॰ (कलाद) सुवर्शधारः सेानी.
सुवर्शकार, सुनार Goldsmith पगह॰ १,
२, नाया॰ ६: उचा॰ १, ३६; (२) २०४६
न्नातनु धान्य. एक जाति का धान्य A.
kind of corn. प्रव॰ १०१०; १०१६;

कलायरिश्र-य. पु॰ (कलाचार्य ) ५२ ३णा शीभवजार; ३णायार्थ नी पहवी भेणवेल अध्याप । ५२ कला सिखानेवाले; कलाचार्य का पद प्राप्त अध्यापक A preceptor teaching the 72 arts and entitled Kalāchārya राय०२७७. स्रोव० ४०; नाया० १, ५;

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। र (\*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (\*) Vide foot-note (\*) p 15th.

कलाच. पुं॰ (कलाप ) भेरः; देश. मयूरः; मोर.

A peacock; a pea-hen. नाया॰ ३;
(२) सभूद. समूह. a collection.
नाया॰ ४; म्य॰ २, २, ४४; श्रोव॰ विशे॰
१४.१४; पत्र॰ २; १४; मु॰ च॰ १, ६०;
जीवा॰ १; कष्प॰ ३, ४१; ४, ६६;
राय॰ ४६; ११०; 'शाम त्तीमत्तविदलव हव ग्यारिय दाम कलावा" पत्र॰ २, दवा॰
७, २०६; (३) डे।इभां पढेरवानुं आलुप्ताः,
गले में पहिनने का श्राभूपण an ornament for the neck. भग॰ १, ३३:
जीवा॰ ३, ३;

कलासिंचित्या. स्रं। (कलागिविका ) अध् गततुं शींग वाणुं धान्य; वटाणा; शेरा,वशेरे. एक जाति का फर्ला वाला धान्य; चंवगः बटना ह्यादि. A kind of corn growing in pods; e. g. peas etc. भग० १, १;

कलाच. पुं॰ (कलाय) એ नाभनुं એક अनाथ. इस नाम का श्रनाज. A kind of corn. पद्म १: सग॰ ६, ७:

कलावग. पु॰ (कलापक ) डे। इमां पहेरवानुं न्याभूपण्. गले में पहिनने का श्राभरण. An ornament for the neck. पराइ॰ २, ४:

कलाचि. पुं॰ (कलापिन्) भृथृश मयूर; मेहर. A peacock. मु॰ च॰ २, २४२;

किल. पुं॰ (किलि) એક; એકની સંખ્યा. एक;
एक की संख्या. The number one.
म्य॰ १, २, २, २३; उत्त॰ ६, १६; (२)
४९०२। ४२१। लडाई; भगडा. quarrel.
पगद० १, २; प्रव॰ ४३६; — कलुस. न॰
( -कालुष्य ) ४२९-४२११ं डेएणपछं.
किलि-केंग्र की मर्लानना-मनापन. filthiness; malignity like that of quarrel. विवा॰ १;

कलिऊग्. गं॰ गृ॰ थ्र॰ (क्ब्रियता) विथान्ती. विचारकर. Having thought; thinking. गु॰ च॰ २, १४२; ३, २०७; भत्त॰ १७;

किलेशेश्य-यः नः (क्रवीज) के संज्याने यारे लागतां ओड़ शेप २ हे नेवी संज्या जिम मंग्या में चार का भाग देने से एक शेप रहना है वह मंद्या. A sum which when divided by four leaves one as remainder. ठा० ४, ३; भग० १८, ४; २४, ३; ३१, १;

कलिश्रोग. पुं॰ (क्ल्योज) खुश्री "किन-ग्रीम्र " शुर्धः देखे। कलियोग्र " राव्यः Vide "कलिथ्रोद्य " भग०१८, ४; ३४, १; —कडज़्म्म पुं॰ (-कृतयुग्म) के संभ्याने ચારે ભાગતાં ચાર શેષ રહે અને લબ્ધાંકને ચારે ભાગતાં એક શેષ રહે તે સંખ્યા: મદા-युग्भ संप्यानी तेरभी प्रशर. जिम मंख्यामें ४ का भाग देने मे चार रोप बचें थार लिव के। ४ से भागने पर एक शेष बचे ऐसी संख्या: महायुग्म संख्या का तेरहवां भेद a sum which when divided by four leaves four as remainder and has a quotient which divided by four leaves one as remainder; the 13th variety of Mahāyugma number. अग०३१, ५; -किल्योग. पुं॰ (-कस्योज) के शशीन ચારે ભાગતાં એક શેષ રહે અને લખ્ધાંકતે પણ ચારે ભાગતાં એક શેષ રહે તે સખ્યા: મહાયુગ્મ સંખ્યાના સાલમા પ્રકાર, जिन संख्या को ४से भागने पर एक शेप रहता है श्रीर लुटिंघ संख्या को भी चार से भागने पर एक शेष बचता है वह संख्या; महायुग्म संख्या का सोलहवां भेदः the 16th variety of Mahāyugma number;

a sum which when divided by four leaves one as remainder and has a quotient which divided by four leaves one as remainder. भग० ३५, १; —तेस्रोग. पुं॰ (-प्रयोज ) के संभ्याने यारे भागता ત્રણ શેષ રહે અને લબ્ધાંકને ચારે ભાંગતાં એક શેષ રહે તે સખ્યા; મહાયુગ્મ સંખ્યાના थौंदभे। प्रधार जिस संख्या में चार का भाग देने मे तीन वचते हैं श्रीर लब्धाक को चार से भागने पर एक शेष रहता है वह संख्या; गहायुग्म संख्याका चौदहवा प्रकार. the 14th variety of Mahāyugma number; a sum which when divided by four leaves three as remainder and has a quotient which divided by four leaves one as remainder भग०३४, १; —दावरजुम्म. पु॰ (-द्वापरयुग्म) के सण्याने यारे लागतां *ખે* શેષ રહે અને લખ્ધાકને ચારે ભાગતા એક શેષ રહે તે સંખ્યા, મહાયુગ્મ સંખ્યાના पंहरमे। प्रधार जिस सख्या को चार से भागने पर दो शेष बचते हैं श्रीर लब्धि संख्या में चार का भाग देने से एक शेष वचता है वह सख्या, महायुग्म सख्या का पद्रहवा भेद the 15th variety of Mahāyugma number; a numerical figure which when divided by four leaves two as remainder and has  $\mathbf{a}$ quotient which leaves one as remainder when divided by four. भग॰ ३४, १;

किलिग्रोगत्ता स्त्री॰ (कल्योजता) के संभ्याने यारे भागतां ओड शेप रहे ते. जिस मल्या मे चार का भाग देने पर एक बाकी बचे वह संख्या. A numerical figure which when divided by four leaves one as remainder. भग० ३४, ३;

कालिंग. पुं॰ (क लिझ) आर्थ देशभांनी हिंदिंग नाभे याथा देश आर्यदेश का कलिंग नाम का चौंया देश. Name of an Aryan country. श्रोघ॰ नि॰ भा॰ ३; पन्न॰ ५; उत्त॰ १८, ४४; (२) तरसुय; हादिंगहुं. तरवृज a kind of fruit. जं॰ प॰

किंतिग. न॰ (कालिङ्ग) अक्षिंग देशमां भनेस वस्त्र.
किंतिग देश का वस्त्र. A cloth made
in Kalinga country. जीवा॰ ३, ३,
—रवः पुं (-रव) ४ स असार शण्टः गडवड़ाटः;
कोलाहल. a humming or bustlingsound. भग॰ ३, २, जं॰ प॰ ७, १४०;

कार्लिज. पु (कालिक्ष ) सुंडवे। गोल हलकी टोकरी. A round shallow basket. राय॰ ११६;

किलिंद पुं॰ (किलिन्द) એક આર્ય जात. एक आर्य जाति Name of an Aryan race or tribe. पत्र॰ १,

कार्लेच. पुं॰ (किलम्प) इसिन्प नामनुं श्रीक्ष ज्ञातनुं साइडुं किलम्प नामकी एक जाति की लकडी A kind of wood so named. भग॰ =, ३,

कित्त न॰ (कटित्र) हेडे लांधवानुं धुधरीवाणुं भूष्णुः इन्होरी. कमर पर बावनेका घुंषस्त्री बाला श्राभूषणा,कंदोरा An ornamental waist band. श्रोव॰ नाया॰ १;

किलय-म्रा त्रि॰ (किलित) युक्तः सहित.
Planned; formed together, possessed of "सुद्रथणज्ञचण वयण कर चरण णयण सावण्ण विकास किलिया" पन्न॰ २; दसा॰ १०, १; विवा॰ १, २: राय॰ ३६, ४३; जं॰ पं॰ ४, ११४; ४, १२; सम॰ प॰ २१२; श्रोव॰ जीवा॰ ३, ३; कप्प॰ ४, १०१; सू॰ प॰ २०; भग० १, १; ७,

६; १६, ६; नाया० १; ३; 🖙; १६; १८; गच्छा० ८७; ग्रोघ० नि० भा० २७६; प्रव० १२५४; कष्प०३,३२, ( २ ) २थेलु. वनाया हुत्र्या formed; made. जं॰ प॰ ५, ११५; ४, ६२; ३, ४३; स्० च० १, ४४; कलिसिया स्री॰ (कलाशिका) કલसीय्माना आधारतुं ओध वाछंत्र. कलश के स्राकार का एक वाजा A musical instrument of the shape of a pitcher. राय॰=६, कलुएा. त्रि॰ ( करुए ) ५२७॥ ७८५॥६५; ६थापात्र; गरील करुणोत्पादक; दयापात्र; गरीव Exciting pity or compassion श्रोव॰ २१; नाया॰ ६; विवा॰ ७; पिं० नि०३७१; स्य० १, ४, १, ७; श्राया॰ १, १, ६, १७२; (२) ४३७॥२स; नव रसमाना ओ रस करुणा रस; नौ रसा में से एक. one of the nine sentiments, viz that of compassion. ठा० ४, ४, त्र्रणुजो० १३०; —भाव. न० भाव. sentiment exciting pity or compassion नाया॰ ६; कलुणा. स्त्री॰ ( करुणा ) ४३्णुा; स्था. दया, कर्गा. Compassion; mercy.. पगह॰

१, १; नाया० १; दस० ६, २, ५; कलुस त्रि (कलुप) डेाणुं; मेशुं; अस्प<sup>2</sup>७;

डाद्द्यवाणुं. श्रस्वच्छ, कीचढ वाला; मेला; गंदा. Muddy; turbid. भग० १, ३; ७; ७, ६; श्रगुजो० १३०; स्य० २, ३, २१; श्रोव० २१; विशे० १४६६; श्रोघ० नि०

५८५; तंदु० १६; नाया० १;

कलुस पु॰ न॰ (कालुप्य) પાપ કર્મ; ચित्तनी ડામાડાળ રિથતિ. पाप कर्म; बिगडी हुई मनोग्रत्ति. Sinful action; troubled condition of mind. स्य॰ १, ५, १, २७; सम० ३०; दसा० ४, १; २१; ८, २१; भत्त० ५२; नाया० १; ६; उवा० ६, १७०; —ग्राउलचेयः त्रि॰ ( -ग्राकुत्तचेतस् ) દેાષ પાપાદિકે કરી જેતું ચિત્ત મલીત છે તે. दोप पापादि से जिसका मन मिलन है वह. (one) whose mind is filthy on account of sin etc. दसा॰ ६, १५; २४; २४; —किञ्चिसः त्रि० ( -किल्त्रिप ) २५८५-त भक्षिनः श्रत्यन्त मलिनः very filthy in mind. भग० १, ७, —समा-वराग. त्रि॰ (-समापन ) डाभाडे।ण रिथतिने पामेल. डावांडोल स्थिति को प्राप्त. one who is troubled in mind. भग० २, १; ६,३३; ९१, ६; नाया० ३; ५; —हियय. पुं॰ न॰ ( -हद्य ) दुष्ट-मितिन ९६५. दुष्ट-मलीन हृद्य. wicked heart. नाया० १६;

कलेवर. न॰ ( कलेवर ) शरीर, हेंद्ध शरीर; देह. Body; physical body. जीवा॰ ३; ४; स्॰ प॰ २०; ठा॰ ५, १; पन्न॰ १; जं॰ प॰ नाया॰ १२;

कलेसुय. न॰ (कलेसुक) એક ભાગનું धास. एक जाति की घास. A kind of grass. सूय॰ २, २, ११;

क्षकलाचाइ. स्री॰ ( \* ) वांसती इरेडीयी. बांस क्रा कंडिया A small box of bamboo. श्राया॰ २, १, २, १०:

कल्ल. न॰ (कल्य) आवती अक्ष; भीकी हिवस. श्रागामी काल; दूसरा दिन. Next day. निर॰ ३, २; विवा० ७; दसा० ७, १; नाया॰ ८; १४; १६; सु॰ च॰ ७, ११२;

<sup>\*</sup> जुओ। ५४ नम्भर १५ नी पुरतीर (१). देखो पृष्ट नम्बर १४ की फुटनोट (\*) Vide foot-note (\*) n. 15th.

भग० २, १, ३, १; १२, ६; श्रोघ० नि० १७३; विशे० १४७३: (२) आत अक्ष; प्रभातने। सभय. प्रातःकाल; प्रभात का समय dawn. नाया० १; २, ४; ६; १३; १६: भग० १२, १, श्रागुजो० १६; उन्न० २०. ३४, श्रोव० १३; राय० २३६; उवा० १, ६३; (३) आरे। अ. नीरोगः श्रारोग्य health. विशे० ३४४०;

कल्लाकलिंत. य० (कल्पाकल्पम्) िन्तिन्ति अत्थे; १२रे।००, हरएक रोज, प्रति दिन Day by day; daily नाया० ८, ६, १२; १४; १६; विवा० ३; ४. थ्रत० ३, ८; ५, ३; उवा० ७, १८४,

कल्लाण न॰ ( कल्याण = कल्योऽत्यन्तर्नारु-क्तया मोत्त्रस्तमानयति प्रापन्नतीति कल्याण सुभावनः इत्यालाक्षारीः श्रेयस्वरः सुखकारीः, कल्याणप्रदः श्रेयस्कर Causing ease; giving comfort सु॰ च॰ २, ४६, वव ० १०, १; जीवा० ३, २; विशे०३४४१, सूय० २, ४, १२; दस० ४, ११, राय०२५. उत्त॰ १, ३८; ठा०३, १, श्राया० १, ७, १, १६६, स्रोव० नाया० १: ७; ६; १४; १६; १६; भग० २, १, ३, १; ७, १०; ६, ३३, पराह० २, १, सू० प० १८; उवा० ७, १८७; काप० १, ४; (२) એ नामनु पव श ज्यतनुं ઝાડ, इस नाम का पर्चम जाति का माड़ હ tree of that name প্রত্য; (২) ই अक्षरता आयश्चित्तत नाभ एक प्रकार के प्रायिश्वत्त का नाम name of a kind of expiation पि॰ नि॰ भा ॰३४; (४) तीर्थं-કરના છ કલ્યાણિકમાંનું ગમે તે એક તોર્ય-कर के छ. कल्याणों में से कोई भी एक one of the six precepts of Tirthankars पचा० ६, २०; -कर Vol. 11/55.

करनेवाला. one who accomplishes welfare. नाया॰ १५; - कार्य वि॰ ( -कारक ) इंद्याण इरनार, क्ल्यामाकारी one who confers welfare. नाया॰ १; —दियहः पुं॰ ( -दिवस ) जिनेश्वरना पाय इस्याण्डनी दिवस. जिनेश्वर के पांच कल्याण का दिन. the day of the 5 Kalyānakas of a Tīrthankara. पंचा॰ ६, २६; — परंपरा. र्खा॰ (-परंपरा) continuation or remote standing of Kalyanaka भत्त॰ -फलविवाग पुं॰ (-फलविपाक ) સુત્રના સુખવિષાક ૨૫ એક विभाक **भाग विपाक स्त्र का स्खविपाक रूप** एक भाग, a part of a Vipāk Sūtra called Sukha Vipāka. जं॰ प॰ १, ६; सम॰ ५५; -भागि त्रि॰ (-भागिन्) भेक्षिते लक्ष्यतार मोत्त का सेवन करने वाला. one who enjoys final bliss दस॰ E. 9. 93; —संपया ह्यी॰ (-सपत्) **ક**હ્યાણની સ पत्ति कल्यागाकी सपात्ति पंचा० २, ४१;

कल्लाग्राग पु॰ ( कल्याग्रक ) पिंडिलेट जुने।

यभत वीत्या पछी पिंडिलेट थाय तेनु आयश्रित ओड डल्या जुड तप विशेष प्रांतलेखना
का समय बीतने के पश्चात् प्रांतलेखना
की जाय उसका प्रायाश्चित्त-एक कल्याग्रक तप
विशेष. A kind of expintory penance for examining clothes etc.
after the time for it has elapsed श्रोघ॰ नि॰ भा॰ १७४; (२) ति॰
इल्याणुडारी. कल्याग्र कारी. advantageous. पन्न॰ २: नाया॰ १;

त्रि॰ (-कर) ४६४१। ७ ४२० । २ कल्यामा करलाणि पुर (कल्याणिन् ) स्रेश्व व्याती

वनस्पति एक जाति की वनस्पति. A kind of vegetation. भग॰ २१, ४, (२) त्रि॰ इत्याजुडारी सुस्तकारी advantageous. पंचा॰ २, ४२;

कल्लाल. पुं॰ (कल्यपाल ) हारू-ताडी वेंयनार: भीक्षवाक्षी. यह-मद्य वेचनेवाला; कलाल. A liquor merchant. प्रणुजो॰ १३१;

क्ष कल्लुय पुं॰ (कल्लुक) भे धेरियवादी। छन. दो इंद्रियों वाला जीव A kind of twosenged living being. पण्ण॰ १,

करलोल पुं॰ (कल्लोल ) तरंग; ९६२. तरंग; लहर A wave. प्रवः १४६४; पगहः १, ३, श्रोवः २१;

कल्हार. न॰ (कल्हार ) એક जातनु सहेह इभव. एक जाति का सफेद कमल. A kind of lotus white in colour. पन्न॰ १; कविचया. स्त्री॰ (कविका) એક जातनुं सम.

निवाचयाः श्री (क्वांचका) अहं कातनु क्षिम. एक जाति का पात्र A kind of vessel or utensil. भग० ११, ११;

कवड न० (कपट) ४५८. ७६; भाषा अने वेषनी ५६८। ४२ी पीताने अन्यथा २५२०पे अताववुं ते. कपट, छल; भाषा ख्रोर भेष को वदल कर ध्रन्य स्वरूप का दिखाना. Fraud; deceit; disguise. नाया० २,६; जं०प० भग० ७, ६; स्य० २, २, ६२; प्रव० १६७; भत्त० १२३; राय० २०७;

कविद्याः स्री॰ (कपिर्दिका) है। है। कोडी; एक प्रकार का सिकाः. A small, shell i. e. cowrie (used as a coin). सु॰ च॰ १, १७४;

क्तवयः पुं॰ (काच) अभत्तरः, क्षत्रः वस्तरः; कवचः An armour. राय॰ ५६; श्रोव॰ ३॰, पन्न॰ २; भग० ७, ६; नाया॰ २; (२) ग्नक्ष; सभ् नमृह; समुदाय. A. collection; a net work. "मरीचि कचयं विश्विमुख्रंते" जं॰ प॰ नाया॰ १; चल. पुं॰ (कवल) है।णीये। कीरः प्राम.

कचल. पुं॰ (कवल) है।णीये। कारः प्राम. A morsel. श्रोव । १६; वव । ६, १५; नाया० १; भग० ७, १; ६, ३३; २४, ७; प्रव० १६७; पचा० १३, ४६; १६, १<del>८</del>: —बत्तीस. त्रि॰ (-द्वात्रिशत ) अत्रीश वत्तांग कीर-कवल-ग्राम. morsels, प्रवर ७४२: -बुद्धि, स्नीर ( - मृद्धि ) ચાન્દ્રાયણ વતમા શુકલ પક્ષના પડવાથી હમેશ એકેક કાેલીયા વધારે જમે છે જેમ કે પડવાના રાજ એક પછી અનુક્રમે भूर्शिभाना राज्य १५ ते अवस एहि. कवल-मृद्धि— चांदायण व्रत में शुद्ध पत्त की एकम से हमेशा एक २ कवल श्रधिक वढाते जाना-जैसे कि एकम को एक फिर अनुक्रम से पूर्णिमा को १५ कवल लेना. increasing of one morsel daily; i. e. taking of one morsel on the first day or bright half of a month and then increasing of one morsel daily. Thus on the 15th day 15 morsels are to be taken. This is observed in an austerity styled 

कवलिज्जंत. त्रि॰ ( कवल्यमान ) भवातु. स्रायाहुस्रा. Euten; taken as food. सु॰ च॰ २, ५३२,

क कवल पुं॰ ( ; ) बीहातुं हाम; इदाध. लोहे की कढाई. An iron vessel; a cauldron. भग॰ ३, ३;

कवल्लीः स्त्री॰ ( 🤏 ) शेक्ष ઉકाणवानुं क्षम

<sup>\*</sup> लुओ। ५४ नभ्भर १५ नी प्रुर्नार (+) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th.

गुड उबालने का बरतन. A vessel in which treacle is boiled. विवा॰ ३; कवाड न॰ (कपाल) भे। परी. खोपडी. The skull. नाया॰ ४;

कवाड. पुं॰ न॰ ( कपाट ) કપાટ; બારહ્યું; हरवाओ. कपाट; द्वार. A gate; a door. उवा॰ २, ६४; प्रव॰ १३२७; पिं॰ नि॰ ३४७, जीवा ३, ४; श्रोव॰ सम॰ ८; श्रगुजी॰ १४६; नाया॰ ज॰ प॰ मु॰ च॰ १. ४५; श्रंत॰ ६, ३; राय १७६; नाया० १८; सम० प० २१०; ज॰ प० ३, १३, (२) કેવલ સમુદ્દઘાત ક્રિયા મા કેવલી ખાત્માના પ્રદેશને બહાર કાઢી प्रसारी इपारने आधारे जनावे ते केवल समुद्धात किया मे केवली की घ्यात्मा के प्रदेश वाहर निकालकर श्रीर फैलाकर दरवाजे के श्राकार की भांति वना देना. Universal projection of the soul by a Kevalī by expanding it in the shape of a door. पन १६; —भयत्र. पुं• ( - मृतक ) भे क्षाय अथवा त्रश क्षाय જમીન ખાદે તા અમુક પૈસા આપીશ, એવી सरत કरी राणेक्षे। याहर. दो हाथ या तीन हाथ जमीन खोदनेपर इतने पैसे द्ंगा, इस शत पर रक्ता हुन्ना नौकर. a labourer engaged with the contract of payment of a fixed amount of wages in return for the work of a digging ground to a fixed depth e g. two or three arms ठा० ४, १;

कवाल पुं॰ न॰ (कपाल) धंडानी अर्ध लाग. पढ़े का श्राधा भाग, घड़े का श्रद्ध भाग. The half of an earthen pot विशे॰१६८७, दसा॰६,४; श्राया॰ १,६,३,१०, (२) भरत ४, भापरी. मस्तक, खोपड़ी a brain सु॰च॰ ५,५३; सूय॰ २, १,४८;

कि वि. पुं॰ (किप ) वांधरे। वंदर; वानर. A monkey. सूय॰ २, २, १०; विशे॰ ८६१; श्रोघ॰ नि॰ ६४३; सु॰ च॰ १, २६;

कविंजल पुं॰ (किपञ्जल) ओक्ष्णतनुं पक्षी. एक जात का पर्जा A kind of bird; the Chātaka bird सूय०२,२,१०; पन्न०१; उवा०७,२१७;

किंचिजलग पुं॰ (किंपिञ्जलक) लुओ। "किंवि-जल " शण्टा देखो "किंविजल " शब्द Vide "किंविजल " पराह० १, १,

किवकच्छु . पुं॰ (किपकच्छु) ॐ ४ ज्यानी वेस रे जेने अरतां श्रीरभा भरण ઉत्पन्न थाय छे. एक जात की वेल जिसको स्पर्श होतेही शरीर पर खुजली उत्पन्न होती है A kind of creeper producing an itching sensation in the body by touch जीवा॰ ३, १; पगह॰ २, ५;

किविट्ट पुं॰ (किपिस्थ—किपिस्तिष्टस्येत्रोति किपिस्थः) वाहराने गभतु था श्रु भीवा श्रु ध्रिनं हुं हुं हुं वहत बीजी बाला फल जी बंदर की प्रिय-रुचिकर होता है; कबीट. The fruit of the wood-apple tree full of seeds and much liked by monkeys ज॰ प॰ श्राया॰ २, १, ६, ४३; उत्त॰ ३४, १२. सू॰ १, १६, पन्न॰ १, २, प्रव॰ २४६; भग० १६, ६, २२, ३; दस॰ ५, १,२३ जीवा॰ १,३,४; निर॰ ३,², किवियाः स्री॰ (किविका) क्षणभ. लगाम

कावयाः स्ना॰ (कावका ) लगामः लगाम (जो घोडे वगैरह के मुह मे श्रटकाई जाती हे ) A bridle. सु॰ च॰ १०, ३२;

किंवल पुं॰ (किंपल) अपिस नामना भृति. अपिस डेवसी डे के राज्य पासे शुं भागतु तेना वियार अरतां, पिन्सामनी छव्य श्रेष्सी

ઉપર ચડતાં, સંતાપ વળ્ચા અને ત્યાં કેવલ ज्ञान छत्पन्न थयुं हे तरतक श.सन हेवे આપેલ સાધુના વેષ પહેને, દીક્ષા લઇ ચાલી नी ४८था. कपिल नामक सुनि; कपिल नामक कंवली जो राजा में क्या मागना? इसका विचार कर रहे थे कि विचार करने करते परिणामोंकी ऊपर की श्रेणी पर चढ गये श्रीर उस प्रवस्था में उन्हें मंतीप प्राप्त हुया तथा केवलज्ञान उत्पन्न हो गया, तव प्रापन तुरंतही शासनदेव द्वारा दिया हुआ साधु का वेप पहिन कर दीं जा जी खीर वहां से चल निकले. Name of a sage, who while pondering upon the boon that he should ask of a king, rose to a high stage of thoughtactivity, experienced contentment, attained perfect knowledge, became an ascetic, took Diksā and set out. उत्त॰ ६, २०; सु० च० १२, ४६; (२) लुरे। रंग. भूरा रंग. tawny colour. ज॰ प॰ भग॰ ૭, ६; (३) એક જાતનું કપિલ નામનુ पक्षी. एक जाति का कार्पल नामक पत्ती.. a kind of bird. पग्ह॰ १, १; ज॰ प॰ श्रोव॰ (४) કપિલ મુનિ-સાંખ્યશાસ્ત્ર પ્રણેતા अने तेना अनुयायिका कांपल मुनि श्रीर उस मत के अनुयायि-माननेवाल, name of the founder of the Sankhya system of phylosophy also a follower of Kapıla. श्राव॰ ३८,

कविलम्मः पुं॰ (किपिलक) राहुना पुद्रस्तना ५६२ प्रकारमाना श्रीकः राहुके पृद्गल के पंद्रह प्रकार में से एक One of the 15 varieties of the molecules of which the body of Rāhu is made. 4240 30;

कविस्तायण पुं॰ (किपिशायन ) ओक्ष्र जातनी भिंदर। एक जाति की दारु A kind of intoxicating drink पन्न॰ १७;

कविसिसिश्रा पुं॰ (किपशीर्पक ) लुओ।
'कविसीसग "शण्ड देखां "कविसीसग"
शब्द. Vide 'कविसीसग " राय॰ ॰०४,
जीवा॰ ३, ४;

कि चिसीसग पुं० (किपरापिक) धारीशा;
गढभांथी ज्ढार जीवाने तेमां भुडेला वांदराना भाथाने आधारे आंधा धांगरा. गढ से
बाहिर देखने के लिये उसमें रखे हुए बंदर के
सिर के आकार के छेद. An indentation or hole in the wall of a
fortification resembling a head
of a monkey. श्रोव॰ जं॰ प॰ नाया॰
४; श्रत॰ १, ९;

कविहस्यि न॰ (किपहसित) आशशसां अश्वस्मात् अस्ति। स्थांश्वरं ज्यासा हेभाय ते. श्राकाश में श्रकस्मात दिखाई देनेवाली भयं-कर ज्वाला Unexpected, sudden flames in the sky. श्रगुजो॰ १२७. जीवा॰ ३,३:

कवेक्सक. पुं॰ ( ॰ ) पात्र विशेषः भ्हेाटी इडाध. पात्र विशेषः चढी कढाई. A utensil; a big cauldron भग॰ ३, १;

कंचेल्ल्य. पु॰ ( \* ) निक्षिया. कवेल् A tile. जीवा॰ ३, १; ( २ ) निहारी इंडाधः; इंडाधिओ. वहीं कहाई. a large-cauldron जं॰ प॰ २, ३=;

कवोड पु॰ (क्पोत ) भारेवं. कबूतर A

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ठ नभ्भर १५ नी पुटने।ट ( \* ). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट ( \* ) Vide foot-note ( \* ) p 15th.

dove. पि॰ नि॰ २१७;

कवोतालि. स्री॰ ( \*कपोतालि - कपोत पार्विका ) विटं : पक्षीने पालवानी जगा. पित्रवांको पालेन की जगह. A place set apart for taming birds. जीवा॰ ३,३; कवोय. पुं॰ (कपोत्त) अपूतर; पारेवी. कवूतर A dove, a pigeon. जीवा॰ ३; पन्न॰ १, श्रोव॰ श्राया॰ २, १०; १६६; उवा॰

१, श्रोव॰ श्राया॰ २, १०; १६६; उवा॰ ७, २१७; जं॰ प॰ २, २१; —सरीर न॰ (-शरीर) पारेवाना शरीरना २ ग्वाणुं ६६, १। छुं. कवूतर के शरीर के समान रंगनाला फल, भूरा कोला. name of n fruit of the colour of a dove; a kind of pumpkin gourd. भग॰ १५, १;

कवोयग. पुं॰ (कपोत्तक) भारेषु कवृतर
A dove; a pigeon. सूय॰ २, २, १०;
कवोल. पुं॰ (कपोल) भाक्ष; समुखा गाल.
A cheek; the temples. जीवा॰ ३,
३: श्रोव॰ १०; जं॰ प॰ —मूल न॰
(-मूल) भाक्षनु भूस, समुखा. कनपटी
the temples. कप्प॰ ३, ३३;

कन्व. न॰ (कान्य) डा०्य; डिवनी प्यतावेस इति. कान्य; किन की चनाई हुई किनता A. poem; the work of a poet. श्रगुजो॰ १३०; ठा० ४, ४; जं० प० प्रव० १२४१; सु० च० १, १;

कब्बड. पु॰ (कर्बट) द्वित्सित नगर; अशी-िशतं शहेर. शोभा रहित शहर. A city devoid of beauty. नाया॰ =, १६; भोव॰ ३२; सूय॰ २, २, १३; पगह॰ १, ३; जीवा॰ ३, ३; भग॰ १, १; ३, ७; ७, ६; जं॰ प॰ ३, ६६: कच्चरम्र पुं॰ (कर्चटक) ७६मा अक्ष्नं नाम. ७६ वे यह का नाम. Name of the 76th planet. सू॰ प॰ २०;

√ कस. था॰ II (कृश) शायववुं; सुक्ष्यी नाभवुं शोषण करना; शोखना, सुखा डालना To dry up; to cause to evaporate.

कसेहि. श्राया० १, ४, ३, १३५;

कस पुं० (कश = कस्ते शासनयात्रासजनंयित ताइयित वेति तथा ) आणेणे; डारडी। चाबुक A whip. पग्ह० १, १; ३; २, ५; ज० प० उत्त० १, १२; १२, १६; विवा० ६; दसा० ६, ४; विशे० २०४२; (२) ६२ अथवा अव (संसार). कम या संसार. Karma; worldly existence विशे० १२२६; २६७६; — प्पहार. पुं० (-प्रहार) आणणाना प्रदार. चाबुक का प्रहार, चाबुक की मार. a stroke or lash of a whip. विवा०३, नाया०२, १७; कस. पुं० (कप) धसीने इसीडी इरवी ते कसोडीपर लगाना. Testing on a touch-stone. पंचा० १४, ३६;

कसट्ट न॰ ( \* ) इसतर; इयरे। कचरा Refuse; dross श्रोघ॰ नि॰ ५५७; कसट्टिय. पुं॰ (कशपट) इसीट्टीने। ५थरे। कसोटी का परथर. A touch-stone.

भग० ५, २;

कसर पु॰ ( \* ) भल्लुसवाथी ઉत्पन्न थयेक्षे। रे।गः; भस खुजाने से उत्पन्न रोगः; खाज. A skin disease caused by scratching; itches. " कच्छूकसराभि भूया" भग॰ ७, ६, जं॰ प॰ —श्रमिभूय. त्रि॰ ( -श्रभिभूत ) भालना रे।गथी पीऽ।-

<sup>\*</sup> लुओं पृष्ट तम्भर १४ ती प्रुटतेष्ट (\*) देखो पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (\*) Vide foot-note (\*) p. 15th.

थेले।. खाज के रोग से पीडित. ( one ) suffering from itches. भग० ७, ६; कसाय. पुं॰ (कपाय) लगवां वस्त्र. भगवां बद्ध. A red cloth or garment. दसा॰ ६, ४; (२) इसायेक्षा रस. कमाया हुन्ना रस; उतरा हुआ रस; चलित रस. astringent taste. जीवा ॰ ३, १; प्राया ॰ ५, ६, १७०; उत्त० ३६, १८; पन्न० १; नाया० १; १७; जं॰ प० निसी० २, ४४; भग० २, १; १७, ३; १८, ६; २०, ४; २१, ७; २४, १; इस० ५, १, ६७; सम० २२;ठा० ૧, ૧; (૩) પણ્ણવણા સ્ત્રના ત્રીજા **५६**नुं सातभां द्वारनुं नाभ परारावरा। ( प्रज्ञा-पना ) के तीसरे पद का सातनां द्वार. name of the 7th Dvara of the third Pada of Pannavanā Sūtra. पन्न॰ ३; (४) प्रज्ञापनाना अष्डिमां पहनुः નામ જેમાં કાેધાદિ ચાર કધાયનું વર્ણન आंधेलुं छे. प्रज्ञापना क चौदहवें पद का नाम जिसमे कोधादि चार कपायाँ का वर्णन है. name of the 14th Pada of Prajñāpanā dealing with the four Kaśayās. पन ॰ १; ( प ) सात સમુદ્ધાતામાંની ખીજી સમુદ્ધાત-જેમાં કષાય માહનીય કર્મની નિજ રા થાય છે. सात समुद्धातों मे से दूसरी समुद्धात जिसमें कषाय मोहनीय कर्म की निर्जरा है।ता है. the 2nd of the 'seven Samudghātas in which there is Nirjara of Kasāya Mohaniya Karma. 940 ३६; (६) જીવના શુદ્ધ સ્વભાવને કર્મરૂપ મેલ લગાડી મલીન કરે અને સ સારની વૃદ્ધિ કરે તે ક્રાધ, માન, માયા અને લાભ, जावके शुद्ध स्वभाव को कर्म रूपी मेल लगाकर मालन करने वाले तथा संसार श्रमण की चृद्धि करने वाले कोध, मान, माया श्रीर लोभ

रूप कपाय. the four moral impurities viz. anger, pride, deceit and greed which obscure the spotless nature of the soul and cause it to wander in the cycle of worldly existence दस॰ द, ४०; १०, १, ६; भग० १७, ३; २४, १; क० गं० १, ४१; ४, ६३; पत्र० १४; मत्त० ४८; गच्छा १७; पंचा० १७, ४२; कप० ४, ६५; जीवा० १; नाया० ५: श्राया० १. ८, ७, २; उत्त० ३१, ६; श्रयुको० १२७: थ्रोव॰ १६: — श्रई्य. त्रि॰ ( - श्रतीत ) કપાયરહિત છવ; કપાય (કપ+ચ્યાય) સંસારની પ્રાપ્તિ કરાવનાર: ક્રાધાદિયી રહિત. कपाय रहित जीव; कपाय (कप+श्राय )-संसार की प्राप्ति-कराने वाले कोधादि भावासे रहित. (a soul) free from Kaṣāya i. e. anger etc. which are the causes of worldly existence. विशे॰ ७७७; — उदय पुं॰ ( - उदय) કષાય-ક્રાધ, લાેબ વગેરેના આવિર્ભાવ. कषाय-कोध लोभ आदिका आविर्भाव (शृद्धि). rise, manifestation of Kasava i. e. anger greed etc. क॰ प॰ १, ४२; ६, ७४; <del>- कालि</del>. पुं० (-कालि) ध्याय रूपी इंदेश कवाय रूप क्लेश. mental agony, trouble in the form of Kasāya, such as anger etc. মল॰ १४१; —च उक्क न॰ (-चतुष्क ) क्षाणनी ચાકડી, ફ્રોધ, માન, માયા અને લાભ. कषाय की चोकडी: क्रोध, मान, माया, श्रीर लोभ. the group of the four passions viz. anger, conceit, deceit and greed क॰ गं॰६,७७;-जय. पुं॰ (-जय) ક્રોધ, માન, માયા અને લેાભ એ ચાર ને જીતવ ते; ध्रुष्य ज्यु क्रोध, मान, माया श्रीर ले(भ

इन चारों को जीतना conquest over the four passions viz anger, conceit deceit and greed. प्रव॰ ५६२: --हग. न० (-श्रष्टक) ક્ષાયની આડે પ્રકૃતિ; અપ્રત્યાખ્યાની અને પ્રત્યાખ્યાન नी ये। इंडी. क्षाय की ब्याठ प्रकृति-भेदः श्रप्रत्याख्यानी श्रीर प्रत्याख्यानी चोकडी the eight-fold nature of Kasāya vız. four Apratyākhyānī and four Pratyākhyānī क॰ ग॰ ६, =२; -- गिद्यत्ति. स्री॰ ( -निर्वृत्ति ) है।धाहि કષાયનी ઉત્પાત<del>,</del> कोघादि कषायों की उत्पत्ति the rise of Kasāya viz anger. etc भग० १६, =; —पचक्खारा न० ( -प्रत्याख्यान ) हे।ध आहि કषायने। त्याग. कोधादि कषाय का त्याग. giving up, abandoning Kasāya i e anger etc. उत्त॰ २६, २, —पडिसंली गुता स्री॰ (-प्रातिसंजीनता ) ध्यायने। सय धरवे। ते कषाय का लय करना-नाश वरना destruction, assuaging of Kasāya भग० २५, ७, —पिसाञ्च. पु० ( -पिशाच ) डपाय रूपी पिशाय कषाय रूप पिशाच. a ghost, an evil spirit in the form of Kasāy. भत्तः ५७, — देएमात्र पुं॰ ( -प्रमाद ) ध्यायरूप प्रभार. कषायरूप प्रमाद. negligence, blunder in form of Kaṣāya. ठा॰ ६. १; —मोहागिजा. न॰ (-मोहनीय) अपायरूप માહનીય કર્મની પ્રકૃતિ. मोहनीय कर्म की कषायरूप प्रकृति. a variety of Mohanīya Karma in the form of Kasāya उत्त० ३३, १०; —रस. त्रि॰ ( -रस ) ક्सायेक्षे। २स कशाय-कडवा रस astringent in taste भग॰ =, १; <u> चयरा</u> न॰ ( -वचन ) है।ध्युक्त पथन

गुरुसाना शण्ट कोधयुक्त वचनः गुस्सा भरे शब्द. angry words स्य॰ १, ३, १, १४: —विउस्साग पुं॰ ( -ब्यु सर्ग ) કસાયના પરિत्याग. कषाय का परित्याग. giving up, abandonment Kaṣāya i. e anger etc. भग॰ २५, ७; —विजय पुं० ( -विजय ) है।धाहिश 'अपायता विकथ अरवे। ते कोधादि कपाय पर विजय प्रात्प करना. conquest over Kasāyai e. anger etc. प्रव १ १५२६; —समुग्धायः ५० ( -समुद्धात-कपायै क्रोधादिभिर्हेत्यूतैः समुद्धातः कपाय समु-द्धातः ) ક્રાેધાદિ કષાયને ઉદયે જીવના પ્રદેશ શરીર અંદર અને ખહાર વિસ્તરવાથી નેત્ર વિકાર કે મુખવિકારનું થવું અને કષાય માહ-નીયના ભાગવટા કરી કષાયના પદ્મલોને निक्र रेवा ते कोधादि कषाय के उदय से जीव प्रदेशों का शरीर के भोतर श्रीर वाहिर विस्तृत हो जानेसे नेत्र विकार या मुखविकार होना श्रीर कषाय मोहनीय कर्म का भोगने पर चय होजाने से कषाय पुद्रलों की निर्जरा होना. deformation in eyes and face caused by the expansion of the molecules of soul in the body due to the use of Kasāya ( passions ) and destruction of the molecules of Kasāya after enduring them. सम॰ ६. जीवा॰ १, ठा० ४, ४; भग० ११, १, २४, १; ३४, १; पञ्च० ३६,

कस्तायकुसील. पुं॰ (कपायकुशील = कपाये मंज्वलन क्रीधाधुदयलच्यो कुशील. कपाय-कुशील:) अधाययुक्त; साधु; ७ अक्षारता निर्श्रथमांना स्पेष्ठ. कषायवाला साधु क्रीधादि भावयुक्त साधु; छ प्रकारके साधुओं में से एक. An ascetic full of Kaṣāya, one of the six kinds of Nigranthas i.e. ascetics. भग० २४, ६; पग्ह० ६३;

कसाय कुसीलत्त. न॰ (कपाय कुशोलत्व) इपायहशीलपणुं. कपाय भावते कुशीलपणां Evil conduct arising from Kasaya. भग॰ २४, ६;

कसायपद्. न० (कपायपद् ) पत्रवणा सुत्रता वेष्या पहनुं नाम प्रज्ञापना सृत्र के नीये पट का नाम. Name of the fourth Pada of Pannavanā Sūtra. गग० १८, ४;

कसायात. पुं॰ (कपायात्मन्) अपायनिकी आत्मा. A soul full of Kasiiya. भग॰ १२, १०,

कसाहि. पुं॰ (कशाहि ) ओड ज्यतने। भुडुिबत सपं. एक प्रकार का मुकुिलत सपं. A kind of snake. पन्न॰ ९;

कासि. पुं॰ (कृषि) भेती; કृषिक्षभे. खेती, कृषि. Agriculture. जीवा॰ ३, ३: क॰ प॰ २, ६४;

कसिंगा ति॰ (कृत्स्न ) पुरेपुरं; संपूर्ण परि-

पूर्ण; संपूर्ण. Whole; full; all; entire. दसा० १०, ११; निसी० म, १२; श्रोव० ४०, श्रमुजी० ४०; भग० २, १०; ६, ३१; दस० म, ४०; नाया० १४; जं० प० ७, १६६; (२) अभंऽ; १०ऽ१थेस नहीं; भिऽत न थ्येस सम्प्रः श्रखडः दुकडे वगेरह जिसके न हुए हों वह. unbroken; entire. कप्प० १, १; ५, १६, क० प० ७, ३; ४५; श्राया० २, १, १, २; वेय० ३, ४; निसी० ४, १६; (३) पुं० पिर्पूर्ण २३ भ नहीं ते. पिर्पूर्ण स्कंघ, महास्कंघ, सबसे बडा स्कंघ. a perfect, complete Skandha or molecule. विशे० महण; — श्रम्पूर्ड अश्रभएऽस

(शाहस) ने। पड. सम्पूर्ण वादल का पडल; सम्पूर्ण अअपटल The entire vault of the sky. "किस्णुटम पुडावगेगव चंदिमा" दस॰ ६, ६४; — च्राण्यः पुं॰ (-चणक) आभा अणाः अरांड चनाः chick-pea, gram. प्रव॰ १०१०; — संग्रमः पुं॰ (-संग्रमः) सर्वरीते सावधनाः त्यागः सर्व विरतिः मावध का त्यागः पापानुष्टान का सर्वथा त्यागः सर्व विरतिः complete renunciation of sinful things. पचा॰ ६, ४०;

किस्सिण, त्रि॰ (कृष्ण) आणुं; आणाशवाणुं, काला, Black, "श्राणामिय चावरुइरत्तणु किस्सिण मिध्धभूया" जीवा॰ ३, २, सु॰
च॰ २, २३६; पन्न॰ २; श्रीव॰ १०; ठा॰
१०; कष्प॰ ३, ३६; क॰ गं॰ १, ४२;

कसिणा. स्रं। ( कृत्स्ना ) के आयश्चितभां अधिक समार्थ शहे नहीं ते; आयश्चितने। अधि अधार । जिस आयश्चित में अधिक शामिल न हो सके वह आयश्चित्त; आयश्चित्त का एक भेद. A variety of expiation; an expiation which has reached the highest limit and which cannot admit any more. ठा० ४, २; सम॰ २८;

कसेरु पुं॰ (कशेरु) पाणुीमां छत्पन्न थते।
इशेरु नामने। प्रसिद्ध इंद्र. पानी में पैदा
होनेवाला कशेरु नामक प्रसिद्ध कंद्र. A
bulhous root growing in water
and named Kaseru पन्न॰ १:

कसेरुग. पुं॰ (कसेरुक) असेर नामनी पाणीन् मां उपती पनश्पति. पाना में उत्पन्न होने-वाली कसेरु नामक वनस्पति. Name of aquatic plant. स्य॰ २, ३, १८; श्राया॰ २, १, ८, ४७;

कस्सई. अ॰ (कस्यचित्) डेार्ध એકतुं.

किसी एक का. Of some one; belonging to some one. दस॰ ८, १०; कह. था॰ II (कथ्) કહેવું, ખાલવું. कहना; बोलना. To tell; to speak; to say. कहेंद्द. निसी० ८, २; नाया०घ०उवा०१, ६०; कहंति. श्रोव० २१; कहिंति. नाया॰ १६; कहिजा वि॰ दस॰ १०, १,१०; कहिज वि० पिं० नि० ३१४; कहाहि । श्रा० सूय ० १, ११, ३; कह्सु. भाशा० सु० च० १, ४६; कहेस. सु० च० ५, ६; कह्य. उत्त० २४, १६; कहेमाण. इसा० ३, २६; सम० ३३; कहमाण. गच्छा० ३२; कहिउं. सु० च० ३, ८२; कहिजाए. क॰ वा॰ विशे॰ ५८५: कहिजाउ क० वा० स्० च० ४, २४०: कहिजाहि. क॰ वा॰ श्राज्ञा॰ पि० नि॰ ४३२; कहिजात. क० वा० व० कृ० सु०च० ७,१४६; कह. घ्र॰ ( कथम् ) हेभ; शाभाटे, हेवी रीते. क्यों; किस्लिये; किस तरह. Why; how. नाया॰ २; ६; ७; भग० ७, ६; कहं. घर (कथम् ) हेभ ? शामाटे? हेवीरीते? किस प्रकार ? How? why? नाया॰ 9; २; ६, ७; ६; १०; १८; भग० १, ३,२, ५; ३, १; ४, ४; ६; १४, १; १६, ६; २०, ६; २४,८, दस०२,१;४,७;६,२.२४;२१,दसा०४, १०५; विशे० ३०, १२७; सु०प०१; सूय०१, १, ३; १०; १, २; ३; जं० प० ७, १४१; कहंचि. श्र॰ ( कथंचित् ) डेाध प्रधारे; किसी त्रकार से In some way or other; some how or other. पंचा॰ ५, ३५;  $\sqrt{$ कहकह ना० घा०  $ext{II} \cdot ($ कहकह $\, )$  ५७५७ भेवे। आवाज ४२वे। कहकह ऐसा श्रावाज करना. To make a sound resem-Vol 11/56.

bling the sound of the word Kahakaha. कहकहति. जीवा० ३, ३; कहकहंत. पराह० १, ३; जं० प० ५, १२१;

कहकहत. परह० १, ३; ज० प० ४, १२१; कहकह. पुं० (कहकह) ध्ला જ्लो भुशा-सीना अवाज. कोलाहल; शोर. Bustling noise. राय० = ६;

कहकहम्र पुं॰ (कहकहक) आनं हेने। इस-इस शण्ट. मानंद का कलकल रान्द. A joyous bustling sound. ठा॰ ३, १; कहकहक. पुं॰ (कथकथक) इहुइहु भुशासीने। भाइत. 'कहकह' रूप हपोंद्रार; खशासी की पुकार. A joyous sound resembling the pronounciation of the word Kahakaha. म्राया॰ २, १४, १७६;

कहकहग. पुं० (कहकहक) डे।साद्धस. कोला-हल. Bustling sound. कप्प० ५, ६६; कहग. पुं० (कथक) डथा डरनार; डथा ७५२ आळिविडा यसायनार. कथा करनेवाला; कथा करके आजीविका करनेवाला A professional story-teller राय० आगुजो० ६२; श्रोव० जं० प० निसी० ६, २२; जीवा० ३. ३; कप्प० ५, ६६; प्रव० ६३६;

कहरा. न० (कथन) ५थन; वर्शन; ४६ी जता-वर्षु. कहना; कथन; वर्णन. Telling; describing; narrating. विशे० ६६४; पि० नि० ६०; १६०; १६२; सु० च० २, ३५०; नाया० ६; नंदी० ४१;

कहणा. स्त्री॰ (कथन) अथन. कथन. Narration विशे० = ४६; पंचा० ६, १३,१२, १५; कहिंचे. अ॰ (कथमिंप) अः। पणु रीते. कोई भी रीति से. In some way or other; anyhow. गच्छा॰ ६६;

कहा. स्री॰ (कथा) કथा; वार्ताः, सभायारः, કथा-वाह, જલ્પ, वितंडा, সুકीर्णु अने

निश्रय भे पांय प्रशस्ती ध्या. क्या: समा-चार; वार्नो-बाद, जल्म, वितंडा, प्रकीर्ण थीर निश्चय, ये पांच प्रकार की कथा. A story; a news; a description. " तिविहा परग्यता तंजहा कहा श्रत्थ कहा धम्मकहा कामकहा " ठा० ३, ३; गच्छा० ११५; ऋष० ३, ४६; भग० २, ५; ७, ६; ६, ३३; ११, ११; दस० म, ४२; नाया० १; ३, ४; म, १३, **१**६; सम० ९; १२; उत्त० १६, ६; २६, २६; श्रोन० ११: ३=, दमा० ३: २६; ३५; निर्या० =, १; उवा० २, ११७;—घ्राहिकरणः न॰ ( - प्राधिकरण ) इथाना अधिहारवाणुं. न्था का वर्णन करने वाला शास्त्र. A scripture containing stories or teaching through stories. दशः ६, २४; — सम्लाव पुं॰ ( न्यमुहाप ) परस्पर वार्ताक्षाप, परस्पर वार्तालाप; श्रापन में बानचीत. mutual conversation. नाया० ५; ६;

कहाणात. न॰ (कथानक) ४था, पात; कथा; कथानक; वर्णन. A story; a narration. नंदा॰ ४०;

कहि. त्रि॰ (कथिन्) इंदेनार. कहने वाला. ( One ) who tells; a teller. "महाधम्म कही" ट्वा॰ ७, २१८; जं॰ प॰ १, १;

कहि. य॰ (क्र) ध्यां; ध्ये देशाले. कहां; किम जगह. Where? at what place? जं॰ प॰ जीवा॰ ३; नाया॰ १३; पन्न॰ २; भग॰ २, १; ७; ३, २; ६, १; ६, १; १२, १; १३, ४;

कहिन्र-य- त्रि॰ (कियत ) श्टेशुं. कहा हुन्ना. Told; narrated. नाया॰ १, २; ४; ६; १६; मग॰ १, १; २, १; पंचा॰ १७, ३०; कर्हि. त्र॰ (क) श्यां? कहाँ ? Where? जीवा० १; राय० नाया० =; १३; १४; १६; मु० च० ३, ६२; मग० २, १; ३, १;॥; ५, ३; ६, ४: ७, ६; ६. ३३; १४, १: १५, १; ३२, १; श्रागुत्त० १, १; भि० नि० ३७६; मृ० प० १;

कर्दिः श्र॰ (कदा ) ४४।रे. कवः किय समय. When ? भग० २०, =;

किति. प्र॰ ( किनित् ) स्पांषपणुः है। स्रथ्ये. नहीं भीः किसीभी स्थान पर. In some place; in some place or other निगे०१६२७, नाया०१; श्राया०१,७,२,२०२; किति. ति॰ ( किथित ) क्षेत्र. कहा हुआ। Told; said; narrated. स्०प०१;

कहित्तार. ति॰ (कथियतृ) अदेनारः भेशसन्तारः कहनेवाताः चोत्तने वाता. (One) who tells; a teller; a speaker. दसा॰ ३. ३१: उत्त॰ १६, ६; सम॰ २;

कहेत्तार ति॰ (कयियतृ) अधेनार कथन करने वाला; कहनेवाला A speaker; a teller; (one) who tells. "इत्यि-कहं भत्तकहं रायकहं कहेत्ता भवह" ठा॰ ४, २; मेम॰ २२;

कह्नार. न॰ (कल्हार) संध्या विश्वशी स्रोहें इभस. संघ्या का फूलने वाला सफेद कमल. A white lotus blooming in the evening. सूय॰ २, ३, १८;

१०; नाया० १४; १६; विशे० ६६=; काही. नाया० ४० ६; दस० ४, १०;

काहिति. भग० ३, १; १४, १; नाया० १; नाया० घ० १०; स्रोव० ४०; उत्त०

=, १६; पिं॰ नि॰ २३६; काश्रसी. भूत॰ सूय॰ १, १, ३, ८; श्राया॰

१, १, ४, ३१, उत्त॰ १, १०; काऊग्रं. जं॰ प॰ नाया॰ १८, १६; विशे० १४२; पिं० नि० ३; भग० १४, २; काउं. सं० कृ० भग० १, ५; ३, ४; ६, ३३; १४. १: सु० च० १. २०७; दसा० १०, १; नाया० ध०; नाया० १६; श्रोव० ४०; पिं० नि० भा० ३०: काउं. हे॰ कृ॰ भग॰ ४, २; नाया॰ १८; कट द. सं० कृ० दस० ८,३१, वेय० १, ३७; ७, १७, सु० प० १; पन्न० ३६; श्रोव० ११; जं० प० ४,११५; ११२; १२२; २, ३३; ३, ४४; श्रगुजो० १३; ७१; निसी० ७,३१; १४, १२; १८, १७: श्राया० १, ५ १, १४४; २, १, ३, १४; उत्त॰ ३, २; ११, नाया० १; ४; म; १४; भग० १, १; २, १; ४; ३, १; ४, ४; ६, ४; ७, ६,६,३१; १६,५; वेय०१,१३;४, ५;  $\sqrt{}$ का था॰ I. सं॰ कृ॰ श्र॰ (कृत्वा) धरीने. करके. Having done.

किश्वा. नाया० १; ६; १४; १६; श्राया० १, ७, ६, २२१; सूय० १, १, १०; श्रोव० ३=; भग० १, १; =; २, १; ३, १; ७, ६; =, ४; १४, १; दस० ५, २, ४७; =, ४६; निर० ३, १; दसा० ६, १; ६, ११;

काइ थ्र॰ (काचित्) है। है। ली जाति विशेष प्रधि कोई स्त्री जाति विशेष वस्तु Somebody; someone; (said of of an object in the feminine gender) वेय॰ ५, ११; विशे॰ १२२; काइय थ्रि॰ (कायिक-कायेन शरीरेण नि-

वृंत्तः कायिकः ) शरीरसंध्यन्धीः शारीरिकः शारीरिकः शरीरसंबन्धा Physical; relating to the body. आव० १, ४; औव० ३२; विशे०२३३;३४४ उत्त ३२,१६; काइया. स्त्री० (कायिकी) शरीरना व्यापारथी थती क्रिया; पांच क्रियामांनी ओक्ष. शरीर के व्यापार से होनेवाली क्रिया; पांच में से एक क्रिया. One of the five activities viz. physical activity. पन्न० २२; सम० ५; ठा०२, १; श्रोघ० नि० २४१; भग० १, ६; ३, १; २; ६, ४, ६; ६, ३;

काई. न॰ (काकी) आगडी. कौवी (कौवा का स्त्री लिइ). A female crow. विवा॰ ३; —-ग्रंडग्रा. न॰ (-श्रगडक) आगडीना धंडा. कौवी का ग्रंडा. an egg of a female crow. विवा॰ ३;

काउ. स्रो॰ (कापोर्ता ) डापीत क्षेश्या; पारे-વાના રંગ જેવા કર્મ સ્કધા કે જેના યાેગે જીવને તદ્દન કાળા નિક્ષ પણ સફેદની ઝાંઇ-વાળા પરિણામ થાય તે કાપાત લેશ્યા. कापोत लेश्या; कबूतर के रंग के समान कर्म-स्कंध, जिनके संयोग से जीव के विल्कुल काले परिणाम न होकर सफेदी की मांईवाले परि-गाम है। ऐसे परिगामों को कापोत लेश्या कहते हैं. Dove coloured tint: grey colour of Karmic molecules resembling that of a 'dove. पদ্গ**ু ১৩**; ত্তন্ত ३४, ३; ५६; ক৹ ग० ४, १६; जं० प० ५, ११४; —लेसा. स्री॰ (-तेरया) ७ देश्यामांनी त्रीक्ष **आपे**।त देश्या. छः लेश्यायों में से तीसरी कापोत लेखा. the third of the six matter or thought tints viz. dove coloured tint भ्राव०४,७; प्रव॰ १९७३; —लेस्सा स्ना॰ (-लेरया) કાપાત લેશ્યા: પારેવાના રંગ જેવા કે અલ-સીના પુલ જેવા કમ<sup>ર</sup>કકંધો કે જેના યાેગે તદ્દન કાળા નહિં પણ કંઈ સફેદની ઝ.ઇ-વાલા આત્માના ભુખરા પરિણામ થાય તે. कापीत लेश्या अर्थात् कवृतर के रंग के समान

कर्मस्कंधों के सथोग से होनेवाले जीव के ऐसे परिणाम चो विलक्कल काले नहीं किन्तु सफेदी की फांई लिये हुए हाँ. dove coloured Karmic molecules which impart a grey colour to the modifications of the soul; dove coloured tint. भग० १, १; ७, ३, १८, ३; २४ ६; २६, १; ३१, ४; ३३, ४; ३४, ४; सम० ६; पन्न० २७; उत्त० ३४ ६; जीवा० १; ठा० १, १;

काउग्राग्गियएणाभ. त्रि॰ (कपोताग्निवर्णाभ)

क्षेपात अथवा धभेस अञ्चिना वर्ण लेवी
कांति लेनी छे ते. कवूतर प्रथवा धमी हुई

श्राग्नि के वर्ण समान One whose
colour is grey like that of a
dove or like that of a fire
blown with a blower. दसा॰ ६, १;

काउंचरि. पुं॰ (काकोदुम्बरि) એક જાતનું ઝાડ.. एक वृत्त का नाम. A Kadamba tree; a kind of tree. जीवा॰ १; पन्न॰ १;

काउंचरिय. पुं॰ (काकोदुम्बारिक) १२६ विशेष. एक तरह का फाड. A kind of tree. भग॰ २२, ३;

काउकाम. त्रि॰ (कर्तुकाम) इरवानी धन्छ। वाणुं. करने की इच्छा वाला. Desirous of doing or performing. श्रोघ॰ नि॰ ४३७:

काउज्ज्ञ्ययाः स्त्री॰ (कायर्जुकता) शरीर ये।गनी सरणता; सीधापणुं. शर्रार योगका सीधापन; शरीर योग की सरतता. Straightforwardness of physical activities. ठा॰ ४, १; भ्रा॰ ६, ६;

काउदर. पुं॰ (काकोदर) ओक्व जातने। हेश्वाणा सर्थ. एक प्रकारका फन वाला सर्पे A kind of hooded serpant पन्न॰ १; काउरिसः पुं० (कापुरुष ) क्षायर; थीक्ष्युः कायर; डरपॉकः. Timid; cowardly. गच्छा० २७; सु० च० ७, १६४; श्राउ० ६४; काउलि स्रो० (काकोली) એક જાતનी वनस्पति. एक तरह की ननस्पति. A kind of vegetation. भग० २३, ५;

काउसग्गः पुं० (कायोत्सर्ग) अथाना व्यापा-रने। त्याग अधिसण अरवे। ते, शारीरिक किया का त्यागः कायोत्सर्ग करना. Act of stopping the activities of the body and meditating upon the soul. श्राव० १, १; कप्प० ६, ४२; नंदी० ४३, उत्त० २६, ३८; २६, २; वेय० १, १६; नाया० १; ४; भग० २, १; (२) आवश्यक सूत्र के पांचवें श्राध्याय का नाम name of the fifth chapter of Avasyaka Sutra. श्राणुजो० ४६;

कान्नोदर. पुं॰ (काकोदर ) એક જાતના सर्थ. एक प्रकार का सर्प. A. kind of serpant. पगह॰ १, १; कान्नोय. पुं॰ (कापोत) कुओ। "काउ" शण्ट

देखो "काउ" शब्द Vide "काउ" पन्न०२, कान्रोली ब्री॰ (काकोली) ओ नामनी ओक वनस्पति विशेष का नाम.
Name of a kind of vegetation.

कांची स्त्री॰ (काञ्ची) डांચी नाभनी ओड नगरी। कांची नाम की नगरी. Name of a town. प्रव॰ =॰६;

काक. पुं॰ (काक) आक्षेत्र कौत्रा. A crow.

काकंतिश्र पुं॰ (काकन्तिक) थे। इंडी. लोमडी.

कांकंदिया स्त्री॰ (काकंदिका ) धांधंदी नाभनी नगरी काकंदी नामक नगरी. A town

named Kākandī. नाया॰ ६;

काकंदी स्ती॰ (काकन्दी) िं श्रतशत्रु राज्यनी अधि हों ही नाभनी नगरी हे जे भां धन्ना अखुगारनी। जन्म थेंगे। ढती. जितशत्रु नामक राजा की एक नगरी जिसमें कि धन्ना अखुगार का जन्म हुन्ना था. A town named Kākandī belonging to king Jitaśatru where the ascetic Dhannā was born. अखुत्तु॰ ३,१; ठा० ४,१; काकखी स्ति॰ (काकिखी) अध्वतीन। १४ रत्मांनु ओड रत. चक्रवर्ती के चौदह रह्मों में से एक रत्न One of the fourteen jewels of a Chakravartī. ओव॰ ४०; काकालि. पुं॰ स्ति॰ (काकली) ओड ळातनी

काकांत. पुं॰ श्री॰ (काकली) એક વ्यतनी यनस्पति. एक प्रकार की काकली नामक यनस्पति. A kind of vegetation so named. भग॰ २२, ६;

काग. पुं॰ (काक) धागहा. कीन्रा. A crow. श्रागुजी॰ १३१; परह १, १; पत्त ० १; पिं॰ नि॰ ४४४, भग॰ ३, २; श्रीघ॰ नि॰ ४६३; (२) धा नामने। श्रद्ध. काक नामक श्रह. a planet so named. ठा॰ २, ३;

🕾 कागिए। न॰ ( राज्य ) २१००४. राज्य. A kingdom. (૧) એ નામની એક वें अ एक प्रकार की लता का नाम. ચક્રવાર્તિના ચાદરતમાંનું એક કે જેથી ચક્ર-વર્તી તિમિસ ગુકામાં પ્રકાશ કરવાને માંડલા आले भे छे चकवर्ति के चौदह रहा में से एक कि जिससे चकवर्ति तिमिस गुफा मे प्रवेश करत समय प्रकाश के हेतु मंडल खीचते हैं. one of the fourteen jewels of a Chakravartī by which he draws circles to produce light in dark cavas. 510 0, 9; पन्न॰ २०; -रयगा. न॰ (-रत्न ) यक्ष्वर्ती-

तुं अधिष्ठी नाभनुं रतन. चक्रवर्ती का काक्ष्णी नामक रत्न. a jewel named Kākiņī belonging to a Chakravartī. ठा॰ ७, १; पत्त २०;—लक्स्बण्. न०(-लच्च्ण) अधिष्ठ रतने जीवानी अणा काक्ष्णि रत्न को देखने की कला. the art of viewing the Kākiņī jewel. नाया॰ १; ग्रोन०४०; काग्णी. श्री॰ (काकिणी) डे। डी; से। नृं रुपुं भापः भासाना थे। थे। साग. सोना चांदी तोलने का एक प्रकार का वज्यः माशे का चीया भागः सवा रत्ती (गुंजा) भर वजन. A. cowrie; a small measure or weight equal to about two

grains used in weighing gold

and silver अखुजो० १३३; परह० १,

३: श्रोव॰ ३८:

कागस्तर. पुं० (काकस्वर) आगडार्न भेड़े केहेर स्वरथी गावुं ते; गायर्ननी ओड देखि कीश्वा के समान कठोर स्वर से गाना; गायन का एक दोष Singing with a harsh sound like that of a crow; a fault in singing. जं० प० ३; श्रगुजां० १२=;

कागिणी स्त्री (काकिणी) यहप्तिशि १४ रत्नभांनुं स्पेड रत्न हे केने छ तक्षा, स्पार्ड धुणा स्त्रने थार ढासे। ढाय छे. चक्रवर्ती के चौदह रत्नों में का एक रत्न जिस के कि छ तह स्त्राठ कोने स्त्रीर वारह वाज होती हैं. One of the fourteen jewels of a Chakravartī, having six facets; eight angles and twelve sides. सूय० २, २, २६; सम० १४; जं० प० प्रव० १२२८; (२) हाडी; भासाने। सेथि। ढिस्सी। मासे का चोया हिस्सा; दो रत्ती भर वजन. a cowrie; a measure of

weight of about two grains. उत्तः ७, ११; —मंस. नः (-मंस) डेडीने आडारे डेडिडी लेवडा मांसना इड्डा शरीर मांथी डाडवा ते. शरीरमें से कोडी जैसे मांसके टुकड़े निकालना. taking off pieces of flesh of the size of a cowrie. विवाः २, —साइम. नः (-सादिम) डेडिडि अभाष्ट्रे इड्डा डरी पेतानुं मांस पेताने भवः डावे ते. कोडी वरावर दुकड़े करके अपना मांस अपने को ही खिलाना. feeding oneself with one's own flesh in pieces as a cowrie दसाः ६, ४; —सावियंगः त्रिः (-सादिताः ) डेडिने आडारे मांसना इड्डा इरवा ते; ओड

अधारनी शारीरिक्ष शिक्षा. कोडी के **श्राकार** 

वरोवर मांस के दुकडे करना; एक प्रकार का

शारीरिक दंड. a kind of physical

punishment viz. slicing one's

flesh into pieces as small as a

cowrie. स्य॰ २, २, ६३;
कागी. स्री॰ (काकी) કागडी. कोनी. A
female crow. (२) કાકડાસંબંધી

विद्या. कोश्रा सम्बन्धी विद्या. a science in connection with crows. विशेष्ट

कारा. त्रि॰ (कारा) એક आंभवादी; अही. एक त्रांखवाता; काना One-eyed.

श्रगुजो० १२८; पग्ह० १, १; नाया० १४; दस० ७, १२: पिं० नि० ४७४; प्रव० ८०२;

काराक न॰ (काराक) थाशु वारा; बान. तार. An arrow. जं॰ प॰

काएग न॰ ( काएक ) क्षाण्-शेरडीने।
ओक्ष रोग के लेथी तेमां छिद्र छिद्र पिंड लाय.
सांटे का एक रोग जिससे कि उसमें छेद पड़
जावें. A sugarcane with a

disease in it which makes

it full of small holes. (२) तेवा िश्रवाणी शेरडी. ऐसे छेदों वाला गन्ना. a sugarcane with small pin-holes. श्राया॰ २, १, ५; ४५;

श्राया॰ २, १, ६; ४६; कार्गग. त्रि॰ (कार्यक-स्रापित) थे।रेशुं. चुराया हुश्रा. Stolen. प्रव॰ ६०३: —महिस. पुं॰ ( –महिष ) थे।रेथे। पाडे।; थे।राव पाडे।. चुराया हुवा भैसा. a stolen buffalo. प्रव॰ ६०३;

गर्भभांथील એક आंभनी भाभी रही गर्छ होय ते; १६रेग भांना ओड रेग कानापन; रोग से अयवा गम मेंस ही एक आंख की न्यूनता होना: सोलह रागों में का एक रोग. State of being one-eyed; one of the sixteen diseases. आया॰

काणियः न॰ (काग्य) अलापश्चं: रेशथी के

कार्त्तिय पुं॰ (कार्तिक) धार्तिक भिक्षेते।. कार्तिक मास. The month Kartika. प्रव॰ १४७२;

9, ६, 9, 9७२;

काद्य. पुं॰ (कादम्ब) એક જાતના હંસ. एक प्रकार का हंस. A kind of goose. पराह० १, १;

काटूसिंग्या. स्री॰ (करूपिंगका ≈ कं स्रात्मानं दूषयति तमस्काय पारिगामेन परिग्रमनात् कद्षणा सेव कद्रुपाणिका-दार्घनाच प्राकृ-तत्वात् ) तभरकायना प्रशावथी भ ६ थयेथी यंद्रनी क्षान्ति तमस्काय के प्रभाव से मंद हुई चन्द्र कान्ति. The luster of the moon dimmed on account of the power of dark bodies. भग० ६, ५;

कापालिस्र. पुं॰ (कापालिक) अपाधि अयोगी. कापालिक योगी: खोपडियें रखनें वाला योगी. A Kāpālika ascetic. श्राजी ०१३१: कापिसायगा. न॰ कापिशायन) એક બતની भिंश एक तरह की मिंदरा. A. kind of intoxicating drink. जीवा॰३, ४; कापुरिस. पुं॰ (कापुरुष) आयर पुरूष पुरुष; डरपोक श्रादमी. A timid, worthless person. नाया॰ १; पराह॰ २, १; काम. पुं॰ (काम काम्यन्तेऽभिल्प्यन्त एव नतु विशिष्ठ शरीर संस्पर्श द्वारेगोपयुज्यन्ते ये ते तया ) भने। त्र शल्ह अने भने। त रूपः मनोज शब्द ग्रीर मनोज्ञ रूप Attractive sound and form: उवा० १, ४६; श्राव० ३२; ( २ ) शफ्धि **भां**य विषय. ( २) शच्दादि पांच विषय. the five objects of senses such as sound etc. ভল॰ ২, ৭=; =, ৭४; दस० २, १; श्राया० १, ५, १, १४१; सूय० १, १, १, ६; नाया० १; (३) ४२७।. કામના, વાસના; અભિલાષા कामना, वासना; श्राभेलाषा desire; lust. श्रोव॰ ३८; दस॰ ६, ४, १६; सू॰ प० २०; सम० ४; भग० ७, ७; नाया० ४; पक्ष० २; पंचा० १, १६; प्रव० ४०; क०प० २, १४: जं०प०५, ११५; (४) अस-५ हेर्ी; भधुन सेवा काम-कंदर्प; मैथुन सेवा. the god of love; sexual intercourse. पचा० १,१६; भत्त० १०७, पन्न० २; पराह०

१, ३; — श्रासंसा. स्री॰ ( - श्राशंसा ) કામ–મનાહર શબ્દાદિકની અભિલાષા काम– मनोहर शब्दादिक की श्रभिलापा, desire the enjoyment of the objects of senses, प्रव॰=२३;---ग्रा-ससपत्रोग ५० (-म्राशंसाप्रयोग ) विषय-वासना ६५के खेवा प्रयाग विषयोत्पात्त का प्रयोग an activity which excites sensual desires তা০ ४, ४; — স্লা-सत्त. त्रि॰ ( - श्रासक ) धभभां आसिक्त-वाक्ष. काममे श्रासिक वाला attached to sensual pleasures. भत्त॰ —श्रासाः स्री॰ (-ग्राशा) अभनी आशा. े थे। अनं पर्यायनाभ काम की श्राशा, लोभ का पर्याय वाची नाम. desire of sensual enjoyment; a synonym greed. सम॰ ४२; भग॰ १२, ४; -कंखिय. त्रि॰ ( -काचित ) धामनी वाला. desirous of sensual enjoyments भगः १, ७; -कमः त्रि॰ (-क्रम) ৮२%। પ્રમાણે ગતિ કરનાર, २२% हे थालनार स्वच्छंद चलने वाला; मन मानी गती करने वाला. (one) moving wantonly at his own will उत्त॰ १४, ४४, (२) सातव नामे છઠા દેવલાકના ઇન્દ્રનું મુસાક્રી વિમાન. लातव इंद्र का मुशाफिरी करने का विमान. the travelling baloon of the Indra of the sixth Deva-loka Lanta. ठा॰ =, १, १०, -किल पु॰ (-काल ) धामने। ध्लेश. काम का क्लेश. the trouble or worry caused by sexual desire. भत्त॰ ११४; —कहा स्त्रं॰ (-कथा) કામ શાત્ર સંખધી कामशास अर्थात कोकशास संवंधी

ৰথা. talk about love matters. হা• ३, ३;--कामग्र. त्रि॰ (-कासुक) धाभनी धेरण **४२**वावाणा. काम की इच्छा करने वाला. (one) desirous of sexual intercourse. भग॰ १, १; --कामि. त्रि॰ (-कामिन्) धम वासनाने। અભિલાધી: કામની ઇચ્છાવાળા. वासना का श्राभेलाषी काम की इच्छा वाला ( one ) desirous of sexual intercourse. श्राया० १, २, ५, ६२; — किच त्रि॰ ( - कृत्य ) ৮ খণ সমাত্ पगर वियाये धाम अरतार. इच्छा नुसार विना विचार किये काम करनेवाला. ( one ) acting wilfully and thoughtlessly. स्य॰ २, ६, १७; —गम. त्रि॰ ( -गम ) র্ঘ-ছা সমাত্রী গরিঃবনাব, इच्छा-नुसार गति करनेवाला. ( one ) who moves according to his desire. जं० प० ७, १६६; ४, ११८; —गामि. ात्रे॰ ( –गामिन् ) ध<sup>२</sup>७। प्रभाषे गति धरनारः भरજી મુજબચાલનાર. इच्छानुसार गतिकरने वाला: मन मुत्राफिक चलने वाला. ( one ) moving or acting according to his own wish. श्रोव॰ २४: —गिद्ध. ারি॰ ( –गृद्ध ) विषयासङतः; ভামলী। সমা गृद्ध थरेश विषयामक्क; काम भोग में त्रह्मीन. (one) greedy of sensual enjoyments; attached to sensual pleasures. उत्त॰ ६, ४; —गुण. पुं॰ જન આપનાર ગુણા; શખ્દાદિ પાંચ વિષય. विषय भोग को उत्तेजन देने वाले गुण. any of the five objects of sensers e. g. sound etc. which excite desire or lust. उत्त० १०, २०; सम० ५, नाया० १५; —घत्थ त्रि० ( -प्रस्त )

**કામ-વિષયમાં ગ્રસ્ત-આસક્ત થયેલ. कामादि** विषयों में ग्रस्त-श्रासक, attached to or plunged in sensual enjoyments. भत्त॰ ११४; —तिव्वहिलास. पु॰ ( -ती बाभिलाप ) डाभ-विषयनी अत्यन्त धर्थाः काम-विपय की श्रत्यन्त इच्छा. excessive desire of sensual pleasures. प्रव॰ २७८; — त्थिय. त्रि॰ ( - श्रर्थिक ) કામ ભાગતા અર્થી-ઇચ્છતાર, काममोग का श्रर्थी-इच्छाकरनेवाला. ( one ) who longs for sexual enjoyments.জ০ प॰३,६७;--पिचासिय. ज्ञि॰ (-पिपासित) क्षामनी पिपासावाली, काम की-विषयभोग की-म्राभिलाषावाला. (one) thirsting after sensual pleasure भग०१,७; - भोग. go (- भोग-कामाः कमनीयाः भोगाशब्दादय ) डाभ अने ले।गः शण्हाहि पांच विषय. विशय भोग. Desire and enjoyment (of objects of senses); the five objects of senses viz. sound etc. ठा० ४,१; भग० ७,७; ६, ३३; १२, ६; २५, ७; नाया० १; २; ५; ६; १६; दशा० १०, ४, ६; उवा० १, ५७; -भोगि त्रि॰(-भोगिन्) डाभी अने ले।शी; शुक्रहाहि पांचे विषयमां भश्यक्ष. विषयी. (one) deeply plunged in sensual desires and enjoyments of the five objects of senses viz sound etc.भग०७,७;—भोय.पुं०(-भोग) ळ्या "कामभाग" शण्ट. देखा "कामभाग" शब्द. vide "कामभोग " नाया० १; ५; १६;—रइसुइ. न॰ (-रातसुख) अभ रति-नुं सुभः, विषय सुभः काम रति का सुखः pleasure derived form sexual enjoyment. प्रव॰ १०७५; --रय न॰ (-रजस्-कामःशब्दादि विषयःसएव**रजःकाम**ः

रजः) धाभ रूपरूज-भेक्षः कामरूप मेलः dirt or impurity in the form of sensual desire. भग॰ ६,३३; -रागाविव-द्रुगा. त्रि॰ ( -रागविवर्द्धन ) क्षाम रागते यधारनार काम राग की बृद्धि करने वाला. (one) that increases the passion of attachment to sensual objects. दस॰ म, ४म; — रूवि शि॰ (-रूपिन्) ४२ छानुसार रूप धनावनार इच्छा-नुसार रूप बनाने वाला. (one) that can assume various forms according to one's own desire उत्त॰६.२७: -समगुन्नः त्रि॰ (-समनुज्ञ) अभ ले।ग-વિષય વાસનાને મનાેગ્ર માનનાર; કામી; विषयी. विषय वासना को मनोज्ञ मानने वाला; कामी; विषयी. (one) who takes delight in sensual pleasures; sensual आया १, २, ३, ८१;

कामं. अ॰ (कामम्) अत्यन्तः अतिशय. श्रत्यंतः अतीव. excessively. पि॰ नि॰ १११ः

कामगम. पुं॰ (कामगम) छहा देवले। इन्त । ध्रतुं विभान. छठवें देवलें। के इन्द्र का विमान. Name of the heavenly abode of the Indra of the sixth Devaloka; श्रोव॰ २६; जीवा॰ ३; (२) छट्ढादेवले। इन्त देव लोकके इन्द्रके विमान का व्यवस्थापक देव. the deity in charge of the heavenly abode of the Indra of the sixth Devaloka. जं॰ प॰ ६; श्रोव॰

कामजल न॰ (कामजल) स्तान करवाती भाष्त्री स्तान करने की चोकी. A wooden seat for taking bath. श्राया॰ २, ४, १, १४८; निसी॰ १३, ४;

कामज्भया. स्री॰ (कामध्वजा) अभध्यला | Vol. 11/57. नाभनी ओं हे वेश्या. कामध्वजा. नामकी एक वेश्या. A prostitute named Kāmadhvajā. विवा॰ १, २;

कामदेव. पुं॰ (कामदेव) એ नामनुं એક श्रावड; भढ़ावीर स्वाभिना दश श्रवडमांना એड. इस नाम का एक श्रावक महावीर स्वामी के दस श्रावकोंमें से एक. Name of one of the ten laymen-followers of Mahāvīra. उवा॰२, १००;

कामफास. पुं॰ (कामस्पर्श) ४७भा अहनु नाभ. ४७ वें ग्रह का नाम. Name of the 47th planet सू॰ प॰ २०;

काममहावण न॰ (काममहावन) आशी-वणा-रसी ण्ढारनु ओड यैत्य-जिद्यान काशी-वनारमी नामक नगरीके वाहिरका एक उद्यान. Name of a garden situated ontside the city of Benares. " तथ्यणं जेसे चउत्थे पउट परिहारे सेणं वाणारसीए णय-रीए वहिया काममहावणासि चेह्यंसि मंडि-यस्स सरीरं विष्पजहामि " मग० १४, १; श्रंत॰ ६, १६, नाया॰ घ० ३;

कामय. पुं० (कामुक) धामनी धव्छावाला; धामी. कामकी इच्छा करने वासा; विषयेच्छु. One desirous of sensual enjoyments. भग० ३, १; दस० ४, २, ३४; उवा० २, ९४;

कामि. पुं॰ (कामिन्) क्षाभनी ध्रेन्थात्राणाः; क्षाभी. कामी, विषयेच्छुः विषय भाग का लोलुपी. One desirous of sensual enjoyments. भग० ७, ७;

कामिजुग. पुं॰ (कामियुग) એક तरदना इंवा-

नी पांभवाक्षी पक्षी. एक तरह का रुँएदार पंखोंबाला पद्मी. A kind of bird with downy feathers. पन्न- १;

कामिद्धिः पुं॰ (कामार्थि) आर्थ सुहस्तीना शिष्यः यार्थ सुहस्ती का शिष्यः Name of the disciple of Arya Suhastī. कप्प॰ =;

कामिहियगण. पुं॰ (कामिहिकगण) शम-धिंश्व नाभने। भद्रावीर स्वाभीना नव गण्-भांने। ओश्व गण्. कामार्विक नामक महावार के ६ गणों में का एक गण. One of the 9 Ganus (orders of saints) of Mahāvīra, named Kāmārddhika. ठा॰ ६;

काभियः त्रि॰ (काभितः ) धिर्धेक्षं. इच्छितः चाहा हुत्रा. Desired; longed for; wished. पि॰ नि॰ २७२; मत्त॰ १११;

कामुय. त्रि॰ (कामुक) अभनी धन्छावादी. कामेच्छु; विपयेच्छु Sensual; desirous of sexual pleasures. दस॰ ४,२,३,४;

कामेमाण, त्रि॰ (कामयमान ) ध्र-७ते।; व्यक्षिक्षाया ३२ते। इच्छा करता हुआ; श्रमि-त्वापा करता हुआ. Desiring; wishing; longing for. श्रोध॰ नि॰ ३०४;

জ্বনাথ. पুঁও ( \* ) মাগু লাববানী হাৰঃ.

पানী জান কা কাৰক. A piece of
bamboo on two ends of which
water-pots are hung; a contrivance to carry water from place
to place with ease. দিঁও নিও হহ;

काश्र-य. पुं॰ (काक) धागडेा. कीत्रा. A. crow. नाया॰ २; १६; विशे॰ २०६४; काश्र-य. न॰ (काच) धाय. कांच. A.

pane of glass; glass. श्रोष० नि॰ ७७२; सु॰ च० ६, ४१;

काय. पुं॰ (काय = चिष् इति घाताश्रयनं कायः चीयतेऽनेनेति वा कायः) धथाः शरीरः हें ध. शरीर; काया; देह. Body; physical body. दस॰४; =, ७; ४४; १०,१,५; पि॰ नि॰ ६३; १२=; ५८३; जीवा॰ ३, ४; स्० प० १६; दसा० ४, १=; ६, ४; पन्न० ३४; नाया० १; ४; =; भग० ३, १; ७, ४; १८, ८; ११, ३; निसी० ३, ३४; ४४; १२, ३८; उत्त॰ २, ३७; ४, २२; ३२, ६३; ७४; वव॰ ६, ३१; १०, १; त्राव॰ १, ३; अत्त॰ ३२; पिं नि भा २६; (२) ये नाभना એક અનાર્ય देश. एक अनार्य देशका नाम. name of a country of the Noa-Aryans. प्रदे १४६७; (3) પૃથિવી આદિ છ કાય; પૃથ્વી, જલ, અગ્નિ, વાયુ, વનસ્પતિ, અને ત્રસ એ છ કાય. પૃથ્વો धादि छः काय; पृथ्वी, जल, श्राग्नि, वायु, वनसाति श्रीर सूचम जंतु यह छः काय. the six kinds of bodies, viz. those consisting of earth, water, fire, wind, plant and minute insects स्य० १, १२, १३; उत्त० ३१, ८; श्रग्रुजो० ૨૦૧; (૪) કાય દેશમાં રહેવાવાળા भनुष्य. काय देश में रहने वाले मनुष्य people residing in the Kāya region. पन्न १; ( प्र ) ओ नाभनी वन-२५ति. इस नामकी एक वनस्पति. a vegetation of that name. पত্ৰ ৭; (६) પ્રકાર; બेદ. भेद: प्रकार. mode; variety. स्य० २, ३, १; (७) डार्ध देशमां धंद्रनीक्ष મણીના રંગનાે કપાશ થાય છે તે કપાસના

<sup>\*</sup> जुओ। ५४ नम्भर १५ नी पुटनीट (\*). देखों पृष्ठ नम्बर १६ की फुटनीट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th.

भूत्तरनं अनेक्षं वस्त्र. किसी देश में इन्द्रनील मिणके रंगका कपास होता है उस कपास के स्तसे बना हुआ बस्न. cloth made of the yarn of a variety of cotton produced in certain countries Its colour is of the colour of Indra's gem (=) 3 ম। মঙ্বু नाभ. ३६ वें ग्रह का नाम. name of the thirty-sixth planet. स्० प० २०; (૯) પન્નવણા સૂત્રના ત્રીજા પદના ચાથા દ્વારનું नाभ. पन्नवणाके ३ रे पदके चोथे द्वारका नाम. name of the 4th chapter of the third section of Pannavanā पत्र॰३;(१॰) सभूढ़. समूह. collection. श्रगुजो॰ ६७; —श्रगुत्ति. स्री॰ (-श्रगुप्ति) પાપમાં પ્રવત્ત તી કાર્યાને ન રાષ્ટ્રવી તે. पाप में प्रवृत्त होते हुए शरीर को न रोकना not checking the body from doing sinful deeds. ठा०३, १; सग० २०, २; -- श्रण्ज्यया स्त्री॰ ( - श्रनुजुकता ) કાયાના વેપારની વક્રતા-સરલતાના અમાવ काया-शरीर-के न्यापार की बकता. absence of straight-forwardness in the actions of the body. 210 ४, १, भग० ८, ६; —उड्डावरा. न० ( -उड्डापन ) शरीरनं आडर्प छः डरव ते शरीर का श्राकर्पण करना.act of attracting a body towards oneself. नाया॰ १४; -- करण. पं॰ (-करण) शरीरतं साधन. शरीर का साधन instrumental to the body. তা০ ২, ৭, भग॰ ६, १; -- किलेस. पुं॰ ( -क्लेश = कायस्य शरीरस्यवदेशः खेदः पीढा काय-क्लेश: ) शरीरने ड्वेश आपवा ते; आसन વાળવા, આતાપના લેવી, ધર્મના પરિશ્રમ Gक्षवि। ते शरीरको क्लेश पहुचाना; श्रासन

लगाना, घाम ( धूप ) सहन करना. act of subjecting the body to austere penances e. g. practising unnatural postures, exposing it to sun etc. भग॰ २४, ७; श्रोव॰ १६; ठा॰ ६, १,उत्त॰ ३०, ५; सम॰ ६; प्रव॰ २७१; —गिरा. स्त्री॰ (-गिरा) કાયા અને વાણી. शर्रार श्रोर वाणी. body and speech दस॰ ६, १, १२; -गुत्त-त्रि॰ ( -गुप्त=कायगुष्टया गुप्तः कायगुप्तः) **કાયાને પાપથી ગાપાવનાર, काय गु**प्ति; शरारको पाप प्रवृत्त न होने देने वाला.(one) checking the body from doing sinful deeds. " कायगुत्तो जिहंदियो " उत्त॰ १२, ३; भग॰ २, १; —गुत्तया. स्त्रं। ( -गुप्तता ) કાયાને પાપથી ગાપવવી ते काया को पापसे बचाना checking the body from doing sinful deeds उत्त॰ २६, २; —गुत्तिः स्री॰ ( –गुप्ति ) કાય সুমি, સત્વદ્ય પ્રવૃત્તિથી કાયાને ગાપવવી તે; પાપમાં કાયાની પ્રવૃત્તિ न ५२वी ते काय गुप्ति, पाप प्रवृत्ति से शरीर को बचाना, शरीरको पाप प्रवृत्त न करना. controlling the body and preventing it from doing sinful deeds. ग्राव॰ ४, ७; भग॰ २; ठा० ३, ५; सम० ३; —चिठ्राः स्रो॰ ( –चेष्टा ) કાયાની ચેષ્ટા; दसन यक्षन वर्गरे शरीर की चेष्टा; हलन चलन श्रादि. movements or motions of the body. उत्त॰ ३०,१२; — छुक्कः न॰ (-पट्क) पृथ्वी आहि १० आयः पृथ्वी કાય, અપકાય, તેઉકાય, વાયુકાય, વનસ્પતિ अय अने त्रसंध्य ये छ अय. पृथ्वी, श्रप, श्रिप्ति, वापु, वनस्पति श्रीर त्रस ये ६ काय. the six kinds of bodies, viz.

water,

- जोग. पुं॰ ( -योग ) शरीरते। व्यापार, शरीरचेष्टा. शारीरिक चेष्टा. movement or activity of the body. 300 3. १; भग० १, ६; १२, ५; १७, १; २५, १; भत्त॰ ८६; -जोगत्ता. स्री॰ (-योगता) કાયયાગપહ્યું. काय योगता. condition in which there is activity of the body. भग० २४, २; -जोगि त्रि॰ ( -योगिन् ) ध्रय-યાેગી જીવ; કાયાની પ્રવૃત્તિમા જોડાયેલ. काय योगी जीव; शरीर प्रवृत्ति में लगा हुआ. engaged in the activity of the body. डा॰ ४, ४; भग॰ १, ५; ६; ३; ४: =. २; ६, २१; ११, १, २४, १; २४, ६; २६, १; —िट्टिइ. पुं० ( -स्थिति ) પૃથ્વી વગેરે કાયમાં અવિસ્છિત્ર હો રહેવું તે. पृथ्वी सादि कायों में श्रावीच्छन-श्रह्खलित रूपसे रहना. remaining uninter ruptedly in earth-bodies etc. (૨) પ્રતાપના સૂત્રના અડારમા પદનું નામ 'કે જેમાં નરકાદિ **છવાતું** કાયસ્થિતિનું વર્ણન आवेश छे. प्रज्ञापना सूत्र के श्रठारहवें पद का नाम जिसमें कि नरक श्रादि जीवों की कायस्थिति का वर्णन है name of the eightcenth Pada of Prajñāpanā Sūtra describing the lasting period of bodies of hell-beings etc. पत्त॰ ৭; প্রব॰ ४३; ৭০४४; **—तिगिच्छा.** स्री० (-चिकिस्सा ) शरीर-ના રાેગ મટાડવાનું ચિકિત્સા દર્શાવનાર શાસ્ત્ર: आयुर्वेदने। એક ભાગ. शरीर के रोग मिटाने वाला चिकित्सा शास्त्र; श्रायुर्वेद का एक भाग. a division of medical science

those consisting of earth,

and insects. सम०१८; दस० ६, इ;

fire, air, vegetable

treating of the cure of the diseases of the body. ठा॰=,१;—तिजा. ( -तीर्थ्य--तरणीय ) તરવા યાેગ્ય. शरीर से तिरने योग्य. such he 28 can crossed by the body. दस० ٧, --दंड. पुं० (-दंग्ड = काय एव दग्ढ:काय-दर्गढः) क्षाया ६ ६; क्षायानी हुष्ट प्रवृत्ति करी आत्माने इर्भ अंधनधी हं उवे। ते. काया दंड; शरीर से दुष्ट प्रवृत्ति करके श्रात्मा को कर्मवंधन से दंडित करना. fettering the soul with Karma by engaging the body in sinful deeds. श्रोव॰ ४, ७; सम०३:ठा०३,१; ---दुक्कङ न० (-दुप्कृत) शरीरथी धरेक्षं पाप शरीर से किया हुआ पाप. a sinful deed done by the body. श्रोव ३, १; —दुप्पशिहासा. न॰ ( दु. प्रशिवान ) डायानी हुप्रताः डायानी अशुभ ये। काया की-शरीर-की दुष्टता. sinful activity of the body. भग॰ १८, ७; ठा०३,१; —पन्त्रोग. पुं० (प्रयोग) धायाना-प्रवर्तन शरीर का प्रयोग. ectivity of the body ठा॰ ३, १; भग॰ ६, ३,८,१; —पञ्चोगपरिशाय न० (प्रयोग परिणत) अयाना व्यापार रुपे परिशाम पा-भेक्ष पुद्गक्ष. काया के व्यापार रूप से परिणामित पदल. Material molecules shapthemselves or turning themselves into the activity of the body. भग०८, १;—पडिसंत्रीणयाः स्त्री॰ (-प्रतिसंत्तीनता ) ध्याने वश धरवी ते. शर्गर को वशीभूत करना Keeping the body under control. भग॰ २४, ७, -पांगिहारा. न० (-प्रसिधान ) क्षायानुं એકાગ્રપણ. शरीर की एकामता. concentration of the body 3103,9;

४, १, भग० १८; ७; -परियारग. पुं॰ (-परिचारक ) शरीरथी स्त्रीसंशोग धरनार शरीर से स्त्री से संभोग करने वाला. one who enjoys sexual intercourse by means of the body. " दासु कप्पेसुदेवा कायपरियारगापगणता) ठा०२,४; -परियारणाः स्री० (परिचारणा) शरीरथी परियारणा = मैथुन सेववु ते शरीर से मधुन सेवन करना enjoying sexual intercourse by means of the body. zr. ५,१. -पावार न० (-प्रावार) ध्रयदेशमां भनेश परेश काय नामक देश में बने हुए वस्र cloth made in the country named Kāya. निसी०७,११, —पीडा स्रो॰ (-पीडा) શરીર વેદના, શારીરિક દુ:ખ. शारिरीक कष्ट; bodily pain; physical pain. पंचा॰ १८, ३६; — पुरास न॰ (-पुरुष) कायाओ सेवा किरवाथी थतु पुष्यः शरीर से सेवा करने पर जो पुरम हो वह. religious merit arising from rendering services with the body. ठा०६, १; —यालेश्र-त्रि॰. ( -बालिक ) भज्यभुत शरीर वाणाः; કાયાના ખલવાળા. मजबुत शरीर वालाa man possessed of great physical strength. श्रोव॰ १६;—भवत्थः पुं॰ ( −भवस्थ=काये जनन्युद्रसम्यव्यव-स्थितनिजदेह एव यो भवो जन्म स काय-भवः तत्र तिष्ठति यः स कायभवस्थः) भाताना गर्भभा रहेवुं ते माता के गर्भ मे रहना. remaining in the womb of the mother in the form of the fœtus. भग॰ २, ५; —वायामः पुं॰(- ब्यायाम = कायः शरीरं, तस्य ब्यायामो ब्यापार कायब्यायामः ) कायथीाग, कायानी ૦વાપાર–પ્રવૃત્તિ–ઉદારિકાદિ શરીર યુક્ત આ-

त्भानी वीर्थ परि शति विशेष शरीर की प्रवृत्तिः श्रौदारिक श्रादि शरीर युक्त श्रात्मा की वीर्य परिराति विशेष the modification of the soul united with the body into vitality or the vital fluid. ठा॰ १, १; —वह. पुं॰ ( -बध) પૃથ્વી વગૈરે જીવનિકાયની હિંસા. પૃથ્વી वगैरह जीवकायों की हिंसा. killing sentient beings such as earthbodies etc. पंचा॰ ४, ४१; — विणय. पु॰ (-विनय) धायाने पश धरपीते. शरीर को वश करना. bringing the body under control. ম্বত ২২, ৬; তা০ ৬; —विसयः न॰ ( -विषय ) **अयानी** विषय शरीर का विषय an object fit to be seen, enjoyed etc. by the body. नाया॰ १७; -संफास. न॰ ( -संस्पर्श ) डायाने। २५र्श डरवे। ते शरीर का स्पर्श. act of touching a body. वेय० ४, २१; श्राव० ३, १; —संवेहः पुं॰ ( -सवेध ) शरीरनी स्थिति. शरीर की स्थिति. state or existence of the body. भग॰ २४, १; २०; -समाधारणयाः स्री० (-समाधारणा) संयभभांक डायान प्रवर्तन डरवुं ते संयममें ही शरीर की प्रश्नित करना engaging the body exclusively in ascetic practices. उत्त॰ २६,२,—समाहारण-त्ताः स्त्री॰ ( -समाधारणा ) धायाने पश धर-पी तें. शरीर को वशकरना. act of controlling the body भग० १७, ३; —समिइ. स्त्री॰ ( -सिमाति ) धायाने करतः नाथे प्रवर्ताववी तेः शयसमितिः यत्नाचार पूर्वक शरीर को प्रवृत्त करना, काय समिति। controlling carefully the activities of the body. হাত =, ৭;

—सिमय. त्रि॰ ( -सिमत ) यत्नापूर्वक अयाने प्रवर्तावनार, यत्नाचार पूर्वक काय योग. (one) who carefully controls the activities of the body. भग॰ २, १: — सुप्पशिद्वारा न॰ ( -सुप्रशिधा ન/ કાયાનું સુત્રિણિધાન; કાયાને શુભ કૃત્યમાં એકા अताथी रे। इतुं ते शरीर की सुप्रधानता; शरीर का एकाव्रता से पुरुषकार्य में प्रवृत्त करना. engaging the body in salutary activities with a concentrated mind. भग०१८. ७: ठा० ३. १: कायंद्ग. त्रि॰ (काकन्दक ) धाः ही नगरीमां वसनार, कार्कदी नामक नगरी में रहने वाला. (One ) who resides in the town called Kākandī, भग॰ १०, ४: कायंदी स्री॰ (काकन्दी) प्राथीन सभयनी કાર્કદી નામની નગરી. प्राचीन समय की काकंदी नामक नगरी. Name of an ancient town संत्या ० ३५; भग ० १ ०; ४; कार्यंव न० (कदम्ब) ५६२ थनुं पृक्ष कदम्ब का माड. The Kadamba tree. ठा॰ ८, १;

कार्यवग. पुं॰ (कादंबक) ६अ६ंस. कलहंस A species of swans. कप्प॰ ३,४२; कार्यमंत. त्रि॰ (कायवत्) ઉंथा शरीरवाणा कंचे शरीरवाला. Tall in body. स्य॰ २,१,१३;

कायमिण पुं॰ (काचमिण ) शयमिणुः शय-ने। ४४९।. कांचमिणः कांच का उकदा. A. piece of glass. भत्त० १३=;

कायभाई स्त्री॰ (काकमाची) भीहुं ६६ व्या-पनारी क्षेष्ठ पनस्पति. मीठा फल देनेवाकी वनस्पति. Vegetation yielding sweet fruit पन्न॰ १;

कायय त्रि॰ (कायक ) डाय देशनुं भनेशुं. काय नामक देश का बना हुआ. Made

or produced in the country called Kāya. निर्मा० ७, १३: कायर त्रि॰ (कातर) ध्यरः निर्भास्यः नादिः भत. कायर: इरपोंक: कम हिम्मन. Cowardly; timid. स॰ च॰ १४, ११; पग्ह॰ १, ३; जीवा॰ ३, ४; उत्त॰ २०, ३=; श्राया॰ १, ६, ४, २५३; नाया० १; =; भग० ६, २३; (२) એ नाभने। એક देश. इस नामका एक देश. name of a country. नियी॰ ७, १९;--पाचार. न॰ (-प्रावार) **शय देशमां अनेक्ष गोटवान वस्त्र काय देश** में बना हथा थोडने का वस्त्र. a kind of cloth used for wrapping round the body made in the country called Kāya. निर्सा॰ ७, ११; कायरिय. पुं॰ ( कातरिक ) गेशशालाना भुण्य श्रावध्तुं नाभ. गोशाला के मुख्य श्रनुयायी का नाम. Name of the principal layman follower of Gosala. भग०=, ४; कायरियः पुं॰ ( कातर्य ) देवता विशेष. कातर्य नामक देव. Name of a deity

कायरिया स्त्री॰ (कातरिका ) भाषा; ४५८. छतः; कपटः; मायाचार. Deceit; fraud. स्य॰ १, २, १, १२ः

भग॰ ३, ७;

कायवज्ञ पुं० (काकवर्ष) ये नाभने। प्रद प्रह विशेष. A planet so named. ठा०२.३; कायव्य. त्रि॰ (कर्तव्य) अर्था थे। २५. करने योग्य. Worthy of being done. पिं० नि०३; राय० ६४; सु० च० १, ७६; दस०६,६;६,१; उत्त०२६,९; पम०१५, ४; विशे०५,०, नाया०१४; १६; भग०१, ५; ३, २; ६, ६; २०, ५; २२, २; २४, १; ३१, ५; ४१,२१, प्रव०५०६; पंचा०३,४६; ६, ७; १५, ४१; कायाइक त्रि० (कादाचित्क) हाधि प्रतनं.

किसी समय का. Of some time or other विशे॰ ७११;

कायोवग त्रि॰ (कायोपग) अने अध्याभांथी जीक अध्याभां जनार एक शरीर से दूसरे शरीर में जाने वाला. (One) passing from one body into another स्य॰ २, ६; १०;

कार पुं० (कार ) क्षारागृढ; क्षेट्र भानुं. जैल; कारागृह. A prison. पग्ह० १, ३; ठा० १०; उवा० १, ५१: —वाहिय. त्रि० (-वाधित ) क्षाराग्रह्णमां पीडित पीडा पामेक्ष; केही जेलमें कष्ट पाया हुआ; केदी a prisoner; one troubled by imprisonment. श्रोव०३२; भग०६, ३३; नाया० १, कारंड: पुं० (कारण्ड) अतक पक्षी. बदक

पत्ती. A duck श्रोव • जं • प • पगह • १, १; कारंडग. पुं • (कारगडक) लुश्रे। "कारंड" शब्द. Vide "कारंड" नाया • १;

कारगः त्रि॰ (कारक) अरनार करने वाता.
(One) who does; a doer. विशे॰
१००३; श्रोघ॰ नि॰ १८; श्रोव॰ ४१; नाया॰
१; श्रागुजो॰ १२८; प्रव॰ ६५६; (२) न॰
अरअ समितः, समिता दश प्रधारभाने।
ओड. कारक समितित, समितत के दश प्रकार
मे से एक one of the ten varieties of right belief called Kāraka
Samakit. प्रव॰ ३५; —श्राइ॰ त्रि॰
(-श्रादि) अरअ अर्थः समितित कारक
श्रादि समितित right belief such as
Кāraka etc. प्रव॰ ३४;

कारण. न॰ (कारण) धरखु; निभित्त; प्रथे।०४न, ढेतु कारण; निमित्त; हेतु Cause;
motive; reason. प्रन॰ ६४; पंपा॰ १;
१८; ४,७; गच्छा॰ ८३; जं॰ प॰ विशे॰
२०६८, पन्न॰ ६; राय॰ ४२; २१०; दस॰

६, २, १३; वव० १, २३; २, २२; ३, २३; नाया० १; ५; ६; १२; भग० १, ३; ५, ४, ५, ७; १५, १; १६, २; सम० ६;(२) આહાર લેવાના ખતાવેલા કારણ સિવાય આહાર લેવાથકી યતિને લાગતા એક દોષ. श्राहार लेने के बतलाये हुए कारणों के छिवाय श्राहार लेने से यति को लग्ने वाला एक दोष. a fault incurred by an ascetic by taking food without a justifying reason. पि॰ नि॰ १; — जान्र त्रि॰ (-जात ) કाરણથી ઉત્પન્ન થયેલ. कारण द्वारा उत्पन्न. caused: born of a cause. प्रव॰ ६६१; १०३०; —वत्तिय. न॰ ( -वृत्तिक ) क्षारखनु वर्त्तवुं, निभित्तनी ઉપस्थिति. कारण का उत्पन्न होना. existence, presence of a cause or reason. वव॰ १, २३;

कारणञ्चो. त्र॰ (कारणतस्) धरश्र्थी. कारण से. Through or owing to a cause or reason. विशे॰ ३;

कारगाह. न० (कारगार्थ) आरश्ने भाटे. का-रण के लिये For some reason or cause. नाया० १;

कारग्या. ली॰ (कारग्यता) धारशुपां, कारग्य-पन. State of being a cause or reason विशे॰ ५६०,

कारिंगिश्च. त्रि॰ (कारांगिक) शंधपणु शरण्यी नि॰पन्न थेथेंेेेंेंें किसी भी कारण से निष्पन्न. Born of some cause or other. श्रोघ॰ नि॰ ७६;

कारभारिश्र. पुं॰ (कार्यभारिक) धारलारी; दियान कारभारी; दिवाण. An administrator, a minister; a Dewān. जं॰ प॰

कारय-ध्य. न॰ (कारक) धारक नामनुं सम-कितः सद्यमनुष्ठान अत्ये अद्धापूर्वक सारा अनुष्ठान ( કार्य ) पाते करे छे अने जीलने पिछ करावे छे ते. कारक नाम का सम्यक्त्व; सद्श्रनुष्ठान के प्रांत श्रद्धा रखता हुत्रा स्वयं श्रेष्ठ कार्य करने वाला और दृष्ट्रां से कराने वाला Right belief named Kāraka, by which one performs good deeds with faith and causes others also to do the same विशेष २६७६; भग॰ ११, ११; उत्त॰ १, २; ६, ३०; नाया॰ ७;

कारवणः न॰ (:कारणा) ध्रायवुं ते. कराना. Causing (another) to do. पंचा॰ १, २२;

कारवाहिश्रा स्त्रो॰ (कार्यवाहिका) धार्यवहन धरनारी कार्यवहन करने वाली. One (woman) who discharges a work जं॰ प॰ ३, ६७;

कारावर्णः न॰ (कारणा) धराववुं; धरवाने प्रेरवुं. कराना; कराने के लिये प्रेरित करना.
Causing or exhorting (another) to do. स्व॰ २, २, ६२; परह॰ १,३; पिं॰ नि॰ ४१॰; पंचा॰ ६, ४४; प्रव॰ ५७७;

कारावियः त्रि॰ (कारित ) क्रावेश. कराया हुआ. Caused to be done. विशे॰ १०१६;

कारि. स्री॰ (कारिन् ) धरनार करने वाली. One who does; a doer. विशे॰ ७४;

कारिश्र-यः न॰ (कार्य) अर्थः अर्थाजनः कार्यः प्रयोजनः काम. An action; a reason; a purpose. स्य॰ १, २, ३, १०; दम॰ ६, ६४;

कारित्तगा. न॰ (कारित्व) क्ररवापां कर्तृत्व शाक्ते State of being a doer. नाया॰ ७;

कारिय. त्रि॰ (कारित) ४२१वेस. कराया हुआ. Caused to be done. आउ॰,११; कारिय. त्रि॰ (कारिक-कारक) धरनार. करने वाला. (One) who does, a doer. नाया॰ १; उवा॰ ३, १३४;

कारियलइ. ली॰ (कारवल्ली) धरेशानी वेश. करेले की वेल. A creeping plant in which the vegetable known as Karelā grows. पत्र॰ १;

कारिह्मश्र. न॰ (कारिह्मक) शरेक्षा. करेला.
A kind of vegetable स्॰ प॰ ११;
कारीसंग. न॰ (कारीपाद्म) જेनाथी अनि
अल्विक्त श्राय ते अनि प्रश्वानी धम्मे।
श्राप्ति प्रज्वीलत करने की धम्मन या फूकनी.
Bellows. उत्त॰ १२, ४३;

कारुइज्ज. पुं॰ (कारुक) धारीगर. कारीगर. A craftsman; an artist. पन्न॰१,२; कारुशिय. त्रि॰ (कारुश्यिक) ध्याणु; धरुश्यान्यान, दया करने वाला. Kind; com-

passionate. सु॰ च॰ २, ४४२;

कारुग्णः न॰ (कारुग्य ) ५३७०।; १४।. दमाः करुणाः Kindness; compassion. भत्त॰ १६; उत्त॰ ३२, १०३; नाया॰ १; चउ॰ ३८;

कारुझ. न॰ (कारुख्य) ५३९०१; ६४१. करुणा; दया. Kindness; compassion. भत्त॰ १६;

कारेल्लयः न॰ (कारेल्लक) क्षारेश्चं करेला. A kind of vegetable. श्रगुत्त॰ ३, १; श्रंत॰ ३, १;

काल. पुं० (काल-कल् संख्याने कलनं क'लः कल्यते वा परिच्छियते वस्त्वनेनेति कालः कलानां वा समयादिरूपाणां समूहः कालः ) सभयः वण्तः भ्यत्यसर. समयः व्यतः Time. श्रोव० उत्त० १, १०; २४, ४; वव० ७, १२; १३; विशे० १३४; १५३६; दसा० ६, १; सू० प० १; १६; दस० १, १; २, ७, ८, ६, ३४; ६, २, २१; नंदी० २४; जं०

प० राय० २: ७७, पि० नि० ५; १२५; श्रशुजी० २१; १३२; श्राया० १२, १, ६२; नाया० १, =; ६; १४, १६; १=, भग० १, 9; 4, 8; 5, 8, 99, 99, 92, 8, 94, १: प्रव० १२३२: १५८८, पि० नि० भा० २०; कप्प० १, १; भत्त० ५८; जं० ५० १, १, (२) शिथति. स्थिति. condition; state. विशेष ४०६: ज० प० ५, ११३, ७, १७५; (३) प्रातः । प्रात काल; सुबह morning time. नाया॰ १; (४) प६मां अहतुं नाभ. ४६वें यह का नाम. name of the 56th planet स্ प । ২০ তা २, ३; ( ५ ) लयान्धः डाणस्वरूप भयाः नक, काल के समान; प्राण लेने वाला terrible like the god of death. उत्त॰ १२, ६, (६) विश्वभ्य तथा प्रलं-જન ઇन्द्रना क्षेत्रपालनं नाम. विलव तथा प्रभजन इद्र के लोकपाल का नाम of the two Lokapālas (guardians of the people ) of Indra named Vilamba and Prabhañjana ठा० ४, ५; (७) वायुक्तमार ज्यति-ના દેવતાના ઇંદ્રનું નામ वायुकुमार जाति के देवताओं के इन्द्र का नाम name of the Indra of the Vāyukumāra species of gods. भग०३,=; (=) ले नार-*ક*ીને કડાયામાં રાંધે અને પાતે રગે કાળા તેઃ કાત તામે પરમાધા*મી* તી એક જાત नारका की कढाई में राधे श्रोर खुद काले रग का हा वहः काल परमाधामो की एक जाति kind а of hell-gods (Paramādhāmī,) black in colour, who cooks hellbeingsin an iron cauldron. सम॰ ૧૫:(દ) કાલ નામે આડમાં દેવલાકનું એક વિમાન; એનીસ્થિતિ અઢાર સાગરાેપમની છે

એ દેવતા નવ મહિને ધાસો-છવાસ લે છે अने अक्षर हलर वर्षे क्षधा लागे छे ब्राठवें देव लोक का विमान जहा के निवासी देवें। की श्राय श्रठारह सागरोपम को होती है. नौवें महिने में श्वासीच्छवास लेतें है तथा उन्हे श्रठराह हजार वर्षे। बाद भख लगता है. a heavenly abode of the 8th Devaloka, the gods in which live for 18 Sāgaropamas, breathe once in 9 months and once in 18000 सम॰ १८; (१०) पूर्व हिशाभाने। अल નામના સાતમા નરકના નરકવાસા. सातवें नर्क में पूर्व दिशामे स्थित काल नामक नरका वास. an abode of the seventh hell in the east. सम प० २०६, ठा० ४, ३; सम० ३३, पन० २, जीवा॰३; १, (११)જીની ને નવી અને નવીને જાની બનાવનાર, પર્યાયને પલટાવનાર એક द्रव्य; ७ द्रव्यभान એક द्रव्य, पुरानो को नई श्रीर नई को पुरानी वनाने वाला-पयीय पारिवर्तन करने वाला एक द्रव्य. & substance that transforms the old into the new and the new into the old. ভন্ন০ ২=, ৬, ( ૧૨ ) ચક્રવર્તિના નવ નિધાનમાનુ એક કે જેમાં સર્વ કારીગરી-શિલ્પકર્માના સમાવેશ थाय छे चकवर्ती की नौ निधियों में की १ निधि जिसमें कि संपूर्ण शिल्प कर्मका समावेश होता है one of the nine treasures of a Chakravartī including a knowledge of all fine and mechanical arts. ठा० ६, १, ज॰ प॰ (१३) त्रि॰ धाणा रंगतुं काले रंगका black भग० १, १; ३, ७; ६, ५; ७, ६; जीवा० ३,१, विशे०२०६७; पन्न० १, श्रोव०

२२; ३०: नाया० २; ( १४ ) पुं० ५ श्र्यापक्ष. ऋष्णपन्न. the dark half of a month. जीवा॰ ३, ४; (१५) पिशाय બારના વ્યાંતર દેવતાના ઇન્દ્ર. पिशाच जाति के व्यंतर देवां का इन्द्र. Indra of the Vyantara deities of the kind known as Piśācha. मग०३, ८; १०, ४; पन्न०२; ठा०२,३; जीवा३,४; ( १६ ) भरण; भृत्युः मरण; मृत्युः death. नाया० १; ८; पन्न० १६; विशे० २०६६; दसा॰ ६, १; भग॰ १, १; ३, ४; पिं० नि॰ ४२; श्राया०१, २, ३, ८०; १,४, २, १३१; उत्त॰ ४, ६; (१७) निरयाविधाना पहेवा अध्ययननं नाभः निर्यावलिका के पहले अध्याय का नाम name of the first chapter of Niryāvalikā निर०१,१; भग०७,६; — ऋइकंत. पुं॰ (-श्रतिक्रान्त) ભુખને સમયે નહીં પણ તેને ઉલ્લંઘીને મળેલા भाशक स्त्रुया के समय पर न निलंकर उस समय के बाद मिला हुन्ना भोजन. food obtained not at the time of hunger but after it. नाया॰ ४ १६; मग० ७, ९; ६, ३३; (२) अक्षती ले મર્યાદા વ્યાંધેલ હાય તેને 'ઉલ્લંથી ગયેલ. कालको जो मयोदा बांधा हो उस का उसंघन किया हुआ. transgressing the limit of time fixed. प्रव॰ ७८४; ८२०; —चारि. त्रि० ( -चारिन् ) सभय-ચતુર્માસાદિ કાલનું ઉલ્લંધન કરી ચાલનાર समय- चतुर्मासादि काल का उद्वंघन कर के चलने वाला. (one) who transgresses the rules laid down to be observed in the rainy season etc. प्रव• ७=४: — श्रइक्स. ( -म्रातिकम ) धावने प्रदेशवाः, सभयने त्यन्त्रवे। काल को टाइंपना, समय को त्यागना.

transgression of time fixed. पंचा॰ १, ३२; — ऋइयर. पुं॰ (- ऋतिचर) કાલ–આયુષ્યના પ્રમાણનું અતિયાર ઉલ્લંઘન **કરવું ते; आयुष्य ते। श्री नाभवुं ते.** श्रायघ्य के प्रमाण का उद्घंघन करना; श्रायुष्य का तोड़ना. cutting short one's allotted period of life. स्य॰ १, १३, २०; —श्रंतर. पुं॰ ( -श्रन्तर ) शक्षान्तरः थन्यहा. कालान्तर; दूसरी वार. another नः पंचा० १२, ३१: time. नाया० —-श्रगुरु. पुं॰ ( -श्रगुरु ) કાળું અગર; सुग धि धूपनुं द्रव्यः, कृष्णागर, काला अगरः, सुगंधित द्रव्य. a kind of black substance used as an incense. श्रोव॰ सम० प० २१०; राय० २७; सू० प० २०; नाया॰ १; १६; भग॰ ६, ३३; ११, ११; दसा० १०, १; जं० प० ४, ११३; कप्प० ३, ३२; —श्रहरत्तः न॰ ( -श्रर्वरात्र ) અન્ધારીયા પક્ષની–અમાસની અધ્ધી રાત્રિ. श्रंघेर पद की श्रमावश्या की श्राधी रात. midnight of the 15th day of the dark half of a month. भग॰ ३, २; — श्ररणुड्ढाइ. त्रि॰ (-श्रनुष्टायिन्) વખતસર અનુષ્ટાન કરનાર: નકામા વખત नही गाधनार. समय पर काम करने वाला: निर्यंक समय नष्ट न करने वाला ( one ) who is punctual in the performance of his duties श्राया॰ १, २. १, =८; — झरणुप्टची. स्री॰ (-म्रानुपूर्वी **आण विषय** अनुपूर्वी, अनुक्ष्म. काल संम्बधी श्रनुपूर्वी. proper order of time. त्राणुजो॰ ७१; — त्राभिग्गह. पुं॰ ( -म्राभिग्रह ) पहेले पहे।रे ३ छेल्ले पहे।रे અમુક વખતે મળે તોંજ લેવું એમ કાળ अंअधी नियम धारवा ते. पहले पहरमें या भान्तम पहरमें श्रमुक समय पर मिले तोही

लेना. ऐसा समय सम्बधी नियमका बांधना. vowing to take a thing either in the first or the last of the 8 divisions of time of a day. श्रोव॰ —श्रवभासः पुं॰ (-श्रवभास) કાળી ઝાંધુઃ કાળી પ્રભા. काली black tint. नाया॰ २; — अविह. पुं॰ ( - श्रवधि ) સમયની મર્યાદા; વખતની es. समय की यर्थादा. time-limit. पंचा॰ ५, १६; - श्रादेस पु॰ (-श्रादेश) કાલની અપેક્ષા. काल की श्रयेचा. relativity of time भग० ४, =; ६, ४; ११, १; १४, ४, २४, १, —श्रायसः न॰ ( -श्रायस ) કાળું લાેઢું, પાેલાદ, ગજવેલ. पोलाद: गजवेल. steel; black iron राय० १२६; श्रोवं० ३१, जं०प० -- एयगा. ष्ट्री॰ (-एजना) धल आश्री अेळना-५ ५न. काल की श्रपेचा में कंपना. trem bling with fear, having regard to time भग॰ १७, ३; —ग्रोगाहणाः स्रो॰ ( -श्रवगाहना ) કાલની અવગાહના–ક્ષેત્ર વિસ્તાર–અહિદ્વી ા प्रभाश काल की अपेद्धा से अढाई द्वीप त्रमाण श्रवगाहमा. localisation of time to the extent of two continents and a balf or v. 9, -- श्रोभास. पुं॰ (-श्रवभास) श्रांशी प्रला. काली प्रभा. black tint भग०६, ४;७, १०; -कं खि त्रि॰ (-कांसिन्) धास-पं-**डिनभर**खने यादनार पंदित मरण की इच्छा करने वाला. (one) who desires ( natural and peaceful ) death श्राया॰ १, ३, ३, १११; —गग्र-यः त्रि॰ (-गत) भरण पाभेक्ष मृत; मृत्यु प्राप्त. dead. नाया॰ १;६;१६;१८, भग०२,१; ५; ३, १; ७, ६; ६, ३३, १४, १; सम० १०००; |

प्रव० १४७५: कप्प० ६, १८४, श्रोघ० नि० १११; विवा॰ १; —चारि. त्रि॰ (-चारिन्) पाताना **६रावे**स सभये यासे ते. अपने उहराये हुए समयानुसार चले वह (one) who punctually follows his own programme. श्रोघ॰ नि॰ १०७; — द्विइ स्री **( - स्थिति )** अक्षपरिभित रिथिति; आधुष्य. काल स्थिति, श्रायुष्य. fixed or determined period of life-time; life. भग० २४, १; —द्विति. स्री॰ ( - स्थिति ) કাલસ્થિતિ, આયુષ્ય काल or determined स्थिति. fixed period of life-time. भग॰ १५, १; --गागा न॰ (-ज्ञान) अस सम्भन्धी शांत काल सम्बन्धी ज्ञान; शुभाश्चम ज्ञान; knowledge of ( what is going to happen in ) time. " काले काल यायां " ठा० १०; जं० प० —शासि. त्रि॰ (-ज्ञानिन् ) કाલज्ञानी, अभुड माख-सन् अयारे भात थशे ते ज्यल्नार. कालज्ञानीः मृत्युका समय जानने वाला (one) who knows what is going to happen in time, i. e. the time of death of a particular person "कार्ल कालगागी जागाइवैजयं वेजी " श्रगुजी० १४६; —तिग न० (-त्रिक) भूत, ભાવી, અને વર્ત માન એ ત્રણ કાલ. મૃત, भाविष्य, श्रौर वर्तगान ये तीन काल. the triad of times, viz. past, future and present प्रव॰ १३४०; — तिय न॰ ( - त्रिक ) भूत, अविष्य, अने वर्तिमान ये त्रशु शक्ष भूत, भविष्य, श्रीर वर्तमान ये तीन काल the triad of times. viz past, future and present प्रव॰ ६०३, —तुस्तय त्रि॰ ( -तुल्मक ) કાળની અપેક્ષાએ ખરાખર; સમાન કાળ-

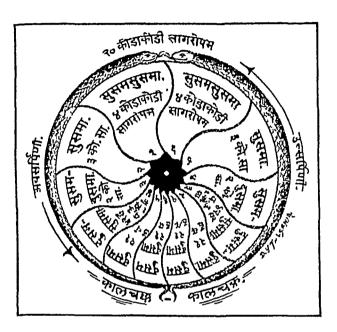
काल

पाणा. काल की श्रपेत्ता से समान-तुल्य; समकालीन. equal in point of time; same as regards time: contemporaneous. भग०१४, ७, — धम्म.पुं॰( -धर्भ-काला मरण स एव धर्मी जीवपर्यायः कालधम्मः ) शक्ष ध्रमः भरुशः मरणाः जीवकी पर्याय का मरणा रूप स्वभाव. death; passing from one state of existence into another in due course of time विवा॰ २: ४: नाया० १: ठा० ३, ३; ४, ३; - न्नारा न० (-ज्ञान) अस सम्मन्धि ज्ञान, ज्ये।तिष આદિને આધારે ભૂત ભાવીનું જ્ઞાન થાય તે. काल सम्बन्धी ज्ञानः ज्योतिष आदिके आधार से भत भविष्य का ज्ञान व्य होना. knowledge of events in the past or future through astrology etc १२३८: —पाडिलेहराया. स्री॰ (-प्रतिलेखना) अस वभतनं निरिक्षणः જે વખતન જે કામ શાસ્ત્રમાં બતાવ્યું હોય तेना अत्ये जाशृत रहेव ते समय का निरी-त्तराः जिस समय जो काम करने की शास्त्रने श्राज्ञा दी हो वहीं काम करने में जागृत रहना proper circumspection about doing things at the time prescribed in scriptures उत्त॰ २६, २; -परद्र पुं॰ ( -परावर्त ) शब आश्री परावर्तन - पुद्रस परावर्तन काल आर्था परावर्तन-प्रहल परावर्तन. modifications in matter in due course of time. प्रव॰ १०६१; -परमाख. पुं॰ (-परमाणु ) सूक्ष्मभा सूक्ष्म आणः समयः सूचमसे सूचम काल; समय the smallest division of time, called Samaya. भग० २०, १, - पारियात्र. ( -पर्याय) માતને વખતે કરવાના સંલેખના

विधि, लक्ष्त परिज्ञाहि परित भरख अपने समय पर करने की सल्लेखना विधि. भक्र परीज्ञादि पंडित मर्ण the ceremony known as Samlekhanā to be performed at the time of death. श्राया० १. ७, ४. २१५; — मार्ग, पुं० ( -मान ) अलनु अभाश समय का प्रमाण. measure of time: limit of time. पंचा १ १६: -मास. पुं ( -मास-कालो मरणं सस्य मासः प्रक्रमादवसर काल-मासः) भर्श सभय. मर्ण समय. time of death भग० १,१;३,१;९८,१०,नाया०१; ५:६:१४:१६; श्रोव० ३८,दसा०६,१; "काल मासे कालं किंचा " भग०७,६;उवा०१,८६; —मासिगी. स्री॰( -मासिनी) प्रसव समय-ने आप्त थयेल स्त्री प्रसव-प्रसात-समय को प्राप्त हो a woman about to give birth to a child दस॰ १. १. ४०: - मिग. पुं॰ (-मृग ) अक्षा भूगना यमेनु पर्भ काले हरिएा के चमडे का वन्न. a garment made of the skin of a black deer. जीवा॰ ३,३; निसी॰७, ११, —मियचम्मः न॰ (-सृगचर्म) अक्षा भूगनुं थाभडुं. काले मृग का चमडा. skin of a black deer. नाया॰ १६. —लोय पुं॰ (– लोक ) કાલની અપેક્ષાએ લાક काल की त्र्यपेना से लोक. a world in its relation to time. भग०११,१०; — वर्गाः पुं॰ (-वर्ण) क्राली २ ग. काला रंग black colour. भग० =, १; २४, ६; सम० २२, — वरागापज्जव. पुं (-वर्णपर्यव) धासा रंग-नी पर्याय ( दशा ). काले रंग की पर्याय ( अवस्था ). a particular state or condition of black colour भग॰ २५,३;—चर्णपरिग्यः.त्रि॰(-वर्णपरिग्रत) કાલ वर्ष्क्रे पे परि**खाम पामेल. काल वर्षा−रूप** 

## सचित्र ऋधे-मागधी कोष

कालचक्क. न० (कालचक) ७ आरा मधी ઉत्सिर्पिधी એટલે ચડते। કाલ धाय छै:



तेभक ७ आश परिभित अवन સિર્પિણી એટલે ઉતરતા કાલ થાય છે. ઉત્સિપિંણી અને અવન સર્પિણી એ ખને કાલ મહી એક કાલચક્ર થાય છે તેનું પરિઞાણ થું કાડાંદ્રાડી સાગરાપમતું છે ते ७ ७ भारातं स्वरूप सतावे છે. સુસમસુસમાથી દુસમદુસમા સુધી ૧૦ કાડાકાડી સાગરાપમ પરિમિત અવસાંપ ણી કાલ અને દુસમદુસમાથી સસમગુસમાપર્યત જમણી ખાજાના છ વિભાગ १० हाडा हाडी सागरा पम परिभित ઉત્સર્પિણી કાલને ખતાવે છે. छः चारे (काल विभाग ) मिला-कर उत्सर्विशी अर्थात चढता काल

होता है. इसी प्रकार छः आरे परिमित अवसिपेगी अर्थात् उतरता काल होता है. उत्सर्विगी और श्रवसिंगणी के दोनों कालों का एक कालचक बताते हैं जिसका परिमाण २० कोड़ाकोड़ी सागरीपम का होता है कालचक के चित्र क बीच में १२ विभाग हैं वे छः छः आरो का स्वरूप बतलाते हैं. सुममसुममा से दुसमद्ममा तक १० कोडाकोडी सागरीपम परिमित अवसर्पिशी काल और दुसमदुसमा में सुममसुममा तक दाहिना श्रोर के छ: विभाग १० को डाक्षोडी मागशेषम परिामत उत्सर्पिणा कान को बतलाते हें Utsarpinī time i.e. an mon of increase is equal to 6 Aras (a measure of time): and Avasarpini time i. e an zon of decrease is also equal to 6 Aras. The Kalachakra measuring 20 Kodākodī (I crore x 1 crore ) Sāgaropamas is made up of these two measures of time taken together. In the middle of the picture there are twelve divisions showing the extent of every 6 Ārās. The six divisions beginning from Dusamadusamā to Susama susamā on the right indicate Utsarpiņī Kāla which measure 10 Kodakodi, while the six divisions from Susamsusama to Dusama dusamā to the left indicate Avasarpiņī Kāla which, is also equel to 10 Kodākodi Sāgaropamas of time. ৰাও বঙ



मे परिणत. modified into or developed into black colour. भग०= १; - वरारापरिसाम. पुं॰ ( -वर्णपरिसाम ) કાલા વર્ણરુપે પરિણામ પામલુ તે काले वर्ण-रूप में परिणत होना modification or development into black colour भग॰ =, १॰,--विभाग पुं॰ (-विभाग) **अबनी भेद; अबिक्सिंग काल का मेद, काल** का विभाग. a division of time. "इत्तो काल विभागंतु, तेसि वोच्छं चउव्विहं " टत्त० ३६, १९; —वासि पुं० (-वर्षेन् ) સમયે વરસનાર, ચામાસામાં જરસનાર (મેઘ) समय पर वरसने वाला. rain falling in due season: seasonable rain. ठा॰ ४, ४, मग॰ १४, २, —विसेस पु॰ (-विशेष ) असना विशेष विलाग ( भेंह ) समय का विशेष विभाग a particular of time division प्रव० —विहीरा त्रि॰ (-विहीन) अस ५०४ शिवायनुं. काल द्रव्य रहित excluding, excepting the category named time. प्रव॰ ६६०, - संजोग पु॰ (-संयोग) अणिने। संलीय काल का संयोग juncture of time ठा॰ ३, २; श्रायुजी॰ १३१; —संसार पुं॰ ( -संसार ) रात हिवस म स वप<sup>९</sup> पक्ष्ये। पम सागरे। पम पर्यंत सट इत्र ते- इस संसार रात, दिन, महीना, वर्ष, पल्योपम, सागरोपम, संसारमें वह कालंसमार कहलाता है। wandering in worldly existence for indefinite periods of time. ठा० ४, १; —सम. त्रि० ( -सम ) ९६४-**अस्य अस्थायर. उदय काल के बरावर.** simultaneously with the rise of. क॰ प॰ ५, ४२, —समय. पुं॰ (-समय) शक्षरेपी सभय कालरुपी समय.

a point of time viewed as time. विवा॰ ३; सू॰ प॰ ८;

कालस्रो स्र॰ (कालतः ) श्वथ्यशः श्वली स्थिपेक्षायेः श्वल्यास्थीः काल की श्रपेत्ता से In point of time, as regards time. स्रोव० १७, भग० २, १; ५, १०; ५, ४; ६, २; ६, ६, राय० ६६; उत्त० २४, ६: प्रव० ७७६, १२०४; ज० प० ७; १७४; कालकः न० (कालक) शणा पुद्रसः काला पुद्रल Matter or substance black in colour भग० ६, ६;

कालकूट न॰ (कालकूट) विषः अरे. जहरः विष Poison. उत्त॰ २०, ४०;

कालग ति॰ (कालक) आणा रंगतुं. काल रंगका. Black. उत्त॰ २२, ४; नाया॰ दः, भग॰ १४, १, २५, ४; उवा॰ २, १०७; (२) पुं॰ अध्यक्ष्यार्थ कालकाचार्य A preceptor named Kālakāchārya. विशे॰ १७६६; — उञ्जवि. स्रा॰ (- छवि) अधि। नित, यामडीना रंग. काली कान्ति, चमडी का रंग black colour of the skin. उत्त॰ २२, ४;

कालगाहावइ एं॰ (कालगृहपीत) १ अ नाभना गृह्यति-शेर्ड काल नामक गृहपति-सेठ. A merchant named Kala. नाया ॰ व॰

कालग्राुया स्नी • (कालज्ञता = कालं प्रस्ताव-मुपलच्चात्वाद् देशं च जानातीर्ति कालज्ञ-स्तन्नावः कालज्ञता) अवसर लाख्ये। ते; देश शाणनी ओणाणाखुः समयको पाइचानना; देश काल को जानने वाला. Due recognition, sense of time, place etc. श्रोव

कालत्त. न॰ (कालत्व) अणापखुं. कालापन. Blackness. भग॰ १७, २; कालक्ष त्रि॰ (कालज्ञ) अर्तव्य परायखुः

कालपाल. पुं॰ (कालपाल) એ नामना धरछेन्द्र अने भूतानंदना क्षेष्ट्रपाध. घरणेन्द्र ग्रीर भूतानंद के लोकपाल का नाम. The guardian of people (so named) of Dharapendra and Bhūtānanda. ठा॰ ४, १;

कालिपसायकुमारिंदः पुं॰ (कालिपशाच-कुमारेन्द्र ) अल नाभे पिशाचीना छह. पिशाचोंका काल नामक इन्द्र. Indra of the Pisachas named Kala. नाया॰ घ॰ कालमुद्द पुं॰ (कालमुख) उत्तर भरतभानी। ओ इन्देश. उत्तर भरतका एक देश Name of a country in Uttara Bharata. जं॰ प॰

कालय. पुं॰ (कालक) धेणे। वर्ध. काला वर्षा Black colour. नाया॰ ६: भग॰ ४, ७: १२, ६: १८, ६, ३० ४;

कालवर्डिसयभवण न० (कालावतंसकभवन)

कालिहेनीनुं भाषानतंशकनाभनुं अपन. काली
देवी का कालावतंशक नामक भवन. The
abode of Kālīdevī named
Kālāvataṃsaka. नाया॰ध॰ —वासिपुं॰ श्ली॰ ( –वासिन् ) क्षायतं सक्षवनभां
पसनारा. कालवतंसक भवनमें रहने वाला.
( a person ) residing in Kālāvataṃsaka abode. नाया॰ ध॰

कालवाल पुं॰ (कालपाल ) धरखेन्द्रना क्षेष्ठ-पासनुं नाम धरखेद के लोकपाल का नाम Name of a guardian of people of Dharapendra. भग॰ ३, ६;१०,४;
फालिसरी स्त्री॰ (कालश्री) डायशृद्धपतिनी
डायशी नामनी धर्मपत्नी काल ग्रह पति की
कालश्री नामक स्त्री Name of the
wife of Kāla a householder.
नाया॰ घ॰

कालसीहासण. न० (कालिमहासन) अस नाभवाणुं सिंदासन. काल नामक सिंहासन. A throne named Kala. नाया० घ० काला. स्त्री० (काला) असेन्द्रनी असा नामनी राजधानी. कालेन्द्र की राजधानी का नाम. Name of the capital city of Kalendra. भग० १०, ५;

कालालोगः न॰ (काललवग ) हे। ५ ५५तमां

Grun थतं अणं भीहु. किसी पर्वत में उत्पन्न है। नेवाला काला निमक. Bla k salt produced in a mountain. दस॰ ३, ६; कालासचेस्यपुन्त पुं॰ (कालाश वेश्यपुत्र) श्री पार्श्वनाथअभुना शम्सनना એક साधुः पार्श्वनाथना सतानिया हे केले थिवर साधु- ओने अश्री पुश्या हता. श्री पार्श्वनाय भग वान् के शासन के साधुका नाम जिसने थिवर साधुत्रोंको प्रश्न पूछे थे Name of an ascetic belonging to the cult of Pārsvanātha who had asked some questions to Sthavira monks. भग॰ १, ६;

कालिश्र-यः ति॰ (कालिक) रात अने हिंदसना पहेंदी तथा छेंद्दी पहें। रे लिखाय पख् भीको त्रीके पहें। रे न लिखाय तेवुं सूत्रः आयारांग आहि डादिंड सूत्रः वह सूत्र जो रात्रि श्रीर दिन के पिहें ले तथा श्रीतम प्रहर मे पढा जायः श्राचारांग श्रादि कालिक सूत्र Kālika Sūtras such as Āchārāṅga etc. which could be read at the first and last of the four divisions of day or of night. विशे० ६२०, ठा० २, १; श्रगुजो० ४; १४६; नंदी॰ ४३; (२) धार्यातरे भण वानुं; अनिश्चित. कालान्तर में मिलने वाला; श्रीनिश्चत uncertain in point of time. उत्त॰ ४, ६, (३) એ नाभने। अ ही ५- भेट इस नामका एक द्वीप-वेट. name of an island. नाया॰ १७; —श्राग्रश्लोगः पुं॰ ( -श्रनुयोग ) धार्रिक श्रुतनुं व्याप्यान. कालिक श्रुत का व्याख्यान. a discourse on, an explanation of a Kālika scripture पंचान ११, ३४; -दीव पुं॰ (-द्वीप) अलीय नाभने। द्वीप. कालीय नामक द्वाप. an island named Kālīya. नाया॰ १७, —वाय. पुं॰ ( -दात ) પ્રચંડ વાયુ; પ્રતિકૃળ વાયુ. प्रचड वायु, प्रातेकूल ह्वा. violent wind; adverse wind.नाया॰ ६; १७; - स्य. ન • ( - શ્રુત ) કાલિક સુત્ર. આચારાંગાદિ-કाલे व'याय ते सूत्र कालिक सूत्र a Kālika Sūtra e. g. Achārānga etc. which could be read at particular times only. भग॰ २०, इ: निसी॰ १६, १०; विशे० ४४६,

कार्लिगी स्त्री॰ (कालिक्की )तरपूर तरवूज; मतीरा A kind of water-melon. पन्न॰ १; भग॰ २२, ६,

कार्लिजर. पुं॰ (कार्लिजर) એ નામના એક પવ त. एक पर्वत का नाम. Name of a mountain. "दसा दसमे श्रासी मिया कार्लिजरे नगे " उत्त॰ १३, ६:

कालिज न॰ ( कालिय ) डाण छं, शरीरती अंदरती अंद अवयव. कलेजा: शरीर के भीतर का एक अवयव. An organ of the body viz. liver. तंदु अव ०१३ ६४; कालियपुत्त. पुं॰ ( कालिकपुत्र ) डासिडपुत्र

नाभे श्री पार्श्व नाथ अलुना शासनना ओक्ष विद्रान् थिवर साधु. श्रीपार्श्वनाथ प्रमु के शासन के कालिकपुत्र नामक एक विद्वान् साधु. Name of a learned monk of the cult of Śri Pārśvanātha. भग॰२,४; कालिया स्त्री॰ (कालिका ) कालिका देवी. कालिका नामक देवी The goddess Kālīkā सु॰च॰ ५,१४६;

काली. स्री ( काली ) अंतगढ सुत्रना આઠમા વર્ગના પહેલા અધ્યયનનું નામ. જ્રંત-गड़ सूत्र के आठवें वर्ग के पहिले अध्याय का नाम name of the first chapter of the eighth section of Antagada Sūtra. श्रंत॰ =, १; (२) श्रेशिक રાજાની રાણી અને કાેેેેશિકની એારમાન માતા કે જેણે મહાવીરસ્વામી સમીપે દીક્ષા લઇ રયણાવલી = રત્નાવલિ નામનું તપ આચરી આઠ વરસની પ્રવજ્યાપાળી એક માસના સંથારે। કરી પરમ પદ પ્રાપ્ત કર્યું. राजा श्रेणिक की रानी श्रीर कीणिक की सोतेली माता जिसने की महावीर स्वामी के समीप दीचा लेकर रत्नावित नामक तप किया श्रीर श्राठ वर्षी तक दीचा पालन कर श्रंत में एक मास का संवारा किया और परमपद प्राप्त किया the queen of Srenika and step-mother of Konika, who took Diksā from Mahavīra Svāmī, practised Ratnāvalī penance, observed asceticism for eight years and after one month's abstinence from food and water attained final bliss. श्रंत०=,१,(३) કાગડાની જાધ, कौए की जाघ. the thigh of a crow. उत्त॰ २, ३; (४) धाद्या रंगनी स्त्री. काले रंग की स्त्री. a woman of black colour श्रामानी॰

१२६; (४) यभरेन्द्रनी भुण्य हेवी. चमरेन्द्र की सुख्य देवी. the principal goddess of Chamarendra. भग० १०,४; (६) व्यक्षितंहन स्वाभिनी शासन हेवीनुं नाभः ग्राभनंदन स्वाभी की शासन देवी का नामः name of the attendant spirit of Abhinandana Svāmī. प्रव० ३००; पंचा० १६, २४; — प्राच्चाः स्त्री० (-प्राया) हासी आर्था. काली प्रायां. a nun named Kālī नाया० थ० — द्रिष्ठाः स्त्री० (-द्रारिका) हासी इमारी. काली कुमारी. a girl named Kālī नाया० थ०

कालीदेवित्त. न॰ (कार्बा देवीत्व) असी देवी-पर्णु काली देवीपना. State of being the goddess Kali नाया॰ घ॰

कालीवर्डिसयभवणः न॰ ( काल्यवतंसक-भवन) अधीदेवीनं अधावतंसक नामे अवनः कालीदेवी का कालावंतसक नामक भवनः An abode of Kali Devi, named Kalavatamsaka नाया॰ घ॰

कालुगियः त्रि॰ (कारुगिक) ५२। १४। १४। करने वाला. Piteous. स्य ०१, २, १, १७;

कालोछा-य. पुं॰ (कालोद ) अक्षीहिंधनाभने।
सभुद्र हे के धातशी भंउने इरते। विंटायेत छे.
कालोदित नामक समुद्र जो कि धातकी खंडद्वीप
को घेरे हुए है. An ocean named
Kālodadhi, encircling Dhātakīkhanḍa टा॰ ७; जीवा॰ ३; ४, अणुजो॰
१०३, सम॰ ४२; ६१; पन्न० १५;

कालोद. पुं॰ (कालोद) ळुओ "कालोश्र-य" शण्ट. देखो "कालोश्र-य" शब्द. Vide "कालोश्र-य" ठा॰ २,३; भग॰ ६,२; कालोदिह. पुं॰ (कालोदिध) धात डी भन्डती यारे भाळुओ आढ डाभ जेजन प्रभाणुनी डालीटिध सभुट. उस समुद्र का नाम जो भातकीसंडकी चारों श्रांर है श्रांर जिसका प्रमाण श्राठ लाख योजन का है. An ocean so named, surrounding Dhātakīkhaṇḍa and eight lacs of Yojanas in circumference. भग० ५, १;

कालोदायि पुं॰ (कालोदायिन्) अक्षेति । स्थानी श्रेष्ठ अन्य दर्शनी शृहस्य एक जैनेतर गृहस्य का नाम Name of a house-holder belonging to a non-Jaina creed. भग॰ ७, ६; १०;१८, ७; काच पुं॰ (काव्य) अव्य अनावीने संलगायनार काव्य बनाकर मुनाने वाला. A bard; a minstrel जीवा॰ ३,•३; नाया॰ १, ८; काचिलय पुं॰ (काविलक) अवस्य अधार कीर; कवल. A mouthful. भग॰ १; ७; प्रव॰ १९६४;

कावि. श्र॰ (कापि) डे। ४५७। कोई मी. Somebody; some one or other; anybody. नाया॰ =;

काविह. पुं॰ (काविष्ट) छहा देवलीहनुं हाविष्ट नामनुं ओह विभान; ओनी दिश्वति चाह सागरे। पमनी छे; ओ देवता सान मासे श्वासीश्वास ले छे. इंडवं देवलोक के विमान का नाम, जिसके निवासिया की आयु चादह सागरोपम की है और जो चादह पन्तों में एंक वार श्वासोइवास लेते हैं. Name of a heavenly abode of the sixth Devaloka, where the gods live for 14 Sagaropamas and breathe once in seven months. सम॰ १४:

काविल. न॰ (कापिल) अधिवशास्त्र; सांण्य ६र्शननुं शास्त्र. कापिल शास्त्र; सांख्य दर्शन शास्त्र. The tenets of the founder (Kapila) of the Sāṅkhya

system of philosophy. श्रगुजो०४३; काचिलिया न॰ (कापिलिक) अधिसमतनी अ.थ कपिल मत का एक प्रथ. A book containing an exposition of the tenets of Kapila. नंदी॰ ४१;

कावोय. पुं॰ ( 👂 ) डावड देखी लिक्षा भांगनार स्थे पर्ग कावड लेकर भिना सागने वाला एक वर्ग. A class of mendicants begging their food in bags attached to the ends of a bamboo which rests on the shoulders. श्राजो॰ ६२.

काचोया स्त्री॰ (कापोतिका ) पारेपी पृत्ति, કળુતરની માક્ક ઘણી સભાળથી આહારાદિક सेवुं ते एक प्रकार की वृत्ति-कवतर के समान वढे यत्नाचारपूर्वक श्राहारादि ग्रहण करने की शृति. Taking food with great care, like pigeons उत्त॰ 98, 33;

 $\sqrt{$  कास. था॰  $\mathrm{I}$  ( कास्) ઉધરસ ખાવી. स्राँसना. To cough.

कासित्ता. सं० कृ० जीवा० ३, ३; ज० प० २, २४:

कासंत व० कृ० पराह० १, ३,

कास. पुं॰ (कास ) ઉधरसः भांसी. खासी Cough ज॰ प॰ भग॰ ३,७, जीवा॰३,३: कास. ५० (काश ) अश नामना अह. काश नामक ब्रह A planet named Kāśa " दोकासा " ठा० २, ३; (२) કાશ नाभनी वनस्पतिने। गुब्छे। कास नामक वनस्पति का गुच्छा. a cluster of the vegetation named Kāśa পদাত ৭, তবাত ३, १४८,

कासंकसः त्रि॰ (कासंकप-कस्यन्तेऽस्मिनिति-कासः संसारस्तं कपतीति तदभिमुखोयातीति कासङ्कष ) प्रभादी; अर त्स्थ, आधुणव्या-श्रस्वस्यः; वीमारः; श्राकुल व्याकुल. Uneasy; restless. श्राया ०१,२,५,६४;

कासग. पुं॰ (कर्षक ) भेडुत; भेती धरनार. किसान; खेती करने वाला. A farmer; a peasant. उत्त. १२, १२;

कासगः पुं॰ (काशक) ओंध ज्यतनी वनस्पति एक प्रकार की वनस्पति. A kind of vegetation जीवा॰ ३, ४;

कासगा. न॰ (कासन ) ७५२स भावी. खांसी श्राना. Act of coughing. श्रोघ॰ नि॰ २३५,

कासवः पुं॰ (कारयप) धारयप शात्रीय-મહાવીર સ્વામી–ચાવીશમા તીર્થંકર. कारयप गोत्र के महावार स्वामी चौचीसर्वे तीर्थंकर. Lord Mahāvīra the 24th Tīrthankara belonging to the family origin named Kāśyapa भग० ११, १, दस० ४, सु० च० ३, १२५; नदी० २३; उत्त० २, १; सूय० १, २, २, ७; ৭, ২, ৭, ২; জ**৹**प০ ৩, ৭**૫**૨, **(**২) કાસ્થ્પ ગાત્રમા ઉત્પન્ન થયેલ–મુનિસવત અને નેમી સિવાયના બાવીશ તીર્થકર, ચક્રવર્તિ વગેરે ક્ષત્રિય, સાતમા ગણધર વગેરે વ્યાહ્મસ, જ છુ-२वाभी वरेरे शाथापति. काश्यप गीत्र में उत्पन्न सुनि धुनत और नेमिनाथ के सिवाय वाईस तीर्थंकर तथा चकवर्ति वगैरह च्रिय, सातवें गणधर वगैरह बाह्मण श्रीर जंबस्वामी वगैरह गायापति. the Tirthankaras (24) excepting Muni Suviata

लुओं-पृष्ट नम्लर १४ नी पुटने। (५) देखो पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (५) Vide foot-note ( ) p. 15th.

and Nemī, the Ksatriyas viz the 7th Ganadhara etc. and the Gathapatis viz. Jambū Svāmī etc. all born in the Kāśyapa family. তা০ ৩, ৭: ভন্নত ૨૪, ૧૬; (૩) વું એક પ્રસિદ્ધ ગાત્રનું नाभ; ध्रभ्यप नाभे शात्र. एक प्रसिद्ध गोत्र का नाम, काञ्यप नाम का गोत्र, name of a famous family-origin. कण॰ ४. ૧૦૩, (૪) શ્રી પાર્શ્વનાથપ્રભુના શાસનના એક विद्वान साधु श्री पार्धनाय प्रम के शासन के एक विद्वान साधु. a learned monk belonging to the cult of Lord Pārśvanātha. मग० २,५: (५) અંતગઢ સૂત્રના છઠા વર્ગના ચાથા અધ્યયનું नाभ. श्रंतगड सूत्र के छठवें वर्ग के चौथे श्रध्याय का नाम. name of the 4th chapter of the sixth section of Antagada Sūtra. প্রন্ত ২, ४: (६) राज्यनगर निवासी એક गाथापनि કે જેણે મહાવીર સ્વામી પાસે વરસની પ્રવજ્યા સાળ पाणी विभुक्ष पर्वात अपर संधारे। इरी सिद्धि, भेणवी राजगृह निवासी एक गाधापति जिसने कि महावीर स्वामी से दीचा ली श्रीर १६ वर्षोतक तप कर विपुल पर्वत पर संथारा कर सिद्धपद प्राप्त किया, name of a merchant residing in Rājagriha, who took Dīkṣā from Mahāvīra Svāmī, practised asceticism for 16 years, and attained salvation on Vipula mount giving up food and water. श्रंत॰ ६, ४; (७) ६००भ नाई a barber.भग० ६. રેરેઃ (=) ઉત્તરા કૃલ્યુની નક્ષત્રનું ગેત્ત્ર. रत्तरा फल्गुनी का गोत्र the family

origin of the constellation named Uttarā-Falgunī. मृ॰ प॰ भ॰: —गुत्त, पुं॰ (न्गोत्र ) सिद्धार्थ राज्य पगेरेनुं गेत्र सिद्धार्थ राजा वगेरह का गोत्र. the family-orgin of king Siddhārtha etc क॰ प॰ १, २; २, २०; श्राया॰ २, १४, १७६: —गोत्त. पुं॰ (नगोत्र) ०४२७ स्वामी पगेरेनुं गेत्र. जम्बू स्वामी का गोत्र. the family-origin of Jambū Svāmī etc. नाय॰ १; कासवग पुं॰ (काश्यपक) नाधः हन्नम नाई. A barber सूय॰ १, ४, २, ६;

कासवनालियाः हो। (काश्यपनालिका) श्रीपर्शीनुं ६स. श्रीपर्शी का फल. The fruit of Śrīparņī. दस॰ १, २, २३; श्राया॰ २, १, ८ ४८;

कासवय पुं॰ (कारयपक) अुभे। "कासवग " शण्ट. देखी "कासवग " शब्द. Vide "कासवग " नाया॰ १;

कासवी. हो॰ (कारवर्षा ) पांचमा तीर्थ-३२नी भुभ्य साध्ती. पांचवें तीर्थंकर की मुख्य साध्ती. The principal nun of the 5th Tirthankara. नम॰ प॰ २३४;

कासाइ. न॰ (कापाय) २००३। " कासाइश्र-य "शब्द. देखी " कासाइश्र-य " शब्द. Vide " कासइश्र-य " उना॰ १, २२;

कासाइन्न-यः न॰ (कापायिक) ४पाय-अगवा २ंगशी २ंगेलुं वस्त्रः, न्द्रधेने श्वरीर खंछवानुं वस्त्रः भगवां रंग से रंगा हुन्ना वल्नः स्नान करके शरीर पोंछने का वल्नः A saffroncoloured cloth generally worn by Hindū ascetics; a piece of cloth to dry the body after bath; a towel जीवा॰ ३, ४; जं॰ प॰ श्रीव॰ ३१; कासिल्ल. त्रि॰ (कासमत्) भासीवाणा. खांसी वाला One suffering from cough

कासिह पुं॰ (कासिह) अथियारी भत्स्याद्धारी
ओड अवतु पक्षी मद्धती खानेवाला जल-चारी पद्धी. A sort of crane; a bird eating fish living in water. सूय॰ १, ११, २७.

सासी. स्री॰ (काशी) डाशीपुरी; पनारसी नगरी.

काशी नामक पुरी The town of

Benares भग॰ ७, ८, सुच॰ २, ४,

टत॰ १३, ६; कप्प॰ ५, १२७, (२)

डाशी देश; आर्थ देशभानी ओड काशी देश;
आर्यदेश में से एक. a country named

Kāšī. पन्न॰ १; भग॰ १५, १; नाया॰ ८;

—राय पु॰ (-राज) डाशीदेशनी राज्य काशी
देश का राजा a king of the country

named Kāsī उत्त॰ १८, ४८; नाया॰ ८;

काहल. ति॰ (काहल) अ२५४, अ०५४५त.

श्रूच्यक्त; श्रूपण्ट Indistinct;

inarticulate, not manifest पगृह

२, २; ठा० ७;

काहिलिया स्रं (काहिलिका) शहिं िश नामे श्रेश्व सेनानुं आक्षरण इस नामका सोनेका श्रामरण A sort of gold ornament. प्रव १४३६,

काहार. पुं॰ (कहार—कं जलं हरतीति) ध्रयः. कावडः. A contrivance to fetch water consisting of a piece of bamboo with ropes attached to its ends Pots of water are fastened to the ends of this rope, while the bamboo rests on the shoulders.

काहाचण पुं॰ (कार्पापण) भुशः सिक्षेश मुद्रा, मिक्का, ह्यापः मुहर. A. stamp पग्ह० १, २;

काहिन्र-यः पुं॰ (काधिक = कथया चरति-काधिकः) गृहस्थते धेर पतावी पतावी ध्या धेनार साधु गृहस्य के घर पर चना चना कर कथा करने वाला साधु. An ascetic telling long-drawn scriptural stories at the houses of householders. स्य॰ १, २, २, २=; निसी॰ १३, ४२; गच्छा॰ ११५;

काहे थ्र० (कदा) ध्यारे कव. When थ्रंत० ६, १५; भग० २, १,

किइक्सम. न॰ ( कृतिकर्मन = कृतिरेव कृतेवा कर्म क्रिया कृतिकर्म ) शुर्थादिश्ने विधिपूर्व ध વદના કરવી તે. એવી રીતે કે વાત વગેરે રાગથી પીડિત ન હાય તા ઉઠ બેસ કરી અસ્પલિત પાદાેચ્ચાર કરી વદના કરવી; ઉડવાને અશક્ત હોય તાે અસ્ખલિત પાર્કના **७२२।२ ५री व ६ना ५२वो ते गुरु श्रादि की** विधि पूर्वक वंदना करना; यदि वात रोगसे पीटित न हो तो उठ बैठ करके धाराप्रवाह पाठोच्चार करते हुए वंदना करना श्रीर उठेन मे श्रशक हो ते। धारा प्रवाह पाठ का उच्चारण कर वंदना करना. Rendering obeisance to a preceptor etc. with observance of due forms and ceremonies प्रव १६: ६६.पंचा १७, ६; श्रोव० २०; भग० १४, ३; सम० १२; कि. श्र० (किम् ) डे।ए।; शुं: डेथे।. कीन; क्या; कौनमा Who; what; which भगः 9, 9; 9; 2, 9; 3; 4; 8, 3, 1; 8; 4. २; ४; ६, ३३; १४, १, १६, ≈; १≈, ७; द, २४, २३; २४, ६; २६, १; ४१<sub>, १</sub>;

नाया० १, ३; ४; =; १६; १७; श्रयुजो०३;

११, देय० १, ३३; वव०२, २२; श्रोव०१६;

३८; पत्र० १४; दसा० ३, २२; ३३; २४;४,

१०; श्राया० १, १, १, ३; १, ४, ४, १४०:

स्य० १, १, १, १; दस० ४, १०; ४, २, ४७;६,६४;६,१,४;६.२,१६;जं०प०७, १४०; किंश्रंगपुर्गा. श्र० ( किमक्रपुनर् ) लुओ। " किंपुर्गा " शम्य दे तो " किंपुर्गा " शब्द. Vide "किंपुर्गा " नाया० १; १४;

किं आएएं श्र॰ (किमन्यत्) भीजूं शुं १ दूसरा क्या ? What else ? नाया॰ प्रः

किंकम्म. न॰( किंकर्मन् ) अंतग्र सूत्रना ७३। पग<sup>6</sup>ना भीका अध्ययननुं नाम श्रंतगड सूत्र के छठवें वर्ग के दूसरे श्रध्याय का नाम. Name of the 2nd chapter of the 6th section of Antagada Sūtra. (ર) રાજગૃહ નિવાસી એક ગાયા-પતિ કે જે મહાવિર સ્વામી પાસે દીક્ષા લઇ અગીઆર અંગ ભણી ગુણરયણતપ કરી સાલ વરસની પ્રવજ્યા પાળી વિપુલ પર્વાત ઉપર **५२२ ५६ ५।२४। राजगृह निवासी एक गाया-**पति जिसने कि महावीर स्वामी से दीचा ली, ग्यारह श्रंग पढे, गुणस्यण नामक तप किया श्रीर सोलह वर्ष तक प्रवज्या का पालन कर विप्रल पर्वत पर मोज पद प्राप्त किया. name of a householder residing in Rājagriha, who took Dīkšā from Mahāvīra Svāmī, studied 11 Angas, practised Gunarayana penance, observed asceticism for 16 years and attained salvation on the Vipula mount. श्रंत० ६, २;

किंकर. पुं० (किङ्कर ) अनुयर, सेवड; लृत्य; हास; याडर नोकर; सेवक. A servant; an attendant. नाया० १; जीवा०३, ४; पत्र०२; श्रोव०३१ राय० ६६; भग०११,१९; किंगिरिड. पुं० (किङ्किरीट) त्रशुधिदियवादा छवनी ओड जात. तेइन्द्रिय जीव; तीन इन्द्रियों वाला जीव. A kind of senti-

ent being with three senses. र्किच. थ० (किंब) अने; वली. श्रीर. And; moreover. भग०१६, ६;

र्किचण, अ॰ ( किंचन ) क्षंध्रेष्णु; क्षंध्रेष्ठ कुछ; कुछभी.Anything; something. सूय॰ १, १, २; १४; (२) न॰ ४०५; परिश्रद्ध द्रव्य का प्रह्णा करना. wealth; worldly possessions विशे॰ १४४१, उत्त॰ ३२, ८; सुय॰ २, १, १४;

किंचि. श्र॰ (किञ्चित्) हिंथितभात्र; हंधह. कुछ; किचित् मात्र. A little; something; something at least. " किंचि बहुयं चथोवंच " पएह० १, ३; जं० प० ७, १३२; जं० प० दसा० ६, ३५; ७, २६, भग० २,9; पः पः ३;२०, ६;२४,७,३०,१; नाया०४;पः श्रोव॰ १६: ३८: उत्त॰ १, १४: पि॰ नि॰ १००; उवा०६,१७० गच्छा०१; प्रव० १४७; -काल न॰ ( -काल ) थाडे। आद: थे।डे। qwa. थोड़ा समय. a little time; some little time. मग० १,७; नाया॰ १६:-विसेसाहिय. त्रि॰ (-विशेपाधिक) જરા वधारे; थे। अधि अधि कुछ ज्यादह a little more; somewhat more. भग॰ २, ८; —साहम्म न॰ (-साधर्म ) સહેજ સમાન પણં; કાઇક સાધમ્ય . कुछ समानता; कुछ सावम्ये भाव. a little affinity; possession of common qualities to a little extent. श्रग्रजो० १४७;

किंचिम्मेत्त. ति॰ ( -िकंडित्पात्र ) हिंथित् भात्र कुछ; किंचित्मात्र. a little; very little; only a little. विशे॰ ३११; किंतु. श्र॰ (किन्तु) पण्; विशेषता अताववाने आ अन्यव वपराय छे. भी; किन्तु; परन्तु. But; (an adversative conjunction). विशे॰ १५३; कित्थुग्ध. पुं॰ न॰ (किंस्तुझ) ६२६ भासना शुक्ष्य पक्षना पड़नाने दिवसे व्यावतुं, व्यार थिरहर्श्यमांनुं वे। थुं हर्श्य; ११ हर्श्यमांनुं ११ मुं हर्श्य, प्रत्येक मास की शुक्त पत्त की प्रातिपदा के दिन होने वाले चार स्थिरकर्गों में का चौथा करण; ग्यारह करण में का ११वां करण. The last of the eleven Karanas; the last of the four Thira Karanas falling on the first day of the bright half of each month. जं॰ प॰ ७, १४३;

किंतर पुं॰ (किन्नर) डिंशर न्यत्या ० थंतर हेत्रता किन्नर जाति के न्यंतर देव. A kind of Vyantara gods known as Kinnaras नाया॰ १; १६; भग० ३, ६; सम० ३४; श्रोव॰ २४; ठा० २, ३; राय॰ ४१; नीवा॰ ३, ४; श्राणुजो॰ ४७, उत्त॰३६, २०५, (२) २भरेन्द्रना २थनी सेनाने। ७५री. चमरेन्द्र की रथसेना का मुख्याधिकारी the commander of the army of chariots belonging to Chamarendra ठा० ४, १; —संडिय त्रि॰ (-संस्थित) डिशर देवना आडारवाला. किन्नर देव का श्राकार वाला. (one) possessed of the form of a Kinnara god भग० ६, २;

किंतरकंड. पु॰ (किंबरकएड) એક જાતનું रेल. एक प्रकार का रक्त A kind of jewel or gem. स्थ॰ १२१;

किनरी. ही॰ (किन्नरी) એક स्त्री है जी लीधे युद्ध थयुं ६तं. एक ह्यो जिसके लिये कि युद्ध हुआ था Name of a woman who was the cause of a battle, पगह॰ १,४;

र्किपाग. न॰ (किंपाक ) डि'पाड एक्ष; એક जेरी इलवालुं वृक्ष. किंपाक युत्त, एक जहरी फल वाला वृत्त. A kind of tree with poisonous fruits; the Kimpāka tree. उत्तः ३२, २०; तंदु० श्रोव० १४; —फल. न० (-फल) डिं भाड पृक्षनुं ६६; स्वाहे भधुर भणु परिणामे अरी ओड ६६. किंपाक वृत्त का फल; स्वाद में मीठा परन्तु परिणाम में जहरी फल. a fruit of a Kimpāka tree sweet in taste but poisonous.तंदु० किंपि. श्र० (किमिप) डर्डंड; डाइभणु. कुछ भी Something; something at least; a little. पि० नि० भा० ३६; सु० च० १, २३४; नाया० १:

किंपुण, अ॰ (किंपुनर्) तेमां ते। १६वं० शुं अंती महत्तात्राक्षी निश्चय दर्शावत्रामां अति। ६ पयी। धाय छे. इसमें तो कहना ही क्या; इस प्रकार महत्तावाला निश्चय प्रगट करने में इस शब्द का उपयोग होता है. A phrase meaning, " it goes without saying." गच्छा॰ ६४; नाया॰ १४;

किंपुणो. श्र॰ (किंपुनर) कुओ। "किंपुण " शण्ट. देखों "किंपुण " शब्द. Vide "किंपुण "दस० ७, ४;

कियुरिस. पुं० (किम्पुरुष) डिंपुरुष हेवता;
०थन्तरहेवतानी ओड ज्ञात वंदों का
'किंपुरुष' नामक एक भेद. A species
of Vyantara gods. भग० २, ४; ३.
८; १०, ५; नाया०१६; पएह०१, ४; जीवा०
३, ४; श्रागुजो० ४७, सम० ३४; श्रोव०
२४; उत्त० ३६, २०५; ठा०२, २; ३; पन्न०
१; २; प्रव० ११४४; (२) वैरोयन एडिना
२थनी सेनाना श्रिधपति. वरोचन इन्द्र के रथ
कीं सेना का श्रिधपति. name of the
commander of the army of
chariots of Vairochana Indra.
ठा० ४, १; —सांठिय. त्रि० ( -संस्थित )
डिंपुरुष हेवने आडारे रहेक्ष. किंपुरुष देव

के श्राकार का having a shape of a Kimpurusa kind of gods. भग॰ =, २;

किंपुरसकंट पु॰ (किम्पुरुपकंट) ओड व्यत-नं २८न. एक जाति का रतन. A kind of gem राय॰ १२१;

किंवहुगा अ॰ (किम्बहुना) वधारे शुं ? ज्यादह क्या ? What more ? What is the use of adding more? नाया॰ १; भग० ६, ३३;

किमय. त्रि॰ (किस्मय) स्वर्ध के आधान्य विषय अस्तार्थमां वपरातुं; आतुं शुं स्वर्ध छे के आभां अधानपछ्डे शुं छे अवा अस्ता-र्थमां आ रूप वपराय छे प्रश्नवाचक वाक्य में उपयोग म श्रानेवाला शब्द. A form of interrogation meaning "What is the essential or prominent feature of this?" भग॰ १६, ७,

किंमूलय. त्रि॰ (किंमूलक) ध्या भ्रवपाणुं ? इसका मूल क्या ? Originating in what ? नाया॰ =:

किंचा. श्र॰ (किंवा) અथवा श्रथवा; या Or; an alternative conjunction. विशे॰ १२०, नाया॰ १; ५; भग॰ ३, १;

किंसुश्र-य. पुं० (किशुक) हेशुंडानुं अड; भाभरानु पृक्ष. केश्र का वृत्तः; टेस् का माड. A kind of tree bearing red flowers. जं० प० श्रोव० १३; श्रगुजो० १६. सग० २, १, ३, २; नाया० १; ६; जाया० ३, १; राय० १३; कप्प० ४, ६०; किंसुग्ध पु० न० (किंस्तुच्न) कुश्री "किंन्द्रुग्ध " शम्ह. देखो "किंस्युग्ध " शन्दर किच. न॰ (कृत्य) कृत्य; क्षार्य, अथीलन कृत्य; काय; काम Act; action; purpose दस॰ ७, ३६; ६, २, १६; भग॰ १,

Vide " किंखुग्व " विशे० ३३४०:

१०; ३, १; १३, ८; स्य० २, ४, ८; उत्त० १, ४४: नाया० ३; १४; सु० च० ३, ६६; विशे० ३४६४; क० प० २,७४. प्रय० २००:

(२) कृति-वंदनाने सायक्ष्यक्ष्य, आयार्थ

पगेरे. कृति अर्थान् वंदना के योग्य गुह आचार्य आदि. worthy of salutation

e. g. a preceptor etc. उत्त॰ १,१८,

(३) भयन भायनादि द्विधा पचन पाचनादि कृत्य. process such as that of

digestion etc. स्य॰ १, १, ४, १;
— गय पुं॰ ( -गत ) अर्थभां तत्पर.

कार्य में तत्पर busily engaged in

किञ्चण. न॰ ( 🎋 ) धेर्त्वु. थाना. Washing. स्त्रोघ० नि॰ १६८;

work भग० ३, ४;

किचाकिचा न० ( कृत्वाकृत्य ) कृत्याकृत्य , क्षार्थ अने अक्षार्थ. कम श्रीर श्रकमे. Act to be done and act not to be done. दसा० ६, ३१;

किच्छ न॰ (कृच्छ्र) ४४; भुः ४४ी. कठिनाई; कष्ट. Difficulty, trouble. जं॰ प॰ सु॰ च॰ ६, ७६; भग॰ ७, ६; नाया॰ ६; विशे॰ २२६६; —एप. पुं॰ (—ग्रात्मन्) ४४४४त आत्मा कष्ट सहित श्रात्मा क troubled soul. नाया॰ ६; जं॰प॰३,४६; किजा ति॰ (केय) भरी६वाने थे।२४. सरीदने

के योग्य. Fit for purchase; worthy of being purchased दसा॰ ७, ४५;

<sup>\*</sup> लुओ। ५४ नम्भर १५ नी प्रुटनीट (\*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनीट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th.

पभाश्युं कीर्तन करना, कथन करना To praise, to gloufy; to sing the praise of किट्टेंद्द भग०२, १, नाया०१, ६कट्टेंद्र आया०१, ५, ४, १६८; किट्टेंमि. स्य०२, १ ११;

किट्टें विवि॰ स्राया० १, ४. ६, १६४, सूय० २, १, ५७,

किटित्ता सं० कृ० नाया० १; किट्टत्ता सं० कृ० उत्त० २६, १; नाया० १; किटिया. सं० कृ० वव० ६, ३७; किटित्तए. हे० कृ० वेय० ३, २०;

किट्ट. पु० (किट्ट) सेहिती हाट. लोहे का जंग Iron-rust. श्राया॰ २, १, १, १, —रासि पुं० (-राशि) सेहिता हाटेने दगसी लोहे के जङ्ग का ढेर. a heap of iron-rust "श्रटट्रासिंसि वा किट्ट्रासिंसि वा" श्राया॰ २, १, १, १;

किष्ट्रकरण्द्धाः स्रो • (किष्टिकरण्दाः) संज्व-धन बीलनी प्रथम स्थिनिना त्रणु लाग हरीं ने तेमाना भीवन त्रिलागनी सहा। हिष्टि हरणुद्धा छे संज्वलन लोभ की प्रथम स्थिति के तीन भाग में से दूसरे विभाग की संज्ञा किष्टिकरणुद्धा कहलाती है. Name of the 2nd of the three divisions of the first stage of the kind of greed known as Sanjvalana Lobha क प १, ४६;

किट्टि. स्री॰ ( \* ) स्ट्रभ. सूच्म. Fine as opposed to gross. प्रव॰ ७१२; क॰ प॰ ३, १॰;

किट्टिश्र-य. त्रि॰ (कीर्त्तित ) वर्ष्णेवेलं, क्षण-वेलं. कहा हुश्रा; वार्णित, वर्णन किया हुश्रा Described " एव से श्रष्टािकिटियमेव धम्मं " श्राया० १, ८, ५, २१७; स्य० २, १, ११; ठा० ७, १०;

किट्टिक. पुं॰ (किट्टिक) એક જાતની વન-સ્પતિ. एक प्रकार की वनस्ति A kind of vegetation भग॰ २३, १;

किन्द्रियाः स्त्री॰ (किन्दिका) ओक्ष न्यातनी साधारण वनस्पति एक प्रकार की साधारण वनस्पति. A kind of ordinary vegetation पन्न॰ १: भग॰ १, २; जीवा॰ १:

किट्टिस. न० (६) भेत्रख् ज्यतना वागना भिश्र-ख्यी थनेक्षु सूत्र दो तीन जातिके वालों के मिश्रण से बनाहुआ सूत्र धागा. A rope or thread formed by twisting together house-hair or haus of different kinds अगुजो॰ ३७;

किट्टी स्त्री॰ (किट्टी) એક જાતની વનસ્પતિ एक प्रकार की वनस्पति. A kind of vegetation पन्न॰ १,

किहि पु॰ न॰ ( कृष्टि ) कृष्टिनासनुं त्रीला योथा देवले। इनुं ओड विभान कृष्टि नामक तीसरे चोथे देव ले। कना एक विमान Name of a heavenly abode of the third and fourth Devaloka सम॰ ४;

किहिकुड. पुं॰ न॰ ( कृष्टिकूट ) કृष्टिडूट नाभनु त्रीन्त याथा देवले। इनु ओड विभान. कृष्टिकूट नामक तौरसे चौथे देवलोकका विमान. A name of a heavenly abode of the third and fourth Deva-

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। र (\*). देखो पृष्ठ नंत्रर १५ की फूटने। ट (\*) Vide foot-note (\*) p 15th.

lokas. सम॰ ४;

किहिघोस. पुं॰ (कृष्टिघोष) કृष्टिधेष नामनं त्रीग्न येथा देनसेहनं य्येड विभान. कृष्टि घोष नामक तीसरे चौथे देवलोक का विमान. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas सम • ६:

किहिजुत्त पुं॰ (कृष्टियुक्त ) स्ने नाभनुं त्रीजा स्मेन ने से से देवले हिनुं स्नेह विभान तासरे स्नार चाँथे देवलोक क विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokus. सम॰ ४;

किंडिज्मियः पुं॰ ( कृष्टिष्वज ) कृष्टिष्वज नाभनु त्रील ने त्था देवले कि एक विभान तीसरे श्रीर चांथे देवलोक के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokus. सम॰ ४:

किटिप्पम. पु॰ (कृष्टिप्रम) કृष्टिप्रला नामनुं त्रीन्त याथा देवले। इनुं क्षेष्ठ विभान. तोसरे चौथे देवलोक के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas सम॰ ४:

किहियापस. पु॰ ( कृष्टिकापत्र ) કृष्टिशपत्र नामनुं त्रीका ये।थादेविदे। इनुं स्पेश विभानः तांसरे चौथे देवलोक के एक विमान का नामः Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas. सम॰ ४:

किंद्विलस्स. पुं॰ (कृष्टिलश्य) दृष्टिलेश्य नाभनुं त्रीका ये।धा देवले। इनुं ओड विभान. तीसरे चोथे देवले।क के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas. सम॰ ४;

किहिसिंग. पुं॰ (कृष्टिगृंग) કृष्टिशृंग नाभतुं त्रीका शेषा देवले। इन्हें ओड विभान तासरे चौथे देवले। क के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas. सम॰ ४;

किहिसिद्ध. पुं॰ (कृष्टिसिद्ध) कृष्टिसिद्ध नाभनुं त्रीक्त ने।था देवेसीकनुं क्रेक विभान तीमरे चीथे देवेसीक के एक विभान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas. सम॰ ४;

किट्ठुत्तरचाँडसग पुं॰ (कृष्ट्युत्तरावतंमक)

कृष्टिशयतंसक नामनुं त्राल याथा देवते।कनुः

थेक विभान तासरे चौथे देवलोक के एक
विमानका नाम. Name of a heavenly
abode of the third and fourth
Devalokas. सम॰ ४:

किडिकिडिया. ली॰ (किटिकिटिका) हुण ब शरीर वाला भाश्सना भांस विनाना ढाउ-धाने। ६४नां भेसतां अवाज थाय ते. दुवंत शरीर वाले मनुष्य के मास रहित हिश्यों का उठने वेठने पर जो त्र्यावाज हो वह The cracking sound made by the bones of a fleshless weak person, as he rises up or sits down. नाया॰ १; भग॰ २, १;

किडिकिडियाभूय. त्रि॰ (किटिकिटिकामूत = किटिकिटिकांभूतः प्राप्तो यः स किटिकिटिकांभूतः प्राप्तो यः स किटिकिटिकांभूत ) १८ १८ अवाल १२तुं जिसकी हिंद्देयों की उठते बेठते स्त्रावाज हो वह. Making a cracking sound. विवा॰ =: भग॰ २, १, किडिम. पु॰ (किटिम) धीडीआई; राधी

चिकंटीयों का घर. An ant-hill, a swaim of ants. जं॰ प॰ भग॰ ७, ६;

(२) એક જાતના राग एक प्रकार का राग a kind of disease. भग० ७, ६; किंडुा. स्त्री॰ (फीडा) क्षीश, रभत गभत; रति, आनंद कीडा; खेल; आनंद; रति; विनादे. Sport; play; amusement. आया॰ १, २, १, ६४, सूय० १, १, ३, ११; भग० १३, ६, १४, २; पि॰ नि॰ ८८; ४२४;

किडुाचियाः स्री॰ (क्रोडाकारिका) ईीडा क्राय-नारी हासी.क्रीडा कराने वाली दासी. Amaidservant who makes one sport, play or supplies with some kind of amusement नाया॰ १६;

किढिए पु॰ ( ४ ) એક જાતનું વાંશન દામ, તાપસનુ એક ઉપકરણ; કાળડની બે पालुना ७। पडा एक प्रकार का वास का वर्तन, तापस का एक उपकर्ण, कावड के दोनों तरफ के छवड़े. A sort of vessel made of bamboo, a vessel used by an ascetic, the two flat baskets hanging by a rope attached to the two ends of a bamboo placed on the shoulder. मग० ७, ६; -पडिस्त्वग. त्रि॰ ( -प्रतिरूपक=किठिनं वंशमयंस्तापस-भाजनविशेष: तत्प्रातेरूपके किठिनाकोर उस्तुनि ) अण्डाना आअरनी पश्तु. कावड़ के आकार की वस्. An object having the shape of a wooden pole resting on the shoulders with two baskets hanging at each end. भग० १, ६; -- संकाईयः न० (-सांह्वा-यिक = किठिनं वंशमयस्तापसभाजन

विशेष ततश्च तयोः साङ्कायिकं भारोद्वहन यन्त्रं किठिनसाङ्कायिकम् ) अल्ड. कावड. A contrivance consisting of a long piece of bamboo with two vessels suspended one at each end, by means of ropes. The middle part of the bamboo rests on any or both of the shoulders. भग० ११, ६;

किरागा. न॰ ( ऋषण ) भरीहवुं ते. खरीदना.
Act of purchasing, सु॰च॰ २,४४५:
किरिएत. न॰ ( किरिएत) એક જાતનુ વાછંત્રएक प्रकार का बाजा. A kind of
musical instrument. ज॰ प॰

किशिया स्त्री॰ ( किशिका ) એક જાતનું यार्जित्र एक प्रकार का बाजा. a kind of musical instrument. राय॰ ==;

किराएं। अ० (किम्) ४ थुं. शुं. कौनसा क्या What, a particle showing interrogation नाया १, २, ३, ७; ६; ६; १६; भग०३,२; १६, ४, उवा०३, १३६,

किएण त्रि॰ (कीर्ण) आर्री थुं; ०४। से. फेलाया हुआ; व्याप्त. Scattered over with; full of नाया॰ ५; उना॰ २, ६४; किएणमुंड. पुं॰ (कीर्णमुण्ड) એક જાતનું વાજિત્ર. एक प्रकार का नाजा. A kind of musical instrument जीना॰ ३, १; किएणर पुं॰ (किन्नर) ०५ंतर जातन हें देनों की एक जाति A species of gods known as Vyantara gods. पन्न॰ १; भ्रोव॰ पएह० १, ४; नाया॰ ६; भग॰ २,५; १०, ५; कप्प॰३, ४४; जं॰प॰४, ११५;

कुञी। ५४ तभ्यर १५ ती ४८ने।८ (०) देखो पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (०). Vide foot-note (१) p. 15th

किराणाइ. श्र० (किश्चित्) हिथित. कुछ; किंचित्मात्र. Very little; only a little. पि॰ नि॰ ६४३;

किएह. पुं॰ ( कृष्ण ) धाणारंग, काला रंग. Black colour. (२) डाणा रंगनुं: श्याम. काले रंग का; श्याम. black. भग० १२. ६; १४, १; नाया० १:६; १०: १३:१४:१७: राय० ४७; श्रणुजी० १३१; श्राया० १, ५, ६, १७०; ठा० १, १; उत्त०३६.१६; सु०प० २०; श्रोव० पन्न० १; प्रव० १२२६, क० गं० १, ४०; कप्प० ६, ४४; जं०प०४, ७४; २,१६;निर०३,२:(३) पुं०५७ शामना ७ मा पास्ट्रिप कृष्ण नाम के ह वे वास्रदेव. the 9th Vasudeva named Krisna. निर॰ ५, १, (४) मुख्यसः अंधारीयं. कृष्णपत्त. the dark half of a month. पंचा॰ १६, २०; — ग्राभासः त्रि॰ (-म्राभास ) ५००। रंग केंबुं हेपातुं: शणी प्रसा. काले रंग के समान दीखता हुआ; काली त्रभा. appearing blackish; black lustre. नाया॰ ७, ६; निर॰ ३,२; —श्रोभासः पुं॰ (-श्रवभास) धणी प्रला. काली प्रभा. black lustre. नाया॰ १; मग० १३, ६; १४, १; -केसर. पुं॰ (-केशर) आणी देशर काली केशर. black saffron. पत्र १७,राय - पडिवक्ख. पं॰ (-प्रतिपत्त) अंधारीयं ५ भपवाडीयं कृष्णवत्त. the dark half of a month पंचा॰ १६, २०; मिग पुं॰ (-मृग) अक्षीयार भुग; हाणा ६२७. कृष्ण मृग, काला हिरन. a black deer. श्राया॰ २, ४, १, १४४; —लेसा. स्री॰ (लेश्या) ५७०। क्षेत्र्या. कृष्ण लेश्या. black thought tint or mattertint. प्रव.११७३, -- तेस्सा स्नी॰(-लेश्या) कृष्य लेक्या. कृष्ण लेक्या. black tint; black thought-tint or mattertint. भग० १, १; उत्त० ३४, ४; पन्न० १७; —सन्प. पुं० (-सर्प) अले। सर्प. काला सांप. a black serpent. भत्त० ६३; —सुत्तग. न० ( -स्यक ) अला २० स्थ. काला स्त; thread of a black colour. भग० १६, ६;

तिएहपडल. न॰ (कृष्णपटल) ओ नामनी साधारण वनस्पति. इस नाम की एक साधारण वनस्पति. Name of an ordinary kind of vegetation. पन्न॰ १; किएहपत्त. पुं॰ (कृष्णात्र) थार धिंद्रथनाणे। ओड छन. चार इदियों वाला एक जीव. A four-sensed living being. पन्न॰ १; किएहसिटी. स्नि॰ (कृष्णात्री) छट्टा यहनतीं की कृष्णभी नामक स्त्री. Name of the wife of the sixth Chakravartī. सम॰ प॰ २३४;

किएहा. स्रो॰ (कृष्णा) भेइना उत्तरमां आ-વેલી રકતા નદીમાં જઇને મળતી એક નદી. मेठ की उतर दिशाम स्थित रक्षा नामक नदीमें जाकर मिलने वाली एक नदी. Name of a river flowing into the river Raktā in the north of Meru ठा० ४, ३: १०; (२) કૃष्ણ क्षेश्या; કાળામાં કાળા કર્મસ્કંધ કે જેના યાગથી છવતે ક્લિષ્ટમાં ક્લિષ્ટ પરિણામ થાય છે**;** छ क्षेत्रवामांनी प्रथम क्षेत्रवाः कृष्ण लेखाः; अत्यंत काले वर्ण के स्कंध कि जिनके योग से जीव की भारंगत दीन भीर कठीर परिणाम हो. blackest Karmic molecules causing the direst results to the soul; black thought-tint or mattertint. क० गं० ४,१६; उत्त०३४,३; पिं ०नि॰ भा०३०; (३) એક जतनी वनस्पति एक प्रकार की वनस्त्रति a kind of

vegetation भग०२३,४,(४)डाणी प्रसा. काली प्रमा black lustre. नाया० ०; √ कित्त था० I (कृत्) गुणु डीर्नेन डरवुं; पणाणुवुं स्तुति डरपी. गुण कीर्तन करना, प्रशंसा करना; स्तुति करना To sing the merits of, to praise.

किनद्दसामि. श्रणुजो० ५९;

कित्तयन्त व० कृ० उत्त० २४, ६;

कित्तग् न० (कीर्तन) पणाणः प्रशंसा, स्तुति Praise; eulogy. विशे० ६४०; चउ० ३; नाया० १६; उवा० ७, २१६; पचा० १६, ३७;

कित्तवीरिश्च. पुं॰(कीर्तिवीर्ष) सरतनी गाहीओ तेजवीर्ष पछी आवेस तेनी पुत्र. भरत की गादी पर तेजवीर्य के पोछ बैठने वाला उस का पुत्र. The son of Tejavirya who succeeded the latter to the throne. ठा॰ ८, १;

कित्ति स्त्री॰ (कीर्त्त ) दानादिश्मां उदारता **ખતાવવાથી થયેલ કી** તતે, પ્રસિદ્ધિ, યશ, थ्याथ३. दानादि में उदारता प्रगट करने से जो कीर्ति प्रसिद्धि, यश प्रथवा प्रतिष्टा हुई हो Fame; reputation, glory arising from charity etc. " किति वन्न सद सिलेगिट्टयाए " दस० ६, ४, २; ३; ६, २, २, उवा० २, ६४, सूय० १, ६, २२, श्रोव० ३१, उत्त० १, ४५; भग० १४, ५, १४, १; १६, ६, पि० नि० ५०६; ६८७, नंदी० २७; श्रोघ० नि० भा० १४१; निर० ४, १; पन्न० प्रव० ४६६; (२) डीतिंदेवीनी प्रतिभा. कीर्तिदेवी की प्रतिमा. an image of the goddess of fame. भग०११,११; <u> (૧૬) કિર્તિદેવી, નીલવંત પર્ગતના કેશરી</u> प्रक्रिती अधिष्ठात्री हैवी कीर्तिदेवी, नीलवंत पर्वत के केशरा दहका श्रविष्टात्री देवी, the

goddess of fame, the presiding goddess of the lake named Keśarī in the north of Nīlavanta mount. ठा० २, ३, जं० प० ४; — कूड. पुं० (-कूट) नीक्षतंत वणारा पर्वतना नवधूटमांनुं पांचमुं ६८-शिभर नीलवंत वखारा पर्वत के नौ कूट में का पाचवां कूट. the 5th of the 9 summits of the Nīlavant Vakhārā mount. जं० प० — कर. ति० (-कर) धीतें प्रगट धरनार, यश धरनार. कीर्ति प्रकट करने वाला; यश करने वाला. making famous; giving fame. कप्प० ३, ५२;

कित्ति. स्नी॰ (कृत्ति) यामधानी योणंडी इडडी डे के भेसवाने पाथरवाना डाममां आवे ते. चमडे का चोखटा दुकडा जो कि बैठने के काम में श्राता है. A. rectangular piece of leather used for sitting on.

प्रव० ६८३: कित्तिश्र-य त्रि॰(कीर्तित) वभाषेक्ष. प्रशसित; कीर्तिप्राप्त. Praised: famous. स्रोव॰ प्रव० २१३, ४०६: श्राव० २.६: नाया०१६, कित्तिश्रा स्त्री॰ (कृत्तिका) इतिहा नक्षत्र. कृतिका नामक नज्जन Phe constellation named Krittika श्राजी०१३१, कित्तित्रादासः पु॰ ( कृत्तिकादास ) ५ित्त ३। दास नामे डेार्थ એક माल्स कृतिका दास. Name of a person अशाजी॰ १३१, कि।त्तेत्रादिएण. पुं॰ ( कृतिकादत्त ) कृतिका ६त्त नाभने। भाशस क्रांतिकादत्त नामक मनुष्य. Name of a person अणुजो॰ १३१; कित्ति आदेव पु॰ (कृतिकादेव) ५तिश देव नाभने। भाश्स कृतिका देव. Name of a person. श्रणुजाे॰ १३१; कित्तिश्राधम्म पुं॰ (कृत्तिकाधम्मं) कृतिकाधर्भ

नाभने। भाश्स कृतिका धर्म नामक मनुष्य

A person so named. श्रगुजो॰ १३१; कितिश्रासम्म. पुं॰ (कृतिकाशमंन्) धृतिधा शर्भा; नक्षत्र थे। थे। भाश्यतुं नाम. कृतिका शर्मा. A person so named after the constellation called Krittika श्रगुजो॰ १३१;

कितिश्रासेण पुं॰ (कृतिकासेन) कृतिकासेन; कृतिका नक्षत्र ये।गयी भाष्यसनुं पडेलुं नाम. कृतिका नेन. A person so named after the constellation called Krittika. श्रणजो॰ १३१;

कित्तिकम्म न॰ (कृतिकर्मन् ) पंदन. वंदन (नमस्कारादि कर्म). Salutation, obeisance to a preceptor etc. वेय॰ ३. १८:

कित्तिम त्रि॰ (कृत्रिम ) अनापटी, डेाध्ये क्षेत्रें बनावटी; किसी का बनाया हुन्नाः Artificial; made by somebody. स्प॰ २, १, २२; गासि॰ ७५; ज०प०१,१२;

कित्तिय त्रि॰ (कियत् ) हेटलुं. कितना. How much. "कित्तिया सिद्धा" वन॰ २; तंदु॰ विशे॰ १३४६;

कित्तियमित्तः ति ( कियन्मात्र ) डेटला कितना How many; how much सु॰ च॰ ४, २४१;

किन्नर. पुं॰ (किन्नर) िक्षर जातना हैयता, व्यतर हेयतानी ओ कलत किन्नर जाति के देवता; व्यंतर देवता की एक जाति. A kind of Vyantara gods. प्रव॰ ११४४, (२) धर्मनाथळा। यक्षनुं नाम धर्मनाथजी के यन्न का नाम name of the Yaksa of Dharmanāthajī प्रव॰ ३७६;

किन्ह. पु॰ (कृष्ण) १०% पासुदेव कृष्ण वासुदेव Krispa Väsudeva. प्रव॰ १२८, (२) त्रि॰ डाणुं, डाणा रंगतुं काला; काले रंग का. black भत्त ०६१; —सप्प पुं॰ (-सर्प) डाणा नाग, डाणा सर्प. काला नाग; काला सर्प. A black serpent मत्त०६१; किंचिस त्रि॰(किंचिय) शीक्षत्स; शीद्धामछुं. वीभत्म; भयानक. Frightful; obscene; sinful. स्य०२, ३, २१; भग०१, ७; १२, ५; उत्त० ७, ५; (२) दिल्पप; भाषानुं पर्याय नाम sin; deceit. सम० ५२; पराइ०१, २; भग० १२, ५;

किव्यिसत्तः न॰ ( किल्वियत्व ) अभुरलापः अभुरपछुं श्रमुरभावः Devilishness; fiendishness. पगह० २, २;

किव्यिसिश्र-य. पुं॰ (किल्विपिक) ६५६। જાતના દેવતાની એક જાત. ચણ્ડાલ જેવા देवतानी शेंध बनत नीची जाति के श्रधम देवों की एक जाति, चांढाल के समान देवों की एक जाति. A kind of lower gods performing the meanest action भग० ६, ३३; दसा० १०, १; श्रोव० ४१; स्य॰ १, १, ३, १६; २, २, २१; ठा० ३. ४; प्रव॰ ६४०; (२) भीजाने हसाउनार; विद्वपं दूसरे को हंसानेवाला; विद्वपंक & baffoon; a fool ज॰ प॰ ३,६०, स्रोव॰ ૩૨; (૩) ચતુર્વિધ સંઘતથા ગ્રાનાદિનું અવર્ણવાદ ખાલનાર ( સાધુ ). चतुर्विध संघ तथा ज्ञानादिका श्रवर्णवाद वोलनेवाला (साधु). (an ascetic) defaming the fourfold Sangha, and knowledge etc. भग०१,२;पन्न० २०;—भावगा. स्री० (-भावना) ગુરૂનિન્દા, ગુરૂદ્રોહ વગેરે દુર્ગુણા કે જેથી કિલ્ભિષિ જાતના દેવતામાં ઉત્પન્ન थवं ५५ ते गुरुनिन्दा, गुरुद्रोह स्रादि भाव-नाएं जिसके कारण किल्बिषक जाति के देवों में उत्पन्न होना पडे offences such as censure, treason etc towards a preceptor which cause a person

to take birth among the Kilbisi kind of gods. उत्त॰ ३६, २५४; किन्विस्यत्ता स्त्री॰ (किन्विष्कता) डिल्पिष देवपण. State of be-

देवपद्युं. विल्विष देवपना. State of being one of the Kilbisa kind of gods. भग॰ ६, ३३;

किमंग अ॰ (किमङ्ग) ' डिभंग पुर्ण' એ વિશેષાર્થ ખતાવનાર વાકપમાં સહયાગી તરીકે वपरातुं अव्यय ' किमगपुरा ' यह विशेषार्थ वतलाने वाले वाक्य में सहयोगी तरीके काम में आने वाला अव्यय A kind of conjunctive phrase meaning "What else should be told ?" नाया० २, १६; भग० ५, ५; -पुण श्र० ( –પુનઃ ) શું કહેવુ <sup>૧</sup> તેમા તેા કહેવુંજ શું <sup>૧</sup> અથવા સામાન્ય આમ છે વિશેષ વાત તા शं अरवी १ क्या कहना १ उसमें तो कहनाही क्या ? अथवा सामान्य बात तो यह है और विशेष बात तो क्या करना ? it goes without saying, or, what more? श्रोव॰ २७. नाया॰ १: भग॰ २, ५: ६, ३३, 93, 4, 94, 9;

किमहुं. य॰ (किमर्थम् ) शा भाटे. किस लिये Why? wherefor? भग॰ १, ९;

किमि. पुं॰ (कृमि) એક જાતના કાડા કરમીયા. जीव, जन्तु. कीड़ा, कृमि. A kind of worm on insect. विवा॰ १, नाया॰ १, स्य॰ १, ४, १, २०, राय॰ २४४, उत्त १३६, १२७, (२) क्षाभ. लाख. lac used in dyeing etc. पन्न॰ १७; (३) ओड जातनुं डह एक प्रकार का कंद. a kind of bulbous root जीवा॰ १; — कवल न॰ (-कवल) डरभीयाना डवल-डेाणीओ. कृमि का कैंर-कवल a mouthful of a worm or of worms विवा॰ ६; — जालाउल. त्रि॰ (-जालाकुल)

કરમિયાના સમૃહ থী ব্যাકুલ कृमि-कोडों के समूह से व्याकुल. full of swarms of worms नाया॰ १२;

किमिन्छ्य न॰ (किमिन्छ्क) "आ यीक छे? आ छे?" એમ ৮२७। प्रमाणे मांगो लेखेते; साधुना पर अनायीणे मांने ओक्क. "यह चींज है? यह है?" इस प्रकार मांग लेना, साधू के पर अनायणे में से एक. Accepting as alms various things after asking such questions as "have you got this? have you got that?" etc.; one of the 52 Anachiranas of a Sādhū. दन॰ ३, ३; नाया॰ =;

किमिणा त्रि॰ (कृमिवत्) क्ष्मि छ्य युक्त. कृमि सहित, कीडे वाला Containing worms i e. sentient beings. पर्रद० ७, ३: नाया॰ १२:

किसियक्तवल पुं॰ (कृमिक कवल) ४२भीयाने। ४९६-४।णीओ कृमि कवल, काडों का कौर A mouthful of worms, or of a worm विवा॰ ७,

किमिया स्त्री॰ ( कृमिका ) જ १२२। उत्पन्न थ ॥ जन्तुः पेटमें उत्पन्न होनेवाले कीडे-कृमि. Worms produced in the stomach. जीवा॰ १,

किमिराग न॰ (कृमिराग) िश्मिश्च २ गवा खं सूत्र, बे। ढी पांध छि छेरे झ डी डानी बाणमांथी बे। ढीना २ गवाणु भने खुं सूत्र किरमजी रंग का सूत, लोही पिला कर पाल हुए की डों की लार से लोही के रंग का बना हुआ सूत A Crimson-coloured thread produced from the saliva of a kind of insect. आणुजों० २, ७, (२) िश्मिथी २ ग, ओं ६ जातनी पांडा २ ग किरमची रंग; एक जात का पका रंग crimson colour; a kind of fast colour राय० ५३; क॰ गं॰ १, २०: — कंश्रल. पुं॰ (- कम्यल) धीरभछ रंगथी रंगेक्ष धामण. किंग्मर्जा रंग से रंगा हुन्ना कंग्नल. क blanket of crimson colour. नामा॰ १७; पण॰ १७; —रक्त. त्रि॰ (-रक्त) छिरभयता रंगथी र गेक्ष. किरमनी के रंग में रंगा हुन्ना. crimson-coloured. ठा॰ ४, २;

किमिराय. न॰ (कृमिराग) ळुणे। 'किमि-राग " शण्द. देखी " किमिराग " शब्द. Vide " किमिराग " पग्ह॰ २, ४;

किमिरासि. पुं॰ (कृमिराशि) शे नाभनी ओंध पनस्पति एक वनस्पति का नाम. Name of a kind of vegetation. पन्न॰ १; भग॰ २३, ५,

किमु. अ॰ (किमु) शं; अक्षार्थ. क्या ? A particle showing interrogation; what. वि॰ वि॰ १२०;

कियकम्म. न॰ (कृतकमेन् ) धृतधर्भ यंदना. कृतकमे वंदन. The Vandanā ( salutation and prayer to a Guru ) styled Kritakarma. प्रव॰ ६१५;

कियापर. त्रि॰ ( कियापर ) क्षर्य करनामां तत्पर. काम करने में तत्यार. Devoted to business; (one) busily doing his work. "मग्गणुसारि सहु। परण्यािणजो कियापरो चेव" पंचा॰ ३, ६;

किर घा० (कित्त ) निश्रय; भरेभर. निश्रय; वास्तवमे Indeed; assuredly. विं० नि० ६४२; विशे० ४६३; भग०६, ७; संत्था० २. जं प० सु०च० २, ११; भत्त०१०८; क० ग० ४, ७८;

किरस पुं॰ (किरस) हिरखु; तेल, अभा किरस; तेज, ज्योति. A ray of light; light भग०११,११, श्रोव०१०: जीव०१,३; किराय पु॰ (किरात) हिरात नाभने। એह अनार्थ देश. किरात नाम का एक श्रनाय देश. Name of an uncivilised country.

किरिकिरिया न्ति॰ (किरिकिरिका) वांशती अधारथी वंगाऽवानुं लांडलेडिनुं क्रेड वार्लिंत्र. वांग की चिंपाची से बजाने का भांट लोगों का एक प्रकारका बाजा. A musical instrument used by bards etc. played upon by passing a slip of bamboo across its strings. न्नाया॰ २, ११, १६८;

किरिमेर पुं॰ (किरिमेर) એક ज्यतनं सुगंधी १०१. एक प्रकारकी सुगंधित वस्तु A kind of fragrant substance. जीवा॰ ३,४; किरियतर. पुं॰ (क्रियातर) भेटी श्विथा. बडी किया A great action भग॰ ४, ६;

किरियाविसाल. न॰ (कियाविशाल यम्र कियाः कायिक्यादिका विशालाः सभेदत्वेनाभिषी यन्ते तत् ) ओ नाभने। वैश्वः पूर्वभाने। तेरभे। पूर्व, इस नाम का चौदह पूर्व में से तेरहवां पूर्व The 13th of the I4 Pūrvas, so named, सम॰ १४;

93. 8;

पांच क्रियानं वर्शन आपेक्ष छे प्रज्ञापना के वीसवें पद का नाम जिसमें कि कायाकी श्रादि पांच कियाओं का वर्णन है. name of the 20th Pada of Prajñāpanā Sūtra describing the five kinds of actions viz. bodily etc. पन १; (૩) આત્મા તથા પરલાક છે એમ માનવં તે. श्रात्मा श्रीर परलोक का मानना. belief in the existence of soul and unseen world प्रव० ४४७; भग० २५ ७; --- हारा. न० (-स्थान) क्वियान स्थानकः क्रियाना तेर स्थानक्रभांत अभे ते ओक किया का स्थानक: किया के १३ स्थानकों में से कोई भी एक. any of the 13 varieties of Kriyā i. e. action or source of Karma प्रव॰ ५३७, -दार. न॰ (-द्वार) क्रियानुं दार-प्रक्रिया का द्वार-प्रकरण. the chapter on Kriyā. प्रव॰ ३१६; --- रुद्ध स्त्री॰ (- रुचि ) क्रिया-અનુષ્રનમાં રૂચિ-ઇચ્છા; સમકિતના એક प्रशर. श्रनुष्ठान में रुचि-प्रेम; सम्यक्त्व का एक भेद liking for, desire for Kriyā i. e. religious performance: one of the varieties of right belief उत्त०२=, १६; प्रव०६७२, -वाहु. पुं० ( -वादिन् -क्रियां जीवाज वा-दिरथों ऽस्तीत्येवंरूपां किया वदन्ति इति क्रिया वादिन:) क्रियानेश्र भेक्षिसाधक भाननार, किया को मोच दायक मानन वाला: किया का श्रास्तित्व स्वीकार करने वाला. one who accepts the existence of the soul etc. as a cause of action ठा० ४, ४, स्य० १, १, २, २४; —वादि पुं० (वादिन्) लुओ। ''किरियाबाइ'' शण्ट. देखों " किरियावाइ ' शब्द. vide " किरि-याबाह " श्राया०१.१.१ ५ भग० ३०, १; —विवारिजयः पु॰ ( -विवार्जित) क्षियाथी रिक्षतः किया से रहितः devoid of action भग॰ ३०, १; —समयः पुं॰ (-समय) क्षिया करने का समय the time for doing an action. भग॰ १, १०;

किरियाठाण. न॰ (कियास्थान-करणं किया तस्याः स्थानानि भेदा तत् कियास्थानम् ) सूथग्रशंगसूत्रना भील श्रुत्ररु धना भील अप्ररु धना भील अप्ररु धना भील अप्ररु धना भील अप्ररु धना तेर स्थान- हे। विस्तार्थी वर्शन छे सूत्र कृतांग के दूसरे श्रुव्याय का नाम जिसमें तेरह स्थानकों का विस्तार पूर्वक वर्णन है Name of the 2nd chapter of the 2nd Stuta Skandha of Süyagadānga Sūtra, describing the 13 varieties of actions. सम॰ २३; सूय॰ २, २, ८५; ८६;

किरियापद न॰ (क्रियापद) पत्रवण् सूत्रतुं डियापदतुं नाम पज्ञवना सूत्र के क्रियापद वा नाम Name of the Kriyāpada of Pannavaņā Sūtra. भग• ८, ३

किरियाविसालपुट्यः पुं॰ (क्रियाविशालपूर्व)
हिथाविशास नाभे तेरभे। पूर्व कियाविशाल
नामक तेरहवां पूर्वः The 13th Pūlva
named Kriyāviśāla. नंदी॰ ४६;
प्रव॰ ७२४;

किरीड न॰ (किरीट) भुगट. मुक्ट. A. crown; a diadem. सुच॰ १, १;

किल श्र॰ (किल) निश्चय. निश्चय. Indeed; assuredly. नाया॰ १६;

किलंजय. पुं॰ (किलिक्षक) वांसनी सुंऽदी के केमां गायने पाख आपवामां आवेछे ते. वांस की टोपली जिसमें कि गाय को भोजन दिया जाता है A basket of bamboo used for giving food to cows. राय० २७१; गवा० २, १४:

किलंत ।त्रे॰ (फ्लान्त) हु: भधी भी६त. दुःखरे पीदित. Troubled; pained भग॰ १६, ४; १६, ३, सु० च० १०, ६४; जीवा० ३, १; गरह० १, ३; वेय० ३, १६; नाया० १; कप० ६, ६१;

√िकिलामः था॰ II. (दलम्) हुःभहेदुं; हुःणआपतुं. दुःस देनाः To afflict; to give pain; to trouble.

किलामेंद्र. भग० १, ६;

किलावंति. पन्न० ३६; किलामेसि. दस० ५, २, ४;

किलामहा भग० = , ७:

किलाविज्जमाण. क० वा० व० कृ० स्य० २, १, ४=:

किलाम. पुं॰ (बलम) भीश. पीहा; दु ख. Affliction; pain; trouble. भग॰ १, १; विशे॰ २४०४; कप्प॰ ४; ७६; (२) थाइ. थकावट. exhaustion; getting tired. राय॰ २३६:

किलामणा स्त्री॰ (वजमना) पीडा; हु: भ पीड़ा; दु.ख. Misery; pain; affliction. भग॰ ३, ३;

किलामित्राः त्रि॰ ( क्लान्तं ) श्वानि पामेशुः; सुवार्ध गयेशुः सुरक्तायाहुत्राः सूखाहुत्राः Tired; faded; dried. श्रणुजो॰ १३०; भग० ८, ७;

किर्लिच न॰ ( ॰ ) पांसनी भारत. बासकी चिंपाली A slip of bamboo. निसी॰ १, २; दस॰ ४;

किलिट त्रि॰ (क्लिप्ट) संडिसप्ट परिश्वाभी; राग देपना परिश्वाभवाणा. संवित्तष्ट परि-ग्याम वाला; रागयुक्त परिग्रामी. Troub-

led, agonised on account of attachment, hatred etc. उत्त०३२. २७; क० प० ४, १६; (२) ક્લેશયુક્ત; हुःभी. क्लेशयुक्त; द सी. unhappy; miserable. यु॰ च॰ ३, १४६; (३) अश्ल; ६४. श्रश्नभ; दृष्ट. evil; wicked. भत्तः ७८; पचाः ३ ४१; —कस्म. न॰ ( -कमंन् ) डिअप्ट डर्भ. क्लिप्ट कर्म. an action causing pain, sorrow etc. arising from anger, hatred etc. भत्त॰ ७=;-भाव. वुं॰ (-भाव) ક્લિપ્ટભાવ – પરિણામ. क्लिप्ट परिणाम. state of being full of pain, sorrow caused by attachment, hatred etc नाया॰ १६: - सत्त पं॰ न॰ ( -सत्व ) क्षेत्री छव. क्लेशा जीव. a sentient being full of trouble or pain. पंचा॰ ३, ४१;

किलिष्टया. स्त्री॰ (क्लिप्टता) हुप्ट्रप्र्युं. दुष्ट्र-पना. State of being evil or wicked. पंचा॰ १६, २४;

किलिग्ण. त्रि॰ (क्लिन्न) आर्ड; सीतुं. भाँजा हुन्ना; गीला. Wet; damp. नाया॰ १; उत्त॰ २; ३;

किलिन त्रि॰ (बिलन्न) लुओ। "किलिएया" शण्ह देखी "किलिएया" शब्द. Vide "किलिएया" उत्त॰ २, ३६;

√ किलिस्स. घा॰ I (क्लिश्र) क्षेशपाभवुं; हुभी थवुं. क्लेश पाना; दुःखी होना. To be miserable; to undergo trouble or pain.

किलिस्सइ. उत्त० २७, ३; किस्सन्ति. सूय० १, ३; २, १२;

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ट नम्भर १४ नी पुटनीट (\*) देखों पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (\*) Vide foot-note (:) p. 15th.

किलिस्संत. व० कृ॰ पिं० नि० १८८;

किलिस्स. पुं॰ (क्लेश) हुःभः, अ्नेश. दुःखः; क्लेश. Misery; pain; trouble. नंदी० १३:

किली. स्त्री॰ (किली) शवाधाः, सवीः, ખીલी. सलाई; खील. A small rod; a small nail, a thin blade of grass etc मत्त० १०२,

√ किलेस. धा॰ I.(विलश् ) ३ थेश ७ ५ ०० ० वे।; परिताप-दुः भ ७८५न **४२**वं क्लेश-दुःख उत्पन्न करना. To cause trouble, to give pain.

किलेसंति प्रे॰ श्राया॰ १, ६, २, १८४,

किलेस पुं० (क्लेश) अ्केश; हुः भ क्लेश, दु ख. Trouble; pain. सू॰ प॰ २०; पिं० नि० १८८; नाया० १६; पंचा० ४, २१; -कर. त्रि॰ ( -कर ) क्षेश क्रतार क्लेश करनेवाला. causing trouble; troublesome भत्त १२३:

किवणः त्रि॰ ( कृपण ) हरिद्री, राड, लिभारी. कृपसः; कंजूसः; दरिदी; निधेन Poor; indigent; miserly; beggarly ठा० ४, ३, श्रंगुत्त॰ ३, १; भग॰ १, ६; दस० ४, २, ९०, ज०प० पिं० नि० ४४६, नाया॰ १४; श्राया॰ २, १, १, ७, कप्प॰ २, १६; — कृला न० ( -कुला) २ां ५ुण, गरीयनु ५७. दारिद्र कुल; गरीव का कुल. poor family; indigent family. স০ ८;दसा०१०,१०; **—पिंड**.पुं०(-पिगड) शंक्षते आपवानी भाराड. रक के लिये रखा हुआ भोजन. Food to be given to the indigent. निसी॰ ८, १६;

किवसागः ति० (कृपसक) भूपस्, अं लुसः कंजूस. Miserly; stingy. सूय० २, २, ५४;

किवारा. पुं॰ (कृतारा-कृतांनुदतीति) भड्ग; किह अ॰ (क्व) अर्था १ अर्थेडेडा Where १ Vol. 11/61.

तक्षवार. तरवार. A sword. श्रोव॰ किविगा । त्रि॰ ( कृपण ) इं लुस; गरील; रांड-निर्धन; दरिद्र. Poor; stingy; miserly परहर १, १; नाया० १३; सुरु च० १, १५४;

 $\sqrt{$ िकस्र. ना॰ धा॰ I (कृश्र्) पातणुं–हुलणुं કरेथु. पतला-दवला करना To render weak, slender or emaciated.

किसए सूय० १, २, १, १४;

किसः त्रि॰ ( कृश ) पात्यं; हुभ्यं; निर्भाण. पतला, दुवला; कमजोर. Weak, feeble; slender उवा॰ १, ७२, ठा॰४, २; सूय॰ १, १, १, २,१, २, १, ६; उत्त॰ २, ३: श्राया० १, ६ ३, १८६, पि० नि० २६२; भग० २, १; नाया० १; ५; — उयर त्रि० ( -उदर ) हुअणा-पातणा पेटवाला. द्वले पेटवाला (one) with a slender belly. सु० च० २, ६६;

किसलय पु॰ (किसलय) पत्रांधर, टीसी; કુંપલ. कोपल A tendril, a sprouting leaf जं॰ प॰ श्रोव॰ राय॰ ११४; जीवा० ३, ४; " सन्त्रो वि किसलग्रो खलु, उगाममाणो प्राणंतत्रो भागित्रो '' पन्न० १, -- पत्त न॰ (-पत्र) डिसलयरूप पत्र-નીકળતુ કાેમળ પાદકુ –ટીસી किसलयरूप पत्र निकलता हुआ कोमल पत्र-टहनी. a sprouting, tender leaf प्रव॰ २४०; किसि. ह्वी॰ (कृषि) भेतीवाडी, भेतीकर्भ. खेती Agriculture. ठा० ४, ४; पि॰ नि०४३=; जं०प० सु० च० १२, ५६; विशेष १६१५; पचाष ८, ४४, -कम्म. न॰ (-कर्म) भेतीनु धाम. काश्तकारी agriculture पंचा॰ ४, ४,

किसोर. त्रि॰( किशोर ) डिशोर अवस्थावाणा. किशोर श्रवस्था; वाल्यावस्था. Young; adolescent श्रोघ॰ नि॰ ६६:

at what place ? भग० २, १; ३, २; किहं अ० (कथम्) डेभ? डेवी रीते ? क्यों ? क्या ? How; why. विशे०१३५;१४५; वि० नि० भा० ३६; नाया० ७; भग० २, १; ''से कोहेवा किहंवा केवा बिरेण वा किहं वित्त'' भग० ३, २;

कीत्र. त्रि॰ (क्रोत) वेथातुं सीधेक्षः मोल निया हुत्रा. खरीदा हुत्रा. Bought, purchased. पंचा॰ १३, ५;

कीड. पुं॰ (कीट) जंतु: धीडे।. जंतु; कीड़ा.
An insect; a worm. उत्त॰ ३, ४;
३६, १४६; दस॰ ४, श्रोघ॰ नि॰ ७३५;
सूय॰ २, ६, ४८; पगह॰ १, ३:

कीडय. न० (कीटज) डीडानी लाणथी छित्पत्र थतुं सूत्र कींडा की जारसे उत्पन्न सूत. A thread produced from the saliva of an insect "कीडयं पंच-विहंपश्यातं तं जहा पट्टेमलए श्रंसुए चीगंसुए किमिरागे "श्र्युजी० ३७;

कीडा न्त्री॰ (क्रीडा) रमत अभ्मत खेल; विनोद Sport; play. भग० ११, ६; उत्त॰ १, ६; जाया॰ १; उता॰ १, ४८; (२) माणुसनी दश दशाओ। पैडी थीळ दशा. मनुष्य की दस दशाओ में से दूसरी दशा. the 2nd of the ten conditions of men. तंदु॰ —कारी. स्त्री॰ (-कारिणी) द्वीं। इरावनारी दासी. कीड़ा कराने वाली दासी. a maid-servant who causes to play or sport भग० ११, ११;

की गास. पुं॰ (की नाश = कुरिसतं नाश-यतीति) यभराज. यमराज The god Yama; the god of death सु॰ च॰ ४, १७१;

कीय- न॰ ( क्लीव ) शयर; नधुंसक्ष; नाभह . कायर: नधुंसक; नामर्द A cowardly

fellow; an impotent person. उत्त॰ १६; ४१; सूय॰ १, ३, १, १७; जीवा०३,३; ठा०३,४; क० गं० ४, ४२; सु० च०६,११८; वेय०४, ४; नाया० १; भग० ६, ३३; प्रव० ७६७; (२) એક જાતનું પક્ષી. एक जातका पत्ती. a kind of bird. पराह० १, १; (३) अ्डीवर्भार क्लीव-कुमार. Klīvakumāra, नाया॰ १६; कीय. त्रि॰ ( क्रीत्त = क्रियते स्मार्थदानेन गृह्यते स्मेति कीतम् ) भरीहेतुं, वेंचातुं सीधेतुं खरीदा हुन्ना. Bought; purchased. श्राया० १, ६, २, २०२; २, ४, १, १४४; दस० ६, ४६; सम० २१; दसा० २, ७; निसी॰ १४, १; १८ २; १६, १; ( ર ) સાધુને માટે આહારાદિ વેચાતું લઇને આપવાથી લાગતા એક દાેષ; ૧૬ ઉદ્દ-गभनभाने। आहेमे। हे। साधुको आहारादि खरीद कर देने में जो दोष लगता है वह: १६ उद्गमनों में का न वां दोष t'ae 8th of the 16 Udgamana faults viz. giving food etc. to a Sādhū after purchasing it. प्रवः ५७२; पि० नि०६२; ३०६; भग० ह, ३३; —कड. त्रि॰ (-कृत-क्रीतेन क्रयेण कृतं निष्पादितं क्रीतकृतम् ) साधुने વાસ્તે અગાઉથી વેચાતું લઇ રાખેલ साघु के लिये पहले से खरीद कर रखा हुआ. purchased beforehand for a Sädhū. पराह० २, ५: --गड. त्रि० (-कृत) लुओ "कीयकड " शण्टः देखो "कीयकड " शब्द. vide " कीयकड " भग० ४, ६; नाया० १; भ्रोव० ४०; उत्त० २०, ४७; दस॰ ३, २; ४, १, ४४; कीय. पुं॰ (कीचक) डीयड; आंस. कीचक; बांस. A. bamboo. दस॰ ६, १, १;

कीयग पुं॰ (कोचक) डीयड नामने। राजा.

२, ४१४;

कीचक नामक राजा. Name of a king. नाया॰ १६;

कीया. स्त्री॰ ( क्ष्मीका-कानीनिका ) आंभनी डीडी म्रासकी पुतली. The pupil of the eye. म्रोव॰

√ कील. घा॰ I, II (कीड्) भेशवुं; धीऽ। धरनी खेलना To sport; to play कीलेइ. सु॰ च॰ २, ३०४-

कीलंत. वं कृ जं ,प॰ ३, ६७ भग० १३, ६: पंचा० ७, ३६;

कीलमाणः नाया० १४; १६; विवा० ६;

कील. पुं॰ ( कील ) भीटि, भीकी. खील; कील A nail; a peg सूय॰ १, ४, १, ६ दस॰ ४, १ ६७; उवा॰ ७, २७७ पंचा॰ ७, १०,

कीलग पुं॰ (कीलक) भीकी खीला. A nail जीवा॰ ३, ४, जं॰ प॰ ४, ११६; राय॰ ४६;

कोलण न० (क्रीडन) क्वीडा; २२भत क्रीडा, खेल. Play; sport. श्रोव०२४, पन्न०२ कीला स्त्री० (क्रीडा) २२भन खेल, क्रीडा Play, sport. तंतु० निर०१, १, ५, ५० च०१, २४४, — पसंग पुं० (-प्रसंग) क्वीडा करने का प्रसग an occasion of sport or play. प्रव०४४=;

कीलावण न० ( कीडन ) २भाउवुं. खिलामा
Causing to sport or play नाया०
२; १८; पि० नि० ४१०, —धाई स्री०
( -धान्नी ) हीडा हरावनारी स्त्री-धावमाता
कीडा कराने वाली स्त्री क wet-nurse
who causes a child to sport or
play नाया० १, १६,

कीलावस्मा त्रि॰ (क्रीडाकारक ) डीडा ६२।५-नार कीड़ा कराने वाला. (One ) who causes to sport नाया॰ ३, कीलियः न॰ (क्रीडित ) क्षीडा हेरेल कीडा करा हुत्रा, खेला हुत्रा Sported, (one who has) sported. उत्त॰ १६, ४; सु॰ च॰ २, ४१४, नाया॰ ६; ठा॰ ६; कीलिय त्रि॰ (कीलित ) भ त्राधिक्षी भीकी मुदेश मंत्रादिक से कीला हुत्रा Charmed, subjugated with incantations etc; hypnotised. सु॰ च॰

कीलिया स्री॰ (कीलिका ) लेभां હાડકाना સાંધા ખીલીથી જડેલ હોય તે સંઘયણ; છ संधयल्यानु पांयमु स धयल्. जिसमें हड्डियाँ के जोड कील से जोडे हों वय संघयण, ६ सघयण में से पांचवा छंघयण A valiety of physical structure in which the bones are fastened together by (two) little nails; the fifth of the six Sanghayanas পৰ २३, क० गं० १, ३६, —संघयरा न० ~संहनन = यत्रास्थीनि कीलिकामात्र वद्धान्येव भवन्ति तत्कीलिकासंह्ननम् ) છ સંઘયણમાનું પાંચમું કીલિકા સંઘયણ 🥫 संघयण में से पाचवा कीलिका सहनन the fifth of the six varieties of physical constitutions where the bones are joined together merely by two little nails जीवा॰ ৭, ঠা০ ৬, ৭;

कीलियासंघयाि । त्रि॰ (कीलिकासंहननिन्)
धीलिधा सध्यश्वाशा कीलिका संहनन वाला.
(One) possessed of a nailed
bony frame. मग॰ २४, १;

कीसः पु॰ ( कांद्रश ) डेवु कैसा Of what sort or nature. भग॰ १, १; कीसत्ता श्री॰ (कांद्रशता ) डेवे। प्रधार १ शुं २०३० किस प्रकारका; कैसा ( Of )

what nature or sort. भग॰ १, १; पत्र॰ २=;

कीसत्ता. जी॰ (किंस्त्रता ) शुं स्परूप ? किस प्रकार का. (Of) what sort or nature. "कीसत्ताए" भग॰ १, १;

कु. न॰ (कु) कृत्सित; नक्षेत्रं. खराव. Bad; evil. अगुजो॰ १२=; पन्न॰ १; (२) कुमार. कुमार; वालक. a boy. विवा॰ १, ६;

कुइयरागा. पुं॰ ( कृतिकर्ण ) श्रृशी गाये।ने। ध्रृशी; गे।मंऽस्ने। अधिपति. बहुतसी गायां का स्वामी; गामंडलका श्र्विपति. An owner of many coms विशे॰ ६३२;

कुउक्त्वमाण. पुं॰ (कुक्कूपमान ) કુકુવाटा કरता. कुकु कुकु करताहुचा. Bustling; noisy. विवा॰ ६;

कुउच- न॰ (कुतुप) धुःक्षं; धुःक्षी. मिद्री का छोटा वर्तन. A small earthen pot. पि॰ नि॰ ४५७;

कुत्रो. य॰ ( कुतः ) ध्यांथी. कहां से. Whence. सूत्र॰ २, ४, ३१;

खुंकरण पुं॰ (कोङ्करण ) डेडिए हेश. कोंकरण देश. The country known as Konkana. (२) थार छेडिय पाले। ओड छत्र. चार इंडियों वाला एक जीव. a kind of four-sensed living being. चत्त॰ २६, १४६:

क्रुंकरात्र. ति॰ (कोङ्कराक) डांडणु देशमां जन्मेत्र; डांडण् देशमां वसतार. कॉकन में जन्मा हुआ; कॉकन देशनिवासी. (One) born in the country of Konkaṇa; a resident of Konkaṇa. घरणुजो॰ १३१;

कुंकु म. पुं (कुंकुम) देशर. केशर. Saffron. राय० ४६; श्रोव० ३८; श्रणुजो० १३३; जं० प० उवा० १, २६; (२) ईंट्र. कूंकू. a kind of red powder. नाया० १; जीवा॰ ३, ४; कप्प॰ ४, ६०; —पुड. पुं॰ (-पुट) इंक्ष्में। पटे। केशर का पुड़ा. a packet of saffron. नाया॰ ३७; कुंच. पुं॰ श्री॰ (क्रीज़) है। य पक्षी. चक्रवा पज्ञी. A kind of bird. "श्रद्ध कुसुम संभवे काले, कोइला पंचमं सरं। टहुंच सारसा कुंचा, ऐसायं सत्तमं गन्नो" घणुनो॰ १३=; मम॰ प॰ २३=; ग्रह०० १, १; (२) हैं। य पक्षी; पांचमा तीर्थकर का लांइन. a kind of bird which was the symbol

कुंच. पुं॰ (कुन्न) ड्रंथ नामने। એક અનાય દેશ. कुंच नामक एक अनार्थ देश. Name of an uncivilised country. प्रद०

946=:

of the 5th Tirthankara. प्रवच्य = 9:

कुंचि म्र. पुं॰ (कुच्चि ह) हृंथि ह नामना शेह लेखे भुनिपनि नामना साधुने पाताने त्यां राण्या ६ता. कुंचिक नाम का सेठ कि जिसने सुनि-पति नामक साधू को अपने यहां रखा था. Name of a merchant who had

maintained at his house an ascetic named Munipati भत्त॰

१३३;
कुंचिय. ति० (कृञ्चित ) शेण विशेश; इंडलाधारे यथेश; वांटुं. गोल बना हुआ; कुंडल के
आकार का बना हुआ; टेटा Curved;
bent. टक्त० २२, २४; पगह० १, ४;
ओव० १०; सु० च० २, ३६=; भग०१. १;
जीवा० ३, ३; जं० प० २; —केसय. पुं०
(-केशक) वांधा विशेश देश. घुंचराले बाल.
curved locks of hair. मग० १४, १;

कुंचिया. स्री॰ (कुञ्चिका-कुञ्चत्याच्छाद्याते इति कुञ्चिका) डुंथी. कूंची. A key. ए॰ नि॰ ३४६;

कुंतर. पुं॰ (कुझर-की जीर्यतीति कुंतर:

यदिवा कुञ्जे वनगहने रमते रितम वन्नातीति कुंजर ) गल, हाथी. हाथी, गजः
हस्ती. An elephant ठा० ६; भग०
११, ११; नाया० १, ५; १७, जीवा० ३, १;
राय० ४३; श्रोव० उत्त० ११, १८; कष्प०
३, ३३, जं० प० ४, ११४; — श्रगीश्र-य
पु० (-श्रनीक) हाथीनी सेना गज सेना,
हाथी की सेना an army of
elephants. ठा० ४, १; ७, १,

कुंट. ति॰ (कुण्ट) विशृत ढाथवादी; हु है। हंटा, विकृत हाथ वाला (One) with a defect in an arm पगह॰ १, १, प्रव॰ ६०२;

कुटत्त न॰ (कुएटत्व) की क्षाय है भी भीड़-भांभे कुंबिय ते. जिसके हाथ पर विकृत हों वह A defect in an arm or a leg आया॰ १, २, ३, ७=;

कुंड. न॰ ( कुग्ड ) ६ डे। कूडा, पानी का पात्र A large vessel or receptacle of water. जं॰ प॰ पन्न ११, नंदी॰ ४७; जीवा॰ १;

कुंडकोलिय. पुं॰ ( कुएडकोलिक ) એ नाभना भहावीर स्वाभीना ओड श्रावड, दश श्रावड भाना ओड इस नाम का महावीर स्वामी का एक श्रावक; दस श्रावक में से एक Name of layman-follower of Mahāvīraswāmī, one of the ten Śrāvakas. उवा॰ १, २;

कुंडग. पुं॰ ( कुएडक ) अध्यक्ष कानखजूरा; कान में घुसने वाला एक जन्तु A kind of insect उत्त॰ १, ४;

·कुंडधार. पुं ( कुराडधार ) ओ क लातना है ब. एक प्रकार के देव A species of gods राय॰ १६६.

कुंडमोय पु॰ (कुरहमोद ) क्षांथीना यगना व्य क्षारतुं कु अ केंद्रे म टीतुं क्षम, हाथीके पैरो जैसा मिद्योका कूडा An earthen vessel of the shape of an elephant's leg. "कंसेसु कंसपाएसु कुंडमोएसु वाषुणो" दस० ६, ५०;

कुंडय . पुं॰ (कुंडक) એક ज्यतनुं वासण्; हु है। एक प्रकार का वर्तन . A kind of vessel नाया. ७;

कुंडरीय पुं॰ (कुएडरिक ) ५ ऽरिक नामने। એક રાજકુમાર કે જે વૈરાગ ભાવે દીક્ષા લઇ. એક હત્તર વર્ષ સુધી ખરાખર પાળી, આખર પતિત થઇ સંસારમાં આવ્યા. થાહેાજ વખત વિષય સેવન કરી મરણ પામ્યાે. મરીને सातभा नरें भे। है। न्ये। कुंडरिक नाम का एक राजकुमार कि जिसने वैराग्य भाव से दीचा ले, एक हजार वर्ष तक वरावर पालन करके आश्वर पतित होकर ससार में आया, थोडा समय विषय सेवन करके मृत्यु को प्राप्त होकर सातवें नर्कमें पहुंचा. Name of a prince who became a monk and closely practised asceticism for 1000 years but became degraded at last and again entered the world, he enjoyed sensual pleasures for some time and after death went to the 7th hell. नाया॰ १६, **–जुबराय.** (- युवराज) इंडरीक नामना युवराक, पुंडरीक राष्प्रना लाध कुएडरीक युवराज a prince Kundarika नाया॰ १६; named कुंडल. पुं॰ ( कुएडल ) धनमां पढ़ेरवानुं

हुं ५ ताभनु ओ ह आभूप् शु कान में पहरते का कुंडल नामक गहना An ear-ring. जं० प० ४, १२३, ११४, ३, ४४; श्रयुजी० १०३, नाया० १: २, भग० ३, १; २; ११, ११; १४, १, राय० २६; जीवा० ३, ३; श्राया० १, २, ३, ७६, सम० प० ३३१:

२३७, उत्त० ६, ४; पन्न० २; १४; श्रोव० १२; २२; निसी०७, ८; कप्प०२, १४; दसी० ૧૦૧; (૨) કુંડલનામે દશમા દ્વીપ અને ध्शभा सभुद्र, दसर्वे द्वीप और समुद्र का नाम name of the 10th island and also of the 10th ocean. स्य० १६: जीवा॰ ३, ४; श्रगुजो॰ १०३; -जुश्रतः न॰ ( -युगल ) કાનમાં પહેરવાના भे કુંડલ कानें। में पहेरने के दो कुंडल. a pair of ear-rings. कप्प॰ ३, ३६; — जुगल न॰ ( -युगल ) કુંડલની जोऽ. कुंडल की जोड. a pair of ear-rings. नाया॰ =; —धर. त्रि॰ ( -धर ) धुं उसने धारेण धर-नार कुडल को धारण करने वाला. (one) who has put on ear-rings नाया० ८:

कुंडलभद्द. पुं॰(कुण्डलभद्द) धुंऽश्रद्वीपना व्यिष्टि पित देवतानुं नाम. कुंडल द्वीप के श्रिषिपति देव का नाम. Name of the presiding deity of the Kuṇḍala island जीवा॰ ३, ४;

कुंडलमहाभद्दः पुं॰ ( कुण्डलमहाभद्द )

५ंडबद्दीपना अधिपति देवनानुं नाम. कुंडलद्विप के अधिपति देव का नाम. Name of
the presiding deity of the
Kundala island. जीवा॰ ३, ४;

कुंडलवर. पुं॰ (कुएडलवर) इंडसपर नाभने।

द्रीप तथा सभुद्र कुंडलवर नामक द्वीप श्रीर
समुद्र. Name of an ocean; also
that of an island. जीवा॰ ३, ४; (२)
इंडसद्दीपने यारे तर्द्र इरते। इंडसपर नाभने।
पर्वत. कुंडलद्वीप के चारों श्रीर स्थित कुंडलवर नामक पर्वत. name of a mountain surrounding the Kuṇḍala
island on all sides. ठा॰ ३, ४; (२)
इंडसपर समुद्रना अधिपनि हेवना. कुंडलवर

समुद्रके श्रिधिपति देवता का नाम. name of the presiding deity of the ocean named Kundalavara जीवा॰ ३, ४;

कुंडलवरभद्द पुं॰ (क्यडलवरभद्र) ५९४४४२-द्वीपना अधिपति देवतानं नाम. कुंडलवर द्वीप के श्रधिपति देवता का नाम. Name of the presiding deity of the island of Kundalavara. जीवा॰ ३,४; कुंडलवरमहाभद्द. पुं ( कुंडलवरमहाभद्द ) કું ડલવર દ્વીપના અધિપતિ દેવતાનું નામ. कुंडलवर द्वीपके मुख्य देवका नाम. Name of the presiding deity of the island of Kundalavara जीवा•३,४; कुंडलवरोभास पुं॰ (कुएडलवरावभास) કું ડલવરાભાસ નામતા એક દ્વીય તથા સમુદ્રનું नाभ कुंडलवरोभास नामक द्वीप त्रथवा समुद का नाम. Name of an ocean; also that of an island. स॰ प॰ १६: जीव ॰ ३, ४:

भद्र ) इंडलवरावलास द्वीपना अधिपति हेव-तानुं नाम. कुंडलवरावमास द्वीप के मुख्य देव का नाम. Name of a deity presiding over the ocean named Kuṇḍalavarāvabhāsa. जीवा॰ ३,४; कुंडलवराभासमहाभद्द. पुं॰ (कुएडलवराव-भासमहाभद्द ) इंडलवरावलासद्वीपना अधि-पनि हेवनानुं नाम. कुंडलवरावभास द्वीप के मुख्य देवका नाम. Name of a deity presiding over the island named Kuṇḍalavarāvabhāsa. जीवा॰ ३,४;

कुंडलवरोभासभइ. पुं॰ (कुंडलवरावभास-

कुंडलवरोभासमहावरः पुं॰ ( कुण्डसवराव-भासमहावर ) धुं उक्षपरायभास समुद्रना हैव-तानुं नाम कुंडलवरावभास समुद्र के देव का नाम. Name of a deity presiding in the Kundalavarā-vabhāsa ocean. जीवा॰ ३, ४;

कुंडलबरोभासवर. पुं० (कुंग्डलवरावभास-वर) इंडलवरावशास न मे सभुद्रना देवतानुं नाभ. कुंडलवरावभास समुद्र के देव का नाम. Name of a deity residing in the ocean named Kundalavarāvabhāsa, जीवा॰ ३, ४;

कुंडला. स्री॰ (कुगडला) सुवन्छ विजयनी मुभ्य राजधानी सुवच्छ विजय की मुख्य राजधानी. The chief capital of Suvachchhavijaya. 'दो कुंडबाग्रे।' ठा॰ २, २; ३; जं॰ प॰

कुंडलोद. पुं॰ ( कुएडलोद ) કुंऽलेहि नाभने।
ओ असभुद्र. एक समुद्र का नाम. Name
of an ocean. सू॰ प॰ १६; जीवा॰ ३,४;
कुंडिश्रा-या. स्नी॰ ( कुरिडका ) लाल्यन
विशेष; કुंडी; कूंडी; पात्रविशेष. A sort
of vessel. राय॰ श्रगुजो॰ १३२; भग॰
१४, १, नाया॰ १४; पगह॰ २, ४;
श्रगुत्त॰ ३, १; (२) ४ मं ऽल कमंडल क
kind of pitcher made from
gourds etc to hold water in.
भग॰ २, १, श्रोव॰ ३ =.

कुंडिय. पुं॰ (कुचिडक) ४म ५५. कमंडल A sort of pitcher made from gourds etc. to hold water in. नाया॰ ५;

कुंडियायणीय पुं० (कुग्रिडकायनीय) ६ डिडा-यन गित्रवाक्षा. कुडिकायन गोत्र वाला. One belonging to the family-line named Kundikāyana. भग०१४,१, कुंत. पुं० (कुन्त) लाक्षा. भाला. A spear. जीवा० ३, १: भग०६, ३३; श्रोव०३१; जं० प० ३. ६७; —गा. न० (-श्रम्र) लाक्षाती अण्डी भाले की नोक. the point of a spear. नाया॰ १५; — गाह. ति॰ (-प्रह) लाखे। राजनार. भाला रखने वाला. a spearman भग॰ ६,३३,निसी॰ ६,६,२४, कृंतोदंबी. श्री॰ (कृन्तीदंबी) पाएडु राजनी राण्डी पांडु राजा की रानी. Name of the queen of the king Pāndu. नाया॰ १६;

कुं थु. पुं॰ (कुन्यु ) કું યુનાય નામના ચાલુ ચાવીસીના ૧૭ મા તીર્યંકર અને ૧ દા ચક્ર-वर्ती. कुंधनाथ नाम के वर्तमान चौवासी के १७ वें तीर्थंकर श्रीर ६ ठे चक्रवर्ती. Name of the 17th Tirthankara and the 6th Chakravarti of the present Chovisi. भग० २०, ५; श्रगुजो०११६; सम० २४; श्राव० टी० सम० प्र० १३४; प्रव २६४; कप्प० ६, १८६; उत्त॰ १८, ३६; (२) त्रश धिद्वियाणा स्मेक्ष ७५, इंथवे।. तीन इन्द्रियों वाला एक जीव. a kind of sentient being having three sense-organs. " पाच सुहुमे ' ठा० =; दस० ४; मग० ७, =; उत्त०३, ४; ३६, १३६; राय० २७०; स्रोघ० नि॰ ३२३; पञ्च० १; कप्पन ४, १३१; - जिलिंद. पुं० ( -जिनेन्द्र ) इंथु नामना १७ भा तीर्थं ५२. कुन्यु नामक १७ वें तीर्थ-17th Tirthankara the named Kunthu. प्रव॰ ४१६:

कुंद पुं० (कुन्द) भयकुन्तनुं ईक्षः भागरानु ईक्षः मचकुन्दका फूकः भागरे का फूल A kind of flower. नाया० १; ६; १६; भग० ६, ३३; २२, ४; स्रोव० १०; पन्न० १; उत्त० ३४, ६; राय० ४४; जीवा० ३, ३; कप्प० ३, ३७; ४०; जं०प० ४, १२२; (२) कुन्द नाभनी वनरपितः वेद्यः कुंद नामक वनस्पतिः वेत्तः a creeper bearing Kunda flowers. नाया॰ १; पञ्च० १; —माला-र्छा॰ (-माला) भेागराना पुष्पनी भासा. मोगरा के पुष्पों की माला. a garland of Kunda flowers. कष्प॰ ३, ३६; —लया. छी॰ (-लता) भर्थांनुन्दना इ्सनी वेस. मचकुंद के फ्लकी वेल. a creeper bearing flowers known as Machakunda. थोनु॰

कंट्रका. पं॰ (कुन्ट्रक्क) એક जातनी साधारश

वनस्पति. एक प्रकार की साधारण बनस्पति.

A kind of ordinary vegetation.

जं०प०५,१२२;भग०२३, ३; (२) थीऽ-ओड

બતનું સુગંવી ધૂપ દ્રવ્ય: સીલારસ. एक प्रकार

की घुप; सिलारस. a kind of fragrant substance used as incense. ##. प०२१०; राय० २७; जीवा७३,४;सू०प०२०; श्रोव॰नाया॰१; भग०११,११;कप०३,३२; कुंभ. पुं॰ ( कुम्म ) धडे।; इत्तश घडा; कलश. A pot. "चनारि कुम्भाषण्ता । तं नहा-पुन्न नाममेगे नो पुन्ने" नाया॰ १७; राय॰ ३४; जीवा० ३, १; वेय० २, ४; ऋणुजी० १६; १३२, स्य० १, ४, १, २६; भग० ११, ११; क्षण० १, ४; जं० प० ७, १६६; (२) १८ मा तीर्थं ४२ना पिता. १६ वें तीर्थं कर के पिता. the father of the 19th Tīrthankara. स्य०प०२३०:प्रव०३२४; (ર) ૧૦ માં અરનાય તીર્થેકરના પ્રથમ-गर्धरतुं नाम. १= वे तार्थेकर अरहनाय के प्रथम गए। यर का नाम. name of the first Ganadhara of Aranātha, the 18th Tīrthankara सम० प० २३३; प्रच० ३०६; ( ४ ) डुं भी भां नारशीने पडावनार परभाधाभी. कुंमी मे नारकीको पकाने वाला परमाधमी. a Paramādhāmī who cooks hell-beings in a pot. सम० १४; मग० ३, ७; (४)

કુંભરવપ્ત; ચાદરવપ્ત તાર્થકર, ચક્રવર્તીની માતા જુવે છે તેમાંનું એક. कुंમस्त्रप्तः तीर्थंकर, चकवर्ती की माता जो स्वप्न देखता है वह; चोदह स्वप्ना में से एक. one of the 14 dreams which the mother of a Tirthankara Chakravartī sees. नाया॰ =, ( ६ ) સાર્ક આહર, અથવા ૨૪૦ પ્રસ્થ પ્રમાણ, માન વિશેષ. કુંલ બે પ્રકારના છે જઘન્ય અને ઉત્કૃષ્ટ, જવન્યનું માત ઉપર ખતાવ્યું, તે ઊત્કૃષ્ટ કુંભ સા આટક પ્રમાણ ગણાય છે. साठ श्राहक श्रथवा २४० प्रस्य प्रमाण वाट-तोलने के वजन को कुंम कहते हैं यह जघन्य श्रीर उत्क्रष्ट रूप से दो प्रकार का होता है जवन्य का प्रमाण ऊपर दिया गया है थीर टत्कृष्ट का प्रमाण सो श्राडक है. तंद्र॰ a measure of weight equal to 60 Adhakas or 240 prasthas, which is of two kinds viz. superior and inferior, the former being equal to 100 Adhakas. -जुञ्चल. (-जुगल ) भे धः।. दो घडा. two pots. जं॰प॰ ७, १६६; —सहस्स. न॰ (सहस्र ) ६००१ थऽ।. हजार घडा. one thousand pots. जं॰प॰३, ५;६; कुंभकार. पुं॰ (कुम्भकार ) धुम्लार. कुम्भार. A potter. उवा॰ ७, २२०; भग॰ १४,9; —म्रावण. पुं॰ (-म्रापण) डुंलारनी हुशन. कुम्हार की दूकान. a potter's shop. भग० १५, १;

हुं भक्तरकड़ना. न० ( कुम्मकारकटक ) ओ है
प्रायीन नगरनुं नाम जयां पाल है जैधहना
पांचसी शिष्योने धालीमां पील्या दता. एक
प्राचीन नगर का नाम जहां पालक ने खंधक
के पांचसी शिष्यों की घानी में पेला था.
Name of an ancient city in
which the ruler had pressed

five hundred disciples of Khandhaka in an oil-mill. संत्था॰ ४८, क्कंभकारी. सी॰ ( कुम्भकारी ) ५ सारनी स्त्री; ५ भ्सारी कुम्हारनी A potter's wife; a female potter. भग॰ १४, १;

कुंभग. पुं॰ (कुंभक) भिधिक्षा नगरीना राज्यनु नाभ मिधिला नगरी के राजा का नाम. Name of a king of the town of Mithila. नाया॰ =;

कुंभगसो. अ॰ (कुम्भकरास् ) धऽ। अभाषे. घडे के समान. After the size of a pot. भग॰ १४, १;

कुंभय पुं॰ (कुन्भक) कुंभरान्न; मिल्सिनाथना पिता कुंभराजा; मिल्लिनाथ के पिता Kumbharājā; the father of Mallinātha. नाया॰ =;

कुंभरायः पुं॰ (कुम्भराज) दुंभराजा. Kumbharājā; the father of Mallinātha. नाया॰ =;

कुंभार. पुं (कुम्भकार ) बुंलार. कुम्हार. A potter. उवा॰ ७, १०४; पंचा॰ १, ३४, कुंभि पुं॰ (कुम्भिन्) ઉત્કટ भे।હना ઉદયથી જેનું પુરૂપ ચિન્હ तथा वृष्ण, ६ ल જेवडा मेहे।टा थता हे।य ते; निक्षाने अधीज्य पुरुषमांने। ओं उत्कट मोह के उदय से जिसका पुरुष चिन्ह और शृषण, कुंभ के वगवर मोटा होता हो वह; दीचा के अधीज्य पुरुष में से एक. A person whose generative organ and testicles swell to the size of a pot through excessive lust or infatuation; one of the classes of persons unfit for Dikṣā. प्रव॰ ६००;

कुंभिय. न॰ ( जुम्भिक) भगध देश प्रसिद्ध । अंध प्रभाशु. मगवं देश प्रसिद्ध एक प्रमाण. The standard measure of Vol 11/62.

त्रि॰ धुं स प्रभाशे; धडा केवडु घडे के बराबर, of the size of a put. राय॰ ६३, ठा० ४, २, (३) એક જાતની વન-२५ती एक प्रकार की इंभिक वनस्पति. a kind of vegetation. भग॰ ११. ४; कुंभी. स्त्री ( कुम्भी ) હાથીના કુંભરથળ. हाथी का कुंभस्थल. The frontal globe on the fore-head of an elephant जं० प० प्रव० ११००; (२) धुंडी कुंडी. a small water pot. प्रह० १, १: (३) नारधीनं <sup>G</sup>त्पत्ति स्थानः नारकी जीव का उत्पत्ति स्थान. the birth place of hell-beings पगह० १,१; —पाना. पुं॰ (-पाक) કુંભી નામના પાત્રમાં પકાવવું. कुंभी नामक पात्र में पकाना. cooking in a vessel called Kumbhī. सम॰ ११; कुंभीसह. न॰ (कुम्भीमुख) सांध्या भादावाणी હાંડલी. सकडे मुद्द की हंडी. A. small earthen pot with a narrow mouth. श्रायां॰ २, १, २, १०; कुंम. पु॰ (कूर्म) કाछ्णे। कछुत्रा. A. tortoise. স্থাযা • 1, ६, १, १७२; कुकामि. त्रि॰ (कुकामिन्) धुत्सित धाम-ધધા કરનાર લુહાર, કુંભાર વગેરે क़ुत्सित– खराब धंदा करंन वाला, लुहार, कुभार वगैरह. (One) engaged in a bad profes-

Magadha country. राय॰ ६३; (२)

कुकस्म. पुं॰ न॰ (कुकर्मन्) भराभ डाम. खरान काम. A bad or wicked action. श्रोघ॰ नि॰ भा॰६॰; निर्मा॰४,४४ कुक्कर्ञ. न॰ (कीकुच्य) शरीराहिनी २५५ अधि-धुरेश. शरीरादि की चपलता-कुचेष्टा. Unsteadiness of the motions of the body etc regarded as a defect. वेय॰ ६, १६;

sion e.g. an ironsmith, a potter

etc. सूय० १, ७, १८;

कुकुइश्र. ति० ( कोकुचिक = कुस्सितमप्रत्यु-पेचितत्वादिना कुचितमवस्यन्दितं यस्य स कुकुचितः कुकुचा श्रवस्यन्दनं प्रयोजनमस्येति कोकुचिकः ) ध्रुथध्रुथ ओवे। अथाल धरनार. कुचकुच श्रावाज करनेवाखा. ( One ) making a sound resembling the pronunciation of the words Kucha Kucha. श्रोव० ३८; उत्त० १७, १३; भग० ६, ३१;

कुकुल. पुं॰ ( + ) छाषा. कंडा. A. cake made of cow-dung etc. used as fuel. परह. १, १;

कुक्कुइश्चर न॰ (कोकुच्य) भुभनेत्रना विधार वाली क्षिया-चेष्टा. मुख श्चीर नेश्चोंकी विकार-वाली किया-चेष्टा. An action accompanied with gestures of the face and the eyes. पंत्रा॰ १, २४;

कुक्कुड. पुं० (कुक्कुंट) कुक्केंटो. सुगां. A cock. निसी० ६, २३: पछ०१; नंदी० ४६; पगइ०१, १; श्रीव० श्रगुजी० १२८; श्राया० २, १, ६, ३१; उत्त० ३६, १४६; भग०१, १; ठा० ७, १; उवा० ७, २१९; — पंजर न० (-पंजर) कुक्कों पांजरं. सुगेंका पिंजरा. a cage in which cocks are confined. प्रव० १४१५; — पोंच. पुं० (-पोंत) कुक्कानं भव्यां. सुगें का बचा a chicken. भग० १८, ८; दस० ८, ५४; — मंसय. न० (-मांसक) कुक्कानं पांस. सुगें का मांस. the flesh

of a cock. (२) डेासापाड. कोले का

पाक. a preparation made of

sugar, spices and a kind of

pumpkin gourd. भग॰ १४,

— लक्स्त्रग्. न॰ ( -लक्स्य ) १३८।ना सक्षण् को वानी ३०॥. सुगें के लक्षण देखने की कला. the art of testing the merits or demerits of a cock. नाया॰ १; जं॰ प॰ २; श्रोव॰ ४०; सम॰ — वसम. पुं॰ ( -गृपम ) भे।टे। ११८। ११८। वहा सुगी. a big cock. भग० १२, ६; फुक्कुडग. पुं॰ ( कुक्कुटक ) १४८।. सुगी. A cock. भग० ६, ४;

कुक्कुडिया. स्नी॰ (कुक्कुटिका) भुर्गी; कुडरी. मुर्गा. A hen. नाया॰ ३;

कुक्कुडी. स्री॰ (कुक्कुटी) कुक्डी मुर्गा. A hen. प्रव॰ ७४२; पंचा॰ १६, २१; नाया॰ ३; विशे॰ १=१=; भग० १, ६; ७, १; २४, ७; श्रोव॰ १६; निर॰ १, १; (२) भाया; छल, कपट. deceit; fraud. पि॰ नि॰ २६७, —श्रंडग. न॰ (-श्रव्हक) कुक्डीना धंडा. स्र hen's egg. चव॰ =, १५; —श्रंडमेत्त. ति॰ (-श्रव्हमात्र) कुक्डीना धंडा के श्रेड के श्राकार का. of the size of a hen's egg. प्रव॰ ७४२; —पिच्छुश्र. न॰ (-पिच्छुक्र) कुक्डीना पिछां. मुर्गा के पंख. the feathers of a hen निर॰ १, १;

कुक्कुयय न॰ ( \* ) भुंभिष्णाः धुधरा. खनखुना. A toy for children giving out a jingling sound when shaken. सूय॰ १, ४, २, ७ः

कुक्कर. पुं॰ (कुक्कुर) ३तरे।. कुत्ता. A dog. आया॰ १, ६, १, ३;

कुक्कुस पुं॰ (कुक्कुस ) ओड जातनुं धान्य; दुसडा एक प्रकार का कुसका धान्य. A

۹;

<sup>\*</sup> लुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी पुटने। (\*). देखों पृष्ठ नंबर १५ की फूटने।ट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th.

kind of grain. श्राया॰ २, १, ६, ३३; निसी॰ ४, ५५; इस॰ ५, १, ३४;

कुषकुह. पु॰ (कुक्कुह) थार धिदिय वाणे। গুপ. चार इन्द्रियों वाला जीव. A foursensed living being. पत्र॰ १,

कुखगइ. स्त्री॰ (कुखगित ) अशुक्ष विद्धायस गति-थाद्यानी गति. श्रशुभ विद्यास गति-चलने की गति. Bad gait क॰ गं॰ २, ५; ३, ४; ५, ३२;

हुगाह. पुं॰ (कुप्रह ) भाटी आश्रह; उदाशह. Gestinacy in a wrong, false cause पंचा॰३, ४० १० ४; भत्त॰ ४३; —संका. स्त्री॰ (-शक्का) उदाशह तथा शंका. obstinacy and doubt. प्रव॰ ६६६; —हिवरह पुं॰ (हावरह) भिध्या अभिनिवेशनी नाश. विध्या श्रभिनिवेश का नाश. destruction, banishment of false attachment पंचा॰ २, ४४;

कुग्गहीय. त्रि॰ (कुगृहीत) नधरी रीते अहुण् धरेक्ष. बुरी तरह से प्रहण किया हुआ. Taken by, got by foul means. उत्त॰ २०, ४४,

कुचर. ति॰ (कुचर-कुत्सितं चरन्तीति कुचराः ) नहारु आयर्थ इरनार, परस्त्री गमन इर-नार पगेरे. खराब चालचलन वाला. (One) of bad character, e. g a thief, an adulterer etc श्राया॰ १,६,२,८,

कुचेल. त्रि॰ ( कुचेल ) भराण वस्त्रधारी; डुस्सित ४५डां ५६रेनार. खरान कपडे पहरने वाला. (One) who puts on bad clothes or garments " दुइजीवियों कुचेला, कुवितय चोरा चंद्राल मुट्टिया " श्रागुजो॰ १२६;

कुच्च. पुं॰ (क्चें) हांतीया; वाण ओणवानुं साधन. कंगवा; कंगा A comb. उत्त॰ २२, ३०; (२) એક જાતનું धास. एक तरह की घास. a kind of grass. परह० २, ३; (३) डाढी. दाढी. beard. श्रोघ० नि० भा० = ३;

कुरुंचधर पुं॰ (कृर्चधर) ऽ।ढीवाला. दाढी वाला Bearded. श्रोध॰ नि॰ भा॰ ६३; कुरुच्चक) शर ताभता रे।पानुं पाथरखं लेता हुआ विद्योग. A mat made of a plant named Sara. श्राया॰ २, ३, ३, १००,

√ कुरुञ्च धा॰ I. (कुथ्) क्षेडावाडवुं; पक्षा-णवुं. सदाना; भिंजाना. To soak in water.

कुच्छेजा. विधि॰ श्रग्राजो॰ १३४; भग० ६,७; कुच्छिहिह्, पिं० नि० २३८;

√ कुच्छु. था॰ I (कुत्स्) निंदा करनी. निन्दा करना To censure; to cast blame on.

कुच्छामि. विशे० ३४७६;

कुच्छुग पुं॰ (कुत्सक) એક જાતનું धास; वनस्पति एक प्राकार की घास A kind of grass or vegetation सूय॰ २,२,७,

कुच्छािण जि. ति॰ ( कुस्स्य ) निंहा करना ने थे। थः; निंहा थात्र. निन्दा करने के योग्यः; निंदा पात्र. Worthy of censure or reproach परह॰ १, ३;

कुच्छा. स्री॰ (कुत्सा ) निंदा निंदा Censure; blame, reproachful words पि॰ नि॰ १४४; क॰गं॰ १, २१; ४, २; ६२;

कुच्छि स्री॰ (कुचि) ५ भ. काँख; कुचि.
The interior of anything विवा॰
१; ७, नाया॰ १; ८; भग॰ ६, ७; ७, ६;
१४, १; सु॰ च॰ २, ६६३; स्रंत॰ ३, ८;
पि॰ नि॰ ६४२; जं॰ प॰ जीवा॰ ३, ३;

प्रव॰ १३६१; उवा॰ २, १०१; (२) पेट; ગભ रथान. पेट; गर्भस्यान. the belly; the womb. जं० प० २, १६; २, २०; कप्प० १, २; ३, ४७; नाया० १३; १६; श्रोव॰ १०; पिँ० नि॰ ३५२; (३) भे द्वाध अभाख भाप; गल. दो हाय प्रमाण नाप; गज. a measure of length equal to two cubits; a yard. जीवा॰ ३, ४; नंदी० १४; श्रणुजी० १३४; —िकिमि. पुं॰ ( -कृमि ) इंभभां अत्पन्न थते। इभि-धंडि। कोंख में उत्पन्न होने वाली लट-कृमि. a worm generated in the belly. पन्न॰ १; —िकिमिय. न॰ (-कृमिक) इं भने। धरभीये।. कुत्ती के कृमि. a worm in the belly निसी॰ ३, ४२; — स्ल. न॰ (-शूल) डुंभभां शभाश आवे -शूब थाय ते. कॉख में शूल का होना shooting pain in the belly; colic. तंद्र॰नाया॰ १३; भग० ३, ७;

कुच्छिघार. पुं॰ (कुचिघार) नावानी निर्धान भः सुः सुः। नी नाव का निर्धामकः सुकानि. One who is at the helm of a ship; a helmsman. जं॰ प॰ ५, ११२; नाया॰ =; १७;

कुच्छिय. त्रि॰ (कुत्सित) भराम. बराव; बुरा Bad; evil; deserving censure. विशे॰ २४६६; पंचा॰ ७, १२; —सील. त्रि॰ (-शील) भराम आयारवाणा. बुरे चाल चलन वाला. (one) of bad conduct or character. विशे॰ ४२०;

कुच्छियत्त. न॰ (कुस्सितत्व) भराभी; निन्धता द्यापन. State of being worthy of censure; badness. विशे॰ ४२१;

षुच्छुभरिय. पुं॰ ( कौस्तुम्भरिक ) એક व्यतनुं वृक्ष. एक प्रकार का वृत्त. A kind of tree. भग॰ २२, ३;

कुजन्न. त्रि॰ (कुजय) लेने। लय धुत्सित-निन्दित छे ते, लुगारि. जिसकी जीत निंदित है वह; जुजारि. (One) whose victory or success deserves to be censured i. e. a gambler. स्य॰ १, २, २, २३;

कुज्ज. त्रि॰ (कृष्टम ) हुन्पडे।. कूबड़ा. Humpbacked; crooked. मु॰ च॰ १, १७; कुज्जय. पुं॰ (कृष्णक ) शुक्षाण, सेवतीतुं अाउ. गुलाब, मेवती का वृक्त. A rosetree. पन्न०१; नाया०१,०;जं०प०४, १२२;

√ कुज्म. धा॰ I. (कृष्+य) है। ४ हरेवे।. कांप करना. To be angry. कुज्मे विधि॰ सूय॰ १, १४, ६;

क्किटिल त्रि॰ (कुटिल ) वां डुं यु डुं; वक्ष. टेडा तिरहा; वक्त. Crooked; tortuous तंदु॰

कुटुंब. पुं॰ (कुटुम्ब) परिवार. कुटुम्ब; परिवार.
A family; a family circle. भग०३,
१;१८,२;—जागारिया. ली॰ (-जागरिका)
१८२भसंणंधी विधार १२वे। ते कुटुम्ब
सम्बन्धी विचार करना. thinking about
one's family. भग०३, १; १४, १;

√ कुट्ट. घा॰ I (कुट्ट्) કुटवुं; ખાँડवुं. कूटना. To pound; to grind. कुट्टंति. श्राया॰ २, १, ६, ३४; कार्टेसु. भू॰ श्राया॰ २, १, ६, ३४; कुट्टिजमाण. क॰ वा॰ व॰ कु॰ राय॰ ५६; कृट्टिज सं॰ कु॰ भग॰ १४, ८;

कुट्टुग्. न॰ (कुट्टन ) इंटवुं; भारवुं; कूटना; माग्ना. Beating; Pounding. "कुटी कंतीणं कच्छभीगं चित्तीवणाणं " राय॰ श्रोव॰ ४१; स्य॰ २, २, ६२; दमा॰ ६, ४; कुट्टितिया. श्री॰ (कुट्टिका ) अनालने आंड-नारी श्रनाज को कूटने वाली. A woman who pounds grain. नाया॰ ७;

कुट्टिम. पुं॰ (कुट्टिम) लूभितक्ष लेांतणीयुं. भूमि-तत्त. Ground-floor. भग॰ द, ६; श्रोव॰ ३१; कप्प॰ ४, ६२, —तत्त. न॰ (-तत्त) लें।यतणीयु तत्तघर. ground-floor. नाया॰ १, श्रोव॰ ३१, राय॰ १०५; जीवा॰ ३;

कुट्टियः त्रि॰ (कुट्टित) ५ूटेक्ष कूटा हुआ Pounded. प्रव॰ ५५७;

कुद्दिल आ. पुं॰ (कुद्दिल्क) એ नामना એક साधु. इस नामका एक साधु. Name of an ascetic. विवा॰ ६;

कुट्ट. पुं (कुष्ठ ) डेार्ड, એક જાતના સુગંધી ६०थ एक प्रकार की सुगधित वस्तु. A kind of fragrant substance. सूय० १, ४,२,८; विशे०२६३; (२) કुष्टराग; डेार्ड. कुष्ट रोग; कोढ. leprosy. जीवा० ३, ३;

कुट्टग न॰ (कोष्ठक) डे।एड; डे।डे। कोएक; कोठा A column. दस० ४, १, २१; ६२; कुट्टाण्. न॰ (कुस्थान) हुष्ट स्थान. खराव स्थान An impure place, a bad place भग० ७, ६;

कुहि. त्रि॰ (कुष्टिन् ) हाढी कोढी. ( One ) affected by leprosy. सु॰च॰ १३,४४;

कुहिन्ना. स्री॰ (कोष्टिका ) धान्य राणयाने पनावेश भारीनी हाही. कोठी, घान्य रखने की मिटी की कोठी. A large earthen cylindrical vessel to store grain in. श्राया॰ २, १, ७, ३७,

कुड. पुं॰ (कुष्ट) देविनी रीम कीड की बीमार. Leprosy जीवा॰ ३, ३,

कुड पुं० (कूट) ५५ त पर्वत. A mountain. जीवा॰ ३, ३, दसा॰ ६, ४; राय॰ ४०; १००; (२) ६ष्टात; हाभकी. दष्टान्त; उदाहरण an illustration; an example. विशे॰ २२४०, (३) असत्य.

श्रसत्यः भूंठ. falsehood. राय० २०७; મન ૭, ૬, (૪) એક પ્રકારના પાશ एक प्रकार का पाश. a kind of snare. विवा॰ २, -- ग्रंतर. न० (-ग्रन्तर) थे **કુ**८−शिખर प²ચेनं अन्तर दो कृट-शिखर के बीच का श्रन्तर. the interval. distance, between two summits भग०१५, १; —ग्गाह त्रि० (-प्राह) ५८-(one) who holds a snare or a trap in the hands. विवा॰२; —गा-हिर्गी: स्त्री॰ (माहिगी) ५८- पाशने अ७० કरनार-स्त्री. कृट ब्राहिगों. a woman. who holds in her hands a snare or a trap विवा॰२; -- तुल. न॰ (-तुल) ખાટા ताला. खोटा तोल. false weights. दसा०६, ४; - मागा. त्रि० (-मान) भे।टा भाप खोटा माप. false measure. दसा॰ ६, ४,

कुडम्न-य. पु॰ (कुटज) धंहर જવનુ ઝાડ. इन्द्रजव का माड A kind of tree. प्रव॰ ५१८; ज॰ प॰ जीवा॰ ३,४; अगुजो॰ १३१, ग्रोव॰ नाया॰ १; ६; पन्न॰ १,

कुडंग. पुं॰ ( कुटक्क ) धरनुं ढांडखुं छापरू. कुपर. A roof of a house विवा॰ ३; (२) ओ नामना एक द्वीप name of an island श्रोध॰ नि॰ भा॰ २३६; बांशनुं पन बांस का वन a forest of bamboos नाया॰ १८;

कुडग पुं॰ (कूटक) धरेत घडा A pot विरोत १४५४, नंदी० ४४; (२) ओड जातनी सहेह प्रस्वाक्षी वनस्पति. एक प्रकार की सफेद फूल वाली वनस्पति. a kind of plant bearing white flowers. भग० २२, ३; पन्न० १७;

ॐ कुडिंभि. ली॰ ( ≈ ) न्हानी प्यल्त. छोटी प्यला. A small flag; a small banner. " कुइभी सहस्स परिमिरिड याभिरामो इंदर्जसको "सम० ३४; राय०००; जीवा॰ ३, ४; जं० प० ५, ११७;

कुडह. त्रि॰ ( \* ) ४६२० भे।; भेडे। १० २० ४-देणाय. खराब हप; वेडीन रूप. Ugly appearance; repulsive in appearance. श्रोष॰ नि॰ भा॰ ३२०;

कुडागार. पुं० (कुटागार) पर्यंतना शिभरभां है।तरेल धर; शिभरना आधारनुं भधान. शिखर के आकार का घर. A. house carved out from the summit of a mountain; a house of the shape of the summit of a mountain. निसी॰ =, ५; राय॰ १००; विग॰ ३, ३; साला. स्ति॰ (-शाला) शिभर-अंध शाणा-भधान. शिखर के आकार का घर. a house with a spire at the top. दशा॰ १०, ३; राय॰ २५४; भग० ३, १; २; १३, ४; १६, ५;

छ कुडाल. पुं॰ ( \* ) दणने। ઉपले। लाग. हत्त के उपर का हिस्सा. The upper. part of a plough. उवा॰ २, ६४;

कुडिल. ति॰ (कुटिब) वांधुं थुधुं टेढा तिरछा। Crooked; tortuous. नाया॰ ८, ६; भोव॰ २१; भग॰ १५, १; सु॰ च॰ २, २०; स्वा॰ २, १०७;

कुडिलच न० (कुटिलख) हुष्टता; કुटिसता. दुष्टता. Wickedness; crookedness. सु॰ च० १२, ४७;

कुडिव्वयः पुं॰ (कुटिवत ) धरमां रही क्वेधा-हिं क्षाय के अहं अरने। त्याग करे तेवा परि- माल १. घरमें रहकर को बादि कपाय और अहंकार का स्थाग करने वाला परिवाजक. An ascetic getting rid of anger etc. or pride without leaving the house in which he stays. ओव॰ ३८;

कुर्डि: स्री॰ (कुर्टा) એ(रડी; अंपडी कोठबी. A room; a hut; a cell. श्रोघ॰ नि॰ १०५; भत्त॰ १२३;

कुडीर. न॰ (कुटीर) अंपडुं; निर्धननुं धरः फोंगडा; निर्धन का घरः A hut; a cottage; a hovel. तंदु॰

कुढुंच. पुं॰ (कुटुम्ब) धुटुंग्थ परिवार. कुटुम्ब; पार्रवार. A. family. नाया॰ १; २; ५; ७; १२; १४; पिं० नि॰ ६६; उवा॰द, २३८; —जागरिया. स्त्रो॰ (जागरिका) धुटुंग्थ संअधी वियार धरवे। ते. कुटुम्ब सम्बन्धां विचार करना. thinking about one's family. नाया॰ २, १४; विवा॰ ७;

कुडुंबिय. त्रि॰ (कीट्राम्बक) धुटुम्भी; भास धुटुम्भने। भाश्स कुटुम्बी; कुटुम्ब का मनुष्य. (A member) of a family; (one) belonging to a family. (२) ६००दी. नीकरी. an attendant e.g. on a king. श्रोव॰ कष्प॰ ३, ३६; कुडुय. पुं॰ ( ॰ ) भर्यतनी टाय; शिभर. पर्वत की शिखर. Summit of a mountain. भग॰ १५, १;

कुडू. न॰ ( कुट्य ) दीवास; लींत. भीत; दीवाल. A wall. भग० =, ६; विशे॰ १४२६: उत्त॰ २५, ४०; पराह॰ १, १; पिं० नि । २६=; — ग्रंतर. न० ( - मातर ) लींत अथवा त्राटीनुं अंतर. भीत श्रथवा टही

<sup>\*</sup> जुओ ५४ नम्भर १५ नी प्रुटनेट (\*). देखा पृष्ट नम्बर १४ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th

का अन्तर. interposition; intervention of a wall. उत्तर १६; ४; प्रवर् १६६; — ग्रंतिरिय. त्रिर् (-ग्रन्तिरत) भी तेने आंतरे रहेश. दीवाल की ग्राड रहा हुग्रा. hidden by a wall. नायार १६; कुड़ा. स्रीर् (कुड्या) पाताश्चना इश्वानी हीं इरी. पाताल के घडे की ठीकरी. A broken piece of a pot in Pātāla (nether world). जीवार ३, ४; प्रवर् १६६०;

कुत्त था॰ I (कृ) ध्रत्युं; रथवुं; लनावतुं. करना; रचना; बनाना. To do; to make. कुराइ. उत्त॰ ६, २६; श्रायुजो॰ १३०; विशे॰ २७२; पि॰ नि॰ ६८; प्रव॰ ६८; कवा॰ १, ४८; ५३;

कुजा. उत्त० २, ३३; कुणउ. सु० च० १, १; कुण. श्राज्ञा० विशे० ६४३; सु० च० ४, ४६; कुणसु. भूत० भ्राष्ठ्यो०१२६; पिं० नि०४६६; कुणंत. उत्त० २६, २६; कुणश्र. विशे० १६५;

कुणमाण. विशे० ४६; सु० च० १, ३१५; २, ११५; उत्त० १४, २४; पंचा० १८, २६;

कुराक . पुं॰ (कुराक) કुष्णुक नामनी ओक वनस्पति. एक वनस्पति का नाम (कुराक) Name of a kind of vegetation. पक्ष॰ १:

कुगाल. पुं॰ (कुणाल) कुणाल नाभने। ओक हेश. एक देश का नाम (कुणाल) Name of a country नाया॰ दः पन्न॰ १ः राय॰ २१०; (२) कुजास राज्य, जेनु थीलुं नाम संप्रति राज्य । कुतुंः भार्यवंशी यन्द्र-गुप्तने। प्रपातः भिद्वसारने। पात्र अने अशाक्षने। पुत्र कुजाल गार्यवंशी चंद्रगृप्त का प्रयोतः विन्दुसार का पोतः प्रशोक का पुत्रः

कुगाल राजा; जिसका नाम संप्रति राजा पद गया था. King Kunāla also called Samprati, the son of Asoka and grandson of Bindusāra. विशे० ८६१; **—श्रहिवइ**. पुं**० (-म्रधिप**ति ) કુણાલ દેશના અધિપતિ. कुणाल देश का श्रिधिपति. The king of the country named Kuṇāla ठा० ७, १; नाया० =; कुगाला नि (कुगाला) कुशाला नामे उत्तर તરફની એક નગરી; ઉજેહી નગરીનું બીજુ નામ કૂણાલા હતું એમ પણ કર્યાંક લખેલ छे. कुँगाला नामक उत्तर प्रदेश की एक नगरी; उज्जियनी का दूसरा नाम कुणाला भी दिया गया है. Name of a city in the north; (in some works it is also stated that Ujjain was so called ). वेय० १, ४६; ४, २५; संत्थागा० =; कष्प० ६, ११;

कुणि ति॰ (कुशिन्) हाथ अथवा पग न्हानी म्हारी होय अवा गर्भाना हाथवाही. हाथ श्रथवा पैर छोटे हों ऐसे गर्भ दोषवाला. (One) developed from a defective embryo with one of the arms or legs smaller than the other पग्ह॰ २, ४,

कुशिम. न० (कुश्वप) भांस. मांस Flesh.

श्रोव० ३४; ठा० ४, ४; सूय० १, ४, १, ६;

भग० १, ३३; जीवा०३,१; पिं० नि० २१२;
(२) श्र्व, भुऽहुं. शव; मुदी. a corpse;
a dead body. जं० प० भग० ७, ६;

श्रश्चाजो० १३०; पगह० १, ३; — श्राहार.

पुं० (-श्राहार — कुश्वपः शवस्तद्वसोऽपिवसादिः कुपयास्तदाहाः ) भांसते। व्यादार.

मांस का श्राहार. flesh-food. (२) त्रि०

भांसादारी. मांसाहारी a flesh-eater. जं०

प० २, ३६; भग० ७, ६; ६, ६;

क्कृिंग्य. पुं॰ (कुणिक) કृष्णिक राला; श्रेष्णिकनी पुत्र. कृणिक राजा; श्रेणिक का पुत्र. King Kunika, the son of Śreņika. भग॰ ७, ६;

कुिया स्रो॰ (कुियता ) केथी એક हाथ अथवा पश न्हाना म्हाटा घछ गया हाय ते; सेाण रेागभाना એક रेाग सोलह रोगोंम से एक रोग; जिससे एक हाथ श्रयवा एक पैर छोटा वड़ा हो जाता है. One of the sixteen diseases, in which one of the arms or legs becomes shorter than the other. श्राया॰ १, ६, १, १०२;

कुएहिर स्त्री॰ (कुन्हरी) धुन्धरी नाभनुं क्र ६ एक प्रकार के कंद का नाम. Name of a kind of bulbous root. (२) ओ नामनी ओक्ष वनस्पति एक वनस्पति का नाम. name of a kind of vegetation पन्न॰ १;

कुतित्थि. त्रि॰ (कुर्ताधिन् ) लुओ। "कुतित्थि य" शण्ट. देखो "कुतित्थिय" शब्द. Vide. "कुतित्थिय" उत्त॰ १०, १८; प्रव॰ ६५१;

कुतित्थियः त्रि॰ ( कुतीशिक ) पाणंडी; कुत्सित-व्यसत्य तीर्थं लक्ष्मारः; मिथ्यात्वीः पाखंडी; खराव धर्म का माननेवाला; मिथ्यात्वीः A person following a false, heretical creed: नाया॰ ७:

कुतुंबक. पुं॰ (कुस्तुम्बक) એક જાતનું वाजित्र. एक प्रकार का बाजा. A kind of musical instrument. जीवा॰ ३. १;

कुतुप पुं॰ (कुतुप) धी तेस राभवानं वासण्; धुर्रक्षा. घी तेल रसनेका बर्तन. An earthen pot to keep oil, ghee etc जं॰ प॰

कुत्तार त्रि॰ ( कुतार ) भराय ताइ; भाते धुमे

अने थीलने डुथाडे तेवे। कचा तैराकः खुद हूबे श्रीर दूसरे की डुबाब ऐसा. (One) who swims badly; (one) who drowns himself and others connected with him. गच्छा॰ ३१; कुत्तिश्च-य न० ( कुत्रिक=कुरिति पृथिव्याः संज्ञा तस्यास्त्रिकं कुत्रिकम् ) २५२५, भत्य અને પાતાળ એ ત્રણ લાક. स्वर्ग, मृत्यु श्राँर पाताल, ये तीन लोक. The three worlds, viz. heaven, earth and hell or nether world. श्रोव॰ १६: कुत्ति श्रावणः पुं॰ ( कुन्निकापण-कुन्निकं स्वर्ग-मर्त्यपातालजन्नणं भूत्रयं तत्संभवि वस्त्व पि कुन्निकं कुन्निकमापणायति स्यवहरति **ग्रसी कुन्निकापणः )** त्रणु क्षेत्रभां निपलती દરેક ચીજ જ્યાંથી વેચાતી મલી શકે તેવી **२**ढे। ९ ९। १ ऐसी दूकान जहां तीनां लोक में उतात्र होने वाली प्रत्येक वस्तु मिल सके. A big shop from which any of the articles produced in the three worlds can be got by purchase. भग० ६,३३; नाया० १; श्रोव० कुत्था. अरु (कुत्र ) ६थां कहां. Where.

√ कुत्थ. घा॰ I.( कुथ् ) डे।७।४ जपुं; यगडी जपु . सडजाना; बिगडजाना. To spoil. कुरथेजा. वि॰ जं॰ प॰ २, १६;

नाया० ३;

कुत्यिश्च त्रि॰ (कृत्सित ) निन्दिन; भराण. निन्दित. Bad; evil; deserving censure. श्रोष॰ नि॰ १६४;

कुत्थुंभरि. स्नी॰ (कुस्तुम्बरी ) धाणानी शुन्भः डाथभरी. धनियें का पौधा. A collection of coriander plants. पन्न॰ १; कुदंड. पुं॰ (कृदगढ) ओं अत्रत्ं अन्धन.

कुद्दुः ५० (कुर्युष्ट्र) हो। कार्तापु । ११ एक प्रकार का बन्धन. A kind of bondage. परहरू १, १; नाया० १; कुदंडग. पुं॰ ( कुद्रगडक ) प्रक्षार भारवाने। डेरिडे। प्रहार करने का चाबुक. A whip used for flogging. पग्ह॰ १, ३;

कुदंडिम. न० (कुदगड) कृत्सित हंऽ; शुन्हा क्रतां ओछा हऽ. थोडा दंड. Inadequate punishment. नाया॰ १; भग० १, ११,

कुदंसणा न॰ (कुद्शन) विपरीत श्रद्धान;
भिष्पात्य दर्शन विपरीत श्रद्धान, मिथ्यात्व
दर्शन. False, heretical faith or
creed. पन्न॰ १, उत्त॰ २८, २८; "इम
पिबित्तिय कुदंसणा श्रसटभाव वादिणो
पण्याविति " पन्न॰ २;

कुदिहि स्री॰ (कुदृष्टि) भिध्यात्व ६ष्टि विपरीत ६ष्टि. मिथ्या दृष्टि, विपरीत दृष्टि False faith; heretical faith उत्त॰ २८, २६. प्रव॰ ६७३,

कुद्दाल पुं॰ (कुद्दाल) अभीन भेाहवानुं क्षिथार, डेह्मणी जमीन खोदने का हथियार; कुदाली. A spade. पगह० १,१; ज॰ प॰ २,१६;

कुद्ध त्रि॰ ( कृद्ध ) क्विधी, गुरसे थयेस. क्रोधी Angry; enraged. पंचा॰ १५, ३७; प्रव॰ १४८६; उत्त॰ २७, ४; मग० ७, १०; १४, ८;

कुपक्ख. त्रि॰ (कुपत्त) नीयेपक्षने। नीच पत्त का. Belonging to, espousing a cause that is low or mean. आया॰ २, ४, १, १३४,

√ कुष्प. घा॰ I. ( कुष् ) क्वाप करवी, शुरसे थवुं. कोष करना, गुस्सा होना. To be angry; to get enraged कुष्पई दस॰ ६, २, ४; कुष्पिजा. उत्त०१,६;दस०८,४८;१०,१,९८; कुष्पे. आया॰ १, २, ३, ७७, दस॰ ५, २, ३०; १०, १, १०;

Vol. 11/63

कुष्पत सु० च० ७, ३०३, कृष्पमाण. भग० ७, ६; कोवे प्रे० उत्त० १, ४०; कोवइजा. प्रे० वि० दस० ६, १, ६:

कुष्प. न॰ ( कुष्य ) आसन शया वगेर राय-रथीक्षु; धरवभरी. श्रासन शय्या वगेरह. Household furniture, such as beds, chairs etc पंचा॰ १, १८, —संखा. स्रो॰ ( -संख्या ) रायरथीक्षुं के धरवभरीनु परिभाषु लाधवुं ते. setting a limit to one's possession in the matter of household furniture. प्रव॰ २८०;

कुप्पर पु॰ (कूपर) गाडा हे रथनी पिंकरणी. गाडा या रथ की पिंजणी. A part of a carriage. "से रहवरस्स कुप्परासञ्चा" जं० प०३, ४८, (२) हे। पी. कहुनी. the elbow पिं० नि० ४१=; प्रव० ७४,

कुष्पावयोग्रिय न० (कुप्रावचनिक) पाण डी-भोना प्रवयनने आधारे तेभोने करवानु आवश्यक हिन कृत्य पाखंडियों क शास्त्र के श्राधार के श्रनुसार उन लोगों के करने का श्रावश्यक दैनिक कृत्य A daily religious rite prescribed by false, heretical scriptures. श्रग्रुजो० १=;

कुवेरदत्त. पुं॰ ( कुवेरदत्त ) એ नाभने। ओ क शेंड इस नामका एक सेठ. Name of a rich merchant. भत्त॰ ११३;

कुब्बर पुं॰ (कूबर) घोंसरी, गांडानी धुरी. गांडे की जुड़ी The yoke of a carriage. (२) भिंदसनाथना यक्ष मिल्लनाथ का यक्त name of the Yaksa of Mallinātha प्रव॰ ३७६;

कुभोइ ति॰ (कुभोजिन्) ६४ भाजिन ५२नार खराव भोजन करने वाला (One) who takes bad, unwholesome food. भग॰ ७, ६;

कुमद् पुं॰ (कुमद्) सातभा देवली इन इमह नाभे ओड विभान; ओना देवतानी रिथित सत्तर सागरे। पभनी छे; ओ देवता साडा आढ मिडिने धासी व्यास ले छे अने सत्तर देकर वर्षे क्षुधा लागे छे. सातवें देव लोक के विमान का नाम; इसके निवासी देवों की स्थित सत्रह सागरोपम की है और साढे आठ मास बाद वे एक बार श्वासोच्छ्वास लेते हैं तथा उन्हें सत्रह हजार वर्षके बाद भूक लगती है. Name of a heavenly abode of the 7th Devaloka, the gods in which live 17 Sāgaropamas, breathe once in eight and half months and take their food once in 17000 years. सम॰ १७;

कुमर. पुं॰ (कुमार) थालक बालक. A. boy; a lad. सु॰ च॰ २, ३=४.

कुमरसः न॰ (कुमारस्व ) धुभारव्ययस्थाः कुमार श्रवस्थाः बाल्यावस्थाः Boyhood. सु॰ न॰ १३, ४१;

कुमार. पुं॰ (कुमार) आह परसंथी अपरेनी भावकः; कुमार, कुंबर; अविवाहित; कुवारा. A boy; क्षा unmarried lad. उत्त॰ १२, १६; १४, ३; सूय॰ १, ७, १०; नाया॰ २; ४; ८; १४; १६; १८; भग॰ ५, ४; २४, १२; जं॰ ५० श्रंत० ३, ६; दसा॰ ६, ४; निर॰ ३, ४; उवा॰ ६, २४६; (२) भराभ भरण. खराब मरण. bad, unfortunate kind of death. नाया॰ १४; (३) असुर कुमार आदि देवता. gods known Asura-Kumāra etc. जं॰ ५० सग॰ ३, ७; जीवा॰ ३, ३; —गाह पुं. (नमह) असुर कुमार ध्रारिनी

प्रथा असुर कुमारादि का सम्बन्ध state of being possessed by, under the influence of the gods known as Asurakumāra etc. র্ল০ ৭০ ২: भग० ३. ७: जीवा० ३. ३: - वास. पं० ( - वास ) કુમાર અવસ્થામાં રહેવું ते, খ্ল-२५ थि. कुमार श्रवस्था; ब्रह्मचर्य श्राश्रम. remaining in the state of a bachelor; that stage of life in which one remains a bachelor. "कुमारवासमुज्मंविसत्ता मुंहे जाव पृष्वह्या" ठा० ४, ३: कप्म० ७, २१०; जं० प० २. ३०; -समण्. पं॰ (-श्रमण्) ५भारा-વસ્થામાયીજ દીક્ષા લીધેલ બાલ પ્રહ્મચારી. कुमार श्रवस्था में ही दीचा लिया हुआ; बाल ब्रह्मचारी. (one ) who has taken Diksā (initiation) from early boyhood. श्रंत > ३, =; राय ॰ २१४; उस॰ २३, २;

कुमारसाः स्त्री॰ (कुमारता ) ध्रंवारापाधुः. कुंवारापन;श्रविवाहितपना.State of being a maid or a bachelor. नाया॰ =;

कुमारपुत्तिय पुं॰ (कुमारपुत्रक) એ नामना ओड निश्रंथ साधु. इस नाम के निमन्य साधुः Name of a Nigrantha ascetic. सूय॰ २, ७, ६;

कुमारभिका पुं॰ ( कुमारभृत्या—कुमाराचां बालानां भृतौ पोषणे साधः कुमारभृत्या ) भाश्चिर शास्त्रनी ओड लाग डे केमा न्हानां छे। इराओना रे। गनी चिडित्सा जतावी छे. धार्युर्वेद शाल का एक भाग जिसमें कि छोटे र बच्चों की चिकित्सा बतलाई है. A division of Ayurveda medical science treating of the diseases of children. ठा॰ =, १;

कुमारिश्र. पुं॰ (कुमारक = कुरिसतो मारबीव

सत्त्रस्यातीवतेदनोत्पादकत्वाभिन्दो यो मारो मारगं स विद्यते येषां ते कुमारकाः ) भराय शीक्षारी. दुष्ट शिकारी; बुरा शिकारी. A bad, cruel hunter. श्रोघ० नि॰ भा० ६०;

कुमारियाः स्नी० (कुमारिका) अन्याः धुभा-रिधाः कन्याः कुमारीः A girl राय० = १; नाया० २: दस० ४, १, ४२:

कुमारी. स्री॰ (कुमारी) कुमारी: स्र्यापिया-द्धित स्त्री; क्ष्म्या. कुमारी; लडकी; अविवा-हित कन्या A virgin; a girl स्य॰ १, ४,१,१३; नाया॰ १८; राय॰ =१; कप्प॰ ३, ३=,

कुमारेलेच्छुइ. न. (कुमार लिप्सु) ३भार-लव्छीनाभनु विभाइ स्त्रनुं त्थमु व्यध्ययन निपाक सूत्र का कुमारलच्छी नामक दशवा श्रध्याय The tenth chapter of Vipāka Sūtia named Kumāralachchhi ठा० १०, १;

कुमुश्र-यः न० (कुमुद) यन्द्र विनशी अभक्ष.
चद्र देखकर फूलनेवाला कमल. A moonlotus राय० ४८, जं० प० दस० ४, १;
१४, १६, उत्त० १०, २८, सूय० २, ३, १८,
नाया० ४; जीवा० ३, १; कप्प० ४, ११६;
(२) स्हेट ६ूझ. सफेद फूल. a white
flower. विशे० ११०५; — यण्. न०
(-वन) यन्द्रविकाशी अभक्षनुं पनः ये।यथीनु पनः चन्द्रविकाशी कमल का वन. a
forest of moon-lotuses. कप्प० ३,
३८;

कुमुदः न० (कुमुद) सहेद इभक्षः यन्द्रिशिशी इभक्ष सफेद कमल, चन्द्रविकाशी कमल. A white lotus. पन्न० १ः राय० ४=: नाया १: ६: १२: भग० ६: १३: (२) पश्चिम मह विदेहना दक्षिण आंडवानी भेइ तरहथी छट्टी विजय. पश्चिम महाविदेह के दक्षिण खंडकी मेरकी तरफस इटवी विजय. the 6th Vijaya from Meru situated in the south of the western Mahā-Videha সাত =; লাঁত দত ર, ૧૬; (રૂ) પશ્ચિમ મહા વિદેહના દક્ષિણ ખાંડવાની મેરૂ તરકથી છઠ્ઠી વિજયના રાજ્ય. पश्चिम महा विदेह के दिल्ला खंड के मेर की तर्फ से छटवीं विजय का राजा the king of the sixth Vijaya from Meru situated in the south of the western Mahā-Videha. जं॰ प॰ (४) आहमा देवली इनु ક્રમુદ નામે એક વિમાન; એના દેવતાની રિયતિ અઢાર સાગરાપમની છે એ દેવતા નવ મહિને શ્વાસાશ્વાસ લેછે, અને ૧૮ હજાર વર્ષે क्षधा क्षां छे आठचे देवलोक के विमान का नाम जहां के निवासी देवों की श्राय श्रठारह सागरोपम की है खीर वे ध वें मास मे एकवार श्वासोश्वास लेते हैं तथा श्रठारह हजार वर्ष मे उन्हें भूंक लगा करती है. name of a heavenly abode of the eighth Devaloka. सम॰ १८:

कुमुद्कूड. पुं॰ (कुमुदक्ट) लद्ग्साल वनना आहं हिग्हिस्ति दूटमांनुं पांचमु ६ूट-शिभर. भद्गसाल वन के आठ दिग्हिस्त कूटों में का पाचवां कूट-शिखर. the 5th of the eight Dighasti summits of the forest named Bhadrasāla. जं॰ प॰

कुमुद्ग. न॰ (कुमुद्क) એક જાતનુ श्रास. एक प्रकार का घांस A. kind of grass. स्य॰ २, २, ११;

**જી.મુદ્દગુમ્મ. ન ( જી.મુદ્દગુરુમ** ) આક્રમા દેવ-લાકતું કુમુદ્દગુલ્મ નામે એક વિમાન; એની સ્થિતિ અઢાર સાગરાપમની છે, એ દેવતા નવ મહીને ધાસાષ્ટ્રવાસ લે છે, અને અઢાર

देश. A country named Kuru. नाया॰ १८; पन्न॰ १; (२) ५रु नामना द्वीप तथा सभुद्र, कुछ नामक द्वीप तथा समुद्र, name of an island: also that of an ocean. जीवा॰ ३ ४; पन्न॰ १५: (३) भदाविदेषु क्षेत्रमां आवेष ळ्या-લિયાના ક્ષેત્રા; દેવ કુરુ અને ઉત્તર કુરુ नामक क्षेत्र महाविदेह चेत्र संबंधी जुग-लिया के चेत्र; देव कुरु श्रीर उत्तर कुरु नामक चेत्र. the regions of abode of Jugaliyās in Mahāvideha, viz. Dova Kuru and Uttara Kuru. श्रमुजी०१०३; —जम्बय न० (-जनपद्) ५% नाभने। देश कुह देश. a country named Kuru. नाया॰ =; १६,—राय. पु॰ (--राज ) अहीनशत्र नाभे ५३ हेशने। राज्य अदीनशत्र नामक कुरु देश का राजा a king of Kurudeśa, Adinaśatru by name नाया॰ =:

कुरुद्य पु॰ (कुरुक) भागा ध्यायनुं पर्याय यायध नाभः माया कपाय का पर्याय वाची नामः A synonym for Māyā Kaṣāya i. e. deceit. सम॰ ४२,

कुरुकुन्द. न॰ (कुरुकुन्द) એક જાતનું धास. एक तरह का घांस A kind of grass. भग ॰ २१. ६:

कुरुकुया स्त्री॰ ( कुरुकुवा ) स्थं डिले गया पछी व्यायमन लेवुं, पग धावा वगेरे शाय डिया धरवी ते शाच जाने के बाद श्राचमन नेना, पर धोने श्रादि शाच किया का करना Cleansing the mouth after answering the call of nature; washing the feet etc श्रोघ॰ नि॰ ३१=;

कुरुदत्तपुत्त पुं॰ (कुरुश्त पुत्र) ५३६त्तपुत्र नामना श्रीमहावीर सगवानना ओं ६ शिष्य. श्रीमहाचीर स्वामी का कुरदत्तपुत्र नामक शिष्य. Name of a disciple of Lord Mahāvīra. भग॰ ३, १:

कुरुमई. स्ना॰ (कुरुमित ) धुर्भती नाभनी १२भा अध्वर्तिनी स्त्री बारहवे चकवर्ता की स्त्री का नाम. Name of the wife of the 12th Chakravarti. सम॰ प॰ २३४;

फ्रया. श्रां० (कुरुका) पग धेवा वगेरे शेव द्विया. पर धाना द्यादि किया Process of cleansing e.g. washing the feet etc श्रोघ० नि॰ १६६;

कुरुविंद. पुं॰ (कुरुविन्द ) ओर ज्यानुं धास; नागर भेष एक प्रकार का घाम, नागर मोथा. A kind of grass श्रोव॰ १०; (२) देख रतंख. केल स्तंभ; केले का फाड. the trunk of a plantain tree. जीवा॰ ३,३;

कुरुचिंदावत्त. न॰ (कुरुचिंदावर्त ) એ नाभनं એક જાતનું धरेखं, इस नाम का एक प्रकार का श्राभूषण. Name of a kind of ornament. कप॰ ३, ३६;

कुरूच पुं॰ ( कुरूप-कुत्मितं रूपं कुरूपम् )
भराण रूपः इहरूपः चुरा रपः कुरूपः
Ugly appearance " कुत्सित षथमवत्येवं रुपयति मोहयतीति कुरूपम्" जं॰प॰
१,३६ः मग॰ ७, ६ः १२,५, (२) मेहिनी३५
४र्भः मोहनी रूप कमें Mohaniya
Karma, सम॰ ५२ः

कुल पुं॰ (कुल) पूर्विकः; आपद्दादानी पर पराः वंशः आक्षादः ध्रुक्ष कुलः पूर्वेज, पुरस्तः; बाप दादा, वंशपरंपरा Family: ancestors; genealogy; family descent. ज॰ प॰ ४ ११२: ७, १४४; ७, १६१; श्रोव॰ पन्न॰ १; राय॰ २१४, सत्या॰ ६; वव॰ ३, ६;

नाया० १; १६; दस०५, १, १४, २४, भग० २, ५; ६, ६, २५. ७; श्राया० १, ६, २, १८४; उत्त० २४, १; स्य.० १, ४, १, ११, उवा॰ १, ६**६, (२) પિતાનું પ**ક્ષ; ખાપના वडीक्षेति। परंपरा विता का पत्तः विता के पूर्वजोंकी परपरा, paternal side; continuity of paternal ancestors श्रोव॰ १६, तदु॰ राय॰ ठा॰ ४, २; ( 3 ) ચાડાદિક કુલ, ગણનાે એક ભાગ चादादिक कुल, गए। का एक भाग. family like Chândra etc., a portion or division of a Gana ठा०३, ४, ४,१;मग० ६, ६; १२, २; (४) ५ुण; गीत्र कुल; गीत्र. family genealogy or line of descent. श्रगुजो० १३१; गच्छा० =७; कष्प०२, १७; प्रव० ४४७, भत्त० ७४: (४) भ्रु गृह; घर a house. कप्प॰ ६; निमी॰ २, ४८; वेय॰ १, ३१; (६) सभुराय; જ<sup>2</sup>थे।, समुद्ध समृह; समुदाय a collection; a multitude. राय॰२४५: श्रोव॰ पि॰ नि॰ =३; परह २, ३; नाया॰ ५: =; (૭) મહીનાના નામસરખા નામવાલા નક્ષત્રા, જેવા કે કિૃતિકા, મુગશિર, પુષ્ય વગેરે ળાર नक्षत्रे। महिनों के नामके समान नाम वाले नज्ञत्र जैसे कि कृतिका, मुगियर. पुष्य, वगैरह बारह नज्जन the twelve constellations corresponding in name to the 12 months, e.g Kritikā, Mrigasira etc. ज॰ प॰ ३, ४४; -- श्रगुरूव त्रि॰ (-श्रटुरूप ) ५५ते अनुभार. कुल के श्रमुसार. such as is worthy of one's family नाया. १६; भग०११, ११; — स्रमद पुं०(-स्रमद) **કુલના મદન કર્**વાતે कुल के मद से र**ि** absence of pride about c family. भग० ८, ६; —श्राजीव

(-স্মার্লাविक ) કુલ જણાવી અહાર લેવા ते; अहारते। ओं होष. कुल वतलाकर श्रहार लेने वाला. a fault connected with begging food; accepting food after declaring one's family. ठा०४,१;-- श्राधार. पुं० (-श्राधार) इसने। आधार. कुलका आधार. the prop-or support of a family. नाया॰ १; भग० ११, ११; कप्प ३, ५२, — इंगाल-पुं० ( - श्रद्वार ) કુલની કિર્તિને ખગાડનાર, નકારા; કુલમાં અંગારા જેવા, યથા કંડરિક कुल की कीर्तिपर भव्या लगाने वाला; कुल में ख्रानि के समान जैसे कि कंडरिक one who is a disgrace to the family; e. g. Kandarika. ডা০४,৭: — ব্যন্ন. त्रि॰ (-उत्पस्त) ५ समां अत्पन्न थयेस boin in a family. कष्प॰ १, २; — उचकुल-न० ( उपकृतः ) थित्रा आहि ५ स नक्षत्रनी પાસે રહેલ ઉપકુલ નક્ષત્ર ાचેત્રા શ્રાદિ नचत्र की पास का उपकुल नचत्र the constellation Upakula near ज॰ प॰ ७, १६१; Chitra etc. —कन्नयाः स्त्रा॰ (-कन्यका) <u>५</u>सीन ४न्या कलीन कन्या a girl belonging to a family भग०१=, १०; —कहा स्री० ( -कथा ) અમુક કુલ સારુ અમુક કુલ भरात्र घत्यादि इथा इरवी ते कुल सम्बन्धी कथा करना अर्थात् अमुक कुल अच्छा है श्रीर श्रमुक द्वरा है श्रादि. talk about the ments or demerits of a family. ठा० ४, २; - कित्तिकर त्रि० (- कीर्तिः करने वाला. one who is a source of ne to the family नाया०१, भग० ११;--केउ पुं॰ (-केतु-कुलस्य केतुः ुं ु.) इसनी ध्यल्य रुप कल की

भ्वजा-पताका रूप one who is like a flag or banner in a family i. e. prominent in a family, नावा॰ १; भग० ११, ११; - क्खय. पुं (- चय) हुसने। नाश. कुल का नाश. the destruction of a family भग॰ ३, ७; जीवा॰ ३; —घर न॰ ( -गृह ) भितृ शृक्ष; पितृ गृह; मैका; पिता का घर. the home of parents; the house of the family. नाया॰ ७: भग॰ १४, १; - घरवगा. पु॰ (-मृहवर्ग) भाता पिता लाध लांडू आहि सभू माता, पिता, भाई वंधु श्रादि का समूह. a group of the members of a family, such as mother, father, brothers etc. नाया॰ ७, -- जसकर त्रि॰ (-यशस्कर) ५ अनु यश अधारनार कुल का यश वढाने वाला (one) who increases the reputation of the family. भग० ११, ११; नाया० १, - एंदिकर. । त्र॰ ( - नन्दिकर ) धुध-नी १६६ ४२नार कुल की वृद्धिकरने वाला. (one) who is a source of increase and prosperity to the family. नाया॰ १; भग॰ ११, १५; -तिलय. न॰(-तिलक) इसनुं तिल ५; इस-भां तिक्षक्ष सभान. कुल का तिलक. one who is like an auspicious mark on the forehead in the family i. e. brings fame to the family. नाया॰ १; भग॰ ११, ११; —दीवः पुं॰ (-दीप=कुले दीप इव कुल दीप ) ५%ने। धीवे। कुल का दीपक. one who is like a lamp (a source of reputation) in a family. नाया॰ १; भग॰ ११; ११; -धम्म. पुं॰ (-धर्म) धुक्षायार, कुलाचार; कुल सम्बन्धी श्राचार, rules of con-

duct which are observed in a family. ठा०१०; —धूया. स्री०(-दुहित्) इसनी पुत्रि. कल की पुत्री. a daughter in a family. "तत्थणं जेते इत्थिकुलत्था तेतिविहा प॰तं॰कुलमाउयाइय कुलध्याइय" नाया॰ ५: -धूया. स्रो॰ (-वध्) धुसनी पढ़. कुल वधू a daughter-inlaw in a family. "तत्थणं जे ते तिवि-हा प॰तं॰ कुलकिएणया इवा कुलमाउया इवा क्लध्या इवा '' भग० १८, १०; --नंदि-कर त्रि॰ (-निदकर) अञ्भे। "कुलणं-दिकर " शंरुह. देखी " कुलखंदिकर " शब्द. vide " कुलगांदिकर " भग० ११, ११; -पडिणीय. त्रि॰ (-प्रत्यनीक ) धुसनी an ६१भन. कुल का शत्र. nent of a family भग॰ ६, ३३; —पश्चय. पुं॰ (-पर्वत—कुले पर्वत इव कुलपर्वतः ) ५०भां ५५ त समान कुल म पर्वत के समान (one) who is like a mountain (i. e protector) in his family नाया० १; मग० ११, ૧૧, જ્ઞ• ૫• ૫, ૧૨•; (૨) ક્ષેત્રની મર્યાદા **४२**नार पर्वात; श्रूस हिमवत वर्गेरे. चेत्र की मर्यादा करनेवाला पर्वत, चूल हिमवंत श्रादि. mountains like Chūla Himavanta etc. that bound a region of plains सम॰ ३=; —पायव. पुं॰ ( -पाद्य -- छायाकात्वात् श्राश्चयत्वाच कुलस्य पादप इव वृत्त इव कुलपादपः) **કु**सने ४९५पृक्ष तुस्य कुल में कल्पचृत्त के समान. (one) who is like a shady tree to his family. नाया॰ १; भग॰ ११,११;—पुरिखमा स्री०(-पूर्विमा) కुल नक्षत्रयुक्त पूर्शिभा. कुल नक्तत्रयुक्त पूर्णिमाः the 15th bright day with all the constellations. जं॰प॰ ७, १६२;

—मश्र-य. पुं॰ (-मर) કुसने। भः; पिताना पक्षना भद्द करवे। ते. क्रल सम्बन्धी मद, पिता के पत्तका मद. pride of high descent, pride of family "दुसिंह ठासाहि श्रहमंसी तिथ भेजा। तजहा-जाइ मएए वा कुल मएए वा " ठा० १०, भग० =, ६, ४।० =, १, —मसी. स्री॰ (-मपी) કુલને મેસરુપ કલક લગાડનાર. कुल को थेस रूप कलंक लगाने वाली (a woman) who blackens the fame of a family. परह॰ १, ३; - माउया र्ला॰ ( -मातृका ) ५ सनी भाता, कुल की माता. mother of a family. नाया॰ ४, भग॰ १=, १०, -रोग. पुं० (-रोग) धुणते। રાેગ, આખા કુલતે લાગુ પડે તેવા વ્યાધિ कुलमम्बन्धी रोग. a disease affecting the whole family; a disease from which all the members of a family suffer. भग० ३, ७, --- वइ gं॰ (-पत्ति) तापस भएऽणने। ઉ । રી, તાપસ ગુરૂ, ઋપિયામાં શ્રેષ્ઠ तापसी लोगों का श्रिधपति; तापसी गुरु; ऋषियों मे धेष्ट the head of a group of ascetics, the preceptor of ascetics; the highest among saints ापे० नि० ५०३; सू० च० ७, १८९; —वंस पु॰ (-वश ) ३ अप श कुल्वंश noble genealogy नग॰ ६, ३३; ११, १०, नाया० १ १६, —वंसतंतु. पुं० ( -चंशतंतु ) કુલવ શના सन्तान की संतान. off-spring of a noble descent नाया॰ १; - बॉडसयः पु॰ ( -वतसक ) ५ थना भुगट २५ कुल के मुकुट रूप (one) who is like the crown of a family. भग० ११, ११. नाया॰ १, -- बहुया स्त्री॰ ( - वध्का ) Vol. 11/64.

કુલની વહુ. कुलवधू a daughter-inlaw belonging to a noble family नाया॰ ५;--वहू. स्त्री॰ (-वधू) સારા કુલની વહુ. श्रद्धं कुल की वहु હ daughter in law belonging to a noble family प्रव॰ २५४, पंचा॰ ११, १८, -वित्तिकर त्रि॰ (-वृत्तिकर) કુળની આછવિકા ચલાવનાર. कुल की ब्राजी-विका चलाने वाला (one) who supports a family. नाया॰ १; - विव-हु एकर हि॰ ( -विवर्धनकर) इसनी वृद्धि-धरनार कुलको मृद्धि करनेवाला. ( one ) who is a source of increase and prosperity to the family भग॰ ११, ११. नाया॰ १; -वेयावश्च. न० (-वैयावृत्य) કुणनी सेवा क्रवी ते. कुलका सेवा करना rendering services to the members of a family वव ० १०, २७; भग ० २४, ७; श्रांव॰ —संतागाः ए॰ ( -संतान ) धुणनी संतान-संतित कुलको सतान. progeny of a (noble) family भग॰ १३, ११, —संपरारा त्रि॰ ( -संपन्न —कुल पैतृकः पचः तत्सपञ्ज ) केना याप हाहा श्रेष्ठ है। य ते डुण सपन्न जिसके वापदादा श्रेष्ट हो वह कुलसम्पन्न कहलाता है born in a noble or high family. " जाई कुलसम्पद्धो पायमंकिचन सेवईकिचि श्रासे-विडं च पच्छा तगाुगात्रो सम्ममालोए " ठा० =; ३, १, विवा० १; नाया० घ० भग० २, प्र; ६, ७, —संपन्न त्रि० (*-सम्पन्न*) जुओ। " कुलसंपराग्" श**्रद**ेखो "कुल-संपग्ण " शब्द. vide " कुलसंपग्ण " नाया० १; भग० २५, ७, ठा० ४, २; ३; —समुष्पराग त्रि॰ (-समुत्पन्न) <u></u>કुसभां ઉत्पन्न थयेल. कुल मे उत्पन्न हुआ. born

in a noble family. कण॰ १, २;
— सरिसः ति॰ ( -सरग ) हुस सभानसर्भुः सुनकी श्रपेचा मे-ममान. worthy
of the family in which one is
born, bearing family resemblance. भग॰ ११, ११; नःगा॰ १६;

फुल श्र-यः न० ( फुलक ) स्ते। इ है भाषाने।
सभुदाय; ओड स लांधवादी आई है तेथी
वंतरे भाषाओंनी सभुदः र लांक या गाया का
समुदाय; एक सम्बन्ध वाली श्राठ या उसंग श्राविक गायाश्रोंका समृदः A collection
of verses eight or more in
number and grammatically
connected प्रव० १२६३;

कुलकाडी. पु॰ (कुलकाटि) इस्डिटि, छवनी छत्पत्ति स्थानना प्रधार जांव के डत्यांन स्थान के प्रकार. Varieties of the sources of birth or origin of living beings, प्रव॰ ३६, ६, ७७;

कुलक्क. पुं॰ (कुलाक) इक्षाक्ष देशने। भनुष्य. कुलाक्त देश का मनुष्य. A man belonging to the country named Kulliksa. परह॰ १, १: पत्र॰ १;

कुलक्खरा. न॰ (कुजजरा) अपअक्षणः भराय थिन्द्र. बुरे चिन्द्रः श्रपनजराः कुलजरा. A bad sign or mark or characteristic-पराद्यः १: १:

कुलगर पुं० (कुलकर) न्तुग्राधानी शानाः न्नुग्राधानी व्यवस्था अस्थारः जुर्गानयो का राजा. The king or governor of the Jugaliyas, ज० प० २, २६; सम० ६००; भग० ५, ५; कप्प० ७, २०६; कुलन्थ पु० (कुलस्य) अप्री; स्रेड न्तुन्त भान्य कुलर्या. A kind of pulse.
नेय० २, १; इसा० ६, ४; जं० प० सग०
६, ७; १८, १०; २१, २; पन्न० १; ठा० ४.
३; नाया० ४; निर० ३, २; प्रव० १०१६;
कुलन्ध्र पुं० (कुलार्य) हुक्षार्थ नाभे लेह
अनार्थ देश कुलार्थ नामक एक प्रनार्थ देश
Name of an Anārya i. e. barbarous country. प्रव० १४६=:

कुलन्था. स्री॰ (कुलस्था) इक्षीत स्त्री. कुलीन स्त्री. A nobly boin woman. नाया॰ ४; भग॰ १८, १०;

कुलय. पुं॰ (युलक) थार सेनिश अथवा आहे पसि प्रभाण भान निशेष चार मेनिका अथवा आठ पमनी प्रमाण नीत निशेष. A measure of capacity equal to eight Pasalis (a Pasali = as much as is contained in two hands joined together) तंदु॰ अणुजो॰ १३२; पं॰ नि॰ ४; प्रव॰ १३६६; कुलल. पु॰ (कुलल) शिध पक्षी. गांध पन्ना; गांधड A vulture. उत्त॰ १४, ४६, म्य० १, १६, २७; (२) सभडी. चीत. a kind of bird. उत्त० १४, ४६; पग्ह॰ १, १; (३) श्रीक्षाडी. जिलाव. ४ сक्षर इस॰ ६, ५;

कुललय पु॰ ( ॰ ) पाधीनी टाअनी डरवे। ते. पानीका बुझा. A gargle. प्रव॰ ४३६; कुलीर्वाह. पुं॰ (कुलविधि) ज्युओ। 'कुल-कोडी, शण्द देखी "कुलकोडी" शब्द. Vide "कुलकोडी" मग॰ ७, ५;

कुलाल. पु॰ (कुलाट) भाजारः शिक्षाडे।. विलावः मार्जार. A cat म्य॰, ६, ४४; कुलाल. पुं॰ (कुलाल) डुंलार कुंभार. A

<sup>\*</sup> खुओ। पृष्ठ नभ्भर १५ नी पुटने। ( \* ). देखो पृष्ठ नंदर १५ की फुटने। ट ( \* ). Vide foot-note ( \* ) p. 15th.

potter क॰ गं॰ १ ५२;

कुलालय पु॰ (कुबाटक—कुलानि-गृहाएय।

मिपान्वेपणाधिना नित्यं येऽटान्ति ते कुलाटा
-मार्जारा कुलाटा इव कुलाटका ब्राह्म ाः )

भिक्षांत्रीनी भेंद्रे शृक्ष थर्ध धरे।धर ६२नार
भिक्षे विक्षां के समान लोलुप होकर घरघर
भिरने वाला भिकारी A greedy mendicant wandering from house
to house like a cat. सूय॰

कुलालयः पुं० (कुलालय—कुबानि-सित्रयादि
गृहाणी तानि नित्यं पिग्डपातान्वेषिणां
परतकुकाणामालयो येषां ते बुलालयाः )
लुओ। ७५८ी। ११००० देखी उपरका शब्दः
Vide the above word सूय०२, ६,
४४; "जे भायए णियए कुलालयाण "
सूय०२,६,४४,

कुलावकुल पुं॰ (कुलावकुल ) अलिय, शत-भिष्ठ, आर्द्रो, अने अनुराधा ओ यार नक्षत्र अभिजित शतभिषक आर्द्रो, और अनुराधा ये चार नज्ञन. The four lunar constellations, viz Abhicha, Śatabhisaka, Ardrā and Anurādhā. ज॰ प॰

कुलिंग- पु॰ (कुलिक्क-कुल्सित लिङ्गं कुलिङ्गं) धुलिंग-शाध्य वगेरेते। वेष कुलिङ्ग-शाक्यादि वगेरह का वेश Garments worn by heretics, such ध्य Sākyas etc सम॰ प॰ २३१; (२) धीऽ।ती ओड जात; भाध्य किंडेकी जाति, खटमल. a kind of insect, a bug विशे॰ १७५४; श्रोघ॰ नि॰ मा॰ २५५,

कुलिंगच्छाय. पुं॰ (कुलिंगछाय) व्यंत विशेष जंतु विशेष A kind of insect भग॰ १८, ८;

कुलिंगि त्रि॰ (कुलिङ्गिन्—कुल्सितंलिङ्गं कुलि इंशिवसुखवाधकं तद्विद्यते येपा ते कुलिङ्गिन ) કुतीथी पांभंडी. कुतीर्थी, पाखराडी; बुरे धर्म का श्रवुयायी; मिथ्यात्वी. A follower of a false religion; a heretic श्रोव॰ परह॰ १, २;

कुलिय-स्त्र ति॰ (कुलिक) डेासीयुं कौर A mouthful. नाया॰ २, ४, २, १३८, पगह॰ १, १; स्त्रणुजा॰ ६७ (२) ६स. हत्त. a plough विशे॰ ६२५; पगह॰ १, १, (३) त्राटी टही स fencing. निसी॰ १३, ६; १६, २७;

कुतियः न० (कुड्य ) सीतः दीवात A. wall सूय० १, २, १ १४ आया० २, १, ४, १४८;

कुलियकड. त्रि॰ (कुलिकीकृत) ६४८१ ने व्याहारे देशेश हिथेश मिही के लोटे के प्राकार हेर किया हुआ Heaped up in the shape of an earthen pot. वेय॰ २, २,

कुलीकोस पुं॰ (कुलीकोश ) श्वेतहंस अकि ज्यतनुं पक्षि सफेद हसः एक प्रकार का पत्ती A kind of bird, a white swan. परह॰ १, १.

कुवन्न. पुं॰ (कुवय) अन्तःगड सूत्रना त्रील पर्गना अगीआरभा अध्ययननु नाभ-श्रत गड सूत्र के तासरे वर्गक १९ वें श्रण्यायका नाम Name of the 11th chapter of the 3rd section of Antagada Stitra श्रत॰ ३, १९, (२) द्रारक्षना असदेव गळानी धारणी राणीना पुत्र है के नेभनाथ अभुपासे हीक्षा स्तर्धना अत्रज्या पाणी बाह पूर्व-ने। अभ्यास क्री शत्रुज्य ७५२ क्रेड भास ने। संथारे। क्री, ५२भ पह पास्या- द्वारिका के बलदेव राजा की धारणी नामक रानी का पुत्र जिन्होंने कि नेमिनाथ स्वामों से दीन्ना नी, चौदह पूर्व का श्रम्यास किया वीम वर्षोनक narnal and four all and agent of the and all the son of Pharant the queen of Baladeva the king of Dwaraka city. He (the son) took Inker from lord Neminath and after practising it for 20 years and lessing acquired knowledge of the 14 Parvag, accepted Santhara for a month on the mount Saturdays and there attended

the find blick के १० ३, ३१।

गुनर, न॰ (मृत्र) नामने आश्रते काम ।

नामनी मेह्यांन कहा, मेंद्र का ध्रमान |

दिस्मा, The front part of a ship or book, "मंतुष्टिय कह मृत्रम '

नामा ह:

गुनम न॰ (मृत्रम्य) १५४५, ममन,

A lotus क्षा ३, ४२: धांत जिल्प व र्नेरीव ३१: (२) नीवेंग्स ५भव, मानी-राग क्मत, मीने फ्लो का क्मा, क lotus with blue leaves, मागा है: कुबिश्र या जिल्ला कृषित ) देखेंगा भूटने

पणरी. गृह सामग्री. Household articlos and furniture such as vessels etc. पगृह , १, ४, प्रव , ७२६; —गिह. पुं० (-गृह) धरवणरी राभ-वार्नु धर गृह सामग्री रराने का घर. a hears in which hon whold articles, functure etc are kept,
fome e, e; — सामा ही। (- रामा)
een us awit हरे तेथे पर वहां का
much sedick as ar A house in
which household furniture,
was als are are kept, ares s,
t, fortes e, e,
uffig. gs ( पुणिस्मू ) काइड, प्रवेशामा
स्थादा, A wearer, ns as e, 23 c,
uffigulic sis ( कुणिस्मात) है। नामनी
है। नेथ, इस सामा एट सेन, Nome

कांघर grat like that of a camel.

प्रा १३-१;

पुर्वाह, सं (त्रुष्टि-कृष्मिता मृष्टि पृष्टि)
देशिष्पद- वरस्यः, स्वविनानी वरसादः
भावः, रेशीपपद- वरस्यः, स्वविनानी वरसादः
भावः, रेशीपपद- वर्गाः, ज्ञि द्वा द्वा गर्यः
मानस्य Rain out of season; un
wholesome rain जेन पर १, १०,
प्रत्येक्ष, पुन (नुविध) भरूष्य वेदः द्वा दि

नगाय पेदा. A bad doctor, a quack.

क्रियाति, स्रीट ( कुवेधी ) त्रेष्ट अतनं द्रियान

एक अनार मा शास. A kind of weapon.

पना० १४. ४:

क्रियहायगड स्रो० (क्रिक्सवेगिति) व्यथन

વિલાય અનિ: ઉદીયાની મુખ્ય ખરાત મીત્ર.

रेंट के मनाव नागव वाल, Bud tepul-

of a crooper, age 5;

पगद ६, ३; √कुट्य. घा० I. (कृ) ३२५ करना. To do. सुरुष्ट, उत्तर १, ४४; दमर ४, २, ४६;

युम्बंति. भग॰ ६, ४, नाया॰ १. कुन्विज्ञा. वि॰ उत्तर १. १४; कुन्वमाया. थाया॰ १, १, ३, १८, नाया॰

कुल्पसाचाः वासान् भ्राप्तः । सु पद्मक २: कुन्वन्. स्य० १, १, १, १२, २, ४, ११; कुन्वकारिया स्त्री० (कुर्वक्रारिका) से नामनी वनस्पति. इस नाम की वनस्पति A kind of vegetation so named. पन्न० १; कुन्नणा. स्त्री० ( ४ करण ) धरतुं. करना Doing, act of doing. भग० ६, ४,

कस पुं० (करा ) એક જાતનુ ધાસ; દર્ભ; દાભડे।. एक तरह का घांस, दाभ, कास. A kind of grass; Darbha grass. नाया॰ १, २; ६; ग्रत॰ ३, ८, श्रोव॰ १४, पन्न० १; उत्त॰ ७, २३, ६, ४४, १०, २; २६, २६, श्राया० २, २, ३, १००; भग० ६, ७; ७, १; ८, ६, २१, ६, जीवा० ३, ३; ज॰ प॰ — ग्रंत पुं॰ ( -श्रन्त ) हालडाने। અथलाग दाम का श्रव्रमाग. the point of the Darbha grass. राय॰ ६२; —गा. न॰ (-श्रम् ) दल<sup>5</sup>ने। अथ्रलागः; દાભડાની અણી. दाभ की ग्रना the point of the Darbha grass आया १,६, १, १४२; भग० ६, ३३; —पत्तः न० (-पत्र) हालानुं पांदर्ं दाभ के पत्र-पत्ते, a blade of the Darbha grass. निसी ०१८,१८;

कुसंघयरा न॰ ( कुसहनन ) ६३ कुं संघयश्य -शरीरने। थाधे। कमजोर सहनन-शरीर का वांघा. Bad, mean constitution of the body भग०७, ६; ज०प०

कुसंठियः त्रि॰ (कुसस्थित ) भराण आधारे रहेल कुसंस्यान; बुरे त्राकार का Remaining in, being in a bad, ugly conformation भग॰ ७, ६;

कुसगा. न० ( · ) ६६६, गीरस. दही, गीरस Curds. पि० नि० ६०७,

क्कसांगिय न० ( 🌼 ) ६६६मां छाश वर्गेरे

भशासा नाभीने अनावेस ५२२ था. दहीं में तकादि मसाले डालकर बनाया हुन्ना पदार्थ. A food prepared of curds, butter milk, spices etc. mixed together. पि॰ नि॰ २=२;

कुसत्त. पुं॰ (कुशक्त ) पथारी ७५३ भिछान-वाना वस्त्रनी ओ के जात विछोने पर विछाने के वस्त्र की एक जाति. A kind of cloth used as a covering of a bed. " अच्छरय मलयनयतकुसत्तालियसीह केसर-पच्छुत्यए" नाथा॰ १;

कुसन्त पु॰ ( कुशावर्त्त) कुशावर्त्त नाभने। देश-कुशावते नामक एक देश- A country named Kuśāvarta. पन्न॰ १;

कुसमय पुं॰ (कुसमय) કुशास्त्र; पाणंडभतना शास्त्र. बुरे शास्त्र, पाखंड मत के शास्त्र. False, heretical scriptures सम॰ २, नंदी॰ २२,

कुसल ति॰ (कुशल) निपुष्, ३शस; यतुर; छे।शीयार. चतुर; पट्ट. कुशल; दल. Proficient; expert, clever नाया॰ १; २, ४, ६, १३, १५; भग॰ २, ४; ६, ३३; ११, ११; राय॰ ३३, १२६; २६४; जीवा॰ ३, १. सू॰ प० २०, उत्त॰ २४, १६; ख्रोव॰ १६, ३१; पचा॰ ४, २४; ४. ३७, ६, ४; १२, २०, १४, १४, प्रव॰ २३७; भत्त॰ ४६; ज० प० ३, ४७; विवा॰ २, (२) शुक्ष; साइ शुभ, उत्तम. wholesome, good पंचा॰ १०, १४; प्रव॰ ६०३; —उदंत पुं॰ (-उदन्त) क्षेभ ५शद-सभा-यार राजीखुशी के समाचार. happy news, good news; e. g. about one's health and happiness.

<sup>\*</sup> लुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। ट ( ) देखे पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th.

नाया॰ ८; १६; —जोग. पुं॰ (-बोग) भन, वयन, धायाना शुल व्यापार, मन, वचन श्रौर काया के शुभ व्यापार. wholesome, good activity of thought speech and action. पंचा॰ १३, ४०; —धम्म. पुं॰ ( -धमं ) श्राखातिपात विरभ-धारि शुक्ष आथार प्राणातिपात विरमणादि शुभ श्राचार. right, good conduct consisting in cessation from killing etc पंचा. १०,१४, -पवित्ति. स्री॰ ( -प्रवृत्ति ) કुशલ-शुल भन, पथन, अने शरीरनी प्रवृत्ति कुशल-शुभ मन, वचन और शरीरकी प्रवृत्ति. wholesome, good activity of mind, speech and body. प्रव॰ ६०३; -पुत्त पु॰ ( -पुत्र ) વૈદ્યશાસ્ત્રમાં કુશળ એવે। પુત્ર. वैद्यशास्त्रमें कुशल पुत्र a son proficient in medical science, नाया॰ १३; ---वंध. पु॰ (-बन्व) पुष्यानुणन्धि-पुष्य-क्रिनी अन्ध्र. पुराय से बंधे हुए पुराय कर्म के बंधन. bondage caused by good and meritorious actions. पंचा॰ ६, २३: ---मगाउईरगा न० ( -मनउदी-रण ) કુશલ-શુભ મનની ઉદીરણા કરવી. कुशल सन की उदीरणा करना directing the mind towards good and auspicious things दस॰ ६, १; भग॰ २५, ७: --मति. स्त्री॰ (-मति) यतुर भुद्धि; चतुर बुद्धि. expert proficient intellect पंचा॰ १३, ४२; -- वइ-उदीररा न॰ (-वागुदीररा) ५शस-શુભ વચનની ઉદીરણા કરવી. कुशल वचन की उदीरणा करना uttering kind and skilful words भग० २५. ७,

कुसलया. स्नी॰ (कुसलता) કुशंवपछु; छेशी-यारी कुरालता, होशियारी Skilfulness; cleverness, proficiency. प्रव०६४६; कुसिस्स. पुं॰ (कुशिष्य) ખરાળ શિષ્ય; અ-વિનીત ચેલા सराब शिष्य. A bad disciple; a rude disciple. भग०६, ३३;

कुसील त्रि॰ (कुस्सितं शीलमाचारो यस्येति ) કુત્સિત આચારી; અસદ્ભવર્તન વાળા; અણા-यारी; इष्टरन्याय पाणाः दुष्ट त्राचार वाला; कुत्सित व्यवहार वाला; श्रनाचार करने वाला; दुष्ट स्वभाव वाला Wicked in nature or conduct, of bad character. पिं नि भा ४८: उस १, १३; भग० २५, ६; दस० १०, १, १८; ठा० ३, २; नाया० २, वव० १, ३४; श्रोघ० नि० ३०३; ७६३; निसी० ४, ३०; गच्छा० ४=; प्रव० ૧૦**૨; ૭**૩૨; (૨) ન૦ અણચાર; દુષ્ટ-व्यायार. ग्रनाचार; दुष्ट ग्राचार. bad character, wicked conduct. स्य॰ १, ७, ५; भग० १०, ४; —पडिसेवर्णाः स्रो॰ ( -प्रातिसेवन ) ५शीश सेपवुं ते; બ્રહ્મચારીએ સ્ત્રીયાદિને આર્લિંગન દેવું તે. कुर्राल सेवन करना; ब्रह्मचारी का स्त्रीयादि को आलिगन करना. act of taking to a dishonourable course of conduct; sexual intercourse by a person professing to be a buchelor. ठा०४,४;— **लिंग**. न०(-जिङ्ग) આર ભાદિ કુશીલ ચેષ્ટા જ્ઞારંમાંદ કુરીાન चेष्टा. a wicked action, such as injuring, killing etc. दस॰ १०, १, २०; —बहुराठागा. न० ( -वर्द्धनस्थान ) જેથી કુરાીલ-દુરાચાર વધે ते. जिससे कुशील-दुराचार बढे वह. a source or cause of enhancement in wicked practices दस॰ ६, ५६; — विहारि त्रि॰ ( -विहारिन् ) ४ त्सितशील वाली कुस्सित

शील वाला (one) of bad or doubtful character भग० १०, ४; नाया०४,
—िवहारिणी. स्त्री० (-विहारिणी) भराभ
व्यायारपाणी (स्त्री), द्वारायारिणी खराव
चालचलन वाली स्त्रो, दुराचारिनी a woman of bad character नाया० ध०
नाया० १४, —संस्रिग त्रि० (-संस्रिग्न्)
नहारानी स्रग ४२नार निठसे का साथी।
(one) who associates with
the wicked नाया० १०,

कुसीलपरिभासिय न० (कुशील परिभापित)
सुथगडाग सूत्रना सातभा अध्ययनतु नाभ
हे केभां दृशीस-अस्तायारी दुलिंगीनुं वर्ध्न छे. सूत्रकृताग के ७ वे अध्ययन का नाम जिसमे कुशील-अनाचारा कुलिंगा का वणन हे Name of the 7th chapter of Suyagadanga Sutra dealing with or describing persons of bad character सूय० १, ७, ३०: सम० १६, २३;

कुसीला स्त्री॰ (कुशीला ) केनी भराम आयार छेते कुस्सित भ्राचार वाली (A woman) of bad character. नाया॰ १५; नाया॰ घ॰

कुसुंभ पुं॰ (कुसुम्भ ) ६सु लवृक्ष ६ ६ भुणानुं अ। ६ कुसुम्भ का माड, कुसुवे का वृद्ध A kind of tree called Kusumbha प्रव॰ २२०; श्रोघ॰ नि॰ ४४६; पत्र॰ १. (२) એક જાતનું ધान्य एक जाति का वान्य a kind of corn, a kind of cereals भग॰ २९, ३, — चणा न॰ (-चन) ६सुणाना दक्षनुं पन. कुसुभ के वृद्धों का बन a forest of Kusumbha trees. निसी॰ ३, ७६, भग॰ १, १,

कुसुंभग. पुं॰ (कुसुम्भक ) कुसुंभी; कुसुंभी रंग:सुर्व रग. A kind

of red dye. जं प० पगह० १, ३; (२) ओं अलतनुं धान्य एक जाति का धान्य. a kind of cereals. भग० ६, ७; कुसुंभय. पुं० (कुसुम्भक) धुभुंभाना राता धूसभाधी नीअलता सास २० कुसुंचे के लाल फूला में से निकलताहुन्ना लाल रंग. A red dye obtained from the flowers of the Kusumbha tree. श्रगुजो० १३१;

कुसुम. न० (कुसुम ) धुसुभ; पुष्प; ६स. पुष्पः फूल, कुसुम A flower ज॰ प॰ ५, ११२; ११४, नाया० १, ८; ११; १४; भग० १, १, ७, ६; ११, ११; दसा०१०,१; पञ्च० १७; श्रांव० २२. राय० २७, ३६; सू० प० २०; उत्त० ३४, ८; श्रणुजो० ११८; नदी० १४, उवा० १, ३०: कप्प० ३, ३२, ३७, प्रव० ४५५, १११६; (२) पुं• ५६५४ स प्रभुता यक्षन् नाभः पद्मप्रभ प्रभु के यत्त का नाम name of the Yaksa (a kind of demi-god) of Padmaprabha the sixth Tirthankara 970 304: - श्रासवः पुं० ( - श्रासव ) ५ धने। २स फ़ल का रस juice of flowers नाया॰ १. - कुंडल न॰ (-कुरदल) ६सना आ-**धारनुं धाननु आ**सरुषु; धान धूस फूल का श्राकृति वाला कान का श्राभूषण करनफ़ल an ear-ornament of the shape of a flower. श्रत॰ ३, =, — घर न॰ ( –गृष्ट ) ફूલનુ धर फूलाे का घर. a flower-house. नाया॰ ३, ६: - घरय न॰(-गृहक) केमा ५स पाथर्या रहे तेव धर जिस घरमें फूल विखरे हुए है। वह a house carpeted with flowers नाया० ३; जं० २३६. — शिश्चर. पुं॰ ( - निकर ) धूसने। सभ्ट. फलो का समूह. a collection

flowers. जं० प० ४, १२२; — शिगर. पुं॰ ( -ानिकर ) छञ्जा " कुसुमणिश्चर " शण्ह देखी " कुसुमणिश्रर" शन्द vide. " कुसुमिणिश्रर " जं॰ प॰ -- दाम. न॰ (-दामन्) şसनी भासा. भूलो की माला. a garland of flowers. नाया॰ १६; -पत्थर. पु॰ (-प्रस्तर) पुत्रनुं भी छानुं; इसुभशय्या. फुलोकी शप्या; कुसुम का विद्योग a bed of flowers. नाया॰ १३; -रासि. पुं॰ (-राशि) पुलने। दगले। कुसम का समृह; फुलाका हैर. a heap of flowers. कप्प॰ ४, ६०: -- बुट्टि स्त्री॰ ( -वृष्टि ) इसने। परसाह कुसुम वृष्टि; फूलां का वरसना. a shower of flowers नाया॰ ६; प्रव॰ ४४६; पंचा० २, १४; --सर. पुं० ( -शर ) धम-हेव. कामदंव Cupid; the god of love. सु॰ च॰ १, ४०;

कुसुमनगर न॰ (कुसुमनगर) पाटलीपुत्रनुं अपर नाम. पाटलीपुत्र का दूसरा नाम. Another name for the town of Pātalīputia. प्रव॰ = • ६.

कुसुमपुर. न॰ ( कुसुमपुर ) ओ नाभनुं शहेर; पाटलीपुत्र (पटना). इस नाम का शहर; पाटलीपुत्र (पटना). Name of a town ( also called Pāṭalīputra ). पिं॰ नि॰ भा॰ ४४:

कुसुमसंभव. पुं॰ ( कुसुमसंभव ) वैशाभ भासनुं क्षेडितिर नाम. वैशाख माह का लोकी-त्तर नाम The month of Vaisākha, so called in spiritual language as opposed to popular language. जं॰ प॰ ७, १४२;

कुसुमिश्र-य. त्रि॰ ( कुसुमित—कुसुमानि पुष्पाचि सम्जातानि एपामिति कुसुमिताः ) पुक्षवाणुं. फूल वाता. Flowery. भग॰ १, १; श्रोव॰ जीवा॰ ३, ३; नाया॰ ६; राय॰ जं॰ प॰ ७, १७७;

कुसुमित. त्रि॰ ( कुसुमित ) ळुओ। '' कुसु-मिश्र-य " शण्ट. देखो " कुसुमिश्र-य " शब्द. Vide "कुसुमिश्र-य" भगः १६, ६; कुसेजा. छी। ( कुशस्या ) हुष्ट शथ्या-स्थान

दुष्ट शय्या-स्थान. A vitiated dormitory. भग० ७, ६; ज० प० २;

√कुह. धा॰ I. (-कुष्) सऽपुं; डेह्यं. सडना. To rot; to decay. कुहंजा. वि॰ अगुजो॰ १३६;

कुहन्न. पुं॰ (कुहक) धेश्लास, धुतुद्दस. इद्रजाल काँतुहल. An enchantment; a charm; curiosity. दस॰ १०, १, २०: कुहंड. पुं॰ (कुप्माएड) व्यन्तर देव की एक जात. A species of a Vyantara gods.

कुदंडय. पुँ॰ (कुप्माएडक) छै। णु; शाःनी ओर्ड कात. एक जाति का फल कि जिसकी भाजी (साग) बनती है; कुष्माएड. A kind of vegetable; a gourd. एक॰ १७:

पराह० १, ३; श्रोव० २४; पन्न० २;

कुहंडी स्री॰ (कुष्मायडी) हूधी; नध लोकि; तुम्बी. A kind of vegetable; a kind of large fleshy fruit of white colour. राय॰ ४४, जीवा॰ ३,४; कुहकुह पुं॰ (कुहकुह) दुंधु अवे। अवा॰.

हहकुह. ९० ( कुहकुह ) ३६ ३६ अपा अपान. कुहु कुहु ऐसा शब्द An onomatopoetic word meaning the sound nescmbling " Kuha Kuha" नाया ९८;

कुहरा. न॰ (कुइन) એક જાતની વનસ્પતિ; लूभिई।ऽ।. इस नाम की एक जाति की वन-स्पति A kind of vegetation. पन्न॰ १; जीवा॰ १; (२) त्रि॰ કुહुणु देशनी २६ेवासि. कुहन देश का रहने वाला. a native of the country called Kuhuna. पगह॰ १, १;

कुहरण स्त्री॰ (कुहुना) श्रशीना आश्वारनी वनस्पति; श्रुभिशृष्टाः स्त्राते के श्राकार की वनस्पति; भूमि फोडाः A kind of vegetation of the shape of an umbrella. पत्र॰ १;

फुह्रम्म. पुं॰ (कृषमें ) भारी-पाभणः धर्म. मिण्या-पायंड धर्म. False religion; heretical creed. सत्तः ६०;

कुहर. न॰ (कुहर) पर्यातनी शुश्रा. गिरि कंदगः; पर्वत की गुमा A cave of a mountain. नदी॰ १४; नाया॰ १; ४; पगह॰ १, ४; गय॰ ८६;

कुद्दांड. बुं॰ (कुटार) इदांटी; लाइटां झापवानुं द्धिणार. कुन्हांदी; लक्क्टां कार्टनका श्रीजार. An axe. उत्त० १६, ६७; स्य० १, ५, १, १४;

कुद्धिचयः य॰ (कुत्रचिन्) ध्यांधः, धिष्ठ श्यांधे. कहीं भीः किसी स्थान पर. Somewhere; in some place or other. नाया॰=;

कुद्धियः त्रि॰ ( कृषिन ) हेादार्थ गर्भेक्षं; अडी गर्भेक्षं गत्ता हुन्ना; मदा हुन्नाः Rotten; decayed; decomposed. नंदृ॰ पगद्द०

कुहुण, पुं॰ (कहण) इक्षिन्त न्तर्नी ओह वतस्पितः भूमि हे। डॉक्स्स जाति की एक वनस्पतिः भूमि फोडा. A kind of vegetation growing by germination. मग॰ १४, ३; ३३, ३:

कुहुन्वय पुँ॰ (कुहुयत ) स्रेह जातने। इंट. एक आति का देन A kind of bulbous fruit, उत्त॰ ३६, ८७;

क्रोहेडम. पुंच नवः ( ४ ) अवस्माः श्रामायनः Thoma प्राच २५५: पंचाव ४, ३०:

Thyme. प्रवच २११; पंचान ४, ३०;

कुश्रमायाः स्त्रां ( कृजन ) पीटित २५२थी २८ई ते. दुःस्त्रां स्वरं से सेनाः A piteous ery. ठा० ३, ३;

मूहस्र न॰ (कृजिन) पक्षिता केवा अध्यक्त शण्दः पांच जिया श्रद्यक्त मन्दः Indistinct sound like that of a bird उत्तर १६. १:

कृचिया. ह्या॰ (कचिका) परंपाटी. युट्युटा. A bubble. विशेष १४६%

कृजियः न॰ (कृजिन) अन्यक्ष ध्यतिः श्रव्ययत ध्यति Indistinct note or sound. यगह् २, ४;

कूड, વું॰ ( कृट ) કૂટ નામતા દ્રીય તથા લગ્છ. कृट नामका डाप श्रीर मसुध. A continent of that name; an ocean of that name, जीया॰ ३, ८; पण०१८; (૨) શિખર; પર્વાતની ટુંક; ટાંચ, શિયા; पवंत का टोक: पवंत का चोटा. एका कि म mountain. भग० १, ३, नाया० १; नंशक्तर, ४०; स्व पव १६; श्रम्श्रीकीवर, १३४; श्रीयः १०; ३१; पद्मः २; ठा० १,४; त्रेय प्रथम, ११४; (३) ४०५ १४-भाषा; साप ३८-२तेदः, राभ भेषतः, इय्यक्ट-याम स्रयोगः, फांगा होना है और भार कृट स्पेह अयोग कारा साव हैं जिल्ले हमें यंथ होता है म suare; a trap; excessive attachment ( which is a suare ). नामाव १३: विव निव १०४; स्मत १, १३, \*; (૪) કુંદ કેપ્પ; સાવાકવાળને પૂર્ણેય તાસ. क्ष्यरः सावा कताय का प्रयोगकाचा लामः

Vol. 11/65.

<sup>#</sup> शुक्री: भूष नभ्यर \* १ (\*). देसी पूष्ट स्थ्या ३१ की पुरनोट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15t1

deceit. सम॰ ५२, पगह॰ १, २; ( ४ ) તાેલમા–માપમાં ન્યૂનાધિકતા રાખવી તે. नापतोल में ज्यादह कमती देना using false weights and measures. સ્**ય**૦ ૨, ૨, ૬૨; ( ૬ ) પાશલાે; માણુસને ગલામાધી વિધવાનું યંત્ર. पाश, मनुष्य को गले में टाल कर मार्न का यंत्र: फांसी. gallows स्य०१, ४, २ ६=; (७) न२६. नरक. hell. उत्त॰ ४,४; (८) हुः भनुं ઉत्पत्ति २थान, इ.ख उत्पन्न होने का स्थान, source of pain or misery. न्य० १, ५, २, ૧=; (૯) દરવાજાનાે ઉપરતાે ભાગ; માઢ. द्वार के ऊरर का भाग. the upper part of a gate राय॰ १०७, (१०) त्रि॰ भे। दे असत्य; हगावाणुं. फूंठ; श्रयस्य; दागावाज. falsehood, deceit. पंचा॰ २, ३६; नाया॰ २; - उद्यमाः स्त्री॰ (-उपमा) क्रेम કાઇ શિકારીએ પાશલા રચ્યા હાય તેમાં જેમ મુગનુજ વધન થાય છે ક્ષિકારીનું નહિ તેમ ગૃહસ્ય સાધુને માટે રસોઇ નિપજાવે તેમાં સાધુનેજ બંધનદોષ લાગે ગૃહસ્થને ક્રષ્ઠ નહિં એ बी रीते ७ पमां आपवी ते. इस प्रकार की उपमा देना कि जिस प्रकार कोई शिकारोके फैला-ये हुए जालमे मृगकाही वंधव होता है शिकारी का नहीं, जैसे कि साधु के अर्थ रसोई बनाने वाले गृहस्य को कोई दोप नहीं लगता, साधु को ही दाप लगता है. a false analogy; e.g just as in a net spread by a hunter the deer is caught and not the hunter; in the same way when food is specially prepared for a Sādhu, the Sādhu incurs sin and not the who has householder pared it पिं नि १०६; - जाल. ( -जाल ) पाशयुक्त গ্ৰ্থা.

फांस सहित जाल. a net that ena snare. उत्त॰ १६, ६४; traps; —तुला. स्रो॰ ( -तुला ) भेाटुं ते। अ. मूंटा तील. a false weight. स्य॰ २, २, ६२; भग० ८, ६; पंचा० १, १४; —पास. पुं॰ ( -पाश ) भृगक्षाने इसाववा કપટ કરીને પાશ રચવે। તે. मृग को फंसान के लिये कपट से बंध डालना. laying a snare to entrap a deer. विवा॰ फ, भग॰ १, =; --मागा न॰ (-मान) ખાેટાં માપ રાખવા તે, શ્રાવકના ત્રીજા વ્રતના એક अतियार खोटे माप रखना; श्रावक के तीसरे वत का एक श्रातिचार. act of using false weights; a partial violation of the third vow of a Jaina layman सूय॰ २, २, ६२; पराह० १, २; भग० =, ६; पंचा०१, १४; — माण्तुलकरणः न॰ (-मान-तुक्करण ) भेाडुं भाप अने भेाडां ताक्षा વાપરવા તે. ત્રીજા ત્રતના એક અતિચાર. खोटा माप श्रीर खोटा तौल रखना: श्रावक क तीसरे वत का एक श्रातचार. act of using false weights and measures; partial violation of the third vow. प्रव॰ २७७; — लहकरण. न॰ (-लेखकरण) भाटा क्षेप अभवाते; थील वतने। पायमे। अतियार. भूंठा लेख लिखनाः दूसरे व्रत का पांचवां श्रतिचार. fabrication of a false document; the 5th kind of partial violation of the 2nd vow पंचा॰ १, १२; प्रव॰ २७६; —सिक्खिजा. न॰ (-साच्य) ખાટી સાક્ષી ભરવી मिथ्या-भूठी साद्ती देना. act of giving false evidence: false evidence. पंचा॰ १, ११; —सारीएभ त्रि॰ (-सन्निभ)

धूट सभान; धूट लेवुं. श्रम के समान; चोटी के सहश. resembling the top or summit. नाया॰ १३;

कुडग. त्रि॰ (कृटक ) भे। दुंगलतः अशुद्ध. False; untruthful. पंचा॰ ३, ३४; कुडया ब्री॰( कूटता ) ते। बनु ओ छावत्ताप छुं. तौल की न्यूनाधिकता-कमी वेशी State of a weight being either above or below the standard पग्ह०१.३: कुडसामालि पुं॰ (कृटशालमालिन्) इटशाल्मशी નામનું વૃક્ષ કે જેમાં જ હુ વૃક્ષની માક્ક આઠ જોજનની ઉચાઇ છે અને જે ગરૂડ જાતના વેહાુદેવ નામે દેવતાના આવાસ રુપ છે. कूट शाल्मली नामका वृत्त जिसकी जम्बु वृत्त की तरह श्राठ योजन की उंचाइ है तथा जिमपर गरुड जाति के वेखा देव नाम के देवता का ानेवास स्थान है. Name of the tree which like the Jambu tree has a height of 8 Yojanas and which is the residence of the Venudeva deities belonging to the Garuda family. "डोकूड सामलाचिव" टा॰ २, ३; सम॰ ८. - पेढ पुं॰ (-पीठ) દેવકુર ક્ષેત્ર નાપશ્ચિમાધ્ધ<sup>દ</sup>ને મધ્યભાગે આવે-લ કુટશાલ્મલી વૃક્ષનુ પીક-એાટલા देवकुरु चेत्र के पश्चिमाई के मध्य भाग में कृट शाल-मली वृत्त की पीठिका श्रीटला the base of the tree called Kūta Sālmali situated in the centre of the western half of the country called Devakuru Ksetia 30 90 8, 900;

क्डागार पुं॰ (क्टागार) शिभर भध धर; शिभर ६५२नुं देवासय. शिखर चंच घर; शिखर कार का देवालय A house of a temple situated on the summit

of a mountain श्चाया॰ २, ३, ३, १२७, नाया० १३; निर० ३, १; ठा० २, ४; ४, १; (२) पर्वतभा क्वेतरेल धर पर्वत में खोदाहुया गृह a house carved out of a rock sio 40 2, 23; ६, १२५; -- दिहुंत. पु॰ न॰ ( -दृष्टान्त ) शिभरवाक्षा घरनु द्वष्टांत शिखर वाले घर का द्रष्टांत. an illustration of house built on a mountain summit. नाया॰ १३: —साला ( -शाला ) शिभरने आधारे शाक्षा-सला-थे
शिखर के सदृश शाला-सभा-वैठक a seat in the shape of a mountain summit भग॰ ३, १, विवा॰ स्य० २, २, ४५;

कुडाह्य. न॰ (कृटाहत्य कृटे इव तथाविध पापासम्प्रादी कालाविलम्बाभावमा-धर्म्यादाहत्या हननं यत्र तत्कृटाहत्यम ) એક ઘા મારવાથી પર્વાતથી શિખર પડે તેમ ધડ ઉપરથી માથુ ઉતરી નીચે પડે તેને યેત્ર્ય; એક ઘાયે શિખરની માકુક નીચે પાડવા थे। अ जैसे एक चोटमे पर्वत पर मे शिखर नीचे गिरपडताह वैसेही धडसे सिर का नीचे गिरपडना, एक चोटमे शिखर की तरह नीचे गिराने योग्य One whose head deserves to be severed from the body and set rolling down like a rock severed from the peak of a mountain. "तोगं तवेण तेप्गं एगाइच कुडाहचं भामरामिं करेमि "भग० १४, १, राय० २४७; भग० ७, ६, १४, १; कार्रोग्रा-य. पुं॰ (कोार्यक) श्रेशिः राजनी ચેલણા રાણીથી ઉત્પન્ન થયેલા માટા પુત્ર કાેિશક; ચંપા નગરીના રાજા श्रेगेणक राजा की चेलना रानी से उत्पन्न चम्पानगरी का कोशिक राजा

अने भणुश्स सेिशुआ परिक्रभेना पांचभा लेह अने पुर सेिश्याहि पांच परिक्रभेना सातभा लेह. सिद्धश्रेणी श्रीर मनुष्य परिक्रभ का पांचवां भेद श्रीर पुष्ठ श्रेणि श्रादि पांच परिक्रमों का सातवां भेद. The fifth division of Siddha Seniā and Manussa Seņiā and the 7th division of the five Parikarmas viz. Puţtha Senia etc. नंदी॰ ४६;

सम० १२: केउमई. स्री॰ (केतुमती ) क्षित्र देवताना धंद्र કિબરની ખીજી પટરાણી. किन्नर देवतात्रों के इंद्र किन्नर की दितीय पहरानी. The second crowned queen of Kinnara, the Indra of Kinnara gods. भग०१०,५; ठा०४,१; नाया०घ०५; केऊर पुं॰ (केयूर) जाला जंधः એક आल-२७. बाजूबंध, एक श्राभूषण. An ornsment worn on the arm. भग ६, ३३; नाया० १; राय० २७; १८६; निसी० ७, ६; कप्प० २, १४; जं० प० ५, ११५; के कई. स्रो० (केक्यी केक्यानां राजा केक्यः तस्येयं: ) કૈકેવી-અહિમા વાસુદેવની માતા. कैकेयी-श्राठवें वासदेव की माता Name of the mother of the Vasudeva सम॰प॰ २३५; (२) पश्चिम મહાવિદેહની સલિલાવતી વિજયની વીતસાકા नगरीनं भीकां नाभ. पश्चिम महाविदेह सलिलावती विजयकी वीतशीका नगरी का दूसरा नाम the other name of the city Vītaśokā of Salilāvatī Vijaya in the western Mahāvideha. सम॰

केकय. पु॰ (केकय) डेड्य नामनी ओड देश. केकय नाम का एक देश. A country of this name. (२) त्रि. ते देशना रहेवासी. उस देश का निवासी. a resident of that country पन्न॰ १; पग्ह॰ १, १; राय॰ २०४;

केकयद्ध. पुं॰ (केकयार्द्ध) डेड्य देशने। अर्ध-लाग; परदेशी राज्यने। देश. केकय देश का श्रद्धभाग; परदेशी राजा का देश. The half of the Kekaya country; the dominion of the king named Pardesi राय॰ २०४:

केकाइय. न॰ ( केकायित ) भे।रने। शण्ड. मयूर का शब्द. The cry of a peacock. नाया॰ ३;

केकारच. पुं॰ (केकारच) भारते। शण्द मयूर का शब्द. The ery of a peacock. नाया॰ १;

केक्सय पुं० (केकच्य ) १६२५ नाभने। अनार्थ देश केकय नाम का अनार्य देश. Name of an uncivilised country प्रव०१६६; केक्सारच पुं० (केकारच) जुओ। "केकारच" शण्द. देखों "केकारच" शब्द Vide "केकारच" नाया० ३;

केस्पर अ॰ (केनचित्) डे। अने पश्च. किसी ने भी. By any body; by some body or other. दस॰ ४, १, ४३; जं॰ प॰ नाया॰ २; =, १६; भग॰ १४, १;

केतई. स्त्री॰ (केतकी ) डेनशी केतकी A flowering plant so named. भग॰ १४,६;—पुड. पुं॰ (-पुट) डेनडीने। पंडा. केतकी का पुड़ा. a packet of Ketakī. भग॰ १४,६;

केतु. पुं॰ (केतु) ८८भा अक्ष्तुं नाम. प्रवत्तें शह का नाम Name of 88th constellation. स्॰ प॰ २०;

केतुमई स्री॰ (केतुमती) िश्वरती थीक राखीतुं नाभ. किचर की दूसरी रानी का नाम. Name of the second queen of Kinnara. सग० १०, ५; केदार. न०(केदार) ५थारा. क्यारा. A basin of water etc. purposely made in a field or a garden. नाया० ७; केमहालग्र. त्रि० (कियन्महत्) डेटलं २डेलं.

कितना मोटा. How much big. जं

केय. न॰ (केतन कित निवासे-कित्यते उप्य-तेऽस्मिक्ति ) गृहु; धर. गृहु; घर. A house. ''केयं गिहत्ति सहतेया'' प्रव॰ १६६; केयइश्रद्ध. न॰ (केकयाई) डेड्य देशने। अधि लाग. केकय देश का श्रद्धभाग-श्राधा हिस्सा. The half of the country Kekaya. " सेयवियाच नयरी, केयइश्रद्धं

चञ्चारियं भाग्रियं " पन्न० १:

केयई. स्नी॰ (केतकी) डेतडीनुं आड. केतकी का माड. The Ketakī plant. राय॰ पन्न०१;जीवा॰३;४; भग॰ ८,२; —युड. पुं॰ (-पुट) डेतडीने। पडे। केतकीका गद्वा-बंडल क packet of Ketakī. नाया॰ १७; केयकंदली. स्नी॰ (केतकंदली) એક જાતનे। इंद. एक जाति का कंद. A kind of bulbous root. उत्त॰ ३६, ६७;

केयग्. न॰ (केतन) धनुष्यनी इसान धनुष्य की कमान. The wooden bow उत्त॰ १, २१; (२) मत्थ्य अंधनः जाल मत्य बंधनः जाल फांस. १ net; १ snare. स्य॰१,३,१,१३; (३) भे प्रशरनुं हेतनः—१-५०५ हेतन-यालिनी अथवा सभु६,२-साव हेतन-लोभेच्छा. १ Ketana of two sorts viz. one like that of a

sieve or a ocean and the other like that of a greed. श्राया॰ १, ३, १, ११३;

केयति. पुं॰ (केतकी) हेवडातुं वृक्ष. केवडे का साह. A Kevadā tree. भग॰२ २, १; केयब्ब. त्रि॰ (केतब्य) धेवुं; भरीहवुं. लेना; खरीदना. Purchasing; buying. उत्त॰ ३४, १४;

केयाघडिया. क्रा॰ ( \* ) हारीने छेडे लाधेल घडी. रस्सी से बांघी हुई घड़ी. A. clock fastened to the end of a string. भग॰ १३, ८;

केयार. पुं॰ (केदार) अनांजना क्यारा. श्रनाज का क्यारा. Plots of corn. नाया॰ ७; केयावंती. श्र॰ (केचन) केटला એक कितने एक. A certain number. श्राया॰ १, ४, २, १३३:

केयूर. पुं• (केयूर) लाज्जुलंध. An ornament worn on the arm. श्रोव॰ १२; जीवा॰ ३, ३; प्रव॰ १५८६;

केरिस. ति० (कीद्दश ) हेवुं; हेवा अशरनुं; हेनालेवुं. केसा; किस तरह का; किस सरीखा. Of what sort or nature. उत्त २३, ११; पक्ष०१७ विशे०३२६; भग०१,११२,५; ३, १: संत्या०३१; जीवा०३, ३; " अग्रुमावे केडिस बुत्ते " स्० प०१; जं० प०१,२१; केरिसश्र—य. ति० (किट्यक ) हेवुं हेवा अशरनुं है केसा ? किसतरह का ? Of what sort or nature. नाया० द; जं० प० निर०१, १; भग०६, ५; ७; ७,६; १२,

६; १३, ४; १४, १; १६, ३. केलास. पु॰ (केलास) अंतगड सूत्रना छहा वर्गना सातभा अध्ययनतुं नाम. श्रतगढ

<sup>\*</sup> जुओ। ५४ नभ्यर १५ नी ५८ने।८ (\*). देखें। पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th.

सूत्र के छटे वर्ग के सातवें श्रधायन का नाम. Name of the 7th chapter of the 6th section of Antagada Sūbra श्रंत० ६, ७; (२) सहितन नगर નિવાસી એક ગાથાપતિ કે જેણે મદાવીર સ્ત્રામી સમીપે દીક્ષા લઇ બાર વરસની પ્રવજ્યા પાળી વિપુલ પરંત ઉપર સંચારા કરી સિદ્ધિ મેળવી. सांकतन नगर के निवासि एक गायापति, कि जिसने महावार स्वामी के पास दीचा लेकर नारह वर्ष तक संयम पाल विपुत्त पर्वत पर मंयारा कर मोच प्राप्त दिया. a merchant of Saketana city who took Diksā from Mahāvīra Swāmī, observed it for 12 years and performing Santhara on the Vipula mount, attained salvation. श्रंत॰ ६, ७; ( 3 ) शहुना नवभा अधारता पुद्रवतुं नाभ. राहु के नवें प्रकार के पुद्रल का नाम. name of the 9th variety of the molecule of Rāhu. मु॰ प॰ २०;

केलास पुं० (केलास) ध्यास नामना पर्वत; मेर पर्वत. भेर पर्वत. केलास नामका पर्वत; मेर पर्वत. Name of a mountain; the mount Meru. (२) ध्रुभेरना तायाना पर्वत कुरेर के अधीन पर्वत. the mountain belonging to Kubera. जंप० (३) अप्रुभेर के अधीन पर्वत. the mountain belonging to Kubera. जंप० (३) अप्रुभः अधुरे स्थाये ४२००० जोजन अपरुभः प्रिम दिशा निवास पर्वत. लवण समुद्र में पिथम दिशा की और ४२००० योजन दूर अनुवेलंघर देवता का निवास स्थान पर्वत. the mountain abode of Anuvelandhara gods situated at a distance of 42000 Yojanas in the west, in Lavana ocean. 510 ४, २;

फेलि छी॰ (केलि) ब्रीआ; भेल; रभत. कीडा; चेष्ठा; रसत; नेज. Play; recreation. श्रोव॰ २४; पत्र॰ २; प्रव॰ ४३६;

फोली छो॰ (कदली) देगानुं पृक्ष; देग. केते का ग्रज; केला. A plantain tree. भत्त- १४४;

केचइन्न य. ति॰ ( कियत् ) डेटलुं; डेटला प्रभाष्युनुं कितना ? कितने प्रमारा का ? How much. न्नोव॰ २=; पन्न॰ ४; श्रोप॰ नि॰ १४६:स्॰प॰ १;ठा॰ ६, १; श्रासुनो॰ १४०; नाया॰ १३; भग॰ १, १; २, १; ३ १; ४; ५,२;=; ६, १; =; =, १; २; =, १०; ११, १; १२, ४; १४, ७; ८; १६, १; १६, १; ११, ६; ७, २४, १; १२; २४, ६; ४१, १:नाग॰ घ० जं प० २, २४; ७, १३६; ७, १४६: ६, १२४; ७, १३२; १, १६; ७, १३१; केचिन्दं न्नः (कियिष्ठं) डेटली लांभी वभ्गतः ४०ं सुन्नी ? कितना सम्या समयः कवतक ? How long; how far. जीवा॰ १; राय॰ १४६; भग॰ २, ४; ३, ३; =, २; ६; २४, ६; जं० प० ७, १७४;

केविश्वरं अ॰ (कियश्वरं ) हेटले। तणत-कितना समय How much time. श्रञ्जो॰ ८४; मग० २४, ४; पन्न० १८;

केवबोरिश श्र॰ (कियबिरेख) ३८थे वभते. कितने समय में. In how much time. ग्रंत॰ ६, १४; मग॰ २, १;

केचितियः त्रि॰ (कियद्) लुओः "कंवइम्र" शण्ट देखों "केवइम्र "शब्द. Vide "केवइम्र "स्० प० १; १६; जीवा॰ १; भग॰ १, १०; ११, १;

केवल. न० ( केवल ) स भूखु; भरिभूखुं. संपूर्ण; परिपूर्ण. Full; complete. दसा० ६, २; भग० १, ४; १ ८; ४, ४; ७, ८; ६, ३१; १०, ४; १४; १; १८, ३; पि० नि० २११; नाया० ४; १६; उत्त० ३३. ४; (२) એક્લું ज्ञान; डेवण ज्ञान. श्रकेला ज्ञान; केवल ज्ञान. perfect knowledge. नाया० =; पन्न० १; २०, ३६; विशे० =४; ४१८; पि० नि० ६०; भग० १६, ६; क० ग० १, ४; ६; १०; ४, १४; र्ज० प० ७, १६०; ( 3 ) डेबर्स हरीन केवल दर्शन. Kevala Darsana, perfect understanding क॰ गं॰ ४, ४५; —आलोश्र पुं• ( - प्रात्नोक ) डेवस ज्ञान; परिपूर्ध् न्। त. केवल ज्ञान; परिपूर्ण ज्ञान; ब्रहाज्ञान. perfect knowledge. वि॰ वि॰ ४७६; —जुन्नल न॰ (-युगव ) हेवस युगस, डेवल ज्ञान तथा डेवल हर्शन केवल हयः केवल ज्ञान श्रीर केवल दर्शन. a pair of and Kevala Jñāna Kevala Darsana क॰ गं॰ ४, ६८; —दुग. न० ( -िद्दक ) डेवल ज्ञान तथा डेवल दर्शन केवल ज्ञान तथा केवल दर्शन. perfect knowledge and perfect vision. क गं० ३, १६; ४, ६; २०, — दुगूरा। त्रि॰ ( - द्विकोन ) डेयस दि इ रहित केवल द्विक-केवल ज्ञान थीर केवल दर्शनेस रहित devoid of a pair of Kevala गं॰ ४, ३४, —परियाय-ग. ( -पर्याय ) डेवत्रज्ञानना पर्याय केवल ज्ञान की पर्याय, molecules of Kevala Juana दसा० १०, ११; भग० १५, १. -मर्गा न॰ (-मर्गा) हेवणशान सिंदित भरेषुः केवल ज्ञान सिंहत मृत्युः death accompanied Kevala Jñāna (२) डेवस-अदितीय भरखः; पि. भरखः अनोस्ता मृत्युः पंडित मरण. good death; death in a proper way. इसा॰ ४, २६; २७; -वरणाणदंसणः न० (-वरज्ञान दर्शन-केवलमभिधानतो वरं ज्ञानान्तरापेचया Vol. 11/66.

प्रधानं ज्ञानं च दर्शनं च ज्ञानदर्शन) अधान हैवलशान व्यने हैवलदर्शन. प्रधान केवलज्ञान श्रीर केवलदर्शन. the chief Kevala Jñāna and Kevala Darsana. नाया॰ ५; ६; १४; भग॰ ६, ३१; २५, १, —िसरी. स्त्री॰ (-श्री) हेवल- ज्ञानरूप सम्पत्ति. wealth in the form of Kevala Jñāna. चउ॰ १४;

केवलकण्प. ति॰ (केवल कल्प-केवल: संपूर्ण: कल्पत इति कल्प: स्वकार्यकरणसमयों वस्तुरूप इति यावत् केवलश्वासौ कल्प-श्रित केवलकल्प: श्रथवा केवलश्वासौ कल्प-श्रित केवलकल्प: श्रथवा केवलश्वानसहरा परिपूर्णतासाधर्म्यात् सम्पूर्ण पर्यायो वा केवल कल्प शब्द: ) स पृष्णं, हेवल ज्ञान की तरह परिपूर्ण Complete, perfect as Kevala Jñāna. दसा॰ १, २४; २४, नाया॰ थ॰ ठा० ३, ४, भग० ३, ९; ६, ५; नाया॰ १३; जं॰ प॰ श्रोव॰ ४२; कप्प॰ २, १४;

केवलगागा न॰ (केवलज्ञान) हेवलज्ञान; સંપૂર્ણ – પરિપૂર્ણ જ્ઞાન: લાકના સર્વભાવને પ્રત્યક્ષ જણાવણાર જ્ઞાન; જ્ઞાનના પાચમા प्र**धार. केवलजान, सम्पूर्ण**- ब्रह्म ज्ञान; लोक के समस्त भावों को प्रत्यन्न जानने वाला जानः ज्ञान का पाचवा भेद. Perfect knowledge; omniscience; knowledge which reveals every thing; the fifth variety of knowledge. श्रोव० दसा० ४, २४, २४; भग० ६, ४, ८, २; नाया॰ १, —श्चावरण्. न॰ ( -श्राव-रण ) डेवसज्ञानन आवरल-आव्छादनः ज्ञानावरखीय क्रभेनी ओक्ष प्रकृति केवलज्ञान का श्राच्छादन-श्रावरण, ज्ञानावरणीय कर्म की एक प्रकृति obstruction to

Kevala-Jñāna; a variety of Jñānāvāranīya Karma. सम०१७; — त्रावरिण्ञ. न० (-त्रावरिण्य) डेवल- हातने द्यावर्ण्य डेवल- हातने द्यावर्ण्य डमें. केवल ज्ञान को द्याने वाला कमें; ज्ञानावरिण्य कमें की एक प्रकृति. a Karma which obscures Kevala-Jñāna. भग० १, ३१; — पञ्जव. पुं० ( -पर्यंव ) डेवल ज्ञानना पर्याय. वेवल ज्ञान की पर्याय. तेपंडांठाड of Kevala Jñāna. भग० २४, ४; — विराय. पुं० ( -विनय ) डेवल ज्ञानने। विनय. केवल ज्ञान का विनय. modesty in relation to Kevala-Jñāna. भग० २४, ७;

फेबलणाणि, पुं॰ (केवलज्ञानिन् ) हेवसनानी; हेवसी तीर्थं हर अपने सिद्ध लगवान, केवल-ज्ञानी; केवली तीर्थं कर खीर सिद्ध मगवान. An omniscient being; Kevalî Tîrthankara and Siddha. भग॰=, २; १=, १; २६, ५; नाया॰ =;

केवलदंसण्. न॰(केवलदर्शन-केवलन संपूर्ण-वस्तुतत्वप्राह्कवोधविशेषरूपेण सामान्यांशप्रहणं तत्केवबद्शंनम् ) हेवस र्धान; संपूर्ध दर्शनः केवल दर्शन; सम्पूर्ण दर्शन. Kevala Darśana; perfect vision. दक्षा॰ ४, २४;२४; भग॰ २, १०; २; जीवा० १; कृष्प० १, १; —आव-रगा. न॰ (-धावरण-वेवतमुहस्वरूपं तपद्शेनं च, तस्यावरणं केवलद्शेनावर-राम् ) दर्शनावरशीय धर्मनी ओध प्रकृति धे જેના ઉદયથી છવ કેવલદર્શન ન પામે. दर्शनावरणीय कर्म की एक प्रकृति: जिसके उदय से जीव को केवलदर्शन उत्पन्न नहीं होता. a variety of Darsanavaranīya Karma by the rise of which a soul does not acquire Kevala Darsana ठा० ६, १: सम॰

१७; पछ० २३; उत्त० २३, ६; केवलदंसिंगि. पुं० (केवलदंगिनन्) देवस दर्शनी छव. केवल दर्शन याली श्रारमा A soul possessed of Kevala Dar-

śena. भग॰ ६, ३: ठा॰ ४, ४: केंचलनागु. न॰ (केंचलज्ञान) लुओ। " केंचल-याण " शण्ट. देगो " केवलणाय " शब्द. Vido " केवलगाया " भग० २, १०; म, २; नंदी॰ १; श्रागुजी॰ १; विशे•७६; दसा॰ ७, १२; कप्प० १, १; प्रव० ७०४; — ग्रा-वर्गागुज्ञ. १ं० ( - भावरयोप ) लुने। " केवलगाग धावरगिज " शण्ट. देखें। " केवलणाख आवर्षिज " शब्द. vide " केवलगाग भावरियात" भग॰ १, ३१; -पज्जव. पु॰ (-पर्यंव) डेवश ज्ञानना अनंत पर्धव. बंबल ज्ञान के ज्ञनत पर्यव. infinite atoms of Kevala Jñāpu. भग॰ द.२:—लाद्धि. स्रो॰ (-खिव्य) डेवसग्राननी अपि. केवलज्ञान का प्राप्त होना. acquirement of Kevala Jñāna. भग - =, २: —लद्धिया बो॰ ( -बव्धिका ) हेवस-ज्ञाननी अपि. केवल ज्ञान की प्राप्ति. attainment of Kevala Jñāna. भग० ८, २:

केवलनाणि. पुं॰ (केवलज्ञानिन्) लुओ।
"केवलणाणि" शण्ट. देखी "केवलणाणी"
शब्द. Vide "केवलणाणी" मग॰ ६,
३; ८, २; ८, ६; कप्प॰ ६, १८१; (२)
अतीत उत्सर्पिणी आवमा थयेव पहेबा
तीर्थं ३२. अतीत उत्सर्पिणी काल में उत्पष्ट
हुए प्रथम तीर्थं कर. the first Tirthankara of the past Utsarpini
time. प्रव॰ २६०;

केवलि. पुं॰ (केवांबन् ) डेवसज्ञान धरनारः डेवसज्ञानीः डेवसी तीर्थंडर अने सिद्ध स्थर-पान्. केवलज्ञान रखनेवालेः केवल ज्ञानीः केवली: तीर्थंकर श्रीर सिद्ध भगवान One possessed of perfect knowledge; an omniscient being; Kevalī, Tīrthankara and the Siddha. भग०१,४;२,१;४,४;७,७;६, ३१; १४, १०; १=, ७; २४, १, २४, ६; ७; दस० ४, २२ पराह० २, १; पि० नि० १४=: नाया० म; १४; त्रागुजो० १२७, पन्न० २०; ३**:** श्रोव॰ १०; उवा० ७, १८७; क॰ गं० १. ४७; ४, ४४; ६, ४; भत्त० १४६; श्राव० २, १; क०प० २, ४४; प्रव०६; ६६४; (२) કેવલસમૂદઘાત–સાત સમુદ્રધાતમાંની સાતમ<u>ી</u> केमां भे प्रधारना वेहनीय अभीनी भे प्रधार-ના નામકર્મની અને બે પ્રકારના ગાત્ર કર્મની निर्जरा थाय छे. केवल समुद्धात-सात समु द्धातों में से सातवा, जिससे दो प्रकार के वेद-नीय. दे। प्रकार के नाम और दो प्रकार के गांत्र कर्मी की निर्जरा होती है. one of the 7 Samudghāts; Kevala Samudghāta; which involves the process of the destruction of 2 sorts of Vedaniya, 2 sorts of Nāma Karma and 2 sorts of Gotra Karmas in a very short time. पन ३६: — श्राराहणा. स्रो॰ ( - श्राराधना ) अवधिज्ञानी, भनभर्यवज्ञानी अने डेवसज्ञानीनी आराधना. श्रवधिज्ञानी, मनप्यवज्ञानी श्रीर केवलज्ञानी की श्राराधना. devotion or services to the soul possessed of Avadhi Jñāna, Manaparyava Jñāna Kevala Jñāna. তা॰ ২, ४; — उবা-सग पुं० ( -उपासक-केवालनसुपास्त यः श्रवगानाकांचीतदुपासनामात्रपर: केवस्युपासक; ) ५वडीनी ઉपासना ५२नार नत्यारी श्रावक केवली की उपासना करनेवाला

व्रत्यारी श्रावक, a householder who has taken the yows of a layman and who renders devotion to a Kevali, भग॰ ४, ४; ६, ३१: — **उवासिया.** स्री॰ ( -उपासिका ) हेवः લીની ઉપાસના કરનારી શ્રાવિકા केवली की उपासना करने वाली श्राविका, a female Jaina householder who worships a Kevalī, भग॰ ६, --- परागत्त. ति॰ ( -प्रज्ञस ) डेवणी अग-वाननं भ३ पेक्षं. केवली भगवान द्वारा कथित. prescribed, extolled by the omniscient, राय॰ २३४: दसा॰ ७. १२; भग० ६, ३१; श्राव० ४, १; —परि याग. पुं॰ ( -पर्यायक ) हेवसज्ञानीनी देवली तरीहेन। अवस्था, कैवलज्ञानी की केवलीपनेकी Kavali-हालत. the hood of one possessed of Kevala Jñāna. नाया॰ =; १४; अंत॰ ४, १, —**मर्**ण न० (-मरण) डेवणी-पर्शे भरश थाय ते. केवल ज्ञान होते हुए मृत्य होना. death in the stage of Kevala Jñāna भग॰ ५, ७; सम॰ १७; —समुग्धाश्र-य. पुं॰ (-समुद्रात--केवलिन्यन्तर्मेहुर्वभाविषरमपदेभवः समुद्रातः केवाजिसमुद्धातः ) हेवशी अभवानने हरेश સમુદ્ધાત; કેવલસમુદ્ધાત-આંડ સમયમાં થતી એક પ્રકારની આત્મ પ્રદેશને વિસ્તારી કર્મ ने પંખેરવાની કેવલિની ક્રિયા केवली भगवान द्वारा की हुई समुद्धात; केवल समु-द्वात-श्राठ समय में होने वाली एक प्रकार की श्रात्मप्रदेश की फैला कर कर्म नष्ट करने वाली केवला की किया. the Samudghāta performed by a Kevalī; Kevala Samudghāta, i e. the activity performed by a Kevalī

in eight Samayas (instants) by expanding the molecules of the soul to destroy the Kaimas भग० २, २; ८, ६; २५, ६; मम० ७; —सावग पुं० ( -भावक ) देविल्णियानी। श्रावध-वयनसांलक्षनार केवली भगवान का श्रावक-वचन सुनने वाला का adherent of an omniscient being. भग० ६, ३६; —साविया. स्री० (-श्राविका) देविल्णियानी श्राविधा. केवली भगवान की श्राविका. a female adherent of an omniscient being भग० ६, ३१;

केवलित्तः न० (केवलिख) हेवसमानीपर्छः केवलज्ञानीपना The state of being an omniscient being. प्रदर्भ १४२१; केवलिय न० (केवस्य-केवलस्य भावः केव-ल्यम् ) डेवब स्वरूपः धातिङ्गने। विये।ग केवल स्वहप: धाति कर्म का नाश. The perfected stage, absence of Ghāti Karmas, विशे ११५०:२६५१: केवलिय त्रि॰ (कैदालिक) डेवसजानी संभंधी केवल जानी सम्बन्धा Relating to an omniscient being. "तं सोयकारी पुढो पत्रेक्षे । संखा इसं केवतीयं समाहि " स्य० १, १४, १६; ठा० ४, २; नाया० १; फेस एं॰ (क्लेश ) ड्वेश; इ.भ. क्लेश; दु:स. Misery; affliction; pain trouble. विशे० १६२१. उत्त० ५. ७:

केस पुं० (केश ) वाण; हेश. बाल; केश.

Hair. श्रोव० १०; जीवा० ३, ३; नाया०
१, ६: भग० १, ७: ६: ३, २: ४; ७, ६;
६, ३३; पन्न० २; उत्त० १०, २१; श्राया०
२, ६, १६३, सम० ३४; राय० स्य०२, १,
४२; उवा० १, ४१; कष्प० ६, ५७; प्रव०
४११, ४३६: — श्रालंकार. पुं० (-श्रल-

**छार—केशाएवालङ्काराः केशालङ्काराः** ) વાળ એાળવા: પટીયા પાડવા અને તેલ દ્રલેલ धासवं ते बाल ब्रॉछना; भाग पाडना ब्रीर तेल फ़लेल लगाना. combing of hair. ठा० ४, ४, भग० ६, ३३; — सा. न॰ (-ष्रप्र) डेशने। अश्रभाग, बाल का अग्रभाग. the tip, point of a hair. भग० ३, २; — भामि. स्री० (-भूमि) डेशनी भ्रमि: भाषानी याभडी बाल की चमड़ी: सिर का चर्म, the skin of the head श्रोव॰ १०; राय॰ १६४; — मंस पुं॰ ( -श्मक्र ) भाधापरना डेश अने हाडी भु२७. सिर के वाल श्रोर डाढी मृच्छ. the hair of the head, moustache and beard. प्रव. १३६४: -रोमनह. न॰ ( -रोमनख ) भाषाना हेश, शरीर रुवां अने नभ सिर के बाल; शरीर के रोम और नाखन the hair of the —लोग्न पुं॰ (-लोच) हेशने। दीय हरवे।; મસ્તક તથા ડાઢીના વાળ હાથેથી ખેચી--भंटी अहाउवा ते. केश का लंबन करना; मस्तक तथा डाढी के वाल हाथ से खींचकर उखाडना. rooting out of hair; pulling out of han of the head, beard etc. with the hand. भग० १, ६; उत्त० १६, ३३; "संतसा केस लाएगा, बंभचरपराइया " सूय० १, ३. १३: निर॰ ४, १; —वहार. पु॰ ( -- શ્રपहार ) કેશ-વાલાગ્રનું અપહરવું **५५।२ ।।८**वृं ते. केश-वाल স्মादिका परि-त्याग-बाहर निकाल देना. rooting out of very small hair क॰ गं॰ ५, इप्र; —वागिज्ञ न॰ (-वागिज्य) डेशवाक्षा જીવાના વ્યાપાર; પંદર કર્માદાનમાના એક. केश वाले जीवें का व्यापारः पन्द्रह कर्मा-

दानों में से एक. dealing in the animals having fur; one of the fifteen Karmādānas. भग॰ ६, ५; —हत्था पुं॰ (-हस्त) डेशना ६।थ-वेणी; अभ्भोडी बाल का हाथ-वेणी; वाल का गूंथना. a braid of hair नाया॰ १; कप्प॰ ३, ३५;

नाया० १: कप्प० ३, ३६: केंसत. पुं॰ (केशान्त ) डेशने। पर्यंत लागः भाधानी याभडी, केश के नीचे का मागः सिर की चमही. The root of the hair: the skin from which the hair comes out. राय॰ १६४, जीवा॰३; तंदु० केसर. पुं॰ न॰ (केशर) ५ूसने। डेशर; पद्म વગેરે પુલમાં થતુ કેશના આકારે તતુ. फुल का पराग-केशर; पद्मादि फुलों में उप्तन्न होने वाले केश सरीखे तंत. The pollen or farma of a flower. पञ्चo नाया० ४; नदी ७; जीवा० ३, १; राय० १३३: ( ર ) કમ્પિલ્લપુરની બહારના એક ઉદ્યાન-णशीयानुं नाभ. कषिलपुर के वहार के **ए**क बर्गाचे का नाम. name of a garden outside the city of Kampilapura. "श्रह केसरन्मि उजारो श्रणगारे तवोधयों' ज प प ३, ६१; ७, १६६; रुस॰ १, ३, (३) पृक्षनी ओक्रलत्तः अदुल-नु आऽ वृत्त की एक जाति; बक्ल का काड. a kind of tree राय॰ ४१; ( ४ ) सिंदना डेरारा सिंह के केश. the mane of a lion. भग० ११, ११;कप्प०३,३५; --- श्राडोव. मुं० ( -श्राटोप ) सिंहना हेश-राने। विस्तार, सिह के केशों का फैलाव. the expanse of the mane of a lion. मग० ११, ११; कप्प०३, ३४, - उन्नेय पुं॰ ( - उपपेत ) ४भक्ष हेशरथी-थुक्त. कमल केशर महित full of pollen or farma of a lotus, नाया॰ १३.

केसरि. पुं॰ (केमरिन् ) डेसरी सिंह, केशरी सिंह. A lion of high breed. श्रयाजो०१३१;परह०१,४; (२) डेसरी रंगनुं ४५५. केशरी रंग का कपडा. a cloth of saffion colour नाया॰ ५; (३) કેસરિ નામના દ્રહ્ય નિલવ ત પર્વાત ઉપરના ओ ६ ६६. केसरी नाम का द्रहः नीलवंत पर्वत ऊपरका एक दह. a lake of this name: a lake situated on the Nilavanta mount. जीवा॰ ३, ४:ठा॰ २,३: (૪) કેસરી–આવતી ચાવીસીના ચાથા अतिवासदेव. केसरी-स्रागामीकाल की चौदामी के चौथे प्रति वासदेव. Kesari, the fourth Prati Vāsudeva of the coming cycle. सम॰ प॰ २४२, --- दह पु॰ (-दह) के भांथी सीतान**टी** નીકળે છે તે નીલવંત પર્વત ઉપરના એક ८६ नीलवंत पर्वत के ऊपर का एक द्रह जिस में सं सीता नदी निकलर्ता है. the lake on the mount Nilavanta from which the river Sita 1ises ठा० ३, ४, सम० ४०००. जं० प० ४, ११०,

केसिरिया. श्री॰ (केशिरेका) लभीन द्वाथ भग साध धरवाने संन्याभीने राभवानी लुगग्रांनी ध्रधी; साध्रीओं भांधेस इमास. मृमि
या हाथ पांव साफ करने के लिये संन्यामी
के पास रखने का एक वस्त्र का दुकड़ा, तकड़ी
पर बांधा हुआ रुमाल A piece of cloth possessed by an ascetic to brush or cleanse the ground, hands and feet मग॰ ३, २; श्रोव॰
३६; (२) ५ शा पुल्यानु साधन, पूंज्या. a small brush of threads used by an ascetic to cleanse the wooden

utensils. भग० २, १; पग्ह० २, ४; श्रोघ० नि० ६६६;

केसव. पुं॰ (केशव) कृष्णुवासुदेवनुं नाम.

कृष्णवासुदेव का नाम. The name of the Kṛiṣṇa Vāsudeva. उत्त॰ २२, २; नाया॰ १६; जीवा॰ ३, २; पग्छ॰ १,४; केसबुद्धि स्रो॰ (केशवृष्टि) देश-वासनी वृष्टि करी लताववानी विद्या. केश-वालों की यृष्टि विस्ताने वाली विद्या. The lore of making a shower of hair full.

स्य॰ २, २, २७; (२) देश-वासनी वृष्टि केश-वालों की यृष्टि. a shower of hair. प्रव॰ १४६७:

केसि. पुं॰ ( केशिन् ) परदेशी शलने समल-વનાર પાર્શ્વ પ્રભુના સંતાનીયા; એ નામના એક કુમાર સમણ-કુમારાવસ્થામાં પ્રવજ્યા **લीधे**स भक्षत्भा परदेशी राजा को गमकाने वाले पार्श्वप्रभु के संतानिया; इस नाम के एक कुंबार श्रमण-कुंबारावस्था में दीन्तित हुए महात्मा. A disciple of Parśvanath who had given advice to Pardesi king. उत्त०२३, २;राय०२१४; भग० ११, ११; उवा० =, २४६; निर० ४, ૧: (૨) કેશીકુમાર; ઉદાયન રાજાના लानेक. केशांकंवार; उदायन राजा का भानेज. the prince named Keśi; the nephew of king Udāyana. भग॰ १३. ६; उवा॰ ८, २४६; (३) केशी-वासुदेव. Keśī Vāsudeva प्रव॰ ४२३; -सामि पुं॰ (-स्वामिन्) रेशी ५भार-श्री પાર્શ્વનાથ સ્ત્રામિના શિષ્યાનુશિષ્ય फेशो कुंवार-श्री पार्श्वनाय स्वामि के शिष्यानुशिष्य. Keśī Kumāra the grand-disciple of Parsvanātha. भग २, ५; फिसि. पुं॰ (क्लेशिन्) ह्वेश वाणा; हु.ण वाणा. क्लेश वाला; दु.खा. Troubled; afflicted. विशे > ३१४४;

केसिश्चा. छी॰ (केशिका = केशा विधन्ते यस्याः मा केशिका) भाषा ७५२ बांला डेश धराव-नारी स्त्री. निर पर लम्बे केश रखने वाला छी. A woman having long hair on the head. स्य॰ १, ४, ३, ३;

केसी. ब्री॰ (कीस्सी) डेवी; डेवा अधारनी. फॅमी; किस तरह की; (ब्री). Of what sort. श्रयुजी॰ १२=;

छ कोत्रासिन्छ। त्रि॰ ( ﴾ ) पद्मनी पेंद्रे विक्ष्मेल, पद्म-कमल की तरह विकसित. Blown as a lotus, श्रोव॰ १०; जं॰ प॰ २:

कोई. य॰ (कश्चित्) है। अेंड कोई भी.
Certain, some one. नाया॰ ७: छ॰
च॰ ४, १८८; दस॰ ४, १, ६६; भत्त॰३८;
कोइल पु॰ स्रो॰ (कोकिल ) है। ४४; यसंत
अध्नुभां भंयभ स्त्ररे भधुर अयाल हरतुं
ओह भक्षी कोयल; वसंत ऋतु में पंचम स्वर्
से मधुर श्रावाज करने वाला एक पत्ती. A
cukcoo. छ॰ च॰ २, १३६; जीवा॰
३, ३; नाया॰ ४; ८; जं० प॰ निर० ४, १;
उत्त॰ ३४, ६; ऋणुजो॰ १२८; श्रोव॰ ठा॰
७, १;

कोइलच्छ्रय. पुं॰ (कोकिलच्छ्रद ) तैस इंटर्ड नाभनी ओड पनस्पति. तैल कंटक नाम की एक वनस्पति. A kind of vegetation. पन्न॰ १७:

कोउन्न-यः न॰ (कीत्क) क्षुतुह्स. कुतुह्स. कित्रहरू. Cutiosity. भग॰ ७, ६; स्॰ प॰ २०;

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी प्रुटने। (\*) देखे। पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (-) p. 15th

सु० च० १३, ४३; प्रव० १११; ६४१; कप्प॰ ४, ६७, ( २ ) ગર્ભાધાનાદિ સંસ્કાર; भहे। स्य विशेषः गर्भाषान श्रादि संस्कारः महोत्सव विशेष, ceremony relating to pregnancy. भग०११,१११सय०२८; (३) ઉતાર કાઢવા વગેરે કાંતુક કર્મ. भूत उतारने आदि का कौतुक कर्म. an observance to get rid of the obsession by a ghost. स्य॰ २, २, ४४; ( ४) रक्षा; रक्षण. रच्चा; रच्चण. protection. जं॰ प॰ ३, ४३; ( ५ ) भंग/। क्विया: इपाले तिलक करत ते. मागलिक किया: कपाल पर कंक श्रादिका तिलक लगाना. an auspicious action; an auspicious mark on the fore-head. जं॰ प॰ भग॰ २, ५; ६, ३३; उत्त॰ २२, ६; श्रोव० ११, २७; —कस्म. न० ( - कर्मन् ) મગલ - सौलाञ्य माटे કપાલે तिक्षक्ष करवु ते. मंगल-सौभाग्य के लिये कपाल पर कंकू श्रादि का तिलक लगाना. the act of making an auspicious mark on the fore-head. नाया० १४; निसी० १३, १२; -कारक. त्रि॰ ( -कारक ) है।तुक करनार. कौतुक-तमाशा करने वाला. an enchanter; a joker. श्रोव०४ १;

कोउग. न॰ (कौतुक) लुओ। "कोउश्र-य" शल्ट. देखो "कोउश्र-य" शब्द. Vide "कोउश्र-य" सु॰च॰६, ८४; पंचा॰१३,२४, कोउय. पुं॰ (कौतुक) लुओ। "काउश्य" शल्ट. देखो "कोउश्य" शब्द. Vide 'कोउश्य"

कोउहल. न॰ (कीतृहल ) शेतुः; धुतुक्षः; ६त्सुक्ष्ताः कीतुकः; कुतुहलः, उत्सुकताः Eagerness; curiosity. श्रोव॰॰३८; भग॰ ६, ३३: निसी॰ ३, ५: जीवा॰ ३, ३; राय॰ ४०; — विडियाः स्त्री॰ (-प्रतिज्ञा) ५०६ भिते: इतुहत्त के लिये. for the sake of curiosity. राय॰ निसी॰ १७, १;

कोतहल. पुं॰ ( कुत्रहल ) डेातु इ: इतुह्रल. कोतहल पान कोतुहल. Curiosity भग० १, १; (२) अलुक्त भागती ध्र-४। अने लुक्त भागती श्रामित श्रामित श्रीर भुक्त भागकी श्रामित श्रीर भुक्त भागकी स्मृति. desire for a thing that is never tasted and remembering of things that are tasted. ज॰ प॰ ४, ११४; उत्त॰ १४, ६;

कोऊहलिल. त्रि॰ (कैंत्हलिक) कुतुह्ही;
भशक्षरेत. मस्तरा; हंसी करनेवाला. A.
joker; a buffoon. श्रोध॰नि॰भा॰१९३;
कोंक्रण. पुं॰ (कोइएण-कोइएण एव कोइएणः)
ओ नाभनेत ओक देश. इस नाम का एक देश.
A country of this name. श्रोध॰

कोंकराग. त्रि॰ (कोंकराक) क्षेत्रश् देशनी रहेवासि. कोंकन देश का निवासी. A resident of Kokana. पत्र॰ १; परह॰ १, १;

कोंच. पुं॰ (क्रोंका) होंच पक्षी. कोंच पक्षी.

A heron. निर॰ ४, १; पक्ष॰ १;
ठा॰ ७, १; जं॰ प॰ नाया॰ ४; ६; राय॰
४४; जीवा॰ ३, ३; उत्त॰ १४, ३६;
श्रोव॰ ३४; " इट्टंच सारसा कोंचा, यासायं
सत्तमं गम्रा " ठा॰ ७; (२) होंच देशनी।
२६वासी कोंच देश का रहनेवाला. a resident of Kroncha country. प्राह॰
१, १; पक्ष॰ १; —श्रारच. पु॰ (-शारव)
होंच पक्षीना केवे। आवाल. कोंच पक्षी जैसा
म्रावाज. a sound resembling that
of a heron. जं॰प॰३,४३;—ग्रास्सण न॰

(-श्रासन) એક જાતનું આસન एक प्रकारका श्रासन. a kind of bodily posture. जीवा॰ ३; भग॰ ११, ११; —स्सर. ति॰ ( -स्वर-क्रोज्जस्येवाप्रयासेन विनिर्यतोऽिष दीघेदेशच्यापी स्वरो येषां ते क्रीज्ञस्वरा.) हैं। य पृक्षीना सरभा भधुर स्वरवाली. क्रोंच पर्चा के सहश मधुर स्वर वाला. (one) having a melodious voice as the cry of a heron जीवा॰ ३; (२) विज्ञ कुमार देवकी घंटा. a bell of Vijju Kumāra. जं॰ प॰ ५, १९९; २, २१;

फोटलम्रः त्रि॰ ( कौटलक-कौटलं ज्योतिषं निमित्तं वा प्रयुक्त इति कीटलकः ) है। ८८५- ल्योतिष व्यथना निभित्त शास्त्रने। ब्यथनारः कोटिल्य-ज्योतिष या निमित्त शास्त्रका ज्ञाताः One knowing astrology and science of omens. " पाणि वहोति सुगहरो पउंचरो कोटल यस्त नितियंतु" श्रोष नि॰ भा॰ २२१:

कोंडलक. ए॰ (कोण्टलक) એક જાતનું પ્રાણી एक जात का प्राणी. A kind of unimal. श्रोव॰

कात पुं॰ (कुन्त) लाले। माला. A spear. जं॰ प॰ —गा. न॰ (-श्रम) लालानी अल्डी. भाला की नोक. the point of a spear. नाया॰ १६;

कोंतियः पुं॰ (कोन्तिक) એક જાતનુ धास. एक जाति का घास. A kind of grass. भग॰ २१, ६;

कोकंतियः पुं॰ (कोकन्तिक कोको इत्येवं श्रार-टतीति ) के हिल्लं. कोला. A gourd. (२) थें। क्षेत्रं कोमडी. a jackal. पग्ह॰ १, १; श्राया. २; १, ४, २७; र्जावा० ३; ३; नाया० १; पन्न० १; कोकराय. न० (कोकनद-कोकान् चक्रवाकान् नदित नादयदि वेति) सास अभस. लाल कमल) A red lotus. पन्न० १; स्य० २, ३, १८;

कोकासिश्र-य त्रि॰ (\*) डे। डास-सास डभदनी पेंडे विडसित; अपूर्ल्सित कोकास-लाल कमल की तरह प्रफुक्तित-विकसित. Blown as a red-lotus जीवा॰ ३, ३: जं॰ प॰

कोकिल. पुं॰ श्ली॰ (कोकिल) डे।यथ पक्षी. कोयल पत्ती. A cuckoo bird पत्त॰ १; कोकुइश्र. पुं॰ (कोत्कुचिक) ढारयलन ३ येष्टा डरनार, लांड. भांड; हास्यमय चेष्टा करने-वाला. A joker जं॰ प॰

कोक्कुइश्र. त्रि॰ (कोत्कुचिक) ભાંડની भेडे येष्टा क्रतार. भांड की तरह चेष्टा करनेवाला. One who acts like a joker. उत्त॰ ३६, २६१; श्रोव॰ ३१; ज॰ प॰

कोच्छ पुं॰ (कोत्स) એ नाभने। એક देश. इस नाम का एक देश. A country of this name. भग॰ १४, १;

कोच्छुं भरि. पुं॰ ( कुस्तुम्बरि ) એક જાતનું धान्य. एक जानि का धान्य. A kind of corn, जं॰ प॰

कोज्ज. पुं॰ ( कुच्ज ) कुण्लक्ष-अक लातनुं आठ. एक जाति का भाड. A kind of tree. कप्प॰ ३, ३७; नाया॰ ८;

कोटि पुं॰ (कोटि) અग्रलाग; अर्खी. श्रप्र-भाग; नोक. The point. जं॰ प॰ (२) धरीड; संभ्या विशेष. करोड़; वृहद् संख्या. a crore ( numerical figure ).

<sup>\*</sup> लुओ। ५४ नभ्भर १५ नी प्रुटनीट (\*). देखो पृष्ट नम्बर १६ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th.

विशे० ४२३;

कोटित्ल. पु॰ न॰ (कोटित्य) नाना भुध्यर. खोटा मुद्रल. A small club विवा॰ ६; कोट्ट धा॰ II (कुट्ट) भन्ने प्रावडे जभीन पर कुद्रना. Jumping on the ground by lifting both the feet upwards. (२) धुद्रनु. कुटना: वुक्रनी करना. to pound.

कोष्टिय सं कृ कावा ३, १; कोटेमाण. व कृ भग १४, १, कोटिजमाण. य वा व कु जीवा ३, ४;

कोष्ट पुं॰ ( \* ) डिश्લे। गढ; किला. A fortress, (२) पछाउद्यु: प्रदु: पछा-डना, क्रना to dash, to pound पग्ह॰ १, १;

कोष्टिकिरिया स्त्री॰ (कोष्ट्रक्रिया) यन्ति।; हुर्गा वृगेरे रुद्रस्वरूप देवी. चंडिका, दुर्गा स्त्रादि राहरूप वाली देवियां The goddoss Chandikā etc भग॰ ३, १, नाया॰ =: प्राणुजो॰ २०;

कोष्ट्रणी स्त्री॰ (॰) हिस्सा ઉपरनी श्मिश. किले की भूमि The courtyard in a fortress. जं॰ प॰ ३, ४७,

कोष्टाग पुं॰ ( \* ) सुतार, मुतार; वढई. A. carpenter. "कोष्टाग कुलाणि वा गाम- स्कल कुलाणिवा" श्राया॰ २, १, २, १९;

कोट्टिम. पुं॰ ( कुट्टिम ) शें। यतणीयं जमींन के नीचे का तलघर; नीचे की भूमि. The underground floor; a cellar. नाया॰ ६; —कार. त्रि॰ ( -कार ) शें। यतणीयाने। पनावनार. भूमि में तलघर का बनानेवाला the architect who constructs a

cellar श्रमुजो॰ १३१; — तत्तः न॰ ( -तत्तः ) भेांयतणीयुं. नीचे की जमीन, तत्तघर. a cellar. नाया॰ १; भग॰ ६, ३३; जं॰ प॰ १;

कोट्ट पुं॰ (कोष्ठ) क्वेहें।; धान्य सरवाने। डे। है। है। है। कोटा; धान्य भरने का कोठार; कोठी. A granary. ठा० ३, ४; भग० १४, १; १६, ६; नाया० १; जीवा० ३, १; पि० नि० २१९, श्रोव० २६; ३८; प्रव० १००६; (२) हे। है। अती. कोठा, छाती. a store room; the breast. जं॰प॰३, ४७; श्रोव० २१; नाया० १६; (३) ओं ड व्यतने। सुर्गेधी ४०५, ४।६. एक जाति का मुगर्घा डब्य. a kind of fragrant substance. भग॰ १८, ६; राय॰ ४४; धारे थान भें अन्तामः धारेणा का एक नामः name of a Dhāranā. नदी॰३३; (५) શરીરની અંદર પાેેેલાણ વાલા અવયવ; એવા કાેકા પુરૂષતે પાંચ અને સ્ત્રીતે છ હેાય છે, એક ગુબના અધિક છે માટે. શરીરકે માતરકા पोला श्रवयव; एसे पाले कोठे पुरुष के पाच तया स्त्रों के छः होते हैं, एक गर्म का ऋधिक होता है. a hollow organ in the body; there are five such organs in the body of a man and 6 in the body of a woman, तंद्र॰ —न्त्राउत्त त्रि० (-न्नागुप्त) क्षेडीमां नाणेस; केक्षित्मा रक्षितः भद्रार में डाला हुआ; कोठे में रचित. properly stored भग॰ ६, ४; ६, ६; ठा० ३, २; निसी० १७, २२: वेय० २, ३; — उद्यगय. पु॰ (-उपगत ) કાકામાં પ્રવેશ કરેલ कोठे में घुसा हुआ. (one) who has entered

<sup>\*</sup> जुओ। पृष्ठ नम्भर १५ ती पुरते। ( \* ). देखो पृष्ठ नंदर १६ की फूटने। ट ( \* ). Vide foot-note ( \* ) p. 15th.

Vol. 11/67.

into a room. भगः =, ७; — पुड. पुं॰ ( -पुट-कोष्टे य:पच्यते वाससमुदाय: स कोष्ट एव, तस्यपुटाःषु टेकाः પુટા: ) કેાઠના-સગધી દ્રવ્યના પડા સુંરંઘો द्रव्य का पुडा. a packet of a fragrant substance. नाया॰ १७; भग॰ १६, ६; जं०प० ४, ६६; —बुद्धि. खी० (-बुद्धि-कोष्टकप्रचित्रधान्यमिव यस्य सूत्रायौं सुचि-रमपि तिष्टतःस कोष्ठबुद्धिः ) हे। हाराना लेवी સહિ: કાંકામાં પડેલ ઘાન્ય જેમ સહે કે ળગહે નહિં તેમ મેલવેલું જ્ઞાન જીવન પર્યંત નષ્ટ थाय નહિં એવા પ્રકારની ખુદ્ધ-શક્તિ. कोठे जैसी बुद्धि, कोठे में पड़ा हुआ धान्य सड़ता या विगइता नहीं वैसे ही प्राप्त हुआ ज्ञान जीवन पर्येत नष्ट नहीं होता ऐसी बुद्धि-शाहिः (one) of great intellect; a kind of intellect which never spoils like corn which is stored in a granary. श्रोव । विशे ० ७ ६६; - सम्रा. पुं॰ (-ससुद्ध ) डे।६ने। डामली. कनिट का डब्बा. a box made of wood-apple. जन्प० ३, ४३:

कोहन्न-य. पुं० (कोष्टक ) सापर्धी नगरीना ध्रानि अंजान ध्रातिन उद्यान नाम. सावर्था नगरी के ईशान कोने के प्रातिन उद्यानका नाम. Name of an old garden situated to the north east of Sāvarthi city. नाया॰ १; भग॰ ६, ३३; १२, १; १४, १; राय॰२११; निर॰ ३, १; उवा॰६, १२६; (२) धान्यना होहार. धान्य का कोन्ना. a store-room for grain; a granary प्रव॰ १४१६; — चेद्य. न॰ (- चेत्य) सावर्थि नगरीनी अंधारनुं उद्यान सावर्थी नगरी के बाहर का बगीचा. a garden situated out side Sāvarthī city. नाया॰ ध॰ २;

—बुद्धि. स्नी॰ (-बुद्धि) धान्यना डेाहारनी ए.डि. धान्य के कोठों की चुद्धि. increment in grain stores. प्रव॰ १४०८;

कोहुग. पुं॰ (कोष्टक) डे। है।; भुरण. कोठा; बुर्ज. A tower; a room. (२) भे। र है।. बढ़ा कमरा. a large room. सम॰ प॰ २१०; जीवा॰ ३, ३; अगुजो॰ १४८; पन॰ २; (३) अ। वस्ती नगरी के बाहर का एक उद्यान. a garden outside the city of Śrāvastī. उत्त॰ २३, ८;

कोहागार. पुं॰ (कोष्टागार) धान्य गृद्ध; देहिर. धान्य घर. कोठार. A room for storing grain; a granary. निर॰ १, १; स्याय० २०६; २२२; २८२; निसी०८, ६; ६; निशे॰ १८२७: नाया० १; ७; १४; भग॰ ११, ६; उत्त॰ ११, २६; स्रोव॰ कप्प॰ ४, ६४; जं॰प॰२,३०; —माला. पुं॰ (-शाला) देहिरनुं भधान. कोठे का मकान. a house having a granary निसी॰ ६, ७;

कोहिया ति॰ (केप्टिक) डेाठ वाणा; जेनी पासे डेाइनामे सुंगधी इन्य छे ते. सुगंधि इध्य जिसके पास हैं वह; कोठ वाला. (One) having a fragrant substance known as Kotha. विवा॰ ७; उवा॰ २ ६४;

कोडंड. पुं॰ (कोदएड) धनुष्य. धनुष्य. A bow ग्रंत॰ ४; १;

कोडंब. पुं॰ (कोजम्ब) वृक्षनी नमेशी शाणानी अथलाग. मुके हुऐ इस की शाखा का अप्रमाग. The foremost portion of a bent branch of a tree " विसम गिरिकडग कोडंबसिकिविट्टा" नाया॰ १८;

कोडंबाणी. स्नी॰ (कौडुम्बिनी) એ नामनी એક शाफा. इस नाम की एक शाखा. A

sect of this name. कप्प॰ मः;
कोड्या. च॰ ( कोइन ) धुटवुं ते कूटना
Pounding. पगह॰ १, ३;

को डाकोडि. स्नी॰ (कोटिकोटि) अं ३ है। । है। । इते। इते। इते। एक को डा को ड; करो इ को करोड़ से गुण करना. 10000000× 10000000; a crose multiplied by a crore. ठा॰ २. ३; भग॰ ६, ३; १६, ६, जं॰ प॰ पन्न॰ २३,

कोडाल. न॰ (कोडाल) हाडास नामे ओड गात्र; अध्यक्षत्त श्राह्मश्रुत गात्र. कोडाल नामक गात्र; ऋपमदत्त. ब्राह्मगा का गोत्र. A lineage known as Kodāla; the lineage of the Brahmin Risabhadatta. काम०१, २; — सगोत. ति० (-सगात्र-कोडाले:समगोत्रं यस्य सः) हाडास गात्रमां जन्मेत्र; हाडास गात्र वाला कोडाल गात्रमें उत्पन्न; कोडाल गात्र वाला (one) born in Kodāla lineage. श्राया० २, १५, १७६;

कोडि. स्री॰ (कोटि ) धरेए; से। आभ (१००००००) एक करोद; सो लाख; (1000000) One hundred lacs; one erore: 10000000. भग॰ २, १: ८; ३, २; ७, १; १३, ६; सु० च०१, २१५; स्०प० १८; जीवा० १; नाया० १; म. त्रगुजो० ११७; उत्त० ६, १७; ठा० २, ४; श्रोव॰ ७, १८२; (२) भुष्टे।. कोना. a corner; an angle. पंचा॰ २६; राय० १४६; पि० नि० २४७; ठा० मः (3) छेडे।; अंत्य अदृश. विनारा: श्रंतिम प्रदेश end; the region of the boundary जं॰ प॰ (४) द्वशीयारनी धार हथियार की धार. the edge of a weapon. जीवा॰ ३; राय॰ २०४; ( प्र ) અधिः; अभ्रक्षांग नोक, श्रयमाग point;

tip (६) धनुष्यनी पश्छ. धनुष्य की डोरी. the string of a bow. जीवा॰ ર, ૪; (૭) પચ્ચખાણના ભાંગા; કરણ; અને જોગના સંયાગથી ઉત્પન્ન થતા વિકલ્પના प्रधार, प्रत्याख्यान के भांगे; करणा श्रीर योग के संयोग से उत्पन्न विकल्प के भेद. divisions of Pachchakhāṇas; সৰ॰ १६१; - पहुत्त. न॰ ( -पृथदस्व ) भेथी भांडी नव डराँड सुधी. दो से लगाकर नौ करोब तक. from two to nine crores प्रव॰ ६३४: —सयपुपुत्त. न॰ ( -शत्तपृथक्त्व ) असे क्रेराउँथी भांडी नवसें ३रे। अधी दोसौ करोड से लगा from two कर नौसो करोड तक. hundred crores to nine hundred crores जं॰ प॰ ६, १२५; भग॰ २५, ६; —सहस्सपुहत्त. न० ( -सहस्रपृथकत्व ) એ હજાર કરોડથી માંડીને નવ હજાર કરોડ सुधी दो हजार करोड़ से लगा कर नौ इजार करोड तक from two thousand crores to nine thousand crores. भग० २४, ६: -- सहिय न० ( -- प्राहत-कोटीभ्यामेकस्य चतुर्थादेरन्तार्वभागोऽपरस्य चतुर्थादेरवारम्भविभाग इत्यंव लच्ए।भ्यां सहितं मिलित कोटिसहितम् ) એક પચ્ચ-ખાણના છેડા બીજા પચ્ચખાણની શરૂ-આતને મળતા હાય તેવુ તપ, દાખલા તરીકે એક માણસે આજે આય બિલ કર્યું બીજે દિવસે સવારમાં આજનુ તપ પુરૂ થતાં ખીજા આયંબિલ પચ્ચખે તાે પહેલા પચ્ચખાણના છેડાે બીજા પચ્ચખાણની શરૂઆત સાથે મલ્યા માટે તે તપ કાેટ સહિત તપ કહેવાય. एक प्रत्याख्यान का श्रंत दूसरे प्रश्याख्यान के प्रारंभ से भिलता हो ऐसा तप, उदाहरणार्थ एक मनुष्यं ने श्राज श्रायंत्रिल किया दूसरे दिन सुबह श्राज की तपस्या पूर्ण होते ही

मूसरा आयंत्रिल कर ले तो पहिले प्रत्याख्यान का श्रम दूसरे प्रत्याख्यान के प्रारंग से मिल जाय इस लिंग इस तम को कोटि सहित तम कहते हैं. a kind of austerity the end of which becomes the beginning of another austerity. भग॰ ७, २: ठा॰ १०: उत्त॰ ३६, २५३: प्रय॰ १६३:

कोडिकोडि. स्री॰ (कांटिकोटि ) कांगी
"कोडाकोडि "शण्टा देखी "कोडाकोडि "
शब्द. Vide "कोडाकोडि "क॰ प॰ १,
वर; २, २६; — स्रंती. श्र॰ ( - प्रन्तर् )
केडिकिडीनी व्यन्दर. कीटा काडी के स्रंदर.
less than a crore multiplied
by a crore क॰ ग॰ ४, ३३;

कोडिगार पुं॰ (कोडिकार) ओड अडारने।
डारीगर; ६थीयारनी धार सभी डरनार. एक
प्रभार वा मिस्री; हथियार की धार दुहस्त
करने वाला. An architect who
sharpens or grinds the edge of
a weapon. एक॰ ३;

कोडिंग्. न० (कोटिन) है।टिन नामनु श्रेष्ठ नगर, कोटिन नाम का एक नगर, Name of a city, नाया० १६;

कोडिग्सा. न॰ (कींडिन्य) એ नामनुं भात्र. दस नाम का एक गोत्र. A lineage of this name. कप्प॰ ४, १०३,

कोडिस. पुं॰ (काँडिन्य) केडिन्यनामे महािग्दी आयार्थना शिष्य. काँडिन्य नाम का महािग्दी आचार्य का शिष्य. Koundinya, the disciple of the preceptor Mahāgirī. कप्प॰ =; विशे २३६०: (२) कुत्स गीत्रनी शाभा. कुत्स गीत्र की शाखा a branch of Kutsa lineage. ठा॰ ७, १; (३) कुत्स गीत्र की शाखा में उत्पन्न माने। पुरुष कुत्स गीत्र की शाखा में उत्पन्न

पुरुष. a person belonging to Kutsa lineage. ठा० ७, १; (४) विस्थ गेत्रनी शाभा विस्थ गेत्र के शाखा. a branch of Vasistha lineage. ठा० ७, ६; (४) विस्थ गेत्रनी शाभामांने पुरुष. विष्य गेत्र के शाखावाला पुरुष. a person of Vasistha lineage. ठा० ७, ३;

कोडिमा स्ना॰ (कोटिमा) गधार श्राभनी सातभी भूर्णना. गंधार श्राम की सातवी मूर्छना. The 7th note of a musical scale known as Gandhara.

कोडियगण. पुं॰ ( कोटिकगण ) डे।टिक नाभने। भदावीर स्वाभीने। એક गण् कीटिक नाम का महावीर स्वामी का एक गण An order of ascetics styled as Kotika and established by Mahāvīr Svāmī. ठा॰ ६,

कोडिझय. न॰ (काटिश्वक) धाटिस्यनुं अर्थ-शास्त्र. काटिल्यका प्रार्थ शास्त्र. Political economy founded by Koutilya. श्रगुजो॰ ४१:

कोडी. ती॰ (कोटी) धरीधनी सण्या; सी साण. एककरोड़ की संख्या, मो लाघ; (१०००००००). 10000000; one crore; 100 lacs पन० २; श्राणुजी० १३३; नाया० १: -इसर पुं० (-ईश्वर) धनाक्ष्य; धाटिपति-शादुधार. नाट्य; श्रोडाधिपति-साहुकार क wealthy person; amillionaire. सु०च०१,३३; कोडीदुगमिलण, न० (कोटिद्विकमिनन)

વતના એ છેડાનું મિલાન કરવું તે; એક વત પુરું થયું કે તે પાલ્યા વિના બીજાના આરમ્ભ કરવા તે-જેમ ઉપવાસ પુરા થયા કે એક્કાણામાં પચ્ચપાણ કરવા તે; પચ્ચ- भाज्नी र्भेड प्रडार. त्रत के दोनों किनारों का मिलान करना; एक त्रत पूरा हुन्ना कि उसके त्याग न त्यागते दूसरे का प्रारंभ करना, जैसे उपवाम पूर्ण होतेही एकलठाणे के प्रत्याख्यान कर लेना: प्रत्याख्यान का एक भेद A variety of Pachchakhāṇa; joining together of two Pachchakhāṇas ( vows ) i. e. to undertake another vow at the end of the first प्रव० १६१.

कोडीवरिस. न० (कोटिवर्ष) क्षाउदेशनुं शे नाभनु शेंड नगर. नाटदेश का इस नाम का एक नगर A city of this name of the country Lata पन्न० १:

कोडीवरिसिया. स्री० (कोटिवर्षिका) ओ नामनी ओड शाला. इस नाम की एक शाखा A branch of a certain lineage कप्प० म;

कोहंबि ति॰ (कुटुम्बन्) भढ़े। १ हु भ पाणा. बडे कुटुम्ब बाला. (One) of a big family ठा० ३, १, श्रमुजं। १३१; जीवा॰ ३, १;

कोइं विणी स्त्री॰ (कौड़ म्बिनी) इंटुणनी स्त्री कुटुम्ब की स्त्री॰ A female member of a family (२) हासी. दामा a maid servant मग॰ ११, ११,

कोंडुवियः पुं॰ (कोंडुम्बिक-कृटुम्बस्याधिपतिः कोंडुम्बिकः) धुटुंणने। नायक कुटुम्ब का श्राधपति नायक. The head of a family. श्राणुजो॰ १६; राय०२५३; पन्न० १६; भग०२, १; ७, ६; उवा०१, १२: नाया०१६; जं०प०(२) सेव४; ६०५६ी. (२) सेवक; हजूरी a servant, an attendant. दसा०१०,१, कप्प०४, ५७; —पुरिस पुं० (-पुरुष) धुटुंणने। भाणुस; ७०० री, सेवंश. कौटुंम्विक मनुष्य, हजुरी; सेवंक. an attendant of a family. नाया॰ १; ६, १४, अग॰ ६, ३३; विवा॰ ६; निर॰ १, १; दसा॰ १०, १; क्ला॰ ४, ५७:

कोड्समा पुं॰ (कोट्रपक) ओड ज्यातन धान्य; हे। इस एक प्रकार का धान्य. A kind of corn. भग॰ ६, ७, प्रव॰ १०१३,

कोढ पुं॰ (कुष्ट) એક પ્રકારના રાગ; કાઢ. एक प्रकार का रोग; कोढ. A kind of disease; leprosy नाया॰ १३.

कोढि त्रि॰ ( कुष्टिन् — कुष्टमष्टादशमेटमस्या-स्तीति कुर्षा ) दें है रेश वाणा, देहिथि।; कोढ रोग वाला, कोढिया (One) having leprosy पराह॰ २, ५; त्राया० १, ६, १, १७२.

कोशा. पुं॰ (कोशा) वीला वगाउवानी दाया वाना वजानेका दस्ता. The key note of a musical instrument साय॰ १३०; (२) भुला कोना a corner; an angle प्रव॰ ६८२; जीवा॰ ३, १; स॰ प॰ १, ग्रीघ॰ नि॰ सा॰ १६२,

कोगाल पुं॰ (कोगाल) छन निशेष जीव विशेष. A kind of living creature जं॰ प॰

कोगालग पु॰ (कोगालक) ओ क जातनुं पक्षी एक जानि का पत्ती. A kind of bird पग्ह॰ १, १;

कोशिय. पुं॰ (कोशिक) श्रंपा नगरीना राजा. श्रेशिक राजा का पुत्र. चेपा नगरा का राजा, श्रेशिक राजा का पुत्र. The king of the city of Champā; the son of the king Śrenika नाया॰ १ · ६, १६: मग॰ ७, ६,

कोतव न (कौतव) ७ ६२ना वाणिन जनावेशु भत्र चुहे के बाल का बनाया हुआ मृत. A thread made of the hair of a rat अशाजी: ३७;

कोत्तियः पुँ० (कात्रिक) भूभ पर शयन इर नार; नापसनी ओड जान. भूमि पर सोने वाला; तपस्वी की एक जाति One who sleeps on the floor. निर० ३, ३; भग० ११, ६; श्रोव० ३=;

कोत्था. त्रि॰ (कीत्स) इत्स गात्रमां ઉत्पन्न थयेल पुरुष-शिवसूति वगेरे कुत्स गोत्र में उत्पन्न पुरुष शिवभूति ब्रादि. Sivabhūti etc. bom in Kutsa lineage. टा॰ ७, १;

कोत्था. पुं॰ (कोष्ट) होही, अहर भहेश. कोठा; उदर प्रदेश. The stomach; the belly. नाया॰ १; हत्था त्रि॰ (-हस्त =कोष्टे उदर प्रदेशे हस्तो यस्य स तथा) अहर ५२ छाथ छे जेनी शेवे। जिसका छाती पर हाथ है वह. ( one ) with his hand resting on the breast "गासिया यार करेसा कोरथ हत्थी" नाया॰ १;

कोत्थर. पुं॰ ( 🌣 ) अडनी अभेति. फाड को कोचर. A cleft in a tree. सु॰ च॰ १४, १६;

कोत्थल पु॰ ( ३ ) थेक्षे। डे।थणा गुण; यैला. A big bag. उत्त॰ १६, ४०; कोत्थलगारिश्रा. स्त्रं। ( कोस्थलकारिका ) डे।थक्षा को दें घर डरनारी समरी मिट्टी का घर बनाने वाली भमरी A fly which builds a house of the shape of a bag. श्रोघ॰ नि॰ २६२,

कोत्थलवाहगा. स्नी॰ (कोस्थलवाहिका) त्रल् धिरियवाणा छवनी ओड न्यत त्रण इंदिय वाले जीव की एक जाति. A kind of three sensed creature. पन १; कोत्युम. पु॰ (कोंस्तुम ) टे१६ नुं आलरज्. गने का प्राभूपण. An ornament for the neck. a necklace. (२) १९ ज्यासिट ने। हे१ तुभ नाभने। भणी. कृष्ण वासुदेव की कोंस्तुभ नाम की मान. a gem so named of Kiišņa Vāsudeva. पन १, ४;

कोत्थुह पुं॰ (कोस्तुम ) अगीयारभा तीर्ध-धरता १ क्षा गण्धरतुं ताभ ग्यारहवें तार्धकर के १ ले गण्यर का नाम. Name of the 1st Ganadhara of the 1th Tirthankara. प्रव० ३०६:

कोशुंभवच पुं॰ (कोस्तुम्भवचंत् ) के। थभरी. कोथमीर A kind of vegetable. निसी॰ ३, ८ :

कोदंड न० (कोद्रगड ) धनुष्य. धनुष्य A bow "कोदंड विष्य मुक्केणं उस्त्या वांम पार्देविदे समासो" श्रत० ४, भग० ७, १. कोदारेय पु॰ (कुद्रस्टक) इत्सित ६५; अथे।अ ६५. कुल्सित दएड, श्रयाग्य दण्ड. Inadequate punishment भग० ११, ११; कोदसग. पुं॰ (कोरदूपक) એક व्यतनु धात्य. 'के त्दर। एक जाति का धान्य; कोदरा. A. kind of corn. भग॰ २१, ३; पन्न॰ १; कोइव पु॰ (कोडव) डे।६रे।; એક જાતનું ६ १ द धान्य एक जाति का इलका धान्य, मोदरा. A kind of corn of inferior quality पन्न॰ १; विशं ॰ १२०४, स्रोघ॰ नि॰ भा॰ ३०७, पि॰ नि॰ १६२; मग॰ ६, ७, २३, ३; जं० प० सूय० २, २, ११; ठा० ७, १; प्रव० ६८२; १०१३; कोद्दाल. ९० (कोद्राल ) એક જાતનું पृक्ष.

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ट नम्भर १५ नी प्रुटनीट (\*) देखों दृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (\*) Vide foot-note (\*) p 15th.

एक जाति का दृत्त. A kind of tree जं पर

कोद्दालग पुं॰ (कोद्दालक) એક व्यतनुं आड. एक जाति का भाइ. A kind of tree. भग॰ ६, ७, जीवा॰ ३, ३;

कोदालिया. स्त्री॰ ( कुहालिका ) ३७।ऽी. कुल्हाडी. An axe. विवा॰ १ ३;

कोष्पर. पुं॰ (कृपेर) हे। श्री. कुहनी; कोना
The elbow. पंचा॰ ३, १६: श्रांघ॰ नि॰
भा॰ २६६; निवा॰ ६, (२) नदीने। हे।त२.
नदी की गुफा-दर the cleft or
hollow in the river. श्रोघ॰नि॰३०,
कोमल त्रि॰ (कोमल) सुहे।भस; भृद्द, सुको-

मल, मह Soft; delicate नंदी॰ ४२;

मग० २, १; ११, ११; नाया० १; २;

श्रमुजी । १६; श्रोव । विवा । ७; स्य । (२) ओं अ लातं हर्ष एक जातं का हिर्न. a kind of deer. स्य । २३ =: — श्रंगी. स्रो । (—श्रंगी) हे। भस अंगपाणी के। मल श्रंगवाली a woman having a delicate body. नाया । =; — श्रंविलिया स्रो । (—श्राम्लिका) डायी आंपली लेभां आंपलीये। न थये। हे। य तेवे। डातरे। कच्ची श्रामली, जिस में गुठला पैदा न हुई हें। ऐमी इमली. a kind of law frut having sour taste. प्रव । २४१; — तस. न । (—तक्व) हे। भस पगत तणीयं

कोमिलिया श्री (कोमिलिका) सुकेश्व श्री. सुकोमल श्री A delicate woman. नाया १६:

delicate feet. भग॰ १. १:

कांमल पाव की तली the sole of a

कोमारभिच्छ न॰ (कोमारमृत्य) इभारते क्षीरादिक देवीरीते पेष्युं तेनुं वर्धान केमां छे न्येवुं शास्त्र कुमार का स्त्रीरादि सं किस प्रकार पोषण करना इस का साम्र A

science dealing with the ways of nourishing the children with milk etc विवा थ:

कोमारी. ह्री॰ (कौमारी) कुमार अवस्थामां दीक्षा क्षीधेल साध्यी; णालध्यम्द्रशारिणी. बाल्यावस्था में दीक्षित हुई आर्जिका; बाल जम्हचारिणी. A woman initiated from the very childhood. भग॰ १५, १;

कोमुई स्त्री॰ (कौमुदी ) धर्तधी पूर्धिमा कार्तिककी पूर्शिमा. The full-moonday of the month of Kārtika. ज॰प॰ नाया॰ २; (२) ચંદ્રપ્रसा; ચંદ्र-ज्ये।त्रना, चंद्रप्रमा: चंद्रज्योत्स्ना the moonlight. श्रोव॰ - जोगज्ञत्त. पुं॰ (-योगयुक्त ) કार्तिक भासनी पुनभना ये। श वादी। कार्तिक माम की पूर्णिमा के योग वाला (चंड्र) (the moon) coexistent the full moon-day of the month of Kārtīka. दस॰६, १, १५:- शिसा स्ना॰ (-निशा) धार्ति । भासनी पुनभनी शत्रि. कार्तिक मास की पूर्णिमा की रात्रि. the night of the fullmoon-day of the month of Kārtika, नाया॰ १.

कोमुईयभेरी. बी॰ (कीमुदिकभेरी) है। भुिं उत्सवनं श्रेष्ठ वाजित्र. कीमुदी महोत्सव का एक बाजा A kind of musical instrument नाया॰ ५:

कोमुदिया. की॰ (कीमुदिका) डे। भुदि डा भेरी; ले। डे ने भणर आप्या माटे महोतसव प्रसंगे वगाउवानी भेरी वालित्र कीमुदिका भेरी; लोगा की सूचना देने के लिये महोतसव के समय बजाने की भेरी-बाजा. A kind of musical instrument which is played upon at the time of some ceremony for giving notice to the people विशे १२७६; कोमुदी. स्रं (कोमुदी) थान्द्रनी. घांदना. Moon-light. जोव ० ३, ३;

कोयच न० (कोयन) डे। यथ देशना पर्श्वनी ओंड जात. कोशन देश के नस्र की एक जाति.

A kind of cloth of the Koyava country. नाया०१७: श्राया०२, ४.१,१४४;
(२) डे। यन नाभने। ओड देश कोयन नाम का एक देश. a country of this name. प्रव० १४६८;

कोयिच पु॰ (कोयिन) रू-धापुसथी लरेब २०१४; शुरटी. कपास से भरीहुई रजाई. A quilt.प्रव॰ ६८४;

√ कोर. घा॰ II. (कर्) हे।रवुं; हे।तरवुं. चोदना; कुतरना. To carve. कोरेर्ड. निसा॰ १४, ४६:

कोरेड्रे. निसी० १४, ४६; कोरिय. सं० कु० निसी० १८, ४६; कोरावेड्ड. पं० निसी० १४, ३०;

कोरंट. पुं॰ (कोरण्ट) है।२-८ व्यतनं ओह
अड; पुलना भुव्छावाणं ओह पृक्ष कोरंट
जाति का एक भाइ, फूल के गुच्छेत्राला एक
यृत्त. A kind of plant bearing
flowers in clustera. पन्न॰ १: भग॰
७, ६; श्रोत्र॰ ३१; नाया॰ १: राय॰ ४४;
६६; उवा॰ १, १०; ज॰ प॰ ४, १२२;
— पन्त. न॰ (-पन्न) है।२ं८ वृक्षना पांदर्डाः
कारंट यृत्त के पत्त. the leaves of a
Koranța tree. नाया॰ =; — वेट.
पुं॰ (वृात) है।२ं८ वृक्षनं ही हुं-भिंट्डुं
कारंट्यत्त का बाट. the stem of a
Koranța tree. भग॰ ४२, १;

कोरंटग. पुं० (कोरएटक) लुओ "कोरंट" शल्द. देखो "केरंट" शब्द. Vide. "कोरंट" मग० २२, ५:

कोरणः न० (कोरण ) हातरवं ते नकासनाः

कोरना. Carving. निर्मा० १८, १४, कोरच पुं० (कोरक) डेा२; भंगरी. मंजगे. Pollen. (२) डिस. कजी. a bud ठा०४, १;

कोरच. पुं॰ (कारव ) क्षुरुवंश. कुरुवंश. The Kuru family. (२) ते वंशमां ल्ल्भेश. उस वंश में उत्पन्न. a person boin in this family. भग॰ ६, ३३; पन्न॰ १: सय॰ २१=;

कोरिचियाः स्रा॰ (कोरिवका) ५६०० आमनी भीछ भुॐना. राड्ज धान की दृस्री मूर्डना. The second note of the musical scale. घ्रणुजो॰ १३=;

कोरव्य पुं॰ (कौरव्य ) हु३ वंशभा ७८५% थंश. कुरुवंश में उत्पन्न. One born in a Kuru family. श्रोव॰ १४; मग॰ २०, =; जीवा॰ ३, १; अगुचे।॰ १३१, प्रव॰ १२२३;

कोरिट्या. स्त्री॰ (कोरिंबका) पाल आमनी श्रीक्ष भूर्लना. पहल ज्ञाम की दूसरी भूईमा. Known as Śadaja. ठा॰ ७, १:

कोरिंग. पुं॰ (कोरङ्ग) એક જાતનું પक्षी. एक जाति का पत्नी. A kind of bird. पगद्द॰ १. १;

कोरिंट. पुं॰ (कोरयट) એક જાતનું ઝાડ. एक जाति का माइ. A kind of tree. कप्प॰३, ३७; ४,६२; जीवा॰ ३, ४; जं॰प॰

कोरिंडग. पुं॰ (कोरएटक) એક જાતનું પ્राष्ट्री. एक जाति का प्राणी. A kind of creature. जं॰ प॰

कोरिंटय- पुं• (कोरएटक) એક जातनुं आड. गदा; हजारा. A kind of plant. पन्न ०१; कोरित्लग्न. ति॰ (कोरितक) धुणा छवे। अ हे। दी जाधेलुं; तुटी पुटी छण्ं थयेलुं. छन जोवों ने कोर वर खाया हुन्ना; दूदा फूटा জার্ঘ. destroyed by insetes which feed themselves by carving a substance যায় ২৭৬,

कोल. पुं॰ (कोल) धुणे।, ઉद्धधः, शीडी वर्गेरे. घुन, उदई; चिउंटी इत्यादि. Insects e g white ants etc. श्राया॰ १, ८; ७, १७; (२) भे।२. वेर. berry. दस॰ ५, २, २१; श्राया० २, १, ८, ४३; पिं० नि॰ ५६१; (३ ) ५ु५५२; लुंड. सुश्रर. ध pig. परह॰ १, १; उत्त॰१६, ४४; नाया॰ १: -- श्राद्भिग न॰ ( -श्रास्थिक) भे।रते। हिरीये। वेर की गुठली. a stone of a berry. भग॰ ६, १०, — श्राचास पुं॰ ( - त्रावास ) धुणानं २६४। शः ( ६५। ४नं २थानः घुन के रहने का स्थान; उदई का स्थान. residing place of insects e g. white ants etc निर्सा० ७. २१: १३. ४; - चुरारा न० ( - चूर्ग ) भे।रतुं यूर्ण. ખાર કુટ્રા बेर का चूर्ण; बेर कुद्या. હ powder of berry fruits. दस॰ प्र 9, 69,

कोलंच पुं॰ (कोलम्य-नतद्युमाग्रभाग) नभेदा अंडिनी शाभानी अश्रक्षांग क्रुके हुए माड़ की दाली का श्रग्रभाग. The front part of a branch of a tree which is bent विवा॰ ३:

कोलघरियः त्रि॰ ( कौलगृहिक ) ५५६६२ सभ्यन्धी. कुलघर सम्बन्धाः Relating to father's house "कोलघरिए पुरिसे सहावेड् " उवा॰ =, २४२.

कौलव नाम का तीसरा करण; प्रत्येक माह के शुक्ल पच की छठ और तेरम के दिन तथा बीज श्रीर नवमी की रात, तथा कृष्ण पत्त की पांचम श्रीर बारस का दिन या एकम श्रीर श्राठम की रात पर श्रानवाला, सात चर करणों में से तीसरा करण The third Karana (division of the day) called Kaulava; the third of the seven moving (changing) divisions of the day, occurring on the 6th and the 13th day and on the night of the 2nd and the 9th day of the bright fortnight of every month; as also on the 5th and the 12th day and on the night of the 1st and the 8th day of the dark fortnight. ज॰ प॰ ७, १५३; विशे० ३३४=:

कोलवाल पुं० (कोलपाल) धरेकोन्द्रना भीका दीक्ष्यासनु अने भूतानंद धंद्रना दीक्ष्यामनु नाम. धरेषाद्र के दूसरे लोकपाल का श्रीर भूतानंद इंद्र के लोकपाल का नाम The name of a Lokapāla, the second of Dharanendra and of Bhūtananda ठा० ४, १; भग० ३, ८, जं० प० कोलसुणश्र–य. पु० (कोलश्रुनक) भीड़े सु०२२. वडा सूत्रर. A big pig श्राया० २, १, १, २७;

कोलसुण्ग पुं॰ (कोलशुनक) भे। टु डुडेंडर.
वडा सुत्रर (भस्डा). A big pig
पन्न॰ १, जीवा॰ ३, ३; जं॰ प॰ पग्ह॰ १ १;
कोलालिय पुं॰ (कोलालिक-कोलालानि मृद्भागडानिपग्यमस्येति कोलालिकः) भाटीना
वासण् वेथनार; डंकार मिद्री के वस्तनों का
व्योगारा, कुमकार A potter श्रागुजो॰

१३१; पन्न० १; उवा० ७, १६४; कोलाह. पुं० (कोलाभ) ओक न्यतना हेखुवाली सर्थ एक जाति का फनवाला सर्प A kind of hooded serpent. पन्न० १;

ा hooded serpent. पन १;
कोलाहल. पुं० (कोलाहल ) शार एडे।२;
गभराट कोलाहल; हसागुसा. An uproar;
bustle. नाया० १६; उत्त० ६, ४;
श्रोव० २४; जं प० पन २; "यय
कोलाहलं करे "स्य० १, ६, ३१; भग० ७, ६; उना० ६, १३६; —िपय. । त०
(-प्रिय) डे।साउस छे प्रिय करेने ते. जिमे
कोलाहल प्रिय है वह. (one) uppre

कोलाहलगभूय. ति॰ (कोलाहलक भृत -कोलाहल एव कोलाहलकः स भूतो जातोऽ-स्मिन्तत् कोलाहलक भृतम्) डेश्याद्य भय. कोलाहल साईत Full of bustle. जं॰ प॰ २, ३६; भग • ७, ५;

ciating bustle. नाया॰ १६;

कोलुग्ण. न॰ (कारुएण) ६था; ५२० द्या; करुणा. Mercy; pity. निर्ता॰ १२, १; —पडिया. स्त्री॰ ( -प्रतिज्ञा ) अनुक्ष पा निभित्तः ५३० भाटे. दया के लिये; करुणार्थ. for the sake of mercy. निर्ता॰ १२, १६

क्ष कोलेजा. क्षं० (श्रवोष्ट्रत स्नाता कारकेष्टिका विशेष) नीचे भाटती अने ७५२ भाधना आधारनी टेही नीचे बोतल श्रीर ऊपर सन्दक के श्राकर वाली कोठी A conical shaped pot श्राया० २, १७, ३७,

कोझ. पुं॰ (कोल ) डे। अष्टक्ष. कोलगृत्त. A Kola tree. कप्प॰ ३, ३७;

कोल्लाय. पुं॰ (कोल्लाक) डो॰साक्ष्म नाभने। सनिवेश-गाभ. कौलाक नाम का संनिवेश-ग्राम A neighbouring village named Kollāka. भग॰ १४, १; उवा॰ १, ८०; कोव. पुं॰ (काप) क्वाप, हे। प कोच; काप.
Anger; enragement. पिं॰ नि॰२१२;
सम॰ ५२; भग॰ १२, ४; —घर. न॰
( -गृइ ) हे। प हरवांनुं धर, रीसाहते भेसे
ते स्थान कोप स्थान; क्रोबित होकर जहां
जा बंटे वह जगह. resorting place
of one who is enraged विवा॰ ह:
—सीलया. स्रा॰(-शीनता) हे। धी स्थलाव
कोधी स्वमाव. high temperament
ठा॰ ४, ४;

फाविश्र-य. ति॰ (काविद् ) पंडित पंडित.
Learned. श्राया॰ १, १, १;
कोस. पुं॰ (कोश ) गाउ. भे इन्तर धनुष्य
प्रभाण केत्र, होस गाउ: दो हजार चनुष्य
प्रमाण केत्र; कोस. A distance of two
miles; a distance equal to 2000
Dhanusyas ( a measure of
length ) उत्त॰ ३६, ६१; श्रोव॰४२; जं॰
प॰ भग॰ २, ८, पज॰ ३६; जीवा॰ ३, १;
प्रव॰ ४६२; (२) आफ्नी डोसेंग श्रांख की
पुतली. the pupil of the eye.
श्रमुत्त ३, १; (३) सधुनीत-पेशाण इरवानुं
हाभ. लघुनीत-पेशाच करने का वर्तन. 8

गर्लातयः; गर्ल स्थानः a womb तंदुः =; ( ५ ) लडारः भन्नोः भंदारः खनानाः a store; a treasury. जं० प० ७. १६५ः राय० १६२ः २०६ः २२२, २=२ः नाया० १ः १४ः निर० १, १ः भग० ११, ६ः उत्त० ६ः ४६, श्रोव० कप्प० ४, ५६ः ( ६ ) अभलोः डोडे। कमल की फर्नाः a lotus pod. पचा०३, १६ः — द्रुग न० (-द्रिक) भे गां दो कोसः two miles प्रव० =१६ः — श्रगार पुं० ( -श्रगार ) लंडारः

खनाना treasure;

ખબના. भंडार:

pot for passing urine in. स्य॰ १,

૪, ૨, ૧૨; (૪) અધામુખ કમલને આકારે

atore. जं॰प॰ — श्राकार. पुं॰ (-श्राकार) **५भ** होशनी आहति. कमल की फली सी त्राकृति. the shape of a lotus pod. पंचा० ३. १६:

कोसंव पुं॰ (कीशम्ब ) दारधाथी पांडु भथुरा જતાં વચ્ચે આવતું એ નામનું એક વન કે જેમાં જરાકુમારે કૃષ્ણ મહારાજને હરણની श्रातिथी थाए। भार्थ द्वारका से पांड मथुरा जाते समय मार्ग में श्राने वाला एक वन जहां जराकंदार ने कृष्ण महाराज को हिरन समभ कर बान सारा था. A forest of this name situated between Dwarakā and Pandu Mathurā, where JarāKumāra had struck Krisna Mahārāja taking him to be a deer through mistake. श्रंत० ५, १; (२) ओ नाभनं औड आड इस नाम का एक माइ, a kind of tree पन १: ( 3 ) डेाशाम्य अर्र्ष ६ अ. कोशाम्य नामके माइ मा फल. a finit of Kośāmba tree भग० २२, २; --गंडिया, स्री॰ ( -गिएडका ) डेाशभ्य वृक्षनी गांध्वाली લાકડी. कोशम्ब मृत्त की गांठवाली लकडी. a stick of Kośamba tree having knods भग॰ १६, ४;

कोसंविया. ह्या॰ (कौशास्त्रिका) ओ नाभनी એક શાખા. इस नाम की एक शाखा. An offshoot of this name access

कोसंबी. पुं० (कौशाम्बी ) ये नामनी ओक नगरी; व्यताथी भुनिनुं भूण वतन. इस नाम की एक नगरी, श्रनाथी सुनि का मूल निवास स्थान. Name of a city, the residing city of the ascetic Anathi निसी० ६, २०; भग० १२, २; वेय० १, ४६; उत्त॰ २०, १८; नाया॰ घ॰ १०; पत्र॰ १; कोसग. पुं॰ (कोशक) એક જાતનું धभ-

पासण, एक जाति का वर्तन. A kind of pot. "सरावं सिवा दिंदिमंसिवा कोसगं सिवा " श्राया० २, १, ११, ६२; प्रव०६८३; कोसल पं॰ (कोशल) डे।शस देश; श्रीवृशल-દેવ ભગવાનના ચાેવીશમાં પુત્રના ભાગમાં आवेस देश. कौशल देश: श्री ऋपभदेव भगवान के चौवीसवें पुत्र के हिस्से मे आया हुआ देश. Kośala country; name of the country which came as a part of property to the 24th son of Śrī Risabhadeva. দলত १, नाया० ६; कप्प० ५, १२७; —जारावय. पुं ( - जानपद् ) डेाशस देश. कोशल देश. the Kośala country. भग० १४, १; कोसलग त्रि॰ (कोशलक-कोशला श्रयोध्या तजनपदोऽपि कोशला, तत्सम्बन्धिनः को-शलका: ) डे।शब देशवासी. कौशल देश निवासी A resident of Kośala पिं नि ६१६: भग० ७, ६: १४. १: ঠা০ ধ্, ২;

कोसालिश्र-य ति॰ (कोशलिक-कुशला-विनीता श्रयोध्या, तस्या श्रधिपतिस्तत्र भवीवा कौशलिकः ) है। रास देशमां जन्मेस. कौशल देश में उत्पन्न. (One ) born in the country of Kośala (3) અયાષ્યા नगरीने। अधिपति-रान्त. प्रयोध्या नगरी का श्रिधिपति-राजा. the king of Kyodhyā. जं प २, ३०; ३१;

कोसिश्र-य पुं॰ (कोशिक) है।शिह नाभनुं. गात्र कोशिक नाम का गोत्र. A lineage of this name. नंदी॰ २४; सू॰ प॰ ११; ठा० ७, १; (२) त्रि० કેાશિક ગાત્રમાં **ઉ**त्पन्न थ्येक कीशिक गोत्र में उत्पन्न. (one) born in a Kouśika lineage. ठा० ७, १; जं० प० ७, १५६;

कोसिकार पु॰ (कोशिकार) એક જાતના

रेशभने। डीडे। एक जातका रेशम का कीडा.
A kind of silk-worm. परह॰
१, ३;

कोसिजा. न॰ (कौशेय) रेशभी पश्च. रेशमी कपडा. Silken cloth. जं॰ प॰,

कोसी. स्री॰ (कौशी) डेाशी नामनी नहीं डें के गणामां भणे छे. कौशी नाम की नदी कि जो गंगा में मिलती है. Name of a river which joins the Ganges. ठा॰ ५, ३; उवा॰ २, १०१;

कोसी. स्त्री॰ (कोशी) तसवारनी भ्यान. तत्तवार का कोश; म्यान. A sheath. स्य॰ २, १, १४;

कोसेज. न० (कोशेय) रेशभी वस्त्र रेशमी वस्त्र. A cloth made of silk. सम० प०२३८; पगह०१,४; स्त्रोव० जीवा० ३;

कोह. पुं॰ (क्रोध-क्रोधनं कुध्यति वा येनसः क्रोध. ) क्रेध; रेष; गुस्सा; क्रोध; गुस्सा; रोष. Anger; rage. नाया॰ १; ५; सु॰ च॰ ३, १६१; भग॰ १, ६; ७, १; १०; १२, ५; दस० ४; ६, १२; ७, ५४; पि० नि॰ ६३; ४०६; श्राया॰ १, ४, ६, १६४; ठा० १, १; २, १; उत्त० १, १४; ४, १२; ६, ३६; दसा०४,८२;६,४; निसी०१३, ६६; श्रोव०१६,३४: विशे०१०३४, पन्न०१४:स्य० २,४, १२;भत्त•६=;१५१; प्रव०४५७;श्रोव० ३, १; क०प०२, ६७; क० गं० १, १६; पंचा०१, १०;--उदयशिरोह. पुं० (-उद-यनिरोध) क्वे।धना अध्यते रे।इवे।. कोध का उदय न होने देना. checking of anger. भग० २४, ७; — उवउत्तः त्रि० (-उपयुक्त) ક્રેાધના ઉપયાગવાળા; <sub>ક્રા</sub>ધી. क्रोधी उपयोग वाला; कोधी. enraged; angry. भग॰ १, ५; —कसाश्च-य. पुं॰ (-कपाय) हे।ध-गुस्सा ते रूप **डपाय. क्रोध-गुस्सा** वह रूप वाली कपाय a passion in the

form of anger. ठा० ४, १; सम० ४; भग० २४, १; क० गं० ४, १४; श्रोव० ४, ७; -कसाइ. पुं॰ (-कपायिन्) हे।ध કपायवादीः; क्वेाधी. क्रोध कषायवाताः; क्रोधी. a person possessed of anger. भग० ६, ४; १६, १; १८, १; २६, १; ३४, १; —जुत्राल. न० ( -युगल ) हे।धतुं જોડું-યુગલ; અપચ્ચખાણાવર**ણીય** ફેાધ अने पञ्चभा**णावरणीय है।**ध. क्रोध की श्रप्रत्याख्यानावरणीय कोध जोडी-युगल; श्रीर प्रत्याख्यानावरणीय कोध. a pair of Pratyākhyānāvaraņīya and Apratyākhyānāvaranīya anger. प्रव० ७१०; — निगाह. पुं० ( -निप्रह ) हे।धने। निश्रह वरवे। ते. कोध का निप्रह करना. checking of anger. प्रव॰५५६; —निञ्चत्तित्र. त्रि॰ (-निर्वर्तित ) हे।ध थी निष्पन्न थ्येल. कोध से निष्पन्न. produced, born of anger. ভাত ধ, ধ; —पिंड पुं॰ (-पिगड—क्रोधः कोपस्त-द्धेत्कः पिग्रडः कोघिपग्डः ) डेाधपण् साधु વિદ્યા કે તપતા પ્રભાવ દર્શાવી રાજવલ્લભ પહોંકે પાતાનું ખલ જણાવી આહાર લ્યે તે; આહારના એક દેાષ. कोईमी साधु विद्या या तप का प्रभाव दिखाकर या राजवत्नभता श्रीर श्रपना बल दिखा श्राहार ले वह श्राहार; न्नाहार का एक दोष. accepting of food by exposing some miracle or superhuman power or the royal patronage; a fault connected with receiving food. पिं॰ नि॰ ४६२; **—मुंड**. त्रि॰ ( **-मु**ग्**ड** ) क्रे।धने। निश्रह करनार. क्रोध का निग्रह करने वाला. ( one ) who checks anger. ठा॰ ४, ३; — वसट्ट. त्रि॰ ( -वशार्त ) ક્રાેધથી પીડિત; ક્રેાેધને વશે આર્ત-દુઃખી

थयेल. कोध से दु खित; कोध के कारण श्रार्त-दु:खी. afflicted with anger; given to anger. भग॰ १२, १; —विउस्सग्गः पुं॰ ( - ज्युत्सर्ग ) क्वांधनी। त्याग. क्रोध का abandoning of anger. २५. ७: — विज्ञश्र–य ( -विजय--क्रोधस्य विजयो दुरन्तादि परि-भावनेनोद्य निराधे. फ्रोधविजयः ) है।धने अत्वे। ते. हाधते अरहाववे। ते. क्रोध को जीतना; कोध को रोकना. conquering of anger; victory over anger. उत्त॰ २९, २, -विवेग. पुं॰ ( -विवेक ) क्विधिता त्याग. कोध का त्याग. abandoning of anger. " एगे कोह विवेगे " ठा० १, १, भग० १७, ३: सम० २४: -सरागा स्री॰ ( -संज्ञा- क्रोधोदयात्तदा वेशगभी प्ररूच मुखनयनदन्तच्छदस्फरणादि चेष्टेव संज्ञायते श्रनयति क्रोधमंज्ञा ) क्षेष માહતીયના ઉદયથી ક્રાેઘિ મનુષ્યના મુખ તેત્ર દાન્ત વગેરે અગા ધૂજે છે તે. ક્રાંધ સંજ્ઞા. कोध मोहनीय के उदय से कोबी मनष्य के सुह, नेत्र, दंत श्रादि अगी का धूजना, कोध संज्ञा trembling of face eyes, teeth etc., of a man who is enraged. भग० ७, =; ठा० १०; पन्न० ४; कोहंगक पुं॰ (क्रोधाइक ) એક जातन पक्षी एक जाति का पत्ता A kind of bird. श्रोव०

कोहंड. पुं॰ (क्ष्मागड) इक्षेणुं; हुधी. लोकी; तुम्बी. A white gourd.

श्रगाजी० १४३, प्रव० ११४५; कोहरा. त्रि॰ (क्रोधन ) क्षाचे क्षाचे तथी जनार; ક્રાેધી; અસમાધિનું નવમું સ્થાનક સેવનાર. चएा २ पर कोध करने वाला: कोधा: श्रस-माधि का नवां स्थानक सेवने वाला. (One) getting angry every moment; (one) undergoing the 9th stage of uneasiness due to anger. स्य० २, २, १८; उत्त० २७. ६; सम० २०; कोहि. त्रि॰ (कोधिन्) क्रीधवाली; क्रीधी. कोधी; क्रोध वाला Angry; enraged. श्रताजो० १३१; क० गं० ४, ४३; कोहिल्ल. त्रि॰ (कोधवत् ) क्विधिने।; भारीले।; अरी कोधी: जहरी; डाही Angry: onraged. श्रोघ० नि० मा० १३३; √िक्किण धा॰ I, II (क्री) वेयातुं क्षेतुः भरीहवं. विकता हुआ लेना, खरीदना. To purchase; to buy किएड निसी० १४, १; १६, १, किसाइ पि० नि० ३५% कियो. वि० श्राया० १, २, ४, ८५; किंगा व० कृ० सूय० २, १, २४; किंग्रंत. उत्त॰ ३४, १४; सु॰ च॰ १४, १७६; किए।वेइ. प्रे॰ निसी॰ १४, १, १६, १; किसावए. प्रे॰ श्राया॰ १, २, ५, ८८, किंगावेमाग प्रे॰ सूय २, १, २४; किजन्तु प्रे० परह० १, २; √क्खोड धा॰ I ( · ) निषेध क्षरवे।

√ क्खोड. घा॰ I ( · ) निषेध કरवे। त्यागना. To abandon, to reject. खोडिजंति. भग॰ १३, २;

<sup>\*</sup> लुओ। ५४ नम्भर १५ नी पुटने। १ (१). देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (५). Vide foot-note (\*) p. 15th.

ख.

ख. न॰ (ख) आधाश. श्राकाश; श्रास्मान. The sky. " खे सोहइ विमले श्रहमः मुके " दस॰ ६, १, १५; (२) धदिय. इंद्रिय. an organ;a limb विशे०३४४५; खन्र-य न॰ ( इत ) धाः, ०८ भभः घावः जखम. A wound. सु० च० ७, २१४: खइ. त्रि॰ ( इयिन् ) क्षयरागवादी. जय रोगी Consumptive. मु॰ च॰ १३, ४४: खइन्र-यः त्रि॰ ( चियेक ) ५२भी प्रकृतिने। ક્ષય, સમુલગા નાશ કરવાથી ઉત્પન્ન થતા भाव-डेवस जानाहि क्षायिङ भाव. कर्म प्रकृति का चय; समूल नाश करनेसे उत्पन्न होने वाला भाव-केवल ज्ञानादि चायिक भाव. Complete destruction of Karmic natures. पि॰ नि॰ १५८: श्राणुजो॰ ८८: अग० १४, ७; २४, ६; विशे० ५२=; प्रव० ६५७; १३०४; क० गं० १, १५; ३, २०; ४, १६, खइया त्रि ( चापित ) भगावेक्षं, क्षय धरेक्षं. नाश कियाहुआ, चयकियाहुआ Destroy-

ed राय॰ २=३;

स्तर्य त्रि॰ ( खचित ) ॰ दें डुं जडा हुन्रा, पचीकियाहुत्र्या. Inlaid; studded. श्राया॰ २, ४, १, १४५; उवा॰ ७, २०६; खद्दयः त्रि॰ ( खादित ) भवायेक्ष; भाषेक्ष.

खायाहुन्ना. Tasted; eaten. पि॰ नि॰ १६२; पं० चा० १६, १३, श्रोघ० नि० भा० ४८८; राय० २४८; पि० नि० ७३४;

खद्दर. पुं॰ ( खदिर ) भेरतुं आऽ. खेरका काड. A kind of tree known as Khera. सु॰ च॰ ७, ६४,

खडर. न॰ (खपुर) से। पारीना बाइडामांथी **थनावेस तापसनुं पात्र. मपारीकी लक्डी** से बनाया हुन्ना तापस का एक पात्र. A pot ascetic made of the wood of a bettle-nut. विशे०१४६५: खडरिय त्रि॰ ( 🌸 ) भेशुं; डेाणुं मैला; गन्दला. Turbid; diety ापै० नि॰२६२; सन्नेवसम. पुं॰ ( चयोपशम ) क्षे। पशम ભાવ - કર્મના કાઇક ક્ષય અને કાંઇક ઉપશમ કરવા ते, અर्थात ઉદયમાં આવેલ કમ ના ક્ષય અને ઉત્યમાં ન આવેલ કેમ્મના ઉપશમ **५२वे। ते. च्योपशमभाव-कर्मका कुछेक च्य** श्रौर कुछेक उपशम करना श्रथीत् च्य करना श्रौर उदय में न श्राये हुए कर्मका उपशम करना. Destroying of Karmas and forcing the unmatured Karmas to mature. विशे॰ १०४: श्रोव० ४; नाया० १, १४; भग० ६, ३१; पंचा॰ १, ३; उवा॰ १, ७४.

स्रश्रोवसमित्रा. न॰ ( चयोपशामिक ) क्षये। भ-शमलावे प्राप्त थता भतिज्ञान व्याहि. चयो-पशम भावसे प्राप्त होनेवाले मतिज्ञान श्रादि. Intellectual knowledge etc got by the action of destroying the matured Karmas and forcing the unmatured Karmas to mature. श्रमुजो० ८८; ठा० २, १; नंदी० ६; भग० १४, ७; २४, ६; विशे० ४१७; क० गं० ६, ५०; प्रव० ६३६;

 $\sqrt{$ खंच. धा॰  $\mathrm{I}$  (कृष्) भैथवुं. खंचना. To stretch.

<sup>\*</sup> लुओ। ५४ नभ्भर १५ नी ४८ने।८ (\*). देखे। पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (\*) Vide foot-note (\*) p. 15th.

खंच आ० सु० च० २, १८;
संज्ञण पुं०(खक्षच)गाऽानी ઉध्धा-गाऽाना पैऽानी भेल-पैऽां इरवाथी धरी अपर कभते। शीअध्यो आगे। भेल. गाडेकी उंचन गाडे के पहियों
का मैल—पिहये फिरने से धरे पर जमनेवाला
चिकन, काला मैल. The dirty black
grease of wheels. श्रोघ० नि० ४०१,
क० गं० १, २; भग० ६, १; १२, ६, उत्त०
३४, ४; श्रोव० सू० प० १६०, (२) ओड
काननुं पक्षी. एक जात का पद्मी सं kind
of bird. जीवा० ३, ४; (३) दीयानी
भेल, डाकण दीपक की मेल, काजल. the
snot of a lamp ठा० ४, २; पच० १७;
प्रव० ६५७,

√ खंड. धा॰ II. (खगड्) आंऽत्र खांडना To pound

खंडेइ. सु० च० २, ३६४; खंडित्तर् हे० छ० नाया० ५; ८,

खंडिज्जंत. क वा व व कु धु च र, ५२, खंड. न॰ (खराड) भाग; ४८%। भाग, दुकडा A division; a part. जं॰ प॰ ६, १२५: विवा० ७, विशे० १४६२, नंदी० ५०, पि नि प्रथः भग र, प्र १०, ६, ३१, १२, २, नाया० १६, १७, उवा० १, ३४, भत्त॰ ८७, (२) वन ७९५ वनखड ४ part of a jungle. नाया॰ ९. (३) भाऽ शकर, sugar उत्त० ३४,१४; जीवा॰ ३, ३; श्रग्जो० ६४, १३३, भग० १≈, ६, डग. पुं॰ ( -घटक ) पुरी गयेक्षे। घडे। फूटा हुआ घडा a broken pot नाया॰ १६, —पट्ट. त्रि॰ ( -पष्ट ) अपूर्ण धुगडावाला, गरील श्रपूर्ण वस्त्रो वाला, गरीव ( one ) possessing poor clothes (3) ध्यः; लुगारी ठगः; जुजारी a specula tor. विवा॰ ३, ६; — पडह. ति॰ (-पटह) णे। भरा ढे। स्वाणे। फूट ढोन वाला. (one) possessed of a broken drum. विवा॰ २; —पारा. न॰ (-पान) भांऽतुं भाष्टी शकर का पानी sugar water. नाया॰ १७; —मस्तय न॰ (-मस्तक) सांगी गयेस भ्यासी-सरावसी फूटा हुआ प्याला, सरावला. a broken cup नाया॰ १६, —महुर. ति॰ (-मधुर) भाऽता केनुं भी हुं. शकर जैसा मीठा sweet as sugar. ठा॰ ४, ३,

खंडग. पुं॰ ( खरहक ) ३२% विજयना वैताक्ष ઉપરના નવ કૂટમાનુ ત્રીજાુ ફૂટ–શિખર. कच्छविजय के वैताट्य पर के नव कूटों में का तीसरा कट-शिखर. The third of the nine summits of the Vaitadhya mount in Kachehha Vijaya. जं० प० ६, १२४, (२) धर्मस्थितिना भंड-५५८। कर्मास्थिति के खंड-द्रकडे prita, divisions of Kaima क॰ प॰ ७, ४८, —मञ्चगः पु० ( -मञ्चक) लागी गयेल सरावितः, लागेव सक्षेत्र फुटा हुन्ना प्याला श्रथवा सिकोरा. a broken earthen cup नाया॰ १६; —विच्छेय. पु॰ (-वि-च्छेद ) કર્મના સ્થિતિ ખણ્ડના વિચ્છેદ-अलाव कर्मकी स्थिति खंड का विच्छेद-अभाव, absence of a division of the duration of Karma. 30.40 ৩, ४५;

खंडगण्पवाय पुं॰ (खरडकप्रपात ) लुओ। ''खडप्पवायगुहा'' शण्द देखो '' खडप्प-वायगुहा" शब्द. Vide '' खंडप्पवायगुहा '' ठा॰ २, ३,

खंडगण्पवायगुद्दा स्त्री॰ (खग्डकप्रपातगुहा) ओवा नाभनी भरतना वैताक्ष्यनी भीछ गुद्दा, उत्तर भरतभांथी यक्ष्यनी ना सरकरने पाछे। दक्षिणु भरतमां आवाने वैत क्ष्य पर्यतनी

व<sup>3</sup>ने भुक्तरूप भाग<sup>7</sup>, सहबयपात गुहा हम गाम वा भरत के वैतादा का दूसरी सुपा-उपर भरतमे में बद्धता है, त्रहरा में। पाड़ा एखिण भारत से खाने की कैसादा नवता से का गुपार क्या Name of the second cave of Vnitadhya in Blanata the cave which is a returning way for the army of a Chakra-Varti from the am thera Bharata to f lier southern Blunkto, "सहस्ववाग महाएं बहु जीव गाइ " दा॰ त, गाव ४०;

सं उपयायमुद्धाः श्री॰ ( मणद्वमातमुद्दा )
नेत द्या परंत वश्ली पूर्य गानुनी केह भूता
केशाधी शहरती जित्तर अरलदेक स्थी
परंश दक्षिण अरलमां वर्त श्रे मैनाइन पर्वत
में या एनं मानू का एक मुद्याः जिसमें ने शक्क
नेता उत्तर भरत देश जीतमर पांच दक्षिण
करत में शिद्धं है. Name of a costora eve in the midst of the
mount Vaitadhya through
which Chakravarti returns to
southern Bharata after con
quering the countries of northern Bharata अ- पर १, ६४, ६,
15% 3, ५३:

संहष्पचायगुहाकुछ पुं॰ ( नर्द्ध्यपानगुका-क्ट) विताद्यपर्वन उपरना नवहूटभांनुं वान्तुं इट शिष्पर, विताद्य पर्वत के नवकूट में का तांगरा क्ट्-शिष्पर. The third of the 9 summits of the Vaitadhya mount, जं॰ प॰

खंडरफ्ख. पुं॰ (सगदरच ) हाणी; हाण्

तिनार, द्वाणी, द्वाण तिनवाला A custom importor, (१) हारवाल, कोववाल, the head of the police, वणहरू १, १, श्रोवन नायान १८:

मंद्रस्यत्रम् मन (संदर्भणमः) अधिनाहः मंद्रियम्, The state of leing broken पंचान १४, १२:

मेंद्वारंगी छान (मान्दर्य) विकासनी नेवन नेवाधितिकी नीवृं तान विकास गाम के जोर मेंगायीत को खा था गाम. Name of the wife of Vijeyn the head of thicker विद्यान 3:

गंदागंति. ६६० ( शाहाशिष्ट ) ७८५५; १६८५५५, गंह गंह; दृक्टे दृश्टे, शिल्ताव भित्र विकास "श्रायमा स्टाबीट करेगि" स्थाब २, ४४; सामार ४,

गंडाभदः प्रं (संगद्दभदः) ६८३ ६८३ व्यास्त्रं ते भाषा ६६६१ थाय विश्व दिने लेहवं ते. दुक्ट दृष्टे परमाः सद-दुक्टे होमीय इस तर्हमें द्वार परमाः Breaking or piere ing into pieces, प्रद १९:

गांडिय. पुं॰ (नंतिहरू) शिष्य: विद्यार्थी शिष्य, द्यात्र, विद्यार्थी, A pupile, a disciple, उत्तर १२, ३०: क्रीयर ३२: भगर १८, १०:

मंतिय. वि ( कंगिडत ) भिष्ठतः भादेतः मिर्ग्यः मिर्ग्यः मिर्ग्यः Broken. प्रव ४८८. तंदु श्याव १, ४; ४, १. ( २ ) व्याव हेरा थी लंगायेत भिष्ठतः ध्येतः एक कोर में रहा हुका-कंग्रितः broken on one oide नाया ॥ ६,

संडी. ह्यां ( \* ) भढ़मां पाडेशी भारी. श्रीडी. गढ में पाडी हुई मारी; खेद. An

<sup>\*</sup> लुओ पृष्ट नम्भर १५ नी प्रतीट (\*). देगो एग्न नंबर १४ की फूटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p 15th.

opening made in a fortress. नाया॰२; १=; (२) भाला; ६६िथरा. खाजा; खाद्य विशेष. a kind of eatable substance. प्रव॰ १४२७;

संदुयग. न॰ (खगडक) ખાંડવા; ખંડ; વિભાગ. संद; विभाग. Division; part. प्रव॰ ६१७;

संडेय. पुं॰ ( पगडेय ) यतः; पक्षी विशेष. बतकः पन्नी विशेष. A. kind of swan

खंत त्रि॰ ( चान्त-चाम्यतिचमां करोतीति )
क्षमा थाणा. चमा वाला. (One) possessed of a tranquil mind,
patient. " खंतो श्रायरिएहिं, संभिषिश्रो
विनरूसंति " नाया॰ १४: गच्छा॰ ४३;
स्य॰ २, १२, ६, ५; ठा॰ ८; (२) पुं॰
थिता; भाष पिता; बाप. father. " जामा
इपुत्त पहमारएण खंतिणमेनिहं " पि॰ नि॰
४३०:

श्वेताइ. त्रि॰ ( ज्ञान्त्यादि ) क्षांति-सहन शीक्षता क्षभा परेरे ज्ञांति-सहन शीलता-ज्ञमा वगैरे. Patience; forbearance. प्रव॰ =४६;

स्विति ल्ला॰ ( चान्ति ) सहन शीलता; क्वांचित निश्रह करवा ते; क्षमा. सहन शांचता; क्षांघ का निम्नह करना; च्लमा Patience; forbearance. परह०२, १; श्रोव० १६; २०; जं०प० दस० ४, २०; नाया० १; भग० २, १; २५, ७; स० २०; उत्त० १, ६; २६, २; ठा० ४, १; गय० २१४; क० गं० १, ४४; कप्प० ४, ११६; मन० ४६१; पंचा० ११, १६; १३६८; —स्मा. स्ला॰ (-चमा) क्वांचेने रोहीने सहन शीलता रखना. the state of being patient by checking anger. Vol. 11/69

भग० ९ १, १; ठा० ३, ३; — सूर. पुं० (- शूर) क्षमा राज्यामां शूर धीरक धारी; केवा हे व्यरिहंत, महावार. ( one ) possessing the power of checking anger, like Arihanta, Mahāvīra etc ठा० ४, ३;

खंतिया. स्री॰ ( त्तान्तिका ) જનની, भाता. जननी, माता. A mother. " कहिजाहि खन्तियाए तुमं " पिं॰ नि॰ ४३२; ५७६; श्रोघ॰ नि॰ भा॰ २४३;

खंद. पुं॰ ( स्कन्द ) धार्तिक स्वाभी. धार्तिकेय नाभे शहरते। भ्ढे। दे। पत्र. कार्तिक स्वामी, कार्तिकेय नामक शंकर का वडा पुत्र Name of a person, Kārtikaswāmī; the eldest son of Sankara Kārtikeya by name भग० ३, १, ज॰ प॰ जीवा॰ ३, ३; श्रयाजो॰ २०; नाया॰ ३, -गाह. पं॰ (-प्रह) शर्तिः स्वाभीने। वस-शार्थ, कार्तिक स्वामी का लगना under the influence of Kārtikaswāmī. subject to the influence of Kartikaswāmī. जीवा० ३ ३; र्ज०प० भग० ३,७; - मह न० (-महसु) धार्तिधस्याभी-ने। उत्सव कार्तिक स्वामी का उत्सव. the festival in honour of Kärtika svāmī श्राया० २, १, २, १२, नाया० १; निसी० १६, १२, भग० ६, ३३; राय०२१७: खंदग्र-य. पुं॰ (स्कन्दक) भंध ! संन्यासी गृह ભાલિના શિષ્ય કે જે શ્રી ગાતમ સ્વામિના भित्रदताः केने पिंगस नियन्थे अक्षा पृष्टया હતાઃ તે પ્રશ્નાના જળાળ ન આપી શકાયાથી મહાવીરસ્વામી પાસે જતા પ્રશ્નાના ખુલાસા મેળવી શ્રીમહાવીર સ્વામી પાસે દીક્ષા લીધી. खंधक सन्यासी गद्दभालि के शिष्य थे; जिन से पिंगल निप्रंथने प्रश्न पूछे थे, जब उन प्रश्नें

का उत्तर न दिया गया तो वे महावीर स्वामी के समीप गये श्रीर उन से उत्तर पाकर दीचा जी. Name of a mendicant who was a disciple of Gaddabhāli and a friend of Gotamaswāmī. He accepted initiation from Mahāvīra for having received answers to the questions which he could not give to the ascetic Pingala on being askod. भग० २, ५; (२) धार्तिध स्वाभी कार्तिक स्त्रामी. Kārlikaswāmī, नाया॰ २: खंदिलः ( स्कन्दिल ) सिंद्रश्वरिना शिष्यः २५-िन्सायार्थ सिंहमूरि के शिष्यः स्कन्दिला-नार्य. The disciple of Sinha-Sūrī; Skandilāchārya. नंदी॰ खंधा. पुं० ( स्कन्ध ) लाह भनभा रूप, वेहन,

વિજ્ઞાન, સંજ્ઞા અને સંસ્કાર એ પાંચને સ્કન્ધ કહેવામાં આવેછે: તેમાં પૃથ્વી આદિ તેમજ ઋપાદિતે ઋપ શકન્ધ, સુખદૃ:ખ અને અદુ:ખ સુખને વેદના સ્કન્ધ, અપ રસાદિ વિજ્ઞાનને વિજ્ઞાન સ્કન્ધ, પદાર્થના નામાદિને સંના સ્કત્ધ અને પુષ્યા પુષ્યાદિ ધર્મ સમુદાયને संरक्षार रक्ष्म क्षे छे. बाद्ध मत में रूप, वेदन, विज्ञान, संज्ञा श्रार सस्कार इन पांचों को स्कन्ध कहने मे श्राता है उनमें से पृथ्वी श्रादि उसी तरह रूपादि को रूप स्कन्ध, सुख दु.स श्रीर श्रदु.स सुम की वेदना स्कन्ध, रूप रसादि विज्ञान को विज्ञान स्कन्ध, पदार्थ के नामादि को संज्ञा स्कन्ध श्रीर पुराया पुरायादि धर्म समुदाय को संस्कार स्टन्ध कहते हैं. A Skandha (group) of five terms viz. Rūpa, Vedana, Vidyana, Sanjñā and Sanskāra according to Buddhism and these terms are styled accord-

ing to their name. तं॰ प॰ ३, ४६; स्य०१, १, १,१७; पगद०१,२; मग०२०,४; (২) হাঘ; ખંબા. कंঘা. a shoulder. उत्तर ११, १६; रायर ३२; पिर निरु ६६; ३३१; नाया० =; १४; शाया० १, १, २, १६; जीवा० ३, १; गु० च० २, ३६; कप्प० ३४; प्रव == ७; १३१५, (3) દ્વિપ્રદેશાદિક ઘણા પરમાણુંએ મલીને બનેલ એક જेथी। द्वि प्रदेशादिक बहुत मे परमाणु मिलकर यनादुआ एक स्कपं. a collection of various particles. भग॰ १, ४; 90; 2, 90; X, U; 99, 99; 98. 90; १८, ६; ८: २४, ३: ४; नाया० १: १६: विशे॰ ३२४; =९४; श्रगुजो॰ ४४; १४४; उत्त० ३ १८; ३६, १०; ठा० १, १; श्रीय० क ग० ७४; (४) आइन् थड साट का धर the trunk of a tree. श्रीव ॰ शय ॰ १११: भग० ३, ४, २१, ३; स्य० २, ३,२; ४: पक्त॰ ૧. ( ૫ ) સમગ્ર વસ્તુઃ સંપૂર્ણ પદાર્થ-समप्र वस्तुः मंपूर्णं पदार्थः a complete thing. पञ्च० ५; भग० =, ६; (६) भाला विशेष. माला विशेष a kind of garland. निसी॰ १६, २८; (७) दगकी. हेर. a heap. नंदी-१८; निसी-१३, ७; श्रायाə, x, ૧, ૧૪૮; (૮)એ મન્દ્રિય વાલ<del>ો</del> अर्थ छव दो इन्द्रिय वाला एक जीव. ध two-sensed living being. परा०१: ( ६ ) ४भेना २५ंध. कर्म का स्कन्ध. a heap of Karma. क॰प०७, ४७; —उत्तरस्रो. न्न० ( -उत्तरतस ) पूर्व पूर्वना धर्भ रधंध-थी उत्तरे। त्र पूर्व पूर्व के कर्म स्कन्घ से उत्तरोत्तर. the future collection of Karma as opposed to the past. क प प प, ४७; —देख. पुं ( -देश ) સ્કન્ધના એક આખી વસ્તુના ભાગ. स्कन्ध का -सारी बस्त का एक भाग. a part,

division of a group. भग॰ २, १०; ६, १; उत्त० ३६, १; —प्पएस. पुं० (-प्रदेश) वस्तुने। ओंध भारीध-भां भारी । अश. वस्तु का एक बारीक में बारीक श्रंश. the infinitisimal part of a thing. श्रशुओ ० १४४: भग०१०, १; --- प्रभव. पुं॰ (-प्रभव ) २५-धनी-थऽनी ઉत्पत्तिः स्कन्ध की पौधे की उत्पत्ति. origin of a tree. " म्लाग्रो संघणभवी दमस्स " दस॰ १, २, १. --धीजः त्रि॰ (-बीज) भ ध-धऽरूप भील लेने छेते; યહ વાવવાથી જે થાય તે: માગરા ચમ્પેલી-ध्रुपेडे। विशेरे. पोधे रूपी बीज जिकसा है, वह पीधा लगाने से जो होते हैं, मोगरा-चमेली वगेरा. the different flowering plants which grow not from seeds but by sowing their branches etc স্থায়াত ২, ৭, =, ४=; ठा० ४, १; दस० ४;

खंद्रकरणी. स्त्री॰ (स्कन्धकरणी) साध्वीते भक्षे नाभवानुं वस्त्रः संधारीत्रोः साध्वी के कंघे पर डालने का वस्त्रः a garment of a female ascetic worn on the shoulder. श्रोघ॰ नि॰ ६७७;

खंधग. पुं० (स्कन्धक) लुओ 'खंघ' शण्ट. देखो 'संघ' शब्द Vide " खंघ" स्०प०१०;

संधगरणी ली॰ (स्कन्धकरणी) लुभे। 'संधकरणी' शम्द. देखी 'संधकरणी' शम्द. देखी 'संधकरणी' प्रव० ५३ म;

संघत्ता. श्री० (स्कन्धता) अहना यहने। साव-स्वरूपः भाड के पींचे का भाव-स्वरूपः The state of being a trunk of a tree. Hyo 3, 3, 4;

संधावार पुं॰ (स्कन्धावार) जुओ।
"संधार" शण्हः देखों "संधार" शब्दः
Vide "संधार" नाया॰ म; १६; विशे॰
०४२: जं॰ प॰

संपराय. न० (-) भांपणः भडहा ७५२ नाभ-पानं परत्र कफन: शव पर डालने का बखा. A winding sheet. মুত খত গ, ৭৮২; स्त्रेम. पुं (स्तम्म) थाभक्षाः थंल. खमाः स्तंभ. A post; a pillar. उवा॰३,१४०; र्जं० प० ५, ११५; १, ५४; ३, ६=; ४, ६०; **११; भग० ५,७; ८,६; ९,३३; १०, ४,१२,** ६, नाया० १; =; १३; १६; श्रशुजो० १५३; जीवा० ३, ३; प्रव० २४६; राय० १०५: स्० प० २०; सूय० २, ७, ४; गच्छा० ८; -- उग्गयः त्रि॰ ( -उद्गत ) थांसक्षा ७५२ रहेल स्तंभके ऊपर रहा हुआ. resting on a post or pillar. जं॰ प॰ ४, ११४; नाया० १; --सयः न० ( -शतः ) से। धंलः सो स्तंभ. one hundred pillars. जं॰ प॰ ४, ११२;

खकारपविभक्तिः न॰ ( खद्यारप्रविभक्ति ) भ अत्ररना आशरनी रयनावालु नाटशः

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ट नम्भर १४ नी प्रुटनीट (\*) देखो पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनीट (~) Vide foot-note (\*) p 15th.

स्त्रणाहिं-श्रा. स्च० १, ४, २, १३; स्वर्णह. उत्त० १२, २६; स्वर्णित्तु. मं० क्व० श्राया० २. १३, १७३; स्वर्णमाण. व० क्व० पि० नि० ५६०; विवा० १; नाया० १२;

खियाता. सं० जं० प० ४ ११४; खियावद्द. प्रे० दस० १०, १, २; खियावप्. दस० १०, १, २; खियावेतुं सं० कृ० नाया० १३; खियावित्तप्. हे० कृ० नाया० १३; खियावित्तप्. हे० कृ० नाया० १३;

√ स्वरा. था॰ I. (चरा) भारतुं; हिसा धर्यी. मारना; हिंसा करना. To kill. खराह. भा॰ श्राया॰ १, ७, २, २०४; खरात. श्रा॰ सूय॰ २, १, १७,

खगा. पुं॰ ( त्तरा ) अवसर; व भत. श्रवसर, समय An instant; a moment. म्य०२,४, ४; भत्त०=४; क०प०२, =२; ४, २१,गच्छा० ६०: श्राया० १,२,१,७०: कप्प० પ, ૧૧૭: (૨) ન્હાનામાં ન્હાના કાળ विलाग: सभय. छोटे में छोटा काल विभाग: ममय the shortest division of time; an instant. सूय०१,४=:भग०९, ३३,नाया० १;१६: दस० ४,१,६३: पि०नि० ७६७, तंदु० भत्त० ५०; पंचा० १, ४८; ( ર ) સંબ્યાત પ્રાણરુપ કાલ વિભાગ; भृष्त संख्यात प्रागारूप, काल विभाग, मुहूर्त. a measure of time comcountable prising breaths: a time equal to 48 minutes. जं० प० ७, १४१; ठा० २, ४; -जोइ. त्रि॰ ( -योगिन् -- परं निकृष्टकाल: चर्ण स विद्यते यस्य इति ) अतिक्षशे नाश पामनार; क्षिश्विः प्रतिच्चरा नाश पाने वाला; चिषकः च्रा भंगुर. decaying every moment; momentary. स्य॰१,१,१,

१७; -- ( अ) द्ध. न० ( - अर्घ) अर्ध क्ष्यू. श्राधा च्रण. half a moment. गच्छा॰ ६०; **— ग्र**. ग्रि० ( –ज्ञ ) अवसर જાણ-नार. समय को पहिचानने वाला. ( one ) knowing the proper time. श्राया॰ १, ७, ३, २०६; — यंघ. पुं० ( -वन्ध) सभय रूपे लन्धः स्थित लन्ध समय रूप वन्धः स्थिति बन्ध. limiattion in relation to time. क॰ प॰ ७, ४२; —लव. पुं• ( -लब) क्षण्मात्र हे अवभात्र વૈરાગ્યભાવથી ધ્યાન કરવું તે; તીર્થકર નામ-ગાત્ર ભાંધવાના વીશ પ્રકારમાંના એક चण-मात्र के लवमात्र वैराग्य मावसे ध्यान करनाः तीर्धकर नामगात्र बांधने के बीस प्रकार में का एक. dispassionate meditation for a moment only: one of the 20 ways of distinguishing oneself as a thankara, नाया॰ =: प्रव॰ -संजोइय. त्रि॰ (-संयोगिक) क्षण्--भंतमुद्धते पर्यंत केना सयाग हाय ते अंतर र्मुहर्त तक जिसका संयोग हो वह. remaining or lasting forless than 18 minutes. क॰ प॰ ७, ३६; — सेस-त्रि॰ ( -शेष ) ક્ષણ-જેમાં બાકી છે તેવું; चाएा जिस में बाकी है ऐसा. less by " moment. क॰ प॰ २, =२;

म्बल्यस्न. त्रि॰ ( चयक्त-च्यं परं निरुष्ट कालं जानातीति ) ५ भत-अन्नस्ते। ज्यु-नार. समय-अवसर की जानने वाला (One) knowing the proper time. श्राया॰ १, २, ४, ८८;

खारी, स्नि॰ (खाने) भाष्, खदान; खान A mine. १५० नि॰ २२६; नाया० ७;

खत. न॰ ( चत ) धाः, यांद्राः, क्रभभः, पानः जसम A wound. श्रगुजो• १४७. सतन्त्र. पुं॰ (ज्ञतक) राधुना पुद्रसनी पहर ज्ञतभांनी ओड ज्ञत. राहु के पुद्रल की पंदरह जात में की एक जात. One of the 15 sorts of the molecules of Rāhu. सू॰ प॰ १६;

खत्त. पुं॰ ( चत्र ) क्षत्रिय; यार वर्णमानी भीन्ने वर्ण ज्ञात्रिय; चार वर्णो में से दूसरा वर्णे Ksatriya; the second of the four castes. (२) हासीपुत्र; वर्णेंसहर. दासीपुत्र; वर्णे संकर. one belonging to a mixed caste उत्त॰ १२, १८,

खत्त त्रि॰ (\*) छाण्केवा रसवाधुं. गोवर जैसा रस वाला. Resembling liquid cowdung. ज॰ प॰ (२) भातर भाडेस. खात लगाया हुआ. (a wall etc.) bored through by a thief. पि॰ नि॰ भा॰ ૧૧. (૩) ખાતર પાડવું; ભીંતમાં ળા કું કરવું તે. खात लगाना, भींत में छेद करना boring through the wall. विवा॰ ३; नाया॰ १८. - खगागा.न०(-खनन-मात्रं खनतीति) ખાતર પાડવુ; ચારી કરવાને અદર દાખલ થવા ભીતમા ળાંકુ પાડવુ તે. लगाना, चोरी करने को अंदर जानेके लिये भींत में छेद करते हैं वह. breaking into a house for the sake of comitting theft विवा० ३; नाया॰ १८; —मेह. पु॰ ( -मेघ-चात्रेण करीपेण साकं सकरीषो वा मेघो यत्रीति ) ७। ७। न। २स केवे। वश्साह द्याण के रस सरीखी बरसात resembling liquid cowdung. ज० प० २, ३६; भग० ७, ६:

खत्तयः पुं॰ ( शत्रक ) क्षत्रधः राष्ट्रदेवनु नाम

राहु देव का नाम. Name of god Rahu, भग० १२, ६;

खत्तिय-ग्रा. पुं॰ ( ज्ञात्रिय ) क्षत्रिय लाति; यार वर्णभाने। भीको वर्ण चित्रय जाति; चार वर्णी में का दूसरा वर्ण. The second of the four castes. जं० प० ४. ११२: उत्त॰ ३, ४; ६, १८; १६, ६; राय॰ २१८: २६६; विवा० १; निसी० =, १४; ६, २१; दस० ४, २, २, ६, २, भग० १, ६; ११, ६; सु० च०२, ३५४; श्रागुजो०१३१; श्रोव० १४: २७; ३८; कप्प० २, १७; प्रव० ३८६; —कुमार पुं॰ (-कुमार) क्षत्रियधुभारः राज्युत्र च्त्रियकुमार, राजपुत्र. a prince; the son of a Ksatriya. भग०६,३३; --कुल. न॰ (-कुल) साभान्य क्षत्रिय तरी है स्थापेक्षं ५क्ष सामान्य ज्ञियके तार पर स्थापित कुल a family ranked as an ordinary Ksatriya family. श्राया॰ २, १, २, ११: -- जायम्र त्रि॰ (-जातक) क्षत्रिय न्नितिभा ७८५२ थ्येथ. स्त्रिय जाति में उरपन्न. (one ) born in the Kṣatriya caste. सूय॰ १, १३; १०; -दारग. पुं॰ (-दारक) क्षत्रियने। यासक च्चित्रय का बालक a child of a Ksatriya. विवा॰ ४; -प्त. पुं॰ ( -पुत्र ) ક્ષત્રિય પુત્ર; ક્ષત્રિય બચ્ચો च्निय पुत्र; च्नित्रय का बचा of a Ksatriya भग॰ ६, ३३; — विज्ञा स्त्री॰ ( -विद्या ) क्षत्रियनी धनु-विद्याहि विद्या, ४० विद्याभानी ओक जात्रिय की धनुर्विद्यादि विद्या, ४० विद्यासे की एक the science of archery possessed by a Ksatriya; one of the 40

<sup>\*</sup> अ. अ. १४ नभ्भर १५ नी पुरने। २ (\*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने। २ (\*) Vide foot-note (\*) p 15th.

٦ £ :

lores. म्य॰ २, २, २७;
खिचयकुंडगाम. पुं॰ ( चित्रयकुराहमाम )
क्षित्रियकुंडगाम भ्राम लयां लभाक्षि २६ेता
६ता. चित्रयकुंड नाम का गांच जहां जमालि
रहते थे. Name of a city the
residence of Jamāli. भग॰ ६, ३३;
कप्प॰ २, २०;

स्वित्यकुंडपुर. न॰ ( श्वियकुण्डपुर ) भट्टा-वीरस्वाभीती जन्मभूमिनुं श्रांभ; सिद्धार्थ राज्यती राज्यंवाती. महाबार स्वामा की जन्म-भूमि का प्राम; निद्धार्थ राजा की राजधानी. The city which is the birth place of Mahāvīra Swāmī; the capital city of king Siddhārtha श्राया॰ २, १५, १७६;

खीत्तयाणी. न्नो॰ ( इत्रियाणी ) क्षत्रियती स्त्री इत्रिय की न्नी. A wife of a Ksatriya. कप॰ ३, ४८;

खदिरसार. पुं॰ (खदिरमार) भेरसार. खर का नार A powder prepared of Kher. पन्न॰ १७;

खद्द-द्ध. त्रि॰ (खाद्य) भने। त्रः स्वाधिष्टः २सलर. मनाज्ञः स्वादिष्टः रसभर. Delicious; tasteful. सम॰ ३३; प्रव॰ ५२६;

ग्बद्ध. त्रि॰ ( \* ) अभूत; व्यधिः;
अभाज्यी वधारे. प्रभूत; श्राधिकः; प्रमाण से
विशेष. Abundant; much more
than enough. श्राया॰ २, १, १;
४६; पिं॰ नि॰ १८८: ४८१; ५२६;
श्रोध॰ नि॰ ६६; ५२२; परह॰ २, ४; प्रव॰
१३०; दसा॰ ३, १६; १७; १८; १९;
—पज्रणण. न॰ ( -प्रजनन ) न्हें। दे
पुरुषिंश्व ( धिन्द्रिष ). बडा पुरुषिंन्ह

( इंद्रिय ). a big organ of generation. प्रव॰ ५२६; —सद्द. पुं॰ (-राब्द ) रहे। शे शे शे शे शे शे है। शे शे शे है। शे है। शे है। शे है। शे है। शे है। शे शे है। शे शे है। शे शे है। शे है। शे है। शे शे है। शे शे है। शे

खदं. श्व॰ ( शोधम् ) જલદी; ઉતાવલે. बहर्रा; शीध्र. Quickly. श्राया॰ २, १, ४, २४; क्ष्मद्धादािग्रश्न. त्रि॰ ( \* ) सभृद्धि वाणुं. समृद्धिवान. Prosperous. श्रोघ॰ नि॰

खपुष्फ. न॰ (खपुष्प) आश्रशना पुसनी भेडे शन्य. भाकाश के फूल की समान ग्रन्य. Anything impossible or nonexistent like the flower in the sky. विशे ३२;

√ खम. धा॰ I. ( इम् ) क्षभा ध्रशी. चमा करना To forgive; to pardon.

स्त्रमङ्-ति. श्राया॰ २, १५, १७६; श्रंत॰ ६, ३;

स्त्रभंतु. भग० ३, २; नाया० १६; ३, ६; स्त्रमे. वि० वव० १०, १; स्त्रम. ग्रा० नाया० ४;

स्तमह. श्रा॰ सु॰ च॰ ४, १२३; स्तमाहि. नाया॰ ६;

खमेह. दस॰ ६, २, ९=;

समितं. हे॰ कु॰ सु॰ च॰ ४; १२४;

स्तर्मतः व॰ कृ॰ दसा॰ ५, ३; स्तममायाः व॰ कृ॰ भग॰ १५, १; २॰, ६;

विवा० १:

स्तामेइ-ति. प्रे॰ भग० २. ६; ३, ९; ५.

८; १४, १; नाया॰ १; ४; ८; <sup>१</sup>४;

सु॰ च॰ ७, २०८:

कामंति. भग० ३, १; ११, १२; १≖, ३;

<sup>\*</sup> लुओ पृष्ट नम्भर १५ नी पुरने। ( \* ). देखो पृष्ट नंबर १५ की फूटने। ट ( \* ). Vide foot-note ( \* ) p. 15th.

खाँमोत. भग० २, १; ११, १२; १८, ३; खाँमोम भग० २, २; नाया० ८; १६; महा० प० ६; खाँममो. भग० २, १; खाँमेसी. भग० ३, १; खाँमेसी. स० कृ० निर्सा० ४, ३२; खाँमेसी. सं० कृ० भग० २, १; ४, ८; १४, १; नाया० १;

खामेमाग् नाया० ५;

खम. त्रि॰ ( ज्ञम—ज्ञमते इति ज्ञम ) शिंति भान्; सभर्थ ताकतदार; समर्थ. Powerful; able. श्रोघ॰ नि॰ ७६३, भग॰ १, १; ३, १; नाया॰ १; १०, सु॰ च॰ १, २६; ३१६; श्राया॰ १, ७, ४, २१५; दसा॰ ७, १; पि॰ नि॰ ७१; (२) शुक्ष; હित ४२ ग्रुम; हितकारक. auspicious; beneficial उत्त॰ ३२, १३,

खमग. पुं॰ ( चमक ) भास भभश आहि तप अरनार; तपश्ती साधु मास खमण करने वाला; तपस्वी साधु. One practising fasts for a month etc.; an ascetic given to austerity पि॰ नि॰ ४७६, खमण, पुं॰ ( चमण ) सद्धनशीलता राभनार साधु सहनशीलता रखनेवाला साधु. An ascetic of forgiving nature. आणुजो॰ १३१; प्रव॰ १४२७, उवा॰ १, ७७; (२) तप; अपनास. तप; उपवास. a fast; an austerity. प्रव॰ १४३१; —सय पुं॰ ( -शत ) से। अपनास. सौ उपवास. one hundred fasts प्रव॰ १४३१;

खमिरिह त्रि॰ ( चमाई ) क्षभा करवाने थे। व्य. चमा करने के योग्य. Deserving pardon. भग॰ ३, २;

खमा. स्री॰ ( चमा ) क्विपिती अक्षाय, सहन-शीवता, क्षमा. क्रोध का श्रमाव; सहनशी-Vol. 11/70. त्तता; जमा Absence of anger; forgiveness. भग० ६, ३३; १७, ३; नाया० १०; १३; श्रोघ० नि० ४८१; सम० २७; नंदी० ३४; जं० प० राय० १७१; उना० २, ११३, श्राव० ३, १; कप्प० ८;

खमावराया ली॰ ( चगपना ) अपराधनी भाषी भागनी भभाववुं, भिन्छाभि हुछडं लेवुं ते अपराध की माफी मांगना; चमा-याचना, मिच्छामि दुक्कडं लेना. Begging of pardon for a fault committed; a particular way of confessing a sin भग॰ १७, ३; उत्त॰ २६, २,

खमासमण पुं॰ ( चमाश्रमण ) क्षभाधारी साधु. चमाधारी साधु An ascetic of a calm and quiet nature. कप्प॰ =; खय पुं॰ ( चय ) भूसथी ७२छेह; सभूसगे। नाश. मूल से उखाड डालना; समूल नाश. Utter destruction भग० E, ७, ६; ६, ३१, ११, ११, उत्त**०**३, १७; क० गं० २, २६; भत्त० ५०; -गन्न त्रि० ( -गत ) क्षय पाभेल. च्रय पाया हुया, हुई. destroyed, decayed दसा॰ ४; ३२; ३३; —नागि पुं॰ (-ज्ञानिन्) सर्वाधा આવરણના ક્ષયથી ઉત્પન્ન થયેલ કેવલનાન-वान हेवणी. सर्वथा आवरण के ज्ञय के जर्ये (द्वारा) ज्ञानवान् केवली one possessed of perfect knowledge due to the destruction of cover in the form of Karmas विशे ५१=: —निष्कारण त्रि॰ (-निष्पञ्च) अभेना क्षय-થી પ્રાપ્ત થયેલ ભાવ; ક્ષાયકભાવે પ્રાપ્ત થતા डेस्बरानाहि कर्म के च्य से प्राप्त हुआ माव; ज्ञायक भावसे प्राप्त हुए केवलज्ञानादि. Kevala Jñāna etc. got by destroying the Karmas. त्रणजो॰ १२७, —समजः न० ( -शमज—इय-

शमाभ्यां जायते तत् ) विधिति भिष्पात्वने। क्ष्य व्यने व्यनुदीरितने। व्यश्म हरवाथी वित्यन थतुं क्ष्ये।पश्म समित. उदीरित मिथ्यात्व का स्वयं श्रीर श्रनुदीरित का उपशम करने से उत्पन्न होने वाला स्वयोपशम समिकत. destruction of false belief which is forced to mature and forcing of immature false belief to mature. विशे ॰ १२ ::

खयर. पुं॰ (खिद्दर) भेरनुं आऽ. खेर का माइ.

A kind of tree known as Kher.

श्रतं॰ ३, ७; तंदु॰—इंगाल. पुं॰ (-श्रंगार)
भेरना लाइडाना अंभारा. खेर की लकडी
के श्रंगारे burning charcoals of a

Kher wood. राय॰ ६६;

खिश्च. ति॰ ( चायिक ) ळुએ। " खइश्च " शण्द देखों " खइश्च " शब्द Vide " खदश्च " श्रगुजो॰ १२;19

√खर. धा॰ I. ( चर्) नाश पामतुं. नाश पाना. To be ruined.

खर्इ. विशे॰ ४५४;

खर. त्रि॰ (खर) ४६िणु; भरभरे।; ४५१; तीक्ष्णु. कठिण, खरदरा, कर्कश. तीच्ण. Harsh; rough क॰ गं॰ १, ४१; ४२; गच्छा॰ ४४; भग॰ ७, ६; १४, १; नाया॰ १; ६, ६; तंदु॰ दसा॰ ३, २२; २३; २४; उत्त॰ ३६, ७१; पिं॰ नि॰ ३२७; जीवा॰ १; पज्ञ॰ १; जं॰ प॰ अणुनो॰ १२६; (२) तक्षनं तेश. तिल्लोका तेल. ४९८६११० वा. अष्टा नि॰ ४, ६; (३) गधेडा. गधा वा. वडड. श्रोव॰ ३६; जीवा॰ ३.३; गच्छा॰ १२५; (४) राढुना अपर नाम राहुका पर्यायवाची नाम. व synonyın for Rāhu. म्॰प॰१६;—आवट्ट. पुं॰ (-श्रावर्ते) ४६नथईनी पेडे पाणीनुं गाणाईडांणुं थाय ते; यभव. कठिन चक्र सरीखा पानी का

गोल कंडल होता है वह: वमल. a whirlpool ठा॰ ४, ४; -- कंट पं॰ (-कएट) તીક્ષ્ણ કાંટાસરખા; શીખામણદેનાર સાધુને દુર્યચનરુપ કાંટાથી વીંધનાર શ્રાવક. तांच्ण काटे सरीखाः उपदेश देनेवाले साधको दुर्वचन रूपी कांटोंसे हेटने वाला श्रावक. sharp as a thorn; a layman who gives advice to an ascetic in severe words. 210 %. -कंड. पं॰ (-कागढ) ४६िन **लाग.** कठिन हिस्सा. the hard portion. ( २ ) पहेंसी नरकते। पहेंसे। क्षंड, पहले नर्क का पहला काराड the first division of the first hell, जीवा॰ ३, १; -- फक्स-त्रि॰ ( -क्रकेश ) ४५ शभां ४५ श: अति ५ ईश. कर्तरा में कर्तरा: श्रातिकर्तरा very harsh. प्रव० १४२: --- क्रम्म. न० (कर्म ) ४६।२ કર્મ, કત્ય. कठार कर्म; कृत्य. wicked actions. पंचा॰ १, २१; —पवरासंग. पुं ( - पत्रनसंग ) प्रथए । पत्रनते। संग. प्रचएड चायु का संग. uniting with fierce wind, प्रव॰ २४१; -पुढवी. स्रो॰ (-पृथ्वी) ४६िन पृथ्वी, कठिन पृथ्वी, hard ground or earth प्रव १११२: कः पः ४, ६७: -फस्सः त्रिः (-पर्ष) ध्छं ३रे१२ बहुत कठोर. very harsh. " खरफरुस भूतीमइला " नाया० २; भग० ७,६; -बायरपुढविकाइय. पुं॰ (-बादर-पृथ्वी कायिक ) ३६७। पाहर पृथ्वी आयानी कठिन बादर पृथ्वीकाया के जीव. hard and visible earth-beings. जीवा॰ १; —विसास न॰ ( -विषास ) ग्धें अन् शीग्डं गधेका सीग. the horn of an ass. विशे ॰ ३५:

खरश्च पुं० ( ग्राचर ) अभगरे।; ने। ५२; ६। स. काम करने वाला, नौकर, दास. A. ८०१-

vant. श्रोघ० नि० ४३८,

ळ खरंटणा. स्री० ( \* ) निंहा; तिरस्धार, अपभान निन्दा; तिरस्कार, अपमान Disgrace, censure; dishonour. पंचा० १२, ६; श्रोघ० नि० ४०; पि० नि० २२५; खरमुह पु० (खरमुख) भरभुभ नाभे ओड अनार्थ देश. खरमुख नामक एक अनार्थ देश A non-Aryan country प्रव० १४६६;

खरमुहिया. स्री० ( खरसुखिका ) पाद्य विशेष; शक्ष्या. वाद्य विशेष, खरमुही A kind of musical instrument. भग० ४, ४, खरमुही स्री० ( खरमुखी ) शक्ष्या; ओड ल्यानुं पाछत्र खरमुही; एक प्रकार का बाजा A kind of musical instrument. श्राया० २, ११, १६८; राय० ६२, ८८; जीवा० ३, ३; श्रोव० ३१, जं० प० कप्प० ४, १०१;

खरमुहीसह. पुं॰ ( खरमुखीशव्ह ) કाહ सानी शण्ट. खरमुहीका शब्द. The sound of a musical instrument. निसी॰ १७,३६, खरय. पुं॰ ( खरक ) राष्ट्रदेवनुं એક नाम राह्रदेवका एक नाम. A synonym of

the deity Rahu. भग १२, ६, (२) त्रि ४६७ कठिन. hard. नाया ६;

खरसाहियाः स्री॰ ( खरसाधिका-श्रह्मर-साधिका ) अदार विधिमानी ओडः श्रहारह लिपियों में की एक One of the 18 scripts सम॰ १०:

खरस्सर ५० ( खरस्वर ) वज्र જેવા કાટા વાળા શાલ્મલી વૃક્ષ ઉપર નારકીને ચઢાવીને ગધેડાના જેવા અવાજ કાઢતા નારકીને આમ તેમ ખે'ચે તે પરમાધાયી. वज्र सरीखे कांटे वाले शाल्मली इस पर नारकी को च्दाकर गंधे सरीखा श्रावाज निकालते हुए नारकी को इसर उधर खेंचते हैं वे परमाधामी The infernal gods known as Permādhāmīs who mount the hellbeings on a Śālnialī tree having thorns as hard as adamant and drag them hither and thither while utterning a cry like the braying of a ass. समन् १९, भग० ३, ७; प्रव० १९०९.

खारिश्चा. खी॰ ( १ ) हासी. दासी. A. maid-servant. श्रोघ॰ नि॰ ४३८;

खरिसुय पु॰ (खरिसुक) ४८६ विशेष कन्द विशेष. A kind of bulbous root प्रव॰ २४०;

खरियत्ता. स्त्री॰ ( खरिकता ) नगर लाहेर के लजरभा रहेनारी वेश्यानी लाल-स्वरूप. शहर के बाहर या बजार में रहने वाली वेश्या का भाव-स्वरूप. The state of being a prostitute living outside the city or in a bazar. भग॰ १४, १,

खरोडिया ब्री॰ (खरोष्टिका) अक्षर क्षिपि-भांनी ओक अटारह लिपि में की एक One of the 18 scripts. सम॰ १८;

खरोही स्री॰ (सरोष्ठी) लुओ "सरोहिश्रा" शण्द- देखो " सरोहिश्रा " शब्द. Vide " सरोहिश्रा" पन्न॰ १:

√ खल घा॰ I (स्खल्) भसवु; ह्र००वु खिसकना; दूर जाना, To slip away; to go away. (२) पऽवुं; रभसना भाभवुं. पड़जाना; पतन होना to fall.

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। ( \* ). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने। ट ( \* ). Vide foot-note ( \* ) p 15th.

खलइ. सु॰ च॰ २, ३६; खलहि. श्रा॰ उत्त॰ १२, ७; खलेज्ज वि॰ उत्त॰ १२, १८; खलंत व॰ कृ॰ भग॰ ७, ६; जं॰प॰

खल. पुं॰ (खल) भक्षावाड खला A threshing floor place in a field where the corn is husked. त्रोव॰ १७;पएह.२,३,जं॰प॰कप्प॰४,११७;(२) त्रि॰ धुरुथे।; हुर्शन. बदमाश; दुर्जन. a rogue; a wicked person. सूत्र॰ २, २, ४४;

खलगा स्त्री॰ (स्वलना) भूथ; श्रुटि. भूत; त्रुटि. A Mistake. तंदु॰

खलय पुं॰ (खलक) जुओ "खल " शण्ह देखें। "खल " शब्द- Vide "खल " नाया • ७;

खलवाड. पु॰ ( खलवाट ) भणावाड. खल-वाट. A barn yard, a place where any sort of grain is heaped for separating the husk from the corn. राय॰ २७६:

खिलिस्र. न० ( स्विवित ) २५४४।; सू४; अतियार. पतन; स्रितचार. Degradation; mistake. (२) त्रि० शी४थी २५४५। ५१० वेश शी४४। त्रिक्ति पतन पाया हुन्ना. (one) degraded, fallen. नाया० १; चड० १, स्रगुजो० ६८; स्रोध० वि० ५४१, विशे० ६०२; ८१४; पंचा० १२, ६; यु० च० ६, ६;

खालिए न॰ (खालिन) धें डाती लगाभ, ये। इंडुं. घोडे की लगाम, चौकडा. A bridle of a horse. प्रव॰ २४६; (२) तदीती लेभड नदीकी मिट्टी. the silt of a niver. विवा॰ १; — चंधा. पुं॰ ( – चन्ध) नेशिक्षानी अन्ध लगाम का वन्द. the reins. नाया॰ १७, — मिट्टिया स्त्री॰ (-मृत्तिका) भेभाउनी भाटी नदी की मिट्टी. the silt of a river. विवा॰ १;

खलीं ग. न० ( खलीं न ) संगामः थीं ३५ लगाम, चौं कडा. The reins. सु॰ च० २,६३; खलुं, अ० ( खलुं ) निश्रय अवधारण अर्थ मां अने या ३४ता अर्थ । अर्य । अर्थ । अर्व । अर्थ ।

३८, निर०१, २, उवा०१, २; क० गं०१, ६; खलु अ. पुं० (खलुक) पगनी ओडी पैर की एंडी. The heel. विवा०६;

स्य० १, २, १, १; उत्त० १, १५, श्रोव०

खलुंक. पुं॰ (खलुंक) अविनीतः क्षुद्र अने वांडा स्वलाववाली शिष्य. विनयहानः श्रोछे श्रीर टेढे स्वभाव वाला शिष्य Immodest; a disciple of crooked nature. उत्त॰ २७, २; (२) गणीये। लगह हे धेरि. मस्त वेल श्रथवा घोडा. धा unruly bull or a horse. ठा॰ ४, ३, उत्त॰ २७, २; (३) अस, भन्छर विगेरे शुद्र अन्तुं हास, मच्छर वगैरह छोटे जीव. small insects, such as mosquitoes, bugs, etc. उत्त॰ २७, २;

खन्नग. पुं॰ (\*) ખાખરાના પાદડાના પડીયા

<sup>\*</sup> जुओ। ५४ नम्भर १५ नी पुरनीर (\*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p 15th.

पनास के पत्तों का दोना A cup made of leaves of a Khākarā tree. पिं॰ नि॰ २०६; (२) लोडा; भेालडी: भगरेणा. जोडा, मोजडी, ज्ती. a pair of shoes प्रव॰ ६६३;

खल्लूड पुं॰ (खल्जूड) એક જાતના કન્દ. एक जात का कन्द. A. kınd of bulbous root. पन्न॰ १; जीवा॰ ३, ४;

bous root. पन १; जाना २, ४; √ खन. था ० I, II. ( जि+िएा ) क्ष्य ४२वे।, ખपावनुं. ज्ञय करना; ग्रंत करना. To destroy; to make an end, to waste. खनेह. भग ० ६, ३१; नाया ० १. श्रोव ० ४३; उत्त ० २६, १; सूय ० १, २. १, १४; प्रव ० ७०१,

खिति. भग० १६, ४; सूय० १, १२,१४, खबित दस० ६, ५६; सु० च० १, १८; खनयन्ति. भग० १६, ४; १८, ७; खनवेत्ता. सं० कृ० भग० ६, ३१; १४, १; नाया० १; ६;

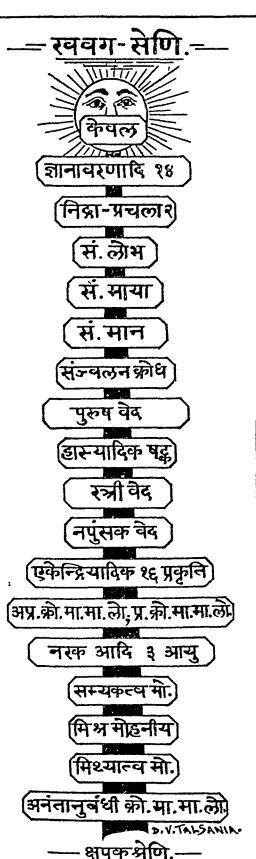
स्रविवेत्ता. सं० कृ० नाया० ५; श्रोव० ४१; उत्त०२८, ३६; दस० ३, १५;

खितु, सं० कृ० दस० ६, २, २४, खबमाण व० कृ० नाया० २; खबेमाण व० कृ० नाया० १८, खबेंत क० प० २, ६६, ४, ४१; ७, ३६; खबेंड सं० कृ० क० गं० २, ३४;

खबन्न पु॰ ( चपक ) धर्माना क्षय धरनार, क्षपध श्रेशियत साधु कर्मी का च्चय करन वाला, चपक श्रेशियत साधु One who destroys Karmas; an ascetic who has reached Ksapaka Sreni ( a stage of evolution ) भग॰ २५, ७, भत्त॰ १५७;

खत्रग. पुं॰ ( चपक ) क्षप अशिष्रा प्त साधु चपक श्रेशिप्राप्त साधु. An ascetic who has reached a certain spiritual stage. पिं॰ नि॰ २०६; भग॰ २४. ६; भत्त॰ ४३; प्रव॰ ७•६, क॰ प॰ २. १७; (२) भे। द्वनीयने भ्रपायवा रूप-क्षप अशिष्ट. मोहनीय को दवाने वालीच्चक श्रेशि. ध certain stage in which Mohanīya Karma is wasted away. क॰ ग॰ २, २८; ५, ८२; — श्राउ. पु॰ (-श्रायुष्) आयुष्यने भ्रपा-

વનાર-સૂક્ષ્મ સંપરાય અને અપૂર્વ કરણ ગુણસ્થાન વાલા છવ. श्रायुप्य का चर्य करने वाला सूचम संपराय श्रीर श्रपूर्व करण गुणस्थान वाला जीव. a living being possessed of Süksamasaniparāya and Apūrvakarana which away the period of life. क॰ ग॰ ४, ६७, —क्स. पुं॰ ( –क्रम ) क्षपे श्रेशिने। ৯મ. चपक श्रेणि का कम. the order of Ksapaka Sreni कप्प॰ २, ४३; —सेंद्रि. स्त्री॰ ( -श्रेगि ) क्षप ३ श्रेशि चपक श्रेगि. Ksapaka Sreni; the spiritual evolution of a soul made by destroying the different Karma in succession प्रव०२०;—सेशि. स्री० ( -श्रेगिए ) क्षपक्ष श्रेष्टि चपक्र श्रेगिए the spiritual evolution of a soul made by destroying the difterent Karmas in succession (૨) વાતીકર્મની પ્રકૃતિએાને ખપાવવાના ક્રમને ક્ષપકશ્રેષ્ટિ કહેવામાં આવે તેમાં અનંતાનુબંધી ક્રોધ, માન, માયા અને લાેભને ખપાવવાની શરૂઆત કરી ચિત્રમા ખતાવેલ ક્રમ પ્રમાણે માહનીયની બધી પ્રકૃતિએાને ખપાવતાં દર્શનાવરણીય, જ્ઞાના-વરણીય, અને અતરાયની પ્રકૃતિએાને ખપાવી ૧૨મા ગુણકાણાને છેલ્લે સમયે કેવલજ્ઞાન અને કેવલદર્શન પ્રા<sup>1</sup>ત થાય छे घातकर्मको प्रकृतियों के चय करने के भ्रनुक्रम का च्रापकश्रीण कहते है. श्रनतानुवान्ध काध, मान, मावा, श्रोर लोभ इनका चय करने का आरभ करके चित्रमं वतलाये हुए कमके श्रनुसार मोहनीय की सपूर्ण प्रकृतियों का च्वय करने पर दर्शनावर-गोय, ज्ञानावरणीय श्रोर श्रतराय की प्रकृति-यो का च्रय करने के पश्चात १२ वे गुरास्थान के ब्रान्तिम समय केवलज्ञान ब्रोर केवलद्शेन को प्राप्ति होती है the serial order of destroying the Ghātı Karmas is called Ksapaka Sreni. The course of destroying the said Karmas begins from the destruction of anger, pride,



deceit and greed which are of etarnal standing and after the destruction of Darśanāvarnīya, Jñānāvarnīya and Antarāya Karmas, Kevalajñāna and Kevala Darśana are obtained at the end of the 12th spiritual evolution. 930 005;

खबग्ग. पुं० ( चपक ) लुओ। " खबग "शण्ट. दस्रो " खबग " शब्द. Vide " स्ववग " प्रव० ७००,

खवरण न० ( चपरा ) इमीना स्य करवा ते; અમુક અશે કર્મની નિર્જરા કરવી તે कर्म का **चय** करना, श्रमुक श्रंशतक कर्मी की Destroying निजरा करना Karmas; destroying Karmas to a certain limit. विशे० २५१४, उत्त० ३३, २५; पंचा० १८, ४१, पि० नि० भा० १, सु० च० १, ३८४; (२) प्रकर्शः अध्ययन. श्रध्यायः श्रध्ययन. chapter; division. विशे० ६६२; મુનિ साधः; सुनि. १ (ર) સાધુ; Sādhu; an ascetic पंचा• १६, ३४-खबर्गाः स्त्री० ( समगा ) अध्ययननुं अपर

नाभ. श्रध्ययन का श्रपर नाम. A synonym for a chapter श्रणुजो॰ १४४; श्रुख्यम्न. पुं॰ (\*) ओड व्यतनु भाछलु. एक जातिका मत्स्य A kind of fish पण०९;

खवित त्रि॰ (चपित) भभावेसः क्षय ३रेस चय

किया हुन्ना. destroyed; wasted समक्ष्य, न्यान्त्य. त्रि॰ (न्यान्तक) अन तातु-लन्धी यार अवाय, भिर्थात्य मेहिनीय, सम-डित मेहिनीय, अने भिन्न मेहिनीय ओ सात प्रकृति केहि क्षील करी छे ते अनतानुवंधा चार कवाय मिथ्यात्व मोहनीय, समकित मोहनीय और मिश्र मोहनीय, इन सात प्रकृ तियों का जिसने च्या किया है वह. (One) who has destroyed the seven natural impurities; fourfold passions known as Anantānu-

जुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुटने।ट (\*).
 देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (\*).
 Vide foot-note (\*) p 15th

bandhī. सम॰ २१;

खिय-श्र. ति॰ ( चिपित ) भ्रापितं च्य किया हुत्रा. Destroyed; wasted. क॰ गं॰ २, १; क॰ प॰ ७,३६; ४४; — कम्म. पुं॰ ( –कर्मन् ) भ्र्याच्या छे ४भ के छे ते. ४भ ते। क्ष्य ४२ता२ ( साधु ). कर्मीका च्य करने वाला ( साधु ); जिसने कर्मी का च्य किया है वह. one who has destroyed, wasted the Karmas. क॰ प॰ २, ६६; ६, २०;

खस. पुं॰ ( खस ) भस नामने। એક અनाय देश. खस नाम का एक अनार्य देश. Name of a non-Aryan country. (२) त्रि॰ ते देशने। रहेयासी उस देश का निवासी. a resident of this country. परह॰ १, १; प्रव॰ १४६७;

खसखासिय. पु॰ ( खसखासिक ) भस-भासिक नामने। ओक देश. खसखगसिक नाम का एक देश. Name of a country. पत्र॰ १; (२) त्रि॰ ते देशमा रहेवावासा भाष्में।. उस देश के निवासी मनुष्य. a resident of this country. पत्र॰ १; खसर. पुं॰ ( \* ) भसने। रे।ग, भस. खस का रोग; खस. Itch, a kind of skin disease जीवा॰ ३, ३; जं॰ प॰ खह न॰ ( ख ) आक्षाश. श्राकाश The sky. भग॰ २०, २,

खहचर. पुं॰ ( खेचर-खे प्राकाश चरतीति )
आक्षाशभा ઉડनार पक्षी, तिर्थंय प्रयेन्द्रियनी
ओक्ष कात. प्राकाश में उडने वाले पद्धी
प्रादि; पंचेंद्रिय की एक जाति. A bird;
a kind of five sensed animal.
भग॰ २४, १; उत्त॰ ३६, १७; —विहास्सान ।

पाचियों के भेद-प्रकार. varieties of birds. भग० १५, १; नाया० १६; सहचरी. ली॰ ( खेचरी ) आકाशमां ઉડनार युक्ती; हे।यस वरेरे पक्षिणी. ब्राकाश में उडने वाली चिडियां: कोयल श्रादि पची (朝). Birds that fly in the sky; the cuckoo etc তা॰ ३, ৭; खहयर. पुं॰ ( खेचर ) पक्षी पत्ती A. bird. ( २ ) विद्याधर. विद्याधर. a god possessed of wonderful powers श्रयाजी० १३४; जं० प० भग० ७, ५; ८, १; उत्त० ३६, १८६; श्रोव० ४१; जीवा० १; पन १, -मंस न (-मांस) तेतर, ५६८। वगेरे पक्षीनं भास. तीतर, मुर्गे ब्रादि पित्रयोंका मांस. the flesh of a cuckoo partridge etc प्रव॰ २२२; खहयरी ब्री॰ (खेचरी) पक्षिणी ब्रीलिंग पन्ना. A female bird जीवा॰ १: √खा. I (खाद्) भावुं. खाना. To eat. खायइ. भगाजी० १२८; दस० ६, १, ६; र्वि॰ नि॰ २७४: खाइ. सु० च० १२, ४४; राय० २४०; खायह. श्रा० उत्त० १२, २६; खायमार्गा. जीवा॰ ३. विवा॰ १: खावियंत प्रे० व० कृ० विवा० २; खज्जइ क॰ वा॰राय॰ २७६; उत्त॰ १२,१०, खज्ञत. क० वा० व० कु० भत्त० १६०; खजमार्गा. क० वा० व० कृ० संथा० ६६: खाम्र-य. त्रि॰ ( ख्यात ) अभ्यात; असिद्ध. प्रख्यात, प्रसिद्ध. Famous, renowned.

पंचा॰ ११, ४, उत्त० १४, २; नंदी॰ २७;

खाश्र-य. त्रि॰ ( खात ) भे। हेर्ल खुदा हुआ.

Dug. कप्प॰ ६,२;श्रोव॰ (२) ખાડા: ६वे।

<sup>\*</sup> लुओ। ५४ नभ्भर १५ नी पुरने। (<). देखा पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (५). Vide foot-note (\*) p. 15th.

मे भिगोया हुत्रा. salt-soaked. स्य॰ २, २, ६३; श्रोव॰३=;दसा॰ ६, ४;—तंत. पु॰ ( -चारतंत्र ) લિંગ વૃદ्ધયાદિ વાછ કરણ शास्त्र आयुर्वेदने। એક ભાગ लिंग दृद्धि श्रादि वाजी करण शास्त्र; श्रायुर्वेद का एक भाग. a section of Ayur Veda ( medial science) dealing with the excitement of amorous desire by means of aphrodisiacs ठा॰ ६, १०;

खारायगा. पुं॰ (ज्ञारायन) भंडप शाश्रानी शाभा. मडप गांत्र को एक शाखा. A branch of Mandapa lineage. (२) ते शाभाना पुरुष उस शाखा का पुरुष. a man of that branch. ठा॰ ७, १;

खिरिश्र. पुं॰ ( चारिक) भारी भा; मूसा वनेरे-ना भांहडामा भीहुं लरावी अधाणा केवुं गनाववामां आवे छे ते. नमकोन; मूने श्रादि कं पत्तों में नमक डालकर श्रवार जैसा बनाया जाता है वह. Pickles. श्रोघ॰ नि॰ मा॰ १३६;

खारी स्त्रो॰ (\* खारी) એક જાતનું પ્રાણી. एक जाति का प्राणी. A kind of creature. जीवा॰ १;

खारुगिएय. पुं॰ ( त्तारुगिशिक ) એ नाभने। એક અनार्थ हैश. इस नाम का एक अनार्य देश Name of a non-Aryan country. (२) त्रि॰ ते हेशना रहेवासी. उम देश का निवासी. a resident of this country. भग॰ १, ३३;

खातिय. त्रि॰ (चातित) धे। એલું धुताहुत्रा. Washed. सु॰ च॰ २, २४३९७, ६१;

स्त्राचरा. न॰ ( ख्यापना ) असिद्धि; भ्याति; प्रासिद्धि, ख्याति Fame; reputation पंचा॰ १०, ७;

खास. पुं॰ (कास) ખાંસીના રાગ; ઉધરસ. खामी का राग; दमा. Cough. नाया॰ १३; भग॰ ३, ७;

खासिस्र. न॰ (कासित) कुशे। "स्वास" १७६. देखो "खास" शब्द. Vide "खास" विशे॰ ५०३; नंदी॰ ३८;

स्त्रासिय. पुं॰ (खासिक) स्त्रे नामने। स्रेक्ष्टेश. इस नाम का एक देश Name of a country. (२) ते देशने। रहेवासी. उस देशका निवासी. a resident of this country. पगह॰ १, १; प्रव॰ ११६७: श्रोव॰ १, ५;

खिइ. स्रो॰ (चिति) पृथ्यी पृथ्यो. The earth; the world. क॰ प॰ १, ६२; ४, ३२,

खिंखणी. स्रो॰ (किङ्किणी) धुधरी: न्हानी धटडी घुगरियां; छोटा घुगरा. A small bell नाया॰ ९; ठा० १०, १;

सिंखणीय न० (किङ्कणोक) जुओ। "खिंखणी" शण्ट देखी " खिंखणी" शब्द Vide "खिंखणी" नाया० १; उवा० २, ११३;

सिंखिणी. स्नी० (किह्निणी) धुवरी; शंटडी. स्नांटा घुगरा. A small bell. जं० प० राय० १०६; जीवा० ३, ३; उत्रा० ६, १६६;

√िस्सि था॰ I. (विस्) निन्हा करवी. निन्ह्युं. निन्दा करना. To blame; to consuro (२) क्षेष करवे।; तर छे।ऽयुं. क्षेत्र करना; तिरस्कार करना. to got angry; to despise.

स्तिसह-ति. सूय० १; १३, १४; २, २; १७; नाया० ध० पि० नि० ३५६; उत्त० १७, ४; सम० ३०; दसा० ६, २०; २१;

खिसंति. भग॰ ३, १; श्रंत॰६, ३: नाया॰८; खिसप्. ति॰ दस॰ ८, २६; श्राया॰ १, २, ४, ६४; खिसइजा. दस० ६, ३, २१; खिंसह. भग० ४, ४; १२, १; खिंसिस्संति. नाया० १६; खिंसे (सि) त्ता. सं० कृ० भग० ५, ६; ठा० ३, १;

खिंसिजमाण. नाया॰ १६; भग० ३, १; खिंसग्. न० (खिंसन) निन्धः, तिरस्धार; अपभान निन्दाः, तिरस्कार, श्रपमान Censure; contempt, dishonour. पग्ह॰ १, १; श्रोव॰ २१;

स्तिसगा स्री॰ (स्तिसना) क्षीत सभक्ष भर्भ ઉधात पाडी अवसा करवी. लोगों के सामने गुप्त रहस्य प्रकट कर श्रवज्ञा करना Disregarding anyone by exposing his weakness in the public श्रोव॰ ४०; राय॰ २६४;

स्विसिशिज्ञ. त्रि॰ ( खिसनीय ) तिरस्धार धरवा थे। य तिरस्कार करने योग्य. Censurable; disgraceful. नाया॰ ३;

स्तिसा. स्त्री॰ (खिंसा) निन्दा. निंदा. Censure. पंचा॰ १७, २४;

खिसिय जि॰ ( खिसित ) भर्भ लेही वयनधी तिरस्कार करें ममं भेदी वचन से तिरस्कृत. Disgraced with piercing words. ठा॰ ६, १; प्रव॰ १३३५; —चयण्. न॰ ( -वचन ) भी जनी लर्त्सना (तिरस्कार करने योग्य वचन. the words of rebuke. ठा॰ ६, १; वेय॰ ६, १;

स्तिष्मिखयंतः त्रि॰ (स्तिषिकुर्वत् ) भिभि शण्द ४२तुं, ती, ती. रिप्तित्त शब्द करता हुम्रा-हुई. (One) making a sound like 'Khi Khi.' पगह॰ १,३:

खिज्जणा स्त्री॰ ( शिखराना-खेदिकिया ) भेद खेद. Pain; trouble नाया॰ १८; खिजीरायः त्रि॰ ( खेदनीय ) ऐद क्षरवाने थे। २४. रंज करने योग्यः Regrettable. नाया॰ १६;

खिज्जमार्गः ति० ( खिद्यमान ) भीकरो-शीडीया स्वलाव वाला. खीजताहुन्ना चिरडी स्वभाव वाला. (One) of an irritable nature. जीवा० ३, ४; नाया० १८; राय० ११२;

खिज्जिय. त्रि॰ (खिन्न ) भेह पामेक्ष. खेद प्राप्त. Troubled; afflicted. नाया॰ ६; खिडुकर. त्रि॰ (कड ) गिहगिहिया ४२नार गुदगुदी चलाने वाला. (One) who tickles. सु॰ च॰ २, ६४३;

खिति. स्नी॰ ( चिति ) पृथ्वी. पृथ्वी The earth; the world. विशे १९०=: खित्ता न॰ ( देन्र ) आश्रश अदेश. श्राकारा प्रदेश. The firmament; the space of the sky. उत्त॰ ३३, १६; क॰ ग॰ ४, ८६; (२) આર્ય અનાર્ય દેશ. छार्य श्रनार्य देश a country of Aryas and Anaryas. गच्छा० १४, उत्त० ३, ૧૯; (३) દૂધના એક ભાગ; ખડ-વિજય; केभ भरत क्षेत्र. द्वीप का एक भाग; खंड विजय; जैसे भरत चेत्र a part of a continent ठा॰ २, ३; ( ४ ) भुस्सी છમીન, ધાન્યવાવવાની જમીન. ख़र्ला जमीन; धान्य योने की जमीन. a field; an open plot of ground श्राया॰ १, २, ३, ७६; श्रगाजी० ८०; दस० ८, ३४; प्रव० १८; ६०४, भग० २, १; २४, ४;पन्न० १४; उत्त० ३०, १८, श्रोघ० नि० भा० ८२; सु० च० १, २३; कष्य० ४, ११७; —नि-वासि त्रि॰ (-निवासिन् ) એક क्षेत्रमां निवास धरनार एक चेत्र मे निवास करने वाला. residing in one country. प्रव॰ ७६४; —फुसगा स्त्री॰ (-स्पर्शना)

ક્ષેત્રની સ્પશ<sup>ર</sup>ના આકાસ પ્રદેશની અવગાહના. चेन का स्पर्श; श्राकाश प्रदेश की श्रवगाहना. occupying the atmosphere or space. विशे॰ ४०६; —वाहिट्रिय. त्रि॰ ( -चिहः स्थित ) क्षेत्रथी-वसितथी णहार २ऐंब. चेत्र से वाहर रहा हुआ. situated outside the inhabited region. प्रव॰६२७;—बुङ्ढि स्री॰ (-वृद्धि) क्षेत्रनी एिं चेत्र की गृहि. increment in space. प्रव॰ २८१; — संदिदः स्री॰ (-संस्थिति ) क्षेत्रने। आश्वर. चेत्र का श्राकार. the shape of the space region. जं॰ प॰ ३७, —सहाव पुं॰ ( -स्वभाव ) क्षेत्रते। स्वलाव, जेत्र का स्वभाव, the nature 

खित्त त्रि॰ ( चिस ) दें हे थुं. फैंका हुन्ना.
Thrown. क० गं० ४, ६६; नाया॰ १७;
—िचित्त त्रि॰ ( -िचत्त ) पुत्रशेष वगेरे
थी विक्षिप्त थयुं छे थित्त करेनुं अवेष. पुत्रशोक न्नादि से जिसका चित्त चुन्न है वह
( one ) maddened on account
of the death of a son etc. ठा॰
४, १; वव॰ २, १०, १०, १८;

खित्तस्र त्रि॰ (चेत्रज) स्त्रीथी ७५० रेक्षां छी-धरा. स्त्री से उत्पन्न लडके. Children born of a woman. ठा॰ १०;

खित्तत्रो. य॰ ( चेत्रतस् ) क्षेत्रथडी; क्षेत्रनी अपेक्षाओ, क्षेत्रआधी. चेत्र से; चेत्र की प्रयेचा; चेत्र के सम्बन्ध में In relation to space. उत्त॰ २४, ६; श्रोव॰ १७;

ग्वित्तवालः पुं॰ ( चत्रपाल ) देव विशेषः भेत-रपालः देव विशेषः चत्रपालः A kind of deity. सु॰ च॰ ७, ७०;

खिन्न. त्रि॰ (खिन्न) णेह पामेक्षुं. दुःखीः खेट पाया हुन्ना. Troubled; afflicted. न्त्रोष॰ नि॰ १२४;

खिप्प. त्रि॰ (चित्र) ०/सदी; ७तावणुं. जल्दी;
फुतांचा. Speedy. घाण० १, ६, ७, ६;
२, ३, २, १२६; उत्त० १, ४४; श्रोष०
नि० ७७५; भग० १, ६; २, १; ३, १; ३;
दस० ४, २८; ८, ३९; नाया० ६; १६;
विशे० २८०; स्य० १, ८, १५; कप्प० २,
२५; ४, ५८; उता० १, ४६; राय० २८;
३४; ३४; श्रोव० २६; क० प० २, ८८; मम० ३४; दसा० ४, ३८;

खिप्पगइ पुं॰ ( चिप्रगान ) िशाकुमार ना बीक्ष्याल नाम Name of a Lokapāla of Diśākumara. भग॰ ३, ६; (२) अभितगति तथा अभितगति तथा अभितगति तथा आगतवाहन इन्द्र के लोकपाल का नाम. name of a Lokapāla of the Indras named Amitagati and Amitvāliana टा॰ ४, १;

खिलीकय. त्रि॰ (किलीकृत) भीशी भारीने हंभेने निवंड हरेंझ; निहाबितणन्धने लाधेंझ. कील ठोंककर कर्म को हड किया हुन्ना; निकाचित वंघ से वंधे हुए. (The Karmas) nailed or bound very tightly. भग॰ ६, १;

खिल्लुड पुं॰ ( ፦ ) इन्ह विशेष. ऋन्द विशेष. A kind of bulbous root. प्रव॰ २४०;

खिल्लूह. पु॰ ( \* ) अन्ह विशेष, वनस्पति.

<sup>\*</sup> जुओ। ५४ नम्भर १५ ती पुरते। ८ (-) देखे। ५४ नम्बर १४ की फुटनोट (\*) Vide foot-note (\*) p. 15th

वनस्पति; कंद विशेष. A kind of bulbous root; a kind of vegetation. जीवा॰ १;

\*खिल्लेडं. सं० कृ० य० (क्रीडियत्वा) भेशीते; २भीते. खेलकर; क्रीडा करके. Having played. मु० च० ७, ११३;

खिवित्ता. सं॰ कृ॰ ( ज्ञिप्त्वा ) र्रेप्रीने. फेंककर Having thrown, भग॰ ३, २;

खिवियः त्रि ॰ ( जिस ) ध्रें क्षेत्रं. फेका हुआ. Thrown. सु॰ च॰ १, १७;

खीरा. पु॰ (चीरा) भरी गरेंदे; नाश पानेद नष्ट: चीएा. Wasted; destroyed नाया॰ ४; ८; श्रगुजो॰ १२७; १३६; ज॰ प० पञ्च० १; भग० १, ६; ४, ४; ६, ७; १५, १; २४, १; ७; सम० ७; ठा० २, १; क॰ प॰ ४, १८; ४, १८; प्रव॰ १३१३; कप्प० २, १८; ४, १४६; क० गं० २, २; ૨૦; ૪, ૭૬; (૨) ભારમા ક્ષીણમાહેંગુણ २थानक्ष्म दुंई नाभ वारहवे चाण मोहनीय गुण स्थानक का सन्तिप्त नाम. a short name of the 12th variety of spiritual evolution known as Ksīnamoha. क॰ गं॰ ६, ४४: — उ-दग. त्रि॰ ( -उदक ) पाधीविनानं, निर्ज्ञ. पानी रहितः निर्जेलः devoid of water: waterless. भग॰ १४. १; — उवसंत न० ( -उपशान्त ) क्षीस्भीद तथा अपशांत-માહ નામે ગુણસ્થાનક; ખારમું અને અગી-यारमु गुण्रथानः जीगा मोह तथा उपणात मोह नाम का गुणस्थानक: वारहवे छीर ग्यारहवें गुणस्थानक the eleventh and the twefvth spiritual stages as Ksinamoha and Upaśāntamoha. क॰ ग॰ ४, ६१; —कसाइ. त्रि० ( -कपाायन् ) लुओ। '' खीं एकसाबि '' शण्द देखी '' खींग- कसायि " शब्द. vide " खीणकसायि " भग॰ ६, ३१; --कसाय. त्रि॰ (-कपाय) ક્ષય પામ્યા છે કામ કાધાદિ કવાય જેના તે. जिसके काम कोधादि कपाय च्रय होगए है. ( one ) whose passions i. e. anger, hatred etc. are destroyed or decayed. क॰ प॰ ७, ४८; - कसायि त्रि॰ (-कपायिन् ) अपायते। નાશ-ક્ષય કર્યો છે જેણે તે; કપાયરહિત. जिसने कपाय का नाश-- चय किया है वह; कपाय रहित (one) who has destroyed the passions. भग॰ २४, ६; —दुह. त्रि॰ (-दु:ख) क्षीણ થયું છે દુ:ખ केनु, दुःभ विनानु, जिसका दु.ख चीए होगया है वह; दुख रहित. freed from pain or misery. सम॰ प॰ २४०; —भोग. त्रि॰ (-भोग) જેના ભાગ विक्षास क्षीए. थया छे अेवे।. जिसके भाग विलाम चीए होगये हैं वह. freed from wordly enjoyments नाया॰ ६; - भोगि त्रि॰ ( -मागिन्-भागो जीवस्य यत्रास्ति तद्-भोगि, शरीरम् तत्ज्ञीण तपोरोगादिभिर्यस्य सः चीग्रभोगी ) हुण्णा शरीर वाण्ं, पतल शरीर वाला; दुर्वल. ( one ) of weak constitution. भग० ७, ७; —मोह. न्त्रि॰ (-मोह) भेदिनीडर्भ केनुं क्षीए थरें थे ते. जिसका मोहनीय कम च्चय होगया है वह. (one) freed from Karma known as Mohaniya. क० ग० ४, ६३; क० प० ६, ६; ठा०३, ४; —रयः त्रि॰ ( -रजस् ) लेखे अर्भरूप रलने। नाश धर्यों छे ते. कर्म रज का नाश कीया है वह. (one) freed from dust in the form of Karmas सम॰ प॰ २४०; --राग त्रि॰ (-राग) केंगे राग देश क्षय धर्यों छे ते जिसने राग

हेश त्त्य किये हैं वह. (one) freed from passions. क॰ प॰ ४, १=; ४२; गच्छा॰ ३३; —वेद्यः त्रि॰ (-वेदक) स्त्री वेह, पुरुष वेह, नपुंसड वेह, आहि जेना डाम विडार नष्ट ध्येस छे ते. जिसके स्त्री वेद, पुरुष वेद, आदि काम विकार नष्ट हो गए वह. (one) freed from sexual passion. भग॰ ६. ३१; २४; ६;

खीएकसाय. न० ( चीएकपाय ) लारभुं गुल्स्थानक के लयां अधायने। सर्वथा क्षय अस्यानक कि जहां कपाय का सर्वथा च्रय होता है. The 12th spiritual stage where the passions are completely overcome. क०गं० ६, ६४; —वीतराग. पु० (-वीतराग) अधाय रहित वीतराग. लारभा गुल्स्थानकचारी क soul that has reached the 12th spiritual stage. भग० २५ ६;

खीर. न॰ ( ज्ञीर ) हुध. दूध. Milk. सू॰ प० ११; १६; पन० २; आया० २, १,४, २४; विशे॰ ७६६; निसी॰ ६, २२; निर॰ रे, ४; जींवा० रे, २; पिं० नि० १३<u>०;</u> भग० ३, ७; ११, ११; ठा० ४, १; श्रोव० १०; ३६; पिं० नि०भा० ४०; उवा० १, २४; पंचा०५,२७;१३,१०;कष्प०३,३८; દ, ૧૭; ( ૨ ) ક્ષીર નામના પાંચમા સમુદ્ર अने पांयभे। द्वीप. चांर नामका पांचवां समुद्र श्रीर पांचवां द्वीप. Name of a continent and an ocean. श्रशुजां १०३; पन्न० १; जीवा० ३, ४; —कुंभ. पुं॰ न॰ ( -कुंभ ) हुधने। धडे।. दूध का घडा. a pot of milk. भग॰ १६, ३; —दुम. पुं॰ (-द्रुम) हु५ वाणां आःः; थार, आक्षा वर्गेरे. दूधवाले माड़; धूश्रर,

त्राकड़े त्रादि. trees that give milk e. g. the Asvattha tree. पंचा० १५, २०; पिं० नि० भा० १२; —धाई. स्त्री॰ (-धात्री) लालक्ष्ते धव-रावनारी; धायभाता. बालक को दूध पिलाने वाली: धाय माता. a wet nurse. श्राया० २, १५, १७३; भग० ११, ११; नाया॰ १; १६; विवा॰ २; - भोयगा. न॰ (-भोजन) भीरनुं क्रभ्रख्. च्रीर भोजन. a meal consisting rice boiled in milk. निर॰ ३, ४; —महुर. त्रि॰ (-मधुर) हुधना केवुं भीडुं. दूध जैसा मिष्ट. sweet as milk. ठा॰ ४, ३; —मेह. पुं॰ (-मेघ) ભरत ક્ષેત્રમાં ઉત્સર્પિણીના ખીજો આરાે બેસતાં સાત દીવસ પુષ્કર સંવર્વ નામના મેધ વરસ્યા પત્રી ખીજો મેધ સાત દિવસ સુધી परसे तेनं नामः भरत चेत्र में उत्सर्विशी का दूसरा श्रारा बैठता है तव सात दिन तक पुष्कर संर्वत नामका मेघ बरसता है पश्चात् दूसरा मेघ सात दिन तक बरसता है उसका नाम. name of the rain which falls for 7 days at the commencement of the 2nd con in Bharata after a 7 days' rain fall known as Puskara Samvarta. जं॰ प॰ — बुठि. स्री॰( -वृष्टि ) દુધની વૃષ્ટિ; દુધનાે વરસાદ. दूघ की कृष्टि; द्ध की बरसात. a shower of milk; a rain of milk. भग० ३, ७; —स-मुद्ध, पुं॰ ( -समुद्र ) क्षीर सागर, चीर सागर. the ocean of milk. सु॰ च॰ २, २५१; --सर. न० (-सरस्) हुध केवा पाणीवाणुं तक्षाव. दूध जैसे पानी नाला a tank having milky water. सु॰ च॰ १४, ३२; —सागर. ुं

(-सागर) क्षीर सभुद्र. चीर समुद्र. name of an ocean. कप्प॰३, ३३; — साला. म्ला॰ (-शाला) हुधनी शाक्षा-हुआन द्ध की शाला-दुकान a shop of milk निमी॰ ६, ७,

स्वीरका श्रोली श्री॰ (श्रीरकाकोली) ओ नाभनी साधारण वनस्पति इस नाम की साधारण वनस्पति. A kind of vegetation पत्त॰ १;

स्वीरकाकोलि. स्री० (श्रीरकाकोली) लुओ। "स्वीरकाश्रोली" शण्ट. देखी "खीरकाश्रोली" शब्द. Vide " खीरकाश्रोली " भग०

स्त्रीरणी. स्त्री॰ ( त्तीरणी) वृक्ष विशेष; भिरती वृक्ष विशेष; स्त्रिती. A kind of thee bearing sweet fruit. भग॰ २२, २; पन॰ १;

स्वीरभुस. पुं॰ ( त्रीरभुष ) स्थे नाभनु पर्व श ग्नानं स्थेड आड इस नाम का पर्वेग जाति का एक माड़. A kind of tree of Parvaga sort. पन्न ॰ १;

स्तीराइय. ति॰(सीरिकत) लेभा क्षीर-२स उत्पन्न हुआ त्र थेथे। छे लेपु. विसमें स्तीर रस उत्पन्न हुआ है वह. ( A substance ) in which juice has been produced "तएणतेसालीश्रणुपुरुवेशं श्राययगंघा लीरा-इया बर्द्धकला" नाया॰ ७;

स्तीरासव. त्रि॰ ( सीराश्रव ) लेनुं वथन हुधना लेषु सालणनारने भधुर लागे तेषा शक्ति-सिंद्धवाणा भाषास. जिसके वचन सुननवालो का दूथ जैसे मिष्ट मालूम हो ऐसी शाकि-लिखनाला मनुष्य. (One) possessed of sweet speech like milk श्रोव॰ १६; परह॰ २, १; खीरिशियाः स्रो॰ ( क्लोरिशिका ) दुधवाणीः दुअली दूधवालीः दुधारू. A milch cow etc. श्राया॰ २, १, ४, २३,

स्वीरिगी. स्नी॰ ( स्नीरिगो ) थीऽवाणी आउनी वेक्ष. चीडवाले भाडकी वेल. A kind of creeper. पन्न॰ १;

खोरोदश्च. पु॰ ( चोरोदक ) क्षीर सभुद्र. चार समुद्र. Name of an ocean ठा॰४,४; खोरोदग पुं॰ ( चीरोदक ) क्षीरसभुद्र क्षीर-सागर चार समुद्र, चीर सागर. Name of an ocean. भग॰ ८, ६; ज॰ प॰ पत्र॰ १; —समुद्द. पुं॰ ( -समुद्र ) क्षीराहक समुद्र-करेनु पाछी हुध करेनुं छे भेषा सभुद्र. चारोदक समुद्र-जिसका पानी दूध सरीखा है ऐसा समुद्र An ocean the water of which is like milk. नाया॰ ८;

खीरोदा खी॰ (चीरोदा) पश्चिम महाविदेदना हिल्लि आंडवानी थीछ विलयनी पश्चिम सरद्ध ७५२नी महाविदेह के दक्तिण खंड की दूसरी विजय की सीमा पर बहती हुई महानदी Name of the great river flowing on the western boundary of the 2nd Vijaya of the southern part of the western Mahāvideha ज॰ प॰ ४, १०३.

खीरोय न॰ ( चीराद ) क्षीर सागर. चीर सागर Name of an ocean ज॰ प॰ ४, १२०; कप्प॰ ३, ४३; —सायर पुं॰ (-सागर) क्षीर समुद्र चीर समुद्र. Name of an ocean. कप्प॰ ३, ४३;

स्त्रीरोया पु॰ ( \* ) लुने। " स्त्रीरोदा"

<sup>\*</sup> जुओ। पृष्ट नम्भर १४ नी प्रुटनीट (\*) देखी पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (\*) Vide foot-note (\*) p. 15th.

शंभ्रह. देखों " खीरोदा " शब्द. Vide " खीरोदा " ठा० २, ३;

खील पुं॰ न॰ (कील) भीक्षे. कील. A nail. श्रोघ॰ नि॰ ६८८;

त्रशं शोघ० नि० ६ = =;
खीलग. पुं० (कीलक) काओ "खील" शण्ट. देखो "खील" शच्द. Vide "खील" स्०प० =; श्रोघ० नि० भग० २७१;
खु. श्र० (खु-खलु) वाझ्यालंकार; वाक्य को सुंदर बनानेवाला श्रव्यय. A particle used to add grace to a sentence. श्राया० १, ६, ३, १ = ४; दस० २, ५; =, ५४; (२) निश्चे निश्चय. certainly; verily. गच्छा० ६३;

खुइ. स्त्री॰ ( ज़ुति-चवर्ण ज़ुतिः ) श्रीं । स्त्रीक.
A sneeze. नाया॰ २; १६; भग॰
१४, १;

खुक्खु. पुं॰ (खुक्खु ) हे।ऽता धे।ऽाने "भुअभुं, शण्द थाय छे ते. दौडते हुए घोडे का खुक्खु शब्द. A sound which is produced when a horse is running. मग॰ १०३:

खुज्ज. पुं॰ (कुञ्ज) लेना हाथ पण भरत के अीवा-डेा इ वह्माणु पुरुत अभाणो पेत होय अने पेट छानी पीड वजेरे वह्माणु हीन होय ते संस्थानने नाम; छ संहाणुभानुं ये। थुं संहाणु जिसके हाथ, पांच, सिर श्रार श्रीवा-गर्दन लच्चायुक्त प्रमाणानुसार हों श्रीर पंट, छाती पीठ श्रादि लच्चणहीन हो ऐसे संस्थानका नाम; छ संठाणों में से चीथा संठाण. Name of a bodily structure in which hands, feet, the head and the neck are in proportion while, stomach, the back, the breast etc. are disproportionate; the 4th of the 6 bodily structures

श्रगुजी ० ११८; ठा० ६, १; पन्न० १, सम० प० २२७; (२) त्रि० कुण्डी. कुन्ज; कुन्डा. (опе) hump-backed. मु॰च॰२,३६४; पगह० १, १; श्रोध॰ नि० भा० ८२; पि० नि० ४७४; पंचा० १८, १७; प्रव० ४६३; ८०२; (३) न० के प्रकृतिना उद्धर्यी कुण्डा-पण्डे प्राप्त के उदय में कुन्डापना प्राप्त हो उस नाम कम की एक प्रकृति. a variety of Nāma Karma by the rise of which one becomes hump-backed. क० गं० १, ४०;

खुज्जकरणी. स्ना॰ ( कुब्जकरणी ) रूपवती साध्यी उपरहे। ही भें। हुन पामे ते सारुं हह ३५ वनावयाने आंथा अपर राज्याना संथारी आ वस्त्रने आंधा नीये पीड़ अर अंड पटांधी वाधी राज्युं ते. स्पवती साध्या पर कोई मोहित हो इसलिये सुंदरता को कुरूपता में परिणत करने के वास्ते कंधे के वस्त्र को पाठ से नीये पेट पर एक पहें से बांध रखना. Wrapping of a shoulder garment round the breast and the back on the part of a female ascetic in order that nobody should be tempted by her beauty श्रोष भा अरु, प्रव० ४४६;

खुज्जत्त न॰ (कुटजत्व) ५ ७५। ५७ं. कुबडा पन. The state of being humpbacked. भ्राया॰ १, २, ३, ७=:

खुजा. स्री॰ (कब्जा) कुलडी हासी. कुवडी; दासी. A hump-backed female: a maid. श्रोव॰ ३३; दसा॰ १. १; नाया॰ १; ६; श्रंत॰ ३, ६; जं॰ प॰ भग॰ १, ३३; विवा॰ ६; (२) कुल्लहेश नी हासी. कुल्ज देश की दासी. a maid of the country named Kubjā. निसी॰ ६: २५; विवा॰ ६; निर॰ १७१; (३) थुं क्ष्यानुं पात्र (थुं क्ष्यानी) धारण करनारी हासी. थुंकने का पात्र (पीकदानी) उठाने वाली दासी. a female attendant who holds a spittle-pot. विशे॰ १४, १, १; विवा॰ ६;

खुज्जिया. स्त्री० (कुब्जिता) सेास रे।गभांनी ओक रोग, भुंधापछुं. सोलह रोगों में का एक रोग; कुबडापन. One of the 16 diseases; croockedness. स्राया० १, ६; १, १०२;

खुडश्रय. ति॰ (\*चुझक) न्क्षानुं; वधु; ६वधु. छोटा; त्तघु, हत्तका Trifling; small.

खुडाग. त्रि॰ ( श्रुद्धक ) न्हाना-नी-ने।. छोटा-टी. Small. निसी॰ ४, ७१; श्रंत॰ ८, ३; श्रोव॰ १६; भग० १३, ४; ३१, १; नाया॰ ७;

खुडिय त्रि॰ ( चुक्क ) ळुओ। "खुडम्प्र" शण्ट. देखी 'खुडम्प्र' शब्द. Vide 'खुडम्प्र' वव॰ ६, ४१; १०, १८;

√खुडु था॰ I (श्रुट् ) ते।ऽवं. तोडना To break.

खुडुति. भग० १४, १; खुड्डिता. सं० कृ० १४, १;

Vol. 11/72

खुडु. त्रि॰ ( चुद्र ) न्हानी छोटा. Small गच्छा॰ १०६; — भच पुं॰ ( - भव ) कुश्लम् ; न्हानीलय निगिदीया छायी। २०६ आविस्तानी ओड लय. चुद्र भच: ुच्छ भव; निगोदिया जीव का २५६ प्रावित्तका का एक भव. a small period of life; a period of life of hell-beings lasting for 256 Avalikās ( a measure of time ) क॰ ग॰ ५, ३६; खुडु पुं॰ (चीद्र-) भिंदरा. दाह्र. Wine. जं॰ प॰ २, ३६; — ग्राहार त्रि॰ ( - श्राहार)

भिंदरापान धरनार, दारू पीने वाला ध drunkard, जं० प० २, ३६;

खुइखुइग. त्रि॰ ( सुद्रखुद्रक ) न्हानाभां न्हानी; लहुल न्हानी. छोटे से छोटा; वहुत छोटा. Smallest. राय॰ १३४;

खुहुग नि० ( जुल्लक ) न्हानी; सधु छोटा; लघु Small, short. निमा॰ १४, ६; भग॰ १३, ४; — भव. पु॰ ( - भव ) न्हानामां न्हानी २५६ आविस्तानी को ६ सव जुद्र से जुद्र २५६ प्रावित्तका का एक भव. the shortest period of life lasting for 256 Avalikas. भग॰ न, ६; जीवा॰ म,

खुड्तर त्रि॰ ( खुद्रतर) अनिशय लधु श्रिति-शय लघु-थोड़ा Shorter, smaller. ज॰ प॰ ४, ७४;

खुइ्य. त्रि॰ ( चुद्रक ) ६ ६ ५; थे। ५. हलका; चुद्र; थोडा. Short; trifling. १ ५० नि॰ भा॰ ४४; त्रिशे॰ ६१६; जं० प॰ प्रव॰ १२=; कप्प॰ ६, २०;

खुहुलय पुं॰ ( चुद्राजय ) थाडा छंपडापाणुं गाभ; न्हानुं गाभ थोडी वस्ती वाला गाम: छोटा प्रामः A small village. श्रोव॰ नि॰ ११;

खुडुिलिश्र त्रि॰ ( चुल्लक ) नाला है; न्यान । नाजुक, छोटा Delicate; small श्रोघ० नि॰ २१७;

खुड्ढाश्र. त्रि॰ ( श्रुञ्जक ) लुओ। " खुडश्र " शम्ध. देखो " खुडश्र " शब्द Vide " खुडश्र " श्राया॰ २, १, ४, २४; श्रोव॰ ४२; नाया॰ ७,

खुड्डाखुड्डियः त्रि॰ (चुद्रसुटक) न्दानाभांन्दानी छोटे से छोटा. Smallest; shortest. जं॰ प॰ ४, ८८;

खुड्डाग त्रि॰ (जुझक) न्क्षानी-नी-नुं छोटा-टी-टे Small, short, पन्न॰ १८; नामा॰

७; भग० ३१, १; श्रोव० १६; — जुन्म. नं ( - प्रयम ) यार आहे पार विशेर न्छानी राशिना क्लेड्सां. चार, त्राठ, बारह आदि छोटी राशि के जोडे. a pair of small figures. भग॰ 39. —भव. पुं॰ ( -भव ) क्षुस्लक्ष स्वः २५६ आविधा प्रभाण निगादना ओड सव. ज्ञद अवः २५६ श्रावलिका जितना निगोद का एक भव. a short period of life equal to 256 Avalikās. क. ч. १, ७८; - भवगाहणा. न० (-भवग्रहण) રક્ષ્ય આવલિકાના નિગાદને એક ભવ કરવા ते. २५६ श्रावलिका का निगोद का एक भव करना. a period of hell-life equal to 256 Avalikās. भग॰ ८, ६;

खुड्डिग्रा. स्री० ( त्तुह्निका ) न्हानी साध्वी भाषी. स्रोटी प्रायी-साध्वी A child-female ascetic. गच्छा० १०७;

खुड्डिय त्रि॰ ( क्ष्तुक्षक ) लुओ। " खुडिय " शण्ट. देखो " खुडिय " शब्दः Vide " खुडिय " भग० ७, ६; सूय० १. ३, २, ३; सम० ३७; जीवा० ३, १; ४; श्राया० २, १, २, १३; २, ११, १७०; ठा० २, ३; ४, १; भग० १३, ४; निसी० १४, ६;

खुड्डियामे। यपीडमा र्झा॰ ( चुद्धिकामोक-प्रतिमा ) भात्राना व्यक्षित्रहरूप व्यार पिडमा भांनी पहेली. त्राहार की मात्राकी क्राभित्रहरूप चार प्रतिमात्रों में से पिढ्ली प्रतिमा. The first of the four particular vows in relation to take a limited portion of food ठा॰ ४, १,

खुड्रियाविमाणपविभक्तिः स्री॰ ( सुद्रिका-विमानप्रविभक्ति ) એ नाभनु એક કાલિક सूत्र. इस नाम का एक कालिक सूत्र. Name of a Kālika scripture. नंदी॰ ४३; वव॰ १०, २६;

खुिंग्यः त्रि॰ ( चुिंग्यत— चुिंग्य ) भूभिष्ठभर भु हेंथु. भूमि पर क्टा हुन्ना. Trampled; pounded. भग॰ ६, ३३;

खुत्त. त्रि॰ ( \* ) ખુચી ગયેલ; હુખી ગયેલ. लिप्त; डूबा हुआ; निमम Plunged. सु॰ च॰ ३, १६१, श्रोघ॰ नि॰ २३;

√ खुद्द. घा॰ I. ( त्तुद् ) અध्यवसायाहि ઉपक्रम कारछोथी विनाश करवे।; आयुष्य टुं कुं करवुं. श्रध्यवसायादि उपक्रम कारणों से विनाश करना; श्रायुष्य कम करना. To shorten the life period.

खुद्दपु. हे॰ छ॰ उत्त॰ ३२, २०;

खुइ. त्रि॰ ( चुद्र ) ६४; नीय. दुष्ट; नीच. Wicked.(२) ६५५ ; तु२७. हलका; थोडा. trifling, mean. (3) લધુ; ન્હાનું. छोटा, लघु. small; short उत्त॰ ३४, २१; ठा० ६; परहर १, १; कप्प० ४, १२८; प्रव॰ ६९६; पंचा॰ ३, ४०; ७, ४; दसा॰ प्र, ४; राय० २०७; नाया० ६; —कहा. स्री॰ ( - कथा ) द्र्र-हुप्रध्याः । । । ध्या चुद-दुष्ट कथा; काम कथा. a bad story; a talk about sinful actions प्रव॰ ६४६; --पारा पुं॰ (-प्रारा ) क्षु પ્રાણી-વિકલેન્દ્રિય અને સમુચ્છિમાંતર્યંચ. त्त्रद्र प्राणी-विकलेंद्रिय श्रीर समुर्च्छिमतिर्यंच. very very small insects. স০ ४, ४; —मिग. पुं॰ ( -मृग ) हुष्टकर्नरूपी भृग. दुष्ट मनुष्य रूपी मृग. a wicked deer. पंचा॰ ३, ४८; <del>- सत्त</del>. पुं॰ (-सत्व) क्षुद्र प्राणी an insignifi-

६ लुओ। ५४ तभ्यर १५ ती पुटतीट (४). देखा पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (४). Vide foot-note (∗) p. 15th.

ciant creature. पंचा० १४, २६; खुद्दग. त्रि० ( त्तुद्रक ) लुओ। " खुद्द " शण्ट. देखो " खुद्द " शब्द. Vide " खुद्द " स्य० २, ४, ६;

खुद्दात्र. त्रि॰ ( जुद्दक ) अंथे। " खुद्द" शण्द देखों " खुद्द " शब्द. Vide "खुद्द" जीवा॰ ३, १;

खुद्दिमा स्त्रीं॰ (जुद्धिमा) क्षुद्रिभा नाभनी गांधार श्राभनी भीछ भूर्य्छना. जुद्धिमा नाम की गांधार प्राम की दूसरी मूर्छना. The second note named Kşudrimā of the musical scale named Gāndhāra. ठा० ७, १;

खुधिय. त्रि॰ ( चुधित ) लुणेश मूखा. Hungry. स्य॰ १, ३, १, ७;

\* रखुट्य. धा॰ I. (मस्ज्) भुनी अवुं; धुणी अवुं. मम रहना; लिप्त रहना To be immersed; to be drowned. खुप्पंति॰ श्रोघ॰ नि॰ २३;

खुप्पिवासाः स्री॰ ( ज्ञुत्पिपासा ) शुभ अने तरसः भ्ख श्रीर प्यासः Hunger and thirst नाया॰ १३; —परिगयः त्रि॰ ( -परिगत ) शुभ अने तरसथी धेरायेदः भूख श्रीर प्यास से प्रसितः overpowered by hunger and thirst. दस॰ ६, २, =;

√ खुन्म. धा॰ I ( खुम् ) भक्षमण्युं; गल रायुं; क्षेाल पामवे। गवराना, चोमित होना, हकायका होजाना To be agitated. खुह्मह. भग॰ ३, ३; खुट्माएजा वि॰ मग॰ ६, ४; खुट्माएजा वि॰ नग॰ ६, ४;

√खुञ्म. धा॰ II. ( त्तुम् ) गलरातु; क्षेाल पाभेषा. घवराना; जुञ्च होना To be agitated or disfurbed. स्रोभेइ. प्रे॰ नाया॰ ३; स्तोभंति प्रे॰ नाया॰ ४; स्तोभह्उं. प्रे॰ हे॰ कु॰ उत्त॰ ३२, १६; स्तोभित्तए प्रे॰ हे॰ कु॰ नाया॰ ६, ६; स्तोभंत प्रे॰ व॰ कु॰ भग॰ ३, २;

खुमिय त्रि॰ ( \* चुच्ध ) क्षेाभ पामेक्ष; डेाबा-यभान थ्रेथे. चोभित; चुच्ध; दिगा हुआ. Agitated. भग० ६, =; — जल. न० (-जल) क्षेाल पामेक्षं पाणी चुच्घ पानी. agitated water. भग० ६, =;

खुम्मिय. त्रि॰ ( \*कृमिंत ) नभेक्षं; आष्ट्रणानी पेंद्रे देवी गथेक्षं. कच्छप की तरह सुका हुआ; नमा हुआ Bent like a tortoise; sloping. "खुमिय संचुन्निय धवलवलय" नाया॰ १;

खुर. पुं॰ (खुर-बुरासन) उत्तर अरतभांने। भुरासान देश उत्तर भरत का खुरासान देश. Name of Khurāsāna country in Uttara Bharata. जं॰ प॰

खुर. पुं० (खुर) भगनी भरी; गाय लेस, धे।।,
गधें। वगेरे वागे।णनारां भशुने भगना
आंगणांने भगनी हे।। जे ने ने लेवुं है।य
छे ते. खुर; गाय, मेंस, घोड़े, गद्धे श्रादि
वागोलने वाले पशु के पांव की श्रंगुलियों के
स्थान पर जो नाखूव जैसा होता है वह.
A hoof भग० ४,२; १२, ७; स्य० २,
३,१६; जं० प० पि० नि० ३३१; पन्न० १;
नाया० ३;

खुर. पुं० ( ज़ुर ) अस्तरी; स्कृष्णे. उस्तरा.
A razor. नग० ६, ३३; स्य० १, ४, १, ८; १, १४, १४; श्राणुजो० १३४, नाया० १; २; उत्त० १६, ६३; पएह० १, १; २, ४; — धार त्रि० ( -धार-ज़ुरस्य द्वव धारा यस्य ) सकृष्णेना केवी धारवाक्ष उस्तरे जेसी धार वाला having an edge like the edge of a razor भग० ५, ७; नाया० ६; ६; उवा० २, ६४; ( २ ) स्त्री०

अस्तरानी धार. उस्तरे की धार. the edge of a razor. भग० १८, १; —मुंड. त्रि० (-मुग्ड) क्षुर-अस्त्राधी भुंडेस. उस्तरे से मुंडा हुन्ना. shaved with a razor. पंचा० १०, ३४; ६, ४७: प्रव० १००७:

खुरदुग. त्रि॰ (-खुरदिक) गाय लेस वगेरेनी यामधीमां उत्पन्न थता डीट वगेरे. गाय मेंस श्रादि की चमडी में उत्पन्न होने वाले कीडे श्रादि. Insects etc. that are generated in the skin of domestic animals. स्य॰ २, ३, २६;

खुरपत्त. न॰ (- चुरपत्र) ७ रे।. छुरा; उस्तरा. A dagger; a razor. ठा॰ ४, ४; (२) ७२५थे।. छुरा. a dagger. विवा॰ ६; (३) ७२१ केचा पांध्या वार्खं. छुरी के समान पत्ते वाला. a tree having leaves like a dagger. जीवा॰ ३, १; (४) अस्तरानी धार उस्तरे की धार. the edge of a razor. नाया॰ १६;

सुरत्प. पुं॰ (जुरम) अस्तरा; ७२५थे।. उस्तरा; छुरा. A razor; a large knife. (२) दातरेंं दांयरा. a sickle. स्य॰२,३,६६; जं॰ प॰ प्रव॰ १३१६; पन्न॰ २; —संठाण-संठिय त्रि॰ ( -संस्थानसंस्थित ) सक्षाया आक्षारें (रहेंथ). उस्तरे के त्राकार का (रहा हुआ) razor-shaped. दसा॰६,१;

खुरमुंडश्र. पुं॰ (चुरमुण्डक चुरेणमुण्डयतीति) ढलभत अरनार; नावी. हजामत बनाने वाला; नाई. A barber. दसा॰ ६, २;

खुरि त्रि॰ ( चुरिन्—चुरिन् चुरोऽस्यातीति ) भरीपाक्षं ज्ञानवर खुर वाले प्राणी. A hooped animal. श्रगुजो॰ १३१; श्रोव॰ ३; खुरुल. पुं॰ न॰ (-जुद्ग) भे धन्द्रियवाक्षा छ्व; नाना शंभक्षा. दो इंद्रिय वाले जीव: छोटे शंख यादि. Living beings having two organs i. e. conch, shells etc. पद्म॰ १; जीवा॰ १;

खुल्लयः पुं॰ न॰ ( \* ) हे। डी. कोडी. A. shell नाया॰ १८:

खुन. पुं॰ ( खुवप ) नाने। छोडवे। छोटा माइ॰ A small plant. " लया वा वहली वा खाखुं वा खुवेवा " नाया॰ १;

इसुवग. पुं॰ ( \* ) भाभा. पस; घोना. The cavity formed by joining the palms together. वव॰ २, २७; खुह. पुं॰ ( \* ) अंधुशाधार. खंकुरा के खाकार का. Goad shaped. राय॰ ६१; ( २ ) अंधुशाधार श्रेशाधार श्रेशाधार आधारा अदेशनी श्रेणी आकार आधारा अदेशनी श्रेणी आकारा

की श्रंकुशाकार श्रेणी. a goad-shaped horizontal line of the sky. भग॰ ३४, ३;

खुद्दा. स्री॰ ( चुघा ) क्षैधा; भुभ. चुघा; भूस.

Hunger. प्रव॰ ६६२; जोवा॰ ३, १;

जीवा॰ ३, १; नाया॰ १, २; श्रोव॰ ३६:

दस॰ ६, २७; भग॰ २, १; ७, ६; —सह.

त्रि॰ ( -सद चुघां सहतेतत् ) भुभने सक्ष
५२ना२. भूखं को सहने वाला. ( one )

enduring hunger. भग॰ १५, १;

खुहिन्ना नि॰ ( चुभित ) क्षेश्विपाभेक्ष; ढाक्ष डिलेश थ्येत्र. चुन्ध; हाल नेहाल. Agitated; distracted. महा॰ प॰ ७६; श्रोध॰ नि॰ ७.

खुंहिय. त्रि॰ ( ज़ुधित ) शुभेक्ष; शुशुक्षित. भूका; बुभुक्तित. Hungry; starving. परह॰ २, १;

<sup>\*</sup> लुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी प्रुटने। (\*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th.

खेद्र-य. पुं॰ (खेद) भेद. श्रभ. खेद; श्रम. Exhaustion. श्रोव॰३१; सु॰च॰३,१८३; (२) ४२भीने भेद ४२११नार संथम कर्म को खेद कारने वाला संयम. self restraint which exhausts the Karmas. उत्त॰ १६, १६;

खेळाल्लग. न० (खाचक) भाज्यकां; भाजा. खाजे. A crisp thin cake. निर०३,४; खेड. पुं० (खेट) श्राम करता म्हें।टी अने शहेर करतां न्हानी वस्तिनुं स्थान कोने करती धूडने। गढ है।य ते भेडे।. प्राम का अपेचा वडी और शहर की अपेचा छोटा बस्ती; जिसके चारों और धूल का गढ हो वह खेडा A town surrounded by a wall. उत्त० ३०, १६, ठा० २, ४; भग० १, १; ३, ५, ५, ५, ५, अगुजो० १३५; पगह० १, ३; भाग० १, ७; ६, २२२; नाया० ६; १६; वेय० १, ६; श्रोव० ३२; जीवा० ३,३; विवा० १; स्य० २, २, १३; विशे० २४; २५;

खेडग. पुं॰ ( खेटक ) तक्षवारती था छक्षवाती ओड ६थीयार; ढाल. A shield; a defensive armour to protect oneself from the stroke of a sword पग्ह॰ १, १; ६;

खेडण. न० ( ) भेऽवु. इत्तना Tilling. सु० च० १२, ४२;

खेड्य पु॰ (खेटक) લાકડાની નાની પટી. लकडी की छोटी पहा. A small strip of would. जं॰ प॰

खेडु न० (\* क्रीडा) भेश; ६४ ક्લામાંની એક. खल, ६४ कला में की एक. Play; one of the 64 lores. श्रोव० ४०; जं० प० ३, ६७:

खेड्डा स्त्री॰ (खेला) डीडा: ये। पाट गंछपा यगेरे रभत. क्रीडा; रमत; चोपड गंजीफा श्रादी Play viz. playing of cards etc गच्छा॰ = २:

खेरावारा. पुं॰ ( खवारा ) आंधाशशाखु; शस्त्र विशेष. न्योम वारा; शस्त्र विशेष A kind of weapon. जीवा॰ ३; ३:

खेत. न० ( त्रेत्र ) आधाश, केमां જવાદિ पहार्थ निवास **કरीशं**डे ते. श्राकाश जिसमे जीवादि पदार्थ निवास कर सक्ते हैं वह. The space of the universe where living beings live. বিষাৎ ४০४; १४०६; २०८८ ३३४३, इसा० ४, ५८; नाया० १६; स्० प० १; श्रग्रुजो० ६०; १३२: भग० १, ६, ८, ८; उवा० १, १६, जं० प० ७, १३३; ७, १४=; (२) देश. देश. a country. वेय० १, ४९; (३) ०४२५।; स्थान जगह; स्थान. a place पन्न • १, भग० १, १; (४) ઉधाडी-भुक्सी कभीन धान्यनाभेत्तरः गरास खली जमीनः धान्य का खेत. an open plot of ground प्रव० १५३; ७२८; पं० चा० १, १७, १५, २०; सूय०'२, १, ३५; श्रोव० जं० प० (५) राइनं नाम राह का नाम name of Rāhu. स्० प० १६; (६) पत्रवालाना त्रील पहना यापीसमां द्वारन नाम पन्नवणा के तीसरे पद के २४वें द्वार का नाम name of the 24th chapter of the 3id section of Pannavaņā Sūtra. पन १: - श्रइकंत त्रि॰ ( - श्रतिकात ) क्षेत्रनी भर्षांहा ७६व धीने वध आवेब क्षेत्र की सीमा लांघकर ले श्राया हुआ. ( some-

<sup>\*</sup> जुओ। भृष्ट नम्भर १४ नी प्रृटनीट (\*) देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (\*) Vide foot-note (\*) p 15th.

thing) that is brought having transgressed the limit of space. " खत्ताइ इंते पाय भोयये " भग० ७, १; — ऋईया त्रि॰ ( - श्रतीत ) क्षेत्रनी मर्थाध (one) who has transgressed the limit of space. Ago 30: —श्रसुपुब्वी स्त्री॰ (-श्रनुपूर्वी) क्षेत्र विषयक अनुपुर्वी - अनुक्ष्म. चेत्र विषयकी अनुक्रमिण्का-अनुपूर्वी. serial order of regions. श्रयाजीः ७१: —श्रमिसाह. पुं० ( - श्रिमिग्रह ) ગામમાં કે બાહર અમુક જગ્યા મલે તાજ લેવું એવી રીતે ક્ષેત્ર આશ્રી नियभ धारवे। ते. ग्राम मे या वाहर श्रमुक स्थान पर मिले तभी लेना ऐसा जेत्र सम्बन्ध का नियम धारण करना. a kind of vow to accept food etc. only when it is got at a certain place in a city or outside it. श्रोव॰ -- श्राभि-ग्गहचरिया. स्री॰ ( -श्रभिग्रहचर्या ) ક્ષેત્ર આશ્રી અભિગ્રહ ધારણ કરીને ગાચરી **५२** ते. चेत्र का श्राभेप्रह धारण कर गोचरी करना begging of food only when it is got at a desired place. भग० २४, ७; — आदेस. पुं॰ (-म्रादेश) क्षेत्रनी अपेक्षा. चेत्र की त्रपेचा. relating to a place. भग॰ ४,८;१४, ४; —एज्ला स्त्री॰ ( -एजना ) क्षेत्रनी अपैक्षाओं ४ भ्पतं ते. चेत्रकी श्रपेचा से कांपना trembling in relation to a certain place. भग० १७, ३; — श्रोगाढ. त्रि॰ ( - प्रवगाद ) क्षेत्रने अवगाधी २ छेल. चेत्र का श्रवगाह कर रहा हुआ। occupying space. भग॰ ६, १०; — श्रोगाह्या. स्री॰ ( - श्रवगाहना ) क्षेत्र-भाश्री भवगादना चेत्र संवन्धी अवगाहना.

length and breadth in relation to a place or space. স॰ ४, ९; —तुल्लय. त्रि॰ ( -तुल्यक ) क्षेत्र आश्री तुस्य; क्षेत्र केवुं. चेत्र तुल्य; चेत्र जैसा. resembling a place or space. भग० १४, ७; --पएस. पुं॰ (-प्रदेश) क्षेत्र-आश्राश प्रदेश. त्तेत्र-प्राकाश प्रदेश. the firmament, अब् १०४०: -पर-मारा. पुं० (-परमाखु) क्षेत्र आश्री पर-માહા: આકાશ પ્રદેશને અવગાહી રહેલ पुद्रस परमाध्ः देत्रकी अपेदा परमाणुः श्राकाश प्रदेश की श्रवगाहना करनेवाले पुरल परमाण. the molecules of matter occupying space. भग॰ ४, ५; —पत्तियः न॰ ( -पस्य ) क्षेत्रपश्य; क्षेत्र-આશ્રી પલ્યાપમ; પલ્યાપમના એક પ્રકાર. चेत्रपल्यः चेत्रकी श्रपेचा परयोपमः पल्यो-पम का एक भेद, a measure of time in relation to a place. प्रव०१०३२; —लोय. पुं॰ (-लोक—क्षेत्रमेवलोकः) क्षेत्ररूप क्षेत्रः क्षेत्राधाः च्चेत्र रूप लोकः लोकाकाश. the space in the form of the world भग० ११, १०; - वत्थु. न० (-वास्तु ) क्षेत्र ખુલ્લી જમીન અને વાસ્તુ-धर-दाशी लभीन. चेत्र-खली हुई जमीन श्रौर वास्त-घर-ढकी हुई जमीन. the open plot and the covered plot ( with a house etc ) प्रव॰ २७६; —वासि त्रि॰ (-वर्षिन्) भेतरमां परस-नार. खेत में चरसने वाला. ( rain ) falling in a field. ठा० ४, ४; —विवागाः स्रो॰ (-विपाकी) क्षेत्रविपाडी, **५भी** प्रकृति. चेत्र विपाकी कर्म प्रकृति. of Karmic nature. variety which maturds at a certain place. क॰ गं॰ ४, १६; — बुट्टि. स्री॰

(-वृद्धि) क्षेत्रनी वृद्धि-क्षेत्र परिष्णाभमां छमेरवं ते. चेत्रकी वृद्धि; बढता. extension of space. पंचा॰ १, २०; — संजोग. पुं॰ (-संयोग) क्षेत्रती संयोग. चेत्रका संयोग. joining of two regions. श्रगाजो॰ १३१; — संसार. पुं॰ (-संसार) वैद्याराण परिभित सूत्र; क्षेत्रइप संसार-दी। चांदह राज, परिभित स्त्रः; क्षेत्रइप संसार-दी। चांदह राज, परिभित चेत्रः; चेत्र रूप ससार-लोक. the world consisting of 14 Rājaloka; the world having many divisions. ठा॰ ४, १,

खेत्तस्रो. य॰ (त्रेत्रतस्) क्षेत्रथी चेत्र से. From a Kṣetra. प्रव० ७७६; भग० २, १, २०; ४, ८, ८, २;

खोत्ति. ति॰ ( चेत्रिन् ) क्षेत्रवाक्षे। चेत्र वाला. (One ) possessed of Ksetra. विशे॰ १४६२:

सेंद. पुं॰ (सेंद ) पीडा; भेंद. पीडा; खेंद. Affliction; trouble. भग॰ १४, १; खेंम. पुं॰ (केंम) इंस्थाण; उपद्रवनी। असाव कल्याण; उपद्रव का श्रभाव Welfare; absence of trouble. भग॰ २, १, उत्त॰ ६, २८; १०, ३४; २१, ६; श्रोव॰ दस॰ ७, ४१; ६. ४, २३; जीवा॰ ३. ४; दसा॰ ४, ८. नाया॰ २; ४; पक्त २ २; भत्त॰ ३६; — रूव. त्रि॰ (-रूप) इंस्थाणुडारड; उपद्रव दिन benificial; happy, free from trouble. ठा॰ ४, २.

खेमश्च. पु॰ (ज्ञेमक) अन्तग्रस्त्रना छट्टा वर्गना पांचमा अध्ययननु नाम श्चतगढ स्त्र के छट्टे वर्ग के पाचव श्रध्याय का नाम. Name of the 5th chapter of the 6th section of Antagada Sutra. श्चत॰ ६. ४, (२) डाइंटी नगरीना रहेवासी ओड गाथापनि, डे लेखे भहावीर पासे हीका क्षष्ठ सेाण वर्ष नी अनल्या पाणी विपुक्षपर्वत छपर संधारेंग इरी क्षिद्धि मेणवी. काकंदी नगरी के रहने वाले एक गाथापति, जिनने महावीर स्वामी के पास दीचा ले सोलह वर्षका प्रमण्या पाल विपुल पर्वत पर संथारा कर सिद्ध गति प्राप्त की. a merchant of the Kākandī city who was initiated by Mahāvīna. He practised asceticism for sixteen years gave up food and drink for ever and obtained final bliss on the Vipula mountain अंत० ६, ५;

खें में कर. ति॰ ( चे मक्कर-चे म करोतीति ) क्षेम कुराल (रहा) करने वाला. A protector. सूय॰ २,६,४, श्रोव॰ (२) पुं॰ ओ नामने। अऽसक्ट-मे। महाश्रह इस नाम का श्रवसठवा महाश्रह name of the 68th great constellation सू॰ प॰ २०; ठा॰ २; ३; (३) पायमा कुस्तगरतां नाम. पांचवें कुल-कर का नाम. name of the 5th Kulagara ज॰ प॰ (४) ॰ भूदिपमां ओरावन क्षेत्रमा थनार ये। था कुस्तकर जब्दीप में ऐरावन चेत्र में होने वाले चौथे कुल-कर. the fourth would-be Kulagara of Anāvata country in Jambudvīpa सम॰ प॰ २४०,

स्वेमं भ्रय. पु॰ (चेमं धर-चेम धारयित अन्यकृतम्
यः) જण्दि पना श्रीश्वत सूत्रभां थनार
पाथवा कुलकर जबूद्दीप के ऐरावत चेत्र में
होने वाले पाचवें कुलकर Name of the
5th would be Kulagara of Airāvata country in Jambudvīpa
सम॰ प॰ २४०; ज॰ प॰ (२) ७८६। क्वसकरनु नाम छठ्ठे कुलकर का नाम name

of the 6th Kulakara. (३) अप-६५ ६२ ६२-॥२. उपद्रव नष्ट करने वाले. one who removes troubles. श्रोव॰ खेमकर. त्रि॰ ( चेमकर ) सुभक्षश्री. सुखकारी. Beneficial; giving happiness. पग्रह॰ २, १;

खेमपुरा. स्त्री॰ ( चेमपुरी ) सुक्ष्म् विजयनी सुक्ष्म नगरी; राजधानी. सुक्ष्म् विजय की मुख्य नगरी; राजधानी. Name of the chief capital of Sukachchha Vijaya. जं॰ प॰ ठा॰ २,३;

खेमा. स्री॰ ( चेमा ) इन्छ पिल्यना इन्छ राजानी भुण्य राजधानी. कच्छ विजय के कच्छ राजा की मुख्य राजधानी. The chief capital of the king Kachchha of Kachchha Vijaya. ठा॰ २, ३; जं॰ प॰

खेयग्ण, त्रि॰ ( खेदच-खेदः श्रमः संसार पर्यटनजितः तं जानातीति ) संसारना भेदने हु. भने क्राब्यार. संसार के खेद-दुःख का ज्ञाता. (One) having knowledge of the miseries of the world श्राया॰ १, १, ४, ३२;

खेयन्न. ति० (खेदन ) लुओ। 'खेयगण ' शण्टः देखों 'खेयगण ' शब्द. Vide 'खेयगण ' सूय० १, ६, ३; श्रोघ० नि० ६४७; श्राया० १, २, ४, ६८; १, ७, ३, २०७;

खेयर त्रि॰ (खेचर) आश्रश गाभी; पक्षी. श्राकाश विहारी; पत्ती. A. bird. (२) पुं॰ विद्याधर. विद्याधर. a kind of deity. सु॰ च॰ १, २६१;

√ खेल. था॰ I (क्रीड्) २भत ४२वी. क्रीडा करना. To play.

खेलेज्ज विधि॰ श्रोघ॰ नि॰ भा॰ ६८; उत्त॰ ८, १८;

\*खेल त्रि॰ (खेलक-नट) व'शात्रे भेल **५**२-

नार; नट विशेष. वांस पर खेलने वाला; नट. An actor; one who performs acrobatic feats on a rope or a bamboo. निर॰ ६. २२:

खेल. पुं॰ ( श्रेप्मन् ) नाक्ष तथा भुभभांथी थी ३५ एछं ३५ नी ३० ते. नाक श्रीर मुंह मे चिकना कफ निकलता है वह: कफ. The phlegm that comes out of the the mouth and the nose. काप॰ थ. ११६;६,५६; प्रव०४३६; गच्छा० ६६; श्रोव० १, ५; ४, ७; भग० १, ७, २, १; ६, ३३; १२, ७; २०, २; नाया० १; ५; दस० ५, १८; तंदु० वेय० १, १६; श्राया० २, १, १६, २६; पन्न० १; उत्त० १४, १६; सम० ५; श्रोव॰ —श्रासव. पुं॰ ( -श्राश्रव ) ४६नुं **प**ढार नीक्षवं. कफ का बाहर निकलना. coming out of phlegm. भग॰ ३, ३; नाया॰ १; =; दसा॰ १०, ६; —श्रो-सिंहि. त्रि॰ ( -भ्रोपिध ) એક પ્રકારની લબ્ધિ–શક્તિ; શુંકથી દર્દીનું દર્દ મટી જાય એવી જાતની શક્તિ. एक प्रकार की लाब्ध-शिक्त; थुंक से रोग मिटजाय ऐसी शिक्त. a kind of attainment or spiritual power; a certain kind of power which cures diseases by the application of salina only. विशे॰ ७७६; श्रोव॰ १६; पराह० २, १; प्रव॰ १५०६: -पिडिश्च नि० (-पितत ) अक्ष-ખામાં પડેલ. सर्दी से त्रस्त. troubled with cold. गच्छा॰ ६६; —संचाल पुं॰ ( -संद्वाल ) णक्षणानं संधरण थवुः कफ का संचार होना. affected with cough. श्राव॰ १, ५;

खेलावणधाई. स्री॰ (क्रीडाधात्री) पालडने रभाऽवानुं अभ डरनार धाव भाताः बालक को रमाने का काम करने वाली धाय माताः A nurse who makes children play. श्राया॰ २, १५, १७१;

\*खेन्न. न॰ (क्रीडा) ड्रीडा; २भत्त. क्रीडा; स्मत. Play. उत्त॰ ८, १८;

खेक्का को॰ (क्रीडा+क) २भत गभत रमत गमत; खेलकृद. Play; recreation.

खेत्लुड पुं॰ ( \* ) કं हनी ओ क नत केंद्र की एक जाति. A kind of bulbous root.

स्त्रेच. पुं॰ ( चेप ) ध्रें क्वुं ते. फैकना. Throwing. क॰ ग॰ २, १५;

खेबिय. त्रि॰ ( चेपित ) ईंडावेक्ष. फेंका हुया Thrown. उत्त॰ ९६. ४२:

खोउदश्च. पुं० (चोदोदक) क्षाह-शरडीना रस लेवुं लेनुं पाणी छे ते, शरडीना रस लेवा पाणीवाला छेड समुद्र चोद-साठ के रस जैस जिसका पानी है वह; साठ के रस जैसे पानी वाला समुद्र An ocean the water of which is like the juice of sugar-cane स्य०१,६,२०, खोखुटभमाण ति० (चोचुम्यमान) अतिशय क्षांश पामतुं; आड्ड व्याड्ड थनुं. श्रांतशय सुड्थ; श्राकुल व्याकुल होता हुआ. Exceedingly agitated. श्रोव० २१;

क्ष्योड. पुं॰ ( % ) न्हे। दु लाइ हुं बडा लक्कड.
A big log of wood परह० १, ३,
(२) प्रदेश; विलाग; स्थल. प्रदेश, विभाग;
स्थल. a division; a part; a place.
स्थांच॰ नि॰ भा॰ ७६;

स्रोड पुं॰ ( स्रोटन ) વસ્ત્રાદિકનું પડિલેહણ કરતાં એક ભાગ જોયા પછી તેના ઉપરની રજ તરહું કે કાેઇ જન્તુને ખંખેરવાને તે ભાગનું પ્રમાર્જન કરવું તે, આ ક્રિયા અખાડા તરીકે એાળખાય છે, એકેક વસ્ત્રના ત્રણ ભાગ કરીને પહિલેહણ કરતાં નવ અખાડા થવા लीएं से से विधान धरेश है. बह्यादिक की प्रतिलेखना करते समय एक भाग देखे पश्चात् उस पर की रज, तुगा या कोई जनत को हटाने के वास्ते उस भाग का प्रमार्जन करना. इस किया को अखोडा कहते हैं एक एक वस्र के तीन २ भाग कर के प्रतिलेखना करते हुए नौ श्रखोडे होने चाहिये ऐसा शास्त्र का विधान है। The cleansing of a part of a garment for the sake of getting rid of particles of dust, straw or any insect after having examined that part at the time of Pratilekhanā; this process is known as Akhodā, which, according to scriptural injunction, has to be repeated nine times, each garment being divided into three parts for Pratilekhanā তা০ ६, ৭, তল০ २६. २५. श्रोध० नि० २६५:

क्ष्यांडेयव्य त्रि॰ ( ) तल्या थे।२५; निषेध क्ष्या थे,२५ छोडने योग्य; त्यागने योग्य Worth rejecting; worth abandoning. भग॰ १२, ६, १६, ४. २४, २४;

खोगी स्त्री॰ ( त्तोगी ) पृथ्वी. पृथ्वी The world; the earth सु॰ च॰ १२, ५६, खोतवर पुं॰ ( त्तोदवर ) क्षेक्षियर नामने। द्वीप न्त्रोदवर नाम का द्वीप. Name of a continent. सू॰ प॰ १९;

Vol 11/73

<sup>\*</sup> लुजे। पृष्ठ नम्भर १५ नी प्रुटने। ( \* ). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने। ट ( \* ). Vide foot-note ( \* ) p 15th.

खोतोद. पुं॰ (चोदोद) क्षे।हाह नामने। सभुऽ चोदोद नाम का समुद्र. Name of an ocean सू॰ प॰ १६;

खोदोदग. न॰ ( चोदोदक ) शेरडीना रस केंबुं पाणी. सांठे के रस जैसा पाना. Water resembling the juice of sugarcane. पत्र॰ १;

खोद्द. न॰ (र्ज्जंद्र) भध. मबु; शहद. Honey. भग॰ ७, ६; —श्राहार. त्रि॰ ( -श्राहार ) भधना भाराध्याला. शहद का श्राहार वाला ( one ) who eats honey. भग॰ ७, ६;

खोम. पुं॰ ( जोम ) लय; क्षेत्रल. भय; डर. Fear; agitation. विशे॰ १४७६;

स्रोभग न॰ (चोभन) विन्ह्यता; आहुयता. श्राकुलता; घवराहट. Agitation; distraction. पि॰ नि॰ ४८५;

स्त्रोभिय. त्रि॰ ( चोभित ) स्थानथी यक्षावेक्ष; क्षेत्रिक पभाडेक्ष. स्थान से चित्रतः चोभितः Agitated; distracted. राय॰ १२८;

Agitated; distracted. राय॰ १२=; खोम. न॰ ( जोम ) सुतरां डापड़ं. सूत का कपडा; सूता कपडा. A cotton cloth खाँवा॰ ३, ३; सू॰ प॰ २०; राय॰ १६२; निसी॰ ७, ११; डवा॰ १, २=; ५, १२३; —जुयल. न॰ (-युगल ) सुतरां वस्त्र की जोडी. A pair of pieces of cotton cloth. मग॰ ११, ११;—दुग्गुल. न॰ (हुक्ल) सुतरां तथा रेशमी वस्त्र half silken cloth. नाया॰ १; खोमिय न॰ ( जोमिक ) शण् तथा सतरां

पश्च सन या सूत का कपडा. A cloth made of cotton or jute. प्रव॰ ६६७; श्रोय॰ नि॰ ७२४; श्राया॰ २, ४, १, १४१; १४४; भग॰ ११, ११; ठा॰ ३, ३; (२) रेशभी वस्त्र रेशमी वस्त्र silken cloth. पि॰ नि॰ भा॰ ४६:

खोय. पुं॰ ( चोद ) शेरडी. ईख; सांठा. A sugar-cane. पन्न • १४; राय० १३३; (२) सातमां द्वीप श्रीर सातवें समुद्र का नाम • name of the 7th continent and the 7th ocean. श्रगुजो० १०३; —रस. पु॰ ( -रस ) शेरडीने। रस. इख रस. the juice of sugar cane. सम० प० २३२; जीवा० ३, ३; सूय० २, १, १६;

खोरय. न॰ ( \* ) એક જાતનું ગાળ વાસણ. एक जाति का गोल वरतन. A kind of round shaped pot. जीवा॰ ३;

स्रोल. पुं॰ (खोल) भेशण; तस पगेरेने। कुन्ये।. स्वल; तिक्षी वंगरह का फोक. Oil-cakes etc. श्राया॰ २, १, ८, ४६; (२) गुप्त- यर; अभुस. गुप्तचर; जासूस. a spy. १९० नि॰ १२७.

×खोसिय त्रि॰ ( ﷺ) लुनुं કरी नाभेर्सुं, जीर्ण; पुराना कर के डाला हुआ. Old; discarded as being old. १प० नि० ३२१;

स्रोह. पुं॰ ( चोभ ) लय; क्षे।ल. भय; हर; चोभ. Fear; agitation of the mind. सु॰ च॰ १४, १८६;

<sup>\*</sup> जुओ। पृष्ट नम्भर १६ नी प्रती प्रतीत (\*) देखो पृष्ठ नम्बर १६ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p 15th.

ग.

गइ. स्रो॰ (गति ) गति; यात्र; गमन; धर्मा-રિત કાયનું ખાસ લક્ષણ. ગાંત; चाल; गमन; धर्मास्तिकाय का खास लच्चण. Gait, motion; the result; the fulcrum of motion. क॰ गं॰ २, २३; ५, ६१; कप्प॰ १, ५; भग॰ ३, २; ४, १०; ७, १०; १६, ८; नाया० १; १७, सम० १; उत्त० २८, ६; दस॰ ६,२, १७; सू॰ प० १, विशे॰ ४४७; सु॰ च॰ ४, ६; (२) शेंड सवमां-થી ખીજા ભવમા જવું તે, ગત્યંતરમાં જવું ते. एक भव से दूसरे भव में जाना; श्रन्य गति में जाना. passing from one birth to another birth. आवा॰ १, ३, ३, ११६; ज० प० पज० १६; (३) નિસ્તાર કરનાર; આશ્રય સ્થાન; શરણ યાેગ્ય निस्तारा करने वाला, श्राश्रय दाता; शरण के योग्य. a benefactor; a patron. श्रोत कष्प०२, १५; (४) भरीने જયાં જવં ते गति यार अथवा पांयः तरः, તિર્યંચ મનુષ્ય અને દેવતા. ( પાંચમી માેક્ષ-गित ). मरकर जहा जाना होता है वे चार या पांच गति; नरक, तिर्थंच, मनुष्य श्रीर देवगति (पांचवां मोच्चगति ). the four or five states of passing from one birth to another birth viz that of hell, beasts, human beings and gods. the 5th is that of Moksa ( salvation ) দলত ৭২; २३; उत्त० ३४, २; श्राणुजी० १२०; दस० ४, १४; ६, ३, १४; १०, १, २२; भग० १, ८; ६, ३; प्रत्र० ४; १२७६: कप्प० ५. ११६; क० प० २, १३; ४, ६; (५) हिता-हित श्रीधं सान हिताहित बोधक ज्ञान, यह जान जिससे हिन भ्रीर श्राहित का बोध हो.

the power of discrimination. उत्त॰ २०, १; (६) नामधर्भनी ओं ध्रप्नृति કે જેના ઉદયથી છવ નરક આદિ ગતિમાં ज्यय छे. नामकमेकी एक प्रकृति कि जिसके द्वारा जीव नरक स्त्रादि गतियों में जाना है. a variety of Nāmakarma the maturity of which leads a soul to hell. क॰ गं॰ १, २४; ३३; ४३; ( ૭ ) પત્નવણા સૂત્રના ત્રીજ્ય પદના ખીજા દ્વારનું નામ કે જેમાં નરક આદિ ગતિઆશ્રી গুবানু অধ্যাপদ্ধবে হন্তু छे. पन्नवणा-प्रज्ञा-पना सूत्रके तीमरे पद के दूसरे द्वार का नाम कि जिस में नरकादिक गतियों के सम्बन्ध में जीवां का श्रल्पाबहुत्व-न्यूनाधिक्य कहा है name of the second section of the third Pada (chapter) of Pannavanā dealing with the duration of life in hell. पन ३. —कत्तारा.त्रि॰ (-कत्यारा) ३६४१ए। ३०४ **ઉ**ચ્ચગતि पामनार-मगलरूप-कल्याण्मय ऊंची गति की प्राप्त करने नाला leading to welfare in the form of attaining to the condition of a god or heavenly being "त्रणुत्तरोववाड्याण गइकल्लागाणं ठिइकल्लागाणं " कप॰६; जं॰ प०२,३१; सम०८०० -- तस पुं० (-ग्रम) ગતિ આશ્રી ત્રસ, તેઉ કાય તથા વાયુ કાય. गति का आश्रय करके त्रस, तेजस्काय र्थार वाय काय the living beings of fire and wind in relation to the state of their existence, %. गं०३,१४; ४, २२, — तुल्ल. त्रि॰ (-तुर्य) પાતપાતાની ગતિ સમાન श्रपनार गीत के तुन्य-समान according to one's

own state of existence. To go ६, ३०; --नाम. न० (-नामन्) केना ઉદયથી નરકાદિક ગતિ પ્રાપ્ત થાય તે નામ अभेनी ओक अकृति, नाम कर्म की एक प्रकृति, जिसके उदय से नरक श्रादि गतियों की प्राप्ति होती है. a variety of Nāmakarma the maturity of which leads to the condition of a hellish being. सम॰ ४२; --पिडहा स्रो॰ (-प्रातिघात ) શુભગતિના પ્રતિધાત અટકાયત. શુમ गति का प्रातिघात-प्रातिबन्ध. the destruction of a blessed condition of existence by the force of Karmas. ठा० ४, १; -परिणाम. पुं॰ (-पीर-याम ) गतिनुं परिणाभ-स्वलाव. गति का परिणाम-स्वभाव, the nature of dura tion of life भग॰ ७, १; — प्यवाय. पुं॰ (-प्रवाद) केभां गतिनुं विवर्ण छे खेवा એક અધ્યયનનું નામ. name of a chapter dealing with various conditions of existence. भग॰ =, ७; —विद्याग्. न॰ ( -विज्ञान ) गतिनु જાણપણં. गति का ज्ञान. knowledge of the condition of existence. पंचा॰ २, २५; — विद्भम. पुं॰ ( - विश्रम ) ગતિ-याधनी शाला गति-चाल की शोभा. the beauty of the gait, motion existence. गच्छा० —विसय पुं॰ (-विषय ) शतिने। निषय; ગતિ शक्ति. गति का विषय-शक्ति. the subject of a condition of existence. " श्रसुरकुमाराणं देवाणं श्रहे गइ विसये सिग्धे "भग० ३, २; भग० २०,६; -समापन्न ) वारे વહેતા છવ; એક ભવપૂરાકરી બીજા ભવમાં गतिभां करो। छत्र. जनम मृत्युह्प प्रवाह में

वहाजाता हुआ जीव; एक भव पूरा करके दूसरे भव गति में जाता हुआ जीव. a soul on its way to another birth after finishing one birth. जं॰ प॰ ७, १४०; ठा॰ २, २:

गहमंतः त्रि॰ (गतिमत्) गतिभान्, गतिवाक्षे। गतिवाला; गमनशील; चलने वाला. Movi g; going. विशे॰ ३१५७; गंत. पुं॰ (गङ्गः) भध्यान्छे नही अतरतां पगे દંડી અને માથે ગરમીના અનુસવ થાય છે માટે એક સમયે બે ઉપયોગ હોઇ શકે એમ સ્થાપના કરનાર ગંગ નામના પાંચમા નિન્હવ. गङ्ग नामक पांचवां निन्हव-मतप्रवर्तक. जिसे एक ही समय में दो कियाओं का शानभान हुआ था अर्थात गंगा नदी पार करते समय ऊपर से सूर्य का ताप श्रीर नीचे से जल की शीतलता का एक कालावच्छेद से ही श्रत्भव हुआ था, तथा ' एक काल में अनेक अनुभव हो सकते हैं 'इस सिद्धान्त का मत भी चलाया या. The fifth of the propounders, named Ganga, who propounded the false theory of the knowledge of two actions simultaneously, as one experiences cold at the feet and heat on the head, while crossing a river at noon time. विशेष २३०१; ठा० ७, १; गंगदत्त पुं॰ ( गङ्गदत्त ) એ नामना એક भाणस के केतुं रागनेशीधे पतन थयुं. इस नाम का एक मनुष्य, कि जिसका राग के कारण of that पतन हुश्रा. A man name who got a spiritual fall on account of passion. भत्तः १३७; ( ર ) ળંગદત્ત-નવમા વાસુદેવના ત્રીજા પૂર્વ

अवतु नाभ नौवें वासुदेव के तीसरे पूर्व भव

का नाम the name of the third

past birth of the ninth Vāsudeva. सम० प० २३६; (३) छट्टा असदेन-वासहेवना पर्वसवना धर्भान्यार्थः छद्रे वलदेव-वासुदेव के पूर्व जन्म के धर्म्माचार्य. the religious preceptor of sixth Baladeva-Vāsudeva, in the previous birth. सम॰ प॰ २३६; હસ્તિનાપુરના રહેવાસી એક ગાથાપતિ हस्तिनापुर का रहने वाला एक गाथापति a merchant-prince of Hastināpur. भग०१६,४, —देख पुं॰ (-देव ) એ નામના સાતામાં દેવલાકના એક મહાસામા-निक्ष देवता. सातवें देवलोक के एक महासामा-निक देवता का नाम name of a Mahāsāmānica. deity of the 7th Devaloka ( heavenly abode ). भग० १६, ५:

गंगदत्ता. स्त्री॰ (गङ्गदत्ता) गंगध्ता नाभे ओध स्त्री इस नाम की एक स्त्री Name of a woman. विवा॰ ७:

गंगण्याय पु॰ (गङ्गाप्रपात) िक्षभवंत पर्वत ઉपरथी नीडणती गणा नहींना हरेडे। ज्यां पडे छे ते डुंड. वह कुएड जिसमें हिमवंत पर्वत से निकली हुई गणा नदी का प्रवाद गिरता है. The lake where the torrent of the Ganges starting from the Himavanta mountain falls ठा॰ ३.३:

गंगा. स्री॰ (गङ्गा) गंगानही-शृक्षित्र भवंत पर्वत उपरथी नीडणी वैताद्ध्यमां थर्ड अवध्य समुद्रमां पूर्व तरक भणती अरत क्षेत्रनी ओड मेढीटी नही गङ्गा-हिमालय पर्वत से निकल वैताद्ध्य पर्वत के बीचों बाच होकर लवण समुद्र मे पूर्व की श्रोर मिलती हुई भारतवर्ष की एक बढी नदी A large river of Bharata-Ksetra flow-

ing to the east into Lavana ocean, starting from Chūla-Himavanta and crossing Vaitādhya. सम॰ १४; नाया॰ १; ४; इ; १६; भग० ५, ७; ७, ६; ६, ३३; १४, १; श्रोव० १०; जं० प० ५, १२०; ३, ४१; ३८; उत्त० ३२, १८; जीवा० ३, ४; सू० प० २०: श्रागुजो० १३४: कप्प० ३.३२: —श्रावत्तराकुड. पुं० ( -श्रावर्तनकृट ) ચલ હિમવંત પર્વતના પદ્મદ્રહથી ५०० જોજન પૂર્વ તરફ ગંગાવર્ત નામે એક શિખર છે કે જ્યાં ગગા નદીનું આવર્તન થાય છે. हिमाल्य पर्वत के पद्म नामक दह से पूर्व की श्रीर ५०० योजन की दूरी पर गंगावर्त नामक एक शिखर है, कि जहां गंगा नदी का श्रावर्तन होता है. name of a summit of Chula Himayanta mountain, situated in the east of its lake named Padma, at a distance of 500 Yojanas, here the liver Gangestakesa turn जं॰प॰-कुंड पं॰ ( - बुंगड ) ३२७ विजयनी गणानहींना हुंड, ચિત્રકટ ળખારા પર્વતની પશ્ચિમે ઋષભક્ટ પર્વ તની પૂર્વે નીલવંત પર્વતને દક્ષિણ કા કે ઉત્તરાધ કચ્છ વિજયમાના ગ ગા નદીના કુંડ. कच्छविजय की गंगा नदी का कुएड; चित्रकृट वखारा पर्वत के पश्चिम, ऋपभकृट पर्वत के पूर्व श्रौर नीलवंत पर्वत के दिल्ला के किनारे पर उत्तराई कच्छ विजय में स्थित गंगा नदी का एक कराइ. name of a lake of the river Ganges in the northern half of Kachchha Vijaya, on the southern border of Nīlavanta mountain, in the east of Rishabhakūta mountain, and in the west of Chitrakūta Vakhāra mountain. जं॰ प॰ - क्रुड. पुं॰ (-જ્રૂટ) ચૂલ હિમવંત પર્વત ઉપરના ૧૧ફટમાં-नुं पांचमु ३८-शिभर. चुत्त हिमवान् पर्वत के 9 १ कुटो में सं पांचवां कूट शिखर. the 5th of the eleven summits of Chula Himavanta mount जं॰ प॰ - क्रल. न० ( -कूल ) गगा नहींना डिनारी- डाठी. गंगानदी का तीर. a bank of the river Ganges. भग०१३,६,—दीच.पु०(-हीप) ગંગા પ્રપાત કુંડની વચ્ચે રહેલ દ્વીપ. गंगा प्रपात कुंड के बाच में आया हुआ एक द्वाप. an island in the lake Gangāprapata जं०प०-पमाण पुं०(-प्रमाण) ग गान्हीनं प्रभाश गगानदीका प्रमास the extent of the Ganges. भग-१४,१; —पुलिखवालुया स्त्रा॰ (-पुलिनवालुका) ग गानहीना डाहानी वेल्-रेती गंगा के तार की बाल्ल-रेता. the sand of the banks of the river Ganges, भग०११,११; — प्यवायः पुं ( -प्रपात ) सुरक्ष हिभवंत પર્વત ઉપરથી પડતા ગંગાનદીના દરેડा चुह्न हिमवंत पर्वत के ऊपर से गिरने बाला गंगा-नदो का प्रपात - साना, the fill of the Gangā river from the Chula Himvanta mountain, ল০ ৭০ তা॰ २, ३; -- प्यायदह पुं॰ (-प्रपातहृद) જેમા ગ માનદીના દરેડા પર્વત ઉપરથી પડેછે તે ६६. गंगा प्रपातहृद जिसमे पर्वत पर से गगा नदी की धारा गिरता है. the lake into which the Gangā river falls from the mountain. 310 3, 3; - महानई. स्री॰ (-महानदी) ग शा नाभनी भारी नहीं, गगा नाम की महानदी, the large river named Ganges. नाया॰ १६; —महानई स्त्री॰ (-महानदी) अ्थे। "गगामहासाई" शण्ह देखो "गगा

महाखई " राट्द. vide " गंगामहाणई " निर०३,३; —वालु ग्रा-या. स्री०(-वालुका) गंगानहीनी रेती. गंगा नदी की रेती. the sands of the river Ganges. भग० १५, १; श्रमुजो० १४३;

गंगासयसहस्तः न॰ (-गङ्गाशतसहस्र) गेशा-क्षाना भनानुसार गंगा-ओंड डाक्ष प्रभाण, तेनी ओंड क्षाण संण्याः गाशाला के मतानु-सार गंगा नामक एक कालविभाग तथा उसकी एक लाख संख्याः According to Gośālā, a division of time called Ganga also a lac of such divisions. भग॰ १४, १; —सलिल न॰ (-सलिल) गगानहीनुं पाणीः गंगा नदी का जल; गगाजल. water of the Ganges. नाया॰ =,

शंगाउल. पुं॰ (गंज्ञाकुल ) अंधानहीने आडे रहेनार तापसनी ओड ब्लाव गंगानदी के तीर पर रहने वाले तपस्वी की एक जाति A class of ascetics residing on the bank of the river Ganges. निर॰ ३, ३;

गंगादेवी खी॰ (गङ्गादेवी ) गणानहीनी अधिशत्री हेवी. गंगानदी की अविष्ठात्री देवी The persiding goddess of the river Ganges. ज॰प॰३,६४;—भगणान० (-भवन) गंगादेवीनुं अपन. गणोदेवी का भवन. the palace of the goddess Gangā जे॰ प॰३,६४;

गंगायत्त पुं॰ (गङ्गावर्त) એ नामने। એક ६७. इस नाम का एक हद. Name of a lake कप्प॰ ३, ४३;

गंगेय. વું• ( गाङ्गेय ) પાર્શ્વ તાથના સંતાનીયા એ નામના એક મુનિ કે જેણે મહાવીર સ્વામિને નરક આદિના ભાંગાના પ્રશ્નાે પુછ્યા છે જે ગંગીયાના ભાંગા તરીકે ग्रीक्षणाय छे. इस नामका पार्थनाय का वंशज एक मुनि जिसने महावीरस्वामी से नरक प्रादि के विभागों के सम्बन्ध में प्रश्न पूछे थे श्रीर जो गान्नेयभांगा नामसे प्रसिद्ध हैं An ascetic of this name the descendant of Pārśvanātha, who had put certain question concerning the region of hell etc. to Mahāvīra Svāmī these questions are known as Gāṅgeyabhāṅgā. भग॰ ६, ३२; (२) गगनी पुत्र-लिभ पितामह. गंगा का पुत्र-भोष्म पितामह. Bhismapitāmaha, the son of Gaṅgā नाया॰ १६;

गंजा. पुं॰ (गञ्ज) गांको, गुन्छ वनस्पतिनी ओड कात गुच्छ वनस्पति की एक जाति; गांजा A kind of intoxicating vegetation known as hemp-flower पएह० २, ५; भग० २२, ४, पच० १, — साला स्त्री॰ (-शाजा) गाळनी हुडान गांजे की दकान. a shop of hempflower. निसी० ६, ७,

√ गंठ धा॰ I (ग्रंथ) गुधवु, रथवुं. गुंथना, रचना. To kuit; to bind; to tie, to compose

गठइ. निर्सा० १. ५३.

गठंत निसी० १, ५३;

गथिजाइ. क॰ वा॰ विशे० १३=३;

गंठि. पुं० ( - प्रन्थि ) गांढे. ग्रंथि; गांठ. A tie, a knot e g: that of love and hatred caused by Karma राय० १६६; जीवा० ३, ४: सु० च० ११, २२; ग्रोघ नि०६९३; विशे०११६४. नाया० ६; भग० १, ६, प्रच० २००; ५०८, पचा० ३, ३०, (२) ४ में जितित राग ० देव विशेदी गांढे. कर्म निन रागतेश श्रांदि की गांठ क

knot in the form of passions born of Karma. विणे ११ नरः — च्छेद्मा. ति ( -च्छेद्द ) गाई छिडी थारी धरनार गांठ खोल कर चोरी करनेवाला. one who cuts or looses a knot and steals. स्य० २, २, २८; — च्छेय. एं० ( -च्छेद ) लुओ। " गंठिछेद्म " शम्ह. देखा " गंठिछेद्म " शम्ह. देखा " गंठिछेदम्म " शम्ह. पंतेष्ठ " गांठिछेदम्म " वाया० १८, — मेम्रा-य ति ० ( -भेद ) ६२५नी छे।थणी भेदनार, ६०५नी थेदी ताडी थारी धरनार. रुपयो की थेली काट कर चोरी करने वाला क cut-purse उत्त० ६, २८, म्रोव० पग्ह० १, २; वा० ३; भग० १, १;

गंडिन्त्रा स्रो॰ (अन्थिका) भे१६५भ नी राग देप रूप गांदे. मोह कमीं की राग द्वेप रूप गांठ The knot of infatuation of fascination with worldly things, the knot of delusion भग॰ ४, १.

गंडिंग नि॰ ( मन्थिक ) क्षेत्रंथि-क्षेत्री गांड युक्त. (One) having a knot of Karma. (one) in Kārmic bondage. स्य॰२, १, १,

गंडिम. त्रि॰ ( ब्रन्थिमत ) गांडे ६५ने गुंधेश गांडे लगाकर गूंथा हुन्ना. Knitted after tying a knot ठा०४,भग० ६,३३.पन्न० १, नाया० १, ( २ ) गुंधेश पुष्पती भाशा गुथे हुए फूलों की माला a garland knit with flowers नाया० १७,

गंडिमग न॰ ( ब्रन्थिमक ) २५ नाभनु है। ७ १६भ न्यतनुं वृक्ष. इस नाम का गुल्म जाति का कोई एक ब्रन्त A. kind of flowering plant पन्न॰ १;

गंडिय त्रि॰ ( प्रथित ) शुथेक्ष. गांडेक्ष. गूंबा हुआ; गांठा हुआ. Knit, interwoven. निर्मा॰ १, ५१; — सन्त पुं॰ ( -सन्त )

भेहिती निवड शह वाले. अल्प ७व. मोह की मजबूत गांठ वाला अभन्य जैव a soul incapable of untying Karmic knots and so of being liberated उत्त ३३, १७; क० प० ५,४;

गंडिल. त्रि॰ ( प्रन्थिल ) शांक्ष्याणुं गांड वाला Knotty; knotted. त्रोघ॰ ति॰ ७३७. गंडिल्ल त्रि॰ ( प्रान्थिमत् ) क्ष्म संभिधी शांक्ष्य पाणुं कर्म सम्बन्धी गांड वाला. Having ( Karmic ) knots भग॰ १६, ४;

गंड. पुं॰ (गएड ) अपेशिशः गाल. A cheek आया० १, १, २, १६, पञ्च० २; सू॰ प॰ २०, स्रोव० प्रव० ४३६, जं० प० પ, ૧૧૫: ( ર ) ગડ, ગુમડુ, કર્ણ્ડમાલ रसे। सी पिगेरे. फोडा, कराठमाल वगैरह. a boil; an ulcer etc. " ज च श्रगं स्यादंगं तं गंड " निसी० ३, ३४; ६, १३; उत्त० ⊏, १⊏, १०, २७, स्य० १, ३, ४, १०, २, १, १७; (३) है। गेदः खेलन का एक साधन-कटुक. a ball ज॰ प॰ (૪) ગેંડું; ૧૧ મા તીર્યંકરતુ લાંછન ૧૧ વેં सीर्थंकर का लाइन-चिन्ह. a distinction sign of the 11th Tirthankara. पन्न॰ १; प्रव॰ ३=१, (४) स्तनः धाध, थानीक्षी. स्तन a breast, पिं नि॰ ४१६, — आदिस्र पुं (- प्रादिक ) ग.स, गरी। इं विगेरे. गाल: क्योल आदिक a cheek etc. निसी॰ ६, १२; - उन्नहाराय. न॰ ( -उपधानक ) गां भस्रियुं गत्त तिकया. a small round pillow for the cheeks. राय॰ १६१:

गंडउवहाशिय. पुं॰ ( गरहोपधानिक ) शक्ष भस्रियुं क्रिराने लेनेका तक्ष्मा A pillow; a small round pillow for the cheeks. जीवा॰ ३, ४; — तल.

न० ( -तल ) गासनी सपारी: ब्हेशना भध्यक्षांगः गालः संह का मांसल प्रदेशः a cheek; the middle fleshy part of the face श्रोद॰ २२: —देस पुं॰ (-देश) अपे.स (गास) नी भाग, गाल प्रदेश: क्योलों का भाग that part which forms a cheek. नाया॰ =, --यता. त्रि॰ ( -तत्त ) लुओ। "गंड तल" शफ्द. देखो "गंड-तल ' शब्द Vide "गंड तल " स॰ च॰१. द०: —लहा. हा॰ (-रेखा) गांस **ઉ**पर ४रेक्ष ક×तरी वगेरेनी रेभाः इपेास पासी कणेलों-गालों पर कस्त्री वगैरह सुगन्धित पदार्थी की वनाइ हुई रेखा; एक प्रकार का शुगार-कपोल a kind of decorative streak or mark of musk or some other fragrant substance made on the cheek. ज॰ प॰

गंड प्र पुं॰ (गएडक) टेलीओ. मुखिया. A watchman. (२) ढंढेरे। पिटनार. ज्योडी पीटने वाला. one who announces or makes a proclamation. श्रोघ॰ नि॰ ६४५;

गंडमिंगिया स्त्रो॰ ( गण्डमांगिका ) देश विशेष प्रसिद्ध भाष. किसी देश का प्रसिद्ध माप. Current, well-known, mensures of weight etc. of any country; राय॰२७१;

गंडाग पु॰ ( गरहक ) ७००भः वाणंहः नावी. नाईं: नापितः वाल वनाने वाला. A barber. भ्राया॰ २, १, २, १९ः

गंडि ति॰ (गगिडन्) કंઠेमाण; म्हारा सीण रागमाना ओक राग गण्डमाल. Boils, ulcers etc on the throat, (this is one of the sixteen great diseases) (२) ते रागमाली. इस रोग नाला. ( one ) suffering from boils, ulcers etc. on the throat. आया॰ १, ६, १, १७२; परह॰ २, ५.

श्रायाः १, ६, १, १७२; पर्यहः २, ५,
गंडिश्रा-याः स्नाः (गरिडका) साभान्य
अर्थना अधिकार वाती श्रन्थ पद्धति साधारण श्रर्थ के श्रधिकार वाती ग्रंथ पद्धति.
Style of composition fitted for or entitled to convey ordinary thought or matter नंदीः १६; (२) सीनीनी ओरखु सुनार की ऐरण the anvil of a goldsmith दसः ५, २६,
(३) शर्डीनी गंडेरी. गंडेरी, सांठे के छोटे २ इकदे. small bits of sugar-cane श्रायाः २, ७, २, १६,

गंडियासुत्रोग. पुं॰ (गरिडकानुयोग) ६(१) વાદ સુત્રાન્તર્ગત અનુયેાગના એક વિભાગ કે જેમાં એક સરખા અર્થના વાક્યની રચના રુપ ગંડિકાની વ્યાખ્યા કરવામાં આવી છે અને તેમા તીર્થંકર ગગુધર ચક્રવર્તી દશાર્દ **બલદેવ હરિવંશ વગેરેના** અવિકાર છે. दृष्टिवाद सूत्र के अन्तर्गत भ्रनुयोग का एक विभाग, जिसमे एक जैसे अर्थ वाले वाक्यो की रचनारूप गंडिका की व्याख्या की गई है श्रोर उसमे तीर्थकर, गराधर, चकवर्ती, दशाई, बलदेव, हरिवंश धादि का आधिकार है. Name of a division of a secof Dristivāda Sūtia; here an explanation of the composition of a sentence uniform in sense, is given, it treats of Tirthankaras, Ganadharas etc सम॰ १२; नंदी॰ ४६;

गंडी. ह्री॰ ( रागडी ) से। नीनी એરણ भूड वातुं दाडडानु ढीभयु केमा એરણ गे। हेववामां आवि छे ते दाडडुं. सुनार की ऐरण रखनेका एक लकडी का ढांचा; जिस मे ऐरण मजबूत Vol. 11/74.

हो कर टिक जाती है वह ढांचा. A block of wood in which a goldsmith's anvil is fixed. श्राया॰ २.४. २. १३=, (२) अभावती अधिश. कमल की कती. a bud of a lotus. उत्त॰ ३६: ૧૦દ; (રૂ) ગંડી પુસ્તક, જે પહેાલાઇમાં અને **જાડાઇમા સરખું હાય** તે ગણિડ પુસ્તક गर्यक्ष प्रस्तक जो चौड़ाई और लंबाई में बरावर gi, a book which is equal in length and breadth प्रद० ६७१; —पद त्रि॰ ( -पद) अएडी-सेानीनी એરણ અથવા કમળની કર્ણિકા જેવા પગવાળા જનાવર, હાથી, ગેડા, વગેરે. हाथी, गेंडा, वगैरह पशु, ऐरण श्रथवा कमल समान पांववाला की कली के (an animal) having feet like a goldsmith's anvil; e g. an elephant, a rhinoceros भग०११, ३, ठा०४, ४, स्य०२, ३, २३, —पय. पु० ( -पद ) लुओ 'गंडी-पद 'शण्ह देखां 'गडी-पद' शब्द Vide ' गंडी पद ' उत्त॰ ३६, १७६; पन्न० १, जीवा०१; —पोत्थय. न॰ (-प्रस्तक) क्रुओ। 'गडी 'शण्द देखो 'गडी 'शब्द. vide 'गंडी 'प्रव॰ ६७२, अगंड्रयलग पुं॰ (गण्डूपद-गण्ड्व. प्रन्थय-स्ताभिरन्वितानि पदानि यस्य ) भे धन्द्रिय વાળા જીવ-જેને ગુજરાતીમાં (ગગાં ડા કહે છે दो इन्द्रिया वाला एक जीव, केंचुत्रा; गडोत्रा चादिक. A sentient being with two sense-organs বল॰ ৭,

गंतदन्न. त्रि॰(गन्तन्य) ज्या क्षाय जाने योग्य
Worth going to, worth approaching. भग॰ २, १, १८, २; नाया॰ १, (२)
ज्याशुं; सभज्यु. समक्सना, जानना. to
know, to understand. पन्न॰ २:
गंतार. त्रि॰ ( गन्तृ ) जनार; यादनार.

चलने चाला: गमन करने वाला. a goer: (one) who goes. सम०३३; दसा०२,२; गंतपञ्चागया. स्रा॰(गत्वा प्रत्यागता-गत्वा प्रत्यागतं यस्याम् ) એક तर् शेवरी हरतां છેકે જઇ ળીજી શ્રેણિ તરફ ગાયરી કરવી તે. एक श्रोर गोचरी करतेर धन्त में जाकर दसरी श्रेणी की श्रोर गोचरी करना. Beginning to beg in the opposite line of houses after reaching the end of one line. ठा॰ ६, १; दसा॰ ७, १; गंतुमण पुं॰ ( गन्तुमनस् ) প্রানী ১২৩। વાળા, અર્થાત્ અમુક સૂત્ર સમય જ કરા તા પછી ભણીને કે સાંભળીને જાઉ એમ બાલ-नार अपिनीत रिष्यः जाने की इच्छा वालाः श्रर्थात् श्रमुक सूत्र श्रर्पण करो तो बाद पढकर या सुनकर जावूं इस प्रकार बोलने वाला म्प्रविनीत शिष्य. A disciple desirous of going, saying to the preceptor impolitely that he would go after hearing a particular Sūtra. श्रीघर्गन्भार्वर ६; विशेर्वर गंत्रा, सं० कृ० थ० (गत्वा ) જधने. जाकर. Having gone पसः २; सु॰ च॰ १, **१३५; गच्छा० १**१५,

गंथ. पुं॰ ( प्रन्थ-प्रथ्यतेऽनेन प्रस्मादास्मन् वा धर्थः) सूयग्डांगता १४ भा अष्यतेतु नाम. हे केमा अन्थपित्रद्वती त्याग हरतार साधु ओ है। रीते देशना न्यापवी हेम की अवं तेतु व्याप्यान के सूत्रकृताह के १४ वे अप्याय का नाम, जिसमें प्रन्थपरिप्रह त्याग किये हुए साधुने किस प्रकार देशना देना, बोलना श्रादि का न्याख्यान है. Name of the 14th chapter of Süyagadānga explaining the mode of speech to be adopted by a monk who has given up the possession of

books. जं० प० ५, १२२; स्य० १, १४, १; २७; सम० १६; २३, (२) डम ना णंधा क्रम नी गांह, कर्मी का बन्धः कर्मी की गांठ. knot of Karma, आया॰ १,१, २, १६; ( ३ ) अंध: प्रस्तक्त प्रत्यः पुस्तक. a book, श्रामाजी०४२:राय० १९०: विशं • १३७=: (४) पाद्य अने अक्यन्तर પરિગ્રહ; યાજ્ય ધન ધાન્યાદિ. અભ્યન્તર કૃષા-थाहि बाह्य ख्रीर श्रम्यन्तर परिग्रह; बाह्य धन्य-धान्यादि तथा अभ्यन्तर कपायादि, external and internal pessessions. such as wealth corn etc. and attachments to worldly things. श्राया० १, ३, २, ११४; १, ७, २, २०४; म्य॰ १, ६, ५; १, १४, १; उत्त॰ ६, ३; विशे ० २५६१: प्रव० ७२७: ( ५ ) सूत्रार्थ: शास्त्रीती भतक्षण. सूत्रों का अर्थ: शास्त्रों का मतलव. the meaning of Sūtras; the purport of scriptures. स्य॰ 9, 9, 9, 8;

गंधिम. त्रि॰ ( ग्रंन्धिम ) है।राधी गांधीने जनावेश पुत्तनी भाणा विगेरे. दोरे से गाठ कर-गूंथ कर बनाई हुई फूलमाला वगेरह. A garland of flowers etc. knit up with a thread. श्रोव॰ ३=; ठा॰ ४, ४; श्रागुजो॰ १०; श्राया॰ २, १२, १७१; जीवा॰ ३, ३; नाया॰ १३; निसा॰ १२, २०; भग० ६; ३२;

गंध. पुं० (गन्ध) नासिक्ष (धार्षेद्रिय) ने। विषय; सुगंध के हुर्गंध. ब्रागोदिय का विषय — सुगंधि ख्रोर दुर्गन्ध Fragrance; smell; e g. of flower etc. which is the subject of nose. ख्रोव० १०; २२; ख्रयुजो० १६; १०३, १३०; सम० १; ४; राय० २७, निसी० १, ११; रंदी० १३; ज० प० ५, ११४; ११४; ११२.

नाया० १; ५; १२; १६, १७, ठा० १, १; उत्त॰ २८, १२; ३२, ४८; ३४, २, भग॰ 9, 9, 2, 3, 0; 6, 90; 0, 0; 5, 9, २०, ४; २५, ४, विशे० २०६; दसा० ६, ४, दम० २, २, सूय० १, ९, १३; सू० प० १७, पन्न० १, प्रव० ६४७; श्राव० ४, ७, क०प०१, २७; कप्प० ३, ३७, भत्त० १२१; क० ग० १, २४, (२) ग ५ तीमते। द्वीप तथा समुद्र इस नामका द्वीप श्रीर समुद्र. an island of that name; also an ocean of that name. जीवा०३४,पन्न० ૧, (૧) આધા કર્મ આદિ દેવા; છ ઉદ્દમનના रे। प्राया कर्म आदि दोष,उद्गमनके छ दोप. a fault like that of Adhākaima etc any of the six faults of Udgamana. आया० १, २, ४, ६७, —ऋंग पुं॰ ( -श्रङ्ग ) गध प्रधान परतुना सात अक्षर छे भूब, त्वया, क.ष्ट, निर्धास, પત્ર, પુષ્પ કલ, મૂન-વ.લા વગેરે, ત્વચા-સુવર્ષ્યુઅલિપ્રમુખ, કાષ્ટ્ર-ચ દનાાદ, નિર્યાસ-કપૂર આદિ પત્ર-તમાલ આદિ, પુષ્પ-लप त्री पगेरे ६स-सपिंग पगेरे गनव के श्रष्ठ; गन्ब प्रवान वस्तु के सात मेद होते है, यथा-मूल, त्वचा, काष्ट, निर्यास-कपूर, पत्र, पुष्प, श्रीर फल. the seven varieties of fragrant things viz roots back, wood, exudation etc leaves, flowers and fruits जीवा॰ ३, २, — ब्रादेस. पु॰ (-श्रादेश) गधनी अपेक्षा. गन्ध की अपेक्षा relating to fragiance. पत्र १, — त्रारुह्ण, न० (-ग्रारोहण ) सुग-न्धनु वधारवु ते. सुगंचि को बढाना increasing the fragrance of a substance. नाया॰ २, —-उदश्च-य ॰न ( - उडक ) सुगन्धि । सुगन्धि

५०५ भिश्रपाधी. सुगन्यत जल, सुगन्य वांन पदार्थों से मिश्रित जल. scented water. श्रोव० प्रव० ४५५, क्रप्प० भग० ६, ३३, १४, १; नाया० १, ज० प० ५, ११४, -- उद्ग. न० ( - उद्क ) लुओ। " गन्धोदश्र " शज्ह देखो " गंधोदश्र " शब्द vide ' गन्धादुत्र '' भग० ७, ६, नाया० १, १६, पचा० २, १३; -- उद्ग-दाण न॰ (-उदक दान) सुगंधी पाधीने। वर्षां सुगिधत जल की वर्षा a rain of scented water पंचा० —उदयबुद्धि र्ह्मा० ( - उदक वृष्टि ) સ્ગ ધિપાણીની કૃષ્ટિ सुगन्वित जल की बृष्टि. a shower of scented rain प्रव॰ ४५५, - उद्धुयाभिरामः पु॰ ( - उद्धुताभिराम ) सुगन्धि निक्षणवाथी-भते। ६२ सुगानेव निकलने से श्रमिराम-मना-Et chaiming on account of the irradiation of fragrance 410. ११, ११, नाया० १, ज०प० ४. ११२, -- उठबहुरा न० (-उद्गर्तन) सुगंधी पहा-र्था उदर्तन पीठी क्रवी ते सुगन्ध वाले पदार्थी से उद्दर्नन करना, सुगन्त्रित पदार्थी को मिला कर, कूट छान कर चूर्ण-उवटना वनाना mixing, pounding etc. of fragrant substances. नापा॰ १६,-उस्सास पु॰ ( -उच्छ्वास ) सुगध पा हुर्भिष्वाक्षे। ७२%्वास सुमन्ध या दुर्गन्धवाला उच्छ्वास fragrant or stinking breath, भग० ६, ३३, —करण ( –करण ) સુગધ કરતાર, પુપ્પાદિ सुगाध करने वाला, पुष्प वारह (anything ) which imparts fiagrance, e g a flower etc नग॰ १६, ६, --कासाइयः त्रि॰ (-काषा-यिक) अग शुख्यानु सुगिध धरेस ५२३

श्रंग पूंछने का सुगान्धित वझ. a fragrant or scented cloth for drying the body by wiping. ππο ε, ३३; श्राया० २, १४, १७६; नाया० १; २; १६; काप० ४, ६२ राय० १८४; जं० प० ४, १२२; —कासाई. स्त्रां० (-कापाया) ळुओ "गंपकासाइम्र" शण्ह देखो " गंध-कासाहस " शब्द vide " गंधकासाहस्र " " गंधकासाईए गायाइं लुहेह " भग० १४, २ः — जुत्ति. स्री० ( -युक्ति ) सुगंधि तेव अत्तर विशेरे भनाववानी युक्तिनुं विज्ञान सुगन्धित तैल, इत्र आदि वनाने की युक्ति-तरकीय knowledge of the art of preparing fragrant oils, scents ete श्रोव॰ —हम न॰ ( -इक ) सुग धि यूर्ष्. सुगंधि चूर्ण. scented powder. " गन्धदएषां उज्बहिता " ठा० ३. १; —- द्व. त्रि॰ (-प्रास्य) सुगध सरेक्ष सुगन्ध युक्त. scented; fragrant. पंचा॰ २,१४;८,२४; - (ग्रिज्याति स्त्री०(-निर्वृत्ति) गधनी निष्पत्ति. गन्व की निष्पत्तिrise of fragrance प्रादुर्भाव १६, ८, — ग्रीसास पुं (-नि.श्वास ) स्भवती गध केवे। भुभने। निश्वासः कमल की सुगिन्धि के समान मुखका श्वाम. fragrant breath. नाया॰ =,-दुग न०(- द्विक) सुग ध अने हुर्गध स्मान्य श्रीर दुर्गन्य fragrance and stink. क॰ ग॰ २,३२, -द्झां ह्वां॰ (-म्राणि) गन्धते। જ<sup>2</sup>थे।; गन्ध सभू ६ सुगन्धका समुदाय -ममूह a collection of perfumes. श्रांव॰ नाया॰ १; द: १६, जं॰ प॰ ४, ६४०: —नाम न॰ ( -नामन् गन्ध्यते हातिगन्धः तहेतुत्वात् -नामकर्म ) गंध नाभे नाभ क्षेनी એક પ્રકૃતિ કે જેતા ઉદયથી છવ ગધવાલુ शरीर पामे छे. गन्ध नाम की नामकर्म

की एक प्रकृति, कि जिसके उदय से जीव को गन्ध प्रधान शरीर मिनता है. the Nama. karma known as Gandhanama. सम॰ २८: -परिरान (नि॰ (-परिरात) દુર્ગ ધિ રુપે કે સુગંધ રુપે પરિણામ પામેલ. सुगन्ध श्रथवा दुर्गन्ध रूप में परिगात होना-परिणाम पाना change of a subinto fragrance stance stench. भग॰ =, १; -परिणाम. पुं॰ ( -परिचाम ) भुगन्धनु दुर्शन्ध रूप ચવું તથા દુર્ગ ન્ધનું સુગન્ધી થવું તે. सुगन्ध का दुर्गन्ध रूप होना श्रीर दुर्गन्ध का सुगन्ध हर हो जाना. change of fragrance into stench and vice versa. '' गंधवरिणामेणंभंते ' पन्न० १३; ठा० ४, १; भग० ८, १०; —मदवारि. न० (-मद वारि) सुगधी महऋषे अरतु पाणी सुगन्वित मदरूप से भारता हुआ जन trickling like scented wine. नाया • १; - चट्टि स्रो • (-वर्ति) सुग धनी અગરખતો, સુગત્ધમય ગુટિકા. ध्रवत्तीः; श्रमस्वत्ती या सुमन्य मय गुटिका. a stick of perfume; a fragrant pill स्रोव०२६: राय०२८, भग० ११, ११; ज्ञं प प ४, १२१. (२) इस्तूरीने। गेाटें। कस्त्रीका गोटा-गोला a ball of musk. नाया० १; - हत्थि पुं (-हस्तिन् ) भट्टी-ન્મત્ત હાથી-જેના ગલડસ્થલમાથી સુર્ગાન્ધત મઃ ત્રરે છે અને જેની ગન્ધથી બીજા હાથીએા નાશી જાય તે ગન્ધ હસ્તી. गन्ब हस्तीः जिसके गराडस्थल मे से सुगन्धित मद भरता है श्रीर जिसकी सुगन्धि से दूसरे हाथी भाग जाते हैं-मदोन्मत्त हाथी. an intoxicated elephant with rut on its temples which by its scent frightens away other elephanst.

श्रोव॰ राय॰ २३, नाया॰ १; कप्प॰२, १४; श्राव॰ ६, ११; ( २ ) कृष्ण वासुद्देवने। विजय नामक हाथी an elephant of Krisna Vāsudeva named Vijaya. नाया॰ ४;

गंध्रत्रो. य॰ (गन्धतस् ) गन्ध आश्री. गन्ध से; गन्ध का स्राक्ष्यकर. Through from fragrance. उत्त॰ ३६, १४; भग॰८. १,१८,१०.

मंध्या. पु॰ ( गंधन ) गंधन क्यानी सर्थ, हे के भुडेल डेर भन्न प्रथेश थी पाछुं युसी ले छे. गंधन जाति का एक सांप, कि जो मंत्र वल में अपने विप को वापिम ले लेता है. A kind of serpents named Gandhana which sucks the poison back again by the power of spells दस॰ २, ६; उत्त॰ २२, ४४, गंधा के लिए ( मारावर ) शहराया हो।

गंधमंत त्रि॰ (गन्धवत्) शन्धवाणु. गंध वाला Smelling; fragrant भग॰ २, १ १०; २०, ४;

गंधमाद्रण. पु॰ (गन्धमाद्दन) लुओ "गंधमायण " शण्ड देखो " गंधमायण " शण्ड देखो " गंधमायण " श्रव्ह. Vide "गंधमायण " सम॰ ४००, गंधमायण पुं॰ (गन्धमाद्रन) नीअव न पर्यन्तनी दक्षिण मेरुनी उत्तर अञ्चेत्रनी पश्चिमे थे।ऽ।ना भधने व्याद्रारे ओ व्याप्ता पर्वत छे तेनु नाम गंखवंत पर्वत के दक्षिण, मेरु पर्वत के उत्तर कि धोर गन्धिम दिशा में घोडे के कथे जैसा वखारा पर्वत. Name of a Vakharā mountain in the shape of a horse's shoulder, it is situated to the south of Nīlavanta mount to the north

of Meru, to the east of Gandhilāvatī Vijaya and to the west of Uttara Kuru Ksetia ठा०२३, पग्ह०२, २, र्ज०प०—कूड. पुं० (-कृट) अधभादन पर्वतना सात इटमानु भीळुं इट-शिभ२ गन्धमादन पर्वत के सात कृटों में ये दूसरा कृट-शिखर. the second of the seven summits of Gandhamādana mount. ज०प०४, ६६.

गंधय पु० (गन्धक ) गध; सुगंध नुगधि.

Sinell. fragrance सु० च० १, २६४;
गंधविहिभूय-म्र ति० (गन्धवितेभूत )
लेभा उत्तम सुगंधि हो ऐसी गुटिका. (A
pill) having high fragrance in
it. सम० प० २१०, नाया० १, १६; काय०
२, ३२; ज० प० ३, ४३,

गंधव्य ५० (गन्धर्व ) शायनिभिय व्यन्तर देवनी अंध जात गांत प्रिय व्यन्तर देवीं की एक जाति गन्धर्व. A. species of Vyantara gods fond of music सम० ३४: श्रोव० २४, भग० २, ४: २४, १२, ठा० २, २, उत्तर १, ४८, ३६, २०४, श्रगाजो ० ४२; विवा ० २, पञ्च ० १. प्रव० १९४४, जीवा० ३, ४. ऋप० ३, ४४, ज० ૫૦ ૭, ૧૫૨; રૂ, ૧૯; (ર) એક જાતની क्षिपि एक प्रकार की लिपि, गन्धर्व लिपि a particular kind of script पन्न० १, ( ३ ) કુ યુનાથજીના યક્ષન્ નામ कथनाथ स्वामी के यच का नाम name of the Yaksa of Kunthunath Swāmī प्रव० ३०६; (४) गरेयेो; गान **५२**ना२ गवैया, गायक, गाने वाला a singer. विवा॰ ६, भग॰ ७, ६. नाया॰ ૧૬, ( ૫ ) એક અહારાત્રિના ત્રીશ મુહ્ત

भानु २२ भु भुद्धती. एक श्रहोरात्रि के ३० मुहूर्तों में से २२वां मुहूर्त. the 22nd of the 30 Muhūrtas of a day and a night जं॰ प॰ मम॰ ३०; म्॰ प॰ १०; ( ६ ) गधव<sup>९</sup> वि**छा**; नाट इ. गंधर्व विद्या. नाटक. a kind of lore; drama. जीवा॰ ३, ३; नाया॰ १; १४; — ग्रांशिय-ग्रा. पुं॰ ( -ग्रानीक ) ગન્ધર્યાની સેના-નાટકના એક્ટરા; ( ગાયન **५२ना२।** ) गथवाँ की सनाः नाटक के पात्र (गायन करने वाले ). a party of Gandharvas or singers and actors भग० १४, ६; ठा० ७, १; -- करासा। स्री० ( -कन्या ) ग'धवीनी पुत्री गन्धवी कन्या a daughter of a Gandharva. नाया॰ =; - घर्ग. पुं॰ ( -गृहक ) केमां शीत नृत्य थाय तेवुं धरः नाटक रावा. नाटक-शाला; जिम में गीत न्त्य है। वह घर. a theatre; a house for singing and dancing. राय॰ १३७, —देव. पुं॰ ( -देव ) गंधर्व देव. गंबर्व देवता Gaudharva celestial being. भग॰ ≈, १; —नगर पुं॰ ( -नगर ) आशशभां गंधर्य नगरने आशरे थता वाहणाना हेजाव गनवर्व नगर के त्राकार में त्राकाश में बनता हुआ बादलों का वनाव-दश्य an appearance of a Gandhaiva city in the sky formed by clouds স্বস্তুনী০ ৭২৬; भग॰ ३, ७; —लिबि. स्री॰ (-लिपि) ગંધર્વ લિપિ; અઢાર લિપિમાની એક જાઠા-रह लिपियों में से एक लिपि, गन्यर्व लिपि one of the 18 scripts; the Gandharva script. सम॰ १८, —संदिय त्रि॰ ( -संस्थित ) गंधर्वने आधारे रहेव गंधर्व के सदश-ग्राकार में स्थित beauti-

ful in appearance like a Gandharva. भग॰ =, २;

गंधन्त्रकंट एं॰ (गन्धर्वकण्ड) એક જાતનું रत. एक प्रकार का रत. A kind of gem. राय॰ १२१;

गंधव्यमंडलपविभक्ति पुं॰ न॰ (गर्धव-मग्डलप्रविभक्ति ) गंधव भएऽसती विषेश ग्यतायाणुं नाटक विषेश. गंवर्बमग्डल बां विशेष रचना युक्त नाटक विशेष (A drama ) with a particular arrangement of the party of actors. राय॰ ६२;

मंधहारक त्रि॰ (क्ष्मन्धहारक —गान्वारक)

क्ष ६६३२ हेशभा २६५।२. कंदहार-गान्यार
देश में वसने वाला. A resident of

Kandahāra. परह॰ १, १;

गंधहारमा पुं॰ ( मन्यहारक ) शन्धदार देशनी। निवासी, मान्धार देश निवासी. A resident of the country of Gandhan. पन्न॰ १,

गंधार. पुं॰ ( गान्धार ) नालिथी उदेश वायु कएक्ष्मान भानी के भास स्वरूप धरे छे ते: सान स्वर भाने। त्रीको स्वर. नामी से ठठा हुआ वायु कएक प्रदेश को प्राप्त करके जो खाम-श्रसावारण स्वरूप को घारण करता है वह-गधार; सात स्वरों में से तीनरा स्वर. The third of the seven ascending tunes of music; e. g. सा, री, य etc. श्रणुजो॰ १२८, ठा० ७, १; ( २ ) गधार नामने। देश; दालमां कोने क्षायुव कंधार कहते हैं. the country of Gandhaia or Kandahaia. उत्त॰ १८, ४४;

गंधारगाम पुं॰ (गन्धारम्म) नंदी आहि सात भ्र्णंनाना आश्रयकृत सुति सभू%

नन्दी श्रादि सात मूट्छेनाश्रों का श्राधारभूत श्रुति समूह. A multitude of quarter tones which form the basis of the seven melodies, viz Nandī etc. श्रागुजो॰ १२=,

गंधारो. स्री० ( गान्धारी ) व्यंतगढ सूत्रता પાચમા વર્ગના ત્રીજા અધ્યયનનું નામ. श्रंत-कृत सत्र के पांचवें वर्ग के तीसरे श्रध्याय का नाम. Name of the third chapter of the 5th section of Antagada Sütra. श्रंत॰ ४, ३; (२) ५७ वासुदेवती એક પડ્રાણી કે જે તેમનાથ પ્રભુતી દેશના સાંભળી યક્ષિણી આર્યાની પાસે દીક્ષા લઇ ૧૧ અગ ભણી વીસ વર્ષની પ્રવજ્યા પાળી એક માસના સંથારા કરી પરમપદ પાસ્યા कृष्ण वासुदेव की एक पृष्टरानी, जो नेमनाथ प्रभु के पास से देशना सुनकर-उपदेश लेकर यांचिएी श्रायीजी के पास से दीचा लेकर ११ श्रद्धोंका श्र+यास कर २० वर्ष की प्रवज्या पाल एक मास का सथारा-श्रनशन कर परमपद को प्राप्त हुई. name of a queen of Krisna Vāsudeva who heard the preaching of lord Nema nātha and took Diksā from a nun of the Yaksa class She studied eleven Angas, practised asceticism for twenty years, performed Santhara (abstained from food and water ) for one month and attained final bliss श्रत०४, ३; ठा०८, १, (३) નમિનાયછની हेरीत नाम. नेमिनाथ स्वामी की देवी the goddess of Neminātha. प्रव०३७=; (४) ये नामनी ये हिष्या. इस नाम की एक विद्या-गांत्री विद्या a science, a branch of knowledge so named

स्य० २, २, २७,

गंधावह. पुं० ( गन्धापातिन् ) की नामनी हिर्द्यिष क्षेत्रभानी वाटली वैतास्य पर्वत हम नाम का एक वैतास्य पर्वत Name of a mountain in Harrvarsa Ksetra. "गधावहवाली अरुणादेवी" ठा०२, ३, पन्न० १६;ठा०२, ३; भग०६, ३१; जीवा०३, ४; गंधावाति पु० ( गन्धापातिन् ) २२५६वास क्षेत्रना भूष्मभागमां क्यावेल क्षेत्र आटली वैतास्य पर्वत रम्यकवास क्षेत्र के बीच मं का एक वैतास्य पर्वत Name of a mountain in the middle of Ramyakavāsa Ksetra. ज० प० जीवा०३, ४;

गांधि पु॰ (गन्धिन् ) गधवाञ्च गम्य वाला. Smelling; fragrant नाया॰ १,

गैधिय त्रि॰ (गन्धित) सुनासित, गध्याणुं सुनासित, गन्धयुक्त. Smelling, fragrant श्रोत्र॰ सग॰ ११, ११; नाया॰ १, १६; ज॰ प॰ ४, १२३, (२) धरीयाधुं गंधीयाधुं किराणा groceties. वत्र॰ ६, २१; २४ — शाला श्री॰ (-शाला) गंधीयाधुं वेयनानी अभ्या गन्धप्रधान पदार्थों के वेचने की शाला, इत्र श्रादि वेचने की दुकान a place for selling grocery वत्र॰ ६ २१. २४, २५, २६, ३०, (२) ध्वावनी दुधान कलाल की दुकान की दिवान की दिवान

गंधिल पु॰ (गान्धिल) पश्चिम महाविन्छन। ઉत्तर भाष्डवानी सीते।हाभुभ वन तरक्षी ७ भी विजय पश्चिम महाविद्वहके सीतोदामुख वन की और से ७ वी विजय. The 7th Vijaya in the direction of the Sitodamukha forest, in the north of western Mahavideha. (२) એ पिश्यने। राज्य. उक्क विजय का राजा. name of a king of the above Vijaya. "गंधिलेविजये श्रवजमा रायहागीदेवे वस्त्वारपव्यण् " जं॰ प॰ ६; गंधिला श्री० (गन्धिला ) गंधिसाविज्य. गंधिलावती विजय. Gandhilā Vijaya. " दो गंधिला " ठा० २, ३;

गंधिलावई स्री॰ ( गन्धिलावती ) पश्चिम મહાવિદેના ઉત્તર ખાણકવાની સીતાદામુખ वनथी आहम। विजय पिधम महाविदेह के उत्तर खएउ म के सीतोदामुख वन मे शाठवीं The eighth Vijaya from the Sitodamukha forest in the north of western Mahavideha " गंधिलावई विजयु श्रस्तरमा रायहाणी " नं भ प० ठा० २, ३; (२) वुं० ગંધમાદન પવ તના સાત કુટમાનું ત્રિજી કુટ-शिभर, गन्वभादन पर्वत के मात कुटों में से तीसरा कृट शिखर. the third of the seven summits of Gandhamādana mount. इं॰ प॰

गंभीर. ति० (गम्भीर) ते।छडे। नही ते;
सागर पेंटा; गंभीर. सागर के समान; गंभीर.
Grave; deep sounding; serious.
चत्त० २७, १७; श्रोव० १७; नंदी० स्थ०
२६; नाया० १; १६; (२) ઉद्धं; अगाध;
थाग विनातुं. गहरा; श्रयाह. unfathomıble. जं०प० ५, १, १४; ४, ७४; ठा०४,
४; श्रोव० २५; नाया० ४; राय० २४४; (३)
गद्धन; गीथआडीवाणुं. गहन; सघन; बहुत
मिह्नियों वाला. of dense thicket.
नाया० १; ४; भग० ३, १; २; ६, ४; ११,
११; विशे० ३४०४; पन्न० २; कप्प० ३,
३२; (४) अधारादितः अधारावाणुं
प्रकारा रहित; श्रंषकारमय. without
light. नाया० १; दस० ४, १, ६६;

—उद्हिः पुं॰ ( -टदांघे ) ઉડा पाणीवाक्षे। हिथे।. गहरे पानीवाला द्यी-समुद्र. deep sen; sen with deep water. তা০২, ४; — श्रांभिस् त्रि॰ (-ध्रत्रभारित ) गं-भीर देणाय शेव. गंगार प्रतात होनेवाला of settled or of grave appearance. ठा० ४, ४; —पयत्य. पुं॰ (-पदार्थ) ગદન પદના અર્ઘ, ન જણી શકાય એવા पदार्थ. गहन-कठिन पदों का ऋर्थ-मतलव, न जाना जामके ऐमा पदार्थ. the meaning or purport of difficult words; an incomprehensible पंचा० ४: २४, —पोयपट्टग्। न० (-पोत-पत्तन ) बढाखुना क्षद्धवानी क्रभा. जहाज के ठहरने की जगह; पत्तन; चन्दरगाह. क place where ships are anchored. " देखेव गंभीर पोयपहर्ण तेखेव हवा गच्छति "नाया॰ मः १७;

गंभीरमालिएी. स्री० (गर्मारमानिनी)
सुवक्श्वित्रयनी पूर्व सरहह ७५२नी ओह
अन्तरनदी मुद्दल्गुविजय की पूर्वीय सीमा
कपर की एक धन्तरनदी. A small
river on the eastern border of
Suvalguvijaya. "दी गंभीरमानिचीउ" ठा० २, ३; जं० प०

गंभीरविजयः पुं॰ (गम्भीरविजय—गम्भीरम प्रकारं विजय शाश्रयः) अगाप आश्रय-अधारवाणुं स्थानः गंभीर—श्रंधकारमय वि-जा-श्राश्रय—स्थानः A dark places दस॰ ६, ५६;

गंभीरा स्त्री॰ (गम्भीरा ) श्रार छिष्णपाशा छन्ती ओह जात. चार डांद्रेयों वाला एक जीव. A living being with four senses. पत्र॰ १;

गकारपावमितः पृं॰ ( गकारप्राविभाक्ते ) ना-८४ने। ॐ४ प्रशर; ३२ प्रशरना ना८४भांत

ओ । नाटक का एक मेद; ३२ प्रकारके नाटकों में से एक. A kind of drama; one of 32 kinds of drama. राय॰ ६३; बाबारा. न॰ ( रागन ) आधाशः , गणन आकाश The aky: " गगणामिवनिरालवो " ठा॰ ६:पि०नि०१७५; श्रोव० १७, ३१, नाया०१; भग० २०, २; जीवा० ३, ४; राय० ६, कप्प॰ .३, ३८, —गरा. पुं॰ (-गरा) गगनरूपी गर्छ; समूढ, श्राकाशरूपी समूह a multitude in the form of the sky; sky appearing like a heap. " सिसन्व द्वाणं गगणागणं संत " निसी॰ २०, २, -- तल न० (-तल) आशश the surface. तक्ष. श्राकाश तल. vault of the sky. " गगणतकविमल-विपुल गमण गइच वलचलियमण्पवण जद्दश सिग्ववेग्गा "भग० ६, ३३; जं० प० ५, ११७; सम० प० २१३; नाया० ५, ६; ६; १६; निर॰ ५, १, -मंडल न॰ (-मंडल ) आशशभएऽस. ग्राकाशमडल. the circle or sphere of the sky. कप्प० ३, ३८, ४४;

गगणवस्तमः न॰ (गगनवस्तमः ) वैतास्थपर्यतनी दिस् तर्द्वनी विद्याधर श्रेशीनुं भुण्य
नगर वैतास्थपर्वत के दिस्णा श्रोर का विद्या
धर श्रेणी का मुख्य नगर. The principal town of the Vidyādhara
Śreni to the South of Vaitādhya mountain जं॰ प॰ १, १२;
गगणवस्तस्त न॰ (गगनवस्तमः) अभा "गगणवस्तमः" शण्दः देखी "गगणवस्तमः" शब्दः
Vide "गगणवस्तमः" जं॰ प॰ १, १३,
गगा पुं॰ (गार्यः) गार्थगीत्रमां ઉत्पन्न थयेस
गर्भनामना आयार्थ हे के पीताना अविनीत
शिष्येशी हटाणी करा छेवटे तेमना त्याग

કરી એકાડી સમાધિલવમાં રહ્યા અને આત્મ-

Vol. 11/75

श्रेथ ५र्ध गार्ग्य गोत्र में उत्पन्न गर्गनाम का श्राचार्य, जो श्रपने भ्रावेनीत शिष्यो से तंग श्राकर श्रन्त में उनका त्याग कर श्रकेला ही समाधिभाव में स्थित हुआ और आत्मकल्याण को प्राप्त हुआ. An ascetic of the name of Gärga, born in the Gārgya family He was disgusted with his impudent disciples and so he abandoned them and secured spiritual bliss by practising meditation in solitude. उत्त॰ २७, १; (२) ગાૈતમગાેત્રની એક शाभा अने तेमां ६५लेख पुरुष गौतम गोत्र की एक शाखा श्रोर उसमें उत्पन्न मनुष्य. an off shoot of the Gautama line of descent; a person born in that off shoot. 510 v, 9.

भग्गय. त्रि॰ (गद्गद ) गद्गद स्वर-म्रावाज A low and inarticulate sound expressing joy or grief. सु॰ च॰ ३, ६८,

गरगर. न० ( गह्गद ) श्वास ३घाता भावतु ते, गद्गह ६ ठकते हुए गले से कोलना; गद्गद स्वर. Speaking with obstructed breath. भग० ३, २, ज० प० ७; १६६:

गचागइ स्त्री॰ ( गत्यागीत-गतिश्चागित-श्चेति ) गति अने आगति; अनुरूस गमन हरवु ते-गति-प्रतिहूस आववु ते आगति. गति श्रीर श्रागति, गमनागमन; गति-श्रनु-कूल गमन, श्रागति-प्रतिकूल श्रागमन Coming and going; passing and repassing. विशे॰ २१५६,

गच्चागांमे त्रि॰ ( गत्यागांमेन् ) शतिष्टे आय-तार; यासीने आवतार गति द्वारा त्राने वाला, चलकर श्राने वाला One coming on account of his being in a particular condition of existence. विशे॰ ३१४४;

 $\sqrt{$  गच्छ. धा॰  $ext{I.}$  ( गम् गच्छ् ) જर्थुं; यालवुं. जाना; चलना. To go; to walk; to move.

गच्छइ. भग० ७, १; निसी० १६; २४; जं० प० ४, ११४; ७, १३३; वव० १, २३; २, २३; स्० प० १; स्य० १, १, २, १६; दस० ५, २, ३२; म, ४४; राय० ३८;

गच्छेति. नाया० ४; ८; १६; दस० ४, २८: जं० प० ७, १३७;

गच्छं. ठा० ३, ३; राय० २५२; गच्छामि. नाया० ५; ५; १४; १६; भग०

> २, १; ५, ४; १८, १०; जं० प० x, ११x;

गच्छुजामि. क॰ वा॰ विवा॰ नाया॰ १६; शच्छामो भग० २, १; ५; ३, २; नाया०५; म,१३; १८; जं०प० ४, ११२; १८, दस० ७, ६; सूय० २, ७, १४;

श्रोव० २७:

गच्छेज. वि० पन्न० ३६;

गच्छेजा. वि०भग० ३, ४, ६, ५; १३; ६; नाया॰ ६, वव॰ १, २३; २; २३;

गच्छुजाहि. श्रा० नाया० ६; गच्छिजा. विवि० दस० ४;

गच्छंतु. नाया॰ १६;

गच्छु. नाया० १, २; १,

गच्छह. नाया० १; ३; ५; ६; १२; १३, 98; 94; 95;

गच्छेह. नाया० म;

गच्छाहि भग० ४, ४, नाया०१: =; जं०प० गच्छिहिति, भग०२, १, ७, ६; १४,८, १५,

१; १७, १; श्रोव० ४०;

गच्छिहिति भग० ३, १; ७, ६; नाया० १, ।

नाया० घ०

गच्छिता; सं० कृ० नाया० २; ३:

गच्छंत. व० छ० श्रोव० २०; स्य० १,१,

१ २७; श्राया० २, १, ३; उत्त०५, १३; पंचा०१२, १८; भग० १४, ३;

गच्छमार्या. भग० ३, ३; ७, १; ७; १२,

६; २४, ६; ७; निसी० =, ११;

गच्छु. पुं॰ ( गुच्छ ) सभुधय; सभूढ समुदाय: समूह. A group; a multitude

e. g. of the followers

an Achārya স্বয়্ডনা হত; (২) ગણ; संध; साधु समुहाय, गरा, संघ;

साधु समुदाय. a collection, an

assembly of Sadhus " गच्छामि

सन्वसित्तार्गं" गच्छा० २; ७५; प्रव० ६२३;

पंचा०१=,७;-वर त्रि०(-वर) सभ्य गर्छ

-सभुदायभां श्रेष्ट. सव संघ गच्छ मे श्रेष्ट.

the best among all groups गच्छा • ११७; - वास. पुं०(-वास) साधु समुहायमां

रहेवं ते. साधु समुदाय में रहना. resid-

ing amongst Sādhus. प्रव॰ ५३१;

गच्छागचिछ श्र॰ ( गच्छागचिछ्-गच्छेन

गच्छेन भूरवा ) એક આચાર્ય ना परिवार ते

ગચ્છ અને ગચ્છ ગચ્છના સાધુઓ ભેગાથઇ

ટાળામાં ગાદવાય તે ગચ્છાગચ્છિ કહેવાય.

एक आचर्य का परिवार-शिष्य प्रशिष्य गच्छ

होता है, श्रीर कइ एक गच्छों के साधु मिल

कर मगडली रूप में हो तो गच्छाधिगच्छ

होता है. A multitude of the

followers of one Achārya or

head of an order of saints as-

sembling together with other

simılar multitudes. श्रांव॰ २१;

गजसमाल पुं॰ (गजसुक्मार) देवशीछने। ન્હાના પુત્ર; કૃષ્ણ મહારાજના ન્હાના ભાઇ

કે જેણે કુમારાવસ્થામાં નેમનાથપ્રભુ પાસે

દીક્ષા લઇ બારમી લિખ્ખુપડિમા આદરી અગ્નિના અસહ્ય પરિષદ છતી કેવલનાન મેળવ્યું, દીક્ષા લઈ એકજ દિવસમાં માેક્ષે पढ़ें। २था. देवकीजी का छोटा पुत्र; कृष्ण महाराज का छोटा भाई, जो कि कुमारावस्था में ही नेमनाथ प्रभु से दीचा लेकर, भिन्तु की वारहवीं प्रतिमा का पालन कर श्राप्ति का श्रमहा परिषद्व जीतकर केवलज्ञान को प्राप्त हुआ, दीचित होकर एक ही दिन में मोच को प्राप्त हुआ Name of the younger son of Devakī, and younger brother of Lord Krisna. He took Diksā from Lord Nemanātha in young age, practised the 12th ascetic vow, bore the intense pain caused by fire and attaining perfect knowledge became Siddha, (all this took place in one day ). ठा० ४, १;

√ गज्ज. धा॰ I ( गर्ज्) भाष्य थु; भवर्षी । धरवी गर्जना; गर्जना करना To roar, to thunder.

गज्जह्-ति नाया० १; भग० ३, २, गज्जंति राय० १८३, जीवा० ३, ४, जं० प० ४, १२१;

गजिता. सं० कृ० भग० ३, २;

गज्ज न॰ (गद्य ) गद्यशंधः हिवता है छंह दिनानुं सभाषु. गद्यवन्य, छन्द विना की रचना. Prose writing. ठा० ४,४, जीवा० ३,४,राय> १३१,

गज्जफल न॰ (गज्जफल) ગાજફલાલીન જેવું ગરમવસ્ત્ર. फलालेन; एक प्रकार का रुईदार गरम बल्ल. Warm cloth known by the name of gauze flannel. श्राया ॰ २, ५, १, १४४;

गज्जर. न॰ ( गृज्जन ) शालर गाजर. A. turnip. प्रव॰ २३६;

गिजित्तार. वि॰ (गर्जिन्) शालनार; शर्ल्या धरनार. गर्जना करने वाला. Roaring, thundering. ठा॰ ४, ४;

गिजियम्र न० (गिजित ) गर्जनाः गाल्यु ते. गर्जनाः Thundering, roaring. जीवा॰ ३, ३; सु० च० २, २४२, भग० ३, ७; नाया० १; ६; ठा० १०, १; श्रगुजो० १२७; श्रोघ० नि० ६४३; जं० प० कप्प० ३, ३३; ४४, गच्छा० ६५; प्रव० १४६६,

गज्म ति॰ (ब्राह्म) श्रुढ्णु करना थे। व्य ब्रह्ण करने के योग्य. Worthy of being taken, acceptable- विशे॰ वर्ष-

गड़ु पु॰ (गर्त ) ખાડા. खड़ा. A pit; a ditch. भग॰ ३, २, ७, ६; (२) गाऽ२. भेड. a she-goat; a ewe सु॰ च॰ ४, १४७.

गहुय. पु॰ (गर्तक) ખાડા; ખાડ खड्डा. A. pit; a ditch भग॰ ६, ३१;

ह्माड्ड्य न० ( - ) गाडु. गाडी A. cart सु० च० १२, ४=,

गड्डा. स्रं ० (गर्ता) भेाटी आर्ध वडी खाई A large ditch जं ० प० दसा० ७, १, जीवा॰ ३; निरं ० ३, ३;

\*गड़ी. स्रो॰ ( · ) गाडी. गाडी. A. cart. सु॰ च॰ १४, ६६;

गिड्डिग्न. त्रि॰ (गृद्ध ) स्थासिक्त पामेक्ष. मूर्चिन्नत, श्रासक्त. Infatuated; deeply

<sup>\*</sup> लुओ ५४ नम्भर १५ नी ५८ने। (\*). देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th.

uttached; greedy. दसा॰ ६, १; आया॰ १, १, २, १६;

छगड. पुं० ( ) ि हिस्से।; गढ. किला; गड. A castle; a fort. मु॰ च० १, ३२६; ४, ४०;

गढिय त्रि॰ (गृद्ध ) गृद्ध; आसक्त. श्रामहा. Vory greedy; wistful. भग० ७, १; पि॰ नि॰ २२६; नाया॰ २; ४; (२) अत्पंत. यहुत ज्यादद्द. too much. परह॰ १, २;

गढिय. ति० (प्राधित) शुंधेतः लाधेत. बन्धा हुमाः बद्ध. Tied; knitted स्म० १, १, ३, १४; थाया० १, ४, ६, १६४;

√ गण. धा० J. (गण्) गण्ना ४२पी. गिनती करना. To count. गणिडं. हे० छ० सु० च० ४, १६२; गणेमाण. व० छ० भग० ३५, १; गणिजह. क० वा० श्रणुजो० १३३;

पाला साधु समुदाय. nn order of ascetics observing the same rules of conduct. मम॰ ५; दगा॰ २, ६; वव० १, २६; २, २४; ६, २७; १०, ११; निसी० १६, १०; नाया० ६; श्रोघ० नि॰ ६==; पि॰ नि॰ १६३; भग० २४, ७; ( પ્ર ) ચાન્દ્રાદિ કુલનાે સમૃદ્ધ; કાેટિકાદિ ગણ; સંધના એક ભાગ. चाद्रादि बुक्त का समृद्ध; कोटिकादि गए; संघ का एक भाग. n collection of families Chândra etc.; a porliko tion or sub-division of a religious sect. श्रोव० २०; पगह० २, ३; ठा॰ ३, ४: — ग्रामिश्रोग. पुं॰ (-श्रीम-योग ) गण्-सभुहायनी व्याज्ञा. नगा-समुन दाय की ग्राज्ञा; गच्छ का प्रादेश. command of a Gana or an order of saints under one head. भग॰ ७, ६; प्रव० ६४३; —हकर पुं० ( - द्यर्थ-कर) गश-रामुहायतु आम अरनार. गरा--समुदाय का कार्य करने वाला. (one) who transacts the business of the brothers of the same order of saints. ठा॰ ४, ३; — जायग पु॰ (-नायक) गण्ना-जनसमूदना आगे वान भाश्यः, समुदाय-मनुष्य समृह का अगुत्रा. tne leader of a multitude. नाया॰ १; —त्थकर. पुं॰ ( -म्रयं-कर) जुओ " गणहकर ''शण्ह देखो " गणहकर "शब्द. Vide "गणहकर" वव॰ १०, ४; ४; ६; ६; —धम्म पुं॰ (-ઘર્મ) મહાવીર સ્વામિએ સ્થાપેલ સાધ્વાદિ સમુદાય રૂપ ગણનાે ધમ'–શ્રુત ચારિત્ર્ય રૂપ

<sup>\*</sup> जुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरते। ८ (१-) देखा पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (४). Vide foot-note (\*) p. 15th.

ગણતીય ના ધમ –અહ્યવન મહાવતાદિ રૂપ. गगा-गच्छ का घर्म-श्राचार; महावीर स्वामी द्वारा स्थापित साध्वादि समुदाय रुप गणका धर्म-श्रत चारित्र रूप, गगा-तीर्थ का धर्म-श्रुगुत्रत महावतादि रूप. the religious principles of an order of saints e. g. that established by Mahāvīrasvāmī; religious principles of a sect, e. g minior vows, great vows etc. १०, जं॰ प० २, ३५; —नायगः पुः ( -नायक ) প্রুঞ। '' गण्यायग '' शদ্হ. देखो " गण्णायग " शब्द vide " ग इ-गायग '' श्रगुजी० १२८; श्रीव० नाया० १; राय॰ २४३; --पडिखीयः ति॰ ( -प्रत्यनीक ) गण्ने। शत्रु, गण् का शत्रु an enemy of an order of saints भग०१, ३२; -- मार्गा. न० (-मान) गण्नुं भात प्रभाश. गण का मान, गच्छ का प्रमाण. the limit of an order of ascetics. प्रव॰ ६३३; --राय. पुं॰ ( -राज-समुत्पन्ने प्रयोजने ये गएं कुर्वन्ति ते)सभूद्धी। राज्य;धर्थ वभते सर्वेने ओड्डा डरी शहे ते सामन्त समृह का कार्य पद्देन पर सबको इकट्टा कर सके ऐसा; सामन्त वगैरह. a sovereign king having feudatory princes under him भग॰ ७, ८, —विउस्सग्ग पुं॰ (ब्युस्सर्ग) गर्भ गन्छता परित्याग गच्छ का परित्याग. desertion, abandonment of an order of saints भग. २४, ७; --वेयावज्ञ पु॰ (-वेयावृत्य) गण्नी सेवा, पैयावृत्यना नवभा भेंद्र गण की सेवा, वैयावृत्य का ने वां भेट ninth variety of serviceableness, viz service to an order of monks. १०, द १०: सग० २४, ७:

—संगाहकर. पुं॰ (-संग्रहकर ) समुधय-તા આહાર અને જ્ઞાન વગેરેથી સગ્રહ કરનાર. माहार श्रीर ज्ञान श्रादि का संग्रह-संचय करने वाला. one who preserves or extends the circle of his sect by food, knowledge etc. वव॰ १०; ४; ४, ६; ७, —संगाहण पुं॰ ( –संग्रह्रण् ) સાધુ સમુદાય એકડેા કરવા ते. साधु समुदाय को एकत्रित करना. a multitude of assembling Sadhus or saints. गणि॰ —संपया स्रो॰ ( -सम्पत् ) गर्श-ग<sup>2</sup>०-सभुद्दायनी स पद्दा. गच्छ-समुदाय सम्पत्ति. the power or authority ascetics order ofลบ regarded as wealth. प्रव॰ ४४३; **—सामायारी.** स्री॰ (-समाचारी) साधुता सभुदायनी सभावारी. साधुत्रों के समुदाय की समाचारी education of an order of monks in austerities etc दसा॰ ४,७०, —सोभाकर त्रि० (-शोभाकर) समुहायने शालावनारः समुदाय को मुशोभित करने वाला; गच्छ की शोभा वढाने वाला. one who is an ornament or a jewel of an order of saints वन॰ १०, ८, ६, —सोहिकर त्रि० ( -शोधि-कर ) ગણની શુદ્ધિ કરન ર, ગચ્છની સભાળ क्षेतार गण की शुद्धि करने वाला, गच्छ की देखरेख करने वाला. one who bestows care on an order of saints, one who refines an order of saints ववः १०, ४, ५, ६; ७

गण्म पुं॰ (गण्क) गण्डः, लथे।तिष् शान्त्र ज्ञाल्पार, लथे।तिथी. गण्क, ज्योतिषी; गण्जिन विद्या को जाननेवाला. An ustrologer. स्रोव॰ नाया॰ १: कप्प॰ ४, ६२. गगाग न॰ (गगान) गण्युं; गण्त्री करनी गिनती करना; गिनना. Calculation; reckoning विशे ६४ :;

गण्णाः स्त्री॰ (गणना ) गशतरी, એક દસ, મા ઇત્યાદિ ક્રમથીગહવા. गणना-गिनती; एक, दस, सौ आदि कमसे गिनना. Calculation; counting. श्रगुजी॰ १४६; — ऋइरित्तः त्रि॰ ( - श्रांतरिक्त ) गणना-सं भ्याथी जुहा. संख्या से म्रातिरिक्त: गिनती से वाहिर. beyond calculation; different from calculated amount. निसी ० १६,२५ -- ऋगात अ.पं ०(- श्रनन्तक) ગણવાની અપેક્ષાએ અનંત: સંખ્યા આશ્રી अनंत गणना की अपेचासे अनन्तः संख्या के निहाज से अनन्त. incalculable:countless; beyond calculation. তা॰ u, ३; -- अरुपुप्रवी स्री॰ ( - अनुपूर्वी ) सं भ्या विषय अनुपूर्वी; अनु क्षम. संख्या विषयक अनुपूर्वी-अनुक्रम. serial order; order of numerical calculation. श्रग्रजी० ७१;

गणहर. पुं॰ (गणघर) गण्धर; तीर्थं कर ना मुख्य शुण्य शिष्य. गणनर; तीर्थं कर ना मुख्य शिष्य. The principal disciple of Tirthankara; the Ganadhara. जं॰ प॰ २, ३३; नाया॰ ६; वेय॰ ४, १५; भग॰ ४२, १; विरो॰ ४४०; भत्त॰ १०४; (२) आयार्थनी आज्ञाञ्चार साधु समुदाय को लेकर महोमण्डल पर विचरने वाला समर्थ साधु. the able ascetic who wanders over the world along with other ascetics by the order of the head preceptor. आया॰ २, १, १०, ४६, पत्र॰ १६; सम॰

द; गत्त० २७; १; नंदी० स्य० २१; — पमाण न० ( -प्रमाण ) श्लुधर-तीर्थं ३२ना भुण्य शिष्येतं प्रभाल. गणवर-तीर्थं करों के मुख्य शिष्यों का प्रमाण. the authority of the chief disciples of Tirthankara, known as Ganadharas. प्रव० ३३२;

गणावच्छेश्रय. पुं॰ (गणावच्छेदक) भीला साधुओने साथे राभी के महीमए असां वियरे ते. दूसरे साधुश्रों को साथ लेकर पृथ्वी मण्डल में विहार करने वाला. One who wanders over the world along with other ascetics. कप्प॰ ६, ४६;

गणावच्छेइणी स्त्री॰ ( -गणावच्छेदिनी )
गन्छनी साध्वीओनी सारसंभाण करनार
साध्वी गण की साध्वीओं की देखरेख करन
वाली साध्वी. A female ascetic
who provides necessary things
to the nuns of the same order.
वव॰ ५, ३;

गणाव च छे इयः पुं॰ ( गणाव च छे दकः) गण्ना साधु थोनी सारसं सास अरनार. गण के साधु श्रो की देखरेख करने वाला. One who provides necessary things to the monks belonging to the same order आया॰ २, १, १०, ५६; वन॰ १, २६; २७; २८; २६; २, ७; ३, १५; वेय० ४, १५;

गणावच्छेदयत्तः न॰ ( गणावच्छेदकत्व )
गणावच्छेदश्यस्यः गणावच्छेदकताः गण संचालकत्व. State of being a provider of necessary things to an order of saints वव॰ ३, १५; वेय॰ ४, १६;

गणावच्छेदयत्ताः स्री॰ (गणावच्छेदकता)

প্রতী। " गणावच्छेइयत्त " शण्ध देखो " गणावच्छेइयत्त " शब्द. Vide " गणा-वच्छेइयत्त " वव० ३, ७;

गणायच्छेदः पुं॰ (गणायच्छेदक) साधु
सभुदायनी वस्त्र पात्रादि व्याद्धारथी सार
संभाण धरनार साधु. साधु समुदाय की
वल्न, पात्र प्रादि द्वारा सार संभाल देखरेख
करने वाला साधु A Sādhu who provides the monks of an order of
saints with food, clothes,
vessels etc. पन्न॰ १६;

गाि पु॰ (गािग्-गाः साधुसमुदायोऽस्ति-यस्य ) आयार्थ; सूरि; गन्छना उपरी श्राचार्य, सरि: गच्छाधिपति. The head of an order of saints: an Achārya अगुजो० ४२; ठा० ४, ३; श्राया० २, १, १०, ४६; सम॰ १; दस० ६, १; ६, १४; पि॰ नि॰ ३१४; निसी॰ १४, ४; पन्न० १६; उवा० २, ११६; भत्त० २३; कप्प० ६; पंचा० १२, ४७; प्रव० १६८; ११७; गच्छा० २०; ११२; --श्रा-गमसंपन्न. न॰ (-न्नागमसंपन्न) गिश्-આચાર્યના શાસ્ત્રોમા કુશલ. ગોણ શ્રાचાર્ય के शास्त्रों में कुशल. proficient in the Sūtras dealing with numerical calculations. दस॰ ६, १; —पिड्रग न॰(-पिटक-गणे। गच्छोऽस्ति यस्य स गणी तस्य पिटकम् ) लिन प्रवयन लैन तत्वाना ખજાતો; આચાર્યની પેટી કે જેની અન્દર શાસ્ત્રીય તત્વા ભરવામાં આવ્યા હાય તે-व्यायारांगाहि सूत्र जिन प्रवचन; जैन तत्वों का खजाना; श्राचार्णे की पेटी-तिजोरी, जिसमें शास्त्रीय तत्व भरे हुए हों, श्राचाराङ्गादि श्रगस्त्र the treasury of Jama canonical scriptures; literally, the box of an Acharya filled with scriptures. मग॰ १६, ६; २०, =; ४२, १; सम० ५७; संत्या० = १; श्रोघ० नि० ७६०; — पिडय. न० (-पि-टक ) लुओ " गोण-पिडग " शफ्ट. देखा ''गग्गि--पिडम '' राब्द. गणि-पिदग "भग० २४, ३; -पिढंग न॰ (-पिटक) लुःशे। ' गणि-पिडग ' शण्ट. देखो 'गणि-पिडग ' शब्द. vide 'गणि पिडग 'श्रोव० १६; --भाव. पु० ( -भाव ) आयार्य पछं; গজি--आयार्य ने। साथ. श्राचार्यस्व, श्राचार्यपना. status of an Achārya; Achāryahood. उत्त॰ २७, १; -- वसभ. पुं॰ ( - ऋपभ ) ગશ- આચાર્યામાં બ્રેષ્ઠ. श्राचार्यो-सुरिया में the chief among the स्त्री॰ ( -संपद् ) આચાર્યની ६४ स ५६।. श्राचार्य की ६४ सम्पदाएं the 64 acquisitions of an Achārya. भत्त॰ २३; दसा० ४, १०६,

गिरित्रा. त्रि॰ (गणक) शिश्तिवेत्ताः; क्योतिपी.
गिरित्तवेत्ताः; ज्योतिषी. A mathematician. त्र्रगुजो॰ १४६; जं॰ प॰ २, १६;
गिरिग्तिः स्त्रा॰ (गिर्मिनी) शिश्मां विद्यासाध्यी, प्रवर्तिका साध्यी The principal female ascetic of the order.
गच्छा॰ ११६;

गिणतः न॰ (गिणत—गध्यते इति) शिश्तिः था।
गिणतकताः A numerical script.
नाया॰ १; (२) अ ४ थि। श्रद्धातिषिः
a particular kind of script. पन्न॰
१. — प्पहाणः त्रि॰ ( - प्रधान ) शिश्ति छे
भेधान केमा ते गिणत प्रधान an art in
which mathematics occupies a
prominent part नायाः १;

गिराता. स्त्री॰ (गिराता) गिर्धिपछुं; गर्धान्यार्थनी पद्यी. गिर्धिपदः; गर्धाचार्यकी पदवा. Headship of an order of saints. ठा॰ ३, ३; वव॰ ३, ७;

गारिम. त्रि॰ ( गएप ) अिथुभ; એક भे त्रखु पगेरे संभ्या थी अधाय ते एक, दो, तीन श्रादि संख्या से जो गिना जासके. Capable of numerical calculation; capable of countable. श्रागुजो॰ १३२; नाया॰ ६; ६; १५; विवा॰ २;

गिराय. न॰ ( गिरात ) गिरात ५७॥; हिसाय-नी ३/॥. गणित कला; हिसाब की कला Art of mathematics: numerical calculation. श्रोव॰ ४०: श्रगाजी॰ १४६; तंदु० भग० ६, ७; नाया० १; ८; परहर १, ४; ज०प० श्रोघर्शनर भार ४; (२) गणेवुं; संभ्या धरेवुं. गिना हुन्ना. counted वेय० ४, २=; निसी० ६, २०; प्रव॰ १२३३; --- प्पद्वाण त्रि॰ (-प्रधान) केभां गिल्तिश्वा भुभ्य छे ते. गिरातप्रधानः जिसमें गणित कला मुख्य है वह; ज्योति:-शास्त्रका एक श्रंग that in which mathematics is the prominent factor; a division of astrology. कप्प॰ ७, २१; —िलिपि. स्त्री॰ (-िलिपि) ગિહ્તિલિપિ; ૧૮ લિપિમાંની એક. गागित लिपि, १ न लिपियों में से एक लिपि one of the 18 scripts; the script of numbers. सम् १८:

गिरिया-म्राः स्त्री॰ ( गिरिका ) २। शिक्षाः वेश्याः वेश्याः वाजार की म्राँरतः A harlot; a public woman. भग॰ ११, १९; नाया॰ १; ३; ५; १६; विशे॰

हरः श्रंतः १, १; निरः ४, १; कणः ४, १०१; विवाः २, श्रगुजोः ६६; — सहस्सः नः ( –सहस्र ) ६००२ वेश्याश्रीः हवार वेश्याएं. a thousand harlots. विवाः २:

गिणिविज्ञा स्त्री॰ (गिणिविचा) २५ अत्थान सिंध स्त्रभानं पीसमं स्त्र २६ उत्झालिक स्त्रों में से वासवां स्त्र. The 20th of the 29 Utkālikā Sutras. नंदी॰ ४३:

गणेत्तिया. स्त्री॰ ( \* ) ढायने। भेरभे।; सन्यासीनां ढायनुं आक्षरण् संन्यासी के हाय का एक श्राभरण. A rosary for the hand; an ornament in the case of an ascetic. श्रोव॰ ३६; भग॰ २, १; नाया॰ १६;

गत त्रि॰ (गत ) गथेल. गया हुन्ना; पहुंचा हुन्ना. Gone. (२) प्राप्त थय्येल. प्राप्त. obtained; acquired. नाया॰ १;

गति स्नी॰ (गति) नर्ड व्याहि गतिमा लवुं ते नर्क प्रादि गतियों में नाना. Passing from one state of existence into the state of hell etc. ठा० १, १; (२) नर्ड व्याहि व्यार गतियां. the four states of existence viz. hell etc उत्त०४,१२; (३) गमन; व्याल. the act of going. भग० ३, १; २५, ३; ६; ६; ५; पन० १३; स्० प० १०; — नामनिहत्ताउ-य. त्रि॰ पुं० (-नामनिष्यतायुष्) गतिने व्यनुसारे नामडभीना पुदलनी साथे आयुष्धभीना लध. गति के प्रनुसार नाम कर्म के पुदलों के साथ प्रायुष्

<sup>\*</sup> लुओ पृष्ट नम्भर १५ नी पुरने। (\*). देखो पृष्ट नंबर १४ की फूटनोट (\*) Vide foot-note (\*) p. 15th.

कमें का बन्ध Kārmic bondage for the period of the life of Nāmakarma atoms, according to the condition of existence in which a soul is भग० ६, इ; पन्न० ६, —रागतिः स्रो॰ ( - प्रागति ) शति અને આગતિ, એક ગતિમાથી બીજી ગતિમાં જવું અને ખીજી ગતિમાથી આ ગતિમા आववं ते. गति श्रीर श्रागति-गमनागमनः एक गीतमें से दूसरी गतिमें जाना श्रीर दूसरी गतिमें से इस गतिमें श्राना coming and going back from one state of life into another. भग॰ १२,९:२१, १, २४, १, — लक्खण न॰ ( -लच्चण ) ગનિરूપ ધર્માસ્તિકાવનુ લક્ષણ. गति रूप धर्मास्तिकाय का लज्जा. the nature of Dharmāstikāya in the form of motion भग॰ १३, ४; —विसय पुं॰ (-विषय) गतिने। विषय-अवानी शिक्त गति का विषय: चलने की शिक्त the object of motion; the power of movement भग॰ २०, ६, गत्त न० (गात्र ) शरीरः शरीर; शरीर कं श्रंग Body, a bodily limb. श्रोव॰ २२; भग० ३, २; ६, ३३; १६, १; १६, ३; नाया० १, २; ६, सु० च०२, ७७: १३, २४ पन्न० २, कप्प० ४, ६२,

गत्त पुं० (गर्त ) भाडे। खडुा. A. pit; a ditch भग० १४, १, जांबा० ३, ३; नाया० १.

गत्तग. न० (गात्रक ) पतंगाहिनी धसुं अने **ઉ**पत्रां. पनंगादि के ईस व अन्य आधार रूप साधन. The logs of wood making up a bed stead etc राय० १६१.

गत्ता. स्री॰ (गर्ता-) म्होटी पार्ध. वडी-गहरी खाई A large ditch जं प

Vol 11/76

गहतोय. पु॰ ( गर्दतोग ) पायभां देवसे। इती નીચે કૃષ્ણરાજી વિમાનમાં રહેતા લાકાન્તિક દેવતાની નવ જાતિ પૈષ્ટી એક જાત. પાંચવે देवलोक के नीचे क्रष्णराजि विमान में रहने वाल लोकान्तिक देवें। की नी जातियों में मे एक जाति. One of the nine classes of Lokantika gods residing in Krişnarāji heavenly abode under the fifth Devaloka. " गद्दतीय तुसियाणं देवाण सत्त देवा सप्त देवसहस्सापणत्ता '' ठा० ७, प्रव० १४६२, सम० ७७: ठा० ६; भग० ६, ५, नाया० ८,

गहभ पुं॰ (गर्दभ) गर्देशे. गर्दभ; गधा. An ass; a donkey. पन ॰ १. स्य ॰ १, ३, ४, ४, २, २, ४४, दसा० ६, १२; गहभालि. पु॰ (गर्दभालि ) गर्द लासि नाम-ના સાધુ: સંજિત રાજાતે સમજાવનાર: स जित्ता गुरु इस नाम का एक साधु. संयति राजा को सममाने वाला, नयति राजा का गुरू An ascetic named Gardabhāli who enlightened king Sanjati उत्त. १८, (२) भंधः सन्यासिना शु३ खंबक मंन्यासी का गुरू the preceptor of Khandhak a Sanyāsī भग॰ २, १;

गद्दह. पु॰ (गर्दभ) जुले। "गद्दभ" शण्ट देखो ' गहभ " शब्द. Vide " गहभ " सम० ३०, पि० नि० ४४६:

गना. स्री॰ (गएया) संज्या; गल्ना. संज्या; गणना, गिनती Calculation: reckoning. सु॰ च॰ १४, १०३;

गदभ. વું ( गर्भ ) ગર્ભાશય; ગર્ભ ने રહેવાનું २थान. गर्भ; गर्भाशय; गर्भ के रहने का स्थान: जहां शुक्र शोगित मिलकर रहते हैं वह स्थान The womb श्रोव॰ ४०: ४३:

निर॰ १, १; दसा॰ ६, १; नंदी॰ ३७; नाया०१;२; १३; १४; भग० १, ७; ५. ४;२; ११, ११; १२, ४; २०, २; पिं० नि० ३६२; पञ्च०१७; सूय० १,१, १, २२; १४४; श्राया० १,४,३; प्रव०२=०;क०प०४ १६; कप्प०१,१; ( ર ) રેશમના કીડાએ પાતાની લાલમાંથી **७८५% धरेल रेशभते। हाहाटा, रेशम के कीट** ने अपनी लार में से उत्पन्न किया हुआ रेशम का कीया, silk thread produced by a silkworm. त्रएजी॰ ३७: (३) મધ્ય; વચલાે ભાગ मध्य; बीच का हिस्सा. middle part; interior. राय० ५७: श्रोघ० नि० ६६७: -- श्रजीगा. स्त्री॰ (~श्रयोग्या) शर्लधारख કरवाने अथाश्य श्वी: वंध्या. गर्भ धारण करने के अयाय स्ती: बांका. a barren woman, प्रव०५७: —ग्राधागाः न॰ ( -ग्राधान ) शर्भाधान संरक्षर. गर्भाधान संस्कार. the ceremony relating to pregnancy. भग०११,११; — स्राहासा. न० (-श्राधान) गर्लाधान; गर्लनुं रहेवुं ते गर्भ का रहना; गर्भाधान. pregnancy. विशे॰ २३०; — उच्मव ति० ( - उद्भव ) गर्भ थंडी ઉત્પન્ન થયેલ; ગર્ભજ-તિર્યંચ અને મનુષ્ય गर्भ से उत्पन्न; तिर्यंच श्रीर मनुष्य. fetusborn; i. e men and animals. विशे॰ ४२३; -करा. स्री॰ (-करी) लेना પ્રભાવે ગર્ભ ઉત્પન્ન થાય તેવી વિદ્યા; ૪٠ विद्याभांनी ओक जिसके प्रभाव से गर्भ रहे वह विद्या; ४० विद्यार्था में से एक विद्या. १ science dealing with cure of sterility; one of the 40 sciences. स्य॰२,२, २७; —गत. त्रि॰ ( -गत ) गल गत-गभ भा रहें सुं गर्भगत, गर्भ में स्थित. embryonic, in embryo. विवा॰ १; भग॰ १, ७; —घर.

न॰ (-गृह ) सीधी वस्त्रेनी शिरडी, अन्दर-ने। दे। स. गर्भगृहः सत्र के बीच का कमगः; अन्दर का कोठा. inner room; central hall. श्रक्तजो० १४=; (२) लायरा विगेरे. तहखानाः जमीन के श्रन्दर बनाया हुश्रा घर. a cave; an interior cavity. জীবা॰ ३, ३; नाया॰ ५; —घरग. न॰ (-गृहक) अंदरने। भारते। भातरका घर. a toilette chamber. राय॰ १३६; नाया॰ ५; —घरयः न॰ ( -गृहक ) लुओ। ७५के। शण्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. नाया॰ ८; — हम. त्रि॰ ( -श्रष्टम-गर्भाद-ष्टमोवर्षःगर्माष्टमम् ) गर्भा थी आर्भी वर्षः गर्भ से प्राठवां वर्ष. the 8th year from conception. नाया॰ १; —हिइः स्त्री॰ (-स्थिति ) गर्भानी स्थिति गर्भ वी स्थिति. condition of embryo. प्रव॰ ५५; १३७३; —हिय. त्रि॰ ( -स्थित ) गर्भ मां २६ेक्ष. गर्भगतः गर्भ मे रहा हुआ. remaining in the womb. প্ৰতথম; —त्य. त्रि॰ (-स्घ) ગભ<sup>°</sup>મા રહેલું લાે-લા. गर्भ में रहा हुआ. embryonic; in the interior; in embryo. राय॰ २=७; नाया० १: कप्प० ४: ६४: -वसहि म्री० ( –वसित ) ગર્ભ રુપે નિવાસ; ગર્ભાશયમાં रहेवुं ते. गर्भ मे रहना remaining in the womb. ठा॰ ३, ३; गच्छा॰ ६५; —वास. पुं॰ (-वास) गर्लाशयमां निवास; भाताना गर्लभां २ हेवं ते. गर्भ में निवास करना; माता के उदर में रहना staying. residence in the womb of one's mother. स्य०२,२,८१: पञ्च० २; नाया० १; प्रव॰ १३७५; — बुकंति स्त्री॰ (न्युः स्क्रांन्ति ) ગર્भ<sup>°</sup>માં ઉત્પत्ति; ગર્ભાશયમા आवर्तुं ते गर्भ में श्राना. birth in the womb. ठा॰ २, ३; दसा॰ ६, १:

--- वकंतिय. त्रि॰ (-ब्युक्तन्तिक) गर्भ o--ગર્ભાશયમાંથી જન્મ પામનાર, મા બાપના शुक्ष शाशितथी ७८५२ थतुं गर्माशय द्वारा उत्पन्न होने वाल; माता पिता के शुक्र शोशित से उत्पन्न होने वाला. born from a womb: fetus-born. अण्जी॰ १३४; उत्त॰ १, १६; जीवा॰ १; भग॰ ४, ६; ६, १; ६; सम०१; —संभूइ स्त्री० (-सम्भूति) गल नी धित्पत्ति गर्भ की उत्पत्ति. production of the embryo प्रव॰ ५६; १३७७, —साडन. न० (-शातन) गर्भ नुं साउनुं – गर्भ पाउवा विगेरे. गर्भ का नाश करना, गर्भ का छाटना. causing abortion etc विवा॰ १; —हरणा. न॰ (-हरण) गर्भ नुं ६२वुं ते; ओक हैकार्श्यी णीले हेडा एवं ने अध अवुं ते गर्भ का हरण करना, एक स्थान से दूसरे स्थान पर तेजाना. stealing or transferring embryo from one womb to another प्रव॰ ८६२; —गब्भन्ताः स्री॰ ( - गर्भता ) গর্ભ ৭ খু . गर्भत्व, गर्भपन embryonic condition विद्या १: नाया॰ ५; कप्प० १, २,

गच्भमुदेश. पुं॰ (गर्भोदेशक) अत्रापना सूत्रना भें ५ ६ ६ शानु नाभ प्रज्ञापना सूत्र के एक उद्देशा का नाम Name of a chapter of Prajñāpanā Sūtra. भग॰ १६,२; गच्भिन्ना-या स्त्री॰ (गर्भिता) गर्भवती स्त्री. A pregnant woman दस॰ ७, ३५; नाया॰ ७;

गिंक्सिणी स्त्री॰ (गिंभिणी) गर्भवती स्त्री. गिंभिणी, गर्भवती स्त्री. A pregnant woman. वि॰ नि॰ ४१०;

गिटिभय. त्रि॰ (गार्भित) गर्भित; वश्ये पेक्ष सदित. गर्भ वाला, भीतर पोल वाला Hollow. प्रव० ७६; (२) अ ६२ गर्भ- वाक्ष . भीतर गर्भ वाला. hollow in the middle. पंचा॰ ३,२१,

गभीर. पुं॰ ( गभीर ) अतगड सत्रना पहेला वग्रीता ४ था अध्ययननु नाम. श्रंतगड सूत्र के पहिले वर्ग के चौथे श्रध्ययन का नाम. Name of the fourth chapter of the first section of Antagada Sūtra. (ર) અન્ધકવૃષ્ણિ રાજાના પુત્ર ચાયા દશાર કે જે નેમનાથ પ્રભ પાસે દીક્ષા લઇ ળાર વરસ પ્રવજ્યા પાળી શતુંજય ઉપર એક માસના સથારા કરી भेक्षे गया. श्रन्धकदृष्णि राजा का चौथा पुत्र-दशाई, कि जो रेभिनाथ प्रभु से दीचा लेकर बारह वर्ष तक प्रवध्या पाल शत्रज्ञय पर्वत पर एक मास का श्रनशन कर मोच्न को प्राप्त हुआ. the son of king Andhaka Vrisnī, the fourth Dāśrha, who took Diksā from Lord Nemanātha, practised asceticism for twelve years, performed Santhārā ( gave up food and drink ) for one month on Satruñjaya and became Siddha. श्रंत॰ १, ४; ( ३ ) ઉंडुं. गहरा. deep. राय॰ ३७; (४) भ्डें।टुं. वडा. big; large प्रव॰ ४५६; —घोस. त्रि॰ ( - घोष ) भे। । अयाजयातुं वडी श्रवाज वाला. deep sounding. प्रव॰ ४५६; √गम. धा॰ I. ( गम्ल ) જવું; गति કर4ी. जाना, गति करना. To go; to move. गमइ. श्राया० २, १, १, ४; गमिस्छद्य पि० नि > ३ १०: गमिस्संति. भ० भग० ३, १; गमिस्सामि. भ० नाया० १, गमिस्सामी. भ० श्राव० ३८, गमेजण सं० कृ० सु० च० २, ३५;

गिमित्तए. हे० छ० दसा० ७, १; उत्त० १०, ३४; श्रोव० ३८; सम० ३, ४; ७, ७; १६, ५; नाया०८; ६; १४; १६; गममाया. व० छ० भग०८, ७;

गमः पुं॰ ( गम ) આલા ષક–સૂત્રતા આલાવા; એક વિષયનું પ્રતિપાદન કરનાર વાક્ય સમૂહ; न्धानुं अधरेश् श्रालाप-छोटा प्रकरणः एक ही विषय को प्रतिपादन करने वाले वाक्यों का समूह; सूत्र पाठ. A supplementary chapter. नंदी॰ ४४४; विशे॰ ४४८; जं० प० नाया० १; पि० नि० ४२१, भग० ३, १०; ६, ६; १६, ३; २४, १; (२) ध्यत, वर्शन; कथन, वर्णन. narration पञ्च० १५; (३) જવું; ચાલવું. जाना; चलना; moving; going. पञ्च॰ २; (४) प्रधार; लेह. प्रकार; भेद. varieties. श्रोघ० नि० २५; विशे० १४६२; (१) અર્થ પરિચ્છેદ, અર્થાની જીદી જીદી ભંગી; श्चर्य का परिच्छेद; श्चर्य के श्रलग २ भाग. the distinctions of meaning. सम० प० १६६;

गम-य. पुं॰ ( गमक- गमयतीति ) आक्षावी;
सरफा पार्टनी वाड्य समूछ. एकार्थ वाचक
वाक्यों का समूह, सूत्र पाठः Text in a
uniform style of composition.
राय॰ २३६; नाया॰ १३; भग॰ १२, ४;
१३, १; २४, १२, १७; ३२, १; नाया॰ घ॰
३; (२) वर्षु न; अधिश्वार वर्णन, आधिकार.
description. निसी॰ १, ४१; ६, १२;
पञ॰ ४, नाया॰ घ॰ ६; ( ४ ) गमनशील.
गमन शील having the nature of
going. भग॰ २४, ३, ४, २६, १;

गमग पुं॰ (गमक) लुओ। '' गमग्र '' शफ्द देखों ''गमग्र '' शब्द Vide ''गमग्र ''भग॰ २४, १,

गमगत्त. न० ( गमकत्व. ) જણાવવાપાયું.

सूचना करने का भाव; जाहिर करने का भाव. State of being a proper subject for information. विशे॰ ३१४; गमणा न॰ (गमन) थां बंदुं; ज्युं; गति ५२थी. गमन; जाना; गति करना. Motion; going; movement, भग॰ २, १; ४, ४; ६, ३३; १२, १; १३; ४; २५. ७, श्रोव॰ २१; उत्त॰ २६, ६; श्राया॰ १,७, ५, २१४; सम० प० १६५; नाया० १; १४; १६; १७; पि॰ नि॰ ८३; १६०; २०६; सु० च० ३, २३३; विशे० २४६२; वेय० १, ३६; ४५; राय० ४४; पंचा० १, १६; ४३; भत्तः 🗝 ; प्रवः १५६६; कष्पः ३, ४३; उवा० २, ५६; — श्रागमण. न० ( -श्रा-गमन ) જવું આવવું. जाना श्राना. pass ing and repassing; coming and going. प्रव० १३४; श्राव० ४, ३; भग० २, ४; नाया० १६; निसी० ११, २०; दस० प्र. १, ८६; —गुण. पुं० ( -गुण-गमनं गतिः तद्गुरा.) ગતિरूप ગુણ ધર્મારિત–કાયનુ **क्ष्या.** गतिरूप गुण; धमास्तिकाय का लच्चण. the characteristic mark of Dharmāstikāyā, viz. motion. भग॰ २, १०; -मगां त्रि० (-मनस्) જवानी ৮-ভাবাণু, जाने की इच्छा वाला desirous of going. सु॰ च॰ २, १८२;

गमण्या. स्रो॰ (गमन) श्रति; शभन. गति; गमन. State of being in motion; state of being going. "गमणे लोगंत गमण्याए" ठा० ४; नाया॰ १;

गमिशिज. त्रि॰ (गमनीय) गभतुं; ३२तुं॰ श्रम्ज लगता हुश्रा, मन को रुचता हुश्रा.
Pleasant; charming श्रोन॰ ३२; जं॰ प॰ ३, ६७, (२) ७८८ ध्वा-पार पाभवा थे। थ. उत्तं वने योग्य, पार पाने लायक worth transgressing. निसी॰ १६,

१७; (३) न्यज्या ये। २४; प्रधाशवा ये। २४. जानने योग्य; प्रकाश करने लायक. worth knowing; capable of thowing light upon. भग० १, ३;

गमणी. स्री॰ (गमनी) એક જાતની (ઉડवानी) विद्या; विद्याधरानी विद्या. एक प्रकार की श्राकाश में गमन करने की विद्या; विद्याधरा की विद्या. A science of flight; (this is possessed by Vidyādharas). नाया॰ १६;

गिमश्र-यः न॰ (गिमक) केमां ओड सरभा ध्या पाढ देव ते पारमु दृष्टिवाद नामे अंगसूत्र. जिसमें एक समान बहुत से पाठ हों वह बारहवा द्यांच्याद नामक श्रगसूत्र. Name of the 12th Anga Sutra named Dristivada having many chapters of the same nature. नंदी॰ ४३; विशें॰ ५४६; क॰ ग॰ १, ६,

गम्म ति० (गम्य) भेगवी शहाय तेवुं,
पहींची शहाय तेवुं, प्राप्त हो सके ऐसा;
That which can be acquired;
that which can be reached.
पएह० २, २; पंचा० ४, १७; (२) शमन
हरवा थाण्य गमन करने योग्य. worth
going to. भत्त० ११३;

गय-श्र. ति० ( गत ) गथेक्ष, अहस्य थयेक्ष.

गया हुआ, श्रदस्य जो है वह. Gone;

passed out of sight भग० २, १,
३, १; ४, ४; ७, ६; ६. ३३; ११, १०;
१४, १; नाया० १; ६; ७; १३; १६;

नाया० घ० दस० ६, २, २४; उवा० १,
११; भत्त० ३८; क० प० ६, २४; कप्प०
२, २७, (२) प्राप्त थयेत. प्राप्त किया हुआ.

got; obtained. भग० ३, १; १८; श्रगुजो०

१६; राय० २३; विवा० ३; उत्त० १, २१; (३) गितः थास. गित, चाल. gait; motion. श्रोव० जं० प० ४, ११४; ७, ११३; ३, ५६; (४) रहेश रहा हुश्रा. 10-maining; stayed. श्रोव०१०; विरो०३६; — तएह. ति० ( -तृष्ण ) तृष्णा विनानं. तृष्णाराहत. free from greed प्रव०४०३; — तेया ति० (-तेजस्) ते० हीनः ते० विनानं. तेजहीनः तेजरहित. lack-lustre; having no lustre; dull. भग० १४, १: — दस्सण. ति० ( दशन ) जेना हांत पडी गा। है।य ते; हांत यगरना. जिसके दात गिर पडे हों वह; दांतरहित. ( one ) without teeth. गच्छा० ६२;

गय. पुं॰ (गज) हाथी. हाथी. An elephant श्रग्जो॰ २१; १३१; ठ० ४, ३: दसा॰ १०, १; दस० ४, १, १२; ६, २, ४; सु॰ च॰ २, ६४१, काप॰ १, ४, पंचा॰ १२, २४: पिं० नि० ७६: = ३: राय० ५०, जीवा० ३, ३; पञ्च० १; नाया० १; ४; ⊏, १६, भग० ૧૬, ૬; હ, દ; દ, ૨૩; (૨) ગુર્સ્છા. गुच्छा. a cluster. पत्त १, (३) अत ગડસૂત્રના ત્રીજ્ત વર્ગના અદમા અધ્યયનન नाभ श्रंनगटस्त्र के तीयरे वर्ग के श्राटवें अध्याय का नाम. name of the Sth chapter of the third section of Antagada Sūtra. (૪) વસુદેવ રાજાની દેવષ્ટી રાણીના રેતાથી ન્હાના પુત્ર–કૃષ્ણ મહા-રાજના ન્દાના ભાઇ કે જે તેમતાથ પ્રભુષામે દીક્ષા લઇ તુરતજ બિખ્ખુની ળારમી પહેમા આદરી સમયાન ભૂમિમા કાઉસગ્ય કરી ઉભા રહ્યા ત્યા સામલ વ્યામ્ડણે અગ્તિના પરિષદ આપ્રા તે સમભાવે સદ્દન કરતાં તરતજ કુવળતાન પાસી માહમાં ગયા 🗀 કુવ રાજા वी देशकी रानी के सब से छोटे पत्र कृत्ल

महाराज के लघु आता कि जो नेमनाथ प्रभु से दीचा लेकर तुरन्तही भिष्ख की बारहवीं पडिमा का श्रंगिकार कर रमशान भूमि में काउ-सग्ग कर, खड़े रहे. वहां सोमल ब्राह्मणने श्रमि का परिषद्व दिया उसे समभाव से सहन करते हुए तुरन्तही केवल ज्ञान को प्राप्त कर मोत्तगति को पहुंच गये. the youngest son of Devakī, the queen of king Vāsudeva and the younger brother of Lord Krispa. He took Diksā from Lord Nemanatha and immediately becoming a monk practised the 12th vow of a monk in a standing posture with meditation on the soul in a ceme. tery. A Brahmana. named Somala -burnt his body but he bore the pain calmly. Immediately he got perfect knowledge and salvation. श्रंत॰ ३, ६; परह० १, ४; नाया० (૪) સાતમાં દેવલાકના ઇદ્રનું ચિન્હ-निशानी. सातवें देवलोक के इन्द्र का चिन्ह-निशान the badge of the Indra of the 7th Devaloka. श्रोव॰ ३६: ( પ્ ) દિશાકુમાર જાતના દેવતાનું ચિન્હ; તેના મુગટમાં હાથીને આકારે નિશાની હાય छे दिशाक्रमार जाति के देवता का चिह्न: उस के मुकुट में द्वार्था के श्राकार का निशान होता है. the badge, emblem of the gods of the Diśākumāra kind घोव॰ २३; ( ६ ) ખીજા તીર્થંકરનું લાંછન द्वितीय तीर्थकर का चिन्ह. the symbol of the second Tirthankara. भव १८१, — ऋगीय न ( - श्रनीक )

હाथीनं सैन्य. हाथियों का सैन्य. an army of elephants. नाया॰ १; उत्त॰ १८, २; — कल्म. पुं॰ ( -कल्म ) क्षाथीतुं भर्थं: नाने। **ढाथी. हाथी का वचा**; छोटा हाथी. a young elephant. नाया॰ १; -गय. त्रि॰ ( -गत ) ढाथी ७५२ मेडेंड. हाथी के ऊपर बैठा हुआ. mounted on an elephant भग० १४, १; श्रोव॰ —चम्म, न॰ ( -चर्मन् ) दाथीतुं यभी-थाभई. हाधी का चर्म-चमडा. skin of an elephant. नाया =; -चलण् न० ( -चरण ) ढाथीना पग. हाथी का पैर the foot or leg of an elephant. सम० ११; - जोहि त्रि॰ ( -योधिन् ) **હाथी अधि अदि ५२ नार. हाथी के साथ युद्ध** करने वाला. (one) who wrestles with an elephant राय॰ २९२; नाया॰ १; —तालुयसमागाः त्रि॰ (-तालुक समान ) ढाथीना तासवा सभान. हाथी के ताल के समान. similar to, resembling the temple of an elephant. नाया॰ १६; -दंत. पुं॰ ( -दन्त ) ७१थी tid. हाथी दांत tusks of an elephant स्०प० १०; जं०प० ७, ११६; —पंति स्त्री॰ ( -पंक्ति ) ढाथीओती पंडित - दार हाथियों की पंक्ति. a series, line of elephants. भग॰ १६, ६, —भत्त न॰ (-भक्त) **ढाथी**नुं भाष्टु, भक्षीहे।. हाथी की खुराक; मलीदा food cooked for elephants. निसी॰ ६, ६, —लक्खण न० ( -लन्ए ) ७।थीन। શુભાશુમ લક્ષણા જોવાની કલા. हायो के शुभाशुभ लक्ष जानने की कला art of examining the good or bad qualities of an elephant. नाया॰ १; —लोम न॰ ( -लोमन् ) ७।थीन

इवाडां. हाथी के बाल. the hair of an elephant. भग =, ६; --वर. पु॰ ( -वर ) श्रेष्ठ ६।थी. श्रेष्ठ हायी. an excellent elephant a noble elephant, नाया॰ ६; १६; —विक्रम. पुं॰ ( -विक्रम ) હाथीनी यास हाथी की चाल the gait of an elephant. प० १०: ज० प० ७, १४६; --विलंबिय. पं॰ ( -विलाम्बत ) क्षांथीनी વિશેષ ગતિવાળું નાટક; નાટકનાે એક પ્રકાર. हाथी की विशेष गति वाला नाटक: नाटक का एक प्रकार. (a drama) having a particular gait of an elephant. राय॰ ६३; --संठिय त्रि॰ (-सांस्थत) क्षाधीने आधारे रहेक हाथी के आकार का. of the shape of an elephant, a kind of drama. भग॰ =, २; -ससण् न० ( -धसन ) हाथीन शुः. हाथी की सुड. the trunk of an elephant. श्रीव १०: -साला स्री॰ ( -शाला ) दार्थी भाने हार्था शाला the place where elephants are kept. निसी० ८, १७,

गयंद. पुं॰ (गजेन्द्र) हाथीमां छन्द्रसभानः औरायत हाथी. हाथीयों में इन्द्र, ऐरावन हाथी An Indra among elephants, the Airāvata elephant. सत्था॰ १६, —भाव पुं॰ (-भाव) अर्गेन्द्रने। साय-स्वरूप गजेंद्रका भाव-स्वरूप State of being an Indra among elephants नाया॰ १:

गयकराण. पु॰ ( गजकर्ण ) शक्ष हण् नाभना छक्ष व्यन्तर दीपमां रहेनार भनुष्प. गजकर्ण नामक छक्ठे र्यंतर द्वीप मे रहने वाला मनुष्य. Name of a person living in the sixth Antara Dvipa. जीवा • ३, ३; पत्र ॰ १. (२) छपन्न अंतर द्वीपमांनुं ओ इ. ज्ञप्पन अंतर द्वीप में का एक. one of the fiftysix Antara Dvīpas. जीवा॰ ३, ३; पत्र ॰ १; ठा॰ ४, २; —दीव. पुं॰ (-द्वीप) स्वाध् समुद्रमां यारसी येाजनपर यूसिक्षमन्यंत्ती डाढा छपर आवें सो गण्डा पुंज नामनी अन्तरद्वीप. जवण समुद्र में चारसी योजनपर चूलाहमवन्त के उपर आया हुआ गजकण नामक अन्तरद्वीप. name of an Antara Dvīpa (an island) on the Chūlahimavanta in the Lavana Samudra at a distance of 400 Yojanas ठा॰ ४, २,

गयकन्न. पुं॰(गजकर्ण) से नाभने। से इसनाय देश हम नामक एक अनार्य देश. Name of an uncivilised country. प्रव॰ १४६९, (२) गळ इस् नाभने। से इस संतर द्वीप गजकर्ण नामक एक अन्तर द्वीप name of an Antara Dvīpa प्रव॰ १४३७;

गयगा न० ( गगन ) आधाश. श्राकाश. The sky. उत्त०२६,१६;भग०६,३३, सु०च०१, २२, जं० प० —हिय. त्रि० ( न्स्थित ) अगनभा रहेश गगन मे रहा हुआ. remaining in the sky. प्रव० ४४२,

गयपुर. न॰ ( गजपुर ) इरुदेशभांनुं ओक प्रसिद्ध नगर; हिन्तनापुर. कुरु देशमें का एक प्रसिद्ध ( हास्तनापुर ) नगर. A famous city in Kurudeśa; viz Hastināpura. पन्न॰ १;

गयमुह पुं॰ (गजमुक) गळभुभ नाभे अनार्थ देश गजमुख नामक श्रनार्थ देश Name of an uncivilised country, प्रव॰ १५६६;

गयवीहि स्नी० (गजवीथि) रे। हिण्डी आहि त्रखु नक्षत्रभां शुरु गति ४रे ते गल्दीथि

रोहिणी आदि तीन नत्तत्रों में शुक्र की गति है। वह गजवाथि The movement of Vonus in the three constellations viz Rohinī etc 310 8, 9; गयसुकुमाल पुं॰ ( गजसुकुमाल ) है। धी એક शालु हारने। पुत्र के केले विराण लावे દીક્ષા લીધી તે એકદા પ્રતિમાધારી થઇ કાઉ-સગ્ગા કરી ઉભા હતા-એક જણે માર્ગ પૂછ્યા જવાય ન મલનાં તેણે કાપાયમાન થઇ જમીન ઉપર પછાડી દરેક અંગે ખીલા મારી જમીન સાથે જડી દીધા તા પશ તે મુનિએ સમભાવ રાખી મરણ આરાષ્યું. कोई एक साहुकार का पुत्र कि जिसने वैराग्य भावसे दीचा ली श्रीर जर श्रीतमाधारी यन, काउसरम कर खहे थे-एक व्यक्ति ने राहता पूछा-उत्तर न मिलने पर उसने कोपायमान हो, पृथ्वी पर पटक प्रत्येक श्रंग में खीले ठीक कर जमीन के साध उसे मिला दिया, तदाप उस मानिने सम भाव रख कर मृत्युको आराधना की. Name of merchant's son who had entered the religious order being disgusted with the world He once stood contemplating upon the soul and practising a vow when some passer by asked him about the road Not receiving a reply he knocked the ascetic down and fixed him to the ground with nails hammered over his whole body. The ascetic endured all this quietly and died संत्था॰ ६६; (२) ५०२। महाराजने। नह ने। ભાઈ કે જે નાની ઉમ્મરમાં નેમનાથપ્રમુ પાસે દીક્ષા લઈ તેજ રાત્રે સામલ વ્યામ્ડાગ્ય

तरध्यी अपालेश अभिने। परिषद सभकावे सदन धरी तरधात भेदा शया. कृष्ण महागाज के लघु बन्धु कि जो छोटा टम्रमे नेमनाय मभुने दीचा लेकर सोमन बाह्मणने दिये हुए श्रिम के परिषद को ममभाव से महन कर तत्काल मोच्चको प्राप्त हुए. the younger brother of Lord Krisna. He took Dikṣā from Lord Nemanātha in young age and after quietly enduring the pain of fire at the hands of Somala Brāhmaņa became Siddha immediately on the same night अंत॰ ३, ५;

गया. स्री॰ (गदा) डै।भे।६४१ नामे अहा; विष्णुंनुं ओड आयुध. कामोदकी नामक गदा; विष्णु का एक आयुध. A mace of Viṣṇu. named Kaumodakī. जीवा॰ ३, २; उत्त॰ ११, २१; १६, ६२; सम॰ प॰ २३०; श्रोव॰

गर. पुं॰ (गर-गरत्याहारं स्तम्भयति कार्मणं वा) अर: विष. विष. Poison. श्रोघ॰ नि॰ ४८७: पएह॰ १, १;

√गरह. धा॰ I. (गर्ह्) निन्हा क्ष्मी: निन्हवुं. निन्दा करना. To censure. गरहड्. स्य॰ २, २, १७; २०; भग० १, ३;

गरहए. पि॰ नि॰ ४१६; गरहामो. सुप० २, ६, १२;

गरहाति श्रंत॰ ६, ३;

गाहेजा. वि॰ वेय॰ ४, २४;

गरहह. त्रा० भग० १, ६; ४, ४; १२, १;

गरहंत. स्य० १, १, २, ३२;

गरहणया. स्री० (गईगा) गु३नी साक्षिओं पेताना अनियार-होपेती निन्हा इरपी-पश्चात्ताप इरवे। ते गुरु के सन्मुख अपने अतिवार-दोपों की निन्दा करना-पश्चात्ताप करना. Censure of one's own fault in the presence of a preceptor, repentance for one's own faults भग०१७,३, उत्त०२६,२: गरहणा. स्रो० ( गर्हणा ) निन्हा निन्दा. Censure राय० २६४, स्रोव० ४०:

गरहिंगिज्ञ. पुं॰ (गईग्णेय) निन्हनीय; निन्ह्या क्षायक निन्दनीय, निन्दारात्र Censurable; blameworthy. भग॰ ६, ३३; पएह॰ १, २;

गरहा स्त्री॰ (गर्हा) निन्हा. निन्दा. Censure. नग॰ १, ६, उत्त॰ १, ४२;

गरिहम्र त्रि॰ (गर्स ) निन्हाने पात्रः निन्हानीय निन्दापात्रः निन्दनीय Censurable. श्राया॰ २, १, २, ११,

गरिह ज्ञमाणा त्रि॰ (गर्छातान) क्षेत्रसमक्ष निन्हाने थे। न्या लोगों के समज्ञ निन्दा पात्र. Deserving public censure नाया॰ १६,

गरहित. त्रि॰ (गार्दत ) निर्देशुं. निन्दित. Censured. पंचा॰ ६, ७;

गरिंद्य- आ. त्रि॰ (गाईंत ) निंदेंबुं; गर्हा धरेक्ष निन्दित. Censured. दस॰ ६,१३; पिं॰ नि॰ ५३२; स्य॰ १,१३,३६; पंचा॰ २,४३;

गराई. न० ( गरादि ) हरे ह भासता शुक्त पेक्षमा सातम अने बैं।हसने हिनसे तथा त्रील अने हसमनी राते तेमल कृष्णु पेक्षमा छहे अने तेरसने हिनसे तथा णील अने ने।मनी राते आवतुं सात बरकरण्मानुं पायमु हरेणु प्रत्येक मास के शुक्ल पत्त में सप्तमी व चतुर्दशी के दिन व तृतिया व दममा की रात्रि को इसी तरह कृष्ण पत्त में पष्टी व त्रयोदर्शी के दिन व दितिया व नवमी के रात्रि को त्रानेवाला सात चरकरण

मं का पांचवा करण; ११ करणमें से पांचवां करण. The 5th of the seven movable Karanas ( divisions of a day) occurring on the 7th and the 14th day, as also on the 3rd and the 10th night of the bright half of every month, also the one occurring on the 6th and 13th day as also on the 2nd and the 7th night of the dark half of every month The 5th of the 11 Karanas जं पर ५, १४३:

गरिट्ठ वि॰ (गरिष्ठ) सौंथी भेा टुं सब से वडा. Eldest मु॰ च॰ १, १२६,

√गरिह. धा॰ I. (गह्रे) तिन्दवु. निन्दा करना. To censure

गिंद्रहंति. दस० ५, २, ४०. नाया० ८

गरिहामि. भग० = . ६; दम०४ गरिहित्ता स० कृ० ठा० ३, १ भग० ४, ६; श्राया० २. १४, १७=,

गरिहित्तपु हे । कृ । ठा । २, १.

गरिहणा स्त्री॰ (गईरा) निन्ध निन्दा. Censure. भत्त० ४०;

गरिहािणुज्ज न्त्रि॰ (गर्हणीय) युरु सन्भुण निन्द्रवायीन्थ. गुरु के सन्मुख निन्टा करन योग्य. Censurable in the verv presence of a preceptor नाया॰३.

गरिहा स्ना॰ (गर्हा) गुर्नी-साक्षीओ निन्हा अर्थात पेति हरेसा पापनी गुरुनी साक्षीओ निन्हा हरवी ते गुरु के सन्मुख निन्दा; प्रार्थात् स्वतः ने किये हुए पापकर्मी की गुरु के सन्मुख निन्दा करना. Censure of one's own faults in the presence of a preceptor विशे०३४७६.

Vol 11/77

ठा० २, १; दस० ४; प्रव० १४७७;

गरम्म-य. त्रि॰ (गुरुक) लारे; वजनहार.
भारी, वजनदार; वजनीं. Heavy. दसा॰
६, ५: आया॰ १, ५, ६, १७०; भग० २,
१; ५, ६: —दंड. पुं॰ (-द्यद) लारे
६९८. भारी दंड. a heavy stick.
दसा॰ ६, ४;

गरुई. स्नी॰ ( गुर्वी ) भेाटी; लारे. चडी; भारी. Big; heavy. भग॰ ६, ३३; पंचा॰ ६, २६;

गरुड. पुं॰ (गरुड) शांतिनाथछना पक्षनुं नाम.
शान्तिनाथजी के यत्त का नाम. Name of
a Yakşa of Sāntinātha. प्रव॰३०६;
गरुडासण. न॰ (गरुडासन) गरुऽना आक्षर
लेवु आसन. गरुडाकार ग्रासन. A bodily
posture resembling an eagle
in shape. भग॰ ११, १६;

गरुयत्त. न॰ ( गुरुक्तःव ) आरेपछुं भारीपन गुरुत्व. Heaviness; weightiness. मु॰ च॰ २, ६४२;

गरुडोववाम्र पुं॰ (गरुडोपपात) ७२ सत्रभांतुं એક ७२ सूत्रोंमें से एक. One of the 72 Sūtras. वव॰ १; २८; नंदी॰ ४३; गरुल. पुं॰ ( गरुड ) गर्ड पक्षी. गरुड पत्ती An eagle. जीवा०३, ३; श्रोव • १०;स्य • १, ६, २१; नाया॰ =; (२) पाश्वन्यन्तर हेवतानी ओं अकता वाणव्यन्तर देवता की एक जाति. a species of Vānavyantara deities. सम॰ =; ३४; नाया० =; भग० २, ५; (३) सुवर्श्वे धुभार દેવતાનું ચિન્હ; તેના મુગટમાં રહેલ ગરૂડાકાર निशानी. सुवर्णकुमार देवता का चिन्ह; उसके मुकूट में का गरुडाकार निशान. the emblem, badge viz an eagle in the crown of Suvarņakumāra god. योव०२३; पगह०१, ४; — ग्रोसग् न० (-मासन) जुओ। "गहहासण " शण्ट. देखां "गहहासन " शब्द. vido "गहहासण " गहहासन " शब्द. vido "गहहासण " जांवा॰ ३; राय॰ १३६; — केउ. पुं॰ (-केन्नु) भ३५ना थिन्छवाली जेनी ध्वल छे ते; वासुदेव. गहह के चिन्ह युक्त जिसकी ध्वला है वह; वासुदेव. Vāsudeva whose banner bears the badge of an eagle. सम॰ २३६; — वृह पुं॰ (-ध्यूह) भ३५ने व्याधारे व्यूह नश्चरनी रथना धरवानी ध्वा. गहड के व्याकार में व्यूह (लास्कर) की रचना करने की कला. a battle order in the shape of an eagle श्रोव ४०; निर॰ १, १; नाया॰ १;

√गल. था॰ 1. ( गज् ) ०४भवुं; भावुं; जिमना: भोजन करना To eat; to take meals. (२) गक्षतुं; छाधुतुं. छानना. to filter.

गर्कात. सूय० १, ४, १, २३; गर्कत. व० कृ० पिं० नि० ४८०; ४८३; ६४४; नाया०८;

गालेह् प्रे॰ निसी॰ ६, म;
गाला हेह्. प्रे॰ नाया॰ १२;
गालंति. प्रे॰ पं॰ नि॰ ३६म;
गालंति. प्रे॰ पं॰ नि॰ ३६म;
गालंवेता. सं॰ छ॰ नाया॰ १२;
गालिय. प्रे॰ स छ॰ क॰ प॰ २, ६६;
गलावेमाया प्रे॰ व॰ छ॰ नाया॰ १२;
गल पुं॰ (गल) २००; ४९६; २२६न कएठ;

ाल पु॰ ( गल ) गणुः इस्दः, गरहन करणः गलाः; गर्दन. Throat; neck. श्रांव॰ ३०ः ३१ः श्राया॰ १, १, २, २६ः स्य॰ १, ४, १, १०ः जं॰ प॰ पि॰ नि॰ ३१४ः ६२३ः (२) भाछसानुं गसुं विधनार ज्यसनी अन्हर-ने। डांटा. मच्छी के गले मे छेद करने वाला जाल के श्रन्दर का कांटा. a hook in a net which pierces the throat of a fish. उस॰ १६, ६४ः नाया॰ १७ः — साह. ति॰ (-प्रह ) गर्तु पडडी डाढी भूडनार; गर्दन पकडकर निकाल देने वाला. ( one ) who takes out seizing by the neck. कप्प॰ ३, ३६; — च्छुल्ल. पुं॰ ( \* ) गर्तु पडडा पाछु धडावनुं. गर्दन पकड कर पीछे हटाना. giving a push seizing by the neck. परह॰ १, ३;

गलकंचल पु॰ ( गलकम्बल ) गणानी धाणकी; गाथाने गन्ने पंणा क्षेत्रं सटकतुं छाय छे ते गन्ने का कम्बल; गायों के गले में पंखा सा लटकता है वह. Lit & throat blanket; a dewlap. सु॰च॰१३, १०; गलग. पु॰ (गलक) गणु; ४९८ कगठ; गला

Throat, neck. पग्ह॰ १, १, गलयः पुं॰ ( गलक ) लुओ। " गलग " देखाँ। "गलग" शब्द. Vide. "गलग"नाया०१८, गलि त्रि॰ (गिल ) गणीयाः नियत भाटा. श्रालसी; श्रीडेयल; कुटित. A. lazy, vicious (ox. horse etc.) उत्त. १, १२, ३७, सु॰ च॰ १२, ५६; — गह्ह. पु॰ ( - મર્વમ ) ગળીયા ગધેડા; નિયત ખાટા गधेडे। श्राहियल गधा a lazy, vicious donkey. (२) अविनीत शिष्य. श्रविनीत शिष्य. a bad disciple. उत्त॰ १६; २७, गतिचा त्रि॰ (गलसत्क ) गन्ना सम्भन्धः श्णातुं गल-कंठके सम्बन्ध में. Pertain. ing to the throat पि॰ नि॰ ४२४; गलिय. त्रि॰ (गलित ) गणी गयेस; पिगसी ગયેલ गलितः निगला हुआ solved; worn out नाया॰ ६; कप्प॰ ४, ६२, (२) परसत्. वरसता हुन्ना raining, showering; falling as

rain कप ३, ३३; — लंबण जिल् (-लम्बन) भणी गरेश छे आक्षरणन (आधार) केनुं सेनुं; निराधार जिम का धालम्बन (आधार) गलित हो गया है ऐसा, निराधार (that) of which the support has been worn out; supportless. नाया ६;

गलोई. क्री॰ (गहूची) गुझवेस नामनी वन-स्पति. गुडवेल नामक वनस्पति. A kind of vegetation. प्रव॰ २३६;

गवम्स पु॰ (गवाह ) गाभः अ३भी। सिडकी. A. window विशे०६२ः जं०प० १,४ः सु॰ च॰ ३,२२८ः जीवा० ३,३ः ४,पंचा०१३,११,

गविचिद्धय त्रि॰ ( ﴿ ) आय्छाहित, ढांडेश श्राच्छादित; ढंका हुन्ना Covered '' कि एह सुत्त सिक्क गविच्छिया '' जीवा॰ ३, ४, राय॰ १२०,

गवत्त. न॰ (गवात्त ) गायंती भीराक्ष, धास. घांस; गौश्रों का खराक. Grass पिं॰ नि॰ २२६;

गवय. पुं॰ (गवय) राेेें शिंकः नांय जैता पश A species of ox. पणह॰ १, १; जं० प० श्रमाजी॰ १४७: पन्न० १;

गवल. न० ( गवल ) लेस हे पाडानुं सिंगडु.

मेंस या पांडे का सिंग. A horn of a buffalo. उत्त० ३४, ४; श्रोव० २२; पन्न० २; १७; जं० प० ३, ४४; राय० ५०; सु० च० २, १३६; जीवा० ३, ४; श्रंत० ३. ६; नाया० ६; उवा० २, ६४; —गुलिया. स्ना० (-गुलिका) लेस हे पाडाना सिंग-डानी हहेश गार्ड, मेंस या पांडे के सिंग की

<sup>\*</sup> लुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी प्रुटने। २ (\*). देखा पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th

कार्ठन गांठ. a hard knot of a buffalo's horn. नाया० १; ५; ६; (२) नीस शुक्षिश विशेष. नील. indigo. नाया० ५: राय०

गवा. स्री० (गा ) गाय. गां; गाय. A cow. उत्त० ६, ४; ६. ४०; दसा० ६, १२; दस० ७, २५; स्प्र० १, २, ३, ४; उवा० १०, २७७; (२) भूग आदि पशु. मृग प्रादि पशु. a deer and such other animals. स्य०१, २, ३, ४; — प्रातीय न० ( - प्रातीक ) गाय आश्री लुडुं भे। अवुं ते. गों के विषय में प्रात्तव्य बोलना. telling a lie about a cow. पहर०१, २;

गवाणी. स्री॰ ( गवादनी ) गायेति भावाती तथा रहेवाती जग्या; गमाणु. गांझों को न्वाने की व रहने की जगह. A cow-pen. श्राया॰ २, १०, १६६;

गविद्व त्रि॰ (गविष्ठ ) अभिभानी श्रीभमानी. Proad; vain. भत्तः १४४:

गवेलग. पुं० (गो+एलक) गाउर; भेंदे। भेड.
A sheep; a lamb. ठा० ७, १; भग०
१, १; २, ५; ७, ६; राय० २८६; श्राणुजो०
१२८; श्रोव० पएइ० १, ४;

गवेलय. पुं॰ (गो+एलक) थडरे।; भेंढे।. बकरा. A he-goat पगह॰ ९, २; दसा॰ ६, ४; जै॰ प॰

√ गवेस. धा॰ II. (गवेष्) शाधवुं; गवे-पण्या करना. प्रवेषणा करना. To search. गवेसइ. निसी॰ १०, ४२; गवेसेजा. वि॰ पराह० २, २; गवेसप्. दस० ४, १, १; वव• ८, २; गवेसमाया. व० कृ० पि॰ नि॰ २०७; नाया॰ २; ४;

गवेसत्र पुं॰ (गवेषक) अन्वेष्णा-शिध ५२२ नार. भन्वेषणा-खोज करने वाला. One who searches after. उत्त॰ १, ४०; २६, ९: भ्रोव॰

गर्वेसण. २० (गर्वेषण-गर्वेष्यतेऽनेन ) व्यति-રેક ધર્મ નં આલેાચન, જેમ પાણીની શોધ કરવી હાય ત્યારે પાણીના અસહચારી ધર્માનું આલાેચન કરવું ક ઝાડી નથી સુકી હવા છે નદી કે તલાવ નધી માટે આંહી पाशी न हेावुं कोधे व्यक्तिरेक धर्म का श्रालाचन, जिम प्रकार जल का पता लगाना हो. तव जल के श्रसहचारी धर्मी की शाली-चता करना कि फाडी नहीं है, सुखी हवा है, नदा या तालाव नहीं है इस लिये यहांपर जल न होना चाहिये. Sourch: observing qualities or things which cannot co-exist with the object of search, e. g. deciding the absence of water from absence of trees etc. श्रोव॰ ३५; भग० ६; ३१; जं॰ प॰ ३, ७०; (२) शाध; तपास. खात्र; जाच, inquiry; Bearch. नाया॰ १; भग॰ १४. १;

गवेसण्ता. स्नी॰ (गवेषणता ) भेशणवापखुं गवेषणता. State of being in search after. भग॰ १२, ६;

गवेसण्याः स्नी० (गवेषण) शिधः तपासः तलाशः स्नोजः, जांचः Wandering in search; searching after. स्रोव० २०: नंदी० ३१:

गवेसगा. सी॰ (गवेषमा) लुओ ''गवेसगं'

शण्६ देखो " गवेसम्य " शब्द. Vide " गवेसम्य " विशे० ३६४, जं० प० पि० नि० ७३; श्रोघ० नि० ६३; उत्त० २४, ११. नाया० १; २, पंचा० १३, २५:

गवेसियग. त्रि॰ (गवेष्तक) शेष्पी-तपासी आणेशुं खोज किया हुआ. Searched out; searched after निसी॰ २, २७, ३१;

गठ्य. पुं॰ ( गर्व ) गर्व -भान, अહं धर. श्रहं-कार; गर्व. Pride; conceit; a kind of moral impurity सम॰ ४२; भग॰ १२, ४;

गिव्चिय त्रि॰ (गिर्वित ) अक्षिभानी, गार्वेष्ठ; श्रमिमान युक्त. Proud; conceited. नाया॰ १७; कप्प॰ ३, ४२; जं॰ प॰ ७ १६६;

√ गस. घा॰ I. ( प्रस् ) ખાવુ; ગળા જવુ કાઇના પ્રાચુ લેવામાં આ ધાતુના પ્રયોગ થાય છે गलित होना किसा के प्राया लेना इस मतलब के कियापद में इस घातु का उपयोग किया जाता है To eat, to swallow, ( used often in the sense of taking another's life). गसइ. सु॰ च॰ १, ३४४;

गसिजाए. क० वा० सु० च० २, ५४३,

गिसियः त्रि॰ ( द्रसित ) गसार्ध गश्रेशु. प्रमितः निगला हुन्ना Swallowed. नाया॰ ४:

गह. न॰ (गृह) धर; निवास स्थान घर, निवास स्थान A house कप्प॰ ४, ६६; गह. पुं॰ (मह) ८८ अछ-लथोतिपी देवतानी त्रीछ लित. == प्रह ज्योतिपी देवता की तृतीय जाति 88 constellations; the 3rd kind of deities known as Jyotisī deities. श्रोव॰ २६;३१, उत्त॰ २६, १७, ३६, २०४, नाया॰ १: ४; भग॰

६, ५; १८, ७; पञ्च० १०; स्० प० १०; नदीं० १०; दसा० ६, १; जीवा० १; सु०च० द, ५द; विशेष १८७८, प्रवर ११४**७**: (२) गायनना आरं सने। आक्षापः गाने के आरंभ का आलाप. the commencing note of singing. ज॰ प॰ ७, १६४. १७० जीवा० ३; ४; ( ३ ) क्षेत्रः पक्ष्यं. लेना, पकडना taking; catching. क॰ गं॰ १, ३१, प्रव॰ ६१३; — ग्रवसन्त्रः न० ( --घ्रयसम्य ) अडे़ानी वां डी गति. प्रहों की वकगति oblique, crooked motion of planets. भग०३, ७; ११, १; -गज्जिय न॰ ( -गर्जित ) श्रंहा ચલાયમાન થવાથી ગજેના ધાય ते. ब्रह चलायमान होने से जो गर्जना होती है वह. thundering of clouds due to the motions of planets. भग०३ ७, —गण. पुं॰ ( -गण ) अह सभूह. प्रह समृह. a group of constellations ज०प०७, १४०; भग० ३, ७, कप्प० ३, ३६; - जुद्ध. न॰ (-युद्ध ) भे अहे।तु स्रेक्ष નક્ષત્રમા દક્ષિણ ઉત્તરે સમશ્રેણિમાં રહેવુ दो प्रहों का एक नक्षत्र में दक्षिण उत्तर में समश्रोण में रहना co-existence of 2 planets in one constellation. भग० ३, ७, -- इंड. पुं० ( - इराड दराडा-इव दण्डास्तिर्येगायताः श्रेणयः प्रहाणां संग-बादीनां दएडः ) अहै। ती हं उनी भेडे त्री छी श्रेशी. प्रहों की दढ के समान ( टेढां ) वक श्रेणी. planets ranged in oblique lines.भग०३,७;—भिन्न. न०(-भिन्न) के નક્ષત્રની વચ્ચે થઇ ગ્રહ પ્રસાર થાય તે નક્ષત્ર– કેજેમાં દીક્ષા સ્માદિ કાર્ય કરવાથી હાનિ થાય भाटे वर्ष वा रहेबछे. जो नत्तत्र के मध्य में से होकर प्रह पसार हो। वह नन्नत्र-कि जिसमें दीचा श्रादि कार्य करने से हानि हो इस लिये

न्याग करने को कहा हुआ है. a constellation crossed midway by a planet; under such a constellation Diksā is forbidd n. गणि. १६; — मुसल. न॰ (-मुशल ) भुशवने आधारे अहै। नी हिंयी श्रेग्री प्रहों की उच्च श्रेणी planets forming them selves into the shape of a pestle. भग०३, ७; —वह. पुं॰ (-वेघ) सर्व यंद्राहि साथै अउने। वेध सूर्य चन्द्रादि के साथ का प्रह का वेश. a particular division of time during which a planet is in conjunction with the sun, the moon etc प्रव १४२२; —सिंघाड्या. न॰(-श्रंगाटक प्रहााशुंगाटका इव शुंगाटकफलाकारत्वेन संस्थिता इरवर्धः ) શીંગાડાના ક્લની પેંકે પ્રહાનું રહેવું ते. सिंघाडे के फल के समान प्रहों का रहना. a formation of planets of the shape a three-horned fruit, called Śrińghātaka. भग० ३, ७;

गहुण न॰ (गहुन) आडी वालुं क्'गन्न. सार्डी वाला जंगल. A dense forest. स्य॰ १, ३, १, १, १, १, १४; २, २, ६; नाया० १६, दस० ६, ११; भग० १, ६; (२) केंने। पार पाभी न शहाय तेनुं जिसकी घाह न मिल सके ऐसा. profound; innuessurable. नंदी० ४; भत्त०२; (३) निर्काल प्रदेश. विजेल प्रदेश. व waterless tract of country. श्राया० २, ३, ३, १२७; (४) अन्यने छेत्रया भारे हरेन वयन प्रपंच; भाया कपट. manipulation of words with the aim of deceiving others भग०१२,४;परह०१,२;सम०४२:

गहरा. न• ( प्रहरा ) अद्ध धरवुं; स्वीधरवुं; लेवुं. प्रहण करना; स्वीकार करना; लेना. Taking; acceptance. भग• २, १; ४; १०; १३, ४; नाया० ३; दस० ४, १, ६०; पन्न० ११; उस्त० २४, ११; पिं० नि० भा० १४; पिं० नि० ६४; मु० च०१, ३१६; सम० १; घ्रागुजा० १४७; क० प० १, ४; मत्त० ८०; पंचा० १, ३४; ४, ४; १०,४०; प्रव॰ ४७; (२) आडर्पेश डरनार; भेंथनार-धाकपंश करने वाला; खाचने वाला. (one) who attracts: an attraction उत्त॰ ३२. २२; ( 3 ) श्राचः; श्रद्ध् ५२वा थे।२५ प्राह्य; प्रहृशा करने योग्य. worthy of acceptance, acceptable. क॰ प॰ 1, २१; — भागरिस. पुं॰ ( - श्राकर्य-एकरिमन्नेव भवे ऐर्यायधिक इर्मेषुद्गतानां प्रहणरूपा य भाकर्पः सः ) એर्था ५थिः નિમિત્તથી કર્માના પુદ્રલાનું ગ્રહણ કરેવું ते ऐयां पथिक निमित्तंत कर्मों के पुद्गलों का प्रहण करना. attracting towards oneself and imbibing of Karmic atoms of Airyapathika (faults connected with walking ) भग• r, r; —संध. पुं• (-स्कन्ध) छपने अंद्रास्ट इरवा ये। ज्य पुत्रस २५-ध. जीव की प्रहण करने योग्य पुद्रल स्कन्य. a group of molecules of matter worthy of acceptance for a soul क॰प॰ १, २१; —दब्च.न० (-द्रम्य) छपने शरीराहि रूपे ग्रह्म ५२वा ये। या ५०५ जीव को शरी-रादि रूप से प्रहण करने योग्य द्रव्य. matter worth accepting for a soul in the form of physical body. क॰प॰१,२१,—धारग्रज्ञोग्ग. न॰ ( -धा-रणयोग्य) ગ્રહણ કરવાને તથા ધારણ કરવાને थे। अह ए। करनेको या धारण करनेके योग्य.

worth accepting क॰ प॰ ४, ४६;
—िविदुगा. न॰ (-विदुगी) पर्वतनी ओड
तर्द नुं वन पर्वत का एक तरफ का वन.
a forest on one side of a mountain. भग॰ २, ६, स्य॰ २, २, ६;
—समय. प॰ (-समब) अढ्णु डरनानी सभय. प्रहण् करने का समय. time of acceptance or taking. भग॰ १, १६;

गहल्य. न॰ (ग्रहण्ड) व्याभूषणः, धरेणुं. स्राभूषणः, गहना. An ornament. सु॰ च॰ ७, १०६;

गहण्या. स्नी॰ ( महत्व ) अढ्णु ४२वुं; धारवुं. महण करना. Putting on; acceptance. श्रोव॰ २७; भग॰ २, ५; ६, ३३;

गहराी. भी० ( प्रह्वी ) अधिने। रे।गः व्यति-सार रे।गः संभ्रद्धश्री. भितसार रोगः संप्रहर्णा. Dysentery.श्रोष• नि• भा• ३२३ः ( २ ) शुद्दाश्यः शुद्धस्थान. गुदाशयः गुद्धस्थान. rectum भोव•१०ः जीवा•३,३ः पराह• १, ४ः जं• प•

अगहर. पुं॰ (गृप्र) शीश्व पद्मी गीध पत्नी A vulture. पत्त • १;

गहवइ. पुं॰ (गृहपति) गृह्वपति; गृह्वस्थ.
गृहपति; गृहस्थ A house-holder; a
merchant. भग॰ १६, १; — उगाह
पुं॰ (भवमह) गृह्वपतिनी आजा. गृह्वपति
की आजा. the command of a
Grihapati. भग॰ १६, १;

गह्यद्रशी. बी॰ (गृहपक्की) धरधण्याण्याः ( गृदस्यामिनी ) गृहस्यामिनी. The housewife. सु॰ च॰ १०, ७;

गहिम्र-य. ति॰ (गृहीत) अधिक्षु; अङ्ख् धरेक्षु. लिया हुमा; प्रहच किया हुमा. Taken accepted. मान• २१, ३६:

विशे० ६१५. पि॰ नि० १८२: १८६: श्राया॰ १, ४, २, १३१; उत्त॰ ४, ३; ३२, पद; भग॰ १, १; २, १०; ७, ६; ६, ३३; ११, ११, ११, ४; १४, १; नाया० १; २; =, १६; १=, दस० x, १, ६; सु• च० २, २४१; भत्त॰ ७६; कृष्प० ४, ७२; पंचा० ७. २०; १४, १०; ३१; प्रव० ७६०: ८, १८. उवा॰७, १८१; --- आउह त्रि॰ (-मायुध) अ७ए ५रेस छे आयुध केंछे सेवा. प्रहरा किये है आयुध जिसने ऐमा. (one) who has taken up arms. armed. विवा• २,--श्रागमगापवित्तिय त्रि०(-श्रागमन प्रवृत्तिक ) अहुल् इरी छे भगवान पधारवा-नी वाता केशे अवा. जिसने भगवान के पथारने की वार्ता प्रहण की हो ऐसा (one) who has heard or known the intelligence about the coming of the lord नाया १: - श्रायार-भंडठोनेबस्य त्रि॰ ( श्राचारभंडकनेपध्य ) સ્વીકારેલ છે આચારબંડક ને પશ્ય-વેષ જેણે शेवे। जिसने आचार भंडक और पश्य-वेष का स्त्रीकार किया है ऐसा (one) who has assumed the garb of Achâ rabhandaka दसा॰६,२; —ह त्रि॰ (-कर्थ-गृहीतो मोक्रूपोऽर्थो मार्गी येन मः) જેણે માહ્મમાર્ગ સ્વીકાર્યો છે એવા વી-લું जिसने मोच मार्ग का स्वीकार किया हो ऐसा (one) who has accepted the path of salvation. स्य॰ २, ७, ३; ( ર ) જેણે શાસ્ત્રના અર્થ જાણ્યા છે તે जिसने शास्त्र के ऋर्थ को जान लिया है वह one who has understood the meaning of a scripture. भग•२,५; गहिर. त्रि॰ (गंभीर) गढ़ेरु; अगाध, गहिरा, त्रगाध. Deep; unfathomable. ए॰ न॰ ३. १४:

√ गा. था॰ I. (गे) गायुं. गाना To sing.
गायंति जं॰ पः ४. १२१;
गाएज. वि॰ निर्मा॰ १७, ३२;
गायंत. व॰ कृ॰ श्रोव॰ ३१; श्राया॰ २, ११,
१००; सु॰ च॰ २, १४४; जं॰ प॰
३, ६७; ६४३, निसी॰ १२, ३४;
गायमागा व॰ कृ॰ भग॰ १४, १;

√ गा. था I. (गे) आयुं गाना. To sing. गिजाइ. क॰ वा॰ राय॰ २०६; गिजांत क॰ वा॰ म॰ च॰ १. २०६: २.

गिर्जात क॰ वा॰ मु॰ च॰ १, २७८; २, ३३१;

गाइर. पु॰ (॰ गायक्त-गायतीति ) शानारः गवैयाः गानेवाला, गवैया A singer. मु० च० २, ३२१ः

गाउ. पुं॰ ( गन्यूति ) भे भाधः । गाउ. दो माल, एक कोस. Two miles. विशे॰ ३४३:

गाउ. पुं० (गो) भाय; असह. गो; वैत्त. An ox; a cow. श्राया० २, ४, १. २३; पन्न० ११; श्रग्रजो० १२६; — जूहियठाग्। न० ( -य्थिकस्थान ) भायाता राजाते २६वानी अभ्या. गोंश्रों के मुंड को रहने का स्थान a cow-pen; a cow-fold. निर्सा० ५२, ३१;

गाउय. न० (गन्यूत) भे ७००१ धनुष्य परिभिन क्षेत्र-००भीन, भा ते. दो सहस्र धनुष्य
परिमित च्लेत्र-जमी।, कोस. Two miles;
land measuring two thousand
bows. ज० प० नंदी० १२; ठा० २, ३;
श्रागुजी० १३४. भग० ६, ७; २४, १; १२;
२२; २३; ३८, १, सु० च० १४, १८, विशे०
६०६; श्रोध० नि० भा० ६३; पज० २; ३३;
श्रोध० नि० १२; प्रव० १११८: जं० प० ७,
१४६, २, २४. - पुहत्त न० (-पृथक्त्व)
भे भाउथी भांडी नव भांड सुधी दो कोस से
लेकर नव कांस पर्यंत ranging from

4 miles to 18 miles. भग॰ ११, ३; गागर. पुं॰ (गागर) એક જાતનું માછલું. एक तरह की मच्छी. A kind of fish. पन्न॰ १;

गागरी. स्त्री॰ (गर्गरी) पाशी भरवानी गागर. जल भरने की गागरी. A water-pot. श्रागुजी॰ १३२;

गाह. त्रि॰ ( गाढ ) शाट; ६६; भन्रशुत गाढ, मजबूत Firm; strong उत्त०१०,४,१प० नि० २०५: श्रोघ० नि० ३२४; नंदी० १२: (२) न० सर्पाहिन्नेरनी तीत्र वेदना; भरखात ५४. सपीदि विष की तांत्र वेदना: मरणात कट. excessive; e. g pain of serpe t-bite. वेय०४, ३=; नाया०१६; (३) अत्यंत; अछं. श्रत्यंत; बहुत. much; more: excessive. वंचा॰ ८, १०; —गिलागा त्रि॰ (-ग्जान) गां हुःभीः अत्यंत थारेश्वं. बहुत दुःखी; श्रत्यंत. धका हुआ greatly afflicted; very, very tired. पंचा॰=, १०; —प्पहारी कय. त्रि॰ ( -प्रहारीकृत ) अत्यन्त प्रशर **५रे**स; **५**छुं भारेस. ऋत्यन्त प्रहार किया severely बहुत मारा हुआ. punished or flogged भग॰ ७, ६. -रोगाइम्र त्रि॰ ( -रोगार्तिक ) अत्यन्ते रे।गथी आर्त्त-हुभी थथेल. श्रत्यन्त रोग से त्रात्ते-दुःखी greatly afflicted, very sickly. प्रव॰ १६६;

√ गाढणहारीकर. धा॰ II. ( गाढ-प्रहार+क ) अत्यंत भार भारवे।, श्रत्यन्त मार मारना. To beat severely. गाढणहारीकरेइ. भग० ७, ६;

गाढिकियः त्रि॰ (गाढीकृत-श्रगाढं ग ढं भव-तीति) भश्रभ्त १रेलुं. इड किया हुश्रा Strengthened भग०६, १; १६,४, गाएंगिएस त्रि॰ (गायंगिणिक) ७ भासनी भ हर ओड गणु छोडी जीन्त गट्छमां हाणस थना इ. मास के श्रंदर एक गण छोडकर दूसरे गच्छ मे प्रवेश करने वाला (One) who changes his religious order and joins another within six months. उत्त. १७, १७.

गात्त न॰ (गात्र) शरीरना अवयवे। शरीर के श्रवयव गात्र A limb of the body राय ३२, नाया॰ ५;

गाथा स्त्री॰ (गाथा) आर्था वगेरे ७६ स्त्रीः क्रोक, स्त्रायां स्त्रादि द्वद. A verse etc. सम॰ २३, भग॰ १६. ८;

गाम पुं॰(ग्राम-गम्यो गमनीयोऽष्टादशाना शास्त्रे प्रसिद्धानां कराणाम् ) गाभ-केभां साधारण વસતિ રહેતી હોય અને વ્યાપારત સાધન ન है। य ते वह गाव कि जिसमें सावारण वस्ती रहती हो व न्यापार का साधन न हो. A village. ठा०२, ४; श्रगुजो०१२७, स्य० २, २, १३; दसा०६, १३, १४; दस०५, १, २, वेय० १, ६; पत्र० १६, उत्त० ३०, १४, त्रोव० १७, २१, ३२; नाया० १; १४, १६, विशे०३६५: पि० नि० १६२; श्राया० १, ४, ६, १६४, प्रव० ४६२; ७६३, (२) सभू८. समृह. a group, a collection. भग॰ १, ६; राय० २६४, उत्त० ५, ५; ३१, १२; सम० ३०; विशे० २८६६; श्रोव० (३) સંગોત શાસ્ત્ર પ્રસિદ્ધ મૂર્જનાના આશ્રય રૂપ पडलिट त्रण आम. संगीत शास्त्र प्रसिद्ध मूर्त्रना के आश्रय रूप वड्जादि तीन ग्राम & gamut; a scale of music with all the notes. श्राणुजाे॰ १२८, १३१, -- ग्रंतरः नर्ं (- श्रन्तर ) थे गाभ वय्येनुं अतर-आंतई दो गावों का मध्यस्थ श्रंतर the distance between two villages or towns निसी॰१४, ४७, (२) भीलुं गाभ श्रन्य गांव another vil-

lage or town. दसा०१०,५;—श्रंतिय. वि॰(-म्यन्तिक) गामनी पासे रहेनार गांवके पास रहने वाला (one) who resides near a village. सूय॰ २,२,२१; दसा॰ १०,७;--श्रस्प्रगाम. श्रव (-श्रनुप्राम) शेक्ष ગામ પછી બીજાં બીજાપછી ત્રીજાં એમ अनुक्ष्मे न्दाना म्हाटा हरेड गम एक गांव के बाद दूसरा, दूसरे पींछ तीसरा, इस प्रकार कमश छोटा बटा प्रत्येक गांव. every village in order. श्रांव॰ २१; राय॰ २३०, ना १० १, ५, १३; १६; कप्प० ६, ४७; (२) એક ગામથી બીજે ગામ एक गाव सं दूसरे गाव. from one village to another निर्सा॰ =, ५१; भग०१,१; १६, ४, १८, १०; वेय० ४, २५, उत्त० २, १४, श्राया॰ २, १, १, ४, —कंटय. पुं॰ ( -कएटक ) गाभ-धिर्य सभूदने अटारूप; धं दिये। ने हु भ दाय । गाव-इंदिय समृह को कटक समान, इंदियों को दु,ख दायक. one like a thorn to the senses, one intriguing; causing pain to the senses. दस॰ १०; १, ११; नाया॰ १; -कुमारियः त्रि॰ ( -कौमारिक ) ગામડાના છેાકરાએા સંબન્ધિ. गावडे के लड़कों के विषय में. (anything e g. play ) concerning village child ren स्य०१,६,२६, — घाय. पुं॰(-धात) गाभ लागवुं ते गाव का इटना-नष्ट होना. destruction of a village विवा॰३, (२) गाभ लागनार-धुटनार. गांच को लूटने वन्ता one who plunders a village. नाया • १८; —दाह पुं० (-दाह) ગામના દાહ; ( બલીજવું તે ) गांव का दाह जल उठना. the conflagration ( being on fire) of a village भग०३,७; ानिसी०१२,२७;-- दुवार न०(-द्वार)६:वाकी.

ગામના ઝાંપા: ગામમાં નિકલવા પેસવાના દર-पाली. गांवका दरवाजा: गांवमें प्रवेश करनेका व नाहर निकलने का द्वार. a village gate. श्रोघ० नि० ४४: —धम्म. पुं० (-धर्म) ગ્રામ-ઇંદ્રિય સમહના ધર્મ-શબ્દ-રૂપ રસ ગન્ધ-અને સ્પર્શ એ પાંચ વિષય. ब्राम-इंदिय समृहका धर्म-शब्द-रूप रस गन्ध व स्पर्श ये पांच विषय. a longing, desire, for the five objects of senses viz. sound, form, taste, smell and touch, स्य-१.२.२५:ठा-१०,१:पग्ह-१, ४; भाया • २,१, ३, १४; (२) गामधानी आयार वियार, गांवंडे का ग्राचार विचार. the practices and customs of villages. তাত (ত. ৭; न॰ ( -नगर ) गामधं अने प्राम व नगर; गांव व शहर. a village and a city. प्रव. ५६३; -पह. पुं. (-पथ) गाभना २२ता. ब्राम का मार्ग. व village road. निर्सा॰ १२, २६; -पहं-त्तर. न॰ ( -पथान्तर ) श्राभना भे भाग -नं आंतरं, प्राम के दो मार्गी का भन्तर. the distance between the two roads of a town. निसं १ १४, ४७; मारी जी॰ (-मारी) गामनी क्षय धरनार भरशी. गांव का स्तय करने वाला. plague; a kind of disease. भग. ३. ७: -रक्क. पुं॰ (-रच-रचक) ग्राभन रक्षश ५२ना२; डे।तवाल. गाम का रच्चण करने वाला: नगर रचक कर्मचारा. one who guards a town. श्राया । २, १, २, ११; --रिक्सय ५० (-रिक्क) केटियास-गामेति कोटवाल-नगर रचक कर्म-चारी. a village constable निसी॰ ४, ६२; — स्व. न॰ ( -स्प) गामना केवा आधार. गांव के समान श्वाकार. the

proper form, outlines of a village. भग• ३, ६; - रोग. पं॰ ( -रोग ) આખા ગામમાં કાટી નીકળેલા रे। अ. सारे गांवमें फट निकला हुआ उपद्रव-राग. a disease spreading over the whole village. भग॰ ३, ७: जं॰ प॰ --वह. पुं॰ ( -वध ) शाभने भारवुं ते. गांवकी नष्ट करना, destruction of a village . निसी • १२, २४; — वाह . पुं॰ (-वाह) अभ्तुं वहेवं-त्रध्वं.गामका बहजाना. wiping off of a town or a village.भग-३.७;—संदियः न•(-संस्थित) आंभने आधारे रहेल. गांव के श्राकारसे रहा हमा. the shape, arrangement of & village. भग॰ =, २; —सय. न॰ ( – रात ) से। ગામ. रात गाम; सौ प्राम. ৪ hundred villages. विवा• —सामि. प्र• (-स्वामिन् ) भाभने। ध्यीः गाभनी नायह. गाम का धनी; गाम का नायक. the owner of a village; a village headman. श्रीप-नि-भा•४४; गामि. त्रि॰ (गामिन् ) जनार; पहें।यनार जाने वाला; पहुंचने बाला. ( One ) who goes or reaches. भोव • १७;पंचा ०६,७, गामिल्ल. त्रि • (म्राम्य) गाभवासी; गाभडीया. ग्रामबासी: गंबार: Resident in a village; rustic. नंदी॰ ४७; गामेक्कयः त्रि॰ ( प्राम्य ) गामडाने। २६ीशः गांव का रहने वाला. A villager. भग॰ १४, १; विशे॰ १४११; विवा॰ १; गाय. पुं॰ ( गो ) लक्षद्द. गौ, बैल. A bullock. पत्र• १९; —दाह. पुं॰ (-दाह) ज्यां भिभार अलट्टीने डाम ( हां हे ) देवाता होय ते स्थान. जहां विमार पशुत्रों को दाह दिये जाते हों वह स्थान. veterinary hospital. " बार दारं सिवा गाय दाहं सिवा तुस दाह सिवा '' निसी॰ ३, ७४;

गाय. न॰ (गात्र) शरीरना अवयवी. शरीर के अवयव A limb of the body. श्रोव॰ श्राया॰ १, ६, १, २०; दस॰ ३, ५; ६, ६४, उत्त० २, ९, जीवा० ३, ३; पन्न० १७: भग० १, १, १५, १; २४, ७, नाया० १, ४; १६; वेय० ४, ४०, दसा० ७, १२; उवा॰ ३, १२६: कष्प॰ ४, ६१: — श्रद्मंग पुं॰ ( - श्रम्यंग ) तेस वर्गेरे सुगधि पहार्थे। शरीरे थे। ५५वा ते. तेल इत्यादि सुगंधित पदा-र्थीका शरीर पर मर्दन करना. smearing the body with fragrant oil etc. दस॰ ३, ६, — श्रद्भंगविभूसण न॰ ( - अध्यंगविभूषण ) अभ्यंगन-भर्दन हरी શરીર શણગારવું તે, સાધના પર અનાચીર્ણ-भांतुं शिक्ष. अभ्यंगन-मईन कर, शरीर की सुशोभित करना; साधु के ५२ अनाचीर्या मे का एक anointing the body with ointments etc; one of the 52 minor faults of an ascetic. इस॰ ३, ६; -भेय. पुं॰ (-भेद) शरीरने। नाश કरी લુટનાર ચાર. शरीर का नाश कर कं लूटने वाला चार a thief who destroys the body and commits robbery. भग॰ १, १; — लाँहु- स्री॰ ( -यद्दि ) शरीर रूपी लाइडी शरीर रूप बकडी. the body appearing like n stick. सम॰ ३४; भग॰ ६, ३३; नाया॰ १; राय० १६४; जीवा॰ ३, ४;

गारतथा. पुं॰ ( मगारस्थः) गृहस्थाश्रभी; धर व्यारी. गृहस्थाश्रमी; घरनारवाला. A house-holder उत्त॰ ४, २०; स्य॰ २, १, ४३; २, ७, १४;

गारात्थाणी. स्नी॰ ( प्रगारस्था) गृहस्थनी स्त्री. यहस्य की स्नी. The wife of a house-

holder. निसंा० ३, ४,

गारिधय-श्र. पुं॰ (श्रगारिश्यत) गृह्दश्य गृहस्थ. A house-holder आया॰ २, १, १, १४; निसी॰ १, १२; ३, ४; —व-यण न॰ (-वचन) गृह्दश्यनुं प्यनः गृह्दश्य भी भी हो तेवी रीते भी ह्वतु ते गृहस्थ का वचन, गृहस्थी बोले ऐसा बोलना. the manner of speech of a house-holder. ठा॰ ६, १; वेय॰ ६, १;

गारव न॰ (गौरव) अलिभानवडे आत्भाने અશુભભાવેં ભારે કરવા તે. ગુરૂપણં; માટાઇ श्रिमान से श्रात्माको श्रशुभ भाव से भारी करना, बङ्ग्पन; गुरुत्व. Pride; pride of greatness; heaviness. नाया॰ १६; सम० ३; उत्त० १६, ६२; ठा० ३, ४; श्रोघ॰ नि॰ ४००; ८०४; श्राउ० १४; प्रव० ११६; (२) गृद्धि; आसित. श्रासिक. greed; excessive attachment. उत्त॰ २७, ६; (३) गर्व-अक्सिमान तेना ત્રણ પ્રકાર – ઋદ્ધિના ગર્વ; રસના ગર્વ; અને પાતાને મહાલ સખશાતિના ગર્વા गर्व-ર્જ્યામન मान उसके तीन प्रकार-म्यादि का गर्वः रस का गर्व; च स्वतः को जो सुख व शाति प्राप्त हुई है उसका गर्व. pride of three sorts e g. of prosperity, of pleasures, and of calmness acquired by one. उत्त॰ ३१, ४; श्राव॰ ४, ण्ड --कारणः न० (-कारणः) गर्वानु धारण्. गर्व का कारण. the cause of pride. प्रव. १५१: -- पंकिनिवुदु. त्रि. (-पक्कनिमन्न) ગર્વरूपी કાદવમા ડુખેલ. गर्वरूपी कीचद में हुवा हुआ (one) immersed in mud in the form of pride. प्रव० १०२५;

गारविश्च-य त्रि॰ (गर्वित ) गर्विष्ठ; गर्वि वाणु . गर्विष्ठ; गर्वयुक्त. Proud; con-

ceited. श्रोघ० नि० ४१३; पराह० १, २;
गारहत्थिया. स्री० (गाई हिशका) गृह स्थती
लापा; भेटा, भाष, भामा वगेरे. गृहस्थकी
भाषा; बेटा, बाष, मामा इत्यादि. The
language used by a house-holder. प्रव० १३३४;

गारुडिन्न, पुं॰ (गारुडिक) गारुडीविद्या-(सप<sup>९</sup> उतारवानी पश्डवानी विद्या) ज्वाल् नार. गारुडीविद्या को जाननेवाला. A snake-charmer. मु॰ च॰ ६, १३,

गालगा. न॰ ( गालन ) गाणवुं; छाखुवुं. छानना. Filtration. परह॰ १,१; विवा॰ १;

गालित. त्रि॰ ( गालित ) भागेतुं. छाना हुन्ना. Filtered. जीवा॰ ३, ४;

गाली. स्नो॰ (गाली) गाण देवी ते गाली-कटु वचन-स्रपशब्द कहना. Abusing. प्रन॰ ४३६;

गाव. पुं॰ (गो) प्रसद्दः बल. An ox; a bullock अगुजो॰ १२=;

गावी स्त्री (गो) आय गाय. A cow. श्राया २, १, ४, २३; जं ०प० — स्त्रिज्ञिण. न० ( - श्राजिन ) आयनुं २५ . गौका चमें. the hide of a cow प्रव० ६८३;

गास पु॰ ( ब्रास-ब्रस्यते इति ) हाणीये।;

ह्वसः निवाला; प्रास. A. mouthful of food. उत्तः २, ३०; पि० नि० ७७, निशे० २४०५; —एसगा. स्रो० (-एपगा) आहार की एपगा. अहिराती अपेशा प्राहार की एपगा. seeking of food or alms. प्रवः २२; गाद्ध पुं० (प्राहः) भगरभम्थः जलवर प्राणी निशेष. An aquatic animal, an alligator. उत्तः ३२, ७६; ३६, १७१; स्यः २, २, ६३; तंदुः निवा० १; दसा० ६, ४; जीवा० १; नाया० ४; पि० नि०३३२; पन्न० १; (२)

पड्डें. पकरना. holding; catching. राय॰ ३५; (३) अद्ध डरी यासनार. ब्रह्ण करके चलने वाला. one who walks after having accepted. श्रीव॰ ३३; √गाह. था॰ II. (गाघ्) स्थापनं करना. To establish; to install. गाहेइ. दसा॰ १०, १;

√ गाह. घा॰ I. ( गह )अवेश क्रवे।; पेसवुं. प्रवेश करना. To enter.

माहइ. सूय० १, २, १, ४;

गाहरा, त्रि॰ ( प्राह्क ) २९१४।२०।२; होतार. स्त्रीकार करने वाला लेने वाला. ( One ) who takes or accepts. १६० नि॰ भा॰ २७; ३०; विशे ० १४४६; (२) शुः विद्या ने वाला. ( one ) who instructs like a Guru विशे ॰ १४४६;

गाहरग न॰ (गायाप्र) गाथानुं परिभाशः गाथाका परिमाणः. The limit of verses. क॰ गं॰ ६, ६३;

गाहा. स्त्री॰ ( गाथा ) आहृत लापानुं पद्यः શ્લાક: આર્યો આદિ ગાયા प्राकृत भाषा का पद्य: रलेंग्क श्रायी श्रादि गाथा.  ${f A}$  v ${f e}_1$ s ${f e}_5$   ${f a}$ Magadhi etc. verse; the metre १२; भग०१, १; २; २, १०;१०; ६,४;<sup>२,२</sup> ३; ३१, १; नाया० १; ६; ८; श्रगुजो॰ १३१, १४६; वेय० ३, २०; श्राव० ४, ७; भत्त० १७२; प्रव० ६२६; जं० ए० ७,१५६; (૨) સામાન્ય પ્રાકૃત ગાથા બનાવવાની તથા প্রভাবী ৬০।. सामान्य प्राकृत भाषा वनाने व जानने की कला the art of composing or knowing ordinary Piakṛita verses. स्रोव०४०; (३) सूय गडांग-સ્ત્રના પ્રથમ શ્રુતસ્કન્ધના ૧૬મા અધ્યયન નું નામ કે જેમાં ગાથારુપે શ્રમણ માહણ

िल्फ् अने निश्रन्थ शण्हाना सक्षा हशांव्यां छे. सूयगडांग सूत्र के प्रथम श्रुतस्कन्ध के १६ वे श्रध्ययन का नाम की जिसमें गाथा रूपसे श्रमण, माहण, भिक्छ व निश्रन्थ शब्दों के लक्षणों का विवेचन किया है. name of the 16th chapter of the first Sruta Skandha of Suyagadānga Sūtra. Here meanings of the words Sramna Māhana, Bhikkhu and Ni grantha are given in verses स्य०१,१६; ६; सम० १६; उत्त०३१, १३, पएह०२, ४;

गाहाबइ. पुं॰ (क् गाथापति-गृहपति ) इंटुंशने निलायनार नायकः इस्पित कुटुंब को निमानेवाला, कुलपति The head of the family कप्प॰ ४, ११६; ६, २०; श्राया॰ २, ७, २, १६२. निर॰ ३, १; (२) के हिर्दित किपरी; सक्वितीना १४ रत्नमानुं स्थेक कोठार का कपरी माग चक्रवर्ती के १४ रत्नमें से एक. the part above the store, one of the 14 jewels of a Chakravantī सम॰ १४, ठा॰ ७, १; (३) स्थे नामना स्थेक सन्यासी. a wandering ascetic of this name. भग॰ ७, १०,

गाहावइ. पुं॰ ( गृहपति ) धरध्धी; अढ्रथ गृहस्वाभी; गृहस्थ. A householder श्राया॰ १, ७, २, २०२, २, १, ३, १४, स्य॰ २, २, ४४, २, ७, २: भग॰ २, १; ३, १, ४, ६; ७, १०; ६, ६; १०, ४, नाया॰ १, श्रंत॰ ३, १, वेय॰ १,३१, राग॰ २६६; विवा॰ १; सु॰ च॰ ११, ७; प्रव॰ १२२६; — करंडश्च ( -करगडक ) अढ्र-२थने। ५२९६१ओ। ३ कोमा २८न ३ सुनर्ध है। य. गृहस्य की टांकरी कि जिसमें रत्न या मुनर्ण हो। a basket, a receptacle belonging to a householder (containing gold, jewels etc.) टा॰ ४, ४; —कुल न॰ (-कुल-गृहपति-गृंहस्थस्तस्य कुलम् ) आधापतिनु ५६ गाथापति का कुल the family of a patriarch. वन॰ ६, १, निमी॰ ३, ९; ६, ७, दसा॰ ६, २, —रयण. न॰ (-रत्न) यक्ष्यनित १४ रत्नभानुं ओक नक्षवर्ती के १४ रत्नों में से एक one of the 14 gems of a Chakravartī, named Gāthāpatı. पन्न॰ २०,

गाद्वावइस्ि स्नी॰ ( गृहपत्नी ) धर ध्रशीयाशी गृह स्वामिनी A housewife श्रंत॰ ३, ६; श्राया॰ २, १, ३, १४, भग० १५, १; नाया॰ ५;

गाहावई-ती. स्री॰ ( प्राह्वती ) नीसपनत પર્વ તથી નીકળી દક્ષિણ તરફ ચાલતી ર= હજાર નદીઓના પરિવારે શીતા નદીમા મળતી સુકચ્છ અને મહાકચ્છવિજયને જાદી पार्टती से अक्षानही नीलवंत पर्वत से निकलकर दिचए दिशा प्रति बहती हुई २८ सहस्र निदयों के परिवार महित शीता नदी में , मिलती हुई सुकच्छ व महाकच्छ विजय को विभक्त करती हुई एक महानदी. Name of a large river separating Sukachchha and Mahākachehha Vijaya and flowing into the river Shita, with 28 thousand tributary rivers starts from Nilavanta mountain and flows towards the south. ठा॰ २, ३; ज॰ प॰ ३,६०; —कुड. पुं॰ ( -कुएड ) শুક२% বিજયની પૂર્વે મહાકચ્છ વિજયની પશ્ચિમે નીલવત

પર્વતને દક્ષિણ કાંઠે ગાહવતી નદીના દરેડા केमां पडे छे ते ५९८. सुकच्छ विजय की पूर्व मे व महाकच्छ विजय की पार्श्वम में नीलवंत पर्वत के दान्निण किनारे पर प्राहवती नदी की धारा जिसमें गिरती है वह कुएड. name of a lake receiving the torrent of the waters of Giāhavatī river. It is to the south of Nilavanta mountain, to the west of Mahākachchha Vijaya and to the east of Sukachchha Vijaya. जं॰ प॰ —दीव. पुं॰ (-द्वीप) ગાહાવતી કુણ્ડ વચ્ચેના દ્વીપ. प्राहावती कुराद का मध्यस्य द्वाप. an island in the lake into which the river Grāhavatī pours down her torrent. जं॰ प॰

गाहिय-॥ ति॰ ( प्राहित ) शीभावेश; अहण कराया हुआ; प्रहण कराया हुआ. Taught; caused to accept or take दसा॰ ६, २०; स्य॰ १, २, १, २०; सम॰ ३०; नंदी॰ २७;

√ गिज्मा था॰ [. ( गृथ् ) गृह धर्वु; भुं अध कर्वु. लालची होना; श्रासक होना To be greedy; to be confounded.

गिज्मह. गाया० १७; सु० च० ४, २८०; निसी० १२, ३४;

नित्मेजा. वि० श्राया० २, १४, १७६; गिउमा. वि० श्राया० १, २, ३, ७७; गिउमह. श्रा० नाया० ६; गिउमहिति. म० श्रोव० ४०;

 विशेष २४०; २७०; उत्तर १३, १६; — वश्च त्रि॰ (-वचस्) केनुं वयन अदृष् इत्या थे। २५ छे ते. जिसके वचन प्रहृण करने योग्य हो वह. (one) whose words are worth accepting. कर्ण १, ५१;

गिजिसयटच त्रि॰ (गृद्धण्य) सासन् थया साथ है. लोभी होनेके लायक. Worthy of being greedy for परह॰ २, ४; — गिड्डियाइरमर्गा. न॰ (-गिड्डिकादिरमण) गेडीहडा वगेरेनी २भत. गेंद व दर्गड़के का खेल. (ग्रंग्रेजी रमत हाँकी के समान) है game like hockey. प्रव॰ ४४३;

√िंगिएह. था॰ I, II. (गृह्) अद्रख् धर्युं; दीवुं; स्पीधारवुं. प्रहण करना; लेना; स्वीकार करना. To accept.

गिरहेइ. नाया० ५; ८; १३;

भिग्रहह्न. उत्त० २४, २४; निर्मी० २, ४; नाया० १; १४; १६; पन्न० ११; भग० २, १; ४; राय० २६६; जं० प० ४, ११७;

गेबहइ. नाया॰ ८; भग॰ १२, ४; २४, २; गेएहेइ. सु॰ च॰ १, २६४;

गिएहंति. विशे २०४; नाया १; २; १४; भग० २, १; राय० ८६; दस० ६, १४; जं० प० ४, ११४;

गेराहंति. भग० १८, ३; २४, २;

गिरहामि. नाया० ७; =;

गिएहामो. नाया० =; श्रोब॰ ३६;

गेएहामा. भग० ८, ७;

गिरिहज्जा. वि॰ श्राया॰ २, ५५, १७६:

शिराहे. वि० पि॰ नि० २०५;

गएहेज. वि॰ विशे० २१२;

गेग्हेज्जा. वि॰ भग० ३, १; ४; ४, ६;

गिएइ. श्रा॰ सुं॰ च॰ ४, १४०; दस॰ ७,

४४. भग० १, १; २, १;

गिरहाहि आ॰ नाया॰ ७, १२; १४; दस॰ ६, ३, ११; श्राया॰ २, ३, २, १२०; गियहसु. श्रा॰ सु॰ च॰ १, ३४६, गिएहह आ॰ नाया॰ १२; गिग्हेह. आ० नाया० ७; करना To take घेटिछ इ. भवि० विशे० १०२३: घेच्छ।सि भवि । पि । नि । ४८१; घेच्छ. भवि० विशे० १९२७. घेटलो. भवि० पि० नि० २८१: घितं. सं० कृ० सु० च० २, १७०: घेत्रुण. स० कृ० नाया० ६; उत्त० ७. १४; घेतुं. सं॰ कु० पि० नि० १६३, प्रव० १४८; गिएहेत्ता स० कृ० नाया० ८, १३; १४; गेरिहसा सं० कृ० भग० २, १: गिर्गिहऊर्ण. स॰ कु॰ नाया॰ २, विवा॰ ७; गिगिरहय. सं० कृ० नाया० ६; गिरिहत्ता. स० कृ० नाया० १, ८; ५; ५, ६, १२, १६; भग० २, ५; ज० प० <u>४, ११४;</u> गेरिहत्तए हे॰ कु॰ भग॰ ३, २; र्गग**हंत्त** व॰ कृ० उत्त० २४, १३; पिं० नि० १८४: गेयहमाण. व० कृ० भग० ३, २; ३; ७, १०; ७, ६, ७, नाया० १; गिएइमाया. व॰ कृ० विवा॰ १; वेय॰ ६, ७; दसा० २, १४, १६. ठा० ४, ५; सम॰ २१, गिएहावइ. गि• सु॰ च॰ १३, ६३; गिगहावेद्द. गि॰ विवा॰ ४, नाया० ५, १२; गिएहाविजा वि० श्राया० २, १४, १७६; गिएहावेंसु शि॰ भू॰ नाया॰ १; गिएहाविता गि० सं० कृ० नाया० =; √ गिराह. धा॰ I. (गृह् क॰ वा॰) अ७७। धर्य प्रहण किया हुआ. To take.

र्घिष्पइ. क० वा० सु० च० ४, १६८; . घप्पद्व. क० वा० पि॰ नि० ३५६: घेप्पेज, कः वाः विः विशे २ २ ५: घिष्पमाण क॰ वा॰ व॰ क॰ भग॰ १, १; शिराहणा. न॰ ( प्रहरण ) ५४५वुं पकड़ना. Catching; holding पि॰ नि॰ ३=1; नाया० ६, गिरिहम्भव्यः त्रि॰ (गृहीतव्य ) अद्ध्य ४२वा थे। २४: २ रीक्षारवा थे। २४. ब्रह्म करने योग्य. स्रीकृत करने योग्य Worth being accepted or taken अणुजी० १५६; गिद्ध. त्रि॰ ( गृद्ध) सास्यु, आसक्त. तात्त्वी, भासक. Greedy; excessively attached. दसा॰ ६. १, परह॰ १, १; भग॰ ७. १; नाया० २; ५; ८; १७; दस० ८, २३; १•, १, १७; उत्त० ४, ४; ८, ११, प्रव० ८४०, भत्त० ११२; गिद्धः पु॰ (गृध्र ) गीध, भासांकारी पक्षी विशेष गोध; मांसाहारी पत्ती विशेष. 🗛 vulture. '' दक गिंद्धाईंगंत सो '' उत्त० १६, ४६; श्राया० २, १०, १६६; श्रोव० ३=; प्रव० १०३०; नाया० २: गिक्सपिट्ट. न॰ ( गृथपृष्ठ ) गृष्रपृष्ठ नामनु મરણ; કાેઇ જનાવરના કલેવરમાં પડી ગિદ્ધા-દિકતા સુથી ખાવાથી મરવુ તે; બાર અકામ भरखभांतु એક गृघ्रपृष्ट नामक किसी जानवर के मृतक शरीरपर गिरकर गिद्धादिकका उसका चोंच मार मार कर खाना वह; बारह प्रकारके मृत्युमेंसे एक. Devouring (by vultures etc.) of carcass of an animal by pecking; one of the 12 kinds of deth. নে• २, ४; भग० २, १; निसी० ११, ४१; प्रव० १०२१; नाया०१६; —मरगा. न० (न्यरगा) ગિહ વંગેરે પક્ષીના ફાલી ખાવાથી મરવું તે. गिद्ध श्रादि पद्मी के चौंच मार मार कर खाना वह. death caused by the piercing of the beaks of vultures etc नम॰ १७;

गिद्धि छी० (गृद्धि) आधंक्षाः आभक्तिः अ'तुरता. थाकांचा. श्रामीकः; उत्युकता. Greed; longing; attachment. श्राया॰ १, ६, २, १=३; प्रव॰ १०३०; गिम्ह पुं॰ ( श्रीष्म ) गीष्म ऋतु; गम्भीनी भे।सभ ७-८।से।. श्रीप्म ऋतुः, गरमां की र्गामिम. Summer. श्रोव॰ १७; ३६; भग० ४. १; ७, ३; १४, ६: नाया० १; म; ९; स्य - १, ३, १, ४; जंब पर ७, १६२; श्राया० १, ७, ४, २१२; ठा० ६, ३; विशे० १२७२, निर॰ १, १; मु० च० ३, २४०; दस० ३, १२; पि० नि० ८३; वेय० १, ७; स्० प० ८; कप्प० १, २; ४, ९६; गच्छा० ७७; प्रव० ४११; ६११; —उउ. पुं॰ ( - प्रस्तु ) अध्म ऋतु; ઉताला. ग्रीप्स ऋतु summer senson. नाया॰ ६; —काल. पुं॰ ( -काल ) ઉनाला; वैशाभ केष्ट भासने। सभय प्राप्म; वंशाख जेष्ट मासका समय. summer. नाया॰ --कालसमय. पुं॰ (-कालसमय ) ઉनाणाने। व भत. ग्रीप्स का समय. time of summer. नाया॰ १३:

गिम्हन्न. त्रि॰ (भ्रोप्सक) श्रीष्म ऋतुमां यथेशुं. श्रीष्म ऋतुमें बना हुन्ना. belonging to the hot season. श्रगुजी॰ १३३;

गिरा. स्री॰ (गिर्) पाशी वाणी; शब्द-Speech; words. भग॰ ३, २; ६, ३३; नाया॰ १; उत्त॰ १२, १४; निसी॰११, १५; दस॰ ७, ३; ४४; चउ॰ १८;

गिरि. पु॰ (गिरि-गृणन्ति शब्दायन्ते जननि-नासभूतत्वेन) पर्वत; डुंगर; पढाड. पर्वत; पहाइ; गिर्र. A mountain. भग॰ २;

१; ३, ७: ७, ६; नाया०१; २; १८; श्रोव० ३१; ३८; उत्त० ११, २६; १२, २६; श्राया० २, १, २, १२; श्रोघ० नि० ७=४; जि० प० ३, ४७, महा० प० ६५, दस॰ ६, ६, ६; भत्त॰ १६५; — ईसर. पु॰ ( - हंश्वर ) पर्वताना ध्वन, भाटा पर्वत. पर्वतों का इंश्वर, महान पर्वत. highest mountain. প্রব০ ১৯০%; कंदर. पुं॰ (कन्दर ) पर्यंतनी शुधा पर्वत की गुफा. a mountain cave. विवा॰ ३ नायाः २: १६: प्रयः ==४: -कडगः प्रं॰ ( -कटक ) पर्वत पासेनी अभीन. पर्वत के पान की जमीन. the side or ridge of a mountain नाया । १=; -गृहा. स्री॰ ( -गुहा ) पर्वतनी शुः। पर्वत डी गुफा. a mountain cave. श्राया॰ १, ७, २, २०२; —जत्ता. स्री॰ (-यात्रा) पर्रतनी यात्रा ( कात्रा ) पर्वत को यात्रा. a pilgrimage to a mountain. नाया॰ १; निसी॰ ६, १६; —गायर. न॰ ( -नगर ) पर्वात पासेनुं नगर, शहेर पर्वत के पडीस (निकट) का शहर-नगर. a town near a mountain. श्रणुजाे॰ १३१; —पड्या. न॰ (-पतन ) ५५<sup>९</sup>तथी भरीने भरख निपन्तववं ओड प्रडारतं लासभन्छ. पर्वत से गिर कर मरण होना. death by fall from a mountain. তা॰ ২, ४; भग० २, १; निर्मा० ११, ४१; नाया० १६: —पायमूल. न॰ (-पादम्ल ) ५५ तनी तिथी. पर्वत की तली. the bottom of a mountain. भग॰ १४, ८; — महः पुं॰ (-मह) ५५ तेने। ७त्सव पर्वत का उत्सव. a mountain festivity. राय? २१७; —राय. पुं०(-राज) ५५ तेना राज, भे३ पर्वत. पर्वतों का राजा; मेरु पर्वत. the king of mountains i. e. the

Meru mountain. सम॰ १६; जं॰ प॰
—रेहा. स्री॰ (-रेखा) पर्यंतमा पडेली ६१८. पहाड म पडा हुआ चीराटा. the crack in a mountain. क॰ ग॰४,६३; —सिहर. न॰ (-शिखर) पर्यंतन शिभर टाय पर्वत का शिखर. the summit of a mountain. नाया॰ ४; ६.

गिरिकिएएया. स्त्री॰ (गिरिकिएकि ) गिरि इिंडा नाभनी स्त्रेश्चेश गिरिकाएँका नाम का एक वेल A kind of creeper so named पन्न॰ १;

गिरिकन्नी स्रो॰ (गिरिकर्णों) गिरि क्षिंधिक्ष नामनी भेस. गिरिकारिका नामकी एक बेल A kind of creeper प्रव॰ २४०;

गिरिकुमार पु॰ (गिरिकुमार) युक्षिक्षियंत पर्य त संणधी ओड शिणरता व्यधिष्ठाता देवता. चूल हिमवन्त पर्वत सम्बन्धी एक शिखर का श्रविष्ठाता देवता The presiding deity of the summit of Chulahimavanta mountain. जं॰ प॰ ४, ७४.

गिरिवर. पुं॰ (गिरिवर) श्रेष्ट पर्रत; भेइ पर्रत श्रेष्ट पर्वत; मेरु पर्वत. Meru mountain, the loftiest and the greatest of all. भत्त॰ ११६, —गुरु त्रि॰ (-गुरु) भे३-५५ त सभान भ्ढें।टा श्रेष्ट. मेरु पर्वत के समान महान्-श्रेष्ट great as Meiu. भत्त॰ ११६;

गिरिसिया स्त्री॰ (गिरिसिका) એક જાતનુ વાજી एक प्रकार का वार्जित. A kind of musical instrument. राय॰ ८६; गिलमाण. त्रि॰ (गिलत्) गणता; ५ छु ५२भा उतारी जता गलित होता हुन्ना; पुनः पेट में उतारता हुन्ना. Swallowing; swallowing back again into the belly. वेय॰ ४, ९०;

Vol 11/79.

√ गिला. धा॰ I. ( ग्ले ) ગ્લાનિ પામવી; सुक्षाध જવું. ग्लानि पाना; खेदयुक्त होना To wither; to suffer mental pain. गिलाइ. श्राया॰ १, २, ६, १००, भग॰ २, १. नाया॰ १:

गिलायति. भग० ५, ८; गिलामि. श्राया०१,७, ६, २२१, भग०२,१;

गिलाम. श्राया०१,७, ६, २२१, मग०२,१; गिलायमाण व० क्व० दसा०४, १०४; वव० २, ५; ४, १३; ५,१३; वेय०६,१०;

शिलागा. त्रि॰ (ग्लान) भ्यानिपाभेय, अशस्तः रे।भी; हुर्भेल ग्लानि युक्त; श्रशक्त, रोगी, दुवंत. Withered; enfeebled; sickly; afflicted in mind. उत्त॰ ४, ११, सम॰ ३०; ठा० ३, ४, सूय० १,३, ३, १२; पग्रु २, ३, पि० नि० भा० २७; विवा०७, विशे ० ४; दसा० ६, २३; २४, निसी० १०, ४२; १६, ६; भग० ८, ८, १२, २; नाया० १३: कप्प॰ ६, १८, गच्छा॰ ११६, प्रव॰ १४५; १६२, १२५; ८७२; **—पश्रोग**. पु० ( -प्रयोग ) અशक्तने अनुकृत पडे ओवे। प्रयोग-७५थार. श्रशक्त को श्रनुकृल हो ऐसा प्रवेग. treatment, remedy agreeable to an enfeebled person निसी॰ १०,४४, --भत्तः न० (-भक्त) રાેગી-અશક્તને માટે તૈયાર કરેલું બાજન. रोगी-श्रशक्त के लिये तैयार किया हुआ भोजन food for an invalid. श्रोव॰ ४०; भग० ४, ६; ६, ३३; नाया०१; निसी० ६. ६: —वेयावद्य. न० ( -वेयावृत्य-ग्ला-नस्य भक्तपानादिभिरुपष्टम्भः) रेशीनी वैया-व्यय-सेवा रोगी की " वैयावच " सेवा sick; tending the service rendered to a sick person. ন॰ ४, १; वव० १, २, ७, भग० २४, ७<sup>.</sup>

गिलासिंगि. पु॰ (ग्लाशनि) अस्म रे।गः; अस्म अस्मकरोगः, भस्मक व्याधि. A kind of disease. श्राया॰ १, ६, १, १७२;

गिलिस्र त्रि॰ (गिलित) गणी गथेस; भणा नीये उतारेस. गलित; गले के नीचे उतारा हुस्रा. Eaten; consumed. वि॰ े नि॰ १८२;

श्री शिल्त. क्ली॰ ( १०००) हाथीन अंभाडी. हाथी का त्रोहदा. A covered wooden frame placed on the back of an elephant and used as a seat; a palanquin. जं॰ प॰ भग॰ ३,४,४, ७;६, ६: ११, ११; (२) भे भाखुसाओ उपाडेस जेग्गी-डेली दा मनुष्यों ने उठाई हुई मोली -डोली. a sort of small palanquin lifted up by two persons. दसा॰ ६, ४; स्य॰ २, २, ६२; (३) ઉ८नुं पश्ताखु. उट की काठी. the saddle which is tied on the back of a camel. स्य॰ २, २, ६२; जीवा॰ ३, ३;

गिह. न० (गृह ) वर; भक्षान; रहेक्षेषु घर; मकान. A. house; a residence. आया॰ १, ४, ६, १६४; २, ४, २, १३६; भोव॰ ११; भग॰ ३, ७; १२, १; १४; १६; १८; नाया॰ १; २; ३; ५; ६; १४; १६; १८; नव॰ ६, १; निसी॰ १, ४६; ६, १२; वेय॰ १, १२; ४, २६; सु॰ च० २, ४००; दस॰ ७, २७; उवा॰ १, ४६; —ग्नंगण न० (—मज्ञण) धरनुं आंगहं, ६०। मिंग का क्षांगन. a court-yard in front of a house. निसी॰ ३, ६३; —ग्नंतर. न॰ (—मन्तर) गृद्धान्तर-णे धर वस्येने। सागः धरनुं अन्तरास. गृहांतर-दो घर का मध्यस्थ माग. an interval of space be-

tween two houses; the inside of a house. आया॰ १, ६, ४, १६४: --श्रंतरिणसिज्जाः स्री० (-श्रन्तरनिपद्या) भे धरनी वच्चे भेंडड डरवी ते. दो घर के वीचमे बैठक बनाना. a drawing room between two houses or in the inside of a house. दसा॰ ३, ४; --- प्लुग. न · (-प्लुक) ઉમ્भरा-भारखाते। नीयेने। लाय. देहली-द्वार के नीच का भाग. the threshold. श्राया०२,५, १, १४६; -- एलुय. न० ( - एलुक-श्रविन्द ) धरने। ઉभरे। घर की देहली. the threshold. निसी० ३, ६३; १३, ४; —दुवार. न० ( –द्वार ) धरनु পাহণ্ডু. घर का दरवाजा. a house-door. निसी॰ ३, ६३; —धम्म पुं॰ (-धर्म) ગૃહસ્થતે। ધર્મ (અતિયી सत्धार वर्गेरे ). गृहस्य का धर्म ( श्रितिधि सत्कार इत्यादि ) hospitality to a guest. नाया॰ =; १४; —मह, न॰ ( - मुख ) धरने। आश्री भाग घर का त्रागे का भाग. the frout of a house. निसी॰ ३, ६३; — लिंग. पुं॰. (-लिह) गृहस्थते। वेप. गृहस्थ का वेप. the garb of a householder. भग॰ २४, ६; ७, --- वर्. पुं॰ ( -पति ) धरने। धर्णी. घर का मालिक, the owner of a house; the lord of a house. दस॰ ५, १, १४; १६; प्रव० ६८८; **—वरुव.** न॰ (-वर्चस्) धरते। ध्यरे। घरका कूडा. the dirt or refuse of a house. --वास. 3, ७३; निसो ॰ ( –वास ) ઘરનાે વાસ; ગૃહસ્થાશ્રમમાં રહેવું ते. गृहवास; गृहस्थाश्रम में रहना. state

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। ( \* ). देखों पृष्ठ नंबर १५ की फूटने। ट ( \* ). Vide foot-note ( \* ) p. 15th.

of being a householder. उत्त॰ ५, २४; ३४, २; —संधि. पुं॰ (-सन्धि) भे धरनी वन्येने। प्रदेश. दो घर का संधान, दो घरों के बीच का प्रदेश. the interval of space between two houses. उत्त॰ १, २६;

गिहकोकिलिया स्त्री॰ (गृहकोकिला) शृक्ष-गेाधिश-देढगराेडी. क्षिपकलीः A lizard विशे॰ २४५६;

गिहत्थ. पुं॰ (गृहस्थ-गृहमगारं तत्रतिष्टति सः) ગૃહસ્થાश्रभी-ગૃહસ્થ. गृहस्थाश्रमी--गृहस्थ. A householder. ত্রত ২, ৭২; ২, २२; भग०३, १; नाया० ११; १५; दस० ५, २, ४५; सु० च० १५, ७०; निसी० १२, १६; गच्छा० ११०; श्राव० ६, ६; पंचा० १३, ३४; भत्त० १४; १७०; --धम्म. पुं॰ (-धर्म) ગૃહસ્થના ધર્મ; શ્રાવક ધર્મ. गृहस्य का धर्म; श्रावक धर्म. the duties or the rules of a layman. गरका॰ ३२; --पञ्चक्ख. न० (-प्रस्पन्न) गृहस्थ-ની સમ-ક્ષપ્રત્યક્ષ, ગૃહસ્થના દેખતાં. गृहस्थ के समज्ञ-समीप-प्रत्यच्च गृहस्य की दृष्टिके सामने. in the presence of a householder. गच्छा॰ ११०; —भाव. पुं• ( -भाव ) गृह्वस्थपश्ं गृहस्थपन the status of a householder. पंचा १०, ३६; —भासा. स्री॰ ( -भाषा ) गृहस्थनी ભાષા; મામા, આઈ, ભાઈ વગેરે બાલવું તે. गृहस्य की भाषा; मामा, माता, भाई इत्यादि बोलना. the householder's mode of addressing relations गच्छा॰ ११७; —संसद्द त्रि॰ ( -संसृष्ट ) ગૃહસ્થના ઘી વગેરે પદાર્થથી ખરડાયેલ ( ७। थ परेरे ) गृहस्य के घा इत्यादि पदार्थ से भरे हुए ( हाथ इत्यादि ). the hands of a householder smeared

with ghee etc. श्राव॰ ६, ६; गिहि. पुं॰ (गृहिन्-गृहसस्यास्तीति ) गृह्वस्था-શ્રમવર્તી; ગૃહસ્થ. गृहस्थाश्रमवर्ता; गृहस्थ. A householder. दस॰ ३, ६; ६, १६; म, ५,१; ६,३,१२;पि० नि॰ भा**०**३२, पिं० नि० १४३; १४४; विशे० ३३७२; उवा० १, १२; पंचा० १, ३१; ४, ७; गच्छा॰ १२४; प्रव॰ २, —जोग. पुं॰ ( –योग ) ગૃહસ્થના યાેગ–સમાગમ. गृहस्थ का परिचय; समागम. contact with a householder. दस॰ ८, २१, १०, १, ६; — सिसिजाः स्री० (-निषदाः) ગૃહસ્થની બેઠક પલગ આદિ गृहस्य की शय्या पत्तंग आदि. the seat e g. a cot etc. used by a householder. निसी॰ १२, १६; —तिगिञ्जा (-चिकिस्सा) गृहरथनुं वैदुं ४२वु ते गृहस्थ का वैदिक उपाय करना medical treatment of a householder. निसी॰ १२, १७; —धम्म पु॰ (-धर्म-गृहं यस्यास्तीति तद्भी. ) गृह्वस्थधभीनेज ર્શ્વેયસ્કર માનનાર વર્ગ<sup>°</sup>; ત્યાગ ધર્મા<u>નુ</u> ઉત્થા-पत **५२ता२. गृहस्य धर्मको ही श्रेयस्क**र मानेन वाला वर्ग; लाग धर्म का उत्थापन करने वासा. one who regards the duties of a householder as the highest duties; one opposed to asceticism. প্রস্তুজী৽ २•; ( २ ) প্রাব-**કના ભાર વતरू** ५ ગૃહ**⊱थ ધમ<sup>6</sup> श्रावक** के द्वादश वत रूप गृहस्थ धर्म. the precepts or the 12 vows of a Jaina layman. विवा॰ १, राय॰ २२३; नाया॰ १४; —निसिज्जाः स्त्री॰ ( -निषद्या ) गुढ्-સ્થીની બેઠક गृहस्थी की बैठकseat of a householder. गच्छा । १२६; -पडिक्रमण् न॰ ( -प्रतिक्रमण्)

गुरुगः त्रि॰ (गुरुक) कारे, २ हे। हुं; वळनहार. भारी; वडा; वजनदार. Houvy; big. पंचा॰ १४, १७,

गुरुतरग. त्रि (गुरुतरक) अतिलारे; अड्ड भढ़े।टेर. श्रातिवजनी, वहुतबडा Very heavy. पचा० =, २८;

गुरुयत्त. न० ( गुरुकरव ) लारी पर्धु भारीपना. Нев vine ५५. भग० १, ८; १२, २; नाया० ६; राय० २६०; पत्त ० १४;

गुरुयत्ता स्ती॰ (गुरुकता) लुओ "गुरुयत्त" शण्ट. देखी "गुरुयत्त" शब्द. Vide. "गुरुयत्त" भग०५, ६; ७, १, १७; नाया०६; गुरुलहु. त्रि॰ (गुरुलघु) એકांत लारे नहीं अने એકांत ह्वकुं नहीं हिन्तु એક अभेक्षाओं लारे अने थीछ अभेक्षाओं हवकुं. एकांत वजनी नहीं व एकान्त हलका नहीं किन्तु एक अभेक्षा से वजनी व अन्य अभेक्षा से हजका. Heavy and light from different points of views; relatively heavy and light सम॰ २२;

light or heavy. सम० २२;

गुल. पुं० (गुढ) शुःऽ शाण. गुड Molasses; treacle. 'खंडगुलम च्छडीमाईग्यं'

श्रोव० ३८; श्रयुजो० १२७; ठा० ७, १;
नाया० ८, १७; पि० नि० ५४. २१०; पष०
१७; जं० प० पंचा० ४, ११; ८, २३; प्रव०
२३४; श्रयुजो० ३८; — पाग्र. न० (-पान)

गे। गनुं पाधी पीवुं ते. गुड का पानीपीना

-परिगाम. पुं॰ ( -परिगाम ) अधेितः

હલકા ભારેપુદ્રલનું પરિણામ; ગુરૂલઘુ પર્યાય.

एक की अपेचा से वजनी व अन्यकी अपेचा

से हलका; गुरु लघु पर्याय relatively

drinking of water mixed with treacle. नाया १७;

गुलइय. त्रि॰ (गुहिमत ) गु॰७००अ९३३५े भेजेक्षां न्हाना आडा. गुच्छे के हपंत मिले हुए छोटे इत्त. A cluster of small trees. श्रोव॰ भग॰ १, १;

गुलगुल. न॰ (गुलगुल) हाथीने। शुलगुलाट राण्टः; शुलगुल भेषी भ्यनि. हाथी का गुल गुलाट शब्दः; गुलगुल ऐसी ध्वनि. The gurgling sound of an elephant. गुलगुलंत व॰ इ॰ ति॰ (गुलगुलत्) गुल शुलाट करता हुआ; गुलगुल जैसी भावाज Making a grunting sound like that of an elephant. श्रोव॰ रे॰:

गुलगुलाइयः न॰ (गुलगुलायित) क्षांभीने। गुञ्ज गुञ्ज आयाज, हाथी की गुलगुल श्रावाज Grunting of an elephant, राय॰ १८३; जीवा॰ ३, ४; भग॰ ३, २:

गुलगोलय. स्नी॰ (गुलगुलित) है। साहस हरेश हाथी की हज्ञा गुज्ञा किया हुआ. Making a bustle or noise सु॰ च॰ ६, २७; --लाविशिया स्नी॰ (-लाविश्वका) भेश पापडी गुड़ की पपडी. a cake of malacess. प्रव॰ १४२४;

गुलहाणी. स्री॰ (गुलघाना) नेश्व भिश्रीत धाणा गुड मिश्रित धानी. Parched grains mixed with malacess. प्रव॰ २३५; १४२=;

गुलिश्रा-या. की॰ ( गुलिका ) गुटिका; ह्यानी गिणी. गुटिका; दवाई की गोली. Indigo; a medicinal pill. श्रोव॰ २२; ठा॰ ४, २; स्य॰ १, ४, २, ७; राय॰ ४०; अंत॰ ३, ६, विवा॰ १; जीबा॰ ३, ४; नाया॰ १३; १४; पक्त॰ २; १७; उवा॰ २ ६४; श्रगुल॰ ३, १, गुन्न पुं० (गुढ) ळुએ। "गुल" शण्ट. देखो "गुल" शब्द Vide. "गुल" श्राया २, १, ४, २४;

√ गुव. घा॰ I. ( गुष्) त्याकुल होना. To become distracted. गुवंति. भग॰ १४. १:

गुविल. त्रि॰ (गुपिल -कुटिल ) કृटिस. कुटिल. Deep; crucked; intricate. सु॰ च॰ ७, २४०; (२) ०५। स. न्याप्त. pervaded परह॰ १, ३;

गुन्तिया श्रो (गुर्तिया) सगर्का स्त्री; गर्भ-यती स्त्री. सगर्भा स्त्री; गर्भवती स्त्री. A pregnant woman. भग० १४, १; पिं नि ३६२; दसा० ७, १; वव० १०, १; दस० ४, १, ३६; प्रव० ७६६;

गुहा. शो॰ (गुहा) शुधा गुफा. A cave. स्य॰ १, ४, १, १२; भग॰ ४, ७; जं॰ प० नंदी० १४; ४७,

गुहिरः त्रि॰ ( गह्नर ) गं भीर; गहेरं. गंभीर; गहरा Thick; deep, profound. पत्र॰ २; कप्प॰ ३; ३८;

गुढ. त्रि॰ ( गुढ ) शूढ; গুম; ভানু. गूढ; गुप्त. Hidden; mysterious. म्रोव॰ १०; पिं० नि० २०६; नाया० ५; — ऋयार. त्रि॰ (-म्राचार) धृतारे।; हगारे।; गंही છાડા. ધૂર્ત, દન. (one) who cheats. स्<sup>य०२२, १६; —-**ग्रावत्त**. पुं० **( -**ग्रा॰</sup> वर्त ) गूढ़-ग्रप्त-आवत<sup>९</sup> शभ वगेरेते! वण. गूढ-गुप्त-श्रावर्त-शंख इत्यादि की मोड a curve; e.g. of a conch etc. ठा० ४, ४, —सामत्थः न० ( -सामध्ये ) श्रानुं पराक्रम. गुप्त पराक्रम. a secret bravery. प्रव॰ ८३८; —हिस्रय त्रि॰ ( -इदय ) માયાવી-કપટી હુદયવાલે।. मायाची-कपटी हृद्यवाला deceitful, fradulant. गच्क्रा० ६५; क० गं० १,४८, Vol 11/81

गृददंत. पुं॰ (गृददन्त) अध्यत्तरे।ववार्ध सूत्र-ના ખીજા વર્ગના ચાથા અધ્યયનનું નામ. श्रणुत्तरीववाइ के श्रण द्विताय वर्ग के चतुर्थ श्रध्ययन का नाम Name of the fourth chapter of the second section of Anuvogadvara. (3) શ્રેહિક રાજાની ધાંરણી રાણીના પુત્ર કે જે દીક્ષાલ ધારા અગ લણી ગુણ રયણ તપ કરી ૧૬ વર્ષ ની પ્રવજયા પાળી વિપલપર્વત ઉપર એક માસના સંથારા કરી વૈજયંત અનુત્તરવિમાનમાં ઉત્પન્ન થયા, ત્યાંથી એક व्यवतार हरी भेक्षे जशे श्रेगिक राजा की धारणी राणी का पुत्र कि जो दोचा लेकर ११ श्रंगों का पठन कर गुणस्यण तप कर. १६ वर्षको प्रवज्या का पालन कर, विपुलपर्वत ऊरर एक मास का संथारा कर, वैजयंत श्रवुत्तर विमान में उत्पन्न हुआ। वहां एक श्रवतार को संपूर्ण करके मोच गति को प्राप्त करेगा. name of the son of queen Dhārinī of king Śrenika. He took Dikṣā, studied 11 Angas, Gunarayana practised the penance, observed asceticism for 16 years and was born in the Vaijayanta abode above the heavens after practising one month's Santhara ( giving up food and drink ) on Vipula After one more mountain. birth he will attain salvation. श्रगुत्त॰ २, ४; (३) જમ્યૂડ્રીયના ભરતમા આવતી ઉત્સર્પિષ્ણીમાં થનાર ત્રીજા ચક્ર-वती. जंबूद्वीप के भरत में श्रागामी उस्सर्पिणी में होने वाले तीसरे चक्रवर्ता. the third future Chakravarti of the coming Utsarpini in the Bharata

of Jambii Dripa सम॰प॰२४२; (४) लय्यसभुद्रमां नयसी क्रीक्रन पर आवेल ग्रुट्टन्त नामनी ओह अन्तरद्वीप. जवण समुद्र में ना सी योजन पर आया हुआ गृद्धन्त नामक एक खंतरद्वीप. name of an island in Lavana Samudra at the distance of 900 Yojanas ठा०४,२; ६,१; प्रव०१४४१; (१)२७ मा अन्तरद्वीपमां रहेनार माणुस. २७ वें अन्तरद्वीप में रहनवाला मनुष्य. a resident of the 27th Antara Dripa. पन्न०१:

गूढण्य न० (गूढण्द) गुप्त पह. सांडेनिङ शण्ह गुप्तपद; सांकतिक शब्द. A code word. प्रव० ६६४, — आलोयणा लो॰ (-धा-लांचना) गुप्तपह-णे भायायाना साडेतिङ शण्हथी अतियारनी आलेखना इरवी ते गुप्तपद-दो आचार्यों की सांकेतिक शब्द से अतिचार की आनांचना करना. expiation of faults to be performed by two preceptors by means of code words. प्रव० ६६४,

गूढिसिरागः न० ( गूढिसिराक ) जेना पांदेशमां सिरा-रेस गुप्त होय अर्थात अगट न देणाय तेनी ओड साधारखु वनस्पति. जिसके पत्तों में रेशा गुप्त हो अर्थात् प्रगट न दिखाई देवे ऐसी एक साधारण वनस्पति. A vegetation with hidden fibres in its leaves. पन्न० १:

गृह्ण्या स्त्री॰ (गृह्न ) पेतिना रूपने छुपापी हेवु ते, अपटनं स्पप्त नाम. प्रापने रूप को छिपा देना, कपट का प्रपर नाम. Hiding of one's own form; a kind of deceit. भग॰ १२, ४, सम॰ १२; गेजा. न॰ (गेय) भावा क्षायक; भीत गाने

योग्य; गीत A song पगह॰ २, ४;

शेय-श्र. न॰ (गेय) ७ दिक्षप्त-पादान्त भन्दक्ष-अने रेशियतावसान-अे थार गीतभाना गोने ते कोई ज्याननुं गीत. उत्तिप्त-पादान्त मन्दक व रोगितावसान इन चार जाति के गांत में ने चाहे सो एक जाति का गांत. Any of the four kinds of song viz. Utkseipta, Pādānta Mandaka and Rochitāvasāna. राय॰ ==; ६६; श्रगुजो०१२=; ठा०४, ४; जं० प० ४, १२९; — ज्ञाणि. पुं० ( -ध्विन ) गीतना ध्वी-शन्द. गीत का ध्विन-शन्द. the sound of a song. मु० च० ४, ६२:

chalk: a mountain-born substance or metal. दस० ४, १, ३४;

गेरय पुं० (गेरूक) भगवां वस्त्र पहेरतार,
परिवालक, संन्यासी गेरण बस्त्र पहिनने
बाला, परिवाजक, संन्यामी An ascetic
with clothes dyed with red
chalk श्राया० २, १, ६; ३३; पं० नि०
३५८; ४४४; निसी० ४, ४४; उत्त० ३६,
७६; प्रव० ७३८; (२) ओक्ट लातने। अधी.
एक जाति का मिण. a kind of gem

गेरिश्र. पुं॰ ( गेरिक-गिरी भव. ) गिरिध

धातु: शेइ. गिरिक धातुः गेरु.

गेलएए न॰ (ग्लान्य) श्वानि थ्यी; मुंआवं; भ्रावं; भ्रावं; भ्रावंद्राने, भ

गेलन्त्र. न० (ग्लान्य) ळुओ। "गेलएण ' शम्प्त. देखो "गेलएण ' शब्द. vide "गेलएण '' पिं० नि० ४८०; विशे० ५४७; श्रोव० नि० ७२: प्रव० ८६०;

गेव त्रि॰ ( ग्रैव ) ४४ संअंधी कंठ; गला; गरदन Neck; throat."गंबिच्छ्रगणका" श्रोव॰ ३८; गेवज्ज. न॰ (मेवेय) नव श्रेवेयक The nine heavenly abodes. पचा॰ १४, ४७;

गेचिज्ञ. न० ( ग्रेवेय-प्रीवायां बद्धमलंकरः गम्) डंहेनुं धरेष्णु, डेइनुं व्याक्षरणु कंठ का श्राभूषणा; गले का गहना. A necklace. श्रोव० ३१; विशे० ६६७: जीवा० १; ३, ३; भग० ७, ६; राय० ६१, जं० प०७, १६६, कप्प० ४, ६२; (२) श्रेवेयह नामन विमान के heavenly abode styled as Graiveyaka. प्रव० ११३०; १९७०; — विमाण. न० ( -विमान ) श्रेवेयह देवनाता निवास स्थान. ग्रेवेयक देवता का निवास स्थान, name of any heavenly abode between the 12th and the 29th Devaloka भग० १३, २; १४, १०;

गोवेज्जग. न॰ (ग्रेवेयक) श्रेवेयक विभात. प्रेवेयक विमान. A heavenly abode named Graiveyaka. नाया॰ १; सु॰ च॰ २, ३७, (२) तन श्रेवेयक वासी देव the gods residing in the nine heavenly abodes known as Graiveyaka पत॰ १, उत्त॰ ३६, २१०, ठा॰ २, ३;

गेचेज न॰ (मैंदेय) लुओ " गेदिज " शण्ट. देखों " गविज्ञ " शण्ट. vide "गेविज्ञ" नाया॰ १; मग॰ २, १०; ५, ८; ६, ३३; श्रोव॰ ४१; राय॰ २५३; — कण्पातीय. पुं॰ ( -कल्वातीत) भार देवले। ६ छण्ट श्रेवेयडवासी देवे। हे के डल्पातीत ० यवलार मर्याहाथी अपतीत छे हादशवें देवलांक के उत्तर प्रेवेयक वासी देव कि जो कल्पातीत व्यवहार मर्यादा से श्रतीत है name of the gods above the

12th Devaloka. भग० =, १;
—िविमाण. न० ( -िवमान ) लुन्भे।
"गेविज्ञविमाण " शम्द. देखो "गेविज्ञविमाण " शब्द. vide "गेविज्ञविमाण "
श्रणुजो० १०४;

गेवेज्ञगः न० ( प्रेवेयक ) लुओ " गेविज्जग" शफ्द देखो " गेविज्जग" vide "गेविज्जग" भग० १६, ८; २०, ६; —कप्पातीयः पुं० ( -कल्पातीत ) लुओ " गेवेज्जकप्पातीय " शब्द. देखो " गवेजकप्पातीय " शब्द. vide " गेवेजकप्पातीय " भग० =, १,

गेवेज्जय. पुं॰ (ग्रेवेयक) श्रीवानुं; श्रीवासंशंवी (शंधत), श्रीवा संवंधी (वन्धन). Re lating to neck. नाया॰ २;

गेवेय न॰ (ग्रैवेय) ध्एउन भूष्णु. कंठाक भूष्णा. An ornament for the neck ओव॰ ३०;

गेह. न० (गेह) धर; भक्षान. गृह; मकान. A. house; a building. पि॰नि॰ १६३; भग० २, ५, ६, ५, १३, ६, १८, २; नाया॰ २; ८, १६; भत्त॰ ११२; गच्छा० १११, —ग्रागार. पुं॰ ( -श्राकार ) ઘરની પેકે ટાઢ તડકા અને વરસાદથી વચા-વનાર ઘરને આકારે પરિણત થયેલ કલ્પવૃક્ષ. घर के समान ठंडी, ताप व वर्षा मे बचानेवाला: गृह की श्राकृति में परिणत कल्पवृद्धा. a desire-yielding tree protecting against heat and cold like a house सम० १०, जीवा॰ ३, ३; — स्रावल. पुं॰ (-श्रापर्ण) धरयुत्र पन्तर. गृह्यकत बाजार. a market having a line of houses. अग॰ ६, ५; ---बास. पुं॰(-बास) धरवास; गृहस्थाश्रम. गृहस्थवना, गृह संसार; घरवास. status of a householder. सूय० २, १, ६०;

name of the gods above the | गेहंगेह. न॰ (गृहगृह) धरधर: ६रे६ धर.

घरघर; प्रत्येक घर पर. From house to house. नाया॰ १६;

गेहसम. न॰ (गेहसम) पीजा विगेरे पाछ ते। ओ के स्वर छपाउथा होय तेक स्वरमां गावुं ते. जिस स्वर को वीणा इत्यादि वार्जित्र में उठाया हो उसी स्वर मे गाना. Singing in the same pitch in which a song is begun on a musical instrument अणुजो॰ १२८;

गेहि स्रो॰ (गृद्धि) आसंक्ति, र्घ-श्र स्रासक्ति; इच्झा. Greed; desire. स्य॰ १, १, ४, ११: १, ६, २४; उत० ६, ४, ३४, २३, सम० ३०: ५२; श्रोघ॰ नि॰ ८७, भग० १२, ५; पगह० १, ३;

गोहिएी. स्री॰ (गोहिनी) स्त्री; पत्नी गृहिएती; स्री; पत्नी; A wife. सू॰ च०४, ६;

मो. पुं॰ (गो-गच्छतीति) गाय, ललह. गी; वैल A bull; ox. भग० १, १; २, ४; श्रोव॰ श्रणुजी० १३१, सम० ४०, जीवा० ३, १; नंदी० स्य० ४४; पि० नि.० १३२; राय० २८६; दसा० ६, ४, दस० ७, २४, सू० प० १०. डवा० १, ४, पंचा० १, १०; जं० प० ', १९४, -- कार्लंज. न० ( -क्रांतिश्च ) ગાયાને ખાણ અ ૫વ ના વાંસના સુંડલા. गौंत्रों को बांटा देने के काम में आने वालो टेाकरी a basket from which cows are fed जोवा॰ ३, ४; — खीर. न॰ (-चीर) शायनुं हुव. गाय का दव. cow's milk. नाया॰ १; १६; कप्रः ३, ३८; जं० प० ४, १२२; ७, १६६; -गाहण न० (-ग्रहण) गायाने पध्रवी-लध्ने देवी ते गोंझें। को पकड़ता—ले जाना taking away of cows. नाया॰ १=; विवा॰ ३; —घायम-य. पुं॰ (-वातक) ગાયાને મારનાર: ગાવત કરનાર: કસાઇ. भौओं को मारने वाला, गोत्रत करने वाला;

कसाई. a butcher, one who kills cows. सूय० २, २, २८; — चर. न॰ (-बर) गाये।ने यरवानुं जंगल गाँचां को चरने का जंगल. a pasture-ground; भग० १२, ७: -- जिन्माः स्री० (-जिह्वा) ગાયની છસ. गो की जिल्हा. a cow's tongue ,उत्त॰ ३४, १८; —दोहि त्रि॰ (-दोहिन् ) गायने देानार. गौको दुहनेवालाः ( one ) who milches a cow. प्रव॰ प्रदर्; पंजा॰ १८, १७; —दोहिया स्रो॰ ( - द्रोहिका ) गाय हेत्याने के आसने भे-સાય તે આસને ખેસી ધ્યાન ધરવું કે આતા-पना क्षेती ने गौका दूच दुइने को जिस श्रास-नगर बैठा जाता है उस आसन पर बैठ कर च्यान धरना मा श्रातायना लेना. practice of meditation or austerity on a seat used at the time of milk ing a cow श्राया॰ २, १४, १७६. ठा० ४, १; कप्न० ४, ११६; दमा० ७, १०, --- पुच्छ. न॰ ( -पुच्छ ) गायतुं पुंग्धंन गाय की प्ंञ. a cow's tail. जं॰ प॰ १, ४; ४, १०३; राय० १०४; —पुरुष. न॰ ( -पृष्टक ) गायते। वांसे।-लरडे। गौकी पीठ a cow's back. भग॰ १४, १; — भत्त न॰ ( -- भक्त ) गायनुं आख्. गौत्रों का बाटा the fodder for cows प्रव ११६; —भत्तिद्ञ. न॰ (-भक्तालिन्द्क) गाय-ने भाषु आपवानी भारतीये। गौत्रों को बाटा देनेका बर्तन a fodder pot. प्रव॰ ११६; --मंडवग्र.न॰ (-मएडपक) गायते। भंऽप-भाउने। गौत्रों का मडप. a house for cows. विवा॰ २; —मंस. न॰ (-मांस) ગાય અથવા બળદનું માંસ. गौया बैल का मांस. beef वि॰ नि॰ १६४; -मड. न॰ ( -मृत ) ગાય કે બળદતું મડદું-કરીવર गौ या बैल की लोय. a circass of a cow

or an ox. उत्त॰ ३४, १६, नाया॰ =, १२; —महिसी स्ना॰ (-महिपी) गाय अने भें स गाँव महिपा, गाय व भेंस. a cow and a she-buffalo. प्रव॰ २१६: --मुत्त न० (-मूत्र ) गायनुं भूत्र गौमूत्र. urine of a cow. पिं॰ नि॰ मा॰ ४०; श्रोघ० नि० भा०६४; — ह्रच त्रि० (-रूप) नारूप, गाय लेवुं गाँवत्; गौहप, गौं कं समान. like a cow निवा॰ २: - लेह-शिया बा॰ (-लेखनिका) गायाने यरवानी જગ્યા (ખીડ) गौत्रों का चरने की भूमि, चरा-गाह. a meadow for the grazing of cows. निसी॰ ३, ७७, -वइ. पुं॰ ( -पति ) भाटा अणह. वडा वैत्त. a big ox नाया॰ ६. --वग्गा पुं॰ ( –वर्ग ) દશ હજાર ગાયેાનુ ટાળુ सहस्र गौत्रों वा युथ. a held of cows 10 thousand in number. " एगं च या महं सेयं गोवगां पासित्ताणं पडिबुढे " ठा० १०; भग० १६, ६; —वाल. पुं० ( ~पात्त ) ગાવાલિએ।; ગાયા ચારનાર. गोवाल: गौत्रों को चरानेवाला & cowherd उत्त॰ २२, ४६, —वालग्र. पुं॰ ( -पालक ) गायेाने पालनार गावाण. गौश्रों का पालन करनेवाला, गोवाल, गवली a cowherd स्य॰ २, २, २८; पि॰ नि॰ ३६७; - व्वद्दश्च. त्रि० (-व्रतिक) गायनं વત રાખનાર, ગાય ખ્હાર નિકલે ત્યારે બ્હાર જવું; ગાયના ખાયા પછી ખાવું, પાણી પીધા પછી પાણી પીવું અને ગાયના સુવા પછી भुव स्थे पत धरनार गौका वत रखने वाला, गी बाहर निकले तब बाहर जाना, गीकं खाने के पश्चात खाना, पानी पीने के पश्चात् जल पीना, व ग्रीके सीने के पश्चान सीना ऐंग व्रत को धारण करने वाला. ( one ) who has taken a vow to go out eat

drink and sleep when the cow has done all these things. अंगुजो॰ २०; श्रोव॰ ३८;

गोत्रम पुं॰ (गौतम) भटावीरस्वाभिना प्रथम गर्धर-गानमस्याभी. महावीरस्वामी के प्रथम गणधर-गौतमस्वामी. Gautama Swāmī, the first Ganadhara of Mahāvīra Swāmī. श्रोव॰ ३=; कप्प० १, २, गच्छा० ७६; (२) ध्रद्भृति गर्धरते। गेात्र. इद्रभृति गरावर का गोत्र. the lineage of the Ganadhara Indrabhūti. जं॰ प॰ ६, १२४, कप्प॰ પ્ર, ૧૨૫; ( રૂ ) વિચિત્ર ખળદને શણગારી તેની માર્કત ભિક્ષા ઉઘાડનાર એક ભિસુકવર્ગ. वैल को विचित्र रीति से सजाकर उसके द्वारा भिन्ना एकत्र करने वाला; एक भिन्नुकवर्ग. a class of beggars who decorate an ox and beg in its name. श्रयाजी० २०:

गोग्नर पु॰ (गोचर) आढार क्षेत्रानी विधीः गै।यरी, भधुःसी. श्राहार लेने की विशेत गोचरी; मधुकरी. Process of begging food. नंदी॰ ४५; —भूमि. स्त्री॰ (-भूमि) गे।यरीनी आढ स्मिश गोचरीकी श्राट भूमिका. the eight places of begging alms. गच्छा॰ ७३;

गोउर. न॰ (गोपुर-गोभि: पूर्वते इति) नगरने। ६२वाकी. नगर का दरवाजा A. city-gate. सम॰ प॰ २१०;

गोक्रग्ण. पुं॰ (गोकर्ण) भे भुरीवाणा भायना जेवा शनवाणा पशु विशेष दो खुर वाला गों क समान कान वाला पशु विशेष. A kind of animal with ears resembling those of cows and having two hoofs जं॰ प॰ पग्ह॰ १. १. पन्न॰ १; (२) सातमा आंतरिंद्रभमं

रहेनार भाजुस. सातवें श्रंतरद्वीप में रहने वाला मनुष्य a resident of the 7th Devaloka जीवा॰ ३, ३; पण॰ १; —दीच. पुं॰ (-द्वीप) स्वथ् सभुद्रभां श्रारसे। ब्लेक्टन पर श्रुद्धिभवंतनी प्रक्षा छपरे आवेस शिक्ष्णं नामने। अन्तर द्वीप. लवण समुद्रमे चारसी योजन पर च्लाह्रमवंत पर्वत के जपर श्राया हुन्ना गोकणं नामक श्रतर द्वीप. name of an island on the Chulahimavanta mount in Lavana Samudra at the distance of 400 Yojanas. ठा॰ ४, २;

गोचर. पु॰ ( गोचर ) शायाने यरवानी रीति. गौमों की चरने की रीति. The way of grazing of cows. न्नाव॰ ४, ५;

गोचरी स्त्री॰ (गोचरी) लिक्षा; गे।थरी. मित्ता; गोचरा. Begging; alms. स्त्राव॰ ४, ५;

गोच्छ्रग पुं॰ (गुच्छ्रक ) गुन्छो; पुजवातुं भेः ६५४६छ. गुच्छा; पूजने का एक उप-करण A kind of brush made of woollen threads used in removing dust, insects etc. भग॰ ६, ६; गोच्छ्रय-न्न. पुं॰ (गोच्छ्रक) पस्त्र-पात्र- लुन्छवाने। (६नने।) गान्छो; वस्त्र-पात्र साफ करने की कूची. A woollen brush to cleanse clothes, vessels etc. पग्ह॰ २, ४; दस॰ ४; वेय॰ ३, १३; प्रव॰

४६६;
गोचिछ्य ति० ( गच्छित ) प्रुसना शुन्छ।
वाणु फूलों के गुन्छे वाला. Having
clusters of flowers. स्रोव०भग०१, १;
गोजलीया स्ता० ( गोजलोका ) गेल्लिशः
नामनी लेडिंद्रय छन गोजलोका नामक दोइन्द्रिय वाला जीव. A two-sensed being styled Gojaloka पन्न० १,

गोहामाहिल. पुं॰ (गोहामाहिल) शिश्वभादित ) शिश्वभादित । स्वाप्त सातमा निन्द्धव हे के छे छवने हमें ने। स्पर्श थाय प्रख् लन्ध न थाय के में स्थापन हर्युं. गोष्टामाहिल नामक सातंत्र निन्ह्द कि जिन्होंने जीव व कमें का स्पर्श होता हे परन्तु बंधन नहीं होता ऐसे सिद्धात को स्थापन किया. Name of the 7th Ninhava who established that a soul is touched by Karmas but not bound by them ठा॰ ७, ९;

गोहिश. पुं॰ (गोहिक) એક शेष्ठी-भएड्डीमां रहेनार; भित्र; हेश्त. एक गोष्ठी-मएड्डीमां रहने वाला; मित्र; दोस्त. A friend; one belonging to the same circle of friends. अगुजो॰ १४=;

गोद्दिग. पुं॰ (गोद्दिक) भित्र; शिक्षी मित्र समुदाय; साधी. A friend पंचा॰ १३,

गोहिल ति॰ (गोहामत्) पिट् पुर्धाती गाष्टी भएडलीभां लाग लेनार; गाडीओ. विट् पुरुषों की गोष्टी-मंडली में भाग लेने बाला सभासद. A member of an assembly of evil persons. अत॰ ६. ३: विवा॰ २:

गोहिल्लग. पुं० (गोहिमरक) लुओ "गोहिल्ल" शण्ट. देखो "गोहिल्ल" शब्द Vide "गोहिल्ल" विवा २; —पुरुष. पुं० (-पुरुष) व्यक्षियारी भंडलीमां रहेनार भाण्य. व्यभिचारी मंडली में रहने वाला मनुष्य. an intriguing person. नाया० १६;

गोही स्त्री॰ (गोही) व्यक्तियारी पुरुषेती भएउथी. न्यभिचारी पुरुषों की मडली. A circle of unchaste persons स्रंत॰ ६, ३; (२) भित्र भएउथी मित्र मंडली. a circle of friends. पि॰ १४५; सु॰ च॰ २, ३८६; नाया॰ १६; गोड. पुं॰ (गोड) गांड देशना रहेनार. गांड देश का रहने वाला. A resident of Gauda country. पगह॰ १, १; पन्न॰ १;

गोइ. ति॰ (गौड) शुंध संभधी गुड.
Treacle; (anything) sweet
(२) भधुर; भीढुं मधुर; मीठा. sweet;
delicious. भग॰ १=, ६.

गोण त्रि॰ ( गोण-गुणैनिवृत्तम् ) गुण्धी
पनेक्ष-यथार्थ गुण् निष्पन्न;
गुणेसे दना हुन्ना. Possessed of
proper qualities न्नाणुजो॰ १४०;
स्रोव॰ ४०; नाया॰ १; १६; भग॰ ११,

गोर्गा. पुं॰ (गोर्गा) / अंदह, वृषक्षः, आ ખલे।. बैल; ग्रुपभ; साढ An ox; a bull. श्राया० २, १, ५, २७; २, ३, ३, १३०; स्य० २, २, ४४, जं० प० गु० च० १२, ५७, जीवा॰ ३,३; पन्न० १; पराह० १, १; २; भग० =, ३; ६, ३३; ११, ११; १४, १; नाया॰ ३; श्रोव॰ उवा॰ ८, २४२; (२) એ नामना એક અનાય हेश. इस नामका एक श्रनार्य देश. name of an uncivilised country. प्रव॰ १४६७; —श्रावित्या. स्री॰ (श्रावितका ) भणः है। ती पंडितः वेलों की पंक्ति. a herd of oxen. भग॰ ८, ३; —शिह. न॰ (-गृह) **अक्षान पर-स्थान** बैलों को रहनेका स्थान-घर. a fold for bullocks. निर्सा० ८, ६, १५, २७; — लक्खण. न० ( -लज्ञ्ण ) भवरना वक्षण लेवानी इवा वैन के सच्चों को परखने की कना. an art of testing the merits of an OX नाया॰ १: —साला. स्री॰ (-शाला) পপ্ত থাপা. वैलों का घर; वैल शाला । stable for bullocks. निर्सा॰ ८, ६, गोण्ता. स्ना॰ (गोण्ता) প্রথে এটু; মুর্খানা. मूर्खता, बेलपन. State of being an ox; foolishness. বিবা॰ १;

गोगुस पुं॰ (गोनस) ईखु विनाने। सर्थः फन रहित सर्थः A serpent without a hood (२) सर्थः, विकि वंगेरे. सर्थः, बिच्छु इत्यादि. snake. scorpion etc. पन्न॰ १, जीवा॰ १; नाया॰ =. पएह० १, १; गोगी. स्रा॰ (गो) गाय. गौ; गाय. A cow श्रोघ॰ नि॰ भा॰ २३; पि॰ नि॰ १९६; विशे॰ १४११:

गोराण. त्रि॰ ( रोगण ) शृश्विष्पत्र नामः
प्रकृति प्रत्ययना अर्थने अनुसरतुं नामः
गुण निष्पन्न नामः प्रकृति प्रत्यय के प्रर्थ के
श्रनुसार नाम. A name according to
attributes नाया॰ २; पराह॰ १, १;
श्रिणुजो॰ १३१; (२) शाशुः मुण्य निद्
ते. गीणः मुख्य नहीं वहः minor पि॰
नि॰ मा॰ ५;

गोतम पुं॰ (गोतम) अतग्रस्त्रना ५६६॥
वर्गना ५६६॥ अध्ययननुं नाभ श्रंतगडमृत्र
के प्रथम वर्ग के प्रथम श्रध्ययन का नाम
Name of the first chapter of
the first section of Antagada
Sutra. (२) अध्दृष्णि राजना प्रथम
पुत्र के के श्रे नेमनाथप्रसु भासे दीका सम्
आर वरस प्रतन्या भाणी शत्रुंक्य उपर
ओड मासनी सथारा डरी मेक्कि गया. श्रंधकग्राण्ण राजा का प्रथम पुत्र कि जिसने
नेमनाथ प्रभु से दीचा लेकर वारह वर्ष
पर्यत प्रवज्या का पालन कर रानुजयके जपर
एक मास का संथारा कर मोच्न प्राप्त किया.
the first son of king Andhakavrisni who took Diksa from

Nemanātha, practised asceticism for twelve years, performed Santhārā for 1 month Satrunjaya mount attained final bliss. श्रंत॰ १, १; ( ર ) ગાતમ ગણધર; મહાવીરસ્વામિના भुण्य शिष्य. गातमगणधर; महावीरस्वामी के मुख्य शिष्य the Ganadhara named Gautama. भग०४२, ;नाया॰ १६; (३) रे।ढिखी नक्षत्रतुं भे।त्र. रोहिखी नज्ञ का गोत्र. the family name of Rohiņī. स्० प॰ १०; (४) शितम ગાતમાં ઉત્પન્ન થયેલ. गौतम गोत्रमें जो उत्पन्न हुन्ना है वह (one) born in the Gautama family. स्॰प॰ १; गोतित्थ न॰ (गोतीर्थ-गोतीर्थमिव) तक्षाय-भां ઉतरवाती। आरे। तालाव में उतरने का यारा. A path to descend into a poud. जीवा॰ ३, ४;

गें।स न॰ (गोत्र-गृयते संशब्धते उद्मावचैः शब्दैर्वत् तत्) पशना भुश पुरुष-के नामधी-અટકથી-वश ओणभाता है। यते वंश का पुष्प-जिस नाम से-गोन से जो वंश पहिचाना जाता हो वह. The progenitor of a line of descent, from whom the surname of a family is derived स्य॰ १, २, ७, ४; श्रोव॰ ११; पिं० नि० ५०६: राय० २६; स्॰ प॰ १; भग॰ ३, ५; नाया॰ १६; उवा॰ १, ७६; जं॰ प॰ ७, १५५; (२) त्रि॰ (गा वाचं त्रायत इति गोत्रं सर्वागमाधार मृतम् ) सर्वः आगमने। आधार. सर्व श्रागम का आधार. the source of all the scriptures. स्य॰ १, १३, ६; (३) ગાત્ર કર્મ; આડમાતું સાતમું કર્મા, गोत्र कर्म; श्राठमें से सातवां कर्म. Gotra Karma;

the 7th of the eight Karmas. भग० ८, १०; — ग्रागार. पुं० ( - ग्रागार) गात्रनी भावेशनुं धर. गोत्र के स्वामित का गृह. a house of the same lineage. " पहीगा गोत्तागाराइ वा" उच्छित्र गोत्तागा-राइ वा " भग० ३, ७; —कस्म. न॰ ( -कर्मन् ) लेथी তব উথ নীয নাসমা-કુલમાં ઉત્પન્ન થાય તે કર્મ. जिससे जीव टच नीच कुल में, उत्पन्न हो वह कर्म. a kind of Karma causing birth in a high or low family. তাত ২, ४; ---दुग. न० ( --हिक) नाभ अने गात्र नाम व गोत्र. name and lineage. प्रव॰ १२६२; —भेइ. पुं॰ (-भेदिन्) धन्द्र. इन्द्र. the god Indra. सु॰ च॰ 2, 14;

गोत्त. न॰ (गोत्व) भायपछुं; भात्यरूप सा भान्य न्यति गौत्वः; गोत्वरूप सामान्य जाति. Genus of a cow. विशे॰ २१६१;

गोधूम. पुं॰ (गोस्तूर-म) अवशु अभुद्रभां ચારે દિશાયે જં ખુદ્ગીપની જગતીથી ખેતાલીસ **હ**जार जोजन ७५२ आवेस वेसंधर देवेते २ हेवाने। पर्वतः लवण समुद्रम चाराँ दिशाश्रों में जंबुद्दीप की सीमा से बयालीस सहन्न योजन के ऊपर श्राया हुआ वेलंघर देवों को रहते का पर्वत. A mountain-residence of Velandhara gods at a distance of 42 Yojanas in the east, in the Lavana Samudara. ठा० ४, २, सम० ४२; जीवा० ३, ४; भग० ૧, ૦; (૨) ૧૧ માં શ્રેયાંસનાયના <sup>પ્રથમ</sup> गर्थ्यरतुं नाम ११वें श्रेयांसनाथ के प्रधम गण्धर का नाम. name of the first Ganadhara of the 11th Sreyānsanātha. सम॰ प॰ २३३; गोध्याः ब्रो॰ (गोस्तूमा ) पश्चिम दिशाना अंजन अपर्वतनी-पश्चिम तरक्ष्ती यावनुं नाम पश्चिम दिशा के खंजनक पर्वत की पश्चिम तरफ की बावडी का नाम. Name of a well on the Añjanaka mountain in the west. ठा० ४, २; जीवा० ३, ४; प्रव० १४०२; गोदास. पुं० (गोदास) એ नामना भृति इस

नाम के मुनि. Name of an ascetic कप्प॰=;—गोगण पुं॰(-गण) भढ़ावीरस्वा-भिना नवग्रुभाना के नवग्रुम से एक गण्-साधु समुदाय. Une of the nine Ganas or groups of saints founded by Mahāvīra Swāmī ठा॰ ६; गोधूम पुं॰ (गोधूम) गेधूम, धर्ड. गोधूम; गेहूं Wheat भग०१४, ७; २९; १; ठा॰ ३, १; जीवा॰ ३, ३; ज॰ प॰

गोपुर न० (गोपुर गोभि: पूर्यते इति) थहेरने।

हरवाकी शहर का दरवाजा. A citygate. नाया० ५; १६; भग०४, ७; ८, ६;

जन० ६, १८; श्रोव० श्रागुजो० १३४; राय०
२०१; निसी० ८, ३; जीवा० ३, ३; जं० प०
सू० प० ३;

गोप्पयः न॰ (गोप्पदः) गायना पगसा केटसु
-के भां पग खुडे तेटसुं आधीशीयीयुं. गौ के
पैर जितने प्रमाण का खड़ा जिसमें गाय
का पैर मात्र इव सके. A puddle having the depth of the measure
of a cow's foot "जहा समुहो तहा
गोप्ययं" ध्रणुजा॰ १४७; ठा॰४, ४; विशे॰
१४६६;

गोप्पयमित्त. त्रि॰ ( गोप्पदमात्र ) गायनी भरी के युर जितना, छोटा खड़ा. Of the measure of a cow's hoof e.g. a pit. मु॰ च॰ ३, १४;

Vol 11/82

गोप्पहेलिया. स्री॰ (गोप्रहेल्या) याथाने यरवाभाटे थाडा धास वाणी लूभि. गोद्यों को चरने के लिये थोडे घांस वाली भूमि. A pasture-ground for cows having thinly growing grass प्राया॰२, १०, १६६;

गोफ. पुं॰ ( गुल्फ ) धुंटी-पगनी ओडी घुंटा-एडा. A heel. परह० १, ४;

गोंचहुल. पुं॰(गोबहुल) शरवण नाभना गाभभां रहेनार ओड धाह्मणुनुं नाभ. शरवण नामक प्राम में रहने वाले एक ब्राह्मण का नाम. Name of a Brahmana living in a village named Srvana. भग॰ १४, १,

गोंद्यर पुं॰ (गोर्बर) भगध देशभानुं अकि गाभ. मगध देश का एक प्राम. Name of village in the Magadha country पि॰ नि॰ १६६; गोंभात्त्वय. त्रि॰ (गोंभिनतक) गायनी पेंडे

भादार धरतार. गों के समान श्राहार करने वाला. A person taking his food in imitation of a cow नाया॰ १५: गोमंत. त्रि॰ (गोमत्) गायवाणा गोंश्रो का रत्तक; गवली. A cowherd; (one) having cows. विशे॰ १४६=:

गोमय. न॰ ( गोमय ) छाष् गोबर. Cowdung.निसी॰१२,३८; भग०४,२; भ्राया०१,१,४,३७; २,१,१,१; भत्त०१६२; दस०४,१,७; — कींड. पुं॰ (-कींट ) छाष्ने। धीडा-यतुरि दिय जीव. an insect in cowdung, a four-sensed being. मग०१४,१; जीवा०१; पन्न०१; — रासि. पुं॰ (-सारी) छाषुने। ढगले। गोवर का ढेर. a heap of cow-dung. भग० ६,९; १४,१; गोमाउ पुं॰ ( गोमायु ) शूगाक्ष; शियाक्ष.

शृगाल; सियार; A jackal नाया॰ ४; गोमायुपुत्त. पुं॰ (गोमायुपुत्र ) गे।भायुपुत्र नाभना ओं साधु. गोमायुपुत्र नाम के एक साधु. An ascetic so named. भग॰ १४, १;

भग० १५, १;
गोमाण्सिश्चा-या. स्रं।० (गोमानासंका)
श'या; पथारी. राष्ट्र्या; विद्याना. A bed.
(२) લાંખા એાટલા. तंवा खोटला. a
long verandah. जं० प०राय ० १०६;
गोमाण्सि. स्रं।० (गोमानसी) श'या, राष्ट्र्या.
A bed. जीवा० ३, ४;

गोमिश्र नि॰ (गोमिक गावस्तिन ग्रस्येति)
जुन्धे। "गोमंत " शण्ट देखी "गोमंत "
शन्द. Vide "गोमंत " अणुनो॰ १३९;
पग्ह॰ १, २; दस॰ ७, १६; १८;

गोमिज्रश्च. पुं॰ ( गोमेदक ) એક જાતના મिखु; सिंधत्त हिन पृथ्वीना એક ભाग. गोभेद-एक जाति का मिणि; सिंचत्त कठिन पृथ्वी का भाग. A kind of gem. उत्त॰ ३६, ७६;

गोमिगी स्त्री॰ (गोमिनी) गायवासी स्त्री. गायवासी स्त्री. A woman, possesing a cow. दम॰ ७, १६;

गोमुत्तिया. स्त्री॰ (गोमुत्रिका) यासती गाय भुतरे तेने आधारे वांधी गायशे डरवी ते; धरनी भे पिक्तमा ओड वार ओड पिक्तना ओड धरे व्हारी पिछी रहाभी पिक्तिनां ओड धर व्हारे वणीपिछा पहेंसी पिक्तमां ओड धर मुधी गायशे डरे ओम गेरमुत्रिधाने आधारे धर व्हारे ते लिक्षानुं नाम गेरमुत्रिधाने आधारे धर व्हारे ते लिक्षानुं नाम गेरमुत्रिधाने स्वाधार यत्वती हुईं गी मूत्र करती है उसी स्वाधार में वक गोचरी करना अर्थात घरों की दो पिक्तियों मे से एक बार एक पंक्ति के एक घर मे से भिद्या लेकर समीप की पिक्ति के एक घर से भिद्या लेना; पुनः पहिली पंक्ति

में एक घर छोड़ गोचरी करना इस प्रकार गोमत्रिका के त्राकार से घर घर भिषालेगा उसका नाम गोम्त्रिका; भिचा के अभिप्रह का एक प्रकार. A vow to beg food; a particular mode or fashion viz. in imitation of the zigzag course described when a cow moves on shedding a stream of urine as she walks; e.g. while begging food from two rows of houses the ascetic would begin with the first house of one row and then go to the first house of the opposite row then to the second house of the first row and so on. उत्त॰ ३०, १६; ठा० ४, २, ६, १; दमा॰ ७, १; प्रव॰ ७५२;

गोमुक्ती. स्री॰ ( गोमूत्रिका ) गाय डे लक्ष भुतरे तेने। को आश्वार थाय ते. गों वा बंल मूत्र करे उसका जो आकार हो वह. The zigzag shape which is formed while a cow or a bullock passes urine while it moves. के ग॰ १, २०;

गोमुह पुं॰ (गोमुख) अप समुद्रमां पांथते।
नो अं अन्तर द्वीप. लवण समुद्र में
पाचसाँ योजन पर इशान कोन में आया हुआ
गोमुख नामक एक अन्तर द्वीप. Name of
an Antara Dvipa (an island)
in the north-east in Lavana
Samudra at a distance of 500
Yojanas. ठा० ४, २; प्रव० १४३६; (२)
१२मां द्वीपमा रहेनार माणुस १२वें द्वीप में
रहने वाला मनुष्य. an inhabitant

of the 12th Dvipa. पण १ (३) श्रीअध्यक्षदेव स्वामीना यक्षनु नाम श्रीऋषम-देव स्वामी के यण का नाम. name of the Yaksa of Śrī Ŗiṣabhadeva Swāmī. प्रव॰ ३७४,

गोमुद्दी. स्तं॰ ( गोमुखी ) ઐनाभनु એક वाक्षत्र; गायना भुभ केषु-डाइद भ किनीया विगेरे. इस नामका एक वार्जित्र; गोंके मुख के आकरका वाजित्र विशेष A kind of wind instrument; e. g a bugle etc. श्रामुजो॰ १२८; ठा॰ ७, १; नाया॰ १८, राय॰ ८८;

गोमेज्ज. पुं॰ (गोमेद) એક અતના મિણ. एक जातिका मार्ग. A kind of gem. पन्न॰ १;

गोमेह पुं॰ (गोमेघ ) नेभिनायछना यक्षनु नाभ नेमिनायजी के यत्त का नाम. Name of the Yakṣa of Neminātha प्रव॰ ३७६,

गोहित पु॰ ( त्योधिमन् ) त्रल् धन्द्रिय वाली छन् अन भक्तुरा. तीन इन्द्रिय वाला जीव, कान खज्रा A three-sensed being; a centiped. पश् भ;

गोय. पुं॰ न॰ (गोत्र) सातभु गोत्र भं केना ६६४थी छव ६ य अध्या नीय गेत्र पामे छे. सातवां गोत्रकर्म जिसके उदयसे जीव उच किवा नीय गोत्र पाता है The 7th vallety of Karma known as Gotra Karma by the rise of which a soul gets high or low lineage. पच्च० २०; २२; स्रोव० २०; नाया० ६, भग० २६, १; विशे० ११८७, क० प० १, २६; २, ६, क० गं० १, ३; ४२, ४, ७९; उत्त० ३३, ३; प्रव० १२६४, (२) गोत्र; वंश; अ८५. गोत्र; वंश, कुलनाम. lineage, family

name. श्रोव० २७; मग० २, ५; ( ३ ) (गां वाणीं त्रायत इति गोत्रम) भान धारण **કરવુ ते; વાકુસંયમ. मौन धार**ण करना; silence. वाक्संयम, keeping of स्य॰ १, १४, २०; -कम्मः (-कर्मम्) लुओ ग्रेथ शण्डते। भीले અर्थ. देखो ''गोय". शब्द का हितीय श्रर्थ. vide the second meaning of the word "गोय" उत्त॰ ३३, १४, —दुग. न ( - द्विक ) गात्र ६ ६; ७२ गात्र अने નીચ ગાત્ર એ ગાત્રકમ ની બે પ્રકૃતિ द्विक. उच्च गांत्र व नीच गोत्र कर्म की दो স্কুরি the two varieties of Gotra Karma viz. high and low lineage. क॰ ग॰ ४, १४; — मय. पु॰ (-मद्) ઉंथ गात्र भणे तेने। भट **५२वे। ते. उच्च गोत्र प्रात्य हुआहो तो उसका** मद करना. pride of high family. सूय० १, १३, १४:

गोयम. पु॰(गोतम-गांभिः तमो ध्वस्तं यस्य) लुओ " गोतम " शण्ह देखो " गोतम " शब्द Vide "गोतम" "गोयमीय गो-तेगं " जं॰ प॰ उवा॰ १, ७६, श्रशुजो॰ ८६; १३४, श्रोव॰ ३, ८, उत्त॰ १०, १; १८, २२; २३, ६, नंदी० स्थ० २४, भग० ७, १; १८,१०; नाया०१,६,७,१०, ११; १२; १४. राय० ७=, ( २ ) સુસ્થિક (લવણ સમુદ્ર स्वाभि ) देवतने। गातभ नाभे द्वीप सुस्थिक देवता का गौतम नामक द्वाप. name of an island of the god Susthika the lord of Lavana Samudra. जीवा॰ ३, ४, (३) ગાતમ ગેત્રમા ઉત્પન થયેલ–મૃતિ સુવત અને નેમિ તીર્થંકર નારાયણ અને પદ્મશિવાયના વાસ્દેવ, બલદેવ, ઇન્દ્રભૃતિ आहि त्रश् गर्धिर वगेरे गीतम गोत्र में मुनि धुत्रत व नेमि तीर्थकर,

नारायण व पद्मके सिवाय वामुदेव, वलदेव, इन्डमृति चादि तीन गरावर इत्यादि. born in Gautama family viz. Muni Suvrata and NemiTirthankara Vāsudeva-Baladevas, excepting Nārāyana and Padma; the three Ganadharas e.g. Indrabhūti etc. ठा० ७, १; (४) पुं० भा-શાલાના છકા પઉટુ પરિહાર–કલ્પિત અવતારનું नाभ गोशाला का छठा पडर परिहार-काल्यन श्रवतार का नाम the immaginary sixth incarnation of Gosala. भग० १४, १; —गोत्त. न० (-गोत्र) धन्द्रभृति गण्**धरतुं गातम** गात्र. इन्ह्रभृति गणधर का गीतम गोत्र. the family named Gantama to which the Ganadhara Indrabhūti belonged. भग॰ १, १: ३, १; —सामि पु॰ ( -स्वामिन् ) शैतभश्वाभी गौतम स्वामी. Gautama Swāmi, नाया । १६:

गोयमकुमार. पुं॰ (गोतमकुमार) अधि वृष्णिराज्यने। धुभार; दश दशारभांने। ओध. श्रेषकग्रिण राजा का कुमार; दश दशार में मे एक. A son of king Andhaka Vrisni; one of the ten Dasaras. श्रेत॰ १, १;

गोयमदीच. पुं॰ (गोतमदीप) अवश् समुऽभां गातमदीप नामना टापु छे त्यां सुस्थित नामना अधिपति २६ छे. लवण समुद्र में गीतमदीप नाम का द्वीप हैं वहां सुस्थित नामक लवण समुद्र का अधिपति रहता है. Name of an island in Lavana Samudra where the lord of that ocean resides, सम॰ ६७;

गोयमपुत्त. ५० (गांतमपुत्र ) गातभना पुत्र

অপ্তর্ণন गाँतम का पुत्र श्रर्जुन Arjuna; son of Gautama Swāmī দग॰ १४. १:

गोयर. पुं॰ (गोचर-गारिव चरात गरिमन् म.) ગાચરી: સાધુએ ગાવૃત્તિથી,લિક્ષા લેવા જતું ते. गोचरी; सायु का गोवृत्ति से मिला लेने हे वास्ते जाना Begging of alms by an ascetic moving from place to place like a cow. पि॰ नि॰ १६४; स्य० २३४; सम० प० १६८; उत्तः १६. ४१: ग्रोय० नि० भा० ६६; नाया० १; भग० २, १; वेय० ६, १६; दसा० ७, १; (२) स्थान स्यान. a place. निशे १६६; भग० ७, ६; ( ३ ) स-भुभ, प्रत्यक्ष सन्मुख; प्रन्यच्. in front of; in presence. इमा॰ ८, २; (४) विपय; संभंधी विषयम, मंबंबमें. relating to. जं० प० ३, ३६; पंचा० ५, ३; —काल पुं॰ ( -काल ) गे।यरीने। समय. गोवरांका नमय. time of begging food. द्वा॰ ७, १: -चरिया स्त्री॰ ( -चर्या-गोप्ट रणं गाचर इव चर्या ) भे। यरीती यथां. गोचरी की चर्या. mode of proceeding to beg alms. दसा॰ ७, १;

ing to beg alms. दसा॰ ७, ५;
गोयरगा. न० (गोचराज्य) अश्र-प्रेशनश्रेष्ट-गेश्यर-सिक्षा; आधा अभिटि होष रिक्षा
सिक्षा-गोयरी अत्र-प्रधान-श्रेष्ट-गोचरभिक्षा; आवाकमीदि दोष रहित भिक्षागोचरा. Begging alms of the highest kind i. e. free from the fault of Adhākarma etc.
हत्त० २, २६; ३०, २४; दस० ५, १, २;
१६; ६, ५७; —गअ. ति० (-गत) सिक्षाभाटे गथेस भिक्षाक तिये गया हुआ. gone to beg alms दस० ५, १, २;—पचिंदिः
ति० (-प्रविष्ट) लुग्धे। "गोयरगागध्र"

शण्ट. देखो " गोयरगगम् " शब्द. vide "गोयरगगम् " दम० ४, १, १६; ६, ५७;

गोयाचाय. पुं॰ (गोत्रवाद) गात्रना नामधी हार्धने भाक्षाववुं-केभ हे-हे गात्म. गोत्र के नाम से किसा का पुकारना; यथा-हे गाँतम. Addressing a person by his family-name.. स्य॰ १, ६, २७;

गोर त्रि॰ (गौर) सहेद, उल्णु, धेाणुं, श्वेत, उज्जल, सफेद. White. श्रोव॰ २६, पत्न॰ २, उबा॰ १, ७६; —खर पु॰ (-खर) धेाणा शर्दल-श्वेडेा. श्वेत गर्दभ; सफेद गधा. a white ass. पत्न॰ १; —िमगः पुं॰ (-मृग) सहेद ६२७ श्वेत मृग, सफेद हिरन. a white deer. श्राया॰ २, ४, १, १४४, —िमय न॰ (-मृग) सहेद ६२७, श्वेत मृग क white deer निर्मा॰ ७, १३;

गोरव. न॰ ( गारव ) शारवः भिक्षिमा, भाटार्ध गौरव, महिमा, वडाई. Greatness, glory. विशे ॰ ३४७३, ज॰ प॰ सू॰ प॰ २०,

गोरस पुं॰ ( गोरस-गवां रस न्युत्पत्ति-स्त्वेवम्-प्रवृत्तिस्तु महीष्यादीनां दुग्धादि रूपे रसे ) हिंदि-दूध-छाश योरे. दही-दूब-छाछ इत्यादि Milk, cuids, whey etc. पि॰ नि॰ ४४, नाया॰ ८, १७. प्रव॰ १४२४;

गोरहग. पु॰ (गोरथक) त्रज् वर्धनी-नानी वाछडी. तीन वर्ष का-छोटा वछडा. A young ox three years old श्राया॰ २, ४, २, १३८, स्य॰ १, ४, २, १३; इस॰ ७, २४,

गोरी स्त्री॰ (गोरी) अंतगडसूत्रना पांचमा पर्गना भील अध्ययननुं नाम. धतगड सूत्र के पाचने वर्ग के द्वितीय अध्ययन का

नाम Name of the second chapter of the fifth section of Antagada Sūtra. ( ર ) કૃષ્ણ વાસુ-દેવની એક પડ્રાની કે જે નેમનાથ પ્રભુની દેતના સાભળી વિરક્ત થઇ યક્ષિણી આર્યાછ પામે દીક્ષા અંગીકાર કરી ૧૧ અગ ભણી વીત્ર વર્ષની પ્રત્રજ્યા પાળી એક માસના संधारे। इरी निर्वाख्पद पान्या. कृष्ण वासु-देव की एक पहरानी कि जो नेमनाथ प्रभु की देशना का श्रवण कर विरक्त हुई व यिनणी श्रार्था से दीचा श्रंगीकार की व ११ श्रगो का श्रभ्याम कर वीम वर्ष की प्रविष्या का पालन कर एक मास का सथारा कर निर्वाण पद को प्राप्त हुई. name of a principal queen of Krişna Vāsudeva. She gave up worldly attachment as a result of the preaching of Nemanatha and took Diksā from a nun named Yaksini After studying 11 Angas and practising asceticism for twenty years she attained to salvation after one month's Santhaia (giving up food and water ). श्रंत॰ ४, २; ठा॰ ६, १, (२) भाव ती पार्वती the goddess Pāivatī सूय॰ २२, २७. મુ**० च० २, ३३,( ૩ ) ગાૈરવર્ણવાળી સ્ત્રી**. गार वर्ण वाली छी. a woman with fair skin अणुजी० १२८; ठा० ७, १: गोरोयण न॰ (गोराचम ) भे।३ यहन लाल चदन The bezoar stone पचा॰ ४, १५;

गोल. त्रि॰ (गोल) भेश्व, अभेशि, भेशी वभेरे. गोल; गोटी, गोली इत्यादि. A small ball etc for play. ऋगुत्त॰ ३, १; भग० १०, ४; ११,३; पञ्च० १; जं० प० ७, १७; सू॰ प॰ १८; (२) क्षाश्यप ગાત્રની એક શાખા અને તેમાં ઉત્પન્ન થયેલ **पु**३५. काश्यप गोत्र की एक शास्ता व उसमें उत्पन्न पुरुष. a branch of the Kāśyapa family; a person born in it. তা• ৩, ৭; ( 3 ) দৈও એક દેશમાં વપરાયેલ અપમાન સૂચક સંખા-धन. किसी गुल्क में प्रचलित अपमान सूचक संबोधन. an exclamation showing contempt ( used in some dialect). नाया॰ १; भ्राया॰ २, ४, १, १३४; दस० ७, १४;

गोलगुल. पुं॰ (गोलांगूल) यानर. बंदर. A monkey. भग• १२, =; — बसभ. पुं॰ (-वृषम) भ्हेाटे। वातर. वहा बदर. a big monkey. भग॰ १२, =; गोलय. पुं॰ (गोलक) गेला; गेल पिएडा, हडेा. गोला; गेंद; A ball. उत्त॰ २६, ४०; गोलवट्ट. त्रि॰ (गोलवृत्त) गे।साधारे: वर्तु स. गोलाकार; वर्तुलाकृतिमें. Round; circular. सम० ३४; जं॰ प॰ ७. १७०;

गोलव्यायमाः न• (गालवायन) अनुराधा नक्षत्रनुं शेष अनुराधा नचत्र का गोत्र. The family-name of Anuradha.

2. 33:

सु**० प**० १०; गोलिकायण. पुं॰ (गोलिकायन ) है।शिक्ष भात्रती शाणा कौशिक गोत्र की शाखा A branch of the lineage named Kauśika. (ર) તે રાખામાંના પુરુષ. उस शालामेंका पुरुष. a person belonging to the above lineage. ঠা০ ৩, ৭;

गोलियसाला. बी॰ (गोलिकशाला) गे।ण वेथवानी दुधान. गुड बेचने की दुकान. A shop for selling treacle. (3) भायाने देादवानुं स्थान गौत्रोंका दूध निका-लने का स्थान. a place for milking cows. 44. 1; ";

गोलुकि सइ. पुं॰ ( गोहुकि शब्द ) शेखुशी नाभना वार्श्वंत्रने। शण्ट एक प्रकारके वार्जित्र का शब्द. Sound of a musical instrument. निसी• १७, ३३;

गोलोम. पुं॰ ( गोलोम ) भे धिद्रयवाणा छवः ( ভাণ্ড্ৰুমা থাথ छ ते ) दो इंद्रिय बाला जीव--गोबर में हाता है वह. A two sensed being; ( found in cowdung ) पन्न १; निसी । १०, ५०; (२) ગાયનું રવાડું. गौ का रूंत्रा. the fur of

a cow. कप ॰ ६, ५७;  $\sqrt{$  गोव. धा॰  $m I,II}$  (गुप् ) णयावतुः धु $^{
m VI-}$ ववुं बचानाः छिपाना. To hide; to protect.

गोवेर. नाया० १६; गोवसि सु॰ च॰ १४, ६; गोवित्ता. सं० कृ० नाया० १६:

गोवित्तए. हे॰ कृ॰ नाया॰ १६; गोव. पुं॰ (गोप-गां भूमि वा पाति रहति)

गावाणा. गवली, ग्वाला. A cowherd विशे ० २ ६ ५९; पिं - नि • ६६७; भत्त • ६१,

गोवल्लायणः न• (गोवल्लायन) पूर्वा भूक्ष्युनी नक्षत्रनुं गात्र. पूर्व फाल्गुनी नच्चत्र का गोत्र. The family-name of Burvafalgunī constellation. सू॰ प॰ १०; उं॰

प॰ ७, १४६; गोवालिश्राः सी॰ (गोपासिका) गापालिश नाभनी आर्था. गोपालिका नामक श्राया. Name of a nun. नाया॰ 1६; गोबाली जी॰ (गोवाजी) ये नाभनी येड

वेल. इस नाम की लता. Name of a creeper. पण भ;

गोंचीहि. हों ॰ (गोंबांधि) शुक्रनी गति विशेष. शुक्र की गति विशेष. A particular kind of motion; the motion of Venus. ठा॰ ६, १;

गोस. पुं॰ ( \* ) प्रातः क्षां स्वारः प्रातः कालः सवेरा. Morning; dawn. सु॰ च॰ २, ११; ४, २•२; प्रव० १६१; पंचा॰ १, ४०; —करणीय. त्रि॰ ( -कर्णीय) स्वारमां करवा लायक ( धर्म-ध्यानादि). प्रातः काल में करने थोग्य ( धर्म-ध्यानादि). (anything) to be done in the morning; i. e religious meditation etc. सु॰ च॰ २, ७४;

गोसाल. पुं० (गोगाल ) गाशाली-म प्यासि पुत्र, जेतु निवर्ख कावती सूत्रना १४ मा शतक्ष्मां छे गोशाला-मंखलि पुत्र, जिस का विवरण भगवती सूत्र के पंद्रहवें शतक में हैं Gośūlā-the son of Mankhali, described in the 15th Sataka of Bhagavatī Sūtra भग० १४, १, नाया० १६, उवा० ७, १८८; गोसालग. पु० (गोशालक) जुओ उपले। शण्द देखों ऊपर का शब्द. Vide above. प्रव० ७४०; —मय. न० (-मत) गेशशाला-ने। भत. गोशाला का मत. the tenet of Gośūlā प्रव० ७४०:

गोसीस न॰ (गोशीर्ष) गायना भरतः भांथी निः अलुं गोरीयन गों के मस्तक में से निकलने वाला गोरीचन A yellow pigment found in the head of a cow. जं॰ प॰ ४, ११४, पष्ठ०२; सम॰प॰ २१०; नाया॰ १; भग॰ ९, ३३: १५, १; श्रोव॰ (२) गायनु भरतः गों का मस्तक.

the head of a cow. स्॰ प॰ १०; — आवित ली॰ ( - आवित ) गायना भस्ति। पिश्त मी के मस्तकों की पंक्ति। a line of the heads of cows. स॰प॰ १०:

गोह. पुं॰ (गोघ) लुओ " गोहा " शण्ट. देखो "गोहा " शब्द. Vide " गोहा " पगह॰ १, १; उत्त॰ ३६; १८०; जीवा॰ १; दसा॰ ६, ४;

गोहा स्त्री • (गोधा) थे।; सरध लेवुं એક ચપટુ પ્રાણી એને ભીંગડા અને ચાર પગ હોય છે. રાત્રે શિકાર સારુ ળહાર નીકલે છે એની એ જાત છે-ચન્દ્રનધા અને પાટલા ધા. घो जैसा एक चपटा प्राणा-उसके शरीर पर छिलके त्र चार पैर हाते हैं, रात्रि को शिकार के वास्ते निकलसी है उसकी दो जाति है-चंदनधो व पारलाधो. A lizard-like animal having scales and four It moves out in search of prey at night It is of two kinds. (1) Chandanagho and (2) Pātlāgho. नाया = ; स्य = २, २, ६३, २, ३, २४; भग०८, ३; १४,१; - श्रावलियाः सी॰ (-श्रावलिका ) धेर्ती पहित घो की पक्ति. a row of lizardlike animals भग = , ३;

गोहिश्रा-या की॰ (गोधिका) लांड लेएक એક જાતનું बाळ त्र. भाड लोगों का एक तरह का वाजित्र A kind of musical instrument used by tumblers etc श्रमुजो॰ १२=; श्रावा॰२, ११, १६=; ठा॰ ७, १; विवा॰ ७; (२) सामान्य थे।. सामान्य घो A kind of lizard. जीवा॰

<sup>\*</sup> अध्ये। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। ( \* ). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने। ट ( \* ). Vide foot-note ( \* ) p 15th.

१; —सद् पु॰ (-शब्द ) ભાંડના વાજિ-त्रेने। शण्दः भांडों के वाजित्र का शब्दः the sound of a musical instrument of a bard. निसी॰ १०, ३४; गोही. स्री॰ (गोही ) गेहिशी. गोहिशी. A lizard-like animal. female जीवा० १. गोहम. पुं॰ (गोधूम ) धर्ड, धान्यनी ओक ज्यत. गेहं; धान्य की एक जाति. Wheat; a kind of corn. पन ० १; वेय ० २, १; प्रव० १००६:  $\sqrt{}$  गाह्य धा॰ II. ( प्रह् ) अद्ध्य ४२वुं. प्रहण करना. To accept. गहेइ निसी० १, ५४; गहेही. भ० सु० च० ८, १६७: गहिउं. सं० कृ० स० च० १२, १७३: गहेऊए. सं० कृ० नाया० १६:

२, १; ३, १; ४; ६, १०; ६, ३३; 99, &; 93, &; 94, 9; 96,9, नाया॰ १: २: ३; ४; ७; ८; १६; १=; दसा॰ ७, १; १०, ३; विवा॰ २; ६; ७; निसी• ३, ८२: ७, २६; १, ४; वव०७, १७; ८, ११; सय० ३३: वेय० १. ३७; निर० ३, ३; गाहेडू. प्रे॰ नाया॰ ५: श्रोव॰ ३०: गाहाबढ, प्रे॰ वि॰ सु॰ च॰ १०, १२६; गाहेहिनि. प्रे॰ भ॰ भग॰ ७, ६; जं॰ प॰ २, ३६: गाहिस्सं. प्रे॰ भ॰ विशे॰ १४५६; गाहिता. प्रे॰ सं॰ ऋ॰ भग०७, ६; श्रोव॰ ₹0; गाहेता. प्रे० स॰ कृ० नाया॰ ५; √ ग्या. (घा) सूंधवे।. सूंघना. To smell. जिग्धइ. निसी० १, =: ६, ५: जिघ्यंत निसी॰ १, ६;

## घ.

\*गंग्र ति॰ (\*) गरीण अनाय. गरीव; श्रनाथ.
Poor; destitute. पिं॰ नि॰ ३४४;
—साला. स्ती॰ (-शाला) अनायालय;
धभ<sup>र</sup>शाला. श्रनायालय, धर्मशाला. A
house of charity for the helpless. श्रोव॰ नि॰ ६३६;

गहाय. उत्त० ४, २; श्राणुजी० १४८; भग०

घंट. पु० (घगट) धटडी; टेडिनी. घटी. A bell. भग. ९, ३३; सु० च० २, ३०३; प्रव० १९४७; ज० प० ४, १९५; —रच. पुं० (-रव) धंटेनी व्यवाज घंटेकी ब्रावाज. घंटा का नाद. Sound of a bell नाया० =;

घंटा. स्री॰ ( घंटा ) घंटडी; टे।इरी. घंटां. A bell. श्रोघ॰ नि॰ भा॰ ६६; श्रोव॰ ३०; नाया॰ १, ३; राय॰ ३७; ज॰ पं॰ ४, १९४; उवा॰ ७, २०६; —श्रावित. स्री॰ (-श्रावित) धटानी पंडित. घंटो की पंक्ति. ध series of bells. नाया॰ १; राय॰ श्रोव॰ घंटिश्र—य. पुं॰ ( घरिटक-घर्टया चरन्ति तां वादयन्तीति घरिटकाः ) घंटा वजाकर भिन्ना भागनार; राउितक. One who begs alms by ringing a bell; a Rāulika. नाया॰ ६: कप्प॰ ४, १०७;

<sup>\*</sup> जुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुटने। (\*) देखे। पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th.

घंटिश्रा-या. स्नी॰ ( घरिटका ) धएटडी, धुश्ररी. घंटी, घुषरी A bell, a small bell. राय॰ ४४; जीवा ३, ३, नाया॰ ३; प्रय॰ १९३; (२) એક જાતનું આભરણ एक जातिका श्रामरण a kind of ornament. जं॰ प॰ ५, ११४, उवा॰ ७, २०६; नाया॰ ६, —जाल. न॰ (-जाल) धटिओनी, धुगरीओनी सम् ६ घटियों का समह, धुंघरियों का समह a collection, bunch of small bells भग॰ ६, ३३; घंतु त्रि॰ ( घातुक ) भारनार; धान करनेराला. A killer;

उत्त॰ १८, ७, घंसण न॰ (घर्षण) बसबुं घिसना, घर्षण Rubbing, friction, त्रिशे॰ २०४३; नाया॰ १.

a destroyer

''रमगिद्धेण घतुणा "

घंसि श्र-यः ति॰ (घार्षेतक) यहनती भेड़े धमेलुं, लहेलुं. चन्दन की तरह घिसाहु गा. Rubbed again ta hard substance, e. g Sandal wood श्रोव॰ ३८,

घकारपिनिमत्ति पु॰ ( घकारप्रविभाक्त )
"ध" ना आधार लेवुं ३२ नाटकमानुं ओ के
"घ" की श्राकृति जैसा; ३२ नाटक में मे
एक. Anything of the shape of
the letter "घ" one of the 32
dramas राय॰ ६३;

√ घट्ट 'पा॰ I, II. (घट्ट ) २५श ं ४२वे।;

«अवव्यु स्पर्शकरना; हिलाना To touch,

to give motion

घट्टइ. भग॰ ३, ३, राय॰ २६६,

घट्टइ नाया॰ ३;

घट्टांत नाया॰ ४,

घट्टिजा. वि॰ दस॰ ४,

घट्टेजा. वि॰ दम॰ ४.

Vol 11/S3,

घट्टाविजा. णि॰ वि॰ दस॰ ४,
घट्टावेजा. णि॰ वि॰ दस॰ ४,
घट्टिय. सं॰ कु॰ पि॰ नि॰ २५४.
घट्टें श्रोघ॰ नि॰ ३००
घट्टंत व॰ कु॰ दस॰ ४,
घट्टग. न॰ ( घट्टक ) धस्तानी पाणे घिसने का पत्थर. A hard stone used for rubbing things against श्रोघ॰

नि॰ ४०१,
घट्टण न॰ ( घट्टन ) स बट्टे।थवे।, व्यथऽावृः
सघट र होना, द्यथडाना Clash; collision.
दम॰ ४, ठा॰ ४, ४, पंचा॰ १४, ३१;
घट्टणया स्त्री॰ ( घट्टना ) स घटे। १२वे':
सार ६४ने घसवुं. संघटन करना, जोरस दवा
कर घसना. Rubbing with great

pressure पज्ञ० १६; श्रांव० ३=;

घट्टिय त्रि० (घट्टिन) भाष्टामादि २५६० थान तेवी रीते इस तरह हिलाया पाभेस परहार स्पर्श हो इस तरह हिलाया हुआ enused to collide, moved in a way to cause friction.

"घट्टियाए फंदियाए सोमियाए " जं० प० १; राय० १२=, १४० वि० ४१३, (२) २५४ स्पृष्ट touched. परह० १, ३;

(३) प्रेरुण इरेस. प्रेरणा किया हुआ;
प्रेरित directed; instructed. परह० १, ३,

घह. त्रि॰ ( घृष्ट ) धभेलु, पार्थीश हरेलु; पत्थरनी पेढे सां हरेलुं चिमाहुत्रा, पत्थर के समान साफ किया हुत्रा. Rubbed; polished श्रीव॰ ४३; श्राया॰ २, २, १,६४.२,४,१,१४४; श्रागुजी॰ २१, स्०प० जीवा॰ ३,४. भग॰ २, ६; ज॰ प० श्रोघ० नि॰ ६६; पन्न॰ २: वेय॰ १४४, सम०प० २११; राय॰ कप्प॰ ३, ३२; ६ ३. √ घड. था॰ I, II. (घट्) धरवुं; टीपवुं. घडना; बनाना. To hammer; to fashion. (२) धटना करना. to mould.

घडह. सु॰ च॰ २, १८४; घडेमो. नाया॰ ८; घडित्तणु. हे॰ कु॰ नाया॰ ८; घडंत भत्त• ४७;

घडेंति. भग० ११, ६, जं० प० ५, ११४; घडिसा. सं० कृ० जं० प० ५, ११४;

घड. पुं० (घट-घटतेऽसी घटनाह् वा घटः)
धेडी; क्ष्मीश घडा; कलश A pot; श
pitcher विशे० ६१; भग० ४, ४; ६,
१०; पक्ष० २; पि० नि० ६६; १३२; भ्रोव०
श्रयुजी० १३१; सम० २५; पंछा० ६, ११;
प्रव० ६४५; —कार. पुं० (—कार)
ध्रानी णनावनार; कुंसार घट बनांन घाला
कुंभकार; कुभार. a potter. विशे०१६१५;
—दास पुं० (—दास) पाणी सरस्थार
employed to fetch wat r.
श्राया० २, ४, १, १३४, —दासी ब्री० (—दासी) पाणी

employed to fetch water. स्य•
१, १४, ६: —मुद्दः पृ॰ ( -मुख )
धरातु भेरदुः घटका मुरा, घडे का मुंदः
the mouth of a pot. सम• ७४;

भरने वाली दासी. a servant-maid

यडक पुं॰ (घटक) धरेत. घडा; घट A
ो ार्ण श्रापुजो॰ १३२:
यडग. पुं॰ (घटक) धरेत. घडा; घट. A

थडगः पु॰ (घटक) घडाः घटः A.

pot. नायाः १६; जं॰ पः

घडगः न॰ (घटन) उद्यमः अयत्न उद्यमः

घडणा न॰ (घटन) ६६भ; अयत्न उद्यम; प्रयत्न Effort; industry प्रवह २, १; घडणा स्रो॰ (घटना) धटना अर्थी; थाल्युं. घटना करना; योजना करना Formation विशे॰ १२०७; पंचा०१२, ४४; घडत्त. न॰ ( घडत्व ) धर्धते। लाय; धर्थणुं. घडे का भाव; घटत्व. State of being a pot. भग॰ ३, ३;

घडता. स्रं० ( घटता-घटा समुदायरचना तद्भावः तत्ता ) सभुशय रथनाना आव. समुदाय रचना का भाव. Formation of group. जीवा० ३, २; नग० ४, ३; ११, १०; १८, १०;

घड्डय. पुं० (घटक) लुओ "घडग" शण्ट. देखी "घडग" शब्द. Vide "घडग" नाया० ७; उवा० ७. १६४;

घडि. त्रि॰ ( घटिन् ) धडायाणा. घडा वाला. (One) having a pot. भगुजो॰ १३१; घडिग्गा. भी॰ ( घटिका ) भाटीनी कुल्सडी

भिग्ने की कुलड़ी. A. Amall earthen vessel. सूय० १, ४, २, १४;

घडिमत्तय न॰ (घटिमात्रक) धरीते आशरे भाटितुं क्षेत्र. बोटा मिद्यांका बरतन. A small earthen pot. बेय॰ १, १६; घडिय. त्रि॰ (घटित) धटना धरेस; भेसवेस. घटा किया हुआ. Formed; joined. जीवा॰ ३, ३;

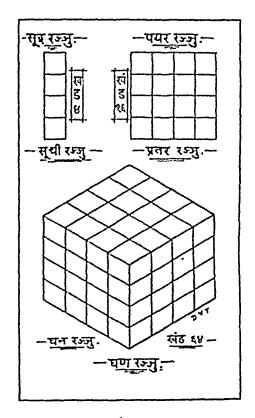
घाडियद्य. त्रि॰ ( घटितस्य ) धटना करनीः सांध भेणवती. संयुक्त करनाः सांधा जुडाना Uniting together: bringing together. नाया॰ १; ५; भग॰ ६, ३३ः घरा. पुं ( घन ) दृद्धीना अभेक्ष अक्षेत्र. दृद्धी का जमा हुआ चक्का. thick curds. "दृष्टि घरो "पज्ञ०१७; जं०प०४, ११२; ७, १४०, ४, १२१; (२) नक्ष्यर वाळंत्र क्षंसिया, अंत्र वगेरे ठांस वाजित्र, भाम इत्यादि. a bronze musical instrument. जं०प०१, १२; जीवा०३, ४; राय० ६६;

भग० ४, ४; ठा० २, ३; ४, ४; (३)

દઢ; કઠખુ; મજબુત; છિદ્રવગરનુ 📆 कठिन; छिद्र रहित. hard, firm; free from holes. राय॰ ३२, १०६; विशे ११३४, पि नि भा १७, पन १, २; ३६; सू० प० १६; श्रोव० ४३; भग० प्, २; ( ४ ) ધાઢું, ગાઢ, જાકુ घट्ट, गाहा, मोटा. thick, dense. पि॰ नि॰ भा॰ ३८. श्रोघ० नि० भा० ३१३, कष्प० ३, ४४; प्रव० ४१२; ५३९, क० ग० १, २०; ( ५ ) विस्तार विस्तार extent, area विशेष ४६०१, (६) भेध मेघ. a cloud. भग-२, १; पञ्च० २; पराह० १, ३; नाया । ६; ापं नि १७५, कप्प 3, ३३; गच्छा । દપ્ત. ( ૭ ) વ્યાતમાના અસંખ્યાત પ્રદેશનું धनरूप पिएड श्रात्मा के असल्यात प्रदेश का धन रूप पियद body consisting of countless atoms of the soul. मग॰ ५, ६: (८) સમાન જાતિના આંકડા ત્રણ વખત ગુણવાયી જે આંકડા આવે તે; જેમ કે ખેતા ધત આકે, ત્રણતા સત્તાવિમ. यारने। ये।सर पंगेरे समान जाति के श्रंक तीन बार गुनने से जो अंक आता है वह, यथा दो का घन आठ, तीन का सत्तावीस, चार का चौसठ इत्यादि number got by cubing a numerical quantity. पष्त• ૧૨: ( દ ) લ બાઇ પહેલાઇ અને જાડાઇ એ ત્રણેતુ માન જેમાં આવે તે: ધ**ન**-રુપે આલાકનુ પશ્મિણ સાનરાજ છે. लंबाई चौडाई व मोटाई इन तीना का मान जिसमें श्राता है वह, घनरूप से इस लोक का परिमाण सात राज है a cubic measure as that of this would '' सत्तरञ्जुमायाघयोा '' क० ग० ४, ६७: (१०) धर्ध, अहु बहुत, श्रतिशय much; more. प्रव॰ १४८६, (११) नागरभे। थ नागरमोथ a fruit of a medicinal

plant सु॰च०२,७७; (१२) असिया वर्गेरे বার্গুসনু शण्ह कांक इत्यादि वाजित्र का शब्द. a sound of a musical instrument made of bronze. ४. — श्रायतः X. (-प्रायत ) जडार अने पहेलार युक्त આયત સંકાણ; નક્કર વસ્તુની લળાઇ. श्रायत संठाणः; ठोस वस्तु की नंबाई, चौडाई व मोटाई. having length and breadth. भग० २५, ३, -करणः કરવા, નિવ્વડ કર્મળ ધ કરવા તે को बाधना, दृढ करना, निन्वड कर्भ-बध करना. tightening the bond of Karma १९० नि॰ १०१: - चडरंस न•् (-बतुरह्म) नक्षर पस्तुनु से।रस સંકાશ ठोस वस्तु का चौरस संठागा. હ quadrangular solid भग २५, ३: ---तंम. न॰ (-- गस्त्र ) तक्षर केप त्रिशेख संशेख. ठोस त्रिकोण संठाण ( anything ) triangular. भग. २४, ३; -तब. नं॰ (-तपस्) अतरने શ્રેષ્ઠિ ગુણા કરતાં ઘન થાય, અથતા લ ભાઇ પહેાળાઇ અને જ્યડાઇ સરખી હોય તે ધન. દાખલા તરીકે ચાર કાષ્ટકની શ્રેણી હોય તો સાળ કાષ્ટકના પ્રતરને ચારે ગુણતાં ચાસક કાષ્ટ્રક થાય: પ્રતરના સાળ કાષ્ટ્રકને ચાવડા બનાવતા, ધન કાષ્ટ્રક **ચા**ષ્ટ; તેમ લખી શકાય નહીં, જેથી પ્રતર તપ પ્રમાણેજ ચારવાર તપ કરવાથી, ધન તપ થાય છે, તે સમજી क्षेयं प्रतर व श्रेरिंग का गुना करने से घन है।ता है, अथवा लबाई, चौडाई व मेटाई समान है। वह घन; उदाहरण-चार कोष्टक की श्रेणी हो तो सोलह कोष्टक के प्रतर को चार से गुनने से चौसठ कोष्टक हो; प्रतर के सीलह कोष्टक की चार गुना करने से घन

काष्ट्रक हो; इस तरह | लिखा नहीं जा सक्ता इस लिये प्रतर तप के ही समान चार बार तप करने में धन तप समभ लेना. (ho cubic measure of an austerity; supposing an austerity to represent x, Ghana Tapas would represent x उत्त ३०, १०; -परि-मंडल न॰ (-परिमण्डल) नध्दर भेषे વર્તુલ આકાર, ધન પરિમાંડલ સંદાણ ટોમ वर्तुलाकार. घन परिमंडल मठाण (anything) circular in shape भग॰ २४, ३, —माला स्त्री॰ ( -माला ) भेध-भाक्षा मेच माला. a line of clouds. भत्त० १२४, -- मिंगा त्रि० (-मिंगा) ध्या भिष् बहुत मिषा. many gems प्रवः १४८६, —मुद्दग पुः ( -मृद्गं ) भेड़े। हु नशारू . मृदंग, टोल; बटा नक्कारा. a big drum. जं प प प, ११४: व्या २, १३, --रज्जु, स्त्री० ( -रज्जु ) लेनी લંબાઇ પહેાળાઇ અને જાડાઇ સરખી ચાય अेवी रीते राजनुं परिभाष् इरव ते जिसकी लंबाई, चौडाई व मोटाई समान हो इस रीति से राज का परिमाण करना. a unit of เทยมรมเอ in which length. breadth and thickness equal (२) रज्जु भेटले राज है के લેાકના ક્ષેત્રનું પરિમાણ જાતાવે છે.આખા લેાક ઉક્તરાજથી માપતા ૧૪ રાજ પરિમિત થય છે આ માપ ત્રણ પ્રકારે ખતાવેલ છે. સ્ચિ, પ્રતર અને ધન જેમાં લંગાઇ બતાવવામાં આવે પહેલાઇ નહિ, તે સૂચિ. જેમાં લંતાઇ અને પહેલાઇ ખબે દર્શાવવામાં આવે તે પ્રતર જેમાં લગાઈ પહેાલાઇ અને ઉચાઇ એ ત્રણે ખતાવવામાં આવે તે ધન પ્રકાર આ ચિત્રમાં ખતાવવામાં આવ્યા છે रज्जु अर्थात राज कि जो लोक के चेत्र का



परिमाण वतलाता है. सारा लोक उक्त राज से मापने पर १४ राज परिमित होता है. यह माप तीन प्रकार में बतलाया गया है। सार्चिः प्रतर श्रीर घन जिसमें केवल लम्बाई वत-लाई जाती है वह सचि जिसमे नैवाई श्रीर चौडाई दोनें। यतनाई जाति है वह प्रतर जिसमे नबाई, चीडाई श्रीर उंचाई ये तीनो वतलाई जाती हैं वह घन तीनों प्रकार इम चित्र मे वतलाये गये है. Rajju means Rāja ( a measure of length breadth and thickness) which is used in measuring Loka (region ), the whole world when measured with the above unit. measures 14 Rāja this measure is displayed in three ways, viz. Sūchi, Piataia and Ghana. The measure by which length and dreadth are calculated is called Pratara and Ghana is that by which length breadth and thickness measured  $\mathbf{All}$ these three exhibited in the ways are picture. प्रव॰ ६२१; -- बट्ट न॰ (-वृत्त) नक्षर गेाणाशर, बाधुनी भाइध ठोस गोला-कार (anything) solid and globular or round like a ball भग०२४. ३, -वात. पुं॰ (-वात) क्रशे। " घण-वाय " शण्ह देखी " घणवाय " शब्द. vide ' घणवाय '' भग० २०, ६,—वाय पु॰ (-वात) धने।हिध अथवा विभान ર્ચાાદના આધારભૂત જામેલા બરક જેવા અયવા યીજેલા ઘી જેવા એક પ્રકારના કिटन वाय घनोदधि अथवा विमान आदि क आधार भत जमा हुआ वरफ जैसा अथवा जम हुए घृत जैमा एक प्रकार का गाडा वायु. a kind of haid and thick wind resembling ice or condensed ghee (clarified butter) उत्त॰ ३६, ११८, भग० १, ६, २, १०, 1२, ५; १७, ११, पञ्च० १, जीवा० ३, १, --वायवलय पुं॰ ( -वातवलय ) वसया-**धारे रहें**स बनवायु बर्तुलाकार से रहा हुआ घनवायु; वलयाकार मे रहा हुआ tbick, condensed air घनवाय remaining in a circular form मग० १७, ११; --संताराश्च पु० (-मता-नक ) धरे।णीयातु ५८. मकडी का जाला a cobweb. श्रोघ॰ नि॰ २६२, -समद पु॰ (-संमर्द ) જે યાગમા ચદ્ર અને સૂપ ચહ તથા નક્ષત્રની વચ્ચમાં થઇ ચાલે તે थे। श जिस योगं में चद्र व सूर्य, ग्रह व नक्तत्र के मध्यस्थ होकर गति करते है वह योग

the time of circumstance of the sun and the moon passing through the midst of a planet and a constellation मू॰ प॰ १३;

सह न॰ (-यटद) त्रेडर पाछत्रता स॰ द नदर वाजित्र के सटद the sound of a certain musical institument निसी॰ १७, ३५;

घणसार. ५० ( घनमार-घनस्य मुस्तकस्य सार. ) ४५२ कर्प्र Camphor. सु॰ च॰ २, ७७,

घराघराइय न॰ ( घनघनायित ) २थने। ४०१ धल ओवे। अवाज थाय ते रथका घरा घरा ऐमा त्रावाज होना Tinkling, jingling sound of a chariot राय॰ १=३, पगहर १, ३, भगर ३, २, जीवार ३, ८. घराष्ट्राइ न॰ ( घनघातिन् ) धनधाती अभ<sup>5</sup>, ज्ञानावरणीय, दर्श नावरणीय, भाढनीय अने अतराय से यार धर्म घनघानी कर्म. ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, मोहनीय व श्रंतराय ये चार कर्म. The four Karmas viz Jňānāvai nīva, Mohanīya, Daršanāvaranīya and Antaiāya; these four Karmas are known as Ghanaghati Karmas क॰ ग॰ ४, २७;

घण्दंत पुं० (घनदन्त) धनहन्त नाभना अन्तरद्वीपमा रहेनार भनुष्य. घनदन्त नामक अतर द्वीपमें रहने वाला मनुष्य. A tesident of an island named Ghanadanta. पण्ण० ३, जीवा० ३, ३; (२) अपण् समदमां नवसी कीक्यप्य समद्र में नवमी योजन पर घनदत नामक अंतर द्वीप. name of an island in Lavana Samudia at a distance of 900

Yojanas inside. प्रवः १४४१; ठा॰ ४, २; ६, १;

घणविज्जुया. स्रो॰ ( घनविषुत ) धरणेन्द्रनी लड़ी अश्रमिद्धितों नाम. घरणेन्द्र की छठी अश्रमिद्धितों का नाम. Name of the 6th queen of Dharanendra. भग॰ १०, १; (२) अपन्न हिसाडुमारीमांनी ओड. १६ दिशाकुमारियों में से एक. one of the 56 Disākumāris, ठा॰ ६:

घणा.स्रा॰ (घणा ) थए। देवी. घणा देवी. Ghaṇādevī. नाया० घ० ३;

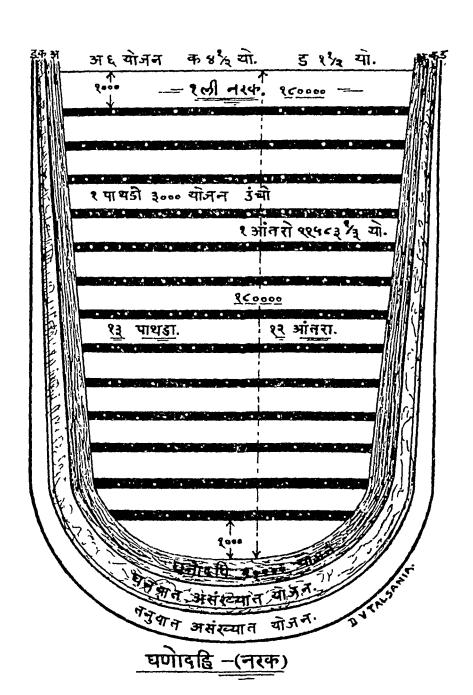
घरणोद्धि. पु॰ ( घनोद्धि-घनः स्त्याना हिम
शिलावत् उद्धिर्जलिनचयः सचासा चेति
घनोद्धः ) अत्येक्ष नरक्षी पृथ्पी नीये
अरक्ष्मी पेढे अभेस धनक्ष पाधी के अ
पीश हुआर ओलन अभाषे छे. प्रस्यंक नर्क
क नीव वरफ के समान जमाहुद्या घनरूप
पानी कि जो बीस हजार योजन तक है. An
ocean with frozen water 20
thousand Yojanas in depth,
under every hell-world ठा॰ ३,४;
" सत्तसुषणवाएसु सत्तषणोदहीणहरूया"
जीवा॰ ३, १. भग॰ १२, १; २०, ६;
सम॰ ६६, ठा॰ ७,

घणोदिह पुं॰ ( धनोदिधि ) ळुओ। ઉपसी शण्ट. देखो उपरोक्त शब्द. Vide above. (२) रत्नप्रक्षा पृथ्विने इरता त्रण् वसय छे. पहेंदी धणेहिधिनी, भीको धनवायुनी। अने त्रीको तनुवातनी। धनेहिधि थीकेंद्रा धी केंद्रा पाणी. धनवात पिधल्या धी केंद्रा वायु छे तनुवात के मृक्ष्म पवनरूप छे. ओ त्रण् वसयनी डेटसी डेटसी क्यांधे छे अने पृथ्वीने इरता डेवी रीते रहेंद्र छे ते चित्रमां भतावेंद्र छे, चित्रमी वस्थेनी क्यां आती साधना रत्नप्रका पृथ्वीना पाथंडा अने आती साधना रत्नप्रका पृथ्वीना पाथंडा अने आतरा भतावें छे रत्नप्रमा पृथ्वी के श्रास-

पास तीन वलय हैं. पहिला घनोद्धि का. दूपरा घनवायु का और तीसरा तनुवात का. घनोदधि यांजे हुए घी के समान होता है. घनवात पिघले घी जैसा वायु है श्रीर तनुवात यह सूचम पवनरूप है इन तीनों वलय की कितनी कितनी मोटाई है श्रीर पृथ्वि के श्रास-पास किस प्रकार स्थित हैं यह चित्रमें बत-लाया है. चित्र के अन्दर वीचकी जो मोटी लकीरें हैं वे रत्नप्रभा पृथ्वि के पाथडा (प्रस्तर) श्रीर शान्तरा ( श्रन्तर ) बतलाती हैं The three curves round Ratnaprabhā world, viz Ghanodadhi, Ghanavāyu and Tanavāyu. Ghanodadhi is like a condensed clarified butter Ghanavāta is like a fluid clarified butter and Tanavāta is like thin atmosphere. The breadth and the positions of these three curves are shown in the picture. The deep black lines in the picture show the different layers and intervals of the Ratnaprabhā world भग०१,६,२,१०,१२,५; सम०२०; पन्न० २; --वल्य पुं० (-वलय घनोदधि-रेव वलयमिव वलयकरक घनादि घवलगम् ) સાતે નરકાની નીચે વીશ હજાર જોજન પ્રમાણુ ઘનાદધિ–ળલાયાને આકારે જામેલ पाखी सात नरकों के नीचे वीश सहस्र प्रमाण घनोदधि-वर्तुला कार से जमा हुन्ना पानी an ocean with frozen water eircular in form, and twenty thousand Yojanas in depth under each of the seven hell-worlds. ठा० ३, ४; भग० १७, ६, २०, ६; पन्न० २;

Ϋ γν

## सचित्र अर्ध-मागधी काष



घत. न॰ ( एत ) थी घी, एत Ghee; clarified butter म्॰ प॰ १६, √ घत्त. घा॰ I. ( · ) तपास अर्थी. तपास करना to search (२) यत्न अर्वी. प्रयत्न करना to try.

घत्तिहामि. भ० उ० ए० विवा० १, ६, घत्त. त्रि० (गात्य ) धात ५२वा थे। २४. घात काने योग्य. Worthy to be killed; to be killed स्य० २, ७, ६;

घत्था. त्रि॰ ( प्रस्त ) ५५५१ गेक्षु; धेरागेक्षुं पकडा हुन्ना; घिरा हुन्ना. Caught; surnounded; overpowered पि॰ नि॰ ११६, पगह॰ १, ३, भग०१२, ६. सु॰ च॰ २, ५३१; (२) धसाध गयेक्ष, भवाध गयेभ्र घिर गया हुन्ना, कीट खाया हुन्ना worn out, rusted. गच्छा॰ १८;

घन. त्रि॰ ( घन ) गाढ, ग सीर. गंभीर.
Deep; sound; thick. कप्प॰३, ३=;
(२) भेध, परसाह मेघ, वर्षा. rain.
प्रव॰ १४=०; — पडलकलिय त्रि॰
(-पटलकलित) परसाहना पाहणाथी युक्त वर्षा के बादलों से युक्त full of clouds bearing rain. प्रव॰ १४=०,

घम्म पुं॰ (घमं) धाम, गरमी ध्यः गरमां,
नाप. Heat, heat of the sun. ठा॰ ४,
४, पं॰ नि॰ ३०३;—ठाण न०(-स्थान) ७५६
-तापन स्थान, ताप क्षेत्र. उपण-गरमां का
स्थान, ताप च्रंत्र क region of heat.
स्य० १,५,१,१२, —पक्क त्रि॰ (-पक्व)
गरमी-तऽहाथी पहिल्ल. गरमां-ध्र्य से पका
हुआ. ripened by the heat of the
sun विवा॰ =;
घम्मा ला॰ ( घम्मां ) पहेली नरहनु नाम.

प्रथम नरक भृमि का नाम. Name of the first hell. जीवा॰ ३, १: भग॰ १२, ३; प्रव॰ ६११; १०८५;

घय-म्र पुं॰ न॰ ( घृत ) थी घी Ghee; clarified butter. निमी॰ १, ४, दम॰ ४, १, ६०, नाया० ५; जीवा० ३, ३; उवा० १, ३४; भग० ११, ६; १४, १; पि० नि० २१०, मु० च० २, ४४७; उत्त० ३, १२; ठा० ४, १; श्रगुजो० १६; श्राया०२, १, ४, २४; प्रव० २०६, १४३०, गच्छा० ६६; काप० ३, ४६; ४, ११, ६, २३, (२) ધૂત નામના દ્રીપ તથા સમુદ્રનું નામ. घृत नामक द्वीप व समुद्र, name of an island, also that of an ocean. जीवा० ३, ४; पन्न० १४, श्रमुजी० १०३, --- उदग. न० ( उदक ) धीना केंबु धृत समुद्रत् पाण्डी ची के समान घृत समुद्र का जल. water of the Ghrita ocean resembling clarified butter पन्न १; स्०प० २०, जावा० ३, —िकिट्टि स्रां ( - किहि ) धाने। भेत - धेरु. चा का कीट मेल the dict of ghee प्रव ०२३१. --कुंभ. पुं॰ (-कुम्भ ) धीने। घंडा. घी का पात्र घडा. a pot of ghee or clairfied butter. भग १६, ६; - मह युं ॰ ( -मेघ ) ભરતક્ષેત્રમા ઉત્સર્પિણીના બાજો ગ્યારા ખેસતાં ૧૪ દિવસ મધી મેવ વરસ્યા પછી સાત દિન સુધી ત્રીજો મેઘ વરમે તેતુ नाम, भरत देश में उत्मर्पिणी का दमरा श्रारा लगतही १४ दिन दे। मेघ के बरमने के पश्चान सात दिन पर्यत तीसरा मध बरमता है बह the name of the last of the 3 downpours of rain (each last-

<sup>\*</sup> लुओ। ५४ नम्भर १५ नी पुरनीर (\*). देखो प्रष्ट नम्बर १४ की पुरनीर (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th

ing for 7 days) at the beginning of the 2nd cycle (Ara) of Utsarpini in Bharata-kṣetra উত্তৰ

घयपुराण न॰ ( घृतपूर्ण ) धेलर. घेवर An article of food prepared with a great quantity of gliee. पि॰ वि॰ ४६१;

घयपूर. पुं॰ ( घृतपूर ) धेणर. घेवर. An article of food requiring a great quantity of ghee to be prepared. वि॰ वि॰ ४६१;

घर पु॰ न॰ (गृह) भशनः रहेवानं स्थानः धर गृह: रहनेका स्थान, मकान A house: a residence श्रोव०१७, श्रम् जो० १२७; १३१; १३४; उत्त० ६, २६; ३०, १८; राय० १७, पि॰ नि॰ १६५; भग॰ १, ६; २, १, ५, ७; ८, ६; नाया० १; ८, १६; सु० च० १, ३३; जं॰ प॰ ठा० ४, १; उवा॰ १, ७७; पंचा० १४, ४२; प्रव० १६७; कष्प० ४, ११७, — ग्रंतर पुं न ( - ग्रन्तर ) भे धर वन्धेनुं आंतई दो गृहका मध्यस्य श्रंतर. the distance between the two houses. कप॰ ६, २७; —जामा-उय पुं॰ ( -जामातृक ) धर प्रभार्ध. गृह जामात घर जवांई. a son-in-law who remains under the roof of his father-in-law. नाया०१६;—समुद्राण न० (-समुदान-गृहेषु समुदानं भिदाटनं गृहसमुदानम् ) साधु सामान्य प्रधारे णवी थरथी गे।यरी धरे ते. साधु मामान्य रीति में मर्व घरों से गोचरी करे वह way of begging alms i. e begging of alms by a Sādhu from all houses without distinction: indiscriminate begging of alms from all houses भग॰ २, ५; ३, १;

—समुदाखियः पुं॰ (-समुदानिक-गृहसमुदायं प्रतिगृहं भित्ता येषां प्राह्माऽस्ति ते
गृहसमुदानिकाः) अतिधर-६रेऽ भरे लिक्षा
थेनार गाशालाना भतना अनुपायीः प्रतिघर
से भित्ता लेनेवाला गोशाला के मत का श्रमुयायाँ one who begs alms at
each house; a follower of the
tenet of Gośālā श्रोव॰ ४१;

घरक न॰(गृहक) धर गृह A house श्रोव॰ घरकोइला स्त्री॰ (गृहकोकिला) गरीणी; लींनगरीणी छिपकती. A lizard. चड० ३७; पि॰ नि॰ ३५५;

घरकोइलिया. स्री॰ (गृहकोकिता) लुओ। ७५६। श॰६. देखो उपरोक्त शब्द. Vide above. सूय॰ २, ३, २४;

घरणी स्नी॰ ( गृहिणी ) धर धिल्याणी; स्त्री, सार्था गृह-स्त्रामिनी; स्त्री; भार्या. A house-wife; a wife चड॰ ३७; उत्त॰ २१४; घरयः न॰ ( गृहक ) धर-स्वन. गृह-भवन.

A house. जीवा॰३; नाया॰ १,प्रव॰४०८, घरिणी स्त्री॰ (गृहिणी) स्त्री; धर्धश्रीयाश्री॰ स्त्री; गृहस्वामिनी. A housewife; & wife. सु॰ च॰ १, ४०;

घरोइला. स्री॰ ( गृहकोकिला ) नानी भरे। !! छोटी छिनकली. A small lizard. पन्न॰

घसः न० (घम) लभीननी म्हेर्टी इर्टः असी लभीनने। श्रीरीयेः जमीनकी वडी दरारः काली जमीनकी दरार A large crack in land. श्राया॰ २, १०, १६६ः घसाः स्रं।॰ (घसा) क्षारवाणी भूमि ज्ञार-

वाली भूमि. Saline soil. दस॰ ६, ६२; घिसय. त्रि॰ (घिषेत) ५सेक्षं घिसा हुआ. (Any thing) rubbed दसा॰ ६, ४; स्य॰ २, २, ६६,

घिसर. त्रि॰ ( घस्मर ) અધરાયા; ખહુ ખાતાર. श्रिधिक श्राहार करने वाला. Voracious; gluttonous. श्रोघ॰ नि॰ भा॰ १३३;

घसी. स्री॰ ( घसी ) જभीनने। देखाव जमीन का उतार Sloping ground. (२) भोंयरू तलघर a cellar जीवा॰ ३.३. घाइ त्रि॰ ( घातिन् ) धात करनार. घात करने वाला. (One ) who kills. श्रोघ॰ नि॰ मा० २१; क०प० १, ५७, २, ४४, -- कम्म. न॰ ( -कर्म ) ज्ञानावरखीय, दर्शनावरखीय. માહનાય અને અંતરાય એ ચાર કર્મ; આ त्मिक गुण्यानी धात करनार कर्भ ज्ञानावर-णीय, दर्शनावरणीय, मोहनीय व श्रंतराय ये चार कर्म, श्रादिमक गुणों की घात करने वाला कर्म Karmas destructive of the qualities of the soul i. e. those which obscure knowledge, faith, and those which delude and obstruct. श्रशुजा॰ १२७,

घाइश्व-य त्रि॰ ( घातित ) भारी नेभावेशुं; धात धरावेश्व. मार डाला हुत्रा; घात कराया हुत्रा. Caused to be killed. नाया॰ दः; भग॰ ७, ६; पि॰ नि॰ १२७; २७४; घाउकाम त्रि॰ ( इन्तुकाम ) शुंद्रवानी धिन्छ। वाली. लूटने की इन्छावाला। (One) desirous to rob, spoil. नाया॰ १८, छ्वाला. न॰ ( १०) धाणी धानी. Parched grains. पि॰ नि॰ भा॰ ४०, घाला. न॰ ( प्राणा) धाणी दियः नासिका, नाक. विश्वार नासिका, नाक. A nose; the sense of smell " दोघाणा" पन॰ १४; ठा॰ विशे॰ २०४; उत्त॰ ३२, ४८;

ठा० ४, १; मूय० २, १, ४२; राय० ५७, श्रोघ० नि० २८७; पन्न० २३, प्रव० ४६७; ७६४; भत्त॰ १४४; - प्रत्तः ५० (-प्र-द्रल ) મુગધી દ્રવ્ય; સુંધવાના પદ્રલ. सुगन्वित द्रव्य; सूघने का पुद्रल. fragrant substance पत्र॰ ३६; -पांग्गल पु॰ न॰ (-पुद्रल) नासिशधी क्षेत्रा थे। २५ ५६ इ. नासिकासे प्रहण करने योग्य प्रहत. atoms for or of the sense ofsmell भग० ६, १०: श्रोव० ४२: -- बल. न॰ ( -बल ) धार्ले द्रियनु सामर्था. घ्राखेंदिय का सामर्थ्य. power of the sense of smell. उत्त॰ १०. २३. --- मग्निव्बुइकर. त्रि॰ (-मनोनिर्वृत्ति-कर ) नासिका अने भनने शान्ति क्रमाइ नासिका व मनकी शान्त करने वाला (anything) quieting the mind and the nose नागा॰ ६; —विसयः पु॰ (-विषय) नासिक्षाना विषय-सध्य ते नासिका का विषय-संघना-वास लेना smell; smelling नाया॰ १७, -- स-हगय पु॰ (-सहगत) नासिधना सद-**धारी प्रदेश.** नामिका के महकारा प्रदेश. atoms which are associated with the sense of smell. भग० १६, ६; १८, ७;

घारिंगीद्यः न० ( घार्णेन्द्रिय ) नासिक्षा, सुंधवानी शक्ति धरावनार छेदिय, नाक नासिका, घार्णेद्रिय; नाक A nose, organ of smell पञ्च० १५; नदी० ४, भग० ८, १९ ३३, १, नाया० ४, १७; श्रोव० १६; सम० ६; — निग्गह पुं० ( -निग्रह ) ध्राष्ट्रे दिय-नासिक्षाने क्षासुभां

<sup>ः</sup> जुओ। पृष्ट नभ्यर १४ नी प्रतीय (६) देखो प्रष्ट नम्बर १४ की फुटनीट () Vide foot-note (१) p. 15th.

राभवी ते घ्रागोद्रिय-नासिका को वशमे रखना. one who controls the sense of smell उत्त॰ २६; २;

 $\sqrt{$  घात. था॰  ${
m I, II.}$  ( हन् ) ७७,२ . मारना; घात-वथ-करना.  ${
m To~kill.}$ 

घाएइ विवा॰ ३;

घाएति. विशे० १२४८;

घाएता सं० कृ० नाया० १८;

घाइत्तए. हे॰ कु॰ नाया॰ १,

घाइजमाण क० वा० व० कृत नामा० १८,

 $\sqrt{\ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ }$  घात भा $\circ$  I ( हन्+िण ) હણાવવું, धात कराना. To cause to be killed.

घायए प्रे॰ दस॰ ६, १॰, सूय॰ १,१, १;३, घायावह प्रे॰ म्रा॰ सु॰ च॰ ८, १८०,

घायमार्ग प्रे० व० क्र० श्राया० १, ६, ४, १६२, सूय० २, १, २४;

घात पुं॰ ( घात ) भारशुं. घात करना; वध करना. Killing, murder. भग॰ १४, १, (२) तरक नरक hell सूय०१,४,१,५,

घातस्र त्रि॰ ( तत्वक ) धात धरनाइ भार-नाइ घातक. Destructive, ( anything) that kills जं॰ प॰

घाति त्रि॰ (घातिन्) હणुनार, १६ ४२नार. घात -वध करने वाला (One) who kills. श्रोव॰ ३६;

घाति अ-यः त्रि॰ (घातित) ६७) त्र घातित, घात किया हुआ. Killed, murdered. भग॰ १६, ६; नाया॰ ८,

घाय पुं० ( घात ) वध अरवे।; धात अरवे।.

वध करना, धात करना. Kıllıng, desbruction पॅ० नि० ४८८; नाया० १;

उना० ८, २४१. पंचा० ६, १२, क० प०
२, ४४; — उटभड पुं० ( -उद्भट) धात
अरवाने विश्राल घात करने के समय
विकाल रूप भारण किया हुआ ( one )

assuming a cruel and terrible appearance at the time of killing. नाया॰ =; —कर. ति॰ (-कर) नाथ धारक विनाशक destructive. क॰ गं॰ १, १=;

घायस्र. त्रि॰ ( घातक ) लुओ "घातम्र" श॰६. देखो "घातस्र" शब्द. Vide. "घातम्र" विशे॰ १७६३:

घायक. त्रि॰ ( घातक ) धात करनार घात करनत्राला ( One ) who kills जीवा॰ ३, ३, नाया॰ २;

घायग त्रि॰ (घातक) छप हिंसा करनार.
जीव हिंसा करनेवाला. (One) who
kills living beings. पंचा क्र. २२;
घायगत्ता. स्त्री॰ (घातकता) धातशीपछुं;
क्रेपछुं घातकीपना, क्र्पन Cruelty;
destructiveness, murderous-

घायण न० ( घातन ) भारतुं; धात करवी. मारना, घात करना Killing; murder. स० च० ६, १३६;

ness भग० १२, ७,

घायणा स्त्री॰ ( वातन ) धातक्ष्मी ते. घात करना. Murder; killing. परह॰ १, १; घायावण न॰ ( घातना ) धायस करावर्तुं. घात कराना Causing ( another )

to wound or kill विवा॰ ३:

घास पु॰ (ग्रास ) ११७१थे। कौर, निवाला; ग्रास. A. morsel of food (२) भे।જन भोजन food स्य॰ १, १, ४, ४; ग्रोव॰ १६, उत्त॰ ८, ११, ३, २१, पिँ० नि॰ ६२६, भग॰ ७, १, वव॰ ८, १४, श्राया॰ १, ६, ४, ६,

घासक पु॰ (घासक) अश्सिः।; ६५ िछः। श्ररसाः दर्पण A mirror विवा॰ २; —परिमंडिश्र त्रि॰ ( -परिमण्डित) अश्सिथी शालित श्ररीसा-दर्पण से सुशो॰ ाभेत. adorned with mirrors.
"चामर घासक परिमंडिश्र कडिश्र" विवा०२;
घिश्र. न॰ ( घृत ) धी. घी; घृत. Ghee;
clarified butter तंदु॰

विद्योदन्र पुं॰ ( घृतादक ) धृतादिध समुद्र; धीना केना पाशीयाणा समुद्र घृतोदिध समुद्र, धा के समान जलयुक्त समुद्र. Name of an ocean having water like clarified butter ठा॰ ४, ४,

धिंसु. पु॰ ( ग्रीष्म ) गरभीन भेासभ, ઉनाणा. ग्रीष्म ऋतु Summer स्य॰ १, ४, २, १०; उत्त॰ २, ६;

धिणिल्ल. त्रि॰ (घृणावत् ) ह्याशुः, ह्यायान्. दयालु, दयावान Kind, compassionate ।प॰ नि॰ १७६;

घुघुयंत. त्रि॰ ( + ) धुधु એवे। शक्द કरत घु घु ऐसा शब्द करता हुआ Sounding "ghu ghu" नाया॰ =,

√ घुट्ट. था॰ I ( घुट् ) પાણી પીલુ जल पाना To diink water. (२) धुंटवुं. घुट लेना to sip घुटति. नंदी॰ स्य॰ ४४:

घुट्टमः पु॰ ( \* ) क्षिभ्पेक्ष पात्रने शुद्ध क्ष्यानी पथरी. काँचड लगे हुए पात्रकी शुद्ध करने का पत्थर A stone used to cleanse a bespattered vessel पि॰ नि॰ भा॰ १४.

घुट जि॰ ( घुष्ट ) ७२ २२२ भेला मेल; ७६ धेपणा ६२ेत उच स्वर से बोला हुआ, उद्धो-पणा किया हुआ. Spoken aloud, proclaimed aloud. भग॰ १४, १; उत्त॰ १२, ३६; उवा॰ म, २४१;

घुण. पु॰ ( घुण ) धुणे।; ०००० विशेष-४ ००

લાકડાને કારી નાખે છે. तक्कड खोद कांट-जन्तु विशेष. A kind of worm eating into wood. ठा० ४, १;

घुणा. स्ती॰ (घुण) साम्यानी प्रीक्षेत्र, धुण्ये. तक्कड का कीडा. An insect found in wood or timber, रायः ३४६.

घुम्मंत. व॰ छ॰ त्रि॰ (घृषेत्) सभतुं, ६२तु. श्रमण करता हुश्रा, फिरता हुश्रा. Wandering, roaming, moving. श्रोव॰ २१;

घुम्ममाण व॰ क्व॰ त्रि॰ ( घूर्णेत् ) श्रभतु; श्रभणु ४२तुं. भ्रमण करता हुआ. Wandering; roanning. नाया॰ ६,

প্রাক্সা জাও ( \* ) প গুরিখবালা গুণ; থ পথা বনীই. दो इन्द्रिय বালা জীব, য়ান্ত স্থাবি A two sensed being. দলত ৭:

घुसिए। न० ( घुसूण ) हेसर. केसर. Salifron: सु० च० १०; २८८, प्रव० १४६८; \*घुसुलित व० क० त्रि० ( मन्थत् ) ६६ी वंगेरेनु भन्थन हरतु; छास वंदीवतुं.

दही इत्यादि का मथन करता हुआ. Churning curds etc. into whey etc. पि॰ नि॰ ४७३:

घूघूश्रंडश्र न॰ (घूकागडक) धुणडना छंडा. An egg of a sheowl. विवा॰ ३:

घूर्णत व॰ इ॰ त्रि॰ (घूर्णमान) स्थिश वि॰६स थते। भय से विह्नल होता हुआ Being destracted by fear of danger पगह॰ १,३;

घूयः पुं॰ ( घूक ) धुनः; धुः घुष्त्रः, उन्लू An owl. नाया॰ ८, पगह॰ १, ३;

<sup>\*</sup> जुओ। पृष्ट नम्भर १५ नी पुटने। (\*) देखें। पृष्ट नम्बर १४ की फुटनोट (+). Vide foot-note (+) p 15th

घूरा. स्त्री॰ ( घूरा ) व्यांध पंगेरे शरीरना अवयव जंघा इत्यादि शरीर के अवयव. A limb of the body such as thigh etc सूय॰ २, २, ४५;

घेत्तब्ब. त्रि॰ (ब्रहीतब्य) श्रेड्यू करवा ये। य ब्रह्म करने योग्य Worthy to be accepted विशं॰ १२;

घेयव्य त्रि॰ ( प्रहीतव्य ) ळुओ। " घेत्तव्य " शल्द. देखो " घेत्तव्य " शब्द. Vide " घेत्तव्य " भग॰ =, ६;

घेरोलिया स्री॰ ( मृहकोकिका ) भरेन्ती. छिपकती. A lizard, a small house-lizard जीवा॰ १;

घोड. पु॰ (घाट-श्रम ) थे।।. श्रम घोडा. A horse गच्छा॰ १२५;

घोडग. पु॰ (घोटक) એક જાતના शिंडा एक जाति का श्रश्व. A kind of horse. श्रव॰ २४६, पत्त॰ १; स्य॰ २, २, ४४; घोडय. पुं० (घोटक) धेडा. श्रश्व; घोडा. A horse. डवा॰ २, ६४; —मुह. न॰ (-मुख) धेडाना क्ष्मेशो जीवानुं शास्त्र. श्रश्व के चिन्हों की परिचा करने का शाख्व. a science treating of the marks by which a horse can be tested. श्रगाजो॰ ४१;

घोर त्रि॰ (घोर) धे।२; लथं ४२, ६।२०॥. घोर, भयद्वर; दारुण. Dreadful. "घोरानेउरं न कंदरचलंत बीभत्थभावाणं '' भग॰ १६,६; पण्ह० १,१; नाया०१;६;१७;अग०१,१३,२; दस० ६,११;६,२,१४; उवा० १,७६; भोव०२१; ३८; उत्त०४,६; ६, ४२; २४, ३८; प्रव० ४६१; पंचा०७, १२; १८, १४; भत्त० १९१; गच्छा० ५; (२) केभां छ्ययाने। पण् संशय रहे तेयुं हु०६२ १८५ जियमे जीवित रहने का भी भय हो ऐसा दुष्कर कृत्य a perilous, hazardous

undertaking. श्राया॰ १, ४, ४, १३६; —श्रंसुपाय. पुं॰ ( -भ्रश्रुवात ) आंसुनी भ्देत्य धार. अधुओं की धारा; अधुपात. stream of tears.नाया ६; — श्रागार. पुं० ( - भाकार ) सर्थ ५२ आ । १२; आ । ति. भयंकर प्राकृति. terrible appearunce. भग॰ ३, २; —गुणः पुं॰ (-गुण घोरोऽनीर्दुरनुचरा गुणा मृतगुणा यस्य सः) सर्वे।त्तम शृब्यान् सर्वेत्तम गुणवान्. (one) extraordinarily virtuous; (one) possessed of insuperable qualities भग॰ १, १; —तब-न० ( –तपस् ) સંસારના સુખની ઇ<sup>ર</sup>છા रिदेन तपश्चर्याः संमार् के मुख की इच्छा रहित त्रअर्थ nusterity without desire of worldly happiness. ठ०४२; —तचस्ति पुं॰ (-तपस्विन्) हुअर ( म्हेरा ) तपवाणा. भयानक, महान् तप बाला. one practising austere penunce. नाया॰ १; भग• १, १; —यंभचेरवासिः त्रि॰ ( -यहावर्ष वासिन् ) भदाधकायर्थ पात्रनारः अस्प-५२नार. महा ब्रह्मचर्य पालने वाला (one) practising strict or austere continence. नाया॰ १: भग॰ १, १; —रुव. न॰ (-रूप) धे.२३५५; णिडा-भएं रूप. डरीना रूप-श्राकृति- dreadful appearance उत्त॰ १२, २४; भग॰ १६, ६; — विस न॰ ( विष) लयं ५२ ઝેર; જેની ગાંધથી હન્તરા છવા મરે તેવું. भयंकर विषः जिसकी गंध से श्रसंख्य जीवो का नाश हो. deadly poison. भग॰ १४, १; - वेयणा, स्री० (-वेदना ) भक्ष हु: भं, लयं ३२ भीऽ। गहा दु.सः; भयंकर पाँडा. severe pain, affliction. भत्त॰

१६०, — क्वयः नि॰ ( -ब्रत ) हु<sup>6</sup> कर भक्षात्रताने पाणनार. दुष्कर महावर्तों को पालने वाला. (one) who observes full vows difficult to practise नाया॰ १:

घोल. पु॰ (घोल) हिंदिने अपडामां आंधी
गाणी नाभवु—पाछी अही नाभवुं ते दहीं
को कपडे में बांधकर छान डालना-पानी
निकाल देना The process of extracting water out of curds
by tying it in a cloth प्रव ॰२३०;
घोलंत. त्रि॰ (घोलयत्) हासायमान होता
हुआ. Swinging, shaky, श्रोव॰ १२;
कप्प॰२, १४;

घोलए न॰ (घोलन) धे। णवु; अगूरे। अने आ-गणी वती डेरीनी पेंडे धे। णवुं-भसणवुं घोलना; श्रंगूठा व उंगला से केरी के समान घोलना; मसलकना Pressing round by means of the thumb and the fingers, e g a mango. विशे ॰

घोलमाण व॰ छ॰ त्रि॰ (घोलयत् ) धेः अना ४२तु घोलता हुन्ना. Rubbing. क॰ प॰ २, १०३;

घोलवड न० (घोलवटक ) ६ हिं धे। श्रीने तेमा वडा नाभे ते; ६ हिंवडा. दही को घोलकर उसमें बडे डालना; दहीबडे A kind of food prepared of truy cakes dipped in cuids mixed with salt etc This is known as Dahibadā प्रव०२३०;

घोलिश्र-य. त्रि॰ (घोतित) पर्से वेश्वः मन्थे शुः हेरोनी भेडे वेश्वेशु. मथन किया हुत्रा, श्राम के समान धुला हुश्रा Churned, pressed round (e.g. a.mango) to take out juice. स्य॰ २. २; ६३; श्रोव॰ ३८;

घोत्तित. त्रि॰ (घोतित) कुओ ७५दी शम्ह. देखी ऊपर का शब्द. Vide above. दसा॰ ६, ४;

घोलिर. न॰ (घोलनशील) वश्वपणे इरबं ते. वर्तुलाकार घूमना Circular, tortuous motion. सु॰ च॰ १, ४;

√ घोस था॰ I, II. ( घुष् ) ઉચે स्वरे भे। अबु उच्च स्वर से बोलना. To speak loudly.

घोसंति नाया० ५;

घोतेह नाया० ४,१३, १४; १६; सु०च० २, १८१; ज० प० ४, १२३;

घोसित्ता. सं० कृ० नाया० १२; घोसंत्त श्रोघ० नि० ६४=; घोसावेह नाया० १६;

घोस. વું • ( घोष ) ગાકુલ, ગાયાને રહેવાનું स्थान. गौकुल, गौश्रों का स्थान. A house for keeping cows in. ভল০২০, ৭৬; ठा० २, ४, सम०३२, वेय०१, ६, (२) धे।स નામનું ત્રીજા અને ચાયા દેવલાકનું વિમાન घोस नामक तीमरे व चौथे देवलोक का विमान. name of a heavenly abode of the third and the fourth Devaloka सम॰ ६; (३) २वर; अवाज. स्वर; श्रावाज नदी०स्थ० ६; नाया०६; भग०१४,१;सु०च० ર, પ્રવળ, જાગ ૫૦ (૪) ઉચ્ચું નીચુ કે સમસ્વર વિશેષ ઉચ્ચાર–કેદાત્તાદિ भे। अव ते ऊंचा नीचा व समस्वर विशेष उच्चार-उदातादि स्वर का उच्चार करना. speaking in high, low or middle accent विशेष ६४१: पिवनिक ४४०; त्र्रयुजो० १३; (५) स्तिनत दुभार ज्यतना अवन्यतिने। धन्द्र स्तानित क्रमार

जाति के भन्ननपीत का इन्द्र. Indra of the Bhavanapati gods of the Stanitakumāra kind. नाया व्यव ३: (૬) ધાસ નામનું પાંચમાં દેવલાકનું વિમાન કે જ્યાંના દેવતાનુ દશ સાગરનું આયુષ્ય छे घोस नामक पांचवें देवलोक का एक विमान कि जहा के देवताओं की दश सागरी का श्रायुष्य प्राप्त होता है name of a heavenly abode of the fifth Devaloka, the gods here live ten Sāgaras of time सम् १०: —विसद्धिकारश्रः त्रि॰ (-विश्राद्धः कारक ) उहात्त-अनुहात्त-स्वरित आहि स्वीरत त्रादि शुद्ध उचार करने वाला (one) using high, low and circumflex accents in speech. इसा॰ ४, १६: -हीरा त्रि॰ (-हीन ) सूत्र पार्नी ઉચ્ચાર કરવામાં દીર્ઘ હોય ત્યા ન્હસ્વ, ખે માત્રા હોય ત્યાં એક માત્રા ખાલવી તે, જ્ઞાન-ना १४ अतियारभाने। ओं इ. सूत्र पाठ का उच्चार करने में दीर्घ हो वहां व्हस्त, दे। मात्रा हों वहां एक मात्रा वोलनाः ज्ञान के १४ अतिचार में में एक wrong pronunciation of scriptural text; one of the 14 faults connected

with acquiring knowledge.
স্থাৰত ১, ৬;

घोसण न॰ (घोषण) घंटाने। शण्ह घंटा का नाद. Sound of a bell. राय॰ ४०; घोसणा. स्री० (घोषणा) अहेर भभर; ढंढेरें। प्रसिद्ध-पत्रिका; ढंढेरा. Proclamation ज॰ प० ४, १२३; ११५; ग्रंत० ४, १; नाया॰ १३, १५;

अधिसय पुं॰ ( ॰ ) आरसी; नानी अरिसी, दर्पण; ब्राईना, छोटा दर्पण, A small mirror, भग० ११, १९;

घोसाड पुं॰ न॰ (घोसातक) धीसे।ऽ।; शाः वनस्तिनी अः अन्तः तुराई, शाक वनस्पति की एक जाति A kind of vegetable. प्रव॰ २४३;

घोसाडई स्रो॰ ( घोषातकी ) धीसे।ऽ।तुरीयानी वेश नुरई की वेल. A.
cresper yielding fruit which is
used as vegetation. पत्र॰ १; १७:
घोसाडिया. स्रो॰ ( घोषातकी ) वनस्पति
विशेष, धीसे डी वनस्पति विशेष, टांडोरे

विशेष, धीसे डी वनस्पति विशेष, टीडोरे की बेल. A kind of vegetation जीवा॰ ३, ४; राय॰ ५४;

घोसिस्र. त्रि॰ (घोषित) न्निहेर १रेक्षं. साह पडावेक्षेत प्रसिद्ध किया हुम्रा, दूंडी पिटाईहुई. Publicly proclaimed स्रोध•नि॰६४५;

ਫ਼-

ङकारपिधभित्ति. पुं॰ ( ङकारप्रविभक्ति ) ડ না આકાર જેવું નાટક વિશેષ. ह कार की त्राकृति के समान, नाटक विरोष (Anything) of the shape of the letter " ङ "; a kind of a drama.

<sup>\*</sup> जुओ पृष्ट नम्भर १५ नी पुटने। ( \* ). देखो पृष्ट नंबर १५ की फूटने। ट ( \* ). Vide foot-note ( \* ) p 15th

च

च. अ० (च) अने; वक्षी. और; फिर. And;
moreover. (२) पाहपूरे पादपूर्ति
an expletive. क० गं० १, ३; २३;
२६; ३७; ४२; दस० ४, १५; ५, १, ६७;
५, २, ८; ६, ६; १=; भग० ३, १; नाया०
१, ६, १२; १६; ध्याया० १, १, १, ११;
नंदी० स्थ० २०, २१, उन्ना० १, १४;

चश्र-य. पुं॰ ( चय ) जिंथी। समृह. A collection (२) छेट वगेरेनु यश्तर ईंट, पत्थर श्रादिका जुनाव. piling of bricks etc पि॰ नि॰ २; १०१, उत्त॰ २८, ३३; पग्ह॰ १, ५; स्य॰ १, १०, ३, (३) शरीर. शरीर. body. श्रोव॰ ४०; (४) शरीरनुं तज्यु शरीर का त्याग करना. giving up or abandoning one's body. श्रोव॰ ४०;

चइय त्रि॰ (त्यक्त) छ। देश्व; तर्रक्ष. छोडा हुआ; त्याग किया हुआ. Abandoned, given up. भग० ७, १; पगह० २, १; श्रोध नि॰ ११४;

चइयव्य. त्रि॰ ( त्यक्तव्य ) त्यागया थे। व्य त्याग ने योग्य, छोडने योग्य. Worthy of being abandoned, स्० च० ४, १८६;

चउ. त्रि० ( बतुर् ) थार; थारती स पणा. चार; ४ की संख्या. Four; the number 4. उत्त० ३, १; ३६, ६२, श्रोव० ३१, श्रयुजो० द, भग० १, १; ४; २, १; ४, द; ६, ६; ७, ६, १६, ४; १७, १, २४, ६, नाया० १, राय० १द, दम० ७, १: उवा० १, १८, क० गं० १, ३०; ३३; ४६, २, ४; पंचा० १७, ६; दसा० ७, १; पन्न० १; ४; विवा० ४; सु० च० १, २, निसी० १६, ६ १२; पि० नि० ४, वेय० ३,

१४; वव० ६, ३६; जं० प० ५, ११२; - कन्न. त्रि॰ (-कर्ष) **यार धाने ग**येस ( वार्ता ). चार कानां में गई हुई ( वात ). ( a story ) known to two persons श्रोष० नि॰ ७६०; --कुडुश्र पुं॰ ( -कुडच ) यार ५७व-धान्यने। साप विशेष. एक प्रकार का धान नापने का माप. a measure of capacity equal to four Kudavas. प्रव॰ ५१=: ---कसाय पुं० ( -कपाय ) हे।ध, भान, માયા અને લાેભ એ ચાર કપાય चार कपाय-कोध, मान, माया और लोभ. the four evil passions viz anger, pride, deceit and greed স্মাৰ॰ १, ४, दस० ७, ५७, ६, ३, १४, —क्रोण त्रि॰ ( -कोण-चत्वार: कोणा यस्य ) थार ખુણાવાળું; ચારસ चार कानों वाला, चतुप्-कोण quadrangular " सडतारायो मणिसुबद्धात्री चडकोणात्री '' राय० भग० १३, ६; —गाहा स्रो॰ ( -गाथा ) यार भाश्यः चार्गाथा four verses ३.२०. — गुण त्रि० ( -गुण ) यारगशुं चार गुना; चौगुना. fourfold ज० प० ५, ११६, भग० २४, १; क० ग० ३, १०; -- गुरिएय. त्रि॰ ( -गुरिएत ) थे।गिर्ख . चौगुना. foutfold भग० २४, १; - घाइ न॰ ( -धातिन् ) ज्ञानावग्शीयाहि यार धाति ३२भ . ज्ञानावरणीय त्रादि चार घाति कर्म. the four kinds of Karma which obstructs right knowledge etc. ক০ গ০ ४, ৩২, — ব্যায়া. न० ( -स्थान ) ४म ने। यार गर्शीओ रस. कर्मी का चतु स्थानिक रस. the fourfold state of Karma as regards its

ncuteness etc. क॰ ग॰ ५, ६४: -- गाउइ स्रो॰ ( -नवति ) थे। शर्थं, ८४. चारानवें, ६४, ninety-four; 94. सम॰ ६४, — गाणोबगय त्रि॰ ( -ज्ञानी-पगत ) भित, श्रत, अविध अने भनपर्यव ये यार जानथी युक्त, मिति, श्रुत, श्रवाध और मन पर्यव इन चार प्रकार के जाना से यक Possessed of four kinds of knowledge viz Mati, Śruta, Avadhi and Manahparyava. नाया॰ ; नाया॰ ध॰ - तसा पु॰ (-तनु) શરીર ચતુધ્ક, શરીર નામકર્મ, અગાપાય નામકર્મ સઘયણ નામકર્મ અને સંકાણ નામકર્મ એ ચાર પ્રકૃતિના સમૃદ્ધ. શર્રાદ चतुष्कः शरीर नामकर्म. श्रंगोपांग नामकर्म. संहनन नामकर्म श्रीर संस्थान नामकर्म इन चार प्रकृतियों दा समदाय the fourfold Śarīta Karmic matter viz Nāma Karma, Angopānga Nāma Karma, Sanghayana Nāma Karma and Santhāna Nama Kaima क॰ ग॰ ४, २१; —त्तीस. त्र॰ ( -त्रिशत् ) चे।त्रीशः ३४ चौत्तीस. 38. Thirty-four; 34. ''चउत्तीमबुद्धवयणातिसेसेपत्त' श्रोव० १०: नाया॰ ८; —त्तीसम. न॰ ( -त्रिंशत्तम ) સાળ ઉપવાસ ભેગા કરવા તે, તેત્રીશ ભક્ત-ટ કના ત્યાગ કરી ચાત્રીશમે ટ કકે પારહ **४२**९ ते. सोलह उपवास इकट्रे करना; ३३ भक्त-भोजन का त्याग कर ३४ वें समय पारणा करना. sixteen fasts: taking food after a fast of thirtythree meals नाया॰ १, -दंसरा न० ( -दर्शन ) दशीनावरणीय अभीनी ંચક્ષુદર્શાનાવરણીય આદિ ચાર दर्शनावरणीय कर्म की चलुदर्शनावरणी।य

वगरह चार प्रकृतियाँ. the fourfold Kaimic variety of the Karma called Darśanāvaranīya ग॰ २, १२; —दंत. पुं॰ ( -दन्त ) थार हान्त याते। दस्ती रतन हस्तिरतनः चार दाता हायी an elephant with four tusks, भग० १४, १: नाया० १; ठा० ६; कप्प० ३, ३३; —हसम. त्रि॰ ( -दशतम ) शैष्टिभ . चौदहवाँ . fourteenth. बबर ६, ४१, भग० १६, १४: २५, ७; नाया० १; १४: —हिस अ० ( - विंश् ) भूव , पश्चिम, उत्तर अने हिस्ख े थार दिशाओं चार दिशाए; पूर्व, पश्चिम, उत्तर श्रीर दानिण, the four quarters east west etc. नाया॰ ६. -- नवड. स्त्री॰ (-नवति) थे।२।७: ६४नी स ७४। ६४ की संख्या. ninetyfou; the number 94. क॰गं॰ ३, १३: १४: —नागा न॰ ( -चान ) भति, श्रुत, अविध अने भन. ५५ व को यार ज्ञान. चार ज्ञान: मतिज्ञान, श्रुतज्ञान, श्रवधिज्ञान श्रीर मनः ਪੁੰਕ ਗ਼ਰ, the four kinds of knowledge viz. Mati, Śruta. Manahparyava and Avadhi. 950 १३०६; —नारिए वि० (-ज्ञानिन्) यारतान वाणे. चार ज्ञान वाला. possessed of the four kinds of knowledge. सु॰ च॰ ३, १; १६, ४७; भग॰ द, २;--नागोजगश्च पुं॰ स्त्री॰ (-ज्ञानां-पगत ) કેવલ શાનને છાડી અન્ય ચાર ज्ञानथी युक्त केवल ज्ञान को छोडकर शेष चारों ज्ञानों से युक्त. possessed of all (the remaining four) kinds of knowledge except Kevala Jñāna भग०१, १; -- पंचग न० (-पञ्चक) यार पाय. चार पांच, four or five. दमा॰

६, १; —पज्जवासियः त्रि॰ (-पर्यवसित) ચારચારના થાેક કરતાં જેમાં ચાર શેષ રહે તે. चार २ का थोक करने पर जिसमें चार शेष रहें वह-संख्या. any sum in which the remainder is four, after it has been divided into parts each containing four. भग॰ १८, ४, ३१, १; ---पज्जाय पुं॰ ( -पर्वाय ) નામ–સ્થાપના–દ્રવ્ય–ભાવ એ ચાર પર્યાય. चार पर्याय, नाम, स्थापना, द्रव्य श्रौर भाव. the four Paryāyas viz Nāma, Sthāpanā, Dravya and Bhāva. विशे ० ७३; — परासा. स्री ० ( -पञ्चाशत् ) चे। पतनी संज्या. चोपन की संख्या. fiftyfour. ज॰प॰ २, ३१; —प्रज्ञाहिय. त्रि॰ (-पल्याधिक) यार पश्यापमे अधिक. चार पल्योंपम श्राधिक. exceeding by four Palyopamas ( a measure of time ). क॰प॰ २, १०७; —पोरिसिय. त्रि॰ (पौक्षिक) थार पहेरतुं चार पहर वाला. of or extending to four Praharas ( one Prahara = 3 hours ) भग॰ ११, ११; — प्पएसि अ-य. त्रि॰ ( -प्रदेशिक ) लेभा यारपरभाख ने। भणेक्षा तेवे। ( २४-५ ). चतुप्रदेशिक चउप्रदेशी (खब). जिसमें चार परमाण् मिले रहते हैं वह स्कन्ध. a molecule consisting of four atoms श्रमुजी॰ ७४, भग०४,७; — द्व**डोयार** त्रि०(-प्रत्य-वतार ) यार विलागभा विलक्त. चार भागा में विभक्त-वंटा हुन्ना divided into four parts. भग० २५, ७, — प्पाता त्रि॰ (-पञ्चाशत् ) थे। पतः, ५४. चौपनः ५४. fifty-four; 54. नाया॰ ध॰ ३; ४, भग॰ २४,६;७; -- प्पदी. स्त्री० (-पदी ) निर्यंश स्त्री; ये। पशी. तिर्यम्ब जाति की स्त्री; चतुष्पद स्त्री-

लिंगी पश्रू a female quadruped. जीवा॰ १, —प्पदेसिश्च. त्रि॰(-प्रदेशिक) ळुओ।"चउष्पप्रिम्न" श॰६. देखो "चउष्पप् सिम्र''शब्द. vide''चडप्पएसिम्र''भग०१२. ४;--- प्पय-म्र त्रि॰ (-पद-चत्वारिपदानि पादायस्य) ચાપગા; ચારપગવાળું. ગાય-ધાડા -<! श्री विशेरे. चौपगा चार पैरो वाला; गाय, घोडा हाथी वगैरह. a quadruped; e. g. a cow, horse etc नाया ० =; भग • ७, ४; ८, १; जीवा० १; ३; ४; पिं० नि० ७६; जं० प० ७, १५३; पन्न० १; सम०३४; उत्त० १३; २४, श्राया०१, २, ३, ५०; ठा० ४. ४; श्रण्जो० ६१; १३१; (२) ६रे५ માસની અમાવાસ્યાને દિવસે સ્માવતું ચાર સ્થિરકરણમાંનું બીજું કરણ; ૧૧ કરણમાનું नवमुं ४२७. प्रयेक मास की श्रमावस के दिन श्राने वाले चार स्थिरकरणों में से दूसरा करण: ११ करणों में से नौंवां करण. the second of the four Sthira-Karanas, falling on the fifteenth day of the dark half of every month; the nineth of the eleven Karanas. उना॰ १. १८: जं॰ प॰ विशे॰ ३३५०; --एयार. पुं (-प्रकार) थार अधार-नेद चार प्रकार -भेद. four varieties. क॰ गं॰६, ६६; --- पाय. पुं॰ (-पाद ) ळुओ। "चडप्पय" शण्ट. देखो "चडप्पय" शब्द. vide "चड• प्पय " शब्द भग॰ १४, १; --प्पुड्य. त्रि॰(-पुट-क) थार ५५ वार्षु. चार पुडवाला. Having four folds. " सयमेवच उप्पुडयं दाहमयं " भग० नाया॰ १; —फास्तः पुं॰ ( -स्पर्शः ) थार २५श<sup>°</sup>. चार स्पर्श. four kinds of touch. भग० २०, ५; क० गं० ४, ७८; -- इ**भाग पुं॰ ( - भाग )** यतुर्थाशः ये।थे।

ભाग. चौथाहिस्मा; चतुर्थांश. one-fourth. **उत्त**० २६, =; ३०, २१; श्रग्रजो० १३२; --भंग पुं॰ ( -भंग ) यार विक्रश-लेह. थे। भंगी. चार विकल्य-मेद, four varieties. " मुद्रेणामं एगे सुदे सुद्रेणामं एगे अमुदे अमुदेणामं एगे सुदे अमुदेणामं एगे श्रसुद्धे चडभंगा '' ठा० ४, १; पंचा० ५, ६; १२, ४४; भग० ६, ६: -भंगी. स्रो० ( -भद्गी--चत्वारो भंगाः समाहताः ) थे।-ભગी चार भेदकी रचना. four varieties पत्र॰ १०, प्रव० १७१: ---मास. पुं० (-मास) यार भास-भरीना, चार मान, four months. To io 3, —म्मुह. त्रि॰ (-मुख—चत्वारि मुसा· न्यस्य ) थार भू भवाण ; कीना यारे हिशा-મા દરવાજા-દ્વાર-હોય તેવા પ્રાસાદ-દવેલી. चार मुंह वाला श्रयीत जिसके चारों दिशाश्रों में चार द्वार हो वैसा प्रामाद-महल. fourfaced; a palace having gates facing all the four directions. कल० ४, ६६; भग० २, ५; ३, १; ७; ४, ७; श्रोव० २७: राय० २०१; नाया० १;१६; रात्रि. four nights. क॰ प॰ ६, २३; -- राय. न० ( -रात्र ) यार रात्री. चार रात. four nights. निसी॰ ६, ७; —ह्नव. त्रि॰ ( -ह्नप ) यार भूति वाणुं. चार मृतियों वाला. four-shaped; having four shapes. सु॰ च॰ ३, ६१. -वर्रारत्तः त्रि॰ (-व्यतिरिक्त ) यारथी िभन चारों से भिन्न different from four. विशे॰ ३०३; —वन्न. त्रि॰ (-पञ्चा-शत् ) थे। ५न; ५४. चौपन; ५४. fiftyfour; 54. सम॰ ४४, — बन्न. पुं॰ (-वर्ण) વર્ષાયતુષક; વર્ષ, ગાંધ, રસ અને સ્પર્શ એ नाभ इर्भनी यार प्रकृति. वर्णचतुष्कः वर्णे,

रम, गंध; र्थार स्पर्श ये नामकर्मकी चार प्रकृतियां. the four varieties of Nāmakarma viz. colour, smell, taste and touch. क॰ गं॰ ५, ६; —वासपरियागः त्रि॰ (-वपंपर्यायक) यार वर्ष नी दीक्षावाणाः चार वर्ष की दांचा वाता; चार वर्षका दांचित. ( one ) with a Dikṣā ( asceticism ) of four years, standing. वव॰ १०, २१; २२; २३; २४; —िच्यगप्प. पुं॰ (-विकल्प) थार विकल्प-प्रधार, चार विकल्प-प्रकार four varieties. क॰ प॰ २.७: —सह-हुगा. स्त्री॰ (-ध्रद्वान) यार सहुद्धाः छवा-છત્રાદિ તત્વના અભ્યાસ કરવાે, પરમાર્થ-દર્શી આચાર્યાદિની સેવા કરવી, નિન્દવાના સંગત કરવા અને પાખપડીના પરિચય ન કરવા એ ચાર સમકિતની સદ્દહણા चार श्रद्वाएं, जीव श्रजीव श्रादि तत्वोंका श्रभ्यास करना, परमार्थदर्शी श्राचार्यो की सेवा करना, निन्हवों कुमत प्रवर्तकों का संग न करना, श्रीर पाखादियों से परिचय तक न करना, the four varieties of right faith viz spiritual study, attendance upon a spiritually enlightened preceptor, avoidance of Ninhavas and of heretics. মৰ্ হেড; -समइयः त्रि॰ ( -सामयिक ) थार सभयतु. चार् समय-काल का. of four Samayas (or units of time). भग० २५, =; --समयसिद्धः पुं० (-सम-यसिद्ध ) कोने सिद्ध थया यार समय थया छे ते जिये सिद्ध हुए चार समय हुए हैं वह. one after whose Siddhahood 4 Samayas have elapsed. पन्न० १; —सय. न० ( -शत ) એક્સા ने थार एक सौ श्रीर चार. one hundred

and four. क॰ गं॰ २, १५; —सयरि. ब्री॰ ( -सप्तति ) यभे।तेर, ७४नी स भ्या. चौहत्तर; ७४ की संख्या. seventy four; 74. क॰ गं॰ २, ४, --सरण न॰ ( -शरण ) अरिહन्त, सिद्ध, साधु अने धर्भ એ ચારતુ શરણ ( આશ્રય ) લેવુ તે. જ્રારે-हंत, सिद्ध; साधु श्रीर धम्म इन चारों की शर्ण लेना-आश्रय लेना. 1esigning oneself to these four viz. Arihanta, Siddha, Sādhu and Dharma. (२) દશપઇના પૈકા એક **५५**%। ( पुस्तक ) नु नामः दस पङ्जाश्रों में से एक पड्जा-पुस्तक. name of one of the ten books known as Painnās. चड॰ ११, —सरणगमण. न॰ ( -शरणगमन ) यार शरणा क्षेत्रा. चार शरण-श्राश्रय लेना. resigning oneself to the four e.g. Arihanta etc. पचा॰ २, २७; —साल. त्रि॰ ( -शाल ) यतुःशाल; यार भाणवालुं (धर) चार श्रटारी वाला मकान: चार मजला घर. four-storeyed. जीवा॰ ३, ३; —ासिर न० ( -शिरस्-चत्वारि शिरासि यस्मिन् ) વન્દનામાં ચાર વખત શરૂને મસ્તક નમાડવું ते वन्दना करते समय चार बार गुरुके श्रांग मस्तक नमाना-देकना act of bowing one's head four times while saluting a preceptor. सम॰ १२; —हेउ. पुं॰ ( -हेतु ) મિ<sup>8</sup>યાત્વ આદિ કર્મ णन्धना थार <u>हेत</u>ु. मिथ्यात्व श्रादि कर्मवन्व के चार हेतु. the four causes of Karmic bondage viz heresy etc. क० ग० ४, ४३;

चउक्क पुं॰ (चतुष्क) थार रस्ता लेगा थता द्धाय ते स्थक्ष-याः, यादाटा. चाक, वह जगह जहा चार मार्ग ग्राकर मिनते हों A square where four roads meet. श्रोव॰ २७: उत्त॰ १६, ४, अशाजी० १३४; भग० २, ५,३,७,५, ७, कष्प० ४, ६६; नाया० १; २; वेय० ૧, ૧૨, (૨) ચારનાે સમૂહ-જત્થાે. चारका समूह. a group of four. भग॰ =, 9, 99, 9; 92, ¥; 9=, ¥, 2°, ¥; २४, १२; ३३, ३; पि॰ नि० ३; जीवा॰ ३, ३; पत्त० २३; राय० २०१; श्रग्रुजो० ८; प्रव० ६३७; क० ग० १, ४, — गाथा. पुं० ( -नय ) यार नयने भाननार ओं ७ आछ-थि भत. चार नयों को मानने वाला एक श्राजीविकसत-सप्रदाय. a tenet named Ājīvika believing in four standpoints सम॰ १२; -- णइय. त्रि॰ (-नियक) ચાર નયથી વસ્તુના વિચાર કરણાર; જે નૈગમના સામાન્ય અ શને સંત્ર-હમાં અને વિશેષ અંશને વ્યવહારમા સમાવી ત્રણ શબ્દનયને એક રૂપે માની સંગ્રહ, વ્યવહાર, ઋજાસત્ર અને શબ્દ-એ ચાર नय भानता छना ते. चार नयो से वस्त का विचार करने वाला. जो नैगम के सामान्य श्रंश का समह मे श्रीर विशेष श्रश का व्यव-हार में समावेश कर तीनों शब्द नयों की एक रूप में स्वीकार कर संग्रह, व्यवहार, ऋजुसुत्र श्रीर शब्द ये चार नय मानने वाला. (one) who looks at a thing from four standpoints: (one) who believes in the four standpoints viz. Sangraha, Vyavahāra, Rujusūtia and Sabda, including Sangraha Viśesa in Vyavahāra and taking the three Sabda Nayas to be one सम॰ २२, —संजोश्च पु॰ ( -संयोग ) यार भावता जीडाण-सयाग. चार बोलों का संयोग. conjunction of

gives up or abandous. भग॰ २, १; दसा॰ २, २;

चाइत्त. न॰ (त्यागित्व) त्यागी पणुं. त्यागी पना Renunciation. स॰ च॰ २, १४; चाइय. त्रि॰ ( शक्त ) शक्तिवन्त; समधी शक्तिवंत समध. Powerful; capable. उत्त॰ ३२, १६;

चाउकाल. पु॰ (चतुष्काल) भे संध्या अने भे भध्यान्छ अभ रान दिवसमां यार वणत. दां सध्या व दो सध्यान्ह इस प्रकार रात दिन के चार समय. The four points of day and night viz. two twilights, mid-day and midnight. निसी॰ १६, १४;

चाउक्कोण. त्रि॰ (चतुष्कोण ) थार भुणा पाशु. चार कोन वाला. Four-cornered. नाया॰ १३; राय॰ १३३;

चाउग्घंट. पुं॰ (चतुर्घगट चतस्रोघगटायस्य स.)

ें भी थारे भाजुओ-थारे दिशाभा विलय

सूथ धंटडी भांधेली होय तेवे। रथ. जिसकी

चारा दिशाम्रा में विजय सूचक घंटा वधी हुई

हो ऐसारथ A chariot with trium
phal bells tied on its four

bides भग० ७, ६; ९, ३३; नाया० १,

८. १६, १६; जं० प० राय० २१३;

— म्रासरह. पु॰ (-म्रथश्य) थार टे।डरी

वाणी धेडा-गाडी चार घटी वाला म्रथरथ

a chariot drawn by horses

having four bells. निर० १, १;

नाया॰ ६;

चाउजातक. न॰ (च्तुर्जातक) तथ-अक्षयी
केशर-भरी-ओ यार वरतुनुं भिश्रश् दालचिनी, केशर, इलायची, कालीमिच-इन चार
चस्तुत्रों का मिश्रण. A mixture of four ingredients viz. cinnamon, aromaticum, saffron,

cardamon and pepper. जीवा॰

चाउजाम. पुं॰ ( चातुर्याम ) यार भहावत-સવ<sup>દ</sup> પ્રાણાતિપાત વિરમણ, સવ<sup>દ</sup> મૃષાવાદ विरम्, सर्व અદત્તાદાન વિરમણ સર્વ પરિગ્રહ વિરમણ એ ચાર મહાવતમા શ્રમણ-પણુ જેમા દર્શાવ્યુ છે તે ધર્મ; વચ્ચેના ળાવીશ તીર્થ કરાતા ધર્મ, તેમા ચા<u>ર્</u>યું મેહુણ વિરમણવત પાંચમામાં સમાવી દેવાથી મહાવતની સખ્યા પાચને બદલે थारनी छे. चार महाव्रत-सर्वे प्राणातिपात विरमण्, सर्व मृषावाद वीरमण्, सर्व श्रदत्ता-दान विरमण, सर्व परिग्रह विरमण इन चार महाव्रत में श्रमणपना जिसमें दर्शाया है वह धर्म, मध्य के बाईस (२२) तीर्थंकरों का धर्म, उसमें चतुर्थ मेहुण विरमण वत पांचवे में समाविष्ट कर देने से महाव्रत की संख्या पांच के स्थान चार है. that religious teaching which demonstrates the asceticism in the four great vows viz. abstention from all killing, abstention from all false-hood, abstention from acceptance of things not given and abstention from stealing; the distinctive character of the middle 22 Tirthankaras; the fourth of the vows being included in the fifth, the number of the great vows is four instead of र्धिण्छ. सूय० २, ७, ४०; उत्त० २३, १२; मग० १, ६; २, ४, ५, ६; ६, ३२; २०, प्तः २४, ७; राय० २२१; नाया० १६; -- धम्म. पुं॰ ( -धर्म ) यार भक्षात्रतरूप धर्भ. चार महावतरूप धर्म. religious

observance in the form of the four great vows. नाया॰ १६;

चाउद्दिय. त्रि॰ (चातुर्दशिक) शैं। इसने दिवसे जनभें अ. चतुर्दशी के दिन जन्म पाया हुआ. Born on the 14th day (of the bright or dark half of a month). उना॰ २, ६५;

चाउद्दसी स्त्री॰ ( चतुर्दशी ) थै। हश. चतुर्दशी. 14th day (of the bright or dark half of a month ) " बाउ इसीं पन्नरिसं वजेजा श्रद्धमीच नवमीच " विशे जीवा ० ३, ४; राय ० २२५; भग० २, ५; ३, २; ३; ७; नाया०२; ६; विवा०१; —चंद. पु॰ (-चन्द्र) यतुर्धशीने। यंद्रभा. चतुर्देशी का चंद्र. the moon of the 14th night (of the bright or dark half of a month). नाया - १०; चाउप्पायः त्रि॰ (चतुरपाद ) थिक्षित्साना थार પાયા-વમન, વિરેચન મદેન અને સ્વેદન. चिकित्साके चार पाये-वमन, विरेचन मर्दन व स्वेदन. the four basic operations of medical treatment: vomitting, purging, rubbing and perspiring. (२) वैद्य, औषधी, हरधी अने सारवार धरणार भाण्स वैद्य, भौषधा, दरदी व सेवा शुश्रूपा करने वाला मनुष्य. the physician, medicine, the patient and who nurses. (3) अल्लान-अन्धन-लेपन अने भर्दन. श्रज्जन-बन्धन, लेपन व मर्दन. application of an ointment, bandaging, smearing and rubbing. उत्त॰ २०, २३:

चाउभाइयाः स्री॰ (चतुर्भागिका) थे।थे। लागः चतुर्थे भागः चौथा भागः The fourth part. राय॰ २७२;

चाउम्मास. न॰ ( चातुर्मास्य ) थे।भाशुः;

थातुर्भास. वर्षो ऋतु; चातुर्मास. The rainy season; the four months ( of the rainy season ). प्रव॰ १८३; पंचा॰ १, १६;

चाउम्मासियः त्रि॰ ( चातुर्मासिक ) थातुर्भाः સિક; ચાર મહિનાતું. ( પ્રતિક્રમણ વગેરે ). चातुर्मामिक; चारमास का ( प्रतिक्रमण इत्यादि ). Pertaining to the four months ( of the rainy season ). नाया० ५; निसी० २०, १३; १६; ४१; वव० १, २; वेय० १, ३६; २, १५; —मज्जलयः न॰ (-मजनक) यातुर्भासभां यते। भण्यन भेदीत्सव चातुर्मास में होनेवाला मजन मही-त्मन. the great festival of ablution occuring in the four months ( of the rainy season ). नाया॰ =; चाउर वि॰ (चतुर ) यार; यारनी संभ्या की मंख्या. चार the number four स्रोव॰ - अंगः न॰ (-ग्रंग) थार अंग. चार श्रंग. the four limbs or divisions. विवा॰ ३: चाउरगिद्धाः न॰ (चतुराङ्गक ) ७त्तराध्ययनना त्रील अध्ययननं नाभ. उत्तराध्ययन के तृतीय श्रध्ययन का नाम. Name of the third Adhyayana of Uttarādhyayana. श्रणुजा॰ १३१:

चाउरंगिणी. स्त्री॰ ( चतुरगिणी ) लुओ।
"चउरंगिणी" शम्ह. देखी "चउरंगिणी"
शब्द. Vide "चउरंगिणी" स्रोव॰ २६;
भग॰ १, ७, ७, ६; नाया॰ १; ४; ६; १४;
१६; दसा॰ १०, १; जं॰ प०

चाउरश्रंतः त्रि॰ (चतुरन्त ) नारधी-तिर्वय-भनुष्य अने देवता ओ यार गति छे अन्त-अवयव केनी ते, यार गतिरूप यार अवयव वाला संसार. नारकी-तिर्वेश्व-मनुष्य व देवता ये चार गति हैं श्रन्त-श्रवयव जिसकी वह, चार गतिरूप चार श्रवयव युक्त संसार. Worldly existence consisting of divisions which has got for its end the four conditions viz. hell beings, lower animals, man, and celestial beings. उवा० ७, २१=, उत्त० १६, ४६; स्य० २, २, =२; भग० १, १. २, १; नाया० १, २, ( ર ) ચાર દિશાના ચાર વિભાગ વાળુ. चार दिशाश्रो के चार विभाग युक्त consisting of four divisions of the four quarters. 510 3, 9, (3) ત્રણ તરક સમુદ્ર અને ચોથા હિમાચલ એ ચાર જેના અન્ત-૫૫ ન્ત ભાગ છે એવા પૃ<sup>2</sup>वी प्रदेश तीनों तरफ समुद्र व चौथा हिमालय ये चार जिसके श्रन्त-पर्यंत भाग है ऐसा पृथ्वी प्रदेश. the region of the earth bounded on three sides by the sea and on the 4th by the Himālayas, मम् १: उत्त॰ ११, २२; —चक्कवाहिः पुं॰ ( चक्रवार्तिन् ) अश्तनी थारे પર્વત વિજય કરનાર ચક્રવર્તી भरत की चारे। दिशा पर्यंत विजय करने वाला. चक्रवर्ती one who is victorious in the four quarters of Bharata; a sovereign whose dominion extends as far as the ocean भग० १६, ३; कप्प० २, १४;

चाउरक पुं॰ ( चातुरक्य ) भाउ शेल हुध विशेरेथी भनावेश भाद्य विशेष शकर, गुड, मिश्रो, दूध इत्यादि से बनाया हुआ खाद्य विशेष A kind of dainty prepared from sugar, jaggery, sugar-candy and milk जीवा॰३,३; चाउत्थय पुं॰ ( बातुर्थक ) ने।थिये। जन्दरताप. प्रत्येक चौथे दिन श्राने वाला ज्वर; चोथिया ज्वर. Fever recurring on every fourth day भग॰ ३,७;

🕾 चाउल पुं॰ ( 🕆 ) ચાખા: ચાવલ, ભાત चावल; भात. Cooked or boiled rice श्राया॰ २, १, १, ३; पि॰ नि॰ भा॰ १८. दस॰ ४. १, ७४; पचा॰ १०, २३ इसा० ५, २, ६, २; वत्र० ६, ४; - उदग न० (- उदक ) थे। भाना धे। वर्णनुं पाणी चावल का धोगा हुआ पाना. the water in which rice is washed. ''चाउल उद्ग बहु पसन्न''दस०४,१,७५;वि० नि० १६४, निसी० १७, ३०, कप्प० ६, २४, -- उदय न॰ ( - उदक ) ळुळी ७ ५सी शण्ह देखा ऊपरका शब्द vide above. श्राया० २, १, ७, ४१, —धोवगा. न० (-धावन) ચાખાનું ધાણ; જેમા ચાખા धे।या है।य ते पाशी चांवल का घोया हुआ पानी. the water in which rice is washed. ठा॰ ३, ३, — पिह पुं॰ (-पिष्ट) ये। भाने। क्षेाट-आटी, चावल का त्राटा. the flour of rice. दस॰ ४, ३, 55:

चाउवएए न॰ (चातुर्वर्ण्य) ध्राभ्द्रण, क्षत्रिय, वैश्य व्यने १८६-स्ये यार वर्ष्ट्र. ब्राह्मए, क्षित्रय, वेश्य व ग्र्र्ट्र-ये चार वर्ण्ट. The 4 casts; viz. Brahman, Ksatrīya, Vaisyaand Sūdra. भग०१४,१; (२) साधु,साध्वी,श्रावड व्यने श्राविडा स्ये यतुर्विध सध. साबु, साध्वी, श्रावक व श्राविका ये चार

<sup>\*</sup> जुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी प्रुटने।ट (१) देखें पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th.

प्रकार के संघ. the four classes, viz. male and female ascetics and male and female disciples. ठा॰ १०; भग॰ १६, ६; २०, ६; — प्राइएए। ति॰ ( -प्राकीर्या—चत्वारोवर्यास्तेनाकुनः कीर्यः) थार वर्ण्—साधु, साध्वी, श्रावध अने श्राविधाथी व्याप्त (संध). चार वर्ण-साधु, साध्वी, श्रावक ग्रीर श्राविका से व्याप्त (सघ). (an assembly) consisting of four classes viz. male and female ascetics and male and female disciples. "समणस्स भगवन्नी महावीरस्स चाउवका इन संघे" ठा० १०; भग० १६, ६: २०, ६:

चाउस्सालगः न॰ ( चतुःशालक ) थार भास-वार्सु अवनः चार मंजिल वाला मकानः A four-storyed mansion. जं॰ प॰ १,११४;

चाउस्सालय. न॰ (चतुःशातक) लुओ। ७५९। शण्ट. देखी जपर का शब्द. Vide above. जं॰ प॰ ५, ११४;

चाग. पु॰ ( त्याग ) त्य ह्य ते; त्याग. त्याग. Abandoning, renunciation. पंचा॰ १०, १४; — रूच. न॰ ( -रूप ) त्यागरूप. त्यागरूप. marked by renunciation. पंचा॰ ४, १३;

चाहुकर. त्रि॰ (चाहुकार) प्रिय वयन भेक्ष-नार. प्रिय बचन बोलनेवाला. Speaking sweet words. श्रोव॰ ३१;

चाहुकारगः त्रि॰ ( चाटुकारक ) लुओ। ઉपते। शण्टः देखी ऊपरका शब्दः Vide above. जं॰ प॰ ३, ६७;

चादुयार. त्रि • (चादुकार) भी हुं-भधुरुं भे। क्ष-नार. मिष्ट-मधुर बोलने वाला. (One) who speaks sweet words पण्ह० १,२; चाराक पं॰ ( चाराक्य ) भारतीपत्रना यंद्र-ગપ્તરાજતના મંત્રી કે જેના ઊપર ચંદ્રગપ્તના પુત્ર ળિન્દુસારના અભાવા થવાથી તેણે મંત્રીપદ છેાડ્યું, માત્યાપની અનુત્રા લઇ સવ ચ્યાર ભયી નિવૃત્ત થઇ સંથારા કર્યા. पाटली-पत्र के चन्द्रगप्त राजा का मनी कि जिसके साथ चन्द्रगुप्त के पुत्र विनद्रसार का वैरभाव उत्पन्न होनेसे उसने मन्त्रीपद का त्याग किया मावाप की श्रवज्ञा लेकर सर्व द्यारंभ से नियत्त होकर संयारा किया. The minister of Chandragupta, king of Pātaliputra, who being on hostile terms with Chandragupta's son Bindusāra, resigned his post and desisting from all worldly activities with the permission of his parents, practised Santhara. " पाडिंसप्रसम्म परे चागको नाम विस्तुमा श्रासी सम्बारंमनि-यत्तो इंगिणीमर्गं श्रह निवनो " संघा॰ ७३; पि॰ नि॰ ४००: भत्त० १६२:

चारपूर. पुं॰ ( चारपूर ) એ नामना એક महस कोने इसनी सलामां पासुदेवे मार्था. इस नामका एक मझ जिसको कंस की ममा में वासुदेव ने मारा. Name of a wrestler who was killed by Vāsudeva in the court of Kansa. पराह॰ १,४;

चामर. न॰ (चामर) जेताथी पवन ने भाय छे.
ते साभर-याभरी गायना वाणनु अनावेश है। ये छे ते. जिससे हवा की जाती है वह चमर-चमरी गाय के पुच्छ के बालों की बनाई जाती है वह चवर. A chawari usually made of the bushy tail of a cow and used as a fan. ज॰प॰ ४, ७४; ४, ११४; श्रोब॰ १॰; ३१; उत्त॰ २२, ११; भग॰ १, १; ७, ६; ६, ३३;

नाया० १; ३, ४; १६; राय० ४७; प्रव० ४४१; कप्प०४, ६२: श्रोघ० नि० भा० ८५; सू॰ प॰ १॰, पन्न॰ ११; विवा॰ २; -- उक्खेव. पुं॰ ( -उत्हेप ) याभर ढाणवुं ते चंवर उडाना waving of Chawri. जं ० प० ४, १२२, नाया ० १६; -- गाह चंवर प्रह्मा करने वाला (n person) who carries a chamara (chawii). जं० प० ३, ६७, निसी० ६, २४, -- धार. त्रि॰ (-धार) शाभर धरतार, क्षाथमां यभरी रामनार चंबर धारण करने वाला; हाथ में चंवरी रखने वाला. ( one ) who holds or carries a chamara in his hand. राय॰ १६६; - बालवीय-गीया स्त्री॰ (-वालव्यजीनका) याभर अने वीक्शां-५ भे। चवर व पंखा chawii and a fan. भग॰ ६, ३३;

चामरा स्त्री॰ (चामर-स्त्रोत्वज्ञ प्राकृत्वत्वात् ) यभरी, याभर चवरी-चवर. A. chawri. जं॰ प॰

चामीकर न॰ (चामीकर) भुवर्ध्ः से।तुं. सुवर्णः सोना Gold कप्प॰ ३, ३६. श्रत॰ १, १;

चामीयर न॰ (चामीकर) सुवर्ष्ः, सेतुं सुवर्षः, सोना. Gold. नंदां॰ स्थ॰ १२, नाया॰ ४; सु॰ च॰ २, ६३८; जं॰ प॰ ३, ४१;

चाय. पुं॰ (त्थाग) त्थाग, अश्वाव. त्याग; अभाव. Forsaking; absence. विशेष १६४, ४६०; प्रव०४४१; चार. पुं॰ (चार) ज्ञाश्वस; छुपी पेविस. गुप्त दूत, जास्स. A spy; a secret emissary. पिं० नि॰ ३७१; स्यूप०१, ३, १,१५; उवा॰ १, १०; (२) अन्द्राहिडनी गृति-याल चंद्रादिक की चाल motion

of the moon etc. जं॰ प॰ ७, १३३; १२६; श्रोव० २५; नाया० २, १६; भग० २, ५; १६, ५; जीवा० ३, ४; (३) सै०यन् भान-भाप करवानी क्ला सैन्य का मान--त्रनुमान करने की कला the art of estimating the strength of an army. श्रोव० ४०; नाया० १; (४) भ्रमश् કરવું भ्रमण करनाः wandering; roaming सम॰ ६; --- डववराग्रामाः त्रि॰ ( -- डपपन्नक ) शति-युक्त गतियुक्त. possessed of motion. जं०प०७, १४०; — पुरिस. पुं० (-पुरुष) છાની ખબર મેલવનાર, જાસુસ. गुप्त वात मिलाने वाला, जास्म. a spy; a secret omissary; विवा॰ ३,

चारस्र न॰ (चारक) हेहभानु; हारागृद; जेल कारागृह, केदलाना. A prison. ठा॰ ७, १;

चारण हे॰ कृ॰ श्र॰ (चिन्तुम्) वियश्वाने; ज्याने विचरने को, जाने को. For the purpose of wandering or going. वत्र॰ ४, १, १६,

चार्ग न॰ (चारक) ભાકસी: गुन्धेगारते પુરવાની અવારો કાટડી, કારાગૃહ-જેલ श्रवराधी की शिचा के लिये श्रंधेरी कीठडी: कारागृह A dungeon for confining a criminal; a prison. भग. ११, ११; नाया० १: २; सूय० २, २, ६३; श्रोव० ३८, पगह० १, १; जीवा० ३, ३; कप्प॰ ४, ६६. —पालश्र पुं॰ (-पालक) **लेखर. कारागृह का प्रधान श्रधिकारी.** jailor, the keeper of a prison. विवा॰ ६; --वंधरा न॰ (-बन्धन) જેલખાનાનું બન્ધન; જેલમા પડવુ તે कारागृह का बन्धन. imprisonment. दसा॰ ६, ४, —भड पुं० (-भांड)

केशना (भेडीये। विशेष्ठे ) साधन कारागृह के (बेडी इत्यादि ) साधन instruments such as fetters etc. of a prison. विवा॰ ६; — वसिंह स्रंा॰ (-वसिंत) केशमां नियास अरवे। ते. कारा-गृहमें निवास करना confinement in a prison. पराह॰ १, ३;

चारगसगह न॰ ( चारकश्रदण) ओड लातनं इसवाक्षं वृक्ष. एक जाति का फलवाला वृत्त. A kind of fruit tree. भग॰ २२, २; —सालाः स्ना॰ (-शाला) डेहणानं; लेसनं भडान. कारागृह. ॥ prison. नाया॰ २; १४; —सोहण न॰ (-शोधन) लेसभांथी डेहिओने छुटा डरवा ते. कारागृह से श्रवराधियों को मुक्त करना. releasing criminals from imprisonment नाया॰ १;

चारण पु॰ (चारण -चरणं गमनं विद्यते येषाम् ) थारश् सिन्धि वाणा साधु, ते ले પ્રકારના છે- જંધાચારણ અને વિદ્યાનારણ, અંડમ અંડમના તપથી ઉપજેલપહેલા પ્રકારની લિખ્ધવાળા સાધુ એકજ કુદફે તેરમે રચકવર દ્વીપે પહેાચી શકે, વળતાં મેરૂને શીખરે વિસામા લઇ બીજે ઉતપાતે મુલ જગ્યાએ પહેાચે; છેંદુ છેટુના તપથી ઉપજેલ બીજા પ્રકારનો લબ્ધિવાળા બે ઉત્પાતે મેરૂશિખર અને આડમે નન્દીશ્વરદ્વીપે પહેાચે અને વળતાં એકજ ઉત્પાતે મૂલ જગ્યાએ પહેાચે. चारण लब्धिवाला साधु वे दो प्रकार के होते हैं-जंघाचारण व दिद्याचारण, श्रठुम श्रठुम के तपसे उत्पन्न पहिले प्रकार की लाविध एक ही भड़पम तेरवे रुचकवर द्वीप तक पहुंच सके, लौटते समय मेरु के शिखर पर विश्राम लकर द्वितीय उपपात मे मूल स्थान पर पहुंच छह छह के तपसे उत्पन्न दितीय प्रकारकी लिब्धवाला दो उत्पात से मेरु शिखर व श्रष्टम

नन्दीश्वर द्वाप को पहुंचे व लीटते समय एकही उत्पात से मूल स्थान पर पहुंचता है. An ascetic possessed of the power known asChāraņaLabdhi, which is of two sorts namely Janghachārana and Vidyāchārana. The power of the first kind is born of austerities of 3 days consecutive fasts, performed on enables one to reach in a single jump, the 13th Ruchakavara Dvipa and come back to the starting point in the next spring after resting on the summit of Meru while returning. One who is possessed of the other power produced from austerities of 2 days consecutive fasta, performed every 6th day of a fortnight, can reach the summit of Meru and the 8th Nandiśwara Dvipa in two bounds and can come back to the starting point in a single spring while returning. 990 ६०४; श्रोव० १६; सम० १७; भग० २०; ५; नाया०१;४,विशे० ७८०; जीवा०३,४;पन्न०१: —भावना. न॰ ( -भावना ) यारण् ભाવना - यारश्वकिष (Gran याय ते fl भाषनाः चारगाभावना, चारगा लाव्ध उत्पन्न हो ऐसी भावना. abstract meditation on the rise of Charana Labdhi. वव॰ १०, ३०; ३१; ३२; चारसागरा. पुं० ( चारसागरा ) એ नाभने। भढ़ावीर स्वाभीते। ओक्ष श्रेश इस नाम का महावीर स्वामी का एक गण. Name

of a body of followers of Mahāvīra Svāmī 3105;

चारभड. पुं॰ ( चारभट ) सुलर सुभट A clever warrior. (२) शेरि. तस्कर; चोर a thief परह॰ १, १;

चारि. त्रि॰ (चारिन्) यासनारुं; यासवाना स्वलाव वासु चलने वासा; चलने के स्वभाव वासा. Moving; capable of movement श्रोव॰ २६; ४०; नाया॰ ४, पि॰ नि॰ १७५;

चारि. पुं॰ ( चारि—पशुभक्षविशेषः ) यारीः; धास पशु भच्य विशेषः; चाराः; घास. Food of beasts; grass वि॰ नि॰ २२४: २३=;

चारिय. पुं॰ ( चारिक ) क्राञ्चस. जासूस, गुप्त द्त. A spy, a secret emissary. श्राया॰ २, ४, १, १३४; (२) લડવૈયા; येथी. योद्धा, सुभट a warrior, a fighter. विशे॰ २३८५; (३) हैरु, थे।२ चोर, तस्कर. a thief. पगह० १, २

चारिश्रा. स्रं ( चारिका ) परिवाणिशः साध्यी परिवाजिका, साध्वी. A. female ascetic who has renounced the world श्रोध॰ नि॰ ४६८.

चारित्त न॰ (चारित्र) क्ष्मेनी नाश करनार अक्षेत्र छव परिखाम; निश्चय दृष्टि ओ आत्म स्वलाव अने व्यवदार दृष्टि ओ स्वभानु धान कर्म का नाश करने वाला एक जीव परिखाम; निश्चय दृष्टि सं श्रात्म स्वभाव व व्यवहार दृष्टिमें स्वमानुष्टान. The nature of Jiva (soul) which destroys Karma: the nature of self from the stand-point of will and the practice of self-control from the practical, worldly stand-point जत्त २६, ३३; नंदी स्थ ४:

प्रव० १८; भत्त० ७; श्राव० १, १; पचा० ११, २*; —*गुरा पुं॰ ( –गुरा ) थारित्र– चारित्र-संयम के गुण સંજમના ગુણ the characteristics of selfcontrol. गच्छा॰ १०२. - जुस त्रि॰ ( - युक्त ) थारित्रथी युक्त. चारित्र से युक्त. of possessed self-control. प्रव॰ ५४६; -परिशाम. पु॰ (-परिशाम) यारित्रना परिष्णभ-अध्यवसाय. चारित्र के परिणाम-न्नाभ्यवसाय the thoughtactivity in relation to rightconduct or self-restraint वंचा० १, ५०; -- रक्खण न० (-रच्या) थारित्रनं रक्षण् ४२व ते. चारित्र का रक्तण करना the guarding of selfrestraint. गच्छा० २१;

चारिति त्रि॰ (चारितिन्) याग्ति पाणुं. चारित्र युक्त Possessed of selfcontrol. पंचा॰ ३, ६, प्रव॰ ७६५,

चारी स्त्री॰ (चारी) थारी, भड-थार, चारा, घांस Grass श्रोघ॰ नि॰ २३८;

चारु त्रि॰ ( चारु ) सुन्दर; भने। ५२. सुन्दर; मनोहर Beautiful; charming त्र्योव० १०, भग० ३, १: २; नाया० १, २, ३; ६; दस० ६, ५६; जीवा० ३, ३, कप्प० 3, ३४, मृ० प० २०, (२) ६थीयार शस्त्र. a weapon. जं०प• ४, ११४, जीवा० ३, ४; राय० २०४; (३) सरत क्षेत्रता याद ચાવીસીના ત્રીજા તીર્ધકરના પ્રથમ ગણધરન नाम. भरत द्वेत्र के वर्तमान चीवीसी कं तृतीय तीर्थकर के प्रथम गगुधर का नाम. name of the first Ganadhara of the third Tithankara of the present cycle of Bharata Deśa प्रव॰ ३०५: —गिरास्त्रा. ह्वां॰ ( -गणिका ) हासी विशेष. सुन्दर वेश्या

दासा विशेष: सुन्दर वेश्या ( नाांयका गणिका ), a beautiful harlot or courtezan. जं॰ प॰ —घोस. पं॰ ( - घोष ) सुन्दर शक्द; श्रेष्ट गर्जनाः सुंदर शब्द श्रेष्ठ गर्जना. sweet voice: loud roar. कप्प॰ ३, ३३: -भासि. त्रि॰ (-भाषिन्) भीक्षं भीक्षं मीठा बालने वाला. <u>એાલનાર</u> सीम speaking sweetly. जं० प० ३,४२; —चित्ता न॰ ( -चित्र ) संहर थित्र. मंदर चित्र. a beautiful picture. कष्प॰ २,१६; — रूव न॰ ( -रूप ) संहर रूपः श्रेष्ट आइति. सुंदर ह्य. श्रेष्ट प्राकृति. beautiful form. sio 90 3, 40; कष्प० ३, ३६; — वेसा स्त्रां० (- वेपा) भने। ६२ छे वेप कोने। अवी (स्त्री). एवं (र्छा) जिसका पहिनाव मनोहर है. a woman with beautiful diess. सग० १, १०; ६, ३३; ११, १०; विवा० २ —हार पुं॰ (-हार ) शुंहर दार. मुंदर हार. a beautiful garland "सहकार चारुहारो " नाया॰ ६. चारुपच्चय. पु॰ (चारुपर्वत) એ नाभने। એક

पढ़ाऽ इस नाम का एक पहाड. Name of a mountain. नाया॰ इ.

चारूर पुं॰ (चारूर) त्रील संभवनाथ तीर्थं કરના પ્રથમ ગણધરનુ નામ. नृतीय मंभवनाय तीर्थंकर के प्रथम गणवर का नाम. The name of the first Ganadhara of the third Tirthankara Sambhavanātha ममः पः २३३;

चारवंस पुं॰ (चारवंश) आरुवंश नाभे यनस्पति विशेष. चाहवंश नामक वनस्पति त्रिशेष. A kind of vegetation. भग॰ २१, ४;

चारेयव्य. त्रि॰ (चार्ययतव्य) ४थतद्वारा

सभ्यगुप्रधारे संव्यार धराववे। ते कदनहारा सम्यग् प्रकार से संचार कराना. Proper propounding by means of nar-

चारोववद्मग, ब्रि॰ (चारोपपम्रक ) थार भनि યક્ત જ્યોતીશ્રદ્ધ ક્ષેત્ર–તેમા ઉત્પન્ન થયેલ लथातीपी देवता. चार-गति यक ज्योतिश्वन चेत्र -उसमे उत्पन्न होनेवाले ज्योतिषं। देव A region of gods known as Jyotischakra where the Jyotisi gods live in four states. লাত্ৰ, ব; चालगा. न॰ (चावन) सभाधान धरवाने शंधा **इर्यी ते: तर्धावितर्धः समाधान करंन** को रांका

करनाः तर्कवितकं. Questions and doubts.

चालग्र. पुं॰ ( चालक ) याक्षशी. चलनी. A sieve. वव॰ ६, ४४; विशे॰ १००७, (२) स्थानातरे क्षष्ठ कर्व ते. स्यानातर को लेजाना. removal, पग्ह॰ २, ३;

चालगी स्रो॰ (चालनी) धान्य थाणवानी थाणशी. धान्य की साफ करनेकी चलनी. A sieve. विरो० १४४४, नंदी० स्य० ४४; संन्था० = ४:

चालिय. त्रि॰ (चालित ) यक्षायभाग धरेखं थाः थेः चलायमान किया हुत्राः चला हुत्राः Moved. राय॰ १२८,

चाली. स्त्री॰ (चाली) એક जततुं पाद्य-থাগু'র. एक जाति का वाद्य-वार्जित्र-याजा. A kind of musical instrument. रायण घट:

चाली. स्री॰ (चत्वारिशत्) यासीस चालीस. Forty; 40. उचा० १०, २७७;

चालीस. ह्री॰ ( चत्वारिंशत् ) थावीस. चालीस Forty. सू॰ प॰ १;

चाव. पुं॰ ( चाप ) धनुष. धनुष्य. A bow. ग्रोव॰ १०; जीवा॰ ३, ३; राय॰ १३०; उवा॰ २, १०१; ज॰ **प**॰ ३, ६७;

चावितः त्रि॰ ( च्यावित ) प्राण्थी अष्ट ६२-वाभां आवेक्षः भारी नाणेक्ष. प्राणा से श्रष्ट किया गया हुआः गार डाला हुआः Destroyed; killed श्राणुजो॰ १६;

चावेयव्व. त्रि॰ (चर्वियतव्य) यर्प शु ४२१। ये। २४-थावदा साय ६१ चर्वण करने योग्य; चावने के लायक. Worthy of being chewed. उत्त॰ १६, ३६; नाया॰ १; भग॰ ६, ३३,

चावोरागत. पुं॰ (चापोन्नत ) यापे। श्रत नाभे અગીયારમાં દેવલાકનું એક વિમાન, એના દેવતાની સ્થિતિ એકવીસ સાગરાપમની છે. એ દેવતા એક્લીશમે પખવાડીયે શ્વાસાચ્છ્વાસ લે છે, અને એકવીસ હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે छे चापोन्नत नामक ग्यारहवें देवलाक का एक विमान, इसके देवताकी स्थिति इक्कीस सागरी-पम की है, यह देवता इक्कीसवें पत्त में श्वासी-छ्वास लेता है और उसे इकीस हजार वर्प में चुधा लगती है. An abode of god in the 11th region of gods The god of this abode lives for 21 Sagaropamas, breathes once in 21 fort-nights and feels hungry after every 21 thousand years. सम० २१.

चास. पु॰ ( चाप ) याप; अपेथा. चाष पत्ती. A kind of bird. उत्त० ३४, ५; श्रोघ॰ नि॰ भा॰ ८४; पगह॰ १, ९; जीवा॰ ३, ४, पत्त॰ १, राय॰ ४१;

चिन्न त्रि॰ (चित्त) धेट पाणा विगेरेथी व्योक्षेत्र हैट, पत्थर इत्यादि से बनाया हुन्ना. Piled with bricks etc. न्नागुजी॰

933;

चिश्रगा. स्री॰ (चिता) थिता; थे. चिता. A. funeral pyre. जं॰ प॰

\*चिश्रत्तः न० ( \* ) भनते। प्रेभ. मन का प्रेम. Inner love. जं० प० २, ३१; दस० ४, १, १७,

चित्राद्य. पुं॰ (स्याग) परिश्रह्ने। त्याग. परिश्रह्न का त्याग. Giving up of worldly possessions. (२) सुपात्रभां आहारादिक का दान देना वह. right charity; charity or alms to the deserving persons. सम ॰ १०;

चिइ स्री॰ ( चिति ) डाष्ट्रनी थिता; थेंड काष्ट की चिता. A funeral pyre. (२) थैत्य; थिता छपर डरेंड स्मारंड थिन्ड. चैत्य, चिता के ऊपर किया हुन्ना स्मारंक चिन्ह. A sign or mark erected on the spot where a person is burnt after death. पंचा॰ १, ४२; चिइगा. स्री॰ ( चितिका ) अुशे। " चिइ"

चिइगा. स्रो॰ (चितिका ) लुओ। " चिइ " शण्ट. देखो "चिइ" शब्द. Vide "चिइ" ज॰ प॰ २, ३३;

चिउर. पु॰ (चिकुर) लेभांथी पीक्षे। रंग थाय तेवुं એક द्रव्य-पदार्थ जिस में से पीजा रग निकले ऐसा एक द्रव्य-पदार्थ. A kind of substance from which yellow colour is extracted. नाया॰१, जीवा॰३, ४; पज्ञ॰ १७; राय॰४३; ॐ चिच्चइम्र त्रि॰ ( - ) भटेखुं, शख्-गारेशुं. Adorned सु॰ च० ४, ३०००; धीचा स्रां० (चिक्रा) आंपाली; आपालीनु १क्ष. इमली; इमली का वृज्ञ. A tama-

<sup>\*</sup> लुके। पृष्ट नम्भर १४ नी ४८नी८ (\*) देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (\*) Vide foot-note (\*) p. 15th.

rind tree. श्रायाः २, १, ४३; (२) धासनी जनावटी पुरुष; ओडि। घांस का इतिम पुरुष. an artificial man made of hay. सुः चः ४, २८४; —िछ्चाः स्रोः (-िछ्चाः) आंजलीनी अभ्य. एक प्रकार की इमली की (यंगड़ी) चूड़ी. a bangle made of tamarind wood. विवाः ६;

चिचिशिस्रा स्री॰ ( 😿 ) आंपतीनुं पृक्ष इमली का दृज्ञः A tamarind tree. स्रोध॰ नि॰ २६;

√िंचत. था॰ I, II. (चिन्त्) थिन्तवयु, आक्षीयवु; वियारवुं. चिन्तवन् करना विचार करना. To meditate; to think over.

चिंतइ. नाया० ३; चिंतइ. दसा० ६, १५; चिंतमि पन्न० ११;

9.44.

चिंतिज्ञ. वि॰ उत्त॰ २६, ३६; चिंतिऊग्ग. सं॰ कृ॰ विरो॰ १६१; मु॰ च॰

चिंतिउं हे॰ कृ॰ सु॰ च॰ २, ३४४; चिंतत. व॰ कृ॰ श्रोघ॰ नि॰ ६४४; सु॰ च॰ १, २६४;

चितिज्ञह्. क० वा० सु० च० २, ४५०; चितिज्ञमाण्. क० वा० व० कृ० नाया० ६; चितिज्ञंत. क० वा० व० कृ०पंचा० १८;

चित्रग. त्रि॰ (चिन्त ) थिंतवनार चित्रवन करनेवाला. (One) who meditates or thinks over. गच्छा॰ १२४;

चिंतगा. न॰ (चिन्तन) विश्वारवुं, शिंतवन ४२वुं ते. विचारना; चितवन करना. Contemplation. पंचा॰ १, ४५; चिंतगाः न॰ (चिन्तन) थिंतवन करनां. Contemplation. प्रमात १, १;

चिंतन. न॰ (चिन्तन) भनभा विश्वार क्रेवा ते. मनमे विचार करना Contemplation. श्राव॰ १, १;

चिंतय. पुं॰ (चिन्तक) विश्वार करनेवाला. One who contemplates. नाया॰ ५; ६;

चिंता. स्रं। ( चिन्ता ) थिता; १६४२; भननी व्यथ्रता. विंता; मनकी व्यथ्रता. Distraction of mind; anxiety. श्रोव॰ २१; सूय॰ १, १, २, २४; श्रणुजो॰ १३०; भग॰ ३, २; नाया॰ १; १२; १६; नंदी॰ ३१; पंचा॰ ७, २८; उवा॰ १०, २७४; राय॰ २४३; — श्राउर. त्रि॰ (-श्रातुर) थितामां गरु थेथेकी. चितायस्त. anxious; distracted. स॰ च० ४. २००;

चिंतावर त्रि॰ ( चिन्तापर-चिन्तनं चिन्ता संव परमा प्रधाना यस्य श्रसो चिन्तापरः ) शेश्वरभा तत्पर, थिन्तायाणे. चिन्ता युक्तः Anxious उत्त॰ १४, २२; —सुमिणः न॰ ( -स्वप्न) थिन्ताथी २०'नुं लीवुं ते. चिन्ता से स्वप्न दर्शन करना. dieam through anxiety. भग॰ १६, ४: —सोगसागर. वुं॰ ( -शोकसागर ) थिन्ता रूप शेश्वरी समुद्र चिन्ता रूप शोक का समुद्र the ocean in the form of anxieties निसी॰ ८, ११;

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुटने।ट ( \* ). देखों पृष्ठ नंबर १५ की फूटने।ट ( \* ). Vide foot-note ( \* ) p 15th.

पचा० ३. ४६, भत्त० १६७;

चितिय-न्न. त्रि॰ (चिन्तित ) थिन्तवेशु चिन्तन किया हुन्ना. Contemplated. ज॰ प॰ ३, ५३; श्रोव॰ ३३, भग॰ २, १, ३, २, ६, ३३, नाया॰ १, १२; १३, १४; १६, श्रत॰ ३, ८, कप्प॰ २, १६, ४, ६६, उवा॰ १, ६६; राय॰ २४;

चिंघ न॰ (चिन्ह) यिन्द; सक्षण्, निशानी. चिन्ह, लच्चण; निशान Symbol, IIIeigma, maik श्रोव॰ २२, नाया॰ म, १६; भग० ७, ६, सु० च० १, ३३; २, ६१२, विशे० २०६०: पंचा० १५, ४६; प्रव० १६६: पन्न० २, ज० प० -- द्धया ह्यी॰ ( -ध्वजा ) यिन्ध्वाणी ध्वल चिन्ह युक्त भ्वजा a flag bearing a symbol. नाया॰ १६; -पट्ट पु॰ ( - पष्ट ) ચાદ, ખાસ એાળ ખવાની નિશાની **पाणे। पट्टे। चाद; विल्ला;** खास पहिचान करन के चिन्ह वाला . medal, sign; mark नाया॰ १; राय॰ २०४, पगह॰ १, ३; -पूरिस. पुं॰ (-पुरुष) हाढी-મૂછવાલા પુરુષ; પુરુષના ચિન્હવાળા પુરુષ दाढी-मूछ वाला पुरुष; पुरुष के चिन्ह वाला geq a person having the marks of a man viz. beard, mustaches etc. ठा० ३; १;

चिक्कण ति॰ (चिक्कण) थिशशवाणुं. चिक-नाई वाला. Sticky. भग० ६, १, १६, ४; दस॰ ६, ६६, तंडु० पराह० १, १, ापै० नि॰ ६६,

ङ्चिक्खल्ल न० (चिखल-कईम) ४१२८; ४।८५. कीचड Mud. अगुजा० १३१, स्य० २, २, ६६, श्रोघ० नि० ७३६; पगह० १, १, %चिक्खिल पु॰ ( ) ५ग भुरे तेटला धान्यवाणा भार्गः पर गट जाय उतने कींचड वाला मार्गः The path having some

mud भग० =, ६; श्रोव० २१, सम० ११ श्रोघ० नि० भा० ३३; परह० १, ३;

√ चिगिरुछ था॰ I. (वित्) थिंडित्सा डरपी, रेशिनी परीक्षा डरपी. चिकित्सा करना; रोग की परीक्षा करना To diagonise.

चिगिच्छइ उत्त० १६, ७६;

३; पञ्च० २, दसा० ६, १

चिश्विका स्त्री॰ (चिश्विका) वाद्य विशेष. वाद्य विशेष A kind of musical instrument नाया॰ ==,

√ चिट्ठी घा॰ I, II. (स्था-तिष्ट) ७०॥ २६ेवु, रिथित ५२४ी खडा होना, स्थित होना To stand, to stay.

चिट्टइ. भग०१, १.२, १;१०; नाया० १. ६; १४; १६; उत्त० १०, २; सूय० १, १, ४, ६, श्रोच० १६, ४२, गु० च० २, ४२५; जं० प० १. २३;

चिट्ठित नाया० १, ४, ११; १४, १७; भग०३,७; ४, ३; १८,३, पन्न० २; सु०प०१८; ज०प० ४, ११३; ११२,

चिट्टसि. नाया० १;

चिट्टामि भग० २, १;

चिट्टामी. नाया० म, १६, सूय० २, ७, १४;

चिट्ठे वि० उत्त० १ १६; दस०४, ८; श्रोघ० वि० ६.

चिट्ठिउजा. वि॰भग०११, १०, दस० ६, ११; चिट्रेडज वि॰ पन्न० ३६,

चिट्ठेज्जा. वि॰ भग॰ ३,४, १४, १, दस॰ ४;

चिट्ट आ॰ दस॰ ७, ४७; =, १३;

चिट्ठह. श्रा० विवा० १; नाया० ३, ८, ८:

<sup>\*</sup> जुओ। पृष्ट नम्भर १५ नी धुटने।ट (६) देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटने।ट (६). Vide foot-note (६) p. 15th.

Vol 11/91

१५; १६: राय० २५१; चिट्रेह. श्रा॰ नाया॰ दः चिद्रिस्सामि. वव० ४, १८; नाया० १६; चिट्टिस्सावो. नाया० ६: भग० १०, ३: चिट्टंतु. नाया० १६: चिट्टिसए हे॰ कृ० भग० ५, ४; ७, १०; १३, ४,१७, २: वेय०१, १६: ३.१: चिट्रइत्तए. हे० कृ० नाया० १: चिद्रत. व० कृ० भग० १, १; २, १; चिद्रेद्रमार्ग. व० कृ० भग० १, ३; ३, ३: उत्त॰ २, २१; दस॰ ४, २, ४, १, २७; पंचा० १, ५०: चिठाजाह क० वा० श्रा० नाया० ह: चिट्ठं. घ० (भूराम् ) ध्यं; अत्यंत. बहुत; अलत. Very; much, धाया॰ १, ४, २, 932: चिट्टगा. न॰ (स्थान) ६ ला २ हेवं ते. डपार्चन होना. The act of standing. प्रव० १४६: चिट्टा. ब्री॰ (चेष्टा) हाथ वर्गरेती येण्टा **ક**रवी ते. हाथ इत्यादिक से चेष्टा करना. Gestures by means of hands etc. भग०७, ६; पि०नि०२२२: विशे०१७४ चिद्विश्र- य. न॰ ( चेष्टित ) थेष्टा; सविधार थ ग प्रत्यं ग भरडवा- इरवा ते चेष्टाः सविकार श्रंग प्रत्यंग मरोड्ना इत्यादि. Gestures of the body. भग॰ ६,३३; जीवा॰ ३, ३; नाया० १; जं० प० चिट्टितः न॰ ( चेप्टित ) लुओ " चिट्टिश्र " श्रफ्ट. देखी " चिट्टिश्र " शब्द. Vide " चिद्विम्र " सू० प० २०; चिद्वितव्यः न० ( स्थातव्य ) उशा १६वं लेधे. खंड़ रहना चाहिये. Ought to

stand. भग० १=, २; नाया० ५;

चिट्टिय नि॰ ( स्थित ) स्थिर रहेस. स्थिर

चिट्टितार, त्रि॰ (स्थात् ) डिभे। रहेनार. खड़ा रहने वाला. (One) who stands. सम० ३३; दसा० २, ३: ४: ५: ६: ७: मः ९; ३, ३२; ३३; चिडक. पुं॰ ( चटक ) थ ध्रेता. एक जाति का पन्ती. A kind of bird, पग्ह॰ १, १: चिडगा ब्री॰ (चटका) थःसी; चिड़िया. A sparrow. पन • १; √िचिशा. था॰ I. ( चित्र्) એક ं કरवं; संग्रद ४२वे। एकत्र करनाः संग्रह करना. To collect. चिणात-इ. १५० नि० ६६: चिणह. उत्त० ३२, ३३; भग० १, ७; चिणंति. भग० २, ५; पत्र० १४; ठा० २, Y: Y, 9; चिशिस्संति. ठा०४, १; चिगस, सु० च० ८, २२८; चिंचिस. पत्र॰ १४: ठा० ४, १, चिज्जन्ति. भग० ६, ३; ११, ३; २४, २; चिराएा. त्रि॰ (चीर्य ) अक्ष धरेतुं; अध् **५रे**अ प्रहण किया हुआ; एकत्रित किया हुआ. Accepted; collected. नग॰ १६, ३; पंचा० १६, ४६; चिराएा. त्रि॰ (चैन्य ) शीनदेशमां <sup>अत्यन</sup> थयेश. चीन देश में उत्पन्न जो हुआ है वह. Born or produced in China country. निसी॰ ७, ११; चिराह. न॰ (चिन्ह) निशान; थिन्छ. निशान; चिन्ह. Mark; sign; symptom. नाया॰ १; -पट्ट. त्रि॰ ( -पट्ट ) थांह; ખાસ નિશાની યુક્ત પટ્ટા વાલા. चાંद; विशेष निशानी युक्त; पट्टे वाला. a badge bearing a special mark. नाया॰ १; चिति. स्री॰ (चिति ) थिता; थेंढ. चिता. Funeral pyre. परह० १, १; रहा हुवा Steady; firm. विशे ० १०६=: | चिति. स्री ० ( चैत्य ) थिता अपरतुं स्मारध्य

चिता के ऊपर का स्मारक. A memorial on the funeral pyre. पचा॰ २, १६, ५, ३२;

चितिय. न॰ (चैत्य) लुओ "चिति" शण्ह देखे। "चिति" शब्द Vide "चिति" राय॰ २१६; —मह. पुं॰ (नमह) चैत्य-भद्धेत्सव. चैत्य महोत्सव a ceremony concerning the memorial on a funeral pyre राय॰ २१६,

√ चित्त धा॰ I.(चित्र्) थित्र ३२वा; थिता-२वुं. चित्र खींचना To picture, to portray.

चित्तेइ. नाया० ५;

चित्तह. श्रा॰ नाया॰ ५;

चित्तेता सं कृ नाया ० ८,

चित्त. न॰ (चित्त ) थित्त; व्यंतः ६२७; पन चित्त; मन; श्रन्तःकरण. Mind; heart श्रग्रजो० ३७, सूय० ५, १, २, २९; सम० १०; उत्त॰ ८, १८, श्रोव॰ ११, भग० २,१, ३, १, नंदी० स्थ० १३; राय० २१; पन्न० २; दसा० ४, २६; २७; नाया० १, नाया० ध० विशे १६३, पचा० १, १७, भत्त० ૧૫૪, ( ર ) વું વિત્ત નામના મુનિ કે જેણે વ્યક્ષદત્ત ચક્રવર્તીની સાથે ભાઇ રુપે કેટલા એક સાથે ભવ કર્યા હતા પૂર્વ ભવની પ્રીતિથી यित्तभुनि थया पछी अहाहत्तने सभजववा ઘણી કાશીશ કરી પણ વિષયલુબ્ધ વ્યન્હ-हत्तने भाध न क्षाञ्याः चित्त नामक मुनि जिन्होंने कि ब्रह्मदत्त चकवति के साथ साथ श्राताके रूप में कितने ही भव धारण किये थे चित्तने मुनि हानेके पश्चात पूर्वभवोंकी प्रीति के कारण ब्रह्मदत्त को सममानेकी बहुत कोशिश की परतु विषयलुब्ध ब्रह्मदत्त बोध को प्राप्त न हुआ. a saint of the name of Chitta who incarnated several with the paramount times

sovereign Brahmadatta in the capacity of a brother. Chitta Muni's attempts at enlightening the pleasure-loving Biahmadatta proved fruitless उत्त॰ ૧૩,૨; ૬, ( ૨ ) પરદેશી રાજાના સારથી કે જે રાજાના મ્હાટા ભાઇ થતા હતા અને જેણે પરદેશી રાજાને કેશીસ્વામી દ્વારા ધર્મ पभाउंथे। तेतुं नाभ. प्रदेशी राजा के सारथा जो कि रिश्ते में राजा के बड़े भाई थे श्रौर जिसेन प्रदेशी राजा को केशी स्वामा द्वारा धर्म दिलाया-धारण कराया the charioteer of king Pradeśī and also his elder brother He initiated king Pradešī into religion through Keśiswāmī. भग॰ १८, २; १०; राय० २०९; निर० १, १, (४) छव; ચेतन जीव; चेतन. life, soul; vitality. पञ्च० २८; ( ४ ) ह्यान. ज्ञान. knowledge. दसा॰ ४, ४१; —श्रगुय. त्रि॰ ( -श्रनुग ) भीळाना-आयार्यना ચિત્તને અનુસરી વર્તાનાર, સ્વચ્છન્દચારી निद ते. श्राचार्य के चित्त को श्रनुसरता हुवा जो श्राचरण करता है वह; स्वच्छदाचारी नहीं है वह. (one) who acts according to the mind or tendency of a preceptor. उत्त॰ १, १३; —चमकः न॰ (-चमत्कृति) थित्तने। यभ त्धारः भनभा आश्वर्य उपने ते चित्त का चमत्कार, चित्त में श्राधर्य उत्पन्न होना extra-ordinary things of mind गच्छा॰ ७४, —गास पु॰ ( -न्यास ) મનના ન્યાસ, ધ્યાન આપવું, વિચારવુ તે. चित्त का न्यास, ध्यान देनाः विचार करना meditation; contemplation. पंचा॰ १, ४६, - थेडज न० ( - स्थेर्य ) भननी

श्थिरता. चित्त की स्थिरता calmness or peace of mind. पंचा॰ २, ७; —वद्धण त्रि॰ ( -वर्धन ) थित्त-शानने वधारनारः चित्त-ज्ञान में वृद्धि करनेवाला. (one) who adds to the knowledge. दसा॰ ६,३१; —विग्णास पं॰ ( --विन्यास ) भनने। विन्यास-स्थिर थिते थिनत्यत्रं ते. चित्त का विन्यास-स्थिर चित्त से चिन्तवन करना. meditation with calmness of mind. पंचा॰ १, ४७; —विक्सम. पुं॰ (-विभ्रम) थित्तविश्रम, धेक्षछा. चित्तविश्रम, पागजपन. derangement of mind; insanity; madness. श्रोघं • नि • ६८५, -- संभूय. पुं • (-संभूत ) यित्त अने स भूत-नाभना भे भुनि चित्त व संभूत-नाम के दो मुनि. two sages named Chitta and Sam bhūta. उत्त॰ १३,३; —समाहिश्र त्रि॰ (-समाहित ) थित ( ज्ञान ) भां सावधान. चित्त (ज्ञान ) में सावधान attentive or awake to knowledge दस॰ १०, १, १, —समाहित्थाण न० (-समा-धिस्थान ) थित्तनी सभाधिनुं स्थान चित्त की समाधि का स्थान a place for abstract contemplation or devout meditation. दसा॰ ५, १; २; ३; १६,

चित्त न० (चित्र) थितराभणु; ७१भी; है।।;
थित्र. चित्रकाम, चित्र, तस्वीर Picture;
portrait. नाया० १, भग १९, ६,
श्रणुजो० १०, पज्ञ० २; राय० ४३; श्रोव०
स्०प० २०, विशे० ४६०; विवा० ६, निसी०
४, ३१; तंदु० (२) त्रि० थिथित्र. नाना
प्रधारनुं. विचित्र, विविध प्रकार का. varied; wonderful, several; distinct. कप्प०३, ४२, गच्छा० ११२; पंचा०

५, २, भग० १६, ६; उत्त० ६, ११; ३०, १०; राय० =१; विशे० ३=७; (३) ५० ચિત્તરા; એક જગલી માંસાહારી પશુ. चीता; एक जंगली मांसाहारी पशु. 100pard, a carnivorous or flesheating beast आया॰ २, १, ४, २७; नाया > =; ( ४ ) व्याश्वर्य धारी; नवाध केंदु. wonderful' uncom-श्राश्चर्यकारक mon. पञ्च० २, कष्प० ३, ३७, पचा० ५, ર, (પ્र) ચિત્ર નામના એક પર્વત. चित्र नामक एक पर्वत a mountain called Chitra. भग॰ १४, =; (६) वेखुदेव અને વેહ્યુદાલિ ઇંદ્રના લાેકપાલનું નામ वेगुदेव व वेगुदालि इन्द्र के लोकपाल का नाम. name of the god of Venudeva and Venudāli Indra. ডা০४; ૧; (૭) ભૂતાનેન્દ્રના પ્રથમ લાેકપાલનું નામ भूतानेद्र के प्रथम लोकपाल का नाम. name of the first Lokapāla of Bhūtānendra. भग॰ २, ८,१०,५; —कस्म न॰ (-कर्मन् ) थित्रतुं ( थीतरवातुं ) धामः चित्र-काम a pictorial work. श्राया॰ २, १२, १७१; भग० ११, ११; माया० १; १३, पि० नि० भा० ७; पि० नि० ४४६; निसी० १२, २०; कष्प० ३, ३२; *—कार* पुं॰ ( -कार ) थित्र धरनार; थितारा, चित्र-कार. painter; draftsman भ्रागुजी॰ १३१, —घरग. न॰ (-गृह-क) <sup>थितरे</sup>तुं धर; रंगीत धर. चित्रकाम से सुसज्जित गृह; रंगीत गृह. a house beautified or adorned with painting or pictures. उत्त॰ ३४, ४; राय॰ १३६; —ताग्. पु॰ ( -तान ) थित्र विथित्र ताछे।-वस्त्रने। सांभे। तंतु चित्र विचित्र धागा-वस्न का लवा तंतु a variagated or parti-coloured thread; a long thread of a cloth. भग० ११, १३; -दंड. पुं॰ (-दगढ) २'गेली लाक्डी. रंगी हुई लकडी. a painted stick. भग० ६; ३३; - पत्तश्च. पुं० (-पत्रक) ચિત્રપત્રક: ચિત્રવિચિત્ર પાંખવાળા ચાઇકિય ७५ विशेष. चित्रपत्रक: विचित्र पांखवाला चतुरिन्द्रिय जीव विशेष. a kind of foursensed living-being with particoloured wings. उत्त॰ ३६, १४७; -पयजुय. त्रि॰ (-पदयुक्त) विशित्र पद्दयक्त; विचित्र पदवाला (one) possessed of wonderful feet. पंचा॰ १६, ३६; — प्पद्वार पुं॰ (-प्रहार) याणणा वगेरेने। विचित्र प्रहार-भार चाबुक इत्यादि का विचित्र प्रहार-मार. a wonderful stroke or blow of a lash etc नाया० १७, - फलग. न० (-फलक) ચિત્રનું પાટીયું. चित्र का तखता a painting-board or sheet " वित्तफलग हरथागए " भग० १४, १; नाया० ५; -भित्ति ज्ञी॰ (-भित्ति) यितरेल लीत चित्र से साजित भीत. a pictured wall. दस॰ ६, ४५; -माणंदिय. त्रि॰ (-म्रान-न्दित ) केनुं थित्त आनन्दवाणुं छे ते, प्रसन्न भनवाधुं, जिसका चित्त श्रानद्यक्त हो ऐसा, प्रसन्न चित्त. ( one ) possessed of jolly or gay mind. नाया॰ १; जं॰ प॰ ३, ४३; -- माला. स्री॰ (-माला) विश्वित्र भाक्षा विचित्र माला a variagated garland. " सोहंत विकसंतचित-माला " दसा० १०, १; -रयण. न० (-रत्न) थित्ररत-विविध कातना रत्ने। चित्ररत-विविध जाति के रत्न. various kinds of jewels. भग॰ ६, ३३, **—रयहरण न० ( -रजोहरण )** थित्र विश्वित्र रेलें ७२७। चित्र विचित्र रजोहरणा.

a wonderful broom-stick. गच्छा• १२१; ---स्व. न० ( -रूप ) विथित्र रूप. विचित्र रूप. a wonderful appearance or form. गच्छा॰ ११२; —वि-चित्तपक्खम पुं॰ (-विचित्रपत्तक) थित्र विचित्र पाभवालाः हायक्षे चित्र विचित्र पखनाला (one) possessed of particoloured wings भग॰ —वीगा. स्री॰ ( -वीगा ) विथित्र वीशा-सनार. विचित्र वीना ( वीशा ) सितार. a wonderful guitar with six strings. राय॰ ८८: —सभा. स्री॰ ( –समा ) ચિત્રવાલી –આશ્વર્યકારી સભા. चित्रयुक्त-आश्चर्यकारक सभा an extraordinary meeting. पि॰ नि॰ =o; नाया॰=, १३; —सालाः स्त्री॰ (-शाला) ચિત્રામણ શિખવાની શાલા; ચિત્રશાલા. चित्रकाम सीखने की शाला; चित्रशाला. a school of arts or painting. जीवा॰ ३, ३;

चित्त. पुं॰ न॰ ( चैत्र ) यैत्र भिंति। चैत्र मास. Name of a Hindoo month called Chaitra. उत्त॰२६, १३; नाया॰ ४, भग॰ ११, ११; श्रोघ॰ नि॰ २८३; जं॰ प॰ २, ३३; ४, ११४; ४, १२०; कप्प॰ ४, ६६, ७, २०८,

चित्तउत्त. पुं॰ (चित्रगुप्त ) यित्रगुप्त - जम्मू द्वीपना भरतप्पंडमां थनार १६मा तीर्थंडर. चित्रगुप्त-जम्बूदीप के भरत खंड में होने वाते १६ वें तीर्थंकर The 16th would-be Tirthankara in Bharata Khanda of Jambu Dvīpa. सम॰ प॰ २४१;

चित्तंग पुं॰ ( चित्रांग ) २ंग भेरगी पुस आपनार-४६५ पृक्ष. विविध रंग के फूल देनेवाला-कल्पवृद्ध. (One) yielding flowers of various colours; a desire-yielding tree. सम॰ १०; ठा० ७, १; जीवा० ३, ३; प्रव०१०८१; (२) थितरानी એક જાત; दिसंड पशुनी એક जात. एक जाति का चीता; दिसंक पशु की एक जाति. a kind of leopard; a kind of flesh-eating beast. पश्च० १;

चित्तकट्टर. न० ( \* ) सुं ऽक्षानुं नीयलुं तणीयुं (यित्त-सुंऽक्षा-४३२-४ऽ३।). टोकरी के नीचे का तला; चित्त-टोकरी-कटर-दुकडा. Lower part of a basket. श्रणुत्त० ३, १;

चित्तकग्रागाः स्त्री॰ (चित्रकनका) विदिशाना રૂચક પર્વત ઉપર રહેનારી ચાર દિશાકુમારી-કામાંની બીછ. विदिशा के उपर रहने वाली चार दिशाकुमारी में से दूसरी. The second of the four Diśākumārīs the mountain living on called Ruchaka of Vidiśā. जं॰ प॰ ४, ११४; (२) सगवन्तना जन्म સમયે દીવી લઇને ઉભી રહેતી એક विधत्रभारी. भगवन्त के जन्म समय पर दीपिका लेकर खडी रहने वाली एक विष्तुमारी. & Vidyutkumārī standing or waiting with a torch at the time of Tirthankara's birth. মাত ४. ৭:

चित्तकूढ. पुं॰ (चित्रकूट) ५२% विलयनी
पूर्व सरहह अपरने। वभारा पर्वत. कच्छ विजय की पूर्व सरहद के ऊपर का वखारा पर्वत. A Vakhārā mountain on the eastern boundary of

Kachha Vijaya. जं प ६, १२४: ( ર ) દેવકુરુ ક્ષેત્રમાં નિષધ પર્વ તથી ૮૩૪ जेजनने सातीया यार **आग उत्तरे सी**ना નદી ને પૂર્વ કાઠે આવેલ એક પર્યત. देवकर चेत्र में निषध पर्वत से =३४ योजन व सातीया चार भाग उत्तर में सीता नदी के पूर्व किनारे पर आया हुआ एक पर्वत a mountain on the eastern bank of the Sītā river and in the north at a distance of 834 Yojanas from the Niśadha mountain in Devakuru Kśetra. जं॰ प॰ (३) अभ्यू દ્વીપના મેરૂથી પૂર્વ દિશામાં પહેલી સીતા મહાનદીના ઉત્તર કાંઠા ઉપરના એક વખારા पर्a. जम्बू द्वीप के मेह से पूर्व दिशा में पहिली सीता महानदी के उत्तर किनारे ऊपर का एक वखारा पर्वत. a Vakhārā mountain on the northern bank of the first great river in the east of Meru mountain of Jambu Dvīpa. ठा० ४. २:

चित्तग पुं॰ ( चित्रक ) थित्तरे।; पशु विशेष. चीता; पशु विशेष. A leopard; a kind of brute. जं॰ प॰

चित्तगर पुं॰ (चित्रकर) थितारे। थित्रधर-नार. चित्रकार A painter. नाया॰ ८; —दारय. पुं॰ (-दारक) थिताराने। पुत्र. चित्रकार का पुत्र. a painter's son. नाया॰ ६; —लिझ्. स्री॰ (-लिब्ब) थित्र आक्षेणवानी शक्ति. चित्र का त्रालेखन करने की शाक्ति. power or capacity

<sup>\*</sup> जुओ। भृष्ठ नम्भर १ भ नी पुरते। र (\*). देखें। पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th

of drawing picture. नाया॰ =; -संग्रि. स्त्री॰ (-श्रेग्री) थिताराओानी पंक्षित. चित्रकारों की पंक्ति. a line of painters नाया॰ म; --चित्तगुत्त पुं॰ ( –चित्रग्रप्त ) ચિત્રગુપ્ત નામે બરત क्षेत्रमां આવતી ચાેવીસીમાં થનાર ૧**૬મા તીર્થંકર**. चित्रगुप्त नामक भरत चेत्र में श्रागामी चौर्वासी मे होने वाले १६ व तार्थकर. Chitragupta, the 16th of the 24 would-be Tirthankaras of Bharat Ksetra, प्रव. २६६; ४७१; चित्तगुत्ताः स्री॰ ( चित्रगुप्ता ) यभरेन्द्रना લાકપાલની ત્રીજી અગ્રમહિપી દેવી. चमरेंद्र के लोक पालकी तृतीय श्रशमहिषी देवी. The principal queen of the 3rd Lokapāla of Chamarendra. ठा० ४, १; भग० ९०, ४; (२) ६क्षिण દિશાના રુચક પર્વત પર વસનારી આદે દિશાકમારીકામાંની સાતમી. दक्तिજા દિશા के रुचक पर्वत पर रहने वाली श्राठ दिशा कमारी में से सातवी. the seventh of the eight Disā Kumārīs residing on the Ruchaka mountain the southern direction. ज॰ प॰ ११४:

चित्तरागु पुं॰ (चित्तज्ञ ) भनने जाणुनार. मन को जाननेवाला. ( One ) who reads the heart. विशे॰ ६३७;

चित्तपक्ख पुं॰ (चित्रपत्त ) वेछुदेव अने वेछुद्दाबी ६-६ना क्षेत्रधालनुं नाम. वेछुदेव व वेणुदाबों इन्द्र के बोक पाल का नाम.
Name of the Lokapala of Venudeva and Venudālī Indra ठा॰ ४, १, भग॰ ३, ८, (२) थार धन्द्रियनाला एक जीव afour-sensed living

being. पন্ন ৭;

चित्तमंत. त्रि॰ ( चित्तवत्-चित्तं जिवलच्चणं तदस्यास्ति ) सिथतः; स्था परतु. सचित्तः; सजीव वस्तु. A living being or thing. उत्त॰ २५ २४; स्य॰ १, १, १, २; म्राया॰ १, ४, २, १४८; सम॰ २१; दसा॰ २, १८, दस॰ ४; ६, १४; निसी॰ ७, २२;

चत्तरस. पुं॰ (चित्ररस-चित्रा विचित्रा रसा मधुराः संपद्यंते यस्मान् ) विथित्र २सना लेक्नि-भाद्य पहार्थ व्याप्याद्य देनेवाला कल्पनृत्त. A tree yielding eatables and diet of various tastes. प्रव॰ १०=१; सम॰ १०; ठा० ७, १; जीवा॰ ३, ३;

चित्रल पु॰ (चित्रक) જ गशी पशु, थित्तरे। जंगली पशु; चीता. A wild beast; a leopard. जीवा॰ ३, ३; (३) त्रि॰ विथित्र रंगनुः शणरथित्रुं. विचित्र रंगका; कवरा variagated; parti-coloured. गच्छा॰ १२०; — श्रंग. त्रि॰ ( -श्रद्ध ) शवर्शित्रा अग्याणुं. कवरे श्रंगवाला ( one ) having various colours. जं॰ प॰ २, ३६, भग॰ ७, ६;

चित्तलय. त्रि॰ (चित्रक) २ ग थेरंगी; अनेक २ गनुं. विविध रंगका; अनेक रंगका. Of various colours. श्रोध॰नि॰७३५; चित्ताल. पु॰ (चित्रालन्) भुकृषि सप के ले –ियतण– नामधी ओणण्य छे. मुद्दुलिन सप कि जो-चितल- नाम से पहि-चाना जाता है. A kind of serpent पन्न॰ १;

चित्ता स्त्री॰ (चित्रा) यित्रा नाभनु नक्षत्र. चित्रा नामक नज्जत्र. A constellation of this name. "दो चित्तास्रो" ठा॰

२, ३; श्रयाजो० १३१; सम० १; ठा० १, १: नाया० १; सू० प० १०; कप्प०६, १६६; (૨) પહેલા દેવલાકના ઇંદ્ર-શક્રના લાકપાલ मे।भनी त्रीक पट्टराष्ट्री. पहिले देवलोक के इन्द्र-शक के लोकपाल सोम की तृतीय पट-रानी. the third principal queen of Soma, the Lokapala of Sakra, the Indra of the first heavenly ı egion. ১৫০ ४, ৭; ম্বন ৭০, ২; (३) ભગવંતના જન્મ વખતે દીવા લઇને ઉભી रहेनार ओं अ विद्यत्रभारी देवी. भगवंत के जन्म रामय दीपक लेकर उपस्थित रहनेवाली एक विद्युक्तमारी. a heavenly damsel who stands with a lighted lamp held in a hand at the birth time of a Tīrthankara 310 ४, १; (४) विदिशाना ३२३ पर्यंत ७५२ રહેનારી ચાર દિશા કમારીમાંની પહેલી. विदिशा के रुचक पर्वत ऊपर रहने वाली चार दिशा कुमारी में से पहिली. the first of the four Disākumāris residing on the Ruchaka mount in an oblique direction. जं॰ प॰ ७ १४४; ४, ११४;

वित्तामूलय. पुं॰ ( चित्रमूलक ) तीणा रस-वाणी ओड ब्लतनी वनस्पति तीच्ण रस-वाली एक जाति की वनस्पति A kind of vegetation having pungent taste. पन्न॰ १७;

निक्तार पु॰ (चित्रकार) थितारी. चित्रकार; चितेरा. An artist; a painter. पत्र• १;

चित्ति । त्रि॰ (चित्रिन् ) यित्रधारः, यित्तारे।

चित्रकार. An artist; a painter. कo गं० १, २३;

चित्तिश्र-यः त्रि॰ ( चित्रित ) थितरेक्षुं. चित्र काम कियाहुश्रा. Pictured; painted. कप्प॰ ३, ३२; भत्त॰ १०६;—तलः न॰ ( -तल ) थितरेक्षुं तक्षीयुं. चित्र काम किया हुश्रा तला. a painted floor कप्प॰ ३, ३२;

कष्प २, ३२;
चिन्नः वि॰ ( चीर्ण ) आयरेक्ष; पाणेक्ष.
ग्राचरण किया हुणा; पाला हुन्ना. Adopted. स्य॰ १, ३, २, १०; पि॰ नि॰ २६७;
(२) केमां એક वणत कवायुं होय तेवे।
भेदेश. जिसमें एक बार जाना हुन्ना हो
वह प्रदेश. the part of a country
which is once visited स्॰ प॰ १;
चिपिडः त्रि॰ ( चिपिट ) थप्टुं. चपटा;
वैठाहुन्ना. Flat. नाया॰ =;

चिमितः त्रि॰ ( \*चिपिट ) २५८। नाध्याणुं वैठेहुए नाक वाला; चपटा. (One ) having flat nose "चीणाचिमित्रणासाम्रो" नाया॰ १; ५; पि॰ नि॰ ४१६;

चिय. त्रि॰ ( चित ) ७५२४-१६६ पामेस. उपचय-मृद्धिप्राप्त Increased; risen. २त्त० १, ६; पि॰ नि॰ ४०५;

चियगा स्त्रीं (चिता) थिता, थे. चिता;
A funeral pyre राय॰ स्त्रंत॰ ३, ६;
क्षिचियत्त. त्रि॰ ( \* ) प्रेभ ઉपन्तवनार;
क्षेत्रियः प्रेम उप्तत्र करनेवाला; लोकप्रियः
Liked by the public; popular.
स्रोव॰ ४०; भग० २, ५; राय॰ २२५;
दस॰ ५, १, ९७;

चियत्त त्रि॰ ( त्यक्त ) तलेखुं; छे।देखुं. त्याग कियाहुत्रा, छोडाहुआ. Abandoned.

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। ( \* ). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने। ट ( \* ). Vide foot-note ( \* ) p 15th.

त्रोव० १९, काप० ४, ११४, -- देह. त्रि० (-देह-देहत्यक्तोवधबन्धाचावरणाद् देहोयेन) તજેલ છે દેહ ( શરીર ) નું મમત્વ ( શુશ્ર-पाहि केश अंव त्याग किया है देह (शरीर) के समत्वकी ( शुश्रपादि ) जिसने ऐसा. (one) who has ceased from taking care of one's own body भग० १०, २, दसा० ७, १, वव० १०, ५. चिया स्रा॰ (चिता) थिता, थेंद्र चिता, चेह A funeral pyre. তবা ৭২, ৫৩, स्० च० १३ २४, सग० १, १, पु॰ ( स्याग ) त्याग. Abandonment, 510 4 9: चिया पुं॰ (स्याग ) त्याग अर्थे। ते उपाधि का स्थाग करना Abandoning ठा० ४, १; नाया० १०; चिर न॰ (चिर) क्षांभा वलत, ध्रशे। अल. लवा समय; दोर्घ काल Long time. ष्प्रोव० ३४, भग० १, ६. ३, ७; नाया० १, २, ४, ५; -- श्ररागदा त्रि॰ ( श्रनुगत ) यिर डा द्यी अनुगतः सहयारी चिरकाल से श्रनुगत-सहचारी of a long standing भग० १४, ७, — श्रश्चित्तिः ह्रा॰ ( -श्रनुतृत्ति) ध्या वभतथी अनुस्त वृत्ति. वहुत समय से अनुकूल वृत्ति. favourable disposition from a long time. भग०१४, ७, —उव्वल्र ए. न० (-उद्वलन) લાળા વખતની ઉદ્ગલના-ક્રમ ના વળ ઉખે-स्वे। ते. दार्घ काल की उद्वलना-कर्म का forcing the **सुल** माना Kaima into maturity as qo ७, ४२ - गय त्रि० ( - गत ) ध्रश वभतथी अथेक्ष बहुत समय सं गया हुन्नाः gone from a long time नाया॰ १६, --जुम्निश्च त्रि॰ (-जुपित) थिर-अलथी परिसेवित चिरकाल से परिमेवित

Vol 11/92

practised from a long time भग॰ १४, ७, — ठिइ स्रो॰ ( - स्थिति ) ध्रशा વખત સુધી મ્થિતિ, લાંભુ ગ્યાયુષ. बहुत समय तक स्थिति, दीर्घायुष long duration of life भग० २, ४; क० प० ४. ३८, —त्थामित्रः त्रि॰ (-ग्रस्तीमत) धणा वभतथी अदश्य धरेषु बहुत समय मे जो श्रद्धश्य हुआ है वह invisible from a long time नाया॰ ४, — त्थि अ त्रि॰ ( - स्थित ) १७। । । ३ ६ ६ वहुत समय तक रहा हुआ long lived. दसा॰ १०, -परिचित त्रि॰ (-परिचित ) **લાં**णा व भतथी परियय वाणुं. बहुत समयंप परिचय चाला familiar from a long timə भग० १४,७, - रायः न० (-रात्र) ધણા વ મત, લાખા કાળ, જાવછવ સુધી बहुत समय, दीर्घ काल for a long time, up to death. श्राया॰ ٩, ε, ३, १८४. स्य॰ १, २, ३, ६, —संधृत. ात्रे॰ ( -संस्तुत ) क्षाणी वाभत न्तुति हरा-थक्ष बहुत समय से स्तुति किया हुआ। praised from a long time. भग. १४, ७, —संसिंह त्रि॰ ( -ससृष्ठ ) ध्रश વખતથી મળેલું –સ વધમાં આવેલું. बहुत समय से मिला हुआ-सबब में आया हुआ in contact from a long time. भग० १४, ७,

चिराइम्र । त्र॰ ( चिरादिक ) ध्लाक्षात्रा व जन्म श्रिक्ष । व्याप्त हो वह ते दीर्घ काल से जिसका प्रारम हो वह. ( Something ) begun from a long time. श्रोव॰

चिराईय त्रि॰ (चिरातीत ) ध्षे। पुरातनी,
णडु प्रायीन बहुत पुरातन स्त्रति प्राचीन
Very old, भग॰ १४, ३, विवा॰ १,
चिराधीय त्रि॰ (चिरधीत) ध्षा वणतथी

धे.थेक्षं. बहुत समय पहिले घोया हुन्ना Washed a long time before.दस॰ ५, १, ७६;

चिलाईपुत्त. पु॰ (चिलातीपुत्र) राज्य वृद्ध निवासी धनाशा शेंड्रेनी शिक्षाती नाभे हासीने पुत्र-ज्ञाता सूत्रमां प्रसिद्ध छे राज्य हिनवासी धनाशा शेठ की चिलाती नामक दासी का पुत्र-ज्ञाता मूत्र मे प्रसिद्ध है. The name of the son of Chilati, the maid of Dhanāśā, a resident of Rājagriha. भत्त॰ व्दः नाया॰ १दः सत्या॰ व्दर,

चिलातिया स्त्री॰ (किरातिका) दिशत देशभा उत्पन्न थयेश हासी चिलात-किरात देश में उप्तन दासी. A maid born in the country named Kirāta भग॰ ६, ३३; नाया॰ १; दसा॰ १०, १, चिलाती. स्त्री॰ (किराती) दिशत तामता व्यतार्थ देशमां उप्तन दासी किरात नामक स्त्रनार्य देश में उप्तन दासी. A maid born in the Anārya country named Kirāta ज॰ प॰

यार ६८८१। इरी, पैराज्य ५.२५। अने दीक्षा सीधी अने आत्म श्रेप साष्ट्रं. घन्ना माथवाह का एक दास कि जो उद्धत होकर चोर वना, श्रंत में चार हत्या कर, वैराग्य को प्राप्त कर दीज्ञा धारण की व श्रात्मश्रेय का साधन किया. An attendant of Dhannā Sārthawāha He became a thief, committed four munders but then realised his

એક દાસ કે જે ઉદ્ભત થઇ ચાર બન્યા છે મ

selfund got initiated विशे २७६६ नाया • ૧૮. (૧) મ્લેચ્છ, બીલ્લની એક જાત. म्लेच्छ; भालकी एक जाति. a class of aborigines. जं॰ प॰ पग्ह॰ १. १: (३) हिरात हैनां रहेतार किरात देशमें रहंनवाला one living in Kināta country. नाया॰ १८; पन्न॰ —तक्करः पुं॰ ( - तस्कर ) भि**ल्य अतिने।** चे। भिन्न जातिका चार. a thief of Bhilla caste नावा॰ १८.—हास पं. (-दास) એ નામના એક ધત્રાસાય<sup>5</sup>વાહતે धास-ते। ३२ चिजात नामक एक प्रचासार्थवाह का दास नौकर, an attendant of Dhannā Sārthawāha, नाया॰ १८: चिलिए त्रि॰ (३) अशुभिः अपवित्र. प्रशाचिः अपवित्र Impure; unholy श्रोष॰ नि॰ १६५; जांबा० ३, १;

चिलिमिणीः स्त्री॰ (\*) पडिः; ढांडवानुं वस्त्र. परदा, ढांकने का वस्त्र A curtain; a cloth used as a curtain स्रोघ॰नि॰ १६७,

चिलिमिलिगा. स्रं० ( \* ) लुओ।

"चिलिमिणी" शम्ह. देखो "चिलिमिणी"

शाद Vide. "चिलिमिणी" सूय०२,२,४८;
चिलिमिलिया. स्रं० ( \* ) हेारी; हारडी.

रस्मी; डोरी. A string. वेय० १, १४;
चिलिमिली स्रं० ( - ) पडेहा; यह.

परदा; चक A curtain. स्राया० २, २,
३, ८८; श्रोष० नि० ७८;

चिल्लगः त्रि॰ ( ५ ) देशी प्यभानः प्रधाश-भानः देदी प्यमानः प्रकाशमानः Lustrous; shining नाया॰ १६, पत्र॰ २; चिल्लडयः पुं॰ ( \* ) बें। ध्डीः औक्ष

<sup>\*</sup> जुओ। ५४ नम्पर १५ नी पुटनीट (\*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th.

अ शंक्षी अनावर लोमडी, एक जंगली पशु A jackal. श्राया॰ २, १, ४, २७,

चिल्लणाः स्त्री॰ (चिल्लना ) श्रेशिः राजानी पट्टराशीन नाम. श्रेगिक राजा की पट्टरानी नाम. The name of the principal queen of the king Śrenika, भग० १, १,

चिल्लय त्रि॰ ( \* ) यणक्तु, हेही ५४ मान चमकताहु याः; देदीप्यमान. Shining पराह० १, ४;

चिल्लल. पुं॰ न॰ (चिल्बल) लस भिश्र **आद्यवाणु स्थान जल मिश्र कीचड वाला** A spot with mud and water mixed together. भग० ५, ७, पन्न० २, नाया० पु॰ थिल्वस देशनी रहीस चिल्वल देश का रहनेवाला. a resident of the country Chilvala. पगह० १, १; पन्न० १; (३) भे भरीत्राणा क गंबी **જ**नावर, थित्तरे।. दो खुर वाला जंगली जानवर a wild animal having two hoofs पगह ० १, १, नाया ० १;

चिल्ललग पुं॰ (चिल्लक ) थे भरीवाला ज गली पशु सायर राज पगेरे बारहसाँगा; दो खर वाला जंगली पश्च A two-hoofed wild animal viz elk etc. भग॰ ६, ३४, जीवा०३,३; पन्न०१,११, जं०प०२,३६;

चिन्नित. त्रि॰ ( ં ) સુશાભિત. પ્રદીપ્ત सुशोभित, प्रदीप्त Adorned, bright. सू० प० २०;

चिक्तिय त्रि॰ ( 🔹 ) दीप्त; दीपतु दक्षि; प्रकाशित Shining, bright. श्रोव॰ २४, भग॰ ६, ३३; जीवा॰ ३, २;

-तल. न॰ ( -तल ) देही <sup>५</sup>पभान भूभिनुं त्र थु. देदीप्यमान भूमि का तल. the surface of a bright earth. नाया॰ १: भग० ११, ११;

चिल्ली स्रो॰ (चिल्ली) ये नामनी सीसी वन-२५ित इस नामकी हरी वनस्पति A kind of green vegetation पन १;

चिह्र पुं॰ (चिक्रर ) देश; वाण केश; बात. Hair. स. च. १. १:

चीरा पुं॰ ( चीन ) थीन-देश चीन दंश China (२) त्रि॰ यीन देशने। रहीस. चीन देश का रहने वाला a resident of China. प्रव १ ४ ६ म, जीव ० ३, ३; पर्यहर १, १; पत्र १; (३) त्रिर न्हानं; લधु छोटा. small नाया • =; — श्रेसु ग्र-य न॰ (-श्रंशुक्त) थीन देशनी अनावटनुं रेशभी पर्त्र, चीन देश की बनावट का रेशमी वस्त्र China-silk. श्राया ०२, ५. १४५, भगः ६, ३३; दसा० १०, १; (४) ચીત દેશના ટીડાએાની લાળથી ઉત્પન્ન थत सूत्र; रेशम चीन देश के की डों फी राल से उत्पन्न तार: रेशम. a sort of silk-thread got from the saliva of a certain insect in China श्रग्रजी० ३७;

चीर्गात्पद्र पु॰ (चीनपिष्ट ) सिन्ध्र, सिन्द्र Red lead राय० ४३, (२) हिंगली हिंगलू. vermilion. पन्न० चीगाविह पुं॰ (चीनिषष्ठ ) ही गदी। हिंगल् Vermilion. जीवा॰ ३, ३;

चीर न॰ (चीर) वस्त्र, लुगडुं. वस्न, कपडा. २६, २६; पिं० Clothes. ভন্ন नि॰ भा॰ २३, (२) आऽनी छासनुं पन्त्र

<sup>\*</sup> जुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुटने। १ (\*) देखो पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p 15th

रूप की छाल का बस्त. a cloth mad of barks. उत्त॰ ४, २१:

चीरहा. पुं॰ ( चीरहा ) शीरक्ष; पक्षी निशेष. चीरक्ष, पच्ची विशेष. A kind of bud. पएह. १, १; — पोसय पुं॰ ( -पोपक ) शीरक्ष जनावर का पोषण-पालन करने वाला. one who keeps or tames a bird named Chirala निर्सा॰ ६,२३; चीरिंग. पुं॰ ( चीरिक ) शेरीमां हे रस्त मां पडेल शीथराने। धुरभी जनावी धारक्ष हरनार स्थेड वर्ग. गली में किंवा रास्ते में मार्गमे पडे हुए चीथडे का गरदा बनाकर धारण करने वाला एक वर्ग. A class of people who put on a face cover of a rag thrown on a road or street अगुजो॰ २०;

चीरिय पुं० ( चीरिक ) कुओ " चीरिम " शण्द देखों " चीरिम " शब्द Vide " चीरिम " नाया । १५;

सीचर. न० ( चीवर ) पर्त्नः क्षुग्रेड कपडा.
A cloth; clothes ठा० ४, २, भग०
२, ३; श्राया० २, ३, २, १२१, निसी० १०,
५३; जं० प०

चुत्र ति० ( च्युत ) अष्ट थेथेत, यवेतः,
भरेष् पाभेल श्रष्टः मृत्यु प्राप्त.
Deceased; fallen; degraded
श्राया०१,१,१,३,१,४,३,१४५,उत्त०
३,१७;७,६;१४,१,१६,६;श्रोव०
३८;सम०७; ज०प०७,१४१;श्रोघ०
नि०६२;कप०१,१,३,४,६२,दसा०
६,१,नाया०७;६;६,भग०७,३,छ०
च०१४,६६;पएह०२,४,विरो०१६७६;

—धम्म. ति॰ ( -धर्म ) धर्भथी लप्टः धर्मधी पतित धर्म से भ्रष्ट, धर्म से पतित. fallen from the path of religion. दसा॰ ४, १६.

चुत्राचुत्रसंगिया स्ना॰ (च्युत्ताच्युतन्नेगिका)

२४ता २४त श्रेणी गण्ना; द्रष्टिवादान्तर्गत

परिक्षमीना स्मेक भेद च्युत्ताच्युत श्रेणी

गण्ना; द्रष्टिवादान्तर्गत परिकर्म का एक

भेद A division of Parikarma in

Dristivada सम॰ १२,

चुश्राचुश्रसेशियापरिकम्मः न॰ (च्युनाच्युत-भेशिक परिकर्मन् ) द्रष्टिवादान्तर्गत परि क्रभ ने। सातभे। लेदः द्रष्टिवादान्तर्गत परिकर्म का सातवां भेद The 7th division of Parikarma in Dristivādā नदी॰

चुन्नाचुन्नावत्त न॰ (च्युताच्युतावर्त) युआ-युआ सेिश्या परिक्रम ने। वै। हमे। लेह चुन्नाचुन्न सेिश्या परिकर्म का चौदहवां भेद. The 14th division of Parikarma in Distivada. नंदी॰ ४६:

चुंचुत्र. पुं॰ (चुञ्चुक) એ नाभे એક અनार्थ देश इस नामका एक अनार्थ देश. An uncivilised country of this name प्रव॰ १४६६६

चुंचुरा न॰ ( चुञ्चुन ) એક आर्थ ग्राति-लित एक श्रार्थ जाति An Aiyan race. पन्न॰ १;

चुंचुय पु॰ (चुझ्चुक ) भ्रेन्थ लितिने। यो ध लेह म्लेच्छ जाति का एक भेद. A sub-division of non-Aryan race जीवा॰ ३, ३;

चुंढी स्नां॰ ( \* ) नानी कुछ छोटी कुइया

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ठ नम्पाग १५ नी पुटनाट (\*) देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटनाट (\*) Vide foot-note (\*) p I5th

A small well. नाया॰ १; चुंवरा. न॰ ( चुम्बन ) यु म्पन; युभी चुम्बन

Kissing; a kiss प्रव १०७६;

√ चुक था॰ I (भ्रश्) ચુકી જવુ. ભુલી જવું. भूल जाना To forget; to err. चुक्कति. गच्छा ३२;

প্লব্ৰহ্ম সি॰ ( \* ) सेंडेલુं; ભું প্লি মূনা हुआ. Baked; roasted. মু॰ব॰ হ, ৭ ঘ; মুবন্ধা সি॰ ( ৰাছ ) থ. ৮ দু; থবিস মুদ্ধ; দ্বিল্ল Best; pure, লাঁ০ দণ্

चुचुय. पु॰ ( चुचुक ) शुशुः नामने। देश चुचुक नामक देश. Name of a country. (२) त्रि॰ ते देशमां नसनार. उस देश में रहने वाला a resident of the above country. भग॰ ३, २; पएह॰ १, १;

चुचुंया. ब्री॰ ( चुचुका ) स्तनने। अथ्रक्षण. धी. स्तन का अवभाग-घुएडी The nipple or test of a breast जीवा॰ ३, ३;

चुच्चुय पुं॰ (चचुक) रतननी टीटी. स्तन का घुएडी. The nipple of a breast. राय॰ १६४;

क चुडरा न॰ ( \* ) लुनुं थपु, ६।टी ल वुं पुराना-जीर्य होना; फट जाना. Wearing out. वि॰ नि॰ मा॰ २५.

चुडित्तिय. पुं॰ ( चुडितिक ) ६ બાડીયાની भेडे २ के १७२७ हेरवता वंदना करवाथी लागता होष; वंदनाने। अत्रोशभे। होष रजोहरण धुमाक्षर वंदना करने से जो दोष लगता है वह; वदना का बत्तीसवा दोष A fault incurred by moving a Rajoharana (a kind of brush ) here and there while paying respects to an elderly ascetic.

चुडिली. स्ना॰ ( \* ) ઉं लाडीयु श्राप्ति का प्रकाशना व निस्तेज होना. Gleaming of fire. प्रन० १७६,

चुड्डुलि स्नी॰ ( ﴿ ) सणगते। भारते। भूगे। जलताहुआ घाम का पूला A burning bunch of hay. भग॰ ६, ३३.

√ चुराएा. धा॰ I (चूर्ण ) ६णवुं, पीसवुं. थूर्षे, ५२वुं. पोसना; चूर्णकरना. To pound; to grind.

चुिराउएा. सं० कृ० सु० च० २, ४०७, चारियाय. सं ० कृ० भग० १४, ६; जीवा० ३; चुरारा पुं॰ न॰ (चूर्य ) लुडेडा; रेत. चूर्य. Powder. पंचा० १३, १५; काप० ३, ३२; पन्न० १; १७; सू० प० २०, निसी० १३, un; (૨) એ નામના ગુચ્છા-ગુચ્છ, वनस्पति. इस नाम का गुच्छा-गुच्छ, वनस्पति a kind of vegetation in the form of cluster. पन ॰ १; (३) કેશર કરતૂરી વગેરે સગધિ **દ્રવ્યતુ ચૂર્ણ**. केशर कम्तूरं। इत्यादि सुगंधिमय दब्यो का a powder prepared of and other scented substances परह० २, ४; जीवा०३, ३; भग० ३, ७; ११, ११; (४) ચમત્કારી ચર્ણ; ભુકુડી. चमत्कारी चूरण, मंत्रित चूरण. a miracled powder निसी॰ १३, ४=; ६१; ( ५) युने।. चूना lime. विवा॰ २; -- आरुह्स न० (-श्रारोहस) अधीर -- देशर वरेरे यढाववा ते अबीर-केशर इत्यादिका चढाना. offering of scented

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ठ नम्भर १ प्र नी पुरने। (\*) देखो पृष्ट नम्बर १ प्र की फुटने। ट(\*) Vide foo-note (\*) p 15th.

ingredients viz. saffron etc. नाया॰ २; —गुडियगात्तः ात्र॰ (-गुर्छत-गात्र ) ચુનાથી ખરડાયલા શરીર વાળું चुने से विगढ़ हुए शरीर वाला; चूना लगे हुए शरीर वाला (one) with a body smeared with lime. विवा॰ — जुत्ति जी॰ ( -युक्ति ) अभीर-गुલाલ વગેરે ચર્ણ બનાવવાની ધુક્તિ-વિજ્ઞાન; ૬૪ કલામાંની એક. श्रवार-गुलाल इत्यादि चूर्<del>ग</del> वानने का याहि-विज्ञान; ६४ कलाखों से की एक कला. a method of preparing red powder known Gulāla. श्रोव॰ ४०; नाया॰ १: - जोय. पुं॰ (योग ) સ્તાંભનાદિ કર્મ; ચૂર્ણયાગ. स्तंभनादि योग. wedicine etc which leugthen the period of sexual intercourse. नाया॰ १४; — वास पुं॰ (-वर्षा) सृर्ण् - કेशर विगेरे सुगधि द्रव्यती पृष्टि चूण-इत्यादि सुगाधत द्रव्य की वृष्टि shower of scented things as saffron etc. नाया॰ ६; जं॰प॰५, १२१.

चुराण्य पु॰ (चूर्णक) युने। चूना Lime विवा॰२:—पेसिया स्ती॰ (-पिका) यूर्ण् पीसध्यारी द्दासी. चूर्ण पीसने वाली दासी. क maid who works as a pounder. भग॰ ११, ११;

चुिराण्य-य. त्रि॰ (चूिर्णिन) युरे युरे। ६रेक्ष; यूर्ण थ्येक्ष चूर्णा किया हुआ, चूर्ण चूरत. Poundered; reduced to atoms. उत्त॰ १६, ६८; नाया॰ १;

चुरिएगाभाग पुं॰ (चूर्णिकाभाग) लागने। पण लाग; अशनी अश. मागका भी भाग A division of a division जं॰ प॰ ७, ११४; १३३;

चुिंग्याभेदः पुं॰ (चूिंग्विकाभेद) लुओ। ७५दी। ११०६ देखी ऊपर का शब्द. Vide nbove. पन्न॰ ११;

चुत. त्रि॰ (च्युत) ६श प्रधारना प्राख्यी श्रष्ट थयेतुं; प्राख्रिदित थनेतुं दश प्रमार के प्रायो से श्रष्ट; प्रायारिहत बना हुआ Lifeless. श्रयुजो॰ १६, भग॰ १, १;

चुन्न. पुं॰ (चूर्ण) आहु । चूर्ण हे के भाषास उपर नाणवाथी हर्ण-शाक्षने वश धायः जादूई चूर्ण कि जिसको मनुष्य पर डालेन से हर्ष-शांक के वश हो A miraculus powder which subjugates a man when thrown upon him. वि॰ नि॰ ४०६; (२) व्याटी: क्षाट. आटा. तिथा. सु॰च० ३, २०७; प्रव० ५७५; (३) चूर्ण; भुक्षे. चूर्ण powder. प्रव० २४५; चुन्नग. पु॰ (चूर्णक) सीयई-सुरम. हिंड यूष्ण.

in a powdered form. निर० ३, ४; चुन्नी सी॰ (चूणीं) यूणीं; लुडिंश; लीट. चूणीं, श्राटा. Powder. पि॰ नि॰ २४०; चुप्पालय.पुं॰(\*) विजय नामना देवनुं व्य युधान लय-शस्त्रे। २ भवानुं धर विजय नामके देवका श्रायुधालय-शन्न रखने का गृहः A place for keeping weapons belonging to the god Vijaya. जीवा॰ ३, ४:

सुर्या, सूरमा द चूर्ण. Colirium etc.

चुलगी स्री॰ (चुलनी) हे पिसपुरना राजनी राष्ट्री; ध्रम्हहत्त नामना धारभां यहवती नी भाता. कम्पिलपुरके राजा की रानी; ब्रह्मदत्त नामक बारहवें चक्रवर्ती की माता. The name of the queen of the king of Kampilapura. उवा॰ १, २;

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ट नम्भर १४ नी प्रुटनीट (\*) देखो पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (\*) Vide foot-note (\*) p. 15th.

उत्तः १३, १, सम पि २३४; जीवा ३ श्वलसी श्री (चतुरशीति) थे।राशी, ८४ वोशीशी, ८४ सेशीशी, ८४ सेशीशी, ८४ सेशीशी, ८४ सेशीशी श्री (चतुरशीति) थे।राशी, ८४ वोशीशी श्री सहया, ८४ Eighty-four क० ग० ६, ५३, भग० २०, १०; ४२, १; नाया० ६; सू० प० १, — सम-जियः पुं० ( -समजित ) थे।राशीनी संज्याधी संगृहीत-लाज्य थाय ते. चोरासी का सहया से सगृहीत-भाज्य होवे वह . १ थात which can be divided by eighty-four. भग० २०, १०;

क्ष चुत्त. त्रि॰ ( \* ) न्हानु लघु छोटा; लघु Small; tiny. पत्र १६; ज ० प० उवा॰ १, २, --कप्पसुत्रा. न॰ ( -कल्प-सुत्र ) २૯ ઉત્કાલિકમાનુ ત્રીજી. २६ उत्कालिक में से तीसरा the third of the 29 Utkālika (Sūtras). नंदी॰ ४३; — पिउन्न पुं॰ ( - पितृक ) पिताने। नाने। भार्र, आहे। पिता का छोटा भाई, काका uncle; the younger brother of a father. " श्रज्जपु पज्जपु वावि बप्पे चुह्मपिउत्ति य " दस० ७, १८; - माउ स्त्री॰ ( - मातृ ) कुञे। " चल्ल-माउवा " राम्द देखी " चुल्लमाउया " शब्द. vide " चुल्लमाडया " नाया॰ १; **—माउया** स्री॰ ( -मातृका ) स्रोरभान भाता सैतिली माता step-mother " कृशियस्परग्णाे चुल्लमाउया " श्रतः =, १, निर॰ १, १, विवा० ३;

चुन्नग पुं॰ ( ॰ ) सात, भाराङ मात, खुराक. Food पि॰ नि॰ ६४; चुन्नस्मीदेवी स्री॰ (चुन्नस्मीदेवी) टुपद राज्यती युअणी नामनी देव! (राणी). द्रुपट राजा की चुलर्णा नामकी देवी (रानी) Name of the queen of the king Diupada. नाया॰ १६:

चुक्तसपगः न० ( चुक्तशतक ) शुव्सशतक नामने। भदातीर स्वाभिने। ओड श्रावड, दश श्रावडभांने। ओड चुक्तशतक नाम का महावीर स्वामी एक का श्रावक, दस श्रावकमेसे एक. One of the 10 layman followers of Mabāvīra खवा॰ १, ६,

चुरल हिमचंत. पु॰ (चुल्ल (लघु) हिमवत्) ભરત ક્ષેત્રની મર્યાદા બાધનાર પર્વત; ભરત અને હેમવયને જીદું પાડનાર ( ખેની વચ્ચે थ्यापेस ) पर्वत भरत देव की मर्यादा वाधने वाला पर्वत. A mountain bounding the limit of Bharata Kșetra. जीवा० ३, ३, सम० ७; भग० ६, ३, जं० प० ४, १२०; ११४; १; १०; पञ्च० १६; उवा०१,७४; —कुड. ( -कूट ) युस्स હિમવંત પર્વત ઉપરના અગીયાર કુટમાન બીજુ કૃટ, શિખર चल्ल पर्वत के स्थारह कूटमें से द्वितीय कूट-शिखर. the second out of 11 summits of the mountain Chullahimavanta हा० २, ३,

चुरल हिमचंता स्त्री॰ ( चुरल हिमवती )
युद्ध दिभयंत गिरि दुभार हैयतानी राज्यधानानु नाम चूझ हिमवन्त गिरि कुमार
देवनाकी राजवानी का नाम Name of
the capital city of the god
Chulla Himavantagirikumāra
ज॰प॰

चुन्नी स्ना॰ ( चुन्नी ) यूलडी, यूली; न्हानी

<sup>\*</sup> जुओ ५४ नम्भर १५ नी पुटने। ( \* ). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने। ट ( \* ) Vide foot-note ( \* ) p 15th.

थूले। चूल्हा, छोटा चूल्हा. A small stove. पि॰ नि॰ २४६; जीवा॰ ३ १; उना॰ २, ६४;

चूत्र-यः पुं॰ ( चूत ) आंभानुं पृक्षः श्राम का रुच A mango tree विशे ९७२४, सु० च० ६, ६४, तंडु० ६; (२) સૂર્યાલના આમ્રવનના રક્ષક દેવતા. સૂર્યામ के आम्रवन का रत्तक देवता. the guardian deity of the mango forest of Sūryābha. जं० प० ५, १२२; राय० ૧૪૦; जोवा॰ ३, ४; (૩) એ નામની सता इस नाम की लता. a name of a creeper. पन्न॰ १; — लया. स्रो॰ ( -लता ) भाषानी सता-अंथ श्राम्रकताः ( त्राम की लता ). a mango creeper. श्रोव॰ - वर्ण न॰ ( -वन ) सूर्याल विभानना ઉત્તર દરવાજેથી ५०० જોજન ઉપર આવેલ આળાનું એક વન કે જે સાડાળાર હજાર જોજન લાભું અને પાચસા જોજન पहे। णुं छे सूर्याभ विमान के उत्तर दग्वाजे से ४०० योजन पर श्राया हुत्रा श्राम का एक वन कि जो साडे बारह योजन लम्बा व पाच सौ योजन विस्तृत है a mango forest 12500 Yojanas in length and 500Yojnas in breadth, situated at a distance of 500 Yojanas from the northern gate of the heavenly abode named Sūryābha. ठा० ४, २; निसी० ३, =१, राय० १२६; भग० १, १; श्रयुजो० १३१;

चूडामिश पु॰ ( चूडामीश ) यूडामिश; भुगट. चूडामाश; मुकुट. Crown; diadem. उत्त॰ २२, १०; नाया॰ १, पञ्च॰ २, जीवा॰ ३, ३;

चूरणकोसः पु॰( चूर्णकेशः ) भावःने। पहार्थः खाद्य पदार्थः Eatable परह० २, ४,

चूयगविंद्स. न० (चूतकावतंसक) शे नाभनुं शेष्ठ धंद्रनुं विभान इस नामका एक इन्द्रका विमान A Name of an abode of Indra. राय० १०३: भग० ३, ७;

च्यचिंद्रसा स्री॰ (चूतावतसा) सौधर्भेन्द्रनी अश्रमद्धीपी देवीनी राजधानी. सौधर्मेन्द्र की श्रश्रमाह्षी देवी की राजधानी. The capital city of the principal queen of Saudharmendra. ठा०४, २: च्या. स्री० (च्ता) साधर्मेन्द्रनी अश्रमिह्षी का पाटनगर. Vide above ठा०२, ४; √चूर. धा० I. (चूर्) श्रूरे। इरवे।; सांगत्रं. च्यूरकरना; तोंद्रना. To pound; to reduce to atoms. च्रेद्द. नाया०१६:

चूलणी छी॰ (चूलनी) धभ्द्वस्त यहवतीं नी भाताः ब्रह्मदत्त चक्रवर्ती नी माताः The mother of Brahmadatta Chakiavartī. जीवा ३; १;

चूरेता. सं० कृ० नाया० १६;

चूला. स्री० (चूडा) थे।टी; शिभा; थे।टर्शी. शिखा, चुटियां. Summit; peak नदी॰ १७;—उच्चण्यण न० (-उपनयन) थे।टर्शी उतारवानी।-भुन्डन कराने का संस्कार the ceremony concerning shaving. राय० २००:

चूलामाणि पुं॰ (चूडामाणि ) भुगट. मुकुट. Crown; diadem. श्रोव॰ २२; राय॰ १८६;

च्चूलिन्त्रंग. न० (चूलिकाङ्ग) ये।राशी क्षाप्प प्रयुत्त परिभित धांक्षेतिकाग चोरासी लच प्रयुत परिभित काल विभाग A measure of time equal to 84 lacs of Piayuta भग० ४, ९ २४, ४; ऋगुजो०

११४; ठा० २, ४, जं । प० चुलिस्राः स्री॰ (चृतिका) दिष्टियाः अगना પાચવિભાગમાંના પાંચમા-છેલ્લા વિભાગ दृष्टि बाद श्रंग के पांच विभाग में से पांचवा--श्रातिम विभाग. The fifth or the last division of Dristivāda Anga, नंदी॰ ४६; (२) भूससूत्रमां न ળતાવેલ હશીકન સંગ્રહ કરી અંતમાં णताववी ते मूलसूत्र में श्रप्रकाशित का संग्रह कर ग्रंत में प्रकट करना a commentary which exposes that description which 19 given in the original નંદ્યી૰ ષ્રદ્દ, (૩ ) ચાેેેેેેેેેે લાખ अग प्रभाश्नी अण विलाग. चारासी लच्च चृति श्रग प्रमाण का काल विभाग measure of time equal to 84 lacs of Chūlianga भग॰ ४, १; ७; ११, १०; २४, ४; जीवा० ३, ४; ऋणु-जो॰ ११५; ठा० २, ४; जं०प० (४) यूक्षि ।-ये। २क्षी; शिभर. चूलिका-चाटी; शिखर summit; peak. सम॰ नंदी० स्थ० १७, जं० प०

चृिलिय पुं॰ (च्लिक) य्विक हेश. चृ्लिक देश Name of a country. ( २ ) त्रि॰ ते हेशमा वसनार उस देश में रहने वाला. a resident of the above country. परह॰ १, १,

चूिलया. स्त्री॰ (चूिक्का) यदी, सगडी. च्रहा, सिगडी A stove; a fire place.

चेश्रयणाः स्री० (चेतना) ज्ञानाहि सेतना; स्रैतन्यः सानादि चेतनाः चेतन्य Consciousness विशे० ४३,

चेइग्र-यः नि॰ (चितितः ) ४रेक्ष, णनावेक्षं, य्यावेक्षं, क्या हुग्रा; बनाया हुग्रा Per-

formed; prepared. " श्रमारिहें श्रमाराइं चेइयाइं भवंति " श्राया॰ २, २, २, ८१; २, २, २, ६३; वेय॰ २, १६; चेइत्तए हे॰ ह॰ (चेतितुं) २७४।ते। रहने को For the sake of living or residing वव॰ १, २२:

चेड्य. न॰ ( चेत्य-चितेरिटं भाव कर्म वा चैत्यम् ) यक्ष वगेरे व्यांतर हेवतानुं आयतन-સ્થાન: દેવસ્થાન કે જે ભાગમા અથવા તેના પૂર્વશરીરના અસિકાહ-ચિતાને સ્થાને, ચાતરા રુપે કે દેરીરુપે, ચણાવવામાં આવતા, અને લેહા સકામવૃત્તિથી આ ભવની લાલસાથી તેની પશુ પાસના કરતા તેની ઉપમા સાધુ વગેરેતી પર્યુ પાસનામાટે આપવામાં આવી छे. यक्त वंशरह व्यंतरदेवताके स्रायतन-स्थान; विता के ऊपर मंदिर या श्रन्य रूप में बनाया हुत्रा स्मारक चिन्ह. ससारी लोग इनकी इस लोक के मुखों की इच्छासे उपासना करते हैं। The abode of ghosts or infernal gods; the memorial or temple which was erected in olden times on the funeral pyre or in a garden and people used to worship these with a view to get their worldly desires fulfilled. श्राया ० २, १५, १७६; सम० ६; नाया० १; भग० १, १; सृ० प० १, श्राव० निर० १, २; कप० ६, ६३, क० ग० १, ४६; श्रोघ० नि० ६५; "कल्लाग्रं मंगल देवयं चेइयं परज्वासित " स्य॰ २, ७, ८१; " कल्लागां मंगलं देवयं चेइय पज्जु-वास्सामो " दसा० १०, १; " कल्लाग्रं मगल देवयं चेइय पञ्जवासेजा " वव० १०. १, ''कल्लागं मंगल देवयं चेइयं पउजुवासेता'' ( दैवतं चैत्यमिव-टी ) ठा० ३, १; भग० २. १, "क्ष्माणं मगलं देवयं चेह्रगं पञ्जुवा-

सामि " ठा० ३, ३, " कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पञ्जुवासिंगाजे " नाया० १६; उवा० ७, १८७; "कल्लाणं मंगर्ल देवयं चेइय पञ्जुवासांगिजात्रो भवंति " भग । १०, ५: ' कल्लाएं मंगलं देवयं चेड्यं पञ्जुवासइ " भग० १४, १; " थूममहेसुवा चेइयमहेसुवा रुक्खमहेमुवा " श्राया० २, १, २, १२; " रुक्खमहद्द्वा चेइयमहेइवा थूममहेद्द्वा " भग॰ ६, ३३, ''भवण घरसरण लेण श्रा वर्ण चेतिय देवकुल '' परह० १, ५; "तव-स्सिकुलगणसंघ चेइयट्टे " पगह० २, ३; ( ર ) વ્યન્તરના આયતનવાળા અથવા તેના विनाने। भाग, ઉद्यान; आराभभगीये। ज्यतर के श्रायतन वाला किंवा उसके रहित वाग, उद्यान; श्राराम-वाग a garden having or not having a temple of an infernal god;a pleasure garden. दसा० ५, ६; नदी० ४०; जं०प० राय० ४; २११; अत०१,१,नाया०६; "पुराणभहे चेइए" नाया०१;१५;१६; नाया०ध०१; ग्रंत० १, १; विवा० १, १; पराह० १, १; उवा० १, १; २, ६२; ११६; भग० ५, १; ९, ३३; १३, ६; "कोट्टए चेइए" नाया० ध० १; ३; उवा॰ ३, १२६; ४, १४५; ६, २६७, १०, २७२: भग० ६, ३३; १२ १; १५, १, "यायाणं णाग्राइं उजाणाइ चेह्याइं" सम॰ प॰ १७६; " उत्रासयाणं स्पाराह उजाणाइ चेइग्राइं " सम० प० १८४. " श्रंनगडाएं खगराई उजाए। इं चेइग्राई ' सम० प० १८६; '' श्रणुत्तरोववाइयाग ग्णा-राइ उजाणाइं चेइग्राइ " सम० प० १८७; " सुहविवागाणं ग्रागाइ उजाणाइं चेइ-च्राइं " सम**० ५० १६२;** " दुहाविवागास णगराइं उजाणाइं चेइग्राइं" सम० प० १६२; ( चेत्यं च्यतरायतनम् टी० ) '' चंदो-यरणसि चेइए '' भग० १४, १; " मार्चिड-

कुचिंछामि चेइए " भग० १४, १; " कारिड-यायणांसि चेइए" भग० १४, १; " एगजबुए चेइए'' भग० १६, ५; ''सातकोट्टयए चेइए'' भग० १५, १; " छत्तपलासए चेइए " भग० २, १; '' पुष्फवईणु चेइषु '' भग० २, ५; ६; ६, ३३; "माशिभद्दे चेइए" भग० ६, १; "संखवर्णे चेह्ए्" भग० ११, १२; " नंदगो चेइए " भग० ३, १; " बहुसालए चेइए '' भग० ६, ३३; " चंदोतरायेण चेइए "भग० १२, २; " दृएपलासए चेइए " उवा० १, ३, १०; ५८, ७८; ८६; भग॰ =, ३२; ५०, ४; ११, ११; १=, १०; " ग्रंत्रसालवणे चेइए " नाया॰ ध॰ १; " काममहावर्षे चेह्ए " नाया० घ०३;श्रंत० ६, १६; "गुर्णासिलए चेइए" नाया० १; २; १८; नाया० थ० १; ३; श्रंत० ६, १; ३, ७,१, श्रशुत० १, १; २, १;३:१; विवा० २, १; उता० ८, २३३; भग० २, १; ४; ६; ७, १०; ६, ७; १६, ३; १६, ३; ७, ६; (३) तीर्थं धरनुं ज्ञान - डेयब ज्ञान तीर्थं कर का ज्ञान-केवल ज्ञान. the knowledge of a Tirthankara. " ए एसिण चउवीसाए तित्थगराण चउन्त्रीसं चेइय-रुक्ता होत्या" सम० प० २३३; 'ताहें चेइ-याइं वन्दइ " ( वन्दते स्तौति) भग० २०, દ; नाया॰ ૧६; (४) શ્રમણ; સાધુ. श्रमण, माधु. an ascetic ' देवयं चेड्यं पज्जुवा-सेत्ता " (दैवतं चेत्यामेव चैत्य श्रमण पर्यु-पास्य टी॰ ) ठा॰ ३, १; " श्रज्ञडोत्यय देवपाणि वा अनुउत्थिय परिगाहियाणि वा ( चेड्याइं ) वंदित्तए नमसित्तए वा" उवा॰ १, १८, भग० ३, २; (५) व्यंतर आहि हेयता न्यतर म्यादि देवता infernal god etc " हक्खं वा चेइयकड यूभ वा चेइयकड " ( वृत्तस्याधो व्यन्तरादिस्थलक स्तृत वा व्यन्तरादिकृतं टी०) स्राया० २, ३,

ર, ૧૨૭, (૬) જ્ઞિિં ચિત્તને આનદ ઉપ-लावनार चित्त को आनंद देनेवाला. delightful, pleasant " तेसिएं चेति-तथुभागं पुरतां चत्तारिमणि पंढियात्रों ' ( चित्ताल्हादकत्वाद्वा चैत्याः स्तूपाः प्रसि-द्धाश्चेत्यस्तूपाः ) ठा० ४, २; सम० ३५; दसा॰ १०, १; वव॰ १०, १, (७) डेार्घ મહાપુરૂપની ચેહ ઉપરના સમારક અવસેસા-राण आंश्य अदा वर्गरे. किसी महापुरुष की चिता ऊपर के स्मारक खबरोप-राख, छस्थि इत्यादि. the memorial on the funeral pyre of a man of im portance. " श्ररहते वा श्ररहत चेइयाणि वा श्रणगारे वा भावियप्पाणो णीसाए उडु उप्पयइ " भग० ३, २, ( = ) જ तही, उतावणं. तुरंत, शोघ्र, उतावला. speedy. " सिग्ध चएडं चवलं तुरियं चेइयं " नाया॰ ६; — खंभ. पुं॰ ( -स्तंभ ) सुधर्भा सभानी વચ્ચે મણિપીડિકા ઉપર જે સાઠ જોજન ઉંચા માણવક નામના સ્તભ છે તે; ચિત્તને आલ्ढाह उपकारनार थ ल सबर्मी सभाकी मध्य में मिशापीठिका के ऊपर जो साठ योजन ऊंचा माणवक नामक स्तम है वह: चित्त को श्राल्हादित करनेवाला स्तभ a pillar named Māṇavaka 60 Yojanas in height situated on Manipi thikā in the Council-hall of Sudharmā. " सुहम्माणु सभाणु माण-वए चेइयखम्मे " सम० ३४, राय० १४६, — श्रूम पु॰ ( -स्तूप ) খैत्य पृक्ष अने પ્રક્ષા ધરની વચ્ચે મહિપીઠિકા ઉપરન્ थित्तने आ६८,१६ ०४न ३ स्तूप, चैरय वृत्त व प्रेचागृह के मध्य में मिएपीठिका के ऊपर का चित्त को आनंद दायी स्तूप a beautiful pillar situated on Mani-Pithikā and in the middle of

a memorial tree and a particular house. 'चत्तारि चत्तारिचेइयथूमा' जं॰ प॰ २, ३३, ठा॰ ४, २; जीवा॰ ३, ४; —मह. पु० ( –मह ) ચૈત્યનાે મહાેત્સવ. चैत्य का महोत्मव a ceremony concerning a memorial on funeral pyre. श्राया॰ २, १, २, १२, भग० ६, ३३; नाया० १, —हक्ख. पुं॰ ( – त्रृज्ञ ) વાણવ્ય તરની સુધર્માદિસભાની આગળ મણિપીઠિકા ઉપર રનમય વૃક્ષ કે केनी आहे कोक्यानी ઉंचार्च छे. वाग्रव्यतर की सधर्म दि सभा के सन्मख सिण्पीठिका के ऊपर रत्नमय दृज्ञ कि जिसकी श्राठ योजन की ऊचाई है. a tree 8 Yojanas in height, made of gem and situated on the Manı Pīthikā in front of the council-hall of Sudharma. सम॰ ८, ठा॰३,१; (२) જેતી નીચે તીર્થંકરતે કેવલત્તાન થયું है।य ते वृक्ष जिसके नीचे तीर्थंकर को केवल ज्ञान प्राप्त हुवा हो वह दृद्ध a tree under which Tirthanobtained supreme or perfect knowledge. सम० प० **૧**३३; (૩) દેવતાએાની સભાના દરેક દરવાજા આગલ મહાધ્વજા અને ચૈત્ય थुभनी वश्येन एक्ष देवतास्रों की सभा के प्रत्येक दरवाजे के सामने महाभ्वजा के व चैत्य स्तंभ के मध्यस्थ का बृद्ध a tree situated in the middle of a flag and a memorial tree which is in front of the doors of the council-balls of gods ठा० ३, १, जीवा० ३, ४; राय० १५४, -- वराणञ्च न० ( -वरणक ) चैत्यतुं पर्शन चैत्य का वर्णन the description of a memorial on a funeral pyre. दसा॰ ४, ६;

चेहा. स्री॰ (चेष्टा) हिया किया. Gestures, movements. पचा॰ ४, २;

चेहिय. त्रि॰ ( चंष्टित ) येष्टा ६रेल चेष्टित. Gestured. पचा॰ १, ४=; नाया॰ १: राय॰ २६१.

राय० २६१, चेड . पुं॰ ( चेट ) પગપાસે રહેનાર નાેકર. पैरों के पास रहने वाला नौकर A close attendant. कप्प॰ ४, ६२; पि॰ नि॰ ३६८; श्रोव॰ राय॰ १५३; नाया॰ १; (२) थां वालक baby. पि॰नि॰ भा॰१२६; चेडग. पुं॰ (चेटक) विशासा नगरीने। येटक નામના રાજા કે જે મહાવીર પ્રભુના પરમ लक्ष्त हता. विशाला नगरी का नेट<sup>क</sup> नाम का राजा कि जो महावीर प्रभु का परस भक्त था. Chetaka, the king of Visāla and a great devotee of Mahavira. भग०१२, २; निर० १, १; चेडय. पुं॰ (चेटक ) કुभार; छे। करे। कुमार; लंडका. An unmarried boy; a boy. नाया॰ २; ( २ ) हास, ने। ३२ दास; नौकर. a servant; an attendant. नाया० २; सु० च० १५, १३५;

चेडिया-आ स्ती ( चेटिका ) हासी; आनडी दासी A maid. भग ह, ३३; ११, १९, श्रोव ३३; नाया १९; द; १६, राय १२ दह, उवा ७, १० द; —चक्कवाल. न (-चक्कवाल) हासीनी सभू छ. दासी का ममूह. क group of maids निर ३, ४: नाया १४; नाया ० ध०

चेतिय न० (चैत्य) लुओ। " चेइम " शण्ट. देखो " चेइय " शब्द. Vide " चेइय " पग्ह० १, १;

चेत्त पुं॰ (चेत्र) थैत्रभास. चैत्रमास The

१८, १०; —सुद्ध. पुं॰ ( -शुद्ध-शुक्त ) येत्रभासनु शुक्ष्य पक्ष. चेत्र मास का शुक्ल पद्म. the bright-half of the month of Chaitra नाया॰ =;

चेत्ती. ली॰ (चैत्री) येत्रभासनी युनेभ चैत्र मास की पूर्णिमा. The fifteenth bright day of the Chaitra

चेदि पु॰ (चेदि) थेहि नाभना हेश. चेदि नामक देश. A country of this name. पन्न॰ ५;

√ चेय. धा॰ II (दा) आभनु; हान क्ष्यं. देना, दान करना. To give; to give as charity.

चेएइ. श्राया० २, १, १, ६; चेएमि. श्राया० १, ७, २, २०२;

month. जनप० ७, १६१;

√ चेय. धा॰ II. ( चेत् ) सं १६५ ६२वे। संकल्पकरना. To resolve. (२) निप- व्यव्युं; उत्पन्न करना. to produce (३) थ्एथुं. बनाना. to pile, to construct.

चेएइ. सम० ३०; निसी० ४, २; १३. १; नाया० १६;

चेपुसि. नाया॰ १६;

चेह्स्सामो. श्राया॰ २, १, ६. ४६;

चेयंत. निर्सा० ५, २;

चेतेमाण. सम० २१;

चेह्जमाग. क॰ वा॰ दसा॰ २, १६; १७; चेय-ग्र. न॰ (चेतस्) थितः चित्त, The

mind. चेयसा. तृ० ए० भग० ७, १०; दस० ४, १, २; गाया० १; भग० ६, ३३; दसा० ६, ५; दस० ६, ६७; (२) विज्ञात.

विज्ञान scieuce. विशे॰ १९६२; (३) १९५, स्थात्मा. जीव; स्रात्मा soul. सग०

२०, २; — इन्ड त्रि॰ (-कृत) भन्थी

१६५७:

formed. भग० १६, २;
चिय ग्र० (एव) अभिकः; थे। ५स. ऐमाही;
निश्चित. Verily; certainly. विशे० १४९;

चेयर्गा. न० (चेतन्य) छवत्यः छवपणुं जीवत्व, जीवितता. Life; vitality. विशे० ४७५ः १६४१ः ३१३८. स० च० १, २६०ः — जुत्त. त्रि॰ (-युक्त) चेतना वास्तं vital, living. प्रव० १२४६ः — भाच पुं० (-भाव) छवने। ज्ञान परिणाम जीव का ज्ञान परिणाम mtellecuality विशे० ४५५ः चेया. स्री० (चेतना) धेतना, ज्ञानशक्ति

चेतना; ज्ञानशाक्ति. Intellect विशेष

चेल न० (चैल ) वस्त्र; धुगडुं वहा; कपडा. Cloth. निसी॰ १८, १४; श्राया॰ २, ६, १, १५२; जीवा० ३, ४, वव० ६, ५; दस० ४; प्रव० ६६२; --- ठ्र. न० ( -- छर्थ ) लुगडानुं अयेश्विन, वस्त्र का प्रयोजन, the cause for keeping a cloth. वेय॰ ३, १२; -- उक्लेव. पुं॰ (-उत्तेष) पश्चनु देंध्वु, पश्चनी वृष्टि. वस्रो का फेकना, वस्नकी दृष्टि. the shower of clothes. विवा । १, ठा० ३, १; भग० १४, १, धीनारी, बख्न की किनार, the border of a cloth निर्मा १८, १६; दस ०४, —गोल पुं• (-गोज ) लुगडानी नील हडे।. बझ का गोलाकार गोला a ball of cloth स्य॰ १, ४, २, १४; — चिलि-मिलिया. स्त्री॰ ( 🌞 ) वस्त्रनी देारी. वस की रस्ती. a string of cloth. वेय॰ १, १८; — पेडा-ला स्री॰ (-पेटा) लुग्डानी पेटी, पेटिशी. वस्न की पेटी, गठरी a box for clothes, a bundle of clothes भग॰ १५, १; दसा॰ १०, ३;

चेल ग्र. न॰ (चेलक) लुओ। "चेल " शण्ट. देखो "चेल " शब्द Vide "चेल " जं॰ प॰

चेलगः न॰ (चेलक) संन्यासीओर्नुं ओक्ष ७५६२७. सन्यासियों का एक उपकरण. An implement of an ascetic. स्य॰ २, २, ४८:

चेरलणा स्री॰ (चेरलणा) श्रेशिक राजा की राखी; येडा राज्यनी पुत्री श्रेणिक राजा की रानी; चेडा राजा की पुत्री. The queen of the king Śrenika, the daughter of the king Chedā स्रंत॰ ६, ३; नाया॰ ध॰

\*चेला. स्री० ( \* ) श्विश्वात ( क्षिश्रत भ्क्षेत्र्थ ) देशमां ७८५२ थ्येल दासी चिलात ( किरातम्लेच्छ ) देश में उत्पन्न दासी. A maid born in Kirāta country. श्रोव ? ३३;

चेव. श्र० (च+एव-चेव) निश्चय. निश्चय. Certainly; verily. ज० प० ४, ११४, भग० १, १; २; ६; ४, ४; ६, ४; नाया० १; १४, १६; दस० ६, १, १; उवा० १, ८१, विशे० ७०, वेय० १, ३३; नाया० घ० ३; १०,

चोश्रश्न पुं॰ (चोयक) એક ભાતનું ६५. एक प्रकार का फत्त. A kind of fruit प्रशाुजो॰ १३३;

चोन्नगु. न॰ (चोदन) प्रेरश्वा. प्रेरशा Instigation. गच्छा॰ ४१,

<sup>\*</sup> ભુએ। પૃષ્ડ નમ્યર ૧૫ ની પુરનાટ (\*) देखों पृष्ट नम्बर १५ दी फुटनोट (\*) Vide foot-note (-) p I5th.

चोश्रणा. खी॰ (चोदना) प्रेरणा करना. Instigation गच्छा॰ ३८; १२७,

चोत्रालाया स्त्री॰(चतुश्चत्वारिशत्)युभ्माशीस. चुम्मालीस. Forty-four. जं॰ प॰ ७, १४८, विशे॰ २३०४;

चोइस्र त्रि॰ (चोदित ) प्रेरायेक्षं, प्रेर्ण्। क्षेत्रः पुष्ठेतः प्रेरित, प्रेरित कियाहुत्राः पूछा हुत्रा. Instigated. उत्त॰ ६, ८; ६१, स्य॰ १, ३, २, २०; दस॰ ६, २, ४; १६ पि॰ नि॰ ११४. २२२; जं॰ प॰ ३, ६४;

चोक्ख. त्रि॰ (चोक्त ) स्वन्छ, पवित्र, साइ. स्वच्छ, पवित्र, साफ Clean, clean; pure; spotless " ग्रायंतेचोक्खेपरम-इभूए" जं॰ प॰ ७, १४६; श्रोव॰ १२; ३८; भग॰ ३, १; ६, ३३; ११, ६; नाया॰ १; ७; १६; परह॰ २, १; जीवा॰ ३, ४; विवा॰ ३;

चोक्खाल. ति॰ (चोक्क्शील) याभिक्षाः शरीर वस्त्राध्धिने साध्युध् राभनार शरीर वस्त्रा दिक को स्वच्छ रखनेवाला. (One ) who keeps the body and the clothes clean. पि॰ नि॰ ६०२,

चोक्खा. स्त्री॰ ( चोत्ता ) येक्षा नामनी परित्राजिकाः सन्यासिनी. A nun of this name. नाया॰ =;

चोज्ञ न॰ ( ~ ) आश्चर्य, विस्मय. आश्चर्य; विस्मय. Wonder; surprise. सु॰ च॰ १, १२२;

चोज्ञ. न॰ (चौर्य) थारी, तरधर पछुं. चारी; तस्करता. Theft; stealing उत्त॰ ३४, ३;

चोरि ति० ( \* ) गंहु; सुगामण् गदला: घृणा पैटा हो ऐसा. Dirty; turbid. पिं० नि० ४८७,

चोत्तीस स्ना॰ (चतुन्त्रिगत्) ये।त्रीश चाँतीस. Thirty-four. भग॰ ३, १; १; १; सम॰ ३४;

चोद्दसः ति॰ (चतुर्दश) थौरः चौदहः Fourteen. भग० ४, १; ६, ५, ८, ८; नदी० ३७; उवा० १, ६६, ज० प० ३, ४१, --- पृद्य. न॰ ( - पूर्व ) थै। ६ भूप -शास्त्र. चौदह पर्व-शास्त्र. the scriptures known as fourteen Pūrvas. नाया॰ ४; १४; १६,—पुट्यधर पु॰ (-पूर्वधर) थै.६ पूर्वना धरनार. चौदह पूर्वधारी. one having knowledge of fourteen Purvas. विशे॰ १४२; —**पुव्चि.** पुं॰ (-पूर्विन्) ७त्पादपूर्व विशेरे थौह पूर्वना अक्यासी. उत्पादपूर्व इत्यादि चोदह पूर्व के श्रभ्यासी one having the knowledge of fourteen Pūrvas e. g. Utpāda Pūrva etc विशे॰ ४३६; भग॰ ४, ४; नाया॰ १; ५; नाया॰ ६, —भाग पुं॰( -भाग) ચૌદ ભાગ; ચૌદ રાજ (રજજી). चौदह भाग; चौदह राज-भाग. the fourteen divisions, the fourteen Rajas (a measure of length ) विशे॰ ४३०; चोद्दसम त्रि॰ (चतुर्दशतम) थै। ६भुं चौदहवां. Fourteenth. भग०२, १,जं॰प॰२,३३;

भग॰ २, १; नाया॰ =, इचोप्पड पुं॰ ( \* ) तेल विगेरे ये। ५७ वुं ते तेल इस्यादि का मर्दन Smearing

(२) ७ ઉपवास छ उपवास. six fasts.

<sup>&</sup>gt; जुओ। पृथ नम्पर १५ नी धुटने।८ (+) देखो पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (+). Vide foot-note (\*) p. 15th

of oil etc. श्रोघ० नि० ४०१,

चोष्पाल. पुं॰ (चोष्पाल) सुर्याक्ष हेवना आयुधागार, द्धियार शाक्षानं नाम. स्प्रीम देव का श्रायुधागार; शस्त्र शाला का नाम. Name of the house for weapons of the deity Süryābha. राय॰ १६२;

चोप्पालग. न० ( ½ ) भत्तवारख्-हाथी हाथी. An elephant ज० प० ४, ६६, चोभंग पुं० (चतुर्भद्ग) जेभां यार विकल्प पडे ते, ये। भगी जिसमें चार विकल्प पडते हैं वह; चतुर्भद्ग. That which can be classified in four different ways प्रव० १९४,

√ चोय. धा॰ I, II ( चद ) प्रेर्शा करना. To instigate.
चोएइ. गच्छा॰ २०, चोययंति नाया॰ १;
चोइञ्जमाण क॰ वा॰ व॰ कृ॰ नाया॰
१६;

स्रोय. पुं॰ ( \* ) त्वया; छाल. छाल. Bark; skin. जीवा॰ ३, ४; राय॰ ५६; पन्न॰ १७;

चोयन्न. पुं॰ ( चोयक ) એક જાતનુ ફલ. एक जाति का फल. A kind of fuut.

चोयग त्रि॰(चोदक) श क्षा करणार; प्रश्न पूछने नार शिष्प शका करने वाला, प्रश्न पूछने वाला-शिष्य One who questions and doubts. सूय॰ २, ४, २, १प॰ नि॰ २४७; राय॰ १२३; (२) छो॰ प्रथनी छाथ फूलकी छत्रडी a flower-backet. श्राया॰ २, ७, २, १६०,

चोयणाः स्ना॰ (चोदना) प्रेरुणा, चेतवजीः

प्रेरणा,चेतावनी.Instruction; caution. प्रव॰ १४४; पिँ॰ नि॰ ४८३;

न्नोयाल पुं॰ ( ॰ ) गढ़ अपर भेसर्वानुं स्थान. किले के ऊपर बैठने का स्थान. A. seat on a fort. जीवा॰ ३, ३, क॰ ग॰ ६, ४६;

चोयाल. स्त्री॰ (चनुश्रत्वारिंशत्) युभाशीस. चुम्मालीस Forty four पन्न॰ २; चो (ग्रा) यालीस स्त्री॰ (चनुश्रत्वारिशत्) युभाशीस चुम्मालीस. Forty-four. जं॰ प॰ ७, १४६; १४६; भग॰ ३, १, २४, १२; सम॰ ४४;

चोर पुं० (चार ) थे।२; ऐरू; तरधर, चोर तस्कर. A thiet. भग० २, १; श्रोव॰ ३८, श्रमाजी० १२८; नाया० १; १८, दस० ७, १२, भत् ० १०५; परहर १, १; राय० २६०. — श्रामसंकी पं० (-श्रमिशद्विन्) ચારથી શક રાખનાર, ચારની શકા વાલા. चोरसे शक रखनेवालाः चोर की शङ्कावालाः suspicious of a thief नाया॰ १६; -- श्राणीयः त्रि॰ ( -श्रानीत ) थे।रे।ये। क्षावेक् चोरों का लाया हुआ brought by threves প্ৰত ২৩৩; — আ্যান. पुं॰ (-नायक) थे।रे।ते। तायक चोरांका नायक the head of thieves. नाया॰ १८: -- शिगडि स्री० (-निकृति) ये।रे।नी भाषा-५५८. चोरो की साया-कपट. the deceit or tricks of thieves नाया॰ १८; -- पहली. स्त्री॰ (-पहली ) चाराने रहेवानी अभ्या चोरो के रहने का स्यान. the residing place of thieves. विवा॰ ३, —एपसंशि ति॰ 

<sup>\*</sup> लुओ। ५४ नम्भर १५ नी पुटनीट (\*). देखो पृष्ट नम्बर १६ की फुटनोट (\*) Vide foot-note (\*) p. 15th.

का संग करने वाला. ( one ) who keeps company with a thief. नाया॰ १८; —मंत्त. पुं॰ (-मंत्र ) ये।रने। विथार. चोर का विचार. the thoughts of a thief. नाया॰ १८; -महिला स्रो॰ (-महिला ) थे।रती स्त्री. चोर की स्त्री. क wife of a thief विवा ३ - माया छो ॰ (-माया) थे।रनी भाषा. चोर की माया. the deceits or tricks of a thief. नाया॰ १८;—विज्ञा. स्री० (-विद्या) थे।२ ( भाः तर पाउवानी) विद्या, चोरी करने की विद्या, the art of breaking the house by thieves. नायाः १८; —सय नः (-शत ) से। थे।र शत चोर, सो चोर one hundred thieves. विवा॰ ३; —सा-हिय. पुं॰(-साधिक)ચારના સાધારણ ભાગ. चोरका साधारण भाग. a common division of thieves ηπο ε, ३२; —संगावइ पुं॰(-सेनापति) थे।राते। सेना पितः थे।रे।ने। अथेसरः चोरों का नेताः चोरों का सेनापीत, the head of thieves विवा० ३; न या० ८;

चोरहा. पुं॰ ( चोरक ) ओ नामनी ओक्ष સુગંધિ વનસ્પતિ જેને નેષાલમાં ભટેઉર કહે छे. इस नामकी एक सुगन्यमय वनस्पति जिसको नेपाल में 'भटेउर 'कहते हैं. A kind of fragrant vegetation known as Bhateura in Nepāl. पञ्च० १: भग० २१, द:

चोरिक. न॰ (चौरिक्य) थे।री. चोरी. Theft. भत्त० १०६; १३२; श्रोघ० नि० ७८७: महा० नि० १; पराह० १, ३; --कारसा. न० ( -करण ) थे।री ४२वी ते. चोरी करना

the act of stealing. सम॰ ११; चोरिय त्रि॰ ( चेरित ) थेरिशुं; थेरी **લींबे**धुं. चुराया हुश्रा; चोरी से लिया हुश्रा. Stolen. विशे. = ४७; पि॰ नि॰ ४७६; चोरियः पुं॰ ( चौरिक ) भाशसीने भारी येशी **५२**ना२ मनुष्यों को मारकर चोरी करने वाला. A looter; a burgler; one who murders and steals. परह० १. २: विवा॰ ६:

चोरी. स्रो० (चौर्य ) थे।री; थे।रतुं ते. चोरी; करना. Theft. प्रव॰ ४४७:

चोलक न॰ (चोलक) युडे। पनयन; आवर्डे!तुं-प्रथम शिरोभुं उन अराववुं ते. चूडोपनयन; वालकों का प्रथम शिरोंसुंडन ( चालकर्म ) कराना वह. The ceremony held in connection of shaving a child for the first time. परह ०१,२;२, ४; चोलगपट्ट. पुं० ( घोलपट ) भुनिने नीथे। **५डेरवानं वक्षः**, अक्षेत्रेत. मुनि को नीचे पहिनने का वस्न, चोलपट. The waist

चोलपट्ट. पुं॰ (चोलपट्ट) साधुयानुं ३८ वस्त्रः थरे।टे।. साधुम्रो का कटिवस्त्र चोलपृष्ट. The waist cloth of ascetics श्रोघ॰ नि॰ ३४; ६७०; पराह० २, १, प्रव० २४४;४०६; चोलपट्टग. पुं॰ ( चोलपट्टक ) लुओ ઉपदी शुल्ह. देखा जपर का शब्द. Vide above. थग० ⊏, ६;

cloth of an ascetic. प्रव॰ २५६;

चोलापग्यः न॰ (चूलापनय) लुओ। " चो-लक " शण्ट. देखों " चोलक " शब्द. Vide " चोलक " नाया॰ १; भग॰ ११, ११: जीवा० ३, ३;

चौह्मग. न॰ ( \* ) लेलन; भाखुं भोजन;

<sup>\*</sup> लुओ। पुष्ट नम्पर ११ नी पुरते। ( \* ) देखे। क्षेष्ठ नम्बर १५ की फ़टनोट (\*) Vide foot-note (\*) P 15th

खाना. Food, diet. पं॰ नि॰ चोल्लिय. त्रि॰ ( - ) देटी थभान. देदी प्यमान. Bright, lustrous dazzling. राय॰ १२२; चोवत्तरि स्त्री॰ ( चतु.सप्तति ) सुभ्भे।रा२

चोवत्तरि स्त्री॰ (चतु.सप्तति ) शुभी।तार चुम्मोत्तर. Seventy-four. सम॰ ७४, चोव्वीस. स्त्री॰ (चतुर्विशति ) शेविश चेवीस. Twenty-four. उवा०१०,२७७, चोसिंड स्त्री॰ (चतु.पष्टि) शेविश चोंमठ Sixty-four भग० १,४;

√चय घा॰ I,II. (त्यज्) तल्प्युं; छ।ऽत्रं छे।डता; त्याग करना. To leave; to abandon.

चएइ. दस० ६, ४, २, ३; चयइ उत्त० ३१, ४; मु० च०४, १३६; सत्था० ६६; भग० ७, १; दस० ४, १७,

चर्यति. सूर्य० १, २, १, २; चत्त. वि० दस० २, ५; ६, ३, १२; १०, १, १७,

चह्स्संति. स्य॰ १, ४, १२; चहुउ हे॰ कृ॰ सु० च॰ ४, २५१, उत्त० १३, ३२;

चह्छण. सं० झ॰ उत्त० ६, ६२; चह्ता. स० झ० श्रोव० १४; ४०, उत्त० १, २१; ४८; भग०११, ११,नाया० १; ४, ८, दसा० १०, ३;

चिचा. सं॰ कृ॰ उत्त॰ १०; २८, प्राया॰ १, ६, २, १८४, १, ७, ६, २२२; दसा॰ ४, ४•,

चयंत. व० कृ० पञ्च० २,

चन्नमाण. व० कृ० भग० १, ७,

चइज्जह. क० वा० सु० १०, २७,

√ च्चच था० I.( च्यु ) भरथुं, शरीर छे।ऽथुं. मरना; शरीर का त्याग करना To die. चर्वति. जीवा० 3, 9,

चित्रण सं॰ कु॰ मु॰ च॰ १, ११५;

चिवय सु॰ च॰ २, ३७; √ चचुत्र धा॰ I. ( च्युत् ) २४१वुः, ५तन

પામતુ. पतन होना. To die, to fall; to degrade.

चुए. सूय० १, १, २, १२;

√ च्छुण घा० I. ( चर्ण ) छेत्वुं, भारतु, ढिंसा करना छेदना; मारना; हिसा करना. To cut, to kill; to mjure. छुंनेति. क०वा० ''जाइंछुंनेति भूयाइं' दस०

६, ४२; √ चञ्जाय. था॰ I, II. ( छद+िए ) ढां ध्रु ; ध्रुपावयुं; धरनी छत धरवुं. ढाकना; मकान की छत बनाना. To cover; to conceal; to have a cloth ceiling

छाएइ सूय० २, २, २०;

below the roof.

छायए वि० दसा० ९, =; मूय० १, १४,

१६; श्रोघ० नि० भा० ३१५; छाएजा विं० स्य० १, १०, १५;

छाइत्तर्. हे० छ० दसा० ७, ३,

छायंत. प्रद० ±४, श्रोघ० नि० मा० ३१४;

√िंच्छुद् धा॰I, II. (छिंद्) छेहवुं; अपवुं; सेहवु. छेदना; काटना To cut; to

break; to pierce. हिंदइ. भग॰ २, २; १६, ६; नाया॰ १४;

१८, उत्त० २७, ७;

छेदेई. भग० ६, ३३; १६, ५; नाया० घ०

छिंद्रण. १६, **८७**,

छिदिन्ति. जं० प० ४, १२१,

Vol 11/94

<sup>\*</sup> जुओ पृष्ठ नम्भर १४ नी पुरने। ( ) देखो पृष्ठ नम्बर १४ की फुटने।ट ( \*) Vide foo-note ( \*) p 15th.

छेरिन्त. श्रोव०३६: ब्रिदे. उत्त० २, २; छिंदेजा. वि॰ भग० १६, ३; दस॰ ८, १०; र्छिदेज. वि० श्राया० १, ३, २, ११५; छिद. उत्त० ६, ४; राय०२०**⊏**; दसा०६, ४; छिंदाहि आ॰ दस॰२, ४; छिंदह. या० याया० १, ७, २, २०४; छिंदिस्सामि. भ० निसी० १, ३३; छिन्दिश्रण सं० कृ० सु० च० २, ६६६; छिन्दित्त. सं० कृ० दस० ५०, १, २१; खिन्दित्ता. सं० कृ० ठा० ३, २; भग० ¤, ६; १४, ८: नाया० १८: छिन्दिय. क० वा० श्राया० २, १, २, १३; भग० १४,८; २२, ६; छित्ता क० वा० नाया० १४; दसा ५; ४१; छिन्दमार्ग. भग० १६, ६; नाया० १; छि<sup>न्</sup>दंत्त. व० कृ० निसी० १,३३; पि० नि० ५८०; भग० १, ६; छिन्दावेडू. खि॰ नाया॰ नः छिदावए. उत्त० २, २; **ब्रें**दित्ता. भग० २, १; ३, १; नाया०१, १४; दसा० ४, ६४; छेदेता भग० ६, ३३; १०, ४; १८, २; छेदित्ता. सं० कृ० सम० ७; **छे**पुत्ता. सं० कृ० नाया० १५; छेत्ता. सं० कृ० भग० ८, ४; श्राया० १, २, ४, ८६; भग० ६, ४; जं० प० ७ १२३; ७, १४=; स्य० २, २, ६; सु० प० १०; चेत्रुगा. सं० कृ० भग० २४, ७; उत्त०७<sub>,</sub> ३; छेतुं. हे॰ कृ॰ भग॰ ६, ७, जं॰ प॰ **ब्रिज़इ. क॰ वा॰ भग॰ १६, ३; राय॰** २७६; श्रगुजो० १३८; श्राया० १; ३, ३, ११६; द्यिज्ञति. क०वा०भग०६, ३; सु०च०२,३३३;

क्रिकेज वि॰ भग० ५, ७; त्रगुजी० १३४; छिजिही भवि॰ सु॰ च॰ ८, १६८; हिज्ञत व॰ कृ॰ जीवा॰ ३, १; छिज्ञमार्ग भग० १, १; ८, ६; ११, ११; विवा ०२: छिजंत. प्रव० ५६१;  $\sqrt$  चिछुव- था॰  $m I. \ ($  छुप् $) \ સ્પર્શ કરવાે.$ अऽध्युं. स्पर्श करना; छूना. To touch; to come in contact with. छिवति. पगह० २, २; द्विष्वे. वि॰ गच्छा॰६०;  $\sqrt{$ च्छुभ था॰ $m I.}$  ( द्विप् ) हेक्ष्तुं. फॅकना. To throw. छभेज. पि॰ नि॰ ४८२; छोद्धं. स॰ कृ० पि० नि० ३६८; छोद्गा स० इ० विशे० ३०१;  $\sqrt{$  च्छुभ. या॰  $\,\mathrm{II.}\,\,\,\,(\,$  जुम् $\,\,)\,$  भणभणवुः; ગભરાવું. इगमगाना; घवडाना. To totte1; to be agitated or flightened. छोभावेइ. विवा॰ ६:  $\sqrt{$  च्छुह. धा॰ m I. ( दिए ) हें ध्युं; नार्भीहेत्रुं. फेक देना. To throw, to cast away. छहइ. पि॰ नि॰ २२१; छाहिजण. सं० कृ० सु० च० १३, ३४; छहिता. सं॰ कृ॰ उत्त॰ १८, ३;  $\sqrt{}$ च्छुह. वा॰ $\mathrm{I.}$  (छुप्)२५श $^{\circ}$ ક२वे।; અऽકવું.स्पर्श करना; छूना. To touch; to be in contact with. छुहइ. पं० नि० २५५; क०गं० ६,८२;८३;  $\sqrt{$ च्छोल. घा॰  ${
m I.}($  हुर् ) छे।सवुं छ।स-डे।तरा ઉतारया. छीलना; छिलका निकलना. To chop off outer bark, husk etc. of anything. छोलेइ. नाया॰ ७;

छ

छ, त्रि॰ (पट्) ७; ६ नी स ५ थ। छ, ६ की संख्या. Six; 6. ठा० १, १; उत्त॰ १६; श्राया० १, २, ६, ६७, सम० २9: श्रगुजो० १४८, सग० १, १, २, १, १०, ५, ४, ६; १३,६; १७, १, २०, १०, २५, १, २; ४, ४, ३२, २, ४१, १, नाया० १६, दस० ४; ७, ४६, पञ्च० १, ४; विशे० ३८४, विवा॰ ४, नंदी० ७, सू॰ प॰ १; नाया० घ० ३: छुएहं. ष० व० भग० १, ४; प, ३, १; १५, १, नाया० प, इसा० २, प; ६, क० गं० १, ३०; २, १६; —श्चंगुल न॰ (~श्रंगुल ) ७ भागस छ श्रॅगुल six fingers मग॰ ६, ७, — ब्रहिश्रवत्तः त्रि॰ ( श्रधिकचत्वारिंशत् ) छेतासीश. ४६. छियालीस, ४६ forty-six; 46 क॰गं॰ ४, ५७, -कट्टय न० (-काष्टक) ६२५१००-ના બ્હારના ભાગમા છ કાઇનાે સમૂડ दरवाजे के बाहर के हिस्से में छः काष्टों का समूह. a collection of six logs in the outside part of a gate or door नाया॰ १; -क्सम न॰(-कर्मन्) યજન-યાજન-પક્ત-પાદન વગેરે વ્યામહણનાં ७ अभी बाह्यणों के छः कर्म-कर्तव्य, यजन, याजन, पठन, पाठन, दान, श्रीर श्रादान the six duties of a Brahmana such as worship, sacrifice, study, teaching, etc. पं॰ नि॰ ४४=; —खंड पुं॰ ( –खग्ड) ৩ খা এ सारत આદિ ક્ષેત્રના ગગા સિધુ અને વૈનાહ્ય पर्वतथी पडेक्षा छ विलाग छ: खग्ड; **म**रत श्रादि त्तेत्रों के गगा, सिन्धु श्रीर वैताट्य पर्वत द्वारा पडे हुए छ भाग six parts or divisions, the six divisions of such regions as Bharataksetra

etc demarkated by the Ganga, Sindhu and the Vaitadhya mountain. प्रव॰ ६=६; —गगमन. पु॰ ( -गमक ) ७ गमा-पाई-अलावा छ: पाठ six (scriptural) studies. भग० १३, २; — जिञ्र पुं० ( – जीव ) ७ ४।५ ७५ छ: काय-षट्काय जीव hving beings in six rent forms. क० ग० —जीविशकाय. पु॰ ( -जीविनकाय ) છ કાય જીવે!ના સમૂહ પૃથ્વી-અપ-તેજસ-पायु-वनस्पति अने त्रसंध्य छ जीवों का समूह; पृथ्वी, श्रप्ति, वाय, वनस्पति, श्रीर collection of त्रसकाय a beings viz sentient those with bodies of earth, water, fire, air, vegetable and those that are termed Trasakāyas. (moving animals) नाया॰३,—काय पुं॰ (-पटकाय-पराणा कायाना समाहारः) પૃથ્તીકાય – અપકાય – તેઉકાય – વાઉકાય -વનસ્પતિકાય અને ત્રસકાય-એ છ પ્રકારના छ्वाना समुहाय. the group of the six kinds of sentient beings bodies of earth, with water, fire, air, vegetable and minute insects श्रामाने। सूय० १, ११; =, क० गं० ४, **१**३, पंचा० १४, ४२, ---हागा. न० ( -स्थान ) ळुओ "ब्रहाणग" शण्६ देखो "ब्रहाणग" शब्द, vide " छुट्टाण्ग " क० गं० ४ ३: -- ग्राउइ जी॰ ( -नवाते ) ७००, ५६. ६६ की संख्या ninety-six; 96 भग॰ सम० ६६, १, ४, ६, ७,७,६;२०,४,२४,१२;

८;४१, १८; पञ्च०४;१२; जं०प०६,२,१८;७, १३३; -- एगाउइसम्र न॰ (-नवतिशत) એક્સી छन्तुं. एकमौ छयान्वः, १६६. one hudered ninety-six; 196 वन ०६, ३७; - तल त्रि॰ ( -तल पटतनानि यत्र तत् ) જેના છ તલિયાં છે એવું. (७ તવવાલું). छ तलो वाला. six bottomed ठा॰ =, १; ज॰ प॰ —त्तीस छी॰ (-ार्द्रशन् ) ७त्रीश, ३६. छत्तीम, ३६. thirty-six; 36. उत्त॰ ३६, ७२; नंदी॰ ४६: भग॰ १; १०, ५; २०, ५; नाया० १६; विशे०३०७, सम० ३६; -- इंत पुं॰ ( -दन्त-पड्दन्ता-पर्य ) ७ हांतवादी दायी छः दात वाला हाथी. having six teeth; an phant with six tusks. नाया॰ —िद्दिसि अ॰ (-दिश्) ७ हिशा-पूर्व, પશ્ચિમ, ઉત્તર, દક્ષિણ, ઉધ્રવે અને અવઃ એ छ दिशा. छ. दिशाएं, पूर्व, पश्चिम, उत्तर, रिचिए, उर्ध, श्रीर श्रव: six quarters or cardinal points viz. east, west, north, south, upward and downward विशे ०३५२; भग० १, ६; १६, ३; २५; २; जं० प० ७; १३७; —हमात्र. पुं॰ ( -माग ) **७**ट्डे। साग. छट्टा हिस्सा. sixth part. जं॰ प॰ १, १०; उत्त॰ ३६, ६१; —(मा) म्मास पुं॰ ( -मास ) ७ महिना; ७ भास. छ मास. six months र्जं॰ प॰ ७, १३४, सु॰ च॰ ७, १६४, सम॰ ८८, भग॰ ८, ८; वव॰ १, ५; दसा॰ ६, २, निसी॰ २०, २१; भग० २, ५; ३,९; ४, ८; ६, ४, २४, ९२; २४, १; ६; ३८, १; —मासतव. न॰ ( -मासतपस् ) ७भासी ६ तथ परामासिक त्रप. austerity or penance lasting six months. प्रव॰६१४; —म्मासिय्र. त्रि॰ ( -मासिक ) छमासी तप, छ महि-

नाना डेपवास धरवा ते. परामासिक तपः छः मान तक उपवास कर्ना. penance lacting for six months. श्रोव • १६; निमी० २०, ११; वव० १, ३; प्रव० १७६; —मासियभत्तः न॰ (-मामिकभक्त) छ भायता अपवासत वत छ माम का इनवास हप बत. a vow to fast for six months नग॰ २४, ७; —म्मा-सिया स्त्री॰ (-मासिकी ) लि॰ भुनी છટ્ટી પહિંમા કે જેમાં એક માસ પર્ય ન્ત છ દાત અન્ન અને છ દાત પાણી ઉપરાન્ત **કલ્પે નહि भिन्न की छठी प्रतिमा, जिस** मे एक मास तक छः दात श्रम्न श्रीर इतना हो पानी लिया जाता है. eixth vow ( Padimā ) of a Sadhu requiring him to take not more than six Datas of food and six of water for one month सम॰ १२: नाया॰ १; वव॰ १, १७, दसा०७, १, —लेसा स्री०(-लेश्या) કૃષ્ણ, નીલ, કાપાત, તેઝુ, પદ્મ અને શુક્લ એ ७ केश्या. छः लेश्याएं; कृष्ण, नील, कारोत, तज्, पद्म श्रोर शुक्त 6 Lesyās viz. thought or matter tmts of black, blue, grey, red, pink and white colour. क॰गं॰४,१०.—वीसा स्त्री॰ ( -र्विशाति ) ७५ रिस; २६ स्वन्त्रीसः २६. twenty-six; 26 क गं ० २, १०; —व्वोसाः स्रा॰ (-विंशति) ७४lस, २६. छुव्वीस; २६. twenty-six, 26 सम॰ २६; ऋगुजो० १०१; भग० २, १; ८. =; १७, १; २०, ५, पन्न० २; ४; सु० च० म, २४; ज० प० विवा० १; क० गं० ६, ३३: - ज्वीही स्रा॰ (-वीधी) ७ शेरी--क्षता. छ गलियाँ, छ रास्ते. six streets '' छुव्वीहीउय गामे or squares

कुत्वंति " प्रव॰ ६२४: —सिट्टे. स्त्री॰ (-पिष्ट ) छासर्रनी सण्या छांसठ; ६६ की सल्या डांप्रप्र डांप्र, 66 क॰ग॰२,१६; ४,६४; —सयार स्त्री॰ (-सप्ताते) छे।ते२,७६ नी सण्या. छियोत्तर; ७६ की सल्या seventy-six; 76. क॰ गं॰ २,१७; छह. पुं॰ ( छांवे ) द्रश्युना लापनु नाम. हलायु के पिता का नाम. Name of the

father of Dridhāyu. जीवा॰ ३, १; छुइय. त्रि॰ (च्छादित) ढांध्रेशुं ढंका हुआ. Covered. नाया॰ १;

छुउम न॰ ( छुद्मन्-छुद्यात ज्ञानादिकं गुण-मात्मन इति ) छद्मस्थ अवस्था; सराग दशा. सराग दशा; छुद्मस्थ अवस्था Condition in which one is not free from attachment. (२) आत्मानुं आव्छादन हरखार ज्ञानावरखीय आहि आहे हमें. आत्मा को आच्छादन करने वाले ज्ञानावर-णियादि आठ कमें. the eight varieties of Karma such as Jñānāvaraṇya etc. which obscure the qualities of the soul. उत्त० २, ४३; सम॰ १; श्रोव० भग० ५, १, जं० प० ४, १९५; क० प० २, ४०;

छुउसत्थ ति० ( छुद्रस्थ-छुप्रनि तिष्टतीति )

अपूर्णु सानवान भाणुसः हेप्यसानी निहः
रागद्वेष सिहत आधूरे ज्ञानवाला मनुष्यः
रागद्वेष सिहत One, possessed of
imperfect knowledge, one not
omniscient " छुडमस्थे चेव कालं
किरस्संति" भग० १४, १; श्राया० १, ६: ४,
१४; श्रोव० ४२; उत्त० २८, १६; ठा०२,१;
३, ४; श्राणुजो० १२७; पञ्च० १, भग० १,
४; ३, २; ४, ४, १४, १०; १४, १, २४.
७, विशे० ८७, १६६, ज० प० जीवा० १,
पि० नि० २२२; कप्प० ४, १३१, पंचा०

=, ११; क० प० ४, ४; प्रव० ७०; ६६६; ---श्रवक्रमण्. न० ( -श्रपक्रमण् ) ७६१२४-पहो नीक्ष्पनं . छन्नस्थपन से निकलनाः छद्मस्यदशामें वाहर श्राना. the act of coming out in the condition of a Chhadmastha भग ० ६, ३३; —कालिया. स्रा॰ ( -कालिका ) ७६१२४ असनी छेटसी रात्री. छद्मस्य काल की र्यान्तम रात the last night of the period during which one Chhadmastha. भग० 98, —परियाय. पुं॰ ( -पर्याय ) ७ अ२४५ऐ दीक्षा छद्मस्य श्रवस्या में दीन्ता. entering religious order in the condition of a Chhadmastha सम॰ ४४; --- **मरणः** न॰ (-मरण ) श्रद्मस्थपर्धे भृत्यु, भरव ते इदास्य श्रवस्था में मरण, मृत्य death in the condition of a Chhadmasthe, भग०५, ७: सम० १७: छुउमत्थिय त्रि॰ ( छुद्मास्थिक ) ७६१२४ अप-स्थाभा रहेनार छद्मस्य दशामें रहने वार्ला One living in the condition of a Chhadmastha, भग० २, १,

√ च्छुंद. धा॰ I. ( छन्द् ) ખાલાવવું; નિમં, ત્રણ દેવુ. ગુતાના. To call; to invite. હુંદિશ્ર. સં∘ જુ∘ દસ∘ ૧૦, ૧, ૬;

√ च्छंद. था॰ II. ( क्छ्र्द्-त्यज्) छांऽवुं; भुऽवु; तञ्चुं छोड्ना, त्यागना. To abandon; to leave off.

छुडेहि राय० २७४,

छुंडेत्ता राय० २७४;

छुंद. पुं० न० ( छन्दस् ) छाहे।; भरछ; अभि-अाय अभिप्राय; मरजी Will; opinion; pleasure. प्रव० १०१, स्य० १, २, २, २२, २, २, ६०; श्राया० १, २, ४, ६४; उत्त० ४, ८, १६, ३०, नाया० २; भग०

१२, १; १४, १; पगहर १, २; दसर ४, १, ३७, ६, ३, १; राय० २३७; विशे० १४५१; पि० नि० ३१०; ६४१; ( २ ) विषयालिक्षाया. विषयों की श्रमिलाया. desire of sensual pleasure. स्य० १, १०, १०; ( ३ ) छंद्द वृत्ते।तृं રતરુપ જતાવનાર શાસ્ત્ર. પિંગલશાસ્ત્ર: छन्द वृत्तीका स्वरूप वतलाने वाला शाहाः पिज्ञलशास्त्र. science of prosody; metrical science. कप॰ १, ६; श्रोव०३८, भग०२, १; (४) गुरुती व्यक्तिप्राय भर्छः ग्रह्न का श्रामित्रायः the will or pleasure of a preceptor. विशे॰ १४४१; — श्रयावत्तगः त्रि० (-श्रनुवर्त्तक) અલિપ્રાયને અનુસરનાર: પાતાની મરછ પ્રમાણે ન ચાલતાં ગુરુની મરછ પ્રમાણે पर्तानार गुरू की इच्छानुसार चलने वाला (one) who acts according to the will of a preceptor. स्य॰ १, २, २, ३२; नाया॰ ३: —श्रयुः चित्ति खी॰ (-श्रनुकृति ) धेर्धना छांहाने-अक्षिप्रायने अनुसरी वर्त वुं ते. किसीके मर्जी श्रनुसार चलना. acting according to the will of another. गच्छा॰ ४२; --- उवयारः पुं॰ ( -उपचार ) भायार्थः વિગેરેની ઇચ્છાનુસાર વર્ત નાર તથા તેમની भिक्त ५२नार श्राचार्य श्रादि की इच्छानुसार चलने वाला तथा उन की सेवा करने वाला one who obeys and serves a preceptor etc दय॰ ६, २, २१;

छंदरा. न० ( छन्दन ) भडीयानुं ढाइस्डं. दवात-नसीपात्र का टकना Lid or cover of an ink stand. राय० १७०; छंदराा. स्त्री० ( छन्दना ) साधुये डांधेपण् परतु शृद्धस्थने त्याथी व्हारीक्षाव्या पछी श्वांदिक्षने ते वस्तुनुं स्थाभंत्रल् इस्नुं ते; सभाशारीने। पांश्मी प्रधार. कार्ड भी वस्तु गृहस्थ कें यहां से लाने कें बाद उस यस्तु के लिय गुर्वादिक का साधुने श्रामंत्रण करना; समाचाराका पाश्चम भेद. The 5th variety of Samāehārī; inviting a preceptor etc. to partake of a thing received as alms by a Sādha. प्रवर्ग १६०, भगर २४, ७; उत्तर २६, ३; पंचार १२, २;

छुक न॰ (पर्क) ७ ६ ते। सभुद्दाय. छः वा ममुद्दाय. A group of six पि॰ नि॰ ३. भग॰ २०, १०; उत्त० ३३, ८; क॰ गं॰ १, २६; १, ३०; २, ३३; (२) ढास्यादि ६० दास्य रित अरित-शाझ लाग लागु होता. हास्यादि छ. त्रास्य, गति, घरीत, शोक, भय घार जुगुष्सा. the group of six viz laughter, attachment, discontent, grief, fear and disgust. विशे०१२८४; —समाज्ञियाति०(-समजित) ७ ७०। थाड्यी लेनु अढ्छ था शह अेवुं. छःछः क थोक मे जिसका प्रहण हो सके वह capable of being taken into groups of six. भग० २०, १०;

छुक्काय. पुं॰ (पट्काय) पृथ्यी, अप, तेख, वाख, वनर कि अने अस के छ अपना छत्र. पृथ्वी काय, प्रवक्ताय, तेजस्काय, वायुकाय, वनस्पितकाय और अमकाय इन ६ प्रकारके जीवोका समूह-गट्काय. A group of living beings in the form of earth, water, fire, wind, vegetable and moving animals. अणुजो०१२, स्य०१, ११,६; —रक्त्वण. न० (-रच्ण) पृथिती आहि छ अप छवीनुं रक्षण अर्थ ते पृथ्वी आहि ए आप छवीनुं रक्षण अर्या कार्या करना protection of the six kinds of sentient beings. प्रव॰

प्रशः —रक्खा स्री॰ (-रत्ता) ७ ध्य छवेत्तु २क्षण्. षटकाय जीवों की रत्ता. protection of the six kinds of sentient beings प्रव॰ १३६८,

छुग. न॰ ( \* ) विधा. विष्ठा, मल. Dung; feces परह॰ १, ३;

हुगण न॰ ( ६ ) छाखु. गोवर Dung पंचा॰ १३, १३, —पीडिय पुं॰ (-पीठक) छाखुने। भाजने गोवरका ख्रोटला, चैठने का ख्रासन विशेष. a square seat made of dung. निसी॰ १२, ६,

छुगिण्या स्त्री॰ (\*) छाष्ट्रा. उपल; गोवर के छाणे A dung-cake अणुत्त०३,१; छुगल पुं॰ (छुगल) भे। इंडा. वकरा. A young of a goat. पएह॰ १, १; जीवा॰ ३, ४. (२) थे। था देवले। इना धिन्द्रं थिन्द्र. चौथे देवलोक के इन्द्र का चिन्ह्र the mark of the fourth Devaloka. श्रोव॰ २६: (३)

Tīrthaṅkara. प्रव० ३८२, छुगलग पुं० (छुगलग) जुओ। "छुगल " १७-६. देखो "छुगल " शब्द. Vide "छुगल" पिं० नि० ३१४,

सत्तरमा तीर्थं धरनं सांक्रन १७ वे तीर्थं कर का

चिन्ह. the mark of the 17th

छुगलपुर. न॰ (छुगलपुर) शे नाभनु शहेर इस नाम का एक नगर. Name of a town विवा॰ ४;

छुच. त्रि॰ (पट्) ७, ६; छः, ६; Sıx, 6 भग० १, ४, १४, १; पत्त० २, क० गं० २, ७; ज० प० ५, ११८, —ग्रंगुल न० (-ग्रंगुल) ळुओ। " छुग्रंगुल" शल्ट. देखो "छुत्रगुल" शब्द. vide "छुग्रंगुल" भग० २४, २०; — चत्ताल. ह्यां० (-चत्वा-रिशत्) छेताविसनी स प्या ह्यानांस की सरुगा. fourty-six. जं० प० ७, १४७, — मास. पुं० (-मास) छ भद्धीना. हः मास. six months. उत्त०३६, १४०; — सह ह्यां० (-पिष्ट) छासहेनी स प्या. ह्यामट की गंढ्या. sixty-six. जं० प० ७, १४७;

√ छुज्ज था॰ I (राजेरम्घछुज्ञसहरीहरेहा इति सूत्रेग राजते छुजादेशः ) शालपु. शोभना. To appear beautiful; to shine.

छुजाति. जं० प० ३, ४५;

छुज्जिश्रा. स्त्री॰ ( ६ ) छाणडी, पुस पगेरे राणवानी छाण. छावडी, फूल वगैरह रखने का टाकरी. A shallow basket for flowers etc. राय॰ ३४,

छज्जीविशिया स्त्री॰ ( \*पट्जीवानेका-जीव-निकाय) जेभा ७ डाय छ रती रक्षाने। अधि-કાર છે એવા દશવૈકાલિક સૂત્રના ચાેથા अध्ययननुं नाभ. दशवैकालिक सूत्र के चौथे श्रध्याय का नाम, जिसमें षटकाय जीवोंकी रत्ता का अधिकार है. Name of the fourth chapter of Daśavaikālıka Sūtra dealing with the subject of protection of the six kinds of sentient beings दस॰ ४; --नामज्भयणः न॰ (-नामा-ध्ययन ) છછવનિકાય નામે દશવૈકાલિકસત્ર-ना ये। था अध्ययनतुं नामः षटजीवनिकाय नाम का दशवैकालिक सूत्र का चौथा श्रध्याय. the fourth chapter of Daśavaikālika Sūtra named Chha-

<sup>\*</sup> जुओ। पृष्ट नम्भर १४ नी पुटनीट (\*) देखो पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (\*) Vide toot-note (\*) p 15th

jīvanikāya. दस॰ ४;

छुट्ट्या. न॰ ( \* ) सी यथुं; छाटथुं. सींचना; छांटना. To sprinkle. सु॰ च॰ ६, ११;

ন্তুষ্ট সি॰ ( पष्ठ ) છટ્દું, છની પૂરણ સંખ્યા. छठा. Sixtli. कप्प० ८; पद्या० १६, १२; कप्प॰ ४; ११४; (२) भे उपवास लेगा કરવા ते दो उपवास एक साथ करना two consecutive fasts भग॰ २. १: ३, १; ४, ७; ७, ७; २४, २०; नाया० ६, ७, ८; १६; १६; दस० ४; सूय० १, १, १, १४, सम० ८; सु० च० २, ३४८: पञ० ४, दस० ४; वन० ६, ४०; विशे० ६४९; ार्पे विव ५६०; नायाव धव ६; दसाव २; ७, ११; — अट्डम. पुं॰ (-श्रष्टम ) भे અથવા ત્રણ ઉપવાસ કરવાતે-છઠ્ઠમ-અદ્ભમ. दो अथवा तीन उपवास करना; षष्ठ-श्रष्टम वप. the (Chhattha ) or ( atthama) consecutive fasts. नाया॰ १६; -खमणा न॰ (-चमण ) ७६ तपः भे **ઉपनास साथे धरना ते. षष्ट्र तपः दो उपनास** एक साथ करना. two consecutive fasts. नाया॰ १६; श्रत॰ ३, =; भग॰ २, ५; -- भत्त. न० ( - भक्त ) पांय टंड ઉલ્લંઘી છકે ૮ કે ભાજન કરવું; ખે ઉપવાસ भेगा ४२वा ते. पाँच भोजन वेलाश्रों का त्याग कर के छठे वक्त भोजन करना; दो उपवास एक साथ करना. taking food after two consecutive fasts. श्रोव॰ भग॰ १, १; पन्न॰ २८; --भत्तियः त्रि॰ ( -भिक्तक) थे थे अपवास ५२वा वाली. दो दो उपवास करने वाला. ( one ) observing two consecutive fasts.

भग० ७, ६; १४, ७; १६, ४;

छुटं छुटें ए. श्र० (पष्ठं पष्टन ) ७१७१ने ५१२०) ७१ तम ६२५ ते छः २ के पारने से पष्ट तप करना. Practising an austerity in which fast is to be broken every third day. "छुट छुटें पं तबों कम्मेणं अशुत्त० ३, १; नाया० १३, १६; भग० ९, ३१,

छुट्टग. न॰ (पष्टक) ७८६ ं. इडा. Sixth. भग॰ ६, ५;

छहारा. न० ( पटस्थान ) अनत लाग હીનાવિક, અસંખ્યાત ભાગ હીનાધિક, સખ્યાત ભાગ હીનાધિક, સંખ્યાત ગુણ હીનાધિક, અસ ખ્યાત ગુણ હીનાધિક, અને અનંત મુણ હીનાધિક, એ હાનિ વૃદ્ધિના છ स्थाननी स एया. श्रमत भाग हीनाधिक, श्रसख्यान भाग हीनाविक, संख्यात गुण हीनात्रिक, असंख्यात गुण हीनाधिक, व श्रनत गुण हीनाधिक, इन हानि बढि के छ स्थानक की सज्ञा. Name of the six stages of rice and foll namely more or less or than infinite parts or divisions; more or less than immeasurable pasts or divisions; more or less measurable or limited vir. tues or pua lities, more or less than illimit able virtues and more or less than infinite virtnes. पि॰नि॰भा॰ २६;—गय.ांत्रे०(-गत) છ સ્થાનકમાં પ્રા<sup>1</sup>ત થયેલ, ૧ અનન્ત ભાગ, ૨ અસ ખ્ય ભાગ, રૂ સંખ્ય ભાગ, ૪ અનન્ત ગુણ, ૫ અસખ્ય ગુણ, દ્સ ખ્ય ગુણ એ છ સ્થાનક સાથે

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। ( \* ). देखो पृष्ठ नवर १५ की फूटने। ट ( \* ) Vide foot-note ( \* ) p 15th.

हीनाधिक रूपे प्राप्त थयेल. छ स्थानको में पहुंचा हुन्रा; १ स्रनंत माग, २ स्रमंख्य भाग, ३ सख्य भाग, ४ श्रानंत गुरा, ५ श्रासंख्य गुरा, ६ मंख्य गुरा, इन छ स्थानकों के साथ न्यनाधिक प्रमाण से संवंधरखने वाला One who has reached or ob tained the 6 stages (1) Infinite divisions,(2) immeasurable parts, (3)measurable or limited parts. (4) infinite virtues (5) virtues by and measure. (6) vir tues that can be counted or reekoned. One who keeps conwith the above six cern forms of stages in a more or less measure त्रिशे० १४२.—पद्धियः त्रि॰ (-पतित ) १० स्थान इमां पतित छ स्थानकोंमें पतित. one resorting to six stages भग० २४, ६;

छुटिया. स्री॰ (पष्टिका) ७८६१७८५तिः, ७८। १८-भ छुठा जन्म. Sixth birth. "इमान् यो छुट्टिया जाई '' उत्तः १३, ७.

छुट्टी. स्त्री॰ (पष्टी) ७८६; पक्षनी ७८६ तिथि.
पष्टी, पस्त की छुठी तिथि. The sixth day of a fortnight. जं॰ प०७, १४३;
(२) ७६ विलक्षित. छुठी विभाक्ति. the genitive case. जं० प० पत्त० २; ३; श्रग्राजो॰ १२९; विशे० ६६७, (३) ७६ नर्द्ध; भन्ना नामे छुठी नर्द्ध भूमि. the sixth hell; the sixth world named Maghā. नाया॰ १६; —पुढ्यी. ह्रां० (-प्रश्वी) भन्ना नामे छुठी नर्द्ध मान्ना

नामक छठी नरक भृमि. the sixth hell named Maghā. जीवा॰२; नाया॰१६; छुडियः त्रि॰ ( \* ) अंदिश्व. छंदेशुं. (शास-४भेदि वगेरे) मूनले सं पीट कर दाना को भूसा से श्रालग करना. Thrashed with a flail; pounded " तिछ्डिय साति" राय॰ ११८; तंदु॰ जीवा॰ ३, ४,

√ छड्ड धा॰I, II. ( छर्द् ) छ।ऽपु: त००पुं. छोड्ना; त्याग करना To abaudon; to leave; to release.

छड्डह. भग० १, ६; छड्डसि उवा० २, ६५; छड्डांस उवा० २, ६५;

छद्रेजा नाया०२;

छुडुए वि॰ दस॰ ४, १, ५५;

छड्डहस्मामिः राय॰

छुड्डेंड. सं॰ कृ॰ निशे॰ १४७१; छुड़ावेइ गि॰ सु॰ च॰ १४, १४७;

√ छुडु था॰ 1, II. ( छुई् ) ७ थरी इन्यीः प्रभाग कर्ना. To vomit छुड़ि जाः आया॰ २, १, ३, १४;

ब्रुहुब्रहु. पु॰ ( ब्रहुब्रहु ) सुपडे सेाती वणते धान्यते। के अवाक थ:य ते, ७३ ७३ ओवे। अनुक्राधु शण्ट-अवाक. ब्रहु छड़ ऐसी धावाज. An onomatopoetic word expressive of its sound. नाया॰७;

छुडुण, न॰ ( छईन) भरहेपतुं; तल्पतुं. त्याग देना. Getting rid of (e g. feces); abandoning भि॰ नि॰ ४२७; ४४६;

श्राया० २, १, ६, ३२;

छुड़ावरा न॰ ( छ्दैन ) छे। अपनुं; ते लपनुं. छुड़ाना; स्याग कराना. Causing to abandon. श्रोघ० नि० भा० २१८;

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ठ नभ्यर १५ नी प्रुटने।ट (१) देखो पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (\*) Vide font-note (\*) p. 15th.

Vol. 11/95

छड्डिय. त्रि॰ ( छटिंत ) ६ अटी धरेअ; यभन धरेअ वमन; वमन कियाहुआ. Vomitted. ( २ ) वभन धरनारने छाथे व्छारनाथी आधुने आगता छेश के शेपणानी हाप. वमन किये हुए के हाथ से भिन्ना लेने से माधु को लगाता हुआ एक एपणा का दोप. a fault connected with alms—begging viz. accepting food at the hands of one who has vonitied. पंचा० १३, २६; प्रव० १७६; पं॰ नि० ५२०;

√ च्छाण था॰ I. ( चण् ) હि सा ४२वी; वध ४२वे। हिंसा करना; वध करना. To kill.

छ्या. ति॰ स्त्राया॰ १, ३, २, ११४; १, ८, ७, ६;

खुण्ह. श्रा० स्य० २, १, १७;

छुण. पुं॰ ( चण ) वभ्भ : अवसर. समय; अवसर. Time; moment. (२) हिंसा. हं सा. killing. (३) छत्सव. उत्सव. व festivity. श्रोघ॰ नि॰ ==: —ऊम-चित्र. ति॰ ( -श्रोत्मविक ) ओछ्य भहे। छवे पहेरवा ओह्यानुं. उत्मव महोत्सव के प्रसंग पर भोडने व पहिनने का. holiday apparel. निर्मा० १५, २५; —एग्र. न॰ ( -पद ) हिंसार्भद्द; हिंसानुं स्थान. हं बा का स्थान. an abode of the sin of killing. श्राया॰ १, २, ६, १०२;

छिणिय. त्रि॰ ( चिणिक ) छ्छा ग गुर जण भंगुर. Transitory; transient. (२) भद्रेतस्य महोत्मव a great festivity. नाया॰ ४:

छुम्ण्. त्रि॰ ( छन्न ) दा डेशु; संतार्रेक्षु; छातुं डका हुआ, छिनाया हुआ; गुप्त Covered, concealed; hidden. निमी॰ १२, ६; ओघ॰ नि॰ १६८; ( २ ) જન समुदाये

भशी भाजन करवुं ते भोजन सम्मेलन.
feasting; a feast; a dinnerparty. नाया॰ २; (३) धन्द्राहिने। भर्छा॰
त्यव इन्द्रादि का महोत्सव a festivity
of Indra etc. भग॰ ६, ३३; नाया॰ १;
छुग्णालञ्च. न॰ ( पर्ग्णालक ) त्रिक्षाष्टिक;
संन्यासीनुं न्नेक अपकरण्. A wooden
implement used by a Sannāyāsī (an ascetic). भग॰ २, १,
नाया॰ ५; श्लोव॰ ३६;

छुित्तिस्त्र. पुं॰ ( छान्निक ) शे नामने। शेक्ष क्साध इस नाम का एक कसाई. Name of a butcher. विवा॰ ४.

छुत्त न॰ ( छुत्र-श्रातपं छादयति तत् ) ७४; ७तर द्वत्र; द्वाना. An umbrella. काप० ४, ६२, प्रव० ४४१; १२२८, स्रोव० १०; २७; श्राणु ने ० १३१; सृय० १, ४, २, ६; ठा० ५, १; सम० १४; ३४, नाया० १; ३; ४; ८; १२; भग० १, १; २, १०; ४, ४, ७, ६; ६, १०; दसा० १; १; ३; वव० म, ५; पञ्च० २; निसी० ६, २२; स्रोघ०नि० भा॰ ८५; जीवा॰ ३, ३, राय॰ ६८; सु॰ च॰ १५; २६; जं॰ प॰ ५, ११७; विवा॰ २; नाया० घ , दस० ३, ४, उवा० १, १:; (ર) ચદ્ર વગેરેના છત્રાકારે થતા નસૃત્ર साथेता यागः ७ त्रयाग चंदादि का नक्त के साथ छत्रकी माकृतिके श्रनुसार होता हुआ योग; छत्रयोग the conjunction of the moon etc. with a constellation presenting the appearance of an umbrella स्॰ प॰१२, —ग्रुति इत. न॰ (-श्रतिद्वत्र) सगवानी। એક અતિશય; ભગવાનના માથે છત્રઉપર ७त्र धारणु थाय ते. छत्र गर छत्र धारण करना; भगवान का एक श्रतिशय holding one

umbrella above another as in the case of a Tirthankara etc नाया॰ १, प्र, भग० १६, सु० प० १२, --कार. पुं० (;-कार ) अत्र लनावनार, छत्र बनाने वाला. a maker of umbrellas. श्रामां १३१: -गाह पं॰ ( -ग्राह ) छत्रने धारण **४२**नार. छत्र को धारण करने वाला who holds an umbrella. निसी? ६, २४, -- त्तय न० ( - त्रय ) अपरा ઉપરિ ત્રહ્ય છત્રા, છત્ર ઉપર છત્ર તેના ઉપર ७त्र. जपरा ऊपरी तीन छत्र; छत्र के ऊपर छत्र व उसपरभी छत्र. three umbrellas: one held over the other 97. ४४१,-धारि त्रि०(-धारिन् ) ७त्र धरनार. छत्र धारण करने वाला. (one ) who holds an umbrella. भग० ११, ११. -रयण न॰ ( -रत्न ) अक्वती ना चैाह रतमानु नवसुं रत चक्रवर्ती के चौदह रानों में से नवमा रान. the minth of the fourteen jewels of a Chakravartī ठा० ७. १, जं० प० पन्न०२०; —लक्षणः न॰ ( -लक्षण) গগনা এপ্লেড্ भरभवानी ओ**क्ष अक्षा छत्र के लक्षणों** की परिचा करनेकी एक कला. the art of examining the qualities of an umbrella नाया॰ १, —संदिय त्रि॰ (-संस्थित) ७७ सस्थितः ७७२ने आधारे रहें अ अत्र की आकृति वाजा having the form of an umbiella. उत्त॰ ३६, ५७;

छत्तग न० ( छत्रक ) ७२४; ७८२ छत्र, छ।ता An umbrella आया० २, ३, २, १२०, (२) संन्यासीतुं ओक अपकरण, संन्यासी का एक उपकरण, an implement used by an ascetic स्य० २,२,४=, छुत्तगत्ताः स्रं । ( छत्रकता ) अत्रने आशरे ओश्च प्रतिपण् । छत्र के आकार में एक प्रकार का वनस्पतिपना. State of a kind of vegetation having the shape of an umbrella. म्य । २, ३, १६,

छत्तपलासयः पुं० ( छत्रपलाशक ) કथेशसा नगरती एक्षरंता की नामती को क्यांची। क्यांचा नगरी के बाहर का इम नाम का एक वर्गाचा. Name of a garden outside the town named Kayaiigalā " छत्तपलासए नामं चेइए होत्था '' मग० २, १;

छत्तय न॰ ( छत्रक ) लुओ। " छत्तग" शण्ट. देला " छत्तग " शब्द. Vide " छत्तग " भग॰ २, १.

छत्तरि र्झा॰ (पर्मति) छोतेनः छाती सभ्याः ज्ञहत्तर, ७६. Seventy-पंर. 76. क० गं० ६, ३१.

छत्ता. स्रं ( छत्रा ) अनन्तशय विशेष अनन्तकाय विशेष A variety of Anantakāya. भग० २३, ३,

छुत्तार पु॰ ( क्षत्रकार ) छत्री णनायनार धारीभर छाता बनानेवाला कारागीर. A. maker of umbiellas, पन्न॰ १:

छुत्ताह पुं॰ ( छत्राम ) એક इक्ष- हे लेनी हुँडे छड़ा श्रीपद्मभल नीर्यं ६०ने हेवलज्ञान थयु ६०नुं एक मृत्त् कि जिसके नीचे छुठे थ्रा पद्मप्रम नीर्थं कर को केवलज्ञान प्राप्त हुआ था. The tree under which the 6th Tirthankara Éti Padmaptabha attained to omniscience, सम॰ प॰ २३३;

छात्ते ति॰ ( छत्रिन्-छत्रमस्यास्ताति ) ७४। पाणा, ७४ पाणा. छत्रवाताः छातेवाताः Having an umbrella: po sessed of an umbrella. भत्त॰ ८, १०; श्रगुजी॰ १३१;

छत्तोश्च. न॰ ( छत्रीक ) अत्राध्य वर्षात पछी तरत उगती ओड वनस्पित है कीने क्षेत्रिः भी हडानी पणी डहें छे ते. छत्र की ज्याकृति के अनुसार वर्षा के बाद तुरन्त ही उगनेवाली एक प्रकार की वनस्पति कि जिसको लोग कहते हैं A kind of umbrellashaped vegetation sprouting up immediately after the setting in of monsoon; mushrooms; fungi. पन्न॰ १;

छत्तीव ग. पुं० ( खुत्रोपग ) ओक ज्यतनुं पृक्ष-एक प्रकार का फाइ. A kind of tree, श्रोव॰ जीवा॰ ३, ४;

छत्तोह. पुं॰ ( छत्रोघ) ओ नामनुं आऽ; वृक्ष विशेष. इस नाम का युन्न; युन्न विशेष. Name of a particular kind of tree. पत्र॰ १; भग॰ २२, ३; — चणा-न॰(-वन) छत्रोद ज्ञातना वृक्षनुं वन. छत्रोह जान के युन्नों का घन. a forest of the trees of the Chhatroha kind. भग॰ १, १;

छद. न॰ ( छद ) पांभा; पिन्छुं. पंसा; पर. A wing, a feather. उत्त॰ ३४, ६; छुधा. भ्र॰ ( पोढा-चइ्भिःप्रकारैः ) ७ प्रधारे. छः प्रकारसे. In six ways or modes. विशे॰ ६००; क॰ गं॰ १, ३८;

छन्न त्रि॰ ( छन्न ) ગુપ્ત રાખેલ; કપડથી આશ-યતે ગાપત્રી અન્યથા બાલેત गुप्त, भेदयुक्त. Hidden; secret; dissimulated. सूय०१,६,२६; भग०२४,७; (२) स्त्री॰ બીજ ન જાણે તેરી રીતે ગુપ્ત સન્દેશા પહાચાડનાર भेश्व इती. श्रीरें। की जात न हो उम प्रशार संदेशा पहुंचानेवाली दामी-द्रमी a female servant who conveys a measage without letting others know it कष्य के, रह; पि नि कर्यः — श्राहा. पुं ( -श्रकें) याहणाथी दंशपेत सर्थ. बादल में दका हुआ मुर्थ. the sun hidden behind clouds. विशे क्रहः; —पश्च-य. न ( -पद ) १५८; भाषा. क्यट; मापा. deceit; fraud; foul play. म्य १, ४, १, २, —पद. न ( -पद ) भाषात्थान; क्यट deceit; fraud; foul play. स्य २, ६, ३५;

छुद्धा स्त्रं। (छना) ब्युओ। "छन्नपद्धा" शण्ट. देसी "चन्नपद्धा" शब्दः Vide " छन्न-पद्धा" सूय० १, २, २, २६;

छुन्त्रस्त्र. पुं॰ ( \* ) यांसनी धीधरधी; श्वासधी. बांसकी जन्ननाः A sieve of humboo. याया॰ २, १, ८, ४३: श्रोध॰ नि॰ १४८; पिं॰ नि॰ १६१;

क्कब्यग. स्रं ( ५ ) रे। ट्रेसी वध्युवानी पाटली; आभरीका. रेटिंग बनानेका पाटा. A wooden board on which brend is made. पिर्वानिक २७९;

छुन्भंग. पु॰ (पड्सङ्ग ) छ लांग. छ भंग.
Six classifications. भग॰ ६, ४;
छुन्भामरी स्त्री॰ (पड्आमरी) पीखा; सतान.
सितार; बीन. A harp, a flute. नाया॰

छुम्मुद्द. पुं॰ ( पग्मुख) विभव्षनाथछना यक्षनुं नाभ. विमलनाथजी के यत्त का नाम. Name of a Yaksa of Vimala-

<sup>\*</sup> जुओ ५४ नम्भर १५ नी पुरते। (\*). देखो पृष्ट नम्बर १६ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th.

nāthajī. प्रव॰ ३७६;

छुरु. पुं॰ (त्सरु) तक्षवारनी भुः. तलवार की मूठ The handle of a sword.श्रोव॰ १०; जीवा॰ ३, ३; पग्ह०१, ४;—प्पवाय-पुं॰ (-प्रवाद) तक्षवारनी भुः ५५ऽी १रववा-नी ६क्षा. पटेबाजी. the art of fearing. श्रोव॰ ४०; नाया॰ १;

छल. ति॰ (पट्) छ छ: Six. विशे० ६०१;
— ग्रंस. पुं० (-ग्रंश) अथंश छ. ग्रंश. अंप
parts. भग० ६, ५; पग्ह० १४४७, जं० प०
३,४४, (२) छटे। लाग छठा हिस्सा. sixth
part. " अगुरुलहु चउ चलंसि तीसंतो"
क० गं० २, १०; — ग्रंसा स्री० ( -ग्रंश)
छ प्रदृतिनी सत्ता. छः प्रकृतियों की सत्ता.
the existence of six Prakritis.
क० गं० ६, ६;— द्वे. ति० ( -ग्रंप-सार्थ्य-पंचकम्) सत्ता।पंच साडे पांच. शिष्ट
and a half विशे०१४०१;— सीइ स्त्री०
(-ग्रंशीति) छत्सी; ८६ छियामी eightysiv; 86 क० गं० ६, ३१: सम० ६६;
भग० २, ६;

छल न॰ (छल) ७३. ६५१—णीलाना वयनने पेतानी प्रष्टुं ६५१नावरे असत्य हरी जनावर्नुं छल, कपट,-ग्रीरों के वचन को ग्रापना इष्ट्र कल्पना से असत्य कर दिखाना. Fraud; deceit; proving the words of others to be false by interpreting them in the light of tenets acceptable to oneself. विशे ०१६०७, —ग्रायतण, न॰ (-ग्रायतन) ७३१-वाइनो। ओक होप तेनुं स्थान. छल-वाद का एक दोष उनका स्थान. ता ab de of fallacious dispute or controvesty "श्राहंसु छलायतणं च कममं" स्थ॰ १, १२, ५;

छला। ह्री॰ (छलना) छेरतवृं: ७अभेट.

ठगना; छल्तनेद. Deceit; fraud. श्रोघ॰ नि॰७८५; पि॰ नि॰ १६०;

छुत्ति छ. त्रि॰ ( छ्तित ) ३५८ विभेरेथी ६भा-थेल. काट इत्यादिसे ठगाया हुआ. Deceived; cheated;imposed upon.नाया॰ ६; विशं॰ १६०७; पि॰ नि॰६३४;

छुलुश्र पु॰ (पडुलूक) लुओ।" छुलुग "शण्ध देखो "छुलुग" शब्द. Vide "छुलुग" ठा॰ ७, १;

छुल्ग पुं॰ (पडुल्क) वैशेशिक मतना स्था-पतार अण्ड भृति वैशेषिक मन के स्थापक कराद मुनि Kanāda, the founder of the Vaisesika tenet. विशे॰

छुलूय. पुं॰ ( छुलूय) आर्थ भदागिरिना थिप्यनुं नाभ आर्थ महागिरी के शिष्य का नाम. Name of a disciple of Arya Mahagiri काप० ८,

छुरली स्तं ( छरली ) त्यया छास टा; छास स्त्रचा, छाल Skin; bank तित्रा १; नाया १३;१४;अणुजो ११; पन्न ११ राय १४३, — खाद्य त्रि ( - खाद ) छास ने आना थे थेश ज्यानी शीरे ज्ञाल को खाने वाला एक प्रकार का कीडा an insect or worm eating the bark of trees ठा ४, १;

छुनि स्रो॰ (छुनि-छुयति श्रामारं छिनति वा तमः) याभंडी; छाल. त्वचा, चमंडा, छाल Skin; bark. ठा॰ २, ३; ज॰ प॰ प्रव॰ ४३६; (२) शरीर. शरीर. a body. भग॰ ४, ४; ७, ६; (३) डाति; तेल. मीन्द्यं lustre: beauty. कष्प॰ ३, ३४; जोवा॰ ३, १: (४) वास से।सा वगेरे धान्य चोले वगरह धान्य & variety of pulse. दम॰ ७, ३४; — खाय. पु॰ (-स्ताद) सुवर प्रमुणनी सम्भंडी णानार

मुत्रर वगैरह की चमड़ी को खाने वाला one who eats the skin of pigs etc निर्मी०६,१०; —त्ताण न०(-त्राण) ચામડીનું રક્ષણ કરતાર તસ્ત્ર કાંબલી વિગેરે. खचा का रचण करने वाला वस्न कम्बल वगेरह any kind of cloth (e.g. a blanket etc. ) protecting the skin. उत्त॰ २, ७, —छेद. पुं॰ (-च्छेद) क्रुओ। छविच्छेष ) शण्ह देखें "छविच्छेय" शब्द vide " छुविच्छेय " ठा० ७,१; भग० न, ३, ११, १०; १४, ८; १४, १; —च्छेयः पु॰ (च्छेद) क्षाथ, पग, नाड, धान વગેરે કાપવા તે, એકજાતની દરક નીતિ हाथ, पैर, कान, नाक, इत्यादि को काटना: इस नामकी दड नीति. punishment by mutilation of limbs जीवा॰ ३,३; राय०२६०; जं०प०नाया०४; पंचा० १, १०,--पञ्च.न०(-पर्वन्) क्रेभां ढाउना सांघा અને ચામડી વગેરેછે તેવું શરીર, ઉદારિક શરીર ऐसा शरीर जिसमें हडियो की जोड व त्वचा वगैरह है the physical body consisting of bones, skin etc হল়॰ **২. ২**४:

छुवि स्त्री॰ ( इयि ) নাথ, क्षय नाश, ज्ञय.

Destruction; ruin भग॰ २५, ७,

— कर त्रि॰ (— कर ) গুণীনী क्षय

१२नार जीवों का ज्ञय करने वाला. (one)

who destroys or kills living

beings. भग॰ २४, ७;

छुविसि स्री॰ (पड्विंशति) छवीस छुव्यीस Twtnty-six. विवा॰ १;

छ्विह. त्रि॰ (पड्विध) ७ अधारतुं. छ प्रकार का. Of six kinds or modes.

सम० ६, भग० १२, ४; दसा० ४, ३८, ४४, ४६; ७, १;

ख्वीइय. ति॰ (छविमत्) शिन्तवाणुं.
तेजस्वी; कान्तिवान. Beautiful; lustrous. श्रोव॰ १०; श्राया॰२, ४, २,१३६;
छाव्वह ति॰ (पहाविय) ७ प्रशादनं. छ.
प्रकार का Of six kinds or modes.
वेय॰६,२०; पि॰नि॰ ५; भग॰६,७; १६, ६;
२५,६;७, विशे॰ ३००; —वंधय ति॰ (—वन्धक) भे।६ अने आयुपश्मिने छ।ऽी णाशीना ७ धर्मनु लन्धन श्रनार मोह श्रीर श्रायुप्यकर्म को छोडकर शेष छ॰ कर्मो का वन्धन करने वाला one who incurs Karma of six kinds i. e. all save those called Moha and Ayus. भग॰ ६, ६;

छुहा. श्र॰ (पोढा) ७ प्रश्वारे. छः प्रकार से. In six ways or modes. क॰ गं॰ १, ४, ८,

প্রস্তাহ্ম সি॰ (\*) পুশু. মুঝা; जिसको जुधा লগা हो वह Hungry पि॰ नि॰ ६६३; স্তাস্মা রৌ॰ (ন্তাযা) ভাষা; ৭১ভাষা স্তাব Shade; shadow স্মীবৃঁ হ লাে ৬, ৭; স্তাহ্য সি॰ ( স্তাহির ) ১টিপ্র ভকান্ত্সা.

Covered नाया॰ १;

छाउमस्य ति॰ (छाद्यस्य) छर्भस्य संलंधी.

छद्यस्य सम्बन्धी Pertaining to a
Chhadmastha ( i. e one not
free from attachment रायृ॰ २४३;

छाउमस्थिय. पुं॰ ( छाद्यस्थिय ) छद्मस्थ

अवस्थामां रहेनार. छद्यस्य अवस्था में रहने
वाला One in the stage of being
Chhadmastha. (i e. one not

<sup>\*</sup> लुओ पृथ नम्भर १५ नी पुरने। (क) देखो पृष्ट नम्बर १४ की फुटनोट(\*). Vide foot-note (-)p. I5th

free from attachment. भगः १३,

छागलि ग्र. पुं० ( छागलिक ) णे। इश भारतार इसार्श कमाई. A butcher. विवा० ४; छछाण. पुं० न० ( छादन ) हालशहि हेते। ५३; ७१. दर्भादिक का छत. A cover of grassetc. "छाणेकियाइ" भग० ६, ६; छछाण न० ( ६ ) धाण् गोवर. Dung प्रव० ४४०; — उन्धिपा. स्ती० (-डाइक्सा) छाण् वासी हुं वा गतारी, छाण् छपारतारी गोवर इत्यादि साफ करने वाली स्ती: गोवर उठाने वाली क female servant who clears off dung, refuse etc नाया० ७,

छादण न० ( छ। रन ) क्षात्रं, श्राच्छादित करना. Act of covering भग० ११, ११; जोवा० ३, ४; पंचा० १२, १२; पग्ह० २, ३;

छायः त्रि॰ ( छात ) કशाधातथी त्रणुभुन्त कत्ताघात में त्रणमुक्त Not wounded by blow etc. इस॰ ६, २, ७;

छायंसि ति॰ ( ॰ छायावत ) छाया-शरीश्ती शेषायणु शारीरिक मेन्द्र्य वाला; दर्शनीय Beautiful; possessed of physical heauty सम॰ प॰ २३५;

छायणः न० ( छादन ) हभे चिगेरेथी ढांडवुं;
भारणाहनः दर्भ वगैरह में डाक देना-प्राच्छाटन कर देना Act of covering with
anything e.g. Darbha grass
etc. श्राया॰ २, २, ३, ५०; पंचा॰ १२,
१२; प्रव॰ ८७६: (२) धर छपरनं वांस
भपार विगेरेन भाणान्यणा पर का
छन a roof of a house. 17॰ नि॰

३०३: (३) पन्त्रः ४५६. वक्षः कपदा. cloth; a garment, नायाः १; तंद्रः छाया स्त्री॰ ( द्वाया ) छांयडेः; छाया. द्वांया; छात्र Shade; shadow. इत. २८, १२; ठा० २, ४; १४० नि० सा० ३४; १४ नि॰ १'१२; याणुत्रो॰ १२७; इमा॰ ७, १, स्य० २, १, ४२, पत्र० १६: भग० १, ६; १४, ६, १४, १, नाया० १४; काय० ४, १०७, प्रव० ७६५; (३) अनिः दीभिः काति, दाप्ति. lustre; brightness. श्रीव॰ १०: २२; राय॰ ४६, पन्न॰ २; जं॰ प० नाया० १०, भग० १. ६; २, ५; (३) लाका सेवा (कतवा) ने भेडेन चंडित-भंत भाजन करने के लिये बैठी हुई पंक्षि ध row of persons sitting at dinner, जं॰ प॰ ७, १६२:

ह्यायाल. स्ना॰ ( पट्चन्द्रारिशत् ) लुओ। 'हायालीस'' शम्द. देखे. 'हायालीस'' शब्द, Vide, 'हायालीस'' पत्र ॰ २; क॰ गं॰ ६, २७,

छायालीस. स्री॰ (पर्चत्वारिशत्) छतालीसः ४६ छिपांलीमः ४६. शिवारेपु-धंदः 46. मम॰ ४६: पि॰ नि॰ ६४६:

छायोवश्र. पृ० ( छायोषम ) ध्रशी छापा वाणुं अर गहरी छापा वाला वृत् A densely shady tree. ठा० ४, २; निसी० ३, ८१: छार. न० ( चार ) राणः भरभः वाती साव भरम. Ashes. पि० नि० ३१४; विशे० १२५६; (२) अथ. कांच glass. विशे० ३४०२. (३) भारे। मंचारा any kind of salt. जं० प० नाया० २: -- उभिया छो० ( -उभिका ) राण पालनारी स्था. राम भाउने वाली छो. त female

<sup>\*</sup> लुओ। पुष्ट नम्पर १४ नी पुरते। ( \* ) देखां द्वष्ट नम्बर १५ की फटनोट ( \* ) Vide foot-note (\* ) P 15th

who sweeps off ashes. जं॰ प॰ छारिश्र-य न॰ (चारिक) लश्म. राख; मस्म. Ashes. भग॰ ४, २; —राशि पुं॰ (-राशि) लश्मनी दग्दी। राग्न का देर. a heap of ashes. दम॰ ४, ९,७; छारियभूय त्रि॰ (चारीभूत-श्रचारं श्रमसम चारं भस्म भवतीति) राभ केवुं थंथेतुं. राग्न जेसा बना हुआ. Reduced to ashes भग॰ ४, ६; ७, ६;

छारियाः श्लं। ( ज्ञारिका ) शभ राख. Ashes. भग० ५, २; १८, ६;

छारीभूय ति॰ ( ज्ञारीभूय ) ळुओ। " छारि-यभृय " शण्टा देखा " छारियभूय " शब्दा Vide. " छारियभृय " भग॰ ३, १;

छाचिद्छ. स्री० (पर्याष्टि) ७४।सहः १६. हाइठ, ६६. Sixty-six, ६६. जं• प० ७, १३४, विशे० ४३४; ७१८; सम० ६६; मग० २४, २०; पस० ४;

छाच पु॰ (शाव) अ२ थः; आक्षक्त. बालकः; वचा A young one, a baby. नंदी॰ स्य॰ ४६; स्य॰ १, १४, ३;

छिडी स्ना॰ ( ) धी डी-नानी भागी; आरी बारी; छोटी खिड़की. A small back-door, a small window or gate. नाया॰ २; \*ख्रिकः त्रि॰ (छोत्कृत) छी छी धेरेस् तिरस्कृत.
Dispised; condemned. विशे॰ ३३७;
१७५४; पि॰ नि॰ १८६; १९४; पि॰ नि॰
ना॰ ३७;

छिक्कंत. त्रि॰ ( \* ) श्री श्तुं. खीकता हुआ. Sneezing. सु॰ च= ४,२२६;

छि। चेछुकार. पुं॰ (छि। छेकार) क्ष्तरा पंगरेते दांक्ष्याने छि छि-दन दत पंगरे शुण्ट क्रेंदेवा ते. कुत्ता वंगरह को निकालने के लिये छि-छि हत-हत वंगरह शब्दों का कहना, Uttering the sound Chhi-Chhi or any similar sound to drive away dogs etc. पिं० नि॰ ४५१; पिं० नि॰ सा॰ १२४;

छिडू. न॰ ( छिद्र) छिः, आधुं; भां हे। हे छिद्र.

A hole; an opening निरो॰ १४६२;
(२) हे। प. दोप; अपराध. a blemish;
a fault राय॰ २८३; (३) आश्रश्र.
आकारा. the sky. भग० २०, २;

छिड्डिया. स्री॰ (जिद्धिका-छिद्धांख विद्यन्तेऽ-स्यामिति ) याक्षणी चनती. A sieve. नाया॰ =:

<sup>-</sup> लुओ। पृष्ट नम्भर १४ नी प्रुटनेाट (-) देखो प्रष्ट नम्बर १४ की फुटनोट (×). Vide toot-note (∗) p. 15th

mountain, a forest etc. नाया॰ १५: भग० १४, १, वैय० ४, २६; -- जाला. स्रो॰ ( - उवाला ) छेहायेल अग्निनी शिणाः જેની જાલ-જવાલા છેદાઇ ગઇ છે ते छिदी हुई श्रभिनकी शिखाः जिसकी ज्वाला छिद गई हो a broken flame of fire: (fire) with broken flame. नाया॰ १; — भिराण त्रि॰ ( - भिन्न ) छित्र लित्र था गियेश छित्र भित्र बना हुआ. scattered: at sixes and sevens; in a condition of disorder. " ল্পিয়েয় भिराण बाहिरियाहिय " विवा॰ ३; --- स्हा. स्री॰ (-रुहा-सत्यपिछिन्ना पुनरारोहतीति) કાપી નાખી હાય તાજ ઉગે એવી એક જાતની વનમ્પતિ ( મળુચી). काट डाली जावे तब ही उमे ऐसी एक प्रकार की बन-स्पति a species of vegetation which grows only if it is pruned. ( Galuchī ). पत्र॰ विवा॰ ३: भग॰ २३, १: —सेलग ।त्रे॰ (-शंबक) लेमां पर्वत छेदछने पडी ગયેલ છે એવા માર્ગ વગેરે. ऐसा मार्ग जिस में पर्वत छिद कर गिर गया हो. a road etc obstructed by a mountain which has broken and collapsed. नाया॰ १८; —सोय. त्रि॰ (स्रोतस्) જેના સસાર પ્રવાદ છેદાઇ ગયા છે તે जिस का ससार प्रवाह छेदा गया है वह. one whose worldly relations are cut off. जं० प० २, ३१;

\*िछ्न त्रि॰ ( \* ) २५२९ ६२ेखुं; २५४५ेखुं. स्पर्श किया हुआ; छुआ हुआ. Touched; in contact with, १५०नि०५३९; छित्तरा. स्त्री॰ ( १ ) छ। ५३; १४ते. छत A roof; a ceiling " छित्तरा जिसवाइ" भग॰ ८, ६;

छितार. त्रि॰ ( छेतृ ) छेट धरनार; नाश धर-नार नाश करने वाला One who cuts off or destroys. आया॰ १, ७, ३, २०६: प्रव॰ १३१;

छिद्द न॰ (छिद्र) जुओ। "छिद्ध " शण्टः देखो "छिद्ध " शब्दः Vide "छिद्ध " भग॰ ३, ३; नाया॰ २; ८; राय॰ २५४, पन्न॰ २; — पोहि त्रि॰ ( - मेचिन्) छिद्र जोनारः छिद्र को देखने वालाः (One) who looks to the weak points of others ठा॰५, १; — ग्रंत पुं॰ ( - ग्रंत ) छिद्रने। आंत-छेडे। छिद्र का ग्रन्त-किनारा end of a hole. "छिद्दते इसंते " भग॰ १, ६;

**छिन्न**ात्रि॰ ( छिन्न ) જુએ। '' छिगगा ''શण्ट देखो " छिग्ण " शब्द Vide 'छिग्ण' उत्त० २, ५; पि० नि० ५८४, दस० ४; मत्त॰ ३२; (२) नियमित रीते लुढुं पाडेलुं; विक्षाण धरेला नियमित रीति से विभक्ता divided; separated. पि॰ नि॰ २३१; ३८४, --कहंकह. त्रि ( -कथंकथ-छिना-द्वेचीकृ । कथकथा रागद्वेषिदर्यन श्रसौ ) हर કરી છે રાગવિલાસાદિક કથા જેણે. जिस ने राग विलासादिक कथा दूर करदी है वह. (one) who has banished talk involving passion, hatred 9, ७, ६, २२२, স্থায়া ০ --गंथ. त्रि॰ ( -प्रन्थ ) अंध-परि-ગ્રહની ગાઠ–આસક્તિ જેણે છેદી નાખી છે ते. ग्रंथ-परिग्रह की श्रासिक जिसने हटा

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुटने। ( \* ). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट ( \* ). Vide foot-note ( \* ) p. 15th.

Vol. 11/96

दी हो वह. (one) who has cut off the knot of attachment to worldly possessions. कप॰ ४, ११६; — पक्क. त्रि॰ (-पच्) ४५१थेस छे पांभे। लेनी ते. कटे पंख वाला. having the wings cut off. मत्त॰ १४१;

छिन्नछेयणाइयः ति॰(छिन्नछेदनियक) ले सूत्र हे गाथा २१तंत्र अर्था ६शां वे भीछ सूत्र हे गाथानी अपेक्षा न राणे ते छिन्न छेदनयवालु इहेवाय लेभ-धम्मेरमंगन्न मुझिद्दम् जो सूत्र या गाथा स्वतंत्र अर्थ वता सके, दूसरे सूत्र या गाथा की अपेक्षा न रखता हो. (An aphorism or a verse) which is complete in sense without dependence on any other aphorism or verse; e. g. "religion is the highest good" सम॰ २२;

छिन्नाल पुं॰ ( ﴿ ﴾ ) ६ स ही ज्यतने। असह हे हैं। होन जाति का वैल या घोडा An or or a horse of a low breed. उत्त॰ २७, ७;

छिप्प. न॰ ( चित्र ) ०१६ी; ७तावर्षे. जल्दी, शीव्रता से. Soon; quickly. विवा॰ १; नाया॰ १=; —त्र. न॰ (-त्र्यं) उतावश्च वागनार वार्जु. जोर से वजने वाला ।जा a musical instrument which gives out tunes in rapid succession. ''झिप्पतूरेगं वज्ञमायेगं'' विवा॰ १; नाया॰ १८;

छिप्पतरः त्रि॰ (छिप्रतर) ઉत्तावशुं. उतावला. Hasty; very quick. विवा॰ ३;

छिरा. स्नी० (शिरा) नाडी; नस. नाटी. An artery. जाना० १; स्य०२, २, १८; भग० १, ४; ६, ३३;

छिरिया. स्ना॰ ( जीरिका ) એક वनस्पती; ५-६ निशेष एक वनस्पति; कन्द विशेष. A kind of vegetable with bulbous 100t. जीवा॰ १;

☼ छिलिय. न॰ ( ०००) सीत्झारे। झरवे। ते.
सी २ की श्रावाज करना. Act of uttering a sibilant sound. पगह॰ १, ३;

जिन्दः नि॰ (सेनातं ) छेन्ट्र संघ्रपणः छ संघ्रपण्मानं छहुं संघ्रपण् छ सघ्यणम से छटा संघ्रयण. The last of the six kinds of Sanghayanas (i e. physical structures of bones etc.). क॰ गं॰ २, ४: ४, ४४;

\* छिता. स्री॰ ( ~ ) याभागी ताल्छी; यालभी चमडे का चातुक. A leathern whip. परह॰ १, ३; — पहार. पुं॰ (-प्रहार) यालभानी भार. चातुक की मार. a lash of a whip. नाया॰ २, १७;

३६ छिवाडियाः स्त्री॰ ( ~ ) लॅायसी गः,
भगध्वीः सुमफत्तीः A ground-nut.
पन्न॰ १७ः ( २ ) आऽनी छाल माड की
स्त्रालः bark of a tree दसा॰ ६, ४ः
छिवाडी स्त्रो॰ ( ॰ ) सी गः ध्णीः फर्लाः
A pod श्राया॰ २, १, १, २, दस॰ ४,
२, २०ः जीवा॰ ३, ४ः राय॰ ४४ः प्रव॰ ६७१ः
— पोत्थः न॰ ( - पुस्तक ) पुस्तकना पाय

क् अओ। पृष्ट नम्भर १४ नी पुरनीर (≈) देखो पृष्ट नम्बर १४ की फुटनोट (~) Vide foo-note (≈) p. 15th.

अशरभाने। ओई; के पुस्तईनी पहेलाध तथारे अने जांडाई ओ छो होय ते पुस्तई कि चौटाई आविक व मोटाई कम हो ऐसा पुस्तक one of the five varieties of the shapes of books; viz. a book which is very thin but of which the breadth is very great अब॰ ६७६, — मित्र जि॰ (-मात्र) सि ग-६शी अभाष्. फली के परिमाण का of the size of a pod अब॰ ६७६,

छीप्र न॰ (त्तुत ) श्री ४. র্ছাক. A গাণেত্র। প্রাবং ৭, ४, ४,

ह्योद्दिताः सं० कृ० त्रा० ( \* ) धी ४ भाधने, धी धीने ह्योंक्करः Having sneezed. जंगप० २, २५; जीवा० ३, ३;

र्छीय न॰ ( त्तुत ) धी ४९ तो; ७ ४ र्छीकना, रुक Sneezing; ॥ sneeze. विशे॰ १०९; नंदी॰ ३=,

छीया स्रो॰ ( सुता ) छी ५ भाषी. छांक स्राना; छोंक. Act of sneezing; a sneeze. ग्रोघ॰ नि॰ ६४२;

छीर. न॰ ( चीर ) थीऽ, दुधवाली ओक साधारण पनस्पति दूध जैसे रस वाती एक सामान्य वनस्मति. A common vegetation containing milky juice. भग॰ २२, १; पम॰ १:

छीरल. पुं॰ ( चीरल ) लुक्रपर सर्प विशेष. भुज पर सर्प विशेष. A particular kind of serpent. पगह॰ १, १;

छीरविरालिया. स्रं (श्रीरविदारिका ) ५-६ विशेष कन्द विशेष. A particular kind of bulbous root भग॰ ७, ३; पञ॰ १, जीवा॰ १;

ह्युच्छुकार पुं॰ ( छच्छकार ) क्षतराने छ छ – ओ प्रभाषे शण्द करना ते. कुत्ते से छू – छ इस माफिक शब्द करना Calling a dog by the sound chhu-chhu. श्राया॰ १, ६, ३, ४,

छुडियबर न॰ ( + ) आक्षरण विशेष श्राभरण विशेष A particular kind of ornament. जीवा॰ ३, ३;

ह्युन्न त्रि॰( ब्ह्युराग ) निषु सक्ष निष्कं; नामर्दे. Impotent. वि॰ नि॰ ४२५;

ह्युयायार त्रि॰ ( ज़ुताचार ) भाभी भरेश, आयार पार्ध दोप युक्त श्राचार वाला Faulty or defective in right conduct. वव॰ ६, २०,

ह्यर पुं॰ ( त्तुर ) अस्त्रा; सक्षार्थण। उसतरा. A razor. पचा॰ 10, ३२; — धर. न॰ ( - गृह ) वास हनी अस्त्रा वंशेरे २. भवानी हे.थबी. नाई की उसतरा वगैरह रखने की थेली. a barber's bag for keeping in razors etc मृ० प॰ १०; जं० प० ७, १५६; — मुंड. त्रि० (-म्राड ) અસ્ત્રાથી માધુ મુડાવનાર. उसतरे से सिर मुडाने वाला ( one ) who gets his head shaved by means of a razor. पंचा॰ १०, ३२, छुरय पुं॰ ( जुरक ) तिवध्नुं आउ है केना કુલ સુગધી અને તલના કૂલ જેવા થાય છે તથા કુલ મીડાં અને પિપલાંના જેવા થાય છે. तिलक का वृत्त, जिसके फूल सुगन्वयुक्त व तिलके फुल जैसे होते है व फत मीठे व पीपल के फल जैसे होते हैं. A variety

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ठ नभ्भर १५ ती प्रुटते। (\*). देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th.

of tiee with small fragrant flowers and sweet berry like fruits; the Tilaka tree. पत्र॰ १; ब्रुरिया स्री॰ ( ब्रास्का ) ७री. ब्रुरी. A small knife. उत्त. १६, ६३: छुहाः स्री॰ ( ज्ञुवा ) युंनेा; ४णीयुंनेा. चुनाः Lime: chunam, श्रोध॰ नि॰ ३२४: खुद्दा स्त्री॰ ( चुधा ) भूभ. भूख; च्रथा. Hunger." छहासमावियगानितथे" गच्छा० २: पि॰ नि॰ ६६३: नाया॰ १: १३. १८. पञ्च० २: राय० २५=: स० च० ३, १=३: धास्रश्ने रसे. ઇ निपल्यववानुं स्थान ज्ञुधा परिकर्म; ब्राह्मणुको रसेई बनाने का स्थान a place for a Brāhmana to cook food; a kitchen. इसा० १०. १: -परसिंह. पुं॰ (-परिपह ) भ्रूभने। परिपद्धः भूभसद्धन ३२वी ते च्या सहन करना bearing the affliction caused by hunger. भग॰ ८, इ; —वेयािएज न॰ (-वेदनीय) क्षधा वेहतीय કર્મ; જેના ઉદયથી ભૂખ લાગે છે તે કર્મ. वेदनीय कर्म: जिसके उदयसे च्या लगती है वह कर्म. the Kaima by the maturity of which one feels hungry. ਹਾ॰ ४, ४;

छुद्दिय वि ( जुधित ) भूण्युं; भूणेस जुधित; जुधादुर Hungry नाया १४; छुदु वि ( - ) नाणेथुं; दे देखें. फॅकाहुआ; डालाहुआ. Thrown; flung पि वि ६६, २४४; ५४२; उत्त २४, ४०; छेअ – य वि ( हेक ) अवसरते। जाशुक्षार

ध्य-यः ।त्र॰ ( छक्क ) अवसरता जाणुहारः दृशस, देशिशीयारः समय को पहिचानने वालाः;

कुराल; समय सूचक. Clever, (one) who knows what to do at a particular time, स्य॰ १, १४, १: श्रांव॰ ३०: ३१: जीवा॰ ३, ५: ऋाया॰ १, प, १, १४४; भग० ३, १; ७,६; नाया० १; १६; पग्ह० १, ३; विश० ११४४; कप्प० ४, ६२; दम० ४, ११; राय० १२६, २६४; (२) विन्छेह, अटशयत, विच्छेद; श्रद्धा-यत. intercuption; hindrance. वेय० २, ४; ४, ५; श्रोव० २०; उत्त० ३०, ३; ( ३ ) विनाश; नुध्शानी, विनाश, नुक-सानी: हरजा. destruction: loss. उत्त॰ ७, १६; ( ४ ) ખંડ; કકડે। खंड; दुकडा. a piece; a fragment राय॰ १३, - ऋायरियः पुं॰ (-श्राचार्य) निपुश अया शिल्पना आयार शिलाके निप्रण श्राचार्य. व proficient teacher of aits "छ्याय रियउवएममइकप्पणाविगप्पेहिं" भग॰ ७,६; -कर. त्रि॰ ( -कर ) नाश **ક**રનार, छेटी नाभनार. नाश करने वाला (one) who destroys; destructive. पंचा०३,१५; —पलिभाग. पुं॰ ( -प्रतिभाग ) लागने। लाग: विलाग, हिस्सेका हिस्सा, a subdivision. क॰ गं॰ ४, ८४:

छे स्रोवहावण. न॰ ( छेदोपस्थापन) स्ने नाभनुं भी लु सारित्रः, पूर्व पर्यापने छेटी महान्तानुं स्मारे पर्वपर्यायका छेदन करके महान्नताका ध्रारोपण करना. Name of the right-conduct in which an a-cetic is degraded from his position due to faults and again initiated with the five great vows. विशे॰१२६०;

<sup>\*</sup> अंगो। पृष्ट नभ्यर १५ नी पुरने।र (-) देखो पृष्ट नम्बंर १५ की पुरनोट(\*). Vide foot-note (%)p. 15th.

**छेन्रोव**हाविण्य त्रि॰ ( छेदोपस्थापनिक ) છેદાપસ્થાનીય નામે ખી**જું ચારિત્ર** छेदो पस्थापनीय नामक दूसरा चारित्र. Name of the right conduct in which an ascetic is degraded from to faults his position due and again initiated with the five great vows. श्रोव० भग० २४, ६ ७; वेय० ६, २०; पञ्च० १; -सजम. पुं॰ ( -संयम ) लुशे। ઉपक्षे। शण्ट. देखो ऊपरका शब्द. vide above. भग॰ २५, ६. —संजय त्रि॰ (-संयत ) छेट्टापस्थापनीय यारित्रवार्त. ब्रेदोपस्थापनीय चारित्रवाला. an ascetic possessed of the right-conduct as stated above वेय॰ ६. २०; छेज त्रि॰ ( छेष ) छे६वा साय ५; ( यारित्रनी छेह). छेदनके योग्य,चरित्रका छेद Worthy

क्केज्ञ. त्रि॰ ( क्रेच ) छेह्या क्षाय हु; (यारित्रनी। छेह). छेदनके योग्य,चरित्रका छेद Worthy of being cut off; degraded from right-conduct. विशेष १२४६;

छ्रेत्तः न॰ ( क्षेत्र ) स्थान; स्थतः स्थान, स्थलः A place; a region. श्रोतः

छेत्तार त्रिंग ( छेत् ) छेत्नार, आपनार छेदने-काटने वाला (One) who cuts off. श्राया॰ १, २, १, ६६; सूय॰ १, =,५;

छेद पुं॰ (छेर) भ ८; ५४ डे। विच्छेद; विनाश Destruction, ruin, भोव॰ २०; भग॰ ४, ४, बव॰ २, २!

छेदोवहावर्णाः न॰ (छेदोपस्थापन) लुओ। "छेग्रोवहावर्ण" शण्दः देखां "छेग्रोवहा-वर्ण" शब्दः Vide. "छेग्रोवहावर्ण"

उत्त॰ २=, ३२. ठा० ३, ४; ४, २;

छेदोवहाबि एय न॰ (छेदोवस्थाविनक) लुओ। " छेश्रोवहाबि एय" शण्ह देखी " छेत्रोव-हावि एय" शब्द. Vide " छेश्रे वहा-वि एयं भग्न ८, २.

छेय पुं० ( छेद ) નિશીય આદિ છેદસત્ર निशीय श्रादि छेदसत्र Nisitha and other Chheda Sütra sao vee: - गंध पुं० (-प्रन्थ) વ્યવહાર નિશીય વગેरे छेहसूत्र. व्यवहार निशीथ वगैरह छेद सूत्र. Chheda Sūtras such as Vyavahāra, Niśitha etc.प्रव.७६६, - स्य. न॰ (-श्रुत) छेह-प्रायश्चित्त विधि भतावनार સત્રે:-નિસીથ, દશાધ્રત સ્કધ. વેદકલ્પ અને ०थवदार सूत्र छेद-प्रायश्वित्त विधि बतान वाले सूत्र निर्माथ, दशाश्रुत स्कन्ध, वेदकल्प श्रौर व्यवहार सूत्र Sütras which deal with modes of expiation viz. Niśītha, Daśāśi uta Skaudha, Ve dakalpa and Vyavahāra. वन १ ; क्षेयगभाव पुं०(ब्रेदकभाव)छेदवापखं छिन्नत्व. The state of being cut विशे०२१३.

खडग वंगरहंस काटना. Act of cutting with a sword etc उत्तर् २३, समर् ११, ठा० ४,३; (२) अभेनी स्थितिनी धात अरवे। ते कर्म की स्थितिका घात करना. cutting off the existence of Karma. ठा०१,१; (३) केनाथी पस्तुना व्याश्त-छेन्- पार्टी शक्ष्य ते, शन्त्र. शल्ल. an instrument for cutting. कर प०१,६; क्रेयगार न० (छेदनक) थे अटका करना ते दो

छेयरा. न० (छेदन) भःश विशेरेथी अपनं ते.

दुकडे करना Cutting into two पन १२, (२) यामडाने छेहवानु शस्त्र. चमहे को छेदनेका शस्त्र. a tool or instrument to cut leather स्य २, २, ४८,

छ्रेयग्रय न० ( \* छेदनक ) लुओ "छेपग्रग" शल्ह. देखो " छेपग्रग ' शब्द. Vide ' छेपग्रग "सूप्र० २, २, ४=;

छेयपरिहार पुं॰ ( छेदपरिहार ) यित्रने। छेट श्रीर अने परिक्षार-तप. चारित्र का छेद श्रीर

श्रनधारी उत्पत्ति होती है ऐसा वाद करनेवाला. a person holding that the things of the world ( i. e. the world) are produced fortuitously by more accident. नंदी॰

जर्ण त्र (जैन) जिन तीर्थ ६२ ६र्शविक्ष; िरन सण्यी जिन तीर्यं करने चनाया हुआ। जिन मंबधी. Pertaining to, revealed by Jina i. e. Tirthankara. पंचा० ३, ४२; विशे० ३=३; १०३=, १०४१; जइराः त्रि॰ ( जिथन् ) जयवान्; छतः भैतवः નાર; જિતવાના સ્વભાવવાળું. जीन प्राप्त करनेवाला, जीतने के स्वभाव वाला. Victorious; conquering. श्रीव॰ ३०; राय० ३३; जं० प० ५,११४; उवा० २,१०२; (२) ध्र्धी ७तावणी शति. बहुत शांच्र गति. great velocity; great speed.

" लंघणपवणजङ्गपमङ्गसमस्ये " राय॰

जीवा० ३. १: जङ्गा त्रि॰ (जिवन् ) वेभवानः; वेभवाणुं, वेग-वान्; वेगवाला; तेज. Fast; speedy. '' लंघणवग्गणधावणधारेणतिवर्द् जहणाति-क्खिश्र गईरा " श्रोव० भग० ३, २; जीवा० 3, 9; --वायाम. पुं॰ ( -व्यायाम ) उता-विश इसरत तेज कसरत. fast or quick physical exercise. " लंघणपवणजइ-ग्यवायामसमस्ये " उत्त॰ टी॰ ६; —वेग. पुं॰ (-वेग) साथी वधारे वेग; गतिमान सर्व पहार्थी ७५२ जित भेक्षवनार वेग. नव में श्रविक गति: गतिमान: सर्व पदार्थे। को जीतने वाला वेग. highest speed; all-conquering speed. भग॰ ३, २;

जइ्णा. र्ह्मा॰ (यत्ना) એક બતની ગતિ एक प्रकार की गति. A kind of Gati or movement नाया॰ ४:

जइएी. स्त्री॰ ( जिवना ) वेशवासी (स्त्री) गाति ।

वार्ला (फ्री) (A. woman) with speedy guit or movement. খানু-जद्दताः स्री० (यनिता ) साधु पखं. साधुप्तः Monkhood, state of being an ascetic. भत्त॰ =७;

जहत्तार, पुं॰ ( जेतृ ) शत्रुना शैन्यने छतनार, शयु के मन्य को जीतने वाला. One that conquers hostile army. ठा० ४, २;

जङ्ता. गं॰ कृ॰ घ॰ ( याजीयम्बा ) पर्यं क्ष्रापीने: यहा क्ष्रापीने यज्ञ कराकर. Having caused a sacrifice to be performed. " जहता विडले जक्रे " उत्त॰ ٤, ३८;

जद्य. त्रि॰ (जियक) लय धरतार; लित-नार, जय करने वाला; जीतने Conquering; victorious. १, =: (२) ०८५ ०८५ शफ्ट. जय जय शब्द. the voice of victory. नाग॰ =:

जर्य पुं॰ (यटट्र) यालकः यम क्रानारः यज्ञ कर्ताः यज्ञ करनेवाला. A sacrificer; one who performs a sacrifice. उत्त० २४, ३६;

जाना प्र॰ (यदिवा) अथवा या Or; or else. उत्त॰ १, १७, २५, २४,

जहाबि. श्र॰ (यद्यपि ) क्षेत्रे के पश्. जोकिः जोमी. Although; even though. सु॰ च॰ १, १२४; स्य॰ १, २, १, ६; नाया० =. विशेष ५०१; गच्छा १६६;

जउ. न॰ ( जतुर् ) લાખ; লগখ়ী. ताख, जोगना. A resinous substance called lac used in dyeing etc. पि॰ नि॰ ३४०; क॰ गं॰ १, ३४; —गोल. पुं॰ ( -गोब ) क्षाभिनी गिली लाख का गोला. a ball of lac. ठा० ४, ४;

जउसा स्नी॰ (यमुना) यमुना; जभना नही.

यमुना, जमुना नदी. The river
Yamunā. विवा॰ =, ठा॰ १, २; १, २;
जउसावंक न॰ (यमुनावक) अभुना नहीते
कांद्रे को नाभनु कोड नगर यमुना नदी के
तट का इस नामका एक नगर. Name of
a city on the banks of the
livel Yamunā संत्था॰

जउट्वेय पु॰ (यजुर्वेद) थार वेहभाने। ओक्ष वेह. चार वेदों में से एक. One of the four Vedas so named सग० ह, ३३; विवा॰ १, ४; कप्प० १, ६,

जश्रो म॰ (यत ) केथी; केथी डरी; केभाथी जिससे, जिसमे से From which, since; because. उत्त॰ १, ७; ख्राया॰ १, ४, १, १४१, भग॰ २, १, १५, १, विशे॰ ३, विवा॰ १; नाया॰ २, १३, दस॰ ७, ११, क॰ गं॰ ३, १३;

जन्नो न्न ( गन्न ) क्यां जहा. Where, 10 which. सम् ३४;

जं. श्र० ( यत् ) केथी क्रीने, के क्षारण भारे. जिस कारण से; जिस वास्ते. So that; reason for which; that for which. नाया० ५; १२, १४; १७; भग० ३, १; १८, ६, क० गं० १, ८; १, ३५; २, ८, जं० प० ५, ११२;

जाकि।चि. अ॰ (यार्किचित्) ॰ ।।। जो कुछ Any extent to which, any-thing which नाया॰ ६;

जगम. त्रि॰ (जङ्गम) हासतु नासतुं क्रंगम भिक्षत चलती फिरती जंगम मालियत. Movemble; movemble property. परह॰ १, १; उत॰ ६, ६; (२) पु॰ हासता यासता छन; त्रसछ्य चलते फिरते जीव; त्रम जीव ज॰ प॰ — विस पुं॰ ( -विष ) सप आहिनु जेर सर्प वगैरह का विष Vol 11/97 venom of a serpent etc. ठा॰ ६; जंगल पुं॰ (जज्जल) એ નામના એક આર્ય દેશ इम नामका एक श्रार्य देश. Name of an Arya country. पन्न॰ १.

जंगिश्र-य. न॰ ( जाङ्गमिक ) है। शेटा पगेरे त्रस छवता अवयवधी उत्पन्न थयेस वन्त्र; उत्त रेशभी विगेरे कोरोटा इत्यादि त्रम जीव के श्रवयव से उत्पन्न ऊन रेशम Silk, wool etc. produced from the lumbs of moving sentient beings such as silkwoins etc "जंगमजायजंगियतंषुणीवगींतदियचपंचेदि" ठा॰ ३, ३; ४, ३; वेय॰ २, २२; श्राया॰ २, ५, १, १४१;

जंगोल न॰ ( जाङ्गुल ) अर उतारवाना उपाय पतावनारू शास्त्र; आयुर्वे हिना ओड साग विष उतारने का इलाज विताने वाला शास्त्र; श्रायुर्वेद का एक भाग. That part of medical science which deals with the cure of evil effects caused by the poison of serpents etc. विवा॰ १, ७;

जंगोली स्त्री॰ (जाङ्गुली) अरे उतारवाना उपाय दशा वनार शास्त्र गारूडी विद्या विष उतारने का इलाज दिखानेवाला शास्त्र, मंत्र विद्या. Science dealing with antidotes to snake bites etc ठा॰ ६,३. जंघा स्त्री॰ (जद्वा) व्यथ् साथल जंघ जद्या A thigh जं० प० जीवा॰ ३. ३; श्रोघ॰ नि॰ मा॰ ४; ३१६; श्रग्रुत्त॰ ३, १; श्रोघ॰ नि॰ मा॰ ४; ३१६; श्रग्रुत्त॰ ३, १; श्रोघ॰ नि॰ भा॰ ४; ३१६; श्रग्रुत्त॰ ३, १; श्रोव॰ १०; उवा॰ १, ६४, प्रव॰ १६, ६४ ५; श्रोव॰ १०; उवा॰ १, ६४, प्रव॰ १६, ६४ ५; साथलना उपरना लागनुं द्या कुं जाघ के जवर के दिस्से की हुई। the bone of the part above the thigh तदु॰

--चर, त्रि॰ ( -चर ) कांपथी-पगथी, यासनारः पाती. जांघा गे-परसं नलनेवालाः प्यादा. pedostrian. ऋणुजो॰ १२८ः

जंघाचारस पं॰( जहाचारस ) तप विशेषधी ત્રાપ્ત થયેલી શક્તિવાળા ચારણમૃતિ કે જેના ભાવથી જાલતે શહેવડી આકાશમાં અધર ९८५ शहे तप विशेष की एक लॉब म्यापित-नाला नारण स्ति कि जी अपनी निया के प्रभावमे चंघा की भवनवाहर चीट उत्पर याधारा में अधर जा सकता है A class of ascetics who through the force of their spiritual power can move in the sky simply by patting the thighs. ATA se, ६: प्रव॰ ६०७; —चार्गालाई मां॰ ( -चारगालाच्य ) ज धायाराग् विद्यानी अपि जघा-चारमा विद्या की प्राप्ति, तट quirement of the knowledge which enables one to move in the sky simply by patting the thighs भग० २०. ६;

जंधाचारणा ह्रां॰ (जंधाचारणा) शे नाभनी विधा है केना प्रशावधी आधाशभां अये छी शक्षाय के इस नामकी विधा कि जिसके प्रभाव से प्राक्षाण में उदा जा सकता है A science of that name enabling a person to soar in the sky. भग॰ २०, ६; —परिजिय. पुं॰ ( -जङ्घापरिजित ) शे नाभनी साधु है केशे वशीकरश्नी प्रयोग कर से मूल दोप लगाया था name of an ascetic who had incurred a blemish by making use of fascination. पि॰ नि॰ ५०%, —चल. न॰ ( -बल ) कांधन

ल्य. जांप का मल hardiness, strength of the thighs जांवा॰ ६; — रोम. पुं॰ (-रोम) क्यंथ्यी ३वाटी. जांप पर के नरम नरम यान. soft hair growing on the thighs. निमी॰ ६, ४८; — मेनारिम. जि॰ (मतार्य) का ध्यी वरी कहार नेट्युं (पाण्डी). ज्या में तंम जामके इतना पानी (water) reaching the thighs. " संनम में जंबा संतारिम उद्देग निया" श्राया॰ २,३,२,१२४; जोचव अ॰ (यर्चव) क्या. जहां. Where, at which place. श्रंत॰ ३, ६; ६;

जंत. न - ( यन्य ) वशीहरुणाहि अये।गमां वप-राते। यंत्र, वशाहरणादि प्रयोग मे श्रात वाला यंत्र A diagram of some mystical nature used in winning over a certain person, पराह • १,३; (३) नियभनः नियंत्रण नियमनः नियंत्रणः control.राय॰(३) એક अधारत रथत ઉपहरेख एक प्रकारका स्थान उपकरण one of the parts of a chariot नाया॰ १: ર્ત્તં ૧૫૦ ૪, ૧૧૪; ( ૪ ) ઘાણી, ાર્ધિચાડા, शिक्ष्य परिते, घाणा, पालने के साधन विशेष. oil mill; juice extractors etc. पग्ह॰१,२; -पत्थर पुं॰ (-प्रस्तर) पाधा हैं हवानं यंत्र, शाहुख आहि. पत्थर फेकने का गंत्र: गिलोल श्रादिः a weapon ( e g. a sling ) to discharge or shoot stones पग्ह • १, २; - पीलगुक्तमम न० (-पाउनकर्म ) धाली नियोध वर्गरे કેરવવાના ધ્રુધા કરવા તે; શ્રાવકના પંદર કર્માદાનમાંનું વારમ કર્માદાન; સાતમા વતના એક अतियार, तेल निकालने की चकी चलाने का उद्योग करना वह; जैनियों के १% कर्मादानों में से १२ वा कर्मादान, सातवे व्रत का एक श्रतिचार. occupation of

turning an oil-mill etc.; the 12th of the 15 Karmadanas ( sources of incurring Karma ) of a Jaina layman; a partial violation of the 7th vow. भग॰ ८, ४:-लिटिड स्त्रीं० (-यष्टि) यंत्रना ઉપયોગમાં આવતું લાકડુ; ચીચાડાનું લાકડું. यत्र के उपयोग में प्याता हुत्रा लक्ट. wood used in constructing a mill e g. that for pressing out juice from sugar-cane. दम. ७, २८; -वाडयः पुं ( -पाटक ) शेर्डी पीक्षवानु २४५; शेरडीने। पांड गन्ने का रस निकालने का स्पत्त a place where juice is pressed out of sugar-cane. जीवा-रे, १; —वाडयचुद्धीः स्री॰ (-पाटक-चुही ) શેરડીના રસ પકાવવાની ચૂત. गन्ने का रस पकाने की भरी, an where the juice of sugar cane is heated. जावा॰ ३,१; —वाह्या. न॰ (-वाहन) यंत्र यक्षायवुं ते. यंत्र चलाना. working a mill e. g. an oil-. mill etc. प्रवच २६ म:

जंतिय. ति ( यंत्रित ) नियंत्रित, नियभित; धणे ६रेल नियंत्रित; नियमित; वश क्या हुश्रा. Kept under restraint. उत्त १२, १२;

जंतु. पुं॰ (जन्तु ) प्राष्ट्री; छव. प्राण्छी; जीव.

A living being. उत्त॰ ३, १: मग॰
६, ७; २॰, २; (२) छवारितमाय नामनु
ज्ञानादि गुज्याधुं द्रन्यः द्रन्यने। अपः
प्रश्चार. जीवारितकाय नामक ज्ञानादि गुण्वाला द्रव्यः द्रव्य का एक प्रकार. स
variety of substance possessed
of the attributes of knowledge
etc and named Jīvāstikāya.

इत्त० २६, ७; जंतुग. पुं॰ (जन्तुक) એક ज्वतनुं धास है केथी इस शुंधाय छे. एक प्रकार का घांस कि जिस से फल गुंथा जाता है. A kind of grass used in knitting to gether flowers. सय॰ २, २, ७; पग्ह० २, ३; जंत्यः न॰ ( जन्तुक ) व्यंतुः नामना धासनु पाथरणुं, जन्तुक नाम के घांस का विद्याना Bed made of the grass called Jantuka श्राया० २, २, ३; १००;  $\sqrt{\dot{\mathfrak{s}}}$ प. या॰  $\mathrm{I.}$  (जला) भेशसतुं: કહેતું. बोलना, कहना. To speak; to say. जंपह. सु॰ च० १, १०३; जगए सु० च० १, ३७६; जंपंति. विशे० ५६४: जप्नानेत स्य० १, १, १, १०; जंपिस्तामि. सु० च० १, २२७, जंपिता. मं॰ कृ० दमा० ६, १३: जंत. व॰ कृ॰ सूय० १, १, २, ४; श्रोव॰ नि॰ =०१; श्राउ० ३२; पग्ह० २, ३; सु॰ च०१, ३१३; २, ४७६; पचा॰ १५, ४७: जंपमाण, व० क्व० नाया० ६; पगट्ट० १, १, विशे० २,४२०; जं० प० ३, ४२ जंपग. त्रि॰ (जल्पक) भे। अनार बोलने वाला (One) who speaks. 40go 1, 3; जंपारा न॰(जम्पान) थे ३ अ ३ १२ न वाहन, पात भी विशेष एक प्रकार का वाहन, पालकी विशेष. A kind of vehicle; a particular kind of palanquin. यु॰ च॰ १०. ११३: ठा० ४, ३, जंपिय. त्रि॰ (जन्पित ) श्रे क्षेत्र, धंदेत बोला हुआ. कहा हुधा. Uttered: spoken. उत्तर ३२, १४; मगर ११, ११:

जीपर. शि॰ (जिस्पन्) भे।सनार. योनने

٠, ٥,٠,٠

तियस्य पुंच ( कायाय ) भागः १८०० est: Mud, mice ve 1, 1, जब एक (जान) का भूत, जामून A find of a troop alimbal dumbar are r. ३३,२२,२, नावाच ४, (४) मांजुरान् जन THE BE ALL IN LIEUT OF TEACH ! THE SHEAR, IN THE SAME THE Fina Junha Syame are seen fal or bright, butter this could nout known we Jimbo Dager.

जेंबुच ४० (जन्द्र) मिल ५ मिला, A े जेंगू उंट (जन्द्र स्थाने अस्ति अस्ति कि Include sign to all ex. (1) अपने ६५, जामन का फन के विवास की the Jimba tree ge 7- 33, 3-; ; जेंबुदीय न० ( तम्बुराव ) व्यामा भंगदीय" २००१ देखी ' लेब्सीय ' शहर Vido े जबुरीय भे संभयभग, १९२, १,३१६ १२४, ४, १६४, मूच यम १: सायव २०: सुम यम २, ८: नाया • १. १३: भग - ४, १. ४: ६. 1: 9c, 2, 20, er tie 40 v, 392, 3, ३, उता० २, ११३; १९४० १, २, २, १४, प्रा॰ १८१२: --पदानि थी॰ ( प्रशीत ) के। नामन पायम दियाय सर इस माम का पानपा उपांग मूझ the fifth Upling i Sutin so named was c. t. नदीं 🚓 सं व क क, १४०, —प्रमास्य ानि ( -प्रमासक ) के शुद्रीप प्रमास्त्र पार्थ, जन्युद्धांप के प्रमादा वाला of the measure of Jambüdvipa. क॰ गं-8. 04:

जंयुफलकालिया खं (जम्यूफलकालिका) शिक्ष व्यवनी हाक, एक प्रकार की महिसा A kind of liquor, পদ ১৩;

नाहा. (1)no) who specific मन्दर जियानी, धीर (जापूर्व) स्टूटर अवन भेनामा अभेता ५३ मध्यात् तुम् या भार मृत्र के पार्चर बंगे के सार या या व William Name of the file they ter of the little Vange bearing) of Antends Settle - see & to इंत्यायदेखण्या धार (अस्पदर्शना) र न ६० न जर के केन के अधिकार दीवन जन भारतीय पाप इस राम बर एवं उस कि क्षा वा में पूर्व है व का राम प्रदर्शन म्बर्धि में चारण है हैं है। हा है ते ते हैं। ह utrer miliete dumbreitige, re ar and Fire t. e.

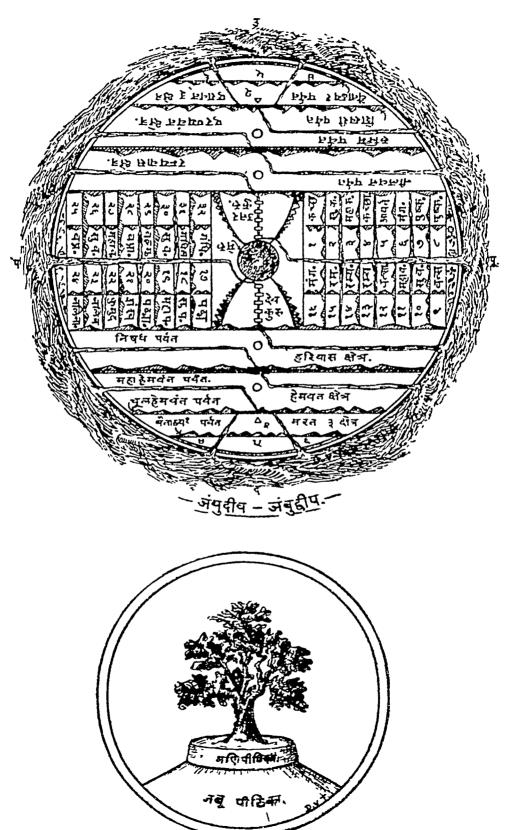
> कुल अपभी ज्यु रहमा, सुनारे रहा है। derer The disciple of Sedier ma Selmi; Jemba Selma नाय:- १: --च्यापाय पुर ( कानवार ) रत्य अत्यो वाच्य स्वयं, तैनापि Swim विशः ५. —शल वः ( ४७) न्तरकात्री इत सम्बद्धाः का के विश्वी of the Joulan tree nas wire वसक १२. जंबार १. --मस्य पुर ( - गूच ) भा लातु अ ३. जामून का साय. Jambu tron, 26- 4- 4, 300. ---चापु, सन (-धम) अधुर्व पत जामना m na. a forcet of Jambu trees. एक १६७,५७३, -- घरामाह पुं (-यम-मंद्र ) का शुर्व नद नु पत जासुनी का छीटा gr a small forest of Jambu trees we de a jon;

जंबूण्यः न• (जाम्यनद्) थे.वुं: स रक्<sup>र</sup> सुलाः ग्रुग्णं, मानन Gold अं॰ प॰

जंबून्य . वृं • (जाम्बूनव) न्तुन्ति अपने। २००६. देनी जगर का शब्द Vide above. रायक ६१; जीवा॰ ३, ४: जं॰ प॰ उवा॰७, २०६;

-		

## मचित्र अर्ध मागर्धा के।प



जंबृ्ण्यास्य. त्रि॰ (जाम्बृनदमय) सुत्रः भय सुवर्ण मय. Full of gold; golden भग० ६, ३३;

जंबृहीप पुं (जम्बृहीप ) ये नाभने। असं-भ्यात द्वीप समुद्रमानी प्रथम द्वीप. इस नाम का असंख्यात द्वीप का प्रथम द्वीप. Name of the first Dvipa of innumerable Dvīpas in ocean. ' कही एमंते जंबू होव द्वीवे महालए ए मंते " सम० १, नाया० १; =; १६, १६; नदी० १२; पन्न० १४, श्रोव० ४३, श्रग्राजी० १०३: १४५, भग० २, ५, १०,३,१,७; ठा० १; १; निर॰ ३, १, — श्रहिवड. पुं॰ (-- श्रधि गति ) ज्यु द्वीपने। अधि-पति अनादत नाभने। देवता. जम्बूद्वीप का श्रिपित अनादत नाम का देवता. a god named Anadrita, the lord of Jambūdvīpa ज. प. -पाणाति. র্জা০(-সল্লম্নি) ক্রম। ক শুর্বী দুর্ন সহুণ্ডা ১র্ধু છે તે,જ સુદ્રીપ પત્રતિ નામે એક કાલિક સૂત્ર कालिक सूत्र कि जिस में जम्बूद्वीप का वर्णन किया है. name of a Kālıka Sūtia describing Jambudvipa नाया॰ पः टा०४,१, --- प्यमागाः त्रि॰ (-प्रमाण) જ खुद्दीप प्रभाषे; क खुद्दीप केवडुं जम्बूद्वीप के पारेमाण का. of the size of Jambūdvīpa. भग ३, ७;

जंबूदीचग नि० (जम्बृद्धीपक ) ० शुर्दीपमां ६ १४ थनार भनुष्य जम्बूद्धीय में उत्पन्न होने वाला मनुष्य A person born in Jambūdvīpa. ठा०४, २,

जंबूपस्रवयिक्षितिः न० (जम्बूपस्रवप्रविभाक्षि)
णत्रीस प्रधारना नाटकभातु २० मु केभा
ला भुना पाइडाने। विलाग दर्शावनामा व्यावे
छेते ३२ प्रकार की नाटक की विधि मे
से २० वी विधि कि जिस में जामुन की

पतियों का विभाग प्रदर्शित किया जाता है The 20th of the 32 varieties of dramatic representations characterised by a scene of the leaves of Jambu tree. राय० ६४.

जंबूफलकालिया स्त्री॰ ( जम्बूफलकालिका ) न्त भुडाना के री क्षांत्र २ गनी भिहरा. जावुन की सा काले रंग की मिदरा Liquor as black as Jāmbu fruit जीवा॰ ३:

जंबूय पुं॰ ( जम्बूक ) शृगाक्ष; शिक्षाल मियार A jackal पग्ह॰ १, ३;

जबुलय पु॰ (जबूलक) थ थु; यायवासु पाणीनु क्षाम सुराई; सकडे मुंह का पाना का पात्र A pot of water with a narrow neck उना॰ ७, १८४;

जंबूर्न इही (जम्ब्नती) कृष्ण पासुहेनिती छड़ी पटराणी के जिन्हों नेमनाथ प्रसु पासे हीला लड़ में कि पटरानी कि जिन्हों नेमनाथ प्रमु से दीचा ले कर मांच प्राप्त किया. The sixth crowned queen of Krisna Vāsudeva who got religious initiation (Dīksā) from Lord Nemanātha and attained to final bliss ठा० =, १, श्रंत० ४, ७

जंबुसुदंसणाः स्री॰ (जम्बुसुदर्शना) सुरर्शन नाभे जांभुत अह जेना उपरथी जधुदीप नाभ प्रसिद्ध थयेश छे सुदर्शन नाम का एक जामुनका वृत्त जिस परमे जम्बू द्वीप का नाम प्रमिद्ध हुआ है. The Jambu tree named Sudarsana from which the name Jambudvīpa is derived ज॰ प॰

√ जंभ घा॰ I. ( जुम्म ) भगासु भावुं विचासी खाना To yawn, to gape.

जंभादत्ता सं० कृ० जं० प० २, २५; जंभायन्त य० कृ० भग० ११, ११;

जंभग पुं० (जूम्भक) त्रिन्छातीह्यासी देवन तानी ओह अत. त्रिच्छा लोक वासी देवता की एक जाति. A class of deities residing in the region known as Trichchhā. " श्रात्थं एं भंते जभया देवा" भग० १४, =; नाया० ८; सु० च० २, ३०=, पगह० २, २;

जंभणी स्त्री॰ (जूम्भणी) એ नामनी એક विधा. इस नाम की एक विद्या. A science of that name. स्य॰ २, २, २७;

जंभय. पुं॰ (जुम्भक) প্রশী " जंभग " शण्ड देखो " जंभग " शब्द. Vide " जंभग " नाया॰ =; भग॰ १४, =; —देव. पुं॰ ( –देव ) প্রশী। " जंभग " शण्ड देखो " जभग " शब्द. vide " जभग " नाया॰ ३; =;

जंभाइयः न० (ज्ञामीत ) णगासं भावं. वघासी खाना. A yawning; a gaping न्नाव० १. ४; ४, ४;

जंभायमार्गाः त्रि॰ (जृम्भमार्गा) अश्री ७५दी। १५८. देखी ऊपरका शब्द. Vide above. नाया॰ १:

जंभिय. पुं॰ (जृंभिक) એ नामनुं गाम. इस नाम का एक गांव. Name of a village कप्प॰ ४, ११६;

जंभिय गाम. पुं॰ (जृाम्भिकप्राम) णंगालामां आवेल ओह गाम हे लेनी पासे महावीर स्वामीने हेवलज्ञान प्राप्त हुआ था Name of a village in Bengal in the vicinity of which Mahāvīra Svāmī attained to omniscience नाया॰ दे; आवा॰ २, १५, १५६; कप्प॰ ५, ११६;

जंभद्द्यः न॰(यदतीत) स्थाग्डांग स्त्रना१५भा अध्यत्तुं नाभ. मृयगटांग सूत्र के १४ वें अध्ययन का नाम. Name of the 15th chapter of Süyagadānga Sütia. सय॰ १, १४; २४; अणुजो॰ १३५;

जक्त पुं॰ (यस् ) कक्ष; व्यंतर देवनी ओं इ लात जन्न; यन्न; व्यन्तर देव की एक जाति. A kind of demi-gods known as Yaksas; a class of Vyantara gods. सम॰ ३०; उत्त॰ ३, १४, १२, ८; ३६, २०७; भ्राणों० २०; १०३, श्रोव० २४; आया॰ २, १, २, १२; नाया॰ १; २; म; ६; ठा० ४, १; श्रोघ० नि० ४६७, सु० च० १, ३४७, ४, ३९.; विवा॰ १, २, ४; दसा॰ ६, २४; जीवां॰ ३, ३; पश्र॰ १; प्रवर्ष, २६३; भत्तर ७८; भगर २, ४; ४२, १; दस० ६, २, १०; (२) એ नामने। એક દ્વીપ અને એક સમુદ્ર, इस नाम का एक द्वीप व एक समुद्र. name of an island and also that of an ocean सू॰ प॰ २०; पत्र॰ १४; जीवा॰ ३, ४; — ब्राइट्ट. त्रि॰ (-माविष्ट ) यक्षना आविशवादी। यत्त का आवेश जिसमें है वहpossessed by a Yaksa बन २, १०; १०, १८; ठा० ४, १; —श्राएसः पुं ( - मावेश ) यस्ती। आवेश यस का आवेश. state of being possessed or influenced by Yaksa. भग १४; २: १८, ७: — श्रादित्तय-श्र. न॰ (-म्रा-दीसक) એક દિશામાં થાડે થાડે આંતરે વીજલીના જેવા ભડકા દેખાય તે; ભૂત પિશાચ वगेरेना याया. एकही दिशा में योडे योडे अंतर मे विजली की सी चमक का दिखाई देना, भूत पिशाच इत्यादि का चमत्कार flashes of light seen at interval in the dark regarded as

the gambols of ghosts etc; Jack with a lantern. अण्डां॰ १२७, — स्रावेश पुं॰ ( - भ्रावेश ) यक्षते। आवेश-प्रवेश यत्त का आवेश-प्रवेश state of being possessed or haunted by a Yakşu, भग॰ 3=. ৩, —স্মাযतन, ন০ ( -স্মাযतन ) প্রথী। ઉपने शण्ह देखो कार का शब्द. vide above. निर॰ ५, १, — ग्राययण. न॰ (-म्रायतन ) यक्षत् आयतत-स्थात-हिंड यच मंदिर, यच स्थान. a temple consecrated to a Yaksa. স্থান 1, 1; ६, ३, नाया॰ ५. ६; — ऋालिस. न० ( - શાદ્દીસ ) એક દિશામાં થાડે થાડે આતરે निक्सी केवा अक्षाश हेपाय ते. एकही दिशा में कुछ २ अतर से विद्युत जैसे प्रकाश का दिखाई दंना. a flash of light seen at intervals in the dark; jack with a lantern. प्रव० १४६६, — आ-लित्तग्र-य न० (-मादीसक) लुओ। ७ पत्नी शण्ट देखो जपर का शब्द vide above. ठा० १०, १; जीवा० ३, भग० ३, ७, —इंद पुं॰ (-इन्द्र) यक्षते। धन्द्र यहाँ का इंद्र. the Indra of the Yaksas, भग० १०, ५, (२) अरनाथ-छना यक्षनुं नाम. श्ररनाथजी के यस्त का नाम. name of the Yaksa of Atanāthajī प्रव ३७६, — आवेस पुं॰ (~म्रावेश ) यक्षते। व्यावेश, वसगाः यत्त का आवेश-शरीर प्रवेश. state of being possessed by or under the influence of a Yaksa २, १, भग०१४, २, —(क्खु) उत्तमः पु॰ (-उत्तम ) યક્ષના ૧૩ પ્રકારમાંના છેલાે प्रकार यत्त के १३ प्रकारों में से प्रान्तिम प्रकार. the last of the thirteen

varieties of Yaksas. पन्न >, —गाह. पुं॰ ( -प्रह ) यक्षते। आवेशः ०४क्षेत्री वसगाऽ यत्त का आयेश, यत्त का शरीर प्रवेश. state of being possessed by a Yaksa. नग॰ ३, ७. जं०प०३,४४, जीवा०३, ३; -देउल न० (-रेचल) यक्षन भ हिर. यत्त का मादिर a temple consecrated to a Yaksa. नाया॰ २; -पडिमा स्रो॰ (-प्रतिमा) यक्ष देवतानी अनिमा यस देवता की प्रतिमा an idol of a Yaksa ( a kind of demi-god) राय॰ १६६, --पाय पुं॰ (-पाद) यक्षना पग यत्तके चरण a foot of a Yakşa.नाया ०९, - मंडलपविभक्ति. स्री॰ (-मंडलप्रविभक्ति), ३२ ना८ अभातु २० भू नाटक इर नाटकोमेंसे १० वा नाटक. the 10th of the 32 varieties of dramatic representation. राय॰ ६२, --मह. पुं॰ ( -मह ) यक्षने। भहे।त्सप यस का महोत्सव. a fostival in honour of a Yaksa. भग॰ ३३. राय० २९७. निसी० १६. १२: ज्ञक्षकदम पुं॰ (यत्तकर्दम ) ये नामना णे वाधीया इस नाम के दो वैश्य. Two Banıyas named Yakşa and Kardama (२) એ नामनी એક દ્રીપ અને अभे अस्प्र. इस नाम का एक द्वीप श्रीर एक समह, name of an island and also that of an ocean. चं॰ प॰ २०;

जक्खिद्या. स्रो॰ (यचदत्ता ) णापीसभा तीर्थं इरती भुण्य साध्यीन नाम वादीमने त्रोर्थं इर की प्रधान साध्यी का नाम Name of the principal nun of the 22nd Tirthankara प्रव॰ ३०६; जक्समह पु॰ (यचभद्र) यक्ष द्वीपनी

जनसम् पु॰ (यत्तभद्र) यक्ष ६।पना अधिपति देवता यत्तद्वीप का अविपती Run The presiding deity of Yaken Dupa (i.e. island of the Yakena), 40 40 20;

जनगमहाभए पु॰ (महमहाभद्ग ) कर द्वी की व्यक्तिया देक्क मन्द्रीत का कार्य एस देखा. The providing doing of Yaksa Depa (i.e. island of the Yak as ) पुरुष ३०:

जमावर, पुरु (यहनर) वस नामी भाषा का भाषी देवता एक माहर कर अवसान देवता The providing delay of Yakes Sounder (i. e. the common of the Yakes) प्रभावन का अपनी नामनी देश पर्वजी, बदार नामनी एक अस्ति हो। स्थान का महिल्ला Name of a Brahmana woman, नामार १६

जक्ता कः (यहा) श्वातः वित म्यूनम् कः नविते. The molecule of Sthulabhadra no named, करान्तः जिल्लाकार्यः व्याप्तः (याचित्रो) २२ भ तीर्वेश्यती भूष्य स्थी, याचैतारे नीर्वेश्य के मुक्त सार्थः, तिक principal nun of the 22nd Tothahkara, क्यान ६, ५७२, समन १० २३४:

जक्रमोद् पुं॰ ( यद्योर् ) गरेतर नामनी सभव यजेर नामरा ममुद्र Nome of an ocoun. मु॰ प॰ १९:

जग पुं• ( = ) प्राणी प्राणी. A living boing, गुग• ५, १३, ३३;

जग. पुं॰ ( जगत) १८भन: दुनिया; देशिः; संभार, जगत, दुनिया, हो। हः ममार. The world, worldly oxistence मृत्र॰

1, 1, 1, 4, 1, 10, 4 TT . 16 (); प्रात्म में, वेश प्राप्त है, विशे हैंच पुच के 53: - Allmir, je ( knaik-jual मेर्क्ष्यंपारस्वाको विशेषाग्रसम्बद्धारस भारतिकारातिक अभाग्यक्ताका भारतिका स्रोतिकविदेशकार्यात् ज्ञाकुरुव्य 🧦 સત્તરને જોરો ધર્મ ખેતા સાધી ઉચ additional on the experience for wit a no. Wille, mit भारत कर भूषि कृति होता होता व भागत छाता। द्वा भर र रह भर का मान्य के बामा w Gran Sir Junioner reflect lawrence to gerres delight to wee'lly beings in this world and the next by inthiona instruction which which that the the world of spicitust evalution, in hi उनम (१० ( उनम ) क्यान जनम her vas a rna, des bose in the world say ver: - mr. पं- (-गर) क्यातनः शुः-तीर्धन्तः जनगर - नीर्धकर क worldtoucher, a liethnikaia, nr. ४६७: ंरी• १. —तीवजागीविदालयः पुंच ( -जीववानांवसायक ) जनवाकी स भाग स्पर्राने जिल्ला के वेदान नी जनहाँ यांनी के मधे साम्य का जानो बानाः केता MAL an ornaiscient knowing the real nature or exerces of the beings on the oath, after —जीवण पं॰ (-जीवन = जगन्ति जह मानि शाहिनश्वेन जीवपताति जमकीवनः )

द लुओ। पृष्ट नभ्यर १% नी पुरनीए (\*) देखी वृष्ट नम्बर १% की पुरनीए (\*) Vide foot-note (\*) p. 15th

છકાય છવના રક્ષક, જિનેશ્વર ભગવાન, छ काय जीवों का रत्तक: जिनेश्वर भगवान & protector of the 6 kinds of living beings; lord Jinesvara मम॰ ३०, —हमासि पुं • ( - धर्थमापिन् — जगत्यर्था जगदर्था ये यथा व्यवस्थिताः पदार्थाः, तानाभाषितुं शीलमस्येति जगदर्थ-માળા ) લાક પ્રસિદ્ધ અર્થ-વાત કહેનાર જેમકે શદ્રને આભિર, દેટને ચાંડાલ, આંધલા-ને આધલાે, પ<u>ગ</u>ને પાગલાે વગેરે કહેનાર, નિષ્કુર વચન બાલનાર; સત્ય પણ અપ્રિય शेलनार लोक-प्रसिद्ध श्रर्थ-बात कहने वाला, जैसे कि चुद्र को चुद्र, भंगी को चाडाल, श्रंधे को श्रया, लूने का लूला इत्यादि कहने वाला, निष्ठुर बचन बोलने वाला, सत्य पर्तु श्रिप्रय बोलने वाला one who speaks harsh and unpleasant truths plainly and without using euphemisms; e g calls a blind man a blind man, an untouchable a Chandala etc. " जे केहरण होइ जगटुभासी '' सृय० १, १३, ४, — णाह. पुं॰ ( -नाथ ) જગતના નાય; ि नेश्वर अगवान. जगत का स्वामी, जिने-श्रर भगवान. lord of the world: lord Jineśvara. नंदी॰ १; — शिस्सिय त्रि॰ (-निश्चित ) क्षेत्रभां रहेक, जगतने शाश्री रहेश. संसार में रहा हुआ; जगत के भाश्रित रहा हुआ। residing in the world; having an abode in the world '' जगिरेगास्सिप्हिं भूप्हिं '' उत्त॰ <sup>६, १०</sup>; दस० ६, २४; — **पागड** त्रि॰ ( -प्रकट ) જગ পांहेर. जग जाहिर. public, known to the world पर्ह १, १; —िप्यामह. पुं॰ ( -िपता-मह ) જગતના-દાદા, કુગતિ જતા છવને Vol 11/98

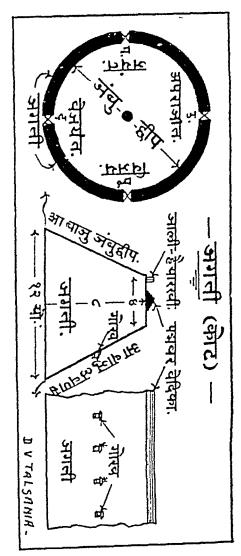
**ળયાવનાર: જગતના પિતારુપ જિનેશ્વર** भगवान् जगत के पितामहः द्रगीत जाते जांवा को बचाने वाला: जगत के पितारूप जिनेश्वर भगवान. the grand-father of the world; lord Jineśvara so called because he is a saviour of the world नंदी॰ १: -वन्ध पु॰ ( -वन्धु --जगतः सकजप्राणिसमुदायरूप-स्याद्यापादनोपदेशप्रग्रायनेन सुखस्थापक-त्वाद् बन्ध्रिव-बन्धु ) જગતનा ५ धु-लाध સમાન, જગતના વધા છવાને ભાઇ સમાન માનનાર: શ્રીજીનેશ્વર ભગવાન. जगत के पंधु समानः जगतेक सब जीनेंको भ्राता तुल्य माननेवाला: श्री जिनेश्वर भगवान Jineśwara, the brother of the would because he bears fiaternal affection to the beings of the world. नंदी॰ १: —सञ्ब-दसि. पु॰ (-सर्वदार्शन् ) जगतने स पृर्ध સ્વરુપે જોનાર શ્રી જિનભગવાન: શ્રી નાતપુત્ર भहावीर जगत के सपूर्ण स्वरूप का देखन वाला श्री जिन भगवान, श्री ज्ञातपुत्र महावीर. Lord Mahāvīra who sees and knows fully the real nature of the world "नाप्ण जगसन्वद-मिणा " स्य० १, २, २, ३१, —सिहर न॰ ( -।शिखर ) જગતના शिખररूप मे।क्ष जगत का शिखर रूप मोच. the summit or climax of the worldie final bliss. क॰ गं॰ ६, ६०, —हित (- हित ) જગતનું હિત-લલું કરનાર जगत का हित करनेवाला (one) who is a benefactor of the world. सम॰ ३२, —हिय त्रि॰ (-हित) लुओ। ઉपली शण्ह देखो ऊपर का शब्द. vidə above. सम॰ ३२,

जगन्न. न॰ (जगत्क) जगत्. जगत्. The world; the universe. विशे॰ १६६६; जगह्र स्रो॰ (जगती) पृथ्वी. पृथ्वा. The earth. "भ्याण जगह्र जहा" उत्त॰ १,४१. प्रव॰ १४१२; जं॰प॰ १,५, (२) ज भ्रुद्वीपने ६२ते। हे। जंबृद्धीप के चारा ध्यार का काट. a fortification encircling Jambūdvīpa सेणं एगाए बहरामईए जगईए सब्बन्नों " जं॰ प॰ सम॰ ६; —पञ्चयग. पुं॰ (-पवेतक) पर्नत विशेष; स्पांभ वनखड में का एक पर्वत क्ष particular mountain in Sūryābha forest राय॰ १३६,

जगडिजांत ति॰ ( कलहायमान ) ४४६ ४२ते। क्लेश करता हुन्या Quarrelling, entering into strife जगदिजंता विपरकमाणुहिं " गच्छा॰ ६७;

जगतण न॰ (जगकृष ) ये नामनी येक जगतनी बीबी वनस्पति इस नामकी एक प्रकार की हरी वनस्पति A kind of green vegetation पन्न॰ १;

जगती. स्त्री॰ (जगती ) पृथ्वी पृथ्वी The earth. म्य० १, ११, ३६; (२) ४ भ्यु દ્વીપ આદિ ક્ષેત્રના કાટ; કિલ્લાે. આ કાટ ૯ યાજનતા ઉંચા છે. એની ઉપરની પહાલાઈ ૪ યાજનની અને નીચેની ૧૨ યાજનની છે એના ઉપર પદ્મવર વેદિકા છે અને વચમા કેટલાક ઝરાેખા છે, એના વર્ણન વિસ્તારથી છવાલિંગમ સત્રમાં આપેલ છે, આ ચિત્રમાં કાટના આકાર, ઉચાઇ, पहेालां ही, हत्याहि जतावेल छे जबद्वीप किह्ना यह कोट श्रादि चेत्रका कोर्ट, म योजन का ऊचा है. इस के ऊपर के भाग का चौडाई ४ योजन की श्रीर नीचे (पाये) की चौडाई १२ योजन की है इस के ऊपर पद्मावर वेदिका थ्रोर वीचमे कई भरोखे हैं. इस का विस्तार से वर्णन जीवा-भिगम स्त्रमें दिया गया है. the fortification surrounding Jambudvipa and other regions. This wall



is 8 Yojanas in hight. The breadth at the bottom is 12 Yojanas and at the top 4 Yojanas. There are many lattice windows in the wall. full particulars can be had

from Jīvābhigami Sūtra. জীবা । ই, ধ,

जगती(ति)पव्चयः पुं॰ (जगति पर्वत्) लुओः "जगइ पष्वयग "शण्ट देखे। "जगइ पव्चयग "शब्दः Vide "जगइ पग्वयग "जीवा॰ ३, ४;

जगण्पइ. पुं॰ (जगत्पति) जगतस्याभी The lord of the universe. जं॰ प॰ ४, ११२;

जगय. न० ( यक्तत् ) अधेलुं. कलेजा; हृदय
The liver. (२) ते लागने। रेाग क्लेजे
की बिमारी; हृदय का रोग. & disease
of liver भग० १०, ३;

जगारी स्नां॰ ( ॰ ) राज्यरी; ओड ज्यतनुं धान्य. राजगरा, एक प्रकार का धान्य. A kind of corn. " असर्या स्रोयण सतुग सुगा जगारीइ" पंचा॰ ४, २७;

√ जगा. था॰ I (जागृ) जगवुं; ઉજागरी।

5रेने। जागना; जात्रण करना. To remain

awake; to wake

जगाइ. श्रोघ॰ नि॰ ८६;

जगान्त. विशे॰ १६६;

जगावह. श्राया॰ १, ६, २, ६;

जग्गण. न॰ (जागरण) क्रांशिश न लेवी ते, जिल्ला करेवी ते, जागरण, निम्ना न लेना वह, जागृत रहना. Remaining awake; a vigil पगह॰ १,१; भोष॰ नि॰ १०६.

जग्गुण. त्रि॰ (यद्गुण) केटसा गर्ध. जितना गुना. Multiplied as many times; taken as many times. प्रव॰ ३२; जध्य न॰ ( जधन) डेडनी नीयेनी लाग; साथस कमर से नीचे का भाग. The

fleshy part below the waist.

ज्ञघरांगा. त्रि॰ ( ज्ञघन्य ) थे।ऽ।भां थे।ऽ; ने।छाभां ने।छुं. कम से कम. Minimum; least स्॰ प॰ १८;

जधिराग्यः त्रि - ( जधन्य ) लुओ। अपेश अपेश शण्टः देखो ऊपर का शब्दः Vide above. स्॰ प॰ १;

जन्म नि॰ (जात्य) स्वासाविक स्वामाविक. Natural; innate. पग्ह. १, ४; (२) જાતવાનુ; જાતિલું: પ્રધાન; શ્રેષ્ઠ, ઉત્તમ जातवान् ; प्रधानः श्रेष्ठः उत्तम. prominent; excellent of its kind. कप्प॰ ३,३५; ज० प०२,३१; नंदी०३१; श्रोव०१०; १७: ३१: विशे० १४७०: सु० च० २. ६: ६३८; भग० ११, ११; १५, १; नाया० १२; -- ग्रंजन न॰ (-भ्रजन) शुद्द अलन शुद्ध श्रंजन. pure collyrium (for the eye) " जबतया भिंगभेय रिट्टम भमरावितवल गुलिय कजाल समप्पभेसु " नाया॰ १; कप्प॰ ३, ३६; --कंच्या न॰ ( -कांचन ) જાતીલું સાેનુ; શુદ્ધ સુવર્ણ. शुद्ध सुवर्धा. pure gold कप्प॰ ३, ३६: -- तिएाय त्रि॰( -म्रान्वित ) ઉथ, ज्यति-વાન; કુલીન कलीन: उच जातिका. nooly born; born in a high family. सूय॰ १, १३, ७; - स्त्रिश्र. त्रि॰ ( श्रान्वत ) लुओ। ઉपले। शण्ट. देखो अपरका शब्द. vide above स्य॰ १, १३, ७,

जजुन्वेय पुं॰ (यजुर्वेद) यार वेहमांनी। णीको वेद; धाह्मण धर्मानु भूस पुस्तकः चारों वेद में का द्वितीय वेद; ब्राह्मण धर्म

<sup>\*</sup> लुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। १ ( \* ). दे बो पृष्ठ नंबर १४ की फूटने। ट ( \* ) Vide foot-note ( \* ) p 15th.

की मूल पुस्तक The second of the four Vedas held sacred by the Brahmanas. भग० २, ३; नाया॰ ४; १६; ठा॰ ३, ३: श्राव॰ ३=; विवा॰ ४: जाउन कि ( जार्जर) छण्डे लुनुं-पुराष्ट्र . जांग, पुराना. Old: tottering; भग०६, ३३. — घर न॰ ( - गृह ) छण्ड धर जांग घर tottering house. भग० ६, ३३;

जलारिश्र-य. त्रि॰ (जनिरेत) लालरी, भीभरी; छर्षे यथेश्व; साध्यी गयेश्व. जजरित, जीर्ण, लथडा हुआ; भारी, वैठा हुआ Worn out; tottering. ठा॰ ४. ४: पण्ड० १, १: राय॰ २४=; नाया॰ १: भग॰ १६, ३. —सद् पुं॰ (-शन्द) भीभरी अवाल भारी या वेठी हुई आवाज; रूखा स्वर hourse and feeble sound ठा॰ १०;

जजोच. न॰ (यावजीव) छपतां सुधी. जीवन पर्यंत. As long as life lasts. पि॰ नि॰ ४०६;

जहा. सं॰ कु॰ श्र॰ (इपट्वा) यस धरीने; होभ धरीने यज्ञ कर के, होम कर के. Having performed a sacrifice. उत्त॰ ६, ३८;

जाड त्रि॰ (जाड ) जडना वाली: विवेध रहित; भूभी जाड; विवेकहीन: मूर्ज. Devoid of common sense; foolish. राय॰ २४०:

जडा. ली॰ (जटा) भाषाना देशने। सभूदः;

थटा. शिर के केशों का समूह, जटा. The
hair on the head twisted together. नाया॰ १६; — मउड न॰
(-मुकुट) थटा रूपी भुद्वेट लटा रूपी

मुद्ध a crown in the form of hair twisted together, नाया॰ १६; जाडि. पुं॰ (जाडिन्) જટાપારી; थे। थी. जटाधारा; यागी A person with matted hair on the head; an ascetic; a Yogi. भग॰ ६, १३; प्रोव॰ ३१; जं॰ प॰ ३६७; भत्त० १००.

जिडिया. न॰ ( जिटिखा ) જટા ધારીના ભાવ; જટા. जटाधारी पन; जटा. State of being an ascetic with matted hair on the head; matted hair on the head. जं॰ प॰ ३, ६७; उत्त॰ ४, २१;

जिंडियाइलग. पुं॰ (जिंटितासक) ८८३६-भाने। १६ मे। अह == प्रहों में मे ५३ वा प्रह. The 53rd of the 88 planets " दो जिंडियाइलगा" ठा॰ २, ३:

जिडियाल पुं॰ (जटाल ८८ अक्ष्मांना पड भा अक्ष. इन प्रहों म से ४३ वां प्रह. The 53rd of the 88 planets स्॰प॰२०; जिडिल त्रि॰ (जिटिल) જटाधारी; जटावाधं. जटावारी; जटावाला. Having matted hair on the head. "एगं महं कोसं गंडिय सुकं जिडिलं गिटिलं" प्रव॰ ७३६; (२) पुं॰ राष्ट्र. राहु Rāhu (a planet that causes lunar and solar eclipse. स्॰ प॰ २०;

जिंडिलय. पुं॰ (जिंदिलक) राहुनुं भीळुं नाभ. राहु का दूमरा नाम. A synonym of Rāhu (a planet which causes lunar or solar eclipse). सू॰ प॰ २०; भग० १२, ६;

जहल. पुं॰ (जिटिल) डेशरी सिंदनी भाइड જરાધारी એક જતના साप केरारी मिंह जैसा जटाधारी; एक प्रकार का सर्प A. kind of serpent having a mane like that of a lion. "उक्कड फुडकु- विकास हुलकक्खड विकडफडाडोवकरणदच्छं" भग॰ १४, १; नाया॰ ६;

जह. पुं॰ ( ६ ) हाथी हत्ती. An elephant श्रोघ॰ नि॰ २३८, पि॰ नि॰ ३८६,

जहु त्रि॰ (जह) भी स्वामा हे प्यामां अने अर्थ में क्र -मूर्ण - हे के ही क्षा हेवा थे। २५ नथी बोलने में, दिखने में व कार्य करन में जह-मूर्ख कि जो दी ज्ञा देने योग्य न हो। (One) who is stupid in speech, appearance and actions and so unfit to enter the religious order " याले युद्दे नपुँसेय की बे जड्डेय वाहिए" प्रव॰ ७६३,

जढ त्रि॰ (हीन) तक्ष हीधेश, छे।डेल, भूरेश.
स्याग किया हुवा, त्यक्त Abandoned;
left. दस॰ ६, ६१, सत्था॰ श्रोघ॰ नि॰
१८७, ४२१,

१८७, ४२१,
√ जिला. धा॰ I, II (जन्) જण्णुं; ઉत्पन्न

३२पु. जन्म दना, पैदा करना. To give

birth to, to produce

जणेह सु० च०२, ३७६,

जणाति. दम०६, ३८.

जणादित. श्राया॰ १, २, १, ६३;

जणाहस्सइ श्राया॰ २, ३, ६,

जणिता. सं० कृ० श्रोव० ३२;

जणिता. सं० कृ० श्रोव० ३२;

जणेमाण व० कृ० पि० नि० १८६,

जणे पुं० (जन-जायते इति जन.) थे।ऽ;

भाण्स: भनुष्य. मनुष्य, श्रादमी A man;

a person; people नागा॰ १; २; ७, १४, १७; १८, भग० १, १, २, ४; ७, ६, पिँ० नि० १२४; १६४; सू० प० १; राय० श्रगुजो॰ १३०, उत्त॰ १०, १९; श्रोव॰ सु॰ च०४, १४२; वव० १, २३; नंदी० म; पचा० ७, १६; कप्प० ३, ४०; क० ग० १, ५०, (२) જन-सगावदासा. जन-सम्बन्धी relatives श्राया॰ १, ६, ४, १६३; --- आंग्रंद. पुं० (-धानन्द ) जन सभाजने आनन्द आपनार, जन समाज को म्रानद दावा one that pleases or delights mankind or human society. प्रवः ३६६; — उम्मि पुं॰ ( - कार्म ) તર ગમાથી તર ગ ઉઠે તેવી રીતે भाशसीना टालेटावा नीકલે ते. जिस प्रकार तरंग में से तरंग निकलती है उसी प्रकार मनुष्यो के समूह के समूह निकलना surging crowds of men राय॰ श्रोव॰ २७; —( गा ) उवयार पु॰ ( -उपचार ) क्षेत्रभूल स्वलनाहिन्धी थती पून्त उपचार, स्वजनों में होता हुइ पूजा worship or honour paid by relatives or other people पंचा० २, ३६; ८, ४७, —कलकल पुं० (-कलकल) भाणुसीनी ' इस इस ' ओवी अवाल मन्द्रों का कलकल ऐसा आवाज bustling sound made by a concourse of men. राय॰ -क्लय पुं॰ ( - चय ) भाश्सने। क्षय, भरश मन्त्य का च्य, मरण death of a man. भग॰ ३, ७, ७ ६, -- क्खयकर, त्रि० (- च्य-कर ) क्षेत्रिनी क्षय करनार लोगों का स्वय करने वाला (one) that destroys

<sup>\*</sup> जुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरनीर (\*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p .15th.

men. "वह जगक्लय करा संगामा " ण्यह॰ १, ४, — जंपराय. २० ( -जल्पनक) े शेशिमा अपवाद. लोगों में श्रववाद. consure among people. गच्छा॰ ६४; -- पमद्दः न॰ ( -प्रमर्द ) क्षेत्रिनं यूर्ण नाश, लोगों का नाश, destruction or annihilation of people. नग॰ ७, ६, -पूर्यागुज्ज. त्रि॰ ( -पूजनीय ) थे। ध-માં પૂજનીય; લાકમાન્ય. लोगों में पूजनीय; त्रोकमान्य. deserving of honour or worship among people. पंचा॰ २ =;--वृह्. पुं०(-व्यृह्) भाशसीनी सभूद, मनुष्यों का समूह. a concourse or crowd of men. भग०२, १: ११, ११: —वोल. पं॰ ( -शब्द ) माण्सीनी अव्यक्त अवाज मनुष्यों का श्रव्यक्त श्रावाज. indistinct noise made by men. विवा॰ १, १; -मणोहर. त्रि॰ (-मनोहर) देशितां थित्तते आर्धातार, लोंगों के चित्त कां श्राकर्ण करने वाला. ( one ) that attracts the minds of men: charming. पंचा॰६, १८; —बह. पुं॰ ( -वध ) भाशसीनी धात. मनुष्यों का वव. killing or slaughter of men. भग० ७, ६; — बहा. स्री० ( -व्यया ) જન પીડા; લાક પીડા. जन पाइा, लोक पाइा. affliction of people; giving pain to men. भग॰ ७, ६; —वाय. पुं• ( -बाद ) भाणुसे। साथै परस्पर वार्ताक्षाप **કर**वे। ते. वात्यित **કरवी** ते. मनुष्यों के साथ परस्पर वार्तालाप करना. mutual conversation among men न्रोद॰ ( ર ) લાેકા સાથે વાર્તાલાય–સંવાદ કર-વાની કલા; વાતચીતથી માણમાને પસંદ **કરવાની કલા. लोगों के साय वार्तालाप** — मंवाद करनेकी कला; वाक्चातुर्य.the art of

pleasing men by conversation: adroitness in conversation sie प॰ घोव॰ ४०: नाया॰ १: -संबद्धकृष्प. त्रि॰ ( -संवर्तकरूप) भाणसीना संदार केव. मनुष्यों के संहार समान. like the annihilation of men or people. भग॰ ७, ६; -सह. पुं॰ ( -शब्द ) भाशसीती -अवाज: केवादव. मन्त्र्यों का आवाज: कोलाहल. bustling sound of a concourse of men. नाया॰ १:विवा॰ १: भग० ११, १३; — सम्मद्द पुं॰ ( -संमर्द) લાકાના પરસ્પર અવાજ: કાલાહલ, જાેળાં का परस्पर आवाज: कोलाहल. bustling sound made by a concourse of men. ठा० ४, १; भग० २, १; —सया-उल त्रि॰( -शताक्त ) से डेडा भाष्यसीयी न्याप्त मैंकडों मनुष्यों से व्याप्त. full of, containing hundreds of men. भग० ११, १०:

जगुइत्तार. वं॰ (जनियतृ) ઉत्पाद्धः धत्पन धरनार. उत्पादकः उत्पन्नकर्ता, A generator; a producer. ठा॰ ४, ४;

जोगा पुं॰ बी॰ ( जनक ) જનક; भातापिता वगेरे. जनक; माता-पिता वगेरह. One who begets; e.g. a father, a mother etc. आया॰ १, ६, १, १८०; पंचा॰ ६, ६;

जगण पुं० न० ( जनन ) अत्पत्ति. उत्पति.

Production; creation. "गंभीर
रेाम हरिस जणण" भग० ६, ६; नाया०
१; उवा० ८, २४६, पंचा०३, ४४; ६, १२;
जणणी. स्री० (जननी) भाता. माता. A
mother पिं० नि० ४८७; उवा०३, १३५;
जं० प० ५, ११२; पंचा० ७, ३६;
—कुच्छिमरुम न० (-कुचिमरुप) मातानी कुसिमां. माना की कुन्निमें. in the

womb of a mother तंदु • — गटम पुं • ( -गर्भ ) भाताना शिक्षाया माता का गर्भाशय the womb of a mother. प्रव॰ १३८१;

ज्ञण्पय. पुं॰ ( जनपद ) देश. देश. A. country. उत्त॰ ६, ४;

जगाय. पु॰ ( जनक ) पिता. पिता. A father. प्रव॰ ४, —नाम. पु॰ (-नामन्) पितानुं नाम पिता का नाम. name of one's father. प्रव॰ ४;

जगावश्र-य. पं॰ ( जनपद ) देश, राष्ट्र देश, राष्ट्र. A country. उत्त॰ २६, २६, श्राया० १, ३, २, ११३; १, ६, ४, १६४; नाया० १; ५; ८, १२; १५; १६; १८, पगह० १, ३, राय० २५२; निर० १, १; पञ्च० ११, ज० प० २, ३६, सु० च० २, ४; भग० २, 9, 4; 6, 4, 90, 8, 33; 93, 4; 94, 9: प्रव॰ ८६८; कप्प॰ ४, ८६; —क्रह्माशिश्रा स्रो॰ ( -कल्यार्णका) यक्ष्वनी नी राणीओ।. चकवर्ती की रानिया any of the queens of a Chakravarti ज॰प॰ --पाल पुं॰ (-पाल-जनपद पालयति इति जनपद्रपालः ) देशने। पास्र्यार, रक्षक्र, राला. देश का पालने वाला: रज्ञक. राजा. the protector of a country; a king भोव -- पिया. पु (-पित्) देशने। पिता, पाधनार, देश का पिता; पालने वाला the father i. e. the protector of a country ठा॰ ६; -प्रोहिय पुं ( -पुरोहित जनपदस्य शान्तिकारितया-पुरोहित इव जनपदपुरोहितः ) देशभां शांनि **४२नार**; धुरेादितः देश में शान्ति करनेवाला, प्रोहित. one who gives peace of mind to people, a religious pre-देशमां प्रधानश्रेष्ट देशमें प्रधान, ध्रेष्ठ pro-

minent, renowned in a country ''भिज्ञहय जणवयप्पहाणाहिं लालियंता '' पराह० १, ४; - चगा पुं० ( - वर्ग ) देशने। समुद्ध, देशों का समृह. a collection or group of countries. नग॰ ३, ६; -- सञ्च न० ( -सत्य-जनपदेषु देशेषु यद यदर्भवाचकतया रूढं देशान्तरेऽपि तत् तद्धेवाचकतया प्रयुज्यमान सत्यमवितथ-मिति जनपद्सत्यम् ) ६श अशरता सत्यते। पेढें थे। प्रधार, दश प्रकार के सत्य का पहिला Many the first of the ten kinds of truth ठा० १०. —सञ्चाः स्त्री॰ ( -सत्या-जनगदमधिकृत्येष्ठार्थप्रातेपत्ति-जनकतया व्यवहार हेतुत्वात् सत्या जनपद सत्या ) सत्य भाषाना दश प्रशरमानी पहेले। प्रधार, सत्य भाषा के दश प्रकारों में से पहिला प्रकार. the first of the IO kinds truthful speech पन्न १२, जिशिम्र-य त्रि॰ ( जिनत ) ઉत्पन्न थरेल. Boin, produced श्रोव॰ २६, नाया० १; भग० ६, ३३, सु० च० १, १६: -पमात्रः पुं॰ ( -प्रमाद ) प्रभाह अत्पन्न थ्येस. जिसको प्रमाद उत्पन्न हन्ना हो वह one who has committed an act of negligence. नाया० १०, -मोह त्रि० (-मोह) उत्पन्न **કર્યો છે માહ જે**ણે ते. जिसने मोह उत्पन किया वह (one) that has caused or produced infatuation মন॰ १२०, —संवेग वि० ( -संवेग ) भेक्षा-भिवापा ७८५० थयेत जिसकी मोन्नाभिलापा उत्पन्न हुई हो. ( one ) in whom a desire for salvation has been generated. नाया॰ १०, -- हास पु॰ ( -हास ) ढारप अत्पन्न थयेत. जिसकी हर्ष उत्पन्न हुआ हो (one) in whom joy

has been produced. नाया॰ पः जर्गा. पुं॰ (यज्ञ) यरा-नागाहिनी पूल-हेाम. यज्ञ-नागादिकी पूजा- होम हवन A sacrifice, worship of serpents etc. भग० ६, ३३, उत्त० ६, ३८; नागा० १; २; (२) २४ २४ ४७ ४४६१ ती पूल. श्रपने श्रपने इष्ट देव की पूजा. worship of one's own special or family-deity. ज॰प॰ जीवा॰३, --जाइ पुं॰ (-याजिन्) थत करने वाला. one who performs a sacrifice or worship श्रोव - इ पु ( - श्रर्थ ) यज्ञना प्रयोजन वाली यज्ञ हे प्रयोजनवाला (one) having sacrifice or worship as a motive or end "जनहा य जे दिया " उत्त॰ २४, ७; —हि पुं॰ ( -ग्र-र्थिम् ) साव यज्ञते। अर्थी, धे<sup>2</sup>छतार भाव यज्ञ करने को उत्युक्त. ( one ) destrous of a sacrifice in a spiritual sense "जन्नि वेयसा सहं" उंत्तं० २५, १६;

जगणद्तः पु॰ ( यज्ञदत्त ) स्थे नामना साधु इस नाम का साधु. Name of an ascetic कप्प॰ द, —वाड. पु॰ ( -वाट ) यत्त पाठा; ज्यां यत्तथाय छे ते अता-जग्या. यज्ञ का वाडा; जहां पर यज्ञ होता हो वह स्थान. a place where a sacrifice is performed उत्त॰ १२, ३; — सिष्ठः पुं॰ ( -श्रेष्ठ-यज्ञेषु श्रेष्टा यज्ञ श्रेष्टः ) उत्तम यत्त उत्तम यज्ञ. the highest kind of sacrifice. "वोसट्ट काया सुइचतदेहा महाजयं जयइ जगणसेट्टं " उत्त॰ १२, ४२; जगणइ पुं॰ ( यज्ञिन् ) यत्त अरनार तापसनी स्थेड ज्यत. यज्ञ करने वाले तापसका एक जानि One who performs a sacrifice, a kind of an ascetic.

श्रोव० ३६; भग० ११, ६;

जरणहज्ज न॰ ( यज्ञीय ) એ नाभनुं उतरा-ध्ययन स्त्रनुं प्यांसभुं अध्ययन. इस नाम का उत्तराध्ययन स्त्र का पर्वासनां प्रध्ययन. Name of the 25th chapter of Uttaradhyayana Sutra. सम॰३३; श्रयुजो॰ १३९;

जराएां. श्र॰ (यच) के डंध जो कुछ Anything; whatever श्रोव॰ ३८; ४०;
नाया॰ १; भग॰ ३, १; ४, ४; (२) केथी.
केथी डरीने; के भाटे जिसके कारण; जिस
वास्ते. by which; so that. भग॰ ३,
१; ४, ४; वव॰ १, २३; नाया॰ १४,

जरणावईय. न॰ ( यज्ञोपवीत ) જનे। । यज्ञोपवित् A sacred thread worn on the body. भग॰१३, ६; नाया॰१६; जराहं. १४० ( यस्मान् ) कथी; के भाटे. जिस से, जिस लिये. For which; from which. नाया॰ ६:

जारहवी. स्त्री॰ (जान्हची ) गणा नही गङ्गा नदी. The river Ganges. प्रव•१२४२;

जतमारा त्रि॰ (यतमानः) यत्नवान्. यत्न-वान. Carefully trying or attempting; making efforts to accomplish an object आया॰ १, ६, २, ४; १, ४, १, १२६;

जिति अ॰ (यदि) लुओ "जइ" शण्ट. देखा "जइ" शब्द, Vide "जइ" भग॰ १४, १;

जिति. पुं॰ (यति) साधुः भुनि साधुः मुनि.
An ascetic; a saint पंत्रा॰ ५, ३३;

जातियञ्च त्रि॰ (यतितन्य) यत्न करना थे। २४. यत्न करने के योग्य. Worthy of being accomplished by efforts; worth attempting. पंचा॰ १४, ४०;

जतु. न॰ (जतुप्) क्षाणः लेगणी लाखः चपडी. Lac; a dark-red transparent resin. भग॰ १६, २; सूय॰ १, ४, १, २६; —कंभ. पुं॰ (-कुम्म) क्षाण ने। चडी. लाख का घडा a pot of lac. सूय॰ १, ४, १,२६; —गोल पु॰ (-गोल) क्षाण-लेगणीने। गोक्षी. लाख-चपडी का गोला a globe of lac; a ball of lac भग॰ १५, ३; —गोलासमाण ति॰ (-गोलसमान) क्षाणना गोक्षालेनु लाख के गोले जैसा resembling a ball of lac. भग॰ १९; ३;

जत्त. त्रि॰ ( यत्तत् ) के ते जा; वह; जो, सो That-which; anybody. उत्त॰ १, २१;

जतः त्रि॰ (यावत्) क्रेटबुं. जितना. As much; to the extent to which गच्छा॰ ११६;

जत्त. पुं॰ ( यस्त ) यत्त; भ्रयास; भेद्धतत यस्त; प्रयास, मिहनत. Effort, attempt; labour. दस॰ ६, ३, १३, भग॰ ६, ३३; पचा॰ १, २६, ( २ ) त्रि॰ यत्तवत यस्त-वन्त. full of effort, carefully attempting. आया॰ १, १, ४, ३३;

जत्ता. स्त्री॰ (यात्रा) अथाण, જવું प्रयाण, निकलना, रवाना होना. Going; setting out. श्रोव॰ २६; नाया॰ ६; ६; (२) संपम निर्वाह, संपम पालन, तप नियम संपम; स्वाष्याय श्रादिमां थित्तने लगाना. observance of ascetic rules and practices; applying the mind to the study of scriptures etc. "कित संसे जता? सो मिला?" भग० १८. १०; नाया॰ १, उत्त॰ २३, ३२; Vol 11/99

पंचा॰ ६, ३; प्रव॰ ६६; — श्राभिमुह. त्रि॰ (-प्रामिमुख) ज्वा-गभन ३२वाने तैयार थयेते।-सन्भुष थयेत. यात्रा-गमन करने को तैयार, सन्मुख ग्राया हुआ prepared, ready to set out or start योत. २६, -पिडिशियत्तः त्रि॰ (-प्रतिनिवृत्त) यात्रा ५री पाछा वर्तेक्ष यात्रा करके वापस लौटा हुआ. returned from travel, pilgrimage etc निर्सा॰ ६, २४; —भयत्र पुं॰ ( -भृतक - भ्रियत इति भृतक सहायो यात्राया भृतको यात्राभृतकः ) देशान्तरमा मुसाइरी इरती वभने साथेने। नी। इर देशान्तर में यात्रा करते समय सग रहने वाला नौकर. a servant engaged to serve during a foreign travel. ठा० ४, १; -- भयग. पु॰ (-मृतक) প্রুঞী। উपनी शण्ट देखी ऊपरका शब्द vide above ठा॰ ४, १; —संप-रिथयः त्रि॰ ( -संप्रस्थित ) ज्वत्राओं ज्वाने तैयार थये अयात्रा करने को (के लिये) जाने का तत्वर bound for, prepared for starting on a travel or a pilgrimage. निसी॰ ६, १३; —सिद्ध. पु॰ ( -सिद्ध् ) જે ખાર વખત સમુદ્રની યાત્રા કરી ક્ષેમ કશલ-સહીસલામત ઘરે आपे ते यात्रा सिद्ध ४ हेवाय बारह बार समुद्रयात्रा च्लेम-कुशल-सहीसलामत करके घर पर आवे उसे यात्रा मिद्ध कहा जाता है one returning safely after twelve sea voyages. राय०

जित्यः ति॰ ( यावत् ) केटला; केटला प्रभा-णुनोः जितना; जितने प्रमाण का. As much, of as much extent or proportion उत्त॰ ३०; २०; तदु॰ ३, भग० ३, ६, ६, १, १३, २, १९, ७, । १० नि॰ — काल पु॰ (-काल) केटले। २ भत जितना समय. as much time; as much extent of time. क॰ गं॰ ४, ८७; जत्तो. घ्र॰ (यतस्) केथी; के पासेथी जिससे; जिसमें से; From which; whence; पि॰ नि॰ ८७;

जत्थ. श्र० (यत्र) जयां; जेभां, जे स्थले.
जे जिन्या थी. जिसमे; जहां, जिस स्थान पर
Where; in which; at which
place. श्रमुजी० =, उत्त० ६, २६,
नाया० घ० निर० ४, १; पि० नि० ७६;
वव० १, ३७, दस० ४, १, २१; ७, ६,
नाया० १३, १६, भग० ३, १, =, १; १२,
४; १६, ७, वेय० १, ४६; ४, १=; गच्छा०
७६; प्रव० ७४, ४६७;

ज्ञत्थेव न्न॰ ( \*यन्नव-यन्न ) ॰ थी. जहां, जिस स्थान पर. Where, at which place. भग० =, ६; १५, १;

जदा. श्र॰ (यदा) ल्यारे, के वभते. जब; जिस समय. When; at the time when. भग॰ १२, ६;

जिदि. श्र॰ (यदि) क्युगे। " जह " शफ्ट. देखों " जह " शब्द. Vide " जह " भग० १४, १; २०, ५; २४, २०;

जदिन्छित्र. त्रि॰ (याद्यन्छिक ) यथे विश्व है, अध्याप स्ति स्वता हुआ.
Accidental, fortuitous. विशे ०११५;

जदुर्णदर्ग पु॰( यदुनन्दन ) श्रीकृष्ण श्रीकृष्ण. The god Krishna ठा• =;

जनः पुं॰ (जन ) भनुष्य मनुष्यः A. man. भग॰ ६, ३३; विशे॰ ४६;

जनय. पुं०( जनय ) क्युंगे। " जणय " शण्ट. देखो " जणय " शब्द. Vide " जणय " सु० च० १, इद.

जनचन्न. पुं॰ (जनपद) देश, २१६८. देश; राष्ट्र A country. निगी॰ १४, १७; जब पुं॰ (यज्ञ) कुले। '' जएए '' शण्ट.

देखो " जगण " Vide " जगण " विशे॰ उत्त॰ २४, ४; १८८२; जीवा॰ ३, ३; सु॰ च॰ ४. १०१, —ह. त्रि॰ (-म्रर्थ) यज्ञ छे अये। जन केनुं कीवा; यज्ञमां कीऽ।-थेश. जिसका प्रयोजन यज्ञ है वह; यज्ञ में सम्मिलित having a sacrifice for an end; engaged in a sacrifice. उत्त० २५, ७; — बाइ. पुं० (-वादिन्) યત્ત વાદિ: અજામેધાદિ દ્રવ્ય યત્તની સ્થાપના **५२-११.** यज्ञवादि: श्रजामेघादि द्रव्य यज्ञ की स्थापना करने वाला one who believes in the efficacy of sacrificing goats, horses etc for religious purpose . उंत्र॰ २४, १८; जप. न० ( जर ) भ त्राहिने। जाप. मंत्रादि का जर Repeating or telling on beads of a rosary a religious formula of prayer etc त्रणुजी० २६; जप्प. स्त्री॰ ( जपा ) ચીનાઈ ગુલાયના છાડવા. चिनाई गुलाव का पौधा. A plant of China rose. राय॰ ५३,

जप पुं॰ (जल्म) अथ्य ते, भाशवु ते. वडवडाहट करना; वोलना. Prattle; act of speaking at random. ठा॰ ६; जप्पिस्. श्र॰ (यत्मस्ति) के अवधी, के वभाधी; कथारथी. जिस काल से; जिस समय से, जब से. From the time when; since the time when. "जप्पिइं च गं श्रह्म एस दारए" कप्प॰ ४, ६०; भग० १०, ४; नाया॰ घ॰ जं॰ प॰ २, ३१;

√ जम. घा॰ II (यम्) विश्वभता टावी संभु ५२वुं विषमता मिटा कर योग्य स्थिति मे रखना To make even; to place in order by removing inequalit e ३ (२) निपृत्त थवुं निवृत्त होना.

to retire: to cease from. जमावेह प्रे॰ निसी० १, ४०;

जम. पुं॰ (यम ) प्राशानि पातिवरिन आहि पाय महावत. प्राणातिपातविरति आदि पाच महात्रत The five major vows such as abstaining from killing etc, "जायइ जमजन्नामि " उत्त० २५, ीः ठा०२,३: (२) શક તથા ઇશાન ઇંદ્રના દક્ષિણ हिशाना क्षेत्र अपन नाम. शक व इशान इंद के दिलेश दिशा के लोकपाल का नाम. a name of the guardian deity of the southern quarter of Sakra and Isanendra. তা০ ১, ा; विशेष १८६३; सूर्य पर १०; भगर ३. ७; जं॰ प॰ पराह . १, १; (३) लारखी नक्षत्रते। अधिष्ठाता देवनाः भरणी नज्जत्र का the presiding श्राधिष्ठाता देवता. deity of the constellation Bha rani श्रणुजाे॰ १३१; स्०प०१०; जं० प० ७, १५०; ठा० २, १; -काह्य. पु० (-कायिक) हिंदा तरहना यम ज्याना हैव दिशा दिशा के यम जातिके देव. n deity of the south belonging to the kind known na Yama. पग्ह. १,१; भग०३,७; -- जम पुं० (-यज्ञ) अदि, सा, સત્ય. અસ્તૈય ભ્રમ્હ્ચર્ય અને અપ રેપ્રહ એ प्र यम-संयम रूप यहा; खाव यहा. श्राहिमा, सत्य, श्रस्तेय, ब्रह्मचर्य, व श्रपरित्रह इन पाच यम-संगम रूप गज्ञ. भाव यज्ञ a sacrifice taken in a spiritual sense consisting of the observance of five rules or vows viz. abstaining from killing, truthfulness, abstaining from thelt, abstaining from sexual intercourse and non possession of worldly | जमग. पुं॰ (यमक) देवहुरु अनरहरू क्षेत्र-

effects. उत्त॰ २४, ३; —देवकाइय. पुं॰ ( -देवकायिक ) यम देवताओानी भें। ज्या देवताथा की एक जाति a group of the gods known as Yama Devatas भग ३. ७. —पुरिससंकृत त्रि॰ ( -पुरुपमकुल यमस्य दक्षिणदिक्षालस्य पुरुषा श्रम्बादया सुरविशेषास्तैः संकुला थे ते तथा ) भरभा-ધ.ર્મી કથી વ્યાપ્ત. ०४मभु३५, ધામીએાવી વ્યાકુલ परम श्रधमिया से व्याप्त; यम पुरुष परम अधम मनुष्य से च्याकल full of demons known Paramādhāmīs. पग्ह. १. १: -प्रिसंसिनमः त्रि॰ (-पुरुपमीतम) परभाधाभीना केत्रं परमाधामी के समान (cruel) like a demon known as Paramādhāmī, que. १, ३; --लोइय पु० (-लाकिक ) परमाः ધામી વગેરે યમલે કવાસી દેવતા. પરમાનામા श्रादि यम लोक वामी देवता. a god living in Yamaloka, è. g a Paramādhāmī etc स्य॰ १,१२,१३; जमइग्र न॰ (यदतीन) ये नाभन सूपगडाग सुत्रन् १५ म् अध्ययन इस नाम का सूय-गडांग सूत्र का १५ वां भ्रध्ययन. Name of the 15th chapter of Saya-

gadaiiga. मम॰ १६; २३,

जमइत्ता. स॰ हं॰ अ॰ (नियम्य ) श्रभावीतेः જમાવટ કરીને અનિપરિચિત કરીને: વાર -वर व्यावती हरी माधीतगार धहते जमा करः श्राति परिचित करके बारबार श्राप्रति कर के; मादितगार होकर, Having fixed or settled; having become thoroughly familiar with श्राव॰ 3 €;

क्रराए कुराए जमगा नामं दुवे पठपया पग्राता ?" जीवा॰ ३, ४, जं॰ प॰ भग॰ १४, =, (२) જમગ પર્વ तवासी देवतानुं नाभ जमग पर्वतवासी देवता का नाम. Name of the god residing on the Jamaga mountain जं प प , ११४; श्रोव० ३१; जीवा०३, ४; --पञ्चय-ઉ॰ ( -पर्वत ) જુએ। ઉપલા શબ્દના ળીજા न परने। अर्थ. देखो ऊगर के शब्द का दूसरे नंबर का अर्थ. vide above. ज० प०४, ८८; ६, १२४; सम० १०००; जमगसमगं. थ्र॰ ( यमकसमकं ) એशसाथै; युगपत्; अेरी वणते. एक साथ, युगनत्; एकही समय पर At one and the same time; simultaneously जं॰ प० ४. ६६, ४, ५७; जीवा० ३, ४; श्रोव० ३१, विवा० १; ७, नाया० ४,८, भग० ११, १०; उवा० ४, १४८,१५३; कप्प० ४, १०१; जमगा स्त्री॰ (यमका) अभः देवतानी र अ-धानी. जमक देवताकी राजधानी, जमक देवता का पाटनगर The capital of the gods known as Jamaka. जीवा॰ ३, ४, जं० प० ४, दद; जमिल्या. स्त्री॰ ( यमनिका ) જમણી કાંખમાં રા ખવાનુ સાધુનુ એક ઉપકરણ દાદિનો वगलमें रखनेका साधुका एक उपकरणा. An article used by a Sādhu and kept in the right arm-pit. 310 4, जमदारग पुं॰ (जमदिम्न ) ओ नाभना ओड तापस, परशुराभने। पिता इस नाम का एक तापस, परशुराम का पिता. Name of a saint who was the father of

Parasurama जीवा॰ ३, १, —पुत्त

पुं॰ ( -पुत्र ) જमहिनने। पुत्र, परशुराम

परशुराम, जमदानि पुत्र. the son of

भांना के नाभना पर्वत. ''काहिएं भेत उत्तर

Jamadagni; Parasurāma. जीवा॰ ३, १;

जमप्पम पुं॰ (यनप्रभ) यभदेवना ध्र यभ-रेन्द्रने। यो नाभने। उत्पात परित यमदेव के इन्द्र चमरेन्द्र का इस नाम का उत्पात पर्वत. Name of a mountain which was the abode of Chamarendra, the Indra of the Yama gods. ठा॰ १०;

जमल त्रि॰ ( यमल ) समश्रेशिये रहेंद्रं; સરખે સરખું, જોડાજાડ રહેલું समश्रेणी में रहा हुत्रा; एक सरीखा; लगोलग रहा हुन्ना. Remaining in a straight line; in juxtaposition उवा॰ २, ६४, त्रोव॰ ३०; राय॰ ३३; नाया॰ १, ६; ६; जीवा० ३, १, ४, जं० प० भग० १४, १; ૧૬, રૂ. (ર) ન૰ એ નામનું વૃક્ષ કે જેનું રુપ કૃષ્ણાસુદેવના વૈરી વિદ્યાવરે ધારણ **५र्थु ७ पुं** इस नाम का ग्रन्त कि जिसका रूप कृष्ण वासुदेव के शत्रु विद्याघरने घारण किया था. name of a tree into which a Vidyādhara who was enemy of Kṛisṇa Vāsudeva hid metamorphosed himself. पणह॰ १, ४, —जुयल न॰ (-युगल) સરખે સરખી જોડ, સમશ્રેણિયે રહેલ જોડું. युगल, समश्रेणी से रहा हुआ. a pair, a couple with its two members juxtaposition. राय॰ ११२; —पय न॰ ( -पद् ) आहे आहे आंडडानी એકેક જથ્થા: જેમકે ૩૨૫૪૮૬૩૫; **૨૪**૬૫૩૫૫૦, આમાં પહેલા આઠ આકડાતું એક જમલ પદ અને ખીજા આઠે આંકડાનું णી<u>ભાં જમલ ૫૬. ગ્રાઠ</u> ગ્રાઠ श्રंक का एक समूह, जेमा कि, ३२५४८६३४, २६३५३५८० इस में पहिले आठ अक का एक जमल पद;

व दूसरे आठ श्रंकों का दूसरा जमल पद. a numerical sum containing 8 figures; e. g. 32548635 श्रणुजो॰ १४५; पत्र॰ १२, —पाणि पुं॰ (-पाणि) भुट्टि. मुंद्रो. the fist of a hand भग॰ १६, ३;

जमलत्ता. स्त्री. (यमलता) क्लेड्सापणु. युग लता. State of being a pair. विवा॰ ४;

जमिलिय त्रि॰ (यमिलित-यमकं नाम सजातो ययोर्युग्मं तन् संजातमेपा ते यमिलिताः) दिशा-भां सभश्रेष्शिये रहेशः एकही दिशा में सम-श्रेणी में स्थितः Remaining in juxtaposition; remaining in a straight line श्रोव॰ भग॰ १, १,

जमा स्त्री॰ ( याग्या-यमो देवता यस्याः सा याग्या) दक्षिण दिशा. दक्षिण दिशा. The southern direction भग॰ १०, १, (२) यभनेतिक्षाक्षती राजधानी यददेव का पाटनगर. the capital of god Yama भग० १०, ४;

जमालि पु॰ (जमालि) ओ नाभना क्षत्रिय રાજકુમાર, મહાવીરસ્વામિના જમાઇ કે જેણે પ્રભુંપાસે દીપ્તા લીધી અને પાછલથી ओ ४ पंथ अक्षाञ्ये। इस नाम का चित्रय राजकुमार, महावीर स्वामी का जवांई कि जिन्होंने प्रभु के समीप दीचा ली श्रीर फिर एक पंय की स्थापना की A Ksatriya prince, the son in law of Mahāvīra Svāmī who received Dīksā him and afterwards founded a sect " तत्थणं खत्तिपकेड-गामे खबरे जमालिखामे खात्तम कुमारे परि-वमह " भग्० ६, ३३, नाया० म; निर० ४, १; ठा० ७, १; -- प्रज्ञमयण न० (-श्र-ध्ययन ) आंतगर हशानं ६३ अध्ययन हे के दास अपसण्ध नथी श्रम्तगडदशा का छुठा श्रध्ययन कि जो कितहात उपतन्य नहीं है. name of the 6th chapter of Antagadadasā (it is no longer extant). ठा॰ १०,

जिमिगा. स्त्री॰ (यमिका) लभ । पर्पत्ना हेयतानी राज्यानी. समक पर्वत के देवता का पाटनगर. The capital of the gods residing on the Jamaka. स॰ प॰ ४, ८८,

जिमिय त्रि॰ ( यमित ) नियन्त्रित ६रेल. दिशा दिखाया हुन्ना. Guided, governed. मु॰ च॰ १, २६;

जमुरा स्त्री॰ (यमुना) अभना नही यमुना नदी The Jamuna river. मु॰ च॰ ५ ६;

जम्म पु॰ न॰ (जन्मन् ) ०४०४, ७८५ति उल्लातिः जनम Production; birth नाया० १, २: १३: १६, १६, नाया० ध० भग० ६, ३३; १४, १, सु० च० १, १८७, ३०६: ३, १८३, विशे० ७२४; दमा० ६, १; निर० १, १, श्रोव० ४३; सुय० १, १, १, २३; पि॰ नि॰ ७४: उवा॰ २, ११३, ऋप॰ २, १८; प्रव० ४; भत्त० १६४, -- जरा-मर्या. न॰ (-जरामरण) जन्म-जरा अने भरुख जन्म जरामरण. birth, old age and death पएह ०१,३, — जीवियफल. न॰ ( -जीवितफल ) जन्मरूप छिपतनुं ६स. जीवित फल the fruit of life. भग० १४, १; नाया० १३, — सागर. न० ( -नगर ) ज्या जन्म थये। हे।य ते नगर जिस जगह जन्म हुआ हो वह नगर. blie town where one is born. जं॰ प॰ ४, १२२, ४, ११७; -- ग्रायर. न० (-नगर यस्मिन् नगरे यस्य जनम भवति तत्तस्य जन्मनगरम् ) ०८-भ नगर, ७८५नि २यानः

के गामभां जन्म थया हाय ते गाम. जन्म नगर; उत्पत्ति स्थान. the town where one is born; birth-place. नं॰ प॰ ५,१२३; —दंसि. त्रि०(-दर्शिन् ) जन्मना भरास्वरूपने जीनार जनम के बास्तिविक स्वरूप को देखने वाला (one) who understands the real nature of birth (life). " जे गव्भदंति से जम्म दंसि जेजम्मदंसि से मारदंसि' श्राया० १,३, ४,१२५; --दोस पुं॰ (-देाप) ०४०म सर्धः ભાવી દेાય-જન્મનी ખાડ. जन्म दाय. the defect from the very birth ठा०३०; -- नक्खत्त न॰ (-नचत्र) ०४-भनं नक्षत्र. जनम नत्तत्र the natal star. ऋष्. प्र, १२८, —पक्ष. त्रि०(-पक्व) जन्मधीज भातानी भे**न्ने ५.**६न जन्म से ही-स्वयं परिपक्क वना हुआ fully developed mature from the very or birth विवा १, द: -फल. न॰ (-फल) গ্রেবনু ধ্র মুখীজন, জীবন কা फल-प्रयो-जन. the aim or object of life. पंचा॰ ८, ३; — भूमि. स्रो॰ ( -भूमि ) જન્મ ભૂમિ; માતૃ ભૂમિ. जन्म भूमि; मातृ भूमि birth-place; mother-land. " अवसेसा तित्थयरा निक्खता जन्म भूमिसु " सम॰ प॰ २३१; —समञ्र. पुं॰ (-समय) जन्भने। वणन जन्म समय. the hour of birth sq. u;

जम्मंतर. न० ( जन्मान्तर-म्रन्यजन्म जन्मा-न्तरम् ) अन्य अन्भः पूर्व अन्भः पूर्व जन्म. Previous birth गच्छा० ६; भत्त० १६६, —क्रम्र त्रि० (-क्रत ) अन्भांतरभां ५रेश. पूर्व जन्म मे किया हुया. done in the previous life गच्छा० ६,

जम्मण न० (जन्मन्) अन्भ, अत्यत्ति, अपार-

वं; अवतार. जन्म; उत्पत्ति; श्रवतार. Birth; production; incarnation. " जम्मण जरामरण करण गभीर दुक्ख पक्खाभिश्र '' पगह० १, ३; नाया०१; ४, ८; भग० ११, ११; १२, ७, १=, २: २५, ६; जीवा० १; श्रोव० २१; श्रोव० ३१; श्रोघ० नि० ११६; जं० प०४, ११२; श्रगुजो० १७; १५४;निर०२,१, —चरिय. न॰ (-चरित्र) लन्भ शरित्रः छवन थरित्र. जन्म चरित्रः जीवन चरित्र. account of one's life: biography. राय॰ ६५; -चारिय-गिवद्व न॰ ( - चरित्रनिवद्व ) तीर्थं s२ता જન્માભિષેકના દેખાવવાલું ३૨ નાટકમાંતું शेश तीर्थं कर के जन्माभिषेक के दृश्य वाला नाटक, ३२ नाटकों में से एक. a dramatic performance showing the birth of a Tirthankara; one of the 32 dramas, रायः — भव्या नः ( -भवन ) प्रसूति धर प्रसृति घर क lying-in chamber. जं॰ प॰ ५; ११२; -- मह. पुं॰ ( -मह ) जन्म भड़ेात्सव. जन्म महोत्स्व. festivity in conncetion with birth. भग०३, —महिमा- पं॰ ( -महिमन् ) अन्भेत्सव. जन्मोत्सव festivity in connection with birth. मग० १४, २; जं० प० ४, 992: 993;

जम्मा. स्री॰ (याम्या ) हिंसे । हिंसा. दिसा. पिक South. प्रव॰ ७६४;

√ जय. धा॰ I. (जी) छतवुं; लय मेशववी; ६ते धाभवी जय प्राप्त करना, सफलता पाना. To conquer, to succeed जयइ-ति. सु॰च॰१,१; उत्त॰७,३१,नंदी॰९; जयंति. जं॰ प॰ ७, १५२;

जहत्था भग० ७, ६, जियत्ता ठा० ३, २; जयंत. उत्त॰ ४,११; जं॰प॰ पि॰ नि॰१६०; जइतए. हे॰ कृ॰ भग॰ ७, ६;

√ जय धा॰ I. ( यत् ) भहेनत करवी; यत्न करना. पि exert oneself, to endeavour.

जयइ. उत्त॰ ३१, ७; जये वि॰ स्य॰ १, २, ३, १४; जयसु पि॰ नि॰ ४४; जयंत व॰क्र॰उत्त॰ २४, १२; पि॰नि॰१६०; जयतन्त स्य॰ १, २, १, ११. जयमाण. १,४,१, १२६; १,६, २, १८३;

9, 8, 9, 29;

जय-ग्र पु॰(जय) शत्रुओने छतवा ते, विजय विजय: रात्रओंको जीतना Victory खोव॰ ११;दस० ७, ५०; नंदी० ५; कप्प० १, ५; ४, ६७, नाया० १, ३, १६; भग ३, १; २; ७, ६, ६, ३३; राय० ३७; पन्न० २: (२) એ નામના વર્ત માન અવસ પિંણીના ૧૧ મા य क्ष्यती इस नाम का वर्तमान श्रवसींपणी का ११ वा चकवर्ती. name of the 11th Chakıawartī (sovereign) the present cycle, जं॰ प० ३, ४४, उत्त० १८, ४३; सम० ૫૦ ૨૨, (૩) એ નામની ત્રીજ આક્રમ અને તેરસ એ ત્રણ તિથિએ! इन नाम की तृतिया श्रष्टमी व तृयोदशी ये तीन तिथियां name of the 3rd, 8th and 13th day of a fortnight. ज॰ प॰ १; (४) भे नाभने। भे हेवता इस नाम का एक देवता. name of a god भग॰ રૂ, ૭, (५) ૧૨ મા તીર્થ<sup>૧</sup>કરને પ્રથમ **लिक्षा आपनार गृह्य १३ वें तीर्थंकर को** प्रथम भिन्ना देनेवाले गृहस्थ. a householder who was the first to give alms to the 13th Tirthankara.

सम पं २४२;--- साम पुं (-नामन्) ज्य नामे १३ मा यहवर्ती, जय नाम का ११ वा चकवर्ती. name of the 11th Chakravartī. ठा० १०: उत्त० १८. ४३: -सद्द पुं॰ ( -शब्द ) जय थाओ ओवे। शण्ट. जय हो ऐसा शब्द. the exclamation 'victory! victory!'. " जय-सदृग्धोसएगा " भग० ६, ३३; श्रोव० ३१; कप्प॰ ४, ६२,--ज्ञय. पुं॰ (-जगत्) सं सार, क्षेत्र, हुनिया. संसार, लोक worldly existence; the world भग० २०, २; ३; -- गुरु. पुं॰ ( -गुरु ) જયતના ગુરુ: श्रीलिनेश्वर, जगत के गुरु, श्री जिवेश्वर, the world-teacher; Jineśwara स॰ च॰ २, ३६१, पंचा० ४, ३३,---पश्चिद्ध त्रि० (-प्रसिद्ध) ०४ । अर्डेर. जग जाहिर, लोक प्रसिद्धः प्रख्यात. famous: well-known. सु॰ च॰ १, २८; — पहु, पु॰ (-प्रमु) જગતના प्रभू, परमेश्वर, the loid of the world; the supreme being. सु॰ च॰ १, ३८०, —पुंगव त्रि॰ (-पुन्नव ) જગતમાં श्रेष्ट जगत मे Ry the greatest or the best in the world. yo २, ६७७;

जयंत पुं॰ (जयन्त) ल शु ६ १ ५ ना यार ६ १२
भांतु पश्चिम तर्द्वनु ६ १२. जम्बूद्धीय के चार

द्वारों में से पश्चिम दिशा के तरफ का द्वार.

The western gate of the four
gates of Jambū Dvīpa. "कहिण
भते जंबू दीवस्स जयत गाम दारे पराणते"

जीवा॰ ३, ४, जं॰ प॰ (२) लयत नामे
पाय अध्युत्तर विभानभानु त्रील्यु विभान
ओनी स्थिति ३२ सागरे। भमी थे ओ देवता
१६ मिं ६ ने श्वासे। श्वास से थे ओने ३२
६ लगर वर्षे क्षुधा सागे थे जयत नाम के
पाय अग्रुत्तर विमान में से तीसरा विमान;

इस देवता की स्थिति ३२ सागरोपम की होती है. १६ महिने मे ये देवता श्वासीच्छ्वास लेते हें और इन्हें ३२ हजार वर्ष से चुधा लगतां है the third of the five principal celestial abodes known as Jayanta. The lifeperiod of the gods of this abode is 32 Sāgaras. They breathe once in 16 months and feel hungry once after every 32 thousand years. "विजये विजयंते जयंते श्रपरााजए सवहासिद्धे" ठा० ४, ३; ४; सम० ३२, भग ०४, 🖙 २४, २४; नाया० ६; प्रव० (३) ते विभानवासी देवता. उस विमान मे रहने वाले देवता. gods residing in celestial palaces or abodes. सम॰ उत्त॰ ३६, २१३; पञ्च॰ १; (४) મેરુ પર્વાની ઉત્તર દિશાએ આવેલા રુચકવર भव<sup>र</sup>तना आहे इसमांनुं ७ मुं इस मेरू पर्वत की उत्तर दिशा के तरफ आये हुए रूचकवर पर्वत के त्राठ कूट में से सातवां कूट. the 7th of the eight summits of Ruchakavara mountain situated to the north of Meru. ਹ ૪; ( ૫) આવતી ચાવીસીમાં થનાર પ્રથમ अक्षदेव. आगामी चोवीसी मे होने वाले प्रथम वलदेव. the first Baladeva of the coming cycle. सम० प्र॰ २४२; ( ૬ ) વજ્સેન સુરીના ચાર શિષ્યમાંના ત્રીજા શિષ્યનું નામ અને તેનાથી નીકલેલ शाभानुं नाभ. वज्रसेनसूरी के चार शिष्यों में से तीसरे शिष्य का नाम व उनसे निकली हुई शाखा का नाम. name of the third of the four disciples of Vajrasena Sūrī as also the

school that sprang from him. वष्प॰ =; --पवर. पुं॰ (-प्रवर ) त्रीलुं अतुत्तर विभानः तींसरा श्रनुत्तर विमानः the third chief celestial abode known as Anut ara नाया॰ इ: जयती. स्त्रं ॰ ( जयन्ती ) आशांभी नगरी નિવાસી જયંતી નામે મહાવીર સ્વામીની भेाटी श्राविधा कौशाम्बी नगरी निवासी जयन्ती नाम की महावीर स्वामी का वही -श्राविका. Name of the great female disciple of Mahāvīra Svāmī living at Kaośāmbī. भातानुं नाभ ज्वे बलदेव की माताका नाम. name of the mother of the seventh Baladeva, सम् प॰ २३४: (३) सातभी हिशाधमारी सातवी दिशा-क्रमारी the seventh Disakumārī. ( ૪ ) સર્વ પ્રહની ચાર અગ્રમદિવીમાંની त्रीछ अश्रमिद्धिपीतुं नाम सर्वे प्रहों की चार श्रमितियां में से तीसरी श्रममित्यों का नाम. name of the third of the four principal queens of the planets. जं० प० ५, ११४; जीवा० ४, ठा० ४, १; भग० १०, ५; ( ५ ) भद्धावप्रविष्यवी भुण्य राजधानी. महावप्र विजय का मुख्य पादनगर. the chief capital of Mahavipra Vijaya. जं॰ प॰ ठा॰ २, ३; (६) उत्तर हिशाना व्यंज्यन पर्यातनी क्षेत्र पश्चिमनी वावनं नाम. उत्तर दिशा के श्रंजन पर्वत की पश्चिम तरफ की एक बावडी का नाम. name of a well situated to the west of the northern mountain, Anjana. जीवा॰ ३, ४; प्रव० १५०३; (७) ५ भवाडी आनी पहर रात्रिभांनी ७ भी रात्रिनं नाभ. पच्च की १५

रात्रियों में से ६ वी रात्रि का नाम. name of the ninth of the fifteen nights of a fortnight. जं॰ प॰ स्॰ प॰ ૧૦: (૮) સાતમાં તીર્થકરની પ્રવજ્યા-पास भीनं नाम सातवे तीर्थंकर की प्रवच्या पालकी का नाम, name of the palanquin used by the seventh Tirthankara while accepting asceticism. सम॰ प॰ २३१; ( ६ ) ओ नामनी એક शाफा, इस नाम की एक शाखा. a school of this name. काप॰ =: जयघोस पं॰ (जयघोप) ये नामना येड મુનિ કે જે કાશીમાં ધાઇન્ કુલમાં જન્મેલ હતા પ્રથમ વેદ ધર્મના સારી રીતે અભ્યાસ કર્યો હતા પાછતથી ગંગા નદીને કાં ઠે એક ક ખીજ પ્રતિપક્ષી પ્રાણીઓથી, પ્રાણી ગલાતા જોઇ વૈરાગ્ય પામી જૈન દીક્ષા અંગી-કાર કરી, મહા જ્ઞાની અને તપસ્ત્રી ળન્યા માસ ખમણને પારણે પાતાના ભાઇ વિજય ધાેપને અતરંભેલ યત્રમાં ભિક્ષા લેવા આવતાં કર્યાં. તથાપિ ષ્મ હાણાએ તિરસ્કાર તેની દરકાર ન કરતાં ધ્યામ્હણ ધર્મ અને **લામ્હણ શખ્દનુ ખરુ રહસ્ય પ્રકાશી જે**ણે विजय धे. पने पश ही शा आपी इस नामके एक सनि जो कि काशीमे ब्राम्हण कुलमे जनमे थे. प्रथम वेद धर्मका अच्छा अभ्याम किया था, पीछे से गंगा नदीके तटपर एक २ प्राणी श्चन्य प्रतिपत्ती प्राणी द्वारा निगला जाता हुआ देख वैराग्य प्राप्त हो गया जैना दीचा श्रागिकार करके वडे ज्ञानी ख्रीर तपस्त्री वने मास खमण (एक मासका उपवास) के पारणे के दिन अपने वन्धु विजयघोषने प्रारंभ किये हुए यज्ञमे भिज्ञा लेनेको गये किन्तु ब्राह्मणीने तिरस्कार किया, परंतु उस की परवाह न करते नाम्हण धर्म व नाम्हण शब्द का यथार्थ रहस्य का प्रकाशन कर विजयघोष को भी Vol. 11/100

दोचा दो. Name of an ascetic of Benares and boin in Brahman family. First he had studied Vedism well, but afterwards when he saw on the bank of the Ganges every acquatic creature being devoured by the other rival creature, got disgusted of the worldly life, became a Jaina ascetic and acquired a vast knowledge and practised an austerity. Once on the day of breaking a fast of one month he went to beg alms to the place of sacrifice which his brother Vijaya Ghosa had begun but without any regard for being rebuked by the Brahmans explained vividly the meaning of the Vedic religion and of the word Brahmana winned his brother and initiated him in his order. उत्तः २४, १:

जयजय पुं॰ (जयजय ) જય थाओ! જય थाओ। ओवे। १०११ जय हो जय हो ऐसी घ्विन. The exclamation Jaya! Jaya! (victory) मग॰ ६, ३३; —रव. पु॰(-रव) જય थाओ। ओवे। अग्शी-वांद वायक्ष शफ्द. जय हो ऐसा आशोवांदवा-चक शब्द. the benedictory exclamation Jaya, Jaya (victory) अग॰६,३३;—सइ. पुं॰ (-शब्द) જય જય ओवे। आशीर्वांद शफ्द जयजय ऐसा आशोवांद शब्द. The benedictory exclamation Jaya Jaya (victory). श्रोव० जं प० ५, १२२,

जयणा. न॰ (यजन) अलय देवु ते श्रमय दान देना. Giving assurance of safety. परह॰ २; १;

जयगा. न॰ ( यत्न ) आणीनं रक्षण करना Protection of living beings. पग्ह॰ २, १; (२) यत्न करने। ते; उद्यम करने। ते यत्न करना. effort; exertion. नाया॰ १; पग्ह॰ २, १,—(गा) श्रावरिग्ड ज न॰(-श्रावरगीय) कथी अयत्न-उद्यममां अंतराय पडे तेवी क्षभी अयत्न-उद्यम में विष्न हो ऐसी कर्म की एक प्रकृति. a kind of Karma which hinders efforts भग॰ ६, ३१;

जगणा स्त्री॰ (यतना) ज्यतना; स सास सर्थे पर्योग राभवे। ते सावधानतायुक्त स्त्राचरण; हरेक कार्य में उपयोग रखना
Cautious behaviour, making every action useful; proper circumspection. उत्त॰ २४, स्त्रोव॰ २१; पिं० ति॰ मा॰ २६; नाया॰ ५; भग॰ १८, १०; पंचा॰ ४, १०; ७, २६; गच्छा॰ ८०;

जय गा. स्त्री॰ (जयना) भधी गति उपर छत-भेक्षेचे अभी देवतानी गति सर्व गतियों के ऊपर सफलता प्राप्त करे ऐसी देवता की गति The gait or the speed of gods which is the highest of all "जयगाए गइए" कष्प॰ २, २७: नाया॰ १; भग॰ ३, १, राय॰ २६;

जयगा. ला॰ (यत्ना) समितिमां छ प्रधारनी यतना-विवेध. सम्यक्त में छ. प्रकार का विवेक The six forms of discrimination in Samyaktva. प्रव॰ ६४१; जयद्द. पुं॰ (जयद्रथ) भे नामना थेध राज-

कुभार. इस नाम का एक राजकुमार. Name of a prince "गंगेयाविदूरहोण जयदहं" नाया॰ १६;

जयमाण, त्रि॰ (यतमान) यत्न करता हुत्रा Endeavouring; striving पंचा॰ १५, ११;

जया. अ० (यदा) कथारे; के वभते जब; जिस समय. When. नाया० ३; ७, १९; १६; नाया० ध० भग० ४, १; दसा० ४, ३२; १०, १, दस० ४,४, श्रोव० १२; उत्त० २४, १६, विशे० ६२, क० गं०२, ७,

ज्ञयाः स्त्री॰ (जया) भारमा तीर्थं धर वासु-पूल्यनी भातानुं नाभ. वारहवे तीर्थंकर वासु-पूज्य की माता का नाम. Name of the mother of the twelth Tirthankara, Vāsupnjya. सम॰ प॰ २३०; प्रव॰ ११; ( २ ) त्रीक, आहंभ अते तेरसनी गत्रिना नाभ. तृतीया, श्रष्टमी श्रीर त्रयोदशी की रात्रियों के नाम pame of the 3rd, 5th and 13th night of a fortnight स्० प० १०; (३) ये।था ચક્રવતી ની સ્ત્રી ( રત્ન ). चौथे चक्रवर्ती की at. the wife of the fourth Chakiavartī सम॰ प॰ २३४, (४) श्रीक જ્યતની મિકાઇ. एक प्रकार की मिठाई. હ kind of sweet-meat ज॰ प॰ ४, 992:

जयारमयार. पुं॰ ( जकारमकार) જકારમકार रूप अपशान्द जकार मकार रूप श्रपशान्द A corrupted word having the sound 'ja' and 'ma'. गच्छा॰ १९०; √जर था॰ I, II. (जॄ) જીહ્યું કરેલું.

√ जर धा॰ 1, 11. (जॄ) छुख् ४५५. जीर्ण करना To grow old; to decay. जरेहि स्राया॰ १, ४, ३; १३५;

जर. पुं॰ (ज्वर) ताय; ओड ज्यतने। रे।अ. बुखार; ताप; एक प्रकार की विमारी. A. kind of disease; fever. जीवा॰ ३, ३; विशे॰ १२०४, नाया॰ १; ४; १३; भग॰ ७, ६; (२) न॰ संताप. सताप. ६०। १ व्यासना की वा॰ ३, १; —समण् न॰ (-शमन) तावने शांत करवे।, बुखार को शान्त करना. cessation of fever पंजा॰ ४, २६,

जरगा त्रि॰ (जरक) ७७६ जीएँ। पुराना Old; worn out "जरग ग्रोवाहणें तिवा" श्रगुत्त॰ ३, १;

जरगा पुं॰ (जरद्रव) घरडे। णक्षह. बृद्ध वैल An old ox. (२) जरड-प्म नामनुं जनायर. जरक-ख नाम का जानवर. a kind of animal. श्रणुत्त॰ ३, १,

जरगाव पुं॰ (जाह्नव) धरेडे। णलह. शृद्ध वैल An old ox. " जरगावपाए " अणुत्ति॰ ३, १; सूय॰ १, ३, २, २१;

जरढ जि॰ (जरठ) धर्ध लुनुं; छर्ष् . ब्रद्ध, पुरातन; जीर्ष Old, aged, decayed श्रोध॰ नि॰ ७३७; श्रोव॰

जरय पुं॰ (जरक) पहेबी तरकते। मेरूथी हिंसि तरकते। जेक तरकायासे। पहिली नरक का मेरु से दिलाण तरफ का एक नरकायास. An internal abode to the south of Meru of the first hell ठा॰ ६, 1;

जरयमम्सः पुं॰ (जरकमध्य ) पहेली नरकते। उत्तर हिता तरक्ती ओड नरकावासी पहिली नरक का उत्तर तरफ का एक नरकावासः The northern internal abode of the first hell. ठा॰ ६, १;

जरयावत्त. पुं॰ (जरकार्वत ) पहेबी तरहते। पश्चिम दिशा तरहते। ओह तरहावासे। पहिली नर्क का पश्चिम दिशा का एक नरकावास. The western hell-abode of the first hell region. ठा॰ ६, १; जरयावसिष्ट. पुं॰ (जरकावशिष्ट) पहेली
नर्डने। हिला हिशा तर्डने। ओड रेड्डोटे।
नर्डायासे। पहिली नरक की दिल्लिण दिशाके
श्रोर का इस नामका वडा नरकावास. A.
big hell abode of the first
hell region situated in the
south ठा॰ ६, १;

जरसः पुं॰ (जरच) ओड ज्यतनुं ज गली पशु. एक जातिका पशु. A kind of brute. जीवा॰ ३, ३;

जरा . स्री० (जरा) ध्रप्रस्, दृक्षानस्था. दृद्धान्तस्था Old age, decline of age.

" जीवासं भते किं जरा सोगे?" मग० १६,
२, भग० २, १; ३, ७, ७, ६; ६, ३३,
नाया० १, ८, १७; विशे० ३१७८; पत्र०
२, दस० ६; ६०, ८, २६; सत्था० ३२;
ग्रोव० २१; भत्त० १४, १६४; श्राव० २,
४, उत्त० ४, १; १३, २६; श्राया० १, ३,
१, १०८, स्य० १, १, १, २६; जं० प०
७, १५३, सू० प० २०; सु० च० १, २३५,
— जज्जिरिय. त्रि० (-जर्जिश्त) जरायी
छन्षु थ्येत्र जरासे जीर्स जीर्स, कार्स, न०
(-मरस् ) जरा अने भरस्य जरा व मरस्य,
old age and death श्राव० २, ५;

जराउम्र त्रि॰ (जरायुज) જર યુ-એ त साथे जन्म पामला कन्म पामला भनुष्य अने पशु जरायुन साथ में जन्म लेने वाला, गर्भाशय से जन्म पाते हुए मनुष्य वपशु Born from the womb, viviparous. स्य॰ १, ७, १, प्रव॰ १२४०; स्राया॰ १, १, ६, ४=, दस॰ ४; जीवा॰ ३, २,

जराउज त्रि॰ (जरायुज) लुओ। "जरा-उम्र" शण्द देखो " जराउत्र " शब्द. Vide " जराउम्र " ठा० ७, १; जराउयः त्रि॰ (जरायुज) लुओ। " जरा-डम्र "शण्ट. देखो " जराउम्र " शब्दः Vide "जराउम्र " म्र.या॰ १, १, ६, ४८; दस॰ ४; जीवा॰ ३;

जराकुमार पुं॰ (जराकुमार ) यादव वंशना એક કુમાર કે જેને હાથે કુખ્ય મહારાજતું भात थरी समाध लगवाने प्रधाशवाधी તે પાતકમૌથી બચવાને જે દાસંબી વનમાં રહેતા હતા છતા દેવ યાગે કૃષ્ણ મહારાજ ત્યાં આવીચડ્યા અને જરાકમારને હાચેજ भेशत थथुः यादव वंश का एक क़मार कि जिसके हाथ में कृष्ण महाराज की मृत्य होने वाली थी. नेमनाय भगवानने यह भविष्य प्रगट किया था और पातक से बचने की जिस कोसंबी यन में वे रहने लगे थे वहां भी कृष्ण महाराज जा चटे श्रीर जराकमार के हाथ से मृत्यु हुई. A Yādava prince at whose hands Kiisna was to meet his death. Owing to the manifestation of Nemanatha, he used to reside in the forest of Kosambī for saving himself from sin, where too Krisna happened to come and was killed at the hands of Jara Kumāra. श्रंत॰ ४. १:

जरासंध पुं॰ (जरासध) राजगृद नगरने। राजगः नवभा अति वासुदेवः राजगृह नगर का राजाः नव में प्रति वासुदेवः. The king of Rajagriha; the ninth Prati-Vāsudeva. पग्ह॰ १,४,

जरासिंधु पुं॰ ( जरासिन्धु ) की नाभने। राज्य जरा सिन्धु नामका राजा A king so named; the ninth Prati Vāsudeva. नाया॰ १६; प्रव॰ १२२७, जारे त्रि॰ (ज्वरिन्) ताय व की। ज्वर वाला Attacked with fever. নৃ৹ ন৹

जरिष्टा, त्रि॰ ( उपरित ) कवर-नाव वगेरे रेशियाक्षं ज्वर. तापं श्रादि रोगवाला. Attacked with fever, 140 fac ५७२; ४=२; स्य० १, ७, ११; प्रय० ११२; हजस्ता स्रं। ( जरूना ) यार ५६५ वादी। शिष्ट १९४२, चार इंदिय वाला एक जीव. A four-sensed creature, 720 जल न॰ (जल ) पाणी, लक्ष. जल; पानी. Water, नाया॰ १: २: ४: ८: १८: भग॰ २, १: ४, ७, ४२, १: नंदी० ७: विशे० २०६; श्रीय० २९; उत्त० ३६, ४०; क० गं० १, १६; भत्त० १२६; प्रव० ४७७: ( २ ) જલકાન્ત તથા જલપ્રભ ઈંદ્રના પ્રથમ લાક-पावनं नाम, जलभानत व जलप्रभ इंडके प्रथम चौकराल का नाम name of the first Lokapāla of Jalakānta and Jalaprabha Indra. जं॰ प॰ ४, ७४; ठा०४, १; भग० ३, =; (३) पाधीता छतः जल के जीव. an aquatic animal क॰ गं॰ ४, १३; (४) प्रस्वेः; पसीने।. पसीना, प्रस्तेद. sweat; perspiration. નાયા ૧૧; ( ૧ ) જલસ્યાતઃ તલાવ વગેરે. जलस्थान वगैरह a store of water; n pond etc. दसा॰ ७, ९; —ग्रंत. पुं॰ ( -श्रन्त ) પાણીના અંત-છેડા. जल वा श्रंत-भाग. depth of water. भग॰ ६, ४; —श्रभिसंयः न॰ ( -श्रभिपेक ) પાણીયી નહાવું તે. जल से स्नान करना. bathing with water. ११, ६; नाया॰ ४; निर॰ ३, ३; — श्रभि-सेयकढिणगायः पुं॰ (-श्रभिषेककीठन-गात्र ) વાનપ્રસ્થ તાપસની એક જાત જેનું શરીર પાણીના વારંવાર સિંગનથી કરિન થઇ **ગયેલ હै।य ते वानप्रस्य तापस की एक** 

जाति कि जिसका शरीर जल के वारवार सिंचन से कठिन हो गया हो. an order of hermits; one whose body has been hardened by the frequent sprinkling of water. भग॰ ११, ११; — उत्तार. पुं॰ ( -उत्तार ) पाणीमां अतर्यु ते जलमें उतरना. descending -- उवरिद्राइ त्रि० ( - उपरिस्थायिन् ) क्स अपर रहेनार, जलके ऊपर रहने वाला. (one) living above water. नाया॰ ६, --काय न॰ (-काय) अप्डाय; पाणी. श्रप्काय; जल water क॰ गं० ४, १३; —िकिंद्र. न० (-िकेंद्र ) पाणीने। भेश, से या न; इी श जल का मेन; कजी durt in the water, moss राय १७३;—कीडा स्री॰ (- क्रीडा) પાણીની અંદર તરવુ, કુપકી भारवी वरोरे गम्भत जल के भीतर तैरनाः कूदना इत्यादि खेल sporting or gambolling in water. राय० १७३; भग० ११, ६; विवा॰ ७, -कीला. स्री॰ (-क्रीडा) जुओ। उपने। शण्ट देखे। ऊपर का शब्द vide above. भग॰ ११, ६, -कुंभ. पुं॰ ( -कुंभ ) पाजीता घडेा. जल का घडा-पात्र a pot of water. पंचा॰ १४, ११, -गय त्रि॰ ( -गत ) पाणीमा रहें डें जल में रहा हुया living in water. निसी० १८, २०, (२) पु॰ पाणीनी व्यांदर रहेंदा छव जल के भांतर रहा हुन्ना जीव. a creature living in water, an aquatic animal पगह० १, १; — घरियः त्रि॰ (-गृहिक) પાણીની વ્યવસ્થા કરનાર, પાણી પાનાર. जल वाला (one) looking पिलाने after water arrangements नाया॰ १२, -चक्कवाल न॰ (-चक्कवाल)

पाणीना गांव धुंधावा. जज्ञ का गोल चक्कर. a ring, a circle of water. पग्ह. १, ३; -चार. न॰ (-चार) नापाहिनुं પાણીમાં ચાલવું તે, વહાણનુ જવું. નાવ वगैरह का जल में चलना; जहाज का जाना, moving of a boat or vessel in the water. श्राया॰ नि॰ १, ४, १, २४६; --चारिया. स्री॰ ( -चारिका ) ચાર ઇદ્રિયવાલા એક જતના છવ चार इंद्रिय वाला एक जाति का जीव. a kind of four-sensed creature. প্রত १, —च्छाग्रन. न० ( -गालन ) पार्शी गक्षवु ते. जल का टिपकना oozing or trickling of water date 8, 99, —हारा. न॰ (-स्थान) જલાશય, **પાણી**નાં स्थान. जलाशय; जल का स्थान. a pond; a reservoir of water पन :: -रधल्य. त्रि॰ ( -स्थलज ) **१४३** अने સ્થલમા ઉત્પન્ન થયેલ; કમલ ગુલાળ વગેરે. जज व स्थल में उत्पन्न; कमल,गुलाव इत्यादि produced in water and on earth; the lotus, the rose etc. सम॰ ३४; —दोरा पुं॰ (- दोरा ) द्रे। धु प्रभाशु पाधी द्रोण के प्रमाण से जल a cupful of water. प्रव० १४२४, — घारा-स्री॰ ( -धारा ) पाणीनी धार जल-धारा; पानी की घार. a stream or current or flow of water. भग॰ ६, ३३: -पक्खंद. न॰ (-प्रस्कन्द) पाणीमां ડુળી મરીજવું તે, બાલ મરણનાે એક પ્રદાર. जलमे इव मरजाना, वाल-मृत्युका एक प्रकार. diowning in water, premature death निसी०११,४१; -पदःखंदण न० (-प्रस्कन्दन) लुओ उपने। शण्ह देखो ऊपर का शब्द vide above निसी॰ ११. ४१; -पर्वेस. न० (-प्रवेग) जुगी "जन-

पक्खंद '' शण्ह. देखो ''जलपक्संद '' शब्द. vide " जलपक्यंद " निसी॰ ११, ४१; -पवेसिक वि॰ ( -प्रवेशिक ) जलमां अवैश धरनार, जल में प्रवेश करने वाला. (one) who enters into the water भोव॰ ३=: -- प्रवेस. न॰ लुओ। " जनपम्यंद " शण्ध. देखो " जन-पनसंद " शब्द vide "जन्नपनसंद" ठा० २, ४; भग० २, १; नाया० १६; — विंदू. पुं॰ ( -विन्दु ) पाणीनं टीपुं. जल का बूदं a drop of water. नाया॰ १; कप्प॰ ३, ४९; —चासि पुं॰ (-प्रामिन् ) ०/अ/(/ र्थादर वसनार तापसनी ओक जात. जल के भीतर रहने वाले तापस की एक जाति an order of ascetics living in water. "जनवासियो ति ' भग॰ ११, ६; निर॰ ३, ३; — बुब्ब्छ्य. न॰ (-ब्रट्बर् ) पाणीना परपेछा. जल का युलयुला. A bubble of water. "विसय सुद्दं जलवुच्यु प्रममार्गं" श्रोव॰ —बुब्युद. पुं॰(-बुद्बुद्) ऋओ (७५दे। शण्ह देंखो जगर का शब्द vide above भग० ६; ३३;-भय. न० (-भय) पाधी g अथ जल का भय fear of water प्रव॰ ६८०; -भूमिश्रा. स्रो॰ (भूमिका) पाणी वासी क्मीन जल वाली घरती. land having water. पन्न॰ २; —मज्जण न॰ (मञ्जन) १४३ स्तात जल स्तान. bathing or ablution in water. नाया॰ २; =; ९, भग॰ ११, ६; विवा॰ ७; —मज्मा. न॰ (-मध्य) पाणीनी वन्ये; ल्सभां जल के वीच में, जल में. the midst part of water अव. **—माला** स्री॰ (-माला) धशुं पाश्री. बहुत जल. plenty of water. स्यानिवा, १, १६१; -रक्खस. पुं॰ ( -राज्स) शक्षस

ने। भांथभे। प्रधार राज्य का पांचवां प्रकार. the fifth variety of demons. पन्न १, --रमगु. न ॰ (-रमग) व्यवहीय. जनकोटा sporting in water. नायाः १३; — रहः पुं॰ ( - रह ) व्यवसा भेश थनार वनस्पति, इभक्ष, शेवाक्ष वर्गरे, जलमें पैटा होनेवाली तनस्पति, यसन, दृखादि, vegetation growing in water; the lotus etc 'सेकित जलरहा !; जन रहा श्रगोगावहा परागृता' पद्य ०१, जीवा०१; -रेहा स्ना॰ (-रेखा) पाधीमा बाहरी यभेरेथी अंकी बीटी जलमे लक्ष्टी वगैरह में की हुई रेगा a line made by means of a stick etc in the water. wo गं०५,६३;—विच्छ्य पुं०(-वृहिचक) १४३-ने। विथी जल का बिच्यु n prawn पन्न • १; —िचसुद्ध. त्र॰ ( -िवशुद्ध ) १४४४। शुद्ध थ्येत. जल मे शुद्ध purified by means of water अव॰ ७३४, —सित्तः त्रि॰( -मिक्त ) पाछीयी सियन धरेश जल से मिगन किया हुआ. sprin kled or moistened with water. दस॰ ६, २, १२, —सिद्धिः र्ह्मा॰ ( - मिद्रि ) १८२मां न्दाता न्दाता सिद्धि पारी ते जल में स्नान करते करते सिद्धि पाने वह. perfection attained while bathing in water. " मुसं वयंते जलसिन्दिमाह "म्य॰ १, ७, १७; —सोयवाइ. पुं॰ (-शोचवादित्) પાણીથી શુદ્ધિ માનનાર તાપસની એક જાત. जल से शुद्धि मानने वाले तापस की एक जाति. an order of ascetics who believe in purity by means of water. स्य॰ नि० १, ७, ९०;

जलश्र-य पु॰ (जलद) भेधः वरसाह. वर्षाः मेघ A cloud विशे॰ ४६८ः १७१७; कप्प० ३, ३५;

जलकंत पुं॰ (जलकान्त) यह अन्त भि । सियत हिन पृथ्वीना ओड प्रधार चदकांत-माणि, सचित्त कठिन पृथ्वी का एक प्रकार The moon gem; a variety of hard animate earth उत्त. ३६, ७६, पन्न० १; सम० ३२, (२) ६क्षिए तर-इते। ઉદ્દધिक्षभारना ध्रित नाम दक्षिण तरफ के उद्धिकुमार के इंद्र का नाम. name of Indra of Udadhi Kumāra (son of the ocean) of the south. ठा० २, २; पत्र० २; (ર) જલકાંત ઇંદ્રના ત્રીજા લાકપાલનુ નામ जलकांत इन्द्र के तीसरे लोकपाल का नाम. name of the third Lokapāla of Jalakānta Indra 210 8, 9, भग० ३, ८,

जलकारि पुं॰ (जजकारिन्) नै। छिदिय छप विशेष: जलकारि नामक चोइंद्रिय जीव विशय. A kind of four-sensed creature of this name. उत्तः ३६, १४७,

जलचर पुं॰ ( नलचर ) पाणीभा उत्पन्न थर्ध पाणीभां रहेनार प येन्द्रिय निर्धय जल में उपन हो जलहीं में रहने नाला पंचेन्द्रिय तिर्धय A five sensed aquatic animal. श्रोवर ४१; मग॰ ६, १, १४; १, २४, १; प्रव॰ ६७६,—निष्टाण, न॰ ( -निधान ) अथयर निर्धय प येद्रियना प्रधार जलचर तिर्धय पंचेन्द्रिय का प्रकार a kind of five sensed aquatic animal भग॰ १४. १;

अलचरी स्रं (जलचरी) पाणीमा रहेनार भाण्डी, भधरी वगेरे, जक्षेयर तिप यनी स्री जल में रहने वाला मछली मगरी, जलचर तिर्यंच की मादा. A fish living in watar, the female of an aquatic animal. ठा॰ ३, १;

जलज. न॰ (जलज) पार्शीमां उप्तत्र थयेश, इभयारि. जल में उप्तच कमलादि. The lotus etc. produced in water. राष॰ २७;

जलजांबंत. त्रि॰( जाजूल्यमान ) कथ ६ ६ ५ त।; धीपता. प्रज्वलित; ज्वलंत. Blazing, burning. कप्प॰ ३, ३६;

जलगा. त्रि॰ (ज्वलन) देहि ध्यमान अश्रि, आग, देवता देदिप्यमान, श्रामन; श्राम Blazing fire; fire प्रव १०७३; क गं े १, ४५; गच्छा े ७६; पंचा े २, २६; ४, ४४; विशे० २७, २१४; ऋणुजी० १३१, १५४; नाया० १, १७; दस० ६, १, ११; सु० च० ४,२१०, श्रोव० ३८, भग० २, १, (२) पुं॰ ( श्रात्मानं चारित्र वा ज्वालयति दहतीति ज्वलनः ) है। ५. शुरसी। कोध, गुस्सा anger, rage स्य॰ १, १, ४, १२, (३) સલગાવવુ; વ્યાલવું. जलाना. burning; kindling पएइ॰ १, १; (૪) જ્ઞાનાદિ ગુણના પ્રકાશ કરવા તે ज्ञानादि गुण का प्रकाशन. enlightenment in the form of knowledge प्रव॰ १४८, (१) अग्निन धुभार देवता. श्रीनक्मार देवता the Agnikumāra deity. पगह॰ ٩. -काय न॰ (-काय) तेजरधायः अभित. तेजस्काय, अग्नि. one having a lustroug form; fire क॰ गं॰ ४, १३; -पक्लंद्गा. न॰ ( प्रस्तन्दन ) अशिभां પડી મરી જતું તે; બાલ મરણનાે એક પ્રકાર. श्रानि में गिरकर जल मरना; वालमृश्युका एक प्रकार burning to death by falling into the fire; a form of premature death निसी॰ ११, ४१; --- प्यवेस न॰ (-प्रवेश) अग्निती आहर

पडी णसी भरवुं ते; णास भरख्ने। ओ के प्रकार श्राम के भीतर गिर कर जल मरना; वालमृत्यु का एक प्रकार. burning to death by falling into the fire, a form of pre-mature death निसी ११, ४१; भग०२, १; नाया०१६; ठा०२,४;

जलन. पुं० (ज्वलन) लुओ। " जलगा " शम्द देखो " जलगा " शब्द Vide "जलगा" पि०नि० मा० १;

जलिनिहि. पुं० (जलीनिधि ) सभुद्र. समुद्र. The sea प्रव० १४६२,

जलपभ. पु॰ (जलपभ) हिक्षणु तरक्ष्ता उत्तर पाळुना उद्धिक्ष्मार ज्यानिना अवनपनि हेवताना धन्द्र दान्निण दिशाके उत्तर तरफ का उद्धिकुमार जाति के भवनपति देवता का इंद्र Indra of the Bhavanapati deities of the northern Udadhi Kumāra class of the south. ठा॰ २, ३, पच॰ २; (२) अवक्षान्त तथा अस्य अस धन्द्रना याथा दीक्ष्माक्षनुं नाम. जल-कान्त व जलप्रम इंद्र के चौथे लोकपाल का नाम. name of the fourth Lokapāla (regent of a quarter of the world) of Jalkānta and Jalaprabha Indra. ठा॰ ४, ९; भग॰ ३, ६;

जलप्पहः पु॰ (जलप्रभ ) लुओ। "जलप्पभ' शब्दः Vide. "जलप्पभ " समः ३२:

जलमय त्रि॰ (जलमय) पाणीभय, पाणी-रूप. जलमय; पानीस्त्रह्रप. Abounding in water. पराहु० १, १,

जलय. न॰ ( जलज ) ४भश. कमल A lotus. पन्न॰ १, राय॰ ४७, नाया॰ ६; जीवा॰ ३, ४; —श्रमलगंधिय. पु॰

( - श्रमलगिन्धक — जलजानामिव जलज-कुसुमानामिवामलो न तु कुद्दव्यसिमिश्रो यो गन्धः स विद्यते येषां ते जलजामलग-निधका.) ३भक्षना जेपी गन्धवाक्षा कमल की सी गन्धवाला. fragrant like a lotus जीवा०३,४; राय०४७, जं०प० ४,७४,

जलयर. त्रि॰ (जलचर-जले चराते पर्यटतीति जलचरः ) पाणीमा ७८५न थर्छ पाणीमां २६-नार पंचेन्द्रिय तिर्थय जल मे उत्पन्न होकर जल मे रहतेवाला पंचेन्द्रिय तिर्धेच. A five-sensed creature and living in water. " से किंतं जलपरपाचिन्दियातीरिक ब जोशिया '' पन्न ० १, जीवा० १; सम० १३; सू० प० १०; उत्तर ३६, १७०; भतः १३०; —निकर पुं॰ (-निकर) अथयर प्राशीना समूद. जलचर प्राणियो का समूह a collection of aquatic animals. प्रव॰ २२२; -मंस न॰(-मांस) भाष्ट्यां वगेरे लक्षयर **সাত্রিনু মান্ত্র, মান্ত্র আহি जलचर সাणियोका** मांस the flesh of aquatic creatures such as fish etc. प्रव॰ २२२: जलयरी स्रो॰ (जलचरी) ०४४ थर तिर्थय-पंचे दियनी स्त्री, जनचर तिर्यत पंचेन्द्रिय की हो. The female of a five-sensed aquatic animal. " से किं तं जलच-रीओ " जीवा० १;

जलरत्र. पुं॰ (जलरत) প्रधात तथा प्रध-प्रभ धन्द्रना बेहिशासनुं नाम जलकान्त व जलप्रभ इद के लोकपाल का नाम Name of the Lokapala (regent of a quarter of the world) of Jalakanta and Jalaprabha Indra. ठा॰ ४, १;

जलरूप-व पुं• ( जलरूप ) विधि धुभारना

धन्द्र ज्ञञ्चांतना भीन्त दे। अपासनुं नाम. उदिविकुमार के इन्द्र जलकात के दूसरे लोक-पाल का नाम Name of the second Lokapāla (regent of a quarter of the world) of Indra Jalakānta of Udadhikumāra. भग॰

जलवीरिय पुं॰ (जलवीर्य) यार छन्द्रियवाली छन विशेष. चार इन्द्रिय वाला जीव विशेष. A kind of four-sensed creature जीवा॰ १, (२) ऋशलदेव स्वाभीधी तेमना वंशमां थयेंथे। सातमा राजा. ऋषभेदेव स्वामी से जन के वश का मानवा राजा. name of a king born in the race of Risabhadeva Swāmī and seventh from him ठा॰ ६;

जलस्ग पुं॰ (जलस्क) ज्यात धन्द्रता धार्म जलकान्त इंद्रके दूसरे लोकपाल का नाम Name of the second Lokapāla (regent of a quarter of the world) of Jalakānta Indra. ठा० ४, १;

जलहर पुं॰ (जलधर ) भेध, वर्षांट. मेघ, वर्षा; वारिश A cloud, rains. कप्प॰ ३,३३,४४;

जलिह पुं॰ (जलिय) सभुद्र. जल-पानी-धि -भंडार-समुद्र The sea. सु॰च॰ १, १, नाय।० ११,

जलाय पु॰ (जल्पाक) राज्यना शृक्ष भेशत-नार. राजा के गुग बोलने वाला One who extols the merits of a king. निसी॰ ६, २२;

जलावर्ण न॰ (ज्वालन) सक्षभावपु. अशि भगट धरवे। जलाना, श्राप्त प्रकट करना Burning; kindling of fire. "जलर्ण जलावर्ण त्रिवंससेह " परह० १, १,

Vol 11/101

जलासय पुं• (जलाशय) ज्याशय, ज्या हेशां।-तक्षाव वर्गेरे, जलाशय; जल के स्थल-तालाव इत्यादि A pond; & reservoir. पन्न॰ २, — ज. त्रि॰ (-ज) જલારાય-તલાવ-સમુદ્ર વગેરેમા थयेश. जलाशय-तालाव समुद्र इत्यादि म उत्पन हुआ. produced in a pond, sea etc. प्रव॰ १९१४, —सोसगा न॰ ( -शोषण ) જલાगय-तलाव वगेरे सीस-વવા તે, શ્રાવકના સાતમા ત્રતના અતિચાર-રૂપ ૧૫ કર્માદાનમાનુ વાદમ કર્માદાન जलाशय-तालाव इत्यादि को सुकाना, श्रावक के सातवें व्रत के श्रांतेचार रूप १५ कर्मादान मे से चौदहवा कमीदान the suction or absorption of a pond etc the fourteenth of the Karmādāns (sinful operations) forming part of the partial violation of the seventh vow of a lay man. प्रव २६८,

जिलय त्रि॰ (ज्वितित ) अक्षेत्र जला हुण्या Burnt "पक्खदे जिलय जोड़" दम॰ २, ६, ६, ३३. ६, १, ६, नाया॰ १, भग॰ ४, ६, नाया १, भग॰ ५, ६, स्य॰ १, ४, १,७, श्रोव॰ १०, पगह०२,४; —चुडिली श्ली॰ (\*-चुटिजी ) अऽनी सक्षगती पुली घास का जलता हुआ पूला क burning bunch of grass "जिल्य चुडिलीविव श्रमुचम उड-हग्यसिलाशो" तदु॰

जितर. त्रि॰ ( व्यक्तिर-ज्यक्तनशील ) क्स-नार, प्यथाना स्थलाय यादी। जलनेक स्वभाव वाका Of a burning nature. सु॰ च॰ २, ४१;

जलूगा स्त्री॰ ( जलीकस्-जलमेको वर्मान-रस्येति ) पगरेक्ष क्षाही पीतार; क्रक्षा, णे धदिमछव विशेष विगडे हुए रक्त को पीने वाला; द्विइंदियजीय विशेष. One that sucks impure blood; a kind of two sensed creature. उत्तः १६, १२८; नंदी १४४;

जलोयाः स्री० (जर्लाहस्) लुशे। ''जल्मा'' शहर Vido शहर देखों '' जल्मा '' शहर Vido ''जल्मा '' पन्न० १, श्रमुत्त० ३, १; भग० १३, ६; (२) अर्भ पक्षीनी शेष्ठ ज्यान वर्म पत्ती की एक जान म kind of bird पन्न० १;

जल्ल. पुं॰ (यस याति च लगति चिति यहः) સરીર ઉપર વ્યમેલ કડાંગ મેલ: પરંગેત आहिने। धट्ट भेक्ष शरीर के ऊपर का जमा कठिन मलः पसीना त्यापि या पह Hard dirt or impure matter of the body, thick dirt of perspiration etc. सम० ५; श्रोय० ३=; जीवा० ३, ३: नाया० १३; भग० १, १; ८, ८, २०, २; उत्त० २, ३७, निसी ४३, ७०; पिल नि०२६२; काप०४, ૧૧૬; ( ર ) દાેરડી વાધર ઉાર ચડી ખેલ કરતાર; નટ ખગ્નખી ખા. (२)रहेम पर चढ कर खेल करने वाला; नट. an aerobat: a rope-dancer. जं० प० नाया० १; श्रमुजी० ६२, श्रोव० पगह० २, ४; कप्प० ४, ६६; (३) त्रि॰ थे। अयत्नशी इर थाय नेतुं योजे प्रयस्त से दूर हो ऐसा ( that ) which can be got rid of with little effort ( ૪) મેલેચ્છની એક નાન; જન देशवासी. म्लेच्छका एक जातिः जन्नदेशवासा. a class of outcasts residing in Jalla country, पग्ह ०१, १:(१) आवड લઈ જનાર. कायड ले जाने वाला ( one ) who carries bamboo lath provided with slings at each end जीवा०३,३; —श्रोसिंह स्री॰ (-श्रीपधि) એક પ્રકારની લિગ્ધ: મેલના સ્પર્શ્યા દર્દ મટે अवा प्रधारती शक्ति, एक प्रकार वी लिखा मत के रवर्श में रोग बानाश हो। इस प्रकार की शक्ति. a kind of acquisition; the power by which a disease is destroyed by means with dirt, wirt. contact पगढ २, १: विशेष १०८: - श्रीश्विद्य-पत्त. शि॰ ( -र्थापधिमास-यक्षी मलं स एवं।यभिर्वेद्यीयधिम्यां प्राप्तां यद्यां/यभिप्राप्तः ) મેલ માત્રના સ્પર્શથી રાત મટી અવ એવી लिधने प्राप्त धंयेत्र, मन मात्र के राशे मे रेग नए हो पेशी लब्धि जिसकी प्राप्त हुई है TE. (one ) possessed of the power of getting rid of a disease by more contact with dirt "जानिविष्यता" पगइ॰ २, १; पुरु ( -परिषद् -- यस-—परिसद प्रतिमन्नः म एव परिषहा यहपरिषदः ) શરીરના મેલને, પરિષદ: ૨૨ માના ૧૦ મા परिषद शरारके मन का परिषद्द, २२ में से १८ वां परिषठ, uffliction or trouble due to durt of the body due to perspiration, the 18th of the 22 afflictions that a Jain ascotic has to bear calmly अम॰ २३, भग॰ ८, ८; - पेद्या स्त्रा॰ ( -प्रेज्ञा-वर-त्राखेलकारा. स्तोन्नपाठका द्र्यपरे तेषां प्रेचा जलमेचा ) द्देशियर यडी भेक्षतारता भेक्ष कीवा ते. रस्सेपर चटकर तमाशे नरनेवाल नट का तमाशा देखना witnessing the exhibition of skill of perfomers in the streets जीवा॰ ३, ३. —मल पुं॰ ( -मल —याति च लगति

चेति मज्ञः सनासी मलः यहमलः ) शरी-

रने। भेक्ष. शरीर का गेल. dirt or im-

purity of the body. "जल मल-कलंक सेयरय दो सर्वाज्ञिय सरीर निस्त्व लेवा" तंदु॰ श्रोव॰ नाया॰ १३; — सिंघाण. न॰ (-शिह्वाण) शरीरते। भेक्ष अते नाध्ते। भेक्ष शरीर व नाक का मेल. bodily dirt and snot. श्राव॰ ४, ७;

जलत्ता. न० (जल्लता—मल ) ४६ीन भेंध. किंटन मेल Hard dirt. दसा० ७, १; जल्लरी श्री० (मल्लरी) अध्यर. मालर. A. frill. ज० प०

जाह्मिय. न० (१ जल्लक) शरीरनी भेत. शरीर का मेल. Dirt or impurity of the body. " उचारं पासवर्ण खेलं सिघाणं जाह्मियं" उत्त० २४, १५; भग०६, ३;

ज्ञव. पुं॰ (यव) જવ, એક જાતનું धान्य. जो, एक प्रकार का धान्य. Barley; a kind of corn. भग॰ १, १; ६, १, ६, ३३; १४, ७, २१, १, नाया० १; श्रोव० उत्त॰ ६, ४६; ठा॰ ३, १, पञ्च॰ १, जीवा॰ ३, ३; वेय० २, १; नदी० १४, पचा० ४. २८, (२) એક પ્રકારની ઔષધી एक प्रकार की स्रोपधी a kind of medicine. पन्न॰ १, (३) આई જ પ્રમાણ; જવના દાણા; અંગુલના આઠમા ભાગ. શ્રાઠ જ્ प्रमाग जनका दाना, श्रंगुलका श्राठवां हिस्सा. the eighth part of a finger which is equal to a harleycorn अगुजो॰ १३४, ठा० ८; (४) એક જાતની કન્યાને પહેરવાની ચાલી प्रकार की कन्या को पहिनने की चौली. a sort of breast-coat for a girl. विशे॰ ७०६: ( ५ ) એ नामना એક भाणस इस नाम का एक मनुष्य name of a person भत्तः 🗢 उद्श्र नः ( -उदक ) अथन पाशी. जो का जल-पानी water mixed with barley-corn.

ठा० ३, ३,--उद्दशः पुं० ( -उद्दक ) लुआ। ઉपेे शंभ हे. देखों ऊपरका शब्द. vide above. " सीयं च सोविरं च जवेदिंग च" उत्त॰ १४; १३; निसी० १७, ३०; प्रव० २०६; पंचा॰ ५, २४; कप्प॰ ६, २५; - श्रोदगा. न॰ ( -श्रोदन ) जवने। रे।८थे। वरेरे. जी की रोटी वरेरह a barlevcake. " श्रायामगं चेव जवोदश च " उत्त॰ १४, १३; — एख्. न॰ ( - प्रक्ष) એક જાતનુ જવનુ ખનાવેલ અન્ન. एक प्रकार का जो से बनाया हुआ अज an article of food consisting of barely सूज्य २०, -बारय. ( -बारक ) જવના અકુર; જવારા जवारा. a sprout of barley-corn. " जववार वराण्यसत्थि गादि महारम्मं " पंचा० ५, २३;

जव. पु॰ (जव) गति; वेग, जीस. गति; वेग; जोश Speed, swiftness. उत्त॰११,१६: जवजव पं॰ (यवयव) थे नामनुं એક धान्य. इस नाम का एक धान्य. A kind of corn of this name भग॰ ६, ४; १४, ७; वेय० २, १; ज० प० ठा० ३, १; दसा० ६, ४; पन्न॰ १; --जवजवग. वुं॰ (-यव यवक) अञ्ची " प्रव प्रव " श्रव्ह देखी " जब जब ' शब्द. vide ' जब जब ' भग०२१, १, --जच्णा पुं० ( -जवन ) वेगः शीध्रगति वेग, शांघ्रगाति swiftness; velocity. भग॰ १४, १; - जवण पुं॰ ( -यवन ) भ्दे २७, यवन देशवासी म्लेच्छ, यवनदेश वासी an out cast, one residing in a foreign country पराहर १, १; पन्नर १; सूर पर २०; (२) यो नामना योध यनार्थ देश इस नामका एक a non-Aryan श्रनार्य देश country of this name

१४६७; —दींच पुं० (-द्वाप) यवनी वसति त्राक्षे। देश यवनों से वसाहुन्ना देश. व country inhabited by non-Aryans जं० प० — जनणा. क्षां० (-यापना) शरीर निर्वाह; छ्ञत्रन निर्वाह शरीर निर्वाह, जांवन-निर्वाह. live lihood, maintenance. उत्त० =, १२; (२) संयभने। निशाय. संयम का निभाव. maintenance of asceticism उत्त० =, १२, ३५, १७; प्रव० ६६; —(ग्र) इ. पुं० (-प्नर्थ) संयमरूप वाम उठांने का अर्थ. utility of bearing the burden in the shape of restraint. "जनगढ़ाए निसेवए मंथु" उत्त० =, १२; दस० ६, ३, ४,

जबणाणियाः स्त्री॰ ( यवनानिका ) એક ब्नतनी क्षिप एक प्रकार की लिपि. A kind of script or character. पन॰ १;

जवसालिया. की॰ ( सवनालिका ) इन्याने पहेरवानी એક जातनं ये। बी. कन्या को पहिनने की एक प्रकार की चोली. A kind of breast-coat for a girl. नंदी॰ (२) यवन देशनी विधि, १८ विधि-भानी ओइ. यवन देशकी लिपि, १८ लिपियों में से एक one of the 18 scripts. सम॰ १=;

जवारोज्ज त्रि॰ (यापनीय) २५५त गुन्तरवा थे। २५. समय व्यतीत करने योग्य. Fit for being a pastime. (२) धिद्रिये। २५ने भनने જીતવા ते. इद्दिय व मन को जीतना. conquering the senses and the mind "जविश्वज्ञ श्रव्वावाहं फासुय विहारं" भग॰ १, १०; १८, १०: नाया॰ ५; श्राव॰ ३, १; जविणियाः स्रो॰ (यवनिका) अनात कनातः

A curtain. नाया० १: भग॰ ११, ११;
प्रव॰ ६७६; — (यं) श्रेतिरियः न॰
( -श्रन्तरित ) अनातने आंतरे रहेल;
अनातनी आंदर. कनात के श्रन्दर रहा हुआ.
screened or protected by a
curtain. "पभावात देवि जविण्यंतरियं
ठावेइ" नाया॰ १: =;

जबनालियाः स्त्री० (यवनाजिका) लुओ। "जबणालियां "शुर्धः देखी "जबणानियां " जिल्ला तियां "राज्दः Vide "जवणानियां " पत्र०३३;

जवमङ्क्त. पुं॰ ( यवमध्य ) ०४२ना भध्य भाग के प्रमाण का एक नाप. A measure of length equal to the middle pirt of a barley-corn. जं० प० २, १६: भग॰ २४, २; ३; प्रव॰ १४७२; (२) ०४२ना भध्य भाग. जी का मध्य भाग. the interior of a barley-corn. भग॰ ६, ७; क॰ प० ३, ४०: (३) जि॰ ४४ना भध्य भागना आधारनुं. जी के मध्य भाग के आकार का having the form of the middle part of a barly-corn. भग० ६, ७; २४, ३;

जवमज्भनंदपिडमाः ली॰ (यवमध्यचन्द्रप्रितमा) जवना मध्य लाग जेरी पिडमा ओटले
के भे छेडे पातती अने वश्ये पुष्ट, जेम केष्ठि साधु शुक्त पक्षने पडवेथी ओक केषियो अ द्वार लि पिडिमा शक् करें; पुनमे पहर केष्तीआ सुधी पहेंग्यी, पछी दररोज ओक्कि केष्वीओ बटाउता पढ़ ०)) ओक केष्तिओ। आद्वार लि पर्डिमा पुरी करें ते जवमध्य यंद्रपिडमाः साबु की एक प्रतिमा (तप विशेष) जिसे जब के मध्य भाग की उपमा दी जाती हैं. जैसे जब दोनों तरफ से पतला

श्रीर बीच में मोटा होता है इसी प्रकार इस वत में शुक्त पत्त की प्रतिपदा की एक त्रास लिया जाता है श्रीर प्रतिदिन एक एक श्रास बडाकर पूर्णिमा को १५ श्रास लिये जाते है, फिर एक एक ब्रास घटा कर अमा-वस्या को एक ग्राम लेकर यह प्रतिमा पूर्ण की जाती है. इस प्रतिमाको जनमध्यचन्द्रपोडमा कहते है. An austerity performed by an ascetic. This is known as Javamadhya Chandra Padimā (an austerity of the shape of the middle part of a barleycorn). This austerity begun from the 1st day of the bright-half of the month and on that day only one morsel is taken as food and then every day one morsel is increased. Thus on the 15th day 15 morsels are to be taken. In a similar way one morsel is decreased every day till on the 15th day of the dark half of the month one morsel is taken. वन० २, २, १०,१, ठा०२,३;३,३; जवमङ्मा खी॰ (यवमध्या ) એક પ્રકारनी पिंडमा; ज्युंगा उपना शंभद्द. एक प्रकार की पिंडमा; देखो ऊपर का शब्द A kind of Padimā; vide above. श्रोव॰ १५. ठा०२, ३; ४, १; उत्त० ३६, ५४, वव० १०, १,

जायसः न॰ ( यवस ) भग अऽह वगेरे क्षेत्र धान्यः मूंग, उडद इत्यादि धान्यः A kind of corn " श्रोयणं जवसं देजा" उत्त॰ ७, १;

जवा ब्रो॰ (जवा ) એક जननी वनस्पति

एक प्रकार की वनस्पति. A kind of vegetation. पन १; मग० २१, १,

जवासय. पुं॰ ( यवासक ) वनस्पति विशेष; ज्यासी. वनस्पति विशेष; जवामा. A kind of vegetation. पत्र॰ १;

जवासा स्त्री॰ (यवासा) राता ६ स्वराधुं की कान पुष्प चाला एक प्रकारका दृत्त. A. kind of tree bearing red flowers. " यवामाकुसुमेइ " पन्न॰ १७,

जावि. त्रि॰( ज्ञिन्) वेश पाक्षी. वेगवान्: गति वाला Swift; fleet (२) पुं॰ विडि. श्रश्च; घोडा. a horse स्य॰१,६, २, ६; जञ्चस. त्रि॰ (यद्वश) केने पश थपेस. जिसके आधीन बना हुआ. Subdued by which; submissive to which. क॰ गं॰ १, २२.

जस न॰ (यशस्) यशः श्रीती, आभरु यश, कीर्ति. Fame: 1euown भग० ३,६, १४, ४, ११, १, ४१, १; नाया॰ =, १=, श्रोव० ३=, सूय० १, ६, २२; सू० प० १६; नंदी ०३३, पन्न ०२३; उतः ३, १३, क० ग० ४, ६९; (२) सयम, अरित्र स्यम, चारित्र. asceticism. 'जसं संचिषु खातिए' उत्त॰ ३, १३, दम॰ ४, २, ३६, (३) શ્રી પાર્શ્વનાથના આઠમા ગરાધરત નામ श्री पार्श्वनाथ के ८ वें गगा पर का नाम. name of the 8th Ganadhaia of Śri Pārśwanātha सम० प० २३३. (४) ચાૈદમાં તીર્ધકર બી અન તનાયછના પ્રથમ गराधरतं नाभ चादहर्वे तीर्थकर श्री अनंतर नाथजी के प्रथम गणधर का नाम, name of the 1st Ganadhara of the 14th Tithankara Śri Anantanathaii. सम० प० २३३; प्रव० ३०६; -कर. त्रि॰ ( -कर-यश सर्व दिगामि

प्रसिद्धिविशेषः तत्करो यशस्कर.) सर्व हिशाभां यश भेक्षप्तार सर्व दिशाओं मे यश
प्राप्त करने वाला. (one) attaining
fame or glory everywhere.
नाया॰ १, तंदु॰ (२) अप्रसिद्धे स्वाभीते।
ओ नामते। ४६भे। ही ६रेत ऋप्रमदेव स्वामी
का इस नाम का ४१ वां पुत्र name of
the 41st son of Risabhadava
Svāmī. कष्य॰ ३, ४२; —वंस. पुं॰
(-वंश —यशसां वंश इव पर्वप्रवाह इव
यशोवंशः) यशपान वता यशवान वता a
glorious family. 'जसवंसो नामहत्थीण'
नंदी॰ —वाय. पु॰ (-वाद) धन्यताः
धन्यवाद thanks-giving; thanks
" जसर्वएणं विद्वता " कष्प॰ ४, ६०;

जसंस पुं॰ (यशिह्बन्) भदानीरस्वाभिना पितानु ओडनाभ. महावीर स्वामी के पिता का एक नाम One of the names of the father of Mahāvīra Svāmī. कप्प॰ ४, १०३;

जसंसि ति॰ ( यशस्त्रिन् ) अप्पातः यशस्तीः केनी शुस प्रीनि योतरः प्रसरेती छे। य ते प्रख्यात, यशस्त्री, जिनकी स्रकीति चहुं स्त्रोर फेली हुई हो वह Famous, glorious; ( one ) whose faine has spread everywhere. "श्रणुतरे णाणघरे जमंसि" उत्त॰ ४, २६, सम॰ प॰ २३४ः स्त्रोव॰ १६, नाया॰ १. दम॰ ६, ६६; राय॰ २१४, भग॰ २, ४, (२) महावीर स्वामीना आपनुं अपर नाम another name of the father of Mahāvīra Swāmī. स्त्राया॰ २, १४, १०७, कप्प॰ ४, १०३,

जसाकीति स्री॰ ( यशःकीर्ति ) अश, धीर्ति;

आ। यरू, प्रभ्यानि यश, कीर्तिः विख्याति.

Fame: reputation; glory 510

३, ३; क० गं० १, ११; क० प० १, ७६: प्रव० १२=०; — णाम न० (-नामन) नामक भीती ओड प्रकृति है केना उदयी छत्र क्यां ब्राय त्यां शुभ धीर्ति भेडवे. नामक नेको एक प्रकृति कि जिसके उदय में जीव जहां जावे वहां गुम कीर्तिको प्राप्त करे. a variety of Namakarına by the rise of which a Jiva (a soul) attains fair fame wherever he goes. प्रव० १२=०;

जसनोसः पुं॰ (यगोदोप) श्रेशयत क्षेत्रभां लागि त्रीम्न तीर्थंडर ऐरावत स्त्र के भावो तासरे तीर्थंकर. The third wouldbe Tirthankara of Airāvata Ksetia. प्रव॰ ३०१;

जलबद् ९० (यशश्चन्द्र) એ नामना ओड गंशी इस नामका एक गणां. An ascatic of this name. भग० ४२, १;

जस्र १ पुं॰ (जसर्) असत जसत. Zinc. श्रोव॰ १८, —पाय. न॰ ( -पात्र ) असतनु वासण् जमत का वरतन (पात्र ). a zink pot. " जप्रद्वायाणि वा " श्रोव॰ १८;

जसवर्ण पुं॰ (यरोधन) से नामभे। से ध राज्य इस नाम का एक राजा. A king of this name. तदु॰

ज तथर पुं॰ ( यशोधर ) ५ भवाडी स्थाना भायभां दिवसतु नाभ पत्त के पाचने दिन का नाम Name of the fifth day of a fortnight जं॰ प॰ ७,१४२;

जसमद्द पुं॰ ( यगोभद्द ) शय्य न्स्य सूरी के एक सूरीता न्में शिष्य शय्यम्मत सूरी के एक शिष्य का नाम Name of a disciple of Sayyambhava Sūrī नदी॰ २४; (२) એ ताभता ने अंड आयार्थ हे के मार्डरस गोत्रता आर्थ स सूतविक्याना

जिसहर

शिष्य दता इस नामके एक श्राचार्य कि जो माठरम गोत्र के स्रार्थ सभूतविजय के शिष्य à name of a teacher who was a disciple of Ayra Sambhūtavijaya of Matharasa race कप्प॰ ८, (३) ५ भवाडीआना ५ ६२ हिवसभाना ये।थ.हिवसनं नाम. पत्त के पंद्रह दिवय में से चौथे दिन का नाम. name of the fourth day of a १०; जं० fortuight. स्० प॰ प० ७, १४२, ( ४ ) न० यशीत्सध्यी नी ब्रेंब के नामन इस यशोभद्र से उपन इस नाम का कुल. a family of this name sprang from Yaśobliadia. कप॰ ६, ( प्र ) पु॰ ओ नामना श्रीपार्श्वनाथना ओड गल्धर इस नाम का श्रीपार्श्वनाथ का एक गणधर. a Ganadhara of this name of Śiī Pāisvanātha सम. ::

जसमंत पुं॰ (यशोमत्) शे नाभना शिक्ष क्ष्मभर इस नामका एक कुलगर (कुलकर) A. Kulagira so named सम॰ प॰ २२६, ठा॰ ६.

जसवर्ड स्री० (यशोमीत) भील सगर चक्रवर्ती विश्व माता. The mother of the 2nd Sagara Chakravarth समय्य पर देश, (२) श्रवश लगवान श्रीभदावीरती पुत्रीती पुत्रीती पुत्रीत को पुत्री को पुत्री का नाम name of the daughter of the daughter of the daughter of the sacetic Mahāvīra क्ष्य० ४, १०३; (३) त्रीक व्याठिम व्यव प्रमा त्रीवर्शी, इन तीन रात्रियों, ्रिति के राप्टर रात्रिती तिथि तृतीया प्रष्टमी विश्व राह्मिती राह्मित

nights viz of the 3rd, 8th, and 13th day of a fortnight. स्॰ प॰ १०: ज॰ प॰ ७, १५२;

जसवती स्त्री॰ (यशेमती) लुओ। ઉपसे। शम्द. देखे। ऊपर का शब्द. Vide above. मम॰ प॰ २३४; जं॰ प॰ ७, १४२:

जसिस ति॰ (यशस्त्रम् ) यशपान्, व्यापत् वादीः; शीर्वित यशवान्; कीर्तिवतः Famous, glorious, श्राया॰ २, २, १, ७१,

जसहर पु॰ (यशोधर) क लुद्रीपना लरतण उमा थनार १५भा तीर्थं ५२. जंबुद्वीप के भरतखड में होने वाले १६वे तीर्थकर The 19th would-be Tirthankara who is to appear in Bharata Khanda of Jambūdvīpa समन्पन २४१, (२) પખવાડીઆના પદર દિવસમાના પાયમા हिबस पक्त का पाववा दिन the fitth day of a fornight जं प॰ (રૂ) ગ્રૈવેષક વિમાનના પાથડા. प्रैवेयक त्रिमान का प्रस्कर (थर) & layer of the dividing matter of Graiveyaka abode zroe; (8) स्त्री० દક્ષિણ રૂપક પર્વત ઉપરતી આડ દિશાકુમારોમાંની ચોથી દિશાકુમારી दक्षिण रुचर पर्वत पर की आठ दिशा-कुमारी में की चौथी दिशा-कुमारी the fourth of the eight Disakuma. living on the southern Ruchaka mountain ठा०८.ज॰प॰ (૫) પક્ષની ૫ દર રાત્રિમાની ચાર્થી રાત્રિન नाम पत्त की पद्रह रात्रि में से चौथी रात्रि का नाम. name of the fourth night of a fortnight जं प॰ (६) णं भु सुदर्शना नाभे पृक्ष जबू सुदर्शन नाम का बृत्त. a tree nam

Sudarsana जीवा॰ ३; जं॰ प॰
जसाः श्री॰ (यशा) है। शिना रहीश हास्यपनी श्री अने हिपतनी भानाः कीशांची का
रहीस कास्यप की श्री व किपल की मानाः
The mother of Kapila and
wife of Kāsyapa, the resident
of Kausāmbī उत्त॰ द, (२) अधु
पुरेहिननी श्री. भगु पुरोहित की श्री
उत्त॰ ३, १४, ३,

जसो पुं॰ (यगस्) यशः आणरुः धीर्तः. यश, कीर्ति. Fame, reputation. सु० च० २, १३८; —का(मि. पु० (⊸का-मिन् ) यशनी धर्णा ५२नार. यश की इच्छा करने वाला. one aspuring to fame or reputation. " धिरखु ते जमो कामी "दस०२, ७, ५, २, ३४; —िकित्ति. सी॰ ( - कीर्ति ) लुगे। " जसिकात्ति " शण्ट. देखो " जसिकत्ति" शब्द. vide " जसकिति " पत्र॰ २३, — कितिनाम न॰ ( - कीर्तिनासन् ) कुशे। '' जमिक-तिणाम " शण्ट देखो " जसकित्तिणाम " शब्द. vide. " जमिक्तिसाम " सम् १०, -नाम न० ( -नामन् ) नाभ अर्भनी એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી છવ જશ પામે छे. नामकर्म की एक प्रक्रिति कि जिसके उदय से जीव यश प्राप्त करता है. a variety of Nāma Karma by the rise of which a soul attains glory सग० २८,

जसोचंद. पुं॰ (यशरचन्द्र ) लुओ। 'जसचंद' शफ्ट देखो ''जपचड़'' शब्द. Vide ''जसचंद'' भग० ४२, १,

जसोद. पुं॰ (जसद) जुओ। "जसद्" शन्द. देखो "जनद्" शब्द V de "जसद्" श्रोव॰ ३८, —पाय न० (-पात्र जुओ। "जसद्पाय" शन्द देखो "जसद्पाय"

णब्द. vide. "जसद्याय" श्रोत १ द द द जसोधरा. पुं॰ (यशोधन) शे नामना शेष्ट राजा A king of this name. तंद्र ॰

जसोधर पुं॰ (यगोबर) लुणे। "जमहर" शल्ट. देयो " जसहर " शब्द. Vide "जसहर" ठा॰ ४, १; सु॰ प॰ १०;

जसोधरा स्त्री॰ (यशोधरा) पंत्रद शति॰ भांनी ये।थी शतिनु नाभ. पंद्रह रात्रिमे से चीधी गात्रि का नाम Name of the fourth of the lifteen nights. स॰ प॰ १०; ज॰ प॰

जसामत. पुं॰ (यशामत्) शुथी। 'जामंत' शण्ट. देखी 'जसमंत' शब्द. Vide 'जसमंत' ठा॰ ७;

जसोयाः स्री० (यशोदा) भद्रापीर स्वाभीती स्त्री. महाबीर स्वामी की स्त्री The wife of Mahāvīra Swāmī. (२) हुण्य वाभुदेव की माता. चण्य वाभुदेव की माता. the mother of Kṛīsna Vāsudeva 'सम्मण्हत्यं भगवत्री महाविरस्मभज्ञाजसीयागोत्तेणकाडिण्णा' श्राया॰ २, १४, १७७; कप्पः ५, १०३; सु॰ च॰ १२, ४;

जसीवई. स्त्री॰ (यरोमती) लुओ। "जस-वई " श॰६. देखी " जसवई " शब्द. Vide "जसवई" सम॰

जसोहर पुं॰ (यशाधर) लरतसेत्रना गर्भ
योशीसीना १८ मां तीर्धं इर भरतस्त्रेत्रके
गत चीर्यामी के १८ वें तीर्धं कर The
18th Tirthankara of the past
cycle of Bharata Ksetia प्रव॰
२६१. (२) आवती येशीसीना लरत
स्त्रना १६ मा तीर्धं इरतुं नाम. ग्रागामी
चीर्यास के भरतसेत्र के १६ वें तीर्थं कर का
नाम name of the 19th Tirthan.

kara of the coming cycle of Bhārat Ksetra जं॰ प॰ ४, ११४; प्रव॰ २६७; ४७३;

जसोहरा. स्री॰ (यशोधरा ) दक्षिणु दिशाना રૂચક પર્વાતપરની આઠ દિશા-કુમારીમાંની यीथी दिशा-धुभारी. दाचिण दिशा के रुचक पर्वत पर की आठ दिशा-क्रमारी में से चौथी दिशा-क्रमारी. The fourth of the eight Diśa Kumārīs southern Ruchaka on the mountain. जं॰ प॰ ७, १५२; (२) જ भ सहश्रीनत अपर नाम. जब सुदर्शन का श्रापरनाम. another name of Jambu Sudarsana. जीवा॰ ३. ४: जह घर (यथा) केभ; केनी रीते. यथा, ाजिस तरह. In which manner; just as. नाया० १; ६; ७, ८; ६;१३, १४; १६, १८; विशे० २२; २७: पिं० नि० ७१; उवा० २, ६४, गच्छा० ३०;

जहक्रम. न॰ (यथाक्रम ) ६२ अनुसार, ६२सर. अनु६भे क्रमानुसार; पद्धित पूर्वक In
due succession; regularly. उत्त॰
१४. १; चड॰६; दस॰५, १, ८६; प्रव॰८३;
जहक्ख्वाय. न॰ (यथाख्यात ) ६५१४ रिद्धत,
थथाभ्यात नामनु भांथमुं स्थारित्र कपाय
रिहत; यथाख्यात नाम का पाचवा चारित्र.
Free from passion, attachment,
the fifth observance known as
Yathakhyāta विशे॰ १२७६.

जहाँचितिय त्रि॰ (यथाचिन्तित ) ियत्या प्रभाषे, क्षेम ियत्युं छाय तेम. चिन्तवन के श्रनुसार, जैसा सोचा हो वैसा As contemplated or meditated सु॰ च॰ १, १६३;

जहिंदियः नव ( यथास्थित ) यथास्थितः क्रेम द्वेष तेमः यथास्थिन, के

Vol n/102

cording to circumstances सु॰ च॰ १. ३५३: गच्छा० २६:

जहरा. न॰ (जघन) दंतश्च; जांघ, जहघा The thigh जांवा॰ ३, ३, (२) स्त्रीती अभरती। तिथेती लाग स्त्रीकी कमर का नीचे का भाग the lower part of the loins of a female ज॰ प॰ नाया॰ ६, १७: जीवा॰ ३, ३;

जहरावर. न॰ (वरजघन) श्रेष्ट साथस श्रेष्ट जाघ Big heavy thigh. जीवा॰३,३; जहरारीज जि॰ (हेय) त्यागवा थे।०५ त्याग करने योग्य. Fit to be abandoned. नाया॰ १:

जहराणा त्रि॰ ( जघन्य ) ओछाभां ओछुं; ન્હાનામા ન્હાનું; થાડામાં થાડુ. छोटेमे छोटा थोडा, थोडेंसे घोडा. Smallest, little, least जं॰ प॰ ७, १३४; २, २५; भग॰ ٩, ٩; ٩, ٩٥; ٤, ٩; ٣, ٣; ٦; ٩٥; वव० ३, ४; श्रयुजी० ८६; उत्त० ३०, १४; ३६, ५०, ठा० १, १, ४, २, भत्त १६६, पचा०३,२; -- उक्कांसग. त्रि॰ (- उत्कपंक-जघन्यो नि कृष्ट काञ्चिद्व्यक्तिमाश्रित्य स एव च ब्यक्त्यान्तरापेच्योत्कर्प उन्क्रष्टो जघ-न्योत्कर्षक ) अभुड वस्तुनी अभेक्षाओं करवन्य जयारे जीजानी अधेक्षाओं ઉत्हर्ष अमुक वस्तु की अपंचासे जयन्य व दुमरे की अपेचा inferior to one thing से उक्तपं and superior to something else. भग० २४, १, २४, १; — उमाह्याम त्रि॰ ( -श्रवगाहनक -श्रवगाहन्ते श्रासत-यस्या साऽवगाहना चेत्रप्रदेशरूपा साजघन्या-ચેપાતે ) જધન્ય ક્ષેત્ર પ્રદેશને-અવગાહીને रहेब, जधन्य अवगाहना वाक्षे जघन्य क्तेत्र को श्रवगाहन करके रहाहुन्त्रा (one) residing or occupying the smallest region ठा०१ १;--काल पु॰ (-काल)

वै।।भां थे।। वणत्त घोडेमें घोडा समय. shortest space of time. भग॰ २४, १; २१; -गुणकालग. पुं० ( -गुणकाल-क-जघन्येम जघन्यसंख्याविशेषेशीकेनेत्यर्था-गुणा गुणम ताडनंयस्य स तथाविधःकालो वर्णो येषति वधन्यगुणकालकाः ) भेएछा-માં એાળાગણા કાલા; એકગણા કાલા. कमसे कम काला; एक गुना काला. of least black colour. তা॰ ৭, —हिइ. स्री॰ (-स्थिति) જधन्य-ओशशमां ओछी स्थिति. जघन्य-कमसे कम स्थिति shortest period. क. प. ४, ८६; —िठिइय. त्रि॰ (-िस्थितिक जघन्या जघन्य संख्यासमयापेचया स्थितियेपां ते जवन्ध स्थितिकाः ) જ'वन्भ-धे।अभां थे। अस्थिति पाथे।. जयन्य-घोडेमें थोडी स्थितिवाला. of the shortest period. ठा०१,१;—ए-पसिय. पुं॰ (-प्रदेशिक-जवन्या सर्वाह्याः प्रदेशाः परमाणवः सन्ति येषां ते जवन्य-प्रदेशिकाः ) स्रीकार्मा स्रीका प्रदेश वादी. कमसे कम प्रदेशवाला. consisting of small number of atoms ठा० १, १; —पद् न० ( -पद्—पद्यते गम्यते इति पदं पद्संख्यास्थानं तचानेकः वेति जवन्यं सर्वहीनं पदं जवन्यपदम् ) ન્હાનામાં ન્હાની સંખ્યા; ન્હાનામાં ન્હાનું ५६. छोटेमें छोटी संख्या-पद. lowest number. भग॰ १८, ४; —पय. न॰ ( -पद ) कुञी। ७५की शम्ह. देखो ऊपर का शब्द. vide above. ठा० ४, २; भग० ११, १०; जं० ५० ७, १७३; —पुरि-स. पुं॰ ( -पुरुष ) જधन्य पुरुष; ६सडे। भाष्युस. जवन्य पुरुष; नीच मनुष्य. a low, vile person. ठा॰३,१; —सामि. पुं॰ ( -स्वामिन् ) अनुभाग-५भीना रसनी 

रस की जघन्य उदीरणा करने नाला. one who forces into maturity a small number of Karmas into maturity. क० प० ४, =२;

जहरागारा. त्रि॰ ( जबन्यक ) स्थाशाभां स्थाधुं; न्दानाभा न्दानुं. कम से कम; थोडे से घोडा Least; slightest. भग॰ २४, २१; २५, ६;

जहराण्य. त्रि॰ ( जघन्यक) लुओ। "जहराण" शण्ट. देखो " जहराण " शब्द. Vide " जहराण " भग० ८, ६; २४, १;

जहिरिण्य. ति० ( जघन्य ) कुओ ''जहरण्'' श़ष्ट. देखों '' जहरण्य'' शन्द. Vide '' जहरण्य'' भग० ४, १; ६, ६; १०; ११, ११; १६, ३; २४, १; जं० प० ७, १३४; जहतह. १०० ( यथातया ) केम तेम; आधुं अवधुं. यथा तथा; जैना वैमा; बांका टेडा. Somehow; somehow or other. क० गं० ४, ६८;

जहत्था. त्रि॰ (यवार्थ) यथार्थ; भरेभरः भराभर: साथेसाय यथार्थ: सचमुच; ठीक ठीक. Infact: actual: real. "बोच्छा-मि पंचतंगह-मेयसहत्यं जहत्यंता " पिं० नि॰ भा॰ १; पिं॰ नि॰ ४६३; नाया॰ ७; विशे० ८४८; परह० २, २; सु० च० १, २८; जहत्याम. न॰ ( ययास्थाम ) यथाशित. As far as possible; to the utmost of one's power. " जुंजह य जहत्यामं " पंचा॰ १४, २७; जहन्न वि॰ (जवन्य) लुओ '' जहराण " राफ्ट. देखों " जहराण " शब्द. Vide :' जहरारा '' भग॰ २, ५; विशे॰ ३३४; नंदी० १२; दमा० ६, २; क० प० २, ३२; १, ६; १३; पंचा० १६, ४३; —श्राहत्तः त्रि॰ ( -म्रास्ट्य ) सर्य लबन्य अदेश लंध २थानथी आरं लेखुं. सर्व जघन्य प्रदेशवंध स्थान से आरंभ किया हुआ. commenced from the lowest place. कः पः ७. ४७, —इयर त्रिः ( - इतर ) जुओ। " जहन्नग-इयर " शफ्ट. देखे। " जहन्नग-इयर " शब्द vide 'जहन्नग-इयर " क॰ प॰ १, १४; —काल पुं॰ ( –काल ) જધન્ય–એાછામાં એાછે। કાલ जबन्य-कम के कम समय shortest space of time प्रव॰ १७१; -- गइ स्रं। ( -गति ) अधन्य गति जघन्य गति shortest condition or position. क॰ प॰ ४, ७२; -- द्रागा. न॰ ( -स्थान ) જધન્યસ્યાન. जघन्यस्थान. place. क॰ प॰ १, ४६; —हिइ. स्रा॰ (-स्थिति ) लुओ। " जहरायदिह " शण्ह. देखेा " जहराणिट्टइ " शब्द. vide " जह-राणिहिइ " क० प० १, ९१, ६, २०, —द्विद्वंघ. पुं० ( -स्थितिबन्ध ) अपन्य रिथिति रूपे थते। अभेपध जवन्य स्थिति रूपम होता हुआ कर्मबंध Karmic bondage lasting for a very short period. क॰ प॰ १, ४७, —हिइसकम. पु॰ ( -स्थितिसक्रम ) डभ<sup>6</sup>नी જवन्य स्थितिनं सं इभ्य कर्म की जबन्य स्थिति का सक्रमण transition of the shortest period of Karma. क॰ प॰ २, ५७; —देवोहर्इ. स्री॰ ( -देवास्थिति ) देव गीतनी अधन्य स्थिति देव गति की जबन्य स्थिति. the shortest period of the state of being a god. क॰ प॰ २, ८६; Ę, 30. —निक्खेब पु॰ (-निक्तेष) अधन्य निक्षेप થાડા કર્મ દલિયા નાખા તે. जघन्य -थोडे कर्मों के समुह को डालना discarding or destroying the sins in the form of a few Karmas

क॰प॰३, मः —बंधा. पुं० (—बन्ध) जधन्य क्म वन्ध. incurring the karma of the lowest kind.क॰प॰२, ३२, —जहस्त्रश्र—यः त्रि॰ (—जधन्यक) जुन्भा "जहराणग" शम्ह. देखो "जहराणग" शम्ह. देखो विशे॰ ४म७; श्राणुने॰ १३२;

जहन्त्रश्रो. श्र॰ ( जघन्यतम् ) જધન્યથી. जघन्य से. From the shortest state प्रव॰ ६६८,

जहन्नग नि० (जवन्यक) लुओ "जहराण्ग" शन्द. देखो " जहराण्ग " शन्द. Vide. "जहराण्ग "क० प० १, १५; —इयर त्रि० (- इतर) જવ-पथी धतर- िक्त, ઉत्कृष्ट जवन्य से इतर-भिन्न; उत्कृष्ट. other than the shortest, logn. क० प० १, १५,

जहांत्रय त्रि॰ (जघन्यक) ळुओ। "जहएण" शफ्ट देखी "जहएण "शब्द vide "जहएण "उत्त०३३,१६, सम० १२ वव० १०, १७,

जहात. न॰ ( याथात्म्य ) यथातत्व. यथातत्व Reality, truth; real nature ठा॰ ४, १,

जहिरिह् न॰ (यथाई) यथार्थ; लरालर, भरेभर यथार्थ; सचमुच. As deserving; appropriate; actual. सु॰ च॰ ८, २६७;

जहचिह न॰ (यथावधि ) ज्यासुधी. जन तक, जहां तक. As long as, so logn as. सू॰ च॰ १, १६३;

जहवाय न॰ (यथावाद) ४६६१ प्रभाषे कथ-नातुमार कहने के माफिक According to narration, as related. पि॰ नि॰ १८६,

जहसंभव न॰ ( यथा सम्भव ) यथा थे। २४,

थे। २५ रीते. यथा योग्य. योग्य राति से. Proper; right; properly, पि॰ नि॰ ११३;

जहसति . सी॰ न॰ (यथाशक्ति) यथाशितः शक्ति अभाषे. यथा शाक्षिः शक्ति के अनुमार. As far as possible; to the utmost of one's power. पं॰ नि॰ ३६५;

√ जहा. धा॰ I. (६७) तल्ल्युं; छि।ऽवुं. त्याग करना. छे।उ देना. To abandon; to give up.

जहइ-ति. वय० १०, ८; ९; भग० २५. ६; ३;

जहाइ श्राया॰ १, २; ६, ६८, जहासि. उत्त॰ ६, ४१;

जहाय. सं० कृ० उत्त० १४, २;

जहित्ता. सं० छ० उत्त० १, ५; पि० नि० ४१७; श्राया० १, ४, ४, १३७;

जहमाण. भग० २५, ६; ७;

जहा. य० (यथा) जीती रीते; जीम; जीप्रमाणी;
अनुसार. जिस रीति से; यथा; जिस प्रकार.
In which manner; just as. भगव
१, १, ३; २, ९; ३, १, २, ४, ४; ४; ६,
३; १२, ९०; १४, २; १०; १५, १; १६,
५, ४१, ४; नायाव १; २; ४, ६; ६; १०;
१४, १६, ववव २, २१; २४, दमव १, २;
६, १, दसाव ६, १: १५० निव १४६; १६१;
जव पव अगुजीव १, उत्तव १, ४४;
आयाव १, ६; ३, १६४, स्यव १, १, १,
६, उवाव १, २, ६; १२, ६६, २, ६२; ६,
२५६; कव गंव १, १६, ५३, जंव पव ४,
११६; ४, १९२,

जहाकाल न॰ (यथाकाल) यथावसर; अव सर भर्षे त्यारे यथावसर. मोका मिले तव. When proper time comes. मत्त॰ ४६; जहागदियः न॰ (यथागृहीन) केंदी रीते अदाश हरेत छे ते प्रभाषे) जिस प्रभार प्रहण भिया हुआ है उस प्रभारः As accepted or taken. दस० ४, १, ६०; नाया॰ १६; जहाच्छंदः पुं॰ (यथाच्छंद ) २५२७६ स्य-चंदः self-willed; unrestricted. ठा॰ ६, ३;

जहाजाय. शि॰ (यघाजान) अन्भवी २७० तनी श्यिति केंबुं; नभः अन्म के समय की हिंगती के जमा; नमः As boin; nuked. उत्त॰ २२, ३४; श्रोष० नि॰ भा॰ ==; मम॰ १२;

जहाजींग. न॰ ( यथायांग्य ) यथायांग्य; जेम धटे तेम. यथा गोग्य; जिस प्रशार उचित हो उम प्रकार. Proper; appropriate.

जद्दाहाण, न॰ (यथास्थान) पेति पेतिना स्वनुष्टानने अनुरूप-उभित स्थान;-एंद्राहि पहः प्रवंन अपने अनुष्टान के अनुरूप टाँचन स्थान; एंद्रादि पदः Appropriate position suited to one's occupations; the position of India etc. उत्त॰ ३, १७,

जहाणामय. ति॰ (ययानामक) केनी नाभ निर्देश ध्यों नथी ते; केष्ठि श्रेक्ष तिसका नाम निर्देश न किया हो; कोइ एक. Certain; some; any. भग॰ २४, १९; पन्न॰ १६;

जहाि संत. न॰ (यथानिशान्त) अवधार्था प्रभाषे; जेम धार्य है। तेम. अनुमान के अनुमार; जेमा साचा हो वैसा. As guessed; as anticipated स्य॰ १, ६, २;

जहारापुरिव. न॰ ( यथानुपूर्वी ) क्ष्मसर व्य-नुक्ष्म प्रभाषे कमश ; श्रनुक्रम के श्रनुसार. Successively: in regular order. भग० ३, १०; ⊏, १;

जहातचा. न॰ (याथातथ्य) वास्तिविकः सत्यः भरेभर. वास्तिविकः, सत्यः सचमुच True; real; actual. सूय० १, ६, १;

जहातह. न॰ ( याथातध्य ) स्थान्य स्त्रतु तेरमु न्यध्ययन हे जिमा धर्म समाधि वेगेरे अरायर रीते हहेलां छे. स्यगहांग स्त्र का तेरवां अध्ययन कि जिस में धर्म समाधि इत्यादे का ठीक ठीक वर्णन किया है. The 13th chapter of Sūyagadānga Sūtra dealing fully with religion, meditation ( Samādhi ). etc along with similies "जाणा-सिणं भिवलु जहा तहेणं " स्य॰ १, ६, २,

जहातहरुभयण. न० (याथातध्याध्ययन)
स्थगडांगस्त्रतु १३भु अध्ययन. स्यगडाग
स्त्रका १३ वां श्रध्ययन. The 13th
chapter of Suyagadaniga
Sutra. स्य० १, १३;

जहात्थियः न॰ (यथास्थित) क्रेम है। १ तेम. जिस प्रकार हो उस प्रकार. Somehow of other. भग॰ १२, ६;

जहानाम. त्रि॰ ( यथानाम ) यथानाभ, संला-पनाः डे। अ. यथा नाम, सभावना Possibility, certain, some. भग० २, ४; नाया॰ १०,

जहानामय. त्रि॰ (यथानामक) क्रेभ है। डिटात उपान्यास. कैसा कोई; दहात उपान्यास. As for example (२) वाध्यथ्यदां-धरः वाक्यअलंकार. a word used to add grace to a sentence. नाया॰ १, ४; ६; ६,

जहानाय न० ( यथान्याय ) यथाये। २४; रीत-सरतुं, ०४। ०४णी न्याय की रीत से; यथा-योग्य. According to justice; rightly, properly. उत्त॰ २३, ३८; जहाफुड. न॰ (यथास्फुट) २५४; भरेभर. स्पष्ट; सचमुच Clear; distinct; true. उत्त॰ १६, ४४;

जहाभाग. न॰ (यथाभाग) लाग प्रभाषी; भराभर. समान विभाग से; भागानुसार. According to share; proportionately. दस॰ ४, १, १३;

जहाभूत नि॰ (यथाभूत ) केनी रीते अने क्षं हे। यतेनी रीते; सत्यवात जिस रीति सं वनाव बना हो जस रीति से; सत्य वार्ता According to what has happened; fact. "जहाभूयमवितहमसंगिदंद " नाया॰ १;

जहाभूय न० (यथाभूत ) ळुओ। 'जहाभूत' शण्द. देखे। "अहाभूत " शब्द. Vide "जहाभूत " नाया० ६;

जहामालिय न॰ ( यथामालित ) केम धारख ५र्यु छे तेम. जिस प्रकार धारख किया हो उस प्रकार. As assumed " जहामा-लिय श्रोमोधं दलह 'मग० ११, ११;

जहायरिय-म्न. (यथासरित) के प्रभाषे व्याथर्धु है।य ते प्रभाषे जिस प्रकार म्राच-रण किया हो उस प्रकार As practised मत्त॰ २२,

जहारिह. न० (यथाई) यथाये.०५, क्रेम ध्रेटे तेम. यथायोग्य, जिस प्रकार जाचित हा. Proper, suitable. जं० प० २, ३३, दस०७,१७, नाया० १,०;१६; जवा००,२५६;

जहालद्ध ति॰ ( गथालन्ध ) भर्या अभाषी. प्राप्ति कं समान, मिलने के बराबर According to gain or acquisition. equal to attainment भग॰ ७, १,

जहावाइ पु॰ ( यथावादिन् ) भर्ः भीलनारः याज्य ४ छेनारः सत्य भीलनार सत्यवक्ताः योग्य कथन करने वालाः, सत्य भाषण करने चाला. One who is truthful in speech; (one) who is plain-spoken. "जो जहाबाइ तहाकारीयाऽवि भवइ" ठा० ७;

जहाविभव न॰(यथाविभव ) वेशव अभाणे; शक्ति अभाणे. वेभव के व्यतुमार; शांक के प्रमाण में. In proportion to wealth, according to means. भग॰ ६, ३६;

जहांसंख न॰ (यथासंख्य) संभ्या अभागे; क्षभवार. क्षमश ; संख्या के श्रनुमार. Successively; respectively. सु॰ च॰ ५, ४९;

जहासंभव न॰ (यथायम्भव) रोभ संअवे तेभ. यथामम्भव; जैसा सम्भव हो उसी प्रकार Possible; possibly क॰ गं॰ ६, ३२;

जहासित की॰ न॰ ( यथासिक ) शक्ति अभाषे; यथा शक्ति. शक्ति के अनुसार; यथा शक्ति. As far as possible; to the utmost of one's power. पंचा॰ २, ३६;

जहासमाहि न॰ ( यथासमाधि ) सभ धि भ्रभाषे. नमाधि के श्रनुसार. According to agreement or promise. पंचा॰ १, ४;

जहासुय. न॰ (यथाश्वत ) रोभ सालार्युं होय तेम, सांलार्या प्रभाष्ट्रे, जिस प्रकार श्रवणा किया हो उस प्रकार; श्रवणा तुसार.
As heard of or listened to उत्त॰ १, २३, श्राया॰ १, ६, १, १;

जहासुह न॰ ( यथासुख ) रेभ सुभ ५९ तेभ जिस प्रकार सुख हो उस प्रकार At ease, according to happiness. विवा॰ १,

जाहीं अ॰ ( यत्र ) जयां, के स्थाने; ज्यांपर

जहां, जिस स्थान पर; जहांपर. Where; at which place. भग॰ ३, ४; ७; ८, ८; ११, ११, ११ १८, ४; टस॰४, ३; ७७; नाया॰ १७;

जिंद च्छा ने ( यथेन्छ ) भ्रव्या प्रभाणे, यथेष्ठ; इच्छा के श्रमुतार. Agreeably to desire. नाया॰ ७; मु॰ न॰ १, १७१; जिंदिच्छ्यकामकामि. पुं॰ ( गर्थाव्यतकामकामिन् गर्थाप्यतकामकामिन् गर्थाप्यतकामकामिन् गर्थाप्यतकामकामिन् गर्थाप्यतकामकामिनः ) भने:वांश्रित सुण लागवतार. मनोवान्छित सुण को भोगने बाना One who enjoys pleasure according to the desire of one's heart. " चिंदन्छित काम कामियो '' जं॰ प॰

र्जावा॰ ३; ज्ञापुत्तः न॰ ( यथोरत ) ६८॥ त्रभाणेः कथना-नुसारः कहने के श्रमुमारः As said or

told previously. पंचा॰ १०, १२; जहेट्ट. न॰ (यथेष्ट) भन गभनुः ध्रम्थानुः १० नित्त रोनकः दिनपतंदः यथेष्ट. As desired; as wished for; pleasing to the heart पि॰ नि॰ ४०६;

ज्ञहेय. श्र॰ ( यथेव ) रोभः होनी रीते. जिन प्रकारः जिन रीति से. As; in which munner. नाया॰ १: भग॰ ३, ७; ७, २; १६, १: १८, ७; २८, १८; २४, १; ३३,२;

जहोह्य. न॰ ( यथोचित ) यथे।थितः यथा-भेत्य यथायोग्यः यथोचित. Proper, suitable. विवा॰ २, पंचा॰ ३, ३=;

जहोंचित्त. न॰ (यधोचित) लेभ धटे तेम. उचित राति से. Suitably; properly. पंचा॰ ७, ३७,

जहोन्त्रियः न॰ (यथोचित) क्षेभ धटे तेभ; यथा थात्र्यः उचित रित से; यथायोग्यः Properly; suitably निर॰ १, १; नाया० १:

जहोबइट्ट. न॰ ( यथोपदिष्ट ) केवी रीते डिंड-पामा ઉपदेशपामां आप्युं डीय ते प्रमाणे. जिस गिति सं कहने में-उपदेश में श्राया हो उस गिति से. According to advice or orders. "जहोबइट्टं श्रमिकंखमाण " दस॰ ६, ३, २; उत्त॰ १, ४४;

' जह्नवी. स्री॰ (जान्हवी) ગગા नही. गंगा नदी. The river Ganges. जं॰ प॰ √जा घा॰ I (जन्) भेहा थवुं; ઉત્પન્न थवुं. पैदा होना; उत्पन्न होना. To be born or produced.

> जायह. नाया॰ ७; १०; विशे॰ ४१८; उत्त॰ १६, ७६;

जायउ. विशे० ४१८.

√ जा. घा॰ I (या) જવું; ગति કरवी जाना; गति करना. To go; to walk. जाइ. उत्त॰ ३, १२, विशे॰ ६४४, १६०=; नाया॰ ६, ६,

जंति. श्राया०१,३,४,१२३, सु० च०१,६३३; जायमाग्य. व० कु० भग० ३,३;

√ जा. धा॰ I. ( या+िषा ) निर्णमन करवु;
निर्वां करेते। निर्णमन करना; निर्वाह करना.
To go out; to support oneself.
(२) आत्मानी सयममं प्रवृत्त करना. to urge
the soul in self-restraint.
जवित. प्रे॰ पि॰ नि॰ ६१६;
जित्तित. हे॰ कु॰ स्य॰ ३, ३, २, १;
जित्तित. व॰ कु॰ जं॰ प॰

व्यतीत करना To cause to go; to pass.
जाविति. प्रेव् पि० नि०६१६;
जावए. वि० स्प० १, १, ४, २;
जावेत व० कृ० जं० प० ३, ६७;

√ जा. घा॰ I. ( या+िषा ) पीताऽवुं; गाववुं

जा. श्र॰ (यावत्) लयांसुधी. जवलग; जवतक, जहांतक. So long; as long as; as far as. प्रव॰ =२; क॰ गं॰ २,२६; उवा॰ १, =१;

जाइ. स्त्री॰ (जाति-जननं जाति:) ०४-भ; ઉत्पत्ति. जन्म; उत्पत्ति Birth; production. श्राया॰ १, १, १, ११; उत्त॰ ६, १; ३२, ७, क॰ प॰ ६, ३; प्रव॰ १२७६; १०७०; क० गं० १, ३३; ४, ६१; (२) એક દિય બેઇ દિય આદિ પાંચ જાતિ एकेंद्रिय, द्विइंदिय श्रादि पाच जाति. five kinds ( of creatures ) viz. one sensed two-sensed etc. क॰ प॰ ४, ६; भग॰ ६, म; ७, ५; ६, ३३; उत्त० ३, २; ६, २; श्रगुजो॰ १२७; ठा॰ ६, ४६; सम॰ १; क॰ गं॰ १, (३) ज्यति; ज्ञाती; वर्षः; क्षत्रिय आहि लित जाति; ज्ञाति; वर्णः; चित्रिय श्रादि जाति. kind, caste; Ksatriya etc. उत्त॰ ३, २, १२, ४; १३, १, विशे॰ १६३; पत्र० १; सु० च० ३, १९४; दम० ७, २१; ८, ३०; पिं० नि० ३१२; जीवा० ३, ३; नाया० ८; विवा० १; राय० २१५; (४) भाता पक्ष. माता पक्ष. maternal side. श्रोव॰ सूय॰ १, ६, १३; (१) পার্চনু ধুর, জুরুদা দূল. the jasmine flower. राय॰ १६; जं॰ प॰ — श्रंघ. વું ( - શ્રન્ધ ) જન્મ અધ: જન્મથીજ आंधदी. जन्म से ही श्रध; जन्माध blind from the very birth; born-blind. " केइ पुरिसे जाइश्रंध जाइश्रवारूवे " विवा॰ १: स्य॰ १, १, २, ३१: — प्राजीव. त्रि॰ ( -ग्राजीवक ) लित क्लापी आहार थेनार. जाति वतलाकर श्राहार लेने वाला. (one) who accepts food having exposed one's caste. Zox, 9: — त्राजीवन्त्र-य पुं॰ (-भाजीवक)

ळुओ " जाइग्राजीव " शण्ह, देखी "जाइ-श्राजीव " शब्द. vide "जाइश्राजीव " ठा० १, १; — ग्रारियः पुं० ( -प्यार्य ) लिये हरी आर्थ. हिन्य लितनी स्त्रीयी ઉत्पन्न थयेत ज्वति, अभ्यष्ट, इति ह, विहेद, વિદેહકા, હરિતા અને ચુચૂગા એ છ આર્ય न्नति जाति से कर के धार्य; इस्य जाति की स्री से उत्पन्न हुद्द जाति; श्रम्बष्ट, कलिंद, विदेह, विदेहठा, हरिना व चुंचुणा ये छः आर्य जातिया Arya by birth; the caste sprung from a woman of Ibhya easte; the six Aryan castes viz Ambasta, Kalinda, Videha, Videhathā, Haritā and Chuñchunā. ठा॰ ६, १; —श्रासीविस. वं॰ ( - श्राशीविय - श्रारयो दंद्राः ताम विपं येपां ते श्राशीविषाः ) जन्भथीज अेरी; सर्प पि ि थाहि. जन्म ही से विषेताः सर्र. विच्छु वैगरह venomous from the very birth, a snake, a scorpion etc. भग व्ह, १, -- क्रम्म न ( -क्रम् ) लन्भ स स्थार, जन्म-संस्कार ceremony connected with birth भग- ११. ११, -कहा स्रो॰ (-कथा ) अमुः जित સારી અમુક ખરાળ ઇત્યાદિ કથા કરવી તે. यमुक जानि यन्छी या बुरी इत्यादि कथन करना मो. speaking of the superiouty of a certain caste and inferiority of some other easte. ठा० ४, २; —कुल. न० ( -कुल ) व्यति अने दुस जाति व कुल caste and lineage "तेसिएं भते जीवाएं कह जाइ कुलकोडि जेशिपपमुह सयसहस्सा परणत्ता' जीवा॰ ३; -गोय. न॰ (-गोत्र) लिति अने शित्र. जाति व गोत्र. caste and family. भग॰ ६ =; —गोयनि- उत्त. त्रि॰ (गोत्रनियुक्त) निध्यित जीन भाववाणे। निकाचित जाति गोत्र वाला. one of a settled caste and family. भग॰ ६, =; —गोयनिहत्त. त्रि॰ (न्गोत्र-निधत्त ) कति जात्रते याज्य धर्म पुहव श्यापन ६रेथ जानि गोत्र के योग्य कर्म पुरल म्यापन किया हुन्ना. one having Karma-atoms established according to caste and lineage. भग॰ ६, =; —गोयनिउत्ताउय न॰ ( —गोन्ननियुक्तायुष्क ) প্রেনি সামনী স্নায় નિકાચિન ખાચેલ આયુષ્ય. जाति गोत्र के साय निकाचित बांधा हुआ श्रायुष्य life-period appointed or fixed along with easte and lineage. भग॰ ६, ६; —जरामर्ग्, न॰ (-जरामर्ग् ) १४-भ જરા અને भरणु. जन्म जराव मरण. oldage and death. जं॰ प॰ ३, ७०; —गामः न॰ ( -नामन् ) नामक्री એક પ્રકૃતિ કે જેથા છવ નુદી નુદી જાતિ-भों ७,५४ थायः नामकर्म की एक प्रकृति कि जिसमें जीव सिन्न भिन्न जाति में उत्पन्न हो. a variety of Nāmakarma causing the birth of a soul in different eastes or classes " जाति नामेणं भंते कम्मे पुच्छा "पन्न० २३; —गामगोयनिउत्तः त्रि॰ (-नामगोत्र नियुस्त ) निष्ठायित कार्ति नाम गात्र वासे: नारडी थाहि. निकाचित जाति नाम गोत्र वाला; नारको आदि. (one) having an appointed class or caste, name and family; a hell-being etc भग॰ ६, ६; —णामगोयनिउत्ताउय त्रि॰ ( -नामगोर्त्रानयुक्तायुष्क) लिति नाभ गात्र સહિत. નિકાચિત્ત આયુષ્ય વાલી. जाति नाम गोत्र सहित निकाचित्त त्रायुष्यवाला. (one )

having the duration of life fixed along with custe name and family. भग॰ ६, =, —गामगोयानिहत्तः त्रि॰ ( -नामगोत्र निधत्त - जाति बाम गोत्रं च निधत्तं यैस्ते तथा ) जाति नाभ अने गात्रनी प्रकृति ६८-पछ। आंधी छे के छो ते जिसने जात नाम व गोत्र की प्रकृति दढता के साथ बांधा है वह ( one ) who has firmly united the characteristics of caste. name, and lineage भग , =, गोत्रनिधत्तायुष्क-जाति नाम्ना गोत्रेण च सह निधत्तमायुवंस्ते तथा) अति नाम शित्र साथे स्थापन धरेस आयुप वादी। जाति नाम गोत्र सहित स्थापन किया हुत्रा श्रायुष्यवालाः (one) who has the duration of life fixed along with caste, name and family. भग॰ ६, इ. -- णामनिउत्त त्रिः ( -नामनियक्त---जातिनामनियुक्तं नितरां युक्तं सबद्ध निका-चितं वेदने वा नियुक्त यस्ते तथा ) निध-थित जाति नाम इभ वासा छन. निकाचित जाति नाम-कर्म वाला जीव a being or soul with a fixed caste, name and Karma. 470 €, =; - WIH-निउत्ताउय. त्रि॰ ( -नामनियुक्तायुष्क---जातिनाम्ना सह नियुक्त निकाचितं चेद्यितु-मारव्द वाऽऽयुर्वेस्ते तथा ) जातिनामसहित निश्चित आयुष्यवादी जातिनाम सहित निकाचित त्रायुष्य वाला. (one) having the duration of life fixed along with caste and name. भग । ६, ५; —गामिनिहत्ताउयः न॰ (-नामनिधज्ञायुष्क-जातिरेकेद्वियजात्यादिः पद्यधा सेव नाम इति नामकर्मण उत्तरप्रकृति-Vol. 11/103

विषेशो जीवपरिणामो वा तेन सह निधत्तं निपिक्त यदायुस्तज्जातिनाम निधत्तायुः) न्तिरूप नामधर्मसाथै સ્થાપત आंधु ५ थ. जाति रूप नाम कर्म के सहित स्थापन किया हुआ आयुष्य. life impregnated with kind or class, form, name and Karma. भग॰ ६, ( ર ) જાતિ રૂપ નામ કર્મ સાથે સ્થાપન કરેલ भायुष्य वाली छव. जाति, रूप, नाम, कर्म के साहित स्थापन किया हुआ आयुष्य व ला जीव a being with his life impregnated with kind or class, form, name and Karma भग॰ ६, प्:--ग्रियद्ध. न० (-निवस् ) सूत्र स्थताने। એક પ્રકાર: ગદ્યપદાદિ સત્ર રચના. सत्र रचना का एक प्रकार; गद्यपद्यादि सूत्र रचना a method of the composition of Sūtras ( any work containing aphoristic rules ), the composition of Sūtras in piose or metre. म्य॰ नि॰ १,१, १,३; — तिग न॰ ( - न्रिक्र ) पाय व्यति, यार गति अने એ વિહાયોગતિ, એ ત્રિપુરીની અગ્યાર પ્ર<sub>ક</sub>્ तीने। सभुदाय, पांच जाति, चार गति व दो विहायोगनि, इस त्रिपुटी की स्वारह प्रकृति का समदाय. a collection of eleven varieties of Triputi consisting of five kinds, four conditions and two Vihāyogatis. क॰ गं॰ ४, २०; -धेर. पुं॰ ( -स्थविर ) साध અધવા વધારે વરસની ઉમરના સાધ साठ या श्रविक वर्ष की उम्र का साध, a Sadhu of sixty or more than sixty years of age. " सहिवासजाए समग्रे शिगांथे जाइ थेरे " ठा० ३, २; वव-१०, १६; -दोस. पुं० (-दोप) ज्यति

हे। प, जन्मने। हे। प. जाति दोप: जन्म का दोप. deficiency or evil connected with birth, तंदुः —धम्मयः वि॰ (-धर्मक) Gत्पत्ति श्वलाववादीा. उप्तात्ते स्वभाव वाला possessed of natural or inherent characteristics. " इम पि जाइधम्मयं " श्राया॰ १, १, ४, ४६; —नामः न० ( -नामन् ) लुओ। " जाइसाम " शण्ट, देखी "जाइ-णाम " शब्द. vide. " जाइगाम " भग० प्र, मः —नामगोयनिउत्त त्रि॰ (-नाम-गोत्रनियुक्त ) लुओ। 'जाइगामगोयानिउत्त' शण्टः देखो "जा त्यामगोयनिउत्त" शब्दः vide "जाइणामगात्रनिडन" भग० ६, ८; —नामगोयनिउत्ताउय त्रि॰ ( -नाम॰ गोत्रनियुक्तायुष्म) लुओ। " जाइणामगोय-निउत्ताउय " शफ्ट. देखो " जाइणामगोग-निउताउय " शब्द. vide. " जाइएामातेः यनिउत्ताउष "भग॰ ६, ८, —नामगोय-निहत्त त्रि॰ ( -नामगोत्रानधत्त ) लुगो। '' जाइणामगोयनिहत्त '' शंभ्धः देखा 'जाइ-णामगोयानिहत्त' शब्द vide "जाइणाम गोयानिहत्त " भग० ६, ८; --नामगोयनि-हत्ताउय. त्रि॰ ( -नामगोत्रनियतायुष्क ) लुओ '' जाइणामगोयनिहताउप '' शफ्ट. देखों " जाइणामनिहत्ताउय " शब्द. vide ''जाइणामगोयनिहत्ताउय''भग • ६,=; --- नामनिउत्त त्रि॰(-नामनियुक्त) Mंशो '' जाति गामानेडत्त '' शंभ्धः. देखां " जाति-णाम निउत्त '' शब्द. vide " जातिणाम ानेउत्त " भग०६, ६, —नामनिउत्ताउय. त्रि॰ (-नामानियुक्तायुष्क ) लुओ '' जाइ-णामनिउत्ताउय " शण्ट. देखो " जाइ्याम निउत्ताखय " शब्द. vide " जाइ्याम निउत्ताउय '' भग० ६, मः —नामानिहत. त्रि॰ (-नामानिधत्त ) लुओ। " जाइ्साम

निहत्त " शण्ट. देखी " जाइयाम निहत्त " शब्द. vide " जाइगाम निहत्त " भग-६, ८; —नामानिष्ठत्ताउयः त्रि॰ ( -नामः निधत्तायुष्क ) लुशे। "जाइणामनिहत्ताउष" २. थ. देगा " जाइणामनिहत्ताउय " मध्द. vido " जाद्गामानिष्ठताउय " भग॰ ६,=; —पंगुल वि॰(-पंगुक) रान्भथीन पांगकी; खुक्षेत. जन्मही में लंगडा, लूना, lamo from the very birth; crippled. विवा॰ १; —पद्द. पु॰ (-पथ-नातीनामे-केन्द्रियादीनां पंथाजाति पंथः) ०८-५ भरुण्नी भागी; स सार. जन्ममरणुका मार्ग, नमार माने. the way of birth and donth; the way of worldly existence. " जाईपहं घणुरिवदृमाणे " स्य० १, ७, ३; दग० ६, १, ४; १०, १, १४, <del>─पुड</del>. न॰ ( -पुर--जातिः पुष्यजाति विशेषः पुट पत्रादिमयं तदाजनं जातिपुटं) लध्तुं पत्राहिमय लाकन; प्तप्नने। पुरे। जुई का पत्रादिसय भाजन; जुई का दोना. a cup made of Jasmine leaves- "जाह-पुडाण्या " नाया० १, १७; —प्पसर्णा स्री॰ ( -प्रमन्ना --जातिः पुष्पवासिता तया प्रमत्ता जातिप्रमता ) ग्रीक नातने। धर् एक जात का दाह a kind of wine. " जाइप्रसम्खाइ वा " जीवा॰ ३; — व. हिर त्रि॰ ( -बिधर ) अन्मधील अहेरे. जन्महासे बहिसा. deaf from the very birth. विवा॰ १; —मंडच पुं॰ (-मरहप) न्तर्थना भएउप-भाउवा. जुई का मराडप. a bower of jasmine plant. राय॰ १३७;-मंडवग. पुं॰ (-मंग्डपक-जाति-र्मालती तन्मयो मग्डपका जातिमग्डपकः) ज्नाधने। भाउवे। जुई का मगडा. a bower of jasmine plant जं॰प॰१, —मत्त. । সি · ( - मत्त ) পানি মহ ধুধন; পানিন।

भ६ ४२ नार, जाति का श्राभमान करने वाला. (one ) who is proud of his birth or caste, दस॰ १०, १, १६; - मदः पुं ( - मद् ) जतिनुं अिक्सान. जाति का श्राभेमान. pirde of caste. ठा॰ =,१;-मय. पुं॰ (-सद-जात्या मदो जातिमदः ) लुञ्शे " जाइमद 'शण्ह देखो " जाइमद " शब्द vide "जाइमद" " जाइमएण्या " ठा० १०; सम० ७; -मयपंडित्थद्ध पुं॰ (-मदप्रतिस्तब्ध) ळातिना अर्द क्षारथी ७६त. जातिमदसे उद्धतः जातिके श्रहंकार से उच्छंखल. haughty or rude in consequence of the pride of caste "जाइमयपाँडित्थ हिंसगा श्रजिइंदिया" उत्त॰ १२, ४; - मर-शा. पुं॰ ( -मरण ) अन्भ भरख. जन्म मरण: पैदा होना श्रीर मरना birth and death. दस॰ ६, ४, २; ३, १०, १, १४; २१; दसा०६, ३२; —मुश्र त्रि॰ (-मूक) જन्मने। भु शे। जन्मसे ही मूक-गूंगा dumb from the very birth विवा०१,- मूयत्त. न० (-मूक्रत्व) अन्भथी भु गापा . जन्मसे ही गूगापन. dumbness from the very birth स्य॰ २, २, २१, — लिंग न॰ (- लिङ्ग) अति स्थः िक्ष ग-शरीर व्यवयव जाति सूचक लिंग-शरी( अवयव a caste mark, a limb of the body. सम॰ ३; —वंभाः छा॰ ( -वन्ध्या--जातेर्जनमत स्नार्भ्य वन्ध्या निर्बोजा जातिवन्ध्या ) लन्मथील व ध्याः पांअली. जन्म से ही बन्ध्या barren or sterile from birth. ठा॰ ४, २; -- बर. पुं॰ ( -वर ) उत्तम जाति. उत्तम जाति, श्रेष्ट जाति. highest caste. " जाइवरसारराविखय ' पराह० २, ४; —संपरारा पुं॰ ( -संपन्न ) संपूर्ण गुर्श-

વાલી જેની માતા હોય તે: માતાના પક્ષ केना सारा है। पते. जिसकी माता गुणवती हो वह; मातृपत्त जिसका श्रेष्ठ हो वह. one having a mother endowed with talents; one having excellent maternal side, भग ० २, ४: ७; १०, ५; नाया० १, ठा० ४, २; ३; विवा० १; नाया० ध० -- स्तर. त्रि० (-स्मर) पूर्व जन्मनुं स्मर्श धरतार पूर्व जन्मका स्मर्या करने वाला. (one ) who remembers his past life. সাৰ ০ ১৭; —सर्गा. नं ( -स्मर्गा ) गत जन्भीना યનાવાનું સ્મરણ, મતિ જ્ઞાતના એક બેદ; र्वताथी वधारेमां वधारे संजीता ८०० अव-नी वात जण्डी शहाय-स लारी शहाय तेवुं न्यान, गत जन्मों की हकीकत का स्मरण: मति ज्ञान का एक भेद; जिसके द्वारा श्राधिक से श्रधिक ९०० भवों-जन्मा की बात जानी जा सकती है, एक प्रकार का ज्ञान memory of past lives; a kind of power of remembrance or knowledge which enables a person to recall the memory of events of past lives numbering up to the maximum of nine hundred lives or births. " जाइ सरण समु-प्पराया ' उत्त० १६, ७; श्रोव० ४१; प्रव० प्रदः, नाया० १, मः, १३; दसा० ४, १६; —सरगा वरागिज्ञ. न॰ ( -स्मरगावर-गीय) ज्ञानावरशीय इम नी ओह प्रकृति; જાતિ સ્મરણને આવરનાર કર્મ પ્રકૃતિ. ज्ञानावरणीय कर्म की एक प्रकृति, जाति स्मरण-पूर्व जन्मा की स्मृति को श्रावृत करने वाली कर्म प्रकृति. a variety of knowledge obstructing Karma; a variety of knowledge obstructing Karma; a variety of Karma screening the memory of past lives or births नाया॰१; —स्सर पुं॰ (-स्मर) कुओ। "जाइसर" शण्द देखो "जाइसर" शब्द vide "जाइसर" विशे॰ १६७१; —हिंगुलुयः पुं॰ (-हिंगुलुक) सारे। ही गक्षी अच्छा—उत्तम हिंगुलक. superior vermillion. नाया॰ १; पन्न॰ १;

जाइचिछु अ-य. त्रि॰ ( याद्दिछुक ) धन्छ। अभाषे अरतार. इच्छानुसार वर्ताव करने वाला. (One) acting to one's wish विशे॰ २५:

जाइजंत त्रि॰ ( यात्यमान ) पणाऽवाभां आवते। पाँछे डाला जाता हुआ. (One) made to retreat पगह॰ १,१;

जाइमंतः त्रि॰ ( जातिमत् ) अत्यानः सारी अत्योगः उत्तम जातिकाः. Belonging to a high caste. नाया॰ ३,

जाइमेत्त न॰ (जातिमात्र) लितिल, એકલી लित जाति मात्र, केवल जाति ही. Mere caste. " जे श्रासन्ना ए जाइमेतेण " पंचा॰ ३,४७;

जाइय त्रि॰ ( याचित ) જાયેલું, માંગેલું. मांगा हुत्रा, याचित Begged, asked for नाया॰ ४; १८, उत्त॰ २, २८;

जाइस्ववंडसय. पुं॰ (जातिस्ग्वतंसक) भे नाभनु धशान धंदनु चाेथुं विभान. ईशानेंद्र का चौथा विमान. The 4th celestial abode of Tsānendra. भग॰ ४, ९; जाई स्त्री॰ (जाती) लुभे। "जाइ" शण्ह देखों "जाइ" शब्द Vide "जाइ"

पञ्च० १, जं० प० ४, ११२; कप्प० ३, ३७; —मंडवगः पुं० ( -मरडपक ) ळुએ। " जाइमंडवग " देखे। " जाइमंडवग"

शहद. vide " जाइमंड्वग " जं० प०

—सरण. न० ( -स्मरण ) लुओ। " जाइसरण " शफ्ट. देखो " जाइसरण " शब्द.
vide " जाइसरण " नाया० १; १४;
भग० ११, ११; —सरणावरणिज्ञ. न०
(-स्मरणावरणीय) लुओ। " जाइसरणावरणिज्ञ"
शब्द " vide " जाइसरणावरणिज्ञ"
नाया० १,— हिंगुलुय. पुं०( —हिंगुलुक)
लुओ। " जाइहिंगुलुय " शफ्ट. देखो 'जाइहिंगुलुय' शब्द vide जाइहिंगुलुय'नाया०१;
जाउ. पु० ( जायु ) ह्या, ओसऽ दवा, श्रोषध

ज्ञाउ. पु॰ ( जायु ) ६२।, श्रीसऽ दवा, श्रापः A. medicine ार्पे॰ नि॰ ६२५;

जाउया. स्त्री॰ (यातृ ) देशां देवरानी; देवर-पति के छोटे भाई की स्त्री. Brotherin law's wife, wife of husband's brother. "मम जाउयास्रो" नाया॰ १६;

जाडल. पुं॰ (जातुल) એક પ્રકારની શु²७ વનસ્પતિ एक तरह की गुच्छ वनस्पति. A kind of vegetation growing in clusters. पन॰ १;

जाडकराएा. नं ( जात्कर्ए ) એ ताभतु એક भात्र एक गोत्र. Name of a family. जं॰ प॰ ७, १४९;

जाऊकराणीय. न॰ (जातूकर्णीय) ये नामना गीत्र वालुं इस गोत्र का One belonging to this family. स्॰ प॰ १०;

जांबू एय. न ॰ (जाम्बनद) એક પ્રકારત से। तुं. एक तरह का सुवर्ण A kind of gold.

ज॰ प॰

जाग पुं॰ (याग) यदा; અश्वभेधािह यदा यज्ञ, त्रश्वभेध प्रमुख यज्ञ. A sacrifice such as Aśvamedha ( horsesacrifice) etc श्रोव॰ पि॰ नि॰ ४४०; जं॰ प॰ ४, ११४;

√ जागर. धा॰ I. ( जागृ ) लग्बुं. जगना; जागृत होना. To be awake; to be sleepless.

जागरे. सम० ३३;

जागरित्तए. हे० कृ० वेय० १, १६;

जागरमाण. व॰ कृ॰ भग०१, ७; २, १; ३, १; नाया० १, ५; १४, १६; दसा० ३, १४; सम० ३३; ठा० ३, ४; चवा० १, ६६; ७३; ८, २४२; दस० ४,

जागर व॰ कु॰ प्रव॰ १३४, काप॰ १, ६; जागर. पुं (जागर) असंयम३५ निदावगरनी, कारताः निदाना अलाव वाला. श्रसंयमहत्व निदा से रहित, जगता हुआ, निदा के अभाव वाला; प्रवृद्ध. One who is free from sleep of want of self-restraint; one who is wakeful or wide awake " सुत्ता श्रमुणी उसया मुणी उसुत्ता विजागरा होंति " श्राया० १, ३, १, १०=, ठा० ५, २; पञ्च० ३; २३; भग० 99, 99; 94, 94,

जागरइत्तार त्रि॰ (जागरियत्) જાગનार. जगने वाला. Wakeful भग० १२, २, जागरण न॰ (जागरण) क्रागरण; निद्राती क्ष्य. जगना, निद्रा का श्रभाव. Wakefulness; sleeplessness नाया १. २:

जागरित्तार त्रि॰ (जागरितृ) क्रागनार, जगने वाला, उनिद्र Wakeful: sleepless. সা০ ४, ২;

जागीरयः त्रि॰ (जागृत) लगेव जगा हुआ. (One) who has kept awake. भग॰ १२, १; उवा॰ १, ७३; म, २५**२**,

जागरियत्त. न॰ (जागरिकत्व) न्यथ्रतपा ; **જાગર**ણ, जागरण; निद्रा না श्रभाव Wakefulness; sleeplessness भग० १२, २,

जागरियाः स्री॰ (जागरिका ) णालक्षता अन्म

પછી છઠ્ઠી રાત્રે ધરના માણસાે રાત્રે જાગરણ **५रे ते बालक के जन्म के बाद छ**टी रात्रि मे परिवार का जागरण करना A vigil kept by the relatives on the sixth night after the birth of a child " कइ विहाणं भंते जागरिया परागता ?" भग० ११, ११; श्रोव० ४०; नाया० १; राय० २८६, कप्प० ३, १६;

जागरियाः स्रो॰ ( जागर्या ) थितवनः विया-२७॥ चिन्तनः विचारणा. Contemplation; thought उवा०१, ७३; =, २५२; जाजीवं. श्र॰ (यावजीवम् ) छंहशी पर्यंत. जीवन पर्यन्त, जिद्गी तक. Throughout life. क॰ गं॰ १, १८;

√ जारा धा॰ I (ज्ञा) পख्युं. जानना. To know.

जारणङ् भग० १, १; २, १, ३, ६; ४, ४; ६, ४, ८, २, १८, ८, नाया० १; म; १६; पञ्च० ३०; श्राया**० १, १,** ७, ४६; १, ७, १, १६६; ठा० २, २; वव० २, ३३; विवा० ६, दस० ४, २३,

जागाति भग० ४, ४; ६, ४; १४, ६; १६, ३: विशे० ६१, नाया० १६;

जागासि नागा० १४, १६; भग० २, १; १४, १; उत्त० २४, ११;

जाणामि नाया॰ १, ७; =; भग॰ ३, ६; u, y; १७, २;

जागामी भग०१ ६; २, १, ३, २; ४, ५; 94, 9, 95, 6;

जागो. उत्त० १८, २९,

जाािख-खा-जा. दस०७ =, भग० २४, 9; १२, वेय० २, २; ५, ६; पञ्च० १७, श्रयाजी० =; १३१, श्राया० १, १, १, ४, १; ६, ४, १६१; दस० ४, १,४६; दसा० ६,३१; ानसी०६,१२; यागाइ. श्रोघ०नि०१७,विशे०४२; नाया०१७; यागांति. सु० च० ४, ६८; भग० १, ६; यागामि. सु० च० ७, १११; जागाउ. विवा० १; भग० ३, २; जागातु. दस० ४, २, ३६; जागासु. विं नि० भा० २४; विं नि० १०७; नंदी० ४४;

जायाहि. श्राया०१, २,१, ७०; गच्छा०७६; जायह. सु० च०४, ५२; नाया० ६; १६; राय० ७७; भग० १, ६;

जागिस्संति. नाया , १६; जागिष्र. सं० कृ० दस० १०, १, १८; जागिऊष. सं० कृ० सु० च० १, १०१; नाया ० ६;

जािंगत्ता. सं० कृ० नाया० ४; ४; ७, ८; ६; १२; १६; १८; भग० २, १; ७, ६, ६, ३२; १४, १; श्रोव० ४०; उत्त० १४३,

जािंग्या. सं० कृ० नाया० १६; दस०७,५६; जािंग्जु. हे० कृ० श्राया० १, २, १,६८; दस० ८,१२;

जािंगत्तर. हे० कृ० दसा० ४, १८; २३; सम० १०; नाया० ४, भग० ४, ८; जांगत्ता. सं० कृ० भग० २, १; ३, १; जागामाग व० कृ० उत्त० १३, २६; सम०

३०; निसी० १, ४०; जं०प० २,३१; विशे० २३६, विवा० १; दसा० ६, १०; सु० च० १, १३८; कपा० ६, १४८,

जायांत. व० क्ट॰ स्य० १, १, १, १; दसा० ६, २; दस० ६, १०; ८, ३१; पि० विशे० ४२; पन्न० ११; पि० वि० १११;

जारा न॰ ( यान ) गाडी, गाडां, २थ, स्थाम वगेरे, २वारी. यान-गाडी, रथ ब्रादि सवारी योग्य साधन. A vehicle, carriage

chariot etc. उत्त० ४, १४; २४, ११; २७, =; श्राया० २, ४, २, १३=; स्य० २, २, ६२; सु० च० २, २०८; श्रोव० मग० २, ५; ३, ३; ४, ७; ८, ६; ११, ११; नाया० ३; ७; उवा० १, ६१; ७, २०६; दस० ७, २६; जीवा० ३, ३; जं० प० दसा॰ ६,४;१०,१; प्रव०७२६; पग्रह॰ २,४; ठा०४, ३; सम० १; (२) विभान. विमान. aeroplane. नाया॰ घ॰ (३) यानपात्र; વહાણ नौका; जहाज वगैरह. a boat; a vessel etc. भत्त॰ १६४; गच्छा॰ ८; -- गयः त्रि॰ (-गत) गाडीमां गयेल. यानः गत; गाडी में गया हुआ driven in a carriage. श्रोव॰ --गिह. न॰(-गृह)१थ भुध्वानुं धर. रथशाला; गाडी ब्रादि के रखेन का घर. a coach-house; a carriageshed. " जागागिहागिवा " श्राया॰ २, २, २, ५०; निसी० ८, ७; १४,२१; — एवर. न॰ (-प्रवर ) अधान २थ; उत्तभ वाहन. उत्तम रथ; प्रधान गाडी. an excellent chariot; an excellent vehicle. दसा० १०, १; भग० ६, ३३; -रह पुं० ( -रय ) ओ अधारते। २थ. एक प्रकार का रथ. a kind of chariot जीवा॰ ३,३; —स्त्व. त्रि॰ ( -रूप ) पासणी आहिना रूप-व्याधार, यान-पालका वगैरह याकार the shape of a pulanetc. " समाहयजाणरूवेणं " quin भग॰ ३,४; —विमाग्। त्रि॰ (-विमान--यानाय गमनाय विमान यानाविमानम्) हेत-તાને ગમન કરવા--મુસાફરી કરવાનું વિમાન. देवताश्रोका मुसाफरी विमान; देवताश्रोके यात्रा करनेका विमान a celestial car of the gods " दसगहं इंदागं दस परियाणिया जाराविमाखापरणत्ता ' टा० १०; ४, ३; राय० ६७, जं० प० ५, ११२; ११४; ११६;

भग॰ १६, २; —साला. स्री॰ (-शाला) ગાડી રથ વહેલ વગેરેને રાખવાની જગ્યા रथ शाला: गाडी खाना a coach-house; a carriage shed "जाणसालाश्रोवा" श्राया० २, २, २, ८०, श्रोव० ३०; नाया० प्र; १६, दसा० १०, १; परहर २, ३, नित्ती ०८, ७. -सालिश्र. पुं ० (-शालिक) ગાડાં રથ વગેરે રાખવાની યાનશાલાના ઉपरी क्षांग. रथशाला के ऊपर की अटारी the upper floor of a coachor carriage house shed. श्रोव॰ ३०; दमा॰ १०, १; — जाराश्रय त्रि॰ ( -ज्ञायक ) लाश्नार; समल॰ नार; ज्ञाता जानने वाला, समक्तने वाला, समभादार; ज्ञाता. (one) who knows, comprehends or understands श्रगाजी १४; ४२, श्रोव ॰ उवा ॰ ७, १८७; विशे० ४४, ४६; (२) पुं० येति જાણે નહિ છતા પાતાને જાણકાર માનનાર थै। क्षाहि स्वय कुछ भी न जानते हुए श्रपने को जानकार मानने वाला वैद्ध वगरह & tollower of Buddha etc who pretends to know without knowing anything himself. स्य० १, १, १, १८, ऋगुजो० १४६; जं० प॰ ३, ४७, - सरीर न॰ ( -शरीर ) આવશ્યક આદિ શાસ્ત્ર જાણનારનુ પડ્યુ रहें अनेतन्य शन्य शरीर. भ्रावस्यक सूत्र श्रादि शास्त्रों के जानकार का पड़ा हुआ मृत -चैतन्य श्रन्य शरीर the lifeless body of one who knows scriptures such as Avasyaka etc. श्रापुजी० १४,

जाणग पुं॰ (यानक) २थ रथ A chariot दसा॰ १०, १;

जाएग त्रि॰ ( ज्ञानक) প्रध्यार, समलनार

सममने वाला. (One) who knows or understands. पि॰ नि॰ मा॰ ३१; श्रोंघ॰ नि॰ ११=; पंचा॰ ५, ६;

जाराण्. न॰ (ज्ञान) सान; ल्लाबु ते. जानना; ज्ञान, समम्म Knowing; knowledge; comprehension. प्रन॰ १; — निमित्त. न॰ ( -निभित्त ) सानना धारण् रूप ज्ञान का कारण-हेतु. cause or motive of knowledge. प्रन॰ १;

जाण्णा स्त्रो॰ ( ज्ञान ) जेनाथी वस्तुने।
निर्ध्य थाय ते जिससे वस्तुका सचा स्वरूप
प्रतीत-जाना जा सके वह, ज्ञान That by
which the real nature of a
thing can be known, knowledge. श्रणुजो॰ १४६;

जाग्या श्ली॰ (ज्ञान) हान Know-ledge भग० १, ६;

जागावत्तः न॰ ( यानपात्र ) पढाणु नौका, नावः A boat पंचा॰ ६, १६

जाण्वयः त्रि॰ ( जानगद ) देशभा वसता अथवा आवेदा देहा. देश में सदा से वसते हुए या आये हुए लोग People habitually residing in a country or emigrants. "वहवे जाण्वया लूसिसु" विवार, भग०१,१,११,सू॰प०१; श्रोव॰

जािशस्त्र. त्रि॰ ( ज्ञात ) व्यश्वेस. जाना हुत्रा Known नदी॰ ४५,

जािश्य व्हि ( ज्ञातच्य ) क्राश्चा थे। व्यानने योग्यः Worth being known. भग० १, ४,५, १, १२, ४; १६, १, १६, ७, २०, ७, ११, २४, १२; २०, २६, १, क्राय० ६, ४५;

जागु न० (जानु) गेहिल, धुटन, टी यलु घटने. The knee नाया० १; २; श्रोब० १०, २१, भग० म, ७, जंबन्य० ४, ११५; जीवा० ३, ३ श्राया० ३, २, २, १६, विं

नि० ४६=; राय० २२; १६४; उवा० २, ८४; विवा॰ ६; प्रव॰ ७३, पंचा॰ ३, १८; कण० २, १४: — उस्सेहप्पमाणामित्त त्रि॰ ( -उत्सेघप्रमाणमात्र ) ढी यश सुधी; ટિંચણની ઉંચાઇ પ્રમાણે. घुटनो तक; जानु प्रमाण reaching as far as the knees; equal to the knees in height. सम॰ ३४; —कोप्पर (-कूर्पर) ढी शख अने ३खी. जान-घुटने श्रीर इहनी-भुजाश्रों के वीच की ग्रंथी--गाउ the knee and the elbow. नाया॰ २; --कोप्परमाया स्त्री॰ ( कूर्पर-मातृ) व ध्या स्त्री; वां अशी वन्ध्या, वां क स्रो a barren or sterile woman नाया॰ २, --पमाण त्रि॰ (-प्रमाण) धुटण सुधीना प्रभाण वालुं. घुटने तक का, जानु तक प्रमाण वाला. reaching the knees प्रव॰ ४४१, —पायपंडियः त्रि॰ ( -पादपतित ) ढीय श्रीये पडेस घुटनों पर पडा हुआ, पेरोंपर गिरा हुआ. knelt down विवा ०७; — मित्त त्रि ० (-मात्र) ढीं यन प्रभाश. पुरनों ना प्रमाण. reaching the knees, knee-deep अन्॰ २४५; —हिट्ट. अ॰ ( -श्रध. ) ढी यश्नी નીચે. घुठना के नीचे below knees प्रव० १६०;

\*जारा स्त्री॰ (ज्ञायक) समक व्यक्तकर की हुई पाप की निम्नत्ति Deliberate abstinence from sin ठा॰ ३, ४,

जाराष्ट्रप्र. र्पु॰ ( जानुक ) ०५२२२। 'जाराउ' शम्ह देखे। 'जाराउ' शब्द. Vide. 'जाराउ' उना॰ २, ६४,

जागुय त्रि॰ ( ज्ञायक ) शास्त्रने। જાણનાર शास्त्र का जानकार. Conversant with the scriptures. 'जागुयाय जागुयपुत्ताय' नाया॰ १३; — पुत्त. पुं॰ ( -पुत्र) शास्त्रना क्रांशनारित पुत्र. शास्त्रज्ञ का पुत्र. the son of one who is conversant with the Scriptures. ।या॰ १३; जाराहई. स्त्री॰ (जान्हवी ) गंगानदी. गगा नदी. The Ganges. ठा॰ ६; जात. त्रि॰ (जात ) क्रन्मेक्ष; ६ सन्न थ्येथ. जन्मा हुआ; पैदा हुआ. Born; produced. नाया॰ १;६;भग॰ १४, १; (२) न॰

जन्मा हुन्ना; पैदा हुन्ना. Born; produced. नाया० १; ६; भग० १५, १; (२) न० अश्वार. प्रकार, भेद variety; species परह० २, ३; — काम्म. न० ( -कर्मन् ) જન્મ सरशर. जन्म सस्कार. ceremony in connection with birth नाया० १; — सङ्घ त्रि० ( -श्रद्ध) कोने श्रद्धा-ध्र्म्था ६८५ श्रध छे स्रेवा. जिसे श्रद्धात्र्यमिलापा उत्पन्न हुई हो नह. one in whom faith has been inspired निर० १, १;

जातग. त्रि॰ (जातक) ०४-भेक्ष. उत्पन्न; जन्या हुआ. Produced; born नाया॰ १;

जातगा स्त्री॰ (यातना ) पीऽ। पीटा; वेदना; दर्द. Pain; agony. पग्रह॰ १, १;

जातरूब. त्रि॰ (जातरूप) सुदर; यक्षडेतुं सुन्दर, चमकताहुआ Shining; ghttering. (२) न॰ सीनुं. सुवर्ण. gold. ओव॰ १७, (३) पुं॰ व्यवस्थ-सीनाती डाएड; भरडाएडती १३ मी विशाग. जातरूप-सुवर्ण का काएड; खरकाएड का १३ वां हिस्सा a lump of gold; the 13th portion of Khara-kāṇḍa. जीवा॰ ३, १;

जाति. स्त्री॰ (जाति) लुओ "जाइ" शण्ट. देखो "जाइ "शब्द. Vide. "जाइ " स्रोव॰ १६, पज्ञ० २; १७, ३६; जीवा० ३, ४; जं॰ प॰ (२) એક જાતના દારू. एक

जाति की दारू-मदा a kind of intoxicating drink or wine. विवा॰ २: — श्रमद, त्रि॰ ( -श्रमद ) लिति-भध रिक्षत जाति के मद से रहित. free from the pride of caste. भग = , &; " जाइकम्म '' शम्ध देखो " जाइकम्म '' शब्द. vide " जाइकम्म " नाया॰ २; ---नामानेहत्ताउयः त्रि॰ ( -नामनिधत्ता-युप् ) कुओ। " जाइएामनिहत्ताउय" शण्ह. देखा " जाइगामनिहत्ताउय " शब्द. vide " जाइग्रामनिहत्ताउय " पत्र॰ ६, --प-सन्नः पुं॰ ( -प्रसन्न ) थे। इ जातने। हाउ एक प्रकार का मदा. a kind of intoxicating drink जीवा॰ ३, ३; -पूड न॰ ( -पुर ) लुओ। " जाइपुड" शंभ्ह. देखें " जाइपुड " शब्द. vide "जाइपुड" नाया॰ १७, — **प्पसन्ना**. स्त्री॰ ( -प्रसन्ना ) गीं क्यतेना हाइ. एक प्रकार की मदिरा a kind of wine. जीवा॰ ३, - मश्र. पुं॰ (-मद) जातिन। अर्७ धर जातिका श्रहंकार. pride or egotism due to one's lineage or caste. सम. =, —मद. વું॰ ( -मद ) જુએા ઉપલા શખ્દ. देखो जार का शब्द vide above. भगः ८, ६; —संपन्न त्रि॰ ( न्संपन्न ) जुओ। " जाइसम्पर्णा" शण्द देखो "जाइसंपर्णा" शब्द vide "जाइसंपर्गा " भग० २४, ७; नाया० २; —सरण न० ( -स्मरण ) व्युओं " जाइसरमा " शम्ह. देखो " जाइ-सरण'' शब्द vide "जाइसरण" नाया ० =; जानिमंत. त्रि॰ ( जातिमत् ) जात्यान्. जातिवान् Of a high rank or Cayte, दस॰ ७, ३१; जातियः त्रि॰ (याचित ) भांगेक्षः, यायेक्ष हुन्ना; याचित Begged;

Vol 11/104

entreated. भग० १=, १०; जाम. पुं॰ ( याम ) भढावत; सव थ। आणा-तिपातवेरभण व्याहि भ्लां प्रत महात्रतः प्राणातिपातिवरमण श्र दि बडे व्रत. Any of the great vows; e. g plete abstention from killing etc श्राया० १, ७, १, २००; (२) पद्धार, हिवस हे रात्रिना याथा लाग. प्रहर, दिन या रात्रि का चौथा हिस्सा. any of the eight periods into which a day (24 hours) is divided "तम्रो जामा पन्नता। तं जहा-पढमे जामे मिंडिभमे-जामे पच्छिमे जामे ' ठा० ३ २, श्रोघ० नि० ६६०, गच्छा० ३; जामाउय-त्रा. पुं॰ ( जामातृक ) જમાઇ; दामाद; जामात. A son-in-law. विवा॰ ३, श्रणुजी० १३१, जामिल्लय. पुं॰ (यामिक) पहेरादार, सिपाध रचक, पहरेवाला, सिपाईा. A guard, a watchman. মু০ ব০ ৩, ২৩; जाम्याकुसुम न॰ (जपाकुसुम ) राता ३स वाबा कपा नाभे जाउनुं इब. जवा नामक बृत् का फल. A flower of the China rose. " जामुण कुसुमेई वा " राय॰ √ जाय धा॰ I, II. ( याच् ) यात्रवुं; માગવુ; માગણી કરવી ચાચના कમ્ના. मांगना. To beg. जायइ. निसी० १, २०, १४, ४७, जाएइ नाया० ७, जाइजा. वि॰ नाया॰ ७; जायाहि श्रा० उत० २४, ६; जायसु, श्रा० पिं० नि० ४७२; जाइस्सामिः श्राया० १, ६, ३, १८५; जाइता. सं० कृ० श्राया० १, ७, ६, २२२; निसी० १, २=, ३, =२; ४, १५; दस० ८, ४;

जाइत्तप् हे॰ छ॰ नाया॰ ७; १४; जायंत. व॰ छ॰ निसी॰ १,२२, परह॰ १,३; जाय. पुं॰ (याग) यत्त; पूजा यत्त; पूजा. A sacrifice; worship. नाया॰ १; २; भग॰ ११, ११, कप्प॰ ४, १०१;

जाय-त्रा त्रि॰ ( जात ) ઉત્પન્न थथेस, ઉप-**क्रे**श; क्रन्मेश. जन्म पाया हुन्ना; जन्म प्राप्त. Born, produced. नाया॰ १; २; ३; ४; ६, ७, न, १२; १३; १४; १६; १न; सग० २, १; ३, २; ६, ३३; १२, ६; १८, १; . २४, १; २; पि० नि० १६६; १८०; दस०२, ६, ४, दसा०५,२७, ६, १; ८, १; वव० ६, ४१; मु॰ व॰ १, १८, त्र्योव॰ ३८; उत्त॰ ७, २; विवा० ५; भत्त० ८३; कथ्य० १, १; (२) पुत्र, दीक्षरी. पुत्र; लडका. a son. नाया॰ १; ४; ६; भग॰ ६, ३३; ११, ११; स्य० १, ४, २, १३; सु० च० ४, ३१२; पंचा॰ ८, ३; ( ३ ) त्रि॰ प्राप्त थथेश; भेश वेश. प्राप्त किया हुआ. obtained; got. " सुद्धे सिया जाए न दूसएजा " सूय० १, १०; २३; (४) अधर; भेह प्रकार; भेद क variety, a division. ठा० ४, १: १०; (५) त्रि॰ शु६; का तिसे। विकार रहित; शुद्ध. pure; of a high caste. " जायहिगुलेति " राय ५२; (६) भ ५२. श्रेइर. sprout दस॰ ४, (७) शास्त्रिवि ज्वल्वारः, गीनार्थः शास्त्रविवि को जानने वाला. one knowing the precepts of scriptures, a learned. प्रव • ७ = ७; — श्रेयस्त्वग पुं • (- श्रंघ-रूपक-जातं उत्पन्नं ग्रन्वकं नयनयो रादित एव श्रनिष्पते कुत्सितं श्रह्मरूपं यस्यासौ ) આંધલા અને કૃત્સિત અંગનાલા; બેડાલ शरीर वादी। श्रंब व कुतिसत श्रंग वाजा; कुरू। शरीर वाला. one who is blind and deformed in body. विवा । ।

—कप्प. पुं॰ ( -कल्प ) शीतार्थ ने। ६६५. गोतार्थका कल्प. a resolution of Gitartha. प्रव०२४: -- करम. न० (-कर्म) જન્મ સંસ્કાર; નાડિ છેદન વિગેરे जन्म संस्कार, नाडि छेदन इत्यादि. ceremonies like cutting of the umbilical cord (navel cord) etc. after the birth of a child. " खिन्त्रते श्रमुई जाय कम्म करणे " ठा॰ ९; श्रोव॰ ४०; नाया॰ ८; —कोऊहल. त्रि॰ (-कुतूहल-जातं कुतूहलं यस्य स जात-कुतृहत्तः ) જેને કુતૃદલ ઉત્પન્ન થયેલ હાય ते वह जिसको कुत्हल उत्तन हुम्रा हो. ( one ) in whom curiosity is roused or excited. नाया॰ १; थयेत; प्रत्यान् थयेत. बल-प्राप्त grown strong. "वसभो इव जायत्थामे " ठा॰६; —निदुया स्री॰ (-निदुता—जातान्यपत्या-नि निर्दुनानि मृतानि यस्याःसा ) लेना જન્મેલ ળાલક તત્કાલ મરણ પામે છે અથવા મુવેલા અવતરે છે તે માતા. जिसके जन्म पाये हुऐ वालक दुरन्त मर जाते हैं अयवा मृतक पैदा होते हैं वह माता. a woman whose children die immediately after birth or are born dead. "सुमहा नामं भारिया जायनिंद्रुया यावि होत्था " विवा॰ २; ७; —पइडु. न॰ (-प्रतिष्ठ) अंधुर <sup>(७५२)</sup> रहेशुं. श्रंकुर पर रहा हुआ. anything resting upon or supported by a sprout. दस॰ ४; —परख. त्रि॰ ( -पज्ञ ) જેને પાંખ ઉત્પન્ન થયેલ છે ते. जितको पंख आ गये हैं वह (a bird) having wings. " जायपन्या जहा हंसा " उत्तः २७, १४; — सूक पुं॰

(-मूक) जन्मथीज भूगे। जन्म ही से मुक. dumb from birth. विवा॰ १; --विम्हया त्रि॰ ( -विस्मय ) विस्भ्य पामेल विस्मितः चितत. astonished, surprised. नाया० १२; — संवेग. त्रि० ( - संवेग ) केने संवेग-मुभुसुना उत्पन्न थ छे ते. जिसमें मंबेग-सुमृद्धता उत्तन हुई हो वह. one seeking emancipation. भत्त॰ १३; —संसय त्रि॰ (-संशय--जातःसंशयो यस्य सजात संशयः ) सशय अप्तत्र थयेख. संशय प्रसित thrown into doubt; (one) in whom doubt or suspicion is engendered भग । १; १०, ५; नाया॰ १; -- सङ्घात्रि । (-श्राद्ध-श्रद्धया यत्-क्रियते तत् श्राद्धं जात उत्पन्न श्राद्धं इच्छा-विशेषो यस्यासी जातश्राद्धः ) श्रद्धा वित्पन्न थ्येश. श्रद्धावान् (one) in whom faith is born, having faith नाया॰ १, ६, भग० १, १; १०, ४; १४, ६,

जायग. त्रि॰ (याजक) थाल्४ : यह १२ नार. याजक : यह करनेत्राला. (One) performing a sacrifice : a sacrificer "सो नत्थ एव पांडिसिद्धों, जायगेण महा-सुगी।" उत्त॰ २४, ५;

जायण न० (याचन) भागनुं ते; यायनुं ते. मांगना; याचना Bagging; soliciting उत्त० १२, १०; पंचा० १८, १; — जीवण नि० (-जीवन-याचनेन जीवनं प्राणधारणमस्येति याचनजीवनः ) लेना छानते। आधार भागना उपर छे ते; किस्रु भिजुक, जिसकी श्राजीविका भिजा गृतिस् निर्भर है वह ( one ) who lives by begging, a beggar. "जाणाहिं में जायण जी ग्लोत्ते" उत्त० १२, १०;

जायणा स्त्री॰ (याचना ) यायना; भांत्रशी; लिभ भागवी ते. भीख मांगनाः याचना Begging; solicitation. स्य॰ १, ३, १, ६; भग० ८, ८; प्रव० ६६२; -पारिसह. पुं॰ (-परिपह-याचनं-याञ्चा प्रार्थना सैव पारिपहो यात्र्वापरिपह.) ભિક્ષાના પરિષહ: પરિશહના એક પ્રકાર भिचा का परिषह, परिषह का एक प्रकार. bearing the affliction or trouble caused by having to beg. सम॰ २२, --वत्थः न॰ ( -वस्र ) ज्ययातं परत्र अली. भिन्ना का वस्न; मोली. a piece of cloth (like a swinging bag) to keep alms in. निसी ०१४,३४; जायणा स्त्री॰ (यातना ) पीश. दुःख, पीडा, Pain; trouble, affliction ''जायाणाकरणसयाणि'' पराह० १, १; १, ३; जायणी. स्री॰ ( याचनी ) आહारादिश्नी भागशी धरवानी भाषा आहारादिक के लिये याचना करनेकी भाषा. Words used in soliciting or begging food etc. ठा० ४, १, पन्न० ११; भग० १०, ३; दसा० १, १; प्रव ० ६८ १;

जायतेश्च-य. पुं० (जाततंजस्) अभि श्राप्ति.
Fire "जायतेय समारव्य बहश्चो संभिन्ना
जया।" सम० ३०; दस० ६, ३३; मग० ३,
३; ६, १; स्ग० २, ६, २८; दमा० ६, ४;
जं० प० २, ३५;

जायमित्त न॰ (जातमात्र) ०००भ थता०० जन्म होते ही, जन्म ही से Immediately upon being born; from the very birth. विवा॰ २;

जायमेत्त. त्रि॰ ( जातमात्र ) ७४% थतां वेत.

उत्पन्न होते ही. From the very birth, immediately after birth. विशे॰ २६=; विवा॰४;

जायस्व. न० (जातस्व) ओं अं ज्यतनं सीतं सुवर्ण का एक प्रकार. A kind of gold. "जायस्वमई श्रें। श्रोहारणीश्रों " जीवा० ३, ४, उत्त० २५, २१; राय० २६; २६६; नाया० १; भग०२, ५; ठा०६; श्रोव० कष्प० २, २६, जं० प० २, ३२; (२) ति.० रूप पाश्चं सुन्दर; स्वस्तावान् beautiful. कष्प० ५, ११६, —कंड. पुं० ( -काएड) २लप्रसा पृथ्वीता १६ डाएऽभाता १३ भी अएऽ रलप्रमा पृथ्वी के १६ काष्ट में से १३ वां काएड. the 13th of the 16 Kāndas of the Ratnaprabhā world ठा० १०;

जायव पुं॰ (यादव) यहुन राजः; न्यह्य. यहुनंशजः; यादव One born in the Yadu family; a Yadava. नाया॰ १६; पग्ह॰ १, ४;

जायवेय पुं॰ ( जातवेदस् ) अशि श्राप्ति
Fire. " जायवेयं पाहेहिं हणह जे भिक्छं
श्रवमत्तह "उत्त॰ १२, २६;

 संयम निर्वादनी भर्याहा. संयम निर्वाह की मर्याहा. a limit fixed in the matter of observance of ascetic practices " ध्रायमुक्ते स्वाधिशे जायामायाए" ध्राया॰ १, ३, ३, १९६; —मायाचिक्ति. स्त्री॰ ( -मात्रादृत्ति ) संयम निर्वाह की मर्याहामय जीवन. life of self-control guided by fixed principles of asceticism. "जायामायाविक्ति होत्या" स्य॰ २, २, ३६; भग॰ २४, ३, नंदी॰

जाया. स्त्री॰ (जाया ) स्त्री; स्त्री; स्त्री; भार्या. A wife. "वाहिं जाया " जीवा॰ ३; भग॰ ८, ४; ठा॰ ३, २;

जाया स्ती (जाता) पाइ न्यभरेन्द्र पगेरेती पश्चरती सभा है जेता सभासंत्र पर भीझ व्ये आपे. चमरेन्द्र इत्यादि की वाहरकी समा कि तिसके सरस्य एए, विना निमंतर्ण आते हैं. The outer council of Chamarendra etc. the members of which attend without invitation. ठा॰ ३, २; जीवा॰ ३, ४; ४, २; भग॰ ३, १०;

जायाइ. पुं॰ (यायाजिन्-यायजतीत्येवंशीलो यायाजी) अवश्य यत धरनार श्रवस्य यत करने वाला. One who performs a sacrifice positively or without fail "जायाई जमजलिम" उत्त॰ २५, १; जार. पुं॰ (जार) भिष्तुनं ओह सक्षण्य. माण का एक लज्जण A characteristic mark of a gem. राय० ४६; जं०प॰ जारा. स्त्री॰ (जारा) अथयर प्राणीनी ओह जान. जलचर प्राणी की एक जाति. A class of aquatic animals. जीवा॰ ३, ४; राय॰ ६३;

जारापविभात्ते. पुं॰ (जाराप्रविभक्ति) ओड प्रधारनी नाटड विधि; लारा-ओड लातनुं लव्यय प्राणी तेनी ओड प्रधारनी रयना वाधु नाटड. एक प्रकार की नाटक विधि; जारा-एक जाति का जलचर प्राणी उसकी एक प्रकार की रचना युक्त नाटक. A kind of dramatic representation, having an arrangement resembling a Jārā i. e a kind of aquatic animal. राय॰ ६३;

जारामार पुं॰ (जारामार) अथथर प्राणीनी अधि क्यांत. जलचर प्राणी की एक जाति.

A kind of aquatic animal जीवा॰ रे; ४;

जारामारापविभक्तिः ह्यां ( जारामारप्रिकिन्सित ) कराभार-क्षत्रथर प्राछीती ओड कात-तेनी रथना पाडां ३२ नाटडभानुं ओड नाटड जारामार-जलचर प्राणी की एक जाति उसकी रचना युक्त ३२ नाटक में से एक नाटक One of the 32 kinds of dramas whith a scenic representation of Janamara i e. a kind of aquatic animal राय > ६३,

जारिस त्रि॰ (यादश ) क्येंंं; क्येशप्रधारतुं. जैसा; जिस प्रकार का As, of the nature of which. " जारिसक्रो ज नामा जहयकक्रो जारिसं फलदंति " पगह॰ १, १, पि॰ नि॰ ५२८, भग० ३, १, उत्त॰ २७, ८, सूय० १, ५, २, २३,

जाग्सिय त्रि॰ ( यादशक ) लेवुं; लेवा प्रश्नार्तुं, जैसा, जिस प्रकार का. As; of the nature or quality of which नाया॰ =; १६; भग॰ ३, २; १४, १;

जारु पुं॰ ( जारू) ये नामनी येड साधारखु वनस्पति; इदनो येड जाति. इस नाम की साधारण वनस्पति, कंद वी एक जाति A kind of plant; a kind of bulbous root. পৰত ৭;

जारकराह पुं॰ (जारूकृष्ण) વशिष्ठ भात्रनी એક शापा. वशिष्ठ गोत्र की एक शाखा. An offshoot of the Vasistha family-origin. (२) ते भात्रनी पुरुष उस गोत्र का पुरुष. a person belonging to the above family-origin. टा॰ ७, १;

जाल. पु॰ ( जाल ) માછલાં પકડવાની જાલ. मच्छी पकडेन की जाल A net to eatch fish. पन्न ११, नाया १; ३, पिं० नि० ६२२; विवा० ६, उत्त० १४, ३५, ( ર ) મૃગ આદિ પશુને પકડવાના પાશ. मृग त्रादि पशुको पकडने का फन्दा. 2 snare to catch deer etc ज॰ प॰ (३) भुस्ताइसने। युच्छे। मुक्काफल का गुच्छा. a cluster of pearls. कप्प॰ ર, રદ્દ, (૪) ન એક જાતનુ પગન धरेख एक प्रकार का पैरोंमें पहिनने का जेवर. a kind of ornament for the feet. স্থাব ( ४ ) স্প্রী, দ্বানা ન્હાના કાણાવાલી ખારી. जाली; छोटे छोटे छेद वाली खिडभी. a barred window; a window made up of small apertures पञ्च २, नाया १, जीवा॰ ३, ४, त्रोव० ३१, सम० प० २१३; (५) सभूद, समृह. a group; a collection राय० ४४: १०६, जीवा० ३, २; ज० प० श्रोव॰ १०; उवा॰ ७, २०६, —श्रंतर. न॰ (-म्रन्तर ) जली-णारी वश्येन जाली-खिडकी अन्तर. an interval between the apertures or open spaces of a barred etc window. नाया॰ १; =; -- श्रंतररयणः त्रि॰ (-श्रंतररत्न ) जेना

મધ્ય ભાગમાં રત છે એવી જાલી (-ખારી) जाली (खिडकी) कि जिसके मध्य भाग में रत है a barred etc window bearing a gem in the middle. सम॰ राय॰ —उजालः त्रि॰ ( -उज्वल) મુક્તાક્લના ગુ<sup>2</sup>છાથી ઉજવલ. मुक्ताफल के गुच्छ से उजवल. shining on account of a cluster of pearls. <sup>कृष्प</sup>० ३, ३६;—कडम्र पुं॰ ( -कटक) প্রধনী सभूढ़. जाल का समूह. a collection of nets etc जांवा०३,४, — कडग पु॰ ( -कटक ) केमां रमिण्ड आकृति કાતરી હાય એવા જલીવાલા પ્રદેશ जिसमे रमिएक आकृतिका नकशीका काम हो ऐसा जातिदार प्रदेश a wall etc. in which windows are beautifully carved or engraved. जीवा॰ ३, ४, ज॰ प॰ राय॰ ११३; —गंडिया. स्त्री॰ ( - प्रन्थिका — जाल मत्स्य बधनं, तस्येव प्रन्थया यस्यां सा जालग्रान्थिका ) व्यवनी भार जानकी गाठ. a knot of a net. " जाल गाँठियाइवा -श्रागुपुव्वि गिंडियावा " भग० ५, ३: — घर न० ( -गृह ) ज्यसीयासु धर जाली दार घर a house having barred windows नाया॰ ३, — घरग. न॰ (-गृहक) প্রথ-পাरीবার धर जालादार घर, मकान. a house with barred windows or windows नाया॰२; ३; राय॰ १३५; श्रोव॰ - घरय. ग॰ ( - गृहक ) लुओ। ઉપલા शण्ध देखो ऊपर का शब्द. vide above. नायाः ८; —विद्. न॰ ( - बृन्द ) ગાખના સમૂહ; ખારી-જાલીના सभूढ़ जाली का समूह. a group of windows or barred windows जीवा" ३; —हरश्र. न० ( -गृहक ) ज्युशी |

पार्धु धर. जालीदार घर, मकान. a house with windows or barred windows. श्रोव॰

जाल. पुं॰ (ज्वाल ) ज्याक्षा; अञ्नि शिभा. ज्वाला; माल. Fire; a flame of fire. जीवा॰ १; —उज्जल. ति॰ (-उज्वल) धर्धुं ज ज्याब्यं प्रकाशमान्. very bright; flashing. स्रोव॰

जालंभ्रर. पुं॰(जालंभर) हेनानं हाळ श्राम्हणी ने गोत्र. the family-origin of Devānandā Brāhmaṇā (wife of a Brāhmaṇā). 'देवणदाएमाहणीए जालंभरसगुताए' श्राया॰ २, १४, १७६; —सगुत्त ति॰ (-सगोत्र) लव भर गेत्रमां ઉत्पन्न थ्येश. जो जालंभर गोत्र मं उत्पन्न हुआ हो one born in the family of Jālandhara. कप्प॰ १, २;

जालग पुं॰ (जालक) लाखी, णारी. जाली; र्मांखडका. A window; a barred window. नाया॰ १; श्रोव॰ (२) पगनु अंध लातनुं आक्षरख्. पैरों के लिये एक प्रकार का श्राभूपण. a kind of ornament for the feet. " सम्बिखणी जाज परिनिकत्ताणं" श्रोव॰ (३) भे धिरिय छन्य विशेष. दो इन्द्रिय वाला जीव विशेष के kind of two-sensed living being. उत्त॰ ३६, १२८;

जालद्ध न० (जालाई) न्मर्भ यं द्राहारे निय-रखी ऋषंचंद्राकार सीढी. A semicircular ladder. नाया १;

जालपंजर पुं॰ (जालपक्षर) गेएभ गोख. A cage-like window; a window jutting out from the main building जीवा॰ ३, ४, राय॰ १०७; जालय. पुं॰ (जालक) लुओ। 'जालग' शण्ट. देखे। 'जालग' शब्द. Vide 'ज लग' जीवा॰ ३, ३;

जाला. स्री॰ ( ब्वाजा ) लवाला-अल; अभिनी शिभा, श्राप्ति की ब्वाला. A flame of fire "जालातुरं घन खिला" नाया॰ १, १६; भग० ३, २; १४, ७; पञ्च० १; सु० च० १, ३०; दस० ४; ठा० ४, ३; उत्तर ३६, १०६; पंचार ३, २२; ( २ ) ८ मा यक्षवर्नीनी भाता. ह वें चक्रवर्ती की mar. the mother of the 9th Chakravartī. सम॰ प॰ २३४, (३) यन्द्रप्रभ रवाभीनी शासनदेवी चन्द्रप्रम स्वामी की शासन देवी. the tutelary goddess of Chandraprabha Svāmī. प्रव॰ ३७७; —उज्जल त्रि॰ '(-उज्जल ) जवाबाथी उजवब. ज्वाला से उज्बल brightened with flame कप्प॰ ३, ४६; —पयर पुं॰ (-प्रकर) ज्याशाना समूह. ज्वालायों का समूह. त collection of flames कपा ३, ४६. —माला. छी॰ ( -माला ) जवासानी માલા; પક્તિ. ज्वाला की माला: पंक्ति. હ row of flames. भग० ३, २,

जालाउ पुं॰ (जाबायुष्) ओं ५ प्रश्नारते। भे धिद्रिय छत्र. एक प्रकार का दे। इन्द्रिय वाला जीव. A kind of two-sensed liv ing being पन्न॰ १;

जालाउय पुं॰ (जालायुक्त) लग्गे। उपने। शण्ह देखे। ऊपरका शब्द Vide above. पन०१, जालि पु॰ (जालि) अंतग्रःस्त्रना ये। था वर्गना अथम अध्ययन नाम. अंतगड स्त्र के चौथे वर्ग के प्रथम श्रध्ययन का नाम Name of the first chapter of the 4th section of Antagada

Sūtra. श्रंत० ४, १; ( २ ) वासुदेव राजनी धारणी राणीना पुत्र, हे के नेमनाथ પ્રભુ પાસે દીક્ષા લઇ ળાર અંગના અભ્યાસ કરી સાેલ વરસની પ્રત્રજ્યા પાલી શત્રુંજય પર્વાત ઉપર એક માસના સંથારા કરી સિદ્ધ थया वासुदेव राजा की धारणी राणी के पत्र कि जो नेमनाथ प्रभु से दीला लेकर द्वादश ग्रंगों का श्रभ्यास कर सोलह वर्ष की प्रवज्या का पालन कर, शत्रुंजय पर्वत के ऊपर एक मास का संथारा कर सिद्ध हुए. of the son of queen Dhāranī, wife of the king He took Diksa Vāsudeva. Nemanātha Prabhu (lord), studied the 12 Angas, practised asceticism for years and after a month's Santhāiā (giving up and water ) on Satrunjaya, became a Siddha. श्रंत॰ ४, 1; (३) અહ્યત્તરા ત્વાઇસ્ત્રના પ્રથમ વર્ગના પ્રથમ अध्ययनन् नाभ. श्रणुत्तरीववाई सूत्र के प्रथम वर्ग के प्रथम अध्ययन का नाम. name of the 1st chapter of the 1st section of Anuttarovavāī Sūtra श्रणुत्त॰ १, १, (४) શ્રેહિક રાજાની ધારણી રાણીના પુત્ર કે જે મહાવીર સમીપે દીક્ષા લઇ ગુણરયણ તપ તપી સાેલ વરસની પ્રવજયા પાલી વિપુલ पर्वात उपर गोड मासना संधारा डरी डास-धर्भ पाभी विकय नामना अनुत्तर विभान-भा अत्यन थया श्रेतिक राजा की धारणी राखी के पुत्र कि जो महावीर स्वामी समीप दीचा ले गुणरयण तप कर के सो तह वर्ष की प्रवच्या पालनकर विवृत्त पर्वत के पऊर एक मासका मंथारा कर काल धर्मकी प्राप्त कर

श्रनुत्तर विमानमे उपन हुए. name of the son of queen Dhāranī, wife of king Śrenika. He took Dikṣā from Mabāvīra Svāmī, practised Gunarayana austerity, led an ascetic life for 16 years, performed a month's Santhārā (giving up of food and water) on Vipula mountain and after death was born in the heavenly abode Vijaya अग्रात्तः १, १; जालिया स्री॰ (जातिका) ज्यसी, सेरानी जाली; लोहे की खिडकी. latticed window. परह० १, ३; जाच थ्र॰ ( यावत् ) जया सुधी, जयां लगी, क्टेश्वं. जहा तक, जवतक; जितना As long as; as far as; as much as. जं॰ प॰ ४, ११३; ११४; ११२, २, ३३; नाया॰ १, ८, १०; १४; १६; भग॰ १, १, ४; २, १; २४, १२; श्रोव० श्रग्राजो० ३. स्य० १, ३, १, १; श्राया० १, २, १, ७१; उत्त० ४, १३; वेय० १, ४६; पिं० नि० ५३; पञ्च० १; निसी० २०, १०; नंदी० १२: विया॰ ५; दमा॰ ६, १, दस॰ ७, २१, ६, ३६; निर० १, १; उवा० १, ७४; ८, २५३;

जाव. पुं॰ (जाप) अप; भन्त्राधिकनुं ઉन्धा-रशु. जाप, मत्रादिक का उचारण. Telling bends upon a rosary; repetition of Mantras i. e sacred charms etc. पगह॰ २, २;

काप० १, १०; प्रव० १२;

आवश्र पुं॰ (यापक) श्रक्ष व्यतीत श्रा-यनार हेतु. काल न्यतीत कराने वाला हेतु The cause to pass time. ठा०४,३; जायदय त्रि॰ (यावत्) केटश्च. जितना. (Insting) as long as; (going) as far as. " श्रहवा जो जस्स जावह श्रो"
पंचा॰ ४, ५; भग॰ १, ६; ७; ३, २; ४;
६, १; ७; ८; ८, १०; १४, ७; १५, १;
१६, ४; वव॰ ६, ४३; जं॰ प॰ २, १६;
जावई. स्रा॰ (यावती) गुन्छ वनस्पतिका एक प्रकार.
A kind of vegetation growing in clusters पन्न॰ १; (२) ओ६ लाती।
६ ६ एक जातिका कंद. a kind of bulbous root. उत्त॰ ३६, ६७;

जार्च प्र॰ (यावत्) अयां सुधी यावत्, जहा तक, जवलग. As long as; till; up to भग॰ ३, १;

जावंचर्ण. श्र॰ (यावच ) केटलाभां. समय कि जिस दरम्यान. Time etc. during which. स्य॰ २, १,६;

जावंतः त्रि॰ (यावत्) क्रेटसा. जितने,

जितना. As many; as much. "जा-वंति विज्ञा पुरिसा" उत्त॰ ६, १; पि॰ नि॰ १४२; भग॰ ३, १; दस॰ ६, १॰; (२) भगवती सूत्रना अथभ शतकना छही हिदेशानु नाभ भगवती सूत्र के प्रथम शतक के छट्टे उद्देश का नाम name of the 6th Uddeśa of the 1st Śataka of Bhagavatī Sūtra. भग॰ १, १;

जावंतिम. थ्र॰ ( याव रंतिम ) छेस्थे सुधी. श्रम्त पर्यंत Up to the last. विशे॰

जांचताच. थ्र॰ (यावत्तावत्) ओं अधारत् गिष्तिः; संभ्याना ओं अधार. एक प्रकार का गिषातः; संख्या का एक प्रकार A kind of arithmetical calculation; a mode of numerical calculation टा॰ १०;

जावगः पुं॰ ( यापक ) अक्षेप अरनार हेतुः

हेतुने। એક प्रधार हेतु का एक प्रकार. A variety of causes. ठा०४,३;

जावचर्ण. श्र० (यावच) जुओ "जावंचर्ण" शण्ह देखो "जावंचर्ण" शच्द. Vide "जावंचर्ण" भग० २, १; ३, ३, ५, ६; जावज्जीव. श्र० (यावजीव) छवे त्यां सुधी; छंहणी पर्यं त. जीवन पर्यंत; जीता रहे उस समय तक. Till death, as long as life endures. ठा० ३, १; श्राया० १, ७, ६, २२; भग० ३, १; वव० ३, २७; नाया० १, १३; १६, दसा० ६, ४; दस० ६, २६; गच्छा० १०५; —वंधर्ण. न० (-बंधन) छवे त्यां सुधी, अधन. जीवन पर्यंत वंधन. life-long bondage. दसा० ६, ४,

जावज्जीवियं. श्र॰ (यावजीवितम्) ज्यां सुधी छव रहे त्यां सुधी जीवन पर्यत. As long as life lasts. भग॰ ७, ६;

जावित द्या. त्रि॰ (यावत्) केट क्षु जितना; जिस हद तक As much as, as many as; to the extent to which पि॰ नि॰ २४२; पश्च॰ १४, ज॰ प॰

जावत्ती स्री॰ (जातिपत्री) व्यव्पी; अ नामनु ओं इंग्लतनु दक्ष जायपत्री; इस नाम का एक प्रकार का यृत्त. The outer skin of the nutmeg, name of a tree. पत्र ० १,

जावद्द्य. न॰ ( यावद्द्र्य ) पश्तु रहे त्यां-सुधी रहे ते. वस्तु के श्रस्तित्व पर्यंत रहे वह. Anything which endures or lasts till the substance of which it is made lasts. विशे॰ २५: Vol. 11/105. जावय पुं॰ ( यापयतीति यापकः ) राग देपते भता धरनार, राग देप का त्याग करने वाला One who abandons, renounces passion and hatred.
नाया॰ १; जं० प० १, ११५; सम॰ १; श्रोव॰ १२; कप्प० २, १५;

जावय. पुं॰ (जापक) २१२ द्वेप छनावनार. रागद्वेष जितानेवाला One that causes to conquer pas ion and hatred श्रोव॰ १२: सम॰ १:

जावांसिश्र. पुं॰ ( क्षावांसिक ) भारता लारा बायनार, घास के गठ्ठे लाने वाला. One who fetches bundles of grass (for selling) श्रोघ॰ नि॰ २३=; जास. पुं॰ (जाप) पिशायनी स्पेष्ठ प्रकार पिशाच का एक प्रकार. A kind of ghout or field. पन्न॰ १,

जासुग्रः न॰ (जास्द) व्यथ्ननां प्रुत्त जासु कं पुष्प. A. Jāsu flower. कप्प ०४,६०; जासुग्रा. पु॰ (जपासुमनत् ) लुओ। ઉपते। शण्ट देखो जपरका शब्द Vide above. नाया॰ १,

जासुमण न॰ ( जपासुमनस् ) लगुनां प्रुवः जपा कुसुंमः जासु के फूलः A flower of the China-rose ''जासुमण कुसुमेइवा'' पज्ञ॰ १; नाया॰ १, राय॰६६; श्रंत॰ ३, ६; भग॰ १४, ६; जं॰ प॰

जासुयग पुं॰ (जपासुमनस्) જાસુનાં પુલ. जासु के फूल. A flower of the China-rose. जीवा॰ ३, ३; ४;

जिन्नत. न॰ (जीवत्व ) अथपणु. जीवितनाः; जीवत्व. Life; the state of life क॰ ग॰ ४, ६६,

जाहत्थ. न॰ ( याथार्थ्य) ४४।६ पां यथार्थ-ता. Real or correct nature; true character. विशे १२७६; जाहे. अ० (यदा) ० थारे. जव. When (relative adv.). "जाहेणं सके देविंदे देवराया" भग० १६, १; २; ६, ३३; १४, ६; १५, १; २४, १६; २४; नाया० १; ५; १५; औष० नि० ४६०; विवा० ५; ज० प० ७, १४१; विशे० २३२४;

जिया पुं॰ ( जीव ) छव; आशी जीव; प्राणी A soul; a life; a living being. विशे० १४००; १६=४; चउ० १६; सूय० १, १, २, १; क॰ गं॰ १, १; १६; ४६, ४, १, ४, ७६; २१, ४४; नाया०१५; — श्रंग. न॰ ( - श्रङ्ग ) જ્વનું અ ગ-શરીર, जीव का श्रंग-शरीर. the physical body in which life exists. क॰ गं॰ १, ४६; —हारा न॰ (-स्थान ) छवना स्थान-भेहः સક્ષ્મ એક દ્રિયાદિ છવના ૧૪ ભેદ-પ્રકાર जीव के स्थान-भेद; सूच्म एकेंद्रियादि जीव के १४ भेद-प्रकार. the different varieties of lives: the 14 diviof one-sensed minute sions lives etc. क॰ गं॰ ४, ५; —लक्खण. न॰ ( -लच्सा ) छवनं असाधारख स्वरूप जीव का असाधारण स्वरूप. the distinguishing quality of a living being. क॰ गं॰ ४; ३३; - लर्क्खणुब-श्रोग. पुं॰ (-लक्त्रणोपयोग) त्रश् अज्ञान, માચ જ્ઞાન અને ચાર દર્શન એ-ખાર જીવના सक्ष्णु रूप अपयेश तीन श्रज्ञान, पांच ज्ञान व चार दर्शन ये जीव के द्वादश लक्त्रण रूप खपयोग. the 12 characteristics of life viz. three Ajñānas, five Jñanas and four Darsanas क॰ गं॰ ४, ३३; —विवागा स्त्री॰ (-वि-पाका ) छव आश्री विपाड पामनारी डम<sup>°</sup> अर्धृति जीवके संवंधम विपाक पाने वाली कर्म সকূরি a variety of Karma showing maturity to soul. क॰ग॰४,२०; जिन्नसस्तुः पुं॰ (जितशत्रु) भक्षावीर स्वाभीना वणनभां भिथिक्षा नगरीना राज्यः महावीर स्वामी के समय में मिथिला नगरी का राजाः The king of Mithilā city in the time of Mahāvīra Swāmī. जं॰ प॰ ५, ११४:

जाहग. पुं॰ ( जाहक ) सेढाधः शंटावाद्ध शेक्ष प्राच्छी. सेही. Porcupine. भग०१४, १ः पराह० १, १ः नंदी० ४४: विशे० १४७२ः

जिइंदिश्र-य. त्रि॰ ( जितिदिय जितानि स्व-विषय प्रवृतिनिषेधेन इंद्रियाणि येन स जितिन्द्रिय: ) धिदिथे।ने वश करने वाला. One who has subdued or conquered his senses. दस॰ ३, १३; ८, ३२; ६४; ६, ३, ८; नाया॰ १; १४; भग॰ २, १; पंचा॰ ११, ४०; गच्छा॰ ४२,

जिंघणा. स्त्री॰ ( घाण ) सुंधनुं ते. स्ंधना. Act of smelling. स्रोध॰ नि॰ ३७६;

जिह. त्रि॰ (ज्येष्ठ) न्हे। टी. ज्येष्ठ; वडिल. Elder. गच्छा॰ ६०; कप्प॰ ४, १२६; ८; प्रव॰ १६=; (२) ઉत्कृष्ठ, श्रेष्ठ उत्कृष्ठ; श्रेष्ठ. best विशे॰ ३३२६; क॰ गं॰ ६, ७७; ४, ६६; —िहिइ स्ति॰ (-स्थिति) उत्कृष्ठ स्थिति. best condition. क॰ प॰ २, १०४; —पुत्त. पुं॰ (-पुत्र) भे। टी. दीक्षरी. ज्येष्ठ पुत्र the eldest son. निर॰ ३, १, —वयस. न॰(-वचन) •हे। टानु वथन विहेलका यचन. words of an elderly person. गच्छा॰ ६०;

जिहा. स्त्री॰ (ज्येष्ठा) भे। शि ण्डेन. ज्येष्ठ भगिनी; वडी बहिन. Eldest or elder sister. (२) केंश्रिशी. जेठानी. wife of the husband's elder brother र्ज प ७, १४६:

जिहासूल. पुं॰ (ज्येष्टासूल) जेनी पुनभे
जयेष्ठा भूसनक्षत्रनी साथे यंद्रभा जोग जोडे
ते भिक्षिनी; जेह भ स. जिसकी पूर्णिमा के
दिन ज्येष्टामूलनक्षत्र के साथ चंद्रमा योग
साधन करता है वह मास; ज्येष्ट मास.
Name of a lunar month in
which the full moon stands in
the constellation Jyesthā (corresponding to May-June)
उत्त॰ २६, १६.

जिडुह न॰ ( ፦ ) ओं अलतनी २२भत एक प्रकार का खेल A kind of game प्रव० ४४१;

√ जिया था॰ I. (जि) छत्तवु. जीतना; परा-जित करना To win, to conquer जिश्वं. क॰ वा॰ वि॰ उत्त॰ ७, २२; जिया. वि॰ उत्त॰ ६, ३४; दस॰ ६, ३६; जय. श्रा॰ श्रोव॰ ३२;

जिसाण क० वा॰ व॰ क्॰ उत्त॰ ७, २२;
जिला पुं० (जिन-जयित निराकरोति रागद्वेपादिरूपानरातीनितिजिनः) रागद्वेपने सर्पथा
छतनार,तीर्थंडर, डेयक्षी आहि,जिनलगयान्
रागद्वेष का सर्वथा जीतनेवाला; तीर्थंकर,
केवली श्रादि, जिनभगवान. One who
has completely subdued pas
sion and hate, a Tirthankana,
a Kevali etc "अणुत्तरं धम्मामिणं
जिलाल " स्य॰ १, ६, ७; "जिलाल जावयाणं" जीवा॰ ३; कप्प॰ नाया॰ १;
३; १५; भग० १, १, ३; २, १; ७, १;
१४, १; २४, ६, ७; दस० ४, २२, ४, १,

नंदी० ३; पि० नि० १८४; श्रयाजो० १६; १२७; सम० १; ३०; श्रोव० उत्त० २, ४५: १०, ३१; श्रागा० १, ४, ४, १६२; उवा० १. ७३: ७. १७८, कप्प० २. १६: क० गं० १, १; १, ५६, ६०; ६१; ४, ५६; श्राव० २, ५; प्रव० ३; जं० प० ५, ११२; ११५; ---श्रंतर. न॰ ( -श्रन्तर ) तीर्थं **१**२ना અતરના કાલ; ખે તીર્થંકર વચ્ચેનું કાલ परती स्पतर, तीर्धकर के आतर का काल. दो तीर्थंकरों के काल का मध्यस्थ श्रन्तर the interval of time between two Tirthankaras भग २०. ८. प्रव० ४३४, --- श्राग्रामय. त्रि० (-श्रनुमत) જિન ભગવાનને અનુમત સંમત भगवान से अनुमत संमत. acceptable to, permitted by a Tirthan. kara etc जीवा॰ १; — ग्रामिहिय त्रि॰ (-श्रभिहित) तीर्थं धरे धढें से तीर्थं करने कहा हुन्ना said by Tirthankara. प्रव॰ ६७४; -- आहिय. त्रि॰ ( - आहित) जिने प्रतिपादन **धरेश.** जिन भगवानने प्रति-पादन किया हुआ. established by, propounded by a Tirthankara. " चरे भिक्ख जिणाहियं " सूय० १, ६, ६; —इक्कार. न० ( -एकादशक ) श्विननाभ-કર્મ. દેતત્રિક, વૈક્રિયદ્રિક, આહારકદ્રિક અને નરકત્રિક એ ૧૧ પ્રકૃતિઓના સમૃહ जिन-नामकर्म, देवित्रक, वैिकयद्विक, श्राहारकद्विक च नरक त्रिक इन ११ प्रकृतियों का समूह. a group of the eleven Prakittis viz. Jinanāmakarma, Devatrika, Vaikriyakadvika, Ahāraand Narakatrika kadvika

<sup>\*</sup> जुओ पृष्ट नभ्यर १४ नी प्रृटनीट (+) देखो पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनीट (\*) Vide toot-note (+) p 15th

क॰ गं॰ ३, १४; --इक्कारस. न॰ (-एका-दशक ) ळुओ। ६५क्षे। शण्ह देखी ऊपर का शब्द. vide above. क॰ सं॰ ३, १०; —ईसर. पुं॰ (-ईश्वर) तीर्थं ४२. तीर्थं कर. Tirthankara. प्रवः ४०६; — उत्तमः पुं॰ ( -उत्तम ) तीर्थश्य. तीर्थकर. Tirthankara. 'मग्गं विराहितु जिणुत्तमाणं' उत्त॰ २॰, ४०; —उदिष्ट. त्रि॰ (-उदिष्ट) आप्त पुरुषे दर्शावेल. श्राप्त पुरुषने दर्शाया हुआ. shown by relatives. गच्छा॰ २६: — उचएस पुं॰ ( -उपदेश ) तीर्थ-इरते। अपहेश. तीर्थकर का उपदेश. teachings of Tirthankara. "एवि तचात्रो जिगोवपुसिम्म " सम॰ ३; भत्त॰ ८४; —कप्प. पुं॰ ( -कल्प—जिनाः गच्छनि-र्गताः साधुविशेषाः तेषां कल्पः समाचार ) ઉત્કૃષ્ટ આચાર પાલનાર સાધુનાે-જિનકલ્પી-ने। ५२५-व्यवटारविधि, उत्कृष्ट श्राचार गा पालन करनेवाले साधु का-जिनकन्पाका कल्प-च्यवहार विधि the ascetic-conduct or mode of life of a Jains monk. पंचा० १७, ४०; भग० २५, ६; प्रव० ४०४, ६२२; --कप्पद्विद्द. स्री० ( -कल्पस्थित ) ગચ્છથી વહાર તીકલી જિનકલ્પીપણું સ્વી-કારનાર સાધુના આચારનું સ્વરુપ गच्छ से बाहर निकलकर जिनकल्पोपना स्वीकार करन वाले साधु के श्राचार का स्वरूप. the mode of ascetic life of a Jaina monk who leaves his order but follows the conduct prescribed for Jaina monks वेय॰ ६, २°; —क्रिप. पुं॰ (-क्राहिपन्) जिन કલ્પી સાધુ जिन कल्पी साधु a Jaina ascetic. चड० २३; प्रव० ४=४; — क-िप्य. पुं॰ ( -काल्पिक - जिनानां कल्प श्राचारो जिनकल्पः स विद्यते येषां ते) जिन

કલ્પી સાધુ; ઉત્કૃષ્ટ આચારી સાધુ. જિન क्ट्रेंग साधु, उत्कृष्ट श्राचारी साधु, a Jaina monk; a Sādhu following the conduct prescribed for monks in Jaina Śāstias. ৰব॰ ४, ২৭, प्रवः १४; ४६६; ४४७; ६३०; —कालग. त्रि॰ ( -कालक) लिन-तीर्थं ५२ना असमा-તેની હયાનિમાં જેની હયાતી હાય તે. जिन-तीर्थकरके कालमें - उनके श्रास्तत्वमें जो जीवित हो नह. contemporary to a Jaina Tirthankara. " जिए कालगी म-गुस्सो " क० प० ५, ३२; — गुरा. पुं० ( -गुग ) तीर्थं इरना शुथ्. तीर्थं इर के गुण. the attributes of a Tirthankara. भनः १६८: — घरः नः ( -गृह ) जिनः पूद; हेनभं हिर. जिनगृह, देनमादेर a Jaina temple. नाया॰ १६; पंचा॰ ७, १ ; —चंद पुं॰ (-चन्द्र) यह लेगा सीतव जिन लगपान, चंद्र जैने गोतत जिन भगवान. a Tirthankara, cool and cooling like the moon. पराह०२, १: क०ग० ३, १; — चिरास त्रि॰ (-चीर्ण) जिने आथरेशुं जिन द्वारा द्याच-रिन-श्राचरण किया हुश्रा. practised by a Tirthankara " श्रक्तों मा होइ जियाचिएला।" पंत्रा० ४, २=; —जइ. पु॰ (-याते ) कैन भूनि. जन मानि. ध Jaina ascetic. प्रवः ६६२: —जनसः पुं॰ ( -यज्ञ ) તીર્ધકરની ભક્તિ કરવામા इराक्ष अया जामुण व्यक्ति यक्ष. तीर्घकर की भिक्त करने में कुशल ऐसे गोमुख श्रादि यजा a Yaksa ( e. g. Gaumukha etc. ) devoted to the worship of a Tirthankara प्रव ००: - जराणी-स्रो॰ ( -जननी ) तीर्थं ३२नी भाता. तीर्यंकर की माता. the mother of Tirthankara. प्रव०४; —दिक्सा स्री० (-दीज्ञा) જૈનધમ ની રીત પ્રમાણે દીક્ષા−પ્રવજ્યા લેવી ते. जैन धर्म की रीति के श्रमुसार दीचा-प्रवज्या लेना entering into order according to the prescribed rules. पंचा॰२, १; —देसियः त्रि॰ (-देशित) िलन सगवाने ४ हेस. जिन भगवानने कहा हुआ. said by, propounded by a Tirthankara. " धम्मोय जिगादे।सिम्रो " तंदु ॰ जीवा ॰ १; —धम्म. पुं॰ ( -धर्म ) लैन धर्म. जैन धर्भ. Jainism. ठा० ४, २, क० गं० १, १६; —नाह पुं॰ ( -नाथ ) जिन-સામાન્ય કેવલીના નાથ–સ્વામી; તીર્થકર. जिन-सामान्य केवलांके नाथ-स्वामी. तीर्थंकर the lord of the omniscients of the ordinary type; a Tirthankara. प्रव॰ १४, —पडिमा स्त्री॰ (-प्रः तिमा) वृष्भ, वर्द्धभान, यद्रानन अने वारि-સેખ્ એ નામથી એાલખાતી શાધની પ્રતિમા वृषभ, वर्धमान, चंद्रानन व वारिसेन इन नामो शाश्वती प्रतिमाए मद्योग्चित eternal idols called by the names Vrisabha, Vardhamān, Chandrānana like the statute of Jina राय० १४४: नाया० १६, विशं० ५७ —पर्सा. न० (-यज्जक) ळुओः ''जिसः पण्म " शण्ट. देखो ' जिण्पण्म " शब्द. vide " जिसापसारा "क॰ म॰ ३, १४; —पण्ग. न॰ ( -पज्रक<sup>े</sup>) किन नामक्ष्मे, દેવિદ્ધ અને વૈક્રિયદ્ધિક એ પાચ પ્રકૃતિ-भाता समूह, जिन नामकर्म, देवद्विक व वैकियद्विक इन पाच प्रकृतियों का सम्रूर group of the five varie+ Jinanāmakaima, Deva and Vaikiiyadyika. क॰गं॰

-- पराग्तः त्रि॰ ( - प्रज्ञस ) पीतशाँ। પ્રરूપેલ-કહેલ. वीतरागने कहा गुणा. propounded by a Tirthankara etc सम १ १७०, नाया १ १२; -- पारियाय. વું ( -पर्याय ) કેવલીના પર્યાય, કેવલી पर्याय: केवली का प्रवज्या a Kevalī ascetic. भग० २०, ६; —पसत्थ त्रि० ( -प्रशस्त ) તીર્થકરે વખાણેલ तीर्थंकर द्वारा प्रशंशिक. praised by a Tirthankara, "बहुन् ठारोसु जिरापसत्थेसु " पराह० २, ४; जीपा० **ા; —पायमूल ન**∘ ( -पादमूल ) તીર્થ-કરના ચરણ કમલની આગલ. तीर्थंकर के चरण कमल के समीप. near the lotusfeet of a Tirthunkara प्रन १५६६: —पुत्तः पु॰ ( -पुत्र ) જિનના તીર્ય કરતા शिष्य जिनका -तीर्थंकर का शिष्य ॥ वीत्रciple of a Tirthankara, मन् 1: —प्यहि. पुं॰ ( -प्नार्थिन ) -- त्रिनम्यम पुजामर्थयते य स जिन पुनार्थी) शिथादादिनी પેકે જિનતરીકે પૂજાની મુચ્છા રાજનાર, गोशालादिकके समान जिन गगवानरी पुत्रा द्वा इच्छा रखने वाला. one who desires to be worshipped like a Jina: e g Gośālā etc. прозодителя —पाणीय त्रिः (-प्रमंत्रः ) दिस व्यवस् ने ४**डे**स. जिन गगवार ने ऋद्राह्म क्रिक pounded by, ntreased by a T thankara. " fares for the services जीवा॰ १; –ध्यम्बद्धाः द्रिः ( न्याः त ) जित्न अक्षान् हर्ने हिन्तु हिन्तु न क्या हुए। staught by a francisco विशः मिन्यान है। 明知一些 \* Transfer

one who poses himself as a Jina or Tīrthańkara; e. g. Gośālā etc. " एवं सो म्राजिएो। जिएप्य-लावी विहरह " मग॰ १४, १; -- भात्त र्ह्मा॰ ( -भिवत ) जिन -तीथ करनी अधित. जिन तीर्थं करकी मानित. devotion paid to a Tirthankara, जं प ०४, ११५: भत्त॰ ७१; --भात्तराग. पुं॰ ( -भक्ति-राग ) जिन तीर्थ इरने। लिक्त पूर्व इ थनुराग जिन तीर्थकर का भक्ति पूर्वक श्रनुराग. pious or devotional love for a Tirthankara. " जिए भारे रागेणं " राय॰ —भासिश्च. त्रि॰ ( -मा-पित ) ि ने-तीर्थं इरे लाभे वं. जिन-तीर्थं-कर द्वारा कहा हुआ. described by a Jina Tirthankara. " स्पेह जिए भाक्षियं " गच्छा॰ ३३; —मय. न॰ (-मत) श्रीतीर्थ કરના માર્ગ ;कैन દર્શ न. श्री तीर्थंकरका मार्ग; जैन-दर्शन the path, creed shown by Śrī Tirthankara विशेष ७२; गच्छा० २७; प्रव० १०३: पचा॰ ३, ३२, --- मयद्वियः त्रि॰ ( -मतः स्थित ) र्रेन धर्मनभां स्थिर थ्येत. सर्वज्ञ के न्नागम में स्थिर. steadied in, having deep faith in the scriptures of the Tirthankaras or omniscients"विसेसग्रो जिएमय द्वियाणं"जीवा ॰=: —मयानेऊण. त्रि॰ ( -मतानिपुण ) कैन-भतभां प्रतीश् थयेत. जैन त्रागम में प्रवीश वना हुम्रा. well-versed or proficient in the Jaina scriptures or religion. दस॰ ६, ३, १४; —मुद्दा. स्री॰ (-मुद्रा) भे पग वस्ये यार आंगवतुं અંતર રાખી સરખા ઉસા રહીને કાઉસગા **४२वे। ते. देा पैरां** के मध्यमे चार श्रंगुल का श्रेतर रखकर काउमर्ग करना.

standing bodily posture, at the time of meditaton, in which the two feet are kept at an angle of 45 degrees. 'पायाणं-उस्सग्गो एसा पुरा होइ जिस्मुद्दा" प्रव॰ ७१; ७६; -वस. पुं॰ ( वंश ) जिनने। परिवार. जिन का परिवार. a family of a Jina, "वंसाणं जिएवंसी" संधा॰ --- वयगा. न॰ ( --वदन ) जिन-तीध st्नं भूभ. जिन- तीर्थंकर का मुख. the face of a Tirthankara. wigo वयन, तीर्धेकर के बचन, words of a Tīrthankara. पंचा॰ १, २; नाया॰ १२; ३: ५१: -वयगरत्तः त्रि॰ (-वचनरक्त) लिनवयनमां अनुरक्त-रागी. जिनवचन में अनुरक्त-रागी. ( one ) who is a lover of the words of a Jina or Tirthankara. दम॰ ६, ४, ३, ३; —वयग्रसुः स्री॰ ( -वचनश्रुति ) िकनवयननुं श्रवस्य.. श्रवण. hearing or जिनवचन का listening to the words of a Jina i. e. scriptures. 'जिल्बयण सुइ जए दुब्रहा' ठा० ६; —वर. पुं॰ (-वर) तीर्थ इरहेव. तीर्थं कर देव . " Tirthankara. नाया॰ २: भग॰ ३३; श्राव० २, ५; प्रव० ४७६; पंचा० १०, २; —बसह. पुं॰ ( -द्रुषम ) िंग्न સામાન્ય કેવલીએામાં વૃષભ-શ્રેષ્ઠ जिन-सामान्य केत्रलियोंमें वृषम-श्रेष्ठthe best of Kevalis i e. omniscients. 'ग्रस्संजलं जिणवसंह' सम॰ प॰ २४०; -वाणी. ह्यो॰ ( -वाणी ) तीय -કરની વાણી तीर्यकर की वाणी. speech of a Tīrthankara. जं॰ प॰

—वीर. पुं॰ ( -वीर ) महावीर अगवान् महावीर भगवान. the lord Mahavira भत्त० १७१; —संकास पुं० ( -सङ्काश ) सर्वश्च करेवा; किनतुस्य सर्वज्ञजैसा; जिन-तत्व. one who is like or similar to an omniscienti e. a Tirthankara etc. 'अजिणाणं जिणसंकासाणं' ठा० ४,४; ३. २; कप्प० ६, १६४; -संथव. पुं॰ (-संस्तव) शिन स्तुति जिनस्तुति. praise in honour of Tirthankara. इस॰ ६३; --सकहा. स्री॰ ( -सिकथ ) लिन **ભगવાનની કાઢ जिनभगवान की डाड.** the molar of a Tirthankara. भग० १०. प्रः जं० प० ४. हहः —सद्द पुं॰ ( -शब्द ) જिन यथन. जिन वचन. words of a Jina भग० १४, १; --सासगा न० (-शासन) लैन दर्शन: लैन धर्भ. जैन दर्शन. जैनवर्म Jainism 'णि∓वता जिल्सासले' उत्त∘ १८, १६. दस० ८, २४, सूय० १, ३, ४, ६, भत्त० २; ६४, **মূৰ** ০ —सासग्परंमुह. त्रि॰ ( -शासन परांद्रमुख ) कैन शासनथी विभूभ जैन शामन से विमुख. opposed to or averse to the tenets of Tainism "जण सासण परंमहा" सूय० १. ३, ४, ६, —सीस. पु॰ ( -शिष्य ) जिनना शिष्य, गणुधराहि. जिनके शिष्य; गणवरादि. a disciple of a Jina, a Ganadhara etc. " जिण्सीसाण चेव " सम॰ —हर न॰ (~गृह) देव भंदर देव मदीर. क temple. विशेष ३४०४;

जियात त्रि॰ (जयत्) परियदने छ्तनार. परिपद को जीतने वाला. (One) who bears afflictions (Parisahas) without feeling mentally troubled दम० ४, २७;

जिरादत्त. पुं॰ (जिनदत्त ) यं पा नगरी निवासी य्येड सार्थवाह का नाम. Name of a merchant, a resident of the city Champā नाया॰ १६; —पुत्त. पुं॰ (—पुत्र) यं पानगरीना जिनदत्त सार्थवाह का पुत्र. the son of the merchant Jinadatta of the city of Champā. नाया॰ १,३;

जिलापालय. पुं॰ (जिनपालक) ओ नामने। ओक्ट सार्थावाह पुत्र इस नामका एक सार्थवाह पुत्र Name of a merchant's son. नाया॰ ९;

जिग्राक्तिखय पुं॰ (जिन(चित ) शिनरक्षित નામે સાર્થ વાહ: ચ પા નગરીના માક દી શેઠના પુત્ર કે જેને સમુદ્રની ખારમી વાર મુસાકરી કરતાં તાેકાન નડયાે હતાે. વ્હારા ભાગ્યા અને रयणा देवीना धासामा इसाया जिन रित्तन सार्यवाह, चा। नगरी के मार्कंदी शेठ का पुत्र कि जिसको वारह्वीं वार मुसाफरी करते समय तुफान ने हैरान किया था श्रीर रपणा देवी के फन्दे में फपा. Name of a Jaina layman who was trading merchant His father was Mākandī by name. He (Junaraksita) in his twelfth sea-voyage was troubled by a storm His vessels were wrecked and was caught in the trap of the goddess Rayapā. नाया॰ ६;

जिरापालियः पुं॰ ( जिनपालित ) यंपा नगरीने। रहेवासी भाइन्ही-सार्थवाहने। (२) क्ष्यटः भाषा. कपटः माया. fraud; deceit. सम॰ ५२;

जिम्मग्र. पुं॰ (जिह्मक) लिन्छ नाभने। भेध;
ओ वरसे त्यारे प्राये ओड वरस त्रेढ याले.
जिम्ह नामक मेघ. Name of a particular description of rain ठा०४,४;
जिम्ह. त्रि॰ (जिह्म) क्युओ "जिम्म"
शण्ट. देखो " जिम्म" शब्द. Vide
"जिम्म" जं॰ प॰

जिम्हयः पुं॰ (जिह्मक ) ळाओ। " जिम्मय " शण्ह देखे। " जिम्मय " शब्द. Vide " जिम्मय " ठा० ४, ४;

जिय-श्र. न॰ (जित) लित; लथ. जीत; जय. Victory; conquest. सूय॰ १, १, ४, १; (२) त्रि॰ छतेत्र; वश हरेस; રાગદ્વેષથી છતાયેલ. जीता हुत्रा; जिसने राग हेप वश किये हैं वह. conquerd; subdued (passion and hatred). स्य॰ १, १, ४, १; उत्त० ५, १६; ६, ३६; नाया०१, ३; भग० ६,३३;४२, १; पिं०नि० ८०;पंचा० १७,५२,स्रोव० १६,ठा०५,२;दस० म,४६;ज०प०३,६७; (३) त्रि० ४५६ी **भे**।सी शशय तेवु; ०४६६ी व्यावडे तेवुं तुरन्त बोला जासके ऐसा; तुरन्त सीखा जाय ऐसा. eapable of being easily learnt or mastered reproduced विशेष = ४१; ( ૪ ) ધું∘ છત આચાર – વ્યવહાર. जीत - त्राचार - न्यवहार. conduct: usage. नाया॰ =; -ईदिय. त्रि॰ ( -इान्द्रिय ) जितिन्द्रियः धन्द्रियाने वश **४२**नार. जितेन्द्रिय; इन्टियों को वश में करने वाला. ( one ) who has conquered or subdued his senses; selfrestrained. भग॰ २, ५, —कसाय त्रि॰ ( -कपाय ) द्वे।धादि ध्यायने জননাर. फोधादि कपाय को जीतने वाला (one)

who has subdued evil passions such as anger etc. " तिलोग पुजे जियो जियकसाए " पंचा० १०, १६; प्रव० १००१; -कोह नि० (-क्रोध ) है।धने গুরনাर. कोध को जीतने वाला. ( one ) who has subdued anger. भग॰ २, ५; नाया० १; — शिहः त्रि० ( -निदः — जिता निदा येन स जितानेदः ) निधाने छत नार; अअभाधी. निद्रा - श्रालस्य को जीतने वाला; यप्रमादी. ( one ) who has acquired mastery over sleep i. e. idleness; (one) who is not lazy or idle. नाया॰ १; भग॰ २, ५; · —परिसम्मः त्रि॰ (-परिश्रम) परिश्रभने ि तनार. परिश्रम-थकावट रहित. (one) who has conquered fatigue i. e. does not feel fatigued. नायात १; कपा० ४, ६१; —परीसह. ात्रे॰ ( -परिपह ) परिषढ्-४४-<u>६</u>:भने अतनार. परिषह-कष्ट-दु.ख को जीतने वाला. (one) who has acquired victory over affliction i. e. does feel troubled by them, नाया० १; भग० २, ५; गच्छा० ५२; -भय. त्रि॰ (-भय) स्थने छतनार. भय को जीतने वाला. ( one ) who has triumphed over fear; fearless. " जिय भयांग " त्राव॰ ६, १९; कष्प॰ २, १५; —माग्। त्रि॰ ( -मान ) માન-અહંકારતે છત્યાે છે જેણે એવા. मान, जिसने ऋहंकार को जीता है वह. ( one) who has triumphed over pride or self-conceit i. e. never feels proud. नाया॰ १; भग॰ २, १; —माय-त्रि॰ ( -माय ) भाषाने छतनार माया को जीतने वाला. (one) who has tri-

umphed over deceit i. e. never practises it. नाया॰ १; भग॰ २, ५; —राग. त्रि॰ (-राग ) रागने छतनार. राग को जीतने वाला. (one ) who has triumphed over passion or attachment i. e. does not feel it. सम् पर २४०: प्रवर ६५२: —रागदोसः त्रि॰ ( -रागद्वेष ) रागद्वेषने लतनार, रागद्वेषका जीतने वाला. (one who has subdued love passion and hatred. 'जियोहि जिय-रागदोसोहिं' पंचा • ६, ३६; प्रव० ११८; —लोभ गि॰ (-लोभ ) दीलने छतनार. लोभ को जीतनेवाला. ( one ) who has subdued greed or avarice. भग० २, ५; — लोय. त्रि॰ ( - लोक ) भ सारने छततार. संसार को जीतनेवाला. ( one ) who has triumphed over the world i. e. worldly exis ence; (one) not fettered by the bonds of worldly existence मु॰ च॰ १, २३४, —लोह. त्रि॰ ( - लोम ) दीलाने छतनार. लोम को जीतनेवाला. (one ) who has conquered greed or avarice i e. subdued it. नाया॰ १; — विग्धात्रि॰ ( -विध्न ) विध्न-अंतरायने छतनार विष्नों को जीतनेवाला (one) who has triumphed over or who triumphs over obstacles. नाया॰ १; जियंतग. पुं॰ ( जीवान्तक ) એ नामनी એક પ્રકારની વનસ્પતિ. इस नामकी एक प्रकार की वनस्पति. Name of a kind of vegetation. भग० २, ७, जियंतयः न॰ ( जोवान्तक) क्षीक्षी वनस्पतिनी भें भत. हरी वनस्पति की एक जाति. A kind of green vegetation. पत्र भ;

जियंती स्री॰ (जीवन्ती ) ओंध जातनी वेस. एक जाति की जाता. A kind of creeper. पत्र॰ १;

जियवंत. त्रि॰ (जितवत्) ०४४ भेश्वेश. विजय-प्राप्त; जिसने जय पाया है वह. (One) who has acquired victory. पगह॰ १, १;

जियसन्त्र. पुं॰ ( जितराञ्च ) शत्रुने छतनार. शत्रु को जीतनेवाला. A conqueror of enemies. पराह० २, ४; ( २ ) अिं तनाथ स्वाभिना पितान नाभ. श्राजेत-नाथ स्वामी के पिता का नाम. name of father of Ajitanātha Swāmī सम॰ प॰ २२६; प्रव॰ ३२३: (३) वाखिल्य गामना राज्न. वाखिउय गाव का राजा. name of a king of Vānijy city 'तत्थणं वायणिग्गामे जियसत्तराया' उवा० १, ३; (४) २। ५। नगरीने। राजा, चंपानगरी का राजा, name of a king of the city of Champā 'चंपानाम नयरी होत्था, पुणभद्दे चेद्द्र जियसत्तृराया' उवा॰ २, ६२; श्राव॰ टी॰ नाया॰ १२; ५४; ( ५ ) उक्कियी नगरी ने। राज्य, उज्जयनी नगरी का राजा. name of a king of the city of Ujjain उत्त॰ दी॰ २; (६) सर्व तालद्र नगरना राज्यन् नामः सर्वतोमद्र नगर् के राजा का नाम. name of a king of the city of Sarvatobhadra 'सन्वश्रो मंद् ग्यरे जियसत्त् गामंरायाहात्था' विवा ० ५; ( ७ ) भिथिला नगरीने। राज्यः मिथिला नगरी का राजाः name of a king of the city of Mithila. सू॰ प॰ १; जं॰ प॰१, १; (६)

પાચાલ દેશના રાજા કે જેણે મલ્લીનાથની साथे हीक्षा बीधी हती. पांचालदेश का राजा कि जिसने मल्लीनाथ के साथ दीना ली थी name of a king of the country of Pānchāla. He had taken Dīkṣā along Mallinātha. नाया॰ ६; ठा० ७, १; उवा॰ ६, १६३; (१) आभस५६५। नगरीने। राज्य. श्रामलकल्पा नगरी का राजा. name of a king of the city of Amalakalpā. नाया॰ ध॰ ( ९० ) सावधी° नगरीने। रान्त. सावधीं नगरी का राजा. name of a king of the Savarthī city. उवा० ६, २६७, २७२; नाया० घ॰ (११) વાણારસી નગરીના રાજા वाणारसी नगरी का राजा name ot a king of Vānārasī city. उवा॰ ३, ૧३६; ૪, ૧૪५, (૧૨) અલસિયા નગરીના श्रालीभया नगरी का name of a king of the city of Alabhiyā उवा॰ ५, १४४; ( १३ ) भे।क्षासपुर नगरने। राज्यः पोलासपुर नगर का राजा. name of a king of the city of Polasapura. उवा॰ ७, १८०; -रायरिसिः पुं॰ ( -राजर्षि ) जितशत्रु राजिष. जितशतु राजिष. the Rajarsi (a royal saint) named Jitaśatru. नाया०१२; --राय पु० (-राज) लितशत्रु राजा. जितशत्रु राजा. king Jitasatıu. नाया॰ १२:

जियसेण. पुं॰ (जितसेण) भरत क्षेत्रना त्रीला धुंबधरनुं नाभ. भरत चेत्र के तीसरे कुलकर का नाम. Name of the third Kulakara of Bharat Kṣetra. सम॰ प॰ २२६:

जियारि. पुं॰ (जितारि ) ત્રીજા તીર્થકર સંભવ

नाथना पिता. तीसरे तीर्थंकर संभवनाथ के पिता. The father of the 3rd Tirthankara Sambhavanātha. "सेनाए जियारि तण्यस्स" सम॰ प॰ २२६; प्रव॰ २२३;

जीमूथ-य. पुं० (जीमूत) छभूत नाभने।
भेध हे के એક वार वरसे ते। इस वरस सुधि
पृथ्वीमां तेने। त्रेड रहे. जीमूत नामक मेघ
कि जो एक बार बरस जाय तो दस वर्ष तक
पृथ्वी मे उसका गीलापन रहे. Name of
a particular cloud which keeps
the soil wet for ten years as
a result of one downpour only.
ठा० ४,४;

जिसूत. पुं॰ (जीमूत) अ्रुओ ઉपदी शण्ह. देखो जगरका शब्द. Vide above उत्त॰ ३४, ४, जीवा॰ ३, ४; राय॰४०; पन्न॰१७; जीय. पुं॰ (जीव) छन्न. जीव. Soul; a living being भत्त॰ १०३; जीवा॰ १; (२) छन्नन; छन्ह्शी. जीवन. life. सु॰च॰ ३,२४३; पग्ह॰१,१:—ग्रह नि॰ (-म्र्यं) लिनितने अर्थे जीवन के लिये; जीवित के म्रथं for the sake of life. सु॰ च॰ ४,२६७.

जीय-म्र. न॰ ( जीत ) पर पराथी याल्ये।
भावते। व्यवहार. वंशपरंपरा से प्रचिति
व्यवहार. Traditional usage or
convention. म्राया॰ २, १५, १७६;
वव॰ १०, ३; जं॰ प॰ ३, ४५; भग॰ द,
द, प्रव॰ ८६१; (२) ६२०४; ५ति व्य धर्मः;
कर्तव्य. duty; that which ought
to be done. जं॰ प॰ ५, ११४; (३)
भूत श्रुत. a scripture. नंदी॰ (४)
भर्याहा. मर्यादा. limit. नंदी॰ २६;

जीयकण्प. पुं॰ ( ज़ीतकल्प ) पूर्वायार्थे।ती परंपराथी यादेये। आवते। आयार. पूर्वाचार्यो की परंपरा से प्रचित्त श्राचार. Practice or usage handed down from one generation to another. पंचा ६, ३७.

जीयकिष्पन्न. त्रि॰ (जीतकिष्टिक) छत्रक्षेत्रक । छत्रक्षेत्रक । एत्रक्षेत्रक । छत्रक्षेत्रक । स्वाप्त्रक्षेत्रक । स्वाप्त्रक्षेत्रक । स्वाप्त्रक्षेत्रक । स्वाप्त्रक्षेत्रक । स्वाप्त्रक । स्वाप्त्रक । स्वाप्तिक ।

जीवधर. पुं॰ (जीतधर) स्ने नामना आर्थ गात्रभां थयेल आयार्थ; शाष्ट्रिश्वना शिष्य. इस नाम के आयं गोत्रोत्पन्न आचार्य; शाष्ट्रिल्य के शिष्य name of a preceptor born in an Arya family and a disciple of Sandilya "संदिश्चं अजजीयधर" नदीं।

जीरयः न० ( जीरक ) ७२. जीरा cumin seed. प्रव०१४२=: (२) ओक जनती यन-२५ित एक प्रकार की वनस्पति a kind of vegetation. भग० २१,=: — वच्च न० (-वचस्ं) ७२१-वनस्पिति विशेषते। क्यरे।— पाद्धा वगेरेते। दग्रेश. जीरा-वनस्पति विशेष का कृडा-पत्ति इत्यादि का ढरः refuse of the Jīrakā vegetation ( cumin—seed ) निसी० ३, =०,

जीरुयः पुं॰ (जीरुक) એક જાતની વનસ્પતિ. एक प्रकार की वनस्पति A kind of vegetation. भग॰ २३; १;

√ जीव. था॰ I. ( जीव् ) छ्ववुं, प्राण् धारण् ६२वा जीनः; प्राण् धारण् करना To live, to breathe, to have his जीव ति भग॰ २, १; ६, १०; उत्त॰ ७,३, जीवामो. उत्त॰ ६, १४;

जीविस्मामो. श्राया॰ १, ६, ४, १८८;

जीविउं हे॰ कु॰ दस. ६, ११; जीवंत. राय० २४३: विवा० ४. जीव. पुं॰ ( जीव ) आत्मा यैतन्य, छपतत्य; નવતત્વામાંનુ પ્રથમ તત્વ: છ દ્રવ્યમાંનું એક ८०४. श्रात्मा, चैतन्य: जीवतत्व; नवतत्वो मे से प्रथम तत्व, छ द्रव्य में का एक द्रव्य. Soul: consciousness; the first of the nine categories; one of the six substances. ভ্লত্য, ২৬; २=, १४, ३६, १, ६५, श्रोव॰ १७, ३४; ४०, नाया० १: ५, ६; म, ६; १०; ११, १६; १७, भग० १, १; २, १; २; ५; ३,३; प, ह; ६, ४; १०; ७, १०, **५, २**; १०; १७, २, २०, २; २६, १; पज्र० १, ३; ३६; दस० ८, २; पिं० नि० ६३४; राय० २२४; श्रगुजो० ६; दसा० १०, ७; सू० प० १६; विशे० ४४२; २१४६, ३४०८; जीवा० ३, १; उवा॰ १, ४४; (२) १९५१ जीवन. life. सम॰ १; श्रोव० जं० प० २, ३१; क० गं० १, ४७, ५३, भत्त० ६१; प्रव० २३; पंचा०२, ६; क० प० १, २६; गच्छा० ७६; - श्रराकंपा स्री॰ (-श्रनुकम्पा ) छवनी દયા; જીવની રક્ષા કરવાની લાગણી. जीव-दया; जीवों की रत्ता करने की शृति. kindness to living beings; compassion for living beings. नाया॰ १, भग० ७, ६; — श्रासासन. न० ( -श्रनुशासन ) छत्रनी-शिक्षा -सभेेें -जीव के संवय में शिचा ( समक्त ). explanation, exposition of the nature of the soul. (ર) એ નામને એક अन्थ. इस नाम का एक प्रन्थ. name of a book जीवा॰ १, —( चा) श्रमिगम. पुं॰ ( - श्रभिगम ) छवनी सभल, छवतुं जाखुं. जीव की समकः  ર; ( ર ) રદ ઉત્કાલિક સૂત્રમાંનું છવાિભ गभ नाभनं सूत्र. २६ उत्कालिक सूत्रोंमेंसे जीवाभिगम नाम का सूत्र. name of one of the 29 Utkālika Sūtras, ਚੰ॰ प॰ ५, ११=; " सेकिते जीवाभिगमें? जीवा-भिगमे दुविहे पराणते ' जीवा॰ १; भग॰ ع, ع; ك; د; ع, ع; د; ك, د; ع، ك. ك; १६, ६; २४, ४; नंदी० ४३; — आरं-भित्रा ब्रा॰ ( - घारम्भिको ) छवना આરમ્ભથી કર્મ બધાય તે; ક્રિયાના એક प्रशर. जीव के आरंभ से कर्मी का बंधन होता है वह; कियाका एक प्रकार. Karma incurred by killing or injuring a living being. "तंजहा जीवआरंभिया चेव श्रजीव श्रारांभिया चेव 'ठा० २. १: - उद्धरण न॰ (-उद्धरण) भंत्र शास्त्रनी। એક પ્રકાर मन्त्र शास्त्र का एक प्रकार. a varietyof Mantra Śāstra. σιο ε: -काय. पुं · -काय - जीवनं जीवो ज्ञाना ऽऽचपयोगस्तन्प्रधानः कायो जीवकायः ) গ্ৰবধীঃ: গ্ৰথমায়ি, জীৰ लोक: জীৰ राशी. the aggregate of lives or living beings; the world of living beings. सूच > २, १, २३; भग० ७, १०; श्राव॰ ४, ७; —िकिरिया. स्त्री॰ ( -।कि-या ) छवते। व्यापार, जीव का न्यापार an operation or activity of a living being. "जांविकिरिया दुविहा पन्नता" ठा०२,१;--रगाह. त्रि० (-प्राह) छवताने अद्ध्य ४२नार. जीवित को प्रह्मा करनेवाला. (one) who takes or catches alive. " जीवरगाहं गिएएंति " नाया॰ १; २; विवा॰ ३: — घरा. पुं॰ ( -धन ) જીવધન-અસંખ્યાત પ્રદેશના जीव्यन-श्रशंख्यात प्रदेश के पिंडरूप, an aggregate of innumerable soul-

particles. " श्रह्मवियो जीवघरा " उत्त॰ ३६, ६५; भग॰ ४, ६; — छङ्ग. न॰ ( -पटक) भृध्वीशय आहि ७ प्रशरता **छवे।ते। ज्रथ्ये।** पृथ्वीकाय श्रादि द्यः प्रशार के जीवों का समृह. a group of six living beings viz. earth, bodies etc, प्रव॰ ६=६; —जोग. पुं॰ (-योग) છવના વ્યાપાર; ( કેવલી સમુદ્રધાત ) जीवा का व्यापार; ( केवली समुद्धात ). operation or activity of the soul; (Kevalī Samudghāta). विशे०३६३; —हारा. न॰ (-स्थान) छवस्थान-गुणु-સ्थान. जीदस्थान-गुणस्थान. life stage; spiritual stage. क॰ गं॰ ६, ४; —णास्त. पुं॰ ( -नाश ) छत्युः छवनने। नाश. मृत्यु; जीवन का नाश. death; distruction of life. " कि जीवनासाउ परं न कुजा' दस॰६, ३;५; —िणिकायः ५ं॰ (-निकाय -जोवानां निकाया राशिजीवनि-कायः ) छवराशी. जीवराशि. an aggregate of living beings. স্থ जिवनी काया पन्नता ँ ठा० ६; २, ५; — गिज्ञाणमग्ग. पुं॰ ( -निर्याणमांग-जीवस्य निर्याणं मरणकाले शरीरिणः शरी-रात्तिर्गमः शरीरनिर्गमः तस्य मागो जोव-निर्याणमांगः ) छव निકલवाने। भार्गः जीव का निरुलेन का मार्ग. the path or way by which the soul goes out of the body. ठा॰ ४, ३; —िए-व्वात्तिः स्ना॰ (-निर्वृत्ति-निर्वर्तनं निर्वृत्तिः निष्पत्तिः जीवस्यैकेन्द्रियाऽऽदितया निर्वृत्ति-जींवनिर्वृत्तिः ) छवनी ओक्रेन्द्रिय आर्ट्ड्पे निर्वृत्ति-निष्पत्ति जीवकी एकेंद्रिय श्रादि रूपमें निर्शत्ति-निष्पत्ति. functioning of the soul as one-sensed etc. ''कइ विहा-णं भंते जीवािणव्यत्ती" भग०१६,८; —िण-

स्सिय त्रि॰ ( -निश्रित ) छवने आश्रित. जीव के आश्रित. depending upon, associated with the soul. 310 0; —िशिस्तियः त्रि॰ ( -िनःसृत—जीवेम्यो नि सतो निर्गतो जीवनिःसतः ) ७२थी नीः क्षेत्र. जीवसे निकला हुआ; जिवसे उत्पन्न. issued out of a soul or a living being. ठा०७, —तत्त. न० (-तत्व) છવતત્વ,ચેતન પદાર્થ. जीवतत्व,चेतन पदार्थ. the soul regarded as an element. प्रव॰ १२११; —िहिथकाय. पुं॰ ( -म्रस्ति-काय) यतन्य-अपयेश सक्ष्याणुं; छ ६०य-भांनुं એક ५०५. चैतन्य-उपयोग लच्च एवाला; छ द्रव्य में से एक द्रव्य, one of the six substances having consciousness for its connotation. '' जीवाधिकाएगां भते । जीवागां कि पवत्तइ'' भग० १३,४;२, १०,७,१•;२०,२; सम०५; श्रणुजो० ६७, १३१; --दय पुं० ( -दद ) स यमरूपी छत्रना हाता संयम रूपी जीवके दाता the giver of a life in the form of self restraint. ऋष्०२,१४; श्राव०६,११; --द्य. त्रि० ( -द्य - जीवेपु दया यस्य जीवदय ) छवर्या पासनारः ध्याक्षु. जीवदया पालनेवाला; दयालु. One who is kind to living beings. सम॰ १; ज॰ प॰ ४, ११४; —द्या स्त्री॰ ( -दया ) छवनी हया. जीव-दया. compassion towards living beings भत्त॰ ६३; १०४; ---दृब्व. न॰ ( -द्रब्य ) গুবর্ব্য; ৩ রব্যমানু એક. जीवद्रव्य, ন্তু-द्रव्य में से एक, soul; the element known as soul भग॰ ११,१०;१=, ४; २५, २, -दिद्विया स्री०(-हाष्टेका) छवने જોવા જતાં રાગદ્વેષાદિ કરવાથી લાગતી ફ્રિયા. जीव को देखने में राग द्वेपादि करने में जी किया लगती है वह. Karma incuried by love or hatred arising in the mind in the act of seeing a living being. 310 3, १; —देस. पुं॰ (-देश) छवने। देश-ऄ विसाग. जीव का देश-एक विभाग a portion of the soul. भग०१०,१,१६६, २०, २; क० प० १, २१, —नास पु० ( -नाश ) छवननी नाश जीवन का नाश death: destruction of life दस॰ ह, १, ५; ---निद्वत्ति. स्री॰ ( -निर्वृत्ति ) જીવનની નિર્વૃત્તિ–નિષ્પત્તિ; એકેન્દ્રિયાદિર્પે ઉत्पत्तिः जीवनकी निर्वृत्ति-निष्यत्तिः एकेन्द्रि-याहि रूपसे उत्पत्ति, birth of the soul in the form of one-sensed etc. living baings. भग॰ १६, =: -पइ-द्विय त्रि॰ (-प्रतिष्टिन) छ । नी अहर रहेक्ष जीव के भीतर रहा हुया. residing in a living being " अजीवा जावपइद्रिया '' भग० १, ६, निसी० ७,२१; ---**पएस** पुं॰ (-प्रदेश) छवना प्रहेश, अविलालय अंश. जीव का प्रदेश-श्रविमाज्य श्रश. an indivisible particle of the soul. भग॰ २, १०, =, ३; --पत्-सिय. पु॰ ( -प्रदेशिक-जीव प्रदेशाएव जीव प्रादेशिका ) গুৰনা અસં ખ્યાત પ્રદેશમાં છેલ્લા પ્રદેશમાજ છવ માનનાર તિષ્યગુપ્ત आयार नी अनुयायी जीवके श्रसंख्यात प्रदेशमे से श्रन्तिम प्रदेशमें ही जीव माननेवाले तिप्य-गुप्त श्राचार्य का श्रनुयायी. a follower of the preceptor Tisyagupta who believed that of the innumerable particles of the soul only the last had life or conscious-11099 in it ठा००;त्रोव०४१;—पन्नोग-त्रंध पुं॰(-प्रयोगबन्ध) ११११। प्रयोग-२४।-

पारथी थते। अन्ध जीवके प्रयोग-व्यापार मे होता हुआ वंध. bondage caused by of the soul. activities भग० २०, ७: -- पञ्चकखाराकिरियाः खीं (-प्रत्याख्यानिकया) छव **५२**८वे ५२२४-ખાણ ન કરવાથી થતી ક્રિયા जोवके संबंध में प्रत्याख्यान न करने से जो किया लगती है नह. Karma incurred by neglecting Pachchkhāņa relating to living beings তা০২,৭; — पञ्चव. पुं॰ ( -पर्यव ) छवना पर्याय, जीवके पर्याय, any of the modifications of the soul. भग॰ २४, ४: —पराग्वरणाः स्त्री॰ ( -प्रज्ञापना---जीवानां प्रज्ञापना जीवप्रज्ञा-पना ) छवनी अरूपणा. जीवकी प्रस्पणा. exposition of the nature of living beings or souls. "से किंतं जीवपराख्वराषा'' पन्न०१;--पद्. न० (-पद्) छवतुं पह-स्थान जीवका पद-स्थान condition or, stage of a living being. भग० १८, १; २४, १; २६, १; — पदेस पुं॰ (-मदेश) छवना प्रदेश जीव-प्रदेश. an indivisible particle of a soul.भग॰ २४, ४, -पारिगाम. पुं॰ (-परिगाम) જીવના પરિણામ. जीवके परिણाम modification, development of the soul भग॰ ६, ५; १४, ४; जं॰ प० ७, १७६; —पाउ-स्रो-सिया ह्यां० ( – माद्वेषिकी ) है। ५५७। তার ও ৭২ ०३५ **કરવાથી લાગતી ક્રિયા केाई** मी जाव से द्वेप करने से जो किया लगती है वह. Karma incurred by showing hatred towards and living being. भग. ३, ३; ठा० २, १, -पाइचिया स्री॰ ( -प्रातीतिका-जीवं प्रतीत्य यः कर्मवन्धः सा तथा ) छवने आश्री क्षागर्नी द्विया.

जीव के मंबंधमें जो किया लगती है वह. Karma incurred in connection with a living being or a soul আ. २.१;--- एपएस.पुं०(-प्रदेश) छवने। अदेश-भंश. जीव-प्रदेश जीव का ग्रंग. a portion, a particle of the soulsubstance. भग॰ ८, ६; १०, १; -- एव देश. पं॰ (-प्रदेश ) छवते। प्रदेश-अंश. जीव का प्रदेश-श्रंश. a portion, a particle of the soul-substance भग० १६, ६: —प्पायहुत्त. न० ( -श्रल्प-बहत्व ) छवे।नुं अस्पायहृत्य. जीवों का श्रत्याबहुत्व. scantiness or the profusion of life. क॰ प॰ १, ४१; —फुड त्रि॰ (न्स्पृष्ट) छवे जीवने स्पर्श किया કરેલ. हुन्ना. touched by, in contact with a soul or living being ठा॰ ४, ३; —भाव. पुं॰ (-भाव ) છવ. પણું. जीवत्व; जीवपना. ntate of being a living being. " परक्कमे श्राय-भावेण जीवभाव उवदेसेह " भग० २, १०; १८, १: —भावकरण्. न० (-भावकरण्) গুব पर्यायनुं ५२तुं ते जीव पर्यायका करना. soul. the modification of विशे॰ ३३४४; —मज्सव्पएस ( -मध्यप्रदेश ) छवना भध्यप्रदेश जीव का मध्यप्रदेश. the middle portion of the particles of the soul. भग॰ ८,६; —मिस्सिया. स्रो॰(-मिश्रिता) સત્યામૃષા ભાષાના એક પ્રકાર; જ્યા ચાૈડા મરાંગયા હેાય અને થાેડા જીવતા હાેય ત્યાં ળધા મરીગયા છે એમ કહેવું તે. सत्या मृषा भाषा का एक प्रकार; जहां थोडे मर गये हों व थोडे जीवित हों वहां सव मर गये है ऐसा कहना. a variety of speech

partly true and partly false declaring that all are dead when some are yet alive पत्र॰१; —रासि. पुं॰ ( -राशि ) छवने। सभू६-अधी जीवों का समृह a group of a collection of living beings. सम० २; श्राव० ७, १; -लोय पुं० ( - लोक ) छव क्षेत्रः, संसार, जीव-लोकः, ससार. the world of living beings. नाया॰ १; कप्प॰ ४, ६०; क॰ प॰ ३, ४४; ज० प० ३, ६१; — वह. पुं० ( -वध ) ७१नी वर्ष धात, जीवों का वध-घात. slaughter of animals भत्त॰ ६३; —वाचार. पुं॰ ( -ब्यापार ) छवने। ०यापार-क्षिया. जांवों का च्यापार किया. any of the functions or processes of the soul or principle of life. विशं॰ ३६३; — चिजय. पुं॰ (-विचय) छपना स्वरूपन चिंतन करव ते जीव के स्वरूप का चितवन करना meditation upon the nature of the soul सम॰ ३: — विष्यज्ञहं, त्रि॰ (-वि-प्रहीन ) પ્रासुक्त, છવ રહીત. जीव रहित, प्राप्तक deprvied of life, faultless " देवदिराणस्स दारगस्स सरीरं शिष्पाणं णिचिंह जीवविष्पजढं कूवए प्रस्ववेति " नाया ० २; १६; १=; निर० १, १; --वि-भात्ति स्त्री॰ (-विभिवत) छत्रनी विलिस्ति-વિભાગ, જીવનુ પૃથક્કરણ-વિવેચન. જાંવ की विभिक्त-विभाग, जीव का पृथद्वरण-विवेचन. discu-sion upon, exposition of the nature of the soul. उत्त : ३६, ४७; - विवागा स्रं : (-वि-पाका--जीव एव विपाकः स्वशक्तिदर्शन-लच्छो विद्यते यासां ता जीवविषाका ) গ্রথন বিষাও হর্মাবনার ১ম সুধূনি, জীব को । জीবतं त्रि॰ ( জीবत् ) গ্রথনা, জাবিत, Vol 11/107

विपाक दिखलाने वाली कर्म प्रकृति Knrmic nature which displays its maturity to the soul क॰गं॰- सं-खा. स्री॰ (-सर्या) छवे।नी संभ्या जीवों की संख्या. a number of living beurgs प्रव॰ ४=; —संखेव. पुं॰ (-सं न्तेप-जीवानां संनेपा जीवसंनिपाः ) अप-ર્યાપ્ત એક દિવ આદિ છવતાં સ્થાન કે જયાં છવને સક્ષેપ-સ કાચમાં રહેવું પડે છે श्रपर्याप्त एकेन्द्रिय श्रादि जीव के स्थान कि जहांपर जीव को संद्रेप-संकुचित स्थितिमे रहना पडता है any of the places in which an undeveloped living being (one) sensed etc has to remain in a contracted condition. क॰ गं॰ ६, ३६; —संगहियः त्रि॰ ( -संगृहीत — जीवे॰ संगृहीतः स्वीकृतो जीवसंगृहित ) छवथी स्वीधारायेल, जीव ने स्वीकृत किया हुआ. accepted by, possessed by a soul or a living being. " श्रजीवा जीव सगिहया " ठा॰ २, १, —साहित्थ-या स्त्री॰ (-स्वाहास्तका - यत्स्वहस्तेन गृहीतेन जीवं मारयति सा जीवस्वाहास्तका) એક પ્રકારની ક્રિયા: પાતાના હાથથી છવને भार गथी क्षागती हिया एक प्रकार की किया: अपने हाथ से जीव की मारने से जो किया लगती है वह Karmaincurred by taking life i. e. killing with one's own hand. Jo 3, १: -हिंसा स्रं। (-हिंसा ) ११ नी िक्सा. जीव-हिंसा. destruction of life or living beings भत्त॰ ६३: -हिय न०(-हित) छत्तुं हित. जीव का हित. welfare of the life भत्ति हन:

living; existing. विशे ॰ २२५६;
जीवंजिव. पुं० (जीवजीव) छवनने। आधार
जीवन का श्राधार. support of
life; subsistence. श्राणुत्त० ३, १;
नाया० १; (२) छवनी शक्ति. जीवकी
शक्ति. the vital power of the
soul. भग० २, १; (३) એક ज्यन्तुं
पक्षी. एक जाति का पद्धा. ॥ kind of
bird. ज० प० पन्न० १:

जीवंजीवक. पु॰ ( जीवजीवक ) એક न्नतनुं पक्षी; यहे।२. एक जातिका पर्जा, चकार. A kind of bird; the Chakora bird. पग्ह॰ १, १, श्रोव॰

जीवंजीवग. पुं॰ (जिवक्ष वक ) श्हार पक्षी. चकार पन्नी. The Chakora bird. भग॰ १३, ६; (२) એક ज्यतनी वनस्पति. एक प्रकार की वनस्पति. a kind of vegetation भग॰ २३, ५;

जीवर्ण न॰ (जीवन) छपतः प्राणु धार-ण जीवनः प्राण धारणः Life; living. उत्त॰ १२, १०;

जीविशिज्ञ त्रि॰ (जीवनीय) छत्रवा थे। २४ जीने के योग्य Worthy to live; fit to live. म्य॰ २, २, ४६;

जीवत्तः न॰ (जीवत्व) छ्यप्राष्टुः जीवत्तः जीव पनाः State of being a soul or living being. भग॰२,१;विशे॰४४४; जीवमुत्तिः स्त्री॰ (जीवन्मुक्ति) छ्यता छ्यां भे।सते। व्यनुसय क्षेत्रे। ते जीतेजी मोत्त का श्रमुमव जेनाः Experiencing of sulvation in this life. पंचा॰ २, ४३;

जीववतः त्रि॰ (जीवितवत् ) प्राणीः प्राणीः Living; possessed of life. पर्द॰ १, १;

जीवा स्त्री॰ (जीवा-जीवनं जीवा) धनुष्यनी पश्चय, हेर्री. धनुष्य की टोर. A bow-

string. (२) धनुष्पाद्यार क्षेत्रने। पण्यण्यः स्थानीय प्रदेशः लारत स्थादि क्षेत्रना आंणा छेडानी पहेशक्षात्रे, धनुष्याकार त्तेत्र के न्याम के समीपका प्रदेशः भरत ह्यादि त्तेत्र के न्याम के समीपका प्रदेशः भरत ह्यादि त्तेत्र के न्याम के समीपका प्रदेशः भरत ह्यादि त्तेत्र के न्याम के समीपका प्रदेशः अवद्यक between the two ends of a region which is bow shaped; lengthwise space between the two ends of Bharataksetra etc. म्य॰ २, ४, १२ः राय॰ २,४७; स्॰ प॰ १: (३) ओड णालुधी णील लालु सुधीनी सीध्धी क्षीटी. एक वगल से दूसरा वगल तक की सीबी रेखान नकिर. a straight line from one end to another. मम॰ ६०००;

जीवाजीव पुं॰ (जीवाजीव) গুণ અને અগুণ पदार्थ. जीवाजीव; जीव र्खार श्रजीव पदार्थ. The categories viz. living and non-living beings. नाया॰ १२, १४. दय०४,१२; (२) न० છવ અછવની સમજણ ઉત્તરાધ્યયનનું ૩૬ મું અધ્યયન जीव श्रजीव का समक्त देने वाला उत्तराध्य-यन का ३६ वा श्रम्ययन. the 36th chapter of Uttaradhyayana explaining (the nature of ) living aud non-living beings. उत्त॰ ३६; —ग्राहिगमः पु॰ ( -श्राभगम ) छ । અછવના પરિચ્છેદ –સમજણ जीव ग्रजीव का परिच्छेद समक्त. exposition or explanation of (the nature of) living and non-living beings. " से किंतं जीवाजीवाहिंगमें " जीवा॰ १; दस॰ ४; —समाउत्त. ( –समायुक्त ) છ । અછવ વાર્લું. जीव শ্মনীৰ বালা possessed of soul or non-soul " जीवाजीव समाउत्ते सुह दुक्ख समार्गणए "सूय १, १,३ ६;

जीचि त्रि॰ (जीविन् ) छ्यत वाली; छ्यता वाली. जीवन वाला; जीनेवाला. living; possessed of life. श्रणुजी॰ १२=; (२) पुं॰ आण्धारः; छ्य. प्राण धारक; जीव. a soul; a living being. स्य॰ १,३,१,६;

जीविश्र-य न॰ (जीवित ) छथन श्रसयम जीवितब्यः जीवनः श्रसंयम जीवितव्य. Life: livelihood; absence of asceticism. " जीवियं शामिकंखिजा " श्रायाः 9, 4, 4, 8; 9, 9, 99; 9, 8, 8, १६१; नाया० १, २; ४; १४; १५; १६; १८; दम० ८, ३४; १०, १, १०; भग० ७, १; १४, १; पन्न० १: २२; राय० २१४: श्रोव॰ १४; स्य॰ १, १, १, ५, १, २, १, १; उत्त० ४, १; ६, १४; १०, १: ३२, २०; विशेष १३८, विवाप ६: निरंप १, १, उवा० १, ४७, २, १०२; ४, १४७, भत्तः १३; १०३; काप० ६, ११=; श्रद्धा० ४, ३. —ग्रंत. पुं ( - ग्रन्त ) છવનનे। आंत; भृत्युः भर्षाः जीव का श्रेतः मृत्युः मर्गाः termination of life: death जं॰ प॰ २, ३१, उत्त॰ २२,१५. — ग्रंतक एस. पुं॰ (-म्प्रन्तकरण) छ हगीने। यन ४२वे। ते जावन का श्रंत करना. putting an end to life नागाव थः परहर १, ३: जं० प० ३, ४५; — म्राहे. त्रि० (-म्रार्थेन्) છવવાની ઇચ્છાવ લાે जाने का इच्छा वाला, जीवित रहने की उत्पक desirous of living or continuing to live "जोवा विमं खायइ जीवियद्वि "दस॰ ६, १, ६; — ग्रारिह त्रि॰ (- ग्रई) छवत्राने ઉચित याज्य; व्य छव । याने तेट सुं. जीने के याग्य. जोवन विवीह के याग्य sufficient to maintain life "वित्रलं निश्व यारिहं पोइदाणं दलइ '' नाया० १; भग०

११, ११; राय० २३३; दसा० १०, १; जं० प॰ ३, ४३; — ऋ(ऋ. पुं॰ ( - प्रात्मन् ) छत्र स्वरूप जीवन स्वहप. nature of life नाया॰ १५; — आउ. न॰ (-श्रायुप्) છ દગી रूप आयुप जीवन रूप श्रायुष्य. the duration of life नावा॰ ४; —ग्राउत्र पुं॰ (-ग्रायुष्क) छवनप्रः व्यायुष्य. जीवनप्रद श्रायुष्य. duration of life. नायाः =; - आसंसाः स्रीः (-म्राशसा) अववानी आशा. जीने की त्राशा hope of life. उना०१, ४७; प्रव०२६६; —आसा. स्त्री॰ (-श्राशा ) छवितव्यती ध<sup>2</sup>श-आशा जीवितव्य की इच्छा-श्राशा; लोम का पर्याय नाम desire to live long, hope of long life; a synonym of greed सम॰ ४२; भग॰ २, ४. = ७; १२, ४ नाया० १; स्रोव २६; निर्॰ ३, ४, — उस्सवियः त्रि॰ ( - उत्स-विक-जीवितस्योत्सवइव जीविनोत्सव स प्व जोवितोत्सविकः ) अपवाना धत्साह यात्रीः जीने के उत्साह बाला. (one) eager to live " जी विश्रोहसविष् " भग॰ ६, ३३, - उस्सासिय त्रि॰ ( - उच्छ्वासिक ) જીવનને વધારનાર, જીવનની વૃદ્ધિ કરનાર. जीवन बृद्धि करी बाला. जीवन को दीर्घ बनान बाला. ( anything ) which prolongs life. नाया ा: - ऊसासिय. ति ॰ (उच्छ्वासिक जीवितमुच्छ्वासयति वर्ध-यतीति जीवितोच्छ्वासः स एव जीवितो-च्छत्रासिकः ) छात् वधारतारः जीवन को दीर्घ बनाने नाला life, prolonging; giving longevity, भग॰ ६, ३३; —कारण. पु॰ ( -कारण ) छववाने। **हे**तु जीवन का हेतु motive of remaining alive or maintaining life. दस॰ २, ७; —फल न॰ ( -फल ) छन्-

स्री॰ ( -भावना ) छवननुं सभाधान ४२-नारी लावना जीवन का समाधान करने वाली भावना. meditation which reconciles one to (his or her) life. सूय० १, १४, ४, — **चसारा.** न० ( -श्रवसान ) ९१ त - आयुष्यते। छेडे। जीवन-आयुष्य का अन्त. the end of life. क॰ प॰ २, ७७; जीवित्रा-याः स्री॰ (जीविका) आछवधः; पृति आजीविका; वृत्ति. Livelihcod; maintenance of life. स्य॰ २, ६. २,नाण० ७, श्रम्जो० १३१; कप्प०४, ८२; जीवितं. हे॰ कृ॰ श्र॰ (जीवितुं) छत्रवा भारे जीवन के लिये. In order to live or maintain life आया॰ १, ٩, ७, ५७, जीविडकाम. त्रि॰ (जीवितुकाम ) छपयानी धें छात्रादीः जीवित रहने को उत्तुक De∙ snous of continuing to live '' जीविडकामें लालप्यमाण " ऋाया॰ १, २, ३, १६; जीवित श्र वि ( जीवितक ) अनुधिभन थ्य।; हयापात्र कि हमी त्रातु कंपित जीवन, दयापात्र जीवन. Pitiable life, life deserving compassion. उत्त १०.३; जीवियरसम. पुं॰ ( जीविकरसम ) साधारश पाहर वनस्पतिहायने। ओह प्रहार साधारण बादर वनस्यति काय का एक प्रकार. A variety of ordinary gross vege table life पत्र 9: जीहा स्त्री॰ (जिड़ा) छत्त, रसेन्द्रिय जिल्हा, रसेन्द्रिय The tongue, the sense of taste नाया॰ १, ५, ६, भग॰ ११.

नन् इस जीवन का फल accomplish-

ed aim or object of life. नाया॰

प्तः १३; १९; निर० ३, ४; — भावणाः

१९; १५, १; जंप० पत्र० २; १५; सु॰ च० ४, २८४; श्रोव० १ ; श्रगुजो० १२८, उत्त० ३२, ६२, ठा० ४, ४; राय० १६४; जीवा॰ ३, ३; उवा॰ २, ६५; १०७; भत्त॰ १०६, १४६; कप्प० ३, ३६; गच्छा० १६; —गार. पुं॰ ( -कार ) लुञी। " जिस्मा-गार '' शफ्ट. देखो " जिन्मागार " शन्द. vide " जिन्भागार " पन्न॰ १; जीहामयदुक्ख. न॰ (जिन्हामयदुःख) लुओ " जिट्मामयदुक्ख " शण्ट. देखो " जिन्मा-मयदुक्ख '' शब्द. Vide 'जिब्भामयदुक्ख' ठा० ५, २; जीहामयसोक्स. न॰ ( जिन्हामयसोख्य ) लुओ। '' जिन्भामयसोक्ख '' शण्ध. देखे। " जिन्भामयसोक्ख " शन्द Vide " जिन टभामयसोक्ख " ठा० ५, २; जीहिंदिय न॰ (जिन्हेंद्रिय) छल, रसेन्द्रिय. जिन्हा, रसना, रमेन्द्रिय. The tongue, the sense of tiste. परह॰ १, १; —ानेग्गह. पुं॰ ( - निप्रह ) लुले। " जि-हिंमदियनिगाह " शण्ट. देखो "जिहिंमदिय-निगाह '' शब्द. vide 'जिव्भिद्यिनिगाह' उत्त॰ २६, ६५; —संवर. पु॰ ( -संवर ) लुणे। "जिर्टिभदियसवा" १७६ देखी '' जिटिंभादियसंवर " शब्द vide. " जि हिमान्दियसंवर "पग्द॰ २, प्, जुश्र त्रि॰ ( युत ) યુકન; સહિત युक्त, सिंदत Accompanied with. क॰गं॰ ३, ६; प्रव० १२०६ १४२७, भत्त० १०६; जं० प० ७, १४१; जुत्रणद्व पुं॰ (युगनद्ध ) એક પ્રકારના ચક નસ્ત્રનાે યાેગ; ચદ્ર અને નક્ષત્રના યાેગની સ્થિતિ ખલદ ઉપરના ધાેસગને આકારે થાય ते ९क प्रकार का चन्द्र नक्षत्र का योग; चंद्रमा व नक्तत्र के योग की स्थिति जो कि वैलपर

की जुड़ी की आकृति सी होती है A par-

ticular mode of the conjunction of the moon with the constellation presenting the appearance of the yoke.

जुग्रल. न॰ (युगल) कोई; भेनी कोडी युगल;

दोका जोडा. A couple; a pair. जं॰ प० ५, १२३; श्रोव ३०; प्रव० १०६६; क० गं० ४, ६१, कप्प० ३, ३६; पंचा० ३, २; -- द्रग. न० ( - द्विक ) भे थुगल दो युगल two pairs क॰ ग॰ प्र, ४, -धरम पुं॰ (-धर्म) लुगसीयानी धर्म-लुगअपणे अन्पन्न थवुं वर्गरे. युगलियोका धर्म, युगल अवस्था में उत्पन्न होना इत्यादि taking of birth in the form of a pair i. e. Jugaliyās प्रतः १०६६; जुइ. ब्री॰ ( ब्रीत ) sidl; तेज, धीप्ति. कांति, तेन; दोति Lustre, light; splendour नाया॰ १; =; १०, सम०३०, भग० १४; १, विशे० ३४४७; श्रोव० ३८; उत्त० १, ४०, ४, २६. ठा० ४,३; (२) अ नामन નિરયાવલિકા સૂત્રના પાચમા વર્ગનુ દદું अध्ययन, इस नाम का निरयावलिका सूक के पांचवें वर्ग का ६ठा श्रध्ययन name of the 6th chapter of the 5th section of Nuayāvalıkā Sūtra. काप० ४, १८१:

जुइ. स्त्री॰ ( युति ) युद्धितः; क्रीडाणः; सयोग. युक्ति, सयोग Joining together, union; contact ठा॰ ३, ३: नाया॰ १; प्रव॰ ६, उवा॰ ६, १६७;

जुइमेत ति॰ (द्युतिमत् द्युतिदीं सिरतिशायिनी विद्येत यस्य सः) धान्तियान्; तेजस्वी कान्तिवान्, तेजस्वी Lustrous, bright; powerful. उत्त॰ ४, १८, (२) स्थम संयम asceticism, monkhood. श्राया॰ १, ७, ३, २०७; (३) भेक्षि. मोक्तः final emancipation श्राया॰ १, ७, ३, २०७;

जुंगि अ नि॰ ( जुङ्गित ) लित, हम ने अने शरीरथी हिषत हो यह. (One) of a low nature in caste, action and body. प्रव॰ ७६८, — अंग. नि॰ (-अग) अप गः जेना हाथपग वगेरे अवग र इत्यादि अवयव कट गये हो ऐसा mutilated or disabled in any of the limbs of the body e.g a hand, a leg etc पि॰ नि॰ ४४६, ठा॰ ५, ३;

√ जुंज था॰ I. (युज्) लोऽपुं. जोडना.
To join together (२) सथ्रा
इस्वे। सगठन करना to unite. (३)
७थित इस्पु उचित करना; योग्य करना
to fit; to harmonise, to make
fit for.

जुजह. पत्र ० ३६, जुंजंति स्य ० १, ३, १, १०, जुजेवि. उत्त ० १, १८, दस० ८, ४३; जुंजंत. पंचा० १२, ४६; जुजाइ क० वा० पि० नि० ४६, १६३, सु० च० ४, ६४,

जुज्जए विशे० १०२, १४=; पि० नि० ७६; सु० च० २, ५४७;

जुंजरण न॰ (योजन) थे। পशु, लोऽयु, व्यापार કरवा ते योजना; जोडना, व्यापार करना. Joining together, uniting; conducting a business or an operation. "इंदियाण य जुजरे।" उत्त॰ २४, २४, विशे॰ ३३५८,

जुंजराया ह्री॰ ( ' योजन ) लुओ। ઉपसे।

शण्ध देखो ऊपर का शब्द. Vide above. स्रोद० २०:

जुंम. न॰ ( युग्म ) राशि विशेष; भेशी संभ्या; सभ संभ्या राजि विशेष; सम संख्या. A particular sign of the zodiac ( Gemini ) even number. ठा॰ ४,३;

जुग. न॰ ( युग ) यार दाय परिभित ओ : **(१२५)** चार हाथ परिमित एक माप. A measure of length equal to four arms सम् ६६; भग ६, ७; श्रमुजो॰ १३३, जं० प० ( २ ) धेंसरू, ગાંસરી. નૂકા. a yoke of a carriage. उन ०२७, ७; जीवा० ३, ३; पि० ति० २६२; सूरा १, ४, २, ४; जं प०७,१४१; पगह० २, ९; श्रोघ० नि० ३२४; दमा० ६, ४; उत्रा० ७, २०६; (३) ग्रा० धे।सराना આકારનું પુરુષના દાથ પગનું લક્ષણ, पुरुष के हा। पैर में घृंपरी की श्राकृति वाला लजग a mark of the shape of a yoke of a carriage in the hand or foot of a male human being (૮) સત્ય, દ્વાપર, ત્રેતા અને કલિ, એ અ,ર थुग. नत्य, द्वापर, त्रेता, कलि ये चार युग-ফাল. any of the four ages viz Satya, Dwapara, Treta, and Kali. विशेष २२==;( ч ) भांअवर्ष अभाख्ते। अब विसाग, पांच वर्ष प्रमाख का काल विभाग. a period of time equal to five years. भग॰ ६, ७; २४, ४; श्रत्युजो० १४४; नाया० १६; मृ० प० ८; पराह० १, ३: ठा० २, ४; सम० ६१; जं॰ प॰ जीवा॰ ३, ४; राउ० ३२; (१) એક જાતના भ² છे. एक जाति का मन्द्रप. a kind of fish. पन्न : ( ৩ ) নাল ইয় પ્રસિદ્ધ એક જાતનું એ દાય પ્રમાણનું વાદન

- पाश्रभी. गोल देश प्रसिद्ध एक जाति का दो हाय प्रमाख का वाहन-पालकी. a kind of palanquin of the size of two arms length made in the country named Gola. जीवा ३, ३: —ग्रंतर. न॰ ( -ग्रंतर ) धेांसरा प्रभाशे आंत्रे. जुडो के प्रमाखमें ग्रंतर. an interval ( in point of space ) of the measure of a yoke of a carriage. भग॰ २, ५; — श्राइजिण-पुं॰ ( -श्रादिजिन ) युगना पहेला तीर्धेश थी ऋपलदेव स्वाभी चुग के प्रयम तीर्घकर श्री ऋषमदेव स्वामी Risabhadeva the first Tirthankara of the nge. प्रव॰ १; —गिह न॰ (-गृह) પાલખી રાખવાનું ધર. पातकी-ग्रह. હ house or hall in which palan. quins are kept नित्री ०८,७; —िन्द्र-डू न॰ ( - चिद्र ) थें सरीमांनुं िक जुड़ी में का छिड़. a hole in the yoke of a carriage. उत्त॰ टी॰ ३; —पहारा ५० ( -प्रधान ) युग प्रधान પુરૃષ; યુગમાં થયેવ પ્રધાન મહાત પુરુષ; ( लंड गाहु स्वाभी वंगेरे ) ग्रुग प्रयान युग का प्रयान-महापुरुप-भद्रवाहु स्वामी इत्यादि. a prominent person of an age (Yuga); e. g. Bhadrabāhu Swāmī etc. विशे॰ १४२३; — व्यहाण. न॰ ( -प्रधान ) लुओ। ઉपने। शण्हः देला कपरका शब्द. vide above. प्रवर ६२: २६४; —सूरि. go ( -सूरि ) युग प्रधान સુરિ-આચાય<sup>ે</sup>. युग प्रवान मृरि-श्राचार्य. & preceptor etc. renowned in a certain age, प्रव॰ ६२; —माण-न॰ (-मान) पांच वर्ष अथवा आसह भास પ્રમાણ યુગનું માન पांच वर्ष किंवा बांसठ

मास प्रमाण युग का मान. a measure of time equal to five years or 62 months प्रव ६०६;

-संनिभ त्रि॰ (-सन्निभ ) यार ढाथ प्रभाशना केतं. चार हाथ प्रमाण के जैसा. similar to, analogous to a measure of the length of four arms. " जुगसरिएाभ पे गाइय पऊड संठिय " जीवा॰ ३; —संवच्छर. पुं॰ ( --संवत्सर ) पांथ सपत्सर प्रभाश समयः १८३० दिवस प्रमाण युग संवत्सर पाच संवत्सर प्रमाण समय; १८३० दिवस प्रमाण युग संवत्सर. a Yuga Samvatsara equal to 1830 days, स्॰प॰ १०; जं०प०७:१४१; ठा०४,३; —साला स्री॰ ( -शाला ) पासभी राभवानी शासा पालका रखने की शाला a room, a hall in which palanquins are kept. निसी॰ =, ७;

जुगंतकडभूमिः स्रा० ( युगान्तकृतभूमि--युगानि-कालमानविशेषाः तानि च क्रमव-तीनि तस्पाधम्यांचे क्रमवातिना गुह-शिष्य प्रशिष्याऽऽदिरुपाः पुरुषाः तंऽपि युगानि तैः र्शामतान्तकरभृमिर्युगान्तकृतभूमि ) શિષ્ય પર પરાએ અવિચ્છિત્રપણે સંસારના અંત જીવાનો પર પરા <u> ५२ त्या</u> गुरु परम्परा स श्रीविच्छ्यता ससार का अन्त करने वाले जीवा की परपरा. The successive generations of men such as preceptors and disciples forming as it were a chain of an era, who attain salvation. ठा० ३, ४; नाया॰ जं० प० २, ३१;

Vide above. नाया॰ =:

जुगंतगडभूमी. ल्ला॰ ( युगान्तकृतभूमि ) युगनी अंत करनारी सूमि युग का श्रंत करने वाली भूमि A land or region finishing a Yuga ( a period of time. ). कप्प॰ ४, १४४;

जुगंधर. पुं॰ ( युगन्धर ) २थ णनाववाना ७५थे। भां आवतु ओड जततनु बाडडुं. रथ
बनाने के उपयोग में स्नाता हुस्रा एक प्रकार
का लक्कड. A kind of timber used
in making chariots ज॰ प॰ १;
जुगवाहु. पुं॰ ( युगन्नाहु ) ८ भा तीर्थंडरनु
नीज पूर्व भव का नाम. Name of the
third previous birth of the 9th
Tirthankara. सम॰ प॰ २३०; विवा॰
२, (२) बांना ढाथ, आढु लंत्रे हाथ, बाहु
a long arm. ठा॰ ६,

जुगगद पुं० ( युगनद ) लुओ। " जुझणद " शण्द देखे। " जुझणद " शब्द. Vide " जुझणद " सू० प० १२;

जुगमच्छ पु॰ ( युगमत्स्य ) ग्रेंश काती। भे थे. एक प्रकार का मत्स्य A kind of fish. विवा॰ =; पन्न॰ १, चीवा॰

जुगमायः त्रि॰ (युगमात्र) धे। सरा प्रभाखानुं. जुडी के प्रमाण का Measuring a yoke. श्राया॰ २, ३, ७, ११४; दसा॰ ६, २; दस॰ ४, १, ३,

जुगिमत्त त्रि॰ (युगमात्र) लुओ " जुग-माय "शे॰६ देखो " जुगमाय " शब्द Vide " जुगमाय " उत्त॰ २४, ७;

जुगमेत्त. न॰ ( युगमात्र )युग-धे। सन प्रभाषे. यार ढाथ प्रभाषा. युग-जुड़ी के श्रतुसार; चार हाथ प्रमाण. A particular measure equal to four aims. प्रव॰ ७०६,

जुगलः न॰ ( युगल ) लोडी; लोडुं. जोडा, युगत. A couple; a pair. (२) पुं॰ स्री॰ जुगसीया. जुगलिया. Jugulia. भग० ६, ५; १४, १; —धम्म. पुं० (-धर्म) જીગલીયાના ધર્મ; યુગલ ધર્મ स्री पुरुष दोनों का धर्म; युगल धर्म. त combination of the characteristie functions or qualities of both a male and female. तंद्र॰ —धिमय. पुं॰ (-धार्मिक) श्री पुरुप ३૫ યુંગલના ધર્મ વાલાે. ह्ना पुरुषरुप युगल के धर्म वाला. one who combines within him the characteristic functions or qualities of both viz a male and female. तंद्र॰ जुगलग न॰ ( युगलक ) ब्रेड्सं; भेनी ब्रेड. जोडला; दो की जोड A pair; a couple. ज॰ प॰

जुगलयः न॰ ( युगलक ) जुगक्ष; लेडुं युगल; जोडा A couple; a pair. सम॰

जुगलिय त्रि॰ (युगलित) लेडी युक्त.
युगल युक्त; सजीड Coupled together; consisting of a pair.
" निचं जुगलिया" नाया॰ १;

जुगयं ति० ( युगवत् ) अक्षता अप्रविधा सिंदतः त्रीन्न तथा येथा आराता जन्मेत्र. काल के उपद्रव से रिहत तृतीय व चतुर्थं आरेमें जन्म प्राप्त. Free from molestation caused by time; born in the third and the fourth Arās (a part of a cycle of time). जीवा॰ ३, १, भग॰ १४, १, १६, ३, राय॰ ३, २, उवा॰ ७, २१६, जुगवं अ० ( युगपत् ) એક્કी चभते; એક

अंदे; ओं असे साथे. एकहीं समय पर; एकहीं

कालमें; एक साथ. Simultaneously. उत्त॰ २८, २६; ३६, ५४; गु॰ च॰ ५, ६; २, ३६१; ठा॰ ३, ४; विशे॰ १६६; प्रव॰ ६६८; श्रोव॰ ४३;

जुगा त्रि॰ (योग्य ) सायधायांग्य. Proper.

जुग्ग न॰ ( युग्य ) गेल्स देशमां असिद्ध એક વ્યતની પાલખી કે જેને કરતી ચાપુણી ખે दाथ प्रभाणे विहिधा-धडेाडे। देश छे. गोल्ल देश मे प्रसिद्ध एक प्रकार की पालकी कि जिसके चारो श्रोर फिरती चौरम दे। हाथ प्रमाण की वेदिका (कठहरा) होती है A kind of palanquin with a square railing of the height of two arm's length. It is made in the country named Golla. भग० ३, ४; ४, ७, ६, ६; विशे० २६६२; जं प प ४, १४७; श्रोव श्र श्राची १३४; (२) धाँसरी जडा. a yoke, that part of the pole of a carriage which is fastened to the shoulder of an ox, a horse etc. 210 ४, ३; भग० ६, ३३; (३) युग-धींसरी वर्षेनार धेाऽ। असह वरोरे युग-ज्ही को उठानेवाला-घोडा, वेल इत्यादि. सा ox, a horse etc. harnessed to a carriage, 'चतारि जुग्गा पर्णता' ટા ૦ ૪, રૂ. (૪) પુરૂષથી ઉડાય એવું विभान, पुरूप से उडा जा सके ऐसा आकाश विमान a kind of balloon. सूय॰ २, २, ६२, —-ग्रायरियाः श्री॰ ( -श्राचर्या-युगस्याऽऽत्रहनं गमन युग्याचर्या ) थुग-વાહનમાં જવું તે. युग-बाहन में जाना. going in, moving in a carriage or conveyance. 310 %, 3; जुग्गत्रारिया. स्री॰ ( युग्याचर्या ) लुओ।

जुगाय. त्रि॰ ( युग्यक ) लुओ 'जुगा' शण्ट. देखो 'जुगा' शब्द. Vide 'जुगा' ठा० ४, ३;

जुज्ज त्रि॰ (योज्य ) ये। जना घटना करवा ये। ज्यः योजना-घटना करने योग्यः. Worthy of being united or joined together उत्त॰ २७, ८;

 $\sqrt{$  जुड़क्क. धा॰ I. ( युध् ) युद्ध करवुं; बढ़ा छ- क्ष्यी. युद्ध करना; लढाईकरना To fight; to battle; to wage war.

जुञ्मामि. नाया० १६; जुञ्मामी. नाया० १६;

जुंडमताहि. श्राया० १, ४, ३, १४३; उत्त० ६, ३४;

जुङमहे. नाया० १६;

जुडकंत. स्य० १, ३, १, १; सु० च० ७, ७८;

जुजिमता. ठा० ३, २:

पुरुष्म न० (युद्ध ) युद्ध. लढाई. युद्ध; लडाई. Battle; war. उत्त० १, ३४; श्राया० १, ४, ३, १५३; नाया० ६; —िकित्तिपुरिस. पु० (-कीर्तिपुरुष-युद्धजीनता या कीर्ति: तत्प्रधान: पुरुषो युद्धकीर्तिपुरुष. ) युद्धिथी शीर्ति वंत थयेल पुरुष. युद्ध से कीर्तिशाप्त मनुष्य. one who has acquired renown in a battle. सम० — उभाण. न० (-ध्यान) लढाई का ध्यान; ध्यानना एक प्रकार. concentration or meditation upon battle; a variety of meditation श्राड०

Val 11/108

—सज्ज. पुं० ( -सज्ज ) युद्धमां तैयार,
युद्धमां तत्पर युद्धमें तत्पर. one who
is prepared for battle, one who
is ready to fight. नाया० =, १६;
निर० १, १; —सङ्ह. ति० (-श्रद्ध-समामस्तत्र संजाताश्रद्धा यस्य सः ) युद्धमां श्रद्धापान; युद्धने थाढनार. युद्ध में श्रद्धावान;
युद्ध को चाइनेवाला. militarist, warlike. पएह० १, ३, —सूर. पु० (-शूर)
युद्धमां श्रद्ध युद्ध में शूर (one) who is
brave in battle; a warrior.
" जुङ्म सूरे वासुदेवे " ठा० ४, ३;

जुज्भाइजुज्भ न॰ (युद्धातियुद्ध) ६८६ युद्धः ७२ ४८। मांनी ओड ४८। द्वंद्व युद्धः ७२ कलाओं में से एक कला. A single combat; a duel, one of the 72 arts. जं॰ प॰ ग्रोव॰ सम॰

जुरुस्। त्रि॰ ( जीर्षं) છહ્યુं; लुनु; वृद्ध जीर्स्।. पुरातन; मृद्ध. Old, worn out. antiquated नाया॰ १, ११; भग० १६, ४, १६, ३; श्रगुजो॰ १२७; श्रगुत्त॰ १; श्रोघ० नि । १३६; राय० २५८; --- उ-ज्ञारा न॰ ( -उद्यान ) लुन्ने। " निरागु-जारा '' शश्र देखो '' जिरगाउजारा '' शब्द. vide " जियगुज्जामा " नाया॰ १; —कुमारी. स्रो॰ ( -कुमारी ) लुओ। " जिएणकुमारी " शण्ह देखी " जिएण-कुमारी " vide " जिएएकुमारी "नाया॰ १; नाया॰ घ॰ --गुल पुं॰ ( -गुड ) लुने। भेास. पुराना गुड़ old treacle भग॰ =, e;--तंडुल. न॰ (-तराडुल) जुना थाभा. पुराने चावल. old rice. भग , ६; —सुरा झी॰ (-सुरा) लुने। हा३. पुराना दारू-मदिरा-मदा. old wine. भग॰ =,६; जुिंग्य हि॰ ( जींग्ति) छर्ध्, जींग्. Old.

worn out नाया॰ १;

ज़ाति स्त्री॰ (बुति ) अन्ति कान्ति. Light; lustre. नाया॰ १; भग॰ ३, ६; श्रोव॰ २२; स्॰ प॰ १६; सम॰ १०;

जुत्त त्रि॰ (युक्त) युक्त; सिंहत. सिंहत; युक्त; संयुक्त. Accompanied with. (२) लोडेस जुडा हुआ. joined; united. जं॰ प॰ ७, १६१; ३, ६४; २, २०; नाया॰ १; ३; ४; ८, ६; १४; १६; भग० ७, ८; ६, ३३; दस० ३, १०; ८, ४३; ६४; ६,२, १४; ६, ४, २, ३; पिं० नि० १६४; नंदी० ६; उत्त॰ १, ६; ६, २२; राय० २२९; दसा० ४, १२; १०, १; पंचा० ६, ४२; ३, ३४; क॰ गं० १, ३७; ४४; क॰ गं॰ ४, प्रव॰ ८१२; गच्छा॰ १२८; कप्प॰ ३, ३६; श्रोव॰ १०; २६; श्रग्रुजो॰ १३२; ठा० ४, ३; उवा० २, १०१; ७, २०६; (३) थे। २५. योग्य. proper; fit, worthy. विशे ०९: १३३; सु० च० १, १४४; २, ४४१; निर० १, १; नाया० =; (३) असं प्यात अने अनंतने। ओ अअ। असंख्यात व अनंत का एक प्रकार a variety of the innumerable and infinite. श्राजी॰ १४६; — श्रसंखेज द्य. पुं॰ (-ध्रसंख्येयक) असं भ्यानने। ओ अप्रश्नर, श्रसंख्यात का एक प्रकार. a kind of innumerable श्रगुजो॰ १४६; क॰ गं॰ — श्रहिगरण. म॰ ( -श्रधिकरण्) अधि-કરણ-હિંસાના ઉપકરણ અધિક અધિક યાજવા તે, આઠમાં ત્રતના પાચમા અતિયાર. श्रायिकरण-हिंसा के उपकरण श्रधिक श्रधिक योजना; श्राठवें वत का पाचवा श्रातिचार. using more and more the means of injury; the fifth Atichara of the eighth vow. प्रव॰२=३;--जोग. त्रि॰ ( -योग ) शरीर विगेरेनी ये। अ येष्टा पाक्षा शरीर इस्यादि की योग्य चेष्टा वाला

(one) possessing proper activity of the body etc. पंता॰ १२, २१: -परिराय. त्रि॰ (-परिखत) सारी સામગ્રીથી યુક્ત-પાલખી આદિ. શુમ सामग्री से युक्त -पालका श्रादि. possessed of, furnished with good materials ( e g. a palanquin etc ). य॰ ४, ३; —पालिय. त्रि॰ (-पालिक --- युक्ता परस्परसंबद्धा न तु वृहद्दन्तराला-पानिः सेतुर्यस्य स युक्तवानिकः ) पासे पासे-स८४- पूझवाञ्चं. पासपास-लगोलग-सदक-पूल वाला. having bridges situated near one another. राय॰ —फुसिय. न० ( -स्पर्श ) अथित भिन्छ्-પાણીના જાંટાનું પડવું. डिचत बिन्दु—जल के चूंद का गिरना. a shower of proper (desirable) drops of water. " जुतकुसिय निहयरयरेगुय " सम० ३४: —ह्मवः त्रि॰ ( -ह्म ) प्रशस्त स्वसाय वादी। प्रशस्त स्वभाव वाला. possessed of praiseworthy temperament. ठा॰ ४, ३; —सोह. त्रि॰ (-शोभ—युक्तं शोभते युक्तस्य वा शोभा यस्य तद्यक्तशो-भम् ) ये १२ शालावार्डं. योग्य शोभायुक्त. possessed of just or proper beauty. 310 8,3;

जुत्तः न॰ (योक्ष) श्रीतरः जोत का रस्माः a rope with which an animal is tied to the pole of a carriage. उत्तः १६, ४६;

जुत्तिः स्री॰ (युक्ति) युक्तिः; क्ष्माः रीतिः युक्तिः; कता, रीतिः Skill; art; mode; pro cess. विशे॰ १४४; श्रोघ॰ नि॰ ४४६; नाया॰ १०; श्रगुजो॰१२८; (२) भेश्रवाधीः मिश्रण joining together; mixture; union. जीवा॰ ३, ३; पंचा॰४,९;

( 3 ) એ नाभना એક કુમાર इस नामका एक कुमार. name of a Kumāra ( a boy). निर॰ ४, १; (४) ओ नाभनु विन्द्धिशासूत्रन् योक अध्ययन. इस नामका वर्निह्दशा सूत्र का एक अध्ययन. name of a chapter of Vanhidaśā Sutra निर. ४, १; -क्सम. त्रि॰(-चम) युक्तिनु सहन करवुं ते. यक्ति का सहन करना. remaining unrefuted by logical reasoning " नागमज़्ति क्लम होइ " विशे॰ ३६५; — खम त्रि॰ ( - चम ) युदित सहित; युदितवालुं, युक्ति सहित; युक्ति वाला. logical; possessing reason. पंचा॰ १२, १६, — गण (-ज्ञ-युर्वित जानातीति) युक्तिने ग्नश्नार, **४अ।अ.अ. युक्ति को जानने वाला;** कलाबाज (one) well-versed or skilful in any art. " गंधारे गीयजुतिराणा " ठा॰ ७; —वाहियः त्रि॰ ( -वाधित ) युक्तिशी णाधित-भाष्ठित धयेक ब्राह्म से बाबितrefuted by logical वाराडत. argument. " जम्हाण जुत्तिबाहिय-विसन्नो विसदागमी होइ " पचा० १८, ४४; —सुवग्ण. पुं॰ (-सुवर्ण) भनावटी सेानु कृत्रिम सुवर्षा, बनावटी सुना autificial gold. पचा० १४, ३६,

ज़ितिसेण. पुं॰ ( युक्तिसेन ) लभ्भुद्गीपमाना कैरवतक्षेत्रमा यास अवसिर्पिशीमा थयेस आहमा तीर्थं हर. जंबूद्वीप मे ऐरवत ज्ञेत्र के वर्तमान श्रवसिर्पि में उत्पन्न आठवें तोर्थं कर. The eight's Tirthankara of the current Avasarpini in the Airavata region of the Jambū Dvīpa. सम॰ प॰ २४०; (२) अरवत क्षेत्रना वर्तमान १२ वें तीर्थं कर. the ऐरवत ज्ञेत्र के वर्तमान १२ वें तीर्थं कर. the

present 11th Tirthankara of the Airavata Keetra अव २६६: जुद्धः पुं॰ ( युद्ध ) युद्धः, लडाध, लडवानी इला. युद्ध; विश्रह; लढने की कला. Battle; engagement, art of fighting a battle, श्रोव॰ ३०: ४०; नाया० १; २; १६; जीवा० ३, ३; श्रोघ० नि० २२५, दम० ४, १, १२; — ऋइजुद्ध न० ( - शतियुद्ध) १३० युद्धः, युद्धभा युद्धः दारुण युद्धः, युद्धः मं युद्ध. terrible battle; thick of the figlit नाया॰ १; श्रोव॰ ४७; — श्ररिह ન ૰ ( – જ્રાર્ફ ) કર્મ'ની સાથે યુદ્ધ કરવામાં ઉપયેત્પી; ભાવ યુદ્ધમાં કામ લાગે તેવું. कर्मों के साथ युद्ध करने में उपयोगी; भाव युद्ध में उपयोगी हो ऐसा. useful in fighting against Karma, useful in moral war e.g against passions श्राया॰ १, ४,३, १४४, — किस्ति-पुरिस पुं॰ ( -कीतिंगुरुप ) जुओ। "जुःभः-कित्तिपुरिस " शण्ट. देखो " जुडमकित्ति-पुरित " शब्द. vide " जुङ्मिकितिपुरिस " सम - माित स्त्री ( - निति ) वज्यानी नीति-व्यवस्था युद्धनीति-व्यवस्था. military tactics or strategy जं॰ प॰ —नीई स्त्री॰ (-नीति) युद्ध **धरवा**नी नीति. युद्ध करने की नीति the tactics of fighting. प्रव॰ १२४०; —सज त्रि॰ ( -सज ) लुओ " जुज्मसज " शफ्ट. देखो " जुज्मपज " शब्द vide " जुम्म सज्ज "राग॰ —सइंढ. त्रि॰ ( -श्रद ) **जुओ। " जुङ्कममङ्क" स**ण्द देखो " जुङ्क सङ्ग " शब्द. vide " जुज्मसङ्ग " पगह०१, ३; —सूर. पुं॰ ( -शूर ) लऽवैया; भुभट मैनिक, लडवेया, सुभट. a warrior, a combatant তা০ ४, ३; जुझ त्रि॰ ( जीर्स ) जुन्ने। " जुम्स " शण्ट.

देखो "जुरास " शब्द. Vide " जुरास " श्रोध विकास निव् ३७७; सुव् चव् ७, २७६; स्रायाव १, ४, ३, १३४;

जुन्हा. स्रो॰ (ज्योत्स्ना ) थांद्दनी रात चांदनी रात Moonlight. सु० च० ७, १४४;

जुम्म. न० ( युग्म ) लुगक्ष; लोडी; भेनुं लोडुं.
युगल. जोडा. A. pair; a couple.
"कई एं भेते जुम्मा पर्एणता ? गोयमा।
चत्तारि जुम्मा पर्एणता "ठा० ४, ३, भग०
१८, ४; २५, ४, ३१, ७, ४१, ३; पि० नि०
२, —पप्सिय. ति० ( -प्रादेशिक ) सम
संख्या भेडी प्रदेशथी ઉत्पन्न थ्येक्ष. सम
संख्या से उत्पन्न. produced from,
resulting from an even number.
भग० २५, ३;

जुय. पुं॰ ( युग ) थुग; पांथ संवत्सर प्रभाषे हाल विलाग. युग, पाच संवत्सर के प्रमाण काल विभाग. A Yuga; a period of time measuring five Samvatsuras. भग० ४, ९. (२) भे ( स ५-५। वाथक्ष ) दो; (संख्यावाचक). an expression for the number 2. मु॰ च० १, २७२;

जुय पुं॰ (यूप) यग्नस्थम्भ यग्नस्तंम A sacrificial post पिं॰ नि॰ ६६;

जुयग पुं॰ (युक्तक) स्वर्ण समुद्रभांना थार म्हें। यातासक्षशाभाना ओक लवण ममुद्र में के चार वडे पातासक्तरामें का एक. One of the four nether world pots of the Lavana ocean. प्रव०१४८६; जुयल न॰ (युगल) लेडी; लेडुं. जोडा; युगल. A pair, a couple. नाया० १; ८; जीवा० ३, १; ३; सु० च० १२, ६, राय० १२२; उवा० २, १०७; —धिमय. पुं॰ (-धार्मिक) लुओ। "जुगलधाम्मय" शब्द. रांते

" जुगलधार्मिय " तंदु०

जुद्य. पुं॰ ( युद्यन् ) युदानः जुदान. युद्यकः; जवान. A young man; a youth. दस॰ ७, २४; विशे॰ १६१४; श्राया॰ २, ४, २; १३८; भग॰ १६, ३;

जुवइ. स्रो॰ ( युवति ) युवती; युवान स्त्री.
युवति, युवा ( स्र्रो ) A youthful woman भग० १, १; ३, ४; ४, ६; नाया॰
८, विशे॰ २३०; ८४७२; श्रोव॰ सु॰ च॰४,
१६८;—जण. पुं॰ (-जन) युवती; स्त्री॰४न.
युवती; स्त्री-जन. a youthful woman;
a woman. पन्न॰ १;

जुदगः पुं॰ ( युदक ) शुक्ष पक्षनी भील अने त्रीलनी अन्द्रमा. शुक्त पत्त की दितीया व तृतीया का चंद्र The moon of the 2nd and 3rd days of the bright half of a month जीवा॰ ३, ३;

जुवति. स्नी॰ ( युवति ) युवति; क्क्यान स्त्री॰ युवतो; युवा स्त्रीः A youthful lady. स्य॰ १, ४, १; १४; भग॰ ३, १;

जुबरज्ज. न० ( यौबराज्य ) युवराज तरीके व्यक्तिपिक्षत थयेक्षानु राज्य युवराज के समान श्रानिपिक्षत जो है उसका राज्य. Kingdom of one who is crowned while he is still an heir-apparent. श्राया॰ २, ३, १, ११६;

जुबराय पुं॰ (युवराज) पत मान रालपछी
राजने। ६८ हार पारसहार, सिविष्यने। राला;
पाटनी कुमार वर्तमान राजा के पश्चात् राज्य
का हकदार-वारस; भिवष्य का राजा;
पाटवी कुमार. A crown-prince; धा
heir-apparent उत्त १६, २: पन्न॰
१६; विवा॰ ६; जं॰ प॰ नाया॰ १२; पिं॰
नि॰ ५११;

जुवरायत्ता स्त्री॰ ( युवराजता ) युवराल-पर्धुं. युवराजपना, युवराज पद. Status of a clown-prince; state of being an heir-apparent. मग० १२,७; जुयल. न० ( युगल ) जोडी युगल; जोडा. A couple; a pair. भग० १, ५; ११,

जुवलग. पुं॰ ( युगतक ) लुओ ઉपसे शण्ट. देखें। ऊपर का शब्द. Vide above. निर॰ ३, ४;

जुवलय. न॰ (यगलक ) ळुએ। 'जुवल' शम्हः देखो ''जुवल '' शब्द Vide ''जुवल '' सु॰ च॰ १, ४७; पन्न॰ २;

जुविलय. त्रि॰ (युगलित) कीडी रूपे रहेंब. युगल रूप से रहा हुआ. Forming a pair; joined together into a couple. श्रोव॰ भग॰ १, १;

जुवारा. पुं॰ ( युवन् ) लुवान-युवावस्थाने प्राप्त थयेश. युवकः युवावस्था का प्राप्त Youthful, attaining puberty. नाया॰१; ३, भग॰ ३, १; ४, ५, ६; श्रोघ॰ नि॰ ७२१; श्रगुजो॰ १३०; ठा० ४,२; प्रव॰ ४२०;

जुवाराम. त्रि॰ ( युवक ) જવાન: युवक युवक. Young; youthful. स्य॰ १, ७, १०; जुवाराय. त्रि॰ ( युवक ) जुओ। ઉपदे। शण्ह देखों ऊपर का शब्द. Vide above. भग॰ ६, ३३: उवा॰ ७, २०६;

जुब्बर्गा. न० ( योवन ) युवावस्था. युवावस्था.
Youth; puberty. नाया० ६, मु० न० १, ३१८; जं० प० ५, १२३, —श्रस्णुपत्त. वि० ( -श्रतुप्राप्त ) युवावस्थाने प्राप्त थेथेश. युवावस्था को प्राप्त. attaining puberty; youthful. दसा० १०, ३, —तथी स्रो० ( -स्रो ) युवान स्त्री युवती. a youthful lady. " सकडक्खं सवि-यारं तरलाहिंक जुव्वगात्थीए" तंदु०

जुब्बर्णमः न॰ (योवनक) सुवायस्थापांषुः

જ્વાનપણું. युवावस्था. Youth; youngage. कप॰ ३, ४३;

जुन्वरात्तः न० (योवनस्व) युवापस्थापणुं. युवावस्या की स्थितिः Condition of youth or puberty. सु० च० १३,४१; जुसियः त्रि० (जुष्ट) प्रसन्तः प्रीतः संतुष्टः खुशः

Pleased; propitiated. " पाएण देइ लोगो उपगारिस परिचिए व लुझिए वा" सन् ४, ४,

जुहिद्दिल. पुं॰ (युधिष्ठिर) हस्तिनापुर नगरना पांडुरान्नना भ्हें। ट्रा पुत्र-धर्भ रान्न हस्तिना-पुर के पाण्डुराजाके ज्येष्ठ पुत्र-धर्मराज, Dharmarāja i.e. the eldest son of the king Paṇḍu of Hastināpura " जुहिद्दिल पामोक्खाणं पंचएहं पदवाणं" श्रंत॰ १, १, नाया॰ १६;

ज्ञा-या स्री० (यूका) लु; भाधाभां थते।

गेंड करतु. जू; सिर में पैदा होनेवाला एक
जन्तु. A louse जं० प० २, १६; नंदी०
१४; श्राया० २, १३, १७२; पच० १, भग०
६, ५; १४, १; प्रव० ४४२; १४४५, (२)
थे। सह वालाग्र अथवा काहि लिए प्रभाख गेंड सर्थ. ६४ वालाग्र अथवा कि लिख प्रमाण का एक नाप. क measure of length equal to 64 hair-points or 8 nits श्रणुजो० १३४; — सेज्जायर.
पुं० (-शस्यातर) क्ते स्थान आपनार ज्ंको स्थान देनेवाला। one who gives क place of resort to a louse or lice. भग० १५, १;

जूय पुं॰ (यूप) यत स्त ल. यज्ञ स्तंभ. A. sacrificial post निर॰ ३, ४; (२) यो नाभनुं पुरुपना द्वाय व्यथना पगनुं लक्ष्णु. इस नाम का पुरुष के हाथ वा पैर का चिन्ह. a characteristic mark of a leg or hand of a male human

being. जं॰ प॰ (३) ये नामने। पश्चिम दिशाने। पातास असरी। इस नाम का पश्चिम दिशा का पाताल कलश. a pot of this name of the nether world of the western direction प्रग॰ १४=६; (४) धेंसरी जुड़ी. that part of the yoke which rests on the shoulder; a yoke पएह॰ १. १; —िचिइ स्री॰ (-चिति) यहानी अन्दर सामग्री येशी अशी अशी ते. यहा में सामग्री एकतित करना collecting together materials required in a sacrifice स्रोव॰

ज्यः न॰ ( द्यूत ) लुगडुं. जुआ. Gambling; playing at dice. प्रवः ४३=; (२) ७२ ४ क्षाभानी ओ ४ ४ क्षा ७२ क नाओं में से एक कला one of the 72 ants नाया० १; श्रोव० ४०; काय० ५, ६६; ---कर पु॰ (-कर) जुगारी जुमारी. a gambler. पग्ह॰ १, १, ३. — कार. पुं॰ ( -कार ) जुगार रमनार. जुया खेलने वाला a gambler नाया॰ १८, —ख लयः न॰ ( -खलक ) जार भेलवानं घर. जुआ खेलने का गृह, जुआख ना. a gambling house. नाया॰ २, १८, —िचंद्र. स्त्री॰ (-चिति) लुगार भेत्रवे। ते जुन्ना चेतना. gambling, playing at dice श्रोव॰ --पमाय. पुं॰ (-प्रमाद) जुगटा रूप प्रभा६. जुब्राह्मी प्रमाद neg ligence, error in the form of gambling. ठा॰ ६, १; -पसंगि त्रि॰ (-प्रमंगिन्) ज्यारमां आसन्त. जुन्ना मे श्रामक addicted to gambling or playing at dice. नाया॰ २; - प्पसंगि । त्रि॰ ( -प्रसिन् ) लुओ। अपने। शण्ट. देखो ऊपर का शब्द vide above. नाया॰ १८;

ज्यन्त्र. न॰ ( यूपक ) शुक्ष पक्षना प्रथम त्रश्च हिनसनी स ध्या; यंद्र अने संध्यानी प्रभा भिश्चित थाय ते. शुक्ल पक्षके प्रथम इ दिन की सन्ध्या; चन्द्र व सन्ध्या की प्रभा का मिश्चित होना Blending of the twilight with the lustre of the rising moon during the first three days of the bright half of a month.

ज्यग. पुं॰ ( यूपक ) शुक्ष पक्षना प्रथम त्रश् દિવસની ચન્દ્રની કલા અને સન્ધ્યાના પ્રકાશ भिश्र थाय ते शक्त पत्त के प्रथम ३ दिन की चन्द्रकी कला व संध्या के प्रकाश का मिश्रित होना. Blending of the light of the setting sun with that of the rising moon on the first three days of the bright half of a month. भग॰ ७, ३, श्रांव॰ (૨) પશ્ચિમ દિશાના એ નામના પાતાલ **५**५२ी। पश्चिम दिसा का इस नाम का पाताल कलश a pot of this name the nether world the western direction. सम॰ ४२; ज्यामायः न॰ ( यूहामात्र ) मृतं भात्रः लुं क्रेवर्ं में मात्र, जू के प्रमाण का. Morely a louse; of the size of a louse ' जूपामायमवि लिक्लामायमवि श्राभिनिवहेता '' भग० ६, १०;

√ जूर. धा॰ I. ( जूर् ) छुरुए। इरेरी, पस्तावे। इरेवे। पश्चाताप करना. To pine away; to repent, to waste away; जूरा-र-इ. सूय॰ २, १, ३१; श्राया॰ १, २,

४, ५.२;

ज्रंति मृय० २, २, ५५;

जूरामि. स्य० २, १, ३१; जूरह. सूय० १, ३, ४, ७;

जूरणत्ता. स्री॰ (जूरणता) लूरणा ४२१ी; अर्थु. भूरना. Pining away; wasting away. स्य॰ २, ४, ९;

जूरावरण. न॰ (जूरण) शरीरनी છર્ણા थाय ते. शरीर का जीर्ण होना. Wearing or wasting away of the body. भग॰ ३, ३,

ज़ूरित्रा. त्रि॰ (जीर्यं) છર્ણ थयेस जीर्या. Worn out; decayed;grown old श्रगुजो॰ १४६;

जूब. पुं॰ ( यूप ) यत स्तं स यज्ञ स्तं म. A sacrificial post to which the victim is fastened. निर॰ ३, ३; उत्त॰ १२, ३६; मग॰ ३, ७; ११, १९; जं॰ प॰ (२) पश्चिम दिशाना पाताल कलश. a pot of the nether world in the western direction. जीवा॰ ३, ४; प्रव॰ १४६६; —िचइ. स्री॰ (-चिति) लुओ। "जूयचिइ" शण्द. देखो "जूयचिइ" शण्द. रोषे० " जूयचिइ" श्रोव॰

जूवन पुं॰ (यूपक) न्तुओ " जूयन " शम्ह. देखो " जूयन " शब्द Vide. " जूयन " ज्यन "

ज्वय. पुं॰ ( यूपक ) शुक्ष पक्षना प्रथम त्रण् दिवसमां संभानी प्रका अने यंद्रनी प्रका ओक थे अल्य ते. शुक्लपच के प्रथम ६ दिन में सम्ध्या की प्रभा न चन्द्र की प्रभा का एकत्र होना Blending together of the light of the setting sun and the rising moon on the first three days of the bright half of a month. श्रणुजो॰ १२७; ठा॰ ४, २, जूस. पुं॰ (यूप) કહી; श्रीसामधुः कढी. Soup; broth. श्रोघ॰ नि॰ १४७; प्रव॰ १४२४;

जूसगा. स्त्री॰ (ध्वंसना) विनाश. विनाश. Destruction. कष्प॰ ६, ४१;

जूसगा. स्त्री॰ (जोसगा) सेवा; सेवन. सेवन. Service; worship. ठा॰ ४, ३; श्रोव॰ ३४;

जूसिय. त्रि॰ ( जुष्ट ) सेवन करेब. सेवन किया हुआ. Served; worshipped; resorted to. नाया॰ १; ठा० ४, ३;

ज्ह. पुं॰ ( यूथ ) लूथ; टे(હું; सभूढ़; જ²थे।.
समृह; सुंड. A crowd; a band; a
herd. नाया॰ १; ४; पि॰ नि॰ ४१६;
उत्त॰ ११, १६; पएह॰ १, १; सु॰ च॰ ६,
२२, निवा॰ ४; — ग्राहिवइ पुं॰ ( - ग्रिप्पित ) टे(बाने। स्त्राभी सुंड-समृहका स्वामी.
the head of a group or a band.
उत्त॰ ११, १६; — वइ. पुं॰ ( -पत्ति )
टे(बाने। भालिक-ध्णुी समृह का स्वामी. a
owner of, a lord of crowds; the
leader of a group. नाया॰ १, सु॰

जुहिश्र-य. न॰ ( य्थिक ) ळाधना ५५. जुई का फूल. A jasmine flower.

जूहिया. श्री॰ (यूथिका ) लूश जूई. A kind of jasmine राय॰ ४६; पन्न॰ १; जीवा॰ ३, ४; —पुड. न॰ ( -पुट ) लूशेनी पेडी. जूई का पुडा. a packet of jasmine flowers. नाया॰ १७; — मंडप पुं॰ (-मरडप) लूशेनी मांडवी. जूई का मरडप. a bowbr of jasmine. राय॰ १३७, — मंडवग. पुं॰ (-मरडपक) लूशेनी मांडवी. जूई का

मराडप. a bower of jasmine. जीवा॰ ३; जं॰ प॰

जूही स्ना॰ ( युधिका ) लुधने। वेदे। जूई की वेज A jasmine creeper. ( २ ) लुधनु पुद्ध. जूई का फूल. a jasmine flower. कटप० ३, ३७;

जो. घा॰ (जे) पाहपूरण तथा वाड्यालं डारभां वपरातुं व्यव्यय पादपूरण व वाक्यालंकार मे उपयोगी घ्रव्यय. An indeclinable used expletively. नाया॰ ६;

जेह. त्रि॰ ( ज्येष्ठ ) कथेष्ठ; म्हे।टुं; प्रथम ઉत्पन्न थ्येस. ज्येष्ठ-वडील; प्रथम जो उत्पन्न हुआ हो वह, Senior; eldest; firstborn. भग० १, १; २, १; ५; ३, १; ५, १; ७, १०, १६, ४; १८, २; नाया० १; ५; ६; सु॰ च॰ २, ६६६; जं० प० सू॰ प० १; राय० २०६; स्रोव० ३८; विशे० ६४३; उवा० १, ६६; ६, १७८; ७, २३०: १०, २७४; क० प० १, ३७; ४, ६०; प्रव० २२६; क० प० ५, १०३; पंचा० १७, ६; —पुत्त पुं॰ (-पुत्र) भ्ढे।टे। पुत्र. जेष्ठ पुत्र the eldest son नाया ५, =; १२; १४; १८; —भातु पुं॰ ( -श्रातृ ) २६।८। ભાઇ जेष्ठ भ्राता: वडील वंधु the eldest or senior brother नाया॰ — लाद्धि. त्रि॰ ( –लाब्धि ) ઉત્કૃષ્ટ લબ્ધિ-पाक्षेत. एत्कृष्ट लिब्ध युक्त. ( one ) possessing good powers कः पः ७, २३: —सुरहा. स्री॰ ( -स्नुपा ) भे।श विश्व उंग्रेष्ठ वधु wife of the eldest son; senior daughter-in-law. नाया॰ ७:

जेहग. ति॰ (ज्येष्ठक) २६१८. ज्येष्ट-वडील. Elder or eldest. पंचा॰ ५, ७, जेहा. स्री॰ (ज्येष्टा) २६१८१ ७६२ ज्येष्ट भगिनी. Elder or eldest sister. नाया॰ =: (२) केंधणी जेठानी. wife of husband's elder brother. सम• १; (३) कथेंधा नामनुं नक्षत्र. ज्येष्ठा नाम का नक्षत्र. name of a constellation. आगुजो॰ १३१; सम॰ ३; ठा॰ २,३;

जेहामूल. पुं॰ ( ज्येष्टामूल ) क्रेक्शिस; क्रेंक्ट मिल. पित month of Jyestha "गिम्हकाल समयिम जेहा- मूलिम मासिम "श्रोव॰ ३६; श्रोघ॰ नि॰ २६६; भग॰ १६, १०; नाया१; —मास्ति पुं॰ (-मास ) क्रेक्शिस. ज्येष्ट मास the month of Jyestha. नाया॰ १३; जेहामूली. श्री॰ ( ज्येष्टामूली ) क्रेक्ट मिल पिती पुनभ ज्येष्ट मास की पूर्णिमा. The full -moon day of the month of Jyestha. जं॰ प॰ ७, १६१;

जेगामेव. श्र॰ ( ⊹येनैव-यत्र ) ज्यांश्री जिम स्थान पर. Place where. उवा॰ १, १०; नाया॰ १; १४; भग॰ ४, ७, जं॰ प॰ ३, ४३;

जेगेव श्र० ( यत्रैव ) जयां; जे लागभां. जहां -जिस स्थान में Where; place where, श्रोव० ११; श्रंत० १, १; नाया० १; ४; ५; ६; ६; १२; १४; १६; भग० १, १; ६;२, १; १. ३, १, ५, ४; ७, ६; उवा० १, १०; ५६; २, ६१; जं० प० १, ११२; ११४;

√ जेम. धा॰ II. (जिम्) જમવું; लेल्पन धरवुं. भोजन करना, जीमना. To dine; to take food.

जेमेइ. उत्त० १७, १६;

जेमिय. भग० ३, १;

जेमण. न॰ ( जेमन ) भिष्ठ भीजन मिष्ट भोजन. Sweet food; dinner consisting of sweet or delicious food श्रोध॰नि॰ ==; उना॰ १, ४०; १०, २७७; प्रव० ४४२;

जेमण्ग. न॰ ( जिमन ) শासक भातांशीणे ते प्रसंगे सरकार करवामां व्यावे ते. बालक का श्रज प्राशन संस्कार. Rites or ceremony performed at the time when a child first learns to take food. राय॰ २८८;

जेमावर्णा न॰ (जेमन) भीलन करावर्तुं ते. भोजन कराना Giving food, dinner. भग॰ ११, ११;

जिमिणि पुं॰ (जिमिनि) भीभांसा दश्निना स्थापक मुनि Name of a saint who was the founder of the Mīmānsā school of philosophy. नंदी॰

जेयार त्रि॰ (जेतृ) छतनार; लंभ इरनार जीतने वाला-विजयी. (One) who conquers; a victor. "जेया-तिवा" भग० २०, २; नाया० १; स्य०१, ३, १,९; जेहिल पुं० (जेहिल) स्थे नाभना विश्व शित्रमा छत्पन्न श्येल-स्थार्थनास्ता शिष्य थिवर मुनि. इस नाम के विशिष्ठ गोत्रोत्पन्न आर्यनाम के शिष्य थिवर मुनि. Name of a Sthavira ascetic born in the Vasistha family-origin and disciple of Aryanaga कप्प० ६,

जोन्न पु॰ (योग) संयम ०थापार; क्षिया.
संयम व्यापार; किया. ascetic practice
viz. contemplation upon the
soul; activity of the mind,
speech or body. उत्त॰२७, २; विशे॰
३५६;प्रव॰=४७;दसा॰९,२६; (२) अंद्रमानी
थे।ग चंद्र का योग. conjunction of
the moon with a constellation
etc श्रोव॰ ३१; सू॰ प॰ १२; (३) थे।ग
-भन पथन क्षायानी ०थापार योग-मन
Vol. 11/109

वचन काया का ज्यापार. the activity of the mind, speech and body. नाया॰ ४; भग॰ १८, ८; प्रव॰ ७४८; जोञ्चर्या. न॰ (योजन) लोलंन; यार गाउँ अथवा यार इल्लर गाउँ प्रभाष् अके क्षेत्रनुं भाष. जोजन; चार कोश प्रमाण प्रथवा ४००० कोस प्रमाण चेश्र का माप विशेष. A. Yojana (equal to 8 miles or (the larger one) equal to 800 miles). नंदी॰ १०; जं॰ प॰ ४, ११२; ६, १२५;

जोइ. पुं॰ (ज्योतिष्) अन्ति; अक्षश, तेण; क्ये।ति श्रमि, प्रकाश, तेज, ज्योति Fire; light; lustre. दस॰ २, ६; =, ६२; भग० ३, १; सूय० १, १६, ६; श्रोघ• नि० ६४२; राय० २४, ६; नंदी० १०; दसा०१०, ३; ठा० ४, ३; भग० =, ६; (२) ज्ञान यक्षुपाधीः ज्ञानचतुयुक्त. possessed of the vision of knowledge. 51. ૪, રૂ; ( રૂ ) ગ્રહ, નક્ષત્ર, તારા આદિ. मह, नचत्र, तारे श्रादि. a heavenly body such as a planet, star etc. सम०३; क०ग०३, ११; (४) જ્યાતિષ क्षस्थन विभान विशेष. ज्योतिष लक्त्रण का विमान विशेष. name of a particular lustrons heavenly abode. (4) ज्ये।तिप सण धी ज्ञानवावं शास्त्र, ज्योतिष विषयका ज्ञान देनेवाला शाख्न. the science of the astronomy or astrology. निसी०३,३;(६) न•दीवानी ज्येत. दीपक की ज्योति. lamp night प्रव॰ २००; (७) सत्कार्य करने से उज्वल स्वभाव वाला. possessed of cheerfulness of spirit or nature imparted by performance of good deeds. 310

૪, રૂ, ( = ) જેમાંથી અગ્તિ ઉત્પન્ન થાય तेथी जातनां अक्षपृक्ष. उस जाति के कल्पवृत्त जिनमें से श्राप्ति उत्पन्न हो. a variety of Kalpavriksa (desire-yielding tree ) emitting or supplying with fire. प्रव. १०८१; सम. १०; --श्रंग पुं॰ ( -श्रंग ) क्रेभां क्रये।ति-प्र-કાશ જણાય તેવા-કલ્પ વૃક્ષની એક જાત. जिस मे ज्योति-प्रकाश द्रष्टिगोचर हो ऐसे कल्पमृत्त की एक जाति. a variety of Kalpavriksa (desire-yielding tree) emitting light. তাও ৭০; तंदु॰ —हारा. न॰ ( -स्थान ) अशिनु २थान; अभिनु हैं। छं श्रिप्ति का स्थान place or abode of fire. " केते जोई के य ते जोइट्राग्'' उत्त०१२, ४३; --बल. त्रि॰ ( -बल --ज्योतिर्ज्ञांन वलं यस्य स त्तथा ) सदायार वाक्षीः ज्ञान वाक्षीः सदा-चारी,ज्ञानी possessed of the power of knowledge or right-conduct. ठा॰ ४, ३; —भंड, न॰ ( —भागड ) अभिन क्षेत्र आमि का पात्र. a vessel containing fire; a receptacle of fire. " जोइभंडोव रागे। विव मुहराग विरागाश्री "तंदु०

जोइ पु॰ (योगिन्) थे। भन्ते। अनुयापी; थे। दर्शनिक भाननार. योग मत का श्रनु-याथी-योग दर्शन को ही मानने वाला. a follower of the tenets of the Yoga school of philosophy श्रोन॰ ३८;

क्षजोइक्ख. पुं॰ (ज्योतिष्क ) दीवानी जयेत दीपक की ज्योत. The light of a lamp. प्रव॰ २००;

जोइभूय. त्रि॰ ( ज्योतिभूत ) ज्योतिभ्य थ्येस ज्योतिभय जो है वह. ( That which has) become fall of light and illumination. " कतं समजोइस्यं" विवा॰ १, ४; स्य॰ १, १,२, १६;

जोइय त्रि॰ (योगिक) यै। शिश्व शिश्वः लेना
प्रभृति प्रत्ययंनी अर्था शिश्वः स्टेतः योः
गिक शब्द जिस के प्रकृति प्रत्ययं का श्रर्थ
शब्द में योग्य सूचित हो वह. A word
bearing out its etymological
sense. पराह० २, २; (२) ये। ग्वाला.
योग वाला. possessed of Yoga.
भग० ६, ३३;

जोइयः त्रि॰ (योजित ) ये। केशः लेडेसः योजना किया हुआः; जुड़ा हुआः Joined; united; planned. भत्त॰ २७, ६; उवा॰ ७, २०६;

जोइरस. न० (ज्योतिरस) એક જાતનુ रत एक जाति का रत्न. A kind of gem. नाया० १; राय० २६; जीवा० ३, ४; कष्प० २, २६;

जोइस. न॰ ( ज्योतिष ) लथे।तिष यहै. ज्योतिष चक्र. The system or group of heavenly bodies ज॰ प॰ ५, ११७; पन्न० ३; श्रोव० २५.(२) पुं० જ્યાતિષ ચક્રની અદર રહેલા દેવા; સુપ<sup>દ</sup> यद्र पगेरे. ज्योतिष चक्र में रहे हुए देव-सूर्य चन्द्र वगैरह any of the deities forming a part of the group of heavenly bodies; e. g. the sun, the moon etc. कप्प॰ ३, ३४; उत्त० ३४, ५१; ३६, २०२; विशे० ७०१; १८७०; पि० नि० ८७; भग० २, ७; पन्न० २; (३) ज्यातिष शास्त्रः ज्योतिष शास्त्रः science of Astronomy. भग०२, १; सु०च० ४, ६; —ग्रंग-जविउः त्रि॰ ( -श्रंगविद्—उगोतिषं उपोतिषक ज्योतिः शास्त्रमङ्गानि च विदन्ति ये ते ज्यो-तिपहाविदः ) ल्योतिःशात्र यगेरे वेहनां अ गर्ने अर्धनार, ज्यांतिष शास्त्र वगैरह वंद के श्रेगो को जानने वाला. (one) proficient in the Angas (subsidiary or auxiliary branches) of Veda such as astronomy etc. उत्त॰ २४, ७; —श्रंत. पुं॰ (-श्रत) क्ये।तिष यक्ष्मे। अंत छेडे।, ज्योतिष चक्र का अन्त. the boundary-line of the system of heavenly orbs. सम॰ ११, -- श्रालय पुं॰ ( -श्राव्य -- ज्यो-तिराजयो गृहं येषां ते ज्योतिराजयाः ) ल्ये।तिषना हेव ज्योतिष के देव a heavenly body regarded as a deity; e.g. the sun, the moon etc. " पंचहा जोइसाजया " उत्त॰ ३६; २०६; ज्ये।तिष गण -तारे नक्तत्र इत्यादि का समूह उस का राजा चन्द्र वा सूर्य king of the heavenly bodies such as stars. constellations etc. the sun or the moon. जं॰ प॰ १, — बक्क न॰ (一चक) જયાતિષ ચક્ર, સર્ય ચ દ્ર તારા नक्षत्र परोरेते। सभूद, ज्योतिष चक्र, सूर्य चन्द्र तारे नस्तत्र वंगरह का समूह. the system or the group of the heavenly bodies such as the sun, moon and stars —इंद. पु॰ ( -इंद्र ) જ્યાતિષીના ઇંદ્ર, भूर्य थंद्र उपोतिष के इन्द्र, सूर्य, चन्द्र the Indra of the heavenly bodies: the sun or the moon " चदिमसुरियाय एत्थ दुवे जोहासिंदा जोह-ासियरायाणो परिवसति " चं० प० १; भग० ३, १; १०, ४; १२, ६; १८, ७; निर० ३, १; पंचा॰ २, १४; प्रव॰ ४५७; —गरा।-

राय पुं ( -गगराज ) ज्ये।तिपग्ण-तारा नक्षत्र वर्गेरेने। समुख, तेने। राज्य च द्र सूर्य. king of the planetary system viz. the sun or moon. सम० ११; क० गं० १, ४६; --पह. युं० ( –ષથ ) સૂર્ય ચન્દ્ર આદિ જ્યાતિષ ચક્રના भागी. सूर्य चंद्र श्रादि ज्योतिष चक्र का मार्ग. the path of the heavenly bodies such as the sun, the moon etc. सम०-पह त्रि॰ (-प्रभ) कथे।ति ६ देवना केवी **अंतिवा**क्षेत. ज्योतिष्क देवके समान कान्तिवान. posses ed of a lustre like that of a heavenly body. सम॰ (२) अग्निना केनी डान्तिवाक्षी. श्रारिन के समान कान्तिवान्. possessed of a lustre like that or fire. सम० -पहा ब्रा० (-प्रभा) जये।तिष-हेव सभान अन्ति अला ज्योतिष देव समान कान्ति, प्रभा lustre or brightness like that of a heavenly body. दसा॰६,१; -राय पु॰ (-राज) यंद्र,सूर्थ. चन्द्र, सूर्य. the sun and moon. "जोड्स्परायस्य पद्मति" चं०प०१: भग०३, १, १८, ७; —विमागाः न । (-विमान) क्त्ये।तिषी देवना विभान ज्योतिषा देवा के ांबमान. a heavenly abode of the neavenly bodies such as the sun, moon etc. मग०१,५; —िप हरा ( -विहान ) लथे।तिष रिंदत ज्योतिष राहेत devoid of heavenly bodies. भग॰ २, ६, —संचाल ( -संचाल ) ल्ये।तिप यक्ष्तुं ६२वु. ज्योतिष चक का फिरना motions of the heavenly bodies सम॰ ३;

जोइसमंडिउद्सग पुं॰ ( ज्योतिमंथिडतोद्दे-शक) જ્यासिगम सूत्रती से नामती से © देसे।. जांवाभिगम स्त्र का इस नाम का एक उद्देशा. Name of an Uddesñ (a section ) of Jīvābhigama Sūtra. भग॰ १६, ६;

जोइसामयण. न० (ज्यातिःशास्त्र ) ज्यातिष शास्त्र. ज्योतिष शास्त्र. Astrology, astronomy. कप्प० १, ६;

जोइसिया. स्री० ( ज्योत्स्ना ) जथेत्र्ता; डी.सुदी, यांद्रनी ज्योत्स्ना; की.सुदी; चांद्रनी.

Moonlight. "जोइ सियाइ "ठा०२,४;
—पक्ख पुं० (-पच ) शुक्त पक्ष. शुक्त पच्च; the bright half of a month.
च० प० १४; सू० प०

जोहासिणाभा श्री॰ (जोत्लाभ) यदंनी णीछ अश्र मिंधिपीनुं नाम चन्द्र की दूसरी श्रद्र मिंदिषी का नाम. Name of the 2nd principal queen of the moon. भग० १०, ५.

जोइ।सियः पु॰ ( ज्योतिष्क ) सूर्यः, यंद्र, यद, નક્ષત્ર અનેતારા એ પાંચ જાતના દેવતા. સૂર્ય चन्द्र, मह, नक्तत्र व तारे इन पांच जाति के देवता The five kinds of deities viz. the sun, moon, planets, constellations and stars. भग॰ २, 9; ₹, 9; ₹, ४; ५; ७, ६; ५, ३; ₹, ३२; १४, १; १६, ६; १८, ७; जीवा॰ नाया ० ६; सु० च० ४, १६; पन्न ०१; श्रोव० २४, ३८, श्रग्राजो० १४२; सम० १; प्रव० ११२६, ४५; ठा० १, १, —देव युं० ( -देव ) જ્યાતિષા દેવ; ચ દ્ર, સૂર્ય વગેરે; उयातिष के देव; चन्द्र सूर्य वगैरह. & heavenly body regarded as a deity; e. g the sun, moon etc. भग० २४, १२; —देवितथी. स्री० ( -देवस्त्रो ) कथे।तिषना देवतानी स्त्री. ज्योतिष के देवता की स्त्री. a wife of a

heavenly body ( regarded as a deity ). " से किंतं जोइसियदेविाध-श्राश्रो " जीवा० १; —मंडल न० ( -मं-डल ) ચંદ્ર, સુર્ય', ગ્રહ, નક્ષત્ર, તારા આદિનું भएउस. चन्द्र, सूर्य, प्रह, नच्चत्र, तारे श्रादि का मराइल. the circle or system of the heavenly bodies such as the sun, moon, planets etc. जं॰प॰ २, ३३;--राय पुं॰ (-राय) यं र सूर्य. चन्द्र, सूर्य. the sun or moon. " जोइसिय रायाणा परिवसंति " पन्न० २; भग० १०, ४; निर० ३, १; —विमागा. न॰ (-विमान) यंद्र सुर्थ तारा आहिनां विभान, चन्द्र, सूर्य, तारे श्रादि के विमान. a heavenly abode of the sun, moon, stars etc. पत्र ३;

जोई पु॰ (ज्यातिष) ळुओ "जोइ" शण्टः देखा 'जोइ 'शब्द. Vide 'जोइ 'वेय॰ २, ६; ;ापे॰ नि॰ २६६;

जोईरस. न॰ (ज्योतीरस) એક જાતનું २८न. एक प्रकार का रतन. A. kind of gem. राय॰ जीवा॰ ३;

जोईरसमय त्रि॰ (ज्योतीरसमय) ल्योति-रस-रत भयः ज्योतिरस रत्नमयः Full of gems "जोईरसमया उत्तरंगा " राय॰ जोईसर पुं॰ (योगीश्वर ) ये।शीश्वरः ये।शीये।ता धश्वरः योगीश्वर, योगियोंके ईश्वरः The lord of Yogis (who concentrate) भत्त॰ १७१;

जोउ इतिएस्त्र पुं॰ ( योगकार्णक ) पूर्व-लाद्रपहा नक्षत्रनु शेत्र. पूर्वा भाद्रपदा नज्जन का गोत्र. The family-origin of the constellation Purva Bhadrapada. सू॰ प॰ १०;

जोएयव्य त्रि॰ (योजितव्य) लोऽवा ये। अ. जोडने के योग्य; योजनीय. Worthy of

being united or joined with. पन्न॰ १०; नाया॰ ६;

जोग. पुं॰ ( योग ) संभंध; भिक्षाप; क्लेंडाणु. सम्बन्धः मिलाप. Union: contact: combination, विशेष २: नाया ११: पि॰ नि॰ ४८ सम॰ ६; सू॰ प॰ ६; पन्न॰ ११; कप्प० १, २; (२) यंद्रभा ने नक्षत्रने। संभंध, चन्द्र व नक्तत्र का सम्बन्ध. conjunction of the moon with a constellation. नाया॰ =; ( ३ ) अप्राप्त वस्तुनी प्राप्ति. श्रप्राप्त वस्तु की प्राप्ति. acquisition of an unacquired object जं॰ प॰ ७, १२६: १४१; १४२; नाया० ४; ( ४ ) युक्ति, Eपाय. युक्ति: उपाय. plan; means to accomplish an object नि॰ नि॰ ४००; ( प्र ) पन्नवणा सूत्रना त्रीका पत्ना पांचमा द्वारानं नाम. पन्नवणा-सूत्र के तामरे पद के पांचव द्वार का नाम. name of the 5th Dyara of the third Pada of Paunavanā Stitra. पन्न॰ ३; ( ६ ) वशी क्रत्र आहि-थे। वशीकरण आदि योग the art of fascination etc. परह॰ २, २: निसी॰ १३, १२; दस० म, ४१; पि० नि० ४०६; (७) थित्तनी वृत्तिने। निरोधः चित्तवृत्ति का निरोध control of the vibratory activity of the mind. उत्त॰ = ૧૪, (=) પહિલેકુ વગેરે શુભવ્યાપાર--भृष्टित पडिलेहण श्रादि शुभव्यापार-प्रकृति. salutary physical activity such as Padilehana ( mepection of clothes ) etc. ভল॰ দ; ૧૪; ( દ ) મન વચન અને કાયાના **८५।५।२. मन वचन व काया का व्यापार.** vibratory activity of the mind

speech and body. भग० ३, ३: ७, ५; ६, ७; १७; ३; २४, १; २२, १; सूय० १, १, ४, ६; श्रागुजो २१; क० प० १, ५: १४, पंचा० १, ४५; २४, प्रव० २६२: दस० ४, २६; ७, ४०; ८, ४३; नाया० १: उत्त॰ ३१, २०; सू॰ प॰ १; श्रोव॰ निसी॰ **७३, १८; २१, नदी० ११; ावशे० ३५**६: संत्था० ३२; ( १० ) सथम self-restraint so no q uu: --- क्खेम. न॰ ( -चेम ) ये।गक्षम; अप्रा-भनी प्राप्ती व्यने प्राप्तनु रक्षण्. योगचेम; श्रशप्त वस्तु की प्राप्ति व प्राप्त का रक्तरण acquisition of a desired object and safe protection of what is already acquired नाया पः —-श्रायार. पुं॰ ( -श्राचार ) ये। गायार. योगाचार the conduct of Yoga. सम॰ १; ---चल्णाः स्री॰ (-चलन) भत वयताहि येाेेेेेेानु यसिवयसप्रख् . मनवचन श्रादि योगोंका चलविचलपना unsta blitiy of the mind, speech and body भग॰ १७, ३; — जहारागा. न॰ ( -जघन्य ) अधन्य ये।ग. जघन्य ये।ग the lowest, shortest Yoga क. प०२, ७४, ---जवमङ्भ न० ( -यव-मध्य ) અત્ક સમયવાલા યાગસ્થાનકા. श्राठ समय वाले योगस्थानक, the Yoga stages lasting for eight Samayas क॰ प॰ २, ७७, — जुंजरा न॰ ( -योजन ) સ્વાધ્યાય આદિમાં પારકાને थे।ज्यु ते स्वाभ्याय त्रादि मे अन्य को योजना. setting (i. e helping ) another to study the scriptures etc सम॰ प॰ १६=; — जुंजाण्या स्त्री॰ ( -योजन ) लुओ ઉપલા शण्ह कारका शब्द vide above भग०३५,७:

—जुत्त. त्रि॰ ( -युक्त ) ये।ग -मन वयन अने अयाना व्यापारथी युक्त-सदित योग-मन वचन व कायाके न्यापार से युक्त-सहित possessed of the activity of the mind, speech and body. प्रव॰ २७०; —हाग्।. न० (-स्थान-योगो वीर्य तस्य स्थानं-योगस्थानम् ) थे। १ वीय त स्थान योग-वीर्य का स्थान the sack or repository of the seminal fluid or heroic power. क॰ प॰ ७, ४४; क॰ गं॰ ४, ६४; — गि-श्रोग पुं॰ (-नियोग) वशी धरु व्याहि थे। गतुं जो उवुं ते. वशीकरण आदि योग का जोडना. directing the activity of mind etc. towards fascination etc तंद्र - शिञ्चतिः स्री॰ (-निर्वृत्ति ) थे।गनी निष्पत्तिः योग की निष्पत्ति. accomplishment of Yoga. भग०१६,८;—(गा)स्योग पुं०(-श्रनुयोग) વશીકરહાદિ ઉપાય વતાવનારું હરમેખલાદિ शास्त्र. वशीकरण श्रादि उपाय वताने वाला हरमेखलादि शात्र A science such ns Haramekhalā etc dealing with the ways and means of fascination etc. सम० २६: —िन-मित्त त्रि॰ (-निमित्त ) भन वयन धयाना ये। गर्ने निभिते थये थुं. मन वचन काया के योग के निमित्त जो हुआ हो वह. caused by the activities of the mind, speech and body. भग॰ १, ३; —पद्मकृत्वाण न० ( —प्रत्याख्यान ) યાેગ-મન વચન અને કાયાના વ્યાપાર-તેના परिदारन्त्यागः योगन्मन वचन व काया का व्यापार-उम का परिहार-त्याग. abandonment of, giving up of the activities of the mind, speech and body. उत्त॰ २६,२; -पांडकमण्. न॰ ( -प्रतिक्रमण् ) थे।ग भन वयन अने કાયાના યાેગનું પ્રતિક્રમણ કરવું તે. યોગ-मन वचन व काया के योग का प्रतिक्रमण करना. self-analysis and repentance for the faults connected with the activity of the mind, speech and body. य॰ ५, ३; —पांडसं-लीगुता स्त्री॰ (-प्रतिसंखीनता ) भन, વચન અને કાયાને વશ રાખવા ते मन वचन व काया को वशीभूत करना. control over mind, speech and body सग० २४, ७, —परिणामः न० ( -परिगाम ) গুৰবা પરিણામના એક प्र**धार.** जींव के पारिसाम का एक प्रकार & kind of thought-activity of a soul or living being. 310 5; —परिट्याइयाः स्री॰ (-परिव्राजिका) પરિવાજિકા~સન્યાસિની. સમાધિવાલી समाविस्थ परिवाजिकाः, सन्यासिनीः nun practising Samādhi or eontemplation नाया॰ ६; — भवि यमइ त्रि॰ (-भवितमति) धर्भ व्यापारथी વિશેષ ભાવિત ખુદ્ધિવાલું ધર્મ व्यापार से विशेष भावित द्यद्धिवाला. one whose knowledge is especially impressed by religions activities वंचा०३,२४,—मगग. पुं०(-मार्ग) अध्यात्म शास्त्रने। भाग े अध्यात्म शात्रका मार्गे. the path of philosophy. पंचा १६, ४२; — **बस**. त्रि॰ ( — बश ) ये।गने पश. योग के ऋाधीन. (one) dependent on Yoga क॰ प॰ ४, ६; -विसुद्ध-त्रि॰ ( -ावेशुद्ध ) निरवद्य व्यापार-विशुद्ध **०**यापारवान्. निरवद्य व्यापारनविशुद्ध ध्यापार वान्. ( one ) of pure, sinless activity. "उभन्रो जोगविसुद्धा" पंचा॰ १८, ४६; —बाहि. त्रि॰ ( -बाहिन् ) સાંભલેલાને યાદ રાખનાર-મનન કરનાર. श्रवण किये हुवे की स्मरण से रखने वाला, मनन करने वाला. (one) who reflects upon what he has heard ठा० १०; —संगाह. पुं० ( -सग्रह ) भन वयन-डायाना व्यापारकप अशस्त ये। गते। स्र अह सन वचन काया के व्यापारहर प्रशस्त योग का संब्रह. bringing together, accepting the salutary activity of the mind, speech and body. सम० ३२; श्राव० ४, ७; —साद्धे. स्त्री० (-शुद्धि) ये।गनी शुद्धि-विशुद्धि योग का शाद्धि-विश्विद purity of the activities of the mind, speech and body. प्रव • १ ५ २४: -- संपया. स्री • (-सप्पत्) थे।-गनी स पहा-वि शष्ट्रऋदि, योगकी सम्पदा-वि-शिष्ट ऋदि. the special power of the activity of the mind, speech and body. प्रव॰ ५१३; —सच. न॰ (-सत्य ) भन वयन अने अयाना व्यापारने सत्य अवर्ताववे। ते मन वचन व काया के च्यापारको सत्य में प्रवृत्त करना. directing the processes of the mind, speech and body towards the right path. उत्त०२६,२;सम०२७;भग० १७, ३; - सत्था न० ( -शास्त्र ) ये।गना शास्त्र, काष्यात्म अथ. योग के शास्त्र; श्रध्यात्म प्रथ. the scriptures dealing with metaphysics.पंचा॰३,२७; -हींगा न० ( - हीन ) थे।ग-सयम ०थापार दीत. योग-संयम व्यापार हीत. devoid of self-control or asceticism. श्रोव॰ ४, ७;

जोगमुद्दा स्त्री० (योगमुद्दा ) હाथनी आंग-

લિએા પરસ્પર અન્તરિત કરી–સ પુટ બનાવી કાેેશિના ભાગ ઉદરપાસે રાખી વંદનાના પાંક ઉચ્ચારતાં પાંચઅગ ( બે ઢીચણ, બે હाथ अने भस्तक ) नभाउवा ते. हाथ की उंगलियों को परस्पर अन्तिरित करके संपुट वनाकर कुहुनी का हिस्सा उदर के निकट रख कर वंदना के पाठ का उचार करते हुए पांच श्रंग (दो घुंटने, दो हाथ व मस्तक) क्रकाना. Bending the five parts of the body (viz two knees, two hands and head ) while paying respects or salutation, having kept the elbow near the abdomen and foldidg hands leaving some interval amongst the fingers पंचा॰ ३, १७, प्रव॰ ७१;

जोगंतिया. छी॰ (योग्यन्तिका—योगिनि सयोगिकेविताने सक्रममाश्रित्यान्तः पर्यन्तो यासां ता.तथा) जे अधृतिओनी तेरमे शुलु- क्षिले अप्त आवे छे तेवी धर्म अधृतिओन जिन प्रकृतियों का तेरहवें गुणस्थान पर अन्त आता है ऐसी कर्म प्रकृतिया. Such varieties of Karmic matter which end at the 13th spiritual stage. कृष्ण॰ २, ३५:

जोगवंत. त्रि॰ (जोगवत्) स यभ थे। यथु स्त. संयम यो। युक्त. Possessed or practising self-control or asceticism. सूय॰ १, २, १, ११; उत्त॰ ११, १४; जोगि त्रि॰ (योगिन्) थे। यधित; सथे। शी. योग सहित; सयोगी. With concentration; an ascetic सम॰ २; क॰ गं॰ ३, १६,क॰ प॰ ४, ४; — णाण्. न॰ (-इंग्ल) कुथे। "जोइणाण् " शम्द देखों "जोइणाण् " शम्द देखों "जोइणाण् " शम्द रेखों "जोइणाण् " शम्द रेखों "जोइणाण् " शम्द रेखों "जोइणाण् " शम्द रेखों "जोइणाण् " शाह्य थांतिक ) कुथे। "जोइयां " सम॰ २;

शण्ट. देखो " जोइय " शब्द. Vide " जोइय " पग्रह० २. २:

जोग्ग. त्रि॰ (योग्य) थे।ग्थ; धटित; उथित; अथित; अथित, अथित,

जोग्गया स्त्री॰ (योग्यता) वेश्यता; सायशत. योग्यता. Worthiness; fitness; propriety. सु॰ च॰ १, ३८०; पंचा॰ ३, ७, पंचा॰ १८, ४७; ६, १०;

जोग्गा स्त्री॰ (योग्या) शुल्लाक्षर करवे। ते.
गुलाकरना. Multiplication, भग॰ ११,
११; स्रोव॰ (२) अभ्यास. स्त्रम्यास.
study. (३) गर्ला धारल करवाने लायक योगि गर्भ धारल करने के योग्य योगि. क womb fit for conception. तंदु॰ जोजित त्रि॰ (योजित) लोडेनं; सगाडेनं. जुडाहुमा; लगाहुस्रा. Joined, united; धttached. पंचा॰ १६, ७;

जोडिउं. सं॰ क्र॰ श्र॰ (योजित्वा ) लेडीने. जोड्कर. Having joined or united. सु॰ च॰ १०, १४४;

जोडिय. त्रि॰ (योजित) कोडेश. जोडा हुम्रा. Joined; united. सु॰ च॰ ७, ३४:

जोग पुं॰ (योन) अनार्थ देशभांना ओड. अनार्थ देश में का एक. One of the Anarya countries. नाया॰ १:

जोएश्र. पुं॰ (योनक) उत्तर लरतभानी ओड हेश. उत्तर भरत का एक देश. Name of a country in Uttara Bharata. ज॰ प॰

जोिंग स्नि॰ (योनि) थे।नि; ઉत्पत्ति स्थान; स्त्रीने। गुद्ध क्षाग. योनि, उत्पत्ति स्थान; स्निका गुद्ध भाग. The womb; the

origin; the female generative organ. भग० २, ४,४,३,४,६, ४,१०, १; २०, २;नाया० ७, तंदु० १०;पन्न०६;पि॰नि० भा० १३; पि० नि० ५०७; जीवा० ३, ३; थ्राया॰ १, १, १, ६; उत्त॰ ३, ४; कप्प॰ २, १८; श्रागुजी० १७; प्रव० १३७६: (२) पन्नवर्ण सूत्रना नवभा पद्दनुं नाभ. पन्नवर्णा स्त्र के नववें पद का नाम. name of the 9th Pada of the Pannavanā Sūtra. पत्र॰ ૧; (३) ગીતની એક જાત. गीत की एक जाति. a variety of. song. त्रगुजो॰ १२८; (४) आधार. श्राधार. a support; a prop. " इहे-र्गातया मत्ता पुठवी जोणिया ' स्य॰ २, ३, ૧; (૧,) એ નામનાે ભગ અપર નામધારી हेय. इस नाम का भग अपर नामधारी देव. name of a god, also styled Bhaga. ठा॰ २, ३; (६) केते। देवता ભગ છે એવું પૂર્વાફલ્યુની નક્ષત્ર. जिस का स्वामी भग है ऐसा पूर्वाफालगुनी नक्तत्र. the constellation Pūrvāfālgunī having Bhaga as its lord. ठा॰ २, ३; (७) धरख. कारण. chuse; reason. पंचा॰ ३, २३; —पमुद्दः त्रि॰ ( -प्रमुख ) येानि व्याहि-वर्गरे. योाने श्रादि. a womb etc. विवा॰ १; — प्पमुह. त्रि॰ ( -प्रनुख ) थे।निनुं ६।२. योनिद्वार. a mouth or entrance of the womb. विवा॰ १; सम॰ ८४; जीवा॰ ३; —मुद्दिणिष्फाडियः त्रि॰ (-मुखनिष्पतित) યાનિના મુખમાંથી નીકલેલ. योनि के मुख में से निकला हुआ. come out of, issued from the mouth of a womb. तंदु॰ -लन्सचुतसी श्री॰ ( -लक्चतुरशीति ) चे।राशी सक्ष ये।नि. =४ लच्च योनि. 84 lacs of lives प्रव•

३६; —विहासा. न० ( -विधान ) ये।निना प्रधार. योनि के प्रकार any of the varieties of a birth. विवा॰ 1, -संगाह पु (-सग्रह-योनिस्त्वात्त हेतु, जीवस्य तथा संग्रहोऽनेकेपामेकशब्दाभि-लाप्यत्वं योनिसंग्रहः ) ये।नि-अत्पत्तिस्था-नीने। स अक्ष योनि-उत्पत्ति-स्थानो का संपह the word "birth" taken in the abstract or collective sense. भग० ७, ५; ठा० ७, १; ८, जीवा० ३; —समुच्छेय. पुं॰ ( -समुच्छेद ) थे।निने। नाश. ग्रोनिका नाश. destruction of " एस जोगी जगागं दिहा न कष्पद्द जोशिममुच्छेश्रो " परह० २, ४, --- सूल पुं॰ ( -शूल) थे।निने। रे।ग. योनि in a disease of the womb विवा० २: भग० ३, ७:

जोशिभ्य त्रि॰ (योनीभूत) थे।नि अवस्थाने प्राप्त थयेक्ष; (जिल्ल आहि) योनि अवस्थाने प्राप्त (वीज आदि) Developed into a womb or origin पन्न॰१,भग॰२,५, जोशिय त्रि॰ (यौनिक) थे।निभां अत्पन्न थयेक्ष योनि में उत्पन्त. Boin in a womb उना॰ २, ११६, भग॰ २४, १; (२) थे।न देशमां अत्पन्न थयेक्ष. योन देश में उत्पन्न. produced or born in the country named Yona न या॰१;

जोििगा स्त्री॰ ( योनिका ) ये।नि-अत्पत्ति स्थान योनि-उत्पत्ति स्थान A womb, origin भग० १४, ६,

जोशियाः स्त्रीः ( यौनिका ) थे। नामना अनार्थं देशमां जन्मेशी द्वासी योन नाम के अनार्यं देशमें जन्म प्राप्त दासी. A maid servant born in the Anāiya country named Yona. श्रोवः ३३; जंः पः नायाः १; अगः ६. ३३,

Vol. u/110

जोगिपद. न० (योनिपद ) योनिना अधिक्षार यासुं भन्नविष्णा सूत्रनुं औक भन्न योनिके प्राधिकार वाला पन्नविष्णा सूत्र का एक पद Name of a Pada of Pannavanā, Sūtra dealing with the subject of births. भग० १०, २;

जोराहा. स्त्री॰ ( जात्स्ना ) थां हिनी; है। भुही. चांदनी Moonlight. नंदी॰ हः, जीवा॰ ३, ३; सु॰ च॰ २, ३२;

जोति न॰ (ज्योतिष्) लुओ ''जोइ'' शम्टः देखो ''जोइ '' शब्द Vide '' जोइ '' सूय० १ १२, म.

जोतियः त्रि॰ (योजित) भेतरेक्षं. जोता हुआ Yoked to a cart, plough etc. नाया॰ ३;

जोतिरस पुं॰ (ज्योतीरस) लथे।तिरस ४।एऽ;
भर४।ऽने। नवभे। साग ज्योतिरस काएड;
खर काएड का ध्वां भाग Jyotirasa
Kānda 1. e. the 9th division
of Khara Kānda जीवा॰ ३.१;

जोतिसः न॰ ( ज्योतिष ) જયોતિષ शास्त्र. ज्योतिष शास्त्र. Astronomy and astrology; the science of the course of the heavenly hodies. श्रोव॰ ३८,

जोतिसिय. पुं॰ (ज्योतिषिक) लुओ। "जोइ-पिय " शण्द देखों " जोइसिय " शब्द. Vide "जोइसिश्च" राय॰ ३७;

जोतिसिंह पुं॰ (ज्योतिशिक्ष्य ) इक्ष्यवृक्षनी
गोड ज्यन हे क्रेभांथी युग्धीयाने सूर्य केवे।
प्रश्रश भक्षे छे. कल्पद्यस्त की एक जाति कि
जिम में से युगलियों को सूर्य समान प्रकाश
मिस्तता है. A species of Kalpa
Vilksha (desire-yielding tree)
from which the Jugaliyas get
light like that of the sun

जीवा॰ ३, ३; जोत्त. न॰ (योक्त्र) जीतरूं. जीत. A rope

by which animal is tied to the pole of a carriage; halter.

"सुकिरण तविश्वज जोत्तकितयं " पगह० २, भःउवा०७,२०६:सय०२,२, १८, दसा०६,४;

वव॰ १०, १; जं॰प॰ ७, १६६;

√ जोय. धा॰ I, II. ( युज् ) लेऽवु; धेाळवृं लेतरवुं. जोडना; योजना; जोतना. To

join; to unite; to yoke.' जोएति. जं॰ प॰ ७, १५१;

जोएइ. श्रोव० ३०; उत्त० २७, ३; सम०

६; नाया० १७;

जोयंति. सू० प० १०, नाया० =; जं०प० जोएंति. ७, १४६,

जोागुजा वि० विशे० ६, १२; पि० नि० ७६;

जोश्रंति जं॰प॰ ७, १४१;

जोएता. नाया० १४; १७,

जोएमाण. जं० प० ७, १६१;

जोयावेइ नाया॰ १४:

जीयावेत्ता. नाया० १५:

√जोय था॰ I, II. (धोत्) प्रधाश धरवे।. प्रकाश करना To shine; to emit light

जोयंति. जीवा॰ ३, ४;

√ जोय. था॰ I. ( युत्) ज्योति भुःधी; अश्राश्युं. प्रकाशित होना; चमकना. To

shine; to emit light.

जोइंति सम० ४२;

जोइंसु. भू० जं० प० ७, १२६;

√ जोय. घा॰ I ( दश्) लोवुं; हेणवुं. देखना. To see, to perceive.

जायइ सु० च० १५, १००;

जाइंजत मु॰ च॰ २, ३६५;

जोय न॰ ( योषत्र ) जीतर; जीतर, जोत.
The rope by which an animal

is tied to the pole of a carriage.

जोयग. न॰ ( द्योतक ) द्येतिक पद; प्र, पर, इत्यदि उपसर्ग. A suggestive word; a preposition such as Pra, Para, etc. modifying in some way the sense of the verb or noun before which it is placed. विशेष

जोयगा. न॰ ( योजन ) थार गाउ; थार गाउ সমাত] क्षेत्र. चार कीम; चार कीस के प्रमाण का चेत्र A Yojana (8 miles); area covering eight miles. जं॰ प॰ ४, ११२; ११४; १, १२; सम० १; उत्त० ३६, ४७; श्रीव० ३४; श्रग्रजो० १३४; नाया० ५: सूरु प० १८, पंचा० १, १८; १४, ४०; प्रव० ८६१; कप्प० २, १६; भग० २, १; ६, ७; १४, १; १६, ६; ३६, १; नाया॰ १, ८; १६; विशे॰ ३८१; ३४६८; राग० २६; ्स० च० ३, ७०; श्रोव० ४२; उवा० १, ८३; ८, २५३; ( २ ) लेउचुं ते. जोडना. joining; uniting. पग्ह० १, १; —निहारि. त्रि॰ (-निहारिन्) यार गांઉमां विस्तार पामनार. चार कोम में विस्तृत. extending, stretching over 8 miles. "जोत्यण निहारिणा मरेण्" सम० ३४; -परिमंडल. नि॰ ( -परिमग्डल-योजन योजनप्रमाण परिमग्डलं गुगाप्रधानोऽतं निर्देशःपरि-माराडल्य यस्य स योजनपरिमएडलः ) એક યાજન ત્રમાણે મડલ-વર્તુલ एक योजन के प्रमाण का मगडल-वर्तुल. of the circumference of a Yojana (8 miles) 'जोयखपार्रमंडल' सुस्सरं घंटं' राय॰ --- द्यमाण न॰ (-प्रमाण) ये।जन-

थार गाउप्रभाख'. योजन-चार कोस प्रमाणः measure of a Yojana (8 miles). भग० ६, ७; जं० प० २, १६०, -ामेत्त. त्रि॰ (-मात्र ) यार गाउमात्र; लेकन प्रभाश. केवल चारकीस; जीजन प्रमाण measuring 8 miles only. प्रव०४४८; —विचित्रन. ति० (~विस्तीर्ण) जोजनना विस्तारवासं जोजन के विस्तार extending 8 miles. प्रव -वेला. स्री०(-वेला) એક येाजन यासतां नेट दे। पणन दांगे नेट दे। एक योजन चलने में जितना समय लगता है उतना. the time required in walking one Yojana (8 miles ) निसी०१८, १२; --सयवििञ्जन त्रि॰(-शतविस्तार्ण)ऄ**४**-से जोजनमा विस्तार पामेश एक सौ योजन में विस्तृत. extended as far as one hundred Yojanas प्रवः १४६०; --सयसहस्त. न॰ ( -शतसहस्र ) थे। ४ साथ नेक्न, एक लक्ष योजन, hundred thousand Yojanas (8 miles). भग० ३, ७; —सहरूस. न० ( -सहस्र ) यो ६ ६००२ लेकन एक हजार योजनः एक सहस्र योजन. 1000 Yojanas जं प॰ ८; क० गं० ४, ७६;

जोचण. न॰ ( योवन ) युवावस्था; लुवार्नः. युवावस्थाः Youth, puberty. जीवा॰ ३, ३; नाया॰ १६; राय० =०;

जोवणगः न० ( गौवनक ) युनान पासु युनकत्व; युनावस्या. Youth; puberty विवा० १; नाया० १;

जोटबण न॰ (योवन ) ये।वन; युवावस्था वावन; युवावस्था Youth, puberty पत्र॰ ६४, निर॰ ६, ४; श्रोव॰ ६२; स्य॰ १, ६, ४, १४, श्राया॰ १, २, १, ६४: नाया॰ १; ३; ६; १४, १६; सू॰ प॰ २०,

भग॰ ११, ११: भत्तः १२६; —गुण. पुं॰ (—गुण) युवावस्थाना गुण, युवावस्थाने गुण any of the characteristic qualities of puberty. नाया॰ १; —हाण. न॰ (—स्थान) युवावस्थानं स्थान युवावस्था का स्थान. condition, stage, of puberty. भग॰ १२, ६; —त्था ति॰ (—स्ध) युवावस्था वाला: युवक. in the prime of life; attaining puberty. भग॰ ६, ३३;

जोब्बएम न० ( यौवनक ) युवावस्था युवा-वस्था. Youth; puberty नाया० १; १३; १४, मग० १५, १, कदा० १, ६;

जोव्यिशिया स्त्री॰ (यौवनिका ) युवावस्था. युवावस्था. Youth. राय॰

√ जोस्त. घा॰ 1. ( जुष् ) शापण करतुं; सुक्षावबुं, क्षय-नाश करना. शोषण करना; सुखाना; चय-नाश करना. To dry up; to destroy.

जोसइ. श्राया० १, ३, २, ११२;

जोसयंत नि॰ (जुपत्) सेना अरती। सेवन करता हुन्ना. Serving; rendering service. खाया॰ १, ६, ४, १८८;

जोसणा हो॰ (जोषणा) भीत प्रीत Affection; love. (२) सेना सेना service; devotion to. श्रोन॰ सम॰ जोसिया-या हो॰ (योपित्) स्त्री हां. A woman तंद्र॰

जोसिय त्रि॰ (जुष्ट ) सेवेश. सेवन किया हुमा Accepted, resorted to: served. सूय॰ १, २, ३, २;

जोह. पु॰ (योघ) थे। हे।, लड्येथे।; सुभट्ट. योद्धा, सुभट्ट, सैनिक. A watriot, क combatant श्रोव॰ १३; दसा॰ १॰, १; सूय॰ १, ६, २२; जीवा॰ ३, ४; नाया॰ ६; जं॰प॰ भग॰७,६; प्रव॰ १२४०; — हाण्. न॰ (-स्थान) सडाधनुं स्थान. युद्ध स्थान. a battle-field ठा० १; — चल. न॰ (-चल) थे।द्धानुं भक्ष सैनिक का चल. strength, might of a combatant. विवा॰ ३,

जोहार पुं॰ (योध्ट) थे। ह्याः, युद्ध इरनार. योद्धा, युद्ध करने वालाः A warrior; a combatant. नाया॰ १; भग०३, २; स्य॰ २, ३, २५,

जोहार. पुं॰ ( क् ) सत्धार धरवाने हाथ देवा हे सामसामे लेट गुंते सत्कार करने के लिये कर अर्पण करना व परस्पर मिलना. shaking of hands or embracing each other as a sign of hospitality. प्रव॰ ४४१;

जोहि त्रि॰ ( योधिन् ) युद्ध ४२ना२. युद्ध करने वाला. A wallior; a combatant. श्रोव॰ ४०,

जोहिया स्त्री॰ (योधिका) यंदन थे।; ओक्ष ल्पननुं प्राञ्जी घोयरा; एक प्रकार का विपंता-प्राची A kind of poisonous reptile. जीवा॰ १,२;

जोहुत्तः न॰ ( योध्दस्व ) ये। ६। पणुं श्र्यीर्-पणुं श्र्वीरता; वीरत्व. Wailike quality; valour नायाः १६;

√ ज्जल था॰ I. (ज्जल्) अक्षतुं; प्रश्रशतुं, जलना; प्रकाशित होना To burn; to shine.

जलइ अगुजो० १३१;

जलंति. जीवा० २, ४; जं० प० ४, १२१:

नाया० १७; डवा० १, ६६;

जलं वि० दम० १०, १, २;

जलंत. नाया० १; २; ४; भग० २, १; ६,

४; १६, ६; कप्प० ३, ४२; ४६;

श्रोव० १३; १७; नाया०ध० ४,६०;

४, ११६; उत्त० ६१, २४; १६,४६;

श्रगुजो० १६; नंदी० १३; विवा०
१; ७; दसा० ७, १;

जलमाण पि॰ नि॰ ६४६; जलावण् क० वा० वि॰ दस॰ १०, १, २;

 $\sqrt{s}$ क्का. घा॰ I. ( ध्ये ) ध्यान धरवुं; स्मरल्

हरवुं. ध्यान धरना; स्मरण करना. To meditate upon; to recollect. साम्रइ. श्राया० १,६,४, १५; उत्त० १८,५; भागंति. श्रोध० नि० ६६३; माइज्ञ. वि० उत्त० १, १०, भाएज्ञ. वि० सु० च० ४, २६२; सायमाण. व० क्र० नाया० ६; सायंत व० क्र० पि० नि० ६३१; सु० च० ६, २२;

√ इसाम. था॰ I. (ध्मा) ध्मवुं. फूंकना;
धोंकना. To blow, e. g. a bellows.
(२) श्राक्ष्यं. जलाना. to burn.
सामेइ. नाया०१;भग०१५,१ स्य०२,२,४४;
सामेन्ति. जं० प० २, ३३;
सामेजा. वि० द्मा० ७, १;
सामावेइ प्रे० स्य० २, २, ४४,
सामंत. व० कृ० स्य० २, २, ४४;
सामिजाइ क० वा० राय० २६६;

<sup>\*</sup> जुओ। पृष्ट नम्भर १४ नी प्रुटनीट (\*) देखो पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनीट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th

## #.

भंता पुं॰ ( \* ) पारं पार भे। अतुं; क भना करवी. बार बार बोलना; भारी लालसा करना. To speak frequently; to long ardently. पिं॰ नि॰ २=६;

मंभा स्त्री॰ ( ममा ) व्यादुसता; विव्हसता. व्याकुलता; विह्नलता. Distraction: agitation. श्राया॰ १, ३, ३, १२०; ( २ ) ४स७; ४७थे।; ते।६।न. कलह; भगडा, तोफान. quartel; strife; disturbance. सूय॰ २, १, ४१; -कर. gं॰ (-कर) केथा संप्रहायमां ભેદ પડે તેવી ખટપટ કરનાર; અસમાધિન १८मुं स्थानक सेवनार, जिससे संप्रदाय में भेद पडे ऐसी खट9ट करने वाला: श्रसमाधि-के १ वर्षे स्थान को सेवन करने वाला. a person who resorts to the 18th cause or source of Asmadhi ( lack of mind-control ) i. e. causes divisions in a sect by intrigues सम० २०; —वाय. gं० ( -वात ) वर्षा सिद्धित निष्कृर वायु वर्षा सहित तेज वाय. violent wind accompanied with rain. पत्र : १; मंतिता सं • कु • श्र • ( जिह्दित्वा ) अनिष्ट पथन भासीने श्रानष्ट बचन बोलकर. Having spoken harsh words.

सम० ३०:

भागि थ॰ (भागिति) शीध; जबही; शीघ्र, सत्तर. Quickly; at once. भग०३,२, भित्ति. थ० (फिटिति) जुओ। "मिगि" शण्ट. देखे। "मिगि" शब्द. Vide "मिगि" भग०३,२; सु० च०३,७४; —चेग. (-चेग) शीध वेग. शीघ्र वेग. Rapid, quick movement; rapid progress. नाया॰ १६;

भाश्र (य). पुं० (ध्वज) ध्वल, ध्वाधा. ध्वजा; पताका A flag; a banner. भग० ७, ६, ११, ११; राय० ४७; १२३; विवा० २; श्रोव० १०; जं० प० ४, ७४; —ग न० (-श्रप्र) ध्वली यथलाग. व्वजा का श्रप्रभाग. the fore-part of a flag or banner. नाया० ८, —दंड. त्रि० (-दंड) ध्वली। इंड. ध्वजा का दड. flag-staff. नाया० ६;

भया. स्री॰ (ध्वजा) ध्वला ध्वजा. A flag; a banner. ज॰ प॰ ४, ७४; जीवा॰ ३, २; नाया॰ १; ६; (२) शी६ स्पर्धनाभांतु आर्मु स्वर्धन ध्वलतु हे को तीर्थ हर यह-पतिनी भाताने शक्षाधान सभये कोवामा आवे छे. चोदह स्वप्त में से खाठवा ध्वजा का स्वप्त कि जो तीर्थकर चकवित की माता को गर्भाधानके समय देखनेमें खाता है. the 8th of the 14 dreams which a Tirthankara or Chakravarti's mother witnesses during her pregnancy; (in this dream she sees a flag) नाया॰ =;

<sup>\*</sup> જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની પુરનાર (\*). देखो पृष्ठ नम्बर ૧૫ की फुडनोट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th.

√ स्तर धा॰ I. ( त्तर ) अरवुं; ઉपरथी सरध्वं-पडवुं. करना; ऊपरसे गिरना. To drop down; to fall in drops करइ. सु॰ च॰ २, ४८७; करंति. पिं० नि॰ ८४;

भरग. पुं• ( \*) २भ२७, ६२०, स्मरण करने-वाला. ( One ) who remembers. नंदा॰ स्थ॰ २८;

√ भलहल. घा॰ I. ( ज्वल् ) सलगवुं. जलना. To burn; to be kindled. भलहलइ. सु॰ च॰ ८, २१२;

भारती स्त्री॰ (महारी) अक्षर मालर A fringe. जीवा॰ ३, १; निसी॰ १७, ३३; ठा० ७, १; श्रोय० ३१; राय० ८८; कप्र० ४, १०१; (२) भंकरी; सेंड পাননু থাপি'ম. एक प्रकार का वाजिन्त्र; खंजरा. a kind of musical instrument played with the hand श्रगुजो० १२८; भग० ५, ४; पन्न० પ્રવ૦ ૧૫૦૦; (રૂ) હક્કા; ડાકલું; એવા आधारे जये।तिषतुं अवधिज्ञान छे वाद्य विशेष कि जिसके आकारका ज्योतिषीका अवधि ज्ञान होता है. a sort of musical instrument narrow in the middle part and flat and round at the two ends with leather fastened on to them; ( the Avadhijñāna of astrologers bears this shape ). विशे॰ ७०६; (४) छमछभीयां; अंअर. फांक. a sort of musical apparatus consisting of two metdishes talic which when struck together make a jingling

sound. श्राया० २, ११, १६८; — संहाणाईय. ति० ( - संस्थानास्थित ) अवरते
थ्याधारे रहेब. मांलर के श्राकार के
समान रहा हुश्रा. of the shape of a
fringe. प्रव० १५००; — संठियः ति०
( - संस्थित — श्रल्पोच्छायत्वान्महा विस्तार
त्वाच्च तिर्यग्लोकचेत्र खोको मज्जरीसंस्थितः)
अवरते संस्थाने-व्याधारे रहेब. मांलर की
श्राकृति में रहा हुश्रा. of the shape of
a fringe. भग० ११, १०;

भवियः त्रि॰ ( चापित ) निभू क धरेश; जाउ भाषी नाभेक्ष. निर्मुल कियाहुआ; जाउ से हटा दियाहुआ. Destroyed; eradicated. उत्त० १८, ५; भस पं॰ ( भप ) भाष्ट्यं. मच्छीः A

fish. विशेष ४६६, १८५४; जीवा० १; जं० प० नाया० ६; श्रोव० १०; उत्त० २२; ६; प्रव० १५६; (२) नानी भाछती. छोटी मच्छी. small fish. पगह० १, १; माइ त्रि० (ध्यायिन्) ध्यान करनेवाला; ध्यान वाला; स्तुतिवाला. (One) who meditates upon; (one) who praises or extols. श्रोघ० नि० ६; श्राया० १, ६, ४, ३;

भागः न॰ ( ध्यान-ध्यायते चिन्यतेऽनेन )
धभ ध्यान वगेरे; अ० थं तर तपने। ओ क्ष
प्रश्नार धर्मध्यान वगेरह, श्रभ्यन्तर तप का
एक प्रकार. A kind of inner austerity such as religious meditation etc नाया० १, १६; भग० ६,
७; १६, १०; २४, ७; उवा० २, ६६;
प्रव० २७२; भत्त० १६०; (२)

<sup>\*</sup> लुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी पुटने। ( \* ). दे लो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने। ट ( \* ). Vide foot-note ( \* ) p. 15th.

थितनं ओध्रथ् चित्त की एकाप्रता. concentration of the mind. सम॰ ४.६: ३२: श्रोव० २०; ३८; उत्त०२६, १२; पिं॰ नि॰ ५६०; सूय॰ १, ६, १६; विशे॰ ३०७; कप्प० ५, ११६; ( ३ ) भतनः २भृति; मनन; स्मृति. meditation: recollection. मु॰ च॰ १, १; भग॰ २, ४; ३, २; दसा० ४, २७; —श्रंत-रिया. स्त्री॰ ( - प्रन्तरिका-प्रन्तरस्य विच्छे-करणमन्तारेका ध्यानस्यान्तरिका दस्य ध्यानान्तरिका ) आर लेल ध्याननी समाप्ति अने अपूर्व ध्यानना अनार ल, भे ध्याननी भध्यभ्यतस्था. ब्रारम्भ कियेहए ध्यान का समाप्ति श्रीर श्रप्रवेध्यान का श्रनारंभ; ध्यान की मध्यायस्था, the state between the end of one meditation and the beginning of another, a temporary break in meditation. भग॰ ४, ४; १४, १; ( २ ) शुक्तभ्यान विशेष. शुक्कध्यान विशेष. त particular kind of purifying meditation e g. upon the soul etc जं॰ प॰ २, ३१; -कोह पुं ( -कोष्ट ) ध्यानरूप क्ष अर. ध्यान रूप भंडार. a. treasure in the form of meditation. विग्नः १; - कोंद्रो-चगन्र पुं॰ ( -क्रोष्टोपगत ) के ध्यान-रूपी डाप्टमां निभन्न है। य ते जो ध्यान रूपी कोष्ट में निमन हो वह. (one) who in immersed in the treasure of meditation जं०प० २, ३१; भगः १, १; --सेवण. न० (-सेवन) ध्यानन सेनन इरवुं ते; ध्यान धरवु ते. ध्यान का

सेवन करना; ध्यान धरना. act of practising meditation. प्रव॰ ३१=;

भाणाविभात्ते. स्री॰ (ध्यानविभाक्ते-ध्यानानां विभाजनं यस्यांसा ) २६ ६ १६। शिक्ष अत्रभातुं २१ मुं. २६ उक्रालिक सूत्र में से २१ वां सूत्र. The 21st of the 29 Utkālika Sūtras नंदी॰ ४३;

भाम ति॰ ( ध्मात-दम्घ ) भणेखुं, हाजेखुं. जला हुआ. Burnt; scalded आया॰ २, १, १, १, जीवा॰ ३, १; पगह॰ १, २; — वग्णा. न॰ ( -वर्ण ) जिल्दबताथी रिक्षत वर्णुं, भथीगयेखता रंग-शामता. उच्व-लता से हीन वर्णे. जले हुए का रंग-कालापन. black clour like that of an object burnt. भग० ७, ६;

भामियः न॰ (ध्मापित ) ओक्षत्रायेक्षुं; खुजा-येक्ष वुभाया हुत्रा. Extinguished. भग॰ ४, २; सूय॰ २, १, १४;

भारी स्त्री॰ ( - ) ४१८ विशेष. कीट. विशेष. A kind of insect. सु॰ च॰ १२, ४६;

भिंगिरा छो॰ (भिंगिरा) ते छं दिय छवनी। ओड जात. जिसकी ३ इंन्द्रियां हो ऐसा एक जीव. A kind of three-sensed living being. पन्न॰ १;

\*भिंभियः त्रि॰ ( \* ) लुण्ये। भूखाः Hungry. वेय० ४, २६;

 $\sqrt{h_n}$  भा॰ I (कि) क्षयपाभनुं; क्षीखु-थवु चय को प्राप्त होना, चीएा होना. To be destroyed, to waste away; to decay

भिभइ विशे० १२०६,

भिभिरी स्री॰ ( मामिरी ) शें अलती

<sup>\*</sup> खुओ। ५४ नभ्यर १५ नी ४८नी८ (१) देखी पृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट(\*). Vide foot-note (१)p. 15th.

वेसडी. एक जाति की छोटी बेल. A kind of small creeper. आया • २,१, 5, ¥X;

क्तिमिया स्त्री॰ ( \* ) જડતા; शरीरना અવયવા જડાઈ જાયતે: સાલરાગમાંના એક रे। ग. जडता; शरीर के श्रवयको का श्रकड़ जाना; १६ रोग में से १ रोग. One of the 16 diseases viz. paralysis of the limbs of the body. आया॰ 9, 4, 9, 902:

√ भिया. धा I. (ध्ये ) ध्यान धरवुं; चिंत-त करतु ध्यान धरना; चिंतन करना. To contemplate; to meditate upon.

क्तियाइ. सूय० १, ६, १६; भग० ३, २; नाया० १: १६; उवा० १, ७७,

क्तियायइ. नाया० १; ३; ६; १४; किश्चायंति. जं० प० ३, ४६;

मियायंति. सूय० १, ११, १६; नाया० १६;

क्तियायांस नाया० १;

क्तियामि, नाया॰ १; ६; १६;

क्सियाए. वि• भग० २, ५;

क्तियाहि, नाया॰ १६;

क्तियायह. नाया॰ १; ८;

कियाइता. सं० क्ट० भग० ३, २;

 $\sqrt{\mathbf{\hat{H}}}$ या घा॰  $\mathbf{I}$ . (धमा) लक्ष्युं; ही $\mathbf{\hat{H}}$ थवुं. जलना; दीप्त होना. To burn; to be ignited. (२) धुअववुं. बुमाना.

to extinguish.

मियाएज. भग० ४, ७;

सियाएजा. भग० १४, ५; वेय० २, ६;

क्तियायमार्याः नायाः १; १४; १६; भगः

२, १; ३, २: ८, ६; द्मा० १०,

३; ४, २४;

\* लुओ ५४ नभ्यर १५ नी प्रुटने।ट (२). देखो प्रुप्ट नम्बर ११ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th

भितिसया. स्री॰ (भितिसका) त्रश् धन्द्रिय વાલા છવની એક જાત. તીન इन्द्रिय वाला एक जीव. A kind of three-sensed living being, पল );

िक्क्षी स्त्री (किश्विका ) ये नाभनी अर्ध वतस्पति इस नाम की कोई बनस्पति. Name of a kind of vegetation. पन्न० १;

भीगा. त्रि॰ ( श्रीम ) क्षय पाने क्षः नष्ट धये कुं. च्रयको प्राप्त, नष्ट. Destroyed; wasted away; consumed श्रीव॰ ३६:

भूंगित पुं॰ ( बुम्चित ) क्षुधायी पीडित; ભુખ્યા. चुवा से पीड़ित; भूखा. Hungry; troubled by hunger. भग॰ १६, ४; मंभिय त्रि॰ ( ब्रभुक्तित ) क्षुधातुर; सुप्याः; हुन ब. चुधातुर; भूखा; दुर्बन. Hungry;

नाया० १: भुति। स्त्री॰ ( मूर्गि ) व्यवाल, स्नावाज,

weak on account of hunger.

Sound. क. गं. १, ४१,

 $\sqrt{25}$ र. घा॰ I. ( 25र ) अरुश्। ५२वी. ३६न ४२वुं. भुरनाः हदन करनाः To ery, to weep, to pine away.

ऋरंति, दसा० ६, १; ४;

भूरण. पुं॰ ( भुरण ) अुरतः, भरतावतुं. पश्चातात करना; क्तरना. To pine away;

to repent. दमा॰ ६, १;

भुसदाह पुं॰ ( भुसदाह ) भुसाने भागवान

स्थात भूमा को जलानेका स्थान. The for burning chaff or place

husk. निसी०३, ६४,

मुसिर. त्रि॰ (श्रुपिर) छिदवासु; पेासुं. छिद्र वाला: पोला. Having leaks or holes; hollow. (ર) ન જિંદ્ર; પાલ छेद, पोलाई. hole hollowness. पगह॰ १, २; स्० प०१, ३; निसी० १७,३६; इस० ५,१,६६;जं० प० उवा० २, ६४; नाया० म; गच्छा • = = ,(૩)વાંસલી ચ્યાદિ સબ્રિંદ્ર વાજિ ત્ર. बांसरी त्रादि सांकेद वाजिन्न. a musica) instrument with holes e.g. a जीवा० flute etc. ३, ४: राय० हप्र; (३) आक्षश श्राकाश. aky. भग० ૨૦,૨; (૪) વાંસલી આદિ સછિદ્ર વાજિ ત્રને शफ्ट. बांसुरी आदि सिद्धिद वाजिनकी आवाज. sound of a flute etc नग प्र, ४, ( प ) भुस्ती कभीन खुली जमीन open space. नाया॰ १; —गोलसंडियः त्रि॰ ( -गोलसंस्थित ) भाली गोलाने आडारे रहेश. खानी गोले के श्राकार से स्थित of the shape of a hollow globe भग० ११, १०;

√ भूस. घा॰ II. ( जुष् ) सेववु; व्यराधवु. सेवन करना. To resort to; to worship. (२) क्षय करना; कृश करना. to destroy; क्य करना; कृश करना. to destroy; to reduce.

मूसेइ. नाया॰ ध॰

मूसंति. भग० १०, ४;

क्रुसित्ता. भग०३,१,नाया०१, उवा०१, ८६; भूसेत्ता. नाया० घ०

भूसणा. स्री० ( जोपणा ) डनें।ने। क्षय डरवे। कर्मी का चय करना Act of destroying Karmas. भग० २, १, नाया० १, (२) सेवा डरवी, अड्ड डरवें. सेवा करना; अहण करना. act of worshipping; act of accepting. नाया०१; ठा०२,२; भूसिम्र-य. ति॰ (जुष्ट) क्षीण करेल; शेषपेलेल. चीम्य कियाहुम्रा; शोषण कियाहुम्रा. Dried up; enfeebled; sucked up उवा॰ =, २४२; जीवा॰ ३, १; मग॰ २, १; (२) सेवा करेल; आराधेल. सेवन किया हुम्रा, आराधन किया हुम्रा. worshipped; served. नाया॰ १; ठा॰ २, २;

भूसित. पुं• ( जुष्ट ) सेवेश्व. सेवित. Worshipped; served. ( २ ) इम ने। क्षय इरेल. कर्मका त्त्रय कियाहुआ. (one) who has destroyed the Karmas. भग• २, १;

भोड पुं॰ ( = ) आऽभाथी पत्राहिन भणेरतुं इच में से पत्रादिक नीचे गिराना. Felling of leaves etc. froma tree. (२) पत्र रिक्षित दक्ष. पत्रों से रहित इच क bare tree. नाया॰ ११,

मोडण. न॰ (\*) दक्षाहिन भ भेन्युं; ६ थाहिने भारत द्वादिक को खंखेरना; फलादिकों को गिराना. Causing the fruits, leaves etc. to drop down from a tree by shaking it or thrashing it. परह॰ १, १;

√ स्तोस. धा॰ II. (चि जुष्) क्षथथे। इत्र होना, करना To waste away; to be destroyed; (२) सेपनु मेनन करना. to resort to; to serve.

मोसेइ. भग० १८, २;

स्रोसित्ताः सं०क्त०भग०१८,२;नाया०१४;१६; स्रोसमागः व०क्त०सु० व० १, ३८४, श्राया०

१, ६, २, १८४;

भोसणा. श्री॰ (जोपणा) सेवन. सेवन. Act

<sup>\*</sup> लुओ पृष्ठ नम्भर १४ नी पुटने।ट (+) देखे। पृष्ठ नम्बर १४ की फुटने।ट (\*) Vide fon-note (\*) p. 15th

Vol 11/111

of resorting to; serving. सम॰ ७; भोसिय. त्रि॰ ( जुष्ट ) ખપાવેલ; क्षय ४रेस. त्त्रय किया हुआ Destroyed; caused to waste away. श्राया॰ १,५;३,१११;

### ट.

टंक. पुं॰ (टक्क ) केना डांडा तुटीगया छाय तेवुं तिणाय जिसका किनारा हट गया हो वैसा तलाव. A pond or a lake with its embankments broken. नंदी॰ ४७; (२) पर्वतनी टाय-डुड. पर्वत का सिरा-शिखर. the summit of a mountain. अयुजो॰ १३४; (३) એક तर्द्धी तुटेल पर्वत. एक तरफ से हटा हुआ पर्वत. a mountain broken on one side. नाया॰ ३; भग० ४, ७; पज० २; (४) न० छापेतुं नाछुं, सिडेडा; छाप सिक्का ठप्पा दिया हुआ सिक्का. a coin; a stamped cnin. पचा॰ ३, ३४;

टंकरा. पुं॰ (टक्करा) ५२ तिवासी न्से २७ ती ओ इ गत. म्लेच्छ की एक जाति; पर्वत का आश्रय करने वाली एक म्लेच्छ जाति A race of barbarians living in hilly districts स्य॰ १, ३, ३, १८; विशे॰ १४४४; (२) 2 इण् नामने। देश टंकरा नाम का देश. a country of that name. भग॰ ३, २,

टकारवग्गपविभक्ति पुं॰ न॰ ( टकारवर्ग-प्रविभाक्ति ) ८ । १ वर्ग ना आ । १ विशेषधी यु । १ ३ १ १ । १ । ना ८ । भा ने। ओ । १ । १ । टकार वर्ग के श्राकार विशेष से युक्त; ३२ प्रकार के नाटक म से एक. Bearing the shape of any of the letters of the lingual class; one of the 32 varieties of dramas राय • ६४; टाल. न • (टाल ) के भां भाटली हे ६ किया पंधाया न हो वह फल. A fruit with its stone unformed. श्राया • २, ४, २, १३=; दस • ७, ३२:

√ टिहियान था॰ II. ( \* ) ખખડાવीने शण्द अरवा. खडखडाकर शब्द करना. To make a sound by shaking an object close to an ear.

टिव्हियाचेइ. नाया॰ ३;

टिटिश्राविन्ति. जं॰ प॰ ४, ११४;

टिट्टियाविजमाण्. नाया० ३;

टिहिभी स्त्री॰ (टिहिभी) टिटोडी; अधिमाथे स्टिश्नी स्त्री क्रिक पक्षीनी ज्यत टिटोडी; नीचे की स्त्रोर सिरकरके लटक ने वाला एक पची.

A kind of birds hanging head downwards, from trees. विवा॰ ३;
— संडस्र. न॰ (-स्रगडक) टिटाडीना छडा. टिटोडी-पचीविशेष का श्रगडा. an egg of a kind of bird. विवा॰ ३;

टोपिन्ना. पुं॰ ( \* ) पाधरी, टापी. पगडी; टापी A turban, a cap. स॰ च॰ १४, १३४;

टोल पुं॰ ( श्रालभ ) पत गीओ. Moth. भग॰ ७, ६; (२) तीड. टिट्टी, तीड. Locust. प्रव॰ १४०; —गति. स्री॰ (-गति) पतंगीयाना केनी गति. पंत-

<sup>\*</sup> लुओ। पुष्ट नन्भर १४ नी पुरनीर (\*) देखों द्वष्ट नम्बर १५ की फ़टनोट (\*) Vide foot-note (\*) P 15th.

of a moth. भग० ७, ६; टोलगइ. स्त्रा॰ (ठोलगति ) टे।स-तीऽनी પેટે કુદતા કુદતા વંદન કરે તે; વંદનાના ળત્રીશ દાપમાંના પાંચમા દાષ. श्रंखफड़व जैसे कुदते हुए वंदना करने वांला; वन्दना के ३२ दोवों में से ५ वां दोव. One of the 32 faults of salutation to a Guru viz. hopping in the act like a grasshopper. प्रव १५०; √दठव. धा॰ I,II. (स्था+िश) स्थापतु; स्थापना असी. स्थापना; स्थापना करना To fix; to place; to set. ठवह. जं० प० ४, ११७; ठवेह. जं० प० ४, ११७; वेय० १, ३७; श्रोव० ३२, निसी० ४. ३०; राय० ७३: नाया० १; २; ७; १६; नाया० ध० भग० ७, ६; २४, ७; उवा० 9, ६=; ६, 9६४; ठवंति. श्रोव० ३३: ठविति, जं० प० ४. ११२: डवेंति. ज॰ प॰ ५, ११४; २, ३३; ठक्यंति. सूय० २, ७, १०; ठवेभि. नाया० १२: ठविजा, वि० उत्त० १, ६; ठवेडि, श्रा० पन्न० १: ठवसु आ० ४० च० ४, १३६; ठविता सं० कृ० उत्त० ६, २; ठवित्ता. सं० कृ० जं० प० ४, ११२; ११४; नाया० ५; वव० ८, ५; वेय० २, १२; उवा० १, ६६; वव० २, १; टवेत्ता नाया॰ १; २; १६; नाया॰ ५० भग० ७, हः ठविज्ञह. क० वा० गंदी० ४६; श्रणुजो०१०; पिं नि॰ ५०६:

ठावेजांति. सु० च० २, ३१९;

गिया की सी गति. Gait like that

ठवेउं. गच्छा० २०; √ हा. ધા∘ I. ( स्था ) ઉભા રહેવું; સ્થિર थवुं. खडा रहना; स्थिर होना. To stand. नंदी॰ ४६: ठाइ. भग०५, ६: ७, ६: विशे०४७०; ६०४; ठाइऊषा. सं० कृ० जं० प० ३, ४५; ठाइत्तए. हे० छ० वेय० १, १६; श्राया० १, ६, २, १४; ठाइता. भग० १८, ३; ठिचा. सं० कु० भग० ३, १; ५, ६; ७, ६; ६, ३१; ३३; १०, १; ११, १०; १४, १; १६, ६; १८, १०, राय० २४१; नाया० ३; १४; निसी०४, १; पन्न०१७; वेय०५,२२; उत्त०३, १७; √हा घा॰ I, II. (स्था) ઉભા २७ेवुं; श्थिर थवं खंडे रहना; स्थिर रहना. То stand; to be steady. ठावेइ. प्रे॰ भग॰ ६, ६; ११, ११; नाया॰ ४, ७; १६; दस० ६, ४, २; ठावयइ. प्रे॰ " ठियो परं ठावयइ परंपि " दस० १०, १, २०; ठावहति. प्रे० श्रोव० २७; ठावेति. प्रे॰ विवा॰ ४, भग॰ १८, २; ठावेमि. प्रे॰ नाया॰ ४; =; भग॰ १३, ६; १६, ४; १८, २; ठावेसो. प्रे॰ नाया॰ १६; ठावेहि श्रा० नाया० १२: ठावेह. श्रा० नाया० =; भग० १= २; ठावइस्साभि प्रे॰ दस॰ ६, ४, २; ठावित्ता. सं० कु० ठा० ३, १; भग० ३, १; नाया० १६: ठावेत्ता. सं० कृ० नाया० ५; ७; ६; ६; १५; भग० ११, ६; १३, ६; ६; उत्त० ६,३२; सग०९,३३;११,११;१८,२; ठार्चित व० कृ० स्० च० ३, ८७; ठाविजाति, क० वा० सम० ३;

ह.

उइत्त त्रि॰ (स्थापित) साधु आवशे त्यारे आपशु अभ धारी स्थापी राणेक्षं; साधु अ टाणवा ये। अथ देवला नामना हेष वाणुं. साधु आवेगे तव देंगे ऐसा सोच कर रक्खा हुआ; साधु को टालने योग्य ठवणा नामक दोष वाला Kept, reserved with a view to be given to an ascetic when he might come; ( this sort of food etc. is to be avoided by a Sādhu). श्रोव॰ ४;

ठइयः त्रि॰ (स्थगित) ढांडेशुं. ढांका हुआ; Covered. " पिहियंतु फलादिगा ठइय" पंचा॰ १३, २७;

ठंडिल न॰ (स्थंडिल ) थंडिले-हिशाओं ज्यानी सूभि. यांडिल तही जाने की भूमि. A ground for answering a call of nature on. नाया॰ १६;

क्ष्टिगियः त्रि॰ ( \* ) छेतरायेक्षाः ढगायेक्षः ठगाया हुत्राः धौका खाया हुन्ना Deceived; cheated. सु० च०४, २८८;

ठवकः पुं॰ (स्थापक) स्थापन करने वाला. (One) who fixes, sets or places. नाया॰ १=;

ठवण. न० (स्थापन) स्थापन ४२वं; भुक्तं स्थापन करना; रखना. Setting; placing; fixing. ापं० नि० भा० २४; — कुल. न॰ (-कुल ) लीक्षायरने भाटे व्याद्धारादिक थापी भुक्ते तेवुं कुस. भिज्ञाचर लिये आहारादिक रख छोडे वह. reserving food etc. for Sādhus begging alma. निसी०४,२=; —ाजिएा. पुं॰ ( -जिन ) કાઇ વસ્તુમાં જિતની કલ્પનा **४२** ते. किसी वस्तुमें जिन की कल्पना करना. imagining Jina in any particular object. प्रव. =७; -पु-रिस. पुं॰ (-पुरुष) पुरुषती स्थापताः प्रकृष की स्थापना setting or establishment by or of a person. ठा० ३, १; --लोग. पुं० (-लोक) थै।ह राज्ये। इसी स्थापनाः चौदह राजलोक की स्थापना. establishment of the 14 Rājalokas ठा० ३, २;

उचिणा स्नी॰ (स्थापना) छवनाथी हे निर्छाय वस्तुमां तेना केवा आकारवाथी थीछ वस्तुनी हल्पना करवी ते; स्थापना निर्देषो. जीववाजी या निर्जीव वस्तु में उनके जैसी भिन्न आकार वाली अन्य वम् कि करनाका करना; स्थापना निर्ज्ञेप. Imagining of one thing in another, animate or inanimate which is similar in form imagining one thing to

<sup>\*</sup> જુએ। પૃષ્ટ નમ્યર ૧૫ ની પ્રુટનાટ (\*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (\*) Vide foot-note (\*) p. 15th.

another thing, Sthahe pauā Niksepa. पन्न॰ ११; विशे॰ २६; ५४; पिं० नि० ५; श्रह्माजो० ८; पंचा० ર,૧**ષ્: (૨) સાધુને માટે અમુક કાલ**પર્ય<sup>ર</sup>ન્ત સ્થાપીને રાખેલ આહારાદિ આપવાથી લાગતા એક દેવા ૧૫ ઉદ્ભમનમાંના પામા દાષ. साधु के उद्देश से किसी समय तक रख छोडा हुश्रा श्राहार श्रादि देनेसे लगनेवाला दोप; १६ उद्गमनों में से ५ वां दोष. the 5th of the 16 Udgamana faults connected with food viz. giving to a Sādhu after specially reserving it for him for some time. प्रव॰ ४७२; पंचा॰ १३, ४; पि॰ नि॰ ६४; (३) धारणानुं ओड नाम धारणा का एक नाम. another name for Dharana. नंदी॰ ३३: - अणंतय. त्रि॰ ( -श्रनस्तक) स्थापनाथी अनन्त छेडे। निद आवे ते. स्थापना से अनंत-ग्रत नहीं श्राता वह. endless in the matter of Sthapana ठा॰ ४, ३; --- अरापुद्दी. सी० (-अनुद्दी ) स्थापेशी -કલ્પેલી અનુપૂરી<sup>૧</sup>-અનુક્રમ સ્થાપિત-क-ल्पित अनुपूर्वा-अनुक्रम. imagined serial order; imagined graded order. अणुजो॰ ७१; —( शिं ) इंद વું॰ (-इन्द्र ) કાઇ પણ વસ્તુમાં ઇદ્રની **५**६५। ५२१ ते. किमी भी वस्तु में इन्द्र की कल्पना करना imagining a particular object to be Indra. 51. ३, १; विशे० ५३; -- कम्म न० (-कर्मन्) પરમતનું ઉત્થાપન કરી સ્વમતનું સ્થાપન **३२वुं ते. श्रन्य मत का उत्यापन कर स्वमत** का स्थापन करना. establishing one's own creed or tenet by refuting another's tenet or creed. 31.

४, ३; —करण. न॰ ( -करण ) हातरडा तसवार वगेरे डरणुने। साइडा डे पत्थर वगेरेमां डरेसे। आडार. दरांता, तलवार आदि हथियार का लक्ष्ड या पत्थर में किया हुआ आकार. a shape or figure of a sword or a scythe carved in a piece of wood or stone. विशे॰ ३३०२:

ठविशिक्त नि॰ (स्थापनीय) स्थापना थे। व्यः ओ अ थालु भू शे हिना थे। व्यः स्थापित कर रखने के योग्य; एक ख्रोर रख छोड़ने के योग्य. Worthy of being kept or fixed; worthy of being set aside. श्रमुजो॰ २; वव॰ २, १;

डिविश्र-य. त्रि॰ (स्थापित) साधु साध्वीने भाटे स्थापी राणेल ( व्याहार वगेरे). साधु साध्वी के लिये स्थापित कर रक्खा हुआ. Kept, reserved for a monk or nun; e g. food etc. पगह० २, १; दस० १, १, ६४; वव० १, १६; नाया० १, २; भग० ५, ६;

टिवियग त्रि॰ (स्थापितक) लुओ। "ठिविश्र" शण्ट देखा " ठिविश्र " शब्द. Vide " ठिविश्र " शब्द. Vide " ठिविश्र " प्रव० १०६: —मोइ. त्रि॰ (—मोगिन्) सम्धुते साटे स्थापी राण्युं होन तेने लेग्यनारः स्थापना होन सेननार (साधु). साधु के वास्ते स्थापित कर रक्खा हो उसे मंगनेवाला, स्थापना दोष का सेवन करनेवाला (साधु) (one) who enjoys food etc specially reserved for a Sādhu and thus incuring the fault known as Sthāpanā. प्रव० १०६:

**ઠિવા. ક્રો. ( સ્થાપિતા )** મલેલ પ્રાયશ્ચિત સ્થાપી મુકે તે, અ:ચાર્યાદિકની વેયાવચ્ચમાં બ્યાધાન પડે તેથી કરવાનું પ્ર.યશ્ચિત વર્ત- भानमां न इरतां आगल ७५२ हरवानुं राणे ते. मिला हुआ प्रायिश्वत स्थापन कर रखना; आनार्यादिक की वैयावच में ज्याघात पड़े इसलिये करनेका प्रायिश्वत वर्तमान में न करते हुए भविष्य के वास्ते रख छोड़ना. Act of reserving an expiatory austerity for a future date in order to avoid disturbance in the service of a Guru etc. ठा०

ठाइ त्रि॰ (स्थायिन्) स्थायी; स्थिर रहेनार स्थायी; बहुत समय स्थिर रहेनेवाला Standing; stationary. क॰प॰४,२३; ठाइयञ्ब. त्रि॰ (स्थापितन्य) स्थापना थे।२५; स्थापनुं. स्थापन करना; स्थापने योग्य. Act of fixing or establishing, worthy of being fixed or established वव॰ ६,४३;

डाण. न॰ (स्थान) स्थान; हेडाएं; જગ્યा; भधान स्थान; ठिकाना; स्थल; मकान A place; a house; an abode. भग॰ ٩, ٩; २, ७; ३, ४; ४, ६; ٩٦, ٤; ٩३, ४: १४, १०; १६, ४; २४, १२; २५, ६; नाया० १; ८; १६; दस० ४, १, १६; ६, ७; ६, २, १७; निसी० ४, २; १३, १; स्त्रोव० १०; सम० १; १०; राय० २३; वत्र० ७, ३: पि॰ नि॰ भा॰ ४७; नंदी॰ ११; उत्त॰ ४, २; श्राया॰ २, २, १६३; सु॰ च॰ ४, ६१; प्रत्रे १८७; कप्प॰ २, १५; गच्छा॰ १२४; क० प० १, ३१; (२) डाઉसञ्गः डायाने करीपण हुआवयी नहीं ते. काउसमा; काया को जरा भी न हिलाना. giving up attachment to the body and practising self-contemplation. जं॰ प॰ ४, ११४; श्रोव॰ १६; सूय॰ १, २, २, १२; नाया० १६; नाया० घ० सम० प०

१६८; वेयत १, १६; (३) लेश्या के अध्य-वसायानुं स्थान, जेरया या श्रभ्यवसायों का स्यान. an abode or source of matter or thought-tint or of thought activity. उत्त॰ ३४, २; भग॰ ४, १०; (४) धर्यः कार्यः an act; a deed. भग॰ =, ६; (१) श्थिति કરવી તે; અધર્માસ્તિકાયનું લક્ષણ. સ્થિતિ करनाः श्रधमारितकाय का लचणः of remaining stationary; the characteristic (fulcrum of rest) of Adharmastikāya उत्त. २८, ६; (६) आडडानुं स्थान, श्रंक का स्थान. the place of figure. अगुजो॰ ૧૪૫; ( ७ ) ઉત્પત્તિસ્થાન; ઉપજવાતું हैशा उत्पत्तिस्थान; उत्पन्न होनेका ठिकाना. source of birth; origin श्रशुजो॰ १२८; ( ८) अवशाय-लूभिप्रदेश. व्यवकाश-भूमित्रदेश. space of land; ground. नाया॰ २; ( ६ ) शरीरने अभु स्थितिमां राभव ते; आसन शरीर को श्रमुक स्थिति में रखना; ग्रासन. a particular posture of the body. कप॰ ३, ५२; उत्त॰ ३०, २६; (१०) पन्नवणुाना धील **५६**नुं नाभ. पन्नवणा के द्वितीय पद का नाम. name of the second Pada of Pannavaņā. पन ० १; (११) त्रीलं આંગસૂત્ર કે જેમાં એકથી દશ પ્રકારતી वस्तुओानुं वर्शन छे. तीसरा श्रंगस्त्र कि जिसमें एक से दश प्रकार की वस्तुश्रों का वर्णन है the third Anga Sutra containing an account of substances ranging from 1 to 10 kinds. नंदी॰ ४४; श्रगुजी॰ ४२; सम॰ १; (१२) स्थिति परिष्णाम. स्थिति परियाम. state of being motionless ৰি॰

नि० ४४०; विशे० ५४७; (१३) स्थान-रिथति३५ गुख. स्थान-स्थितिरूप गुण. the quality of being stationary. ठा॰ २,१; (.१४) યાગ-મન, વચન, કાયાના व्यापारना स्थानक योग-मन, वचन, काया के व्यापार का स्थानक. an abode or source of the activity of the mind, speech or body. क॰प॰१,४; (१५) ઉભા २६ेवुं ते खडा रहना. act of standing. अव. -- श्रंतरः न॰ (-श्रंतर) स्थानान्तरः યાેગના એક સ્થાનથી ખીજું સ્થાન સ્થાના-न्तर; योग के एक स्थान से दूसरा स्थान another place; change stage e. g. from one sort of activity to another. क । ४८, —उक्कडियासिणिया स्रो॰ ( -उस्केटि-कासनिका ) ६५५ आसने भेसनार स्त्री. उकडु श्रासन से वैठनवाली female sitting in a knee-chest posture. वेय॰ ४, २४;--उक्कृह्य. पुं॰ स्त्री॰ ( -उत्कुटुक ) धार्थीत्सर्ग કરીને ઉકુકુ આસને ઉભખડીયે ખેસનાર. कार्योत्सर्ग करके उक्कड श्रासनसे-उभखडिये चैठनेवाला. one who sits on his legs after performing Kāryotsarga ( meditation upon the soul ). नार्या० १; वेय० ४, २४; परह०२, १; भग० २,१; —कम. पुं॰ ( -कम ) स्थान यागाहि स्थानको अनुक्ष्म. स्थान-योगादि स्थानकका अनुक्रम a graded order or order of the sources of the activity of the mind, speech and body etc क०प० ४, २६: - गुण पुं० (-गुण-स्थान स्थितिर्गुणः कार्ये यस्य सः ) अधर्भास्ति अपः સ્થિતિમાં રહાય કરવાના જેના ગુણ છે તે.

श्रथमांस्तिकाय: स्थिति में सहाय करने का जिस का गुण है वह. one that has the property of helping stationary condition; Adharmāstikāya; fulcrum of rest. भग॰ २, १०;--हाइत्ता स्त्रो०(-स्थायिता) अे ३ स्थाने **ઉભા २** हेवं ते. एक स्थान पर खड़े रहना. act of remaining stationary. प्रव॰ ४६१, -- नवग. न॰ (-नवक) नेप श्रुष्टाष्ट्राः नौ गुणस्थान. nineGunastbānas (stages of spiritual development). " नियमा ठाणनवगामि भय-णिज्ञ " क० प० ७, ५; — ठिश्र-य. त्रि० ( - स्थित ) संयभना स्थानहने विशे स्थिति पाभेश, संयम के स्थानक के विषयमें स्थिति-প্রাব্ব. (one) who has reached the stage of asceticism. स्य॰ १, २, १, १६; जं० प० ७, १४१; —पहिमाः स्त्रा॰ ( -प्रातिमा ) स्थाननी प्रतिभा, आसन કે કાઉસગસંગ ધી અભિગ્રહ નિશેષ સ્થાન की प्रतिमा, स्थासन या काउसमा के संबंध में श्राभिष्रह विशेष. a particular vow in connection with bodily posture or Kāyotsarga (contemplation upon the soul) ठा०४, ३;--भइ. पुं॰ ( - भ्रष्ट ) સ્થાનથી-સ યમસ્થાનકથી ભ્રષ્ટ-**भडेदी**। स्थान से सयम-स्थानक से श्रष्ट-गिरा हुन्ना. degraded, fallen down from asceticism नाया॰ ६; —म-गाणा स्रा॰ ( -मार्गणा-मृग्यते इति मार्गणा स्थानस्य मार्गणा ) स्थाननी भाग था; अवतर्थ स्थान की सार्गणा; अवतर्ण the search for a way; descending of incarnation. जीवा॰ १; --लक्खण. त्रि॰ (-लदण) रियति अक्षण युक्त ( अधर्मारित क्षय ).

स्थिति लच्चण युक्त (श्रधमांस्तिकाय). with the characteristic of Adharmāstikāya (fulcrum of rest). भग॰ १३;४, —िविणिश्रोग. पु॰ (-िविनेयोग-स्थाने विनियोग.) ठी १ हे १ छो ० तेऽ युं; थे। अ युं योग्य स्थान में जोडना; योजना करना apt or proper application; proper use. विशे॰ १३२; —समवायधर. पुं॰ (-समवायधर) है। छोंग अने सभवायांग स्त्रने। धर्छार-अछ्नाः ठाणांग श्रोर समवागाग स्त्र को धारण करने वाला-जानेनवाला. one who knows the two Sūtras viz Thānāṅga and Samvāyāṅga वव॰ १०, १६;

टाण्यो त्र॰ (स्यानतः) श्रेष्ठ हिष्ठाज्ञेथी. एक ठिकाने से. From one place. स्य॰ १, १, २, १;

ठाणपदः न॰ (स्थानपद-स्थानस्य पदम् )
प्रतापना सूत्रना द्वितीय पदनुं नामः प्रज्ञान्यना सूत्र के द्वितीय पद का नामः Name
of the 2nd Pada of Prajñāpanā Sūtra भग०२, ७; १७,४;३४,१;
ठाणाइयः त्रि॰ (स्थानायत) अर्थित्सर्थः, अडि-

सम्मिन भासने भेडेब. कार्योत्सर्ग-काउसग्येक श्रासन से बैठा हुद्या. (One) seated in the Kāusagga (meditatvie) posture वेय॰ ४, २३; ठा॰ ४, १; भग॰ २४, ७,

ठायञ्च. त्रि॰ ( स्थातन्य ) स्थिर रेहेवुं स्थिर रहना. Remaining stationary; state of being at rest. प्रन॰ १४=१;

टावश्र. पुं॰ (स्थापक) पक्षने स्थापन करने वाला नार हेतु. पच को स्थापन करने वाला हेतु. A logical reason which establishes one's own tenet. ठा० ४, ३;

ठावहत्तार. त्रि॰ (स्थापीयतृ ) स्थापनार स्थापन करने नाला. ( One ) who places or establishes. दसा॰४,७६; डावण. न॰ (स्थापन) स्थापन ८२वुं ते स्थापन करना. Act of placing or establishing. पंचा॰ ६,३;

डावियः त्रि॰ (स्थापित) स्थापन अरेक्ष. स्थापन कियाहुत्रा. Placed; established. मम॰३४;

डाचेयव्य. त्रि॰ (स्थापितस्य) स्थापन हरवा थे। त्र्या स्थापन करने योग्त्र, Worthy of being established; fit to be placed or established. भग॰ =, १०; १२, ७;

ठिश्र-य. त्रि॰ (स्थित ) स्थिर रहेक्ष; व्यय-स्थित ५रेक्ष; उलु राणेक्ष. स्थिर रहा हुआ; व्यवस्थित किया हुआ; खडा किया हुआ. Steady; kept in order; kept standing. भग॰ ६, ३३; १४, ३; १७, २; २५, २; नाया० १६; श्रोव० २०; २६; उत्तर ३२, १७; दसर ६, ४, २: १०, १, २०; विशे॰ ४; ५४१; दसा॰ ४, १४; वव• ३, ९३; पि० नि• मा० ३२; सु॰ च• १, ३८; का० गं० १, १२; प्रव० २६३; क्षप् ४, १३३; प्रव॰ ४६१; --क्षप पुं॰ ( -करुप ) भरत अने धरवत क्षेत्रेमां પહેલા અને છેલ્લા તીર્થ કરના શાસનના સાધુએાને માટે નિયત કરેલ આચાર વ્યવ-२था भर्थांश भरत श्रौर इरवत चन्न में प्रथम श्रीर श्रन्तिम तीर्थकर के शासन के साधुश्रों के लिय नियत की हुई श्राचार व्यवस्था-मर्यादा. the course of conduct prescribed for Sadhus of the cult of the first and last Tirthankaras of Bharata and

Iravata Ksetras. भग २ २ १, ६; ७; विशे १ १६६; पंचा १ १७, २; प्रव० १ ६; ४६६; — एपा. पुं० ( - म्रात्मन् ) केंत्रें भन धर्म में रिशर हो। वह. one whose mind is steady in the matter of religion. दस० ६, ५०; १०, १, १७; (२) भेक्षिमार्ग मा २ देश स्थातमा मोष मार्ग में रही हुई श्रात्मा. a soul steady in the path of salvation. श्राया १, ६, ५; १६५;

ঠিই. ল্লা॰ (स्थिति) અ.ধুખ্યমান; গ্রহন धात. श्रायुष्यमान; जीवन काल. Period of life; life time, नंदी० ११४: मग० १, १; ४; २, १; ३, २; ६, ५; १४, १; २४, १२, ३६, २; नाया० २; =, ६; १६, १६; नाया० घ० २; जीवा० १; जं॰ प॰ श्रोव॰ ३=; पत्त॰ ४, श्रामाजी॰ १४०; क०प० ५, १४०; उवा १२, १२५; (२) पत्रविशाना वेशिया पहतु नाम, पञ्चवणा के चौथे पदका नाम name of the 4th Pada of Pannavana पन्न. (३) ज्ञानावरखीयाहि ५भ<sup>5</sup>नी स्थिति-अव-स्थान अल. ज्ञानावरणीयादि कर्म की स्थितिः अवस्थान काल. the duration of Karma such as Jñānāvaranīya etc क॰ ग॰ १, २; ४, ९६; सम॰ ४; भग० २, १; नाया० १; पि० नि०६६, उत्त० **૨૪, ૨; (૪) બેસવું; સ્થિર થવું.** स्थिर होना. remaining steady; act of sitting पन २३; नाया० १: पि० नि० ५५; सु० च०२, ३१३; - कंडग (-काएडक) अभीता शिथति भ उने। सभू कमें के स्थिति खंडों का समह a collection of the various durations of Karmas ऋष्य०४,१३; Vol. 11/112

३६; - कम्म न॰ ( -कर्मन् ) स्थिति रूपे ળ ધાયેલ કર્મ; કર્મની સ્થિત स्थित रूप से बंधा हुआ कर्म; कर्म की स्थिति. duration of Karmas. 310 8, 8; (3) स्थिति ५भ<sup>5</sup>; अन्भ संस्कार, स्थिति कर्म; जन्म संस्कार. Karmus causing birth in a particular condition. नाया०१४, -कल्लागु. त्रि० ( -कल्याण-स्थितिः त्रयस्त्रिंशत्सागरे।पम-लक्षण कल्याणं येषांतेः ) इस्याध्यरूप अत्रृष्ट-भां ७८५ हिथनि वाक्षा. हियति कहत्राणः उरकृष्ट में उरकृष्ट स्थिति वाला possessed of the highest duration, सन. ८००; जं० प॰ २, ३१; —काल पुं० (-काल ) स्थिति- धर्म स्थितिनी उद्दीरणाने। **धाध-यामत. स्थिति-कर्म स्थिति की उदीरणा** का काल-समय time of forcing up hastening the maturity of Karmis क॰ प॰४,४२; -क्लप. पुं• ( - चव ) स्थितिने। क्षय; आयुष्यनी सभाप्ति. स्थिति का स्तयः त्रायुष्य की समाप्ति. end of life-period; end of fixed duration. नाया॰ १; =; १४; १६; भग० २ १; ६, ३३; २५, ५; कप० १, २; क०प०६,४; — खंड. पुं॰ (-खयह) કમેની રિથતિના ખડ-કકડા कર્મ की स्विति के खंड-टकड़े. a division or detachment of the duration of Karma. क ० ग ० २, ६२; - इाला. न ० (-स्यान) इम रिथितिना स्थानकः कर्म स्थिति के स्थानक. different conditions of Karmas. क॰ग॰ ४, ४४; —नामानिह-त्ताउ. न॰ ( -नामनिधत्तायुः ) गति लित આદિ નામ કર્મ ની પ્રકૃતિની સ્થિતિને અનુ-सार आयुक्तभी अध थाय ते. गति जाति त्रादि नाम कर्म की प्रकृति के प्रमुसार

श्रायुकर्म का वंध होना. the formation of Ayukarma determined by the nature of the duration of Nāmakarma such as Gati. Jāti etc भग० ६, ७; — निसेग. go ( -निषेक) अभ<sup>5</sup>ती स्थितिमां अभ<sup>5</sup>ना दिलया नाभवा ते. इमें की स्थिति में कमीं के समह को डालना, incurring, adding more Karmas during the continuance of the same kind of Karma. क प २. ७४: ६. १५: —पाडिहाम्र. पुं॰ ( -प्रतिघात ) ७२४ रिथतिने। नाश थाय ते. उच्च स्थिति का नाश होना. destruction of maximum duration (of Karma) as such. ठा॰५,१;-भेग्र. पुं०(-भेद्र) श्थितिना लेह-प्रधार स्थिति के भेद-प्रकार. a variety or mode of duration of Karma. क॰गं॰'५,६४; --रस. पुं॰ (-रस) ४भ<sup>९</sup>नी रिथिति अने रस. कर्म की स्थिति औ। रम the duration and intensity of Karma. क॰ प॰ ३, १०; —रसद्याय. पुं॰ (-रसद्यात ) अभेनी स्थिति अने रसनी धान धरती ते. कर्म की स्थिति और रम की घात करना. destruction of the duration and intensity of Karma. क. प. प, १२; - विसेस पुं॰ ( -विशेष ) अभीनी शिथनि विशेषः विशेष प्रधारती रिथति. कर्मकी स्थिति विशेषः विशेष प्रकार की स्थिति a particular duration of Karma. 40 90 3, ४, क० गं० गं० ४, ५०; —संक्रम पु० ( -संक्रम ) ३भ नी ओ इ रिथित की गवानी હાય તેમાં બાજી સ્થિતિ નાખત્રી ते. कर्म की एक स्थिति भोगते हुए उसमें दूसरी स्थिति ढालना mixing up the

duration of one Karma which is bearing fruit with the duration of another Karma of the same class. कः प॰ २, २८; ४, ३२; —संतठाण. न॰ ( -सत्यान) धर्म संयं ि स्थितिना स्थानध. कमें संयं ि स्थिति के स्थानक. the sources which determine the duration of Karmas. क॰ प॰ ७, २०;

डिइपदः न॰ (स्थितिपद) प्रधापना सूत्रना यतुर्थ पदनुं नाम. प्रज्ञापना स्त्र के चतुर्थ पद का नाम Name of the 4th Pada of Prajñāpanā Sūtra. भग॰ ११, ११;

ठिइवंध. पुं॰ ( स्थितिवन्ध-प्रध्यवसाय-विशेषगृहीतस्य कर्मरालिकस्य स्थितिःकाल-नियमनम् ) ५भ नी रिथतिन। णन्धः ५भ नुं धासभान, कर्म की स्थिति का बन्धः कर्म का कालमान. Duration of the attachment of Karmic matter to the soul. क॰ गं॰ ४, ६४; ४, २१; ६५; क॰ प॰ ४, १२; ठा॰ ४, २; — भवसायः पुं ( - म्रध्यवसाय ) रिथति अधिता हेतु-अन् अध्यवसाया. स्थिति वंध के हेतुमूत श्रध्यवसाय. thought-activity causing Karmic matter to remain the soul for a attached to certain fixed duration. क॰ गं॰ ४, ८५; ५, ६५; —हाग्रा. न० ( -स्थान ) रिथनि अधना स्थानक स्थिति वंध के स्था-नक. a source of or cause of the duration of Karma. क॰प॰१, ४२;

ठिइचडिया. स्त्री॰ ( स्थितिपतिता-स्थितौ कु-लस्य मर्यादायां पतिता प्रत्रज्ञनमादिकिया) कुस वा से।क्रिशी स्थिति, मध्यादा; कुसनी पर-२।राथी यासी व्यावती जन्म महोतसवादि ि अथा कुल वा लोककी स्थिति, मर्ग्यादाः कुल परंपरासे चली त्राती जन्म महोत्सवादि क्रिथा. A practice handed down from one generation to another e.g. the birth of a SOI) श्रोव॰ ४०; नाया॰ १; १४; भग॰ celebrating ११, ११;राय० २५६; कष्प० ५, १०१; हिद्द्य त्रि॰ (स्थितिक) उसु रहेतुं, रिथर थयेथुं. खडा रहा हुम्रा; स्थिर. come steady; standing. उदा० १, ७४, श्रोव॰ ३३, (२) दिथितवाकी स्थितिवाला. steady; standing. भगः हिंद्या. ह्यी (स्थितिका) रिथिति स्थिति Condition; state; state of lasting उवा॰ ७, २०८; भग॰ १४, ६; ित त्रि॰ (स्थित) वित्तमां स्थिर रहेतुं. चित्त में स्थिर रहा हुआ Steadily remaining in the mind श्रगुजा०१३, डिति. पुं॰ (हिंथति ) यतिने। अलाव. गति का त्रभाव. Absence of motion. जीवा॰ ३, ४; (२) (२५५ति; व्यायुष्यकास न्नायुष्यकाल existence; duration of life. भग० २०, १; २४, २०; जं० प० जीवा॰ १; राय॰ २९३; सू॰ प॰ १८, (३) भर्यां मर्योदा. limit. पंचा० २, २६; —नामनिहत्ताउयः पुं॰ (-नामनिघताः युष्क ) ओ ५ प्रशरते। आयु ५ भेता जन्ध. નરકાદિ ચાર ગતિ એકન્દ્રિયાદિ પાંચ જાતિ અને અવગાહનાદિર્પ જે નામકર્મની પ્રકૃતિ त्तिती साथे आयुड भेनु निधत्त थतु नरकादि ४ गति एकेंद्रियादि पाच जाति श्रीर श्रवगाहनादि ह्य जो नमकर्म की प्रकृति उसके साथ श्रायु-कमें का निधत्त होना. determination of Ayukarma in relation to

the various kinds of Namakarma such as the four Gatis e g. hell etc, the five Jatis e. g. possession of one-sense etc; a sort of Karmic bondage in relation to the duration of life. पत्र॰ ६; — भेग्र. पुं॰ (-मेद) इमेनी के स्थित आंधेख होय તેમાં અધ્યવસાયાદિ ખલ<sup>9</sup>ી ન્યૂનીધિકતા કરવી ते कर्म की जो स्थिति बन्धी हुई हो उसमें अभ्यवसायादि वत से न्यूनाधिकता करना. net of changing the fixed duration of Karma by the strength of thought-activity etc ग्रंत॰ ३, ६; —बीडया. ह्री॰ ( -पातिता ) कुंशक्षमागतः कुंशमा आविशी સ્થિત પ્રમાણ, જન્માત્સવાદિ ક્રિયા. इत. कमागत; कुल में आई हुई स्यितिके अनुसार traditionally handed down from one gene-जन्मोत्सवादि क्रिया another family, निरं १, १, —साहण नं ration ( -साधन ) स्थिति-भायार भर्योहा साधी लताववी-हर्शाववी ते. स्थिति-स्याचार मर्यादा की सावना कर दिखना. act of point ing out rule of conduct by practising them पंचा॰ २, २५; **डितिय** पुं (स्थितिक) उभे। रहेनार खडा रहने वाला. One who stands. भग-२४, २०; (२) त्रि॰ स्थितियाथे। स्थिति बाला. standing; steady; lasting. ठिय त्रि॰ (स्थित) २६९४ रहा हुआ Remaining, posted; standing प्रव॰ ७८२,

ਫ.

इंड. पुं॰ ( दग्ड) हंं. दंड; दंडा. A thick short stick. पक॰ ३:

डींड. पुं॰ (दारिडन्) ६९.५।री. दग्डधारा; दग्डका धारण करने वाला. (One) with a stick in his hand. श्रोव॰ ६१;

डंडिखंड पुं॰ (दिश्वस्य ) दुध्ध दुध्ध सीपीने कोदेश पस्त्र. दुकडे दुकडे मॉक्र जोडा हुआ पत्त. A garment made up of fragments stitched together. परह॰ १, ३;

डंभण न॰ (दंभन) हं सक्षरी थीलने श्रवं ते. दंभ करके श्रीरों को ठगना Act of deceiving another by hypocritical show. प्रव॰ ११४:

√डंस. षा॰ I. (दश्) उत्तर्युः इरुऽयुः नाटनाः इंक मारना. To bite; to sting. दसइ. उत्त॰ २७, ४; सु॰ च॰ १, ३४४; दंसावेइ. सु॰ च॰ १३, ४४:

डंसण्. न॰ (दंरान) ऽसवुं; १२७वुं. डंक मारना; काटना. Act of biting, पि॰ नि॰३४=;

डक. न॰ ( दृष्ट ) अंगम सर्पाहिनुं हेर. जंगम सर्गादिका निप. Poisonous effect due to serpent bite etc. ठा॰६, १; (२) त्रि॰ ८ ६ दिधेस. डंक दिया हुआ. bitten; stung. पएइ० १, १; २, ४;

डक्का न्त्री॰ ( उक्का) शिवनु वाल्यु; उभई, शिव वा वार्जित्र; डमह. A sort of small hand drum of the god Siva. सु॰ च॰ १३, ४६;

डगलग. पुं॰ ( \* ) नाना नाना ५थन: अंडरा. झोटे झोटे पत्यर; कंकर. Small

stones; a pebble. । वि॰ नि॰ ना॰ ११; डब्ह. त्रि॰ (द्राय) भक्षी भ्येतुं; भरम थ्येश्वं. जला हुन्ना; भस्मित. Burnt to ashes; burnt. মু॰ ব॰ ৫, ২২২: डमर. पुं॰ (दमर) भे राज्योता है राजहमा-रे।ना परस्पर विरे।धधी ६तेः ७५८व. दो राज्ये श्रयवा राजकुमारी के परसार विरोध मे होता हुन्ना ढाइव. Trouble caused by quarrel among princes of the same royal family. जीता॰३,३; भग०३,७; निसी० १२,३३; पगह०१,२;ई० प०१,९;धोव० ३१; सूय०२, १, १३; ( २ ) दुश्वडः ते।धानः भवने। हह्नडः बखेडा. rebellion: commotion: riot. श्राया २, ११; १७०: उत्त० ११, १३; प्रद० ४४०: -- कर त्रि० (-कर) भवते। तुफान करने वाला. a rebel; (one) who incites others to a rebellion. स्रोव॰ ३१:

डमह्य. न॰ (डमस्क ) ८भ३ नामना वाछत्र. डमह नाम का वानित्र. A kind of drum. नित्ती॰ १०.३३;

√ उद्द. था • I,II. (द्रह्) अवतुं; धअतुं. जतना; दग्य होना. To burn; to get burnt.

ढहइ. विवा० ७;

डहेइ. नाया॰ २;

दहिहेजा. वि॰ दस॰ ९. १, ७; उस॰ १२, २८; इं॰ व॰ प्रसुको॰ १३६;

ढहह. आ०स्य०२,१,१७; मु०च० १०,११४;

<sup>\*</sup> लुओ पृष्ट नम्भर १५ नी प्रुटनेए (\*). देसो पृष्ट नंबर ११ की कूटनेए (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th.

दिहस्संति. सु० च० १०, ११३; उज्मह्-ति. क० वा० उत्त० ६, १४; प्राया० १, २, ४, ६३; १, ३, ३, ११६; । पॅ० नि० ११४; २००; उम्मेति. सु० च० ४, २१९; - दुउमेत्व क० वा० वि० विशे० २१०; दिजमेति. क०वा० म० प्र० ए०सु० च०६,४७; दुउमेत्व क० वा० व० कृ० नाया० १; सम० प० २१०; सु०च०२, ४६६; कप्र०

डरममाण. क॰ वा॰व॰ क़॰स्य॰ १, ४, १, ७; उत्त॰ ६, १४, मु॰ व॰ ३, ३६; डह्ण. त्रि॰ (दहन) भाशवुं. जलाना. Act of burning; setting fire to. पिं॰ नि॰ ४७९:

३, ३२;

स्डहर. त्रि॰ ( \* ) ६ सर्ड; तु॰ छ; नानुं. हलका; तुच्छ; छोटा. Mean, trivial; insignificant. श्रोघ॰ नि॰ १७८; ७१४; श्रोघ॰ नि॰ भा॰ २६०; निसी॰ १२, ३४: क॰ प० १, ८०; (२) भास डे. वालक a child. स्य॰ १, २, १, २; २, ३, २३; श्राया॰ २, ११, १००; श्रंत॰ ६, ३; दस॰ ६, ३, १२; (३) तरुष्. यु१ तरुण; युवक young; youthful दसा॰ ५, २, २६;

डांह्णी. स्री॰ ( डाकिनी ) अध्य. डाकिन. डाकनी. A female ghost; a wench. पगह० १, ३;

हाग. पुं॰ (डाक) पृक्षनी असभी; नानी अस युक्ति डाली; छोटी शाखा. A tender twig of a tree आया॰ २, १०;१६६; (२) अंभी शध नगेरेनी लाल. माजीके भिन्न २ प्रकार. varieties of vegetables used as salads. प्रव०१४२५; डामरिश्र. त्रि० (डामरिक ) विश्रद्ध ६२८१२. विश्रद्ध करनेवाला. (One ) who wages a war. परह० १,२;

हाय. पुं॰ ( \* ) डांनी वत्युझ राध वगेरेती लाळ. भाजी के भिन्न र प्रकार. A variety of vegetables used as salads. दमा॰ ३, १६; पिं॰ नि॰ २५०; प्रव॰ १४२६; ग्राया॰ २, १, ४, २६; (२) त्रि॰ सारूं. श्रद्धा. good. सम॰ ३३;

डायहिई. ली॰ (डायस्थिति) के श्थितियी भांडीने ते प्रकृतिनी कित्रृष्ट श्थितिने। अध्याय त्यां सुधीनी अधी श्थितिओनी डाय-श्थिति अभी संज्ञा छे. जिस स्थिति अभी संज्ञा छे. जिस स्थिति को वंवन्त हो उस तक की सर्व स्थितियों की डायास्थित ऐसी संज्ञा है. A term denoting all the intermediate stages from a particular stage of duration to the highest stage of duration of a particular kind of Karma. क॰ प॰ १; ६६; ३, ६;

\*डाल. न० ( \* ) शाभा; आर्नी अस शाखा; फाड की डाली. A. branch of a tree; a bough of a tree. महा॰ प॰ १००; पंचा॰ १८३६;

श्रुडालग. पुं० ( ः ) शाभानी ओड लाग; अक्षभी शाखा का एक माग; छोटी डाली. A small branch of a tree, an offshoot of a tree. श्राया०७,१,१०, ४=; (२) ६सनां पितडां; न्हानी ४६डी. फल का छोटासा दुकडा−चोर. a small slice

<sup>\*</sup> अओं। ५४ नम्भर १५ नी ५८ने।८ (\*). देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट(\*) Vide foot-note (\*)p 15(h

e g. of fruit. श्राया॰ २, ७, २, १६०; इडाला. स्री॰ ( ६ ) शाभा; अस शाखा: डाली. A branch of a tree; an offshoot of a tree. सु॰ च॰ ६, ३०; डाह. पुं॰ (दाह) असमुं; धअमुं. जलना; दग्ध होना. Act of burning; act of catching fire. पि॰ नि॰ ५००;

डिंडिम. न॰ ( -डिंडिम ) याद्य विशेष; नाने। देात्र. वाद्य विशेष. A. kind of drum. राय॰ ==, जीवा॰ ३, १;

डिंडिमय. पुं॰ (डिग्डिमक) छ। इराने रमनाने।
नान्छे। देश बालकों को खेलने का छोटा
होल. A small drum used as a
toy by children. स्य॰१, ४, २, १४,
डिंव पुं॰ (डिम्ब) छ। ४२१, १४२वी। उगइव;
बलवा. Trouble; rebellion. (२)
६२६त, विध्न. विध्न; तुफान. obstruction; riot. जीवा॰ ३, ३; श्रोव॰ स्य॰
२, १, १३; श्राया॰ २, ११, १७०; भग॰
३, ७, निसी॰ १२, ३३; जं॰ प॰ १, १०;
डिंभ पुं॰ (डिंभ) थालक A
child. श्रोघ॰ नि॰ भा॰ २००; पि॰ नि॰
२१०;

डिंभ श्र-यः पुं॰ ( डिंभक ) श्रांतिक वालक A child. श्रंति ६, १४, निर्॰ ३, ४, नाया॰ २; ४; १=;

डिंभिया स्त्री॰ (डिंभिका) धालिश; अन्या वालिका, कन्या. A young girl नाया॰ १८;

इंगर पुं० ( \* ) डुगर, पर्वत पर्वतः
 पहाडी. A. mountain; a hill. जं०प०
 इंग्र पुं० ( \* ) भावत मानत. An elephant-driver पि० नि० ३८७,

(२) थांडाल (भिष्ठेनर) चांडाल (महेतर).

a person belonging to the untouchable class. सु॰ च॰ ६, ८२;

हुह त्रि॰ (दुष्ट) हुष्ट. हुर्ल्गन. दुष्ट; दुर्जन.

Wicked; bad; evil. दमा॰ ४, ६४;

हुतिपलासम्र. पुं॰ (दृतिपलाश ह) हुतिपक्षाय नामे का उद्यान. A garden named Dūtipalāśa दसा॰ ४, ६;

& डेबण. न॰ ( \* ) ઉલ્લંધન; भी लंगतुं. उलंघन, उलांघना Act of transgressing or going beyond; crossing. श्रोध॰ नि॰ ३९; गच्छा॰ ५२;

डेवेमाण ति ( \* ) अति क्ष्मश् क्ष्मी. (One) who transgresses, crosses or goes beyond. भगः १३, ६;

#डोग्र. पु॰ ( \* ) लाड्यानी याट्वी; लकडी का चादः दाल खीचडी हिलानेक काम में श्राने वाली वस्तु का नाम. A sort of ladle used for stirring broth etc. पि॰ नि॰ २४०;

डेंगर. पुं॰ ( इंगाःशिलावृन्दा श्रोरवृन्दाश्र सन्ति यत्र ) ५६ तः थे। रे। ने रहेवानु स्थान. पर्वत, चारों के रहने का स्थान. A mountain; a place or abode of thieves "पन्त्रयगिरिडोंगर इच्छलभट्टि-मादीए "भग० ७, ६; —डॉच. पुं॰ (डॉब) उाम देश डॉब देश. Domba country. (२) त्रि॰ उं। महेश निवासी. डोम्ब देश निवासी. an inhabitant of the country called Domba. पएइ॰ १, १, पन्न० १;

<sup>\*</sup> जुओ। पृष्ठ नम्बर १५ नी पुरनीर (\*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th

डोंचिलग. त्रि॰ ( डोम्बिलक ) डाणिसहैश निवासी. डोबिल देश निवासी. An inhabitant of the country called Dombils. पगह॰ १, १; पन्न॰ १;

# डोडिगी स्री॰ ( \* ) धाह्मणी, धान्हण जितनी स्त्री. नाम्हण जाति की स्त्री. A female Brāhmaṇa; a female of the Brāhmaṇa caste अणुने।॰ १,६१;

डोल. पुं॰ ( \* ) भधुशना ६थ. महुवा का फत्त. A fruit of a Mahuā tree. " विगईश्रो सेसाणं डोलाईणं न विगईश्रो" प्रव॰ २२०; डोहल न॰ (दोहद) त्रीका मिहना हरम्यान गर्भावती स्त्रीने गर्भाना छवना साथि अनुसार जुडी जुडी ध्रम्थान याभवती स्त्री को गर्भ के जीव के भावी के अनुसार भिन्न भिन्न इच्छाएं हो वह. A variety of desires experienced by a woman in the third month of her pregnancy, these desires foreshadowing the future of the child in the womb. नाया॰१, =; विवा॰७; तंदु॰ १६; सु॰ च॰ १, ३०६;

₹.

ढंक पुं॰ (ढंक) १ंड पक्षी; पाष्णीना छवे।
पर निर्वां डिडिंग से भे पक्षी. ढंक पची;
पानीके जीवोंपर निर्वांह करने वाला एक पची.
A kind of bird feeding upon insects living in the water. पञ्च॰ १, जीवा॰ १; उत्त०१६,४६; सूय०१, १, ३, ३; १, ११, २७; भग॰ ७,६,१२,५; जं॰प॰ ढंकाण. पुं॰ ( \* ) यार छन्दियवादा छवनी योड ल्पा, भाडड चार इन्द्रिय वाला जीव; खटमल. A four-sensed being; a bug. पञ्च०,

स्टंकुण. पुं॰ ( १ ) भाडड. खटमल A bug. जं॰ प॰ (२) ओड ज्यानुं वाि त्र. एक जाति का वािजेंत्र त kind of musical instrument. श्रामा॰ २,११, १६८; —सद् न॰ ( -शब्द) ढांडे श्रु नाभना वािज त्रने। शम्ह ढाकण नाम के वािजन्त्र का शब्द. sound of a musical ins-

trument named Dhānkaṇa. निसी० १७, ३४;

ढक्कवत्थुल पुं॰ (ढक्कवास्तुल) शाह वनस्पिति भेह जात है जें अनतां अनन्तहायि है। ये अ अने अद्या पान विश्व शाह वनस्पति की एक जाति कि जो ऊगनेपर अनंत कायिक होती है और काट डालने के बाद प्रत्येक हेती है A sort of vegetable which contains infinite lives during growth but which becomes Pratyeka (having one life) after it is cut off प्रव०२४२,

ढड्ढर. पुं० (ढड्ढर) अनुधरेण सण्ड, के स्वर-आवाजभा दरदर थान ते, लांलरी अनुभरेण शब्द, जिस स्वर की श्रावान दर दर मां होती है वह A sound resembling that produced by the pronunciation of Dhara-

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ट नम्भर १४ नी प्रुटनीट (\*) देखो पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनीट (\*) Vide foot-note (\*) p. 15th

dhara, an onomatopoetic word

ार्प॰ नि॰ ४२५०; श्रांघ॰ नि॰ मा॰ ५१६;

(२) राढुदेवनु नाम. राहुदेव का नाम.

пате of the god Rāhu. स॰ प॰
२०; प्रव॰ १४४, —सर. पुं॰ (-स्वर)

॰हाटा स्वर-आवाज. वडा स्वर-श्रावाज.

a loud sound. प्रव॰ १७३;

र्छिकण्. पुं० ( । ). भाइड, भटभक्ष. खटमल. A bug. उत्त• ३६, १४५; ढेििख्यालग. पुं॰ (ढेिख्यकालक) पक्षि विशेष;
देव विशेष. पद्मा विशेष; मोरनी; मयुरी.
A particular kind of bird resembling a pea-hen. पर्ह १,१;
ढेिख्यालिया. श्री॰ (ढेिक्कालिका) पक्षि:
देव विशेष मोरनी; मयुरी. A kind of bird, a bird resembling a peahen. श्रगुत्त १,१;
ढोल. पुं॰ (१) ઉट. ऊंट. A camel. जं॰प॰

## ण.

गा ऋ॰ (न) तक्षार; ना; निंढ, निर्पेध नकार; ना, नहीं, निषेध. A negative, not; ११०. नाया० १; २; ५; ५; १४, १५; १६; १८, भग० १, ६; २, १; ३, ७; २६, १; उत्त० १, १४, सूय० १,१, १, २०; राई. स्त्री॰ (नदी) नदी. नदी. A. river नाया० १; योव० ३८; ज० प० १, १०; — कच्छ. ४० ( -कच्छ ) नदीनी पासेनी ગીય ઝાડી, नदी के नजदीक की घनी महाडी. a dense thicket of trees in the vicinity of a river नाया॰ १; एउश्र-या ति० (नवत ) ८०; नेपु ६०: नवे 90, ninety. " सत्तणडण् जीयणसण् धवाहाए श्रंतरे पराणते " भग० १४, ६, जं० प० ६, १२५; ग्उन्त्र-यः न॰ (नियुत्त ) ८४ साभ नियुतांग अभाख डाल विशेष =४लच्च नियुताग प्रमाण काल विशेष. A period of time measuring 84 lacs of Niyutāngas ठा० २, ४, भग० २५, ५; ग्राउत्रा(यं)ग. न० (नियुताङ्ग) ८४ वाभ

અયુત પ્રમાણ કાલ વિશેષ. ८४ लक्त श्रयुत प्रमाण काल विशेष. A period of time measuring 84 lacs Ayuctas. ठा० २, ४; भग०२४,४; गाउइ. स्री॰ ( नवात ) नेवुं; ७०. नव्वे; ६०. Ninety; 90. जं॰ प॰ भग॰ २०, ५; णुडलः पुं॰ ( नकुल ) ने।क्षीउं. नेवला; नकुल. A weasel. नाया॰ ८; १६, पन्न॰ १; उवा० २, ६५; भग० १४, १; (२) न॰ पाद्य पिशेष. वाद्य विशेष a particular kind of musical instrument राय० ==; (३) पुं० पाष्डुगळाने। हीडरी; પાચ પાડવમાના સાથી નાના ભાઇ. पारह राजा का पुत्र; पांच पाएडवों में से सब से छोटा भाई. one of the five sons of the king Pāņdu, so named. नाया० १६: णुउली स्त्री॰ ( नकुली ) सप<sup>र</sup>ने वश **ક**रवानी

विद्या. सर्प को वश करने की विद्या. The

art of charming serpents. জীবা॰

\* जुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने।र (५). देखों पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th

१, ऋप०

गां. श्र॰ ( \* ) वाध्यालं धारः वाध्याना अलं-धार ३५ ओ । शण्दः वाक्यालं कारः वाक्य के श्रलं कार रूप एक शब्दः A particle used as an expletive. " ते गां कालेगां तेगां समये गां " नाया०१; श्रागुजी० ६; भग० १, १; ४, २, ६, ४; दस० ४, १, १३; ६, ११; वव० १, २२; जं० प० वेय० १, ३७; पज्ञ० ९;

णंगर. पुं॰ ( \* ) क्षंधर; वहाधाने राष्ट्री राष्ट्री के सांक्ष्ट्र लगर; जहाज को रोकने की सांकल आदि Anchor विवा॰ ६:

गंगल. न० ( लाइल ) ७४ हल A. plough. पएइ० १, १;

णंगलई. स्त्री॰ (नद्गलकी) એ नामनी એક साधारण वनस्पति. इस नाम की एक साधारण वनस्पति. A sort of vegetable containing infinite lives पन्न॰ ३: भग॰ २३, ४:

णंगलिश्च-य पुं० ( लाइलिक ) सीनानी ६व क्षथमां वर्ध स्वारीमा आगश यावनार सुलाई. सुवर्ण का इल हाथमें लेकर मवारी में आगे चलनेवाला सुमह A warrior who moves in the van of a procession with a golden plough in the hand. जं० प०३, ६७; कष्प० ओव० ६२, ३, ६७;

गंगोतिय. पु॰ ( लाङ्गोलिक ) लांगुलिङ नामने। अतरदीप ५६ अंतरदीपमाने। ओड. लांगुलिक नाम का श्रतरद्वीप, १६ श्रंतरद्वीप में से एक Name of one of the 56 Antara Dvipas ( islands ). ठा॰ ४, २, ( २ ) पुं॰ स्री॰ ते व्यंतरद्वीपमां वसनार मनुष्य. उस श्रंतरद्वीपमें रहनेवाला मनुष्य. a person residing in the above island. पन्न॰ १.

गांद. पुं॰ (नन्द) समृद्ध. समृद्ध. Prosperous. " जय जय खंदा ' कप्प॰ ४, १०=; नाया० १; (२) राजगृह नगरीने। न ६ शम्यायार नामने। शेर्र राजगृही नगरी का नंदनमनीयार नामका सेठ name of a merchant of the town of Rājagrihī, also styled Naudanamaniyara नाया॰ १३; (३) ११ मां તીર્ધકરને પ્રથમ ભિક્ષા આપનાર ૧૧વેં तीर्थंकर को प्रथम भिचा देने वाला. name of the person who first gave alms to the 11th Tithankara. सम० प० २३२; (४) आवती छत्सिपि-ણીમાં થનાર પ્રથમ વાસુદેવ. જ્રામામી उत्सर्पिणी में होने वाला प्रथम वासुदेव the first would-be Vāsudeva in the coming Utsarpini सम॰ (%) એક જાતનું લાહાનું આસન. एक जाति का लोहे का श्रासन. a sort of iron seat. नाया॰ १; (६) सातभा देवले। इत् ओ इ विभान -એની સ્થિતિ ૧૫ સાગરે, પમની છે, એ દેવતા પન્દર પખવાડીએ ક્ષાસોછવાસ લે છે, અને भ ६२ ७ ७०२ वर्षे क्षुवा अपने छे सातवें देव-लोक का एक विमान-उसकी स्थिति १५ सागरोपम की होती है, ये देवता १५ पन्न में श्वासोळ्वास लेते है; श्रीर उन्हें १४००० वर्षी में जुधा लगती है. a lieavenly abode of the 7th Devaloka the gods m which live for 15 Sagaro-

<sup>\*</sup> अंशे। पृष्ठ नम्भर १४ नी पुरने। (\*) देखे। पृष्ट नम्बर १४ की फुटनोट (\*) Vide foo-note (\*) p 15th.

Vol 11/113

pamas, breathe once in fifteen fortnights and feel hungry once in 15000 years सम॰ १५; ( છ ) યાર જાતના વાછ ત્રના સાથે શબ્દ **५२वे। ते बारह जाति के बाजिलों का एक साथ** शब्द करना. a sound produced by playing upon twelve kinds of musical instruments at once पचा" ७, १६; ( = ) की ताभती को इ राज-क्षेमार, इस नाम का एक राजकमार name of a royal prince. नाया॰ =: ( ६ ) પડવા, છડ અને અગીયારસ એ ત્રણ તિચિતુ नाम जुओ " गंदा " शण्ह प्रातिपदा पष्टि श्रीर ग्यारस इन तीन तिथियों का गाम देखे। " गांदा " शब्द. a term denoting the first, sixth & eleventh days of a fortnight. vide. 'गंदा' ज॰ प

णंदकंत पुं॰ ( नन्दकन्त ) सातमां देवले। इनु
ओड विभान डे केनी रिथति ६५ सागरे। ५भनी छे, એना देवता १५ ५५० वर्षे क्षुधा
थाने। इन्हें स्वाने के सात कि स्वाने कि सात दिवले कि सात है होती है उनके
देवता १५ पक्षे सात खाने होती है उनके
देवता १५ पक्षे सात खाने होती है उनके
देवता १५ पक्षे सात खाने होती है अगर उन्हें
१५००० वर्षे में खुधा लगती है Name
of a heavenly abode of the 7th
Devaloka the gods in which
live for fifteen Sagaropamas,
breathe once in 15 fortnights
and feel hungry once in 15000
years. सम॰ १५;

र्णंदकूड पु॰ (नन्दकूट) सातमां हेन्से। इनुं ओ इ विभान येनी स्थित वगेरे खुन्दक्त विभान प्रभाखे ४ छे. सातवें देवलोक का एक विभान; उसकी स्थिति इत्यादि गांदकंत विभान के समान ही है. Name of a heavenly abode in the 7th Devaloka similar to " ग्रंकित" in point of duration of the life of its gods etc. सम॰ १४;

णंद्रग पुं॰ ( नन्द्रक ) ओ नाभनी कृष्णुवासुन्दिय की तसवार इस नामकी कृष्ण वामुदेव की तसवार Name of the sword of Krisna Vāsudeva पण्ड॰ १, ४; णंद्रक्सप. पुं॰ (नन्द्रक्त) सातभां हेन्दिक्तं अक्षेत्र विभान, ओनी स्थिति वगेरे ' णंद्रकंत ' विभान अभाषो छे. सातवं देवतोक का एक विभान, उनकी स्थिति इत्यादि ' णंद्रकंत ' विमान के समान है. A heavenly abode of the seventh Devaloka similar to " णंद्रकंत " in the duration of the life of its gods etc. सम॰ १४;

गांदगा. पुं॰ (नन्दन) समृद्धि समृद्धि. Prosperity; wealth नंदी॰ (२) धुन. पुत्र; लंडका a son. परहर १, १; (३) भरततेत्रना सातमा अधदेव. भरत चेत्र के सातवें बलदेव का नाग. the 7th Baladeva of Bharataksetra. प्रव । १२२४: सम॰ " दिसिभाए गंदणनामं चेइए होत्था" भग॰ ३, १; (४) भे३पर्यंत अपरतं देव-तांग्रीने श्रीश अरवातुं वन. मेरु पर्वत पर का देवतात्रोंके कीडा करनेका वन the forest of sport for gods on the Meru inountain " वणेसु वा णंदण माहु सेठ्ठं "सुय० १ ६, १८, ठा० २, ३; ( ५ ) મહિલનાથ સ્વામિના પૂર્વ ભવ मिल्ल नाथ स्वामी का पूर्व भव. the previous birth of Mallinatha Svami. सम० (६) માકાયા નગરીની ળહારતુ **ઉद्यात मोकाया नगरी के बाहिर का उद्यान.** 

of Mokāyā "तीयेश मोयाए नप-रीए बहिया उत्तर पुरच्छिमे " - कर त्रि॰ ( -कर ) आनंद धरनार, समृद्धि **५२ता२.** श्रानंद करनेवाला, समृद्धि करनेवाला. (one) that delights; (one) that makes prosperous पग्ह॰ १, ४; ग्रंदग्रक्त इं १ ( नन्दनक्ट ) न ६न वनता नव इंटमांनुं. ओक नंदनवन के नौ शिखरा में से एक. One of the nine summits of Nandanavana सम॰ ५००; गांदग्रभद्गः पुं॰ ( नन्दनभद्ग ) भारत्भ भारत्भ व्यार्थ संभृतिविजयना पहेंद्रा शिष्यः माठरम गोत्र के आर्थ संभृति विजय के पहिने शिष्य. The first disciple of Arya Sambhūti Vijaya of Mātharasa family-origin कप = ; गांदगावगा न० ( नन्दनवन ) अभीनती સપાડીથી પાંચસા યાજન ઉંચે મેરુ પર્વત ६५२ आवेस એક वत. जमीन के तल से पांचमी योजन पर मेरू पर्वत के ऊपर का एक बन. A forest on Meru mount 500 Yojanas above the level of the plain. " दो गंद्रण चणा " ठा० २, ३; नाया० ३; जं० प० भग०११, ६; २०, ६, श्रंत० १,१.५ १; (૧) વિજયપુર નગરની પાસેનુ ઉદ્યાન विजय नगर के निकट का उद्यान. a garden in the vicinity of the town of Vijayapura, विवा २, ४; - कूड वि० (-कूट) न हनवनना नव કૂટમાનુ પહેલુ કૂટ શિખર નંદનવન के नौ कूट में से पाइेला कूट शिख( the 1st of the nine summits of Nandanavana, जं॰ प॰ -- द्वास. त्रि॰ (-प्रकाश) नन्द्रनत्त्व सभानः नन्द्रनवन

the garden outside the city

समान. similar to, equal to Nan-danavana. नाया॰ थः

णंदण्यत. न० (नन्दनवन) ळुओ " णंदण-वण " शण्द. देखो " णंदणवण " शब्द Vide " णंदणवण " जं० प० ५, १२०; नाया० ५;

णंदणम पुं॰ (नन्दप्रभ ) सातभा देवली अनुं ओड विभान, अना देवता १५ ५००० वर्षे धःसी छ्वास के छे, अने १६००० वर्षे छुए सात छे. सात वें वें वर्णे का एक विभान, उसके देवता १६ ५६ वर्षे में खुधा लगती है. A heavenly abode of the 7th Devaloka, the gods in which breathe once in 15 fortnights and feel hungry once in 15000 years. सम॰ १६; णंदमिण्यार पुं॰ (नंदमिण्कार) अनाभने। अड शेर्ड-स छु।र. इन नाम का एक सेठ-साहूकार Name of a merchant. नाया॰ १३,

ग्रंदमाग् त्रि॰ (नन्दत्) सुभ भागवता सुख भागता हुआ Rejoicing तंदुः

णंदलेस्स पु॰ (नन्दलेश्य) सातमां हेन्सी इनु
ओड विभान-नधारे भाटे अर्जी "णंदकंत"
शण्द मातवें देवलोक का एक विभान-विशेष खनासे के लिये देखों " णंदकत " शब्द. A heavenly abode of the 7th Devaloka For further inform ation vide " णंदकंत" सम॰ १५,

गुंदवग्ण पु॰ (नन्दवर्ण) सातमां हे। क्षेष्ठनुं ओड पिमान. सातवे देवलोक का विमान A heavenly abode of the 7th Devaloka. सम॰ १५;

णंदविद्यणीः स्त्री॰ (नन्दविद्यंनी ) पूर्विशाना रुयक्ष पर्वात अपर वसनारी आक्ष्मांनी ये।धी हिशाहुभारी. पूर्व दिशा के रूचक पर्वत के ऊपर वसने वाली घाठमें मे चार्या दिशा-कुमार्ग. The fourth of the eight Disākumārīs residing on the Ruchaka mountain in the east. जं०प०

र्णद्सिंग. पुं॰ ( नन्दर्शृग ) सातभां देवेशे हिनुं ओ ह विभान; जुओ। " ग्लंदकंत " राण्ट. सातवे देवलोक का एक विमान; देखों " ग्लंद-कत " शब्द. A heavenly abode of the 7th Devaloka; vide " ग्लंदकंन" सम॰ १४;

र्णेद्दिन्दः. पुं॰ (नन्द्रसिष्ट ) सातमां देवेदी हतुं ओह विभानः शुक्ता " ग्रंद्कंत " शुक्रः सातवें देवलोक का एक विमानः देखों " ग्रंद् कंन ' शब्दः. A heavenly abode of the seventh Devaloka; vide " ग्रंद्कंत" सम॰ १५;

र्गदा. र्ह्रा० ( नन्दा ) ५:वे।, ७३ अने अभी-यारस ये त्रश तिथीनं नाम. प्रतिपदा. पिंट श्रीर ग्यारम इन तीन तिथियों का नाम A term denoting the 1st 6th and 11th dates of a fortnight. (२) शीनव नाथनी भातानुं नाभ, शांतल नाथ की माता का नाम, name of the mother of Sitalanātha. प्रवृद्दरः सम॰ (३) पूर्व २२३ पर्व तपर वसनारी આદમાંની ખીજી દિશા કુમારી पूर्व क्चक पर्वत के ऊपर वसने वाली श्राट में से दूसरी दिशा इसारी the 2nd of the 8 Diśākumārīs residing on the Ruchaka mount in the east. जं॰ प० (४) रतिक्षर भवीत ७५२ छ्यान ६४नी अश्रमिद्धिनी राज्यानी. गतिकर पर्वत के ऊपर इशान इंड की अप्रमहिषी का पाट-नगर. the capital city of the

principal queen of Isana India on the mount Ratikara. जि.४.२: ( ક ) અંજન પર્વાત ઉપરની એક વાવનું નામ કે જે એક લાખ જોજનની લાંખી પહેાલી अने २० क्लेक्सनी अंडी छे. श्रंजन पर्वत के जपर की एक बावड़ी का नाम कि जो एक लच योजन लंबी चौड़ा श्रीर दसयोजन गहरी. है. name of a well on the mount Añjana having length and breadth of one lac Yojanas and 10 Yojanas in depth. जांबा॰ ३,४; ठा० ४,२; नाया० १, निसी० १, ૧; ग्रंत॰ ७, ६; (६) श्रेश्इ राजनी એક રાણી. श्रेणिक राजा की एक रानी. a queen of the king Śrenika. जं॰ प० ५, ११४: १२३; नेया० १; गुंदापुक्खारिणी स्त्रं॰ ( नन्दापुकारिणी )

સાલ વનમાંની ગાર બાવડીએ।. मेर से नाय-व्य कोने में ५० योजन पर भद्रसाल बन की चार बावड़ी. The 4 wells in Bhadrasāla forest at a distance of 50 Yojanas in the north-west of Meru. जं॰प॰ ४, १०३; नाया॰ १२; ( ર ) સૂયભિતા વત્રખંડમાંના મહેન્દ્રધ્વજ આગલની એક વાવ કે જે ૧૦૦ જોજન લાંખી ૧૦ જોજન પહેલી અને દશ જોજન © डी छे. सूर्यामके वनखंड में के महेन्द्रध्वज के श्रागे की एक वावड़ी कि जो १०० योजन लंबी ४० योजन चौड़ी और दश योजन गहर्रा है. a well 100 Yojanas in length, 50 Yojanas in breadth and 10 Yojanas in depth in the vicinity of Mahendradhvaja in a forest of Sūryābha বাৰ০ ৭২৩; (૩) ચંપા તગરીની ળહારની એક પાવડીનું

મેટ્થી વાયવ્ય ખુણે ૫૦ યાજન ઉપર લક્ષ્

नाभ. चंपा नगरी के बाहर की एक बावड़ी का नाम. name of a well outside the town named Champa नाया॰ २;

गुंदापोक्खरिगी. स्री॰ (नन्दापुष्करिगी)
लुओ। " गंदापुक्खरिगी " शण्६ देखो " गंदापुक्खरिगी " शब्द. Vide " गंदा पुक्खरिगी " नाया॰ १३;

र्णदावत्त पु॰ ( नन्दावर्त ) भांयभां देवले।५ना धन्द्रना विभानना व्यवस्थापष्ट हेवता. पांचवें देवलोकके इंद्रके विमानका व्यवस्थापक देवता. The deity in charge of the heavenly abode of the Indra of the 5th Devaloka. जं॰ प॰ ४; (२) સાતમા દેવલાકનું એક વિમાન; એની રિથતિ ૧૫ સાગરાપમની છે. એ પંદર પખવાડીએ ધાસો વાસ લે છે, એને ૧૫૦૦૦ વર્ષે ભૂખ **क्षांगेछे. सातवें देवलोकका एक विमान. इस** की स्थिति १५ सागरीपम की है. यहां के देवता १५ पत्त से श्वासोच्छवास लेते हैं व १५००० वर्ष में उन्हें भूख लगती है. name of a heavenly abode of the 7th Devaloka similar to Nandakanta in the matter of life of its gods etc. सम॰ १५; (३) नवभुषा वादी साथी थे। नौ कोने वाला साथिया. a kind of auspicious mark with nine angles. जं ० १०४, १२२; राय० पन्न० (४) यार छन्द्रिय वाली ९ विशेष चार इंदिय वाला जीव विशेष a kind of four-sensed sentient being. जीवा॰ १;

र्ण्वि. पुं॰ (निन्द-नन्दनं निन्दः, नन्दिनत प्राण्विनोऽनेनास्मिन् चेति नान्दिः) आन्दः; अभेदः प्रानन्दः, प्रमोदः Joy, rejoicing. ठा॰ ४, २; प्राया॰ १, ३, २, ३; नाया॰ १;

( 3 ) शैर्श भेरिनीय इमें. गौरा मोहनीय कर्म. secondary or subordinate Mohaniya karmas. सम॰ ४१; (४) ખાર પ્રકારનાં વાછ ત્રોના સમુદાય. वारह प्रकारके वाजित्रोंका समुदाय. a collection or set of twelve kinds of musical instruments. राय०११४,उत्त०११, १७; ( ५ ) એક જાતનું ઝાડ. एक जाति का बृत्त. a kind of tree. नाया॰ १; (६) એ નામના એક દ્વીપ અને એક સમુદ્ર. इस नाम का एक द्वांप और एक समुद्र name of an island; also of an ocean. पन्न० १४; —गर. त्रि० ( -कर ) वृद्धि કरनार. बृद्धि करनेवाला (one ) that causes prosperity, नाया॰१;—घोसः पुं॰ ( -घोस ) બાર પ્રકારના બાછ ત્રની थ्यपाल. बारह प्रकार के नाजिनों স্থাৰান a sound produced by playing upon twelve kinds of musical instruments at once. ज॰ प॰ २,११६; राय०११४,(२ ) नन्दिना लेवी अवाल अनार. नंदीके समान श्रावाज करने वाला. (one ) who produces the above kind of sound. श्रोव॰ ३०; तंदु - चुराण्ग. पुं० ( -चूर्णक ) ચામુક દ્રવ્યના સંયોગથી ખનાવેલું ચૂર્ણ. श्रमुक द्रव्यके संयोग से वनाया हुत्रा चूर्ण. powder prepared by mixing together particular ingredients. स्य० १, ४, २, ६; —राय. पुं॰ ( –राग ) સમૃદ્ધિથી ઉત્પન્નથયેલ હર્ષ. समृद्धि से उत्पन्न. हर्ष. joy arising from prosperity. भग॰ २ —स्सर. gं॰ ( -स्वर ) भार प्रधारना वाछ त्राना अवाजः बारह प्रकार के वार्जित्रां श्रावाज, chorus of sound

produced by 12 kinds of musical instruments. जीवा॰ ३, तंदु॰ राय॰ ११४;

गंदिप्रावत्त पुं॰ (नन्दावर्त) नवभुश्वायां साथीओ नौ कोने वाला साथिया. An auspicious mark with nine angles. श्रोव॰ जं॰ प॰ ४, १९६; (२) पांथमा देवले। इन का विमान the heavenly car of the Indra of the 5th Devaloka. श्रोव॰ २४,

णंदिघोसा स्रो॰ (नंदिघोषा ) थिएत हुमार देवतानी धटा थिएत कुमार देवताका घंटा The bell of the deity named Thanita Kumāra. जं॰ प॰

गंदिज्ञ न॰ (नदेय) २थितर आय रीहिश्थी नीडिलेस हिद्देशश्नं पांचमुं धुस स्थावर आर्य रोहण से निकलाहुआ उद्देहगण का पाचवांकुल The 5th family off shoot of Uddehagana originating from Sthavira Aryarohana कप्प॰ =,

गंदिजामाण ति॰ ( नन्यमान ) सभृद्धि वधा रते। समृद्धि बढताहुन्ना Causing growth or advance in prosperity. न्नोव॰

णंदिणीपिय पुं॰ ( निद्देनीपितृ ) स वथी नगरीने। रहेवाशी ये नामने। गाथापित सावधी नगरी का रहनेवाला इस नामका गाथापित. Name of a Gathapati (merchant)residing in the town of Savarthi. 'तत्थणं सावत्थीए गंदिणी पिया णामं गाहावई' उवा॰ ६, २६८,

रांदिपुर. न॰ ( निन्दपुर ) शाष्ट्रित देशनी राज्यधानी शागिडल देश का पाटनगर. The capital of the country called Śāndila. प्रव॰ १६०३;

गंदिफल. न० (नंदिफल) ओ नाभनुं १क्ष इम नाम का १त्त. Name of a tree. नाय ० ५; (२) ओनुं प्रतिपादन ६२नार शाता सूत्रनुं ती जुं अ ७४४न. इसका प्रति पादन करनेवाला ज्ञाता सूत्र का तीमरा श्रध्ययन the 3rd chapter of Jñātāsūtra describing the above. नाया ० १,

णिदिमित्त. पु॰ ( नांदिमित्र ) भिंदिनाथ साथे दीक्षा क्षेतार नांदिभित्र धुभार. मांह्यनाथ के साथ दीला लेनेवाला नांदिमित्र कुमार. Nandimitra prince or a young boy who took Diksā (entered the order of monks) along with Mallilnātha नाया∘=;

र्णेदिमुंइग न॰ ( नन्दिमृदंग ) श्रेष्ठ अधारतुं पार्कित्र. एक प्रकार का वार्जित्र. A. sort of musical instrument. राय॰

गंदिमुह पुं॰(निदमुख) भे आगशी प्रभाष् शरीरधारी पक्षी विशेष. दो उंगालियां के प्रमाण का शरीरधारी पद्मी विशेष A kind of bird with a body of the size of two fingers. पगह॰ १, १, श्रोव॰ जं॰ प॰

गंदिया. स्री॰ (निन्दता) न हिता नामनी गांधार श्रामनी पहें श्री भूर्छना नंदिता नाम की गांधार प्राम की प्रथम मूर्छना The primary tune of the Gandhara pitch in music ठा॰ ७, १;

गंदियावत्त पुं॰ ( नन्दावर्त ) नवभुशायाते। स.धीओ नव कैाने वाला साथिया. An auspicious mark with nine angles जीवा॰ ३, ३; राय॰ (२) ध्रक्ष-देवते। केत पुरतां भुसाक्ष्री विभान. ब्रह्म देव-लोक के इन्द्र का विमान the heavenly car of the Indra of Brahma Devaloka. ठा॰ =, १; (२) भे धिद्रेय- वाली छ्वित्रिय. दो इंद्रिय वाला जीव विशेष- a kind of two sensed sentient being. पत्र॰ १; (४) धिष अने महा- धोष इन्द्र के लोकपाल का नाम. name of the protector of the quarters owing allegiance to the Indras named Ghosa and Mahāghosa. ठा॰ ४, १;

गंदिरुक्ख, पुं० ( नंन्दिवृत्त — मृत्वाचां भूमिंतिष्टतीति ) पीपक्षी; ओड कातनुं आड.
पीपल; एक प्रकार का वृत्त A kind of
tree; the Pipala tree, ficus
religiosa ग्रोव॰ जीवा॰ मग॰ २२, ३;
पन्न॰ १; सम॰ प॰ २३३;

गांदिपद्धण पुं० ( निहदर्इन ) એ नामने। ओ । राज धुभार. इस नाम का एक राजकुमार A prince of this name. ।वैवा॰ ६; शांदिवद्धशा श्री० (निन्दवर्द्धना) अंगत પર્વત ઉપરની એક વાવડી જે એક લાખ જોજનની લાંખી પહેાલી અને દસ જોજનની एंडी छे श्रंजन पर्वत के ऊगर की एक बावडी का नाम, जो एक लच्च यांजन लंबी चौडी है श्रीर दश योजन गहरी है Name of a well on the mount Anjana, one lac of Yojanas in length and breadth and ten Yojanas in depth. जीवा० ३, ४; ठा० ४, २: (२) ३यड पर्वात अपरती ओक हिला क्रमारी रुचक पर्वत के ऊपर की एक दिशा-कमारी a Dıśākumārī on the mountain Ruchaka ठा० =, जं० प० ४, ११४, गंदिसिगा. स्री०(नदिपेगा) पश्चिम अंजन

पर्व त अपरती ओह जावडी, पश्चिम श्रंजन

पर्वन के ऊपर की एक बावडी. A well on the western Añjana mount. जीवा॰ ३, ४:

गंदिसेगा पुं॰ ( निन्दिषेण ) भथुरा नगरीना दाम राज्यना कुंवरनुं नाम मथुरा नगरी के दाम राजा के कुंवर का नाम Name of the son of the king Dāma of the town of Mathurā. ठा०१, (१) गातमना पुत्र; निन्दवर्धनने। शिष्य गौतम का पुत्र, निन्दवर्धनने। शिष्य गौतम का पुत्र, निन्दवर्धनका शिष्य a son of Gautama 'and disciple of Nandivardhana. तंदु

एंदिसेएा. स्नं॰ (निदिषेणा) पूर्व अलन पर्वत हिपरनी ओड पावनुं नाम. पूर्व श्रंजन पर्वत के ऊपर की एक बावडी का नाम Name of a well on the eastern Añjana mount जीवा॰ ३, ४; (२) पूर्व इयड पर्वत हिपर रहेनारी हिशाडुमारी पूर्व इचक पर्वत के ऊपर रहने वाली दिशाडुमारी. the Disākumārī residing on the eastern Ruchaka mountain ठा॰ =;

गंदिसेगिया ह्री॰ ( नान्दिपेगिका ) श्रेष्पुक्ष राज्यनी राष्ट्री के जेने। अधिकार अन्यक्ष्म क्ष्म स्थान स्थान

र्णंदिस्सर पुं॰ ( नन्दोश्वर ) आर्डमे। नंदी-श्वर नामने। द्वीप आरुवां नंदीश्वर नाम का द्वापे Name of the 8th island or continent named Nandīśvāra. ठा॰ ४, २;—दीन पुं॰(-द्वीप) नन्धिश्वर नामनी आहेमे। द्वीप. नन्दिश्वर नाम का श्राठवां द्वीप. the 8th island or continent named Nandisvara. भग॰ २०, ६; गुंदिस्सरा स्त्री॰ ( नन्दिस्वरा ) वायुकुमार देवता का घंटा. The bell of the deity named Vāyukumāra जं॰ प॰

गंदी स्त्री॰ (नंदी) लुओ " गंदि " शण्ट. देखो " गंदि " शब्द Vide " गंदि " जीवा॰ ३, ४, — चुगगा न॰ ( -चूर्णंक्त) लुओ " गंदिचुगगा " शण्ट. देखो गदिचुगगा " शब्द vide " गंदिचुगगा ग " सूय॰ १, ४, २, ६;

णदीसर. पुं० (नन्देश्वर ) लुओ। "गादिस्सर" शण्टः देखो " गाँदिस्सर" शब्दः Vide " गाँदिस्सर" नाया० म, जं० प० ५, ११७; गाँदीमुहः पु० ( नन्दिमुख ) पक्षि विशेषः पृची विशेषः A kind of bird. प्रह० १,१, —दीवः पुं० (-द्वीप) लुओ। उपदी। शण्टः देखो कपर का शब्दः vide above. नाया० म;

णंदीसरवर पुं० ( नन्दीश्वरवर ) એ नामनी ओड द्वीप इस नाम का एक द्वीर. Name of an island ठा० ४, २, ७, जीवा० ३, णंदीसरवरोद पुं०(नन्दीश्वरवरोद) એ नामनी એड सभुद्र इस नाम का एक समुद्र. Name of an ocean. जीवा० ३:

गुंदुत्तर. पुं॰ ( नन्दोत्तर) भवन पतिना ५ ६ना २थने। अधिपति. भवन पति के इंद्र के रथ का श्राधिपति. The person in charge of the chariot of the Indra of Bhavanapatı gods. ठा॰ ५, १;

गांदुत्तरा स्त्री॰ (नन्दोत्तरा ) रित क्षे पर्वत ઉपरर्न धिशानेन्द्रनी अग्रमधीपीनी राजधानी रितकर पर्वत के ऊपर की इशान ईंद्र की अप्रमहिषी का पाटनगर. The capital of the principal queen of Isana Indra, on the mount Ratikara. जीवा० ३; (२) भूर्य अंजनभर्यत ७५२-ની એક બાવડીનું નામ. पूर्व श्रंजन पर्वत के अपर की बावडी का नाम. name of a well on the eastern Anjana mount. ठा० ४, २; जीत्रा॰ ३; ( ३ ) મન્દર પર્વાતના રિષ્ટકૃટ ઉપર વસનારી દિશા इमारीमानी ओह. मन्दर पर्वत के ऊपर रिष्ट शिखर पर रहनेवाली दिशाकमारियोंम से एक. one of the Disakumaris residing on the summit Rista of the Mandara mount. जं॰प॰५,११४,(४) પૂર્વ દિશાના રચક પર્વત ઉપરની એક દિશા ५भारी पूर्व दिशा के रुचक पर्वत ऊपर की एक दिशाकुमारी. a Diśākumātī residing on the eastern Rucha ka mount जંબ્પ (પ્ર) એ નામની શ્રેણિક મહારાજની રાણી કે જેના અધિકાર અંતગડસૂત્રના સાતમાં વગ<sup>ર</sup>ના ત્રીજા અધ્ય-यनभा छे. इस नाम की श्रीणिक महाराजा की रानी कि जिसका वर्णन श्रंतगड सूत्र के सातवें वर्ग के तीसरे अध्ययन में है. & queen of the king Śrenika, so named, who is mentioned in the 3rd chapter of the 7th section of Antagada Sūtra. श्रंत॰ v, 9;

७, १; गंदुत्तरावर्डिसगः पुं० ( नन्दोत्तरावतंसक ) सातभा देवले। इनुं ओ इ विभान; ओनी स्थिति पदर सागरे। पभनी छे ओ देनता पंदर पण वाडीओ श्वासी व्यास ले छे, ओने १५००० वर्षे श्लुधा लागे छे. सातवें देवलोकका एक विमान; उसकी स्थिति पंद्रह सागरोपम की है; ये देवता पंद्रह पहमें श्वासोच्छावस लेते हैं; उन्हें

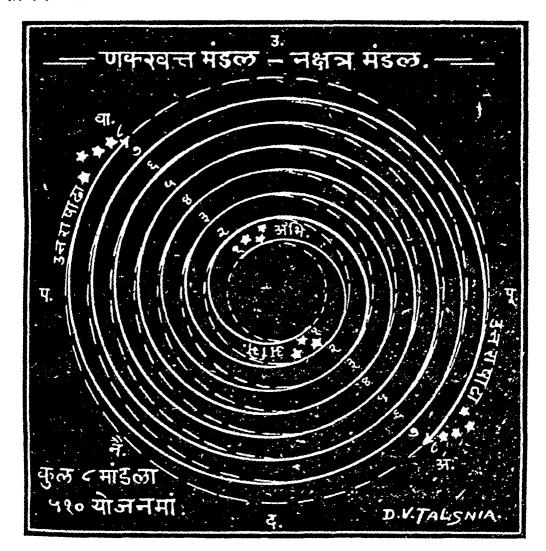
h a v tl

# सचित्र अर्ध-मागधी कोष

#### - णक्रवत्त - नक्षत्र. -

- 14441-1417.			
अभिभिन् नारा ३	अवण ३	र्धिनेष्टा ५	इानमियक् १००
			AND THE REAL PROPERTY.
1100			
		4111	
			(3.5.E)
गायना मस्तकाकारे	कावड.	पक्षिनुं पिंजर.	विखरायगा फुल
पूर्वा माह्रपद २	उत्तरा मात्रपद १	रयती ३१	अभ्यनी ३
			Min
			Service Control
			1
		1	
अर्थ पाय.	अर्थ याव. कृत्तिका ६	नामा – यहाण. रीक्षणी ५	धोडार्नु स्कंभः मृगशिर ३
AND DESCRIPTION OF THE PROPERTY OF THE PROPERT		AMERICA	
			- 600
भग-योनी.	नाविनी क्षेयळी.	गाडानी उप.	हारणन् मस्तक.
आहाँ १	पुनर्वसु ५	पुष्य ३	अस्लेपा ६
			A SECTION AND ADDRESS OF THE PARTY OF THE PA
			NEW
			33
रुधिरनं बन्द.	<u> সাজত্ম</u>	वर्धमान - सरावलुं.	पनाका-धजा
मधा ७	पूर्वी फाल्गुनी २	उत्तरा पत्रल्गुनी २	हस्त ५
			想为
भागल गढ		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	हाथनी फी.
चित्रा १	अर्थ पल्चिक स्याति १	अर्ध पल्चिक. विशारवा ५	अनुराधी ४
A STATE OF THE STA	A STATE OF THE STA		AMERICA
विकस्युं फुल.	खीली.	दामणी.	एकावली हार.
ज्येष्ठा ३	मूल ११	पूर्वाचाठा ४	उत्तराषादा ४
इस्ति देत.	विच्छी.		बठेल गिह
प्रतिस्थ देश.	।यच्छा.	हस्तिनी चाल.	SANIA:

## साचित्र अर्ध-मागधी कोष





१२००० वर्ष में जुधा लगती है. A heavenly abode of the 7th Devaloka, the gods in which live for 15 Sāgaropamas, breathe once in 15 fortnights and feel hungry once in 15000 years. सम॰ १५;

ग्रंदोत्तरा. स्री० ( नंदोत्तरा ) लुओ। 'ग्रंदुत्तरा' शण्ध देखो 'ग्राहुत्तरा' शब्द. Vide. ''ग्रंदुत्तरा'' जीवा० ३; ४, जं० प०

एक पु॰ (०) नाः नासिः नाकः नासिकाः The nose. जीवा॰ ३, ३; श्रोव॰ ३८, विवा॰ १, १,

णुक. पु॰ ( नक्र ) ओ ४ ज्यतने। भर्थ. एक जातिका मगर. A kind of alligator. पन्न॰ १; जीवा॰ १,

एक्ख. पु॰ (नख) तथ. नख; नाख्न.
A nail on a finger or a toe
श्रोव॰ १०; जीवा॰ ३, ३; सू॰ प॰ १०;

एक्खत्त. न॰ (नचत्र) अिलिश्त पगेरे २८ नक्षत्रः आडाशमा यंद्र तथा सूर्यंनी साथे शितरनार ज्येतिपी देवतानी ओड जात (आ अधा नक्षत्राना आडार अने नाम यित्रमा दर्शांवेश छे). श्राभिनित इत्यादि २० नच्छतः श्राकाशमें चंद्र श्रोर सूर्य के साथ गतिकरनेवाल ज्योतिपी देवता की एक जाति (इन २८ नच्छेतो के श्राकार श्रोर उनके नाम चित्र में यतनाये गये हैं) Any of the 28 constellations such as Abhilita etc a class of planetery derties associated in motion with the sun and moon (the shapes and names of these constellations

are given in the picture) नाया॰ १: ४;८; भग०१४, १;१८, ७, जीवा०३, ४: पन्न १५; श्रोव० २५, ४०; श्रगाजी० १३१; १४३; सम० २७; सू० प० १०: १४; जं० प० ७, १४०; १४६; -मंडल. पुं० ( -मगडल ) नक्षत्रोने। आधाशमां याल-વાના રસ્તાઃ નક્ષત્રના માડલાઃ અધ્વિની આદિ ૨૮ નક્ષત્રા આકાશમાં જે લાઇન ઉપર ક્રે છે તે લાઇનને નક્ષત્ર મડલ કહેવામાં આવે છે તેવા નક્ષત્રના માડલા ૮ છે જેટલા ભાગમાં સૂર્વના ૧૬૩ માડલા છે ચન્દના ૧૫ માંડલા છે એટલા ભાગમા नक्षत्रना ८ भाउसा छे. नचत्रों का फिरने का मार्ग, नत्तत्र का मग्डल; श्रश्विनी श्रादि २० नक्तत्र श्राकाश में जिस प्रदेश पर फिरते हैं उस प्रदेश का नक्त्र मएडल कहते हैं. एमे नक्तत्र मएडल = हैं जितने प्रदेश में सूर्य कं १८३ मएडल हैं खोर चन्द्र के १४ मएडल हैं उतने ही प्रदेश में नत्तत्र के = मएडल हैं. the paths on which the constellations move; the region of the sky consisting of the paths of Abhijita and other constellations 28 in number. There are such 8 orbits of the constellations and occupy as much region as is occupied by 183 circles described by the sun and 15 by the moon. जं प . 9 १४६: —मास पुं॰ ( -मास ) नक्षत्र भासः २= નક્ષત્ર ચદ્રમાં સાથે જોગ જોડીલ્યે તેટલા वभत नजत्र मासः २८ नजत्र चंद्रके साथ योग करले उतना समय the lunar

<sup>\*</sup> लुओ। पुष्ट नम्भर १४ नी पुरने। ( : ) देखें। द्वष्ट नम्बर १५ की फ़टनोट ( \* ) Vide foot-note (\* ) P 15th

Vol 11/114

month, the time during which 28 constellations complete their conjunction with the moon. सम॰ २७; — विचय. पुं॰ (-विचय-विचयनं विचयः नत्तत्राणा विचयः स्वरूपनिर्णयः) नक्षत्रना स्वरूपनी निर्ण्यः नज्ञ के स्वरूपका निर्णय, determination of the form or nature of a constellation. स्॰ प॰ १; - विमाण. न॰ ( -विसान ) नक्षत्रन विभात. नचत्र का विमान. a celestial abode of a constellation. ज॰ प॰ ७, १७०; —संवच्छर. पुं॰ ( -संवत्सर ) क्रेट्सा વખતમા સર્વ નક્ષત્રા સૂર્યની સાથે જોગ જોડી રહે તેટલા વખત: ૩૨૭ અહારાત્ર અને એક अहारात्रता ६७ लाग हरीओ तेवा ४१ लाग अभाश नक्षत्र सवत्सर जितने समय में सर्व नक्तत्र सूर्थ के साथ योग जोडकर रहत हैं उतना समय; ३२७ श्रहोरात्र श्रीर एक श्रहा-रात्र के ६७ भाग करें ऐसा ४१ भाग प्रमाण नक्तत्र संवरसर the time taken by the sun to finish its round of conjunction with all the constellations viz. 327 days and nights and 51/67 of a day and night ठा० ५, ३; ज० प० ७, १४१; स्० प० १०;

ग्राख पुं॰ (नख) नाम. नाम. A nail on a finger जं॰ प॰ — छ्रेयग्ग. न॰ (-छेदनक) नाम दन्शी नेयशी. नख इरग्री; नेयग्री. barber's instrument used in paring finger-nails निमी॰ ५, १=;

ण्या. पुं० (नग-गच्छतीति गः न गः नगः )
भर्यत. पर्वत A mountain. " जहासे
ग्रागां पत्ररे सुमहं मंदरो गिरी" उत्त॰ ११,

२६; स्य० १, ६, ६, नाया०१; — इंदर पुं॰ (-इन्द्र) भे३. मेरु. the mount Meru. स्य० १, ६, १३; — राय. पुं० (-राज) भव तेनी राजा; भे३ भव त पर्वत का राजा; वडा पर्वत मेरु. king of mountains i. e. Meru. ठा० ६;

गागर न॰ ( नगर-नास्मिन् करोऽस्तीति नगरम् ) १८ अक्षरना कर रहित शहेरः १= प्रकार के कर रहित शहर. A town not subject to any of the 18 varieties of taxes. पत्र॰ १; ठा॰ २, ४. पराह० १. ३; श्रशुजो० १२७; १३१; श्रायाः १, ६, ५, १६४; वेय० १, ६; र्जं० प० ३, ४०; नाया० १; २; —- त्रावास ५० (-श्रावास) नगरना लेहिता आवास-भडेंद्र. नगर के लोगों का श्रावास-महेत्त. an urban mansion. सम० -गाबी खी॰ (-गाँ) शदरेनी गायी। शहर की गायें. an urban cow "स-ग हा य प्रासाहा य समर गाविश्रो " विवा॰ २; —गुत्तिय पुं॰ (-गुप्तिक) નગરનું રક્ષણ કરનાર કાતવાલ. नगर का रच्नण करने वाला कोटवाल. a protector or guard of a town; a Kotwāla 'ततेणं ते गागर गुतिया सुभद्दं सःथवाहं कालगय जागिक्ता '' विवा० २; नाया०१८: पग्ह॰ १, २; —गोरूब. पुं॰ ( -गोरूप ) નગરના ચેાપગા-ગાય વ્યલદ વગેરે. नगर के इत्यादिः urban चीपाये-गाय बैल cattle e. g. a cow, ox etc. विवा॰ २; —घायः पुं॰ ( -घात ) नगरने क्षुटनार नगर को लूटने वाला. one who pillages a town. नाया • १=; —हास्। न॰ ( -स्थान ) नगरना भंडेर. नगर के खंडहर; हटे फूटे मकान. or devastated building in a

city. कप्प॰ ४, ६६; — शिवसे. पुं॰ (-निवेश) नगरमां निवास करवे। ते. नगर में निवास करना residence in a town. सम॰ ७२;—दाह. पुं॰ ( -दाह ) શહેરમાં આગ લાગવી તે. शहर में આग लगना. outbreak of fire in a city or town जीवा॰ २; -धम्म. पु॰ ( -धर्म ) शहेरने। आयार शहर का श्राचार. custom or usage of a city. ठा॰ १०; —निद्धमणः न॰ ( -ान-र्घमन ) नगर-शहेरतुं पाणी नीडसवाने। भागी; भाक्ष नगर-शहर का पानी निकलने का मार्ग; गटर; मोरी. an outlet for the water accumulating in a city; a main gutter. भग० ३, ७, नाया॰ २; -पड़िया स्त्री॰ (\*) नगरनी पाडी नगर की पाडी (महीशी). nn urban young buffalo. तिवा॰ २, -मार्गा. न॰ ( -मान ) नगर वसाववानी विधि: ७२ इक्षाभानी ४५ भी इक्षा. नगर वसाने की विधिः ७२ कलाओं में से ४५ वी कला, the 45th of the 72 arts viz. the art of populating a town. नाया॰ १; जं॰ प॰ सम॰-मारी र्ह्मा॰ ( -मारी ) નગરના લોકાના મરકીથી થતા ક્ષય: નગરની અદર મરકા આવે તે नगर के लोगों का महामारी से होता हुआ च्चय, नगर के भीतर महामारी का प्रवेश होना havoc caused by plague in a town; outbreak of plague in a town जीवा॰ ३, -रिक्खय पुं॰ (-रक्तक -- नगरं रक्तति य म नगर रचकः ) નગરનું રક્ષણ કરનાર કાેેટવાલ.

नगर का रच्चण करने वाला; कोटवाल. क protector or guard of a town; a Kotwāla. निसी॰ ४, ६; —वसभ. पुं॰ (-वृषभ) नगरना णलह. नगर के वेल. an urban ox. विवा॰ २; —वह पुं॰ (-वध) नगरना णधां भाखुरीने भारी नाणमा ते नगर के सर्व मनुष्यां को मार डालना. the massacre of the whole people of a town. "से सुचई नगर वहे व सहे" स्ग॰ १, ४, १, १=;

शागरी. ह्वी॰ (नगरी) नगरी, पुरी. नगरी; पुरी; बडा शहर A city, a town. श्रोव॰ नाया॰ १६;

ग्रिग्ण त्रि॰ ( नग्न ) नि॰परिश्रद्धी; निश्रेध नि॰परिप्रही: निर्भेष Possessionless ( monk ), nude in the sense of not possessed of worldly effects आया॰ १, ६, २, १८४;

गागा. त्रि॰ ( नग्न ) नग्न, पश्च रिहत. दिगं-वर, नग्न Naked, unclad नंदी॰ — भाव. न॰ ( -भाव ) नग्नपछुं: साधु-पछुं नग्नता; साधुपन. state of being an ascetic; nakedness. "समणाणं निग्गथाणं नग्गभावे मुद्दभोव" ठा॰ ६; नाया॰ १६;

सागइ. पुं॰ ( नग्नजित् ) गधार ( इन्ह्दार ) हेशना राज्य. गंधार ( कन्दहार ) देश का राजा. Name of a king of Kandahāra " निमराया विदेहेस गधारेस य सागई " उत्त॰ १८, ४६; (२) એ नामना એક क्षत्रिय राजिय हम नाम के एक चात्रिय राजिय-सन्यासी. तमान of a royal

<sup>\*</sup> जुर्के। पृष्ट नम्पर १६ नी प्रुटनीट (क) देखी पृष्ठ नम्बर १६ की फुटनोट (\*) Vide foot-note (\*) p 15th.

saint belonging to the Ksatriya caste. স্থাৰ হ=;

सारगोह पुं॰ (न्यम्रोध) वर्षनुं आर. वडका मृज्ञः A banyan tree. जं०प०७, १६२:पन०१; भग०२२,३,(२) वर्रना आहत्रनुं सहाश्र वड के श्राकार का संठाण. a type of physical constitution resembling the shape of a banyan tree. भग० २४, १, --परिमडल त्रि॰ (-परि मराडल न्यग्रोधवत्परिमंडलं यस्य स तथा ) વડના ઝાડ જેવા આકાર હોય જેના તે न्यश्रेध परिभंडस संक्षेश वासी. जिसका श्राकार वड के बृत्त जैसा हो वह; न्यप्रोध परिमंडल संठाण वाला. (one) possessed of a type of physical constitution rsembling banyan tree in shape. जं॰ ७, १६२; तंदु॰ जीवा॰ १; — वर्पायवः पुं॰ (-वरपादप-पादैर्भूम्यन्तरवितमूलविशेषे. पिबतीति ) वड, म्हे। टे। वड चड; बडा चड. a banyan tree; a large banyan tree श्रंत० १, ५, १,

ण्यः थ्र॰ ( नच ) निक्षः निर्दाः No; not. नाया॰ १७,

ण्**च**. न॰ ( नृत्य ) नायनुं ते; नाय. नाचना; नाच Dancing, a dance. ठा॰ ६; पन्न॰ २;

गार्चेतिय नि॰ ( नात्यन्तिक ) अत्यंत-अति-शय निं ते श्रात्यंत-श्रातिशय नहीं वह. Not excessive; short of excessive. सूय॰ २, ६, २४;

ण्डाण. न॰ ( नर्तन ) नाथ; नाथवुं ते. नाय; नाचना. A dance; act of dancing. श्रोव॰ २४; —सीलय पुं॰ ( -शीबक ) नाथवाना स्वभाव वाती; भार. नाचने के स्वभाव वाला, मोर. one given to

dancing; a peacock. नाया॰ ३; राज्या. सं॰ छ॰ श्र॰ (ज्ञात्वा) পाणीते; सभ-छते. जानकर; सममकर Having known or understood. " सन्वं राज्या श्राहिट्टए" सूय॰ १, २, ३, १४; १, १,१,२०, श्राया॰ १,३,१,१०६;१,३,२, ११४; उत्त॰ १,४४; २, १३;

ण्ड्याविश्य-य. न॰ ( नर्तित ) नथावयुं; ६क्षावयुं ते. नचाना; हिलाना. Act of causing to dance or move. अ॰ ६; श्रोघ॰ नि॰ २६४;

णच्चासग्ग त्रि॰(नात्यासम्भ) अधुपासे निष्क ते बहुत निकट नहीं वह. Not close to; not very near. नाया॰ १, १४; भग॰ १, १; राय॰ ७४; जं॰ प॰ ४, १२२; णाच्ययः त्रि॰ (नार्तेत ) नायेश. नावाहुत्रा Danced: (one) that has dance ed. नाया॰ १;

र्गाट्ट. न॰ ( नाट्य ) नाट्य; नाट ५; आगि ५, વાચિક, આહાર્ય અને સાત્વિક એ ચાર પ્રકારના અભિનય સાથે રસ અને ભાવની अक्षिञ्यस्ति धरावनार नत<sup>र</sup>न. नाट्य, नाटकः नाच; त्र्यागिक, वाचिक, श्राहार्य श्रौर सात्विक ये चार प्रकार के श्रमिनय सिहत रस व भाव की श्राभिन्याही कराने वाला नाच. A druna; a play; a dance accompanied with the four kinds of representations viz. of move. ment, speech etc which display various kinds of sentiments. नाया० १, मः स्रोव० ३२. जं० प० ७,१४०; सू० प० १८; निसी० १२, ३२; ठा० ४, ४; ( ર ) નાત્યકલા; નાટક સંસ્થધી વિજ્ઞાન. नाटच क्ला; नाटक के संबंद का विज्ञान. dramaturgy श्रोव॰ सम॰ ३३; —श्र-**णीय पुं॰ ( -श्रनीक )** ना८४ ४२नार

भाष्सिने। सभूद नाट्यकारी का समूह. a group of actors or dramatists. ল৽ प० ሂ, ११७, भग० १४, ६; -- विहि. पुं॰ (-विधि)नात्यक्षा; નાટક કરવાનો વિધિ–રીતિ. करने विधि-रीति. की art of dramatic representation भग० ११, ६; जीवा० ३; जं० प० ४, १२१; राष्ट्रगः त्रि॰ ( नर्तक ) नृत्य अरनारः नृत्य करने वाला. A dancer. श्रोव॰

णहमाल. पुं॰ ( नक्तमाल ) पृक्ष निशेष. वृक्ष विशेष. A. particular kind of tree जीवा॰ ३, ३. जं॰ प॰ १, १४;

ण्डमालश्र-य. पुं॰ (मृत्यमालय) वैतास्य भव तनी भए अभात शुक्षात गुहा का स्वामी-देवता. The presiding deity of the cave Khanda Prapāta of the Vaitādhya mount. ठा॰ २, ३; ण्डचत्थु न॰ (नाद्यवस्तु) नाय, नाट शिन् अतिभादन अस्तार शास्त्र, २६ भाभश्रतमानु ओक्ष नाच, नाटक आदि का अतिपादन करने वाला शास्त्र, २६ पापश्रुत में मे एक One of the 29 Pāpa Śrutas (secular sciences) viz. the science of dramatic representation. पगह॰ ३, ४;

साह त्रि॰ (नष्ट) नाश पामेक्ष; नष्ट थयेक्ष.
नाश पाया हुआ; नष्ट. Destroyed
" साहसप्पह सन्भावे" स्य॰ १, ३, ३, १०;
नाया॰ १०; १३; जीवा॰ ३, ४, राय॰ २७;
भग॰ १४, १, (२) शतिहवसनुं १७भु
भुदुर्भ रात्र दिन का १० वा मुहूर्त the
17th Muhūrta of a day and
night जं॰ प० ५, १२१, सम० ३०;
— तेय त्रि॰ (-तेजस्) नेज-प्रशश नाश

पाभेत छे केतं ते जिसका तेज-प्रकाश नष्ट-होगया है वह. ( one ) whose lustie or brightness is destroyed; lack-lustre भग० १५, १; -- मइयः ারি॰ ( -मतिक ) নাগ্র ধানীর छ শুদ্ধি नष्ट बुद्धि वाला. ( one ) whose intellect is destroyed; n block head. नाया॰ -रज त्रि॰ (रजस्-नष्टं सर्वथाऽदृश्यी-भूतं रजो यत्र स तथा ) २०४ वगरतु रज राहित, स्बच्छ clean, free from dust or passion.जीवा॰३;--रय त्रि॰(-रजस्) का भी अपेक्षी शण्ह. देखी जगर का शब्द. vide above. जं॰ प॰४,११३; —सग्रा त्रि॰ ( -मंज्ञ ) મનની ભ્રાતિવાલા; જેના स रा। नाश पानेस छे ते मन की झांतिवाला: deluded संज्ञा वाला mind, (one) whose intelli gence has faded away. नाया ११६; १७; —सुइय. पुं० (-ुतिक) श्रुत केती નાશ પામી છે એવા. શાસ્ત્ર અશાસ્ત્રના વિ-यार ४२वाने अशक्त जिसकी श्रृति नष्ट होगई है ऐसा, शास्त्र श्रशास्त्र का विचार करने की श्रशक (one) incapable of distinguishing between true and false scriptures नाया॰ १; १७;

ण्ह्रवंत पु॰ (नष्टवत् ) अहे। रात्रन् १६ मु भुढूर्वः श्रहोरात्र का २६ वा मुहूर्व The 26th Muhūrta of a day and night. सम॰ ३०;

गुड पुं० स्री० (नट) नाटक करनेवाला, नट An actor in a drama स्रोव० जं० प० २, २४; ठा० ६; — खाइता. स्री० (-खाटना — नरस्येव संवेगांवकलधर्मकथाकरणो-पार्जितभोजनादीनां खादिनं भन्नणं यस्या सा

नटखादिता ) शेंड जातनी प्रमल्या; नाट-हनी भाइड धर्भश्रत्य हथा हरीने आछिष्ड। यक्षावि ते. एक प्रकार की प्रमल्या; नाटक के समान धर्मश्र्त्य कथा कर के श्राजीविका चलाना. a sort of asceticism, earning one's bread by empty talk like that of an actor in a drama, devoid of true religion. ठा॰ ४, ४; — पेन्छा. स्री॰ ( -प्रेचा ) नटने कीयुं. नट को देखना. seeing a Nata-a dancer जं॰ प॰ ३, २४;

णाडिश्र-यः ति॰ ( ॰ ) पीडितः पीडितः Afflicted; distressed नाया॰ ६; णणंदाः स्रो॰ ( ननान्द ) नशु ६, पतिनी ण्डेनः नणदः पति की यहिन A husband's

sister. भग० १२, २:

ण्राण्त. य्र० (नाडन्यत्र) लुओ ' ण्राण्यात्य' शण्ट. देखो " ण्राण्यःय " शब्द. Vide " ण्राण्यःय " नाया० ६:

णारापारधा. अ० (नान्यत्र) એટલું વિશेष; आ नि के ते नि पण् એटलुं इतना विशेष; ये नहीं कि वह नहीं परन्तु इतना. So much in particular; not this or that but this much श्रोव० ३८; नाया० १; २; १८; भग० ३, २, ६, ५; २६, ३; दसा० ७, १;

ण्ग्ण्हा. अ॰ ( नान्यथा ) भीछरीते निह्य अन्यरीतिसे नहीं. Not otherwise. पत्त १;

ग्राग्णहाचाइ. पुं॰ ( नान्यथावादिन् ) व्यन्यथा वादि निर्हा. (One) who doos not speak or

helieve otherwise नाया॰ २;

णत. त्रि॰ (नत) नभेश. मुका हुआ. Bent; bowed down. सू॰ प॰ २०; (२) पुं॰ नत नामे ओड विभान; ओनी. स्थित १६ सागरे। पमनी छे; ओ देवता साडा नव मिडने धासे। स्थास से छे ओने १६००० वर्षे क्षुष्ण सागे छे. नत नाम का विमान; उसकी स्थिति १६ सागरे। पम की है; ये देवता हा। मास में आसोच्छ्वास लेते हैं और उन्हें १६००० वर्षमें सुना लगती है. name of a heavenly abode, the gods in which live for 19 Sagaropamus, breathe once in nine and half months and feel hungry once in 19000 years. सम॰ १६;

ण्स न० (.नक) रात्रि. सात्रि. A. night. चं० प० १०;

णितिश्रा. स्री॰ (नष्तृका ) दीक्ष्यां दीक्ष्री अने दीक्ष्यीं दीक्ष्यी. पुत्र की पुत्री और पुत्री की पुत्री. A grand-daughter. विवा॰ ३:

ण्रतुस्रा. ब्री० (नप्तृका) लुओ 'धात्तिया'
शफ्ट. देखो " ण्रातिम्रा " शब्द. Vide
"णातिम्रा" विवा० ३:—वह. पुं० (नवर)
पेत्रीने। वर; टीक्टरीनी टीक्टरीने। ध्युरि.
पेत्रीका पति; पुत्री की पुत्री का धनी क
grand daughter's husband विवा०

णत्तुइणी. स्त्री॰ (नष्तृकिनी) दी क्राना दी करा के दी क्रीना दी क्रानी विषु. पुत्र के पुत्र की स्रथवा पुत्री के पुत्र की स्त्री Wife of a grandson. विवा॰ रेः

ग्रात्तर्इ. सी॰ (नप्तृकी ) दीक्षरा के दीक्षरीनी

<sup>\*</sup> जुओ। ५४ नम्भर १५ नी पुरने। ८ (\*). देखो पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th.

धिश्री. पुत्र वा पुत्री की पुत्री. A grand daughter. विवा॰ ३,

णत्तुणिम्र पुं॰ ( नप्तृक) पुत्रने। पुत्र,पौत्र. पुत्र का पुत्र. पात्र. A son's son; a grandson. दस॰ ७, १६;

ण्तुाणिश्रा-याः स्त्री० (नप्तृकां) दीक् रीती दीक्षरी. पुत्री की पुत्री. A. daughter's daughter. दस० ७, १४;

ण्रह्थ. त्रि॰ (न्यस्त ) साधुने वास्ते स्थापी राभेश. साधु के वास्ते रख छोडा हुआ. Reserved for an ascetic. स्थ॰ १, ४; १, १४ (२) ( नाध्यन्ते वर्शाक्रियन्ते वृषभाद्यः दु खीक्रियन्ते वाडनेनेति ) नथ; प्यद्वनी नाथ. नथनी, वैल की नाथ a nose string by which an ox is led. नाया॰ ३, भग॰ ६ ३३;

णातिथ. त्र॰ ( नास्ति ) नथी. है नहीं. Is not प्रणुजो० १३६; नाया० २, ३; ८, १६, भग० ३४, १२; निसी० ४, ६५.

णिश्यम्रा. पुं॰(नास्तिक नास्ति जीव परलोको वा इत्येवं मानिर्यस्य) नास्तिकः अफ्रियावादी. नास्तिक, श्रीकियावादी. An atheist ठा॰ ४, ४;

णित्यत्तः न॰ (नास्तित्व) नाश्तित्यः आस्त-त्यना अक्षाय नास्तित्व, श्रास्तित्व का श्रभावः Absence of existence, nihiliam भग०१,३;

ण्दी. स्री॰ ( नदी ) नि, नदी A river जि॰ प॰ ठा॰ २, ४, (२) એ नामनी એક द्रीप अने એક समुद्र. इस नाम का एक द्वीप श्रीर एक समुद्र. name of an island, also that of an ocean जीवा॰ ३,४; — मह. पुं॰ ( -मह ) निने। महित्सव. नदी का महीत्सव festivity in honour of a river. राय॰ २१७, ण्हिंत ) असह पगेरैनी अनावर

वैल इत्यादि का श्रावाज. Bellowing as that of an ox etc. नाया॰ १.

ण्छः त्रि॰ (नद्ध) भाषेस वंधा हुत्रा. Bound tied तदु॰

रापंसगः न॰ (नपुसक) नपुसकः, नामधः पुरुष निक्ष तेम स्त्री पण निक्ष नपुंसक; ना-मर्द: पुरुष भी नहीं और खी भी नहीं. An impotent; hermaphrodite ' ति-विहा श्रुपंसगा पराश्ता 'ठा० ३, १; भग० द, द; --पग्रावणी. स्त्री॰( -प्रज्ञापनी ) નપુ સકના લક્ષણ ખતાવનારી ભાષા. नपुमक के लक्त्रण वताने वाली भाषा language bearing the marks of unpo tence. पत्र॰ ११: — लिंगसिद्ध पुं॰ (-ांलर्झासन्द्र) न्युसङ पर्छे सिद्ध थाय ते नपुंसक पन से सिद्ध हो नह. getting of salvation in the state of im potency. नंदी॰ -- वयण न॰ (-वचन) नान्यतर कातिना शण्हा नान्यतर जाति क शब्द a word in the neuter gender जीवा॰ १, --वेद पु॰(-वेद --वेद्यत इति चेदः नपुंसकस्य वेदः नपुसक-વેવ ) ન યુસક વેદ, ત્રણ વેદમાના એક. नपुसक वेद, तीन वेद में से एक. one of the three kinds of sex-feelings viz that of an impotent. नग॰ २०,७; सम० २१; --चेदग पुं०( -चेटक) न पुस इवेहवादी। छव न वुंसक वेद वाला जीव a soul with the sex-feeling of impotence भग॰ ११, १, १८, १; २४, १, ३४, १; — बेद्य पु० (-वेदक) જીએ। ઉપલા યળ્દ देखां ऊपरका शब्द. vide above. भग० २६. १; - वेय. पु॰( -वेद ) लुओ। ''ग्पुमगः वेद" शम्ध देखा ' गापुंसगवेद ' शब्द. vide ' रापुंसगवेद "पन्न० २१, २३,

ठा० ६; सम० — चेयगः पुं०(-चेदक)
लुओ। " णपुसगवेदग " शण्टः देखे। " णपुसगवेदग " शब्दः vide " नपुंसग-वेदग " ठा० ४, ४;

णपुंसय. न॰ (नपुसक) लुओ। " णपुंसग " शण्ट. देखो " णपुंसग" शब्द. Vide " णपुंसग" सम॰ २०; — चेयिणिज्ञः न॰ (-चेदनीय) लेथी नपु सक्ष्पणुं वेद्द्रनीय) लेथी नपु सक्ष्पणुं वेद्द्रनीय अभि तेपी ओक्ष भेहिनीय कर्मनी अकृति जिस से नपुसकत्व-नामर्दाई का अनुभव हो ऐसी एक मोहनीय कर्म की प्रकृति. a variety of Mohaniya Karma by which a soul experiences the sex-feeling of an impotent. सम॰ २०,

णभ. न०( नभस् ) आडाश. श्राकाश. Sky
स्य० १, ६, ११; श्रोव० — स्र्र पु०
( -स्र् ) राष्ट्र, यद्र या स्याने श्रुष्ण इरते।
ओड जातने। डाझे। पुद्रव. राहु; चंद्र वा
सूर्य को प्रहण करने वाला एक जाति का
काला पुद्रव. the demon Rahu,
causing an eclipse of the sun
or moon. स्० प० २०,

णमसण. न॰ ( नमस्यन ) नभरशर शरी। ते.
नमस्कार करना Act of bowing to,
act of saluting. भग॰ ६, ३३;
णमंस्रण्या. स्त्री॰ ( नमस्यन ) नभरशर
शरी। ते. नमस्कार करना. Act of bowing to; act of saluting. श्रीव॰२७,
णमंस्रण्जि. ति॰ ( नमस्यनीय ) नभरशर
शरी। थे।३५. नमस्कार करने योग्य.
Worthy of being bowed to;
worthy of being saluted. भग॰

ण्मंसिय त्रि॰ ( क्नमस्यित ) नभस्धार धरेल, नभेल नमस्कार किया हुन्ना; सुका

90, 4:

हुआ. (One) who has bowed to; (one) who has saluted. भग॰ ४२, १;

णमण. न॰ (नमन) तभत; अलाभ. नमन; प्रणाम. A bow; a salutation. स्य॰ २, २, ७;

णमणी स्त्री॰ (नमनी) त्रील शालु आजा. तीमरी गोगा स्त्राज्ञा. The third of the secondary commands. नंदी॰

रामि. पुं॰ ( नामि ) निम नाभना छे। राजपि કે જે અનેક કંકણ ખડખડે છે અને એકના ખડખડાટ થતા નથી એટલા ઉપરથી વરાગ પામી દીક્ષા લઇ નાક્ષે પહેાંચ્યાઃ ચાર પ્રત્યેક-યુદ્ધમાંના એક પ્રત્યેક્યુદ્ધ, निम नाम राजा कि जो श्रनेक कंकरा का सहखटाहट होता है परन्तु एक की खवाज नहीं होनेसे वराग्य प्राप्त कर दीचा ले मोच को पहुंचे; चार प्रथ्येक बुद्ध में से एक प्रत्येक बुद्ध. King Nami who marked that more bangles than one collide against each other ( when the hand that wears them is in motion) and make a sound. He also marked that one bangle does not produce that sort of sound. So he became ascetic and got salvation, he is one of the four Pratyeka Buddhas उत्त॰ १८, ४५; ( ३ ) ग्रेडियीशमा तीर्थं इरन् नाम. एकवीसर्वे त्रीर्थंकर का नाम, name of the 21 st Tirthankara. श्रणुनो॰ सम० १५; (३) वैताक्ष्यनी उत्तर श्रेशिभाना विद्याधरने। राज्य वैताब्य की उत्तर श्रोणिमें - के विद्याधरों का राजा. name of a king of the Vidyadharas residing

in the northern part of Vaitā-dhya. जं॰ प॰ (४) अतगड्दशा स्त्रना पहेला अध्ययनमां जेनी अधिडार छे अेवा ओड साधु श्रंतगड दशा सूत्र के पहिले अध्ययन में जिसका आधिकार हैं ऐसा एक नाधु name of an ascetic described or mentioned in the first chapter of Antagadadasā Sūtra. ठा॰ १०;

स्मिपञ्चज्ञा स्त्री॰ ( नामेप्रवच्या ) ओ नाभनुं उत्तराध्ययन दे मु अध्ययन इप नामका उत्तराध्ययन का = वा अध्ययन Name of the 8th chapter of Utanadhyayana. सम॰

ण्मिय. त्रि॰ (नत) नश्र. नम्न. Bent; low; humble; bowed down 'क्रसुम फलभार ग्यमियसाला' जीवा॰ ३; ज॰ प॰

णमुक्रार पुं॰ (नमस्कार) तभन्कार नमस्कार A bow; a sulutation दस॰ ४, १, ६३;

ण्मृद्य पुं॰ (नमुद्य) એ नाभनी गेशिसानी ओक श्रावक इम नामका गोशाला का एक उपायक-श्रावक. A layman-follower of Gosalā. भग० ७, १०;

णामी. था० ( नमस् ) तभरकार करवे। ते नमस्कार करना Act of howing or saluting; salutation. नाया० १; ६; १३; १६; नाया० घ० मग० १४, १, २३, ३; २४, १३; २६, १; जीवा० ३, ४; श्रोव० १२; श्रणुजो० १२६; जं० प० ४, ११४; ११२,११०, ११४;

णमोकार. पुं॰ ( नमस्कार ) नभरकार. नमस्कार. A bow or salutation. प्राव॰ १, ४;

खमोकार go ( नमस्कार ) नभरधार. Vol. 11/115

नमस्तार A bow, a salutation. नाया॰ १:

साय थ॰ (नच) निक्ष नहीं. No; not. सम॰ प॰ २३१;

ण्य. त्रि॰ (नत) तम्र थ्येक्षः, तमेल नम्रः सुमा हुम्रा Bent low; modest; humble, (one) who has bowed. जं॰ प॰ ३, ४७; स्य॰ १, २, २, २७,

गाय. पुं ० ( नय - नयत्यने कांशात्मकं वस्त्वेकां-शा वलम्बनेन प्रतीति पथमारीपयति नीयत Sनेनास्मिन् वंति नरः ) अने धर्भवासी વસ્તુતા એક ધર્મતા બાધ કરાવતાર અભિ-પ્રાય, તૈગમ આદિ સાત તયમાના ગમેને એક अनेक धर्मावलंबी वस्तु के एक धर्म का बांध कराने वाला श्राभिप्राय, नैगम श्रादि सात नय में से कोई भी एक Any of the seven stand-points viz Naigama etc; a stand-point showing oue of many aspects of a thing. पञ्च० १; १६; नाया० १; भग० ७, ३; १८, ६; (२) મત, દષ્ટી, અપેક્ષા. मत; दृष्टि, श्रोत्ता. view, point of view मू॰ प० २०, --ग्रंतर. त्रि० ( -श्रन्तर ) भे નયની વચ્ચેના તફાવત, દષ્ટિ-મત બેઠ नय के ग॰ यस्य का खंतर; दृष्टि-मन भेद difference between two points of view or stand-points. भग॰ १, ३; —गइ. स्त्री॰ ( -गति ) नैशभ आहि नये।श्रे પાત પાતાના મતનુ પાષ્ટ્રાન્સ્થાપન કરવ તે, પરસ્પર સાપેક્ષ સર્વ<sup>°</sup> નયાેથા પ્રમાણને ખાધ ન આવે તેની રીતે વસ્તુનું વ્યવસ્થાપન **કरव**ं ते नेगम ग्रादि नयों से प्रपने श्रपने मत का पोपण स्थापन करना, परस्पर सावेच सर्व नयों से प्रसाण का याय न आवे इस रीति मे बस्त का व्यवस्थापन करना. establishing or proving a thing by

various stand-points without involving contradiction with any पन्न॰ १६; — निउसा त्रि॰ ( -नि पुण ) તૈગમ આદિ તયમાં તિપુણ –કુશલ. नैगम श्रादि नयमें निषुग्र कुशल. proficient, well versed in the standpoints viz. Naigama etc. सम॰ १; —प्पहासा. त्रि॰ ( -प्रधान ) नयनी अंहर प्रधान, नय के खंदर प्रवान, the chief or principal among the standpoints राय॰ —विद्धि पुं॰ ( -विधि ) नेपना प्रधार, नय के प्रकार, varieties of stand-points; various modes of stand-points, नाया ।; -वि-हिरागुः त्रि॰ ( -विधिज्ञ ) नयना प्रधारने ज्यास्यार नय के प्रकार की जानने वाला (one) who knows well the various modes of stand-points नाया० १:

ग्रायग्रा न॰ ( नयन ) आंभः, नेत्रः, यक्ष र्थाख; नेत्र; चलु An eye. नाया॰ १; प्त; ६; १७; भग० ३, २; ६, ३३; १**१**, ११; जीवा० ३, ३; राय० २७; श्रोव० —म्राग्रीद पुं० ( -म्रानन्द ) आंभने। आनन्द. यांख का ग्रानन्द. delight of the eyes. नाया॰ १; —िवस. न॰ (-विष ) व्यां भनुं अर-रेषि-शुरुसी. श्रांख का विष-रोष-कीच, resentment or anger expressed in the eyes. नाया॰ ε; — वग्रा पुं॰ ( -वर्ष ) आं भने। २ ग. श्राख का रंग. colour of the eyes. नाया॰ =; -माला स्त्री॰ ( –माला ) હારળધ ઉમેલા માહ્યમાની आणे नी पंडित आंशा में सड़े हुए मतुष्यों a line or श्रांक्षो की पंक्ति series of the eyes of persons standing in rows. भगः ६, ३३;
---कीयाः श्रीः ( -कीका-कर्नानिका )
नेत्र-आंभनी डीडी. नेत्र-श्रांख की पुनलीः
the pupil of an eye. रायः २८;
श्रोवः

रायर न॰ (नगा) नगरः ज्यां दसडी वस्तु **७५२ '५२ न है। य तेवुं शहेर. नगर. जहा** हलकी वस्तु के ऊरर कर न हा ऐसा शहर. A town; a city; a town in are not levied which taxes on trivial articles. नाया॰ १: =: १३; १४; १६; भग० ३, १; ४, ६; १६, ७; श्रोव॰ १७; ३२; —गुतिश्र-य र्षं• ( –गोप्तृक ) नगर २५१५; १।८५।स. नगर रच्क; कोटवाल. a protector or guard of a city; a Kotawāla. श्रोत. ३०; नाया॰ २; — शिगम पुं॰ (-निगम) नगरना निगम-वाखीया-व्यापरी नगर के निगम-महाजन-व्यापारी a trader residing in a city. नाया॰ २; — नली चद्द. पुं॰ ( -बलीवदं ) नगरने। मुंटीओ। धणु णुंट. नगर का सांड. a bull roaming a city. विवा० २; —म हिला. स्नो॰ (-महिला) नगरनी श्री-नारी. नगर की स्त्रां-नारी. a woman residing in a city. नाया॰ २;

ग्यरी. स्त्री॰ ( नगरी ) नगरी. राજधानीनुं शहर. नगरी; पाटनगर. A. city; & capital-city. नाया॰ १, २; ४; ५; ६; भग० ३, ५; जं० प० ७, १००; १, १; राय० ४;

ग्रार. पुं० (नर) नर; भनुष्प, पुरुष नर; मनुष्य; पुरुष. A man; a person; a human being नाया० १; ०; ६; राय० ४३; घं० प० ५, १३५; —ग्राहिन पुं० (-म्राधिय) राजा. राजा. a king.

" कुंथूनामणरहिवो " उत्त० १८, ३६; -( री ) ईसर. पुं॰ ( -ईश्वर ) राल. राजा. a king. " इक्ला गुराय वसहो कुंथुनाम नरीसरो " उत्त॰ १८,३६; —द्व. go ( -देव-नरेषु देवा नरदेवाः ) यहपती. नक्तर्ता. a Chakravartī; a lord of men. ठा॰ ४, १; (२) ओ नाभने। ऋषलहेव स्वामिनी ओ धुत्र, इस नाम का ऋषभदेव स्वामी का एक पुत्र name Risabhadeva of a son of Swāmi. कप्प॰ ७; — णारीसंपरिवडः त्रि॰ ( -नारीसंपरिवृत ) नरनारीथी धेरा-येल. नरनारी से घिरा हुआ. surrounded by men and women, पग्ह॰ १, ३, --दुग न० (द्विक) भनुष्य गति अने मनुष्यानुपूरी के भे प्रकृति मनुष्य गति श्रीर मनुष्यानुपूर्वी ये दी प्रकृति two Karmic varieties named Manusya Gatı and Manusya nupūrvī कः गं० ३, ८; -- रुद्धिर न॰ (-हाधर) भाश्सनुं क्षीकी मनुष्य human blood. रायः -वरीसर पुं॰ (-वरेश्वर) श्रेष्टराज्य श्रेष्ठ राजा. the best among kings; an excellent king. " सगरंतं चइ-त्तायां भरह नरवरीयरो " उत्त॰ १८, ४०, - वसहः पुं॰ ( -वृषभ ) नरनी अहर પ્રધાન ગુણવાલા; ઉત્તમ પુરૂપ નરોં મે प्रधान गुण वाला, उत्तम पुरुष the highest or best among men; an excellent person. पग्ह॰ १, ४, — वि-ब्रह्मइ. स्त्री॰ (-विब्रह्मति) भनुष्यती વિશ્રહ ગતિ, કાેકપણ ગતિમાંથી ચવી છવ वाड भार्ध मनुष्यनी यतिमां व्यावे ते मनुष्य की विश्रह गति, कोई भी गति में से चवकर-चलायम'न होकर जीव त्रानियामित रीति से

मतुष्य गातिमें श्राता है वह. passing of a soul into the state of a human being from any of the other states by an irregular process ठा॰ १०;—संघाडग. न॰ ( -सघाटक ) नर-भनुष्यनी समूह. नर-मनुष्य का समूह. a multitude of men. जं॰ प॰ —सिरमाला श्री॰ ( -शिरोमाला ) पुश्रीना भाधानी भाक्षा पुरुषों की खोपडियों की माला. a garland of human skulls. नाया॰ =; —सीह पुं॰ (-सिंह) पुश्रमां सिद्ध समान. पुरुषों में सिंह के समान as a lion among men नाया॰ १६;

**रा(रश्च य पुं०( न**रक ) नरक Hell. श्राया० १, १, २, १६; दसा० ६, १; ४; नाया० २, १६; भग० १४, १;

ण्रकंता स्री॰ (नरकान्ता) रुडिभ पर्धातना भिद्धापुडिरीड द्रह्माथी हिति लु तरक्ष नीडिसेडी भद्धानहीं. उदिम पर्वन के महान्हद में से दिल्ला तरफ निकली हुई महानदीं. A great river rising from lake Mahāpundarıka on mount Rukmı and flowing in the south. ठा॰ २, ३; जं॰ प॰ ४, ११२; — कुड न॰ (-कूट) ३डिभ पर्यात उपनि रना आह इटमानु येथु इट-शिभर हिमम पर्वन के उत्पर के स्राठ कूट में से चौथा कूट

शिखर. the fourth of the eight summits of mount Rukmi, जे.प. णरगः gं॰ ( नरक-नरान् कायंन्ति शब्द्यन्ति योग्यताया प्रानियत क्रमेगाऽऽकारयन्ति जनतृन् स्वस्वस्थाने इति नरकाः ) नरधा-વાસા: નારકીના છવાને રહેવાના સ્થાન नरकावासाः नारकी जीवां को रहने का स्थान. A hell abode for sinners ठा० ४, १; पन्न० २; — ग्रावास-पुं॰ (-म्रावास) नरधावासा; नारशीना २थानः नरकावासाः नारकी का स्थान a hell-abode. ठा॰ ८; —इंद् पुं॰(-इन्द्र) મ્હાટામા મ્હાટા નરકાવાસા. વર્કે સે વડા नरकावामा. the largest hell-abode. ठा॰ ६; -तल न॰( -तल ) नरधनुं तशुं. नरक का तल the bottom of hell. दस॰ ६, १; — वाल पुं॰ (-पाल) ત્રકતા રક્ષક પદર જાતના પર્મા-धाभि ६. नरक के रक्तक; पन्द्रह जाति के परमाधानिक. any of the kinds of the torteurers guards of hell called paramā. dhārmikas. स्य० नि० १, ४, १, ७४; —विभत्ति स्रं ( -विभित्तर्गवभाजिनं विभावतः नरकाणां विभावतः नरक विभावितः) नरक्ष्मा विलाग. नरक के विभाग. subdivisions of hell. (२) तेनु अति-પાદન કરનાર સ્યગડાંગ સૂત્રનું પાંચમું अध्ययन उसका प्रतिपादन करने वाला सूय-गडांग सूत्र का भवा श्रध्ययन. the 5th chapter of Sūyagadānga dealing whih the above म्य॰ १,५,१; सम०

ण्रगत्त. न॰ (नरकत्व) नारश्री पणुं नार को पन. State of a hell-being. भग॰ १२, ७; ण्रवइ. पुं॰ (नरपति) भाणुसनी स्थामिनाथकः राजा. A lord of men; a king.
नाया॰ १; ६; १६; श्रोव॰ ३१; पगह॰ २,
४; जं॰ प॰ ३, ४३; —दत्तपयार. पुं॰
(-दत्तप्रचार) शाल्ये आपेस सत्ता. राजा
की दी हुई सत्ता-द्यधिकार. power conferred by a king. नाया॰ १६; —दिग्णपयार. पुं॰ (-दत्तप्रचार) लुओ।
अपेसे शाल्य देखां ऊपर का शब्द. vide
above. नाया॰ १६;

णारिंद. पुं॰ (नरेन्द्र नरंध्विन्द्रो नरेंद्र ) शल; व्यक्ष्यती व्यादि. राजा; चक्रवर्ती श्रादि. A king; a Chakravartī etc. पण्ह॰ १, ४; श्रोव॰ नाया॰ १; ६; —वसह-पुं॰ (—व्यभ ) न्हेशि शल. बडा राजा. a great king; a sovereign prince. " एवं नरिंद्वसहा निक्संता जिणसामणे " उत्त॰ १६, ४०;

णरीसरत्तणः न० ( -नरेश्वस्त ) नरेश्वरपणुं राजपणुं राजाानः चात्तः Kingship; royalty. " मामण्णे मणुवते धम्मात्रो णरीसरत्तणंणेयं " पंचा० ६, १७;

णल पुं॰ (नल) એક જાતની વનસ્પતિ: नल.
एक जाति की वनस्ति. A kind of
vegetation. जीवा॰ ३, ६; ठा॰ ४, २.
णलदाम. न॰ (नलदामन्) એ नामनी એક
वण्डर. इस नाम का एक करडा बुनने
वाला; जुलाहा. Name of a weaver.
ठा॰ ४, ३,

णिलिण न॰ (निलन ) थे।धुं रातुं ४भस.
कमल; थोड़ा लाल कमल. A lotus; ध
reddish lotus. जीवा॰ ३, १; राय॰ ४८;
नाया॰ ६; पत्त॰ १; (२) ८४ साभ निस्तिनाग प्रभाण्ना अस विसाग ८ period

of time measuring 84 lacs of Nalināgnas. श्राजी । ११५; जीवा । ३, ४; ठा० २, ४; भग० ४, १; २५, ४; (३) નિલન વિમાન; સાતમા દેવલાકનું એક વિમાન એની સ્થિતિ સત્તર સાગરાપમની છે: એ દેવતા સાડાઆર માસે શ્વાસાશ્વાસ લે છે એને सत्तर दल्तर वर्षे क्षया क्षांने छे. नलिन वि-मानः सातवे देवलोक का एक विमानः उसकी स्थिति सतरह सागरोपम की है; ये देवता साडे श्राठ मास में श्वासोश्वास लेते हैं श्रीर उन्हें सतरह सहस्त्र वर्षी मे सुत्रा लगती है. a heavenly abode of the 7th Devaloka where the gods live for 17 Sāgaropamas breathe every eight and half months and feel hungry once in 17000 years. सम॰ १७; ( ४ ) पश्चिम भरा વિદેહના દક્ષિણ ખાંડવાની મેરૂ તરકથી સાન-भी विजय पार्श्वम महाविदेह के दिल्या खंड की मेरु के तरफोस सातनी विजय. the 7th Vijaya of the southern part of western Mahavideha, from the side of Meru जं॰ प॰ ( १ ) सानभी विक्यने। राज्य सातवी विजय का राजा the king of the 7th Vijaya. ज. ૫૦ ( ६ ) જમ્ખુસુદ શનની પૂર્વમાં આવેલી भे । वाव. जम्बू सुदर्शन के पूर्व में आई हुई एक बावडी. a well in the east of Jambū Sudarsana. 30 90

ण्लिणंग. न॰ (निवास ) वह आभ पद्म प्रमाखेनी अस विभाग ८४ लक्त पद्म प्रमाण का काल विभाग A period of time measuring 84 lace of Padmas. श्राग्रजी॰ ११४: ठा॰ २, ४; भग० ४, १; २४, ४;

र्णालेणकुडः पुं॰ (निजनकुट) सीता महानदीने

ઉત્તર કિનારે અને આવર્ત વિજયની પૂર્વ सरदृह अपरती वापारा पर्वत. सीता महानदी के उत्तर किनारे पर श्रीर श्रावर्त विजय की पूर्व सरहद के ऊपर श्राया हुश्रा वखारा पर्वेत. A Vakhārā mount on the eastern border of Avarta Vijaya and on the northern bank of the great river Sītā. जं० प० ४, ६५. ठा० २, ३; ३, ३; ४, २; गालिगापुरम पुं ( नालेनगुल्म ) श्रेशिक राજાની સ્ત્રી નલિનગુલ્માના પુત્ર, श्रेिक्क राजा की स्त्री निलनगुल्मा का पुत्र. A son of Nalinagulmā the wife of king Śrenika. ( ? ) મહાયદ્મ स्वाभीना वणतने। राज्य महापद्म स्वामा के समय का राजा a king contemporaneous with Mahāpadma Svāmī. ठा॰ =; ( ३ ) आहमा देवले। इतुं े नासन ओड विभान आठवें देवलीक का इस नाम का एक विमान. name of a heavenly abode in the 8th Devaloka. सम॰ १८:

णिलिणात्रण न० ( निलनवन ) पुष्टिसावती विजयभां पुष्टिशी नगरीनी उत्तर-पश्चिम हिशामां आवेशु ओह उद्यान पुष्कलावती विजय में पुण्डरीक नगरी की उत्तर-पश्चिम दिशामें आया हुआ एक उद्यान A garden in the north-west of the town named Pundarika in Puskalāvatī Vijaya. नाया०१८;१६; णिलिणा स्त्री० ( निलिंग ) ओह वावतु नाम. एक वावडी का नाम Name of a well. जीवा०३, ४;

ग्रिलिग्विग् न॰ (निलिनीवन) भधावतानुं पन पञ्चलता का वन. A forest of lotus creepers. नाया॰ १, णिलिणी स्त्री॰ ( नीलनी ) अभिक्षिती; पद्म-बता. कमिलनी; पद्मनता. A lotuscreepers. स्त्रोव॰ नाया॰ १३;

णुलिणीवणा. न॰ ( निलनीवन ) ये नाभनुं ये डिधान. इस नाम का एक उद्यान-वर्गाचा. Name of a garden. नाया॰ १६,

णव पि॰ (नवन् ) नय; है. नी; है. Nine; 9 "ग्वग्हंमासागा" नाया० १४; भग० १२,६; १४,६;२०,४;२४,१; २५, ६; २४, ७; ३१, १; नाया॰ १; १४, १६; १६; निसी॰ १४, १२; मृ०प० १; जं०प० ७, १४६;--- श्रायय. पुं॰ ( - स्रायत ) ना हाथ स भाग्न. नी हाथ की लम्बाई. length measuring pine arms (an arm from the tip of the middle finger the elbow ). नाया भ; -कोडि-परिसुद्धः त्रि॰ ( -कोटिपरिशुद्ध ) नव प्रधारथी शुद्र-निर्धेष नौ प्रकार से शुद्ध-निदोंप. faultless or pure in nine modes or ways. " नवकोडि परिसुदे भिक्खे परागते " ठा० ६; — चिछह. त्रिन (-ारेखद्र) तय, ह निष्ठ वास् . ती ब्रिट वाला. having nine holes. तंद्र —जोयगः पुं॰ ( -योजन ) नव थे। ४ न. नौ योजन. nine Yojanas (1 Yojana=8 miles). नाया॰ =, —जोयण-विचिन्नग्रा ति॰ ( -योजनविस्तीर्ग ) नव थे. अन विस्तृत नौ योजन विस्तृत. having an extent of 9 Yojanas नाया • =; —जोयिणिय त्रि॰ ( -योजनिक ) तव थे। जननी संगाध वास् . नौ योजनकी लम्बाई बाला. of the length of nine Yojanas (1 Yojana = 8 miles). " जंबूदीवेर्ण दीवे नवजीयिण्या मच्छा " ठा॰ ६; —-गाउइ. स्त्री॰ ( -नवति ) ५५;

नवाखं निन्यानवे. ninety-nine. सम॰ ६६; जं० प० ७, १३२; १४७; — गुझ-मिया. स्री॰ ( -नवीमका-नव नवमानि दिनानि यस्यां सा नवनविमका ) नव नवध-૮૧ દિવસનું એક અભિગ્રહ-તપ, જેમાં એક हिवसे अथा नवतव हिवसे ओड़ेड દાત અત્ર પાણીની વધારતાં નવ દાત સુધિ વધારી શકાય છે; નવ દાત ઉપરાંત કાેેે પણ દિવસે અત્ર પાણી લે વાય નહિ એવી રીતે ८१ दिवस सुधि अरवानं तथ नव नवक =१ दिन का श्रामिश्रह-तप, जिसमें एक एक दिन को अथवा नौ नौ दिन को एक एक दात श्रज जल की बढ़ांत बढ़ाते नी दात पर्यन्त बढाई जा सक्ती हैं. नव दात के सिवाय श्रन्य कोई भो दिन को अन पानी लिया न जाय इस प्रकार = १ दिन तक करने का तप. 811 austerity, so named, lasting for 81 days, in this austerity food and water are limited to the maximum amount of 9 Dāta (a measure). Starting with the minimum of one performer The this austerity may increase one Data every day or every nine days. ঠা৽ ১; স্মীব৽ ৬; নদ৽ —पयः पुं॰ ( -पद ) ચલમાણું; ચલિએ धत्याहि नव पह. चलमाणि; चालिए इस्यादि नौ पद nine verbal forms such as Chalamāņe, Chalie etc. भग॰ १, १; —पुब्ब. न० ( -पूर्व ) नव पूर्व -शास्त्र. नी पूर्व-शास्त्र. nine Pūrvas scriptures. भग॰ २४, —वंभचेर. न॰ (-ब्रह्मचर्य) तव अशरतुं ષ્યદ્મચર્યનું પ્રતિપાદન કરનાર આચારાંગ સત્રનાે પ્રથમ શ્રુત સ્કંધઃ આચારાંગના પહેલાં

नव अध्ययन नी प्रकार के ब्रह्मचर्य का प्रति-पादन करनेवाला आचाराज्ञ मूत्र का प्रथम श्रत-स्कंधः श्राचारांग के प्रथम नी श्रध्ययन The first nine chapters of Achā rānga explaining the modes of continence निसा॰ १६, १=; — विगइ. स्रो॰ ( -विकृति ) ६५ ६६ धो तेव वगेरे नव प्रधारनी विकृति -विगय दूध, दही, घी,तल इत्यादि नौ प्रकारकी विकृति विगय, nine kinds of transformations e. g. mik, cuids, ghee, oil etc. " खव विगइस्रो पग्ण-ताश्रो " ठा० ६; —हत्थुस्सेह पुं॰ ( -हस्तोत्सेघ ) नव હाथनी ઉंयाध नौ हाथ की जचाई height measuring nine arms-length नाया॰ ध॰

सात्र त्रि॰ (नव) नवीन; नवु, तालुं, नवीन, नया, ताजा New; fresh; novel नाया० ९; १२; सम० २०, श्रोव० सु० च० १, ३१८; — गिम्हकालक्षमय पुं॰ (-प्रीष्मकालसमय) नृतन आष्म धाश. नया प्रीध्म काल opening summer. नाया॰ १; -- रगह. पुं॰ ( -प्रह ) नवुं अ७७ ६२९ ते नया प्रहण करना. new or fiesh acceptance. स्य॰ १, ३, . २, १९; -- घडय पु॰ ( - घटक ) नवे। धडेा. नया घडा. a new pot, a new-made pot. नाया॰ १२; -पडन यगा. न॰ (-पायन) क्षेत्राने तापमां નાખી તીક્ષ્ણ કરી પાર્શુ પાણીમાં નાખવ ते; नवु पाश्री यडाववु ते लाहे को ताप में डाल तीद्दश कर के पुनः पानी से डालना, भया पानी चढाना. act of dipping heated and sharpened iron again into water, with a view to make it stronger. ''आवपना-

णएगां श्रासिगएण पाडसाहरिया "भग० १४, ७; नाया० ७; —सादुल. न० (-शा-द्वल) तुरतनुं ६ थेलु धास. ताजा डगां हुत्रा घास fresh-grown grass. नाया० १; —सुत्त त्रि० (-सूत्र) नवा सूतर वालुं. नये स्त वाला. having or consisting of new-spun thread. "श्रासंदिय च नवसुत्तं पाडहाई संकम्म्हाए" सूत्र० १, ४, २, १५; —सुर्भि. पुं० (-सुर्भि) नृतन सुगन्ध नया सुगन्ध fresh, new perfume नाया० १;

ण्वइ. स्री० (नवति ) नेवृती संभ्याः ८० नव्ये की संख्या, ६०. Ninety: 90. जं० प०२,३३:

गावंग. न० (नवाज्ञ ) भे अन, भे आण, भे નાસિકા (ફાણા ) છસ, સ્પર્શ અને મન એ તવ અગ જાગૃત થતાં જુવાની પ્રગટે छे. दो कान, दो श्राख, दो नासिका, जिन्हा, स्पर्श और मन ये नौ अग जागृत होने पर युत्रावस्था प्रकट होतां है. The nine organs or senses viz. two ears, two eyes, two nostrils, tongue, touch and mind ( which in their bloom cause puberty ). राय० २६१; नाया० ३; --सुत्तपडिबो. हिया स्री॰ ( -सुप्तप्रतिबोधिता-नवाद्गानि कर्णादि लच्छानि सन्ति प्रतिवोधितानि योवनेन यस्या सा तथा ) नव यावना स्त्री. नव यौवना स्त्री. a woman in her prime. विवा० २, १, वव० १०;

ण्वणिह्या स्री० (नवनीतिका) ओड प्रडारती वतरपति. एक प्रकार का वनस्पति. A kind of vegetation. " खन्नणोया गुम्मा" ज० प० पन्न० १,

ण्यणिश्च-यः न०( नवनीत )भाभणु मक्खन.

Butter. भग० ११, ११; १८, ६; नाया० १; पत्त० ११; निसी० १, ४; श्रोव० ३८; छा० ४, १:

ग्वनीत न॰ ( नवनीत ) भाभ्यः मक्खन Butter मृ॰ प॰ १०; जीवा॰ ३, ४; श्रोव॰

णयमः त्रि॰ ( नवम ) नवभा-भी-भुं. नौवां-वीं. Ninth. नाया॰ ६; १६; भग॰ २४, १२; २०; नाया॰ घ॰ ६;

णवमालियाः श्लां ( नवमालिका ) जो नाभनी ज्येश वेश. इस नामका एक वेल. A kind of creeper. कप्प ३, ३७,

ग्रवामया. स्रो॰ ( नवामका ) हिं पुरुषता धन्द्र सुधुर्पनी जीक्ष पट्टराखी किंपुरुष के इन्द्र सुप्रय की दूसरी प्रधान रानी, The 2nd crowned queen of Supurusa the Indra of the Kunpurusa kind of gods. সাত খ, १, (२) देवेन्ध्री छही पहुराखी; देवेन्द्र की छुठी प्रधान रानी. the 6th among the crowned queens of Devendra (३) મન્દર પર્વતની પશ્ચિમે अविश रूयक पर्वतता रूयकेतम नामना **ક્ટ−શિખર**−ઉપર વસનારી એક દિશા-क्षभारी मन्दर पर्वत के पश्चिम श्रोर श्राये हुए ठवक पर्वत के इवकोत्तम नाम के कूट-शिखर के ऊगर वसने वाली एक दिशा-कुमारी. a Diśākumārī residing on the summit of Ruchaka mount named Ruchakottama in the west of themount Mandara. ठा० म; र्जं० प० ४, १२२; (४) नविभिधा हेवी. नवमिका देवी. the goddess Navamikā. नाया॰ ध॰ ५: ६: जं ॰ प॰ ¥. 958:

एवमी शी॰ (नवमी) ने। भ नामि. The

9th day of a fortnight र्जं॰ प॰
२, ३०; —पक्ख पुं॰ (-पन्न—नवस्यास्तिथे. पन्नां ग्रहो यस्य तिथिमेन्नपातादिषु
तथा दर्शनात्तिथि पाते तत्कृत्यस्याष्टमे कियमाणत्वात्सनवमीपनः ) लेभां ने।भने।
सभावेश थते। हु।थ तेनी व्याहम जिम में
नोमि का ममानेश होता हो ऐनी श्रष्टमी।
the 8th day of a fortnight
which includes also the 9th.
"चित्त बहुनस्स नवमी वक्षेत्र " जं॰ प॰ ३;
एक जाति का कनी कपडा. A kind of
woolen cloth, नाया॰ १;

ण्यरं. श्र० (नवरम्) पण् आरश्चे निशेष परन्तु इतना श्राधेक But this much in addition; but this much besides. श्रोव० नाया० १: ८; १२; १६; भग० १, १; ३, १; ३, २; ६, ४; ७, ३; १४, १; २४, १२, जं०प००, १३४.४,११६; ण्वारं. श्र० (नंबर) अतर; पूर्वना अति-देश ४२तां ४ छ ४ विशेषना द्योत४. श्रंतर; पूर्व के श्रांतदेश की श्रोचा इछ विशेषता द्यांतक. Moreover, besides. जं० प० ण्वाला. पुं० (नवलक) अत्थ. जाल A

net नंदी॰ एाजीसरीस. पुं॰ (नवशिशेष) એક Mid १२१. एक जाति का दृज्ञ. A kind of tree. नाया॰ १;

ण्वहा. अ॰ (नवधा) नव अशरे. नौ प्रकार से. In nine modes or ways. भग० १२, ४;

ण्विय. त्रि॰ ( नन्य ) त्युं. नया. Ñew;

गुसगा न॰ (न्यसन) भुधनुं; आरे।पण् धरवुं ते. रखना; श्रारोपण करना Act of leaving; act of attributing. जीवा॰ १; ण्स्समाण् त्रि॰ ( नश्यत् ) सन्भागंथी यक्षायमान धता-त्रिभुण थता. सन्मागं से चलाययान होता हुआ Sliding back, falling off from the right path. उवा॰ ७, २१८:

ग्रह. न॰ ( नभस् ) आधाश. श्राकाश Sky. firmament दस॰ ७, ४२;

गाह पुं॰ ( नख ) ने भ. नख: नाखन. A. finger-nail, नाया॰ १; ४; =; भग० २, १; ग्राया० १, १, २, १६; १, १, ६, ५३; जीवा० ३, ३: राय० २२; सूय० २, २, ६; (२) ५२०४, हेछ. कर्जा; ऋण a debt. तंदु सम - च्छेदणयः न ( - इंदर नक) नण उतारवानं ६थीआरः नरेशी नाखुग उतारने का श्रीजार, नेरनी pairing instrument for finger-nails. श्राया॰ २, १, ७, १, — इञ्जेयसा. न॰ ( - इक्षेदन ) नभ छेटन ध्युं ते. नख छदन करना. act of pairing the finger-nails विवा॰ ६; —सिर. न॰ ( —शिरस् ) नभने। अश्र· भाग नख का श्रप्रभाग the fore-part or tip of a finger-nail. भग॰ ४, ४; —सिहा. स्री॰ (-शिखा) नभने। अग्रभाग नख का श्रममाग. the forepart of a finger-nail. निसी०३, ४१; ग्राहयल. न० ( नभस्तल ) आशश. श्राकाश. Sky, firmament. नाया॰ १; गाहु अ० ( नहि ) नि नहीं. No; not नाया० ६.

साम्रा त्रि॰ ( ज्ञात ) अधि जाना हुया. Known श्रोव॰ (२) न॰ ६४ांत द्रष्टात. illustration. वेय॰ ३, २०;

याई अ॰ (नज्) निक्ष नहीं No,not. नाया० ४;७, - पुजा. ति॰ ( -पूज्य ) अपूर्वनीय; पूजाके अयोग्य. not Vol 11/116

deserving worship or reverence. नाया० ७;

णाइ. की॰ (ज्ञाति ) साति; लाति; नात.

ज्ञाति; ज्ञाति. A community; a
caste; kin. (२) सल्यतीय; भातापिताहि संभधी सज्ञातीय; मातापितादि संवंधी.
of the same class. relatives.
नाया॰ १; २; ४; ५, ७; ६; १४; १४;
१६; भग॰ १६,५; १६, २; श्रोव॰ ४०;
उत्त॰ १३, २३; म्य॰ १, २, १, २२; २,
१, ३४; नाया॰ ध॰ —संग. पुं॰
( —संग ) भाता, पिता, पुत्र, स्त्री
व्याहिते। संग-साथ माता, पिता, पुत्र,
क्री श्रादि का संग. a family consisting of mother, father, wife,
son etc. स्प्र॰; १, ३, २, ९;

णाइ. ति॰ ( ज्ञातिन् ) की सर्व पराधी धात-लिश्वा छे ते; सर्वा. जिसकी सर्व पदार्थ ज्ञात-विदित हैं वह; सर्वज्ञ. Omniscient; ( one ) to whom all things are known. स्य॰ २, ६, २४; ठा॰ ४, ३;

णाइ. थ० ( नाति ) थे। छुं, अक्ष्य थोडा; अहर. Not much; a little. भग॰ म, १०; —कदुय. ति० ( -कदुक ) थे। छु ४५वुं. थोडा कडवा. not very bitter. नाया॰ १; —विगट्ट. ति॰ ( -विकृष्ट ) अत्यन्त दीर्घ न हो वह. not very long or far off; not excessively long विवा॰ ३:

**णाइय-भ्र**ं त्रि॰ ( नादित ) नाह ४रेक्ष; ५५७ हे। ६९४० नादित, नादसे गूंज रही हुई; गूनाहुआ Sounded; reverberated, ringing with a loud sound. नाया॰ १; जं॰ प॰ ५, ११७; श्रोव॰ ३१;

णाइल. पुं॰ ( नागिल ) आर्थ पळसेनना अत्यासी, हे लेना ७५२थी आर्थ नागिक्षा शाणा निक्षी श्रार्थ वज्रसेन का शिष्य कि जिसके जगरसे श्रार्थनागिला शाखा निक्ली.

Name of the disciple of Arya Vajrasena from whom the offshoot named Arya Nāgilā originated. कण्य = ;

णाइवंतः त्रि॰ ( ज्ञातिमत् ) स्थलातीय; नातिथे।. स्वजातीय, श्रपनी ज्ञातिवाला Of one's own caste or community. 'मित्तवं णाइवं होह' उत्त॰ ३, १८;

णाऊग्। पुं॰ ( ज्ञाःवा ) लाधीने; सभ्छने. जान कर; समक्त कर. Having known or understood. श्रोव • १४; पंचा • ६,५०; णागः पुं॰ ( नाग-गच्छतीति गः, न गः श्रगः गतिहीन. न श्रगः नागः, चलन धर्म-सयुक्तः ) ભવનપતિ દેવાની નાગકુમાર નામે એક જાત; જેના મુગુટમાં સર્પની ફેણ્નું ચિન્હ છે તેવી એક દેવતાની જાત; નાગકમાર भवनपति देवों की नागकुमार नाम की एक जाति; जिसके मुकुटमें सर्थ के फगा एक चिन्ह है ऐसी एक दैवता की जाति; नागकमार. A class of Bhavanapatı gods called Nāgakumāra gods; a class of gods whose diadem bears a sign of the hood of a serpent. नाया॰ २; =; श्रोव॰ २३, जीवा॰ ३, ३; ( २ ) नाग व शभां ७ त्पन्न थयेल नाग वंशमें उत्पन्न in the born family of Nāgakumāra gods siogo 3, 84, (३) હाथी हाथी an elephant. श्रोव॰ ३१, भग० ६, ३३; १२, ६, जीवा० ३, ३;

(४) नागक्षभार देवताना भद्धातसव. नाग-कुमार देवता का महोत्सव. a festivity of the Nagakumara gods. नाया॰ १; (४) सप<sup>°</sup>. सपं. a snake; a serpent. ত্মীব॰ (६) আর্থ रक्षितना शिष्यः એ नामना आथाय<sup>2</sup>. आर्य रिचत के शिष्य; इस नाम के श्राचार्य. a preceptor so named; a disciple of Aryaraksita कपः =; (७) નાગ કેસર; એક જતનું ઝાડ. नागकेसर; एक जाति का युन, a kind of tree. (८) ८ मा तीथ धर्न येत्य वृक्ष. वर्ने तीर्थंकर का चैत्य ब्रज्ज. a sacred tree in memory of the 8th Tirthankara. सम॰ प॰ २३३; (६, अभावस्थानी राते આવાનું ચાર ( ધ્રુવ ) સ્થિરકરણમાંનું ત્રી જું ५२७। श्रमावास्या को रात्रि को श्राने वाला चार ( ध्रव ) स्थिर करण में से तीमरा करण. the third of the four Dhruva Karanas falling on the night of the dark-half of a month. जं० प० ५, ११६; (१०) ये नामनी ये । द्वीप अने ओं अस्प्रद. इस नाम का एक द्वीप श्रीर एक समुद्र. name of an island; also name of an ocean पत्र १५%; सु॰ प० १६, जीवा० ३, ४; (११) वल्युः વિજયની પૂર્વ સરહદ પરનાે વખારા પર્વત वल्गुविजय की पूर्व सीमा पर श्राया हुआ बुखारा पूर्वत. a Vakhārā mount on boundary eastern Valguvijaya. जं० प० 🗕 इंद. पं॰ ( -इंद्र ) નાગકુમારના ઇદ્ર. नाग-कुमार का इन्द्र. the Indra the Nāgakumāra gods. 'श्रसुरिंद सुरिंदणागिंदा' सम॰ कष्प॰ ८; नाया॰ ८; — गाह. पुं॰ ( - ग्रह ) नागदेवताना આવેશથી થયેલ રાગ; જવર વગેરે. नाग

देवता के श्रावेश से उत्पन्न रोगः ज्वर इत्यादि. a disease resulting from one's being possessed by a Nagakumāra god e g. fever etc. जीग० ३, ३; - घर. न० (-गृह) नागदेवतानुं धर. नागदेवता का घर. a house belonging to a Nagakumara god. नाया = : -- जगण. पुं - ( -यज् ) नाय हेवतानी पून्न, ( भड़ेात्सव ). नाग देवता की पुजा; (महोत्सव ). a festivity held in honour of Nagakumāta gods नाया॰ द: -जत्ता. स्त्री॰ ( -यात्रा ) नागदेवतानी यात्रा. नागदेवता a pilgrimage यात्रा propitiate Nāgakumāra gods नाया॰ =; —घर पु॰ ( -घर ) क्षाथीने **५५८**ना२ भाण्य. हाथी को पकडनेवाला मनुष्य. a person who catches un elephant. श्रोव॰ -पिडमा. स्रो॰ (-प्रतिमा) नागद्देवतानी प्रतिमा देवता की प्रतिमा. an image of a Nāgakumāra god. 'तालेणं जिण पहिमाण पुरश्रो दो दो यागराडिश्रो पर्ण त्तात्रो' जीवा० ३, ३; —परियावणियाः स्री॰(-परिज्ञा- नागा नागकुमारस्तेषां पारिज्ञा यस्यां प्रयपद्धती सा नागपरिज्ञा ) नाभनुं ओक क्षतिक श्रुत इस नाम का एक कालिक श्रुत. name of a Kālika scripture नंदी॰ -पुरफ. (-पुष्प) नाग डेसरनुं ६ स. नाग केसर का फल a flower of the tree named Nagakeśara, जे॰ -फडा. स्री॰ (-फखा) सप<sup>6</sup>ने। हेश्. सर्प का फण the hood of a serpent. (૧) નાગકુમાર દેવતાનું મુગુટમાં रेखेश थिन्धा नाग कुमार देवता का मगुर

में रहा हुआ चिन्ह. the sign of serpent's hood in the diadem of Nāgakumāra gods. श्रोव॰ २३; -- महः पुं॰ ( -मह् ) नागद्विताने। भहे। त्सव. नाग देवता का महोत्सव. a fostivity held in honour of Nagakumāra gods. श्राया॰ २, १, २, १२; राय॰ २१७, भग॰ ६, ३३; -- बर. पुं॰ ( -वर ) प्रधान हाथी; उत्तम हिस्ता प्रधान हाथी; उत्तम हास्ति an excellent elephant श्रोव० जं० प० तद्० भग० દ, ३३; (२) નાગસમુદ્રના અધિપતિ देवता नागसमुद का श्रिधियात देवता. blie presiding deity of Nagasamudra (ocean). स्॰ प॰ १६; -विद्धी. स्त्री॰ (-वीथी) शुक्रनी नव वीथीमानी ओक्ट. शुक्र के नौ मार्ग में से एक one of the 9 orbits of the planet Venus. ठा• ६; --साहस्सी स्री॰ ( -साहस्री ) એકહજાર नाग६भार देवता. एक सहस्र नागकुमार देवता. thousand a deities of the Nagakumara class. सम० ७२:

णागकुमार. पुं॰ ( नःगकुमार ) नागधुभार देवता, अवनपतिनी ओड जात नाग कुमार देवता; अवनपति की एक जाति A class of Bhavanapati gods; a deity of the Nagakumāra class of gods. भग०१, १, २४, २०; ठा००,२; —(दि) इंदः पुं॰ ( -इन्द्र ) नागधुभारना धन्द्र; धरेशेन्द्र नागकुमार का इन्द्र; धरेशेन्द्र Dharapendra, the king of Nāgakumāras भग० १०, ४; —राय पुं॰ (-रान) नागधुभारना शाज्य-धरेशेन्द्र. नागकुमार का राज्ञ धरेगेन्द्र. Dharapendra, the king of Nā-

gakumāras. भग॰ १०, ४; खागडजुख. ५० ( नागार्जुन ) दिभयंत आया-यंना शिष्य. द्विमयंत श्राचार्य का शिष्य. Name of a disciple of the preceptor named Himvanta. नदी॰ ३४; ४०;

णागणियः न० ( नाम्त्य ) नश् ला ।; निर्श्न । लाव; संयम अनुष्ठानः नग भान; निर्श्न भानः । संयम अनुष्ठानः Nudity; possession-lessness asceticism म्य०१,७,२१; णागदंतः पुं० ( नागदंत ) अद्देशः भीं शि. रांदाः स्ट्राः प्रीं कि pog attached to a wall. जीवा० ३४; राग०

सागदत्त. पुं० (नागदत्त ) ये नाभना ये ध शक्पुत्र, इस नाम का एक राजपुत्र, Name of a royal prince. 31. 3, ૪, (૨) બલરાજની સ્ત્રી સુબદાના પ્રત મહાબલરાજ કમારના પૂર્વ ભવ કે જેમાં તે મણિપુર નગરમાં એ નામ ધરાવતા હતા. वलराज की स्री सुभद्रा का पुत्र महावलराज कुमार का पूर्व भव कि जिसमें वह मणिपुर नगर में इस नाम की धारण करता था. the previous birth of prince Mahā bala son of Subhadrā queen of Balaraja. In that birth he bore the name given and lived in the town of Manipula. विवा ७: गागदत्ता हो। (नागदत्ता) १६ मां तीथ धरी પ્રવજ્યા પાલ<sup>ા</sup>ના નામ. ૧૬ वें तीर्यंकर की प्रवच्या पालको का नाम. Name of a palanquin of the 16th Tirthankara at the time of his initiation into the ascotic order. सम॰ प॰ २३१:

गागदार न॰ (नागद्वार) सिद्धापतननी पश्चिम दिशामां नागधुमारना व्यापासनुं द्वार.

सिद्धायतन की पश्चिम दिशा में नामकमार के आवाग का हार. The gate of the abode of Nagakumara in the west of Siddhayatann, তা০ ৮,২; गामपद्ययः पुं ( नामपर्वत ) लंखुद्रीपता મંદર પર્ય તેની પશ્ચિમે શીનાદા નદીની ઉત્તરે शावेदी शेष्ठ ५ वित. जेवृद्धार के मंदर पर्वत के पश्चिम में। शांतीदा नदोशी उत्तर में। श्चाया मुखा एक पर्वेत. Name of a mountain in the north of the river Sitoda in the west of the mount Mandara of Jambüdvipa. ठा॰ २,३; यागपुर. न॰ (नागपुर) दस्तिनापुर; क्षुदेशतुं भुज्य नगर हास्तिनापुर; कुरु देश का मुख्य नगर The capital city of the country called Kuru, 510 90; नाया० घ० प्रः

शागवाग. पु॰ ( नागवागा ) એક ભાતના हिन्य (ईपी ) धेरो. एक जाति का दिन्य (देपी ) घोषा. A kind of colostial horse. जीवा॰ ३:

गागभद्द. पुं॰ (नागभद्द ) नागद्दीभने। अधि-भिन देवता. नाग होय का आधिपति देवता. The presiding deity of Nagadvipa. मृ॰ प॰ १६;

णागभूयः न॰ ( नागभूत ) आर्थ रेहिण् रथित्थी नीक्ष्येत्र उद्देश्यानुं अथभ कुलः आर्थरोहण स्थानर से निकता हुआ उद्देश गणका प्रथम कुल. The first brotherhood of saints of Uddeha Gana originating from Alyarohapa. क्ष्य॰ =;

णागमहाभद् पुं॰ (नागमहाभद्र) नागद्वीपनी अधिपति देवता. नाग द्वीप का श्राधिपति देवता. The presiding deity of Nagadvipa. स्॰ प॰ १६; रिक. A citizen; a person residing in a city. करा० ३; स्य० २, २, १३; — जाए. पुं० ( -जन ) नगरना थे। इ. नगर के लोक A citizen; citizens. ए। गमहावर) नागसपुद्रने। व्यथिपति देवना नागसपुद्र का श्राधि पति देवता. The presiding deity of Nagasamudra स्० प० १६;

णागिमत्त. पुं॰ (नागिमत्र) अ य भिक्षािशिशा के एक शिष्य. श्रार्थ महािगरी का एक शिष्य. Name of a disciple of Arvya Mahāgirī. ठा॰ ३, ४,

स्तागर. युं ( नागर ) नगरभां रहेतार भनुष्यः नागरिक. नगर में रहते वाला मनुष्यः नाग नाया १:

णागराज. पुं॰ ( नागराज ) नागधुभार देवतानी राज. नागकुमार देवता का राजा. A king of the Nāgakumāra deities "वेजंधर नागराईणं" सम॰ १७; णागरुक्ख. पुं॰ (नागहुक्त) नाग पृक्ष नागहुक्त. A kind of tree. " णाग रुक्षे भूषंगाणं "ठा॰ ६; भग॰ २३, २;

स्थागलया. स्त्री॰ (नागलता ) नागसत;
नागर वेस. नागलता; नागर बेल; पान की
बेल. A creeper of betel-leaves.
स्रोव॰ राय॰ १३७: — मंडल न॰ (-मग्डल) नागर वेसनी भांऽवी. नागर बेल का
मग्डप. a bower of a creeping
plant named Nagaravela. राय॰
१३७; जीवा॰ ३, ३;

णामितिरी. स्ती॰ ( नागन्नी ) अतिष्ठानपुर नगरना नागन्य शेरेनी स्त्री व्यने नागन्त गी भाता. प्रतिष्ठानपुर नगर के नागन्त शाह की स्त्री त्योर नागरत्त की माता. The wife of Nagavasu a merchant of the town of Pratisthanpura, and mother of Nāgadatta. नाया॰ १४; (२) यंपा नगरीना से। म ध्याह्म खुनी स्त्री हे लेखीं धर्म इयि नामना तपस्ती मुनीने डऽती तुणीनुं शाड ० हे। रा०थुं हतुं. चंपानगरी के सोम बाम्हण की की कि जिसने धर्म शिंच नामक तपस्त्री मुनि को कह तुंबी का शाक बहराया था. the wife of Soma, a Brāhmaṇa of Champānagarī who served an ascetic named Dharmaruchi with cooked vegetables prepared from a bitter gourd नाया॰ १६;

णागसुद्धमः न॰ ( नागस्यम ) स्ने नाभनुं स्नेड देशिङ शास्त्र. इस नाम का एक लौकिक शास्त्र. Name of a secular science. श्राणुजो॰ ४१;

खागहात्य. पुं० (नागहात्तिन्) आर्थनिन्ह क्षभणुना शिष्य. श्रार्थनीन्द लक्षमण के शिष्य. Name of a disciple of Arya-Nandi Laksamana.कप॰=; खागोद पुं० (नागोद) ओ नाभना सभुद. इस नाम का समुद्र Name of an осеан. सू० प० १६;

णाडम्र-य. न॰ (नाटक) त'८६ नाटक A drama; a play. जं॰ प॰ ४, ११४; विशा• ३;

णाडर जा ति॰ (नाट किय) नाट कनां पात्र,
ओ के के के पात्र, एक्टर (One)
acting in a drama; an actor
in a drama. नाया॰ १; जं॰ प॰ (२)
नहीं. नहीं. an actress. ठा॰ ९; जं॰प॰
णाडय पुं॰ (नाटक) नाटक करने वाला; नाचने वालाः
A player in a drama; a dancer. नाया॰ १, ६;

गाग न॰ (ज्ञान) ज्ञान; समक्रशः भाष.

ज्ञान; समक्क; वोध. Knowledge; un derstanding. भग॰ २, १; ४, ४; २४, १२; २४, ६; २६, १; नाया० १; २; ५; वेय० १, ४६; श्राणुजी० १४७; पन्न० १; स्० प० २०; श्राव० १, १; प्रव० ५५७; (૨) આલિનિબાધિક જ્ઞાન, શ્રુવજ્ઞન, अविधिज्ञान, भनः।याँप ज्ञान, को पांच પ્રકારમાંનું ગમે તે એક. श्रामितियोविक ज्ञान, श्रुनज्ञान, श्रवायिज्ञान, मनःपर्याय ज्ञान केवलज्ञान इन पांच प्रकार में से चाहे सी एक any of the five varieties of knowledge viz Abhinibodhika, Śruta, Avadhı, Manahparyāya, and Kevala. राय॰ (३) पन्नरश् સૂત્રના ત્રીજા પદના દશમા દ્રાંરનું નામ पनवणा सूत्र के तृतीय पद के द्वार का नाम. name of 10th Dvāra of the 3rd Pada of Pannavanā Sūtra. पत्र ३: — प्रतरायः पुं॰ ( -श्रन्तराय ) ज्ञानभां अंतराय-विक्त पाउवुं ते. ज्ञान में श्रन्तराय-विष्न डालना obstruction in the acquirement of knowledge. भग॰ ८, ६; — अभिगम पुं॰ ( -श्राभे-गम) ज्ञाननी प्राप्ति ज्ञान की प्राप्ति acquirement of knowledge তা॰ ३, २; — श्रायार पुं॰ (-श्राचार) કાલે-અવસરે ભગ્વું, વિનય સહિત ભગ્ 1ં, ળહુમાન પૂા<sup>'</sup>ક ભણ્<u>ય</u>ુ: ઉપધાન તા સહિત ભગ્રવું, અનિન્દ્રવય શે ભગ્રવું, શબ્દ; અપ અને 'તદુભય' (શબ્દ અને અર્થ બને) ને ગાપવ્યા શિવાય ભણવું એ આઠ સાતા-त्तेलक्ष अनुष्ठान ते ज्ञानायार नियम मे सीखना, विनय के साथ साखना, बहुमान प्रकं मीयना; उपवान तर सहित सीखना, श्रानिन्हवतासे सीक्षनाः शब्द श्रर्थ आरे

'तद्भय' ( शन्द व श्रर्थ) को विना गुप्त रक्खे सिखना ये श्राठ ज्ञानोत्तेजक श्रनुग्रान श्रयीत् due observance ज्ञानाचार. the eight points regarded as requisite in acquiring sound knowledge, viz (1) regularity; (2) modesty (3) reverence (4) attentive repetition (5) nonconcealment (6) non-suppression of senses (7) non-suppression of words and (8) non suppression of both words and senses. ठा०,२,३; ४, २; सम० २३; -- प्राराहण न॰ (-प्राराधन) गननी अ राधना करवी ते. ज्ञान की श्राराधना करना. devotion to, worship of knowledge. ठा॰ ३, ४; — श्राराह्णाः स्री॰ (-ग्राराधना) साननी आराधना. ज्ञान की आराबना. devotion to, worship of knowledge. भग•=,१•; -- ब्रारियः पुं॰ ( -ब्रार्य ) मानेश्री आर्थ ज्ञान के कारण आर्थ. civilised (Arya) by reason of the possession of knowledge. एक॰ १; —इंद. पुं• (-इन्द्र ) ज्ञान અथवा ज्ञानीमां धन्द्र-श्रेष्ठः केवत्रशती ज्ञान श्रयवा ज्ञानी में इन्द्र-श्रेष्ठः केंद्रज्ञानी. highest among those who are possessed of knowledge; one possessed of perfect knowledge ठा०२,४,३,१; —उप्पायम-हिमा. स्त्रो॰(-उत्पादमहिमा-नहिमन्)तीर्थ-કરતે કે કે હ્લીતે કેવલત્તાન ઉપજે ત્યારે કરવા-માં આવતા ત્રાતના મહિમા-મહાત્સવ. तार्यं कर या केव तीको जब केवलजान प्राप्त होता है तब ज्ञानकी महिमा-महोत्पत्र. की जानेवाली a festivity celebrated at the

time when a Tirthankara or Kevali attains knowledge. भग॰ ३, १; १४, २; ठा॰ ३. १; - उवस्रोगः पुं॰ ( - उपयोग ) જ્ઞાનના વ્યાપાર; જ્ઞાનમાં લક્ષ જોડવું તે. ज्ञान का व्यापार, ज्ञान में लक्त जोडना. application use of knowledge; study. प्रव॰ application to ३१२, — उवद्याय पुं॰ ( -उपद्यात ) आक्षसंथी ज्ञानने। नाश, श्रालस्य से ज्ञान का नाश. destruction, decay of knowledge caused by idleness ठा०१०; —कसायक्रसील. पु० (-कषाय-कुशीज ) ज्ञान आश्रित ४पाय ५शील. ज्ञान श्राधित नैतिक विगाड. moial impurity tainting knowledge भग०२५, ६; —कुसील. त्रि॰ (-कुशील) ज्ञानने ६पित थनायनार. ज्ञान को द्षित वनाने वाला. ( any thing ) that taints knowledge. তা০ ৬, ३; —( ऽ ) च्वासायणा श्री • ( -श्रात्या-शातना ) ज्ञाननी अशातना-ढीवणा. ज्ञान के प्रति दिखलाई जाती घृगा-तिरस्कार वृति. contempt or hatred shown towards knowledge. भग॰ ८, ६; — द्या स्री॰ (- श्रर्थत्ता ज्ञानमेवार्थोयस्या-सौज्ञानार्थस्तद्भावस्तत्तथा ) ज्ञानार्थपायुः ज्ञाननी अप्यर्थना धरवी ते. ज्ञानार्थपन, ज्ञान की श्रम्यर्थना करना. solicitation for knowledge, request for knowledge भग॰ १८, १०, ठा॰ ४, २; -- शिगहवयाः स्त्री॰ ( -निहव ) शास्त्रता તથા શાસ્ત્ર ભણાવનારના ઉપકાર એાલવવા ते. शास्त्र का श्रीर शास्त्र को पढाने वाले मानना non-ack-वपकार न nowledgment of the debt

of gratitude due to scriptures and to one who teaches them भग०८, ६: — शिव्यत्ति, स्री० (-निर्वृत्ति) પાંચ પ્રકારનાં જ્ઞાનની નિષ્પત્તિ-સિહ્ધિ. पांच प्रकार के ज्ञान की निष्यति-सिद्धि acquisition or attainment of the five kinds of knowledge भगः १९, ६; २०, ४, —( ऽऽ ) त्त. पु॰ (-श्रात्मन्) ज्ञानी व्यात्मा; सभ्यगृहष्टि भात्मा ज्ञानी त्रातमा. सम्यग दृष्टि श्रातमा soul possessed of right knowledge and faith. भग० १२, १०;--दंस्तरा. पु० न० (-दर्शन) ज्ञान अने हर्शन. ज्ञान और दर्शन. right knowledge and right faith. 310 0; नाया॰ ४, -दंसग्रहाय स्त्री॰ ( -दर्शना-र्थता ) हान अनेहर्शननी अपेक्षा ज्ञान श्रीर दर्शन की अवेद्या. desire for or expectation of right knowledge and faith. नाया॰ ४, -दसंग्रंधर. पुं॰ (-दर्शनधर ) जान अने दर्शनने धरनारः देवसमान ज्ञान और दर्शन को धारण करने व ला. केवलज्ञानी (one) possessed of knowledge and faith, right omniscient. नाया० —दंसणलक्खण त्रि॰ ( -दर्शनलचण-ज्ञानंच दर्शनंच लच्चण स्वरूपं यस्पतत्तथा ) સમ્યક્તાન અને સમ્યકદર્શન **क्ष्रिल्-२वरूप है।य ते. सम्यक्**ज्ञान सम्यक्टरीन जिसका लत्तरा-स्वरूप वह (one ) having as essential quality right knowledge and right faith. "चडकरण-संजुतं नाणदंसगा लक्खणं" उत्त २८, १; -दंसण्समग्गः त्रि॰ (-दर्शनसमत्र) सानदर्शनथी पूर्ण ज्ञानदर्शन से पूर्ण

perfect in the possession of right knowledge and right faith. "तत्ते णाणदंमण सम्मागे" उत्त॰ <sup>म, २</sup>: —दांसे पुं॰ ( -दर्शिन् ) ज्ञान दर्शन वादी ( ७० ). ज्ञान दर्शन वाला ( जीव). a soul possessed of right knowledge and right faith. भग० ४२. १; —पज्जव पुं० (-पर्याय) रानना पर्याय. ज्ञान के पर्याय modifications of knowledge. भग॰ २, १; —पंडिणीयया स्रो॰ ( -प्रत्यनीकता ) શાનમાં પ્રતિફૂલતા-વૈરભાવ. ज्ञानमें प्रति-कुलता-वैरभाव opposition hostility towards knowledge. भग० ८, ८; —पाडिसेवणाकुसील. पुं॰ ( -प्रतिसेवनाकुशील ) रामिनी प्रिनि-સેવામાં દૂષણુ કરનાર. ज्ञानकी प्रातिसेवा में दूषण करनेवाला. one who taints the acqirement of right knowledge. भगः २४, ६; —पारे गाम. पु॰ ( -पारेगाम ) ज्ञानक्षस्थु-अवना परिलाभ ज्ञान लक्त्रण जीव के परि-णाम. a stage of development of the soul marked by pos--- परीसह. युं॰(-परीपह -- परीपहणं परी-पदः ज्ञानस्य मत्यादेः पारेपहः ) ज्ञाननी પરિષહ; જ્ઞાન ન આવડવાથી થતું કષ્ટ. ज्ञान का परिषह, ज्ञान भ आनेसे होता हुआ कष्ट.affliction of the mind caused by the consciousness that one is ignorant. भग॰ —पायाच्छुत्त. न॰ ( -प्रायश्चित्त ) ज्ञान અતિચારની આલાેચના; ઝાનની शुद्धि अधे प्रायित धरवुं ते ज्ञान के श्रातिचार की आलोचना; ज्ञान की शुद्धिके

लिये प्रायाश्चेत करना. expiation undergone for the purification of one's knowledge. তা০ ২, ४: ४, १; -पुरिसः पु॰ (-पुरुष ) ज्ञानः वान पुरुप; ज्ञानप्रधान पुरुष, ज्ञानवान पुरुप; ज्ञानप्रधान पुरुष a person possessed of knowledge; an educated person. ठा॰ ३, १; भग॰ २, --पुलाञ्च पुं॰ (-पुलाक) ज्ञानने नि.सार थनावनार <u>पुत्राध्विधिया</u>की साधु ज्ञान को बनानेवाला प्रलाकलाविधवाला साधु. an ascetic who renders his right knowledge useless by lapse in the observance of primary vows. তা॰ খ, ই; भग० २४. ६: — प्रश्लोसः ( -प्रदेश्य ) श्रुत आहिज्ञानमां अथवा ગાનીમા અત્રીતિ દ્વેષ કરવા તે; ગ્રાનાવરણીય डभ<sup>९</sup> थाधवानी એક હेतु श्रुत श्रादि ज्ञानमे श्रयवा ज्ञानीमें अशीत-द्वेष करना;ज्ञानावरणीय कर्म बांधनेका हेत. showing disrespect or hatred towards the five kinds of knowledge or the persons possessed of them, a fault which leads to knowledge. obscuring Karma. भग० =, ६; --- प्यवाश्चा. न॰ ( प्रवाद ) भतिशान आहि भांय ज्ञान संव्यंधी भइपला क्रवी ते मात ज्ञान आदि पांच ज्ञान के संबंध में प्ररूपणा करना. act of explaining the five kinds of knowledge such as Matijñāna etc. सम॰ -फल-न॰ (-फल) शाननुं ६५ ज्ञान का फत. fruit of ( right) knowledge भग० २, ५; -- बल पुं० ( -बल ) शान-रूपी थक्ष. ज्ञान रूपी बल. power,

strength in the form of knowledge. ঠা৽ ৭০; — **বুব্ধ**. নি॰ ( -বুব্ধ ) જ્ઞાતાવરણીયતા ક્ષયોપશમ આદિથી થયેલ नानवडे भाध पामेश्व, ज्ञानावरणीय के चयो-पशम श्रादि से उत्पन्न हुए ज्ञान से बोध पाया हुआ. (one) who has be enlightened by come knowledge attained through the destruction. subsidence etc. of knowledge-obscuring Karına ठा०२,४;—बोहि स्री०(-बोधि) જ્ઞાનવરહીયના ક્ષયાપશમથી ધર્મની પ્રાપ્તિ थ्वी ते ज्ञानावरणीय के ज्ञागेपशम से धर्म की प्राप्ति होना attainment of true religion by the dest uction, subsidence etc. of knowledge -obscuring Karma. 810 3, 3; — भट्ट. त्रि॰ ( −म्रष्ठ ) ज्ञानथी अष्ट થયેલ. ज्ञान से भ्रष्ट degraded from right knowledge. श्रायाः १,६,४, १६•; --भावगाः स्री॰ (-सावना) शाननी भावना. ज्ञान भावना. meditation upon right knowledge. थ्राया॰ २, ३, १, १;—मूद्ध. त्रि॰( -सूद्ध ) शानावरशीय अभेना अहयथी ज्ञानमां भूद-भूभ शानावरखाय कर्मके उदयसे ज्ञानमें मूढ मूर्क. foolish, ignorant on account of the matutrity of knowledge obscuring Karma 51. 2, 8; —मोह. पुं∘ (-मोह) ज्ञान सणधी भे। इ. ज्ञान के संबंध में मोह infatu ation, delusion in point of right knowledge. তা॰ ২, ४, —रासि पु॰ (-राशि ) ज्ञानने। सभूद. ज्ञान का समृह. mass of knowledge. पंचा॰ १४, ४५: - लोग पुं॰ (-लोक) Vol. 11/117

हैपस ज्ञानाहि दीह. केवल ज्ञानादि लोक. the world of omniscience etc. ठा० ३, २; — विराय. पुं० (-विनय) પાચ પ્રકારના જ્ઞાનના વિનય કરવા તે पीच प्रकार के ज्ञान का विनय करना, showreverence towards the five kinds, of knowledge. २५, ७; — विणयपरिहीण. त्रि॰ ( -वि-नयपरिहीन ) ज्ञान आयारथी रिहत. ज्ञान श्राचार से रहित. devoid of the observance of the eight points (rules) requisite for the attainment of right knowledge चं॰प॰ २०,-विराहणा ज्ञी०(-विराधना) शाननी વિરાધના કરવી તે, જ્ઞાનનું ખંડન કરવું તે. ज्ञान की विराधना करना; ज्ञान का खंडन करना, act of offending against right knowledge i. e. refuting it. सम०१,-विसंवायगाजोग पं०(-वि-संवादना योग ) ज्ञानी साथै भाटा अध्या મિથ્યા વિવાદ કરવા તે; જ્ઞાનાવર્ગ્ણીય-કમ<sup>°</sup> ખાંધવાતા એક હેતુ. ज्ञाना के साथ भं, रे भगडे-मिथ्या विवाद; ज्ञानावरणीय कर्म बांधने का एक हेतु. act of entering into false and vexations discussions and disputes with persons possessed of right knowledge; this is a source of Jñānāvalaņīya Karma भगः म. हः —विसोहि स्री॰ ( -विशोधि ) ગ્રાનના આચારનું પાલન કરવું તે; જ્ઞાનની शृद्धि ५२वी ते. ज्ञान के आचार का पालन, शुद्धि करना. putting into practice the rules prescribed by right knowledge; purification of 

— संका. स्री॰ (-शङ्कां ) हातना विषयमां शंधा धरवी ते. ज्ञान के विषय में शंका or misgiving doubt of knowin the matter ledge. स्य॰ १, १३, ३; —संपर्णः त्रि॰ ( -सम्पन्न ) ज्ञान संपन्न; ज्ञानमां पृथ्. ज्ञान संपन्न; ज्ञान में पूर्ण. possessed of knowledge; perfect in knowledge. भग॰ २, ५; २४, ७; -संपरारायाः क्री॰ ( -सम्पन्नता ) ज्ञाननुं स पाइन. ज्ञान का मंपादन. acquirement of knowledge. " गाग संपर्णयाए यां भंते ! जीवे किं जणयह " उत्त० २६, १६: भग० १७, ३:

णागुत्त. पुं॰ न॰ ( नानात्व ) नाना अक्षार; नानात्माद; नानापणुं. विविध प्रकार; विविध भाव; विविधता. Variety, difference; state of being different or having difference. भग॰ १, १; ५; ३, १; १२, ७; १८, ३; १६, ३; २०, १; २४, १; २६, २; नाया॰ ५; पन्न॰ १५; जं॰ प॰ ५, ११८; २, २६, ७, ७, १३४;

णाराष्यकार. त्रि॰ ( नानाप्रकार ) नाना अधारतुं; विथित्र विविध प्रकारका; विचित्र. Of various modes; of different kinds; strange सूत्र॰ १, १३, १;

णाणा. श्र० (नाना) नाना प्रश्नर, व्यनेष्ठः, विविधि निविध प्रकारः श्रमेक निधि से. Various; of various modes or forms. नाया० १; ७; ६; भग० ३, ३; ६, २; २४, ६; राय० ४४; श्रोन० २५; ३३; उत्त० ३, २; श्रणुजो० २८; जं० प० ४, ११४;

गागागार. त्रि॰ ( नानाकार ) विविध आधारनुं निविध श्राकार का Of various shapes; bearing various shapes

or forms. प्रव॰ ११२०; गागाप्तांस. पुं॰ ( नानाघोस ) नाना प्रकारना आवाज-स्वर. विविध प्रकार की घावाज-स्वर. Various kinds of sounds

or tunes. भग॰ १, १;

गागाच्छेद. ति॰ ( नानाच्छेद-नाना भिन्नः

च्छुन्दोऽभिप्रायो येषां ते तथा) नाना अधारना लिश्र लिश्र २७ ६-अलिप्रायवाक्षा; लुहा लुहा अलिप्रायवाक्षा, विविध प्रकार के भिष्ठ २ च्छंद-श्रभिप्राय वाला; भिष्ठ भिष्ठ श्रभिप्राय वाला, of various, differ-

ing opinions or likes dislikes. सूय० २, २, ३•;

गागाह. त्रि॰ ( नानार्थ ) नाना प्रधारना अर्थ छे केना ते; अनेक अर्थ वाला प्रकार के अर्थ वाला; अनेक अर्थ वाला.

Possessed of bearing various

meanings; homonymous. भग०१,१;
णाणादिष्ठि. त्रि० (नानादृष्टि—नानारुपा दृष्टिदेशेनं येपां ते तथा ) शिन्न शिन्न दृष्टि-देशेन वाला.
Possessed of, various creeds;
possessed of various points of
view. सूय० २, २, ३०;

गागादेस. त्रि॰ (नानादेश) नाना अशर-जुहा जुहा देशना वतनी नानाप्रकार-भिन्न भिन्न देश के वतनी. (Persons) residing in various countries. भग॰ ১. ३३:

गागापन्न ति॰ ( नानाप्रज्ञ—मानाप्रकारा विचित्रज्ञयोपशमात् प्रज्ञायतेऽश्चनयेति प्रज्ञा सा विचित्रा येषां ते तथा ) नाना प्रश्नारनी भित पाथीः विविध प्रकार की मित वाला. Possessed of various moods of intellect स्य०२, २, ३०, गाणापिंडरय ति॰ (नानापिंदरत) अनेध

प्रधारना आहाराहि पिएडमां आसक्त. श्रमेक प्रकार के श्राहारादि पिएड में श्रासक्त Attached to, parsionately fond of various kinds of food etc. "नानापिंडरया दंता तेण बुद्धांति साहुणों" दस० १, ५;

णाणामिणि. पुं॰ ( नानामिणि ) नाना प्रधारनां भणी. नाना प्रकार के रत्न. Various kinds of gems " णाणामिणि कणग-रयण विमन्न " राय॰

णाणामिणरयण. न० ( नानामिणरस्न ) नाना अक्षरनां भिष्ठिरत्त. निविध प्रकार के माणिरत्न Various kinds of excellent gems. निवा॰ २;

णाणामञ्च न॰ (नानामाल्य) नाना प्रधारनां प्रस. नाना प्रकार के फूल Various kinds of flowers ''णाणामञ्जिपणद्धा'' राय॰ जीवा॰ ३,

णाणारंभ त्रि॰ (नानारम्भ ) नाना प्रधारना धर्भानुष्टान वाला. नाना प्रकार के धर्मानुष्टान वाला. Performing various kinds of religious practices. स्य॰ २; २,३०;

णाणारुइ. ति॰ (नानाइनि) नाना प्रधारनी इथि-अक्षिप्राय पासा निविध प्रकार की इनि॰ श्राभिप्राय नाला Possessed of, having various kinds of opinions or likes and dislikes. स्य॰ २, २, ३०,

णाणांचेजन न० (नानाव्यञ्जन) नाना प्रधा-रना १ । १ । १६ । १६ व्यं ल्यन अक्षर. नाना प्रकार के ककारादि व्यञ्जन श्रद्धर. Various consonants such as Ka etc. भग० १, १;

णाणावरण. पुं॰ (ज्ञानावरण) गानावरण; ग्रान प्राप्त ४२वामां आहे आवतं आहर्भ- भांनुं पहेशु ५भ ज्ञानावरणः ज्ञान प्राप्त करने में विष्नकर्ता श्राठ कर्में। में से पहिला कर्म. The first of the eight divisions of Karmas called knowledge-obscuring Karma. दसा॰ ४, ३२: ३३; नाया॰ ३;

णाणाचरणिज्ञः न० (ज्ञानावरणीय) ज्ञान शिक्तिने हणावनार आर्ड कर्मे भातु पहें शु क्रमें ज्ञान शिक्ति को दवाने वाला श्राठ कर्में में से पिहला कर्म. The first of the eight kinds of Karmas viz. that which obscures or checks the power of acquiring knowledge श्रोव॰ २०; ठा० ४, १; भग॰ ६, ३, ६, ६; २०, ७; २४, १; ७; पत्र॰ २२; णाणाविहः ति॰ (नानाविध) नाना प्रकार का, श्रमेक प्रकार का. Of various kinds; of different kinds; नाया॰ १; ४; ६; १६; जं॰ प॰ ४, ११६; श्रोव॰ पत्र॰ १; जीवा॰ ३;

णाणासंहिय त्रि॰ (गानासंस्थित) नाना
प्रधारना स स्थानवाक्ष; लुधा लुधा व्याधारतु नाना प्रकार के संस्थान वाला, भिन्न
भिन्न प्र्याक्षर का. Bearing various
shapes or conformations. भग॰
२४, १२;

णाणासील त्रि॰ (नानाशील – नानाप्रकारं शीलमनुष्टानं येषां ते तथा ) नाना अधारना अनुष्टानवाक्षाः नानाप्रकार के श्रनुष्टानवालाः Given to various kinds of (religious ) practices or performances. सूय॰ २, २, ३०;

ग्णागि. पु॰ ( ज्ञानिन् ) ज्ञानिः; यथार्थे तत्व-स्वरूपनी व्यथुनार ज्ञानीः; यथार्थे तत्व-स्वरूप को जाननेवाला. A person the name "Valiant. स्० प० २;
—सच्च. न० ( -सत्य-नाम श्रभिधानं
तरसत्यं नामसत्यम् ) सत्य क्षेतुं नाभ छे ते
नाभनुं सत्य. सत्य जिसका नाम है वह; नाम
का सत्य. truth in name only; that
which is named truth. ठा०
१०; —सच्च. न०(-सर्व—नाम च तत्सर्व
च नामसर्वम्) नाभे अरोसर्य. नाम से ही
सर्व. everything by reason of
the name or so far as the name
goes. ठा० ४, २;

णामधिजा. न॰ (नामधेय) नाभ; अलिधान. नाम, श्रमिधान. A name; denomination. श्रोव॰ २६; नाया॰ १;

णामधेजा. न॰ ( नामधेय ) नाभ; अलिधान.
नाम, श्रामधान A name; denomination. नाया॰ १; १६; पन्न॰ २; भग॰ १४,
१; विवा॰ ५; ज॰ प॰ ७, १७८; ठा॰ ४,
२, श्रोव॰ ४०; श्रणुजो॰ २८;

णामधेज्ञवई. स्त्री॰ (नामधेयवती) अशस्त नाभवासी प्रशस्त नाम नानी Bearing a famous name. नाया॰ १:

णामधेय. न० (नामधेय) लुओ। "गाम-धेज "शण्द देखी" गामधेज " शब्द. Vide "गामधेज "जं० प० ४, ११४,

णामय पुं॰ (नामक) नाभ; संभावना A name; possibility भग॰ १६, ३, नाया॰ १;

णाय. त्रि॰ ( ज्ञात ) लिशेनुं; सभलेकुं- ज्ञात; सममा हुत्रा. Known; understood. भग॰ १, ४; ७, ६; ६, ३१; १७, २; नाया॰ ७; राय॰ ३१; श्राया॰ १, १, १, २; (२) न॰ ४६२१६ प शनुं ओक अवांतर हुस, भढावीर स्वाभिनं हुस इच्लाकु वंश का एक कुल; महावीर स्वामी का कुल the fa-

mily of the Lord Mahāvīra; a branch of the Iksvāku family. श्रोव॰ १४; पराह॰ १, १; भग॰ ६, ३३: (३) त्रि॰ ते वशमां जन्म पामेश्व. उस वंश में जन्म प्राप्त. born in the above family. भग० २०, ८; श्रोव० १४; (४) न० ६ष्टांत. दष्टांत. an illustration. सम॰ ६; (५) जाता सूत्रने। अर्थ न्मतल्य. ज्ञाता-स्त्र का अर्थ. the purport or sense of Juata Sutra. नाया॰ ध॰ -विहि. पुं॰ ( -विधि ) स्वल्यनी। એક स्वजन का एक प्रकार. a particular kind of relationship. वव ६, १: दसा॰ ६, २; -- संग. पुं॰ ( -सङ्ग ) परि-थित अनीनी संग. परिचित जनींका संग. company of acquainted persons. स्य॰ १, ३, २, १२;

साय. पुं॰ (नाद) नाह; अवाल; क्षुभ. नाद; श्रावाज; शोरगुल Sound; loud sound नागा॰ १;

णायत्र्यः पुं॰ (ज्ञातक) लातीक्षेः; ह्यातिलन स्वजातीय, ज्ञातिजन. A caste-fellow. ज॰ प॰ सूय॰ १, ६, १२; २, १, ३४; वव॰ ६, ६, नाया॰ १;

णाय श्र-य. पुं॰ ( नायक ) नायक; नेता. नायक, नेता. A leader; a head. स्य॰ १, १४, १; नाया॰ १; २;

णायक. पु॰ ( नायक ) नायक; नेता नायक; नेता. A leader; a head पएह॰ १,४; णायकुमार पुं॰ ( ज्ञातकुमार ) ळुओ। "णातकुमार " श॰६. देखे। " णातकुमार "

शब्द Vide " ग्यातकुमार " नाया० ६; ग्यायखंड न० (ज्ञातखरड) लुओ " ग्यात-खंड "शम्ह. देखो " ग्यातखंड " शब्द. Vide " ग्यातखंड " ठा० १०;

सायग. पुं॰ ( ज्ञातक ) लुओ। " सायश्र "

शण्ट. देखो " णायभ्र " शब्द. Vide " णायभ्र " निसी० =, १२;

णायग पुं॰ ( नायक ) नायक; नेता; राजा; व्यविपति. अधिपति. नायक; नेता, राजा; व्यविपति. A leader; a king; a lord सम॰ १; ३०; दसा॰ ६, १६; पगह॰ २, ५; (२) प्र३५७॥ ४२७॥२. प्रह्मणा करने वाला. one who explains e. g. a religious text स्य॰ १, ११, १;

religious text स्य॰ १, ११, १;

गायज्भायगा. न॰ (ज्ञाताध्ययन) साता

स्त्रतुं अध्ययन ज्ञाता स्त्र का श्रध्ययन.

A chapter of Jñātā Sūtra.

नाया॰ २; ४; ५; ५; १२; १४; १६;

णायपुत्त. पुं॰ ( ज्ञानपुत्र ) सात व शमां हत्पन्न थयेक्ष; सात-अभ्यात-सिद्धार्थ राज्यता पुत्र महावीर स्वामी. ज्ञात वंश में उत्पन्न, ज्ञात-प्रख्यात-सिद्धार्थ राजा के पुत्र महावीर स्वामी. The Lord Mahāvīna, the son of the famous king Siddhārtha; born in the family named Jñāta. उत्त॰ ६, १८; मग॰ १८, ७; स्य॰ १, ६, २४; — वयण. न॰ ( -वचन ) महावीर स्वामिता वयत. महावीर स्वामी के वचन. words of Mahāvīra Svāmī.

गायय त्रि॰ ( ज्ञातक ) न्निश्वारः जानने वालाः (One) who knows नाया॰ २, गायव्यः त्रि॰ ( ज्ञातव्य ) न्निश्वा थीःभः; अविभीधन ६२वुं जानने योग्यः; श्रववोधन करनाः Worthy of being known; act of knowing श्रग्रजो॰ १२८, १३०; निसी॰ २०, १०; भग॰ १६, ६; नाया॰ ध० ६;

दस० १०, ६,

णायसंडः न॰ ( ज्ञातखरड ) क्षत्रिय કુ९ऽ-પુરતી ળહારનું ઉદ્યાન, જ્યાં મહાવીર સ્વામી- मे हीक्षा क्षीधी. चात्रिय कुर्रुष्ट के चाहर का उद्यान जहां महावीर स्वामी ने दीचा लीथी. The garden outside Ksatriya Kundapura where Mahāvīra Svāmī was initiated into the order of monks. आया॰ २, ३, १४; — चर्णा. न॰ ( -चन ) शातभं उत्यान के दुवान वातखंड नाम का उद्यान. क दुवान den named Jñātakhanda. कप्प॰ ४, १९३;

णायाः स्त्री॰ (ज्ञात) लेभां दृष्टांत सिंहत अधिकार छे अेनु हाता नामनुं छहुं अ ग सूत्र. जिसमें दृष्टात सिंहत अधिकार है ऐसा ज्ञाता नाम का छठा श्रंग सूत्र. The 6th Anga Sūtra so named abound ing in illustrations of the subject-matter. नाया॰ १; —(ऽ) णायाउमस्यणः न॰ ( -ज्ञाताध्ययन ) हाता सूत्रनं अध्ययन क chapter of Jñātā Sūtra. नाया॰ १; ६;

णायाधम्मकहा स्त्री॰ (ज्ञाताधमंकथा-ज्ञातानि उदाहरणानि तत्प्रधाना धर्मकथा ज्ञाताधमे था ) लेभा ६ष्टांत सद्धित अधिकार हे थे अधु अ नामनु छट्टं अ गसूत्र. जिसमें दृष्टात सहित अधिकार है ऐसा इस नामें का छठा अंगसूत्र The sixth Anga Sutra so named abounding in illustrations of the subject-matter. नाया॰ १; नाया॰ घ॰

णारश्च-य पुं॰ (नारद) नारह ऋषि ऋषि; नारद The saint Nārada श्रोव॰३=, (२) सार्थपुर नगरना राज्य समुद्रियनेना दीइरा सौर्यपुर नगर का राजा समुद्र विजय का पुत्र. name of the son of Samudravijaya the king of Souryapura. श्रोव० (३) गन्धर्यंना सम्भरनी अधिपति गंधर्यं. गन्धर्व के लस्करका श्राधिपति गंधर्वं. the Gandharva commander-in-chief of the army of Gandharvas. ठा० ७;

णारयपुत्त पुं॰ (नारदपुत्र) लाग्यान् भक्षायीर स्वाभीना को नाभना को शिष्य भगवान् महावीर स्वामी का इस नाम का एक शिष्य Name of a disciple of lord Mahāvīra. भग॰ ४, =;

णाराय. न॰ (नाराच) साम सामे णे वस्तुनी મકેટ બધ, છ સ ઘયણમાંનું ત્રીજું સ ઘયણ. श्रामने सामने दो बर्त्यों का मर्कट वंबः छः संघयण में से तृतीय संघयण The third of the six kinds of physical constitutions in which the bones are loosely tied together by the sinews जं॰प॰ जीवा॰ १ शारायगा. पुं॰ ( नारायगा ) दशरथ राज्यता યુત્ર રામના ભાઇ લક્ષમણનું અપર નામ; ભરત ક્ષેત્રના આ અવસર્પિણીના અઃદમાં पासुहेव. दशरथ राजा के पुत्र राम के भाई लक्तमण का अन्य नाम; भरत चेत्र की इस ध्यवसर्पिणीं का घाठवां वासुदेव. Another name of Laxamana, son of Daśaratha and brother of Rāma the 8th Väsudeva of Bharataksetra in the current Avasar. pini. प्रव० १२२६: सम०

णारिकंत्ता. स्त्री॰ ( नारीकान्ता ) नीक्षयंत पर्यंतथी नीक्ष्मी उत्तर तरक् रम्भक्ष्यास क्षेत्रमां ॰डेती ओक मद्धानही. नीलवंत पर्वत से निकलकर उत्तर तरफ रम्मक्वास देत्र में बहती हुई एक महानदी. Name of a great river issuing from the Nilavanta mountain and flowing in the north into Rammakavāsa Ksetra. जं०प०६,१२४, राय० सम० ठा० २, ३;

णारिकंताकूड. न॰ (नारीकान्ताक्ट) नीक्ष-यंत पर्यंतनुं छड्डं इट. नीलवंत पर्वत का छट्टा कृट The sixth summit of the Nilavanta mount. ठा॰ ६; णारी. छी॰ (नारी) नारी, श्ली व्यति नारी; छी जाति. A. woman, womankind.

णारीकेता. स्त्री॰ ( नारीकान्ता ) ळुणे।
" स्मारिकंता "शफ्द देखो " स्मारिकंता "
शब्द. Vide " स्मारिकंता " जं॰ प॰

म्य० १, ३, ४, १६;

णाल न० (नाल) इभल आहिनी हांडे; इह ઉपरनी भाग कमत आहि का दंदा; कद के ऊपरका भाग. A stalk of a lotus plant etc आया० २, १, १, ६; (२) नाव; डुंडा. नाल; हुंडी the navel. जं० प० ४, ११४;

णालंदइडज्ञ. न॰ (नालन्दीय) स्थारांग स्थारा भीरत श्रुतरहं धना छहा अध्ययननुं नाम. स्याडाम स्त्र के द्वितीय श्रुतस्कध के छेट्ठ भार्यमन का नाम Name of the 6th chapter of the 2nd Srutaskandha of Suyagadanga Sutra. स्य॰ २, ६;

णालंदा. स्त्री॰ (नालन्दा) ओ नामने। राजगृदु नगरने। ओड अत्ता. राजगृह नगर
का एक मार्गः इस नाम का एक मोहला.
Name of a street of the
city of Rejagriha सूय॰ २, ७, १ः
णालंदिज्ञ न॰ (नालंदीय) नास हीय नामे
सूयगडांग सूत्रनुं २३ मुं अध्ययन
पान 23rd chapter of the Sūyagadānga Sūtra so named.सम॰ २३;

णालिएर. पुं० ( नारिकेल ) नालीगेरी; नासीकेरन अार्ड. नारियल का युत्त. A. cocoanut tree. पन्न॰ १; श्राया॰ २, १, १, ६; जं॰ प॰ नाया॰ ६; (२) न॰ तेना **६** (नासी गेर). उस के फल, (नारियल) cocoanut नंदी॰ नाया॰ —तिस्न. न॰ ( -तैल ) नाक्षिशेरनुं तेश, टापेरानुं तेश.. नारियल का तैल cocoanut oil. नाया॰ हः -- मत्थयः न॰ ( -मस्तक ) नाक्षिशेरना आउना उपकी क्षाग, नारियल के वृत्त का ऊपरका हिस्सा. the top of a cocoanut tree. श्राया० २, १, १, ८;

नालियद्ध न॰ ( नाजवद्ध ) नाथ १५ - नाशी વાલા કુલ; જાઇ જાઈ માેગરાદિ હાઠ-હંહા वाले फूल, जाइ जूइ मोगरादि. A flower growing on a stalk पन

णालिया. स्री॰ (नालिका) अभव आहिनी हाडी; नालिशा कमल श्रादि की ढडी. A stalk of a lotus etc तंद्र॰ इ, विवा॰ १; (२) धृत भीश. यूत कीड़ा. gambling. भग ६, ૧, દ, ૧૦; ( રૂ ) કલ મ્યુકા નામનું ઝાડ. कलम्बुका नाम का वृत्त. a tree named Kalambukā. सू॰ प॰ ४: ( ४ ) भी नाभनी वेश. इस नाम की बेल name of и creeper. पन ०१;--वद्ध. न ० (-वद्ध) નાલિકા–ડાંડી વાલાં કૂલ. ढंडीवाले फूल. થ flower growing on a stalk. पन ०१, णालियासेड-इ. न॰ (नानिकासेट ) धृत **डींडा विशेष; ओ**ड प्र**डारने।** ळुगार. चत फीड़ा विशेप; एक प्रकार का जुआ. A. kind of gambling नाया॰ (२) श्रद्धानी गति समजवाने भाटे ધડી જેવી નલી -ળનાવતામાં આવે તે. પ્રદો

Vol 11/118.

trivance by which in ancient times the motions and positions of planets were known. શ્રોવ • ૪૦; (૪) કમલ આદિની નાલિકા छेश्वानी इक्षा. कमन्त ग्रादि की ढंडी काटनेकी कता. the art of cutting stalka of lotuses etc. नाया॰ १:

गाली स्त्री॰ (नाली ) वणत भाषवानी धडी. समय मापनेकी घडी. A. chronometre जीवा॰ ३; (२) એક જાતની વेલ. एक प्रकार की वेल. a sort of creeper. पञ्च० १:

गावा. स्री॰ (नौ) नाव; वदाख; जदाजः नाव; जहाज. A ship; a boat नाया ० ८, ६; १६; भग० ३, ३; ४,४; पन० १६; सु० प० १०; सूय०१,१, २.३१, ानैयी० १८, १; १७, २०; वेय० ६, ६, जं० प० ७, १४६, ३, ६४; ४२; — डार्सेसचग्र. न॰ ( -डात्सचक ) नावानी आंहर पाधी ભરાઇજાય તે ઉલેચવાનાં દામ ડાલ जहाज में पानी एकत्र हुन्ना हो उसे बाहर निकाल कर फॅकनेका बरतन बालटी इत्यादि. a bucket etc. used for pumping out the water that accumulates in a ship. ानेसी० १८, १७; —गय. त्रि॰ (-गत ) नै।।भां भेरेब. नीका से वैठा हुआ, seated in a boat: on board & ship ानेसी० १८, २०; -- त्रांस्यग. पुं॰ ( -वाग्रिज्यक) नै।। द्वारा व्यापार ५२-नार, नीका द्वारा व्यापार करने वाला. a naval merchant, नाया॰ =; १७; -संतारिम न॰ (-संतायं) क्यां वदाण् ચાલી શકે તેટલું પાણી. जहा जहाज चल सके उतना पानी. a navigable river, stream etc आया०१,१,३,१; की गति जाननेकी घडी जैमी नली. a con- गाविय पुं॰ ( नाविक -नावा जीवति

नाविकः ) नाविकः नाका यसायनारः वढाण् यसायनारः नाविकः नाका चलानेवालाः जहा-जाः महाहः. A sailor; a boatsman नाया ६ : भग ५, ४;

णाविया. ली॰ ( नौका ) नै।।; वहाखु. नौका; जहाज. A. boat; a ship. भग॰ ४, ४;

णास. पुं॰ (नासा) नाड. नाक The nose. सम॰ १९:

णासः पुं॰ ( न्यास ) स्थापन; थापणु स्थापन; घरोतः Putting down; laying down; a deposit. सम॰

णासाः न्नी॰ (नासा ) नासा; नाः नासिः। नाक; नासिका. The nose स्रोव॰ १०; नाया०१, १, २, १६; जं०प० जीवा० ३, ३; निसी॰ ५, ४०; --- इन्नेयग्। न॰ (-इन्नेदन) नाधनुं छेहन धरतुं ते. नाक का छेदन. act of piercing, cutting off the nose. नाया॰ २;--िर्णस्सासवाउभाः त्रि॰ (-नि-श्वासवाह्य ) नाइना धीमा श्वासथी पण् ७३। लय तेवं ७ अर्थ. नाक के धीमे श्वास से भी उडजाय ऐसा इलका. (anything) so light that even a gentle breath from the nose would cause it to move. भग॰ ६, जीवा॰ रे, रे; —िनस्सासः न॰ (-िन: श्वास ) नासिकानी वायु नासिका की वायु breath exhaled from the nose. नाया॰ १; —पुड. पुं॰ (-पुट) नासा पुट; नाधना दे।यथा-नसंधारा. नाकके पुट. the nostril. नाया०१४; —वंघ. पुं० (-वंघ) नाइनुं आंधवुं ते. नाक को दावना. act of closing up the nose. नाया॰ १७; —भेय. पुं॰ (-भेद ) नासिक्षामां छिद्रकरवुं ते. नासिका में छिद्र करना. act of perforating the nose. परह. १,१;

णासिकपुर. न॰ ( नासिक्यपुर ) गेहावरी नहीनी हक्षिणे व्यावेक्षं व्ये नाभनुं नगर. गोदावरी नदी के दाक्षण में श्राया हुश्रा इस नाम का नगर. Name of a town in the south of the river Godavari. नंदी॰

णासियपुड. न० ( नासिकापुट ) ळुओ "चा-सापुढ '' शण्ट. देखो " चासापुढ '' शब्द. Vide " चासापुड '' नाया० =:

णासियासिंघाण्ग. न॰ ( नासिकासिङ्काणक ) नाक्ष्मी भेक्ष; सीट, गुंगा वगेरे. नाम का मल. Dirt of the nose. तंदु॰

रणह. पुं० (नाथ) नाथ; ध्णी; रक्षण करन नार; आश्रय आपनार; थेागक्षेम करनार. नाथ; स्वामी; रचक; श्राश्रय दाता; योगचेम करने वाला. A lord; a master; a husband; a protector; a supportor. नाया० है; उत्त० २०, ११; सम० १; णि श्र० (नि) वधाराना अर्थभां; निश्रय.

िश्च के प्रथं में; निश्चय. An indeclinable used to express the sense of "In addition to "Indeed 'विना॰ ६:

खिन्न. त्रि॰ (निज) स्त्रशिथ; पीतानुं. निज का; ज्ञपना One's own; belonging to oneself. स्॰ प॰ २०;

शिश्रग. त्रि॰ (निजक) पेतानुः स्वधीय. श्रपनाः स्वकीय. One's own; helonging to oneself. श्रोव॰ ३३; जं॰ प॰ ५, ११४; २, ३३;

णिश्रद्धिवादर. त्रि॰ (निवृत्तिबादर) आहेमा गुल्स्थानक्षमां वर्तनार. श्राठवें गुणस्थानक में रहने वाला. One who has attained the 8th Guṇāsthānaka, or stage of spiritual evolution. सम॰ २७; शिश्रीडल्लया. स्त्री॰ ( निकृति ) हैगा।, भाषा. ठगाई; नीचता; माया. Deceit; meanness. श्रोव॰ ३४,

शिश्रल. न॰ ( निगड ) पगनी भेडी; लीदानी साइल पैर की वेडिया, लोहे की सांकल. Iron chains; fetters प्रोव॰ ३०; शिइय. त्रि॰ ( नित्य ) नित्य; स्थिर स्त्रभाव वाला; अविनाशी. निस्य; स्थिर स्वभाव वाला; अविनाशी. Permanent; steady; everlasting. सूय॰ १, १, ४, ६; जं॰ प॰ ७, ९७४;

गिउण त्रि॰ (निगुण) नियत∽निश्चित गुज्ञाञ्ज नियत-निश्चित गुण्याला Possessed of effective merits or virtues. पंचा॰ ११, २०,

शिउगा. त्रि॰ (निपुण) निपुष्; हे।शियार; ५शक्ष, यतुर. यालांड. निपुण, होशियार, कुशल, चतुर, चालाक Clever; efficient, skilful " खंतिणिडण पागारं तिग्गुत्त दुष्प धंसयं " उत्त० ६, २०; नाया० १; ३; ६, श्रोव० २४; ३०; राय० ४४, ८०; सू॰ प॰ १, २०; — उच्चिय. ারি॰ ( - उचित ) নিমুজ্ शिक्षीथी পনা-वेक्ष निपुण शिल्पी से बनाया हुन्ना. Made by a skilful artist. नाया॰ —कुसल त्रि॰ (-कुशल) ध्रशे। यत्र-निपुष्. श्रति चतुर-निपुग very clever. very skilful. राय॰ =o; — एवज्रय त्रि॰ (-नययुत ) सुक्षम नीतिने। वियार **५२**ना२ सूचम नीति का विचार करने वाला (one) devoting attention to fine or minute points of ethics पंचा॰ २, १, —बुद्धि स्रो॰ ( -बुद्धि ) सुदम शुद्धि सूच्म बुद्धि sharp intel lect पंचा० ११, २०, —सिप्पोवगय ( -शिल्पोपगत ) शिल्पक्षा आहिमां दृशव थ्येस. शिल्पकला श्रादि में कुशल. (one) trained or skilful in a handicraft etc नाया॰ १;

शिउशिय त्रि॰ (नैपुशिक—निपुर्ण सूरमं ज्ञानं तेन चरन्तांति नैपुशिका ) सक्ष्म हान पाक्षा सूच्म ज्ञानवाला. (One ) possessed of expert knowledge.

"नव शिउशिया वत्थु परागता" ठा० ६;

शिउत्त त्रि॰ ( नियुक्त ) प्रवत्त धरेखुं, ये जेश प्रवृत्त कियाहुत्रा, योजित. Set about; started; planned नाया॰ ६;

णिउद्जीव. पु॰ ( निगोद्जीव ) निगोद्दता छ १. निगोद के जीव A sentient being residing in the Nigoda class of vegetation. जीवा॰ ६,

णिउर पुं॰ (निक्रर) એક જાતનુ ઝાડ. एक प्रकारका वृत्त. A kind of tree नाया॰ दः गिउरंच न॰ ( निक्ररम्ब ) सभू हे. समूह A group, a collection "रम्मेमहामह निउरंब भूए" नाया॰ १, १३; (२) पुं॰ दक्ष विशेष वृत्त विशेष क particular kind of tree. नाया॰ ६, णिक्रोध्य. पुं॰ ( नियोग ) व्यापार; क्षिया. ज॰ प॰

शित्रोग पु॰ ( नियोग ) आता, હु४भ- श्राज्ञा, हुक्म Order; command. ज॰ प॰ ४, १९७, पंचा॰ ६, २८,

शिश्रोदः पुं॰ ( निगोद ) એક शरीरभां अन-न छव होय ओनी ववस्पति साधारण् वनस्पति एक शरीर मे श्रनन्त जीव हों ऐसी वनस्पति A vegetation with unfinite lives in its body मन॰ २५, ५;

शिस्रोय-म्र पुं॰ ( निगोद ) लुओ। ઉपक्षे। शण्ह देखो जगरका शब्द Vide above.

पत्त १; ३; जीवा॰ ६; (२) १९६ं०. कुटुंब. a family. जं॰ प॰

र्णिद्गा. न॰ ( निन्दन ) निन्हा ६२वी; हें अण्। ६२वी. निन्दा. Act of censuring. नाया॰ ६; भग॰ १७, ३; ( २ ) पश्चानाप. पश्चात्ताप. act of repenting, penitence. नाया । १६;

र्णिद्याया स्त्री॰ ( श्वेनन्दन ) पीताना अभे हे देविनी निन्दा हरेबी ते. श्रवने दोष या कर्म की निन्दा करना. Act of censuring or adversely criticising one's own Karmas or faults. भग॰ १७, ३;

णिंदणा. स्त्री॰ ( निन्दना ) निन्दा; निंद्धुं; ढेंसना ४२पी. निन्दा; निन्दा करना. श्रवगणना करना, Censure; act of censuring; speaking ill of. श्रोव॰ ४०;

शिंदिशिङ्ज. त्रि॰ ( निन्दनीय ) तिन्ह्या थे।२४, निन्हा ४२वा थे।२४. निन्दा करने योग्य. Deserving censure; censurable. नाया॰ ३, १४;

र्णिदिया. स्त्री॰ ( निन्दिता ) के भां ओड पार धास पगेरे नि द्या भां आपे ते कृषि जिसमें एक बार धास इत्यादि नीदनेमें स्त्राता है बह कृषि. Cultivation of land requiring weeding out of grass etc. once ठा॰ ४, ४;

र्णिषु. स्त्री॰ (निन्दु ) भूनव आ स्त्री; भुवा भाक्षक्षेनी जन्म आपनार भाता मृत संत्रित जन्म दात्री; मृत बालक को जन्म देने वाली माता. A woman who gives birth to dead children श्रंत॰३,६; र्णिय. पु॰ (निम्य) क्षी अक्षेत निम्य का बृद्धा. A Nimba tree. पत्र॰ १; भग॰ १६, ६; २२, २; (२) न॰ क्षी भोबी; क्षीं अक्षता

५५. निम्बेर्ा, निम्य के फल, a seed of

a Nimba tree. पत्र॰

श्रिंचोलिया. स्त्री॰ (निम्बगुार्त्वका) सी भे।सी;
सी'भंऽाना ६स. निम्बोर्त्ती; निम्ब के फल.
A seed of the Nimba tree.
नाया॰ १६;

ि collection; a group नाया॰ ६;

शिकिरिय. त्रि॰ (निक्ठत) कर तरडाना सार-भांथी भे येशुं जंत्री के छेद में से सीचा हुन्ना. Drawn out like a wire from a die. श्रोव॰ १०;

णिकाइयः त्रि॰ (निकाचित-निर्युक्तिसंप्रहःण हित्दाहरण ऽऽदिभिः श्रनेकधा व्यवस्थापितम् ) छेतु उदाहरण श्रादि से सिद्ध किया हुन्याः
हेतु उदाहरण श्रादि से सिद्ध किया हुन्याः
Established or proved with the help of logical reason, illustration etc. सम॰ प॰ १६६; (२)
निष्ठायित; हुट निष्ठं तेत्रं निकाचित; न दृटे ऐसा. firmly fastened, such as would not break "चउन्विहे णिकाइए परण्यते "ठा० ४, २;

शिकाय- विर्मतः काय भीदारिका
SSदिर्यस्माद् यास्मिन् वा सित स निकायः )

भेक्षिः मोचः Salvation. श्रायाः

१, १, ३, १८; (२) पृथ्वीक्षयः, अपक्षयः

तेष्ठिक्षयः, वाष्ठिक्षयः, वनस्पतिक्षयः, अपे अस्व

कायं भे अप्रधारना अवने। समूदः प्रध्यी

कायं, श्रार त्रसकाय इन छः प्रकार के जीवा

का समूद्ध a collection of the six

kinds of sentient beings viz.

those with bodies of earth,

water, fire, wind, vegetable,

and mobile sentient beings

(Trasakaya). श्रोवः २४; स्यः २,

४, ३; पक्र० २२; दस० ४; — पडिवरणा.
त्रि० ( -प्रतिपक्ष - निर्गतः काय श्रोदारिका
ऽऽदियंस्माद् यास्मन् वा सति सानिकायो
मोत्तः तं प्रतिपक्षो निकायप्रतिपन्नः ) भे।सने
प्राप्त थ्येश मोत्त को प्राप्तः ( one )
who has attained salvation
श्राया० १, १, ३, १८,

शिकाय. पुं॰ ( निकाच -निकाचनं निकाचः)
निभंत्रेषु ४२९ं; आभन्त्रेषु ४२९ं.
निमन्त्रण करना, प्रामन्त्रण करना Act
of calling or inviting. सम॰ १२,
श्यिकाय. सं॰ छ॰ प्र॰ ( निकाच्य ) स्थापी
ने. स्थापन करके. Having established; having placed. " शिकाय समयं
पत्तेयं पत्तेयं पुन्छिस्सामो " श्राया॰ १, ४,
२, १३३;

णिकुज्जिय सं० कृ० घ्र० (निकुड्डय) शरीर नीयु ४रीने. शरीर को सुकाकर. Huving bent or lowered the body. निसी० १७, २३;

गिकुरव. न० (निकुरम्य) सभूछ, समूह.
A group; a collection. श्रोव० भग०
१, १; नाया० ७; (२) आदी भेधवटा
काली मेघघटा. a series of black
clouds. जीवा० ३, ३;

गिकेश्र-य. पुं॰(निकेत) अवास, धर श्रावास; घर. A. house; an abode. नाया॰ १६; गिक्क त्रि॰ ( ६ ) शुद्ध; भेसवगरनुं गुद्ध; निर्मत्त. Pure; free from dire नाया॰ १:

रिएकंक विश्व ( निष्कंटक ) निरायरणः आवरण रहितः Uninterrupted; free from any obstacle. सम॰ जीवा॰ ३, ४; — च्छायः । त्रं॰ ( -च्छाय ) निरावरण्-व्यावरण् रिदेत अधारावालु निरावरण्-श्रावरण् रिदेत प्रकारा युक्त. having uninterrupted light. राय॰ जं॰ प॰ १, १२;

णिकंखियः त्रि॰ ( निष्काङ्चित ) अन्य हर्शनिनी आशंक्षा रिक्षत श्रन्य दर्शनिकी श्राकाचा रिहेत. ( One ) free from a desire of knowing or practising another creed. सूय॰ २, ७, ६६;

णिक्कह त्रि॰ (निष्कृष्ट) हुभक्षा शरीरवाली। हुर्वेल शरीरवाला. Lean; reduced. ठा०४,४, (२) ण्ढार भे येक्ष. बाहर खांचा हुआ drawn out नाया॰ १८;

णिकेतार. ।त्रं० ( निष्कान्तार-कान्तारमरएय निर्मतः कान्ताराद् निष्कान्तारम्) व्यंश्वधी ७६१२ क्षेत्रेश जंगल से बाहर निकाला हु श्रा. Taken out from a forest, led out of a forest. "कतारास्रो िएकतारं करेजा" ठा० ३, १,

णिक्रम्म पुं॰ ( निष्कर्मन्-निष्कान्तः कर्मणे निष्कर्मा) भेक्ष मोच्च. Salvation. (२) संवर. सवर consention of the influx of Karma. "णिक्रम्मद्भा इह मचिएहिं" श्राया॰ १, ४, ४, १३८, —दंसि त्रि॰ ( -दर्शिन् —निष्कर्मा मोच्च सवरो वा त इष्टुं शील् मस्येति निष्कर्मदर्शिन् ) भेक्ष भागं ने ज्याप्यार, उभे णध्नश्री भुक्त मोच्च मार्ग को जानने वाला; कर्मवंधन से मुक्त. (one) who knows the path of salvation; freed from Karmie bondage. श्राया॰ १, ३, ४, १३६;

<sup>\*</sup> जुओ। पुष्ट नम्यर १४ नी पुरने। ( \* ) देखों पृष्ट नम्बर १४ की फ़दनोट ( \* ) Vide foot-note ( - ) P 15th.

णिकल त्रि॰ (निष्कल ) ४५ ४ १६ त. निष्कलंक, कलंकराहित. Spotless: stainless. भग॰ १४, १,

णिक्रलुण त्रि॰ ( निष्करुण ) ६था २६८त. दया रहित; निर्दय. Unkind; merciless पएह० १, १:

णिक्रवयः त्रि॰ ( निष्कवच ) आवरेण रहित; इत्य विनानाः श्रावरणः रहित; करच रहितः Devoid of a covering; devoid

Devoid of a covering; devoid of an armour. ठा॰ ४, २; ग्लिकासिय त्रि॰ ( निष्कासित ) नीक्ष्रेश,

डाढी भुडेस. ानेकला हुआ, निकाल दिया हुआ Turned out; got out; driven out. ओव॰

णिकिचण त्रि॰ ( निष्किञ्चन ) নিণ্परিশ্रश्ची निष्परिम्रही Not possessed of anything; possession-less. सूय॰ १, १३, १२;

शिक्तिय त्रि॰ ( निष्किप ) क्षिपारिहत कियारिहत. Devoid of action, inert. पगह॰ १, २; नाया॰ ६;

णिकियः नि॰ (निष्क्रप ) धृपारिहतः कृपा रहितः Devoid of compassion; unkind. नाया॰ ६;

णिकोडणः न॰ ( निष्कोटन ) अन्धन विशेष. वन्यन विशेष A particular kind of bondage. पहर १, ३,

णिक्खंतः चि॰ ( निष्कान्त ) नीइसेस.
निकलाहुत्रा Come out, got out;
gone out नाया॰ १, नाया॰ घ॰ २;
(२) स सारमांथी नीइसीने दीक्षा सीधेस.
संसार में से निकलाहुत्रा; दीज्ञा लियाहुत्रा.
( one ) who has freed himself from the world and has become a monk सूय॰ १, ६, २४:
उत्त॰ १६;

िशक्सम न॰ ( निष्कम ) उपाधि छाडी नीडसबुं दीक्षाबेनी ते; सुणना ओड प्रधार. उपाधि को त्याग कर निकलना, दीचा लेना; सुदा का एक प्रकार. Act of stepping out of worldly troubles and cares, entrance into the ascetic order ठा॰ १०;

िं एक्समण् न॰ (निष्क्रमण्) सूर्य व द्रमुं तेना માડલમાથી ખહાર નીકલવુ તે સૂર્ય चंद्र का उसके मंडल में से वाहर निकलना. The coming out of the sun and moon out of their orbits or circles सू॰प॰१३;(२) दीक्षा क्षेत्री. दीन्ना लेना entrance into the ascetic orders नाया०१,४,=;(३) धर्माथी अहार नी ध्ययं ते. घर में से बाहर निकलना act of coming out of the house, coming out of the house. श्रायावनिव १, १, ६, १५८; वेयव १, १०; —श्रभिमुह त्रि ( -श्रभिमुख ) दीक्षानी सन्भुभ, दीक्षा क्षेवा तत्पर दीचाके सन्मुख: दीचा लेने को तत्पर. ready for or bent on initiation into the ascetic order. नाया॰ फ --- अभिसेय-अ पुं॰ (-श्रभिषेक) हीक्षाने।

अिलपेंड; हीक्षानी डिया दीन्ना का ग्रामिन पेंक, दीन्ना की किया. the ceremony of initiation into the ascetic order भग० ६, ३३; नागा० ४, १६; —चरियिग्विद्ध न० ( -चरिननिषद्ध ) भहानीर स्वाभी आहि तीय धरनी हीक्षा

भिंदिसन पगेरे दृश्य णताननार न ८५ विधि, ३२ ना८ इभांतु ओ इ महावीर स्वामी प्रमादि तीर्थकरके दीज्ञा महोत्सन इत्यादि दृश्य दिखाने वाली नाट्य निधि, ३२ नाटको में से एक.

one of the 32 kinds of a drama;

a dramatic representation exhibiting scenes of festivity celebrating the Dīksā of the lord Mahāvīra etc. राय॰—महिमा. पुं॰ स्त्री॰ ( -माहिमन् ) दीक्षा भंडीत्सव. दीचा महोत्सव. festivity of Diksa i, e. initiation into the ascetic order. नाया॰ =: --सकार. पुं॰ (-स-त्कार ) दीक्षाने। सत्धार दीचा का सत्कार. honour paid to Dīkṣā or initiation into an ascetic order. नाया॰ भ: शाकिखता ति० (निविष्ठ ) छ।डेस; भूडेय छोड़ दिया हुआ; रक्खा हुआ. Kept; placed; put down; left. नाया॰ १; भग०१२,१; पग्ह०१,३; (२) व्यवस्थापन **५रे**अ; राणेअ. व्यवस्थापन किया हुआ; रक्खा () हुन्ना. arranged; put into order. श्राया॰ २, १, १, ७; —चरश्र. ति॰ ( -चरक ) रसे। धना वास्र्यांथी ज्हार કહાડયું ન હાય તેવા આહારની ગવેષણા કર-नार रसोई के पात्र में से बाहर निकाला न हो उस श्राहार की गवेषणा करने वाला. (one) who seeks only that food which is not taken out of cooking-vessel. 510 x, 9; श्रोव॰ --दंह. त्रि॰ ( -द्यह -निव्सिः निश्चयेन चितास्त्यक्ताकायरूपाः प्राग्युपमर्द-कारिएों दएडा यस्ते तथा ) भन वयन अने **डायाना ६** इने त्यल्यनार. मन, बचन, श्रीर कायाके दराडको त्थागने वाला. (one) who avoids sins connected with the mind, body and speech. श्राया॰ १, ४, ३, १३४; — पुटवः त्रि॰ (-પૂર્વ) પહેલાં પાતાને માટે ળનાવેલ. पहिले निज-स्वतः के लिये बनाया हुन्ना. prepared in the first instance

for oneself. श्राया॰ २, २, ३, ६७;
—सत्यमुसल. त्रि॰ ( -शस्त्रमुशल )
लेखे भड़ग आदि शस्त्र त्यक दीधा छै।य ते.
जिसने खड्ग श्रादि शस्त्रों को त्याग दिया हो.
(one) who has left off or abandoned weapons such as a sword etc. भग॰ ७, ९;

णिक्खिप्पमाणः त्रि॰ (निक्षिप्यमाण) पेतिने स्थाने भुक्ते। योग्य स्थान में रखता हुआ. Putting (anything) in its proper place; keeping in the proper place, "अग्गोंपढं उक्खिप्पमाणं पेहाए आगापढं णिक्खिप्पमाण " आया॰ २, १, १, १८;

√ि शिक्खित घा॰ I,II (नि+त्तप्) हें क्षुं; नाभवु फेंकना; डालना. To throw; to cast out

गिक्षिवइ. नाया० १४;

श्यिविस्नविस्ता. नाया० १४; भग० १६, १; वव० १, १४;

श्चित्रिवमाण भग० १६, १;

शिक्खिविश्रञ्च. त्रि॰ (निश्चिप्तब्य ) भुक्ष्या थे। २५. रखने योग्य. Worth being put or kept परह० २, १;

णिक्खुड. पुं० ( निष्कुट ) पर्वत विशेष. पर्वत विशेष. A certain mountain. (२) निष्कम्प; स्थिर निष्कम्प; स्थिर क्षांक्रिक्प, शिरात. जं० प० ३, ४२;

गिक्खेब. पुं॰ ( निचेष ) राभवुं ते. रखना.
Act of putting or keeping.
नाया॰ ८; ( २ ) नाम स्थापनाहिरूपे
निक्षेप धरवे। ते नामस्यापनादि रूप मे निचेष
करना. attribution of a name
without reference to its connotation. श्राया॰ नि॰ १, २, १, १६४;
गिक्खेबश्च. पुं॰ ( निचेषक ) आक्षापध.

नायाव्यव्यः(२) राभवुं ते. रखना. act of keeping or putting. सन २०, ६; णिक्खोम । वि॰ (नि चोम ) क्षे। स रहित. चोम राहेत. Free from agitation; free from disturbance. समः २; √ि गिगच्छ धा॰ I. ( निर+गम् ) नीक्ष्सतुं निकलना. To come out; to get out. खिगच्छद्द. नाया० १; ४; १४; विवा० ७; । यागच्छाते. नाया० १; शिगच्छामि नाया० १४; १६; भग०१४,१; णिगच्छाहि, आ० नाया० १६; शिगाच्छिता सं० कृ० नाया० २; ४; ८; १३; १४; भग० ११, ११; विवा० ७; खिगच्छमत्या. व०कृ०नाया० १; भग०९,३३; िषाम. पुं॰ ( निगम ) व्यापारीकातुं निवास સ્થાન; જ્યાં ધણા વાણિઆએા વસતા હેાય ते २थान. व्यापारियों का निवास स्थान; जहां पर बहुत से वैश्य रहते हों वह स्थान. A. place of abode for merchants or traders; a place where many traders reside. ठा॰ २, ४; उत्त॰ २, १८, नाया० १; दसा० ६, १६; पग्ह० १, રે; મગ૦ ૧, ૧; ( ૨ ) વાણીઆના સમૃહ. वैश्य ममूह. a group of traders or merchants. ठा०३, ३; ( ३ ) અભિગ્રહ विशेष. श्राभेयह विशेष. a particular kind of vow. राय॰ ( ४ ) व्यापार. च्यापार; वेपार trade; commerce. सम॰ ३०; (५) निश्चित अर्थना भाध. निश्चित अर्थ का चोध knowledge of settled principles. भग० ७, ९; —राविखय त्रि॰ (रचित ) लेशे व्यापा-રીએાની રક્ષા કરી હેાય તે; વ્યાપારીએામાં प्रधान-व्यागेवान. जिसने व्यापारियों रत्ता की हो वह: व्यापारियों मे प्रधान-

यालापक. A depositor; a speaker

मुखिया. ( one ) who has protected merchants; a leading, prominent merchant. निसी॰ ४, ६: खिगरः पुं० ( निकर ) सभूदः; ००थे।; ढगदी।. समृह; देर. A collection; a pile; a heap. नाया० म; ६; भग० १५,१; जीवा० ३, ३; विवा० ६: शिगीरत. त्रि॰ (निगरित) शाधन धरेल. शोधन किया हुआ. Refined; purified. जीवा० ३, ३; णिगलिय. त्रि॰ (निगरित) शासीने शुद्ध क्रेरेस. छानकर शद्ध किया हुआ. Purified by filteration. जं॰ प॰ तंदु॰ िणगसः पुं॰ (निकप) रेभा. रेखा. A line. परह. १,४: िण्गाम. कि॰ वि॰ (निकाम ) अतिशय; पहु. श्रति; बहुत. Too much; excessive. ठा० ४,२; —पडिसेविगी. स्री॰ (-प्राप्त सेविनी---निकामयत्यर्थं वीजपातं यावत् पु-

श्रति; बहुत. Too much; excessive.
ठा० ४,२; —पिड सेविगी. स्री॰ (-प्रांत सेविगी—निकामयत्यर्थ विजयातं यावत् पुठपं प्रतिसेवते इत्यंवंशीला निकामणितसेविनी ) ध्रश्ला पुरता पतिना संग करनेवाली
स्री. इच्छाके प्रमाणसे पतिका संग करनेवाली
स्री. क woman who cohabits with her husband not longer than the time of natural gratification. ठा० ४, २;—साइ. पुं० (-शाथिन ) ६६ ६ परांत सुनार. हदसे श्रिषक सोनेवाला; प्रमाणसे श्रीवक निद्रा लेनेवाला. ( one ) who sleeps too much. दस० ४;
णिगास. पुं० ( निकंष) परस्पर भेकाप करेने।

ते. श्रापस में मिलाना. Mutual union or intercourse. भग० २५, ७; शिगिशा त्रि॰ (नग्न ) वस्त्र रहित. नात्र रहित; नंगा; नग्न. Naked; without clothes. सूय० १, २, १, ६;

णिगिगिण्ण. न॰ ( नाग्न्य ) नञ्नताः नञ्नपछ्ः. नग्नताः नंगापन. Nakedness; nudity उत्त॰ ४, २१;

√िश्चित्ताह . धा॰ I, II. (नि+गृह) पक्ष्य ५वं; निश्रह करना. To catch hold of; to control; to subdue.

गिगिगरहेइ. भग० ६, ३३;

श्चिगिरिहत्तार. त्रि॰ ( निगृहीतृ ) निश्रक्ष करने। त्रिः करने वाला. (One) who controls, checks or prevents. दसा॰ ४, ८४;

खिगुंजमार्ण. त्रि॰ ( निर्गुन्जत ) भें।भारती; भें।भारा धरती ( धेरि) . हिनाहिनाता; हिन-हिनाता हुआ घोड़ा. Neighing ( e. g. a horse ) नाया॰ ६;

शिगूठ. त्रि॰ ( निगृद्ध ) श्रप्त श्रुप्त. Hidden; secret. ( २ ) भान रहेस. मीन रहा हुन्ना; शान्त. silent. सूय॰ २, ७, ८१,

णिगोय. पुं॰ ( निगोद ) એક शरीरमां अनन्त अन होय ते, अनन्त अय. एक शर्रार में अनन्त जीन हों वह, अनन्तकाय. A. physical body with infinite lives or souls. जं॰ प॰ ३, ३६;

शिगाम्म. त्रि॰ (निर्गत ) नीट्सेश. निकला हुन्ना. Come out; gone out; got out. नाया॰ १; ५; ६;

िष्णगंथ. न० ( नैभेन्थ्य ) निभ्रंथना सिद्धांत-भवयन निर्मय के सिद्धान्त-प्रवचन. The religious creed of the Nirgranthas ( ascetics ). सूय० २, ६, ४२;

शिग्गंथ. पुं॰ ( निर्मन्थ-निर्गती बाह्याभ्यन्तरी अन्था यसमात् स निर्मन्थः ) लाख-धन आहि परिश्रह अन्धन्तर-अन्दरनां क्षायाहि अंथरी रहित, लाखान्धन्तर परिश्रह रहित-निःस्पृही कैन साधु ( साध्यी ). वाह्य-धन Vol 11/119

श्रादि परिग्रह, श्रभ्यन्तर-श्रंदर के कपायादि प्रंथ से रहित; बाह्याभ्यन्तर परिष्रह रहित नि स्पृही जैन साधु (साध्वी). A Jaina monk (or a nun ) free from the tie or fetter of internal due to passions impurity that also from and worldly possessions. नाया॰ १; २; ४; ६; १०; १४; भग० १, ३; ६, १; १६, ४, निसी० १७, २०; श्रोव० १६; ३४; जं० प॰ श्राव॰ ४, ८, -धम्म. पुं॰ (-धर्म ) निर्शन्य धर्भः कैन धर्भः सर्वज्ञ का धर्मः ਯੋਜ ਬੰਮ the creed of Jainism. omniscients; सय० २, ६, ४२; —पात्रयगा. न० ( -प्रव-चन) केन सिद्धांत: कैन आगभ, जैन सिद्धा-न्त -शास्त्र; जैन श्रागम. The Jaina scriptures. नाया॰ १; १२; १३; १४; नाया० घ०

शिगांथी. स्त्री॰ (निर्श्नन्धी) साध्ती. साध्ती. A nun. " चत्तारि शिगांथीस्रो पराणतास्रो " ठा०४, ३,४,२,५,२; नाया० २; ५,६; १०; १४; १४; १६; नाया० ध०

शिगाच्छ्रमासा. व॰ कृ॰ त्रि॰ ( निर्गेच्छ्रत् ) नीक्ष्यतुं; ७६१२००तुं. निकत्तता हुआ; बाहर जाता हुआ. Coming out; going out. ओव॰ ३२;

िंगमा. पुं॰ ( निर्गम ) निक्षत्रुं ते. निकलना. Act of coming out, coming out. नाया॰ =; १=;

शिग्गमण न॰ (निर्गमन) निक्षवानी भागी निकलने का मार्ग . A way out; an exit नाया॰ २;

शिग्गय. श्र॰ त्रि॰ ( निर्गत ) निश्लेक्षं. निकलाहुश्रा Come out; got out नाया॰ १; ५; ९; १२, १३; १४; १६; १८; १६; भग० १, १; १४, १; जं० प० १, १; (२) रिटत; अविद्यभान. रहित; अविद्यभान. रहित; अविद्यभान. devoid of; not possessed of. ठा० १; — श्रागदंत. त्रि० ( - श्रागदंत ) आश्वा हांत णहार नीडिंश छे केना ओवा. विसंके आगे के दांत दाहर निकले हुए हैं ऐसा. (one) whose fore-teeth are come out. नाया० =;

शिगाह, पुं० (निप्रह ) निश्रद्धः ध्यानभां રાખતું; નિરાધ કરવાે; અનાચારના પ્રવૃત્તિનું अटशवतं. निग्रहः, वश में रखनाः, निरोध करना; श्रनाचार की प्रश्नति की राकना. Act of keeping under control; act of preventing or checking; act of checking sinful activity. नाया० १; ५; राय० २१५; दस० ३, ११; श्रीव० १५; निसी० १, १; भग० ७, ६; —हारा. न॰ ( -स्थान ) **वाहमा**ं अतिवाही केनाथी पड़डाय ते निग्रंड स्थान. वाद में प्रतिवादी जिससे एकड़ में प्राता है वह निम्नह स्थान. the weak point by which an adversary is defeated in argument তা॰ 1; —दोस. पुं॰ ( -दोष ) पराजय स्थान ३प दे। पराजय स्थान रूप दोष. faultiness e.g. of an argument, which leads to a defeat. ठा०१०;—च्पहारा त्रि॰ ( -प्रधान ) अनायार प्रवृतिने। निषेध धरवामां प्रधान श्रनाचार प्रश्रतिका निषेध करनेमें प्रधान. (one) who is foremost in preventing sinful activities. निसी० १, १: श्रोव०

िष्माहि. त्रि॰ (निप्नाहिन्) निश्रद करनार. निप्रह करनेवाला. (One) who controls or subdues. उत्त॰ २४, २; णिग्गुंडि. स्रो॰ (निर्गुणिड) એક પ્રકारनी शु॰७ वनस्पति. एक प्रकारको गुच्छ बनस्पति.

A. kind of vegetation. पन्न• १;
गिरगुरा. ति॰ (निगुरा) शुःश्रुश्चित. गुग्राहित.
(One) not possessed of merits.
ठा॰ ३, १; राय० २०=; जं० प० (२)
शुःश्वतथी रिद्धित. गुग्रव्यतांसे रिहत. (one)
devoid of the three Gunavratas. नाया० =; भग० 1२, =;

श्चिरतेहु, पुं॰ (न्यब्रोघ) वर्जु अह. बहका वृत्त. A banyan tree. सम॰प॰ २३३; जीवा॰ १; (२) પહેલા તીર્થકરતું ચૈન્ય वक्ष. पहिले तीर्थंकरका चैत्य दृत्त. tho Chaitya tree of the first Tirthankara. सम॰ प॰ २३३; (२) नासि ઉપરના અવયવા સુંદર હાય અને તેની ની-ચેના સાધારણ હાય તેવું શરીરનું એન સંઠાણ. नाभिके ऊपरके श्रवयव संदर हा श्रीर उसके नीचेके साधारण हों ऐसा शरीरका एक मंठाण-वांचा. a type of physical constitution in which the parts above the navel are graceful while those below it are plain. सम॰ प॰२२७; -परिमंडल. न॰ (-परिमंडल) વડના વૃક્ષની પેંડે નાલિ ઉપરના અવયવા સુંદર અને નીચેના ખેડાલ હાય તેવી જાતનું शरीरनुं એક संक्षाय बद के दल के समान नाभि के ऊपर के अवयव सुंदर और नीचे के कुरूप हों ऐसा शरीरका एक संठाण-बांघा.  ${f A}$ type of physical constitution in which the parts above the navel are graceful while those below are ugly as in the case of a banyan tree. ठा॰६, १; पञ्चा० १४;

गिग्धंदु. वं॰ (निष्ठगढ़ ) वेहिंध है। पः, निध्य । धान्त्र. वेहिक कोष : निष्णत शास्त्र. The

lexicon of Vedic words स्रोव॰३०; गिग्धाइयः त्रि॰ (निर्धातित ) लहार नीडिसेस. बाहर निकला हुद्या. Come out; got out. नाया॰ १२;

णिग्वाय. पुं० (निर्मात) वैश्वि धरेस वजूतं पऽतुं वोक्रिय से किया हुआ वज्रका गिरना. Falling of a thunderbolt created by Vaikriya process. जीवा॰ १; पच० १; (२) विज्ञीनुं पऽतु विज्ञतीका गिरना a lightning attoke. जीवा॰ १; पच० १, (३) अर्ज-नाना धऽधा. गर्जनका घोर सन्द. a peal of thunder. ठा० १०, आणुको॰ १२७; (४) अरानुं वहेतु ते. भरनेका बहना गिरणां कु रिक क्षारावाया पवत्तं "सूय० १, १४, २२;

णिग्झायणाः न॰ (निर्घातन) ७७ वुं, भारपु; नाश ४२वे। हनना,मारना; नाशकरना. Act of killing or destroying. श्रेव॰ १७; जं॰ प॰

गिनिध्या ति॰ (निध्या-न विद्यते घृषा पाप-जुगुप्सालक्ष्या यत्र स निधृर्यः ) धृ्षा, ६या अनुकंपा रहित; निर्देय Unkind; cruel; आतंपा रहित; निर्देय Unkind; cruel; without compassion पग्ह॰ १, १, नाया॰ ९; —मर्. ति॰ (-मिति) पार्धुं ६२य सेवानी केनी मिति छे ते. जिसकी पराया धन जैनेकी मिति है वह. (one) who is greedy, covetous of another's wealth पग्ह॰ १, ३;

शिग्दोस. पुं॰ (निर्धोप) अताभः स्तरः शम्हः भक्षांध्विति. श्रवाज, स्वरः शब्दः महा-ध्विन Sound: a loud sound; voice श्रोव॰ ३१; ३४; नाया०१; ८; जं॰ प॰ ४, ११६, १९७, भग॰ ६, ३३, पगह॰ १; १, राय॰ णिश्रंद्ध पुं॰ (निघर्ड) से नाभनी पैहिंड डे१५, इस नामका नैदिक कोप A Vedic dictionary of this name. " निघंड छ- डाएं संगोनंगारां चडराहं नेयारां" मग॰२,१; रिचय. पुं॰ ( निचय ) सभूड; अथा समूह; जत्या. A collection; a group. श्रोन॰ १३; ( २ ) डभे संस्थ्य; डभे भध्य. कर्मसंचय; कर्मनंध. a collection; of Karmas; Karmic bondage. सूय॰ १, १०, ६;

शिश्चिय त्रि॰ (निचित ) निवड, धर्ट; शाहुं निवड; धर्ट, गाहा. Dense; thick. राय॰ ३२; जीवा॰ ३, १; भग० १६; ३;

णिचा. त्रि॰ (निस्य ) नित्य; ह्रमेशनुं; सहानुं; शाश्वत, नाशरिद्धतः नित्यः हमेशाकाः सदाकाः शाश्वत, नाशराहत Permanent, everlasting " जे भिवलं रुंभइ णिचं से न श्रत्थइ मंडले " उत्त० ३१, ६; नाया० १; २; ४; ९; भग० ६, ३३, १=, ७, ४२, १; सम० १३; श्रोव० -- स्रांशिखः त्रि० ( ऋ-नित्य ) नित्यानित्य. नित्यानित्य permanent and impermanent.ठा० १; --- उउग्राः लो॰ (-ऋतुका) नित्य २०४२। લાવાલી સ્ત્રી કે જે ગર્ભ ધારણ કરી શકતી नथी. नित्य रजस्वलावाली स्त्री कि जो गर्भ धारण न कर सकती हो. a woman having daily menstrual discharge and so incapable of conceiving a child. ठा॰ ४, २: — उऊग. त्रि॰ (-ऋतुक) જેની ઉપર ભારેમાસ ક્લકૂલ आवतां है। यते जिसके ऊपर वारह माम फलफूल लगते हों वह. ( a tree ) that puts forth flowers fruits all the in seasons. सम॰ प॰ २३३, -- डाञ्चिग. त्रि॰ ( उद्-विग्न ) सहा पहासीन; इमेश णित्र सदा

उदासीन; हमेशा खिन्न. (one) who is ever gloomy or moody. दस० ४, २,३६; — च्छुिया त्रि॰ (-इ-ग्णिक-नित्यं सर्वदा इग्गा उत्सवा यत्राऽसी निस्यचिष्यकः ) सर्व'द्या भाज अधावनार-भाननार. सर्वदा चैनवाजी उडानेवाला: श्रानन्द मनानेवाला. (one) who is always enjoying pleasure. नाया०४; —तालिच्छ. त्रि॰ (-तिधिप्स) सदैव तत्पर सदैव तत्पर. (one) who is always ready पंचा॰ १७, ४१; —दुक्खिय. त्रि॰ ( - दुःखित ) હમेशाना हुणी थेशेस निरंतर दु खी (one) who is permanently miserable तंदु - दोस युं -(-दोप) नाश न पांभे तेवा देाप. नष्ट न हो ऐसा दोष a permanent or constant fault. ठा० १०; — भाव. पुं० ( -भाव ) नित्य साव. नित्य भाव constant; permanent existence भग॰ १२, ७; —सति. स्रो॰ स्मर्ण करना. constant remembrance. पंचा॰ १, ३६;

णिच्छकारतमसः त्रि॰ (नित्यान्धकारतमस-नित्यमेव श्रंधकारतमसं येषु ते तथा ) ६भेशां ज्यां अंधकार छे ते; नरक विशेरे. जहां हमेशा श्रंधकार है वह; नरक इत्यादि. (A place) permanently dark e. g: hell etc. दसा॰ ६, १;

णिच्यभत्तः न॰ ( नित्यभक्त ) ६२ रे। क भे। कन देवुं ते. प्रतिदिनका माजन. Daily meal. सम॰ प॰ २३२;

शिचयः पुं॰ ( निश्चय ) निश्चय, थे। छस हरेन देशव निश्चय, निश्चय, यथार्थता Determination; decision; certainty. राय॰ २१०, शिचल जि॰ (निश्चल ) रिथर; अयस दियर; श्रवल Steady; permanent; motionless नाया॰ २; ६; १७; — एय पुं॰ (-पद ) निश्चसपट; भेक्षि निश्चल पद मोच absolution, salvation. राय॰

णिश्वालांग. पुं॰ ( नित्यालोक ) ६२ मे। महान्य सूर्य प्रश्निती भण्त्री प्रभाष्ट्र स्मा क्रिने हिलांग सूत्रती गण्त्री प्रभाष्ट्र ६४ मे। ६२ वां महाप्रह (सूर्य प्रजाप्तिकी गिनतीके प्रमुसार) प्रीर ठाणांग सूत्र की गिनतीके हिसाबसे ६४ वा. The 62nd great planet according to the calculation of Surya Prajñapti and 64th according to that of Thāpāṅga Sūtra. "दो गिन्नालोया" ठा०२, ३;

" णिचालांग" शण्ट. देखो " णिचालांग" शब्द. Vide " णिचालांग" सू॰ प०२०; णिच्छुक्तोत्तय. ( नित्योद्यात ) ६३ भे। भुश्रेश्व सूर्य प्रत्तिती गण्त्री प्रभाष्ट्रो अभाष्ट्रो अभाष्ट्रो स्त्रेशी गण्त्री प्रभाष्ट्रो स्त्रेशी स्त्राति के प्रमुत्तार श्रीर ठाणांग सूत्र की गिनतीं के प्रमुत्तार इश्वार प्रभार कि दिश्लोण सूत्र की गिनतीं प्रमुत्तार श्रीर वार्ष की प्रमुत्ती प्रमुत्ती श्री कि दिश्लोण की ठिंड प्रमुत्ती की कि प्रमुत्ती है है है है हो स्त्रेश की प्रमुत्ती है है हो स्त्रेश है हो स्त्रेश हो स्त

शिशालोय पुं॰ ( तित्यालोक ) भुशे।

णिचेट्ट त्रि॰ (निश्चष्ठ ) शेष्टा रहित. Motionless; actionless.

गिचियण्य. न॰ ( ानिश्चेतनक ) शैतन्य पगरतुं शरीर; भृतदे चैतन्य राहत शरीर; मृतदेह. A cropse; a dead body तंदु• \*िश्विच्छक्क. त्रि॰ ( \* ) अवसरते। अल्लाश् योग्य प्रसंग वा समय से प्रज्ञात (One) not knowing the proper or opportune time नाया॰ ६;

ग्णिच्छुय पुं॰ ( निश्चय ) निर्णु<sup>९</sup>य, নিश्चय. deter-निर्णय: निश्चय. Resolve: minaton: decision. नाया॰ १; राय॰ २१५: भग० २, ४: १८, २; (२) अ०४-भियारी नियम व्यभिचार रहित नियम. a vow free from any sin; discrepancy सम र ३; (३) निः निर्शत-निरुक्षी ગયેલ છે ચય કર્મ સમૂદ જેમાધી કર્મના सभूद नीइसी गयेस छे योवे। भेक्ष जिसमेसे नि निर्गति-निकल गया है चय-कर्मममूहः कर्मका समृह निकलगया हो वह मोच. that from which the collection of Karmas has passed away i. e salvation or final bliss que 9, १; (४) वास्तिविक पहार्थानेक साननार ५०५। थि के नय वास्तांवक पर्दायको हा मानेन वाला द्रव्याधिक नय. a real or essential point of view e. g calling a thinn in its reality सम॰ ३, -- गाय पुं॰ ( -नय ) प्रव्याधि<sup>९</sup> नय, निश्रय नय द्रव्यार्थिक नय; निश्चय नय & real or essential point of view, e.g. calling a pitcher of clay a pitcher of clay. पंचा ०७, ४६;सम ०३: **থ্যিত্ত্ত্বাম্ব**ারি ( নিশ্ববন্ধ ) নিশ্ববার্থ लाखनार. ानश्रयार्थ जाननेवालाः ( One ) whose knowledge is certain or positive स्य॰ २, ६, ३६; णिच्छाय त्रि॰ (निरद्याय ) शाला वगरताः કदरूपे। शोभा राहत, क्ररूप. Ugly; deformed. नाया १; ३; पगह० १, २; गिच्छारिय. त्रि० (निस्तारित )पार पहाया-डेश. वाहर निकाल दिया हुझा. Driven out; pushed out. नाया० १,

िक्छिएए। त्रि॰ (निस्तीर्ग) पार गयेस. किनारे को पहुचा हुआ. (One) who has gone to the opposite shore; crossed. पन्न॰ ३६,

णिच्छिद् ति॰ ( निश्चिद ) छिद्रस्टित. विद्यादित Free from holes.नाया॰६; णिच्छिय. ति॰ ( निश्चित ) निश्चित; नछी धरेस निश्चित, नक्षी किया हुआ Certain, assured, undoubted. नाया॰ १; ७, भग॰ ६, ३३, सम॰ १९;

शिच्छुढ ति॰ (निःचिप्त ) ७६।२ नीःदेस. बाहर निकला हुआ. Come out; taken out. नाया॰ =: १६:

शिच्छुभणा स्त्री॰ (निच्चोभणा) अत्स ना, तिरस्धा २. मर्स्सना; तिरस्थार. Act of rebuking, scolding or insulting नाया॰ १६; शिच्छुभावियः त्रि॰ (निच्चोभित ) अक्षार धाढी भुष्टेस. बाहर निकाल दिया हुमा Driven out; pushed out नया॰ दः शिच्छूदः न॰ (निष्ठ्यूत ) थु ध्रु ते थृंकना. Act of spitting "सो परिच्यायगा होलिजंतो शिच्छूढा" आव॰ १, २;

गिच्छूढ ति॰ ( नि चिप्त ) अक्षार आही भुदेश. बाहर निकाल दिया हुआ. Pushed out; driven out. नाय ॰ १६;१=;

शिच्छोडण सि॰ (निरछोटना ) अत्सेनाः तिरस्धार. भन्सेनाः तिरस्कार. Act of rebuking, scolding or insulting.

<sup>\*</sup> लुओ। पृष्ठ नन्भर १४ नी पुरनीर (\*) देखों पृष्ठ नम्बर १५ की पुरनोट (\*) Vide foot-note (\*) P 15th.

भग० १४, १; नाया० १६;

√िशास. था॰ I, II. ( नि+गम् (यच्छ)=
यम् ) निश्वयथी प्राप्त करना;वांधना,वंधनकरना
कर्वाः निश्चयसे प्राप्त करना;वांधना,वंधनकरना
ि acquire; to tie; to fasten.
थियच्छिति. पण• २३; सूय॰ २, ६, ३६;
थियच्छिति. सूय॰ १, ८, ८;

णिजुत्त. त्रि॰ ( नियुक्त ) निभेक्षं; लेभ्ने त्यां नेति विद्यां हित्राः, योग्य स्थान पर जमाया हुत्राः. Appointed; airanged in proper place. श्रोत्र॰ २४;

ाणिजुद्धः न॰ (नियुद्धः) आर्थः पांच लातनी सक्षाहः सि धि श्वीशारतामां न आपे तेत्रं युद्धः कोई भी प्रकार की सुन्नह-संधि स्वीकृत न की जाय ऐसा युद्धः. A battle in which the opposing hosts are not prepared to accept any terms of peace. श्रोव॰ नाया॰ १;

णिज्ञप्प. त्रि॰ ( निर्याप्य ) सत्य रिंदत ( भेा-लन ). सत्त रिंदत ( भोजन ). ( Food ) devoid of substance. परह॰ २, ४; —पार्यभोयर्य न॰ ( -पानभोजन ) सत्य रिंदत भेालन पाष्ट्री. सत्त्व रिंदत भाजन पानी. food and drink devoid of substance or nutriment. परह॰ २, ४;

णिज्ञरणः न० ( निर्जरण ) निर्जरा; क्ष्मीं भरवुं; निरस थ्येश-भागनाओश क्ष्मीं अरीने हर थवुं. निर्जरा, कर्म का गिर पहना; निरस भोगे जा चुके हैं ऐसे कर्म का गिर के दूर होना. Falling off, frittering away of Karmas from the soul after bearing fruit श्रोव॰ २१;

िष्ठजरा. स्री॰ ( निर्जरा ) डमीनु ओड देशथी अर्तुं-भरवुं ते; आत्माथी डमीनुं छिटा थवुं; नव तत्वमानुं ओड एक देश से कर्म का

फरना-गिरना; श्रात्मा से कर्म का पृथक होना. Falling off of Karmas from the soul; e. g. after bearing their fruit. 510 9, 9; 7, 9; 7, 4; ४, ४; भग० ६, १; १८, ३; पछ० १४; सम॰ १; श्रोव॰ ३४, ४२; पंचा॰ ६, १४; --पेहि. त्रि॰(-प्रेचिन्-निर्नरां प्रेचितं शाब-मस्येतिनिर्जरा प्रेची) निर्जशतत्व जाण्नार. निर्जरातत्व जाननेयाला. (one) who has knowledge of the category called Nirjarā. " मज्मत्थो चिजतापेही सयाहिमणुपालप् " श्राया०१,८,८,५; उत्त० २,३६:-पोग्यल. पुं०(-पुद्गक्) आत्भाथी खुटा थ्येत इम<sup>र</sup>ना पुरुगत. श्रात्मा से भिन्न हुए कमें के पुद्रगल. Karmic matter separated from the soul by Nicjara. भग॰ १८, ३; —हेउ १ं० ( - हेतु ) નિજજરાનું કારણ; કમ ક્ષયના हेतु. निर्जरा का कारण; कम च्चय का हेतु. cause of Nirjarā or destruction of Karma. date 92, 28; णिउजरिज्जमाणः त्रि॰ ( निर्जीर्यमान ) क्रभीता पुरुगक्षती क्षय क्रती. कर्म के पुद्गतों का त्त्वय करता हुआ. ( One ) who is destroying Karmic matter. भग० १, १, २; ६, ३३;

णिज्जरियः त्रि॰ ( निजीरत ) क्ष्य करेंस; निजिश करेंस. निजीरत; च्रय किया हुआ. ( One ) who has destroyed or caused to be wasted away. " णिजरिय जरामरणं वंदिताजिणवरं महावीर "तंदु॰

णिज्जवश्रः त्रि॰ (निर्यापक) न्हे। आय-श्रित्तने। निर्वाह करनार. बडे प्रायश्चित्त का निर्वाह करने वाला. (One) who goes through a great expiation. ठा॰ ६, १;

गिज्जवग. पुं० ( निर्यापक-निर्यापयांत तथा करोति गुर्वाप प्रायाश्चित्तं शिष्यो निर्वाहयतींति निर्यापकः ) भाटा आयश्चित्तने निर्याष कराने वाला (गुरु). ( A preceptor ) who causes his disciple to go through a hard expiatory penance. ठा० =, १; १०; मग० २५, ७;

शिष्ड चरणा कि ( निर्यापना ) अशिओना अशिने अथाश करनातु कृत्यः कि सातु अके नाम आशियों के प्राण को प्रयाण कराने का कृत्यः हिंसाका एक नाम. Act of causing life to depart from sentient beings, a sort of Hinsā. परह ० १, १;

शिज्जारा न॰ ( निर्यास ) ल्यांथी पाधुं આવલુ ન હાય તેવું ગમન; માક્ષ ગમન. जहां से वापिस श्राना न हो ऐसा गमन: मोत्त गमन. Going with retreat; salvation. श्रोव० ३४; जं॰ प॰ ५, ११८; (२) स्वतंत्र गभन. स्वतंत्र गमन. uncontrolled or independent movement. श्रोव॰ (३) भरण्डां के શરોરમાંથી આત્માનું ખહાર નીકલવું તે. मृत्यु के समय शरीर में से श्रात्मा का बाहर निकलना. the soul's getting out from the body at death. To ર, ૪; (૪) નગરથી ખહાર નીકલવ તે. नगर से वाहर निकलना. act of going out of a town 510 3, 8; (8) नगरभांथी नी अबवाने। रस्ते। नगर में से निकलनेका रास्ता a road leading out of a town. " वाहांदियाणं णिगामहाणां र यिजाणिया खगरगमे वा जंपिय तं शिजाख"

निसी० चू० ६; सू॰ प० ४; चं० प० (५) निस्तार; छेडे।. निस्तार: श्रन्त. end; decision. स्य॰ २, २, ५७; -- कहा. स्री॰ (-कथा ) राज्यनी स्वारी नी ध्वे તેની વાત કરવી તે; રાજકથાના એક प्रधार राजा की सवारी निकलने की बात करना; राजकथा का एक प्रकार. a story describing the procession of a king. ठा०४, २; — भूमि स्री॰ (-भूमि) જે ઠેકાણે નિર્વાણપદ મલ્યું હાય તે ભૂમિ जिस स्थान पर निर्वाणपद मिला हो वह भूमि a place where one has attained salvation जं॰प॰ ४, ११=; -- मगा. पुं॰ न॰ (-मार्ग-निर्याणस्य मोच-पदस्य सार्गी निर्याणमार्गः ) भेक्षभार्थः मोत्तमार्ग. the path of salvation. भग०६, ३३; (२) છવતે તીકલવાતા માર્ગ जीवको निकलने का मार्ग. a way for the soul to get out ( of the body ) " पंचिवहें जीवस्स खिजायमगो परायते '' ठा० ४, ३; भग० १६, १; २६, २; दसा॰ १; ३; (३) नी इस वानेः २२ते।; णढार जवाने। भाग निकलने का रास्ताः बाहर जाने का मार्ग. a road or path leading out; an exit. जं॰ प॰

णिउजाणियलेण. न० ( नैर्याणिकलयन )
नगरभाथी निष्ठवाना भाग परनु भड़ान.
नगर में से निकलने के मार्गपरका मकान. A
house on a road leading out of
a town भग० १३, ६;

श्चिरजामश्र-य पुं॰ (निर्यामक) भ्यासी; सुधानी. नौका वाहक A sailor; a helmsman. श्रोव॰ २१; नाया॰ १७, श्चिरजामगः पुं॰ (निर्यामक) भ्यासी. नाविक, मल्लाह A sailor; a mariner; श्रोव॰ विशे॰ राय॰ शिज्जाय. त्रि॰ ( निर्यात ) नीक्ष्येक्ष. निकला हुआ. Come out; got out. नाया॰ कः ६; — रूपरजत ) तल्युं छे सीनं इपुं लेखे ते. जिसने सोना चांदी त्याग किया है वह. ( one ) who has abandoned or given up gold and silver. " शिजायरूवरयए गिहिजोगंपरिवज्जए जे से भियस्तू " दस॰ १०,६;

णिज्जास. पुं० ( भिर्यास ) आउने। २स; शुं हर वगेरे थी अणे। पहार्थ. यृत्त का रस; गोंद इत्यादि चिकना पदार्थ. Exudation of trees; gum etc. श्रोध० नि०मा०१४२; णिज्जिएण त्रि० ( निर्जीर्था ) क्षीणु; क्षय अरेल. चीण, चय किया हुश्रा. Destroyed; wasted away. भग० १, १; ६, ३३; १२, ४; १४, ४; पन्न० ३६;

शिजिय. त्रि॰ ( निर्जित ) छतेलु. जीता हुन्ना. Conquered जं॰ प॰ —सत्तु. त्रि॰ ( –शत्रु ) शत्रु ने लित्या छे लेखे ते. जिसने शत्रु को पराजित किया है वह ( one ) who has conquered enemies. राय॰

णिजीव. न॰ (निर्जीव) सीनुं आहि धातु भारवां ते; ७१ भी ४क्षा. सोना त्रादि धातु को मारना; ७१ वी कंता. The 71st art viz. rendering metals like gold etc. fit to be used as medicines by chemical processes. जं॰ प॰ श्रोव॰ सम॰

णिज्जुत्त. त्रि॰ (निर्युक्त ) भथीत. निश्चित; श्रवस्य Certain; assured. नाया १; श्रोव॰

णिज्जुत्तिः स्नी॰ ( निर्युक्ति —निश्चयेनार्थे-प्रतिपादिका युक्तिर्निर्युक्ति ) युक्ति सिर्दित सूत्रना अर्थे अतावनार अथ. युक्ति सिहत सूत्र के श्रर्थ वताने वाला श्रंथ. A work fully and logically explaining the meaning of Sūtras. — भार. पुं॰ ( -कार ) निर्धु कित स्थनार लक्ष्माडु स्वामि वगेरे. निर्युक्ति के रचियता भद्रवाह स्वामी इत्यादि. an author of Niryuktis; e. g. Bhadrabāhu etc. श्राया॰ नि॰ १, १, १;

शिज्जूढ. ति॰ ( नियुंद ) भहार आही में हेस. वाहर निकाल दिया हुआ. Driven out; pushed out. नाया॰ १;

pushed out. नाया॰ १;

रिएज्यूहः न॰ ( नियूह ) णारसाण पासे
णहार डाढेल्लं लाडडुं; धीउली. किंवाह के
नजदीक बाहर निकाला हुआ लक्षड; चीखटा.

A bent piece of wood projecting out from the upper part
of a door-frame. नाया॰ १; ( २ )
गेरण. मरोखा. a balcony; a gallery.
(३) गेरण पालुं धर. मरोखावाला मकान.
a house having a balcony or
a gallery. जीवा॰ ३, ३;

गिज्जूहग. पुं॰ ( निर्मूहक ) धाउता; टाउता. चोखटा. A quadrangular piece of wood at the upper corner of the frame in which a door of u house or window is set; ( this is often used as a sort of shelf) पगह॰ १, १;

णिज्हित्तए. हे॰ कृ॰ श्र॰ ( श्रिनेयूंहितुम् )
० ८।२ ६।८५।ने. बाहर निकालने को. In
order to push out or drive
away. वन॰ २, ७;

णिज्जूहित्ता. सं॰ कृ॰ थ॰ ( अनियूहित्वा ) पाछावासीते; अदीमुशते. पीछे हटा कर; निकाल कर Having driven back; pushing out. दसा॰ ७, १; शिज्जोग पुं॰ (नियोंग) सेवड. सेवक, च कर A servant; an attendant. नाया० १; शिजोय. पुं॰ ( नियोंग ) सेवड. चाकर, सेवक. An attendant; a servant नाया० १, (२) वस्त्र, पात्राहि उपदर्श. वस्त्र, पात्राहि उपकर्श. articles of use for an ascetic such as clothes, vessels etc राय० द०;

ागिज्ञार पुं॰ ( निज्फीर ) પહાડમાંથી ઝરતું પાણી, अरे। पहाड में से भरता हुन्ना पानी, कारना. A stream of water, a brook issuing from a mountain. पञ्च० २; जीवा० ३, ३, नाया० १, शिज्भाइताः सं ० कृ० अ० ( निर्धार्य ) यारीः કીથી અવક્ષાકન કરીને, ખારીકીથી ચિતવન **५री**ने सुद्दम रीति से श्रवलोकन करके; लुद्ध पूर्वक चितवन करके Having closely minutely observed or thought upon आया०१, १, ६, ५०, शिज्भाइतार त्रि॰ (निर्धातृ) अति थिता **५२नार** श्राति चिंता करने वाला. ( One ) given to excessive worry and anxiety 510 E.

शिइमोसिइतार ति॰ (: निइमोपियतः) पूर्वता इरेशां इमीने भ शवतार. पूर्व के किये हुए कमीं का त्त्रय करने वाला. (One) who causes a destruction of the Karmas done by him in his past lives. श्राया॰ १, ३, ३, ११६;

√ शि-ह्व धा॰ I, II. ( नि+स्था+िश ) सभाप्त कर्ता.

To complete; to bring to a close.

णिट्ठविंसु. भू० भग० २६, १, २; णिट्ठवण न० (निष्ठापन) निपन्नववुं. पैदा करना; उत्पन्न करना. To produce; to Vol 11/120

cause to be produced. पएह॰१,१; णिट्ठा स्त्री॰ (निष्ठा ) કાર્ય સિદ્ધિ; કાર્ય सभाप्ति कार्य सिद्धि; कार्य की समाप्ति Successful termination of work; completion of work स्व॰१,१४,२१; भग॰१६,४;

गिहागा. न० ( निष्ठान ) सारा शृष्याशुंसंरुधिस लेल्पन. ब्रच्छें गुण वाला मोजन.
Wholesome food " गिहागारस
निज्जूढं" दस० ६, २२; — कहा छी॰
(कथा) लेल्पना रस अने भये सणधी
भ तथीत कर्यी ते भोजन के स्वाद और
खर्च संबंधो वार्तालाप. a talk about
taste and cost of food. ठा० ४,२;
गिहिक ति॰ (नैष्ठिक) धर्मभां श्रद्धापूर्यक
भश्च रहेन र धर्म में श्रद्धापूर्यक तल्लीन
रहने वाला; धर्म निष्ठ. (One) who
devotes himself faithfully to
religion पग्ह॰ २,३;

खिद्रिय त्रि॰ ( निष्ठित् ) स्वधार्थ सिद्ध धरेल, पूर्ण किया हुआ (One ) who has fulfilled his duties. पन् ३६: दस॰ ७, ४०, नाया० १, (२) पुं० भे।क्ष, परि-सभाप्ति मोन्न,।सिद्धि final liberation; completion श्राया॰ १, ४, ६, १६८; (३) त्रि॰ सत्तावातुं; निष्ठावातुं. सत्तावान्; श्रद्धावान्. potent, steadfast. भग॰ ६, १, (४) ખાત્રી, શ્રહ: भरोसा, श्रद्धा, विश्वास. conviction; assurance; faith " चिहियंभवइ " भग० १४, १, —ट्र त्रि॰ (-प्रर्थ ) કતકત્ય; જેના અર્થ મતલળ સિદ્ધ થયાેછે એવાે. कृतकृत्य, जिसकी कार्य-सिद्धि होगई हो वह. ( one ) whose object is fulfilled स्य॰ १, १४, १६; श्राया० १, ४, ६, १६५;

( ર ) વિષય સુખની પિપાસા-લાલસાયી २ि६त; मुभुकु. विषय मुख की इच्छा से रहित (one) free from attachment to the pleasures of the senses. " पंडिण नेहावी खिहियट्टे वीरे " ग्राया॰ १, ६, ४, १६३; — हि त्रि॰ ( -श्रार्धेन् ) મુમુક્ષુ–માક્ષની કાચ્છા રાખ-नार. मुमुत्तु-मोत्त प्राप्ति की इच्छा रखने वाला. ( one ) longing for deliverance. श्राया॰ १, ४, ६, १६८; णिद् छुभय त्रि॰ (निष्टीवन ) थुं धनार. ध्ंकने

वाला. A spitter, one who spits. पग्ह॰ २, १; िएट्युरः नि॰ ( निष्दुर ) निष्हुर; धेहे।२;

કिंत दुष्ट, कठार; करेदिलवाला. Cruel;

unfeeling, harsh श्रोव॰ २०; नाया॰ प्तः, १:, भग०४, ४; जीवा० ३, १; —गिराः म्री॰ ( -गिर्) निष्हुर लाषा. कूर भाषा. harsh speech. गच्छा० ५४; णिट्ठवणान॰ (निष्ठीवन) थुं ५; णलेभे। धूंक; कफ, बलगम. Saliva, cough etc. from the mouth. (২) সি॰ থু ধনাং; ળલ બા આદિ ફે કતાર. धूंकनेवाला, सुँहसे कफ फॅकने वाला. ( one ) who spits or

ejects cough etc. from the mouth. ठा॰ ४, १; णिडाल न॰ (ललाट) संसाट; ध्रेपास. ललाट; कपाल. Forehead. श्राया॰ २, १, २, १६, भ्रोव॰ १०, नाया॰ ८; जीवा॰ ३, ३;

तदु० जं० प० ३, ४५; ग्गिगाश्त्र−य. पु॰ ( निनाद ) અ**નાજ**; <sup>५</sup>२नि. श्रावाज; ध्वनि. Loud sound; noise. नाया० १; म, १४; जीवा० ३, ४; जं० प०

िण्ण, त्रि॰ ( निम्न ) नीर्थु, नीचा, Low. (२) न॰ नीये; हेंहे. नीचे.below; downward दसा०७, १; भग० १४, १; जं०प० U, 929; णिएएपस्युः त्रि॰ ( \* ) धारी सुध्युं ते.

निकाल देना. Casting out; ejection; driving out " बहिहा वा गिरगाक्तु " श्राया० २, २, १, ६५; णिगणगा. स्री॰ ( निस्मगा ) नही. नदी A river. পদ্ম া णिगणायर त्रि॰ (निन्मतर ) वधारे नीयुं.

श्रिषक नीचा. Lower; at a lower level. भग॰ ३, % खिएसार. त्रि॰ ( : निनंगर ) नगर ज्यार **धारेक्ष. शहर बाहर निकाला हु**श्र्या, निर्वासित. Driven out from a town. " घरो-गहुए शिवगोर करेहिति " भव० १४, १; णितिगामेस. त्रि॰ ( निनिमप ) आंभना

पत्र**धारा रिद्धतः जिसकी श्रीरा के पलक न**हीं

लगंत हें वह; निमेप द्दीन. ( One ) with

a fixed, stony gaze. ठा॰ ४, २; शिएहइया. स्री॰ (नहविकी ) ओं अधारनी लिपि. एक प्रकार की लिपि. A kind of script. पन ॰ १; ित्तिहरा पुं॰ (निह्नव) सिद्धांतना सत्य अर्थने ગાપત્રનારઃ સત્ય સિદ્ધાંતના ઉત્થાપક જમાલी आहि. सिद्धान्त के सत्य श्रर्ध को छिपाने वाला; सत्य सिद्धान्त के विरोधी जमाली श्रादि. ( One ) who conceals the true meaning of scriptures; (one) who refutes the true scriptures, e.g. Jamālī

etc. श्रोव॰ ४१, ठा॰ ७; \* लुओ। पृष्ठ नम्भर १४ नी प्रुटने।ट (\*) देखो पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (\*) Vide foot-note(\*) p. 15th.

गिग्रहव. पुं॰ (निह्नव) लुओ। " निग्रहग " शम्म. देखो " गिग्रहग " शब्द. Vide " निग्रहग " ठा० ७;

शिगहचरा. पुं॰ ( निह्नम ) छुपाययुं ते. छिपाना. Act of concealing निवा॰ २; शितंब. पुं॰ (नितम्ब) पर्वतनी डेऽ; पर्वतने। प्रांत लाग. पर्वत के मध्य या श्रासपास का भाग. The lower or middle part of a mountain. (२) स्त्रीनी डेऽने। पाछले। लाग स्त्री की कमर का पिछला भाग. a hip of a woman behind her waist " श्रीस्त्रवंतस्स बासहरूप-

चयस्स दाहि णिल्ले णितंत्रे "ज०प० १, १ ७, णितिउमाण न० (नित्यावमान-नित्यमवमानं प्रवेशः स्वपचपरपचयों पेषु तानि तथा ) ज्यां साधु नित्य वहेर्या ज्या ते धुक्ष जहां साधु नित्य गोचरी को जाने वह कुल. A family where Jaina monks go for food every day. श्राया॰ २, १, १, ६;

शितिय त्रि॰ (नैतिक ) नियत; नियभित.
कायम; नियमित Regular, fived.
भग॰ ६, ३३; (२) नित्य पिंड लेनार.
प्रतिदिन पिड-दान लेने वाला. a Jaina
monk who receives his food
at one and the same house
every day. निसी॰ ४, ३२,

णितियः त्रि॰ ( नित्य ) ७भेशनुं, सहानुं हमेशा का; नित्य का; सतत. Daily; every day; always निसी॰ २, ३२:
—( या ) चाइः त्रि॰ ( वादिन् ) पहार्थनुं ओडांतपे नित्यपे छुं स्थापनाः एकान्ततया पदार्थ की स्थिरता स्थापन करने वाला. ( one ) who affirms the existence of a thing in absolute and unqualified terms दसा॰ ६,

३; —(या) वास. पुं॰ ( -वास) दुभेश ओ ४ देश हो निवास ४२ वे।, स्थिरवास. हमेशा एक जगह रहना; स्थिरवास. permanent stay; living in one place only. निसा॰ २, ३७;

णितिया स्त्री (नित्या) लभ्भुसु ६ श नतुं अभरनाभ जम्बू सुदर्शन (मृज्ञ) का दूसरा नाम-पर्याय. A kind of tree also named the Jambū tree. जीवा

गित्तः न॰ (नेत्र) नेत्र; आभ भांख, नेत्र चतु An eye ठा० ६, १;

णित्तलः त्रि॰ ( निस्नल ) शराख्यी न ઉतारेक्ष; अनिश्पन्न श्रधूरा, श्रसमाप्त. Unfinished; incomplete. " तेण णित्तलं मणिरयणं श्रस्तादेंति" भग०१५;१,

णितुस त्रि॰ ( निस्तुष ) है।तर। रिहत; विशुद्ध विज्ञको रिहत; विशुद्ध विज्ञको रिहत; विशुद्ध विना विज्ञको किका Free from husk; clean.

णित्तय त्रि॰ ( निस्तेजस् ) ते॰ २६६त. निस्तेज; प्रभाविद्दीन, तेजरिंदत. Without lustre; having no lustre. नाया॰ १, ( २ ) पीय रिद्धत वीर्य रिद्दित weak; impotent भग॰ १, ३३;

शिक्षरण न॰ ( निस्तरण ) पार पामलुं.
पार होजाना; उसपार पहुंचजाना. Act of
crossing or reaching the
other end; a successful performance. जं॰ प॰ नाया॰ १४; १६;
शिक्षरियह्व. त्रि॰ ( निस्तरितच्य ) पार
पामया थाग्य; क्रेनी अंत आवी शहे ते
पारपाने योग्य; क्रन्त क्राने जैमा Worthy
or capable of being successfully performed; fit to be
crossed नाया॰ ३०६;

णित्थाग. त्रि॰ ( निःस्थान ) स्थान अष्ट.
स्थानअष्ट; ( अपने ) स्थान से गिराहुआ;
स्खालित. Fallen from one's place;
degraded. नाया॰ १=; विवा॰ ३;
णित्थार. पुं॰ ( निस्तार ) पार, छेडे।
अन्त; पार, छोर. End; completion
७. g. of a journey. नाया॰ ६;
णित्थारणा स्री॰ ( निस्तारक्षा ) पार पासवुं
ते. पारपाना; निस्तारक्षाना. Act of
successfully going to the other

end; act of finishing. जं०प॰ णिदंसण. न॰ (निदर्शन) ઉદાહરણ. उदाहरण; नम्ना. Example. (२) निरंतर कोवुं ते. नार २ देखना; सतत श्रवलीकन. seeing repeatedly. ठा॰ १, १;

णिदात्ली॰ (निदा—निदानं निदा) वेहना; पीडा. वेदना; पीडा, त्रास. Pain; oppression.; affliction. भग॰१६,४; णिदाघ. पुं॰ (निदाघ) क्रेक्सिंडनानुं क्षेड्रा-पर नाम. ज्येष्ठ मासका लोकोत्तर नाम. The summer mouth of Jyestha so named जं॰ प॰

णिदाय. पुं॰ (निदाक) लान पूर्व के वेहना. ज्ञान-श्रतुभवपूर्ण वेदना Conscious pain. भग॰ १६, ४;

·िणदाह. पुं॰ (निदाघ) ज्येष्ठ भासतुं क्षेष्ठि।त्तर नाभ. ज्येष्ठ मासका विशिष्ठनाम. The month of Jyestha so named. स्॰ प॰ १;

शिद्द पुं॰ (निर्देग्घ) सीमन्त अभागी नरेडें प्रथी पूर्व नी आवशी आमाने। २१ मे। नरेडा वासी. सोमन्तक प्रभ नामक नरकेन्द्रसे पूर्व की प्रावित्व का २१ वां नरकावास. The 21st abode of the hell of the eastern line of the region of hell called Simant-

akaprbha Narakendra. ठा॰ ४,२; गिद्दुमज्म. पुं॰ (निर्देग्धमध्य) सीमन्तक-अभ नरक्षेत्रनी उत्तर आविधिक्षमानी रा भे। नरक्षावासी, सीमन्तकप्रभ नरकेन्द्रका उत्तर भावतिकाका २१ वां नरकावास. The 21st abode of the hell of the northern line of the region of hell called Simantaka Prabha Narakendra. ठा॰ ६.

गिइटावन्त. पुं॰ (निर्देग्बऽऽनतं) सीभन्तः तर्धेन्द्रनी पश्चिम आविधिशभांने। २९भे। तर्धावासे। सीमन्तक नरकेन्द्रकी पश्चिम श्रावलीका का २१ वां नरकावास. The 21st abode of the hell of the northern line of the region of hell called Sinantaka Narakendra. २१० ६;

णिद्दृोसिट्ट. पुं॰ ( निर्देग्धावशिष्ट) सीभन्तड नर्डेन्द्रनी हक्षिण व्यावलीडाने। २६ भे। नर-डावासी. सीमन्तक नरकेन्द्रकी दक्षिण त्रावली-काका २१ वां नरकावास. The 21st abode of hell of the northern line of Simantaka Narakendra region of hell. ठा॰ ६;

शिह्य. त्रि॰ (निर्देय) निर्देष; ५३छारिक्षत. निर्देष; कठोर; पापाणहृदय. Cruel; piti-

√िंशाइ. धा॰ II. (नि+द्रा ) ઉध्दुः सुदुः छेतुः छेत्रः छंघनाः निद्रालेनाः सोनाः To sleep. शिद्दाएज्जः जीवा॰ ३ः

रिष्हा. स्री (निहा) निहा; ઉंध; निहा; नींद; कंघ sleep. श्रोव॰ १६; श्राया॰ १, ६, २, ४; नाया॰ १३; पन्न॰ २३; दसा॰ ६, १; राय॰ २१४; —कस्त्रयः पुं॰ ( - च्चय ) निदाना स्था. निहाना च्य, निहाना न श्राना; एक राग. loss of sleep; insomnia.

ठा॰ ४, २; — शिद्धाः स्त्री॰ (-निद्धाः) शाद निद्राः गहरी नीद profound sleep. पन्न॰ २३; ठा॰ ६; सम॰ — पमास्त्र पुं॰ (-प्रमादः) निद्राथी अभादः निद्राके कारण उत्पन्न प्रमादः, स्त्रमावधानीः, निद्राप्रमादः inadvertence or negligence through sleep. ठा॰ ६, १;

णिद्वारिय त्रि॰ (निर्दारित) ६। डेश. फाडा-हुआ; विदारित. Torn; rent. पग्ह॰१,३; णिद्दिह. त्रि॰ (निर्दिष्ट) ६ हेश; ६श्विस. कहाहुआ; बतलायाहुआ Stid pointed out: mentioned. पंचा ३,१२;

णिदुद्धिया स्त्री॰ (निर्दुंगिषका) हुध रहित (गाय पिगेरे). दूध विद्दीन (गाय ख्रादि). (A. cow etc) not giving milk तंदु॰ णिद्देस पुं॰ (निर्देश) आताः ख्राज्ञाः हुक्मः ख्रनुमति Command, order. नाया॰ ६, १६: —चिति. त्रि॰ (चर्तिन्) आता प्रभाष्ट्रे यर्तनार् ख्राज्ञाधारकः हुक्मके सुता विक काम करनेवाला. obedient to a command "णिद्देस वत्ती पुण जे गुरूण" दस॰ ९, २, २३:

शिद्दोस. त्रि॰ (निर्दोष) निर्दोष; दे। परिद्वत निर्दोष, दे। परिहत, निर्मत्त. Blameless; innocent; free from fault or defect. ठा॰ ७, पंचा॰ ७; ३४;

गिद्धः त्रि॰ (स्निग्ध) थी आसपासुं; थिगहुं. चिकता, स्निग्व Oily; greasy. नाया॰ १; ४; द; भग॰ १; ६, ६; १०, ६, २०, ५, श्रेष्ठ पत्र॰ १; (२) स्तेष्ठपासुं. स्नेहवाला; स्नेही. affectionate; loving. सम॰ नाया॰ द, (३) सुवासुं सुवाला. smooth; soft. जं॰ प॰ ७, १६६; २, २०; ३, ४४; (४) आन्त; तेजस्वी; दिन्य. lovely, lustrous पगह॰ १, ४; श्रोव॰ जीवा॰३;

— श्रोभास ति॰ (-श्रवभास ) थी ७ था।
केंचु कासतुं-हे भातुं. चिकना दिखाई
देता हुन्ना. oily in appearance.
नाया॰ १; राय॰ — पोरगलः न॰ (-पुद्रज ) थी ३ था। पुद्रस. चिकने पुद्रज पदार्थ.
oily, sticky substance भग•७, ६;
— फासः पुं॰ (-स्पर्श) रिनम्ध स्पर्श;
थी ३। श चिकनाई; स्निम्ध स्पर्श; छूने में चि॰
कना. oily; greasy in touch. सम॰
२२;

शिद्धंत. त्रि॰ (निध्मीत) व्यन्तिमां नाभी धमेक्ष; तथावेक्ष; विशुद्ध धरेक्ष. व्यनिपूत; भाग्निमं तपाकर शुद्ध किया हुवा. Passed through the fire and purified; heated in a furnace. पण २; जीवा॰ ३; श्रोव॰ १०; तंदु॰

शिद्धणाः त्रि॰ (निधन) निधेन; गरीणाः निधेन; भार्त्वचन;दीन, गरीवः Without wealth; indigent; poor. नाया॰ १=; विवा॰ ३, शिद्धाराण्यः त्रि॰ (निधान्यक) धान्य अनाज रिक्षितः श्रमरहितः धान्यविद्दीनः Without food-grain, barren of corn or food stuffs. तंदु॰

िण्ड्रमण्. न॰ (निर्धमन) पाल; भेारी. मोरी; नाली; गटर A duct or outlet of water. ठा॰ १, १; तंइ॰

शिद्धमा ति॰ (निर्धर्म-निर्गतो धर्मात् तुत-चारित्रलचगादिति ) धर्भ २ ६ त. बिना धर्मका; ग्रधमे पूर्च. Irreligious; unrighteous. परह • १, १;

शिद्धूय. त्रि॰ (निर्भूत) ६२ ६रेश. दूरिकया हुआ; निष्कासित. Thrown away; shaken off; removed राय॰

शिध्यण. न॰ (निधन) नाश; पर्यंवसान; छेडेा. नाश; पर्यंवमान; श्रन्तकाल,श्रन्त. Death; termination; end पर्ह • ३, ९; णिधत्त न० (।निधत्त) એક પ્રકारने। इस ने।
थ ५. कर्मका एक बन्धन. A particu
lar kind of Karmic bondage.
"चडविंद्दे णिधत्ते परणते तंजहा पगइ णिधत्ते
टिइणिधत्ते" ठा० ४, २; मग० १, ९;

गिधि. पुं॰ ( निधि ) अंऽ।२; भन्तनी. काप; निवि; भंडार; श्रागार. Treasure; store. सम॰ ३;

णिन्हइया. स्ना॰ (निन्हिषका) अक्षर क्षिपि-भांनी ओक्ष. श्रष्ठरह लिपियों में से एक. One of the eighteen kinds of scripts. सम॰ १८;

√ि शि-पड. था॰ I (नि+पत्) नीचे ५७५ं. नीचे गिरना; श्रधःपात. To fall down शिवडइ नाया॰ ९; शिवयन्ति. जीवा॰ ३, ४;

शिपतंत ति (निश्तत्) नीये पडता नीच की फ्रोर गिरता हुया. Falling down. परह० १, १;

णिषुण त्रि॰ (निषुण) निपुण्; छे।शियार; व्युरः चतुरः कुशल, निषुणः निष्णातः Skilful; clever; ingenious भग॰ १६, ४;

िष्णिष्पंक त्रि॰ (ानिष्णक्कः) गारा यगरतुः; धीयः रिक्षेतः कीचड या कीच रहितः; पंकतिहीन Without mud; free from mud. जं॰ प॰ १, १२;

णिप्पकंप ति॰ (निष्प्रकम्प) अति निश्वत. नितान्तः निश्वतः जडवतः निश्वत-श्रटत-स्थिर. Quite motionless; steady. सम॰ २;

णिष्पचक्खाणा त्रि॰ ( निष्पत्याख्यान ) अत्याष्ट्रयान ( संकल्य ) रहितः ( One ) who does not practise the vow called Pachchallhana i. e. abstaining from doing particular things for a fixed period. भग॰ १२, =;
—पोसहोचवास. ति॰ (-पोपघोपवाम)
ले पेश्सी आहि पश्यभाषु तथा पर्वे हिन्से पणु पेथो अपवास वगेरे न धरे ते. पच्चखाण तथा पर्वे अवसर पर भी उपवास पापध आदि न करने वाला. (one) who does not observe any vow or fast even on sacred days.

णिष्पिच्छिम. ति॰ (निष्पश्चिम) पाछ्ती.

पिछला. Backward; latter.भग०४.७;

रिएपह ति॰ (निष्पृष्ट) केमां पुछतुं न पडे
तेवुं: २५७: असंदिक्ध. स्पष्ट; जिम में
पूछते का काम न पडे. शंकार्राहत; प्रसंदिक्ध.

Evident; manifest; doubtless.
नाया॰ ४: मग० १८, १०; —पसिणचागरण. ति॰ ( -प्रश्वच्याकरण ) केमां
पछी पुछतुं न पडे ओवा कवाल; छिस्ती।
कवाल श्रान्तिम उत्तर; एक बात; जिसके
पूछते की पुनः जहरत न हो. ( an
answer ) which leaves no
scope for further questions;
final answer. "शिष्पट्टपीसणं चागरणं
करेह "भग० १४, १;

िष्टाडियार. त्रि॰ (निष्प्रतिकार) थिकित्स। २िद्धत. श्रसाध्य; निह्पाय; निकित्सा-रहित. Irremediable; devoid of semedy. पएड॰ २, ४;

शिष्पराण. त्रि॰ (निष्पत्त) सिद्ध; निष्पत्र थपेश. सिद्ध; निष्पत्त. Fully accomplished; final नाया॰ न,

शिष्पत्ति. स्री॰ (निष्पत्ति ) सिद्धि. सिद्धिः सफलता. Liberation; deliverance; fulfilment. ठा॰ १;

शिष्यभ ति॰ ( निष्प्रभ ) अला रहित. पमा

रहित, निराभ Gloomy; dark. " रेवे चहरसामीति ज ग्रह विसागा भरणाइं गिष्णभाइं पासिता " ठा० ३, ३;

शिष्परिगाहरूइ पुं० ( निष्परिग्रहरुचि-निर्गता परिग्रहरुचिर्यस्य सः ) परिश्रद्धनी ४२%। वगरने।. जिसको परिग्रह की इच्छा न हो Free from the desire of worldly belongings पग्रह०२, ५;

गिष्पाण. त्रि ( निष्प्राण ) प्राण् २ हित. निष्प्राण; गतप्राण; प्राण विहीन. Lifeless, dead नाया २: १६: १६:

शिष्पाच. पुं॰ (निष्पाच) वाक्ष; ओड न्यतनुं धान्य. एक धान्य विशेष. A kind of corn. "शिष्पा ई धएगा गंघे वाइगपतं-इतस्या SS ई" ठा॰ ४, ३, जं॰ प॰

शिष्पिचास त्रि॰ (निष्पिपास) पिपासा-साधसा-रिहत. लाजसा-इच्छा रहित, निरि-च्छ, उदासीन. Free from greed नाया॰ १; १६; पगह॰ १, २; (२) २नेह रिहत. स्नेह रहित devoid of love. पगह॰ १, १;

शिष्पुलाय. पुं॰ ( निष्पुलाक ) आवती उत्स-िष्धीमां भरतक्षेत्रमां थनार १४ मा तीर्थं इर श्रामामा उत्सर्पिणों में भरत चेत्र में होने वाले १४ वें तीर्थं कर. Name of the 14th would be Tirthankara in the coming Utsarpini cycle सम॰

शिएफंद त्रि॰ (निष्पन्द) थयन व्याहि द्विया रिहत; स्थिर गति हीन; स्थिर. Motionless; stendy. नाया॰ २; ६; १७;

णिष्फरणा त्रि॰ (निष्यज्ञ) पूर्ण्ः अरपूर; अरेक्षं. पूर्णः; भरपूरः भरा हुमा Completed; full; perfect (२) पेहा थयेक्षः ७५०रेक्षं उपजा हुमा. emerged, created; pr duced. श्रोव॰४०; पंचा॰ =, 9€;

शिष्फाइऊग्. सं॰ क्र॰ श्र॰ (निष्पाद्य) ઉत्पन्न धरीने पैदा करके; उत्पन्न करके Having produced पंचा॰ ७, ४३;

शिष्फाच. पुं० (निष्पाव ) वाक्ष; श्रेष्ठ ज्यतनुं धान्य. एक धान्य विशेष. A kind of corn. पन्न० १; जं० प०

णिप्फेडिय. त्रि॰ (निष्फेटित) ६२७। ६२४; લઇ લीधेલ. हरण किया हुन्ना; छाना हुन्ना; लिया हुन्ना. Taken away; seized. ठा॰ ३, ४;

√ शिवंघ धा॰ I॰ ( नि + बंघ् ) णाधतुं. वांधना; फासना. To bind; to fasten शिवंधइ सम० २८,

श्चितंध्यं. न॰ (निबन्धन ) હेतु हेतु;उद्देश्य: लद्दय Cause; motive. नाया॰ १४;

णिबद्ध त्रि॰ (निबद्ध) शुंधेक्ष; लांधेक्ष प्रधित;
गूथा हुन्ना; नाधा हुन्ना. Knitted;
bound together नाया॰ १, सम॰ १;
भग॰ १४, १; —न्न्राउय न॰ (-न्नायुष्क)
लांधेक्ष लायुष्य. निश्चित न्नायुष्क lifeperiod pre-determined by
Karma. नाया॰ १३;

णिब्बल त्रि॰ (निर्वल ) अस कीन अशक्त; कमजोर; निर्वल. Weak; feeble; lacking in strength. आया॰ १, ४, ४, १४९; —आसय. पुं॰ ( -माशक ) निर्णल-सत्त्र रित भेराड सेवाना असिअद धरनार साध जिस साधने सत्व-हीन अपीष्टिक अन प्रहण करने का संकल्प किया हो वह. a Sādhu who has made up his mind to take only such food as is lacking strength giving or invigorating ingredients. आया॰ १, ४, ४, १४६;

विकाच्छ्य न॰ (निर्भरस्त ) आहे।शथी

કटुवयन કહेवा; ४५ हेवे। ते. आवेशमें श्राकर ऊंचेसे कटबचन कहना, उलाहना देना. Act of reproaching or rebuking in loud and threatening words भग० १४, १; पएइ० १, ३; शिव्मच्छगाः स्री॰ ( निर्भःर्सना ) ४५%।देवे। उलाहना देना. Reproach; harsh words. भग० १४, १: नाया० १६: शिच्माच्छिय. त्रि॰ (निर्मार्तित) १५४। आपेत. उपालाम्भत; उलाहना दिया हुया; भर्त्सना कियाहुआ. Reproached; rebuked नाया० १८: शिव्भय. त्रि॰ (निर्भय-निर्गतो भयात् ) अप रिदेत, निर्भय; भयरिहत; निडर. मिछशless नाया० १; ४; ५; १७, पगह० २, ३; शिव्भिज्जमारा त्रि॰ ( निर्मिषमान ) अतिशय भेशतुं. खूब भेदा हम्रा. Excespierced; excessively sively torn. "नाव केतर पुराणं वा श्रण्वायंसि उविभक्तमायायां यिविभजमा यायां वा " भग० १८, २; जं० प० जीवा० ३; शिमा त्रि॰ (निम ) सदश; सर्भुं; तु६्य. समान; सरीखा, तुल्य. Like; similar; resembling; equal श्रोव॰ यणजो० १३०, जं० प० ३; शिभग, पुं॰ (निभक्त ) लांगवुं; तूटवुं ते. फ़टना; इटना. Act of breaking or being broken. परह० १, १, √िशा-भत्थ. धा॰ II ( नि+भःस् ) निरश्डार धरवे।. तिरस्कार करना To reproach; to insult. शिभत्थन्ति. नाया० १६: शिभत्थेहिन्ति भग १५, १; णिभिदिय सं ॰ कृ ॰ व्य ( निभिद्य ) अति भेटीने. श्रतिभेदन करके, बहुत खूव छेदकर pierced Having broken or

too much. निसी॰ १७, २३; √िंग-मंत. धा॰ II. (ान + मन्त्र) એકांत (यथार करवे। ते. एकांत विचार करना, गुप्त मंत्रण करना. To think or consult in a private, retired place. शिमंतयति. स्य॰ १, ३, २, १४; शिमेंनति. स्य॰ १, ३, १, १६; गिमंतमाण श्राया॰ २, २, ३, ६०; णिमंतणाः स्री॰ ( निमंत्रणा ) आभंत्रख् धरवुं. आमंत्रणकरना. Act of inviting. (२) प्राय<sup>६</sup>ता ४२वी प्रार्थना करना. not of requesting. भग॰ २४, ७; स्य॰ १, ३, २, २२; पंचा० १२; शिमरगः प्रि॰ ( विमप्त ) डुणेशः णुंचेशः तक्शीन. ङ्बाहुवा; मन्न, तहानि; Drowned; sunk in mud; plunged or absorbed in भोन १०; जीवा० ३, ३; परह० १, ३; शिमग्गजलाः स्नी॰ ( निमम्नजला ) तिभिस्र ગુક્ષની અંદર વહેતી નદી. तिमिस्र गुफा के भीतर यहनेवाली नदी. A river a cave named flowing in Timisra. जं॰ प॰३, ४४; √िंग्ग-मन्ज्ञ. धा॰ I. (नि+मस्त्र) स्तान કरेवुं. नहाना, स्नान करना. To bathe; to take bath. ग्रिमजावेइ प्रे॰ जं॰ प॰ ३, ४५; शिमज्जग. पुं॰ (निमज्जक) ५ुल४। भारी स्तात **५२नार तापसनी એ**ક जत. डुबकी लगाकर स्मान करनेवाले तपास्त्रयों की एक जाति विशेष. A class of ascetics whose characteristic is to remain submerged in water for some time while bathing. निर॰ ४, ९;

सग० ११, ६;

श्चिमज्ज्ञणा. न॰ (निमज्जन) જલમાં अवेश કरवे।; ५ णश्ची भारवी. जलमे घुसना, पानीमें डुवका लगाना Act of plunging oneself into water, act of diving into water. पगह॰ १, १;

णिमि पु॰ (निमि ) परिध, वर्तु स. चकः; गोलाकारः, परिधि, वर्तु ल A. circle; a circumference जीवा॰ ३, ४;

शिमित्तः पुं॰ (निमित्त ) धरेणुः छेतु कारण, हेतु, उद्देश्यः मशा Cause; immediate cause. नाया १; १४, पंचा॰७, २६; (२) ओड प्रधारनु ज्ञान, निभित्त शास्त्रश्री भूत, अविष्य ज्ञानना क्ष कांकित शास्त्र से भूत, भविष्य ज्ञानना क्ष branch of knowledge, knowing past and future events by the help of omens etc.प्रव॰१३,—पिंड. पु॰ (-पिएड) साधुने निभित्त अनावेदे। पिऽ-आढार साधु के लिए तयार किया हुआ भाजन food prepared for क

शिमिस पु॰ (निमिष ) आ भीत ५५ धारे। श्रांख का इशारा, पलक मारना A twin-kling of an eye. श्रंत॰ ६, ३;

शिमिसिम्र पुं॰ (नैमेषिक) आ भना पक्ष धारा केटेकी वभत. पत्तक मारने इतना समय; निमिष Time required for the twinkling of an eye. जीवा॰ ३;

शिमेस पुं॰ ( निमेप) आंभिना प्रवादी; आभ ઉधाऽ वी य करवी ते आख खोलना व मीचना, पर क मारना A twinkling of an eye: act of winking भग॰ १४, १,

शिम्मेंस त्रि॰ (निर्मास ) भास रिहित मांस हीन, विना मांम का Without flesh; fleshless नाया॰ १;

Vol 11/121

शिम्मह्म. पुं॰ (निर्मर्दक) आगशाने भारीने ये.री धरनार; क्षुटारा. हत्या करके चोरी करने वाला; लुटेरा One who commits theft with murder; क robber. परह॰ १, ३;

णिम्मिद्दिय त्रि॰ (निर्मिदित्त ) भ६ न धरें सः ६ देशः ६ देशः मिदित, पीसा हुन्नाः दत्तन किया हुन्नाः चूरचूर किया हुन्नाः Pressed, ground. परह॰ १, ३;

गिम्मल. ति॰ ( निर्मल ) निर्मल; स्वच्छ.

मलरहित, साफ; स्वच्छ. Pure; pellucid; stainless. नाया० १; भग० २, ६, १४, १, सम॰ प० २११, जावा० ३. तंदु० पत्त० २; (२) पुं० ४भ रूपी मेसथी विशुद्ध थयेस; सिद्ध क्षणवान. कर्मह्णा मेल से शुद्ध, सिद्ध भगवान. free from the impurities of Karmas; a perfected soul श्रोव० (३) श्रम्द्धी। उना छ विभानभांनुं ये। युं विभान ब्रम्म लाक क छ विभानभांनुं ये। युं विभान ब्रम्म स्थानों से ४ था विमान the 4th of the 6 heavenly abodes of Brahmaloka ठा० ६;

शिम्मवहत्तार. त्रि॰ (निर्मापयितृ) सक्षता पर्यंत कार्यं करनार; कार्यं सिद्धि भेश्व नतार. सफलता प्राप्ति तक कार्यं करने नाला, दृढ निश्चर्या, कार्यमें सफलता पानेनाला. (One) who works on till success is attained, (one) who accomplishes the work undertaken (by him). ठा॰ ४, ४;

णिम्मिहियरागरोसः त्रि॰( निमर्थितरागरोष )
के जो राग देप भथी नाज्या छे ते जिसने
राग द्वेप पर निजय पाया है वह; राग द्वेप
रहित (One) who has subdued
or crushed out attachment
and hatred जीवा॰ १:

ाणिम्माद्य. त्रि॰ (निर्मात) निर्माणु ४रेल. वनाया हुन्ना; निर्मित. Produced or created. श्रोव॰ ३१;

गिम्माय. पुं॰ ( निर्मात ) निर्माणु धरेस. वनाया हुआ. Made or created.

नाया० ५; जं० प० ३, ४१;

णिम्मावितः त्रि॰ (निर्मापित ) लनावेक्षः रेथेक्षः वनायाहुत्राः रचितः Made; constructed; caused to be made. "पंचमहत्रम्या श्राणिम्मया श्राणिम्मावित्ताश्रकडाणोकित्तिमा " स्य॰ २, १, १०;

शिमियः त्रि॰ (निर्मित ) निर्माण धरेशः वनाया हुत्रा; रचित; निर्मितः Created; produced. सूय॰ २, १, २२; नाया॰ १; ठा॰ ५; श्रोव॰ — साइः त्रि॰ ( -वादिन् ) ॰ ॰ १ श्रोव॰ — साइः त्रि॰ ( -वादिन् ) ॰ ॰ १ श्रोव॰ — साइः त्रि॰ ( -वादिन् ) ॰ ॰ १ श्रोव॰ चात्राः त्रि॰ ( -वादिन् ) ॰ ॰ १ श्रोव॰ चात्राः हुत्राः है यों कहने वात्राः ( one ) who affirms that the universe is created by God ठा॰ ६;

णिमिसिय. त्रि॰ (निर्मिषित) आंभ पी येस;
ग्यांभिने। पस्तारी भारेस श्रांख बन्द किया
हुआ; पलक मारा हुआ; निर्मिषित नेत्र
(One) with eyes closed; (one)
who has winked (his) eyes.
भग॰ १४, १:

णिम्मूल त्रि॰ (निर्मूल) भूश पगरनुं. मूल रहित. Having no root; baseless. "निम्मूलुल्लुण कण्णाट्ट नासिका च्छिन्न हत्थ पाया" पणह॰ १, १, ३;

शिम्मेर. १त्रे॰ ( निर्मर्याद ) भर्याद रिक्षत. निर्मीम, श्रवार, मर्यादा रिहत; बेहद. Disrespectful; immodest, unlimited. राय॰२०६; ठा॰ ३, १; भग॰ १२, ६; ज॰ प॰ २;

श्चिम्मोयगी. स्री॰ (निर्मोचनी) सर्पनी

डांयली. सांप की केंचुली. The slough of a serpent. "जहाय भोई तलुयं भुयंगी विस्मीयणी दिश्व पलेड मुती " उत्तर १४, ३४;

िया वि ( निज ) भेतातुं; अंगत. निज; श्रपना; निजका. One's own; pertaining to one's self; personal. " यां लटभंतियियं परिगाहं " श्रोव० १, २, २, ६; श्रोव॰ ४०; —कुक्क्लिस स्री॰ ( - কুল্বি ) भे।तानी धुंभ. निजकी कोंख; कृत्ती. one's own womb. नाया॰ ३; —जोगपविति स्त्री॰ ( -योगप्रवृत्ति ) पे:ताना थे:गनी अवृत्ति श्रपनी निजकी कार्य -योग प्रशृति. one's own physical, mental or moral activity.पंचा॰२, ३६; — लिंगि. त्रि॰ (-बिङ्गिन्) पेताना भतवादी. निजकी संप्रदाय-मतवाला. (one) devoted to or holding one's own creed. जीवा॰ ३;—समय पुं॰ ( -समय ) पेाताना सभयः अवसरः निजका-भ्रपना-खुद का श्रवसर. one's own time or opportunity. पंचा॰ :35,3

शियइ. स्री॰ ( नियति-नियमनं नियतिः ) देव; लाग्य. देवः भाग्य. िंग्यांतः स्वान्तः हिंव; लाग्य. देवः भाग्य. िंग्यांतः स्वान्तः हिंव; लाग्य. देवः भाग्य. िंग्यांतः १, १, १, १, ३; ठा॰ ४; (२) लागी लाग होनहार, नियति. तेव्हांत लाग्यां कान्यां हिंव ( -कृत ) देवे ४रेक्ष; लागि लाग्यां जन्म हिंगा हुन्ना. किंग्या हुन्ना. किंग्यां हिंगा हिंगा किंगा हुन्ना. किंग्यां स्वान्तः तेव्हांति स्वान्तः श्रेष्टा स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः होनहार-भागी पर श्रद्धा स्वान्तः वाला. विश्वताहारः (one) who believes in the power of destiny

or fate. नंदी॰

णियइ. स्रो॰ (निकृति) भाषा; ५५८ माया; कपट; छत्त. Dishonesty; cheating, deceit. पएइ॰ १, २; सम॰ —कम्म. न॰ (-कम्म) भाषा ५२वी ते; २८ भी गांध योरी. कपट कार्य; प्रपंच; २६वी गांध वारी. deceit; a deceitful act; 29th species of minor or secondary thefts पएइ॰ १, ३; —पराणाण. त्रि॰ (-प्रज्ञान-निकृतिमांया तिद्वपये प्रज्ञानं यस्प स तथा ) ५५८ ग्राथनार. कपटी; मायावी; छत्ती. deceit ful, (one) conscious of deceit. सम॰ ३०,

शियइपञ्चय. पुं॰ ( नियतिपर्वत ) એ नामने।
ओ ५ ५५ त ६ ल्यां वाख्यं तर देवे। क्षी अर्थ
वैक्षिय शरीरनां किन्न किन्न रूपे। धारख
६रे छे एक पर्वत विशेष कि नहां वाणव्यं तर
देवता कीड़ा के लिए वैकिय शरीर के मिन्न
भिन्न रूप धारण करते हैं. Name of a
mountain where the gods of
the Vānavyantara class
change their bodies into various shapes by the Vaikriya
process for sport. जीवा॰ ३; राय॰

णियइय. न० (नैयितक) निश्चयः अवस्यपेखुं निश्चितताः स्थिरता, श्रानवार्यता, नियति से सम्बद्ध. Certainty: state of being absolutely certain पन्न० १७; णियंटिय. ति० (नियन्त्रित) प्रताप्यःनने। ओड प्रधार, गमे तेथी मुसीयन है।य छतां प्रथ्यपाख् न छोडवां ते एक प्रकार का प्रत्याख्यान, चाहे जैसी कठिनाई में भी प्रत्याख्यान-पच्चलान का न तोडना A mode of the vow of abstinence viz. maintaining it under any

circumstance. তা৽৭০;

ाणियंड. पुं॰ ( निर्मन्थ ) णाख अने अभ्यन्तर अन्थ-परिश्रह रहित; साधु अन्तर्नाद्य मन्थ-प्रारमह रहित; साधु. One not possessed of worldly wealth nor internally attached to it; an ascetic. भग॰ ४, १; २४, ६; ठा॰ ३, २; ४, ३;

णियंठत्तः न० ( निर्धन्थत्व ) निर्धन्थ । छुं; भभत्परिक्षतः साधुपछुं : निर्धन्यता, ममत्व-विहीन-साधुता Asceticism; monkhood bereft of all attachments. भग० २५, ६;

णियंडिय. त्रि॰ (नैप्रीन्थक) निश्र-ध स लंधी. निर्मन्थ विषयक Pertaining to an ascetic; pertaining to a Tirtha nkara. स्व॰ १, ६, २६;

√ शि-यंस- धा॰ II ( नि + वस्) पहेरवुं; धारख धरवुं. पहिनना; धारण करना. To wear; to put on.

णियंसेइ. जीवा०३, ४, राय०१८६, नाया०१; णिश्रंमइ. जं० प०

श्चियंसिता. जीवा० ३, ४; राय- १८६;

णियंसण. न॰ (निवसन) पत्त्र; पे.शाक वह्न; पोशाक Dress, garment, attire श्रोव॰२४; पएह॰ १, ३; नाया॰ ८, पन्न॰२; निसी॰ १४, ३४;

शियम त्रि॰ ( निजक ) पेतितनुः २१ क्षीयः अपना, निजका, स्त्रीयः One's own. नाया॰ १;२;४,७;६;६, भग॰ ६,३३; १२,६,१४,१; १६, ४;६; विवा॰ ७, आया०१,२,१,६४, —परिचाल पुं॰ ( -परिवार) पेतिती परिवार निज परिवार; अपना कुटुंबः one's own attendants, family. ''पियमपेरियोल सिद्धं सपरिवुडे''राय॰ श्रोव॰ शियांड स्त्री॰ ( निकृति ) ए४ वृति, एशक्षानी

भेडे धर्म ना ६ लिथी लेडिन अवा ते, भाषा अपट अरलुं ते वगुला भार्रत; वक्तंष्टा; वगुलं समान मिथ्या धार्मिक ढोंग फेलाफर-कपटपूर्वक-लोगोंको टगना Hypocrisy; nct of deluding others by affection of holiness. स्य० २, २; ६२; नाया० २; १८, पगह० १, ३; भग० १२, ५; —पगणाण. त्र० (-प्रज्ञान) भाषा अपट ज्यालार. मायावी, कपटी. familiar with fraudulent and deceitful practices दमा० ६, २४, २४;

णियडिल्लया स्त्री॰ (निकृति ) भाषा; ४५८; माया; कपट; छल. Deceit; fraud. भग• ८, ६, ठा० ४, २;

णियाणियः ति० (निज्ञनिज) भेतभेतानुं अपना खुदका; अपना अपना One's own (the use of this is rather peculiar to Indian vernaculars; in English it can be conveyed by the following example—They went to their houses each to his own). पंचा० २, १२;—तित्थः न० (-तीर्थ) भेतभेताना सिद्धांत-अवयन अपने २ सिद्धान्त प्रवचन each one's religious creed. पंचा० ६, ३६;

शियत. त्रि॰ ( नियत ) शाधित शाधित; निरं-तर; सतत Everlasting; eternal. ठा॰ १, ३;

णियति. स्री॰ (नियति ) लुओ। "शियइ" शण्ट. देखो 'शियइ' शब्द. Vide 'शियइ' स्य॰ २, १, २६; — बाइस्र. शि० (न्वादिक ) लाविलाव होय तेल लने पुरुषार्थ अहिं चित्र हे छे ओम भावनार. दैनवादी; मानी श्रद्धा रखने नाला; जो होनहार हो, नहीं होता है, श्रादमी कुछ नहीं कर सकता, श्रादि यात कहनेवाला. त fatalist, (one)

who does not believe in the power of human effort. स्व॰ २, १; २६;

णियतिपञ्चय. पुं॰ (नियतिपर्वतक) शे नाभने। शेक्ष पर्वत. इम नाम का एक पर्वतः Name of a mountain. जीवा॰३,४; णियत. त्रि॰ (निवृत्त) निवृत्त; निवृत्ति पाभेश. निवृत्त; छूशहुन्ना. Retired; free; (one) who has abstained from. "परियाहारम नियत्त दोसा" उत्त॰ १४,४१;

िष्यत्त. त्रि॰ (निष्ठत ) छेटन इरेस; धापेश. छेदाहुथा; काटाहुथा. Cut; mowed. नाया॰ १; २; १८;

णियत्तिग्यः. न॰ ( निवर्तनिक ) क्षेत्रतुं भाप विशेषः चेत्रका एक विशिष्ट मापः A kind of measure of space. भग॰ ३, १: —मंडल पुं॰ (—मग्दल) शरीर प्रभाशे भूभि शरीरके प्रमाणानुसार भूमि space measured by the length of the body. भग॰ ३०, १;

िख्यत्थ. त्रि॰ (निवसित) पहेरेस; धारख क्षेत्र. पहिनाहुआ धारण कियाद्द्रभा. Worn; put on. नाया॰ १; १६;

णियम. पुं॰ ( नियम ) नियम, अिल अहीं नियम; भाभे प्रहः; संकल्प. A vow; क species of vow called Abhigraha. भग॰ ६, ३४; १८, १०; २०, ८; ४२, १; नाया॰ १; १६; राय॰ २१४; संत्या॰ (२) पिंड विशुद्धी आहि उत्तर गुण, विङ विशुद्धि आदि उत्तर गुण, minor qualities such as purity relating to food etc. सम॰ प॰ १६८; पण्ड०२,४; भग०२०,८; (३) निश्चय; निश्चर; वी १३३ विश्वय; ठीक ठीक. टिंग स्वांत्रपु; आ ety. पन्न०१; १७; भग॰

१२, १०; १६, ६; श्रगुजो० ६१; (४) અ५१५ सावना. प्रवश्य भावना. unavoid able necessity. सम॰ ६; स्य॰ नि॰ १, १३; १२३; —श्रंतर पुं॰ (-मन्तर ) नियम वच्चे शंतर-शंधा-भेद. नियम विषयक अन्तर-भेद-शंकाः ference between one rule and another. " ग्यंतरेहिं गियमंतरेहिं " भग० १, ३; -- खिष्पकंष्प. त्रि० ( -नि-ष्प्रकम्प ) अपवाद विना नियम पासनार, नियम पालवामां युस्त-५८५. ऋडक नियम पालक; दढ सिद्धान्त वाला. unfailing in the observance of vows. पराहर १, १, — द्वाहारा. त्रि॰ ( -प्रधान) **ઉત્તમ नियम-नत अ**क्षिग्रह वादी. शुद्ध संकल्प: उत्तम नियम वाला. ( one) practising hard and austere vows. राय०

शियमञ्जो प्र॰ ( नियमतस् ) नियमथी. नियम से; नियमातुपार. From a yow; through a vow, as a rule or vow. पचा॰ १०, ४०;

णियमण न॰ ( नियमन ) सयम संयम. श्राहम द्वित्त निरोध Act of controlling, e. g the sense; self-restraing. " उद्देश्तिम चडस्थे समास वयणेणियमणं भणिषं " श्राया नि॰ १, ४, १, २१६;

शिययः त्रि॰ ( नियत) शाश्वतः नित्य २६नार हमेशा रहने वाला, शाश्वतः न्स्थरः न्स्थायां Eternal; everlasting स्य॰ १, ६, १२; जीवा॰ ३, १; - चारि त्रि॰ ( -चारिन् ) प्रतिण ६ वगर विद्धार ६२नार स्वतंत्रचारी, य्थेच्छाचारी. (one) roam ing or moving unobstructed from one place to another " श्राखिले श्रागिद्दे श्राणिएयचारों " स्य॰ १, ७, २८; — पिंड. पुं॰ ( -िपएड ) ६भेशां એક धरथी हो तीमां आवते। पिंड आहार. सदैव एक ही घर से लिया जाने वाला भोजन. food daily received as alms from one and the same house. ठा० १०:

शियय. त्रि॰ (।नेजक) धेतानुं निजी; श्रपना; ख़ुद का. One's own. नाया॰ १; २; १८; भग०१२,६; --वयाणिजाः त्रि॰ ( -वचनीः य ) પાતાની દર્ષિએ વિવેચન કરવા-નિર્પત ५२वा ये। २४. श्रवनी हाइसे विवेचन करनेयोग्य, आहम दृष्टि से निरूपण करने योग्य fit to be explained from a particular accepted standpoint " णिययवय णिजसन्ता सन्त्रनया वियानाणे मोहा 'सम॰ १, - कज्ज न॰ (-कार्य) भेतत् नध्धी **≛रे**क्ष ४० ०५. अपना-निजी-निश्चित कर्तव्य. one's own prescribed or settled duty. नाया॰ १६; -- घर न॰ (-गृह) पेतानुं धर निज गृह; घर का घर. one's own house नाया॰ ६, -प-रिंगामः न॰ ( -परिगाम ) स्वालिप्रायः भाताना भतः स्वाभित्राय, श्रापनी राय,निजकी सम्मति. one's own view or opiuion; " शिययपरिशामा" जीवा॰ १;

—वत्त. पुं॰ (-बत्त) भातानु णय, आत्म-णय श्रात्मवत्तः, स्वशक्तिः, श्रात्मपौरुपः one's own strength of the mind or body नायाः १६;

णियर पु॰ ( निकर ) सभू६; जध्ये। समूह; कुड A multitude, a collection. नाया॰ १; ६, १७,

शियल ति॰ (निगड) भधनः भेडी. वेडीः वंधनः कैदी की जंतीर Fetters. श्रीष॰ नि॰ ४६७, शियल्ल. पुं॰ ( निगड ) ८८ महाश्रहमांनी ५३ भे। भुडाक्रेड == महाग्रहोमें से १३ वां महा-ब्रह The 53rd of the 88 great planets. " दो शियल्ला "ठा० २, ३; शियाग पुं॰ ( नियाग ) भे। स मोत्तः मुक्तिः निर्वाण. Final beatitude; salvation. सूय॰ १, १६, ४; —पडिवन्नः त्रि॰( -प्रतिपन्न ) मेक्ष भाग ने प्राप्त थयेस. मोच मार्ग को प्राप्त; मोच मार्ग. (one) secured the path who has leading to salvation. धम्मविक-शियागपिंदवन्ने "सूय० १, १६, ४; शियाणः न० ( निदान ) नियाखं ४२वंः तपस्या વગેરે કરણીના કલની વાંછા કરવી, કરણીનું અમુકક્લ મલે એવી આશા રાખાી તે. निदान लगाना, तरस्या श्रादि कर्मी की फता-कांचा करना, श्रमुक कार्य से श्रमुक फत मिलने की आशा रखना. Desire for future sense-pleasures as leward for austerities; hope of fruit for actions done नाया॰ १२: १६: श्रोव० १६; ३८; ठा० १०; --करणः न॰ स्य॰ २, ३, १, (-करण) नियास यांधवं ते, धरशीना કુલ તરીકે ચક્રવર્તિ ઇંદ્ર વગેરે થયાની પ્રાય<sup>ર</sup>ના **४२** ते निदान लगाना; कर्म फलानुसार इन्द्रादि पद की प्राप्ति के लिये प्रार्थना करना. act of praying that as a result of one's actions one might be an Indra, a Chakravartī etc তা॰ २, ४; -दोस. पुं॰ (-दोष) नियाखं णांधवाथी सागता हाय. (कर्म फल) करने के कारण लगने वाला दोष. sin incurred by desire for reward of actions (religious etc.) नाया०१६; —मयगः पुं॰ ( -मृतक ) नियाणुं आंधीने भरनार.

( कर्म फल ) की इच्छा रखकर-मरने वाला. (one) undergoing death with a heart full of desire for the reward of good actions done by him. श्रोव॰ —मरण. न॰ (-मरण) નિયાણું બાધીને મરવું તે; બાલ મરણના એક પ્રકાર. कर्म फल की इच्छा सहित मरणः; वालमृत्यु विशेष. an ignorant, non-religious mode of death; death in a state in which the heart is full of desire for the reward of meritorious deeds done. ठा॰ ६; —सञ्ज. न॰ ( -शल्य ) સ પત્તિ પામવાને નિયાણું કચ્વું તે; ત્રણ शस्य मांतु व्येक घन प्राप्ति के ऋर्थ नियाणा करना; फलाकांचा रखना; तीन शल्यों में से एक. one of the three thorns in the spiritual path; Niyānā for getting wealth etc ठा०३,३;नम०३; णियाणुत्रो य॰ (निदानतस्) धारख्यी. कारणतः; कारण से. Owing to; on account of. श्राया॰ १, ६, १, १७२; श्चियायः पुं॰ ( नियाग —नितरां यजनं यागः पूजा यस्मिन् सः ) भेाक्ष मोन्तः मुक्ति Salvation स्य॰ १, १, २, २०; —हि. त्रि॰ ( – ।र्धेन् ) भे।क्षने। अर्धे मोज्ञ प्रापि का इच्छुक, मोचार्याः मुमुन्तु (one) desiring or aiming at salvation. " एवमेगं शियायठी धम्ममाराहगावंय " स्य॰ १, १, २, २०; —पडिवरण. त्रि॰ (–प्रतिपन्न) भेक्षिने प्राप्तथयेश मोत्त प्राप्तःमुक्तः (one) who has attained salvation; liberated. "नियायपाडिवन्ने श्रमायं कुच्यमाणे वियाहिए" श्राया०१, १, ३, १८; **शियावादि** त्रि॰ (नियतवादिन्) ५६।थैर्ष એકાન્તે નિત્ય છે એવા મતવાલા. સારે

पदार्थ एकान्त नित्य हैं ऐसे मत वाला A believer in the doctrine that the things are everlasting श॰ ६, १;

शियुत्त. त्रि॰ ( नियुक्त ) नियुक्त क्ष्रेस; लोडेस. नियुक्त किया हुम्ना; स्थापित; जुडा हुम्रा; त्रगाया हुम्रा. Employed; appointed; joined. नाया॰ ६,

शियुद्ध. न॰ (नियुद्ध) भस्तनुं युद्ध पहल-वानों की कुश्नी, मल्लयुद्ध. Wrestling. जं॰ प॰

णियोग पुं॰ ( नियोग — नियतो निश्चितो वा योगः सम्बंध इति नियोगः ) अनुयेश्वा, व्यापार. श्रनुयोगः; व्यापार Employment, application; activity (२) निश्चयः; योध्यस. निश्चयः; चोक्कतः certainty; surety, पंचा॰ ६, १९,

णिरत्र त्रि॰ (निस्त ) धीन, आसक्त मग्न; इवा हुन्ना; अ.सक्त; लीन. Attached to; absorbed in. पएह॰ २, १;

णिरइ स्री॰ (निकाति) राक्स. राच्स. A kind of demon. (२) भूभ नक्षत्रनी अधिशता देवता. मूल नचत्र का श्रीवष्टाता देवता. presiding deity of the constellation Mula. "दो णिरइ" ठा० २, ३; जं० प० ७, १५२;

णिरइयार पुं॰ ( निरातिचार ) पहेला अने छेला तीर्थं इरना व भतमां अतियार काणा विना के सामायिक यारित्र छेडी भीलुं यारित्र आरोप मामायिक यारित्र छेडी भीलुं यारित्र आरोप मामायिक विदेश के सिवाय दूसरे चारित्र का दूमरा प्रकार. The 2nd variety of Chiledopasthāpa

nīya Chāritra; (during the times of the first and the last Tīrthankaras) the practice of taking the second step of accetic discipline passing over the 1st viz. Samāyıka chāritra (this did not involve in those days the sin of Atichāra) भग०२४, ७; (२) ति॰ अतियार रहित- अतियार रहित- किला the sin of partial transgression. नाया॰ ७;

शिरंगणा ति॰ ( : निरङ्गण ) राग रहित. रागरहित, विरागी. Free from passion पन्न॰ ११:

णिरंज्ञण. त्रि॰ (निरञ्जन-निर्मतो रञ्जनो यस्मात् सः) रागथी रहित; भुन्त राग रहित, मुक्त. Devoid of attachment, liberated; free from worldly attachment " संख इव णिरंजणे" ठा॰ १, १;

णिरंतर न॰ ( निरन्तर ) निरतर; ७भेशां. हमेशा; सदैव Constantly, incessantly भग॰ १३, ६; १६, १, २, ७; ४१, १; राय॰ ३४; श्रोव॰ ठा॰ २, ३,

खिरंतरिय त्रि॰ ( निरन्तिकि-निर्गताड न्तिरिका लध्वन्तररूपा येषा ते निरन्तिरका ) ०४२१५७ अंतर रिक्षत स्नतर-स्रवधि रहित; भेद श्रन्य Without any interval. जीवा॰ ३; राय॰ जं॰ प॰

णिरगुडकंप ति॰ ( निरनुकम्म) अनुध्या रिक्षत, निर्ध्यः अनुकम्मा विहीन, कठारः निर्देयः Merciless, unsympathetic, cruel पगह॰ १, ३; नाया॰ २;

गिरगुकास ति॰ (ानरनुकोश) ध्या रिद्रत. द्यारहित, निर्देग Callous; tuthless नाया॰ २;

खिरसुताचः त्रि॰ ( निरनुताप ) पश्चाताप रिंत. Unrepented; remorseless. नाया॰ २;

णिरत्थम. थ्र॰ (निरर्थंक) दे। ३८; निरर्थं ३. सुक्त, निरर्थं क; इयर्थ; तृथा. Useless; in vain. परह० १, २;

णिरभिस्तंगः त्रि॰ ( निरभिष्दञ्ज ) संग रिक्षतं, शास्त्राभ्यन्तरं द्रव्य परिश्रद्ध रिक्षतं; नि २५६. संग रिहतः, बाह्याभ्यन्तरं द्रव्य परिश्रद्ध हीनः; निरिच्छः; निस्पृद्ध. Free from attachment to worldly objects; free from desire. पंचा॰ २, ३४;

**शिरयः त्रि॰ ( निरत )** श्रासकः; मोहमयः मम Attached to. सम॰ शिरय पुं॰ (निरय ) नरु नरक (२) तरकता छव; नारकी. नरक के जीवः नारकी. hell-beings पन ० २; पगह॰ १,१; दसा० ६, ४; —श्रावलिया स्त्री० (-भ्रावित हा) निरय-नरक्ष्मी आवितिका-श्रेणी - પક્તિ બન્ધ નરકાવાસ. नरक की श्रावालका-श्रेषाः पाकितबद्ध नरकावास. व row of abodes in hell; a series of abodes of hellish beings. पन्न०२; (२) એ नामनुं એક सूत्र सूत्र विशेष. name of a Sutra. जं॰ प॰ १; निर॰ १, ४; —श्रावासः पु॰ ( -भावास--ग्रावसन्ति येपु ते ग्रावासाः निरयाश्च ते श्रावासाश्चेति ) नरशवासी. नरक वास. नरकस्थिति. an abode of hellish beings. "इमीसे एं भंते रयणप्यभाषु पुढर्वाषु कह निरयावाससय सहस्सा पराणत्ता" भग०१, ४;मम०२५ ३०, ३४, ४०; ४२; ५१; ४४; ७४; =४, —गइ स्रो॰ ( -गाति ) नरक गति; यार गतिभांनी

थे। नरकगतिः चार गतियां में से एक. existence in hell; one of the 4 conditions of existence. বা॰ ৭.३. १०:-गामि. त्रि० (गामिन्) तरक्षां जनार. नरक गामी: नरक में जाने वाला. ( one ) destined to hellish life. जं॰ प॰ २, २७; —गायर पुं॰ ( -गाचर ) नरक्षमां रहेनार छवः, नारही. नरक में रहने वाला जीव, नारकी. an inmate of hell; a hellish being. पग्ह॰१, २, —पाडिस्त्वय. त्रि॰ (-प्रति-रूरक ) नरह सभान; नरहने। नमुने। नरकवत्; नरक समान प्रमाण. hellish; like bell नाया॰ ३; —पत्यंड पु॰ (-प्रस्तर) तरक्षेता पथिये नरक का प्रस्तर -थर. A stratum of hell. पत्र॰ ३; —परिसामंत पुं॰ (-परिसामंत ) नरः-वासनी **५२**ती **भा**लु नरकवासकी सीमा the boundary-line of a hellish abode. भग० १३, ४; १३; ६; —पाल. पु॰ ( -पाल ) तरको पालतार: **परमाधासी नर्**क पालक, परमाधामीः a custodian or sentinel of hell called Paramādhāmī. স॰ ४; १; —वास. पुं॰ ( -वास ) नर४३५ वास नरकरूप वास; नरकवास. residence in hell. " गिरयवास गमणानित्र ो " पगह० १, १; — विभक्तिः स्नी॰ (-विभाक्ते) नरक्ता विलाग नरक के विभागः नरकप्रदेश. divisions of hell ( > ) એ નામતુ સૂયગડાંગ સૂત્રતું પાંચમું २५५५४त. सूयगडांग सूह,के पांचवे प्रभ्या-यका नाम name of the fifth Sūyagadāṅga of chapter Sūtra. पगह॰ १,२; - चिरगहगइ. स्रं।॰ ( -विग्रहगति — निरयाणां नरकाणां विग्र

हात् चेत्रविभागानऽतिक्रम्य गतिर्गमनं निरय-विग्रहगितः ) नरें भां विश्वातिओं कर्यु ते. नरकमें टेढी गतिसे जाना. passing of the soul to hell by an irregular motion or progress. ठा० १०; —वेयिणिज्ज. न० ( -वेदनीय ) नरें भां वेदवा थे। २५ ४ भें. नरकमें अनुभन्न लेनेयोग्य कम. Karma bearing fruit in hell. " शेरइष् शिरय वेयाणिज्जांसि कम्मेंसि." ठा० ४, १;

णिरवकंखिः स्रा॰ (निरवकांचिन् ) अंक्षा-७२७।२७ निरिच्छ; स्राकाचाई।न. Having no desire; free from desire. नाया॰ ६;

णिरवज्जा ति॰ (निश्वध ) निर्दोष ।निर्दोष, श्रनवद्य Innocent; harmless. "से संजए समक्लाए णिरवज्जाहारे जे विक " दस॰ नि॰ ४, १;

शिरवयक्त. त्रि॰ (निरपेत्त) पर प्राण् वयाव-वामा भेररकार. पर प्राग्यरत्तामें प्रसावधान. Careless as regards the safety of the lives of others पगह॰ १, १; नाया॰ १: ६:

िष्रवलंब. त्रि॰ (निरवलम्ब ) अपक्षभ्यत रिहेतः आधार-टेश पगरतीः निराधारः निर-वलम्ब, आवारविद्दीन Without any support to rest on पग्रह॰ 1, ३,

णिरवलाव त्रि॰ (निरपत्ताप) डे। अनी वात णीलने नं डडी देनार. दूसराको किसी की बात न कहनेवाता (One) not communicating to others a secret confided to (him or her). सम॰ ३२; णिरवसेस त्रि॰ (निरवशेष) संपूर्ण; समग्र सम्पूर्ण, समग्र, सारा Full, complete, whole. भग॰ २, १; १२, ३; १४, १; १६, ८. १६, ८; २४, २०; २४, ३; ३४, ११;

Vol 11/122

नाया० १;

णिरहिगरण. त्रि॰ (निरधिकरण) भे।। आ॰ २ं अ३५ शक्ष वगरने।. बडे ध्वारंभरूप शस्त्रांसे रहित Not possessed of weapons used for inflicting injury. पंचा॰ १६, २२:

गिरहिगरींग. त्रि॰ (निरधिकरांगिन्) अधि-५२७ २७त; शस्त्र २७त. श्रधिकरण शस्त्र-विद्यान; नि.शस्त्र. Not possessed of offensive weapons. भग॰ १६, १;

णिराकिञ्चाः सं० कृ० श्र० (निराकृत्य) हुर क्रीते; त्यागीते. दूर करके; त्यागकर; छोडकर Having repudiated; having given up 'ततोवायं णिराकिच्चा"स्य० १, ३, ३, १७;

शिरासंद त्रि॰ (निरानन्द) न्यान ६ रिदेत. निरानन्द, त्रानन्द रहित. Devoid of the feeling of joy. जं॰ प॰ २, ३३; नाया॰ १;

शिरांतक. ति॰ (निरातंक-निर्गतः श्रातङ्को रोगविशेषो यसमात्) रेश रिक्षित. निरोगः निरामयः स्वस्थ्यः, Healthy: free from disease. पराह॰ १, ४; श्रोव॰ तंद्

शिराभिमान. त्रि॰ (निराभिराम-नितरां श्रभि-रामो निराभिराम) अति सुंदर, श्रति सुंदर; वहुत रम्य. Surpassingly beautiful. पराह० १, २,

णिरामगंध त्रि॰ (निरामगन्व) आभगंध-भुदीत्तर शुचुण उना ३५ हेष तथी रिहत. श्रामगन्व म्लोत्तर गुणखडरूपी दोगोंसे रहित. Free from the guilt of a breach of fundamental or secondary virtues "से सत्रदंभी श्रमिभय नाणी णिरामगंबे धिइमं ठित्तपा" सूत्र॰ १, ६, ५; णिरायक. त्रि॰ (निरातक) क्रोणे। "णिरा- तंक " शण्ट. देखो " गिरातंक" शब्द. Vide 'गिरांतंक' जीवा॰ ३, ३;

शिरायास. त्रि॰ (निरायास) भेहना क्षारख्यी रिहेत. खेदरहित; कष्टरहित; संग्ल; सहज. (One) having no cause for sorrow परह॰ २, ४;

णिरालंबन. त्रि॰ (निरालम्बन) आसभ्यन आधार नहाय रहित. निराधार; प्राधार नहाय रहित. Having no support to rest on. "गयणिमव णिरालंबण" ठा॰ ६; नाया॰ ६:

णिरावकांखि त्रि॰ ( निरवकांचिन् ) आशंक्षा २ ६ तः निरपृढी. श्राकांचा रहितः निरिच्छः; निरपृह Having no desire; unselfish. " नि≠सम गहाउ णिरावकंकी कार्य विक सेन्ज नियाणांछिने" सुय० १, १०, २६ः; णिरावयक्खा त्रि॰ ( णिरपेच ) अपेक्षा २ ६ ते जिसे श्रपेचा न हो वहः निरपेच्. Having no desire; unselfish. नाया० ६ः; पगह० १, ३ः

णिरावरण. त्रि॰ (निरावरण) आवरण रहित. Free from obstruction; unhindered. नाया॰ १४; णिरास त्रि॰ (निराश ) निराश थयेत. हतास्साहित; निराशित Hopeless पगह॰

१,३; — वहुल त्रि॰ (- वहुल) अति निराशा पाक्षी. श्रत्यविक निराशापूर्ण. extremely

despondent. परह ०१, ३;

शिरासव. त्रि॰ ( निराध्रव ) आश्रव २६५त. प्राध्रव रहित; पाप रहित. Not incurring sin; free from inflow of Karmic matter. पग्ह॰ २, ३;

शिरिध्याया स्त्री॰ ( निरिन्धनता ) ध्रधत-थसता भ्रमाय क्षेत्रन की कमी; जलाक लकडी का स्रभाय Absence of fuel भग॰ ७, १; िणिरिक्खण. न॰ ( निरीचण ) भारीडीधी लेखु; अपलेडिन इरवुं ते. बारीकी से देखनाः निरीचण करना. Minute examination; minute, careful observation. श्रोव॰

णिरिक्खिय. त्रि॰ (निरीक्ति ) अवसीक्ष्त क्षेत्रः, निरीक्षण् क्षेत्रः निरीक्तिः, श्रवलोकितः, देखाहुश्या. Observed; scrutinized. नंदी॰

√िश-रंभ. घा॰ I, II. (नि-रुंघ्) व्यट्टा-प्रदु; रे।इपुं; रूंध्युं घ्रटकाना; रोकना; निरोध करना To obstruct; to detain; to hinder (२) सन्भागे व्यवस्था इर्भी. सन्मार्ग की व्यवस्था करना. to devote to some good purpose. शिरुभंति स्य॰ १, ४, १, ५४; शिरुभेहिंति. भग० १४, १;

णिरुंभित्ता. श्रोव॰४३; स्य॰१, ४, २, २०; णिरुंभण. न॰ (निरोधन-निर्गतं रोधनं निरोधनं ) व्यट्ट । श्रुटकाव, रोक; निरोध, विद्य; श्रुटकाव, रोक; निरोध, विद्य; श्रुट्ट । Detention; obstruction; hindrance.

णिहंभा स्त्री॰ (निहंभा ) श्री नाभनी श्रीक देवी. इस नाम की एक देवी. Name of a goddess. नाया॰ ध॰

णिहच्चार. न॰ ( निहच्चार ) शै।य क्रियाने वास्ते पण् गाम ण्डार जवाने। प्रतिण ध शौचिक्रयार्थ भी प्राम बाहर जाने का प्रतिबद-मनाई Prohibition to go ont of the city even for answering calls of nature. नाया॰ =;

पएह० १, ३; णिरुच्छाह त्रि० (निरुत्साह) ઉत्साद रिंदन. उत्माह रहित; निरुत्साह. Devoid of energy; not industrious; inactive. जं॰ प॰ २, ३६:

णिहज्ञ. न॰ ( नीहक्-हजामभावी नहिक् )
रेशिनी व्यक्षाय. निरोगता, रोगका व्यभाव
Absence of disease; health
पंचा॰ १६, २८;

शिरुत्त. न॰ ( निरुक्त ) निरुक्त; वेदमां व्यावेक्षां शण्देतनी निरुक्ति-व्युत्पत्ति दर्शा पनार शास्त्र. निरुक्त; वेदो मे त्र्राये हुए शब्दों की ब्युत्पत्ति वतलाने वाला शास्त्र A Vedic etymological lexicon. स्रोव॰ ३म;

शिहवक्कम. त्रि॰ ( निहपक्रम ) इंध्रेपश् નિમિત્તથી જેનુ આયુષ્ય ત્રુટે નહી તે, જેટલુ બાંધ્યું હેત્ય તેટલુંજ આયુષ્ય भागवे ते किसी भी कारण से जिसकी श्रायुष्य च्रय न हो; नियत श्रायुका भोक्ता. (One) who is not liable to death by any accidental circum stances before the life-period fixed by Karma, is over. नाया॰ ર૦; ૧૦; (ર) મનના શે ક આદિથી રહિત. मानसिक शोक आदि से रहित. free from mental trouble or sorrow. भग॰ २५, ७; — स्राउय. त्रि॰ (-न्नायुष्ह) નિકાચિત અ યુષ્ય વાલા; ગમે તે તિમિત્ત થાય તાે પગ જેટલું આયુષ્ય ખાંધેલું હાેવ तेटक्ष पुरे पुरं से। गते ते. निकाचित आयु वाला, चाहे जिस कारण के रहते हुए भी निश्चित आयु का पूर्ण भोकता. ( one ) who does not die before the life-period fixed by Karma in spite of any kind of accidental circumstances whatever their nature भग २०, १०; —भाव. पुं॰ (-भाव) ४भी अवस्य ભાગવટા; નિરુપક્ષમપહ્યું; કર્માના ઉપક્રમના अशाय कमों का आनिवार्य भोग-निरुपक्रमता; कर्म के उपक्रम का अभाव. inevitable unavoidable bearing of the fruits of Karma. पंचा ० ३, १५;

णिरुविक्तह. त्रि॰ (निरुपिक्तष्ट) २२२०त शे। आहि ४२ेश रहित. श्रन्तः शोक क्लेश श्रादि से रहित. Free from mental or internal sorrow, untroubled in mind. "हदस्स ण्वगह्नस्स णिरुविक्ष्टहस्स जंतुणो " श्रगुजो॰ भग॰ २५, ७, ७० प॰ २, १६,

णिह्यक्केस त्रि॰ ( निह्पक्लेश ) शिष्ट आहि भाषा रिह्न शोक आदि वाबाओं ने रिह्न Free from worry and sorrow ठा॰ ७:

शिह्मचरिया त्रि॰ (निह्पचरित) अपयार निह्न श्रेश शिद्धाचार रहित, उनचार रहित (One) who has not observed proper forms of respect. नाया॰ ५; शिह्मद्वन. त्रि॰ (निह्मद्व) अपद्रन रहित. निह्मद्वन; उनद्व राह्त. Flee from troubles or obstacles. नग॰ १, १; धोव॰

शिह्यम. त्रि॰ ( निह्पम ) ७५भ। रहित. निह्नम; उनमा-तुलना रहिन, त्रातुल, त्रातु-पम. Matchless; incomparable. जीवा॰ ३, ३;

णिहवयरियः त्रि॰ (निहाचरित ) लुले। " णिहवचरिय " शल्दः देखो " णिहवचरि- प " शब्द Vide " णिहवचरिय " नाया॰ ५;

णिहज्ञलेख त्रि॰ ( निपरुलेप ) इमें थेप रिक्षित. कमें बन्धन से रिहत. Unsmeared by Karma, untouched by Karma. जीवा॰ ३; (२) रनेड वगरने।. स्नेह हीन. free from attachment. पएह० २, ४;

णिहवसमा. पुं॰ (निहपसर्ग ) अन्म भरख् आहि ६५सर्ग रिहत; मे।स्. जनममरणार्द उपसर्गों से रिहत; मोच Freedom from such troubles as birth, death, etc.; salvation नाया॰ =;

शिहबहत. त्रि॰ ( निरुपहत ) लुओ। "शी-रुवहय" शम्द्रः देखी "शिरुवहय" शब्द. Vide "शिरुवहय" नाया॰ १;

णिरुवह्य निः ( निरुपहत ) रे।गाहिथी निं હण्यथेस. रे।गादि से मुक्त. Unharmed by unaffected with disease etc. भग० ७, १; ६, २३; नाया० १; ३; ४, ६; ७, पगह० १, ४; (२) विधार रिक्ष्त आविकारी, विकार हीन. free from transformation or modification. श्रोव० राय० (३) अपराहि ६५६५ रिद्धत. ज्वरादि उनद्रव रहित free from such troubles as fever etc. जीवा० ३; गिरुविग्ग त्रि० ( निरुद्धिग्न ) ७६०। रिद्धत:

ाण्सवग्ग त्रि॰ ( ।नहाद्वग्न ) उद्देश रहित; भनती ०५। धुक्षता वगरने।. विकलता विहीन; श्रव्याकुन; श्रनुद्देगी Free from mental distress; unworried. नाया॰ १, १७;

ाणिहस्साद्व त्रि॰ (निहासाइ) ઉत्साद-जिद्यम् रिदेत उत्साह-जाश द्दीन Devoid of zeal or enthusiasın; lazy. "णहु धम्मिण्हसाहा" स्य॰ नि॰ १, ४, १, ६२; णिस्निकण सं॰ छ॰ अ॰ (निरूष्य) आ-दीयना अरीने आलाचना करके; स्चम प्रव-लोकन करके. Having made a full confession; having seen or 'perceived पंचा॰ ६; १०;

शिक्तवियद्यः त्रि॰ (निरूपियतन्य) आक्षीयवा

थे। भारतीय विकास के स्रोप्य Worthy

of being confessed; worthy

of being seen or perceived. पंचा॰ ११, २०;

िण्रह्म. पुं॰ (निरुष्ट) नाडीमांथी क्षेष्टी धादवुं ते. नसमें ने रक्ष निकानना. Act of letting out blood by opening a vein. " श्रग्रुवासग्रोहिय बरिय कम्मेहिय निरुद्देदिय निरावेदिहय" नावा॰ १३;

णिरेय त्रि॰ ( निरेज ) निष्प्रक्रम, निश्रस.
निष्प्रक्रमा; निश्रम; श्रदल Firm;
stendy;motionless भग॰ ४,७;२४,४;
णिरोद्र त्रि॰ (निरूटर—निर्गता उद्देविकारा येम्यस्ते ) नानां भेटवाती; ઉद्दरना विशर
विनानी. सामान्य पेटवाला; पेट सम्बन्धी
वीमारी से रहित. (One) with a
small belly; (one) free from
any disease of the belly जीवा॰
३: परह० १, ४;

िस्रोह. पुं॰ (निरोध) निरोध; व्यट्टान निरोध, श्रद्रकाव Obstruction; check; prohibition. नाया॰ २; भग॰ २४, ७; (२) ઇटियाहिना निश्रद्ध करवे। ते. इन्द्रिय निश्रह. act of subduing the senses etc उत्त॰ ४, ८;

√ गिर्-इक्ख. घा॰ I (निर्+ईन्) लेवुं; निरीक्षण करवुं. देखना; निरीक्तण करना. To see; to observe carefully.

णिरिक्खइ. नाया॰ मः णिरिक्खित्ति नाया॰ मः णिरिक्खमाण नाया॰मः

√िश्य्-तर था॰ I,II. (निर्+तृ) पा२ पाभवुं; छेडे। आख्वे। पारपाना; समाप्त करना. To complete; to bring to an end.

शित्थारयामि प्रे॰ नाया॰ ६; शित्थरहः नाया॰ ५; शित्थरेजामो. वि॰ नाया॰ १५;

**णित्थरिहिह. भग० व० नाया० १८**; शित्थारिजंत. क० वा० व० कृ० संत्था०  $\sqrt{$  िएर्-धाव. धा॰ m I. ( निर्m +धाव m )

દાેડવુ; હડી કાઢવી दोडना; तेजीसे भागना. To run; to move swiftly.

शिद्धावहे. नाया॰ ८; १७;

 $\sqrt{$ िण् $oldsymbol{ ilde{\eta}}$ ्धुण धा॰  $oldsymbol{ ilde{I}}$ . (निर्+धू ) ખં $^{\dot{ ilde{M}}}$ -रीने ફેક⁄ોદેવું; ઝાટક⁄ી કાઢવું. फटककर फॅकना; खंखर डालना. To shake off; to remove by shaking.

णिद्धुणे "सणिद्धुणे धुन्नमर्लं पुरेकडं" दस॰ v, 4v;

गिद्वीणत्ताग उत्त० १९, ६८;

 $\sqrt{\hat{}$ ाण्र्-नम. घा॰  $ext{I.}$  ( निर्+नम्+णिच् )નિશ્રયથી નમાડવું; દ્રર કરવું. निश्चयपूर्वक नमाना; दूर करना. To subdue entirely; to remove.

णिन्नामण् प्रे॰ वि॰ स्य॰१, ११, १५;

 $\sqrt{$ िण् $oldsymbol{arphi}$ ्चा॰  $\Pi$  ( निर्+नी )  $^{oldsymbol{
u}}$  ७।२ **લાવવું; કહા**ऽवुं. वाहर लाना, निकालना

To take out; to bring out णीं ग्रेहित. श्रीव० ३०; निसी० २, ५३,

नाया० ४, ६, दसा० १०, १;

गीगेता. सं० कृ० श्रोव० ३०; √ि शिर्-पज्जः धा॰ I. ( निर्+पद् )

निभक्युं, ઉत्पन्नथ्युं पैदाहोना; उत्पन्नहो । To be produced; to be born.

शिष्यज्ञद्द जं० प० २, १६,

''ार्याप्याजिस्सइ. भग० १४, १;  $\sqrt{}$  शिर्-भच्छु. धा॰ m II ( निर्+भर्त्स) तिरस्धार धरवे।. तिरस्कार, श्रामान या घृणा करना. To show contempt to-

wards: to scold. शिडभच्छेइ. भग० १४, १; नाया० १८;

 $\sqrt{\mathfrak{h}}$ ए-भत्थ घा॰ II (ानेर्+भरर्स) तिरस्धार करवाः; लात्स ना करवी. भरमेना

करना; तिरस्कार करना. To scold; to threaten; to reproach.

शिवभत्थेइ ठा० ५, १;

√ शिर्-मिस धा॰ I. (निर+मिप्) आंभ खोलना ઉધાડમીચ કરવી. श्राख मीचना; पलक मारना. To wink.

थिािं∓मसेजा. वि॰ भग॰ १४, १,

 $\sqrt{1}$ ण् $exttt{t}$ ्वह. धा॰ I, II. ( निर्+गृढ् ) ¿ं ५ ४२वुं; संक्षायवुं संकुचित करना; छोटा करना. To shorten; to contract.

णिवुड्टित्ता.सं०कृ० ''दिवसखेत्तस्स णिवुड्टित्ता रतिणिक्षेत्तस्स श्राभीणवुडिृत्ता चार चरति" सू० प० १;

णिवुंदृमाण व॰ कृ॰ स्॰ प॰ २, जं प०७, १३२,

 $\sqrt{$ िएर-यत्त arphi। $^{
m I,II.}$  ( निर+वृत् )ଓ<sub>୯</sub>५२ ४२पुं; ଅনାସ୍ୱ उत्पन्नकरना, बनाना.

To make; to produce ( ? પુરુ થવુ; નિવૃત્તિ પામવી. पूर्णहेाना, निवृत्ति पाना to complete; to retire from; to be free from.

शिटवत्तेइ. नाया० ८, शिव्यत्तयंति प्रे० भग० २५, २;

शिव्वतेह. श्रा० नाया० ५, शिव्यत्तिज्ञह् क० वा० भग० १२, ४;

णिब्बत्तेमाण व॰कृ॰ भग॰ १६, १,१७, १; शिव्वत्तित्तए हे॰ कृ॰ नाया॰ प,

 $\sqrt{$ । ग्रिप्-बहु धा॰  $m I, II.}$  ( निर्+बहु ) આજિતિકા ચલાવવી. કરવાેઃ નિર્વાહ

श्राजीविका चलाना निवाई करना; maintain, to maintain

livelihood खिब्बहेजा वि॰ स्य॰ १, ६, १३;

णिब्बहे सूय० १, १४, २०;

ग्णिब्बाहित्तए नाया० १८;  $\sqrt{\mathfrak{h}}$ र्-चा धा॰  $\mathrm{I.}$  (निर्+वानांगि) श्री स्वयु; भुआवयुं, क्षरी नाणवुं तुमाना. थंडाकरना. To extinguish; to put out.

विष्वावेति. जं॰ प॰ २, ३६; णिब्बावेजा वि॰ दस॰ ४, ६; णिब्बाविया. दस॰ ४, १, ६३; णिब्बाविस्सिति. भग॰ २, ३६;

√िंग्र्-चिड्ज. धा॰ I. (निर्+ विद्) निर्धें देशभ्य पासे थे।,वैराग्य पाना, उदासीन होना. To be disgusted with and to be indifferent to the world and its ways; to renounce, (२) सु पु सोना to he down.

चिविन्नज्ञइ उत्त० २७, ४;

गिविज्जांते उत्त ३, ५;

√ि िए-चिस धा॰ I. (निर्+िवश्) आढी भुअनुं; देशपार अर्थु निर्वासित करना, निकाल देना To drive out, to deport or transport.

िंगाब्विसेडजा. वि॰ '' एगंत छकप्पा गंठव-इत्ता एगं गिडिपसेडजा '' वव॰२,२;

णिब्विसमाण व० कृ० निसी० २०. १०,

भग० २४, ७; ठा० ३, ४;

ायाविसंत. व० क्र॰ ठा॰ ४, १;

√ शिर्-सर. धा॰ I.(निर्+सृ) हेऽवुं. फंकदेना.
To throw (२) निऽक्षत्र निकलना,
त्यागना. To abandon, to leave.

शिस्मरइति नाया० १; ६, १६; भग०

१५, १; राय० २८३;

√िंग्-हर भा∘I,II. (नी+ह) शै।य भाटे जंगस जवुं. शौचके लिये जंगलमे जाना To go to a forest for answering calls of nature णीहोरति. प्रे॰ श्रत॰ ३. ४;

णिलय न॰ (निजय) धर घर. गृह, सदन.

A house; an abode. तंदु॰नाया॰ १६;

णिलाड न॰ (ललाट) अपाक्ष; भरतक. मस्तकः; कपालः; ललाट. The forehead;
the head. पएह॰ १, २; नाया॰ १६;
—पद्दिया. स्री॰ ( -पद्दिका ) अपाक्ष अपर
अरवामां व्यावती अंतुनी पटीः; पीऽ. मःल
तिज्ञकः; भालकुंकुमः; भालाबिंका. an
auspicious mark on the forehead made with a sort of red
powder. राय॰ १६४;

णिलित. व॰ छ॰ त्रि॰ ( निलीयमान) भेसतुं. वैठाहुआ; वैठता हुत्रा. Sitting श्रोव॰ राय॰

√ि णिलिंडज था॰ II. (नि+ली) आटड्युं. भटकना. To give a sudden jerky motion e.g. to a carpet etc.; to get rid of dust and refuse. णिलिंजडजा निधि॰ सूय॰ १, ४, २, २०;

णिलुक्क. त्रि॰ ( निर्लोक्य ) शुप्त. गुप्त; छिपा हुआ Hidden; secret. नाया॰ =.

णिल्लंछ्या न॰ (निर्लाञ्छन) तप्रसंध धरवुं ते; भुटीया यादिने सभारवा ते. नार्मद-नपुंसक बनाना; खस्सा करना. Emasculating castrating. परह ॰ १, २;

गिह्मज्ज त्रि॰ (निर्लेज्ज) सक्त्य-शरम रिक्षित. निर्लेज्ज, वेशरम. Shameless; devoid of sense of shame पग्ह॰ १, २; नाया॰ ६;

शिल्लायंत व॰ छ॰ त्रि॰ ( निर्वयत्-निरन्तरं लयति गच्छतीति ) लागता. भागताहुत्रा, Running away; өчсаріпд नाया॰ १,

णिल्लालिय निर्णा किते । पसरेक्षः तीकः क्षेत्रः फेलाहुआः फूटाहुआः Spread; extended, projected out नाया॰ १, ८, —ग्राग पुं॰ ( -ग्राप्त ) डियाडा भेडि। भाषी क्षप्तेष थताः अदार निक्रणता छन

भिने भागेशे भाग-टेरवे। खुले मुंह में से लग्लगती जीमका श्रममागः जिन्हाम. the tip of the tongue issuing repeatedly out of the opened mouth नाया॰ ८ः — श्रम्मजीहाः स्री॰ ( -श्रम्राजिन्हा ) मेाढामांथी सपसप थते। ७ अर तीडसते। असने आमशे साम मह में से लग्लगतीहुई जीमका श्रम्म भागः the tip of tongue repeatedly issuing out of the mouth. नाया॰ =: गिस्तेय त्रि॰ ( निर्लेप ) सेप रहितः निर्लेप, लेपहानः Free from smearing,

dirt. भग० ६, ७;

ि स्तिवा. न० (निर्लेपन) देपनी अलाव;

भेदनी अलाव. त्तेपका द्यभाव, निर्मल.

Absence of smearing; absence of dirt भग० ७, ४;

शिव पुं॰ ( नृप ) राजा, नरपति नृप, राजा.

A king; a lord of men पचा॰ १८,
२७, —कर. पु॰ ( -कर ) राजानी दाथ
राजा का हाथ an aim of a king.
पंचा॰ १८, २७;

णियहत्ता त्रि॰ (निपत्तृ ) उतरताः , पडतारः गिरने वाला, उतरने वाला (One) coming down; falling down. ठा०४,४; णिवइय. त्रि॰ (निपतित ) पडेल गिरा हुम्रा. Fallen नाया॰ १, (२) न० એક પ્રકारने अरे, त्यथा अरे; दिष्ट अर आदि एक प्रकारका विष, त्वचाविष, दृष्टिविष प्यादि a sort of poison e g. of sight, of touch etc. ठा॰ ४, ४;

णिवउपय. पु॰ (निपातोत्पात) की भां ७ ये यद्य पाछु नीये पड्युं थाय तेया अक्षारनु की काटक नाटक विशेष जिस में पहिले ऊर्व चढकर फिर नीचे गिरना हो, ३२ नाटकों में से एक. One

of the 32 varieties of dramas involving rising up and falling down जं० प०

णिवडण. न॰ ( भिपतन ) नीये पऽदां. नांचे भिरना Act of falling down पगह॰ १, २;

िंग्विडियः त्रि॰ (निपतित ) नीये पडेस. निपतित, नीचे गिरा हुम्रा Fallen down भग॰ १४, १;

√ िंग्वित्त. था॰ I,II. (नि+वृत् ) नियत वु; अटक्ष्यु. निवर्त होना; श्रटकना; दूर होना To return; to desist from, to stop.

श्चियदृति. उत्त॰ २, ४३;

शियत्तइ नाया० ९;

ण्यिष्टमाण श्राया० १, ६, ४, १६०;

गिवत्तः ति॰ ( निवृत्त ) दीती गथेक्ष; पसार थथेक्ष वीता हुन्ना, भूत, गतः Past; elapsed; gone. विवा॰ ४,—वारसगः ति॰ (-द्वादशक) जार दिवस विती गथेक्ष- पसार थथेक्ष. जिस के बाद वारह दिन वीत गये हा वहः ( that ) since the happening of which twelve days have passed विवा॰ ४;

शिवित्तिः स्त्री॰ ( निवृत्ति ) शंध थतुं; स्पटकतुं बंद होना; स्पटकना, रुकना. Act of coming to a close, act of stoping ठा॰ ४, १, (२) निष्पत्ति निष्पत्ति. production; result; coming into existence ठा॰ ४, ४,

√ि ित्त्वर. धा॰ II (नि+मृ) निवारण् ५२वुं. रे। ६वु. निवारण करना, रोकना To check, to stop; to restrain. णिवारेइ प्रे॰ नाया॰ १६, १८; नाया॰ घ॰

शिवारासे. नाया० ४;

शिवारेमि नाया॰ ५;

शिवारित्तए. हे॰ कृ॰ नाया॰ ४; शिवारिज्ञइ. क॰ वा॰ भग॰ ६, ३३; शिवारिज्ञमाण. क॰ वा॰ व॰ कृ॰ भग॰ १४, १;

णिवसण. न० (निवसन ) वश्च. वस्तः कपडा.
A cloth; a garment. नाया० १६;
णिवाइय. त्रि० (निपातित ) नीचे पाडेस.
नीचे गिराया हुआ; अधःपातित. Thrown down; caused to full down.
नाया० १४;

नाया॰ १४;

िण्वाएमाणः व॰ कृ॰ त्रि॰ ( निपातयत् )
नीचे पाउताः नीचे गिराता हुआ (One)

त्थां पाउताः नीचे गिराता हुआ (One)

त्थां पाउताः नीचे गिराता हुआ (One)

तथां ते कृ॰ अ॰ ( निपात्य )

वगां डीने, नीचे पाउतिः नगांकरः नीचे गिरा

कर. Having caused to fall down;

having attached or applied.

"जांगुं धरिणतं निपाति । गिर्चे पाउतिः ।

शिवातितः त्रि॰ ( निपातित ) नीचे पाउतिः

नीचे गिरायाहुआ. Fallen down. भग॰ १५, १; गिवातिय त्रि॰ ( निपातित ) ळुओ। ઉपदी। श॰६. देखी ऊपरका शब्द. Vide above.

विवा० १;

गिवायः पुं॰ ( निपात-निपतनं-निपातः )
नीने पर्धुं नीचे गिरना; श्रधःपतनः निपातः
Act of falling down; downfall.
"श्रायवस्स गिवाएगां" उत्त॰ २, ३८; (२)
भेसभुंते चैठना act of sitting पगह॰
१, २; (३) निपातः व्याप्टरण् शास्त्र असिद्ध
य, पा आहि अ०५५ निपात, व्याकरण शास्त्र
प्रसिद्ध च, वा श्राद् श्रव्ययः an indeclinable particle such as च वा
etc. पगह॰ २, २; नाया॰ (४) यपटी
पगारपी ते चुकटी बजाना act of

snapping the thumb with the middle finger. पञ ২६;

शिवाय. त्रि॰ (निवात-निर्गतो वाते। यस्मास्सः) वायु संयार रिंदत. निवात; वायुमचार होन.

Free from draughts of wind.
" तंसिप्पेगे श्रयागारा हिमवाए णिवायेमें संति " श्राया॰ १, ६, २, १३; भग॰ ३, १; ७, ८; ११,११,नाया॰ १६; —गंभीर.
ति॰ ( -गम्भीर ) वायु आहिना अवेश रिहत; गंभीर. वायु श्रादि के प्रवेश से श्रव्यः गंभीर. free from draughts of

wind; calm. भग० ७, द;

िणवायण. न० ( निपातन ) ખાડામાં ફे કવું.
खड्डे-गढे में फॅकना; गिराना. Act of throwing into a ditch or pit.
पगह० १, २;

णिवारण. न॰ ( निवारण ) अर्रकान् ते. निवारण; रोक; अरकान. Act of restraining or checking. भग॰ ६, ३३; (२) टाढ तापने रे।इनार धर, ढवेशी पोरे थंड ताप से बचाने वा रोकने वाला घर, हवेली आदि a house, a mansion etc which checks the rigour of cold and heat उत्त॰

गित्रारय. त्रि॰ (नित्रारक) निवारख करनेवाला; रेकिने अट्ट अंतर्कात करनेवाला; रेकिने वाला; निवारक. (One) who stops, chec.s; (one) who restrains or prohibits. नाया॰ १६;

गिवास पुं॰ ( निवास-निरन्तरं वसन्ति जना-येपु ते ) निवास; रहेंडाणा निवास; रहने की जगह A place of residence; an abode निसी॰ १, १;

गिविह. त्रि॰ (निविष्ट) भेअवेअ; प्राप्त धरेअ. लिया हुआ; प्राप्त किया हुआ. Got;

acquired. "थोवं यह गिविद्रम्मि ठा॰ ४, २; (२) आसःत. श्रासक्त. attached; passionate. सूय. १, ६, ३; -कप्पठिइ. स्त्री॰ (-कल्पस्थिति) परिक्षार વિશુદ્ધ તપ પૂર્ણ કરેલની કલ્પસ્થિતિઃ સાધુ सभायारी विशेष. परिहार विश्रद्ध तप पूर्ण कियेहुए की कल्पस्थिति;साधु समाचारी विशेष. a particular stage of asceticconduct to which a monk has lisen ठा० ४, २; —काइयकप्पठिइ. स्री॰ ( -कायिककल्पस्थिति ) परिकार વિશુદ્ધ તપ કરી બહાર નીકલેલ સાધની **४**९५२थिति परिहार विशुद्ध तम के बाद वाहर निकले हुए साध की कल्पिस्थित. state of an ascetic who has completed the austerity known as Parihāra Viśuddha. चेय०६, २०; णिवित्ति स्री ः (निवृत्ति -विषयेभ्यो निवत्तेन निवृत्ति ) आरंस वर्गेरे पापथी निवृत्त थवं ते श्रारभ श्रादि पापों से निवृत्ति. abstinance from actions which involve injury to or killing of living beings e. g. from flesh eating, drinking etc पंचा॰७,३२; -पहारा. त्रि॰(-प्रधान) आर सथी निवृत थवाभा प्रधान-श्रेष्ट, ख्रारंभ से निवृत होने मे प्रधान-श्रेष्ठ. prominent or excellent in abstaining from injury or act which involves injury to living being . पंचा॰ ७, ३२;  $\sqrt{$ गि**-विस** धा॰ $\Pi$ .(नि+विश्) प्रवेश ५२वे। प्रवेश करना, भीतर द्यसना. To enter. । शिविसेजा वि० वेय० २, १२; गिविसित्ता सं कृ कि नाया । =; िणिविसमागा. व० कृ० वव० १, १६; २४; |

Vol. 11/123

णिवेसेइ. प्रे॰ नाया॰ =, १६; शिवेसंति. नाया० १६, णिवेसंतु. नाया० १६: शिवेसेहि. या० विवा० ६: श्चित्रेसेह. श्रा० नाया० ८; १६; णिवेमित्ता. सं० कु० नाया० १६, राय २२; णिवेसिय निसी० ३, ४; णिविसमाणकपाठिइ स्री० (निर्विशमान-कल्पास्थिति) परिदार विशुद्ध ३६५ आथारी-ની કુકપશ્ચિત परिहार विश्रद्ध कल्पा-चारी की कल्पान्थित State of one who is going through the aus terity known as Parihāraviśuddha. वेय० ६, २०; शिवेइय. त्रि॰ (निवेदित) निवेदन धरेक्ष. निवे-ादेत, प्रार्थित Made known, declared नाया॰ २: √ि शा-चेद. था॰ I. II. (नि+विद्+िश ) निवेदन ४२५, ४७। १५५ अहेर ४२५ निवेदन करना, प्रकट करना To declare or make known. शिवेदेइ. नाया० =, १६; शिवेदंति. नाया० २. शिवेदोमे. श्रोव० ११, नाया० १; शिवेदेमो. भग० ११, ११; दसा० १०, १; शिवेंदरजा. वि॰ दसा॰ १०, १, शिवेदेह. ग्रा० १०, १; शिवेप्इ. ग्रोव॰ नाया॰ ६; १६, १८; शिवयइ, नाया० १४. शिवेयंति, नाया० =, १=; शिवेएमा जं॰ प॰ नाया॰ ३; ५३; शिवेणीह श्रा० नाया० १६; ते निवेदन; प्रकाशन. Act of declaring; act of making known.

नाया० रः

Abstinence from, giving up of, such substances as milk and its transformations भग॰ २४, ७: खिविबद्धः पुं ० ( निर्विष्ट ) के छे । परिदार्श्वशुक्ष यारित्र सेवेक छे ते साध्र, जिसने परिहार विश्रद्ध चारित्रको पाला है वह साध. An ascetic who has practised the austerity known as Parihāravisuddhi. ठा० ३, ४; नाया॰ १६; — कप्पीठइ स्री॰ ( -कल्पास्थाति. ) परिदार વિશુહ ચારિત્રને પૂર્ણ કરનાર સાધુની કલ્પ-परिहार विश्रद्ध चारित्रको पूर्ण करनेवाले साध्का कल्पस्थिति. stage reached by an ascetic after the performance of the austerity known as Parihāra visuddhi ठा॰ ३, ४; काइय. पुं॰ ( -कायिक ) परिदार विश्रुद्ध यारित्रने पूर्ण કરીને એ ચારિત્રથી બહાર નીકલનાર સાધુ. परिहार विशब्द चारित्रको समाप्तकर, इस चारि-त्रसे वाहर निकालाहुआ, श्रागे वढादृश्रा साधु. an ascetic who has duly performed the austerity known as Parihāraviśuddhi and has stepped into the next higher stage. भग० २४, ७;

णिटियरण ति० (निर्विगण) भिन्नः भेद्धुस्त खिन्न, दुःखितः खंदपूर्णः Fatigued or afflicted in mind; sourowful. " जो एत्तियंपिचित्ते दच्छद्द सो को न गिवरणो" श्राया० १, ३, ३, १४४; नाया० ८; (२) निवृत्तः निवृत्त थथेल. retired from; turned back from; ab staining from. नाया० ४, ६, १८, १६: —चारि.ति० (-चारिन्) भिन्न थर्ध इंग्नार खिन्न-दुखी होकर फिरनेवाला atigued or troubled in mind; afflicted in mind ''मेणि विग्णचरी श्वरते पयासु'' श्राया १, ४, ३, १४४; — बरा. छी॰ ( -वरा निर्विग्णा वराः परिणेतारो यामां ता निर्विग्णवराः ) विश्वतपतिवाली स्त्री. विरक्त परिवाली छी; वह स्त्रा जिसका पर्ता विश्वां हो a woman whose hushand is disgusted with the world and its ways and is ascetic in spirit नाया । ध० १. णिटिचत्त. हि॰ ( निर्मृत्त ) निवृति पारेस:

पुरं थयेत. निमृति प्राप्त, पूर्णः समाप्त.
Finished: completed श्रोव० ४०:
गिव्यियतिष्ठा त्रि० (निर्वकृतिक) क्रेभां
हुप धी वगेरे विश्वतिना त्याग हरवामां आवे
छे ते तप नीवी. वह तप जिममें दूध श्रोग
इसके विविध विकृतिश्रो का स्थाग किया जाता
है. नीवी. A kind of austerity
requiring abstinence from
milk, ghee and its products:
this is also called Nivī.
श्रोव० १६:

णिव्चिस निव (निर्विष ) विष - छेरथी-रिंदित विष हीन जहर रहित Free from poison. " णिव्चिसं पंदुरं मोसे " श्रोव श्रीविचसय. निव (निर्विषय) विषय अिल स्था रिंदतः विषय वासना काम वासना रिंदतः विषयतः सयमी. Free from sensual lust. उत्त १४. ४६; (२) देश अदार डाढेस; देश हि। आपेस निर्वासितः देश से निकाला हुआ. exiled; banished from a country. परह १, ३; नाया १६:

णिव्यित्सिय त्रि॰ (निर्वामित ) देशधी लहार ६रेल देश बाहर किया हुआ. Banished; exiled; turned out of a country. नाया॰ ८; १६; मग॰ १४, १; शिविचसेस. त्रि॰ (निविशेष) विशेषता रिहत; साधारणु विशेषता रिहत,सामान्य; साधारण. Common; free from peculiarity or particularity तदु॰

शिव्युत्र, त्रि॰ ( निर्वृत ) शीतस थथेस शान्त. थडा, निर्जूत. Cooled; cool. श्राया॰ १, =, १, २००; (२) निर्वाख्-भेक्ष गयेस मोत्त का प्राप्त: निर्वाण प्राप्त free from the cycle of birth and death; finally liberated प्रव० ३३; (३) २५२º४ व्यात्मा स्वस्थ्य-सवल-निरोग a calm, peaceful soul नाया॰ ५; शिःबुइ स्री॰ ( निवृति ) भननु स्वस्थपण्. सभाधि मानासिक स्वस्थता, समाधि Calmness or tranquillity of mind; peace of mind. परह ॰ १, २. (२) क्षील भेव्हावस्था. ज्ञीण मोहावस्था happiness; freedom from delusion. सुय० नि० १, ११, ११४. (३) २ नामनां એક આચાર્ય કે જેના ઉપરથી નિર્વૃતિ शाभा नीड्सी. इस नाम के एक श्राचार्य कि जिनके ऊपर से एक शाखा निकली. name of a lineage styled after the preceptor of this name कर्पे॰ =; **४२नार सर्व कर्मों का च्चय करने वाला.** (oue) that destroys Kaimas पन्न० १, तंदु० ज० प० २, ३ ઃ ( २ ) સુખકર; શાતા ઉપજાવનાર: सुखकर giving peace and happiness. राय० १११, नाया० १७, -- पह पुं॰ ( -पथ ) भेक्षि भाग मांच मार्ग, माक्ति पन्य. path of salvation. नंदी॰
—यार त्रि॰ ( -कार ) शाला धरनार.
शान्तिदाता; निवृत्तिकार. peace giving;
happiness giving. नाया॰ १;

शिटबुक्कच्छिन्न. त्रि॰ ( \* ) निभ्ध ३रेश; ०८ भूलथी छेदेश. निर्मूचित; वे जड किया हथा; जडमूल से छेदा हथा; समूल नष्ट Rooted out; eradicated. पराह॰ १, ३;

शिज्जुड. त्रि॰ ( निर्मृत ) शीतल-१ंडु थयेल. शीतल-थंडा किया हुआ Cooled; cool. श्राया॰ १, ४, ३; १३६, (२) निर्वाणु पामेल मेत्स पामेल. निर्वाण पाया हुआ, मोच्च पायाहुआ free from the cycle of birth and death; (one) who has attained final absolution. "जिक्चा णिच्चुडा एगे" स्य०१,१५२१: शिज्जुडु. त्रि॰ ( निर्माडित ) डुणी गयेल. इवाहुआ; निमाजित. Drowned; sunk. नाया॰ ६;

गिव्युत्ति स्री॰ ( निर्वृति ) निर्वाश्वभुष. निर्वाण सुख; मोत्तसुख. Happiness of salvation. जीवा॰ ३, ४;

शिब्बुय त्रि॰ ( निर्वृत ) सुणी; सन्तेषी. सुसी; संतोषी. Happy; contented. श्रोव॰ (२) द्वेष वगेरे हर थवाथी शात थंग्य. कोधादि द्र होने से शान्त tranquil on account of the banishment of anger etc. from the mind. " जे शिधुया पावेहि कम्मेहिं" श्राया॰ १, ७, १. २००;

शिव्यूह. पु॰ ( निन्यूह ) द्वारते। ओक लाग; टेउकी. द्वारका एक भाग; घोडला; टरवाने

<sup>\*</sup> ભુએ। પૃષ્ઠ નમ્બર १४ ની પુટનાટ ( \* ). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (\*) Vide foot-note (-) P. 15th

की ऊपरी बारसाख की दोनों वाजू ऊपर निकलाहुआ भाग. A particular part of a door; a wooden block projecting from each of the upper ends of the door of a house, जीवा. ३, ४:

णिव्वेद्राणी हों। ( निर्वेदिनी ) संसारथी-पिरक्षा पनायनार यैराज्यनी ध्या. संसार से विरक्ति उत्पन्न करने वाली वैराग्य कथा. A story which produces diagust with the world and its ways, in the mind of the heater. "णिधेयणी कहाचड विहापगणत्ता" टा॰ ४, २; श्रोव॰ २१;

णिञ्चेगः पुं० ( निर्नेग-निर्वेद ) संसारथी विरिक्षितः संसारसे विरिक्षितः ससार से उदासीनता. Disgust with, repulsion from the world भग० १७, ३; णिञ्चेगणीः स्त्री० ( श्रीचेंगनी-निर्वेदनी ) ०९०२। "णिञ्चेश्रणी" शण्द देखा "णिञ्चेश्रणी" शब्द. Vide. 'गिञ्चेश्रणी'

ठा० ४, २;

गिञ्चेयः पु० ( निर्नेद ) वैराग्यः स सार थी

विरक्षताः वैराग्यः संसार से विरावितः

Dislike for or disgust with
the world and its ways; renunciation. श्राया० १, ४, १, १२७; उत्त०
१८, १८; २६, २; (२) भेक्षिनी अिललापाः मोचेच्छाः मुक्तिकी श्रभिलापाः desire for salvation or final libe-

णिव्येस. पुं॰ ( निर्वेश ) क्षाल. लाभ, फायदा. Benefit; gain ठा॰ ४, २; णिसंत. न॰ ( निशान्त ) विश्र भ विश्राम;

ration. प्रव. १४;

णिसंत. न॰ (निशान्त) विश्व भ विश्वाम; श्राराम. Shelter; rest नाया॰ १६; (२) धर घर a house यि ०४;१२; श्चिसंत. त्रि॰ ( निशान्त-नितरां शान्ते। र्निशान्तः) અत्यंत शांत अकृतिवाक्षी. ग्रत्यंत शांत प्रकृतियाजा, श्रमप्रयूच्यः थंडे मिजाजका. Extremely calm; serene. उत्त॰ १, ८; (२) सांभदेख. मुनाहत्रां. heard. थाया २ १, २, ५०; नाया० १; ४; १३; १४, १६, नाया० घ० भग० ६, ३३; १०, २; (३) (निशाया श्रन्तमवसानं निशान्तम्) પ્રમાતના વખત: રાત્રિના અંત. પ્રાત:-प्रातःकालीन संध्या उप हाल: dawn; time of day-break. दग॰ स्मृतिपथ में आहेत; याद हिया हुआ. fixed or retained in the mind. "यहास्तं वृहिजहां शियंतं" सूय० १, ६, २:

णिसंस. त्रि॰ ( नृशंस नृज्ञरान् शंमित हिन-स्तोति) धूरधर्भ धरनार क्रूर कर्न करनेवाला. कठार कर्मी. Wicked; cruel. परह॰ २, १; नाया॰ २;

शिसाग पुं॰ ( निसर्ग ) २० भाव; प्रकृति स्त-भाव, प्रकृति, मिजाज Nature. श्रोव॰ २०;ठा०२,१; — रुद्द स्त्री॰ (-रुचि) छपदेश सांक्षस्या वगर कुदरती रीते यती धर्भ पर-नी श्रदा-३थि. उपदेश के न सुनते हुए भी स्वामाविकतया उत्पन्न होने वाली धार्मिक रुचि. Intuitive liking for or faith in religion; inborn love of religion ठा॰ ४, १; १०, भग॰ २५, ७ पन्न० १; नाया॰ घ॰ २;

णिसाज्जञ्ज. ति॰ ( नैयचिक ) ५६४ ६ भासने भेसनार पत्यक-एक आमन विशेषसे वैठनेवाला ( One ) sitting in a squatting posture पाइ॰ २, १;

णिसट्ट त्रि॰ (निसृष्ट ) निश्वेश निकलाहुस्राः निसृत; प्रस्फुटित. Come out; got out (२) आधेश दियाहुस्रा; प्रदत्तः given; presented. राय॰ आया॰ १, ६, २, २०२; नाया॰ १; नय॰ २, १६; (३) भु४त; छुटे। मुक्त; छूटाहुआ; स्वतंत्र. free; liberated. सम॰ ६; आया॰ २, २, १, ६४, (४) १६९। फेकाहुआ. thrown, flung. भग॰ २४, १;

णिलढ. पुं॰ ( निवध-नितरां सहते -स्कंधे समा-रोपितं भारमिति निषध) लश्रद्द बेलः वृषभ. An ox નં∘ ૫૦ ૪, (ર) તિષધ તીમે शेक्ष यादव कुभार निषय नामक एक यादव कुमार.a Yādavakumāta so named નાયા ૧૧, (૩) મહાવિદેલની મર્યાદા બાધનાર મેરૂથી દક્ષિણ તરફના નિષધ નામે पर्वत महाविदेहका पांग्सामित-करनेवाला महका दानिए। श्रीरका निषय पर्वत the mountain named Nisadha in the south of Meru, forming the bound ay-line of Mahavideha " कहिए। भंते जंबूहीवे दीव गिसहे गाम वासहरपव्वए परायते " जं० प० ४, " देा णिसदा " ठा ० २, ३, जीवा० ३, ४, ---कूड न॰ ( -कूट) शिसंद पर्यतन भीन्त **५८-शि** भर निषध पर्वतकी दमरी चोंटा शिखर. the 2nd summit of the mount Nisadha ठा० २, ३, ज० प० - इह पुं॰ (-ब्रह् ) भन्दर पर्यंतनी दक्षिणे हेव ५३ भाना भाटा ८७-अरे। मन्दर पर्वतकी र्दाचण दिशाके देवकरका बढा-विशाल खोत-मारना a large stream of water in Devakuiu in the south of the Mandaia mount कहिएं भंते देव-कुराए णिसहदहे गान दहेपरागते ज॰ प॰ ४, ६६; ठा० ४, २; —वासहर (-वर्षघर) शे नामनी शेंश पर्वत इस नामका एक पर्वत name of mountain. नायाः दः

शिस्तर्श त्रि॰ (निषर्श ) भेडेंबुं; वैठाहुन्ना. Seated. नाया॰ १, ४; १, १२; भग॰ ७, ६, नाया॰ घ॰ श्रोघ॰ नि॰ ६; श्रोव॰ ३१; ठा॰ ४, २,

शिसम्म स॰ कृ० अ० ( निशम्य ) वियारीते, ६६४थी अवधारीते. विचारकर; हृदयसे
निश्चित करके Having thought;
having thought or decided in
the mind नागा॰ १, ४,८; ६;१२, १४;
१६, १९, भग० ६, ३३; ११, ११; १५, १;
जीवा॰ ३, ४, ओव॰ १२, आया॰ २, १,
३, १६; २, १, ६, ४९, ठा॰ ३, ३;
—भासि ति॰ (-म पिन्) वियारीते भे।ल।।२ विचारपूर्वक बोलनेवाला. ( one )
who speaks thoughtfully, considerate in speech आया॰ २, ४,
२, १४०; सुग० १, १०, १०,

√िशा-सर. था॰ [ ( नि+मृ ) णढार निध-सन् नाहर निक्तना. To get out; to

शिसरइ पन्न० ११,

शिसराति राय० २०,

शिसरण न॰ (निसरण) नी अक्षत्र ते. निस्ति-रण, बाहर निकलो का कार्य. Act of getting out; moving out. नाया॰ १६,

शिसस्नः त्रि॰ (नि.शहप) भाषा, निपाणु अने भिन्छाह सणु ओ त्रणु शहप रिकतः माया, नियास श्रीर मिन्छाइंसस इन तीन शहपोंसे रहित Devoid of, free from the thorns in the form of decert desire for the fruit of actions and heresy. महा॰ नि॰ १: सिसह. पुं॰ (निपप) अंगे। "सिमह" शण्ट. देखो "सिमह" शब्द Vide " सिमह" मुग० २, ६, २२, जं० प० पन्न० १६:

चं॰ प॰ ४ —क्ड पुं॰ (क्ट) लुणे।
'णिपडकूड'' शण्ह देखी "णिपडकूड"

vide "णिपडकूड" ठा॰ ६, जं॰ प॰

—हह पुं॰ (द्रद) हेन दुरुती यित्र नियित्र

दूर पर्नतथी ८३४ लोल नने सातीया यार

साग उत्तरे सीता नहीनी व्यये आवेस

योजनके (स्रतुमानतः) चार माग

उत्तरकी श्रीर सीता नहीं वीचमें स्रानेवाला

एक भरना a lake, stream in the middle of the river Sitā to the north of Chitravichitra peak

of Devakuru at an approximate distance of 834 Yojanas. ठा॰ ४, २, जं॰ प॰

णिसा स्त्री॰ (निशा) रात्रीना लेवा अध-धारवाशी नरध्निम. तामिस्न नामक नरक; रात जैसे श्रेधरेबाला नरक. Hell which is as dark as night. स्य०२, ६,४६; √णिसाम वा॰ I,II. (नि+राम्+ाणिच्)

ग्णिसामेइ. नाया० १६; भग० १४, १, णिसामिज्जा. वि० स्य० १, १, ४, ४; ग्णिसामेहि. श्रा० भग० १४, १, णिसामित्ता. सं० कृ० स्य० १, १४, २४,

श्राया० १, ८, ३, २०७, श्रिसामित्तए हे० क्व० नाया० ५; १२, १४;

ाणिसोमत्तए. हे॰ क्व॰ नाया॰ १४, णिसिङजाः स्त्री॰ (निषद्या) आसनः भे८४.

श्रासन; वैठक. A seat; posture. ठा॰ ी, १; सूय० १, ६, २१;

णिसिय-यः त्रि॰ (निशित) तीक्ष्ण, पाणी-हार; तीणी धारपाञ्चं तीच्णः पानीदार, तेज धारपालाः Sharp; sharp edged; spirited. स्य॰ १, ४, १, ५; १, ६, १; गिसिंह. त्रि॰ (निःसृष्ठ) ६ हेश. फैका हुआ. Thrown: flung. भग॰ १४, १; (२) भुक्ष्त, २२तंत्र released. सम॰ ६:

√िश्चिन्स्तर. घा॰ I- ( निम्स्ज् ) नाण्यु. १ श्वुं; छोऽत्रुं डालना, फेंकना, छोडना. To give; to hand over, to present; to throw; to fling, to leave. शिक्षिरइ. नाया॰ १६,

शिसिरिति. मूय० २, २, ५; शिसिरामि. नाया० १६; भग० १६, १; शिसिरामे. श्राया० २, २, ६, ४६, शिसिरिता. सं० कृ० भग० १६, १;

णिसिरंत्त. व॰ कृ॰ सूय॰ २, २, ५; णिसिरावेति सूय॰ २, २, ६;

णिसिरण न॰ (निसर्जन) नी अवधु ते निस्तरण नाहर आना, बहिरागमन. Act of getting out; starting out.

शिसिरणा स्त्री॰ ( निसर्जन ) धन. दान. Act of giving away in charity. ( २ ) त्याग. त्याग. abandoning. स्त्राया॰२, १, १७, १९;

णिसिरिज्ञमाण त्रि॰ (निःस्रुप्यमान ) ६ डाते। फॅकाजाता हुआः फॅकता हुआ Throwing; being flung भग • ८, ७,

णिसिरियः त्रि॰ (निसृष्ट) तलेशः भुष्टेशः स्थागा हुत्राः छोडा हुत्राः Left; abandoned. भग॰ १२, ४;

णिसीइयन्त्रः त्रि॰ ( श्रीनपीदितन्य ) भेसप। सायक (भूभि ) वैडने योग्य भूमि-स्थलः ( Place ) worthy of, fit for, being a seat भग २. १,

√ शि-सीय. घा॰ I. ( नि+पद् ) भेसवुं. बैठना. To sit.

शिसीयइ नाया॰ १, =; १६, १६;

श्चिसज्जइ नाया० १६;

र्णिसीदंति जीवा॰ ३;

णिसीयंति. नाया॰ १, ६; १६; जं॰ प॰ ४, ११७,

शिसियामो. स्य० २, ७, १५;

शिसीयह. नाया० १६;

शिसीइत्ता. स० कृ० नाया० १६, भग० ११,

99;

शिसीइत्तए हे॰ कृ॰ भग॰ १३, ४; वेय॰ १, १६, ३, १;

शिसीयांवेति प्रे॰ जं॰ प॰ ५, ११४;

श्यिसीत्रावित्ता. प्रे॰ सं॰ कु॰ ज॰ प॰ ५,

998;

णिसीयण. (निषीदन) भेसतुं ते. वैठने का कार्य, वैठना. Act of sitting. भग०१३, ४; २४, ७; ठा० ७;

शिक्षीयव्य ति॰ (निषीदितव्य) भेसवा थे। थ्य. वैठने योग्य. Worth sitting upon; worthy of being a seat or sitting place. नाया॰ १;

िस्सिहिया. क्ली॰ ( नैपेधिकी ) स्वाध्याय धरनाती लूभि. स्वाध्याय करने की भूमि— स्थल. A place for the study of scriptures (२) पाप क्रियाती त्याग पाप कर्म का स्थाग giving up o sinful activities. नाया॰ १६, भग॰ १६, ४; जीवा॰ ३, ४; निसी॰ ५, २; (३) साभायारीती ओड प्रधार. सामाचरि का एक प्रवार. a particular mode of Vol. 11/124.

ascetic-conduct पंचा॰ १२, २;

ि स्मिद्धियाः स्त्री॰ ( निशीयिका ) स्वाध्याय स्मि. A place for the study of scriptures or for meditation भग०१४,१०; नाया॰ ४० राय॰ १०६; निसी॰ १३, १;

शिसुंभा की॰ ( निशुम्भा ) वैरे विश्वन धंद्रनी पायभी अश्रमिद्धि वैरोचन इन्द्र की पांचवीं श्रग्रमिद्धिगरहरानी. The 5th of the principal queeus of Vairochana Indra. ठा० ४, २. नाया॰ ध०२, भग० १०, ४;

णिसुणिऊण सं० क्व० थ्व० (निश्वरय) साल-बीने सुनकरके. Having heard. जीवा० १;

शिसेय. पुं॰ ( निषेक ) ६भ पुद्रसनी
प्रति सभय व्यनुसाग रवना कर्म पुद्रलों
की प्रति सामयिक अनुभाग रचना The
intensity ( of Karmic results )
caused by a number of Karmic
atoms operating in a particular instant ठा॰ ६;

णिसेवग. त्रि॰ ( निषेषक ) सेपनार, आराध-नार. सेवक; आराधक. ( One ) who worships or propitiates; (one) who resorts to; ( one ) who serves. सूरा॰ २, ६, ५;

णिसेवियः त्रि॰ (निपेवित ) आश्रय ६२ेंस. आश्रय किया हुआ; आश्रित. Resorted to, depended upon. उत्त॰ २०, २; णिसेहिया स्त्री॰ ( नैपेधिकी-निपिध्यन्ते

गिसिंहिया स्त्री॰ ( नैपेधिकी-निषिध्यन्ते निराक्रियन्तेऽस्या कर्माग्रीति नैपेधिकी )

भेक्षिगति. मोचदशा, मुक्ति State of salvation; final bliss. जीवा ३:

शिस्संक. न॰ (निशंक) निश्धः श्रेधः से निःशंकः शंका रहित Certain; un-

doubted; free from doubt.

पचा॰ ६, २;

णिस्संचार. त्रि॰ (निस्संचार) संथार रिंदी;
को नगरमां भागसीने व्यापना कथानुं अंधदेव ते समार प्रामाणमन-राह्त. वह नगर
जिसमें प्रामद रक्त मा बंबन हा. (A
town etc.) where movement
of men etc. is prohibited; free
from movement of men etc;

णिस्संत. त्रि॰ (निःशान्त-वितरामितशयेन शान्त.) अतिशय शात थयेत. त्रातिशय शान्त Extremely tranquil on account of control of anger etc उत्त॰ १, ६; राय॰

still. नाया० =;

णिस्संदिद्ध ति॰ ( निःसदिग्व ) स हें दित संदेह रहित, निस्तन्देह. Pree from doubt; clear of doubt. भग॰ १४.१; णिस्तंदेह ति॰ ( निस्तन्देह ) संदे राइत. निस्तन्देह, शंका रहित. Free from doubt; clear of doubt नाया॰ ३,

णिरसंधि ति॰ (निस्संधि) साध-छिद्र रिष्ट्रित छिद्रश्रन्य, संथि रिहत. Having no joint or hole. "णिरसंधियाराविराहिया" पएह० १, १;

णिस्संस. त्रि॰ ( निःशंस ) अशं सा रिहत. प्रशसा र्राहत Free from praise; devoid of praise. पगह॰ १, २,

ग्णिस्संस्न त्रि॰ ( नृशंस) धातशी; १२. घातकी; हत्यारा, कूर. Cruel. wicked. पराह॰ १, १; नाया॰ ९;

णिस्सग्णा त्रि॰ ( निः सञ्ज्ञ ) सन्ना रिहतः स्त्रा रहितः वेनाम. Devoid of name, consciousness etc. स्य॰ नि॰ १, ४, १, ७१,

श्चिस्तयर त्रि॰ (निःस्त्रकर) ४ भीने व्युहा

पाउतार. कर्म को प्रयक करने वाला. (One) who gets rid of Karmas; (one) who seperates himself from Karma. श्राया॰ २, ४, १, ६;

णिस्सरण न० (निसरण) ण्हार नीहलपु वाहर निकत्तना; बहिराणमन. Act of coming out or getting out; exit ठा०४,२: — एंदि. त्रि॰ (-निद्न) ण्हार नीहलपामां आनंद पामनार. बाहर निकत्ते में पुष्प मानने बाला (one) who takes delight in getting out ठा०४,२. णिस्सल त्रि॰ (निःशल्प) भाषा नियाग् अने भिन्छाहं सण् थे त्रस् शह्म रहिन माया, नियाण श्रीर मिच्छादंमण इन तीन शल्पों से शून्य. Free from the three thorus in the form of deceit,

tions and heresy. सम॰ ६; आउ॰ णिम्सस्यि न॰ ( निश्वसित ) नीचे श्वास भुश्चा. सास छोडना. दम लेना Act of breathing out; act of exhaling. नाया॰ ६:

attachment to the fruit of ac

णिस्सद्द त्रि॰ (निसद्द ) अति अश्रित बहुत कमजोर Extremely weak or feeble. सम॰ ६;

णित्सहप. त्रि॰ ( नि सहक ) अतिशय अशक्त. यहुत कमनोर, आतिशय अग्रक्त Extremely weak or feeble सम॰ ६;

गिस्सा स्नी० (निश्रा) आश्रय; आलणन आश्रय; श्रालम्बन. Shelter; resort. भग० ३, २; निसी० १४, ४६, पश्र० १; —हाग्. न० (-स्थान) आलम्पन-आ-श्रयना स्थान. आलम्बन या श्राश्रय का स्थान. a place of resort; an object which serves as a support or resting place ठा॰ ५, ३;
— वयण. न॰ ( -वचन ) डाधने अतिभेष पभाउवाने डाधि तेवा शुख्यादानुं
हण्टांत आपवुं ते. किसी को समभाने के
लिए किसी समान गुणवाले का उदाहरण
देकर समभाना an illustration or an
example given to teach a
moral or spiritual lesson. ठा॰
४,३,

णिस्ताप. सं॰ इ॰ घ॰ ( निश्चित्य ) नेश-आश्रय अपने. श्राध्रय लेकर. Having resorted to; having rested on; depending on. स्य॰ २, २, २; णिस्साय सं॰ इ॰ घ॰ (निश्चित्य) आश्रिने श्राध्रित होकर Resting on; having resorted to, having connection with. भग० १५, १;

श्णिस्सासः पुं॰ ( निःश्वास ) निश्वास; अधीशाभी श्वासः नीचे की श्रोर श्वास छोड़नाः Sigh; downward breath. भग० १६, ११;

शिस्तिचिया सं॰ क्र॰ ग्र॰ (निष्चिय)
ओध वासलुभांथी भीका वासलुभा नाभीने
एक पात्र से दूसरे पात्र में डालकर Having
poured from one vessel into
another. दस॰ ५, १, ६३;

णिस्सिय. त्रि॰ ( निः श्रित निश्चयेन श्रितः संबद्धो निःश्रित ) भेस्वेस. मिलाया हुआ Got; obtained, joined, mixed. स्य॰१,२३,६; (२) निश्चये पांधेस. निश्चय से वाधा हुआ. securely fastened; firmly bound स्य॰१,१,१,९०;२,६,२३;(३) स्थि गः अभित. लिङ्ग a characteristic (४) आश्रित आश्रित, आश्रय लिया हुआ resting on; resorting to, depending on ठा०१०; सम॰ स्व॰

१, १, २, ३०; श्रगुजो० १२६; ( ५ ) स्थासकत थयेस श्रासकत attached to; passionately fond of स्य० १, १, १०; ठा० ५, २; (६) पुं० राग, आक्षार श्राहिनी सिक्षपता राग, श्राहार श्रादि की इच्छा; ले लुपता passion for, greed of food etc. ठा० ६:

शिस्सिय त्रि॰ ( निःसृत ) निः धेश. निकला हुआ; निःसृत. Come out; got out; started " तंच सरूवश्रो जं श्राशि-स्तियामि" विशे॰ पन्न॰ १;

शिस्सील. त्रि॰ (निःशीज) सारा स्वलावथी २ि६तः; हुशील. सद्भावश्रन्यः; दुःशीलः; द्वराचारी. Of an evil nature or disposition. ठा० ३, १; २; नाया॰ १८; रहित. devoid of ascetic conduct. ર્જા∘ ૫૦ ૨, ३६, ( ३ ) સમાધિ–શાન્ત<del>િ</del> रिदेत समाधि-शान्ति रहित devoid of concentration calmness or of mind. भग॰ १२, વ્યક્ષચર્ય વૃત રહિત. વગરનાઃ शील होन; ब्रह्मचर्य शून्य; श्रब्रह्मचारी incontinent; unchaste. 310 3, 9; २; राय० २०८; (१) भढावत अने अध्-नत रिंदतः सहावत और श्राणुवत रहित. not observing the major and the minor vows. भग॰ ७, ६,

ग्रिस्सेग्रि. स्रो॰ (नि.श्रेग्यि) निसर्थ्। निसैनी. A ladder. परह० १, १,

शिस्सेयसः न॰ ( निःश्रेयस् ) ४६४। थ. कत्याग, भन्ना Welfare; bliss. ठा॰ ३, ४; ६; —कर त्रि॰ ( -कर ) ४६४। थ. ४२-११२. कत्याग करने वाला. ( one ) causing or giving welfare नाया॰ ६;

Karmic

of

गिस्तेयसिय. त्रि॰ ( नै: श्रेयसिक—नि श्रेयसं मोक्तमिच्छतीति ने श्रेयासिकः) भेक्षालिक्षापी; भुभुक्षु. मोच्न की इच्छा वाला; मुसुच्नु. One desirous of or longing for final liberation. भगः 94. 9: शिस्सेस. पुं० ( निःश्रेयस् ) भेक्षः मोत्तः Salvation: final libera-मक्ति " शिस्सेसाए श्रग्रागामित्ताए " tion नाया॰ १; १३; शिस्लेस ति॰ (निशेष) सम्पूर्ण सम्पूर्ण, समग्र Complete; full; perfect. दस॰६, २, २; --कम्ममुद्याः त्रि॰ (-कर्भ-मुक्त) સકલ કર્મ'થી મુકાયેલ; કર્મ' બન્ધનથી छटेस सर्व कर्मों से मक्त; कर्म बन्ध रहित entirely freed from Karma; rid of Karmic bondage. पंचा॰ २, ४३, शिह त्रि॰ (निह-निहन्यते निह.) भाषायी. मायावी Deceitful श्राया १, २, ३, = १; (२) क्वेष आहिथी भंडित कोंघ आदि से पीडित. t oubled or afflicted on account of anger. स्य॰ १,२,१, १३; (3) ( निहन्यन्ते प्राणिनःकर्भवशगा यस्मिन् तन्निहम्) आधातन् हेडाएं; यातना २थान, वेदना स्थल: यातना स्थान; वह स्थान जहा से पीडा होती हो. source of punishment or affliction सूय० १, ४, २, ११; शिह त्रि॰ (स्निह-स्निह्येत श्लिप्यते श्रष्टप्रका-रेण कर्मणा इति स्निह.) रागी; भभत्यवादी. रागी: ममता वाला Full of attach-

ment and hatred; full of egotism. श्राया॰ १, ४, ३, १३५; सूय॰ १, २, २, ३०, (२) न० तेस तैल. oil. जीवा॰ ३, ३;
√िश्स-हर्स. धा॰ I (नि + हन्) नाश ६२वे।;
६७५: नाश करना; मारना To kill;

to destroy. शिह्यांति, जं॰ प

tion: a

गिहर्गाति. जं० प० ४, ११४; गिहगाहि श्रा॰ नायां० १;

शिहांगता. सं० छ० जं० प० ५, ११४;

णिहरा पुं॰ (नियन) विनाश; छेडे। विनाश; श्रुट्त Destruction; end. नाया॰ ६; णिहप्त. न॰ (निधत्त) परस्पर भेंदेश धर्भ

पुद्गतीने ६६५ हो धारण इरवे। ते, इमें जन्धने। ओड प्रडार परस्पर मिश्र कर्म पुद्रलों को इडता पूर्वक धारण करने का कार्य; कर्म बन्बन विशेष. Firm adherence or holding together of Karmic molecules in mutual combina-

bondage ठा० ४, २; भग० १, १; शिह्य. त्रि० (निहत्त ) ७छे अ; भारेक मारा हुआ; नष्ट. Killed; destroyed " जक्खा हुवेयावदियं करेंति तम्हा उएए

mode

गिह्याकुमारा " उत्त॰ १२, ३२; दसा॰ ४, ३२; — कंटय त्रि॰ ( -कण्टक ) कें शे डांटा केवा प्रतिपक्षीने भारेल छे ते. जिसने कंटक रूप श्रीपन्धी का नाश किया है ( यह ). ( one ) who has destroyed adversaries who were troublesom like thorns. ठा॰ ६; —रय. त्रि॰ ( -रजस्) केमां रूप-भेल हूर थ्येत छे ते. जिसमें रज-मेल नहीं

from dirt or dust; clean " अप्पेगनिया देवा णिहयरयं णहुरयं महरयं जीवा॰
३; राय॰ — सन्तु, त्रि॰ (-शत्रु ) शत्रुने
भार्था छे लेखे शत्रुहन्ता, रिपुषातक (one)
who has destroyed enemies.
" श्रोहमसन्तु णिह य सन्तु मानिय सन्तु निन्निय
सन्तु" राय॰
√ णि-हर. था॰ I, II. ( नि+ह ) भें थी

है वह निर्मेल; रज रहित; सात्विक. freed

धादवुं. खीच निकालना To extract; to pull out.

. णिहरह. निसी॰ ३, ४२; सूय॰ २, २,००; णिहरेइ. निसी॰ १, ३५; णिहरिस्सामि. निसी॰ १, ३५;

शिहरित्तए हे॰ कु॰ विवा॰ मः

णिहर्रत. व॰ कृ॰ निसी॰ १, १४;

शिहरावेति. प्रे॰ सूय॰ २; २, २=;

शिहस. पुं॰ ( निवर्ष) इसे। टी, इसे। टी डादवाने। भत्थर. कसें। टी: परीक्षापापाया; निकपत्रावा. A touch-stone. पन्न० १७:

शिहा. श्री॰ ( निहा-निहन्यन्ते प्राणिन. यस्यां सा निहा ) भाया. माया; छत्तः, कपट. Deceit; fraud. "उवसंते शिहे चरे" स्य १, ८, १८;

णिहाण न॰ ( निधान) २४ वर्तीना नय निधान नः भागतीः चकवर्ति के नौनिधान कोष, नव-ानिधि. A treasure, the nine treasures of a Chakravarti. ठा॰ ४, १, अणुजो न

णिहाय. सं॰ कृ॰ श्र॰ (निधाय) स्थापीने स्थापना करके Having placed or established स्य॰ १, ७, २१; (२) तक्ष्मे छोडक्सके; त्यागकर. having left or abandoned. स्य॰ १, १३, २३,

णिहार न॰ ( निहार ) निहार; शैन्धिक्षा.
शौच किया; दिशा, जंगल को जाना. Act
of answering calls of nature;
getting rid of excrements ठा॰=;
खिहि. पुं॰ ( निधि ) भंडार; भन्निनी. मंडार;
कोष, खजाना A treasure; a store.
" पंच खिही पर्याता" ठा॰ ४, ३; नाया॰
३; जीवा॰ ३, ३; निसी॰ १३, २६;
(२) એ नामनी એક द्रीप अने એક
सभुद इस नाम का एक द्वीप श्रीर एक समुद
name of an island; also that of

an ocean पन्न १५; जीवा॰ ३, ४;
—पद्द. पुं॰ (-पति ) लंडारी; धानने।
ध्या. सजांची; कोपाध्यत्त. a treasurer भग॰ १२; ९; —रयस्य न॰
(-रत्न ) यध्यती नुं निधान-भग्नने।.
चक्रवर्ती का कोप. a treasure belonging to a Chakravartī. जं॰प॰

शिही स्री॰ (निही) अनत छववासी वन-स्पितिनी ओं अलत. श्रमन्त जीववाली वन-स्पिति की एक जाति A species of vegetation with infinite living beings in it पन्न॰ १;

शिहु पुं॰ (स्निहु) એ नामनी એક वनस्पति કદ विशेष इस नाम की एक बनस्पति; कद विशेष A kind of vegetation; a particular sort of bulbous root. जीवा॰ १, पन्न० १;

गिहुय त्रि॰ (निमृत) निवृत थथेस; अवृत्ति रिद्धतः निवृत्तः; प्रवृत्ति ग्रह्म. Retired; free from activity. स्य॰ १,६, ६८; (२) अशात वृत्ति वाली. प्रशान्त वृत्ति वाला. calm and quiet in mind. श्रोव॰ २१; (३) निश्चयः अथस. निश्चलः, श्रवलः स्थिर. firm; steady; motionless उत्त॰ १९, ४१, पग्ह॰ १, २;

गिहो थ्र॰ ( न्यक् ) नीये. नीचे; श्रध.
Low; below; down " गिहोगि संगच्छति खंतकाले" स्य॰ १, ४, १, ४;
गीत्रागोय. न॰ ( नीचगोत्र ) नेत्र धर्भनी अशुभ प्रकृति गोत्र कर्म की श्रशुभ प्रकृति
An evil variety or class of Gotra-Kaima श्रगुजो० १२०;

ग्रीइ स्त्री॰ (नीति) नैनम आहि नय. नैगम स्त्रादि न्याय-नय. A logical stand-point such as Naigama etc. ठा॰ २, २; (२) नीति-न्याय; राजनीति;

नित्य; सदा रहने वाला. Constant:

permanent; eternal. তা॰ १०;

शिंगर्छ्, नीचा; ठिगना; छोटा. Low;

dwarfish; small. भग॰ ३, १; २;

૧૫, ૧; ( ૨ ) નીચ; હલકાે; નીચા કુલતાે.

भीच कुल का. mean; low-born. ठा॰

गोय-भ्रः त्रि॰ ( नीच ) नीयुं; नानुं;

सभाजनीति वगेरे. नीति-न्यायः राजनीतिः समाज नीति वगैरह. morals; justice; politics. " तिविहा योई परायाता सामे दंढे भेए " ठा० ३, ३; नाया० गींच. त्रि॰(नीच) नीयी;६६३। नीचा; घटिया; उत्तरता हुआ. Low; mean. ठा॰४, ३; णीळूढ. न॰ ( निष्टंयूत ) थुं देखुं. थूंका हुआ. (Saliva) spit out or ejected from the mouth. नंदी॰ ग्गीजूदग. न॰ ( नियुंहक ) णारणानी टाउदी; धे। असे। दरवाजे का घोडला A block of wood jutting out from each of the two upper ends of a gate or door of a house. नाया॰ १; णीजुह्यंतरः न॰ ( निर्युहकान्तर ) ટાડલા વચ્ચેતું અંતર. ર ઘો**ड**लોં बीच का अन्तर. The distance space between two blocks of wood each projecting from the upper end of a gate or door of a house. नाया॰ १; गीिताय. त्रि॰ (निश्चित) ण्हार शहेश, वहार

निकाला हुआ Brought out. नाया०४; शिक्षिया स्त्री॰ (नीनिका) એક જાતના ચાર धंद्रियवादी। १९२. चार इंद्रिय वाला जीव विशेष. A kind of four-sensed living being. जीवा॰ ९: पश्न॰ ९; शीति नि ( नीति ) नीति-न्याय नीति; Politics: न्याय: कायदा; इन्साफ; justice. नाया॰ १; शीम पुं॰ ( नीप ) ४६ ंभनुं आऽ. कदम्ब का रूत. The Kadamba tree. पन १: गीय. त्रि॰ ( नीत ) कार्वेक्ष; आधेक्ष. लाया हुन्ना. Brought; carried. नाया॰ १; गीय. त्रि॰ ( निस्य ) नित्य; हमेश रहेनार.

१६; १७;

३, ४; भग० ३, १; श्रक्तजो० १४७. —जग् प्रि॰ ( -जन ) नीय ळातिने। भाश्वस. नीच जाति का मनुष्य. a person of a low family or caste. " जीय-जगा शिसेवियो लोगगरहायिजा'' परह • १,2; —दुवार विष (-द्वार) नीया णारणावार्स ' नीचे या छोटे दरवाजे वाला. having low gates or doors दस॰५, १, २०; णीयन्तरणः न० ( नीचस्व ) नीय पर्धः चुद्रताः Lowness; meanness. नीचता. " नियत्तयो वट्टह् सब्दवाई " दस॰ ९,३,३; गीययर. त्रि॰ (नी चतर) अति नीयुं. बहुत नीचा. Very low. मग॰ ३, १: ग्रीयागोय. न॰ ( नीचगोत्र ) ग्रेत्रधभ<sup>र</sup>नी અशुल प्रकृति. गोत्र कर्म की श्रशुम प्रकृति Gotra-Karma causing Evil birth in a low family. " उद्यागीया वेगे गीयागोयावेगे " स्य॰ २, १, १३; ---कम्म. न॰ ( -कर्मन् ) गात्रक्षम्नी અશુભ પ્રકૃિત, કે જેના ઉદયથી છવ નીચ कि जिसके उदय से जीव को नीच गोत्र प्राप्त हो। a variety of Gotra-Karmas (family-determining Kermas) evil in its effects because by its rise or maturity a man is born in a low family. भग ॰ =, ६; गीरय. त्रि॰ ( नीरजस् ) २०४२ हितः अभ<sup>्</sup> क्र्यी २०४ रिष्टित रजहांन, कर्मरूपी मल से रहित. Free from dust or dist; free from dirt in the form of Karmas जं०प० सय॰ १, १, ३, १२; १४, १;

गीरिति. पुं॰ ( नर्ऋति ) भूस नक्षत्रने। व्यिप्राता देवता मूल नज्जत्र का द्यवि-ष्ठाता देवता The presiding deity of a constellation bearing the same name. सु॰ प॰ १;

णीरूदिवरमा. त्रि॰ (निरुद्धिम ) उन्वेग रहित; थिंता हित. निश्चिन्त; बहेग विद्यान, बेफिक. Careless, free from worry

णिरोग. त्रि॰ (नारोग) रेश रिहत निराग. स्वस्थ्य. Free from disease, healthy. ठा॰ १०, नाया॰ १. (२) भ्यानि रिहत free from mental distress or worry. श्रोत्र॰

णीरोगय जिं (निरोगक) रेज रहित; व्याधि वंशित जिंग्लि वंगरते रोग रहित; व्याधि विहीन. जिंग्लि वंगरते रोग रहित; व्याधि विहीन. जिंगल के देः पील जिं ( नील ) स्थाभ; नीशु स्याम; नीला; काला Dark; black; blue. ठा० १०; (२) पुं० नीक्षे २ ग नीला रंग blue colour. पत्र० १; राय० ५०; (३) नीक्षभ, जेंध ज्यानी मिश्र, नीलम, एक जानि का माणी. a kind of gem, a sort of blue gem जीवा० ३; (४) २५ भा अक्षनुं नाम. २५ वे मह का नाम. तकाल of the 25th planet. 'दोणिला' जा० २, ३, सू० प० २०; (५) ज्ञा॰ नीश केश्या; छ केश्याभा हि थी छ केश्या, नीललेश्या,

छ लश्यायां में से दूसरी. the 2nd of the six kinds of thought or mattertints, viz. blue tint. पश ণড; (६) পाश समुढ वाणों का समूह; शर-समूह. collection of arrows राय॰ -पत्त. त्रि॰ (-पत्र ) शीशा पाहडा वालं हरे पत्तां वाला. having green leaves. १; -पाणि त्रि॰ ( -पाणि -नीलः काराडकलाप पासौ येषां ते नील पाराय ) जेना क्षथमा भाखना समुद्ध छे ते शर समृह का धारण करने वाला; शर्वारी (one) holding a number of arrows in the hand. राय॰ -पम त्रि॰ ( -प्रम ) शीली प्रभावालु. हरी कान्ति नाना possessed of green lustre. नाया ं १; — बग्ण न० ( -वर्ण ) ५० वर्ष ; नीते। २ भ. कालारंग, नीलारंग. black colour, blue colour द, १, २, ४; — वराप ज्ञव पु॰ ( -वर्ण पर्यव ) अला वर्ण -र गना पर्याय काले रंग का पर्याय. A. modification of black colour. भग॰२४,३. —सालगांषायत्थ त्रि॰(%) ती शार गती साडी पड़ेरेल. नाजिरग की साडी पहिने हए (one ) who has put on a Sari or garment of blue colour. विवा॰ १०:

णीलकंठ पु॰ (नीलकंठ) शक्वेन्द्रनी मिह्य सेनाने।
अभिपति देवता शक्वेन्द्र की मिह्य सेना
का नायक देवता The commanding
deity of the army of buffaloes
belonging to Sakrendra. ठा॰४,२;
णीलकंठय पु॰ (नीलकंठक) भेार; भयूर. मोर;
मयूर. A peacock नाया॰ ३;

<sup>\*</sup> जुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुटने। ८ (\*). देख़ी पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (\*). Vide font-note (\*) p. 15th

ભાગ ઉપર સીતા નદીને વચ્ચગાલે આવેલ

એ નામના એક દ્રહ કે જેને બે પાસે વાશ

डं अन्ध पर्वात छे. जमग पर्वत की दानिसा

दिशा में =३४ योजन श्रार चार मातीया भाग

जपर श्रीर सीता नदी के मध्य में श्राने वाला

एक जलाराय जिसके दोनों श्रोर वीस कंचनक

पर्वत हैं Name of a great lake in

the south of Jamaga mount in

the middle of the course of

the river Sītā on two of its

sides it is bounded by twenty

Kanchanaka mountains. नं प॰

(२) तेना वासी नाग इस २ हैव. उस (इह)

के निवासी नागकुमार देव. u Nāgaku

māra kind of deities residing

in the above lake, उं प (२)

भन्दर पर्वातनुं शीळुं शिખर. मन्दर पर्वत

का दूसरा शिखर. the second peak of

Mandara mount जं॰ प॰ (४)

णीलकणवीर. पुं॰ ( नीलकरवार ) नीश रंगनी क्षेत्र; पृक्षनी ओक जात. नीले रग की कनेर; वृद्ध विशेष. A kind of tree blue in colour. राय॰ णीलकूड. पुं॰ (नीलकूट) नीश्चन वर्ष धर

णीलक्रुड. पुं॰ (नीलक्रुट) नीक्षवत वर्षधर पर्वतनुं એક शिभर ने लवंत वर्षवर पर्वत का एक शिखर. A summit of the mountain named Nīlavanta Varṣadhara. ठा॰ २, ३;

णीलगुलिया. स्त्री॰ (नीलगुटिका)ओड जातनं २० एक रत्न विशेष; एक प्रकार का रत्न. A kind of gom. " णीलगुलियागवलप्प • गामा" जीवा॰ ३, ४; राय॰ नाया॰ १;

गीलवंधुजीव. पुं॰ (नीलवंधुजीव) नीक्षा २ गना पुष्प वार्क्ष क्षेत्र कार्त, जाउ. निले रंग के फूल वाला एक वृद्ध विशेष. A kind of tree putting forth blue flowers गण्ड

णीलय. पुं॰ (नीजक) लीक्षे। २ ग. हरा रंग. Green colour भग॰ १८, ६; २०,५; णीललेस्स नि॰ (नीजलेश्य) नीव लेश्यायावे ९१. नील लेश्या वाला जीव (A soul)

having blue thought-tint (Leśyā). ठा॰ १, १; भग० १८, ३; २४, १; —भवसिन्ध्रिय. पुं॰ (-भविमिन्ध्रिक) नीस सेश्यावासा सन्य छव. नीस तेश्या वाले भन्यजीव. A soul having blue tint and destined to attain salvation, eventually. भग० ३५,०;

णीललेस्सा. स्री० (नीललेश्या ) ६ सेश्या-भांनी जीछ सेश्या ६ लेश्याच्यों में की दूसरी लेश्या. The 2nd of the six kinds of thought or matter-tints (Lesyās). पन्न० १, १७; भग० १, २; णीलवंत. पुं० (नीलयद्) जभग पर्वतथी

દક્ષિણ દિશાએ ૯૩૪ જોજન અને ૪ સાનીયા

નીલવંત પર્વત: મહાવિદેહની ઉત્તર તરફની सीमा लांधनार पर्नत नीलवंत पर्वतः महाविदेह की उत्तरी सीमा वनान वाला पर्वत. the mount Nīlavanta forming the northern boundary of Mahavideha. " कहिण भंते जंब्रहीये णीलवंते णामं वासहरपन्वए पराणते " जं० प० ठा० २, ३; पन्न० १६; जीवा॰ ३, ४; — क्रइ. पुं॰ ( -क्ट ) નીલવંત વર્ષધર પર્વતનું બોર્જ્ય શિખર नीलवत वर्षधर पर्वत का दूसरा शिखर कूट. the second peak of the Nīlavanta Varsadhara mountain. " दो नीलवंत कूड़ा " ठा० २, ३; जं० प० —दहकुमारः पुं॰ (-द्रहकुंमार ) नीअ-વંત દ્રહનાે અધિપતિ નાગકુમાર દેવ. नीत वंत द्रह का श्रधिपति नागकुमार देव. व

Nāgakumāra kind of deity presiding over the lake named Nīlavanta. जीवा॰ ३, ४; —पद्यय. पुं (-पर्वत) नीसवंत पर्वत नीलवत पर्वत. the mount Nilavanta. नाया । १६: गीला. स्री॰ ( नीला ) नीस क्षेत्र्या. नील तेश्या. Blue thought-tint or matter-tint. सम॰ (२) अं खुद्रीपना મેરની ઉત્તરે રક્તા મહાનદીને મલતી में नामनी में अधानहीं, जंबूद्वीय के मेर की उत्तर तरफ रक्ता महानदी से मिलती हुई इस नाम की एक भहानदी. nan e of a great river flowing into another great river named Raktā in the north of the Meru wount of Jambūdvīpa. ठा० १०,

णीलाभास. gं॰ ( नीलाभास् ) २६भे। भदा थें. २६ वां महाग्रह The 26th of the great planets 'दो गीलाभासा' टा॰ २, ३, च० प० सू० प०

णीलासोग पुं॰ ( नीलाशोक ) नीका रंगनुं अशाे पृक्ष नीले रग का त्र्यशाेक वृत्त An Aśoka tree blue in colour. राय॰ (२) એ નામનું સુદર્શન શેઠનું <sup>9</sup>धान इस नाम का सुदरीन सेठ का उद्यान name of a park owned by the merchant named Sudarsana. नाया॰ ५; — उज्मास न॰ (-उद्यान) ये नामनु ओं अ ઉद्यान. इस नाम का एक उद्यान -वगीचा name of a park or garden. विवा॰ ४:

णीलासीय न॰ ( नीलासोक ) सागिधिश નગરીની બહારનું એક ઉદ્યાન सौगविका नगरी के बाहर का एक उद्यान. Name Vol 11/125

the city of Saugandhikā. नाया॰ 9: 4:

गीली र्ह्मा० ( नीली ) नीली-गली नील. Indigo. नाया॰ १६; जीवा॰ ३, ४; जं॰ प॰ ३, ४४; (२) गुन्ध वनस्पतिने। अेड प्रधार गुच्छेदार वनस्पनि विशेष. a sort of vegetation with clusters of leaves, पञ্च ৭:

गीलुप्पल न॰ ( नीलोत्पल ) नीक्षीत्पक्ष, इमल. नीलोत्पल. नील कमल. A blue lotus नाया॰ १; ३, ४, =. ६; १४; भग॰ ६,३३; --मिस पुं॰ (-श्रिस ) नीक्षीत्पक्ष १भव करेवी तववार, नील कमल जैसी तलवार a sword like a blue lotus. नाया० =; --च्या न० ( -वन ) नीक्षेत्रिय धमसनं वत. नीलात्यल कमल का वन. ध forest of blue lotuses 73.

गोलोभास त्रि॰ ( नीलावभाम ) भथुरना गला कीव प्रकाश भातः मोर के कठ के समान प्रकाशमान Shining, bright like the neck of a peacock. श्रोव॰ राय॰ (२) २६मा अहतु नाम. २६ वें प्रह का नाम. name 26th planet. स्० प० २०;

गीब पुं॰ ( नीप ) इहं अनुं अह वज. A Kadamba tree श्रोव॰ नाया ० ६: (२) न० तेना ६ स. उस (कदंव) के फल. a fluit of a Kadamba tiee. नाया॰ १; भग॰ २२. ३:

गीवार पुं॰ न॰ (नीवार) भेऽया वगरनी જમીનમાં ઉગેલ ધાન્ય વિશેષ, સામા ચાંખા अभृति विना हल की हुई भूमिमे उत्पन्न धान्य विशेष; सावा, चावल श्रादि. Rice etc. growing in uncultivated land स्य॰ १, ३, २, १८; १, १४, १२; of a garden or park outside | ग्रीसंक त्रि॰ (निःशङ्क ) श हा रहित शंका-

रहित; निःशंक. Free from doubt.

णीसह. त्रि॰ ( निःसृष्ट ) हे डेस; सुडेस. फंका हुआ; त्यक्त, छोडा हुआ Left; abandoned; given up; freed; given out. पएइ॰ १, १;

णिससिउच्छुसियसम. न॰ ( निःरवाभितो-च्छ्वसितसम ) ७ था नीया स्वरवाशुं शान. ऊंच नीचे स्वर वाला गान. A musical tune with rising and falling accents. ठा॰ ७;

णीससिय. न॰ (नि.म्बसिन) न शेश्वास भुडेवे।
निश्वासटालना Act of breathing
out or exhaling; a sigh. नाया॰ ६;
णीसा स्री॰ ( ६ ) धंटी. घर्टी; चर्छा A
mill to grind corn etc. '' दगवाराण्णं पीहियं गीमाण् पीठण्णवा '' दम॰
४, १, ४४;

णीसास. पुं॰ न॰ (निःश्वास ) नीये श्वास
भुक्ष्मे ते. श्वास छोडना. Act of exhaling or breathing out. श्रोव॰
३६, नाया॰ १; ५; भग॰ १, १; १७, १२;
णीसासमाण. त्रि॰ (निःश्वसस्) श्वासभुक्षेति
सास लेताहुश्रा; दम भरता हुश्रा. Breathing out; exhaling. नाया॰ ६;

णीसेयस. न० (निःश्रेयस्) निश्चित इत्याणुः भेक्षि निश्चित कल्याणः मोच्च Final, certain bliss;salvation. जीवा॰३,४; णहिःडिया. स्ती॰ (निर्हतिका ) पिरसर्खः परासा, कार्यवश श्रानेमें श्रसमये किसी मित्र श्रादिके यहा भेजीहुई भोजन की थाली. A dish of food etc. sent to a relative or friend who has not been able to partake of a general feast. वेय० २, ३७;

ग्णिहरण न॰ ( निष्ठरण ) भरख संस्थार मृत्युगंस्कार; श्रन्थेष्ठि किया. Funeral rite or ceremony. विवा॰ ४, ५; नाया॰ १४; भग० १४, १; (१) निस्त्रवुं ने निकलना. getting out; starting out. नाया॰ ५;

णाहरमाण वि॰ (नाहरत्) निदार करने।

मुत्रत होना हुआ; फारिन होता हुआ हिए

pelling; getting rid of; unswering calls of nature नेय॰ ६, ३:

णीहरित्तप. हे॰ कृ॰ अ॰ (निर्हेतुम्)निदार

करवाने. मुक्त होनेक किए, बाहर निकानने के

लिए In order to expel; in order

to clear or get tid of e. g.

excrements. नेय॰ ६, ३:

णीद्दार. पुं॰ ( निहार ) हिग्राओ-शायक्षियाओं ज्युं दिता-शीच क्रियांक लिए जाना. Act of easing oneself; answering calls of nature. सम• ३४;

गीहा ग. न॰ (निहारण) अदी अध्युं निमाल देना, प्रका देकर निमाल देना. Act of driving away; pushing out

र्णीहारि. त्रि॰ ( निर्हारिन्) व्यापी जनार; विस्तार पानवाला. Extending; pervading; having the property of extension. सम॰ ३४, श्रोन॰ ३४; (२) धे।प-अवाल वार्खुं. घोप-शब्दवाला. full of sound; possessed of aound ठा॰ १०; र्णीहारिम न॰ ( 🛩 ) केना शवनुं निर्हर

<sup>\*</sup> जुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरनीर (\*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (\*). Vide foot-note (\*) p. 15th.

रण्-अभिसंस्धार वगेरे भरण संस्थार थर्ध श्रे तेवा स्थेण संथारा धरवे। ते. ऐसे स्थानगर संथारा करना कि जिससे मृत्युक्तवाद शानकी अन्त्येष्टि कियादि आसानी से होसकें. Act of giving up food and water in such a place so that after death the corpse can be removed for the purpose of funeral rites such as cremation etc. ठा०२,४; भग०२,२४,७,१; १३,७; (२) धर्षे ह्र संधी पहांचे तेवुं. बहुत दूरतक पहुचेनवाला. (one) reaching a long distant श्रोन०

मोह स्नी॰ (नीहू) इन्हनी એક जात. एक कन्द विशेष. A species of bulbous roots. नग॰ ७,३;२३,२; उत्त॰ ३६,६६; ण अ॰ (जु) अश्व. प्रश्न, श्रव्यय-प्रश्नचिन्ह An indeclinable marking question. दस॰ ७, ४१; (२) वितर्ध. वितर्क; श्राक्ष्यं चिन्ह. an indeclinable

position. विरो० ३०;

√ गुक्-कर. धा॰ II (न्यक्+क्) धिक्षारवुं.
धिकारना; बुराभला कहना. To reproach
to show contempt towards.
गुक्रारेति. राय॰ २०२:

marking imagination or sup-

युकार. पु (न्यकार) तुक्षार शण्ड करवे। ते. ष्टगान्यजक शब्द. A sound expressive of contempt राय॰

राएँ अ॰ (जूनम्) नाडी; ये। १६४ की केठीक; निश्चित; स्पर्श Indeed; assuredly नाया॰ १; ४, ६; १६, भग० १, १;
२, १; ४; १, १; १५, १; उत्त॰ २, ४०;
ओव॰ ४०; प्ल॰ ११; (२) तर्ध, प्रश्न,
हेतु धत्यादि अर्थभा वपरातु अञ्यय का

indeclinable used to mark supposition, question, reason etc. भग॰ २, ४; ६;

स्तुम. न० ( नूम ) गाढ अंधाइं. प्रगाढ श्रंधेता;

घनघोर श्रंधकार. Dense darkness.

भग० १, ६; (२) ५५ तनी गुद्दा वगेरै;

गुरेत स्थक्ष. a mountain-cave etc.

निसी॰ १२, १२; स्प्र० १, ३, ३, १: २,

२, ६; (३) ढांड्युं ढाकना. covering;

act of covering. परह० १, २; (४)

भाषा; ५५८. माया, कपट; छल. deceit;

fraud. भग० १२, ५; सम० ५२; स्प०
१, १, ४, १२; (५) ६में. कर्म action;

Karma. श्राया०१, ६, ६, २४; — गिह.

न० ( -गृह् ) गीय आडीभा व्यावेक्षं धर.

कुंज नाला घर a house surrounded
by trees. श्राया० २, ३, ३, १२७;

यो प्र॰ (ये ) पाद पूरल्य. पाद पूरक या. An expletive; an indeclinable used as an expletive. जीवा॰ ३.

गो. त्रि॰ (नः ) अभे-अभारे।-री-इं. हम, हमारा-री-रे We; our. भग॰ १, ६; २, ४; १४, १; दस० १, ६;

शेशाउश्र-य. त्रि॰ (नैयायिक) न्याय युक्तः युक्ति प्रयुक्तिः युक्तिः प्रयुक्तिः प्रयुक्तः श्रेष्ठितः प्रयुक्तः श्रेष्ठितः प्रयुक्तः भ्रेष्ठितः भ्रेष्वः भ्रेष्ठितः भ्रेष्ठितः भ्रेष्ठितः भ्रेष्ठितः भ्रेष्ठितः भ्रेष्यः भ्रेष्ठितः भ्रेष्ठितः भ्रेष्ठितः भ्रेष्ठितः भ्रेष्ठितः भ्रेष्यः भ्रेष्ठितः भ्रेष्ठितः भ्रेष्ठितः भ्रेष्ठितः भ्रेष्ठितः भ्रेष्यः भ्रेष्ठितः भ्रेष्ठितः भ्रेष्ठितः भ्रेष्ठितः भ्रेष्ठितः भ्रेष्व

निपुण, चतुर; कुशल. Expert; wise; skilful. दस॰ ६, २, १३;

रोउर. न॰ (न्पुर) पगनुं आक्षरण, अंअर. पैर का भूषण: तोडा A leg-ornament; an anklet. नाया॰ १; ६; १६; जीवा॰ ३, ३, (२) भे छिद्रिय वाले। छव विशेष. दो इन्द्रिय वाला जीव विशेष a species of living beings with two senses पन्नः १; (३) यार छिद्रय वाले। छव. चार इन्द्रिय वाला जीव a living being with four senses. पन्न॰ १;

गाम. पुं॰ ( नैगम-निगमा विश्वजस्तेपां स्थानं नैगमम् ) वाशिया-व्यापारीश्रीनुं तिवास-स्थान.च्यापारिश्रोका निवासस्थान A quarter of a town etc. where traders or merchants reside Hu. ૧=.૨;; (૨) શાસ્ત્રના અર્થમાં કુશલ. શાસ્ત્રો के अर्थमें कुशल proficient in scriptural texts and their meaning. **ટા** ૦ ર, ર; ( ર ) સાત નયમાંના પહેલા न्थ. सात नय में से प्रथम न्याय-नय. the first of the seven logical standpoints of Jaina philosophy ठा॰ १, पच॰ १६, --नय. पुं॰ ( -नय ) कैन दर्शन-अक्षिमत सात नयमाने। प्रथम न्य जैन दर्शन के सात नयों में मे पहिला नय the first of the seven logi cal standpoints in the Jaina philosophy विशे॰ ३१; —पहमा-स्राणियः त्रि॰ ( -प्रथमासानिक ) व्यापारी-ग्रीमां प्रथम शासन धरावनार. व्यापारिय्रॉ मे श्रेष्ठ-पहिले आसन का आधिकारी. (one) occupying the highest position among merchants भग॰ १८, २; रो)च्छुइय पुं॰ (नैश्चयिक) निश्चय नय. निश्चय नामक नय. A standpoint by which a thing is named after the substance of which it is evidently made. भग० १८, ६;

ग्रेट्ट्रर. पुं॰ (नेट्ट्रर) એ नाभनुं એક અનાર્ય देश. एक अनार्य देश. Name of a Anarya country. (२) तेना वासी भनुष्य. उस के निवासी लोग a person residing in the above country. परह॰ १, १;

ग्रेतब्ब. न॰ (नेतब्य) सम्छ क्षेत्रं. समम लेना; जानजाना. Grusping the meaning of; understanding; comprehending. स्॰ प॰ २०;

रोतित्व. त्रि॰ (ज्ञातन्य) आश्रुवा ये। व्य. जानने योग्य; ज्ञातन्य. Worthy to be known. भग० १, १; २४, २;

रोतार. त्रि॰ (नेतृ) नायक. श्राधिपति; नेता; नायक (One) who leads; a lead. er. जं॰ प॰

गोत्त. न॰ (नेत्र) आंभ. श्रांख; नयन; चत्तु
Au eye. पन॰ १८, २२; (२) नेतइ.
रस्ती. a rope or cold to tie
the legs of a cow at the
time of milking. उना॰ २, ६४;
(३) नेतरनी छडी; सीटी. बेत, बेत इत्त
की छडी. a cane; a birch rod.
स्य॰ २, २, १८, —स्ल. न॰ (-यूल)
नेत्र शक्ष; आंभिने। डढापी। नेत्र पीडा, श्रांख
का दर्द pain in the eye; sore ieye. नाया॰ १३,

रोम पुं॰ क्लां॰ (नेम) जभीनथी उथे। नीड-सते। प्रदेश, लिंतनी डिनारी जमीन से ऊंचा उठा हुआ भाग, दिवाल का किनारा। Region or portion protruding from ground level जं॰ प॰ राय॰ सोमि. पुं॰ (नेमि) पेडानी घेरावी; पेडानी धार.
पहियेका घराव; चककी परिधि. Circumference of a wheel स्रोत्र॰ ३१,
जं॰ प॰ ३, ४७, ठा॰ ३, ३; स्य॰ १, ४,
१, ६, —पडिरूचग. न॰ (-प्रतिरूपक)
यक्ष्षारा समान, पृत्तसस्थान. चक्रधारा
समान; गेलाकार. (any thing) circular in shape like a wheel
भग॰ १४, ६;

रोमित्तियः न॰ ( निमित्त ) निभित्तशास्त्रः २६ पाप शास्त्रभानु ओडः निमित्तशास्त्रः २६ पापशास्त्रों में से एक The science of omens, one of the 29 Pāpa Śās tras (secular sciences) ठा॰६,

रोमित स्त्री॰ ( ः ) लभीनथी नीउसते। भदेश जर्मान से ऊचा उठा हुत्र्या भाग-प्रदेश Region higher in level than the ground. राय॰ ४४;

रोय. त्रि॰ ( ज्ञेष ) ब्लाखुदा थे। २५. ज्ञेष; जानने संस्म. Worthy to be known. राय० २१४; पञ्च० २१, माया० ११, १८;

र्णेयतिय त्रि॰ ( नैयतिक ) नित्य नित्य; शाश्वत Constant, permanent, eternal भग॰ १, २;

गोयडच त्रि॰ ( ज्ञातब्य ) ज्ञालुवा थे। व्य जानने योग्य, ज्ञातब्य Wortby to be known; worth being known. ठा॰ २, ३; भग॰ २, २; ४, ४; १२, १०; २५, ४; २८, ११, नाया॰ १६, निसी॰ ६, ५, ११, १६, १८, २ दसा॰ १०, १; ज॰ प॰ ७, १३५; ६, १२४;

ग्रेयब्ब. त्रि॰ ( नेतन्य ) કહેવા वर्षा ववा

भेश्य कहने या वर्णन करने योग्य. Worthy to be told or described; worthy to be conveyed or communicated. श्रोव॰ २०; जं॰ प॰ ४, ११६,

णियाउय. ति॰ ( नैयायिक-न्यापेन चरति नियायिकः) न्याय युक्तः, न्याय युक्तः, कायदे से चलने वाला. Logically sound; just, in accordance with justice. उत्त॰ ३, ६; दसा॰ १०, ३; ६, १८; (३) न्याय दर्शन गौतम शास्त्र को जानने वाला. (०००) proficient in the system of logic propounded by Gutama. स्य॰ टी॰ १, १, १, ६. (३) मेक्षिमार्ग आवानने वाला न्यायशास्त्र. १ वे भेक्षिमार्ग अतावनार न्यायशास्त्र. १ वे भेक्षिमार्ग अतावनार न्यायशास्त्र. व scripture based on logic and guiding one on the path to salvation. नाया॰ १;

पेयाह त्रि० ( नेतृ ) नेता; नाथक नेता; नायक, अध्यक्त. ( One ) who leads; a leader सूय० १, १, २, १८; १,६, ७; पेरइय पुं० ( नेरियक ) नरक्षी रहेनार छन; नारकी महत्त्वासी जीव, नारकी मिली-छनाष्ट्र, क soul born in hell. ठा० १, १; २, ४; ३, १, उत्त० १०, १४; श्रोव० २०; ३४; अगुजो० १४०; मग० २, १, ६, ४, ८, ८, १; नामा० २; दसा० ६, १, ४, पन्न० १; जीवा० १, ( २ ) नरक गिति, नरक का भव-जन्म-अवतार.

<sup>-</sup> लुओ पृष्ठ नम्भर १४ नी पुरतार (\*). देखा पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (x). Vide foo-note (\*) p 15th.

Birth in the infernal regions; state of existence in hell. श्रोव०३८; —श्राउश्र-य. न० (-श्रायुप् ) नारकीनुं आयुष्य. नारकीका श्रायुष्य lifeperiod of a denizen of hell. भग० ८, ६; ३०, १; ठा० ४, २; — श्रा-वासः पुं॰ ( -श्रावास ) नरधावासी. नरकावास; नरक में निवास र ान. abode in hell. भग०१२, ४; ५८, ४; ४७० २,४; —डिति स्री॰ (-हिथति ) नारधीनी स्थिति. नारकी की स्थिति-दशा condition of a hellish being. भग. २४, १; —दुग्सइ स्री० ( -दुर्गति ) तरकरूप दुर्गाति. नरकरूप दुर्गति. bad plight in the form of birth in hell. ठा० ४, १; -पवेसण. न॰ ( -प्रवेशन ) तर्धमां प्रवेश. नरक में प्रवेश. entrunce into hell भग॰ ६, ३२; —भव पुं० ( -भव ) नारधीना ला. नारको का जन्म. birth a denizen of hell. ठा॰ ४, २; —सं-सार. पुं॰ ( -संसार ) नरक गतिरूप संसार. नरक गतिहार संसार, नारकी ससार. worldly existence akin to an abode in hell. ठा०४,२; भग०२५,७; चेरष्यतः न॰ ( नैरियकत्व ) नार्डीपछुं. नारकी पन State of being a denizen of hell. भग. १२, ४;

चेरहयत्ता स्त्री॰ (नैरियकता ) नारशिपांध् नारकी पन. State of being a denizen of hell नाया०२;१६; १६; भग० १२, ७; १४, १; १७, १; ठा० ४, ४, दसा० १०, ३;

रोरई. स्री० (नैर्द्धती) नैऋति-राक्षस केने। દેવતા છે એવું નક્ષત્ર; મૂલ નક્ષત્ર. नैऋति-राज्ञस के श्राधिपत्य वाजा मूल-नज्ञन. A

constellation named Müla having for its presiding deity a demon. भग॰ ७, १:

ेंगुल. न॰ ( नैज ) गक्षीते। विधार. नील का विकार. A product of indigo. बग॰ ۹, ۹;

ेेेेेेेे एतंत्र प्रें ( नीलवत् ) भक्षाविदेदनी **ઉत्तर** सर्द अपरने। पर्वत, महाविदेह की उत्तरी सीमा वाला पर्वत. A mountain on the northern boundary of Mahāvideha. (२) नीवनंत पर्वत ઉપર રહેનાર તેના અધિષ્ઠાતા દેવતા. नीलवंत पर्वत पर रहने वाला उसक। श्रधि-ष्टाता देवता. the presiding deity of the Nilavanta mount, resid ing upon that mount. जं॰ प॰ रेश्वतथा. न० ( मेपथ्य ) वे ।; भेशशाः वेपः

पोशाक Dress; e g. in a drama. श्रोत्र २४; पन ०२; पगह ०१, ४; ठा०४, २; नाया० १; १६; (२) ५८ही परदा a curtain; e g. in a diama. नाया० १; ( ३ ) અલકાર; आभूष्णु थ्यतंत्रार; श्राभूपण, जेवर; गहने. an orna-

ment: a decoration पंचा॰ द, २४; जं॰ प॰ ७, १५०; रोडियास. न॰ (निर्वा ) भुित; भेक्ष मुक्ति,

मोत्त; सुगात Salvation; final blise. " एतीए फलं खेयं परमं खेब्बायनेय णियमेण "पंचा० =, ३४;

ग्रेसज्जि. पुं॰ ( नैपचिन् ) निविद्या पत्राधी भासने भेसनार, श्रालखी पालखी भारकर श्रासन से बैठने वाला.(One) who sits with his legs crossed. पंचा॰ १८, १४; प्रव॰ ४६१;

रोसिजिया स्री॰ (नैपियकी) निषिद्या पक्षांडी आसने भेसनार (स्त्री ). पत्तांठी मारक्र बैठने वाली(स्त्री). (A woman) sitting with her legs crossed. ठा० ५, १; वेय० ५, २६;

ऐसित्थिया. क्री॰ (नैसृष्टिकी) पत्थर वगेरे क्षें क्ष्माथी क्षागती क्षिमा पत्थर म्रादि फेकने से होने वाला कर्भ बंब. Karma incurred by throwing a stone etc. ठा॰ २, १;

रोसण्य पुं॰ (नैसर्प) नय निधानभानी ओड़;
लेभां गाभ नगर व्याहिनु वर्धान छे ते
नव निधान में का एक निधान, जिस में प्राम
नगर प्राहि का वर्धान है One of the
nine Nidhānas जं॰ प॰ ठा॰ ९;

ऐसाय पुं॰ (निषाद) निषाद नामना स्वर, सात भंडभानी ओक्ष निषाद नामका संगात का एक स्वर; सात प्रकार के स्वर में में एक. One of the seven musical notes so named. ठा॰ ७, १.

र्णेह. पुं॰ (स्नेह) स्तेडु; अनुराग; प्रति स्तेहु, श्रवराग, श्रीति: प्रेम. Affection: love: attuchment १: श्राउ॰ नाया० (२) थिं।श. चिकनापन stickiness नाया॰ १६; — प्रवगादः त्रिं ( - प्रव-गाढ ) स्ते ७थी ०था स. स्ते ह से परिपूर्ण full of, absorbed in the emotion of love. नाया॰ १६; —उत्तिष्यगत्त. त्रि॰ ( -उत्त्रोपितगात्र ) स्तेष वाधुं शरीर. स्नेहपूर्णं शरीर,स्नेहमय गात्र. a body full of the feeling of love. विवा॰ २; <del>- य</del>खयः पुं• ( -चप ) थिक्षशते। नाश चिकनाई का चयानाश. destruction of stickiness or viscosity. नाया॰ १६, -- भाग न० ( -ध्यान ) पुत्र आहिना સ્તેકનુ ધ્યાત, દુષ્યાંતના એક પ્રકાર पुत्र श्रादि के स्तेह का भ्यान, दुर्घान विशेष. a sort of undesirable contem

plation, viz. that upon filial affection, conjugal bliss etc.

खो. त्रि॰ (नः) अभाइं. हमारा. Our; ours. भग॰ ६, ३३;

गो. श्र॰ ( नो ) निष्क, निर्भेधः नहीं; निषेधः
No; not भग॰ १, १; ३, ६; २, १;
१, ४, २; ६, ४; १६, ३; २०, १०; २२,
२; २४, २; ६, नाया॰ १; ४, ७, ८; १४,
१५; १६; श्राया॰ १, १, १, १; १, १, १,
२; श्रगुजो॰ २; श्रोव ३८;

णोश्रक्खरसंबद्धः त्रि॰ (नोश्रक्तसम्बद्ध— श्रक्तसम्बद्धादितरां नोडक्तसम्बद्धः) अक्षर संभध्यी लिश्रः श्रक्तर सम्बन्ध से भिन्नः Bearing a relation different from that due to or caused by letters. 21॰ २, ३;

णोत्रमण न॰ (नेाडमनम्) भन भात्रः केवल एक मन; मन मात्रः Mind alone; nothing except mind ठा०३,३; णोत्रययण न॰ (नेाडवचन) पथन भात्रः केवत वचन ही, एक बचन मात्रः Speech alone; nothing except speech. ठा०३,३;

गोश्राउक्त पु॰ ( नोश्रातोद्य ) ताऽत ध्यां वगर के शण्ह थाय ते; लास वगेरे चीरता के शण्ह थाय ते ताडन विना उत्पन्न होने वाला शब्द; वास श्रादि को चीरते समय उत्पन्न होने वाला शब्द. Sound producted by anything else than beating or striking; e.g. that produced by tearing or iending. ठा॰ २, ३, — सह. पु॰ ( -शब्द ) लुओ। ઉपदी शण्ह देखो उत्पर का शब्द. vide above '' गो श्राडजसहे दुविहे पर्णाते '' ठा॰ २, ३;

खोद्रागस. पुं॰ ( नोद्याकाश ) आधाश ભિન્ન; આકાશ સદૃશ ધર્માસ્તિકાયાદિ. ष्याकाश भिना; श्राकाश सदृश धर्मास्तिकायादि. Dharmāstikāya etc. ns differentiated from Akāśa etc ठा॰ २,१; णोइंदिय न॰ ( नोइन्द्रिय ) धन्द्रिय भिन्न च्यो धीद्रेयसद्दश, भन. इन्द्रिय भिन्न एवं इन्द्रिय सहशः, मन. Mind ठा॰ ६; भग• १८, १०; —जवशिज्ञ. पु॰ ( -यापनीय) भन वश करवु ते मन का संयम निरोध. control of mind. सग॰ १८, १०; नाया० १; — त्यः पु॰ ( - श्रर्थ ) भनने। विषय. सन का विषय. an object of, perception for the mind. 510 &; णोउस्सासगः पुं॰( नोउष्क्वासक) ७२७्वास पर्गाप्ति केले नथा पूर्ण इरी ते. । जसने उच्छवास पर्याप्ति पूर्ण न की हो. (One) that has not fully developed power of respiration. the ''ग्रेरइया दुविहा पराणता तंजदा उस्सासगा-चेव गोउस्सामगाचेव '' ठा० २, २;

णोकसाय पुं॰ (नोकपाय) छास्य, रति, अरित, लय, शोड, ल्युपेसा, अविह, पुरुपवेह, तपुंसडवेह से तव मीछतीय डर्भनी प्रकृति, डपाय लिल-डपायसहश अपर्धे इत ६ प्रकृतिनी समुद्दाय. हास्य,राति,प्रपत्ति, भय, शोक, जुगुप्सा, स्रविद, पुरुपवेह, नपुसकवेद य मोहनीय कर्म की नी प्रकृति, कवाय भिन नकपाय सहश उपर्युक्त नी प्रकृति का समुद्दाय. The aggregate of the nine varieties of Mohaniya Karma not classed under Kasāya though akin to it; viz. laughter, pleasure, disgust, fear, grief, dismay, male sex feeling, female sex-feeling, and neuter

rex-feeling. पन्न १३; — वेयाण्ड ज. न ( - वेदनीय ) भेदिनीय अर्भ की हास्यादि ने प्रकृति. मोह नीय कर्म की हास्यादि नी प्रकृति. the nine varieties of Mohaniya Karma e. g. laughter etc. "नविन्हें नोकसाय वयाण्डिन करमे प्रणाते" ठा॰ ६;

णोकेचलणाण, न० (नोकेचलज्ञान) हेन्न्य गान भिन्न हेन्न्यज्ञान सहश्च, अपि अने भनपर्यवज्ञान भिन्न-केवलज्ञान स्ट्रा; अविध और मनपर्यवज्ञान Avadhi Jñāna and Manaparyava Jñāna and differentiated from Kevala Jňāna " यो केचलणाणे दुनिहे परणते तं जहा श्रोहिणाणे चेव मण-ज्जव गाणे " ठा० २; १;

णोणाणायार पुं॰ (नोज्ञानाचार) ज्ञानाथार लिश्न; दर्शनाथार भगेरे ज्ञानाचार मिज; दर्शनाचार त्रादि. Right faith etc. ns differentiated from right knowledge. " णोणाणायारे दुविहें परणाते दंसणायारे चेत्र णो दंसणायारे चत्र' ठा. २, ३;

गोतसगोथावर पुं॰ ( नोत्रसनोस्थावर )
तस निह अने स्थानर नहीं ने; सिद्ध लगपान् जो त्रस और स्थावर दोनों नहीं है
वह; मिद्ध भगतान् . A being neither
mobile or immobile, a liberated
soul. जीवा॰ १०;

गोदंसणायार पुं॰ ( नोदर्शनाचार ) हर्शना-यार भिन्नः ज्ञानायार वगेरे. दर्शनाचार भिन्न, ज्ञानाचार ख्रादि Right knowledge etc as differentiated from right faith "द्विहे गोदंसण यारे परणाते" ठा॰२, ३;

गाोदियः त्रिल (नोदित ) प्रेरिष् धरेवः; अव ने

सन्भुभ धरेश. प्रेरणा किया हुआः प्रोरित, प्रचोदित; उत्साहित. Inspired; urged onward नाया • ६;

णोपरमाणुपोग्गल. पुं॰ (नोपरमाणुपुतल)
अपरभाष् पुद्रस, द्विप्रदेशी आहि २५५.
अपरमाणु पुद्रल; द्विप्रदेशी आदि स्कंध An
aggregation of atoms in any
number beyond a single indivisible atom ठा॰ २.३:

णोबद्धपास पुट्ट. पु० ( नोबद्धपार्श्वस्पृष्ट ) लक्ष नहीं दितु એક पडणेथी २५४-१००६. रुका हुआ नहीं वरन एक श्रोरसे स्पष्ट तथा निकलता हुआ शब्द A sound not altogether restrained but emerging from one side only. अ०२,३;

णीभासासइ पुं॰ (नोभासाशब्द) अ०थ३त शण्मः; लाषा पर्याप्ति वभरने। शण्मः श्रव्यक्त शब्दः निर्यक शब्दः An indistinct or inarticulate sound. " णोभा-सासहे दुविहे पर्याते" ठा॰ २, ३;

णोभिउरधम्म ५० ( नोभिदुरधम-स्वत ए-व नो भिद्यते इति नोभिदुरधर्मः ) सु६८-धर्भः धर्मश्राणः धर्म मे दृढः. One steadfast in religion. ठा० २, ३,

णोभूसणसद्. पु॰ ( नोभूषणशब्द ) भूषण् शण्दः, लिश्र भूषण् शण्दः; सदश शण्दः भूषण शब्दः भिन्न भूषण शब्दः सदश शब्दः A sound rising from anything but an ornament. "णोभूसणसदे दुनिहे पराणित " ठा॰ २, ३;

णोमिल्लिया. स्री० ( नवमिल्लिका ) अभी "खोमालिया" शम्ह. देखो "खोमालिया" शब्द Vide "खोमालिया" जीवा० ३, खोमालिया स्त्री० ( नवमालिका ) नवभावित नामनु ओक वृक्ष नवमालिनी नामक एक Vol. 11/126

रुत्त. A plant of the jasmine species. पत्त• १; राय० ५६; जीवा• ३, ४; जं०प० ४, ६२;

णोक्तियः त्रि • ( नोदित ) प्रेरणा ४रेक्षः प्रेरित प्रचादित. Inspired; impelled. परह• १, ३;

णोसंजयासंजय. पुं० ( नोसंयतासंयत )
सगत निक्ष अने असयत पणु निक्ष; सिद्ध
सगदान. संयत व श्रमयत दोनोंसे परे;
सिद्ध भगवान. One who is neither
self-controlled nor otherwise,
a perfected soul of a Siddha
ठा०४,४;

णोसरणोवउत्त त्रि॰ (नोसंज्ञोपयुक्त ) आक्षा-राहि संज्ञा-अपयेशियी रिहत. श्राहारश्रादि. संज्ञा के उपयोगसे रिहत. Devoid of any instinct for taking food etc; a being whose consciousness of hunger etc. has not developed भग॰ २६, १;

रहवरण. न० (स्नपन) स्तान. स्नान, मञ्जन. Bath; act of bathing. परह० १, २; सु० च० ४, १४०,

एह्विश्र-य त्रि॰ (स्निपित ) स्नान धरेल; नाहेल. स्नान किया हुश्रा; नहाया हुत्रा. Bathed; (one) who has bathed. उत्त॰ २२, ६; सु॰ च॰ २, १२;

एहविऊण. सं॰क्ट॰ श्र॰ (स्नापियत्वा) स्तान क्रायीने स्नान कराकर Having caused to be bathed सु॰ च॰ २, ६०२, एहविज्जतः त्रि॰ (स्नप्यमान) स्तान क्राता स्नान कराता हुश्रा. Bathing; (one) causing other to be bathed. सु॰ च॰ २, ४१;

राहास्त्र-यः त्रि॰ ( स्नात ) नाहेक्षः, स्नान क्षेत्र नहाया हुन्नाः, स्नान किया हुन्नः Bathed; (one) who has bathed.
नाया॰ १; २; ५; ६; १२: १३; १४; १६;
भग॰ २, ४; ६, ३३; १५, ७; दसा॰ १०,
१; स्रोव॰ ११; उत्त॰ १२, ४४;

एहाएए. न॰ (स्नान) स्नान; नहावुं ते. स्नान; नहाना. Bath; bathing. मु॰ च॰ १, ३१२; भग० ११, ११; १०; विशे० १०२६; दसा॰ ६, ४; निसी॰ १, ६; -- उदय. न॰ ( - उदक ) नहापानुं पाणी. स्नान करनेका पानी water for bathing. नाया॰१३; —पीठः न० ( -पीठ ) स्नान पीऽ; नदायानी पालीं. स्नान पाठ; नहानेका वाजोट, पार श्रादि. a seat for taking bath. नाया॰ १; जं॰ प॰ ३, ४३; -मंडव पुं॰ (-मण्डप) स्तान करवानी भाउवा. स्नान मंडप. a bower used as a bath room. जं प ३, ४३; ---मिल्लया. त्रि॰ (-मिल्लिका) स्तानभां ७५-યેાગી એક જાતનું સુગંધી વૃક્ષ; માટી भावती. स्नानोपयोगी एक सुगन्धित वृत्त विशेष; मोटी मालती jasmine; a plant bearing fragrant flowers. जीवा० ३; जंब प० राय० ५५:

गहार. न॰ (स्नायु) स्तायु; तथ. स्नायु; नम; नाडी. A muscle; a nerve; a sinew. भग० १, ४; ४, ६; १, ६; जीवा॰ १; —जाल. पुं॰ ( -जान ) स्तायुती क्लश्च-सभूद. तंतुजाल; स्नायु समूह. a net-work of muscles or sinews. भग० ६, ३३;

गृहाहगी. स्री॰ (स्नायु) स्तायु-भांस तांतु. स्नायु-मांस तांतु. A tendon; a musole; a sinew. ध्याया॰ १, १, ६, ५३; स्य॰ २, २, ६; जं॰ प॰

ग्हाविया. स्नी॰ (स्नापिका) स्नान कराय-नारो हासी. स्नापिका; स्नानकरान वाली दासी. A maid-servant whose duty is to bathe her master or mistress. भग॰ ११, ११;

गहुसा. स्री॰ ( स्तुया ) पुत्रनी वहु; छ। इरानी स्त्री. पुत्र वशु; बहु. A son's wife; a daughter-in-law. सूय॰ १, ६, ५, इतः ६, ३; स्त्राया॰ १, २, १, ६२;

इति श्रीजीम्बद्धासम्प्रदायतिलकायमानपूज्यपाद श्री १००८ श्री गुलावचन्द्रः जित्स्वामिशिष्य श्रीजिनशासनसुघाकर-शतावधानि-पण्डित प्रवरमुनिराज श्री १०८ श्री रत्नचन्द्रजित्स्वामी विरचिते बृहद्र्धमागधीकोषे सप्रमाणम् णकारादिशब्दसङ्कलनं

समाप्तम् । इति द्वितीयो भागः